प्रकाशकीय

हिन्दी साहित्य सम्मेलन ने राष्ट्रभापा हिन्दी के साथ अन्यान्य क्षेत्रीय भापाओं के विकास और समन्वय का उद्देश्य रख कर अन्तरप्रान्तीयभापा शब्दकोश की एक योजना वनायी है। इस योजना के अन्तर्गत सर्वप्रथम चारों द्राविड भापाओं को प्राथमिकता देकर तेलुगु-हिन्दी-कोश, कन्नड-हिन्दी कोश, मलयालम हिन्दी कोश और तमिल हिन्दी कोश का निर्माण कराना निश्चित किया गया। तेलुगु हिन्दी कोश प्रकाशित हो गया है, तमिल-हिन्दी कोश छप रहा है और यह कन्नड़-हिन्दी कोश छप कर तैयार है।

इस द्विभाषी कोश के सम्पादक प्राच्य भापाविद् श्री एन० एस० दक्षिणामूर्ति हिन्दी, संस्कृत तथा द्राविड़ भापाओं के उत्कृष्ट विद्वान् है। विद्वान् संपादक ने इस कोश के संपादन में अपने वैदुष्य और परिचय-चारुता का परिचय दिया है।

इस कोश में मूल कन्नड़ भापा के शब्दों को कन्नड़ और नागरी दोनों लिपियों में प्रस्तुत कर शब्दार्थ लिखे गए है। प्रत्येक शब्द की प्रकृति और उसके अर्थतात्विक विकास को वड़ी सावधानी से प्रस्तुत किया गया है। जहाँ तक हमारी जानकारी है, इससे पूर्व कन्नड में इस विधा का कोई द्विभापी कोश प्रकाशित नही हुआ है। इस कोश मे व्यावहारिक शब्दावली पर पूर्ण ध्यान देते हुए कन्नड़ भाषा के मुहावरों, लोकोक्तियों, कन्नड़ हिन्दी की साधारण शब्दावली और व्यावहारिक प्रक्रियाओं का विशिष्ट रूप से परिचय दिया गया है। आशा है यह कोश कन्नड़ भाषा और हिन्दी भापा का तादात्म्य संवंध जोड़ने में सफल होगा।

—सुरेन्द्रनारायण द्विवेदी
प्रधानमंत्री

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

भूमिका

कन्नड-हिन्दी कोश की भूमिका लिखते हुए मैं अतीव प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ। मैसूर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. एस. एन. दक्षिणामूर्ति जी द्वारा रचित यह कोश हिन्दी के माध्यम से कन्नड सीखनेवालों के लिए अधिक उपयोगी है और भारत की भावात्मक एकता के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय कार्य है। जब इसकी छपाई शुरू हुई थी तभी मुझे इसके अवलोकन का अवसर प्राप्त हुआ था। इसमें कन्नड-शब्द कन्नड और देवनागरी दोनों लिपियों में दिया गए हैं। शब्दार्थ हिन्दी में दिए गए है, आवश्यक स्थानों में विवरण दिया गया है। इस ढंग का कोश अब तक प्रकाशित नहीं हुआ है, ऐसा कोश सर्वथा उपादेय है। हिन्दी भाषा-भाषियों को इससे पूरा लाभ उठाना चाहिए। डॉ० एस. एन. दक्षिणामूर्ति जी ने "हिन्दी और तेलुगु कहावतों का तुलनात्मक अध्ययन" "हिन्दी और तेलुगु के कृष्ण काव्यों का तुलनात्मक अध्ययन" आदि रचनाएँ हिन्दी-साहित्य को इसके पहले दी हैं। इनकी "पंपरामायण की कथा" केन्द्र सरकार से पुरस्कृत हुई है। "कर्नाटक और उसका साहित्य" और "कन्नड-हिन्दी-कोश" की रचना के द्वारा इन्होंने कन्नड और हिन्दी को परस्पर निकट लाने का प्रयत्न किया है। मैं इनको हार्दिक बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि ये हिन्दी-साहित्य को और भी अनेक साहित्यिक कृतियाँ प्रदान करेंगे। शुभम्।

कालू लाल श्रीमाली

निवेदन

वर्तमान मैसूर राज्य (कर्नाटक) की भाषा कन्नड है। भारत की चौदह प्रमुख भाषाओं में कन्नड भी एक है। यह एक समृद्धशाली भाषा है जिसकी एक स्वस्थ साहित्य-परंपरा है। विशाल वटवृक्ष की शाखोपशाखाओं की भाँति इसके साहित्य की व्याप्ति है।

कन्नड भाषा के स्वरूप की चर्चा करते हुए विद्वानों ने इसके तीन रूप बतलाये हैं—(१) हळगन्नड अर्थात् प्राचीन कन्नड, (२) नडुगन्नड अर्थात् मध्यकालीन कन्नड तथा (३) होसकन्नड अर्थात् आधुनिक कन्नड। इसके बोलनेवालों की संख्या लगभग तीन करोड है।

कहने की आवश्यकता नहीं कि साहित्य के अंगों में कोश का विशेष महत्व है। साहित्य के अध्येता के लिए ही नहीं भषातत्त्वविदों के लिए भी कोश-ग्रंथ सर्वाधिक उपयोगी वस्तु हैं। कन्नड में काव्य, नाटक, उपन्यास आदि साहित्य-विधाओं के समान ही कोश-ग्रंथों की भी सुन्दर परंपरा है। कन्नड-कोश-ग्रंथों में 'रत्नकंद' का नाम प्रथमतः उल्लेखनीय है। 'शब्दसार', 'कर्नाटक निघंटु', 'चतुरास्य निघंटु', 'कर्नाटक शब्दमंजरी', 'कब्बिगर कैपिडि' [कवियों की (सहायक) पुस्तक], 'कविकंठहार', 'कर्नाटक-संजीवन' आदि प्राचीन कन्नड-कोश हैं। 'वस्तुकोश', 'मंगाभिधान', 'नानार्थ रत्नाकर' जैसे ग्रंथों में संस्कृत के शब्दों के कन्नड-अर्थ मिलते हैं। आधुनिक युग में स्वर्गीय रेवरेंड एफ़. किट्टल साहब ने कन्नड-अंग्रेज़ी-कोश की रचना कर कन्नड भाषा की अकथनीय सेवा की है। मैसूर विश्वविद्यालय ने अंग्रेज़ी-कन्नड-शब्दकोश का प्रकाशन किया है। कन्नड-साहित्य परिषद् (बेंगलूर) ने बृहदाकार कन्नड-कन्नड-शब्दकोश (चार भागों में) प्रकाशित करने की योजना बनायी है। यह अत्यंत स्तुत्य कार्य है। तीन-चार हिन्दी-कन्नड-कोश ग्रंथ भी अब तक प्रकाशित हुए हैं।

पाश्चात्य विद्वानों तथा आधुनिक काल के भारतीय पण्डितों ने कन्नड को द्राविड परिवार की भाषओं के अंतर्गत माना है। परन्तु, यह ध्यान देने की बात है कि कन्नड में ६०—६५ प्रतिशत से भी अधिक संस्कृत शब्द प्रयुक्त होते हैं तथा ऐसे बहुत से शब्द मिलते हैं जिनका मूल संस्कृत ही है। इस कोश में ऐसे शब्दों का पर्याप्त संग्रह किया गया है। शब्द भाण्डार की दृष्टि से विचार करें तो कोई भी भाषा विशुद्ध नहीं कही जा सकती है। अन्य भाषाओं के सदृश्य ही कन्नड में भी अरबी, फ़ारसी और अंग्रेज़ी के बहुत-से शब्द प्रयुक्त होते हैं। ऐसे शब्दों के स्वरूप अथवा लिखने के विधान में कन्नड और हिन्दी में यत्र तत्र भेद दृष्टिगत होता है। उदाहरणार्थ—ತಾಸೀಲು तासीलु (तहसील), ಗಲೀಜು गलीजु (ग़लीज़) ತಾಲ್ಲೂಕು ताल्लुकु (ताल्लुक़), ಸುಬೇದಾರ सुबेदार (सूबेदार) आदि शब्द देखे जा सकते हैं। कहीं-कहीं अन्य भाषाओं से आये हुए शब्दों के अर्थों में भी परिवर्तन दृष्टिगोचर होता है। उदाहरण के लिए ಹಲ್ಕಾ 'हल्का' शब्द लीजिए। कन्नड में यह शब्द 'तुच्छता' और 'नीचता' का ही अर्थ-द्योतक है।

यहाँ कुछ संस्कृत शब्दों के संबंध में भी बतलाना आवश्यक है। संस्कृत ईकारांत स्त्रीलिंग शब्द कन्नड में प्रायः इकारान्त हो जाते हैं। ಸರಸ್ವತಿ सरस्वति, ಗೌರಿ गौरि, ಪಾರ್ವತಿ पार्वति आदि इसके उदाहरण हैं। आकारांत स्त्रीलिंग शब्द कन्नड में प्रायः ह्रस्व एकारांत हो जाते हैं। उदाहरण—ಅಂಗನೆ अंगऩे (अंगना), ಘಂಟೆ घंट़े (घंटा), ಭಿಕ್ಷೆ भिक्ष़े (भिक्षा), ಲತೆ लत़े (लता), ವಿದ್ಯೆ विद्य़े (विद्या) आदि।

इस कोश में प्रयुक्त चिह्नों का विवरण अन्यत्र दिया गया है। विरामचिह्न के बाद जहाँ '—' लगाया गया है वहाँ यह समझना चाहिए कि मूल शब्द के साथ आगे के शब्द को जोड़कर उसका अर्थ किया गया है। उदाहरण के लिए 'ಕೆನೆ' क़ेऩे शब्द को लीजिए। विरामचिह्न के बाद '—' चिह्न लगाकर 'ಹಾಲು हालु' लिखा गया है। इसे 'ಕೆನೆಹಾಲು क़ेऩेहालु' पढ़ना चाहिए। जहाँ पूरा शब्द ही लिखना अधिक उपयोगी माना गया है, वहाँ वैसा ही लिखा गया है। उदाहरण —'ಕೆನ್' क़ेन् के अंतर्गत 'ಕೆಂದನ क़ेंदन', 'ಕೆಂದಲೆ क़ेंदल़े', 'ಕೆಂದಾವರೆ क़ेंदावऱे' आदि शब्द पूर्णतः लिखे गये हैं। उपयोगी मुहावरों और कहावतों का उल्लेख भी इस कोश में स्थान-स्थान पर किया गया है और उनका अर्थ भी स्पष्ट किया गया है।

इसमें लगभग २४००० शब्द संगृहीत हैं। इस संग्रह-कार्य में मुझे निम्नलिखित कोशों से अधिक सहायता मिली है।

(१) कन्नड-अंग्रेज़ी-कोश (रेवरेंड एफ़ किट्टल)।
(२) कन्नड-कन्नड-कस्तूरि-कोश (पं० चे. ए. कवलि)।
(३) संस्कृत-शब्दार्थ-कौस्तुभ (चतुर्वेदी द्वारकाप्रसाद शर्मा)।
(४) बृहद्-हिन्दी-कोश (कालिका प्रसाद, राजवल्लभ सहाय, मुकुंदीलाल श्रीवस्तव)।
(५) Bhargava's Standard Dictionary Anglo-Hindi (Prof. R. C. Pathak).
(६) कन्नड-कन्नड-हिन्दी-शब्दकोश (गुरुनाथ जोशी और बी. अश्वत्थनारायण)।

इन कोशों के संग्रह कर्त्ताओं के प्रति मैं अपनी हार्दिक कृतज्ञता प्रकट करता हूँ। भारत की भावात्मक एकता को सुदृढ़ और सुस्थित करने में तत्पर प्रयाग हिन्दी साहित्य सम्मेलन के प्रति भी, जो इस ग्रंथ का प्रकाशन-कार्य कर रहा है, अपनी हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। जिन लोगों से मुझे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहायता प्राप्त हुई है, उनका भी मैं आभारी हूँ। आशा है, सज्जनों से मुझे समुचित प्रोत्साहन मिलेगा।

अंत में मुद्रणकालीन परिस्थितियों का भी स्मरण करता हू। परमात्मा की कृपा से, दीर्घ काल के उपरांत यह कोश प्रकाश में आ रहा है, यही संतोष का विषय है। मैसूर प्रिंटिंग एण्ड पब्लिशिंग हाउस के मालिक श्री जी. एच. रामराव को, जिन्होंने सुंदर ढंग से कोश को छापा है, धन्यवाद देता हूँ।

एन. एस. दक्षिणामूर्ति

अक्षर-संकेत

ಎ—ए़ (ह्रस्व)

ಏ—ए (दीर्घ)

ಒ—ओ़ (ह्रस्व)

ಓ—ओ (दीर्घ)

ಱ—र (शकटरेफ)

ೞ—ळ

ಳ—ळ

ह्रस्व ध्वनि सूचित करने के लिए अन्य स्थानों में अक्षर के नीचे बिन्दु का प्रयोग किया गया है. जैसे—अंचे़ (ಅಂಚೆ), अंजिके़ (ಅಂಜಿಕೆ), अंबे़कालु (ಅಂಬೆಕಾಲು) को़लिमे़ (ಕೊಲಿಮೆ), को़ल्लु (ಕೊಲ್ಲು) आदि।

शब्द-संकेत

अ —अव्यय।
अ. क्रि॰— अव्यय क्रिया।
अ. दे॰—अन्य देशी।
अक्. क्रि॰—अकर्मक क्रिया।
उदा॰—उदाहरण।
ए॰ व॰—एकवचन।
क॰—कन्नड शब्द।
कह॰—कहावत।
कृ॰—कृदंत।
क्रि॰— क्रिया।
क्रि॰ रू॰—क्रिया रूप।
क्रि॰ वि॰—क्रिया विशेषण।
ग्रा.—ग्राम्य प्रयोग।

तत्—तत्सम।
तद्—तद्भव।
द॰ क॰—दक्षिण कन्नड।
दे॰—देखो।
धा॰ प्र॰—धारवाड प्रयोग।
न. लिं॰—नपुंसक लिंग।
पु॰ लिं.—पुल्लिंग।
प्र.—प्रत्यय।
प्रे॰—प्रेरणार्थक।
ब. व॰—बहुवचन।
म॰—मराठी।
मुह॰—मुहावरा।
मै. प्र.—मैसूर प्रयोग।

लाक्ष —लाक्षणिक।
वि॰—विशेषण।
वि॰ बो —विस्मयादिबोधक।
व्या॰ भा॰—व्यावहारिक भाषा।
सं॰—संज्ञा।
संयो॰—संयोजक।
सस्॰—संस्कृत शब्द।
सर्व॰—सर्वनाम।
सा॰ भा॰—साहित्यिक भाषा।
स्त्री॰ लिं॰—स्त्री लिंग।
ह॰ क॰—हळगन्नड (प्राचीन कन्नड)।
हि.—हिन्दी शब्द।

कन्नड-हिन्दी कोश

ಅ अ

ಅ अ—कन्नड-वर्णमाला का प्रथम अक्षर ।(क) प्र०—षष्ठी विभक्ति प्रत्यय ।

ಅ अ (सम्) सं.—1. विष्णु— 'अकारो विष्णु रुद्दिष्ट' 2. ब्रह्मा, विष्णु और शिव का नाम 3. वायु 4. कछुवा 5. आँगन 6. अंतःपुर 7. युद्ध, लड़ाई ।

ಅ अ (सम्) उप.— नहीं, न, मत अर्थ सूचक उपसर्ग जो संज्ञा, विशेषण और धातुओं के पीछे लगता है। [संस्कृत में न, अ, अन् प्रायः सादृश्य, अभाव, भेद, अल्पता, अप्राशस्त्य और विरोध अर्थ-द्योतक हैं, जैसे—अब्राह्मण (ब्राह्मण के जैसे जनेऊ पहननेवाला-क्षत्रिय, वैश्य आदि), अकलंक, अपट (जो पट नहीं अर्थात् अन्य कोई वस्तु), अनुदार, अकाल, अपक्व इत्यादि ।]

ಅಂ अं (क)प्र.—बहुत, अधिक, अति । ह.क. में अकारांत संज्ञा शब्दों के आगे लगता है ।

ಅಂಕ अंक (सम्) सं.— 1. अंक, संख्या 2. गोद 3. संकेत, निशान 4. दोष, कलंक 5. टेढ़ा, दुष्ट 6. भारी, बोझा 7. कष्ट, तकलीफ़ 8. नाटक का एक भाग 9. युद्ध, कलह 10. बिंदी अंकड़ी ।

ಅಂಕಕಾರ अंककार (सम्) सं.—1. प्रभावशाली मनुष्य 2. हार-जीत का निर्णय करनेवाला 3. नायक 4. प्रमुख सेवक ।

ಅಂಕಕಾರ್ತಿ अंककार्ति (सम्) सं.- 1. नायिका 2. प्रमुख सेविका ।

ಅಂಕಗಣಿತ अंकगणित (सम्) सं.-अंकगणित, संख्याओं से किया जानेवाला गणित ।

ಅಂಕಣ अंकण (क) सं.-दो खंभों के बीच का स्थान ; दो रेखाओं के बीच का स्थान ।

ಅಂಕತ್ರಿಣೇತ್ರ अंकत्रिणेत्र (सम्) सं.— 1. योद्धा, शूर 2. शिवजी ।

ಅಂಕನ अंकन (सम्) सं.—चिह्न, निशान । क्रि.—निशान कर, छापा लगा ।

ಅಂಕಪಾಲಿ अंकपालि (सम्) सं.—आलिंगन, मिलन ।

ಅಂಕಪಾಶ अंकपाश (सम्) सं.— गणित में संख्या-चमत्कार का एक विधान ।

ಅಂಕಮಾಲೆ अंकमाले (सम्) सं.- 1. संख्याओं का समूह 2. उपाधि, बिरुद 3. उपाधियों की माला या हार ।

ಅಂಕಪೀಠ अंकपीठ (सम्) सं.—गोद, अंक ।

ಅಂಕಮುಖ अंकमुख (सम्) सं.— नाटक के अंकों का प्रारंभ, आगे की घटनाओं की सूचना ।

ಅಂಕಲಿ अंकलि (तद्) सं.— अंकोलः (तत्) ; पिश्ते का पेड ।

ಅಂಕಲಿಪಿ अंकलिपि (सम्) सं. — मूलाक्षर चिह्न ।

ಅಂಕವಣಿ अंकवणि, ಅಂಕವಣೆ अंकवणे (क) सं.—अलंकृत पीढा, पीढ़ा ।

ಅಂಕವರೆ अंकवरे (क) सं.-रणवाद्य, रणभेरी ।

ಅಂಕವಾತು अंकवातु (क) सं— सुंदर बात, मधुर वचन, मधुर बोली, सद्वचन ।

ಅಂಕಿತ अंकित (सम्) वि.— 1. अंकित, वह जिसमें निशान या चिह्न लगाया गया हो 2. अधीन, जो वश में हो । सं.—चिह्न; शब्द ; अर्पण ; छाप, हस्ताक्षर । (प्रायः भक्त कवियों की कविताओं में उनके इष्टदेव के नामों की छाप देखी जाती है, इसको कन्नड में 'अङ्कित' कहते हैं ; जैसे—बसवेश्वर के वचनों में 'कूडल संगमदेव' और पुरंदरदास के पदों में 'पुरंदर विठल' की छाप मिलती है । हिन्दी के कवि कबीर, सूर, तुलसी आदि की कविताओं में उनके नामों की छाप मिलती है ।)

ಅಂಕಿತನಾಮ अंकितनाम (सम्) सं.- अंकित नाम, रखा गया नाम ।

ಅಂಕಿಸು अंकिसु (सम्) क्रि.-1. अंकित कर, निशान लगा, चिह्न लगा 2. ध्यानपूर्वक देख 3. आदर कर, आदर से देख ।

ಅಂಕುರ अंकुर (सम्) सं—1. अंकुर, पल्लव 2. शरीर पर के रोम 3. रक्त 4. जल, पानी 5. नोंक, अग्रभाग 6. फोड़ा ।

ಅಂಕುರಿತ अंकुरित (सम्) वि. — अंकुरित, जिसका अंकुर निकला हो, उत्पन्न, उद्भूत ।

ಅಂಕುರಿಸು अंकुरिसु (सम्) क्रि.— (अंकुर+इसु—'इसु, कन्नड प्रत्यय) अंकुरित हो, उत्पन्न हो, जन्म ले, पैदा हो, बढ़ ।

ಅಂಕುಶಚಾರಣ अंकुशचारण (सम्) सं.— अंकुश से हाथी को चलाने की क्रिया ।

ಅಂಕುಶಚಾರಿಣಿ अंकुशचारिणि (सम्) सं.— महावत, अंकुश से हाथी को चलानेवाला ।

ಅಂಕುಶಧಾರಿ अकुशधारि (सम्) सं.-महावत।

ಅಂಕುಸ अंकुस (तद्) सं.— अंकुशः (तत्) ; काँटा विशेष जिससे हाथी को हाँका जाता है ; रोकथाम ।

ಅಂಕೆ अंके (क) सं. — 1. आज्ञा 2. वश, अधिकार ; प्रभुत्व 3. सहारा, सहायक, टेकने की लाठी 4. उम्मीद, भरोसा, विश्वास ।

ಅಂಕೆ अंके (तद्) सं.—अंक, संख्या ।

ಅಂಕೋಟ अंकोट, ಅಂಕೋಠ अंकोठ, ಅಂಕೋಲ अंकोल (सम्) सं. — पिश्ते का पेड़ ।

ಅಂಕೋಣಿ अंकोणि (क) सं— रकात्र, पैर रखने का स्थान ।

ಅಂಕೋಲಿಕಾ अंकोलिका (सम्) सं· — आलिंगन ।

ಅಂಕೋಲು अंकोलु, ಅಂಕೋಲೆ अंकोले (तद्) सं,—अंकोलः (तत्) ; पिश्ते का पेड़ ।

(1) ಅಂಗ अंग (क) सं. — सुन्दरता, मनमोहकता ; रीति, मार्ग ।

(2) ಅಂಗ अंग (सम्) सं.— 1. भाग, हिस्सा 2. देह, शरीर 3. कविता की पंक्ति 4. नाटक के गौण पात्र 5. मन 6. अंगदेश, बंगाल ।

ಅಂಗಚಿತ್ತ अंगचित्त (सम्) सं· — 1. इच्छित वस्तु, मन की कामना 2. भेंट, उपहार ।

ಅಂಗಚೇಷ್ಟೆ अंगचेष्टे (सम्) सं — देह-चालन, अंग-संचालन ; आँखें मारना आदि ।

ಅಂಗಜ अंगज (सम्) सं· —1. देह से उत्पन्न 2. पुत्र, संतान 3. केश, बाल, रोम 4. प्रेम 5. कामदेव 6. रोग, बीमारी 7. रक्त, खून 8. पाँच इंद्रियाँ 9. जल, पानी ।

ಅಂಗಜಜನಕ अंगजजनक (सम्) सं— कामदेव के पिता, विष्णु ।

ಅಂಗಜನ್ಮ अंगजन्म (सम्) सं.— 1. काम 2. पुत्र, 3. रक्त, खून ।

ಅಂಗಜನ್ಮಾಂತಕ अंगजन्मांतक (सम्) सं·— जिसने काम को भस्म किया, शिवजी ।

ಅಂಗಜವೈರಿ अंगजवैरि (सम्) सं·— काम के शत्रु, शिव ।

ಅಂಗಜಾ अंगजा (सम्) सं· — पुत्री, बेटी, कन्या ।

ಅಂಗಜಾತ अंगजात (सम्) सं. — 1. पुत्र मन्मथ ।

ಅಂಗಜಾಂತಕ अंगजांतक, ಅಂಗಜಾರಿ अंगजारि } (सम्) सं.—दे. ಅಂಗಜನ್ಮಾಂತಕ.

ಅಂಗಡಿ अंगडि (क) सं.— दूकान, क्रय-विक्रय का स्थान (तेलुगु में भी यह शब्द है) ।

ಅಂಗಡಿಕಾರ अंगडिकार (क) सं· —दूकानदार, दूकान का मालिक ।

ಅಂಗಡಿಯವನು अंगडियवनु (क) सं· — दे॰ ಅಂಗಡಿಕಾರ (व्या· भा.)

ಅಂಗಣ अंगण (तद्) सं.— अगनं, अंगणं (तत्) ; आँगन, घर के सामने का खुला स्थान ।

ಅಂಗತ अंगत (क) वि.—जिसकी पीठ ज़मीन पर लगी हुई हो ।

ಅಂಗತ್ತ अंगत्त (क) वि.—दे. ಅಂಗತ.

ಅಂಗದ अंगद (सम्) सं.-1. अंगद, आभूषण विशेष 2. वालि के बेटे का नाम 3. लक्ष्मण के बेटे का नाम, उर्मिला-पुत्र ।

ಅಂಗದಾರ್ಢ್ಯ अंगदार्ढ्य (सम्) सं.— शरीर-बल, देह की शक्ति ।

ಅಂಗನಾ अंगना (सम्) सं· — स्त्री, नारी, सुन्दर देहवाली ; पत्नी ।

ಅಂಗನಾಜೀವಿ अंगनाजीवि (सम्) सं.—स्त्री की कमाई पर जीनेवाला ।

ಅಂಗನೆ अंगने (सम्) सं.—अंगना, स्त्री ।

ಅಂಗನ್ಯಾಸ अंगन्यास (सम्)सं.— हाव-भाव, शरीर का संचालन ; मंत्रोच्चारण करते समय अंगस्पर्श ।

ಅಂಗಭವ अंगभव (सम्) सं.—कामदेव ।

ಅಂಗಭೇದ अंगभेद (सम्) सं.—देह का भाग, शरीर के अंग ।

ಅಂಗಮಣಿ अंगमणि (सम्) सं.— कन्या के विवाह-काल अथवा प्रथम गर्भ धारण करते समय दी जानेवाली भेंट या उपहार ।

ಅಂಗಮರ್ದ अंगमर्द, ಅಂಗಮರ್ದಿ अंगमर्दि (सम्) सं.—अपने मालिक का अंगमर्दन करनेवाला सेवक ; सेवक, नौकर ।

ಅಂಗಯಷ್ಟಿ अंगयष्टि (सम्) सं. — पतला शरीर ; शरीर, देह ।

ಅಂಗಯ್ಸು अंगय्सु (क) क्रि· — मिल, हिल-मिल, टोली बना, एकत्र हो ।

ಅಂಗರ अंगर (क) सं.— अंगार, भस्म, राख ; आग ।

ಅಂಗರಕ್ಷ अंगरक्ष, ಅಂಗರಕ್ಷಕ अंगरक्षक } (सम्) सं.-1. सेवक, पहरेदार, अंगरक्षक 2. देह का रक्षक, कवच ।

ಅಂಗರಾಗ अंगराग, ಅಂಗರಂಗ अंगरंग (सम्) सं.—देह पर मलने योग्य सुगंधित पदार्थ, अंगराग ।

ಅಂಗರಾಜ अंगराज (सम्) सं.—अंगदेश का राजा, कर्ण ।

ಅಂಗರುಹ अंगरुह (सम्) सं. — रोम, शरीर पर उगनेवाला ।

ಅಂಗಲ್ अंगल् (क) क्रि· — 1. शोक कर, दुःख कर, विलाप कर, रो, दीनता प्रकट कर, याचना कर । सं.—शोक ; रुदन ।

ಅಂಗಲ अंगल (क) वि. — मृदुता से फैला हुआ, सूक्ष्म रूप से व्याप्त ।

ಅಂಗಲಾಚು अंगलाचु (क) क्रि· — माँग, याचना कर, दीनता से याचना कर, गिड़गिडा ।

ಅಂಗಲಾಶು अंगलाशु (क) सं. — लोभी ; दुःखी ।

ಅಂಗವಟ್ಟಿ अंगवट्टि (क) सं.— देह सौष्ठव, शरीर-रचना ।

ಅಂಗವಡಿ अंगवडि (क) सं.-दे. ಅಂಕೋಲೆ.

ಅಂಗವಣೆ अंगवणे (क) सं. – 1. शक्ति, बल ; अधिकार, सामर्थ्य 2. इच्छा, अभिलाषा, अभिप्राय, मतलब ।

ಅಂಗವಸ್ತ್ರ अंगवस्त्र (सम्) सं.— 1. नहाने के बाद पोंछने के काम में लाया जानेवाला वस्त्र, तौलिया 2. उत्तरीय ।

ಅಂಗವಿಕಲ अंगविकल (सम्) वि. – विकलांग, जिसके शरीर के अंग विकृत हो ; बदसूरत ।

ಅಂಗವಿಕಾರ अंगविकार (सम्) सं. — शरीर में विकार, मूर्च्छा, संज्ञाहीनता, अचेतनता ।

ಅಂಗವಿಕ್ಷೇಪ अंगविक्षेप (सम्) सं· — एक प्रकार का नाच, हाव-भाव, अंगों का चालन ।

ಅಂಗವಿಸು अंगविसु (क) क्रि· — दे. ಅಂಗಯ್ಸು.

ಅಂಗವೈಕಲ್ಯ अंगवैकल्य (सम्) सं· — शरीर के किसी भाग की कुरूपता या ऊनता ।

ಅಂಗಸಂಗ अंगसंग (सम्) सं.— 1. देह-संपर्क 2. मिलन, मैथुन ।

ಅಂಗಸಂಯೋಗ अंगसंयोग (सम्) सं· — अंगों का सटीक मेल; देहों का मेल, मिलन।

ಅಂಗಸಂಸ್ಕಾರ अंगसंस्कार (सम्) सं·— शरीर का अलंकार, अनुलेपन आदि।

ಅಂಗಸಾಧಕ अंगसाधक (सम्) सं·—व्यायाम-साधक, कसरत करनेवाला।

ಅಂಗಹೀನ अंगहीन (सम्) वि· — दे. ಅಂಗ ವಿಕಲ. सं.—जिसकी देह न हो, कामदेव।

ಅಂಗಹೀನತೆ अंगहीनते (सम्) सं.—अंगों की कमी या ऊनता, अंगहीनता।

(1) ಅಂಗಳ अंगळ (क) सं·— मुँह के अंदर का ऊपरी भाग, तालु।

(2) ಅಂಗಳ अंगळ (तद्) सं·—अंगनं (तत्); आँगन, घर के सामने का खुला स्थान, गाँव के चारों ओर का मैदान।

ಅಂಗಳು अंगळु (क) सं·—दे. ಅಂಗಳ (1).

ಅಂಗಾತ अंगात (क) वि·—दे. ಅಂಗತ.

ಅಂಗಾಧಿಪ अंगाधिप (सम्) सं·— दे. ಅಂಗ ರಾಜ.

ಅಂಗಾರ अंगार (सम्) सं· — आग का कण; कोयला; भस्म।

ಅಂಗಾರಕ अंगारक (सम्) सं· — मंगलग्रह, अंगार के समान लाल ग्रह।

ಅಂಗಾರಕವಾರ अंगारकवार (सम्) सं· — मंगलवार।

ಅಂಗಾರಧಾನಿಕೆ अंगारधानिके (सम्) सं.— अंगीठी।

ಅಂಗಾರವಲ್ಲಿ अंगारवल्लि (सम्) सं· — गुंजा, एक लता।

ಅಂಗಾರಾಮ್ಲ ವಾಯು अंगाराम्लवायु (सम्) सं.—लकड़ी, कोयला आदि के जलने के बाद आनेवाला धुआँ।

ಅಂಗಾಲ್ अंगाल्, ಅಂಗಾಲು अंगालु (क) सं·—चरण का निचला भाग, तलुवा।

(1) ಅಂಗಿ अंगि (सम्) सं· — अंगी, शरीर, जिसके अंग हों।

(2) ಅಂಗಿ अंगि (क्) सं·—कुरता, पहनने का कपड़ा।

ಅಂಗಿರಸ अंगिरस (सम्) सं·— एक ऋषि का नाम।

ಅಂಗೀಕರಣ अंगीकरण (सम्) सं·-1. स्वीकृति, मान्यता, ग्रहण 2. वचन देना।

ಅಂಗೀಕರಿಸು अंगीकरिसु (सम्) क्रि· — मान, स्वीकार कर, ग्रहण कर।

ಅಂಗೀಕಾರ अंगीकार (सम्) सं· — स्वीकृति, अंगीकरण।

ಅಂಗೀಕೃತ अंगीकृत (सम्) वि· — स्वीकृत, मान्य, गृहीत।

ಅಂಗು अंगु (क) सं· = ಹಂಗು हंगु—एहसान, कृतज्ञता।

ಅಂಗುಟ अंगुट (तद्) सं· — अंगुष्ठः (तत्); अंगूठा।

ಅಂಗುಲ अंगुल (सम्) सं. — 1. अंगुली, उंगली 2. अंगूठा 3. उंगलियों के माप की चौड़ाई, 12 अंगुल = 1 इंच 5. चाणक्य ऋषि का नाम।

ಅಂಗುಲಿ अंगुलि (सम्) सं. — 1. अंगुली उँगली 2. अंगूठा 3. हाथी की सूँड का वह अंतिम भाग जो उँगली-जैसा होता है 4. हाथी के कानों में पहनाने का एक आभूषण 5. अंगूठी (मै. प्र.)

ಅಂಗುಲಿಕ್ರಿಯೆ अंगुलिक्रिये (सम्) सं.— उँगली से नोच, कुरेद; नखखनन।

ಅಂಗುಲಿಖನನ अंगुलिखनन (सम्) सं. — उँगली से नोच; नखखनन।

ಅಂಗುಲಿತ್ರಾಣ अंगुलित्राण (सम्) सं. — अंगुली-रक्षक, उँगली की रक्षा के लिए धनुषधारियों द्वारा पहने जाने का कवच जिसे पहनने से उगली को चोट नहीं लगती।

ಅಂಗುಲಿ ದರ್ಶನ अंगुलिदर्शन (सम्) सं· — निर्देश, इशारा।

ಅಂಗುಲಿ ಪ್ರಹರಣ अंगुलिप्रहरण (सम्) सं. —उँगली से मारना, नोचना, इशारा करना आदि।

ಅಂಗುಲಿ ಮುದ್ರೆ अंगुलिमुद्रे (सम्) सं. — 1. उगली का इशारा 2. मुहरवाली अंगूठी या मुंदरी।

ಅಂಗುಲಿ ಮೋಟನ अंगुलिमोटन (सम्) सं.— उंगली मरोड़ने की क्रिया।

ಅಂಗುಲಿ ಸಂದೇಶ अंगुलि संदेश (सम्) सं. — उंगली से इशारा या निर्देश। दे. ಅಂಗುಲಿ ದರ್ಶನ.

ಅಂಗುಲೀಯ अंगुलीय, ಅಂಗುಲೀಯಕ अंगुलीयक (सम्) सं. — अंगूठी। दे. ಅಂಗುಳಿ (मै. प्र.)

ಅಂಗುಷ್ಠ अंगुष्ठ (सम्) सं.— दे. ಅಂಗುಟ. ಅಂಗುಷ್ಠ ಬಾತರೆ ಪರ್ವತವಾದೀತೆ अंगुष्ठ बातरे पर्वतवादीते ?—अंगूठा फूले तो पर्वत होगा क्या ? (कह.)

ಅಂಗುಸ अंगुस (तद्) सं.— अंकुशः (तत्)।

ಅಂಗುಳ अंगुळ (क) सं. — दे. ಅಂಗಳ; एक इंच (मै. प्र.)।

ಅಂಗುಳಿ अंगुळि (क) सं.—1. उंगली 2. एक प्रकार का रोग।

ಅಂಗುಳೀಯಕ अंगुळीयक (तद्) सं.— अंगुलीयक (तत्) दे. ಅಂಗುಲೀಯ.

ಅಂಗುಳೆ अंगुळे (क) सं. — दे. ಅಂಗುಳಿ 'अंगुळिय मुळ्' नामक रोग।

ಅಂಗೂರ अंगूर (तद्) सं. — अंगूर (हि.), द्राक्षा, दाख।

ಅಂಗೂಷ अंगूष (सम्) सं. — 1. वेगगामी 2. तीर, बाण 3. न्योला।

ಅಂಗೆಯ್ अंगेय्, ಅಂಗೈ अंगै (क), सं.— हथेली।

ಅಂಗೆಯ್ಸು अंगेय्सु (क) क्रि.— दे. ಅಂಗಯ್ಸು

ಅಂಗೋದ್ಭವ अंगोद्भव (सम्) सं· — देह में उत्पन्न होनेवाला, काम, मदन।

ಅಂಗೋಪಾಂಗ अंगोपांग (सम्) सं. — देह और उसके भाग।

ಅಂಗೋಸ್ತ್ರ अंगोस्त्र (तद्) सं. — अंगवस्त्र (तत्), उत्तरीय।

ಅಂಗೋರ अंगोर (अ. दे.) सं. — एक प्रकार का बकरा (जो एशिया मैदान में रहता है)।

ಅಂಗ್ರಾಣೆ अंग्राणे (क) सं. — 1. निन्दा, दूषण 2. शिकायत। ಅಂಗರಣೆ अंगरणे (मै. प्र.)।

ಅಂಘವಣೆ अंघवणे (क) सं.— इच्छा, कामना, चाह, अपेक्षा ।

ಅಂಘ್ರಿ अंघ्रि (सम्) सं.—1. अंघ्रि, चरण; पाद, 2. चौथा हिस्सा 3. वृक्षों की जड़ ।

ಅಂಘ್ರಿಜ अंघ्रिज (सम्) सं.— अंघ्रि से उत्पन्न, शूद्र ।

ಅಂಘ್ರಿತ್ರಾಣ अंघ्रित्राण (सम्) सं. — चप्पल, जूता (A shoe) ।

ಅಂಘ್ರಿಪ अंघ्रिप (सम्) सं.— अंघ्रि से (जल) पीनेवाला, वृक्ष ।

ಅಂಘ್ರಿಪರ್ಣಿಕೆ अंघ्रिपर्णिके, ಅಂಘ್ರಿವಲ್ಲಿಕೆ अंघ्रिवल्लिके (तद्)— एक वृक्ष (The plant Hedysarum togopodioides).

ಅಂಘ್ರಿವಲಯ अंघ्रिवलय (सम्) सं. — चरण अथवा खुर की परिधि ।

ಅಂಚ अंच (सम्) क्रि. — मोड़ना, उमेठना 2. जाना, हिलना-डुलना, मिलना । उदा. —ರೋಮಾಂಚ रोमांच ।

ಅಂಚಡಿ अंचडि (क) सं. — उत्तरीय, ऊपर ओढ़ने का कपड़ा, दुपट्टा ।

ಅಂಚನ अंचन (सम्) सं. — 1. जाना 2. झुकना, तिरछा होना । उदा.- ಉದಂಚನ उदंचन, ರೋಮಾಂಚನ रोमांचन ।

ಅಂಚಲ अंचल (सम्) सं.— अंचल, आंचल; कपड़े का किनारा या छोर ।

ಅಂಚಿತ अंचित (सम्) वि.— 1. मुड़ा हुआ, झुका हुआ 2. सम्मानित, प्रतिष्ठित 3. सिला हुआ, बुना हुआ 4. स्पष्ट 5. स्वच्छ, 6. चमकदार 7. पृष्ट, पूछा हुआ, प्रार्थित ।

ಅಂಚು अंचु (क) क्रि. — 1. ताक में रहना, अवसर की प्रतीक्षा करना 2. बाँटना— सं.—खपरा, टाइल (Tile) ।

ಅಂಚು अंचु (तद्) सं.— अंशु (तत्)— 1. किनारा, छोर 2. धारा 3. बर्तनों का मुँह 4. सीमा, परिधि ।

ಅಂಚುಬಟ್ಟೆ अंचुबट्टे (क) सं. — लहँगा, घाघरा आदि के किनारे या छोर का रिब्बन-जैसा कपड़ा ।

ಅಂಚೆ अंचे (क) सं.— 1. डाक 2. डाक का मार्ग 3. पत्र— ಅಂಚೆಯ ಮೇಲೆ ಹೋಗು ವುದು. अंचेय मेले होगुवुदु – डाक से जाना (To go by Post) । ಅಂಚೆ ಕಾಗದ ಮುಂಚೆ ಬಂದರೆ ಲಂಚ ಯಾಕೆ? अंचे कागद मुंचे बंद्रे लंच याके? — डाक का पत्र पहले ही मिले तो फिर रिश्वत काहे? (कह.)

ಅಂಚೆ अंचे (तद्) सं— हंस (तत्)— ತುಪ್ಪುಳ तुप्पळ—हंस के मुलायम बाल । — ಗಮನೆ गमने—हंसगमना, स्त्री । — ತೇರ तेर— हंसवाहन, ब्रह्मा ।

ಅಂಚೆ ಕಚೇರಿ अंचेकचेरि, ಅಂಚೆಕಟ್ಟೆ अंचेकट्टे (क) सं.— डाक घर, डाक खाना ।

ಅಂಚೆ, अंचे (क) अ.—उस तरफ़, दूर, बाहर ।

ಅಂಚೆದಾರ अंचेदार (क) सं. — डाकखाने का मुख्याधिकारी (Post Master) ।

ಅಂಚೆಯವ अंचेयव, ಅಂಚೆ ಅವ अंचे अव (क) सं. — डाक ले जानेवाला (A post runner) (मै. प्र.) ।

ಅಂಚೆಯಾಳು अंचेयाळु (क) सं.— डाकिया ।

ಅಂಜಕ अंजक (क ?) वि. —स्पष्ट करनेवाला, व्यंजक, भाव आदि का सूचक—नाटकादि में भावाभिव्यंजक ।

ಅಂಜನ अंजन (सम्) सं. — 1. अंजन, काजल, कज्जल 2. सौवीर 3. स्याही 4. अग्नि 5. रात्रि 6. दिग्गज विशेष (पश्चिम अथवा दक्षिण-पश्चिम का दिग्गज) 7. एक प्रकार की घरेलु छिपकली 8. एक वृक्ष (संभवतः अर्जुन वृक्ष) ।

ಅಂಜನಕೇಶಿ अंजनकेशि (सम्) सं. — वनस्पति-सुगंधि विशेष का नाम ।

ಅಂಜನಕ್ರಿಯೆ अंजनक्रिये (सम्) सं. — अंजनक्रिया, लेपन-क्रिया, विलेपन ।

ಅಂಜನಾದ್ರಿ अंजनाद्रि (सम्) सं. — एक पश्चिमी पर्वत; तिरुपति का एक पहाड़ ।

ಅಂಜನಾವತಿ अंजनावति (सम्) सं. — 1. उत्तर-पश्चिम की हथिनी 2. हनुमान जी की माता (मै. प्र.) ।

ಅಂಜನಿ अंजनि (तद्) सं. — काजल की रिक्त नली । (A hollow tube for black collyrium).

ಅಂಜನೆ अंजने, ಅಂಜನಾ अंजना (सम्) सं.— हनुमान जी की माता ।

ಅಂಜಲಿ अंजलि (सम्), अंजुलि (तद्) सं.— 1. अंजलि, जुड़े हुए दोनों हाथ; हथेलियों को जोड़ने से बीच में जो गड्ढा-सा बनता है, उसे अंजलि कहते हैं । 2. इस अंजलि में जितना आवे उतना एक नाप, परिमाण विशेष ।

ಅಂಜಲಿಕಾರಿಕೆ अंजलिकारिके (सम्) सं. — अंजलिकारिका, मिट्टी की गुड़िया ।

ಅಂಜಲಿಪುಟ अंजलिपुट (सम्) सं. — दे. ಅಂಜಲಿ 1.

ಅಂಜಲಿಬಂಧ अंजलिबंध (सम्) सं. — अंजलि सिर लगाकर किया जानेवाला नमस्कार ।

ಅಂಜಸ अंजस (सम्) वि. — ठीक, उचित, सरल, सीधा, सच्चा, ईमानदार । उदा.— ಸಮಂಜಸ समंजस— बहुत ठीक, उचित ।

ಅಂಜಿ अंजि (क) सं. — 1. पीपल; अश्वत्थ 2. रूई ।

ಅಂಜಿಕೆ अंजिके (क) सं.— डर, भय, भीति ।

ಅಂಜಿಸು अंजिसु (क) क्रि.— डरा, भय-भीत कर ।

ಅಂಜೀರ अंजीर (सम्), ಅಂಜೂರ अंजूर (क) सं.— अंजीर, फल विशेष ।

ಅಂಜು अंजु (क) क्रि. — डर जा, भयभीत हो । सं.—डर, भय । ಅಂಜಿದವನ ಮೇಲೆ ಕಪ್ಪೆ ಹಾಕಿದ ಹಾಗೆ अंजिदवन मेले कप्पे हाकिद् हागे — डरनेवाले के ऊपर मेंढक डालने के जैसे (कह.) ।

ಅಂಜುಕುಳಿ अंजुकुळि, ಅಂಜುಗುಳಿ अंजुगुळि (क) वि. — धैर्यहीन, डरपोक, भीरु ।

ಅಂಜುಲಿ अंजुलि, ಅಂಜುಳಿ अंजुळि (तद्) सं.— अंजलि (तत्) ।

ಅಂಜುಳಿ अंजुळि (क) सं. — छोटे मुँहवाली लुटिया, जिसमें एक नली लगी रहती है, उसका रंध्र ।

ಅಂಜೆ अंजे (क) सं.—धोती, कपड़ा ।

ಅಂಝುಟೆ अंझटे, ಅಜ್ಝಟೆ अज्झटे (क) सं.– एक पौधा, The plant Flacourtia cataphracta.

ಅಂಟರಳೆ अंटरळे, ಅಂಟರಳೆಕಾಯಿ अंटरळेकायि (क) सं.— एक प्रकार का कच्चा फल, रीठा।

ಅಂಟರಿಕೆ अंटरिके (क) सं.— एक प्रकार की काँटेदार घास, Acacia intsia willd

ಅಂಟರಿಸು अंटरिसु (क) क्रि. — वाष्प रूप में उड़ना।

ಅಂಟವಾಳ अंटवाळ (क) सं—रीठा।

ಅಂಟು अंटु (क) क्रि. — 1. लग, मिल, हिल-मिल, घुल-मिल 2. आलिंगन कर 3. स्पर्श कर 4. पीछा कर, अनुगमन कर। सं.—1. लगनेवाली रसदार वस्तु, गोंद (Gum), लासा 2. रिश्ता, संबंध 3. संसर्ग 4. अशुद्धि, गंदगी 5. एक स्थान से निकाल कर दूसरे स्थान पर लगाया जानेवाला पौधा अथवा पेड़ की शाखा।— ಅಂಟಿನಮರ अंटिनमर (क) सं. — एक वृक्ष, Embryopteris glutinifera.— ಅಂಟುಮುಟ್ಟು अंटुमुट्टु (क) सं.— परिवार में किसी की मृत्यु के कारण उत्पन्न अशुद्धि। — ಅಂಟುರೋಗ अंटुरोग (क) सं.—छूत की बीमारी।— ಅಂಟೆಳೆ अंटेळे, ಅಂಟು ಎಳೆ अंटु एळे (क) सं.— बुनाई में लगनेवाले धागे।

ಅಂಟುಕ अंटुक (क) सं. — बीमार अथवा असहाय मनुष्य।

ಅಂಟುಗಲ್ಲು अंटुगल्लु (क) सं. — अयस्कान्त, चुंबुक पत्थर।

ಅಂಟ್ವಾಳ अंट्वाळ (क) सं.— दे. ಅಂಟವಾಳ.

ಅಂಡ अंड (सम्) सं. — 1. अंड, दीर्घ वर्तुलाकार पदार्थ 2. ब्रह्माण्ड 3. कस्तूरी मृग की नाभि 4. शिव का नाम 5. ब्रह्मा, 6. अंडा। – ಆಕಾರ आकार, ಆಕೃತಿ आकृति (सम्) सं.—अंडे के आकार (शकल) का। ಆಶಯ आशय, ಕೋಶ कोश (सम्) सं.—अंडकोष।

ಅಂಡಜ अंडज (सम्) सं. — पक्षी, मछली, सर्प, छिपकली ब्रह्मा। —ಜಾ जा (सम्) सं.— कस्तूरी। — ಧ್ವಜ ध्वज, ತುರಂಗ तुरंग, ಯಾನ यान (सम्) सं.—विष्णु। –ಯಾನೆ याने (सम्) सं.— लक्ष्मी।— ಅಧಿಪ अधिप (सम्) सं.—सर्पराज, गरुड। ಅಧಿಪ ಕುಂಡಲ अधिपकुंडल (सम्) सं. — सर्पराज जिनके कुंडल हैं, शिव।

ಅಂಡಲೆ अंडले (क) क्रि.— 1. दबाना, सताना, तकलीफ़ या कष्ट देना, दुःखाना 2. हेय दृष्टि से देखना 3. पीछा करना, अनुगमन करना 4. बेकाम इधर-उधर फिरना। सं.– तकलीफ़, कष्ट, दुःख, पीडा, बलात्कार

ಅಂಡಿಗೆ अंडिगे (क) सं.— गठरी, बड़ा बोझा।

ಅಂಡಿಸು अंडिसु (क) क्रि.— समीप जा, बैठ, शरण में जा।

ಅಂಡೀರ अंडीर (सम्) सं. — पुरुष, बलवान पुरुष।

ಅಂಡು अंडु (क) सं. — 1. नितंब, पृष्ठ 2. आश्रय, सामीप्य। — ಕೊಳ್ कोळ्, ಕೊಳ್ಳು कोळ्ळु (क) क्रि. — समीप जा, आश्रय में जा।

ಅಂಡು अंडु (तद्) सं.—अंड (तत्)।

ಅಂಡೆ अंडे (क) सं.- 1. सामीप्य 2. साहाय्य 3. किसी वस्तु का भाग 4. एक बड़ा बर्तन—साधारणतया इसका मुँह बड़ा होता है; खाना पकाने का बर्तन। ಅಂಡೆಯ ಬಾಯಿ ಕಟ್ಟಬಹುದು ಮುಂಡೆಯ ಬಾಯಿ ಕಟ್ಟಕೂಡದು अंडेय बायि कट्टबहुदु मुंडेय बायि कट्टकूडदु— बड़े बर्तन का मुँह बंद किया जा सकता है, विधवा का मुँह बंद नहीं किया जा सकता (कह.)।

ಅಂಡೆಯ अंडेय (क) सं.— एक बड़ा बर्तन, ಅಂಡೆ अथवा ಹಂಡೆ.

ಅಂತ अंत (क) अ. — 1. तुलना करते या उपमा देते समय व्या. भा. में इसका प्रयोग होता है। बोलते समय किसी कहावत के अंत में 'ಅಂತ' शब्द का प्रयोग द्रष्टव्य है, यथा —' ಹೊಸ ನೀರು ಬಂದು ಹಳೆ ನೀರು ಕೊಚ್ಚಿಕೊಂಡು ಹೋಯಿತು.' ಅಂತ 'होस नीरु बंदु हळे नीरु कोचिकोंडु होयितु' अंत- नया पानी आकर पुराने पानी को बहा ले गया (कह.)। 2. शब्दों के अंत में लगनेवाला प्रत्यय, जैसे— ಅಗಲವಾದಂತ अगलवादंत—चौड़ा। हिन्दी शब्द 'जैसा' अथवा 'सा' (सी) इस अर्थ का व्यंजक हो सकता है। उदा. — ಅವನಂತ अवनंत — उसके जैसा, ರಾಮನಂತ रामनंत— राम जैसा, ಸೀತೆಯಂತ सीतेयंत— सीता जैसी (या सी) 3. कि (संयो.) उदा.— ಅಂತ ಹೇಳಿದರು. अंत हेळिदरु—(उन्होंने) कहा कि ...।

ಅಂತ (सम्) सं.— अंत, मृत्यु, छोर, किनारा, समाप्ति।

ಅಂತ अंत, ಅಂತರ್ अंतर्, ಅಂತಸ್ अंतस्, ಅಂತಃ अंतः (सम्) सं. — बीचोंबीच, अंदर, में।

ಅಂತಃಕರಣ अंतःकरण (सम्) सं. —1. अंतःकरण, मन 2. करुणा, दया 3. प्रेम, प्रीति। — ಮಲಿನೆ मलिने (सम्) सं.— वह स्त्री जिसका अंतःकरण मलिन है।— ಶುದ್ಧ शुद्ध, ಶುದ್ಧಾತ್ಮ शुद्धात्म (सम्) सं.—शुद्ध अंतःकरणवाला।

ಅಂತಃಕಲಹ अंतःकलह (सम्) सं. — अंतःकलह, अंदर का झगड़ा।

ಅಂತಃಪುರ अंतःपुर (सम्) सं. — अंतःपुर, रनिवास।

ಅಂತಃಪ್ರಕ್ಷೇಪಣಿ अंतःप्रक्षेपणि (सम्) सं. — 1. पिचकी, पिचकारी 2. औषधि की पिचकारी (Syringe).

ಅಂತಃಸ್ಥ अंतःस्थ (सम्) सं.—1. मन, जो अंदर हो 2. अंतस्थ वर्ण—य, र, ल, व।

ಅಂತಃಸ್ವೇದ अंतःस्वेद (सम्) सं.—हाथी।

ಅಂತಕ अंतक (सम्) सं.— यम।—ಹರ हर (सम्) सं.— शिव।— ಕಾಂತಕ कांतक (सम्) सं.—शिव।

ಅಂತತೆ अंतते, ಅಂತತ್ವ अंतत्व (सम्) सं. — अंतता, समाप्ति; अंत होने की स्थिति।

ಅಂತಪಾರ अंतपार (सम्) सं. — छोर और पार।

ಅಂತಪ್ಪ अंतप्प (क) वि· — वैसा (सी), उस प्रकार का (की)।
ಅಂತಪ್ರಾಸ अंतप्रास (क) सं— अन्त्यानुप्रास (अलंकार)।
ಅಂತರ अंतर (सम्) सं. — 1. अंदर का, भीतरी 2. समीप 3. प्रिय 4. फ़रक, अंतर, भिन्न।
ಅಂತರಂಗ अंतरंग (सम्) सं.— 1. भीतरी, गूढ़, रहस्य 2. हृदय, मन।
ಅಂತರಾತ್ಮ अंतरात्म (सम्) सं· — मन, जीवात्मा।
ಅಂತರಾಯ अंतराय (सम्) सं· — अड़चन, रुकावट, बाधा, रोक।
ಅಂತರಾಳ अंतराळ (सम्) सं·– अभ्यंतर, मध्य, बीच।
ಅಂತರಿಕ್ಷ अंतरिक्ष (सम्) सं·— स्वर्ग और भूमि के बीच का भाग, तारापथ अथवा गगन।
ಅಂತರಿತ अंतरित (सम्) वि.—1. बीच में गया हुआ, बीच में पड़ा हुआ 2. अंदर घुसा हुआ, छिपा हुआ, ढका हुआ 3. रुद्ध, पृथक किया हुआ 4. लुप्त, नष्ट, गायब 5. छूटा हुआ, चूका हुआ।
ಅಂತರಿಂ अंतरिं (क) अ. — इसलिए, अतः।
ಅಂತರಿಂದ್ರಿಯ अंतरिंद्रिय (सम्) सं.— मन, बुद्धि, अहंकार, चित्त ; भीतरी इंद्रिय।
ಅಂತರಿಸು अंतरिसु (क) क्रि· — 1. दूर हो, पृथक हो, अंतर्धान हो, 2. विलंब कर।
ಅಂತರೀಪ अंतरीप (सम्) सं·— अंतरीप (हि) द्वीप, भूमि का वह टुकड़ा जिसके चारों ओर जल हो।
ಅಂತರೀಯ अंतरीय (सम्) सं· — कुर्त्ता, नीमा, धोती आदि।
ಅಂತರ್ಗತ अंतर्गत (सम्) वि· — 1. अंतर्भूत, भीतर गया हुआ 2. विस्मृत, छिपा हुआ, 3. अदृष्ट, गायब।
ಅಂತರ್ಗೃಹ अंतर्गृह (सम्) सं·— भीतरी घर।
ಅಂತರ್ಜಠರ अंतर्जठर (सम्) सं· — पेट।
ಅಂತರ್ದಾಹಕ अंतर्दाहक (सम्) वि· — अंदर या भीतर ही जलानेवाला, मन को पीडा देनेवाला (ली)। सं·— मात्सर्य।
ಅಂತರ್ಧಾನ अंतर्धान (सम्)—अंतर्धान (हि), छिप जाना, अदृश्य होना, गायब होना।
ಅಂತರ್ಭಾವ अंतर्भाव (सम्) सं·— अंतर्निवेश, सहज प्रवृत्ति, निगूढ़ प्रवृत्ति।
ಅಂತರ್ಭೂತ अंतर्भूत (सम्) सं· — अंतर्भूत· अंतर्गत, भीतर का, मिला हुआ।
ಅಂತರ್ಮುಖ अंतर्मुख (सम्) वि.- 1. ध्यान, में लीन 2. मुँह में जाना।
ಅಂತರ್ಯ अंतर्य (सम्) सं·— भीतर का भाग, गुप्त, रहस्य।
ಅಂತರ್ಯಾಮಿ अंतर्यामी (सम्) सं· — 1. आत्मा 2· परमात्मा 3. एक प्रकार की भीतरी हवा।
ಅಂತರ್ವತಿ अंतर्वति, ಅಂತರ್ವತ್ನಿ अंतर्वत्नि (सम्) सं·—गर्भिणी स्त्री।
ಅಂತರ್ವಾಸ अंतर्वास, ಅಂತರ್ವಾಸನ अंतर्वासन (सम्) सं·–1. भीतरी घर 2. भीतरी पोशाक।
ಅಂತರ್ಹಿತ अंतर्हित (सम्) वि· — 1. छिपा हुआ, मध्यस्थ 2. पृथक किया हुआ 3. अदृष्ट गायब।
ಅಂತವರಂ अंतवरं (ह· क·) अ·— अंत तक।
ಅಂತವುರ अंतवुर (तद्) — अंतःपुर (तत्), रनिवास।
ಅಂತಸ್ತಾಪ अंतस्ताप (सम्) सं·— 1. निग्रह 2. ईर्ष्या, डाह।
ಅಂತಸ್ತು अंतस्तु (तद्) सं·— अंतःस्थ (तत्) 1. मध्य का, बीचों बीच 2. मकान का खण्ड, मंज़िल (story) 3. योग्यता, श्रेणी, वर्ग, पद, स्तर। उदा·— ಅವನ ಮಾನದ ಅಂತಸ್ತು ಹೆಚ್ಚಿತು. अवन मानद अंतस्तु हेच्चितु— उसके गौरव का स्तर ऊँचा हुआ। (मै· प्र·)।
ಅಂತಸ್ಥ अंतस्थ (सम्) सं· — दे. ಅಂತಃಸ್ಥ, पवित्र विचार।
ಅಂತಹ अंतह, ಅಂತಾ अंता, ಅಂಥ अंथ, ಅಂಥಾ अंथा (क) वि·—वैसा, उस प्रकार, उस प्रकार का ; उस तरह का। दे· ಅಂತಪ್ಪ.
ಅಂತಾನೆ अंताने (क) क्रि· रू·— (ए. व.) कहता है (व्या·भा·)। ಅನುತ್ತಾನೆ अनुत्ताने, ಅನ್ನುತ್ತಾನೆ अन्नुत्ताने (सा. भा.)।
ಅಂತಾರೆ अंतारे (क) क्रि. रू. — (ब.व) कहते हैं (व्या. भा.) ಅನುತ್ತಾರೆ अनुत्तारे, ಅನ್ನುತ್ತಾರೆ अन्नुत्तारे (सा. भा.)।
ಅಂತಾಳೆ अंताळे (क) क्रि·रू· (ए· व.)—कहती है (व्या· भा·)। ಅನುತ್ತಾಳೆ अनुत्ताळे, ಅನ್ನುತ್ತಾಳೆ अन्नुत्ताळे (सा· भा·)।
ಅಂತಿ अंति (क) क्रि. रू.— (तू) कहती है (व्या· भा·)। ಅನುತಿ अनुति, ಅನ್ನುತಿ अन्नुति (सा· भा·)।
ಅಂತಿ अंति (क) सं·— बड़ी बहन। (तमिल शब्द 'अक्कै')।
ಅಂತಿಕ अंतिक (सम्) अ·—समीप।
ಅಂತಿಮ अंतिम (सम्) वि· — अंतिम, आखिरी।
ಅಂತಿಕೆ अंतिके (क) अ· — वैसे, उस प्रकार।
ಅಂತಿಕೆ अंतिके (क) सं·— 1. चूल्हा 2. बड़ी बहन दे· ಅಂತಿ.
ಅಂತಿಂತು अंतिंतु, ಅಂತು अंतु (क) अ·— दे· ಅಂತಹ.
ಅಂತು अंतु (क) वि· — सारा, पूरा, कुल। क्रि· रू· —उसने कहा It said (व्या. भा·)। ಅಂದಿತು. (सा· भा·)।
ಅಂತುಟು अंतुटु (क) वि· — उतना। अ·— वैसा, उस प्रकार।
ಅಂತೆ अंते (क) क्रि· रू·—कहा जाता है।
ಅಂತೆವೊಲ್ अंतेवोल, ಅಂತೆವೋಲ್ अंतेवोल् (क) अ·—वैसा, उस प्रकार।
ಅಂತೇವಾಸಿ अंतेवासि (सम्) सं· — 1. शिष्य 2. चाण्डाल।
ಅಂತ್ಯ अंत्य (सम्) वि· — अंतिम, नीचा। सं·—मृत्यु।
ಅಂತ್ಯಜ अंत्यज (सम्) सं· — चांडाल, हरिजन।
ಅಂತ್ರ अंत्र (सम्) सं·— अंतडी।
ಅಂತ್ರ अंत्र (तद्)—अंतर (तत्)। उदा· — ದೇಶಾಂತರ देशांतर।

ಅಂತ್ರಿ अंत्रि (क) सं— एक पौधा (Ipomea pes caprae Roth or convolvulus argenteus.)

ಅಂದ अंद (क) सं· — सौंदर्य, रूप । — ಆಗು गुरु (मुह.)— सुन्दर हो; अच्छा हो । —ಗಾರ गार—सुन्दर पुरुष । — ಗಾರ್ತಿ गार्ति – सुन्दरी ।

ಅಂದಣ अंदण, ಅಂದಳ अंदळ (क) सं· — पालकी ।

ಅಂದಿಗೆ अंदिगे, ಅಂದುಗೆ अंदुगे (क) सं·— 1. जंज़ीर 2. पायल, नूपुर, घुंघुरू । अंदु (तत्) ।

ಅಂದುಕ अंदुक (सम्) सं·— पायल, नूपुर ।

ಅಂಧ अंध (सम्) सं.— 1. अंधा 2. अंधकार 3. जल 4. मूर्ख । — ಪರಂಪರೆ परंपरे (सम्) सं·—अंध-परंपरा, अंधानुकरण, मूढ़-विश्वास ।

ಅಂಧಕ अंधकः (सम्) सं·— 1. अंधा 2. एक राक्षस का नाम । — ಜಿತ जित (सम) सं— शिव ।

ಅಂಧಕಾರ अंधकार (सम्) सं· — अंधकार, रात्रि ।

ಅಂಧಕಾರಾತಿ अंधकाराति (सम्) सं·— शिव ।

ಅಂಧತಮಸ अंधतमस (सम्) सं— अत्यधिक अंधकार ।

ಅಂಧಸ್ अंधस् (सम्) सं·–1. अंधा 2. भोजन 3. उबाला गया चावल ।

ಅಂಧು अंधु (सम्) सं·— कुआ, कूप ।

ಅಂಧ್ರ अंध्र (सम्) सं. — 1. आंध्र प्रदेश 2. तेलुगु भाषी ।

ಅಂಪಕ अंपक (क) सं· — 1. विदाई, बंधु-मित्रों की विदाई का समारोह 2. भेजना, प्रेषित करना । (तेलुगु — ಅಂಪು अंपु, ಪಂಪು पंपु (क्रि.) — भेज; तमिल — ಅನುಪ್ಪು अनुप्पु (क्रि.)—भेज) ।

ಅಂಬ अंब (सम्) सं·—1. पिता 2. आँख । (क) अ· — कहा जानेवाला 'ಇಂಬ ऍंब' भी इसी अर्थ का द्योतक है ।

ಅಂಬಕ अंबक (सम्) सं· —1. आँख 2. पिता 3. ताम्र 4. संख्या '2' ।

ಅಂಬಕಳ अंबकल, ಅಂಬಲಿ अंबलि ಅಂಬಿಲಿ अंबिलि, ಅಂಬುಲಿ अंबुलि (क) सं·—छाछ या मट्ठे में मिलाया गया अनाज का आटा जो आहार के रूप में पिया जाता है ।

ಅಂಬಗ अंबग, ಅಂಬಿಗ अंबिग, ಅಂಬುಗ अंबुग (क ?) सं· — मल्लाह· कर्णधार, नाविक ।

ಅಂಬಟ अंबट (तद्) सं· — अंबष्ठ (तत्) नाई । [ನಾವಿದ नाविद (क) और ಅಂಬಟ್ಟನ್ अंबट्टन् (तमिल)]

ಅಂಬಟೆ अंबट, ಅಂಬಟೆ अंबटे (तद्) सं·— आम्रातः (तत्), आमड़ा ।

ಅಂಬರ अंबर (सम्) सं· — 1. कपड़ा, वस्त्र 2. गगन, आकाश, नभ, वातावरण 3. शून्य '0' का चिह्न 4. कपास, रूई 5. एक प्रकार की सुगंधि 6. अभ्रक ।— ಚರ चर (सम्) सं·— गगनचर· पक्षी, देवता । — ಮಣಿ मणि (सम्) सं.—सूर्य ।

ಅಂಬರೀಷ अंबरीष (सम्) सं. — 1. सूर्य 2· सूर्यवंश का राजा अंबरीष 3. कढ़ाई 4. नरकों में एक 5. शिव, विष्णु 6. युद्ध लड़ाई ।

ಅಂಬಲ अंबल (क) सं.— सार्वजनिक स्थान, बड़ा आंगन जहाँ आम जनता एकत्रित होकर ग्राम संबंधी वार्तालाप करती है ।

ಅಂಬಷ್ಠ अंबष्ठ (सम्) सं· — 1. ब्राह्मण पिता और वैश्य माता का पुत्र 2. वैद्य 3. नाई । दे. ಅಂಬಟ.

ಅಂಬಷ್ಠೆ अंबष्ठे (सम्) सं·— जुही, पाठा, पहाड़मूल, चुका, आमड़ा आदि पौधों का नाम ।

ಅಂಬಾ अंबा (सम्) सं.— 1. माता 2. दुर्गा 3. काशी राजा की कन्या 4. गाय का रंभाना (ಅಂಹಾ अंहा, ಅಂಬೇ अंबे, ಅಂಬ್ಯಾ अंब्या शब्द भी इसी अर्थ के सूचक हैं) ।

ಅಂಬಾಕಾಂತ अंबाकांत (सम्) सं·—दुर्गा के पति, शिव ।

ಅಂಬಾಡೆ अंबाडे (तद्)— दे. ಅಂಬಟ.

ಅಂಬಾಪತಿ अंबापति, ಅಂಬಾರಮಣ अंबारमण (सम्) सं.— उमापति, शिव ।

ಅಂಬಾರಿ अंबारि (क) सं. — हौदा, हाथी पर बांधा जानेवाला आसन ।

ಅಂಬಾರೆ अंबारे (क) सं.—एक प्रकार का कीड़ा जो सूखी लकड़ी में होता है ।

ಅಂಬಾವರ अंबावर (सम्) सं·— उमापति ।

ಅಂಬಿ अंबि (क) सं.—नाव । —ಗ ग (क) सं.—मल्लाह, नाविक ।

ಅಂಬಿಗಾಱ अंबिगाऱ (क) सं. — नाविक, कर्णधार ।

ಅಂಬಿಲ अंबिल (तद्) सं· — दे· ಅಂಬಕಳ, अम्ल (तत्) ।

ಅಂಬು अंबु (सम्) सं.—1. जल 2. बाण, शर 3. सूखना, शोषण ।— ಚರ चर (सम्) वि.— जल में रहनेवाले जीवजंतु । —ವಾಹ वाह (सम्) सं·—मेघ, बादल ।

ಅಂಬುಗಾರ अंबुगार (क) सं. — धनुर्धारी शिकारी, किरात ।

ಅಂಬುಜ अंबुज (सम्) सं· — कमल, जल में उत्पन्न । —ಭವ भव (सम्) सं. — ब्रह्मा । — ಮಿತ್ರ मित्र, ಸಖ सख (सम्) सं.— सूर्य ।

ಅಂಬುಜಾನನೆ अंबुजानने (सम्) सं· — कमलनेत्रा स्त्री ।

ಅಂಬುಜಾಂಬಕ अंबुजांबक, ಅಂಬುಜಾಯತಾಕ್ಷ अंबुजायताक्ष (सम्) सं· — कमल जैसे नेत्र वाले, विष्णु ।

ಅಂಬುಜಾಸನ अंबुजासन (सम्) सं.— कमलासन, ब्रह्मा ।

ಅಂಬುಜೋದ್ಭವ अंबुजोद्भव (स) सं.— ब्रह्मा ।

ಅಂಬುದ अंबुद (सम) सं. — जल देनेवाला, मेघ, बादल । —ಫಲ फल (सम्) सं.— ओले ।

ಅಂಬುಧರ अंबुधर (सम्)—बादल, मेघ ।

ಅಂಬುಧಿ अंबुधि, ಅಂಬುನಿಧಿ अंबुनिधि (सम्) सं.—जल-समूह, समुद्र ।

ಅಂಬುರುಹ अंबुरुह (सम्) सं॰ — जल में उत्पन्न, कमल। — ಆಸನ आसन, ಪೀಠ पीठ, ಗರ್ಭ गर्भ (सम्) सं॰—ब्रह्मा।

ಅಂಬುರುಹಗರ್ಭಾಂಡ अंबुरुहगर्भांड (सम्) सं॰—जगत्, ब्रह्माण्ड।

ಅಂಬುಹನಯನೆ अंबुरुहनयने (सम्) सं॰—कमलनेत्रा स्त्री।

ಅಂಬುವಾಹ अंबुवाह (सम्) सं॰—बादल।

ಅಂಬುವೇತಸ अंबुवेतस (सम्) सं॰—एक प्रकार का रत्न।

ಅಂಬುವೀಡು अंबुवीडु (क) सं॰– (ಅಂಬು+ಬೀಡು)—तरकस, बाण-कोश।

ಅಂಬೆ अंबे, ಅಂಬಾ अंबा (सम्) सं॰ — 1. माता 2. पार्वती 3. नानी।

ಅಂಬೆಕಾಲು अंबेकालु, ಅಂಬೆಗಾಲು अंबेगालु (व) सं॰—(बच्चों का) घुटनों के बल चलना, घुटुरुवन।

ಅಂಬೇರು अंबेरु (क) सं॰— बाणाघात से उत्पन्न घाव, चोट।

ಅಂಭ अंभ, ಅಂಭಸ್ अंभस् (सम्) सं॰— पानी, जल।

ಅಂಭೋಜ अंभोज, ಅಂಭೋಜಾತ अंभोजात, ಅಂಭೋಜನಿ अंभोजनि, ಅಂಭೋರುಹ अंभोरुह (सम्) सं॰—जल में उत्पन्न, कमल।

ಅಂಭೋಜನೇತ್ರೆ अंभोजनेत्रे, ಅಂಭೋಜಲೋಚನ अंभोजलोचन (सम्) सं॰— कमल के समान नेत्रवाले, विष्णु।— ಸಂಭವ संभव (सम्) सं॰—ब्रह्मा।

ಅಂಭೋದ अंभोद (सम्) सं॰– जल देनेवाला, मेघ, बादल।

ಅಂಭೋಧಿ अंभोधि, ಅಂಭೋನಿಧಿ अंभोनिधि, (सम्) सं॰—समुद्र।

ಅಂಭೋಭೃತ್ अंभोभृत (सम्) सं॰ — जलधर, बादल।

ಅಂಭೋರಾಶಿ अंभोराशि (सम्) सं॰— जल की राशि, समुद्र।

ಅಂಶ್ अंश् (सम्) क्रि॰— बाँट, विभक्त कर।

ಅಂಶ अंश (सम्) सं॰— 1. भाग, हिस्सा, टुकड़ा 2. गणित का एक संकेत 'भाग' 3. अक्षांश, रेखांश भाग। — ಅವತರಣ अवतरण, ಅವತಾರ अवतार (सम्) सं॰— दैवी-शक्ति के एक भाग से युक्त (अवतार) पुरुष।— ಭಾಕ್ भाक्, ಹರ हर, ಹಾರಿ हारि (सम्) सं॰— उत्तराधिकारी, वारिस।

ಅಂಶಕ अंशक (सम्) सं॰— 1. जिसका भाग या हिस्सा हो, हिस्सेदार 2. हिस्सा, भाग, टुकड़ा 3. सौरमान का एक दिन।

ಅಂಶಮಾಪಕ अंशमापक (सम्) सं॰— द्रव पदार्थों को मापने का एक साधन, एक उपकरण।

ಅಂಶಾಂಶ अंशांश (सम्) सं॰— अंश का अंश, हिस्से का हिस्सा।

ಅಂಶಿ अंशि (सम्) सं॰— जिसका अंश हो, अंशी, भागी।

ಅಂಶು अंशु (सम्) सं॰—1. किरण, रश्मि, प्रकाश की रेखा 2. कांति, छवि, चमक, दमक 3. बिंदु, छोर 4. अत्यंत छोटा भाग 5. गहना, आभरण, अलंकार, पोशाक।— — ಚಂಡ चंड (सम्) सं॰—सूर्य, सूरज।— ಶೀತ शीत (सम्) सं॰— चंद्रमा।— ಜಾಲ जाल, ಧರ धर, ಪತಿ पति, ಮಾಲಿ मालि (सम्) सं॰— सूरज, सूर्य।— ಪಟ್ಟ पट्ट (सम्) सं॰—एक प्रकार का रेशमी वस्त्र।— ಮಾಲೆ माले (सम्) सं॰— प्रभावली, तेजोमंडल।

ಅಂಶುಕ अंशुक (सम्) सं॰ — 1. ललित वस्त्र (fine cloth), महीन कपड़ा, मलमल, रेशमी वस्त्र 2. प्रकाश की मृदु रश्मि।

ಅಂಶುಮತ್ अंशुमत्, ಅಂಶುಮಂತ अंशुमंत (सम्) वि.—1. चमकदार, कांतियुक्त, तेजस्वी 2. तेज, नोकदार। सं॰— सूर्यवंश के राजा दिलीप के पिता का नाम।

ಅಂಶುಮತಿ अंशुमति (सम्) सं॰— यमुना।

ಅಂಶುಮತ್ಫಲಾ अंशुमत्फला (सम्) सं॰— केले का पेड़। — ಫಲ फल (सम्) सं॰— केला (फल)।

ಅಂಶುಲ अंशुल (सम्) वि. — चमकदार, प्रकाशमान, तेजस्वी। सं॰— चाणक्य का नाम।

ಅಂಸ अंस (सम्) सं॰ — 1. कंधा, भुजा 2. टुकड़ा, भाग, हिस्सा। क्रि.— टुकड़ा कर। — ಕೂಟ कूट (सम्) सं॰— साँड के कंधों के बीच का ऊपर को उठा हुआ भाग, कूबड, कुब्ब।— ತ್ರ त्र (सम्) सं॰— कंधों का कवच विशेष। — ಫಲಕ फलक (सम्) सं॰—मेरुदंड का ऊपरी भाग।– ಭಾರಿ भारि, ಭಾರಕ भारक (सम्) वि. — कंधे पर बोझा उठानेवाला।

ಅಂಸಲ अंसल (सम्) वि. — मजबूत कंधोंवाला, बलवान।

ಅಂಹ अंह, ಅಂಹಸ್ अंहस् (सम्) क्रि॰ — 1. जाना, समीप जाना 2. आरंभ करना 3. भेजना 4. बोलना 5. स्पर्श करना 6. चमकना। सं॰— पाप, ताप, कष्ट, चिंता।

ಅಂಹತಿ अंहति (सम्) सं॰— 1. भेंट, उपहार, दान, खैरात 2. रोग, बीमारी।

ಅಂಹಿತಿ अंहिति (सम) सं॰— दे. ಅಂಹತಿ.

ಅಃ अः, ಅಹ್ अह् (क) अ॰—विसर्ग अक्षर; आश्चर्य-आनंद सूचक अव्यय।

ಅಕ್ अक् (क) क्रि॰— 'ಅಗು अगु' 'हो' क्रिया का रूप जिसके साथ भविष्यत् काल में ಕು कु और ಕುಂ कुं प्रत्यय लगते हैं, जैसे— ಅಕ್+ಕು=ಅಕ್ಕು (अक्कु), ಅಕ್+ಕುಂ =ಅಕ್ಕುಂ (अक्कुं); तथा आज्ञार्थ (Imperative) में 'ಕೆ' के प्रत्यय लगता है, जैसे— ಅಕ್+ಕೆ=ಅಕ್ಕೆ (अक्के)।

ಅಕ अक (सम) सं.— 1. हर्ष का अभाव, दुख, पीड़ा, कष्ट, 2. पाप।

ಅಕ अक (क) वि॰ बो॰ — 1. अरे! देखो! अन्य शब्द— ಅಕಕ अकक, ಅಕಲಾ अकला, ಅಕೋ अको, ಅಲೆ अले। 2. 'अर्क' का तद्भव। 3. कृत-तद्धित प्रत्यय।

ಅಕ अक (सम्) सं॰ — कृत-तद्धित प्रत्यय। उदा॰ — ಬೋಧ बोध + ಅಕ अक = ಬೋಧಕ बोधक।

ಅಕಚ अकच (सम्) वि. — 1. गंजा, जिसके सिर पर बाल न हों। 2. केतु का नाम।

ಅಕಚ್ಚೆ अकच्चे (तद्) सं.— अगस्ति (तत्). एक वृक्ष Grandiflora poir.

ಅಕಟ अकट, ಅಕ್ಕಟ अक्कट (क) वि. बो.— हाय! हाय! हा! हा!

ಅಕಂಟಕ अकंटक (सम्) वि. — कंटक रहित, जिसमें काँटा न हो, निर्विघ्न, बिना खतरे के, ईर्ष्या रहित।

ಅಕರ अकर (सम्) वि. – 1. कर हीन, जिसका हाथ न हो, कटा हुआ 2. बेकार, बेकाम, कार्य से विरत 3. कर (tax) से रहित।

ಅಕರಣ अकरण (सम्) सं.—बेकारी, काम न करना 2. अवयवहीनता।

ಅಕರ್ತವ್ಯ अकर्तव्य (सम्) सं. — 1. वह कार्य जो नहीं करना चाहिए, अनुचित या बुरा काम 2. जुर्म, अपराध।

ಅಕರ್ಮ अकर्म (सम्) वि. — 1. जिसके पास करने के लिए कुछ काम न हो, सुस्त 2. अयोग्य 3. पतित, दुष्ट। सं.— 1. अपराध, बुरा काम, अनुचित कार्य। ಕ क — अकर्मक क्रिया। ಕರ್ಮಿ कर्मि (सम्) वि.— क्रिया से रहित, अनुचित काम करनेवाला। –ಭೋಗ भोग (सम्) सं.— निष्काम कर्म।

ಅಕಲ अकल (सम्) वि. — पूरा, सारा, संपूर्ण। सं.— 1. समुद्र का जल-समूह 2. दैवी शक्ति।

ಅಕಲ್ಕ अकल्क (सम्) वि. — शुद्ध, पवित्र।— ಲ್ಕಾ ल्का (सम्) सं. — चंद्रिका, चाँदनी।

ಅಕಲಂಕ अकलंक (सम्) वि. — दोष रहित, कलंक रहित, विशुद्ध, पवित्र।

ಅಕಲತ್ರ अकलत्र (सम्) वि. — जिसकी पत्नी न हो, विधुर, अविवाहित।

ಅಕಲ್ಪ अकल्प (सम्) वि.– अनियंत्रित, अशक्त, अतुलनीय।

ಅಕಲ್ಮಷ अकल्मष (सम्) वि. – कल्मष रहित दोष रहित, शुद्ध।

ಅಕಲ್ಪಿತ अकल्पित (सम्) वि. — हठात्, सहसा, अकस्मात् उत्पन्न; स्वाभाविक।

ಅಕಲ್ಯ अकल्य (सम्) वि.— अस्वस्थ, बीमार।

ಅಕಸ್ಮಾತ್ अकस्मात् (सम्) वि.– संयोगवश, आकस्मिक, सहसा, तत्क्षण, हठात्, दैव योग से, आप से आप, अकारण।

ಅಕಳಂಕ अकळंक (तद्) वि. — अकलंक (तत्) दे. ಅಕಲಂಕ.

ಅಕಾಂಡ अकांड (सम्) वि. — 1. औचक, सहसा, इत्तफ़ाकिया। 2. जिसमें डाली या शाखा न हो।—ತಾಂಡವ तांडव (सम्) सं.– असंबद्ध आचरण, अर्थहीन कार्य, असमय का बखेड़ा।

ಅಕಾರಣ अकारण (सम्) वि.— कारण रहित, जिसका कारण ज्ञात न हो, बेकार, व्यर्थ।

ಅಕಾರ್ಯ अकार्य (सम्) वि.—अनुचित। सं.— बुरा काम। ಕಾರಿ कारि (सम्) वि.—बुरा काम करनेवाला।

ಅಕಾಲ अकाल (सम्) वि. — 1. अनुपयुक्त समय, अनवसर, कुसमय 2. कच्चा।— ಫಲ फल (सम्) सं.— असमय में मिलनेवाला फल। ಮರಣ मरण (सम्) सं.— असमय में मृत्यु।— ವೃಷ್ಟಿ (सम्) सं.— असमय में आनेवाली वर्षा।

ಅಕಿಂಚನ अकिंचन (सम्) सं.— जिसके पास कुछ न हो, निपट निर्धन, दरिद्र, कंगाल, ग़रीब।

ಅಕಿಂಚಿತ್ಕರ अकिंचित्कर (सम्) वि. — 1. असमर्थ, अशक्त 2. तुच्छ।

ಅಕುಟಿಲ अकुटिल (सम्) वि.—जो कुटिल या वक्र न हो, सीधा, सरल, ईमानदार, कपट रहित।

ಅಕುತಃ अकुतः (सम्) क्रि.वि.– जो कहीं से न हो।—ಭಯ भय (सम्) वि. — जिसको कहीं से भय न हो, निर्भीक।

ಅಕುಪ್ಯ अकुप्य (सम्) सं.- 1. सुवर्ण, सोना 2. चाँदी 3. कम कीमती धातु नहीं।

ಅಕುಶಲ अकुशल (सम्) सं.— 1. मूर्ख, मूढ, अनाड़ी 2. अशुभ, अभागा।

ಅಕೂಪಾರ अकूपार (सम्) सं.— 1. कछुआ 2. भूमि को ढोनेवाला कूर्मराज 3. सूर्य 4. समुद्र।

ಅಕೃತ अकृत (सम्) वि.— 1. जो न किया गया हो, जो ठीक-ठीक न किया गया हो, जिसके करने में भूल की गई हो 2. अपूर्ण अधूरा 3. अपक्व, कच्चा, जो तैयार न हो 4. स्वाभाविक 5. सच्चा।—ಅರ್ಥ अर्थ (सम्) वि.— असफल, अनुत्तीर्ण।—ಆತ್ಮನ आत्मन (सम्) वि.—मूर्ख, मूढ, बुद्धिहीन।—ಕ क (सम्) वि.—सहज, स्वाभाविक, सच्चा।—ಜ್ಞ ज्ञ (सम्) वि.— जो कृतज्ञ न हो, कृतघ्न।

ಅಕೃತ್ಯ अकृत्य (सम्) सं.— 1. बुरा काम, 2. अपराध।

ಅಕೃತ್ರಿಮ अकृत्रिम (सम्) वि. – 1. जो कृतिम न हो, स्वाभाविक 2. जो धोखे का न हो, सच्चा।

ಅಕೃಷ್ಟ अकृष्ट (सम्) वि.—अनजुती हुई, जो न जोती गई हो।— ಪಚ್ಯ पच्य, ರೋಹಿ रोहि (सम्) सं.—जो अनजुती ज़मीन में उत्पन्न हुआ हो।

ಅಕ್ಕ अक्क, —ಕ್ಕಾ क्का (सम्) सं.—माता। (क) सं.—बड़ी बहन।

ಅಕ್ಕಜ अक्कज (क) सं. — 1. आश्चर्य, विस्मय 2. आश्चर्यकर पदार्थ 3. मात्सर्य, असंतोष।

ಅಕ್ಕಡಿ अक्कडि (क) सं.—1. दो मुख्य उपज प्राप्त करने के लिए बीच में खींची गई हल की रेखा 2. तंगी, संकट 3. नाप-तोल में धोखेबाज़ी 4. बोली की ठगई 5. मूँग, उड़द, अरहर आदि अनाज (pulses).

ಅಕ್ಕಡೆ अक्कड़े (क) सं.—दे. ಅಕ್ಕಡಿ.

ಅಕ್ಕದಾಮ अक्कदाम (तद्) सं. — अक्षदाम (तत्)। जपमाला, अक्षमाला।

ಅಕ್ಕರ अक्कर (तद्) सं.— 1. अक्षर (तत्)। 2. प्रेम, प्रीति।—ತೆ ते (क) सं.— प्रीति, अक्षरत्व।

ಅಕ್ಕರಿಕೆ अक्करिके (क) सं.— 1. प्रीति, प्रेम 2. एक वनस्पति।

ಅಕ್ಕರಿಗ अक्करिग (क) सं. — अक्षरों को जाननेवाला, पंडित, विद्वान।— ಬೆಳ್ಳ बेळ् (क) सं.—मूर्ख।

ಅಕ್ಕರ अक्कर, ಅಕ್ಕರತೆ अक्करते, ಅಕ್ಕರಿಕೆ अक्करिके, ಅಕ್ಕರು अक्करु, ಅಕ्कರೆ अक्करे (क) सं.—प्रेम, प्रीति, स्नेह। उदा.— ಅವರು ನಿನ್ನನ್ನು ಹೇಗೆ ಅಕ್ಕರತೆಯಿಂದ ನೋಡುತ್ತಾರೆ. अवरु निन्नन्नु हेगे अक्करतेयिंद नोडुत्तारे— वे तुमको कैसे (कितने) प्रेम से देखते हैं।

ಅಕ್ಕರ್ತೆ अक्कर्ते (क) सं.— प्रीति, प्रेम (मै. प्र.)।

ಅಕ್ಕಲ अक्कल, ಅಕ್ಕಲಕರೆ अक्कलकरे (क) सं.—एक पौधा (The plant Anthemis pyrethrum.

ಅಕ್ಕಸ अक्कस (क) स.— 1. अनुराग, प्रेम दे. ಅಕ್ಕರ. 2. ईर्ष्या, मात्सर्य।

ಅಕ್ಕಸಗಾರ अक्कसगार (क) वि.- प्रेम करनेवाला।

ಅಕ್ಕಸಗಾರಳು अक्कसगारळु (क) वि.—प्रेम करनेवाली।

ಅಕ್ಕಸಾಲ अक्कसाल, ಅಕ್ಕಸಾಲೆ अक्कसाले, ಅಕ್ಕಸಾಲಿಗ अक्कसालिग, ಅಕಸಾಲಿಗ अकसालिग (क) सं.—सोनार, सुनार।

ಅಕ್ಕಸಾಲಗಿತ್ತಿ अक्कसालगित्ति, ಅಕ್ಕಸಾಲಿತಿ अक्कसालिति (क) सं.-— सुनारिन, सुनार जाति की स्त्री।

ಅಕ್ಕಳಿಕೆ अक्कळिके (क) सं.— दूसरों को हँसाने के लिए उनके शरीर पर उंगली फेरना, कचोटनी काटना।

ಅಕ್ಕಳಿಸು अक्कळिसु (क) क्रि.—1. जंभाई लेना 2. भूख के कारण पेट के अंदर अंतडी का सिमटना 3. दूसरों को हँसाने के लिए उनके शरीर पर उंगली फेरना (Tickling).

ಅಕ್ಕಳೆ अक्कळे (क) सं.— एक कीड़ा (Cockroach) (द. क.)।

ಅಕ್ಕಾಜೀ अक्काजी (क) सं.—जैन सन्यासिनी।

ಅಕ್ಕಾಡು अक्काडु (क) क्रि.—1. वहना, बर्तन से पानी आदि का बाहर आना, धारा 2. कांतिहीन होना, शक्तिहीन होना।

ಅಕ್ಕಾರು अक्कारु, ಅಕ್ಕಾರು अक्कारु (क) क्रि.— रोने के कारण गला सूखना।

ಅಕ್ಕಿ अक्कि (क) सं. — 1. चावल, तंडुल 2. चावल जैसे अन्य अनाज। —ಕಚ್ಚು कच्चु (क) सं—चावल को साफ़ किया हुआ अथवा उबालकर निकाला गया पानी, माँड।

ಅಕ್ಕಿ अक्कि (क) सं.—चिड़िया, पक्षी (ग्रा.)

ಅಕ್ಕಿ अक्कि (तद्) सं. — अक्षि (तत्), दृष्टि की शक्ति, बीनाई।

ಅಕ್ಕಿರ अक्किर (तद्) सं.—अक्षर (तत्)।

ಅಕ್ಕಿಸು अक्किसु (क) क्रि.— पिघला, पचा, हजम कर।

ಅಕ್ಕು अक्कु (क) अ. क्रि. — होना। क्रि.— वश में कर, नियंत्रण में रख 2. पकड़, आलिंगन कर 3. ठीक प्रकार से पचा, हजम कर।— ಅಡು आडु (क) क्रि.— कांति - बलहीन हो। 4. प्राचीन कन्नड में 'ಅಕ್ಕುಂ अक्कुं' संशयार्थ में प्रयुक्त होता है, जैसे—ಬಂದನಕ್ಕು बंदनक्कु— आया हो। 5. प्र.—होगा, होता है आदि ಆಗು आगु धातु से।

ಅಕ್ಕುಡ अक्कुड (क) सं. — उत्साही, बलवान, सत्वशाली पुरुष 2. विश्वासपात्र 3. उतावला मनुष्य।

ಅಕ್ಕುಡಿಸು अक्कुडिसु (क) क्रि. —1. जंभाई ले, संकोच कर 2. छोटा होना, निम्न होना, क्षय होना।

ಅಕ್ಕುಳಿಸು अक्कुळिसु (क) क्रि. — 1. दे. ಅಕ್ಕಳಿಸು 2. पीछे हट, भीत हो, संकोच कर।

ಅಕ್ಕುರಳಿ अक्कुरळि (क) सं.— डर, भय।

ಅಕ್ಕೆ अक्के (क) अ.— जी हाँ, हाँ। सं.— विलाप, रुलाई, क्रंदन।

ಅಕ್ತ अक्त (सम्) वि.— 1. रंग लगा हुआ, लेपन किया हुआ 2. तैलादि की मालिश किया हुआ 3. जोड़ा हुआ 4. गया हुआ 5. बाहर तक फैला हुआ।

ಅಕ್ರಮ अक्रम (सम्) वि.— गड़बड़, अंडबंड। सं.-1. अनियमितता, अव्यवस्था, औचित्यभंग 2. अन्याय 3. एक अलंकार, एक प्रकार का वाक्य-दोष।

ಅಕ್ರೂರ अक्रूर (सम्) वि.— जो क्रूर या कठोर न हो, सौम्य। सं.— एक यादव का नाम, जो श्रीकृष्ण के चाचा और हितैषी थे।

ಅಕ್ರೋಟ अक्रोट, ಅಕ್ರೋಟೆ अक्रोटे, ಅಕ್ರೋಡ अक्रोड, ಅಕ್ರೋಡು अक्रोडु, ಅಕ್ರೋಡೆ अक्रोड़े (तद्) सं.—अक्षोटः (तत्), अखरोट (हि) Aleurites triloba.

ಅಕ್ರೋಧ अक्रोध (सम्) सं — क्रोधराहित्य, शांति।

ಅಕ್ಲೀಬ अक्लीब (सम्) सं.—जो क्लीब न हो, पौरुष युक्त मनुष्य, पुरुष।

ಅಕ್ಲೇಶ अक्लेश (सम्) वि.— 1. दुःख रहित, ताप रहित, पीडा रहित। 2. विघ्न-विनाश, पीडा-निवारण।

ಅಕ್ಷ अक्ष (सम्) सं. — 1. धुरी 2. गाड़ी, छकड़ा 3. पहिया 4. तराजू की डांडी 5. अक्षरेखा, एक कल्पित स्थिर रेखा जो पृथिवी के भीतरी केंद्र से होती हुई उसके आर-पार दोनों ध्रुवों पर निकली है और जिसपर पृथिवी घूमती हुई मानी जाती है, गर्भसूत्र 6. चौंसर, चौंसर का पाँसा 7. रुद्राक्ष 8. तौल विशेष जो 16 माशे की होती है जिसे कर्ष भी कहते हैं 9. बहेड़ा 10. सर्प 11. गरुड 12. आत्मा 13. ज्ञान 14. मुकद्दमा, व्यवहार, मामला 15 जन्मान्ध 16. सैंधव (लवण)–ಆವಳಿ आवळि (सम्) सं.— जपमाला।–ಕ್ರೀಡಾ क्रीडा (सम्) सं.— जुआ। ಕುಶಲ कुशल, ಧೂರ್ತ धूर्त, ಶೌಂಡ शौंड, ಜ್ಞ ज्ञ (सम्) वि.— जुआ खेलने में प्रवीण।— ದರ್ಶಕ दर्शक (सम्) सं.— जुए का निर्णायक, न्यायाधीश।–ಪಾದ पाद (सम्) सं.- गौतम ऋषि का नाम। — ದಾಮ दाम, ಮಾಲಾ माला, ಸೂತ್ರ सूत्र (सम्) सं.— जपमाला, रुद्राक्षमाला।–ಹೃದಯ हृदय (सम्) –सं. जुए के खेल में पूर्ण निपुणता।

ಅಕ್ಷಣಿಕ अक्षणिक (सम्) वि.— स्थिर, दृढ, जो क्षणिक न हो।

ಅಕ್ಷತ अक्षत (सम्), ಅಕ್ಷತೆ अक्षते, ಅಕ್ಷಂತೆ अक्षंते, ಅಚ್ಚತೆ अच्चते, ಅಚ್ಚಂತೆ अच्चंते (तद्) सं.—1. बिना टूटे चावल जो पूजा के काम में आते हैं 2. बिना टूटा, साजा3. पुरुष के संपर्क से दूर (स्त्री)। — ಆರೋಪಣ आरोपण (सम्) सं. — जिनको आशीर्वाद दिया जाता है, उनके सिर पर अक्षत डालने की क्रिया।

ಅಕ್ಷಮ अक्षम (सम्) वि.–अयोग्य, असमर्थ। सं. — 1. तिरस्कार, घृणा 2. असूया, ईर्ष्या 3. क्षमारहित 4. अधीर।

ಅಕ್ಷಮಣಿ अक्षमणि (सम्) सं.— 1. जपमाला की मणि 2. अ से क्ष तक के अक्षरों को गिनने की मणि-माला।

ಅಕ್ಷಯ अक्षय, ಅಕ್ಷಯ್ಯ अक्षय्य (सम्) वि.— 1. जिसका नाश न हो, अविनाशी, अनश्वर, सदा बना रहनेवाला, कभी जो न चुके 2. कल्पांतस्थायी 3. साठ वर्षों में एक वर्ष का नाम— अंतिम वर्ष।— ತೃತೀಯ तृतीय(सम्)सं.—वैशाख शुक्ल तृतीया तिथि, जो एक पर्व दिन है। — ಪಾತ್ರೆ पात्रे (सम्) सं—वह बर्तन जो कभी खाली नहीं होता। महाभारत के अनुसार पांडवों के पास ऐसा बर्तन था।

ಅಕ್ಷರ अक्षर (सम्) वि. — 1. अच्युत, स्थिर, नित्य, अविनाशी। 2. विषम, असंगत। सं.— 1. परब्रह्म 2. लिखावट का चिह्न, अ से ह तक के सभी अक्षर। 3. मधुमक्खी 4. सफ़ेदी 5. जल 6. आकाश 7. धर्म। —ಅರ್ಥ अर्थ (सम्) सं.— शब्दार्थ।— ಚಣ चण (सम्) वि.— लिखनेवाला, पढ़ा-लिखा। —ಜೀವಿ जीवि, ಜೀವಕ जीवक (सम्) वि.—लेखन-कार्य से आजीविका पानेवाला। ಜ್ಞ ज्ञ (सम्) वि.—पढ़ा-लिखा।— ಜನನೀ जननी, ತೂಲಿಕಾ तूलिका (सम्) सं.-नरकुल या सेंटे की कलम, लेखनी। — ಮಾಲೆ माले (तद्) सं. — वर्णमाला, अक्षरों का समूह। – ಮುಖ मुख (सम्) सं. – छात्र, विद्यार्थी। —ಸಂಸ್ಥಾನ संस्थान (सम्) सं.— 1. लेख 2. वर्णमाला। -- ಸ್ಥ स्थ (सम्) वि.— पढ़-लिखा।

ಅಕ್ಷರಶಃ अक्षरशः (सम्) अ.—एक-एक अक्षर, शब्दानुसार।

ಅಕ್ಷರಾತ್ಮಕ अक्षरात्मक (सम्) वि.—अक्षररूप, जो अक्षरों के द्वारा प्रकट किया जाता है।

ಅಕ್ಷರಾಭ್ಯಾಸ अक्षराभ्यास (सम्) सं — अक्षरों का अभ्यास, एक त्योहार का दिन—उस दिन बच्चे को अक्षर सिखाया जाता है।

ಅಕ್ಷಾಂತಿ अक्षांति (सम्) सं.— असहनशीलता, सहनशीलता का अभाव, तिरस्कार, घृणा, मात्सर्य।

ಅಕ್ಷಾಂಶ अक्षांश (सम्) सं.—अक्षांश रेखा। दे. ಅಕ್ಷ 5.

ಅಕ್ಷಾರ अक्षार (सम्) वि —अकृत्रिम, स्वाभाविक। सं.— 1. नमक 2. 'ಅಕ್ಷರ' का दूसरा रूप।

ಅಕ್ಷಿ अक्षि (सम्) सं. — 1. आँख 2. दो की संख्या।— ಗತ गत (सम्) वि.— 1. दृष्टिगोचर, उपस्थित, वर्तमान 2. आँख में पड़ी हुई (किरकिरी) 3. घृणित।— ಪಕ್ಷ್ಮ पक्ष्म, ರೋಮ रोम, ಲೋಮ लोम (सम्) सं. — पलक, पलकों के किनारे के ऊपरी बाल। ವಿಕೂಣಿತ विकूणित, (सम्) सं.—तिरछी नज़र, कनखियों की दृष्टि।

ಅಕ್ಷಿಕರ್ಣ अक्षिकर्ण, ಅಕ್ಷಿಶ್ರವಣ अक्षिश्रवण (सम्) सं.— सांप।

ಅಕ್ಷಿವ अक्षिव, ಅಕ್ಷೀವ अक्षीव (सम्) सं.— समुद्री लवण, पौधा विशेष।

ಅಕ್ಷೀಣ अक्षीण (सम्) वि.— जो क्षीण न हो, जो कम न हो, पूर्ण।

ಅಕ್ಷೀಬ अक्षीब (सम्) वि.— दे. ಅಕ್ಷಿವ.

ಅಕ್ಷುಣ್ಣ अक्षुण्ण (सम्) वि. — 1. अभग्न, अनटूटा, समूचा 2. अनाड़ी, अकुशल 3. जो परास्त न हुआ हो, जो जीता न गया हो, सफल मनोरथ 4. जो कुचला, कूटा या पीटा गया हो 5. असाधारण।

ಅಕ್ಷುದ್ರ अक्षुद्र (सम्) वि.—जो छोटा या हेय न हो, बड़ा, ऊँचा।

ಅಕ್ಷುಭಿತ अक्षुभित (सम्) वि.— अचल, जो उद्वेग में न आया हो।

ಅಕ್ಷೂಣ अक्षूण (सम्) वि.—दे. ಅಕ್ಷೀಣ.

ಅಕ್ಷೇತ್ರ अक्षेत्र (सम्) सं. — 1. बुरा या खराब खेत 2. कुशिष्य 3. अयोग्य पात्र। वि.— बिना खेतवाला, बिना जोता-बोया हुआ। — ವಿದ (सम्) वि. — जिसको आध्यात्मिक ज्ञान न हो।

ಅಕ್ಷೋಟ अक्षोट (सम्) सं. — अखरोट दे. ಅಕ್ರೋಟ.

ಅಕ್ಷೋಭ್ಯ अक्षोभ्य (सम्) वि.— अचल, उद्वेगरहित, दृढ़, स्थावर।

ಅಕ್ಷೌಹಿಣಿ अक्षौहिणि.(सम्) सं — सेना का परिमाण, पूरी चतुरंगिनी सेना। एक अक्षौहिणी में 21,870 रथ, 21.870 गज 65,610 अश्व और 1,09,350 पैदल सिपाही होते हैं।

ಅಖಂಡ अखंड (सम्) वि. — 1. जो टूटा न हो, संपूर्ण, अभग्न, समूचा, अटूटा अविच्छिन्न, लगातार।

ಅಖಂಡನಂ अखंडनं (सम्) सं.—जिसको कोई काट न सके, संपूर्ण 2. समय।

ಅಖಂಡಭಾಗ್ಯ अखंडभाग्य (सम्) सं.— संपूर्ण संपन्नता, पूरी अमीरी।

ಅಖಂಡಮಂಡಲ अखंडमंडल (सम्) सं.— साम्राज्य, पूरे राज्य का स्वामित्व।

ಅಖಂಡಸೌಭಾಗ್ಯ अखंडसौभाग्य (सम्) सं.— 1. दे. ಅಖಂಡಭಾಗ್ಯ 2. चिर सुहाग 3. वेश्यावृत्ति।

ಅಖಂಡಿತ अखंडित (सम्) वि.–जिसके टुकड़े न हो, विभाग रहित, अविच्छिन्न, अनिश्चित।

ಅಖರ್ವ अखर्व (सम्) वि.— जो छोटा न हो, बड़ा।

ಅಖಲ್ಯ अखल्य (सम्) वि.–डरपोक, कापुरुष युद्ध के लिए अयोग्य।

ಅಖಾಡ अखाड (अ. दे.)— 1. अखाड़ा (हि) 2. कुश्ती लड़ने का स्थान, रंगभूमि।

ಅಖಾತ अखात (सम्) वि.— 1. बिना खोदा हुआ या स्वाभाविक जलाशय, झील या खाड़ी 2. किसी मंदिर के सामने की पुष्करिणी।

ಅಖಾದ್ಯ अखाद्य (सम्) वि.— जो खाने योग्य न हो, जो नहीं खाया जा सकता।

ಅಖಿಲ अखिल (सम्) वि.–पूरा, सारा, संपूर्ण, समग्र, सब, समूचा।— ಅಂಕ अंक (सम्) सं—अनेक नामवाले परमेश्वर।— ಅಂಡ अंड (सम्) सं.— संपूर्ण विश्व। — ಅದ್ವೈತ अद्वैत (सम्) सं.— केवलाद्वैत। —ಆಶಾಂತ अशांत (सम्) सं.—दिगंत, सभी दिशाओं का अंत।

ಅಗ अग (सम्) वि.—अचल। सं.— पत्थर, पहाड़, पेड़।

ಅಗಚಾಟಲು अगचाटलु (क) सं.— तकलीफ़, कष्ट, बाधा, अडचन।

ಅಗಚು अगचु (क) क्रि. — दबाना, कुचलना, बल देकर पकड़ना, ठीक प्रकार से संभालना।

ಅಗಚೆ अगचे (क) सं.—1. नगरद्वार 2. किले का द्वार, फाटक। ಅಗಜಾ अगजा, ಅಗಜಾತೆ अगजाते (सम्) सं.—पार्वती।

ಅಗಜಾರಮಣ अगजारमण, ಅಗಜೆಯರಸ अगजेयरस, ಅಗಜೇಂದ್ರ अगजेंद्र, ಅಗಜೇಶ अगजेश (सम्) सं.— पार्वती के पति, शंकर।

ಅಗಡ अगड (क) अ.— दे. ಅಕಟ.

ಅಗಡು अगडु (क) वि.— दुष्ट, क्रूर, क्षुद्र, हीन, नीच। — ತನ तन (क) सं. — 1. क्रूरता 2. नटखटपन 3. मूर्खता। ಮೋರೆ मोरे (क) सं.—1. क्रूर मुख 2. बदसूरत।

ಅಗಣಿ अगणि, ಅಗಳಿ अगळि (तद्) सं.— अर्गला (तत्)। किल्ली, सिटकनी, किवाड़ बंद करने का काठ का यंत्र।

ಅಗಣಿತ अगणित (सम्) वि.— अनगिनत, अनेक, बहुत।

ಅಗಣ್ಯ अगण्य (सम्) वि.— जो गिना न जा सके, जो मुख्य न हो, अमुख्य।

ಅಗತ अगत (क) सं.–खुदाई, भूमि को खोदने की क्रिया।

ಅಗತಿ अगति (सम्) सं.—1. उपाय रहित, बिना उपाय का 2. अनवबोध।

ಅಗತೆ अगते (क) सं.— दे. ಅಗತ.

ಅಗತ್ಯ अगत्य (सम्) वि. – आवश्यक। सं.– आवश्यकता।

ಅಗದ अगद (सम्) सं.— 1. औषध, दवा 2. स्वास्थ्य। वि. — नीरोग, रोगरहित, स्वस्थ।

ಅಗದಂಕಾರ अगदंकार (सम्) सं. — रोग दूर करनेवाला, वैद्य, चिकित्सक, डाक्टर।

ಅಗದಿ अगदि (अ. दे.) अ.— पूरा, कुल, बिलकुल।

ಅಗದು अगदु, ಅಗೆದು अगॆदु (क) कृ.—खोदकर (ಅಗೆ=खोद क्रि.)

ಅಗಧರ अगधर (सम्) सं. — गिरिधारी, श्रीकृष्ण।

ಅಗಪಡು अगपडु (क) क्रि. — 1. वश में हो 2. पा, मिल।

ಅಗಪೆ अगपे (क) सं.— काठ या नारियल की खोली (cocoanut shell) से बनाया गया उपकरण, दारुहस्तक।

ಅಗಭೇದಿ अगभेदि (सम्) सं.—1. पर्वतों को विच्छिन्न करनेवाला, इंद्र, वज्र 2. पेड़ काटनेवाला, कुल्हाड़ी।

ಅಗಮ अगम (सम्) सं.–जो नहीं चल सकता, पेड़, पर्वत।

ಅಗಮ್ಯ अगम्य (सम्) वि.— 1. गमन के अयोग्य, जहाँ कोई न पहुँच सके 2. अज्ञेय 3. विकट, कठिन 4. अपार, बहुत अत्यंत 5. अथाह, बहुत गहरा।

ಅಗಮ್ಯಾಗಮನ अगम्यागमन (सम्) सं. — न गमन करने योग्य स्त्री के साथ गमन करना, व्यभिचार।— ಗಾಮಿ गामि (सम्) वि.— व्यभिचारी।

ಅಗರ अगर (क) सं.— जहाज़ या नौका का पिछला भाग।

ಅಗರಣೆ अगरणे (क) सं. — निंदा, दोषारोपण, गालियाँ।

ಅಗರಿಪು अगरिपु (सम्) सं.— पर्वतारि, इंद्र।

ಅಗರು अगरु (क) सं.—सिर की रूसी, चाँई।

ಅಗರು अगरु (सम्) सं.—ऊद, अगर लकड़ी।

ಅಗಲ್ अगल् (क) क्रि.–1. चौड़ा हो, विस्तृत हो 2. अलग हो, पृथक हो, भिन्न हो, दूर हट 3. नष्ट हो, मर।

ಅಗಲ अगल (क) वि. — काफ़ी चौड़ा। सं.— चौड़ाई।

ಅಗಲಿಕೆ अगलिके (क) सं. — 1. पृथकता, भिन्नता 2. बिदाई 3. वियोग।

ಅಗಲಿಚು अगलिचु (क) क्रि.—दूर कर, पृथक कर, अलग कर।

ಅಗಲಿತ್ತು अगलित्तु (क) वि.— चौड़ा, विशाल विस्तृत।

ಅಗಲಿಸು अगलिसु (क) क्रि.— दे. ಅಗಲಿಚು.

ಅಗಲುವಿಕೆ अगलुविके (क) सं. — वियोग, विप्रयोग।

ಅಗಲ್ಕೆ अगल्के (क) सं.— दे. ಅಗಲುವಿಕೆ.

ಅಗಲ್ಚು अगल्चु (क) क्रि.— दे. ಅಗಲಿಚು.

ಅಗಲ್ತೆ अगल्ते, ಅಗಳ್ತೆ अगळ्ते (क) सं. — खाई, गार, नाला।

ಅಗವಡು अगवडु (क) क्रि.— पकड़ा जा, फँस जा (ಅಗಪ್ಪಡು अगप्पडु – तमिल)।

ಅಗವೈರಿ अगवैरि (सम्) सं.—पर्वतारि, इन्द्र।

ಅಗಸ अगस (क) सं.— धोबी।

ಅಗಸಗಿತ್ತಿ अगसगित्ति, ಅಗಸತಿ अगसति, ಅಗಸಿತಿ अगसिति (क) सं.–धोबन, धोबिन।

ಅಗಸಾಲ अगसाल, ಅಗಸಾಲೆ अगसाले ಅಗಸಾಲಿಗ (क) सं.—सोनार।

ಅಗಸಿಗ अगसिग (क) सं.— धोबी।

ಅಗಸುತೆ अगसुते (सम्) सं. — पर्वत की पुत्री, पार्वती।—ಈಶ ईश (सम्) सं.—शिव।

ಅಗಸೆ अगसे (क) सं.— दे. ಅಗಚೆ.

ಅಗಸೆ अगसे (तद्) सं.—अगस्ति (तत्), एक प्रकार तिलहन (sesbana)।

ಅಗಸ್ತಿ अगस्ति (सम्) सं.— 1. एक वृक्ष 2. एक ऋषि का नाम 3. एक नक्षत्र।

ಅಗಸ್ತ್ಯ अगस्त्य (सम्) सं. — दे. ಅಗಸ್ತಿ। —ತೀರ್ಥ तीर्थ (सम्) सं.— दक्षिण समुद्र के पास एक तीर्थस्थान।— ಭ್ರಾತ भ्रात (सम्) सं.— एक ज्ञानी मुनि।

ಅಗಳ್ अगळ् (क) क्रि.–1. हिल-डुल, डोलायमान हो 2. खोद, भूमि को खोद।

ಅಗಳ अगळ (क) वि. — चौड़ा। सं.— खुदा हुआ, खाई, किले के बाहर की चारों ओर की खाई।

ಅಗಳಿ अगळि (तद्) सं.— दे.— ಅಗಲ.

ಅಗಳು अगळु(क) सं.— पका चावल का दाना, भात का दाना।

ಅಗಳು अगळु (क) क्रि.— 1. खोद 2. दाँत से काट।

ಅಗಳುತ अगळुत, ಅಗಳಿತೆ अगळितॆ, ಅಗಳ್ತೆ अगळ्तॆ, ಅಗಳಂತಿ अगळंति (क) सं.—किले के बाहर की खाई।

ಅಗಾಡಿ अगाडि (अ. दे.) अ.— सामने, आगे, पहले।

ಅಗಾಢ अगाढ (सम्) वि.— जो घना न हो, सुगम, हल्का।

ಅಗಾಧ अगाध (सम्) वि.—1. अथाह, बहुत गहरा, तलस्पर्शी। 2. असीम, अपार, बहुत, अधिक 3. दुर्बोध। — ಜಲ जल (सम्) सं.—अत्यंत गहरा सरोवर।

ಅಗಾಧಿಪ अगाधिप (सम्) सं. — पर्वतों का राजा, मेरु पर्वत।

ಅಗಾರ अगार (सम्) सं. — घर, मकान।

ಅಗಿ अगि (क) क्रि.— 1. खोद, रंध्र कर 2. दाँतों से चूर-चूर कर 3. हिल-डुल, काँप 4. आनंदित हो, प्रसन्न हो 5. डर, भीत हो। सं.— अंकुर, छोटा वृक्ष।

ಅಗಿಟಿಗೆ अगिटिगॆ, ಅಗಿಟಗೆ अगिटगॆ. ಅಗ್ಗಿಟಿಗೆ अग्गिटिगॆ, ಅಗ್ಗಿಷ್ಟಿಗೆ अग्गिष्टिगॆ (तद्) सं.- अंगीठा, अंगीठी।

ಅಗಿಣಿ अगिणि, ಅಗ್ಗವಣಿ अग्गवणि, ಅಗ್ಗಿಣಿ अग्गिणि (क) सं.— जल, पानी। ये शब्द प्रायः लिंगायतों के मठों में पढ़े-लिखे लोगों द्वारा प्रयुक्त होते हैं।

ಅಗಿನಿ अगिनि (तद्) सं.— अग्नि (तत्), आग।

ಅಗಿರ अगिर (सम्) सं.— स्वर्ग, आकाश।

ಅಗಿಲ್ अगिल्, ಅಗಿಲು अगिलु (क) सं.— सौरभ, सुगंधित वस्तु।

ಅಗಿವಿಲಿ अगिविलि (क) वि. — सुगंधरहित, सौरभहीन।

ಅಗಿಸೆ अगिसॆ (क) सं.— दे. ಅಗಚೆ.

ಅಗು अगु (क) क्रि.—हो, उत्पन्न हो।

ಅಗುಚು अगचु (क) क्रि.—दे. ಅಗಚು.

ಅಗುಣ अगुण (सम्) वि. — जिसमें गुण न हो, गुणहीन, हीन, नीच। सं.— दोष।

ಅಗುಂದಲೆ अगुंदलॆ (क) सं. — 1. विस्तार 2. बड़प्पन, महनता 3. व्यापकता।

ಅಗುರ್ अगुर् (क) क्रि.— खोद, गड्ढा बना।

ಅಗುರು अगुरु (सम्) वि.—जो बड़ा न हो. छोटा, हल्का, लघु।

ಅಗುರ್ಬು अगुर्बु, ಅಗುರ್ವು अगुर्वु (क) सं.— 1. डर, भय, घबराहट 2. भयंकराकृति।

ಅಗುರ್ವಿಸು अगुर्विसु (क) क्रि. – डरा, भयंकराकार का हो।

ಅಗುಲು अगुलु (क) क्रि.— हिल, डुल।

ಅಗುವು अगुवु (क) सं.—एहसान।

ಅಗುಸು अगुसु (क) क्रि. — 1. दे. ಅಗಚು. 2. छाती से लगा।

ಅಗುೞ् अगुऴ् (क) क्रि.— 1. खोद 2. गड्ढा बना 2. पानी में डूब।

ಅಗುಳಿ अगुळि (क) सं.— दे. ಅಗಲ.

ಅಗುಳು अगुळु, ಅಗಳು अगळु (क) सं.— 1. पका चावल का दाना, भात की गोलाकृति 2. एक पौधा Zingiber Zerumbet Roscoe.

ಅಗುಳಿಸು अगुळिसु (क) क्रि.—खुदा (प्रेरणार्थक), गड्ढा बनवा।

ಅಗುೞ್ಚು अगुऴ्चु (क) क्रि.- डुबा (प्रेरणार्थक)।

ಅಗೂಢ अगूढ (सम्) वि — जो गुप्त न हो, स्पष्ट।

ಅಗ್ರಹ अग्रह, ಅಗ್ರಹಿ अग्रहि (सम्) सं.— जिसका मकान न हो, संन्यासी।

ಅಗೆ अगॆ (क) क्रि.—दे. ಅಗುರ್. सं.—पौधा।

ಅಗೆ अगॆ (क) प्र.— क्रि. वि. प्र.।

ಅಗೇಡಿ अगेडि (क) सं. — अंकुर या पौधों को लगाने का स्थान (द. क.)।

ಅಗೇಂದ್ರ अगेंद्र (सम्) सं. — पर्वतों का अधिपति, भारत के सात मुख्य पर्वतों में एक। —ಜೆ जॆ (सम्) सं.— पार्वती।

ಅಗೊ अगॊ, ಅಗೋ अगो (क) अ.—विस्मयादि बोधक शब्द, दूर की वस्तुओं की ओर संकेत; देखो! देखो!

ಅಗೋಚರ अगोचर (सम्) वि. — जो आँखों को न दीखें, अदृष्ट, गुप्त। सं.—1. इन्द्रियों के अनुभव से दूर 2. परब्रह्म।

ಅಗೌರವ अगौरव (सम्) सं — बेइज़्ज़ती, अपमान।

ಅಗ್ಗ अग्ग (क) वि. — सस्ता, आधा मूल्य, मूल्यहीन।

ಅಗ್ಗ अग्ग (तद्) वि.—अग्र (तत्) — सबसे आगे, प्रथम, सर्वप्रथम। अर्घ (तत्) — उत्तम, श्रेष्ठ, सर्वोत्कृष्ट।

ಅಗ್ಗ अग्ग (क) सं. — 'ಹಗ್ಗ हग्ग' का अन्य रूप— रस्सी (ग्रा.)।

ಅಗ್ಗರಣೆ अग्गरणॆ (क) सं.-1. छींक 2. रस्सी, धागा।

ಅಗ್ಗಲ अग्गल (क) सं. — अधिकता, वृद्धि, बड़ाई।

ಅಗ್ಗಲಿಸು अग्गलिसु (क) क्रि. — अधिक हो, वृद्धि पा, ऊँचा हो।

ಅಗ್ಗಳ अग्गळ, ಅಗ್ಗಳೆ अग्गळॆ, ಅರ್ಗಳ अर्गळ (क) सं. — 1. बड़ा आदमी, बलशाली 2. कन्नड के एक कवि का नाम।

ಅಗ್ಗಳಿಕೆ अग्गळिकॆ (क) सं.— महानता, बल, बड़प्पन।

ಅಗ್ಗಳಿಕೆ अग्गळिकॆ (तद्) सं.—अर्गला (तत्)। 1. बौंडा, किल्ली, सिटकनी 2. गर्व, महानता।

ಅಗ್ಗಳು अग्गळु (क) सं. — गर्व, महानता, आधिक्य।

ಅಗ್ಗಾಡಿ अग्गाडि (क) सं.— निर्लज्ज स्त्री।— ಕಾರ कार (क) वि.—1. धोखेबाज 2. जादूगर।

ಅಗ್ಗಿ अग्गि (तद्) सं.— अग्नि (तत्), आग। ('अग्गि'—तेलुगु)।

ಅಗ್ಗಿಗ अग्गिग (तद्) सं.— [अग्र संस्कृत शब्द+'इग' कन्नड प्रत्यय=अग्रिग→अग्गिग] 1. अगुआ, राजा, नेता 2. बेकार आदमी।

ಅಗ್ಗಿಟಿಕೆ अग्गिटिकॆ, ಅಗ್ಗಿಷ್ಟಿ अग्गिष्टि, ಅಗ್ಗಿಷ್ಟಕೆ अग्गिष्टकॆ, ಅಗ್ಗಿಷ್ಟಿಕೆ अग्गिष्टिकॆ (क) सं.— अंगीठा, अंगीठी।

ಅಗ್ಗಿಸು अग्गिसु (क) क्रि·— 1. विनष्ट करा 2. पतला कर (प्रेरणार्थक)।

ಅಗ್ನಾಯಿ अग्नायि (सम्) सं·— 1. अग्नि की पत्नी स्वाहा 2. त्रेतायुग।

ಅಗ್ನಿ अग्नि (सम्) सं·— 1. आग 2. अग्निदेव 3. दक्षिण-पूर्व के देवता 4. पाचन शक्ति 5. सोना 6. एक बूटी। —ಅಸ್ತ್ರ अस्त्र (सम्) सं—अनलास्त्र, तोप। — ಕಣ कण (सम्) सं·—आग का कण। —ಕಾರ್ಯ कार्य (सम्) सं·— अग्नि का पूजन। — ಕಾಷ್ಠ काष्ठ (सम्) सं·—अगर का वृक्ष, लकड़ी। —ಕುಂಡ कुंड (सम्) सं·— हवन करने के लिए बनाया जानेवाला विशेष प्रकार का गड्ढा। — ಕೋಣ कोण (सम्) सं.— दक्षिण-पूर्व दिशा।—ಕುಮಾರ कुमार, ತನಯ तनय· ಸುತ सुत (सम्) सं·— 1. षडानन, कार्तिकेय 2. आयुर्वेद के अनुसार एक रस विशेष। — ಜ ज (सम्) सं— अग्नि में उत्पन्न, षण्मुख। ಜೆ ज़े (सम्) सं.— द्रौपदी। —ಜ್ವಾಲೆ ज्वाले (सम्) सं.–1. आग की लपट 2. लाल फूलोंवाला एक पौधा। — ತಾರೆ तारे (सम्) सं —कृत्तिका नक्षत्र। —ದೀಪನ दीपन (सम्) सं.—पाचन शक्ति-प्रचोदक। ದೇವೆ देवे (सम्) सं·— कृत्तिका नक्षत्र।—ನಯನ नयन (सम्) सं.– शिव। —ನೇತ್ರ नेत्र (सम्) सं.—शिव।—ಪರೀಕ್ಷೆ परीक्षे (सम्) सं·— जलती हुई आग में कूदकर परीक्षा देना, कठिन परीक्षा। —ಫಲ फल (सम्) सं·— वज्र, माणिक्य। — ಬಾಣ वाण (सम्) सं·— जलनेवाला वाण, राकेट। ಬಾಧ वाध (सम्) सं·— लूट॥ — ಭೂ भू (सम्) सं·—षण्मुख। ಮಥನ मथन (सम्) सं· — लकड़ियों को रगड़कर आग निकालने की क्रिया। — ಮಿತ್ರ मित्र (सम्) सं·— अग्नि का मित्र, हवा 2. एक राजा का नाम। —ಮುಖ मुख (सम्) सं.— 1. एक देवता 2. ब्रह्मा। — ವರ್ಣ वर्ण (सम्) सं·— सूर्यवंश का अंतिम राजा।—ವೀರ್ಯ वीर्य (सम्) सं.— शिव। —ಶಿಖೆ शिखे (सम्) सं·— 1. आग की ज्वाला 2 मुर्गा। —ಷ್ಟೋಮ ष्टोम (सम्) सं·— 1. वसंत ऋतु में किया जानेवाला एक यज्ञ 2. अग्नि का स्तोत्र। —ಸಂಸ್ಕಾರ संस्कार (सम्) सं· — 1. आग से शुद्ध करना 2. शव को जलाने की क्रिया। —ಸಖ सख (सम्) सं·— हवा। — ಸಾಕ್ಷಿಕ साक्षिक (सम्) वि·— अग्नि के सम्मुख हुआ कार्य, विवाह। —ಹೋತ್ರ होत्र (सम्) सं.—एक यज्ञ, सायं प्रातः नियम से किया जानेवाला वैदिक कर्म विशेष।—ಹೋತ್ರಿ होत्रि (सम्) वि· — अग्निहोत्र करनेवाला।

ಅಗ್ನ್ಯುತ್ಪಾತ अग्न्युत्पात (सम्) सं.— अग्नि नक्षत्र, धूमकेतु।

ಅಗ್ರ अग्र (क) सं·— मुँह के अंदर होनेवाले छोटे-छोटे फोड़े।

ಅಗ್ರ अग्र (सम्) सं. — 1. छोर, शिखर, प्रारंभ, अग्रभाग, गाँव का आगे का भाग 2. मुख्य, उत्तम, श्रेष्ठ 3. स्तुति 4. प्रथम, पहला।

ಅಗ್ರಗ अग्रग (सम्) सं·— नेता, अगुआ।

ಅಗ್ರಗಣ್ಯ अग्रगण्य (सम्) सं· — सर्वश्रेष्ठ, पहले गिना जाने योग्य।

ಅಗ್ರಗಾಮಿ अग्रगामी (सम्) सं·— आगे चलनेवाला, अगुआ, नेता।

ಅಗ್ರಜ अग्रज, ಅಗ್ರಜನ್ಮ अग्रजन्म (सम्) सं. – 1. पहले उत्पन्न, बड़ा भाई 2. ब्राह्मण 3. विष्णु।

ಅಗ್ರಜಾತೆ अग्रजाते (सम्) सं·— 1. बड़ी बहन 2. पार्वती।

ಅಗ್ರಜೇಶ अग्रजेश (सम्) सं.—1. बड़ी वहन का पति, बहनोई 2. पार्वती के पति, शिव।

ಅಗ್ರಣಿ अग्रणि, ಅಗ್ರಣೀ अग्रणी (सम्) सं.— 1. सर्वश्रेष्ठ 2. नेता, नायक।

ಅಗ್ರತಃಸರ अग्रतःसर (सम्) वि·—आगे जानेवाला। सं·— नेता, अगुआ।

ಅಗ್ರತನೂಜ अग्रतनूज (सम्) सं. — पहला बेटा, बड़ा भाई।

ಅಗ್ರತಾಂಬೂಲ अग्रतांबूल (सम्) सं·— सभा समारोह में सब से पहले तंबूल पाने योग्य, गौरव या मर्यादा पाने योग्य।

ಅಗ್ರದೂತ अग्रदूत (सम्) सं. — सर्वप्रथम सेवक, विश्वासपात्र सेवक।

ಅಗ್ರಪೂಜೆ अग्रपूजे (सम्) सं· — अग्रपूजा, सभा-समारोह में प्राप्त सर्वाधिक गौरव।

ಅಗ್ರಫಲ अग्रफल (सम्) सं·— पहली उपज या फ़सल।

ಅಗ್ರಬಲ अग्रबल (सम्) सं·— सर्वप्रथम जानेवाली सेना, मुख्य सेना।

ಅಗ್ರಮಾಂಸ अग्रमांस (सम्) सं·— हृदय।

ಅಗ್ರಂಬರಂ अग्रंबरं (क) अ·— अंत तक।

ಅಗ್ರಸಾಲೆ अग्रसाले (सम्) सं·— मंदिर का रसोई घर।

ಅಗ್ರಸ್ಥ अग्रस्थ (सम्) सं·— नेता, सभापति, अध्यक्ष।

ಅಗ್ರಹಸ್ತ अग्रहस्त (सम्) सं·— 1. हाथ की उँगलियाँ 2. हाथी की सूँड का अंतिम भाग जो उंगली जैसा होता है।

ಅಗ್ರಹಾರ अग्रहार (सम्) सं·— ब्राह्मणों के निवास के लिए निर्मित ग्राम अथवा ग्राम का भाग।

ಅಗ್ರಹಾರಿಕ अग्रहारिक (सम्) सं·— 'अग्रहार' का निवासी।

ಅಗ್ರಾಮ್ಯ अग्राम्य (सम्) वि· — जो ग्राम्य न हो, शुद्ध।

ಅಗ್ರಾಸನ अग्रासन (सम्) सं·—मुख्य आसन, गद्दी।

ಅಗ್ರಾಸೀನ अग्रासीन (सम्) सं. — मुख्य आसन पर बैठा व्यक्ति, सभापति, अध्यक्ष।

ಅಗ್ರಾಹ್ಯ अग्राह्य (सम्) वि·— अस्वीकार्य, जो ग्रहण न किया जा सके।

ಅಗ್ರಿಮ अग्रिम (सम्) वि·— पहला, मुख्य, उत्तम, श्रेष्ठ।

ಅಗ್ರಿಯ अग्रिय (सम्) वि· — पहला, बड़ा। सं·— बड़ा भाई।

ಅಗ್ರೇಶ್ವರ अग्रेश्वर (सम्) सं. — सबसे बड़ा, महाप्रभु· महानायक।

ಅಗ್ರೇಸರ अग्रेसर (सम्) सं·— नायक, प्रथम व्यक्ति, सर्वोत्तम।

ಅಗ್ರೋದಕ अग्रोदक (सम्) सं·— भगवान की पूजा के लिए नियत जल।

ಅಗ್ರ್ಯ अग्रय (सम्) वि. — उत्तम, प्रथम, लक्ष्यपूर्वक ।

ಅಘ अघ (सम्) सं.—1. पाप, दोष 2. अपराध 3. दुःख, व्यथा 4. दुष्कर्म 5. अशौच, सूतक, अपवित्रता ।

ಅಘಟ अघट (सम्) वि.—1. बहुत, अतिशय 2. संभावित 3. विस्मयकर ।

ಅಘಟನ अघटन (सम्) सं.— असंभावित घटना, कठिन या अशक्य कार्य ।

ಅಘಟಿತ अघटित (सम्) वि.— असंभावित । सं.— जो कभी संभव न हो, ऐसी घटना ; आश्चर्यजनक घटना ।

ಅಘನ अघन (सम्) वि.— जो बड़ा न हो, छोटा ।

ಅಘಮರ್ಷಣ अघमर्षण (सम्) वि.— पापहर सं.— पापनाशक मंत्र विशेष, इस वेद-मंत्र के रचयिता का नाम ।

ಅಘರಿಪು अघरिपु (सम्) सं.— अघासुर के शत्रु, श्रीकृष्ण ।

ಅಘಾತಿ अघाति (सम्) वि.— जिससे हानि न हो, हानिरहित ।

ಅಘಾರಿ अघारि (सम्) सं—पापों के शत्रु, पाप विनाशक, परमेश्वर ।

ಅಘಾಸುರ अघासुर (सम्) सं.— एक राक्षस जो बकासुर का भाई और कंस का सेनापति था ।

ಅಘೋರ अघोर (सम्) वि.—जो भयानक न हो । सं.—1. शिव, महादेव 2. वर्ग के परुष व्यंजन और श, ष, स, ह वर्ण ।

ಅಘ್ನ್ಯ अघ्न्ये (सम्) वि.— मारने के अयोग्य सं. — 1. प्रजापति 2. पर्वत 3. बैल गाय ।

ಅಚಕ್ಷು अचक्षु (सम्). सं— निरुपयोगी नेत्र, खराब आँखें, अंधा ।

ಅಚಂಚಲ अचंचल (सम्) वि.—स्थिर, अचल, जो विचलित न हो ।

ಅಚಂಡ अचंड (सम्) वि.—जो क्रोधी स्वभाव का न हो, मृदु, शांत ।

ಅಚಂಡಿ अचंडि (सम्) सं.— सीधी गौ, सरल प्रकृति की गाय, शांत स्त्री ।

ಅಚತುರ अचतुर (सम्) वि.— 1. चार संख्या से शून्य 2. अनिपुण, अनाडी ।

ಅಚಪಲ अचपल (सम्) वि.—अचंचल, दृढ़ । —ತೆ ते (सम्) सं.—स्थिरता ।

ಅಚರ अचर (सम्) वि.— जो नहीं हिलता हो, जड़, स्थावर ।

ಅಚಲ अचल (सम्) सं.— विचलित, स्थिर । सं.—1. पर्वत, भूमि 2. मुक्ति 3. महायोगी 4. बनमानुष ।—ತೆ ते, ತ್ವ त्व (सम्) सं.— अचलता, स्थिरता ।

ಅಚಲರಿಪು अचलरिपु (सम्) सं.— पर्वतों के शत्रु, इंद्र ।

ಅಚಲಿ अचलि (सम्) सं.— भूमि ।

ಅಚಲಿತ अचलित (सम्) वि.— स्थिर, दृढ़ ।

ಅಚಲೇಂದ್ರ अचलेंद्र (सम्) सं.— पर्वतों का राजा, हिमालय, मेरु पर्वत ।

ಅಚಾತುರ್ಯ अचातुर्य (सम्) सं.— मूर्खता, बेवकूफ़ी, चतुरता की कमी ।

ಅಚಿ अचि (सम्) सं.— अपवित्रता (मै.प्र.) ।

ಅಚಿಂತ अचिंत (सम्) वि.— चिंतारहित ।

ಅಚಿಂತ್ಯ अचिंत्य (सम्) वि. — मन और बुद्धि के परे । सं.— ब्रह्मा, शिव ।

ಅಚಿಕ್ಕಣ अचिक्कण (क) सं. — जो चिकना न हो, रूक्ष, कठोर ।

ಅಚಿರ अचिर (सम्) वि. -- अल्प, थोड़ा, थोड़ी देर रहने या ठहरनेवाला, शीघ्र, जल्दी ।

ಅಚಿರದ್ಯುತಿ अचिरद्युति, ಅಚಿರಾಂಶು अचिरांशु, ಅಚಿರಪ್ರಭೆ अचिरप्रभे (सम्) सं.—बिजली, विद्युल्लता, चपला ।

ಅಚುಂಬಿತ अचुंबित (सम्) वि.—1. जो नहीं चूमा गया हो 2. संबंध-रहित ।

ಅಚೇತ अचेत (सम्) वि.— 1. निपट दरिद्र 2. संज्ञाशून्य, मूर्च्छित 3. ज्ञानरहित ।

ಅಚೇತನ अचेतन (सम्) वि. — 1. चेतना रहित, जड़ 2. संज्ञाशून्य, मूर्च्छित 3. ज्ञानहीन ।

ಅಚೈತನ್ಯ अचैतन्य (सम्) सं.— चेतना का अभाव, शक्तिहीन, अज्ञान ।

ಅಚೋದ್ಯ अचोद्य (सम्) वि.—अविस्मयकर सामान्य ।

ಅಚ್ಚ अच्च (क) वि. — शुद्ध, निर्मल, साफ़-सुथरा, दृढ, श्रेष्ठ, ठेठ ।

ಅಚ್ಚ अच्च (तद्) वि. — अच्छ (तत्) । निश्चित, स्वच्छ, साफ़-सुथरा, सुंदर ।

ಅಚ್ಚಕ अच्चक (क) सं. — 1. कर (Tax)- 2. दोस्ती, मित्रता 3. अति परिचय ।

ಅಚ್ಚಕ್ಕಿ अच्चक्कि (क) सं.— बढ़िया चावल, साफ़ किया हुआ चावल ।

ಅಚ್ಚಗ (क) सं.—गड़बड़ी, मन की अशांतता ।

ಅಚ್ಚಗನ್ನಡ अच्चगन्नड (क) सं.— शुद्ध कन्नड, टकसाली कन्नड, ठेठ कन्नड ।

ಅಚ್ಚಡ अच्चड (तद्) सं.— प्रच्छद (तत्) । 1. आच्छादन, उत्तरीय 2. चादर, पलंगपोश पलंग की चादर 3. परदा ।

ಅಚ್ಚತೆ अच्चते (तद्) सं.— अक्षत (तत्) दे. ಅಕ್ಷತ.

ಅಚ್ಚನೆ अच्चने (तद्) सं.— अर्चना (तत्) ।

ಅಚ್ಚಯ अच्चय (तद्) वि.— अक्षय (तत्) ; जिसका नाश न हो । –ಕೋಲ್ कोल् (तद्) सं.— अक्षय-बाण, वे बाण जो कभी समाप्त नहीं होते ।

ಅಚ್ಚರ अच्चर (तद्) सं.— 1. अक्षर (तत्) 2. अप्सरा (तत्) ।

ಅಚ್ಚರಸಿ अच्चरसि (तद्) सं.–अप्सर स्त्री (तत्); अप्सरा, देव-कन्या ।

ಅಚ್ಚರಿ अच्चरि (तद्) सं.— आश्चर्य (तत्) ; अचरज, विस्मय 2. अप्सरी (तत्); अप्सरा ।

ಅಚ್ಚರ್ಯ अच्चर्य (तद्) सं.—आश्चर्य (तत्) ।

ಅಚ್ಚಳಿ अच्चळि, (क) क्रि.— नष्ट हो, बरबाद हो ।

ಅಚ್ಚಾಳಿ अच्चाळि, ಅಚ್ಚಾಳು अच्चाळु (क) सं.– 1. शूर 2. हट्टा कट्टा आदमी, दृढकाय मनुष्य ।

ಅಚ್ಚಾಳಿಕೆ अच्चाळिके (क) सं.— 1. दृढ़ता 2. शारीरिक बल ।

ಅಚ್ಚಿ अच्चि (क) सं.— 1. रोटी (छोटे बच्चों द्वारा प्रयुक्त शब्द) 2. माता 3. स्त्री, महिला, मलयाळी स्त्री 4. चुचुक ।

ಅಚ್ಚಿ अच्चि (तद्) सं.— अक्षि (तत्); आँख, दृष्टि ।—ಗೋಳಿಸು गोळिसु (क) क्रि. रू.— चमक; सुंदर रह (मुहा०)।

ಅಚ್ಚಿಕೆ अच्चिके (क) सं.— 1. अति परिचय, स्नेह, प्रेम, प्रीति 2. संपदा 3. कर (Tax) लगान।

ಅಚ್ಚಿಗ अच्चिग (क) सं:— 1. गड़बड़ी, मन की अशांति 2. प्रियतर वस्तु 2. पीडा, व्यथा।

ಅಚ್ಚಿಗ अच्चिग (तद्) सं. — अर्चक (तत्); पूजारी।

ಅಚ್ಚು अच्चु (क) सं.—1. दृढ़पूर्वक दबाने की क्रिया 2. दृढता 3. निर्दिष्ट वस्तु 4. छाप, मूद्रा, मुहर 5. छपाई 6. साँचा।

ಅಚ್ಚು अच्चु (क) सं.—1. बेकार भूमि के लिए दिया जानेवाला कर 2. व्यर्थ व्यय 3. उचित न होने पर भी पैसा देना।

ಅಚ್ಚು अच्चु, ಅಚ್ಚುಮೆಚ್ಚು अच्चुमेच्चु (क) सं.— दुलार, प्यार, प्रेम, अति परिचय।

ಅಚ್ಚು अच्चु (क) क्रि.—1. लगा 2. प्रेम से रह 3. मैत्री से रह।

ಅಚ್ಚು अच्चु (तद्) सं.— अक्ष (तत्) 1. धुरी 2. गाड़ी, छकड़ा 3. चौंसर, चौंसर का पाँसा।

ಅಚ್ಚುಕ अच्चुक (क) सं.— प्रेम, प्रीति, मैत्री, निकट परिचय, आकृति, रूप।

ಅಚ್ಚುಕಟ್ಟು अच्चुकट्टु (क) सं.— 1. सफ़ाई 2. अच्छी व्यवस्था।

ಅಚ್ಚುಕೂಟ अच्चुकूट (क) सं.— मुद्रणालय, प्रेस (Press)।

ಅಚ್ಚುಗುಳಿ अच्चुळि (क) वि.—प्रिय, उपयुक्त मन को लगानेवाला।

ಅಚ್ಚುತ अच्चुत (तद्) सं.— अच्युत (तत्); विष्णु।

ಅಚ್ಚುಬೆಲ್ಲ अच्चुबेल्ल (क) सं.— साँचे में ढाला गुड़।

ಅಚ್ಚುಮೆಚ್ಚು अच्चुमेच्चु (क) सं.—1. अत्यंत प्रीतिपात्र 2. बहुत स्नेह।

ಅಚ್ಚುಳ अच्चुळ (क) सं.— मैत्री, स्नेह।

ಅಚ್ಚುವಣಿಗ अच्चुवणिग, ಅಚ್ಚುವಳಿಗ अच्चु-वळिग (क) सं.— वह जमीनदार जो बहुत अधिक कर देता है।

ಅಚ್ಚುಳಾಯತ अच्चुळायत, ಅಚ್ಚುಳಾಯ್ತ अच्चुळाय्त, ಅಚ್ಚುಳಾಯ್ಲ अच्चुळाय्ल (क) सं.— सेवक, चारक, पहरेदार, दरबान।

ಅಚ್ಚೆ अच्चे (क) सं.— 1. मछली विशेष 2. मैत्री, प्रीति 3. बाँस की तीलियाँ (मै. प्र.)।

ಅಚ್ಚೇರು अच्चेरु (क) सं.—आधा सेर।

ಅಚ್ಛ अच्छ (सम्) वि.–साफ़, पवित्र, विशुद्ध सं.—1. स्फटिक 2. रीछ, भालू। अ.— ओर, तरफ़।

ಅಚ್ಛಭಲ್ಲ अच्छभल्ल (सम्) सं.—सफ़ेद भालू।

ಅಚ್ಛಮಲ್ಲಿಕೆ अच्छमल्लिके, ಅಚ್ಚಮಲ್ಲಿಗೆ अच्च-मल्लिगे (सम्) सं.— सच्ची मल्लिका, जुही (A true Jasminum zumbac)

ಅಚ್ಛಸ್ಫಟಿಕ अच्छस्फटिक (सम्) सं.–स्फटिक, पारदर्शक।

ಅಚ್ಛಿದ್ರ अच्छिद्र (सम्) वि.— 1. जिस में छेद न हो 2. दोषरहित 3. अटूटा, अभिन्न 4. नया।

ಅಚ್ಛಿನ್ನ अच्छिन्न (सम्) वि.— 1. जो खंडित न हो 2. अविरत, सतत 3. अविभक्त।

ಅಚ್ಛೋಟನ अच्छोटन (सम्) सं.— शिकार, आखेट।

ಅಚ್ಛೋದ अच्छोद (सम्) वि.— निर्मल जलवाला सरोवर, निर्मल जल।

ಅಚ್ಯುತ अच्युत (सम्) वि.—जो कभी न गिरे, स्थिर, दृढ़। सं.— 1. विष्णु 2. एक वृक्ष का नाम।

ಅಚ್ಯುತಕ अच्युतक (सम्) सं.—एक वृक्ष का नाम।

ಅಚ್ಯುತಾಗ್ರ अच्युताग्र (सम्) सं.— 1. कृष्ण के बड़े भाई बलराम 2. इंद्र।

ಅಜ अज (सम्) वि.—जन्मरहित, अनंतकाल से वर्तमान। सं. — 1. अनादि पुरुष 2. विष्णु, शिव और ब्रह्मा का नाम 3.. जीव 4. मेढ़ा, बकरा 5. मेषराशि 6. अन्न विशेष 7. काम 8. चंद्रमा 9. सप्तर्षियों में एक 10. सूर्य 11. वर्षा 12. कामिनी स्त्री 13. पुराना धान 14. दशरथ के पिता का नाम 15. नायक।

ಅಜಕಲ್ಪ अजकल्प (सम्) सं.— ब्रह्म की एक काल-गणना।

ಅಜಕವ अजकव, ಅಜಕಾವ अजकाव (सम्) सं.—शिव-धनुष, पिनाक।

ಅಜಕು अजकु (क) क्रि.— डर, भयभीत हो।

ಅಜಗ अजग (सम्) सं.— 1. सर्प विशेष 2. एक कवि का नाम 3. एक भक्त।

ಅಜಗಜಾಂತರ अजगजांतर (सम्) सं.— बकरी और हाथी के बीच का अंतर।

ಅಜಗಣ अजगण (सम्) सं — द्राविड छंदों में प्रयुक्त ब्रह्मगण।

ಅಜಗಣ್ಣ अजगण्ण (क) सं.— 1. शिव, महादेव 2. एक भक्त का नाम।

ಅಜಗಂಧಿಕೆ अजगंधिके (सम्) सं.—तुलसी का पौधा।

ಅಜಗರ अजगर (सम्) सं.— एक बड़ा भारी सर्प, अजगर।— ವೃತ್ತಿ वृत्ति सं.— बेकार बैठे रहना।

ಅಜಗಲಸ್ತನ अजगलस्तन (सम्) सं.— बकरे के गले का स्तन।

ಅಜಗವ अजगव, ಅಜಗಾವ अजगाव (सम्) सं.— शिव-धनुष, पिनाक।

ಅಜಗವಪಾಣಿ अजगवपाणि (सम्) सं —शिव, पिनाकी।

ಅಜಜಟಿ अजजटि (सम्) सं.— 1. जटधारी 2. सुगंधित पत्तों वाला एक पौधा The flower Artemisa Indica.

ಅಜಡ अजड (सम्) सं.— जो जड या मूर्ख न हो।

ಅಜತ್ವ अजत्व (सम्) सं.—ब्रह्मा की स्थिति।

ಅಜಧ್ವನಿ अजध्वनि (सम्) सं.— बकरी के समान चिल्लाने की क्रिया।

ಅಜನ अजन (सम्) वि.—निर्जन, जनशून्य। सं.— 1. जनशून्य प्रदेश 2. असुरूय मनुष्य।

ಅಜನನಿ अजननि (सम्) सं.— 1. जिसकी माता न हो 2. अनाथ।

ಅಜನಿ अजनि (सम्) सं.—रास्ता, मार्ग, पथ।

ಅಜನಿಸು अजनिसु (क) क्रि.— घृणा कर, तिरस्कार कर, नीचा दिखा, हेय दृष्टि से देख।

ಅಜನ್ಯ अजन्य (सम्) वि.— उत्पन्न होने या किये जाने के अयोग्य, मनुष्य जाति के प्रतिकूल, अशुभकर। सं.— दैवी उत्पात, उपद्रव, भूकंप, आदि।

ಅಜಪ अजप (सम्) सं.—वह ब्राह्मण जो मंत्रों का ठीक प्रकार से उच्चारण नहीं करता।

ಅಜಪೆ अजपे (सम्) सं.— 1. अजपा। देवता विशेष, गायत्री। मनुष्य स्वाभाविक श्वासोच्छ्वास।

ಅಜಪ್ರಾಸ अजप्रास (सम्) सं.— तुक का एक प्रकार जो छंद-रचना के लिए आवश्यक है।

ಅಜಮಾಯಿಸು अजमायिसु (अ. दे.) क्रि.— ['अजमाना' (हि.) से इसका संबंध प्रतीत होता है।] 1. कल्पना कर 2. समझ ले।

ಅಜಮಾಸು अजमासु (अ. दे.) अ.—लगभग, करीब। सं.—औसत गणना।

ಅಜಮೀಢ अजमीढ (सम्) सं.— 1. अजमीर का नाम 2. राजा अजामिळ 3. धर्मराज का दूसरा नाम।

ಅಜಮೇದ अजमेद, ಅಜಮೇದಿಕಾ अजमेदिका, ಅಜಮೋದ अजमोद, ಅಜಮೋದೆ अजमोदे, ಅಜಾಮುಲ अजामुल, ಅಜಾಮೇದ अजामेद (सम्) सं.— एक औषधि, लोमकर्कट।

ಅಜಂಭ अजंभ (सम्) वि.— दंतहीन। सं.— 1. मेंढक 2. सूर्य 3. वह शिशु जिसके दाँत न हो।

ಅಜಯ अजय (सम्) वि.— जो जीता न जा सके। सं.—अपजय, हार।

ಅಜಯ್ಯ अजय्य (सम्) वि.— अजेय, जो जीता न जा सके। सं.—विष्णु।

ಅಜರ अजर (क) सं.— पौधा विशेष, नील का पौधा The Indigo plant.

ಅಜರ अजर (सम्) वि.—1. जो बूढ़ा न हो, सदैव युवा 2. अविनाशी। सं.—देवता।

ಅಜರಾಮರ अजरामर (सम्) वि.— जिसको बुढ़ापा और मृत्यु नहीं आती। सं.—देवता, परमेश्वर।

ಅಜರ್ಯ अजर्य (सम्) वि.—1. जो जीर्ण या हज़म नहीं होता 2. जो नहीं सड़ता। सं.— मैत्री, दोस्ती।

ಅಜಶೃಂಗಿ अजश्रृंगि (सम्) सं.—1. मेढासिंगी 2. पौधा विशेष The shrut odina wodier.

ಅಜಸ್ರ अजस्र (सम्) वि.— निरंतर, सन्तत, सदा, अनंत।

ಅಜಹೆ अजहे (सम्) सं.— 1. कपि कच्छुक 2. केवाँछ 3. शूकशिंबी नामक औषध।

ಅಜಾಗರ अजागर (सम्) वि.— अजागृत, सोता हुआ।

ಅಜಾಗರೂಕ अजागरूक (सम्) सं.— जो जागरूक न हो, आगे न बढ़नेवाला मनुष्य।

ಅಜಾಗರೂಕತೆ अजागरूकते (सम्) सं.— अजागृति, लापरवाही।

ಅಜಾಗರಸ್ತನ अजागरस्तन (सम्) सं.— बकरी के गले के थन, निरुपयोगी वस्तु।

ಅಜಾಗ್ರತೆ अजाग्रते (सम्) सं.—दे. ಅಜಾಗರೂಕತೆ.

ಅಜಾಜೀವ अजाजीव (सम्) सं.— बकरियों से अजीविका पानेवाला, गडरिया।

ಅಜಾಡ್ಯ अजाड्य (सम्) सं.— रोगहीनता, स्वास्थ्य।

ಅಜಾಣ अजाण (तद्) सं.— अज्ञान (तत्); जो ज्ञानी न हो, मूर्ख, बेवकूफ़।

ಅಜಾಂಡ अजांड (सम्) सं.— ब्रह्माण्ड, भूमि, जगत, विश्व।

ಅಜಾತ अजात (सम्) वि.— अनुत्पन्न, जो पैदा न हुआ हो। सं.— भगवान।—ಶತ್ರು शत्रु (सम्) सं.— जिसका कोई शत्रु न न हो 2. युधिष्ठिर की उपाधि, शिवजी आदि अनेकों की उपाधि 3. दयालु।

ಅಜಾನೇಯ अजानेय (सम्) सं.—अच्छी जाति का घोड़ा। वि.— कुलीन, उत्तम या उच्च कुल का।

ಅಜಾಮಿಳ अजामिळ, (तद्) सं.— अजमीढ (तत्); दे. ಅಜಮೀಢ.

ಅಜಾರ अजार (क) सं.— ಹಜಾರ हजार— आँगन, हॉल (Hall) (मे. प्र.)।

ಅಜಿ अजि (क) वि.— गड़बड़, हड़बड़, झंझट का।—ಗಿಜಿ गिजि (क) सं.— पिसा हुआ चूर्ण, पुड़िया।

ಅಜಿಂಕ್ಯ अजिंक्य (सम्) वि.— अजेय।

ಅಜಿತ अजित (सम्) सं.— 1. जिसको नहीं जीता जा सकता, अजेय पुरुष 2. विष्णु, शिव 3. एक जैन-तीर्थंकर का नाम।

ಅಜಿತೃ अजितृ (सम्) सं. — चलानेवाला, चालक, नायक, नेता।

ಅಜಿನ अजिन (सम्) सं.— 1. चीता, सिंह, हाथी आदि का और विशेषकर काले हिरन का रोएंदार चमड़ा, जो आसन अथवा तपस्वियों के पहनने के काम में आता है। 2. एक प्रकार का चमड़े का थैला।— ಪತ್ರ पत्र (सम्) सं.—चिमगीदड़।

ಅಜಿರ अजिर (सम्) वि.—शीघ्र, जल्दी, तेज, फुर्तीला। सं.— 1. ज्ञानेंद्रिय 2. हवा 3. शरीर, देह 4. मेंढक 5. आँगन।

ಅಜಿಹ್ಮ अजिह्म (सम्) वि.—जो टेढ़ा न हो, सीधा, सरल।

ಅಜಿಹ್ಮಗ अजिह्मग (सम्) सं.— जो टेढ़ा नहीं है, बाण, तीर।

ಅಜಿಹ್ವ अजिह्व (सम्) सं.— मेंढक।

ಅಜೀಗರ್ತ अजीगर्त (सम्) सं.— एक वैदिक ऋषि।

ಅಜೀರ್ಣ अजीर्ण (सम्) सं.— 1. जो खराब या जीर्ण न हुआ हो 2. बदहज़मी, अपच 3. वीर्य, शक्ति, पराक्रम, ओजस्विता। वि.—न पचा हुआ। —ಅಂಶ अंश (सम्) सं.— थोड़ी बदहज़मी, हज़म न होने के कारण बचा भाग।

ಅಜೀವ अजीव (सम्) वि.— जीव या प्राण रहित, अस्तित्व रहित। सं. — मृत्यु, मरण।

ಅಜೀವನ अजीवन (सम्) सं. — गरीबी, निर्धयता।

ಅಜೀವನಿ अजीवनि (सम्) सं.— मृत्यु, मरण का शाप।

ಅಜುರ अजुर (क) सं.— पौधा विशेष, नील का पौधा।

ಅಜೆ अज़े (सम्) सं.— 1. मूल प्रकृति 2. माया, भ्रम 3. बकरी।

ಅಜೇಯ अजेय, ಅಜೇಯ್ಯ अजेय्य (सम्) वि.— जो जीता न जा सके, जीतने के अयोग्य।

ಅಜ್ಜ अज्ज, ಅಜ್ಜು अज्जु (क) सं.— उचित समय, ठीक समय।

ಅಜ್ಜ अज्ज (क) सं.— अत्यंत हल्का पदार्थ (अर्क वृक्ष का रूई-सा पदार्थ, जो हवा में उड़ जाता है।)

ಅಜ್ಜ अज्ज (तद्) सं.— आर्य (तत्); बूढ़ा आदमी, दादा, नाना।

ಅಜ್ಜಗ अज्जग (तद्) सं.— अर्जक (तत्); अर्जन, कमाई, प्राप्ति।

ಅಜ್ಜಿ अज्जि (तद्) सं.— आर्या (तत); बूढ़ी औरत, दादी, नानी।

ಅಜ್ಜಿಗೆ अज्जिगे (तद्) सं.— अर्जिका (तत्); बावुई वृक्ष, एक प्रकार की जुही।

ಅಜ್ಜಿಗೆ अज्जिगे (तद्) सं.— अर्जिका (तत्)— उपार्जन, कमाई, प्राप्ति, अपने अधीन में लेने की क्रिया।

ಅಜ್ಜು अज्जु (क) सं— दे. ಅಜ್ಜು.

ಅಜ್ಜು अज्जु (क) वि.— टूटा-फूटा, विच्छिन्न, पका-पका। —ಗುಜ್ಜು गुज्जु (क) सं.— दुबला-पतला।

ಅಜ್ಜು अज्जु (क) क्रि.— डुबा, भिगा, तरल पदार्थ में डुबा या रख (प्रे०)।

ಅಜ್ಜುಕೆ अज्जुके (क) सं.— वेश्या।

ಅಜ್ಜುಗೆ अज्जुगे (तद्) सं.— अर्जक (तत्); वृक्ष विशेष, एक प्रकार की जुही। (A double Jasmine.)

ಅಜ್ಞ अज्ञ (सम्) वि.—जड, अनपढ़, अविवेकी, मूर्ख, बेवकूफ़।

ಅಜ್ಞತೆ अज्ञते (सम्) सं.— मूर्खता, बेवकूफी विवेकहीनता।

ಅಜ್ಞಾತ अज्ञात (सम्) वि.— अविदित, अनजाना हुआ, अप्रकट, अपरिचित। —ವಾಸ वास (सम्) सं.— किसी को प्रकट न हो, इस प्रकार रहना; अप्रकट स्थान में रहना। (पाण्डवों ने एक वर्ष अज्ञातवास किया था)।

ಅಜ್ಞಾನ अज्ञान (सम्) सं.— ज्ञानहीनता विवेकहीनता। वि.— ज्ञानशून्य, गँवार, मूर्ख। — ಕೃತ कृत (सम्) वि.— मूर्खता या ज्ञान के अभाव के कारण किया हुआ।

ಅಜ್ಞಾನಿ अज्ञानि (सम्) वि. और सं.— दे. ಅಜ್ಞ.

ಅಜ್ಞೇಯ अज्ञेय (सम्) वि.— जो जाना न जा सके, समझ के बाहर, ज्ञानातीत।

ಅಟ अट (क) सं.— 1. धोकेबाज़ी, उपाय, ठगई 2. बाधा, अड़चन 3. गति 4. क्रीडा, खेल 5. हँसी, मजाक 6. भाषण, ध्वनि, गर्जन (जैसे ಆರ್ಭಟ आर्भट = गर्जन)।

ಅಟ अट, ಅಟು अटु, ಅಟ್ಟು अट्टु, ಅಷ್ಟು अष्टु (क) अ.— उतना, उतना-सा।

ಅಟ अट (सम्) सं.— गमन, भ्रमण।

ಅಟ अट (क) सं.—ಹಟ हट— हठ (मै. प्र.)।

ಅಟಕಾಯಿಸು अटकायिसु (क) क्रि.— विघ्न डाल, अड़चन उत्पन्न कर।

ಅಟಕಿಸು अटकिसु (क) क्रि.—दे. ಅಟಕಾಯಿಸು.

ಅಟತಟ अटतट (क) सं.— अड़चन, विघ्न, बाधा।

ಅಟನ अटन (सम्) सं.— घुमक्कडी, गमन, भ्रमण।

ಅಟನಿ अटनि (सम्) सं.— धनुष का अग्र भाग।

ಅಟಮಟ अटमट (क) सं.— ठगई, कपट, धोखेबाज़ी। — ಇಸು इसु (क) क्रि.— ठग, धोखा दे।

ಅಟರುಷ अटरुष, ಅಟರೂಷ अटरूष (सम्) सं.— अडूसा, वृक्षविशेष The Shrub Justicia adhtoda.

ಅಟರೂಷಕ अटरूषक (सम्) सं.—दे. ಅಟರುಷ.

ಅಟವಟ अटवट (क) सं.— दे. ಅಟಮಟ.

ಅಟವಣೆ अटवणे (अ. दे.) सं.— 1. स्मृति, याददाश्त 2. गणित 3. कर (Tax).

ಅಟವಿ अटवि, ಅಟವೀ अटवी (सम्?) सं.— वन, जंगल।

ಅಟವಿಕ अटविक (क) सं.— धोखेबाज़ मनुष्य, कपट वेशधारी, ठग।

ಅಟವೀಚರ अटवीचर (सम्) सं.— वनचर, जंगल में विचरण करनेवाला मनुष्य, शिकारी, जंगली।

ಅಟವ್ಯವಿ अटव्यवि (सम्) सं.—जंगली बकरी।

ಅಟಾಣ अटाण (क) सं.— एक कर्नाटक राग जिसे 'अठाण' भी कहते हैं।

ಅಟಿಗ अटिग, ಅಡಿಗ अडिग (क) सं.—खिलाड़ी, क्रीडा करनेवाला। प्र.— प्रत्यय के रूप में जैसे -- ಮಾವಟಿಗ मावटिग — महावत, हाथीवान।

ಅಟಿಸು अटिसु (क) क्रि.—'ಅಟ' का क्रि.रू.। खेल, क्रीडा कर, घूम, भ्रमण कर।

ಅಟೆ अटे (क) सं.— खेल, क्रीडा।

ಅಟೋಪ अटोप, ಅಟೋಪು अटोपु, ಅಟೋಬು अटोबु (अ. दे.) सं.— संयम, नियंत्रण, वश।

ಅಟ್ಟ अट्ट (क) वि.— घना, निबिड।

ಅಟ್ಟ अट्ट (सम्) वि.— 1. ऊँचा 2. सतत 3. शुष्क। सं.—1. अटा, अटारी 2. क्षुद्र बुर्ज़ 3. आश्रय, आधार के लिए बनाया हुआ प्राकार 4. हाट, बाज़ार, मंडी 5. प्रासाद महल।

ಅಟ್ಟ अट्ट (तद्) वि.—अष्ट (तत्); आठ।

ಅಟ್ಟ अट्ट (क) वि.— सूखा, रूखा, पका, पक्व किया हुआ।

ಅಟ್ಟಕವಲ್ अट्टकवल्, ಅಟ್ಟಕವಲು अट्टकवलु (क) सं.— सीधी शाखा या डाली।

ಅಟ್ಟಟ್ಟಿ अट्टट्टि (क) सं.—संदेशवाहक, समाचार देनेवाला।

ಅಟ್ಟಟ್ಟಿಕೆ अट्टट्टिके (क) सं.— पीड़ा, जो पीछे लगा हुआ हो।

ಅಟ್ಟಣೆ अट्टणे (क) सं.— ऊँचा गोपुर।

ಅಟ್ಟತೆಂಗು अट्टतेंगु (क) सं.—सूखा नारियल।

ಅಟ್ಟಪಡಿ अट्टपडि (क) सं.— लंबी लाठी।

ಅಟ್ಟುವಣೆ अट्टवणे (क) सं.— पुस्तक रखने का पीढ़ा।

ಅಟ್ಟುವೆ अट्टवे (तद्) सं.— अष्टमी (तत्), अष्टमी तिथि।

ಅಟ್ಟಹಾಸ अट्टहास (सम्) सं.— 1. ठठाकर हँसना, कहकहा 2. गर्व, घमंड।

ಅಟ್ಟಳ अट्टळ (क) सं.— 1. मंडल 2. तंगी, बाधा, कष्ट।

ಅಟ್ಟಳೆ अट्टळे (तद्) सं. — अट्टाल (तत्) 1. अटा, कोठा 2. दूसरी मंज़िल 3. महल, प्रासाद।

ಅಟ್ಟಾಲ अट्टाल, ಅಟ್ಟಾಲಕ अट्टालक (सम्) सं.—दे. ಅಟ್ಟಳೆ.

ಅಟ್ಟಾಸ अट्टास (तद्) सं.— अट्टहास (तत्)। दे. ಅಟ್ಟಹಾಸ.

ಅಟ್ಟಿ अट्टि (क) सं. — 1. घर 2. गोशाला, गायों को बांधने का स्थान।

ಅಟ್ಟಿಗಾಲಿಗ अट्टिगालिग (क) सं.— धोबी।

ಅಟ್ಟಿಸು अट्टिसु (क) क्रि.—1. भगा, दूर हटा, दौड़ा 2. वश में रख 3. पका, उबालकर गाढ़ा बना।

ಅಟ್ಟು अट्टु (क) क्रि.— पीछा कर, दौड़ा, भगा, दूर हटा। सं.—हिला-मिला हुआ, सामीप्य, संबंध, रिश्ता।

ಅಟ್ಟು अट्टु (क) क्रि. — 1. गाढ़ा हो, सूख (अक. क्रि.) 2. पका, रसोई कर (प्रे.)। 3. हाथ में लग, प्राप्त हो।

ಅಟ್ಟುಂಬಳಿ अट्टुंबळि (क) सं.— खाने के लिए दिया गया दान।

ಅಟ್ಟುಳಿ अट्टुळि (क) सं.— 1.जनता की भीड़ 2. कष्ट, पीड़ा 3. शिकार का प्राणी।

ಅಟ್ಟೆ अट्टे (क) वि.— झुका हुआ, टेढ़ा। सं.— 1. सिर विहीन देह, रुण्ड 2. तिरछी या टेढ़ी लाठी 3. चमड़ा 4. रक्तप, एक कीड़ा जो पानी में और शीतल भूमि में रहता है और मनुष्यों का रक्त पीता है। 5. पादुका (Shoe) का निचला भाग, तला।

ಅಟ್ಟೋಳಿ अट्टोलि (तद्) सं.— अट्टाल (तत्) दे. ಅಟ್ಟಳೆ.

ಅಟ್ಯೆ अट्ये (सम्) सं.— गमन, भ्रमण, घूमने की क्रिया।

ಅಟ್ಲು अट्लु (क) सं.—कीचड़, पंक (मे.प्र.)।

ಅಠಾಣಾ अठाणा (क) सं.— कर्नाटक संगीत का एक राग।

ಅಡ अड (क) वि.— तिरछा, टेढ़ा। सं.— 1. खेल, क्रीडा 2. रसोई 3. रोक, विरोध 4.क्षुद्र 5. उतावलापन 6. एक ताल का नाम।

ಅಡಕ अडक (क) सं.— 1. भरना, हाथ में दबाकर भरना 2. समाना 3. नाप-तेल के अनुसार होना 4. सिमट कर रहना 5. संग्रह, संक्षेप 6. समाने या ठीक प्रकार से रहने का स्थान।

ಅಡಕಲ अडकल, ಅಡಕಲು अडकलु, ಅಡಕಿಲ अडकिल (क) वि. और सं.—एक वस्तु पर दूसरी वस्तु को रखना, एक पर दूसरे का आरोप, एक के ऊपर रखी हुई दूसरी वस्तु। —ಕೋಣೆ कोणे (क) सं.— सामान रखने की कोठरी। —ಗಡಿಗೆ गडिगे (क) सं.— एक के ऊपर दूसरा और इसी क्रम से रखे हुए घड़े।

ಅಡಕಿಲ್ अडकिल् (क) सं.—दे. ಅಡಕಲ.

ಅಡಕು अडकु (क) क्रि.—दबाकर या संभालकर भर, एक के ऊपर दूसरा रख, मिला, ढेर लगा, नियंत्रण कर, कम कर।

ಅಡಕೆ अडके, ಅಡಿಕೆ अडिके (क) सं.—1. सुपारी, पान-सुपारी 2. चाह, अभिलाषा।— प्र. जैसे—ನೀರಡಿಕೆ नीरडिके—प्यास, 'ನೀರು' —जल, 'ಅಡಿಕೆ' प्रत्यय।

ಅಡಕೊತ್ತು अडकोत्तु ಅಡಕತ್ತರಿ अडकत्तरि (क) सं.—सुपारी काटने की कैंची, सरोता।

ಅಡಕೋತು अडकोतु, ಅಡಗತ್ತಿ अडगत्ति, ಅಡಗತ್ತ್ರಿ अडगत्त्रि (क) सं.—सुपारी काटने की कैंची, सरोता।

ಅಡಗ अडग (क) सं.— 1. मांस 2. खण्ड 3. रहस्य, गुप्त बात।

ಅಡಗಲ್ಲು अडगल्लु, ಅಡಿಗಲ್ಲು अडिगल्लु (क) सं.— लुहार की निहाई, स्थूण।

ಅಡಗಣಿಸು अडगणिसु, ಅಡಗಾಣಿಸು अडगाणिसु (क) क्रि.— कंटक हो, बाधा हो, विघ्न हो (अक. क्रि.)।

ಅಡಗಿಸು अडगिसु (क) क्रि.— बंद कर, दबा, नियंत्रित कर, ढक, अंत कर, संक्षेप कर।

ಅಡಗು अडगु (क) क्रि.— 1. छिप जा, ओझल हो, गुप्त रह 2. अस्तित्व खो जा 3. झुक जा 4. बंद हो।

ಅಡಗು अडगु (क) सं.— दे. ಅಡಗ.

ಅಡಗುಚುಚ್ಚುಗ अडगुचुच्चुग (क) सं.— मांस पकाते समय काम में लाया जानेवाला उपकरण जिसका अंत नोकदार होता है।

ಅಡಗೆ अडगे, ಅಡುಗೆ अडुगे, ಅಡಿಗೆ अडिगे (क) सं.— पकाने की क्रिया, रसोई।

ಅಡಗೆಡೆ अडगेडे, ಅಡಗೆಡಹು अडगेडहु (क) क्रि.—साष्टांग नमस्कार कर; मस्तक, हाथ, पैर, छाती, आँख, जाँघ, वचन और मन— इन अष्टांग सहित भूमि पर लेटकर प्रणाम कर।

ಅಡಂಗಾಯ್ತು अडंगाय्तु (क) सं— किले का निवासी अथवा रखवाला।

ಅಡಂಗಿಸು अडंगिसु (क) क्रि.— दे. ಅಡಗು.

ಅಡಂಗುರುಚು अडंगुरुचु (क) सं.— आँख-मिचौनी खेल, एक क्रीडा।

ಅಡಚಣೆ अडचणे (अ. दे.) सं.— 1. कमी, अभाव 2. अड़चन, बाधा।

ಅಡಚು अडचु (क) क्रि.— 1. भर, बंद कर 2. मार, पीट 3. लगा, दबा 4. विनष्ट कर।

ಅಡತರ अडतर (क) सं.— 1. बीच में आने की क्रिया, अड़ने की क्रिया, रोक 2. व्यथा, विषाद 3. अनुपयुक्तता 4. निस्तेज।

ಅಡದಲಿಕಿ अडदलिकि (क) सं. — सेवक, नौकर।

ಅಡದಿ अडदि (क) सं.— 1. धोबी से धुलाने के मैले कपड़े 2. धोबी से किराये पर लिए जानेवाले धुले कपड़े।

ಅಡನೆ अडने, ಅಡ್ಡನೆ अड्डने, ಅಡ್ಡೆ अड्डे (क) वि.— 1. तिर्यक्, तिरछा, टेढ़ा, अड़ा हुआ 2. असभ्य।

ಅಡನಡೆ अडनड़े, ಅಡನಾಡಿ अडनाडि (क) सं.— टेढ़ी चालवाला मनुष्य, पशु। —ತನ तन (क) सं.— टेढ़ापन, वक्रता, बुरी प्रकृति।

ಅಡಪ अडप (क) सं.— 1. एक छोटी पेटी या थैली जो सुपारी रखने के काम में आती है ; नाई ऐसी पेटी या थैली में अपने सामान (उपकरण) रखता है। 2. राजा की तांबूल-पेटिका। — ವಳ वळ, ವಳ್ಳ, वळ्ळ (क) सं.— 1. नाई 3. महल में तांबूल-पेटिका देनेवाला व्यक्ति।

ಅಡಪು अडपु (क) सं.— 1. एक चर्मरोग जो कुत्तों को होता है 2. आश्चर्य 3. चढ़ाई; वृद्धि ; चढ़ना।

ಅಡಪು अडपु (क) सं.—गिरवी, उधार के बदले रखा जानेवाला गहना या पदार्थ।

ಅಡಬಡಿಸು अडबडिसु (क) क्रि.—गड़बड़ कर, हल्ला कर।

ಅಡಬಳ अडबळ, ಅಡುವಳ अडुवळ (क) सं.— 1. रसोई बनानेवाला, पाचक, महाराज मांस।

ಅಡಬೆ अडबे (क) सं.— क्रूरता, निर्दयता।

ಅಡಯಾಳ अडयाळ (क) सं.—पहचान, चिह्न।

ಅಡರ್ जडर्, ಅಡುರ್ आडुर (क) क्रि.— 1. चढ़, ऊँचा हो, 2. लग, संलग्न हो, चमक 3. झपट।

ಅಡರಾಸು अडरासु (क) क्रि.— 1. लालच दिखा 2. जल्दी कर।

ಅಡರಿಸು अडरिसु (क) क्रि.— लगा, चिपका, ऊपर चढ़।

ಅಡರು अडरु (क) क्रि.— दे. ಅಡರ್.

ಅಡರ್ಚಿಸು अडर्चिसु (क) क्रि.— ला, लग जा, फँस जा ; मिला।

ಅಡರ್ಪು अडर्पु (क) सं.— 1. विश्वास, भरोसा 2. ढेर, राशि 3. प्रतिबिंब 4. राख, भस्म।

ಅಡಲು अडलु (क) क्रि.— हिल-डुल, काँप, भीत हो, डर। सं.— कंपन, भीति, भय, डर, विमूढता।

ಅಡವಟ್ಟ अडवट्ट (क) वि.—टेढ़ा, कुरूप।

ಅಡವಿ अडवि (तद्) सं.— अटवी (तत्) दे. ಅಟವಿ.—ಕಿಚ್ಚು किच्चु (तद्) सं.— दावाग्नि। —ತಾಣ ताण (तद्) सं.—अरण्य प्रदेश। —ಪಾಲಾಗು (तद्) क्रि.— अनाथ हो, असहाय हो (मुहा.)।

ಅಡವು अडवु (क) सं.— 1. गिरवी, उधार के बदले रखा जानेवाला गहना (या पदार्थ) 2. आतंक, कष्ट 3. संतुष्टि, संतोष 4. उपयुक्तता 5. पर्याप्त मात्रा में रहना।

ಅಡಸಟ್ಟೆ अडसट्टे (क) सं.— अनुमान, अंदाज़ा ; गिनती, गणना।

ಅಡಸರಣೆ अडसरणे (क) सं.— बीच में आनेवाला विघ्न, अड़चन।

ಅಡಸಲ-ಬಡಸಲ अडचल-बडसल (क) वि. भला-बुरा, ठंडा-गरम, पका-अनपका, खराब बदचलन।

ಅಡಸಲ अडसल, ಅಡಸಲೆ अडसले, ಅಡಸಾಲ अडसाल (तद्) सं.— अटरुष (तत्) दे. ಅಟರುಷ.

ಅಡಸು अडसु (क) क्रि.—लग, चिपक, लिप्त हो, हो, उसन्न हो।

ಅಡಹಡಿಸು अडहडिसु (क) क्रि.—गड़बड़ी कर, दृढ़ता से पकड़, झपट, दृढ़ता से रह।

ಅಡಹಾಯ್ अडहाय (क) क्रि.— बीच में आ, रोक, बाधा डाल।

ಅಡಹು अडहु (क) सं.— दे. ಅಡವು 1.

ಅಡಾ अडा (अ. दे.) वि.— ढाई, अढ़ाई।— ಅಡಾಸೇರು अडासेरु, ಅಡಶೇರಿ अडशेरि, ಅಡೀಸೇರು अडीसेरु वि.– ढाई सेर का परिमाण।

ಅಡಾಡಿ अडाडि (क) वि.— गड़बड़, त्वरित। सं.—जल्दबाज़ी, शीघ्रता ; गड़बड़ी।

ಅಡಾಣಿ अडाणि (अ. दे.) सं.— 1. व्यर्थ परिश्रम 2. बिना पैसे दिये बलपूर्वक कार्य कराना 3. क्षेत्रहीन सेवक, वह मज़दूर जिसके पास खेत नहीं।

ಅಡಾಯಿಸು अडायिसु (क) क्रि.—ठहरा, रोक।

ಅಡಾಯುಧ अडायुध (क) सं.– खड्ग विशेष।

ಅಡಾವುಡಿ अडावुडि (क) वि.—गड़बड़ी करनेवाला। सं.— गड़बड़ी, कोलाहल, शीघ्रता, झगड़ा।

ಅಡಿ अडि (क) सं.—1. फुट (foot) 2. पाद, चरण ; छंद का चरण 3. निचला भाग, तली। वि.— 1. पका हुआ, जो पकने के लिए आया, परिपक्व 2. नीच, हीन, निम्न, 3. मिटने का कारणभूत, व्यर्थ, बेकार।

ಅಡಿಕಿಲ್ अडिकिल् (क) वि., सं.— ಅಡಕಲ.

ಅಡಿಕೆ अडिके (क) सं.-1. दे. ಅಡಕೆ 2. प्रत्यय, जैसे ತೂಕಡಿಕೆ ऊँघ. निद्रा की स्थिति में हिलना।

ಅಡಿಕೆಡು अडिकेडु, ಅಡಿಗಿಡು अडिगिडु (क) क्रि.— हाथ-पैर खो, बहुत डर, भीत हो, निर्मल हो।

ಅಡಿಗ अडिग (क) प्र.— 1. 'वाला' सूचक प्रत्यय, जैसे— ಹಾವಡಿಗ हावडिग—साँप से क्रीडा करनेवाला (संपेर), ಹೂವಡಿಗ हूवडिग-फूल बेचनेवाला। 2. चरणवाला, पादधारी।

ಅಡಿಗಡಿಗೆ अडिगडिगे (क) अ.— क्रमशः ऊपर, कदम-कदम पर, पदे-पदे।

ಅಡಿಗಟ್ಟು अडिगट्टु (क) सं.— 1. लकड़ी 2. नीचे का भाग, नींव, बुनियाद।

ಅಡಿಗಲ್ಲು अडिगल्लु (क) सं.— दे. ಅಡಗಲ್ಲು. 1. नींव या बुनियाद का पत्थर।

ಅಡಿಗಿಡು अडिगिडु, ಅಡಿಗೆಡು अडिगेडु (क) क्रि.—जड़ सहित ऊखड़कर गिर, अमूल नष्ट हो।

ಅಡಿಗೆಡೆ अडिगेडे (क) क्रि.— नीचे गिर, अधः पतित हो।

ಅಡಿಗೈ अडिगै (क) क्रि.—1. नीचे कर, पतित कर 2. पराजित कर, हरा। सं.—1. पीछे हटने की क्रिया, हार, पराजय 2. हथेली।

ಅಡಿದಾವರೆ अडिदावरे (क) सं.—(ಅಡಿ + ತಾವರೆ = चरण + कमल) चरणकमल, पादपद्म।

ಅಡಿದಾಸ अडिदास (क) सं.—पादसेवक।

ಅಡಿನೆಲ अडिनेल (क) सं.— पाताल।

ಅಡಿಪಾಯ अडिपाय (क) सं.—नींव, बुनियाद निचला भाग।

ಅಡಿಮುಟ್ಟು अडिमुट्टु (क) अ.— जड़सहित, नीचे तक, अमूल।

ಅಡಿಮೆ अडिमे (क) सं.—नीच वृत्ति, सेवा-वृत्ति दास्य। ('ಅಡಿಮೈ'—तमिल)।

ಅಡಿಯ अडिय (क) सं.—निम्न कुल का मनुष्य, सेवक, दास।

ಅಡಿರಜ अडिरज (क) सं.— चरण-धूलि।

ಅಡಿಪ अडिव (क) सं.— जन्म, पैदाइश।

ಅಡಿವಜ್ರ अडिवज्र (क) सं.— कृतक मणि।

ಅಡಿವಣಲ್ अडिवणल्, ಅಡಿವಣಲು अडिवणलु (क) सं.— नीचे की रेत, रेत- सैकत।

ಅಡಿವಿ अडिवि, ಅಡಿವೆ अडिवे (तद्) —अटवी (तत्)। दे. ಅಟವಿ. —ಅಡಿವಿಗಿಚ್ಚು अडिवि-गिच्चु (तद्) सं.— दे. ಅಡವಿಕಿಚ್ಚು.

ಅಡಿವು अडिवु (क) सं.— दे. ಅಡವು 1.

ಅಡಿಸು अडिसु (क) क्रि. — रसोई बनवाना (प्रे.)।

ಅಡಿಹುಡಿಮಾಡು अडिहुडिमाडु (क) क्रि.—कुचल डाल, चूर्ण कर, पुडिया बना, नष्ट कर।

ಅಡು अडु (क) क्रि.— 1. खाना पका, रसोई कर, खाना तैयार कर 2. पक्व हो (अक्. क्रि.)। सं.— निमंत्रण-ध्वनि।

ಅಡುಕು अडुकु (क) क्रि.— दे. ಅಡಕು.

ಅಡುಕೂಳ್ अडुकूळ्, ಅಡುಗೂಳ್ अडुगूळ् (क) सं.— खाना, भोजन।

ಅಡುಗಬ್ಬು अडुगब्बु (क) सं.—लकड़ी, ईंधन।

ಅಡುಗಾಯಿ अडुगायि (क) सं.— गरम किया हुआ अचार।

ಅಡುಗೂಲಜ್ಜಿ अडुगूलज्जि (क) सं.— खाना तैयार करनेवाली बुढ़िया, वृद्धा पाचिका 2. गरीबिन, दरीद्र स्त्री।

ಅಡುಗೆ अडुगे, (ಅಡಿಗೆ अडिगे) (क) सं.—रसोई खाना बनाने की क्रिया, भोजन के लिए तैयार वस्तु।

ಅಡುಮಡಕೆ अडुमडके (क) सं—भाफ से खाना बनाने का बर्तन, पाक-पात्र (Cooker)।

ಅಡುಪಾಯ अडुपाय (क) सं.— पृथक मार्ग, मार्ग, रास्ता।

ಅಡುರ್ अडुर् (क) क्रि. — 1. रोक, टोक, बीच में आ 2. फैल, व्याप्त हो।

ಅಡುವಳ अडुवळ (क) सं.—रसोइया, पाचक, महाराज।

ಅಡುಸು अडुसु (क) सं.— पंक, कीचड़।

ಅಡೆ अडे (क) प्र. — 'अगर—तो' का अर्थ-द्योतक-प्रत्यय। उदा.—ಬಂದಡೆ वंदडे—अगर आ जाय तो.... ಪೋದಡೆ पोदडे—अगर जावे तो...। क्रि. — 1. भर, पूरा कर 2. प्राप्त कर, पा 3. विश्वास कर, भरोसा रख 4. रोक, टोक। सं. — 1. स्थान, जगह 2. दूकान 3. छोटा पीढा (पीढ़ी) 4. कपड़े का छोर (border) 5. गोबर 6. एक प्रकार का दोसा (खाने की चीज़)। 7. सहायक, सहारे की लाठी 8. प्रच्छन्न वस्तु 9. निहाई 10. मिट्टी पर पड़ा पद चिह्न।— ಹಾಕು हाकु (क) क्रि.— गरमी (उष्णता) में डालकर पक्व कर। (कच्चे फलों को उष्णता में रखकर पक्व किया जाता है। (मुहा०)।

ಅಡೆಯುಡುಗು अडेयुडुगु (क) क्रि. — 1. छिप जा 2. स्थान दे, जगह दे।

ಅಡೆವೊತ್ತು अडेवोत्तु (क) क्रि. — आधा-आधा आग लगाना, आधा-आधा जलना।

ಅಡ್ಡ अड्ड (क) वि.— बहुत, अधिक। सं.— 1. बीच में या सामने आने की क्रिया 2. रोक-थाम।

ಅಡ್ಡಕಟ್ಟು अड्डकट्टु (क) क्रि. — रोक, टोक, खड़ा कर, विघ्न या बाधा उत्पन्न कर। सं.— बांध, पुल।

ಅಡ್ಡಕತೆ अड्डकते (क) सं. — उपाख्यान, छोटी कहानी, उप-कथा।

ಅಡ್ಡಕಲ್ಲು अड्डकल्लु, ಅಡ್ಡಗಲ್ಲು अड्डगल्लु (क) सं.— चक्की, जाकी।

ಅಡ್ಡಕಸುಬು अड्डकसुबु (क) सं.–अलग नौकरी, अतिरिक्त नौकरी।

ಅಡ್ಡಕೂಸು अड्डकूसु (क) सं. — नन्हा शिशु, गोद का बच्चा।

ಅಡ್ಡಗಿಸು अड्डगिसु (क) क्रि.—रोक, पकड़।

ಅಡ್ಡಂಕೆ अड्डंके, ಅಡ್ಡಂಕೆ ಹಾಕು अड्डंके हाकु (क) क्रि.— रोक, विघ्न उत्पन्न कर, विरोध कर। सं.– गणित में बाईं ओर से दाईं ओर आनेवाली संख्या।

ಅಡ್ಡಚಾಟು अड्डचाटु (क) सं. — आड, टट्टी, परदा।

ಅಡ್ಡಣ अड्डण (क) सं.— 1. थाली 2. ढाल

ಅಡ್ಡಣಿಗೆ अड्डणिगे (क) सं.—तिपाई, तीन पाये की चौकी, टिकठी।

ಅಡ್ಡತಾಕು अड्डताकु (क) क्रि.— बीच में या सामने आ, रोक, विघ्न डाल।

ಅಡ್ಡತಿಡ್ಡ अड्डतिड्ड (क) वि.—टेढ़ा-मेढ़ा, असम, तिरछा। –ಆಯಿಲ आयिल (क) सं.–विरोधी, प्रतिस्पर्धा करनेवाला व्यक्ति।

ಅಡ್ಡತೊಡರು अड्डतोडरु (क) क्रि. — सता, बाधा उत्पन्न कर, तंग कर,।

ಅಡ್ಡದರೆಸು अड्डदरेसु (क) क्रि. — विघ्न डाल, बाधा उत्पन्न कर, रोक।

ಅಡ್ಡನಾಮ अड्डनाम (क) सं.—चिढ़ाने का नाम, उपनाम।

ಅಡ್ಡನುಡಿ अड्डनुडि (क) सं. — 1. मुँहजोरी, बुरे वचन।

ಅಡ್ಡಮೋರೆ अड्डमोरे (क) सं.— बदसूरत।

ಅಡ್ಡಯಿಸು अड्डयिसु, ಅಡ್ಡವಿಸು अड्डविसु (क) क्रि.—दे. ಅಡ್ಡಗಿಸು.

ಅಡ್ಡಯಿಸುಹ अड्डयिसुह (क) सं.— विरोध, रोक, प्रतिबंध।

ಅಡ್ಡರಿ अड्डरि (क) क्रि.—निंदा कर, दूषण कर।

ಅಡ್ಡಲು अड्डलु (क) सं.— विघ्न, आतंक, तंगी, कष्ट।

ಅಡ್ಡವರಿ अड्डवरि (क) क्रि.—बीच में या सामने आ, रोक। सं — पैदल जाने का रास्ता, पगडंडी।

ಅಡ್ಡವಾರ अड्डवार (क) सं.—छुट्टी का दिन।

ಅಡ್ಡಸುಳಿ अड्डसुळि (क) क्रि. — बीच में से या सामने से जा। सं. — शरीर पर का वह चिह्न जो अशुभकर माना जाता है।

ಅಡ್ಡಹಾದಿ अड्डहादि (क) सं.— बीच का रास्ता, पगडंडी, बुरा चालचलन।

ಅಡ್ಡಾದಿಡ್ಡಿ अड्डादिड्डि (क) वि.— दे. ಅಡ್ಡತಿಡ್ಡ.

ಅಡ್ಡಿ अड्डि (क) सं.— 1. आपत्ति, एतराज, विरोध 2. विलंब।

ಅಡ್ಡಿಕೆ अड्डिके (क) सं. — कंठाभरण, कंठा, कंठी, कंठमाला 2. कंठाभरण का (सोने का) एक टुकड़ा।

ಅಡ್ಡಿಗೆ अड्डिगे (क) मे.— दे. ಅಡ್ಡಿಕೆ (मै. प्र.)

ಅಡ್ಡೆ अड्डे (क) सं.—1. वह बाँस जिसके बीच में बोझा रख कर दोनों ओर दो व्यक्ति ढोते हैं अथवा उसके दोनों ओर बोझा रखकर बीच में एक व्यक्ति ढोता है 2. बीच में या सामने आने की क्रिया 3. बीज बोने का एक साधन।

ಅಡ್ನೆ अड्ने (क) वि.—दे. ಅಡನೆ. ಅಡ್ನಾಡಿ ಜನರು अड्नाडि जनरु (क) सं.— असभ्य लोग।

ಅಡ್ಲಿಗೆ अड्लिगे (क) सं. — 1. समतल, गोलाकार टोकरी जिसमें बीच-बीच में छेद होते हैं—ऐसी टोकरी में देवता की मूर्ति रखकर जोगम्मा (मारी या दुर्गा की उपासिका) चलती है। 2. समतल टोकरी या पानी रखने का पीपा या मिट्टी का बर्तन, जिसका व्यापारी लोग अपनी दूकानों में उपयोग करते हैं।

ಅಣ अण (क) प्र.— दिक् वाचक प्रत्यय, जैसे ಮೂಡಣ मूडण—पूर्वका। क्रियार्थक संज्ञा के रूप में भी इसका प्रयोग होता है।

ಅಣಕ अणक (क) सं.— 1. सामीप्य, लगाव 2. स्थिरता, दृढ़ता 3. हँसी, हास्य, मज़ाक 4. कष्ट, तंगी, बाधा 5. सुगमता 6. सौंदर्य। —ಇಸು इसु (क) क्रि.— परिहास कर, मज़ाक उड़ा, चिढ़ा (मुहा०)।

ಅಣಕು अणकु (क) क्रि.—छिप, गुप्त रह, बंद हो।

ಅಣಕುವೆ अणकुवे (क) सं.— 1. नम्रता, विनयशीलता 2. सभ्यता।

ಅಣಗಿಸು अणगिसु (क) क्रि.— 1. कम कर, बंद कर 2. चिढ़ा, छेड़।

ಅಣಗು अणगु (क) क्रि.— दे. ಅಣಕು.

ಅಣಚಿ अणचि (क) सं.— मांगल्य।

ಅಣಚು अणचु (क) क्रि — नम्र रह, विनयशील रह।

ಅಣಜಿ अणजि, ಅಣಂಬೆ अणंबे, ಅಳಂಬೆ अळंबे (क) सं.— कुक्कुरमुत्ता।

ಅಣದಿಗೆ अणदिगे (क) सं.— जल की सुराही।

ಅಣಂ अणं (क) अ.— थोड़ा भी, कुछ भी, अल्पमात्र भी। वि.— बहुत छोटा, क्षुद्र, नगण्य।

ಅಣಲ್ अणल्, ಅಣಲು अणलु (क) सं.— 1. मुँह का निचला भाग 2. गिलहरी।

ಅಣಸು अणसु (क) सं.—1. एक साथ पकड़नेवाली वस्तु 2. समूह, टोली, झुंड।

ಅಣಿ अणि (सम्) सं.—सुई की नोक 2. रथ के खंभे का अंतिम नोकदार भाग 3. सीमा, हद।

ಅಣಿ अणि (क) सं.—1. उतावलापन, शीघ्रता, जल्दबाजी 2. मिलावट, समुच्चय 3. औचित्य, उपयुक्तता, सुंदरता, मृदुता, आनंद 4. सेना की पंक्ति, क्रम, दल 5. तैयारी 6. अनेक धागों को एक साथ मिलाने की क्रिया, विशेषतया करघे पर 7. कुंदन करने की क्रिया 8. बिखरा मोरपंखा। —ಆಗು आगु (क) क्रि.— तैयार हो, कमर कस, सोत्साह खड़े रह, ज़ोर से पटक। —ಗೈ गै, ಗೊಳಿಸು गोळिसु (क) क्रि.— तैयारी कर, भड़का, उत्साह भर।

ಅಣಿಕಟ್ಟು अणिकट्टु (क) सं. — उचित या उपयुक्त स्थान।

ಅಣಿಕಾರ अणिकार (क) सं.—प्रबंध करनेवाला, प्रबंधक।

ಅಣಿಕೂಸು अणिकूसु (क) सं.— पहली संतान।

ಅಣಿಗೆ अणिगे (क) सं.— 1. कंघी 2. आज्ञा 3. अनुमति।

ಅಣಿಪಾಡು अणिपाडु (क) सं.— 1. बुनाई का मर्म 2. रहस्य।

ಅಣಿಮಾ अणिमा (सम्) सं.-1. अष्ट सिद्धियों में एक 2. अति सूक्ष्मता।

ಅಣಿಯರ अणियर (क) वि.— बड़ा, विशिष्ट। सं.— महानता, योग्यता, सुंदरता, मृदुता, उपयुक्तता।

ಅಣಿಯು अणियु (क) क्रि.—मार, पीट, पटक।

ಅಣಿಲು अणिलु (क) सं.—गिलहरी (मै. प्र.)।

ಅಣು अणु (सम्) सं. — 1. अत्यंत सूक्ष्म वस्तु, अत्यंत छोटा कण 2. शिव, विष्णु। —ರೇಣು रेणु (सम्) सं.— त्रसरेणु, धूलकण। — ವಾದ वाद (सम्) सं.— अणु संबंधी सिद्धान्त।

ಅಣುಗ अणुग (क) सं.—शिशु, पुत्र, प्रेमपात्र। ಅಣುಗಿ अणुगि (क) सं.— प्रिय पुत्री, प्रेमपात्री।

ಅಣುಗಿನವ अणुगिनव (क) सं.— हँसोड़ा, विदूषक।

ಅಣುಗು अणुगु, ಅಣಂಗು अणंगु, ಅಣುಕು अणुकु (क) क्रि.— दबा, मार, पीट, विनष्ट कर, बरबाद कर।

ಅಣುವ अणुव (तद्) सं.— हनूमत् (तत्); हनुमान।

ಅಣುವ್ರತ अणुव्रत (सम्) सं.— छोटा व्रत। जैन-यति अणुव्रत का आचरण करते हैं।

ಅಣೆ अणे (क) अ.—स्त्रियों के लिए संबोधन—'री' का समानार्थ वाचक शब्द। अधिक प्रेम होने पर इसका प्रयोग होता है। निम्न जाति की स्त्रियों के लिए भी इसका प्रयोग किया जाता है। (तुलनीय—तमिल शब्द 'ಅಡಿ अडि' या 'ಅಡೀ अडी' जो इसी अर्थ का द्योतक हैं)। उदा.—ಇಲ್ಲ ಅಣೆ इल्ला अणे—नहीं री।

ಅಣೆ अणे (क) क्रि.— 1. बुन (चटाई, टोकरी आदि बनाना) 2. हिल-मिल 3. छू, स्पर्श कर, पास-पास खींच 4. पीट, मार, पटक, आगे बढ़ा, निकाल 5. अंगुली-प्रहार कर 6. उलटा 7. आलिंगन कर, दृढ़ता से पकड़ 8. जा।

ಅಣೆಕಟ್ಟು अणेकट्टु (क) सं.— बांध (Dam), बड़ा पुल।

ಅಣೆದು अणेदु (क) कृ.— लेपन करके।

ಅಣ್ಕೆ अण्के (क) सं.— लेपन, लेपन क्रिया, मलहम।

ಅಣ್ಣ अण्ण (क) सं.—1. बड़ा भाई 2. भीरु, अशक्त, जिससे कुछ संभव न हो 3. बहुत बुद्धिमान 4. गौरव सूचक संबोधन। —ಣ್ಣಾ ण्णा, ಣರ್ णर् (क) सं.— आलसी, सुस्त।

ಅಣ್ಣು अण्णु (क) सं.— पुत्री, बेटी ।

ಅಣ್ಣೆ अण्णे (क) वि.—अच्छा, विशुद्ध ।—ಕಲ್ कल् (क) सं.— ओले ।—ಪಾಲ್ वाल् (क) सं.— विशुद्ध क्षीर, अच्छा दूध ।

ಅಣ್ಪಿತ अण्पित (क) सं.— रिश्ता, संबंध, मित्रता ।

ಅಣ್ಪು अण्पु (क) सं.— 1. प्रीति, प्रेम, रिश्ता 2. लेपन, लेपन की वस्तु ।

ಅಣ್ಮು अण्मु (क) क्रि.—शक्तिमान या बलवान हो । सं.— शूरता, साहस, पौरुष, शक्ति, बल ।

ಅತಃ अत: (सम्) अ.— इसलिए, अतएव ।

ಅತಃಪರಂ अत:परं (सम्) अ.— उसके बाद, तत्पश्चात्, तदुपरांत ।

ಅತಟ अतट (सम्) वि. — तटहीन, जिसके किनारे न हों, सीधा, ढालावाँ । सं.— प्रपात, ऊँचा पहाड़, पर्वत का अग्रभाग ।

ಅತಥ್ಯ अतथ्य (सम्) सं.— झूठ, असत्य ।

ಅತದ್ಗುಣ अतद्गुण (सम्) वि.— उस गुण से हीन । सं.—अलंकार विशेष 2. बहुव्रीहि समास का एक भेद ।

ಅತನ अतन (सम्) सं.—सैर, सैर करनेवाला ।

ಅತನು अतनु (सम्) सं. — जिसका शरीर नहीं है, कामदेव । — ಜಿತ್ जित् (सम्) सं.— शिव ।

ಅತಂತ್ರ अतंत्र (सम्) वि.— बिना डोरी का, बिना तारों का (बाजा), असंयत, अनुपयुक्त, व्यर्थ ।

ಅತಂದ್ರ अतंद्र (सम्) वि.— सतर्क, सावधान जागरूक, होशियार ।

ಅತರ್ಕ अतर्क (सम्) वि.— युक्ति शून्य, तर्क या दलील के विरुद्ध । सं.— तर्क के नियमों से अनभिज्ञ व्यक्ति ।

ಅತರ್ಕಿತ अतर्कित (सम्) वि.— आकस्मिक, जो विचार में न आया हो ।

ಅತರ್ಕ್ಯ अतर्क्य (सम्) वि.— जिसके विषय में किसी प्रकार का तर्क या विवेचन न हो सके, अचिंत्य, अनिर्वचनीय ।

ಅತಲ अतल (सम्) वि.— जिसके तली या पेंदी न हों । सं. — 1. सात पातालों में से दूसरा 2. शिव का नाम 3. एक नरक का नाम ।—ಸ್ಪರ್ಶ स्पर्श (सम्) वि.— अगाध, बहुत गहरा ।

ಅತಸ್ अतस् (सम्) अ.— 1. इससे, इसकी अपेक्षा 2. अत:, इसलिए ।

ಅತಸಿ (सम्) सं.— आलसी, सन, पटसन ।

ಅತಿ अति (सम्) सं.— 1. बहुत, अधिक, विशेष प्रकार का, परिमाण से अधिक 2. बढ़कर, श्रेष्ठतर, उच्चतर 3. प्रसिद्ध, प्रतिपन्न ।—ಕಥ कथ, ಕಥಾ कथा (सम्) सं.— अतिशयोक्तिपूर्ण कथा, निरर्थक कथा ।——ಕರ್ಮ कर्म (सम्) सं.— नीच कार्य, बुरा काम । —ಕಾಯ काय (सम्) सं.— असाधारण देहधारी, राक्षस, रावण का पुत्र । —ಕ್ರಮಣ क्रमण (सम्) सं— उल्लंघन, पार करना, बढ़ जाना । — ಕ್ರಮಿಸು क्रमिसु (सम्) क्रि.—1. बढ़ जा, आक्रमण कर, पार कर 2. सीमा पार कर 3. अपमान कर, सता (प्रे.) 4. विरोध कर 5. हाथ से निकल जा, वश में न हो (अक्. क्रि.) 6. छोड़, लापरवाही से रह 7. अप्रचलित हो (अक्. क्रि.) ।

ಅತಿಗಂಧ अतिगंध (सम्) सं.— अत्यंत सुगंधि युक्त, चंदन ।

ಅತಿಗಳೆ अतिगळे (क) क्रि.—तिरस्कार या घृणा कर, लापरवाही से रह ।

ಅತಿಗ್ರಾಹಕ अतिग्राहक (सम्) वि.— तीक्ष्ण बुद्धि का, कुशल ।

ಅತಿಚರ अतिचर (सम्) वि.— अनित्य, बड़ा परिवर्तनशील । सं.— क्रांतिकारी ।

ಅತಿಚರಾ अतिचरा (सम्) सं.— एक प्रकार का कमल, स्थल पद्मिनी, पद्मचारिणी लता ।

ಅತಿಚರಣ अतिचरण (सम्) ल.—अधिक काम करना, अत्यधिक अभ्यास ।

ಅತಿಚಾರ अतिचार (सम्) सं.— 1. ग्रहों की शीघ्र गति 2. उल्लंघन 3. गलती, अशुद्धि ।

ಅತಿಜವ अतिजव (सम्) वि.— असाधारण वेग से चलनेवाला ।

ಅತಿಜಾತ अतिजात (सम्) वि.— जो आबाद न हो ।

ಅತಿಜನ अतिजन (सम्) सं.— अपने बुज़ुर्गों से आगे बढ़ा हुआ ।

ಅತಿತರಾ अतितरा, ಅತಿತಮಾ अतितमा (सम्) अ.— अधिक, बहुत अधिक, उच्चतर ।

ಅತಿಥಿ अतिथि (सम्) सं.–1. अतिथि, मेहमान, आगंतुक 2. क्रोध 3. राम के पौत्र सुहोत्र का दूसरा नाम । — ಕ್ರಿಯಾ क्रिया, ಪೂಜಾ पूजा, ಸತ್ಕಾರ सत्कार, ಸೇವಾ सेवा (सम्) सं.— मेहमानदारी, अतिथि का आदर-सत्कार ।

ಅತಿದೇಶ अतिदेश (सम्) सं.—स्थानांतर, वह नियम जो अपने निर्दिष्ट विषय के अतिरिक्त विषयों में भी काम दे ।

ಅತಿದ್ವಯ अतिद्वय (सम्) वि.— अद्वितीय, अनुपम ।

ಅತಿಧನ್ವಾ अतिधन्वा (सम्) सं.— अद्वितीय धनुर्धारी या योद्धा ।

ಅತಿನಯ अतिनय (सम्) सं.–बहुत उदारता ।

ಅತಿಪತನಂ अतिपतनं (सम्) सं.— निर्दिष्ट सीमा के आगे उड़ जाना, चूक जाना, छोड़ जाना, उल्लंघन करना ।

ಅತಿಪತ್ರ अतिपत्र (सम्) सं.— सागौन का वृक्ष ।

ಅತಿಪಥಿ अतिपथि (सम्) सं.— अच्छा रास्ता, राजमार्ग ।

ಅತಿಪರಿಚರ್ಯ अतिपरिचर्य (सम्) सं.– अत्यंत सेवा-भाव, भक्तिपूर्वक सेवा ।

ಅತಿಪ್ರಸಂಗ अतिप्रसंग (सम्) सं.—1. प्रगाढ़ प्रेम 2. अति उद्दंडता ।

ಅತಿಪ್ರಸಕ್ತಿ अतिप्रसक्ति (सम्) सं.—1. अत्यंत उद्दंडता 2. अतिव्याप्ति 3. घनिष्ट संसर्ग ।

ಅತಿಪ್ರೌಢೆ अतिप्रौढ़े (सम्) सं. — सयानी लड़की जो विवाह योग्य हो गयी हो ।

ಅತಿಬಲ अतिबल (सम्) वि.– अत्यन्त बलवान या दृढ़ । सं.—महा पराक्रमी, योद्धा ।

ಅತಿಬಾಲ अतिबाल (सम्) वि.—लड़कपन का, बुद्धिहीन ।

ಅತಿಮತಿ अतिमति (सम्) सं.— हठ, क्रोध, चिड़चिड़ाहट, अत्यंत गर्व या अभिमान ।

ಅತಿಮರ್ತ್ಯ अतिमर्त्य, ಅತಿಮಾನುಷ अतिमानुष (सम्) सं.—असाधारण मनुष्य, दैवी पुरुष अवतार पुरुष ।

ಅತಿಮಾಯ अतिमाय (सम्) वि.— माया से मुक्त, विरक्त ।

ಅತಿಮುಕ್ತ अतिमुक्त (सम्) वि.— अंत में दासता से मुक्त, बंधन से मुक्त । सं.— 1. वंध्या, ऊसर 2. बढ़ाव, चढ़ाव 3. मुक्ताओं में श्रेष्ठ मुक्ता ।

ಅತಿಮುಕ್ತಿ अतिमुक्ति (सम्) सं.—परम मोक्ष ।

ಅತಿರಥ अतिरथ (सम्) सं.— ऐसा अद्वितीय योद्धा जो रथ में बैठकर असाधारण रूप से लड़े ।

ಅತಿರಾಜ अतिराज (सम्) सं.— अत्यंत उत्तम राजा ।

ಅತಿರಿಕ್ತ अतिरिक्त (सम्) सं.— श्रेष्ठ, पृथक । अ.— सिवाय, अलावा ।

ಅತಿರುಚ अतिरुच (सम्) सं. — 1. घुटना सुंदर स्त्री ।

ಅತಿರೇಕ अतिरेक (सम्) वि.—1. बहुत, श्रेष्ठ, प्रमुख 2. अंतर, भेद ।

ಅತಿವಾಕ್ಯ अतिवाक्य (सम्) सं.— 1, निंदा, दूषण 2. असाधारण भाषण ।

ಅತಿವಾದ अतिवाद (सम्) सं.—कठोर वचन, अपमानकर भाषण, बड़बड़ ।

ಅತಿವಾಸ अतिवास (सम्) सं.—श्राद्ध के पहले दिन का उपवास ।

ಅತಿವೃತ್ತಿ अतिवृत्ति (सम्) सं.—अतिशयोक्ति, अतिक्रमण ।

ಅತಿವೃಷ್ಟಿ अतिवृष्टि (सम्) सं.—अधिक वर्षा, मूसल धार वर्षा, छे प्रकार की ईतियों में से एक ।

ಅತಿವೇಲ अतिवेल (सम्) वि.— अत्यधिक, असीम, अतिशय ।

ಅತಿವ್ಯಕ್ತ अतिव्यक्त (सम्) वि.—अत्यंत स्पष्ट ।

ಅತಿವ್ಯಾಪ್ತಿ अतिव्याप्ति (सम्) सं.— किसी नियम या सिद्धान्त का अतिशय विस्तार, एक दोष ।

ಅತಿಶಯ अतिशय (सम्) सं.— सर्वोत्तमता, श्रेष्ठता, बहुत, अधिक । — ಉಕ್ತಿ उक्ति (सम्) सं.— एक अलंकार ।

ಅತಿಶೂದ್ರ अतिशूद्र (सम्) सं.— हरिजन ।

ಅತಿಶ್ವ अतिश्व (सम्) वि.— कुत्ते से निकृष्ट । दासता, सेवा ।

ಅತಿಸಂಸ್ಕೃತ अतिसंस्कृत (सम्) त्रि.- अत्युत्तम, श्रेष्ठ ।

ಅತಿಸಂಧಾನ अतिसंधान (शम्) सं.— ठगई, धोखा, दगा, जल, कपट ।

ಅತಿಸಾರ अतिसार (सम्) सं.— दस्तों की बीमारी ।

ಅತಿಸ್ನೇಹ अतिस्नेह (सम्) सं.— गाढ़ी मित्रता, अत्यधिक अनुराग ।

ಅತೀತ अतीत (सम्) सं.—1. गत, बीता हुआ 2. मृत, 3. श्रेष्ठ, उत्तम 4. विस्मृत 5. निर्लेप, विरक्त, पृथक । — ಕಾಲ काल (सम्) सं.— भूतकाल ।

ಅತೀಂದ್ರಿಯ अतींद्रिय (सम्) वि.—जो इंद्रियों के ज्ञान के बाहर हो, अव्यक्त, अगोचर, मन ।

ಅತೀವ अतीव (सम्) वि.— बहुत, अधिक, अतिशय ।

ಅತುಲ अतुल (सम्) वि.—1. असम, अनुपम, बेजोड़ 2. तिल का वृक्ष ।

ಅತುಷಾರ अतुषार (सम्) वि.— जो ठंढ़ा न हो ।— ಕರ कर (सम्) सं.— सूर्य ।

ಅತೃಪ್ತಿ अतृप्ति, ಅತುಷ್ಟಿ अतुष्टि (सम्) सं.— प्रसन्नता का अभाव, असंतोष ।

ಅತ್ತ अत्त, ಅತ್ತಲ್ अत्तल्, ಅತ್ತಣ अत्तण, ಅತ್ತಲು अत्तलु (क) अ.—उधर, उस तरफ़, उस दिशा में; उस समय; पश्चात् । ಅತ್ತ ಪುಲಿ ಇತ್ತ ದರಿ अत्त पुलि इत्त दरि— उधर बाघ इधर खाई (दोनों ओर संकट) (मुहा.) ।

ಅತ್ತ अत्त, ಅತ್ತಪರ अत्तपर (क) सं.— सींगी, सींग का बाजा ।

ಅತ್ತಳ अत्तळ (क) अ.— अतिशय, विशेष, अधिक ।

ಅತ್ತಳಗ अत्तळग (क) सं.— व्यथा, चिंता, पीड़ा, दर्द ।

ಅತ್ತಿ अत्ति (क) सं.— 1. औदुंबर, उदुंबर, वृक्ष विशेष 2. भाभी, भौजाई, भौजी । पति की बहन, ननद । —ಅತ್ತಿಯ ಹಣ್ಣು ಅಚ್ಚ ಕೆಂಪಾದರೂ ಒಳಗೆ ನೋಡಿದರೆ ಹುರುಳಿಲ್ಲ अत्तिय हण्णु अच्च केंपादरू ओळगे नोडिदरे हुरुळिल्ल — उदंबर का फल पूरा-पूरा लाल होने पर भी अंदर सार नहीं है (नाम बड़ा दर्शन थोड़ा) (कह.) ।

ಅತ್ತಿ अत्ति (क) सं.— ಹತ್ತಿ हत्ति— कपास, रूई (ग्रा.) ।

ಅತ್ತಿ अत्ति (सम्) सं.— बड़ी बहन । 'ಅತ್ತೆ अत्ते' का दूसरा रूप— मामा की पत्नी, मामी ; पिता की बहन, फूफी ।

ಅತ್ತಿಗೆ अत्तिगे (तद्) सं.—अत्तिका (तत्) । 1. बड़े भाई की पत्नी, भाभी 2. पति की बहन, ननद । ಅಣ್ಣ ತನ್ನವನಾದರೆ ಅತ್ತಿಗೆ ತನ್ನವಳೆ? अण्ण तन्नवनादरे अत्तिगे तन्नवळे— बड़ा भाई अपना हो तो क्या भाभी अपनी है? (कह.) ।

ಅತ್ತೆ अत्ते (क) सं.— सास, मामी, फूफी । (सम्) सं.— माता, बड़ी बहन, सास । ಅತ್ತೆಗೆ ಒಂದು ಕಾಲ ಸೊಸೆಗೆ ಒಂದು ಕಾಲ अत्तेगे ओंदु काल सोसेगे ओंदु काल—सास का एक समय बहू का एक समय (कभी गाड़ी नाव पर कभी नाव गाड़ी पर) (कह.) ।

ಅತ್ನ अत्न, ಅತ್ನು अत्नु (सम्) सं.— हवा, सूर्य ।

ಅತ್ಯಗ್ನಿ अत्यग्नि (सम्) सं.— पचन-क्रिया ।

ಅತ್ಯಂತ अत्यंत (सम्) वि.— बहुत बड़ा, अंत रहित, पूर्ण, निरंतर, चिरकाल तक रहनेवाला । क्रि. वि.—सदा, शाश्वत ।

ಅತ್ಯಂತಿಕ अत्यंतिक (सम्) वि.— 1. अति समीप का 2. मिला हुआ 3. पड़ोस । सं.— 1. बहुत समीप 2. दूर, दूर का 3. तेज़ चलनेवाला ।

ಅತ್ಯಯ अत्यय (सम्) सं.— बीत जाना, निकल जाना ; अंत, उपसंहार, समाप्ति, अनुपस्थिति, लोप, तिरोधान ; मृत्यु, नाश ; खतरा, बुराई ; दुख ; आक्रमण ; अतिक्रमण, अपराध, दोष ।

ಅತ್ಯರ್ಥ अत्यर्थ (सम्) वि.—अत्यधिक, बहुत ज्यादा, बहुत बड़ा ।

ಅತ್ಯವಸ್ಥೆ अत्यवस्थे (सम्) वि.—मृत्यु-समय ।

ಅತ್ಯಾಕಾರ अत्याकार (सम्) वि.— तिरस्कार, अभिशाप, भर्त्सना, धिक्कार ; हृष्ट-पुष्ट शरीर ।

ಅತ್ಯಾಚಾರ अत्याचार (सम्) सं. – अन्याय, विरुद्धाचार, दुराचार, आचार का अतिक्रमण; उपद्रव, अधार्मिक कृत्य, दुःखद काम ।

ಅತ್ಯಾಶೆ अत्याशे, ಅತ್ಯಾಸೆ अत्यासे (सम्) सं.– लालच ।

ಅತ್ಯಾಶ್ರಮ अत्याश्रम (सम्) सं.— संन्यास आश्रम, संन्यासी ।

ಅತ್ಯಾಸನ್ನ अत्यासन्न (सम्) वि. — बहुत समीप का ; मृत्यु की स्थिति का ।

ಅತ್ಯಾಹಿತ अत्याहित (सम्) सं.— अत्यंत साहसपूर्ण कार्य ; बड़ी विपदा ; दुस्साहस ।

ಅತ್ಯುಪಧ अत्युपध (सम्) वि.— परीक्षित, विश्वस्त ।

ಅತ್ಯುಕ್ತಿ अत्युक्ति (सम्) सं. — बहुत बढ़ा हुआ कथन, बढ़ावा ; एक अलंकार ।

ಅತ್ರ अत्र (सम्) अ.— यहाँ, इधर ।

ಅತ್ರಪ अत्रप (सम्) वि.—लज्जाहीन, निर्लज्ज, उद्धत । —ಆಶ್ರಿಕೆ आसिके (सम्) सं.— निर्लज्ज स्त्री ।

ಅಥ अथ (सम्) अ. — मंगल, प्रारंभ, अधिकार ; तत्पश्चात्, बाद में ; यदि, किन्तु यदि ; और, इसी प्रकार, जिस प्रकार; संदेह, संशय ; संपूर्णता ।

ಅಥರ್ವ अथर्व (सम्) सं. — अथर्व वेद ; पूजारी, ब्राह्मण ; एक वैदिक पूजारी का नाम ।

ಅಥರ್ವಣ अथर्वण (सम्) सं.— अथर्व वेद ।

ಅಥವಾ अथवा (सम्) अ.— या, वा, किंवा ।

ಅದಕು अदकु (क) क्रि.— दबा, कुचल, ठूस, भर, मसल, पीस । सं.— धातु के बर्तनों पर पड़ी चोट (bruise) ।

ಅದಕ್ಷಿಣ अदक्षिण (सम्) वि.— बायाँ ; सादा ; निर्बल मन का, मूढ़ ; सौष्ठव रहित, अनिपुण, भद्दा ; प्रतिकूल ।

ಅದಟ अदट (क) सं.— पराक्रमशाली, योद्धा, शूर । —ಅದಟುತನ अदटुतन (क) सं.— वीरता, पराक्रम, गर्व, दर्प, अभिमान ।

ಅದತ್ತ अदत्त (सम्) वि. — बिना दिया हुआ ; अन्यायपूर्वक दिया हुआ । सं. — अविवाहित कन्या ।

ಅದಮು अदमु (क) क्रि.— दबा, कुचल, मसल ।

ಅದಬು अदबु (अ. दे.) सं.— गौरव, इज्जत ; अदब (अरबी) ।

ಅದಭ್ರ अदभ्र (सम्) वि.— बहुत, अधिक, विपुल ।

ಅದಯ अदय (सम्) वि.— करुणारहित, निर्दय ।

ಅದರು अदरु (क) क्रि.— हिल, डुल, काँप । सं. — भय, कंपन ; भ्रमण ; कच्चा लोहा ; कच्चा फल, अपक्व फल । —ಗುಂಡಿಗೆ गुंडिगे (क) सं.— डरपोक दिल, भीरुता । —ಬೇನೆ बेने (क) सं.— एक बीमारी ।

ಅದರ್ಚು अदर्चु (क) क्रि.—हिला, हिला-डुला, नीचे दबा, कुचल (प्रे.) ।

ಅದರ್ಶ अदर्श, ಅದರ್ಶನ अदर्शन (सम्) सं.– अमावास्या ; अदृश्यता ; प्रतिबिंब ।

ಅದವಳಲು अदवळलु (क) सं. — व्यथा, चिंता, वेदना ; दया, करुणा ; उद्वेग ।

ಅದಾತೃ अदातृ, ಅದಾನಿ, अदानि (सम्) सं.– दान न देनेवाला, कंजूस ।

ಅದಾಯಾದ अदायाद (सम्) वि.— उत्तराधिकार रहित ।

ಅದಾವತಿ अदावति (अरबी) सं.– स्पर्धा, विरोध, शत्रुता ।

ಅದಿತಿ अदिति (सम्) सं.— कश्यप ऋषि की पत्नी, देवताओं की माता ; पृथ्वी ; गाय ; भाषण ।

ಅದಿರು अदिरु (क) क्रि.— दे. ಅದರು.

ಅದಿರ್ಗಂತಿ अदिर्गंति (क) सं.—माधवी लता ।

ಅದಿರ್ಪು अदिर्पु (क) सं.— कंपन, भय ।

ಅದಿರ್ಮುತ್ತೆ अदिर्मुत्ते (क) सं.—वसंत दूतिका नामक लता ।

ಅದೀಪನ अदीपन (सम्) सं.—मंदाग्नि, अजीर्ण, बदहज़मी ।

ಅದು अदु (क) सर्व.—वह (न.लिं.)—That, It. उदा.— ಅದು ಪುಸ್ತಕ अदु पुस्तक — वह पुस्तक है । प्र.— एक प्रत्यय ।

ಅದುಕು अदुकु, ಅತುಕು अतुकु (क) क्रि.—; दब, मिल, संयुक्त हो, मिल जा, उपयुक्त हो (अक. क्रि.) ; दबा, मिला, लगा, संयोजन कर ।

ಅದುಕುಳಿ अदुकुळि (क) सं.— सुख, प्रसन्नता, संतोष ।

ಅದುಗಿಸು अदुगिसु (क) क्रि.— दबा, (प्रे.); हाथ से दबाकर ठीक कर ।

ಅದುಗು अदुगु (क) क्रि.—दे. ಅದಕು.

ಅದುಗೋ अदुगो (क) वि. बो.— विस्मयादि बोधक प्रत्यय, देखो !

ಅದುಪು अदुपु (क) क्रि.— दे. ಅದಕು.

ಅದುಬು अदुबु (क) क्रि.— दे. ಅದಕು.

ಅದುಬುತ अदुबुत (तद्) वि.— अद्भुत (तत्) ।

ಅದುಮು अदुमु (क) क्रि.— दबा, कुचल, मसल, दृढ़ता से पकड़कर बांध ।

ಅದುರು अदुरु (क) क्रि.— दे. ಅದರು.

ಅದುಲು अदुलु (क) क्रि.— दे. ಅದರು.

ಅದುವದು अदुवदु (क) सं.— व्याकुलता ; संदेह ; किसी वस्तु की पहचान ।

ಅದುಹು अदुहु (क) क्रि.— संदेह कर, संशय कर ।

ಅದೃಶ अदृश (सम्) सं.— अंधा ।

ಅದೃಶ್ಯ अदृश्य (सम्) वि.—अव्यक्त, अगोचर, जो आँखों को न दीखे । — ಶಕ್ತಿ शक्ति (सम्) सं.— दैवी-शक्ति, सृष्टि-शक्ति ।

ಅದೃಷ್ಟ अदृष्ट (सम्) वि.—अनदेखा, अज्ञात, अप्रकट। सं. — दैव, विधि; लाभ, प्राप्ति। —ಕರ್ಮ कर्म (सम्) सं.— अनुभव शून्य कार्य। —ಪೂರ್ವ पूर्व (सम्) सं.— जो पहले न देखा गया हो। —ಫಲ फल (सम्) सं.— अच्छे-बुरे कर्मों का भावी फल। —ವಾದಿ वादि (सम्) सं.—भविष्य-वाणी करनेवाला, ज्योतिष।

ಅದ್ಗಣಿ अद्गणि (क) सं.— वह पत्थर जो सुनार काम में लाता है।

ಅದ್ದ अद्द (तद्) वि.—अर्ध (तत्); आधा, टुकड़ा।

ಅದ್ದಕ अद्दक, ಅದ್ದಿಕೆ अद्दिके, ಅದ್ದುಗೆ अद्दुगे (क) सं.— चिह्न, डुबाव, निमज्जन।

ಅದ್ದರಿಸು अद्दरिसु (क) क्रि.— डरा, धमका, कंपा।

ಅದ್ದು अद्दु (क) क्रि. — डुबा, निमज्जित कर, भिगा (भिगो), गीला कर; डरा, कंपा। उदा.— ನೀರಲದ್ದು नीरलद्दु—पानी में डुबा। ಅದ್ದು अद्दु (क) प्र.—प्रत्यय 'जो' का अर्थ-द्योतक, जैसे—ದೂರವಾದದ್ದು दूर-वाददू्दु —जो दूर हो, ಅಂದದ್ದು अंददद्दु—जो कहा गया।

ಅದ್ಭುತ अद्भुत (सम्) वि. — विस्मयकर, भयंकर। सं.— आश्चर्य।

ಅದ್ಯ अद्य (सम्) अ.— अब, आज।

ಅದ್ಯತನ अद्यतन (सम्) वि.— आज तक की, अधुनिक।

ಅದ್ಯಾಪಿ अद्यापि (सम्) अ.—अब तो, अब भी।

ಅದ್ರವ್ಯ अद्रव्य (सम्) सं.— अनुपयुक्त वस्तु, कुशिष्य, कुपात्र।

ಅದ್ರಿ अद्रि (सम्) सं. — पर्वत; पहाड़; पत्थर; कुलिश; पेड़, वृक्ष; सूर्य; बादलों की घटा, बादल; सात की संख्या; माप विशेष। — ಈಶ ईश (सम्) सं. — हिमालय; महादेव। —ಕನ್ಯಾ कन्या (सम्) सं. — पार्वती। —ಭಿದ भिद (सम्) सं.— इंद्र। —ರಾಜ राज, ಪತಿ पति (सम्) सं.—मेरु, हिमालय।

ಅದ್ವಯ अद्वय (सम्) वि.— दो नहीं, बेजोड़ एक मात्र, अद्वितीय। सं.— अद्वितीयता, सर्वोत्कृष्टता; ऐक्य, अभेद, ब्रह्म और विश्व की एकता; प्रामुख्य; महात्मा बुद्ध का नाम।

ಅದ್ವಾನ अद्वान (क) सं.—संकट, पीड़ा, कष्ट। अ.—खराब, बरबाद (मै. प्र.)।

ಅದ್ವಿತೀಯ अद्वितीय (सम्) वि.— बेजोड़, एक मात्र; एकाकी, ब्रह्म।

ಅದ್ವೈತ अद्वैत (सम्) वि. — दो नहीं, द्वितीयशून्य, अपरिवर्तनशील; अनुपम, श्रेष्ठ, एकाकी। सं.— ऐक्य (विशेषकर जीव और ब्रह्म का); सर्वोपरि सत्य, ब्रह्म। —ವಾದಿ वादि (सम्) वि.—जीव और ब्रह्म की एकता माननेवाला, वेदान्ती।

ಅಧಸ್ अधस्, ಅಧಃ अधः (सम्) अ.—नीचे, नीचे के लोक में। —ಕರಿಸು करिसु (सम्) क्रि.— नीचा कर, छोटा कर। —ಕೃತ कृत (सम्) वि. — जो नीचा किया गया हो। ಪತನ पतन (सम्) सं.— नीचे गिरना, बुरी दशा, दुर्गति।

ಅಧಟ अधट (क) सं. — बलवान, साहसी, वीर।

ಅಧಟು अधटु (क) सं. — सामर्थ्य, शक्ति, वीरता।

ಅಧಮ अधम (सम्) वि.— नीच, हीन, हेय, क्षुद्र, बहुत बुरा। सं.— नीच मनुष्य, क्षुद्र मनुष्य, बुरा आदमी। — ಅಧಮ अधम (सम्) सं.—बहुत बड़ा नीच मनुष्य।

ಅಧಮರ್ಣ अधमर्ण (सम्) सं. — ऋणी, कर्ज़दार।

ಅಧರ अधर (सम्) वि.— नीचे का, नीच, अधम, अश्रेष्ठ, पराभूत, चुप किया हुआ। सं.— होंठ, अधर। —ತೆ ते (सम्) सं.— नीचता। —ಪಾನ (सम्) सं.— चुंबन, चूमने की क्रिया।

ಅಧರ್ಮ अधर्म (सम्) सं.— धर्म बाह्य, पाप कर्म, अन्याय, निषिद्ध कर्म, दुष्टता; एक प्रजापति का नाम; सूर्य के एक अनुचर का नाम। —ಇಷ್ಠ इष्ठ (सम्) वि.— दुष्ट, पापी, अन्याय करनेवाला।

ಅಧವೆ अधवे (सम्) सं.—राँड, बेवा, विधवा।

ಅಧಿ अधि (सम्) अ.— ऊपर, अधिक, श्रेष्ठ प्रधान, मुख्य, विशेष।

ಅಧಿಕ अधिक (सम्) वि.— बहुत, ज्यादा, विशेष; अतिरिक्त, सिवा। सं.— एक अलंकार। —ಮಾಸ मास (सम्) सं.— ३३ मासों में एक बार आनेवाला अतिरिक्त (झूठा) मास। — ಕರಣ करण (सम्) सं.— आधार; स्वामित्व; विषय, भाग, प्रकरण; सरकार; अनुच्छेद; एककारक का नाम।

ಅಧಿಕರಿಸು अधिकरिसु (सम्) क्रि.— देखभाल कर, अधिकार कर, निशान लगा, किसी को उद्देश करके कह।

ಅಧಿಕಾಮ अधिकाम (सम्) वि.— प्रबल कामना रखनेवाला, अशांत, कामी।

ಅಧಿಕಾರ अधिकार (सम्) सं. — कार्यभार, आधिपत्य, प्रभुता; पद; शासन; प्रकरण, शीर्षक; क्षमता, योग्यता; परिचय, ज्ञान। — ಸ್ಥ स्थ (सम्) सं.— अधिकारी।

ಅಧಿಕೃತ अधिकृत (सम्) वि.—; अधिकार प्राप्त, नियत, नियुक्त; अधिकारी, स्वामी; श्रेष्ठ।

ಅಧಿಕೋತ್ತರ अधिकोत्तर (सम्) वि.—अत्यंत श्रेष्ठ।

ಅಧಿಕ್ಷಿಪ್ತ अधिक्षिप्त (सम्) वि.—घृणा के योग्य, घृणित, अपमानित।

ಅಧಿಕ್ಷೇಪ अधिक्षेप (सम्) सं.— तिरस्कार, निंदा, आक्षेप, अपमान, व्यंग्य; विसर्जन।

ಅಧಿಗತ अधिगत (सम्) वि.— कंठस्थ किया हुआ, ज्ञात, अवगत; प्राप्त, पाया हुआ।

ಅಧಿಗಮನ अधिगमन (सम्) सं.— प्राप्ति, ज्ञान, अध्ययन; स्वीकृति; संगम, संसर्ग, आलाप; लाभ, ऐश्वर्य की प्राप्ति।

ಅಧಿಜಿಹ್ವ अधिजिह्व (सम्) सं.— सांप, सर्प।

ಅಧಿಜ್ಯಧನ್ವನ್ अधिज्यधन्वन् (सम्) सं.— धनुष का रोदा ताने हुए धनुर्धारी।

ಅಧಿತ್ಯಕೆ अधित्यके (सम्) सं.— पहाड़ के ऊपर की समतल भूमि।

ಅಧಿನಾಥ अधिनाथ (सम्) सं.— परमात्मा, परब्रह्म।

ಅಧಿನಾಯಕ अधिनायक (सम्) सं.— स्वामी, प्रभु।

ಅಧಿಪ अधिप, ಅಧಿಪತಿ अधिपति (सम्) सं.— स्वामी, राजा, शासक, नायक।

ಅಧಿರಥ अधिरथ (सम्) सं.— सारथी; कर्ण के पिता (पालक) का नाम।

ಅಧಿರಾಜ अधिराज (सम्) सं.— श्रेष्ठ राजा, चक्रवर्ती, सम्राट।

ಅಧಿರೂಢ अधिरूढ (सम्) वि.— सवार, चढ़ा हुआ, बढ़ा हुआ, उन्नत।

ಅಧಿರೋಹ अधिरोह (सम्) सं.— बढ़ती, चढ़ना।

ಅಧಿರೋಹಿಣಿ अधिरोहिणि (सम्) सं.—नसैनी, सीढ़ी, ज़ीना।

ಅಧಿವಿನ್ನೆ अधिविन्ने (सम्) सं.— पति परित्यक्ता स्त्री; वह स्त्री जिसकी सौत हो।

ಅಧಿವೇತೃ अधिवेतृ (सम्) सं.— पति जिसने पहली पत्नी को छोड़ दिया हो।

ಅಧಿಶ್ರೀ अधिश्री (सम्) वि.— श्रेष्ठ, अधिक धनवान्, सर्वोपरि स्वामी।

ಅಧಿಷ್ಠಾನ अधिष्ठान (सम्) सं.— स्थिति, आधार, बैठक, स्थान, नगर, कसबा; आवासस्थान; अधिकार, सत्ता; राज्याधिकार; निर्दिष्ट नियम; आशीर्वाद, मंगल-कामना।

ಅಧೀತ अधीत, ಅಧೀತಿ अधीति (सम्) वि.— पढ़ा हुआ, सीखा हुआ। सं.— अध्ययन, पाठ, स्मृति।

ಅಧೀನ अधीन (सम्) वि.— आश्रित, वशीभूत।

ಅಧೀರ अधीर (सम्) वि. — भीरु, डरपोक, कायर; घबराया हुआ, उद्विग्न, व्याकुल, विह्वल; चंचल, अस्थिर।

ಅಧಿವಾಸ अधिवास (सम्) सं.— चोग़ा, लंबा कोट (coat)।

ಅಧೀಶ अधीश, ಅಧೀಶ್ವರ अधीश्वर (सम्) सं.- स्वामी, प्रभु।

ಅಧುನಾ अधुना (सम्) अ.— संप्रति, इस समय, अब, आजकल।

ಅಧುನಾತನ अधुनातन (सम्) वि.—आधुनिक, आर्वाचीन।

ಅಧೋಕ್ಷಜ अधोक्षज (सम्) सं.— ज्ञानी, जीवन्मुक्त; विष्णु, परब्रह्म।

ಅಧೋಲೋಕ अधोलोक (सम्) सं.—पाताल।

ಅಧ್ಯಕ್ಷ अध्यक्ष (सम्) सं.— सभापति, देख-रेख करनेवाला, पर्यवेक्षक।

ಅಧ್ಯಯನ अध्ययन (सम्) सं.— पढ़ाई, अर्थ सहित पढ़ना।

ಅಧ್ಯವಸಾಯ अध्यवसाय (सम्) सं.—प्रयत्न, साहस, निश्चय, निर्णय; बौद्धिक ज्ञान।

ಅಧ್ಯಾತ್ಮ अध्यात्म (सम्) वि.— आत्मा से संबंधित। सं.— परमात्मा, जीव और ब्रह्म का संबंध।

ಅಧ್ಯಾಪಕ अध्यापक (सम्) सं.—गुरु, शिक्षक, पढ़ानेवाला।

ಅಧ್ಯಾಪನ अध्यापन (सम्) सं.—पढ़ाना, शिक्षा देना।

ಅಧ್ಯಾಸ अध्यास (सम्) सं. — मिथ्याज्ञान; आरोप; स्थान; आसन।

ಅಧ್ಯಾಹಾರ अध्याहार, ಅಧ್ಯಾಹರಣ अध्याहरण (सम्) सं.— किसी वाक्य को पूरा करने के लिए छूटी बात को मिलाना, तर्क-वितर्क, ऊहापोह।

ಅಧ್ವ अध्व, ಅಧ್ವನ್ अध्वन् (सम्) सं.— मार्ग, रास्ता, नक्षत्रों के घूमने का मार्ग; अंतर; समय, काल; आकाश, वातावरण; विधि, प्रक्रिया; आक्रमण।

ಅಧ್ವರ अध्वर (सम्) सं.— यज्ञ, सोमयाग।

ಅಧ್ವರ್ಯು अध्वर्यु (सम्) सं.— यज्ञ करने वाला; ऋत्विक, यज्ञ का पुरोहित।

ಅಧ್ವಾನ अध्वान (सम्) सं. — मार्ग, पगडंडी; क्षुद्र स्वर; अरण्य; दुर्दैव, दुर्भाग्य; निस्तब्धता; कष्ट, कठिनाई; समय।

ಅನ್ अन् (सम्) प्र.—निषेधार्थ सूचक उपसर्ग। उदा.— ಅನ್ अन् + ಅಂಶ अंश = ಅನಂಶ अनंश — पैतृक संपत्ति में भाग न पानेवाला।

ಅನ್ अन्, ಅನು अनु, ಅನ್ನು अन्नु (क) क्रि.— बोल, कह। उदा. — ಅಂದನು अंदनु— उसने (पु. लिं.) कहा। ಸೀತೆಯು ಅಂದಳು सीतेयु अंदळु–सीता ने कहा। दे.— ಅಂತಾನೆ, ಅಂತಾರೆ, ಅಂತಾಳೆ. 'कहा जाता है' के अर्थ में 'ಅಂತೆ' अंते का प्रयोग होता है, जैसे— ಒಂದೊಂದು ಕಪ್ಪೆಗಳು ಕೋಳಿ ಮರಿಗಳನ್ನು ನುಂಗುತ್ತವೆ ಅಂತೆ ओंदोंदु कप्पेगळु कोळि मरिगळन्नु नुंगुत्तवे अंते—कहा जाता है कि कोई कोई मेंढक मुर्गी के बच्चों को निगल जाते हैं।

ಅನಕ अनक, ಅನಕಾ अनका, ಅನ್ನಕ अन्नक (क) अ.— तक, तब तक, वहाँ तक, उतने में, इतने में।

ಅನಕ अनक (क) वि.— छोटा, नीचा।

ಅನಕ್ಷರ अनक्षर (सम्) वि. — अनपढ़; गूँगा; कुवाच्य, गाली।

ಅನಘ अनघ (सम्) वि.— पापरहित, निर्दोष; सुंदर, त्रुटिरहित; सुरक्षित; विशुद्ध कलंक रहित। सं.— विष्णु, शिव।

ಅನಂಗ अनंग (सम्) सं.— कामदेव। वि.— शरीरहीन, अशरीरी। —ರಂಗ रंग (सम्) सं.—कामशास्त्र का एक ग्रंथ। —ರಿಪು रिपु (सम्) सं.— शिव।

ಅನಡ್ವ अनड्व, ಅನಡ್ವಾಹ अनड्वाह (सम्) सं. — साँड, बैल। — ಅನಡ್ವಹಿ अनड्वहि (सम्) सं.— गाय।

ಅನತ अनत (सम्) वि.—जो नहीं झुकता हो, जो वश में नहीं होता हो, जो शरण में नहीं आता हो।

ಅನತಿಶಯ अनतिशय (सम्) वि.— अतिशय-हीन, छोटा।

ಅನಧಿಕಾರಿ अनधिकारि (सम्) सं.— जो अधिकार के योग्य न हो, जो अधिकारी न हो।

ಅನಧೀತ अनधीत (सम्) वि.— जो नहीं पढ़ा या सीखा गया हो ।

ಅನಧ್ಯಾಯ अनध्याय, ಅನಧ್ಯಯನ अनध्ययन (सम्) सं.— पढ़ने के लिए निषिद्ध दिन, छुट्टी का दिन ।

ಅನನುಕೂಲ अननुकूल (सम्) वि.— जो अनुकूल न हो, कष्ट का ।

ಅನಂತ अनंत (सम्) वि.— जिसका अंत न हो, नाशरहित, स्थिर, शाश्वत । सं.— ; आदिशेष, वासुकी ; विष्णु, कृष्ण ; शिव ; आकाश ; पृथिवी ; एक तीर्थंकर का नाम; बुद्ध ।

ಅನಂತರಂ अनंतरं (सम्) अ.— पश्चात्, उपरांत, बाद में ; पड़ोस, बगल का ।

ಅನಂತಶಯನ अनंतशयन (सम्) सं.—; शेषशायी विष्णु ; तिरुवनंतपुरम् (त्रिवेंद्रम्) का दूसरा नाम (मै. प्र.) ।

ಅನನ್ಯ अनन्य (सम्) वि.— अन्य से संबंध न रखनेवाला, एकनिष्ठ, एकरूप, अमिल, अद्वितीय, अविभक्त । — ಗತಿ गति (सम्) सं.— दूसरी गति न रहने की स्थिति । —— ಭಕ್ತಿ भक्ति (सम्) सं.— एक ही देवता के प्रति दृढ़ भक्ति । —ಶರಣಾಗತಿ शरणागति (सम्) सं.— एक ही की शरण में जाने का भाव ।

ಅನನ್ವಯ अनन्वय (सम्) वि.— संबंध रहित, अन्वयशून्य । सं.—एक अलंकार ।

ಅನಪತ್ಯ अनपत्य (सम्) सं.— संतानहीन व्यक्ति ।

ಅನಪೇಕ್ಷೆ अनपेक्षे (सम्) सं.—इच्छा राहित्य ।

ಅನಭಿಜ್ಞ अनभिज्ञ (सम्) वि.— अज्ञ, अनजान, अपरिचित ।

ಅನಯ अनय (सम्) सं.— बुरा चाल-चलन, बुरी रीति ; अन्याय ; बदला ; हानि ; अव्यवस्था ; विधि, विपदा ।

ಅನರ್ಗಲ अनर्गल (सम्) वि.— बिना ताला-कुंजी का, खुला ; स्वेच्छाचारी, अनियंत्रित ।

ಅನರ್ಘ अनर्घ, ಅನರ್ಘ್ಯ अनर्घ्य (सम्) वि.— अमूल्य, प्रतिष्ठित ।

ಅನರ್ಥ अनर्थ (सम्) सं.— निष्प्रयोजन या बिना मूल्य का, निकम्मी वस्तु ; आपत्ति, विपत्ति ; दुर्भाग्य, बद-किस्मती ; निरर्थक अर्थशून्य ; अविवेक ।

ಅನರ್ಪಿತ अनर्पित (सम्) वि.— जो अर्पित न किया गया हो ।

ಅನರ್ಹ अनर्ह (सम्) वि.—अयोग्य, अवांछित, कौड़ी काम का नहीं ।—ತೆ ते (सम्) सं.— अयोग्यता ।

ಅನಲ अनल (सम्) सं.— आग, अग्निदेव, जठराग्नि । —ನಯನ नयन, ನೇತ್ರ नेत्र (सम्) सं.— शिव ।

ಅನವಕಾಶ अनवकाश (सम्) वि.— अवकाश का अभाव, फ़ुरसत का न होना ; जो लागू न हो ; अप्रार्थित । सं.— अनुपयुक्त समय ।

ಅನವದ್ಯ अनवद्य (सम्) वि.— निर्दोष, निष्कलंक, निर्मल, उत्तम ।

ಅನವಧಿ अनवधि (सम्) वि.— निस्सीम, अनंत, अवधिरहित ।

ಅನವರತ अनवरत (सम्) अ.— हमेशा, निरंतर, सतत, सदैव ।

ಅನವಶ್ಯ अनवश्य (सम्) वि.— अनावश्यक ।

ಅನವಸರ अनवसर (सम्) वि.— अवकाश या फ़ुरसत का न होना ।

ಅನವಸ್ಥಿತ अनवस्थित (सम्) वि.— चंचल, अस्थिर, परिवर्तनशील ।

ಅನವಸ್ಥೆ अनवस्थे (सम्) सं.— दुर्गति, बुरी स्थिति ।

ಅನಶನ अनशन (सम्) सं.— उपवास, भोजन न करना । —ವ್ರತ व्रत (सम्) सं.— उपवास व्रत ।

ಅನಾಕುಲ अनाकुल, ಅನಾಕುಳ अनाकुळ (सम्) वि.— शांत, आत्मसंयत, स्थिर ।

ಅನಾಚಾರ अनाचार (सम्) सं.—बुरा आचरण, बुरा मार्ग, दुष्कर्म ।

ಅನಾತ್ಮ अनात्म (सम्) सं.— जो आत्मा न हो, विरुद्धात्मा । —ಇಕ इक (सम्) वि.— मर्त्य ।

ಅನಾಥ अनाथ (सम्) वि.—नाथ रहित, ग़रीब, जिसके माता-पिता न हो । —ಬಂಧು बंधु (सम्) सं.— अनाथों के सहायक, परमात्मा ।

ಅನಾಥೆ अनाथे (सम्) सं.— ग़रीब स्त्री, विधवा ।

ಅನಾದರ अनादर (सम्) सं.— अगौरव, बेइज़्ज़ती ; घृणा, तिरस्कार ।

ಅನಾದಿ अनादि (सम्) वि.—जिसका शुरू या आरंभ न हो, आदिरहित, सनातन । सं.— स्वर्ग ।

ಅನಾದೃತ अनादृत (सम्) वि.—जिसका आदर न किया गया हो । अस्वीकृत, घृणित ।

ಅನಾದ್ಯಂತ अनाद्यंत (सम्) वि.— जिसका आदि और अंत न हो ।

ಅನಾನಸ अनानस, ಅನಾನಾಸ್ अनानास् (अ.दे.) सं.— अनन्नास (Pineapple) ।

ಅನಾಪ್ತ अनाप्त (सम्) सं.— अनजान, अजनबी ।

ಅನಾಮಕ अनामक (सम्) वि.— नाम रहित, गुमनाम, बदनाम, अप्रसिद्ध ।

ಅನಾಮಧೇಯ अनामधेय (सम्) वि.— जिसका नाम न हो, बदनाम, व्यक्तित्वहीन ।

ಅನಾಮತ್ अनामत् (क) अ.— अकस्मात्, अचानक (मै. प्र.) ।

ಅನಾಮಯ अनामय (सम्) वि.— स्वस्थ, तंदुरुस्त, सुंदर, शुद्ध । सं.— शिव ।

ಅನಾಮಿಕ अनामिक (सम्) सं.— नीच, पापी, अप्रसिद्ध ; हरिजन । — ಅನಾಮಿಕೆ अनामिके (सम्) सं.— अंगूठी पहनने की उंगली ; चंडाल स्त्री ।

ಅನಾಯಸ अनायस, ಅನಾಯಾಸ अनायास (सम्) वि.— विना प्रयास, बिना उद्योग, सरल, सुगम ।

ಅನಾರ್ಯ अनार्य (सम्) सं.— जो आर्य न हो, शूद्र, म्लेच्छ, अधम पुरुष ।

ಅನಾವರಣ अनावरण (सम्) सं.— उद्घाटन, आवरण या परदा खोलना ।

ಅನಾವೃಷ್ಟಿ अनावृष्टि (सम्) सं.— वर्षा का अभाव, उपद्रव ।

ಅನಾಹುತ अनाहुत (सम्) सं.— दुर्घटना, बुराई, हानि, विपदा ।

ಅನಾಹೂತ अनाहूत (सम्) वि. — बिना बुलाया हुआ, अनिमंत्रित ।

ಅನಿಚ್ಛೆ अनिच्छे (सम्) सं. — अनिच्छा, अभिलाषा का अभाव ।

ಅನಿತು अनितु, ಅನಿತ್ತು अनित्तु (क) अ.— उतना, उस समय तक, इतने में, पूरा, सारा ।

ಅನಿತ್ಯ अनित्य (सम्) वि.—अस्थिर, विनश्वर, झूठा ।

ಅನಿಂದ್ಯ अनिंद्य (सम्) वि.— श्लाघ्य, दोष रहित ।

ಅನಿಬರು अनिबरु (क) सं.— उतने लोग, सब लोग ।

ಅನಿಮಿತ್ತ अनिमित्त (सम्) वि.— अकारण, आधार रहित, उद्देश्य रहित ।

ಅನಿಮಿಷ अनिमिष (सम्) सं.— देवता ; मछली ; विष्णु । —ಆಶ್ರಯ आश्रय (सम्) सं.— स्वर्ग ; समुद्र । — ದೃಷ್ಟಿ दृष्टि (सम्) सं.— बिना पलक मारे देखने की क्रिया । —ಧ್ವಜ ध्वज (सम्) सं.— मीनकेतन, कामदेव ।

ಅನಿಯತ अनियत, ಅನಿಯಮಿತ अनियमित (सम्) वि. — जो नियमित न हो ; अनियंत्रित, असंयत ।

ಅನಿರುದ್ಧ अनिरुद्ध (सम्) वि.— अनियंत्रित, मुक्त । सं. — भेदिया, जासूस ; स्वेच्छाचारिता ; प्रद्युम्न के पुत्र का नाम ।

ಅನಿರ್ದಿಷ್ಟ अनिर्दिष्ट (सम्) वि. — अनिश्चित ।

ಅನಿರ್ದೇಶ अनिर्देश (सम्) सं.—निश्चितता या नियम का अभाव, अस्पष्टता ।

ಅನಿಲ अनिल (सम्) सं.—हवा, वायु, पवन । —ಜ ज (सम्) सं. — भीम ; हनुमान । —ಬಾಂಧವ बांधव (सम्) सं.— अग्नि । —ವಿಶ್ಲೇಷಕ विश्लेषक, ಮಾಪಕ मापक (सम्) सं.— वायु को मापने और पृथक करने का यंत्र (Eudiometer) ।

ಅನಿವಾರ अनिवार, ಅನಿವಾರ್ಯ अनिवार्य (सम्) वि.— जो निवारण करने योग्य न हो, विवश, सीमाहीन, आवश्यक ।

ಅನಿಶ್ಚಿತ अनिश्चित (सम्) वि.— जो निश्चित न हो, अनिर्णीत ।

ಅನಿಷ್ಟ अनिष्ट (सम्) सं. — दुर्दैव, दुर्भाग्य; इच्छा का अभाव ।

ಅನೀಕ अनीक, ಅನೀಕಿನೀ अनीकिनी (सम्) सं.— सेना, टोली, समूह ।

ಅನೀತಿ अनीति (सम्) सं.— अनय, बुरी नीति या चाल ।

ಅನೀನು अनीनु (सम्) सं.—लगाम, नियंत्रण ।

ಅನೀಶ अनीश (सम्) सं.— असमर्थ, जो स्वामी न हो ।

ಅನೀಶ್ವರವಾದ अनीश्वरवाद (सम्) सं. — नास्तिकवाद, चार्वाक का मत ।

ಅನು अनु (सम्) अ.— उपसर्ग — साथ, सहित, संग, पास-पास, संबंध से, पीछे, ओर, तरफ़, एक के बाद एक, समान, समर्थनीय ।

ಅನು अनु (क) वि.— ठीक, अच्छा, सुंदर, रम्य, उत्तम, मनोहर, नाज़ुक । सं. — योग्यता, शक्ति ; अनुकूल स्थिति, सुविधा तैयारी, विजय ; उचित ; या उपयुक्त कार्य ; योजना, विन्यास ; उपयुक्त संदर्भ, समय ; लाभ, उपयोग ; अवसर, मौका । — ಕೂಡು कूडु (क) क्रि· साथ हो, मिल, लग, एक हो ।— ಕೆಡು केडु (क) क्रि.— खराब हो । — ಗೈ गै (क) क्रि.—सुविधा कर, ठीक कर । — ಗೊಳ್ಳು गोळ्ळु (क) क्रि.—योग्य हो, तैयार हो । — ಗೊಳಿಸು गोळिसु (क) क्रि.— तैयार कर, अच्छा बना ।

ಅನುಕಂಪ अनुकंप, ಅನುಕಂಪೆ अनुकंपे (सम्) सं — दया, करुणा, सहानुभूति ।

ಅನುಕರಣ अनुकरण (सम्) सं. — नक़ल, प्रतिलिपि, एकरूपता । — ಕರಿಸು करिसु (सम्) क्रि.— नक़ल कर ।

ಅನುಕರಣೆ अनुकरणि (सम्) सं. — नकल (अभिनय आदि की) ।

ಅನುಕರ್ಷ अनुकर्ष (सम्) सं. — आकर्षण, खिंचाव ; पीछे घसीटना ; रथ या गाड़ी के नीचे रहनेवाली लकड़ी जिसके सहारे पहिये रहते हैं ।

ಅನುಕೂಲ अनुकूल (सम्) वि.— दयालु, माननेवाला । सं. — स्नेह, प्रीति ; सहायता ; विश्वस्त या दयालु पति, नायक विशेष ।

ಅನುಕ್ತ अनुक्त (सम्) वि. — जो नहीं कहा गया हो, जो कहने योग्य न हो ।

ಅನುಕ್ರಮ अनुक्रम (सम्) सं.— गणना, रीति, परंपरा, वंशावली ।

ಅನುಕ್ರಮಣ अनुक्रमण (सम्) सं.— पीछा करना, क्रम से पाना ।

ಅನುಕ್ರಮಣಿಕೆ अनुक्रमणिके (सम्) सं.— अनुक्रमणी, जिसमें किसी ग्रंथ में वर्णित विषयों का क्रमिक वर्णन हो ।

ಅನುಕ್ರೋಶ अनुक्रोश (सम्) सं.— अनुकंपा, दया, करुणा, कोमलता ।

ಅನುಗ अनुग (सम्) सं. — अनुयायी, साथी, आज्ञाकारी नौकर ।

ಅನುಗಡಿಸು अनुगडिसु (क) क्रि. — रगड़, पीट, मार ।

ಅನುಗತ अनुगत (सम्) वि.— पीछे चलनेवाला, पीछे आया हुआ ।

ಅನುಗಮನ अनुगमन (सम्) सं. — पीछे जाना ; सहगमन, सहमरण ; अनुसरण, अनुकरण ; अनुहार, अनुसार । —ಅನುಗಾಮಿ अनुगामि (सम्) सं.— दे. ಅನುಗ.

ಅನುಗುಣ अनुगुण (सम्) वि. — समान गुणवाला, अनुकूल, मनोज्ञ, उपयोगी, उचित, उपयुक्त ।

ಅನುಗ್ರಹ अनुग्रह (सम्) सं. — दया, सहानुभूति, उपकार ; सहायता, सहयोग ; स्वीकारोक्ति, स्वीकृति । —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— दया दिखा ।

ಅನುಚರ अनुचर (सम्) सं.— अनुयायी, सेवक, साथी ।

ಅನುಚಿತ अनुचित (सम्) वि.— अयुक्त, अयोग्य, ग़लत, अप्रचलित, विलक्षण, गुणहीन।

ಅನುಜ अनुज, ಅನುಜಾತ अनुजात, (सम्) सं.— छोटा भाई। — ಅನುಜಾತೆ अनुजाते, ಅನುಜೆ अनुजे (सम्) सं.— छोटी बहन।

ಅನುಜೀವಿ अनुजीवि (सम्) सं.— परावलंबी, नौकर, सेवक।

ಅನುಜ್ಞೆ अनुज्ञे (सम्) सं.— आज्ञा, अनुमति।

ಅನುತಾಪ अनुताप (सम्) सं.— पश्चात्ताप, दुःख, संताप, कष्ट ; दया, करुणा।

ಅನುದಾತ್ತ अनुदात्त (सम्) वि.— जो ऊँचा न हो, जो उदात्त स्वर न हो, गंभीर।

ಅನುದಿನ अनुदिन (सम्) अ.— हमेशा, सदा, दिनों दिन।

ಅನುನಯ अनुनय (सम्) सं.— विनम्रता, विनय ; स्नेह, प्रेम ; प्रार्थना ; सांत्वना।

ಅನುನಾಸಿಕ अनुनासिक (सम्) सं.— नासिका से उच्चरित होनेवाला अक्षर, वर्ग के पाँचवें अक्षर।

ಅನುಪತ್ಯ अनुपत्य (सम्) सं.— ग़रीबी, दरिद्रता।

ಅನುಪದ अनुपद (सम्) अ.— पीछे-पीछे, कदम-क़दम, अनंतर, बाद में।

ಅನುಪದೀನ अनुपदीन (सम्) सं.— जूता, खड़ाऊ।

ಅನುಪಪತ್ತಿ अनुपपत्ति (सम्) सं.— हानि, अपजय, असंगति, असिद्धि, असमर्थता।

ಅನುಪಮ अनुपम (सम्) वि.— उपमारहित, बेजोड़, असाधारण, सर्वोत्कृष्ट, सर्वोत्तम।

ಅನುಪಲ್ಲವಿ अनुपल्लवि (सम्) सं.— संगीत में टेक के साथ मिलनेवाली पंक्ति, सह-टेक।

ಅನುಪಾನ अनुपान (सम्) सं.— औषध के साथ मिलनेवाला पदार्थ, पदार्थ विशेष जो किसी औषध के साथ या ऊपर खाया जाय।

ಅನುಪ್ರಾಸ अनुप्रास (सम्) सं.—एक अलंकार।

ಅನುಬದ್ಧ अनुबद्ध (सम्) वि.— साथ मिला हुआ, संबद्ध।

ಅನುಬಂಧ अनुबंध (सम्) सं.— संबंध, मिलन, लगाव ; परिशिष्ट ; परिणाम। — ಅನುಬಂಧಿ अनुबंधि (सम्) सं.— रिश्तेदार, संबंधी, मित्र।

ಅನುಬಿಂಬ अनुबिंब (सम्) सं.— प्रतिबिंब, प्रतिकृति। — ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— नक़ल कर।

ಅನುಭವ अनुभव (सम्) सं.— अपने प्रयत्न से उत्पन्न ज्ञान, परिज्ञान, अनुभूति।

ಅನುಭಾವ अनुभाव (सम्) सं.— आत्मानुभूति ; काव्य में रस के चार अंगों में से एक, हृदयस्थ भाव को प्रकट करने का अंग-विकार ; अधिकार, गौरव। — ಭಾವಿ भावि (सम्) सं.— अनुभवज्ञ, ज्ञानी।

ಅನುಭೂತಿ अनुभूति (सम्) सं.— दे. ಅನುಭವ ; गौरव।

ಅನುಭೋಗ अनुभोग (सम्) सं.— सुख-दुख का भोग, विलास।

ಅನುಮತ अनुमत (सम्) वि.—स्वीकृत। सं.— अभिप्राय, राय।

ಅನುಮತಿ अनुमति (सम्) सं.— आज्ञा, अनुज्ञा, स्वीकृति ; चतुर्दशी का चंद्रमा। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— सम्पत्ति दे, आज्ञा दे।

ಅನುಮರಣ अनुमरण (सम्) सं.— सहगमन, सहमरण।

ಅನುಮಾನ अनुमान (सम्) सं.—ऊहा, तर्क, संशय। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— तर्क कर, संदेह कर।

ಅನುಮಿತಿ अनुमिति (सम्) सं —तर्क, निर्णय।

ಅನುಮೋದನ अनुमोदन (सम्) सं.— हर्ष, संतोष ; स्वीकृति, समर्थन।

ಅನುಯಾಯಿ अनुयायि (सम्) सं.— पीछे चलनेवाला, नौकर, साथी।

ಅನುಯೋಗ अनुयोग (सम्) सं.— परीक्षा, प्रश्न।

ಅನುರಕ್ತಿ अनुरक्ति, ಅನುರಾಗ अनुराग, ಅನುರತಿ अनुरति (सम्) सं.— प्रेम, प्रीति, भक्ति।

ಅನುರಾಧ अनुराध, ಅನುರಾಧಾ अनुराधा, ಅನುರಾಧೆ अनुराधे (सम्) सं.—२७ नक्षत्रों में एक।

ಅನುರೂಪ अनुरूप (सम्) वि.— सदृश्य, समान, योग्य, उपयुक्त। सं.— तुलना. साम्य।

ಅನುರೋಧ अनुरोध (सम्) सं.— अनुसरण, स्वेच्छाचारिता, विनय ; आग्रह, दबाव।

ಅನುಲೇಪನ अनुलेपन (सम्) सं.— उबटन, लेप, मलहम ; सुगंधित वस्तुओं को शरीर में लगाना।

ಅನುಲೋಮ अनुलोम (सम्) वि.— क्रमिक, स्वाभाविक, नियमित। — ವಿವಾಹ विवाह (सम्) सं.— उच्च वर्ण के पुरुष का नीच वर्ण की स्त्री के साथ विवाह।

ಅನುವರ अनुवर (सम्) सं.— युद्ध, लड़ाई।

ಅನುವರ್ತನ अनुवर्तन (सम्) सं.— अनुसरण, विनय ; आगे बढ़ाना ; परिणाम।

ಅನುವರ್ತಿ अनुवर्ति (सम्) सं.— अनुयायी।

ಅನುವಳಿ अनुवळि (क) क्रि.—आश्रयहीन हो। हीन दशा प्राप्त कर।

ಅನುವಾಗು अनुवागु (क) क्रि.— तैयार हो, कमर कस।

ಅನುವಾದ अनुवाद (सम्) सं.— भाषांतर, रूपांतर, तर्जुमा ; शिकायत।

ಅನುವಿಸು अनुविसु (क) क्रि.— अनुसरण कर, विनय कर।

ಅನುವು अनुवु (क) सं.— तैयारी।

ಅನುವೃತ್ತಿ अनुवृत्ति (सम्) सं.— स्वीकृति, अनुकरण, अनुसरण।

ಅನುಶಯ अनुशय (सम्) सं.— पश्चात्ताप, विषाद, क्षोभ ; उद्वेग ; महाक्रोध, घोर शत्रुता।

ಅನುಶಾಸನ अनुशासन (सम्) सं.— नियम. विधि, आज्ञा, आदेश, मार्गदर्शन, सलाह।

ಅನುಷಂಗ अनुषंग, ಅನುಷ್ವಂಗ अनुष्वंग (सम्) सं.— सामीप्य संबंध ; दया, करुणा ; निश्चित परिणाम ; एकीभाव, आलिंगन।

ಅನುಷ್ಟುಪ್ अनुष्टुप् (सम्) सं.— एक वृत्त का नाम।

ಅನುಷ್ಠಾನ अनुष्ठान (सम्) सं.— आचरण ; पूर्ण करना।

ಅನುಸಂಧಾನ अनुसंधान (सम्) सं. — निशान ; शोध ; योजना ।

ಅನುಸರಣ अनुसरण (सम्) सं.— पीछे-पीछे चलना, अनुकूल आचरण ।

ಅನುಸಾರ अनुसार (सम्) अ — मुताबिक, समान, सदृश ।

ಅನುಸ್ವಾರ अनुस्वार (सम्) सं.— स्वर के बाद उच्चरित किया जानेवाला एक अनुनासिक वर्ण, इसका चिह्न '०' है ।

ಅನೃತ अनृत (सम्) सं. — झूठ, मिथ्या, कपट, धोखा; कृषि ।

ಅನೆ अने (क) प्र.—एक प्रत्यय जिससे क्रि. वि. बनता है, जैसे-ಸುಮ್ಮನೆ सुम्मने–चुपचाप, ಮೆಲ್ಲನೆ मेल्लने–धीरे-धीरे ।

ಅನೆಯ अनेय, ಅನೇ अने (क) प्र.— विशेषण रूप के प्रत्यय । उदा. — ಒಂದನೆಯ ओंदनेय—पहला [ಒಂದು ओंदु (एक)+ ಅನೆಯ अनेय=ಒಂದನೆಯ ओंदनेय] ; ಒಂದನೇ ओंदने—पहला ।

ಅನೇಕ अनेक (सम्) वि.— कई, एक से अधिक । —ಪ प (सम्) सं.— कई बार पानी पीनेवाला, हाथी ।

ಅನೋಕಹ अनोकह (सम्) सं. — घर न छोड़ना ; पेड़, पौधा ।

ಅನ್ನ अन्न (सम्) सं. — भोजन, भात ; विष्णु ; सूर्य ; जल ।,— ಕಂಟಕ कंटक (सम्) वि. — दूसरों के जीवन को नष्ट करनेवाला । — ಛತ್ರ छत्र (सम्) सं.— सराया जहाँ निःशुल्क भोजन दिया जाता है ।

ಅನ್ನ अन्न, ಅನ್ನಂ अन्नं (क) अ.—तक, पर्यंत । वि.— वैसा, उस प्रकार का, उस तरह का ।

ಅನ್ನಕ अन्नक, ಅನಕ अनक, ಅನ್ನಕ್ಕ अन्नक, ಅನ್ನಕ್ಕರ अन्नकर (क) अ.—तक, पर्यंत ।

ಅನ್ನಗತ अन्नगत (सम्) वि.— अन्न से संबंधित ।

ಅನ್ನದಾತ अन्नदात (सम्) सं.—अन्न देनेवाला, स्वामी, प्रभु, मालिक ।

ಅನ್ನಪ್ಪ अन्नप्प (क) वि.-वैसा, उस प्रकार का ।

ಅನ್ನಪೂರ್ಣೆ अन्नपूर्णे (सम्) सं.— पार्वती ।

ಅನ್ನಪ್ರಾಶನ अन्नप्राशन (सम्) सं. — १६ संस्कारों में एक, बच्चे को प्रथम बार अन्न खिलाने की क्रिया ।

ಅನ್ನಯ अन्नय, ಅನ್ನೆಯ अन्नेय (तद्) सं.— अन्याय (तत्) ।

ಅನ್ನಸತ್ರ अन्नसत्र (सम्) सं.— दे. ಅನ್ನಛತ್ರ.

ಅನ್ನಾಧೀನ अन्नाधीन (सम्) वि. — अन्न पर अवलंबित ।

ಅನ್ನಾನ್ನಗತಿ अन्नान्नगति (सम्) सं.— भोजन (अन्न) के अभाव के कारण दुर्दशा, दारिद्र्य ।

ಅನ್ನಾರ್ಥಿ अन्नार्थि (सम्) सं.— भोजन के लिए आया हुआ व्यक्ति, भूखा आदमी, भिखारी ।

ಅನ್ನು अन्नु (क) क्रि. — कह, बोल द्वितीया विभक्ति प्रत्यय । — ಇಸು इसु ; —लगना, अनुभव होना ।

ಅನ್ನೆಗಂ अन्नेगं (क) अ.—इतने में, तब तक, तब ।

ಅನ್ನೆಬರಂ अन्नेबरं, ಅನ್ನಬರಂ अन्नबरं, ಅನ್ನೆವರಂ अन्नेवरं (क) अ.— तब तक, वहाँ तक, उस समय तक या पर्यंत ।

ಅನ್ನೋದಕ अन्नोदक (सम्) सं.— अन्न और जल ।

ಅನ್ಯ अन्य (सम्) वि. — दूसरा, अलग, भिन्न, पृथक ; सिवाय । —ಕಾಮಿನಿ कामिनि (सम्) सं.— पर स्त्री । –ಚಕ್ರ चक्र (सम्) सं.— शत्रुओं की सेना, अरि-सेना । – ತಮ तम (सम्) वि.— बहुतों में एक । —ತರ तर (सम्) वि.— दो में एक । —ತ್ರ त्र (सम्) अ.—दूसरी जगह, दूसरा स्थान ।

ಅನ್ಯಥಾ अन्यथा (सम्) अ.— प्रकारान्तर, दूसरे ढंग से, भूल से । — ಜ್ಞಾನ ज्ञान (सम्) सं.— झूठा ज्ञान ।

ಅನ್ಯಪುಷ್ಟ अन्यपुष्ट, ಅನ್ಯಭೃತ अन्यभृत (सम्) सं.— दूसरों से पोषित, कोयल ।

ಅನ್ಯಾದೃಶ अन्यादृश (सम्) वि.— विलक्षण, असाधारण ।

ಅನ್ಯಾಯ अन्याय (सम्) सं.— जो न्याय न हो, अनुपयुक्त, अनुचित, अयोग्य ।

ಅನ್ಯೂನ अन्यून (सम्) वि.— समूचा, पूरा ।

ಅನ್ಯೋಕ್ತಿ अन्योक्ति (सम्) सं. — दूसरों की बात एक ; अलंकार ।

ಅನ್ಯೋನ್ಯ अन्योन्य (सम्) अ.— परस्पर, आपस में । सं.— गाढ़ी मित्रता ।—ಆಶ್ರಯ आश्रय (सम्) वि.— आपस का सहारा, एक दूसरे की अपेक्षा । —ಭಾವ भाव (सम्) सं. — परस्पर अत्यंत प्रेम । — ಸಲ್ಲಾಪ सल्लाप (सम्) सं.— परस्पर संभाषण, प्रेम-पूर्ण संलाप । —ಸ್ನೇಹ स्नेह (सम्) सं.— प्रगाढ प्रेम ।

ಅನ್ವಯ अन्वय (सम्) सं. — परंपरा ; कुल, वंश, संबंध ; कविता में शब्दों की संगति या योजना जिससे अर्थ ग्रहण किया जा सके ; सार, निचोड़ ; न्याय में कार्य-कारण संबंध । — ವ್ಯತಿರೇಕ व्यतिरेक (सम्) सं.— संबंध और विरोध, विरोध संबंध, नियम और अपवाद ।

ಅನ್ವಯಿಸು अन्वयिसु (सम्) क्रि.— मिला, संबंध जोड़, अन्वय कर ।

ಅನ್ವರ್ಥ अन्वर्थ (सम्) वि.—अर्थ के अनुसार । — ನಾಮ नाम (सम्) सं. — सार्थक नाम धारी ।

ಅನ್ವೇಷಣ अन्वेषण (सम्) सं.—खोज, तलाश, शोध, अनुसंधान ।

ಅಪಕರ್ಷ अपकर्ष (सम्) सं.— कमी, उतार, घटाव, अपमान, निरादर ।

ಅಪಕಾರ अपकार (सम्) सं.— बुराई, द्वेष, द्रोह, हानि । —ಅಪಕಾರಿ अपकारि (सम्) सं.— बुरा आदमी, हानि पहुँचानेवाला ।

ಅಪಕೀರ್ತಿ अपकीर्ति (सम्) सं.— अपयश, बदनामी ।

ಅಪಕೃತಿ अपकृति, ಅಪಕೃತ್ಯ अपकृत्य (सम्) सं.— अपकार, कृतघ्नता, बुराई, द्रोह ।

ಅಪಕ್ವ अपक्व (सम्) वि. — कच्चा ; अपरिणत ।

ಅಪಖ್ಯಾತಿ अपख्याति (सम्) सं. — दे. ಅಪಕೀರ್ತಿ.

ಅಪಗತ अपगत (सम्) वि.— बीता, छूटा ।

ಅಪಗತಿ अपगति (सम्) सं.—दुर्दशा, नरक ।

ಅಪಗಮ अपगम (सम्) सं.—प्रस्थान, वियोग, मृत्यु।

ಅಪಘನ अपघन (सम्) सं.— शरीर के अवयव, देह, शरीर।

ಅಪಘಾತ अपघात (सम्) सं.— हत्या, हिंसा ; धोखा, प्रवंचना ; विश्वासघात।

ಅಪಚಯ अपचय (सम्) सं.— संग्रह, संकलन ; अवनति, ह्रास।

ಅಪಚಾರ अपचार (सम्) सं.— ग़लत काम, दुष्कर्म, अपराध।

ಅಪಜಯ अपजय (सम्) सं.— पराजय, हार।

ಅಪತ್ನೀಕ अपत्नीक (सम्) सं.—जिसकी पत्नी न हो, विधुर।

ಅಪತ್ಯ अपत्य, ಅಪತ್ಯಕ अपत्यक (सम्) सं.—संतान, शिशु।

ಅಪಥ್ಯ अपथ्य, (सम्) वि.—अयोग्य, अहित, असंबद्ध। सं.— हानिकर या अहितकर खाना।

ಅಪದಾನ अपदान (सम्) सं.— सत्कार ; उदारता ; पूर्व-चरित्र ; सदाचार।

ಅಪದೆಶೆ अपदेशे, ಅಪದೆಸೆ अपदेसे (सम्) सं.— दुर्दशा, बुरी स्थिति, दुर्भाग्य।

ಅಪದೇಶ अपदेश (सम्) सं.— बहाना ; चिह्न, निशान ; यश ; स्थान ; धोखा, छल ; शौक।

ಅಪದ್ವಾರ अपद्वार (सम्) सं.— बग़ल का दरवाज़ा।

ಅಪಧೈರ್ಯ अपधैर्य (सम्) सं.— भीरुता, अधैर्य, अविश्वास।

ಅಪಧ್ಯಾನ अपध्यान (सम्) सं.— दुश्चिंता, बुरा विचार।

ಅಪನಂಬಿಕೆ अपनंबिके, ಅಪನಂಬಿಗೆ अपनंबिगे, ಅಪನಂಬುಗೆ अपनंबुगे (क) सं.—अविश्वास, संशय, संदेह।

ಅಪನಿಂದೆ अपनिंदे (सम्) सं.—कुवचन, गाली, अपमान।

ಅಪನೀತ अपनीत (सम्) वि.—विगत, बीता, छूटा।

ಅಪಪ್ರಯೋಗ अपप्रयोग (सम्) सं.— अशुद्ध प्रयोग, बुरी रीति का उपयोग।

ಅಪಭ್ರಂಶ अपभ्रंश (सम्) सं.— पतन, गिराव ; अशुद्ध भाषा।

ಅಪಮಾನ अपमान (सम्) सं.— अगौरव, निरादर, बेइज़्ज़ती।

ಅಪಮೃತಿ अपमृति, ಅಪಮೃತ್ಯು अपमृत्यु (सम्) सं.— आकस्मिक मृत्यु, कुमृत्यु, कुसमय का मरण।

ಅಪಯಶ अपयश, ಅಪಯಶಸ್ಸು अपयशस्सु (सम्) सं.— दे. ಅಪಕೀರ್ತಿ.

ಅಪರ अपर (सम्) वि.— जो पर या दूसरा न हो, पहला, ; पिछला ; दूसरा अन्य, और, भिन्न ; अपकृष्ट, नीचा।— ಕ್ರಿಯೆ क्रिये (सम्) सं.— मृत व्यक्ति के लिए किया जानेवाला क्रिया-कर्म।

ಅಪರಂಜಿ अपरंजि (क) सं.— खालिस सोना, शुद्ध हेम।

ಅಪರಪಕ್ಷ अपरपक्ष (सम्) सं.— विरुद्ध पक्ष ; कृष्ण पक्ष।

ಅಪರರಾತ್ರಿ अपररात्रि (सम्) सं.— रात का पिछला पहर।

ಅಪರವಾರ್ಧಿ अपरवार्धि (सम्) सं.— पश्चिम समुद्र।

ಅಪರಾಜಿತ अपराजित (सम्) वि.— जो हारा न हो, अजेय। सं.— शिव ; विष्णु ; जैन यति।

ಅಪರಾಜಿತೆ अपराजिते (सम्) सं.— दुर्गा।

ಅಪರಾಧ अपराध (सम्) ग़लती, दोष।— ಅಪರಾಧಿ अपराधि (सम्) सं.— पापी, दोषी, अन्यायी।

ಅಪರಾಂತ अपरांत (सम्) सं.— पश्चिमी सरहद।

ಅಪರಾಹ್ಣ अपराह्ण (सम्) सं.— अपराह्न, दिन का शेष भाग, तीसरा पहर।

ಅಪರಿಮಿತ अपरिमित (सम्) वि.—परिमाणहीन, असंख्य, सीमाहीन।

ಅಪರೂಪ अपरूप (सम्) वि.— कभी दिखाई पड़नेवाला, जो अधिक प्रचलित नहीं; विकृत रूप।

ಅಪರೋಕ್ಷ अपरोक्ष (सम्) अ.— प्रत्यक्ष, आँखों के सामने।— ಜ್ಞಾನ ज्ञान (सम्) सं.— आत्मज्ञान, मोक्ष-ज्ञान।

ಅಪರ್ಣಾ अपर्णा, ಅಪರ್ಣೆ अपर्णे (सम्) सं.—पार्वती।

ಅಪಲಾಪ अपलाप (सम्) सं.— छिपाव, दुराव, किसी बात को छिपाना, तिरस्कार, सत्य को छिपाना।— ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— किसी बात को कहकर उसे छिपा, तिरस्कार कर।

ಅಪವರ್ಗ अपवर्ग (सम्) सं.— मोक्ष ; दान, भेंट, पुरस्कार ; अपवाद, विशेष नियम।

ಅಪವರ್ತನ अपवर्तन (सम्) सं.— उलट-फेर, वंचना, बुरा चालचलन।

ಅಪವಾದ अपवाद (सम्) सं.— कलंक, दोष, निंदा, दूषण, तिरस्कार। ; आज्ञा, अनुमति।

ಅಪವಾರಣ अपवारण (सम्) सं.— छिपाव, ढकाव ; रोक ; अंतर्धान ; व्यवधान।

ಅಪವಿತ್ರ अपवित्र (सम्) वि.—अशुद्ध, गंदा। —ತೆ ते (सम्) सं.— अशुद्धि, गंदगी।

ಅಪವ್ಯಯ अपव्यय (सम्) सं.—निरर्थक व्यय, फ़िज़ूल खर्च।

ಅಪಶಕುನ अपशकुन (सम्) सं.— अशुभ शकुन, बुरी सूचना।

ಅಪಶಬ್ದ अपशब्द (सम्) सं.— अशुद्ध शब्द, दूषित शब्द ; कुवाच्य, गाली ; असंबद्ध प्रलाप ; अपानवायु।

ಅಪಸರಣ अपसरण, ಅವಸರಣ अवसरण (सम्) सं.— हटना, पीछे लौटना, दूर जाना।

ಅಪಸರ್ಪ अपसर्प (सम्) सं.— गुप्तचर, जासूस, भेदिया।

ಅಪಸವ್ಯ अपसव्य (सम्) सं.— दाहिना, दक्षिण ; उलटा।

ಅಪಸಾಕ್ಷ್ಯ अपसाक्ष्य (सम्) सं.— झूठा, साक्ष्य ; न दीखनेवाली आँखें।

ಅಪಸಿದ್ಧಾಂತ (सम्) सं.— अशुद्ध निर्णय, अशुद्ध तत्व।

ಅಪಸ್ನಾನ अपस्नान (सम्) सं.— क्रिया-कर्म के बाद किया जानेवाला स्नान।

ಅಪಸ್ಮಾರ अपस्मार (सम्) सं. — विस्मृति; मूर्च्छा रोग; एक संचारी भाव।

ಅಪಸ್ವರ अपस्वर (सम्) सं. — वह ध्वनि जो ठीक प्रकार से नहीं मिलती; विरुद्ध वचन।

ಅಪಹತ अपहत. (सम्) वि.— विनष्ट, दूर किया हुआ, छूटा हुआ।

ಅಪಹರಣ अपहरण, ಅಪಹಾರ अपहार (सम्) सं.— चोरी; लूट; छिपाव। ಅಪಹರಿಸು अपहरिसु (सम्) क्रि. — चोरी कर, लूट-मार कर।

ಅಪಹಾರತೂರ್ಯ अपहारतूर्य (सम्) सं.— युद्ध रोकने की सूचना देनेवाला वाद्य (बाजा)।

ಅಪಹಾಸ अपहास, ಅಪಹಾಸ್ಯ अपहास्य (सम्) सं.—हँसी, मज़ाक, निंदा, दूसरों को देखकर हँसना, छेड़ना।

ಅಪಹ್ನವ अपह्नव, ಅಪಹ್ನುತಿ अपह्नुति (सम्) सं.— छिपाव, दुःख; 'अपह्नुति' —एक अलंकार।

ಅಪಾಂಸುಲೆ अपांसुले (सम्) सं.— निर्मल या पवित्र स्त्री, पतिव्रता।

ಅಪಾಂಗ अपांग (सम्) सं. — बायीं आँख; विकलांग।

ಅಪಾದಾನ अपादान (सम्) सं. — हटाना, अलगाव, पृथकता।

ಅಪಾನ अपान (सम्) सं.— पाँच प्राणों में एक, गुदा।

ಅಪಾಮಾರ್ಗ अपामार्ग (सम्) सं.—चिचड़ा।

ಅಪಾಯ अपाय (सम्) वि. — खतरा, हानि, चोट; मरण।

ಅಪಾರ अपार (सम्) वि.— बहुत अधिक, सीमारहित।

ಅಪಾರ್ಥ अपार्थ (सम्) वि. — अर्थहीन, निरर्थक, बुरे अर्थ का, झूठा अर्थ।

ಅಪಾವೃತ अपावृत (सम्) वि. — खुला; ढका हुआ।

ಅಪಾಶ್ರಯ अपाश्रय (सम्) सं. — आश्रय-हीन; बाड़।

ಅಪಾಸಂಗ अपासंग (सम्) सं.— तरकस, तूणीर।

ಅಪಿ अपि (सम्) अ.— फिर भी, तथापि; समीप।

ಅಪಿಗೆ अपिगे. ಅಪ್ಪಿಗೆ अप्पिगे (क) सं.— संयोजन, मिलने की क्रिया, पैबंद, टूटे पदार्थों को जोड़ने या ठीक करने की क्रिया।

ಅಪಿಧಾನ अपिधान (सम्) सं. — ढक्कन, ओढ़नी।

ಅಪುತ್ರ अपुत्र (सम्) वि. — जिसका पुत्र या बेटा न हो।

ಅಪುರೂಪ अपुरूप (तद्) वि.—अपरूप (तत्)। दे. ಅಪರೂಪ.

ಅಪೂಪ अपूप (सम्) सं.— पक्व अन्न; अपुआ, मालपुआ, अँदरसा, दोसा।

ಅಪೂರ್ವ अपूर्व (सम्) वि.—जो पहले न रहा हो, नया; विलक्षण, असाधारण। ದರ್ಶನ दर्शन (सम्) सं. — ऐसा दर्शन जो पहले न हुआ हो, नया दर्शन। — ಭೂತ भूत (सम्) वि.— जो पहले कभी न हुआ हो।

ಅಪೇಕ್ಷೆ अपेक्षे (सम्) इच्छा, अभिलाषा। — ಇಸು इसु (सम्) क्रि. — इच्छा कर, अभिलाषा कर।

ಅಪೇಯ अपेय (सम्) वि. — जो पीने योग्य नहीं (शराब आदि)। —ಪಾನ पान (सम्) सं.— शराब आदि पीना।

ಅಪೋಗಂಡ अपोगंड (क) सं. — बालक, बच्चा; भीरु, डरपोक।

ಅಪೋಹ अपोह (सम्) सं. — वितर्क, चिंतन, संदेह-निवारण।

ಅಪ್ಪ अप्प (क) सं.— पिता; यह शब्द पुरुषों के नामों के अंत में भी लगता है, जैसे— ಲಿಂಗಪ್ಪ लिंगप्प, ಹೊನ್ನಪ್ಪ होन्नप्प। ಚಿಕ್ಕ चिक्क—छोटा, ದೊಡ್ಡ दोड्ड-बड़ा, शब्दों के संयोग से इसके ये रूप बनते हैं— ಚಿಕ್ಕ + ಅಪ್ಪ = ಚಿಕ್ಕಪ್ಪ चिक्कप्प–पिता का छोटा भाई (काका); ದೊಡ್ಡ+ಅಪ್ಪ=ದೊಡ್ಡಪ್ಪ दोड्डप्प–पिता का बड़ा भाई (ताऊ)। हिन्दी में जैसे 'भाई' का प्रयोग होता है, वैसे कन्नड में 'ಅಪ್ಪ' (अथवा ಅಯ್ಯ) का प्रयोग होता है, जैसे — ನೋಡಪ್ಪ नोडप्प–देखो भाई। 'से बड़ा' के अर्थ में भी इसका प्रयोग होता है, तुलना करते समय कहा जाता–ಇದು ಅದರ ಅಪ್ಪ इदु अदर अप्प—यह उससे बड़ा है। (यह उत्कर्ष बोधक भी है)।

ಅಪ್ಪ अप्प (क) सं.— चावल का दोसा। ಎರೆಯಪ್ಪ एरेयप्प–एक प्रकार का मीठा दोसा (अँदरसा)। छोटे बच्चे ऐसी खाने की चीज़ों को ಅಪ್ಪಚ್ಚಿ अप्पच्चि कहते हैं।

ಅಪ್ಪ अप्प (क) कृ.—'ಆಗು' आगु 'हो' क्रिया से ಅಪ್ಪ अप्प—होनेवाला रूप बनता है। उदा. — ಪುಷ್ಪವಿಲ್ಲದೆ ಕಾಯ್ ಅಪ್ಪ ಅತ್ತಿ पुष्पविल्लदे काय् अप्प अत्ति— फूल के बिना (कच्चा) फल होनेवाला गूलर (अर्थात् गूलर का फल जो फूल के बिना फलता है)। ಪ್ರಿಯವಪ್ಪ ನುಡಿ प्रियवप्प नुडि—प्रिय होनेवाली (बात) बोलो (ऐसा बोलो जो दूसरों को प्रिय हो)।

ಅಪ್ಪ अप्प, ಅಪ अप, ಅಪ್ಪಪ್ಪ अप्पप्प, ಅಪ್ಪಾ अप्पा, ಅಪ್ಪೋ अप्पो (क) वि. वो. — ओह! अहा!

ಅಪ್ಪಟ अप्पट, ಅಪೂಟ अपूट (क) वि.—शुद्ध, अच्छा, निर्मल, जिसमें मिलावट न हो।

ಅಪ್ಪಟೆ अप्पटे (क) वि.— समतल। सं.— समतल भूमि या वस्तु।

ಅಪ್ಪಡ अप्पड़, ಅಪ್ಪಳ अप्पळ (क) सं.–पापड़।

ಅಪ್ಪಣೆ अप्पणे (तद्) — आज्ञापनं (तत्)। आज्ञा, अनुज्ञा, हुक्म। ಅಬದ್ಧಕ್ಕೆ ಏನು ಅಪ್ಪಣೆ, ಎಂದರೆ ಬಾಯಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದೆ अबद्धक्के एनु अप्पणे एंदरे बायिगे बंदिद्दे — झूठ बोलने के लिए आज्ञा क्या है, मुँह में जो आता है वही (कह.)।

ಅಪ್ಪತಿ अप्पति (तद्) — अपांपति (तत्)। समुद्र, वरुण।

ಅಪ್ಪನ अप्पन (तद्)—अर्पण (तत्)। कर, लगान, भाड़ा, किराया।

ಅಪ್ಪಂತ अप्पंत (क) वि.— संभावित।

ಅಪ್ಪಂತೆ अप्पंते (क) अ.—जैसे, समान, सदृश, तरह।

ಅಪ್ಪಯಿಸು अप्पयिसु (क) क्रि.— आलिंगन कर, छाती से लगा।

ಅಪ್ಪರಿಸು अप्परिसु, ಅಪ್ಪಳಿಸು अप्पळिसु (क) क्रि.— पटक, ऊपर से नीचे फेंक।

ಅಪ್ಪು अप्पु, ಅಪ್ಪುಗೆ अप्पुगे (क) सं.— आलिंगन, मिलन। —ಇಸು इसु (क) क्रि.— आलिंगन कर। ಗೆಯ್ गेय् (क) क्रि.— आलिंगन कर, स्वीकार कर।

ಅಪ್ಪೈಸು अप्पैसु (क) क्रि.— आलिंगन कर।

ಅಪ್ರಕಾಶ अप्रकाश (सम्) सं.—जो प्रकाश में न आया हो, जो चमकदार न हो। —ಇತ इत (सम्) वि.— जिसका प्रकाशन न हुआ हो, अप्रसिद्ध।

ಅಪ್ರಗಲ್ಭ अप्रगल्भ (सम्) वि.— असाहसी, अप्रौढ, लजीला, अज्ञानी।

ಅಪ್ರತಿ अप्रति, ಅಪ್ರತಿಮ अप्रतिम (सम्) वि.—जिसकी तुलना न हो सके, बेजोड़, अद्वितीय, असमान।

ಅಪ್ರತಿಭ अप्रतिभ (सम्) वि.— प्रतिभाहीन; उदास, सुस्त; लज्जाशील।

ಅಪ್ರತಿಮಾನ अप्रतिमान (सम्) वि.— दे. ಅಪ್ರತಿ.

ಅಪ್ರತಿರಥ अप्रतिरथ (सम्) सं.— अद्वितीय योद्धा, बेजोड़ वीर।

ಅಪ್ರತಿರೂಪ अप्रतिरूप (सम्) वि.— जिसके समान रूपवाला कोई न हो, अद्वितीय, अप्रतिम।

ಅಪ್ರತಿಷ್ಠೆ अप्रतिष्ठे (सम्) सं. — अपयश, कलंक, दोष, क्षुद्र गुण।

ಅಪ್ರತೀತಿ अप्रतीति (सम्) सं.— अप्रसिद्ध, अपख्याति।

ಅಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ अप्रत्यक्ष, ಅಪ್ರತ್ಯಾಯ अप्रत्याय (सम्) वि.— अदृष्ट, अगोचर, अज्ञात।

ಅಪ್ರಧಾನ अप्रधान (सम्) वि.— अमुख्य, गौण।

ಅಪ್ರಬುದ್ಧ अप्रबुद्ध (सम्) वि.— अज्ञानी, नासमझ, मूर्ख, बेवकूफ़।

ಅಪ್ರಮಾಣ अप्रमाण (सम्) सं.— झूठ, असीम, अपरिमाण; आधार रहित।

ಅಪ್ರಮೇಯ अप्रमेय (सम्) वि.— जो नापा न जा सके, असीम, गहन।

ಅಪ್ರಯೋಜಕ अप्रयोजक (सम्) वि.— निरुपयोगी, निरर्थक, बेकार।

ಅಪ್ರಸಿದ್ಧ अप्रसिद्ध (सम्) वि. — अज्ञात, अप्रकाशित, तुच्छ।

ಅಪ್ರಸ್ತುತ अप्रस्तुत (सम्) वि.— असंगत, प्रसंग विरुद्ध, अप्रधान, असंबद्ध, पृथक, विजातीय। — ಪ್ರಶಂಸ प्रशंस (सम्) सं.— एक अलंकार।

ಅಪ್ರಾಮಾಣಿಕ अप्रामाणिक (सम्) वि., सं.— जो प्रामाणिक या विश्वास योग्य न हो, अविश्वस्त, ऊट पटांग।

ಅಪ್ರಿಯ अप्रिय (सम्) वि.— अरुचिकर, नापसंद, तिरस्कृत। सं.— शत्रु, वैरी।

ಅಪ್ಸರಸ್ अप्सरस्, ಅಪ್ಸರಸಿ अप्सरसि, ಅಪ್ಸರೆ अप्सरे (सम्) सं.—देवांगना, सुरलोक की नर्तकी।

ಅಫಲ अफल (सम्) वि.— फलरहित, वंध्या, मरुभूमि। — ಆಕಾಂಕ್ಷಿ आकांक्षी (सम्) वि. — फल की इच्छा न करनेवाला, निस्वार्थी।

ಅಫೀಮು अफ़ीमु (अ. दे.) सं.— अफ़ीम। इस शब्द के अन्य रूप— ಅಪಿನಿ अपिनि, ಅಫಿನಿ अफ़िनि, ಅಫಿಮು अफ़िमु, ಅಫು अफु, ಅಭಿನಿ अभिनि, ಆಫೀಮು आफ़ीमु (व्या.भा.)।

ಅಬ अब, ಅಬಬ अबब, (क) प्र.— वि.बो.प्र. हा! हा! ऐ!

ಅಬಕಾರಿ अबकारि, ಅಬುಕಾರಿ अबुकारि, ಅಬ್ಕಾರಿ अब्कारि (अ.दे.) सं.— आबकारी (फ़ारसी)। शराब आदि मादक वस्तुओं के उत्पादन और विक्रय पर लगाया जानेवाला कर।

ಅಬದ್ಧ अबद्ध (सम्) वि. — बुद्धू, मूर्ख, बेवकूफ़। सं.— (क?) झूठ। —ಗಾರ गार (वि.)— झूठ बोलनेवाला। —ಸಾಕ್ಷಿ साक्षि सं.— झूठा साक्ष्य।

ಅಬಲ अबल (सम्) वि. — बलहीन, निर्बल, अशक्त। —ಅಬಲೆ अबले (सम्) सं.— स्त्री।

ಅಬಾಧ अबाध (सम्) वि.—बेरोकटोक, स्वतंत्र।

ಅಬುಜ अबुज (तद्) सं.— अब्ज (तत्); कमल।

ಅಬುದಿ अबुदि (तद्) सं.— अब्धि (तत्); समुद्र।

ಅಬುಧ अबुध, ಅಬೋಧ अबोध, ಅಬುದ್ಧ अबुद्ध (सम्) सं. — नासमझ, मूर्ख, बेवकूफ़।

ಅಬ್ಜ अब्ज (सम्) सं. — कमल; चंद्र; शंख; रत्न। — ಆಕರ आकर (सम्) सं. — ऐरावत, सरोवर। — ಗರ್ಭ गर्भ (सम्) सं.— ब्रह्मा, विष्णु।— ಜ ज (सम्) सं. — ब्रह्मा। — ಬಂಧು बंधु, ಬಾಂಧವ बांधव (सम्) सं.— सूर्य। — ಭವಾಂಡ भवांड (सम्) सं.— ब्रह्माण्ड — ವಾಸಿನಿ वासिनि (सम्) सं.— लक्ष्मी। — ವಾಹನ वाहन (सम्) सं.— शिव। — ವೈರಿ वैरि (सम्) सं.— चंद्र। —ಶರ शर (सम्) सं.— मन्मथ, कामदेव।

ಅಬ್ಜಿನಿ अब्जिनि (सम्) सं.—कमलिनी, कमल का सरोवर।

ಅಬ್ಜಾಸನ अब्जासन (सम्) सं. — ब्रह्मा। ಅಬ್ಜಾಸನೆ अब्जासने—लक्ष्मी।

ಅಬ್ಜೋದರ अब्जोदर (सम्) सं.— विष्णु।

ಅಬ್ಜೋದ್ಭವ अब्जोद्भव (सम्) सं.— ब्रह्मा।

ಅಬ್ದ अब्द (सम्) सं. — जलद, बादल, मेघ; संवत्, वर्ष। — ವಾಹನ वाहन (सम्) सं.— शिव। — ಸಾರ सार (सम्) सं.— कर्पूर विशेष।

ಅಬ್ಧಿ अब्धि (सम्) सं. — समुद्र; ताल; सरोवर, जलाशय, झील; विशुद्धज्ञान; कभी सात और कभी दो की संख्या का संकेत। ಜ ज (सम्) चंद्रमा। — ಸಾರ सार (सम्) सं.— रत्न विशेष।

ಅಬ್ಧಿನವನೀತ अब्धिनवनीत (सम्) सं. चंद्रमा।

ಅಬ್ಧಿಪ अब्धिप (सम्) सं.— वरुणदेव, के देवता।

ಅಬ್ಧಿಶಯನ अब्धिशयन, ಅಬ್ಧಿಶಾಯಿ अब्धि शायि (सम्) सं.— विष्णु।

ಅಬ್ಬ अब्ब, ಅಬ್ಬಾ अब्बा, ಅಬ್ಬಬ್ಬ अब्बब्ब (क) वि·बो·— अहा ! हा ! हा ! ऐ !

१. ಅಬ್ಬರ अब्बर (क) सं·—गर्जन, उच्च ध्वनि, बुलंद आवाज़, बाजों की ध्वनि, शोरगुल, चिल्लाहट। —ಇಸು इसु (क) क्रि· — गर्जन कर, शोर मचा ; इच्छा कर।

२. ಅಬ್ಬರ अब्बर (क) सं·— इच्छा ; उत्कंठा, लालसा।

ಅಬ್ಬರಣೆ अब्बरणे (क) सं·— दे· ಅಬ್ಬರ १.

ಅಬ್ಬಿ अब्बि (क) सं·— जलप्रपात।

ಅಬ್ಬೆ अब्बे (क) सं·— माता ; विधवा।

ಅಬ್ಬೆಸ अब्बेस (तद्) सं·— अभ्यास (तत्)।

ಅಬ್ರಹ್ಮಣ್ಯ अब्रह्मण्य (सम्) सं· — ब्राह्मण के अयोग्य कर्म। अवध्य, पापकार्य। वि·बो·, जैसे — हाय ! हाय ! ओह ! अरे !

ಅಬ್ರಾಂಗ अब्रांग (क) सं· — एक पौधा Grewia microcos.

ಅಬ್ರು अब्रु (अ· दे·) सं·=ಆಬ್ರು आब्रु— आबरू (फ़ारसी) ; मर्यादा, गौरव।

ಅಭಕ್ತ अभक्त (सम्) सं·— जो भक्त नहीं, भक्तिहीन, शठ, अविश्वास पात्र। —ಅಭಕ್ತಿ अभक्ति (सम्) सं·— भक्ति का अभाव, अविश्वास।

ಅಭಂಗ अभंग (सम्) वि·— निडर, सुरक्षित, सं·— रक्षा, रक्षण, वचन। —ಪ್ರದಾನ प्रदान (सम्) सं·— किसी को भय से मुक्त करने की प्रतिज्ञा या वचन। —ಹಸ್ತ हस्त (सम्) सं·— आशीर्वाद का हाथ, रक्षा करने का हाथ।

ಅಭಯಪ್ರದ अभयप्रद (सम्) वि.— जो रक्षा करता हो, जो अभय देता हो।

ಅಭವ अभव (सम्) सं·— अजन्मा ; शिव, भगवान ; अभागा ; जो जैन न हो।

ಅಭಾಜನ अभाजन (सम्) वि· — अयोग्य, नालायक, अपात्र।

ಅಭಾವ अभाव (सम्) वि. — कमी, न्यूनता, अनस्तित्व।

ಅಭಿ अभि (सम्) अ·— उपसर्ग जो संज्ञावाची और क्रियावाची शब्दों में लगाया जाता है। ओर, तरफ़, पर, ऊपर, पक्ष में, विपक्ष में, छिड़कना, अधिक, अतिरिक्त, आसपास अर्थ का यह द्योतक है। विशेषणों और ऐसे संज्ञावाची शब्दों में, जो क्रिया से नहीं बने हैं, जब यह लगाया जाता है तब अर्थ होता है— घनिष्ठता, सामीप्य, उत्कृष्टता, प्रत्यक्ष, एक के बाद एक, पृथक-पृथक।

ಅಭಿಖ್ಯೆ अभिख्ये, ಅಭಿಖ್ಯಾ अभिख्या (सम्) सं·—नाम, प्रसिद्धि, कीर्ति।

ಅಭಿಗಮನ अभिगमन (सम्) सं· — भेंट, सामने जाना, समीप जाना।

ಅಭಿಘಾತ अभिघात (सम्) सं·—मार, प्रहार, ताडन, आक्रमण, विघ्न, हानि। — ಇ इ (सम्) सं. — शत्रु, वैरी ; आघात करने वाला।

ಅಭಿಘಾರ अभिघार (सम्) सं·— घी। — ಅಭಿಘರಿಸು (सम्) क्रि·— घी डालना।

ಅಭಿಚರ अभिचर (सम्) सं·— सेवक, चाकर अनुचर।

ಅಭಿಚಾರ अभिचार (सम्) सं· — दूसरों को हानि पहुँचाने की क्रिया ; अविश्वास ; जादू, इंद्रजाल।

ಅಭಿಜನ अभिजन (सम्) सं· — कुटुंब, जाति, वंश ; जन्मस्थान, पैतृक स्थान ; कीर्ति, प्रसिद्धि ; सत्कुल, सत्कुल प्रसूत ; पंडित, नीतिमान।

ಅಭಿಜಾತ अभिजात (सम्) वि·— कुलीन, श्रेष्ठ, उत्तम, शिष्ट ; मधुर, सुंदर ; शुद्ध ; गुणवान, विद्वान, पंडित।

ಅಭಿಜಿತ್ अभिजित्, ಅಭಿಜಿತ್ತು अभिजित्तु (सम्) सं·— विष्णु का नाम ; नक्षत्र विशेष ; मध्याह्न ; चंद्रमा की पत्नी का नाम ; विजय-मुहूर्त्त।—ಮುಹೂರ್ತ (सम्) सं·— मध्याह्न का मुहूर्त्त, शुभ समय।

ಅಭಿಜ್ಞ अभिज्ञ (सम्) सं·— पंडित, विद्वान, विज्ञ।

ಅಭಿಜ್ಞಾನ अभिज्ञान (सम्) सं. —स्मृति, चिह्न, निशान ; ज्ञान, अनुभव।

ಅಭಿಧಾನ अभिधान (सम्) सं·— नाम ; भाषण, कथन, निरूपण ; शब्दकोश ; कीर्ति ; प्रकाश।

ಅಭಿಧೆ अभिधे (सम्) सं·— ध्वनि, नाद ; अभिधा शब्दशक्ति।

ಅಭಿಧೇಯ अभिधेय (सम्) सं·— नाम।

ಅಭಿನಂದನ अभिनंदन (सम्) सं·— धन्यवाद, शुक्रिया।

ಅಭಿನಯ अभिनय (सम्) सं·— हृदय के भाव को प्रकट करनेवाली क्रिया, नाटक का खेल, स्वांग, नक़ल।

ಅಭಿನವ अभिनव (सम्) वि·— नया, नूतन, नवीन।

ಅಭಿನಿವೇಶ अभिनिवेश (सम्) सं·— अनुरक्ति, लीनता ; दृढ़ प्रतिज्ञ, कृतसंकल्प ; ममता, प्रेम।

ಅಭಿನೀತ अभिनीत (सम्) वि·— समीप लाया हुआ, अभिनय किया हुआ, (नाटक) खेला हुआ, अलंकृत।

ಅಭಿನ್ನ अभिन्न (सम्) वि·— अखण्ड, अटूट, अपृथक, एकमय।

ಅಭಿಪ್ರಾಯ अभिप्राय (सम्) सं·— आशय, मत, राय, उद्देश्य, ज्ञान।

ಅಭಿಭವ अभिभव (सम्) सं· — हार, अपजय ; अपमान, तिरस्कार ; वृद्धि।

ಅಭಿಭಾವಿ अभिभावि (सम्) सं.— विजयी, लोकोत्तर।

ಅಭಿಭೂ अभिभू (सम्) कि· — पराजित हो, हार जा।

ಅಭಿಭೂತ अभिभूत (सम्) वि·— पराजित, अपमानित, तुच्छ।

ಅಭಿಮತ अभिमत (सम्) सं.— सम्मति, स्वीकृति ; आशय ; अभिलाषा।

ಅಭಿಮಂತ್ರಣ अभिमंत्रण (सम्) सं· — निमंत्रण, स्वागत ; जादू टोना।

ಅಭಿಮಾನ अभिमान (सम्) सं·— आत्म-गौरव, दर्प, अहंकार, गर्व ; प्रीति, प्रेम ; चोट, घाव, दुःख।

ಅಭಿಮುಖ अभिमुख (सम्) अ·— सामने, आगे, सम्मुख, ओर, तरफ़ ; छूना।

ಅಭಿಯೋಗ अभियोग (सम्) सं.— आक्रमण, चढ़ाई ; परिश्रम, मेहनत ; झगड़ा ; अशुद्ध सिद्धान्त ; दूषण, निंदा, शिकायत। —ಅಭಿಯೋಗಿ अभियोगि (सम्) वि.— आक्रमण करनेवाला, दोषी ठहरानेवाला।

ಅಭಿರಕ್ಷಣ अभिरक्षण (सम्) सं.—संपूर्ण रक्षण, सर्वविध रक्षण।

ಅಭಿರಂಜಕ अभिरंजक (सम्) सं. — परम सौंदर्य, परम कांति।

ಅಭಿರಾಮ अभिराम (सम्) वि.—सुंदर, मनोहर, आह्लादकर, रम्य, प्रिय।

ಅಭಿರುಚಿ अभिरुचि (सम्) सं.— अभिलाषा; चाह, इच्छा, पसंदगी ; आसक्ति।

ಅಭಿಲಷಿತ अभिलषित (सम्) वि.— इच्छित, वांछित।

ಅಭಿಲಾಷ अभिलाष, ಅಭಿಲಾಷಾ अभिलाषा, ಅಭಿಲಾಷೆ अभिलाषे (सम्) सं.— इच्छा, कामना, आकांक्षा, मनोरथ ; लालच, लोभ ; कंजूसी ; प्रेम, प्रीति।

ಅಭಿವಂಚಿಸು अभिवंचिसु (सम्) क्रि.— धोखा दे।

ಅಭಿವಂದನ अभिवंदन, ಅಭಿವಂದನೆ अभिवंदने (सम्) सं.— प्रणाम, नमस्कार, गौरव-प्रदर्शन।

ಅಭಿವರ್ಣಿಸು अभिवर्णिसु (सम्) क्रि.— भली भाँति वर्णन कर।

ಅಭಿವಾದ अभिवाद, ಅಭಿವಾದನೆ अभिवादने (सन्) सं— प्रणाम, नमस्कार, वंदना।

ಅಭಿವೃದ್ಧಿ अभिवृद्धि (सम्) सं.— अधिकता, वृद्धि ; जय, जीत।

ಅಭಿವ್ಯಕ್ತ अभिव्यक्त (सम्) वि. — प्रकट, स्पष्ट, व्यंजित, विदित। — ಅಭಿವ್ಯಕ್ತಿ अभिव्यक्ति (सम्) सं. — प्रकटीकरण, प्रकाशन।

ಅಭಿಶಾಪ अभिशाप (सम्) सं.— शाप ; झूठ ; इलज़ाम, निंदा।

ಅಭಿಷಂಗ अभिषंग (सम्) सं.— कर्ज़, उधार, ऋण ; हार, पराजय ; शाप ; क़सम ; मिलन, एकता ; निंदा, तिरस्कार।

ಅಭಿಷವ अभिषव (सम्) सं.— अभिषेक ; शुद्धीकरण ; यज्ञ-स्नान, धार्मिक स्नान ; प्रक्षालन ; बलिकर्म।

ಅಭಿಷಿಕ್ತ अभिषिक्त (सम्) वि.— अभिषेक किया हुआ, भीगा हुआ, राजतिलक किया हुआ।

ಅಭಿಷೇಕ अभिषेक (सम्) सं.— जल स्नान, छिड़काव ; राजतिलक।

ಅಭಿಷೇಚನ अभिषेचन (सम्) दे.— ಅಭಿಷೇಕ.

ಅಭಿಷ್ವಂಗ अभिष्वंग (सम्) सं.— प्रगाढ प्रेम, श्रेष्ठता।

ಅಭಿಸಂಧಿ अभिसंधि (सम्) सं.— मिलन, समूह ; धोखा, कपट, षड्यंत्र।

ಅಭಿಸರ अभिसर, ಅಭಿಸರಣ अभिसरण, ಅಭಿಸಾರ अभिसार (सम्) सं. — समीपगमन, मिलन, प्रेमियों के मिलने का संकेतस्थान।

ಅಭಿಸಾರಿಕೆ अभिसारिके (सम्) सं.—नायिका, जो संकेतस्थान पर अपने प्रिय से मिलने स्वयं जाती है या उसे बुलाती है।

ಅಭಿಹತಿ अभिहति (सम्) सं. —आघात, घाव, चोट।

ಅಭಿಹಾರ अभिहार (सम्) सं.— आक्रमण, हमला ; युद्ध की तैयारी ; क़ैद करना ; लूट-खसोट ; हथियार लगाना, हथियार लेना ; प्रयत्न।

ಅಭಿಹಿತ अभिहित (सम्) वि.— कथित, कहा हुआ, घोषित।

ಅಭೀ अभी (सम्) वि.— निडर, निर्भय।

ಅಭೀಕ अभीक (सम्) वि.—अभिलाषी, उत्सुक; कामुक, विलासी ; निडर, निर्भय।

ಅಭೀಕ್ಷಣ अभीक्षण (सम्) सं.— प्रतिमुखावलोकन, उस तरफ़ देखने की क्रिया।— ಅಭೀಕ್ಷಿಸು अभीक्षिसु (सम्) क्रि.— उस तरफ़ देख।

ಅಭೀಪ್ಸಿತ अभीप्सित(सम्) वि.—अभिलषित, इच्छित, वांछित।

ಅಭೀರ अभीर (सम्) सं.— अहीर, ग्वाला।

ಅಭೀರು अभीरु (सम्) वि. — धैर्यशाली, निडर, दृढ़।

ಅಭೀಷ್ಟ अभीष्ट (सम्) वि.— दे. ಅಭೀಪ್ಸಿತ सं.— अभिलाषा, इच्छा, पसंद, प्रेम।

ಅಭೂತ अभूत (सम्) वि.— अस्तित्वहीन, झूठा। —ಪೂರ್ವ पूर्व (सम्) वि.— जो पहले कभी नहीं था, बेजोड़।

ಅಭೇದ अभेद (सम्) सं.— भेद या अंतर का अभाव, एक-सा, एक रूप।

ಅಭೇದ್ಯ अभेद्य (सम्) वि.— अखंडित, अटूट, जो बेधा न जा सके।

ಅಭ್ಯಂಗನ अभ्यंगन, ಅಭ್ಯಂಜನ अभ्यंजन (सम्) सं.—उबटन, तैल-स्नान।

ಅಭ್ಯಂತರ अभ्यंतर (सम्) वि.— भीतर का, मध्य, बीच, परिचित।

ಅಭ್ಯರ್ಚನ अभ्यर्चन (सम्) सं.— आदर-सत्कार, पूजा।

ಅಭ್ಯರ್ಹಿತ अभ्यर्हित (सम्) वि.—अत्यादरणीय, मान्य।

ಅಭ್ಯವಹಾರ अभ्यवहार (सम्) सं.– भोजन ; भोजन करना, खाना खाना।

ಅಭ್ಯಸ್ತ अभ्यस्त (सम्) वि.— सीखा हुआ, पढ़ा हुआ, कंठस्थ किया हुआ, अभ्यास किया हुआ।

ಅಭ್ಯಾಕುಲ अभ्याकुल (सम्) वि. — बहुत भारी या बोझिल।

ಅಭ್ಯಾಗತ अभ्यागत (सम्) सं. — अतिथि, मेहमान, पाहुना। वि. — आया हुआ, उपस्थित।

ಅಭ್ಯಾಸ अभ्यास (सम्) सं.— उपयोग, रीति, पद्धति, कसरत, क़वायद, अध्ययन।

ಅಭ್ಯುತ್ಥಾನ अभ्युत्थान (सम्) सं.— उदय ; प्रस्थान, किसी के सम्मान के लिए आसन छोड़कर खड़े होने की क्रिया, सादर स्वागत।

ಅಭ್ಯುದಯ अभ्युदय (सम्) सं. — वृद्धि, उन्नति, प्रगति ; आनंद, सुख।

ಅಭ್ರ अभ्र (सम्) सं. — मेघ, बादल ; आकाश, वातावरण ; आँख, लोचन ; अभ्रक, अश्म (चमकदार पत्थर) ; जूड़ा स्त्रियों के बंधे बाल। — ಕೇಶ केश (सम्) सं.–शिव।–ಪಥ पथ (सम्) सं.– आकाश।

ಅಭ್ರಕ अभ्रक (सम्) सं.— अभ्रक, अबरक, धातु विशेष।

ಅಭ್ರಂಕಷ अभ्रंकष (सम्) वि.—गगनचुंबी। सं.— हवा, पर्वत।

ಅಭ್ರಗ अभ्रग (सम्) सं.— चिड़िया, पक्षी।

ಅಭ್ರಗಂಗೆ अभ्रगंगे (सम्) सं.—आकाशगंगा।

ಅಭ್ರಮಣಿ अभ्रमणि (सम्) सं.— सूर्य।

ಅಭ್ರಮಾತಂಗ अभ्रमातंग (सम्) सं.— ऐरावत। —ಅಭ್ರಮು अभ्रमु (सम्) सं.- ऐरावत की हथिनी।

ಅಮ अम (क) अ.— वि. बो. प्र. जो आश्चर्य, आनंद और दुःख सूचक है। हा! अरे! बाप रे! ओह! हाय! हाय!

ಅಮ अम (क) सं. — ಅಮ್ಮ अम्म—माता। स्त्रियों के नामों के साथ प्रायः यह शब्द लगता है, जैसे—ಚೆನ್ನಮ್ಮ चेन्नम्म अथवा ಚೆನ್ನಮ चेन्नम, ಹೊನ್ನಮ್ಮ होन्नम्म अथवा ಹೊನ್ನಮ होन्नम।

ಅಮಕಿರೆ अमकिरे, ಅಮಕೀರೆ अमकीरे, ಅಮಂಗುರ अमंगुर (क) सं.— असगंध, औषध के लिए उपयोगी पौधा, अश्वगंधा।

ಅಮಕು अमकु, ಅಮುಕು अमुकु (क) क्रि.— दबा, मसल, कुचल।

ಅಮಕ್ಕಳ अमक्कळ (क) सं.—कोलाहल, हलचल (तमिल शब्द—ಅಮರ್ಕಳ अमर्कळ-समर-भूमि)।

ಅಮಂಗಲ अमंगल (सम्) वि.—अशुभ, बुरा, खराब। —ಲೆ ले (सम्) सं.— विधवा।

ಅಮಗ अमग (क) सं.— उपयुक्त समय; अवसर, मौका; त्योहार; मौसम, विशेष कर फलों के पकने का मौसम।

ಅಮಗು अमगु (क) क्रि.— दे. ಅಮಕು (मै. प्र.)।

ಅಮಚು अमचु (क) क्रि.— दे. ಅಮಕು (मै. प्र.)।

ಅಮಟೆ अमटे (तद्) सं.— अम्बष्ठा। दे. ಅಂಬಟ.

ಅಮಟಿ अमटि, ಅಮಠಿ अमठि (तद्) सं.— दे. ಅಂಬಟ.

ಅಮತ अमत (सम्) सं.— समय, बीमारी, मृत्यु।

ಅಮತ್ರ अमत्र (सम्) सं.— बर्तन, बासन, अर्घ्यपात्र।

ಅಮತ್ಸರ अमत्सर (सम्) वि.—उदार, ईर्ष्या-रहित।

ಅಮಂದ अमंद (सम्) वि.— क्रियाशील, प्रतिभावान्; उग्र, तेज, दृढ़, तीव्र; अधिक, बड़ा, महत्वयुक्त।

ಅಮರ್ अमर्, ಅಮರು अमरु (क) क्रि.— मिल, एक रूप हो, हिल-मिल जा, गाढ़ा हो जा, संयुक्त हो, जुड़ जा; उत्पन्न हो, उठ; उपयुक्त हो, सुंदर हो; प्रकट हो, प्रसिद्ध हो; चढ़, उन्नत हो; घिर, घेर, सता; आलिंगन कर, कसकर बांध।

ಅಮರ अमर (सम्) सं.—अविनाशी, देवता; सोना, चाँदी; एक लता (coceulus cordifolius), अमरबेल; अमरकोश (व्या.भा.)।

ಅಮರಕುಜ अमरकुज (सम्) सं.— सुरलोक का वृक्ष, कल्पवृक्ष।

ಅಮರಕೋಶ अमरकोश (सम्) सं.– अमरसिंह कृत कोश ग्रंथ।

ಅಮರಗುರು अमरगुरु (सम्) सं.—देवताओं के गुरु, बृहस्पति।

ಅಮರತ್ವ अमरत्व (सम्) सं.— अमरता, अविनश्वरता; मोक्ष, मुक्ति।

ಅಮರಧೇನು अमरधेनु (सम्) सं.—कामधेनु।

ಅಮರನಾಗೇಂದ್ರ अमरनागेंद्र (सम्) सं.— ऐरावत।

ಅಮರಪತಿ अमरपति, ಅಮರೇಂದ್ರ अमरेंद्र (सम्) सं.— इंद्र।

ಅಮರಮುನಿ अमरमुनि (सम्) सं.— नारद।

ಅಮರಾಚಲ अमराचल (सम्) सं.—ಅಮರಾದ್ರಿ अमराद्रि—देवगिरि, मेरुपर्वत।

ಅಮರಾರಿ अमरारि (सम्) सं.— देवताओं के शत्रु, राक्षस।

ಅಮರಾವತಿ अमरावति (सम्) सं.—देव-नगरी, इन्द्र की राजधानी।

ಅಮರೀ अमरी (सम्) सं.— देवता की स्त्री, देवी; इन्द्र की नगरी।

ಅಮರಿಕೆ अमरिके (क) सं.—ಅಮರ್ಕೆ अमर्के—उपयुक्तता, संगति, लगाव, संयोजन, मेल (मिलना)।

ಅಮರಿಸು अमरिसु (क) क्रि.-मिलना, बांधना; दबाना, नाकों दम करना; तैयार करना, बनाना।

ಅಮರ್ಚು अमर्चु (क) क्रि.— दे. ಅಮಂಸು.

ಅಮರ್ತ್ಯ अमर्त्य (सम्) सं.— जो मर्त्य नहीं, देवता। — ಮಾರ್ಗ मार्ग (सम्) सं.— आकाश।

ಅಮರ್ದಪ್ಪು अमर्दप्पु (क) क्रि.–(ಅಮರ್ದು+ಅಪ್ಪು) कस कर बांध, आलिंगन कर।

ಅಮರ್ದು अमर्दु (तद्) सं.— अमृत (तद्)। इसका अन्य रूप–ಅವರ್ದು अवर्दु। देवताओं का पानीय; दूध; मोक्ष।

ಅಮರ್ದುಗದಿರ अमर्दुगदिर (तद्) सं.— (ಅಮರ್ದು + ಕದಿರ) — अमृत किरणोंवाला, चंद्रमा।

ಅಮರ್ದುಣಿ अमर्दुणि (क) सं.—अमृत पीनेवाले, देवता।

ಅಮರ್ದುವೆಣ್ अमर्दुवेण् (क) सं.—मोक्षांगना, पार्वती।

ಅಮರ್ಷ अमर्ष (सम्) सं — असहनशीलता, ईर्ष्या, हठ, क्रोध, कोप; एक संचारी भाव। —ಅಮರ್ಷಣ अमर्षण (सम्) वि.— उग्र, प्रचण्ड, क्रुद्ध, रूठा।

ಅಮಲ अमल (सम्) वि.— निर्मल, शुद्ध, स्वच्छ, सफेद, प्रकाशमान, चमकदार।

ಅಮಲಿನ अमलिन (सम्) सं.— मलरहित, निष्कलंक, स्वच्छ, पवित्र।

ಅಮಲು अमलु, अमल् ಅಮಲ್ (अ. दे.) सं.– मद, नशा; समय; अधिकार, शासन।— ಅಮಲ್ದಾರ अमल्दार (अ. दे.) सं.— दे. ತಹಸೀಲುದಾರ.

ಅಮಳ್ अमळ् (क) सं.— जोड़ी, युगल, दो, युग्म।

ಅಮಳರ್ अमळर् (क) सं.— जुड़वे बच्चे; अश्विनीकुमार।

ಅಮಳ್ದಲೆವಕ್ಕಿ अमळ्दलेवक्कि (क) सं.— साथ-साथ रहनेवाले चकवा-चकवी।

ಅಮಾ अमा (सम्) अ.— साथ, समीप, पास। सं.— अमावास्या ; आत्मा, जीव।

ಅಮಾತ್ಯ अमात्य (सम्) सं.— मंत्री, सचिव, समीप रहनेवाला।

ಅಮಾನತು अमानतु (अ. दे.) सं.— अमानत (हि.), धरोहर, थाती।

ಅಮಾನಸ್ಯ अमानस्य (सम्) सं.— पीड़ा, दुःख।

ಅಮಾನುಷ अमानुष (सम्) वि.—जो मनुष्य के योग्य नहीं, पाशविक, राक्षस के योग्य, अत्यंत क्रूर।

ಅಮಾನ್ಯ अमान्य (सम्) वि.— जो मानने योग्य न हो, अनादरणीय।

ಅಮಾವಸು अमावसु (सम्) सं.— पुरूरवा और उर्वशी का पुत्र।

ಅಮಾವಸ್ಯೆ अमावस्ये, ಅಮಾವಾಸ್ಯೆ अमावास्ये (सम्) सं.— कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि, अमावस। ಅಮಾಸೆ अमासे (तद्)।

ಅಮಿತ अमित (सम्) वि.— अपरिमित, बहुत, अधिक, विपुल, असीम, असंख्य। —ಗತಿ गति (सम्) वि. — असीम वेगवाला। सं.— एक जैन लेखक।

ಅಮಿತ್ರ अमित्र (सम्) सं.— शत्रु, वैरी।

ಅಮಿಕ್ಷೆ अमीक्षे (सम्) सं.— पिघला अथवा विशुद्ध मक्खन।

ಅಮೀರ अमीर (अ. दे.) सं.— बड़ा आदमी, सरदार। अमीर (हि.)।

ಅಮುಕ್ತ अमुक्त (सम्) वि.—जो मुक्त न हो, बंधा हुआ, परतंत्र, अस्वतंत्र।

ಅಮುತ್ರ अमुत्र (सम्) अ.—वहाँ, परलोक में।

ಅಮೂರ್ತ अमूर्त (सम्) वि. — रूपहीन, आकारहीन, निराकार, अदृष्ट।

ಅಮೂಲ್ಯ अमूल्य (सम्) वि.— बेशकीमत, अत्यधिक मूल्यवान, श्रेष्ठतम।

ಅಮೃತ अमृत (सम्) सं.— दे. ಅಮರ್ದು. —ಕರ कर, ಕಿರಣ किरण, ದ್ಯುತಿ द्युति, ರಶ್ಮಿ रश्मि (सम्) सं.— चंद्रमा। —ತರಂಗಿಣಿ तरंगिणि (सम्) सं.—चंद्रिका, चाँदनी।

ಅಮೃತಾಂಗನೆ अमृतांगने (सम्) सं.—मोक्षांगना ; पार्वती।

ಅಮೃತಾಂಧ अमृतांध, ಅಮೃತಾಂಧಸ अमृतांधस, ಅಮೃತಾಶನ अमृताशन (सम्) सं.— जिसका भोजन अमृत हो, देवता, अविनाशी।

ಅಮೃತಾನ್ನ अमृतान्न (सम्) सं.— अमृत सम रुचिकर भोजन।

ಅಮೃತಾಂಶು अमृतांशु (सम्) सं.— चंद्रमा।

ಅಮೆ अमे (क) प्र.— नामधातुओं के साथ लगानेवाला प्रत्यय। उदा. — ಅರಿಯಮೆ अरियमे (ಅರಿ + ಅಮೆ)—अज्ञान, नासमझी।

ಅಮೇಧ್ಯ अमेध्य (सम्) सं.— विष्ठा, मल ; अपशकुन ; यज्ञ के अयोग्य।

ಅಮೇಯ अमेय (सम्) वि.— असीम, अपार, अपरिमित। सं.— देवता।

ಅಮೋಘ अमोघ (सम्) वि. — अचूक, अव्यर्थ, सफल।

ಅಮೌಲ್ಯ अमौल्य, ಅಮೋಲಿಕ अमोलिक (सम्) वि.— दे. ಅಮೂಲ್ಯ.

ಅಮ್ಮ अम्म (क) सं.— माता (ಅಮ್ಮ अम्म—तेलुगु और तमिळ)। स्त्रियों के नामों के अंत में ಅಮ್ಮ लगाता है, जैसे— ಲಕ್ಷ್ಮಮ್ಮ लक्ष्मम्म, ಸುಬ್ಬಮ್ಮ सुब्बम्म। आदर देने के लिए ಅಮ್ಮ का प्रयोग होता है. जैसे—ಕೊಡಿ ಅಮ್ಮ कोडि अम्म—दीजिए, माताजी! (हिन्दी में जैसे माताजी का प्रयोग स्त्रियों को आदर देने के लिए होता है, वैसे ही कन्नड में ಅಮ್ಮ का प्रयोग होता है।) ಅಮ್ಮನ ಮನಸ್ಸು ಬೆಲ್ಲದ ಹಾಗೆ, ಮಗಳ ಮನಸ್ಸು ಕಲ್ಲಿನ ಹಾಗೆ अम्मन मनस्सु बेल्लद हागे, मगळ मनस्सु कल्लिन हागे—माता का मन गुड़ के समान, पुत्री का मन पत्थर के समान (कह.)। ಅಮ್ಮ के साथ ನವರು नवरु लगाकर अधिक आदर की व्यंजना की जाती है। ಅಮ್ಮನವರು ಪ್ರಾಯಸಮರ್ಥೆ ಆಗುವಾಗ ಅಯ್ಯನವರಿಗೆ ಕೈಲಾಸ अम्मनवरु प्रायसमर्थे आगुवाग अय्यनवरिगे कैलास—मालकिन जब तक सयानी होगी तब तक मालिक कैलास सिधारेंगे (वृद्ध विवाह पर व्यंग्य) —(कह.)। 'देवी' 'भगवती' के लिए ಅಮ್ಮನವರು का प्रयोग होता है, जैसे— ಅಮ್ಮನವರ ಪ್ರಸಾದ अम्मनवर प्रसाद—देवी जी (अथवा भगवती) का प्रसाद।

ಅಮ್ಮಣ್ಣಿ अम्मणि (क) सं.— स्त्रियों को संबोधित करते समय आदर के लिए ಅಮ್ಮಣ್ಣಿ का प्रयोग होता है, जैसे—ಇಲ್ಲ ಅಮ್ಮಣ್ಣಿ इल्ल अम्मणि—नहीं, माता जी। स्त्रियों के नामों के अंत में यह शब्द लगता है, जैसे— ದೇವೀರಮ್ಮಣ್ಣಿ देवीरम्मणि। छोटे बच्चों की भाषा में ಅಮ್ಮಣ್ಣಿ का अर्थ—माता का स्तन या चूचुक है।

ಅಮ್ಮಿ अम्मि (क) सं.-दे. ಅಮ್ಮಣ್ಣಿ (अंतिम अर्थ); व्यावहारिक भाषा में (विशेषकर अनपढ़ लोग) ಅಮ್ಮ के बदले ಅಮ್ಮಿ का संबोधन के रूप में प्रयोग करते हैं। इसका अर्थ 'री' होता है, जैसे— ನಡಿಯಮ್ಮಿ ಬೇಗ ಬೇಗ नडियम्मि बेग बेग— चल री जल्दी-जल्दी।

ಅಮ್ಮು अम्मु (क) क्रि.—सक, (शक्य), समर्थ हो, संभव हो (अक. क्रि.); साहस कर; स्वीकृति दे; इच्छा कर, अभिलाषा कर, चाह।

ಅಮ್ಮು अम्मु (क) सं.— इच्छा, चाह।

ಅಮ್ರಾತಕ अम्रातक (तद्) सं.—आम्रातक (तत्); आमाड़ा।

ಅಮ್ಲ अम्ल (सम्) वि.—खट्टा। सं.—खटाई; खट्टा दही ; सिरका, आसव।

ಅಮ್ಲಾನ अम्लान (सम्) वि.—जो कुम्हलाया या मुरझाया न हो, स्वच्छ, पवित्र, चमकीला।

ಅಮ್ಲಿಕೆ अम्लिके (सम्) सं.— इमली का वृक्ष।

ಅಯ್ अय् (क) वि.—(लिखते समय ಅಯ್ के बदले ಐ भी लिख सकते हैं।) पाँच की संख्या का संकेत चिह्न। ಅಯ್ಮೊಗ (ಅಯ್ + ಮೊಗ) अय्मोग—पाँच सिरवाला, ಅಯ್ನೂರನೆಯ अय्नूरनेयं—पाँच सौवाँ। उपसर्ग, जिसका अर्थ है—समीप जाना, पास जाना, पहुँचना। ಅಯ್ತಂದು (ಅಯ್ + ತಂದು) अय्तंदु—पास आकर। पुरुषों को संबोधित करते समय ಅಯ್ अय्, ಅಯ अय, ಅಯ್ಯ अय्य का प्रयोग होता है जिसका अर्थ है—

'जी', 'श्रीमन्', 'महाशय', 'महोदय' । अधिक आदर सूचक है — ಅಯ್ಗಳು अयगलु ಅಯ್ಗೋಳು अयगोळु शब्द ; इनका प्रयोग प्राय: जंगम (विरक्त), गुरु और अध्यापक के लिए होता है। ಅಯ್ಗಳೇ ಅಯ್ಗಳೇ ಅಯ್ದರ ಅಂಕೆ ನೀವೇ ಬರೆದರೆ ಚಂದ ! अयगळे अयगळे अयदर अंके नीवे बरेदरे चंद!—गुरुजी, गुरुजी, पाँच की संख्या आप ही लिखें तो अच्छा (कह.) । मध्यम पुरुष एक वचन का बोधक प्रत्यय जिसका प्रयोग भूतकाल में होता है। ನುಡಿದಯ್ नुडिदय्—(तू) बोला, ಹಾಡಿದಯ್ पाडिदय्—तू ने गाया।

ಅಯ अय (क) उ.—दे. ಅಯ್. संबोधन में ಅಯ್ನೋರು (ಅಯನ್+ಅವರು) का प्रयोग होता है। विशेषकर ब्राह्मणों को ऐसा संबोधित किया जाता है। उदा.—ಅಯ್ನೋರು ಇದಾರಾ अयनोरु इदारा ? — मालिक हैं क्या ? (व्या· भा.)।

ಅಯ अय (सम्) वि.— जानेवाला, गमन करनेवाला। सं.— गमन, पूर्वजन्म का शुभ कर्म, सौभाग्य ।

ಅಯತ್ನ अयत्न (सम्) वि. — निष्प्रयत्न, सुगमता से।

ಅಯನ अयन (सम्) सं.— गमन; रास्ता, मार्ग; स्थान, आवासस्थान ; व्यूह का मार्ग; दक्षिणायन, उत्तरायन ।

ಅಯಸ್ अयस् , ಅಯ अय (सम्) सं.— लोहा, इस्पात ।

ಅಯಸ್ಕಾಂತ अयस्कांत (सम्) सं.—चुंबक पत्थर।

ಅಯಾಚಿತ अयाचित (सम्) वि.—विना माँगी हुई।

ಅಯಿ अयि (क) वि.—ಅಯ್-पाँच की संख्या का सूचक। उदा.— ಅಯ್ವತ್ತು अय्वत्तु अथवा ಅಯಿವತ್ತು अयिवत्तु-पचास।

ಅಯಿದು अयिदु (क) वि.—पाँच की संख्या। ಅಯಿದು ಇಂದ್ರಿಯ अयिदु इंद्रिय —पाँच इंद्रिय।

ಅಯಿದೆ अयिदे, ಅಯ್ದೆ अय्दे, ಅಯ್ದು अय्दु (क) क्रि.— जा, गमन कर, मिल, संयुक्त हो, पहुँच, पा।

ಅಯಿಂದಾ अयिंदा (अ. दे.) अ.— आइंदा (हि.) ; आगे, भविष्य में।

ಅಯಿಬು अयिबु (अ. दे.) सं.— ऐब (हि.) ; दोष, अवगुण ।

ಅಯಿಲು अयिलु, ಅಯಿಲ್ अयिल्, ಅಯ್ಲು अय्लु (क) सं.-उन्मत्तता, उन्माद, पागलपन, सनक। —ಪಯಿಲು पयिलु (क) सं.— सनकी स्वभाव का मनुष्य।

ಅಯಿಸು अयिसु, ಅಯ್ಸು अय्सु (क) अ.— उतना। दे. ಅನಿತು.

ಅಯುಕ್ತ अयुक्त (सम्) वि.— अनुपयुक्त, अनुचित, अयोग्य।

ಅಯುತ अयुत (सम्) वि.—जो मिला न हो, असंयुक्त, असंबद्ध। सं.— दस हज़ार की संख्या।

ಅಯೋನಿಜೆ अयोनिजे (सम्) सं.— सीता (जो गर्भाशय से उत्पन्न न हुई हो)।

ಅಯೋಮಯ अयोमय (सम्) वि.— पूर्णत: लोहे या इस्पात से बनाया हुआ।

ಅಯೋಮುಖ अयोमुख (सम्) सं.— बाण, तीर; शूलिका, बर्छा।

ಅಯ್ಕಿಲ್ अय्किल् (क) सं.— मेघ, बादल ; हिम, कोहरा। — ಬೆಟ್ಟ बेट्ट (क) सं.— हिमालय। —ಕುವರಿ कुवरि, ಅಣುಗಿ अणुगि (क) सं.— हिमवान की बेटी पार्वती।

ಅಯ್ತನ अय्तन, ಅಯ್ಯತನ अय्यतन (क) सं.- आर्य या जंगम बनने की स्थिति।

ಅಯ್ತರು अय्तरु (क) क्रि.— आ, पहुँच।

ಅಯ್ತೆ अय्ते (क) क्रि. रू.—ಅದೆ अदे=ಇದೆ इदे—है (न. लिं.)।

ಅಯ್ದಾನೆ अय्दाने = ಅದಾನೆ अदाने (क) क्रि.रू.—है (पु. लिं.), ಅಯ್ದಾಳೆ अय्दाळे, ಅದಾಳೆ अदाळे—है (स्त्री. लिं.)।

ಅಯ್ದಿಸು अयिद्सु (क) क्रि.— पहुँचा, मिला, प्राप्त करा (प्रे.)।

ಅಯ್ದು अय्दु (क) क्रि.— दे. ಅಯಿದೆ ; पाँच की संख्या का सूचक। ಅಯ್ದುಮಂದಿ अय्दु मंदि—पाँच लोग, ಅಯ್ದನೆಯ अय्दनेय—पाँचवाँ, ಅಯ್ದಾರು अय्दारु—पाँच-छः।

ಅಯ್ದುವಿಕೆ अय्दुविके, ಅಯ್ದಿಕೆ अयिद्के (क) सं.-गमन, जाने, आने की क्रिया (मे.प्र.)।

ಅಯ್ದೆ अय्दे (क) अ.— अच्छी तरह, ठीक। ತನ तन (क) सं.— सौभाग्य, सुहाग। — ಮಿನುಗು मिनुगु (क) सं.— मांगल्य।

ಅಯ್ವರ್ अय्वर , ಅಯ್ವರ್ अय्वर (क) सं.— पाँच लोग।

ಅಯ್ಯ अय्य (क) सं.— (अज्ज ?) प्रभु, स्वामी, मालिक; पिता; दादा, नाना; जंगम (लिंगायत); उपाध्याय, अध्यापक, गुरु; संबोधन— जी, महोदय आदि के अर्थ में। —ತನ तन (क) सं.— स्वामित्व, प्रभुता, अधिकार; बाल-जंगमों को दी जानेवाली दीक्षा, जंगम-उपनयन।

ಅಯ್ಯರ್ अय्यर् (तमिळ ?) सं. — स्मार्त ब्राह्मणों के लिए प्रयुक्त होनेवाला शब्द। पुरुषों के नामों के साथ यह शब्द लगता है, जैसे—स्वामिनाथ अय्यर्।

ಅಯ್ಯಂಗಾರ್ अय्यंगार् (तमिळ ?) सं.— श्रीवैष्णव ब्राह्मणों के लिए प्रयुक्त होनेवाला शब्द। पुरुषों के नामों के साथ ಅಯ್ಯಂಗಾರ್ शब्द लगता है, जैसे—श्रीनिवास अय्यंगार्।

ಅಯ್ಯಯ್ಯೋ अय्यय्ये, ಅಯ್ಯಯ್ಯೋ अय्यय्यो, ಅಯ್ಯೋ अय्यो (क) वि.बो.— हाय ! हाय !, हा ! हा ! ओह ! (करुणा-सूचक)।

ಅಯ್ರಣೆ अय्रणे, ಅಯ್ರಾಣಿ अय्राणि (क) सं.- बर्तन, घड़ा, कुंभ, वर्णरंजित कुंभ जो प्राय: विवाह के समय उपयोग में लाया जाता है।

ಅಯ್ರಿ अय्रि (क) सं.— आँखों की बिमारी जिसके कारण नीचे की पलक अधिक फूल जाती है।

ಅಯ್ವತ್ತು अय्वत्तु (क) सं.— पचास की संख्या।

ಅಯ್ವರ್ अय्वर (क) सं.— पाँच लोग।

ಅಯ್ವಾಯ್ अय्वाय् (क) सं.— सिंह, शेर।

ಅಯ್ಸಲೆ अय्सले (क) अ.— नहीं क्या ?; शाबाश !

ಅರ್ अर् (क) प्र.— ಅರು अरु—बहुवचन सूचक प्रत्यय। ದೇವಿ देवि (ए. व.)—ದೇವಿಯರ್ देवियर्, ದೇವಿಯರು देवियरु (ब. व.)-देवी-देवियाँ। ಮಾಡಿದರ್ माडिदर् ಮಾಡಿದರು माडिदरु (ब. व.)—(उन्होंने या इन्होंने) किया।

ಅರ್ अर् (क) क्रि.— डूब, निमग्न हो।

ಅರ अर (क) सं.— ಅರೆ अरे=पीस, रगड़, रेत (क्रि. से इसकी व्युत्पत्ति)— रेती, नरथी, लोहे का आयुध विशेष जिससे रेता जाता है।

ಅರ अर (सम्) सं.—पहिये की नाभि और नेमि के बीच की लकड़ी; धर्म; यम; आधा; अकाल।

ಅರ अर (क) सं.— ಅರಸು अरसु=राजा का संक्षिप्त रूप। वि.— जानेवाला, वेगवान। कृत् प्रत्यय; उदा.— ಎತ್ತರ (ಎತ್ತು+ಅರ) एत्तर—ऊँचाई।

ಅರಕ अरक (क) सं.— चावल को पानी में डालकर कंकड़ और धूल को निकालने की क्रिया।— ಅರಕಂಚಟ್ಟಿ अरकंचट्टि—बड़ा मुँहवाला बर्तन जिससे यह काम किया जाता है।

ಅರಕ अरक (तद्) सं.— अर्क (तत्); वाष्पी-करण, वाष्पीकरण करनेवाली वस्तु।

ಅರಕು अरकु, ಅರಾಕು अराकु, ಆರಕ್ आरक् (तद्) सं.— अर्क (तत्?)। तीव्र मदिरा, ताड़ी, रस-सार; चाँदी का मुलम्मा।

ಅರಕುಡಿ अरकुडि (क) सं.— राजवंश।

ಅರಕೆ अरके, ಅರೆಕೆ अरेके (क) सं.— आधा, टुकड़ा, भाग, अपूर्ण, बिलकुल छोटा पदार्थ; खोज, तलाश।

ಅರಗಿಳಿ अरगिळि (क) सं.— तोतों में श्रेष्ठ तोता।

ಅರಗೀಲ್ अरगील् (क) सं.— धुरी।

ಅರಗು अरगु, ಅರಿಗು अरिगु, ಅರುಗು अरुगु (क) सं.— छोर, किनारा, अंत (कपड़े आदि का); पड़ोस, सामीप्य।

ಅರಗು अरगु (क) क्रि.— नष्ट हो; जीर्ण हो, हज़म हो। सं.— लाख, लाक्षा।

ಅರಗುಲಿ अरगुलि (क) सं.— धर्मद्रोही; शिकारी।

ಅರಗುವರ अरगुवर (क) सं.— राजकुमार; धर्मराज।

ಅರಚನೆ अरचने (तद्) सं.— अर्चना (तत्); पूजा।

ಅರಚು अरचु (क) क्रि.— चिल्ला, पुकार, उच्च स्वर से बोल, शोर मचा, हल्ला कर; रगड़ रेत (प्रे.)।

ಅರಜಸ್ अरजस् (सम्) सं.—रजोधर्म रहित; देवयानी।

ಅರಟೆ अरटे (क) सं. = ಹರಟೆ हरटे—गपशप (ग्रा.)।

ಅರಣ अरण (क) सं.— विवाह में दिये जानेवाले उपहार, भेंट; दान, पुरस्कार।

ಅರಣಿ अरणि (सम्) सं.— छेंकुर की लकड़ी जिसको रगड़ने से आग निकलती है, यज्ञ के लिए आग निकालने की लकड़ी।

ಅರಣೆ अरणे (क) सं.— गिरगिट।

ಅರಣ್ಯ अरण्य (सम्) सं.— जंगल, वन। ರೋದನ रोदन (सम्) सं.— निष्फल रोना, निष्फल प्रयत्न।

ಅರಣ್ಯಕ अरण्यक, ಆರಣ್ಯಕ आरण्यक (सम्) सं.— वेद के ब्राह्मणों के अंतर्गत एक भाग जो वन में बैठकर रचे गये थे और जिसको वन में ही जाकर पढ़ना चाहिए।

ಅರತ अरत (सम्) वि.— प्रेमहीन, उपेक्षित।

ಅರತ अरत (क) सं.— पीसने, कूटने की क्रिया पिसाई, कुटाई।

ಅರತಿ अरति (सम्) सं.— प्रेमहीनता, दुःख, अतृप्ति, विकलता।

ಅರದಳ अरदळ, ಅರದಾಳ अरदाळ, ಅರಿದಾಳ अरिदाळ (तद्) सं.— हरिताल (तत्); हरताल, एक औषध विशेष।

ಅರದು अरदु, ಅರೆದು अरेदु (क) कृ.—पीसकर, रगड़कर। ಅರೆ अरे=पीस, रगड़ (क्रि.)।

ಅರಮು अरदु, ಅರಿದು अरिदु (क) वि.—असंभव, नामुमकिन; कष्टसाध्य; गहन; विस्मयकर; बड़ा, महान। कृ.— काटकर; समझकर।

ಅರಿಂದಮ अरिंदम, ಅರಿಂಜಯ अरिंजय (सम्) वि.— शत्रुओं को जीतनेवाला, विजयी।

ಅರಿಪದ अरिपद (सम्) सं.— अरि समास।

ಅರಿಪು अरिपु (सम्) सं.— मित्र, दोस्त।

ಅರಿಪು अरिपु (क) क्रि.— समझा, बता, कह। सं.— समझ, ज्ञान।

ಅರಿಯಮೆ अरियमे, ಅರಿಮಿಕೆ अरिमिके (क) सं.— अज्ञान, नासमझी।

ಅರಿಲ್ अरिल् (क) सं.— नक्षत्र।—ಬಟ್ಟೆ बट्टे (क) सं.— नक्षत्र पथ, आकाशमार्ग।

ಅರಿವರ್ಗ अरिवर्ग (सम्) सं.— शत्रुसेना।—ಅರಿಷಡ್ವರ್ಗ अरिषड्वर्ग (सम्) सं.— काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मात्सर्य।

ಅರಿವಿಲಿ अरिविलि (क) वि.—अज्ञानी, मूर्ख। सं.— अज्ञान।

ಅರಿವು अरिवु (क) सं.— समझ, ज्ञान।

ಅರಿವೆ अरिवे (क) सं.— कपड़ा, वस्त्र; एक पौधा Amarantus oleraceus.

ಅರಿವೊಯ್ಲು अरिवोयलु (क) सं.— शत्रुओं का आघात, प्रहार; ज्ञान पर प्रहार या चोट।

ಅರಿಷ್ಟ अरिष्ट (सम्) सं.— प्रारब्ध; कौआ; शाप; छींक; एक राक्षस।

ಅರಿಷ್ಟಾಂಶ अरिष्टांश (सम्) सं.—दुष्ट नक्षत्र-भाग, बुरी ग्रह दशा।

ಅರಿಸಮಾಸ अरिसमास (सम्) सं.— संस्कृत और कन्नड के शब्दों के संयोग से बननेवाला एक समास।

ಅರಿಸಿಣ अरिसिण, ಅರಿಸಿನ अरिसिन, ಅರಿಶಿನ अरिशिन (तद्) सं.— हरिद्रा (तत्)। हल्दी, पीला रंग।

ಅರು अरु (क) क्रि.— सूख जा, फट जा, टूट जा। सं.— छोर, किनारा, अंतिम भाग।

ಅರುಗ अरुग, ಅರುಹ अरुह (क) सं.—अर्हन्त, जैनयति, जिन।

ಅರುಚಿ अरुचि (सम्) सं.— रुचिहीनता, अनिच्छा, घृणा।

ಅರುಜ अरुज (सम्) सं.—भला चंगा, नीरोग; स्वास्थ्य ; स्वातंत्र्य ; रावण का साथी ।

ಅರುಣ अरुण (सम्) सं.— सूर्य का सारथी ; लाल रंग ; धूल ; किरण ; सोना, स्वर्ण ।

ಅರುಣಾಂಬು अरुणांबु (सम्) सं.—लाल पानी, रक्त, लहू ।

ಅರುಣೋದಯ अरुणोदय (सम्) सं.— प्रातः-काल, भोर ।

ಅರುತ अरुत (क) वि.— सूखा, रूखा, शुष्क ।

ಅರುಂತುದ अरुंतुद (सम्) राहु ; कर्णकठोर ध्वनि ; पीड़ा उत्पन्न करनेवाला घाव ।

ಅರುಂಧತಿ अरुंधति (सम्) सं.— वशिष्ठ जी की पत्नी ।

ಅರುಪು अरुपु (क) क्रि.— समझा ; सिखा, पढ़ा, बता ।

ಅರುಮೆ अरुमे (क) सं.— प्रेम, प्रीति, चुंबन ; तरल भाव, लड़कपन की प्रकृति ।

ಅರುಮೊಗ अरुमोग (क) सं.— षण्मुख, षडानन ।

ಅರುವ अरुव, ಅರವ अरव, ಅರವು अरवु ಅರುವು अरुवु (क) सं.— तमिळ । —ದೇಶ देश (क) सं.—तमिळ भाषा प्रदेश । —ಭಾಷೆ भाषे (क) सं.-तमिळ भाषा । — ಅರವಗಿತ್ತಿ अरवगित्ति, ಅರವಿತಿ अरविति (क) सं.— तमिळ भाषी स्त्री ।

ಅರುವಗೆ अरुवगे (क) सं.—अरिषड्वर्ग ।

ಅರುವಿಲ್ಮೆ अरुविल्मे (क) सं.— अज्ञान ।

ಅರುಹು अरुहु (क) क्रि.—बता, कह, समझा । सं.— ज्ञान, प्रज्ञा, प्रकाश ।

ಅರುಳ್ अरुळ् (तमिळ ?) सं. — प्रसाद, कृपा, दया ।

ಅರೆ अरे (क) क्रि.— पीस, रगड़, टुकड़ा कर । वि.— आधा । सं.— चट्टान । —ಕಡಿ कडि (क) क्रि.— आधा कर, टुकड़ा कर, रगड़, लेपन कर ।

ಅರೆ अरे (क) प्र.— संदिग्धता सूचक प्रत्यय । ಅವನು ಬಂದರೆ अवनु बंदरे—वह (पु. लि.) आवे तो ।

ಅರೆ अरे (क) सं.— हिचकिचाहट, संदेह ; एक पौधा Grislea tomentosa, धातकी ; पिछला भाग, सेना का पिछला भाग ।

ಅರೆ अरे, ಅರೆರೆ अरेरे (अ. दे.) अ.—अरे ! रे ! हे !

ಅರೆಗೆಲಸ अरेगेलस (क) सं. — आधा-आधा काम, अपूर्ण कार्य ।—ಇಗ (क) सं.—काम-चोर ।

ಅರೆದಿಂಗಳು अरेदिंगळु (क) सं.— आधा मास, पंद्रह दिन, पक्ष ।

ಅರೆದಿಟ್ಟಿ अरेदिट्ट (क) सं.—अर्धनिमीलित नेत्र ।

ಅರೆನೆಲೆ अरेनेले, ಅರನೆಲೆ अरनेले (क) सं.— सेना का पिछला भाग ।

ಅರೆಪೊರಿಕ अरेपोरिक (क) सं.— अर्धव्याप्ति ।

ಅರೆಬರ್ अरेबर् (क) वि.— कुछ (लोग) ।

ಅರೆಮರುಳ್ अरेमरुळ् (क) सं.—आधा पागल-पन ।

ಅರೆಮೆಯ್ अरेमेय् (क) सं.— अर्ध शरीर ।—ವೆಣ್ಣ वेण्ण (क) सं.— अर्धनारीश्वर, शिव ।

ಅರೆಯಟ್ಟು अरेयट्टु (क) क्रि.— पीछा कर, अनुगमन कर, मार कर भगा ।

ಅರೆವರಿಸು अरेवरिसु (क) क्रि.— अपूर्ण कर, आधे में छोड़ दे, तिरस्कार कर ।

ಅರೆವಾನಿಸ अरेवानिस (क) सं.— नरसिंह ।

ಅರೆವೆಣ್ಮೆಯ್ಯ अरेवेण्मेय्य (क) सं. — अर्धनारीश्वर ।

ಅರೆವೆರೆ अरेवेरे (क) सं.— अर्ध चंद्र ।

ಅರೆಸೀಕರಿ अरेसीकरि (क) क्रि.— आधा जल जाना ।

ಅರೋಚಕ अरोचक (सम्) वि.— रुचिहीन, गंदा ।

ಅರ್ಕ अर्क (सम्) सं.—अर्कवृक्ष ; सूर्य, किरण; इंद्र ; स्फटिक, ताम्र ; कल्पवृक्ष ; आश्चर्य ; सार, निचोड़ ।—ಜ ज (सम्) सं.— शनि, यम, कर्ण, सुग्रीव । —ಪರ್ಣ (सम्) सं.— आक का पत्ता । —ವಾರ वार (सम्) सं.— रविवार, इतवार ।

ಅರ್ಕಾಶ್ಮ अर्काश्म (सम्) सं.— स्फटिक, सूर्य-कांत मणि ।

ಅರ್ಕೆ अर्के (क) सं.— विलाप, रोदन, रुलाई ; पश्चात्ताप ।

ಅರ್ಗಲ अर्गल (सम्) सं.— दे. ಅಗಳ.

ಅರ್ಗಳ अर्गळ (क) सं.— अधिकता, वृद्धि, विपुलता ; एक जैन कवि का नाम ।

ಅರ್ಘ अर्घ (सम्) सं.—मौल्य, कीमत, मूल्य ; भेंट, सस्ता ।

ಅರ್ಘ್ಯ अर्घ्य (सम्) वि.— अमूल्य । सं.— पूजा की वस्तु । — ಪಾದ್ಯ पाद्य (सम्) सं.— अतिथि का सत्कार ।

ಅರ್ಚಕ अर्चक (सम्) सं.— पूजारी । —ಅರ್ಚನ अर्चन, ಅರ್ಚನೆ अर्चने (सम्) सं.— पूजा ।

ಅರ್ಚನೀಯ अर्चनीय (सम्) वि.— पूजा के योग्य ।

ಅರ್ಚಿ अर्चि, ಅರ್ಚಿಸ್ अर्चिस् (सम्) सं.— प्रकाश, ज्वाला, कांति ।

ಅರ್ಚಿಱ अर्चिरि (क) क्रि. — सिकोड़ना, सिकुड़ना, ठिठुकना ; लगना, मिलना ।

ಅರ್ಚು अर्चु (क) क्रि.—अव्यक्त ध्वनि करना ; ज़ोर से चिल्लाना, हल्ला करना ।

ಅರ್ಚೆ अर्चे (सम्) सं.— पूजा, उपासना ; मूर्ति ।

ಅರ್ಜನ अर्जन, ಅರ್ಜನೆ अर्जने (सम्) सं.— उपार्जन, कमाई ।

ಅರ್ಜಿ अर्जि (अ. दे.) सं.—अर्ज़ी, प्रार्थना पत्र, विनय-पत्र ।

ಅರ್ಜಿತ अर्जित (सम्) वि.— कमाया हुआ, उपार्जित ।

ಅರ್ಜಿಸು अर्जिसु (सम्) क्रि.— कमा, अर्जन कर ।

ಅರ್ಜುದಾರ अर्जुदार, ಅರ್ಜಿದಾರ अर्जिदार (अ. दे.) सं.— आवेदक, प्रार्थना पत्र देने-वाला ।

ಅರ್ಜುನ अर्जुन (सम्) सं.— पांडवों में एक, धर्मराज के छोटे भाई; कार्तिवीर्य राजा; सफ़ेद रंग ; मोर, मयूर ; वृक्ष विशेष (Terminalia Arjuna) ; चाँदी ; सोना, सुवर्ण ; स्वस्थ मनुष्य ; इकलौत पुत्र । — ಅರ್ಜುನಿ अर्जुनि (सम्) सं.— गाय ; चुगलखोर, फूहड़ आदमी ; अर्जुन का पुत्र बभ्रुवाहन ।

ಅರ್ಣ अर्ण (क) वि.— वेगवान, गतिमान।

ಅರ್ಣವ अर्णव (सम्) सं.— समुद्र। —ಜಾತ (सम्) सं.— चंद्रमा।

ಅರ್ತಿ अर्ति (क) सं.— प्रीति, प्रेम, स्नेह; इच्छा, कामना, चाह; सुख, हर्ष, विनोद।

ಅರ್ತಿಕಾಱ अर्तिकार, ಅರ್ತಿಕಾರ अर्तिकार (क) सं.— विट, विलासी, विनोद करनेवाला।

ಅರ್ತಿಕೆ अर्तिके (सम्) सं.— बड़ी बहन (नाट्य साहित्य में)।

ಅರ್ತಿಗ अर्तिग (सम्) सं.— पीड़ित व्यक्ति, संकट में पड़ा हुआ मनुष्य; व्यापारी।

ಅರ್ತಿಸು अर्तिसु (क) क्रि.— प्रेम या स्नेह कर; संतुष्ट हो, प्रसन्न हो।

ಅರ್ತಿಸು अर्तिसु, (तद्) ಅರ್ಥಿಸು अर्थिसु (सम्) क्रि.—प्रार्थना कर, विनय कर, याचना कर, माँग।

ಅರ್ತು अर्तु, ಅಱತು अरतु, ಅಱಿತು अरितु, ಅಱುತು अरुतु (क) कृ.— (ಅಱ್ या ಅರಿ = समक्ष, धातु से) समझकर, जानकर।

ಅರ್ಥ अर्थ (सम्) सं. — याचना, माँग; उद्देश्य, अभिप्राय; प्रयोजन, उपयोग; कारण, हेतु; पैसा, संपदा; व्यापार, व्यवहार; प्रार्थना, विनय; प्रकार, रीति, विधि; निषेध, मनाही; जीव; शब्दार्थ, शब्द-निरूपण; वस्तु; विष्णु का नाम। —ಕರಿ करि, ಕಾರಿ कारि (सम्) वि.— उपयोगी, प्रयोजनकारी। — ದೃಕ್ दृक्, ದೃಶ दृश (सम्) सं. — न्यायाधीश। —ನಾಥ नाथ (सम्) सं.— कुबेर। — ನಾಥ नाथ ಸಖ सख (सम्) सं.— शिव। — ನ್ಯಾಸ न्यास (सम्) सं. — ऊहा से अर्थ बतलाना; अमानत। ವಂತ वंत (सम्) सं.—धनवान। —ವ್ಯಕ್ತಿ व्यक्ति (सम्) सं.— अर्थ स्पष्ट करना, अर्थ की स्पष्टता। — ಶಾಸ್ತ್ರ शास्त्र (सम्) सं.— अर्थशास्त्र (Economics)। — ಶ್ಲೇಷ श्लेष (सम्) सं. — अलंकार विशेष।

ಅರ್ಥಾಗಮ अर्थागम (सम्) सं.— संपन्नता, अमीरी।

ಅರ್ಥಾತ್ अर्थात् (सम्) अ.— याने, या, अथवा; प्रसंगानुसार।

ಅರ್ಥಾನುರೂಪ अर्थानुरूप (सम्) वि.— अर्थ के अनुसार।

ಅರ್ಥಾಂತರ अर्थांतर, ಅರ್ಥಾಂತರನ್ಯಾಸ अर्थांतर-न्यास (सम्) सं.— दूसरा प्रसंग, अर्थ-भेद; एक अलंकार।

ಅರ್ಥಾಲಂಕಾರ अर्थालंकार (सम्) सं.— काव्य में प्रयुक्त अर्थ से संबंधित अलंकार।

ಅರ್ಥಿ अर्थि (सम्) सं.—माँगनेवाला, याचक, इच्छुक, भिक्षुक, सेवक, नौकर, अनुयायी।

ಅರ್ಥ್ಯ अर्थ्य (सम्) वि.— उपयुक्त, ठीक, उचित; धनवान; बुद्धिमान; गूढ़ार्थ प्रकाशक। सं. लाल खड़िया, गेरू।

ಅರ್ದನ अर्दन (सम्) सं.—पीड़ा, कष्ट, चिंता, व्याकुलता।

ಅರ್ದನೆ अर्दने (सम्) सं.—हत्या, वध, चोट; याचना, माँग, भिक्षा। —ಅರ್ದಿತ अर्दित (सम्) वि. — प्रार्थित, याचित; घायल, हत।

ಅರ್ಧ अर्ध (सम्) वि.—आधा खण्ड, टुकड़ा। —ಗೋಳ गोल (सम्) सं.—भूमि का आधा भाग। —ಚಂದ್ರ चंद्र (सम्) सं.—चंद्रार्ध, अष्टमी का चाँद; गलहस्त; अर्ध चंद्र आकार का बाण। —ಚಂದ್ರಪ್ರಯೋಗ चंद्रप्रयोग (सम्) सं.— गला पकड़कर बाहर निकालने की क्रिया। —ನಾರೀಶ್ವರ नारीश्वर (सम्) सं.— महादेव, हर-गौरीरूप शिव।

ಅರ್ಧಾಂಗ अर्धांग (सम्) सं.— आधा शरीर। —ವಾಯು (सम्) सं.— एक बीमारी।

ಅರ್ಧಾಂಗಿ अर्धांगि (सम्) सं.— पत्नी।

ಅರ್ಧಾವಳಿಕ अर्धावलिक (सम्) सं.— एक आयुध।

ಅರ್ಧೇಂದು अर्धेंदु (सम्) सं.— अर्ध चंद्र।

ಅರ್ನ अर्न (क) सं.— नत्थी, रेती, पत्र परशु।

ಅರ್ಪಣ अर्पण (सम्) सं.—भेंट, नज़र, त्याग।

ಅರ್ಪು अर्पु (क) क्रि.— आलिंगन कर, छाती से लगा।

ಅರ್ಬಿ अर्बि (क) सं.— निर्झर, जल प्रपात; बांध, पुल।

ಅರ್ಬಿಸು अर्बिसु (क) क्रि.— चिल्ला, हल्ला कर, गर्जन कर।

ಅರ್ಬು अर्बु (सम्) सं.— गर्जन, भयानक ध्वनि, उच्च स्वर या नाद। क्रि.— गर्जन कर, सिंहनाद कर, चिल्ला।

ಅರ್ಬುದ अर्बुद (सम्) सं.—सांप; सूजन, गुमड़ा; दस करोड़ की संख्या; बादल।

ಅರ್ಭಕ अर्भक (सम्) सं.— बालक, बच्चा; किसी पशु का बच्चा।

ಅರ್ಮ अर्म, ಅರಮ अरम (क) सं.— आँख की एक बीमारी।

ಅರ್ಯ अर्य (सम्) सं.— वैश्य।

ಅರ್ಯಮ अर्यम (सम्) सं.— सूर्य।

ಅರ್ಯಾಣಿ अर्याणि (सम्) सं.— वैश्य की पत्नी, वैश्य-स्त्री।

ಅರ್ಯೆ अर्ये, ಅರ್ಯಾ अर्या (सम्) सं.— वैश्या।

ಅರ್ಲ अर्ल, ಅರ್ಲು अर्लु (क) सं.— मिट्टी।— ಕಷ್ಟ कष्ट, ಗಷ್ಟ गष्ट (क) सं.— मिट्टी का श्रम; मिट्टी ढोने का काम।

ಅರ್ವ अर्व (सम्) सं.— घोड़ा; हीन, नीच।

ಅರ್ವತ್ अर्वत् (सम्) वि.— नीच, हेय।

ಅರ್ವತಿ अर्वति (सम्) सं.— घोड़ी, कुटनी।

ಅರ್ವಾಚೀನ अर्वाचीन (सम्) वि.—आधुनिक, नया।

ಅರ್ವಿ अर्वि (सम्) सं.— पहाड़ी नदी, निर्झर।

ಅರ್ವಿಸು अर्विसु (क) क्रि.— फैल, व्याप्त हो, विस्तृत हो।

ಅರ್ಶ अर्श (सम्) सं.— बवासीर रोग।

ಅರ್ಹ अर्ह (सम्) वि.— योग्य, उपयुक्त, ठीक, मूल्यवान।

ಅರ್ಹತ್ अर्हत् (सम्) वि.— आदर के योग्य। सं.— जैन यति, बुद्ध।

ಅರ್ಹತೆ अर्हते, ಅರ್ಹಣೆ अर्हणे (सम्) सं.— योग्यता।

ಅರ್ಹಂತ अर्हंत, ಅರುಹಂತ अरुहंत (सम्) सं. — जिन; बुद्ध; योग्य व्यक्ति।

ಅರ್ಹಿತ अर्हित (सम्) वि·— आदरणीय, मान्य, पूज्य ।

ಅಲ್ अल्, ಅಲು अलु (क) अ·—तरफ़, ओर, दिशा में; जब, जब कि· जिस समय। प्र·— के लिए, निमित्त । उदा·— ಮಾಡಲ್ माडल्, ಮಾಡಲು माडलु — करने के लिए ।

ಅಲ अल, ಅಲಾ अला, ಅಲ್ತು अल्तु, ಅಲ್ತೆ अल्ते, ಅಲ್ಲ अल्ल (क) अ· क्रि·—नहीं, न । उदा·— ಅವನ್ ಅಲ್ತು अवन् अल्तु— वह नहीं है (प्रतिषेध सूचक) । ಇದು ಅಲ್ತೆ ಆಕಾಶ ಗಂಗಾ ಜಲಂ? इदु अल्ते आकाश गंगा जलं? —आकाशगंगा-जल यही न? (प्रश्न सूचक) ಪುರುಷೋತ್ತಮನು ಮನುಷ್ಯಮಾತ್ರನೇ? ಅಲ್ಲ. पुरुषोत्तमनु मनुष्यमात्रने, अल्ल — क्या पुरुषोत्तम (राम) मनुष्य मात्र हैं, नहीं (निश्चय बोधक) ।

ಅಲಕ अलक (सम्) सं·— सिर के बाल, घुँघराले बाल । —ನಂದಾ नंदा (सम्) सं.— गंगा की एक शाखा ।

ಅಲಕಾ अलका (सम्) सं·—कुबेर की राजधानी ।

ಅಲಕ್ತ अलक्त, ಅಲಕ अलक (सम्) सं·— ಅಲತಿಗೆ अलतिगे (तद्);—कतिपय वृक्षों की लाल छाल· लाक्षारस, लाख का रंग, महावर ।

ಅಲಕ್ಷ अलक्ष (सम्) सं.—उपेक्षा, लापरवाही, बिना देखे जाना ।

ಅಲಕ್ಷಣ अलक्षण (सम्) सं·— भद्दा, तुच्छ ।

ಅಲಕ್ಷಿತ अलक्षित (सम्) वि·—अदृष्ट, अप्रकट, महत्वहीन ।

ಅಲಕ್ಷಿಸು अलक्षिसु (सम्) क्रि·— उपेक्षा कर, बिना देखे रह, महत्व न दे ।

ಅಲಕ್ಷ್ಯ अलक्ष्य (सम्) वि·— अदृष्ट, अज्ञात, अप्रकट ।

ಅಲಗಣಿಸು अलगणिसु (क) सं·— तिरस्कार, उपेक्षा, विरक्ति।

ಅಲಗು अलगु, ಅಲಕು अलकु, ಅಲುಕು अलुकु, ಅಲುಗು अलुगु, ಅಲುಂಗು अलुंगु, ಅಳಕು अळकु, ಅಳುಕು अळुकु, ಅಳುಂಕು अळुंकु, ಅಳ್ಕು अळ्कु, (क) क्रि·— चलायमान हो, अस्थिर हो (अक· क्रि·); हिल, हिल-डुल, काँप (अक·क्रि·); हिला, कंपा, अस्थिर कर । ಅಲಗಿಸು अलगिसु, ಅಲಿಗಿಸು अलिगिसु, ಅಲಕಿಸು अलकिसु, ಅಲುಗಿಸು अलुगिसु, (क) क्रि·— हिला· कंपा, अस्थिर कर ।

ಅಲಗು अलगु (तद्) वि·— अलघु (तत्); बड़ा ।

ಅಲಗುಕಣೆ अलगुकणे (क) सं.— नोंकदार या तीक्ष्ण बाण ।

ಅಲಗೆ अलगे (क) सं.— तख्ती, स्लेट पट्टा (Slate), तबला, चर्मवाद्य ।

ಅಲಘು अलघु (सम्) वि·— बड़ा· गुरु, भारी, महान, गंभीर, प्रबल ।

ಅಲಂಕರಿಸು अलंकरिसु (सम्) क्रि·— अलंकार या शृंगार कर ।

ಅಲಂಕಾರ अलंकार, ಅಲಂಕರಣ अलंकरण (सम्) सं.— आभूषण, गहना, शृंगार; सुंदर वाक्य ।

ಅಲಂಕೃತ अलंकृत (सम्) वि·— अलंकार किया हुआ ।

ಅಲಂಘ್ಯ अलंघ्य (सम्) वि·— अपार, अनतिक्रमणीय, अनुलंघ्य ।

ಅಲಚು अलचु (क) क्रि.— हिला, डुला ।

ಅಲತಗೆ अलतगे, ಅಲತಿಗೆ अलतिगे (तद्) सं.— अलक्त (तत्); दे· ಅಲಕ್ತ.

ಅಲಪು अलपु, ಅಲವು अलवु (क) सं·— श्रम, थकावट· आयास; कष्ट, पीड़ा, श्रान्ति ।

ಅಲಬು अलबु (क) क्रि.— धो, साफ़ कर; पानी में रखकर हिला ।

ಅಲಂಪು अलंपु (क) सं.— वैभव, आधिक्य; सुख, संतोष; सौंदर्य; गहना, आभूषण।

ಅಲರ್ अलर्, ಅಲರು अलरु (क) क्रि.— विकसित हो, फूल, खिल, प्रसन्न हो (फूल का खिलना) । सं.— फूल, लाजा ।

ಅಲರಿಕೆ अलरिके (क) सं.— विकसित होने या खिलने की स्थिति । ಅಲರಂಬ अलरंब, (क) सं·— कामदेव । ಅಲರಂಬು अलरंबु (क) सं.— फूलों का बाण ।

ಅಲರಿಚು अलरिचु, ಅಲರಿಸು अलरिसु (क) क्रि.- विकसित कर, खिला, प्रसन्न कर, बड़ा कर ।

ಅಲರುಣಿ अलरुणि (क) सं.— भ्रमर, मधुप ।

ಅಲರ್ಕ अलर्क, ಅಲಕ अलक (क) सं.— पागल कुत्ता; अकवृक्ष (सफ़ेद) ।

ಅಲರ್ಗಣ್ अलर्गण् (क) सं.— फूल के समान नेत्रवाला । —ಣ್ಣ, ण्ण (क) सं.— विष्णु ।

ಅಲರ್ಗೋಲು अलर्गोलु (क) सं.— पुष्प-बाण, फूलों का बाण ।

ಅಲರ್ದಾವರೆ अलर्दावरे (क) सं.— विकसित कमल ।

ಅಲರ್ವಕ್ಕಿ अलर्वक्कि (क) सं.— मधुप, भ्रमर; फूलों पर जानेवाला पक्षी ।

ಅಲರ್ವಾಸು अलर्वासु (क) सं.— पुष्प-शय्या ।

ಅಲರ್ವುಡಿ अलर्वुडि, ಅಲರ್ಪುಡಿ अलर्पुडि (क) सं.- पराग ।

ಅಲರ್ವಕ್ಕುಳ अलर्वक्कुळ (क) सं.— कमलनाभ, विष्णु ।

ಅಲರ್ವೊಡೆಯ अलर्वोडेय (क) सं.— विष्णु ।

ಅಲವ अलव (सम्) वि.— अलघु, बड़ा ।

ಅಲವರಲು अलवरलु (क) क्रि.— इच्छा कर, कामना, चाह; माँग ।

ಅಲವರಿಕೆ अलवरिके, ಅಲವಲಿಕೆ अलवलिके (क) सं.— कामना; चोट, आघात; अधीनता ।

ಅಲಸ अलस (सम्) वि.— सुस्त, अक्रियाशील; थका-माँदा; मूर्ख, मूढ़; कामचोर ।

ಅಲಸಟೆ अलसटे (क) सं.— थकावट, श्रम, श्रान्ति ।

ಅಲಸಿಕೆ अलसिके, ಅಲಸಿಗೆ अलसिगे (क) सं.– दे. ಅಲಸಟೆ ।

ಅಲಸು अलसु (क) क्रि·—जल में किसी वस्तु को रखकर हिलाना । सं.— थकावट; आलस्य, सुस्ती ।

ಅಲಸುಗಾರ अलसुगार, ಅಲಸುಂಗಾರ अलसुंगार (क) वि.— सुस्त, आलसी ।

ಅಲಾ अला (क) अ.— नहीं क्या! न!

ಅಲಿ अलि (सम्) सं– भ्रमर; बिच्छू; कौआ; कोयल; मदिरा ।

ಅಲಿ अलि, ಅಲ್ಲಿ अल्लि (क) अ.—वहाँ, उधर । ಪುಸ್ತಕ ಅಲ್ಲಿ ಇದೆ पुस्तक अल्लि इदे—पुस्तक वहाँ है । प्र.— आज्ञार्थक क्रिया प्रत्यय; ಮಾಡಲಿ माडलि—करे (या करें), ಇರಲಿ इरलि— रहे (या रहें) ।

ಅಲಿಕ अलिक, ಅಳಿಕ अलिक (सम्) सं.— माथा। —ಅಕ್ಷ अक्ष (सम्) सं.—फालनेत्र शिव। —ಕುಂತಲೆ कुंतले (सम्) सं.—भ्रमर के समान अलकावली वाली स्त्री।

ಅಲಿನಿ अलिनि (सम्) सं.— भ्रमरी, भ्रमरों का समूह।

ಅಲಿಂದ अलिंद, ಅಲಿಂದಕ अलिंदक (सम्) सं.— घर के द्वार के सामने का चबूतरा।

ಅಲೀಕ अलीक (सम्) सं. — झूठ, असत्य।

ಅಲುಬು अलुबु, ಅಲುಂಬು अलुंबु (क) क्रि.— दे. ಅಲಬು. (तमिळ् – अलंबु)।

ಅಲೆ अले (क) क्रि.— हिल, चल, चंचल हो, गमन कर, घूम, कंपित हो; आघात कर। सं.— लहर, तरंग; परदा; कष्ट, संकट, झंझट। —ಗೈ गै (क) क्रि— तंग कर, कष्ट दे।

ಅಲೆತ अलेत, ಅಲೆಪ अलेप (क) सं.— सैर, घूम, घुमाव।

ಅಲೋಕ अलोक (सम्) सं.— परलोक।

ಅಲೌಕಿಕ अलौकिक (सम्) वि.— जो लौकिक न हो; पारलौकिक, असाधारण।

ಅಲ್ಗು अल्गु (क) क्रि.— दे. ಅಲಗು.

ಅಲ್ಪ अल्प (सम्) वि.— छोटा, क्षुद्र, तुच्छ, हीन। — ತನು तनु (सम्) सं.— पतला शरीरधारी।

ಅಲ್ಲ अल्ल (क) अ. क्रि.— नहीं, न, निषेध सूचक क्रियारूप। दे. ಅಲ. सं.— अदरक, हरी सोंठ।

ಅಲ್ಲಗಳೆ अल्लगळे (क) क्रि.— अस्वीकार कर, तिरस्कार कर; अमान्य कर।

ಅಲ್ಲಣಿ अल्लणि, ಅಲ್ಲಣಿಗೆ अल्लणिगे (क) सं.— हास्य, मज़ाक, विनोद; हर्ष, प्रसन्नता।

ಅಲ್ಲಮ अल्लम (क) सं.— एक वीरशैव संत और श्रेष्ठ वचनकार।

ಅಲ್ಲರ अल्लर (क) सं.— वियोग, प्रेमी जनों से बिछुड़ना।

ಅಲ್ಲರಿ अल्लरि (क) सं.— तकलीफ़, कष्ट, पीड़ा, दर्द।

ಅಲ್ಲವರ್ अल्लवर् (क) अ.— हठात्, अकस्मात्, अचानक।

ಅಲ್ಲವಲ್ಲಣಿಗೆ अल्लवल्लणिगे (क) सं.— दे. ಅಲ್ಲಣಿ.

ಅಲ್ಲಳಿ अल्लळि (क) सं.— दे. ಅಲ್ಲಣಿ. —ಕಾಳಗ काळग (क) सं.— प्रेम-कलह, झूठमूठ का झगड़ा। —ವೋಗು वोगु (क) क्रि.–टुकड़ा कर, खण्ड कर, तोड़।

ಅಲ್ಲಿದ अल्लिद (क) सं.— वहाँ का मनुष्य, उधर का आदमी।

ಅಲ್ಲಿಗಾರಿಗ अल्लिगारिग (क) सं.— धोबी।

ಅಲ್ಲು अल्लु (क) क्रि.— जोड़, बांध, मिला, लगा; सी (सीना)। सं.—कंपन, हिलने की क्रिया; घूम (घूमना)।

ಅಲ್ಲೋಲ अल्लोल, ಅಲ್ಲೋಲಕಲ್ಲೋಲ अल्लोल-कल्लोल (क) वि.—चंचल, चपल, अस्थिर; तरंगयुक्त, जहाँ लहरें उठीं हों। सं.— कोलाहल; तरंगों की टकराहट।

ಅವ अव (सम्) उ.— दूर, नीचे, बुरा; संकल्प, विचार; फैलाव, विस्तार; अवज्ञा, अवहेला; अवलंब; शोधन, निर्मलता।

ಅವಕರ್ಣಿಸು अवकर्णिसु (क) क्रि.— सुन, ध्यान दे।

ಅವಕಾಶ अवकाश (सम्) सं.— स्थान, जगह; छुट्टी, फ़ुरसत; अवसर, मौका; दूरी, अंतर।

ಅವಕೀರ್ಣ अवकीर्ण (सम्) वि.— विकीर्ण, फैला, व्याप्त।

ಅವಕುಂಠನ अवकुंठन, ಅವಗುಂಠನ अवगुंठन (सम्) सं. — घूँघट, नक़ाब; घिराव, खिंचाव; ओढ़ना।

ಅವಕೃಪೆ अवकृपे (सम्) सं. — असंतोष, अपकार।

ಅವಕೃಷ್ಟ अवकृष्ट (सम्) वि.— जो खींचा गया हो, आकृष्ट।

ಅವಕೇಶಿ अवकेशि (सम्) सं.— फल हीन वृक्ष; मरुभूमि।

ಅವಗಡ अवगड (अ. दे.) सं.— तंगी, कष्ट, विपदा, तिरस्कार; साहस, अपघात।

ಅವಗಣಿತ अवगणित (सम्) वि.— तिरस्कृत, घृणित, अमान्य।

ಅವಗತ अवगत (सम्) वि.— समझा हुआ, दूर हुआ; जो अंतर्गत हुआ हो।

ಅವಗತಿ अवगति (सम्) सं.— ज्ञान; दुर्गति, दुर्दशा।

ಅವಗವಿಸು अवगविसु (क) क्रि.—भर, स्वीकार कर।

ಅವಗಹಿಸು अवगहिसु (क) क्रि.— डूब, मग्न हो; स्नान कर।

ಅವಗಾಹ अवगाह, ಅವಗಾಹನ अवगाहन (सम्) सं.— डुबकी, स्नान, समझ, ज्ञान, ग्रहण, स्वीकृति। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.–डूब, डुबकी ले, नीचे उतर; समझ, जान।

ಅವಗುಣ अवगुण (सम्) सं.— बुरे गुण, दोष, त्रुटि; दुष्परिणाम।

ಅವಗ್ರಹ अवग्रह (सम्) सं.— दूर होना, बिछोह; बाधा, रोक, अड़चन; अनावृष्टि, बुरा ग्रह; हाथी का समूह, हाथी का माथा; शाप, दंड, सज़ा।

ಅವಘಟನ अवघटन (सम्) सं.— संगठन, समूह, संग्रह।

ಅವಘಟ್ಟನ अवघट्टन (सम्) सं.— ढकेलने, दबाने या रगड़ने की क्रिया, हिलाना; संक्षोभ।

ಅವಘಾತ अवघात (सम्) सं.— अपघात; कष्ट, पीड़ा, दर्द।

ಅವಚು अवचु, ಅವಿಚು अविचु, ಅವುಚು अवुचु, ಅವಸು अवसु, ಅವಿಸು अविसु, ಅವುಸು अवुसु (क) क्रि.— गुप्त रख, छिपा; ढक; दबा; बंद कर; कसकर बंध।

ಅವಚೂರ್ಣಿತ अवचूर्णित (सम्) वि.—पुड़िया या चूर्ण से लगा हुआ या पूर्ण।

ಅವಚ್ಛನ್ನ अवच्छन्न (सम्) वि.— ढका हुआ, बंद किया हुआ, भरा हुआ, पूर्ण।

ಅವಚ್ಛಿನ್ನ अवच्छिन्न (सम्) वि. — टूटा, खंडित, विभजित, छेका हुआ, घेरा हुआ; मिला हुआ।

ಅವಚ್ಛೇದಕ अवच्छेदक (सम्) वि.— पृथक करनेवाला, भेदकारी।

ಅವಜ್ಞೆ अवज्ञे (सम्) सं —उपेक्षा, तिरस्कार; अपमान।

ಅವತಂಸ अवतंस (सम्) सं.— हार, माला; कान की बाली; मुकुट, किरीट।

ಅವತರಣ अवतरण (सम्) सं.— स्नान के लिए नीचे (जल में) उतरने की क्रिया; पार होना, उतरना; उद्धरण; प्रतिकृति; अनुवाद, रूपांतर।

ಅವತಾರ अवतार (सम्) सं.— देवताओं का भूमि पर प्रादुर्भाव; उतरने की क्रिया; आडंबर।

ಅವತಾರಣ अवतारण (सम्) सं.— उतरने की क्रिया; किसी भूत-प्रेत का आवेश; पूजा, शृंगार; अनुवाद; भूमिका, उपोद्घात।

ಅವತಾರಿಕೆ अवतारिके (सम्) सं.— भूमिका, प्रस्तावना, उपोद्घात।

ಅವತೀರ್ಣ अवतीर्ण (सम्) वि.— नीचे उतरा हुआ, अवतरित।

ಅವತೆ अवते (तद्) सं.— अवस्था (तत्)— दुर्दशा।

ಅವದಶೆ अवदशे (सत्) सं.— दुर्दशा, दुर्भाग्य।

ಅವದಾತ अवदात (सम्) वि.— शुद्ध, मनोहर; सफ़ेद, पीला।

ಅವದಾನ अवदान (सम्) क्रि.— खण्ड या टुकड़े करना। सं.— पवित्र कार्य, पवित्र साधना, महान कार्य; टुकड़ा, भाग।

ಅವದ್ಯ अवद्य (सम्) वि.— अधम, पापी, निंद्य; गर्हित, त्याग, कुत्सित।

ಅವಧರಿಸು अवधरिसु (सम्) क्रि.— ध्यान दे, सावधानी से सुन, विचार कर।

ಅವಧಾನ अवधान (सम्) सं.— मनोयोग, सावधानी, संलग्नता।

ಅವಧಾರಣ अवधारण, ಅವಧಾರಣೆ अवधारणे (सम्) सं.— निश्चय, निर्णय, प्रमाण सहित वचन।

ಅವಧಾರು अवधारु (सम्) सं.—जागृति, ध्यान। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— ध्यान दे, सहन कर।

ಅವಧಿ अवधि (सम्) सं.—सीमा, हद, पराकाष्ठा; कालावधि, मीयाद; नियुक्ति; भाग्य, किस्मत; विभाग, खंड, ज़िला; रंध्र, गड्ढा; दुर्दैव, दुर्भाग्य, संकट।

ಅವಧೀರಣ अवधीरण, ಅವಧೀರಣಾ अवधीरणा (सम्) सं.— तिरस्कार, निंदा। — ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— तिरस्कार कर।

ಅವಧೂತ अवधूत (सम्) सं.—विरक्त, त्यागी, संन्यासी।

ಅವಧ್ಯ अवध्य (सम्) वि.— जो मारने योग्य नहीं, पवित्र।

ಅವನ अवन (सम्) सं.— रक्षा, संरक्षण।

ಅವನತ अवनत (सम्) वि.— झुका हुआ, नमस्कृत।

ಅವನತಿ अवनति (सम्) सं.— हीन दशा, दुर्दशा।

ಅವನದ್ಧ अवनद्ध, ಅವನಮ್ರ अवनम्र (सम्) वि.— झुका हुआ, नमस्कृत।

ಅವನಿ अवनि, ಅವನೀ अवनी (सम्) सं.— भूमि, पृथिवी,; नदी। —ಜ ज, ಜಾತ जात (सम्) सं.— वृक्ष, मंगल ग्रह। —ಜಾತೆ जाते, ಜೆ ज़े (सम्) सं.— सीता। —ಧರ धर (सम्) सं.— कुलपर्वत। — ಪ प, ಪತಿ पति, ಪಾಲ पाल (सम्) सं.—राजा, नृपति। —ರುಹ रुह (सम्) सं.— वृक्ष, पौधा। —ಸುರ सुर (सम्) सं.— भू देवता, ब्राह्मण।

ಅವನು अवनु (क) सर्व.— वह (पु॰ लिं.) He.

ಅವಂಧ್ಯ अवंध्य (सम्) वि.—जो वंध्या न हो। प्रशंसा के अयोग्य; अचूक, दुष्ट।

ಅವಭೃತ अवभृत, ಅವಭೃಥ अवभृथ (सम्) सं.— यज्ञ के अंत में दोष परिहारार्थ किया जानेवाला स्नान।

ಅವಬೋಧ अवबोध (सम्) सं.— जागृति, तैयारी; ज्ञान; न्याय-निर्णय।

ಅವಮರ್ದ अवमर्द (सम्) सं.—नाश, कुचलने की क्रिया।

ಅವಮಾನ अवमान (सम्) सं.— अपमान; बदनामी, बेइज़्ज़ती।

ಅವಯವ अवयव (सम्) सं.—शरीर के अंग, अंग।

ಅವಯವಿ अवयवि (सम्) सं.— पूर्ण शरीर धारी; पूर्ण वस्तु।

ಅವರ अवर (सम्) वि.— नीच, हेय, कनिष्ठ; पिछला, पश्चात् का। — ಜ ज (सम्) सं.— छोटा भाई। — ಜೆ ज़े (सम्) सं.— छोटी बहन।

ಅವರತ अवरत (सम्) वि.— रुका हुआ। बंद हुआ। क्ष.— पीछे, पीछे की ओर, पिछला।

ಅವರಿ अवरि (तद्) सं.— अमरी (तत्), एक अनाज।

ಅವರಿಷ್ಠ अवरिष्ठ (सम्) वि.—जो श्रेष्ठ न हो, छोटा, नीचा, हेय, क्षुद्र।

ಅವರು अवरु (क) क्रि.— नखों से नोच, चुटकी काट या ले। — सर्व.— वे (पु.लिं. और स्त्री. लिं.) (They).

ಅವರೋಧ अवरोध (क) सं.— रोक, अड़चन, बाधा; अंतःपुर, रनिवास।

ಅವರೋಹ अवरोह, ಅವರೋಹಣ अवरोहण (सम्) सं.— नीचे उतरना, उतार; बेल जो वृक्ष की जड़ से फुनगी तक लिपटी रहती है; स्वर्ग, आकाश; वट की डाली; संगीत के सप्त स्वरों के उतार का क्रम।

ಅವರ್ಗೀಯ अवर्गीय (सम्) सं.—जो वर्गीय न हो, जो वर्ण न हो। — ವ್ಯಂಜನ व्यंजन (सम्) सं.— य, र, ल, व आदि।

ಅವರ್ಜ್ಯ अवर्ज्य (सम्) वि.—जो छोड़ा न गया हो, जो छोड़ा न जा सके।

ಅವರ್ಣ अवर्ण (सम्) सं.— रंग रहित; बुरा, कमीना; निंदा; आकार।

ಅವರ್ಷಣ अवर्षण (सम्) सं.— वर्षा का अभाव; कमी, न्यूनता।

ಅವಲಕ್ಷ अवलक्ष (सम्) सं.— सफ़ेद रंग।

ಅವಲಕ್ಷಣ अवलक्षण (सम्) सं.—बुरा लक्षण, अपशकुन।

ಅವಲಗ್ನ अवलग्न (सम्) वि.— लटका हुआ। सं.— कमर, कटि।

ಅವಲಂಬ अवलंब, ಅವಲಂಬನ अवलंबन (सम्) सं.— आश्रय, आधार, सहारा, शरण; अनुसरण; लटकना; मेल-जोल।

ಅವಲಂಬಿತ अवलंबित (सम्) वि.— आश्रित।

ಅವಲಿಪ್ತ अवलिप्त (सम्) वि.— पोता हुआ, सना हुआ, लिप्त ; अभिमानी, क्रोधी।

ಅವಲೀನ अवलीन (सम्) वि.— कम किया हुआ, नष्ट किया हुआ, अवकुंचित।

ಅವಲು अवलु (क) सं.— चूड़ा, चूरा ; मछली विशेष।

ಅವಲೇಪ अवलेप (सम्) सं.—अभिमान, गर्व, दर्प, क्रोध ; ऐक्य, मेल ; तैल उबटन।

ಅವಲೋಕನ अवलोकन, (ಅವಲೋಕ अवलोक) (सम्) सं.— देखन, नज़र, दृष्टि। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— देख।

ಅವಲೋಹ अवलोह (सम्) सं.—घटिया धातु, दुष्ट।

ಅವಶಿಷ್ಟ अवशिष्ट (सम्) वि.— बचा हुआ, शेष।

ಅವಶೇಷ अवशेष (सम्) सं.— शेष, बाकी।

ಅವಶ್ಯ अवश्य (सम्) वि.—आवश्यक, अनिवार्य; सर्वथा, ज़रुर।

ಅವಸನ್ನ अवसन्न (सम्) वि.—समाप्त, रहित, खोया हुआ।

ಅವಸರ अवसर (सम्) सं.— मौका, समय, अवकाश ; गड़बड़ी, जल्दबाज़ी, शीघ्रता।

ಅವಸಾದನ अवसादन, ಅವಸಾನ अवसान (सम्) सं.— अंत, समाप्ति, पूर्णता ; मरण, मृत्यु ; सीमा ; ठहराव।

ಅವಸೆ अवसे (तद्) सं.— अमावास्या (तत्)।

ಅವಸ್ಥೆ अवस्थे (सम्) सं.— दशा, हालत ; कष्ट, तकलीफ़।

ಅವಹಿತ್ಥ अवहित्थ (सम्) सं.— एक संचारी भाव। वि.—मानसिक भावों को छिपानेवाला ; झूठा गर्व या दंभ रहित।

ಅವಹೇಲ अवहेल, ಅವಹೇಲನ अवहेलन (अथवा ಅವಹೇಳನ अवहेलन) (सम्) सं.—तिरस्कार, उपेक्षा, निंदा, अवज्ञा, अपमान।

ಅವಳಿ-ಜವಳಿ अवळि-जवळि (क) सं.— युग्म, जुड़वा, दो, युगल, यमल।

ಅವಳು अवळु (क) सर्व.— वह (स्त्री. लिं.) She.

ಅವಾಕ್ अवाक्, ಅವಾಚ್ अवाच् (सम्) वि.— मूक, गूँगा। अ.— दक्षिण का, दक्षिण की ओर, नीचे की ओर।

ಅವಾಚ್ಯ अवाच्य (सम्) वि.— जो कहने योग्य न हो, बुरा, अपमानकर।

ಅವಾಂತರ अवांतर (सम्) सं.— बीच का, माध्यमिक ; खतरा, विघ्न, गड़बड़ी।

ಅವಾರ್ಯ अवार्य (सम्) वि.— जो निवारण करने योग्य न हो।

ಅವಾಸ अवास (सम्) वि.— नंगा।

ಅವಿ अवि (क) क्रि.— छिप जा, बंद हो, गुप्त हो, घिर जा ; नष्ट हो, बरबाद हो, खराब हो।

ಅವಿ अवि (सम्) सं.—भेड़, बकरा ; रवि, सूर्य ; चूहा ; पर्वत ; पवन, हवा ; ऊनी कंबल, शाल ; दीवार। —ಕಟ कट (सम्) सं.— भेड़ों का गिरोह।

ಅವಿಕಲ अविकल, ಅವಿಕಳ अविकळ (सम्) वि.— समूचा, संपूर्ण, नियमित, क्रमिक।

ಅವಿಚಲ अविचल, ಅವಿಚಲಿತ अविचलित (सम्) वि.—स्थिर, अचल, अचंचल, दृढ़।

ಅವಿಚಾರ अविचार (सम्) वि.—विचार रहित। सं.— विचारहीनता, ग़लत विचार। —ಇ इ (सम्) सं.— अज्ञानी, मूर्ख।

ಅವಿಚ್ಛಿನ್ನ अविच्छिन्न (सम्) वि.— अटूट, अखंड, पूर्ण, समूचा।

ಅವಿಚ್ಛೇದ अविच्छेद (सम्) सं. — पूर्णता, अखंडता।

ಅವಿತಥ अवितथ (सम्) सं.— सत्य, तथ्य, सार्थक, अचूक।

ಅವಿದ್ಯೆ अविद्ये (सम्) सं— अज्ञान; माया।

ಅವಿಧೇಯ अविधेय (सम्) वि.— अविनीत, धृष्ट, जो आज्ञा न मानता हो ; अवाच्य।

ಅವಿನಯ अविनय (सम्) सं.— विनय का अभाव, धृष्टता, उद्दंडता।

ಅವಿನಾಣ अविनाण, ಅವಿನ್ನಾಣ अविन्नाण (तद्) सं.— अभिज्ञान (तत्) ; चिह्न, निशान।

ಅವಿನೀತ अविनीत (सम्) वि.—दे. ಅವಿಧೇಯ.

ಅವಿಭಕ್ತ अविभक्त (सम्) वि.— अटूट, अखण्ड, पूर्ण।

ಅವಿಮುಕ್ತ अविमुक्त (सम्) वि.— जो मुक्त न हो, बद्ध, परतंत्र।

ಅವಿರತ अविरत (सम्) वि.— निरंतर, सतत, लगातार।

ಅವಿರಲ अविरल, ಅವಿರಳ अविरळ (सम्) वि.— घना, सघन, संयुक्त ; निरंतर ; जो अपूर्व न हो।

ಅವಿಲಂಬ अविलंब, ಅವಿಲಂಬನ अविलंबन (सम्) सं.— शीघ्रता, विलंब का अभाव।

ಅವಿವಾಹಿ अविवाहि, ಅವಿವಾಹಿತ अविवाहित (सम्) सं.— ब्रह्मचारी।

ಅವಿವೇಕ अविवेक (सम्) सं. — अज्ञान, विवेक हीनता। वि.— नासमझ, अज्ञानी, मूर्ख।

ಅವಿಶ್ವಾಸ अविश्वास (सम्) सं.— विश्वास का अभाव, भरोसे का अभाव।

ಅವಿಹಿತ अविहित (सम्) वि.— जो कहने योग्य नहीं, अनुचित, अनुपयुक्त।

ಅವುಕಿಸು अवुकिसु (क) क्रि.— दबा; कुचला (प्रे.)।

ಅವುಕು अवुकु, ಅವುಂಕು अवुंकु (क) क्रि.— दे. ಅಮುಕು.

ಅವುಕ್ಕನೆ अवुक्कने ; ಅಬಕ್ಕನೆ अबक्कने (क) अ.— जल्दी, शीघ्र, तुरंत।

ಅವುಗಳ್ अवुगळ्, ಅವುಗಳು अवुगळु, ಅವು अवु (क) सर्व.— वे (न. लिं.), ಅದು अदु —वह (न. लिं.) का बहुवचन।

ಅವುಗು अवुगु, ಅವುಗ अवुग, ಅಬುಗು ಅಬುಗು अबुगु (क) सं.— एक मिठाई, पुआ, अपूप। क्रि.— दब जा, कुचल जा।

ಅವುಂಕುಹ अवुंकुह (क) क्रि.— दे. ಅಮುಕು.

ಅವುಡಲ अवुडल, ಅವುಡಲು अवुडलु, ಅವುಡಲಿಕೆ अवुडलिके, ಅವುಡ್ಲ अवुड्ल, ಅವುಡ್ಲು ಅವುಂಡ್ಲು अवुंड्लु (तद्) सं.— अमण्ड आमण्ड (तत्), एरंडी का वृक्ष। ಅವುಡಲೆಣ್ಣೆ अवुडल एण्णे (अथवा ಅವುಡಲೆ अवुडलेण्णे) (क) सं.— एरंडी का तेल।

ಅವುಡು अवुडु. ಅವುಂಡು अवुंडु (क) क्रि.— चबा, चर्वण कर। सं.— जबड़ा; नीचे का अधर या होंठ; दाना। —ಕಚ್ಚು कच्चु (क) क्रि.— क्रुद्ध हो, नाराज़ हो।

ಅವುತಣ अवुतण, ಔತಣ औतण (तद्) सं.— आमंत्रण (तत्); दावत, भोज।

ಅವೇದ್ಯ अवेद्य (सम्) वि.— गुप्त, अप्राप्त, अज्ञात।

ಅವೈದಿಕ अवैदिक (सम्) सं.— वेद न जाननेवाला व्यक्ति, जो वैदिक कर्म से संबंधित न हो, अज्ञानी।

ಅವ್ಯಕ್ತ अव्यक्त (सम्) वि.—अप्रकट, अज्ञात, अनजान, अस्पष्ट। सं.— सोना, सुवर्ण; परमात्मा।

ಅವ್ಯಯ अव्यय (सम्) वि.— नाशरहित, अपरिवर्तनशील, सदा एक रस रहनेवाला। सं.— स्वर्ग; विष्णु, शिव, ब्रह्मा; व्याकरण का वह शब्द जो सब लिंगों, विभक्तियों और वचनों में समान रूप से प्रयुक्त हो।

ಅವ್ಯಾಕುಲ अव्याकुल (सम्) वि.— निश्चिंत, शांत, जो घबराहट से दूर हो।

ಅವ್ಯಾಪಾರ अव्यापार (सम्) सं.— असंबद्ध व्यापार या कार्य।

ಅವ್ಯಾಪ್ತಿ अव्याप्ति (सम्) सं.— व्याप्ति का अभाव, पूर्णता की कमी, कुछ बातों को छोड़ना।

ಅವ್ವ अव्व (क) सं.— माता, माँ। —ಅವ್ವಪ್ಪಚ್ಚಿ ಆಟ अव्वप्पच्चि आट (क) सं.—बच्चों का एक खेल (ಅವ್ವ अव्व = माता, ಅಪ್ಪ अप्प = पिता, ಅಚ್ಚಿ अच्चि = बच्चा)। — ಅವ್ವವ್ವ अव्वव्व = ಅಮ್ಮಮ್ಮ अम्मम्म (क) वि.बो.— बाप रे! ऐ!

ಅವ್ವಳಿಸು अव्वळिसु (क) क्रि.—कूद, छलांग मार, उछल।

ಅವ್ವಾಣಿ अव्वाणि, ಅವ್ವಾಳಿ अव्वाळि (क) सं.— भीरु, डरपोक, स्त्री स्वभाव का मनुष्य।

ಅವ್ವೆ अव्वे (क) सं.— माता, माँ। आदर और प्रेम प्रदर्शन के लिए भी इसका प्रयोग होता है। संबोधन में— ಅಕ್ಕಂಗಳಿರ! ಅವ್ವೆಗಳಿರ! अक्कंगळिर! अव्वेगळिर! —बहनो! माताओ!

ಅಶಕ್ತ अशक्त (सम्) वि.— निर्बल, कमज़ोर; असमर्थ, अयोग्य।

ಅಶಕ್ಯ अशक्य (सम्) वि.—असंभव, असाध्य।

ಅಶನ अशन (सम्) सं.—अन्न, भोजन, खाना। ಅಶನ ವಸನ ಸಿಕ್ಕಿದ ಮೇಲೆ ವ್ಯಸನ ಯಾಕೆ? अशन वसन सिक्किद मेले व्यसन याके — भोजन-वस्त्र मिल जायँ तो चिंता काहे (कह.)। — ಪರ್ಣಿ पर्णि (सम्) सं— एक पौधा The plant Marsilea quadrifolia. —ಅರ್ಥಿ अर्थि (सम्) सं. – खाना माँगनेवाला।

ಅಶನಿ अशनि (सम्) सं.— इंद्र का वज्र, वज्रायुध।

ಅಶರೀರ अशरीर (सम्) सं.— आकाश; कामदेव। —ವಾಣಿ वाणि (सम्) सं.—आकाशवाणी; देव-वाणी।

ಅಶಾಸ್ತ್ರೀಯ अशास्त्रीय (सम्) वि.— शास्त्र विरुद्ध।

ಅಶಿಕ್ಷಿತ अशिक्षित (सम्) वि.—अनपढ़, मूर्ख।

ಅಶಿರ अशिर (सम्) सं.—आग; सूर्य; हवा; राक्षस; रत्न।

ಅಶಿವ अशिव (सम्) सं.— अमंगल, अशुभ।

ಅಶೀಲ अशील (सम्) वि.— चरित्रहीन, बदचलन।

ಅಶುಚಿ अशुचि (सम्) वि.— जो साफ़ न हो, मैला, गंदा।

ಅಶುಭ अशुभ (सम्) सं.— अमंगल; दुर्दैव।

ಅಶೇಷ अशेष (सम्) वि.— पूर्ण, समूचा, सारा।

ಅಶೋಕ अशोक (सम्) वि.— शोक या दुःख रहित। सं.— अशोक वृक्ष; राजा अशोक; देवता, सुर।

ಅಶೋಭೆ अशोभे (सम्) सं.— असौंदर्य, कांतिहीनता।

ಅಶೌಚ अशौच (सम्) सं.— जनन या मरण का सूतक; मैलापन, गंदगी।

ಅಶ್ಮ अश्म (सम्) सं.—पत्थर; मेघ। —ಕಾರಕ कारक (सम्) सं.— पत्थर तोड़नेवाला। —ಗರ್ಭ गर्भ (सम्) सं.— पन्ना, मरकत। —ದಾರಣ दारण (सम्) सं.— हथौड़ा।

ಅಶ್ರದ್ಧೆ अश्रद्धे (सम्) सं.— श्रद्धा का अभाव, तिरस्कार, उपेक्षा, अवज्ञा।

ಅಶ್ರಾಂತ अश्रांत (सम्) वि.— जो थका हुआ न हो, अथक, लगातार, निरंतर।

ಅಶ್ರಾವ್ಯ अश्राव्य (सम्) वि.— जो सुनने योग्य न हो, जिसे नहीं सुनना चाहिए।

ಅಶ್ರು अश्रु (सम्) सं.— आँसू।

ಅಶ್ರುತ अश्रुत (सम्) वि.— जो सुनाई न पड़े, जो सुना न गया हो; मूर्ख, अशिक्षित।

ಅಶ್ಲೀಲ अश्लील (सम्) वि.— अप्रिय, कुरूप, गँवारू, फूहड़, भद्दा, असभ्य, कुवाच्य।

ಅಶ್ವ अश्व (सम्) सं.— घोड़ा। — ಅಜನಿ अजनि (सम्) सं.— चाबुक। — ಖರಜ खरज (सम्) सं.— खच्चर। — ಗೋಷ್ಠ गोष्ठ (सम्) सं.— अश्वशाला, अस्तबल। —ಭಾ भा (सम्) सं.— बिजली, चपला।

ಅಶ್ವತ್ಥ अश्वत्थ (सम्) सं.— पीपल का पेड़।

ಅಶ್ವತ್ಥಾಮ अश्वत्थाम (सम्) सं.— द्रोण का पुत्र।

ಅಶ್ವಮೇಧ अश्वमेध (सम्) सं.— यज्ञ विशेष जिसमें घोड़े की बलि दी जाती है।

ಅಶ್ವಶಾಲೆ अश्वशाले (सम्) सं.— अस्तबल।

ಅಶ್ವಸೀನ अश्वसीन (सम्) सं.—सर्पराज तक्षक का पुत्र।

ಅಶ್ವಾರೋಹ अश्वारोह, ಅಶ್ವಾರೋಹಿ अश्वारोहि (सम्) सं.—घुड़सवार। —ಅಶ್ವಾರೋಹಣ अश्वारोहण (सम्) सं.— घोड़े पर चढ़ने की क्रिया।

ಅಶ್ವಿನಿ अश्विनि (सम्) सं.— एक नक्षत्र; अश्विनीकुमार।

ಅಷ್ಟ अष्ट, ಅಷ್ಟಕ अष्टक (सम्) सं.— आठ का समूह।

ಅಷ್ಟಕರಿ अष्टकरि (सम्) सं.— आठ दिशाओं के गज।

ಅಷ್ಟದಿಕ್ अष्टदिक् (सम्) सं.—आठ दिशाएँ। —ಗಜ गज (सम्) सं.— आठ दिशाओं के गज।

ಅಷ್ಟಪದ अष्टपद (सम्) सं.— आठ पैरवाले कीड़े—बिच्छू, शरभ आदि; कैलास; सुवर्ण सोना।

ಅಷ್ಟಮಂಗಲ अष्टमंगल (सम्) सं.— आठ प्रकार के मंगल; लक्षणयुक्त सफ़ेद घोड़ा।

ಅಷ್ಟಮಿ अष्टमि (सम्) सं.— शुक्ल अथवा कृष्ण पक्ष की आठवीं तिथि।

ಅಷ್ಟಮೂರ್ತಿ अष्टमूर्ति (सम्) सं.— शिव जी के विभिन्न रूपों के नाम।

ಅಷ್ಟವಸು अष्टवसु (सम्) सं.— आठ प्रकार की संपदाएँ — आप, ध्रुव, सोम, धव, अनिल, अनल, प्रत्यूप, प्रभास।

ಅಷ್ಟಸಿದ್ಧಿ अष्टसिद्धि (सम्) सं.—आठ सिद्धियाँ —अणिमा, महिमा, लघिमा, गरिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशत्व, वशित्व।

ಅಷ್ಟಾಂಗ अष्टांग (सम्) सं. — शरीर के आठ मुख्य अवयव —मस्तक, हाथ, पैर, छाती, आँख जाँघ, गला (वचन) और मन; वीरशैव आचार के अनुसार अष्टावरण, वे हैं— गुरु, लिंग, जंगम, पादोदक, प्रसाद, विभूति, रुद्राक्ष और मंत्र। —ಪ್ರಣಾಮ प्रणाम (सम्) सं.— आठ अंगों का प्रणाम।

ಅಷ್ಟಾದಶ अष्टादश (सम्) वि. — अठारह।— ಉಪಪುರಾಣ उपपुराण (सम्) सं.— अठारह उप पुराण। —ಪುರಾಣ पुराण (सम्) सं.— अठारह महापुराण।— ಪರ್ವ पर्व (सम्) सं.— महाभारत के अठारह पर्व।

ಅಷ್ಟಾವಕ್ರ अष्टावक्र (सम्) सं.— जन्म से कुरूपी एक ब्राह्मण, कहोद ऋषि का पुत्र।

ಅಷ್ಟಾವರಣ अष्टावरण (सम्) सं.— आत्मा पर घिरे आठ आवरण, वीरशैव आचार के अष्टावरण। दे. ಅಷ್ಟಾಂಗ.

ಅಷ್ಟು अष्टु (क) अ.—उतना, उस परिमाण में।

ಅಷ್ಟೈಶ್ವರ್ಯ अष्टैश्वर्य (सम्) सं.—दे. ಅಷ್ಟಸಿದ್ಧಿ.

ಅಷ್ಟೋತ್ತರಶತ अष्टोत्तरशत (सम्) वि.— एक सौ आठ।

ಅಸ अस (क) सं.— उपयुक्तता, योग्यता; आज्ञा, अनुज्ञा; बल, शक्ति; कोमलता। अ.— उतना, जितना की (मै.प्र.)। सं.— वेग, शीघ्रता।

ಅಸಂಯ असंय (तद्) वि.— असह्य (तत्); जो सहन न किया जा सके, दुर्गंध (ग्या.भा.)।

ಅಸಂಶಯ असंशय (सम्) अ.— निस्संदेह।

ಅಸಕಳಿ असकळि (क) क्रि.— हाथ से निकल जा; अतिक्रमण कर।

ಅಸಕೃತ್ असकृत (सम्) अ. — बारंबार, अकसर, निरंतर।

ಅಸಕ್ತ असक्त (सम्) वि.— जो किसी में न लगा हो; प्रेम रहित।

ಅಸಗ असग (क) सं.— धोबी: कन्नड के एक कवि का नाम।

ಅಸಂಕೀರ್ಣ असंकीर्ण (सम्) वि.— जो संकीर्ण न हो, शुद्ध।

ಅಸಂಖ್ಯ असंख्य, ಅಸಂಖ್ಯಾತ असंख्यात, ಅಸಂಖ್ಯೇಯ असंख्येय (सम्) वि.— अनगिनत; बहुत अधिक।

ಅಸಂಗತ असंगत (सम्) वि.—अयुक्त, विषम, असंबद्ध।

ಅಸಡಿ असडि (क) सं.— मूर्ख स्त्री (मै. प्र.)।

ಅಸಡು असडु (क) सं.— मूर्खता; नटखटपन।

ಅಸಡ್ಡೆ असड्डे (तद्) सं.—अश्रद्धा (तद्); तिरस्कार, उपेक्षा, अवज्ञा।

ಅಸತ್ असत् (सम्) वि.— झूठा, गलत; दुष्ट, खराब।

ಅಸತಿ असति (सम्) सं. — जो सती या पतिव्रता न हो, बुरी पत्नी।

ಅಸದಳ असदळ (सम्) वि.— असाध्य, अशक्य, असदृश, अव्यवहृत।

ಅಸದಖ್ಯಾತಿ असदख्याति (सम्) सं.— उचित उपमा के द्वारा किसी की बुराई की घोषणा; बुरा प्रचार; एक कविसमय।

ಅಸನಿ असनि (तद्) सं.— अशनि (तत्); दे. ಅಶನಿ.

ಅಸಂತುಷ್ಟಿ असंतुष्टि, ಅಸಂತೋಷ असंतोष (सम्) सं.— तृप्ति का अभाव, अप्रसन्नता।

ಅಸಭ್ಯ असभ्य (सम्) वि. — अपात्र, असमाजिक, सभा या समाज के अयोग्य, खल, नीच।

ಅಸಮ असम (सम्) वि.—असमान, बेजोड़, विषम।

ಅಸಮಂಜಸ असमंजस (सम्) वि.— अस्पष्ट, असंगत, अबोधगम्य, मूर्खतापूर्ण।

ಅಸಮನಯನ असमनयन, असमनेत्र (सम्) सं.—विषम नेत्रवाले शिव; एक आँखवाला कौआ।

ಅಸಮರ್ಥ असमर्थ (सम्) वि.— अयोग्य, अशक्य, बलहीन।

ಅಸಮಾಕ್ಷ असमाक्ष (सम्) सं.— दे. ಅಸಮನಯನ.

ಅಸಮಾಧಾನ असमाधान (सम्) सं.— शांति का अभाव, अतृप्ति, गड़बड़ी।

ಅಸಂಬದ್ಧ असंबद्ध (सम्) वि. — बेमेल, अनुचित, गलत।

ಅಸಂಬಂಧ असंबंध (सम्) वि. — दे. ಅಸಂಬದ್ಧ.

ಅಸಂಭಾವ್ಯ असंभाव्य (सम्) वि.—नामुमकिन, जो कभी न हो, अबोधगम्य, असाध्य।

ಅಸಂಭೂತ असंभूत (सम्) वि.— जो उत्पन्न न हो, असंभव।

ಅಸಮ್ಮತ असम्मत (सम्) वि.— विरुद्ध, अमान्य। —ತಿ ति (सम्) सं.—अस्वीकृति।

ಅಸವರ असवर, ಅಸವಸ असवस (क) सं.— शीघ्रता, वेग, गड़बड़ी।

ಅಸವಳಿ असवळि, ಅಸುವಳಿ असुवळि (क) क्रि.— विरक्त हो, ऊब जा; अंत हो, मर जा।

ಅಸಹನ असहन (सम्) सं.— असहिष्णुता, ईर्ष्या; शत्रु।

ಅಸಹಾಯ असहाय (सम्) वि.— जिसको किसी का साहाय्य न हो, एकाकी, अकेला। —ಶೂರ शूर (सम्) सं. — एकैक वीर, अद्वितीय योद्धा।

ಅಸಹ್ಯ असह्य (सम्) वि.— दे. ಅಸಂಯ.

ಅಸಾಕಲ್ಯ असाकल्य (सम्) सं.— अपूर्णता।

ಅಸಾದೃಶ್ಯ असादृश्य (सम्) वि.— जिसके समान न हो, असम, अतुल्य ।

ಅಸಾಧಾರಣ असाधारण (सम्) वि.— जो साधारण न हो, विलक्षण, असामान्य, अपूर्व ।

ಅಸಾರ असार (सम्) वि.— सारहीन, निस्सार, अनुपयोगी ।

ಅಸಿ असि (सम्) सं.— खड्ग, तलवार ।

ಅಸಿ असि (क) वि.— कृश, सूखा, महीन, पतला । सं.— कृशता, दुर्बलता, कोमलता, लघुता, सूक्ष्मता । क्रि.—कांप, हिल, डोलायमान हो ; फेंक, फैला, बाँट ।

ಅಸಿ असि, ಅಸಿಸಿ असिसि (क) वि. घो.— छिः! छिः!, धिक्! धिक्!

ಅಸಿ असि (क) वि.— जो भूमि पर रखी गयी हो । —ಅಸುವೆ असुवे या ಅಸುವೆಕಲ್ಲು असुवेकल्लु (क) सं.— पीसने का पत्थर (तमिळ —ಅಮ್ಮಿ अम्मि) ।

ಅಸಿತ असित (सम्) वि.— जो सफ़ेद न हो, काला, नीला । सं.— एक ऋषि का नाम । —ಕಂಧರ कंधर, —ಗಲ गल (सम्) सं.— नीलकंठ, शिव । —ರಸೆ रसे (सम्) सं.— काली मिट्टीवाली भूमि ।

ಅಸಿತಾನನ असितानन (सम्) सं.—काले मुँह का बंदर ।

ಅಸಿತಾಂಬರ असितांबर (सम्) सं.—बलराम ।

ಅಸಿತಾಹಿ असिताहि (सम्) सं.— कृष्णसर्प, कालिय नाग ।

ಅಸಿದು असिदु (क) वि.—कृश, पतला, महीन, छोटा, कोमल ।

ಅಸಿಧಾರಾ असिधारा, ಅಸಿಧಾರೆ असिधारे (सम्) सं.— तलवार की धारा । —ವ್ರತ व्रत (सम्) सं.— तलवार की धार पर चलने की क्रिया, कठिन काम ।

ಅಸಿಧೇನುಕೆ असिधेनुके (सम्) सं.— खड्ग, तलवार ।

ಅಸಿನಡು असिनडु (क) सं.—कृश कटि, पतली कमर ।

ಅಸಿಪತ್ರ असिपत्र (सम्) सं.— दे. ಅಸಿಧಾರೆ. —ವ್ರತ व्रत (सम्) सं.—दे. ಅಸಿಧಾರಾವ್ರತ ; नव विवाहित दंपती का बीच में तलवार रख कर सोने की क्रिया, ब्रह्मचर्य का पालन ।

ಅಸಿಯಬೆರಳು असियबेरळु (क) सं.— पतली लंबी उंगली ।

ಅಸಿಯಳು असियळु (क) सं.— पतली स्त्री ; कोमलांगी ,

ಅಸೀ असी (सम्) सं.—गंगा की एक उपनदी ।

ಅಸು असु (क) सं.—शीघ्रता, वेग ।

ಅಸು असु (सम्) सं.— प्राण ; जीव । —ಕುಡಿ कुडि (सम्) क्रि.— प्राण ले, तंग कर ।

ಅಸುಕೆ असुके, ಅಸುಗೆ असुगे (तद्) सं.— अशोक (तत्) ।

ಅಸುಕೊಳ್ असुकोळ्, ಅಸುಂಗೊಳ್ असुंगोळ् (क) क्रि.— प्राण ले, मार, वध कर ; वश में ला ।

ಅಸುಗಾವಲು असुगावलु (क) सं.—प्राण-रक्षा, जीवन-रक्षा ।

ಅಸುದೊರೆ असुदोरे, ಅಸುಂದೊರೆ असुंदोरे (क) क्रि.— प्राण त्याग कर, मर ।

ಅಸುಂಬು असुंबु (क) क्रि.— चालित कर, उभाड़, आगे बढ़ा, उत्साहित कर, बाहर निकाल ।

ಅಸುರ್ असुर् (क) सं.— थकावट, आयास, उबाई ; अनिच्छा, असह्य का भाव, अजीर्ण ।

ಅಸುರು असुरु (सम्) सं.— राक्षस ; सूर्य । —ಗುರು गुरु (सम्) सं.— शुक्राचार्य । —ರಿಪು रिपु, ಅಂತಕ अंतक, ಅರಿ अरि, ಹರ हर (सम्) सं.— राक्षसों के शत्रु देवता, विष्णु, शिव आदि ।

ಅಸುರಿ असुरि, ಅಸುರೆ असुरे (सम्) सं.— राक्षसी ।

ಅಸುಲಾಭ असुलाभ (सम्) सं.— प्राणों की रक्षा, बाल-बाल बचना (मै. प्र.) ।

ಅಸುವಡಗು असुवडगु, ಅಸುವಳಿ असुवळि (क) क्रि.— मर, प्राण त्याग कर ।

ಅಸುಹೃತ್ असुहृत्, ಅಸುಹೃದ್ असुहृद (सम्) सं— अमित्र, शत्रु, वैरी ।

ಅಸೂಯೆ असूये (सम्) सं.—ईर्ष्या, मात्सर्य ; द्वेष ।

ಅಸ್ಖಲಿತ अस्खलित (सम्) वि.— जो हिले नहीं, स्थिर, सावधान ।

ಅಸ್ತ अस्त (सम्) वि.— फेंका हुआ, डाला हुआ, त्यागा हुआ, डूबा हुआ, समाप्त । —ಅದ್ರಿ अद्रि, ಗಿರಿ गिरि (सम्) सं.— पश्चिम पर्वत । —ಮಾನ मान (सम्) सं.—डूबना । —ರಾಗ राग (सम्) सं.— सूर्य के डूबने के समय दीखनेवाली लालिमा । —ವಿಸು विसु (सम्) क्रि.— डूब जा, अस्त हो, ओझल हो ।

ಅಸ್ತವ್ಯಸ್ತ अस्तव्यस्त (सम्) वि.— अव्यवस्थित, तितर-बितर ।

ಅಸ್ತಿ अस्ति (सम्) अ. क्रि.—है, विद्यमानता ।

ಅಸ್ತಿ अस्ति (तद्) सं. — अस्थि (तत्) ; हड्डी ।

ಅಸ್ತಿತ್ವ अस्तित्व (सम्) सं.—विद्यमानता, सत्ता ।

ಅಸ್ತಿವಾರ अस्तिवार, ಅಸ್ತಿಬಾರ अस्तिबार (अ.दे.) सं.—नींव, बुनियाद ।

ಅಸ್ತು अस्तु (सम्) अ.— ठीक है, वैसा ही हो, खैर ।

ಅಸ್ತ್ರ अस्त्र (सम्) सं.— अभिमंत्रित हथियार या आयुध, बाण, तलवार आदि । —ಜೀವ जीव (सम्) सं.— योद्धा, सिपाही, अस्त्र विद्या से ही आजीविका पानेवाला ।

ಅಸ್ಥಿ अस्थि (सम्) सं.— हड्डी । —ಪಂಜರ पंजर (सम्) सं.— हड्डियों का पिंजरा, कंकाल, ठठरी ।

ಅಸ್ಥಿರ अस्थिर (सम्) वि.— चंचल, अस्थायी, झूठा ।

ಅಸ್ನಿಗ್ಧ अस्निग्ध (सम्) वि.— जो चिकना न हो, रूक्ष, कर्कश ।

ಅಸ್ಪೃಶ್ಯ अस्पृश्य (सम्) वि.—जो छूने योग्य न हो, हरिजन ।

ಅಸ್ಪಷ್ಟ अस्पष्ट, (सम्) वि.—जो साफ़ न हो, संदिग्ध, उलझा हुआ, ग़लत ।

ಅಸ್ಫುಟ अस्फुट (सम्) वि.—अस्पष्ट, संदिग्ध ।

ಅಸ್ರ अस्र (सम्) सं.— सिर के बाल ; आँसू, रक्त । —ಪ प (सम्) सं.— रक्त पीनेवाला, राक्षस ।

ಅಸ್ವಸ್ಥ अस्वस्थ (सम्) वि.— रोगी, बीमार ।

ಅಸ್ವಾಭಾವಿಕ अस्वाभाविक (सम्) वि.— जो स्वाभाविक न हो, कृत्रिम, बनावटी ।

ಅಸ್ವಾರಸ್ಯ अस्वारस्य (सम्) वि.— रसहीन, नीरस ।

ಅಸ್ವಾರ್ಥ अस्वार्थ (सम्) सं.— निःस्वार्थता, स्वार्थता का अभाव ।

ಅಸ್ವಾಸ್ಥ್ಯ अस्वास्थ्य (सम्) सं.— बीमारी, रोग ।

ಅಹ अह (क) वि.— वैसा, उस प्रकार का । ಅಂತಹವರ್ಗಳ್ अंतहवर्गळ्—वैसे लोग ।

ಅಹಗೆ अहगे (क) अ.— वैसे ।

ಅಹಂಕಾರ अहंकार, ಅಹಂಕೃತಿ अहंकृति, ಅಹಂಭಾವ अहंभाव, ಅಹಂಯು अहंयु (सम्) सं.— गर्व, घमंड, स्वार्थता ।

ಅಹಂಗೆ अहंगे, ಅಹಗೆ अहगे, ಹಾಂಗೆ हांगे (क) अ.— वैसे, उस तरह से ।

ಅಹನ್ अहन् (सम्) सं.— दिन ।

ಅಹಂತವ್ಯ अहंतव्य (सम्) वि.— अवध्य, जो मारने योग्य न हो ।

ಅಹಮಹಮಿಕೆ अहमहमिके (सम्) क्रि.— 'मैं मैं' कहना, स्वार्थ, अहंभाव ।

ಅಹರ್ನಿಶ अहर्निश (सम्) अ.— दिन-रात ।

ಅಹರ್ಪತಿ अहर्पति, ಅಹಃಪತಿ अहःपति, ಅಹಸ್ಪತಿ अहस्पति (सम्) सं.— दिनकर, सूर्य ।

ಅಹಲೇಕಾರ अहलेकार (स. दे.) सं.— अहलकार (अरबी, फ़ारसी); अधिकारी, जनता का सेवक ।

ಅಹಲ್ಯೆ अहल्ये (सम्) सं.— गौतम ऋषि की पत्नी ।

ಅಹಾರ್ಯ अहार्य (सम्) वि.— जो चुराया न जा सके ।

ಅಹಿ अहि (सम्) सं.— सांप; राहु; सूर्य; वृत्रासुर; धोखेबाज़, दुष्ट मनुष्य; यात्री ।

ಅಹಿಂಸೆ अहिंसे (सम्) सं.— मन, वचन, कर्म से किसी प्राणी को पीड़ा न देना ।

ಅಹಿಕಟಕ अहिकटक (सम्) सं.— सर्पभूषण शिव; सर्प समूह ।

ಅಹಿಕಾಂತ अहिकांत (सम्) सं.— सर्पराज बासुकी; पवन ।

ಅಹಿಕುಂಡಲ अहिकुंडल (सम्) सं.— साँप ही जिनके कर्णाभूषण हों, शिव ।

ಅಹಿಚ್ಛತ್ರ अहिच्छत्र (सम्) सं.— उत्तर पांचाल देश ।

ಅಹಿತ अहित (सम्) वि.—हानिकारी, प्रतिकूल । सं.— वैरी, शत्रु । —ತ್ವ त्व (सम्) सं.— शत्रुता ।

ಅಹಿತುಂಡಕ अहितुंडक (सम्) सं.— संपेरा, सांप पकड़नेवाला ।

ಅಹಿತಬಲ अहितबल (सम्) सं.— शत्रुसेना ।

ಅಹಿಧರ अहिधर (सम्) सं.— सर्पधारण करने वाले शिवजी ।

ಅಹಿಪ अहिप, ಅಹಿಪತಿ अहिपति (सम्) सं.— आदिशेष ।

ಅಹಿಪಕಂಕಣ अहिपकंकण (सम्) सं.—शिव ।

ಅಹಿಪುರ अहिपुर (सम्) सं.— नागलोक ।

ಅಹಿಭುಕ್ अहिभुक् (सम्) सं.— सर्पभक्षक—गरुड, मयूर ।

ಅಹಿಭೂಷಣ अहिभूषण (सम्) सं.— शिव ।

ಅಹಿಮಕರ अहिमकर (सम्) सं.— सूर्य ।

ಅಹಿ-ಮಕರ अहि-मकर (सम्) सं.— सांप और मगर ।

ಅಹಿಮಹಿಳೆ अहिमहिळे (सम्) सं.—नागकन्या ।

ಅಹುದು अहुदु (क) अ.— हाँ ।

ಅಹೇತು अहेतु, ಅಹೇತುಕ अहेतुक (सम्) वि.-अकारण, बिना कारण के ।

ಅಹೋರಾತ್ರ अहोरात्र, ಅಹೋರಾತ್ರಿ अहोरात्रि (सम्) अ.— अहर्निश, दिन-रात ।

ಅಹ್ನ अह्न (सम्) सं.— दिन ।

ಅಳ್ अळ् (क) क्रि.— डूब; रो । प्र.— स्त्रीवाचक प्रत्यय ಅಳ್ अथवा ಅಳು. उदा.- ಇನಿಯಳ್ इनियळ्, ಇನಿಯಳು इनियळु— प्रेमिका । ಬಂದಳ್ बंदळ्, ಬಂದಳು बंदळु— आयी ।

ಅಳಕ अळक (सम्) सं.— अलक, घुँघराले बाल ।

ಅಳಕಾಪುರ अळकापुर (सम्) सं.—दे. ಅಲಕಾ.

ಅಳಕಿಸು अळकिसु, ಅಳುಕಿಸು अळुकिसु (क) क्रि.—डरा (प्रे.) ।

ಅಳಕು अळकु, ಅಳ್ಕು अळ्कु (क) सं.-भय, डर ।

ಅಳಕು अळकु (क) सं.— छेदने या काटने की क्रिया । क्रि.— काटना, छेदना ।

ಅಳಕು अळकु, ಅಲಕು अलकु (क) सं.— हिलने-डुलने, घूमने या कंपित होने की स्थिति । —ಅಳಕ್ಯಾಡು अळक्याडु (क) क्रि.- हिल जैसे सिर पर रखे घड़े का पानी हिलता है ।

ಅಳಕೆ अळके (क) सं.— भय, डर ।

ಅಳಗ अळग (तद्) सं.— अलक (तत् ?), एक जाति का घोड़ा ।

ಅಳಗೆ अळगे, ಅಳಿಗೆ अळिगे (क) सं.— मापने का बर्तन जो प्रायः लोहे या पीतल का होता है ।

ಅಳಂಕೆ अळंके (क) सं.— वश, अधीन; विघ्न ।

ಅಳತ अळत, ಅಳೆತ अळेत (क) सं.— मापने या मापा जाने की क्रिया ।

ಅಳತೆ अळते, ಅಳ್ತೆ अळ्ते (क) सं.— नाप, माप, परिमाण । उदा.—ಧಾನ್ಯದ ರಾಶಿಯನ್ನು ಅಳತೆಮಾಡು धान्यद राशियन्नु अळतेमाडु— अनाज के ढेर को मापो ।

ಅಳದಿ अळदि (क) वि.— पीला (ग्रा.) ।

ಅಳದು अळदु, ಅಳೆದು अळेदु (क) कृ.—नापकर या मापकर ।

ಅಳಬಳ अळबळ (क) सं.—सामर्थ्य; माहात्म्य, बड़प्पन ।

ಅಳಬು अळबु, ಅಳವು अळवु, ಅಳಬಳವು अळबळवु (क) सं.— मन में नाप-तोल करना; विचार, विश्लेषण, इच्छा, कामना, अभिलाषा ।

ಅಳಂಬೆ अळंबे, ಅಣಬೆ अणबे, ಅಣಂಬೆ अणंबे, ಆಳಂಬೆ आळंबे, ಹಣಬೆ हणबे (क) सं.— भूमि-छत्र, कुक्कुरमुत्ता ।

ಅಳಱ್ अळऱ्, ಅಳಱು अळऱु (क) सं.— भय, डर, भीति; व्यग्रता; मनोव्यथा । —ಅಳಱಿಸು अळऱिसु— डरा, धमका, भयभीत कर ।

ಅಳ್ಪು अळ्पु (क) सं.— भय, डर, भीति, व्यग्रता ।

ಅಳಲ್ अळल्, ಅಳಲಿಕೆ अळलिके, ಅಳಲು अळलु (क) सं.— दुःख, व्यथा, पीड़ा, चिंता, व्याकुलता ।

ಅಳಲಿ अळलि (क) सं.— बोधिवृक्ष, पीपल का वृक्ष ; गिलहरी ।

ಅಳಲ್ಚು अळल्चु (क) क्रि.— नष्ट कर, हानि पहुँचा ; दुःख दे, पीड़ा दे, तंग कर ।

ಅಳವಡಿಕೆ अळवडिके (क) सं. — ठीक-ठीक मिलने, सजने, संयुक्त होने आदि का भाव । —ಅಳವಡು अळवडु (क) क्रि.— वश में हो, ठीक प्रकार से मिल, संयुक्त हो, घुल-मिल, संभव हो, तैयार हो ।— ಅಳವಡಿಸು अळवडिसु (क) क्रि.— प्रेरणार्थक ।

ಅಳವಿ अळवि (क) सं.— नैकट्य, सामीप्य ; उपयुक्तता, औचित्य ; संभावना ; बल, शक्ति ; युद्ध या लड़ाई के मैदान में द्वंद्व, कुश्ती, मल्लयुद्ध ; आशा, विश्वास ।

ಅಳವಿಗ अळविग (क) सं.— मित्र, दोस्त ।

ಅಳವು अळवु (क) सं.—दे. ಅಳವಿ. —ಕಳೆ कळे (क) क्रि.— सीमहीन हो, हद पार कर, उल्लंघन कर । —ಕೊಡು कोडु (क) क्रि.— युद्ध कर, लड़ ।

ಅಳವೆ अळवे (क) सं.— करार या शर्त का पत्र जो किसान को दिया जाता है, पट्टा ; जल का उतार ।

ಅಳಸ अळस (तद्) क्रि.— आलस्य (तत्) ; सुस्ती । —ಗಾಮಿನಿ गामिनि (तद्) वि.— मंदगमना ।

ಅಳಸು अळसु, ಅಳಿಸು अळिसु, ಅಳುಸು अळुसु, ಅಳೆಸು अळेसु, ಅಳಿಯಿಸು अळियिसु (क) क्रि.— नाप या माप करा (प्रे.) ।

ಅಳಿ अळि (क) क्रि.— नाप या माप ; नष्ट हो, समाप्त हो, मिट जा, मर जा ; खोल । वि.— खराब, बुरा । (सम्) सं.— भ्रमर, मधुप ।

ಅಳಿಕ अळिक (तद्) सं.— अलिकं (तत्) ; माथा ।

ಅಳಿಕಿಸು अळिकिसु (क) क्रि.— विरोध कर, पीड़ा दे, दिक कर ।

ಅಳಿಕು अळिकु (क) सं.— दे. ಅಳುಕು.

ಅಳಿಗಬ್ಬ अळिगव्व (क) सं.—क्षुद्रकाव्य, अवर काव्य ।— ಇಗ इग (क) सं.— दुष्ट कवि ।

ಅಳಿಗಣ್ अळिगण् (क) सं.— बुरी आँख ।

ಅಳಿಗಾಲ अळिगाल (क) सं.— बुरा समय, अंतिम समय, मृत्यु ।

ಅಳಿಗೆ अळिगे (क) सं.—पानी या अनाज रखने का मिट्टी का बर्तन ।

ಅಳಿನಿ अळिनि (सम्) सं.— भ्रमरी, मादा मधुप ।

ಅಳಿಪು अळिपु, ಅಳುಪು अळुपु (क) सं.— लालसा, कामना, लालच, तीव्रेच्छा । क्रि.— लालसा कर, ललचा जा, नष्ट हो ।

ಅಳಿಯ अळिय (क) सं.— दामाद, जामाता । ಅಳಿಯ ಮುನಿದರೆ ಮಗಳ ಕರಕೊಂಡು ಹೋದಾನು अळिय मुनिदरे मगळ करकोंडु होदानु— दामाद क्रुद्ध होगा तो पुत्री (अपनी पत्नी) को ले जाएगा (कह.) । वि.— व्यर्थ, तुच्छ, हानि । —ಗೇದೆಯ गेदेय (क) वि.— भीरु, डरपोक । —ತನ तन (क) सं.— दामाद होना ।

ಅಳಿವಾಡ अळिवाड (क) सं.— विनष्ट ग्राम या बस्ती ।

ಅಳಿವೆಣ್ अळिवेण् (क) सं.— बुरी औरत ।

ಅಳಿವೆದೆಯ अळिवेदेय (क) सं.— कामदेव ।

ಅಳಿಸು अळिसु (क) क्रि.— नष्ट कर, मिटा ; रुला ।

ಅಳಿಲ್ अळिल् (क) क.— गिलहरी ।

ಅಳೀಕ अळीक (तद्) सं.— अलीकं (तत्) ; झूठ, मिथ्या ।

ಅಳುಕು अळुकु, ಅಳುಂಕು अळुंकु (क) क्रि.— डर जा, भयभीत हो ; मिट जा । सं.—भय, डर, भीति । —ಇಸು इसु (क) क्रि.—डरा, धमका ।

ಅಳುಂಬ अळुंब (क) वि.— अधिक, महान, बहुत । अ.— खूब । सं.— आधिक्य, महानता, बड़ाई ।

ಅಳುರ್ अळुर् (क) क्रि.— व्याप्त हो, फैल, आवृत्त हो ; डरा ।

ಅಳುರಿಕೆ अळुरिके, ಅಳುರ್ಕೆ अळुर्के (क) सं.— डर, भय ।

ಅಳುಲ್ अळुल्, ಅಳುಲು अळुलु (क) सं.— गिलहरी ।

ಅಳೆ अळे (क) क्रि.—नाप, माप । सं.—मट्ठा, छाँछ ।

ಅಳ್ಕಜ अळ्कज (क) सं.— ईर्ष्या, डाह, मात्सर्य ; प्रेम, स्नेह ; अन्याय ।

ಅಳ್ಕನೆ अळ्कने (क) अ.— तुरंत ।

ಅಳ್ಕಮೆ अळ्कमे (क) सं.— अजीर्ण, डर ।

ಅಳ್ಕುರ್ अळ्कुर्, ಅಳ್ಕುಱ್ अळ्कुर्, ಅಳ್ಕರು अळ्करु, ಅಳ್ಕಱು अळ्करु (क) सं.—भय, (धा. प्र.) ; प्रीति ।

ಅಳ್ಕಾಡು अळ्काडु (क) क्रि.— हिल, डुल ; पूर्णतः नष्ट हो ।

ಅಳ್ಕಿವೆಳ್ಕು अळ्किवेळ्कु (क) क्रि.— व्यग्रता या चिंता उत्पन्न कर ; नष्ट हो ।

ಅಳ್ಕುರು अळ्कुरु (क) क्रि.—डर, भयभीत हो ।

ಅಳ್ಕೆ अळ्के (क) सं.— डर, भय ; रुलाई, विलाप, आलिंगन ।

ಅಳ್ಗತಳ್ಗ अळ्गतळ्ग (क) अ.— रुकझुक ।

ಅಳ್ಗು अळ्गु (क) क्रि.— नष्ट हो, लय हो, क्षीण हो ।

ಅಳ್ಗೆ अळ्गे (क) सं.— रसोई ।

ಅಳ್ತ अळ्त, ಅಳ್ತಗೆ अळ्तगे (क) सं.—प्रेम, प्रीति ; प्रसन्नता, संतोष ; आशा, विश्वास ।

ಅಳ್ದು अळ्दु (क) क्रि.— डुबा, (किसी तरल पदार्थ में) निमज्जित कर ; जला, मिटा, नष्ट कर ; मर ।

ಅಳ್ಪು अळ्पु (क) सं.— आलिंगन ।

ಅಳ್ವು अळ्वु (क) क्रि.— पूरा जला ।

ಅಳ್ಳಿರಿ अळ्ळिरि (क) क्रि.— कंपा, हिला, धमका, डरा ।

ಅಳ್ಳು अळ्ळु (क) क्रि.— हिल, डुल, कांप ; लटक ।

ಅಳ್ಳೂಮ अळ्ळूम (क) सं. — गिलहरी (मे.प्र.) ।

ಅಳ್ಳೆ अळ्ळे (क) सं.—गिलहरी ; लटकनेवाला पदार्थ ; कोमलता, निर्बलता । वि.—लटकने वाला ।

ಅಳ್ಳೆ अळ्ळे (क) सं.— अश्वत्थ, पीपल ; एरंडी (व्या. भा) ।

ಳ್ಳೆದೆ अळ्ळेदे (क) सं.— काँपनेवाला सीना; डर, भय।

ಳ್ಳೆವಿಳ್ಳೆಯಾಗು अळ्ळेविळ्ळेयागु (क) क्रि.— बहुत थक जा, श्रान्त हो।

ಳ್ಳೆಲು अळ्ळेलु (क) सं.—मृदु स्पर्श, संबंध; धीरे से छूना।

ಅಳ್ (क) क्रि.— दे. ಅಳ್. —ಅಳಲಿಕೆ अळलिके (क) सं.—व्यग्रता, व्यथा। ಅಳಲಿಗ अळलिग (क) वि.— व्यथित, दुःखी।

ಅಳಿಕ अळिक (क) वि.— नाश करनेवाला।

ಅಳಿಸು अळिसु (क) क्रि.—दे. ಅಳಿಸು.

ಅಳ್ಕಿಸು अळ्किसु (क) क्रि.— हज़म कर।

ಅಳ್ತಿಕಾರ अळितकार (क) सं.—प्रेम करनेवाला, प्रेमी।

ಅಳ್ಲು अळ्लु (क) क्रि.— नष्टकर, बरबाद कर, मिटा, मार।

ಆ आ

ಆ आ — कन्नड वर्णमाला का दूसरा अक्षर। (क) वि. सर्व.— ಅದು अदु—वह आदि के बदले आनेवाला आदेश। उदा.— ಅದು ಗ್ಲಾಸು अदु ग्लासु—वह गिलास है। ಆ ಗ್ಲಾಸು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಬಾ आ ग्लासु तेगेदु कोंडु बा— वह गिलास (अथवा उस गिलास को) ले आओ। (क) अ.—आश्चर्य और दुःख सूचक वि. बो. शब्द। प्लुत, जैसे—ಹಾ ರಾಮಾ! हा रामा! —हा राम!; प्रश्नार्थक अव्यय—शब्दों के अंत में ಆ जोड़ा जाता है। जैसे—ಹೌದಾ? हौदा? —है न? या वैसी बात? ರಾಮನು ಬಂದನಾ? रामनु बंदना —राम आया क्या? सं.— बच्चों की भाषा में ಆ दूध, पानी आदि का बोधक है।

ಆ आ (सम्) अ.— से—तक, तक, चारों ओर, थोड़ा (उदा.— ಆಪಾದಮಸ್ತಕ आपाद मस्तक, ಆಬಾಲವೃದ್ಧ आबालवृद्ध आदि)।

ಆಂ आं (क) सर्व= ಆನ್ आन्, ಏನ್ एन्, ನನ್ नन्, ನಾ ना, ನಾಂ नां, ನಾನ್ नान्, ಯಾನು यानु–प्रथम पुरुष सर्वनाम-एकवचन 'मैं'।

ಆಃ आः (क) अ.— विस्मय, दुःख या शोक प्रकट करनेवाला विस्मयादिबोधक।

ಆಂಕಿ आंकि (क) अ.—अर्थात्, याने, यह कि (मै. प्र.)।

ಆಂಕೆ आंके (क) सं. — आधार; पकड़ने, धारण करने की क्रिया; भार ढोने का साधन। —ಗೊಳ್ गोळ् (क) क्रि.—पकड़, सामना कर।

ಆಂಗಿಕ आंगिक (सम्) वि.–शारीरिक, दैहिक; हाव-भाव से युक्त।

ಆಂಗಿರ आंगिर (तद्) सं.—आंगिरसः (तत्); आंगिरस के पुत्र, बृहस्पति।

ಆಂಗಿರಸ आंगिरस (सम्) सं.— दे. ಆಂಗಿರ.

ಆಂಜನೇಯ आंजनेय (सम्) सं.— अंजना के पुत्र, हनुमान।

ಆಂಡ आंड (सम्) सं.—अंड से उत्पन्न पक्षी, अन्य जीव; ब्रह्मा।

ಆಂಡಾರಿ आंडारि (क) सं.–एक उपाधि जिसका अर्थ है–प्रभु, स्वामि, अधिकारी, हुजूर।

ಆಂಡಿ आंडि (क) सं.—शैव धर्म का सन्यासी।

ಆಂತ आंत (क) वि.— धारण किया हुआ, पहना हुआ।

ಆಂತರ आंतर (सम्) वि.–भीतर का, अंदरूनी, अत्यंत गुप्त।

ಆಂತರ್ಯ आंतर्य (सम्) सं.— मन, हृदय; रहस्य, गुप्त बात।

ಆಂತಿಕಾ आंतिका (सम्) सं.— बड़ी बहन।

ಆಂತು आंतु (क) कृ.— धारण कर, पहनकर, प्राप्त कर, स्वीकार कर।

ಆಂದೆಗ आंदेग (क) सं.— उल्लू।

ಆಂದೋಲ आंदोल, ಆಂದೋಲನ आंदोलन (सम्) सं.–पालकी, डोल; झूलना, झूला।

ಆಂದೋಲಕ आंदोलक (सम्) सं.— बड़ी घड़ी का लंगर pendulum.

ಆಂದೋಲಿಕ आंदोलिक, ಆಂದೋಲಿಕೆ आंदोलिके (सम्) सं.— दे. ಆಂದೋಲ.

ಆಂದೋಲಿತ आंदोलित (सम्) सं.— झूलनेवाला, लटकनेवाला, हिलनेवाला।

ಆಂಧಸಿಕ आंधसिक (सम्) सं.— रसोइया, पाचक।

ಆಂಧ್ರ आंध्र (सम्) सं.— तेलुगु, तेलुगु भाषा प्रदेश, तेलुगु भाषी।

ಆಂಬರ आंबर, ಆಂಬ್ರ आंब्र (तद्) सं.— आम्र या आम्ल (तत्); उचित अनुपात में गोल मिर्च और इमली लगाया हुआ पानी।

ಆಂಬೊಡೆ आंबोडे, ಆಂಬೋಡಿ आंबोडि, ಆಮವಡೆ आमवडे (क) सं.— एक खाने की चीज़। साधारणतया चने की दाल से यह चीज़ बनाई जाती है। भीगे दाल के साथ उचित अनुपात में नारियल, नमक, मिर्च आदि मिलाकर पीसा जाता है। उसके बाद गोल-गोल बनाकर (बड़ा के जैसे) तेल में भून दिया जाता है। (चने की दाल से बननेवाली चीज़ ಆಂಬೊಡೆ और उड़द की दाल से बननेवाली चीज़ ವಡೆ वड़े या ಉದ್ದಿನವಡೆ उद्दिनवड़े (बड़ा) कहलाती है)।

ಆಂಬ್ರ आंब्र (तद्) सं.— दे. ಆಂಬರ.

ಆಕಂಠ आकंठ, ಆಕಂಠಪೂರ आकंठपूर (सम्) अ.— कंठ तक; गले तक।

ಆಕಂಪನ आकंपन (सम्) सं.— कंपन, कंपकंपी; थरथराहट, काँपते हुए चलने की क्रिया।

ಆಕರ आकर (सम्) सं.— खान, समूह, मूलस्थान।

ಆಕರಣ आकरण, ಆಕರಣೆ आकरणे (सम्) सं.– निमंत्रण, बुलावा; चुनौती, स्पर्धा, होड़।

ಆಕರಿಸು आकरिसु (तद्) क्रि.—अंगीकार (तत्) कर; स्वीकार कर; आज्ञा दे; चुनौती दे।

ಆಕರ್ಣ आकर्ण, ಆಕರ್ಣಾಂತ आकर्णांत (सम्) अ.— कान तक, कान भर। —ಆಕರ್ಣಕ ಪರೀಕ್ಷಾಯಂತ್ರ आकर्णक परीक्षा यंत्र (सम्) सं.— हृदय तथा फेफड़े की परीक्षा करने का यंत्र, स्टेथसकोप Stethoscope.

ಆಕರ್ಣನ आकर्णन (सम्) सं.— सुनने या ध्यान देकर सुनने की क्रिया। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— ध्यानपूर्वक सुन।

ಆಕರ್ಷ आकर्ष (सम्) सं.— खिंचाव, आकृष्ट करने का गुण; पासासार, चौंसर और चौपड़ खेलने का साधन; चौपड़ या चौंसर का खेल; चौपड़ की बिछौंत; वशीकरण; ज्ञानेंद्रिय; कसौटी; (धनुष को) तानना; वेश्याओं की नाज़-नज़ाकत।

ಆಕರ್ಷಕ आकर्षक (सम्) वि.—खींचनेवाला, आकृष्ट करनेवाला, मनोहर; चुंबक पत्थर, अयस्कांत।

ಆಕರ್ಷಣ आकर्षण (सम्) सं.— खिंचाव।

ಆಕರ್ಷಣೀಯ आकर्षणीय (सम्) वि.— खींचनेवाला, खींचा जानेवाला।

ಆಕರ್ಷಿಸು आकर्षिसु (तद्) क्रि.—आकृष्ट कर, प्रसन्न कर।

ಆಕಲನ आकलन (सम्) सं.— समझ-बूझ; पकड़, गणना; मिलाना, जोड़ना, बांधना।

ಆಕಲಿತ आकलित (सम्) वि.—मिलाया हुआ, जोड़ा हुआ, गिना हुआ, बंधा हुआ।

ಆಕಲ್ಪ आकल्प (सम्) अ.—कल्पांत तक। सं.— आभरण, शृंगार।

ಆಕಸ್ಮಿಕ आकस्मिक (सम्) वि.— अचानक, अकस्मात्, सहसा, अकारण।

ಆಕಳ್ आकळ्, ಆಕಳ आकळ, ಆಕಳು आकळु (क) सं.— गाय, गो-समुदाय।

ಆಕಳಾಸ आकळास (क) सं.— घृणा, अरुचि, उबाई।

ಆಕಳಿಕೆ आकळिके (क) सं.—जंभाई, जम्हाई। —ಇಸು इसु—जंभाई ले।

ಆಕಾಂಕ್ಷಾ आकांक्षा, ಆಕಾಂಕ್ಷೆ आकांक्षे (सम्) सं.— अभिलाषा, इच्छा, चाह। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— इच्छा कर।

ಆಕಾರ आकार (सम्) सं.— रूप, वेश, चिह्न, शकल, आकृति; बनावट; संगठन।

ಆಕಾರಣ आकारण (सम्) सं.— आमंत्रण; ललकार।

ಆಕಾಶ आकाश (सम्) सं.–आसमान, गगन; अवकाश। —ಗರ್ಭ गर्भ (सम्) सं.— क्षितिज। —ಗಂಗೆ गंगे (सम्) सं.— देव-गंगा। —ಗಾಮಿ गामि (सम्) सं.— आकाश में गमन करनेवाले, देवता। —ಗೂಡು गूडु (तद्) सं.— आकाशदीप। —ಬಿಲ್ಲು बिल्लु (तद्) सं.— इंद्रधनुष। —ವಾಣಿ वाणि (सम्) वि.— अशरीर-वाणी, रेडियो। —ರಾಜ राज (सम्) सं.— एक राजा का नाम जो तिरुपति के भगवान् श्रीनिवास के ससुर और पद्मावती के पिता थे।

ಆಕೀರ್ಣ आकीर्ण (सम्) वि.— भरा हुआ, बिखरा हुआ; फैला हुआ; घना, सघन; घबराया हुआ; घिरा हुआ।

ಆಕುಂಚನ आकुंचन (सम्) सं.— सिकुड़न, मोड़न, समेटन।

ಆಕುಲ आकुल (सम्) वि.—भरा हुआ, पूर्ण; व्याप्त; संकलित; व्यथित, व्यग्र, उद्विग्न।

ಆಕುಳಿಸು आकुळिसु (क) क्रि.— जंभाई ले। —ಆಕುಳಿಕೆ आकुळिके (क) सं.— जंभाई, जम्हाई।

ಆಕೂತ आकूत (सम्) सं.— अंग-चेष्टा, इशारा; उद्देश्य, इच्छा।

ಆಕೃತಿ आकृति (सम्) सं.— दे. ಆಕಾರ.

ಆಕೃಷ್ಟ आकृष्ट (सम्) वि.— खिंचा हुआ, आकर्षित।

ಆಕೆ आके (क) सर्व.—वह (स्त्री. लिं.-ए.व.), वह स्त्री। उदा.— ಆಕೆ ಯಾರು? आके यारु—वह स्त्री कौन है? ('वह' यहाँ आदर-सूचक है)। 'वह' अर्थात् पत्नी के अर्थ में भी इसका प्रयोग होता है।

ಆಕೆ आके (क) सं.— शक्ति, बल, साहस। —ವಾಳ वाळ (क) सं.—शूर या साहसी पुरुष। —ವಾಳತನ वाळतन (क) सं.— वीरता, शूरता।

ಅಕೇಕರ अकेकर (क) सं.— तिरछी दृष्टि।

ಆಕ್ರಂದ आक्रंद (सम्) सं.— शोक, दुःख, विलाप-कलाप; युद्ध; बलात्कार; बंधु, मित्र; राजा; कोई राजा जो अपने मित्र राजा को अन्य राजा की सहायता करने से रोके। आह्वान, निमंत्रण।

ಆಕ್ರಂದನ आक्रंदन (सम्) सं.— विलाप, रुदन; आह्वान।

ಆಖೇಟ आखेट (सम्) सं.— शिकार, मृगया। —ಕ क (सम्) सं.— शिकारी।

ಆಖ್ಯ आख्य, ಆಖ್ಯಾ आख्या, ಆಖ್ಯೆ आख्ये (सम्) सं.—नाम, प्रसिद्धि, कीर्ति, उपाधि; विवरण।

ಆಖ್ಯಾತ आख्यात (सम्) वि.—प्रसिद्ध, गिना हुआ। सं.— क्रिया-पद।

ಆಖ್ಯಾನ आख्यान (सम्) सं.— कथन, कथा, कहानी।

ಆಖ್ಯಾಯಿಕೆ आख्यायिके (सम्) सं.— छोटी कथा, कहानी।

ಆಗ आग (क) अ.— तब, उस समय।

ಆಗ आग, ಆಗೆ आगे (क) प्र.— में, भीतर, अंदर।

ಆಗ आग, ಆಗಸ್ आगस् (क) सं.—अपराध, पाप, गलती, पापपूर्ण विलास। ಆಗಕ್ಕೆ ಭೋಗವೇ ಸಾಕ್ಷಿ आगक्के भोगवे साक्षि—पाप का भोग ही साक्षी है (कह.)।

ಆಗಡ आगड (क) सं.—खेल, क्रीडा; विनोद, तमाशा; दूसरों की नक़ल, मज़ाक, परिहास। —ಕಾರ कार (क) वि.—मज़ाक करनेवाला, आक्षेप करनेवाला, पीड़ा देनेवाला। —ತನ तन (क) सं.— आक्षेप करने का स्वभाव।

ಆಗಡಿನ आगडिन (क) वि.— उस समय का, तब का, उस काल का।

ಆಗಡು आगडु (क) अ.— तब, उस समय।

ಅಗಡೆ अगड़े (क) अ.— तभी, तुरंत।

ಅಗತ अगत (सम्) वि.— आया हुआ, मिला हुआ, प्राप्त।

ಆಗತಿ आगति (सम्) सं.— आगमन; आमदनी; उत्पत्ति, प्राप्ति।

ಆಗಂತುಕ आगंतुक (सम्) सं.— अकस्मात् आया हुआ व्यक्ति, अतिथि, मेहमान।

ಆಗಮ आगम (सम्) सं.— आगमन; ज्ञात, शास्त्र; शिव और शक्ति; पूजा तंत्र; आगम प्रत्यय; पार्वती; आमदनी, आय; राजस्व।

ಆಗಮಜ್ಞ आगमज्ञ (सम्) सं.— आगम जाननेवाला, शास्त्रज्ञ।

ಆಗಮನ आगमन (सम्) सं.— आने की क्रिया, प्राप्ति, उपलब्धि।

ಆಗಮಾತೀತ आगमातीत (सम्) वि.— शास्त्रों से परे। सं.— शिव आदि देवता।

ಆಗರ आगर (तद्) सं.— आगार (तत्); घर, आवासस्थान; समूह; ज़मीन-जायदाद।

ಆಗರ್ಭ आगर्भ (सम्) वि.—जन्म से ही, पूर्वजों से लेकर। —ಶ್ರೀಮಂತ श्रीमंत (सम्) सं.— अत्यंत धनी पुरुष, वह व्यक्ति जो संपन्न परिवार में पैदा हुआ हो।

ಆಗಲ್ आगल्, (ಆಗ आग) (क) अ.— तब, उस समय।

ಆಗಲಪೂರ आगलपूर (क) अ.— आकंठ, कंठ तक।

ಆಗಲು आगलु (क) अ.— तभी, उसी समय, उसी वक्त।

ಆಗಸ आगस (तद्) वि.— आकाश (तत्); गगन, व्योम।

ಆಗಸ್ತೀ आगस्ती (सम्) सं.— दक्षिण दिशा। —ಆಗಸ್ತ್ಯ आगस्त्य (सम्) वि.—दक्षिणी।

ಆಗಳ್ आगळ्, ಆಗಳು आगळु (क) अ.— उस समय, तब।

ಆಗಳಿಕೆ आगळिके (क) सं.— दे. ಅಗಳಿಕೆ.

ಆಗಳು आगळु (क) अ.— सदा, हमेशा।

ಆಗಳುಂ आगळुं (क) अ.— सदा, हमेशा।

ಆಗಾಗ आगाग, ಆಗಾಗ್ಗೆ आगाग्गे, ಆಗಾಗ್ಯೆ आगाग्ये (क) अ.— यदा-कदा, कभी-कभी, जब-तब।

ಆಗಾತ್ಯ आगात्य (क) सं.— यातना या अनिष्ट का बहाना; आत्महत्या करने की धमकी। —ಗಾರ गार (क) सं.— वह मनुष्य जो इस प्रकार का बहाना करता है या धमकी देता है।

ಆಗಾಧ आगाध (तद्) वि.— अगाध (तत्)।

ಆಗಾಮಿ आगामि (सम्) वि.—आगे आनेवाला, भविष्य का। —ಕ क (सम्) वि.— भविष्य से संबंधित, भविष्य का।

ಆಗಾರ आगार (सम्) सं.— दे. ಆಗರ.

ಆಗಿಸು आगिसु (क) क्रि.— होने दे, बना, उत्पन्न कर, उठा; समाप्त कर, उठा, समाप्त कर।

ಆಗು आगु (क) क्रि.— हो, (उत्पन्न) हो; (प्रादुर्भाव) हो; (पूर्ण) हो, (पूरा) हो, (समाप्त) हो; (संभव) हो; (बढ़), बन; (तैयार) हो; योग्य हो, (जगह) बना, हो जा, (संबंधित) हो, (निर्णय पर) पहुँच। कुछ उदा.— ಆಗುತ್ತದೆ आगुत्तदे होता है, ಆಯ್ತು आय्तु, ಆಯಿತು आयितु-हुआ, ಆಗುವುದು आगुवुदु —होगा। ನಿಮ್ಮ ಕೆಲಸ ಆಗಲಿ—निम्म केलस आगलि—आपका काम (पूर्ण) हो। ಆಗು के साथ 'ಅದು अदु' जोड़कर निषेध की व्यंजना की जाती है। ಈ ಕೆಲಸ ಮಾಡಲು ಆಗದು ई केलस माडलु आगदु—यह काम संभव नहीं होता (करना संभव नहीं)। ಕ್ಷತ್ರಿಯನು ಯತಿ ಆಗಲ್ ಆಗದು क्षत्रियनु यति आगल् आगदु—क्षत्रिय का यति होना संभव नहीं है। ಆಗಿ ಹೋಗು आगि होगु—हो जा (पूर्णता का द्योतक)। ಆದೊಡೆ आदोड़े—होने पर (संदिग्धता का बोधक)।

ಆಗುವಿಕೆ आगुविके (क) क्रि.—होना। ಸದ್ದಾಗುವಿಕೆ सद्दागुविके शोर गुल होना, ಬಿಸಿಯಾಗುವಿಕೆ बिसियागुविके—गरम होना।

ಆಗುಳಿಕೆ आगुळिके (क) सं.—जंभाई, जम्हाई। —ಆಗುಳಿಸು आगुळिसु (क) क्रि.— जंभाई ले।

ಆಗೂರ್ಮಿಸು आगूर्मिसु (क) क्रि.—उच्च ध्वनि कर, गर्जन कर।

ಆಗ್ನೀಧ್ರ आग्नीध्र (सम्) सं.—हवन करनेवाला; वह स्थान जहाँ अग्निहोत्र की आग जलायी जाती है।

ಆಗ್ನೇಯ आग्नेय (सम्) सं.— दक्षिण-पूर्व दिशा; अग्नि से संबंधित। —ಅಸ್ತ್ರ अस्त्र (सम्) सं.— आग उगलनेवाला अस्त्र, बंदूक, तोप।

ಆಗ್ರಹ आग्रह (सम्) सं.—हठ, अनुरोध; क्रोध; आक्रमण; संकल्प; अनुग्रह। (प्रायः 'क्रोध' के अर्थ में ही अधिक प्रचलित है)।—ಇಸು इसु (सम्) क्रि.—क्रुद्ध हो, रुष्ट हो।

ಆಘಟಿತ आघटित (सम्) वि.— मिला हुआ; जुड़ा हुआ, बंधा हुआ, रगड़ा हुआ।

ಆಘರ್ಷ आघर्ष (सम्) सं.— घर्षण, रगड़, ताड़न।

ಆಘಾಟ आघाट (सम्) सं.— सीमा, हद, परिधि।

ಆಘಾತ आघात (सम्) सं.— चोट, प्रहार, दर्द।

ಆಘ್ರಾಣ आघ्राण (सम्) सं.— सूँघना, गंध, लेना। — ಇತ इत (सम्) वि.— सूँघा हुआ— ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— सूँघ।

ಆಚ आच, ಆರ್ಸೆ आर्से, ಆಸು आसु (क) सं. — शाल या साल वृक्ष (shorea robusta.

ಆಚಂದ್ರತಾರಕ आचंद्रतारक (सम्) अ.—जब तक चंद्र और नक्षत्र रहेंगे तब तक; चिरकाल तक।

ಆಚಂದ್ರಾರ್ಕ आचंद्रार्क (सम्) अ.—जब तक सूर्य चंद्र रहेंगे तब तक, सदा-सर्वदा।

ಆಚಮನ आचमन (सम्) सं.— हथेली में थोड़ा जल रखकर मंत्रपूर्वक सेवन करने की विधि; संध्या वंदन की एक क्रिया।

ಆಚಯ आचय (सम्) सं.— संग्रह, समूह, ढेर, जमाव।

ಆಚರಣ आचरण, ಆಚರಣೆ आचरणे (सम्) सं.—अनुष्ठान, बर्ताव, चालचलन, पद्धति।

ಆಚಾರ आचार (सम्) सं.— अच्छा बर्ताव, अच्छी पद्धति, अच्छा चालचलन।

ಆಚಾರ್ಯ आचार्य (सम्) सं.—शिक्षक, गुरु, धर्मगुरु, विद्वान, पुरोहित।

ಆಚಾರ್ಯಾಣಿ आचार्याणि (सम्) सं.—आचार्य की पत्नी।

ಆಚಾರ್ಯೆ आचार्ये (सम्) सं.—उपाध्यायिनी, अध्यापिका, आचारनिष्ठ स्त्री।

ಆಚು आचु (क) क्रि.—विनय कर, प्रार्थना कर, माँग, दीनता प्रकट कर। ಆಚಿಸು आचिसु (क) क्रि.— गिड़गिड़ा, दैन्य प्रकट कर, विनय कर।

ಆಚೆ आचे (क) अ.—उस तरफ़, ओर या दिशा में; पार, अनंतर, पश्चात्।

ಆಚ್ಛನ್ನ आच्छन्न (सम्) वि.— ढका हुआ, बंद, पहना या ओढ़ा हुआ।

ಆಚ್ಛಾದ आच्छाद (सम्) सं.—कपड़ा, वस्त्र।

ಆಚ್ಛಾದನ आच्छादन (सम्) सं.— ढकनेवाली वस्तु, कपड़ा, वस्त्र, परदा, चादर, ओढ़नी।

ಆಚ್ಛೇದ आच्छेद (सम्) वि.— कटा हुआ। सं.—भाग, टुकड़ा।

ಆಚ್ಯ आच्य (सम्) वि.—झुका हुआ, नमित।

ಆಜನ್ಮ आजन्म (सम्) अ.— जन्म से मृत्यु तक, जीवन भर।

ಆಜಸ್ರ आजस्र (सम्) अ.— अजस्र, हमेशा, सदा।

ಆಜಾನುಬಾಹು आजानुबाहु (सम्) सं.— घुटनों तक लंबे हाथवाला।

ಆಜಾನೇಯ आजानेय (सम्) सं.— कुलीन, सद्वंशज।

ಆಜಿ आजि (सम्) सं.—युद्ध, लड़ाई ; रणक्षेत्र। —ರಂಗ रंग (सम्) सं— युद्ध भूमि।

ಆಜೀವ आजीव (सम्) अ.— दे. ಆಜನ್ಮ; आजीविका, पेशा; जैन सिक्षुक। —ಕ क (सम्) सं.— जैन (या बौद्ध) भिक्षुक।

ಆಜ್ಞಪ್ತಿ आज्ञप्ति (सम्) सं.— आज्ञा, अनुमति, अनुज्ञा।

ಆಜ್ಞಾ आज्ञा (सम्) सं.— अनुमति ; आदेश, हुक्म ; शासन ; विश्वास दिलाना ; न्याय या दंडविधान। —ಧಾರಕ धारक (सम्) सं.— आज्ञा या हुक्म के अनुसार चलनेवाला, विनम्र सेवक। —ಪನಾ पना, ಪನೆ पने (सम्) सं.— अनुमति ; आदेश।

ಆಜ್ಯ आज्य (सम्) सं.— घी।

ಆಟ आट (क) सं.— खेल, क्रीडा ; विनोद, तमाशा ; नाटक, सिनेमा ; जुआ ; सरल-संलाप ; बोलना, ध्वनि ; भाववाचक प्रत्यय-जैसे— ಹುಡುಗಾಟ हुडुगाट—लड़कपन या झूठ-मूठ व्यवहार करना (परिहास के लिए)। ಹೋರಾಟ होराट— लड़ाई। ಆಟಕ್ಕೆ ತಕ್ಕ ವೇಷ, ವೇಷಕ್ಕೆ ತಕ್ಕ ಭಾಷೆ आटक्के तक्क वेष, वेषक्के तक्क भाषे—खेल के अनुसार वेश, वेश के अनुसार भाषा (कह.)। ಬೆಕ್ಕಿಗೆ ಆಟ ಇಲಿಗೆ ಪ್ರಾಣಸಂಕಟ बेक्किगे आट इलिगे प्राण-संकट—बिल्ली को तो क्रीडा है, (पर) चूहे के प्राण संकट में हैं (कह.)। —ಕಾಯಿ कायि ಗಾಯಿ गायि (क) सं.—खेल में उपयोग किया जानेवाला अक्ष पासा आदि (a die or piece at chess). —ಗಾರ गार (क) सं.— खेलनेवाला, खिलाड़ी। —ಗೀತ गीत (क) सं.— एक छंद का नाम। —ಪಾಟ पाट (क) सं.— खेल-कूद (अनुरणन शब्द)। —ಮನೆ मने, ಮನೆಗಳು मनेगळु (क) सं.— चौक, खेल के लिए रेखा खींचकर बनाया जानेवाला चौक। —ವಾಟಕೂಟ वाटकूट (क) सं.— नृत्य और गीतों का मेला, समारोह जहाँ नृत्य और गीत होते हैं।

ಆಟಕ आटक (क) सं.—खेल, क्रीडा, विनोद।

ಆಟಕಾರ್ತಿ आटकार्ति, ಆಟಗಾರ್ತಿ आटगार्ति (क) सं.— खेलने या नाचनेवाली स्त्री, अभिनय करनेवाली (मै.प्र.)।

ಆಟಗಾರ आटगार (क) सं.— खिलाड़ी, जुआरी, अभिनेता। —ಆಟಗಾರಿ आटगारि (स्त्री.लिं.)।

ಆಟಗುಳಿ आटगुळि, ಆಟಂಗುಳಿ आटंगुळि (क) सं.—सदा खेलनेवाला, खिलाड़ी ; जुआरी ; नर्तक ; अभिनेता।

ಆಟರೂಷ आटरुष (तद्) सं.— अटरुष (तत्) दे. ಆಟರುಷ.

ಆಟಲು आटलु, ಆಟಲೆ आटले, ಆಟ್ಲು आट्लु, ಆಟ್ಲೆ आट्ले (क) सं.—चारों ओर घूमना।

ಆಟವಿಕ आटविक (क) सं.— खिलाड़ी ; अभिनेता, नर्तक ; जुआरी ; धोखेबाज़ ; धूर्त, अयोग्य।

ಆಟವಿಕ आटविक (सम्) सं.— वनवासी ; लकड़हारा।

ಆಟರ್ आटर् (क) क्रि.— आक्रमण कर।

ಆಟಲಿಕ आटलिक (क) सं.— दे. ಆಟವಿಕ.

ಆಟಾಳಿ आटालि (क) सं.— दे. ಆಟಗುಳಿ.

ಆಟಿ आटि (क) सं.— खिलाड़ी ; जुआरी। सं.—एक पक्षी (Turdus ginginianus).

ಆಟಿಕೆ आटिके, ಆಟಿಗೆ आटिगे (क) सं.—खेल। भाववाचक प्रत्यय। उदा.— ಬೂಟಾಟಿಕೆ बूटाटिके—दिखावा, ಡಂಬಾಟಿಕೆ डंबाटिके—दंभ, आडंबर। ಪುಂಡಾಟಿಕೆ पुंडाटिके—धृष्टता, दुष्टता।

ಆಟಿಸು आटिसु (क) क्रि.— माँग, प्रार्थना कर ; इच्छा कर, कामना कर।

ಆಟು आटु (क) क्रि.— खेल, क्रीडा कर, गतिशील रह, घूम, हिल, डुल, लटक। अ.— उतना, उस परिमाण में।

ಆಟೋಪ आटोप (सम्) सं.—अभिमान, गर्व, दंभ ; आत्मश्लाघा ; रगड़ ; संभ्रम, आडंबर। वश ; अधिकार।

ಆಡಂಗಿ आडंगि (तद्) सं.— अर्धांगी (तत्)। स्त्री ; पत्नी।

ಆಡಂಬರ आडंबर (सम्) सं.—अभिमान, मद, औद्धत्य ; दिखावट, बाहरी वेश ; गर्जन, नाद, वज्र-नाद ; रोष, क्रोध ; हर्ष, आनंद ; रणवाद्य; राशि, ढेर, समूह; प्रारंभ, समारंभ; छोटा हाथी, गज शावक।

ಆಡಲು आडलु (तद्) सं.— दे. ಅವುಡಲ.

ಆಡಸೊಗೆ आडसोगे (तद्) सं.—अटरुषः (तत्). दे. ಆಟರುಷ.

ಆಡಸೋಗೆ आडसोगे (तद्) सं.—दे. ಆಟರುಷ.

ಆಡಳತ अडळत, ಆಡಳತೆ अडळते, ಆಡಳಿತ अडळित, ಆಡಳಿತೆ आडळिते (क) सं.— शासन, अधिकार, प्रबंध, व्यवस्था, शासनाधिकार, सलतनत।

ಆಡಿ आडि (क) प्र.— 'वाला' सूचक प्रत्यय। ಉಂಡಾಡಿ उंडाडि (केवल) खानेवाला (अर्थात् भोजन के ही लायक, सुस्त, बेवकूफ़)। ಒಡನಾಡಿ ओडनाडि—साथ रहनेवाला, मित्र।

ಆಡಿಕೆ आडिके (क) सं.— गति, खेल, बोल। प्र.— शब्द के अंत में लगता है, जैसे ಹೊಡದಾಡಿಕೆ होडदाडिके—लड़ाई (लड़ाई-झगड़ा—भाववाचक)।

ಆಡಿಗ आडिग (क) सं.— घूमने-फिरनेवाला, तमाशा करनेवाला, खेलनेवाला, नाचनेवाला, बोलनेवाला आदि का द्योतक। संज्ञा या क्रिया के अंत में ಆಡಿಗ जोड़कर 'वाला' अर्थ की व्यंजना की जाती है। उदा.—ಉಂಡಾಡಿಗ

उंडाडिग ('उण्'–खा, धातु है) – खानेवाला (सुस्त या बेकार मनुष्य)। ನಾಡಾಡಿಗ नाडाडिग ('नाडु'–ग्राम या बस्ती)—गाँव-गाँव (या जगह-जगह) घूमनेवाला।

ಆಡಿರ आडिर (क) सं.— तकलीफ़, कष्ट।

ಆಡಿಸು अडिसु (क) क्रि.— (खेल) खिला, क्रीडा करा; घुमा; नचा, अभिनय करा; (बोल) बुला; गतिमान कर (प्रे.)। ಅವನು ಕೋತಿ ಆಡಿಸುತ್ತಾನೆ अवनु कोति आडिसुत्ताने—वह बंदर से खेल करता है। इस शब्द के साथ ಅವನು अवनु (ए.व.) अथवा ಅವರು अवरु (ब.व.) जोड़कर 'वाला' अर्थ की व्यंजना की जाती है, जैसे—ಕರಡಿ ಆಡಿಸುವವನು करडी आडिसुववनु — भालू (को) नचानेवाला; ಕೋತಿ ಆಡಿಸುವವರು कोति आडिसुववरु—बंदर से क्रीडा करानेवाले। —ವಿಕೆ विके (क) सं.—क्रीडा कराने, नचाने आदि की क्रिया।

ಆಡು आडु (क) क्रि.—खेल; क्रीडा कर; घूम, लटक, हिल; नाच, अभिनय कर; बोल, कह; ಆಡುವ ಮಕ್ಕಳು ಆಡಬೇಕು, ಬೇಡುವ ಮಕ್ಕಳು ಬೇಡಬೇಕು आडुव मक्कळु आडबेकु, बेडुव मक्कळु बेडबेकु—खेलनेवाले बच्चों को खेलना चाहिए, माँगनेवाले बच्चों को माँगना चाहिए (कह.)। ನರ್ತಕಿ ಆಡುವಳು नर्तकि आडुवळु—नर्तकी नाचेगी। ಆ ನಾಟಕದವರು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಆಡುತ್ತಾರೆ आ नाटकदवरु चेन्नागि आडुत्तारे—उस नाटक (कंपनी) वाले अच्छा खेलते (अभिनय करते) हैं। ತಿರುಗಾಡು तिरुगाडु—घूम (ो), ಅಲ್ಲಾಡು अल्लाडु—हिल, ನೇತಾಡು नेताडु-लटक। ನೀನು ಮಾತನಾಡು नीनु मातनाडु—तू (तुम) बोल बोल (बोलो)।

ಆಡು आडु (क) सं.— भेड़, बकरी; गीत, गाना (मैं.प्र.)। क्रि.— गीत गा।

ಆಡುಕುಳಿ आडुकुळि (क) सं.— खिलाड़ी, क्रीडासक्त मनुष्य।

ಆಡುಂಗುಳಿ आडुंगुळि (क) सं.—दे. ಆಡುಕುಳಿ.

ಆಡುವಿಕೆ आडुविके (क) सं.— खेल, क्रीड़ा; खेलने, क्रीड़ा करने आदि की क्रिया।

ಆಡುಸೋಗೆ आडुसोगे (तद्) सं.— दे. ಆಡಸೋಗೆ.

ಆಡುಳ आडुह (क) कृ.— खेलनेवाला, क्रीडा करनेवाला, नाचनेवाला आदि।

ಆಡೇಲು आडेलु (क) सं.— उल्लू; आटि, पक्षी विशेष।

ಆಡ್ಡುಕ್ आड्डुक (क) सं.— खाँड या बैल का नथना।

ಆಢಕ आढक (सम्) सं.— परिमाण विशेष, द्रोण नामक तौल का चतुर्थांश, लगभग 7 lbs. 11 ozs. का परिमाण। —ಆಢಕಿ आढकि (सम्) सं.— अरहर, तुवरी।

ಆಢ್ಯ आढ्य (सम्) वि.— धनी, धनवान, संपन्न। सं.— ऐश्वर्य, संपत्ति। ಮೂಢ್ಯಕ್ಕೆ ಆಢ್ಯ ಬಂದರೆ ವಿವೇಕಕ್ಕೆ ವನವಾಸ मोढ्यक्के आढ्य बंदरे विवेकक्के वनवास—मूढ़ता को ऐश्वर्य मिले तो विवेक को वनवास हो जाता है (कह.)।

ಆಣ್ आण् (क) सं.—पुरुष, पुंस्। ಆಣ್ಮರ आण् मर—नर पेड़।

ಆಣಕ आणक (क) वि.— नीच, हीन, छोटा।

ಆಣತಿ आणति (तद्) सं.— आज्ञप्ति (तत्); दे. ಅಜ್ಞಪ್ತಿ.

ಆಣತಿ आणति (क) सं.— गाना, गायन। —ಮಾಡು माडु (क) क्रि.—गा, गान कर; प्रशंसा कर।

ಆಣವ आणव (क) वि.— बहुत छोटा।

ಆಣಿ आणि (क) वि.— सर्व श्रेष्ठ, सर्वोत्तम, मूल्यवान; गोल। ಆಣಿಮುತ್ತು आणिमुत्तु—मूल्यवान या सर्व श्रेष्ठ मोती; गोलाकार मोती। —ಕಲ್ಲು कल्लु (क) सं.— ओला।

ಆಣಿ आणि (सम्) सं.— गाड़ी की धुरी की चाबी या पिन, कीला; सीमा; तलवार की धार; घुटने के ऊपर का जंघा का भाग। —ಕಾರ कार (सम्) सं.—कीला बनानेवाला।

ಆಣಿಸು आणिसु (क) क्रि.— सूर्य की गरमी में (साधारणतया लकड़ी को) तड़कना या फाड़ना।

ಆಣೆ आणे (क) सं.— शपथ, कुसम।

ಆಣ್ಬ आण्ब, ಆಣ್ಮ आण्म, ಅಳ್ಮಕ अळ्मक (क) सं.— शासक, प्रभु, स्वामी, मालिक, पति।

ಆತ आत (क) सर्व.— वह (पु.लिं.) के बदले ಆತ का प्रयोग होता है जो आदर सूचक है। ಆತ ಯಾರು? आत यारु— वह कौन है? ಆತನೇ ಇಂದ್ರ आतने इंद्र— वही इंद्र है।

ಆತಂಕ आतंक (सम्) सं.—रोक, विघ्न, अड़चन; रोग, बीमारी; भय, भीति; घंटा, मृदंग आदि का नाद; दूत। —ಶರೀರ शरीर (सम्) सं.— निर्बल, रोगी, क्लीब। —ಇಸು (सुम्) क्रि.—अड़चन उत्पन्न कर।

ಆತತ आतत (सम्) वि.—विस्तृत, फैला हुआ, छाया हुआ।

ಆತತಾಯಿ आततायि (सम्) सं.— महापापी, अपराधी; चोर, हत्यारा।

ಆತಪ आतप (सम्) सं.— गरमी, घाम, सूर्य का प्रकाश।—ತ್ರ त्र, ತ್ರಕ त्रक (सम्) सं.—छतरी, छाता। —ವಾರಣ वारण (सम्) सं.— छाता, छतरी।

ಆತಪನ आतपन (सम्) सं.— शिव।

ಆತರ आतर (सम्) सं.— नाव की उतराई, महसूल, भाड़ा, मार्गव्यय।

ಆತಿಥೇಯ आतिथेय (सम्) सं.—अतिथि के योग्य, अतिथि का सत्कार।

ಆತಿಥ್ಯ आतिथ्य (सम्) सं.— मेहमानदारी, अतिथि-सत्कार।

ಆತು (सम्) सं.— लकड़ी या लट्ठों का बेड़ा; चौघड़ा।

ಆತು आतु (क) कृ.—'ಆನ್' 'आन्' धातु का भूतकालिक कृदंत रूप। दे. ಆನ್.

ಆತುರ आतुर (सम्) सं.— रोगी; गड़बड़ी, जल्दबाज़ी।

ಆತುರಿಯ आतुरिय (क) सं.—शीघ्रता, जल्दबाज़ी।

ಆತುಷ್ಟಿ आतुष्टि (सम्) सं.— पूर्ण तृप्ति।

ಆತೆ आते (क) सं. — एक कीडा, टंडन Cockroach. (मैं. प्र.)।

ಆತೋದ್ಯ आतोद्य (सम्) सं·—मुरली, वीणा, मृदंग आदि वाद्य ।

ಆತ್ತ आत्त (सम्) वि·— लिया हुआ, प्राप्त, माना हुआ, आकर्षण किया हुआ, निकाला हुआ।

ಆತ್ತಗಂಧ आत्तगंध (सम्) वि·—सूँघा हुआ ; आक्रमण किया हुआ ; शत्रु से पराजित ।

ಆತ್ತಗರ್ವ आत्तगर्व (सम्) वि·— नीचा दिखलाया हुआ, अपमानित, तिरस्कृत, अधः-पतित ।

ಆತ್ತದಂಡ आत्तदंड (सम्) वि·— राजदंड पकड़ा हुआ, अधिकारी ।

ಆತ್ತಮನಸ್ಕ आत्तमनस्क (सम्) वि·—अत्यंत आनंद के कारण जो आत्मविस्मृति हो ।

ಆತ್ಮ आत्म (सम्) सं· — आत्मा, जीव ; परमात्मा ; मन ; बुद्धि ; मननशक्ति ; स्फूर्ति ; मूर्ति, स्वरूप ; उद्योग, सावधानी ; पुत्र ; सूर्य ; अग्नि ; पवन ; विशेषता, लक्षण; स्वभाव, प्रकृति । ಆತ್ಮಾರಾಮ आत्माराम (सम्) सं·— सत्यज्ञान के लिए प्रयत्नशील व्यक्ति । —ಉದ್ಭವ उद्भव (सम्) सं·-- पुत्र, काम । —ಉಪಜೀವಿ उपजीवि (सम्) सं·—अपने परिश्रम से जीवन निर्वाह करने-वाला, नट । —ಗತ गत (सम्) वि·—अपने मन में विचार करनेवाला । —ಘಾತ घात (सम्) सं·— आत्महत्या । —ಜ ज, ಜನ್ಮ जन्म, ಪ್ರಭವ प्रभव (सम्) सं·— पुत्र । ಜೆ जे, ಜಾ जा, ಜಾತೆ जाते (सम्) सं·— पुत्री । —ಜ್ಞ ज्ञ, ವಿದ विद (सम्) सं·— ऋषि, मुनि । —ತ್ಯಾಗ त्याग (सम्) सं·— स्वार्थ त्याग, अपना बलिदान, मृत्यु ।—ತ್ರಾಣ त्राण (सम्) सं·—अपनी रक्षा । —ದ್ರೋಹಿ द्रोहि (सम्) वि· — अपने ऊपर अत्याचार करनेवाला । —ನಿಂದೆ निंदे (सम्) सं·— अपनी निंदा आप करना । —ನಿವೇದನ निवेदन (सम्) सं·— आत्मसमर्पण, अपने आपको समर्पण करना । —ನಿಷ್ಠೆ निष्ठे (सम्) सं·— आत्मज्ञान में आसक्ति । —ಪ್ರಶಂಸೆ प्रशंसे (सम्) सं·— अपनी प्रशंसा आप करना । —ಬಾಂಧವ बांधव (सम्) सं·— नातेदार, आप्त, मित्र । —ಬೋಧ बोध (सम्) सं·— आत्मज्ञान । –ಭೂ भू , ಯೋನಿ योनि (सम्) सं·— ब्रह्मा, शिव, विष्णु, काम ; पुत्र । —ಲಾಭ लाभ (सम्) सं·—जन्म, उत्पत्ति । —ವಂಚಕ वंचक (सम्) वि·— अपने आपको धोखा देनेवाला । —ವಶ वश (सम्) सं·— आत्मसंयम, आत्मशासन । —ವಿದ विद (सम्) सं·— बुद्धिमान, योगी । — ವೀರ वीर (सम्) सं·— पुत्र ; साला (पत्नी का भाई) । —ಶಕ್ತಿ शक्ति (सम्) सं·— स्वतंत्र शक्ति, अपनी सामर्थ्य । —ಸ್ತುತಿ स्तुति (सम्) सं·—अपनी प्रशंसा, अपनी बड़ाई । —ಸಂಯಮ संयम (सम्) सं·— अपने आप पर अधिकार, आत्मवशत्व । — ಸಂಭವಾ संभवा (सम्) सं·—पुत्री ; बुद्धि । —ಹಿತ हित (सम्) सं·— अपना लाभ, अपना कल्याण ।

ಆತ್ಮಾರ್ಪಣ आत्मार्पण (सम्) सं·— अपना बलिदान, आत्मसमर्पण ।

ಆತ್ಮಿಕ आत्मिक, ಆತ್ಮಕ आत्मक (सम्) वि·— अपना, अपने से संबंधित ।

ಆತ್ಮೀಯ आत्मीय (सम्) सं·— अपना, अपने से संबंधित, अत्यंत निकट का ।

ಆತ್ರೇಯ आत्रेय (सम्) सं·—अत्रि के वंशज । —ಯೀ यी (सम्) सं·— अत्रि की पत्नी ; रजस्वला स्त्री ।

ಆಥರ್ವಣ आथर्वण (सम्) वि·— अथर्व वेद से संबंधित, अथर्व वेद का । सं·— जादूगर ।

ಆದ आद (क) अ·— संबंध सूचित करने के लिए इसका प्रयोग होता है ('ಆಗು'–'हो', धातु—मूल्य रूप) । ಆತ್ಮೀಯರಾದ आत्मीय-राद—जो आत्मीय हैं, वे ; ಅಗಲವಾದ अगल-वाद—जो चौड़ा है, वह (अर्थात् चौड़ा) ।

ಆದಡೆ आदड़े, ಆದೊಡೆ आदोड़े (क) अ·— होने पर ।

ಆದಂ आदं (क) अ·— अधिकतर, विशेषकर, मुख्यरूपेण, फिर ।

ಆದರ आदर, ಆದರಣೆ आदरणे (सम्) सं·— सम्मान, गौरव, इज्ज़त । ಆದರಣೀಯ आदरणीय (सम्) वि·— मान्य, सम्मान्य ।

ಆದರಿಸು आदरिसु (सम्) क्रि·— आदर कर, सम्मान कर, इज्ज़त कर ।

ಆದರಾತಿಥ್ಯ आदरातिथ्य (सम्) सं·—आदर-सत्कार ।

ಆದರಕ आदरक (सम्) सं· — दुःखी या संकट में सहायता करनेवाला ।

ಆದರ್ಪಿಸು आदर्पिसु (सम्) क्रि·—घमंड चूर-चूर कर ; पीड़ा उत्पन्न कर, तंग कर ।

ಆದರ್ಶ आदर्श (सम्) सं·— नमूना, बानगी ; दर्पण, आईना ; ध्येय, लक्ष्य । —ವಾದಿ वादि (सम्) सं·— लक्ष्य या आदर्श के अनुसार चलनेवाला ।

ಆದಲೆ आदले (क) सं·— ललाट, माथा ।

ಆದಾನು आदानु (क) क्रि·रू·— (ಆಗು–हो, धातु से) संदिग्धता का बोधक जिसका अर्थ है–हो सकता है, हो सकेगा आदि । उदा·— ಅವನು ಅರಸನಾದಾನು अवनु अरसनादानु— वह राजा हो सकेगा (पु· लिं·, ए· व·) । ಆದಾಳು आदाळु (स्त्री·लिं·, ए·व·), ಆದೀತು आदीतु (न·लिं·, ए·व·), ಆದಾರು आदारु (पु·लिं·,ब·व·) तथा ಆದಾವು आदावु(न·लिं·, ब·व·) का प्रयोग भी द्रष्टव्य है । उदा· — ಅವಳು ರಾಣಿ ಆದಾಳು अवळु राणि आदाळु— वह (शायद) रानी होगी अथवा वह रानी हो सकेगी । ಆ ಕೆಲಸ ಆದೀತು आ केलस आदीतु—वह काम शायद (पूरा) होगा या वह काम पूरा हो सकेगा । ಅವರು ದೊಡ್ಡವರು ಆದಾರು अवरु दोड्डवरु आदारु—वे बड़े हो सकते हैं । ಅವು ಹಣ್ಣುಗಳು ಆದಾವು अवु हण्णुगळु आदावु—वे शायद फल होंगे ।

ಆದಾಯ आदाय (सम्) सं·— आमदनी, उत्पत्ति, लाभ ।

ಆದಿ आदि (सम्) वि·— प्रथम, प्रारंभिक ; मुख्य, प्रधान, प्रसिद्ध । सं·—मूल, प्रारंभ । —ಕರ್ತೃ कर्तृ (सम्) सं·— ब्रह्मा । —ಕವಿ कवि (सम्) सं·— प्रथम कवि, वाल्मीकि । —ಜ ज (सम्) सं·— प्रथम उत्पन्न ।—ಪರ್ವ पर्व (सम्) सं·—महाभारत का प्रथम खण्ड । –ಪುರುಷ पुरुष (सम्) सं· - विष्णु ।

—ಮ म (सम्) वि.—प्रथम, आदिकालीन। —ಶಕ್ತಿ शक्ति (सम्) सं.— मायाशक्ति, दुर्गा, पार्वती।— ಶೇಷ शेष (सम्) सं.— नागराज, सर्पराज।

ಆದಿಕಾರಣ आदिकारण (सम्) सं.-मूलकारण।

ಆದಿಕೇಶವ आदिकेशव (सम्) सं.— विष्णु। कन्नड के प्रसिद्ध भक्त कवि कनकदास जी के इष्टदेव आदिकेशव हैं। बेलूर के जगत् प्रसिद्ध मंदिर के भगवान का नाम आदिकेशव है।

ಆದಿಗರ್ಭೇಶ್ವರ आदिगर्भेश्वर (सम्) सं.— जन्म से ही धनवान; बहुत संपन्न परिवार में उत्पन्न व्यक्ति।

ಆದಿತೇಯ आदितेय (सम्) सं.— अदिति के पुत्र, देवता।

ಆದಿತ್ಯ आदित्य (सम्) सं.— सूर्य, देवता।

ಆದಿಷ್ಟ आदिष्ट (सम्) वि. — आज्ञापित, कथित।

ಆದುಣಿಗ आदुणिग (क) सं.— चुन-चुनकर खानेवाला, भिक्षुक; कृपण, कंजूस।

ಆದೇಯ आदेय (सम्) वि.—देने योग्य, दिया जानेवाला (पदार्थ), स्वीकार योग्य।

ಆದೇಶ आदेश (सम्) सं.— आज्ञा; हुक्म; समाचार, खबर; सूचना, निर्देश; एक अक्षर के बदले दूसरे अक्षर का आगमन (व्याकरण में)।—ವಾದಿ वादि (सम्) सं.—उपदेशक; भविष्य कहनेवाला।

ಆದೃತ आदृत (सम्) वि.—सम्मानित, मान्य, स्वीकृत, जिसको आदर दिया गया हो।

ಆದ್ಯ आद्य (सम्) वि.—प्रथम, प्रारंभ का, पुरातन, प्राचीन; बड़ा; श्रेष्ठ। —ಕವಿ कवि (सम्) सं.— आदि कवि, वाल्मीकि।

ಆದ್ಯೋತ आद्योत (सम्) सं. — प्रकाश; चमक।

ಆಧಾನ आधान (सम्) सं.— हवन की अग्नि का स्थापन; रखना; लेना, प्राप्त करना; भीतर डालना; बंधक, धरोहर, अमानत; पैदा करना, तैयार करना।

ಆಧಾರ आधार (सम्) सं.—आश्रय, साहाय्य, अवलंब, आसरा; नींव, बुनियाद। —ಪೀಠ पीठ (सम्) सं.— विग्रह, स्तंभ आदि रखने का अवलंब या बुनियाद।

ಆಧಿ आधि (सम्) सं.— व्यथा, चिंता, मनोरोग।

ಆಧಿಕ್ಯ आधिक्य (सम्) सं. — अधिकता, बहुतायत; उन्नति, श्रेष्ठता, उत्कृष्टता।

ಆಧಿದೈವಿಕ आधिदैविक (सम्) वि.—देवताकृत, देवताओं द्वारा प्रेरित; प्रारब्ध से उत्पन्न।

ಆಧಿಪತ್ಯ आधिपत्य (सम्) सं.— अधिकार, शासन, प्रभुता, स्वामित्व; राज्य।

ಆಧಿಭೌತಿಕ आधिभौतिक (सम्) वि.— पंच भूतों से संबंधित; जीव-जंतुओं से होनेवाली पीड़ा।

ಆಧೀನ आधीन (सम्) वि.— हाथ में आया हुआ, वशीकृत।

ಆಧುನಿಕ आधुनिक (सम्) वि.—आजकल का, नूतन, नवीन, वर्तमानकाल का।

ಆಧೃತ आधृत (सम्) वि.— रखा हुआ, ऊपर उठाया हुआ, सहारा दिया हुआ।

ಆಧೇಯ आधेय (सम्) सं.— बंधक, धरोहर, गिरवी।

ಆಧೋರಣ आधोरण (सम्) सं.— महावत।

ಆಧ್ಯಾತ್ಮ आध्यात्म (सम्) वि.— आत्मा को ही प्रधान किया हुआ, अपने में ही उत्पन्न। —ಇಕ इक (सम्) वि.— आत्मा से संबंधित।

ಆಧ್ಯಾನ आध्यान (सम्) सं.— शोक-स्मृति; दुःख, चिंता।

ಆಧ್ಯಾಪಕ आध्यापक (सम्) सं.— अध्यापक, शिक्षक, गुरु।

ಆನ್ आन्, ಆನು आनु (क) क्रि.— हो, (संभव) हो, (संयुक्त), हो मिल, ठहर, (पूरा) हो, (सामना) हो, झुक, धारण कर। सर्व.— मैं (ह. क.)।

ಆನ आन (सम्) सं.— साँस लेना, वायु को भीतर खींचना।

ಆನಕ आनक (सम्) सं.— नगाड़ा, बड़ा ढोल; गरजनेवाला बादल। —ದುಂದುಭಿ दुंदुभि (सम्) सं.— नगाड़ा, भेरी; वसुदेव, श्रीकृष्ण के पिता।

ಆನತ आनत (सम्) वि.—झुका हुआ, नमित, प्रणमित, नमस्कृत। ಆನತಿ आनति-नमस्कार।

ಆನದ್ಧ आनद्ध (सम्) सं.— ढोल, नगाड़ा।

ಆನನ आनन (सम्) सं.— मुख, चेहरा।

ಆನಂದ आनंद (सम्) सं.— हर्ष, प्रसन्नता; सुख, संतोष। —ಮಯ मय (सम्) वि.— हर्षपूर्ण; सं.— परब्रह्म।—ಕರ कर (सम्) वि.— प्रसन्न करनेवाला, तोष देनेवाला। —ಜಲ जल, ಬಾಷ್ಪ बाष्प (सम्) सं.— आनंद के कारण निकलनेवाले आँसू।— ತುಂದಿಲ तुंदिल (सम्) वि.— हर्ष से पूर्ण, प्रसन्नता के आधिक्य के कारण आत्मविस्मृत।

ಆನಂದಾಶ್ರು आनंदाश्रु (सम्) सं.— हर्षातिशय के कारण निकलनेवाले आँसू।

ಆನಯ आनय, ಆನಯನ आनयन (सम्) सं.- लाना।

ಆನಸು आनसु, ಆನಿಸು आनिसु (क) क्रि.— लगा, मिला, संयुक्त कर, झुका, स्पर्श कर, संबंधित रह।

ಆನಿಕೆ आनिके (क) सं.— सहारा, आधार; भार ढोने का साधन।

ಆನಿಲ आनिल (सम्) सं.—वायु पुत्र हनुमान या भीम।

ಆನುಕೂಲ್ಯ आनुकूल्य (सम्) सं.—अनुकूलता, उपयुक्तता; अनुग्रह, कृपा, दया।

ಆನುಗುಣ್ಯ आनुगुण्य (सम्) सं.—अनुकूलता, समानता, बराबरी।

ಆನುಪೂರ್ವಕ आनुपूर्वक, ಆನುಪೂರ್ವಿ आनुपूर्वि (सम्) सं.— क्रम, रीति, परिपाटी।

ಆನುಷಂಗಿಕ आनुषंगिक (सम्) वि.—संबंधित, अनिवार्य, आवश्यक; गौण।

ಆನೆ आने (क) प्र.— होसगन्नड (आधुनिक कन्नड) में अन्य पुरुष सर्वनाम के पु.लिं., ए.व. का सामान्य वर्तमान कालिक प्रत्यय। उदा.—ಇರುತ್ತಾನೆ इरुत्ताने-रहता है, ಮಾಡುತ್ತಾನೆ माडुत्ताने-करता है; (प्रायः व्या.भा.

में) अन्य पुरुष सर्वनास पु.लिं., ए.व. के आसन्न भूतकालिक प्रत्यय के रूप में इसका प्रयोग होता है, जैसे—ಬಂದಾನೆ बंदाने-आया है, ಹೋಗ್ಯಾನೆ होग्याने-गया है। सं.—हाथी। ಆನೆ ನೋಡಿ ನಾಯಿ ಬಗುಳಿದ ಹಾಗೆ आने नोडि नायि बोगळिद हागे-हाथी को देखकर जैसे कुत्ता भूँकता है (कहा.)। ಆನೆ ಎತ್ತ, ಆಡು ಎತ್ತ? आने एत्त, आडु एत्त—हाथी कहाँ, बकरी कहाँ? (कह.)। —ಕಾಲು कालु (क) सं. — पील पाँव, एक रोग (Elephantiasis)। —ಕಾಸು कासु (क) सं.— एक सिक्का जिस पर हाथी का चिह्न रहता था, आजकल यह अप्रचलित है (मै.प्र.)। - ಕಜ್ಜಿ कज्जि, ಗಜ್ಜಿ गज्जि (क) सं.—बड़ी खुजली। — ಗಡುಪು गडुपु (क) सं.—हाथियों का समूह। — ಗೊಲೆ गोले (ಕೊಲೆ कोले) (क) सं.— बड़ी हत्या ; हाथी को मारना। — ಗೊಳ್ಳಿ गोळ्ळि (क) सं.—हाथी को पकड़ने के लिए बनाया जानेवाला बड़ा गड्ढा। —ಜಂತು जंतु (क) सं.—हाथी दाँत। —ಗುಂದಿ गुंदि (क) सं.— हंपि (विजयनगर) के पास तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित नगर जो इतिहास प्रसिद्ध है। —ತಲೆ तले, ದಲೆ दले (क) सं.—हाथी का सिर। —ದುಗ್ಗಾಣಿ दुग्गाणि (क) सं.— एक प्राचीन सिक्का। —ದೋಟಿ ಕೋಲು (ಗೋಲು) दोटि कोलु (गोलु) (क) सं.—(महावत का) अंकुश (मै.प्र.)। —ನೆಗ್ಗಲ ಮುಳ್ಳು नेग्गल मुळ्ळु (क) सं.— एक पौधा-इक्षुगंधा, वन-शृंगाट (The plant Asteraentha longifolia)। — ಬಾಗಲು (ಬಾಗಿಲು) बागलु (बागिलु) (क) सं.—महल का प्रवेश-द्वार। —ಮಯ್ಲಿ मय्लि (क) सं.—एक बुरे प्रकार की चेचक की बीमारी।—ಮರಿ मरि, ವರಿ वरि (क) सं.— हाथी का बच्चा। —ಮುಸುಡು मुसुडु (क) सं.—हाथी का मुख। — ಮಟ್ಟು मट्टु (क) सं.—हाथी का पद-चिह्न। -ಮೊಗ मोग (क) सं.—गणपति, गणेश। —ಸೊಳ್ಳೆ सोळ्ळे (क) सं.— बड़ा मच्छर (मै.प्र.)।

ಆನೆ आने (क) सं=ಆನೆಕಲ್ಲು आनेकल्लु—ओला।

ಆನೆಗುಲಿ आनेगुलि (क) सं.—हाथी को मारनेवाला। (मै.प्र.)।

ಆನೆಯ आनेय (क) सं.— जाल।

ಆನೇತ್ರ आनेत्र (सम्) वि.—समीपस्थ, निकट रहनेवाला।

ಆನ್ವೀಕ್ಷಿಕಿ आन्वीक्षिकि (सम्) सं.—तर्क शास्त्र, न्याय दर्शन ; आत्मविद्या।

ಆಪ आप, ಆರ್ಪ आर्प (क) वि.— समर्थ, शक्तिमान, संभव होनेवाला, सकनेवाला, गरजनेवाला।

ಆಪ आप (सम्) सं.— जल, पानी ; धार्मिक उत्सव। —ಗಾ गा, ಗೆ गे (सम्) सं — नदी, सरिता।

ಆಪಡೆ आपड़े (क) अ.— होने पर, संभव हो तो, सकने पर।

ಆಪಣ आपण (सम्) सं.— दूकान, बाज़ार। —ಇಕ इक (सम्) सं — दूकानदार, व्यापारी।

ಆಪದ್ आपद्, ಆಪದ आपद, ಆಪದೆ आपदे (ಆಪತು आपतु, ಆಪತ್ತು आपत्तु) (सम्) सं.— विपदा, विघ्न, संकट, दुःख, दर्द। ಆಪತ್ತಿ आपत्ति (सम्) सं.—प्राप्ति ; संकट, विघ्न, दुःख, दर्द।

ಆಪದ್ಗತ आपद्गत (सम्) वि.— विपदा में पड़ा या फँसा हुआ, संकटग्रस्त।

ಆಪದ್ಧರ್ಮ आपद्धर्म (सम्) सं.— साधारण समय में शास्त्रविरुद्ध होने पर भी संकट के समय किया जानेवाला आचरण या कार्य, प्रसंग के अनुसार रीति–नीति।

ಆಪನೀತು आपनीतु (क) वि.— जितना संभव हो उतना, प्राप्ति या उपलब्धि के अनुसार।

ಆಪನ್ನ आपन्न (सम्) वि.—प्राप्त, उपलब्ध, संकटग्रस्त।

ಆಪನ್ನಸತ್ವೆ आपन्नसत्वे (सम्) सं.— गर्भवती स्त्री।

ಆಪಸ್ आपस्, ಆಪಃ आपः (सम्) सं.— जल, पानी।

ಆಪಸ್ತಂಭ आपस्तंभ (सम्) सं.— एक ऋषि का नाम, कृष्ण यजुर्वेद के कर्त्ता।

ಆಪಾಟಿ आपाटि (क) सर्व.— उतना, उस परिमाण में। प्रायः आश्चर्यसूचित करने के लिए इसका प्रयोग होता। ಅಲ್ಲಿ ಆಪಾಟಿ ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ಇದೆಯಾ! अल्लि आपाटि बाळेहण्णु इदेया! —क्या वहाँ उतने केले हैं!

ಆಪಾತ आपात (सम्) वि.—गिरना, पटकना ; आक्रमण ; अधःपतन ; संभावित। —ತಃ तः (सम्) अ.— प्रारंभ से अंत तक ; पूरा परीक्षा करके या ध्यान देकर देखना ; अकस्मात्, अचानक, अंत में।

ಆಪಾದ आपाद (सम्) अ.— पैरों से लेकर। सं.— दुःख का कारण ; विपत्ति या संकट में फँसना। —ಮಸ್ತಕ मस्तक (सम्) अ.— पैरों से लेकर सिर तक।

ಆಪಾದನ आपादन, ಆಪಾದನೆ आपादने (सम्) सं.— दोषारोपण ; प्राप्ति ; पहुँचना, लाना।

ಆಪಾದಿತ आपादित (सम्) वि.— दोषी, अपराधी।

ಆಪಾನ आपान (सम्) सं.—मद्यपों की मंडली; कलारी की शराब की दूकान ; अधिक शराब पी जाना।

ಆಪಾರ आपार (सम्) सं.— व्यस्तता।

ಆಪೀಡ आपीड (सम्) सं.— सीसफूल, हार, माला ; दबाना, निचोड़ना ; तंग करना, घायल करना।

ಆಪೀನ आपीन (सम्) सं.— थन। क्रि.—हृष्ट-पुष्ट, मोटा-ताज़ा।

ಆಪು आपु (क) सं.— हाथी को खाने के लिए दी जानेवाली घास (Elephant grass or Typha Eliphantina) बड़ी लंबी घास ; विराम या रुकने या ठहरने का स्थान, आधार, आश्रय ; आकार।

ಆಪೂರ आपूर (सम्) सं.— बहाव, धार ; पूर्णता, भरती (भरना)।

ಆಪೂರ್ಣ आपूर्ण, ಆಪೂರಿತ आपूरित (सम्) वि.— भरा हुआ, पूर्ण।

ಆಪೋಶನ आपोशन (सम्) सं.— ಆಪೋಚನ आपोचन (तद्) ; भोजन के प्रारंभ और अंत में पढ़ा जानेवाला मंत्र विशेष, हथेली में

थोड़ा जल रखकर, भोजन के समय मंत्र पढ़कर पिया जानेवाला जल । —ಹಾಕುವುದು हाकुवुदु (सम्) क्रि.— भोजन के लिए आये हुए अतिथि या अभ्यागत की हथेली में (भोजन करने के पूर्व) जल डालना (और तद्द्वारा भोजन करने की सूचना देना ।

ಆಪ್ತ आप्त (सम्) वि.— प्राप्त, मिला हुआ ; घनिष्ठ,, अंतरंग, सच्चा, गोप्य ; युक्तियुक्त, समझदार । —ಮಿತ್ರ मित्र (सम्) सं.— अंतरंग मित्र, घनिष्ठ मित्र, दिली दोस्त ।

ಆಪ್ತಿ आप्ति (सम्) सं.— प्राप्ति, उपलब्धि ; मिलन, भेंट ; परिपूर्णता, समाप्ति ; योग्यता, सम्मान ।

ಆಪ್ಯ आप्य (सम्) वि.— प्राप्य, मिलनेवाला, पाने योग्य ।

ಆಪ್ಯಾಯನ आप्यायन (सम्) सं.— संतुष्ट करने की क्रिया, पूर्ण करने की क्रिया ; संतुष्टि, तृप्ति, ऐश्वर्य, उन्नति ।

ಆಪ್ಲವ आप्लव, ಆಪ್ಲಾವ आप्लाव (सम्) सं.— स्नान, डुबकी ; पूर्णता । —ವ್ರತ व्रत (सम्) सं.— स्नातक ; वह गृहस्थ जिसने ब्रह्मचर्य आश्रम छोड़कर गृहस्थाश्रम स्वीकार किया हो ।

ಆಫೀಮು आफीमु (अ.दे.) सं.—दे.—ಅಫೀಮು.

ಆಬಂಧ आबंध, ಆಬಂಧನ आबंधन (सम्) सं.— बंधन ; बांधने की रस्सी, बैल को बांधने का रस्सा ; गहना, शृंगार ।

ಆಬರು आबरु (अ.दे.) सं.— ಆಬುರು आबुरु, ಆಬ್ರು आब्रु, ಆಬುರಿ आबुरि, ಆಬ್ರೂ आब्रू, ಆಬರೂ आबरू— दे. ಅಬ್ರು.

ಆಬಲ್ आबल् (क) सं.— लाल कुमुद ।

ಆಬಾ आबा (क) सं.— योग्यता, उत्साह, वीरता, साहस । —ಕೇಡಿ केडि, ಗೇಡಿ गेडि (क) सं.— अयोग्य मनुष्य ; अति साधारण व्यक्ति ।

ಆಬಾಸ आबास, ಆಬಾಸು आबासु (तद्) सं.— आभास (तत्) । तुच्छता, तिरस्कार, अशुद्धि (बोली की), कमी, दोष, खराबी ; हार, पराजय ।

ಆಬುಕಾರಿ आबुकारि (अ.दे.) सं.– दे. ಅಬಕಾರಿ.

ಆಬುತ್ತ आबुत्त (सम् ?) सं.— बहन का पति, बहनोई ।

ಆಬ್ಕಾರಿ आब्कारि (अ.दे.) सं.— दे. ಅಬಕಾರಿ.

ಆಬ್ದಿಕ आब्दिक (सम्) सं.—श्राद्ध (मै.प्र.) । वि.— वार्षिक, सालाना ।

ಆಬ್ರು आब्रु (अ.दे.) सं.— दे. ಅಬ್ರು.

ಆಭ आभ (सम्) वि.— समान, तुल्य । सं.– प्रकाश, प्रतिबिंब ।

ಆಭರಣ आभरण (सम्) सं.–गहना, आभूषण, शृंगार, ज़ेवर ; पालन-पोषण की क्रिया ।

ಆಭಾವ आभाव, ಆಭಾವನತೆ आभावनते (सम्) सं.— स्थिति, गति, रीति ।

ಆಭಾಷಣ आभाषण (सम्) सं. — परस्पर कथोपकथन, बातचीत ; संबोधन ; चिल्लाना ।

ಆಭಾಸ आभास (सम्) सं.— चमक, दमक, झलक ; मिथ्याज्ञान ; भावना, तात्पर्य, अभिप्राय ; सादृश्य, समानता ।

ಆಭಾಸ್ವರ आभास्वर (सम्) सं. — चौंसठ देवगण का समूह ।

ಆಭೀರ आभीर (सम्) सं.—अहीर, गोपालक । —ಪಲ್ಲಿ पल्लि (तद्) सं.—अहीरों की बस्ती । ಆಭೀರಿ आभीरि–आहीर स्त्री ।

ಆಭೀಲ आभील (सम्) सं.– भयंकर, भयावह, कठिन । —ಶೀಲ शील (सम्) सं.- भयंकर मनुष्य, उग्र प्रकृतिवाला मनुष्य ।

ಆಭಾ आभा, ಆಭೆ आभे (सम्) सं.— चमक, दमक, कांति, प्रकाश ; वर्ण, रंग, सौंदर्य ; प्रतिबिंब ; छाया, समानता ।

ಆಭೋಗ आभोग (सम्) सं.— भोगविलास, तृप्ति ; पूर्णता, विस्तार, चक्कर, सीमा; उद्योग, प्रयत्न ; झुकाना ; सांप का फैला हुआ फन ।

ಆಭ್ಯಂತರ आभ्यंतर (सम्) वि. — भीतरी, अंदर का, मध्यम ।

ಆಮ್ आम्, ಆವ್ आव् (क) सर्व.— हम (ह.क.) ।

ಆಮ आम (क) सं.— (कुम्हार का) भट्ठा ।

ಆಮ आम (सम्) सं — रोग, बीमारी ; अजीर्ण ; भूसी ; पृथक किया हुआ अनाज । —ಗಂಧಿ गंधि (सम्) सं.— कच्चे मांस की या मुर्दे के जलने की गंध । —ಗಂಧಿಕ गंधिक (सम्) सं.—कच्चे मांस की गंध ।

ಆಮಂಡ आमंड (तद्) सं.—एरण्ड: (तत्) ; अरंडि का पौधा ।

ಆಮದು आमदु (अ. दे.) सं. — आमद ; आमदनी ।

ಆಮನ आमन (सम्) सं.— भूख ; खराबी, गदगी ।

ಆಮನಸ್ಯ आमनस्य (सम्) सं.— दर्द, पीड़ा ।

ಆಮಂತ್ರ आमंत्र, ಆಮಂತ್ರಣ आमंत्रण (सम्) सं.— बुलावा, दावत, भोज, न्योता, स्वागत ।

ಆಮಯ आमय (सम्) सं.— रोग, बीमारी ; एक संचारी भाव (नागवर्मा के 'काव्यावलोकन' के अनुसार) । —ಭೇದ भेद (सम्) सं.— एक प्रकार की बीमारी । ಆಮಯಾವಿ आमयावि (सम्) वि.— बीमार, रोगी ।

ಆಮರ आमर (सम्) सं.—अमरकोश (ग्रा.) ।

ಆಮರಕ್ತ आमरक्त (सम्) सं.— आमातिसार, पेचिश ।

ಆಮರಣ आमरण, ಆಮರಣಾಂತ आमरणांत (सम्) अ.— मृत्यु तक, मरण पर्यंत ।

ಆಮರ್ದ आमर्द, ಆಮರ್ದನ आमर्दन (सम्) सं.— कुचलने, पीसने, रगडने या मसलने की क्रिया ।

ಆಮರ್ಷ आमर्ष (सम्) सं.—क्रोध, अशांति ; मात्सर्य ।

ಆಮಲಕ आमलक (सम्) सं.— आँवले का वृक्ष; आँवला ।

ಆಮಶಂಕೆ आमशंके (सम्) सं.—दे. ಆಮರಕ್ತ.

ಆಮಾತ್ಯ आमात्य (सम्) सं.– मंत्री, सचिव, अमात्य ; सेनापति ।

ಆಮಾಶಯ आमाशय (सम्) सं.— अपक्व स्थान, उदरस्थ एक प्रकार की थैली, पेट ।

ಆಮಿಕ್ಷೆ आमिक्षे (सम्) सं.— मट्ठा, छाँछ ; गरम दूध में मट्ठा डालकर उसे जमाना ।

ಆಮಿಳಿತ आमिलित (सम्) वि.—मिला हुआ, जुड़ा हुआ, संलग्न ।

ಆಮಿಷ आमिष (सम्) सं.— माँस; घूँस, रिश्वत; इनाम, पुरस्कार; भोगविलास, प्रिय या मनोहर वस्तु; अभिलाषा, लालच; संभोग, कामेच्छा। ಆಮಿಷಾಶಿ आमिषाशि (सम्) सं.— माँस खानेवाला।

ಆಮಿಸ आमिस (तद्) सं.— आमिष (तत्)।

ಆಮೀನ आमीन (अ.दे.) सं.— अमीन।

ಆಮೀನಿ आमीनि (सम्) सं.— एक प्रकार का बड़ा, खट्टा आम (मै.प्र.)।

ಆಮುಕ್ತ आमुक्त (सम्) वि.— मुक्त, छूटा; शिथिल; धारण किया हुआ; फेंका हुआ।

ಆಮುಷ್ಮಿಕ आमुष्मिक (सम्) वि.— परलोक से संबंधित, परलोक का।

ಆಮುಷ್ಯಾಯಣ आमुष्यायण (सम्) सं.— सत्कुल प्रसूत संतान।

ಆಮೂಲಂ आमूलं (सम्) अ.— मूल से, जड़ सहित, पूरा-पूरा। ಆಮೂಲಾಗ್ರ आमूलाग्र— आदि से अंत तक, शुरू से आखिर तक।

ಆಮೆ आमे, ಆವೆ आवे (क) सं.— कछुवा, कच्छप, कूर्म।

ಆಮೈತ್ರಿ आमैत्रि (सम्) सं.— मित्रता, स्नेह, हित।

ಆಮೋದ आमोद (सम्) सं.—हर्ष, प्रसन्नता; सुगंधि। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.—प्रसन्न रह।

ಆಮ್ನಾಯ आम्नाय (सम्) सं.—कालक्रमागत सदाचार या परंपरा; वेद; सद्वंशज।

ಆಮ್ರ आम्र (सम्) सं.— आम का वृक्ष, आम; आम्ल। —ಕೂಟ कूट (सम्) सं.- एक पर्वत। —ವನ वन (सम्) सं.— आम का बगीचा।

ಆಮ್ರೇಡಿತ आम्रेडित (सम्) सं.— द्विरुक्ति, दो बार कहना।

ಆಮ್ಲ आम्ल, ಆಮ್ಲಿಕ आम्लिक (सम्) सं.— इमली का पेड़, इमली। ಆಮ್ಲಜನಕ आम्लजनक (सम्) सं.—प्राणवायु, आक्सीजन।

ಆಯ್ आय्, ಆಯು आयु (क) क्रि.— मिला, चुन, ढूँढ, तलाश कर। ಆಯ್ಕೆ आय्के (क) सं.— चुनाव, चयन।

ಆಯ आय (सम्) सं.— आमदनी, लाभ, उत्पत्ति, कमाई।

ಆಯ आय (क) सं.— मर्म, रहस्य; विवरण; परिमिति, नाप, माप; उपयुक्तता; तैयारी; आकार, स्वरूप; विस्तार; एकांत; सामर्थ्य; ठीक; वस्तु; ब्रह्मा। (सम्) सं.— कर, लगान; लाभ, उत्पत्ति, आय। —ಕಟ್ಟು कट्टु (क) सं.— उचित, उपयुक्त या ठीक स्थान, उपयुक्तता; बुनियाद, नींव; कुछ निश्चित रकम। —ಕಟ್ಟುಗಾರ कट्टुगार (क) सं.— ठीक प्रकार से काम करनेवाला व्यक्ति। —ಗಾರ गार (क) सं.— बुद्धिमान या कुशल मनुष्य। —ಗಾರಿ गारि, ಗಾರ್ತಿ गार्ति (क) सं.— बुद्धिमान या कुशल स्त्री।

ಆಯಃಶೂಲಿಕ आयःशूलिक (सम्) वि.— परिश्रमी, अध्यवसायी। सं.—अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए ज़ोरदार उपायों से काम लेनेवाला मनुष्य।

ಆಯತ आयत (सम्) वि.— विस्तृत, लंबा; बड़ा; मुड़ा हुआ, रुद्ध, घुमा हुआ; आकर्षित, सुंदर; योग्य, उपयुक्त। सं.— इष्ट लिंग-दीक्षा (वीरशैव-संप्रदाय के अनुसार)।

ಆಯತನ आयतन (सम्) सं.— स्थान, घर, आश्रय; विश्राम स्थल, ठहराव; यज्ञशाला; मंदिर।

ಆಯತಾಕ್ಷ आयताक्ष (सम्) सं.— विशाल नेत्रवाला पुरुष। —ಇ इ (सम्) सं.— विशाल नयना स्त्री।

ಆಯತಾಂಬಕಿ आयतांबकि (सम्) सं.—विशाल नेत्रवाली स्त्री।

ಆಯತಿ आयति (सम्) सं.— लंबाई, विस्तार; प्रताप, महिमा, गौरव; उन्नति, वृद्धि; भविष्य, भविष्यत् काल; योग्य साधन विशेष, कर्म।

ಆಯತಿಕೆ आयतिके (सम्) सं.— श्रेष्ठता, महिमा, वैभव, संपन्नता।

ಆಯತ್ತ आयत्त (सम्) वि.— प्राप्त, सिद्ध, आश्रित, अधीन, वश में आया हुआ। (क) सं.— तैयारी।

ಆಯತ್ತಿ आयत्ति (सम्) सं.– सामर्थ्य, सीमा, मर्यादा।

ಆಯಸ आयस (सम्) सं.— आयास (तत्); थकावट, श्रांति; तकलीफ़।

ಆಯಸ आयस (सम्) वि.—लोहे का, इस्पात का, धातु का।

ಆಯಾನ आयान (सम्) सं.— आगमन; विघ्न, कष्ट।

ಆಯಾಮ आयाम (सम्) सं. — लंबाई, विस्तार, फैलाव।

ಆಯಾಸ आयास (सम्) सं.—थकावट, श्रांति, कष्ट।

ಆಯಿ आयि, ಆಯು आयु (क) क्रि.— चुन, एक-एक करके (अपेक्षित वस्तु को) ले, ठीक कर।

ಆಯಕುಳಿ आयकुळि, ಆಯ್ಕುಳಿ आय्कुळि (क) सं.— अन्न-संग्रह करनेवाला, भिक्षुक; वह वस्तु जो खो गयी हो, छोड़ दी गयी हो, खराब हो गयी हो या खतरे में पड़ गयी हो, उसकी तलाशी, रक्षा या ग्रहण।

ಆಯಿಕೆ आयिके, ಆಯ್ಕೆ आय्के (क) सं.–चुनने, ढूँढकर लेने की क्रिया, चुनाव।

ಆಯಿತವಾರ आयितवार, ಆಯಿತ್ವಾರ आयित्वार (क) सं.— इतवार, रविवार (मै.प्र.)।

ಆಯಿತು आयितु, ಆಯಿತ್ತು आयित्तु, ಆಯ್ತು आय्तु (क) क्रि.रू.— ಆಗು आगु-हो, धातु का भूतकालिक रूप जिसका अर्थ है–'हुआ'।

ಆಯಿಂದಾ आयिंदा (अ.दे.) अ.–दे. ಆಯಿಂದಾ.

ಆಯಿಲ आयिल (तद्) प्र.— इसकी व्युत्पत्ति संभवतः 'आरूढ' (सम्) से है। यह संज्ञा का अर्थसूचक प्रत्यय है। उदा.–ಗೋಳಾಯಿಲ गोळायिल (तद्) सं.— घोटारूढ (तत्); घुड़सवार।

ಆಯಿಸ आयिस, ಆಯುಸ आयुस (तद्) सं.— आयुष्य (तत्)। आयु, जीवन की अवधि, जीवन।

ಆಯಿಸು आयिसु, ಆಯ್ಸು आय्सु (क) क्रि.— चुना, चुनवा (प्रे.)।

ಆಯು आयु (सम्) सं.— जीवन की अवधि, जीवन।

ಆಯುಕ್ತ आयुक्त (सम्) वि.—नियुक्त, नियत। सं.— मंत्री, सहायक, प्रतिनिधि।

ಆಯುಗ आयुग (क) सं.— तलवार की मूठ ; मिलना।

ಆಯುಧ आयुध (सम्) सं.— अस्त्र, शस्त्र, हथियार।

ಆಯುಧಿಕ आयुधिक (सम्) सं.– आयुधधारी, योद्धा, सैनिक।

ಆಯುರಾರೋಗ್ಯ आयुरारोग्य (सम्) सं.— आयु और आरोग्य, नीरोग जीवन।

ಆಯುರೇಖೆ आयुरेखे (सम्) सं.— आयु को सूचित करनेवाली रेखा या लकीर।

ಆಯುರ್ದಾಯ आयुर्दाय (सम्) सं.–दे. ಆಯು.

ಆಯುರ್ವೇದ आयुर्वेद (सम्) सं.— भारतीय स्वास्थ्य या औषध विज्ञान (अथर्ववेद से इसका संबंध माना जाता है)।

ಆಯುರ್ವೇದಿ आयुर्वेदी (सम्) सं.— वैद्य।

ಆಯುರ್ಹೋಮ आयुर्होम, **ಆಯುಷ್ಯೋಮ** आयुष्योम (सम्) सं.— दीर्घ आयु के लिए किया जानेवाला एक हवन।

ಆಯುಷ್ಕರ್ಮ आयुष्कर्म (सम्) सं.— मुंडन, क्षौर।

ಆಯುಷ್ಮತ್ आयुष्मत् (सम्) सं.— दीर्घायु, पुत्र।

ಆಯುಸ್ಸು (तद्) सं.— आयुष्य (तत्)।

ಆಯೋಗ आयोग (सम्) सं. — नियुक्ति ; क्रिया ; समर्पण ; मनाना ; मिलाना।

ಆಯೋಧನ आयोधन (सम्) सं. — युद्ध, समर।

ಆರ್ आर् (क) क्रि.—उच्च ध्वनि कर, चिल्ला ; मिल, संयुक्त हो, भर, पूरा हो ; सक, समर्थ हो ; डूब, निमज्जित हो। सं.— हल में जोता जानेवाला बैलों का जोड़ा ; काठ का, लकड़ी का टुकड़ा जो गाय-बैलों के गले में बांधा जाता है। सर्व.— प्रश्नवाचक पु. लिं. और स्त्री.लिं., ए.व. और ब.व. 'कौन'। ಆರ್=ಆರು, ಯಾರ್, ಯಾರು ; उदा.— ಇವನ್ ಆರ್ इवन् आर्—यह कौन है? ಆರ ಸುತಂ आर सुतं— किसका बेटा है? (ह.क.)।

ಆರ आर (क) अ.—भर, पूर्ण। उदा.—ಕಣ್ಣಾರ ನೋಡು कण्णार नोडु— आँखें भर (कर) देख, ಕಿವಿಯಾರ ಕೇಳು किवियार केळु,—कान भर (कर) सुन, ಮನಸ್ಸಾರ ದಾನಕೊಡು मनस्सार दान कोडु—पूर्ण मन से दान दो। (तद्) सं.— आगार (तत्) — स्थान ; उदा.— ಭಂಡಾರ भंडार-भंडागार, ದೇವಾರ देवार—देवस्थान। सं.— निचुल, बेंत।

ಆರ आर (सम्) सं.— लोहा विशेष ; पीतल ; कोण, कोना ; मंगलग्रह ; शनिग्रह।

ಆರಕ್ತ आरक्त (सम्) वि.— लाल रंग का।

ಆರಕ್ಷ आरक्ष (सम्) सं.–रक्षा, रक्षण, बचाव, पालन।

ಆರಜ आरज (सम्) सं.— संकोच ; इच्छा, अभिलाषा ; उत्साह, स्फूर्ति।

ಆರಟ आरट (सम्) सं.—नट, अभिनेता।

ಆರಡು आरडु (क) क्रि.— चिल्ला, झाड़, फेंक।

ಆರಡಿ आरडि (क) सं.–भ्रमर, मधुप ; प्रकाशन, रिपोर्ट ; अपयश ; शत्रुता ; कष्ट, तकलीफ़। —ಯ य (क) सं.— कामदेव।

ಆರಡಿವೆದೆ आरडिवेदे (क) सं.— कामदेव के धनुष की डोर।

ಆರಡಿಗೊಳ್ಳು आरडिगोळ्ळु (क) क्रि.— भ्रमर-वृत्ति अपना, मधुप के जैसे संग्रह कार्य कर (लाक्ष.)।

ಆರಣ್ಯ आरण्य, **ಆರಣ್ಯಕ** आरण्यक (सम्) सं.— दे.— ಅರಣ್ಯಕ.

ಆರತ आरत (सम्) वि.—शांत, संतुष्ट ; रुका हुआ ; सभ्य ; समाप्त। सं.—काम, तृष्णा।

ಆರತಿ आरति (सम्) सं.—रोकना, पकड़ना ; नीराजन, आरती।

ಆರಬು आरबु, **ಆರುಬು** आरुबु (क) सं.— गर्जन, उच्च ध्वनि।

ಆರಬ್ಧ आरब्ध (सम्) वि.— आरंभ किया हुआ।

ಆರಂಬ आरंब, **ಆರಂಬು** आरंबु (क) सं.—कृषि, खेती-बाड़ी। —ಗಾರ गार (क) सं.—कृषक, किसान।

ಆರಂಭ आरंभ, **ಆರಂಭಣ** आरंभण (सम्) सं.— प्रारंभ, आरंभ, शुरुआत ; कर्म, कार्य ; शीघ्रता, तेज़ी। **ಆರಂಭಿಸು** आरंभिसु (सम्) क्रि.—प्रारंभ कर। **ಆರಂಭಿಸುವಿಕೆ** आरंभिसुविके (सम्) सं.— आरंभ करना।

ಆರಯ್ आरय्, **ಆರಯ್ಯಿ** आरय्यि, **ಆರಯ್ಯು** आरय्यु (क) क्रि.— अन्वेषण कर, ढूँढ, तलाश कर ; सोच, विचार कर ; पोषण कर।

ಆರಯಿಕೆ आरयिके, **ಆರಯ್ಕೆ** आरय्के (क) सं.— संरक्षण ; रक्षा, सेवा ; परीक्षण ; देखरेख ; ढूँढ, तलाश।

ಆರಯಿಸು आरयिसु, **ಆರೈಸು** आरैसु (क) क्रि.— सुन ; ध्यान दे ; देखरेख कर ; इच्छा कर, आशा कर, शुभकामना कर।

ಆರವ आरव (सम्) सं.— आवाज़, चिल्लाहट, गर्जन, गुर्राहट।

ಆರವಾರ आरवार (क) सं.— चिल्लाहट, गर्जन, गुर्राहट, हल्ला, शोरगुल ; अधिकार सहित भू-संपत्ति की गिरवी या बंधक।

ಆರವೆ आरवे (तद्) सं.— आराम (तत्) ; बाग, बगीचा।

ಆರಾಜಿತ आराजित (सम्) वि.— अलंकृत, शोभित, प्रकाशमान, कांतियुक्त। **ಆರಾಜಿಸು** आराजिसु (सम्) क्रि. — शोभित हो, प्रकाशमान हो, अलंकृत हो, प्रकट हो।

ಆರಾತಿ आराति (सम्) सं.— अरि, शत्रु।

ಆರಾತೀಯ आरातीय (सम्) वि.— प्राचीन, अतीत काल का ; शत्रु से संबंधित।

ಆರಾತ್ರಿಕ आरात्रिक (सम्) सं.— नीराजन, आरती।

ಆರಾಧಕ आराधक (सम्). सं.— पूजा करनेवाला, भक्त।

ಆರಾಧನ आराधन, **ಆರಾಧನೆ** अराधने (सम्) सं.— पूजा, सेवा, प्रार्थना, संतुष्ट करने की विधि ; मृत संन्यासियों के उद्देश्य से प्रति वर्ष किया जानेवाला कर्म विशेष (श्राद्ध)।

ಆರಾಧ್ಯ आराध्य (सम्) सं.— पूजा या सेवा के योग्य व्यक्ति या देवता ; वीरशैव-संप्रदाय के ब्राह्मण जो लिंगधारी होते हैं।

ಆರಾಮು आराम (सम्) सं.— विश्राम, हर्ष; प्रसन्नता; बाग, बगीचा, फुलवारी; विश्राम स्थान।

ಆರಾಳಿಕ आरालिक (सम्) सं. — पाचक, रसोइया।

ಆರಿದ್ರ आरिद्र (सम्) सं.— छठवाँ नक्षत्र, नक्षत्रविशेष; एक बरसाती कीड़ा, इन्द्रगोप, बीरबहूटी।

ಆರಿಯ आरिय (तद्) सं. — आर्य (तत्); योग्य पुरुष।

ಆರಿವಾಳ आरिवाळ = ಪಾರಿವಾಳ पारिवाळ (क) सं.— कबूतर (मै. प्र.)।

ಆರಿಸು आरिसु (क) क्रि.— चुन, ढूँढ, तलाश कर, बाहर निकाल; शांत कर, बुझा; सुखा, शुष्क कर; तृप्त कर।

ಆರು आरु (क) क्रि.— सूख जा, बुझ, शांत हो; ऊँची आवाज़ से पुकार, चिल्ला; सक, समर्थ हो। वि.-अधिकता, पूर्णता। (संख्या) परिमाण वाचक विशेषणों के अंत में ಆರು लगाकर इस अर्थ का बोध कराया जाता है। उदा.— ನೂರಾರು नूरारु–सैकड़ों, ಸಾವಿರಾರು साविरारु–हज़ारों। सर्व.— कौन (ब. व.) दे. ಆರ್.

ಆರು आरु (क) सं.— नदी। सं.— सुअर, केकड़ा, कर्कट। (क) वि.—छः की संख्या।

ಆರುಣಿ आरुणि (सम्) सं.— एक मुनि का नाम।

ಆರೂಢ आरूढ (सम्) वि.— सवार, चढ़ा हुआ, बैठा हुआ। सं.— मुक्ति, परम पद।

ಆರೆ आरे (क) सं.— वृक्ष विशेष, अग्निज्वाला या आँवले का पेड़। अ.— पूर्ण, भर का अर्थसूचक अव्यय जो शब्द के अंत में होता है। उदा.— ಕಣ್ಣಾರೆ (ಕಣ್ಣು + ಆರೆ) ನೋಡು कण्णारे नोडु — आँखें भर (कर) देख। ಮನಸಾರ ಮಾಡು मनसार माडु—पूर्ण मन से कर। दे. ಆರ.

ಆರೆ आरे (सम्) सं.—मोची की राँपी, चाकू।

ಆರೆಕಾರ आरेकार (क) सं.— पालक, रक्षक, पोषक।

ಆರೆದೆ आरेदे (क) सं.— डरपोक, भीरु।

ಆರೇಕೆ आरेके (क) सं.— दे. ಆರಯಿಕೆ.

ಆರೈ आरै (क) क्रि. = ಆರಯ್ आरय्—ढूँढ़, तलाश कर, अन्वेषण कर, सोच, विचार कर।

ಆರೊಗಿಸು आरोगिसु, ಆರೋಗಿಸು आरोगिसु (क) क्रि.—भोजन कर, खाना खा, खा।

ಆರೋಗಣ आरोगण, ಆರೋಗಣೆ आरोगणे (क) सं.— भोजन, खाना।

ಆರೋಗ್ಯ आरोग्य (सम्) सं.— स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती; कुशल, क्षेम।

ಆರೋಪ आरोप, ಆರೋಪಣ आरोपण, ಆರೋಪಣೆ आरोपणे (सम्) सं. — स्थापन, लगाना, मढ़ना; शिकायत, दोषारोपण; रोपना, बैठाना; धनुष पर रोदा चढ़ाना।

ಆರೋಪಿ आरोपि (सम्) सं.— वह, जिसपर दोष लगाया गया हो। —ಸು सु (सम्) क्रि.— दोषारोपण कर, शिकायत कर, निंदा कर; धनुष पर डोरी चढ़ा।

ಆರೋಹ आरोह, ಆರೋಹಣ आरोहण (सम्) सं.—सवार होने या ऊपर चढ़ने की क्रिया; चढ़ने का साधन, निसेनी, सीढ़ी; संगीत के सप्त-स्वरों का चढ़ाव; स्त्री की कमर।

ಆರೋಹಿಸು आरोहिसु (सम्) क्रि.— सवारी कर, चढ़, ऊपर चढ़।

ಆರೋಹಕ आरोहक (सम्) सं.— चढ़नेवाला, सवारी करनेवाला।

ಆಱಟ आरट, ಆಱಾಟ आराट (क) सं.— बीमार व्यक्ति की व्याकुलता या चिंता।

ಆಱಿಕೆ आरिके (क) अ.=[ಅಱಿಕೆ अरिके] उत्पन्न होने, सूखने या अधिक होने की स्थिति। उदा.— ಬಾಯಾಱಿಕೆ बायारिके—प्यास (प्यास के कारण मुँह का सूख जाना)।

ಆಱಿಸು आरिसु (क) क्रि.— दे. ಆರಿಸು.

ಆಱಿಸು आरिसु (क) क्रि.— डाल, लगा; उड़ा। उदा. — ಗುಂಡಾಱಿಸು गुंडारिसु—गोली उड़ा।

ಆಱು आरु (क) क्रि.—निकल, बाहर आ, बुझ, नष्ट हो; ठंडा हो, शांत हो, चुप हो; सूख जा, दूर हो। सं. — शक्ति; सामर्थ्य; साहस, धृष्टता; दृढ़ता, हठ, विरोध, वैर।

ಆಱು आरु (क) वि.—छः की संख्या। क्रि.— उड़ (ग्रा.)।

ಆರ್ಕಿ आर्कि (सम्) सं.— अर्क का पुत्र—शनिग्रह; यम; राजा कर्ण; सुग्रीव; वैवस्वत मनु। ('शनिग्रह' ही प्रचलित अर्थ है।)

ಆರ್ಚಿಕೆ आर्चिके (क) सं. = ಆಚಿಕೆ आचिके—चिल्लाना, चिल्लाहट। ಆರ್ಚು आर्चु (क) क्रि.— पुकार, चिल्ला, ज़ोर से रो। ಆರ್ಚಿಸು आर्चिसु (क) क्रि.— उच्च ध्वनि करा, रुला (प्रे.)।

ಆರ್ಜಿತ आर्जित (सम्) वि.— दे. ಅರ್ಜಿತ.

ಆರ್ಜಿಸು आर्जिसु (सम्) क्रि.— दे. ಅರ್ಜಿಸು.

ಆರ್ಣವ आर्णव (सम्) सं.—दे. ಅರ್ಣವ.

ಆರ್ತ आर्त (सम्) वि.— अस्वस्थ, पीड़ित, दुःखित। —ಸ್ವರ स्वर (सम्) सं.—दुःख या दर्द का स्वर या ध्वनि। ಆರ್ತತೆ आर्तते (सम्) सं.— दुःख, पीड़ा।

ಆರ್ತಿ आर्ति (सम्) सं.— दुःख, पीड़ा, दर्द, क्लेश; मानसिक चिंता; बीमारी, रोग।

ಆರ್ತಿ आर्ति (तद्) सं.— आरतिः (तत्); आरती।

ಆರ್ತು आतु (क) अ.— पराक्रम से, सामर्थ्य से, सामने।

ಆರ್ತ್ವಿಜ್ಯ आर्त्विज्य (सम्) सं.— ऋत्विज का पद।

ಆರ್ದಿಸು आर्दिसु (क) क्रि.— डरा, धमका; गर्जन कर।

ಆರ್ದು आर्दु (क) कृ.— डूबकर; झाड़कर; गर्जन करके।

ಆರ್ದ್ರ आर्द्र (सम्) वि.— नम, तर, भीगा हुआ, गीला; हरा, रसीला; ताज़ा, नया; कोमल, नरम।

ಆರ್ದ್ರಕ आर्द्रक (सम्) सं.— अदरक, हरी सोंठ।

ಆರ್ದ್ರಾ आर्द्रा (सम्) सं.— छठवाँ नक्षत्र।

ಆರ್ಪು आर्पु (क) सं.— सामर्थ्य, शक्ति, बल, साहस।

ಆರ್ಪೆಳಿ आर्पेळि, ಆಪುಗುಂದು आपुगुंदु (क) क्रि.— बलहीन हो, तेजोहीन हो।

ಆರ್ಬಟಿಸು आर्बटिसु, ಆರ್ಬಡಿಸು आर्बडिसु (क) क्रि.— चिल्ला, ज़ोर से पुकार, गर्जन कर।

ಆರ್ಬು आर्बु (क) सं.— ज़ोर की पुकार, चिल्लाहट, गर्जन।

ಆರ್ಭಟ आर्भट, ಆರ್ಭಟೆ आर्भटे (क) सं.— दे. ಆರ್ಬು.

ಆರ್ಯ आर्य (सम्) सं.— सत्कुलज; श्रेष्ठ, उच्च, आदरणीय व्यक्ति; वृद्ध, बुजुर्ग; स्वामी; प्रभु, मालिक; आर्य (जाति की) संतान; सूर्य; मित्र, दोस्त; अपने धर्म को माननेवाला; प्रथम तीन वर्ण (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य); गुरु, शिक्षक; वैश्य; ससुर; बुद्ध भगवान।

ಆರ್ಯಕ आर्यक (सम्) सं.— मान्य व्यक्ति; पितामह। ಆರ್ಯಿಕಾ आर्यिका (सम्) सं.- कुलीन स्त्री, आदरणीय स्त्री।

ಆರ್ಯಭಟ आर्यभट (सम्) सं.— विख्यात बीजगणितज्ञ।

ಆರ್ಯಮ आर्यम (सम्) सं.—दे. ಅರ್ಯಮ.

ಆರ್ಯಾಣಿ आर्याणि (सम्) सं.— आर्य स्त्री; पार्वती।

ಆರ್ಯಾವರ್ತ आर्यावर्त (सम्) सं.— आर्यों की निवास भूमि, हिमालय और विंध्य के बीच का भूभाग।

ಆರ್ಯಾ आर्या, ಆರ್ಯೆ आर्ये (सम्) सं.— संन्यासिनी; नानी या दादी; वृद्धा।

ಆರ್ವರು आर्वरु (क) सं.— छः व्यक्ति।

ಆರ್ಷ आर्ष (सम्) सं.— विवाह का एक प्रकार। वि.— ऋषियों से संबंधित, ऋषियों का।

ಆರ್ಷಭ್ಯ आर्षभ्य (सम्) सं.— बछड़ा, जो इतना बड़ा हो कि काम में लाया जा सके या साँड बनाकर छोड़ा जा सके।

ಆರ್ಸೆ आर्से (क) सं. = ಆಸು आसु, ಆಚ आच। दे. ಆಚ.

ಆರ್ಹತ आर्हत, ಆರ್ಹಂತ आर्हंत, ಆರುಹತ आरुहत (सम्) सं.— जैनी, जैनियों का सिद्धांत, जिन।

ಆಲ್ आल् (क) क्रि.— कान लगाकर सुन; ज़ोर से पुकार, गर्जन कर।

ಆಲ್ आल्, ಆಲ आल (क) सं.— बरगद, वटवृक्ष। ಆಲಕ್ಕೆ ಹೂವಿಲ್ಲ, ಸಾಲಕ್ಕೆ ಕೊನೆ ಇಲ್ಲ आलक्के हूविल्ल, सालक्के कोने इल्ल— बरगद के फूल नहीं (होते), उधार का अंत नहीं (कह)।

ಆಲ आल (क) सं.—लाल कमल या कुवलय।

ಆಲ आल (सम्) सं —मछली आदि के अंडे; हरताल; चौड़ाई, विस्तार; बिच्छू की पूँछ।

ಆಲಚ आलच (सम्) सं.— हाथी बांधने का खंभा, खूंटा या रस्सा; गजस्तंभ।

ಆಲಂಬ आलंब, ಆಲಂಬನ आलंबन (सम्) सं.— अवलंब, आश्रय, सहारा; रस में विभाग विशेष। ಆಲಂಬನ ವಿಭಾವ आलंबन विभाव—रसनिष्पत्ति का एक मुख्य अंग।

ಆಲಂಬಿತ आलंबित (सम्) वि.— आश्रित, सहारा या आधार पाया हुआ, लटका हुआ।

ಆಲಂಬಿಸು आलंबिसु (सम्) क्रि.—सहारा पा, आश्रय में जा, लटक।

ಆಲಂಭ आलंभ, ಆಲಂಭನ आलंभन (सम्) सं.— यज्ञ में पशु की बलि; स्पर्श; पकड़ना; वध, हत्या।

ಆಲಯ आलय (सम्) सं.— स्थान, घर; आधार।

ಆಲಯಿಸು आलयिसु, ಆಲಯ್ಸು आलय्सु, ಆಲಿಸು आलिसु (क) क्रि.—सुन, ध्यान दे, ध्यानपूर्वक सुन।

ಆಲಲಿತ आललित (सम्) वि. — सुंदर, मनोहर।

ಆಲವಟ್ಟ आलवट्ट (तद्) सं. — आलावर्त (तत्); पंखा, व्यजन, तालवृन्तक।

ಆಲವಾಲ आलवाल (सम्) सं.— पेड़-पौधों की जड़ में खींचने के लिए बनाया जानेवाला छोटा गड्ढा; आलबाल, थाला, खोडुआ।

ಆಲಸ आलस (सम्) सं.— सुस्त या आलसी मनुष्य।

ಆಲಸ್ಯ आलस्य (सम्) सं.— सुस्ती, काम करने से भागने की प्रवृत्ति, थकावट; सुस्त या मूर्ख मनुष्य। —ಗಾರ गार (सम्) सं.— आलसी मनुष्य; रोगी। —ತನ तन (सम्) सं.— सुस्ती।

ಆಲಾನ आलान (सम्) सं.— दे. ಆಲಚ.

ಆಲಾಪ आलाप, ಆಲಾಪನಾ आलापना, ಆಲಾಪನೆ आलापने (सम्) सं.—वार्तालाप, कथोपकथन, संभाषण; कथन, वर्णन; तान, संगीत के सप्त स्वरों का साधन।

ಆಲಾಪಿಸು आलापिसु (सम्) क्रि.— वार्तालाप कर, संभाषण कर; तान दे, संगीत के सप्त स्वरों की साधना कर; विलाप कर, शोक कर (मे.प्र.)।

ಆಲಾಬು आलाबु (क ?) सं.— कुम्हड़ा।

ಆಲಾವರ್ತ आलावर्त (सम्) सं.— व्यंजन, पंखा।

ಆಲಾಸ್ಯ आलास्य (सम्) सं.— मगर, मकर।

ಆಲಿ आलि (क) सं.— पानी की बूँद; ओला; कनीनिका, आँखों का तारा; आँखों का फड़ फाड़ना।

ಆಲಿ आलि (सम्) सं.—सखी, सहेली; अवलि. पंक्ति, रेखा; पुल, सेतु, बांध; भ्रमर; बिच्छू; इच्छा, अभिलाषा; ईमानदारी, शुद्ध मन।

ಆಲಿಂಗ आलिंग, ಆಲಿಂಗನ आलिंगन (सम्) सं.— मिलन, चिपटना, गले लगाना, परिरंभण। ಆಲಿಂಗಿಸು आलिंगिसु (सम्) क्रि.— परिरंभण कर, गले से लगा।

ಆಲಿಂದ आलिंद (सम्) सं.— दे. ಅಲಿಂದ.

ಆಲಿಸು आलिसु (क) क्रि.— दे. ಆಲಯಿಸು.

ಆಲೀಢ आलीढ (सम्) वि.— चाटा हुआ, छिलका निकाला हुआ। सं.— तीर चलाते समय खड़े होने की एक विधि।

ಆಲೀನ आलीन (सम्) वि.— पिघला हुआ, गला हुआ, चूर्ण बना हुआ।

ಆಲು आलु, आलुक (सम्) सं.—छोटा बर्तन; महाशेष, सर्पों का अधिपति।

ಆಲೆ आले (क) सं.— वटवृक्ष; ओला; कान का निचला भाग; ईख का रस निकालने का यंत्र, कोल्हू। —ಮನೆ मने (क) सं.— गुड़ बनाने का घर या स्थान।

ಆಲೇಖ್ಯ आलेख्य (सम्) वि.— लिखा जाने योग्य, चित्रण करने योग्य । सं.— लेख, चित्रण, चित्र, तस्वीर ।

ಆಲೇಪನ आलेपन (सम्) सं.— लेप, लेपन, मालिश, उबटन ।

ಆಲೋಕ आलोक (सम्) सं.—दृष्टि, चितवन, दर्शन ; प्रकाश, कांति ।

ಆಲೋಕಿಸು आलोकिसु (सम्) क्रि.— देख, ध्यानपूर्वक देख ।

ಆಲೋಚನ आलोचन, ಆಲೋಚನೆ आलोचने (सम्) सं.— सोच, विचार, मत । ಆಲೋಚಿಸು आलोचिसु (सम्) क्रि.— विचार कर ।

ಆಲೋಡನ आलोडन (सम्) सं.— हिलाना, हिलाना-डुलाना, मिलाना, गड़बड़ करना ; पूर्णरूप से विचार करना ।

ಆಲೋಲ आलोल (सम्) वि.— कांपनेवाला, अस्थिर, चंचल, हिला-डुला ।

ಆವ आव (क) सर्व.—कौन, कौन-सा, कोई । उदा.— ಆವ ಕಾರ್ಯಂ आव कार्यं—कौन-सा कार्य, ಆವ ಮಾತು आव मातु—कौन-सी बात, ಆವಂ ಮುರನಂ ಕೊಂದನ್ आवं मुरनं कोंदन्—किसने मुर को मारा (ह.क.)। ಆವನ್ आवन्, (पु.लिं., ए.व.)— कौन (पुरुष) ಆವಳ್ आवळ् (स्त्री.लिं., ए.व.)— कौन (स्त्री) ; ಆವರ್ आवर् (पु.लिं. और स्त्री.लिं., ब.व.) —कौन, ಆವುದು आवुदु (न.लिं., ए.व.) ಆವುವು आवुवु (न.लिं., ब.व.) ।

ಆವಗಂ आवगं, ಆವಗ आवग (क) सं.— हमेशा, जब कभी, आगे, और अधिक ।

ಆವಗೆ आवगे (क) सं.— कुम्हार का भट्टा ।

ಆವಪನ आवपन (सम्) सं.— बीज बोने, बिखेरने या फेंकने की क्रिया ; घड़ा, बर्तन ।

ಆವರ आवर, ಆವರಣ आवरण (सम्) सं.— ढकन, पर्दा, रोक, घेरा ; चहारदीवारी ; ढाँपना, छिपाना, बंद करना ।

ಆವರಿ आवरि, ಆವಿ आवि (क) सं.— भाफ, बाष्प ; गरमी ।

ಆವರಿಸು आवरिसु (सम्) क्रि.— आवृत्त हो, घिर जा, फैला, छिपा, बंद कर ।

ಆವರ್ಜಾ आवर्जा, ಆವರ್ಜಿ आवर्जि, ಆವರ್ಜ आवर्ज (अ.दे.) सं.— हिसाब-किताब देखने वाला ज़िलाधिकारी ।

ಆವರ್ಜಿಸು आवर्जिसु (क) क्रि.— झुका, झुकाकर बांध ।

ಆವರ್ತ आवर्त (सम्) सं.— भँवर, घुमाव, चक्कर, बवंडर ।

ಆವರ್ತನ आवर्तन (सम्) सं.—घुमाव, चक्कर, भँवर ; आवृत्ति ; धातुओं का गलाना ; दही का मथना ।

ಆವಲ್ आवल् (क) सं.— लाल कमलों का सरोवर, लाल कमल ।

ಆವಲಿ आवलि, ಆವಲಿಕೆ आवलिके (सम्) सं.— पंक्ति, रेखा ; क्रम ; समूह ; राशि, ढेर ; युगल, युग्म ।

ಆವಲಿಕ आवलिक, ಆವಳಿಕ आवळिक (सम्) सं.— एक प्रकार का युग्म बाण ।

ಆವಲಿತ आवलित (सम्) सं.— थोड़ा-सा मुड़ा हुआ, झुका हुआ ।

ಆವಲ್ಲಿ आवल्लि, ಆವಲ್ಲಿಯುಂ आवल्लियुं (क) अ.— जहाँ-कहाँ, कहीं-कहीं, सर्वत्र ।

ಆವಶ್ಯಕ आवश्यक (सम्) वि. — समाप्त, निश्चित, निर्धारित । सं.— अनाज का संग्रह, पका हुआ अनाज ।

ಆವಸಥ್ಯ आवसथ्य (सम्) सं.— यज्ञ की पंचाग्नि रखने का घर या स्थान ।

ಆವಹ आवह (सम्) वि.—लानेवाला, मिलाने वाला, कारणभूत, उत्पन्न करनेवाला ।

ಆವಳಿ आवळि, ಆವಳಿಕೆ आवळिके (सम्) सं.– दे. ಆವಲಿ.

ಆವಾಗ आवाग (क) अ.— कब, किस समय (ह.क.)।

ಆವಾಪ आवाप (सम्) सं.— बीज बोने, बिखेरने या फेंकने की क्रिया, ऊबड़-खावड़ ज़मीन, आलवाल, छोटा गड्ढा ।

ಆವಾರ आवार (सम्) सं.— घिराव, चारों ओर का स्थान ।

ಆವಾರಿತ आवारित (सम्) वि.— घिरा हुआ, आवृत, छिपा हुआ ।

ಆವಾಲ आवाल (सम्) सं.— दे. ಆಲವಾಲ.

ಆವಾಹನ आवाहन (सम्) सं.— बुलावा, न्योता ; देवताओं का आह्वान ; अग्नि में आहुति देना ।

ಆವಿ आवि (क) सं.— दे. ಆವರಿ ; दे. ಆವು. ಕುಂಬಾರನ ಆವಿಯಲ್ಲಿ ತಾಂಬ್ರದ ಚೆಂಬು ಹುಡುಕಿದ ಹಾಗೆ कुंबारन आवियल्लि तांब्रद चेंबु हुडुकिद हागे—कुम्हार के भट्टे में जैसे तांबे का लोटा ढूँढे ! (कह.)।

ಆವಿಕ आविक (सम्) सं.— ऊनी चादर, कंबल ।

ಆವಿದ್ಧ आविद्ध (सम्) वि.— छिदा हुआ, बिंधा हुआ ; टेढ़ा, झुका हुआ ; रौद्र, दुःखांत । सं.— एक प्रकार का नाटक ।

ಆವಿರಿ आविरि (क) सं.— दे. ಆವರಿ.

ಆವಿರ್ಭವ आविर्भव, ಆವಿರ್ಭಾವ आविर्भाव (सम्) सं.— प्रकाश, प्राकट्य, उत्पत्ति, अवतार ।

ಆವಿರ್ಭವಿಸು आविर्भविसु (सम्) क्रि.—प्रकाश में आ, प्रकट हो, अवतार ले ।

ಆವಿರ್ಭೂತ आविर्भूत (सम्) वि.— प्रकट, प्रकाशित, अवतरित ।

ಆವಿಲ आविल (सम्) वि.— गंदा, मैला, मटीला, भ्रष्ट, मंद ।

ಆವಿಷ್ಕಾರ आविष्कार, (सम्) सं.— प्राकट्य, प्रकाश, साक्षात्कार ।

ಆವಿಷ್ಕೃತ आविष्कृत (सम्) वि.— प्रकट किया हुआ, स्पष्ट किया हुआ, प्रकाश में लाया हुआ ।

ಆವಿಷ್ಟ आविष्ट (सम्) वि.— प्रविष्ट, घुसा हुआ ; आवेशित ; मिला हुआ, जुड़ा हुआ ।

ಆವು आवु (क) सर्व.— प्रथम पुरुष ब. व. 'हम' । सं.— गाय ; सांप (न्या. भा.–मै. प्र.) ।

ಆವುಕ आवुक (सम्) सं.— पिता ।

ಆವುಗೆ आवुग़ (क) सं.— कुम्हार का भट्टा । (तद्) सं.— पादुका (तत्) ; खड़ाऊँ ।

ಆವುತಿ आवुति (तद्) सं.— आहुति (तत्); दे. ಆಹುತಿ.

ಆವುದು आवुदु (क) सर्व.— कौन, कौन-सा (न. लिं.)।

ಆವೃತ आवृत (सम्) वि.— घिरा हुआ, घूमा हुआ, चक्कर खाया हुआ, झुका हुआ।

ಆವೃತ್ತಿ आवृत्ति (सम्) सं.— प्रत्यावर्तन, परिक्रमा, चक्कर।

ಆವೃಷ್ಟಿ आवृष्टि (सम्) सं.— वर्षा, (सम्) फुहार, बरसात।

ಆವೆ आवे (क) सं.— कच्छप, कछुवा।

ಆವೇಗ आवेग (सम्) सं.— बेचैनी, चिंता, व्यग्रता, उद्वेग, गड़बड़ी।

ಆವೇಶ आवेश (सम्) सं.— व्याप्ति, संचार, प्रवेश; अनुरक्ति; गर्व, अहंकार; चित्त-चांचल्य, उत्तेजना।

ಆವೇಶನ आवेशन (सम्) सं.—व्याप्ति, संचार, प्रवेश; चित्तचांचल्य, उत्तेजना।

ಆವೇಶಿಕ आवेशिक (सम्) सं.— अतिथि, अभ्यागत। —ಆವೇಶಿಕಿ आवेशिकि (स्त्री. लिं.)।

ಆವೇಷ आवेष (सम्) सं.— प्रवेश, अतिथि या अभ्यागत बनकर जाना।

ಆವೇಷ್ಟನ आवेष्टन (सम्) सं.— ओढनी, पर्दा; बेठन, बंधन; ढक्कन; घेरा।

ಆವೊಲಿಸು आवोलिसु (क) क्रि.— जंभाई ले।

ಆವೋಡು आवोडु (क) क्रि.— झुक; खींच।

ಆವ್ಯಾನ आव्यान (सम्) वि.— ढका हुआ, बंद।

ಆಶಂಸನ आशंसन (सम्) सं.— प्रतीक्षा, अभिलाषा, कथन, घोषणा।

ಆಶಂಸೆ आशंसे (सम्) सं.—अभिलाषा, आशा, कथन, घोषणा।

ಆಶಂಕೆ आशंके (सम्) सं.— अभिप्राय, मत, आधार; समूह; संपत्ति, समृद्धि; इच्छा, अभिलाषा; शयन, शय्या; कटहल का पेड़; आराम का स्थल; उद्देश्य; जल, पानी; भाग्य; कंजूस; पेट, आमाशय; मन, हृदय।

ಆಶಾ आशा, ಆಶೆ आशे (सम्) सं.— इच्छा, अभिलाषा; तीव्रेच्छा; दिशा। —ಪಾಶ पाश (सम्) सं.— आशा (रूपी) रस्सी, लालच का फंदा। —ಪಿಶಾಚಿ पिशाचि (सम्) सं.— आशा राक्षसी, अत्यधिक लालच। —ಭಂಗ भंग (सम्) सं.—आशा का टूटना, निराशा, नाखुशी। ಆಶಾಂಬರ आशांबर (सम्) सं.— दिगंबर, शिवजी। ಆಶಾಸನ आशासन (सम्) सं.— शुभाकांक्षा, मंगल-कामना, शुभाशीर्वाद।

ಆಶಿತ आशित (सम्) वि.— खाया हुआ, खाने को दिया हुआ; अघाया हुआ, संतृप्त।

ಆಶೀ आशी (सम्) सं.— सर्प का विषदंत, विष, ज़हर।

ಆಶೀರ್ವಚನ आशीर्वचन, ಆಶೀರ್ವಾದ आशीर्वाद (सम्) सं.— आशिष, दुआ।

ಆಶೀವಿಷ आशीविष (सम्) सं.—सांप, सर्प।

ಆಶು आशु (सम्) अ.— जल्दी, शीघ्र, तुरंत, फौरन। सं.— धान विशेष। —ಕವಿ कवि सं.— शीघ्र कविता करनेवाला, अपनी इच्छा मात्र से तुरंत कविता करनेवाला।

ಆಶುಗ आशुग, ಆಶುಗತಿ आशुगति (सम्) वि.— शीघ्रगामी, जल्दी जानेवाला, तेज़ चलनेवाला। सं.—हवा, पवन; बाण, तीर; सूर्य।

ಆಶುತೋಷ आशुतोष (सम्) वि.— शीघ्र ही संतुष्ट होनेवाला। सं.— शिवजी की एक उपाधि।

ಆಶುಶುಕ್ಷಣಿ आशुशुक्षणि (सम्) सं.— आग, हवा।

ಆಶೌಚ आशौच (सम्) सं.— अपवित्रता, अशुद्धि, जन्म या मरण का सूतक।

ಆಶ್ಚರ್ಯ आश्चर्य (सम्) वि.— विस्मय, अचरज।

ಆಶ್ಮ आश्म (सम्) वि.— पत्थर का बना हुआ, पथरीला।

ಆಶ್ರಮ आश्रम (सम्) सं.— साधु संतों के रहने का स्थान, कुटि, पर्णशाला, गुफ़ा; ब्रह्मचर्य, गार्हस्थ्य, वानप्रस्थ और संन्यास— ये चार अवस्थाएँ; विद्यालय, पाठशाला; वन, उपवन।

ಆಶ್ರಯ आश्रय (सम्) सं.—आधार, सहारा, आसरा; विश्रामस्थल, शरण, भरोसा। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— आधार या सहारा पा, शरण में जा।

ಆಶ್ರಯಾಶ आश्रयाश, ಆಶ್ರಯಾಶನ आश्रयाशन (सम्) वि.— समीप आये हुए को खानेवाला। सं.— आग।

ಆಶ್ರಯಿ आश्रयि (सम्) वि.— आश्रित, शरण में आया हुआ, संबंध युक्त।

ಆಶ್ರವ आश्रव (सम्) सं.— सरिता, नदी, सोता; प्रतिज्ञा, वादा; नम्रता; दोष, अपराध।

ಆಶ್ರಿತ आश्रित (सम्) वि.— शरणागत, सहायता के लिए आया हुआ, अवलंबित। सं.— नौकर, चाकर, अनुयायी। —ರಾಜ್ಯ राज्य (सम्) सं.— दूसरे के अधीन में रहनेवाला राज्य, छोटे-छोटे राज्य।

ಆಶ್ರುತ आश्रुत (सम्) वि.—सुना हुआ; प्रतिश्रुत; स्वीकृत।

ಆಶ್ಲೇಷ आश्लेष (सम्) सं.— आलिंगन, चिपटना, घनिष्ठ संबंध; नक्षत्र विशेष, नौवाँ नक्षत्र।

ಆಶ್ವ आश्व (सम्) वि.— घोड़े से संबंधित।

ಆಶ್ವಯುಜ आश्वयुज (सम्) सं.— आश्विन मास, क्वार का महीना।

ಆಶ್ವಲಾಯನ आश्वलायन (सम्) सं.— एक ऋषि का नाम।

ಆಶ್ವಾಸ आश्वास (सम्) सं.— स्वतंत्र रूप से साँस लेना; सांत्वना, प्रसन्नता; किसी पुस्तक का अध्याय या काण्ड।

ಆಶ್ವಾಸನ आश्वासन (सम्) सं.— दिलासा, तसल्ली, आशाप्रदान।

ಆಶ್ವಾಸಿಸು आश्वासिसु (सम्) सं.— सांस ले; सांत्वना दे।

ಆಶ್ವಿನ आश्विन (सम्) सं.— आश्वयुज, क्वार का महीना। वि.— घोड़े पर सवार होकर यात्रा करनेवाला।

ಆಶ್ವಿನೇಯ आश्विनेय (सम्) सं.— अश्विनी कुमार; नकुल-सहदेव।

ಆಶ್ವೀನ आश्वीन (सम्) सं.— घोड़े के लिए एक दिन की यात्रा।

ಆಷಾಢ आषाढ (सम्) सं.— वर्षा ऋतु का प्रारंभिक मास, आषाढ; पलाश का दंड।

ಆಷಾಢಭೂತಿ आषाढभूति (सम्) सं.— एक व्यक्ति का नाम; अविश्वासपात्र, ठग, धोखेबाज़।

ಆಸ್ आस् (क) वि.बो.— क्रोध, दुःख आदि का सूचक; हा! हा!, हाय! हाय! आदि।

ಆಸ आस (सम्) सं.— फेंकना, ढालना; कमान, धनुष।

ಆಸಕ್ತ आसक्त (सम्) वि.— अनुरक्त, लीन, लुब्ध, मुग्ध।

ಆಸಕ್ತಿ आसक्ति, ಆಸಕ್ತತೆ आसक्तते (सम्) सं.— अनुरक्ति, लिप्तता, लीनता; प्रेम, चाह।

ಆಸಂಗ आसंग (सम्) सं.— अनुराग, स्नेह; संगति; बंधन।

ಆಸಡ आसड (तद्) सं.— आषाढ (सम्) सं.— आषाढ (तत्)।

ಆಸತ್ತು आसत्तु (क) कृ.—श्रम करके, परिश्रम करके, प्रयास करके।

ಆಸನ आसन (सम्) सं.— बैठना, बैठने की रीति विशेष; बैठक, बैठकी, साधारणतया कोई भी बैठने की वस्तु; हाथी पर महावत के बैठने का स्थान।

ಆಸನಾಂಕುರ आसनांकुर (सम्) सं.—बवासीर।

ಆಸನೋಪಕರಣ आसनोपकरण (सम्) सं.— बैठने के उपकरण, जैसे कुरसी, तिपाई आदि।

ಆಸಂದ आसंद (सम्) सं.— विष्णु।

ಆಸಂದಿ आसंदि (सम्) सं.— कोच, वेत्रासन।

ಆಸನ್ನ आसन्न (सम्) वि.— समीपस्थ; निकट का, प्राप्त, उपस्थित।

ಆಸರ್ आसर्, ಆಸರು आसरु (ಆಸಱ್ आसर्, ಆಸಱು आसरु) (क) क्रि.— थक जा, श्रांत हो। सं.— थकावट, श्रांति, आयास।

ಆಸರ आसर, ಆಸರು आसरु, ಆಸರೆ आसरे, ಆಸರಿಕೆ आसरिके (क) सं.— आधार, सहारा, आश्रय; अवकाश।

ಆಸಱ್ आसर्, ಆಸಱ आसर, ಆಸಱು आसरु, ಆಸಱಿಕೆ आसरिके (क) सं.— थकावट, श्रांति, निरुत्साह, शिथिलता।

ಆಸರ್ಗಳೆ आसर्गळे (क) क्रि.— थकावट दूर कर, आराम कर।

ಆಸವ आसव (सम्) सं.— शराब, मद्य।

ಆಸವಾಸ್ತಕತೆ आसवास्तकते (सम्) सं.— मद्य या शराब पी जाने की क्रिया; शराब पीने का स्थान। ಆಸವಾಸಕ್ತಿ आसवासक्ति (क) सं.— वही।

ಆಸಾಡಿ आसाडि (तद्) सं.— आषाढ (तत्)।

ಆಸಾದ आसाद, ಆಸಾದನ आसादन (सम्) सं—नीचे रखना, नीचे उतारना, आक्रमण, उपलब्धि, प्राप्ति।

ಆಸಾದಿತ आसादित (सम्) वि.— पास बैठा हुआ, प्राप्त, उपलब्ध।

ಆಸಾರ आसार (सम्) सं.— मूसलधार वर्षा; आक्रमण, चढ़ाई; शत्रु राजा की सेना; भोज्यपदार्थ, रसद।

ಆಸಾರಕ आसारक (सम्) सं.— मूसलधार वर्षा।

ಆಸಾರಮಹಾಲು आसारमहालु (अ.दे. ?) सं.— बड़ा हॉल (Hall), बड़ा कमरा।

ಆಸಿಗೆ आसिगे (क) सं.—शय्या, विस्तर (ग्रा.)।

ಆಸೀನ आसीन (सम्) वि.— बैठा हुआ, उपविष्ट।

ಆಸು आसु (क) क्रि.— ऊपर से गिरा, डाल, लगा, फैला। सं.— सालवृक्ष; ताना (जुलाहे का)। व.— उतना, उस परिमाण में।

ಆಸುಕರಂ आसुकरं (सम्) अ.— अधिक, अतिशय। सं.— भयंकर स्थिति।

ಆಸುತಿ आसुति, ಆಸುತೀ आसुती (सम्) सं.— सोमरस को निकालना।

ಆಸುರ आसुर (क) सं.— अधिकता, वृद्धि, अपरिमिति; श्रेष्ठता; हठ, जिद; आवेश, उद्वेग; बल, शक्ति; कष्ट, पीड़ा।

ಆಸುರ आसुर (सम्) वि.— असुरों का, असुर संबंधी, राक्षसी। सं.— एक विवाह पद्धति (मै.प्र.)।

ಆಸೆ आसे (तद्) सं.—आशा (तत्); इच्छा, अभिलाषा; दिशा। —ಗಾರ गार (तद्) सं.— लालची पुरुष। —ಗಾರಿ गारि, ಗಾರ್ತಿ गार्ति (तद्) सं.— लालची स्त्री। —ತೊರೆ तोरे (तद्) क्रि.— इच्छा या कामना का त्याग कर।

ಆಸೇಚನ आसेचन (सम्) सं.— उड़ेलना, डालना, तर करना।

ಆಸೇದನ आसेदन (सम्) सं.— कार्य में लगना; व्यापार; स्त्री-संभोग।

ಆಸ್ಕಂದನ आस्कंदन (सम्) सं.— युद्ध, लड़ाई, समर।

ಆಸ್ತರ आस्तर, ಆಸ್ತರಣ आस्तरण (सम्) सं.— फैलाव, विस्तार; बिछौना, चादर; शय्या, बिस्तर।

ಆಸ್ತಿ आस्ति (तद्) सं.— अस्ति (तत्); विद्यमानता; ऐश्वर्य, संपत्ति।

ಆಸ್ತಿಕ आस्तिक (सम्) सं.— ईश्वर और धर्म पर विश्वास रखनेवाला।

ಆಸ್ತಿಕ್ಯ आस्तिक्य (सम्) सं.— ईश्वर और परलोक में विश्वास, विश्वास, श्रद्धा।

ಆಸ್ತಿಮಿತ आस्तिमित (सम्) वि.— कोमल; नरम; सुंदर, स्थिर; प्रसन्न।

ಆಸ್ತೀಕ आस्तीक (सम्) सं.— एक प्राचीन ऋषि जो जरत्कारु के पुत्र थे। इन्हीं के प्रयत्न से जनमेजय का सर्प-यज्ञ बंद हुआ था।

ಆಸ್ಥಾ आस्था, ಆಸ್ಥೆ आस्थे (सम्) सं.—श्रद्धा, पूज्यभाव; प्रबल अभिलाषा, आशा, भरोसा; सभा, समारोह; उद्योग, प्रयत्न।

ಆಸ್ಥಾನ आस्थान (सम्) सं.— स्थान, जगह, समारोह; राजसभा, दरबार। —ಕವಿ कवि (सम्) सं.— दरबारी कवि।

ಆಸ್ಥಾನಿಕ आस्थानिक (सम्) सं.— राजसभा या दरबार का सदस्य।

ಆಸ್ಥಾಯಿಕಾ आस्थायिका, ಆಸ್ಥಾಯಿಕೆ आस्थायिके (सम्) सं.—राजसभा, दरबार।

ಆಸ್ಥಿತ आस्थित (सम्) वि.— निवास किया हुआ, ठहरा हुआ, स्थिर, संलग्न, गिरा हुआ।

ಆಸ್ಪತ್ರಿ आस्पत्रि, ಆಸ್ಪತ್ರೆ आस्पत्रे (अ.दे.) सं.— (अंग्रेज़ी शब्द Hospital से), अस्पताल।

ಆಸ್ಪದ आस्पद (सम्) सं.— स्थान, जगह; बैठक, कमरा, आवास स्थान; पद, गौरव, मर्यादा; प्रताप, अधिकार; मामला; सहारा, आश्रय; बुनियाद, नींव (मै.प्र.)।

ಆಸ್ಫಾಲನ आस्फालन (सम्) सं.— ಅಪ್ಪಳಿಕೆ अप्पळिके (तद्)— आवाज़ करना, ताली बजाना, रगडना, मलना, पछाड़ना।

ಆಸ್ಫುರಣ आस्फुरण (सम्) सं.—आगे बढ़ना, उछलना, प्रकाशमान।

ಆಸ್ಫೋಟ आस्फोट, ಆಸ್ಫೋಟನ आस्फोटन (सम्) सं.— फटफटाना; थर थर काँपना; फूँकना; फुलाना; ताल ठोंकना, आवाज़ करना, हाथ और जाँघ ठोककर आवाज़ करना जैसे कुश्ती लड़नेवाले करते हैं; तोप, बंदूक आदि से दागने की आवाज़।

ಆಸ್ಯ आस्य (सम्) सं.— मुँह, मुख, चेहरा। —ಪತ್ರ पत्र (सम्) सं.— कमल। —ಲಾಂಗಲ लांगल (सम्) सं.— शूकर, सुअर। —ಲೋಮ लोम (सम्) सं.— दाढ़ी।

ಆಸ್ಯೆ आस्ये (सम्) सं.—बैठना, आश्रय पाना; आसन, सिंहासन, गद्दी।

ಆಸ್ಯೇಂದು आस्येंदु (सम्) सं.—चंद्र (के समान) मुख।

ಆಸ್ರವ आस्रव (सम्) सं.—पीड़ा, दर्द; बहाव, दौड़।

ಆಸ್ವಾದ आस्वाद, ಆಸ್ವಾದನ आस्वादन (सम्) सं.— रुचि, रस, सुस्वाद; चसखा लेना।

ಆಹ್ आह् (क) वि.बो.— धिक्! धिक्!, तोबा।

ಆಹ आह, ಆಹಾ आहा (क) वि.बो.— ऐ!, अहा!

ಆಹಕ आहक (सम्) सं.— नाक की एक बीमारी।

ಆಹತ आहत (सम्) वि.— पिटा हुआ, चोट खाया हुआ, मारा हुआ, घायल, चोटिल।

ಆಹತಿ आहति (सम्) सं.— आघात, प्रहार, चोट।

ಆಹರ आहर (सम्) सं.— ग्रहण, पकड़; परिपूर्णता, बलिदान।

ಆಹರಣ आहरण (सम्) सं.— ग्रहण, पकड़; छीनना, हरण, चोरी, लूट।

ಆಹರಿಸು आहरिसु (सम्) क्रि.— छीनकर ले, चोरी कर, अपहरण कर।

ಆಹವ आहव (सम्) सं.— युद्ध, लड़ाई; ललकार, चुनौती; यज्ञ, याग, होम, हवन।

ಆಹವನೀಯ आहवनीय (सम्) वि.— हवन करने योग्य। सं.— हवन की अग्नि।

ಆಹವಿ आहवि (सम्) सं.— योद्धा, सैनिक, सिपाही।

ಆಹಾರ आहार (सम्) सं.—खाद्य पदार्थ, अन्न, भोजन; लाना, समीप लाना, हरण।

ಆಹಾವ आहाव (सम्) सं.— पशुओं को जल पिलाने के लिए कुएँ के पास बनाया हुआ गड्ढा या हौद।

ಆಹಿಕ आहिक (सम्) वि.— दैनिक। सं.— पाणिनि का नाम।

ಆಹಿತ आहित (सम्) वि.— रखा हुआ, जमा किया हुआ, स्थापित; शत्रु से संबंधित।

ಆಹಿತುಂಡಿಕ आहितुंडिक (सम्) सं.— संपेरा।

ಆಹು आहु (सम्) क्रि.— बुला, चिल्ला। सं.— चावल, धान; सूक्ष्मता, परमाणु।

ಆಹುತ आहुत (सम्) वि.— बलिदान किया हुआ।

ಆಹುತಿ आहुति (सम्) सं.— होम, हवन, किसी देवता के उद्देश्य से मंत्र पढ़कर अग्नि में साकल्य का डालना।

ಆಹೂತಿ आहूति (सम्) सं.—बुलावा, आह्वान, आमंत्रण।

ಆಹೃತ आहृत (सम्) वि.—लाया हुआ, दिया हुआ।

ಆಹೇಯ आहेय (सम्) सं.— सांप, सांप का विष।

ಆಹೋ आहो (क) वि.बो.—अहा! (आश्चर्य सूचक)।

ಆಹೋ आहो (सम्) अ.— संदेह, विकल्प और संदेह सूचक वि.बो. शब्द।

ಆಹ್ನಿಕ आह्निक (सम्) वि.— दैनिक, नित्य का, रोज़ का। सं.— संध्यावंदन, जप; दैनिक भोजन।

ಆಹ್ಲಾದ आह्लाद (सम्) सं.— हर्ष, प्रसन्नता, आनंद। —ಕರ कर (सम्) वि.—हर्षदायक, आनंद देनेवाला। —ಕಾರಿ कारि (सम्) वि.— आनंददायक।

ಆಹ್ವಯ आह्वय (सम्) सं.— नाम, संज्ञा; पुकार।

ಆಹ್ವಾನ आह्वान (सम्) सं.—निमंत्रण, बुलावा, आमंत्रण। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— बुला, निमंत्रण दे।

ಆಳ್ आळ्, ಆಳು आळु (क) क्रि.—पा, प्राप्त कर; उपलब्ध कर; शासन कर, अधिकार कर, हुकूमत कर; रक्षा कर, बचा; डूब; पकड़, वश में कर, देखरेख कर। सं.— सेवक, नौकर, चाकर; दूत; योद्धा, सिपाही।

ಆಳ आळ (क) सं.— गहराई, गंभीरता; गड्ढा; दैन्य।

ಆಳತಿ आळति (क) सं.— गाना, गायन।

ಆಳವಾಳ आळवाळ (तद्) सं.— आलवाल। दे. ಆಲವಾಲ.

ಆಳಂ आळं (क) अ.—अधिक; व्यर्थ; अगाध।

ಆಳಂಬರ आळंबर (तद्) सं.—आडंबर (तत्)।

ಆಳಂಬು आळंबु, ಆಳಂಬೆ आळंबे (क) सं.— कुक्कुरमुत्ता।

ಆಳರ್ಪಿಸು आळर्पिसु (क) क्रि.— सामना कर, निंदा कर।

ಆಳವಾಡು आळवाडु (क) क्रि.— दूषण कर, निंदा कर।

ಆಳಾಪ आळाप (तद्) सं.— आलाप (तत्); संभाषण; दुःख।

ಆಳಿ आळि, ಆಳ आळ, ಆಳು आळु (क) सं.— किले के चारों ओर की दीवार; युक्ति,

चमत्कार; कपट; अपमान, तिरस्कार; रूक्ष, कठोर।

ಆಳಿ आलि (क) प्र.— 'वाला' अर्थबोधक प्रत्यय। उदा.— ಓದಾಳಿ ओदाळि–हमेशा पढ़नेवाला, ಮಾತಾಳಿ माताळि–अधिक बोलनेवाला (वाचाल)।

ಆಳಿ आलि (सम्.) सं.— दे. ಆಲಿ.

ಆಳಿಕಾರ आलिकार (क) सं. — सत्कुलज, अभिजात कुल में उत्पन्न व्यक्ति।

ಆಳಿಕೆ आलिके, ಆಳ್ವಿಕೆ आल्विके, ಆಳ್ಕೆ आल्के (क) सं.— शासन, प्रभुत्व, अधिकार, शासनाधिकार।

ಆಳಿಗೊಳ್ आलिगोल् (क) क्रि.—वश में कर, अधिकार में ले; सामना कर।

ಆಳಿಂದಕಿ आलिंदकि (क) सं.— गिलहरी।

ಆಳಿದಾಳಿ आलिदालि (क) सं.— शोर गुल, गड़बड़ी, हल्ला।

ಆಳಿನೇರಿಕೆ आलिनेरिके (क) सं.— बच्चों का एक खेल।

ಆಳಿಪೋಗು आलिपोगु (क) क्रि.— डूब जा, निमज्जित हो जा।

ಆಳಿಸು आलिसु (क) क्रि.—प्राप्त कर; अधिकार करा, शासन करा (प्रे.)।

ಆಳು आलु (क) क्रि.—राज्य कर, शासन कर; प्रबंध या व्यवस्था कर; डूब; डुबा; प्राप्त करा। सं.— सेवक, दूत, सिपाही। ಆಳು ಮಾಡುವುದು ಹಾಳು आलु माडुवुदु हाळु–सेवक का किया (कार्य) खराब (होता है) (कह.); किले के चारों ओर की दीवार।

ಆಳುತನ आलुतन, ಆಳ್ತನ आल्तन (क) सं.— दे. ಆಳಿಕೆ.

ಆಳುಮಟ್ಟ आलुमट्ट (क) सं.— एक मनुष्य की ऊँचाई।

ಆಳುವೇರಿ आलुवेरि, ಆಳ್ವೇರಿ आल्वेरि (क) सं.—किले के चारों ओर की दीवार।

ಆಳ್ಕೆ आल्के (क) सं.— दे. ಆಳಿಕೆ.

ಆಳ್ದ आल्द, ಆಳ್ಮ आल्म (क) सं.—शासक, अधिकारी, प्रभु, स्वामी।

ಆಳ್ಬಲ್ಮೆ आल्बल्मे (क) सं. — मनुष्य की शक्ति।

ಆಳ್ವೆಸ आळ्वेस (क) सं.— नौकरी, सेवावृत्ति, स्वयं-सेवा।

ಆಳ್ವೇಲಿ आळ्वेलि (क) सं.— बाड़, ऊँची बाड़ (जो मनुष्य की ऊँचाई तक हो)।

ಆಳಾಕ್ಕು आळाक्कु (क) सं.— एक सेर का १/८ भाग।

ಆಳಿ आळि (क) सं.—माप-तोल की गहराई या गंभीरता। —ಕೊಡು कोडु, ಗೊಡು गोडु (क) क्रि.— धोखा दे, चकमा दे।

ಆಳಿ आळि (क) सं.— गोलाई, वृत्त, मंडल, चंद्राकार; शोर-गुल, हलचल, कोलाहल।

ಆಳ್ದು आळ्दु (क) क्रि.— जल या तरल पदार्थ में मज्जित होना या डूबना।

ಆಳ್ವರ್ आळ्वर् (क ?) सं.— ['आळ्वार्'—तमिळ] —बारह प्रसिद्ध आळ्वार् या वैष्णव भक्त।

ಇ इ

ಇ इ— कन्नड–वर्णमाला का तृतीय अक्षर। प्र.—स्त्री.लिं. बोधक; जैसे— ಹುಡುಗ हुडुग (लड़का)—ಹುಡುಗಿ हुडुगि (लड़की); ತಿರುಕ तिरुक (भिखारी)–ತಿರುಕಿ तिरुकि (भिखारिन)। संस्कृत तद्धित प्रत्यय; उदा.— ಧನ धन (धन)— ಧನಿ धनि (धनवान्), ಗುಣ गुण (गुण)—ಗುಣಿ गुणि (गुणवान्), ರೂಪ रूप (रूप)— ರೂಪಿ रूपि (रूपवान्)। कृ— पूर्वकालिक कृदंत; जैसे—ಆಡಿ आडि ('ಆಡು' से)—खेलकर, ಮಾಡಿ माडि ('ಮಾಡು' से) —करके; अधिकरण कारक का चिह्न 'में'; जैसे—ಬನದಿ बनदि—वन में (ह.क.), ಮನೆಯಲ್ಲಿ मनेयल्लि—घर में; स्त्री.लिं. तद् शब्दों के अंत में ಇ इ का प्रयोग होता है, जैसे—ಲಕ್ಷ್ಮಿ लक्ष्मि (लक्ष्मी के बदले), ಸರಸ್ವತಿ सरस्वति (सरस्वती के बदले)।

ಇಂ इं—करण (या अपादान) कारक का चिह्न; उदा.—ಕಣ್ಣಿಂ कण्णिं (या ಕಣ್ಣಿನಿಂ कण्णिनिं) —आँखों से, ಅವರಿಂ अवरिं— उनसे; ಅತ್ತಣಿಂ अत्तणिं —उस तरफ़ से (ह.क.)।

ಇಂ इं, ಇಙ್ इङ्, (क) वि.= (ಇಞ್ इञ्, ಇನ್ इन्, ಇಮ್ इम्; ಈಙ್ ईङ्, ಈನ್ ईन्, ಈಮ್ ईम्)—मीठा, अच्छा, सुंदर, मनोहर। ಇಂಕಡಲ್ इंकडल् (या ಇಂಗಡಲ್ इंगडल्)—दूध का समुद्र (दुग्धाब्धि)। ಇಂಗಡಲಕುವರಿ इंगडलकुवरि —दुग्धाब्धि की पुत्री (लक्ष्मी)। ಇಂಕದಿರ್ इंकदिर्—सुंदर किरणवाले, चंद्रमा। ಇಂಕೊರಲ್ इंकोरल् (या ಇಂಗೊರಲ್ इंगोरल्)—सुंदर (या मनोहर) स्वर (या ध्वनि)।

ಇಂಕಾರ್ इंकार् (अ.दे.) सं.— इनकार (हि.); अस्वीकृति, अवहेलना।

ಇಂಕೆ इंके (क) सं.— जल या तरल पदार्थ में भिगोने या मज्जित करने की क्रिया; सुखाने की क्रिया।

ಇಂಕ್ರ इंक्र (क) वि.— छोटा; कुछ, थोड़ा; बंधा।

ಇಂಗ इंग (क) सं.— चिह्न, निशान, इशारा; गति, चाल।

ಇಂಗಡ इंगड (क) सं.— पृथकता, भिन्नता, एकांतता। ಇಂಗಡಿಂಗಡ इंगडिंगड—पृथक-पृथक, भिन्न-भिन्न। ಇಂಗಡಿಸು इंगडिसु (क) क्रि.—पृथक कर, अलग-अलग कर, विभाग कर।

ಇಂಗಲಿಕ इंगलिक, ಇಂಗಲೀಕ इंगलीक, ಇಂಗಳೀಕ इंगळीक (क) सं.— शुद्ध लाल रंग; एक प्रकार का नीला औषध।

ಇಂಗಳ इंगळ, ಇಂಗಾಳ इंगाळ (तद्) सं.— अंगार (तत्); अंगार, आग। —ಕಣ್ಣ कण्ण, ಗಣ್ಣ गण्ण (क) सं.— शिव। —ಕೊಳ್ कोळ्, ಗೊಳ್ गोळ् (क) क्रि.— आग का जलना। —ಮಗ मग (क) सं.— कार्तिकेय। (तद्) सं. — इंगुदः (तत्); इंगुदी, हिंगोट का वृक्ष, मालकँगनी।

ಇಂಗಳೀಕ इगलीक (क) सं.— दे. ಇಂಗಲಿಕ.

ಇಂಗಳೇಶ್ವರ इंगळेश्वर (क) सं.—एक स्थान का नाम जहाँ महात्मा बसवेश्वर का जन्म हुआ था। (ಇಂಗಳೇಶ್ವರ ಬಾಗವಾಡಿ इंगळेश्वर बागवाडि नाम से यह प्रसिद्ध है।)

ಇಂಗಿತ इंगित (सम्) सं.—मानसिक विचार, संकेत, रहस्य, अभिप्राय, उद्देश्य। —ಜ್ಞ ज्ञ (सम्) सं.— संकेत को पहचाननेवाला, दूसरों के रहस्य को जाननेवाला।

ಇಂಗಿಲೀಷು इंगिलीषु, ಇಂಗ್ಲೀಷ್ इंग्लीष्, ಇಂಗ್ರೆಜಿ इंग्रेजि, ಇಂಗ್ರೇಜಿ इंग्रेजि, ಇಂಗ್ಲಿಷ್ इंग्लिष् (अ.दे.) सं.— (अंग्रेज़ी शब्द— English से) अंग्रेज़ी।

ಇಂಗಿಸು इंगिसु (क) क्रि.— बाष्प बना; बुझा; सुखा; भिगो; दिला (मै.प्र.)।

ಇಂಗು इंगु (क) क्रि.— सूखना, शुष्क होना; निरस होना; ओझल होना; देना।

ಇಂಗು इंगु (सम्) सं.—हिंगु (तत्); हींग।

ಇಂಗುದ इंगुद, ಇಂಗುದಿ इंगुदि (सम्) सं.— हिंगोट का वृक्ष (Terminalia catappa).

ಇಂಗುಳ इंगुळ (तद्) सं.— इंगुद (तत्)।

ಇಂಗೆ इंगे (क) अ. = ಹೀಗೆ हीगे —इस तरह, इस प्रकार (ग्रा.)।

ಇಂಗೋಲ್ इंगोल्, ಇಂಗೋಲು इंगोलु (क) सं.— ईख, ऊख।

ಇಂಗೋಲ್ವಿಲ್ಲ इंगोल्विल्ल (क) सं.— कामदेव।

ಇಂಚರ इंचर (क) सं.—सुरीली आवाज़, मधुर स्वर।

ಇಂಚೆ इंचे (तद्) सं.— हिंसा (सम्); हत्या; कष्ट, तकलीफ़।

ಇಂಡೆ इंडे (क) सं.— टुकड़ा, भाग, हिस्सा; फूलों की माला; हार।

ಇಂಡ್ಯಾ इंड्या (अ.दे.) सं.— (अंग्रेज़ी शब्द India से) —भारतवर्ष (मै.प्र)।

ಇಂತ इंत (क) प्र.— अधिकता का सूचक प्रत्यय (अपादान कारक) —से, से बढ़कर। उदा.— ತಾಯಿಗಿಂತ ಹಿತವಂತರಿಲ್ಲ, ಸಕ್ಕರೆಗಿಂತ ಸವಿ ಇಲ್ಲ तायिगिंत हितवंतरिल्ल, सक्करेगिंत सवि इल्ल—माँ से बढ़कर हितैषी नहीं, शक्कर से बढ़कर मधुर (वस्तु) नहीं (कह.)। ಎನಗಿಂತ ಕಿರಿಯರಿಲ್ಲ एनगिंत किरियरिल्ल (बसवेश्वर-वचन) —मुझसे छोटे कोई नहीं है। वि.— ऐसा, ऐसे, ऐसी; ಇಂತ ಜನ इंत जन— ऐसे लोग, ಇಂತ ಮನುಷ್ಯ इंत मनुष्य— ऐसा आदमी।

ಇಂತನಕ इंतनक (क) अ.—अब तक।

ಇಂತಹ इंतह (क) वि.— ऐसा, ऐसे, ऐसी।

ಇಂತಾ इंता (क) प्र.—से, से बढ़कर। उदा.— ಮುಂಚಿನದಕ್ಕಿಂತಾ ಇದು ಒಳ್ಳೆಯದು मुंचिनदक्किंत इदु ओळ्ळेयदु—यह पहले (पहली वस्तु) से अच्छा है। वि.— ऐसा, ऐसे, ऐसी। उदा.— ಇಂತಾ ಅವಸ್ಥೆ इंता अवस्थे—ऐसी दशा।

ಇಂತಿ इंति, ಇಂತು इंतु (क) अ.— इस प्रकार, इति, चिट्ठी-पत्रों के अंत में लिखा जाता है ಇಂತಿ या ಇತಿ.

ಇಂತುಟು इंतुटु, ಇನಿತು इनितु, ಇನಿತುಟು इनितुटु, ಇಷ್ಟು इष्टु (क) अ.—इस परिमाण में, इतना।

ಇಂದ इंद (क) प्र.— से (करण या अपादान)। उदा.— ಬಹು ದಿವಸದಿಂದ बहु दिवसदिंद—अनेक दिनों से; ಮರದಿಂದ मरदिंद—पेड़ से; ರಾಮನಿಂದ रामनिंद—राम से।

ಇಂದಗಿ इंदगि (सम्) सं.— इंद्रजित्।

ಇಂದರ इंदर, ಇಂದಿರ इंदिर (तद्) सं.— इंद्र (तत्)।

ಇಂದಿಂದಿರ इंदिंदिर (सम्) सं.—भ्रमर, भौंरा।

ಇಂದಿರವಿಲ್ इंदिरविल् (क) सं.— इंद्रचाप, इंद्र धनुष।

ಇಂದಿರಾ इंदिरा, ಇಂದಿರೆ इंदिरे (सम्) सं.— लक्ष्मी।

ಇಂದಿರಾಜ इंदिराज (सम्) सं.— कामदेव। —ಅಸ್ತ್ರ अस्त्र (सम्) सं.— कामदेव का अस्त्र, पुष्पबाण, कमल।

ಇಂದಿರಾಪತಿ इंदिरापति, ಇಂದಿರಾವರ इंदिरावर (सम्) सं.— लक्ष्मी के पति, विष्णु।

ಇಂದೀವರ इंदीवर (सम्) सं.— नील कमल। —ಅಕ್ಷಿ अक्षि, ಈಕ್ಷಣೆ ईक्षणि (सम्) सं.— नील कमल के समान नेत्रवाली (स्त्री)।

ಇಂದು इंदु (क) अ.— आज, अद्य, अब, अभी।

ಇಂದು इंदु (सम्) सं.— चंद्रमा; कपूर; एक की संख्या। —ಕಳೆ कळे (सम्) सं.— चंद्र की कांति, चंद्रमा की एक कला। —ಕಾಂತ कांत (सम्) सं.—चंद्रकांत मणि, संगमरमर। —ಚೂಡ चूड, ಜೂಟ जूट, (सम्) सं.— चंद्रशेखर, शिव जी। —ಜನಕ जनक (सम्) सं.— समुद्र। —ಧರ धर (सम्) शिवजी। —ಪುತ್ರ पुत्र, ಜ ज (सम्) चंद्र का पुत्र, बुध। —ಮಣಿ मणि (सम्) सं.— चंद्रकांत मणि। —ಮಂಡಲ मंडल (सम्) सं.—चंद्र-मंडल। —ಮತಿ मति (सम्) सं.— पूर्णिमा; अज की पत्नी और भोज की भगिनी का नाम। —ಮುಖಿ मुखि (सम्) सं.— इंद्र के समान मुख वाली। —ಮೌಲಿ मौलि, ಮೌಳಿ मौळि, ಶೇಖರ शेखर (सम्) सं.— शिव। —ರೇಖೆ रेखे (सम्) सं.— शुक्ल पक्ष के प्रारंभ का चाँद, चंद्रकला। —ಲೇಖಾ लेखा (सम्) सं.— चंद्रवार। —ವಾರ वार (सम्) सं.— इतवार, रविवार। — —ಹಾಸ हास (सम्) सं.— चंद्रहास।

ಇಂದೂಪಲ इंदूपल (सम्) सं.— चंद्रकांत मणि, संगमरमर।

ಇಂದೊವರ್ इंदोवर् (क) वि.— कटु-मधुर।

ಇಂದೊಳೆ इंदोळे (क) सं.— भ्रमर, मधुकर।

ಇಂದ್ರ इंद्र (सम्) सं — देवताओं के राजा, वृष्टि के राजा, पूर्व दिक्पति; स्वामी, प्रभु, शासक; श्रेष्ठ, सर्वोत्तम; एक माप विशेष। —ಕೀಲ कील (सम्) सं.— एक पर्वत का नाम। —ಕೋಶ कोश (सम्) सं.—कोच, सोफ़ा (Sofa)। —ಗೋಪ गोप (सम्) सं.— वर्षा का एक कीड़ा बीरबहूटी। —ಚಾಪ चाप (सम्) सं.— इंद्रधनुष। —ಜ ज (सम्) सं.— अर्जुन; जयंत। —ಜಾಲ जाल (सम्) सं.—जादू, माया, तिलस्म। —ಜಿತ್ जित्, ಜಿತು जितु (सम्) सं.— मेघनाद, रावण, का पुत्र। —ದಿಕ್ दिक् (सम्) सं.— पूर्व दिशा। —ಧನು धनु, ಧನುಸ್ धनुस् (सम्) सं.— सात रंगों का बना हुआ एक अर्धवृत्त जो वर्षाकाल में (सूर्य के सामने की दिशा में) कभी-कभी आकाश में दिखाई पड़ता है। —ನೀಲ नील (सम्) सं.— नीलमणि। —ಮಣಿ मणि (सम्) सं.— नील मणि। —ಲೋಕ लोक (सम्) सं.— स्वर्ग, देवलोक। —ವಾರಣ वारण (सम्) सं.— ऐरावत। —ಸುತ सुत (सम्) सं.— अर्जुन; जयंत।

ಇಂದ್ರಾಣಿ इंद्राणि (सम्) सं.— इंद्र की पत्नी शची ; कामदेव की पत्नी रति ; ब्रह्मा की पत्नी सरस्वती, भारती ; शिव की पत्नी दुर्गा, पंचेंद्रिय ; किरण, रश्मि, कांति ; इंद्रायन वृक्ष ।

ಇಂದ್ರಾನುಜ इंद्रानुज, ಇಂದಾವರಜ इंदावरज (सम्) सं.– उपेंद्र ; विष्णु, कृष्ण ।

ಇಂದ್ರಾಯುಧ इंद्रायुध (सम्) सं.—वज्रायुध; इंद्रधनुष ; एक घोड़े का नाम ।

ಇಂದ್ರಾರಿ इंद्रारि (सम्) सं.—इंद्र का शत्रु ; राक्षस ।

ಇಂದ್ರಿಯ इंद्रिय (सम्) सं.— बल, शक्ति, जोर ; ज्ञान, कर्मेंद्रिय तथा ज्ञानेंद्रिय ; वीर्य ; पाँच की संख्या का संकेत । —ಗ್ರಾಮ ग्राम (सम्) सं.— इंद्रियों का समूह । —ನಿಗ್ರಹ निग्रह (सम्) सं.— इंद्रियों का दमन ।

ಇಂದ್ರೆ इंद्रे (तद्) सं.— इंद्र की पत्नी शची ।

ಇಂದ್ರೇಭ इंद्रेभ (सम्) सं.— इंद्र का हाथी, ऐरावत ।

ಇಂಧನ (सम्) सं.— जलाने की लकड़ी, जलावन, काष्ठ ।

ಇಂಪು इंपु (क) सं.—माधुर्य, सुंदरता, रम्यता, मनमोहकता । —ಪಡೆ पड़े (क) क्रि.—सुंदर हो, मनोहर हो, मधुर हो । —ಎಸೆ एसे (क) क्रि.— मनोहर दिखाई दे ।

ಇಂಬ इंब (क) सं. — विस्तार, चौड़ाई, वृहत्ता ।

ಇಂಬನೆ इंबने (क) अ.— अच्छी रीति से, सुंदर ढंग से ।

ಇಂಬಟ್ಟುಬರು इंबट्टुबरु (क) क्रि.— अच्छा लग, ठीक ठीक हो ।

ಇಂಬಳ इंबळ (क) सं.— पृथिवी, ज़मीन ।

ಇಂಬಳಿಕ್ಕೆ इंबळिक्के (क) अ.— तत्पश्चात् ।

ಇಂಬಾಗು इंबागु (क) क्रि.— आधार या सहारा हो, सहायता कर ।

ಇಂಬಿಡಿಸು इंबिडिसु (क) क्रि.— फैला, विस्तार कर ।

ಇಂಬು इंबु (क) सं.— रहने या ठहरने का स्थान, स्थान, जगह; घर, मकान ; विस्तार, चौड़ाई । —ಅರಿ अरि (क) क्रि.— आश्रय को पहचान । —ಆಗು आगु (क) क्रि.— आश्रय हो । —ಎನೆ एने (क) अ.— सुंदर ढंग से । —ಕೆಯ್ कॆय् (क) क्रि.— जगह बना ; कहे अनुसार चल ; मान । —ಕೊಡು कॊडु (क) क्रि.— शरण में जा, आश्रय पा । ಗೆಯ್ಸು गॆय्सु (क) क्रि.— रख, धर । —ಪಡೆ पड़े (क) क्रि.— फैला, विस्तार कर, बड़ा हो, आश्रय पा ; दिख ; ठहर । —ಪೆತ್ತ पॆत्त (क) वि.— सहारा पाया हुआ, सुंदर, मनोहर ।

ಇಂಬೆಳೆಸು इंबॆळॆसु (क) सं.— अच्छी फ़सल या उपज ।

ಇಕೆ इके (क) प्र.—भाववाचक संज्ञा का प्रत्यय । उदा. — ಹೋಲಿಕೆ होलिके — समानता, ಕೇಳಿಕೆ केळिके–कथन, वचन ; संप्रदान कारक का चिह्न 'के लिए' का अर्थद्योतक । उदा.— ಮಾಡಲಿಕೆ माडलिके–करने के लिए, ಆಡಲಿಕೆ आडलिके -खेलने के लिए ।

ಇಕೊ इकॊ; ಇಕೋ इको, ಇಕ್ಕೋ इक्को, ಇಗೋ इगो, ಎಕೊ एकॊ, ಎಕೋ एको (क) वि.बो.— अहा ! देख !

ಇಕ್ಕಟ್ಟು इकट्टु (क) सं.— स्थानाभाव, तंगी, कष्ट, दोनों ओर की तंगी । —ಇಕ್ಕಟ್ಟು ಮುಕ್ಕಟ್ಟು इकट्टु मुकट्टु—अनेक विघ्न या संकट । ಇಕ್ಕಟ್ಟಾದ ಊರು इकट्टाद ऊरु–तंग बस्ती । ಇಕ್ಕಡಿಗೆಯ್ इकडिगॆय् (क) क्रि.— दो भाग या टुकड़े कर ।

ಇಕ್ಕಡೆ इकड़े (क) सं.— दोनों तरफ़, दोनों किनारे ।

ಇಕ್ಕರಿಸು इकरिसु (क) क्रि.—मार, पीट ; हिंसा कर, तंग कर, कष्ट दे ; वध कर ; 'सर सर' आहट कर ; इधर-उधर फैला, विकीर्ण कर ; विभाग कर, दो टुकड़े कर ।

ಇಕ್ಕಳ इकळ (क) सं. — चीमट, चिमटा, सँडसी ।

ಇಕ್ಕಳಸುತ್ತಿಗೆ इकळ सुत्तिगे (क) सं.—हथौड़ा, हथौड़ी ।

ಇಕ್ಕು इक्कु (क) क्रि.— रख, धर ; दे ; मार, पीट ; वध कर, मार डाल ; त्याग, त्याग दे, दान कर ; टुकड़े कर ; बंद कर ; पोंछ ; फेंक । सं.— दान । —ಪಡು पडु (क) क्रि.—चोट या आघात सह । —ಇಡು इडु (क) सं.— देना, दान ।

ಇಕ್ಕು इक्कु (क) सं.— निकटता, सामीप्य ; सकरा ; संकट ।

ಇಕುಳ್ इकुळ्, ಇಕ್ಕುಳ इक्कुळ, ಇಕ್ಳ इक्ळ (क) सं.— दे. ಇಕ್ಕಳ.

ಇಕ್ಕುಳಿಕೆ इक्कुळिके (तद्) सं.— इक्ष्वालिका (तत्) ; काँस ।

ಇಕ್ಕೆ इक्के (क) प्र.—संप्रदान कारक 'के लिए' का अर्थद्योतक ; उदा.— ಮಾಡಲಿಕ್ಕೆ माडलिक्के–करने के लिए, ಹೋಗಲಿಕ್ಕೆ होगलिक्के–जाने (के लिए) को । सं.—स्थान, जगह, आश्रय ।

ಇಕ್ಕೆಲ इक्केल (क) अ.— दोनों ओर, दोनों दिशाओं में ।

ಇಕ್ಕೇರಿ इक्केरि (क) सं.— विदनूर राजाओं की राजधानी ; एक प्राचीन सोने का सिक्का (लगभग पाँच रुपये) ।

ಇಕ್ಕೋ इक्को (क) वि.बो.— दे. ಇಕೊ.

ಇಕ್ಷು इक्षु (सम्) सं.— ईख, गन्ना ; पौंडा । ಚಾಪ चाप, ಧನ್ವನ್ धन्वन्, ಧನ್ವಾ धन्वा (सम्) सं.— कामदेव । —ದಂಡ दंड (सम्) सं.— गन्ना । —ಮೇಹ मेह (सम्) सं.— एक बीमारी, मधुमेह । —ಶರಾಸನ शरासन (सम्) सं.— कामदेव ।

ಇಕ್ಷ್ವಾಕು इक्ष्वाकु (सम्) सं.— सूर्यवंशी एक राजा जो वैवस्वत मनु के पुत्र थे ; माहाराज इक्ष्वाकु का वंशज ; कड़वी तूँबी, तितलौकी ।

ಇಕ್ಷ್ವಾಲಿಕೆ इक्ष्वालिके (सम्) सं. — दे. ಇಕ್ಕುಳಿಕೆ.

ಇಗರು इगरु (ल) क्रि.— सूख, निरस हो, शुष्क हो, बाष्प हो । सं.—अंकुर ; किसलय, पल्लव ; मसूड़ा ।

ಇಗರ್ಜಿ इगर्जि (अ.दे.) सं.—चर्च (Church) गिरिजा घर ।

ಇಗ್ಗುಂಡಿಗ इग्गुंडिग (क) सं.— मुद्गर, मुगरा।

ಇಚ್ಚ इच, ಇಚ್ಚೆ इच्चे (तद्) सं.- इच्छा (तत्) —(अंकगणित में) प्रश्न। ಇಚ್ಚಂಕೆ इच्चंके-(अंकगणित में) एक आकस्मिक अंक। ಇಚ್ಚಟ್ಟವಣೆ इच्चट्टवणे-मनमाना अंक डालकर जोड़ना।

ಇಚ್ಚಕ इच्चक, ಇಚ್ಚೆಗ इच्चेग (तद्) वि.— स्तुति के द्वारा दूसरों के मन को संतुष्ट करनेवाला; दूसरों की बातों को मनानेवाला; विनम्र, विनयशील। —ತನ तन (तद्) सं.— मिथ्या प्रशंसा, चापलूसी, खुशामद।

ಇಚ್ಚಗಾರ್ತಿ इच्चगार्ति, ಇಚ್ಚೆಗಾರ್ತಿ इच्चेगार्ति (तद्) सं.—इच्छा करनेवाली (स्त्री·लिं.)।

ಇಚ್ಚಟ इचट, (क) वि.—दुगुना। सं.— बड़ा चोर।

ಇಚ್ಚಡಿ इचडि (क) वि.— दो दलवाला।

ಇಚ್ಚಯಿಸು इचयिसु (तद्) क्रि.— इच्छा कर, कामना कर।

ಇಚ್ಚೆ इच्चे (तद्) सं.— इच्छा (तत्)। —ಕಾರ कार, ಗಾರ गार (तद्) सं.— इच्छा करनेवाला, अपनी रुचि के अनुसार करनेवाला। —ಗಾತಿ गाति (तद्) सं.— दे. ಇಚ್ಚಗಾರ್ತಿ.

ಇಚ್ಛಕ इच्छक (क) सं.— दे. ಇಚ್ಚಕ.

ಇಚ್ಛಯ್ಸು इचयसु (सम्) क्रि. — दे. ಇಚ್ಚಯಿಸು.

ಇಚ್ಛಾನುಡಿ इचानुडि (सम्) सं.— दूसरों की इच्छा के अनुसार बोलना; ऐसे शब्द या वचन जो अन्य लोग पसंद करें; मधुर बोली।

ಇಚ್ಛಾನುಸಾರ इच्छानुसार (सम्) अ.—स्वेच्छा से, अपने मन के अनुसार।

ಇಚ್ಛಾಯಿತ इच्छायित (सम्) वि.—इच्छित, अभिलषित, वांछित।

ಇಚ್ಛಾವತಿ इच्छावति (सम्) सं.— अनेक कामनाएँ करनेवाली स्त्री।

ಇಚ್ಛಾವಂತ इच्छावंत (सम्) सं.— अनेक कामनाएँ करनेवाला पुरुष।

ಇಚ್ಛಿತ इच्छित (सम्) वि.— वांछित, अभिलषित।

ಇಚ್ಛಿಸು इच्छिसु (सम्) क्रि.— इच्छा कर, कामना कर। —ವಿಕೆ विके (सम्) सं.— कामना करना।

ಇಜಾಫೆ इजाफ़े (अ.दे.) सं.—इज़ाफ़ा (अरबी); वृद्धि; उन्नति।

ಇಜಾರ इजार, ಇಜಾರು इजारु (अ.दे.) सं.— इज़ार (फ़ारसी); पायजामा।

ಇಜಾರಾದಾರ इजारादार (अ.दे.) सं.—ठेकेदार; एकाधिकारी।

ಇಜಾರೆ इजारे (अ.दे.) सं.—ठेका; एकाधिकार; कृषि क्षेत्र।

ಇಜ್ಜಲು इज्जलु, ಇದ್ದಲು इद्दलु (क) सं.— कोयला।

ಇಜ್ಯಾ इज्या, ಇಜ್ಯೆ इज्ये (सम्) सं.— यज्ञ, आराधना; दान, पुरस्कार; मूर्ति, प्रतिमा; कुटिनी; गाय।

ಇಟ इट, ಇಟು इटु, ಇಷ್ಟು इष्टु (क) अ.— इतना, इस परिमाण में।

ಇಟಕು इटकु, ಇಟುಕು इटुकु, ಇಡಕು इडकु (क) सं.— तंगी, संकीर्णता, संकुचितता, नैकट्य।

ಇಟ್ಟ इट्ट (क) वि.—छोटा।—ಬಟ್ಟಲ್ बट्टल्, ವಟ್ಟಲ್ वट्टल् (क) सं.—छोटा प्याला।

ಇಟ್ಟಣಿ इट्टणि (क) क्रि.—जुड़ जा, संयुक्त हो, निविड़ हो। सं.—समूह, समुदाय, गिरोह, भीड़।

ಇಟ್ಟಣೆ इट्टणे, ಇಟ್ಟಳೆ इट्टळे (क) सं.—समूह समुदाय, गिरोह, भीड़, विघ्न, बाधा, अड़चन।

ಇಟ್ಟಂಗಿ इट्टंगि, ಇಟ್ಟಗೆ इट्टगे, ಇಟ್ಟಿಗೆ इट्टिगे (तद्) सं.—इष्टिका (तत्); ईंट।

ಇಟ್ಟಣಿಸು इट्टणिसु, ಇಟ್ಟಳಿಸು इट्टळिसु (क) क्रि.— दे. ಇಟ್ಟಣಿ.

ಇಟ್ಟಳ इट्टळ (क) सं.—भीड़, गिरोह; समूह; आधिक्य।

ಇಟ್ಟಿ इट्टि (क) सं.—एक वृक्ष विशेष, कासारक, कासनी।

ಇಟ್ಟಿ इट्टि (तद्) सं.=ಈಟಿ ईटि—[यष्टि (तत्?)]—खड्ग, बरछा, भाला। —ಯರು यरु (क) सं.— खड्गधारी योद्धा।

ಇಟ್ಟು इट्टु (क) वि.— संकीर्ण, सकरा, तंग। कृ.— रखकर, धरकर, थामकर। सं.— आटा; शब्दांत में, जैसे — ಉಪ್ಪಿಟ್ಟು उप्पिट्टु—उपमा (तमिऴ्), एक खाने की वस्तु जो सूजी से बनाई जाती है।

ಇಟ್ಟೆಡೆ इट्टेडे, ಇಟ್ಟಡೆ इट्टडे (क) सं.— तंगी, संकुचितता; भीड़, संकीर्णता।

ಇಡ इड, ಇಳ इळ (सम्) सं.— पृथिवी; वाणी; अन्न, आहार; एक देवी का नाम, मनु की पुत्री; स्वर्ग।

ಇಡಕು इडकु (क) क्रि.— दबा, कुचल, नोच; पीट, मार, काट। सं.-संकीर्णता, संकुचितता, तंगी; तकलीफ़, कष्ट, संकट।

ಇಡಂಕು इडंकु (क) सं.-संकीर्णता, संकुचितता, तंगी; कष्ट, तकलीफ़।

ಇಡರು इडरु (क) सं.—विघ्न, बाधा, अड़चन; कष्ट, तकलीफ़; शत्रुता, वैर।

ಇಡಱು इडऱु (क) क्रि.— ठोकर खा, धीरे से चल, टक्कर खाकर गिर पड़।

ಇಡಾ इडा, ಇಡೆ इड़े (सम्) सं.— दे. ಇಡ.

ಇಡಿ इडि (क) क्रि.— भर, पूर्ण कर, ठूँस, संयुक्त हो, जुड़ जा; चूर्ण या पुड़िया बना, काट, पीट। वि.— पूरा, सारा, समूचा।

ಇಡಿಕು इडिकु (क) क्रि.— दे. ಇಡಕು.

ಇಡಿಕಿರಿ इडिकिरि (क) क्रि.— पूर्ण हो, समृद्ध हो, जुड़ जा, मिल जा, सघन हो।

ಇಡಿಗೆ इडिगे, ಇಡುಗೆ इडुगे, ಇಡು इडु (क) सं.— रखने या फेंकने की क्रिया; गहना, धरोहर, बंधक।

ಇಡಿರ್ इडिर्, ಇಡಿಱ್ इडिऱ् (क) सं.— टेढ़ापन।

ಇಡಿಸು इडिसु (क) क्रि.— पुड़िया या चूर्ण बनावा, रखवा, (प्रे.), खड़ा कर, रोप।

ಇಡು इडु (क) क्रि.— रख, धर; फेंक, पटक; मार, पीट; छिपा; खाना परोस (या दे)।

ಇಡುಕು इडुकु, ಇಡುಂಕು इडुंकु (क) क्रि.— पटक, फेंक, दूर फेंक, मुक्त कर; दबा, कुचल, नोच, ठूस; काट, मार, पीट।

ಇಡುಕು इडुकु (क) सं.—संकीर्णता, संकुचितता, तंगी; स्वतंत्रता, आज़ादी; पशुओं की एक बीमारी।

ಇಡುಗು इडुगु (क) सं.— संकीर्णता, तंगी। —ತೊಡಗು तोडगु—(अनुरणन शब्द)—अनेक विघ्न, बाधाओं का आधिक्य। क्रि.— भर, व्याप्त हो।

ಇಡುಗಾಯಿ इडुगायि (क) सं.— भगवान् को समर्पित नारियल।

ಇಡುಗೆ इडुगे, ಇಡುಗಂಟು इडुगंटु (क) सं.— धरोहर, न्यास, थाती, बंधक।

ಇಡುಪು इडुपु (क) सं.— राशि, ढेर; रंध्र, छेद, बिल; गड्डी, तह पर तह।

ಇಡುಮುಡುಕು इडुमुडुकु (क) सं.—तंग रास्ता, छोटा टेढ़ा रास्ता।

ಇಡುವಿಕೆ इडुविके (क) सं.— रखने, डालने, उत्पादन करने आदि की क्रिया।

ಇಡುವು इडुवु (क) सं.— धरोहर; राशि; बंधक।

ಇಡೆ इडे (क) सं.— स्थान, जगह, रिक्तस्थान।

ಇಡೆ इडे, ಇಳೆ इळे (सम्) सं.— पृथिवी; स्वर्ग; अन्न, हवि; गाय; वाणी; इडा देवी —मनु की पुत्री, बुध की स्त्री और पुरूरवा की माता; शरीर की एक नाड़ी जो दाहिनी तरफ़ रहती है।

ಇಡ್ಡಲಿ इड्डलि, ಇಡ್ಡಲಿಗೆ इड्डलिगे, ಇಡ್ಡಳಿಗೆ इड्डळिगे, ಇಡ್ಲಿ इड्लि (क) सं.— इडली— एक खाने की चीज़ जो चावल के रवा और उडद से बनाई जाती है।

ಇಡ್ವರ इड्वर, ಇಟ್ಚರ इट्चर (सम्) सं.—साड या बैल जो स्वतंत्र रूप से चरने के लिए छोड़ दिया गया हो।

ಇಣಚಿ इणचि (क) सं.— गिलहरी।

ಇಣಿ इणि (क) सं.— (बैल या साँड) की पीठ पर का डील, कूबड।

ಇಣಿಕು इणिकु, ಇಣುಕು इणुकु (क) क्रि.— झाँक, झुककर देख। —ನೋಡು नोडु (क) क्रि.— झाँक कर देख।

ಇಣೆ इणे (क) सं.— दे. ಇಣಿ.

ಇತಬಾರಿ इतबारि (अ. दे.) सं.— [एतवार (अरबी) से] —विश्वासपात्र।

ಇತರ इतर (सम्) अ.—पृथक, भिन्न, अन्य; खराब, तुच्छ, हेय।

ಇತರತ್ರ इतरत्र (सम्) अ.— अन्यत्र, दूसरी तरफ़।

ಇತರೇತರ इतरेतर (सम्) वि.— अन्योन्य, परस्पर, आपस में।

ಇತರೇದ್ಯುಃ इतरेद्युः (सम्) अ.— अन्य दिन, दूसरे दिन।

ಇತಿ इति (सम्) अ.— इस प्रकार, यों; समाप्ति।

ಇತಿ इति, ಇತ್ತಿ इत्ति (क) प्र.— स्त्री वाचक प्रत्यय; उदा.— ಬೀಗಿತಿ बीगिति=ಬೀಗಿತ್ತಿ बीगित्ति—समधिन, ಅಗಸಗಿತ್ತಿ अगसगित्ति— धोबिन।

ಇತಿಹಾಸ इतिहास (सम्) सं.— वह ग्रंथ जिसमें अतीत काल की प्रसिद्ध घटनाओं और तत्कालीन पुरुषों का वर्णन हो, तवारीख। —ಕಾರ कार, ಗಾರ गार (सम्) सं.—इतिहास लिखनेवाला, इतिहास-लेखक।

ಇತು इतु (क) प्र.— सामान्य भूतकाल का अन्य पुरुष ए. व. का प्रत्यय; उदा.— ಆಯಿತು ('ಆಗು' धातु से) आयितु—हुआ, ಮುಟ್ಟಿತು (ಮುಟ್ಟು मुट्टु—पहुँच) मुट्टितु— पहुँचा, ಉಳಿಯಿತು उळियितु या ಉಳೀತು उळीतु (ಉಳಿ उळि—बच) बचा।

ಇತ್ತ इत्त (क) अ. = ಇತ್ತಲ್ इत्तल्, ಇತ್ತಲು इत्तलु, ಇತ್ಲು इत्लु (क) अ.— इधर, यहाँ, इस तरफ़, इस दिशा में; अब; इसके पश्चात्, तत्पश्चात्, फिर। उदा.—ಇತ್ತಿಂದ ಅತ್ತ ಅತ್ತಿಂದ ಇತ್ತ ಹಕ್ಕಿ ಹಾರುತಿದೆ ನೋಡು इत्तिंद अत्त अत्तिंद इत्त हक्कि हारुतिदे नोडु— इधर से उधर, उधर से इधर चिड़िया उड़ रही है, देख!

ಇತ್ತಟ इत्तट, ಇತ್ತಡ इत्तड, ಇತ್ತಡಿ इत्तडि (क) सं.— दोनों ओर, दोनों किनारे।

ಇತ್ತಂಡ इत्तंड (क) सं.—दो समूह या गिरोह; तंगी, धर्म-संकट।

ಇತ್ತರ इत्तर, ಇತ್ತೆರ इत्तेर (क) सं.— दो पंक्तियाँ, दो रीतियाँ, दो मार्ग।

ಇತ್ತಾಳೆ इत्ताळे (क) सं. = ಹಿತ್ತಾಳೆ हित्ताळे पीतल (ग्या. भा.)।

ಇತ್ತಿ इत्ति (क) प्र.— स्त्रीवाचक प्रत्यय। उदा.— ಕೋಮಟಿಗಿತ್ತಿ कोमटिगित्ति—बनिये की स्त्री, ಗಾಣಿಗಿತ್ತಿ गाणिगित्ति—तेली की स्त्री।

ಇತ್ತಿಗ इत्तिग (क) सं.— दे. ಇತ್ತಟ.

ಇತ್ತಿಲ್ಲೆ इत्तल्ले (अ. दे.) सं.—इत्तला (अरबी); समाचार, खबर।

ಇತ್ತು इत्तु (क) क्रि.— था, थी (न. लिं., ए. व.—भूतकाल) उदा. — ಪುಸ್ತಕ ಅಲ್ಲೇ ಇತ್ತು पुस्तक अल्ले इत्तु—पुस्तक वहीं थी। ಬೆಲ್ಲ ಚೆನ್ನಾಗಿತ್ತು बेल्ल चेन्नागित्तु=गुड़ अच्छा था।

ಇತ್ಥಂ इत्थं (सम्) अ.— इस प्रकार, इस प्रकार से, ऐसे।

ಇತ್ಯರ್ಥ इत्यर्थ (सम्) सं.— निर्णय, निश्चय, फ़ैसला।

ಇತ್ಯಾದಿ इत्यादि (सम्) अ.— आदि, वगैरह।

ಇತ್ವರ इत्वर (सम्) सं.— गमन, यात्रा; यात्री; ग़रीब, पामर; नीच, अधम; कमी, न्यूनता। —ಇ इ (सम्) सं.— व्यभिचारिणी।

ಇದ इद, ಇದಕೊ इदको (क) वि.बो.— अहा देख!, इधर देख।

ಇದನ್ನಿಮಿತ್ತ इदन्निमित्त (सम्) अ.— इस कारण से, इसलिए।

ಇದಾ इदा (क) वि.बो.— दे. ಇದ.

ಇದಾನೀಂ इदानीं (सम्) अ.— संप्रति, अब, अब भी।

ಇದಾನೆ इदाने, ಇದ್ದಾನೆ इद्दाने (क) क्रि.— है (पु.लिं., ए.व.—वर्तमानकाल); उदा.— ಅವನು ಇದಾನೆ अवनु इदाने—वह है।

ಇದಿಗೋ इदिगो (क) वि.बो.— दे. ಇದ.

ಇದಿರ್ इदिर्, ಇದಿರು इदिरु (क) अ. = ಇದರು इदरु, ಇದುರು इदुरु, ಎದರು एदरु, ಎದಿರ್ एदिर्, ಎದುರ್ एदुर्, ಎದುರು एदुरु— सामने, आगे, सम्मुख; विरोध में। —

ಅಯ್ agu (क) क्रि.— सामने जाना या मिलने जाना। —ಆಗು आगु (क) क्रि.— सामने जा, सामना कर। —ಆನ್ आन् (क) क्रि.— सामने जा ; सं.—पुष्पमाला।
—ಇಕ್ಕು इक्कु, ಇದು इदु (क) क्रि.— सामना कर, स्पर्धा कर, विरोध कर। —ಉತ್ತರ उत्तर (क) सं.— विरुद्ध उत्तर, प्रतिकूल वचन। —ಏತ್ತು एत्तु (क) क्रि.— आक्रमण कर, चढ़ाई कर। —ಏರಿಸು एरिसु (क) क्रि.— सामना करा, विरोध करा। —ಏಳ್ एळ्, ಏಳು एळु (क) क्रि.— सामने खड़े हो या उठ खड़े हो; स्वागत कर। —ಕೊಳ್ कोळ्, ಗೊಳ್ गोळ् (क) क्रि.— सामने जाकर स्वागत कर, सुस्वागत कर। —ಕೊಳಿಸು कोळिसु, ಗೊಳಿಸು गोळिसु (क) क्रि. — भेंट करा, मुलाकात करा (प्रे.)।

ಇದಿರಿಲಿ इदिरिलि (क) सं.— जिसका सामना न हो, तुलना न हो, अद्वितीय, अतुल्य।

ಇದಿರಿಸು इदिरिसु, ಇದಿರ್ಚು इदिर्चु (क) क्रि.— सामना कर, विरोध कर ; रोक।

ಇದು इदु (क) सर्व.— यह (न.लिं., ए.व)। (बोलते समय कभी-कभी ಇದು इदु (यह), ಅದು अदु (वह) का प्रयोग तकिया-कलाम के रूप में होता है।)

ಇದುಕೊ इदुको, ಇದುಗೊ इदुगो (क) वि. बो.— दे. ಇದ.

ಇದುರು इदुरु (क) अ.— सामने ; दे. ಇದಿರ್.
—ವಾದಿ वादि (क) सं.—विरोध करनेवाला ; प्रतिवादी, मुद्दआलह। —ವಾದಿಸು वादिसु (क) क्रि.— मुँहजोरी कर, बड़ों के सामने उनकी अवज्ञा करते हुए बोल ; प्रतिवाद कर।

ಇದೆ इदे (क) क्रि.— है (न. लिं., ए. व.— वर्तमानकाल)।

ಇದೆ इदे (क) वि. बो.— दे. ಇದ.

ಇದೋ इदो (क) वि.बो.— दे. ಇದ.

ಇದ್ದಲ್ इद्दल्, ಇದ್ದಲು इद्दलु, ಇದ್ದಲಿ इद्दलि (क) सं.— कोयला।

ಇದ್ದಾನು इद्दानु, ಇದ್ಧಾನು इद्धानु (क) क्रि. रू.—संदेह या संदिग्धता का बोधक-'होगा' (पु.लिं., ए.व.)। उदा.— ಅವನು ಅಲ್ಲೇ ಇದ್ದಾನು अवनु अल्ले इद्दानु—वह (आदमी) वहीं होगा।

ಇದ್ದಾನೆ इद्दाने, ಇದ್ಧಾನೆ इद्धाने (क) क्रि.— (निश्चय बोधक) है (पु.लिं., ए.व.)।

ಇದ್ದೆಸೆ इद्देसे (क) सं.— दो दिशाएँ, दो छोर, दो किनारे।

ಇದ್ಧ इद्ध, ಇಧ್ಯ इध्य (सम्) वि.— जलता हुआ, उज्ज्वल, प्रदीप्त।

ಇನ್ इन् (क) वि.— दो की संख्या का बोधक उदा.— ಇನ್ನೂರು इन्नूरु—दो सौ ; मधुर, सुंदर ; उदा.—ಇಂದುಟಿ इंदुटि-मधुर अधर, ಇಂದೋಳ್ इंदोळ्-सुंदर भुजा।

ಇನಂ (क) अ.—तक, पर्यंत।

ಇನಕುಮಾರ इनकुमार (सम्) सं.—शनिग्रह ; यम ; कर्ण ; सुग्रीव।

ಇನಕುಲ इनकुल (सम्) सं.— सूर्यवंश।

ಇನಜ इनज (सम्) सं.— दे. ಇನಕುಮಾರ.

ಇನಜಾತ इनजात (सम्) सं.— यम।

ಇನರಿಪು इनरिपु (सम्) सं.— सूर्य के शत्रु-राहु-केतु।

ಇನವಿರಹಿಣಿ इनविरहिणि (सम्) सं.—विरहिणी स्त्री।

ಇನಾನ್ವಯ इनान्वय (सम्) सं.- दे. ಇನಕುಲ.

ಇನಾಮ ಇनाम, ಇನಾಮು इनामु (अ.दे.) सं.- इनाम (अरबी) ; पुरस्कार, पारितोषक ; मुफ्त में दी गयी ज़मीन या मुफ्त में दी गयी वस्तु।

ಇನಾಮತಿ (अ.दे.) सं.— दान में दी गयी भूमि, भूमि-कर से मुक्त भूमि।

ಇನಾಯತು इनायतु (अ.दे.) सं.— इनायत (अरबी) ; दया, कृपा, राजा या अधिकारी से प्राप्त पुरस्कार।

ಇನಿ इनि (क) सं. — मधुरता, सुंदरता, मनोहरता, प्रियता।

ಇನಿತು इनितु, ಇನಿತ್ತು इनित्तु, ಇನಿಸು इनिसु (क) अ.— इतना, यह सब ; थोड़ा, थोड़ा भी ; सारा।

ಇನಿತುಟು इनितुटु (क) अ.— दे. ಇಂತುಟು.

ಇನಿದು इनिदु (क) वि.—मधुर, सुंदर, मनोहर, रुचिकर।

ಇನಿದುಕಂಪು इनिदुकंपु (क) सं.— सुगंध, खुशबू।

ಇನಿಬರ್ इनिबर्, ಇನಿಬರು इनिबरु (क) सर्व.— इतने (लोग), ये सब।

ಇನಿಯ इनिय, ಇನೆಯ इनेय (क) सं.— पति, प्रियतम, प्रेमी।

ಇನಿಯಳ್ इनियळ्, ಇನಿಯಳು इनियळु (क) सं.— प्रेमिका, प्रिया।

ಇನಿವಣ್ इनिवण् (क) सं.— मधुर फल, मीठा फल।

ಇನಿವಾತು इनिवातु (क) सं.— मधुर वचन, मीठी बोली।

ಇನಿವರಿ इनिवरि (क) सं.— हर्ष, संतोष ; कल्याण, मंगल।

ಇನಿವಿರಿದು इनिविरिदु (क) वि.— इतना बड़ा।

ಇನಿವಿಲ್ इनिविल् (क) सं.— इक्षु-चाप, ईख का धनुष।

ಇನಿವಿಲ್ಲ इनिविल्ल (क) सं.— कामदेव।

ಇನ್ಕಾರ್ इन्कार (अ.दे.) सं.— दे. ಇಂಕಾರ್.

ಇನ್ನಂ इन्नं (क) वि.— ऐसा, इस प्रकार का।

ಇನ್ನು इन्नु (क) अ.— और, और भी, फिर, पश्चात्, बाद में, आगे; अब।

ಇನ್ನುಣಿಸು इन्नुणिसु (क) सं.— मधुर भोजन, सुस्वाद भोजन।

ಇನ್ನೆಗಂ इन्नेगं (क) अ.— इतने में, इस बीच।

ಇನ್ನೆಬರಂ इन्नेबरं, ಇನ್ನೆವರಂ इन्नेवरं (क) अ.— अब तक।

ಇಪ್ इप् (क)वि.— दो की संख्या का सूचक, उदा.—ಇಪ್ಪತ್ತು इप्पत्तु—बीस, ಇಪ್ಪತ್ತೊಂದು इप्पत्तोंदु—इक्कीस।

ಇಪ್ಪ इप्प (क) कृ. = ಇರುವ इरुव, ಇರ್ಪ इर्प, ಇಹ इह— ('ಇರ್' धातु से)—रहने-वाला, रहने का। ಧನದನ್ ಇಪ್ಪ ಆಲಯಂ ಕೈಲಾಸಂ ಅಕ್ಕುಂ धनदन् इप्प आलयं कैलासं अक्कुं—धनद के रहने का आलय कैलास है (ह.क.)।

ಇಪ್ಪುದು इप्पुदु (क) क्रि. — है (न. लिं., ए.व.)।
ಇಪ್ಪೆ इप्पे (क) क्रि.—हो (मध्यमपुरुष ए.व.)। सं.—मधूक; महुआ; लोध्र पुष्प; चबाना।
ಇಬಡಿ इबडि, ಇಬ್ಬಡಿ इब्बडि (क) सं.— एक वृक्ष विशेष जिसकी लकड़ी काली होती है (Dalbergia latifolia)।
ಇಬ್ಬದಿ इब्बदि (क) सं.—दोनों ओर, दोनों तरफ़।
ಇಬ್ಬನಿ इब्बनि (क) सं. = ಇಬ್ಬನ್ನಿ इब्बन्नि–हिम, तुषार, कोहरा।
ಇಬ್ಬರು इब्बरु (क) सं.—दो व्यक्ति (या जन)।
ಇಬ್ಬುಡ್ಲು इब्बुड्लु (क) सं.— खरबूजे का पौधा।
ಇಭ इभ (सम्) सं.— हाथी, गज। —ಗತಿ गति, ಗಮನೆ गमने (सम्) सं.— हाथी के समान मंद गति वाली (स्त्री)। —ಪುರ पुर, ನಗರ नगर (सम्) सं.— हस्तिनापुर। —ದೈತ್ಯ दैत्य, ಸುರ सुर (सम्) सं.—गजासुर। —ಮುಖ मुख, ವಕ್ತ್ರ वक्त्र (सम्) सं.— गणेश। —ವಾಹನ वाहन, (सम्) सं.— इंद्र। —ವೈರಿ वैरि, (सम्) सं.— सिंह, शेर। —ಹಸ್ತ हस्त (सम्) सं. — हाथी की सूँड।
ಇಭೀ इभी (सम्) सं.— हथिनी।
ಇಭ್ಯ इभ्य (सम्) वि. — धनवान, संपन्न, अमीर।
ಇಮರಿಸು इमरिसु (क) क्रि.— बुझा; सुखा; निरस बना; बाष्प बना।
ಇಮರು इमरु (क) क्रि.— सूख, शुष्क हो; बुझ; बाष्प हो।
ಇಮಾರತಿ इमारति, ಇಮಾರತು इमारतु (अ.दे.) सं.— हमारत (अरबी), भवन; महल; गोपुर।
ಇಮಿರು इमिरु, ಇಮುರು इमुरु (क) क्रि.— दे. ಇಮರು.
ಇಮ್ಮಡಿ इम्मडि (क) वि.— दुगुना, द्वितीय, दूसरा।
ಇಮ್ಮನೆ इम्मने, ಇಂಬನೆ इंबने, ಇಮ್ಮೆನೆ इम्मेने (क) अ. — भली भाँति, सुंदर ढंग से।
ಇಮ್ಮಾವು इम्मावु (क) सं.— रसाल, आम।
ಇಮ್ಮಿದಳ್ इम्मिदळ् (क) सं.— सुंदर स्त्री।
ಇಮ್ಮು इम्मु (क) सं.— दे ಇಂಪು.
ಇಮ್ಮೆ इम्मे, ಇರ್ಮೆ इर्मे (क) अ.— दो बार।
ಇಮ್ಮೆಯ್ इम्मेय् (क) सं.— दो शरीर, दो अंग; दुधारी तलवार।
ಇಮ್ಮೆಯ್ಗಾಣಿಕೆ इम्मेय्गाणिके (क) सं.— शरीर के दो अंगों का दिखावा।
ಇಮ್ಮೆಯ್ಜೋಡು इम्मेय्जोडु (क) सं.— कवच, जिसमें दो ओढ़ना या तह हो।
ಇಯತ್ इयत् (सम्) वि.— इतना, इतना बड़ा, इतने विस्तार का।
ಇಯತ್ತಾ इयत्ता (सम्) सं. = ಇಯತ್ತೆ इयत्ते —सीमा, परिमाण, माप; वर्ग, श्रेणी।
ಇರ್ इर् (क) क्रि.— हो, विद्यमान हो, रह, बच, ठहर; हिच किचा, देर कर। प्र.—स्त्री लिंग शब्दों के अंत में लगनेवाला ब. व. प्रत्यय; उदा.—ಪೆಣ್ಣಿರ್ पेण्णिर् – स्त्रियाँ ತೊೞ್ತಿರ್ तोळ्तिर् – दासियाँ।
ಇರ इर, ಇರಾ इरा (क) प्र.— संबोधन में शब्दों के अंत में लगता है, जैसे— ಮುನಿಗಳಿರ (ರಾ)! मुनिगळिर (रा)!— मुनियो!, ದೇವಿಯರಿರ (ರಾ)! देवियरिर (रा)! —देवियो।
ಇರಕು इरकु (क) क्रि.— दबा, ज़ोर से पकड़ या बांध; दुविधा में पड़। सं.— दुविधा, संकट। —ಇಸು इसु (क) क्रि.— दुविधा में डाल, कष्ट में फँसा।
ಇರಚು इरचु, ಇರಿಚು इरिचु, ಇರುಚು इरुचु, ಇರ್ಚೆ इर्चे, ಇರ್ಚು इर्चु (क) सं.— धुरी, (गाड़ी की) लोहे की छड़ या लकड़ी।
ಇರಚಲು इरचलु (क) सं.— बूँदाबूँदी, वर्षा की बूँद जो आड़ न रहने पर घर के अंदर पड़ जाती है।
ಇರಟು इरटु, ಇರಳು इरळु, ಇರುಳ್ इरुळ्, ಇರುಳು इरुळु, ಇರ್ಳು इर्ळु (क)सं.—रात्रि, रात, निशा (ಇರವು इरवु-तमिळ्)।
ಇರಣಿ इरणि, ಇರಿಣಿ इरिणि (सम्) सं.— लुनही ज़मीन; मरुभूमि, मरुस्थल।
ಇರವು इरवु, ಇರವು इरवु (क) सं.— स्थिति, अधिष्ठान, आश्रय।
ಇರಲ್ इरल् (क) क्रि.—रह, जीवित हो।
ಇರವಂತಿ इरवंति, ಇರವಂತಿಗೆ इरवंतिगे, ಇರುವತಿಗೆ इरुवतिगे, ಇರುವಂತಿಗೆ इरुवंतिगे ಇರುವಂತಿ इरुवंति (क) सं.— नवमालिका, नवमल्लिका।
ಇರಮ್ಮದ इरम्मद (सम्) सं.— बिजली की कौंध, वज्राग्नि।
ಇರಸಾಲು इरसालु, ಇರಸಾಲ इरसाल, ಇರುಸಾಲು इरुसालु, ಇಸಾಲು इसालु (अ.दे.) सं.— खज़ाने में रक़म जमा करना।
ಇರಾದಾ इरादा (अ.दे.) सं.— इरादा (अरबी); इच्छा, विचार, अभिप्राय।
ಇರಾದೆ इरादे (अ.दे.) सं.— दे ಇರಾದಾ.
ಇರಾ इरा (सम्) सं.— पृथिवी; वाणी; सरस्वती; जल; अन्न, भोज्य पदार्थ; मद्य, शराब। —ಈಶ ईश (सम्) सं.— वरुण, विष्णु, गणेश। —ಚರ चर (सम्) सं.— उपलवृष्टि, ओला।
ಇರಿ इरि (क) क्रि.—चुभ, भोंक, ठोंक; मार, पीट; मार डाल; लड़। प्र.— मध्यम पुरुष ब.व.—आज्ञार्थ का बोधक; जैसे—ತೊಲಗಿರಿ तोलगिरि–हट जाइए, ಕುಳ್ಳಿರಿ कुळ्ळिरि–बैठिए, ನೋಡಿರಿ नोडिरि–देखिए; आदर-सूचक प्रत्यय जैसे-ಬನ್ನಿರಿ बन्निरि–आइएगा, ಏನಿರಿ एनिरि–क्या है, जी?, ಹೌದಿರಿ हौदिरि–जी हाँ।
ಇರಿಕುಳಿ इरिकुळि (क) सं. — वह, जिसमें चुभने या भोंकने का गुण हो।
ಇರಿಕೆ इरिके (क) सं.—लपेट, साँप का चक्राकार बनना।
ಇರಿಂಕು इरिंकु (क) क्रि.— ठूस, नोच, कुचल, दबा।
ಇರಿಚಲು इरिचलु, ಇರಿಸಲು इरिसलु (क) सं.— दे. ಇರಚಲು.
ಇರಿತ इरित (क) सं.— चुभने या ठोंकने की क्रिया।
ಇರಿವಿಟ್ಟು इरिविट्टु (क) सं.— सेवा, नौकरी।

ಇರಿವಿಡು इरिविडु (क) क्रि.— दूध की धारा या बूँद का धीरे-धीरे गिराना।

ಇರಿಸಿಲು इरिसिलु (क) सं.— हाथी, शेर आदि जानवरों को पकड़ने का स्थान, गड्ढा।

ಇರಿಸು इरिसु (क) क्रि.— रख, स्थापित कर, ठहरा; मरवा डाल; लीख को कंघी करके निकालना।

ಇರಿಸುಹ इरिसुह (क) क्रि.— रखवा, थमा, ठहरवा (प्रे.)।

ಇರು इरु, (क) क्रि.—रह, विद्यमान या वर्तमान रह, निवास कर, जीवित रह।

ಇರುಕು इरुकु, ಇರುಂಕು इरुंकु (क) क्रि.— दबा, नोच, कुचल, पकड़। सं.— तंगी; तकलीफ़, कष्ट; छेद, फटा।

ಇರುಗುಂಡಿ इरुगुंडि (क) सं.— दे. ಇಬಡಿ.

ಇರುಪೆ इरुपे, ಇರುಂಪೆ इरुंपे (क) सं.— चींटी।

ಇರುಬು इरुबु, ಇರುಂಬು इरुंबु (क) सं.— गड्ढा, दे. ಇರಿಸಿಲು.

ಇರುಬೆ इरुबे (क) सं.—समूह, गिरोह, भीड़।

ಇರುಂಬು इरुंबु (क) सं.— संकीर्ण स्थान, तंग जगह, गली; रूक्षता, शुष्कता; संकट। —ಕೊಳ್ಳು कोळ्ळु (क) क्रि.— संकट या दुःख में पड़।

ಇರುವಾರ इरुवार (क) सं.— दो भाग, उपज के दो सम भाग जो भूस्वामी और कृषक को प्राप्य हैं।

ಇರುವಿಕೆ इरुविके (क) सं. — विद्यमानता, उपस्थिति, वर्तमानता।

ಇರುಹ इरुह (क) सं.— दे. ಇರುವಿಕೆ.

ಇರುಳ್ इरुळ्, ಇರುಳು इरुळु (क) सं.— दे. ಇರಟು.

ಇರೆ इरे (सम्) सं.— दे. ಇರಾ.

ಇಱ इऱ (क) सं.— संकीर्णता, तंगी; कष्ट, संकट।

ಇಱಕು इऱकु (क) सं.— दे. ಇರಕು.

ಇಱಚಲು इऱचलु (क) सं.— दे. ಇರಚಲು.

ಇಱತ इऱत (क) सं.— चुभने, भोंकने, ठोंकने आदि की क्रिया।

ಇಱವೆ इऱवे, ಇಱಿವೆ इऱिवे (क) सं.— चींटी।

ಇಱಿ इऱि (क) क्रि.— दे. ಇರಿ.

ಇಱಿಕೊಳ್ಳು इऱिकोळ्ळु, ಇಱಿದುಕೊಳ್ಳು इऱिदुकोळ्ळु (क) क्रि. — अपने आपको छुरा भोंक, आत्महत्या कर।

ಇಱಿತ इऱित (क) सं.— दे. ಇರಿತ.—ಇಱಿತಕಾರ इऱितकार-मारने, पीटने, चुभने, भोंकने-वाला मनुष्य।

ಇಱಿಪು इऱिपु, ಇಱಿವು इऱिवु (क) सं.— दे. ಇರಿತ.

ಇಱಿಸಿಲ್ इऱिसिल्, ಇಱುಬು इऱुबु, ಇಱುಸಲ್ इऱुसल्, ಇಱುಸುಲ್ इऱुसुल् (क) सं.— दे. ಇರಿಸಿಲು.

ಇಱಿಸು इऱिसु (क) क्रि.— रख, स्थापित कर।

ಇಱು इऱु (क) क्रि.—रह, ठहर, हिचकिचा।

ಇಱುಕು इऱुकु, ಇಱುಂಕು इऱुंकु (क) क्रि.— दे. ಇರುಕು.

ಇಱುಪೆ इऱुपे, ಇಱುವು इऱुवु, ಇಱುವೆ इऱुवे (क) सं.– चींटी। ಇಱುವೆಯ ಭಾರ ಇಱುವೆಗೆ, ಆನೆಯ ಭಾರ ಆನೆಗೆ इऱुवेय भार इऱुवेगे, आनेय भार आनेगे—चींटी का भार चींटी को हाथी का भार हाथी को (कह.)।

ಇಱಸಲ್ इऱसल्, ಇಱುಸುಲ್ इऱुसुल् (क) सं.— दे. ಇರಿಸಿಲು.

ಇಱುಹೆ इऱुहे (क) सं.— चींटी, पिपीलिका।

ಇರ್ಕಟ್ಟು इर्कट्टु (क) सं. — दे. ಇಕ್ಕಟ್ಟು.

ಇರ್ಕಿಸು इर्किसु (क) क्रि.—फँसा, रखा; मार, वध कर।

ಇರ್ಕು इर्कु (क) क्रि.—फँस, रख; मार, पीट; वध कर, नाश कर।

ಇರ್ಕೆ इर्के (क) सं. — रहने का स्थान, रहना; स्थान, ज़मीन।

ಇರ್ಚಲು इर्चलु (क) सं.— दे. ಇರಚಲು.

ಇರ್ಚಿಡಿ इर्चिडि (क) क्रि.— दोनों ओर फैल; दोनों ओर खींच।

ಇರ್ಚು इर्चु (क) क्रि.— रख, धर, स्थापित कर।

ಇರ್ತಂಡ इर्तंड (क) सं.— दे. ಇತ್ತಂಡ.

ಇರ್ತೆರ इर्तेर (क) सं.— दो श्रेणियाँ। दो पंक्तियाँ।

ಇರ್ತೆರ इर्तेर (क) सं. — दो रीतियाँ, दो पद्धतियाँ, दो प्रकार।

ಇರ್ಪು इर्पु (क) सं.— रहना; रस; माधुर्य, मिठास।

ಇರ್ಪುಕುಂದು इर्पुकुंदु, ಇರ್ಪೋಡು इर्पोडु (क) क्रि —सूख जा, शुष्क हो, निरस हो।

ಇರ್ಬಲ इर्बल (क) सं.— दोनों तरफ़ की सेनाएँ।

ಇರ್ಮೆ इर्मे (क) सं = ಈರ್ಮೆ ईर्मे-घाव।

ಇರ್ಮೆಕಾರ इर्मेकार (क) सं.— नाई, हजाम।

ಇರ್ಮೆ इर्मे (क) सं.— सौंदर्य, रमणीयता, इच्छा; दो बार।

ಇರ್ವರ್ इर्वर्, ಇರ್ವರು इर्वरु (क) वि.— दो (पु.लिं., स्त्री.लिं.)।

ಇಲ್ इल्, ಇಲ इल (क) सं.— घर, स्थान, जगह।

ಇಲಾ इला (सम्) सं.—भूमि, पृथिवी; धन; शब्द। —ಅಧಿಪ अधिप (सम्) सं.—भूमि के अधिपति, राजा। —ತಲ तल (सम्) सं.— भूतल, भूमि। —ಪುತ್ರಿ पुत्रि (सम्) सं.— सीता।

ಇಲಾಭೃತ್ इलाभृत (सम्) सं. — राजा, पर्वत।

ಇಲಾವೃತ इलावृत (सम्) सं.—पुराण युग में प्रसिद्ध भूखंड।

ಇಲಾವೃಂದಾರಕ इलावृंदारक (सम्) सं.— ब्राह्मण।

ಇಲಿ इलि (क) सं.— चूहा, चुहिया। प्र.— रहित।

ಇಲಿಕು इलिकु (क) क्रि.— दब जा, कुचला जा।

ಇಲಿಚಿ इलिचि (क) सं.— बेर।

ಇಲಿದೇರ इलिदेर (क) सं.— गणेश।

ಇಲಿಮಿಂಚಿ इलिमिंचि (क) सं.— नींबू, नींबू का पेड़।

ಇಲುಕು इलुकु (क) क्रि.— सिकोड़, मरोड़, ऐंठ।

ಇಲುವು इलुवु (क) सं.— हड्डी, अस्थि ।

ಇಳೆ इळे (सम्) सं.— दे. ಇಳಾ. ಇಳೇಶ इळेश (सम्) सं.— राजा, नृपति ।

ಇಲ್ಲ इल्ल (क) अ.क्रि.— नहीं, न (निषेध सूचक अ.क्रि.) ।

ಇಲ್ಲಣ इल्लण (क) सं.— छत पर की काली गंदी वस्तु (Soot), धुआँ ।

ಇಲ್ಲದತನ इल्लदतन (क) सं.— अभाव, हीनता; गरीबी, दरिद्रता ।

ಇಲ್ಲಮೆ इल्लमे, ಇಲ್ಲವೆ इल्लवे (क) सं.— अभाव, नहीं की स्थिति; समाप्ति । ಇಲ್ಲವೆ ಇಲ್ಲ इल्लवे इल्ल—बिलकुल नहीं ।

ಇಲ್ಲಾ इल्ला (क) अ.क्रि.— नहीं, न । — ಮಲ್ಲಿ मल्लि (क) सं. — चुगली, निंदा, आक्षेप । —ಮಲ್ಲಿತನ मल्लितन (क) सं.— चुगली, आक्षेप या निंदा करने की प्रकृति ।

ಇಲ್ಲಿ इल्लि (क) अ.— यहाँ, इधर, इस स्थान में । —ಯವನು यवनु (क) सं.— यहाँ का आदमी । —ತನಕ तनक, ವರೆಂ वरें (क) अ.— यहाँ तक ।

ಇಲ್ವಲ इल्वल (सम्) सं.— एक राक्षस ।

ಇವ इव (क) सर्व.— यह (निश्चय वाचक सर्वनाम पु.लिं., ए.व.— अन्यपुरुष)

ಇವ इव (सम्) अ.— जैसा, गोया, कुछ-कुछ, थोड़ा, शायद, कदाचित् ।

ಇವಳ್ इवळ्, ಇವಳು इवळु (क) सर्व.— यह स्त्री·लिं., ए.व.— अन्य पुरुष) ।

ಇವು इवु, ಇವುಗಳು इवुगळु (क) सर्व.— ये (न.लिं., ब.व,-अन्यपुरुष) ಇದು इदु (यह) —ಇವು इवु या ಇವುಗಳು इवुगळु (ये) ।

ಇವೆ इवे (क) क्रि.— हैं (ब.व.) ।

ಇಶಾರೆ इशारे, ಇಷಾರೆ इषारे (अ.दे.) सं.— इशारा (अरबी); संकेत, सैन; सूचना, पहचान ।

ಇಶೀಕೆ इशीके, ಇಷೀಕೆ इषीके (सम्) सं.— नरकुल, सींक; बाण ।

ಇಷು इषु (सम्) सं.—बाण, अस्त्र । —ಆಸನ आसन (सम्) सं.— धनुष ।

ಇಷುಧಿ इषुधि (सम्) सं.— तरकस, तूणीर ।

ಇಷ್ಟ इष्ट (सम्) वि.— इच्छित, वांछित । सं.— इच्छा, वांछा; प्रियतम, पति ।

ಇಷ್ಟಕೆ इष्टके (सम्) सं.— ईंट ।

ಇಷ್ಟಗಂಧ इष्टगंध (सम्) वि. — सुगंधित, खुशबूदार ।

ಇಷ್ಟದೇವತೆ इष्टदेवते (सम्) सं.— कुलदेवता, आराध्य देव ।

ಇಷ್ಟಮಿತ್ರ इष्टमित्र (सम्) सं.— बंधु-मित्र ।

ಇಷ್ಟರು इष्टरु (सम्) सं.— मित्र, बंधु, आप्त जन ।

ಇಷ್ಟಲಿಂಗ इष्टलिंग (सम्) सं.— वह लिंग, जिसे वीरशैव लोग धारण करते हैं ।

ಇಷ್ಟವ इष्टव (सम्) सं.— उपद्रव, उत्पात ।

ಇಷ್ಟಸಿದ್ಧಿ इष्टसिद्धि (सम्) सं.— मन की इच्छा की पूर्ति ।

ಇಷ್ಟಾನಿಷ್ಟ इष्टानिष्ट (सम्) सं.—अभीलाषा-अनभिलाषा ।

ಇಷ್ಟಾಪತ್ತಿ इष्टापत्ति (सम्) सं.— मनोरथ की पूर्ति, उद्देश्य की साधना ।

ಇಷ್ಟಾರ್ಥ इष्टार्थ (सम्) सं.— मन की वांछा, वांछित वस्तु ।

ಇಷ್ಟಿ इष्टि (सम्) सं.— अभिलाषा, कामना; प्रवृत्ति; यज्ञ, दर्श-पौर्णमास; गड़बड़ी; आमंत्रण; आज्ञा, अनुमति । —ತ त (सम्) वि.— इच्छित, वांछित; यज्ञ किया हुआ ।

ಇಷ್ಟು इष्टु (क) वि.— इतना, इतने परिमाण का, थोड़ा । सं.— अस्त्र, बाण ।

ಇಷ್ಟೆ इष्टे (सम्) सं — प्रिया, प्रियतमा ।

ಇಷ್ಟೊತ್ತು इष्टोत्तु (क) अ.—(ಇಷ್ಟು+ಹೊತ್ತು) —इतना समय, इतनी देर ।

ಇಷ್ಮ इष्म, ಇಷ್ಯ इष्य (सम्) सं.— वसंत ऋतु; कामदेव ।

ಇಷ್ವಾಸ इष्वास, ಇಷ್ವಾಸನ इष्वासन (सम्) सं.— शरासन, धनुष ।

ಇಸ್ इस् (क) वि.बो.— छिः ! छिः !, छिः ।

ಇಸ इस (क) वि.— दे. ಇಷ್ಟು.

ಇಸಬು इसबु (क) सं.—एक प्रकार का चर्म-रोग ।

ಇಸಬುಗೋಲು इसबुगोलु (अ.दे.) सं.— इसबगोल, एक दवाई विशेष ।

ಇಸಮು इसमु (अ.दे.) सं.— व्यक्ति ।

ಇಸವಿ इसवि (अ.दे.) सं.— ईसवी ।

ಇಸಿಕೊಳ್ इसिकोळ्, ಈಸಿಕೊಳ್ ईसिकोळ् (क) क्रि.— ले, खींच ले, छीन ले ।

ಇಸು इसु (क) क्रि.— तीर चला· बाण-प्रयोग कर । प्र.— प्रेरणार्थक प्रत्यय । उदा.— ಮಾಡು माडु (कर) — ಮಾಡಿಸು माडिसु (करा) ।

ಇಸುವೆಸ इसुवेस (क) सं.— आज्ञस कार्य ।

ಇಸ್ತಕಬಾಲು इस्तकबालु (अ.दे.) सं.—स्वागत-सत्कार, आदर-सत्कार ।

ಇಸ್ತರಿ इस्तरि, ಇಸ್ತ್ರಿ इस्त्री (अ.दे.) सं.— इस्तिरी (हि.) ।

ಇಹ इह (क) वि.— रहनेवाला, विद्यमान, वर्तमान । ಇಹುದು इहुदु—है, वर्तमान है ।

ಇಹ इह (सम्) अ.— यहाँ, इस स्थान में, इस समय । —ಲೋಕ लोक (सम्) सं.— यह लोक, यह भूमि ।

ಇಹಗೆ इहगे, ಇಹಂಗೆ इहंगे, ಇಹಿಗೆ इहिगे, ಹೀಗೆ हीगे, ಹೀಂಗೆ हींगे (क) अ.— इस प्रकार, इस भाँति ।

ಇಹತ್ರ इहत्र (सम्) अ.—यहाँ, इस लोक में ।

ಇಹೆನು इहेनु (क) क्रि.— हूँ (उत्तम पुरुष ए.व.) ।

ಇಳ್ इळ् (क) क्रि.— खींच ।

ಇಳಕಲು इळकलु, ಇಳುಕಲು इळुकलु (क) सं.—फिसलन; जल, पानी ।

ಇಳಾನಾಡಿ इळानाडि (सम्) सं.— दाईं तरफ़ की नाक, नथना ।

ಇಳಿಕ್ಕೆಯ್ इळिक्केय् (क) क्रि.—तिरस्कार कर, नीचा दिखा ।

ಇಳಿಕೆ ಪಡೆ इळिके पड़े (क) क्रि.—तिरस्कृत हो, हीन हो, अपमानित हो ।

ಇಳಿಕೆ इळिके, ಇಳುಕೆ इळुके, ಇಳಿಂಕೆ इळिंके, ಇಳುಂಕೆ इळुंके, (क) सं.—हीनता, क्षीणता, अवनति, अपमान, ग़रीबी ।

ಇಳಿತ इळित, ಇಳುತ इळुत (क) सं. = ಇಳತ इळत, ಇಳುತ इळत— उतराई, अवनति, कमी ।

ಇಳಿದು इळिदु (क) कृ.— नीचे उतर कर। वि.— क्षीण, खराब।

ಇಳಿಮುಳುಗು इळिमुळुगु (क) क्रि.— पूरा-पूरा डूब, निमज्जित हो ; नष्ट हो, बरबाद हो।

ಇಳಿಪು इळिपु, ಇೞಿಪು इऴिपु, ಇಳಿಸು इळिसु, ಇೞಿಸು इऴिसु, ಇಳಿಹು इळिहु, ಇೞಿಹು इऴिहु, ಇಳುಹು इळुहु, ಇೞುಹು इऴुहु, (क) क्रि — नीचे उतार, उतार दे, क्षीण या हीन कर, निंदा कर।

ಇಳಿಹೊತ್ತು इळिहोत्तु (क) सं.— अपराह्न, तीसरा प्रहर।

ಇಳು इळु (क) क्रि.— चुभ, भोंक।

ಇಳೆ इळे (सम्) सं.— भूमि, पृथिवी। —ಅಣ್ಮ आण्म (तद्) सं.— राजा, भूपति।

ಇಳ್ಕಲ್ इळ्कल् (क) सं.— दे. ಇಳ್ಕಳ.

ಇಳ್ದುವರಿ इळ्दुवरि (क) क्रि.— खींचकर जा, बह।

ಇಳ್ಕುಳಿ इळ्कुळि (क) सं.— खिंचाव, आकर्षण।

ಈ ई

ಈ ई—कन्नड वर्णमाला का चौथा अक्षर; सर्व.— निर्देशवाचक ; उदा.— ಈ ಪುಸ್ತಕ ई पुस्तक-यह पुस्तक, ಈ ಹುಡುಗ ई हुडुग-यह बालक ಈ ಹೆಂಗಸು ई हेंगसु-यह औरत ; मध्यम पुरुष ब.व. प्रत्यय-आज्ञार्थ में ; उदा.— ನಡೀರಿ नडीरि-चलिए, ಹೊಡೀರಿ होडीरि-मारिए।

ಈ ई, ಈಯು ईयु (क) क्रि.— दे ; सौंप दे ; अनुमति दे ; करने दे ; जन्म दे (पशुओं का बच्चों को जन्म देना)।

ಈ ई (सम्) क्रि.— जाना ; चमकना, व्याप्त होना ; इच्छा करना ; फेंकना ; रवाना होना ; माँगना ; गर्भवती होना। स.— कामदेव ; दुःख, पीड़ा, दर्द ; उदासी ; क्रोध ; विवेक ; आह्वान ; आवाहन।

ಈಂ ईं (क) वि.— मीठा, मधुर।

ಈಂಗಡಲ್ ईंगडल् (क) सं.— क्षीर-समुद्र।

ಈಂಚರ ईंचर (क) सं.— सुंदर स्वर, मधुर ध्वनि।

ಈಂಟಿಸು ईंटिसु (क) क्रि.— पिला।

ಈಂಟು ईंटु (क) क्रि.—पी।

ಈಕೆ ईके (क) सर्व.— यह (आदर सूचक शब्द—स्त्री. लिं., ब. व.) उदा.— ಈಕೆ ಯಾರು ईके यारु—यह स्त्री कौन है ?

ಈಕ್ಷಕ ईक्षक (सम्) सं.—देखनेवाला, प्रेक्षक।

ಈಕ್ಷಣ ईक्षण (सम्) सं.— दृष्टि, दृश्य, नेत्र। —ಕ (सम्) सं.— भविष्य-कथन करनेवाला। —ಇಕೆ इके (सम्) सं.— भविष्य-कथन करनेवाली स्त्री।

ಈಕ್ಷಣ ईक्षण (क) अ.—अभी, तुरंत, फौरन।

ಈಕ್ಷಿತ ईक्षित (सम्) वि. — देखा हुआ, ग्रहण किया हुआ।

ಈಕ್ಷಿಸು ईक्षिसु (सम्) क्रि.—देख, अवलोकन कर ; ध्यान दे।

ಈಕ್ಷೆ ईक्षे, ಈಕ್ಷಾ ईक्षा (सम्) सं.— दृष्टि, चितवन ; विचार, ज्ञान।

ಈಕ್ಷ್ಯ ईक्ष्य (सम्) वि.— देखा जानेवाला, देखने योग्य, ध्यान देने योग्य।

ಈಗ ईग, ಈಗಡು ईगडु (क) अ.— अब, इस समय, इस वक्त।

ಈಗಲ್ ईगल्, ಈಗಲು ईगलु (क) अ.— अभी, तुरंत।

ಈಗಳ್ ईगळ् (क) अ.— अब, इस समय।

ಈಗಳು ईगळु (क) अ.— अब, इस समय।

ಈಗೆ ईगे (क) क्रि.— दे, प्रदान कर, दया करे (विधि या आज्ञार्थ)।

ಈಗ್ಗೆ ईग्गे, ಈಗಿಗೆ ईगिगे (क) अ.— अब, इस समय, संप्रति।

ಈಗ್ಯೆ ईग्ये (क) अ.— दे. ಈಗ್ಗೆ.

ಈಚಲ್ ईचल्, ಈಚಲು ईचलु (क) सं.— एक ताल वृक्ष विशेष जिसके फल खजूर के जैसे होते हैं और जिससे मदिरा निकाली जाती है ; पंखोंवाली दीमक।

ಈಚಲ ईचल (क) सं.— दे. ಈಚಲ್.

ಈಚಲುಗಾರ ईचलुगार (क) सं.— ताड़ी बनाने और बेचनेवाला।

ಈಚಲೆ ईचले, ಈಚಿಲ್ ईचिल् (क) सं.— दे. ಈಚಲ್.

ಈಚು ईचु, ಈಂಚು ईंचु, ಈಸು ईसु (क) वि.— रूखा, सूखा, मुरझाया हुआ, झड़ा हुआ। सं.—हल की लकड़ी या छड़ी, गाड़ी का अग्र भाग (मै.प्र.)।

ಈಚುವೋಗು ईचुवोगु (क) क्रि.— रसहीन हो, सूख जा।

ಈಚೆ ईचे (क) अ.— इस तरफ, इस ओर, इस किनारे पर। —ಕಡೆ कडे—इस किनारे पर। ಈಚಿಗೆ ईचिगे, ಈಚೆಗೆ ईचेगे—इस तरफ, इस किनारे पर। ಈಚೀಚೆಗೆ ईचीचेगे —आजकल ; आगे चलकर। ಈಚೆದಂಡೆ ईचेदंडे—इस तरफ़ या इधर का किनारा।

ಈಜಿಸು ईजिसु (क) क्रि.— तैरा (प्रे.)।

ಈಜು ईजु (क) क्रि.=ಈಸು ईसु, ಹೀಜು हीजु—तैर। —ಬೀಳು बीळु (क) क्रि.— तैरना प्रारंभ करना। —ಆಟ आट (क) सं.— तैरना। — ಈಜಾಡು ईजाडु (क) क्रि.— तैर, ಈಜಾಡಿಸು ईजाडिसु (क) क्रि.- तैरा।

ಈಟಂಗಿ ईटंगि, ಈಟಿ ईटि (क) सं.— भाला, बरछा, नोंकदार आयुध।

ಈಟಂಗಿ ईटंगि (तद्) सं.— इष्टिका (तत्) ; ईंट।

ಈಟು ईटु (क) वि.— इतना, इतने परिमाण का, थोड़ा (ग्रा.)।

ಈಡಾಗು ईडागु (क) क्रि.— पड़, बन। उदा.- ಅವನು ಎಲ್ಲರ ಕಾರುಣ್ಯಕ್ಕೆ ಈಡಾದನು अवनु एल्लर कारुण्यक्के ईडादनु—वह सभी की करुणा का पात्र बना। ನೀನು ಅಸೂಯೆಗೆ ಈಡಾಗಬೇಡ नीनु असूयेगे ईडागबेड—तुम असूया में न पड़।

ಈಡಾಡು ईडाडु (क) क्रि.—फेंक, फैला, विकीर्ण कर, त्याग।

ಈಡಿ ईडि (क) सं.— ताड़ी, मदिरा।

ಈಡಿಗ ईडिग (क) सं.— ताड़ी बनानेवाला पुरुष।

ಈಡಿಗಿತ್ತಿ ईडिगित्ति (क) सं.— 'ईडिग' स्त्री।

ಈಡಿತ ईडित (सम्) वि.— स्तुति किया हुआ, प्रशंसित।

ಈಡಿರಿ ईडिरि (क) क्रि.—ज़ोर से मार, आघात कर; वेग से आगे बढ़; बलपूर्वक खींच।

ಈಡು ईडु (क) सं.— लक्ष्य, उद्देश्य; समता; धरोहर, बंधक, गिरवी; पशुओं का चारा; बंदूक की गोली आदि; शक्ति, ऐश्वर्य; उपयुक्तता; अधिकता, वृद्धि, माध्यम; जुड़ना, मिलना; रक्षण; फेंकना; खींचना, भट्टी में मिट्टी के बर्तन रखना। —ಕಾರ कार, ಗಾರ गार (क) सं.— बलवान या शक्तिमान पुरुष।

ಈಡುಜೋಡು ईडुजोडु, ಈಡುಪಾಡು ईडुपाडु (क) सं.— ठीक जोड़ी, अच्छी जोड़ी।

ಈಡೆ ईडे (सम्) सं.— प्रशंसा, स्तुति।

ಈಡೇರಿಸು ईडेरिसु (क) क्रि.— सफल कर, पूर्ण कर, समाप्त कर।

ಈಡೇರು ईडेरु (क) क्रि.—सफल हो, पूर्ण हो।

ಈಣೆ ईणे (तद्) सं.— वीणा (तत्) (मै.प्र.)।

ಈತ ईत (क) सर्व.— यह (अदर सूचक—अन्य पुरुष पु.लिं. ए.व.)। —ಗಳ್ गळ्-ये (ब.व.)। सं. — जन्म देने की क्रिया, प्रसूति।

ಈತಿ ईति, ಈತಿಬಾಧೆ ईतिबाधे (सम्) सं.— अतिवृष्टि, अनावृष्टि, टीडियों का आगमन, चूहों का उपद्रव, तोतों का उपद्रव और शत्रुओं की चढ़ाई; सांक्रामिक रोग; विदेश में भ्रमण या यात्रा।

ಈತು ईतु (क) प्र.— संदिग्ध वर्तमान न.लिं., ए.व. प्रत्यय। उदा.— ಬಂದೀತು बंदीतु—आता (या आती) हो, ಮಾಡೀತು माडीतु—करता (या करती) हो।

ಈದಲೆ ईदले (क) अ.— इस तरफ़, इधर, इस दिशा में।

ಈದುವಿಕೆ ईदुविके (क) सं.— प्रसूति, जन्म देना।

ಈದೃಕ್ಷ ईदृक्ष, ಈದೃಶ ईदृश (सम्) वि.— ऐसा, इस प्रकार का, इसके सदृश्य, इसके बराबर।

ಈನ್ ईन्, ಈನು ईनु (क) क्रि.— जन्म दे, गर्भ मोचन कर। वि.— मधुर, अच्छा, सुंदर। उदा. — ಈನ್ದುಟಿ ईन्दुटि—मधुर अधर, ಈನ್ದೋಳ್ ईन्दोळ्—सुंदर बाहू, ಈನ್ದೋಳ ईंदोळ— वह मनुष्य जिसकी बाहुएँ सुंदर हो।

ಈಪಿ ईपि (क) सं.— मक्खियों का मल या गंदगी, जूँ, लीख।

ಈಪ್ಸಿತ ईप्सित (सम्) वि.— वांछित, चाहा हुआ। सं.— इच्छा, चाह।

ಈಪ್ಸಿತಾರ್ಥ ईप्सितार्थ (सम्) सं.— मन की इच्छा, वांछित वस्तु।

ಈಪ್ಸೆ ईप्से, ಈಪ್ಸಾ ईप्सा (सम्) सं.—इच्छा अपेक्षा, चाह।

ಈಬು ईबु (अ.दे.) सं.— (अरबी शब्द 'ऐब' से)—भेद, अंतर, असमानता।

ಈಭೂತಿ ईभूति (तद्) सं.— विभूति (तत्); भस्म।

ಈಯಿಸು ईयिसु (क) क्रि.— दिला; प्रसव करा (प्रे.)।

ಈರ್ ईर् (क) वि.— दो की संख्या। उदा.— ಈರಡಿ ईरडि-दो फुट, ಈರಯ್ದು ಭುಜ ईरय्दु भुज—दस भुजाओं वाले (शिव), ಈರಯ್ದು ಮೊಗ ईरय्दुमोग—दस सिरवाला, दशशिर रावण। ಈರಾರು ईरारु—बारह।

ಈರ್ ईर्, ಈರು ईरु (क) क्रि.— खींच, अपनी ओर लगा, लीख (कंघी करके) निकालना।

ಈರ ईर (क) सं.— गीलापन, आर्द्रता, नमी; शीतलता।

ಈರ ईर (तद्) वि.— वीर (तत्); ಈರಣ್ಣ ईरण्ण—वीरभद्र। ಈರಣ್ಣನ ಮುಂದೆ ಬಸವಣ್ಣ ईरण्णन मुंदे बसवण्ण—ईरण्ण (वीरभद्र) के सामने बसवण्ण (वृषभ) (कह.)।

ಈರಣ ईरण (सम्) सं.— हवा; गमन; आंदोलन, प्रोत्साहन।

ಈರಣಿಗೆ ईरणिगे (क) सं.— लीख निकालने की कंघी।

ಈರಿ ईरि (क) प्र.—मध्यम पुरुष ब.व. प्रत्यय। उदा.— ಮಾಡುತ್ತೀರಿ माडुत्तीरि—करते हैं, ಹೋಗುತ್ತೀರಿ होगुत्तीरि—जाते हैं, ಇರುತ್ತೀರಿ इरुत्तीरि—रहते हैं। ಈರಾ ईरा—प्रश्नसूचक; जैसे—ಮಾಡುತ್ತೀರಾ? माडुत्तीरा?—करते हैं क्या?, ಆಡುತ್ತೀರಾ? आडुत्तीरा?—खेलते हैं क्या?

ಈರಿಣ ईरिण (सम्) सं.—रेगिस्तान, मरुभूमि ऊसर भूमि।

ಈರಿತ ईरित (सम्) वि.— फेंका हुआ, त्यक्त, भेजा हुआ, मारा हुआ, पीटा हुआ।

ಈರಿಸು ईरिसु (क) क्रि.—कंघी से लीख निकाल।

ಈರುಳ್ಳಿ ईरुळ्ळि (क) सं. = ನೀರುಳ್ಳಿ नीरुळ्ळि —प्याज़।

ಈರುಹಣಿಗೆ ईरुहणिगे (क) सं.– लीख निकालने की कंघी।

ಈರು ईरु (क) क्रि.— खींच, शक्ति लगाकर खींच।

ಈರೆ ईरे (क) सं. = ಹೀರೆ हीरे—तुरई (ग्रा.)।

ಈಱು ईरु (क) सं.— मसूड़ा।

ಈರ್ಣ ईर्ण (सम्) वि.— उदित; उन्नत; गया हुआ।

ಈರ್ಮ ईर्म (सम्) सं.— घाव।

ಈರ್ಯೆ ईर्ये (सम्) सं.— इधर-उधर घूमना-फिरना।

ಈರ್ವಾರು ईर्वारु (सम्) सं. = ककड़ी (Cucumis utilissimus)।

ಈರ್ಷಾಲು ईर्षालु, ಈರ್ಷ್ಯಾಲು ईर्ष्यालु (सम्) वि.— डाही, मात्सर्य रखनेवाला।

ಈರ್ಷೆ ईर्षे, ಈರ್ಷ್ಯೆ ईर्ष्ये (सम्) सं.— डाह, मात्सर्य।

ಈಲಿ ईलि, ಈಳಿ ईळि (सम्) सं.— हसिया, छोटी तलवार।

ಈಲಿಕ ईलिक, ಈಲಿ ईलि, ಈಳಿಗೆ ईळिगे (सम्) सं.— छोटी तलवार, घास काटने का आयुध विशेष; तरकारी आदि काटने का आयुध, हसिया।

ಈಲು ईलु (क) सं.— संबंध या रिश्ता, जैसे पशुओं का मनुष्यों के साथ और बच्चों का माता-पिताओं के साथ होता है।

ಈವರು ईवरु, ಈವಲು ईवरु (क) अ.—अभी-अभी, कुछ ही देर पहले।
ಈವಾಗ ईवाग (क) अ.— अब, संप्रति।
ಈವೊತ್ತು ईवोत्तु (क) अ.—अब, इस समय, आज।
ಈಶ ईश (सम्) सं.— स्वामी, प्रभु; राजा; ईश्वर, भगवान, शिव। —ತ್ವ त्व (सम्) सं.— प्रभुता, ईश्वरत्व।
ಈಶಾನ ईशान (सम्) सं.— शिव, अष्टदिक्पालकों में एक, सूर्य; शमी वृक्ष।
ಈಶಾನಿ ईशानि (सम्) सं.— दुर्गा, पार्वती।
ಈಶಾನ್ಯ ईशान्य (सम्) सं.— पूर्व और उत्तर के बीच की दिशा; शिव।
ಈಶಾವಾಸ್ಯ ईशावास्य (सम्) सं.—ईशावास्य उपनिषद्।
ಈಶಿತವ್ಯ ईशितव्य (सम्) वि.—पूजा के योग्य, शासित।
ಈಶಿತ್ಯ ईशित्य (सम्) सं.— राजा, प्रभु, शासक, अधिकारी।
ಈಶಿತ್ವ ईशित्व (सम्) सं.—प्रभुता, अधिकार।
ಈಶ್ವರ ईश्वर (सम्) सं.— स्वामी, प्रभु, शिव, भगवान। —ಗಣ गण—शिवगण। —ಸದ್ಮ सद्म (सम्) सं.—मंदिर, देवालय।
ಈಶ್ವರಿ ईश्वरि (सम्) सं.— स्वामिनी; पार्वती, दुर्गा; एक विषैली जड़ी।
ಈಕ್ಷಣ ईक्षण (सम्) सं.— इच्छा; आकांक्षा, पाश; खोज। —ತ್ರಯ त्रय (सम्) सं.— तीन पाश—पुत्र, पत्नी, और धन का पाश।
ಈಷತ್ ईषत् (सम्) अ.—थोड़ा, कुछ, छोटा।
ಈಷೆ ईषे, ಈಷಾ ईषा (सम्) सं.— गाड़ी का बम, हल का बाँस।
ಈಸ ईस, ಈಸು ईसु (क) सं.— कुम्हड़ा।
ಈಸ ईस (तद्) सं.— ईश (तत्)।
ಈಸರ ईसर (तद्) सं.— ईश्वर (तत्)।
ಈಸು ईसु (क) क्रि.— तैर। —ಆಟ आट (क) सं.— तैरना। —ಕುಂಬಳಕಾಯಿ कुंबळकायि (क) सं.— सूखा कुम्हड़ा जो तैरना सीखने के लिए काम में लाया जाता है।

ಈಸು ईसु (क) क्रि.— दिला, दिलवा, मज़बूर कर, अनुमति दे; बच्चा जना (प्रे.)।
ಈಸು ईसु (क) वि.— इतना, इस परिमाण का। ಈಸೀಸು ईसीसु—इतना-इतना (अनुरणन शब्द)।
ಈಹ ईह (क) सं.— देना।
ಈಹಾ ईहा (सम्) सं.— चाह; अभिलाषा; उद्योग, क्रियाशीलता। —ಮೃಗ मृग (सम्) सं.— भेड़िया; रूपक का एक भेद।
ಈಹಿತ ईहित (सम्) वि.— वांछित, अभिलषित।
ಈಹೆ ईहे (सम्) सं.— दे. ಈಹಾ.
ಈಳೆ ईळे (क) सं.— नारंगी, संतरा, मुसम्बी आदि फल।
ಈಳ್ಯ ईळ्य, ಈಳ್ಳೆಯ ईळ्ळेय (क) सं. = ವೀಳ್ಯ वीळ्य—तांबूल।
ಈಟಿಗೆ ईळिगे (क) सं.— जो सुलझा हुआ हो; निश्चिंतता; स्वतंत्रता।

ಉ उ

ಉ उ—कन्नड-वर्णमाला का पाँचवाँ अक्षर। कई शब्द उकारांत ही होते हैं, जैसे—ಕರು करु (बछड़ा), ಮಾಡು माडु (कर), ಕೊಂಬು कोंबु (सींग), ನೋಡು नोडु (देख) आदि; प्राचीन कन्नड (ह.क.) में जो शब्द व्यंजनांत होते हैं वे आधुनिक कन्नड (होसगन्नड) में उकारांत होते हैं; उदा.—ಕಲ್ कल् (पत्थर) —ಕಲ್ಲು कल्लु, ತಿನ್ तिन् (खा)—ತಿನ್ನು तिन्नु; कुछ तद्भव शब्दों के अंत में 'उ' लगता है; उदा.— ಮನಸ್ಸು मनस्सु (मन), ಯಶಸ್ಸು यशस्सु (यश), ಮೇಧಸ್ಸು मेधस्सु (मेधा); कर्त्ता कारक का चिह्न; जैसे— ರಾಮನು रामनु (राम), ಅಂಬಿಕೆಯು अंबिकेयु (अंबिका), ಪಕ್ಷಿಯು पक्षियु (पक्षी), ಹೇಡಿಯು हेडियु (भीरु) आदि।
ಉಂ उं (क) अ.—और, तथा, एवं (संयोजक); उदा.— ರಾಮನುಂ ಲಕ್ಷ್ಮಣನುಂ रामनुं लक्ष्मणनुं—राम और लक्ष्मण; वि.बो.— हुं (असंतोष का सूचक); बीमार आदमी के मुँह से या नींद के उचट जाने पर निकलनेवाला शब्द 'उं'।
ಉಂಕಿ उंकि, ಉಂಕೆ उंके, ಊಕೆ ऊके (क) सं.— फैलाया हुआ ताना।
ಉಂಕಿಸು उंकिसु (क) क्रि.— देख, अवलोकन कर, परीक्षा कर, ध्यान दे, विचार कर।
ಉಂಕುಣ उंकुण (तद्) सं.— उत्कुण (तत्); खटमल।
ಉಂಗರ उंगर, ಉಂಗುರ उंगुर (क ?) सं.— अंगूठि (इसकी व्युत्पत्ति संभवतः 'अंगुलीय' से है)।
ಉಂಗುಟ उंगुट (तद्) सं.— अंगुष्ठ (तत्); पैर का अंगूठा।
ಉಂಗುಟ್ಟ उंगुट्ट (तद्) सं.—दे. ಉಂಗುಟ।
ಉಂಗುರಕೂದಲು उंगुरकूदलु (क) सं—घुंघराले बाल।
ಉಂಗುರ ಬೆರಳು उंगुरबेरलु (क) सं—अंगूठी पहनने की उंगली, अनामिका।
ಉಂಗ್ರ (क) सं.—दे. ಉಂಗರ.
ಉಂಚ उंच (क) सं. — बाँस की छेददार टोकरी जो मुर्गी, बतख आदि पर ढका जाता है।
ಉಂಚ उंच (तद्) वि.—उच्च (तत्); ऊँचा, श्रेष्ठ, महान्।
ಉಂಛ उंछ (सम्) सं.—अनाज के दानों का संग्रहकार्य। —ವೃತ್ತಿ वृत्ति (सम्) सं.— पेड़-पौधों के नीचे पड़े हुए अनाज के दानों का संग्रह करके ही निर्वाह करना।
ಉಂಜ उंज (सं).— ಪುಂಜ पुंज, ಹುಂಜ हुंज— मुर्गी, कुक्कुट।
ಉಂಟು उंटु (क) क्रि.— वर्तमान है (द. क) ಉಂಟಹುದು उंटहुदु = ಉಂಟಾಗುವುದು उंटागुवुदु—होगा। ಉಂಟಾಗು उंटागु— हो, उत्पन्न हो। ಉಂಟುಮಾಡುವಿಕೆ उंटुमाडुविके —उत्पन्न करना, होने देना। ಉಂಟುಮಾಡಿದ ದೇವರು ಊಟವಕೊಡಲಾರನೋ! उंटुमाडिद देवरु ऊटव कोडलारनो—जिस भगवान् ने उत्पन्न किया (जन्म दिया), वह भोजन नहीं दे सकेगा! (कह.)।

ಉಂಟು उंटु (क) क्रि. = ಉಂಟಾಡು उंटाडु—लुढ़क, एक और से दूसरी ओर गतिमान हो।

ಉಂಡಲಿಗೆ उंडलिगे (क) सं.— एक प्रकार की नमकीन खाने की चीज़ जो चावल से बनाई जाती है, एक प्रकार का दोसा।

ಉಂಡಾಡಿ उंडाडि, ಉಂಡಾಡಿಗ उंडाडिग (क) सं.—केवल खा-पीकर समय वितानेवाला, बेकार मनुष्य।

ಉಂಡಿಗ उंडिग (क) सं. — एकाकी पुरुष जिसके माता-पिता या कोई रिश्तेदार न हो।

ಉಂಡಿಗೆ उंडिगे (क) सं.— मुहर, छाप ; बिना किसी रोक के आने-जाने या यात्रा करने के लिए दिया जानेवाला आज्ञा-पत्र ; एक छोटा छेद, जो फल में बनाया जाता है, यह देखने के लिए कि वह पका है या नहीं।

ಉಂಡು उंडु (क) कृ.— ['ಉಣ್ उण्' (खा) धातु से] —खाकर।

ಉಂಡೆ उंडे (क) सं.— किसी वस्तु (शक्कर, भुना हुआ चूड़ा, इमली, मिट्टी, गोबर आदि) की गोलाकृति।

ಉಂತು उंतु (क) अ.— इस प्रकार, यह, इसमें ; बीच में ; मध्यम रीति से।

ಉಂತೆ उंते (क) अ.— अकारण, यों ही।

ಉಂದಲ್ उंदल् (क) सं.—संग्रह, राशि, ढेर।

ಉಂದು उंदु (क) अ.— अब, इस समय।

ಉಂದುರ उंदुर, ಉಂದುರು उंदुरु (सम्) सं.— चूहा, घूँस।

ಉಂಬಳಿ उंबळि, ಉಂಬಳಿಗೆ उंबळिगे, ಉಂಬುಳಿ उंबुळि, ಉಮ್ಮಳಿ उम्मळि, ಉಮ್ಮಳಿಗೆ उम्मळिगे, ಉಮ್ಮುಳಿ उम्मुळि, ಉಮ್ಮುಳಿಗೆ उम्मुळिगे (क) सं.— दान, निःशुल्क दिया हुआ स्थान, मुफ्त की ज़मीन-जायदाद आदि। —ಗಾರ गार (क) सं.— वह आदमी, जिसको दान की भूमि प्राप्त हुई हो।

ಉಂಬು उंबु (क) क्रि.— खा, भोजन कर (ग्रा.)।

ಉಃ उः (क) वि.बो.— (तिरस्कार सूचक) —छिः !, धत् !

ಉಃಪು उःपु (क) वि.बो.— (दुःख या निराशा का सूचक) —हाय !, ओह !

ಉಕ उक (क) प्र.— संज्ञार्थक प्रत्यय ; उदा.— ಕಟ್ಟುಕ कट्टुक—बांधनेवाला, ತಟ್ಟುಕ तट्टुक—मारने या पीटनेवाला।

ಉಕಾಲ್ उकाल् (अ.दे. ?) सं.— वमन, उलटी (मै. प्र.)। — ಜುಲಾಬ್ जुलाब्—है (Cholera).

ಉಕ್ಕಡ उक्कड (क) सं.— चुंगी या महसूल वसूल करने का स्थान (Octroi) ; सुरक्षित स्थान, डेरे के बाहर का खूँटा, सुरक्षा, पहरा ; एक छोटी रस्सी, जो बड़ी रस्सी के साथ जुड़ाकर कुएँ से पानी खींचने के लिए उपयोग में लायी जाती है। —ಮನೆ मने (क) सं.—चुंगी-घर। — ಹೊಲ होल (क) सं.— बाहरी सीमा में रहनेवाला खेत।

ಉಕ್ಕಂದ उक्कंद (क) वि.— अधिक, बहुत, विशिष्ट, दृढ़। सं.— घर की छत से लगी हुई छोटी तख्ती या बाँस का टुकड़ा जिसपर कपड़े आदि लटकाते हैं। ऐसे दो टुकड़े पास-पास हो तो वे अलमारी (Shelf) के सरीखे होते हैं।

ಉಕ್ಕಲಿಸು उक्कलिसु (क) क्रि. — हाथ से निकल ; सीमा से बाहर हो ; डर, भयभीत हो।

ಉಕ್ಕಲು उक्कलु (क) सं.— आराम, विश्राम ; स्थान ; समय।

ಉಕ್ಕಳಿಕೆ उक्कळिके (तद्) सं. — उत्कलिका (तत्) ; उत्कंठा, चिंता, विकलता, वियोग ; डर, भय ; कली, मुकुल ; लता ; कमंडलु।

ಉಕ್ಕಾ उक्का (अ.दे.) सं.— हुक्का (अरबी)।

ಉಕ್ಕಿವ उक्किव, ಉಕ್ಕೆವ उक्केव (क) सं.— धोखा, ठगई, कपट, छल।

ಉಕ್ಕಿಸು उक्किसु (क) क्रि.— उबाल, औटा।

ಉಕ್ಕು उक्कु, ಉರ್ಕು उर्कु (क) क्रि.— अधिक हो, उबल, औट, छलक, उछल (जल आदि का बर्तन से बाहर आना) सं —मद, नशा ; गर्व ; घमंड ; शक्ति, बल ; फ़ौलाद, पक्का लोहा।

ಉಕ್ಕುಲ उक्कुल (क) सं.— वृद्धि, अधिकता, उफान, छलक।

ಉಕ್ಕುವಿಕೆ उक्कुविके (क) सं. — छलकने, उछलने की क्रिया।

ಉಕ್ಕೆ उक्के (क) सं.—जोताई, हल चलाना। —ಹೊಡೆ होड़े (क) क्रि.—जोत, हल चला।

ಉಕ್ಕೆ उक्के (क) सं.— शेष भाग, बचत।

ಉಕ್ಕೇರು उक्केरु (क) क्रि. — अधिक हो, उछल, छलक जा (अक्. क्रि.)।

ಉಕ್ತ उक्त (सम्) वि.— कहा हुआ, कथित। सं.— शब्द, बात।

ಉಕ್ತಿ उक्ति (सम्) सं.— कथन, बात, शब्द, वचन। — ಕ್ರಮ क्रम (सम्) सं.—उचित रीति से वचन कहना। —ವಿದ विद (सम्) सं.— शब्द जाननेवाला, वैयाकरण।

ಉಕ್ತಿಸು उक्तिसु (सम्) क्रि.— कह, बोल ; घोषणा कर।

ಉಕ್ತೆ उक्ते (सम्) सं.— एक वृत्त का नाम।

ಉಕ್ಥ उक्थे (सम्) सं.— कथन, वचन ; प्रशंसा ; एक वृत्त का नाम।

ಉಕ್ಷ उक्ष (सम्) सं.— बैल, साँड़। —ಗ ग, ಗಮನ गमन, ವಾಹನ वाहन, ಧ್ವಜ ध्वज (सम्) सं.— शिव।

ಉಕ್ಷಣ उक्षण (सम्) सं.—छिड़काव, प्रोक्षण, मार्जन।

ಉಕ್ಷತರ उक्षतर (सम्) सं.—बलवान या बड़ा बैल या साँड़।

ಉಕ್ಷಪತಿ उक्षपति (सम्) सं.— शिव।

ಉಕ್ಷರಾಜ उक्षराज (सम्) सं.— शिव।

ಉಕ್ಷಿತ उक्षित (सम्) वि.— छिड़का हुआ, प्रोक्षित।

ಉಕ್ಷೇಶ್ವರ उक्षेश्वर (सम्) सं.— महादेव।

ಉಖೆ उखे (सम्) सं. — घड़ा, बटलोई, डेगची।

ಉಖ್ಯ उख्य (सम्) वि.— बटलोई में उबाला हुआ।

ಗ उग (क) प्र.— संबंधित, वाला ; उदा.— ಊರುಗ ऊरुग—बस्ती या ग्राम से संबंधित (व्यक्ति) ग्रामीण, (या ग्रामवाला)।

ಗ उग (तद्) सं.— युग (तत्); ಉಗಾದಿ उगादि–युगादि।

ಗನಿ उगनि (क) सं.— एक लता विशेष (Cocculus cordifolius, Lettsomia aggregata)।

ಗಮ उगम (तद्) सं.— उद्गम (तत्); उत्पत्ति स्थान, निकास ; मूल।

ಗರಿಸು उगरिसु (क) क्रि.— कठिनाई से साँस ले।

ಗಳ್ उगळ्, ಉಗಟ್ उगळ्, ಉಗಳು उगळु, ಉಗಟು उगळु (क) क्रि.— थूक, थूक फेंक। सं.— थूक, खखार।

ಗಳಿಸು उगळिसु, ಉಗಟಿಸು उगळिसु, ಉಗುಳಿಸು उगुळिसु, ಉಗುಟಿಸು उगुळिसु, (क) क्रि.— थुका (प्रे.)।

ಉಗಾದಿ उगादि (तद्) सं. — दे. ಉಗ– ಉಗಾದಿಹಬ್ಬ उगादिहब्ब–वर्षादि का त्योहार।

ಉಗಾಭೋಗ उगाभोग (सम्) सं.— एक प्रकार का गेय काव्य।

ಉಗಿ उगि (क) क्रि.— खींच, शक्ति लगाकर खींच, उठा ले, चुरा ले ; विदीर्ण कर, चीर ; बाहर निकाल (जैसे म्यान से तलवार निकालना); नख से क्षत कर, आघात कर, नोच ; फाड़, टुकड़े कर ; डर, भीत हो ; लाँघ, पार कर ; गिर, पड़, चूर-चूर हो ; प्रवेश कर ; गाड़। सं.—बाष्प, भाफ।

ಉಗಿತ उगित (क) सं.— गाड़ने की क्रिया (मै.प्र.)।

ಉಗಿಪದ उगिपद (क) सं.—लूट, अपहरण।

ಉಗಿಬಗಿ उगिबगि, ಉಗಿಬಿಗಿ उगिबिगि (क) क्रि.—विदीर्ण कर, चीर, फाड़।

ಉಗಿಬಂಡಿ उगिबंडि (क) सं.—बाष्प से चलनेवाली गाड़ी, रेल।

ಉಗಿಸು उगिसु (क) क्रि.— गिरा, चोरी करा, लूट करा, निकाल, थुका (प्रे.)।

ಉಗು उगु (क) क्रि.— डाल, छोड़, निकल, शिथिल हो, बह, दौड़, गिर ; घिरा, लगा, फेंक, उल्टा कर, चू।

ಉಗುನಿ उगुनि (क) सं.— वृक्ष विशेष, पीलु सहस्रांगी।

ಉಗುರ್ उगुर्, ಉಗುರು उगुरु (क) सं.= ಉಗುರ उगुर–नख, पंजा। ಉಗುರಲ್ಲಿ ಹೋಗುವುದಕ್ಕೆ ಕೊಡಲಿಯೇ उगुरल्लि होगुवुदक्के कोडलिये–नाख से जो कार्य संभव है, उसके लिए कुल्हाडी की आवश्यकता है? (कहा.)। —ಬೆಚ್ಚಗೆ बेच्चगे—इतना गरम कि नख को गरमी लगे। —ನಂಜು नंजु—घाव को नख से नोंचने से खून में होनेवाली खराबी (या विष)। —ಸುತ್ತು सुत्तु—नख का घाव। —ಒತ್ತು ओत्तु–नख-क्षत के कारण उत्पन्न घाव। —ಕೊನೆ कोने–नख की नोंक।

ಉಗುರಿಸು उगुरिसु (क) क्रि.— नोच, नख से क्षति कर, घायल कर।

ಉಗುಳ್ उगुळ् (क) क्रि.—थूक, मुँह से पानी गिरा, खखार ; तिरस्कार कर, धिक्कार। सं.— थूक।

ಉಗುಳಿಸು उगुळिसु, ಉಗುಟಿಸು उगुळिसु (क) क्रि.—दे. ಉಗಳಿಸು.

ಉಗೆ उगे (क) क्रि.— उत्पन्न हो, जन, बाहर आ, निकल, दिख। सं.— बाष्प, भाफ।

ಉಗ್ಗ उग्ग (क) सं.— रस्सी, जो बर्तन आदि गले में बांधी जाती है।

ಉಗ್ಗಟ उग्गट, ಉಗ್ಗಡ उग्गड (तद्) सं.— उत्कट (तत्); दे. ಉತ್ಕಟ.

ಉಗ್ಗಡ उग्गड, ಉಗ್ಗಡನೆ उग्गडने (क) सं.— पुनरुक्त ध्वनि ; ध्वनि, शोर-गुल ; संगीत या नृत्य में बार-बार उच्चरित किये जानेवाले स्वर ; प्रशंसा।

ಉಗ್ಗಡಿಸು उग्गडिसु (क) क्रि.— बारंबार किसी बात को कह, ध्वनि कर, गुणगान कर (जैसे वंदी-मागध करते हैं)।

ಉಗ್ಗಾರ उग्गार (तद्) स.— उद्गार (तत्); अभिप्राय व्यक्त करना, मत।

ಉಗ್ಗಿ उग्गि (क) वि.— जलने योग्य। — ವಳದೆಣ್ಣೆ वळदेण्णे, ಬಲದೆಣ್ಣೆ बलदेण्णे (क) सं.—जलनेवाला तेल, जलने के योग्य तेल।

ಉಗ್ಗಿ उग्गि (क) सं.= ಹುಗ್ಗಿ हुग्गि–पानी में उबाला गया चना (या मूँग), जिसमें नमक, मिर्च-मसाला डालकर खाया जाता है।

ಉಗ್ಗು उग्गु (क) क्रि.— फेंक, पानी फेंक, फैला ; अटक-अटक कर बोल। सं.— अटक-अटक कर बोलना, तोतली बोली, तुतलाहट।

ಉಗ್ರ उग्र (सम्) वि.— भयंकर, भयावह, भीकर, क्रूर ; गरम ; तीव्र, तीक्ष्ण ; क्रुद्ध। सं.—क्षत्रिय पिता और शूद्र माता की संतान ; शिवजी। — ಗಂಧೆ गंधे (सम्) सं.— चंपा का वृक्ष, चमेली, लहसन, हींग। —ಚಂಡಿ चंडि (कम्) सं.— दुर्गा का नाम।

ಉಗ್ರತೆ उग्रते (सम्) सं.— हिंसा, उद्वेग, क्रोध, क्रूरता।

ಉಗ್ರತ್ವ उग्रत्व (सम्) सं.— दे. ಉಗ್ರತೆ.

ಉಗ್ರದಂಡ उग्रदंड (सम्) सं.— राजदंड ; निर्दयता।

ಉಗ್ರಧನ್ವ उग्रधन्व (सम्) सं.— इंद्र।

ಉಗ್ರಲೋಚನ उग्रलोचन (सम्) सं.— शिवजी।

ಉಗ್ರಶಕ್ತಿ उग्रशक्ति (सम्) सं.— एक राजा का नाम।

ಉಗ್ರಶಾಸನ उग्रशासन (सम्) सं.— कठोर शासन, कठोर आज्ञा।

ಉಗ್ರಸೇನ उग्रसेन (सम्) सं.— कंस के पिता का नाम।

ಉಗ್ರಾಕ್ಷ उग्राक्ष (सम्) सं.— महादेव, शिव।

ಉಗ್ರಾಣ उग्राण (क) सं.—सामान आदि रखने का स्थान, गोदाम, भंडार ; खज़ाना।

ಉಗ್ರಾಣಿ उग्राणि (क) सं.— भंडार घर का रक्षक, भंडार घर के रक्षक का नौकर (मै.प्र.); ग्रामीण सेवक (द.क.)।

ಉಗ್ರಾಣಿಕ उग्राणिक (क) सं.— भंडार घर या गोदाम का रक्षक।

ಉಗ್ರಾಣಿಸು उग्राणिसु (क) क्रि.— ढेर होना, असंख्य होना, असीम होना।

ಉಗ್ರಾಂಬಕ उग्रांबक (सम्) सं.— शिव।

ಉಗ್ರಾಹಿ उग्राहि (सम्) सं.— निशाचर, क्रूर सर्प।

ಉಗ್ರಿ उग्रि (सम्) सं.— एक प्रकार का विष।

ಉಘೆ उघे (क) वि. बो.— वाह! वाह!, शबाश! — ಉಘೆ उघे (दुहराना)।

ಉಚಾಯಿಸು उचायिसु, ಉಚ್ಚಾಯಿಸು उच्चायिसु (क?) क्रि.— पार कर, उल्लंघन कर, लांघ, सीधे प्रवेश कर, समय को लांघ।

ಉಚಿತ उचित (सम्) वि.— योग्य, ठीक, मुनासिब; मुफ्त, निःशुल्क; प्रचलित, आदी, अभ्यस्त; श्लाघ्य, प्रशंसनीय। सं.— पुरस्कार, मुफ्त में दी गयी वस्तु।

ಉಚಿತಜ್ಞ उचितज्ञ (सम्) सं.— वह मनुष्य जो औचित्य को जानता हो, विवेकी पुरुष।

ಉಚ್ಚ उच्च (सम्) वि.— ऊँचा, श्रेष्ठ, महान।

ಉಚ್ಚಂಗಿ उच्चंगि (क) सं.— एक ग्राम का नाम। —ಅಮ್ಮ अम्म, ದುರ್ಗಿ दुर्गि (क) सं.— उस ग्राम की देवी का नाम।

ಉಚ್ಚಟೆ उच्चटे (सम्?) सं.— एक प्रकार की खुशबूदार घास।

ಉಚ್ಚಂಡ उच्चंड (सम्) वि.— तेज़, तीव्र, फुर्तीला; भयंकर, भयावह, क्रुद्ध, कुपित।

ಉಚ್ಚಯ उच्चय (सम्) सं.— संग्रह, ढेर, समूह, समुदाय; नीवी, स्त्री के वस्त्र की ग्रंथि।

ಉಚ್ಚರಣ उच्चरण (सम्) सं. = ಉಚ್ಚರಣೆ उच्चरणे—उच्चारण, कथन; ऊपर या बाहर जाना।

ಉಚ್ಚರಿತ उच्चरित (सम्) वि.— उच्चारण किया हुआ, ऊपर गया हुआ।

ಉಚ್ಚರಿಸು उच्चरिसु (सम्) क्रि.— उच्चारण कर, कह, बोल।

ಉಚ್ಚಲ उच्चल (सम्) सं.—मन; समझ।

ಉಚ್ಚಲಿತ उच्चलित (सम्) वि.— चलने को तैयार, जाने को उद्यत; दूर गया हुआ, ऊपर उड़ा हुआ, छलका हुआ, पृथक।

ಉಚ್ಚಲಿಸು उच्चलिसु, ಉಚ್ಚಳಿಸು उच्चळिसु (सम्) क्रि.— जा, दूर हो, ऊपर जा, छलक, पृथक हो, टुकड़े टुकड़े कर, भेदकर जा, तुरंत निकल।

ಉಚ್ಚವ उच्चव (तद्) सं.— उत्सव (तत्)।

ಉಚ್ಚಾಟನ उच्चाटन, ಉಚ್ಚಾಟನೆ उच्चाटने (सम्) सं.— विश्लेषण, निकास; वियोग, बिछोह; तांत्रिक षट् कर्मों में एक।

ಉಚ್ಚಾಪತಿ उच्चापति, ಉಚಾಪತ उचापत (क?) सं.— वस्तुएँ उधार लेना।

ಉಚ್ಚಾರಣೆ उच्चारणे (सम्) सं.— कथन, निरूपण, बोलना, उच्चारण, कंठस्थ करना, अक्षरों को स्पष्ट कहना।

ಉಚ್ಚಾಲಿಸು उच्चालिसु (सम्) क्रि.— पार कर, लांघ।

ಉಚ್ಚಾವಚ उच्चावच (सम्) सं.— असंबद्ध प्रलाप, बड़बड़ना, मूर्ख वचन। वि.— ऊँचा-नीचा, अनियमित।

ಉಚ್ಚಾಸನ उच्चासन (सम्) सं.— ऊँचा आसन या बैठने का स्थान, सिंहासन, चबूतरा।

ಉಚ್ಚಿ उच्चि (क) सं.— कुत्तों को संबोधित करने का शब्द।

ಉಚ್ಚಿ उच्चि (क) सं.— सिर का अग्र भाग, शिखा, चोटी।

ಉಚ್ಚಿಕೆ उच्चिके (क) सं.—अतिसार, संग्रहणी रोग, पेट की पीड़ा।

ಉಚ್ಚಿಸು उच्चिसु (क) क्रि.—खोल, मुक्त कर।

ಉಚ್ಚು उच्चु, ಉರ್ಚು उर्चु (क) क्रि.— खींच, बाहर निकाल; खोल, बंधन शिथिल कर, सुलझा, ग्रंथि खोल; खुल जा (जैसे पुस्तक खुल जाती है); अलग हो, पृथक हो, मुँह खोल; मुक्त हो; स्वतंत्र हो; सीधे प्रवेश कर, विध जा। सं.— बाहर निकलने, खुलने, सुलझने आदि की स्थिति।

ಉಚ್ಚೂಡ उच्चूड, ಉಚ್ಚೂಲ उच्चूल (सम्) सं. — ध्वज-चिह्न, ध्वज का फहरेरा, पताका।

ಉಚ್ಚೆ उच्चे (क) सं.— पेशाब, मूत्र। ಉಚ್ಚೆಯಲ್ಲಿ ಮೀನು ಹಿಡಿಯಬಹುದೆ? उच्चेयल्लि मीनु हिडियबहुदे?-पेशाब में क्या मछली पकड़ सकते हैं (कह.)। —ಪೀಡೆ पीड़े (क) सं.— मूत्रातिसार, मधुमेह। —ಬುರುಕ बुरुक (क) सं.— बार-बार पेशाब करनेवाला पुरुष। —ಬುರುಕಿ बुरुकि (स्त्री.लि.)। —ರೋಗ रोग (क) सं.— मूत्रातिसार, मधुमेह।

ಉಚ್ಚೈಸ್ उच्चैस् (सम्) अ.— ऊँचा, ऊपर, ऊपर की ओर, जोर की आवाज़ के साथ, बहुत अधिक, बहुतायत।

ಉಚ್ಚೈಃಶ್ರವ उच्चैःश्रव (सम्) सं.—दीर्घ कर्ण-वाला, इंद्र का घोड़ा।

ಉಚ್ಚೈಸ್ತರ उच्चैस्तर (सम्) वि.—असाधारण, श्रेष्ठ, दैविक, अत्यंत ऊँचा।

ಉಚ್ಚೈರ್ಧ್ವನಿ उच्चैर्ध्वनि, ಉಚ್ಚೈರ್ಘೋಷ उच्चैर्घोष (सम्) सं.— ऊँची आवाज़ से घोषणा करना।

ಉಚ್ಛಾದನ उच्छादन (सम्) सं.— शरीर को सुगंधित वस्तु या तेल से मालिश करना।

ಉಚ್ಛಾಸನ उच्छासन (सम्) वि.— अदम्य, दुरंत, दुष्ट।

ಉಚ್ಛಿಷ್ಟ उच्छिष्ट (सम्) सं.— जूठा, बचा हुआ।

ಉಚ್ಛೀರ್ಷಕ उच्छीर्षक (सम्) वि.— तकिया, सिर।

ಉಚ್ಛೃಂಖಲ उच्छृंखल (सम्) वि.— बेलगाम का, असंयत, असंयमी, स्वेच्छाचारी, डँवा-डोल।

ಉಚ್ಛೋಷಣ उच्छोषण (सम्) सं.— सुखाने-वाला, कुम्हालनेवाला।

ಉಚ್ಛ್ರಯ उच्छ्रय, ಉಚ್ಛ್ರಾಯ उच्छ्राय (सम्) सं. — ऊँचाई, उठान, उन्नति, विकास, सघनता।

ಉಚ್ಛ್ರಿತ उच्छ्रित (सम्) वि.— उठा हुआ, उच्च, उन्नत, ऊपर गया हुआ, गर्वीला।

ಉಚ್ಛ್ವಾಸ उच्छ्वास (सम्) सं.— ऊपर को खींची हुई साँस, उसाँस, निःश्वास।

ಉಜಾಡು उजाडु (अ.दे.) सं.—उजाड़, उजार, निर्जन स्थान, अरण्य।

ಉಜೂರು उजूरु (अ.दे.) सं.- गौरव; भेद, अंतर।

ಉಜ್ಜನಿತ उज्जनित (सम्) वि. — उत्पन्न, जनित, प्राप्त, उपलब्ध, निकला हुआ।

ಉಜ್ಜವಣೆ उज्जवणे (तद्) सं.— उद्यापनम् (तत्); समाप्ति, अवसान।

ಉಜ್ಜಳ उजळ (तद्) वि.— उज्वल (तत्); प्रकाशमान, कांतियुक्त ।

ಉಜ್ಜಳಿಕೆ उज्जळिके (तद्) सं.— उज्वलता (तत्); प्रकाश, कांति ।

ಉಜ್ಜಾಸನ उज्जासन (सम्) सं.— हत्या, मारण, घात, मार डालना ।

ಉಜ್ಜಿಸು उज्जिसु (क) क्रि.— लगवा, रगड़ा (प्रे.) ।

ಉಜ್ಜೀವ उज्जीव (सम्) सं.— फिर से जीवित करना, पूर्व रूप में लाना ।

ಉಜ್ಜೀವಿಸು उज्जीविसु (सम्) क्रि.— फिर से जीवित कर, जीवन-दान कर ।

ಉಜ್ಜು उज्जु (क) क्रि.— रगड़, लगा । —ಕೊರಡು कोरडु (क) सं.— लकड़ी या काठ को चिकना करने का आयुध ।

ಉಜ್ಜುಗ उज्जुग (तद्) सं.— उद्योग (तत्); काम, नौकरी ।

ಉಜ್ಜುಗಿಸು उज्जुगिसु (तद्) क्रि.=ಉದ್ಯೋಗಿಸು उद्योगिसु—काम कर, काम में लग; प्रयत्न कर ।

ಉಜ್ಜೃಂಭಿತ उज्जृंभित (सम्) वि.—विकसित; खुला; उत्पन्न; खिला, प्रफुल्लित; विस्तृत; मुँह खुला, जंभाई लिया हुआ ।

ಉಜ್ಜೇಣಿ उज्जेणि (तद्) सं.— उज्जयिनी (तत्) ।

ಉಜ್ವಲ उज्वल, ಉಜ್ಜ್ವಲ उज्ज्वल, ಉಜ್ಜ್ವಳ उज्ज्वळ, ಉಜ್ಜಳ उज्जळ (सम्) वि.— चमकीला, कांतिमान, मनोहर, सुंदर, स्वच्छ, प्रकाशमान । —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— प्रकाशमान हो । —ತೆ ते (सम्) सं.—कांति, चमक, शोभा ।

ಉಜ್ಜ್ವಲನ उज्ज्वलन (सम्) सं.— प्रदीप्त, चमकीला, चमक, कांति ।

ಉಜ್ಜ್ವಲವಿದ್ಯೆ उज्ज्वलविद्ये (सम्) सं.— सुंदर और अच्छी विद्या ।

ಉಜ್ಜ್ವಲಿತ उज्ज्वलित (सम्) वि.—चमकदार, शोभायुक्त ।

ಉಜ್ಜ್ವಾಲ उज्ज्वाल (सम्) सं.— ज्वाला, दीप्ति, लौ ।

ಉಜ್ಝಿತ उज्झित (सम्) वि.— त्यक्त, त्यागा हुआ, छूटा, छोड़ा हुआ ।

ಉಟಜ उट (सम्) सं.— पत्ते, घास आदि जो झोंपड़ी या कुटी बनाने में काम आते हैं । —ಜ ज (सम्) सं.— कुटी, पर्णशाला ।

ಉಟಾಯಿಸು उटायिसु (अ.दे.) क्रि.—('उठाना' से) उठा, ऊँचा कर ।

ಉಟ್ಟ उट्ट, ಉಟ್ಟು उट्टु, ಉರಟು उरटु, ಉರಟ उरट (क) सं.— मोटापन, गाढ़ापन (जैसे कपड़े, धागे आदि का होता है) ।

ಉಟ್ಟರ उट्टर (क) सं. = ಉಟ್ರು उट्रु—नीवी, कमर में बांधी हुई साड़ी की वह गाँठ जिसे स्त्रियाँ पेट के नीचे डोरी से या यों ही बांधती हैं ।

ಉಟ್ಟಿ उट्टि (क) सं.— गाली, बुरे वचन, दुर्भाषा; ताक, ताखा, आला; छत्ता ।

ಉಟ್ಟು उट्टु (क) सं.— गोलाकार वस्तु; लंगर; छोटा डंडा, नाव खेने का डंडा ।

ಉಟ್ಟು उट्टु (क) क्रि.— जन्म ले । सं.—जन्म (ग्रा.) ।

ಉಟ್ಲು उट्लु (तेलुगु) सं.— ताक (ಉಟ್ಟಿ का ब.व.) । - ಉಟ್ಲಾಟ उट्लाट (क) सं.— दे. ಉಆಡೆ.

ಉಠಾಉಠಿ उठाउठी (हिं. ?) अ.—शीघ्र, तुरंत, फ़ौरन ।

ಉಡ उड, ಉಡು उडु (क) सं.— गिरगिट, छिपकली की जाति का एक प्राणी ।

ಉಡ उड (क) सं.— कमर, कटि । —ದಾರ दार (क) सं.— कटिसूत्र, मेखला, मौंजी ।

ಉಡಗಿಸು उडगिसु (क) क्रि.— झाड़ू-बुहार करा, साफ़ करा; कम करा, निर्बल करा (प्रे.) ।

ಉಡಗು उडगु, ಉಡುಗು उडुगु (क) क्रि.— झाड़ू-बुहार कर, झाड़ना; कम हो, दुर्बल हो, सिकुड़, ठिठुर; दबा, प्रतिबंध कर ।

ಉಡಪು उडपु, ಉಡುಪು उडुपु (क) सं.— पहनावा, पोशाक ।

ಉಡಲು उडलु (क) सं.— दे.— ಉಡಿಲ್.

ಉಡಸು उडसु (क) क्रि.— पहना (प्रे.) ।

ಉಡಾಫೆ उडाफ़े (अ. दे.) सं.— विरोध, अस्वीकृति; उपेक्षा, गाली ।

ಉಡಾಯಿಸು उडायिसु (हिं.) क्रि.— उपेक्षा कर, अस्वीकार कर (मे. प्र.) ।

ಉಡಾಳ उडाळ (क) सं.— चंचलचित्त, सुस्त, बेकार मनुष्य ।

ಉಡಿ उडि (क) क्रि.— काट, टुकड़े-टुकड़े हो, टुकड़े होकर विकीर्ण हो (अक्. क्रि.); दबा, कुचल, तोड़, फाड़, ठूँस । सं.— टुकड़ा, अंश; एक बीमारी; कटि, नितंब; धोती या साड़ी में सामान या छोटी-छोटी वस्तुएँ रखने के लिए बनी थैली या थैली का आकार । — ಕೂಸು कूसु, ಗೂಸು गूसु (क) (क) सं.— नन्हा बच्चा जो माता की गोद (या साड़ी की थैली—'ಉಡಿ') में रहता है, वह बच्चा जिसका पालन-पोषण सावधानी से करना पड़ता है । —ಕಳ್ಳಿ कळ्ळि, ಗಳ್ಳಿ गळ्ळि (क) सं.—सुपारी रखने की छोटी थैली जो कमर में बांदी जाती है । —ದಾರ दार (क) सं.— दे. ಉಡದಾರ.

ಉಡಿ उडि (क) क्रि.—पहन, वस्त्रादि धारण कर । सं.—एक पौधा विशेष, अजशृंगी (Odina wodier) ।

ಉಡಿಕೆ उडिके, ಉಡಿಗೆ उडिगे, ಉಡುಗು उडुगु (क) सं. — पहनावा, पोशाक । — ಗಣ್ಣ गण्ण (क) सं.— वह मनुष्य जिसने विधवा से विवाह किया हो । ಉಡಿಕೆ ಗಂಡನ ಉಪದ್ರವ ಬಹಳ उडिके गंडन उपद्रव बहळ—विधवा को व्याहा पुरुष बहुत तंग करता है (कह.) । —ಮಾಡು माडु (क) क्रि.— विधवा को चोली या साड़ी देना और इस प्रकार उसे अपनी पत्नी बनाना । —ಯವಳು यवळु (क) सं.— विधवा, जिसने दूसरा विवाह किया हो ।

ಉಡಿಗು उडिगु (क) क्रि.— झाड़ना, झाड़ू-बुहार करना ।

ಉಡಿಲ್ उडिल् (क) सं.— दे. ಉಡಿ (अंतिम अर्थ) ।

ಉಡಿಸು उडिसु (क) क्रि.— चूर-चूर कर, टुकड़े कर; पहना, धारण करा (प्रे.) ।

ಉಡು उडु (क) क्रि·— वस्त्रादि धारण कर। —ಕೆರೆ क़ेरे, ಗೆರೆ ग़ेरे, ಗೊರೆ ग़ोरे, ಗೆ गे़ (क) सं.— उपहार, भेंट ; विवाह में वर-वधू को उपहार में दिये जानेवाले वस्त्र । —ತೊಡಿಗೆ तो़डुगे़ (क) सं·— दोहरा पहनावा (अनुरणन शब्द । — ಸೀರೆ सीरे़ (क) सं· — काछ बांधने की साड़ी, काछनी ।

ಉಡು उडु (क) सं.— कटि, कमर ; छिपकली की जाति का एक प्राणी ।

ಉಡು उडु (सम्) सं.— नक्षत्र ; जल, पानी ।

ಉಡುಕ उडुक (क) सं.— कटि-वस्त्र ।

ಉಡುಕಿಸು उडुकिसु (क) क्रि.— सीधा कर, बांध, कसकर बांध, दबा ; प्रतिबंध कर, अधीन में ला।

ಉಡುಕೆ उडुके़ (क) सं·— दे. ಉಡಿಕೆ.

ಉಡುಗ उडुग (क) सं. = ಹುಡುಗ हुडुग-लड़का (ग्रा.) ।

ಉಡುಗಿ उडुगि (क) सं. = ಹುಡುಗಿ हुडुगि-लड़की (ग्रा·) ।

ಉಡುಗಿಸು उडुगिसु (क) क्रि.—दे. ಉಡಗಿಸು.

ಉಡುಗು उडुगु (क) क्रि.— संकुचित हो, संकीर्ण हो, सिकुड़, कम हो, न्यून हो ; अनुपस्थित हो, अदृश्य हो, रुक जा, बंद हो जा ; झुक ; छोड़, निकाल, ओझल हो ।

ಉಡುಗು उडुगु (क) क्रि·— झाड़, साफ़ कर ।

ಉಡುಗೆ उडुगे़ (क) सं·— पोशाक, पहनावा । —ತೊಡುಗೆ तो़डुगे़ (क) सं· — दोहरा पहनावा ।

ಉಡುತ उडुत (क) सं.— दे. ಉಡುಕ.

ಉಡುತೆ उडुते़ (क) सं.— गिलहरी ।

ಉಡುದೇವ उडुदेव, ಉಡುಪ उडुप, ಉಡುಪತಿ उडुपति, ಉಡುರಾಜ उडुराज (सम्) सं.— चंद्रमा ।

ಉಡುಪ उडुप (सम्) सं.— छोटी नाव, नैया ।

ಉಡುಪಖಂಡ उडुपखंड (सम्) सं·— अर्ध चंद्र ।

ಉಡುಪಖಂಡಶಿಖಂಡ उडुपखंडशिखंड, ಉಡುಪಜೂಟ उडुपजूट (सम्) सं.— शिव ।

ಉಡುಪು उडुपु (क) सं.— वस्त्र-आभूषण ।

ಉಡುಂಬರಿಕೆ उडुंबरिके़ (सम्) सं.— उदुंबर ।

ಉಡುರು उडुरु, ಉಡ್ರು उड्रु (क) सं.— बैल या साँड की पीठ पर का उभरा हुआ भाग ।

ಉಡುಲು उडुलु (क) सं.— दे. ಉಡಿಲ್.

ಉಡುವರ उडुवर (सम्) सं. — चंद्रमा ।

ಉಡುವೆ उडुवे़ (क) सं — अरण्य, जंगल ।

ಉಡೆ उडे़ (क) सं·— कमर, कटि ; पहनने के वस्त्र । —ಮಣಿ मणि (क) सं· — रत्नखचित मेखला ।

ಉಡ್ಡಿ उड्डि (क) सं.—ढेर, राशि साधारणतया तीन वस्तुओं की राशि ।

ಉಡ್ಡೀನ उड्डीन (सम्) सं.— उड़ान, चिड़ियों की विशेष प्रकार की उड़ान ।

ಉಡ್ಡುರ್ಕೆ उड्डुर्क (क) सं.— क्रोध या रोष प्रकट करने का स्वर ।

ಉಣ್ उण्, ಉಣ್ಣು उण्णु (क) क्रि.— खा, भोजन कर ; अनुभव कर, मज़ा कर ।

ಉಣಚಿ उणचि (क) सं.— एक मछली विशेष ; वृंत (अनाज आदि का) ।

ಉಣಿಕೆ उणिके़ (क) सं.—खाना खाना ।

ಉಣಿಸು उणिसु (क) क्रि.— खाना खिला । सं.—भोजन, खाना ।

ಉಣ್ಣವಳಿಯದು उण्णवळियदु (क) अ.— अधिक, बहुत, अतिशय रूप से ।

ಉಣ್ಣಿ उण्णि (क) सं.—भोजन ; खाना खाना ; गाय-बैलों के शरीर पर रहनेवाला छोटा कीड़ा ।

ಉಣ್ಣಿಸು उण्णिसु (क) क्रि·— खाना खिला, भोजन करा ।

ಉಣ್ಣು उण्णु (क) क्रि.— खाना खा, भोजन कर ।

ಉಣ್ಣು उण्णु (क) सं. = ಹುಣ್ಣು हुण्णु–घाव (ग्रा·) ।

ಉಣ್ಣೆ उण्णे़ (तद्) सं· — ऊर्णा (तत्) ; ऊन ।

ಉಣ್ಮು उण्मु (क) क्रि·— हो, उत्पन्न हो, जन, निकल, बाहर आ ; उद्गत हो, उभर ।

ಉತ್ उत् (सम्) अ.— संदेह, प्रश्न, विचार और अधिकता का सूचक अव्यय ।

ಉತ उत (सम्) अ.— अथवा, या, और ।

ಉತ उत (क) प्र.— 'हुए' का सूचक प्रत्यय ; उदा.— ನಮಿಸುತ नमिसुत-नमस्कार करते हुए, ಎನುತ एनुत-कहते हुए, ಜಾರುತ जारुत-फ़िसलते हुए ।

ಉತಾವಳಿ उतावळि (अ.दे.) सं.–उतावलापन ।

ಉತಾಹೋ उताहो (सम्) अ.— या, या तो ।

ಉತುಂ उतुं (क) कृ.— वर्तमानकालिक कृदंत । उदा.—ನಗುತುಂ ಬಂದಂ नगुतुं बंदं-(वह) हँसता (हुआ) आया ।

ಉತ್ಕ उत्क (सम्) वि.— अभिलाषी, चाह करनेवाला ; अमनस्क, उदासी, दुःखी ।

ಉತ್ಕಟ उत्कट (सम्) वि.— बड़ा, लंबा, चौड़ा ; अधिक, अत्यधिक ; बलवान्, भयंकर ; संपन्न ; मदमत्त, पागल ; श्रेष्ठ, उच्च ; विषम ।

ಉತ್ಕಟಿಸು उत्कटिसु (सम्) क्रि.— सीमा पार कर, उल्लंघन कर ।

ಉತ್ಕಂಠಿತ उत्कंठित (सम्) वि·— चाहा हुआ, प्रबल रूप से इच्छित, ललचाया हुआ ।

ಉತ್ಕಂಠಾ उत्कंठा, ಉತ್ಕಂಠೆ उत्कंठे (सम्) सं.— लालसा, प्रबल इच्छा ।

ಉತ್ಕರ उत्कर (सम्) सं·— समूह, राशि, ढेर, आधिक्य ।

ಉತ್ಕರ್ಷ उत्कर्ष (सम्) सं.— आधिक्य, उच्चता, श्रेष्ठता ; संतोष, प्रसन्नता ; वृद्धि, उन्नति ।

ಉತ್ಕಲ उत्कल (सम्) सं.— उड़ीसा ।

ಉತ್ಕಲಿಕಾ उत्कलिका, ಉತ್ಕಲಿಕೆ उत्कलिके़ (सम्) सं·— उत्कंठा, चिंता, विकलता ; हेला ; उत्सुकता, कौतूहल ; लहर, तरंग ; कमंडलु ; कली, कोरक ; लता, वल्लरी ।

ಉತ್ಕೀರ್ಣ उत्कीर्ण (सम्) वि.— विकीर्ण, फैला हुआ ; छेद किया हुआ ; मिला हुआ ; ढेर हुआ ।

ಉತ್ಕುಣ उत्कुण (सम्) सं.— खटमल ; चीलहर ; जूँ ।

ಉತ್ಕೃಷ್ಟ उत्कृष्ट (सम्) वि.— श्रेष्ठ, उत्तम, अच्छा, सुंदर ; खींचा हुआ ।

ಉತ್ಕೋಚ उत्कोच (सम्) सं.— रिश्वत, घूँस ।

ಉತ್ಕ್ರಮ उत्क्रम (सम्) सं.— प्रस्थान ; नियमविरुद्धता ; उछाल, फलांग ।

ಉತ್ಕ್ರಮಣ उत्क्रमण (सम्) सं.—निकास, उछाल, प्रस्थान ; मृत्यु । — ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— पार हो, प्रस्थान कर ।

ಉತ್ಕ್ರಾಂತಿ उत्क्रांति (सम्) सं.— उछाल, प्रस्थान, बाहर निकलना ।

ಉತ್ಕ್ರೋಶ उत्क्रोश (सम्) सं.— शोरगुल, कोलाहल ; घोषणा, ढिंढोरा ; कुररी ।

ಉತ್ಕ್ಷೇಪ उत्क्षेप (सम्) सं.— फेंकना, विकीर्ण करना ।

ಉತ್ಖಾತ उत्खात (सम्) वि.— निकाला हुआ, खोदा हुआ, पदभ्रष्ट ।

ಉತ್ತ उत्त, ಉತ್ತಾ उत्ता (क) प्र.— वर्तमान कालिक कृदंत का सूचक ; उदा.—ನಗುತ್ತಾ ನಗುತ್ತಾ नगुत्ता-नगुत्ता —हँसते-हँसते ।

ಉತ್ತಂಸ उत्तंस (सम्) सं.— मुकुट का रत्न, सीसफूल ; कान की बाली या झुमका ।

ಉತ್ತಂಡ उत्तंड (सम्) सं.— सोने का हार, (मै.प्र.) ।

ಉತ್ತಂಡಾಲು उत्तंडालु (सम्) सं.— दे. ಉತ್ತಂಡ.

ಉತ್ತತ್ತಿ उत्तत्ति, ಉತ್ತುತ್ತೆ उत्तुत्ते, ಉತ್ತೊತ್ತೆ उत्तोत्ते (क) सं.— सूखा खजूर ।

ಉತ್ತಪ್ತ उत्तप्त (सम्) वि.— बहुत गरम ; रुष्ट, क्रुद्ध । सं.— सूखा मांस ।

ಉತ್ತಮ उत्तम (सम्) वि.— श्रेष्ठ, उत्कृष्ट । सं.— ध्रुव के भाई का नाम ; अच्छा आदमी । ಉತ್ತಮನು ಎತ್ತ ಹೋದರೂ ಶುಭವೇ उत्तमनु एत्त होदरू शुभवे—अच्छा आदमी जहाँ भी जाता है, शुभ ही होता है (कह.) ।

ಉತ್ತಮರ್ಣ उत्तमर्ण (सम्) सं.— कर्ज़ देनेवाला, साहुकार ।

ಉತ್ತಮಶ್ಲೋಕ उत्तमश्लोक (सम्) सं.— पुण्यपुरुष, कीर्तिमान् , प्रशंसा का पात्र ।

ಉತ್ತಮಾಂಗ उत्तमांग (सम्) सं.— सिर, मस्तक ।

ಉತ್ತಮಾಧಮ उत्तमाधम (सम्) वि.— श्रेष्ठ-कनिष्ठ, उच्च-नीच ।

ಉತ್ತಮಿಕೆ उत्तमिके (सम्) सं.— श्रेष्ठता, महानता, अच्छाई ।

ಉತ್ತಮೋತ್ತಮ उत्तमोत्तम (सम्) वि.— अत्यंत श्रेष्ठ, सर्वोत्तम ।

ಉತ್ತರ उत्तर (सम्) वि.— उत्कृष्ट, सर्वश्रेष्ठ, अच्छा, संपन्न ; पीछे का, पिछला, अगला, बाद का । सं.— उत्तर दिशा ; भविष्य ; पार होना, उतरना ; शिव का नाम, विराट के पुत्र का नाम । —ಕ್ರಿಯೆ क्रिये (सम्) सं.— क्रिया-कर्म, मृतक के निमित्त होनेवाला कर्म । —ಕೊಡು कोडु (सम्) क्रि.— जवाब दे ; विरुद्ध वचन कह । —ನಿಲ್ಲಿಸು निल्लिसु (सम्) क्रि.— निरुत्तर कर, मौन कर (मुह.) ।

ಉತ್ತರಂಗ उत्तरंग (सम्) सं.— द्वार का चौखट । वि. — लहरों से डूबा हुआ, कंपायमान ।

ಉತ್ತರಚ್ಛದ उत्तरच्छद (सम्) सं.— चादर, पलंगपोशा ।

ಉತ್ತರಣ उत्तरण (सम्) सं.— पार होना ।

ಉತ್ತರಣಿ, उत्तरणि, ಉತ್ತರಣೆ उत्तरणे, ಉತ್ತರಾಣಿ उत्तराणि, ಉತ್ತರೇಣಿ उत्तरेणि (क) सं.— अपामार्ग, एक घास विशेष ।

ಉತ್ತರದಿಗ್ವರ उत्तरदिग्वर (सम्) सं.— कुबेर ।

ಉತ್ತರದೇಶ उत्तरदेश, ಉತ್ತರದೇಸ उत्तरदेस (सम्) सं.— उत्तरभारत ।

ಉತ್ತರಪಕ್ಷ उत्तरपक्ष (सम्) सं.— कृष्णपक्ष ; प्रतिवादी ।

ಉತ್ತರಪೂಜೆ उत्तरपूजे (सम्) सं.— अंतिम पूजा ; अपमान करना (धा. प्र.) ।

ಉತ್ತರಮೀಮಾಂಸ उत्तरमीमांस (सम्) सं.— वेदांत दर्शन ।

ಉತ್ತರವಯಸ್ಸು उत्तरवयस्सु (सम्) सं.— बुढ़ापा, वृद्धावस्था ।

ಉತ್ತರವಾದಿ उत्तरवादि (सम्) सं.—प्रतिवादी, प्रतिपक्षी ।

ಉತ್ತರಸಾಧಕ उत्तरसाधक (सम्) सं.— सहायक, मददगार ।

ಉತ್ತರಾ उत्तरा (सम्) सं.— नक्षत्र विशेष ; विराट की पुत्री का नाम ।

ಉತ್ತರಾಧಿಕಾರಿ उत्तराधिकारि (सम्) सं.— वारिस, संपत्ति पाने का हक़दार ।

ಉತ್ತರಾಭಿಮುಖ उत्तराभिमुख (सम्) वि.— उत्तर की ओर मुख किया हुआ या मुड़ा हुआ, उत्तर दिशा में गया हुआ ।

ಉತ್ತರಾಯಣ उत्तरायण (सम्) सं.— वे छः मास, जिनमें सूर्य की गति उत्तर की ओर झुकी हुई होती है ; उत्तरी मार्ग ।

ಉತ್ತರಾಯಿ उत्तरायि (सम्) सं.— जो निंदा न करता हो, परकीय ।

ಉತ್ತರಾಶಪತಿ उत्तराशपति (सम्) सं.— कुबेर ।

ಉತ್ತರಾಸಂಗ उत्तरासंग (सम्) सं.— ऊपर पहनने का वस्त्र, चादर ।

ಉತ್ತರಿಗೆ उत्तरिगे (तद्) सं.— उत्तरीय (तत्) ; उत्तरीय ।

ಉತ್ತರಿಸು उत्तरिसु (सम्) क्रि.— उत्तर दे, जवाब दे ; हुक्म दे ।

ಉತ್ತರೀಯ उत्तरीय, ಉತ್ತರೀಯಕ उत्तरीयक (सम्) सं.— ऊपर पहनने का वस्त्र ।

ಉತ್ತರೆ उत्तरे (सम्) सं.— दे. ಉತ್ತರಾ.

ಉತ್ತರೇದ್ಯುಃ उत्तरेद्युः (सम्) अ.— कल, अगला दिन ।

ಉತ್ತರೋತ್ತರ उत्तरोत्तर (सम्) अ.— अधिक-अधिक, सदा बढ़नेवाला । सं.— विजय, सुख ।

ಉತ್ತ उत्त, ಉತ್ತಲ್ उत्तल् (क) अ.— उधर, वहाँ, बहुत दूर ।

ಉತ್ತವಳಿಕೆ उत्तवळिके (क) सं. — प्रयत्न, कोशिश ।

ಉತ್ತಾನ उत्तान (सम्) वि.— फैला हुआ, बिछा हुआ, प्रसारित ; स्पष्ट, साफ़ । — (सम्) सं.— कुश्ती लड़ने का एक दाँव —ಪಾದ पाद (सम्) सं.— ध्रुव के पिता का नाम । —ಶಯ शय (सम्) सं.— दुधमुँह बच्चा ।

ಉತ್ತಾನಿತ उत्तानित (सम्) वि.— ऊपर को मुँह किया हुआ या मुड़ा हुआ, मिला या जुड़ा हुआ ।

ಉತ್ತಾರ उत्तार (सम्) सं.— उतारा, ढुलाई, नाव पर लदे माल का उतरना। (क ?) सं.— लौटाना, वापस देना, ऋण चुकाना (मै.प्र.) ; ग्राम के अधिकारी को उसकी सेवा के बदले मुफ़्त में दी हुई सरकार की ज़मीन जिसके लिए भू-कर नहीं देना पड़ता है।

ಉತ್ತಾರಣ उत्तारण (सम्) सं.— उतारा, रक्षण।

ಉತ್ತಾಲ उत्ताल, ಉತ್ತಾಳ उत्ताळ (सम्) वि.— बड़ा, बलवान, तेज़, ऊँचा, चपल, कष्टकर।

ಉತ್ತೀರ್ಣ उत्तीर्ण (सम्) वि.— उतरा हुआ, पार किया हुआ, आगे बढ़ा हुआ, रक्षित, मुक्त, कृतज्ञता से मुक्त।

ಉತ್ತು उत्तु (क) कृ.— ('ಉಳು या ಉಳ್' ='जोत' धातु से) — जोतकर, बीज बोकर।

ಉತ್ತುಂಗ उत्तुंग (सम्) वि.— उन्नत, श्रेष्ठ, उच्च, ऊँचा।

ಉತ್ತುಮ उत्तुम (तद्) वि.— उत्तम (तत्)।

ಉತ್ತೆ उत्ते (क) प्र.— अन्य पुरुष न.लिं. का प्रत्यय ; उदा.— ಇರುತ್ತೆ इरुत्ते-है, ಬರುತ್ತೆ बरुत्ते-आता है, ಆಡುತ್ತೆ आडुत्ते-खेलता है।

ಉತ್ತೇಜಕ उत्तेजक (सम्) वि.— प्रेरक, उभाड़नेवाला, उकसानेवाला।

ಉತ್ತೇಜನ उत्तेजन (सम्) सं.— प्रोत्साहन, उत्साह, उल्लास, बढ़ावा।

ಉತ್ತೇಜಿತ उत्तेजित (सम्) वि.— प्रेरित, उल्लसित।

ಉತ್ತೋಲನ ದಂಡ उत्तोलनदंड (सम्) सं.— भारी चीज़ को उठाने के लिए काम में लाया जानेवाला लकड़ी या लोहे का डंडा।

ಉತ್ಥ उत्थ (सम्) वि.— उत्पन्न हुआ, पैदा हुआ, निकला हुआ।

ಉತ್ಥಾನ उत्थान (सम्) सं.—उदय, उत्पत्ति; उद्योग, प्रयत्न ; युद्ध के लिए प्रस्थान ; आँगन ; अच्छी औषधि ; प्रसन्नता ; पुस्तक। —ದ್ವಾದಶಿ द्वादशि (सम्) सं.— कार्तिक शुक्ला १२।

ಉತ್ಥಾಪನ उत्थापन (सम्) सं.— उठाना, जगाना ; प्रतिष्ठा, स्थापना।

ಉತ್ಥಿತ उत्थित (सम्) वि.— उठा हुआ, खड़ा हुआ, स्थापित, उत्पन्न ; प्रयत्न किया हुआ।

ಉತ್ಪತನ उत्पतन (सम्) सं.—उड़ान, उछाल, फलांग, कुदान।

ಉತ್ಪತ್ತಿ उत्पत्ति (सम्) सं.— जन्म; उत्पादन, उद्गम ; लाभ, प्रयोजन।

ಉತ್ಪಥ उत्पथ (सम्) सं. — बुरा मार्ग, असन्मार्ग ; अपराध, पाप ; आकाश।

ಉತ್ಪನ್ನ उत्पन्न (सम्) कृ.— पैदा हुआ, निकला हुआ ; कमाया हुआ।

ಉತ್ಪಲ उत्पल (सम्) सं.— नील कमल, कुमुदिनी। —ಮಾಲೆ माले (सम्) सं.— एक वृत्त का नाम। —ಮಿತ್ರ मित्र, ಸಖ सख (सम्) सं.—चंद्रमा। —ಅಶ್ಮ आश्म (सम्) सं.— चंद्रकांत पत्थर।

ಉತ್ಪವನ उत्पवन (सम्) सं.— शुद्धीकरण, पवित्र, करना, साफ़ करना।

ಉತ್ಪಾಟನ उत्पाटन (सम्) सं.— जड़ से उखाड़ डालना, नष्ट करना।

ಉತ್ಪಾತ उत्पात (सम्) सं.—उछाल, उड़ान; अपशकुन, भूकंप आदि अशुभसूचक घटनाएँ।

ಉತ್ಪಾತಕ उत्पातक (सम्) सं. —दे. ಉತ್ಪಾತ. दुष्ट, हठीला।

ಉತ್ಪಾದ उत्पाद, ಉತ್ಪಾದನ उत्पादन, ಉತ್ಪಾದನಾ उत्पादना (सम्) सं.- उत्पत्ति, जन्म, प्राकट्य, प्रादुर्भाव ; पैदा करना। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— पैदा कर, उत्पन्न कर।

ಉತ್ಪಿಂಜ उत्पिंज, ಉತ್ಪಿಂಜಲ उत्पिंजल (सम्) वि.— अव्यवस्थित, उलझा हुआ, गड़बड़।

ಉತ್ಪಿಹಿತ उत्पिहित (सम्) वि.— ढका हुआ, बंद।

ಉತ್ಪುಲಕ उत्पुलक (सम्) वि.— उल्लसित, आनंदित।

ಉತ್ಪ್ರಾಸ उत्प्रास (सम्) सं. — अट्टहास ; उभार, उठान ; हिंसा।

ಉತ್ಪ್ರೇಕ್ಷಣ उत्प्रेक्षण (सम्) सं.— चितवन, अवलोकन, ऊहा ; ऊपर की ओर देखने की क्रिया।

ಉತ್ಪ್ರೇಕ್ಷೆ उत्प्रेक्षे (सम्) सं.— ऊहा, संभावना, एक अलंकार।

ಉತ್ಪ್ರೇಂಖತ್ उत्प्रेंखत् (सम्) वि.— ऊपर तैरता हुआ।

ಉತ್ಪ್ಲವನ उत्प्लवन (सम्) सं.— उछाल, छलांग, कुदान ; ऊपर तैरना।

ಉತ್ಫಲ उत्फल, ಉತ್ಫುಲ್ಲ उत्फुल्ल (सम्) वि.— पूर्णतः विकसित, खुला हुआ, खिला हुआ।

ಉತ್ಸ उत्स (सम्) सं.—चश्मा, सोता, झरना, स्रोत।

ಉತ್ಸಂಗ उत्संग (सम्) सं. - मिलन, संयोग; गोद, अंक ; ढाल, उतार।

ಉತ್ಸರ್ಗ उत्सर्ग (सम्) सं.— त्याग, न्यास ; गिरना, उड़ेलना ; भेंट, दान ; साधारण नियम।

ಉತ್ಸರ್ಜನ उत्सर्जन, ಉತ್ಸರ್ಜನೆ उत्सर्जने (सम्) सं.— न्यास, त्याग, परित्याग ; भेंट, पुरस्कार, दान ; (वैदिक) अध्ययन को स्थगित करना। — ಉತ್ಸರ್ಜಿಸು उत्सर्जिसु (सम्) क्रि.— छोड़, परित्याग कर।

ಉತ್ಸರ್ಪಣ उत्सर्पण (सम्) सं.— ऊपर जाना या सरकना, फैलाना, उभरना, फिसलना।

ಉತ್ಸವ उत्सव (सम्) सं.— जलसा, समारोह, मंगल-कार्य, त्योहार, मेला। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— मज़ा कर, आनंद मना।

ಉತ್ಸಹ उत्सह (तद्) सं.— उत्साह (तत्) ; त्योहार ; उत्सव ; आनंद।

ಉತ್ಸಾದನ उत्सादन (सम्) सं.— नाश, विनाश ; सुगंधि ; खेत को अच्छी तरह जोतना ; चढ़ना, उठना।

ಉತ್ಸಾರಕ (सम्) वि.— बाहर करनेवाला, दूर करनेवाला, मारनेवाला। सं. — सिपाही, चौकीदार, द्वारपाल।

ಉತ್ಸಾರಿತ उत्सारित (सम्) वि.— दूर किया हुआ, निकाला हुआ, त्यक्त, मुक्त।

ಉತ್ಸಾಹ उत्साह (सम्) सं.— उमंग, जोश, हौसला ; शक्ति, सामर्थ्य ; दृढ़ संकल्प।

ಉತ್ಸಾಹಿ उत्साहि (सम्) सं.— उत्साही पुरुष, फुर्तीला मनुष्य।

ಉತ್ಸಿಕ್ತ उत्सिक्त (सम्) वि.— छिड़का हुआ, अभिमानी, क्रोधी, अकड़बाज़ ।

ಉತ್ಸುಕ उत्सुक (सम्) वि.— उत्कंठित, फुर्तीला, अत्यंत इच्छावान, उद्विग्न; व्याकुल, विकल ।

ಉತ್ಸುಕತೆ उत्सुकते (सम्) सं.— उत्साह, उत्कंठा, शीघ्रता, उल्लास ।

ಉತ್ಸೃಷ್ಟ उत्सृष्ट (सम्) वि.— त्यक्त, छोड़ा गया, मुक्त ।

ಉತ್ಸೇಕ उत्सेक (सम्) सं.— अहंकार, गर्व; हठ; क्रोध ।

ಉತ್ಸೇಧ उत्सेध (सम्) सं.— उच्च स्थान, मोटापन; शरीर; अच्छा काम; लाभ; हत्या ।

ಉದ್ उद् (सम्) अ.—उपसर्ग, जो निम्नांकित अर्थ का है—ऊपर, बाहर; अलग, पृथक; लाभ, अर्जन; लोक प्रसिद्धि; कौतूहल, चिंता; मुक्ति; अनुपस्थिति; बढ़ाना, खोलना; मुख्यता, शक्ति ।

ಉದಕ उदक (सम्) सं.— जल, पानी ।

ಉದಕ್ उदक्, ಉದಂಚ್ उदंत् (सम्) वि.— उत्तरदिशा का, ऊपर का ।

ಉದಕ್ಯೆ उदक्ये (सम्) सं.— रजस्वला स्त्री ।

ಉದಗಯನ उदगयन (सम्) सं.— सूर्य का उत्तर की ओर गमन, उत्तरायन ।

ಉದಗ್ರ (सम्) वि.— ऊँचा, आगे बढ़ा हुआ; भयंकर; उत्तेजित; बड़ा, श्रेष्ठ ।

ಉದಜ उदज (सम्) सं.— जल में उत्पन्न, कमल ।

ಉದಂಚ उदंच (सम्) सं.—प्रगतिगामी, लक्ष्य तक पहुँचनेवाला ।

ಉದಂಚನ उदंचन (सम्) सं.—डोल, बाल्टी; ढक्कन, ओढ़नी ।

ಉದಂಚಿತ उदंचित (सम्) वि.— ऊपर की ओर घूमा हुआ, निकाला हुआ ।

ಉದಧಿ उदधि (सम्) सं.—जलराशि, समुद्र ।

ಉದಂತ उदंत (सम्) सं.— समाचार, खबर; वर्णन, इतिहास; साधु पुरुष ।

ಉದನ್ವತ್ उदन्वत् (सम्) सं.— समुद्र, सागर ।

ಉದಪಾನ उदपान (सम्) सं.— कूप, कुआँ ।

ಉದಯ उदय (सम्) सं.— जन्म, उगना, उत्पत्ति, उपज; उठना, ऊँचा होना; उदयगिरि, उन्नति; अभ्युदय; परिणाम; पूर्णता, परिपूर्णता; लाभ, नफ़ा; आमदनी; आय; व्याज, सूद; कांति, चमक । —ಕಾಲ काल (सम्) सं.—सूर्योदय का समय । —ರಾಗ राग (सम्) सं.— सूर्योदय के समय की लालिमा ।

ಉದಯಾಚಲ उदयाचल, ಉದಯಾದ್ರಿ उदयाद्रि (सम्) सं.— पूर्वदिशा का पर्वत ।

ಉದಯಾದಿತ್ಯ उदयादित्य (सम्) सं.— उदित होनेवाला सूर्य; चंद्रवंश के एक राजा का नाम ।

ಉದಯಿಸು उदयिसु (सम्) क्रि.— उदय हो; उत्पन्न हो, निकल, प्रकट हो ।

ಉದರ उदर (सम्) सं.— पेट, गर्भ । —ನಿರ್ವಾಹ निर्वाह (सम्) सं.—जीवन-निर्वाह, जीवनोपाय । —ಪೋಷಣ पोषण, ಭರಣ भरण (सम्) सं.— पेट भरना, जीवन-निर्वाह । —ಶಿಖಿ शिखि (सम्) सं.— जठराग्नि । —ಶೂಲೆ शूले (सम्) सं.— पेट का दर्द ।

ಉದರಾರ್ಥಿ उदरार्थि (सम्) सं.— केवल पेट भरने के निमित्त जीवित रहनेवाला ।

ಉದರಾವರ್ತ उदरावर्त (सम्) सं.— नाभि ।

ಉದರಿ उदरि (सम्) सं.— बड़े पेट या तोंद वाली ।

ಉದರು उदरु (क) क्रि.— गिर (पत्तों का गिरना) । —ಇಸು इसु—गिरा (प्रे.) ।

ಉದರ್ಕ उदर्क (सम्) सं.— भविष्य, भविष्य का फल ।

ಉದಶ್ರು उदश्रु (सम्) सं.— उमड़ आनेवाले आँसू ।

ಉದವಸಿತ उदवसित (सम्) सं.—घर, मकान, निवास स्थान ।

ಉದವಾಸ उदवास (सम्) सं.— समुद्र; समुद्र में रहना ।

ಉದಶ್ವಿತ್ उदश्वित् (सम्) सं.— समान रूप से मिला हुआ पानी और मट्टी ।

ಉದಸ್ತ उदस्त (सम्) वि.— फेंका हुआ, उड़ाया हुआ ।

ಉದಾತ್ತ उदात्त (सम्) वि.— श्रेष्ठ, उन्नत, प्रख्यात, कुलीन, दानी, महिमान्वित । सं.— दान, भेंट; वाद्य यंत्र विशेष । —ಚರಿತ चरित (सम्) सं.—कुलीन, उदार गुणवाला पुरुष ।

ಉದಾನ उदान, ಉದಾನವಾಯು उदानवायु (सम्) सं.— शरीरस्थ एक वायु जो कंठ में ही रहती है; डकार, छींक ।

ಉದಾರ उदार (सम्) वि.— महान्, श्रेष्ठ, कुलीन, दानशील, धर्मात्मा सच्चा, प्रिय, सुंदर । —ತೆ ते (सम्) सं.— उदारता, महानता ।

ಉದಾರಿ उदारि (सम्) सं.— उदार स्वभाव का पुरुष, त्यागी, दानी ।

ಉದಾಸ उदास (सम्) सं.— विषय-विरागी व्यक्ति; विरक्ति ।

ಉದಾಸೀನ उदासीन (सम्) वि.— विरक्त, निरपेक्ष, तटस्थ । —ತೆ ते (सम्) सं.— निरुत्साह, विरक्ति, सुस्ती ।

ಉದಾಸ್ಥಿತ उदास्थित (सम्) सं.— पर्यवेक्षक दारोगा; द्वारपाल, दरबान; जासूस, गूढ़चार ।

ಉದಾಹರಣ उदाहरण (सम्) सं.— मिसाल, दृष्टांत; वर्णन, कथन, प्रसंग । —ಉದಾಹರಿಸು उदाहरिसु (सम्) क्रि.— दृष्टांत देकर समझा, विवरण दे ।

ಉದಾಹೃತ (सम्) वि.— मिसाल दिया हुआ, वर्णित, कथित ।

ಉದಿತ್ उदित् (सम्) वि.— उगा हुआ, ऊपर चढ़ा हुआ; बढ़ा हुआ, कथित ।

ಉದಿತೋದಿತ उदितोदित (सम्) वि.— अधिकाधिक उत्पन्न, पुरोगामी ।

ಉದಿರ್ उदिर्, ಉದಿರು उदिरु, ಉದರು उदरु, ಉದುರು उदुरु (क) क्रि.— गिर, नीचे गिर, झड़ (पत्तों का झड़ना) ।

ಉದಿರ್ಚು उदिर्चुं, ಉದಿರಿಸು उदिरिसु, ಉದುರುಸು उदुरुसु (क) क्रि.— नीचे गिरा, (पत्तों को) गिरा।

ಉದಿಸು उदिसु (सम्) क्रि.—उदित हो, पैदा हो, निकल।

ಉದೀಚಿ उदीचि, ಉದೀಚೀ उदीची (सम्) सं.— उत्तर दिशा।

ಉದೀಚೀನ उदीचीन (सम्) सं.— औत्तरेय, उत्तर का आदमी।

ಉದೀಚ್ಯ उदीच्य (सम्) वि.— उत्तर का, उत्तर दिशा से संबंधित।

ಉದೀರಣ उदीरण (सम्) सं.— कथन, उच्चारण, प्रकटन। वि.— बढ़ा हुआ, आगे किया हुआ।

ಉದೀರ್ಣ उदीर्ण (सम्) वि.—बढ़ा हुआ, उगा हुआ, उत्पन्न हुआ, उदार, महान, बड़ा, खिंचा हुआ।

ಉದು उदु (क) सर्व.— 'यह' और 'वह' के बीच का सूचक सर्व.। प्र.— अन्य पुरुष न.लिं., ए.व. प्रत्यय, उदा.— ಬಂದುದು बंदुदु—आया, ಆಗುವುದು आगुवुदु—होगा। ಮಾಡುವುದು माडुवुदु (ಮಾಡು+ಉದು) —करना, ಹೇಳುವುದು हेळुवुदु (ಹೇಳು+ವುದು) —कहना।

ಉದುಗರಿಸು उदुगरिसु (तद्) क्रि.— ('उद्गार' से)—कह; वमन कर; छाँट; छोड़।

ಉದುಭವ उदुभव (तद्) सं.— उद्भव (तत्); जन्म, उत्पत्ति, उद्गम स्थान। —ಇಸು इसु (तद्) क्रि.— जन्म ले, उत्पन्न हो।

ಉದುಂಬರ उदुंबर (सम्) सं.— औदुंबर, उदुंबर, गूलर का पेड़; ताम्र; देहली, ड्योढ़ी। —ಮಶಕ मशक (सम्) सं.— उदुंबर के फल के अंदर का कीड़ा।

ಉದೂಖಲ उदूखल (सम्) सं.— उलूखल, ओखली।

ಉದೋ उदो, ಉಧೋ उधो (क) वि.बो.— ओहो! ओहो (देवी के नाम पर किया जाने-वाला जयघोष)।

ಉದ್ಗತ उद्गत (सम्) वि.— उठा हुआ, चढ़ा हुआ, निकला हुआ।

ಉದ್ಗತಿ उद्गति (सम्) सं.— उठान, उगना, निकास, उद्गम।

ಉದ್ಗಂಧ उद्गंध (सम्) वि.—अत्यधिक सुगंधित, खुशबूदार।

ಉದ್ಗಮ उद्गम (सम्) सं.—उदय, आविर्भाव, उत्पत्ति का स्थान, निकास; फूल, कली; वमन। — ಮಂಜರಿ मंजरि (सम्) सं.— फूलों का गुच्छा। ಸಾರ सार (सम्) सं.— मधु, पराग।

ಉದ್ಗಮನ उद्गमन (सम्) सं.—उदय, आविर्भाव, उत्पत्ति।

ಉದ್ಗಮನೀಯ उद्गमनीय (सम्) वि.— चढ़ा हुआ, ऊपर गया हुआ।

ಉದ್ಗಮಿಸು उद्गमिसु (सम्) क्रि.— चढ़, ऊपर आ, उठ।

ಉದ್ಗಲಿತ उद्गलित (सम्) वि.— पड़ा, पड़ा हुआ।

ಉದ್ಗಾತೃ उद्गातृ (सम्) सं.— उद्गाता, यज्ञ में सामवेद का गान करनेवाला।

ಉದ್ಗಾರ उद्गार (सम्) सं.— उबाल, उफ़ान; वमन, थूक, खखार; डकार; कथन, अपने अभिप्राय का प्रकटन।

ಉದ್ಗೀರ್ಣ उद्गीर्ण (सम्) वि.— वमन किया हुआ, उगला हुआ, उड़ेला हुआ, बाहर निकला हुआ।

ಉದ್ಗ್ರಂಥ उद्ग्रंथ (सम्) सं.— बड़ा ग्रंथ, बड़ी पोथी।

ಉದ್ಗ್ರೀವ उद्ग्रीव (सम्) वि.— सिर ऊपर उठा हुआ, गर्दन ऊपर उठा हुआ।

ಉದ್ಘ उद्घ (सम्) सं.— शक्ति; आनंद; प्रधानता; आदर्श नमूना।

ಉದ್ಘಟ उद्घट (सम्) सं.— बड़ा बर्तन, एक प्रकार का बर्तन।

ಉದ್ಘಟನ उद्घटन (सम्) सं.— खोलना, बंधन या ग्रंथि को खोलना; स्पष्ट रूप से कहना। —ಇಸು इसु (सम्) सं.— स्पष्ट हो, प्रकट हो, प्रकाशित हो।

ಉದ್ಘಟ್ಟನ उद्घट्टन, (सम्) सं.— रगड़, ताड़न।

ಉದ್ಘಾಟ उद्घाट (सम्) सं.— चौकी, रक्षा का स्थान।

ಉದ್ಘಾಟಕ उद्घाटक (सम्) सं.— खोलने-वाला; चाबी, कुंजी; कुएँ पर की रस्सी और डोल।

ಉದ್ಘಾಟನ उद्घाटन (सम्) सं.— खोलना, प्रकाशन, प्रकटन, प्रारंभ करना।

ಉದ್ಘಾತ उद्घात (सम्) सं.—आरंभ, प्रारंभ; ताड़न; आयुध; प्रकरण, परिच्छेद; झटका, जो गाड़ी में बैठने पर लगता है, प्राणायाम।

ಉದ್ಘಾಸಿ उद्घासि (सम्) सं.—अच्छी तलवार, उत्तम खड्ग।

ಉದ್ಘೃಷ್ಟ उद्घृष्ट (सम्) वि.— अच्छी तरह रगड़ा हुआ, घोंटा हुआ।

ಉದ್ಘೋಷಣ उद्घोषण (सम्) सं.— घोषणा, ढिंढोरा, जोर से चिल्लाना, गर्जन। — ಉದ್ಘೋಷಿಸು उद्घोषिसु (सम्) क्रि.— जोर से चिल्ला, गर्जन कर, घोषणा कर।

ಉದ್ದ उद्द (तद्) सं.— ऊर्ध्व (तत्); ऊँचाई, लंबाई, गहराई, (गर्व)। ಉದ್ದಗಲ उद्दगल (ಉದ್ದ+ಅಗಲ) -लंबाई-चौड़ाई ऊँचाई-चौड़ाई। —ಉರುಟು उरुटु (क) वि.— ढीठ, धृष्ट। ಉದ್ದುರುಟುತನಕ್ಕೆ ಗುದ್ದೇ ಮದ್ದು उद्दुरुटुतनक्के गुद्दे मद्दु—धृष्टता का दंड थप्पड़ ही है (कह.)।

ಉದ್ದಂಶ उद्दंश (सम्) सं.— खटमल; चिलुआ; मच्छर।

ಉದ್ದಂಡ उद्दंड (सम्) वि.— डंडूल सहित; डंडा उठाए हुए; उठा हुआ, उच्च; साहसी, गर्वीला; भयानक, क्रूर; धृष्ट, ढीठ। —ತನ तन (सम्) सं.— धृष्टता, ढिठाई, गर्वपूर्ण व्यवहार। —ತೆ ते (सम्) सं.— ऊँचाई, महानता। — ಇಕೆ इके (सम्) सं.— गर्व, गर्वपूर्ण व्यवहार, धृष्टता। — ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— ढिठाई कर, गर्व-पूर्ण-व्यवहार कर।

ಉದ್ದನ उद्दन, ಉದ್ದನ್ನ उद्दन्न (तद्) वि.— ऊँचा, लँबा।

ಉದ್ದಮಿ उद्दमि, ಉದ್ದಿಮೆ उद्दिमे (तद्) सं.— उद्यम (तत्); नौकरी, व्यवहार।

ಉದ್ದರಿ उद्दरि, ಉದ್ದಿರಿ उद्दिरि (तद्) सं.— ('उद्धार' से)—क़र्ज़, उधार, लेन-देन।
ಉದ್ದಾನ उद्दान (सम्) वि.— विस्तृत, घना, बड़ा, महान। सं.— अग्निकुंड, चूल्हा।
ಉದ್ದಾನೆ उद्दाने (तद्) वि.— लँबा, ऊँचा। सं.— लंबाई, उँचाई (मै.प्र.)।
ಉದ್ದಾಮ उद्दाम (सम्) वि.— वंधनरहित, मुक्त, स्वतंत्र; स्वेच्छाचारी; भयानक, गर्वीला; बड़ा, उत्तम, महान्।
ಉದ್ದಾಲಕ उद्दालक (सम्) सं— एक ऋषि का नाम; एक प्रकार का मधु या शहद।
ಉದ್ದಿ उद्दि (क) सं.— खेत का ढलुआ टीला, जहाँ सिंचाई के लिए जल का संग्रह किया जाता है।
ಉದ್ದಿಗೆ उद्दिगे (क) सं.— दे. ಉದ್ದಿ (मै.प्र.); युगंधर, गाड़ी के अगले भाग की लंबी लकड़ी।
ಉದ್ದಿತ उद्दित (सम्) वि.— वंधनयुक्त, वंधा हुआ।
ಉದ್ದಿಮಿ उद्दिमि (तद्) सं.— उद्यम (तत्); —ಗಾರ गार, ದಾರ दार (तद्) सं.— उद्यम करनेवाला, व्यापारी, किसान।
ಉದ್ದಿಶ್ಯ उद्दिश्य (सम्) सं. — उद्देश्य, अभिप्राय, लक्ष्य। अ.— के लिए, के निमित्त।
ಉದ್ದಿಷ್ಟ उद्दिष्ट (सम्) वि.— वर्णित, कथित, विशेष रूप से कहा हुआ।
ಉದ್ದೀಪ उद्दीप (सम्) सं.— दहन, जलन, प्रकाशन, दहनकारी।
ಉದ್ದೀಪನ उद्दीपन (सम्) सं.— उत्तेजित करने की क्रिया, रोशनी करना, प्रकाशित करना।
ಉದ್ದೀಪಿತ उद्दीपित, ಉದ್ದೀಪ್ತ उद्दीप्त (सम्) वि.— दहकता हुआ, जलता हुआ, प्रकाशमान।
ಉದ್ದು उद्दु (क) क्रि.= ಉಜ್ಜು उज्जु—रगड़, घिस। सं.— उड़द। ಉದ್ದಿನಬೇಳೆ उद्दिन-बेळे-उड़द की दाल।
ಉದ್ದೃಪ್ತ उद्दृप्त (सम्) वि. — अभिमानी, घमंडी।
ಉದ್ದೇಶ उद्देश (सम्) सं.— लक्ष्य, निर्देश; कारण, हेतु, स्थान; वर्णन, सविशेष विवरण, इच्छा, अपेक्षा; खोज, अनुसंधान। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.—निर्देश करके कह, लक्ष्य रखकर क़ाम कर। —ಕ क (सम्) सं— उदाहरण, (अंकगणित में) प्रश्न, कूटप्रश्न।
ಉದ್ದ್ಯೋತ उद्योत (सम्) वि.— प्रकाशमान, कांतियुक्त।
ಉದ್ಧಟ उद्धट (तद्) वि.— उद्धत (तत्); अभिमानी, अकड़बाज़, घमंडी। सं.—घमंड, अभिमान, (मै.प्र.)। —ತನ तन (तद्) सं.— घमंड, रूखापन, अकड़बाज़ी।
ಉದ್ಧತ उद्धत (सम्) वि.— दे. ಉದ್ಧಟ.
ಉದ್ಧತಿ उद्धति (सम्) सं.— उठान, ऊँचाई; अभिमान, गर्व; आघात, चोट।
ಉದ್ಧರ उद्धर (सम्) सं.— उठाना, खींचना, निकाल फेंकना, नाश करना।
ಉದ್ಧರಣ उद्धरण (सम्) सं.— खींचना, उतारना, निकालना; छुड़ाना, मिटाना, वमन करना; मुक्ति, ऋण से मुक्ति।
ಉದ್ಧರಣಿ उद्धरणि, ಉದ್ಧರಣೆ उद्धरणे (सम् ?) सं. — छोटा चमच (आचमन के लिए उपयुक्त)।
ಉದ್ಧವ उद्धव (सम्) सं.—श्रीकृष्ण के सखा; आनंद, उत्साह, त्योहार।
ಉದ್ಧಾರ उद्धार (सम्) सं.—मुक्ति, छुटकारा, त्राण; ऊपर उठाना। —ಕ क (सम्) सं.- उद्धार करनेवाला, सहायक।
ಉದ್ಧುರ उद्धुर (सम्) वि.—असंयत, अनरुद्ध, स्वतंत्र, वंधनमुक्त, भारी, स्थिर।
ಉದ್ಧೂತ ऊद्धूत (सम्) वि.— उठाया हुआ, गिरा हुआ, हिला हुआ, उन्नत।
ಉದ್ಧೂಲ उद्धूल (सम्) वि.— चूर्ण किया हुआ, छिटकाया हुआ।
ಉದ್ಧೂಲನ उद्धूलन (सम्) सं.— चूर्ण करना, पीसना।
ಉದ್ಧೂಲಿತ उद्धूलित (सम्) वि.— चूर्ण किया हुआ, छिटकाया हुआ।
ಉದ್ಧೂಲಿಸು उद्धूलिसु (सम्) क्रि.— चूर्ण कर, पीस।
ಉದ್ಧೃತ उद्धृत (सम्) वि.— निकाला हुआ, खींचा हुआ, अन्य स्थान से ज्यों का त्यों लिया हुआ।
ಉದ್ಧ್ಮಾನ उद्ध्मान (सम्) सं.— चूल्हा।
ಉದ್ಬಲ उद्बल (सम्) वि.—अत्यंत शक्तिमान, बहुत बलशाली।
ಉದ್ಬಾಹು उद्बाहु (सम्) वि.— बाहें उठाए हुए।
ಉದ್ಬುದ್ಧ उद्बुद्ध (सम्) वि.— जागा हुआ, उत्तेजित, खुला हुआ, विकसित।
ಉದ್ಬೋಧನ उद्बोधन, ಉದ್ಬೋಧನೆ उद्बोधने (सम्) सं.—जागृति, स्मृति, प्रबोध।
ಉದ್ಭವ उद्भव (सम्) सं.— जन्म, उत्पत्ति, प्रादुर्भाव, जो उत्पन्न हुआ हो, मूल, जड़। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि· — जन्म ले, उत्पन्न हो।
ಉದ್ಭಾವ उद्भाव (सम्) सं. — उत्पत्ति, प्रादुर्भाव; वंश, परंपरा।
ಉದ್ಭಾಸ उद्भास (सम्) सं.— चमक, कांति, आभा; किरण।
ಉದ್ಭಿಜ उद्भिज (सम्) सं. = ಉದ್ಭಿಜ್ಜ उद्भिज्ज —वनस्पति, अंकुर से उत्पन्न पेड़ पौधे आदि।
ಉದ್ಭಿದ उद्भिद (सम्) वि.— अंकुरित, अंकुर से बाहर आया हुआ।
ಉದ್ಭಿನ್ನ उद्भिन्न (सम्) वि.— खुला हुआ, विकसित, अंकुरित, बाहर निकला हुआ; पृथक-पृथक।
ಉದ್ಭೇದ उद्भेद, ಉದ್ಭೇದನ उद्भेदन (सम्) वेधना, फोड़कर निकलना, प्रादुर्भाव।
ಉದ್ಭ್ರಮ उद्भ्रम (सम्) सं.— घूमरी, घनौटा; घूमना-फिरना; (तलवार को) घुमाना; उतावलापन, जल्दबाज़ी, पश्चात्ताप।
ಉದ್ಭ್ರಮಿ उद्भ्रमि (सम्) वि.— विह्वल, घबराया हुआ, भ्रमित।
ಉದ್ಯ उद्य (तद्) वि.— उद्यत् (तत्); दे. ಉದ್ಯತ್.
ಉದ್ಯತ್ उद्यत् (सम्) वि.— उत्पन्न होनेवाला, शोभित, ऊँचा, महान।

ಉದ್ಯತ उद्यत (सम्) वि.— लगाहुआ, ऊपर, उठा हुआ, प्रयत्नशील ; चपल, तुला हुआ ।

ಉದ್ಯಮ उद्यम (सम्) सं.—परिश्रम, उद्योग, अध्यवसाय, नौकरी, काम ; उत्थान, उन्नयन ।

ಉದ್ಯಮಿ उद्यमि (सम्) वि.—उद्यम करनेवाला, प्रयत्नशील, साहसी, काम करनेवाला ।—ದಾರ दार (सम्) सं.— दे. ಉದ್ಯಮಿದಾರ.

ಉದ್ಯಾನ उद्यान, ಉದ್ಯಾನವನ उद्यानवन (सम्) सं.— उपवन, बाग़ ; गमन, बहिर्गमन ।

ಉದ್ಯಾಪನ उद्यापन, ಉದ್ಯಾಪನೆ उद्यापने (सम्) सं.— समाप्ति, अवसान ; किसी त्योहार, पर्व या उत्सव की समाप्ति ।

ಉದ್ಯುಕ್ತ उद्युक्त (सम्) वि.— लगा हुआ, तैयार ; फुर्तीला, उत्तेजित ।

ಉದ್ಯೋಗ उद्योग (सम्) सं.— काम, काम-धंधा, उद्यम, नौकरी ; परिश्रम ; व्यापार, कार्यालय, आफ़िस ; स्थान, स्थिति । —ಇ इ (सम्) सं.— काम करनेवाला । —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— काम में लग । —ಸ್ಥ स्थ (सम्) सं.— वह, जिसको नौकरी हो, नौकर ।

ಉದ್ರ उद्र (सम्) सं.— जल की बिल्ली, ऊदबिलाव ।

ಉದ್ರಿಕ್ತ उद्रिक्त (सम्) वि.— बढ़ा हुआ, अत्यधिक, उत्तेजित, विपुल ।

ಉದ್ರೇಕ उद्रेक (सम्) सं.— वृद्धि, बढ़ती, अधिकता, विपुलता, उत्तेजना· भोग, भुक्ति । —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— छेड़, क्रोध उत्पन्न कर ।

ಉದ್ವರ್ತ उद्वर्त, ಉದ್ವರ್ತನ उद्वर्तन (सम्) सं.— ऊपर जाना, निकलना, बाढ़ (पौधों की) ; समृद्धि, उन्नयन ; बचत ; सुगंध-लेपन, तेल-फुलेल की मालिश । —ಆಲಯ आलय (सम्) सं.— स्नान-घर ।

ಉದ್ವಹ उद्वह (सम्) सं.— आनंद, हर्ष ।

ಉದ್ವಹನ उद्वहन (सम्) सं.— ऊपर उठाना, ले जाना ; सहारा ; विवाह ।

ಉದ್ವಾಹ उद्वाह (सम्) सं.— सहारा ; परिणय, विवाह ।

ಉದ್ವಾಹನ उद्वाहन (सम्) सं.—दे. ಉದ್ವಹನ. —ಉದ್ವಾಹಿಕ उद्वाहिक (सम्) वि.— विवाह से संबंधित ।

ಉದ್ವಾಹಿಸು उद्वाहिसु (सम्) क्रि.— विवाह कर, परिणय कर ।

ಉದ್ವಿಗ್ನ उद्विग्न (सम्) वि.— दुःखी, संतप्त, उदास, खिन्न ।

ಉದ್ವೃತ್ತ उद्वृत्त (सम्) वि.— उठा हुआ, ऊँचा किया हुआ, उन्नत, उमड़ा हुआ ; गर्वीला, उद्धत ।

ಉದ್ವೃತ್ತಿ उद्वृत्ति (सम्) सं.— गर्व, हठ, धृष्टता ।

ಉದ್ವೇಗ उद्वेग (सम्) सं.— भय, आशंका ; खेद, चिंता ; कंपन, थरथराहट ; आश्चर्य ।

ಉದ್ವೇಗಿಸು उद्वेगिसु (सम्) क्रि -वेग से जा ।

ಉದ್ವೇಜಿಸು उद्वेजिसु (सम्) क्रि.— डरा, भयभीत कर, कंपा, दुःखा ।

ಉದ್ವೇಲ उद्वेल (सम्) सं. — मर्यादा का अतिक्रमण, सीमा को पार कर बहना ।

ಉನಿ उनि (क) क्रि.— जल से सिंचित हो, सींच । ಉನಿಯಹಾಕು उनियहाकु–जल से सींच । ಉನಿಸು उनिसु–सींच ।

ಉನಿತು उनितु (क) वि.—इतना, इस परिमाण का ; उतना ।

ಉನ್ನ उन्न (सम्) वि.— तर, आर्द्र, गीला ; करुण । सं.— चापलूसी, झूठ ।

ಉನ್ನತ उन्नत (सम्) वि.— उठा हुआ, ऊँचा, लंबा, श्रेष्ठ, बड़ा । —ಛ್ಛಾಯ च्छाय (सम्) सं.— घनी छाया, ऊंची आवाज़वाला ।

ಉನ್ನತಾನತ उन्नतानत (सम्) वि.— ऊँचा-नीचा, विषम ।

ಉನ್ನತಿ उन्नति (सम्) सं.— ऊँचाई, चढ़ाव, वृद्धि, समृद्धि ।

ಉನ್ನತಿಕೆ उन्नतिके (सम्) सं.—ऊँचाई, श्रेष्ठता, महानता ।

ಉನ್ನತೋನ್ನತ उन्नतोन्नत (सम्) वि.— बहुत ऊँचा, अत्यंत श्रेष्ठ ।

ಉನ್ನಿತು उन्नितु, ಉನ್ನಿತ್ತು उन्नित्तु, ಉನ್ನದು उन्नदु (क) अ.— इस प्रकार, इस तरह ।

ಉನ್ನದ್ಧ उन्नद्ध (सम्) वि.— कसकर बंधा हुआ, उमड़ा हुआ, अधिक हुआ, समृद्ध ।

ಉನ್ನಮಿತ उन्नमित (सम्) वि.— उठा हुआ, झुका हुआ ।

ಉನ್ನಯ उन्नय, ಉನ್ನಯನ उन्नयन, ಉನ್ನಾಯ उन्नाय (सम्) सं.— ऊपर चढ़ना, ऊपर उठना, ऊँचाई, चढ़ाई ।

ಉನ್ನರ್ उन्नर् (क) सर्व.— ऐसे (लोग) ।

ಉನ್ನಿದ್ರ उन्निद्र (सम्) वि.— निद्रारहित, जागृत ; विकसित, मुकुलित ।

ಉನ್ನಿಸು उन्निसु (क) क्रि.— सोच, विचार कर ।

ಉನ್ನೂ उन्नू (क) अ.— भी, और ।

ಉನ್ನೆ उन्ने, ಉನ್ನೆಗಂ उन्नेगं (क) अ.— अब, तब ; अब तक, तब तक ।

ಉನ್ನೇಯ उन्नेय (सम्) वि.— कल्पित, अनुमानित ।

ಉನ್ಮತ್ತ उन्मत्त (सम्) वि.— मत्त, पागल, उद्रेक से युक्त । सं.— अभिमानी, घमंडी ; धतूरा । —ತನ तन (सम्) सं.— मद, नशा । ತೆ ते (सम्) सं.— उन्माद ; गर्व ।

ಉನ್ಮದ उन्मद, ಉಮ್ಮದ उम्मद (सम्) वि. — उन्मत्त, पागल, नशे में चूर ; अभिमानी, गर्वीला ।

ಉನ್ಮನ उन्मन, ಉನ್ಮನಸ್ उन्मनस् (सम्) वि.—उत्सुक, लालायित ; विकल, व्याकुल, उद्विग्न ।

ಉನ್ಮಾಥ उन्माथ (सम्) क्रि.— हिलानेवाला, मारनेवाला । सं.—पीड़ा, कष्ट, क्षोभ ; हत्या, वध ।

ಉನ್ಮಾದ उन्माद (सम्) सं.— पागलपन, उन्मत्तता ; गर्व, अभिमान ; एक संचारी भाव ; एक पौधा विशेष ।

ಉನ್ಮಾದವತ್ उन्मादवत्, ಉನ್ಮಾದಿ उन्मादि (सम्) वि.— पागल, नशे में चूर ; क्रूर ।

ಉನ್ಮಾನ उन्मान (सम्) सं.— तौल, माप ।

ಉನ್ಮಿಷಿತ उन्मिषित (सम्) वि.— विकसित, खुला, मुक्त ।

ಉನ್ಮೀಲನ उन्मीलन (सम्) सं.— (नेत्रों का) खोलना, जागना ; विकसित होना, खिलना।
ಉನ್ಮೀಲಿತ उन्मीलित (सम्) वि.— खुला, मुक्त, विकसित।
ಉನ್ಮುಕ್ತಿ उन्मुक्ति (सम्) सं.—मोक्ष, खोलना, छोड़ना।
ಉನ್ಮುಖ उन्मुख (सम्) वि.— ऊपर मुँह किए, ऊपर ताकता हुआ; घमंडी, अभिमानी, उत्कंठित, उत्सुक, उद्यत, तैयार।
ಉನ್ಮೂಲನ उन्मूलन (सम्) सं.—जड़ सहित निकालना, निर्मूलन।
ಉನ್ಮೇಷಣ उन्मेषण (सम्) सं.— खुलन, (नेत्रों का) खोलना, जागृति; विकसित होना, खिलना।
ಉಪ उप (सम्) अ.— निम्नांकित अर्थों का बोधक उपसर्ग— सामीप्य, नैकट्य ; बल, योग्यता ; व्याप्ति ; उपदेश ; मृत्यु, नाश ; थोड़ा, कुछ ; त्रुटि, दोष ; उद्योग, क्रिया ; अध्ययन ; सम्मान, पूजन ; सादृश्य ; वशत्व।
ಉಪಕಂಠ उपकंठ (सम्) सं.— सामीप्य, पड़ोस में, गर्दन के ऊपर।
ಉಪಕಥೆ उपकथे (सम्) सं.— छोटी कहानी, गल्प।
ಉಪಕರಣ उपकरण (सम्) सं.— सामान, सामग्री, साधन, उपस्कर।
ಉಪಕರಿಸು उपकरिसु (सम्) क्रि.— उपकार कर, सहायता कर।
ಉಪಕಾರ उपकार, ಉಪಕೃತಿ उपकृति (सम्) सं.—सहायता, हित, मदद ; अनुग्रह, कृपा, सहानुभूति।
ಉಪಕಾರಿಕೆ उपकारिके (सम्) सं.— उपकार करनेवाली स्त्री ; महल, राजप्रसाद।
ಉಪಕುರ್ವಾಣ उपकुर्वाण (सम्) सं.—ब्रह्मचर्य से गृहस्थाश्रम में प्रवेश करनेवाला।
ಉಪಕುಲ್ಯೆ उपकुल्ये (सम्) सं.— नहर, खाई, गंदे पानी का नाला।
ಉಪಕ್ರಮ उपक्रम (सम्) सं.— प्रारंभ, आरंभ, श्रीगणेश।
ಉಪಕ್ರಮಿ उपक्रमि (सम्) सं. — आरंभ

ಉಪಕ್ರೋಶ उपक्रोश (सम्) सं.— फटकार, डाँट-डपट, भर्त्सना।
ಉಪಕ್ಷಮ उपक्षम (सम्) सं.— सहनशीलता, क्षमा।
ಉಪಖ್ಯಾತ उपख्यात (सम्) सं.— देखा हुआ, प्रसिद्ध।
ಉಪಗತ उपगत (सम्) वि.— गया हुआ, समीप आया हुआ; घटित, प्राप्त।
ಉಪಗಮ उपगम, ಉಪಗಮನ उपगमन (सम्) सं.— गमन, समीप गमन, परिचय, ज्ञान, प्राप्ति।
ಉಪಗಿರಿ उपगिरि (सम्) सं.—पर्वत के समीप का टीला, पर्वत की तलहटी।
ಉಪಗೃಹ उपगृह (सम्) सं.— घर का कमरा।
ಉಪಗ್ರಹ उपग्रह (सम्) सं.— बड़े ग्रह से संबंधित छोटा ग्रह ; ग्रहण ; बंदी ; अनुग्रह।
ಉಪಗ್ರಹಣ उपग्रहण (सम्) सं.— कैद करना, वेदों का अध्ययन।
ಉಪಗ್ರಾಮ उपग्राम (सम्) सं.— ग्राम, बस्ती।
ಉಪಗ್ರಾಹ್ಯ उपग्राह्य (सम्) सं. — स्वीकार्य, स्वीकार करने योग्य ; अत्यंत पूज्य।
ಉಪಘ್ನ उपघ्न (सम्) सं,— आश्रय, आधार, सहारा, संरक्षण।
ಉಪಘಾತ उपघात (सम्) सं.— चोट, घाव ; नाश।
ಉಪಚಯ उपचय (सम्) सं.— संचय, संग्रह; वृद्धि, उन्नति।
ಉಪಚರಣ उपचरण, ಉಪಚಾರ उपचार, ಉಪಚರ್ಯೆ उपचर्ये (सम्) सं.— समीप गमन, अतिथि-सेवा, आदरोपचार, चिकित्सा, इलाज।
ಉಪಚರಿಸು उपचरिसु (क) क्रि.— आदर प्रकट कर, सत्कार कर, विनय प्रकट कर, करुणा कर।
ಉಪಚಿತ उपचित (सम्) वि.— संग्रहीत, जमा किया हुआ, उन्नत।
ಉಪಜಿಹ್ವೆ उपजिह्वे (सम्) सं.— और एक जिह्वायुक्त, सांप।

ಉಪಜೀವಕ उपजीवक (सम्) सं.— दूसरे के आधार पर रहनेवाला, परतंत्र, अनुचर।
ಉಪಜೀವನ उपजीवन (सम्) सं.— जीविका, रोज़ी, जीविकासाधन, निर्वाह।
ಉಪಜೀವಿ उपजीवि (सम्) सं.— अनुचर, सेवक।
ಉಪಜೋಷ उपजोष, ಉಪಜೋಷಣ उपजोषण (सम्) सं. – स्नेह ; भोगविलास, तृप्ति ; मौन। अ.— मौन रूप से, शांति से।
ಉಪಜ್ಞ उपज्ञ (सम्) वि.—स्वतंत्र ज्ञानवाला। — ತೆ ते (सम्) सं.—स्वतंत्र विचारशीलता, प्रतिभा।
ಉಪಟಳ उपटळ (क) सं.— कष्ट, तकलीफ़, पीड़ा ; उपद्रव।
ಉಪತಂಡ उपतंड (क) सं.— छोटी टोली।
ಉಪತಾಪ उपताप (सम्) सं.— दर्द; पीड़ा ; रोग, बीमारी ; विपदा, उपद्रव।
ಉಪತ್ಯಕ उपत्यक, ಉಪತ್ಯಕಾ उपत्यका, ಉಪತ್ಯಕೆ उपत्यके (सम्) सं.— पहाड़ के नीचे की भूमि, तलहटी।
ಉಪದಂಶ उपदंश (सम्) सं.— प्यास या भूख को भड़कानेवाली वस्तु ; डसना, डंक मारना ; गर्मी की बीमारी, मेद रोग।
ಉಪದಾನ उपदान, ಉಪದಾನಕ उपदानक (सम्) सं.— दान, बलि, चढ़ावा, रिश्वत।
ಉಪದೃಷ್ಟ उपदृष्ट (सम्) सं.— उदाहरण, देखा हुआ।
ಉಪದೇಶ उपदेश (सम्) सं.—शिक्षा, नसीहत, हितवचन ; दीक्षागुरुमंत्र, सविशेष विवरण।
ಉಪದೇಶ ಕೇಳಿದರೂ ಉಪದ್ರವ ತಪ್ಪಲಿಲ್ಲ उपदेश केळिदरू उपद्रव तप्पलिल्ल—उपदेश सुनने के बाद भी उपद्रव कम नहीं हुआ (कह.)।
— ಮಾಡುವವನು माडुववनु (सम्) सं.— उपदेश देनेवाला।
ಉಪದ್ರ उपद्र (तद्) सं.— उपद्रव (तत्)।
ಉಪದ್ರವ उपद्रव (सम्) सं.—उत्पात, बाधा, संकट, कष्ट, विपदा, हिंसा, दुःख।
ಉಪದ್ವೀಪ उपद्वीप (सम्) सं.— द्वीप; छोटा द्वीप।

ಉಪಧಾನ उपधान (सम्) सं.— जिस पर रखकर सहारा लिया जाय, तकिया; विशेषता; व्यक्तित्व; धार्मिक अनुष्ठान; विष, ज़हर। —ಉಪಧಾನೀಯ उपधानीय (सम्) सं.— तकिया।

ಉಪಧಿ उपधि (सम्) सं.— धोखेबाज़ी, बेईमानी, कपट, छल; भय, धमकी; पहिया या पहिये का विशेष स्थान।

ಉಪಧೃತಿ उपधृति (सम्) सं.— शोभा, कांति, चमक, रश्मि।

ಉಪಧೆ उपधे (सम्) सं.— कपट, छल, सत्य का अपलाप; सचाई की परीक्षा।

ಉಪಧ್ಮಾನ उपध्मान (सम्) सं.— अधर, होंठ। —ಉಪಧ್ಮಾನೀಯ उपध्मानीय (सम्) सं.— होंठ से उच्चरित होनेवाले अक्षर।

ಉಪನಗರ उपनगर (सम्) सं.—उपपुर, नगर, प्रांत; नगर का बाहरी भाग।

ಉಪನತ उपनत (सम्) वि.— झुका हुआ, नमस्कृत, अवलंबित, आया हुआ, प्राप्त।

ಉಪನದಿ उपनदि (सम्) सं.— छोटी नदी, बड़ी नदी की शाखा।

ಉಪನಂದನ उपनंदन (सम्) सं.— उद्यान, आराम, बाग़।

ಉಪನಯನ उपनयन (सम्) सं.—यज्ञोपवीत धारण करना, यज्ञोपवीत-संस्कार, गुरु के पास ले जाना।

ಉಪನಾಮ उपनाम (सम्) सं.— कल्पित नाम, संक्षिप्त नाम, चिढ़ाने का नाम।

ಉಪನಾಹ उपनाह (सम्) सं.— बीटा, बंडल, मलहम, लेप; सितार की खूँटी।

ಉಪನಿಧಿ उपनिधि (सम्) सं.— मुहर लगाकर रखी हुई अमानत, गिरवी रखी हुई वस्तु, धरोहर, बंधक।

ಉಪನಿಷತ್ उपनिषत्, ಉಪನಿಷತ್ತು उपनिषत्तु (सम्) सं.— उपनिषद्, वेद की शाखा के ब्राह्मणों के वे अंतिम भाग, जिनमें आत्मा-परमात्मा का विचार तत्व है, वेदों के गुह्यार्थ प्रकाशक ग्रंथ, ज्ञान, रहस्य, ब्रह्मज्ञान।

ಉಪನಿಷ್ಕುರ उपनिष्कुर (सम्) सं.— राजमार्ग, प्रधान मार्ग।

ಉಪನೀತ उपनीत (सम्) वि.— समीप लाया हुआ, यज्ञोपवीत धारण कराया हुआ।

ಉಪನ್ಯಾಸ उपन्यास (सम्) सं.— भाषण, सूचना, विवरण; परिचय प्राप्त करना, चर्चा; धरोहर, बंधक, अमानत; शासन, नियम।

ಉಪಪತಿ उपपति (सम्) सं.— जार।

ಉಪಪತ್ತಿ उपपत्ति (सम्) सं.— उत्पत्ति, प्राप्ति, सिद्धि, प्रतिपादन; संगति, युक्ति; हेतु, प्रमाण; योग्यता, उपयुक्तता।

ಉಪಪತ್ನಿ उपपत्नि (सम्) सं.— जारिणी।

ಉಪಪದ उपपद (सम्) सं.— प्रधान शब्द के साथ अर्थांतर उत्पन्न करनेवाला दूसरा शब्द, उपाधि, प्रशस्ति।

ಉಪಪನ್ನ उपपन्न (सम्) वि.— लब्ध, प्राप्त, मिला हुआ, उपयुक्त, उचित, योग्य, पर्याप्त, उदाहृत, उत्पन्न।

ಉಪಪಾತಕ उपपातक (सम्) सं.— छोटा पाप, पंच महापातकों के अतिरिक्त पातक।

ಉಪಪಾದನ उपपादन (सम्) सं.— सिद्धि, निश्चय, ठहराव, निर्णय, परीक्षा, अवगति।

ಉಪಪಾದಿತ उपपादित (सम्) वि.— सिद्ध किया हुआ, साबित।

ಉಪಪುರಾಣ उपपुराण (सम्) सं.— अठारह महापुराणों के अतिरिक्त अन्य छोटे पुराण।

ಉಪಪ್ಲವ उपप्लव (सम्) सं.— कष्ट, संकट, विपत्ति, क्लेश; अशुभ घटना, सूर्य या चंद्र-ग्रहण, उल्कापात; राज्यक्रांति।

ಉಪಬರ್ಹ उपबर्ह, ಉಪಬರ್ಹಣ उपबर्हण, ಉಪವರ್ಹ उपवर्ह (सम्) सं.— तकिया।

ಉಪಭಕ್ತಿ उपभक्ति (सम्) सं.— भक्ति से संबंधित व्रत-नियम।

ಉಪಭಾಗ उपभाग (सम्) सं.— उपशाखा, छोटा भाग; नगर का समीप भाग।

ಉಪಭೋಗ उपभोग (सम्) सं.—भोगविलास, सुख का अनुभव, आनंद, संतोष। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— आनंद का अनुभव कर, मज़ा कर।

ಉಪಮ उपम, ಉಪಮಾ उपमा (सम्) सं.— समानता, सादृश्य, तुलना; एक अलंकार विशेष।

ಉಪಮರ್ದ उपमर्द, ಉಪಮರ್ದನ उपमर्दन (सम्) सं.— रगड़, कुचलन, निचोड़; दर्द, पीड़ा; भर्त्सना, गाली।

ಉಪಮಾತೃ उपमातृ (सम्) सं.— सौतेली माँ, दाई माँ।

ಉಪಮಾನ उपमान (सम्) सं.— वह वस्तु जिससे उपमा दी जाय, समानता का सूचक; छोटी माप।

ಉಪಮಿತ उपमित (सम्) वि.— जिसके साथ तुलना की गई हो, तुलना किया हुआ। —ಉಪಮಿಸು उपमिसु (सम्) क्रि.— तुलना कर, समानता का अवलोकन कर।

ಉಪಮೇಯ उपमेय (सम्) सं.— मापने की वस्तु; तुलना करने की वस्तु।

ಉಪಯಮ उपयम, ಉಪಯಾಮ उपयाम (सम्) सं.— विवाह, परिणय।

ಉಪಯುಕ್ತ उपयुक्त (सम्) वि.— योग्य, ठीक, उचित, उपयोगी।

ಉಪಯೋಗ उपयोग (सम्) सं.— काम, व्यवहार, प्रयोग, इस्तेमाल।

ಉಪರಕ್ತ उपरक्त (सम्) वि.— पीड़ित, संतप्त, ग्रस्त, रंगीन, अंधकार से पूर्ण। सं.— राहु-केतु ग्रस्त, चंद्र-सूर्य।

ಉಪರತ उपरत (सम्) वि.—बंद किया हुआ, मारा हुआ, मृत।

ಉಪರತಿ उपरति (सम्) सं.— बंद करना, समाप्ति, विरति, त्याग, वैराग्य; स्त्री-संभोग, सुरत; उदासीनता।

ಉಪರಮ उपरम, ಉಪರಮಣ उपरमण (सम्) सं.— स्त्री-संभोग से विरति, विराम।

ಉಪರಾಗ उपराग (सम्) सं.— सूर्य या चंद्र का ग्रहण।

ಉಪರಿ उपरि (सम्) अ.— ऊपर, पश्चात्, बाद में।

ಉಪರಿಮ उपरिम (सम्) सं.— ऊँचा स्थान।

ಉಪರಿಲೋಕ उपरिलोक (सम्) सं.— ऊपर का लोक, स्वर्ग।

ಉಪರೋಚಿ उपरोचि (सम्) सं.— रहस्य, गुप्त बात, बंद करना।

ಉಪರೋಧ उपरोध (सम्) सं.— रोकटोक, बाधा, अड़चन, विरोध ; उत्पात, आफ़त । —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— रोक, बाधा डाल ।

ಉಪಲ उपल (सम्) सं.— पत्थर, चट्टान ; रत्न ।

ಉಪಲಕ್ಷಣ उपलक्षण (सम्) सं.—अवलोकन, ईक्षण; पहचान, चिह्न ; पदवी ।

ಉಪಲಕ್ಷ್ಯ उपलक्ष्य (सम्) सं.— लक्ष्य, ध्येय, गम्यस्थान ।

ಉಪಲಬ್ಧ उपलब्ध (सम्) वि. — प्राप्त ; ज्ञात ; कल्पित ।

ಉಪಲಂಭ उपलंभ (सम्) सं.— प्राप्ति, उपलब्धि, पहचान, खोज ।

ಉಪಲಾಲನ उपलालन, (सम्), ಉಪಲಾಲನೆ उपलालने (सम्) सं.— आलिंगन, दुलार, करना ; प्रशंसा करना ।

ಉಪಲೆ उपले (सम्) सं.— मिश्री, शुद्ध चीनी ।

ಉಪಲೇಪನ उपलेपन (सम्) सं.— मालिश, लेप, उबटन, मलहम ।

ಉಪವನ उपवन (सम्) सं.— उद्यान, बाग, पार्क ।

ಉಪವರ್ತನ उपवर्तन (सम्) सं.— प्रांत, प्रदेश, राज्य ।

ಉಪವಸ್ತ್ರ उपवस्त्र (सम्) सं.— उपवास, निराहार-व्रत ।

ಉಪವಾಸ उपवास (सम्) सं.— ಉಪಾಸ उपास (तद्)— निराहार रहना, व्रत, उपोषण ।

ಉಪವಾಹ್ಯ उपवाह्य (सम्) सं.— राजा की सवारी—हाथी, घोड़ा, रथ आदि ।

ಉಪವಿಷ್ಟ उपविष्ट (सम्) वि.— बैठा हुआ, विद्यमान ।

ಉಪವೀತ उपवीत (सम्) सं. — यज्ञोपवीत, जनेऊ ।

ಉಪವೃತ್ತಿ उपवृत्ति (सम्) सं.— छोटा काम, प्रधान नौकरी के अतिरिक्त अन्य नौकरी ।

ಉಪವೇದ उपवेद (सम्) सं.— वे विद्याएँ जिनका मूल वेद में है, वे चार हैं—धनुर्वेद, गंधर्ववेद, आयुर्वेद, स्थापत्य ।

ಉಪವೇಶ उपवेश, ಉಪವೇಶನ उपवेशन (सम्) सं. — बैठना, जमना, स्थित होना, एकाग्रता ।

ಉಪವೇಷ್ಟಿತ उपवेष्टित (सम्) वि.— आवृत्त, घिरा हुआ, वस्त्र-भूषित ।

ಉಪಶಮ उपशम, ಉಪಶಮನ उपशमन (सम्) सं.— निस्तब्धता, शांति, विराम, अवसान, निवृत्ति ; इंद्रियनिग्रह ।

ಉಪಶಲ್ಯ उपशल्य (सम्) सं.—नगर या ग्राम का बाहरी मैदान ।

ಉಪಶಾಖೆ उपशाखे (सम्) सं.—छोटी शाखा, डाली, विभाग ।

ಉಪಶಾಂತ उपशांत (सम्) वि.— शांत, बुझा हुआ, निस्तब्ध, निवृत ।

ಉಪಶಾಂತಿ उपशांति (सम्) सं.— विराम, शांति ; ह्रास, बुझना ।

ಉಪಶ್ರುತ उपश्रुत (सम्) वि.—कानों से सुना हुआ, वचन दिया हुआ । ಉಪಶ್ರುತಿ उपश्रुति (सम्) सं.— प्रतिज्ञा, वचन, स्वीकृति ।

ಉಪಸಂವ್ಯಾನ उपसंव्यान (सम्) सं.—भीतरी पहनावा, कुर्ता, बनियन आदि ।

ಉಪಸಂಹಾರ उपसंहार (सम्) सं.— समाप्ति, अंत ; नाश, मृत्यु । —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.—समाप्त कर, वापस ले ले, नष्ट कर, अंत कर ।

ಉಪಸನ್ನ उपसन्न (सम्) वि.— मिला हुआ, जुड़ा हुआ, लगा हुआ, समीप आया हुआ ।

ಉಪಸಂಪನ್ನ उपसंपन्न (सम्) वि.— प्राप्त, आगत, कमाया हुआ ।

ಉಪಸರ उपसर (सम्) सं.— समीप जाना, फूल के खिलने का समीप-काल, गौ का प्रथम गर्भ ।

ಉಪಸರ್ಗ उपसर्ग (सम्) सं.— सामीप्य, मिलना ; विपत्ति, संकट ; दुर्दैव, अपशकुन, उत्पात ; उपसर्ग ; शब्दों के पूर्व आनेवाला अक्षर-समुदाय ।

ಉಪಸರ್ಜನ उपसर्जन (सम्) सं.— विपत्ति, संकट, दैवी उत्पात ; विसर्जन ; ग्रहण ; हिंसा ; शुभाशुभ शकुन ; वह शब्द, जो दूसरे शब्द के साथ रहने पर अपनी स्वतंत्रता खोकर दूसरे का अर्थबोध करता है ।

ಉಪಸರ್ಪ उपसर्प, ಉಪಸರ್ಪಣ उपसर्पण, ಉಪಸರ್ಪಣೆ उपसर्पणे (सम्) सं.— समीप जाना, आगे बढ़ना ।

ಉಪಸಾಕ್ಷಿ उपसाक्षि, ಉಪಸಾಕ್ಷ್ಯ उपसाक्ष्य (सम्) सं.— सहायक साक्षी, छोटे साक्षी ।

ಉಪಸ್ಕರ उपस्कर (सम्) सं.— उपकरण, सामान, मसाला ; अधूरी वस्तु को पूर्ण करना, पूर्ति ।

ಉಪಸ್ಥ उपस्थ (सम्) वि. —समीप का, निकट का । सं.— स्त्री की योनि, पुरुष का लिंग ।

ಉಪಸ್ಥಿತ उपस्थित (सम्) वि.— प्राप्त, प्रस्तुत, विद्यमान ।

ಉಪಸ್ಪರ್ಶನ उपस्पर्शन (सम्) सं.— मज्जन, स्नान ; स्पर्श करना ; कुल्ला करना ; आचमन ।

ಉಪಹತಿ उपहति (सम्) सं.— हत्या, वध ; प्रहार ; चोट ; कष्ट, संकट, विपत्ति ।

ಉಪಹಸಿತ उपहसित (सम्) वि.— चिढ़ाया हुआ, मज़ाक उड़ाया हुआ, हास्य का कारण भूत ।

ಉಪಹಾರ उपहार (सम्) सं.— भेंट, चढ़ावा ; दान, पुरस्कार ; पूजा, बलिदान ।

ಉಪಹಾಸ उमहास (सम्) सं.—हँसी, दिल्लगी, मज़ाक ; तिरस्कार, निंदा ।

ಉಪಾಂಶು उपांशु (सम्) अ.— गुप्त रूप से, रहस्य रूप से ।

ಉಪಾಕರಣ उपाकरण (सम्) सं.— उपक्रम, तैयारी, अनुष्ठान, समीप बुलाना ।

ಉಪಾಕರ್ಮ उपाकर्म (सम्) सं.— संस्कार, विशेष, प्रतिवर्ष यज्ञोपवीत धारण करने का पर्व, जो श्रावण पूर्णिमा के दिन होता है ; तैयारी, प्रारंभ ।

ಉಪಾಕೃತ उपाकृत (सम्) वि.—समीप लाया हुआ, आरंभ किया हुआ, बलिदान किया हुआ ;

ಉಪಾಖ್ಯಾನ उपाख्यान (सम्) सं.— पुरानी कहानी, किसी मूल कथा से संबंधित अन्य कथा ।

ಉಪಾಗಮ उपागम (सम्) सं. — समीप आगमन, पहुँचना ; संभावना, घटित होना ; प्रतिज्ञा, स्वीकृति ।

ಉಪಾಗ್ರ उपाग्र (सम्) वि.— निम्न श्रेणी का, हीन, अंतिम ।

ಉಪಾಂಗ उपांग (सम्) सं.— छोटे छोटे अंग, अवयव, उपभाग ।

ಉಪಾತ್ತ उपात्त (सम्) वि.— प्राप्त, स्वीकृत, पाया हुआ, लिया हुआ ।

ಉಪಾತ್ಯಯ उपात्यय (सम्) सं.— सीमा का अतिक्रमण, मर्यादा का उल्लंघन ; तिरस्कार ।

ಉಪಾದಾನ उपादान (सम्) सं.— ग्रहण करना, भिक्षा ।

ಉಪಾದೇಯ उपादेय (सम्) वि. — अंगीकार करने योग्य, स्वीकार योग्य, अत्युत्तम, उपयुक्त ।

ಉಪಾಧಿ उपाधि (सम्) सं.— पदवी, प्रतिष्ठा-सूचक शब्द ; धोखा, जल, चालाकी ; कपट ; विघ्न । —ವಂತ वंत (सम्) सं.— सदा काम करनेवाला, माननीय, पदवी प्राप्त ।

ಉಪಾಧ್ಯ उपाध्य, ಉಪಾಧ್ಯಾಯ उपाध्याय (सम्) सं. — पुरोहित, गुरु, शिक्षक, उपदेशक ।

ಉಪಾಧ್ಯಾಯಿನಿ उपाध्यायिनि (सम्) सं.— शिक्षिका, पुरोहित या गुरु की पत्नी ।

ಉಪಾಧ್ಯಾಯಿ उपाध्यायि, ಉಪಾಧ್ಯಾಯೀ उपाध्यायी, ಉಪಾಧ್ಯಾಯೆ उपाध्याये (सम्) सं.— दे. ಉಪಾಧ್ಯಾಯಿನಿ.

ಉಪಾನತಿ उपानति, ಉಪಾನತ್ उपानत्, ಉಪಾನಹ उपानह (सम्) सं. — चप्पल, पादुका, खडाऊ ।

ಉಪಾಂತ उपांत, ಉಪಾಂತ್ಯ उपांत्य (सम्) अ.— समीप का, निकट का, अंत्य अक्षर के समीप का अक्षर ; दृष्टिकोण ।

ಉಪಾಯ उपाय (सम्) सं.— साधना, युक्ति, तंत्र, विधान ; राजनैतिक तंत्र ।

ಉಪಾಯನ उपायन (सम्) सं.— समीप गमन, धर्मानुष्ठान ; भेंट, पुरस्कार ।

ಉಪಾರ್ಜನ उपार्जन (सम्) सं.— प्राप्ति, कमाई, उपलब्धि । —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— प्राप्त कर, कमा ।

ಉಪಾರೂಢ उपारूढ (सम्) वि.— चढ़ा हुआ, ऊपर गया हुआ, अधिक हुआ, बढ़ा हुआ ।

ಉಪಾಲಂಭ उपालंभ, ಉಪಾಲಂಭನ उपालंभन (सम्) सं.— प्राप्त करना, प्राप्ति ; उलाहना, निंदा, तिरस्कार ।

ಉಪಾಶ್ರಯ उपाश्रय (सम्) सं.— आधार, आश्रय, विश्वास पात्र ; तकिया ।

ಉಪಾಸಂಗ उपासंग (सम्) सं.— समीपता, नैकट्य ; तरकस ।

ಉಪಾಸನ उपासन, ಉಪಾಸನೆ उपासने (सम्) सं.— पूजा, सेवा, आराधन ; धनुर्विद्या, बाण चलाने का अभ्यास, समीप उपस्थित रहना ।

ಉಪಾಸಿತ उपासित (सम्) वि. — पूजित, अर्चित ।

ಉಪಾಸ್ತಿ उपास्ति (सम्) सं.— पूजा, सेवा, शुश्रूषा, ध्यान ।

ಉಪಾಹಾರ उपाहार (सम्) सं.—अल्प आहार, जलपान, थोड़ा खाना खाना ।

ಉಪಾಹಿತ उपाहित (सम्) वि.— स्थापित, जमा कराया हुआ, संबंधयुक्त, संयोजित । सं.— टूटता तारा, उल्कापात ।

ಉಪೇಕ್ಷೆ उपेक्षे, ಉಪೇಕ್ಷಾ उपेक्षा (सम्) सं.— तिरस्कार उदासीनता, लापरवाही, विरक्ति ।

ಉಪೇತ उपेत (सम्) वि.— युक्त, संपन्न, संबंधित, उपस्थित ।

ಉಪೇಂದ್ರ उपेंद्र (सम्) सं.— इंद्र का छोटा भाई, वामन या विष्णु भगवान् ; राजा, सर्प ।

ಉಪೋದ್ಘಾತ उपोद्घात (सम्) सं.— प्रारंभ, आरंभ, भूमिका ; उदाहरण, नमूना ।

ಉಪೋಷಣ उपोषण, ಉಪೋಷ್ಯ उपोष्य (सम्) सं.— उपवास, निराहार रहना, व्रत ।

ಉಪ್ತ उप्त (सम्) वि.— बीज बोया हुआ ।

ಉಪ್ತಿ उप्ति (सम्) सं.— बीज बोना ।

ಉಪ್ತೆ उप्ते (सम्) सं.— रात ।

ಉಪ್ಪಗಚಿ उप्पगचि, ಉಪ್ಪಗಚೆ उप्पगचे ಉಪ್ಪಚ್ಚಿ उप्पच्चि, ಉಪ್ಪೆಗಚಿ उप्पेगचि (क) सं.— एक काँटेदार वृक्ष ।

ಉಪ್ಪಡ उप्पड (क) सं.— नमक में लगाकर सुखायी गयी तरकारी । (तद्) सं.— उत्पट (तत्)—वस्त्र ।

ಉಪ್ಪಯಣ उप्पयण (क) सं.—निर्याण ; यात्रा रोकना ।

ಉಪ್ಪರ उप्पर (तद्) वि.— उपरि (तत्) ; उच्च, ऊँचा, ऊपर का । —ಕುಡಿ कुडि, ಗುಡಿ गुडि (तद्) सं.— ऊपर उठाया गया झंडा । —ಮಾಡು माडु (तद्) क्रि.— ऊँचा (दीवार आदि को) उठाना ।

ಉಪ್ಪರಸು उप्परसु, ಉಪ್ಪರಿಸು उप्परिसु (तद्) क्रि.— छलांग मार, कूद, ऊपर जा, चढ़, अधिक हो ; जाग, आवरण निकाल ; जगा ; विस्तार कर ।

ಉಪ್ಪರಪಟ್ಟ उप्परपट्ट (तद्) सं.— ऊपर का वस्त्र, उत्तरीय ।

ಉಪ್ಪರವೊಯ್ಲು उप्परवोय्लु (तद्) सं.— ऊपर का आघात, प्रहार ।

ಉಪ್ಪರಿಗೆ उप्परिगे (तद्) सं.— उपकारिके (तत्) ; महल, अट्टालिका, सौध, मंज़िल ।

ಉಪ್ಪಲಿಗ उप्पलिग (क) सं.— नमक बनानेवाला ; मछुआ ।

ಉಪ್ಪಲಿಗೆ उप्पलिगे (क) सं.— एक छोटा वृक्ष (Macaranga Indica.)

ಉಪ್ಪವಡ उप्पवड (क) सं.— उदयराग, राजा आदि को प्रातःकाल जगाने का गीत ।—ಇಸು इसु (क) क्रि.— जगा, जागृत कर ।

ಉಪ್ಪಳ उप्पल (तद्) सं.— उत्फल (तत्) ; विशालता, फैलाव ।

ಉಪ್ಪಾರ उप्पार (क) सं.— राज, घर-मकान बनानेवाला ।

ಉಪ್ಪಾಱ उप्पार (क) सं.— दे. ಉಪ್ಪಾರ ; नमक बनानेवाला, जो तरकारी भी उत्पन्न करता है ।

ಉಪ್ಪಾಱತಿ उप्पारति (क) सं.— राज की स्त्री, नमक बनानेवाले की स्त्री ।

ಉಪ್ಪಾರಿಕೆ उप्पारिक़े (क) सं.— ईंट-पत्थर उठाने का काम, नमक बनाने का पेशा ।

ಉಪ್ಪು उप्पु (क) सं.— नमक, लवण ; प्रेम, प्रीति, ममता ; उपकार, कृतज्ञता ; रक्षण, संरक्षण ; एक प्रकार का खेल । ಉಪ್ಪು ತಿಂದವ ನೀರು ಕುಡಿದಾನು उप्पु तिंदव नीरु कुडिदानु—जो नमक खाता है, वह पानी पीता है (कह.) । ಉಪ್ಪಿಟ್ಟು उप्पिट्टु (—ಉಪ್ಪು→ಹಿಟ್ಟು =आटा) (क) सं.— एक खाने की चीज़ जो चावल या गेहूँ के रवा से बनाया जाता है, उप्पुमा । ಉಪ್ಪಿನ ಕಟ್ಟೆ उप्पिन कट्टे (क) सं.— नमक की दूकान, नमक का भंडार । ಉಪ್ಪಿನಕಾಯಿ उप्पिनकायि (क) सं.—अचार । ಮಾತಿಗೆ ಮೊದಲು ಗಾದೆ ಊಟಕ್ಕೆ ಮೊದಲು ಉಪ್ಪಿನಕಾಯಿ मातिगे मोदलु गादे ऊटक्के मोदलु उप्पिनकायि—बात का आदि कहावत है, भोजन का आदि अचार है (कह.) ।

ಉಪ್ಪುಕಾರ उप्पुकार (क) सं.— नमक-मिर्च ; तीक्ष्ण वचन । —ಹಚ್ಚು हच्चु (क) क्रि.— नमक-मिर्च मिलाकर बोल, चुगली खा (लाक्ष.) ।

ಉಪ್ಪುಮಾ उप्पुमा (तमिल्) सं.—दे. ಉಪ್ಪಿಟ್ಟು (ಉಪ್ಪು) ।

ಉಪ್ಪುರ उप्पुर (तद्) वि. =ಉಪ್ಪರ उप्पर, दे. ಉಪ್ಪರ.

ಉಫ್ उफ़् (क) अ.— मुँह से निकलनेवाली हवा जो 'उफ़्' ध्वनि निकलती है, चूल्हे को फूँकते समय 'उफ़् उफ़्' किया जाता है, संपेरा सांप को नचाते समय इस प्रकार की ध्वनि करता है ताकि वह दर्शकों को आकर्षित कर सके । —ಗಾಳಿ गालि (क) सं.—'उफ़्' की हवा ।

ಉಫಿ उफ़ि (क) अ.— दे. ಉಫ್.

ಉಬಿಕು उबिकु (क) क्रि.— उमड़, उभर, उफन अधिक हो ।

ಉಬ್ಬಟ್ಟೆ उब्बट्टे (क) सं. =ಉಬ್ಬಟೆ उब्बटे, ಉರ್ಬಟೆ उर्बटे—उमड़ना, उफ़ान, अधिक होना ; महानता ; साहस ; शक्ति ; बहादुरी ; वीरता ; गर्जन ।

ಉಬ್ಬಡಿಗ उब्बडिग, ಉಬ್ಬರಿಗ उब्बरिग, ಉಬ್ಬುದಿಗ उब्बुदिग (क) सं.— आधिक्य, वृद्धि ; महानता ।

ಉಬ್ಬಣ उब्बण (क) सं.— एक आयुध विशेष, गदा ; दरवाजे की किल्ली ।

ಉಬ್ಬರ उब्बर (क) सं.— उमड़ना, उभरना, उफ़ान, आधिक्य, महानता; साहस; वीरता । —ಇಸು इसु (क) क्रि.— दे. ಉಬಿಕು.

ಉಬ್ಬಲು उब्बलु (क) सं.— धान का भूसा ; शरीर से गिरनेवाले बाल या रोम ।

ಉಬ್ಬಸ उब्बस (तद्) सं.— ऊर्ध्वश्वास (तत्) ; श्वास, दमा, साँस की बीमारी; रगड़, कुचलन ; मात्सर्य, ईर्ष्या ; संकुचितता, संकीर्णता ; कष्ट, संकट ।

ಉಬ್ಬಳ उब्बळ, ಉಬ್ಬಳಿಕೆ उब्बळिक़े (क) सं.— वमन, उलटी ।

ಉಬ್ಬಳಿಸು उब्बळिसु (क) क्रि.— वमन कर ।

ಉಬ್ಬಿಕೆ उब्बिक़े, ಉಬ್ಬುವಿಕೆ उब्बुविक़े (क) सं.— दे. ಉಬ್ಬರ.

ಉಬ್ಬಿರಿತ उब्बिरित (क) सं.— उत्साह से किया हुआ प्रहार या आघात ।

ಉಬ್ಬಿಸು उब्बिसु (क) क्रि.— उभाड़, अधिक कर ; वृद्धि कर ; ऊपर उठा ।

ಉಬ್ಬು उब्बु (क) क्रि.—उमड़, उफ़न, अधिक हो, बड़ा हो, प्रसन्न हो, फूले न समा । सं.— उमड़ना, उफ़ान ; ऊँचाई, ऊँचा स्थान ; गर्व, अभिमान ; आनंद, हर्ष । —ಇಸು इसु (क) क्रि. — उभाड़, उकास, उत्तेजित कर । —ತಗ್ಗು तग्गु (क) सं.— असमता, विषमता, पहाड़ और गड्ढा । —ಹಲ್ಲು हल्लु (क) सं.— दीर्घ दांत, आगे निकला हुआ दाँत ।

ಉಬ್ಬು उब्बु (क) सं.— चिल्लाहट, चिल्लाना ।

ಉಬ್ಬು उब्बु (तद्) सं.=ಹುಬ್ಬು हुब्बु—भौंहे ।

ಉಬ್ಬು ಕೊಬ್ಬು उब्बु कोब्बु (क) सं.—अत्यधिक गर्व, दर्प, अत्यधिक अभिमान ।

ಉಬ್ಬುದಿಗ उब्बुदिग (क) सं. = ಉಬ್ಬಡಿಗ उब्बडिग ।

ಉಬ್ಬುಸ उब्बुस, ಉಬ್ಬುಸು उब्बुसु (क) सं.— दे. ಉಬ್ಬಸ.

ಉಬ್ಬುಳಿಸು उब्बुळिसु (क) क्रि.—ಉಬ್ಬಳಿಸು.

ಉಬ್ಬೆ उब्बे (क) सं.—गरमी, उष्णता ; भाफ, बाष्प ; वर्षा, बरसात । —ಮನೆ मने (क) सं.— वह घर या स्थान जहाँ धोबी गंदे कपड़ों को भाफ में डालता है ।

ಉಬ್ಬೆ उब्बे (तद्) सं.—एक नक्षत्र, दे. ಹುಬ್ಬೆ.

ಉಬ್ಬೇಗ उब्बेग (तद्) सं.— उद्वेग ; विकलता, व्याकुलता, भय ; दुःख ।

ಉಭಯ उभय (सम्) वि.— दो, दोनों । —ಕರ್ಮ कर्म (सम्) सं.— दो पाप । —ತ್ರ त्र (सम्) अ.— दोनों ओर, दोनों जगह, दोनों लोकों में, इह तथा पर में । —ಸಂಕಟ संकट (सम्) सं.—धर्मसंकट, दोनों ओर का संकट ।

ಉಭಯಕವಿ उभयकवि (सम्) सं.— कन्नड और संस्कृत दोनों भाषाओं में कविता करनेवाला कवि ।

ಉಭಯಾನುಮತ उभयानुमत (सम्) वि.— दोनों पक्षों के लिए मान्य ।

ಉಮ್ उम् (क) क्रि. = ಉಣ್—उण्-खा, उपभोग कर ।

ಉಮದಾ उमदा (अ. दे.) वि.— उमदा (अरबी) ; श्रेष्ठ, उत्कृष्ट, सुंदर, अच्छा ।

ಉಮರಾವು उमरावु (अ.दे.) सं.— उमराव (अरबी) ; प्रतिष्ठित व्यक्ति ।

ಉಮರು उमरु (क) सं.— गरमी, उमस ।

ಉಮಾ उमा (सम्) सं.— पार्वती । —ಧವ धव, ಪತಿ पति (सम्) सं.— शिव । —ಪುತ್ರ पुत्र, ಸುತ सुत (सम्) सं.— षण्मुख, गजानन । —ಪ್ರವರ प्रवर (सम्) सं.— शिव । —ಮಹೇಶ್ವರ महेश्वर, ರಮಣ रमण, ವರ वर, ವಲ್ಲಭ वल्लभ (सम्) सं.— शिव ।

ಉಮಿ उमि, ಉಮ್ಮಿ उम्मि (क) सं.— धान, का भूसा ।

ಉಮು उमु (क) अ.— और, तथा, एवं ।

ಉಮೆ उमे (क) प्र.—संज्ञार्थक प्रत्यय ; उदा. ತಕ್ಕುಮೆ तक्कुमे—योग्यता, उपयुक्तता ।

ಉಮೆ उमे (सम्) सं.— दे. ಉಮಾ.-ದೇವಿ देवि (सम्) सं. — पार्वती। —ಯಾಳ್ಮ याळ्म, ಯಿನಿಯ यिनिय, ಯೊಡೆಯ योडेय (क) सं.— शिव।

ಉಮೇದ उमेद, ಉಮೇದು उमेदु (अ. दे.) सं.— उम्मीद (फ़ारसी); विश्वास, भरोसा, आशा; इच्छा। —ವಾರ वार (अ.दे.) सं.— उम्मेदवार (फ़ारसी); नौकरी पाने की आशा करनेवाला। वि.— आशादायक, विश्वासपूर्ण। —ವಾರಿ वारि (अ.दे.) सं.—आशादायकता, प्रतीक्षा करना; उम्मीदवार होना।

ಉಮೇಶ उमेश, ಉಮೇಶ್ವರ उमेश्वर (सम्) सं.— शिव।

ಉಮ್ಮಚ್ಚ उम्मच्च, ಉಮ್ಮತ್ತ उम्मत्त, ಉಮ್ಮತ್ತು उम्मत्तु (तद्) वि.— उन्मत्त (तत्); उन्मत्त, मदमत्त, घमंड़ी, अभिमानी। सं.— धतूरे का पौधा।

ಉಮ್ಮದ उम्मद (तद्) वि.— मदमत्त. अधिक घमंड़ी।

ಉಮ್ಮಲು उम्मलु, ಉಮ್ಮುಲು उम्मुलु (क) सं.— कफ़, श्लेष्मा; साँस लेने में कठिनाई, दमा।

ಉಮ್ಮಳ उम्मळ, ಉಮ್ಮಳಿಕೆ उम्मळिके (तद्) सं.— उष्मन् (तत्); गरमी; दुःख; दर्द; संकट, व्याकुलता। —ಇಸು इसु (तद्) क्रि.— गरम हो; व्याकुल हो, चिंतित हो, दुःखी हो, मचेत हो।

ಉಮ್ಮಾದ उम्माद (तद्) सं —उन्माद (तत्)।

ಉಮ್ಮಿಗೆ उम्मिगे, ಉಮ್ಮುಗೆ उम्मुगे (क) सं.- गेहूँ या जौ का रसपूर्ण दाना।

ಉಮ್ಮು उम्मु (क) क्रि.— बाहर निकल, उमड़. उभर, ऊपर आ। सं.—चावल, भात (बच्चे साधारणतया इसका प्रयोग करते हैं); चुंबन (मै.प्र.)।

ಉಮ್ಮೆ उम्मे, ಉಮ್ಮೆಕಲ್ उम्मेकल् (क) सं.— रस निकालने के लिए उपयुक्त पत्थर।

ಉಮ್ಮೆ उम्मे (तद्) सं.—उष्मः (तत्); गरमी; भाफ, वाष्प।

ಉಮ್ಯ उम्य (तद्) सं.— उमा (तत्); सन।

ಉಯ್ उय् (क) क्रि. — ढो, उठा, एक स्थान से दूसरे स्थान ले जा; प्रतिबंध कर, दबा, रोक। सं.— धान या अनाज का भूसा, सूखा पत्ता; पशुओं को चलाते समय कहा जानेवाला शब्द।

ಉಯ್ಯಲ್ उय्यल्, ಉಯ್ಯಲು उय्यलु, ಉಯ್ಯಲೆ उय्यले, ಉಯ್ಯಾಲು उय्यालु. ಉಯ್ಯಾಲೆ उय्याले, ಉವಾಲೆ, उवाले, ಉವ್ವಾಲೆ उव्वाले (क) सं.—झूला, हिंडोला, पालना, डोली।

ಉರ उर (क) सं. — दोष; हिंसा, क्रूरता; चिल्लाना. चिल्लाहट।

ಉರ उर, ಉರಸ್ उरस् (सम्) सं. — छाती, वक्षस्थल; धैर्य, शौर्य।

ಉರಕು उरकु (क) सं. = ಹುರುಕು हुरुकु— खुजली।

ಉರಗ उरग (सम्) सं.— उर से जानेवाला, साँप। —ಅಂಗನೆ अंगने (सम्) सं.— सर्पिणी; नागकन्या। —ಅಶನ अशन (सम्) सं.— साँप को खानेवाला, गरुड, मोर। —ಆಭರಣ आभरण (सम्) सं.— शिव। —ಪತಿ पति, ರಾಜ राज (सम्) सं.— आदिशेष. वासुकी। —ಭೂಷಣ भूषण (सम्) सं.— शिव। —ಭೋಜಿ भोजि (सम्) सं.— गरुड, मोर, न्योला। —ಶಯನ शयन, ಶಾಯಿ शायि (सम्) सं.— विष्णु।

ಉರಗಾದ್ರಿ उरगाद्रि (सम्) सं.— तिरुपति के पास का एक पहाड़।

ಉರಗೇಂದ್ರ उरगेंद्र (सम्) सं.— उरगपति।

ಉರಟೆ उरट, ಉರಟು उरटु. ಉರ್ಟು उर्टु (क) सं.—गोलाई, मोटाई, मोटापन (वस्त्र,धागा आदि का)। —ಕೂದಲು कूदलु—मोटे बाल, ತೊಗಲು. तोगलु—मोटी खाल, ದಾರ दार-- मोटा धागा।

ಉರಟಣಿ उरटणि (क) सं.=ಉರುಟಣಿ उरुटणि, ಉರಟಾಣಿ उरुटाणि, ಉರ್ಟಣಿ उर्टणि. ಉರ್ಟಾಣಿ उर्टाणि— विवाह के समय वर-वधू का नारियल या गेंद (फूल का) से क्रीड़ा करना।

ಉರಟಾ उरटा, ಉರಟಿ उरटि, ಉಲಟಾ उलटा, ಉಲ್ಟಾ उल्टा, ಉಲ್ಲಟ उल्लट, ಉಳ್ಟಾ उळ्टा (अ.दे.) वि.— उल्टा, क्रम विरुद्ध, औंधा, विपरीत।

ಉರಟಾಯಿಸು उरटायिसु, ಉರುಟಾಯಿಸು उरुटायिसु. ಉರ್ಟಾಯಿಸು उर्टायिसु (अ.दे.) क्रि.—उल्टा कर; अस्वीकार कर; धोखा दे (बातों से)।

ಉರಟಿ उरटि, ಉರುಟಿ उरुटि (क) सं.— सस्ता होना. थोड़ा दाम।

ಉರಟು उरटु (क) क्रि.— गोल कर, लुढ़का, घुमा। सं.— दे ಉರುಟು

ಉರಣ उरण, ಉರಣಿ उरणि (सम्) सं.— मेष, भेड़।

ಉರಣೆ उरणे, ಉರುಟಾಣಿ उरुटाणि, ಉರುಟು (क) सं — लकड़ी के लट्ठों को उठाने का रोलर या बेल।

ಉರತ उरत, ಉರಿತ उरित (क) सं.— जलना, लौ, ज्वाला।

ಉರಪಾಶ उरपाश (सम्) सं.— बैल की पीठ पर सामान बांधने के लिए उपयोग में लायी जानेवाली रस्सी।

ಉರಪು उरपु, ಉರಿಪು उरिपु, ಉರುಪು उरुपु, ಉರುವು उरुवु, ಉರ್ಪು उर्पु (क) सं.— जलना, उत्तेजित होना। क्रि.— जला, उत्तेजित कर, आग लगा (प्रे.)।

ಉರಭ್ರ उरभ्र (सम्) सं.—भेड़, मेष।

ಉರರೀಕೃತ उररीकृत (सम्) वि.—वचन दिया हुआ, मान्य, स्वीकृत; विस्तृत, फैला हुआ।

ಉರಲ್ उरल्, ಉರಲು उरलु, ಉರಿಲ್ उरिल्, ಉರುಲ್ उरुल्, ಉರುಳ್ उरुळ्, ಉರುಳು उरुळु, ಉರ್ಲು उर्लु, ಉರ್ಳು उर्ळु (क) सं.— जाल, फंदा, फाँसी की रस्सी।

ಉರವಣಿ उरवणि, ಉರವಣಿಗೆ उरवणिगे ಉರವಣೆ उरवणे (क) सं.—शीघ्रता, उतावलापन, गड़बड़ी, झपटना: रोष, क्रोध; निष्ठुरता।

ಉರವಣಿಗೆ उरवणिगे (क) सं.— दे. ಉರವಣಿ; गर्जन, जोर से चिल्लाना; गर्व, घमंड।

ಉರವಣಿಸು उरवणिसु (क) क्रि.—शीघ्रता कर, उतावला हो, झपट ; निठुर हो ; क्रुद्ध हो ।

ಉರವಣಿಕಾರ್ತನ उरवणिकार्तन (क) सं.—शीघ्रता करना या उतावला होना ।

ಉರವಲ उरवल (क) सं. = ಉರುವಲ उरुवल, ಉರುವಲು उरुवलु—समिधा, ईंधन ।

ಉರಸಿಜ उरसिज (सम्) सं.— छाती पर उत्पन्न, स्तन ।

ಉರಸಿರುಹ उरसिरुह (सम्) सं.— दे. ಉರಸಿಜ.

ಉರಸಿಲ उरसिल (सम्) सं.— चौड़ी छाती-वाला ।

ಉರಸು उरसु, ಉರಿಸು उरिसु (क) क्रि.— जला, आग लगा, उत्तेजित कर ।

ಉರಸ್ಯ उरस्य (सम्) वि.— वक्षस्थल का, सर्वोत्कृष्ट । सं.— पुत्र ।

ಉರಸ್ವತ್ उरस्वत् (सम्) वि.— चौड़ी छाती-वाला ।

ಉರಃಸೂತ್ರಿಕೆ उर:सूत्रिके (सम्) सं.— उर पर पहनने का मुक्ताहार, मोतियों की माला ।

ಉರಳಿ उरळि, ಉರುಳಿ उरुळि, ಉರ್ಳಿ उर्ळि, ಉಳ್ಳ उळ्ळ, ಉಳ್ಳಿ उळ्ळि, ಉಳ್ಳೆ उळ्ळे, ಒಳ್ಳಿ ओळ्ळि (क) सं.— मिट्टी या आटे का गोला, गोलाकार पिंड ; मिट्टी या धातु का गोलाकार बर्तन । ಉರಳಿಗಡ್ಡೆ उरळिगड्डे, ಉಳ್ಳಿಗಡ್ಡೆ उळ्ळिगड्डे (क) सं.— प्याज़ ।

ಉರುಳಿ उरुळि, ಉಳ್ಳಿ उळ्ळि, ಉರ್ಳಿ उर्ळि (क) सं. = ಹುರುಳಿ हुरुळि—कुलथी ।

ಉರಳು उरळु (क) क्रि.— लुढ़क, चक्कर खा । —ಇಸು इसु (क) क्रि.— लुढ़का, गिरा, गोल कर, घुमा ।

ಉರಿ उरि (क) क्रि.— जल, दह, दग्ध हो, प्रज्वलित हो, प्रकाशित हो ; व्यथित कर, चिंतित कर । सं.— आग, ज्वाला ; ज्वर, बुखार ; चिंता, व्यथा । —ಕೆಂಡ केंड (क) सं.— जलनेवाला कोयला, अंगारा । —ಕಣ್ कण्, ಗಣ್ गण् (क) सं.— दहनेवाली आँख, लाल आँख । —ಗಾಳಿ गाळि (क) सं.— गरम हवा, लू । —ಕಿಚ್ಚು किच्चु, ಗಿಚ್ಚು गिच्चु (क) सं.— प्रज्वलित वह्नि । —ಕೆದರು केदरु, ಗೆದರು गेदरु (क) क्रि.— आग फैला, आग लगा । —ಕೆಯ್ಯ केय्य, ಗೆಯ್ಯ गेय्य (क) सं.— जिसके हाथ में आग हो, भस्मासुर । —ಕೊಳ್ कोळ्, ಗೊಳ್ गोळ् (क) क्रि.— आग का लगना, आग का जलना । —ಕೊಳಿಸು कोळिसु, ಗೊಳಿಸು गोळिसु (क) क्रि.— आग जला, प्रज्वलित कर । —ಗೆಂಸ गेंस (क) सं.— ताम्रकेश, भूरे बाल । —ಚೇಳು चेळु (क) सं.— लाल या बहुत विषैला विच्छू । —ನಂಜು नंजु (क) सं.— शीत ज्वर, ज्वर की विशेष पीड़ा । —ನಾಲಿಗೆ नालिगे (क) सं.— अग्निशिखा, ज्वाला, आग । —ಪು पु (क) सं.—जलना, 'धग् धग्' जलना । —ಮಾತು मातु (क) कठोर वचन, ईर्ष्यापूर्ण वचन । —ಮಾರಿ मारि (क) सं.— दुर्गा, भयंकर स्त्री । —ಮೂತ್ರ मूत्र (क) सं.— बार-बार पेशाब करने की बीमारी । —ವೆಣ್ಣೆ वेण्णे (क) सं.— गरम तेल । —ವಾತು वातु (क) सं.— दे. ಉರಿಮಾತು.— ಬಿಸಿಲ್ बिसिल्, ವಿಸಿಲ್ विसिल् (क) सं.— बहुत धूप, निदाघ का दाघ । —ಶಿತ शित (क) सं.—ज्वर के कारण हुआ जुकाम । —ಸಿಂಗಿ सिंगि (क) सं.— डुंडुभ, सर्प विशेष ; क्रूर मनुष्य । —ಹತ್ತು हत्तु (क) क्रि.— आग का लगना, जलना, ज्वलित होना । —ಹಚ್ಚು हच्चु, ಹತ್ತಿಸು हत्तिसु (क) क्रि.— आग लगा, आग जला ।

ಉರಿ उरि (क) सं.— एक वृक्ष विशेष ; धागा । क्रि.— भूँज, झुलस, सूख । —ಗಾಳು गाळु=ಹುರಿಗಾಳು हुरिगाळु—भुने हुए मसाले दार चने, मूँग आदि ।

ಉರಿಕ उरिक (क) सं.— आग से उपभोग करनेवाला, वह जो जलाया गया हो ; निठुर या क्रुद्ध पुरुष ।

ಉರಿಕೆ उरिके (क) सं.—जलना, ज्वाला ।

ಉರಿಚು उरिचु, ಉರ್ಚು उर्चु (क) क्रि.— छिलका निकाल (फल आदि का), (सड़े-गले को) फेंक, शिथिल हो ।

ಉರಿತ उरित (क) सं.— दे. ಉರಿತ.

ಉರಿಮೇಷ उरिमेष (सम्) सं.— सागवान का वृक्ष ।

ಉರಿಲ್ उरिल् (क) सं.— दे. ಉರಲ್.

ಉರಿಸು उरिसु (क) क्रि.— जला, प्रज्वलित कर ।

ಉರೀಕೃತ उरीकृत (सम्) वि.—विस्तृत, फैला हुआ ; स्वीकृत वचन दिया हुआ ।

ಉರು उरु (सम्) वि.— बड़ा, श्रेष्ठ, अधिक, अमूल्य, उत्तम, प्रख्यात, प्रसिद्ध, योग्य, उपयुक्त, विस्तृत ।

ಉರುಕು उरुकु (क) क्रि.— स्थिर रह, अविचल रह, खड़ा रह । —ಇಸು इसु (क) क्रि.— विस्तृत कर, टेढ़ा-मेढ़ा कर (प्रे.) । —ಕೊಳ್ कोळ् (क) क्रि.— पीछे हट ।

ಉರುಗ उरुग (क) सं.— क्रोधी पुरुष । ಉರುಗಿ उरुगि (स्त्री.लिं.) ।

ಉರುಗು उरुगु (क) सं.— रोष, क्रोध, कोप ।

ಉರುಟ उरुट, ಉರುಟು उरुटु (क) वि.— मोटा, शुष्क ; असभ्य ।

ಉರುಟಣಿ उरुटणि, ಉರುಟಣೆ (क) सं.— दे. ಉರಟಣೆ—ಇಡು इडु (क) क्रि.—सुगंधित तेल से शरीर को मल, मालिश कर ।

ಉರುಟಿಸು उरुटिसु (क) क्रि.— दे. ಉರಳಿಸು (ಉರಳು).

ಉರುಟು (क) सं.—गर्व, अभिमान ; मोटापन, गोलाई ; निठुर, शुष्क ; असभ्य । क्रि.— अतिक्रमण कर, लाँघ, लुढ़क । ಉರುಟಾದುದು ಉರುಳದೇ ಇರದು. उरुटादुदु उरुळदे इरदु—जो गोला है, वह लुढ़के बिना न रहे (कह.) । —ತನ तन (क) सं.— निठुरता धृष्टता, घमंड ।

ಉರುಡು उरुडु (क) क्रि.— रक्षा कर ; लुढ़क सं.—गोलाकार बर्तन । —ಇಸು इसु (क क्रि.—लीप, पोत ।

ಉರುಂಟು उरुंटु (क) क्रि.— लुढ़क, गोल हो सं.— गोला ।

ಉರುತಂತಿ उरुतंति (सम्) सं.— रस्सी ।

ಉರುತರ उरुतर (सम्) वि.— बहुत बड़ा, विस्तृत, बहुत श्रेष्ठ।

ಉರುಪು उरुपु (क) सं.— दे. ಉರ್ಪು.

ಉರುಬು उरुबु, ಉರುಂಬು उरुंबु (क) क्रि.— चढ़ आ· आक्रमण कर। सं.— बलात्कार; शीघ्रता।

ಉರುಬೆ उरुबे (क) सं.— आधिक्य; राशि, समृद्धि; बलात्कार; भीषणता।

ಉರುಮಿಕೆ उरुमिके, ಉರುಮಿಗೆ उरुमिगे (क) सं.— आधिक्य, अधिकता।

ಉರುರುಥ್ಯ उरुरुथ्य (सम्) सं — घोड़ा।

ಉರುಲು उरुलु (क) सं.— दे. ಉರಲ್.

ಉರುಲುಗೊಳೆ उरुलुगोळे, ಉರುಲುಬಲೆ उरुलु बले (क) सं.— फाँसी।

ಉರುವ उरुव (क) वि.—श्रेष्ठ, अधिक· उत्तम, बलशाली।

ಉರುವಣಿಸು उरुवणिसु (क) क्रि.— दे ಉರವಣಿಸ.

ಉರುವಲು उरुवलु (क) सं.— ईंधन, समिधा।

ಉರುವು उरुवु (क) सं.— दे. ಉರ್ಪು; राशि, समूह, शोभा, बड़प्पन।

ಉರುಸು उरुसु (क) क्रि.— दे. ಉಂಸು.

ಉರುಳ್ उरुळ्. ಉರುಳು उरुळु (क) क्रि.— लुढ़क, गोल हो· घूम, चक्कर काट, गिर, उल्टा हो। सं. दे. ಉರಲ್; धुरी। —ಇಸು इसु (क) क्रि.— गिरा, घुमा· गोल कर। —ಕೆಡಹು केडहु (क) क्रि.— फाँसी पर लटका, संकट में डाल। —ಚು चु (क) क्रि.— दे. ಉರಳಿಸು.

ಉರುಳಿ उरुळि (क) सं.— गोला, गोलाकार पिंड, काँसे का बर्तन; मैना। —ಕೊಳ್ कोळ् (क) क्रि.— गोलाकार हो, वृत्त हो। —ಕೆ के (क) सं.— गोल या वृत्त होना, लपेट।

ಉರುಳುಕ उरुळुक (क) सं.—लपेटने की चीज़, बेलन।

ಉರೆ उरे, ಉರೇ उरे (क) अ.— वि.बो.— अच्छा हुआ!, शबास!, बहुत अच्छा!

ಉರೋಜ उरोज (सम्) सं.— स्तन, पयोधर।

ಉರೋರುಹ उरोरुह (सम्) सं.— दे. ಉರೋಜ

ಉಱಡೆ उऱडे, ಉಟ್ಲಾಟ उट्लाट, ಉಟ್ಲುಬಡಿ उट्लुबडि, ಉಱೊಡೆ उऱोडे, ಉಲ್ಲಡೆ उल्लडे (क) सं.— एक क्रीड़ा जिसमें नारियल· फल आदि ऊपर लटकाकर खेलनेवाले व्यक्ति गोपों का वेष धारण कर उन्हें पाने का प्रयास करते हैं—यह खेल साधारणतया श्रीकृष्णजन्माष्टमी के बाद के दिन मनाया जाता है।

ಉಱಳಿ उऱळि (क) सं.— राशि, ढेर· पुंज।

ಉಱಿ उऱि (क) सं.— ताक, आला, ताखा। क्रि.—ಉಱಿತ उऱित—सूँघ; चूस, सोख।

ಉಱಿಸು उऱिसु (क) क्रि.— खड़ा कर· रोक; सह, सहन कर, बर्दाश्त कर।

ಉಱ್ उऱ्, ಉಱು उऱु (क) क्रि.— हो, विद्यमान हो, रह; रुक; हिचकिचा; डगमगा· लहरा· आगे-पीछे हिल; जुड़ जा।

ಉಱುಕು उऱुकु (क) सं.— खड़े रहना, रुकना, स्थिरता।

ಉಱುಗಿಸು उऱुगिसु (क) क्रि.— वक्र कर, तिरछा कर, मोड़।

ಉಱುಗು उऱुगु (क) क्रि.— वक्र हो, तिरछा हो, झुक· मुड़। सं.— वक्रता। —ಕಾಲು (क) सं.— वक्र पद, टेढ़ा पैर। —ಬೆರಲು बेरलु (क) सं.— टेढ़ी उँगली।

ಉಱುಪು उऱुपु (क) सं.—रुकना, स्थिर रहना; स्थायी भाव।

ಉಱುವು उऱुवु (क) सं.— संयुक्तता; राशि, ढेर, पुंज; आधिक्य, अधिकता; बड़ा होना, बड़प्पन, महानता; सुंदरता, मनोहरता।

ಉಱೆ उऱे (क) वि.— अधिक, बहुत, पूर्णतः, सुंदर, अच्छा। सं.— राशि, समूह· ढेर; आधिक्य, बड़ा होना।

ಉರ್ಕು उर्कु (क) क्रि.—अधिक हो, (बर्तन से) बाहर निकल, उमड़· उभर,। सं.— गर्व, अभिमान; औद्धत्य; शूरता। —ಆಳ್ಗಳ್ आळ्गळ् (क) सं.— पराक्रमी योद्धा, शूर सैनिक। —ಉಡಿ उडि (क) क्रि.— हिम्मत हार, अधीर हो।

ಉರ್ಕಕ್ಕೆ उर्कक्के (क) सं.— विरोध, प्रतिकूलता।

ಉರ್ಚು उर्चु (क) क्रि.— खींच (किसी को अपनी ओर खींचना, तलवार को म्यान से निकालना आदि), बाहर निकाल; शिथिल कर; शुद्ध कर; शिथिल हो, ढीला हो; शुद्ध हो (अक्· क्रि·)।

ಉರ್ಟಣಿ उर्टणि, ಉರ್ಟಾಣಿ उर्टाणि (क) सं.— दे. ಉರಟಣೆ.

ಉರ್ತು उर्तु (क) क्रि.— लगा, डाल, जुड़ा, मिला, संयुक्त कर।

ಉರ್ದಿಕೆ उर्दिके (क) सं.— रगड़, घिसाव।

ಉರ್ದು उर्दु (क) क्रि.— रगड़, घिस। सं.— उड़द।

ಉರ್ದ್ಧಿ उर्द्धि (तद्) सं.— वृद्धि (तत्)।

ಉರ್ಪು उर्पु (क) क्रि.— दे. ಉಂಪು और ಉರ್ಪು.

ಉರ್ಬರ उर्बर (क) सं.— दे. ಉಬ್ಬರ.

ಉರ್ಬಸ उर्बस (क) सं=दे. ಉಬ್ಬಸ. —ಗೊಳಿಸು गोळिसु (क) क्रि.— दूसरों की साँस में बाधा डाल।

ಉರ್ಬಿನಂ उर्बिनं (क) वि.— बड़ा, महान्, अच्छा, सुंदर।

ಉರ್ಬಿಸು उर्बिसु (क) क्रि.— दे. ಉಬ್ಬಿಸು. (प्रे.)।

ಉರ್ಬು उर्बु (क) क्रि.— दे. ಉಬ್ಬು. (अक्. क्रि.)।

ಉರ್ಮೆ उर्मे (क) सं.— आधिक्य, बहुतायत।

ಉರ್ಲು उर्लु (क) सं.— दे. ಉರಲ್ और ಉರುವಲು.

ಉರ್ವ उर्व (क) वि.— श्रेष्ठ, महान, अधिक।

ಉರ್ವರೆ उर्वरे, ಉರ್ವರಾ उर्वरा (सम्) सं.— उपजाऊ भूमि।

ಉರ್ವಿ उर्वि, ಉರ್ವೀ उर्वी (सम्) सं.— भूमि· पृथिवी; मैदान; एक छंद का नाम।

—ಜ ज (सम्) सं.— भूमिजा ; पेड़ । —ತಲ तल (सम्) सं.— भूतल । —ಧ್ರ ध्र (सम्) सं.— राजा ; पर्वत । —ಪ प, ಪತಿ पति (सम्) सं.— राजा ; नृपति । —ರುಹ रुह (सम्) सं.— वृक्ष, पौधा, लता ।

ಉರ್ವಿನಂ उर्विंन (क) वि.— दे. ಉರ್ಬಿನಂ.

ಉರ್ವಿಸು उर्विसु (क) क्रि.— दे. ಉರ್ಬಿಸು.

ಉರ್ವೀಂದ್ರ उर्वींद्र (सम्) सं.— भूपति, राजा ।

ಉರ್ವು उर्वु (क) क्रि.— उभर, उमड़, अधिक हो ।

ಉಲ್ उल् (क) क्रि.— गरम हो ।

ಉಲಕ उलक, ಉಲಕೆ उलके (तद्) सं.— उल्का (तत्) ।

ಉಲಕು उलकु (क) क्रि.— उठ ; हिल ; निकल ; विचार कर ; कंप, कंपित हो ; मन को गोचर हो, स्फुरण हो (अक्. क्रि.) । सं.— मरोड़, ऐंठ ।

ಉಲಟಾ उलटा (अ.दे.) सं.— दे. ಉರಟಾ.

ಉಲಿ उलि (क) क्रि — ध्वनि कर, चिल्ला, कह, बोल । सं.— रव, ध्वनि, शब्द, चिल्लाहट, चिल्लाना, चहचहाना ।

ಉಲಿಪ उलिप, ಉಲಿಪು उलिपु, ಉಲಿವು उलिवु, ಉಲುವು उलुवु, ಉಲುಹು उलुहु (क) सं.— दे. ಉಲಿ.

ಉಲಿವ उलिव (क) सं.— एक छोटी चिड़िया जिसकी पूँछ लंबी होती है, उचपुच्छ ।

ಉಲುಕು उलुकु (क) क्रि. और सं.— दे. ಉಲಕು.

ಉಲುಟು उलुटु (क) क्रि.— दे. ಉರಳು.

ಉಲೂಕ उलूक (सम्) सं.— उल्लू ।

ಉಲೂಖಲ उलूखल (सम्) सं.— ओखली ।

ಉಲೂಪಿ उलूपि (सम्) सं.— नागराज की एक कन्या का नाम, जो अर्जुन को ब्याही थी ।

ಉಲ್ಕ उल्क, ಉಲ್ಕಾ उल्का (सम्) सं.— नक्षत्र; लुक, प्रकाश, तेज ; अग्नि, अंगारा । —ಪಾತ पात (सम्) सं.— नक्षत्र का गिरना ।

ಉಲ್ಕು उल्कु (क) क्रि. और सं.— दे. ಉಲಕು.

ಉಲ್ಕೆ उल्के (तद्) सं.— दे. ಉಲ್ಕ.

ಉಲ್ಬಣ उल्बण, ಉಲ್ಬಣೆ उल्बणे, ಉಲಬಣೆ उलबणे, ಉಲುಬಣೆ उलुबणे, ಉಲ್ವಣ उल्वण (सम्) वि.— गाढ़ा, गांठोंदार ; अधिक, विपुल ; दृढ़, बड़ा ।

ಉಲ್ಮುಕ उल्मुक (सम्) सं.— मशाल, दीवट ।

ಉಲ್ಲಂಗಿ उल्लंगि (क) सं.— टिट्टिभ पक्षी, टिटहरी चिड़िया ।

ಉಲ್ಲಂಘನ उल्लंघन, ಉಲ್ಲಂಘನೆ उल्लंघने (सम्) सं.— अतिक्रमण, लाँघना ; विरुद्धाचरण ।

ಉಲ್ಲಡೆ उल्लड़े (क) सं.— दे. ಉಲಡೆ.

ಉಲ್ಲಸ उल्लस, ಉಲ್ಲಾಸ उल्लास (सम्) सं.— हर्ष, आनंद ; चमक, आभा, दीप्ति ।

ಉಲ್ಲಸತ್ उल्लसत् (सम्) वि.— चमकदार, प्रकाशमान ; रोमांचकर ।

ಉಲ್ಲಸನ उल्लसन (सम्) सं.— हर्ष, आनंद ; रोमांच ।

ಉಲ್ಲಸಿತ उल्लसित (सम्) वि.— चमकीला, दमकदार, उत्फुल्लित ; हर्षित ।

ಉಲ್ಲಾಘ उल्लाघ (सम्) वि.— चतुर, कुशल, शुद्ध ; रोग से छूटा हुआ ; संतुष्ट ।

ಉಲ್ಲಾಪ उल्लाप (सम्) सं.— वाणी, शब्द ; अपमानकारक शब्द, आक्षेप ।

ಉಲ್ಲಾರ उल्लार (क) सं. = ಉಲಾರ उलार— सावधानी से बैठने का आसन ; छोटी खिड़की, गवाक्ष ।

ಉಲ್ಲಿ उल्लि (क) अ.— स्थान का सूचक, वहाँ, बीच में, मध्य ।

ಉಲ್ಲು उल्लु (तद्) सं.— उलूक (तत्) ; उल्लू (हि.), मूर्ख, बेवकूफ़ ।

ಉಲ್ಲುಂಠನ उल्लुंठन, ಉಲ್ಲುಂಠೆ उल्लुंठे (सम्) सं.— श्लेष वाक्य, व्यंग्योक्ति, विपरीतार्थक वाक्य ।

ಉಲ್ಲುಳಿತ उल्लुळित (सम्) वि.— चलित, हिलता हुआ, घूमता हुआ ।

ಉಲ್ಲೇಖ उल्लेख (सम्) सं.— वर्णन, चर्चा ; ज़िक्र, लेख ; एक अलंकार विशेष । —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— लिख ।

ಉಲ್ಲೇಖನ उल्लेखन (सम्) सं.— वर्णन, चर्चा, लेख, चित्रण ; खुदाई, छीलन, खुरचन, रगड़ ।

ಉಲ್ಲೋಚ उल्लोच (सम्) सं.— राजछत्र, मण्डप ; जंभाई ।

ಉಲ್ಲೋಲ उल्लोल (सम्) सं.— लहर, तरंग, हिलोर, ऊर्मि ।

ಉಲ್ವಣ उल्वण (सम्) वि.— दे. ಉಲ್ಬಣ.

ಉಲ್ಹಾಸ उल्हास (तद्) सं.— उल्लास (तत्) ।

ಉವ उव (क) सर्व.— बीच का, यह (आदमी) प्र.— वाला या योग्य अर्थसूचक प्रत्यय उदा.— ಆಗುವ आगुव—होनेवाला, ತಿನ್ನುವ तिन्नुव — खाने योग्य, ಕೊಳ್ಳುವ कोल्लुव खरीदने योग्य ।

ಉವನು उवनु (क) सर्व.— बीच का (आदमी)

ಉವಳು उवळु (क) सर्व.— बीच की (स्त्री) यह स्त्री ।

ಉವಾಲೆ उवाले (क) सं.— दे. ಉಯ್ಯಾಲ್.

ಉವ್ವಾಲೆ उव्वाले (क) सं.— दे. ಉಯ್ಯಾಲ್.

ಉಶನ उशन, ಉಶನಸ್ उशनस् (सम्) सं. शुक्राचार्य, शुक्र ग्रह ।

ಉಶೀರ उशीर (सम्) सं.— खस, वीरनमूल

ಉಶ್ವಾಸ उश्वास (तद्) सं.— उच्छ्वास (तत्)

ಉಷ उष, ಉಷಸ್ उषस्, ಉಷಾ उषा (सम् सं.— प्रातः, सवेरा, सुबह ।

ಉಷಃಕಾಲ उषःकाल (सम्) सं.— उषःकाल सवेरा ।

ಉಷಣ उषण (सम्) सं.— काली मिर्च सोंठ ।

ಉಷರ್ಬುಧ उषर्बुध (सम्) सं.— अग्नि आग ; बच्चा ।

ಉಷಾಪತಿ उषापति (सम्) सं.— उषा के [पति] अनिरुद्ध ।

ಉಷಿತ उषित (सम्) वि.— जला हुआ बसा हुआ ।

ಉಷ್ಟ उष्ट (सम्) वि.— प्रकाशमान, कांति युक्त ; रहनेवाला ।

ಉಷ್ಟ್ರ उष्ट्र (सम्) सं.— ऊँट ।

ಉಷ್ಟ್ರಪಕ್ಷಿ उष्ट्रपक्षि (सम्) सं.— आफ़्रीका क[े] एक बड़ा पक्षी ।

ಉಷ್ಣ उष्ण (सम्) सं. — गरमी, ताप; ग्रीष्म ऋतु, घाम।

ಉಷ್ಣರಶ್ಮಿ उष्णरश्मि (सम्) सं.— सूर्य।

ಉಷ್ಣೀಷ उष्णीष (सम्) सं.— पगड़ी, फेंटा, साफ़ा।

ಉಷ್ಣೋದಕ उष्णोदक (सम्) सं.— गरम पानी।

ಉಷ್ಮ उष्म, ಉಷ್ಮನ್ उष्मन्, ಉಷ್ಮೆ उष्मे (सम्) सं.— गरमी, ताप; ग्रीष्म ऋतु।

ಉಸ್ उस् (क) अ.— थकावट के समय निकलने वाली ध्वनि 'उस्'; जानवरों को चलाते समय उच्चरित करनेवाली ध्वनि।

ಉಸಕನೆ उसकने. ಉಸಿಕನೆ उसिकने (क) अ.— चुपचाप, मौन रूप से; गुप्त रूप से।

ಉಸಕ್ಕನೆ उसक्कने (क) अ.— तुरंत, फ़ौरन, शीघ्रता से।

ಉಸಕು उसकु, ಉಸಿಗೆ उसिगे, ಉಸಬು उसबु, ಉಸುಕು उसुकु, ಉಸುಪು उसुपु, ಉಸುಬು उसुबु, ಉಸುವು उसुवु (क) सं.— सैकत, रेत।

ಉಸಿರ್ उसिर्, ಉಸುರು उसुरु, ಉಸುರ್ उसुर्, (क) क्रि.— ध्वनि करना, कहना, बोलना; (साँस लेना)।

ಉಸಿರ್ उसिर्, ಉಸಿರು उसिरु, ಉಸಲು उसलु, ಉಸುರ್ उसुर्, ಉಸುರು उसुरु (क) सं.— साँस, श्वास, जीवन; साँस लेना, यति, विराम।

ಉಸುಗುಡು उसुगुडु (क) क्रि.—बक बक कर।

ಉಸುಳಿ उसुळि, ಉಸುಲಿ उसुलि (क?) सं.— भीगे अनाज (चना, मूँग आदि) से बनाई गई रसोई, उबाला गया अनाज (विशेषकर चना या मूँग) जिसमें नमक. मिर्च मिलाकर खाया जाता है।

ಉಸ್ರ उस्र (सम्) सं.— प्रकाश, किरण; सांड़।

ಉಸ್ರೆ उस्रे (सम्) सं.— गाय।

ಉಹು उहु (क) अ.— संबोधन और निषेध सूचक अव्यय।

ಉಹುಹು उहुहु (क) अ.— सर्दी के कारण ठिठुरते समय निकलनेवाली आवाज़।

ಉಹೂ उहू (क) अ.— दे. ಉಹುಹು; पशुओं को चलाते समय कहा जानेवाला शब्द।

ಉಳ್ उळ् (क) क्रि.— हो, रह, वर्तमान रह, युक्त हो; हल चला। अ.— अंदर, भीतर में, अच्छी तरह। —ಅಂಜಿಸು अंजिसु (क) क्रि.—मन को डरा। —ಅಲರ್ अलर् (क) क्रि.— भीतर में खिल।

ಉಳಕ उळक (क) सं.— काठ की गुड़िया जो पहियों के सहारे चल सकती हो।

ಉಳಿ उळि (क) क्रि.— छिप जा, गुप्त रह; बंद हो; छोड़; अधिक हो; पार हो। सं.— छिपना, चोर के छिपने का स्थान, ताक में बैठी रहनेवाली सेना, शिकारियों की झोंपड़ी; छेनी, रुखानी।

ಉಳಿಕೆ उळिके, ಉಳಿತ उळित (क) सं.— बचत, बची रक़म, लाभ।

ಉಳಿಗ उळिग (क) सं.— छिपनेवाला मनुष्य।

ಉಳಿಪು उळिपु, ಉಳಿಮೆ उळिमे, ಉಳಿವು उळिवु, ಉಳಿಹು उळिहु (क) सं.— बचना, बचत, कमाई, लाभ।

ಉಳು उळु (क) क्रि.—हल चला, जोत; रह। —ಮೆ मे (क) सं.— हल चलाना, जोताई; विद्यमानता, लाभ; संपन्नता।

ಉಳುಕು उळुकु (क) सं.— दे. ಉಲುಕು.

ಉಳುಕಲು उळुकलु (क) सं.— शेष, बचत; बासी भात।

ಉಳುಡಿಗೆ उळुडिगे (क) सं.— अच्छे वस्त्र।

ಉಳ್ಕು उळ्कु (क) क्रि.—प्रकाशित हो, चमक। —ಮುಳ್ಕು मुळ्कु (क) क्रि.—छिप, अगोचर हो।

ಉಳ್ಕೆ उळ्के (क) सं.— जोताई, हल चलाना।

ಉಳ್ದು उळ्दु (क) सं.— उड़द।

ಉಳ್ಮೆ उळ्मे (क) सं.— संपन्नता, रहने की स्थिति।

ಉಳ್ವು उळ्वु (क) सं. — चमक, दीप्ति; समझना।

ಉಳ್ಳ उळ्ळ (क) कृ.—युक्त, सहित, रहनेवाला, जिसके पास हो। —ವ व (क) सं.— धनवान।

ಉಳ್ಳಿ उळ्ळि (क) सं.— प्याज़।

ಉಳ್ಳುಡೆ उळ्ळुडे (क) सं.— भीतरी उपसंव्यान।

ಉಳ್ಳುಳ್ಕು उळ्ळुळ्कु (क) क्रि.— डर, हिम्मत हार।

ಉಳ್ಕೋಳ उळ्कोळ (क) सं.— वडवाग्नि, समुद्र की आग।

ಉೞ್ उऴ् (क) क्रि.— हल चला, जोत।

ಉೞ उऴ (क) वि.— बचा हुआ, शेष, अवशिष्ट; छोड़, त्याग, चला जा, निकल।

ಉೞಕೆ उऴकि (क) वि.— शेष, बचा हुआ, अवशिष्ट। —ಜನರು जनरु (क) सं.— शेष लोग।

ಉೞತ उऴत (क) सं.— जोताई; बचत, जो बचा हो।

ಉೞತಾಯ उऴताय (क) सं.— जो बचा हो (चावल, धान आदि या पैसा), लाभ।

ಉೞತೆ उऴते (क) सं.—बचत, अवशेष; लाभ।

ಉೞಮೆ उऴमे (क) सं.— जोताई।

ಉೞಲ್ उऴल् (क) सं.— जोताई। क्रि.— घूम, चक्कर काट, चंचल हो, मुक्त होकर उड़।

ಉೞವು उऴवु (क) सं.— जो बचा हुआ, अवशेष।

ಉೞವೆ उऴवे (क) वि.—बचा हुआ, अवशिष्ट।

ಉೞಸು उऴसु, ಉೞಿಸು उऴिसु (क) क्रि.— जोताई करना; बचाना।

ಉೞಹು उऴहु (क) सं.— दे. ಉೞವು. (मै.प्र.)।

ಉೞಹು उऴहु, ಉೞುಹು उऴुहु, ಉೞಿಪು उऴिपु, ಉೞುಪು उऴुपु (क) क्रि.—बचा, रक्षित कर।

ಉೞಿ उऴि (क) क्रि— दे. ಉೞ; मुक्त हो, जीवित हो; बच, रक्षित हो; पीछे रह। वि.— छोड़ा हुआ, अलग किया हुआ, बचा हुआ, अवशिष्ट।

ಉಲಿ उलि (क) सं.— अवशेष, बचत, बचा
…दा ; एक तपस्या-विधि, एक व्रत ।
…ಕಿ उलिकि (क) सं.— दे. ಉಟಿಕಿ.
…ಗು उलिगु, ಉಲುಗು उलुगु (क) क्रि.—
…न लगा, प्रसन्न हो, प्रेम कर । सं.—
…मुकता, वासना ।
…ತ उलित (क) सं.— दे. ಉಟಿತ.
…ತಾಯ उलिताय (क) सं.— दे. ಉಟಿ…
…ಯ.
…ಮೆ उलिमे (क) सं.— दे. ಉಟಿಮೆ.
…ಸು उलिसु (क) क्रि — जोताई करा ;
…चा, रक्षा कर, जीवित रख, मुक्त कर ।
… उलु (क) क्रि.— दे. ಉಳು.
…ಮೆ उलुमे, ಉಲುವಿಕೆ उलुविके (क) सं.—
…जोताई, हल चलाना ।
…ಸು उलुसु (क) क्रि.— दे. ಉಟಿಸು.
…ಕ್ಕೆ उलक्के (क) सं.— जोताई ।
…ಗ್ಗೆ उलग्गे (क) सं.— एक प्रकार की तपस्या,
एक व्रत ।
…ಗು उलगु (क) सं.= ಉಲುಗು उलुगु—
मन लगा, प्रसन्न हो, प्रेम कर ।
…ಗ್ಗೆ उलग्गे (क) सं.— प्रेम, प्रीति, स्नेह ।

ಊ ऊ

ಊ ऊ—कन्नड वर्णमाला का छठा अक्षर ।
अ.— और, तथा, एवं ; उदा.— ರಾಮನೂ ಗೋಪಾಲನೂ रामनू गोपालनू—राम और गोपाल.... ।
ಊಂಕೆ ऊंके (क) सं.— ताना-बाना, बुनाई ।
ಊಕಾರ ऊकार— ಊ ऊ अक्षर ।
ಊಕೆ ऊके (क) सं.— दे. ಊಂಕೆ । सर्व.— यह (स्त्री.लिं.), यह (बीच की) स्त्री ।
ಊಖ್ಯ ऊख्य (सम्) वि.= ಉಖ್ಯ उख्य— बटलोई या मिट्टी में उबाला हुआ ।
ಊಗಾಡು ऊगाडु (क) क्रि.— हिल, हिल-डुल; लटक ; चिल्ला ; पुकार ।

ಊಚ ऊच, ಊಚು ऊचु (तद्) वि.— उच्च (तत्) ।
ಊಚನೀಚ ऊचनीच (तद्) वि.— उच्च-नीच, ऊँचा-नीचा ।
ಊಚಿ ऊचि (क) सं.= ಊಚಿಹುಲ್ಲು ऊचिहुल्लु —एक प्रकार की घास जिससे झाड़ू बनाया जाता है ।
ಊಚು ऊचु (क) सं.— गिरना, पतन (जैसे बीमारी के कारण बालों का गिरना) ।
ಊಜು ऊजु (क) क्रि.— चाट, रसास्वाद ले । सं.— रसास्वाद लेने की वस्तु ।
ಊಜೆ ऊजे (क) सं.— अनाज को खराब करनेवाला एक कीड़ा ।
ಊಟ ऊट (क) सं.— भोजन, खाना, भक्षण ; भोजन करना । ಊಟಕ್ಕೆ ಇಲ್ಲದ ಉಪ್ಪಿನಕಾಯಿ ಯಾತಕ್ಕೂ ಬೇಡ ऊटक्के इल्लद उप्पिनकायि यातक्कू बेड—जो अचार भोजन के समय नहीं होता, वह (और) किसी काम का नहीं (कह.) । —ಗೀಟ गीट (क) सं.— खाना-वाना । —ಮಾಡು माडु (क) क्रि.— खाना खा । —ಮಾಡಿಸು माडिसु (क) क्रि.— खाना खिला ।
ಊಟಗಾರ ऊटगार, ಊಟಗಾಱ ऊटगार (क) सं.— खूब खानेवाला । ಊಟಗಾರ್ತಿ ऊटगार्ति (स्त्री.लिं.) ।
ಊಟಲೆ ऊटले (क) सं — गर्व, घमंड, अभिमान ।
ಊಟೆ ऊटे, ಊಟೆ ऊटे (क) सं.— सोता ; फव्वारा, फुहार ।
ಊಡಕ ऊडक (क) सं.— बहरा ; खाऊ, बेकार मनुष्य ।
ಊಡಲು ऊडलु (तद्) सं.— आमंड (तत्) ; रेंडी का वृक्ष ।
ಊಡಿಕೊಳ್ಳು ऊडिकोळ्ळु (क) क्रि.— विकीर्ण कर, फैला, फेंक ।
ಊಡಿಸು ऊडिसु (क) क्रि.— खाने को दो, खाना दिला ।

ಊಡು ऊडु (क) क्रि.— खाना खा, भोजन कर, आहार लो ; लगा, संयुक्त कर, मिला, लेपन कर ; साहाय्य कर, सहारा दे ।
ಊಡುಗು ऊडुगु (क) सं.— अंकोल, पिश्ते का पेड़ ।
ಊಡೆ ऊड़े (क) सं.— केले के पेड़ की हिलती हुई जड़ ।
ಊಢ ऊढ (सम्) वि.— ढोया हुआ, ढोकर ले जाया गया, लिया गया ; विवाहित ।
ಊಢೆ ऊढ़े (सम्) सं.—वधू, विवाहिता स्त्री, प्रौढ़ा ।
ಊಣ ऊण वि.— (तद्) उन (तत्) ; कम, न्यून ।
ಊಣತೆ ऊणते (तद्) सं.— ऊनता, न्यूनता, कमी ।
ಊಣು ऊणु (क) क्रि. = ಹೂಣು हूणु— गाड़, मिट्टी में छिपा ।
ಊಣೆಯ ऊणेय (सम्) सं.— न्यूनता, कमी, ऊनता ।
ಊಣ್ಟು ऊण्टु (क) क्रि.— बड़ा हो, भारी हो ।
ಊತ ऊत (क) सर्व.—यह (बीच का) मनुष्य । सं.—दृढ़ता, स्थिरता, दृढ़चित्तता ; फूंकना ।
ಊತ ऊत (सम्) वि.— बुना हुआ ।
ಊತಿ ऊति (सम्) सं.— बुनना, सीना ; गति ।
ಊತು ऊतु (क) सं.— आधार, सहारा, अवलंब ।
ಊದ ऊद (क ?) सं.— धूप, गुग्गुल, अगर । —ಕಡ್ಡಿ कड्डि (क) सं.— अगरबत्ती ।
ಊದರೆ ऊदरे (क) सं.— धान और गेहूँ के खेत में उगनेवाली एक प्रकार की घास ।
ಊದಲು ऊदलु (क) सं.— उभर, उमड़, उफन ; फूंकना ।
ಊದಾ ऊदा, ಊದಿ ऊदि (क?) सं.— भूरा रंग ; बैंगनी रंग ; लाल और नीले रंग का मेल ; श्यामवर्ण ।
ಊದಿಕೆ ऊदिके (क) सं.— दे. ಊದಲು.
ಊದಿಸು ऊदिसु (क) क्रि.— उमड़ा, उभार, उभाड़, हवा भर (प्रे.) ।

ಊದು ऊदु (क) क्रि.— फूंक, हवा भर; उभार, श्वास छोड़, (श्वास छोड़कर किसी बाजे को) बजा । सं.—फूँकना; अगर बत्ती; —ಕಿವಿ किवि (क) क्रि.— शिकायत कर, चुगली खा । —ಕಾಮಾಲೆ कामाले (क) सं.— एक रोग । —ಕೊಳವೆ कोळवे (क) सं.— हवा फूँकने की नाली । —ಬತ್ತಿ बत्ती (क) सं.— अगरबत्ती ।

ಊಧ ऊध. ಊಧಸ್ ऊधस् (सम्) सं—थन । ಊಧಸ್ಯ ऊधस्य—दूध, क्षीर ।

ಊನ ऊन (सम्) वि.— दे. ಊಣ.

ಊನತೆ ऊनते (सम्) सं.— दे. ಊಣತೆ.

ಊಬಲು ऊबलु. ಉಬ್ಬಲು उब्बलु (क) सं.— उभर, बड़ा होना ।

ಊಬು ऊबु (क) क्रि.— फूंक, हवा भर, पंखा झल । सं.— जौ के बाल, कांटेदार घास ।

ಊಮ್ ऊम् (क) वि.बो.— क्रोध का सूचक ।

ಊಮ ऊम, ಊಮೆ ऊमे (क) सं.— बहरा; मूर्ख मनुष्य; चुप रहनेवाला मनुष्य (मै.प्र) । स्त्री.लिं.— वही. ।

ಊಯಿಸು ऊयिसु, ಊಹಿಸು ऊहिसु (तद्) क्रि.— ('ऊहा' से) — कल्पना कर, अंदाज़ कर ।

ಊರ್ ऊर्, ಊರು ऊरु (क) सं.— रहने का स्थान, ग्राम, नगर, बस्ती ।

ಊರವ್ಯ ऊरव्य (सम्) सं.— वैश्य ।

ಊರಿಕೆ ऊरिके (क) सं.— टेकने का साधन, टेकने की लकड़ी, टेकना ।

ಊರಿಸು ऊरिसु (क) क्रि.—टिका, झुका, लगा; चला, हटा ।

ಊರು ऊरु (क) क्रि.— टेक, लगा, थाम । सं.—दे. ಊರ್. ಊರಿಗೆ ಹೋದವರ ಮನಸಸ್ಸು ದೇವರು ಬಲ್ಲ. ऊरिगे होदवर मनस्सु देवरु बल्ल—जो (अन्य) गाँव गये हुए हैं, उनका मन भगवान ही जानता है (कह.)

ಊರು ऊरु (सम्) सं— जांघ, जंघा ।

ಊರುಗ ऊरुग (क) सं.— ग्रामीण; मूर्ख ।

ಊರುಜ ऊरुज (सम्) सं.— क्षत्रिय ।

ಊರುಪರ್ವ ऊरुपर्व (सम्) सं.— घुटना ।

ಊರುಂಬಳಿ ऊरुंबळि (क) सं.—ग्रामों को मुफ्त में देना या दान ।

ಊಱು ऊरि, ಊಱಕೆ ऊरिके (क) सं.—टेक, सहारा ।

ಊಱಸು ऊरिसु (क) क्रि.— लगा, टिका, झुका. नीचे रखा; सुखा, सूखने दे ।

ಊಱು ऊरु (क) क्रि.—हो. रह, वर्तमान हो, स्थिर रह; रख, स्थिर कर, लगा, थाम ।

ಊಱು ऊरु (क) क्रि.— फूट, बाहर निकल (जैसे पानी का सोता); सूख, शुष्क हो; टिके रह । वि.— टिका हुआ । —ಕೋಲು कोलु, ಗೋಲು गोलु (क) सं.— टेकने की लकड़ी ।

ಊರ್ಕಾವಲಿಗ ऊर्कावलिग (क) सं.— ग्राम का रक्षक, संतरी ।

ಊರ್ಜ ऊर्ज (सम्) सं.— शक्ति, बल; प्रयत्न. कोशिश; कार्तिकमास ।

ಊರ್ಜಸ್ವಲ ऊर्जस्वल (सम्) वि.—शक्तिमान, बलवान् ।

ಊರ್ಜಸ್ವಿ ऊर्जस्वि (सम्) सं.— बलशाली, बलवान पुरुष ।

ಊರ್ಜಿತ ऊर्जित (सम्) वि.— प्रसिद्ध, श्रेष्ठ, अधिक, बढ़ा हुआ, प्रचलित ।

ಊರ್ಣ ऊर्ण, ಊರ್ಣಾ ऊर्णा, ಊರ್ಣೆ ऊर्णे (सम्) सं.— ऊन, ऊनी वस्त्र ।

ಊರ್ಣನಾಭ ऊर्णनाभ (सम्) सं.— मकड़ी; जाल बिछानेवाला । —ಜಾಲ जाल (सम्) सं.— मकड़ी का जाल ।

ಊರ್ಣನಾಭಿ ऊर्णनाभि (सम्) सं.— मकड़ी ।

ಊರ್ಣಾಯು ऊर्णायु (सम्) सं.— मेष, मेढ़ा; मकड़ी; कंबल, ऊनी वस्त्र ।

ಊರ್ಧ್ವ ऊर्ध्व (सम्) वि.— ऊपर का, उठा हुआ, उन्नत । —ಗತ गत (सम्) वि.— ऊपर गया हुआ । —ಗತಿ गति (सम्) सं.— मोक्ष, मुक्ति । —ಗಾಮಿ गामि (सम्) सं.— ऊपर जानेवाला, मोक्षकामी । —ಪುಂಡ್ರ पुंड्र (सम्) सं.— सीधा लगाया गया तिलक । —ರೇತ रेत, ರೇತಸ್ रेतस् (सम्) सं.— संयमी, इंद्रिय निग्रह करनेवाला, जितेंद्रिय, संन्यासी । —ಶ್ವಾಸ श्वास (सम्) सं.— दमा. एक बीमारी ।

ಊರ್ಮಿ ऊर्मि (सम्) सं.— लहर, तरंग; धार. प्रवाह; गति, गति की शीघ्रता ।

ಊರ್ಮಿಕಾ ऊर्मिका. ಊರ್ಮಿಕೆ ऊर्मिके (सम्) सं. — लहर. तरंग; अंगूठी; खेद, शोक ।

ಊರ್ಮಿಳೆ ऊर्मिळे (सम्) सं.— लक्ष्मण की पत्नी का नाम । —ಪತಿ पति (सम्) सं.— लक्ष्मण ।

ಊರ್ವ ऊर्व (सम्) सं.— बडवाग्नि ।

ಊರ್ವಶಿ ऊर्वशि (सम्) सं.=ಉರ್ವಶಿ उर्वशि—एक अप्सरा. देवलोक की नर्तकी ।

ಊಷ ऊष (सम्) सं.— लवण-भूमि, क्षार ।

ಊಷರ ऊषर (सम्) सं.— लवणमय भूमि, ऊसर भूमि ।

ಊಷ್ಮ ऊष्म, ಊಷ್ಮೆ ऊष्मे (सम्) सं.— गरमी, ग्रीष्म ऋतु, घाम; भाफ ।

ಊಸರವಳ್ಳಿ ऊसरवळ्ळि (क) सं.— गिरगिट, छिपकली की जाति का एक प्राणी ।

ಊಹ ऊह, ಊಹಾ ऊहा, ಊಹೆ ऊहे (सम्) सं.— कल्पना, अनुमान, अटकल; समझ, युक्ति; विचार, तर्क ।

ಊಹಾಕಾರ ऊहाकार (सम्) सं.—ऊहा करनेवाला, कल्पना या विचार करनेवाला ।

ಊಹಾಪೋಹೆ ऊहापोहे (सम्) सं.— तर्क-वितर्क, सोच-विचार ।

ಊಹಿತ ऊहित (सम्) वि.— कल्पित, तर्क किया हुआ ।

ಊಹಿನಿ ऊहिनि, ಊಹಿನೀ ऊहिनी (सम्) सं.— समूह, समुदाय; सेना ।

ಊಳ್ ऊळ् (क) क्रि.—पुकार, बुला; चिल्ला, गर्जन कर । सं.— चिल्लाहट, गर्जन ।

ಊಳಸೆ ऊळसे, ಊಳವೆ ऊळवे (क) सं.— जोर की चिल्लाहट, सियार की पुकार ।

ಊಳಿಗ ऊळग, ಊಳಿಗ ऊळिग, ಊಳಿಗತನ ऊळिगतन (क) सं.—काम, नौकरी, व्यवहार, सेवा ।

ಊಳಿಗಿತ್ತಿ ऊळिगित्ति, ಊಳಿಗಗಿತ್ತಿ ऊळिगगित्ति (क) सं.— सेविका, दासी।

ಊಳಿಗ ऊळिगि (क) सं.— सेवक, नौकर।

ಊಳು ऊळु (क) क्रि. = ಹೂಳು हूळु — गाड़, मिट्टी में बंद कर।

೭ಋ ऋ

ಋ ऋ—कन्नड-वर्णमाला में सातवाँ अक्षर।

ಋಕ್ ऋक्, ಋಕ್ಕು ऋक्कु, ಋಚೆ ऋचे (सम्) सं.— वेदमंत्र, ऋग्वेद।

ಋಕ್ಥ ऋक्थ (सम्) सं.— संपत्ति, ऐश्वर्य।

ಋಕ್ಷ ऋक्ष (सम्) सं.— रीछ, भालू; नक्षत्र, तारा; एक पर्वत का नाम; राशिचक्र की एक राशि। —ಪತಿ पति (सम्) सं.— जांबवान; चंद्रमा। —ರಾಜ राज (सम्) सं.— चंद्रमा; जांबवान; रीछों के राजा।

ಋಗ್ವೇದ ऋग्वेद (सम्) सं.— ऋग्वेद, वेदों में पहला वेद। —ಇ इ (सम्) सं.— ऋग्वेद माननेवाले, ऋग्वेद पढ़े हुए व्यक्ति।

ಋಚ್ಛೆ ऋच्छे (सम्) सं.— इच्छा, चाह, अभिलाषा।

ಋಜು ऋजु (सम्) वि.—सीधा, सच्चा, ईमानदार, सरल, सहज, अनुकूल।

ಋಣ ऋण (सम्) सं.—उधार, कर्ज़, एहसान।

ಋಣತ್ರಯ ऋणत्रय (सम्) सं.— तीन ऋण— देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण।

ಋಣಮುಕ್ತ ऋणमुक्त (सम्) वि.— उधार से मुक्त।

ಋಣವಿಮೋಚನೆ ऋणविमोचने (सम्) सं — उधार से मुक्त करना।

ಋಣಾನುಬಂಧ ऋणानुबंध (सम्) सं.— पूर्व जन्म के ऋण का संबंध।

ಋಣಿ ऋणि, ಋಣಿಕ ऋणिक (सम्) सं.— कर्ज़दार, वह जिसने उधार लिया हो।

ಋತ ऋत (सम्) वि.— सरल; सच्चा, सीधा; ठीक, उचित; पूज्य, सम्मानित। सं.— सत्य, प्रिय वचन; दानों को चुनना या जमा करना; सूर्य, चंद्रमा, हंस, मराल, जल, पानी, अंधकार।

ಋತಿ ऋति (सम्) सं.— गमन, मार्ग; गाली; उन्नति।

ಋತು ऋतु (सम्) सं.— मौसम, वसंतादि छे ऋतुएँ, छे की संख्या का संकेत; प्रकाश; योग्य समय, निश्चित समय; रजस्, स्त्रियों का मासिक धर्म।

ಋತುಪರ್ಣ ऋतुपर्ण (सम्) सं.— एक राजा का नाम।

ಋತುಮತಿ ऋतुमति (सम्) सं.— रजस्वला।

ಋತುರಾಜ ऋतुराज (सम्) सं.— ऋतुओं में श्रेष्ठ, वसंत।

ಋತುಶಾಂತಿ ऋतुशांति (सम्) सं.—जब पहली बार स्त्री रजस्वला होती है तब किया जानेवाला एक धार्मिक समारोह।

ಋತುಸ್ನಾತೆ ऋतुस्नाते (सम्) सं.— रजोदर्शन के बाद स्नान की हुई स्त्री।

ಋತುಸ್ನಾನ ऋतुस्नान (सम्) सं.— रजोदर्शन के बाद का स्नान।

ಋತ್ವಿಕ್ ऋत्विक्, ಋತ್ವಿಜ್ ऋत्विज्, ಋತ್ವಿಕ್ಕು ऋत्विक्कु, ಋತ್ವಿಜ ऋत्विज, (सम्) सं.— यज्ञ-पुरोहित, यज्ञ-याग के कार्यों में भाग लेनेवाला।

ಋದ್ಧ ऋद्ध (सम्) वि.— बढ़ा हुआ, उन्नत। सं.— संपत्ति, धन-दौलत; समृद्धि, राशि।

ಋದ್ಧಿ ऋद्धि (सम्) सं.— वृद्धि, समृद्धि, अभिवृद्धि; कुशलता-क्षेम।

ಋಭು ऋभु (सम्) सं.— देव, देवता, स्वर्ग में उत्पन्न।

ಋಭುಕ್ಷ ऋभुक्ष, ಋಭುಕ್ಷಿನ್ ऋभुक्षिन् (सम्) सं.— इन्द्र।

ಋಶ್ಯ ऋश्य (सम्) सं.— सफ़ेद पैरों का बारहसिंगा।

ಋಶ್ಯಕೇತು ऋश्यकेतु (सम्) सं.— अनिरुद्ध।

ಋಷಭ ऋषभ (सम्) सं.— वृषभ, साँड; संगीत के सप्त स्वरों में से दूसरा; एक पर्वत; आदितीर्थंकर। —ಧ್ವಜ ध्वज (सम्) सं.— शिव। —ವಾಹನ वाहन (सम्) सं.— शिव।

ಋಷಿ ऋषि (सम्) सं.— तपस्वी, योगी, संन्यासी, वैदिक मंत्र-द्रष्टा। —ಪುತ್ರಿ पुत्रि (सम्) सं.— एक पुष्प, अजजटी (The flower Artemisia Indica).

ಋಷಿಕುಲ್ಯಾ ऋषिकुल्या (सम्) सं.— एक नदी विशेष।

ಋಷ್ಟಿ ऋष्टि (सम्) सं.— खड्ग, तलवार।

ಋಷ್ಯ ऋष्य, ಋಷ್ಯಕ ऋष्यक (सम्) सं.— मृगभेद, काले रंग का हिरन।

ಋಷ್ಯಮೂಕ ऋष्यमूक (सम्) सं.— एक पर्वत विशेष।

ಋಷ್ಯಶೃಂಗ ऋष्यश्रृंग (सम्) सं.— एक ऋषि का नाम, ये विभांडक ऋषि के पुत्र थे। रामायण में इनका उल्लेख मिलता है।

೮ೠ ॠ

ೠ ॠ— कन्नड-वर्णमाला का आठवाँ अक्षर।

ೠಕಾರ ॠकार— ॠ अक्षर।

ಎ ए

ಎ ए—कन्नड-वर्णमाला का नौवाँ अक्षर। इसका उच्चारण प्राय: 'ಯೆ ये या ಯ य' के रूप में होता है। कुछ संज्ञाओं, क्रियाओं और क्रियाविशेषणों के अंत में 'ए' होता है, उदा.— ಆನೆ आने—हाथी, ಮನೆ मने—घर, ತೆಗೆ तेगे—खोल; ಮೆಲ್ಲನೆ मेल्लने—धीरे-धीरे, ಮತ್ತೆ मत्ते—पुन:। संस्कृत आकारांत स्त्रीलिंग शब्द कन्नड में एकारांत होते हैं, उदा.— ಮಾಲಾ माला—ಮಾಲೆ माले, ಶಾಲಾ शाला— ಶಾಲೆ शाले; संबोधन में 'ಎ ए' का प्रयोग होता, उदा.— ಎ ರಾಮ ए राम— हे राम!, ಎ ಅಕ್ಕ ए अक्क—ऐ बड़ी बहन!; प्रत्यय, जिसका अर्थ साधारणतया 'पर, से' होता है, उदा.— ಗಾಯಕಂ ಪಾಡೆ, ದೇವಂ ಮೆಚ್ಚಿದಂ. गायकं पाडे देवं मेच्चिदं— गायक के गाने पर प्रभु प्रसन्न हुए।

ಎಂ ऍं (क) प्र.— प्रथम पुरुष ए.व. और ब.व. का विधि, निषेध, भविष्यत् काल आदि का सूचक प्रत्यय, उदा.— ಮಾಡಿದೆಂ माडिदें —(मैंने) किया ; ಮಾಡುವೆಂ माडुवें—(हम) करेंगे ; ಮಾಳ್ಪೆಂ माळ्पें—करूँगा. ಮಾಡೆಂ माडें—नहिं करूँगा।

ಎಂಕಲು ऍंकलु (क) सं.—डाल, शाखा।

ಎಂಗಿ ऍंगि (क) सं.— नासमझ, मूर्ख, बेवकूफ आदमी। सं.— कपट, छल, वंचना, झूठ।

ಎಂಗೆ ऍंगे (क) अ.— कैसे (ग्रा.)।

ಎಂಜಲ್ ऍंजल्. ಎಂಜಲ ऍंजल. ಎಂಜಲು ऍंजलु (क) सं.— जूठन. जूठा, उच्छिष्ट। —ಊಟ ऊट=जूठा खाना. —ಹಾಲು हालु — जूठा दूध। ತುಪ್ಪದ ಆಶೆಗೆ ಎಂಜಲು ತಿಂದ तुप्पद आशेगे ऍंजलु तिंद—घी की चाह से जूठा खाया (कहा.)। — ಇಸು इसु (क) क्रि.— जूठा कर, उच्छिष्ट कर।

ಎಂಟಡಿ ऍंटडि (क) सं.— शरभ, विच्छू ; आठ फुट। —ಪರಿಜ परिज (क) सं.— वीरभद्र।

ಎಂಟನೆ ऍंटने, ಎಂಟನೆಯ ऍंटनेय (क) वि.— आठवाँ।

ಎಂಟು ऍंटु (क) वि.— आठ की संख्या। सं.— गर्व, अभिमान, मद।

ಎಂಟೆರ್ದೆ ऍंटेर्दे (क) सं. — धैर्य, हिम्मत, साहस, गर्वीला मन या हृदय।

ಎಂಡೆ ऍंडे (क) सं. = ಹೆಂಡೆ हेंडे—गोबर।

ಎಂಡ್ರಕಾಯಿ ऍंड्रकायि (क) सं.— केकड़ा, कर्कट।

ಎಂತ ऍंत (क) अ.— कि। उदा.— ಅವನು ಬರುತ್ತೇನೆಂತ ಹೇಳಿದ अवनु बरुत्तेनेंत हेळिद –उसने कहा कि मैं आता हूँ। कृ.–कहते हुए, समझते हुए आदि ; उदा.— ಇಲ್ಲವೆಂತಲೇ ಇಳಿದು ಬರುತ್ತೇನೆ इल्लवेंतले इळिदु बरुत्तेने— 'नहीं है' कहते हुए ही मैं उतर आता हूँ।

ಎಂತ ऍंत, ಎಂತಾ ऍंता, ಎಂಥಾ ऍंथा (क) वि.— कैसा, किस प्रकार या तरह का।

ಎಂತು ऍंतु (क) अ.— कैसे, किस रीति से। क्रि.रू. = ಎಂದಿತು ऍंदितु—कहा (न.लिं.)।

ಎಂತುಟು ऍंतुटु (क) अ.— कैसे, किस प्रकार से। वि.— कितना, किस परिमाण का।

ಎಂಥ ऍंथ, ಎಂಥಹ ऍंथह (क) वि.—दे. ಎಂತ.

ಎಂದು ऍंदु (क) अ.— कब, किस समय। 'कि' का अर्थद्योतक, उदा.— ನಾನು ಮಾಡಲಾರೆ ಎಂದು ಅವನು ಹೇಳಿದನು. नानु माडलारे ऍंदु अवनु हेळिदनु।

ಎಂಬ ऍंब (क) कृ.— कहा जानेवाला।

ಎಂಬು ऍंबु (क) क्रि.— बोल, कह। उदा.— ಎಂಬೋಣ ऍंबोण— (हम) कहें, ಎಂಬುವ ऍंबुव-कहा जानेवाला।

ಎಂಬುವಿಕೆ ऍंबुविके (क) क्रि. सं.— कहना, बोल।

ಎಂಬುಕೆಯ್ ऍंबुकेय् (क) क्रि. — मान, स्वीकार कर, जैसा कहते हो (या वचन देते हो) वैसा कर।

ಎಕಲ್ಯಾರು एकल्यारु (अ.दे.) सं.— अधिकार, शक्ति, निग्रह, वश में रखने का उपाय।

ಎಕರಾರು एकरारु (अ. दे.) सं.— इक़रार (अरबी); स्वीकृति ; साक्षी।

ಎಕರೆ एकरे (अ.दे.?) सं.— एकड़।

ಎಕೋ एको (क) वि.बो.— देख !, यह देख !

ಎಕ್ಕ एक्क (तद्) सं.—अर्कः (तत्) ; अर्कवृक्ष, आकवृक्ष।

ಎಕ್ಕ एक्क (तद्) वि.—एक (तत्)।

ಎಕ್ಕಟಿ एक्कटि, ಎಕ್ಕಟೆ एक्कटे (तद्) वि.— अकेला, एकाकी, एकांतवासी। —ಕರೆ करे, ಗರೆ गेरे (क)- क्रि.— एक ओर बुलाना ; स्वागत कहना।

ಎಕ್ಕಟಿಗ एक्कटिग (क) सं.— अच्छा या ... पुरुष।

ಎಕ್ಕಟೆ एक्कटे (क) सं.— महानता, विस्मय।

ಎಕ್ಕತಳ एक्कतळ (तद्) सं.—एकस्थल (तत्)।

ಎಕ್ಕತಾಳ एक्कताळ (तद्) सं. — एकताल (तत्)।

ಎಕ್ಕತಾಳಿ एक्कताळि, ಎಗತಾಳಿ, एगताळि. ಎಗತಾಳ एगताळ (क) सं.— उपहास, हँसी, ठट्टा।

ಎಕ್ಕರಿಸು एक्करिसु (क) क्रि.— उपहास कर. हँसी कर, मज़ाक कर।

ಎಕ್ಕಲ एक्कल (क) वि.— बड़ा, लंबा, ऊँचा। सं.— सूकर, जंगली सुअर।

ಎಕ್ಕವಡ एक्कवड, ಎಕ್ಕಡ एक्कड (क) सं.— चप्पल, पादुका, जूता।

ಎಕ್ಕಸಕ್ಕ एक्कसक्क, (क) सं. = ಎಕ್ಕಸೆಕ್ಕ एक्कसेक्क, ಎಕ್ಸುಕ್ಯ एक्सुक्य, ಎಗಚ್ಚಿಗ एगच्चिग —भ्रम. संदेह, शंका।

ಎಕ್ಕಸಕ್ಕೆ एक्कसक्के (क) सं.— हठी स्त्री, ज़िद्दी स्त्री।

ಎಕ್ಕಸರ एक्कसर (तद्) सं.— एक स्वर (तत्)।

ಎಕ್ಕಸೆಕ್ಕ एक्कसेक्क (क) सं.— दे. ಎಕ್ಕಸಕ್ಕ.

ಎಕ್ಕಳ एक्कळ, ಎಗ್ಗಳ एग्गळ (क) सं.=ಯೆಗ್ಗಳ येग्गळ,, ವೆಗ್ಗಳ वेग्गळ, ಹೆಗ್ಗಳ हेग्गळ— अधिकता, आधिक्य, बहुतायत।

ಎಕ್ಕಾವಳಿ एक्कावळि (तद्) सं.— एकावली (तत्)।

ಎಕ್ಕಿ एक्कि (क) सं.— काठ या बाँस का टुकड़ा।

ಎಕ್ಕಿಕೆ एक्किके (क) सं.— कपास या रूई को धुनना। —ಎಕ್ಕಿಸು एक्किसु (क) क्रि.— धुना (प्रे.)।

ಎಕ್ಕು एक्कु (क) क्रि.– बाँट, विभाग कर, पृथक

कर ; अलग हो ; कपास को धुन ; ऊन को साफ़ कर। —ಆಡು आडु (क) क्रि.—धुन।

ಎಕ್ಕು एक्कु (क) क्रि.— ऊपर आ, पैरों की उंगली की नोंक पर खड़े हो।

ಎಕ್ಕೆ एक्के (क) सं.—श्रेष्ठता, प्रसिद्धि, अधिक बल ; तुलना ; समुदाय, समूह।

ಎಕ್ಕೆಕ್ಕೆ एक्केक्के (क) अ.— एक के ऊपर एक, एक-एक।

ಎಗಚಿ एगचि (क) सं.— उन्नाव, बेर, एक पौधा विशेष (Monetia barlerioides).

ಎಗಚಿಗ एगचिग (क) सं.— परिहास या हास्य करनेवाला, विदूषक।

ಎಗಚು एगचु (क) क्रि.— उपहास कर, मज़ा कर, चिढ़ा।

ಎಗತಾಳ एगताळ (क) सं.— ಎಕ್ಕತಾಳ.

ಎಗರಿಕೆ एगरिके (क) सं.— छलांग, फलांग।

ಎಗರಿಸು एगरिसु (क) क्रि.— ऊपर उठा, उड़ा, फहरा, उत्तोलन कर ; कुदा ; दूर ले जा।

ಎಗರು एगरु (क) क्रि.— ऊपर जा, कूद, छलांग मार; फहर, उड़; निकल जा; नष्ट हो।

ಎಗಾ एगा (क) अ.=ಎಗಾದಿಗ एगादिग–ऊपर-नीचे, आगे-पीछे।

ಎಗು एगु (क) सं.—उठाना, लगाना, चढ़ाना। —ಎಗುಮತಿ ದಿಗುಮತಿ एगुमति दिगुमति (क) सं.— निर्यात-आयात।

ಎಗ್ಗ एग्ग (क) सं.— बेवकूफ, मूर्ख, असभ्य, अशिष्ट, गँवार। —ತನ तन (क) सं.— मूर्खता, असभ्यता।

ಎಗ್ಗಳ एग्गळ (क) सं.— दे. ಎಕ್ಕಳ.

ಎಗ್ಗು एग्गु (क) सं.— लज्जा, शर्म ; अपमान, निंदा, हानि, मूर्खता ; कमी।

ಎಗ್ಗುಳಿ एग्गुळि (क) सं.— लजालु ; भीरु, मूर्ख, गँवार। —ತನ तन (क) सं.— लज्जा, शर्म, भीरुता।

ಎಚ್ಚೆ एच्चे (क) क्रि.—बाण चला, निकाल, निकाल फेंक, उलीच (जैसे पानी को नाँद से उलीचा जाता है)।

ಎಚ್ಚತ್ತು एच्चत्तु (क) कृ.— जागकर, नींद से उठकर।

ಎಚ್ಚರ್ एच्चर्, ಎಚ್ಚರ್ एच्चर्, ಎಚ್ಚರ एच्चर, ಎಚ್ಚರ एच्चर (क) सं.— जागना, जागृति। क्रि.— जाग, जागृत हो, नींद से उठ।

ಎಚ್ಚರಿಕೆ एच्चरिके, ಎಚ್ಚರಿಕೆ एच्चरिके (क) सं.— जागना, नींद से उठना, जागृति।

ಎಚ್ಚರಿಸು एच्चरिसु, ಎಚ್ಚರಿಸು एच्चरिसु (क) क्रि.— जाग, जागृत कर।

ಎಚ್ಚರು एच्चरु, ಎಚ್ಚರು एच्चरु (क) क्रि.— जाग, नींद से उठ, जागृत, हो।

ಎಚ್ಚು एच्चु, (क) क्रि.— लीप, प्रोत, लगा, लेपन कर ; अलंकार कर ; अधिक हो (अक्. क्रि.)। सं.— अधिकता।

ಎಜ್ಜ एज्ज (तद्) सं.— वेध: (तत्); छेद, रंध्र।

ಎಟಕು एटकु (क) क्रि.— हाथ को लग, छूने में आ, पर्याप्त हो, मिल। —ಇಸು इसु (क) क्रि.— पैरों की उंगली की नोंक पर खड़े होकर किसी वस्तु को छू या स्पर्श कर।

ಎಟ್ಟ एट्ट. ಎಟ್ಟವೆ एट्टवे (क) सं.— लोहे का दांतोंवाला औज़ार जो खेत में मिट्टी को ठीक करने के काम में आता है।

ಎಟ್ಟಿ एट्टि (क) वि.— दुर्गम, दुःसाध्य।

ಎಟ್ಟಿಕೆ एट्टिके (क) सं.— मिलना, पहुँच।

ಎಟ್ಟಿತನ एट्टितन (क) सं.— विघ्न, रुकावट।

ಎಟ್ಟಿಸು एट्टिसु (क) क्रि.— दे. ಎಟಕಿಸು.

ಎಟ್ಟು एट्टु (क) क्रि.— ऊपर जो वस्तु है, उसे ग्रहण कर ; पहुंच में हो, हाथ में आ, मिल। सं.—ಏಟು एटु—धक्का, आघात, चोट।

ಎಡ एड (क) सं.— स्थान, जगह, ज़मीन। वि.— बाईं, बायाँ, वाम। —ತಾಕ ताक (क) सं.— वह मनुष्य जो बार-बार आता और जाता हो। —ತಾಕಿಸು ताकिसु (क) क्रि.— बार-बार आने-जाने दो। —ತಾಕು ताकु (क) क्रि.— बार-बार आ-जा।

—ಕಡೆ कड़े, ಗಡೆ गड़े (क) सं.— बाईं ओर। —ತೊಡೆ तोड़े, ದೊಡೆ दोड़े (क) सं.— जायाँ जांघ।

ಎಡ एड (क) सं.— बीच का स्थान, अंतर ; मध्य ; कमर ; ओछा, नीचा, कम। —ತರ तर (क) सं.— मध्यम प्रकार की वस्तु। ವಟ್ಟು वट्टु, ಪಟ್ಟು पट्टु (क) सं.— बीच की स्थिति ; बुरी स्थिति या बुरा चरित्र। —ವಟ್ಟ ಮನುಷ್ಯ वट्ट मनुष्य (क) सं.— मूर्ख मनुष्य। —ವಟ್ಟ ತನ वट्टतन (क) सं.— मूर्खता।

ಎಡಚ एडच (क) सं.— वह मनुष्य जो सदा बायें हाथ का ही प्रयोग करता है।

ಎಡಚು एडचु (क) सं.— बायाँ हाथ होने की स्थिति ; कठिनाई (बातचीत करते समय इसका प्रयोग किया जाता है)।

ಎಡತಿ एडति (क) सं.— मध्यम वयस्का स्त्री ; निरुपयोगी स्त्री।

ಎಡಪ एडप (क) सं.— बायें हाथ से काम करनेवाला, बुद्धिहीन।

ಎಡಪು एडपु, ಎಡವು एडवु, ಎಡಹು एडहु (क) सं.— ठोकर। क्रि.— ठोकर खा, गिर पड़।

ಎಡರ್ एडर्, ಎಡರು एडरु (क) सं.— विघ्न, बाधा, रुकावट, अड़चन।

ಎಡರ್ एडर् (क) सं.— ग़रीबी, दारिद्र्य ; सर्वनाश।

ಎಡರು एडरु (क) क्रि.—दुष्ट हो, बेईमान हो, ठोकर खा, गिर पड़, (बोलते समय) तुतला। सं.—दुष्टता।

ಎಡವ एडव (क) सं.— निरुपयोगी मनुष्य, भीरु, कापुरुष।

ಎಡವರಿಸು एडवरिसु (क) क्रि.— ठोकर खा ; तुतला ; ग़लती कर।

ಎಡಹುಹ एडहुह (क) सं.— ठोकर, स्खलन।

ಎಡೆ एड़े (क) सं.— स्थान, जगह, स्थल ; बीच का स्थान, अंतर, दूरी। न्यूनता, हीनता, कमी, छोटाई। —ಕಟ್ಟು कट्टु, ಗಟ್ಟು गट्टु

(क) सं.— छोटा पुल। —ಕಡಿ कडि, ಗಡಿ गडि (क) क्रि.— काट, विच्छेद कर।— ಕಿಡು किडु. ಗಿಡು गिडु (क) सं.— स्थानाभाव। —ಕೆಡಹು केडहु, ಗೆಡಹು गेडहु (क) क्रि.— नीचे या ज़मीन पर फेंक या पटक। —ಕೆಡಿಸು केडिसु, ಗೆಡಿಸು गेडिसु (क) क्रि.— नीचे या ज़मीन पर गिरा। ಕೆಡೆ —केडे, ಗೆಡೆ गेडे (क) क्रि.—नीचे या ज़मीन पर गिर। — ಗೆಯ್ಯ್ गेय् (क) सं.— बायाँ हाथ। — ಕೊಡು कोडु, ಗೊಡು गोडु (क) क्रि.— स्थान दे. प्रस्तुत कर, सौंप। —ಕೊಳ್ कोळ्, ಗೊಳ್ गोळ् (क) क्रि.— हो, संभव हो, खड़ा हो, स्थिर हो। —ತೆರಹು तेरहु. ದೆರಹು देरहु (क) सं.— स्थानांतर। — ನುಡಿ नुडि (क) सं.— मध्यम या बीच की बात। —ನೆರೆ नेरे (क) सं.— स्थान की पर्याप्ति। —ಮಡಗು मडगु (क) क्रि.— अंतर छोड़। —ಮನೆ मने (क) सं.— बीच का घर। —ಎಡೆಯಲಾಗು एडेयलागु (क) क्रि.— समीप या पास हो, अत्यंत निकट हो। —ಯಾಟ याट, ಆಟ आट (क) सं.— घूमना, एक स्थान से दूसरे स्थान जाना, सैर। —ಯೊತ್ತು योत्तु, ಒತ್ತು ओत्तु (क) क्रि.— दबा, कुचल। —ವಿಡು विडु, ಬಿಡು बिडु, (क) क्रि.— नियत स्थान छोड़, सीमा का उल्लंघन कर। —ವುಗು वुगु, ಪುಗು पुगु (क) क्रि.— पास आ, निकट आ। — ವೆರಸು वेरसु, ಬೆರಸು बेरसु (क) क्रि.— स्थिर हो, खड़े हो। —ಸೆಳೆ सेळे (क) सं.— नदी की भीतरी गति। —ಹಗಲು हगलु (क) सं.—सवेरे ९ १/२ से १० १/२ बजे तक का समय। —ಹೊತ್ತು होत्तु (क) सं.— सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय।

ಎಡೆ एड़े (क) सं.— अधिकता, आधिक्य, बहुतायत।

ಎಡೆ एड़े (तद्) सं.— इडा (तत्); अन्न, चढ़ावा, भोजन। —ಇಡು इडु, ಇಕ್ಕು इक्कु, ನೀಡು नीडु, ಮಾಡು माडु, ಹಾಕು हाकु (तद्) क्रि.— भगवान को भोजन समर्पित कर, (किसी व्यक्ति को) भोजन दे।

ಎಡೆಗ एड़ेग (क) सं.— निरुपयोगी पुरुष, कापुरुष।

ಎಡ್ಡ एड्ड (क) सं.—सुंदरता, मनोहरता, मृदुता। वि.— धोखेबाज, ठग, झूठ बोलनेवाला; मूर्ख, बेवकूफ़।

ಎಡ್ಡತನ एड्डतन (क) सं.— धोखा, ठगई, मूर्खता, बेवकूफ़ी।

ಎಡ್ಡತಿ एड्डति (क) सं.— मूर्ख स्त्री।

ಎಡ್ಡಿಸು एड्डिसु (क) क्रि.— परिहास कर, मज़ाक कर, निंदा कर, ताना मार, तिरस्कार कर; धोखा दे।

ಎಡ್ಡು एड्डु (क) सं.— धोखा, झूठ; मूर्खता, मूर्ख पुरुष या स्त्री।

ಎಡ್ಡುತನ एड्डुतन (क) सं.— दे. ಎಡ್ಡತನ.

ಎಡ್ರು एड्रु (क) सं.— दे. ಎಡರ್.

ಎಣ್ एण् (क) क्रि.— गिन, गणना कर; सोच, विचार कर। सं.— आठ की संख्या का सूचक (समस्त-पदों में), उदा.—ಎಣ್ಛಾಸಿರ एण्छासिर—आठ हज़ार, ಎಣ್ದೆಸೆ एण्देसे—आठ दिशाएँ।

ಎಣಮಣಿಸರ एणमणिसर (क) सं.— एक प्रकार का हार जिसमें सोने के फूल और रत्न क्रमशः एक के बाद एक जड़े रहते हैं।

ಎಣಸು एणसु, ಎಣಿಸು एणिसु (क) क्रि.— गिन, गिनती कर; सोच, विचार कर, अंदाज़ कर।

ಎಣಿಕೆ एणिके (क) सं.—गिनना, गिनती; अंक, (नंबर); सोच, विचार; निरीक्षण, सूचना।

ಎಣುಸು एणुसु (क) क्रि.—दे. ಎಣಸು.

ಎಣೆ एणे (क) सं.—जोड़ी, युग्म, युगल; संबंध, समानता, साम्य, एकीकरण। क्रि.—ಹೆಣೆ हेणे—बुन, बना, तिरछा कर।— ಗಂಟು गंटु (क) सं.—धम्मिल, सिर के बालों का जूड़ा।— ಕಳೆ कळे, ಗಳೆ गळे (क) क्रि.—खो, किसी वस्तु के संबंध को ಎ —ಕಾಣು काणु, ಗಾಣು (क) क्रि वांछित को देख या पा।—ಗೊಣ ಗೋಣ गोण (क) सं.—दो या गर्दनवाला।—ಕೊಳ್ कोळ्, ಗೊಳ್ (क) क्रि.—समान हो। —ಬರ್ बर, ವರ್ वर्, (क) क्रि.—समता कर। ಯೊಡ್ಡು योड्डु (ಒಡ್ಡು ओड्डु) (क) क्रि. रख, उल्टा रख, प्रतिकूल कर। —ವಕ್ಕಿ वक्कि, ಪಕ್ಕಿ पक्कि (क) सं.— चक्रवाक। — ವಡೆ वड़े, ಪಡೆ पड़े (क) क्रि.—जुड़, हो, मिल।

ಎಣ್ಣಿಕೆ एण्णिके (क) सं.— दे. ಎಣಿಕೆ.

ಎಣ್ಣಿಸು एण्णिसु (क) क्रि.— दे ಎಣಿಸು.

ಎಣ್ಣು एण्णु (क) क्रि.— गिन, गिनती कर; सोच, विचार कर।

ಎಣ್ಣೆ एण्णे (क) सं.— तेल, तैल,। ಎಣ್ಣೆ ಸೀಗೆಕಾಯಿ एण्णे सीगेकायि—तेल और शिककाई (मुह.), ಎಣ್ಣೆ ಹಾಕಿದರೆ ಕಣ್ಣಿಗೆ ಗುಣ एण्णे हाकिदरे कण्णिगे गुण—तेल आँखों के लिए गुणकारी है; ಕಳ್ಳ ಹೊಕ್ಕ ಮನೆಗೆ ಎಣ್ಣೆ ದಂಡ कळ्ळ होक्क मनेगे एण्णे दंड—जिस घर में चोर ने चोरी की हो, उस घर (की तलाशी) के लिए तेल व्यर्थ है; ಎಣ್ಣೆ ಬಂದಾಗ ಕಣ್ಣು ಮುಚ್ಚಿಕೊಂಡ एण्णे बंदाग कण्णु मुच्चिकोंड—जब तक तेल आया तब तक आँखें मूँद ली (कहा.)। ಎಳ್ಳೆಣ್ಣೆ एळ्ळेण्णे—तिल का तेल, ಒಳ್ಳೆಣ್ಣೆ ओळ्ळेण्णे—वही; ಕಡಲೆಕಾಯಿ ಎಣ್ಣೆ कडलेकायि एण्णे—मूँगफली का तेल, ಹರಳೆಣ್ಣೆ हरळेण्णे=ಕೈಯೆಣ್ಣೆ कैयेण्णे (मै.प्र) —एरंडी का तेल, ಸೀಮೆ ಎಣ್ಣೆ सीमे एण्णे मिट्टी का तेल।

ಎಣ್ಣೆಕಾಳು एण्णेकाळु (क) सं.— तिलहन।

ಎಣ್ಣೆಕೆಂಪು एण्णेकेंपु (क) सं.—भूरा रंग जिसमें थोड़ा कालापन भी हो।

ಎಣ್ಣೆ ಕೊಪ್ಪರಿಗೆ एण्णेकोप्परिगे, ಎಣ್ಣೆ ಗೊಪ್ಪರಿಗೆ एण्णेगोप्परिगे (क) सं.— तेल की बड़ी कड़ाही।

ಎಣ್ಣೆ ತೆಗೆ एण्णे तेगे (क) क्रि.— तेल निकाल।

ಎಣ್ಣೆ ಹಾಕು एण्णे हाकु (क) क्रि.—तेल डाल; दूसरों के काम को बरबाद कर (मुह.)।

ಎಣ್ಬರ್ एण्बर् (क) सं.— आठ व्यक्ति।

ಎತನ एतन, ಎತ್ನ एत्न (तद्) सं.—यत्न (तत्); प्रयत्न वश।

ಎತಿ एति, (तद्) सं.— यति (तत्)।

ಎತ್ತ एत्त (क) अ.— कहाँ, किधर, किस ओर; कैसे। ಎತ್ತಣ एत्तण—कहाँ; कहाँ का ಎತ್ತಿದ एत्तिद्—उठा हुआ; ಎತ್ತಂತು एत्तंतु, ಎತ್ತಣದು एत्तणदु—किस स्थान का, कहाँ का, किधर का; ಎತ್ತಾನುಂ एत्तानुं—कहीं भी, कहीं-कहीं; ಎತ್ತಲುಂ एत्तलुं, ಎತ್ತೆತ್ತಲುಂ एत्तेत्तलुं—हर कहीं, सर्वत्र।

ಎತ್ತ एत्त (क) सं.— उठाना, ऊपर करना; निकालना, निकलना, प्रारंभ; पहुँचना, मिलना, पाना; पता लगाना; (हिसाब में) धोखा, कपट, चालाकी।

ಎತ್ತನ एत्तन (तद्) सं.— दे. ಎತನ.

ಎತ್ತರ एत्तर (क) सं.—ऊँचाई, लंबाई। उदा.—ಇದು ಬಹಳ ಎತ್ತರ इदु बहळ एत्तर—यह बहुत ऊँचा है, ತೆಂಗಿನ ಮರಗಳು ಅರವತ್ತು ಅಡಿ ಎತ್ತರ ಇರುತ್ತವೆ तेंगिनमरगळु अरवत्तु अडि एत्तर इरुत्तवे—नारियल के पेड़ साठ फुट ऊँचे होते हैं।

ಎತ್ತರು एत्तरु (क) सं.— दे ಎತ್ತ...; ३

ಎತ್ತಱ एत्तर् (क) सं.—दे. ಎತ್ತ... तत्तर (अनुरणन शब्द) —भ्रम।

ಎತ್ತಲ್ एत्तल् (क) अ.— कहाँ, किधर, किस ओर; कैसे।

ಎತ್ತಿಕೆ एत्तिके (क) स.— उठाना; निकालना; पहुँचना, मिलना; धोखा, चालाकी।

ಎತ್ತಿಸು एत्तिसु (क) क्रि.— उठवा, ऊपर उठवा ऊँचा करा, खड़ा करा, सीधा करा (प्रे.)।

ಎತ್ತು एत्तु (क) क्रि.— उठा, ऊपर उठा, ऊँचा कर, सीधा कर, खड़ाकर; निकाल; पा, प्राप्त कर; निंदा कर; चुरा; मिला; कह, बोल; प्रदर्शित कर; बड़ा हो (अक्. क्रि.), काट, चुभ, भोंक। सं.— बैल, सांड।

ಎತ್ತುಗಡೆ एत्तुगडे (क) सं.— प्रयत्न; उपाय; उद्धार।

ಎತ್ತುವಳಿ एत्तुवळि, ಎತ್ತುವಳಿಕೆ एत्तुवळिके, ಎತ್ತುವಿಕೆ एत्तुविके (क) सं.— उठाना, ऊँचा करना; ले जाना, चुराना; मिलना, जमा करना।

ಎತ್ತೋದು एत्तोदु (क) क्रि. = ಎತ್ತುವುದು एत्तुवुदु—उठाना। सं.—बैल के जैसे पढ़ना।

ಎತ್ನ एत्न (तद्) सं.— यत्न (तत्), प्रयत्न। —ಇಸು इसु—प्रयत्न कर।

ಎತ್ಲು एत्लु (क) अ.— किधर, किस तरफ़, कहाँ।

ಎದರಿಸು एदरिसु, ಎದುರಿಸು एदुरिसु (क) क्रि.= ಇದುರಿಸು इदुरिसु—सामना कर, विरोध कर; सामने आ, आगे खड़े हो।

ಎದರ್ एदर्, ಎದರು एदरु, ಎದುರು एदुरु (क) अ.— सामने, आगे, सम्मुख। —ಆಳಿ आळि (क) सं.— विरोधी, शत्रु, प्रतिस्पर्धा करनेवाला। —ಕೊಳ್ಳು कोळ्ळु (क) क्रि.— स्वागत कर, सामने आ। —ಎದುರಿಗಾಡು एदुरिगाडु (क) क्रि.—सामने कह या बोल। —ದೂರನ್ನು ಎದುರಿಗಾಡು ಹೊಗಳನ್ನು ಹಿಂದಾಡು दूरन्नु एदुरिगाडु होगळन्नु हिंदाडु—निंदा (या शिकायत) सम्मुख कर, प्रशंसा (पीठ) पीछे कर (कह.)।

ಎದುರ್ಚು एदुर्चु (क) क्रि.— सामना कर, प्रतिरोध कर, स्पर्धा कर।

ಎದೆ एदे, ಎರ್ದೆ एर्दे (क) सं.— छाती, हृदय, उर, वक्षस्थल; धैर्य, साहस। —ಅದಿರ್ अदिर्, ಅದಿರು अदिरु (क) क्रि.— हिम्मत हार, साहस खो; हृदय का कांपना। —ಅರು आरु (क) क्रि.— किसी बीमारी के कारण छाती का कमज़ोर होना; छाती का धक् धक् करना, साहस खोना। —ಈ ई (क) क्रि.— हिम्मत कर। —ಒಡೆ ओडे (क) क्रि.— साहस खो, भयभीत हो। —ಕದಡು कदडु (क) क्रि.—साहस खो, विमनस्क हो। —ಕಂದು कंदु (क) क्रि.— दे. ಎದೆ ಕದಡು. —ಕರಗು करगु (क) क्रि— दया या करुणा उत्पन्न हो (अक्.क्रि.)। —ಕಳೆ कळे (क) क्रि.— हिम्मत हार। —ಕಿಚ್ಚು किच्चु (क) सं.— हृदय की ज्वाला, हृदय का दर्द; ईर्ष्या, मात्सर्य। —ಕುದಿ कुदि, ಗುದಿ गुदि (क) सं.— गड़बड़ी, जल्दबाज़ी, उतावलापन। —ಕುಂದು कुंदु (क) क्रि.— हिम्मत हार, डर। —ಕೆಚ್ಚು केच्चु (क) सं.— अत्यधिक धैर्य या साहस, दृढ़ता। —ಕೆಡು केडु (क) क्रि.— साहस खो। —ಕೆಡಿಸು केडिसु (क) क्रि.— डरा, साहस का हरण कर। —ಕೊಡು कोडु (क) क्रि.— दे. ಎದೆ ಈ.— ಕೊಯಿಕ कोयिक (क) सं.— डरानेवाला, भयंकर व्यक्ति; अविश्वासपात्र। —ತಟ್ಟು तट्टु (क) क्रि.— गर्व से बोल, घमंड कर, आत्मश्लाघा कर। —ಭಾವ भाव (क) सं.—साहस, धैर्य; बल। —ಮುಗುಳು मुगुळु (क) सं.— हृदय। —ರವ रव (क) सं.— दिल की धड़कन। —ವಣಿ वणि= ಮಣಿ मणि (क) सं.— छाती पर की मणि। —ವೊಡಕ वोडक = ಒಡಕ ओडक (क) सं.— डरपोक। —ಶೂಲೆ शूले (क) सं.— छाती का दर्द, हृदय-पीड़ा। —ಹಣ್ಣಾಗು हण्णागु (क) क्रि.— भावना रहित हो। —ಹಾಯಿಸು हायिसु (क) क्रि.— छाती आगे कर, साहस कर। —ಹಾರು हारु (क) क्रि.— छाती का धक् धक् करना (भय के कारण)।

ಎದೆ एदे (क) सं.=हेदे—धनुष की डोर।

ಎದೆಗಾರ एदेगार, ಎದೆಗಾಱ एदेगार (क) सं.— साहसी पुरुष, निडर आदमी।

ಎದೆಗಾತಿ एदॆगाति, ಎದೆಗಾರ್ತಿ एदॆगार्ति (क) सं.— साहसी महिला।

ಎದ್ದು एद्दु, (तेलुगु)=ಎತ್ತು एत्तु (क) सं.— बैल, साँड। —ಮದ್ದ मद्द, ಮದ್ದು मद्दु (क) सं.— मूर्ख, बेवकूफ़।

ಎದ್ದು एद्दु (क) क्रि.—डुबा, किसी तरल पदार्थ में मज्जित कर। सं.— सुंदरता, किसी रंग की चमक या शुद्धता।

ಎದ್ದು एद्दु, ಎರ್ದು एर्दु, ಎೞ್ದು एळ्दु (क) कृ.— (ಏಳು एळु=उठ धातु से) — उठकर।

ಎನ್ एन् (क) क्रि.— कह, बोल; पुकार, अभिहित हो। ಎನ್ನುತ್ತಾನೆ एन्नुत्तानॆ—कहता है, (पु.लिं.), ಎನ್ನುತ್ತಾಳೆ एन्नुत्ताळॆ—कहती है (स्त्री.लिं.), ಎನ್ನುತ್ತದೆ एन्नुत्तदॆ—कहता है या कहती है (न.लिं.), ಎನ್ನುತ್ತಾರೆ एन्नुत्तारॆ—कहते हैं या कहती हैं (पु.लिं. और स्त्री.लिं.) व.व.), ಎನುತ್ತವೆ एन्नुत्तवॆ—कहते या कहती हैं (न.लिं.–ब.व.); इसी प्रकार सामान्य भूतकाल में क्रमशः — ಎಂದನು एंदनु, ಎಂದಳು एंदळु, ಎಂದಿತು एंदितु, ಎಂದರು एंदरु ಎಂದವು एंदवु, तथा सामान्य भविष्यत् काल में क्रमशः— ಎನ್ನುವನು एन्नुवनु, ಎನ್ನುವಳು एन्नुवळु, ಎನ್ನುವುದು एन्नुवुदु, ಎನ್ನುವರು एन्नुवरु, ಎನ್ನುವುವು एन्नुवुवु—रूप हैं। सर्व.— 'ಆಂ आं=मैं' का दूसरा रूप है—कारकों के साथ ಎನ್ रूप ही बचा रहता है, जैसे—ಎನತು एनतु, ಎನತ್ತು एनत्तु, ಎನ್ನದು एन्नदु=मेरा, ಎನಗೆ एनगॆ=मुझे, मुझको। प्र.— सामान्य भूत उत्तम पुरुष ए.व. का सूचक प्रत्यय, उदा.— ಬಂದೆನ್ बंदॆन्—(मैं) आया।

ಎನ एन (क) सं.— विचार; मन; मन में (किसी बात का) आना। सर्व.—मेरा (संबंध कारक)।

ಎನಸು एनसु, ಎನಿಸು एनिसु, ಎನ್ನಿಸು एन्निसु (क) क्रि.— कहला या कहा, बुलवा (प्रे), अभिहित कर।

ಎನಸು एनसु (क) वि.—बहुत, और, अधिक।

ಎನಿತು एनितु, ಎನಿತ್ತು एनित्तु (क) वि.— कितना (कितने, कितनी), किस परिमाण या संख्या का।

ಎನಿಪ್ಪ एनिप्प (क) वि.— कैसा, किस प्रकार का।

ಎನಿಬರ್ एनिबर् (क) सं.— कितने लोग।

ಎನು एनु (क) प्र.— सामान्य भविष्यत् प्रथम पुरुष ए.व. प्रत्यय, उदा.— ಕೊಡುವೆನು कॊडुवॆनु—दूँगा, ಬರುವೆನು बरुवॆनु—आऊँगा।

ಎನೆ एनॆ (क) अ.=ಎಲೆ एलॆ—री!, अरी! (स्त्री-संबोधन)।

ಎನೆವರ್ತು एनॆवर्तु (क) क्रि— गोचर हो (मन में किसी बात का आना); इच्छा पूर्ण हो।

ಎನ್ನ एन्न (क) सर्व.— मेरा; मुझे।

ಎನ್ನ एन्न (क) वि.=ಎಂತಹ एंतह—कैसा। अ. क्रि.— नहीं कहता (पु.लिं.–ए.व.)।

ಎನ್ನಳ್ एन्नळ् (क) अ.क्रि.— नहीं कहती (स्त्री.लिं.–ए.व.)।

ಎನ್ನಿಕೆ एन्निकॆ, ಎನ್ನುವಿಕೆ एन्नुविकॆ (क) सं.— कहना, बुलाना, पुकारना।

ಎನ್ನು एन्नु (क) क्रि.— कह, बोल (मध्यम पुरुष ए.व.)।

ಎನ್ನೆ एन्नॆ, ಎನ್ನೆಗಂ एन्नॆगं (क) अ.— कब, किस समय; सदा, हमेशा।

ಎನ್ನೆವರಂ एन्नॆवरं (क) अ.— कब तक, कहाँ तक।

ಎಪ್ एप् (क) वि.— सात की संख्या का सूचक (समस्त पदों में) उदा.— ಎಪ್ಪತ್ತು एप्पत्तु—सत्तर, ಎಪ್ಪತ್ತುನಾಲ್ಕು एप्पत्तुनाल्कु—चौहत्तर।

ಎಬಡ एबड, ಎಬ್ರಾಸಿ एब्रासि (क) सं.— मूर्ख, बेवकूफ़; तुतलाकर बोलनेवाला। ಎಬಡಿ एबडि (स्त्री.लिं.)।

ಎಬಡತನ एबडतन (क) सं.— तुतलाहट; मूर्खता।

ಎಬಡತಬಡ एबडतबड (क) सं.— गड़बड़ी।

ಎಬಡಿಸು एबडिसु (क) क्रि.— बोलते समय तुतला; मूर्खता कर।

ಎಬ್ಬಟ್ಟು एब्बट्टु (क) क्रि.— समाप्त कर, अंत कर; पीछा कर।

ಎಬ್ಬಿರಿಸು एब्बिरिसु, ಎಬ್ಬಿಸು एब्बिसु, ಎಬ್ಬ್ರಿಸು एब्बिसु, ಎರ್ಬಿಸು एर्बिसु, ಎೞ್ಬಿಸು एळ्बिसु, ಎೞ್ವಿಸು एळ्विसु (क) क्रि.— उठा, जगा, जागृत कर, ऊपर उठा, निकाल; दूर ले जा, चुरा; प्राण दे, जीवित कर।

ಎಬ್ಬು एब्बु, ಎರ್ಬು एर्बु, ಎೞ್ಬು एळ्बु (क) क्रि.— निकल, उठ; निकाल, उठा, जगा; पीछा कर, अनुगमन कर; दूर कर, हटा, भगा।

ಎಮ್ एम् (क) सर्व.— प्रथम पुरुष ब.व. सूचक शब्द (कारकों के साथ) उदा.— ಎಮ್ಮ एम्म-हमारा, ಎಮತು एमतु, ಎಮತ್ತು एमत्तु, ಎಮ್ಮತು एम्मतु, ಎಮ್ಮದು एम्मदु, ಎಮ್ಮುತು एम्मुतु—(जो) हमारा (है)।

ಎಮ एम(क)वि.बो.—अच्छा!, वाह! वाह!, सच!

ಎಮಕೆ एमकॆ, ಎಮಿಕೆ एमिकॆ (क) सं.— हड्डी।

ಎಮಕೆ एमके, ಎಮಿಕೆ एमिकॆ (क) सं.=ಹೆಮಿಕೆ हॆमिकॆ—एक प्रकार का कर्णाभरण जिसे स्त्रियाँ पहनती हैं।

ಎಮೆ एमॆ, ಎವೆ एवॆ (क) सं.—बरौनी (पक्ष्मन्) आँखों की पलक।

ಎಮ್ಮೆ एम्मॆ (क) सं.— महिषी, भैंस। ಎಮ್ಮೆ ಮೇಲೆ ಮಳೆ ಬಂದ ಹಾಗೆ एम्मॆ मेलॆ मळॆ बंद

हागे—जैसे भैंस पर पानी बरसे (कह.)—तुलनीय— भैंस के आगे बीन बजाना (हि.)।

ಎಮ್ಮೆ एम्मे (क) सं. = ಹೆಮ್ಮೆ हेम्मे—गर्व, अभिमान।

ಎಯ್ ए़य् (क) प्र.— मध्यम पुरुष ए.व. सामान्य भूतकालिक प्रत्यय, उदा.— ಪೇಳಿದೆಯ್ पेळिदेय्—(तूने) कहा. ಮಾಡಿದೆಯ್ माडिदेय्—(तूने) किया, ಬಂದೆಯ್ बंदेय्—(तू) आया।

ಎಯ್ತರ್ ए़य्तर्, ಎಯ್ತರು ए़य्तरु (क) क्रि.— आ, निकट आ, पधार।

ಎಯ್ದು ए़य्दु (क) क्रि.— जा; मर। वि. = ಐದು ऐदु—पाँच।

ಎಯ್ಯಮಿಗ ए़य्यमिग (क) सं.—जंगली भालू।

ಎರ ए़र (क) सं.— एक वृक्ष विशेष, कर्कंधु; कर्ज़, उधार, ऋण; धुरी।

ಎರಕ ए़रक (क) सं.— ढलाई। —ಹೊಯಿ होयि. ಹೊಯ್ಯು होय्यु (क) क्रि.—ढालना। ಎರಕ ಹೊಯ್ದರೂ ನರಕ ತಪ್ಪದು ए़रक होयदरू नरक तप्पदु—(साँचे में) ढालने पर भी नरक से छुटकारा नहीं (कह.)।

ಎರಕಲ ए़रकल (क) सं.— ಎರಕಲಕಾಂಬೋದಿ ए़रकलकांबोदि—एक रागविशेष।

ಎರಕಿಸು ए़रकिसु (क) क्रि.— ढाल, ढलाई के जैसे जुड़।

ಎರಕಿಲು ए़रकिलु (क) सं.— छप्पर।

ಎರಕೆ ए़रके, ಎರಂಕೆ ए़रंके (क) सं.—पंख, पर; भुजा।

ಎರಗಿವಿ ए़रगिवि (क) सं.— वे कान जो दूसरों की शिकायत सुनते हैं।

ಎರಗು ए़रगु (क) क्रि.— झुक, नमस्कार कर, शरण में जा; इच्छा कर; झपट, घेर; उतर, नीचे उतर, हवा कर; ढाल; मार।

ಎರಚು ए़रचु (क) क्रि.— फेंक, फैला, छिटका, विकीर्ण कर।

ಎರಡು ए़रडु (क) वि.— दो की संख्या. उभय. युग्म. युग। —ಅನೆಯ अनेय. ಅನೇ अने—दूसरा।

ಎರಡಂಬಗೆ ए़रडंबगे (क) क्रि.— दो रीति से विचार कर, छल या कपट कर। —ಆನುಂ आनुं —कम से कम दो। —ಮೂರು मूरु—दो-तीन। —ವರೆ वरे (ಅರೆ अरे) ढाई, अढाई। —ಹೊತ್ತು होत्तु (क) सं.— प्रातः-सायं। ಎರಡು ದಾಸರಿಗೆ ನಂಬಿ ಕುರುಡು ದಾಸ ಕೆಟ್ಟ—ए़रडु दासरिगे नंबि कुरुडु दास केट्ट—दो दासों पर भरोसा रखकर अंधा दास बरबाद हुआ (कह.)। सं.—छल, कपट।

ಎರಡೆಣಿಸು ए़रडेणिसु (क) क्रि.— दे. ಎರಡಂಬಗೆ.

ಎರಣ ए़रण, ಎರಣೆ ए़रणे (क) सं.— बछड़े का गोबर; गिरगिट।

ಎರದು ए़रदु, ಎರೆದು ए़रेदु (क) कृ.— (ಎರೆ— ए़रे—सींच, डाल) —सींच कर, डालकर।

ಎರಪು ए़रपु, ಎರವು ए़रवु (क) सं.— कर्ज़, उधार, ऋण।

ಎರಲ್ ए़रल्, ಎರಳ್ ए़रळ्, ಎಲರ್ एलल्, ಎಲರ್ एलर्, (क) सं.— हवा, वायु. अनिल।

ಎರಲ್ ए़रल्, ಎರಲು ए़रलु (क) सं=ಹೆರಲ್ हेरल्, ಹೆರಳ್ हेरळ्, ಹೆರಳು हेरलु—स्त्रियों के बालों का जूड़ा।

ಎರಲ್ ए़रल् (क) सं.— खेल, क्रीड़ा, नाच, तमाशा।

ಎರಲೆ ए़रले (क) सं.— कृष्णमृग, एक प्रकार का हिरन।

ಎರವ ए़रव (क) सं.— कर्ज़, उधार. याचना; — वनमानुस।

ಎರವಣಿಗ ए़रवणिग (क) सं.— कर्ज़ या ऋण लेनेवाला।

ಎರವಲ್ ए़रवल्, ಎರವು ए़रवु (क) सं.— इच्छित वस्तु; कर्ज़, उधार, ऋण; कर्ज़ या उधार लेने की क्रिया; दूर का संबंध; स्नेह या प्रेम की न्यूनता, तिरस्कार; हानिप्रद गुण, हानि। ಎರವಿಕ್ಕು ए़रविक्कु, ಎರವೀ ए़रवी, ಎರವುಕೊಡು ए़रवुकोडु (क) क्रि.— इच्छित वस्तु दो, उधार दो। ಎರವುಮುಟ್ಟು ए़रवुमुट्टु (क) सं.— उधार की वस्तु। ಎರವುಮುಟ್ಟು ಕೊಡು ए़रवुमुट्टु कोडु (क) क्रि.— दे. ಎರವಿಕ್ಕು. ಎರವುಮುಟ್ಟು ತೆಕ್ಕೊಳ್ಳು ए़रवुमुट्टु तेक्कोळ्ळु (क) क्रि.— उधार लो। ಎರವುಮುಯಿ ಮುಟ್ಟು ए़रवुमुयि मुट्टु (क) सं.— उधार देने और लेने की वस्तु।

ಎರವಿಗ ए़रविग (क) सं.— दे. ಎರವಣಿಗ.

ಎರವೆಟ್ಟು ए़रवेट्टु (क) सं.—ऊँचा स्थान, टीला, पहाड़ी।

ಎರಳ್ ए़रळ् (क) वि.— समस्त पदों में ಎರಡು का रूप ಎರಳ್ होता है, उदा.— ಎರಳ್ತರ ए़रळ्तर—दो पंक्तियाँ, ಎರಳ್ ನಾಲಿಗೆ ए़रळ् नालिगे—दो जिह्वाएँ, साँप।

ಎರಳೆ ए़रळे (क) सं.— दे. ಎರಲೆ.

ಎರಟ್ ए़रट्, (क) वि.— दो की संख्या का सूचक शब्द। उदा. ಎರಟ್ಕರ ए़रट्कर—दो हाथ, ಎರಟ್ಕುದುರೆ ए़रट्कुदुरे—दो घोड़े, ಎರಟ್ಕೈದು ए़रट्कैदु—दो हथियार, ಎರಟ್ದೆಸೆ ए़रट्देसे—दो प्रकार।

ಎರುಬು ए़रुबु (क) सं.— गोबर, कूड़ा-करकट। ಹುಳು हुळु, ಹುಳುವು हुळुवु (क) सं.— केंचुआ (An Earthworm or Muck worm).

ಎರೆ ए़रे (क) सं.— भूरा रंग, मिश्रित भूरा और काला रंग, धुँधला या काला रंग; काली मिट्टी, काली मिट्टीवाली भूमि; जूठन या उच्छिष्ट में रहनेवाला कीड़ा; पशु-पक्षियों का आहार (पक्षियों का आहार, साँपों का आहार आदि) साँप की केंचुली। क्रि.— माँग, याचना कर, उधार ले; सींच, डाल, प्रदान कर।

ಎರೆಯ ए़रेय (क) सं.—प्रभु, स्वामी, अधिकारी; पति, प्रियतम।

ಎರೆವಟ್ಟು ए़रेवट्टु (क) सं.— आश्रय-स्थान, आधार; घर।

ಎಱಕ ए़रक (क) सं.— दे. ಎರ್ಕ. प्रेम, प्रीति, स्नेह।

ಎಱಕಿಲ್ ए़रकिल् (क) सं.—छप्पर, फूस।

ಎಱಕೆ ए़रके (क) सं.— दे. ಎಱಕಿಲ್.

ಎಱಕೆ ए़रके, ಎಱಂಕೆ ए़रंके, ಱಕ್ಕೆ ऱक्के, ಱೆಕ್ಕೆ ऱेक्के (क) सं —पंखा, पर, पक्ष, पत्र।

ಎಱಗಿಸು ए़रगिसु (क) क्रि.—झुका, मोड़।

ಎಱಗು ए़रगु (क) क्रि.— झुका, मुड़, नीचे की ओर आ, प्रणत हो, नमस्कार कर; घेर, आक्रमण कर; प्रवेश कर, मिल। सं.— प्रणति, नमस्कार; सरलता, सादगी।

ಎರಗುಹ एरगुह (क) सं.—झुकना, नीचे की ओर आना, प्रणिपात करना।

ಎಱಚು ए़रचु (क) क्रि.—दे ಎರಚು.

ಎಱಚುವಿಕೆ ए़रचुविके (क) सं.—छिटकाना, फेंकना, फैलाना, विकीर्ण करना।

ಎಱತಿ ए़रति (क) सं.—पत्नी, कामदेव की पत्नी रति।

ಎಱವ ए़रव (क) सं.— एक पहाड़ी जाति।

ಎಱುಕ ए़रुक (क) सं.— समग्रता, पूर्णता।

ಎಱುಕ ए़रुक (क) सं.— दे. ಎಱಕ.

ಎಱೆ ए़रे (क) सं.— पति या स्वामी होना, प्रभु, कर्तृ। क्रि.— किसी तरल पदार्थ को डाल या सींच. पानी सींच; ढाल।

ಎಱೆಯಪ್ಪ ए़रेयप्प (क) सं. = ಎಲೆಯಪ್ಪ ए़लेयप्प—अपूप, अँदरसा।

ಎಱೆಯಿಸು ए़रेयिसु (क) क्रि.— डलवा, सिंचा (प्रे.)।

ಎಱೆಸು ए़रेसु (क) क्रि.— दे. ಎಱೆಯಿಸು.

ಎರ್ಕೆ ए़र्के (तद्) सं. = ಎಕ್ಕೆ एक्के—अर्क (तत्) अर्कवृक्ष।

ಎರ್ಚು ए़र्चु (क) क्रि.— दे. ಎರಚು.

ಎರ್ಡು ए़र्डु (क) वि.— दे. ಎರಡು.

ಎರ್ತ ए़र्त (तद्) वि.— व्यर्थ (तत्)।

ಎರ್ದೆ ए़र्दे (क) सं.— दे. ಎದೆ. —ಗೊಳ್ गोळ् (क) क्रि.— धैर्य या साहस कर; समझ, जान। —ಪತ್ತು पत्तु (क) क्रि.— समझ में आ, मन में आ (अक्.क्रि.)। —ಯಾಣ್ಮ याण्म (क) सं.— हृदयेश्वर, प्राण प्यारा। —ವಲಾಕೆ वलाके (क) अ.— मन का आंदोलन, अशांति। —ವಳಲ್ वळल् (क) सं.—मानसिक चिंता, व्यथा, पीडा, अधैर्य।

ಎರ್ಬು ए़र्बु (क) क्रि.— दे. ಎಬ್ಬು.

ಎರ್ಬಿಸು ए़र्बिसु (क) क्रि.— दे. ಎಬ್ಬಿಸು.

ಎಲ ए़ल, ಎಲಾ ए़ला (क) अ.— रे, अरे, हे (संबोधन–पुरुषों के लिए); अहा! ऐ! (आश्चर्यसूचक)।

ಎಲಗೆ ए़लगे, ಎಲೆ ए़ले (क) अ.— री, अरी (संबोधन–स्त्रियों के लिए)।

ಎಲಚಿ ए़लचि (क) सं.— उत्स्राव. फेनिल, नेर।

ಎಲಚೆ ए़लचे (तद्) सं.— एला (तत्); इलायची (हि.)।

ಎಲಬು ए़लबु, ಎಲವು ए़लवु, ಎಲುಬು ए़लुबु (क) सं.— हड्डी।

ಎಲರ್ ए़लर् (क) सं. = ಎರಲ್ ए़रल्—वायु, हवा, अनिल। —ಉಣಿ उणि (क) सं.— सांप, हवा खानेवाला। —ಬಟ್ಟೆ बट्टे (ವಟ್ಟೆ वट्टे) – हवा का मार्ग, आकाश।

ಎಲರ್ಚು ए़लर्चु (क) क्रि.— स्फूर्ति दे, चैतन्य प्रदान कर, सजग कर।

ಎಲವ ए़लव (क) सं.— शाल्मली वृक्ष, सेंमर का पेड़।

ಎಲವೊ एलवो, ಎಲವೋ एलवो (क) अ.— हे!, अरे! (संबोधन ए.व.—पुरुषों के लिए)।

ಎಲಲಾ ए़लला (क) वि.वो.—अहा!, शवास!, भला!

ಎಲಿ ए़लि (क) सं. = ಇಲಿ इलि—चूहा, मूषक।

ಎಲು ए़लु (क) सं.— हड्डी।

ಎಲುಗು ए़लुगु (क) क्रि.— हिल, हिल-डुल, काँप।

ಎಲೆ ए़ले, ಎಲೇ ए़ले (क) अ.— री, अरी (संबोधन स्त्रियों के लिए)। ಎಲೆಲೆ ए़लेले— किसी बात का स्मरण करते समय या संबोधन में इसका प्रयोग होता है।

ಎಲೆ ए़ले (क) सं.— पत्ता, पर्ण, पत्र; पान: तलवार, चाकू आदि की नोंक। —ಅಂಬು अंबु (क) सं.— पर्ण जैसा बाण। —ಅಡಿಕೆ अडिके (क) सं.— पान-सुपारी। —ನಾಗರ नागर (क) सं.— पत्तों में होनेवाला छोटा सांप। —ಪನಿ पनि, ಹನಿ हनि (क) सं.— पत्तों पर से गिरनेवाली ओस। —ಮನೆ मने (क) सं.— पर्णशाला। —ವಸ್ತ್ರ वस्त्र (क) सं.— रंगीला रूमाल।

ಎಲೆಗಾರ ए़लेगार, ಎಲೆಗಾಱ ए़लेगार (क) सं.— पान बेचनेवाला।

ಎಲೆಗಾರ್ತಿ ए़लेगार्ति (क) सं.— पान बेचनेवाली स्त्री।

ಎಲೊ ए़लो, ಎಲೋ ए़लो, ಎಲವೊ ए़लवो (क) अ.— हे!, अरे!, रे!

ಎಲ್ಚಿ ए़ल्चि (क) सं.— दे. ಎಲಚಿ.

ಎಲ್ಬು ए़ल्बु (क) सं.— दे. ಎಲುಬು.

ಎಲ್ಲ ए़ल्ल (क) सर्व.— सब, समग्र, पूरा, सकल, अखिल।

ಎಲ್ಲರುಂ ए़ल्लरुं, ಎಲ್ಲರೂ ए़ल्लरू (क) सर्व.— सभी (पु.लिं. और स्त्री.लिं., ब.व.)।

ಎಲ್ಲವೂ ए़ल्लवू (क) सर्व.— सभी (न.लिं. ब.व.)।

ಎಲ್ಲಾ ए़ल्ला (क) सर्व.— दे. ಎಲ್ಲ.

ಎಲ್ಲಾಗಳ್ ए़ल्लागळ् (क) अ.— हमेशा, सदा, सर्वदा।

ಎಲ್ಲಿ ए़ल्लि (क) अ.— कहाँ, किधर, किस स्थान या जगह पर? ಎಲ್ಲಿಂದ ए़ल्लिंद—कहाँ से,

ಎಲ್ಲಿಯ एल्लिय—कहाँ का, ಎಲ್ಲಿಂದೋ एल्लिंदो कहीं से, ಎಲ್ಲಿಯೂ एल्लियू, ಎಲ್ಲಿಯುಂ एल्लियुं—कहीं भी, ಎಲ್ಲೆಲ್ಲಿ एल्लेल्लि—कहां-कहां. ಎಲ್ಲೆಲ್ಲಿಯೂ एल्लेल्लियू—सर्वत्र; हर कहीं।

ಎಲ್ಲಿಯಣ एल्लियण (क) सर्व.— कहां का (आदमी)।

ಎಲ್ಲಿಯಾನುಂ एल्लियानुं (क) अ.— कहीं भी, किसी जगह भी।

ಎಲ್ಲೆ एल्ले (क) सं.— सीमा, हद, मिति, मर्यादा। —ಕಟ್ಟು कट्टु (क) सं.— सीमा, हद, (मे.प्र.)। —ಕಲ್ಲು कल्लु (क) सं.— सीमा का सूचक पत्थर।

ಎಲ್ವು एल्वु, ಎಲುವು एलुवु (क) सं.— हड्डी, अस्थि। ಒಡಲ ಎಲ್ವು ओडल एल्वु—कंकाल, अस्थि-पंजर।

ಎವು एवु (क) प्र.— प्रथम पुरुष बहुवचन सामान्य भूतकालिक प्रत्यय। उदा.—ಕೇಳ್ದೆವು केळ्देवु, ಕೇಳಿದೆವು केळिदेवु—सुना, पूछा; माँगा; ಕಂಡೆವು कंडेवु—देखा; ಉಸಿರ್ದೆವು उसिर्देवु—कहा।

ಎವುಳ್ಳಿ एवुळ्ळि (क) सं.— जूठा, उच्छिष्ट।

ಎವೆ एवे (क) सं.— पलक, बरौनी (पक्ष्मन्)। —ಇಕ್ಕು इक्कु (क) क्रि.— पलकें बंद कर। —ಇಕ್ಕದವ इक्कदव (क) सं.— पलकें बंद न करनेवाला, देवता।

ಎವ एव (तद्) सं.— यव (तत्); जवा, जौ।

ಎಷ್ಟು एष्टु (क) वि.— कितना, किस परिमाण या संख्या का। ಎಷ್ಟು ಮಂದಿ एष्टु मंदि, ಎಷ್ಟು ಜನ एष्टु जन—कितने लोग; ಎಷ್ಟು ಮನೆ एष्टु मने, ಎಷ್ಟು ಮನೆಗಳು एष्टु मनेगळु—कितने घर; ಎಷ್ಟನೆಯ एष्टनेय—किस परिमाण या संख्या का। ಎಷ್ಟು ಮಾಡಿದರೂ ನಷ್ಟವಾಗದೇ ಬಿಡದು एष्टु माडिदरू नष्टवागदे बिडदु—कितना भी करें, नुकसान हुए बिना न रहेगा (कह.)। ಎಷ್ಟೊ एष्टो, ಎಷ್ಟೋ एष्टो—कितना!, न जाने कितना है!, असंख्य!

ಎಸ एस (क) सं.— ढक्कन, आच्छादन।

ಎಸಕ एसक (क) सं.— चमक, कांति, सुंदरता; प्रभाव, रूप, आकार; स्थिति, विद्यमत्ता; कार्य, सामर्थ्य, बल, कीर्ति, दैव, भाग्य। —ದ द (क) वि.— प्रख्यात, कीर्तिमान्।

ಎಸಗು एसगु (क) क्रि.— लग, निरत हो, आरंभ कर, कर, काम कर, प्रयत्न कर। सं.— आरंभ, काम में लगे रहना।

ಎಸಡಿ एसडि (क) सं.— दे.— ಎಂಡ್ರಕ್ಕಾಯಿ.

ಎಸದು एसदु, ಎಸೆದು एसेदु (क) कृ.— (ಎಸೆ एसे=फेंक)— फेंककर, हटाकर।

ಎಸರ್ एसर्, ಎಸರು एसरु (क) सं.— चावल मिलाया गया पानी जिसमें चावल पकता है, उबलनेवाला पानी; तरकारी को उबाला गया पानी, वह पानी जिसमें काली मिर्च मिलायी गयी हो।

ಎಸವು एसवु (क) सं.— सौंदर्य, कांति, चमक।

ಎಸಳ್ एसळ्, ಎಸಳು एसळु (क) सं.— फूल का दल, पंखड़ी, पत्ती।

ಎಸಿಗೆ एसिगे (क) सं.=ಎಸಗೆ एसगे, ಎಸುಗೆ एसुगे—फेंकना, मारना, बाण चलाना; बाण, तीर।

ಎಸು एसु (क) क्रि.— बाण चला, फेंक, मार। सं.— बाण चलाने की क्रिया।

ಎಸೆ एसे (क) क्रि.— फेंक, मार, चला, बाण-प्रयोग कर; चमक, शोभित हो, सुंदर लग, प्रकाशित हो। सं.— चमक, कांति, सौंदर्य; फेंकना, चलाना।

ಎಹಗೆ एहगे, ಎಂಗೆ एंगे, ಎಹಂಗೆ एहंगे, ಎಹೆಂಗೆ एहेंगे, ಹೆಂಗೆ हेंगे, ಹೇಗೆ हेगे, ಹ್ಯಾಗೆ ह्यागे, ಹ್ಯಾಂಗೆ ह्यांगे, (क) अ.— कैसे?, किस प्रकार?, किस विधि से?

ಎಳ್ एळ्, ಎಳ್ಳು एळ्लु (क) सं.— तिल।

ಎಳ್ एळ्, ಎಳ एळ (क) वि.—छोटा, कोमल, अच्छा, सुंदर, निर्बल। ಎಳನೀರು एळनीरु—अपक्व नारियल का पानी। ಎಳಲತೆ एळलते—कोमल लता। ಎಳವುಲ್ಲು एळवुल्लु (-ಹುಲ್ಲು हुल्लु=घास)—बाल तृण, छोटी घास, हरी घास।

ಎಳಕ एळक (क) वि.— छोटी आयु का।

ಎಳಗ एळग (क) सं.— मेढ़, जिसके ऊन मोटे होते हैं।

ಎಳಚಿ एळचि (क) सं.— दे. ಎಲಚಿ.

ಎಳತು एळतु, ಎಳದು एळदु (क) वि.— छोटा, कोमल, सुन्दर, चंचल। ಎಳತಾದ ಎಲೆ एळताद एले—कोमल पत्ता, पल्लव।

ಎಳರ್ एळर् (क) सं.— भय, डर।

ಎಳವು एळवु (क) क्रि.— ठीक कर, क्रम में रख, संवार, व्यवस्थित कर। सं.—व्यवस्था, क्रम।

ಎಳವೆ एळवे (क) सं.— बाल्य, बचपन, छोटापन।

ಎಳಸು एळसु (क) क्रि.— इच्छा कर, कामना कर; आकर्षित हो, ललचा। सं.— इच्छा, कामना, चाह।

ಎಳದು एळिदु (क) वि.— चंचल, कोमल, छोटा।

ಎಳೆ एळे (क) सं.— धागा, तार, तंतु। वि.— कोमल, नरम, अच्छा। क्रि.— खींच, बल लगाकर अपनी ओर कर, आकर्षित कर।

ಎಳೆ एळे (तद्) सं.— इला (तत्); भूमि।

ಎಳೆತನ एळेतन (क) सं.—कोमलता, चंचलता, छुटपन। ಎಳೆತನದಲ್ಲಿ ಕಲಿಯದ್ದು ಎಪ್ಪತ್ತರ ಮೇಲೆ ಬಂದೀತೆ एळेतनदल्लि कलियद्दु एप्पत्तर मेले बंदीते—छुटपन में जो बात नहीं सीखी गई वह क्या सत्तर वर्ष के बाद आएगी (कह.)।

ಎಳೆದು एळेदु (क) वि.— दे. ಎಳತು.

ಎಳ್ಳು एळ्लु (क) सं.—तिल। —ಅಮಾಸೆ अमासे (क) सं.— भाद्रपद मास की अमावास्या। —ಅಷ್ಟು अष्ट (क) अ.— तिल भर। —ಕಾಳು काळु (क) सं.— तिल का दाना। —ಚಟ್ನಿ चट्नि (क) सं.— तिल की चटनी।

—ಉಂಡೆ उंडे (क) सं.— तिल को भूनकर गुड मिलाकर बनायी जानेवाली मिठाई जिसका आकार गोल होता है। —ಚಿಗಳಿ चिगळि (क) सं.— भुने तिल और गुड़ को कूटकर गोलाकार बनाई गई मिठाई।— ಬೆಲ್ಲ वेल्ल (क) सं.— तिल और गुड़ ; ಎಳ್ಳು ಬೆಲ್ಲ ಕೊಟ್ಟು ಒಳ್ಳೆ ಮಾತನಾಡು एळ्ळु वेल्ल कोट्टु ओळ्ळे मातनाडु—तिल और गुड़ देकर अच्छी बात बोलो (कह.)। —ಹಿಂಡಿ हिंडि (क) सं.— तिल की खली। — ಹಿಪ್ಪಿ हिप्पि (क) सं.— दे. ಎಳ್ಳು ಹಿಂಡಿ. —ಎಣ್ಣೆ एण्णे (क) सं.— तिल का तेल।

ಎಳ್ एळ् (क) क्रि.— उठ, निकल, जाग, नींद, से उठ ; उग, उत्पन्न हो, प्राप्त हो। वि.— उठा हुआ ; ಎಳ್ತರ एळ्तर = ಎತ್ತರ एत्तर—ऊँचा स्थान या पद, ऊँचाई ; सात की संख्या का सूचक. उदा.— ಎಳ್ಪತ್ತು एळ्पत्तु = ಎಪ್ಪತ್ತು, सत्तर।

ಎಳತ एळत (क) सं.— आकर्षण, खिंचाव।

ಎಳತಟ एळतट (क) सं.— बार-बार खींचना, श्रम, थकावट, कठिनाई।

ಎಳದು एळदु, ಎಳೆದು एळेदु (क) कृ.— (ಎಳೆ एळे = खींच) — खींचकर, अपनी ओर लगाकर, आकर्षित कर।

ಎಳಲ್ एळल् (क) क्रि.—लटक, नीचे की ओर इधर-उधर हिल। ಎಳಲೆವಿಡು एळलेविडु—लटकने दे।

ಎಳಲ್ಚು एळल्चु (क) क्रि.— लटका।

ಎಳವು एळवु (क) क्रि.— रगड़. धीरे से मिटा।

ಎಳವು एळवु (क) सं.— खिंचाव, खींचना ; मरोड़, सिकुड़न, ऐंठन।

ಎಳಸು एळसु, ಎಳಿಸು एळिसु (क) क्रि.— खिंचा (प्रे.)।

ಎಳೆ एळे (क) क्रि.— खींच, बलपूर्वक अपनी ओर लगा, आकर्षित कर। सं.— धागा, तंतु, तार।

ಎಳ್ಚರ एळ्चर (क) सं.— जागृति, जागरण, नींद से उठना, बीमारी के बाद स्वस्थ होना।

ಎತ್ತು एत्तु (क) सं.— बैल, सांड ; खाट की रस्सी या डोरी (ताना)।

ಎಬ್ಬಿಸು एब्बिसु (क) क्रि.— जगा, जागृत कर. उठा (प्रे.)।

ಎಬ್ಬು एब्बु (क) क्रि.— उठ, निकाल, जाग।

ಎಳ್ವಿಸು एळ्विसु (क) क्रि.— जगा, जागृत कर, उठा।

ಏ ए

ಏ ए—कन्नड वर्णमाला का दसवाँ अक्षर। कुछ शब्दों में, जिनका प्रारंभ ಏ से होता है, ಏ के बदले ಯಾ का प्रयोग द्रष्टव्य है ; उदा.— ಏಕೆ एके—ಯಾಕೆ याके, ಏಲಕ್ಕಿ एलक्कि—ಯಾಲಕ್ಕಿ यालक्कि। ग्राम्य भाषा में एकार के बदले यकार का प्रयोग इन शब्दों में देखा जा सकता है— ಬ್ಯಾಗ ब्याग ('ಬೇಗ बेग' के बदले)—जल्दी, ಬ್ಯಾಡ ब्याड ('ಬೇಡ बेड' के बदले)—नहीं चाहिए, ಹ್ಯಾಗೆ ह्यागे ('ಹೇಗೆ हेगे' के बदले)—कैसे आदि। अ.–संबोधन में शब्दों के अंत में ಏ ए लगता है, उदा.— ಮನುವೇ! मनुवे— हे मनु!, ರಾಮನೇ रामने!—हे राम! किसी बात पर ज़ोर देते समय ; उदा.— ಅವನೇ ರಾಮ अवने राम—वही राम है ; ನೀವೇ नीवे–आप ही। संबोधन ; उदा.—ಏ ಪಾರ್ವತಿ ए पार्वति! —हे पार्वती!, ಏಹೋ ಗೋಪಾಲಯ್ಯ एहो गोपालय्य!— हे गोपालय्य!

ಏ ए (क) सर्व. = ಆವ आव, ಯಾವ याव— कौन, क्या।

ಏಂ एं (क) सर्व.—क्या, क्यों, कौन-सा।

ಏಂಬಡಿ एंबडि (क) अ.— किसके बदले, किस के निमित्त।

ಏಕ एक (सम्) वि.— एक, इकहरा. अकेला. केवल ; अद्वितीय, असमान, बेजोड़, एकमेव; प्रधान. मुख्य।

ಏಕಕ एकक (सम्) वि.— अकेला, एकाकी।

ಏಕಕಾಲ एककाल (सम्) सं.— एक समय, एक ही समय।

ಏಕಕುಂಡಲ एककुंडल (सम्) सं.— एक कुंडल धारी. बलराम ; कुबेर।

ಏಕಕ್ರಿಯೆ एकक्रिये (सम्) सं.—एक ही क्रिया या काम. समान क्रिया ; कुल।

ಏಕಗುರು एकगुरु (सम्) सं.— एक गुरु के शिष्य, सहाध्यायी, गुरुभाई।

ಏಕಗೃಹಕೃತ್ಯ एकगृहकृत्य (सम्) सं.— घर की एक व्यवस्था, अविभक्त परिवार (undivided family).

ಏಕಗ್ರಾಹಿ एकग्राहि (सम्) सं.— एक ही समय में समझने या ग्रहण करनेवाला।

ಏಕಗ್ರೀವ एकग्रीव (सम्) सं.— एक कंठ, एक स्वर ; एक मत, एक आवाज़ में कहना।

ಏಕಚಕ್ರ एकचक्र (सम्) सं.— एक ही राजा के अधीन में रहनेवाला राज्य ; एक स्थान का नाम।

ಏಕಚಕ್ರವರ್ತಿ एकचक्रवर्ति (सम्) सं.—सम्राट, सारी पृथिवी का एक शासक।

ಏಕಚಕ್ರಾಧಿಪತಿ एकचक्राधिपति (सम्) सं.— दे. ಏಕಚಕ್ರವರ್ತಿ.

ಏಕಚರ एकचर (सम्) सं.— अकेला या एकाकी रहने या घूमनेवाला ; वह, जिसके पास एक ही चाकर हो ; बिना सहायता लिए रहनेवाला।

ಏಕಚ್ಛತ್ರ एकच्छत्र (सम्) सं.— एक ही अधिकार में रहनेवाला राज्य, साम्राज्य।

ಏಕಚ್ಛತ್ರಿ एकच्छत्रि (सम्) सं.— सम्राट के अधीन का साम्राज्य, एक देश।

ಏಕಚ್ಛಾಯ एकच्छाय (सम्) सं.— एक ही छायावाला, गाढांधकार।

ಏಕಜಾತಿ एकजाति (सम्) सं.— एक बार उत्पन्न, एक ही जाति से संबंधित, शूद्र।

ಏಕತರ एकतर (सम्) सं.— दो में एक, दूसरा, अनेक में एक ।

ಏಕತಾನ एकतान (सम्) सं.— एकाग्रता· एक चित्तता ; एक लक्ष्य ; एक स्थान ; एक राग, बार-बार एक ही राग का आलाप, एक ही बात को बार-बार कहना ।

ಏಕತಾಲ एकताल, ಏಕತಾಳ एकताळ (सम्) सं.— ऐक्य, समस्वर ; गान, नृत्य और वाद्य की संगति ; एक ताल का नाम । —ರಗಳೆ रगळे (सम्) सं.— एक वृत्त का नाम ।

ಏಕತೆ एकते, ಏಕತ್ವ एकत्व (सम्) सं.— ऐक्य, एकता, समता ।

ಏಕತ್ರ एकत्र (सम्) अ.— एक स्थान में, एक पक्ष में, इकट्ठा ।

ಏಕದಂತ एकदंत (सम्) सं.— एक ही दाँत-वाला, गणेश ।

ಏಕದಲ एकदल (सम्) सं.— एक लता, सरस्वती लता ।

ಏಕದಾ एकदा (सम्) अ.— एक वार, एक ही वार ।

ಏಕದೃಶ್ एकदृश्, ಏಕದೃಕ एकदृक (सम्) सं.— कौआ ; शिवजी । वि.— एक आँख-वाला, अत्युत्तम दृष्टिवाला ।

ಏಕದೇಶ एकदेश (सम्) सं.— एक भाग, एक टुकड़ा ।

ಏಕದೇಶಿ एकदेशि (सम्) सं.— एक ही देश, एक ही देश या भाग से संबंधित ।

ಏಕದೇಶೀಯ एकदेशीय (सम्) वि.— एक ही देश या भाग से संबंधित ।

ಏಕದೇಹ एकदेह (सम्) सं.— एक ही शरीर-वाले ; मित्र, दोस्त ; बुध नक्षत्र ।

ಏಕಧುರ एकधुर, ಏಕಧುರೀಣ एकधुरीण (सम्) वि.— केवल एक काम करने योग्य, एक ही जुए में जोते जाने योग्य ।

ಏಕನಾಥ एकनाथ (सम्) सं.— जिसका एक ही प्रभु या स्वामी हो ; एक ही प्रभु या अधिकारी ।

ಏಕಪತಿಕೆ एकपतिके (सम्) सं.-परम पतिव्रता ।

ಏಕಪತ್ನ एकपत्न (सम्) सं.— एक ही पत्नी-वाला ।

ಏಕಪತ್ನಿ एकपत्नि (सम्) सं.— एक ही पत्नी, सच्ची पत्नी, पतिव्रता । —ವ್ರತ व्रत (सम्) सं.— केवल अपनी पत्नी पर ही अनुरक्ति, आत्मसंयम । —ವ್ರತಸ್ಥ व्रतस्थ (सम्) सं.— एक पत्नी-व्रत का आचरण करनेवाला ।

ಏಕಪತ್ರ एकपत्र (सम्) वि.— एक पत्तावाला, एक पंखवाला ।

ಏಕಪದ एकपद (सम्) सं.— एक क़दम ; वर्तमान समय, एक ही समय ।

ಏಕಪದಿ एकपदि (सम्) सं.— एक मार्ग, पगडंडी, चरण पर चरण ।

ಏಕಪಾದ एकपाद (सम्) सं.— एक चरण, एक ही चरण, एक ही चरण पर खड़े रहना । —ಗತಿ गति (सम्) सं.— एक ही चरण से चलना ।

ಏಕಪಿಂಗ एकपिंग, ಏಕಪಿಂಗಲ एकपिंगल (सम्) सं.— कुबेर ।

ಏಕಭುಕ್ತ एकभुक्त (सम्) सं.— दिन में एक ही बार भोजन करनेवाला ।

ಏಕಮತ एकमत (सम्) सं.— एक अभिप्राय, समान मत, ऐक्य ।

ಏಕಮತಿ एकमति (सम्) सं.— एक वस्तु में लगा हुआ मन ; एकमत (मै.प्र.) ।

ಏಕಮತ್ಯ एकमत्य (सम्) सं.— दे. ಏಕಮತ.

ಏಕಮಾತ್ರ एकमात्र (सम्) अ.— एक ही एक, केवल एक ; एक मात्रा (एक अक्षर के उच्चारण का समय) ।

ಏಕಮಾತ್ರೆ एकमात्रे (सम्) सं.— एक ही गोली, जो किसी भी बीमारी को दूर करने के लिए दी जाती है ।

ಏಕಯಷ್ಟಿ एकयष्टि (सम्) सं.— इकहरा मोतियों का हार ।

ಏಕಯಷ್ಟಿಕೆ एकयष्टिके (सम्) सं.— दे. ಏಕಯಷ್ಟಿ.

ಏಕರಸ एकरस (सम्) सं.— समान, एक ढंग का, केवल एक रस ।

ಏಕರೂಪ एकरूप, ಏಕರೂಪು एकरूपु (सम्) सं.— एक ही प्रकार की पोशाक, समान रंग-ढंग ।

ಏಕಲಡಿ एकलडि (सम् ?) सं.— दे. ಏಕಾವಳಿ.

ಏಕಲಿಂಗದೇವ एकलिंगदेव (सम्) सं.— कुबेर, यक्षराज ।

ಏಕಲೋಚನ एकलोचन (सम्) सं.— कौआ ।

ಏಕವಚನ एकवचन (सम्) सं.— एकवचन, एक संख्यावाची ।

ಏಕವಾಕ್ಯತೆ एकवाक्यते (सम्) सं.—सामंजस्य, एकता ।

ಏಕಶೇಷ एकशेष (सम्) सं.— एक मात्र अवशिष्ट, द्वंद्व समास का एक भेद ।

ಏಕಸಂಧಿಗ್ರಾಹಿ एकसंधिग्राहि (सम्) सं.— एक बार पढ़ने या सुनने मात्र से समझने या स्मरण रखनेवाला ।

ಏಕಸರ एकसर (सम्) सं.— दे. ಏಕಾವಳಿ.

ಏಕಸ್ಥ एकस्थ (सम्) वि.— मिला हुआ, एक में एक मिला हुआ ; एकाकी ।

ಏಕಸ್ಥಲ एकस्थल (सम्) सं.— एक स्थान, वही स्थान ।

ಏಕಸ್ಥಾನ एकस्थान (सम्) सं.— दे. ಏಕಸ್ಥಲ.

ಏಕಸ್ಥಾನಿ एकस्थानि (सम्) वि.— एक स्थान से संबंधित या उसी स्थान से संबंधित ।

ಏಕಹಸ್ತ एकहस्त (सम्) सं.— एक हाथ ; एक ही हाथवाला ; सिद्धहस्त या अद्वितीय कलाकार ।

ಏಕಾಏಕಿ एकाएकि (हि.) अ.— सहसा, अकस्मात ।

ಏಕಾಕಿ एकाकि (सम्) वि.— अकेला, एक ही । —ನಿ नी (सम्) वि.— अकेली (स्त्री) ।

ಏಕಾಕ್ಷ एकाक्ष (सम्) वि.— एक आँखवाला ; अद्वितीय नेत्रवाला । सं.— कौआ ।

ಏಕಾಕ್ಷರ एकाक्षर (सम्) सं.— एक अक्षर का (शब्द), ओंकार ।

ಏಕಾಕ್ಷಿ एकाक्षि (सम्) वि.— दे. ಏಕಾಕ್ಷ.

ಏಕಾಗ್ರ एकाग्र (सम्) वि.— एक ओर ध्यान लगाए हुए, ध्यानावस्थित ; एक ही नोंक वाला ।

ಏಕಾಗ್ರ್ಯ एकाग्र्य (तद्) सं.— एक ही ओर ध्यान लगना, एक चित्तता ।

ಏಕಾಂಗ एकांग (सम्) सं.— एक व्यक्ति या भाग ; शरीर रक्षक ; बुधग्रह ; मंगलग्रह ; विष्णु ; चंदन ।

ಏಕಾಂಗಿ एकांगि (सम्) सं.—एकाकी, अकेला. एक ही आदमी ।

ಏಕಾಂಘ್ರಿ एकांघ्रि (सम्) सं.— एक ही पैर वाला, लंगड़ा ।

ಏಕಾಂಕ एकांक (सम्) सं.— एक ही अंक का नाटक, छोटी नाटिका ।

ಏಕಾದಶ एकादश (सम्) वि.— ग्यारह, ग्यारहवाँ ।

ಏಕಾದಶೀ एकादशी (सम्) सं— ग्यारहवीं तिथि, एकादशी (स्मार्त और वैष्णव एकादशी के दिन उपवास-व्रत करते हैं) ।

ಏಕಾಧಿಪತಿ एकाधिपति (सम्) सं.— सम्राट, चक्रवर्ती ।

ಏಕಾಧಿಪತ್ಯ एकाधिपत्य (सम्) सं.—साम्राज्य, संपूर्ण राज्य पर एक ही का शासन ।

ಏಕಾಂತ एकांत (सम्) सं.— सुनसान स्थान, गुप्त स्थान ; एक ही लक्ष्य या उद्देश्य ; रहस्य, रहस्य-पूर्ण व्यवहार । ಏಕಾಂತ ಹೋಗಿ ಲೋಕಾಂತವಾಯಿತು. एकांत होगि लोकांतवायितु—रहस्य का तो पर्दाफाश हुआ । ಇಬ್ಬರಿದ್ದರೆ ಏಕಾಂತ, ಮೂವರಿದ್ದರೆ ಲೋಕಾಂತ इब्बरिद्दरे एकांत, मूवरिद्दरे लोकांत—दो व्यक्तियों तक रहस्य रहस्य रहता है, पर तीन व्यक्तियों तक पहुँचे तो वह लोक की बात हो जाता है (कह.) । —ವಾಸ वास (सम्) सं.— एकांत में रहना, एकाकी रहना । —ವಾಸಿ वासि (सम्) सं.—संन्यासी, तपस्वी ।

ಏಕಾಯನ एकायन (सम्) सं.— एक विषय पर ध्यान लगाना ; एकांत स्थान ; एकमत ।

ಏಕಾರ್ಥ एकार्थ (सम्) सं.— एक ही अर्थ या प्रयोजन, एक ही लाभ ।

ಏಕಾವಲಿ एकावलि, ಏಕಾವಳಿ एकावलि (सम्) सं.— इकहरा मोतियों का हार ; एक काव्यालंकार विशेष ।

ಏಕಾಶ್ರಯ एकाश्रय (सम्) सं.— एक ही का आश्रय, अनन्य शरणागति ।

ಏಕಾಹ एकाह (सम्) सं.— एक दिन की अवधि ।

ಏಕೀಭಾವ एकीभाव (सम्) सं.— ऐक्य, समता, संमिश्रण । —ಏಕೀಭವಿಸು एकीभविसु (सम्) क्रि.— मिल, सम्मिलित हो, एक हो ।

ಏಕು एकु (क) सं.— हिचकी ।

ಏಕೆ एके (क) अ.=ಯಾಕೆ याके—क्यों, किसलिए ?

ಏಕೋಕ್ತಿ एकोक्ति (सम्) सं.—एक ही शब्द, एक ही कथन, एक ही संख्या. सचाई ।

ಏಕೋದರ एकोदर (सम्) सं.— एक ही गर्भ से उत्पन्न, भाई । —ಇ इ बहन ।

ಏಗಂ एगं (क) अ.— हमेशा, सदा ; निश्चित रूप से, सचमुच ।

ಏಗಳ್ एगळ्, ಏಗಳು एगलु, ಏಗಳುಂ एगळुं (क) अ.— सदा, हमेशा ।

ಏಗು एगु (क) क्रि.— हिचकी ले ; संभव कर, अपना ।

ಏಗುವುದು एगुवुदु(क)सं.—किंकर्तव्यविमूढता ।

ಏಗೊಳ್ एगोळ् (क) क्रि.— मान, स्वीकार कर ।

ಏಟು एटु (क) सं.— चोट, आघात, प्रहार, घाव । वि.— कितना, किस परिमाण का । —ಗಾಱ गार् (क) सं.— मारनेवाला, ठीक प्रहार या गोली ।

ಏಡ एड (सम्) सं.— बहरा ; एक प्रकार की भेड़ ।

ಏಡಕ एडक (सम्) सं.— एक प्रकार की भेड़; जंगली बकरा ।

ಏಡಕೆ एडके (सम्) सं.— भेड़ी ।

ಏಡಮೂಕ एडमूक, (सम्) सं.— बहरा और गूँगा ; मूर्ख ।

ಏಡಿ एडि (क) सं.— केकड़ा ।

ಏಡಿ एडि (क) सं.=ಹೇಡಿ हेडि—डरपोक, भीरु ।

ಏಡಿಸು एडिसु, ಏಳಿಸು एलिसु (क) क्रि.— परिहास कर. मज़ाक कर ; दुर्वचन कह, गाली दे ।

ಏಣ್ एण्, ಏಣು एणु (क) सं.— नोंक, सिरा. अग्र, छोर, मोड़ ।

ಏಣ एण. (सम्) सं.=ಏಣಕ एणक—लाल हिरन । —ಧರ धर (सम्) सं —चंद्रमा । —ಧರಧರ धरधर (सम्) सं.— चंद्रशेखर । —ರಿಪು रिपु (सम्) सं.— बाघ ; सिंह, शेर । —ಲಾಂಛನ लांछन (सम्) सं.— चंद्र, शिवजी । —ವಾಹನ वाहन (सम्) सं.— वायुदेव ।

ಏಣಾಕ್ಷಿ एणाक्षि (सम्) सं.— मृगाक्षि, हिरन की आँख के समान आँखवाली ।

ಏಣಾಂಕ एणांक (सम्) सं.— चंद्रमा ।

ಏಣಾಜಿನ एणाजिन (सम्) सं.— मृगचर्म, काले हिरन का चमड़ा ।

ಏಣಾಧಿನಾಥ एणाधिनाथ, ಏಣಾಧಿನಾಯಕ एणाधिनायक (सम्) सं — शिवजी ।

ಏಣಿ एणि (सम्) सं.— काली हिरनी ।

ಏಣಿ एणि (क) सं.— चढ़ने की सीढ़ी, निसेनी ।

ಏಣವಾರ एणवार (क) सं.— साथी, मित्र ।

ಏತ एत (क) सं.=ಯಾತ यात—उठना, चढ़ाव; कुएँ से पानी खींचने का साधन (एक लंबी बाँस की लकड़ी के अंत में बाल्टी बांधकर खींचा जाता है) ; बाँस का मूसल जिससे धान कूटा जाता है । —ಕೋಲು कोलु (क) सं.— बाँस की लकड़ी जिसमें बाल्टी बांधी जाती है ।

ಏತಕೆ एतके (क) अ.— क्यों, किसलिए, किस हेतु ।

ಏತತ್ एतत्, ಏತದ್ एतद् (सम्) सर्व.— यह ।

ಏತದ್ದೇಶೀಯ एतद्देशीय (सम्) वि.— एक ही देश से संबंधित ।

ಏತರ್ एतर्, ಏತು एतु (क) सर्व.— क्या, किसका, कौन-सा ।

ಏತರ್ಹಿ एतर्हि (सम्) अ.— अब, इस समय, संप्रति ।

ಏತಾದೃಶ एतादृश (सम्) वि.— इस प्रकार का, ऐसा, इस रीति का।

ಏತಾವತ್ एतावत् (सम्) वि.—इतना, इतना बड़ा, इस परिमाण का।

ಏದು एदु (क) क्रि.— प्रयास कर, प्रयत्न कर, साहस कर; हाँफ, दीर्घ उच्छ्वास ले। सं.- जंगली भालू।

ಏಧ एध, ಏಧಸ್ एधस् (सम्) सं.— इंधन, काष्ट, जलने की लकड़ी।

ಏಧೆ एधे (सम्) सं.— समृद्धि, आनंद, हर्ष।

ಏನ್ एन्, ಏನು एनु (क) सर्व.— क्या, क्यों, कैसे, कौन, कौन-सा।

ಏನಸ್ एनस् (सम्) सं.— पाप, अपराध, दोष।

ಏನಾನುಂ एनानुं (क) अ.— कुछ भी हो।

ಏನಿ एनि (क) सर्व. — दे. ಏನ್ (मै.प्र.)।

ಏನಿಕೆ एनिके (क) सर्व.— कुछ, कोई। सं.— कुछ होने का भाव।

ಏನು एनु (क) सर्व.— दे. ಏನ್.

ಏನು एनु (क) प्र.— संदिग्ध वर्तमान कालिक प्रथम पुरुष ए. व. प्रत्यय; उदा.— ಕೊಟ್ಟೇನು कोट्टेनु—देता हूँगा (शायद देता हूँ), ಹೋದೇನು होदेनु—जाता हूँगा (शायद जाता हूँ), ಮಾಡ್ಯೇನು माड्येनु—करता हूँगा (शायद करता हूँ)।

ಏನೆ एने (क) प्र.— वर्तमान कालिक प्रथम पुरुष ए. व. प्रत्यय; उदा.— ಓದುತ್ತೇನೆ ओदुत्तेने—पढ़ता हूँ, ಬರೆಯುತ್ತೇನೆ बरेयुत्तेने—लिखता हूँ।

ಏಪಿ एपि (क) सं.— महोगनी वृक्ष (Shorea robusta.

ಏಬಂಡಂ एबंडं (क) सं.— क्या हिसाब, क्या पैसा, क्या संपत्ति।

ಏಬಂಡು एबंडु (क) सं.— कैसी दिक्कित, कैसा अपमान।

ಏಬ್ರಜ एब्रज (क) सं.— इंद्रगोप, वीरबहूटी।

ಏಬ್ರಾಸಿ एब्रासि (क) सं.=ಏಬ್ರಾಸಿ एब्रासि— दे. ಏಬಡ.

ಏಯ್ एय् (क) क्रि.— डाल, लगा, फेंक; टाल।

ಏಯ್ एय् (क) अ.— छोटे या नीच जाति के लोगों के लिए प्रयुक्त संबोधन।

ಏರ್ एर्, ಏರು एरु (क) क्रि.— चढ़, उठ, ऊपर पहुँच, अधिक हो, आरोहण कर।

ಏರಕಾ एरका, ಏರಕೆ एरके (सम्) सं.— तृण विशेष, एक प्रकार की घास।

ಏರಂಡ एरंड (सम्) सं.— एरंडी का पौधा।

ಏರಲ್ एरल् (क) सं.—पीढ़ा, आसन, तख्ता।

ಏರಲಿಕ್ಕು एरलिक्कु (क) क्रि.— आसन लगा, आसन दे।

ಏರಾಟ एराट (क) सं.—चढ़ना, सवारी करना; चढ़ाई; रोष; क्रोध।

ಏರಾಳಿ एराळि (क) सं.— अच्छा घुड़सवार; चढ़ाई करनेवाला, आक्रमणकारी।

ಏರಿ एरि (क) सं.— तालाब या सरोवर के पास ऊँचा स्थान, ऊँची जगह, तटाक बंधन।

ಏರಿರಿ एरिरि (क) क्रि.— घायल कर, प्रहार कर, चुभ। सं.— नदी का किनारा।

ಏರಿಹೋಗು एरिहोगु (क) क्रि.— चढ़ आ, आक्रमण कर।

ಏರಿಳಿತ एरिळित (क) सं.— चढ़ाव-उतार, ज्वार-भाटा, उन्नति-अवनति।

ಏರು एरु (क) सं.—गोबर; हल।—ಕಂದಾಯ कंदाय—हल का कर।

ಏರುಂ एरुं (क) वि.— चढ़नेवाला (वाली)। —ಬಳ್ಳಿ बळ्ळि—चढ़नेवाली लता।

ಏಱ್ एऱ् (क) सं.— घाव। क्रि.— हो, उपयुक्त हो, लग, संभव हो, सक, समर्थ हो; सामना कर, विरोध कर, चढ़ाई कर; चुन, चयन कर, उठा ले, बटोर, अलग कर।

ಏಱಾಳಿ एऱाळि (क) सं.— दे. ಏರಾಳಿ.

ಏಱಿ एऱि (क) सं.— चढ़नेवाला।

ಏಱಿಕೆ एऱिके (क) सं.— चढ़ना, चढ़ने की क्रिया, सवारी करना, अधिक होना, आधिक्य।

ಏಱಿಸು एऱिसु, ಏರಿಸು एरिसु (क) क्रि.— उठा, ऊँचा कर, चढ़ा, फहरा, आरोहित कर। ಏಱಿಸಿ ಭಾರತದ ಬಾವುಟ एऱिसि भारतद बावुट —भारत के झंडे को (ऊँचा) फहराइए।

ಏಱು एऱु (क) क्रि.— उठ, ऊँचा उठ, ऊपर पहुँच, चढ़, सवार हो, आरोहण कर; अधिक हो। सं.— चढ़ना, ऊँची भूमि, टीला; घाव, प्रहार, दर्द, पीड़ा।

ಏಱುತ एऱुत (क) सं.— दे. ಏರಿಕೆ.

ಏಱುವಿಕೆ एऱुविके (क) सं.—दे. ಏರಿಕೆ.

ಏರ್ಪಡು एर्पडु (क) क्रि.— उत्पन्न हो, व्यवस्थित हो।

ಏರ್ಪಾಡು एर्पाडु (क) सं. = ಏರ್ಪಾಟ एर्पाट, ಏರ್ಪಾಡ एर्पाड—प्रबंध, इंतज़ाम।

ಏರ್ವಾರು एर्वारु (क) सं.— ककड़ी; खरबूजा।

ಏರ್ವೆಸ एर्वेस (क) सं.— युद्ध की तैयारी, समर का प्रबंध।

ಏಲಕ್ಕಿ एलक्कि (तद् ?) सं.=ಯಾಲಕ್ಕಿ यालक्कि ಯಾಲಕಿ यालकि—इलायची, एला (तत्)।

ಏಲಾ एला, ಏಲೆ एले (सम्) सं.— इलायची।

ಏಲಾವಾಲುಕ एलावालुक (सम्) सं.— कैथे की छाल, सुगंध द्रव्य विशेष।

ಏಲಾಪತ್ರ एलापत्र (सम्) सं.— सर्पराज।

ಏಲಾಂ एलां (क) सं.— नीलाम।

ಏಲು एलु (क) क्रि.— लटक, हिल, हिल-डुल।

ಏವ एव (क) सं.— घृणा, तिरस्कार, उबाई, विरक्ति।

ಏವಂ एवं (सम्) अ. — इस प्रकार; और; सचमुच; भी।

ಏವಾಗಲೂ एवागलू (क) अ.=ಯಾವಾಗಲೂ यावागलू—हमेशा।

ಏವು एवु (क) प्र.=ಏನು एनु का बहुवचन; उदा.— ಬಂದೇವು बंदेवु—आते होंगे, ಇದ್ದೇವು इद्देवु—रहते होंगे। (दे. ಏನು.)

ಏವೆ एवे (क) प्र.—ಏನೆ एने का ब.व.; उदा.- ಬರುತ್ತೇವೆ बरुत्तेवे—आते हैं, ಓದುತ್ತೇವೆ ओदुत्तेवे—पढ़ते हैं। (दे. ಏನೆ.)।

ಏವೆ एवे (क) सं. = ಆಮೆ आमे— कमठ, कूर्म, कछुआ।

ಏಷಣ एषण (सम्) सं. = ಈಷಣ ईषण— इच्छा, अभिमान, चाह; लोहे का बाण;

अन्वेषण, खोज। —ತ್ರಯ त्रय – स्त्री, पुत्र और संपत्ति की लालसा।

ಎಸಾಡು एसाडु (क) क्रि.— फेंक, डाल, चला।

ಎಸು एसु (क) क्रि.—फेंक, बाण चला। वि.— कितना, किस परिमाण का।

ಎಹಸ್ एहस् (क) सं.— क्रोध, रोष ; बुराई।

ಎಳಿದ एळिद (क) सं.— निंदा, तिरस्कार ; मज़ाक, परिहास ; गाली, कोसना ; परिहास या निंदा करनेवाला।

ಎಳಿಸು एळिसु (क) क्रि.— तिरस्कार कर, निंदा कर ; हटा, फेंक, दूर कर, छिपा, ढँक।

ಎೞ್ एऴ् (क) क्रि.—उठ, खड़े हो, जागृत हो, तैयार हो (ಏಳು एळु – आधुनिक कन्नड)।

ಎೞ್ಗೆ एऴ्गे, [ಏಳಿಗೆ एळिगे] (क) सं.— उठना ; उन्नति, वृद्धि, प्रगति, अधिकता, महानता, श्रेष्ठता, कीर्ति ; दुष्टता।

ಎೞಿಸು एऴिसु [ಎಳಿಸು एळिसु] (क) क्रि.— उठा, जगा।

ಎೞು एऴु [ಏಳು एळु] (क) क्रि.— उठ, खड़े हो, जागृत हो, तैयार हो। सात की संख्या का सूचक ; उदा.— ಎೞು ದಿನ एऴु दिन —सात दिन, ಎೞು ನೂರು एऴु नूरु—सात सौ, ಎೞ್ಪೆರಡು एऴेरडु—चौदह (७ × २) सं = ಹೇಳು हेळु—कह, बोल, बना (ग्रा.)।

ಎೞುವಿಕೆ एऴुविके [ಏಳುವಿಕೆ एळुविके] (क) सं.— उठना, जागना, तैयार होना।

ಎೞುಹ एऴुह (क) सं.— दे. ಎೞುವಿಕೆ.

ಎೞ್ಗೆ एऴ्गे [ಏಳಿಗೆ एळिगे] (क) सं.— दे. ಎೞ್ಗೆ.

ಎೞ್ಬರ್ एऴ्बर् [ಏಳ್ವರ್ एळ्वर्, ಏಳ್ವರು एळ्वरु], ಎೞ್ವರು एऴ्वरु, [ಏಳ್ವರು एळ्वरु] सं.—सात जन, सात लोग।

ಎೞ್ವಿಕೆ एऴ्विके [ಏಳ್ವಿಕೆ एळ्विके] (क) सं.— दे. ಏಳುವಿಕೆ.

ಐ ऐ

ಐ ऐ—कन्नड वर्णमाला का ग्यारहवाँ अक्षर। साधारणतया इसका उच्चारण ಅಯ್ अय्, ಅಯಿ अयि के जैसे होता है। वि. बो. = ಅಯಿ अयि—ऐ! हे! (संबोधन में)।

ಐಂಗುದ ऐंगुद (सम्) सं.— ('इंगुद' से) — इंगुद या हिंगोट का फल।

ಐಂದವ ऐंदव (सम्) वि.— इंदु या चंद्रमा से संबंधित। — ಕಲೆ कले (सम्) सं.— चंद्रकला ; मृगशिरा नक्षत्र।

ಐಂದ ऐंद, ಐಂದಾ ऐंदा (अ.दे.) अ.—आइंदा, आगे।

ಐಂದ್ರ ऐंद्र (सम्) वि.— इंद्र से संबंधित ; जेष्ठा नक्षत्र। —ಜಾಲ जाल (सम्) सं.— जादू, टोना। —ಜಾಲಿಕ जालिक (सम्) सं.—जादूगर। —ಧನು धनु (सम्) सं.— इंद्रधनुष। —ಶರ शर (सम्) सं.— इंद्रास्त्र।

ಐಂದ್ರಲುಪ್ತಿಕ ऐंद्रलुप्तिक (सम्) सं.— गंजा सिरवाला आदमी।

ಐಂದ್ರಿ ऐंद्रि (सम्) सं.— इंद्र का पुत्र— जयंत, वाली, अर्जुन ; कौआ ; पूर्व दिशा।

ಐಂದ್ರಿಯ ऐंद्रिय, ಐಂದ್ರಿಯಕ ऐंद्रियक (सम्) वि.— इंद्रियों से संबंधित।

ಐಕಮತ್ಯ ऐकमत्य (सम्) सं.— एकमत, एकता, एक अभिप्राय।

ಐಕಾಗಾರಿಕ ऐकागारिक (सम्) सं.— चोर, लुटेरा।

ಐಕಾಗ್ರ್ಯ ऐकाग्र्य (सम्) सं.— एकाग्रता, एकचित्तता, स्थिरता।

ಐಕಾಂತಿಕ ऐकांतिक (सम्) वि.— एकांत से संबंधित, एक ही एक, केवल एक ; एक पत्नी व्रताचरण करनेवाला।

ಐಕಿಲ್ ऐकिल् (क) सं.— हिम, तुषार ; जाड़ा, सर्दी। —ಬೆಟ್ಟ बेट्ट (क) सं.— हिमपर्वत, हिमाद्रि।

ಐಕ್ಯ ऐक्य (सम्) सं.— एकता, लीनता ; एकमत, अभेद, एकरूपता। — ಭಾವ भाव —एक होना, मिल जाना। —ವರ್ಣ वर्ण मिला हुआ रंग।

ಐಕ್ಷವ ऐक्षव (सम्) वि.— इक्षु या ईख से संबंधित ; शक्कर, गुड़।

ಐಕ್ಷ್ವಾಕ ऐक्ष्वाक (सम्) वि.— इक्ष्वाकु वंश का।

ಐಗಣೆಯ ऐगणेय (क) सं.— पाँच बाणवाला, कामदेव।

ಐಗಳ ऐगळ, ಐಗೊರಳ ऐगोरळ (तद्) सं.— शिव।

ಐಗಳು ऐगळु (क) सं.— अध्यापक, गुरु।

ಐಗೋಲ ऐगोल (क) सं.— कामदेव।

ಐಚ್ಛಿಕ ऐच्छिक (सम्) वि.— अपनी इच्छा का।

ಐಡವಿಡ ऐडविड (सम्) सं. = ಐಲವಿಲ ऐलविल —कुबेर।

ಐಡೂಕ ऐडूक (सम्) सं.— असुंदर दीवार।

ಐಣ ऐण (सम्) वि.— काले हिरन से संबंधित।

ಐಣೇಯ ऐणेय (सम्) वि.— काली हिरन से संबंधित।

ಐತರ್ ऐतर्, ಐತರು ऐतरु (क) क्रि.— आ, पहुँच, पधार।

ಐತಿಹ್ಯ ऐतिह्य (सम्) सं.— परंपरागत वृत्तांत, दंतकथा, किंवदंती।

ಐದನೇ ऐदने (क) वि.— पाँचवाँ।

ಐದು ऐदु (क) वि.— पाँच की संख्या। क्रि.— जा ; पा।

ಐದೆ ऐदे (क) सं.— सुहागिन, सुमंगली, सधवा। —ತನ तन (क) सं.— सौभाग्य, सौमांगल्य, सुहागिन होना।

ಐನಾ ऐना (अ.दे.) सं.— आईना (फ़ारसी), दर्पण।

ಐನು ऐनु (अ.दे.) वि.— ऐन (हिं.) ; मुख्य, योग्य, उचित।

ಐನುತಾಳಿ ऐनुताळि (क) सं.— सुहाग, मांगल्य।

ಐನೋರು ऐनोरु (क) सं.— मालिक, स्वामी, हुजूर (ग्रा.)।

ಐಬು ऐबु (अ.दे.) सं.— ऐब (अरबी) ; दोष, अवगुण, न्यूनता, कमी।

ಐಮೊಗ ऐमोग (क) सं.— शिव।

ಐಯಂಬ ऐयंब (क) सं.— कामदेव।

ಐರಣ ऐरण (क) सं.— सैंधव, लवण।

ಐರದಾಳಿ ऐरदाळि, ಐರೆದಾಳಿ ऐरेदाळि (क) सं.— मांगल्य, सुहाग।

ಐರಾವಣ ऐरावण (सम्) सं.—इंद्र का हाथी, ऐरावत, पूर्व दिशा का गज ; सर्पों का एक प्रधान पुरुष ; एक राक्षस का नाम।

ಐರಾವತ ऐरावत (सम्) सं.— इंद्र का हाथी।

ಐರಾವತಿ ऐरावति (सम्) सं.— इंद्र की हथिनी ; बिजली, मेघ ; संतरे का पेड़ ; इरावती नदी से संबंधित।

ಐರೀಯ ऐरीय (सम्) सं.— शराब, मद्य।

ಐಲ ऐल (सम्) सं.— इला और बुध से उत्पन्न पुरूरव।

ಐಲೇಯ ऐलेय (सम्) सं.— सुगंध द्रव्य विशेष।

ಐವಜಿ ऐवजि (अ.दे.) अ.— एवज़ (अरबी) ; के बदले, के स्थान पर।

ಐವಜು ऐवजु (अ.दे.) सं.— संपत्ति, धन, ऐश्वर्य। —ದಾರ दार—धनवान, धनी।

ಐವಾಯ್ ऐवाय् (क) सं.— सिंह, शेर।

ಐಶ್ವರ್ಯ ऐश्वर्य (सम्) सं.— संपत्ति, धन-दौलत, विभूति। —ವಂತ वंत (सम्) सं.— धनवान।

ಐಸಲೆ ऐसले, ಐಸೆ ऐसे (क) अ.— नहीं क्या? ऐसा नहीं क्या? और क्या?

ಐಸಿರಿ ऐसिरि (तद्) सं.— ऐश्वर्य (तत्), संपत्ति।

ಐಹಿಕ ऐहिक (सम्) वि.— इह या इस लोक से संबंधित, लौकिक, भौतिक।

ಒ ओ

ಒ ओ—कन्नड वर्णमाला का बारहवाँ अक्षर। प्र.—क्रियाओं के अंत में प्रश्न का सूचक ; उदा.—ಬಂದನೊ बंदनो— आया क्या? ಮಾಡಿದನೊ माडिदनो— किया क्या? ; विधि या आज्ञार्थ में ; उदा.— ಬಾರೊ बारो— आ रे!, ಮಾಡೊ माडो—कर रे! ; संबोधन में भी इसका प्रयोग होता है, उदा.— ಒ ರಾಮಿ ओ रामि—हे रामि!, ಒ ಕೆಂಪೇಗೌಡ ओ केंपेगौड!—हे केंपेगौड!

ಒಂಕಿ ओंकि (क) सं.=ವಂಕಿ वंकि—कुलावा, काँटा (Hook) ; एक सोने का आभूषण विशेष जो टेढ़ा होता है।

ಒಂಗು ओंगु (क) सं.— स्तन का अग्रभाग, चूचक।

ಒಂಗೆ ओंगे (क) सं.=ಹೊಂಗೆ होंगे—तिनिश, नेमि, रथद्रु (वृक्ष विशेष)।

ಒಂಟಿ ओंटि (क) वि.—एक, केवल, एक मात्र, अकेला। —ಗಣ್ಣು (ಕಣ್ಣು) गण्णु (कण्णु) —एक आँख। ಗಯ್ಯ (ಕಯ್ಯ) गेय्य (केय्य) —एक हाथवाला मनुष्य।

ಒಂಟಿ ओंटि (क) सं.— एक प्रकार के बड़े कर्णकुंडल, कानों की बाली।

ಒಂಟಿ ओंटि, ಒಂಟೆ ओंटे (तद्) सं.— उष्ट्र (तत्) ; ऊँट।

ಒಂಟಿಗ ओंटिग (क) सं.— अकेला या एकाकी मनुष्य। —ತನ तन (क) सं.— अकेलापन, एकाकी रहने का भाव, तनहाई। ಒಂಟಿಗಾಱ ओंटिगार, (ಗಾರ गार)— अकेला आदमी (मै.प्र.)। ಒಂಟಿಗಿತ್ತಿ ओंटिगित्ति—अकेली स्त्री।

ಒಂಟಿತನ ओंटितन (क) सं.— दे. ಒಂಟಿಗತನ.

ಒಂಟು ओंटु (क) क्रि.— लग (तबीयत को लगना), स्वास्थ्यकर हो।

ಒಂಟೆ ओंटे (तद्) सं.— उष्ट्र (तत्), ऊँट।

ಒಂಟೆಗಾಱ ओंटेगार (ಒಂಟೆಗಾರ ओंटेगार) (क) सं.— दे. ಒಂಟಿಗಾರ.

ಒಂಡಿ ओंडि (क) सं.— किनारा, तट।

ಒಂಡು ओंडु (क) सं.— कीचड़, पंक, नदी तालाब की मिट्टी ; कीचड़पन।

ಒಂತು ओंतु (क) सं.— बारि (turn), चक्कर, समय ; हिस्सा, भाग।

ಒಂದರಿ ओंदरि (क) सं.=ಒಂದ್ರಿ ओंद्रि, ವಂದರಿ वंदरि, ವಂದರೆ वंदरे, ವಂದ್ರೆ वंद्रे—चलनी, छलनी।

ಒಂದಿಕೆ ओंदिके, ಒಂದಿಗೆ ओंदिगे (क) सं.— मिलना, मेल, संयोग, संयोजन।

ಒಂದಿಗಳು ओंदिगळु (क) सं.—गृहिणि, कुटुंबिनी (साधारणतया) 'ಮಕ್ಕಳ ಒಂದಿಗಳು मक्कळ ओंदिगळु— बाल-बच्चोंवाली स्त्री' का प्रयोग होता है।

ಒಂದಿಸು ओंदिसु (क) क्रि.—एक कर, मिला, जोड़, लगा, संयुक्त कर। (तद्) क्रि.— नमस्कार कर।

ಒಂದು ओंदु (क) सं.— एक की संख्या। ಒಂದನೆ ओंदने, ಒಂದನೆಯ ओंदनेय-पहला, ಒಂದೆಡೆ ओंदेडे—एक स्थान पर, ಒಂದರೆ ओंदरे—डेढ़, एक या आधा, एकाध, कई (अनिश्चित)।

ಒಂದುಗೆ ओंदुगे (तद्) सं.— अंदुक (तत्) ; पायल, मंजीर, नूपुर।

ಒಂಬತ್ತು ओंबत्तु (क) वि.— नौ की संख्या। ಒಂಬತ್ತನೆಯ ओंबत्तनेय—नौवाँ। ಒಂಬಯ್ನೂರು ओंबय्नूरु—नौ सौ। ಒಂಬತ್ತು ಸಾವಿರ ओंबत्तु साविर—नौ हज़ार।

ಒಂಯಿ ओंयि (क) सं.— भैंसों के चिल्लाने की ध्वनि ; मार खाने पर बच्चे इस ध्वनि के द्वारा अपनी बेचैनी प्रकट करते हैं।

ಒಕ್ ओक् (क) वि.—एक की संख्या का सूचक (समस्त पदों में) ; उदा.—ಒಕ್ಕಟ್ಟು ओकट्टु —एक होना, एकता, ऐक्य, एकमत। ಒಕ್ಕಡೆ ओक्कडे—एक तरफ़ या जगह। ಒಕ್ಕಣ್ಣ ओक्कण्ण—एक आँखवाला आदमी। ಒಕ್ಕಯ್ ओक्केय्—एक हाथ। ಒಕ್ಕಯ್ಯ ओक्केय्य—एक हाथवाला मनुष्य। ಒಕ್ಕೊಂಬು ओक्कोंबु—एक शाखा या डाल।

ಒಕ್ಕಣ ओक्कण (तद्) सं.—उत्कुणः (तत्); खटमल, जुआँ, लीख, चीलहर।

ಒಕ್ಕಣಿಕೆ ओक्कणिके (क) सं.— भूसे से अन्न अलग करने की क्रिया, धुनना या पीटना।

ಒಕ್ಕಣೆ ओक्कणे (तद्) सं.— व्याख्यान (तत्); लिखने की रीति, कथन, वचन की रीति या ढंग। —ಇಡು इडु (तद्) क्रि.— कह, बयान कर।

ಒಕ್ಕತನ ओक्कतन (क) सं.— मित्रता, दोस्त।

ಒಕ್ಕರ ओक्कर (तद्) वि.— वक्र (तत्); टेढ़ा।

ಒಕ್ಕರಣೆ ओक्करणे (तद्) सं.—पुष्करणी (तत्); तालाब, सरोवर।

ಒಕ್ಕರಿಸು ओक्करिसु (क) क्रि.— वमन कर, उलटी कर; थूक।

ಒಕ್ಕರು ओक्करु (क) क्रि.—छलांग मार, कूद।

ಒಕ್ಕಲ್ ओक्कल्, ಒಕ್ಕಿಲ್ ओक्किल् (क) सं.— भूसे से अन्न को अलगाने की क्रिया। ಒಕ್ಕಲಾಯಿತು ओक्कलायितु—धुनने या पीटने की क्रिया समाप्त हो गई। ಒಕ್ಕಲಿಕ್ಕು ओक्कलिक्कु —धुन या पीट; नष्ट कर, तंग कर, मार डाल।

ಒಕ್ಕಲ್ ओक्कल्, ಒಕ್ಕಲು ओक्कलु (क) सं.— रहना, रहने का स्थान, घर, मकान; भाडे के घर में रहना, भाडे के घर में रहनेवाला; काश्तकार, अपने मालिक की खेती करनेवाला, किसान, सरकार की भूमि की कृषि करनेवाला; प्रजा। —ಮಾಡು माडु (क) क्रि.— किराये पर रह; दूसरे की खेती किराये पर कर, काश्तकारी कर।

ಒಕ್ಕಲ ओक्कल (क) सं.— किसान, कृषक।

ಒಕ್ಕಲಗಿತ್ತಿ ओक्कलगित्ति (क) सं.— किसान की स्त्री, कृषक-महिला।

ಒಕ್ಕಲತನ ओक्कलतन (क) सं.—कृषि, खेती-बाड़ी, किसानी।

ಒಕ್ಕಲಿಗ ओक्कलिग (क) सं.—कृषक, किसान, शूद्र।

ಒಕ್ಕಲಿಗಿತಿ ओक्कलिगिति (क) सं.— दे. ಒಕ್ಕಲಗಿತ್ತಿ.

ಒಕ್ಕಲಿತಿ ओक्कलिति (क) सं.—दे. ಒಕ್ಕಲಗಿತ್ತಿ.

ಒಕ್ಕಲುಗಳು ओक्कलुगळु (क) सं.— ಒಕ್ಕಲು (दे. ಒಕ್ಕಲ್) का ब. व.— किरायेदार, आसामी।

ಒಕ್ಕಲುಮಗ ओक्कलुमग (क) सं.— कृषक, किसान।

ಒಕ್ಕಲುಮನೆ ओक्कलुमने (क) सं.— वह घर, जो रहने योग्य हो या जिसमें कोई रहते हो; खलिहान के पास का किसान का घर (द.क.)।

ಒಕ್ಕವಿಕ್ಕು ओक्कविक्कु; ಒಕ್ಕಲಿಕ್ಕು ओक्कलिक्कु (क) क्रि.— फेंक, पटक, मार, पीट, नष्ट कर, खराब कर।

ಒಕ್ಕಾಲು ओक्कालु (क) सं — एक पाद, एक चौथाई।

ಒಕ್ಕಿಕೆ ओक्किके (क) सं.— अनाज को ठीक करना या अलगाना।

ಒಕ್ಕಿಲ್ ओक्किल्, ಒಕ್ಕಿಲು ओक्किलु (क) सं.— दे. ಒಕ್ಕಿಕೆ.

ಒಕ್ಕು ओक्कु (क) कृ.— (ಉಗು उगु—डाल धातु से)—डालकर। क्रि.— अनाज को भूसे से अलगाना, कंकड आदि निकालकर अनाज ठीक करना, धुनना, पीटना। —ಗೋಲು गोलु [ಕೋಲು कोलु] (क) सं.— अनाज (को भूसे से अलग करने के लिए, उसे) पीटने का लट्ठा।

ಒಕ್ಕು ओक्कु (क) सं.— शकुन, सगुन।

ಒಕ್ಕುಡಿತೆ ओक्कुडिते (क) सं.— जल का वह परिमाण, जो एक बार पिया जा सकता हो, अंजलि भर।

ಒಕ್ಕುದ ओक्कुद (क) सं.— जूठा, जूठन, खाने के बाद बचा अंश, प्रसाद।

ಒಕ್ಕುಳಿಸು ओक्कुळिसु (क) क्रि.— डकार ले, संतोष की सांस ले।

ಒಕ್ಕೆರೆ ओक्केरे (तद्) सं.— पुष्कर (तत्), सरोवर, तालाब।

ಒಕ್ಕೊಡು ओक्कोडु (क) क्रि.—फेंक, दूर कर, हटा, डाल।

ಒಗಟು ओगटु (क) सं.— पहेली, प्रहेलिका, बुझौवल।

ಒಗಟೆ ओगटे [ಒಗಟ್ಟೆ ओगट्टे] (क) सं.— दे. ಒಗಟು.

ಒಗಡಿಕೆ ओगडिके (क) सं.— वमन, ओकाई। ಒಗಡಿಸು ओगडिसु (क) क्रि.— वमन कर, थूक। ಒಗಡು ओगडु (क) क्रि.— दे. ಒಗಡಿಸು. सं.— वमन, ओकाई।

ಒಗತ ओगत, ಒಗೆತ ओगेत (क) सं.—धुलाई, धोने की क्रिया; फेंकना, फेंकने की क्रिया।

ಒಗತನ ओगतन (क) सं.— पति-पत्नी का सुंदर पारिवारिक जीवन और घर-बार का अच्छा प्रबंध; अच्छा पारिवारिक जीवन। —ಮಾಡು माडु (क) क्रि.— अच्छी तरह पारिवारिक जीवन चला (मे.प्र.)।

ಒಗನಿ ओगनि (क) सं. = ಉಗುನಿ उगुनि, ಗೋಣಿ गोणि— गुडफल, पीलू का पेड़।

ಒಗರ್ ओगर्, ಒಗರು ओगरु (क) वि.— कडुआ, कसैला, अरुचिकर, अमधुर, नमकीन।

ಒಗರೆ ओगरे (क) सं. – समता, उपयुक्ततता, औचित्य, ठीक-ठीक।

ಒಗವಿಕೆ ओगविके (क) सं.— धोना, धुलाई।

ಒಗಸು ओगसु (क) क्रि.— धुला; फेंका, दूर हटवा (प्रे.)।

ಒಗಿ ओगि (क) क्रि.— धो, साफ़ कर; फेंक, हटा।

ಒಗಿಸು ओगिसु (क) क्रि. = ಒಗಸು ओगसु, ಒಗುಸು ओगुसु—दे. ಒಗಸು.

ಒಗು ओगु (क) क्रि.— फैला, डाल; उमड़; उतार; निकल; जा, प्रवेश कर। सं.— उमड़, उमंग, आधिक्य। —ಮಿಗೆ मिगे (अनुरणन शब्द)—बहुत, अधिक।

ಒಗೆ ओगे (क) क्रि.—उत्पन्न हो, निकल, बाहर आ, दिखाई पड़ ; कपड़े धो, साफ़ कर ; दूर हटा, फेंक ; मार, पीट, पटक ।

ಒಗ್ಗಟ್ಟು ओग्गट्टु (क) सं.— दे. ಒಕ್ಕಟ್ಟು (ಒಕ್ में) ।

ಒಗ್ಗರ ओग्गर (क) सं.— राशि, ढेर ; समूह, समुदाय, गिरोह, टोली ।

ಒಗ್ಗರಣೆ ओग्गरणे (क) सं. — छौंक । —ಹಾಕು हाकु (क) क्रि.— छौंक डाल ; किसी बात को मिर्च-मसाला मिलाकर या बढ़ा-चढ़ाकर कह ।

ಒಗ್ಗರಿಸು ओग्गरिसु (क) क्रि.— छौंक डाल ; (किसी बात को) मधुर बना, प्रभावशाली बना ।

ಒಗ್ಗಾ ओग्गा (क) सं.— बहुत बीज एक ही स्थान पर बोना । —ಹಾಕು हाकु (क) क्रि.- एक ही स्थान पर बहुत बीज बो दे ।

ಒಗ್ಗಿಸು ओग्गिसु (क) क्रि.— सरल या साधु बना, सीधे मार्ग पर ला, अपने वश में कर अपने स्वभाव के अनुकूल बना ; पाल (पालतू बना) ।

ಒಗ್ಗು ओग्गु (क) क्रि. = ಒಲ್ಗು ओल्गु—एक हो, मिल, संयुक्त हो, जुड़, हिल-मिल, लग (अक. क्रि.) ; मिला, जोड़, लगा ; हवा, पानी आदि (स्वास्थ्य के लिए) लग, अच्छा लग । सं.— समूह, समुदाय, राशि, ढेर ; एकता, मेल, मिलन ।

ಒಗ್ಗು ओग्गु (क) क्रि.-- ಉಲ್ಗು उल्गु— झुक, ऐंठ, मुड़ ; नम्र हो, विनीत हो ।

ಒಚ್ ओच् (क) वि.—एक की संख्या का सूचक (समस्त शब्दों में) ; उदा.—ಒಚ್ಚರ ओच्चर —एक हार । ಒಚ್ಚವಡಿ ओच्चवडि—जोड़ी ; मिलन । ಒಚ್ಚಾರೆ ओचारे—एक हथेली । ಒಚ್ಚುಟು ओच्चुटु-अंगुष्ठ और तर्जनी के बीच का नाप या अंतर । ಒಚ್ಚೊತ್ತು ओचोत्तु—एक समय, एक बार ।

ಒಚ್ಚ ओच्च (क) वि.— सुंदर, अच्छा, सुप्रसिद्ध ।

ಒಚ್ಚತ ओचत (क) सं.—समानता, समरसता, अनुकूलता ; आनंद, हर्ष ; संतोष, संतुष्टि । —ಕೊಳ್ಳು कोळ्ळु (क) क्रि.— एक साथ या एक बार ले ।

ಒಚ್ಚಯ ओचय (क) सं.— अपमान, बेइज़्ज़ती; तिरस्कार, निंदा ; परिहास, मज़ाक़, खिल्ली ।

ಒಚ್ಚಿಹೊತ್ತು ओचिहोत्तु (क) सं.— असमय, अनुचित समय ।

ಒಚ್ಚೆಯ ओच्चेय, ಒಚ್ಚೆ ओच्चे (क) सं.— दे. ಒಚ್ಚಯ.

ಒಜನ ओजन (अ.दे.) सं.— वज़न (अरबी) ; भार, बोझ ; इज़्ज़त, मर्यादा ।

ಒಜ್ಜರ ओजर (क) सं.— फ़व्वारा, उत्स, वारिप्रवाह, निर्झर । (तद्) सं.— वज्र (तत्) ।

ಒಜ್ಜೆ ओज्जे (अ.दे.) सं.— वज़न (अरबी), दे. ಒಜನ.

ಒಟ ओट (क) अ.=ವಟ वट—एक निरर्थक शब्द । — ಒಟ ओट (दुहराना)—टर टर ; जैसे— ಕಪ್ಪೆ ಒಟ ಒಟ ಎನ್ನುತ್ತದೆ कप्पे ओट ओट एन्नुत्तदे—मेंढक टर टर करता है । — —ಒಟ ಮಾತಾಡು ओट माताडु (क) क्रि.— अधिक बोल, बड़बड़ कर । ಒಟಗುಟ್ಟು ओटगुट्टु (क) क्रि.— दे. ಒಟಒಟ ಮಾತಾಡು.

ಒಟಾರ ओटार (क) सं.=ವಠಾರ वठार—घर के चारों ओर की चहारदीवारी ; वह चहार दीवारी या परिधि जहाँ चार-पाँच घर हो ।

ಒಟ್ಟಜ ओट्टज (क) सं.—कर, शुल्क, उपहार, भेंट ।

ಒಟ್ಟಜೆ ओट्टजे (क) सं.— राशि, ढेर ; समूह, गिरोह, समुदाय ; आधिक्य, बहुतायत ; श्रेणी, पंक्ति । —ಗಿಡು गिडु (ಕಿಡು किडु) क्रि.— तोड़, फ़ोड़, हटा ।

ಒಟ್ಟಣ ओट्टण (क) सं.— समूह, सम्मेलन, संघ ।

ಒಟ್ಟಯಿಸು ओट्टयिसु, ಒಟ್ಟಯ್ಸು ओट्टय्सु (क) क्रि.— एक कर, मिला, जोड़, ढेर कर ; टोली बना ; स्पर्धा कर, सामना कर ; जीत, विजयी हो ; कुचल डाल, व्याकुल कर ।

ಒಟ್ಟಲು ओट्टलु (क) सं.—राशि, ढेर ; समूह, समुदाय ।

ಒಟ್ಟವಿಸು ओट्टविसु (क) क्रि.— एक कर, एक साथ मिला, मिला, जोड़ ।

ಒಟ್ಟಾರೆ ओट्टारे (क) अ.— कुल मिलाकर, बात यह है कि, सारांश यह कि ।

ಒಟ್ಟಿ ओट्टि (क) वि.— हठीली, मूर्ख, ज़िद्दी स्त्री ।

ಒಟ್ಟಿಕೆ ओट्टिके (क) सं.— ढेर या राशि लगाने की क्रिया ।

ಒಟ್ಟಿಲ್ ओट्टिल्, ಒಟ್ಟಿಲು ओट्टिलु (क) सं.— अंजली भर ; दे. ಒಟ್ಟಜೆ.

ಒಟ್ಟಿಸಿ ओट्टिसि (क) क्रि.— राशि या ढेर लगा ; ढेर लगवा (प्रे.) ।

ಒಟ್ಟು ओट्टु (क) क्रि.— एक कर, मिला, एक साथ, लगा, जोड़, ढेर लगा ; एक हो, राशि या ढेर हो ; पड़े रह । सं.— मिलन, संयोजन ; राशि, ढेर ; कुल रक़म या वस्तु ; अंकुर, कीटाणु ; मिट्टी का पिंड । ಒಟ್ಟಿಗೆ ओट्टिगे—कुल मिलाकर । ಒಟ್ಟಂಬಾರ ओट्टंबार—सरकार और काश्तकार का अनाज, जो अविभक्त हो । ಒಟ್ಟಾರೆ ओट्टारे—दे. ಒಟ್ಟಿಗೆ. ಒಟ್ಟುಗೂಡಿಸು ओट्टगूडिसु—एक साथ मिला, एक कर, एकता उत्पन्न कर । ಒಟ್ಟೊಟ್ಟಿಲ್ ओट्टोट्टिल्—बड़ी राशि या ढेर ।

ಒಟ್ಟು ओट्टु (क) सं.—कसम, शपथ । ಒಟ್ಟಿಟ್ಟುಕೊಳ್ಳು ओट्टिट्टुकोळ्ळु (क) क्रि.—कसम खा ।

ಒಟ್ಟೆ ओट्टे (क) सं.— रंध्र, छेद । —ಬೀಳು बीळु (क) क्रि.— छेद हो, छेद पड़ ।

ಒಡ ओड (क) वि.— साथ में, साथ-साथ, मिला हुआ, लगा हुआ (समस्त-शब्दों में), उदा.— ಒಡಗೂಟ (ಕೂಟ) ओडगूट (कूट) —अत्यंत नैकट्य, सामीप्य संबंध। ಒಡಗೂಡಿಸು ओडगूडिसु (क) क्रि.— एक साथ मिला, जोड़, लगा। ಒಡಂಬಡಿಕೆ ओडंबडिके (क) सं.— परस्पर एक दूसरे के विचार या शर्तें मानना, संधि। ಒಡಂಬಡಿಸು ओडंबडिसु (क) क्रि.— मना, संधि करा। ಒಡಹುಟ್ಟಿದವನು ओडहुट्टिदवनु (क) सं.— भाई, अग्रज या अनुज। ಒಡಹುಟ್ಟಿದವಳು ओडहुट्टिदवळु—बहन।

ಒಡ ओड (क) अ.— तुरंत, फ़ौरन, तत्क्षण; के साथ।

ಒಡಕ ओडक, ಒಡಕು ओडकु (क) वि.— छेद पड़ा हुआ, टूटा हुआ, फटा हुआ, फूटा हुआ। सं.— छेद, रंध्र, मतभेद। ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಒಡಕ ಹುಟ್ಟಿಸುವವನು मनेयल्लि ओडक हुट्टिसुववनु—घरफोड़ स्वभाववाला आदमी। ಒಡಕ ದನಿ ओडकदनि—टूटी आवाज़, कर्कश ध्वनि। ಒಡಕ ಬಾಯವನು ओडक बायवनु—फटा मुँहवाला अर्थात् वह मनुष्य जो किसी भी बात को गुप्त नहीं रख सकता। ಒಡಕು ಗಡಿಗೆ ओडकु गडिगे—टूटा या छेद पड़ा हुआ घड़ा। ಒಡಕು ದೋಣಿ ओडकु दोणि—टूटी नाव। ಒಡಕು ಚೀಲ ओडकु चील—फटी या छेदवाली थैली। ಒಡಕು ಹರವಿ ओडकु हरवि—टूटा या छेदवाला मिट्टी का बर्तन।

ಒಡಗವಿಸು ओडगविसु (क) क्रि.— दे. ಒಡಗೂಡಿಸು (ಒಡ में).

ಒಡಗೊಡು ओडगोडु (क) क्रि.— फेंक, दूर हटा।

ಒಡಗೊಳ್ ओडगोळ्, ಒಡಗೊಳು ओडगोळु (क) क्रि.— मिल, जुड़, लग, एक हो।

ಒಡತಣ ओडतण, ಒಡತನ ओडतन, ಒಡೆತನ ओडेतन (क) सं.— स्वामित्व, प्रभुता, अधिकार, शासन।

ಒಡತಿ ओडति (क) सं.— स्वामिनी, मालकिन, अधिकारिणी।

ಒಡನ್ ओडन्, ಒಡಂ ओडं (क) सं.— साथ (समास में)। ಒಡನಾಟ ओडनाट—साथ-साथ खेलना, मित्रता, मिलन, स्नेह। ಒಡನಾಡಿ ओडनाडि—खेल का साथी, मित्र। ಒಡನಾಡಿತನ ओडनाडितन—मित्रता, स्नेह। ಒಡನಿರ್ ओडनिर्—साथ रह, मित्र बनकर रह (क्रि.)। ಒಡನಿರಿಸು ओडनिरिसु—साथ रख (क्रि)।

ಒಡನೆ ओडने (क) अ.— तुरंत, फ़ौरन; साथ में, साथ।

ಒಡನೊಡನೆ ओडनोडने (क) अ.— साथ-साथ, एक-साथ; कभी-कभी, जब-तब।

ಒಡಬಡಿ ओडबडि (क) क्रि.— तोड़, फोड़, नष्ट कर।

ಒಡಬಡಿಕೆ ओडबडिके, ಒಡಂಬಡಿಕೆ ओडंबडिके (क) सं.— स्वीकृति, अंगीकार, परस्पर मानना, संधि।

ಒಡಬಡು ओडबडु, ಒಡಂಬಡು ओडंबडु (क) क्रि.— मान, स्वीकार कर, संधि कर।

ಒಡಮೆ ओडमे, ಒಡವೆ ओडवे, ಒಡಿವೆ ओडिवे (क) सं.— गहना, आभूषण; धन-दौलत, संपत्ति।

ಒಡಂಬಿ ओडंबि, ಒಡಂಬೆ ओडंबे (क) सं.— शरीर, काया।

ಒಡರ್ ओडर्, ಒಡರು ओडरु (क) क्रि.— मान, स्वीकार कर; मिला, लग; प्रारंभ कर, शुरू कर।

ಒಡರಿಚು ओडरिचु, ಒಡರಿಸು ओडरिसु, ಒಡರ್ಚು ओडर्चु, ಒಡರ್ಚಿಸು ओडर्चिसु (क) क्रि.— हाथ में ले, रच, आरंभ कर; लगा, जोड़, मिला; कर; उत्पन्न कर; प्रयास कर, यत्न कर, उद्यम कर।

ಒಡರ್ಪು ओडर्पु (क) क्रि.— उत्पन्न हो, निकल, बाहर आ।

ಒಡಲ್ ओडल्, ಒಡಲು ओडलु (क) सं.— शरीर, देह, काया। —ಗೊಳ್ गोळ् (क) क्रि.— शरीर धारण कर, जन्म ले। —ಉರಿ उरि [ಒಡಲುರಿ] (क) सं.— ईर्ष्या, डाह; जठराग्नि।

ಒಡವೆ ओडवे (क) सं.— दे. ಒಡಮೆ. —ಗೇಡು गेडु (क) सं.— संपत्ति का नाश, धन की हानि। ಒಕ್ಕಲಿಗನ ನೆಂಟು ಒಡವೆಗೇಡು ओक्कलिगन नेंटु ओडवेगेडु— किसान की मैत्री, धन की हानि! (कह.)।

ಒಡವೆರಸು ओडवेरसु (क) क्रि — साथ हो, मिल, एक हो, जुड़, लगा।

ಒಡವೆರೆ ओडवेरे (क) क्रि.— दे. ಒಡವೆರಸು.

ಒಡಸು ओडसु, ಒಡೆಸು ओडेसु (क) क्रि.— टुकड़े करा, भेद करा, कटा (प्रे.); भेद उत्पन्न कर।

ಒಡಸೀಳು ओडसीळु (क) क्रि.— टुकड़े-टुकड़े कर, तोड़-फोड़, काट-कूट, चूर-चूर कर।

ಒಡಿ ओडि (क) सं.— कमर, कटि।

ಒಡಿ ओडि (क) क्रि.— टूट, फूट, टुकड़े हो, निकल, बाहर आ, खिल (जैसे कली का खिलना); अलग हो, छोड़; फट (जैसे दूध का फटना); निर्बल हो, असफल हो, हिम्मत हार; मुड़, झुक (जैसे पेड़ की डाली का झुकना, रास्ते का मोड़); धीरे-धीरे बह (छोटे झरने का बहना) बूँद-बूँद करके बह; बहकर धब्बा लगा (जैसे स्याही)। ಒಡಿಗಟ್ಟು ओडिगट्टु = ಒಡಿಯಕಟ್ಟು ओडियकट्टु (क) क्रि.— छान; शोध, निचोड़।

ಒಡಿಸು ओडिसु (क) क्रि.— दे. ಒಡಸು.

ಒಡಿಸೆ ओडिसे (क) सं.— कखौरी ।

ಒಡುಚು ओडुचु (क) सं. — कखौरी ।

ಒಡೆ ओड़े (क) क्रि.— दे. ಒಡಿ ; नाश कर । ಒಡೆದು ओड़ेदु—तोड़कर । ಒಡೆಯ ಹೊಯ್ ओड़ेय होय्—तोड़, टुकड़े-टुकड़े कर, चूर-चूर कर। ಒಡೆಯಿಕ್ಕು ओड़ेयिक्कु—दे. ಒಡೆಯ ಹೊಯ್. ಒಡೆಯಿಸು ओड़ेयिसु—टुकड़े करा, चूर-चूर करा (प्रे.)। ಒಡೆಬಡಿ ओड़ेबडि—दे. ಒಡೆಯಹೊಯ್. सं. — खंड, टुकड़ा, अंश ; फटा दूध। अ.— यदि, अगर; उदा.— ನೀನು ಬಂದೊಡೆ नीनु बंदोड़े—यदि तुम आओ तो, ಅವನು ಬಂದೊಡೆ अवनु बंदोड़े—अगर वह आवे तो — ।

ಒಡೆ ओड़े (क) सं. — स्वामित्व, प्रभुता, अधिकार, ज़मीन-मकान आदि का अधिकार होना ।

ಒಡೆಗಾಱಳು ओड़ेगारळु, ಒಡೆಗಾರ್ತಿ ओड़ेगार्ति (क) सं.-स्वामिनी, मालकिन, अधिकारिणी ।

ಒಡೆತನ ओड़ेतन (क) सं.— दे. ಒಡತನ.

ಒಡೆಯ ओड़ेय (क) सं. — प्रभु, स्वामी, अधिकारी ; शासक, नेता, नायक ; राजा ।

ಒಡೆಯತನ ओड़ेयतन (क) सं.— दे. ಒಡತನ.

ಒಡೆಸು ओड़ेसु (क) क्रि.— दे. ಒಡಸು.

ಒಡ್ಡ ओड्ड (क) सं.— ओड् ; पत्थर तोड़ना, तालाब खोदना आदि काम करनेवाले एक जाति के लोग जो ग्रामीण तेलुगु बोलते हैं। इनमें कुछ लोग, जो उत्तर कर्नाटक में रहते हैं, सोलापुर के सिद्धरामेश्वर के उपासक हैं। राशि, ढेर, समूह ; सेना ; पण, दाँव, बाजी, खेल या क्रीड़ा का साधन । ಒಡ್ಡದೇಶ ओड्डदेश— ओड्देश, उडीसा ।

ಒಡ್ಡಣ ओड्डण, ಒಡ್ಡಣೆ ओड्डणे (क) सं.— राशि, ढेर ; समूह, गिरोह, संघ ; सेना ।

ಒಡ್ಡಣ ओड्डण, ಒಡ್ಯಾಣ ओड्याण (क) सं.— मेखला, करधनी, किंकिणी ।

ಒಡ್ಡತಿ ओड्डति (क) सं.— ओड्ड जाति की स्त्री ।

ಒಡ್ಡಯಿಸು ओड्डयिसु (क) क्रि.— एक साथ मिलकर सामना कर ; हरा, पराजित कर ।

ಒಡ್ಡವ ओड्डव (क) सं.— शब्दों का उचित चयन, शब्द-सौंदर्य, शैली ।

ಒಡ್ಡವಣೆ ओड्डवणे (क) सं.— क्रमिकता, सजावट ; तैयारी ।

ಒಡ್ಡಿ ओड्डि (क) सं.— ओड्ड जाति से संबंधित, उडीसा । ಒಡ್ಡಿ ಜಗನ್ನಾಥ ओड्डि जगन्नाथ— उडीसा (पूरी) के भगवान जगन्नाथ ; दाँव, पण, बाजी । अ.— सामने, सम्मुख, विरोध में ।

ಒಡ್ಡಿಕೆ ओड्डिके (क) सं.—राशि या ढेर लगाना, रखना ।

ಒಡ್ಡಿವಾಣ ओड्डिवाण (क) सं. — मेखला, करधनी, किंकिणी ।

ಒಡ್ಡಿಸು ओड्डिसु (क) क्रि.— रखवा (प्रे.)।

ಒಡ್ಡು ओड्डु (क) क्रि.— रख, धर, प्रस्तुत कर, पेश कर ; (किसी वस्तु को) पकड़ ; (हाथ) पसार ; लगा, डाल ; क्रम से रख, सजा; अलंकृत कर ; दाँव या बाजी लगा ; विरोध कर, विरोधी बन ; प्रतिकार ले, बदला ले ; राशि या ढेर लगा । सं.— राशि, ढेर, समूह ; दाँव, बाजी ; तड़क-भड़क, वैभव, गांभीर्य ; व्यूह, सेना ; (गणित में) गुना या भाग करने की मूल संख्या । — ಗೊಳ್ (ಕೊಳ್) गोळ् (कोळ्) क्रि.— राशि या ढेर हो । ಒಡ್ಡುಂಗಲ್ ओड्डुंगल् (क) सं.— चट्टान, पत्थर । ಒಡ್ಡೊಗು ओड्डोगु (क) क्रि.— सेना में प्रवेश कर । ಒಡ್ಡೋಲಗ ओड्डोलग (क) सं.— दरबार, बड़ी सभा, आस्थान ।

ಒಡ್ಡುವಲಗೆ ओड्डुवलगे (क) सं.— ढाल, ढार ।

ಒಡ್ಡುವಿಕೆ ओड्डुविके (क) सं.— सामने रखना, प्रस्तुत करना, हवा लगने देना, निष्पात्र ।

ಒಡ್ಡುವೆರೆ ओड्डुवेरे (क) क्रि.— सेना में मिल ।

ಒಡ್ಡ್ಯಾಣ ओड्ड्याण, ಒಡ್ಯಾಣ ओड्याण (क) सं.— मेखला, करधनी, किंकिणी ।

ಒಡ್ವಾಣ ओड्वाण (क) सं.— दे. ಒಡ್ಯಾಣ.

ಒಣ ओण (क) वि.—सूखा हुआ, मुरझा हुआ, शुष्क, नीरस ; प्रयोजनहीन, खाली । — ಕೈಯ್ कैय् (क) सं.— शुष्क या खाली हाथ । — ಕೆಲಸ केलस (क) सं.— प्रयोजनहीन या बेकार काम । — ಗಾಯಿ (ಕಾಯಿ), गायि (कायि) सं.— शुष्क फल । — ಗಿಡ गिड (क) सं.— सूखा वृक्ष । — ಜ್ವರ ज्वर (क) सं.— वह ज्वर, जो हानिकर न हो । — ತಿಂಡಿ तिंडि (क) सं.— शुष्क आहार (दालों से बना हुआ), एक प्रकार की खुजली या चमड़े की बीमारी । — ದೊಗಲು दोगलु, ತೊಗಲು तोगलु (क) सं.— सूखा चमड़ा । ನೆಲ नेल (क) सं.— सूखी भूमि, ऊसर भूमि । — ಮಾತು मातु (क) सं.— शुष्क वचन, निरर्थक बात । — ರಗಳೆ रगळे (क) सं.— व्यर्थ की बात । — ಸಗಣಿ सगणि (क) सं.— सूखा गोबर । — ಹರಟೆ हरटे (क) सं.— निरर्थक बातचीत, गपशप । — ಹೆಮ್ಮೆ हेम्मे, ಜಂಬ जंब (क) सं.— शुष्क गर्व, निरर्थक अभिमान, दिखावटी बड़प्पन।

ಒಣಕ ओणक (क) सं.— क्षीण या दुर्बल मनुष्य । वि.— दे. ಒಣ.

ಒಣಕಲ ओणकल, ಒಣಕಲು ओणकलु (क) वि.— दे. ಒಣ.

ಒಣಕು ओणकु (क) क्रि.— काँप, कंपित हो, हिल, हिल-डुल ।

ಒಣಗಿಲ್ ओणगिल्, ಒಣಗಿಲು ओणगिलु (क) सं.— शुष्क या नीरस रहने की स्थिति, सूखापन, नीरसता ।

ಒಣಗಿಸು ओणगिसु (क) क्रि·— सुखा, निरस कर (प्रे.)।

ಒಣಗು ओणगु (क) क्रि·— सूख, शुष्क हो, नीरस हो, मुरझा ; क्षीण हो, दुर्बल हो। ಒಣಗಿದ ಎಲೆ ओणगिद एले—सूखा पत्ता, ಒಣಗಿದ ಕಾಯಿ ओणगिद कायि—सूखा फल (कच्चा फल), ಒಣಗಿದ ಮರ ओणगिद मर—सूखा पेड़। ಒಣಗಿದ ಎಲೆ ಉದುರುವಾಗ ಹಸರೆಲೆ ನಗುತ್ತದೆ ओणगिद एले उदुरुवाग हसरेले नगुत्तदे—जब सूखा पत्ता (पेड़ से) नीचे गिरता है, तब हरा पत्ता हँसता है (कह.)। सं·—शुष्कता, नीरसता, सूखापन।

ಒಣರ್ ओणर् (क) क्रि·— ('ಉಣರ್ उणर्= जान, समझ' तमिळ्) — जान, समझ ; अनुभव कर, विचार कर।

ಒಣೆ ओणे, ಒನೆ ओने (क) क्रि·— ओसा, फटक, पछोर (winnow)।

ಒತ್ ओत् (क) वि·— (समस्त शब्दों में)— एक की संख्या का सूचक ; उदा·— ಒತ್ತಟ್ಟು ओत्तट्टु—एक तरफ़, एक ओर। ಒತ್ತಂಡ ओत्तंड—एक समूह या गिरोह। ಒತ್ತರ ओत्तर—एक दल, खंड या अंश। ಒತ್ತೊಳ್ ओत्तोळ्—एक बाहु।

ಒತ್ತಟ ओत्तट, ಒತ್ತಡ ओत्तड (क) सं·— दबाव, कुचलन, गरम जल से सेंकने की क्रिया।

ಒತ್ತಂಬರ ओत्तंबर (क) सं·—बहुत उतावलापन, जल्दबाज़ी ; बहुत दबाव।

ಒತ್ತರ ओत्तर (क) सं·— दबाव, जल्दबाज़ी, बहुत तीव्रता, प्रचंडता।

ಒತ್ತರಿಸು ओत्तरिसु (क) क्रि·— हटा, ढकेल, (दूसरे के स्थान के) पास-पास आ ; अधिक हो, बहुत हो, बहुतायत हो ; दबा ; कुचल, तीव्रता कर, प्रचंड हो, उतावला हो, शीघ्रता कर।

ಒತ್ತಲ ओत्तल, ಒತ್ತಳ ओत्तळ (क) सं·— दे· ಒತ್ತಟ.

ಒತ್ತಾಯ ओत्ताय (क) सं·—दबाव, बलात्कार तीव्रता, शीघ्रता, जल्दबाज़ी, उतावलापन।

ಒತ್ತಾಸರ ओत्तासर, ಒತ್ತಾಸೆ ओत्तासे (क) सं·— साहाय्य, सहायता, मदद।

ಒತ್ತಿ ओत्ति (क) कृ·— ('ಒತ್ತು ओत्तु' से)— दबाकर, मसल कर, कुचल कर आदि (दे. ಒತ್ತು)।

ಒತ್ತಿಕೆ ओत्तिके (क) सं·— दे· ಒತ್ತಟ.

ಒತ್ತಿಗೆ ओत्तिगे (क) अ·— पास, समीप, एक साथ। सं·— पुस्तक, किताब।

ಒತ್ತಿವಿಡಿ ओत्तिविडि (क) क्रि·— दबा, कुचल, नोच, मसल।

ಒತ್ತಿಸು ओत्तिसु (क) क्रि·— दबवा, कुचला, मसला (प्रे.)।

(१) ಒತ್ತು ओत्तु (क) क्रि·— दबा, कुचल, मसल, नोच ; रगड़ ; मोहर लगा, छाप डाल, प्रभाव डाल ; लगा ; हटा, ढकेल, किसी पर बल प्रयोग कर, बलात्कार कर ; अधिकार कर, शासन कर ; तंग कर, कष्ट दे ; कपड़े से धीरे-धीरे दबा (जैसे घाव पर मलहम लगाकर किया जाता है), लेपन कर ; असाधारण बल या तीव्रता का प्रयोग कर ; किसी बात पर ज़ोर दे, एक श्वास से उच्चारण कर (जैसे अक्षर का उच्चारण)। ಒತ್ತಿ ओत्ति (क) कृ·—दृढ़ता से ; ज़ोर देकर, ज़ोर से ; बलपूर्वक, शुष्कता से ; दबाकर, कुचलकर, नोचकर, दबाव डालकर ; धीरे-धीरे दबाकर; लगाकर, छाप डालकर, प्रभावित करके ; हटा कर, ढकेलकर।

(२) ಒತ್ತು ओत्तु (क) सं·— स्थान दे, रास्ता दे, हट ; गरम जल से सेंक ; सुपारी काट।

(३) ಒತ್ತು ओत्तु (क) सं·— दबाव, कुचलन, नोचने की क्रिया ; जुड़ जाना, मिलन, संयोजन, एकता ; राशि, ढेर ; सामीप्य, निकटता ; अधिकत, गाढ़ापन, निविडता, पास-पास होना ; आधार ; नदी-तट ; नुकीला लट्ठा ; ज्वार ; छाप, मुहर ; द्वित्व, गुना होना (गुणित) ; स्निग्धता, एक के पास-पास दूसरा होना (जैसे एक अक्षर के बहुत पास दूसरा अक्षर लिखा जाता है)।

(४) ಒತ್ತು ओत्तु (क) सं·= ಹೊತ್ತು होत्तु— समय, काल (ಇಷ್ಟೊತ್ತು—इष्टोत्तु—इतना समय, ಅಷ್ಟೊತ್ತು अष्टोत्तु—उतना समय)। कृ·— उठाकर, ढोकर।

ಒತ್ತುಕಾಗದ ओत्तुकागद (क) सं·= ಒತ್ತು ಕರಡು ओत्तुकरडु—स्याही सोख, सोख्ता।

ಒತ್ತುಗ ओत्तुग, ಒತ್ತುಯಂತ್ರ ओत्तुयंत्र (क) सं·— दबाने का यंत्रविशेष ; मुद्रणयंत्र।

ಒತ್ತುವಿಕೆ ओत्तुविके, ಒತ್ತುಹ ओत्तुह (क) सं·— दबाव, कुचलन, रगड़, मर्दन।

ಒತ್ತೆ ओत्ते (क) सं·—बंधक, गिरवी ; वेश्याओं को दिया जानेवाला धन। ಒತ್ತಿಡು ओत्तिडु (क) क्रि·— गिरवी रख। ಒತ್ತೆ ಇರಿಸು ओत्ते इरिसु (क) क्रि·= ಒತ್ತಿಡು. ಒತ್ತೆ ಈ ओत्ते ई, ಒತ್ತೆ ಕೊಡು ओत्ते कोडु (क) क्रि·— गिरवी रख। ಒತ್ತೆ ಸೂಳೆ ओत्ते सूळे (क) सं·— वेश्या, जो धन लेती है। ಒತ್ತೆ ತೆಗೆ ओत्ते तेगे, ಒತ್ತೆ ಹಿಡಿ ओत्ते हिडि (क) क्रि·— गिरवी या बंधक ले।

ಒತ್ತೆ ओत्ते (क) सं·— एक होने की स्थिति, अकेलापन।

ಒತ್ತೆಗೊಂಬಳ್ ओत्तेगोंबळ्, ಒತ್ತೆಗೊಂಡಳ್ ओत्तेगोंडळ् (क) सं·— वेश्या, वारांगना।

ಒದಗಿಸು ओदगिसु (क) क्रि·= ಒದವಿಸು ओदविसु—सुलभ कर, किस वस्तु को प्राप्त करा (प्रे.) ; दे, प्रदान कर, तैयार कर, उत्पन्न करा (प्रे.) ; परिपूर्ण कर, मिला, जोड़ ; लगवा ; संचय कर।

ಒದಗು ओदगु (क) क्रि.— साथ-साथ रह, अनुगमन कर ; मिल, प्राप्त हो ; तैयार हो, उपयोग में आ ; हो, उत्पन्न हो, संभव हो ; सुलभ हो ; परिपूर्ण हो ; शक्तिपूर्ण हो, समर्थ हो, वृद्धि पा, समृद्ध हो ; अधिक हो, बहुतायत हो। सं.— प्राप्ति, परिपूर्णता, सौलभ्य, समृद्धि, आधिक्य, (किसी वस्तु का) मिलना, जो हाथ में हो।

ಒದಡು ओदुडु (क) सं.=ಒದರು ओदरु, ಒದುಡು ओदुडु—होंठ, अधर।

ಒದರು ओदरु (क) सं.— दे. ಒದಡು.

ಒದಱಿಸು ओदरिसु (क) क्रि.—आवाज़ उत्पन्न करा, टंकार करा ; चिल्लाने दे, पुकारने दे ; हिलाने या झाड़ने दे (प्रे.)।

ಒದಱು ओदरु (क) क्रि.— हिला, झाड़, टंकार कर, आवाज़ उत्पन्न कर (ताली बजाकर या भुजाओं को ठोंककर जैसे मल्लयुद्ध करनेवाले करते हैं), चिल्ला, पुकार, ज़ोर की आवाज़ दे, ज़ोर से चिल्ला, गर्जन कर। वि.— हिलनेवाला, कांपनेवाला। ಒದಱುದಲೆ ओदरु-दले [ತಲೆ तले] (क) सं.— हिलनेवाला सिर (जैसे वृद्धों का सिर हिलता है)।

ಒದಱುವಿಕೆ ओदरुविके (क) सं.— चिल्लाहट, पुकार, ज़ोर की आवाज़, गर्जन ; हिलना ; झाड़ना ; टंकार।

ಒದವಿಸು ओदविसु (क) क्रि.— दे. ಒದಗಿಸು.

ಒದವು ओदवु (क) क्रि. और सं.— दे. ಒದಗು.

ಒದಸು ओदसु, ಒದಿಸು ओदिसु (क) क्रि.— पादप्रहार करा, लात लगवा (प्रे.)।

ಒದುಗು ओदुगु (क) सं.— दे. ಒದಗು.

ಒದುಡು ओदुडु (क) सं.— दे. ಒದಡು.

ಒದೆ ओदे (क) सं.— लात, पादप्रहार। क्रि.— लात मार, पादप्रहार कर, पैरों से मार। ಎದ್ದು ಹೋಗು ಅಂದರೆ ಒದ್ದು ಹೋಗುತ್ತೇನೆ अंदरे एद्दु होगु अंदरे ओद्दु होगुत्तेने अंद—(एक ने कहा)—उठकर चले जा, (दूसरे ने कहा)—लात मारकर जाता हूँ (कह.)। ಒದ್ದಾಟ ओद्दाट (क) सं.— परस्पर लात मारना ; तकलीफ़, कष्ट, कठिनाई, मुश्किल; संघर्ष। ಒದ್ದಾಡು ओद्दाडु (क) क्रि.— संघर्ष कर, जूझ, कष्ट का सामना कर, तकलीफ़ उठा।

ಒದಿ ओदि (क) क्रि.— दे. ಒದೆ.

ಒದ್ದೆ ओद्दे (तद्) सं.— आर्द्र (तत्) ; गीला, भीगा हुआ।

ಒನ್ ओन् (क) वि.—एक की संख्या का सूचक (समस्त-पदों में), उदा.— ಒನ್ದಿನ ओन्दिन, ಒನ್ದಿವಸ ओन्दिवस —एक दिन, ಒನ್ದೆಸೆ ओन्देसे एक ओर, किसी निश्चित दिशा में।

ಒನಕೆ ओनके (क) सं.=ಒನಿಕೆ ओनिके—मूसल, मूसर।—ಪಾಡು पाडु (क) सं. — कूटते समय गाया जानेवाला गीत।

ಒನಪು ओनपु, ಒಲಪು ओलपु (क) सं.— नाज़, हाव-भाव, सुंदर चाल।—ಗಾತಿ गाति (क) सं.=ಒಲಪುಗಾತಿ ओलपुगाति— नाज़नी, हाव-भाव दिखाने वाली स्त्री, सुंदर चालवाली स्त्री।

ಒನಲ್ ओनल्, ಒನಲು ओनलु (क) सं.— अत्यधिक क्रोध। क्रि.— अंगार उगल, आँखें लाल कर।

ಒನಲಿ ओनलि (क) सं.—दे. ಒಂದರಿ.

ಒನಸು ओनसु, ಒನಿಸು ओनिसु (क) क्रि.— 'ಒನೆ ओने—ओसा, पछोर' का प्रेरणार्थक रूप।

ಒನೆ ओने (क) क्रि.— दे. ಒಣೆ.

ಒಪ್ ओप् (क) वि.— एक की संख्या का सूचक (समस्त-पदों में) उदा.— ಒಪ್ಪತ್ತು ओप्पत्तु—एक जून, एक समय, एक बार। ಒಪ್ಪಾರು ओप्पारु—नीव्र, नीध्र, छप्पर और छत्त की ओलती। ಒಪ್ಪಿಡಿ ओप्पिडि—एक मुट्ठी, मुट्ठी भर।

ಒಪ್ಪ ओप्प (क) सं.— उपयुक्तता, योग्यता; शुद्धता, सफ़ाई, पवित्रता; सौंदर्य, मनोहरता; गहना, आभरण ; चमक, कांति, आभा; ठीक होना ; समानता, आपसी समझौता, अनुमोदन, स्वीकृति। ತಪ್ಪಿದವಗೆ ಒಪ್ಪವಿಲ್ಲ तप्पिदवगे ओप्पविल्ल—जो गलती करता है वह शुद्धता का विचार नहीं करता है (कह.)। ಒಪ್ಪಗುಂದು ओप्पगुंदु (क) क्रि.— सौंदर्य या आभा कम हो। ಒಪ್ಪಂಗೆಡಿಸು ओप्पंगेडिसु (क) क्रि.— सौंदर्य नष्ट कर, खराब कर। ಒಪ್ಪಂಗೆಯ್ ओप्पंगेय् (क) क्रि.— ठीक कर, सुधार। ಒಪ್ಪಮಾಡು ओप्पमाडु (क) क्रि.—मृत व्यक्ति का अंतिम क्रिया-कर्म कर। ಒಪ್ಪಂಬಡೆ ओप्पंबडे, ಒಪ್ಪಂಬೆಱು ओप्पंबेरु (क) क्रि.— सौंदर्य या आभा प्राप्त कर। ಒಪ್ಪವಿಕ್ಕು ओप्पविक्कु, ಒಪ್ಪವಿಡು ओप्पविडु (क) क्रि.— सौंदर्य या आनंद सूचित कर ; चमका, आभायुक्त कर, लेपन कर। ಒಪ್ಪವಿಡುವಿಕೆ ओप्पविडुविके (क) सं.— परिकर्म, अंगसंस्कार, लेपन। ಒಪ್ಪಹಾಕು ओप्पहाकु (क) क्रि.— हस्ताक्षर कर।

ಒಪ್ಪಚಿ ओप्पचि, ಒಪ್ಪಚ್ಚಿ ओप्पच्चि, ಒಪ್ಪಟಿ ओप्पटि (क) वि.—थोड़ा, कुछ, बहुत कम।

ಒಪ್ಪಚಿ ओप्पचि, ಒಪ್ಪೆ ओप्पे (क) सं.— छोटे बच्चों का पेट (मै.प्र.)।

ಒಪ್ಪಂದ ओप्पंद (क) सं.— मानना, स्वीकृति, अनुमोदन, संविदा, सट्टा, पट्टा, संधि।

ಒಪ್ಪಯಿಸು ओप्पयिसु (क) क्रि.— दे. ಒಪ್ಪಿಸು.

ಒಪ್ಪರ ओप्पर (क) सं.— आँखों का पर्दा या आवरण।

ಒಪ್ಪಾನೆ ओप्पाने़ (क) सं. — उपयुक्तता, योग्यता, ठीक होना, शुद्धता, पवित्रता, सौंदर्य, आभा (मैं.प्र.)।

ಒಪ್ಪಾರಿ ओप्पारि (क) सं.—समानता, समता, एकरूपता, एकात्मक संबंध।

ಒಪ್ಪಿಕೆ ओप्पिके़, ಒಪ್ಪಿಗೆ ओप्पिगे़, ಒಪ್ಪುಗೆ ओप्पुगे़ (क) सं.— मानना, स्वीकार करना, स्वीकृति, अनुमोदन।

ಒಪ್ಪಿತ ओप्पित (क) सं.— मानी हुई या स्वीकृत बात। ಒಪ್ಪಿತದ ಮಾತು ತಪ್ಪಿಸಬಾರದು. ओप्पितद् मातु तप्पिसबारदु—मानी हुई बात से विचलित नहीं होना चाहिए (कह.)। —ಹಾಕು हाकु (क) क्रि.— हस्ताक्षर कर।

ಒಪ್ಪಿಸು ओप्पिसु (क) क्रि.— मना, स्वीकार करा; सौंप, (किसी वस्तु को) दे दे, प्रस्तुत कर; (कंठस्थ किये हुए या पढ़े हुए पाठ को) कह, दुहरा; चमका, आभायुक्त कर (मैं.प्र.)।

ಒಪ್ಪು ओप्पु (क) क्रि.— लग, ठीक हो, उपयुक्त हो, योग्य हो; सुंदर हो, चमक, अच्छा हो, कांतियुक्त हो; अंगीकार कर, मान, स्वीकार कर; उपयोग में आ। सं.— उपयुक्तता, योग्यता, ठीक होना; स्वीकृति, अंगीकार; सौंदर्य, मनोहरता; चमक, आभा, कांति। ಒಪ್ಪಂತೆ ओप्पंते़, ಒಪ್ಪುವಂತೆ ओप्पुवंते़—उचित ढंग से, उपयुक्त रीति से, मानने के जैसे। ಒಪ್ಪುಗೊಳ್ ओप्पुगो़ळ् (क) क्रि.— मान, स्वीकार कर। ಒಪ್ಪುಗೊಳಿಸು ओप्पुगो़ळिसु (क) क्रि.— स्वीकार करा, मना। ಒಪ್ಪುವಜ್ರ ओप्पुवज्र [ವಜ್ರ वज्र] (क) सं.— आभायुक्त हीरा।

ಒಪ್ಪಿಗೆ ओप्पिगे़ (क) सं.— दे. ಒಪ್ಪಿಕೆ.

ಒಪ್ಪುವಿಕೆ ओप्पुविके़ (क) सं.— मानना, स्वीकार करना।

ಒಬ್ಬ ओब्ब (क) वि.=ಒರ್ವ ओर्व, ಒರ್ವ ओर्व—एक (पु.लिं. तथा स्त्री.लिं.)। ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯ ओब्ब मनुष्य—एक आदमी, ಒಬ್ಬ ಹೆಂಗಸು ओब्ब हे़ंगसु—एक स्त्री, ಒಬ್ಬನು ओब्बनु—एक पुरुष ('ನು' पु. लिं. का सूचक), ಒಬ್ಬಳು ओब्बळु—एक स्त्री ('ಳು' स्त्री. लिं. का सूचक प्रत्यय)।

ಒಬ್ಬಟಿಗ ओब्बटिग (क) सं. = ಒಬ್ಬಂಟಿಗ ओब्बंटिग—अकेला या एकाकी पुरुष।

ಒಬ್ಬಟ್ಟು ओब्बट्टु (क) सं.— एक प्रकार की मिठाई, खाने की वस्तु; चपत, थप्पड़ (लाक्ष.)।

ಒಬ್ಬಂಟಿಗ ओब्बंटिग (क) सं.— दे. ಒಬ್ಬಟಿಗ.

ಒಬ್ಬಿ ओब्बि (क) सं.— एक वारी (turn), एक समय।

ಒಬ್ಬಿಟ್ಟು ओब्बिट्टु (क) सं.— दे. ಒಬ್ಬಟ್ಟು.

ಒಬ್ಬುಳಿ ओब्बुळि (क) सं. = ಒರ್ಬುಳಿ ओर्बुळि कुल, राशि, समुच्चय, समुदाय; झुंड। —ಇಸು (क) क्रि.—मिला, जोड़, समुच्चय कर। —ಗೂಡು गूडु (क) क्रि.— एक हो, मिल, समुच्चय हो।

ಒಬ್ಬೆ ओब्बे़ (क) सं.— झाड़ी; एक बार डाली गई वस्तु, एक बार की वस्तु (घी या तेल में भूनते समय कड़ाही में (कोई पदार्थ) एक बार जितना डाला जाता है उतना।

ಒಮ್ಮತ ओम्मत (क) सं.— एकमत, एक ही अभिप्राय, एक ही निर्णय, एक ही आचार-विचार।

ಒಮ್ಮನ ओम्मन (क) सं.— एक ही मन, एक ध्यान, एकचित्तता।

ಒಮ್ಮು ओम्मु (क) क्रि.— मिल, जुड़, लग, एक हो, एकरूप हो, योग्य या उपयुक्त हो, मन, स्वीकार कर। सं.— मानना, स्वीकृति, एक होना, एकता।

ಒಮ್ಮೆ ओम्मे़ (क) अ. = ಒರ್ಮೆ ओर्मे़—एक वार, एक समय, एक दफ़े; उसी समय।

ಒಮ್ಮೆಯ್ ओम्मे़ (क) सं.—एक देह; एकाकीपन, तनहाई।

ಒಮ್ಮೊಮ್ಮೆ ओम्मो़म्मे़ (क) अ.—एक-एक बार, कभी-कभी, जब-तब, कभी।

ಒಮ್ಮೊಗ ओमो़ग (क) सं.— एक मुख; एक-मत, एकरूपता, एक ही ओर।

(१) ಒಯ್ ओय्, ಒಯಿ ओयि, ಒಯ್ಯು ओय्यु, ವಯ್ वय्, ವಯ್ಯು वय्यु, ವೆಯ್ वे़य् (क) क्रि.— ले जा, उठा ले जा, पकड़कर ले जा, बढ़ा, पहुँचा; (अपहरण कर)। —ಗೊಡು गो़डु (क) क्रि.— ले जाने दो, उठा ले जाने दो (प्रे.)।

(२) ಒಯ್ ओय् (क) क्रि.=ವಯ್ वय्—रख, धर, एक ओर रख, गुप्त रख, थाती रख।

ಒಯಕ್ ओयक्, ಒಯ್ಕ ओय्क (क) सं.— वमन करते समय निकलनेवाली ध्वनि।

ಒಯಿ ओयि (क) क्रि.— दे. ಒಯ್ (१). =ಹೊಯಿ हो़यि—डाल, किसी तरल पदार्थ को डाल; मार, पीट, पटक, धक्का दे।

ಒಯ್ಕನೆ ओय्कने़ (क) अ.— सीधे, ठीक-ठीक, उचित रीति से।

ಒಯ್ಕೆ ओय्के़ (क) सं.— धरोहर, थाती, निक्षेप, निधि।

ಒಯ್ತ ओय्त (क) सं.— ले जाने या उठाने की क्रिया।

ಒಯ್ಯನೆ ओय्यने़ (क) अ. — धीरे-धीरे, सावधानी से, आराम से, जान-बूझकर।

ಒಯ್ಯಾರ ओय्यार (क) सं.=ವಯ್ಯಾರ वय्यार —चमक, चमक-दमक, नाज़-नज़ाकत, शौक़, गर्व, अभिमान। —ಗಾತಿ गाति, ಗಿತ್ತಿ गित्ति (क) सं.— शौक़ीन औरत, विलासिनी। —ಗಾಱ गाऱ [ಗಾರ गार] (क) सं.—

शौक़ीन पुरुष, विलासी पुरुष । —ತನ तन (क) सं.— दिखावटीपन, विलास ।

ಒಯ್ಯಾರಿ ओय्यारि (क) वि.— शौक़ीन, विलासी (स्त्री या पुरुष) ।

ಒಯ್ಯಾಳಿ ओय्याळि (तद्) सं. = ವೈಯಾಳಿ वैयाळि, ವೈಹಾಳಿ वैहाळि—घोड़े पर सवारी करना । —ಗ ग (क) सं. — घोड़े पर सवारी करनेवाला ।

ಒಯ್ಯಿಕೆ ओय्यिके (क) सं.— दे. ಒಯ್ಯು.

ಒಯ್ಯು ओय्यु (क) क्रि.— दे. ಒಯ್.

ಒರಗಲ್ಲು ओरगल्लु (क) सं.— कसौटी ।

ಒರಗು ओरगु (क) क्रि.— सहारा ले, आश्रय ले, पीठ लगाकर (किसी आसन पर) बैठ ; झुक, आराम ले ; ऊँघ, सो जा ।

ಒರಗೆ ओरगे (क) सं.— एकता, अद्वैत-भाव, संपूर्णता ।

ಒರಟು ओरटु (क) वि.— मोटा, गाढ़ा, कड़ा, अकोमल ; गँवार, असभ्य । —ತನ तन (क) सं.—मोटापन ; असभ्यता ।

ಒರತ ओरत (क) सं. = ಒರೆತ ओरेत—रगड़, घिसन ।

ಒರಯಿಸು ओरयिसु, ಒರೆಯಿಸು ओरेयिसु (क) क्रि.— रगड़ा, घिसा (प्रे.), खिंचा, कर्षित करा (प्रे.) ।

ಒರಲ್ ओरल्, ಒರಲು ओरलु, ಒರಳ್ ओरळ्, ಒರಳು ओरळु ಒರ್ಳೆ ओर्ळे, ಒಳ್ಳು ओळ्ळु [ग्रा.] (क) सं.— [पत्थर या काठ की] ओखली ।

ಒರಲ್ಚು ओरल्चु (क) क्रि.— रुला, चिल्लाने दे, विलाप करा, कराहने दे (प्रे.) ।

ಒರವು ओरवु, ಒರತೆ ओरते (क) सं.— उत्स, चश्मा, सोना, जल का स्थान, झरना, फ़ौव्वारा ।

ಒರವಾರಿ ओरवारि (क) सं.— छोटी कुदाली ।

ಒರಸಿಸು ओरसिसु (क) क्रि.— रगड़वा, घिसवा (प्रे.), स्पर्श करा (प्रे.) ।

ಒರಸು ओरसु (क) क्रि.— पोंछ, स्पर्श कर, कपड़े से पोंछ । सं.—रगड़, घिसन, घर्षण ; तंग करना, कष्ट देना, चिढ़ाना ; नष्ट करना, मारना, हिंसा ।

ಒರಳ್ ओरळ्, ಒರಳು ओरळु (क) सं.— ओखली ।

ಒರಿಸು ओरिसु (क) क्रि.— दे. ಒರಸು.

ಒರುಷ ओरुष, (तद्) सं. = ವರುಷ वरुष—वर्ष (तत्) ।

ಒರೆ ओरे (क) सं.— समानता, साम्य, एकरूपता ; म्यान ; वचन, बात, वर्णन । क्रि.— खींच, बाहर निकाल, कर्षण कर ; लगे रह, संयुक्त रह ; छू, स्पर्श कर ; रगड़, घिस, लेपन कर, कस (जैसे कसौटी पर कसना) परीक्षा कर, जाँच ; पीस, कूट ; चिल्ला, पुकार, कह, बोल, उपदेश दे, वर्णन कर ; छील (जैसे पेंसिल को छीलना) ।

ಒಱಗು ओरगु (क) क्रि.— दे. ಒರಗು. —ಇಸು इसु—प्रेरणार्थक रूप ।

ಒಱಂಗು ओरंगु (क) क्रि.— दे. ಒರಗು.

ಒಱತೆ ओरते, ಒಱಂತೆ ओरंते (क) सं.— दे. ಒರವು.

ಒಱಪು ओरपु (क) सं. — सौंदर्य ।

ಒಱಲ್ ओरल् (क) सं.— स्नेह, प्रेम; कराह, चीख, चिल्लाहट । क्रि.—स्नेह कर, प्रेम कर; कराह, चीख, चिल्ला ।

ಒಱಲಿಸು ओरलिसु, ಒಱಲ್ಚು ओरल्चु (क) क्रि.— दे. ಒರಲ್ಚು.

ಒಱಲುಹ ओरलुह (क) सं.—चीखना, कराहना, चिल्लाना ।

ಒಱಲೆ ओरले (क) वि.— गीला, भीगा, तर, फूला हुआ (जलरोग के कारण शरीर के किसी अंग का फूलना) । —ಕಣ್ಣು कण्णु (क) सं. — क्लिन्नाक्ष, चुंधा । — ಗಾಲ್ गाल् [ಕಾಲ್ काल्] (क) सं.— पीलपाँव ।

ಒಱವು ओरवु (क) सं.— दे. ಒರವು.

ಒಱಳು ओरळु (क) क्रि.— कराह, चीख, चिल्ला ।

ಒಱೆ ओरे (क) क्रि.— गीला हो, तर हो, भीग, आर्द्र हो ; बह, रसकर बह, टपक, स्रवित हो । सं.— म्यान, शस्त्रकोश ।

ಒಱೆಗಾಱ ओरेगार (क) सं.— म्यान या शस्त्रकोश बनानेवाला ।

ಒರ್ಕಾಲ ओर्काल (क) सं.— एक समय, एक काल ।

ಒರ್ಕುಡಿತೆ ओर्कुडिते (क) सं.— जल का उतना परिमाण जो एक बार पिया जा सके, अंजलि भर ।

ಒರ್ಕೈಸು ओर्कैसु (क) क्रि.— धर, पकड़ ; आलिंगन कर ।

ಒರ್ಗು ओर्गु (क) सं. = ಒಗ್ಗು ओग्गु—राशि, ढेर, समूह, समुदाय, श्रेणी ; अतिपरिचय, नैकट्य संबंध, स्नेह ।

ಒರ್ಟು ओर्टु (क) वि.— दे. ಒರಟು.

ಒರ್ಪು ओर्पु (क) सं.—दे. ಒಪ್ಪು ; बल, शक्ति; टिकाऊ होना, उपयुक्तता, मोटापन (कपड़े का) ।

ಒರ್ಬ ओर्ब (क) सं. = ಒರ್ವ ओर्व—एक पुरुष ।

ಒರ್ಬುಳಿ ओर्बुळि (क) सं. = ಒಬ್ಬುಳಿ ओब्बुळि । —ಇಸು इसु (क) क्रि.— दे. ಒಬ್ಬುಳಿ.

ಒರ್ಮೆ ओर्मे (क) अ.— एक बार, एक समय ।

ಒರ್ವ ओर्व, ಒರ್ವಂ ओर्वं (क). — एक आदमी ।

ಒರ್ಸು ओर्सु (क) क्रि.— (व्या. भा.) दे. ಒರಸು.

ಒರ್ಳ್ ओर्ळु (क) सं.— (व्या. भा.) दे. ಒರಲ್.

ಒಲ್ ओल् (क) क्रि.— इच्छा कर, कामना कर, चाह, पसंद कर, प्रेम कर ; आनंदित हो, संतुष्ट हो। सं.— चाह, अपेक्षा, समता, साम्यता। अ.— ವೊಲ್ वोल्, ವೊೞಲ್ वोल्– के समान, के जैसे, की तरह।

ಒಲ ओल, ಒಲವು ओलवु (क) सं.— प्रेम, प्रीति ; करुणा, सहानुभूति ; झुकाव।

ಒಲಕೆ ओलके (क) सं.— दे. ಒನಕೆ.

ಒಲಗಾಱ ओलगार (क) सं.— रमणीय पुरुष, प्रियदर्शन, सबका प्यारा। —ಒಲಗಾರ್ತಿ ओलगार्ति (स्त्री. लिं.)।

ಒಲಣಿಗೆ ओलणिगे (क) सं.— कोल्हू।

ಒಲತ ओलत, ಒಲೆತ ओलेत (क) सं.—झुकाव, हिलना-डुलना ; प्रेम, स्नेह।

ಒಲಪು ओलपु (क) सं.— दे. ಒನಪು.

ಒಲವರ ओलवर (क) सं.=ವಲವರ वलवर—आनंद, हर्ष, चित्ताकर्षक व्यक्ति या वस्तु। ಒಲವರಂ ಕೊಳ್ ओलवरं कोळ् (क) क्रि.—आनंद उठा, प्रसन्नता का अनुभव कर; किसी ओर झुक, पक्ष स्वीकार कर।

ಒಲವು ओलवु (क) सं.— दे. ಒಲ.

ಒಲಸೆ ओलसे (क) सं.= ಒಲಿಸೆ ओलिसे, ವಲಸೆ वलसे, ವಲಿಸೆ वलिसे—पलायन, शत्रु-सेना के भय से घर-बार छोड़कर भागना, स्थानांतरीकरण।

ಒಲಹು ओलहु (क) सं.— प्रेंखोलन, दोल, झूला, हिंडोला।

ಒಲಿ ओलि (क) क्रि.—प्रसन्न हो, अनुकूल हो; आनंदित हो, संतुष्ट हो ; चाह, इच्छा कर, पसंद कर; ठीक हो, उपयुक्त हो, योग्य हो। —ಇಸು इसु—प्रेरणार्थक रूप।

ಒಲಿಪು ओलिपु (क) सं.— दे. ಒಲ.

ಒಲಿಮೆ ओलिमे (क) सं.— दे. ಒಲುಮೆ.

ಒಲಿಸೆ ओलिसे (क) सं.— दे. ಒಲಸೆ.

ಒಲುಮೆ ओलुमे (क) सं.=ಒಲಿಮೆ ओलिमे, ಒಲುವೆ ओलुवे, ಒಲ್ಮೆ ओल्मे—आनंद, हर्ष; स्नेह, प्रेम, अनुराग ; कृपा, करुणा, सहानुभूति ; (राजा का) प्रसाद या मेहरबानी।

ಒಲೆ ओले (क) सं.— चूल्हा ; हिलना-डुलना, लहरना। क्रि.— हिल, डुल, लहर ; कांप, कंपित हो, डोलायमान हो ; लटक, झुक ; हिलते हुए गतिमान हो, दिखावट, रूप के साथ गतिमान हो ; प्रकट हो, दिखाई पड़।

ಒಲೆತ ओलेत (क) सं.— दे. ಒಲತ.

ಒಲ್ಮೆ ओल्मे (क) सं.— दे. ಒಲುಮೆ.

ಒಲ್ಲನೆ ओल्लने (क) अ.— दे. ಒಯ್ಯನೆ.

ಒಲ್ಲಿ ओल्लि (क) सं.—जरीवाली छोटी धोती, उत्तरीय।

ಒಲ್ಲೆ ओल्ले, ಒಲ್ಲೆಂ ओल्लें (क) क्रि. रू.— मुझे नहीं चाहिए, मैं नहीं चाहता।

ಒಸಗೆ ओसगे (क) सं.—हर्ष, आनंद, प्रसन्नता; उत्सव, त्योहार ; गौना ; भाषण ; रपट, समाचार ; कीर्ति। —ಕಳುಹಿಸು कळुहिसु (क) क्रि — समाचार भेज।

ಒಸಡಿ ओसडि, ಒಸಡು ओसडु, ವಸಡು वसडु, (क) सं.— मसूड़ा, दाँतमांस।

ಒಸರ್ ओसर्, ಒಸರು ओसरु (क) क्रि.— धीरे बह, स्रवित हो, रस होकर बह, टपक ; बहने दे, टपकने दे, स्रवित होने दे। वि.— स्रवित होनेवाला। —ಗಲ್ गल् (क) सं.— एक प्रकार का पत्थर जिससे जल स्रवित होता है, चंद्र-शिला।

ಒಸಲು ओसलु (क) सं.=ಹೊಸಲು होसलु—देहली, देहरी।

ಒಸಿ ओसि (क) अ.=ವಸಿ वसि—थोड़ा (ग्रा.)।

ಒಸಿಗೆ ओसिगे (क) सं.— दे. ವಸಗೆ.

ಒಸೆ ओसे (क) क्रि.— आनंदित हो, प्रसन्न हो, हर्षचित्त हो, उपयुक्त हो ; पसंद कर ; प्रेम कर ; मान, स्वीकृति दे।

ಒಸಗೆ ओसेगे (क) सं.— भेंट, उपहार, पुरस्कार।

ಒಳ್ ओळ् (क) क्रि.— हो, रह। वि.— अच्छा, सुंदर। अ.— में, अंदर, भीतर।

ಒಳ ओळ (क) वि.— भीतर का, अंदर का, भीतरी। ಒಳಕ್ಕೆ ओळक्के—भीतर (या घर में)।

ಒಳಕಯ್ ओळकय्, ಒಳಕೆಯ್ ओळकेय् (क) क्रि.— हाथ में ले, अपने अधिकार में कर, वश में कर।

ಒಳಕುರುವ ओळकुरुव (क) सं.— भीतरी द्वीप।

ಒಳಕೈ ओळकै (क) सं.— गुप्त मार्ग, रहस्य-पथ।

ಒಳಕೊಳ್ಳು ओळकोळ्ळु (क) क्रि.— अपने वश में कर, (किसी वस्तु से) युक्त हो।

ಒಳಕೋಂಟೆ ओळकोंटे, ಒಳಗೋಂಟೆ ओळगोंटे (क) सं.— किले का भीतरी भाग

ಒಳಗಾಗು ओळगागु (क) क्रि.— अधीन हो, दूसरे की अधीनता स्वीकार कर ; ऋण में पड़।

ಒಳಗುಡಿ ओळगुडि (क) सं.— मंदिर का गर्भ-गृह ; बीच का घर ; बीच की झोंपडी।

ಒಳಗುದೋರು ओळगुदोरु (क) क्रि.— रहस्य प्रकट कर, गोपनीय बात कह।

ಒಳಗುಮಾಡು ओळगुमाडु (क) क्रि.— स्वागत कर, अपने दल में मिला।

ಒಳಗೆ ओळगे, ಒಳಗು ओळगु (क) अ.— में, के अंदर, के भीतर।

ಒಳಗೈ ओळगै (क) क्रि·— प्रसन्न कर, संतुष्ट कर, वश में कर। सं·— गुप्तचर, जासूस।

ಒಳತು ओळतु, ಒಳಿತು ओळितु (क) सं·— अच्छी बात, ठीक है, अच्छा।

ಒಳದು ओळदु (क) सं·— भीतरी भाग, वह जो अंदर हो।

ಒಳದೆಗೆ ओळदेगे (क) क्रि·— पीछे हट, हिचकिचा; भीतर पहुँच।

ಒಳಪಡು ओळपडु (क) क्रि·— अधीन हो, वश में आ।

ಒಳಪುಗು ओळपुगु (क) क्रि·— भीतर पहुँच, अंदर जा।

ಒಳಮಾತು ओळमातु (क) सं·—अंदरूनी बात, रहस्य।

ಒಳಮುಖ ओळमुख (क) सं·— अंतर्मुख, आत्मदर्शन, आत्मज्ञान।

ಒಳಮುಚ್ಚುಕ ओळमुचक (क) सं·=ಒಳಮುಚ್ಚುಗ ओळमुचग—एक कोमल पौधा, स्पर्श करते ही जिसके पत्ते मंद पड़ जाते हैं।

ಒಳಱ್ ओळऱ्, ಒಳಱು ओळऱु [ಒಳರ್ ओळर्, ಒಳರು ओळरु] (क) क्रि·— कह, बोल, बड़बड़ा, चिल्ला, गर्जन,कर, आवाज़ कर।

ಒಳಲೆ ओळले (क) सं·— बच्चों को दूध दिलाने का एक छोटा-सा (प्राय: चाँदी का) बर्तन।

ಒಳವಗೆ ओळवगे (क) सं·— भीतरी शत्रु, घर का भेदी; काम, क्रोधादि।

ಒಳವರತೆ ओळवरते (क) सं· = ಒಲವರತೆ ओलवरते—आनंद, प्रसन्नता; प्रेम।

ಒಳವು ओळवु (क) सं·— भीतर, रहस्य; अधीनता, किसी के वश में होना।

ಒಳಸಂಚು ओळसंचु (क) सं·—अंदर ही अंदर मंत्रणा करना, षड्यंत्र।

ಒಳಸರಿ ओळसरि, ಒಳಸಾರ್ ओळसार् (क) क्रि·— पीछे हट, असफल हो, हार।

ಒಳಸೋರು ओळसोरु (क) क्रि·— हिम्मत हार।

ಒಳಹು ओळहु (क) सं·— धन, दौलत; सत्य, अच्छाई, श्रेष्ठता; वश में करना।

ಒಳಹೊರಗು ओळहोरगु (क) सं·— अंदर और बाहर, अंतरंग और बहिरंग।

ಒಳಾಗರ ओळागर (सम्) सं·— भीतरी भाग; बाग़, बगीचा।

ಒಳಿತು ओळितु, ಒಳ್ಳಿತು ओळ्ळितु (क) वि·— अच्छा, शुभ, मंगलकर, सुंदर। ಒಳಿತುಕೇಡಕು ओळितुकेडकु—अच्छाई और बुराई।

ಒಳು ओळु (क) वि·— अच्छा, सुंदर, श्रेष्ठ। ಒಳು ನಾರಿ ओळु नारि (क) सं·—सुंदर स्त्री। ಒಳ್ನುಡಿ ओळ्नुडि (क) सं·— अच्छी या सुंदर बात। ಒಳ್ನುಡಿಕಾರ ओळ्नुडिकार (क) सं·— वाग्मी, सुंदर बात करनेवाला। ಒಳು ಮೊಗ ओळुमोग (क) सं·— सुंदर मुखड़ा। ಒಳುಪೆಸರ್ ओळुपेसर् (क) सं·— अच्छा नाम।

ಒಳು ओळु (क) सं·— प्रियतम के साथ सरस संभाषण, विभ्रम।

ಒಳುಪು ओळुपु, ಒಳುಹು ओळुहु (क) सं·— दे. ಒಳಹು.

ಒಳ್ತನ ओळ्तन, [ಒಳ್ಳೆತನ ओळ्ळेतन] (क) सं·— अच्छाई।

ಒಳ್ಪು ओळ्पु (क) सं·— ಒಳುಪು.

ಒಳ್ವರಲು ओळ्वरलु (क) सं·— श्रेष्ठ रत्न, अमूल्य मणि।

ಒಳ್ಳಿ ओळ्ळि (क) सं· = ಉಳ್ಳಿ उळ्ळि—प्याज।

ಒಳ್ಳಿತು ओळ्ळितु (क) वि·— अच्छा, शुभद, मंगलकर, सुंदर, मनोहर, श्रेष्ठ।

ಒಳ್ಳಿತ್ತು ओळ्ळित्तु (क) वि·— दे. ಒಳ್ಳಿತು.

ಒಳ್ಳಿದ ओळ्ळिद (क) सं·—अच्छा, भाग्यवान,

ಒಳ್ಳು ओळ्ळु (क) सं·—ಒರಲ್ ओरल् (ग्रा·) दे. ಒರಲ್; बूढ़ा सियार।

(१) ಒಳ್ಳೆ ओळ्ळे (क) सं·—ಒಳ್ಳೆತನ ओळ्ळेतन —अच्छाई। ಒಳ್ಳೆಯ ओळ्ळेय, ಒಳ್ಳೆ ओळ्ळे (क) वि·— अच्छा, सुंदर। ಒಳ್ಳೆಯವನು ओळ्ळेयवनु अच्छा आदमी, ಒಳ್ಳೆಯವಳು ओळ्ळेयवळु—अच्छी स्त्री, ಒಳ್ಳೆಯದು ओळ्ळेयदु—अच्छी वस्तु। ಒಳ್ಳೆಯವರು ओळ्ळेयवरु —अच्छे लोग।

(२) ಒಳ್ಳೆ ओळ्ळे (क) सं·— एक निर्विष सर्प विशेष, डुंडुभ।

ಒಳ್ಳೆತನ ओळ्ळेतन, ಒಳ್ಳೇತನ ओळ्ळेतन (क) सं·— दे. ಒಳ್ಳೆ (१).

ಒಱ್ಕು ओऱ्कु (क) क्रि·— प्रवाहित हो, बह। सं·—धारा, प्रवाह।

ಒಱ್ಗಲ್ ओऱ्गल् (क) सं·— मिले रहने या जुड़े रहने की स्थिति।

ಒಱ್ಗು ओऱ्गु (क) क्रि·— आ, मिल, जुड़, लग, सम्मिलन हो, एक हो, एकत्रित हो। सं·— समूह, समुदाय, संघ।

ಓ ओ

ಓ ओ—कन्नड वर्णमाला का तेरहवां अक्षर। कहीं-कहीं (मुद्रणदोष अथवा अशुद्धि के कारण) ಓ के बदले ವೋ अथवा ವಾ का प्रयोग दृष्टिगत होता है; उदा·— वोकरिके वाकरिके—ओकाई, वमन। अ·—प्रश्नसूचक अव्यय, उदा·— ಎಡವಿದನೋ एडविदनो—टोकर खाया क्या? (अन्य पुरुष, पु·लिं·, ए·व·) ಬರೆದನೋ बरेदनो—लिखा क्या? (अन्य पुरुष, पु·लिं·, ए·व·) ಬಂದಳೋ बंदळो—आयी क्या? (अन्य पुरुष पु·लिं·,

ए.व.), ಬಂದಿತೋ ಬंदितो—आया या आयी क्या? (न.लिं., ए.व.)। कृ.— ಉವ उव के बदले ಓ ओ का प्रयोग होता है, उदा.- ಬೀಳೋ बीळो (ಬೀಳುವ बीळुव के बदले)= गिरनेवाला या गिरता हुआ, ಆಡೋ आडो (ಆಡುವ-आडुव)—खेलनेवाला या खेलता हुआ; वि.बो. संबोधन में इसका प्रयोग होता है, उदा.— ಓ ರಾಮ ओ राम—हे राम! ಓ ದೇವರೇ ओ देवरे—हे भगवान (या हाय भगवान)! ಓ ಓ ओ ओ=ಓಹೋ ओहो (दुहराना)—हे! हे!।

ಓ ओ (क) क्रि.— लग, प्रेम कर, प्यार कर, परिचित रह; (किसी से) संतुष्ट हो, प्रसन्न हो; दया दिखा, मेहबानी कर।

ಓಂ ओं. ಓಂಕಾರ, ओंकार (सम्) सं.—प्रणव, एक पवित्र पद जो वेदमंत्र के प्रारंभ और अंत में कहा जाता है।

ಓಂಟೆ ओंटे (क) सं.— एक बड़ा जंगली नरकट, मुश्कबेंत।

ಓಕ ओक, ಓಕಸ್ ओकस्, ಓಕಸ ओकस (क) सं.— घर, स्थान, निवासस्थान, मकान; छाया, रक्षा, आश्रय, शरण; पक्षी, शूद्र।

ಓಕ ओक (क ?) सं.—वृक्ष विशेष, सिंदूर का वृक्ष, बलूत का पेड़ (oak)।

ಓಕರಿ ओकरि, ಓಕರಿಕೆ ओकरिके, ಓಕಾಳ ओंकाळ, ಓಗಡಿಕೆ ओगडिके, ವಾಕರಿಕೆ वाकरिके, ವಾಕಳಿಕೆ वाकळिके, ತೋಹಳಿಕೆ तोहळिके (क) सं.— वमन, ओकाई।

ಓಕರಿಸು ओकरिसु (क) सं.— वमन कर, ओक।

ಓಕರಿಸುಹ ओकरिसुह (क) सं.—वमन करना।

ಓಕಸ್ ओकस् (क) सं.— घर, मकान; आश्रय, शरण।

ಓಕನೌಕಸ ओकनौकस (क) सं.— गौरैया।

ಓಕಳಿ ओकळि, ಓಕುಳಿ ओकुळि (क) सं.— होली खेलने का मंगल (रंगीन) जल, विवाह के समय का मंगल जल।

ಓಕೆ ओके (क) प्र.— संप्रदान कारक 'के लिए' का अर्थ द्योतक प्रत्यय, यह क्रियार्थके संज्ञा के साथ लगता है; उदा.— ನೋಡೋಕೆ नोडोके (ನೋಡುವುದಕ್ಕೆ नोडुवुदक्के के बदले) —देखने के लिए, ಮಾಡೋಕೆ माडोके (ಮಾಡುವುದಕ್ಕೆ माडुवुदक्के के बदले) करने के लिए।

ಓಗಟೆ ओगटे (क) सं.— समस्या, पहेली, बुझौवल।

ಓಗಡಿಸು ओगडिसु (क) क्रि.— दे. ಓಕರಿಸು.

ಓಗರ ओगर (क) सं.— भात, भक्तम्, भोजन, पकाया हुआ चावल।

ಓಗು ओगु (क) क्रि.= ಹೋಗು होगु—जा (ग्रा.)।

ಓಘ ओघ (क) सं.— जल की धार, जल का बहाव, जल की बाढ़; राशि, समूह; शीघ्र गति (संगीत में)।

ಓಜ ओज (क) सं.= ವಾಜ वाज—गुरु, आचार्य, शिक्षक; कारीगर—बढ़ई, सोनार, लुहार।

ಓಜ ओज, ಓಜಸ್ ओजस् (सम्) सं.— प्राणबल, सामर्थ्य, शक्ति, उत्पादन शक्ति; चमक, दीप्ति; जल; काव्यालंकार विशेष।

ಓಜಾಯಿಲ ओजायिल (क) सं.— अधिकारी, प्रभु, स्वामी, धनवान।

ಓಜಿಸು ओजिसु (क) क्रि.—(कोई काम) ठीक-ठीक या अच्छी तरह कर।

ಓಜೆ ओज़े (क) सं.—श्रेणी, वर्ग, पंक्ति; राशि, ढेर, समूह, सम्मेलन; क्रमिकता, क्रम, नियमितता, उपयुक्तता, समुचितता; सदभिप्राय। —ಗೆಡು गेडु (क) क्रि.— क्रम या उपयुक्तता का भंग हो। — ಗೊಳ್ गोळ् (क) क्रि.— विनीत हो, नम्र हो, पालतू बन। —ತಪ್ಪು तप्पु (क) क्रि.— क्रम-भंग कर, ग़लत रास्ता अपना। —ಪಿಡಿ पिडि, ಹಿಡಿ हिडि (क) क्रि.— क्रम का अनुसरण कर, नियम के अनुसार चल। —ಪೆರು पेरु, ವೆರು वेरु (क) क्रि.— क्रम में रह, ठीक-ठीक रह।

ಓಟ ओट (क) सं.— (ಓಡು ओडु=दौड़ से) दौड़ना, भागना, दौड़; गति, तीव्रता, बड़ा वेग; धारा, प्रवाह। —ಓಡು ओडु (क) क्रि.— दौड़ना, भागना। ಓಟ ಓಡಿದರೂ ಕಾಟ ತಪ್ಪದು ओट ओडिदरू काट तप्पदु— दौड़ दौड़ने (या भागने) पर भी संकट (या कष्ट) दूर नहीं हुआ (कह)। —ಗಾರ गार, ಗಾಱ गार् (क) सं.— दौड़नेवाला।

ಓಟಿ ओटि, ಓಟೆ ओटे, ಓಂಟೆ ओंटे, ವಾಟೆ वाटे (क) सं.— नारियल का आधा टुकड़ा; इमली का बीज, फलों की गुठली; कपित्थ का आधा टुकड़ा; बादाम आदि की खोली (छिलका); नरकट, मुश्कबेंत।

ಓಟು ओटु, ಓಸು ओसु (क) अ.= ಅನಿತು अनितु, ಅಷ್ಟು अष्टु—उतना। ಊಟಕೆ ಬಾರಪ್ಪ ಅಂದರೆ ಓಟಕೇ ಮುನಿಕೊಂಡ ऊटके बारप्प अंदरे ओटके मुनिकोंड—'खानेके लिए आओ भाई' उतना कहने मात्र से (वह) क्रुद्ध हो गया (कह.)।

ಓಟೆ ओटे (क) सं.—दे. ಓಟ; छेद, रंध्र, दरों, दरार, (किसी वस्तु का) टूटना; आम्रवती या आम्रवती वृक्ष।

ಓಡ ओड (क) सं.— नाव, नौका।

ಓಡಿಕೆ ओडिके (क) सं.— दौड़ना, भागना, पलायन।

ಓಡಿಸು ओडिसु (क) क्रि.— दौड़ा, भगा, (गाड़ी आदि को) सवेग चला (प्रे.)।

ಓಡು ओडु (क) क्रि.— दौड़, भाग, पलायन कर। सं.— टुकड़ा, खंड, अंश, बर्तन-भाण्डे का टुकड़ा (भाण्डशकलः); कपाल, खोपड़ी; कमठ की पीठ का भाग; खपड़ा; दौड़, भगदौड़।

ಓಡುಕುಳಿ ओडुकुळि (क) सं.— दौड़ने या भागनेवाला।

ಓಡುವಿಕೆ ओडुविके (क) सं.—दौड़ना, भागना।

ಓಡೆ ओड़े (क) सं.— चक्कर, (मिट्टी का जला हुआ) पट्टा जो कुएँ या किसी घेरे के अंदर दीवार में एक के ऊपर दूसरा रखा जाता है; अनाज रखने का मिट्टी का भाण्ड।

ಓಡ್ರ ओड्र, ಓಡ್ರದೇಶ ओड्रदेश (सम्) सं.— उडीसा।

ಓಡ್ರಪುಷ್ಪ ओड्रपुष्प (सम्) सं.— उड्डुपुष्प, जवाकुसुम (The china rose or the shoe flower).

ಓಣಿ ओणि (क) सं.=ಓಳಿ ओळि—पंक्ति, कतार, श्रेणी ; रास्ता, राह, गली।

ಓತ ओत (क) सं.— पढ़ना।

ಓತ ओत (सम्) वि.— बुना हुआ, सूत से एक छोर से दूसरे छोर तक सिला हुआ।

ಓತಪ್ರೋತ ओतप्रोत (सम्) वि.— सब ओर फैला हुआ, अंतर्व्याप्त, एक में एक बुना हुआ, गुथा हुआ ; समता, समानता ; अंतर।

ಓತಿ ओति, ಓತಿಕೇತ ओतिकेत, ಓತಿಕಾಟ ओतिकाट (क) सं.— गिरगिट, सरट।

ಓತು ओतु (क) सं.— पढ़ना, पढ़ी हुई चीज़ ; वेद।

ಓತು ओतु (सम्) सं.— बिल्ली।

ಓದನ ओदन (सम्) सं.— भोजन, भात, पकाया हुआ चावल।

ಓದಾಳಿ ओदाळि (क) सं.— पढ़नेवाला, हमेशा पढ़नेवाला, अध्ययनशील व्यक्ति, पाठक ; विद्वान।

ಓದಿಕೆ ओदिके (क) सं.— पढ़ना, पढाई।

ಓದಿಸು ओदिसु (क) क्रि.— पढ़ा, सिखा ; शिक्षा दे, अध्यापन कर।

ಓದು ओदु (क) क्रि.— पढ़, पठन कर, ज़ोर से वाचन कर, सीखी हुई बात को दुहरा, उच्चारण कर। ಓದೋದು ಶಾಸ್ತ್ರ, ಇಕ್ಕೋದು ಗಾಳ ओदोदु शास्त्र, इक्कोदु गाळ – पढ़ना तो शास्त्र है, (पर) करना तो मत्स्यबंधन (अर्थात् बुरा काम) ; ಓದಿಯೋದಿ ಮರುಳಾದ ಕೂಚಂಭಟ್ಟ ओदियोदि मरुळाद कूचंभट्ट—पढ़ पढ़कर कूचंभट्ट मूर्ख हुआ ! (कह.)। सं.— पढ़ना, पढ़ाई। —ಗಾರ गार, ಗಾಱ गाऱ, ಓಗಾರ 'गार, ಓಗಾಱ 'गाऱ (क) सं.— पढ़नेवाला, पाठक, विद्यार्थी, बुद्धिमान पाठक।

ಓದುವಿಕೆ ओदुविके (क) सं.— पढ़ना, पाठ, पढ़ाई।

ಓನಾಮ ओनाम (सम्) सं.— वह मंत्र जिसका प्रारंभ ओ से होता है, अक्षराभ्यास के समय पहले सिखाया जानेवाला अक्षर ओ (या ओं)।

ಓಪ ओप (क) सं.— रक्षक, पालक, प्रेमी, प्रिय, पति, स्वामी, प्रभु।

ಓಪಳ್ ओपळ् (क) सं.— पत्नी, प्रियतमा, प्रेयसी।

ಓಪಾದಿ ओपादि (क) अ.— जैसा, जैसे, (के) समान, भाँति, तरह।

ಓಬಿಕಾಲ ओबिकाल, ಓಬಿರಾಯನಕಾಲ ओबिरायनकाल (क) सं.— बहुत प्राचीनकाल।

(१) ಓಮ ओम (क) सं.=ಓಮು ओमु, ಓವ ओव, ಓವು ओवु, ವಾದಕ್ಕಿ वादक्कि, ವಾಮ वाम, ವೋಮ वोम—दीप्य, लोचमस्तक (Bishops weed).

(२) ಓಮ ओम (सम्) सं.— दया, कृपा, सहानुभूति, सहायता।

ಓಯಿ ओयि (क) वि.बो.— अरे !, रे !, रे !

ಓರ್ ओर् (क) वि.— (समस्त-पदों में) एक की संख्या का सूचक ; उदा.—ಓರಡಿ ओरडि —एक फुट, ಓರಂತೆ ओरंते—एक के जैसे, ಓರೆಲೆ ओरॆले—एक पत्ता।

ಓರ್ ओर्, ಓರು ओरु (क) सं.— छेद, रंध्र, (मे. प्र.)।

ಓರ ओर, ಓರೆ ओरे (क) सं.— ढाल, उतार, एक ओर, तरफ़, अंत, नोंक, सिरा।

ಓರಗಿತ್ತಿ ओरगित्ति, [ವಾರಗಿತ್ತಿ वारगित्ति] (क) सं.— पति के भाई की पत्नी, जिठानी, देवरानी (यातृ)।

ಓರಗೆ ओरगे, (क) सं.=ಓರಿಗೆ ओरिगे, ವಾರಿಗೆ वारिगे—(आयु की) समानता, समता, जोड़ा या जोरी। —ಯವ यव (क) सं.— समवयस्क।

ಓರಡಿ ओरडि (क) सं.— दे. ಓರ ; असमता, अंतर, भिन्नता।

ಓರಣ ओरण (क) सं.— पंक्ति, कतार, श्रेणी। —ಇಸು इसु (क) क्रि.— पंक्ति में हो या पंक्ति में रख।

ಓರಿಗೆ ओरिगे (क) सं.— दे. ಓರಗೆ.

ಓರು ओरु (क) क्रि.— सोच, विचार कर, विश्लेषण कर ; पूछताछ कर ; =ಹೋರು होरु– लड़, जूझ, संघर्ष कर, युद्ध कर।

ಓರೆ ओरे (क) सं.— एक तरफ़ या ओर, ढाल, उतार, टेढ़ापन, वह जो झुका हुआ हो, तिरछा; वक्रता, अशुद्धि, ग़लती ; असमता। —ಕೈ कै (क) सं.— टेढ़ा हाथ। —ಕಿವಿ किवि—टेढ़ा कान। —ಕಟ್ಟು, कट्टु, ಗಟ್ಟು गट्टु (क) क्रि.— एक तरफ़ झुकाकर बांध। ಕಣ್ಣು कण्णु, ಗಣ್ಣು गण्णु (क) सं.— टेढ़ी या तिरछी आँख, एक ओर झुकी हुई आँख, पक्षपात। —ಮೂಗು मूगु (क) सं.— वक्र नाक। —ಮೋರೆ मोरे (क) सं.— ऐंठा हुआ चेहरा, असुंदर मुख।

ಓಱೆ[3] ओऱे (क) सं.—घर की दीवारों के निचले भाग में लाल रंग लगाना। —ಗಾಱ गाऱ [ಗಾರ गार] (क) सं.— रंग ढालनेवाला, चित्रकार।

ಓಲ್ ओल् (क) अ.— के जैसे, के समान, की भांति।

ಓಲ್ ओल्, ಓಲು ओलु (क) क्रि.— झुक, आकर्षित हो, (किसी के प्रति प्रेम के कारण) खिंच जा, प्रेम कर ; जलक्रीडा कर, स्नान कर, नहा। —ಓಲಾಟ ओलाट (क) सं.— लटकना ; स्नेह, प्रेम, मैत्री। ಓಲಾಡು ओलाडु (क) क्रि.— पसंद कर, प्रेम कर ; नहा, जलक्रीडा कर। ಓಲಾಡಿಸು ओलाडिसु (क) क्रि.— नहला, स्नान करा, जलक्रीड करा (प्रे.)।

ಓಲಗ ओलग (क) सं.— सेवा, प्रभुभक्ति ; दरबार, राजसभा ; दर्शक, श्रोतागण ; शहनाई, वाद्यविशेष। —ಇಸು इसु (क) क्रि.— राजसभा कर ; सेवा कर ; उपस्थित रह। ಓಲಗಂಗೊಡು ओलगंगोडु (क) क्रि.— दे.

ಓಲಗ ಈ. ಓಲಗಂ ಪರಿ ओलगं परि (क) क्रि.— राजसभा या दरबार विसर्जित कर।

ಓಲಗ ಶಾಲೆ ओलग शाले़ (क) सं.— राजदरबार, राजसभा-मंदिर, बड़ा हॉल (Hall).

ಓಲಗಾರ್ತಿ ओलगार्त (क) सं.— सेवा करनेवाला, प्रभुभक्ति करनेवाला।

ಓಲಗಿಕಾಱ ओलगिकाऱ (क) सं.— सेवक, अनुचर, सहायक।

ಓಲಗಿಸು ओलगिसु. ಓಲಯ್ಸು ओलय्सु, ಓಲವಿಸು ओलविसु (क) क्रि.— सेवा कर, अनुगमन कर; एकत्रित हो, एक स्थान में मिल; (किसी की ओर) झुक।

ಓಲಿಸು ओलिसु (क) क्रि. =ಪೋಲಿಸು पोलिसु —तुलना कर, उपमा कर, मिला।

ಓಲಿಡು ओलिड़ु (क) क्रि.— गिरवी रख, बंधक रख; सत्कार कर।

ಓಲು ओलु (क) क्रि.— (किसी वस्तु के) *समान हो; झुक, तिरछा हो, असम हो;* लटक, झूल। सं.— ज़ामिन, ज़मानत, प्रतिभू (Security); ज़मानत या प्रतिभू के रूप में शत्रु को प्रदत्त व्यक्ति; बंधक, न्यास।

ಓಲುಗಾಱ ओलुगाऱ (क) सं.— ज़मानत देनेवाला, उत्तरदायी, ज़मीनदार; ज़मानत के रूप में शत्रु को प्रदत्त पुरुष। ಓಲುಗಾರ್ತಿ ओलुगार्ति—स्त्री. लिं.।

ಓಲೆ ओले़ (क) सं.— ताड़ का पत्ता जो लिखने के काम में आता है, तालपत्र; स्त्रियों के पहनने का ताड़ के पत्ते का कर्णाभरण, कर्णिका; सोने का कर्णाभूषण, बालियाँ; छतरी के आकार का शकट (गाड़ी) का चँदवा।—ಪುಸ್ತಕ पुस्तक (क) सं.— तालपत्रों की पुस्तक। ಓಲೆಯಮರ ओले़यमर (क) सं.— ताड़, तालवृक्ष।

ಓಲೆಕಾಱ ओले़काऱ [ಕಾರ कार] (क) सं.— तालपत्र ले जानेवाला सेवक, पत्रवाहक, संदेशवाहक।

ಓಲೆಭಾಗ್ಯ ओले़भाग्य (क) सं.— कर्णाभूषण पहनने का सौभाग्य; सुहाग, सुहागिन रहना।

(१) ಓವ ओव (क) सं.— दे. ಓಪ.

(२) ಓವ ओव (क) सं — दे. ಓವು (१).

ಓವದೆ ओवदे़ (क) कृ.— प्रेम न कर, रोष या क्रोध से।

ಓವರಿ ओवरि (तद्) सं.— उपगृह (तत्.; गर्भगृह, घर का भीतरी भाग, कमरा।

ಓವು ओवु (क) सं.— दे. ಓಪು (१) क्रि.— पालन कर, रक्षा कर, देखरेख कर।

ಓಷಧಿ ओषधि, ಓಷಧೀ ओषधी (सम्) सं.— पौधा, गुल्म; दवाई, दवा; पौधा विशेष जो पकने पर सूख जाता है।

ಓಷಧೀಶ ओषधीश, ಓಷಧೀಶ್ವರ ओषधीश्वर (सम्) सं.— चंद्रमा।

ಓಷ್ಠ ओष्ठ (सम्) सं.— अधर, होंठ। —ಪಾನ पान (सम्) सं.— चुंबन, चूमना।

ಓಷ್ಠಪುಷ್ಪ ओष्ठपुष्प (क) सं.— अधरों के समान लाल पुष्प, बंधूक कुसुम।

ಓಷ್ಠ್ಯ ओष्ठ्य (सम्) वि.— अधरों का। सं.— अधरों की सहायता से उच्चरित होनेवाले अक्षर— उ, ऊ, प, फ, ब, भ, म।

ಓಸರ ओसर, ವಾಸರ वासर, ವಾಸರು वासरु, ವಾಸರೆ वासरे़ (क) सं.— एक ओर झुकना, झुकाव, उतार, ढाल, असमता, असम (एक ओर झुका हुआ) बोझा।

ಓಸರಿಕೆ ओसरिके़ (क) सं.— एक ओर झुके रहने की स्थिति।

ಓಸರಿಸು ओसरिसु (क) क्रि.— झुक, एक ओर हो, एक ओर मुड़; पीछे हट, वापस ले; रास्ता दे, जगह दे, हवाले कर, स्वीकार कर; दूर हो, हट, निकल, अलग हो; पृथक कर; हिचकिचा; रोक, टोक।

ಓಸು ओसु (क) वि.— उतना, उस परिमाण का; सब, सारा, पूरा।

ಓಸುಗ ओसुग, ಓಸುಗರ ओसुगर, ಓಸ್ಕರ ओस्कर (क) अ.— के लिए, के वास्ते, के अर्थ, के निमित्त, के कारण।

ಓಹೊ ओहो, ಓಹೋ ओहो (क) वि.बो.— अहा!, ऐ!; ऐऐ!, रुक रुक! ಓಹೋಹೋ ओहोहो (दुहराना)।

ಓೞ್ ओळ् (क) सं.— [ಓೞ್ ओळ्-तमिळ्] —निधुवन, मैथुन।

ಓೞಿ ओळि (क) सं.— क्रमिक श्रेणी या पंक्ति, गुना, संख्या, कुल, समूह।

ಓಳ್ ओळ् (क) वि.— सात की संख्या का सूचक (समस्त-पदों में)।

ಓಳ್ ओळ्, ಓಳು ओळु (क) सं.=ಪೋಳ್ पोळ्, ಪೋಳು पोळु (ಹೋಳು होळु—आधुनिक कन्नड)—टुकड़ा, अंश, खण्ड।

ಔ औ

ಔ औ—कन्नड वर्णमाला का चौदहवाँ अक्षर। ಔ औ के बदले ಅವು अवु या ಅವ अव का भी प्रयोग द्रष्टव्य है (उदा.— ತೌರುಮನೆ तौरुमने़—ತವರ್ಮನೆ तवर्मने़=मायका)।

ಔಕ್ಷ औक्ष, ಔಕ್ಷಕ औक्षक (सम्) सं.— बैलों का झुंड।

ಔಘ औघ (सम्) सं.— स्तोम, समूह, समुदाय।

ಔಚಿತಿ औचिति, ಔಚಿತ್ಯ औचित्य (सम्) सं.— योग्यता, उपयुक्तता, लैलीनता, सचाई; संतोष, न्याय।

ಔತಪ औतप (सम्) सं.— जैन मुनियों का एक व्रत—मौनव्रत।

ಔತ್ತರೇಯ औत्तरेय (सम्) वि.— उत्तर दिशा से संबंधित। सं.—उत्तरा का पुत्र परीक्षित्।

ಔತ್ತಾನಪಾದಿ औत्तानपादि (सम्) सं.— राजा उत्तानपाद के पुत्र, ध्रुव, ध्रुवनक्षत्र।

ಔತ್ಸುಕ್ಯ औत्सुक्य (सम्) सं.— उत्सुकता, उत्कंठा; चिंता, व्याकुलता, बेचैनी।

ಔದನಿಕ औदनिक (सम्) सं.— रसोइया।

ಔದರಿಕ औदरिक (सम्) सं.— पेटू, भोजनभट्ट।

ಔದಾರ್ಯ औदार्य (सम्) सं.— उदारता; कुलीनता, बड़प्पन।

ಔದಾಸೀನ औदासीन, ಔದಾಸೀನ್ಯ औदासीन्य (सम्) सं.–उपेक्षा, उदासीनता, निरपेक्षता।

ಔದುಂಬರ औदुंबर (सम्) सं. — उदुंबर, गूलर का वृक्ष; उदुंबर से संबंधित।

ಔದ್ಧತ್ಯ औद्धत्य (सम्) सं.— उद्दण्डता, ढिठाई, धृष्टता, अक्खड़पन।

ಔದ್ವಾಹಿಕ औद्वाहिक (सम्) वि.— विवाह संबंधी। अ.— विवाह के समय कन्या को दिये जानेवाले उपहार।

ಔನ್ನತ್ಯ औन्नत्य (सम्) सं.— ऊँचाई, उच्चता, बड़ाई, बड़प्पन।

ಔಪಕಾರ್ಯ औपकार्य (सम्) सं.— बासा, खेमा, डेरा।

ಔಪಚಾರಿಕ औपचारिक (सम्) वि.— उपचार संबंधी, गौण, अप्रधान, जो केवल कहने-सुनने के लिए हो।

ಔಪಧರ್ಮ್ಯ औपधर्म्य (सम्) सं.— मिथ्या सिद्धांत, मिथ्या उपदेश, अपकृष्ट धर्म।

ಔಪಾಧಿಕ औपाधिक (सम्) वि.— कपटी, धोखेबाज़।

ಔಪಪತ್ತಿಕ औपपत्तिक (सम्) वि.— तैयार, पहुँच के भीतर, उपयुक्त, योग्य।

ಔಪಮ್ಯ औपम्य (सम्) सं.— उपमात्व, साम्य, तुलना।

ಔಪಯಿಕ औपयिक (सम्) वि. — योग्य, उचित; ठीक उपाय।

ಔಪಾಸನ औपासन, ಔಪಾಸನೆ औपासने (सम्) सं.— गृह्याग्नि, अग्निपूजा, उपासना से संबंधित दैनिक कर्म।

ಔರಭ್ರ औरभ्र (सम्) सं.— ऊनी वस्त्र, ऊनी कंबल।

ಔರಭ್ರಕ औरभ्रक (सम्) सं.— भेड़ों का झुंड।

ಔರಸ औरस (सम्) वि.— छाती से उत्पन्न, विहित। सं.— विहित पुत्र।

ಔರ್ಧ್ವದೇಹಿಕ और्ध्वदेहिक, ಔರ್ಧ್ವದೈಹಿಕ और्ध्वदैहिक (सम्) सं.— प्रेतकर्म, अंत्येष्टि कर्म।

ಔರ್ವ और्व (सम्) सं.— भृगुवंशी एक प्रसिद्ध ऋषि; वडवानल। —ಅಗ್ನಿ अग्नि (सम्) सं.— वडवानल।

ಔಲೂಕ್ಯ औलूक्य (सम्) वि.— उल्लू से संबंधित। सं.— वैशेषिक दर्शन के प्रचारक कणाद का नाम।

ಔಷಧ औषध (सम्) सं.— जड़ी-बूटी, दवाई।

ಔಷಧಾಚಾರ್ಯ औषधाचार्य (सम्) सं.— भगवान् धन्वन्तरी।

ಔಷಧಿ औषधि (सम्) सं.— ಅವುಸ್ತಿ अवुस्ति (तद्) दवा, दवाई।

ಔಷ್ಟ್ರಕ औष्ट्रक (सम्) सं.—ऊटों का समुदाय।

ಔಷ್ಠ್ಯ औष्ठ्य (सम्) वि.— अधरों से संबंधित। —ವರ್ಣ वर्ण (सम्) सं.— अधरों की सहायता से उच्चरित होनेवाले अक्षर—उ, ऊ, प, फ, ब, भ, म।

ಔಸದ औसद (तद्) सं.— औषधम् (तत्)।

ಕ क

ಕ क—कन्नड वर्णमाला का पंद्रहवाँ अक्षर, व्यंजनों में इसका प्रथम स्थान है।

ಕ क (सम्) सं.— ब्रह्मा; जीव, आत्मा; सूर्य; पवन; सिर; जल, पानी; आनंद, हर्ष; एक की संख्या।

ಕಂ कं (सम्) सं = ಕಮ್ कम्—ब्रह्मा; जीव, आत्मा; क्षेत्र; सूर्य; पवन, वायु, मारुत; सिर; जल, उदक; स्वर्ग; अग्नि; इंद्रिय; व्योम, आकाश; यति, संन्यासी; कीर, तोता; मयूर; आनंद, प्रसन्नता, सुख; शून्य (Zero).

ಕಂ कं (क) सं.= ಕಣ್ कण्—आँख। ಕಂಗಳ್ कंगळ् (क) सं.— आँखें (ಕಣ್ का ब.व.)। ಕಂಕಣ कंकण (क) सं.— आँसू। ಕಂಗಡೆ कंगड़े, ಕಣ್ಗಡೆ कणगड़े (क) सं.—एक झांकी, एक दृष्टि, कटाक्ष। ಕಂಗಾಣು कंगाणु (क) क्रि.= ಕಣ್ಗಾಣ್ कण्गाण्, ಕಣ್ಗಾಣ್ कणु-गाण्— आँखों से देख। ಕಂಗಾಣಿಸು कंगाणिसु (क) क्रि. = ಕಣ್ಗಾಣಿಸು कणगाणिसु—दिखा (प्रे.)। ಕಂಗೆಡಿಸು कंगेडिसु (क) क्रि. = ಕಣ್ಗೆಡಿಸು कणगेडिसु—आँख खराब या नष्ट कर, अंधा कर; भ्रम में डाल। ಕಂಗೆಡು कंगेडु (क) क्रि.= ಕಣ್ಗೆಡು कणगेडु—आँखें खो, अंधा बन; भ्रम में पड़। ಕಂಗೊಳಿಸು कंगोळिसु (क) क्रि.—ಕಣ್ಗೊಳಿಸು कणगोळिसु —प्रकाशमान हो, दिखाई पड़, आँखों को आकर्षित कर।

ಕಂಕ कंक (सम्) सं.— सारस, बगुला; यम; मिथ्या या बनावटी ब्राह्मण; युधिष्ठिर का नाम, जिन्होंने अज्ञातवास के समय राजा विराट के यहाँ अपना नाम कंक ही रखा था; एक प्रकार का आम।

ಕಂಕಟ कंकट, ಕಂಕಟಕ कंकटक (सम्) सं.— कवच; अंकुश।

ಕಂಕಡಿ कंकडि (तद्) सं. — कर्कटि (तत्); ककड़ी विशेष।

ಕಂಕಣ कंकण (सम्) सं.— कलाई में पहनने का आभूषण विशेष, कड़ा, विवाहसूत्र; मेखला, कमरबंद; कौस्तुभ, छाती पर पहनने का आभूषण; साधारणतया कोई भी आभूषण; चोटी; पानी की बूँद। —ಗ್ರಹಣ ग्रहण (सम्) सं.— आंशिक अथवा वार्षिक (सूर्य-चंद्र) ग्रहण। —ಬದ್ಧ बद्ध (सम्) वि.— कंकण पहना हुआ, तैयार, कार्य में उद्यत।

ಕಂಕಣೀಕ कंकणीक (सम्) सं.— बजनेवाला कलाई का आभूषण।

ಕಂಕತ कंकत, ಕಂಕತಿಕೆ कंकतिके (सम्) सं.— कंघी।

ಕಂಕಪತ್ರ कंकपत्र (सम्) सं.— पंखोंवाला एक प्रकार का बाण, तीर।

ಕಂಕಮಾಲೆ कंकमाले (सम्) सं.— एक बाजा,

वाद्यविशेष ; ताली बजने का समय ।

ಕಂಕಮುಖ कंकमुख (सम्) सं.— चिमटा ।

ಕಂಕರ कंकर (सम् ?) वि.— दुष्ट, नीच, बुरा ।

ಕಂಕರಿ कंकरि (तद्) सं.—खंकरि (तत्) ; बड़ा चाबुक ।

ಕಂಕರಿಕೆ कंकरिके (तद्) सं.—कंकणिका (तत्); दे. ಕಂಕಣಿಕೆ.

ಕಂಕರ कंकर (अ.दे.) सं.— कंकड़ (हिं.) ।

ಕಂಕಳ कंकळ (तद्) सं.— कंकण (तत्) ; दे. ಕಂಕಣ (१).

ಕಂಕಳ್ कंकळ्, ಕಂಕಳು कंकळु, ಕಂಕುಳ್, कंकुळ्, ಕಂಕುಳ कंकुळ, ಕಂಕುಳು कंकुळु [ಕಂಕಳು कंकलु, ಕಂಕುಳು कंकुलु—आधुनिक कन्नड] (क) सं.— काँख ।

ಕಂಕಾಲ कंकाल (सम्) सं.— ठठरी, अस्थि-पंजर, हड्डियों का ढाँचा । —ಧರ धर (सम्) सं.— शिव । —ಪಾಣಿ पाणि (सम्) सं.— शिव । —ಮಾಲಿ मालि (सम्) सं.— शिव ।

ಕಂಕಾಲಿ कंकालि (सम्) सं.— शिव जी के एक अनुचर का नाम ।

ಕಂಕಿ कंकि, ಕಂಕು कंकु (क) सं.— भूसा अलगाया हुआ ज्वार या कोई अनाज ।

ಕಂಕೇಲಿ कंकेलि, ಕಂಕೇಳ್ಳಿ कंकेल्लि (सम्) सं.— अशोक वृक्ष ।

ಕಂಕೊಷ್ಠಿ कंकोष्ठि (सम्) सं.— लता विशेष ; पट्टपर्णि, हैमवती पौधा ।

ಕಂಗನೆ कंगने (क) अ.— अधिक, बहुत, समृद्ध रूप से ।

ಕಂಗಳ कंगळ, ಕಂಗಾಳ कंगाळ (क) सं.— अंधा मनुष्य ।

ಕಂಗಾರು कंगारु, ಕಂಗಾಲು कंगालु, ಕಂಗು कंगु (क) सं.— असंतृप्ति, असंतोष ; क्रोध ।

ಕಂಗಾಲ್ कंगाल् (अ.दे.) वि.— कंगाल (हिं), दरिद्र, ग़रीब ; खराब ; निर्बल, असार (जैसे भूमि) । ಕಂಗಾಲ कंगाल— दरिद्र, भिक्षुक या निर्बल पुरुष (मै.प्र.) ।

ಕಂಗಾಲತನ कंगालतन (अ.दे.) सं.—दारिद्र्य, ग़रीबी ; दीनता, विपत्ति ।

ಕಂಗಾಲಿ कंगालि (अ.दे.) सं.— दीनता, विपत्ति ; दे. ಕಂಗಾಲ.

ಕಂಗಾಲು कंगालु (क) सं.— दे. ಕಂಗಾರು.

ಕಂಗಾಳ कंगाळ (क) सं.— दे. ಕಂಗಳ.

ಕಂಗಾಳಿ कंगाळि (अ.दे.) सं.— दे. ಕಂಗಾಲಿ

(१) ಕಂಗು कंगु (क) सं.— बड़ा विस्मय, अत्यंत आश्चर्य ; दे. ಕಂಗಾರು ; अरुचि (साधारणतया इसका प्रयोग तेल के जलते समय उसकी दुर्गंध को सूचित करने के लिए किया जाता है); ज्वलनि या ज्योतिष्मति (cardispermum halicacabum) ।

(२) ಕಂಗು कंगु (तद्) सं.— क्रमुक (तत्) ; सुपारी का पेड़ ; प्रियंगु (The Indian Millet).

ಕಂಗುಂಗೆ कंगुंगे, ಕಂಗೊಂಗೆ कंगोंगे, ಕಂಗೊಂದಿ कंगोंदि (क) सं.— दे. ಕಂಗು (२).

ಕಂಚ कंच, ಕಂಚು कंचु (तद्) सं.— कांस्य (तत्) ; कांसा । —ಮಿಂಚಾಗು मिंचागु (क) क्रि.— अचानक चमक, प्रकाशित हो या दिखाई पड़ ।

ಕಂಚುಕ कंचुक (सम्) सं.— कवच ; चोली, जाकट ; सर्पचर्म, केंचुली ।

ಕಂಚುಕಾಂಗ कंचुकांग (सम्) सं.— एक प्रकार की चोली ।

ಕಂಚುಕಿ कंचुकि (सम्) सं.— कवचधारी ; चोली पहनी हुई (स्त्री) ; ज़नानी ड्योढी का रक्षक, शयन गृह का परिचारक, अंतःपुर का रक्षक ; सांप ; चोली ; कवच ।

ಕಂಚುಕಿತ कंचुकित (सम्) वि.— कवचधारी, चोली पहनी हुई (स्त्री) ।

ಕಂಚುಗಾರ कंचुगार, ಕಂಚಗಾರ कंचगार [ಗಾರ गार] (तद्) सं.— ठठेरा ।

ಕಂಜ कंज (सम्) सं.— कमल, पद्म ; ब्रह्मा । —ಗರ್ಭ गर्भ (सम्) सं.— विष्णु । —ಜ ज (सम्) सं.— ब्रह्मा । —ಜಾತ जात (सम्) सं.— दे. ಕಂಜಜ. — (ಕಂ) ಜೋದ್ಭವ (कं) जोद्भव (सम्) सं.— नारद । —ನಾಭ नाभ (सम्) सं.— विष्णु । —ನಾಲ नाल (सम्) सं.— कमल का डंडा । —ನೇತ್ರೆ नेत्र (सम्) सं.— कमल (के समान) नेत्र-वाली स्त्री । —ಬಾಣ बाण (सम्) सं.— कामदेव । —ಭವ भव (सम्) सं.— ब्रह्मा ।

ಕಂಜರ कंजर (सम्) सं.— उदर, पेट ; हाथी ; सूर्य ; ब्रह्मा ।

ಕಂಜರೀಟ कंजरीट (तद्) सं.—खंजरीट (तत्); खंजन पक्षी ।

ಕಂಜಲೋಚನ कंजलोचन (सम्) सं.— कमल नेत्रवाले, विष्णु ।

ಕಂಜವೈರಿ कंजवैरि (सम्) सं.— चंद्रमा ।

ಕಂಜಶರ कंजशर (सम्) सं.— कामदेव ।

ಕಂಜಸಖ कंजसख (सम्) सं.— सूर्य ।

ಕಂಜಸದ್ಮೆ कंजसद्मे (सम्) सं.— लक्ष्मी ।

ಕಂಜಾತ कंजात (सम्) सं.— दे. ಕಂಜ.

ಕಂಜಾಪ್ತ कंजाप्त (सम्) सं.— दे. ಕಂಜಸಖ.

ಕಂಜಾರಿ कंजारि (सम्) सं.— दे. ಕಂಜವೈರಿ.

ಕಂಜಾಸನ कंजासन (सम्) सं.— ब्रह्मा ।

ಕಂಜಾಸ್ಯೆ कंजास्ये (सम्) सं.— कमलमुखी (स्त्री) ।

ಕಂಜೋದಯ कंजोदय, ಕಂಜೋದ್ಭವ कंजोद्भव (सम्) सं.— ब्रह्मा ।

ಕಂಜೋದರ कंजोदर (सम्) सं.— विष्णु ।

ಕಂಟ कंट (तद्) सं.— कंठ (तत्) ; तालपत्र पर लिखने के लिए प्रयुक्त लोहे की लेखनी ; बर्तन का कंठ ; कंटक ।

ಕಂಟಕ कंटक (सम्) सं.— काँटा, सूई या आलपिन की नोंक ; पुलक, रोमांच ; तकलीफ़ देनेवाला, शत्रु ; व्याकुलता, व्यग्रता या विघ्न का कारण, पाप ; युद्ध, खतरा ; लुब्धक, व्याध, शिकारी । —ಛೇದ್ಯ छेद्य (सम्) सं.— काँटे काटनेवाला आयुध । —ದ್ವಾರ द्वार (सम्) सं.— विघ्नदायक द्वार (दरवाज़ा) । —ಫಲ फल (सम्) सं.— कटहल ।

ಕಂಟಕಿ कंटकि (सम्) सं.— चुभनेवाली वस्तु, तंग करनेवाली स्त्री, एक पौधा विशेष ।

ಕಂಟಣೆ कंटणे, ಕಂಟಳೆ कंटळे (क) सं.— डरना, भीत होना, पीछे हटना ।

ಕಂಟಣಿಸು कंटणिसु, ಕಂಟಳಿಸು कंटळिसु (क) क्रि.—डर, भीत हो, हिम्मत हार, व्याकुल हो ।

ಕಂಟಿ कंटि (सम्) सं.—कांटेदार वृक्ष । (तद्) सं.— कंठिका (तत्); गले में पहनने का सोने का हार ।

ಕಂಟಿಕಫಲ कंटिकफल (सम्) सं.— दे. ಕಂಟಕ ಫಲ.

ಕಂಟಿಕೆ कंटिके, ಕಂಡಿಕೆ कंडिके, ಕಂಡು कंडु (क) सं.— लपेटा गया धागा, वेम, करघा ।

ಕಂಟಿಗೆ कंटिगे, ಕಂಟಿಕೆ कंटिके (तद्) सं.— कंठिका (तत्) ।

ಕಂಟಿಸು कंटिसु (क) क्रि.— दुःख दे, कष्ट दे ।

ಕಂಟು कंटु (क) सं.— कुएँ की दीवार पर लगा अँखुआ; कुएँ की सीढ़ियों का नीचे उतरने का डंडा; बर्तन का कोर या किनारा; बर्तन का तल ।

ಕಂಠ कंठ (सम्) सं.— गला, गर्दन; बर्तन का गर्दन; लोहे की लेखनी; स्वर, नाद, ध्वनि; शरीर, देह; सामीप्य, पड़ोस; तट, किनारा । —ಗತ गत (सम्) वि.— गले में स्थित, गले में आया या अटका हुआ । —ಗರಲ गरल (सम्) सं.— शिव । —ಪಾಠ पाठ (सम्) सं.— कंठस्थ करना । —ಭೂಷೆ भूषे (सम्) सं.— गले में पहनने की छोटी माला । —ಮಾಲೆ माले (सम्) सं.— गले में पहनने का हार । —ಲಗ್ನ लग्न (सम्) वि.— गले में लगा हुआ, आलिंगित । —ಶೋಷ शोष (सम्) सं.=ಕಂಠಶೋಷಣ कंठशोषण— गला सूखना, निरर्थक बात, व्यर्थ की अभिव्यक्ति । —ಸೂತ್ರ सूत्र (सम्) सं.— मांगल्य, मंगलसूत्र ।

ಕಂಠಿ कंठि (सम्) सं.— गले में पहनने का हार ।

ಕಂಠಿಕೆ कंठिके (सम्) सं.— एकावली, गुंज ।

ಕಂಠೀರವ कंठीरव (सम्) सं.— कंठ से गर्जन करनेवाला. सिंह, शेर; हाथी; कबूतर । —ರಾಯ राय (सम्) सं.— मैसूर के एक राजा का नाम । ಕಂಠೀರಾಯ कंठीराय= ಕಂಠೀರವರಾಯ कंठीरवराय ।

ಕಂಠೀಸರ कंठीसर (सम्) सं.— दे. ಕಂಠಿ.

ಕಂಠೋಷ್ಠ್ಯ कंठोष्ठ्य (सम्) सं.— ಒ, ಓ और ಔ वर्ण ।

ಕಂಡ कंड (तद्) सं.— खंड (तत्), मांस-खंड; टुकड़ा, काटना, काटना या तोड़ना । कांड दे. ಕಾಂಡ.

ಕಂಡ कंड (क) सं.— मांस, गोश्त । क्रि.रू.= ಕಂಡ್ಯ कंड्य, ಕಂಡ್ಯಾ कंड्या—देखा क्या (तूने या तुमने) ।

ಕಂಡಗ कंडग, ಕಂಡಿಗ कंडिग. ಕಂಡುಗ कंडुग (क) सं.— नापविशेष, लगभग २८ मन (एक मन=४८ सेर) का परिमाण ।

ಕಂಡಣೆ कंडणे (क) सं.—अंतिम निर्णय, सुलह; संधि ।

ಕಂಡನೆ कंडने (क) सं.— दे. ಕಂಡಣೆ (मै-प्र.) ।

ಕಂಡಪಟ कंडपट (तद्) सं.— काण्डपट (तत्); कनात, पर्दा ।

ಕಂಡಪಡ कंडपड (तद्) सं.— कांडपट (तत्); दे. ಕಂಡಪಟ.

ಕಂಡರಣೆ कंडरणे (क) सं.— शिल्पकलाकृति, शिल्पकला का काम, नक्काशी ।

ಕಂಡರಿಸು कंडरिसु (क) क्रि.— अंकित कर, चित्रित कर, नक्काशी कर, काट, खंडित कर ।

ಕಂಡರೆ कंडरे (तद्) सं.— कंडरा (तद्); नस, कंठ की प्रधान नस ।

ಕಂಡಲಿ कंडलि (क) सं.— चीर फाड़ करने का आयुध विशेष, एक प्रकार का चिमटा ।

ಕಂಡಿ कंडि, ಕಿಂಡಿ किंडि, ಗಂಡಿ गंडि (क) सं.— छोटी खिड़की, रंध्र, छेद, खुला स्थान ।

ಕಂಡಿಕೆ कंडिके (क) सं.— टुकड़ा, खंड; नाल, कांड; वेम, करघा, वायदण्ड ।

ಕಂಡಿತ कंडित (क) अ.=ಖಂಡಿತ खंडित— बिलकुल, नितांत, सचमुच, दृढ़ रूप से ।—ವಾದಿ (क) सं.— वह, जो न्याय और सत्य की बात कहता है ।

ಕಂಡಿಸು कंडिसु (क) क्रि.— निश्चित कर (साधारणतया किसी वस्तु का मूल्य निश्चित करना) ।

ಕಂಡು कंडु (क) सं.— वेम, वायदण्ड, करघा । कृ.—('ಕಾಣ್' काण् अथवा ಕಾಣು काणु= देख' से) देखकर ।

ಕಂಡುಗ कंडुग (क) सं.— दे. ಕಂಡಗ.

ಕಂಡೂತಿ कंडूति (सम्) सं.—खुजलन, खुजली, खाज ।

ಕಂಡೂಯನ कंडूयन (सम्) सं.— मलना, खुजलना; खुजली ।

ಕಂಡೂಯಮಾನ कंडूयमान (सम्) सं.— मलना, खुजलना ।

ಕಂಡೂಯೆ कंडूये (सम्) सं.—दे. ಕಂಡೂಯನ.

ಕಂಡೆಯ कंडेय (क) सं.— एक प्रकार का खड्ग ।

ಕಂಡೋಲ कंडोल (सम्) सं.— बाँस की टोकरी जिसमें अनाज रखा जाता है; ऊँट ।

ಕಂತ कंत, ಕಂತು कंतु (क) सं.— किश्त (Instalment), ऋणभाग ।

ಕಂತಿ कंति (क) सं.— तेल और काली पुड़िया का मिश्रण जो शिवलिंग तथा नंदी पर लेपन करने के काम में आता है ।

ಕಂತಿ कंति (सम्) सं.— कन्नड की एक प्राचीन कवयित्रि का नाम; संन्यासिनी, भिक्षुकी (भिक्षुणी) ।

ಕಂತು कंतु (क) सं.— दे. ಕಂತ. क्रि.—अस्त हो, डूब ।

ಕಂತು कंतु (सम्) सं.— प्रसन्नता; कामदेव; हृदय; धान्यागार, खत्ती ।

ಕಂತುಕ कंतुक, ಕಂದುಕ कंदुक (सम्) सं.— गेंद ।

ಕಂತುಪಿತ (सम्) सं.— विष्णु ।

ಕಂತುಮರ್ದನ कंतुमर्दन, ಕಂತುವೈರಿ कंतुवैरि, ಕಂತುಹರ कंतुहर (सम्) सं.— शिवजी ।

ಕಂತೆ कंते (क) सं.— गठरी (घास आदि की) ।

ಕಂತೆ कंते (तद्) सं.— कंथा (तत्); व्यर्थ की वस्तु या बात । —ಬಿಸಾಡು बिसाडु (तद्) क्रि.—पुराने कपड़े फेंक; मर जा (मुह.) । —ಪುರಾಣ पुराण (तद्) सं.— निस्सार बात या विवरण ।

ಕಂತೆಗ कंतेग (तद्) सं.— कंथाधारिन् (तत्); कथरी पहननेवाला, योगी, भिक्षुक ।

ಕಂಥೆ कंथे (सम्) सं.— कंथा, कथरी, कथड़ी; दीवार । ಕಂಥೆಯಲ್ಲಿ ಕಲ್ಲಿನಾಥಯ್ಯ, कंथेयल्लि कल्लिनाथय्य — दीवार में कल्लिनाथय्या (भगवान्) ! (कह.) ।

ಕಂದ कंद (क) सं.— छोटा शिशु, मुन्ना, मुन्नी, लाल; एक वृत्त का नाम । ಕಂದಯ್ಯ, कंदय्य=ಕಂದ. (सम्) सं — कंदमूल, खाने योग्य जड़; मेघ, बादल, गाँठ, गुमड़ी; लहसन; गर्दन का निचला भाग ।

ಕಂದಕ कंदक (अ.दे.) सं.— खंदक, गड्ढा, किले के चारों ओर की खाई ।

ಕಂದಣಿಕೆ कंदणिके (क) सं.— खाली बोरा ।

ಕಂದಮೂಲ कंदमूल (सम्) सं.— मूली, शकरकंद आदि जड़ें ।

ಕಂದರ कंदर (सम्) सं.— गुफ़ा, घाटी, खुखाल ।

ಕಂದರಿ कंदरि, ಕಂದರಾ कंदरा, ಕಂದರೆ कंदरे (सम्) सं.— गुफ़ा, घाटी ।

ಕಂದರ್ಪ कंदर्प (सम्) सं.—कामदेव, मन्मथ । —ಜನಕ जनक (सम्) सं.— विष्णु । —ಜಾತ जात (सम्) सं.— एक वृत्त का नाम । —ರಿಪು रिपु (सम्) सं.— शिव । —ವೈರಿ वैरि, ಅರಿ अरि (सम्) सं.— शिव ।

ಕಂದಲ್ कंदल्, ಕಂದಲು कंदलु, ಕಂದ್ಲು कंद्लु (क) सं.— मिट्टी का छोटा बर्तन ।

ಕಂದಲ कंदल (सम्) सं.— गाल, गाल और कनपटी; कपाल, खोपड़ी; अंकुर, अँखुआ; युद्ध, लड़ाई; सुवर्ण, सोना ।

ಕಂದಲಿ कंदलि (सम्) सं.— एक जाति का हिरन; केले का पौधा; झंडा, ध्वज, पताका ।

ಕಂದವಾಹನ कंदवाहन (सम्) सं.— मेघवाहन-इन्द्र ।

ಕಂದಾಚಾರ कंदाचार (सम्) सं.— सेना, पुलिस, सिपाही ।

ಕಂದಾಯ कंदाय (सम्) सं.— कर, लगान; मकान, भूमि आदि से संबंधित कर; (ज्योतिष में) चार मास का अंतर ।

ಕಂದಿ कंदि (क) सं.— ब्यायी गाय; बछड़ा । (सम्) सं.— सफ़ेद और भूरे रंग का मिश्रण, धूसर वर्ण ।

ಕಂದಿಕೆ कंदिके (क) सं.— कांतिहीन होना, मंद पड़ना, सूखना, मुरझाना ।

ಕಂದಿಲ್ कंदिल्, ಕಂದೀಲ್ कंदील् (अ.दे. ?) सं.=ಕಂದೀಲ कंदील, ಖಂದೀಲ खंदील— लालटेन, दीपक, कंडील ।

ಕಂದಿಸು कंदिसु (क) क्रि.— कांतिहीन कर, मंद कर, सुखा, मुरझा (प्रे.) ।

ಕಂದು कंदु (क) क्रि.— मुरझा, सूख, कांतिहीन हो । सं.— पशुओं का बच्चा, बछड़ा; छोटे-छोटे केले के पौधे; पीसने का पत्थर । कलंक, कालिमा, आभाहीनता; निरुत्साह, दुःख, पीड़ा ।

ಕಂದು कंदु (सम्) सं.— बटलोई; तंदूर चूल्हा; तवा ।

ಕಂದುಕ कंदुक (सम्) सं.— गेंद ।

ಕಂದುಗಾಱ कंदुगाऱ [ಗಾರ गार] (क) सं.— वह जिसकी आँखें मंद हों ।

ಕಂದೋಟಿ कंदोटि, ಖಂದೋಟಿ खंदोटि (अ. दे.?) सं.—धन को रक्षित रखने की वस्तु-थैली, पेटी आदि ।

ಕಂಧ कंध (सम्) सं.—मेघ, बादल; गर्दन ।

ಕಂಧರ कंधर (सम्) सं.— गर्दन; मेघ, बादल ।

ಕಂಧರೆ कंधरे (सम्) सं.— गर्दन ।

ಕಂಧಿ कंधि (सम्) सं.— समुद्र; गर्दन ।

ಕಂಪ कंप (सम्) सं.— हिलना, काँपना, थरथराना ।

ಕಂಪಣ कंपण (तद्) सं.— कंपन (तत्); एक आयुध विशेष ।

ಕಂಪನ कंपन (सम्) सं.—दे. ಕಂಪ; ಕಂಪಣ.

ಕಂಪಣಿಗ कंपणिग (क) सं — रक्षक, द्वारपाल, नौकर ।

ಕಂಪಾಡಗ कंपाडग (क) सं. — सागौन (Teak) ।

ಕಂಪಾಯಮಾನ कंपायमान (सम्) वि.— हिलनेवाला, काँपनेवाला, थरथरानेवाला, डरा हुआ, भीत ।

ಕಂಪಿತ कंपित (सम्) वि.— हिलता हुआ, कांपता हुआ ।

ಕಂಪಿಲ कंपिल, ಕಂಪಿಲ್ಲ कंपिल्ल, ಕಾಂಪಿಲ್ಲ कांपिल्ल, ಕಾಂಪಿಲ್ಯ कांपिल्य (सम्) सं.— एक पौधा विशेष ।

ಕಂಪಿಸು कंपिसु (सम्) क्रि.— कंपित हो, थरथरा, हिल-डुल । (क) क्रि.— सुगंधित हो, सुगंध फैला ।

ಕಂಪು कंपु (क) सं.— दुर्गंध, बदबू; सौरभ, सुगंध, महक । —ಗಾತಿ गाति (क) सं.— सुगंध फैलानेवाली स्त्री ।

ಕಂಪುಗು कंपुगु, ಕಂಪು ಬೀರು कंपु बीरु (क) क्रि.— सुगंध फैला, सुगंधित हो ।

ಕಂಪ್ರ कंप्र (सम्) वि.— हिलता हुआ, डुलता हुआ, कांपता हुआ ।

ಕಂಬ कंब, ಕಂಭ कंभ (तद्) सं.— स्तंभ (तत्); खंभा ।

ಕಂಬನಿ कंबनि (क) सं — आँसू, अश्रु ।

ಕಂಬಲ कंबल, ಕಂಬಳಿ कंबळि (सम्) सं.— ऊनी कंबल, कमरी, गलथ्या ।

ಕಂಬಳ कंबळ (क) सं.— कूली, दैनिक पारिश्रमिक (जो प्रायः अनाज के रूप में दिया जाता है) । —ಗಾಱ गाऱ [ಗಾರ गार] (क) सं.— मज़दूर, कूली, श्रमिक ।

ಕಂಬಳಿ कंबळि (तद्) सं.— दे. ಕಂಬಲ.

ಕಂಬಾರ कंबार (तद्) सं.=कम्मार—(कर्मकार) —लोहार। —ಗಿತ್ತಿ गित्ति (तद्) सं.— लोहार की स्त्री।

ಕಂಬಾರಿಕೆ कंबारिके (सम्) सं.— लोहार का पेशा।

ಕಂಬಿ कंबि (क) सं.— तार; शलाका, लोहे की सलाई; नाक की हड्डी; धोती, साड़ी आदि में बीच-बीच में या अंत में लगनेवाली पट्टी; भारयष्टि, भारी वस्तुओं को ढोने की (कंधे पर रखकर) बाँस की लकड़ी; गदा, लाठी। सं.— चमच, कछली; बाँस की शाखा या मिलाव।

ಕಂಬಿಕಾರ कंबिकार [ಕಾರ कार] (क) सं.— कंधे पर बाँस की लकड़ी रखकर उसके सहारे सामान ढोनेवाला, कहार।

ಕಂಬಿಕೀಳು कंबिकीळु (क) क्रि.— भाग, चंपत हो।

ಕಂಬಿಗ कंबिग (क) सं.— गदाधारी, द्वारपाल, द्वाररक्षक।

ಕಂಬು कंबु (सम्) सं.—शंख; रंगबिरंगा रंग, सफ़ेद रंग; कंकण, वलय; गज, हाथी; जल, पानी; गर्दन; एक अनाज। —ಕಂಠಿ कंठि (सम्) सं.— शंख जैसी गर्दनवाली स्त्री।

ಕಂಬುಕ कंबुक (सम्) सं.— शंख; कंकण, वलय; नीच या तुच्छ पुरुष।

ಕಂಬುಗೆ कंबुगे (क) सं.— रथगुप्ति, वरूथ, रथ के किनारे या चारों ओर लगा हुआ काठ या लोहे का ढाँचा जो रथ को दूसरे रथ से टकराने से बचाता है।

ಕಂಬುಕಂಠ कंबुकंठ, ಕಂಬುಗಲ कंबुगल, ಕಂಬುಗ್ರೀವ कंबुग्रीव (सम्) सं.—शंख के समान गर्दन।

ಕಂಭ कंभ (तद्) सं.— दे. ಕಂಬ.

ಕಂಯಿ कंयि (क) सं.=ಕಯ್ಪ್ कय्—कडुआपन, कटुः।

ಕಂಸ कंस (सम्) सं.— काँसा; धातु का बर्तन, जल पीने का पात्र, गिलास, घंटी, कटोरा; मथुरा का राजा कंस, जिसे श्रीकृष्ण ने मारा था। —ಜಿತ್ जित् (सम्) सं.— श्रीकृष्ण। —ತಾಲ ताल (सम्) सं.— काँसे का झांझ या मंजीरा। —ಹರ हर (सम्) सं.— श्रीकृष्ण।

ಕಂಸಾಂತಕ कंसांतक, ಕಂಸಾರಾತಿ कंसाराति, ಕಂಸಾರಿ कंसारि (सम्) सं.— श्रीकृष्ण।

ಕಂಸಾಳ कंसाळ (तद्) सं.—कांस्यताल (तत्); एक प्रकार का झांझ या मंजीरा।

ಕಂಸಾಳಕ कंसाळक (सम्) सं.— सोना-चांदी का काम करनेवाला, सोनार। (ಕಂಸಾಲವಾಡು कंसालवाडु—तेलुगु)।

ಕಂಸಾಳಗಿತ್ತಿ कंसाळगित्ति (सम्) सं.—सोना-चांदी का काम करनेवाली, सुनारिन।

ಕಕ್ कक् (क) सं.= ಕಾ का—जंगल, वन। ಕಕ್ಕವಾಡೇಕಾಯಿ कक्कवाड़े कायि—इंद्रवारुणि (colocynth)।

ಕಕಲಾತೆ ककलाते, ಕಕುಲತೆ ककुलते, ಕಕುಲಾತೆ ककुलाते, ಕಕುಳತೆ ककुळते, ಕಕ್ಕಲಾತೆ कक्कलाते, ಕಕ್ಕುಲತೆ कक्कुलते, ಕಕ್ಕುಲಿತೆ कक्कुलिते (क) सं.— प्रेम, प्रीति; इच्छा, कामना, व्यर्थ की कामना।

ಕಕುಸ್ಥ ककुस्थ (सम्) सं.— इक्ष्वाकु वंश का एक राजा।

ಕಕುಸ್ಥಜ ककुस्थज (सम्) सं.— राम।

ಕಕುದ್ ककुद्, ಕಕುದ ककुद (सम्) सं.— चोटी, शिखर; बैल का कुब्ब; सींग; सांड; प्रधान, मुख्य; राजकीय चिह्न; कृपाण, खड्ग; बैल या सांड का थूथुन; आकाश, गगन।

ಕಕುದ್ಮ ककुद्म, ಕಕುದ್ಮತ್ ककुद्मत् (सम्) सं.— बैल, सांड।

ಕಕುದ್ಮತಿ ककुद्मति (सम्) सं.— जघन, कूल्हा।

ಕಕುಭ್ ककुभ्, ಕಕುಭ ककुभ (सम्) सं.— दिशा; चोटी, शिखर; कांति, सौंदर्य; प्रधान, मुख्य, श्रेष्ठ; वीणा की झुकी हुई लकड़ी; अर्जुनवृक्ष; गीत, गीतविधि।

ಕಕುಲತೆ ककुलते, ಕಕುಲಾತೆ ककुलाते, ಕಕುಳತೆ ककुळते (क) सं.— दे. ಕಕಲಾತೆ.

ಕಕೋಕ ककोक, ಕಕ್ಕೋಕ कक्कोक, ಕಕುಫ ककुफ, ಕೋಕ कोक (सम्) सं.— एक पंडित का नाम।

ಕಕ್ಕ कक्क (अ.दे.) सं.— काका (हिं); चाचा।

ಕಕ್ಕ कक्क, ಕಕ್ಕರಿ कक्करि, ಕೊಕ್ಕರಿ कोक्करि, ಕೊಂಗ कोंग, ಕೊಗ್ಗ कोग्ग, ಕೊಂಗು कोंगु, ಕೊಂಗರಿ कोंगरि (क) वि.— वक्र, टेढ़ा। ಕಕ್ಕಬಿಕ್ಕರಿ कक्कबिक्करि, ಕಕ್ಕರಿ ಬಿಕ್ಕರಿ कक्करि-बिक्करि—टेढ़ा-मेढा।

ಕಕ್ಕಡ कक्कड (क?) सं.— दीवट, मशाल।

ಕಕ್ಕಡೆ कक्कड़े (क) सं.— एक आयुध विशेष, खड्ग, बरछी।

ಕಕ್ಕಲಾತೆ कक्कलाते (क) सं.— दे.— ಕಕಲಾತೆ.

ಕಕ್ಕಸ कक्कस (तद्) सं.— कर्कश (तत्); थकावट, साँस लेने में कठिनाई का अनुभव, दमा; दर्द, पीड़ा; कठिनता, क्रूरता।

ಕಕ್ಕಸಗಾರ कक्कसगार [ಗಾರ गार] (क) सं.— क्रूर पुरुष।

ಕಕ್ಕಸತೆ कक्कसते (तद्) सं.— कर्कशता (तत्)।

ಕಕ್ಕಸು कक्कसु, ಕಕ್ಕೋಸು कक्कोसु, ಕಕ್ಕೂಸ್ कक्कूस् (क?) सं.— संडास, शौचगृह, पायखाना।

ಕಕ್ಕಾ कक्का (क) वि.— घबराया हुआ, कातर, भीरु। —ಬಿಕ್ಕ बिक्क (क) सं.— भीरु या कातर पुरुष। —ಬಿಕ್ಕರಿ बिक्करि, ಬಿಕ್ಕಿ बिक्कि, ಬಿಕ್ಕು बिक्कु (क) सं.— घबराहट, कातरता, भीरुता; भयध्वनि।

ಕಕ್ಕಿ कक्कि (क) सं. = ಕಕ್ಕೆ कक्के—वृक्ष विशेष, राजतरु, सुवर्ण पुष्पी।

ಕಕ್ಕಿ कक्कि (अ.दे.) सं.— काकी (हि.)।

ಕಕ್ಕಿಸು कक्किसु (क) क्रि.— वमन करा, उगला, (पेट के अंदर से) बाहर निकलवा; बुरी रीति से खायी गयी किसी चीज़ (पैसा आदि) को बाहर निकलवा दे या वापस ले ले।

ಕಕ್ಕು कक्कु (क) क्रि.— वमन कर, उगल, (पेट के अंदर से) बाहर निकाल। सं.—

=ಕಡಿಕು कडिकु, ಕಡುಕು कडुकु, ಕಱುಕು करुकु, ಕರ್ಕು कर्कु, ಗರಕು गरकु—किसी आयुध का नुकीला भाग, तीक्ष्णता, आरे की धार या नोंक; नुकीलापन, असम (टेढ़ा-मेढ़ा) सतह या भाग; कठोरता, अकोमलता; खण्ड, टुकड़ा; औकाई, वमन की हुई चीज़। वि. = ಕಕ್ಕ ककवा— दे. ಕಕ್ಕ. ಕಕ್ಕು ಬೆಕ್ಕು कक्कुबेक्कु = ಕಕ್ಕಾಬಿಕ್ಕಿ कक्का बिक्कु।

ಕಕ್ಕುದರಿ कक्कुदरि (क) सं.— दाँतोंवाला आयुध विशेष, आरे जैसा आयुध।

ಕಕ್ಕುಲ कक्कुल (सम्) सं.— बकुल वृक्ष।

ಕಕ್ಕುಲತೆ कक्कुलते, ಕಕ್ಕುಲಿತೆ कक्कुलिते (क) सं.— दे. ಕಕ್ಕಲಾತೆ.

ಕಕ್ಕುಲಿತೆಕಾರ कक्कुलितेकार (क) सं.— प्रेम-करनेवाला पुरुष।

ಕಕ್ಕೋಲಕ कक्कोलक (सम्) सं.— एक सुगंध द्रव्य।

ಕಕ್ಕೋಸು कक्कोसु (क) सं.— दे. ಕಕ್ಕಸು.

ಕಕ್ಖಟ कक्खट (सम्) वि.— सख्त, कड़ा, कठोर, ठोस।

ಕಕ್ಷ कक्ष (सम्) सं.— ಕಚ್ಚ कच्च, ಕಚ್ಚೆ कच्चे (तद्)— धोती का छोर, काछनी, कछवा; कौपीन; कमरबंद, कांची; घास, सूखी घास; लता, बेल विशेष; राजा का अंतःपुर, प्रांगण; काँख, बगल; कांतार, जंगल का भीतरी भाग; (तर्क-वितर्क में) आपत्ति उठाना; दलदलवाली ज़मीन; भैंस; फाटक; तारा; पाप; कक्षा, कमरा। —ಪಾಲ पाल, ಪಾಲಿಕೆ पालिके, ಪುಟ पुट (सम्) सं.— काँख या बगल में दबाने की थैली। —ಅಂತರ अंतर (सम्) सं.— प्रकोष्ठ।

ಕಕ್ಷಾಪಟ कक्षापट (सम्) सं.— ಕಚ್ಚಟ कच्चट, ಕಚ್ಚುಟ कच्चुट (तद्)— काछनी, धोती बांधना, कछवा; लंगोट।

ಕಕ್ಷಿ कक्षि (क) सं.— विरोधी पक्ष; विरोध, आपत्ति। —ಗಾರ गार या ಗಾಱ गाऱ= वकील के पास मुकद्दमा ले जानेवाला।

ಕಕ್ಷೆ कक्षे, ಕಕ್ಷಾ कक्षा (सम्) सं.— दे. ಕಕ್ಷ.

ಕಕ್ಷೇಸು कक्षेसु (सम्) सं.— एक प्रकार का बाण।

ಕಕ್ಷ್ಯೆ कक्ष्ये, ಕಕ್ಷ್ಯಾ कक्ष्या (सम्) सं.— हाथी या घोड़े का कमरा; मकान के सामने की खाली जगह; प्रांगण; हाता।

ಕಗ್ कग् (क) वि = ಕಡು कडु, ಕಸ कस— कठोर, कठिन, कड़ा, बलवान, अधिक, घना, उलझा हुआ। ಕಗ್ಗಂಟು कग्गंटु, (क) सं. = ಕಡು ಗಂಟು कडु गंटु, ಕಡಿಗಂಟು कडिगंटु— बहुत उलझी हुई गांठ। ಕಗ್ಗತ್ತಲೆ कग्गत्तले (क) सं.— घना अंधकार, गाढांधकार। ಕಗ್ಗಲ್ಲು कग्गल्लु, ಕಡುಗಲ್ಲು कडुगल्लु— बहुत कठोर पत्थर (Granite)। ಕಗ್ಗಾಡು कग्गाडु (क) सं.— घना या घोर जंगल, निबिड अरण्य। ಕಗ್ಗಾಯಿ कग्गायि (क) सं.— बिलकुल कच्चा फल। ಕಗ್ಗಾರು कग्गारु (क) सं.— मूसलधार वर्षा, अतिवृष्टि। ಕಗ್ಗಾಱು कग्गारु (क) सं.— अधिक सूखापन, अनावृष्टि। ಕಗ್ಗಾಲ कग्गाल (क) सं.— अकाल। ಕಗ್ಗು ಕುಂಬಳ कग्गु कुंबळ (क) सं =कड़ी तुंबी या कड़ा कद्दू।

ಕಗ್ಗ कग्ग (क) सं.— लंबा, नीरस भाषण; नीरस साहित्यिक रचना।

ಕಗ್ಗನೆ कग्गने (क) अ.— दे. ಕಂಗನೆ.

ಕಗ್ಗು कग्गु (क) सं.— दे. ಕಂಗು (१)

ಕಚ कच (सम्) सं.— सिर के केश, बाल; जटा; जूड़ा; सूखा और पूरा हुआ घाव; बादल; बृहस्पति के पुत्र का नाम; बांधना, नत्थी करना; चमकना; शब्द करना, चिल्लाना, शोर मचाना; कपड़े का किनारा (अंचल)।

ಕಚಕ್ಕನೆ कचक्कने (क) अ.— अचानक, जल्दी, तेज़ी से; वह ध्वनि जो पत्थर के मिट्टी पर गिरने से निकलती है।

ಕಚಪ कचप (सम्) सं.— घास, पत्ता।

ಕಚಪಕ್ಷ कचपक्ष (सम्) सं.— केशराशि, अलकावलि, अलंकृत केश या बाल।

ಕಚಪಾಶ कचपाश (सम्) सं.— दे. ಕಚಪಕ್ಷ.

ಕಚಪು कचपु (क) सं.— पकाकर नमक-मसाला मिलाया हुआ चावल।

ಕಚಬಂಧ कचबंध (सम्) सं.— बालों का जूड़ा।

ಕಚಮಾಲ कचमाला (सम्) सं.— धुआँ, धूम।

ಕಚರಾ कचरा (अ.दे.) सं.— कचरा, गंदगी; बुरा काम।

ಕಚವಾಯಿಸು कचवायिसु (अ.दे.?) क्रि— थक जा, श्रांत हो।

ಕಚಾಯಿಸು कचायिसु (अ.दे.?) क्रि.— सावधान रह, होशियार रह, ठीक प्रकार से काम कर, तेज़ हो।

ಕಚೂರ कचूर, ಕಚೋರ कचोर, ಕಚ್ಚೂರ कच्चूर, ಕಚ್ಚುರೆ कच्चुरे, ಕಚ್ಚೋರ कच्चोर ಕರ್ಚೂರ कर्चूर (तद्) सं. — खर्जूरः (तत्), खजूर।

ಕಚ್ಚ कच्च, ಕಚ್ಚೆ कच्चे (तद्) सं.— कक्ष (तत्) दे. ಕಕ್ಷ.

ಕಚ್ಚ कच्च, ಕಚ್ಚಾ कच्चा (अ.दे.) वि.— कच्चा (हि.), अपक्व, अधूरा, मोटा, कड़ा; कोमल।

ಕಚ್ಚಟ कच्चट, ಕಚ್ಚುಟ कच्चुट, ಕಂಚಡಿ कंचडि (तद्) सं.—कक्षपट, (तत्); दे. ಕಕ್ಷಾಪಟ.

ಕಚ್ಚಡ कचड (अ.दे.) सं.— कचड़ा, कचरा, गंदगी।

ಕಚ್ಚಡಿ कच्चडि (क) सं.— एक प्रकार का व्यंजन या साग।

ಕಚ್ಚರ कच्चर (अ.दे.) सं.— दे. ಕಚರಾ.

ಕಚ್ಚರಿ कच्चरि (क) सं.— व्यंजन विशेष, साग, चटनी।

ಕಚ್ಚನೆ कच्चने (क) अ.— दे. ಕಚಕ್ಕನೆ.

ಕಚ್ಚಳಿ कच्चळि (क) सं.— उपाधि का सूचक कंकण।

ಕಚ್ಚಿಕೆ कच्चिके (क) सं.— (दांतों से) काटना, काट।

ಕಚ್ಚಿರಿ कच्चिरि, ಕಚ್ಚಿಱಿ कच्चिरि (क) क्रि.— मिला, जोड़, दो वस्तुओं को किसी धातु के सहारे एक कर।

ಕಚ್ಚಿಸು कचिसु (क) क्रि.— (दाँतों से) कटा, कटवा (प्रे.); जुड़वा, संयुक्त करा (प्रे.)।

ಕಚ್ಚು कच्चु, ಕರ್ಚು कर्चु (क) क्रि.— (दांतों से) काट, (दांतों से) पकड़, लग; कष्ट दे, पीड़ा दे, दर्द कर (जैसे पेट का दर्द); तीखा लग, कड़ुआ लग; मिला, जोड़। सं.— (दांतों से) काटना, काट, घाव, कटाव, दांता; धोना· साफ़ करना; चावल को साफ़ किया हुआ पानी, यूष।

ಕಚ್ಚುಗಾಲಿ कच्चुगालि (क) सं.— दांतोंवाला पहिया।

ಕಚ್ಚೆ, कच्चे, ಕಚ್ಚಿ कचि (क) सं.— गाय-बैलों की जननेंद्रिय, योनि।

ಕಚ್ಚೆ कच्चे (तद्) सं.— दे. ಕಚ್ಛ. ಕೈ ಬಾಯ್ ಕಚ್ಚೆ ಇವು ಮೂರು ಶುದ್ಧವಾಗಿದ್ದರೆ ಎತ್ತ ಹೋದರೂ ಭಯವಿಲ್ಲ कै बाय् कच्चे इवु मूरु शुद्धवागिद्दरे एत्त होदरू भयविल्ल—हाथ, मुँह और कछवा ये तीनों ठीक हों तो कहीं भी जावें भय नहीं (कह.)। ಕಚ್ಚೆಹರಕ कच्चेहरक [ಹರಕ हरक] (क) सं.— कामुक या लंपट पुरुष। ಕಚ್ಚೆಹರಕಿ कच्चेहरकि [ಹರಕಿ हरकि] (क) सं.— कामुक स्त्री।

ಕಚ್ಚೇರಿ कच्चेरि, ಕಚೇರಿ कचेरि, ಕಛೇರಿ कछेरि (अ.दे.) सं.— कचहरी, कार्यालय, आफ़िस।

ಕಚ್ಛ कच्छ (सम्) सं.— कछवा, लंगोट; तट, सीमा, हाशिया; दलदल; नाव या जहाज़ का एक हिस्सा; एक प्रदेश का नाम; कछुए का शरीरांग विशेष; एक वृक्ष विशेष जिसकी लकड़ी से मेज़-कुरसी आदि बनाते हैं (Cedrela Toona)।

ಕಚ್ಛಪ कच्छप (सम्) सं.— कछुआ; कुबेर की नवनिधियों में एक; मल्लयुद्ध-विद्या।

ಕಚ್ಛಪಿ कच्छपि (सम्) सं.— कछवी, छोटा कछुआ; सरस्वती की वीणा, वीणा विशेष; एक बीमारी।

ಕಚ್ಛಶುದ್ಧಿ कच्छशुद्धि (सम्) सं.— धोती या काछनी की शुद्धता, पवित्र चरित्र।

ಕಚ್ಛು कच्छु (सम्) स.— खाज, खुजली।

ಕಚ್ಛೂರ कच्छुर (सम्) सं.— खाज, खुजली; लंपट, विषयी।

ಕಜಾಕ್ कजाक् (अ.दे.) सं.— सिपाहियों के पहनने का कामदार रूमाल, पटका, कटिवस्त्र।

ಕಜಾನಿ कजानि, ಕಜಾನೆ कजाने, ಖಜಾನೆ खजाने (अ.दे.) सं.— खज़ाना (अरबी)।

ಕಜಿಕ कजिक, ಕಜಾಕ कजाक (अ.दे.) सं.— दे. ಕಜಾಕ್.

ಕಜೂರ कजूर (तद्) सं.— दे. ಕರ್ಜೂರ. [खर्जूरः (तत्)]।

ಕಜ್ಜ कज (तद्) सं.— कार्य (तत्); काम; उत्साह; उद्योग।

ಕಜ್ಜಲ कज्जल (सम्) सं. = ಕಜ್ಜಳ कज्जळ (तद्) —काजल, अंजन, मसी।

ಕಜ್ಜಾಯ कज्जाय, ಕಜ್ಜ कज्ज (क?) सं.— एक प्रकार की मिठाई जो चावल से बनाई जाती है, मीठी रोटी।

ಕಜ್ಜಿ कज्जि, ಗಜ್ಜಿ गज्जि (तद्) सं.— खर्जुः (तत्); एक चर्मरोग, खुजली, खुजलन। ಕಜ್ಜಿ ಇದ್ದವನಿಗೆ ಲಜ್ಜೆ ಇಲ್ಲ ಅಜ್ಜಿ ಇದ್ದವನಿಗೆ ಯೋಚನೆ ಇಲ್ಲ कज्जि इद्दवनिगे लज्जे इल्ल अज्जि इद्दवनिगे योचने इल्ल—जिसको खुजली (की बीमारी) हो गई हो उसको लज्जा नहीं, जिसकी नानी हो उसको चिंता (सोच) नहीं (कहा.)। —ಬುರುಕ बुरुक (तद्) सं.— खुजली से पीड़ित पुरुष। ಬುರುಕಿ बुरुकि (तद्); सं.— खुजली से पीड़ित स्त्री।

ಕಜ್ಜೂರ कज्जूर (तद्) सं.— खर्जूरः (तत्); खजूर।

ಕಟ್ कट् (क) सं.— एक निरर्थक ध्वनि। क्रि. — ಕಡಿದು कडिदु='काटकर' का अर्थ सूचक। —ಕಟ್ कट् (क) सं. — दाँत पीसने की ध्वनि।

ಕಟ್ कट्, ಕಟು कटु (सम्) सं.—कडुआपन, तीखापन।

ಕಟ कट (सम्) सं. — चटाई; स्मशान; समय, काल; कमर और पृष्ठ; हाथी का गण्डस्थल; शव, लाश; शव-वाहन-शिविका, समाधि-मंडप; काष्ठफलक, तख्ता; एक पौधा, खट घास; आधिक्य, अतिरिक्त होना; तीर, बाण; रीति, रिवाज़।

ಕಟ कट (क) वि.— (समस्त-पदों में) छोर, किनारा, कोना, ओर। वि. बो.—दुःख, खेद आदि प्रकट करने का शब्द (दुहराकर), जैसा— ಕಟಕಟ कटकट या ಕಟಕಟಾ कटकटा —हाय! हाय!

ಕಟಕ कटक (क) सं. = ಕಟಿಕ कटिक. ಕಟಿಗ कटिग, ಕಟುಕ कटुक, ಕಡಿಕ कडिक, ಕಡಿಗ कडिग— काटने या मारनेवाला, कसाई, मांसविक्रेता।

ಕಟಕ कटक (सम्) सं.— ಕಡಗ कडग, ಕಡಗು कडगु (तद्)—कड़ा, हस्तभूषण, वलय; जंजीर की कड़ी; मेखला, कमरबंद; डोरी; चढ़ाई; सेना; सेंधा नमक; पर्वत पार्श्व, उपत्यका; राजधानी; घर, मकान; समुद्र, अंबुधि; नितंब, पृष्ठ; आधिक्य, विपुलता; दंत, हाथी का दांत; हाथी के दाँत पर अलंकार के लिए रखी जानेवाली कड़ी (ring); आतप, धूप; पहिया, चक्र; अभिनय की एक भंगिमा।

ಕಟಕಟೆ कटकटे (क) सं. — कठघरा, जंगला।

ಕಟಕನೆ कटकने (क) अ — किसी कठोर वस्तु को दाँतों से काटते समय निकलनेवाली ध्वनि।

ಕಟಕರಿಸು कटकरिसु (क) क्रि.— धागा तोड़, (वस्त्रादि) फाड़।

ಕಟಕಿ कटकि (क) सं.— कटाव, दाँता; निर्दयता, निर्मोहकता; ताना, उपहास; कर्कशता। —ವಾತು वातु [ಮಾತು मातु] (क) सं.— कठोर या कर्कश वचन।

ಕಟಕು कटकु (क) सं.— सफ़ेद या लाल भूमि या मिट्टी; रूखापन, सूखापन (रोटी आदि खाने की वस्तुओं के लिए प्रयुक्त होता है)।

ಕಟಕು कटकु (तद्) सं. = ಕಡಕ कडक, ಕಡಕು कडकु, ಕಡುಕ कडुक, ಕಡುಕು कडुकु— (कटक—तत्)—रत्नकुंडल, कर्णाभरण विशेष जिसके बीच में रत्न जड़े रहते हैं।

ಕಟಕೋಲ क़टकोल (?) सं.— पीकदानी।
ಕಟಂಕಟ कटंकट (सम्) सं.— अग्नि; सोना; गणेश जी का नाम।
ಕಟಲ್ಲನೆ क़टल्लने (क) अ.— दे. ಕಟಕನೆ.
ಕಟವಾಯಿ कटवायि (क) सं — मुँह का अंतिम भाग, मुँह की ओर।
ಕಟಾಕಟಿ कटाकटि, ಕಡಾಕಡಿ कडाकडि (क) अ.— ठीक-ठीक, सटीक, बराबर।
ಕಟಾಕ್ಷ कटाक्ष (सम्) सं.— वीक्षण, देखना, एक दृष्टि; करुणा, सहानुभूति। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— एक दृष्टि डाल; करुणा कर, सहानुभूति प्रदर्शित कर।
ಕಟಾಂಜನ कटांजन (क) सं.— कटघरा, जंगला।
ಕಟಾಯಿಸು कटायिसु (अ.दे.) क्रि.— (फसल) कटवा।
ಕಟಾರಿ कटारि (अ.दे.) सं.=ಕಠಾರಿ कठारि— कटार, कटारी।
ಕಟಾವು कटावु (अ.दे.) सं.— फसल काटना, कटाव।
ಕಟಾಹ कटाह (सम्) सं.=ಕಡಾಯ कडाय, ಕಡಾಯಿ कडयि—कडाह, बड़ी कडाही; खप्पर; अर्धगोल; सूप, बाँस की छड़ी, बाँस का तल; मिलन, मिलना; सामीप्य; अवसर, समय, मौसम; कूप, कुआँ; कद्दू; नरक; टूटा खपरा; छोटी भैंस जिसके सींग नये-नये प्रकट हो रहे हों।
ಕಟಿ कटि, ಕಟೆ कटे (क) क्रि.— छेनी (या टाँकी) से पत्थर तोड़। सं.— कुरकुरापन। —ಕಟಿ कटि (दुहराना)।
ಕಟಿ कटि (सम्) सं.— कमर, नितंब; हाथी का गंडस्थल।
ಕಟಿಕ कटिक (क) सं.— कसाई, माँस विक्रेता;
ಕಟಿಕು कटिकु (क) क्रि.=ಕಡಿಕು कडिकु— टूट जा (वीणा के तार का टूटना), कटकर अलग हो।
ಕಟಿಗ कटिग (क) सं.— दे. ಕಟಿಕ; हत्यारा।
ಕಟಿಬಂಧ कटिबंध (सम्) सं.— कमरबंद, इज़ारबंद, नारा, मेखला; शीतोष्ण वृत्त।
ಕಟಿಲ್ಲಕ कटिल्लक (सम्) सं.—ಕಾರಿಲ್ಲಕ कटिल्लक—करेला।
ಕಟಿವಾತ कटिवात (सम्) सं. कटिवेदना, कमर का दर्द।
ಕಟಿಸೂತ್ರ कटिसूत्र (सम्) सं.— दे. ಕಟಿಬಂಧ.
ಕಟೀರ कटीर (सम्) सं.—कटि, गुफा, कूल्हा।
ಕಟು कटु (सम्) सं.— दे. ಕಟ್.
ಕಟುಕ कटुक (क) सं.— ಕಟಿಕ.
ಕಟುಕ कटुक (सम्) सं.— ಕಟು.
ಕಟುಕರೋಹಿಣಿ कटुकरोहिणि (सम्) सं. = ಕಟಂಬರೆ कटंबरे—एक पौधा जो दवाई के काम में आता है।
ಕಟುಕು कटुकु (क) वि.— थोड़ा, कुछ, कम, अल्प, महीन। सं.— (रोटी आदि खाने की वस्तुओं का) रूखापन, सूखापन।
ಕಟುತುಂಬಿ कटुतुंबि (सम्) सं. कडुआ कद्दू या तुम्बी।
ಕಟುರ क़टुर (तद्) सं.— कठोर (तत्)।
ಕಟುರೋಹಿಣಿ कटुरोहिणि (सम्) सं.— दे. ಕಟುಕರೋಹಿಣಿ
ಕಟೂಕ್ತಿ कटूक्ति (सम्) सं.— कठोर वचन या बात।
ಕಟೆ कटे (क) सं.— छेनी। क्रि.— छेनी या टाँकी से पत्थर तोड़ना।
ಕಟ್ಟ कट्ट (क) सं.— दाँत 'कट्ट कट्ट' करना; 'कट्ट-कट्ट' करते हुए लकड़ी तोड़ना।
ಕಟ್ಟ कट्ट (क) वि.— 'ಕಡೆ कडे = अंतिम, आखिर' का दूसरा रूप। ಕಟ್ಟ ಕಡೆ कट्ट कडे— बिलकुल अंतिम, आखिरी; अंत में, आखिरकार। ಕಟ್ಟುತ್ತರ कट्टुत्तर—अंतिम उत्तर या बात। ಕಟ್ಟುವಂಜರ [ಪಂಜರ पंजर] कट्टुवंजर [= ಕಟಾಂಜನ कटांजन] कठघरा, जंगला।
ಕಟ್ಟಗೆ कट्टगे (क) अ.— तेज़ी से, तीक्ष्ण रूप से, तीखा।
ಕಟ್ಟಚ್ಚರಿ कट्टच्चरि (क) सं.— अत्यंत आश्चर्य।
ಕಟ್ಟಡ कट्टड (क) सं.— भवन, इमारत।
ಕಟ್ಟಣ कट्टण, ಕಟ್ಣ कट्ण (क) सं.— दे. ಕಟ್ಟಡ.
ಕಟ್ಟಣಿ कट्टणि (क) सं.—सुंदरी, सौंदर्यवती।
ಕಟ್ಟಪ್ಪಣೆ कट्टप्पणे (क) सं.— कठोर आज्ञा, अनिवार्य रूप से पालन करने योग्य आज्ञा।
ಕಟ್ಟಯ್ಸು कट्टय्सु (क) क्रि.— आलिंगन कर, गले मिल।
ಕಟ್ಟರಿಕೆ कट्टरिके (क) सं.— यश, कीर्ति, प्रसिद्धि, ख्याति।
ಕಟ್ಟಲ್ कट्टल्, ಕಟ್ಟಲು कट्टलु (क) वि.— बद्ध, बंधा हुआ, स्थित।
ಕಟ್ಟಲೆ कट्टले, ಕಟ್ಟಳೆ कट्ळे, ಕಟ್ಳೆ कट्ळे—आज्ञा, आदेश; मूल्य; तौल; मट्ठा; नियम, क़ायदा। अ.— की संख्या में, जैसे ಲಕ್ಷಗಟ್ಟಲೆ लक्षगट्टले— लाखों की संख्या में।
ಕಟ್ಟವಾಳಿ कट्टवाळि, ಕಟ್ಟವಾಳೆ कट्टवाळे (क?) सं.— बुरी या दुष्ट स्त्री या गाय।
ಕಟ್ಟಳೆ कट्ळे (क) सं.— आज्ञा, आदेश; मूल्य, तौल; मट्ठा; नियम, क़ायदा।
ಕಟ್ಟಿಗೆ कट्टिगे (तद्) सं.— काष्ठिका (तत्); लकड़ी, काष्ठ, काठ; ईंधन, जलने की लकड़ी; लाठी, छड़ी। —ಕಾರ कार [ಕಾರ कार], ಗಾರ गार [ಗಾರ गार] (तद्) सं.— लकड़हारा; लाठी धारी, द्वारपाल, प्रतीहारी।
ಕಟ್ಟಿದಿರ್ कट्टिदिर्, ಕಟ್ಟಿದಿರು कट्टिदिरु (क) अ.— बिलकुल सामने, ठीक-ठीक सामने, सीधे, सम्मुख।
ಕಟ್ಟಿರುವೆ कट्टिरुवे (क) सं.— बड़ी काली चींटी, काटनेवाली चींटी।
ಕಟ್ಟಿಸು कट्टिसु (क) क्रि.—बनवा, बंधन करा, रचा (प्रे.)।
ಕಟ್ಟು कट्टु (क) क्रि.— बाँध, बंधित कर; (घाव पर) पट्टी लगा या बाँध; बना, रच, निर्माण कर; रोक; व्यवस्थित कर; (दरवाज़ा आदि) बंद कर, (मुँह) बंद कर। सं.— बंधन, उद्दान, रोक, टोक, विघ्न, प्रतिरोध, बाधा; गठरी, गट्ठा; बांध, पुल; सीमा; चक्र की परिधि; ढाँचा, बनावट आकार; बनी हुई चीज़ जैसे भवन, इमारत; रचना, निर्माण, गठन; लुभाना, मोहित करना। ಕಟ್ಟುಡಕ कट्टुडक (क) सं.—आपसी समझौता। ಕಟ್ಟನ್ನ कट्टन्न (क) सं.— यात्रा में ले जाया जानेवाला भात। ಕಟ್ಟುಗಾ

कट्टागु (क) क्रि.— नियम के अनुसार हो, ठीक हो ; ಕಟ್ಟಾಗಿ कट्टागि—नियमबद्ध होकर, ठीक प्रकार से, ठीक-ठीक। ಕಟ್ಟಾಣಿ कट्टाणि (क) सं.— सोने का (मणियों का) हार। ಕಟ್ಟುಗೊಳಿಸು कट्टुगोळिसु (क) क्रि.— दृढ़ या स्थिर कर। ಕಟ್ಟುಪಡು कट्टुपडु (क) क्रि.— बंधित हो, नियमबद्ध हो। ಕಟ್ಟುಮಾಡು कट्टुमाडु (क) क्रि. =दे. ಕಟ್ಟುಗೊಳಿಸು. ಕಟ್ಟುಬೀಳು कट्टुबीळु (क) क्रि.— दे. ಕಟ್ಟುಪಡು. ಕಟ್ಟುಮಿಣಿ कट्टुमिणि (क) सं.—चमड़े की रस्सी जो बांधने के काम में आती है। ಕಟ್ಟುಮುಟ್ಟು कट्टुमुट्टु (क) सं.— अधिक आवश्यकता ; बल (मै.प्र)। ಕಟ್ಟುವಡೆ [ಪಡೆ पड़े] कट्टुवड़े (क) क्रि.— मन का निरोध या निग्रह कर। ಕಟ್ಟೊಡೆ कट्टोड़े (क) क्रि.— नियम तोड़, वचन भंग कर ; किसी संघ या संस्था को विसर्जित या भंग कर। वि.— बंधा हुआ, रोका हुआ ; घोर, घना, गाढा ; बना हुआ ; कल्पित, रचित ; बड़ा, अधिक। ಕಟ್ಟಂಕ कट्टंक (क) सं.— घोर युद्ध। ಕಟ್ಟಡವಿ कट्टडवि (क) सं.— घना जंगल। ಕಟ್ಟಣಕ कट्टणक (क) सं.— बड़ी शक्ति या सामर्थ्य। ಕಟ್ಟರಣ್ಯ कट्टरण्य (क) सं.— दे. ಕಟ್ಟಡವಿ। ಕಟ್ಟರಸು कट्टरसु (क) सं.— सम्राट, अभिषिक्त राजा। ಕಟ್ಟಲೆ कट्टले (क) सं.— दे. ಕಟ್ಟಲೆ. ಕಟ್ಟಳ್ಕೆ कट्टळ्के (क) सं. — गाढालिंगन। ಕಟ್ಟಲಿಕೆ कट्टलिके (क) सं.—अत्यंत दुःख, वियोग। ಕಟ್ಟಳ್ಕರ್ कट्टळ्कर् (क) सं.— बहुत प्रेम या आनंद। ಕಟ್ಟಾಜ್ಞೆ कट्टाज्ञे (क) सं.— कड़ी आज्ञा। ಕಟ್ಟಾಯ कट्टाय (क) सं.— दृढ़ता, स्थिरता, दृढ़ निर्णय या शासन, अनिवार्यता; हिंसा। ಕಟ್ಟುಕಥೆ कट्टुकथे (क) सं.— कल्पित कहानी, झूठी कथा। ಕಟ್ಟುಮುಡಿ कट्टुमुडि (क) सं.— बंधे हुए बाल, गुथी हुई चोटी, जूड़ा, कबरी। ಕಟ್ಟುಮೊಸರು कट्टुमोसरु (क) सं.— दही, जो छानकर कपड़े में बांधकर लटकाया हुआ हो। ಕಟ್ಟುಹಾವು कट्टुहावु (क) सं.—एक सांप विशेष (Ophiophagus elaps)।

ಕಟ್ಟು कट्टु (क) सं.— अनाज या तरकारी पकाते समय निकाला जानेवाला पानी या रस (decoction), पक्वधान्य रस।

ಕಟ್ಟುಕ कट्टुक (क) सं.— बांधनेवाला, झूठी कल्पना करनेवाला, झूठ बोलनेवाला ; झूठी कथा, कल्पित कथा, झूठा।

ಕಟ್ಟುಕಡಿ कट्टुकडि (क) क्रि.— नियम का उल्लंघन कर, सीमा पार कर; व्याकुलचित्त हो।

ಕಟ್ಟುವಾಸ कट्टुवास (क) सं.— ऊपर धारण करने का वस्त्र, ओढ़नी।

ಕಟ್ಟುವಿಕೆ कट्टुविके (क) सं.—बांधना, बनाना, रचना, बंधन, बनावट, निर्माण।

ಕಟ್ಟುಶಬ್ದ कट्टुशब्द (क) सं.—सांकेतिक बात, रहस्य वचन।

ಕಟ್ಟುಹ कट्टुह (क) सं.— दे. ಕಟ್ಟುವಿಕೆ.

ಕಟ್ಟೆ कट्टे (क) सं.— मिट्टी या पत्थर का बना ऊँचा (स्थान), आसन या बेंच जिसपर बैठा जाता है, टीबा, टीला ; रक्षा का स्थान ; तालाब या कुएँ के चारों ओर की (मिट्टी या पत्थर की) दीवार, जगत ; बांध, पुल, सेतु; आलवाल, थाला ; (भोजन की थाली या पत्तल पर) भात से बीच में बनाया गया छोटा गड्ढा जिसमें रस, संबार आदि डाला जाता है; गड्ढा, ताल, तलैया; झाड़ू, बुहारी; बाँस की वह स्थिति जब कि वह सूख जाता है, बाँस का वृद्धत्व।

ಕಟ್ಟೆಸಕ कट्टेसक (क) सं.— महत्वपूर्ण कार्य ; सौंदर्य, कांति।

ಕಟ್ಟೆಸುಗೆ कट्टेसुगे (क) सं.— बाणों की वर्षा या बौछार।

ಕಟ್ಟೇಕಾಂತ कट्टेकांत (क) सं.— अत्यंत रहस्य, अति गोप्य विषय।

ಕಟ್ಟೇಳ್ಗೆ कट्टेळ्गे (क) सं.— अधिक प्रगति, बहुत विकास।

ಕಟ್ಟೊರಲಿಕೆ कट्टोरलिके (क) सं.— बहुत कराहना, बहुत पीड़ा।

ಕಟ್ಟೊಲ್ಮೆ कट्टोल्मे (क) सं.— बहुत ममता या प्रेम।

ಕಟ್ಣ कट्ण (क) सं.— भवन, इमारत, महल ; स्वाद, रस, सुस्वाद।

ಕಟ್ಲೆ कट्ले (क) सं.— दे. ಕಟ್ಟಲೆ.

ಕಟ್ವರ कट्वर (सम्) वि.— घृणास्पद, घृणा के योग्य।

ಕಠ कठ (सम्) सं.— एक मुनि का नाम जो वैशंपायन के शिष्य थे ; एक उपनिषद् का नाम—कठोपनिषद्।

ಕಠಾಣಿ कठाणि (क) सं.— बहुत सुंदर या मूल्यवान होने की स्थिति ; बढ़िया, श्रेष्ठ पदार्थ।

ಕಠಾರಿ कटारि (अ.दे.) सं.— दे. ಕಟಾರಿ.

ಕಠಿಂಜರ कठिंजर (सम्) सं.— तुलसी का पौधा।

ಕಠಿಣ कठिण (तद्) वि.—कठिन (तत्); कड़ा, सख्त, कठोर।

ಕಠಿಣತೆ कठिणते (तद्) सं.— कठिनता।

ಕಠಿಣತ್ವ कठिणत्व (तद्) सं. — कठिनत्व, कठोरता।

ಕಠಿನ कठिन (सम्) वि.— दे. ಕಠಿಣ, ಕಠಿನತೆ कठिनते—दे. ಕಠಿಣತೆ. ಕಠಿನತ್ವ कठिनत्व—दे. ಕಠಿಣತ್ವ.

ಕಠಿನಹೃದಯ कठिनहृदय (सम्) वि.— कठोर हृदयवाला, क्रूर, दयारहित। सं.— कठोर हृदय।

ಕಠಿನಿ कठिनी (सम्) सं. — कनिष्ठिका, छिगुनिया ; चॉक (chalk), खड़िया मिट्टी।

ಕಠೀಣ कठीण (तद्) वि.— कठिन (तत्); दे. ಕಠಿಣ.

ಕಠೋರ कठोर (सम्) वि.— ಕಟುರ कटुर (तद्)— कड़ा, सख्त, ठोस ; निष्ठुर, निर्मम, दयाहीन, क्रूर ; तीक्ष्ण, तेज़, पैना ; पूरा, पूरा-पूरा। —ತನ तन (सम्) सं.— कठोरता, क्रूरता, तीक्ष्णता, कर्कशता। —ತರ तर (सम्) वि.— असाधारण रूप से कठोर, निर्दयी, क्रूर।

ಕಡ कड (क) सं.— कर्ज़ा, उधार, ऋण। —ಗೊಳ್ 'गोळ्, ಗೊಳ್ गोळ् (क) क्रि.— कर्ज़ा या उधार ले ; नदी का छिछला भाग, घाट। वि.—(समस्त-पदों में) (ಕಟು कट)—

कोना, छोर, किनारा, ओर ; ಕಡಗಣ್ಣು कडगण्णु (क) सं.—आँख का कोना। ಕಡತೇರಿಸು कडतेरिसु क्रि.—मुक्त कर, बचा; समाप्त कर। ಕಡತೇರು कडतेरु, ಕಡೆತೇರು कड़ेतेरु (क) क्रि.-किनारे पहुँच, पार आ, (कष्ट आदि से) मुक्त हो ; वि.— मथने का ; ಕಡಗೋಲು कडगोलु (क) सं.— मथानी ; काटनेवाला, काटने का ; ಕಡಕತ್ತಿ कडकत्ति—बड़ा चाकू, काटने की छुरी, एक प्रकार की कुल्हाड़ी।

ಕಡ कड (सम्) वि.— मूक, गूँगा ; अज्ञानी, मूर्ख ; रूखा (स्वर)।

ಕಡಕ कडक (सम्) सं.— दे. ಕಟಕ (सम्)।

ಕಡಕಡ कडकड (सम्) सं.— वज्रपात के समय उत्पन्न होनेवाली ध्वनि।

ಕಡಕಲ್ कडकल् (क) सं.—दीवार या झाड़ियों के बीच की गली या तंग रास्ता जो केवल मनुष्यों के आने-जाने के लिए उपयोगी हो ; चोर-मार्ग।

ಕಡಕು कडकु (अ.दे.) वि.— अच्छा, सुंदर, मधुर।

ಕಡಗ कडग (तद्) सं. — कटक (तत्) ; पहुँची, कड़ा, छल्ला, वलय। ಕಡಗ ಇದ್ದವಳು ಕಡಗೋಲು ಹಿಡಿಯಲಾರಳೇ कडग इद्दवळु कडगोलु हिडियलारळे?—जिसके हाथ में वलय हो, वह क्या मथानी नहीं पकड़ सकती? (कह.)।

ಕಡಗಾರ कडगार, ಕಡಗಾಱ कडगार् (क) सं.— वह जिसने ऋण लिया हो, क़र्ज़दार।

ಕಡಗು कडगु, ಕಡಂಗು कडंगु, ಕಡುಗು कडुगु (क) सं.— खाई, छोटा नाला, छोटी नहर। क्रि.— व्यग्र हो, उतावला हो, उत्साहित हो।

ಕಡಂಕರ कडंकर, ಕಡಂಗರ कडंगर (सम्) घास-फूस, तृण, तिनका ; अनाज का भूसा।

ಕಡಂಗಾಯ್ತ कडंगाय्त (क) सं.— राजा का सेवक, वह सेवक जो सद्यः राजा की इच्छा-अभिलाषा के अनुसार काम करता हो।

ಕಡಂಗು कडंगु (क) सं.— दे. ಕಡಗು ; इच्छा, अभिलाषा, चाह। क्रि.— दे. ಕಡಗು क्रि.।

ಕಡಚೆ कडचे (क) सं.— शिरीष या सिरस का पेड़।

ಕಡಜ कडज (क) सं. = ಕಣಜ कणज—वरट, बर्रे, हड्डा।

ಕಡಜೀರಿಗೆ कडजीरिगे, ಕರ್ಜೀರಿಗೆ कर्जीरिगे, ಕಡಜೀರಿಗೆಹುಳ कडजीरिगे हुळ [ಹುಳು हुळु] (क) सं.— दे. ಕಡಜ.

ಕಡತ कडत (क) सं. = ಕಡಿತ कडित—खुजलन, काट खाना, काटकर टुकड़े करना, पेट में दर्द होना (लाक्ष.) ; चोट, घाव ; हिसाब या स्मरणीय बातें लिखने की श्यामपटवाली (मसीदार) पुस्तक जिसके लिए चॉक जैसी पेंसिल (ಬಳಪ) का उपयोग किया जाता है।

ಕಡದು कडदु (क) सं.— वह जो बहुत ढालुआँ (खड़ा) हो, वह जो सीधा हो, सीधापन, सीधा होना; कठोरता, सख्ती, दृढ़ता, स्थिरता, मोटापन। ಕಡದಾಳು कडदाळु (क) सं.— दृढ़काय या बलशाली पुरुष। ಕಡದುಳ್ಳವ कडदुळ्ळव = ಕಡದಾಳು.

ಕಡದುಗಾರ [ಗಾಱ गार्] कडदुगार (क) सं.— बलशाली पुरुष ; कठोर या निष्ठुर पुरुष।

ಕಡಂದುರು (ರು रु) कडंदुरु, ಕಡಂದುರುತೆ (ರುತೆ रुते) कडंदुरुते (क) सं.— दे. ಕಡಜ.

ಕಡಬ कडब, ಕಡಬೆ कडबे, (ಕಡವ कडव), ಕಡವು कडवु, ಕಡವೆ कडवे, ಕಡಹ कडह (क) सं.— हिरन की एक जाति, कुरंग, बारहसिंगा।

ಕಡಬು कडबु, ಕಡುಬು कडुबु, ಕಡುಂಬು कडुंबु (क) सं.— इडली, एक खाने की वस्तु जो चावल और उडद की दाल को पीसकर बनाई जाती है।

ಕಡಮೆ कडमे, ಕಡಿಮೆ कडिमे (क) वि.—कम, थोड़ा, अल्प ; छोटा, न्यून ; शेष, बचा हुआ।

ಕಡಂಬ कडंब (सम्) सं.— डंठुल, डंठा ; कदंब वृक्ष।

ಕಡಯ कडय (तद्) सं.— दे. ಕಡಗ.

ಕಡಯಿಸು कडयिसु (क) क्रि.— मंथन करा ; जाने दे, आगे जाने दे, बढ़ा।

ಕಡಲ್ कडल् (क) सं.— वह जो दृढ़ हो — पत्थर, चट्टान, नदी के बीच की सैकत राशि या टीला।

ಕಡಲ್ कडल्, ಕಡಲು कडलु (क) सं.— समुद्र, जलधि। —ಕುವರಿ कुवरि (क) सं.— लक्ष्मी। ಕಡಲಣುಗ कडलणुग (क) सं.— चंद्रमा। —ನಾಲಗೆ नालगे, ನಾಲಿಗೆ नालिगे (क) सं.— समुद्र का फेन। —ಪಯಣ पयण (क) सं.— समुद्र-यात्रा। ಕಡಲಿಡು कडलिडु (क) क्रि.— समुद्र बहाना (आँसुओं का समुद्र बहाना)। ಕಡಲುದೆರೆ कडलुदेरे (क) सं.— समुद्र की तरंग। ಕಡಲುರಿ कडलुरि (क) सं.— बडवानल। ಕಡಲ್ಕಿಚ್ಚು कडल्किच्चु (क) सं.— बडवानल।

ಕಡಲೆ कडले, ಕಡ್ಲೆ कड्ले (क) सं.— चना, चणक ; हरिमंथक, छोटी मटर। —ಬೇಳೆ बेळे (क) सं.— चने की दाल। —ಮಸಾಲೆ मसाले (क) सं.— मसालेदार (भुना हुआ) चना। —ಹುಳಿ हुळि (क) सं.— चने का सांबार।

ಕಡವ कडव (क) सं.— दे. ಕಡಬ.

ಕಡವ कडव (तद्) सं.— कदम्ब (तत्) ; कदंब वृक्ष।

ಕಡವರ कडवर (क) सं.— सोना ; खज़ाना ; इच्छा, चाह।

ಕಡವಲ್ कडवल्, ಕಡವಲು कडवलु, ಕಡವಾಲ कडवाल, ಕಡಹ कडह (तद्) सं. = ಕಡವ कडव—कदंब वृक्ष।

ಕಡವಸ कडवस [या ಪಸ पस] (क) सं.— त्वचा, चर्म, चमड़ा, बैठने का चमड़े का आसन—कृष्णाजिन।

ಕಡವಳ್ कडवळ्, ಕಡವಳು कडवळु (क) सं.— भगवान, देवता। [ಕಡವುಳ್ कडवुळ्—तमिळ्]।

ಕಡವಾಲ कडवाल (तद्) सं.— दे. ಕಡವಲ್.

ಕಡವು कडवु (क) सं.— दे. ಕಡಬ.

ಕಡವು कडवु (तद्) सं.— कदम्ब (तत्)।

ಕಡವೆ कडवे (क) सं.— दे. ಕಡಬ.

ಕಡವೊಡ कडवोड (तद्) सं.— कदंब (तत्)।

ಕಡಸಿಗೆ कडसिगे, ಕಡಸೀಗೆ कडसीगे (क) सं.— पौधा विशेष, श्रृंगी।
ಕಡಸು कडसु (क) सं.— वह गाय या भैंस जो ब्यानेवाली हो, बड़ी बछड़ी। क्रि.— दे. ಕಡಯಿಸು.
ಕಡಹ कडह (क) सं.— मंथन, मथना; दे. ಕಡಬ.
ಕಡಹ कडह (तद्) सं.— कदंब।
ಕಡಾಕಡಿ कडाकडि (क) अ.—ठीक, ठीक-ठीक, बराबर।
ಕಡಾಣಿ कडाणि (क) सं. = ಕಡಿಯಣ कडियण— लगाम, संयम, गाड़ी की धुरी (की खूँटी)।
ಕಡಾಯ कडाय, ಕಡಾಯಿ कडायि (तद्) सं.— कटाह (तत्)—कडाह, बड़ी कड़ाही (पीतल, काँसे या लोहेकी)।
ಕಡಾಯಿಸು कडायिसु (क) क्रि.— ಚಡಾಯಿಸು चडायिसु, ಜಡಾಯಿಸು जडायिसु— (खूँटी) ठोक, मार, पीट, लगा; शोर कर, बड़ी आवाज़ कर, गर्जन कर।
ಕಡಾರ कडार (सम्) वि.— साँवला, धौला, पिंगल; अकड़बाज़, क्रोधी, अहंकारी, घमंडी।
ಕಡಾವಿಗೆ कडाविगे, ಕಡಾವು कडावु ಕಡಾವುಗೆ कडावुगे (अ.दे.?) सं.— खड़ाऊ, पादुका।
ಕಡಾಸ कडास (अ.दे.) सं.— फटे रहने की स्थिति; थैला।
ಕಡಾಸು कडासु (क) सं.— दे. ಕಡವಸ.
ಕಡಿ कडि (क) क्रि.— काट, दांतों से काट, काट दे, काट मार, डँक मार, डस; खुजली या खुजलन हो; दर्द कर या पीड़ा दे, (दांतों में) कड़कड़ा हो; गिरा; काटकर गिरा, खंडन कर, खोद, बना; मार, पीट, खींच; मथ, मंथन कर (जैसे दही को मथना)। ಕಡಿದಾಟ कडिदाट (क) सं.— परस्पर मारना या काटना, झगड़ा। ಕಡಿದಾಡು कडिदाडु (क) (क) सं.— परस्पर मार-पीट कर, लड़-झगड़। वि.— बड़ा, मोटा, अधिक, बहुत, कठोर। ಕಡಿಕೋಪ कडिकोप (क) सं.— अत्यधिक क्रोध। ಕಡಿಗಂಡ कडिगंड (क) सं.— बड़ा खतरा। ಕಡಿನುಡಿ कडिनुडि (क) सं.— कठोर वचन। ಕಡಿಯಂ कडियं (क) सं.— बड़ा बलवान पुरुष। सं.— छोर, किनारा, कोना; खंड, अंश, टुकड़ा, कटा हुआ पदार्थ; कढ़ी, दही में नमक-मिर्च आदि मिलाकर बनाया गया एक व्यंजन (जो भात में मिलाकर खाया जाता है); लच्छा, पेचक, तागे की गोली।
ಕಡಿಕ कडिक, ಕಡಿಗ कडिग (क) सं.— मारने-वाला, कसाई, हत्यारा।
ಕಡಿಕು कडिकु, ಕಡುಕು कडुकु (क) सं.— खण्ड, टुकड़ा, अंश।
ಕಡಿಕು कडिकु (क) क्रि.— दे. ಕಟಕು.
ಕಡಿಕೆ कडिके (क) सं.— खलियान, धान्य-संग्रह।
ಕಡಿತ कडित (क) सं.— दे. ಕಡತ.
ಕಡಿತಲೆ कडितले (क) सं.— खड्ग, चमड़े का ढाल; साहस का काम। —ಕಾಱ कार [ಕಾರ कार] ಗಾಱ गार [ಗಾರ गार] (क) सं.— सिपाही, योद्धा।
ಕಡಿತಿ कडिति (क) सं.— हिरन विशेष, सांब नामक हिरन।
ಕಡಿದು कडिदु (क) सं.— दे. ಕಡಮು.
ಕಡಿಪು कडिपु (क) सं = ಕಡುಪು कडुपु, ಕಡುಹು कडुहु—दृढ़ता, स्थिरता, तेज़ी, वेग, तीव्रता; उत्साह; पराक्रम, बल, साहस; गर्व, घमंड।
ಕಡಿಮೆ कडिमे (क) वि.— दे. ಕಡಮೆ. —ಮಾಡು माडु (क) क्रि.— कम कर। —ಬೀಳು बीळु (क) क्रि.— कम हो, घाटा हो।
ಕಡಿಯ कडिय, ಕಡಿಯಂ कडियं (क) वि.— दृढ़, स्थिर, सीधा, कठोर।
ಕಡಿಯಣ कडियण, ಕಡಿಯಾಣ कडियाण, ಕಡಿವಣ कडिवण, ಕಡಿವಾಣ कडिवाण (क) सं.— लगाम; संयम।
ಕಡಿಯಾಲ कडियाल (क) सं.— पौधा विशेष, शंखिनी या चोरपुष्पी (Andropogon aciculatum)।
ಕಡಿಯಿಸು कडियिसु (क) क्रि.— दे. ಕಡಿಸು.
ಕಡಿಯುವಿಕೆ कडियुविके (क) सं.— काटना; काट, डंक; खुजलन; छेदन।
ಕಡಿಲ್ कडिल् (क) अ.— दृढ़ता से, ज़ोर से, कठोरता से।
ಕಡಿವಣ कडिवण, ಕಡಿವಾಣ कडिवाण (क) सं.— दे. ಕಡಿಯಣ.
ಕಡಿಸು कडिसु (क) क्रि.— कटा, (दांतों से) कटा, कटवा, डसा; मंथन करा (प्रे.)।
ಕಡು कडु (क) वि.— स्थिर, दृढ़, बली, कठोर, कर्कश; मोटा, गाढा; तेज, तीक्ष्ण, तीखा; चपल, वेगवान; बड़ा ज्यादा, बहुत, अति, अधिक, महान। ಕಡುಕಂಗೆಡು कडुकंगेडु (क) क्रि.— बहुत डर, अधिक भीत हो। ಕಡುಕರುಣಿ कडुकरुणि (क) सं.— अधिक दयावान। ಕಡುಕಾರ್ಪಣ್ಯ कडुकार्पण्य (सम्) सं.— बहुत दरिद्रता। ಕಡುಕಾವಲಿ कडुकावलि (क) सं.— बड़ी कड़ाही। ಕಡುಕೈಯ್ कडुकै (क) क्रि.— तीव्रता कर, जल्दी कर। ಕಡುಕೋಪ कडुकोप, ಕಡುಗೋಪ कडुगोप (क) सं.— अत्यधिक क्रोध; ಕಡುಕೋಪ ಬಂದಾಗ ತಡಕೊಂಡವನೇ ಜಾಣ कडुकोप बंदाग तडकोंडवने जाण—जब अत्यधिक क्रोध आता है तब जो उसका संयम कर लेता है वही बुद्धिमान है (कह.)। ಕಡುಕತ್ತಲೆ कडुकत्तले = ಕಗ್ಗತ್ತಲೆ कगत्तले (क) सं.— गाढांधकार। ಕಡುಗಾಯ್ कडुगाय् [ಕಾಯ್ काय्] (क) क्रि.— बहुत अधिक गरम हो या उबल। ಕಡುಗಾಸಿ कडुगासि (क) सं.— बड़ा संकट। ಕಡುಗಾಳಿ कडुगाळि (क) सं.— तेज़ हवा, अधिक हवा। ಕಡುಗುಜ್ಜ कडुगुज (क) वि.— बहुत छोटा। ಕಡುಗುದುರೆ कडुगुदुरे [ಕುದುರೆ कुदुरे] (क) सं.— तेज़ दौड़नेवाला घोड़ा। ಕಡುಗೆಂಪು कडुगेंपु (क) सं.—बिलकुल लाल रंग। ಕಡುಗೆಯ್ कडुगेय् (क) क्रि.— दे. ಕಡುಕೆಯ್. ಕಡುಗೆಲಸಿ कडुगेलसि (क) सं.— कठोर परिश्रम करनेवाला। ಕಡುಗೇಡುಗ कडुगेडुग [ಕೇಡುಗ केडुग] (क) सं.— बड़ा नटखट या दुष्ट पुरुष। ಕಡುಗೊಬ್ಬು कडुगोब्बु (क) क्रि.— बहुत मोटा हो। ಕಡುಗೋಪ कडुगोप (क) सं.— दे. ಕಡುಕೋಪ. ಕಡುಗೋಪಿ कडुगोपि (क) सं.— बड़ा क्रोधी पुरुष। ಕಡುಚೆಲುವ कडुचेलुव (क) सं.—

बहुत सुंदर पुरुष। ಕಡುಚೆಲ್ವ कडुचेल्व (क) सं. = ಕಡುಚೆಲುವ. ಕಡುತವಕ कडुतवक (क) सं.— अतिशीघ्रता, बहुत जल्दबाज़ी, बहुत उतावलापन। ಕಡುದರ್ಪ कडुदर्प (सम्) सं.— अत्यंत गर्व। ಕಡುದಿಟ್ಟ कडुदिट्ट (क) सं.— बहुत साहसी पुरुष। ಕಡುದುರುಳ कडुदुरुळ (क) सं.— बहुत दुष्ट पुरुष। ಕಡುದೊಡ್ಡಿತು कडुदोड्डितु [ದೊಡ್ಡದು दोड्डदु] (क) सं.— बहुत बड़ी चीज़। ಕಡುನಾಲಿಗೆ कडुनालिगे (क) सं.— लंबी जिह्वा अर्थात् अधिक बोलनेवाली जिह्वा। ಕಡುನೀಱು कडुनीऱ् (क) सं.— अत्यंत प्यारा या प्रिय व्यक्ति, अधिक सौंदर्य। ಕಡುನೀರೆ कडुनीरॆ (क) सं.— अधिक सौंदर्य, बहुत सुंदरी। ಕಡುನೊ कडुनो, ನೋವು नोवु (क) सं.— अत्यधिक पीड़ा। ಕಡುಪಾಪಿ कडुपापि (सम्) सं.— बड़ा पापी। ಕಡುಬಡವ कडुबडव (क) सं.— बहुत ग़रीब आदमी, ಕಡುಬಡತನ कडुबडतन (क) सं.— बहुत ग़रीबी। ಕಡುಬಿನ್ನಣ कडु-बिन्नण (क) सं.—अधिक कौशल या चातुरी ಕಡುಬೆಳೆ कडुबेळे (क) सं.— अधिक उपज या फसल होना। ಕಡುಮುಪ್ಪು कडुमुप्पु (क) सं. — बहुत बुढ़ापा। ಕಡುಮುಳಿ कडुमुळि (क) सं.— बहुत गुस्से में आ। ಕಡುಮೆಚ್ಚು कडुमेच्चु (क क्रि.— अधिक पसंद कर, अधिक प्रसन्न हो। ಕಡುರಾಗ कडुराग (सम्) सं.— अधिक प्रेम। ಕಡುರುತು कडुरुतु (सम्) सं.—रजोदर्शन का निश्चित समय। ಕಡುರುತುವಿನವಳು कडुरुतुविनवळु ऋतुमती, पुष्पवती। ಕಡುಲಾಗು कडुलागु (क) सं.— अधिक उछाल। ಕಡುಲೇಸು कडुलेसु (क) वि.— अधिक अच्छा, बहुत अच्छा। ಕಡುವಿಲ್ಲ कडुविल्ल (क) सं.— अच्छा धनुर्धारी, अद्वितीय धनुर्धारी। ಕಡುವಿಷ कडुविष (तद्) सं.— तेज विष। ಕಡುವಿಸಿಲ್ कडुविसिल्, ವಿಸಿಲು विसिलु (क) सं.— कड़ी धूप। ಕಡುಶಿಶು कडुशिशु (सम्) सं.—नन्हा बच्चा। ಕಡುಸಡಲು कडुसडलु (क) सं. — बहुत शिथिलता या ढिलाई। ಕಡುಶೌರ್ಯ कडुशौर्य (सम्) सं.— अत्यंत साहस या पराक्रम। ಕಡುಸೂಳೆ कडुसूळे (क) सं. — बड़ी भ्रष्टा या दुराचारिणी स्त्री। ಕಡುಹೆಡ್ಡ कडु-हेड्ड (क) सं.—बड़ा मूर्ख पुरुष। ಕಡುಹೇಡಿ कडुहेडि (क) सं.— बड़ा भीरु या डरपोक; तिरछा, टेढ़ा, वक्र, झुका हुआ; ಕಡುವಿಲ್ कडुविल्, ಕಡುವಿಲ್ कडुविल् (क) सं.— वक्र या झुका हुआ धनुष। सं.— तंग रास्ता या गली; वह जो सीधा हो या खड़ा हुआ हो; नदी को पार करने का स्थान; विष, ज़हर। (तद्) सं.—कटुः (तत्); कडुवापन; खडी (तत्); खड़िया मिट्टी, चॉक (chalk)।

ಕಡುಕು कडुकु (क) सं. — काटना, कटा हुआ पदार्थ; टुकड़ा, अंश, खण्ड (दे. ಕಡಿಕು); कबंध, रुंड; पेड़ की डाली या शाखा; एक पौधे का नाम।

ಕಡುಕು कडुकु (तद्) सं.— कटकः (तत्); रत्नकुंडल, कर्णाभरण विशेष।

ಕಡುಗ कडुग (तद्) सं.— खड्ग (तत्); तलवार।

ಕಡುಗು कडुगु (क) क्रि.— दे. ಕಡಗು; सख्त, कठोर, ठोस या सघन हो।

ಕಡುಪು कडुपु (क) सं.— दे. ಕಡಿಪು

ಕಡುಬು कडुबु, ಕಡುಂಬು कडुंबु (क) सं.— दे. ಕಡಬು.

ಕಡುಸು कडुसु, ಕಡುಹು कडुहु (क) सं — दे. ಕಡಿಪು. ಕಡುಹುಕಾಱ कडुहुकाऱ [ಕಾರ कार] (क) सं.— साहसी या पराक्रमी पुरुष।

ಕಡೆ कड़े (क) क्रि.— मथ. मंथन कर; रगड़; घोल, हिला; जा, पार हो, स्थान बदल, आगे बढ़; घटित हो; नीचे गिर, फिसल, डूब। सं.— अंत, अवसान, छोर, सीमा, अंतिम स्थान या स्थिति, स्थान, दिशा, (एक) ओर, गया बीता या न्यून; रंगोली, घर के अंदर और बाहर (द्वार के सामने) सफ़ेद मुलायम पत्थर के चूर्ण या आटे से खींचे जानेवाले अलंकृत चित्र (ಕೋಲಂ कोलं—तमिळ, ಮುಗ್ಗು मुग्गु—तेलुगु)। ಇವನು ಅವನಿಗಿಂತಲೂ ಕಡೆ इवनु अवनिगिंतलू कड़े—यह व्यक्ति उस व्यक्ति से भी गया बीता है।

ಕಡೆಕಣ್ಣು कड़ेकण्णु, ಕಡೆಗಣ್ಣು कड़ेगण्णु (क) सं.—आँख का कोना या छोर; कटाक्ष; अर्द्ध दृष्टि, तिरछी दृष्टि। ಕಡೆಗಂತಿ कड़ेगंति, ಕಡೆಗಂದಿ कड़ेगंदि (क) सं.— वह गाय जो अंतिम बार ब्याती है; अंतिम बछड़ा। ಕಡೆಗಾಣು कड़ेगाणु (क) क्रि —तिरस्कार या उपेक्षा की दृष्टि से देख। ಕಡೆಗಾಲ कड़ेगाल [ಕಾಲ काल] (क) सं.— अंतिम समय, मृत्यु का समय। ಕಡೆಗೀಲು कड़ेगीलु [ಕೀಲು कीलु] (क) सं.— अक्ष, धुरी। ಕಡೆಗೂಸು कड़ेगूसु (क) सं.— (सबसे) अंतिम बच्चा। ಕಡೆಬೀಳು कड़ेबीळु (क) क्रि.— बाहर आ, बाहर हो। ಕಡೆಗೆ ಮಾಣಿಸು कड़ेगे माणिसु (क) क्रि. — निकाल, तुड़ा। ಕಡೆಗೊಳಿಸು कड़े-गोळिसु (क) क्रि.— अंत कर. समाप्त कर। ಕಡೆನೋಟ कड़ेनोट (क) सं.— एक दृष्टि, झाँकी। ಕಡೆಯಣಂ कड़ेयणं (क) सं.— अंतिम मनुष्य; किसी एक पक्ष का मनुष्य। ಕಡೆವಗಲ್ कड़ेवगल् [ಪಗಲ್ पगल्] (क) सं.— सायंकाल, सूर्यास्त का समय। ಕಡೆವಡು कड़ेवडु [ಪಡು पडु] (क) सं.— अंत में हो। ಕಡೆವಳ್ಳಿ कड़ेवल्लि [ಹಳ್ಳಿ हल्लि] (क) सं.— अंतिम ग्राम। ಕಡೆವಾಯ್ कड़ेवाय् [ಹಾಯ್ हाय्] (क) सं.— एक तरफ़ हो जा, (किसी के ज़रिए) जा, पार कर। ಕಡೆವೆಳಗು कड़ेवेळगु [ಬೆಳಗು बेळगु] (क) सं.— दे. ಕಡೆವಗಲ್. ಕಡೆಸರಿ कड़ेसरि, ಕಡೆಸಾರ್ कड़ेसार् (क) क्रि.— एक तरफ़ हो। ಕಡೆಹಾಯಿಸು कड़ेहायिसु (क) क्रि.— पार करा, जाने दे, रक्षित कर, बचा।

ಕಡೆ कड़े (सम्) सं.— पहुँची, कंगन।

ಕಡೆಗೋಲ್ कड़ेगोल्, ಕಡೆಗೋಲು कड़ेगोलु (क) सं.— मथानी।

ಕಡೆಚಲು कड़ेचलु (क) सं.—मथने का साधन।

ಕಡೆತ कड़ेत (क) सं.— मथना; मथने का साधन।

ಕಡೆಯ कड़ेय (क) सं.— दे. ಕಡೆ (क)। (तद्) सं.— कटक (तत्); शिंजिनी, पैर का आभूषण विशेष।

ಕಡ್ಡು कड्डु (क) सं.— साहस, हिम्मत, धैर्य; असभ्य, गँवार, मूर्ख पुरुष; गड्ढा, हाथियों को पकड़ने के लिए बनाया जानेवाला गड्ढा; मात्सर्य, ईर्ष्या, वैर। —ಮಾಡು माडु (क) क्रि.—मूर्ख बना; सर्वनाश कर, हानि पहुँचा (मुह.)।

ಕಡ್ಡಣ कड्डुण, ಕಡ್ಡುಣಿಗೆ कड्डुणिगे (क) सं.— केशबंधन, जूड़ा।

ಕಡ್ಡಾಯ कड्डाय (क) सं.=ಕಟ್ಟಾಯ कट्टाय— अनिवार्यता, अनिवार्य करना, बलात्कार; अनुचित माँग, न्याय विरुद्ध माँग।

ಕಡ್ಡಾಯಗಾರ್ कड्डायगार् (क) सं.—अत्याचारी, उपद्रवी पुरुष।

ಕಡ್ಡಿ कड्डि (क) सं.=ಕರಡಿ करडि—भल्लूक, भालू, रीछ।

ಕಡ್ಡಿ कड्डि (तद्) सं.— तिनका, तृण, लकड़ी की छोटी टुकड़ी, रेशा, पत्ते का शिरा, छोटी लकड़ी (लेखनी) जो लिखने के काम में आती है।

ಕಡ್ಡೆ कड्ड़े (क) सं.— साहसी स्त्री।

ಕಡ್ಲೆ कड्ले (क) सं.— दे. ಕಡಲೆ.

ಕಣ್ कण्, ಕಣು कणु, ಕಣ್ಣು कण्णु (क) सं.- चक्षु, नेत्र, नयन, आँख; मोर के पंखों का नेत्रचिह्न, आँख के आकार का कोई अंश; रंध्र, छेद; नख और उसके नीचे के माँस के बीच की छोटी खुली जगह, नखरंध्र, जालरंध्र, झंझरी। ಕಣ್ಕದಡು कण्कदडु (क) सं.—आँख का प्रकाश कम होना। ಕಣ್ಕಪ್ಪು कण्कप्पु (क) सं.— काजल। ಕಣ್ಕಾಡಿಗೆ कण्काडिगे (क) सं.= ಕಣ್ಕಪ್ಪು. ಕಣ್ಕಿಡಿ कण्किडि (क) सं. — आँखों की चिनगारी। ಕಣ್ಕಿಸು कण्किसु (क) सं.— आँख का लाल रंग या लाल होना। ಕಣ್ಕುಣಿಕೆ कण्कुणिके, ಕಣ್ಕುಳಿಕೆ कण्कुळिके (क) सं.— आँखों का कोया। ಕಣ್ಗಾಣ್ कण्गाण्, ಕಂಗಾಣ್ कंगाण्, ಕಣುಗಾಣ್ कणुगाण्, ಕಣ್ಣುಕಾಣ್ कण्णुकाण्, ಕಣ್ಣುಗಾಣ್ कण्णुगाण् (क) क्रि.—आँख दीख (आँखों का दीखना), देख। ಕಣ್ಗೆವರ್ कण्गेवर् [ಬರ್ बर्], ಕಣ್ಣಿಗೆ ಬರ್ कण्णिगे बर् (क) सं.— आँखों को गोचर हो, दिखाई पड़, मनोहर हो। ಕಣ್ಗೊಳಿಸು कण्गोळिसु (क) क्रि.— दे. ಕಂಗೊಳಿಸು (ಕಂ में)। ಕಣ್ಚಕ್ರ कण्चक्र (क) सं. — आँख जो चक्र के समान हो। ಕಣ್ಜೋಡರ್ कण्ज़ोडर् [ಸೊಡರ್ सोड़र्] (क) सं.— आँख जो दीपक की भाँति हो, आँखों की चमक। ಕಣ್ಣ कण्ण (क) सं.— आँखों-वाला, वह जिसकी आँखें दीखें। ಕಣ್ಣಡಿಗ कण्णडिग (क) सं.— विष्णु; शिव। ಕಣ್ಣಪ್ಪು कण्णप्पु (क) सं.— आँखों का पानी, आँसू। ಕಣ್ಣಾರ कण्णार, ಕಣ್ಣಾರೆ कण्णारे (क) अ.— आँखों से; ठीक-ठीक, साफ़, भली-भांति। ಕಣ್ಣಾಲಿ कण्णालि (क) सं.— आंखों की पुतली। ಕಣ್ಣಿಲಿ कण्णिलि (क) सं.— आंखों का न दीखना; ಕಣ್ಣಿಲಿಮೊಗ कण्णिलिमोग (क) सं.— अंधा। ಕಣ್ಣೀರ್ कण्णीर् (क) सं.— आंसू। ಕಣ್ಣುರು कण्णुरु (क) सं.— आंखों की ज्वाला, आंखों की जलन; शत्रु; ईर्ष्या। ಕಣ್ಣೆಸೆ कण्णेसे, ಕಣ್ಣೆವೆ कण्णेवे (क) सं.— पलक, वर्त्मन्; बरौनी। ಕಣ್ತುಂಬ कण्तुंब (क) अ.— आंखें भर जायँ इस प्रकार, आंखें भरकर। ಕಣ್ದಣಿವು कण्दणिवु (क) सं.— आंखों की तृप्ति, आंखों के द्वारा (देखने से) प्राप्त तृप्ति। ಕಣ್ತುದಿ कण्तुदि (क) सं.— आंखों का कोया। ಕಣ್ದೆಗೆ कण्देगे (क) क्रि.— आंखे खोल। ಕಣ್ದೆರವಿಗೆಯ್ कण्देरविगेय् (क) क्रि. — आंखें खोल; प्रकाश दे, दिखा, प्रकट करा। ಕಣ್ದೊಡವು कण्दोडवु (क) सं.— आंखों का आभारण। ಕಣ್ಪರೆ कण्परे (क) सं.— आखों का माड़ा। ಕಣ್ಬೇಟ कण्बेट (क) सं.—परस्पर अवलोकन से प्राप्त मिलन-सुख। ಕಣ್ಬೇನೆ कण्बेने (क) सं.—आंखों की जलन, आंखों की बीमारी। ಕಣ್ಮರಲ್ कण्मरल्, ಕಣ್ಮಲರ್ कण्मलर् (क) सं — नेत्र जो फूल माना गया हो, नेत्र जो फूल के समान हो। ಕಣ್ಮರೆ कण्मरे, ಕಣ್ಮಱೆ कण्मऱे (क) क्रि.— आंखों से ओझल हो। आंखों के लिए पर्दा हो। ಕಣ್ಸಯ್ಗೆ कण्सय्गे, ಕಣ್ಸನ್ನೆ कण्सन्ने (क) सं.— आंखों का इशारा।

ಕಣ कण (क) सं.— छड़ी, डंडा; बाण; जाकट या चोली का कपड़ा (प्राय: एक गज़ का); एक अनुकरण—ध्वनि (जैसे ಕಣಕಣ कणकण=कण्कण्)।

ಕಣ कण (सम्) सं.— अनाज, अणु, स्वल्प परिमाण; रत्तीभर धूल; पानी की बूंद, अनाज की बाल; अंगारा; (तद्) सं.— खल: (तत्) खलिहान, अनाज को भूसे से अलग करने के लिए पीटने की ज़मीन; भूमि, युद्ध भूमि; (तद्) सं.—क्षण (तत्); पल, एक बार पलक मारने तक का समय, ४/५ सेकेंड।

ಕಣಕ कणक, ಕಣಿಕ कणिक, ಕಣುಕ कणुक (क) सं.—गीला आटा (विशेषकर गेहूँ का)।

ಕಣಕಪ್ಪಡಿ कणकप्पडि, ಕಣುಕಪ್ಪಟೆ कणुकप्पटे, ಕಣ್ಕಪ್ಪಟೆ कण्कप्पटे, ಕಣ್ಕಪ್ಪಡೆ कण्कप्पडे, ಕಣ್ಣಕಪ್ಪಡಿ कण्णकप्पडि, ಕಣ್ಣುಕಪಟೆ कण्णुकपटे, ಕಣ್ಣುಕಪ್ಪಟ कण्णुकप्पट, ಕಣ್ಣುಕಪ್ಪಟೆ कण्णुकप्पटे (क) सं.— चमगादड़ पक्षी।

ಕಣಗಲ कणगल, ಕಣಗಿಲ್ कणगिल्, ಕಣಗಿಲ कणगिल, ಕಣಗಿಲು कणगिलु, ಕಣಗಿಲೆ कणगिले, ಕಣಲಿಗೆ कणलिगे, ಕಣಿಗಲ್ कणिगल्, ಕಣಿಗಿನು कणिगिनु, ಕಣಿಗಿಲ್ कणुगिल्, ಕಣಿಗಿಲ कणिगिल, ಕಣಿಗಿಲಿ कणिगिलि, ಕಣಿಗಿಲೆ कणिगिले, ಗಣಿಗಲು गणिगलु, ಗಣಿಗಲೆ गणिगले, ಗಣಿಗಿಲು गणिगलु, ಗನ್ನೇಱಲೆ गन्नेऱ्ले (तद्) सं.— करवीर (तत्)— कनेर का फूल, कनेर का का वृक्ष।

ಕಣಗು कणगु (क) सं.— सुपारी का पेड़; लोध्र वृक्ष।

ಕಣಜ कणज (क) सं.=ಕಡಜ कडज- दे. ಕಡಜ खत्ती, अनाज रखने का स्थान, अनाज रखने की बड़ी बेंत की टोकरी।

ಕಣಂಜು कणंजु, ಕಣಜು कणजु (क) सं.— प्रवाल या मूँगे को तोलने का तौल विशेष।

ಕಣಪ कणप, ಕಣಯ कणय, ಕಳೆಯ कळेय (सम्) सं.— भाला, साँग।

ಕಣಬ कणब (क) सं.— सफ़ेद खुरवाला घोड़ा।
ಕಣಬೆ कणबे (क) सं. — लता विशेष, रौद्री नामक लता।
ಕಣಮೆ कणमे, ಕಣಿಮೆ कणिमे, ಕಣವೆ कणवे, ಕಣಿವೆ कणिवे (क) सं.— घाटी, पहाड़ों के बीच का तंग रास्ता।
ಕಣಯ कणय (क) सं.—नीवी, नारा, उच्चय। (तद्) सं.—दे. ಕಣಪ.
ಕಣಲಿಗೆ कणलिगे (क) सं.— दे. ಕಣಗಲ.
ಕಣವೆ कणवे (क) सं.— दे. ಕಣವೆ.
ಕಣಸು कणसु (क) सं.— देखना, अवलोकन, दृष्टि।
ಕಣಾ कणा, ಕಾಣಾ काणा (क) क्रि. रू.—नहीं क्या, देखा नहीं?
ಕಣಾದ कणाद (सम्) सं.—एक ऋषि का नाम जो वैशेषिक दर्शन के प्रवर्तक हैं। सोनार (कलाद)।
ಕಣಿ कणि (क) सं.— चर्मवाद्य विशेष, डफ, डफली; गाँठ, बंधन; दृष्टि, भविष्य-दृष्टि, दिव्य-दृष्टि, शुभाशुभ शकुन, सत्य, यथार्थता; पत्थर, शिला, स्थान, जगह।
ಕಣಿ कणि (तद्) सं.—कण, अणु; खनि (तत्); खान, आकर, गड्ढा, छिछली कटोरी या तश्तरी।
ಕಣಿಕ कणिक (क) सं.— दे. ಕಣಕ.
ಕಣಿಕೆ कणिके, ಕಣುಕು कणुकु (क) सं.—अनाज अलगाया हुआ डाँठ, डंठल। (तद्) सं.— कण, अणु, स्वल्प परिमण; बूँद; एक पौधा विशेष।
ಕಣಿಗಲ್ कणिगल्, ಕಣಿಗಲು कणिगलु (क)— दे. ಕಣಗಲ.
ಕಣಿಗಾತಿ कणिगाति (क) सं.—भविष्य कहने वाली स्त्री।
ಕಣಿಗಿಸು कणिगिसु, ಕಣಿಗಿಲ್ कणिगिल् (क) सं.— दे. ಕಣಗಲ.
ಕಣಿಗಿಲ कणिगिल, ಕಣಿಗಿಲಿ कणिगिलि, ಕಣಿಗಿಲೆ कणिगिले (क) सं.—दे. ಕಣಗಲ.
ಕಣಿತಲೆ कणितले (क) सं.— कनपटी।
ಕಣಿತಿ कणिति (क) सं.— दे. ಕಣಿಗಾತಿ.
ಕಣಿಮೆ कणिमे, ಕಣಿವೆ कणिवे (क) सं. — दे. ಕಣವೆ.
ಕಣಿಶ कणिश (सम्) सं.—अनाज की बाल।
ಕಣಿಸ कणिस (क) सं.—उचित तौल या माप।
ಕಣಿಸು कणिसु, ಕಣ್ಚು कणुचु, ಕಳಿಸು कळिसु (क्रि.)—(दिखाई पड़), देख, विचार कर।
ಕಣೀಯಂಸ್ कणीयंस्, कणियस् (सम्) वि.— बहुत छोटा, छोटा।
ಕಣು कणु (क) सं.— आँख, दे. ಕಣ್.
ಕಣುಕ कणुक (क) सं.— दे. ಕಣಕ.
ಕಣುಕಪ್ಪಟೆ कणुकप्पटे (क) सं.—दे. ಕಣಕಪ್ಪಡಿ.
ಕಣುಕು कणुकु (क) सं.— दे. ಕಣಿಕ.
ಕಣೆ कणे (क) सं. — छड़ी, डंडा; बाण; नीवी, नारा, इज़ारबंद; कोल्हू का बड़ा रोलर या बेलन; शक्कर की मिल में काम आनेवाले इस प्रकार के रोलर का जोड़ा, यष्टि; पीपल।
ಕಣೆಗಿಲೆ कणेगिले (क) सं.=ಕಣಗಲ कणगल — दे. ಕಣಗಲ.
ಕಣೆಯ कणेय (क) सं.— कथा, कहानी, उपकथा; प्रारंभ; न्याय।
ಕಣ್ಕಪ್ಪಟೆ कण्कप्पटे ಕಣ್ಕಪ್ಪಡೆ कण्कप्पड़े (क) सं.— दे. ಕಣಕಪ್ಪಡಿ
ಕಣ್ಚು कण्चु (क) क्रि.— दे. ಕಣಿಸು.
ಕಣ್ಣಕಪ್ಪಡಿ कण्णकप्पडि (क) सं.— दे. ಕಣಕಪ್ಪಡಿ.
ಕಣ್ಣಿ कण्णि (क) सं.— रस्सा, रस्सी, डोरी।
ಕಣ್ಣು कण्णु (क) सं.— दे. ಕಣ್.
ಕಣ್ಣುಕಪ್ಪಟೆ कण्णुकप्पटे, ಕಣ್ಣುಕಪ್ಪಟ कण्णुकप्पट, ಕಣ್ಣುಕಪ್ಪಟೆ कण्णुकप्पटे (क) सं.— दे. ಕಣಕಪ್ಪಡಿ.
ಕಣ್ಣೆ कण्णे (क) सं.=ಕರಣೆ करणे—थक्का, पिंड।
ಕಣ್ವ कण्व (सम्) सं.— एक ऋषि का नाम; अपराध, पाप (मै.प्र.)। —ಸುತಾ सुता (सम्) सं.— शकुंतला।
ಕತ್ कत् (क) सं.—पत्थर, शिला। ಕತ್ತಾಳೆ कत्ताळे (क) सं.—एक पौधा विशेष जिसका रस कडुआ होता है, बोल, मुसब्बर।
ಕತ कत (क) सं.— कारण, हेतु (कृत-तत्?) एक अनुकरण-ध्वनि, जैसे — ಕತಕತಕತ್ कतकतकत्—जल के उबलते समय उत्पन्न होनेवाली ध्वनि।
ಕತಕ कतक (सम्) सं.— निर्मली वृक्ष जिसके फल से पानी साफ़ किया जाता है। (तद्) वि. कृतक— (तत्)।
ಕತಬಾ कतबा (अ. दे.) सं.— क़तब, अंगीकार पत्र, कनूनी स्वीकृति पत्र।
ಕತರ್ಚೆ कतर्चे, ಕದರ್ಚೆ कदर्चे (अ.दे.?) सं.— विवाह, झगड़ा, कलह।
ಕತಿ कति [या ಖತಿ खति] (क) सं.—क्रोध, रोष, गुस्सा।
ಕತಿಪಯ कतिपय (सम्) वि.— कुछ, थोड़ा, कुछेक।
ಕತೆ कते (तद्) सं—कथा (तत्)। —ಗಾರ गार (क) सं.—कथा कहनेवाला।
ಕತ್ತಗಾಲಿನ ಡೊಂಬು कत्तगालिन डंबु (क) सं.— अटरूष, अडूसा।
ಕತ್ತರಿ कत्तरि (तद्) सं.—कर्त्री या कर्तनी, (तत्) कैंची, चाकू, छोटी तलवार। —ಕಳ್ಳ कळळ, ಗಳ್ಳ गळळ (तद्) सं.— गिरहकट, ठग। — ಕೋಲು कोलु, ಗೋಲು गोलु (क) सं.— कैंची। — ಬಾವುಲಿ बावुलि (तद्) सं.— कान के ऊपरी भाग में पहनने का आभूषण विशेष। ಕತ್ತರಿಸು कत्तरिसु (तद्) क्रि.— काट, टुकड़े कर।
ಕತ್ತಲ್ कत्तल्, ಕತ್ತಲ कत्तल ಕತ್ತಲು कत्तलु, ಕತ್ತಲೆ कत्तले (क) सं.— अंधेरा, अंधकार। — ಇಸು इसु (क) क्रि.—अंधेरा या अंधकार हो।— ಗವಿ गवि (क) क्रि.— अंधेरा छा।— ಮಣಿ मणि (क) सं.— अंधेरे की मणि, चंद्रमा।
ಕತ್ತಳ कत्तळ (अ. दे.) सं.— क़तल (अरबी); हत्या; हिंसा।
ಕತ್ತಿ कत्ति (तद्) सं.—कर्त्री (तत्); तलवार, छोटी तलवार, चाकू, छुरी। ಬಂಗಾರದ ಕತ್ತಿಯಾದರೆ ರಕ್ತ ಬಾರದೆ बंगारद कत्तियादरे रक्त बारदे — सोने की तलवार हो तो क्या रक्त (खून) नहीं आएगा (कह०)।

ಕತ್ತಿಗೆ कत्तिगे (तद्) सं.—कर्त्रिका (तत्); खड्ग, तलवार, छुरी; कैंची ।

ಕತ್ತಿಸು कत्तिसु (क) क्रि.— (दिया) जला, प्रज्वलित कर ।

ಕತ್ತು कत्तु (क) — कंठ, गला । क्रि. उत्तेजित कर, प्रज्वलित कर, जला, (दिया) जला, चिल्ला, चीख, ज़ोर से पुकार; रेंक, काँव काँव कर आदि ।

ಕತ್ತು कत्तु (अ. दे.) सं.—ख़त (अरबी); पत्र, लेख, लिखी हुई चीज़; एक प्रकार का हस्तलेख ।

ಕತ್ತುಪೆನ कत्तुपेन (क) सं.— झगड़ा, कलह ।

ಕತ್ತುರಿ कत्तुरि, ಕಸ್ತೂರಿ कस्तूरि (तद्) सं.—कस्तूरी (तत्); मृगनाभि, मुश्क । —ಮಿಗ मिग (तद्) सं.— कस्तूरीमृग (तत्) ।

ಕತ್ತೆ कत्ते, ಕಟಿತೆ कळते (क) सं.— गधा, गर्दभ । ಕತ್ತೆಗೆ ಕುದುರೆ ಸೋದರಮಾವನೇ कत्तेगे कुदुरे सोदरमावने ! —क्या घोड़ा गधे का मामा है ! (कह.) ; ಕಿರುಬ किरुब, ಕುರುಬ कुरुब, ಗಿರುಬ गिरुब, ಗುರುಬ गुरुब(क)सं.— लकड़बाघा ; एक जाति का हिरन ।

ಕತ್ಥನ कत्थन (सम्)सं.—प्रशंसा, आत्मस्तुति।

ಕತ್ರಿ कत्रि (तद्) सं. = ಕತ್ತರಿ.

ಕಥಂ कथं (सम्) अ.—कैसे ? किस प्रकार ?

ಕಥಾಪ್ರಸಂಗ कथाप्रसंग (सम्) सं.— भाषण या संलाप का संबंध; बोलना, संभाषण; कथा का प्रसंग, कथा ।

ಕಥಾಲಾಪ कथालाप (सम्) — संभाषण, वर्णन ।

ಕಥಿಯಿಸು कथियिसु, ಕಥಿಸು कथिसु (सम्) क्रि.— कह, वर्णन कर ।

ಕಥೆ कथे, ಕಥಾ कथा (सम्) सं.— कहानी, गाथा, किस्सा ।

ಕದ್ कद् (क) सं.— कालिमा, कालापन; ಕದ್ದಾಳೆ कद्दाळे (क) सं.—एक वृक्ष विशेष जिसका छाल काला होता है ।

ಕದ कद, ಕದವು कदवु, ಕದಹು कदहु (क) सं.— दरवाज़ा, द्वार, कपाट ।

ಕದಕ कदक (क) सं.—चोर, धोखेबाज़, कपटी पुरुष । (सम्) सं.—चंदवा, मंडप, वितान । —ತನ तन (क) सं.—चोरी ; छल ।

ಕದಡಿಸು कदडिसु (क) क्रि.— हिला, जगह बदल, मंथन कर, उत्तेजित करा, भ्रम में डाल, सता ; कलुषित कर, गंदा कर, पंकयुक्त कर ।

ಕದಡು कदडु (क) क्रि.— हिल, मथित हो; उत्तेजित कर, भ्रम में डाल, सता ; पंकिल हो, कलुषित हो, हिला, गंदलाकर । सं. — पंकिल या गंदा होना, कलुषितता, गंदलापन, उत्तेजना, हलचल, कोलाहल ।

ಕದಧ್ವ कदध्व (सम्) सं.—बुरा मार्ग ।

ಕದನ कदन (सम्) सं.—युद्ध, लड़ाई; नाश, हत्या ।

ಕದನ್ನ कदन्न (सम्) सं.—बुरा भोजन, अरुचिकर भोजन ।

ಕದಪು कदपु, ಕದಂಪು कदंपु (क) सं.—गाल, कपोल ।

ಕದಂಬ कदंब (सम्) सं.— कदम्ब वृक्ष, राशि, समूह ; सरसों ; हल्दी, हरिद्रा ; तरकारी, मिर्च-मसाला आदि मिलाकर पकाया गया चावल ।

ಕದಂಬಕ कदंबक (सम्) सं.— सरसों का पौधा ; राशि, समूह ।

ಕದಂಬದ್ರುಮ कदंबद्रुम (सम्) सं.—कदंब वृक्ष ।

ಕದರ कदर (सम्) सं— सफ़ेद लजाधुर या छुई मुई का पौधा ।

ಕದರಿಸು कदरिसु (क) क्रि.—दे. ಕದಡಿಸು.

ಕದರು कदरु (क) क्रि.—दे. ಕದಡು कदडु ; सं=ಕದರ್ कदर् — टेकुई ; चमक ; प्रकाश, कांति ।

ಕದರ್ಚೆ कदर्चे (अ.दे.?) सं—दे. ಕತರ್ಚೆ.

ಕದರ್ಥನ कदर्थन, ಕದರ್ಥನೆ कदर्थने (सम्) सं—तंग करना, सताना ; हल्का उपहास, मज़ाक, तिरस्कार ।

ಕದರ್ಯ कदर्य (सम्) वि.—नीच, तुच्छ, लोभी, कृपण ।

ಕದಲಿ कदलि (सम्) सं— केला, केले का वृक्ष ; पताका, ध्वज, ध्वजा जो हाथी की पीठ पर रखकर आगे बढ़ायी जाती है । एक जाति का हिरन ; एक वृक्ष (भूर्ज ?) ; शिव ; गगन, आकाश ; गज, हाथी ; जड़ी-बूटी को बेचनेवाला ; अंधेरा अंधकार, तम ; वनांतर, जंगल का मध्य भाग ।

ಕದಲಿಕೆ कदलिके (सम्) सं.—दे. ಕದಲಿ.

ಕದಲಿಕೆ कदलिके (क) सं— गति, हिलना, डुलना ; स्थान से अलग होना ; गंदलापन ।

ಕದಲಿಸು कदलिसु (क)क्रि.—हिला, डुला आदि, दे. ಕದಡಿಸು.

ಕದಲು कदलु (क) क्रि.—दे. ಕದಡು.

ಕದಲೆ कदले, ಕದಳಿ कदळि (क) सं—भीड़, समूह, झुंड, राशि, ढेर ।

ಕದವು कदवु, ಕದಹು कदहु (क) सं.—दे. ಕದ.

ಕದಾ कदा (सम्) अ.—कब, किस समय ।

ಕದಾಚಿತ್ कदाचित् (सम्) अ.— शायद ; कभी ।

ಕದಾಪಿ कदापि (सम्) अ.— कभी, कभी भी।

ಕದಿ कदि (क) क्रि.—चोरी कर, चुरा । ಬೇಡಿ ಕೊಂಡು ತಿನ್ನಬಹುದು; ಕದ್ದುಕೊಂಡು ತಿನ್ನಬಾರದು बेडिकोंडु तिन्नबहुदु, कद्दुकोंडु तिन्न बारदु—माँगकर खा सकते हैं, पर चोरी कर नहीं खाना चाहिए (कह.) ।

ಕದಿಕಿ कदिकि (क) सं.—चोरी करनेवाली स्त्री ।

ಕದಿರ್ कदिर्, ಕದಿರು कदिरु (क) सं.—अनाज की बाल ; टेकुई ; किरण, रश्मि, कांति ।

ಕದೀಂ कदीं, ಕದೀಮು कदीम (अ. दे.) वि.—कदीम (अरबी) ; पुराना, प्राचीन । सं.—गाँव का पुराना निवासी ; पुराना नौकर ।

ಕದುಕು कदुकु (क) क्रि.—दबा, मसल ; कुचल।

ಕದುಪು कदुपु (क) सं— भीड़, समूह, गिरोह, झुंड ।

ಕದುಬು कदुबु (क) क्रि.—दबा, कुचल, मसल, ज़ोर से पकड़ ; बलात्कार कर, कष्ट दे, सता, हिंसा कर ।

ಕದುರು कदुरु (क) सं.—दे, ಕದಿರ್.

ಕದ್ದೃಕು कद्दकु ಕದ್ದೃಕ್ಕು कद्दकु, ಕದ್ದುಂಕು कद्दुंकु (क) क्रि.— चोंच मार, चंचुघात कर।

ಕದೆ कदे (क) क्रि.— मिल, जुड़, संयुक्त हो, पास जा, दब, मसला जा, संकुचित हो।

ಕದ್ದವಣಿ कद्दवणि (क) सं.— रोमांच, पुलक।

ಕದ್ದಿ कद्दि (क) सं.— इच्छा, चाह।—ಕಾಱ कार् [ಕಾರ कार] (क) सं.— इच्छुक।

ಕದ್ದೆಯಿಸು कद्देयिसु (क) क्रि.— इच्छा कर, कामना कर, पसंद कर, चाह।

ಕದ್ರು कद्रु (क) वि.—धौला, भूरा। सं.— कश्यप की एक पत्नी का नाम जो सर्पों की माता थी।

ಕದ್ರುಂಕು कद्रुंकु (क) क्रि. –दे. ಕದ್ದೃಕು

ಕನ कन (क) सं— (दृश्य), सपना।

ಕನಕ कनक (सम्) सं.— सोना ; धतूरा ; पलाश वृक्ष।—ಗಿರಿ गिरि (सम्) सं.— मेरु पर्वत।

ಕನಕದಾಸ कनकदास (सम्) सं.— कन्नड के एक प्रसिद्ध वैष्णव भक्त कवि।

ಕನಕನಗ कनकनग (सम्) सं—दे. ಕನಕಗಿರಿ

ಕನಕವೃಷ್ಟಿ कनकवृष्टि (सम्) सं.—सोने की वर्षा।

ಕನಕಾಚಲ कनकाचल, ಕನಕಾದ್ರಿ कनकाद्रि (सम्) सं.— मेरु पर्वत, सुरगिरि।

ಕನಕಾಧ್ಯಕ್ಷ कनकाध्यक्ष (सम्) सं.—कोशाध्यक्ष।

ಕನಕಾಭಿಷೇಕ कनकाभिषेक (सम्) सं.—गुरु, कवि या बड़े व्यक्ति का, उनके सिर पर या चरणों में सोने की मुद्राओं की वर्षा कर सम्मान करना।

ಕನಕಾರವಿಂದ कनकारविंद (सम्) सं.—हेम वर्ण का कमल।

ಕನಕಾಲುಕೆ कनकालुके (सम्) सं.— सोने का कलश या पात्र।

ಕನಡಕ कनडक, ಕನ್ನಡಕ कन्नडक (क) सं.— चश्मा, ऐनक।

ಕನಡಿ कनडि, ಕನ್ನಡಿ कन्नडि (क) सं.—दर्पण, आईना।

ಕನರ್ कनर्, ಕನರು कनरु (क) सं.—अपक्व फल, कच्चा फल, अपक्वरस, कडुवी रुचि ; अरुचिकर गंध (तेल के जलने से निकलनेवाली गंध)।

ಕನಲ್ कनल्, ಕನಲು कनलु (क) सं.—क्रोध, रोष। क्रि.—क्रुद्ध हो, गुस्से में आ।

ಕನಲ್ಕೆ कनल्के (क) सं— क्रोध, रोष, गुस्सा।

ಕನಸ कनस, ಕನಸು कनसु (क) सं.—सपना, ख्वाब।

ಕನವರಿಸು कनवरिसु, ಕನಂಬರಿ कनंबरि (क) क्रि.—सपना देख, किसी एक वस्तु में ही ध्यान लगा।

ಕನಿ कनि (क) क्रि.— चमक, प्रकाशमान हो। सं.— दया, करुणा, सहानुभूति, दयालु होना। ಕನಿಕರ कनिकर (क) सं.—दया सहानुभूति।

ಕನಿಷ್ಠ कनिष्ठ (सम्) वि.—सब से छोटा, सब से कम, बहुत छोटा।

ಕನಿಷ್ಠಿಕೆ कनिष्ठिके (सम्) सं.—छिगुनिया, हाथ की सबसे छोटी उंगली।

ಕನಿಷ್ಠೆ कनिष्ठे (सम्) सं.—दे. ಕನಿಷ್ಠಿಕೆ.

ಕನೀನಿ कनीनि, ಕನೀನಿಕೆ कनीनिके (सम्) सं— छिगुनिया ; आँख की पुतली।

ಕನೀಯಸ್ कनीयस् (सम्) वि.— छोटा, कम। सं.—छोटा भाई। ಕನೀಯಸಿ कनीयसि (सम्) सं.— छोटी बहन।

(१) ಕನ್ನ कन्न (क) सं.—(चोरों से दीवार में बनायी जानेवाली) सेंध ; झरोखा, दरार (मै. प्र.)।— ಕಳ कळ, ಕಳ್ಳ, कळळ, ಗಳ್ಳ, गळळ (क) सं. —सेंध मारनेवाला, चोर। ಕನ್ನಾಕಳವು कन्नाकळवु, ಕನ್ನಾಚೋರಿ कन्नाचोरि(क) सं.—सेंध मारकर चोरी करने का अपराध।

(२) ಕನ್ನ कन्न (क) सं.=ಕೆನ್ನೆ केन्ने—गाल, कपोल (मै. प्र.)।

(३) ಕನ್ನ कन्न (तद्) सं.—कर्ण (तत्) ; कान।

ಕನ್ನಗಾಱ कन्नगार् [ಗಾರ गार] (क) सं—सेंध मारकर चोरी करनेवाला।

ಕನ್ನಡ कन्नड (क) सं— कन्नड भाषा जो कर्नाटक में बोली जाती है ; कन्नड भाषा प्रदेश, कर्नाटक।

ಕನ್ನಡಿ कन्नडि (क) सं.—दे. ಕನಡಿ.

ಕನ್ನಡಿಗ कन्नडिग (क) सं.—कन्नड भाषी पुरुष। ಕನ್ನಡಿಗಿತಿ कन्नडिगिति—कन्नड भाषी स्त्री।

ಕನ್ನಡಿಸು कन्नडिसु (क) क्रि.—प्रतिबिंबित हो ; प्रतिबिंबित कर, प्रकट कर, अनुवाद कर, भाषांतर कर।

ಕನ್ನವಡ कन्नवड (क) सं— दीवार जो दर्पणों से आवृत हो।

ಕನ್ನವುರ कन्नवुर (तद्) सं.— कर्णपूर (तत्) ; कर्णाभरण।

ಕನ್ನಿಕೆ कन्निके (तद्) सं.—कन्यका (तत्) ; लड़की, अविवाहित लड़की।

ಕನ್ನೆ कन्ने (तद्) सं—कन्या (तत्) ; दे. ಕನ್ನಿಕೆ. —ತನ तन (तद्) सं. –कन्या रहना, बचपन।—ಮಾಡ माड (तद्) सं.—अंतःपुर। —ವೆಣ್ वेण् (तद्) सं.— अविवाहिता लड़की।

ಕನ್ಯಕೆ कन्यके, ಕನ್ಯಕಾ कन्यका (सम्) सं.— दे. ಕನ್ನಿಕೆ.

ಕನ್ಯಸಾ कन्यसा, ಕನ್ಯಸೆ कन्यसे (सम्) सं.— छिगुनिया, सब से छोटी उंगली।

ಕನ್ಯಾ कन्या (सम्) सं.—दे. ಕನ್ನಿಕೆ.

ಕನ್ಯಾಕುಮಾರಿ कन्याकुमारि (सम्) सं. — दुर्गा जो कुमारी ही रही ; एक नदी का नाम, जिसके तट पर, कहा जाता है कि पार्वती ने तप किया था ; कुमारी अंतरीप।

ಕನ್ಯಾದಾನ कन्यादान (सम्) सं.—(शुल्क लिए बिना) कन्या को (विवाह में) दान देना।

ಕನ್ಯಾಪತಿ कन्यापति (सम्) सं.— दामाद, जामाता।

ಕನ್ಯಾಪರಿಣತೆ कन्यापरिणते (सम्) सं. —बुद्धिमति लड़की या कन्या।

ಕನ್ಯಾಪುತ್ರ कन्यापुत्र, ಕನ್ಯಕಾಜಾತ कन्यकाजात (सम्) सं.— अविवाहिता लड़की से उत्पन्न लड़का, कानीन।

ಕನ್ಯಾರ್ಥಿ कन्यार्थि (सम्) सं.— वह पुरुष जो विवाह में कन्या को माँगता हो, वर।

ಕನ್ಯಾವ್ರತ कन्याव्रत (सम्) सं.— आजीवन कन्या ही रहने का दृढ़ संकल्प या व्रत।

ಕನ್ಯಾಶುಲ್ಕ कन्याशुल्क (सम्) सं.— वह धन, जो कन्या के मूल्य के रूप में दिया जाता है।

ಕನ್ಯೆ कन्ये (सम्) सं. = ಕನ್ಯಾ.

ಕಪಟ कपट (सम्) सं.— धोखा, छल, प्रवंचना।—ಕೃತ್ಯ कृत्य (सम्) सं.—छल का काम । — ಗಾರ गर, ಗಾಱ गार् (सम्) सं.— कपटी पुरुष ।— ತನ तन (सम्) सं.— धोखेबाज़ी ।— ವೇಷ वेष (सम्) सं. —मिथ्या वेश, झूठा स्वरूप ।— ಶಬರ शबर (सम्) सं.— शिव । — ಹೃದಯ, हृदय ಹೃದಯಿ हृदयि (सम्) सं.— वह जिसका हृदय छल से पूर्ण हो ।

ಕಪಟಿ कपटि (सम्) सं.— छल करनेवाला, धोखेबाज़ पुरुष ।

ಕಪಟೆ कपट़े, ಕಪ್ಪಟೆ कप्पट़े, ಕಪ್ಪಡಿ कप्पडि, ಕಪ್ಪಡೆ कप्पड़े, ಕಬಟ कबट, ಕಬ್ಬಟೆ कब्बट़े (क) सं.— दे. ಕಣಕಪ್ಪಡಿ.

ಕಪಡ कपड़ (तद्) सं.— कपड़ा (हिं.); वस्त्र।

ಕಪರ್ದ कपर्द (सम्) सं.— कौड़ी; जटा (विशेष कर शिवजी का जटाजूट)।

ಕಪರ್ದಕ कपर्दक, ಕಪರ್ದಿಕ कपर्दिक (सम्) सं.— कौड़ी ।

ಕಪರ್ದಿ कपर्दि (सम्) सं.— शिवजी ।

ಕಪಾಟ कपाट, ಕವಾಟ कवाट, (सम्) सं — किवाड़; द्वार, दरवाज़ा; अलमारी (मैं प्र.)।

ಕಪಾಯಿ कपायि, ಕಬಾಯಿ कबायि, ಕವಾಯಿ कवायि (अ. दे. ?) सं.— देव-मूर्तियों को पहनाने के वस्त्र ।

ಕಪಾಲ कपाल (सम्) सं.— खोपड़ी, खप्पर, भिक्षापात्र, कटोरा, प्याला; संग्रह, समारोह । — ಧರ धर, ಭೃತ್ भृत् (सम्) सं.— शिव । — ಹಸ್ತ हस्त (सम्) सं.— शिव ।

ಕಪಾಲಿ कपालि (सम्) सं —खोपड़ी रखनेवला, शिव ।

ಕಪಾಲಿಕೆ कपालिके (सम्) सं.— दे. ಕಪಾಲ.

ಕಪಾಲಿನಿ कपालिनि (सम्) सं.— शक्ति (दुर्गा); निम्न जाति की स्त्री, ब्राह्मण माता और शूद्र पिता की पुत्री ।

ಕಪಿ कपि (सम्) सं.— बंदर । — ಕೇತು केतु (सम्) सं.— सुग्रीव ।

ಕಪಿತ್ಥ कपित्थ (सम्) सं.— कैथा का वृक्ष, कैथा का फल ।

ಕಪಿಧ್ವಜ कपिध्वज (सम्) सं.— अर्जुन । — ಕುಲಧ್ವಜ कुलध्वज (सम्) सं.— सुग्रीव ।

ಕಪಿನಿ कपिनि, ಕಪಿಲೆ कपिले (सम्) सं.— एक नदी का नाम जो मैसूर ज़िले में बहती है ।

ಕಪಿಮುಷ್ಟಿ कपिमुष्टि (सम्) सं.— बंदर की मुष्टि या पकड़, दृढ़ता, हठ ।

ಕಪಿಲ कपिल (सम्) वि.— भूरा, सुनहला। सं.— एक ऋषि का नाम जो सांख्य दर्शन के आविष्कर्ता है । — ವರ್ಣ वर्ण (सम्) सं.— भूरा रंग ।

ಕಪಿಲೆ कपिले (सम्) सं.— दे. ಕಪಿನಿ.; भूरे रंग की गाय; एक प्रकार का सुगंध द्रव्य; लकड़ी का लट्ठा; दक्षिण-पूर्व दिशा की हथिनी ।

ಕಪಿವೃಷಭ कपिवृषभ (सम्) सं.— वाली, सुग्रीव या हनुमान ।

ಕಪಿಶ कपिश (सम्) सं.— भूरा या सुनहला रंग ।

ಕಪೀಂದ್ರ कपींद्र (सम्) सं.— बंदरों का नायक, दे. ಕಪಿ ವೃಷಭ.

ಕಪೋತ कपोत (सम्) सं.— (साधारणतः) पक्षी; कबूतर, पिड़की । — ಪಾಲಿ पालि (सम्) सं.— काबुक, अड्डी । — ಪಾಲಿಕೆ पालिके (सम्) सं.— दे. ಕಪೋತ ಪಾಲಿ.

ಕಪೋತಾಂಘ್ರಿ कपोतांघ्रि (सम्) सं.— एक प्रकार का सुगंध द्रव्य,

ಕಪೋತಾಂಜನ कपोतांजन (सम्) सं.— सुर्मा ।

ಕಪೋಲ कपोल (सम्) सं.— गाल।

ಕಪ್ಪ कप्प (क) सं.— कर, शुल्क, उपहार; सोने या चाँदी का वलय जो पैर या कलाई में पहना जाता है, व्रत (प्रतिज्ञा) सूचक कंकण, गड्ढा । वि. — काला, ಕಪ್ಪಕಪ್ಪನೆ. कप्प-कप्पने (क) सं. —बहुत ही कालापन ।

ಕಪ್ಪಗೆ कप्पगे, ಕಪ್ಪನೆ कप्पने, ಕಪ್ಪಾನೆ कप्पाने (क) वि., सं.—काला; काला रंग, कालापन ।

ಕಪ್ಪಟ कप्पट (तद्) सं.—दे. ಕಪಡ.

ಕಪ್ಪಟೆ कप्पट़े (क) सं.—दे. ಕಣಕಪ್ಪಡಿ.

ಕಪ್ಪಡ कप्पड (तद्) सं.—दे. ಕಪಡ.

ಕಪ್ಪಡಿ कप्पडि (क) सं.— दे. ಕಣಕಪ್ಪಡಿ.

ಕಪ್ಪಡೆ कप्पड़े (क) सं.— दे. ಕಣಕಪ್ಪಡಿ

ಕಪ್ಪನೆ कप्पने (क) वि, सं.—दे. ಕಪ್ಪಗೆ. अ.— तुरंत, जल्दी, जल्दी-जल्दी ।

ಕಪ್ಪುರ (तद्) सं.—कर्पूरः (तत्); कपूर। (तद्) सं.— कर्पर (तत्); कडाही; खोपड़ी ।

ಕಪ್ಪಲ್ कप्पल्, ಕಪ್ಪಲು कप्पलु (क) सं.— गड्ढा (हाथी को पकड़ने के लिए बनाया जानेवाला गड्ढा)।

ಕಪ್ಪು कप्पु (क) क्रि.—खोदना, गड्ढा बनाना घेरना, आवृत्त करना; फैलाना, व्याप्त करना, चारों ओर घेरना । सं.—गड्ढा, गर्त; चिह्न, निशान; ध्वज, केतु; काला, कालापन, काला रंग; काजल, मसी; मांस, गोश्त; कर, शुल्क, उपहार ।

ಕಪ್ಪುರ कप्पुर (तद्) सं.— कर्पूरः (तत्); कपूर ।

ಕಪ್ಪೆ कप्पे (क) सं.—मेंढक, भेक ।

ಕಪ್ರ कप्र (तद्) सं.—ಕಪ್ಪುರ.

ಕಫ कफ (सम्) सं.—ಕಪ कप (तद्)—श्लेष्मा, बलगम ।

ಕಫಣಿ कफणि, ಕಫೋಣಿ कफोणि, ಕಫೋಳಿ कफोळि (सम्) सं.— कुहनी ।

ಕಬ್ कब् (क) वि.—काला, ಕಬ್ಬಕ್ಕಿ कब्बक्कि ಕರ್ಬಕ್ಕಿ कर्बक्कि—सारिका, मैना; ಕಬ್ಬಳಿ कब्बळि या ಕಬ್ಬಳಿ कब्बळि—एक काली बेल जो बहुत मज़बूत होती है — बाँस के गट्ठों को बांधने में यह काम आती है। सं. = ಕಲ್ कल्—पत्थर ।

ಕಬಕ್ಕನೆ कबक्कने, ಕವಕ್ಕನೆ कँवक्कने, ಗಪ್ಪನೆ गप्पने, ಗಬಕ್ಕನೆ गबक्कने [ಕಪ್ಪನೆ कप्पने] (क) अ.—तुरंत, जल्दी, जल्दी-जल्दी ।

ಕಬಚ कबच (तद्) सं.— कवच (तत्) ।

ಕಬಟ कबट (क) सं.—चमगादड़ पक्षी । (तद्) सं.— कपट (तत्) ।

ಕಬಂಧ कबंध (सम्) सं.—सिर-रहित धड़

(विशेषकर वह धड़ जिसमें प्राण शेष हो) पेट ; पानी ; जल ; मेघ ; बादल ; राहु का नाम ; इंद्र के शत्रु एक राक्षस का नाम ; रामायण में वर्णित एक राक्षस।

ಕಬರ कबर (अ. दे.) सं— क़ब्र (अरबी) ; मुसलमानों की समाधि ।— ಸ್ಥಾನ स्थान (अ. दे.) सं. — क़ब्रिस्तान (अरबी), स्मशान।

ಕಬರಿ कबरि, ಕವರಿ कवरि (सम्) सं—जूड़ा, गुथी हुई चोटी।

ಕಬರು कबरु (अ. दे.) सं. — ख़बर (अरबी) ; समाचार, जानकारी।— ದಾರ दार (अ. दे.) सं.—ख़बरदार (अरबी, फ़ारसी) ; होशियार रहनेवाला या नियमबद्ध पुरुष ।— ದಾರಿ दारि (अ. दे.) सं.— ख़बरदारी, जागृति, होशियारी।

ಕಬಲ कबल, ಕಬಳ कबळ, ಕವಣ कवण, ಕವಲ कवल, ಕವಳ कवळ, (सम्) सं.—मुखभर, कौर।

ಕಬಲನ कबलन (सम्) सं.—मुखभर या कौर खाना।

ಕಬಳ कबळ (क) सं.—शिकारी व्याध। (तद्) सं.—दे. ಕಬಲ.

ಕಬಳಿಸು कबळिसु (तद्) क्रि.— खा, निगल।

ಕಬೂಲ್ कबूल् (अ. दे.) सं.— स्वीकृति, अंगीकार, मानना ((क़ुबूल–अरबी)।

ಕಬೂಲ कबूल (अ. दे.) सं— ग्रहण, दे. ಕಬೂಲ್.

ಕಬೂಲಾತಿ कबूलाति (अ. दे.) सं—लिखित या मौखिक स्वीकृति (बंधन)।

ಕಬೋಜಿ कबोजि (क) सं.— अंधा पुरुष।

ಕಬ್ಬ कब्ब (तद्) सं.—काव्य (तत्), काव्य, कविता।

ಕಬ್ಬಟೆ कब्बटे (क) सं.—चमगादड़ पक्षी।

ಕಬ್ಬಣ कब्बण, ಕಬ್ಬಿಣ कब्बिण, ಕಬ್ಣ कब्ण(क) सं.— लोहा।

ಕಬ್ಬಳಿ कब्बळि (क) सं.—दे. ಕಬ್.

ಕಬ್ಬಾರೆ कब्बारे (क) सं—सारस ; बगुला।

ಕಬ್ಬಿ कब्बि (क) सं.—लगाम ; संयम।

ಕಬ್ಬಿಗ कब्बिग (तद्) सं.—कवि, काव्य-प्रणेता।

ಕಬ್ಬಿಗರ ಕೈಪಿಡಿ कब्बिगर कैपिडि—एक प्राचीन कन्नड-शब्द-कोश का नाम।

ಕಬ್ಬಿಣ कब्बिण (क) सं.— दे. ಕಬ್ಬಣ.

ಕಬ್ಬಿಲ कब्बिल (क) सं.—(दे. ಕಬಳ) शिकारी, व्याध।

ಕಬ್ಬಿಲಿಗ कब्बिलिग (क) सं.— मल्लाह; मछुआ।

ಕಬ್ಬಿಲಿಗಿತ್ತಿ कब्बिलिगित्ति, ಕಬ್ಬಿಲಿತಿ कब्बिलिति (क) सं—मल्लाह या मछुआ जाति की स्त्री।

ಕಬ್ಬು कब्बु, ಕರ್ಬು कर्बु, ಕರ್ವು कर्वु (क) सं— ईख, ऊख। ಕಬ್ಬಿನ ಹಾಲು कब्बिनहालु— ईख का रस। ಕಬ್ಬು ಡೊಂಕಾದರೆ ಸವಿ ಡೊಂಕೆ कब्बु डोंकादरे सवि डोंके— ईख टेढ़ी हो तो क्या उसकी मधुरता भी टेढ़ी है ? ಆನೆಯಾಗಿ ಕಬ್ಬು ಮೇಯುವುದಕ್ಕಿಂತ ಇರುವೆಯಾಗಿ ಸಕ್ಕರೆ ಮೇಯುವುದು ಲೇಸು आनेयागि कब्बु मेयुवुदक्किंत इरुवेयागि सक्करे मेयुवुदु लेसु— हाथी होकर ईख चबाने की अपेक्षा चींटी होकर शक्कर उड़ाना बेहतर है (कह.)। ಕಬ್ಬುಬಿಲ್ಲಾಳ್ವ कब्बुबिल्लाळ्व, ಕಬ್ಬುವಿಲ್ಲ कब्बुविल्ल (क) सं—कामदेव।

ಕಬ್ಬುನ कब्बुन (क) सं— दे. ಕಬ್ಬಣ.

ಕಬ್ಬೆಯ कब्बेय (क) सं—दे. ಕಬ್ಬಿಲಿಗ.

ಕರ್ಮ್ कम् (क) वि.—काला; ಕಮ್ಮಡು कम्मडु, ಕಾರ್ಮಡು कार्मडु (क) सं— काली नदी— यमुना। ಕಮ್ಮಡುವಿನ ಅಣ್ಣ कम्मडुविन अण्ण (क) सं—यम। ಕಮ್ಮತ್ತಿ कम्मत्ति (क) सं- शाल वृक्ष। ಕಮ್ಮರ कम्मर (क) सं.— लकुच, कटहल।

ಕಮಟಿ कमटि, ಕಮಿಟಿ कमिटि, ಕ್ಯಾಮೇಟಿ क्यामेटि (अ. दे.) सं.— Committee (अंग्रेज़ी) ; समिति, सभा, संघ।

ಕಮಟು कमटु, ಕಮಟ್ಟು कमुट्ट, ಕಮರು कमरु (क) सं—अरुचिकर गंध, दुर्गंध, बदबू (खराब नारियल, मैले कपड़े या जलनेवाले तेल की दुर्गंध)।

ಕಮಠ कमठ (सम्) सं.— कछुआ ; घड़ा।

ಕಮಂಡಲ कमंडल, ಕಮಂಡಲು कमंडलु (सम्) सं—मिट्टी या लकड़ी का जलपात्र।

ಕಮನ कमन (सम्). वि.—विषयी, लंपट ; सुंदर, मनोहर। सं.—कामदेव; अशोकवृक्ष।

ಕಮನೀಯ कमनीय (सम्) वि.—मनोहर, सुंदर, वांछनीय।

ಕಮರ कमर, ಕಮರು कमरु (क) सं.—किसी पदार्थ की जल जाने या झुलस जाने की स्थिति ; तेल, घी, बाल आदि के जलने से उत्पन्न दुर्गंध।

ಕಮರಿ कमरि, ಕಮ್ಮರಿ कम्मरि (क) सं.— ढार, उतार, प्रपात, तट ; चट्टान ; कंदरा, खड्ड।

ಕಮರಿಕೆ कमरिके, ಕಮರಿಗೆ कमरिगे (क) सं— दे. ಕಮರ.

ಕಮರು कमरु (क) क्रि.—जल जा, झुलस जा। सं—दे. ಕಮರ.

ಕಮಲ कमल (सम्) सं.—कमल पुष्प, जलज ; जल ; ताँबा ; किरण, रश्मि ; चंद्रमा ; मृग (हिरन) विशेष ; सारस पक्षी ; एक छंद का नाम।—ಖಂಡ खंड (सम्) सं— कमलों का समूह।—ಗಂಧಿ गंधि (सम्) सं —स्त्री, जो कमल के समान सुगंध से युक्त हो।— ಗರ್ಭ गर्भ (सम्) सं. — ब्रह्मा।—ಜ ज (सम्) सं.—ब्रह्मा।— ಜಾಂಡ जांड (सम्) सं— संसार, विश्व। —ನಾಭ नाभ (सम्) सं.—विष्णु।—ಪೇಟೆ पेटे (सम्) सं. — वस्त्र का एक प्रकार का अलंकृत किनारा।— ಬಾಣ बाण(सम्)सं.— कामदेव।—ಬಾಂಧವ बांधव (सम्) सं.— सूर्य।—ಭವ भव (सम्) सं—ब्रह्मा।— ಮಿತ್ರ मित्र (सम्) सं.—सूर्य।—ಮುಖಿ मुखि, ವದನೆ वदने (सम्) सं.—कमल के समान मुखवाली स्त्री।—ಸಖ सख (सम्) सं— सूर्य।—ಸಂಭವ संभव (सम्) सं— ब्रह्मा।

ಕಮಲಾ कमला (सम्) सं—लक्ष्मी ; सर्वोत्तम स्त्री।—ಕುಮಾರ कुमार (सम्) सं.— प्रद्युम्न, मन्मथ।

ಕಮಲಾಕ್ಷ कमलाक्ष (सम्) सं.— विष्णु, कृष्ण।

ಕಮಲಾಕ್ಷಿ कमलाक्षि (सम्) सं— कमल के समान नेत्रवाली स्त्री।

ಕಮಲಾನನೆ कमलानने (सम्) सं—दे. ಕಮಲ ಮುಃಖಿ (ಕಮಲ में)

ಕಮಲಾಪ್ತ कमलास (सम्) सं.—दे. ಕಮಲ ಸಖ (ಕಮಲ में)।

ಕಮಲಾಲಯೆ कमलालये (सम्) सं—लक्ष्मी।

ಕಮಲಾಸನ कमलासन (सम्) सं—ब्रह्मा।

ಕಮಲಿನಿ कमलिनि (सम्) सं—कमल-समूह, सरोवर जहाँ कमल हों; कमल जैसी स्त्री।

ಕಮಲೆ कमले (सम्) सं.— लक्ष्मी।

ಕಮಲೇಶ कमलेश (सम्) सं— विष्णु।

ಕಮಲೋದರ कमलोदर (सम्) सं.— विष्णु चंद्रमा।

ಕಮಲೋದ್ಭವ कमलोद्भव (सम्) सं.— ब्रह्मा।

ಕಮಳ कमळ (तद्) सं.— कमल (तत्); कमल।

ಕಮಾನು कमानु (अ. दे.) सं.— कमान (हिं.), धनुष; घड़ी की कमानी; सारंगी (Violin) बजाने का कमान।

ಕಮಾಯಿಷಿ कमायिषि (अ. दे.) सं.— ('कमाना' से)-लगान या भू-कर की वसूली। — ದಾರ दार (अ. दे.) सं.— लगान या कर वसूल करनेवाला।

ಕಮುಟು कमुटु (क) सं.— दे. ಕಮಟು.

ಕಮ್ಮ कम्म, ಕಮ್ಮು कम्मु (क) सं.— सुगंधि, खुशबू।

ಕಮ್ಮ कम्म (तद्) सं.— कर्म (तत्), काम, कार्य। — ಗಾಱ गार [ಗಾರ गार] (तद्) सं.— कर्मकार (तत्); दे. ಕಂಬಾರ [=ಕಮ್ಮಾರ कम्मार]।

ಕಮ್ಮಗೆ कम्मगे, ಕಮ್ಮನೆ कम्मने (क) अ.— बहुत सुगंध युक्त।

ಕಮ್ಮಟ कम्मट (क) सं.— मुद्रा; टकसाल।

ಕಮ್ಮಟಿ कम्मटि (क) सं.—सिक्का बनानेवाला।

ಕಮ್ಮರಿ कम्मरि (क) सं.— दे. ಕಮರಿ.

ಕಮ್ಮರೆ कम्मरे (क) सं.— दे. ಕಚ್ಚಟಿ.

ಕಮ್ಮಱ कम्मर् (तद्) सं.— दे. ಕಂಬಾರ, ಕಮ್ಮಱಿತಿ कम्मरिति— 'कम्मार' का स्त्री. लिं.।

ಕಮ್ಮಾಱ कम्मार् (तद्) सं.— दे. ಕಂಬಾರ.

ಕಮ್ಮಾಱಗಾತಿ कम्मारगाति, ಕಮ್ಮಾಱಗಿತ್ತಿ कम्मारगित्ति.

ಕಮ್ಮಾಱತಿ कम्मारति (तद्) सं. — 'कम्मार' का स्त्री. लिं.।

ಕಮ್ಮಾಱಿಕೆ कम्मारिके (तद्) सं.— दे. ಕಂಬಾರಿಕೆ.

ಕಮ್ಮಾಳ कम्माळ (तद्) सं.— पेशावर; लोहार, सोनार।

ಕಮ್ಮಿ कम्मि (अ.दे.) सं.— न्यूनता, कमी। वि.— कम, थोड़ा। ಕಮ್ಮಿ ಜಾಸ್ತಿ कम्मि जास्ति (अ. दे.)— कम-ज्यादा।

ಕಮ್ಮಿತು कम्मितु, ಕಮ್ಮಿತ್ತು कम्मित्तु (क)सं.— सुगंध देनेवाला, सुगंध युक्त पदार्थ, सुगंधि।

ಕಮ್ಮಿದ कम्मिद (क) सं.— सुगंध युक्त पुरुष।

ಕಮ್ಮಿದಳ್ कम्मिदळ् (क) सं.— सुगंध युक्त स्त्री।

ಕಮ್ಮು कम्मु (क) क्रि.— सुगंधित हो, खुशबूदार हो.; (दाँतों से) ध्वनि उत्पन्न कर। सं.—खुशबू, सुगंध।

ಕಮ್ಮೆ कम्मे (क) सं.— (स्मार्त) ब्राह्मणों की एक शाखा।

ಕಮ್ರ कम्र (सम्) वि.— मनोहर, सुंदर, प्यारा।

ಕಯ್ कय् (क) सं. = ಕೆಯ್ केय् या ಕೈ कै — हाथ; = ಕಂಯಿ कंयि, ಕಯಿ कयि, ಕಯ್ಯಿ कय्यि— कटु, कडुआपन; खेत। वि.— मथने का, मंथन करने का, ಕಯ್ಕೋಲ್ कय्कोल् या ಕಯ್ಕೋಲು कय्कोलु —मथानी। क्रि.— कर, काम कर, संपन्न कर।

ಕಯ कय (सम्) सं.— ब्रह्मा का नाम।

ಕಯಕ್ कयक् (क) सं.— कंठ को धीरे से दबाने पर निकलनेवाली ध्वनि।

ಕಯಮೆ कयमे (क) सं. — धान; चावल।

ಕಯಾಸ್ कयास् (सम्) सं.— कल्पना, अनुमान।

ಕಯಿ कयि (क) सं.— कडुआ, कडुआपन; हाथ। ಕಯಿವಾರ कयिवार (क) सं.— परकाल (compasses) ಕಯಿಸನ್ನೆ कयिसन्ने (क) सं.— हाथ का इशारा।

ಕಯಿಸು कयिसु, ಕಯ್ಸು कय्सु, ಕೆಯ್ಸು केय्सु (क) क्रि.— करा, काम करा (प्रे.)।

ಕಯ್ಪು कय्पु, ಕಯ್ಪೆ कय्पे (क) सं.— कडुआपन कुटः।

ಕಯ್ಯಿ कय्यि (क) सं.— दे. ಕಯಿ.

ಕಯ್ವರ್ कय्वर्, ಕಯ್ವರು कय्वरु (क) क्रि.— हाथ में आ, प्राप्त हो; उपलब्ध हो; सफल हो।

ಕಯ್ವಾರ कय्वार (क) सं.— प्रशंसा; सहारा।

ಕಯ್ವಲ कय्वल (क) सं.— कृत्रिम क्षेत्र, खेत।

ಕಯ್ಸು कय्सु (क) क्रि.— दे. ಕಯಿಸು.

ಕರಂ करं (क) वि.— अधिक, बहुत, ज्यादा।

ಕರ कर (क) सं.—अधिकता, बहुतायत, समृद्धि, बल, शक्ति; एक अनुकरण ध्वनि; ಕರಕರ करकर—दांतो को रगड़ने से उत्पन्न होनेवाली ध्वनि; दुःख या चिंता के समय निकलने वाली एक ध्वनि; ಕರ್ಕರ करकर (दुहराना)अ.—बहुत दुःख से या चिंता से। ಕರಕರೆ करकरे (क) वि.—दुःखद, कष्टप्रद। ಕರಮರೆ करमरे (क) सं.—चिंता, व्याकुलता।

ಕರ कर (सम्) सं.—हाथ; हाथी की सूँड; कर, चुंगी; अंगुल का माप विशेष; ओला; किरण, रश्मि; जल, पानी; मेघ, बादल; रक्त, खून; पवन, हवा; दो की संख्या; छः की संख्या; हस्त नक्षत्र।

ಕರಕ करक (सम्) सं.—जलपात्र, कमंडलु; ओला; दाडिम, अनार; जंगल, वन; घोंसला; एक वृक्ष।

ಕರಕು करकु, ಕರಿಕು करिकु, ಕರಿಂಕು करिंकु, ಕರುಕು करुकु, ಕರ್ಕು कर्कु (क) सं.—बर्तन के ऊपर की मसि जो जलाने पर उत्पन्न होती है, बर्तन के अंदर किसी पदार्थ के अधिक जलने से उत्पन्न होनेवाली कालिमा; कालिख; काजल; काली दवा (चूर्ण) जो पानी में मिलाकर ली जाती है।

ಕರಕೆ करके (सम्) सं.— ओला।

ಕರಗ करग (तद्) सं.—करक (तत्); जलपात्र, कमंडलु।

ಕರಗಂದುಗ करगंदुग (तद्) सं.— हाथ में

खेलने का गेंद।

ಕರಗಲಂತಿಕೆ करगलंतिके (तद्) सं.—छोटा घड़ा, छोटी गगरी।

ಕರಗಸ करगस, ಗರಗಸ गरगस (तद्) सं.—क्रकच (तत्); आरा।

ಕರಗಿಸು करगिसु, ಕರಿಗಿಸು करिगिसु, ಕರ್ಗಿಸು कर्गिसु (क) क्रि.— गला, घुला; द्रवीभूत कर, पिघला।

ಕರಗು करगु (क) क्रि.—गल, द्रवीभूत हो, पिघल, द्रवीभूत हो; मुलायम हो।

ಕರಗ್ರಹಣ करग्रहण (सम्) सं.—पाणिग्रहण, विवाह।

ಕರಂಕ करंक (सम्) सं.— खोपड़ी; नरेरी, नारियल का बना पात्र, पिटारी, संदूक।

ಕರಂಗು करंगु (क) क्रि.—दे. ಕರಗು.

ಕರಚಿ करचि, ಕರಜಿ करजि, ಕರ್ಚಿ कर्चि, ಕರ್ಜಿ कर्जि (क) सं—गेहूँ का आटा बेलकर उसमें तिल और गुड़ रखकर बनाई जानेवाली एक मिठाई।

ಕರಜ करज (सम्) सं.— हाथ की उँगली का नख; एक जंगली वृक्ष जिसकी लकड़ी भवन-निर्माण में काम आती है, मिलावे का पेड़, एक सुगंध द्रव्य।

ಕರಜಾತ करजात (सम्) सं.— दे. ಕರಜ.

ಕರಜಿ करजि (क) सं,—दे. ಕರಚಿ.

ಕರಂಜ करंज ಕರಂಜಕ करंजक (सम्) सं.— दे. ಕರಜ.

ಕರಟ करट (सम्) सं.— हाथी का गाल, गंडस्थल; कौआ, काक, मेंढक; नभ; गगन, आसमान; जीव, आत्मा।

ಕರಟ करट ಕರಟೀ करटी, ಕರಂಟೀ करंटी, ಕಂಟ कंट (क) सं—(फोड़े) नारियल का ढाँचा।

ಕರಟಕ करटक (सम्) सं.— कौआ; हितोपदेश और पंचतंत्र में वर्णित एक सियार का नाम; आक्षेप करनेवाला; चुगलखोर।

ಕರಟಿ करटि (सम्) सं.— हाथी, गज।

ಕರಡ करड, ಕರಡು करडु, ಕಡ್ಡ कड्ड (क) सं.— सूखी घास।

ಕರಡಗೆ करडगे ಕರಡಿಗೆ करडिगे, ಕರಂಡಿಗೆ करंडिगे, ಕರ್ಡಿಗೆ कर्डिगे (तद्) सं— करंडिका (तत्); बाँस की पिटारी।

ಕರಡಿ करडि (क) सं.— भालू, रीछ; =ಕರಡೆ करड़े—झर्झर, ढोल, नगाड़ा।

ಕರಡಿಗೆ करडिगे (तद्) सं.—दे. ಕರಡಗೆ.

ಕರಡು करडु (क) सं—बेकार काम, लिखा हुआ काग़ज़, पाण्डुलिपि; दे. ಕರಡ. वि.—मोटा गाढ़ा, रूखा, रूक्ष, कठोर; बेकार; दुष्ट। क्रि.—मिल, घुल-मिला, हिला।

ಕರಡೆ करडे (क) सं.—दे. ಕರಡಿ.

ಕರಣ करण (सम्) सं.— करना, संपन्न करना; क्रिया; धर्मानुष्ठान; व्यवसाय, व्यापार; इंद्रिय; शरीर; क्रिया का साधन, कारण, हेतु; टीप, दस्तावेज़, लिखित प्रमाण; संगीत विद्या में ताली से ताल देना; ज्योतिष में दिन विभाग विशेष; शूद्र माता और वैश्य पिता का पुत्र; सभा भेद, लेखन का अभ्यास; लेखक, लिखनेवाला; पाँच की संख्या; ताल, (नाटकीय) भाव-प्रदर्शन, नृत्य की भंगिमा। —ಗ್ರಾಮ ग्राम (सम्) सं—इंद्रियों की समष्टि।—ತ್ರಯ त्रय (सम्) सं.—मन, वचन और काय—ये तीन।—ಶಾಲೆ शाले (सम्) सं.— लेखकों का कार्यालय।—ಸಾಲೆ साले (सम्) सं= ಕರಣಶಾಲೆ.

ಕರಣಿ करणि (सम्) सं.—करना, बनाना, संपन्न करना; संकर जाति की स्त्री; लिखनेवाला —दे. ಕರಣಿಕ.

ಕರಣಿಕ करणिक (सम्) सं.—ಕರಣೀಕ करणीक, ಕರ್ಣಿಕ कर्णिक— लेखक, लिखनेवाला; हिसाब लिखनेवाला, मुनीम; गणितज्ञ, ज्योतिषी।—ಮಂಡಲೀಕ मंडलीक (सम्) सं.—प्रधान मुनीम।

ಕರಣೀಕ करणीक (सम्) सं—दे. ಕರಣಿಕ—ತನ तन (सम्) सं.—मुनीमी।

ಕರಣೀಯ करणीय (सम्) वि.—करने योग्य, करने उपयुक्त।

ಕರಣೆ करणे, ಕಣ್ಣೆ कण्णे (क) सं.— थक्का, पिंड, गोलाकृति, गोला।

ಕರಣೇಂದ್ರಿಯ करणेंद्रिय (सम्) सं.— कान, श्रवणेंद्रिय।

ಕರಂಡ करंड, ಕರಂಡಕ, करंडक, ಕರಂಡಗೆ करंडगे (सम्) सं.— दे. ಕರಡಗೆ.

ಕರತಲ करतल (सम्) सं.— हथेली।—ಆಮಲಕ आमलक (सम्) सं.—हथेली पर का आँवला; अत्यंत सुगम कार्य।

ಕರತಳ करतल (सम्) सं.—दे. ಕರತಲ.

ಕರತಾಲ करताल, ಕರತಾಳ करताळ (सम्) सं.—झाँझ, मंजीरा; ताली बजाने का समय।

ಕರತಾಳಿ करताळि (तद्) सं—दे. ಕರತಾಲ.

ಕರದಂಡ करदंड (सम्) सं.—कमल, लाठी; एक काँटेदार पौधा।

ಕರಪತ್ರ करपत्र (सम्) सं.—आरा; पत्रिका, लघु पुस्तिका, छोटा काग़ज़।

ಕರಪಲ್ಲವ करपल्लव (सम्) सं.—उंगली; हाथ; इशारा (हाथ का इशारा)।

ಕರಪಾತ್ರೆ करपात्रे (सम्) सं.—छोटा बर्तन, गिलास, प्याला।

ಕರಪೀಠ करपीठ (सम्) सं.—सोंटा; एक औज़ार विशेष जिससे रास्ते की भूमि को समतल किया जाता है।

ಕರಪುಟ करपुट (सम्) सं.— हथेली; अंजलि; आदर सूचनार्थ दोनों हथेलियों को जोड़ना।

ಕರಬಾಲ करबाल (सम्) सं.—ಕರಪಾಲ करपाल, ಕರವಾಲ करवाल ಕರವಾಳ್ करवाळ्, ಕರವಾಳು करवाळु,—तलवार, खड्ग।

ಕರಬೂಜ करबूज, ಕರಬೂಜು करबूजु, ಕರುಬೂಜು करुबूजु, ಕರ್ಬೂಜ कर्बूज, ಖರ್ಬೂಜ खर्बूज (अ.दे.) सं.— खरबूज़ा (फ़ारसी), तरबूज।

ಕರಬೋನ करबोन (तद्) सं.— छोटा जलपात्र जिसका मुँह बड़ा होता है।

ಕರಭ करभ (सम्) सं.— कलाई से लेकर उंगली के नख तक के हाथ का पृष्ठभाग; ऊँट; जवान ऊंट; जवान हाथी; सूंड; एक वाद्य विशेष (ग्रामीण)।

ಕರಭೂಷಣ करभूषण (सम्) सं.— कलाई का आभूषण, कंकण।

ಕರಭೋರು करभोरु (सम्) वि.— सुंदरी, करभ के समान जांघवाली।

ಕರಮೆ करमे (क) वि.—दे. ಕರಂ.

ಕರಂಬ करंब (सम्) वि. — मिश्रित, मिला हुआ, रंगबिरंगा।
ಕರಂಭ करंभ (सम्) सं.— आटा या अन्य भोज्य पदार्थ जिसमें दही मिला हो।
ಕರಂಭಕ करंभक (सम्) सं.—दे. ಕರಂಬ ; दे. ಕರಂಭ.
ಕರರುಹ करुह (सम्) सं.—हाथ की उंगली का नख।
ಕರವಲಯ करवलय (सम्) सं.—चूड़ी; मल्ल-विद्या के कुछ दाँव-पेच।
ಕರವಾಲ करवाल ಕರವಾಳ್ करवाळ् ಕರವಾಳು करवाळु (सम्) सं.—दे. ಕರಬಾಲ.
ಕರವೀರ करवीर (सम्) सं.—एक पुष्प (वृक्ष) विशेष ; तलवार, एक देश का नाम।
ಕರವೂರ್ करवूर् (क) सं.— बड़ा नगर ; एक नगर का नाम।
ಕರಶಾಖೆ करशाखे (सम्) सं.—उंगली।
ಕರಶೀಕರ करशीकर (सम्) सं.—हाथी की सूँड से टपकाया हुआ जल।
ಕರಸೀಕರ करसीकर (सम्) सं.—दे. ಕರಶೀಕರ.
ಕರಸು करसु (क) क्रि.— ಕರಿಸು करिसु, ಕರೆಸು करेसु, ಕರೆಯಿಸು करेयिसु—बुलवा ; भून, भुनवा ; (दूध) दुहा।
ಕರಹ करह, ಕರೆಹ करेह (क) सं.—बुलावा, निमंत्रण, आह्वान ; दुहना।
ಕರಾಗ್ರ कराग्र (सम्) सं.—हाथ का अग्र भाग, उंगली, हाथी की सूँड का अंतिम भाग।
ಕರಾಟ कराट (सम्) सं.— दे. ಕರಡಗೆ.
ಕರಾಲ कराल, ಕರಾಳ कराळ (सम्) वि.— भयंकर, भयानक, बड़ा, लंबा, ऊँचा; विषम, विकृत।
ಕರಾಲಿ करालि (सम्) सं.—शिवशक्ति, दुर्गा।
ಕರಾವಳಿ करावळि (क) सं.—समुद्र-तट या नदी तट का स्थान।
ಕರಾವು करावु (क) सं.—दूध दुहना।
ಕರಾಸಿ करासि (तद्) सं.—खर असि, तीक्ष्ण तलवार।
(१) ಕರಿ करि (सम्) सं.— हाथी ; आठ की संख्या।
(२) ಕರಿ करि (क) क्रि.— भून, घी या तेल में भून; कुछ जला, झुलसा; जलाकर काला कर। सं.—भुने रहने की स्थिति ; कालापन, काला रंग ; कोयला। ಕರಿಯ करिय, ಕರೀ करी—काला। ಕರಿಗುಡ್ಡು करिगुड्डु (क) सं.—आँख की पुतली। ಕರಿಗುಬ್ಬಿ करिगुब्बि (क) सं.—नीलकंठ पक्षी। ಕರಿಜಾಲಿಮರ करिजालिमर (क) सं.— बँबूल का पेड़। ಕರಿಜಿಗಿ करि-जिगि (क) सं.— कपास के वृक्ष को होने वाली एक बीमारी। ಕರಿಜೀರಿಗೆ करिजीरिगे (क)सं.—काला जीरा। ಕರಿತುಳಸಿಗಿಡ करि-तुळसिगिड (क) सं.—तुलसी पौधा विशेष, कृष्ण-तुलसी। ಕರಿದಿಂಗಳು करिदिंगळु (क) सं.— कृष्ण पक्ष। ಕರಿದಿವಸ (सम्) सं.— बुरा दिन, ग्रहण के बाद का दिन, अशुभ दिन। ಕರಿಬೇವು करिबेवु (क) सं. — मीठा नीम ; एक वृक्ष विशेष जिसके पत्ते सुगंधित होते हैं, वे रस, सांबार आदि में (सुगंधि के लिए) डाले जाते हैं। ಕರಿಮಣಿ करिमणि (क) सं.—काली मणि, काली मणियों की माला जो सुमंगलियाँ पहनती हैं। ಕರಿಯ करिय (क) सं.—काला पुरुष। ಕರಿಯ ಕಣ್ करियकण् (क) सं.—काली आँख। ಕರಿಯಕಂಬಳಿ करियकंबळि (क) सं.—काली कमली (कंबल) ಕರಿಯ ಜೀರಿಗೆ करिय जीरिगे (क) सं.—दे. ಕರಿಜೀರಿಗೆ, ಕರಿಯ ಬದನೆಕಾಯಿ करिय बदनेकायि (क) सं.—काले (भूरे)रंग के बैंगन। ಕರಿಯ ಬಾಳ करियबाळ(क.सं)—एकसुगंधि द्रव्य। ಕರಿಯಬ್ರಾಹ್ಮಣ करिय ब्राह्मण (क) सं.—काला ब्राह्मण; ಕರಿಯ ಬ್ರಾಹ್ಮಣನ ನಂಬಬಾರದು, ಬಿಳೀ ಹೊಲೆಯನ ನಂಬಬಾರದು करिय ब्राह्मणन नंबबारदु, बिळी होलेयन नंबबारदु—काले ब्राह्मण और गोरे अछूत पर विश्वास नहीं करना चाहिए (कह०)। ಕರಿಯಳ್ करियळ् (क) सं.— काली स्त्री। ಕರಿಯಿರುವೆ (ಇರುವೆ) करियिरुवे (इरुवे) (क) सं.—काली चींटी। ಕರಿಯುಪ್ಪು करियुप्पु (क) सं.—काला नमक। ಕರಿಹತ್ತಿ करिहत्ति (क) सं.—काली कपास (The American Cotton Plant)। ಕರೀಕಬ್ಬು करीकब्बु; ಕರೇಕಬ್ಬು करेकब्बु (क) सं.— काली ईख जो बहुत मीठी होती है। ಕರೀಚೇಳು करीचेळु (क) सं.—काला बिच्छू।
(३) ಕರಿ करि (क) क्रि.— = ಕಳಿ कळि—बहुत दूर जा, अंत हो, मर जा, हाथ से निकल जा ; निकल जाने दे ; = ಕರೆ करे—बुला, पुकार, आह्वान कर, निमंत्रण दे।
ಕರಿಕ करिक, ಕರಿಗ करिग (क) सं.—काला आदमी।
ಕರಿಕರ करिकर (सम्) सं.—हाथी की सूँड।
ಕರಿಕು करिकु, ಕರಿಂಕು करिंकु (क) सं.—दे. ಕರಕು.
ಕರಿಗ करिग (क) सं.—दे. ಕರಿಕ.
ಕರಿಗಮನೆ करिगमने (सम्) सं.—हाथी की चाल-सी चालवाली स्त्री।
ಕರಿಗರ್ಜಿತ करिगर्जित (सम्) सं.—हाथी का गर्जन।
ಕರಿಗಾಲ करिगाल (क) सं.—बुरे या अशुभ लक्षणवाला पुरुष। ಕರಿಗಾಲಿ करिगालि—स्त्री. लिं.।
ಕರಿಗಿ करिगि (क) सं.— काली स्त्री।
ಕರಿಗಿಸು करिगिसु (क) क्रि.—दे. ಕರಗಿಸು
ಕರಿಗೊರಲ करिगोरल (तद्) सं.— नीलकंठ, शिव।
ಕರಿಘಟೆ करिघटे (सम्) सं.— गज-समूह, हाथियों का झुंड।
ಕರಿಚರ್ಮಧಾರಿ करिचर्मधारि, ಕರಿಚರ್ಮಾಂಬರ करिचर्मांबर (सम्) सं.—शिव।
ಕರಿಚು करिचु, ಕರಿಜು करिजु(क) क्रि.—पकड़, धर, छीन ले, ज़ब्त कर।
ಕರಿದು करिदु, ಕರದು करदु, ಕರೆದು करेदु (क) सं.— काली चीज़, जो काला हो वह; कालापन।
ಕರಿದಂತ करिदंत (सम्) स.— हाथीदाँत।
ಕರಿಪ करिप (सम्) स.— महावत।
ಕರಿಪೋತ करिपोत (सम्) स.— हाथी का बच्चा।
ಕರಿಪ್ರಾಸ करिप्रास (सम्) सं.— तुक का एक भेद।

ಕರಿಮುಖ करिमुख (सम्) सं.— गणेश जी ।
ಕರಿರ करिर, ಕರೀರ करीर (सम्) सं.— घड़ा, जलकुंभ ; हाथीदाँत का मूल ; बाँस का अँखुआ ; करील (एक कंटीला झाड़) ।
ಕರಿರಿಪು करिरिपु, ಕರಿವೈರಿ करिवैरि (सम्) सं.— शेर, सिंह ।
ಕರಿವದನ करिवदन (सम्) सं.— दे. ಕರಿಮುಖ.
ಕರಿವೈಜಯಂತಿ (सम्) करिवैजयंति सं. — हाथी की पीठ पर रखा हुआ झंडा ।
ಕರಿಶಾವಕ करिशावक (सम्) सं.—दे. ಕರಿ ಪೋತ.
ಕರಿಷ್ಣು करिष्णु (सम्) वि.— करने का इच्छुक, कर्तव्य-प्रिय ।
ಕರಿಸು करिसु (क) क्रि.— दे. ಕರಸು.
ಕರೀರ करीर (सम्) सं.— दे. ಕರಿರ.
ಕರೀರಕ करीरक (सम्) सं.— झगड़ा, लड़ाई ।
ಕರೀರಿ करीरि (सम्) सं.— हाथीदाँत का मूल ।
ಕರೀಷ करीष (सम्) सं—सूखा गोबर ।
ಕರು करु (क) त्रि.—बड़ा, महान्, ऊँचा; ಕರು ಮಾಡ करुमाड (क) सं.— बड़ा या ऊँचा भवन । सं — बछड़ा, गाय-भैंस का बच्चा ; पुतली, गुड़िया, ढली हुई वस्तु । क्रि. — लक्ष्य कर, निशान लगा; विचार कर;) अनुमान कर ; ಕರುವಿಡು करुविडु (क) क्रि.— ढाल, लेप्य-कर्म कर ।
ಕರುಕು करुकु (क) सं.—दे. ಕರಕು.
ಕರುಣ करुण, ಕರುಣೆ करुणे (सम्) सं.— दया, रहम, अनुकंपा; सहानुभूति; तपस्वी ; काव्य के रसों में एक ; करुणाभाव ; दयालु, कृपालु ; कोमलता ।
ಕರುಣಾಕರ करुणाकर, ಕರುಣಾನಿಧಿ करुणानिधि, ಕರುಣಾಬ್ಧಿ करुणाब्धि (सम्) सं.— अत्यंत दयावान् ।
ಕರುಣಾಂಬು करुणांबु (सम्) सं.— करुणा के आँसू ।
ಕರುಣಾಂಬುಧಿ करुणांबुधि (सम्) सं.— दया-सागर ।
ಕರುಣಾಲವಾಲ करुणालवाल (सम्) सं.—करुणा -जलाशय (अत्यंत दयावान्) ।
ಕರುಣಾಲು करुणालु (सम्) सं.— दयालु, दयावान् । —ತನ तन (सम्) सं.— दयालुता, कारुण्य ।
ಕರುಣಾವಂತ करुणावंत (सम्) सं.— दयालु । ಕರುಣಾಶರನಿಧಿ करुणाशरनिधि, ಕರುಣಾಸಮುದ್ರ करुणासमुद्र, ಕರುಣಾಸಾಗರ करुणासागर, ಕರುಣಾಸಿಂಧು करुणासिंधु (सम्) सं. — दया-समुद्र (अत्यंत दयावान्) ।
ಕರುಣಿ करुणि (सम्) सं.— कृपालु, दयालु । ಕರುಣಿಸು करुणिसु (सम्) क्रि — दया कर, अनुकंपा कर ; सहानुभूति दिखा ।
ಕರುತ್ತಿರಿ करुत्तिरि (क) क्रि.— निशान लगा, लक्ष्यपूर्वक मार या बेध ।
ಕರುಪು करुपु (क) सं.— ईर्ष्या, मात्सर्य ; तिरस्कार ।
ಕರುಬ करुब (क) सं.— ईर्ष्यालु पुरुष ।
ಕರುಬು करुबु (क) क्रि.— ईर्ष्या कर, डाह कर । सं.—ईर्ष्या, मात्सर्य, डाह ।
ಕರುಬೂಜು करुबूजु (अ. दे.) सं.— दे. ಕರಬೂಜ.
ಕರುಮಾಡ करुमाड, ಕರುವಾಡ करुवाड (क) सं.— ऊँचा या बड़ा भवन अट्टालिका ।
ಕರುಹು करुहु (क) सं.— दे. ಕರುಪು.
ಕರುಳ್ करुळ्, ಕರುಳು करुळु, ಕರಳು करळु, ಕರ್ಳ್ कर्ळ्, ಕಳ್ಳು कळ्ळु (क) सं.— ; आँत, अंतड़ियाँ ; प्रेम, प्रीति, वात्सल्य, ममता ।
ಕರೆ करे (क) क्रि.— बुला, पुकार, आह्वान कर, निमंत्रण दे ; बरस, बरसा, (आँसू) बहा ; (दूध) दुह ; छिपा । सं.— बुलावा, निमंत्रण ; तट, किनारा, छोर ; काला, कालापन, कालिम, कलंक, दोष ; गो-कुल, गऊशाला ; हरी गोल मिर्च ; हरी इलायची । ಕರೆ ಕಮಲ करे कमल (सम्)—सं कैरव, कुमुद । ಕರೆ ನೆಲ करे नेल (क) सं.— काली मिट्टी-वाली भूमि । ಕರೆ ಬೆಕ್ಕು करे बेक्क (क) सं.— काली बिल्ली । ಕರೆ ಕೂದಲು करे कूदलु (क) सं.— काले बाल । ಕರೆ ಜೀರಿಗೆ करे जीरिगे (क) सं.— काला जीरा । ಕರೆ ಮದ್ದು करे मद्दु (क) सं.— बारूद । ಕರೆ ಮೆಣಸು करे मेणसु (क) सं.— काली मिर्च । ಕರೆ ಹಲ್ಲಿ करे हल्लि (क) सं.— काली छिपकली ।
ಕರೆಕಳುಹು करेकळुहु (क) क्रि.— बुला, पुकार ; कह ।
ಕರೆಗಣ್ಮು करेगण्मु (क) सं.— सीमा का अतिक्रमण कर, लाँघ, उल्लंघन कर ।
ಕರೆಗಾರ करेगार (क) सं.— एक जाति विशेष का व्यक्ति ।
ಕರೆಗಾಳಿ करेगाळि (क) सं.—भूमि से समुद्र की ओर बहनेवाली, हवा ।
ಕರೆಗೊರಲ करेगोरल (क) सं.— शिव ।
ಕರೆದು करेदु, ಕರಿದು करिदु (क) सं— काला पदार्थ ।
ಕರೆಯಿಸು करेयिसु, ಕರೆಸು करेसु (क) क्रि.— दे. ಕರಸು.
ಕರೆಯುವಿಕೆ करेयुविके, ಕರೆಹ करेह (क) सं.— बुलाना, बुलावा, आह्वान ; (दूध) दुहना ।
ಕರೇಣು करेणु (सम्) सं.— हाथी, हथिनी, बड़ा भीरु, बड़ा डरपोक ; रज, धूल ; कर्णिकार, कठचंपा या वनचंपा का पेड़ ।
ಕರೋಟಿ करोटि (सम्) सं.— खोपड़ी ; कटोरा, बर्तन ।
ಕರೋರ್ಧ्व करोर्ध (सम्) सं.— हाथ का पिछला भाग ।
ಕರೋಲು करोलु (अ. दे.) सं.— करौली (तुर्की) ; पिस्तौल ।
ಕಱ कऱ्, ಕಱು कऱु (क) सं.—बछड़ा । वि.— काला; ಕಱಕಱನೆ कऱकऱने—बिलकुल काला ।
ಕಱಕು कऱुकु (क) सं.— दे. ಕಕ್ಕು.
ಕಱಕೆ कऱ्के, ಕಱಿಕೆ कऱिके, ಕಱುಕೆ कऱुके, ಕಱುಂಕೆ कऱुंके, ಗಱಕೆ गऱ्के, ಗಱಿಕೆ गऱिके, ಗರ್ಕೆ गर्के (क) सं.— दूर्वा, एक प्रकार की घास (Huriallee grass) ।
ಕಱಂಗು कऱंगु (क) सं.— कालापन ।
ಕಱಲ್ कऱल्, ಕಱಲು कऱलु, ಕರ್ಲು कर्लु (क) वि. — खारा, लवणमय, ऊसर । —

ಭೂಮಿ भूमि (क) सं.— ऊसर भूमि ।
ಕರಸು करसु (क) क्रि.— दूध बहा, दूध दुहा; वर्षा करा (प्रे.) ।
ಕರಾವು करावु (क) सं.— (दूध) दुहना ।
ಕರಿ करि (क) क्रि. = ಕರೆ करे — दुह; बहने दे; छोड़, निकाल; पानी बरस; आँसू बहा, रो । सं.— तरकारी; साग; मांस, शोरबा । वि.— काला; (कलंक, दोष); ಕರಿಗೊರಳವ करिगोरळव (क) सं.— वह जिसका कंठ काला हो, शिव ।
ಕರಿಕೆ करिके (क) सं.— दे. ಗರಿಕೆ.
ಕರು करु (क) सं.— दे. ಕರು.— ಗಾಹಿ गाहि (क) सं.— बछड़ों की देखरेख करनेवाला लड़का । क्रि.— दे. ಕರು (क्रि.) ।
ಕರುಕೆ करुके ಕರುಂಕೆ करुंके (क) सं.— दे. ಕರಿಕೆ.
ಕರುಬು करुबु, ಕರುಂಬು करुंबु (क) सं.— असूया, ईर्ष्या, शत्रुता । क्रि. — ईर्ष्या कर, द्वेष कर । ಕರುಬತನ करुबतन (क) सं.—असूया करना, शत्रुत्व (शत्रुता)।
ಕರುವು करुवु (क) सं.— बछड़ा ।
ಕರೆ करे (क) क्रि.— दे. ಕರಿ (क्रि.) । वि. — दे. ಕರಿ (वि.) ।
ಕರ್ರಗೆ कर्रगे ಕರ್ರನೆ कर्रने, (क) वि —काला ।
ಕರ್ಕ कर्क (सम्) वि.— सफ़ेद । अच्छा, सुंदर । सं.— सफ़ेद घोड़ा; अग्नि ।
ಕರ್ಕಟ कर्कट (सम्) वि.— कठोर, दृढ़, बलवान, मज़बूत । सं.— केकड़ा, कर्कराशि ।
ಕರ್ಕಟಕ कर्कटक (सम्) सं.— केकड़ा ।
ಕರ್ಕಟಿ कर्कटि (सम्) सं.— ककड़ी विशेष; केकड़ी; साँप (कर्कोट ?) ।
ಕರ್ಕಟಿಕೆ कर्कटिके (सम्) सं — तरबूज़ ।
ಕರ್ಕಡ कर्कड (तद्) वि.— कर्कट (तत्) ।
ಕರ್ಕಡೆ कर्कडे (क) सं.— दे. ಕಕ್ಕಡೆ.
ಕರ್ಕಂಧು कर्कंधु (सम्) सं.— उन्नाव, बेर (पेड़ और फल) ।
ಕರ್ಕರ कर्कर (सम्) वि.—कठोर, कड़ा, ठोस ।
ಕರ್ಕರಿ कर्करि (सम्) सं.— जलपात्र, जिसकी पौंदी में छलनी की तरह छिद्र हो ।
ಕರ್ಕಲಗಿಡ कर्कलगिड (क) सं.— पीले फूलवाला एक पौधा (Grewia Pilosa Lamk) ।
ಕರ್ಕಶ कर्कश(सम्) वि.— कड़ा, कठोर, सख़्त, रूखा । — ತೆ ते (सम्)—सं. —कठोरता, रूखापन । — ಯೌವನ यौवन (सम्) सं— जवानी का कठोर समय ।
ಕರ್ಕಳ कर्कळ (तद्) सं— कर्क (तत्); सफ़ेद घोड़ा ।
ಕರ್ಕಾರು कर्कारु (सम्) सं. — एक प्रकार की लौकी; कुम्हड़ा ।
ಕರ್ಕು कर्कु (क) सं.— दे. ಕಕ್ಕು, दे. ಕರಕು
ಕರ್ಕೊಂಚೆ कर्कोंचे (तद्) सं.—क्रौंच (तत्); कुरर पक्षी ।
ಕರ್ಕೋಟ कर्कोट, ಕರ್ಕೋಟಕ कर्कोटक (सम्) सं.— एक सर्प का नाम (आठ मुख्य सर्पों में एक) ।
ಕರ್ಕೋಟಕಿ कर्कोटकि (सम्) सं.— करेला, करेले का पौधा ।
ಕರ್ಗಿಸು कर्गिसु (क) क्रि.— दे. ಕರಗಿಸು.
ಕರ್ಗು कर्गु (क) क्रि.— दे. ಕರಗು.; = ಕಲ್ಗು कलुगु — काला हो । सं.— कालापन ।
ಕರ್ಚಿ कर्चि, ಕರ್ಚಿಕಾಯಿ कर्चिकायि (क) सं.— दे. ಕರಚಿ, ಕರ್ಚಿ कर्चि, ಕರ್ಚು कर्चु, ಖರ್ಚು खर्चु (अ. दे.) सं. — ख़र्च, (फ़ारसी); व्यय; साधारण; छोट ।
ಕರ್ಚು कर्चु (क) क्रि.— दे. ಕಚ್ಚು; धो, प्रक्षालन कर । सं. – काटना, (दाँतों से) काटना, पकड़ना, पकड़, लगना, धोना, । धुलाई ।
ಕರ್ಜಿ कर्जि, ಕರ್ಜಿಕಾಯಿ कर्जिकायि (क) सं.— दे ಕರಚಿ.
ಕರ್ಜೀರಿಗೆ कर्जीरिगे (क) सं. = ಕಡಜೀರಿಗೆ कडजीरिगे—दे. ಕಡಜ.
ಕರ್ಜೂರ कर्जूर (तद्) सं — खजूर; (तत्) खजूर ।
ಕರ್ಡಿಗೆ कर्डिगे (तद्) सं—दे ಕರಡಗೆ.
ಕರ್ಡು कर्डु (क) सं—दे. ಕರಡು.
ಕರ್ಣ कर्ण (सम्) सं.—कान; बर्तन के कड़े या कान; सूरज; महाभारत में वर्णित कर्ण जो अपनी दानशीलता के लिए प्रसिद्ध है; डाँड, पतवार; समकोण त्रिभुज की वह रेखा जो समकोण के सामने होती है ।
ಕರ್ಣಕಠೋರ कर्णकठोर (सम्) वि.—सुनने के लिए कठोर, बहुत कर्कश, अमधुर ।
ಕರ್ಣಕುಂಡಲ कर्णकुंडल (सम्) सं—कानों में पहनने का आभूषण ।
ಕರ್ಣಗತ कर्णगत (सम्) वि. —कान से संबंधित, ज्ञात— ಮಾಡು माडु (सम्) क्रि. — कह, बोल सुना ।
ಕರ್ಣಚಾಲನ कर्णचालन, ಕರ್ಣತಾಲ कर्णताल (सम्) सं.– हाथी के कानों का फटफट शब्द ।
ಕರ್ಣಜ कर्णज, ಕರ್ಣಜಾತ कर्णजात, ಕರ್ಣತನಯ कर्णतनय, ಕರ್ಣಸೂನು कर्णसूनु (सम्) सं. —कर्ण का पुत्र वृषकेतु ।
ಕರ್ಣಜಲೌಕೆ कर्णजलौके (सम्) सं.— गोजर, कनखजूरा ।
ಕರ್ಣಧಾರ कर्णधार ಕರ್ಣಧಾರಕ कर्णधारक(सम्) सं. — पतवारी, माँझी, नौका-वाहक ।
ಕರ್ಣಪತ್ರ कर्णपत्र (सम्) सं.—कानों में आभरण के रूप में) रखा जानेवाला ताड़ का पत्ता, ताड़ के पत्ते का कर्णाभरण ।
ಕರ್ಣಪರಂಪರೆ कर्णपरंपरे (सम्) सं. सुनी सुनाई बात ।
ಕರ್ಣಪಾಲಿಕೆ कर्णपलिके (सम्) सं.— कान का लटकता हुआ भाग (The lobe of ear) ।
ಕರ್ಣಪಾಶ कर्णपाश (सम्) सं — सुंदर नाक ।
ಕರ್ಣಪಿಶಾಚ कर्णपिशाच, ಕರ್ಣಪಿಶಾಚಿ कर्णपिशाचि (सम्) सं.—मंत्र-प्रभाव से वशीभूत पिशाच जो (कानों में) वांछित समाचार सुना देता है ।
ಕರ್ಣಪೂರ कर्णपूर (सम्) सं.—कर्णफूल, कानों का आभूषण ।
ಕರ್ಣಭೂಷಣ कर्णभूषण ಕರ್ಣವೇಷ್ಟನ कर्णवेष्टन (सम्) सं.— कान का गहना ।
ಕರ್ಣಮೋಟಿ कर्णमोटि (सम्) सं.— चामुंडी (दुर्गा) ।

ಕರ್ಣವಾಲ कर्णवाल (सम्) सं.— दे. ಕರ್ಣಪಾಲಿಕೆ.

ಕರ್ಣಶೂಲೆ कर्णशूले (सम्) सं.— कान का दर्द।

ಕರ್ಣಸಂಭವ कर्णसंभव(सम्) सं.— दे. ಕರ್ಣಜ.

ಕರ್ಣಾಕರ್ಣಿ कर्णाकर्णि, ಕರ್ಣಾಕರ್ಣಿಕೆ कर्णाकर्णिके (सम्) वि.— कानों कान।

ಕರ್ಣಾಟ कर्णाट, ಕರ್ಣಾಟಕ कर्णाटक (सम्) सं.— कन्नड भाषा प्रदेश, कन्नड भाषा, कन्नड भाषी।

ಕರ್ಣಾರಿ कर्णारि (सम्) सं.— कर्ण का शत्रु, अर्जुन।

ಕರ್ಣಾಲಂಕರಣ कर्णालंकरण, ಕರ್ಣಾಲಂಕಾರ कर्णालंकार, ಕರ್ಣಾವತಂಸ कर्णावतंस (सम्) सं.— कान का गहना।

ಕರ್ಣಿ कर्णि (सम्) सं.— कर्ण का पुत्र; कान से संबंधित; हल का एक भाग। (तद्) सं.— करणि (तत्); लिखनेवाला, लेखक, मुनीम।

ಕರ್ಣಿಕ कर्णिक (सम्) सं.— दे. ಕರಣಿಕ.

ಕರ್ಣಿಕಾರ कर्णिकार (सम्) सं.— वनचंपा या कठचंपा का पेड़ (या पुष्प)।

ಕರ್ಣಿಕಾ कर्णिका, ಕರ್ಣಿಕೆ कर्णिके (सम्) सं.— कानों का गहना, बाली, गुमडी; कमल-बीज-कोष; कूँची; फल का डंठल; हाथी की सूँड की नोक; तीर्थ; आहवांग, युद्ध का मध्य; एक अप्सरा का नाम; बीच की (हाथ की) उंगली, मध्यमा; बाला; चॉक (Chalk), खड़िया मिट्टी।

ಕರ್ಣೇಜಪ कर्णेजप (सम्) सं.— चुगलखोर, झूठा किस्सा बनानेवाला।

ಕರ್ಣೇಂದ್ರಿಯ कर्णेंद्रिय (सम्) सं.— सुनने की इंद्रिय— कान।

ಕರ್ತ कर्त (तद्) सं.— कर्तृ (तत्); करनेवाला; स्वामी, प्रभु, राजा; सृष्टिकर्ता, परब्रह्म।

ಕರ್ತನ कर्तन (सम्) सं.— काटना, कतरना, टुकड़े करना।

ಕರ್ತರಿ कर्तरि (सम्) सं.— दे. ಕತ್ತರಿ.

ಕರ್ತಲೆ कर्तले (क) सं.— दे. ಕತ್ತಲೆ.

ಕರ್ತವ್ಯ कर्तव्य (सम्) सं.— फ़र्ज, करने योग्य या आवश्यक कर्म, ऋण, कार्य।

ಕರ್ತಾರ कर्तार, ಕರ್ತು कर्तु (तद्) सं.— कर्तृ (तत्)।

ಕರ್ತೃ कर्तृ (सम्) सं.— कर्ता, करनेवाला; लेखक; कार्यकर्ता, प्रतिनिधि (Agent); राजा, अधिपति; सृष्टिकर्त्ता, परब्रह्म।

ಕರ್ತೃಕ कर्तृक (सम्) सं.— अपनी इच्छा के अनुसार करनेवाला, कर्त्ता, कारक।

ಕರ್ತ್ರಿ कर्त्रि [ಕರ್ತ್ರೀ कर्त्री] (सम्) सं.— कैंची, कतरनी; छुरी।

ಕರ್ತ್ರಿಕೆ कर्त्तिके (सम्) सं— छुरी, छोटी तलवार, चाकू, शिकार का चाकू।

ಕರ್ದಮ कर्दम (सम्) सं— कीच, कीचड, पंक; मैल; पाप; मांस; एक प्रजापति का नाम।-ಜಾತೆ जाते (सम्) सं.—कमल, पंकज; बुरी जाति की स्त्री।

ಕರ್ದುಕು कर्दुकु, ಕರ್ದುಂಕು कर्दुंकु (क) क्रि.— दे. ಕದ್ದುಕು.

ಕರ್ಪಟ कर्पट (सम्) सं.—पुराना या पैबंद लगा हुआ कपड़ा; वस्त्र; साड़ी।

ಕರ್ಪಟಿ कर्पटि (सम्) सं.—चिथड़े पहना हुआ संन्यासी।

ಕರ್ಪಡ कर्पड (तद्) सं.—कर्पट : (तत्)।

ಕರ್ಪರ कर्पर (सम्) सं.—कड़ाही; बर्तन, घड़ा, प्याला।

ಕರ್ಪಾಸ कर्पास (सम्) सं.—कपास का वृक्ष, कपास, रूई।

ಕರ್ಪಾಸಿ कर्पासि (सम्) सं.— दे. ಕರ್ಪಾಸ.

ಕರ್ಪು कर्पु (क) सं.—दे. ಕಪ್ಪು.

ಕರ್ಪುರ कर्पुर (तद्) सं.— कपूर (तत्)।

ಕರ್ಪೂರ कर्पूर (सम्) सं.— कपूर (Camphor)। ಬಾಳೆ बाळे (क) सं.— केले का एक प्रकार।—ವಳಿಲ वळिळ [ಬಳಿಲ बळिळ] (तद्) सं.—एक सुगंधित लता जिसके पत्ते मोटे होते हैं।

ಕರ್ಪೂರಕರಂಡಕ कर्पूरकरंडक (सम्) सं.— कपूर रखने की पेटी।

ಕರ್ಪೂರಾರತಿ कर्पूरारति (सम्) सं.— कपूर को जलाकर की जानेवाली आरती।

ಕರ್ಬು कर्बु (क) सं.—दे. ಕಬ್ಬು.

ಕರ್ಬುನ कर्बुन (क) सं.—दे. ಕಬ್ಬಿಣ.

ಕರ್ಬುರ कर्बुर (सम्) सं.—सोना (स्वर्ण); एक राक्षस का नाम। वि.— रंगबिरंगा; भूरा।

ಕರ್ಬೂಜ कर्बूज (अ. दे.) सं.—दे. ಕರಬೂಜ.

ಕರ್ಬೂರ कर्बूर (सम्) सं.—सोना, हेम; हल्दी का पौधा; हरताल।

ಕರ್ಬೂರಿತ कर्बूरित (सम्) वि.— रंगबिरंगा, अनेक वर्णों का।

ಕರ್ಬೊನ್ कर्बोन् (क) सं. — लोहा, आयस।

ಕರ್ಮ कर्म (सम्) सं.— क्रिया; कर्म, व्यवसाय, कर्तव्य; (व्याकरण में) कर्म, कर्मणि प्रयोग का भाव; धर्मानुष्ठान, धार्मिक कृत्य; पाप, प्रारब्ध, कर्मविपाक।

ಕರ್ಮಕರ कर्मकर (सम्) सं.—नौकर, मज़दूर श्रमिक।

ಕರ್ಮಕರಿ कर्मकरि (सम्) सं,— नौकरानी, मज़दूरिन।

ಕರ್ಮಕಾಂಡ कर्मकांड (सम्) सं.—वेद का वह अंश जिसमें यज्ञानुष्ठानादि कर्मों का एवं उनके माहात्म्य का वर्णन है।

ಕರ್ಮಕಾರ कर्मकार (सम्) सं.— पेशावर, श्रमजीवी; लोहार, कारीगर, मज़दूर।

ಕರ್ಮಕೀಲಕ कर्मकीलक (सम्) सं.—धोबी, रजक।

ಕರ್ಮಕ್ಷಮ कर्मक्षम (सम्) वि.—कार्य में दक्षता रखनेवाला, दक्ष, योग्य।

ಕರ್ಮಗತಿ कर्मगति (सम्) सं —कर्म या कार्य का फल, परिणाम, भाग्य।

ಕರ್ಮಠ कर्मठ (सम्) वि.— काम में दक्ष, अत्यंत निष्ठावान्, कार्यनिष्ठ, कार्यचतुर, श्रद्धावान, आचार को ही धर्म माननेवाला।

ಕರ್ಮಣಿ कर्मणि (सम्) सं.—व्याकरण में कर्मणि प्रयोग; दक्ष या होशियार कारीगर।

ಕರ್ಮಣ್ಯ कर्मण्य (सम्) सं.— कार्यकुशल कारीगर या मज़दूर।

ಕರ್ಮಣ್ಯೆ कर्मण्ये (सम्) सं.—कूली, मज़दूरी।

ಕರ್ಮದೋಷ कर्मदोष (सम्) सं.—दोषपूर्ण कार्य, दोष, अपराध, पाप ; मानवोचित कर्मों का शोच्य परिणाम ।

ಕರ್ಮಧಾರಯ कर्मधारय (सम्) सं—एक समास का नाम ।

ಕರ್ಮಂದಿ कर्मंदि (सम्) सं.—ब्राह्मण यति या संन्यासी ।

ಕರ್ಮಪರಿಪಾಕ कर्मपरिपाक (सम्) सं.—पूर्व जन्म में किए हुए कर्मों के फल की प्राप्ति का समय, कर्मों से छुटकारा. कर्मविपाक ।

ಕರ್ಮಫಲ कर्मफल (सम्) सं.— कर्म से प्राप्त शुभ या अशुभ फल ; पूर्व जन्म के कर्मों का फल ; प्रारब्ध ।

ಕರ್ಮಮಾರ್ಗ कर्ममार्ग (सम्) सं -कर्मयोग, कर्म का मार्ग, धार्मिक विधि-विधान ; पाप का मार्ग ।

ಕರ್ಮವಾದಿ कर्मवादि (सम्) सं.—वह जो कर्ममार्ग का आचरण करता है या उपदेश देता है ।

ಕರ್ಮವಿಪಾಕ कर्मविपाक (सम्) सं. —पूर्व जन्म में किए हुए कर्मों के फल की प्राप्ति का समय ।

ಕರ್ಮಶಾಲೆ कर्मशाळे (सम्) सं.—करीगर का घर, काम करने का स्थान लोहार का घर ।

ಕರ್ಮಶೀಲ कर्मशील (सम्) वि.—कार्य में निरत, सतत परिश्रम करनेवाला, कार्यकुशल।

ಕರ್ಮಸಾಕ್ಷಿ कर्मसाक्षि (सम्) सं.—सभी कर्मों का साक्षी, सूर्य ।

ಕರ್ಮಸಾನ कर्मसान (सम्) सं.— कील, लगाम में ठोंकी गई कील ।

ಕರ್ಮಸಿದ್ಧಿ कर्मसिद्धि (सम्) सं.—कार्य सफलता, मनोरथ का साफल्य ।

ಕರ್ಮಾಧಿಕಾರ कर्माधिकार (सम्) सं.—कर्म अथवा वैदिक धर्माचरण का अधिकार ।

ಕರ್ಮಾಂತರ कर्मांतर (सम्) सं—क्रिया-कर्म, मृत व्यक्ति के प्रति किये जाने वाले कर्म ।

ಕರ್ಮಾಯತ್ತ कर्मायत्त (सम्) सं—कर्मों का फल ।

ಕರ್ಮಾರ कर्मार (सम्) सं—कारीगर ; लोहार; बाँस ।

ಕರ್ಮಿ कर्मि (सम्) वि.—क्रियाशील, कार्यतत्पर, कार्य करनेवाला, कार्य में व्यस्त ; पापी ।

ಕರ್ಮಿಷ್ಠ कर्मिष्ठ (सम्) वि.—चतुर, परिश्रमी, व्यापारपटु ; बड़ा पापी ।

ಕರ್ಮೇಂದ್ರಿಯ कर्मेंद्रिय (सम्) सं—वे इंद्रियाँ जो कर्म करें, आँख-कान, हाथ-पैर आदि ।

ಕರ್ಲು कर्लु (क) वि.— दे. ಕಪ್ಪು.

ಕರ್ವಟ कर्वट (सम्) सं—मंडी ; किसी प्रांत का ऐसा नगर जिसके अंतर्गत कम से कम २०० से ४०० तक ग्राम हों ।

ಕರ್ವು कर्वु (क) सं.— दे. ಕಬ್ಬು.

ಕರ್ಷ कर्ष (सम्) सं.—तनाव, खिंचाव, आकर्षण ; सोलह माशा की सोने-चाँदी की तौल ।

ಕರ್ಷಕ कर्षक (सम्) सं— किसान, कृषक ।

ಕರ್ಷಣ कर्षण (सम्) सं.—खींचना, तानना ; हल चलाना. जोतना ।

ಕರ್ಷೋಪಲ कर्षोपल (सम्) सं.—कसौटी ।

ಕರ್ಳು कर्ळु (क) सं—दे ಕರುಳು.

ಕಲ್ कल्- (क) क्रि०—ಕಲಿ कलि—सीख, अभ्यास कर। सं.—सीखना, शिक्षा ; पत्थर, शिला ; जड़ता, मन का चलत्व । ಕಲ್ಕುಟಿಗ कल्कुटिग (क। सं.= ಕಲುಕುಟಿಗ कलुकुटिग—पत्थर तोडनेवाला ; राज । ಕಲ್ಗುಂಡು कल्गुंडु (क) सं— ಕಲುಗುಂಡು कलुगुंडु—पत्थर की गोली । ಕಲ್ಗಾಣ कल्गाण (क) सं.—ಕಲ್ಲುಗಾಣ कल्लुगाण—पत्थर का कोल्हू । ಕಲ್ಲುಳಿ कल्लुळि (क) सं.—पत्थर तोड़नेवाले की छेनी ।

ಕಲ कल (क) सं— घड़ा. बर्तन । अ.—सतत, सदा, हमेशा ; ಕಲಕಾಲ कलकाल—सदा काल, स्थिर रूप से ।

ಕಲ कल (सम्) वि.—अस्पष्ट मधुर धीमी और कोमल ; निर्बल ; कच्चा ; रुन-झुन शब्द करनेवाला । सं.—अस्पष्ट धीमी कोमल ध्वनि ; छोटा मुद्गर ; सोना (स्वर्ण) ; संगीत का ताल ; ताड़ का पेड़ । ಕಲ್ಕಲ್ कल्कल् ಕಲಕಲ कलकल (सम्) सं. — कल कल ध्वनि, मधुर ध्वनि ।

ಕಲಕ कलक (क) सं — मिश्रण, मिलावट, मिला हुआ या घुला हुआ पदार्थ (औषध में) ।

ಕಲಕಂಠ कलकंठ (सम्) सं.—कोयल, मधुकर, हंस, कबूतर ; मधुर स्वर या गान)

ಕಲಕಿಸು कलकिसु (क) क्रि.—हिला, कंपा, मंथन करा, गंदा करा ; पंकिल करा ; व्यग्र करा (प्रे.) ।

ಕಲಕು कलकु (क) क्रि.— हिला, अस्थिर कर, विचलित कर, कंपा, उत्तेजित कर; व्यग्र कर ; गंदा कर, पंकिल कर ; हिल, अस्थिर हो, व्यग्र हो, पंकिल हो (अक. क्रि.) । सं —हिलने या अस्थिर होने की स्थिति, पंकिलता, गंदलापन ।

ಕಲಕ್ಟರ್ कलक्टर्, ಕಲೆಕ್ಟರ್ कलेक्टर् (अ. दे.) सं—Collector (अंग्रेज़ी) ; जिलाधीश ।

ಕಲಂಕ कलंक (सम्) सं.= ಕಲಂಕು कलंकु, ಕಳಂಕು कळंकु— धब्बा, काला दाग, चिह्न, कालिमा ; दोष, पाप, त्रुटि ; अपयश, अपकीर्ति, बदनामी ; लोहे का मुर्चा ; मेघ, बादल ।

ಕಲಂಕು कलंकु (क) क्रि.—दे. ಕಲಕು.

ಕಲಂಕು कलंकु (तद्) सं.—कलंक (तत्), दे. ಕಲಂಕ

ಕಲಂಗಡಿ कलंगडि, ಕಲ್ಲಂಗಡಿ कल्लंगडि (क ?) सं.—खरबूज़ (water melon) ।

ಕಲಜ್ಜಿ कलज्जि, ಕೂಲಜ್ಜಿ कूलज्जि, ಕೊಲಜೆ कोलज़े, ಕೊಲಜ್ಜಿ कोलज्जि (क) सं.—बहुत बूढ़ी स्त्री, बुढ़िया ; रसोई बनानेवाली बुढ़िया ।

ಕಲಂಜಿ कलंजि, ಕಳಂಜಿ कळंजि (सम् ?) सं—अनाज रखने की बड़ी टोकरी ।

ಕಲಡು कलडु (क) क्रि.—हिल, कलुषित हो, अस्थिर हो ।

ಕಲತ್ರ कलत्र (सम्) सं= ಕಳತ್ರ कळत्र— ; जघन ; पत्नी ।

ಕಲಧೌತ कलधौत (सम्) सं.—; सोना, हेम ; रजत, चाँदी ; सफ़ेद रंग, धवल ; धतूरा ।

ಕಲನ कलन (सम्) सं.—ग्रहण, ग्रास, पकड़; मिलाना, जोड़ना; कलंक, धब्बा, दाग़; भ्रूण।

ಕಲಪು कलपु (क) सं.—जुड़े या मिले रहने की स्थिति. मिश्रण, समूह. गिरोह।

ಕಲಬತ್ತು कलबत्त, ಕಲ್ಪತ್ತು कल्पत्तु, ಕಲ್ಬತ್ತು कल्बत्तु (क?) सं.—पत्थर (या किसी धातु) की बनी छोटी-सी ओखली और मूसल।

ಕಲಭ कलभ (सम्) सं.— हाथी का बच्चा; ऊँट का बच्चा।

ಕಲಮು कलमु, ಕಲಮ कलम, ಕಲಂ कलं, ಕಲಾಮು कलामु (अ. दे.) सं — क़लम अरबी); लेखनी; तूलिका, कूँची।

ಕಲಂದಾನಿ कलंदानि, ಕಲಮುದಾನಿ, कलमुदानि (अ. दे.) सं—कलमदान (अरबी, फ़ारसी)।

ಕಲಂಬ कलंब (सम्) सं = [ಕದಂಬ कडंब, ಕರಂಬ करंब, ಕಲಂಬು कलंबु, ಕಳಂಬ कळंब (तद्)] —तीर, बाण; हंस, मराल; चक्रवाक; लाल कमल; कदंब वृक्ष)—ಆಸನ आसन (सम्) सं.—धनुष, शरासन।

ಕಲಂಬು कलंबु (तद्) सं. — कलंब (तत्)—कदंब वृक्ष।

ಕಲರವ कलरव (सम्) सं—धीमी मधुर कोमल ध्वनि; कोयल, कबूतर।

ಕಲಲ कलल (सम्) सं.—योनि, गर्भ की झिल्ली।

ಕಲಲು कललु (अ. दे.) सं—खलल (अरबी); नुकसान, नाश।

ಕಲವಿಂಕ कलविंक (सम्) सं.—गौरैया पक्षी।

ಕಲವೆ कलवे, ಕಲುವೆ कलुवे (क) सं—कुवलय, नील कमल।

ಕಲಶ कलश (सम्) सं.—[ಕಲಸ कलस, ಕಳಶ कळश, ಕಳಸ कळस—तद्]—कलसा, घड़ा; देवालय के गोपुर का अग्रभाग (धातु-निर्मित), गुंबद।—ಪೂಜೆ पूजे (सम्) सं.—विवाहादि में की जानेवाली कलसा की पूजा।

ಕಲಶಕುಚೆ कलशकुचे, ಕಲಶಸ್ತನಿ कलशस्तनि (सम्) सं—कलश के समान कुचवाली स्त्री, युवती।

ಕಲಸು कलसु क) क्रि.—[ಕಲಿಸು कलिसु]—मिला, मिश्रित कर। सं.— मिश्रण. सम्मिश्रण।

ಕಲಹ कलह (सम्) सं.—झगड़ा; लड़ाई. युद्ध, झूठ, छल; दाँवपेच; मारपीट।

ಕಲಹಂಸ कलहंस (सम्) सं.— एक प्रकार का हंस जिसके पर भूरे रंग के होते हैं।

ಕಲಹಪ್ರಿಯ कलहप्रिय, ಕಲಹಾರ್ಥಿ कलहार्थि (सम्) सं,— झगड़ालू, झगड़ा करनेवाला।

ಕಲಹಾಂತರಿತೆ कलहांतरिते (सम्) सं— कलहांतरिता नायिका, अपने प्रेमी से झगड़ा कर उससे वियुक्त स्त्री।

ಕಲಹಾರ कलहार (सम्) सं.— झगड़ा, लड़ाई।

ಕಲಹಾಶನ कलहाशन, ಕಲಹಾಳಿಗ कलहाळिग (सम्) सं— नारद।

ಕಲಹಿಸು कलहिसु (सम्) क्रि.—झगड़ा कर, लड़।

ಕಲಾ कला (सम्) सं—(कुछ विद्वानों के मतानुसार कन्नड शब्द 'कल् = पत्थर' से कला शब्द की व्युत्पत्ति हुई है)—कला, ललित कलाएँ तथा अन्य कलाएँ, कोई धंधा; किसी वस्तु का छोटा अंश: चंद्रमंडल का १६वाँ अंश; समय विभाग; व्याज, सूद; अणु; चातुर्य, प्रतिभा; छल, कपट; नौका; रजोदर्शन; अस्वीकृति, छोड़ना; १६ की संख्या; नूतनता, चमक, कांति; रजोदर्शन।—ಕಾಂತ कांत (सम्) सं—चंद्रमा।— ಕೌಶಲ कौशल (सम्) सं—क़ला, (गाना, नाचना आदि) में निपुणता।—ಧರ धर, ನಿಧಿ निधि (सम् सं—चंद्रमा।

ಕಲಾದ कलाद (सम्) सं.—सोनार।

ಕಲಾಂತರ कलांतर (सम्) सं.—व्याज, सूद; लाभ।

ಕಲಾಪ कलाप (सम्) सं.—झगड़ा, कलह, विवाद; गट्ठा, गठरी; समुदाय, संग्रह; मयूरपुच्छ; करधनी, मेखला; आभूषण; तरकस, तूणीर; चंद्रमा; तीर, बाण; एक ग्राम का नाम।

ಕಲಾಪಕಲಾಧರ कलापकलाधर (सम्) सं.—चंद्रशेखर, शिव।

ಕಲಾಪಿ कलापि (सम्) सं.—मोर, मयूर।

ಕಲಾಪತು कलापतु, ಕಲಾಬತು कलाबतु (अ. दे.) सं.—कपड़ों के किनारे पर की ज़री।

ಕಲಾಮು कलामु (अ. दे.) सं.— दे. ಕಲಮು.

ಕಲಾಯ कलाय (सम्) सं.— मटर आदि बीज।

ಕಲಾಯ कलाय, ಕಲಾಯಿ कलायि (अ. दे.) सं.—कलाई (अरबी) बर्तनों के अंदर त्रपु या टीन से किया जाने वाला लेप-कार्य।—ಗಾರ गार (अ. दे.) सं.— ऐसा लेप-कार्य करनेवाला।

ಕಲಾಲ कलाल (अ. दे.) सं.—शराब बेचने वाला।

ಕಲಾವಕ್ತ್ರ कलावक्त्र (सम्) सं.—सोलह मुखवाला ब्रह्मा।

ಕಲಾವತಿ कलावति (सम्) सं.—दुर्गा; स्त्रियों का नाम।

ಕಲಾವಿದ कलाविद्, ಕಳಾವಿದ कळाविद (सम्) सं.—ललित कलाएँ जाननेवाला, कलाकार।

ಕಲಾಸಿ कलासि (अ. दे.) सं.— [ख़लासी—अरबी] मल्लाह।

ಕಲಾಹೀನ कलाहीन (सम्) सं.—जिसमें सब कलाओं में एक कला कम हो, चंद्रमा।

ಕಲಿ कलि (क) क्रि.—सीख; मिल, हिल-मिल, संयुक्त हो, पास-पास हो। सं.—शिक्षित, निपुण, शक्ति और साहस में प्रसिद्ध पुरुष. वीर, योद्धा; पुराने घाव का बचा चिह्न. चेचक का चिह्न; मिट्टी, तेल आदि का धब्बा; चरित्र में कलंक।

ಕಲಿ कलि (सम्) सं. शूर, वीर, योद्धा; विभीतिका वृक्ष, बहेड़ा का पेड़; चौथा युग, कलियुग; कलि (पुरुष), जिसने राजा नल को सताया था; युद्ध, लड़ाई, समर; कली अविकसित पुष्प; किसी श्रेणी का सर्वनिकृष्ट।—ಕಾಲ काल (सम्) सं.—कष्ट और पाप का समय।—ಮನ मन (सम्) सं.—वीर

हृदय ।

ಕಲಿಕಾ कलिका (सम्) सं.—अविकसित फूल।

ಕಲಿಕೆ कलिके (क) सं.—सीखना, शिक्षा; कौशल, चातुरी ।

ಕಲಿಂಗ कलिंग (सम्) सं. =[ಕಳಿಂಗ काळिंग] —एक देश का नाम (वर्तमान उड़ीसा); चातक : सारंग ; एक प्रकार की चिड़िया जो अपने शिकार को काँटों में बंद कर देती है (Lanius forficatus) : इंद्रयव, अनाज विशेष : दीर्घतमस के पुत्र का नाम । वि.—होशियार, चतुर; सुंदर ।

ಕಲಿಂಜ कालिंज. ಕಲಿಂಜಕ कलिंजक (सम्) सं—अनाज रखने का स्थान, खत्ता, खत्ती।

ಕಲಿತ कलित (क) सं.—सीखना, विद्या, पांडित्य ।

ಕಲಿತ कलित (सम्) वि.—लगा हुआ, जुड़ा हुआ, मिला हुआ, पकड़ा हुआ. लिया हुआ, गृहीत ।

ಕಲಿತನ कलितन (क) सं.—भौतिक विद्याओं में पाण्डित्य; वीरता, बहादुरी ।

ಕಲಿದ್ರುಮ कलिद्रुम (सम्) सं.—बहेड़ा पेड़ ।

ಕಲಿನಾಶನ कलिनाशन (सम्) वि.—कलियुग के कलुषसंकट को नष्ट करनेवाला ।

ಕಲಿಂದ कालिंद, ಕಳಿಂದ काळिंद (सम्) सं.—दे. ಕಲಿದ್ರುಮ. एक पर्वत का नाम जिससे यमुना नदी निकलती है।—ಜೆ जे (सम्) सं.—यमुना । — ನಂದಿನಿ नंदिनि (सम्) सं.— यमुना ।

ಕಲಿಯುಗ कलियुग (सम्) सं.—चौथा युग—(यह ४३२००० वर्षों का माता जाता है, इसका प्रारंभ ई. पू. ३१०२ फ़रवरी १८ तारीख को हुआ) ।

ಕಲಿಯುವಿಕೆ कलियुविके (क) सं.—सीखना, सीखने की क्रिया, विद्याभ्यास ।

ಕಲಿಸು कलिसु (क) क्रि.— ಕಲಸು कलसु—मिला, मिश्रित कर; = ಕಲುಸು कलुसु—सिखा, पढ़ा, शिक्षा दे ।

ಕಲು कलु, ಕಲ್ಲು कल्लु (क) सं.—पत्थर, शिला, कंकड़ । ಕಲುಕುಟಿಗ कलुकुटिग (क) सं.—पत्थर तोड़नेवाला । ಕಲುಕಂಭ कलुकंभ, ಕಲ್ಲುಕಂಭ कल्लुकंभ (क) सं.—पत्थर का खंभा, शिला-स्तंभ । ಕಲ್ಗುಂಡು कल्गुंडु (क) सं—पत्थर जो पीसने के काम में आता है, पानी से घिसा हुआ चिकना गोल पत्थर । ಕಲುಮದ कलुमद (क) सं—शिलाजीत (राल) ; लाल खड़िया ।

ಕಲುಂಬು कलुंबु (क) क्रि.—हिला ; अस्थिर कर, गंदला कर, कलुषित कर, व्याकुल कर, भ्रम में डाल । सं.—कलुष, गंदलापन, कलंक, दोष ; धब्बा, दाग़ ।

ಕಲುವೆ कलुवे (क) सं.—दे, ಕಲವೆ.

ಕಲುಷ कलुष (सम्) सं.—मैलापन, गंदलापन ; पाप । वि.—मटीला, गंदला, मैला, खराब, भद्दा ।

ಕಲುಸು कलुसु (क) क्रि.—दे. ಕಲಿಸು

ಕಲುಹೆ कलुहे (क) सं.—मैलापन. गंदलापन, कलुष ।

ಕಲೆ कले (सम्) सं—दे. कला.

ಕಲೆ कले (क) सं.—दे. ಕಲಿ (क); ध्वनि करना, ध्वनि, शोर-गुल, हल्ला । क्रि.—एक हो, मिल, मिल-जुल ।

ಕಲೇವರ कलेवर (सम्) सं.—शरीर, देह ;

ಕಲ್ಕ कल्क (क.) सं. = ಕಲಕ कलक—मिश्रण, औषध का मिश्रण. मिश्रित पदार्थ । (सम्) सं.—घी या तेल की तलछट; लेही या लेही की तरह चिपकनेवाला कोई पदार्थ ; मैला, कूड़ा, विष्ठा ; पाप ; दंभ, कपट, नीचता ; पीसा हुआ चूर्ण ।

ಕಲ್ಕಿ कल्कि (सम्) सं.—विष्णु के दस अवतारों में अंतिम अवतार ।

ಕಲ್ಪ कल्प (सम्) सं धर्मशास्त्र की आज्ञा, आदेश, निर्दिष्ट-नियम, ऐच्छिक नियम ; छः वेदांगों में से एक ; ब्रह्मा जी का एक दिवस अथवा १००० युगव्यापी काल ; निश्चय, संकल्प ; प्रस्ताव, सूचना ; पद्धति, ढंग, विधान ; प्रलय ; बीमार की चिकित्सा ।—ಕುಜ कुज, ತರು तरु, ದ್ರುಮ द्रुम, ವೃಕ್ಷ वृक्ष (सम्) सं— कल्पतरु, स्वर्ग का एक वृक्ष । — ಲತೆ लते (सम्) सं.—स्वर्ग की एक लता ।

ಕಲ್ಪತ್ತು कल्पत्तु (अ. दे.) सं.—दे. ಕಲಬತ್ತು.

ಕಲ್ಪನ कल्पन (सम्) सं. — दे. ಕಲ್ಪನಾ; काटना ।

ಕಲ್ಪನಾ कल्पना, ಕಲ್ಪನೆ कल्पने (सम्) सं.—बनाना, करना ; तरकीब में लाना ; सजाना. हाथी की सजावट ; मानसिक कल्पना, विचार, आविष्कार ; युक्ति । — ಕಥೆ कथे (सम्) सं—काल्पनिक कथा, झूठी कहानी मै. प्र.) ।

ಕಲ್ಪಪಾಲ कल्पपाल, ಕಲ್ಯಪಾಲ कल्यपाल (सम्) सं. = [ಕಳ್ಳವಾಳ कळ्ळवाळ—तद्]—कलार, शराब खींचनेवाला ।

ಕಲ್ಪಭೂಜ कल्पभूज, ಕಲ್ಪಭೂಜಾತ कल्पभूजात, ಕಲ್ಪಭೂರುಹ कल्पभूरुह (सम्) सं.—दे. ಕಲ್ಪಕುಜ (ಕಲ್ಪ में) ।

ಕಲ್ಪಾಗ್ನಿ कल्पाग्नि (सम्) सं.—प्रलयकाल की अग्नि, भयंकर आग ।

ಕಲ್ಪಾಂತ (सम्) सं.—प्रलयकाल, नाश ।—ದಹನ दहन (सम्) सं.—प्रलयकाल में उत्पन्न होनेवाली अग्नि।

ಕಲ್ಪಾಬ್ದ कल्पाब्द (सम्) सं.—प्रलयकालीन मेघावलि ।

ಕಲ್ಪಿ कल्पि (क) सं. — सीखना, विद्या, पांडित्य ।

ಕಲ್ಪಿತ कल्पित (सम्) वि. — बना हुआ, कृत्रिम, निर्मित, आविष्कृत, खोजा हुआ ; सुव्यवस्थित, सजा हुआ, सज्जित । सं.—विचार, भाव ; युद्ध के लिए सज्जित हाथी।

ಕಲ್ಪಿಸು कल्पिसु(क) क्रि.—मिला, जोड़, लगा, संयुक्त कर ।

ಕಲ್ಪಿಸು कल्पिसु (क) क्रि.—कल्पना कर, अनुमान कर ; आविष्कार कर ; विचार कर ; निर्मित कर ; सज्जित कर, व्यवस्थित कर ।

ಕಲ್ಬತ್ತು कल्बत्तु (अ. दे.) सं—दे. ಕಲಬತ್ತು.

ಕಲ್ಮಷ कल्मष (सम्) सं.—मैल ; पाप ; धब्बा ।

ಕಲ್ಮಾಷ कल्माष (सम्) सं.—सफ़ेद और

काले रंग का मिश्रण, भूरा रंग, चितकबरा रंग ; काला रंग ।

ಕಲ್ಯ कल्य (सम्) वि.— तंदुरुस्त, स्वस्थ ; तैयार, तत्पर ; शुभ, अनुकूल ; बहरा, गूंगा; शिक्षाप्रद, सीख देनेवाला । सं.-प्रातःकाल, सुबह ; कल, पूर्वदिन ; शराब, मद्य ; शत्रुता, द्वेष, परस्पर बंधन ।

ಕಲ್ಯಾಣ कल्याण (सम्) वि.—शुभ, मंगलकर, सुखी, भला ; सौभाग्यशील, भाग्यवान् ; सुंदर, प्रिय, मनोहर; सर्वोत्तम; गौरवान्वित सं.—भाग्य, सुख, सुख-संतोष ; उत्सव, विवाह ; एक वृत्त का नाम ; एक नगर का नाम ; सोना, सुवर्ण ।

ಕಲ್ಯಾಣಿ कल्याणि (सम्) वि.—शुभ, समृद्धिशाली, धन्य, सुखी, भाग्यशाली, मंगल या शुभकारी । सं.-लक्ष्मी ; पार्वती ; सरस्वती; चतुर्भुजाकार सरोवर जिसके चारों ओर उतरने के लिए सीढ़ियाँ हों ; एक राग का नाम ।

ಕಲ್ಲ कल्ल (सम्) वि.—बहरा, बधिर ।

ಕಲ್ಲಂಗಡಿ कल्लंगडि (क) सं.— ख़रबूज़ा ।

ಕಲ್ಲಂಚಿ कल्लंचि (क) सं —अबाबील चिड़िया (Swallow) ।

ಕಲ್ಲಮೂಕ कल्लमूक (सम्) सं —[ಕಳಮೂಕ कळमूक—तद्]—बहरा और गूँगा ।

ಕಲ್ಲರೆ कल्लरे (क) सं.—शिला राशि, पत्थरों का ढेर ; चट्टान ।

ಕಲ್ಲಾಯ್ತ कल्लाय्त (क) सं.—गुरु, आचार्य, विद्वान, पंडित ।

ಕಲ್ಲಿ कल्लि (क) सं.—एक प्रकार का जाली का काम, जाल जैसी थैली ; कुर्ता ; गठरी ।

ಕಲ್ಲು कल्लु (क) सं.—पत्थर, शिला ; कंकड ; पाषाण । ಕಲ್ಲಣಬೆ कल्लणबे (क) सं.—चट्टानों पर उगनेवाला कुकुरमुत्ता। ಕಲ್ಲತ್ತಿಗಿಡ कल्लत्तिगिड (क) सं.—अंजीर का पेड़ । ಕಲ್ಲದಾರಿ कल्लदारि (क) सं.—पथरीला रास्ता । ಕಲ್ಲನಂದಿ कल्लनंदि (सम्) सं.—नंदि की मूर्ति । ಕಲ್ಲಸಕ್ಕರೆ कल्लसक्करे (क) सं.—मिश्री । ಕಲ್ಲುಕುಟಿಗ कल्लुकुटिग (क) सं.—पत्थर तोड़नेवाला ; राज । ಕಲ್ಲುಕೆಲಸ कल्लुकेलस (क) सं.—पत्थर का काम, पत्थर की दीवार आदि । ಕಲ್ಲುಗಾಲಿ कल्लुगालि (क) सं.—पत्थर का पहिया । ಕಲ್ಲುನಾರು कल्लुनारु, ಕಲ್ನಾರು कल्नारु (क) सं.—अदह धातु (Asbestos) । ಕಲ್ಲುನೆಲ कल्लुनेल (क) सं.—पथरीला फ़र्श या ज़मीन । ಕಲ್ಲುಬಂಡೆ कल्लुबंडे (क) सं.—चट्टान । ಕಲ್ಲುಮಾವು कल्लुमावु (क) सं—एक लता या पौधा विशेष ; जंगली आम का पेड़ । ಕಲ್ಲುಸಕ್ಕರೆ कल्लुसक्करे (क) सं.—मिश्री । ಕಲ್ಲುಹಾಕು कल्लुहाकु (क) क्रि —पत्थर नीचे रख या गिरा, पत्थर (या कंकड़) मार ; दूसरों के कार्य या व्यवसाय को खराब कर । ಕಲ್ಲೆದೆ कल्लेदे (क) सं.—दृढ़चित्त ; धैर्यपूर्ण हृदय । ಕಲ್ಲೆಸೆ कल्लेसे (क) क्रि.–पत्थर मार । ಕಲ್ಲೇಟು कल्लेट्टु (क) सं –पत्थर से लगी चोट । ಕಲೊತ್ತು कलोत्तु (क) सं.—पद तल में होनेवाला घाव । ಕಲ್ಲೊರಳು कल्लोरळु (क) सं.— पत्थर की ओखली ।

ಕಲ್ಲು कल्लु [ಕಳ್ कळ्, ಕಳ್ಳು कळ्ळु] (क) सं.— मद्य, आसव, शराब ।

ಕಲ್ಲುಣಿಸು कल्लुणिसु (क) सं.—ध्वनि, स्वर ; पुकार ।

ಕಲ್ಲೋಲ कल्लोल (सम्) सं.—विशाल लहर ; शत्रु ; प्रसन्नता, हर्ष । —ಮಾಲೆ माले (सम्) सं.—लहरों की पंक्ति ।

ಕಲ್ಲೋಲಿನಿ कल्लोलिनि, ಕಲ್ಲೋಲಿನೀ कल्लोलिनी (सम्) सं.—सरिता, नदी ।

ಕಲ್ಹಾರ कल्हार (सम्) सं.—लाल कनेर ; लाल कमल ; सफ़ेद कमल ।

ಕವ कव (क) सं.— क्रोध के समय व्यक्त होनेवाला शब्द । ಕವಕವ कवकव - (दुहराना) ; ಕವಕವ ಅನ್ನು कवकव अन्नु या ಕವ ಕವ ಮಾಡು कवकव माडु (क) क्रि—गुर्रा, गाली दे ।

ಕವಕ್ಕನೆ कवक्कने (क) अ.—तुरंत, फ़ौरन, जल्दी-जल्दी ।

ಕವಚ कवच (सम्) सं.—कवच, वर्म, ज़िरह, बख़्तर ; कंचुक, चोली ; यंत्र, तावीज़, केंचुली ढोल ; उच्च ध्वनि, घोषणा ; कुट वृक्ष ।

ಕವಚು कवचु, ಕವಿಚು कविचु, ಕವಿಸು कविसु, ಕವುಚು कवुचु (क) क्रि.— उलटा, ऊपर-नीचे कर, औंधा रख, विपरीत कर, उलट-फेर कर ; प्रेरणार्थक रूप ।

ಕವಟೆ कवट्टे, ಕವಡೆ कवड़े, ಕಾವಾಡೆ कावाड़े (क) सं.=ಕವಟೆಕಾಯಿ कवट्टेकायि, ಕವಡೆಕಾಯಿ कवड़ेकायि—इंद्रायण, एक प्रकार का कडुआ सेब ।

ಕವಡ कवड (तद्) सं.—कपट (तत्) ।—ಕಂಟಕ कंटक (तद्) । सं.—बड़ा कपटी या धोखेबाज़ ; बड़ा धोखा ।

ಕವಡಿ कवडि, ಕವಡೆ कवड़े (तद्) सं.—कपर्द : (तत्) ; कौड़ी ।

ಕವಡಿಕೆ कवडिके (क) सं.—धोती का एक प्रकार का अलंकृत किनारा ; एक प्रकार का बाण । (तद्) सं.—कपर्दिका (तत्) ; कौड़ी ।

ಕವಡಿಗ कवडिग (क) सं.—एक प्रकार का घटिया चावल जो लाल होता है ।

ಕವಡು कवडु (क) सं.— =ಕವಡಿಕೆ कवडिके —धोती का एक प्रकार का अलंकृत किनारा; =ಕವಲ್ कवल् ಕವಲು कवलु—विभाग, शाखा, विभक्त रहने की स्थिति ; जोड़ा, युगल ।

ಕವಡೆ कवड़े (क) सं.=ಕವಟೆ.

ಕವಡೆ कवड़े (सम्) सं—ಕವಡಿ.

ಕವಣೆ कवणे (क) सं.—ढेलबाँस, पत्थर मारने या फेंकने के काम में आनेवाली रस्सी ।—ಕಲ್ಲು कल्लु (क) सं.—ढेलवाँस का पत्थर ।

ಕವತೆ कवते, ಕವರ್ತೆ कवर्ते (क) सं.—लुभाना; बलात्कार पूर्वक लेना, लूटना, अपहरण ।—ಕೊಳ್ कोळ् (क) क्रि—अपहरण कर, लूट; लुभा, मोहित कर ।

ಕವದಿ कवदि, ಕವಿದಿ कविदि, ಕವುದು कवुदु (क) सं.—गद्दा, तोशक; रजाई, कंथा ।

ಕವನ कवन (सम् ?) सं.—पद्य, कविता,

कविता की रचना ; साहित्यिक रचना; विनोद —ಗಾಱ गार [ಗಾರ गार] (क) सं.— कविता करनेवाला, कवि ।

ಕವಯರ कवयर, ಕಯಿವಾರ कयिवार, ಕೈವಾರ कैवार (क) सं.—परकाल (Compasses)।

ಕವರ್ कवर्, कवरु (क) क्रि.—बलात्कार पूर्वक ले, (किसी के पास से) खींच कर ले, छीन, पकड़, लूट, अपहरण कर ; मुरझ, सूख, प्रकाशहीन हो ।

ಕವರ कवर, ಕವರಾ कवरा, ಕವರೀ कवरी (सम्) वि.—मिश्रित, मिला जुला ; जुड़ा हुआ, रंगबिरंगा ।

ಕವರ कवर, ಕವರು कवरु (अ.दे.) सं.— Cover (अंग्रेज़ी) - लिफ़ाफ़ा ।

ಕವರು कवरु (क) क्रि.—दे. ಕವರ್.

ಕವರ್ತೆ कवर्ते (क) सं.—दे. ಕವತೆ.

ಕವಲ್ कवल्, ಕವಲು कवलु (क). क्रि — विभक्त हो, शाखा हो, शाखा या डाल फूट निकल । सं. = ಕವಡು कवडु, ಕವೆ कवे—दे. ಕವಡು.

ಕವಲ कवल (सम्) सं.—ಕಬಲ कबल— मुखभर, कौर ।

ಕವಳ कवळ (तद्) सं.—कवल (तत्); दे. ಕವಲ ; तांबूल ।

ಕವಳಿ कवळि, ಕವ್ವರೆ कव्वरे, ಕವ್ವಳೆ कव्वळे, ಕೌವರೆ कौवरे (क) सं.—मूर्छा, बेहोशी ; मन में आंदोलन, हलचल, भ्रम, क्षोभ ।

ಕವಳಿಗೆ कवळिगे (तद्) सं. – कपालिका(तत्); खपरा, खप्पर; एक प्रकार का बर्तन । (क?) सं.—पान या केले के पत्तों की गठरी या बंडल ।

ಕವಾಟ कवाट (तद्) सं.—कपाट (तत्) ; किवाड़, अलमारी ।

ಕವಾಡ कवाड (क) सं.—पशुओं का झुण्ड । —ಗಿತ್ತಿ गित्ति (क) सं.—गाय चरानेवाली स्त्री। ಕವಾಡಿಗ कवाडिग (क), सं —गोपालक, ग्वाला ।

ಕವಾಯಿತ कवायित, ಕವಾಯಿತು कवायितु, ಕವಾತು कवातु (अ. दे.) सं.—कवायद (अरबी) ; सैनिक-शिक्षा ।

ಕವಿ कवि (सम्) सं.—सर्वज्ञ ; विद्वान; बुद्धिमान, चतुर, प्रतिभावान; कविता करनेवाला, कवि, रचनाकार, शायर; शुक्राचार्य ; पानी, जल ; लगाम; जल-पक्षी । ಕವಿ ಕಂಡಷ್ಟು ರವಿ ಕಾಣ कवि कंडष्टु रवि काण— जितना कवि देखता है उतना रवि भी नहीं देखता (कह.)।

ಕವಿ कवि (क) क्रि.—घिर, आवृत्त हो, चारों ओर उमड़, भर; घेर, आक्रमण कर, आच्छादन कर, फैल व्याप्त हो । सं.—घेरना, आच्छादित होना, आक्रमण करना ।

ಕವಿಕ कविक, ಕವಿಕೆ कविके (सम्) सं — लगाम ।

ಕವಿಚು कविचु, ಕವುಚು कवुचु (क) क्रि. दे. ಕವಚು.

ಕವಿಂಜಳ कविंजळ, ಕವಿಂಜು कविंजु, ಕವುಜಗ कवुजग, ಕವುಜು कवुजु; ಕವುಜುಗ कवुजुग, ಗವುಜಲ್ गवुजल्, ಗವುಜಲ गवुजल, ಗವುಜು गवुजु (तद्) सं. कपिंजल: (तत्) चातक पक्षी ; तीतर पक्षी ।

ಕವಿತೆ कविते, ಕವಿತ್ವ कवित्व (सम्) सं.— कविता, पद्य रचना ।

ಕವಿದಿ कविदि (क) सं.— दे. ಕವದಿ.

ಕವಿಮಾರ್ಗ कविमार्ग (सम्) सं.—कविता करने की रीति, उत्तम काव्य-विधान ।

ಕವಿರಾಜಮಾರ್ಗ कविराजमार्ग (सम्) सं.— राष्ट्रकूट सम्राट नृपतुंग के नाम पर प्रचलित कन्नड का एक प्रसिद्ध काव्य-शास्त्र-ग्रंथ ।

ಕವಿಲ್ कविल्, ಕವಿಲ कविल, ಕವಿಲು कविलु (तद्) सं.—कपिल (तत्); कपिल वर्ण, भूरा रंग ।

ಕವಿಲೆ कविले (तद्) सं.— कपिला (तत्) ; गाय ।

ಕವಿಸಮಯ कविसमय (सम्) सं.—काव्य-समय, परंपरागत काव्य-पद्धति, कवियों की विशिष्ट जानकारी ।

ಕವಿಸು कविसु (क) क्रि.—ಕವಚು का प्रेरणार्थक रूप, दे. ಕವಚು.

ಕವು कवु (क) सं.—एक अनुकरण ध्वनि । ಕವುಕವೆನ್ನು कवुकवेन्नु—गाय का रंभाना ; कुत्ते का भूँकना ।

ಕವುಂಕುಳ್ कवुंकुळ्, ಕವುಂಕುಲ್ कवुंकुल्, ಕವುಂಕುಳು कवुंकुळु, ಕವುಂಕುಲು कवुंकुलु (क) सं. = ಕಂಕುಳು कंकुळु – काँख, बगल ।

ಕವುಂಗು कवुंगु, ಕೌಂಗು कौंगु (तद्) सं.— क्रमुक : (तत्) ; सुपारी ।

ಕವುಚಿಮು कवुचिमु (क) सं.—रेती, नत्थी ।

ಕವಚು कवुचु (क) क्रि.—दे. ಕವಚು.

ಕವುಜಗ कवुजग, ಕವುಜು कवुजु, ಕವುಜುಗ कवुजुग (तद्) सं.—दे. ಕವಿಂಜಳ.

ಕವುಟು कवुटु (क) सं.—तेल, बाल आदि के जलने पर आनेवाली अरुचिकर गंध, दुर्गंध ।

ಕವುಂಡೆ कवुंडे, ಕುಂಡಿನಿ कुंडिनि (क) सं.— एक पौधा विशेष ।

ಕವುದಿ कवुदि (क) सं. – दे. ಕವದಿ.

ಕವುರಿ कवुरि, ಕುರವಿ कुरवि (तद्) सं.—कुरव: (तत्) ; गुलशादाब का फूल ।

ಕವುರು कवुरु (क) सं.—दे. ಕವುಟು.

ಕವುಳು कवुळु (क) सं. – गाल, कपोल ।

ಕವುಳುಡೆ कवुळुडे (क) सं.—तकिया, उपधान; गद्दा, मसनद ।

ಕವೆ कवे (क) सं. – दे. ಕವಲ್.

ಕವೇರ कवेर (सम्) सं.—एक ऋषि का नाम । —ಕನ್ಯಾ कन्या (सम्) सं.—कावेरी नदी ।

ಕವೋಷ್ಣ कवोष्ण (सम्) वि.—कुछ कुछ गरम, गुनगुना ।

ಕವ್ಯ कव्य (सम्) सं.—पितरों को दिया हुआ अन्न, पिंड ।

ಕವ್ವನೆ कव्वने (क) अ.— रोष से, गुस्से से ।

ಕವ್ವರ कव्वर, ಕುವರ कुवर, ಕೊವ್ವರಿ कोव्वरि (क) सं.—पर्दा, जवनिका, यवनिका ।

ಕವ್ವರೆ कव्वरे (क) सं.—दे. ಕವಳಿ.

ಕವ್ವಲ್ कव्वल् (क) सं.— दुर्गंध, बदबू ।

ಕವ್ವಳೆ कव्वळे (क) सं.—दे. ಕವಳಿ.

ಕಶಿಪು कशिपु (सम्) सं.—अन्न ; वस्त्र ; अन्न-वस्त्र ।

ಕಶೆ कशे [ಕಶ कश] (सम्) सं.—चाबुक ; कोड़ा ।

ಕಶೇರು कसेरु, ಕಸೇರು कसेरु (सम्) सं.— रीढ़ की हड्डी ; एक प्रकार का तृण ; जल में उत्पन्न होनेवाला फल विशेष जिसे कसेरु (Scirpus kysoor) कहते हैं।

ಕಶೇರುಕೆ कशेरुके (सम्) सं.—रीढ़ की हड्डी।

ಕಶ್ಚಿತ್ कश्चित्, ಕಶ್ಚಿದ್ कश्चिद् (सम्) सर्व.— कोई।

ಕಶ್ಮಲ कश्मल (सम्) सं.—मोह, मूर्छा; गंदा, मैला, लजीला, घृणित।

ಕಶ್ಯ कश्य (सम्) वि.—चाबुक लगाने योग्य। सं.—घोड़े की पीठ या कमर ; शराब, मद्य; सोमरस।

ಕಶ್ಯಪ कश्यप (सम्) सं.—कछुआ ; एक प्रकार की मछली ; एक प्रकार का मृग (हिरन); एक ऋषि। —ನಂದನ नंदन (सम्) सं.—अरुण ; गरुड।

ಕಷ कष (सम्) सं.— रगड़, कसौटी (का पत्थर)।

ಕಷಾಯ कषाय (सम्) सं.— ಕಸಾಯ कसाय, ಕಸಾಯಿ कसायि (तद्) — लाल रंग ; काढ़ा ; कसैला या कड़ुआ स्वाद या रस, जड़ी-बूटी को पानी में उबालकर बनाया जानेवाला औषध विशेष ; सुगंधि ; चोर-मार्ग।

ಕಷ್ಟ कष्ट (सम्) वि.— बुरा, खराब, ग़लत, दुष्ट, कठोर, कठिन। सं.— कठिनाई, विपत्ति, पीड़ा ; दुष्टता, पाप ; अड़चन। ಕಷ್ಟ ಕೊಡು कष्ट कोड्डु (क) क्रि.— कष्ट या तकलीफ़ दे। ಕಷ್ಟ ಪಡಿಸು कष्ट पडिसु (क) क्रि.— कष्ट दे, सता। ಕಷ್ಟ ಪಡು कष्ट पडु (क) क्रि.— परिश्रम कर। ಕಷ್ಟ ಪಟ್ಟರೆ ಫಲ ವುಂಟು कष्टपट्टरे फल वुंटु— परिश्रम करने से फल मिलेगा (कह.)।

ಕಷ್ಟಚರ್ಮ कष्टचर्म (सम्) वि.— कुष्टरोग से ग्रस्त।

ಕಷ್ಟಾಲು कष्टालु, ಕಷ್ಟಾಳು कष्टाळु (सम्) सं.— परिश्रमी या मेहनती पुरुष।

ಕಷ್ಟೆ कष्टे (सम्) सं.— कष्ट देनेवाली या दुष्टा स्त्री।

(१) ಕಸ कस, ಕಸಕು कसकु, ಕಸರು कसरु, ಕಸಿ कसि, ಕಸು कसु, ಕಸುರು कसुरु, ಕುಸುರಿ कुसुरि, ಕುಸುರು कुसुरु, [ಕಸಕಟ್ಟೆ कसकट्टे] (क) वि.—कड़ा, कच्चा, बिलकुल कच्चा, अपक। ಕಸಗಾಯಿ कसगायि [ಕಾಯಿ कायि] (क) सं.— अपक्व या कच्चा फल।

(२) ಕಸ कस, ಕಸವು कसवु (क) सं.—कूड़ा-करकट, मैला-कुचला पदार्थ, तुच्छ पदार्थ, निस्सार द्रव्य ; शरीर के त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) ; बेकार या खराब पौधा ; खेड़ी, नाल। ಕಸಕಡ್ಡಿ कसकड्डि (क) सं.—(दुहराना)—कूड़ा-करकट। ಕಸಗಣ್ಣು कसगण्णु (क) सं.—उत्तेजित या जलती हुई आँख। ಕಸ ಗುಡಿಸಲು ಕಟ್ಟೆ कस गुडिसलु कट्टे, ಕಸಬರಿಗೆ कसबरिगे, ಕಸಬೊರಿಗೆ कसबोरिगे, ಕಸಮರ कसमर, ಕಸವರಿಗೆ कसवरिगे (क) सं.—झाड़ू, बुहारी। ಕಸ ಗುಡಿಸು कस गुडिसु (क) क्रि.—झाड़ू दे।

(३) ಕಸ कस (क) सं.= ಕಸಾ कसा, ಕಸಿ कसि, ಗಸಿ गसि,—अशांति, थकावट, पेट में गड़बड़ी, मानसिक अशांति। ಕಸವಿಸಿ कसविसि (दुहराना)।

ಕಸಕಸಿ कसकसि, ಕಸಕಸೆ कसकसे, ಗಸಗಸೆ गसगसे (अ.दे.) सं.— खसखस (Poppy-Seed)।

ಕಸಕಿಲ್ कसकिल्, ಕಸಕಿಲು कसकिलु (क) सं.— झाड़ू, बुहारी।

ಕಸಕು कसकु (क) वि.— दे. ಕಸ (१).

ಕಸಕೆ कसके (क) सं.— तृण विशेष।

ಕಸಬ कसब, ಕಸಬು कसबु, ಕಸುಬು कसुबु (अ.दे.) सं.— कस्ब (अरबी) ; पेशा, व्यापार, व्यवसाय। — ದಾರ दार (अ.दे.) सं.— व्यापारी।

ಕಸಬಾ कसबा, ಕಸಬೆ कसबे (अ.दे.) सं.— कसबा (अरबी); ज़िला या ताल्लुक (Taluq) का प्रधान नगर ; राजधानी।

ಕಸರ್ कसर् (क) सं.— गले में खुरचन या गुदगुदी। क्रि.— गले में गुदगुदी या सुरसुरी पैदा हो।

ಕಸರತ್ कसरत् (अ.दे.) सं.- कसरत (अरबी); किसी कला का अभ्यास ; व्यायाम।

ಕಸರಿಕೆ कसरिके (क) सं. — सिकुड़ना ; सिकुड़न ; अपहास ; बुरा विनोद।

(१) ಕಸರು कसरु (क) सं.— अपक्वता, कच्चा होना ; दुर्विनोद अपहास ; शरीर के दोष (वात, पित्त आदि) ; धूल, कूड़ा-करकट।

(२) ಕಸರು कसरु, ಕಸುರು कसुरु (अ.दे.) सं.— कसर (अरबी) ; कमी, न्यूनता ; त्रुटि ; मुद्रा के विनिमय में लाभ या हानि।

ಕಸಲೆ कसले, ಕಸಾಲೆ कसाले (क) सं. — कुछ अस्वस्थता ; एक पौधा।

ಕಸವರ कसवर (क) सं.— सोना, हेम।

(१) ಕಸವು कसवु (क) सं.— दे. ಕಸ (२).

(२) ಕಸವು कसवु, ಕಸುವು कसुवु (अ.दे.) सं.— बल, शक्ति ; (भूमि का) सार।

ಕಸಾ कसा (क) सं.— दे. ಕಸ ; ಕಸಾವಿಸಿ कसाविसि=ಕಸವಿಸಿ.

ಕಸಾಬ कसाब, ಕಸಾಯ कसाय, ಕಸಾಯಿ कसायि (अ. दे.) सं.— क़साई (अरबी); मांस विक्रेता।

ಕಸಾಯ कसाय, ಕಸಾಯಿ कसायि (तद्) सं.— कषायः (तत्) ; दे. ಕಷಾಯ.

ಕಸಾರಿಕೆ क़सारिके, ಕಸಾಲೆ कसाले (क) सं.— कुछ अस्वस्थता, शारीरिक अनारोग्य, तकलीफ़, कष्ट, क्लेश।

ಕಸಿ कसि (क) क्रि.—नीचे गिर, खिसक, गिर पड़ ; सत्वहीन हो, सड़ ; टपक, बूँद-बूँद करके बह, रसकर बह, बह ; छीन, हड़प ले, हथिया, अपहरण कर। सं—कच्चा, कड़ा या अपक्व फल; पेड़-पौधों को काटना-छाँटना, काट-छाँट ; दे. ಕಸ (३).

ಕಸಿಕ कसिक (क) सं.— छीननेवाला, झपटकर लेनेवाला।

ಕಸಿಗಿ कसिगि (क) सं.—जल में उत्पन्न होनेवाला एक पौधा जिसकी जड़ औषधि में काम आती है (Polygonum glabrum)।

ಕಸಿತ कसित (सम्) वि.— हिला हुआ, गया हुआ।

ಕಸಿಬಿ कसिबि (अ. दे.) सं—दे. ಕಸಬದಾರ (ಕಸಬ में)।

ಕಸೀದಿ कसीदि, ಕಸೂತಿ कसूति, ಕಸೂದಿ कसूदि

(अ. दे.) सं.—कसीदा (हिं.); कसीदे का काम।

ಕಸು कसु (क) वि. — कच्चा, अपक्व।— ಗಾಯಿ गायि (क) सं.— कच्चा या अपक्व फल।

ಕಸುಕೊಳ್ಳು कसुकोळ्ळु (क) क्रि.=[ಕಸಕೊಳ್ಳು कसकोळ्ळु] — छीन, हड़प ले, हथिया, झपट कर ले, अपहरण कर।

ಕಸುಕ कसुक (क) सं.—दे. ಕಸಿಕ.

ಕಸುರು कसुरु (क) सं.—दे. ಕಸರು (१) (अ. दे.) सं.—दे. ಕಸುರು (२).

ಕಸುವು कसुवु (अ. दे.) सं.—दे. ಕಸವು (२).

ಕಸೂತಿ कसूति, ಕಸೂದಿ कसूदि (अ. दे) सं.—दे. ಕಸೀದಿ.

ಕಸೆ कसे (तद्) सं.—कशा (तत्); डोरी, रस्सी, सुतली। — ಗೊಳ್ गोळ् (तद्) क्रि.—चाबुक पकड़ या छीन। — ಪಾವಾಡೆ पावाड़े (क) सं.—लहँगा जिसमें डोरी लगी हो।

ಕಸೇರು कसेरु (तद्) सं.—दे. ಕಶೇರು.

ಕಸ್ತಿ कस्ति (अ. दे) सं.—हिंसा, जोर; छेड़-छाड़।

ಕಸ್ತು कस्तु (अ. दे.) सं.—दर्द, पीड़ा, कष्ट; छीना-झपटी, औद्धत्य।— ಗಾಱ गार् (अ. दे.) सं—कष्ट देनेवाला, सतानेवाला।— ತಗಾದೆ तगादे (अ. दे.) सं—पैसे (ऋण) वापस देने की बार-बार माँग करना।

ಕಸ್ತುರಿ कस्तुरि, ಕಸ್ತೂರಿ कस्तूरि (सम्) सं.—मुश्क; कस्तूरी। ಕನ್ನಡ ಕಸ್ತೂರಿ कन्नड कस्तूरि—कन्नड कस्तूरी (के समान सुगंधित) है (कह०)।

ಕಸ್ವರ कस्वर (सम्) वि.—जानेवाला, चलित, सीमाहीन। सं.—संपदा, वित्त, धन; परमात्मा, क्षेत्रज्ञ।

ಕಹಕಹ कहकह (क) सं. — सारस पक्षी की ध्वनि।

ಕಹಳಾರವ कहळारव (सम्)—सींगे (बाजा) की ध्वनि।

ಕಹಳಾ कहळा, ಕಹಳೆ कहळे, ಕಾಳೆ काळे (तद्) सं.—काहला (तत्), सींगा, धातु का बना सींगा (भोंपा)। — कार, ಕಾಱ कार् (तद्) सं.— सींगा बजानेवाला।

ಕಹಿ कहि (क) सं. — कटुः, कडुआपन, तिक्तता।

ಕಹಿಪು कहिपु (क) सं=ಕಹಿ (मे. प्र.)।

ಕಹ್ಲಾರ कह्लार (सम्) सं. = ಕಲ್ಹಾರ कल्हार सफ़ेद कमल।

(१) ಕಳ್ कळ्, ಕಳು कळु, ಗಳ್ गळ्, ಗಳು गळु (क) प्र.—ब. व. प्रत्यय, उदा.— ಮಗು मगु (बच्चा— ಮಕ್ಕಳ್ मकळ् या ಮಕ್ಕಳು मकळु (बच्चे), ನಾಯಿ नायि (कुत्ता)— ನಾಯಿಗಳು (कुत्ते)।

(२) ಕಳ್ कळ् (क) क्रि.—चोरी कर, चुरा, अपहरण कर। ಕಳ್ಳಂಗಡಲೆ कळ्ळंगडले [ಕಲ್ಲಂಗಡಲೆ कल्लंगडले]—(क) सं.—एक झाड़ीदार पौधा। ಕಳ್ಳಚ್ಚು कळळच्चु (क) सं.—झूटा साँचा (नमूना)। ಕಳ್ಳಾಟ कळ्ळाट (क) सं.—चोरी का खेल या व्यवहार। ಕಳ್ಳೊಡವೆ कळ्ळोडवे (क) सं.—चोरी के गहने या चोरी का माल।

(३) ಕಳ್ कळ् (क) सं.=ಕಲ್ಲು कल्लु, ಕಳ್ಳು कळ्ळु, शराब, ताड़ी; तागे का लच्छा।

(१) ಕಳ कळ (क) सं.—कुछ निश्चित परिमाण, लगभग पाँच सेर (नाप); =ಕಳ್ಳ कळळ—चोर; धूर्त, शठ;=ಕಳವು कळवु—चोरी; =ಕಟ कळ—प्रकाश, चमक; ಕಳಕಳಿಸು कळकळिसु, ಕಟಕಟಿಸು कळ्कळिसु—प्रकाशमान हो, चमक; = ಕಳವೆ कळवे, ಕಳೆ कळे—(राशि या ढेरे से) ले लेना; ಕಳಗೂಟ कळगूळ, ಕಳವೆಗೂಳ್ कळवेगूळ्— पुलाक, कदन्न, भात (जो राशि या ढेर से निकाला गया हो)।

(२) ಕಳ कळ (क) सं. — रुलाई के समय आनेवाली ध्वनि, सिसकी; ಕಳಕಳ कळकळ (दुहराना); ಕಳಕಳನೆ ಅಳು कळकळने अळु (क) क्रि.—रो, सिसकी भर; चावल के उबलते समय आनेवाली ध्वनि; ಕಳಕಳ ಅನ್ನು कळकळ अन्नु (क) क्रि. — 'कळ् कळ्' कर; व्यग्रता, व्याकुलता या मन की अशांति का सूचक शब्द; ಕಳಕಳ कळकळ, ಕಳವಳ कळवळ (क) सं.—व्यग्रता, मानसिक अशांति, चिंता ಕಳವಳಗೊಳ್ಳು, कळवळगोळ्ळु (क) क्रि.—व्यग्र हो, चिंतित हो, आकुल हो; ಕಳವಳ ಪಡು (कळवळ पडु (क) क्रि. = ಕಳವಳಗೊಳ್ಳು; ಕಳವಳಿಸು कळवळिसु, ಕಳವಳ ಪಡಿಸು कळवळपडिसु (क) क्रि.—व्यग्र कर, आकुल कर; ज़ोर से हँसते समय निकलनेवाली ध्वनि; ಕಳಕಳ ನಗು कळकळ नगु [ಕಲಕಲ ನಗು कलकल नगु] (क) क्रि.—'कलकल' करके अर्थात् ज़ोर से हँस।

(३) ಕಳ कळ (तद्) सं.—खल: (तत्); खलिहान; भूमि; युद्धभूमि। (तद्) सं.—कड (तत्); मूक पुरुष गूँगा।

ಕಳಕಳ कळकळ (तद्) सं.—कलकल (तत्); कलरव; शोर गुल; मधुर स्वर; पक्षियों का स्वर।

ಕಳಕಳಿಕೆ कळकळिके (क) सं.—व्यग्रता, आकुलता।

ಕಳಕುಳ कळकुळ (क) क्रि.—डर, भीत हो। सं.—विकीर्ण होना।

ಕಳಂಕ कळंक, ಕಳಂಕು कळंकु (तद्) सं.—कलंक (तत्); धब्बा, दाग़।

ಕಳಚು कळचु (क) क्रि.—निकाल; मुक्त कर, छोड़, ढीला कर, अलग कर, गिरा; हिला; खींच ले, बाहर कर; शिथिल हो, मुक्त हो, (अक. क्रि.)।

ಕಳಂಜಿ कळंजि (सम् ?) सं—दे. ಕಲಂಜಿ.

ಕಳತನ कळतन, ಕಳ್ಳತನ कळतन, ಕಳ್ಳತನ कळळतन (क) सं—चोरी।

ಕಳತ್ರ कळत्र (सम्) सं.—पत्नी, भार्या।

ಕಳದಿಗೆ कळदिगे (क) सं.—एक पौधा विशेष जो औषधि में काम आता है, अशोकरोहिणी पौधा।

ಕಳಮ कळम, ಕಳಮೆ कळमे (तद्) सं—कलमः (तत्); धान, चावल।

ಕಳಂಬ कळंब (तद्) सं.—कलंब (तत्); तीर, बाण।

ಕಳಱು कळरु (क) क्रि.—बोल, कह; सता, तंग कर।

ಕಳಮಂಜಳ कळमंजळ, ಕಳವಂಜಳ कळवंजळ (क ?) सं.—एक प्रकार की हल्दी या हरिद्रा।

ಕಳವಳ कळवळ (क) सं.—व्यग्रता, चिंता, आकुलता।

ಕಳವಳಿಗೆ कळवळिगे (क) सं.—चोर; धूर्त।

ಕಳವಿಗೆ कळविगे (क) सं. — एक प्रकार का सुगंधित पौधा।

ಕಳವು कळवु, ಕಳಹು कळहु (क) सं.— चोरी।

(१) ಕಳವೆ कळवे, ಕಳಿವಿ कळिवि (क) सं.— एक कांटेदार झाड़ी जिसमें छोटे-छोटे रसदार गोल फल फलते हैं।

(२) ಕಳವೆ कळवे (क) सं.—दे. ಕಳ (१).

ಕಳಶ कळश (सम्) सं.=ಕಲಶ.

ಕಳಸ कळस (तद्) सं —कलश (तत्)।

ಕಳಸಿಗೆ कळसिगे (तद्) सं.—कलशी, गगरी; अनाज नापने का एक प्रकार का बर्तन।

ಕಳಸು कळसु (क) क्रि.=ಕಳಿಸು कळिसु—भेज, प्रेषित कर; कम कर, घटा; संकट से पार हो, बाल-बाल बच।

ಕಳಹ कळह (क) सं.—निकालना, दूर करना, हटाना, घटाना।

ಕಳಹು कळहु (क) क्रि.—भेज, प्रेषित कर। सं.—चोरी।

ಕಳಾಗಮ कळागम (क) सं.—वृद्धि, बढ़ना आगम।

ಕಳಾಭಾವ कळाभाव (सम्) सं —प्रेम, स्नेह, प्रेम की रीति; कलाहीनता, कांतिहीनता।

ಕಳಾವಿದ कळाविद (सम्) सं= ಕಲಾವಿದ कलाविद्—कलाकार।

ಕಳಾಸ कळास (अ.दे.) सं.— ख़लास (अरबी) कुल, पूरा-पुरा; समाप्ति; =ಕಡಾಸ कडास —थैला।

ಕಳಿ (क) क्रि. — जाने दे, फेंक, निकाल, छोड़, अस्वीकार कर, खींच दे, एक ही छोड़, बच; घटा; खर्च कर, व्यय कर, समय बिता; पार कर; बाहर निकाल (जैसे तलवार को म्यान से निकालना); मुक्त कर, हटा; नाश कर; बुझा; गिरा, खिसका; शिथिल या ढीला कर; दुर्बल कर, अपूर्ण कर; पक, पक्व हो। सं. — पकना, अच्छी तरह पकने की स्थिति। ಕಳಿಯಡಿಕೆ कळियडिके (क) सं.— श्रेष्ठ सुपारी। ಕಳಿ ಹಣ್ಣು कळि हण्णु (क) सं.—पूर्ण रूप से पका फल। ; खट्टा माँड।

ಕಳಿಕ कळिक (सम्?) सं.—बाजरा।

*ಕಳಿಕಾ कळिका, ಕಳಿಕೆ कळिके (सम्) सं.— कलिका; कली; ज्वाला, लौ; चंद्रकला।

ಕಳಿಂಗ कळिंग (सम्)— चालक, बुरा मनुष्य।

ಕಳೀಜ कळीज, ಕಾಳಜ काळज, ಕಾಳಿಜ काळिज, ಕಾಳಿಜಿ काळिजि (अ.दे.) सं.— कलेजा (हिं.); यकृत्, जिगर।

ಕಳಿಪು कळिपु, ಕಳುಪು कळुपु, ಕಳಹು कळहु ಕಳುಹು कळुहु (क) क्रि.— भेज, प्रेषित कर।

ಕಳಿವೆ कळिवे (क) सं.— दे. ಕಳವೆ

ಕಳಿವು कळिवु, ಕಳೆವು कळेवु (क) सं — निकालना, मुक्ति, हिलाना, समाप्ति।

ಕಳಿಸು कळिसु (क) क्रि. — दे. ಕಳಸು; =ಕಣಿಸು कणिसु, ಕಣ್ಣು कण्णु— दिख, प्रकट हो, दिखाई पड़।

ಕಳಿಹಿಸು कळिहिसु, ಕಳುಹಿಸು कळुहिसु (क) क्रि.— भेज; भिजवा (प्रे.)।

ಕಳು कळु (क) सं.— चोरी; छल, झूठ। क्रि.— चोरी कर।

ಕಳುಕ್ कळुक् (क) सं.—एक अनुकरणात्मक शब्द; किसी वस्तु को तोड़ते समय निकलने की ध्वनि; ಕಳುಕ್ಕನೆ कळुक्कने — चटका करके; ಕಳುಕ್ಕೆನ್ನು कळुक्केन्नु (क) क्रि.— चटकाकर तोड़; आश्चर्यचकित हो; भय, चकित हो, मन में कंपित हो।

ಕಳುಪು कळुपु (क) क्रि.—दे ಕಳಿಪು.

ಕಳುಹಿಸು कळुहिसु (क) क्रि.— ಕಳಿಹಿಸು.

ಕಳುಹಿಸುವಿಕೆ कळुहिसुविके (क) सं—भेजना; प्रेषण।

ಕಳುಹು कळुहु (क) क्रि.—दे. ಕಳಿಪು.

ಕಳೆ कळे (क) क्रि.—दे. ಕಳಿ; शिथिल हो, मुक्त हो; जा; बीत। सं. =ಕಳೆಯ कळय— निकालना, हटाव, अपहरण; खेत में उगने-वाली निरुपयोगी घास, कूड़ा-करकट।

ಕಳೆ कळे (तद्) सं. =ಕಳಾ कळा = ಕಲೆ कले —दे. ಕಲಾ.— ಎರು, एरु (तद्) क्रि.— चमक, प्रकाशमान हो।— ಕುಂದು कुंदु, ಗುಂದು गुंदु (क) क्रि.— प्रकाशहीन हो— ಕೆಡು केडु (क) क्रि.— कांतिहीन हो मुरझा, सूख, नीरस हो।— ಕೊಳ್ कोळ्, ಕೊಳು कोळु, ಗೊಳ್ गोळ् (क) क्रि.— प्रकाशमान हो।

ಕಳೆದುಕೊಳ್ कळेदुकोळ् (क) क्रि. — खो; दूर कर; मुक्त हो; ले; तकलीफ़ हो।

ಕಳೆಯುವಿಕೆ कळेयुविके (क) सं.— खोना; दूर करना, जाने देना।

ಕಳೆವಂಜಳ कळेवंजळ (क?) सं.—दे. ಕಳಮಂಜಳ.

ಕಳೆವು कळेवु (क) सं.— दे. ಕಳಿವು.

ಕಳ್ಗ कळ्ग (तद्) सं — खड्ग (तत्)।

ಕಳ್ತನ कळ्तन (क) सं.— दे. ಕಳ್ಳತನ

(१) ಕಳ್ಳ कळ्ळ (क) सं.— चोर, तस्कर; धूर्त, बुरा आदमी। ಕಳ್ಳನ ಹೆಂಡತಿ ಎಂದಿದ್ದರೂ ಮುಂಡೆ कळ्ळन हेंडति एंदिद्दरू मुंडे— चोर की पत्नी आज नहीं तो कल विधवा होगी ही (कह.)। ಮೈಗಳ್ಳ मैगळ्ळ (क) सं.— कामचोर। ಕಳ್ಳಗಂಟು कळ्ळगंटु (क) सं.— चोरी का माल; वह गठरी जो देखने में अच्छी लगे पर उसमें कुछ सार न हो। ಕಳ್ಳಚೀಟು कळ्ळचीटु (क) सं.— जाली रसीद या कागज। ಕಳ್ಳಜನ कळ्ळजन (क) सं.— चोर लोग। ಕಳ್ಳದಾರಿ कळ्ळदारि (क) सं.— चोर-मार्ग, अपथ। ಕಳ್ಳಬಂಟ कळ्ळबंट (क) सं.— पक्का चोर। ಕಳ್ಳರುಜು कळ्ळरुजु (क) सं.— जाली हस्ताक्षर। ಕಳ್ಳವೇಷ कळ्ळवेष (सम्) सं — झूठा वेष ಕಳ್ಳ ಸಾಕ್ಷಿ कळ्ळसाक्षी (सम्) सं.— झूठा साक्षी। ಕಳ್ಳಹುಂಡಿ कळ्ळहुंडि (अ.दे.) सं.— जाली हुंडी या चेक Cheque।

(२) ಕಳ್ಳ कळ्ळ (क) सं—एक पौधे का नाम।

ಕಳ್ಳಂಗಡಲೆ कळ्ळंगडले (क) सं.— दे. ಕಳ್ಳ(२)

ಕಳ್ಳತನ कळ्ळतन (क) सं.—दे. ಕಳ್ತನ.

ಕಳ್ಳವಾಳ कळ्ळवाळ (तद्) सं — कल्यपाल (तत्); कलार, शराब खींचनेवाला।

(१) ಕಳ್ಳಿ कळ्ळि (क) सं — समंतदुग्धा, थूहर (Euphorbia tirukalli); बुरा आदमी।

(२) ಕಳ್ಳಿ, कळ्ळि, ಕಳ್ಳೆ, कळ्ळे (क) सं—चोरी-करनेवाली, चोर-स्त्री।

ಕಳ್ಳು, कळ्ळु (क) सं.—ताड़ी, शराब; = ಕರುಳ್ कऱुळ्—प्रेम, ममता।

ಕಳ್ಳೆ, कळ्ळे (क) सं.—दे. ಕಳ್ಳಿ; दे. (१) ಕವಳ.

ಕಳ್, कळ्, ಕಳು कळ् (क) सं.—हाथी के कान को छेदने का एक औज़ार।

ಕಳ कळ (क) सं —दे. ಕಳ; = ಕಳು कळु—व्याकुलता (स्थान या पद की); ಕಳಕುಳ कळकुळ, ಕಳುಕುಳ कळुकुळ — (दुहराना) —स्थान-व्याकुलता, पहले रूप या स्थिति की हानि।

ಕಳತ कळत (क) सं.—अतिसार रोग।

ಕಳಮಾ कळमा, ಕಳಮೆ कळमे, ಕಳವೆ कळवे तद्) सं—कलमः (तत्); धान, चावल।

ಕಳಲ್ कळल् (क) क्रि,=कृश हो, पतला हो, महीन हो, तेजोहीन हो; निराश हो; व्यग्र हो; घबड़ा; चू पड़; टपक; फिसल; नीचे गिर, शिथिल हो; ढीला हो; फेंक दे, हटा। सं. — कृशता, पतला या महीन होना; निराशा; दही, मट्ठा, छाँछ; मंजीर, पायल, नूपुर।

ಕಳಲು कळलु (क) क्रि.—शिथिल कर, ढीला कर; निकाल, बाहर निकाल, (जैसे म्यान से तलवार को निकालना)। सं.— ईख का टुकड़ा; ईख का अरोचक (या बेस्वाद का) ऊपरी अंश।

ಕಳಲೆ कळले (क) सं.— एक छोटी काँटेदार डाल या टहनी; = ಕಳಿಲೆ कळिले = बाँस के वृक्षों के बीच में उगनेवाला छोटा पौधा या अंकुर, वंशांकुर।

ಕಳಲ್ಚು कळल्चु ಕಳಲಿಸು कळलिसु (क) क्रि.= अलग कर, पृथक कर, निकाल, हटा; दूर, कर; ढीला हो, मुक्त हो; अंत हो।

ಕಳವೆ कळवे (तद्) सं—दे. ಕಳಮಾ.

ಕಳಿ कळि (क) क्रि —दूर हट, बहुत दूर जा; चल बस, अंत हो, मर; हाथ से निकल जा; अधिक हो; मुक्त हो; मुक्त कर; पार करा, गमन करा; शुद्ध कर, पाप हटा (मैं. प्र.)। सं—बहुत दूरी, बहुत दूर जाना; माँड, काँजी।

ಕಳಿಲೆ कळिले (क) सं.—दे. ಕಳಲೆ.

ಕಳಿವು कळिवु (क) सं. — अंत, समाप्ति, मुक्ति।

ಕಳಿಹ कळिह (क) सं.—अधिक होना, अधिकता, वृद्धि।

ಕಳು कळु (क) सं.—दे. ಕಳ್ और ಕಳ.

ಕಳ್ಕನೆ कळ्कने (क) अ.=ಗಕ್ಕನೆ गक्कने—अकस्मात्, अचानक, सहसा।

ಕಳ್ಕು कळ्कु (क) क्रि.—वमन कर, ओकाई कर, ओक।

ಕಳ್ಗು कळ्गु (क) क्रि.=ಕರ್ಗು कर्गु—काला हो।

ಕಳ್ತಲಿಸು कळ्तलिसु (क) क्रि.—तम हो, अंधेरा छा।

ಕಳ್ತಲೆ कळ्तले (क) सं.— अंधकार, तम। — ವಣಿ वणि (क) सं.— चंद्रमा।

ಕಳ್ತೆ कळ्ते (क) सं.= ಕತ್ತೆ कत्ते—गधा, गर्दभ।

(१) ಕಾ का (क) क्रि = ಕಾಯ್ काय्—रक्षा कर, बचा, रख; पहरा दे, चौकसी कर। सं. — =ಕಕ್ कक्, ಕಾಡು काडु— वन, जंगल; कौए का 'का का' करना।

(२) ಕಾ का (सम्) उ.— बुरा, खराब, कुत्सित।

ಕಾಂಕೆ कांके (क) सं.— (किसी प्रकार की) गरमी, उष्णता।

ಕಾಂಕ್ಷಿತ कांक्षित (सम्) वि.— इच्छित, अभिलषित। सं.— इच्छा, अभिलाषा। — ಇಸು इसु (सम्) क्रि— इच्छा या अभिलाषा कर, कामना कर।

ಕಾಂಕ್ಷೆ कांक्षे (सम्) सं.— कामना, इच्छा, अभिलाषा; आँख की एक बीमारी। — ತೀರಿಸಿಕೊಳ್ಳು तीरिसिकोळ्ळु (सम्) क्रि.— अभिलाषा पूर्ण कर।

ಕಾಂಚಣ कांचण (तद्) सं.—(तत्); कांचन सोना; धन। ಕಾಂಚನ ಪ್ರಸರ कांचन प्रसर (सम्) सं.— वकुल; नागकेसर वृक्ष।

ಕಾಂಚನಮಂಚ कांचनमंच (सम्) सं.— सोने का पलंग।

ಕಾಂಚನಮಾಲೆ कांचनमाले (सम्) सं.— एक वृत्त का नाम।

ಕಾಂಚನವರ್ಣ कांचनवर्ण (सम्) सं.— सोने का रंग, हेमवर्ण।

ಕಾಂಚನವಾದ कांचनवाद (सम्) सं.— सुवर्णवाद, अच्छा वाद या रपट।

ಕಾಂಚನಾದ್ರಿ कांचनाद्रि (सम्) सं.— सोने का पर्वत (मै.प्र.)।

ಕಾಂಚನಾರಕ कांचनारक (सम्) सं.— कोविदार या कचनार का पेड़।

ಕಾಂಚನಾಲ कांचनाल (सम्) सं.— दे. ಕಾಂಚನಾರಕ.

ಕಾಂಚನಿ कांचनि (सम्) सं.— हरिद्रा, हलदी।

ಕಾಂಚಾಣ कांचाण (तद्) सं.— कांचन (तत्); धन।

ಕಾಂಚಾಳ कांचाळ, (ಕಂಚಿವಾಳ कंचिवाळ), ಕಾಂಚಿವಾಳ कांचिवाळ (तद्) सं.— कांचनाल (तत्); दे. ಕಾಂಚನಾರಕ.

(१) ಕಾಂಚಿ कांचि (क) सं.— मालातृण, एक सुगंधित तृण विशेष।

(२) ಕಾಂಚಿ कांचि, ಕಾಂಚೀ कांची (सम्) सं. — करधनी; एक पौधा विशेष (Abrus Precatorius); दक्षिण भारत का प्रसिद्ध नगर कांची नगर।

ಕಾಂಚಿಕ कांचिक, ಕಾಂಜಿ कांजि, ಕಾಂಜಿಕ कांजिक, ಗಂಜಿ गंजि (सम्) सं.— खट्टी महेरी या काँजी।

ಕಾಂಚಿತ कांचित (सम्) वि.— अर्चित, समादृत।

ಕಾಂಚಿವಾಳ कांचिवाळ (तद्) सं.— दे. ಕಾಂಚನಾರಕ.

ಕಾಂಚೀಪದ कांचीपद (सम्) सं.— कूल्हा और कमर।

ಕಾಂಜಿ कांजि, ಕಾಂಜಿಕ कांजिक (सम्) सं.— दे. ಕಾಂಚಿಕ.

ಕಾಂಜಿರ कांजिर, ಕಾಂಜೀರಗೆ कांजीरगे (क) सं.— कुचला नामक पौधा (Nux Vomica)

ಕಾಂಜು कांजु (तद्) सं.— काचः (तत्), काँच, शीशा।

ಕಾಂಡ कांड (सम्) सं.— भाग, अंश, एक पोरुए से दूसरे पोरुए तक का (पौधे का) भाग; बाण, तीर; पुस्तक का भाग, परिच्छेद या अध्याय; तना, डंठल, डाली, शाखा; समूह, गुच्छा, गट्ठा; मौका, अवसर; पानी, जल; गगन, आसमान, नभ; निंदा, गाली; पर्दा; रहस्य स्थान; मिलन, संयोग; वेग, गति; बेंत, नरकुल; छड़ी, डंडा; बुरा, दुष्ट, पापी (समस्त-पदों में); घोड़ा। —ಜ ज (सम्) सं.— कमला। —ಧಿ धि (सम्) सं.— समुद्र। — ಪಟ पट (सम्) सं.— पर्दा, डेरे का कपड़ा। — ಪೃಷ್ಠ पृष्ठ (सम्) सं.— सैनिक, बाण ले जानेवाला।

ಕಾಂಡವ कांडव (तद्) सं.—खांडव (तत्); खाण्डव नामक वन।

ಕಾಂಡವತ್ कांडवत्, ಕಾಂಡವಂತ್ कांडवंत् (सम्) सं - बाणधारी, सैनिक।

ಕಾಂಡಸ್ಪೃಷ್ಟ कांडस्पृष्ट (सम्) सं.—योद्धा, सिपाही; वह ब्राह्मण जो सैनिक वृत्ति पर जीवित है।

ಕಾಂಡಾಲ कांडाल (सम्) सं.—नरकुल की बनी टोकरी, अनाज रखने की टोकरी।

ಕಾಂಡೀರ कांडीर (सम्) सं. —धनुषधारी, सैनिक।

ಕಾಂತ कांत (सम्) वि.— इच्छित, प्रिय, प्यारा; सुंदर, मनोहर, निर्मल, आकर्षक। सं.—प्रेमी प्रेमपात्र, पति; पत्थर, शिला; घर, मकान, लोहा; चंद्रमा; कृष्ण, स्कंद; रत्नविशेष; कविता-रचना का एक गुण। ಅಯಸ್ಕಾಂತ अयस्कांत, ಲೋಹಕಾಂತ लोहकांत (सम्) सं—चुंबक (Magnet)।

ಕಾಂತಲಕ कांतलक (सम्) सं. — तुन का वृक्ष (Credela Toona)।

ಕಾಂತಾ कांता, ಕಾಂತೆ कांते (सम्) सं.— प्रेमिका, प्रेमपात्री स्त्री, पत्नी, भार्या; प्रियंगु लता; पृथिवी; बड़ी इलायची।

ಕಾಂತಾರ कांतार (सम्) सं. = जंगल, बड़ा वन; दुर्गम पथ; खराब रास्ता; एक प्रकार की ईख। —ಚರಿಗೆ चरिगे (सम्) सं.— जंगल या जंगलों में घूमना।

ಕಾಂತಾರಕ कांतारक (सम्) सं.—एक प्रकार की ईख।

ಕಾಂತಿ कांति (सम्) सं.—मनोहरता, सौंदर्य; आभा, प्रकाश, चमक; कामना, इच्छा, चाह; व्यक्तिगत शृंगार। ವಂತ वंत (सम्) सं.—सुंदर या प्रकाशमान पुरुष। ಸ್ತಂಭ स्तंभ (सम्) सं.—दीपस्तंभ, दीप।

ಕಾಂತೆ कांते (सम्) सं.—दे. ಕಾಂತಾ.

ಕಾಂದವಿದ कांदविद (सम्) सं.— हलवाई (baker)।

ಕಾಂದಿಶೀಕ कांदिशीक (सम्) वि. — भगोड़ा, भागनेवाला; भयभीत, डरा हुआ।

ಕಾಂಪಿಲ್ಯ कांपिल्य, ಕಾಂಪಿಲ್ಲ कांपिल्ल (सम्) सं.— गुंडारोचना नामक लता।

ಕಾಂಬಲ कांबल (सम्) सं.— कंबल या ऊनी वस्त्र से ढका हुआ, कंबल या ऊनी वस्त्र से ढकी हुई गाड़ी।

ಕಾಂಬವಿಕ कांबविक (सम्) सं.—शंख का व्यापारी।

ಕಾಂಬ कांब, ಕಾಂಬುವ कांबुव (क) वि.— (ಕಾಣ್ काण् = प्रकट हो)— प्रकट होनेवाला, प्रकटित, व्यक्त।

ಕಾಂಬೋಜ कांबोज (सम्) सं. — कंबोडिया देशवासी; पुन्नाग वृक्ष; कांबोज देश की घोड़ों की एक जाति विशेष।

ಕಾಂಬೋಜಿ कांबोजि (सम्) सं. —दे. ಕಾಂಬೋಜ.

ಕಾಂಬೋದಿ कांबोदि (सम्) सं.— एक (कर्नाटक) राग का नाम।

ಕಾಂವು कांवु (सम्) सं.— तना; डाँठ, डंठल; दस्ता, मुठिया।

ಕಾಂಸುಳಿ कांसुळि (सम्?) सं.— तेजस्वी नामक पौधा (The Plant Sida indica)।

ಕಾಂಸ್ಯ कांस्य (सम्) सं. —, काँसा; काँसे का घड़ियाल; पीतल का जलपात्र, गिलास।

ಕಾಂಸ್ಯತಾಲ कांस्यताल (सम्) सं.— (ಕಂಸಾಳ कंसाल (तत्)— मंजीरा, झांझ।

ಕಾಂಸ್ಯತೋರಣ कांस्यतोरण (सम्) सं.— काँसे का बना तोरण।

ಕಾಕ काक (सम्) सं.— कौआ; नीच, बुरा आदमी; एक राक्षस का नाम; एक वृक्ष का नाम। — ಜ್ವರ ज्वर (सम्) सं.— एक प्रकार का ज्वर जिसके कारण शरीर काला हो जाता है। — ಪೀಕ पीक (सम्) सं.— कामुक या लंपट। — ತಾಳಿನ್ಯಾಯ ताळिन्याय (सम्) सं.— अचानक या अकस्मात् होनेवाली घटना (कथा यह है — एक बटोही एक ताल वृक्ष के नीचे पड़ा था। वृक्ष पर एक कौआ भी बैठा था। कौआ ज्यों ही वृक्ष को छोड़कर उड़ा त्यों ही वृक्ष से एक पका फल गिरा। यद्यपि कौए के उड़ने और वृक्ष से फल के गिरने में कोई संबंध नहीं था, तथापि संबंध की कल्पना की गई)। —ತಿಂದುಕ— तिंदुक (सम्) सं.— कोविदार, आबनूस। — ತುಂಡ तुंड (सम्) सं.— कौए का मुख; एक राक्षस; एक पौधा विशेष। — ತುಂಡಿ तुंडि, ದ್ರೋಣ्डे द्रोंड़े (सम्) सं. — तमाल वृक्ष। — ತುಂಡಿಕೆ तुंडिके (सम्) सं—तमाल वृक्ष, तापिच्छ।— ಪಕ್ಷ पक्ष (सम्) सं.— एक प्रकार की जुल्फें, पट्टे, शिखा, शिखंडिका।— ಪೀಲುಕ पीलुक (सम्) सं.— एक प्रकार का कोविदार। — ಬಲಿ बलि (सम्) सं.— कौओं को दिया जानेवाला अन्न। ಬುದ್ಧಿ बुद्धि। (सम्) सं. — नीच बुद्धि, तुच्छता। — ಭಾಜನ भाजन (सम्) सं.— कौए को दिया जानेवाला अन्न, पिंड; खराब, व्यर्थ। — ಭೀರು भीरु (सम्) सं.— उल्लू।

ಕಾಕಂಬಿ काकंबि, ಕಾಕವಿ काकंवि (सम्) सं.— ईख का रस, खाँड, गुड़।

ಕಾಕಲಿ काकलि (सम्) वि.— धीमा मधुर स्वर, कोमल मधुर स्वर।

ಕಾಕವಿ काकवि (सम्) सं.— दे. ಕಾಕಂಬಿ.

ಕಾಕಲಿಪಿ काकलिपि (सम्) सं.— अस्पष्ट लिखावट।

ಕಾಕವಂಧ್ಯ काकवंध्य (सम्) सं.— वह स्त्री जिसके केवल एक ही संतान होता है।

(१) ಕಾಕಾ काका (अ.दे.) सं. = ಕಕ್ಕ कक्क— काका, पिता का छोटा भाई ।

(२) ಕಾಕಾ काका (क) सं.— बिच्छू की पूंछ ; भाजी ; लाल लाक्षा (लाख) ; एक झाड़ी जिसमें छोटे-छोटे रसदार गोल काले या लाल फलते हैं ।

ಕಾಕಾರಿ काकारि (सम्) सं.—उल्लू ; काकासुर के शत्रु राम ।

(१) ಕಾಕಿ काकि (तद् ?) सं.—काक (तत्); कौआ ।

(२) ಕಾಕಿ काकि (सम्) सं—मादा कौआ ।

ಕಾಕಿಣಿ काकिणि (सम्) सं.—कौड़ी ; सिक्का विशेष जो चौथाई पण या २० कौड़ियों के बराबर होता है ; चौथाई माशा ; माप का एक अंश विशेष ।

(१) ಕಾಕು काकु (क) सं.—दे. ಕಾಂಕೆ ; प्याज़ बड़ी तीखी गंध ।

(२) ಕಾಕು काकु (सम्) सं.—वक्रोक्ति ; भय, शोक, क्रोध के समय की स्वर-विकृति ; अस्वीकारोक्ति जो इस प्रकार कहना कि सुननेवाले को स्वीकारोक्ति जान पड़े ; गुनगुनाहट ; ज़ोर देकर कहना ; बोली, बोलचाल का शब्द ; जिह्वा ।

ಕಾಕುದ काकुद (सम्) सं.—तालु ।

ಕಾಕುತ್ಸ್ಥ काकुस्थ (सम्) सं.—राम लक्ष्मण आदि ।

ಕಾಕೆ काके (तद् ?) सं.— कौआ ।

ಕಾಕೇಂದು काकेंदु (सम्) सं—एक प्रकार का कोविदार ।

ಕಾಕೋಡುಂಬರಿಕೆ काकोडुंबरिके (सम्) सं.— अंजीर, गूलर ।

ಕಾಕೋದರ काकोदर (सम्) सं.— साँप, सर्प ।—ಶಾಯಿ शायि (सम्) सं. — विष्णु, शेषशायी ।

ಕಾಕೋಲ काकोल (सम्) सं.— कौआ, काला कौआ ; शत्रुता, विरोध ; एक प्रकार का विष, ज़हर ; दावाग्नि । — ಧರ धर (सम्) सं.—शिवजी ।

ಕಾಕೋಲಿ काकोलि (सम्) सं.— एक प्रकार के पौधे का रस जो औषधि के रूप में काम में लाया ज़ाता है, स्वादु रस ।

ಕಾಗ काग (सम्) सं—कौआ ।

ಕಾಗಜ कागज, ಕಾಗದ (अ. दे.) सं.—कागज़ (फ़ारसी) ।

ಕಾಗಡಿ कागडि, ಕಾವಡಿ कावडि (क) सं.— ताक़ ; एक प्रकार का हिंडोला जो छत से नीचे की ओर लटकाया जाता है (मै. प्र.) पर्याहार, विवध, जुआठा ।

ಕಾಗಿ कागि (तद्?) कौआ । — ಕಣ್ಣು कण्णु (क) सं.— छोटी आँख जो कौए की आँख जैसी हो । ಬಣ್ಣ बण्ण (क) सं.— बिलकुल काला रंग ।

ಕಾಗಿದ कगिद, [ಕಾಗದ कागद] (अ.दे.) सं.— कागज़ (फारसी)

ಕಾಗು कागु (क) सं.— बिलकुल काला या नीला रंग ।

ಕಾಗುಣಿತ कागुणित (क) सं.— बारहखड़ी । ಕಾಗುಣಿತ ಬಾರದವನಿಗೆ ಕಾವ್ಯ ಹೇಳುವುದು ಹೇಗೆ ? कागुणित बारदवनिगे काव्य हेळुवुदु हेगे ?— जिसको बारहखड़ी मालूम नहीं उसको काव्य कैसे पढ़ावें ? (कह.) ।

ಕಾಗೆ कागे (तद्?) सं.— कौआ ; एक पौधा विशेष ।

ಕಾಚ काच, ಕಾಜು काजु, ಕಾಂಜು कांजु, ಕಾಸು कासु, ಗಾಜು, ಗಾಸ गास (तद्) सं.— दे. ಕಾಂಜು ; ताक़ ; एक नेत्ररोग ।

ಕಾಚಭೂಷಣ काचभूषण (सम्) सं.— चूड़ी ।

ಕಾಚಮಣಿ काचमणि (सम्) सं.= ಗಾಜುಮಣಿ गाजुमणि— काँच की मणि, स्फटिक ।

ಕಾಚವಲಯ काचवलय (सम्) सं.— दे. ಕಾಚಭೂಷಣ.

ಕಾಚಾ काचा (अ.दे.) सं.— काछ (हिं.), कूल्हे पर बांधने का कपड़ा ।

ಕಾಚಿ काचि, ಕಾಂಚಿ कांचि, ಕಾಮಂಚ कामंच, ಕಾಮಂಚಿ कामंचि, ಕಾವಂಚಿ कावंचि (क) सं.—दे. ಕಾಂಚಿ (१)- ಗಿಡ गिड (क) सं.— एक पौधा जिसमें छोटे-छोटे रसदार गोल (लाल या काले) फल फलते हैं ।

ಕಾಚು काचु (क) सं.— खदिरसार, कत्था ।

(१) ಕಾಜವಾರ काजवार, ಕಾಜಿವಾರ काजिवार, ಕಾಂಜಿರ कांजिर, ಕಾಸರ कासर, ಕಾಸರ್ಕ कासर्क, ಕಾಸರಿಕೆ कासरिके, ಕಾಸಾರಕ कासारक, ಕಾಸ್ರ कास्र (क) सं.— दे ಕಾಂಜಿರ.

(२) ಕಾಜವಾರ काजवार (तद्) सं.— कासारः (तत्) ; भैंसा ।

ಕಾಜಿ काजि (अ.दे.) सं.— क़ाज़ी (अरबी) ; फ़कीर ; जज, न्यायाधीश ।

ಕಾಜಿವಾರ काजिवार (क) सं. — दे. ಕಾಂಜಿರ.

ಕಾಜು काजु (तद्) सं.— काचः (तत्) ; काँच, शीशा ।

ಕಾಟ काट (क) सं.— कष्ट, पीड़ा, तंग करना, सताना ;= ಕಾಟಕ काटक, ಕಾಡು काडु— वनचर, शिकारी ; लाल मिर्च, तमाखू आदि की तीखी गंध ।

ಕಾಟಕ काटक (क) सं.— दे. ಕಾಟ ; तंग करने या सतानेवाला पुरुष ; लुटेरा (मै.प्र.) ; कष्ट, पीड़ा, सताना ।

ಕಾಟಕತನ काटकतन (क) सं.— सताना, पीड़ा देना ।

ಕಾಟಕಾಯ काटकाय, ಕಾಟಕಾಯಿ काटकायि, ಕಾಟಗಾಯಿ काटगायि (क) सं. लूट-मार, लूट ।

ಕಾಟಿ काटि (क) सं.— बाजरा विशेष ; बाजरे या रागी की काँजी(बाजरे या रागी को भूनकर आटा बनाया जाता है, उसमें मट्ठा डालकर पिया जाता है) ।

ಕಾಟು काटु (क) सं.—दाँत काटने का चिह्न, तलवार, चाकू आदि की चोट का चिह्न ।

ಕಾಟೆ काटे (क) सं.—दे. ಕಾಟ

ಕಾಠಿನ್ಯ काठिन्य (सम्) सं.— ಕಾಠಿಣ್ಯ काठिण्य (तद्) ; कठिनता, कठोरता कड़ापन, सख़्ती ; कष्ट तकलीफ़ ।

ಕಾಡ್ काड् ಕಾಡು काडु (क) सं.—जंगल, वन । ಕಾಡ್ಗಿಚ್ಚು काड्गिच्चु, ಕಾಡುಗಿಚ್ಚು काडुगिच्चु (क) सं.— दावाग्नि । ಕಾಡ್ಕೋಣ कड्कोण, ಕಾಡುಕೋಣ काडुकोण (क) सं.— जंगली भैंसा । क्रि.— सता, पीड़ा दे, कष्ट दे, तंग कर, दिक़ कर ; सख़्ती कर, अनादर कर ।

ಕಾಡ काड (क) वि.— जंगल का, वन का ।

ಕಾಡಗಿಚ್ಚು काडगिच्चु (क) सं.— दावाग्नि ।

ಕಾಡವೆ काडवे (क) सं.= (ಕಡವೆ कडवे) —एक प्रकार का बड़ा बारहसिंगा ।

ಕಾಡಾಡಿ काडाडि (क) सं. — जंगल का निवासी, चंचु नामक जाति के लोग ।

ಕಾಡಿ काडि (क) सं.—जंगल में रहनेवाली स्त्री, चंचु जाति की स्त्री ।

ಕಾಡಿಕೆ काडिके (क) सं.—सताना, पीड़ा देना, दिक् करना ; पीड़ा, सख्ती ।

ಕಾಡಿಗ काडिग (क) सं.—सतानेवाला, पीड़ा देनेवाला ; जंगल का निवासी ।

ಕಾಡಿಗೆ काडिगे (क) सं.—काजल, कज्जल ।

ಕಾಡಿಸು काडिसु (क) क्रि.—सता, दिक् कर ।

ಕಾಡು काडु (क) क्रि., सं. — दे. ಕಾಡ್ ; काला, कालापन ; स्याही· अंधकार ; बादल ।

ಕಾಡುಹ काडुह (क) सं.—दे. ಕಾಡಿಕೆ.

(१) ಕಾಡೆ काड़े (क सं.— दे. ಕಾಟ.

(२) ಕಾಡೆ काड़े (क) सं. — काढ़ा (हिं·) ; क्वाथ (Decoction))

(३) ಕಾಡೆ काड़े (तद्) सं. — काण्ड (तत्) ; तना, डंठल ।

ಕಾಣ್ काण् (क) क्रि.—देख, अवलोकन कर, दर्शन कर ; दिख, दिखाई पड़, प्रकट हो । ಕಾಣ್ಬರು काण्वरु (क) वि. — दिखनेवाला ; प्रकटित । ಕಾಣಬಹುದು काणबहुदु (क) क्रि. रू.—देखा जा सकता है । ಕಾಣಬಾಹ काण बाह (क) वि.—दिखाई पड़नेवाला, गोचर होनेवाला ಕಾಣಲ್ಬರ್ काणल्वर् (क) क्रि.— देख सक ; दिख।

(१) ಕಾಣ काण (क) सं.—वह जो देख नहीं सकता, अंधा ।

(२) ಕಾಣ काण (सम्) सं. —काना ; कौआ ।

(१) ಕಾಣಿ काणि (क) सं.—किसी सिक्के का १/६४ भाग ; २४ भू-परिमाण ; पुरस्कार, उपहार ; संपत्ति, अधिकार ।

(२) ಕಾಣಿ काणि (क?) सं — तराज़ू की असमता, तौल में कमी, समतोल करना ।

ಕಾಣಿಕೆ काणिके, ಕಾಣ್ಕೆ कण्के (क) सं— देखना, दृष्टि ; दर्शन ; उपहार, भेंट, उपायन ।

ಕಾಣಿಸು काणिसु (क) क्रि.— दिखा, दर्शन करा, प्रकट करा ; व्यक्त हो, प्रकट हो ; मन को गोचर हो ।

ಕಾಣು काणु (क) क्रि.— दे.ಕಾಣ್. ಕಾಣಗೊಡು काणगोडु (क) क्रि.— देखने दे ; दिखा । ಕಾಣಬರು काणबरु (क) क्रि.— दिखाई पड़, दृष्टि में आ, प्रकट हो । ಕಾಣು ಕಾಣು काणु काणु (क) क्रि.— देख ! देख !

ಕಾಣುವಿಕೆ काणुविके (क) सं.— देखना ; दिखाई पड़ना ।

ಕಾಣ್ಕೆ काण्के (क) सं.— दे. ಕಾಣಿಕೆ.

ಕಾಣ್ಮೆ काण्मे (क) सं.— बड़ी बहादुरी, बड़ी वीरता ।

ಕಾತರ कातर (सम्) वि.— भीरु, डरपोक ; उत्साहहीन, दुःखित, शोकान्वित, भीत ; व्याकुल, आकुल, घबड़ाया हुआ ।—ತೆ ते (सम्) सं.— विह्वलता, व्याकुलता ; भय ।

ಕಾತರಿ कातरि (अ.दे.) सं.—ख़ातिरी (अरबी); भरोसा· विश्वास, दृढ़ता ।

ಕಾತಳ कातळ (तद्) सं.— कातर (तत्) ; दे· ಕಾತರ.

ಕಾತಳಿಗ कातळिग (तद्) सं.— व्याकुल या भीत पुरुष ।

ಕಾತಿ काति (क) सं.— क्रोध, रोष ; नारियल की जटा जो रस्सी, चटाई आदि बनाने के काम में लायी जाती है, ऐसी रस्सी या डोरी ।

ಕಾತ್ಯಾಯನಿ कात्यायनि (सम्) सं.— दुर्गा· पार्वती ; मध्य वयस्का विधवा ।

ಕಾತ್ಯಾಯನಿಕೆ कात्यायनिके (सम्) सं. - दे. ಕಾತ್ಯಾಯನಿ.

ಕಾತ್ಯಾಯನೀಪುತ್ರ कात्यायनीपुत्र (सम्) सं.— गणेश ; कार्तिकेय ।

ಕಾದಂಬ कादंब (सम्) सं.— कलहंस ; कदंब वृक्ष, कदंब के फूल ।

ಕಾದಂಬಕ कादंबक (सम्) सं.— दे. ಕಾದಂಬ

ಕಾದಂಬರಿ कादंबरि (सम्) सं — कदंब के फूलों से खींची गई मदिरा, शराब ; बाणभट्ट का प्रसिद्ध संस्कृत गद्य-ग्रंथ ।

ಕಾದಂಬಿನಿ कादंबिनि (सम्) सं.— मेघमाला, बादलों की पंक्ति ।

ಕಾದಲ್ कादल् ಕಾದಲ್ಮೆ कादल्मे(क) सं.—प्रेम, स्नेह ।

ಕಾದಿ कादि (अ. दे.) सं.— खादी (हिं·) ।

ಕಾದಿಸು कादिसु (क) क्रि.— लड़ा, युद्ध कर, समर कर· जूझ ।

ಕಾದುಹ कादुह (क) सं.— युद्ध करना, युद्ध, लड़ाई ।

ಕಾದ್ರವೇಯ काद्रवेय (सम्) सं.— सांप, सर्प ।

(१) ಕಾನ कान (क) सं.— लड़कों का एक खेल (एक लड़का दूसरे के चरणों के पास कूदता है और इस प्रकार खेल होता है) ।

(२) ಕಾನ कान (तद्) सं.— कर्ण (तत्) ; ಕಾನಬಾವುಲಿ कानबावुलि (तद्) सं.— कानों की बालियाँ ।

ಕಾನಕ कानक (सम्) वि.— कनक का, सोने का ।

ಕಾನಗು कानगु (क) सं.— एक वृक्ष विशेष जिसकी लकड़ी उपयोगी होती है (Dalbergia arborea) ।

ಕಾನನ कानन (सम्) सं.— वन, जंगल ।—ಚರ चर (सम्) सं.— शिकारी, व्याध ।

ಕಾನೀನ कानीन (सम्) सं.— अविवाहिता स्त्री से उत्पन्न पुत्र ।

ಕಾನೂ कानू, ಕಾನೂನ कानून (अ·दे·) सं.— क़ानून (अरबी) ; क़ायदा, नियम, धर्म ।

ಕಾನೆ काने (अ· दे·) सं.— ख़ाना (फ़ारसी) ; घर, कमरा, विभाग ।

ಕಾನ್ಮಿಗ कान्मिग (क?) सं.— काननमृग, जंगली हिरन ।

ಕಾಪಟಿಕ कापटिक (सम्) वि — ('कपट' से) कपटी, झूठा, धोखेबाज़, अविश्वासी ; परनिर्भर ; चापलूस (मै·प्र·) ।

ಕಾಪಟ್ಯ कापट्य (सम्) सं.— कपट, धोखा, छल ।

ಕಾಪಥ कापथ (सम्) सं.— बुरा मार्ग, बुरी सड़क ।

ಕಾಪಾಟಿಕ कापाटिक (तद्) सं.— कार्पाटिक (तत्); धोखेबाज, कपटी; बाजीगर।

ಕಾಪಾಲಿಕ कापालिक (सम्) सं.— कपाल या खोपड़ी से संबंधित; संन्यासी; वामाचारी, एक उपसंप्रदाय (जो शैव- संप्रदाय के अंतर्गत है)— इस उप संप्रदाय के लोग अपने पास खोपड़ी रखते हैं और उसी में रींध कर या रखकर खाते हैं।

(१) ಕಾಪಿ कापि ಕಾಫಿ काफ़ि (अ.दे.) सं.— (Coffee) (अंग्रेज़ी). काफ़ी, कहवा।— ಗಿಡ गिड = कहवा का पौधा।

(२) कापि (अ. दे.) सं.— Copy (अंग्रेज़ी); नक़ल। — ಮಾಡು माडु (अ. दे.) क्रि.— नक़ल कर, उतार।

(३) ಕಾಪಿ कापि (क?) सं.— (कर्नाटक) राग का नाम।

ಕಾಪಿಶಾಯನ कापिशायन (सम्) सं.— एक प्रकार की मदिरा, शराब।

ಕಾಪು कापु, ಕಾಹು काहु (क) सं.— रक्षा, रक्षण, रक्षास्थिति, चौकसी; बच्चे के जन्म के सातवें दिन मनाया जानेवाला 'रक्षा' का चिह्न; (दृष्टिदोष से बचाने के लिए) बच्चों के एक गाल या दोनों गालों पर लगाया जानेवाला काजल का चिह्न।

ಕಾಪುತ್ರ कापुत्र (सम्) सं.— बुरा पुत्र, बुरा बेटा, कपूत।

ಕಾಪುರುಷ कापुरुष (सम्) सं.— भीरु, डरपोक, तुच्छ या नीच पुरुष।

ಕಾಪೇಯ कापेय (सम्) सं.— बंदर के उपाय और कृत्य।

ಕಾಪೋತ कापोत (सम्) वि.— भूरे धुमैले सफ़ेद रंग का। सं.— भूरा रंग; रोडा, पोटास आदि, खट्टापन हटाने का पदार्थ, सज्जी-खार; सु.रा।

ಕಾಪೋತಾಂಜನ कापोतांजन (सम्, सं.— आँख में लगाने का सुरमा।

ಕಾಬಾ काबा (क) वि.— दे. ಕಾಂಬ.

ಕಾಬಳತೆ कावळते (क) सं.— व्याकुलता, घबराहट, मन में आंदोलन, चिंता, गड़बड़ी।

ಕಾಬ್ಯ काव्य (तद्) सं.— काव्य (तत्)।

ಕಾಮ काम (सम्) सं.— कामना, अभिलाषा; अभिलषित पदार्थ, प्रेम, स्नेह; पुरुषार्थ विशेष; कामदेव, प्रद्युम्न; कामुकता, मैथुनेच्छा। ಕಾಮಣ್ಣ कामण्ण (सम्) सं.—कामदेव। ಕಾಮನಬಿಲ್ಲು कामनबिल्लु (सम्) सं.—इन्द्र धनुष। ಕಾಮನ ಹುಣ್ಣಿಮೆ कामन हुण्णुमे (सम्) सं.— फाल्गुण मास की पौर्णिमा, होली। ಕಾಮಕರ कामकर (सम्) सं.— अपनी कामना के अनुसार करना; गर्व, अहंभाव। ಕಾಮಕಸ್ತೂರಿ कामकस्तूरि (सम्) सं — तुलसी पौधा विशेष। ಕಾಮಕೂಟ कामकूट (सम्) सं.— व्यभिचार, वेश्यावृत्ति। ಕಾಮಗಾಮಿ कामगामि (सम्) सं.— अपनी इच्छानुसार करनेवाला। ಕಾಮಚಾರಿ कामचारि (सम्) सं.— दे. ಕಾಮಗಾಮಿ. ಕಾಮಜ कामज (सम्) सं.—काम से उत्पन्न, अनिरुद्ध। ಕಾಮಜನಕ कामजनक (सम्) सं.—कृष्ण, विष्णु। ಕಾಮಜ್ವರ कामज्वर (सम्) सं.—प्रेम ज्वर, विरहताप। ಕಾಮತಂತ್ರ कामतंत्र (सम्) सं.— कामशास्त्र, प्रेम-कला। ಕಾಮದ कामद (सम्) वि.— अभिलाषा पूर्ण करनेवाला। ಕಾಮದಹನ कामदहन (सम्) सं. = ಕಾಮನ ಸುಡುವುದು कामन सुडुवुदु — काम को जलाना, होली त्योहार के समय लकड़ी को जलाना। ಕಾಮದುಘ कामदुघा, ಕಾಮದುಹ कामदुह (सम्) सं.— कामधेनु। ಕಾಮಧೇನು कामधेनु (सम्) सं.— गाय, सभी कामनाएँ पूर्ण करनेवाली गाय। ಕಾಮಪತ್ನಿ कामपत्नि (सम्) सं.—रति, काम की स्त्री। ಕಾಮಪಾಲ कामपाल (सम्) सं.— बलराम। ಕಾಮಪ್ರಧ್ವಂಸಿ कामप्रध्वंसि, ಕಾಮಧ್ವಂಸಿ कामध्वंसि (सम्) सं.— शिव। ಕಾಮಭಕ್ಷ कामभक्ष (सम्) सं. — सब कुछ खा जानेवाला। ಕಾಮರಿಪು कामरिपु (सम्) सं.— कामदेव का शत्रु, शिव। ಕಾಮರೂಪ कामरूप (सम्) सं.— इच्छित रूप धारण करनेवाला। ಕಾಮವಾದ कामवाद (सम्) सं.— विनोद की बात, स्वेच्छा से कुछ भी कहना। ಕಾಮವಿಕಾರ कामविकार (सम्) सं.— अस्वाभाविक इच्छा, कामुकता।

ಕಾಮವೈರಿ कामवैरि, ಕಾಮಹರ कामहर (सम्) सं.— शिव।

ಕಾಮಗಾರಿ कामगारि (अ. दे.) सं. — काम-काज (हिं.); काम, कारीगरी; मरम्मत।

ಕಾಮಂಚ कामंच, ಕಾಮಂಚಿ कामंचि (क) सं.—दे. ಕಾಂಚಿ (१)।

ಕಾಮಣಿ कामणि, ಕಾಮನಿ कामनि; ಕಾಮಾಲೆ कामले (क) सं—पांडुरोग, कामला रोग।

ಕಾಮನ कामन (सम्) वि. — इच्छा करने वाला।

ಕಾಮಯಿತೃ कामयितृ (सम्) वि. —इच्छा करनेवाला, रसिक; लंपट।

ಕಾಮಲೆ कामले (क) सं.—दे. ಕಾಮಣಿ.

ಕಾಮಾಕ್ಷಿ कामाक्षि (सम्) सं.—दुर्गा, कांची की कामाक्षी देवता; एक प्रकार का कमल।

ಕಾಮಾಂಕುಶ कामांकुश (सम्) सं.—हाथ की उंगली का नख।

ಕಾಮಾಂಗ कामंग (सम्) सं. — आम का वृक्ष; एक वृत्त का नाम; मदिरा, शराब।

ಕಾಮಾಟ कामाट, ಕಾಮಾಟಿ कामाटि (अ. दे.) सं.—श्रम, मज़दूरी, काम।

ಕಾಮಾಟಿಕೆ कामाटिके (अ. दे.) सं.—मज़दूरी श्रम।

ಕಾಮಾತುರ कामातुर (सम्) सं.—काम या प्रेम से पीड़ित व्यक्ति, अपनी इच्छा को पूर्ण करने में तत्पर। ಕಾಮಾತುರಿ कामातुरी— स्त्री. लिं.।

ಕಾಮಾಂತಕ कमांतक (सम्) सं —शिव.

ಕಾಮಾಂಧ कामांध (सम्) सं. — काम या प्रेम का अंधा।

ಕಾಮಾರ್ತ कामार्त (सम्) सं.— कामपीड़ित, प्रेमविह्वल।

ಕಾಮಾಲೆ कामाले (क) सं.— ಕಾಮಣಿ.

ಕಾಮಾಸ್ತ್ರ कामास्त्र (सम्) सं.— काम बाण।

ಕಾಮಿ कामि (सम्) वि.— कामुक, कामी, रसिक; अभिलाषी, इच्छुक; स्त्रैण।

ಕಾಮಿಣಿ कामिणि, ಕಾಮಿಣೀ कामिणी (क) सं. दे. ಕಾಮಣಿ.

ಕಾಮಿತ कामित (सम्) वि.— इच्छित, अभिलषित। सं. — इच्छा

अभिलाषा ।

ಕಾಮಿತಾರ್ಥ कामितार्थ (सम्) सं.—इच्छित वस्तु ।

ಕಾಮಿನಿ कामिनि (सम्) सं.—प्यार करनेवाली स्त्री, सुंदर स्त्री ; स्त्री ; भीरु स्त्री ।

ಕಾಮು कामु, ಕಾಂವು कांवु, ಕಾವು कावु (क) सं.—दे० ಕಾಂವು.

ಕಾಮುಕ कामुक (सम्) सं.— अभिलाषी, चाह करनेवाला, ऐयाश ; लंपट पुरुष ।

ಕಾಮುಕಿ कामुकि (सम्) सं.—अभिलाषा या चाह करनेवाली स्त्री, वेश्या ।

ಕಾಮುಕೆ कामुके (सम्) सं.—किसी वस्तु (खाना, पैसा आदि) की कामना करनेवाली ।

ಕಾಮೋದ್ಭವ कामोद्भव (सम्) सं.—प्रेम से उत्पन्न ; एक वृत्त का नाम ।

ಕಾಮ್ಯ काम्य (सम्) वि.—वांछनीय ; अच्छा, सुंदर, मनोहर ; ऐच्छिक । सं.—अभिलाषा, इच्छा ।

ಕಾಮ್ಯದಾನ काम्यदान (सम्) सं. — वांछित वस्तुओं को देना, स्वीकार करने योग्य उपाहार या भेंट ।

ಕಾಮ್ಯಾರ್ಥ काम्यार्थ (सम्) सं. — विशेष प्रकार का लाभ जिसकी पूर्ति की कामना की जाती है ।

ಕಾಯ್ काय् (क) क्रि.—फल उत्पन्न हो, फललग, फल फल; फल पक्व हो;=ಕಾಯು—कायु—गरम हो, गरम किया जा, जलकर लाल हो ; क्रुद्ध हो ; आंखें लाल कर; ಕಾ का, ಕಾಯಿ कायि, ಕಾಯು कायु —रक्षण कर, बचा, रक्षा कर । सं.=ಕಾಯ काय, ಕಾಯಿ कायि, ಕಾಯು कायु — कच्चा फल, पक्व फल ; बोंड़ी, फली ; चौसर के खेल में उपयोगी छोटे-छोटे टुकड़े ; कड़ापन; सख्ती ।

(१) ಕಾಯ काय (क) सं.—दे. ಕಾಯ್.

(२) ಕಾಯ काय (सम्)—शरीर, देह ; समुदाय, समारोह ; पेड़ का धड़ या तना ; पूंजी, मूलधन, घर ; डेरा, तारों को छोड़कर वीणा का समस्त काठ का ढाँचा ; स्वभाव ; चिह्न ।

ಕಾಯಂ कायं (अ. दे.) वि.—स्थिर, निश्चित, स्थापित, (क़ायम—अरबी) ।

ಕಾಯಕ कायक (सम्) वि. — शरीर से संबंधित, शरीर संबंधी, शरीर से किया जानेवाला। सं. — काम, पेशा, नौकरी ; अभ्यास, उद्योग ; आचार; नियम ।

ಕಾಯಜ कायज (सम्) सं.— शरीर में उत्पन्न ; पुत्र ; काम, मदन । — ಪಿತ पित (सम्) सं. — श्रीकृष्ण (विष्णु) ।

ಕಾಯಜಾತ कायजात (सम्) सं. — काम, मन्मथ ।

ಕಾಯಜಾಂತಕ कायजांतक ಕಾಯಜಾರಿ कायजारि (सम्) सं.— शिव ।

ಕಾಯತ कायत (तद्) सं.— दे. ಕಾಯಸ್ಥ.

ಕಾಯಭವ कायभव (सम्) सं.— मदन, मन्मथ । — ರಿಪು रिपु (सम्) सं.— शिवजी ।

ಕಾಯಸ್ಥ कायस्थ (सम्) सं.— ಕಾಯತ कायत (तद्)— मुनीमी करनेवाला व्यक्ति, लेखक, हिसाब लिखनेवाला, मुनीम; मुनीमी करनेवाले ब्राह्मणों की एक उपजाति ।

ಕಾಯಿ कायि (क) सं., क्रि.— दे. ಕಾಯ್. —ಕಡುಬು कडुबु (क) सं.— एक प्रकार की खाने की चीज़ (इडली) जिसके अंदर गुड़ और नारियल रखा जाता है । — ಪಲ್ಯ पल्य, ಪಲ್ಯೆ पल्ये (क) सं.— तरकारी, भाजी-तरकारी । — ಹಾಲು हालु (क) सं.— नारियल का रस (क्षीर) । — ಹಣ್ಣು हण्णु (क) सं. — नारियल और केले ।

ಕಾಯಿಕಾವೃದ್ಧಿ कायिकावृद्धि (सम्) सं.— पूँजी या धरोहर से प्राप्त सूद या व्याज ; वह सूद या व्याज जो किसी धरोहर रखे हुए का उपयोग करने के बदले प्राप्त हो ।

ಕಾಯಿಕೆ कायिके (क) सं.— रक्षण, रक्षा, देखरेख, बचाना, चौकसी ।

ಕಾಯಿದೆ कायिदे (अ. दे.) सं. = ಕಾಯದೆ कायदे—क़ायदा (अरबी); नियम, क्रम, विधान, व्यवस्था ।

ಕಾಯಿಲೆ कायिले (अ. दे.) सं.— काहिली (अरबी) ; रोग, अस्वस्थता, बीमारी ।

ಕಾಯಿಸು कायिसु (क) क्रि.= ಕಾಸು कासु—गरम कर, उबाल ; रक्षण करा, रक्षा करा, चौकसी करा ; प्रतीक्षा करने दे (प्रे.) ।

ಕಾಯು कायु (क) क्रि.— दे. ಕಾಯ್

ಕಾಯ್ಪು काय्पु (क) सं.= ಕಾವು कावु, ಕಾಹು काहु—गरमी, उष्णता, ताप ; क्रोध, रोष । ಕಡುಕಾಯ್ಪು कडुकाय्पु— अत्यधिक क्रोध । ಕಾಯ್ಪಿಡಿ काय्पिडि (क) क्रि.— क्रोध अधिक हो ।

ಕಾಯ್ಯ काय्य (तद्) सं.— दे. ಕಾಯ.

ಕಾರ್ कार् (क) वि.दे.— काला । ಕಾರಿಡು कारिडु (क) क्रि.— काला हो । ಕಾರಿರುಳ್ कारिरुळ् (क) सं.— काली रात्रि, अंधकारपूर्ण रात । ಕಾರೆಳ್ಳು कारेळ्ळु (क) सं.— शरीर पर का छोटा काला चिह्न, पहचान का चिह्न । ಕಾರೊಡಲ कारोडल (क) सं.— काला शरीरवाला, कृष्ण। सं.— कालापन ; बादलों का आगमन, वर्षाकाल, बरसात का समय । ಕಾರ್ಮುಗಿಲ್ कार्मुगिल् (क) सं.— वर्षाकाल के बादल । क्रि.— बरस, वर्षा कर ; वमन कर, ओक ; दाँतों से काट खा ।

(१) ಕಾರ कार (तद्) सं.— क्षार (तत्) ; तीखापन, मिर्च का तीखापन ; तीखा पदार्थ ; तीखी ; दवा ; सोड़ा, पोटाश आदि ; जलानेवाली वस्तु ; क्रोध, गुस्सा ।

(२) ಕಾರ कार (सम्) सं.— (ಕಾಱ कार — (तद्) — समासांत में यह शब्द लगता है जिसका अर्थ है— करनेवला, बनानेवाला, संपादन करनेवाला आदि ; जैसे ಕುಂಭಕಾರ कुंभकार=कुम्हार, ಗ್ರಂಥಕಾರ ग्रंथकार= किसी पुस्तक का रचयिता, लेखक ; अक्षरों की ध्वनि का सूचक, जैसे — ಅಕಾರ अकार, ಮಕಾರ मकार आदि ;= ಕಾರಾ कारा— बंधन, जेलखाना, बंदीगृह ।

ಕಾರಕ कारक (सम्) त्रि. — करनेवाला, बनानेवाला सं.—वह जो कुछ बनाता या उत्पन्न करता है; प्रतिनिधि, कारिंदा, मुनीम; (व्याकरण में) कारक, जो वाक्य में क्रिया के साथ संज्ञा का संबंध सूचित करता है ।—ದೀಪಕ दीपक (सम्)

सं.— एक प्रकार का दिया।

ಕಾರಕೂನ कारकून (अ.दे.) सं.— कारकुन (फ़ारसी); मुनीम; चूंगी वसूल करनेवाला (मै.प्र.)।

ಕಾರಖಾನೆ कारखाने, ಕಾರಖಾನೆ कारखाने, ಕಾರ್ಖಾನೆ कार्खाने— (अ.दे.) सं.— कारखाना (फ़ारसी)।

ಕಾರಗೃಹ कारगृह (तत्); जेल, बंदीखाना।

ಕಾರಗೆ कारगे (क) सं.— दे. ಕವಳ.

ಕಾರಂಜಿ कारंजि (क?) सं.— फुव्वारा, सोता।

ಕಾರಣ कारण (सम्) सं.— कारण, हेतु, वजह; साधन, ज़रिया; उत्पादक कर्त्ता, जनक; तत्त्व; देवता; पिता; इंद्रिय; शरीर; चिह्न; टीप, प्रमाण; आधिकार किसी नाटक की मूल घटना; मारना, वध करना; आघात करना, चोट करना पीड़ा, क्लेश— ಪುರುಷ पुरुष (सम्) सं.— महापुरुष, देवता, वह पुरुष जो किसी कार्य का मूल हो। — ಪುರುಷರತ್ನ पुरुषरत्न (सम्) सं.— महापुरुषों में रत्न। — ಯೋಗಿ योगि (सम्) सं.— महायोगी, वह योगी जिसको प्राधान्य दिया जा सके।

ಕಾರಣಾಂತ कारणांत (सम्) अ.— विना कारण के, अकस्मात्, आकस्मिक रूप से, अचानक।

ಕಾರಣಾಂತರ करणांतर (सम्) सं.— अन्य कारण या उद्देश्य।

ಕಾರಣಿಕ कारणिक (सम्) सं.— परीक्षक, जाँच करनेवाला; नैमित्तिक; क्रिया, व्यापार।

ಕಾರಣೆ कारणे (सम्) सं.— घर की दीवरों के निचले भाग पर लाल रंग से (अलंकार के लिए) खींची गई रेखा।

ಕಾರಣ कारण (तद्) सं.— कारण (तत्); पीड़ा, क्लेश।

ಕಾರಂಡ कारंड, ಕಾರಂಡವ कारंडव (सम्) सं.— एक प्रकार की बतख़।

ಕಾರಭಾರ कारभार (अ. दे.) सं.— कारोबार (फ़ारसी); व्यापार, व्यवहार।

ಕಾರಭಾರಿ कारभारि (अ. दे.) सं.— व्यापारी; प्रबंधक।

ಕಾರಂಭೆ कारंभे (सम्) सं.— प्रियंगु वृक्ष।

ಕಾರವ कारव (सम्) सं.— कौआ, काक।

ಕಾರವಿ कारवि, ಕಾರಿವಿ कारिवि, ಕಾರುವೆ कारुवे (अ.दे.?) सं.— एक प्रकार का लाल कपड़ा।

ಕಾರಸಿಕೆ कारसिके, ಕಾಸರಿಕೆ कासरिके (क) सं.— एक प्रकार का खीरा या ककड़ी।

ಕಾರಸೆ कारसे (क) सं.— दवा के काम में आनेवाला आलू या धतूरे की जाति का पौधा (The Plant Solanum)।

ಕಾರಾಗಾರ कारागार, ಕಾರಾಗೃಹ कारागृह (सम्) सं.— दे. ಕಾರಗೃಹ.

ಕಾರಾಚ काराच (सम्) सं.— दे. ಕರಜ.

ಕಾರಾಂಜಿ कारांजि (क?) सं. — दे. ಕಾರಂಜಿ.

ಕಾರಾವರ कारावर (सम्) सं.— एक संकर जाति का पुरुष; नीच जन्मा [ಗವರಿಗ गवरिग (तद्)]।

ಕಾರಿ कारि (क) सं.— फटी ज़मीन, वह भूमि जो पानी के बहाव के कारण छिछिली बनी हो; खाड़ी; नदी का छिछला भाग जो हलकर पार किया जा सके; बादलों का आगमन, वर्षाकाल।

ಕಾರಿ कारि (सम्) वि.— करनेवाला, बनानेवाला, कारणभूत। सं.— कर्म, क्रिया कलाकार, कारीगर; यंत्रज्ञ; अभिनेता, नट।

ಕಾರಿಕೆ कारिके, (सम्) सं.— [ಕಾಱಿಕೆ कारिके, ಗಾಱಿಕೆ गारिके-तद्]— (कार्य) करनेवाली या अभिनय करनेवाली, नटी; कारोबार, व्यापार, व्यवसाय; व्याख्यान; टिप्पणी,।

ಕಾರಿಣಿ कारिणि, ಕಾರಿಣೀ कारिणी (सम्) वि.— करनेवाली, बनानेवाली।

ಕಾರಿಯ करिय (तद्) सं.— कार्य (तत्)।

ಕಾರಿವಿ कारिवि (अ. दे.?) सं.—दे. ಕಾರವಿ.

ಕಾರೀಷ कारीष (सम्) सं.— उपलों का ढेर।

ಕಾರು कारु (क) क्रि., सं.— दे. ಕಾರ್. संड़सी, चिमटा, कंकमुख।

ಕಾರು कारु (सम्) सं.— कर्त्ता, करनेवाला कलाकार, कारीगरी।

(१) ಕಾರುಕ कारुक (सम्) सं.— कारीगर, कलाकार, यंत्रज्ञ।

(२) ಕಾರುಕ कारुक (क) सं.— काला आदमी।

ಕಾರುಕೃತ್ಯ कारुकृत्य (सम्) सं.— कारीगरी।

ಕಾರುಖಾನೆ कारुखाने (सम्) सं.— दे. ಕಾರಖಾನೆ.

ಕಾರುಣಿಕ कारुणिक (सम्) सं.— कोमल हृदयवाला, दयालु, करुणाकर।

ಕಾರುಣ್ಯ कारुण्य (सम्) सं.— करुणा, दया। — ನಿಧಿ निधि, ಸಾಗರ सागर, ಸಿಂಧು सिंधु (सम्) सं.— दयासागर, अत्यंत दयालु।

ಕಾರುಬಾರಿ कारुबारि (अ. दे.) सं.—दे. ಕಾರಭಾರಿ.

ಕಾರುಬಾರು कारुबारु (अ. दे.) सं.—दे. ಕಾರಭಾರ.

ಕಾರುವೆ कारुवे (अ. दे.?) सं.—दे. ಕಾರವಿ.

(१) ಕಾರೆ कारे (क) सं.— तिक्तकी नामक पौधा (The Spinous shrub webera Tetandra)।

(२) ಕಾರೆ कारे (सम्) सं.- जेल, बंदीगृह; पीड़ा, क्लेश, कष्ट; सोने का कंठाभरण विशेष।

(३) ಕಾರೆ कारे (तद्) सं.— कार्य (तत्)।

ಕಾರೆಗಾರ कारेगार (अ. दे.) सं.— कारीगर, काम करनेवाला।

ಕಾರೋತ್ತರ कारोत्तर (सम्?) सं.— खमीरा, शराब का फेन, झाग।

ಕಾಱ್ कार् (क) क्रि.—ओक, वमन कर, उलटी कर।

ಕಾಱ कार (तद्) सं.— दे. ಕಾರ; ಕಾಱಿ कारि – स्त्री. लिं.।

ಕಾಱಿಕೆ करिके (क) सं.— उलटी, ओकाई।

ಕಾಱಿಕೆ कारिके (तद्) सं.— दे. ಕಾರಿಕೆ.

ಕಾಱಿಸು कारिसु (क) क्रि.— वमन करा; प्रत्यर्पण करा (प्रे.), छिनी हुई वस्तु को ले।

ಕಾಱು कारु (क) क्रि.— दे. ಕಾಱ್. सं.— ओकाई, वमन; हल की धार, फार।

ಕಾಱುಹ कारुह (क) सं.— वमन, उलटी।

ಕಾರ್ಕಶ್ಯ कार्कश्य (सम्) सं.— कर्कशता, कठोरता, सख्ती, मोटापन, कड़ापन।

ಕಾರ್ಖಾನೆ कर्खाने (अ. दे.) सं.— दे. ಕಾರ ಖಾನೆ.

ಕಾರ್ಗಾಲ कार्गाल (क) सं.— बरसात का मौसम, वर्षा-काल ।

ಕಾರ್ಚಿ कार्चि (क) सं.— एक लता विशेष (Memordica dioica) ।

ಕಾರ್ತನ कार्तन [ಕಾರತನ कारतन] (तद्) सं.— करना, क्रिया, व्यवहार ।

ಕಾರ್ತವೀರ್ಯ कार्तवीर्य (सम्) सं.— हैहयराज कृतवीर्य का पुत्र जिसको सहस्रबाहु भी कहते हैं ; एक जैन-चक्रवर्ती ।

ಕಾರ್ತಸ್ವರ कार्तस्वर (सम्) सं.— सोना, सुवर्ण ।

ಕಾರ್ತಾಂತಿಕ कार्तांतिक (सम्) सं.—ज्योतिषी, भविष्य कहनेवाला ।

ಕಾರ್ತಿ कार्ति (सम्) सं.= ಕಾತಿ काति, ಗಾತಿ गाति, ಗಾರ್ತಿ गार्ति, ಕಾಱಿ कारि-- (समासांत में) करनेवाली, बनानेवाली आदि ।

ಕಾರ್ತಿಕ कार्तिक, ಕಾತ್ತಿಕ कात्तिक (सम्) सं.— कार्तिक मास ; स्कंद की उपाधि ।

ಕಾರ್ತಿಕಿಕ कर्तिकिक (सम्) सं.—दे. ಕಾರ್ತಿಕ.

ಕಾರ್ತಿಕೇಯ कार्तिकेय (सम्) सं.— स्कंद, शिवपुत्र ।

ಕಾರ್ತಿವೀರ್ಯ कार्तिवीर्य (सम्) सं.— दे. ಕಾರ್ತವೀರ್ಯ.

ಕಾರ್ತ್ಸ್ನ್ಯ कार्त्स्न्य (सम्) सं.— ('कृत्स्न' से), पूर्णता, पूरा-पूरा ।

ಕಾರ್ಪಟಿಕ कार्पटिक (सम्) सं.— तीर्थयात्री, तीर्थजलों को ढोकर आजीविका कमानेवाला ।

ಕಾರ್ಪಣ್ಯ कार्पण्य (सम्) सं.— दरिद्रता, धनहीनता ; अनुकंपा, दया, सहानुभूति के योग्य स्थिति, सहानुभूति ; कंजूसी ; शक्तिहीनता, निर्बलता ।

ಕಾರ್ಪಾಸ कार्पास (सम्) सं.— रूई से बनी चीज़, रूई, सूत का कपड़ा । — ಚಾಪ चाप (सम्) सं.—रूई धुनने का धनुष ।-ಶೋಧನ शोधन (सम्) सं.— रूई धुनना ।

ಕಾರ್ಪಾಸಿ कार्पासि, ಕಾರ್ಪಾಸಿಕ कार्पासिक(सम्) सं.— कपास का पौधा ।

ಕಾರ್ಮಣ कार्मण (सम्) सं.— किसी कार्य को पूरा करना ; जादू, तंत्र विद्या ।

ಕಾರ್ಮುಕ कार्मुक (सम्) सं.— धनुष, कमान । — ಕೋಟಿ कोटि (सम्) सं.— धनुष का अग्र भाग ।

ಕಾರ್ಮುಗಿಲ್ कार्मुगिल् (क) सं.— काले-काले बादल, वर्षाकाल के बादल ।

ಕಾರ್ಯ कार्य (सम्) सं. — काम, व्यवसाय, कर्तव्य कर्म ; पेशा, उद्योग, व्यापार उद्देश्य, हेतु, कारण, मूल, प्रयोजन ; आवश्यकता, अपेक्षा । ಕಾರ್ಯ ಬಂದರೆ ಕತ್ತೆ ಕಾಲು ಕಟ್ಟು ! कार्य बंदरे कत्ते कालु कट्टु ! — काम पड़े तो गधे के चरण भी पकड़ो!(कह.) । ಕಾರ್ಯಸಾಧಿಸು कार्यसाधिसु (सम्) क्रि.— कार्य-साधना कर, काम पूरा कर । ಕಾರ್ಯ ಸಿದ್ಧಿಸು कार्य सिद्धिसु (सम्) क्रि.— काम सफल हो ।

ಕಾರ್ಯದಕ್ಷ कार्यदक्ष (सम्) सं.— कुशल कार्यकर्ता, काम करने में पटु ।

ಕಾರ್ಯಧಾರೆ कार्यधारे (सम्) सं.— व्यवहार-विधि ।

ಕಾರ್ಯಧುರಂಧರ कार्यधुरंधर (सम्) सं.— वह जो अपने काम में प्रवीण हो ।

ಕಾರ್ಯಭಾಗ कार्यभाग (सम्) सं.— योग्य काम ।

ಕಾರ್ಯವಿಘಾತ कार्यविघात (सम्) सं.—काम में बाधा या विघ्न, प्रतिबंध ।

ಕಾರ್ವಾ कार्वा (अ. दे.) सं.—(कारवाँ-फ़ारसी) —एक प्रकार का छोटा घोड़ा, टट्टू ।

ಕಾರ್ಷಾಪಣ कार्षापण, ಕಾರ್ಷಿಕ कार्षिक (सम्) सं.— चाँदी का सिक्का जो सोरह कौड़ी के बराबर होता है ; ताँबे का सिक्का जो अस्सी 'कौड़ी' के बराबर होता है ।

ಕಾರ್ಷ್ಣಿ कार्ष्णि (सम्) सं.— श्रीकृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न ।

(१) ಕಾಲ್ काल्, ಕಾಲು कालु (क) सं.— पैर, पद; चरण ; गूँथे हुए बाल या चोटी ; रस्सी के बाल (भाँज) ; १/४ (एक-चौथाई भाग), पाव ; =ಕಾಲಿವೆ कालिवे, ಕಾಲುವೆ कालुवे, ಕಾಲ್ವೆ काल्वे ಕಾವಲೆ कावले—नाल, नहर, (स्रोत, छोटी नदी) । ಕಾಲಕಡಗ काल कडग (क) सं.–शिंजिनी, छल्ला । ಕಾಲಂಗುಲಿ कालंगुलि (क+सम्) सं.--पैर की उंगली । ಕಾಲುಹುಗಳು कालुहुगळु (क) सं.— पैर की बेवाई । ಕಾಲಾಟ कालाट (क) सं.— पैरोंकी गति ; चलना, चाल । ಕಾಲಾಳು कालाळु (क) सं.— पदाति । ಕಾಲಿಕ್ಕು कालिक्कु, ಕಾಲಿಡು कालिडु (क) क्रि.— क़दम रख, क़दम बढ़ा, चल ; प्रवेश कर । ಕಾಲಿಲ್ಲದವನು कालिल्लदवनु (क) सं.— लंगड़ा ; (ಕಾಲಿಲ್ಲದವಳು कालिल्लदवळु-(स्त्री. लिं.) । ಕಾಲುಂಗುರ कालुंगुर (क) सं.— पैर की उंगलियों में पहनने का छल्ला या अंगुष्ठ । ಕಾಲ್ಕುಪ್ಪಳಿಸು कल्कुप्पळिसु (क) क्रि.— दोनों पैर एक साथ मिलाकर कूद । ಕಾಲ್ಕುಪ್ಪಸ काल्कुप्पस (क) सं.--पायजामा । ಕಾಲ್ಗಡ कालगड (क) सं.— नदी का छिछला भाग जो हलकर पार किया जा सके (मै. प्र.) । ಕಾಲ್ಗೆಡು काल्गेडु (क) क्रि.— पैरों का बल खो, डर । ಕಾಲ್ತುದಿ काल्तुदि, ಕಾಲ್ದುದಿ काल्दुदि, (क) सं. — पैर की नोक, या अग्रभाग । ಕಾಲ್ತುಳಿ काल्तुळि (क) क्रि.—पैरों से दबा, कुचल ; कठोर व्यवहार कर । ಕಾಲ್ಬಳೆ कालबळे (क) सं.—पैर में पहनने का वलय, छल्ला ।

(२) ಕಾಲ್, ಕಾಲು कालु (तद्) सं. — काल (तत्); समय, मौक़ा, अवसर ; हेतु ।

(१) ಕಾಲ काल (सम्) सं.—समय, वक्त, उपयुक्त समय, ठीक समय, अवसर ; युग ; ऋतु ; मौसम ; जीवन-काल ; पक्ष, आधा महीना ; मृत्यु, मृत्यु का समय, यम, अंतक, फल, परिणाम ; भाग्य ; नेत्र का काला भाग, गोलक ; अग्रता, रौद्रता, भय ; साहस, बल, धैर्य (व्याकरण में) क्रिया का काल ; समय की माप ; भगवान् शिव ; शनिग्रह । ಕಾಲ ಕಳೆ काल कळे (सम्) क्रि.—समय बिता, समय व्यर्थ कर । ಕಾಲವಾಗು कालवागु (क) क्रि.—मर, मृत हो, चल बस ।

(२) ಕಾಲ काल (सम्) वि.—काला, काले रंग का । ಕಂಠ कंठ (सम्) सं.—मोर ; गौरे या,

शिवजी ।—ಕರ್ಣಿಕಾ कर्णिका, ಕರ್ಣಿ कर्णी (सम्) सं.—दुर्भाग्य, विपत्ति । सं—विष्णु; शिव ; ब्रह्मा , दक्ष (ब्रह्मा) ; राजकुमार ; एक राजकुमार का नाम ; उन्नाव, फेनिल ; सर्पविशेष ।

ಕಾಲಕ कालक (सम्) सं.—कलेजा, यकृत ; शरीर पर का काला धब्बा या चिह्न ।

ಕಾಲಕಂಧರ कालकंधर (सम्) सं. —शिव, रुद्र ।

ಕಾಲಕರ್ಮ कालकर्म (सम्) सं.—मृत्यु ।

ಕಾಲಕಾಲ कालकाल (सम्) सं.—मृत्यु के लिए मृत्यु, मृत्युंजय, शिव ।

ಕಾಲಕೂಟ कालकूट (सम्) सं.—एक भयंकर विष, हालाहल ।—ಗ್ರೀವ ग्रीव (सम्) सं.—नीलकंठ, शिव ।

ಕಾಲಕ್ರಿಯಾಮಾನ कालक्रियामान (सम्) सं.—(संगीत में) समय की अवधि का माप ।

ಕಾಲಕ್ಷೇಪ कालक्षेप (सम्) सं. — समय बिताना, समय नष्ट करना ; विलंब, देरी ।

ಕಾಲಖಂಡ कालखंड (सम्) सं. —हृदय, लीवर (Liver) ।

ಕಾಲಗತಿ कालगति (सम्) सं.—समय या युग की परिस्थिति ; समय का बीत जाना ।

ಕಾಲಚಕ್ರ कालचक्र (सम्) सं.—समय का पहिया, युग ।

ಕಾಲಜಿತ್ कालजित्, ಕಾಲಜಿತು कालजितु (सम्) सं.—शिव ; राम ।

ಕಾಲಜ್ಞ कालज्ञ (सम्) सं.— उचित समय या अवसर जाननेवाला, ज्योतिषी ; रसोइया ।

ಕಾಲಜ್ಞಾನ कालज्ञान (सम्) सं.—समय का ज्ञान, परिस्थितियों का ज्ञान ।

ಕಾಲತ್ರಯ कालत्रय (सम्) सं. —भूत, वर्तमान और भविष्यत् काल ; प्रातः, मध्याह्न और सायंकाल ।—ವೇದಿ वेदि (सम्) सं—तीनों कालों को जाननेवाला ।

ಕಾಲದರ್ಶಿ कालदर्शी (सम्) सं.—वह जो समय के बारे में जानता हो और बतलाता हो ।

ಕಾಲದೂತ कालदूत (सम्) सं.—यम का सेवक, मृत्यु की सूचना ।

ಕಾಲಧರ್ಮ कालधर्म (सम्) सं.—मृत्यु ।

ಕಾಲನೇಮಿ कालनेमि (सम्) सं.—एक राक्षस जिसे हनुमान जी ने मारा था ।

ಕಾಲಪುರುಷ कालपुरुष (सम्) सं.— मृत्यु-देवता ।

ಕಾಲಪೃಷ್ಠ कालपृष्ठ (सम्) सं. — कर्ण के धनुष का नाम ।

ಕಾಲಭೇದ कालभेद (सम्) सं. —निश्चित समय, भिन्न भिन्न काल, ऋतु, मौसम ।

ಕಾಲಭೈರವ कालभैरव (सम्) सं. — भयंकर (मृत्यु को लानेवाला) भैरव, प्रलयंकर रुद्र ।

ಕಾಲಮಾನ कालमान (सम्) सं.—समय की माप, परिस्थिति के अनुरूप, समय की अनुरूपता ।

ಕಾಲಮುಖ कालमुख (सम्) सं. — कौआ, अगरु ।

ಕಾಲಮೇಷಿ कालमेषि (सम्) सं.—मंजिष्ठा नाम का पौधा ।

ಕಾಲರಾತ್ರಿ कालरात्रि, ಕಾಳರಾತ್ರಿ काळरात्रि (सम्) सं.—भयंकर रात, प्रलयकाल की रात ।

ಕಾಲರುದ್ರ कालरुद्र (सम्) सं.—दे. ಕಾಲಭೈರವ.

ಕಾಲವಶ कालवश, ಕಾಲಾಧೀನ कालाधीन (सम्) सं.—समय के अधीन, मृत्युके वश में होना ।

ಕಾಲಸೂತ್ರ कालसूत्र (सम्) सं.— एक नरक का नाम ; समय या मृत्यु की डोरी ।

ಕಾಲವಹ್ನಿ कालवह्नि, ಕಾಲಾಗ್ನಿ कालाग्नि (सम्) सं.—प्रलय के समय की आग ।

ಕಾಲವೇಳೆ कालवेळे (सम्) सं.—समय (दुहराना) ।

ಕಾಲವ್ಯಾಪಿ कालव्यापि (सम्) वि.—सार्वकालिक, स्थिर ।

ಕಾಲಸೂತ್ರ कालसूत्र (सम्) सं—एक नरक का नाम ; समय या मृत्यु की डोरी ।

ಕಾಲಸ್ಕಂಧ कालस्कंध (सम्) सं.—तमालवृक्ष ।

ಕಾಲಹರ कालहर (सम्) सं.— शिव ।

ಕಾಲಹರಣ कालहरण (सम्) सं.— समय को व्यर्थ करना ; देरी, विलंब ।

ಕಾಲಾಗುರು कालागुरु (सम्) सं.— काला अगरु ।

ಕಾಲಾಗ್ನಿ कालाग्नि (सम्) सं.—दे. ಕಾಲವಹ್ನಿ.

ಕಾಲಾಂಗಿ कालांगि (सम्) सं.— इलायची, एला ।

ಕಾಲಾತಿಕ್ರಮ कालातिक्रम (सम्) सं.—उपयुक्त या उचित समय का अतिक्रमण, समय का अधिक बीत जाना ।

ಕಾಲಾಧೀನ कालाधीन (सम्) सं.— दे. ಕಾಲವಶ.

ಕಾಲಾನುಕೂಲ कालानुकूल (सम्) अ.—समय पर, प्रत्येक वर्ष ; कभी न कभी ।

ಕಾಲಾನುಕೂಲತೆ कालानुकूलते (सम्) सं.—अनुकूल समय, शुभ समय ।

ಕಾಲಾಂತಕ कालांतक (सम्) सं.— समय जो मृत्यु देवता माना जाता है ; यम ।— ಕೃತ್ कृत् (सम्) सं.— शिव ।

ಕಾಲಾಂತರ कालांतर (सम्) सं.—मध्यांतर ; (Interval) समय का विधान, अवधि ; दूसरा या आगामी समय ।

ಕಾಲಾಯಸ कालायस (सम्) सं.— लोहा ।

ಕಾಲಾರಿ कालारि (क) सं.— टिटिहरी ।

ಕಾಲಾವಧಿ कालावधि (सम्) सं.— उपयुक्त या निश्चित समय ।

ಕಾಲಾಸ कालास, ಕಾಳಾಸ काळास (सम्) सं.-ध्वज, पताका ।

ಕಾಲಾಹಿ कालाहि (सम्) सं.—काला नाग ।

(१) ಕಾಲಿ कालि (क) सं—पैरोंवाली स्त्री ।

(२) ಕಾಲಿ कालि, ಕಾಳೀ काली, ಕಾಳಿ काळि (सम्) सं.— दुर्गा, कालीमाता ; कालारंग ।

ಕಾಲಿಕ कालिक (सम्) वि.— समय संबंधी, समय पर निर्भर, समयानुसार ।

ಕಾಲಿಕಾ कालिका, ಕಾಲಿಕೆ कालिके (सम्) सं.— काला रंग, स्याही ; बादलों का समूह ; मुर्चा ; दुर्गा, कालीमाता ।

ಕಾಲಿಂಗ कालिंग, ಕಾಳಿಂಗ काळिंग (सम्) वि.— कलिंग देश में उत्पन्न या उससे संबंधित । सं.— कलिंग-राजा ; कलिंग देश

का सर्प ; कालियनाग ; एक विषैला पौधा, एक प्रकार की ककड़ी । — ಮರ್ದನ मर्दन (सम्) सं·— श्रीकृष्ण ।

ಕಾಲಿದಾಸ कालिदास, ಕಾಳಿದಾಸ काळिदास (सम्) सं— संस्कृत के प्रख्यात कवि ।

ಕಾಲಿಂದಿ कालिंदि· ಕಾಳಿಂದಿ काळिंदि (सम्) सं·— यमुना नदी । — ವೈರಿ वैरि (सम्) सं·— बलराम ।— ಸಹಜಾತ सहजात (सम्) सं·— यमराज । —ಕರ್ಷಣ कर्षण, ಭೇದನ भेदन (सम्) सं·— बलराम ।— ಸೋದರ सोदर (सम्) सं·-- यमराज ।

ಕಾಲಿಮೆ कालिमे (सम्) सं·— कालिमा, कालापन, स्याही ।

ಕಾಲಿವೆ कालिवे (क) सं·— नाला, नहर ।

ಕಾಲೀನ कालीन (सम्) वि·— सामयिक, किसी विशेष समय का ।

ಕಾಲು कालु (क) सं. — दे. ಕಾಲ್ ; ಕಾಲಕುಬಸ कालकुबस (क) सं. — पायजामा । ಕಾಲಟ್ಟ कालट्ट (क) सं.— एक प्रकार की बेंच । ಕಾಲಂದಿಗೆ कालंदिगे (क) सं.— पायल, नूपुर, मंजीर । ಕಾಲಾಡಿ कालाडि (क) सं.— जल्दी-जल्दी चलने-वाला । ಕಾಲನಡಗೆ कालनडगे (क) सं.— पैदल (चलना) । ಕಾಲಾಡಿತನ कालाडितन (क) सं.— अधिक घूमना या चलना । ಕಾಲಿಗೆ ಬೀಳು कालिगे बीळु, ಕಾಲುಬೀಳು कालुबीळु (क) क्रि·— पैरों में पड़ या गिर ; प्रार्थना कर, गिड़गिड़ा । ಕಾಲುಕಟ್ಟು कालुकट्टु (क) क्रि·— पैर बांध ; दूसरों में लग या पड़, गिड़गिड़ा ; विवाह, शादी । ಕಾಲುಕುಪ್ಪಸ कालुकुप्पस (क) सं.=दे· ಕಾಲಕುಬಸ. कालकुबस ಕಾಲುಗಣ್ಣಿ कालुगण्णि (क) सं.— बांधने (या पकड़ने) की रस्सी । ಕಾಲುಚೀಲ कालुचील (क)सं.—पैर का मोजा । ಕಾಲ್ತೆಗೆ काल्तेगे (क) क्रि·— भाग जा, नौ दो ग्यारह हो । ಕಾಲುದಾರಿ कालुदरि, ಕಾಲುವಟ್ಟೆ कालुवट्टे (क) सं.— पगडंडी । ಕಾಲುನಡಗೆ कालुनडगे (क) सं= ಕಾಲನಡಗೆ. ಕಾಲುಮಾಡು कालुमाडु (क) क्रि.— कर, आरंभ कर, शुरू कर। ಕಾಲುಮೆಟ್ಟು कालुमेट्टु(क) सं. — चप्पल ; परस्पर पैरों से मारना, आपस में झगड़ा ।

ಕಾಲುರಿಚ कालुरिच (क) सं.—ग्रामीण व्यक्ति, गँवार या असभ्य पुरुष ।

ಕಾಲುವೆ कालुवे (क) सं.— दे. ಕಾಲಿವೆ.

ಕಾಲುಷ್ಯ कालुष्य (सम्)सं· —कलुषता, गंदगी गंदलापन ।

ಕಾಲೂರ್ कालूर्, ಕಾಲೂರು कालूरु (क) क्रि· — पैर रख, स्थिर हो । सं·—छोटा ग्राम ।

ಕಾಲೆ काले (सम्) सं·—नील का पौधा, पीपल ; काला जीरा ।

ಕಾಲೆಳೆ कालेळे (क) क्रि· — पैर घसीट कर चल, धीरे चल ; समय व्यर्थ कर ।

ಕಾಲೇಯ कालेय (सम्) सं.-केशर, कुमकुम ।

ಕಾಲೇಯಕ कालेयक (सम्) सं.— हल्दी का पौधा ।

ಕಾಲೋಚಿತ कालोचित(सम्) अ·—समय के अनुसार, मौके पर, उचित समय पर ।

ಕಾಲೋರಗ कालोलग, ಕಾಳೋರಗ काळोरग (सम्) सं·—कृष्णसर्प, काला नाग।

ಕಾಲ್ಪಕ कालपक (सम्) सं.—हल्दी का पौधा।

ಕಾಲ್ಕಾಪು काल्कापु (क) सं·—चप्पल, पाद-रक्षा ; पदाति ।

ಕಾಲ್ದಳ काल्दळ (क) सं.—पदातियों की सेना; पद का निचला भाग, तलवा ।

ಕಾಲ್ನಡೆ काल्नडे (क) सं.=ಕಾಲನಡಗೆ काल-नडगे—पैदल (चलना) ।

ಕಾಲ್ಯ काल्य (सम्) वि·—समय से, साम-यिक, अवसर के अनुसार ।

ಕಾಲ್ವೆ काल्वे (क) सं.—दे· ಕಾಲಿವೆ.

ಕಾಲ್ವೊರೆ काल्वोरे (क) सं. —छोटी गठरी, छोटा गट्ठा ।

ಕಾವ काव (तद्) सं·—काम (तत्) ; मन्मथ । ಕಾವನಯ್ಯ कावनय्य (तद्) सं·—काम के पिता, विष्णु ।

ಕಾವಚಿಕ कावचिक (सम्) सं. — कवचधारी पुरुषों का समूह ।

ಕಾವಂಚಿ कावंचि (क) सं.—दे. ಕಾಂಚಿ. (१)

ಕಾವಡಿ कावडि (क) सं.—दे. ಕಾಗಡಿ (२).

ಕಾವಣ कावण (क) सं· — मंडप, पंडाल ; सूर्य से आड की जगह, छाया, छोटी पशु-शाला या मालगोदाम ।

ಕಾವಂದ कावंद · (अ· दे,) सं — ख़ाविंद (फ़ारसी) ; प्रभु, स्वामी, मालिक ।

ಕಾವರ कावर, ಕಾವುರ कावुर, ಕಾಹುರ काहुर (क) सं·—मानसिक उष्णता, उत्कंठा भाव, लालसा ; क्रोध, रोष ।

ಕಾವಲ್ कावल्, ಕಾವಲ कावल, ಕಾವಲು कावलु, ಕಾವಲಿ कावलि (क) सं.—रक्षा करना, रक्षा, रक्षण, चौकसी, संरक्षण, संरक्षण का स्थान (किसी चीज़ या पशुओं का) ।

ಕಾವಲ कावल, ಕಾವಲ್ कावल् (क) सं·— रक्षक, पहरेदार, अंगरक्षक ।

ಕಾವಲಿ कावलि (क) सं. — दे. ಕಾವಲ್ = ಕಾವಲೆ कावलि — तवा, (भूनने का) लोहे का बर्तन ।

ಕಾವಲಿಗಾರ कावलिगार, ಕಾವಲವ कावलव, ಕಾವಲುಗಾರ कावलुगार, (क) सं — पहरे-दार, द्वाररक्षक ; गुप्तचर, जासूस ।

ಕಾವಲು कावलु (क) सं.—दे. ಕಾವಲ್.

ಕಾವಲೆ कावले (क) सं — दे· ಕಾವಲಿ ; नहर, धारा ।

ಕಾವಳ कावळ, ಕಾವುಳ कावुळ, ಗಾವಳ गावळ (क) सं·—तिमिर, अंधकार ।

ಕಾವಾಡೆ कावाड़े (क) सं. — इंद्रायण, एक प्रकार का कडुआ सेब ।

ಕಾವಿ कावि (क) सं·—लाल मिट्टी, लाल मिट्टी कर रंग, काषाय, काषायवस्त्र ।

ಕಾವು कावु (क) सं.—गरमी , ताप ; दाहने की क्रिया ; दे. ಕಾಂವು ; एक अनुकरण मूलक शब्द ; ಕಾವು ಕಾವು कावु कावु—कौए की 'काव काव' ध्वनि ।

ಕಾವುಂಜಿ कावुंजि (क) सं.— ಕಾಂಚಿ. (१)

ಕಾವುರ कावुर (क) सं.— दे. ಕಾವರ.

ಕಾವುಳ कावुळ (क) सं.— दे. ಕಾವಳ.

ಕಾವೆ कावे (अ.दे.) सं.— कावा (फ़ारसी) ; घोड़े को तीव्र वेग से मोड़-मोड़कर चलाना।

ಕಾವೇರಿ कावेरि (सम्) सं.— दक्षिण भरत की एक प्रसिद्ध नदी ।

ಕಾವ್ಯ काव्य (सम्) सं·— उशनस् या शुक्र ; पद्यमय-रचना, कविता या कविता का विभाग, कवि । — ಕರ್ತಾರ कर्तार (सम्) सं.—कवि, रचनाकार ।—ಕರ್ತೃ कर्तृ (सम्) सं·—कवि । ರಚನೆ—रचने (सम्) सं· — कविता की रचना ।—ಸಮಯ समय (सम्) सं·— कवि समय ।

ಕಾವ್ಯಾವಲೋಕ काव्यावलोक, ಕಾವ್ಯಾವಲೋಕನ काव्यावलोकन (सम्) सं·— कन्नड कवि नागवर्मा की प्रसिद्ध काव्यशास्त्र रचना ।

ಕಾಶ काश (सम्) सं.— चमकना, चमक, प्रकाश ; एक प्रकार की घास जो चटाई बनाने और छत छाने के काम में आती है ।

ಕಾಶಾಕರ್ಪಟಿ काशाकर्पटि (सम्) सं·— कौपीन ; जाँघिया ।

ಕಾಶಿ काशि, ಕಾಶೀ काशी (सम्) सं.— सप्त मोक्षपुरियों में एक, बनारस ; चमक, प्रकाश । — ಕಾಗದ कागद = अच्छा सफ़ेद कागज़ । — ತಳಿ तळि= मांगल्य । — ಭಾಗೀರಥಿ भागीरथि (सम्) सं·— काशी से लाया गया गंगा-जल ।

ಕಾಶಿಕಾ काशिका, ಕಾಶಿಕೆ काशिके (सम्) सं— बनारस ।

ಕಾಶಿನಾಥ काशिनाथ, ಕಾಶಿವಿಶ್ವನಾಥ काशि विश्वनाथ (सम्) सं·— विश्वनाथजी, शिव ।

ಕಾಶಿರಾಜ काशिराज (सम्) सं. — काशी के एक राजा का नाम, अनुसाल्व के पिता का नाम ।

ಕಾಶ್ಮರಿ काश्मरि (सम्) सं.—गांभारी नामक पौधा ।

ಕಾಶ್ಮೀರ काश्मीर (सम्) सं· — कश्मीर ; कश्मीर से संबंधित पदार्थक ; केसर, जाफ़ान । —ಜ ज, ಜನ್ಮ (सम्) सं.—केसर, जाफ़ान ।

ಕಾಶ್ಯಪ काश्यप (सम्) सं — एक प्रसिद्ध ऋषि । ಕಾಶ್ಯಪಿ काश्यपि —गरुड़, अरुण ।

ಕಾಷಾಯ काषाय (सम्) सं.— गेरुआ वस्त्र । — ಧಾರಿ धारी (सम्) सं.— संन्यासी । — ವಸನ वसन (सम्) सं·— गेरुआ वस्त्र धारी ।

ಕಾಷ್ಠ काष्ठ (सम) सं. — लकडी का टुकडा, लट्ठा, छड़ी, ईंधन ; मूर्ख, बेवकूफ़; कृश होना, पतला होना ; नापने का एक औज़ार । ತಕ್ಷ तक्ष्, ತಟ್ तट् (सम्) सं.— बढ़ई । — ವ್ಯಸನ व्यसन (सम्) सं.— व्यर्थ की चिंता ।

ಕಾಷ್ಠಾಂಬುವಾಹಿನಿ काष्ठांबुवाहिनि (सम्) सं.- लकड़ी की बाल्टी ।

ಕಾಷ್ಠಿಕೆ काष्ठिके (सम्) सं.—काष्ठ, लकड़ी का टुकड़ा· ईंधन ।

ಕಾಷ್ಠೀಭೂತ काष्ठीभूत (सम्) सं. — काठ के समान या काठ होना ।

ಕಾಷ್ಠೀಲೆ काष्ठीले (सम्) सं.— कदली वृक्ष, केले का पेड़ ।

ಕಾಷ್ಠೆ काष्ठे (सम्) सं·— दिशा ; सीमा, चरमसीमा ; जगह ; मैदान ; समय का परिमाण ; अठारह बार पलकें मारने का समय ; उत्कृष्टता, शुद्धता, स्पष्टता ; अनुकूलता ; विकास, उन्मीलन ।

ಕಾಸ कास (तद्) सं· — काश (तत्) ; चमक प्रकाश, कांति ; विकास, खिलना ।

ಕಾಸ कास (सम्) सं·— खाँसी ; दमे की बीमारी (सै·प्र·) ।

ಕಾಸಗಿ कासगि (अ·दे·) वि.— ख़ास (अरबी) ; अपना, स्वकीय ।

ಕಾಸಘ್ನಿ कासघ्नि (सम्) सं.— दवा के काम में आनेवाला आलू या धतूरे की जति का पौधा (Solanum) ।

ಕಾಸದಾರ कासदार (अ.दे·) सं·— (ಕಾಸಗಾರ कासगार) — सईस, अश्वपालक ।

(१) ಕಾಸರ कासर, ಕಾಸರ್ಕ कासर्क (क) सं·— दे. ಕಾಜವಾರ और ಕಾಂಚಿರ.

(२) ಕಾಸರ कासर (सम्) सं.— भैंसा । ಕಾಸರಿ कासरि (सम्) सं·— भैंस ।

ಕಾಸರಿಕೆ कासरिके (क) सं.—दे: ಕಾರಸಿಕೆ ; दे. ಕಾಂಚಿರ.

ಕಾಸಾ कासा (अ.दे.) वि·— ख़ास (अरबी) ; अच्छा, सुंदर, मनोहर ; अपना ।

ಕಾಸಾಯ कासाय (तद्) सं.— कापाय (तत्) ।

ಕಾಸಾರ कासार (सम्) सं·—तालाव, सरोवर पुष्करिणी ।

ಕಾಸಾರಕ कासारक (क) सं. = ಕಾಸಾರ.

ಕಾಸಿ कासि (तद्) सं·— काशी (तत्) । (तद्) सं·— काशा (तत्)— कौपीन ; दे. ಕಾಚ. ಕಾಸಿಕಂಚಡಿ कासिंकंचडि = ಕಾಚ. ಕಾಸಿಗಪ್ಪಡ कासिगप्पड (तद्) सं.— काशाकर्पट (तत्) ; दे. ಕಾಶಾಕರ್ಪಟಿ.

ಕಾಸಿತ कासित (सम्) वि·— भेजा हुआ, दूर किया हुआ, हटाया गया ।

ಕಾಸಿಸು कासिसु (क) क्रि.— गरम करा· उष्ण करा (प्रे·) ।

ಕಾಸು कासु (क) क्रि. = ಕಾಯಿಸು कायिसु— गरम कर, उबाल, औटा, ताप । सं.— बहुत छोटा सिक्का, कौड़ी, पैसा ।

ಕಾಸು कासु, ಕಾಶೂ काशू (सम्) सं· — एक प्रकार का भाला ; अस्पष्ट भाषण ; दीप्ति, कांति, चमक ; रोग ; भक्ति ।

ಕಾಸುಳಿ कासुळि (सम्) सं.— दे. ಕಾಂಸುಳಿ

ಕಾಸೆ कासे (तद्) सं·— काशा (तद्) ; कौपीन काछ ; जाँघिया ।

ಕಾಸೃತಿ कासृति (सम्) सं.— पगडंडी, गुप्तमार्ग ।

ಕಾಸ್ತಾರ कास्तार (अ· दे.)सं.—दे. ಕಾಸದಾರ

ಕಾಸ್ರ कास्र (क) सं.— दे. ಕಾಸರ. (१)

ಕಾಹಕ काहक (क) सं.— रक्षक, संरक्षक, पालक ; चौकसी करनेवाला ।

ಕಾಹಲ काहल (सम्) सं.—बिल्ली, ; मुर्गा ; काक, कौआ ; रव, ध्वनि ; पंचमहावाद्य, सींगा ।

ಕಾಹಿ काहि (क) सं.—दे. ಕಾಹ.

ಕಾಹಳೆ काहळे, [ಕಹಳೆ कहळे] (तद्) सं.— काहल : (तत्) ; सींगा ।

ಕಾಹಿ काहि (क) सं.—दे. ಕಾಹಕ.

ಕಾಹಿಲೆ काहिले (अ.दे.)सं.—दे. ಕಾಯಿಲೆ, ಕಾಹಿ काहि (क) सं.— दे. ಕಾಹಕ

ಕಾಹು काहु (क) सं. — दे. ಕಾಪು दे. ಕಾಯ್ಪು.

ಕಾಹುರ काहुर, ಕಾಹುರತೆ काहुरते (क) सं.— दे. ಕಾವರ.

ಕಾಹೇರು काहेरु (क) क्रि.— गरम हो, तप्त हो ; ताप अधिक हो ।

ಕಾಹೊನಲ್ काहोनल्, ಕಾಹೊನಲು काहोनलु (क) सं.— वन में बहनेवाली धारा, नदी की बाढ़ ।

ಕಾಳ್ काळ्, ಕಾಳು काळु (क) सं.— दाना ; बीज, अनाज ।

ಕಾಳ काळ (तद्) सं.— काल : (तत्) ; ಕಾಳಯಮ काळयम— मृत्युदेवता यम । (तद्) सं.— काल (तत्) ; काला ; ಕಾಳಗತ್ತಲ್ काळगत्तल्—गाढांधकार, ಕಾಳಜೀರಿಗೆ काळजीरिगे— काला जीरा, ಕಾಳರಾತ್ರಿ काळरात्रि —अंधेरी रात ।

ಕಾಳಗ काळग, ಕಾಳೆಗ काळेग (क) सं.— युद्ध, समर, लड़ाई ।

ಕಾಳಜ काळज (अ. दे) सं.= ಕಳೀಜ कळीज —ಕಾಳಿಜ काळिज, ಕಾಳಿಜಿ काळिजि, ಕಾಳೀಜ काळीज— कलेजा, यकृत् ।

ಕಾಳಂಜಿ काळंजि, ಕಾಳಾಂಜಿ काळांजि (क) सं.– पीकदानी ; सुगंधित जल छिटकाने का सोने, चाँदी या पीतल का बर्तन विशेष, रसपात्र ; एक प्रकार का चँवर या पंखा ।

(१) ಕಾಳಿ काळि (क) सं.— दे. ಕವಳಿ.

(२) ಕಾಳಿ काळि (तद्) सं.— एक नाम (स्त्रियों का) ; दुर्गा की उपाधि — ನಾಥ नाथ = शिव — ಮಥನ मथन = कृष्ण ।

ಕಾಳಿಕ काळिक, ಕಾಳಿಕೆ काळिके (तद्) सं.— कज्जल, काजल ।

ಕಾಳಿಕೆ काळिके (तद्) सं.— दे. ಕಾಳಿಕಾ.

ಕಾಳಿಗ काळिग, ಕಾಳಿಂಗ काळिंग (तद्) सं — कालिय नाग, काला सर्प ।

ಕಾಳಿಜ काळिज, ಕಾಳಿಜಿ काळिजि (अ. दे.) सं.— दे. ಕಾಳಜ.

ಕಾಳಿವರಿ काळिवरि, ಕಾಳಿಮೆ काळिमे (तद्) सं.— दे. ಕಾಲಿಮೆ.

ಕಾಳೆ काळे (तद्) सं.— दे. ಕಾಹಳೆ.

ಕಾಳೆಗ काळेग (क) सं — दे. ಕಾಳಗ.

ಕಾೞ್ काऴ् (क) सं.— वन, जंगल, अरण्य रूक्षता, जंगलीपन ; बलात्कार, दुष्टता, बुराई–बुरा आदमी, शत्रु ; दे. ಕಾಳ್ कालापन ; ಕಾೞೆಮ್ಮೆ काऴेम्मे (क) सं.— काली भैंस ।

ಕಾೞಿಮೆ काऴिमे (क) सं.— मन की कठोरता ; हठ, प्रतीपता ; अहंकार, गर्व ।

ಕಾೞು काऴु (क) सं. — दे. ಕಾೞ್.

ಕಾೞುಗ *काऴुग* (*ಕಾಳುಗ* *काळुग*) (क) सं.— अनाज बेचनेवाला ।

ಕಿಂ किं, ಕಿಮ್ किम् (सम्) सर्व., अ.— क्या ; कैसे ; या— तो ।

ಕಿಂಕರ किंकर (सम्) सं.— सेवक, दास, नौकर । — ತೆ ते, ತ್ವ त्व (सम्) सं.— सेवा-भाव, दासता ।

ಕಿಂಕರಿ किंकरि (सम्) सं.— नौकर की स्त्री ।

ಕಿಂಕರೆ किंकरे (सम्) स.— नौकरानी, दासी ।

ಕಿಂಕಲ किंकल, ಕಿಂಕಿಲ किंकिल (क) सं.— संकीर्णता, तंगी, भीड़ का होना ।

ಕಿಂಕಾರ किंकार (सम्) सं.— छोटी घंटियों से निकलने-वाली ध्वनि, पायल की ध्वनि ।

ಕಿಂಕಿಣಿ किंकिणि (सम्) सं.— घूँघरू, छोटी-छोटी घंटियाँ ।

ಕಿಂಕಿರ किंकिर (सम्) सं.— घोड़ा ; कोयल, कोकिल ; मधुकर, भ्रमर ; कामदेव ; लाल रंग ।

ಕಿಂಕಿರಾತ किंकिरात (सम्) सं.— तोता ; कोयल ; कामदेव ; अशोकवृक्ष ; महासहा, अम्लान पुष्प ।

ಕಿಂಕಿಲ किंकिल (क) सं.— दे. ಕಿಂಕಲ.

ಕಿಂಕರ್ತವ್ಯತೆ किंकुर्वाणते (सम्) सं.— असहाय स्थिति, किंकर्तव्यविमूढता, जब कि मालूम न हो कि क्या करना चाहिए ।

ಕಿಂಕೊಳೆ किंकोळे (क) सं.— हिंसा ; पीड़ा, कष्ट, संकट ।

ಕಿಂಚನ किंचन (सम्) सर्व.— कुछ, थोड़ा ; कुछ हद तक, और नहीं ।

ಕಿಂಚಿತ್ किंचित् (सम्) सर्व.= कुछ, थोड़ा ।

ಕಿಂಚಿತ್ಪ್ರೌಢೆ किंचित्प्रौढ़े (सम्) सं.— वह स्त्री जिसका विवाह बहुत काल के बाद भी न हुआ हो ।

ಕಿಂಜುಲಕ किंचुलक (सम्) सं.— केंचुआ ; गंडूपद ।

ಕಿಂಜಲ್ಕ किंजल्क (सम्) सं.— कमल पुष्प का रेशा, कमल का फूल ; किसी वृक्ष का फूल या रेशा ।

ಕಿಂಡಿ किंडि (क) सं.— झरोखा, थोड़ा खुला स्थान, छिद्र ।

ಕಿಂತು किंतु (सम्) अ.— लेकिन, परंतु, मगर ।

ಕಿಂಪಾಕ किंपाक (सम्) वि.—अपक्व, कच्चा ; लड़कपन स्वभाव का ; मूर्ख । सं. — कद्दू, कुम्हड़ा ।

ಕಿಂಪುರುಷ किंपुरुष (सम्) सं.—किन्नर, देवताओं के गायक— इनका मुख घोड़े जैसा और शरीर मनुष्य जैसा होता है ; 'कैसे मनुष्य हैं' यह भ्रांति उत्पन्न होती है ।

ಕಿಂವದಂತಿ किंवदंति (सम्) सं.— दंतकथा ; अफवाह ।

ಕಿಂಶಾರು किंशारु (सम्) सं.—अनाज की बाल ; बाण, तीर ; सारस, बगुला ।

ಕಿಂಶುಕ किंशुक (सम्) सं.— पलाश वृक्ष ।

ಕಿಂಸಾರ किंसार (सम्) सं.— अनेक श्रेणीवाली माला ।

ಕಿಕಿ किकि, ಕಿಕೀದವ किकीदव (सम्) सं.— चातक पक्षी ; नीलकंठ पक्षी ।

ಕಿಕ್ಕಿಱಿಸು किक्किरिसु (क) क्रि.— छोटा कर, कम कर, एक साथ मिला, सटा ; भीड़ हो, संकीर्ण हो, तंग हो, स्थानाभाव हो, निविड या घना हो ।

ಕಿಕ್ಕಿಂದ किकिंद, ಕಿಷ್ಕಿಂದ किष्किंद (क) सं.— तंगी, संकीर्णता, संकुचितता; भीड़ ; दबाव ।

ಕಿಕ್ಕಿರಿ किकिरि (क) क्रि.= ಕಿಕ್ಕಿಱಿ किकिरि । — संयुक्त हो, अत्यधिक निकट हों, निबिड या घना हों, भीड़ हो, जन-समूह हो, संकीर्ण हो । सं.—भीड़, अधिकता, संकीर्णता, तंगी, जन-समूह, स्थानाभाव ।

ಕಿಕ್ಕು किक्कु (क) सं.—चीख, पुकार, चिल्लाहट ।

ಕಿಗ್ किग् (क) वि.–छोटा, लघु । ಕಿಗ್ಗಟ್ಟು किग्गट्टु (क)सं.— छोटी गठरी, छोटा गट्ठा ಕಿಗ್ಗಣ್ಣು किग्गण्णु (क) सं.— छोटी आँख ।

ಕಿಗ್ಗಳ किग्गळ (क) वि.— हीन, तुच्छ, मूल्यरहित ।

ಕಿಗ್ಗಂಟು किगंट्टु (क) सं.— छोटी गठरी ।

ಕಿಗ್ಗಾಳಿ किग्गालि (क) सं·— धीमी हवा; शिकार का एक प्रकार।

ಕಿಗ್ಗಿ किग्गि, ಕಿರ್ಗಿ किर्गि (क) सं·— कांति, सौंदर्य, चारुता।

ಕಿಚ್ಚ किच, ಕಿಚಿ किचि, ಕಿಚು किचु, ಕೀಚು कीचु (क) सं·— एक अनुकरणमूलक शब्द।

ಕಿಚಕು किचकु (क) सं·— एक अनुकरणमूलक शब्द।

ಕಿಚಡಿ किचडि (अ· दे·) सं.— खिचड़ी।

ಕಿಚಿಕಿಲ್ किचिकिल् (क) सं·— हेषा ध्वनि; घोड़े का हिनहिनाना।

ಕಿಚಿಲಿ किचिलि (क) वि·= ಕಿತ್ತಳೆ कित्तळे, ಕಿರ್ತು किर्तु— छोटा, लघु।

ಕಿಚ್ಚಡಿ किचडि (अ· दे·) सं.— दे. ಕಿಚಡಿ.

ಕಿಚ್ಚು किच्चु, ಕಿರ್ಚು किर्चु (क) सं.— आग, अग्नि, अनल। ಕಾಡ್ಕಿಚ್ಚು काड्किच्चु (क) सं·— दावानल।

ಕಿಟಕಿ किटकि (अ· दे·) सं·— खिड़की, गवाख। ಕಿಟಕಿಯಿಂದ ನುಸುಳುವವ ಹೆಬ್ಬಾಗಿಲಿನಿಂದ ಬಾರನೇ ?—किटकियिंद नसुलुवव हेब्बागिलिनिंद बारने ?— जो खिड़की से अंदर घुस सकता है वह क्या द्वार से नहीं आ सकता (कह·)।

(१) ಕಿಟಿ किटि (क) सं.—एक अनुकरणमूलक शब्द। ಕಿಟಿಕಿಟಿ किटिकिटि, ಕಿಟಿಪಿಟಿ किटि-पिटि—शोर-गुल; मन में अशांत करनेवाला शब्द।

(२) ಕಿಟಿ किटि, ಕಿರ किर, ಕಿರಿ किरि (सम्) सं.—शूकर, सुअर।

ಕಿಟಿಕಿ किटिकि (अ. दे.) सं.—दे. ಕಿಟಕಿ.

(१) ಕಿಟ್ಟ किट्ट (सम्) सं.—लोहे के पिघलने पर उत्पन्न होनेवाला कश्मल; कीट, मैल, छानन; तलछट; गड्ढे में रखा हुआ गोबर; लोहे का मुर्चा। (तद्) सं.—कृष्ण (तत्)।

(२) ಕಿಟ್ಟ किट्ट (क) सं.— लड़कों के खेलने की) एक प्रकार की गोली जो बहुत सख्त होती है (Molucca bean)।

ಕಿಟ್ಟಿ किट्टि (क) सं.—एक प्रकार की सज़ा या दण्ड जिसमें अपराधी के हाथ, कान (या नाक) दो, छड़ियों के बीच में दबाये जाते हैं। (तद्) (सं.)—कृष्ण (तत्)।

ಕಿಟ್ಟು किट्टु, ಗಿಟ್ಟು गिट्टु (क) क्रि·— स्पर्श कर, छू; मिल, पहुँच, प्राप्त हो, हाथ लग। (तद्) सं·—कृष्ण (तत्)।

ಕಿಡ किड (क) सं.—बरबाद हुआ या हानि प्राप्त मनुष्य।

ಕಿಡಕಿ किडकि (अ. दे.) सं.—दे. ಕಿಟಕಿ.

ಕಿಡಿ किडि (क) सं·— स्फुलिंग, अग्निकण, चिनगारी। ಕಿಡಿಯಿಂದ ಕಾಡು ಸುಡಬಹುದು किडियिंद काडु सुडबहुदु—चिनगारी से वन जला सकते हैं (कह.); बरबाद करनेवाला, सर्वनाश करनेवाला; ಕಿಡಿಗೇಡಿ किडिगेडि (दुहराना) — सर्वनाश करनेवाला; ಕಿಡಿಗೇಡಿತನ किडिगेडितन—बुरा स्वभाव, दुष्ट स्वभाव दूसरों को हानि पहुँचाने का गुण। ಕಿಡಿಕಿಡಿಯಾಗು किडिकिडियागु (क) क्रि·— आँखें लाल कर, अधिक क्रुद्ध हो।

ಕಿಡಿಕಿ किडिकि (अ· दे·) सं·— दे. ಕಿಟಕಿ.

ಕಿಡಿಸು किडिसु, ಕೆಡಿಸು केडिसु (क) क्रि·— खराब कर; नष्ट कार, बरबाद कर।

ಕಿಡು किडु (क) क्रि·— नष्ट हो, विनष्ट हो खराब हो, तबाह हो, टूट-फूट जा; बेकार हो, (सड़), अदृश्य हो, अंत हो। सं·— स्पर्श करना, पास जाना, लगना, टकराहट।

ಕಿಡುಕ किडुक (क) सं· = ಕೆಡುಕ केडुक— हानिकर पुरुष, विनष्ट या खराब करनेवाला आदमी।

ಕಿಣ किण (सम्) सं·— ठेठ, घट्टा; फोड़े या घाव का निशान; तिल, मस्सा; लकड़ी का घुन।

ಕಿಣಿ किणि (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द-किण् किण् शब्द; दाँतों की गंदगी या मल। ಕಿಣಿವಲ್ किणिवल् (क) सं·— पीले (मैले) दाँत।

ಕಿಣ್ವ किण्व (सम्) सं·— मद्य का खमीर उठाने या उसमें उफान लानेवाली वस्तु विशेष।

ಕಿತಮ कितम (तद्) वि.— कृत्रिम (तत्)।

ಕಿತಾಬ किताब, ಕಿತಾಬು किताबु (अ· दे·) सं·— किताब (अरबी); ख़िताब (अरबी) — पदवी, उपाधि।

ಕಿತ್ತಡ कित्तड (क) सं.— असह्यता, अरुचि, जुगुप्सा; विरक्ति, झूठ, कपट।

ಕಿತ್ತಡಿ कित्तडि (क) वि·— छोटा, लघु। सं·— संन्यासी, तपस्वी, व्रतधारी।

ಕಿತ್ತಲೆ कित्तले, ಕಿತ್ತಳೆ कित्तळे, ಕಿತ್ತಿಳೆ कित्तिळे (क) सं·— नारंगी, संतरा।

ಕಿತ್ತಾ कित्ता (अ· दे·) सं·— समय, बारी [क़िता-अरबी]।

ಕಿತ್ತಾಟ कित्ताट (क) सं·— झगड़ा, छीना-झपटी।

ಕಿತ್ತಾನ್ कित्तान् (क?) सं·— टाट, किरमिच; वल्कल।

ಕಿತ್ತೀಳೆ कित्तीळे (क) सं·— दे. ಕಿತ್ತಲೆ.

ಕಿತ್ತು कित्तु (क) वि.— छोटा, लघु (रुका हुआ)। क्रि·— बाहर खींच या निकाल।

ಕಿಲ್ಲೆ किल्ले (क) सं.— दे. ಕಿತ್ತಲೆ.

ಕಿನ್ किन् (क) अ·— नीचे का, तला (समस्त-पदों में)।

ಕಿನಾರ किनार, ಕಿನಾರೆ किनारे (अ· दे·) सं — कीनारा, छोर, परिधि।

ಕಿನಿಸು किनिसु (क) क्रि·— क्रुद्ध हो, क्रोध कर। सं·— क्रोध, रोष।

ಕಿನ್ನ किन्न (तद्) वि·— खिन्न (तत्); दुःखी; मलिन।

ಕಿನ್ನರ किन्नर (सम्) सं·— दे. ಕಿಂಪುರುಷ—ಪತಿ पति (सम्) सं·— कुबेर।

ಕಿನ್ನರಿ किन्नरि (सम्) सं·— 'किन्नर' का स्त्रीलिं; एक वाद्यविशेष, वीणा विशेष। — ಕ್ರಿಯೆ क्रिया (सम्) सं·— किन्नर बजाने की क्रिया। — ಕಾಯಿ कायि (सम्) सं·— किन्नरी वाद्य का तूम्बा।

ಕಿನ್ನರೇಶ किन्नरेश, ಕಿನ್ನರೇಶ್ವರ किन्नरेश्वर (सम्) सं·— कुबेर।

ಕಿನ್ನೂರಿ किन्नूरि (तद्) सं·— दे. ಕಿನ್ನರಿ.

ಕಿಪ್ಪರಿ किप्परि (क) क्रि.— कूद, छलांग मार।

ಕಿಫಾಯತಿ किफ़ायति (अ॰ दे॰) सं॰—किफ़ा (अरबी) नफ़ा, ; — लाभ ।

ಕಿಬ್ಬಡಿ किब्बडि, ಕಿಬ್ಬರಿ किब्बरि, ಕಿಬ್ಬದಿ किब्बदि, ಕಿರ್ಬದಿ किर्बदि (क) सं॰—जंतु या मनुष्य का मांसल पार्श्व, पेट ।

ಕಿಬ್ಬಸಿರು किब्बसिरु, ಕಿಬ್ಬಸುರು किब्बसुरु (क) सं॰—पेट का निचला भाग, नाभि के नीचे का भाग ; वस्ति ।

ಕಿಬ್ಬಿ किब्बि, ಕಿಬ್ಬೆ किब्बे (क) सं॰—पहाड़ का ढालू प्रदेश, पहाड़ के मूल की भूमि या स्थान ।

ಕಿಬ್ಬೊಟ್ಟು किब्बोट्टु (क) सं॰ =छोटी उंगली, छिगुनिया ।

ಕಿಮಿ किमि (तद्) सं—कान (ग्रा॰) ।

ಕಿಮಿಚು किमिचु (क) क्रि॰— हाथ से दबा या कुचल , मसल, मर्दन कर ।

ಕಿಮುಕ್ किमुक् (क) सं॰- थोड़ा शोर-गुल । ಕಿಮುಕ್ಕೆನ್ನು किमुक्केन्नु — थोड़ा शोर-गुल कर ।

ಕಿಮುಳ್ किमुल्, ಕಿಮುೞ್ किमुऴ् (क) सं.—कुचला या मसला जाने के बाद की स्थिति ; संकुचितता, सिकुडन ।

ಕಿಮುೞ್ಚು किमुऴ्चु [ಕಿಮುಳ್ಚು किमुळ्चु] (क) क्रि॰- दे॰ ಕಿಮುಚು ; झुर्री पड़, सिकुड ; —हस्तमर्दन, मसलन ; सिकुड़न ।

ಕಿಮ್ಮತ್ತು किम्मत्तु (क) सं॰—क़ीमत (अरबी); मूल्य, भाव ।

ಕಿಮ್ಮೀರ किम्मीर (तद्) सं॰ —किर्मीर : (तत्)। —ವೈರಿ वैरि (तद्) सं॰—भीमसेन ।

ಕಿರ किर (सम्) सं॰—दे॰ ಕಿಟಿ.

ಕಿರಣ किरण (सम्) सं॰—किरण, रश्मि ।

ಕಿರಯ किरय (तद्) सं —क्रय (तत्) ; मूल्य, मोल ; बेचना ।

ಕಿರಮಂಜಿ किरमंजि (क ?) सं॰ — लाल रंग और काले रंग का मिश्रण ।

ಕಿರಾಣಿ किराणि (अ. दे.) सं॰-किराना (हिं॰) ।

ಕಿರಾತ किरात (सम्) सं॰— एक पहाड़ी जंगली जाति, शबर, व्याध ; जंगली, वर्बर ; वामन, बौना, नाटा आदमी ; साईस, घुड़सवार । —ಕ क (सम्) सं॰—शबर जाति का व्यक्ति ।

ಕಿರಾತಿ किराति (सम्)सं॰—किरात जाति की स्त्री ।

ಕಿರಾತೆ किराते (सम्) सं. = ಕಿರಾತಿ.

ಕಿರಾಯ किराय (अ॰ दे॰) सं॰— किराया, भाड़ा ।

(१) ಕಿರಿ किरि (क)—क्रि॰—हज़ामत कर, क्षौर कर ; दाँत दिखा, मूर्खता, या पीड़ा से हँस ।

(२) ಕಿರಿ किरि (सम्) सं॰ — दे॰ ಕಿಟಿ.

ಕಿರಿಕಿರಿ किरिकिरि (अ॰ दे॰) सं॰ — ಕಿರ್ಕಿರಿ किर्किरि — किरकिरी पीड़ा, कष्ट ।

ಕಿರಿಚು किरिचु (क) क्रि॰—दे॰ ಕಿಱಚು.

ಕಿರೀಟ किरीट (सम्) सं॰ — मुकुट, ताज, कलंगी ।—ಚಾಪ चाप (सम्) सं॰ — एक पक्षी विशेष ।

ಕಿರೀಟಿ किरीटि (सम्) सं ॰— मुकुटधारी; अर्जुन का नाम ।

ಕಿರುಟಿಗ किरुटिग (क) सं॰—एक प्रकार का पक्षी जो अपने शिकार को काँटों में बंद कर देता है ।

ಕಿರೆ किरे (क) सं.—ಕೀರೆ कीरे—साग-भाजी ।

ಕಿಱ್ किऱ्, ಕಿಱು किऱु (क) क्रि॰—ढक, बंद कर ; रोक ; बाड़ लगा, रक्षित रख ; मौन रह, चुप रह ; घेर, आवृत्त कर ।

ಕಿಱ किऱ [ಕಿರ किर] (क) वि॰ — छोटा लघु । ಕಿಱಕುಳ किऱकुल (क) सं — पीड़ा, तंग करना । वि.—छोटा, न्यून, तुच्छ ।

ಕಿಱಕು किऱकु (क) सं.—एक अनुकरण मूलक शब्द ; ಕಿಱಕು ಕಿಱಕು किऱकु किऱकु— बाँस के वृक्षों से (हवा के चलने पर) निकलनेवाली ध्वनि ।

ಕಿಱಚು किऱचु (क) क्रि. = ಕಿಱಿಚು किऱिचु, ಕಿಱುಚು किऱुचु, ಕಿರ್ಚು किर्चु — चीख, चिल्ला, ज़ोर से पुकार ।

ಕಿಱಚುವಿಕೆ किऱचुविके [ಕಿರಚುವಿಕೆ किरचुविके] (क) सं॰-चिल्लाना, चिल्लाहट, पुकार, चीख ।

ಕಿಱದು किऱदु, ಕಿಱಿದು किऱिदु [ಕಿರದು किरदु, ಕಿರಿದು किरिदु] (क) वि॰—छोटा ।

ಕಿಱಬ किऱब [ಕಿರಬ किरब] (क) सं॰—चीता, तेंदुआ ; लकड़बग्घा ।

ಕಿಱಬು किऱबु (क) सं.—दे. ಕಿಱಬ.

ಕಿಱಿ किऱि (क) वि.—छोटा, लघु, कम, न्यून, नीच । ಕಿಱಿಕುಲ किऱिकुल (सम्) सं.—नीच कुल ; नीचजन्मा । ಕಿಱಿಗಂಟೆ किऱिगंटे (तद्) सं॰ — छोटी घंटी । ಕಿಱಿಗಣ್ಣು किऱिगण्णु (क) सं.—छोटी आँख । ಕಿಱಿದು ಕಾಲ किऱिदु काल (सम्) सं. — कम समय, कुछ देर । ಕಿಱಿದು ದಿನ किऱिदु दिन (सम्) सं.—कुछ दिन ।

ಕಿಱಕಿ किऱकि (क) सं. —दे. ಕಿಱಕು. ಕಿಱಕಿಜೋಡು किऱकिजोडु (क) सं. —चरचराहट उत्पन्न करनेवाले जूते ।

ಕಿಱಿಗೆ किऱिगे (क) सं.—लड़कियों के पहनने की छोटी साड़ी ; दे. ಕಿಗ್ಗ.

ಕಿಱಿಚು किऱिचु (क) क्रि.—दे. ಕಿಱಚು.

ಕಿಱಿದು किऱिदु (क) वि.—दे ಕಿಱದು.

ಕಿಱು किऱु (क) वि.—दे. ಕಿಱಿ । सं.— एक अनुकरण मूलक शब्द ; ಕಿಱುಗುಟ್ಟಿಸು किऱुगुट्टिसु (क) सं. — बच्चों को रुला या उनको चिल्लाने दे । ಕಿಱುಗೂಸು किऱुगूसु (क) सं. —छोटा बच्चा । ಕಿಱುಗೂಸುತನ किऱुगूसुतन (क) सं.—बचपन, शैशव । ಕಿಱುಗಣೆ किऱुगणे (क) सं.—लहँगा । ಕಿಱುಗೆಜ್ಜೆ किऱुगेज्जे (क) सं.— किंकणी । ಕಿಱುನೆಲ್ಲಿಕಾಯಿ किऱुनेल्लिकायि (क) सं.—छोटा-आंवला ।

ಕಿಱುಕು किऱुकु (क) क्रि.—खुरच, खुजला; छील ।

ಕಿಱುಚು किऱुचु (क) क्रि.—दे. ಕಿಱಚು.

ಕಿಱುಬ किऱुब (ಕಿರುಬ किरुब) (क) सं.— दे. ಕಿಱಬ.

ಕಿಱ್ಱನೆ किऱ्ऱने (क) अ.— खड़खड़ाहट के साथ ; ज़ोर-ज़ोर से ।

ಕಿರ್ಗಿ किर्गि (क) सं.— दे. ಕಿಗ್ಗ.

ಕಿಗ್ಗು किग्गु, ಕಿಳ್ಗು किळ्गु (क) क्रि.— नीचे हो ; तुच्छ हो, ठिगना ।

ಕಿಚ್ಚು किच्चु (क) सं.—दे. ಕಿಚ್ಚು ; दे. ಕಿಜಿಚು.

ಕಿರ್ದಿ किर्दि, ಕಿರ್ದೀ किर्दी (अ. दे.) सं.— दैनिक आय-व्यय लिखने की पंजिका, हिसाब बही ।

ಕಿರ್ದು किर्दु (क) वि.— छोटा । सं.— छोटी वस्तु ।

ಕಿರ್ಮೀರ किर्मीर (सम्) वि.— धब्बेदार, चित्तेदार, रंगबिरंगा । सं.— एक राक्षस का नाम जिसे भीमसेन ने जीता था ।

(१) ಕಿಲ किल (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द जो हँसी या आनंद का सूचक है । ಕಿಲಕಿಲಗುಟ್ಟು किलकिलगुट्टु (क) क्रि.— खिलखिलाकर हँस पड़ ।

(२) ಕಿಲ किल (सम्) अ.— निश्चय, अवश्य, सच ही, सचमुच, शायद । सं.— खेल, क्रीडा ।

ಕಿಲಕಿಂಚಿತ किलकिंचित (सम्) सं.— प्रेमी-प्रेमिकाओं के (रोना, हर्ष प्रकट करना, क्रोध करना आदि) नाना भाव ।

ಕಿಲಕಿಲ किलकिल (सम्) सं.— हर्षसूचक शब्द, ज़ोरसे चिल्लाना ।

ಕಿಲಾಟ किलाट (क) सं.— औटाया हुआ दूध ; खोवा ; पनीर ।

ಕಿಲಬು किलबु, ಕಿಲುಬು किलुबु (क)सं.— मंडूर, मुर्चा, जंग ; ताम्रकिट्ट, बर्तनों का किट्ट मलिनता ; जिस तांबे या पीतल के बर्तन में कलई न हो उसमें मट्ठा आदि रखने से उसके खराब होने की स्थिति ।

ಕಿಲಾಸ किलास (सम्) सं.— चकत्ता, दिदोरा ; पपड़ी, एक प्रकार का चर्मरोग ।

ಕಿಲಿ किलि (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द । ಕಿಲಿಕಿಲಿಗುಟ್ಟು किलिकिलिगुट्टु (क) क्रि.— खिलखिलाकर हँस पड़ ।

ಕಿಲಿಗ किलिग (क) सं.— नाई, हज्जाम ।

ಕಿಲಿಂಜ किलिंज, ಕಿಲಿಂಜಕ किलिंजक (सम्) सं.— चटाई ; हरी लकड़ी का पतला तख्ता ; आड़, पर्दा ।

ಕಿಲಿಬು किलिबु ; ಕಿಲುಬು किलुबु (क) सं.— दे. ಕಿಲಬು.

ಕಿಲುಂಬು किलुंबु, ಕಿಲುವು किलुवु (क) सं.— दे. ಕಿಲಬು.

ಕಿಲ್ಬಿಷ किल्बिष, ಕಿಲ್ವಿಷ किल्विष (सम्) सं.— (१) पाप, अपराध, दोष (२) बीमरी, रोग (३) अन्याय, अपकार, अनिष्ट । ಕಿಲ್ಮಿಷ किल्मिष (तद्) ।

ಕಿಲ್ಲೆ किल्ले (अ. दे.) सं.— क़िला (अरबी) ; दुर्ग, गढ़ । — ದಾರ दार (अ. दे.) सं.— क़िले का प्रधान कर्मचारी ।

ಕಿವಚು किवचु (क) क्रि.— दे. ಕಿವುಚು.

ಕಿವಡು किवडु (क) सं= ಕಿವುಡು किवुडु— बहरापन, बहरा होना । ಕಿವಡ किवड, ಕಿವುಡ किवुड = बहरा आदमी, ಕಿವಡಿ किवडि, ಕಿವುಡಿ किवुडि = बहरी स्त्री । ಕಿವಡತನ किवडतन, ಕಿವುಡುತನ किवुडुतन (क) सं.— बहरापन ।

ಕಿವಿ किवि (क) सं.— कान, श्रवणेंद्रिय ; कड़ाही, गंगाल आदि बर्तनों के कड़े या कान ; दस्ता, बेंट । — ಆರೆ आरे (क) अ.— कानों से, कान भरकर । — ಓಲೆ ओले (क) सं.— बालियाँ, कर्णाभरण । —ಕುಡು कुडु, ಕೊಡು कोडु, ಗುಡು गुडु, ಗೊಡು गोडु (क) क्रि.—कान दे, ध्यान दे । ಗೊಯ್ಕ गोय्क (क) सं.— वह स्त्री जिसके कान काट दिये हो । — ಚಾಟು चाटु (क) सं.— सुनी-सुनाई बात । ತೆರೆ तेरे (क) क्रि. — कान खोल । — ದುಡಿಗೆ दुडिगे, ದೊಡವು दोडवु (क) सं.— कानों का आभरण । — ಮೂಳಿ मूळि (क) सं.— वह स्त्री जो अपने कानों से वंचित हो ; वह स्त्री जिसके कानों में कोई आभूषण न हो । ಕಿವಿಯ ಕೊಗ್ಗು किविय कोग्गु (क) सं.— कान की गंदगी या मल । ಕಿವಿಯ ಮೇಲೆ ಹಾಕು किवियमेले हाकु, ಕಿವಿಯಲ್ಲಿ ಹಾಕು किवियल्लि हाकु (क) क्रि.— जता, बता ।

ಕಿವಿಚು किविचु, ಕಿವುಚು किवुचु (क) क्रि. दे. ಕಿವುಚು.

ಕಿವುಡಿಕೆ किवुडिके (क) सं.— बहरापन ।

ಕಿವುಡು किवुडु (क) सं.— बहरापन ; बहरा आदमी ।

ಕಿವುಡುತನ किवुडुतन (क) सं.— ಕಿವುಡಿಕೆ.

ಕಿವುಳು किवुळु (क) सं.— दे. ಕಿವುಡು.

ಕಿವುಳ್ಚು किवुळ्चु (क) क्रि.—दे.—ಕಿಮುಚ್ಚು.

ಕಿಶೋರ किशोर, ಕಿಶೋರಕ किशोरक (सम्) सं.—बच्चा, नाबालिग ; किसी जानवर का बच्चा ।

ಕಿಷ್ಕಿಂದ किष्किंद (क) सं.— दे. ಕಿಷ್ಕಿಂಧ.

ಕಿಷ್ಕಿಂಧೆ किष्किंधे (सम्) सं. = किष्किंधा— वाली-सुग्रीव की राजधानी का नाम ।

ಕಿಷ್ಕು किष्कु (सम्) वि.— दुष्ट, बुरा, घृणित, तिरस्कार करने योग्य । सं.— बाँह ; बारह अंगुल की माप ।

ಕಿಷ್ಕೆ किष्के (सम्) सं.— एक बंदर का नाम जिसके कारण 'किष्किंधा' नाम प्रचलित हुआ ।

ಕಿಸ किस, ಕಿಸಿ किसि, ಕಿಸು किसु (क) वि.— खुला हुआ, निकाला हुआ, दाँत बाहर निकाला हुआ,व्यर्थ हांसता हुआ । ಕಿಸಬಾಯಿ किसबायि, ಕಿಸವಾಯಿ किसवायि (क) सं.— (व्यर्थ) हंसनेवाला मुख (जो दुर्बलता का चिह्न है),क्षुद्रमति; ಹಾಡಿದ್ದೆ ಹಾಡೋ ಕಿಸಬಾಯಿ ದಾಸಯ್ಯ हाडिद्दे हाडो किसबायि दासय्या —बार-बार वही गीत गाओ ऐ क्षुद्रमति (अनाडि) गायक ! (कह.) ।

ಕಿಸಕ್ಕನೆ किसक्कने (क) अ.— बड़ी जोर की आवाज़ के साथ ; अचानक, सहसा ।

ಕಿಸಮು किसमु (अ. दे.) सं.—(क़िस्म अरबी) ; नमूना, जाति, वर्ग, श्रेणी ।

ಕಿಸಲಯ किसलय (सम्) सं.— पल्लव, कोमल पत्ता ।

ಕಿಸಿ किसि (क) क्रि.— खोलना, निकालना, दांत बाहर दिखाना ; बढ़ाना । वि.= ಕಿಸ किस ; ಕಿಸಿಕಿಸಿ ನಗು किसिकिसि नगु (क) क्रि.— खिलखिला कर (हंस) ।

ಕಿಸಿದು किसिदु (क) क्रि.— खोलकर ; दांत बाहर दिखाकर ।

(१) ಕಿಸು किसु (क) सं.— लाल रंग, अरुणिमा, ताम्र वर्ण। — ಕಣ್ಣು कण्णु (क) सं.— लाल आंख । — ಕಣ್ಚು कण्चु (क) क्रि.— आंखों लाल कर, क्रुद्ध हो। — ಕಣಗಿಲ್ कणगिल् (तद्) सं.— लाल कनेर। — ಕಲ್ कल् (क) सं.— लाल पत्थर, 'लाल' रत्न । — ಕುಳ कुळ (क) सं.— पीड़ा, आफ़त, तकलीफ़ ।— ಹೊನ್ನು होन्नु (तद्) सं.— अरुण हेम ; पुराना तांबा । — ಸಂಜೆ संजे (क) सं.— सूर्यास्त के समय की अरुणिमा।

(२) ಕಿಸು किसु (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द ; ಕಿಸುಗುಟ್ಟು किसुगुट्टु (क) क्रि.— कानाफूसी कर ।

ಕಿಸುರ್ किसुर् (क) सं.— बर्दाश्त न करने का भाव, असह्यता, अरुचि, अप्रसन्नता ; घृणा ; कलह, झगड़ा ; बुरी आंख, बुरी दृष्टि ; हानि, बुराई। क्रि.— असह्य हो, अरुचिकर या अप्रसन्न करनेवाला हो।

ಕಿಸುರು किसुरु (क) सं.= ಕಿಸರು किसरु— आंखों का पानी, आंसू ।

ಕಿಸುಱ್ किसुऱ् (क) सं.— दे. ಕಿಸುರ್.

ಕಿಸೆ किसे (अ. दे.) सं. — खीसा (हिं.) ; जेब। ಕಿಸೆಯಲ್ಲಿ ಆಯುಧವಿದ್ದು ನಸೆಯೆಂದು ತಿಳಿಯ ಬಹುದೇ ? किसेयल्लि आयुधविद्दु नसेयेंदु तिळियबहुदे ? — जेब में आयुध हो तो उसे खाने की चीज़ कैसे समझे ? (कह.) ।

ಕಿಸ್ತು किस्तु (अ. दे.) सं.— क़िस्त (अरबी) ; ऋण-भाग ।

ಕಿಳಕಿಳಾ किळकिळा (तद्) सं— किलकिला (तत्) ; वानरों की किलकारी ।

ಕಿಳಿರ್ किळिर्, ಕಿಳಿಱ್ किळिऱ्, ಕಿಳಿಱು किळिऱु (क) क्रि.— ध्वनि कर, निनाद कर ; घोड़े का हिनहिनाना, (हयघोष) ; बहुत क्रुद्ध हो।

ಕಿಱು किऱु (क) वि.—नीचे का, नीच, तुच्छ, हीन, निम्न, कम, न्यून । —ಕಟ್ಟು कट्टु (क) सं.— नीचे का ढ़ाँचा या बनावट। — ಕಡಲ್ कडल् (क) सं.— पश्चिमी समुद्र। — ಕಣೆ कणे (क) सं. – निम्न श्रेणी का बाण। — ಕಬ್ಬಿಗ कब्बिग (तद्) सं.— निम्न श्रेणी का कवि। — ಕವಲ್ कवल् (क) सं. —नीचे की ओर झुकी हुई डाली। — ಪಡಿಸು पडिसु, ಮಾಡು माडु (क) क्रि.— वशीभूत कर, अधीन कर, जीत। — ಪಡು पडु (क) क्रि.— वशीभूत हो, (किसी के) नीचे या वश में हो।

ಕಿಱ್ಗು किळ्गु (क) क्रि.— दे. ಕಿಗ್ಗು.

ಕೀ की (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द ಕೀ ಕೀ की की — पक्षियों का चहचहाना। क्रि.— पीव हो, मवाद हो।

ಕೀಕಸ कीकस (सम्) सं.—हड्डी, अस्थि ।

ಕೀಚಕ कीचक (सम्) सं. — खोखला बाँस, पोला बाँस, हवा के चलने पर सनासनहट उत्पन्न करनेवाला बाँस ; विराट राजा का साला और उसका प्रधान सेनापति जिसे भीमसेन ने मारा था; एक वृक्ष विशेष, मार्गण नामक वृक्ष। — ಅಂತಕ अंतक, ಆರಾತಿ आराति (सम्) सं– भीमसेन ।

ಕೀಚು कीचु (क) सं.—दे. ಕಿಚ, ಕೀಚಕ್ಕಿ कीचक्कि (क) सं—क्रौंचपक्षी ।

ಕೀಟ कीट (सम्) सं.—कीड़ा ; जंतुओं का मल ; तिरस्कार सूचक शब्द ।

ಕೀಟಕ कीटक (सम्) सं.—कीड़ा।

ಕೀಟಕತನ कीटकतन (क) सं.—दूसरों को तंग करने, पीडा देने या चिढ़ाने का स्वभाव ।

ಕೀಟಲೆ कीटले (क) सं.— तंग करना, पीड़ा देना, चिढ़ाना, छेढ़ना ; छेड़छाड़ ।

ಕೀಟಾಲಯ कीटालय (सम्) सं. — मज्जन गृह, स्नान-घर, गुस्लखाना ।

ಕೀಟು कीटु (क) वि. इतना, थोड़ा। सं— तिरस्कार, घृणा, असह्यता, अनादर, उपेक्षा ।

ಕೀಟ್ಲೆ कीट्ले (क) सं.=दे. ಕೀಟಲೆ.

ಕೀಡಿ कीडि, ಕೀಡೆ कीड़े (तद्) सं. — कीटः (तत्)।

ಕೀಡಿಕಿ कीडिकि (क) सं.—दुष्ट या अधम स्त्री ।

ಕೀಣ कीण (क) सं.—मात्सर्य, शत्रुता, बैर ; बदला ; रोष, क्रोध ; स्थिर विचार, विश्लेषण ; प्रतिरोध, बाधा ।

ಕೀತ कीत (क) सं.—पीव, मवाद।

ಕೀತು कीतु (क) सं.—टुकड़ा, भाग, अंश (फल या मांस का)।

ಕೀನ कीन (क) सं.—छोटापन, छोटी या न्यून वस्तु ।

ಕೀನಾಶ कीनाश (सम्) सं.—यमराज ; वानर विशेष ; सेवक ; बीमारी । वि. — भूमि जोतनेवाला ; गरीब, दरिद्र ; कंजूस ; थोड़ा, अल्प ।—ನಗರಿ नगरि (सम्) सं. — यमपुरी ।—ನಾಶ नाश (सम्) शिवजी ।

ಕೀನಿ कीनि (क) वि.—खुला, बाहर निकाला हुआ ।—ವಲ್ಲು वल्लु (क) सं.—व्यर्थ-हँसी के समय दिखनेवाले दाँत ।

ಕೀನಿಕೆ कीनिके (क) सं.— व्यर्थ या मूर्खता से हँसना ।

ಕೀಮು कीमु, ಕೀವು कीवु (क) सं. — पीव, मवाद ।

(१) ಕೀರ कीर (क) सं.—नकुल, न्योला ।

(२) ಕೀರ कीर (सम्) सं — तोता, शुक, सुग्गा ; मांस ; (तद्) सं. क्षीर (तत्) ; दूध । —ಕೀರಾರ कीरार, ಕೀಲಾರ कीलार (तद्) सं.—क्षीरागार (तत्) ।

ಕೀರು कीरु (अ. दे.) सं.—खीर (हिं.)।

ಕೀರೆ कीरे (क) सं.—साग-भाजी।

ಕೀಱು कीऱु (क) क्रि.—दुःख या पीड़ा से चिल्ला; चीख, कराह ; क्रोध कर, लाल-पीला हो, आँखों से अंगारा उगल ; रगड़कर निकाल, मिटा ; [रगड़कर चमका, पालिश कर] ; नोंच, खुरच ।

ಕೀರ್ಣ कीर्ण (सम्) वि. — फैला हुआ, बिखरा हुआ, फेंका हुआ ; ढका हुआ, भरा हुआ।

ಕೀರ್ತನ कीर्तन (सम्) सं. — कहना, वर्णन करना, वर्णन, कथन, पाठ ; कीर्ति, महिमा ; भगवान् की महिमा का वर्णन करनेवाले गीत या पद ।

ಕೀರ್ತಿ कीर्ति (सम्) सं.— प्रसिद्धि, प्रख्याति, यश ; प्रशंसा, सराहना ; प्रकाश, कांति, आभा ; आवाज़, भाषण।

ಕೀರ್ತಿತ कीर्तित (सम्) वि॰—प्रशंसा किया हुआ, प्रशंसित ; वर्णित ।

ಕೀರ್ತಿವಂತ कीर्तिवंत, ಕೀರ್ತಿವಿದ (सम्) वि॰—यश या कीर्ति पाया हुआ कीर्तिमान् ।

ಕೀರ್ತಿಸು कीर्तिसु (सम्) क्रि॰—वर्णन कर, गान कर, प्रशंसा कर ।

ಕೀರ್ಯ कीर्य (सम्) वि. — फैला हुआ, फैलाने योग्य ।

ಕೀಲ್ कील्, ಕೀಲಿ कीलि; ಕೀಲು कीलु (तद्) सं॰—कील: (तत्) ।

ಕೀಲ कील (सम्) सं॰—कील, पिन, खूँटी, सेख, बर्छी; खंबा॰ स्तूप, खूटा; आग, ज्वाला ; पर्वत, पहाड़ ; लाख, लाक्षा ।

ಕೀಲಕ कीलक (सम्) सं॰—दे॰ ಕೀಲ.

ಕೀಲಾಲ कीलाल (सम्) खून, रक्त ; पानी ; लाल रंग, लालिमा ; जानवर, पशु ; ज्वाला ; अमृत के समान पेय पदार्थ, शहद, मधु ।

ಕೀಲಿ कीलि (तद्) सं॰—कील ; ताला ; घड़ी ॰ ी बहुत महीन बाल या कमानी ।

ಕೀಲಿಕೆ कीलिके (सम्)सं —कीलिका, धुरी की कील ।

ಕೀಲಿಸು कीलिसु (सम्) क्रि॰—कील लगाना, ठोंकना, लगाना, ज़ोड़ना, स्थिर या दृढ़ करना ।

ಕೀಲು कीलु (तद्)सं॰ — दे॰ ಕೀಲ ; लकड़ी की चूल (जो छेद में बैठाई जाती है),जोड़ा, मिलाव , कपट-मोजना, आविष्कार, उपाय , रहस्य साधन॰ रहस्य ; ताली, चाभी॰ कुंजी , कुंडी । — ಬೊಂಬೆ बोंबे (सम्) सं॰—चाभी देने पर घूमने या नाचनेवाली गुड़िया ।

ಕೀಲುಕ कीलुक (तद्) सं.— दे॰ ಕೀಲು.

ಕೀಲೆ कीले (सम्) सं.— ज्वाला, लौ ।

ಕೀವ कीव, ಕೀವು कीवु (क) सं.—दे॰ ಕೀವು.

ಕೀಶ कीश (सम्) सं॰— वानर, बंदर ।

ಕೀಸರ कीसर (क) सं॰— ज़ोर से बोलने, चिल्लाने, रोने आदि का शोर, शोर–गुल, हल्ला ।

ಕೀಸು कीसु (क) क्रि॰— खिंच॰ खिंचा जा॰ कर्षित हो ; खिंचवा, कर्षण करा ; खींच ; पतला कर; कृश कर, रगड़कर चमकाना, रगड़ । सं॰— रगड़कर चमकाना या पालिश करना ; कानों में पहनने का ताड के पत्ते के आभरण, कर्णपत्र ।

ಕೀಸುಳಿ कीसुळि (क) सं.— रगड़कर चमकानेवाला आयुध, रुखानी, छेनी ।

ಕೀಳ್ कीळ्, ಕೀಳು कीळु (क) सं॰ — नीच या हेय पदार्थ या व्यक्ति ; बछड़॰; गाय का बच्चा बरामदा । क्रि॰— तोड़ (फल आदि); निकाल खींच ले, लूट ।

ಕೀಳಿಲ್ कीळिल् (क) सं॰— दे॰ ಕೀಳ್

ಕೀೞ್ कीऴ् (क) सं॰— दे॰ ಕೀಳ್ ; लगाम, घोड़े के मुह का लोहा । क्रि॰— (फल आदि) तोड़, खींच ले, (बाहर) निकाल, उलटा ; लूट ।

ಕೀಱ कीऱ (क) सं॰— दे॰ ಕೀಳ್.

ಕೀೞತನ कीऴतन, ಕೀೞ್ತನ कीऴ्तन ಕೀಳ ತನ कीळतन, ಕೀಳ್ತನ कीळ्तन (क) सं॰— नीचता, तुच्छता, नीचे होना क्षुद्रता ।

ಕೀೞಿಸು कीऴिसु(ಕೀಳಿಸು कीळिसु) (क) क्रि॰— (फल आदि)तुड़वा, निकलवा, खिंचवा (प्रे॰)।

ಕೀೞು कीऴु (क) क्रि॰— दे॰ ಕೀೞ್. सं॰— दे॰ ಕೀಳ್.

ಕು कु (सम्) अ॰— ह्रास, खराबी, कमी, पाप, धिक्कार॰ घिसावट, स्वल्पता आदि का बोधक अव्यय ।

ಕು कु, ಕುಂ कुं (क) प्र॰— अन्य पुरुष ए॰ व॰ और ब॰ व॰ (सभी काल और लिंगों में) सूचक प्रत्यय ; उदा॰—ಅಕ್ಕು, अक्कु, ಅಕ್ಕುಂ अक्कुं— होता है, ಇರ್ಕು इर्कु— है।

ಕುಂಕುಮ कुंकुम (सम्) सं॰— ಕುಂಕುವ कुंकुव (तद्)— कुंकुम ; केसर, जाफ़रान । — ಕೇಸರಿ केसरि (सम्) सं —केसर का फूल।

ಕುಂಕುಮಾಂಕ कुंकुमांक (सम्) वि॰— कुंकुमक से लिप्त, कुंकुम लगाया हुआ ।

ಕುಂಕೆ कुंके [ಗೊಂಕೆ गोंके] (क) सं॰— गर्दन का पिछला भाग ; कंधा ।

ಕುಂಗ कुंग (क) सं॰— मछुआ ।

ಕುಂಗು कुंगु (क) सं॰— मौन, चुप्पी, खामोशी क्रि॰— दे॰ ಕುಂಚು.

ಕುಂಚ कुंच (तद्) सं॰— कूर्चः (तत्) — गुच्छा (गाँठ॰ ग्रंथि), समूह; कोंछ ; झब्बा, फुदन ; कूँची ; पंखा॰ चामर, चँवर ।

ಕುಂಚಕ कुंचक (सम्) वि॰— झुका हुआ, टेढ़ा, वक्र ।

ಕುಂಚಟಿಗ कुंचटिग ಕುಂಚಿಗ कुंचिग (क) सं॰— शूद्रों की एक उपजाति जो प्रायः अरहर की दाल का व्यापार करते हैं ।

ಕುಂಚಡಿಗ कुंचडिग (क) सं॰– दे॰ ಕುಂಚಟಿಗ.

ಕುಂಚವಡಿಗ कुंचवडिग (अ॰ दे॰) सं॰—कूचा से मक्खियों को भगानेवाला आदमी ।

ಕುಂಚಿ कुंचि, ಕುಂಚಿಗೆ कुंचिगे ಕೊಂಚಿಗೆ कोंचिगे (क) सं॰— अंगरखा॰ बच्चों की टोपी ।

ಕುಂಚಿಕೆ कुंचिके, [ಕುಂಚಿಕಾ कुंचिका] (सम्) सं॰— ताली, कुंजी, चाभी ।

ಕುಂಚಿಗೆ कुंचिगे (तद्) सं॰— कूर्चिका (तत्) चित्र लिखने की कूँची या पेंसिल, तूलिका ।

ಕುಂಚಿತ कुंचित (सम्) वि॰— झुका हुआ, टेढ़ा, वक्र । — ಅಂಗುಲಿ अंगुलि (सम्) सं॰—झुकी हुई या टेढ़ी उंगली ।

ಕುಂಚು कुंचु, ಕುಂಗು कुंगु, ಕುಗ್ಗು, कुग्गु, ಕುಗ್ರು कुग्रु (क) क्रि॰— डूब, झुक, नीचे हो, दब, कम हो, न्यून हो ; रुद्ध हो, अवरुद्ध हो, रुंध जा (जैसे कंठ की ध्वनि) । ಕುಂಚ ದವ कुंचदव (क) सं॰–वह आदमी जो किसी के सामने नहीं झुकता, निर्भीक पुरुष ।

ಕುಂಜ कंज (सम्) सं॰—लतागृह, लतामंडप ; जबड़ा ; हाथी के दाँत ।

ಕುಂಜರ कुंजर (सम्) सं॰— हाथी ; श्रेष्ठार्थ वाचक ; गजासुर नामक राक्षस । — ಕರ कर (सम्) सं.— हाथी की सूंड़ ।

ಕುಂಜರಾರಿ कुंजरारि (सम्)सं॰— सिंह; शेर; शरभ ; शिवजी ।

ಕುಂಜರಾಶನ कुंजराशन (सम्) सं·— पीपल का वृक्ष।

ಕುಂಜಲ कंजल (सम्) सं·— (कु + जल?) कांजी, खट्टी कांजी।

ಕುಂಜು कुंजु (क) क्रि·— कूद, छलांग मार।

(१) ಕುಂಟ कुंट (क) सं·— पंगु, लंगड़ा मनुष्य। ಕುಂಟಿ कुंटि— स्त्री· लिं·। ಕುಂಟು ಮುರುವ कुंटुमुरुव — लंगड़ा (दुहराना); ಕಾಲಿದ್ದವರು ಕಾಶಿಗೆ ಹೋದರೆ ನೀನೆಲ್ಲಿ ಹೋದಿ ಕುಂಟುಮುರವ कालिद्दवरु काशिगे होद्रे नीनेल्लि होदी कुंटमुरुव— जिनके पैर हो वे काशी जावें तो तू कहां जाएगा पंगु! (कह·)।

(२) ಕುಂಟ कुंट (तद्) वि·— कुंठ (तत्) बलहीन, निर्बल, कमजोर। ಕುಂಟದೇವರು कुंटदेवरु (तद्) सं·— निर्बल देवता।

ಕುಂಟಣಗಿತ್ತಿ कुंटणगित्ति, ಕುಂಟಣಿಗಿತ್ತಿ कुंटणिगित्ति, ಕುಂಟಲಗಿತ್ತಿ कुंटलगित्ति, ಕುಂಟ್ಲಗಿತ್ತಿ कुंट्लिगित्ति (तद्) सं=कुंट्टिनी (तत्); कुटनी, दल्लाला।

ಕುಂಟಣಿ कुंटणि (तद्) सं—दे· ಕುಂಟಣಗಿತ್ತಿ.

ಕುಂಟಣಿಕೆ कुंटणिके (क) सं—एक पैर के बल पर कूदना या चलना।

ಕುಂಟಣಿಗ कुंटणिग (तद्) सं·—कुटना।

ಕುಂಟಣಿಗಿತ್ತಿ कुंटणिगित्ति, ಕುಂಟಲಗಿತ್ತಿ कुण्टलगित्ति (तद्) सं·—दे· ಕುಂಟಣಗಿತ್ತಿ.

ಕುಂಟಲತನ कुंटलतन (तद्) सं—कुटनाने की क्रिया।

ಕುಂಟಿ कुंटि (क) सं·—लंगड़ी स्त्री।

ಕುಂಟಿಗ कुंटिग (क) सं· = ಕುಟ್ಟಿಗ कुट्टिग— एक लता विशेष।

ಕುಂಟಿಣಿ कुंटिणि (तद्) सं=दे· ಕುಂಟಣಗಿತ್ತಿ.

ಕುಂಟಿತನ कुंटितन [ಕುಂಟತನ कुंटतन] (क) सं·—पंगु होना, लंगड़ापन।

ಕುಂಟಿಸು कुंटिसु (क) क्रि·—एक पैर के बल दूसरे को कूदने दे (या) कुदा (प्रे·)।

ಕುಂಟು कुंटु (क) क्रि· — लंगड़ा कर चल, ठमक; एक पैर के बल पर चल या कूद। सं·—एक पैर के बल पर चलने या कूदने की क्रिया; लंगडापन।

ಕುಂಟೆ कुंटे (क) सं·—लंगडी स्त्री; गड्ढा जिसमें पानी हो, छोटा ताल, तलै या छीलर; खेत में घास-फूस या कूड़ा-करकट निकालने का एक औज़ार; करघे की यह लकड़ी जिसमें बुने कपड़े लपटे जाते है; एक माप विशेष।

ಕುಂಟ್ಲಿಗಿತ್ತಿ कुंट्लिगित्ति (तद्) सं·—दे· ಕುಂಟಣಗಿತ್ತಿ.

ಕುಂಟ್ಲ್ಯ कुंट्ल्य (तद्) सं·—दे· ಕುಂಟಣಿಗ.

ಕುಂಠ कुंठ (सम्) वि· मूर्ख, सुस्त; हठी; निर्बल, कमजोर।

ಕುಂಠಿತ कुंठित (सम्) वि·—भौथरा, गोंठिल, अंगहीन; सुस्त, मूर्ख; रुका हुआ, गतिहीन; आवृत्त, घिरा हुआ, ढका हुआ।

ಕುಂಠೀಕರಣ कुंठीकरण (सम्) सं· — मूर्ख, सुस्त या गतिहीन बनाने या करने की क्रिया।

ಕುಂಡ कुंड, ಕೊಂಡ कोंड (सम्) सं· — भूमि में छेद, गड्ढा; कुण्ड, कूप; घड़ा, कुम्भ; तालाब, तलैया; गमला; छिनाल का पुत्र।

ಕುಂಡಗೋಲಕ कुंडगोलक (सम्) सं·—महेरी, पसाव, माँड; छिनाल क पुत्र।

ಕುಂಡಣಿ कुंडणि, ಕುಂಡಳಿ कुण्डळि (तद्) सं·—कुण्डलिन् (तत्); दे· ಕುಂಡಲಿ.

ಕುಂಡರಿಕೆ कुंडरिके सं·—ಕುಂಡ್ರಿಕೆ कुण्ड्रिके—हाथी पर बैठने के निमित्त लगाया गया आसन।

ಕುಂಡರು कुंडरु, ಕುಂಡ್ರು कुण्ड्रु (क) क्रि·—बैठ; गिर कर ज़मीन पर बैठ, गिर पड़, डूब जा।

ಕುಂಡಲ कुंडल ((सम्) सं—ಕುಂಡಲು कुण्डलु, ಕೊಂಡಲು कोंडलु (तद्)—कान का आभूषण; पहुंची; रस्सी की गठरी, ऐंठन; जन्मकुण्डली। — ದೀಕ್ಷಿತ दीक्षित (सम्) सं—वह मनुष्य जो याग या यज्ञ करने के बाद कर्णभूषणों से अलंकृत होता है। — ಪಂಡಿತ पंडित (सम्) सं·-पंडित जो अपने कानों में सम्मानार्थ दिये गये कर्णाभरण पहनता हो।

ಕುಂಡಲಿ कुंडलि (सम्) वि·—कुण्डल धारण किया हुआ, गोलाकार, ऐंठदार, उमेठा हुआ। सं·—सर्प; मोर; वरुण की उपाधि; एक पौधा विशेष; (ज्योतिष में) जन्म-कुण्डली।

ಕುಂಡಲೀಶಯನ कुंडलीशशयन (सम्) सं·—शेषशायी, विष्णु।

ಕುಂಡಲೀಶ್ವರಕುಂಡಲ कुंडलीश्वरकुंडल (सम्) सं·—शिव।

ಕುಂಡಲು कुंडलु, ಕುಂಡಳಿ कुंडळि (तद्) सं·—दे· ಕುಂಡಲಿ.

ಕುಂಡಿ कुंडि, ಕುಂಡಿಕಾ कुंडिका, ಕುಂಡಿಕೆ कुंडिके (सम्) सं· — (ब्रह्मचारी का) जलपात्र, घड़ा, कमंडल।

ಕುಂಡಿನಿ कुंडिनि (सम्) सं· — एक पौधा विशेष।

ಕುಂಡೆ कुंडे (क) सं· — पृष्ठ, नितंब, चूतड़, कटिप्रोथ; बर्तन का निचला भाग, तल।

ಕುಂಡೋದರ कुंडोदर (सम्) सं· — एक भूत का नाम।

ಕುಂಡ್ರಿಕೆ कुंड्रिके (क) सं·— (दे·) ಕುಂಡರಿಕೆ; बैठने का आसन, चटाई आदि।

ಕುಂಡ್ರಿಸು कुंड्रिसु (क) क्रि· = ಕುಳ್ಳಿರಿಸು कुळ्ळिरिसु—बैठा, उपविष्ट करा (प्रा·)।

ಕುಂಡ್ರು कुंड्रु (क) क्रि· = ಕುಂಡರು कुंडरु, ಕುಳಿರ್ कुळि, ಕುಳ್ಳಿರ್ कुळ्ळिर्, ಕುಳ್ಳಿರು कुळ्ळिरु, ಕೂಡರು, कूडरु, ಕೂಡ್ರು कूड्रु — बैठ, उपविष्ट हो।

ಕುಂತ कुंत (सम्) सं— ಕೊಂತ कोंत (तद्) —भाला, प्रास नामक शस्त्र; कीट, कीड़ा।

ಕುಂತಲ कुंतल (सम्) सं—सिर के बाल; बालों का एक प्रकार का अलंकार; देश

विशेष का नाम (संभवतः दक्षिण कर्नाटक और उत्तर कर्नाटक ज़िलों के लिए इस शब्द का प्रयोग होता था)।

ಕುಂತಲಹಸ್ತ, कुंतलहस्त (सम्) सं. — स्त्रियों के अलंकृत केश, जूड़ा।

ಕುಂತಿ कुंति, ಕುಂತೀ कुंती (सम्) सं.—ಕೌಂತಿ कौंति (तद्); शूरसेन राजा की औरस पुत्री जिसे कुंतिभोज ने गोद लिया था, इसका नाम पृथा था। यह राजा पांडु की पटरानी और कर्ण, युधिष्ठिर, भीम तथा अर्जुन की माता थी।

ಕುಂತು कुंतु(क) क्रि.=ಕುಳಿತು कुळितु, ಕುಳಿರ್ದು कुळिर्दु, ಕುಳ್ತು कुळ्तु, ಕುಳ್ಳಿತು कुळ्ळितु, ಕುಳ್ಳಿರ್ದು कुळ्ळिर्दु, कूतु ಕೂತು बैठकर(ग्रा.)।

(१) ಕುಂದ कुंद् (क) सं.—ईंटों का खंभा।

(२) ಕುಂದ कुंद (सम्) सं. — चमेली की जाति का एक पौधा, मल्लिका; करवीर वृक्ष; कुबेर की नौ निधियों में एक।

ಕುಂದಕ कुंदक (क) सं.—न्यूनता, कमी; अड़चन।

ಕುಂದಗಂಧಿ कुंदगंधि (सम्) सं.—मल्लिका के समान सुवासित स्त्री।

ಕುಂದಣ कुंदण, ಕುಂದನ कुंदन (क?) सं—शुद्ध हेम (सोने) में रत्न जड़ना; शुद्ध सोना, कुंदन (हिं.)।

ಕುಂದಣಿ कुंदणि, ಕುಂದಣಿಗೆ कुंदणिगे (क) सं - धान कूटने की बड़ी ओखली; लकड़ी की बड़ी हाल।

ಕುಂದನ कुंदन (क?) सं.— दे. ಕುಂದಣ.

ಕುಂದಿ कुंदि (क) सं.—नीचे की या टेढ़ी भूमि।

ಕುಂದಿಸು कुंदिसु (क) क्रि.—कम कर, कम करा, घटा, घटवा; छोटा कर; मुरझा, सुखा।

ಕುಂದು कुंदु (क) क्रि.—छोटा हो, कम हो, न्यून हो, घट; कृश हो; पतला हो; मुरझ, सूख, कांतिहीन, मंद पड़; मूर्छित हो; समाप्त हो; सं. — कमी, न्यूनता; घटा, हानि; (किसी वस्तु की), आवश्यकता, छोटा होना, हीनता; क्षीणता, दुर्बलता; निरा[illegible], दुःख; एक पशु-रोग।

ಕುಂದು कदु (सम्) सं.—चूहा; मूसा; एक पौधा विशेष।

ಕುಂದುವಿಕೆ कुंदुविके (क) सं.— घटना; कम होना, न्यूनता, क्षीणता; मुरझना, सूखना।

ಕುಂದುಹ कुंदुह (क) सं.— दे. ಕುಂದುವಿಕೆ.

ಕುಂಪಟೆ कुंपटे (क) सं.— अंगीठी, अंगीठा।

ಕುಂಪಣಿ कुंपणि (अ.दे.)सं.— (Company) (अंग्रेज़ी); कंपनी।

ಕುಂಬ कुंब (सम्) सं.— यज्ञस्थान का हाता या घेरा।

ಕುಂಬ कुंब (तद्) सं.— ಕುಂಭ कुंभ (तत्) दे. ಕುಂಭ.

ಕುಂಬತಳ कुंबतळ (तद्) सं.—कुंभस्थल (तत्)।

ಕುಂಬರ कुंबर (तद्) सं= ಕುಂಬಾರ कुंवार— कंभकार (तत्); कुम्हार।

ಕುಂಬಳ कुंबळ (तद्) सं.— कूष्मांड (तत्); कुम्हड़ा।

ಕುಂಬಾರ कुंवार (तद्) सं.— दे. ಕುಂಬರ.

ಕುಂಬಾರಗಿತ್ತಿ कुंबारगित्ति (तद्) सं.—कुम्हार स्त्री।

ಕುಂಬಾರತನ कुंबारतन, ಕುಂಬಾರಿಕೆ कुबारिके (तद्) सं.— कुम्हार का पेशा करना।

ಕುಂಬಾರತಿ कुंबारति [ಕುಂಬಾಱತಿ कुंबाऱति] सं.— दे. ಕುಂಬಾರಗಿತ್ತಿ.

ಕುಂಬು कुंबु (क) सं.—झुकना, पतित होना, नमस्कार, प्रणाम; (सूखे पेड़ आदि का) गिरना, पतन। ಕುಂಬಿಡು कुंबिडु (क) क्रि - नमस्कार कर; नीचे गिर, पतित हो या नष्ट हो।

ಕುಂಬೆ कुंबे (क) सं.—अट्टालिका या मंजिल के ऊपर, छोर पर बनायी जानेवाली दीवार (या जंगला)।

ಕುಂಭ कुंभ (सम्) सं.— घड़ा, कलसा, जलपात्र; हाथी के माथे के दो मांसपिंड, गंडस्थल; गुग्गल, धूप; एक राक्षस का नाम; कुंभ राशि; चौंसठ सेर या २० द्रोण की तौल; प्राणायाम का एक अंग। — ಕರ್ಣ कर्ण (सम्) सं.— रावण का छोटा भाई।

ಕುಂಭಕ कुंभक (सम्) सं. — प्राणायाम का अंग—मुँह बंद करना, दायें हाथ की उंगलियों से दोनों नथनों को बंद कर तद्द्वारा साँस रोकना।

ಕುಂಭಕಾರ कंभकार (सम्) सं.—कुम्हार।

ಕುಂಭಕೋಣ कुंभकोण (सम्) सं.— मद्रास राज्य का एक प्रसिद्ध नगर।

ಕುಂಭಜ कुंभज ಕುಂಭಸಂಭವ कुंभसंभव (सम्) सं.— अगस्त्य; द्रोणाचार्य; वशिष्ठ।

ಕುಂಭವಾದ್ಯ कुंभवाद्य (सम्) सं.— घटवाद्य, घड़ा जो बना-बनाया जाता है।

ಕುಂಭಸ್ಥಲ कुंभस्थल (सम्) सं. — ಕುಂಬತಳ कुंबतळ (तद्) —हाथी के माथे के दो मांसपिंड, गंडस्थल।

ಕುಂಭಾಂಡ कुंभांड (सम्) सं — राक्षसों की एक जाति; एक ऋषि का नाम।

ಕುಂಭಿ कुंभि (सम्) सं — हाथी; घड़ा; बटखरा, अनाज की तौल का एक बाट; अनेक पौधों का नाम।

ಕುಂಭಿಕಾ कुंभिका (सम्) सं. — गागरी, कलसी; रंडी, वेश्या।

ಕುಂಭಿಕೆ कुंभिके (तद्) सं.—कुंभिकः (तत्); पुन्नाग वृक्ष।

ಕುಂಭಿನಿ कुंभिनि, ಕುಂಭಿನೀ कुंभिनी (सम्) सं.— पृथ्वी, धरा।

ಕುಂಭೀನಸ कुंभीनस (सम्) सं.—एक प्रकार का सर्प।

ಕುಂಭೀಪಾಕ कुंभीपाक (सम्) सं. — नरक विशेष जहां पापी कुम्हार के बर्तनों की भांति अवा में पकाये जाते हैं।

ಕುಂಭೀರ कुंभीर (सम्) सं.—मगर, नक्र।

ಕುಂಭೋದಯ कुंभोदय, ಕುಂಭೋದ್ಭವ कुंभोद्भव (सम्) सं.—दे. ಕುಂಭಜ.

ಕುಂಯಿ कुंयि (क) सं. = ಕುಯಿ कुयि, ಕೊಂಯಿ कोंयि—मारने पर कुत्ते के मुँह से निकलनेवाली ध्वनि।

ಕುಕಭ कुकभ (सम्) सं. — एक प्रकार की मदिरा।

ಕುಕರ कुकर (सम्) सं.—बुरा या टेढ़ा हाथ।

ಕುಕವಿ कुकवि (सम्) सं.— बुरा कवि।

ಕುಕಾಲ कुकाल (सम्) सं.—बुरा समय या मौसम।

ಕುಕಿಲ್ कुकिल् (क) क्रि. — कोयल के जैसे बोल; कोयल की कूक। सं.—कोयल।

ಕುಕಿಲ कुकिल (क) सं.—पक्षी विशेष।

ಕುಕಿಲು कुकिलु (क) सं.— कोयल।

ಕುಕುಂದರ कुकुंदर (सम्) सं.—जघन कूप।

ಕುಕೂಲ कुकूल (सम्)—सं. भूसी, चोकर; चोकर की आग; सुराख, छेद, गड्ढा, गर्त; ढालुवा भूमि; सानु। वि.—उत्कृष्ट, अच्छा, श्रेष्ठ।

ಕುಕ್ಕಟಿ कुक्कटि (क) सं. — कांटेदार पूँछवाली एक चिड़िया, कलिंग नामक पक्षी।

ಕುಕ್ಕಡಿ कुक्कडि (सम्?) सं.— निकालकर लपेटे गये धागे का एक परिमाण विशेष।

ಕುಕ್ಕರಿಸು कुक्करिसु (क) क्रि.— (किसी चीज़ को) तीव्र गति या ज़ोर से रख; नष्ट या खराब कर (लाक्ष.); भूमि में सटकर बैठ, पालथी लगाकर बैठ।

ಕುಕ್ಕಿ कुक्कि (क) सं.— गायों का मुख-बंधन; टोकरी (बाँस की)।

ಕುಕ್ಕಿಸು कुक्किसु (क) क्रि.— धुला, साफ़ करा; चोंच मारने दे, पलक मारने दे, दबवा, शक्ति लगवा (लाक्ष.); टीका लगा; चौंधा; हिलवा।

ಕುಕ್ಕು कुक्कु (क) क्रि.— चंचुघात कर, चोंच मार; ढेऊ मार (चुभने के जैसे) चुभ, छेद कर; मिट्टी को कुदाली से खोद; दबा, शक्ति लगा; जल्दी-जल्दी खोल और बंद कर, पलक मार; चौंध; धीरे-धीरे कपड़े को (धोते समय) पीट; हिला, डुला। सं.— सारस, बगुला।

ಕುಕ್ಕುಟ कुक्कुट (सम्) सं.— मुर्गा।

ಕುಕ್ಕುಟಾಸನ कुक्कुटासन (सम्) सं.— मुर्गे के आकार जैसा एक योगासन।

ಕುಕ್ಕುಟಿ कुक्कुटि (सम्) सं.— मुर्गी; दंभ, माया।

ಕುಕ್ಕುಭ कुक्कुभ (सम्) सं.— जंगली मुर्गा।

ಕುಕ್ಕುರ कुक्कुर (सम्) सं.— कुत्ता; एक सुगंध द्रव्य; एक देश विशेष का नाम।

ಕುಕ್ಕುರಿಸು कुक्कुरिसु (क) क्रि.— (भय से) सिकुड़, ठिठक, लाचारी सूचित करने के लिए कंधे सिकोड़; गिर पड़, ऐसा गिर कि कुचल जा, चूर-चूर हो या नष्ट हो जा; ज़मीन पर पटक।

ಕುಕ್ಕುಳ कुक्कुळ (क) सं.—अधिक पीड़ा या संकट। ಕುದಿಯಿಸು कुदियिसु (क) क्रि.—अधिक पीड़ा दे या सता।

ಕುಕ್ಕೆ कुक्के (क) सं.= ಕುಕ್ಕಿ—टोकरी।

ಕುಕ್ಷಿ कुक्षि (सम्) सं.—पेट, गर्भाशय। —ಕ क (सम्) सं.—एक पक्षी का नाम।

ಕುಗ್ಗಟೆ कुग्गटे (क) सं. = ಕೂಗಟೆ कूगटे — शिककाई का वृक्ष (Soap nut tree)।

ಕುಗ್ಗಿಸು कुग्गिसु, ಕುರ್ಗಿಸು कुर्गिसु, ಕುಳ್ಗಿಸು कुळ्गिसु, (क) क्रि.—कम कर, नीचे कर, घटा, छोटा कर, न्यून कर, (आवाज़) बंद करा या रोक।

ಕುಗ್ಗು कुग्गु (क) क्रि. = ಕುಂಗು कुंगु, ಕುಂಚು कुंचु, ಕುರ್ಗು कुर्गु—दे. ಕುಂಚು.

ಕುಗ್ರಹ कुग्रह (सम्) सं.—अशुभ या बुरा ग्रह।

ಕುಗ್ರಾಮ कुग्राम (सम्) सं. — बुरा गांव; छोटा गांव।

ಕುಚ कुच (सम्) सं.—स्तन, स्तन का अग्र-भाग, चूचुक। — ಅಗ್ರ अग्र, ಮುಖ मुख (सम्) सं.—चूचुक।

ಕುಚಂದನ कुचंदन (सम्) सं.—लाल चंदन।

ಕುಚರ कुचर (सम्) वि.—धीरे-धीरे जानेवाला, बुरा व्यवहार करनेवाला; दुष्ट, अधम; दोष निकालनेवाला, निंदा करनेवाला।

ಕುಚಾಳಿ कुचालि (सम्?) सं—बुरी चाल, कुचाल; उपहास (करना), खिल्ली (उड़ाना); बुरा व्यवहार करनेवाला पुरुष।

ಕುಚಿತ್ತ कुचित्त (सम्) सं.—बुरा मन, बुरा विचार; बुरे विचारवाला मनुष्य।

ಕುಚು कुचु (क) सं. — एक अनुकरणामूलक शब्द; ಕುಚು ಕುಚು कचु कुचु—पिस-पिस या फुसफुस।

ಕುಚೇಲ कुचेल (सम्) सं.—बुरा वस्त्र, फटे पुराने वस्त्र, ऐसे वस्त्रधारी; सुदाम का नाम।

ಕುಚೇಷ್ಟಕ कुचेष्टक (सम्) सं. — बुरा कार्य या व्यवहार करनेवाला।

ಕುಚೇಷ್ಟೆ कुचेष्टे (सम्) सं.—बुरी क्रिया या योजना, (नटखटी, होहल्ला करना आदि)।

ಕುಚೋದ್ಯ कुचोद्य (सम्) सं.— छेड़छाड़, उपहास करना, किसी का अनुरकण कर हँसना, मज़ाक करना; बुरा विचार, बुरा व्यवहार।—ಗಾಱ गाऱ (ಗಾರ गार) सं.—उपहास करनेवाला, मज़ाकिया।

ಕುಚ್ಚು कुच्च (क) सं.—बिलकुल (पूर्ण रूप से) अंधा।

ಕುಚ್ಚಿತ कुच्चित (तद्) वि.—कुत्सित (तत्)।

(१) कुच्चु (क) क्रि.—ಕುದಸು कुदसु, ಕುದಿಸು कुदिसु — उबाल सं. — एक प्रकार की मछली।

(२) ಕುಚ್ಚು कुच्चु (तद्) सं.= ಕುಂಚ कुंच, ಕೊಚ್ಚು कोच्चु — [कूर्चः (तत्)] — दे. ಕುಂಚ.

ಕುಜ कुज (सम्) सं.—वृक्ष, पौधा; मंगलग्रह; किरात, पुलिंदक, बुरी चीज; बुरी बुद्धि या मन।

ಕುಜನ कुजन (सम्) सं—बुरा व्यक्ति, बुरे लोग।—ತೆ ते (सम्) सं.—बुराई, नीचता।

ಕುಜವಾರ कुजवार (सम्) सं.—मंगलवार।

ಕುಜಾತ कुजात (सम्) सं.—वृक्ष; मंगलग्रह; स्यंदन या तिनिश का पेड़।

ಕುಜೆ कुजे (सम्) सं.—नीच या अधम स्त्री।

ಕುಜ್ಜೆ कुज्ज़े (क) सं.—कच्चा कटहल।

(१) ಕುಟ कुट (क) वि·— (ಕುಟ್ಟು कुट्टु = कूट, मार)–मारनेवाला, (डंक मारनेवाला), कूटनेवाला।

(२) ಕುಟ कुट (सम्) सं· = ಕೋಟ कोट, ಕೋಡ कोड (तत्) — जलपात्र, गागरी, घड़ा, कलसा।

(१) ಕುಟಕ कुटक (क) सं·–मारनेवाला, कूटनेवाला, तोड़नेवाला (जैसे ಕಲ್ಕುಟಕ कल्कुटिक —पत्थर तोड़नेवाला); देनेवाला, दाता; पीनेवाला।

(२) ಕುಟಕ कुटक (सम्) सं·—हल जिसमें बांस न लगा हो।

ಕುಟಕು कुटकु, ಕುಲುಕು कुलुकु (क) क्रि· — ठूँस, मुँह तक भर, (थैली आदि में) हिला-हिला कर भर।

ಕುಟಗ कुटग (क) सं·—दे· ಕುಟಕ (१).

ಕುಟಂಕ कुटंक (सम्) सं·—छत; झोंपड़ी।

ಕುಟಜ कुटज, ಕುಟಜಕ कुटजक (सम्) सं·— दवाई में उपयोगी एक वृक्ष विशेष (Wrightia antidysenterica)।

ಕುಟನ್ನಟ कुटन्नट (सम्) सं—सरो का वृक्ष; लवंग, लौंग।

ಕುಟರು कुटरु (सम्?) सं·— डेरा, तंबू।

ಕುಟಾಯಿಸು कुटायिसु, ಗುಟಾಯಿಸು गुटायिसु (क?) क्रि· — मिला, कलछुल के सहारे मिला।

ಕುಟಿ कुटि (सम्) सं· — मोड़, झुकाव; झोंपडी, घर; एक प्रकार का बर्तन; नथ, नथनी; फूलों का गुच्छा।

ಕುಟಿಕ कुटिक (क) सं·— दे, ಕುಟಕ (१)

ಕುಟಿಕೆ कुटिके, ಕುಟಿಗೆ कुटिगे (क) सं·—मारनेवाला, (पीड़ा देनेवाला), संपदित करनेवाला।

ಕುಟಿಗ कुटिग (क) सं·—दाता, देनेवाला।

ಕುಟಿಲ कुटिल (सम्) वि·— टेढ़ा, झुका हुआ, मुड़ा, घूमा हुआ, घुमाव का; बनावटी; कपटी; झूठा, बेईमान; दुःखदायी, पीड़ाकारक।—ಗಾರ್ತಿ गार्ति (सम्), सं·—झूठी या बेईमान स्त्री।—ತನ तन, ತೆ ते (सम्) सं·–कुटिलता, वक्रता, बेईमानी।—ತ್ವ त्व (सम्) = ಕುಟಿಲತನ.

ಕುಟಿಲಾಂಗ कुटिलांग (सम्) सं·—झूठा या बेईमानी के साधन।

ಕುಟಿಲೆ कुटिले (सम्) सं· = ಕುಟಿಲಗಾರ್ತಿ (दे· ಕುಟಿಲ).

ಕುಟೀರ कुटीर (सम्) सं·— छोटा घर, कुटिया, झोंपड़ी, कुटी।

ಕುಟು कुटु (क) सं —एक अनुकरणमूलक ध्वनि; ಕುಟು ಕುಟು कुटु कुटु—चूहे का अनाज खाते समय निकलनेवाली ध्वनि।

ಕುಟುಕ कुटुक (क) सं —दे· ಕುಟಕ (१)—

ಕುಟುಕಿಸು कुटुकिसु (क) क्रि· — निगल, जल्दी से निगल, गट गट निगल।

ಕುಟುಕು कुटुकु (क) क्रि·—काट, डंक मार (बिच्छू का डंक मारना)। सं· — घूंट; टुकड़ा, कौर, ग्रास।

ಕುಟುಂಗಕ कुटुंगक, ಕುಡುಂಗಕ (सम्) सं·— लताओं से बनाया गया मंडप, छत, पंडाल, झोंपडी, मढ़ैया।

ಕುಟುಂಬ कुटुंब (सम्) सं·—कुटुम्ब, परिवार, परिवार के जन; गृहिणी, गृहस्वामिनी, पत्नी।—ವ್ಯಾಪೃತ व्यापृत (सम्) सं·— परिवार का पालन-पोषण करने वाला।— ಸ್ಥ स्थ(सम्) सं·–बाल-बच्चों वाला पुरुष।

ಕುಟುಂಬಿ कुटुंबि (सम्) सं·—घर का स्वामी, गृहस्वामी; वह जो देख भाल करे; किसी कुटुंब का एक व्यक्ति।

ಕುಟುಂಬಿನಿ कुटुंबिनि, ಕುಟುಂಬಿನೀ कुटुंबिनी (सम्) सं·—गृहिणी, घर के स्वामी की पत्नी; स्त्री।

ಕುಟ್ಟ कुट्ट (सम्) क्रि· — (समासांत में) — काटना, चूर्ण करना, पीसना।

ಕುಟ್ಟಕ कुट्टक (सम्) सं·—पीसनेवाला, कूटनेवाला।

ಕುಟ್ಟಗ कुट्टग (क) सं·—दे ಕುಟಿಗ.

ಕುಟ್ಟಣ कुट्टण (क) सं· — ओखली, किसी धातु की बनी छोटी ओखली जो पान-सुपारी कूटने के काम में आवे। ಕುಟ್ಟಣದ ಅಕ್ಕಿ कुट्टणद अक्कि—(हाथ से) कूटा चावल।

(१) ಕುಟ್ಟಣಿ कुट्टणि (क) सं·—दे· ಕುಟ್ಟಣ.

(२) ಕುಟ್ಟಣಿ कुट्टणि (तद्) सं·—दे· ಕುಂಟಣಗಿತ್ತಿ.

ಕುಟ್ಟಹಾರಿಕೆ कुट्टहारिके, [ಕುಟಹಾರಿ कुटहारि] (सम्) सं·—नौकरानी।

(१) ಕುಟ್ಟಿಕೆ कुट्टिके, ಕುಟ್ಟುವಿಕೆ कुट्टुविके (क) सं·—कूटने या चूर्ण करने की क्रिया।

(२) ಕುಟ್ಟಿಕೆ कुट्टिके (सम्) सं·—बैलों का झुण्ड।

ಕುಟ್ಟಿಗ कुट्टिग (क) सं·—एक प्रकार का खेल।

ಕುಟ್ಟಿಚಾತ कुट्टिचात (क) सं· — वनदेवता; भूत, पिशाच।—ವಿದ್ಯೆ विद्ये (क) सं· — जादू करने की विद्या।

ಕುಟ್ಟಿತ कुट्टित (सम्) वि·— कटा हुआ, पीसा या चूर्ण किया हुआ; समतल किया हुआ।

ಕುಟ್ಟಿನಿ कुट्टिनि (सम्) सं·—दे· ಕುಂಟಣಗಿತ್ತಿ.

ಕುಟ್ಟಿಮ कुट्टिम (सम्) सं· — पलस्तर लगाया और चिकना फ़र्श।

ಕುಟ್ಟಿಸು कुट्टिसु (क) क्रि·— कुटा, चूर्ण कर, ताड़न कर, पुड़िया करा (प्रे·)।

ಕುಟ್ಟು कुट्ट (क) क्रि· — कूटा, चूर्ण कर, पुड़िया कर: चोट कर, आघात कर; फेंक, (तीर चला); छेद, चुभ; डंक मार, पीड़ा दे; (समासांत में) कह, बोल; कर (ಗೊಣಗುಟ್ಟು गोणगुट्टु—अस्पष्ट रूप से बोल, ಬುಸುಗುಟ್ಟು बुसुगुट्टु — (रोष के मारे) सांप के जैसे 'बुस्-बुस्' कर। सं·— मार, ताड़न, डंक; मल के अबरोध (क़ब्ज़) के कारण होनेवाला पेट का दर्द; बुकुन, बुकनी।

ಕುಟ್ಟುವಿಕೆ कुट्टुविके, ಕುಟ್ಟುಹ कुट्टुह (क) सं·— दे· ಕುಟ್ಟಿಕೆ (१).

ಕುಟ್ಟೆ कुट्टे (क) सं·— कीड़ों के लगने से उत्पन्न वृक्ष की बुकनी।

ಕುಟ್ಣ कुट्ण, ಕುಟ್ಣಿ कुट्णि (क) सं·— दे· ಕುಟ್ಟಣ.

ಕುಟ್ಮಲ कुट्मल (तद्) सं·— कुड्मलः (तत्); कली, नयी कली।

ಕುಟ್ಮಲ್ಯ कुट्मलय (तद्) सं·— दे· ಕುಟ್ಮಲ.

ಕುಟ್ರು कुट्रु, ಗುಟ್ರು गुट्रु (क) सं.—गुटक (कबूतर का गुटकना)।

ಕುಠ कुठ (सम्) सं.— वृक्ष, पेड़।

ಕುಠರ कुठर [ಕುಟರ कुटर, ಕುಟಕ कुटक] (सम्) सं.— खंभा जिसमें मथानी की रस्सी लपेटी जाय।

ಕುಠಾಕು कुठाकु (तद्) सं.— काष्ठकूट (तत्) कठफ़ोड़वा; एक पक्षी।

ಕುಠಾರ कुठार (सम्) सं.—परशु, कुल्हाड़ी।

ಕುಠಾರಕ कुठारक (सम्) सं. — कुल्हाड़ी; परशुराम।

ಕುಠಾರಿ कुठारि (सम्) सं.—कुल्हाड़ी; कुल्हाड़ी धारण करनेवाला, प्रधान द्वारपाल।

ಕುಠಾರು कुठारु (सम्) सं. — वृक्ष, पेड़; बंदर।

ಕುಡ कुड (क) क्रि. रू.—दे; नहीं देता; नहीं देगा। सं. — खुरचने का (लोहे का) औज़ार; लोहे की छड़ी जैसा रोलर जो कपास के बीज को निकालने में काम आता है; दागने की क्रिया में उपयोगी लोहा; (लाख से) मुहर लगाने की लोहे की छड़ी।

ಕುಡಕ कुडक, ಕುಡಿಕ कुडिक (क) सं.—शराबी, मद्यप, पियक्कड़।

ಕುಡತ कुडत, ಕುಡಿತ कुडित (क) सं. पीना; घूंट।

ಕುಡತರ್ಗನವಳ್ಳಿ कुडतर्गनवळ्ळि (क) सं.— मल्लिका की एक जाति।

ಕುಡತಾ कुडता, ಕುಡತಿ कुडति, ಕುಡ್ತಾ कुड्ता (अ. दे.) सं.—('कुर्ती' से?) — चोली, जाकट।

ಕುಡತೆ कुडते; ಕುಡಿತೆ कुडिते, ಕುಡುತೆ कुडुते (क) सं.—हथेली, जुड़ी दोनों हथेलियां, अंजलि।

ಕುಡಲು कुडलु, ಕುಡ್ಲು कुड्लु, ಕುಡಗೋಲು कुडगोलु (क सं. — छोटी तलवार जो लकड़ी आदि काटने के काम में आवे।

(१) ಕುಡಿ कुडि (क) सं. = ಕುಡಿಗೋಲು. दे. ಕುಡಲು.

ಕುಡಿ कुडि (क) क्रि.—पी, पान कर; सांस खींच। वि.—पीने का, पीने योग्य; ಕುಡಿ ನೀರು कुडिनीरु—पीने का पानी। सं.— नोंक, अग्र, लता का अग्रभाग, बांस का अग्र भाग, (दिये की) बत्ती का सिर या अग्र, ज्वाला का ऊपरी भाग; चोटी, शृंग; ध्वज, पताका; घर; गृहस्थी; रहनेवाला, निवासी; नागरिक; काश्तकार; ಕುಡಿಯ कुडिय (क) सं. — शूद्र, किसान।

ಕುಡಿಕ कुडिक (क) सं.— दे. ಕುಡಕ.

ಕುಡಿಕೆ कुडिके (क) सं.—मिट्टी का छोटा बर्तन जिसमें तेल, घी आदि रखे जाते हैं (ಸುಣ್ಣದ ಕುಡಿಕೆ सुण्णद कुडिके—चूना रखने का मिट्टी का बर्तन); (मिट्टी), लकड़ी या धातु के अत्यंत छोटे-छोटे बर्तन-भाण्ड जिन्हें रखकर छोटी लड़कियाँ खेला करती हैं। ಕೂತುಕೊಂಡು ತಿನ್ನುವವನಿಗೆ ಕುಡಿಕೆ ಹಣ ಸಾಲದು कूतुकोंडु तिन्नुववनिगे कुडिके हण सालदु – जो यों ही बैठकर खाता रहता है (अर्थात् बेकार बैठा रहता है), उसको मिट्टी के बर्तन में रखा (जमा किया हुआ) धन पर्याप्त नहीं होता (कह.)।

ಕುಡಿಗು कुडिगु, ಕುಡಿನು कुडिनु (क) सं. — हल का एक भाग, कर्णी।

ಕುಡಿತ कुडित (क) सं.—दे. ಕುಡತ.

ಕುಡಿತೆ कुडिते, ಕುಡುತೆ कुडुते (क) सं.—दे. ಕುಡತೆ.

ಕುಡಿನ कुडिन (क) सं —हल जिस में बांस न लगा हो, निरीश, हल का फाल।

ಕುಡಿಯ कुडिय (क) सं.—शूद्र, किसान।

ಕುಡಿಯುವಿಕೆ कुडियुविके (क) सं.—पीना, पान करना।

ಕುಡಿಲು कुडिलु (क) सं. — पल्लव, किसलय।

ಕುಡಿಸು कुडिसु (क) क्रि.— पिला, पान करा; दिला (प्रे.); झुक, टेढ़ा या वक्र हो (अक्. क्रि.)।

ಕುಡು कुडु (क) क्रि.—दे, प्रदान कर, दान कर; बजा, (ताड़न कर। सं.—झुके रहने, टेढ़ा होने की स्थिति, वक्रता; असमता, टेढ़ा-मेढ़ा होना)। वि.—पीने का; ಕುಡು ನೀರು कुडु नीरु—पीने का पानी।

ಕುಡುಕು कुडुकु (क) क्रि. = ಕುಕ್ಕು कुक्कु— चंचुघात कर, चोंच मार; धीरे-धीरे कपड़े को पीट या साफ़ कर। सं.—अनाज आदि द्रव्य।

ಕುಡುಂಗಕ कुडुंगक (तद्) सं.—दे. ಕುಟುಂಗಕ.

ಕುಡುತೆ कुडुते (क) सं.—दे. ಕುಡತೆ.

ಕುಡುದು कुडुदु (क) सं.—दे. ಕಡದು.

ಕುಡುಪು कुडुपु, ಕುಡುಹು कुडुहु (क) सं.— ढोल, नगाड़ा आदि बजाने की लकड़ी या छड़ी, सारंगी का कमान; कपास को साफ़ करने का एक साधन।

ಕುಡ್ಡ कुड्ड (क) सं. = ಕುರುಡ कुरुड — अंधा (व्या. भा.)।

ಕುಡ್ಡಿ कुड्डि (क) सं. — अंधी स्त्री (ಕುರುಡಿ कुरुडि)।

ಕುಡ್ಡು (क) सं.— ಕುರುಡು कुरुडु—अंधता।

ಕುಡ್ತಾ कुड्ता (अ. दे.) सं.—दे. ಕುಡತಾ.

ಕುಡ್ಮಲ कुड्मल (सम्) सं.—दे. ಕುಟ್ಮಲ.

ಕುಡ್ಯ कुड्य (सम्) सं.—दीवाल, दीवार। — ವಿಶೇಷ विशेष (सम्) सं.—एक प्रकार की दीवार।

ಕುಡ್ಲು कुड्लु (क) सं.—दे. ಕುಡಲು.

ಕುಣತ कणत, ಕುಣಿತ कुणित (क) स.—नाचना, नाच, नृत्य।

ಕುಣಪ कुणप (सम्) सं.—शव, लाश।

ಕುಣಂಬ कुणंब (क) सं.—एक पौधा (Amarantus oleraceus)।

ಕುಣಿ कुणि (क) सं.— टुकड़ा, अंश; चिथड़ा, लत्ता; कपड़ा; छेद, गड्ढा, गर्त। क्रि.— नाच, नृत्य कर, नर्तन कर। ಕುಣಿಕುಣಿದಾಡು कुणिकुणिदाडु (क) क्रि.—नाच नाच; ಕುಣಿನಡಿಕೆ कुणिनडिके (क) सं.—नाचने की-सी चाल; कुदान, छलांग।

ಕುಣಿಕ कुणिक (सम्) सं.—वह जिसके हाथ-पैर कट गये हों या सूख गये हों।

ಕುಣಿಕೆ कुणिके (क) सं.—छेद, बिल, खोह; पोला होना, खोखलापन; फंदा; दरार; चक्कर, घेरा; कड़ी, संधि, मेल, गांठ, उंगली; कोना, कोण, कोया।

ಕುಣಿತ कुणित (क) सं.—दे. ಕುಣತ.

ಕುಣಿಯುವಿಕೆ कुणियुविके (क) सं·—नाचना, नाच, नाट्य।

ಕುಣಿಲ್ कुणिल् (क) सं·—डंडा, सोंटा।

ಕುಣಿಸು कुणिसु (क) क्रि· — नचा, नाट्य करा।

ಕುಣಿಹ कुणिह (क) सं·— नृत्य, नाच।

ಕುಣುಕು कुणुकु (क) सं·—कूटने या चूर्ण करने की क्रिया। क्रि·—खेल, क्रीडा कर।

ಕುಣ್ಮು कुण्मु (क) क्रि· — झुक, गिर, नीचे की ओर गिर पड़।

ಕುತ कुत (क)सं·—एक अनुकरणमूलक शब्द।

ಕುತಕುತ कुतकुत — पानी के उबलते समय निकलनेवाली ध्वनि।

ಕುತಣಿ कुतणि, ಕುತನಿ कुतनि, ಕುತ್ಣಿ कुत्णि, ಕುತ್ತಣಿ कुत्तणि, ಕುತ್ತನಿ कुत्तनि, ಕುತ್ನಿ कुत्नि (अ· दे·) सं·—साटन कपड़ा (Satin)।

ಕುತಂತ್ರ कुतंत्र (सम्) सं·—बुरी मंत्रणा या योजना।— ಗಾಱ गाऱ [ಗಾರ गार] (सम्) सं·—बुरी मंत्रणा करनेवाला।

ಕುತಪ कुतप (सम्) सं·–थोड़ा गरम या उष्ण; अपराह्न, सायंकाल; कुश, दर्भ; बुरी तपस्या; अंजलि; श्राद्ध करने का उपयुक्त समय।

ಕುತರ್ಕ कुतर्क (सम्) सं· — बुरा तर्क या दलील, झूठा वाद।

ಕುತಲ कुतल (सम्) सं·—भूमि, पृथ्वी; भूमि के नीचे का तीसरा लोक।

ಕುತಾಪಿ कुतापि (सम्) सं·— बुरी प्रवृत्ति या इच्छाएँ रखनेवाला मनुष्य।

ಕುತು कुतु (सम्) सं·—कुप्पी, कुप्पा।

ಕುತುಕ कुतुक (सम्) सं·—अभिलाषा, कामना इच्छा, प्रवृत्ति; कौतुक, उत्कंठा।

ಕುತುಪ कुतुप (सम्) सं· =कुप्पा या कुप्पी; दे· ಕುತಪ.

ಕುತೂಹಲ कुतूहल (सम्) सं· — उत्कंठा, उत्साह; तीव्रता, प्रचंडता; कौतूहल; इच्छा, कामना; आश्चर्य, कौतुक।

ಕುತ್ಕೀಲ कुत्कील (सम्) सं·—पर्वत, पहाड़।

ಕುತ್ತ कुत्त (क) सं·—दोष, अपराध, कसूर; कमी, न्यूनता; रोग, बीमारी; कष्ट, पीड़ा, संकट, खतरा।

ಕುತ್ತರಿ कुत्तरि (क) सं· = ಕುತ್ತಱ कुत्तऱि— सूखी घास, (अनाज के) भूसे का ढेर।

ಕುತ್ತುಱ್ कुत्तुऱ्, ಕುತ್ತುಱು कुत्तुऱु (क) सं·—दे· ಕುತ್ತುಱ್.

ಕುತ್ತಿಗೆ कुत्तिगे (क) सं·—कंठ, गला, गर्दन; गर्दन और गला।

ಕುತ್ತಿಸು कुत्तिसु (क) क्रि· — चुभा, पिटा, ताडन करा (प्रे·); पिट, ताडित हो; चुभ (अक्· क्रि·)।

ಕುತ್ತು कुत्तु (क) क्रि·—मार, पीट, आघात कर, चोट कर, चुभ; नीचे की ओर लगा या मोड़, फेंक, ढकेल। वि· — मारनेवाला, पीटनेवाला, चुभनेवाला, ढकेलनेवाला।

ಕುತ್ತುಗೆ कुत्तुगे (क) सं· — चुभने, लगने, आघात खाने, नीचे की ओर मुड़ जाने या झुकने की क्रिया।

ಕುತ್ತುಱ್ कुत्तुऱ्, ಕುತ್ತುಱು कुत्तुऱु (क) सं·— झाड़ी।

ಕುತ್ತೆ कुत्ते (क) सं·—किसी रोग से पीड़ित स्त्री।

ಕುತ್ನಿ कुत्नि (अ· दे·) सं·— ಕುತಣಿ.

ಕುತ್ಸಿತ कुत्सित (सम्) वि·—तिरस्कार करने योग्य, नीच, हेय, दुष्ट, कमीना।

ಕುತ್ಸೆ कुत्से [ಕುತ್ಸಾ कुत्सा] (सम्) सं·— गाली, अपशब्द, निंदा, तिरस्कार।

ಕುಥ कुथ, ಕುಥೆ कुथे (सम्) सं·— कुश, दर्भ।

ಕುದಕಲ್ कुदकल्, ಕುದಕಲು कुदकलु (क) सं· = ಕುಚ್ಚಲ್ कुच्चल्, ಕುದಪಲ್ कुदपल्, ಕುದಸಲ್ कुदसल्, ಕುದುಪಲ್ कुदुपल्, ಕುಸಲ್ कुसल्; ಕುಸುಪಲ್ कुसुपल्— (आधा-आधा) उबालने की क्रिया। ಕುದುಕಲಕ್ಕಿ कुदुकलक्कि (क) सं·—धान को थोड़ा उबालकर सुखाने के बाद किया गया चावल।

ಕುದರು कुदरु, ಕುದಿರು कुदिरु, ಕುದುರು कुदुरु (क) सं·—निचली भूमि, खोखली भूमि, गड्ढा, नदी की पार्श्व भूमि; नदी का द्वीप; नदी।

ಕುದರೆ कुदरे (क) सं·—घोड़ा, अश्व।

ಕುದರ್ಶನ कुदर्शन (सम्) सं·—बुरा दर्शन; बुरा दृश्य।

ಕುದಸಲ್ कुदसल् (क) सं·—दे· ಕುದಕಲ್.

ಕುದಸು कुदसु, ಕುದಿಯಿಸು कुदियिसु, ಕುದಿಸು कुदिसु (क) क्रि·—उबाल; पका; औटा।

ಕುದಿ कुदि (क) क्रि· =उबल, औट; जल, हृदय में जलन या पीड़ा हो, दग्ध हो, मनस्ताप हो। सं·—उबाल, उफान; जलन, पीड़ा, दुःख।

ಕುದಿಗೆ कुदिगे (क) सं·—ಕುದಿ (सं·)।

ಕುದಿಯಿಸು कुदियिसु (क) क्रि·—दे· ಕುದಸು.

ಕುದಿರ್ कुदिर् (क) सं·—धान्यकोष्ठक, धान (या अनाज) रखने की बांस की बड़ी टोकरी या मिट्टी के भाण्ड।

ಕುದಿರು कुदिरु (क) सं·—दे· ಕುದರು.

ಕುದಿರೆ कुदिरे (क) सं·—दे· ಕುದರೆ.

ಕುದಿಸು कुदिसु (क) क्रि·—दे· ಕುದಸು.

ಕುದಿಹ कुदिह (क) सं·— उबालना, उबाल, उफान।

ಕುದುಕು कुदुकु (क) क्रि· = ಕುಲುಕು कुलुकु— दुलकी चल, इतराते हुए चल· ठमक कर चल, तेज़ चल,। सं·—दुलकी, (घोड़े की) दुलकी चाल, ठमक।

ಕುದುಪಲ್ कुदुपल् (क) सं·—दे· ಕುದಕಲ್.

ಕುದುರ್ कुदुर् (क) सं,—दीवाल· दीवार।

ಕುದುರು कुदुरु (क)क्रि·—चंगा हो, स्वस्थ हो, सुधर जा; स्थिर हो, ठीक हो, व्यवस्थित हो; ठीक तरह से लग, एकीकरण हो, मिल; हाथ लग, अच्छा हो, सुधारित हो, (किसी के) उपयुक्त; चुप हो, शांत हो; दृढ़ हो, लगे रह; अभिवृद्ध हो, बढ़, विकसित हो, सफल हो। सं·—स्थिरता, ठीक होना, सुडौलपन, अवयवों की संगति, स्वस्थता, स्वास्थ्य, सुंदरता, स्वास्थ्य में सुधार; पौधों की क्यारी (मेड़); हाल; गोलाकर पदार्थ (धान कूटते समय धान

बाहर न विकीर्ण हो, इस उद्देश्य से इसको, ओखली पर रखा जाता है); घड़े के नीचे रखा जानेवाला चक्राकार पदार्थ (इसके रहने से घड़ा लुढ़क नहीं जाता); दे. ಕುದುರು.

ಕುದುರೆ कुदुरे (क) सं. — दे. ಕುದುರೆ; बंदूक का घोड़ा, शतरंज के खेल में 'वज़ीर'

ಕುದುರೆಗಾರ कुदुरेगार (क) सं.—घोड़ा रखनेवाला, वह जिसके पास घोड़ा हो, अश्वपालक।

ಕುದುರೆಗಾವ कुदुरेगाव (क) सं.—घोड़े की देखभाल करनेवाला, अश्व-रक्षक।

ಕುದುಷ್ಟಿ कुदृष्टि (सम्) सं. — बुरी दृष्टि; निर्बल या कमजोर दृष्टि।

ಕುದೆ कुदे (क) सं.—शृंखला; बेड़ी, बंधन।

ಕುದ್ದಾರ कुद्दार, ಕುದ್ದಾಲ, कुद्दाल (सम्) सं. —ಗುದ್ದಲಿ गुद्दलि (तद्)-कुदाली; फावड़ा, कचनार का वृक्ष, कांचन वृक्ष।

ಕುದ್ರಿ कुद्रि (क) सं.—दे. ಕುದುರೆ.

ಕುಧರ कुधर, ಕುಧ್ರ कुध्र (सम्) सं.— भूधर, पर्वत, पहाड़।

ಕುನಕ कुनक (सम्) सं.—कौआ।

ಕುನಟಿ कुनटि (सम्) सं. — लाल संखिया या विष।

ಕುನಸು कनसु (अ. दे.) सं.— खुनस (हिं); —विद्वेष, गहरी शत्रुता या डाह।

ಕುನಾಶಕ कुनाशक (सम्) सं.—एक कांटेदार पौधा (Alhagi maurorum Tournef).

ಕುನಿ कुनि (क) क्रि.—झुक, शरीर को आगे झुका; नवा, नमस्कार कर; अंग सिकोड़। सं.—टेढ़ी या वक्र भूमि।

ಕುನಿಕಲ್ कुनिकल् (क) सं.—बोरा, थैला, थैली।

ಕುನಿಷ್ಟು कुनिष्ट (क) सं. =ಕೊನಷ್ಟು कोनष्टे—वक्रता, टेढ़ापन; हठ, दुष्टता, धृष्टता, अविनय। (तद् ?) सं.—बिलकुल छोटा या क्षुद्र पदार्थ या व्यक्ति।

ಕುನಿಸು कुनिसु (क) क्रि.—दिक कर, कष्ट दे, पीड़ा दे।

ಕುನುಂಗು कुनुंगु (क) क्रि.—झुक, सिकुड़, सकुचित हो; विनम्र हो।

ಕುನ್ನ कुन्न (क) सं.—जुआं (चीलर)।

ಕುನ್ನಿ कुन्नि (क) सं.— पशुओं का बच्चा—विशेषकर कुत्ते का बच्चा, पिल्ला; कुत्ता; नीच या हेय बुद्धिवाला पुरुष।

ಕುನ್ನೆ कुन्ने (क) सं.—ಕುನ್ನಿ.

ಕುಪತಿ कुपति (सम्) सं.- पृथ्वीपति, राजा।

ಕುಪಥ कुपथ (सम्) सं.- बुरा रास्ता; बुरा चरित्र, घृणा करने योग्य स्वभाव।

ಕುಪರಿ कुपरि (सम्) सं.— बुरा विधान, रीति या व्यवहार।

ಕುಪಿತ कुपित (सम्) वि. — क्रुद्ध, रुष्ट, क्रोध किया हुआ। सं. — क्रोध, गुस्सा, रोष।

ಕುಪೂಯ कुपूय (सम्) वि.—दुष्टाचरणवाला, नीच, क्षुद्र।

ಕುಪ್ಪಟೆ कुप्पटे, ಕುಪ್ಪಡಿಗೆ कुप्पडिगे (क) सं.—अंगीठा, अंगीठी, बर्तन का टूटा हुआ टुकड़ा जिसमें आग रखी जाती है, वहनीय या सहज ही ले जाने योग्य अंगीठी।

ಕುಪ್ಪರಿಸು कुप्परिसु (क) क्रि. = ಕುಪ್ಪಳಿಸು कुप्पळिसु—दोनों पैरों को जोड़कर कूद, छलांग मार, मेंढक के जैसे कूद; उठाकर ज़मीन पर फेंक या पटक।

ಕುಪ್ಪಸ कुप्पस (तद्) सं. = ಕುಪ್ಸ कुप्स, ಕುಬಸ कुबस, ಕುಬುಸ कुबुस, ಕುಬ್ಬಸ कुब्बस, ಕುಬ್ಸ कुब्स — कूर्पास (तत्) — चोली, जाकट, कंचुक।

ಕುಪ್ಪಳಿಸು कुप्पळिसु (क) क्रि. — राशि हो, ढेर हो, समूह हो, समुदाय हो, अधिक हो, समृद्ध हो; गरम तरल पदार्थ से हानि या दुःख हो, फफोला या छाला हो; दे. ಕುಪ್ಪರಿಸು.

ಕುಪ್ಪಿ कुप्पि, ಕುಪ್ಪಿಗೆ कुप्पिगे (तद्) सं. = कूपी (तत्); बोतल, कांच की शीशी, पतली गर्दन की बोतल, कुप्पी।

ಕುಪ್ಪಿಸು कुप्पिसु (क) क्रि.—(किसी जानवर को कुदा या छांलग मारने दे।

ಕುಪ್ಪು कुप्पु (क) क्रि.— ढेर बना, राशि कर, एक साथ मिला, पुंजीकरण कर; कूद, लांघ, छलांग मार; दोनों पैरों को एक साथकर कूद। सं.—एक प्रकार का रोग, बीमारी।

ಕುಪ್ಪೆ कुप्पे (क) सं.—राशि, ढेर; गोबर की राशि; एक पौधा विशेष (Acalypha Indica)।

ಕುಪ್ಯ कुप्य (सम्) सं.— उपधातु, चांदी और सोने के अतिरिक्त शेष धातु।

ಕುಪ್ರತರ್ಕಿಗ कुप्रतर्किग (सम्) सं. — बुरी दलील देनेवाला, बुरा तर्कशास्त्रज्ञ।

ಕುಪ್ರಬೋಧೆ कुप्रबोधे (सम्) सं —बुरा ज्ञान दुर्बुद्धि।

ಕುಪ್ರಿಯ कुप्रिय (सम्) वि.— अरुचिकर, अप्रिय, असम; बुरे स्वाद का।

ಕುಬಕು कुबकु, ಕುಬುಕು कुबुकु (क) क्रि.—धीरे-धीरे जमीन खोद, घास—पात निकाल।

ಕುಬಸ कुबस (तद्) सं.—दे. ಕುಪ್ಪಸ.

ಕುಬುಬು कुबुबु, ಕುಬಿಬಿ कुबिबि (क) सं.—ज़ोर की चिल्लाहट, मनसेच्छा चिल्लाना, होहल्ला।

ಕುಬುಸ कुबुस (तद्) सं.—दे. ಕುಪ್ಪಸ.

ಕುಬೇರ कुबेर, ಕುವೇರ कुवेर (सम्) सं.—यक्षराज, धनाध्यक्ष देवता, उत्तर दिक्पति।

ಕುಬೋಧಕ कुबोधक (सम्) सं. — कुगुरु, बुरा उपदेश देनेवाला।

ಕುಬೋಧನೆ कुबोधने (सम्) सं.—बुरा उपदेश, बुरा ज्ञान।

ಕುಬ್ಜ कुब्ज (सम्) वि.—ಕುಬುಜ कुबुज (तद्) —कूबड़ा; झुका हुआ, वक्र। सं.—कूबड़, वक्रता, टेढ़ापन।

ಕುಬ್ಬಸ कुब्बस (तद्) सं.—दे. ಕುಪ್ಪಸ.

ಕುಬ್ಬು कुब्बु, ಕೊಬ್ಬು कोब्बु (क) सं. — अहंभाव, घमंड, मद। ಕುಬ್ಬಾಟ कुब्बाट (क) सं.—अहंभावपूर्ण व्यवहार।

ಕುಬ್ಸ कुब्स (तद्) सं.—दे. ಕುಪ್ಪಸ.

ಕುಭಾಷಿ कुभाषि (सम्) सं.—बुरा या अपशब्द कहनेवाला।

ಕುಭೃತ್ कुभृत् (सम्) सं.—पहाड़, पर्वत।

ಕುಮಕಿ कुमकि, ಕುಮುಕು कुमुकु; ಕುಮ್ಮಕ कुम्मकु, (अ. दे.) सं. – सहायता, मदद, सहारा।

ಕುಮುಂಜನ कुमंजन (क) सं.—दे. ಕುಟಜ.

ಕುಮತಿ कुमति (सम्) सं. —बुरी या खराब प्रवृत्ति ; मंद बुद्धि । वि.-बुरा, खराब, मूर्ख।

ಕುಮನ कुमन (सम्) सं.—बुरा या क्रूर मन या हृदय ।

ಕುಮಂತ್ರ कुमंत्र (सम्) सं — बुरी मंत्रणा, बुरी योजना, षड्यन्त्र, बुरे उपायों द्वारा अपनी इच्छा-पूर्ति का कार्य ।

ಕುಮರಿ कुमरि (क) सं.— जंगल में पेड़-पौधों को काटकर या जलाकर खेती के योग्य बनायी गई भूमि का भाग जहां एक-दो वर्ष ही खेती की जाती है ।

ಕುಮಾಯೆ कुमाये (क) सं.—बुरा उपाय ।

ಕುಮಾರ कुमार (सम्) सं. — ಕುವರ कुवर (तद्)—पुत्र, बालक, पांच वर्ष से कम आयु का बालक ; युवराज, राजकुमार ; स्कँद का नाम । — ಗುರು गुरु (सम्) सं. —शिव ।

ಕುಮಾರತೆ कुमारते, ಕುಮಾರ್ತೆ कुमार्ते (तद्) सं. — लड़की, कुमारी, जवान लड़की ; पुत्री ।

ಕುಮಾರ ರಾಮನ ಕಥೆ कुमार रामन कथे (सम्) सं.—कन्नड कवि नंजुण्ड का एक काव्य ।

ಕುಮಾರ ವಾಲ್ಮೀಕಿ कुमार वाल्मीकि (सम्) सं.—कन्नड का एक जनप्रिय महाकाव्य 'तोरवेरामायण' के कवि का नाम ।

ಕುಮಾರವ್ಯಾಸ कुमारव्यास (सम्) सं. — 'कर्णाट-भारत-कथामंजरी' या कन्नड-महाभारत के कवि का उपनाम (इनका वास्तविक नाम नारणप्पा था ।

ಕುಮಾರಸ್ವಾಮಿ कुमारस्वामि (सम्) सं.— स्कन्द, कार्तिकेय ।

ಕುಮಾರಿ कुमारि (सम्) सं. — ಕುವರಿ कुवरि (तद्)—दे. ಕುಮಾರತೆ.

ಕುಮುಟು कुमुटु (क) सं.—खराबी, धिनौनापन, सड़ापन ; दुर्गंध, बदबू । क्रि.— सूख, मुरझ ; कूद, छलांग मार ।

ಕುಮುದ್ कुमुद् (सम्) वि. — दयारहित, अमित्र ; लालची ।

ಕುಮುದ कुमुद (सम्) सं.—सफ़ेद कमल जो चंद्रोदय पर खिलता है ; लाल कमल ; नीलोत्पल; दक्षिण दिशा के दिग्गज का नाम; एक वृक्ष का नाम ; चंद्रमा ; कपूर, काफ़ूर ; कपिल वर्ण, भूरा रंग ; जल, पानी ; जनप्रमोद, हर्ष, आनंद ; कठोरता, निष्ठुरता, दयाराहित्य ; एक प्रधान कवि का नाम ।

ಕುಮುದಪ್ರಿಯ कुमुदप्रिय, ಕುಮುದ ಬಂಧು कुमुदबंधु, ಕುಮುದ ಬಾಂಧವ कुमुदबांधव (सम्) सं.—चंद्रमा ।

ಕುಮುದವೈರಿ कुमुदवैरि, ಕುಮುದಾರಿ कुमुदारि (सम्) सं.—सफ़ेद कमल का शत्रु सूर्य ।

ಕುಮುದಾಕ್ಷಿ कुमुदाक्षि (सम्) सं. — स्त्री जिसकी आँखें कुमुद के समान हो ।

ಕುಮುದಿನಿ कुमुदिनि (सम्) सं. — सफ़ेद कमलों का सरोवर या समूह ।—ಕಾಂತ कांत (सम्) सं.— चंद्रमा ।

ಕುಮುದ್ವತ್ कुमुद्वत्, ಕುಮುದ್ವತಿ कुमुद्वति (सम्) सं. — सफ़ेद कमलों का सरोवर, सफ़ेद कमलों का समूह; स्त्रियों का नाम ; एक नदी का नाम ;

ಕುಮ್ಮಟ कुम्मट, ಕುಮ್ಮಟೆ कुम्मटे (क) सं.— दे. ಕುಪ್ಪಟೆ.

ಕುಮ್ಮಸು कुम्मसु, ಕುಮ್ಮಿಸು कुम्मिसु (क) क्रि.—चूर्ण करा, कुटा (प्रे.) ।

ಕುಮ್ಮಳಿಸು कुम्मळिसु (क) क्रि. — दोनों पैरों को एक साथ मिलाकर कूद ।

ಕುಮ್ಮು कुम्मु (क) क्रि.—मूसल से कूट, पुड़िया या चूर्ण बना ।

ಕುಯ್ कुय्, ಕುಯಿ कुयि, ಕೊಯ್ कोय् (क) क्रि.—काट, विभाग कर, टुकड़े कर, चीर । ಕುಯಕ कुयक, ಕೊಯಕ कोयक (तद्) सं. — कुहका (तत्)—छलिया, जालसाज़ ।

ಕುಯಿ कुयि. (क) क्रि. —दे. ಕುಯ್.

ಕುಯಿಲು कुयिलु, ಕೊಯಿಲು कोयिलु (क) सं.—काटना, कटाव । ಕುಯಿಲಾಳು कुयिलाळु (क) सं.—फ़सल काटने के लिए नियुक्त मजदूर ।

ಕುಯಿಸು कुयिसु, ಕುಯ್ಯಿಸು कुय्यिसु, ಕೊಯಿಸು कोयिसु (क) क्रि.—कटा, कटाव करा (प्रे.)।

ಕುಯ್ಯ कुय्य (क) सं.— छड़ी, सोंटा ; अंकुड़ा।

ಕುಯ್ಯುವಿಕೆ कुय्युविके (क) सं.—काटने की क्रिया ।

ಕುಯ್ಯೋ कुय्यो, ಕೊಯ್ಯೋ कोय्यो (क) वि. बो.—हाय. हाय ।

(१) ಕುರ कुर, ಕುರು कुरु, ಕುರುವು कुरुवु (क) सं.—व्रण, घाव, फोड़ा ।

(२) ಕುರ कुर (तद्) सं.—खुरः (तत्) ; (गाय आदि का) खुर ।

ಕುರಕರ कुरकर ಕುರಂಕರ कुरंकर (सम्) सं.— सारस पक्षी, बगुला ।

ಕುರಗ कुरग (क ?) सं.—निहाई, स्थूणा, लोहे का साधन जिस पर (वस्तुएँ) रखकर सोनार काम करता है ।

ಕುರಂಗ कुरंग (सम्) सं.-हिरनों की एक जाति, लाल रंग का हिरन ; एक देश का नाम ।— ಧರ धर (सम्) सं. — चंद्रमा ।—ನಾಭಿ नाभि (सम्) सं.—मुश्क. कस्तूरी ।—ರಿಪು रिपु (सम्) सं.—बाघ, व्याघ्र ।

ಕುರಚಿ कुरचि, ಕುರಿಚಿ कुरिचि, ಕುರುಸಿ कुरुसि ಕುರ್ಚಿ कुर्चि (अ. दे.) सं.—कुरसी (अरबी); बैठने का आसन ।

ಕುರಚಿಲ್ಲ कुरचिल्ल (सम्) सं.—केकड़ा ।

ಕುರಟ कुरट (सम्) सं.—चमार, मोची ।

ಕುರಟಿಕೆ कुरटिके, ಕುರಟಿಗೆ कुरटिगे, ಕುರುಟಿಕೆ कुरुटिके, ಕೊರಟಿಗೆ कोरटिगे (क) सं. —एक वृक्ष विशेष ।

ಕುರಡ कुरड, ಕುರುಡ कुरुड (क) सं.—अंधा आदमी ।

ಕುರಡಿ कुरडि (क) सं.—अंधी स्त्री ।

ಕುರಡು कुरडु, ಕುರುಡು कुरुडु (क) सं.-अंधता, अंधत्व ।

ಕುರಂಟ कुरंट, ಕುರಂಟಕ कुरंटक (सम्) सं.— पीले रंग का सदाबहार गुलशादाब ।

ಕುರರ कुरर (सम्) सं. — उत्क्रोश पक्षी, चकवा ।

ಕುರರಿ कुररि (सम्) सं.—चकवी ।

ಕುರಲ್ कुरल् (क)क्रि.—चिल्ला, चीख, पुकार।
ಕುರವಕ कुरवक, ಕುರುವಕ कुरुवक (सम्) सं.—गुलकेस, गुलशादाब।
ಕುರವಿ कुरवि (क) सं.—एक पौधे का नाम।
ಕುರಳು कुरळु, ಕುರುಳ್ कुरुळ्, ಕುರುಳು कुरुळु, ಕುರ್ಳು कुर्ळु (क) सं. — उपला, गोमय-पिंड, करीष।
ಕುರಾಣ कुराण, ಕುರಾನ್ कुरान्, ಕುರಾನು कुरानु, ಖುರಾಣ खुराण, ಖುರಾನು खुरानु (अ. दे.) सं.– कुरान।
ಕುರಿಚಿ कुरिचि (अ. दे.) सं.– दे. ಕುರಚಿ.
ಕುರು कुरु (क) सं.—दे. ಕುರ। (सम्) सं.—आधुनिक दिल्ली के आसपास का प्रदेश; उस देश के राजा।–ಕುಲ कुल (सम्)सं.—कुरुवंश, पाण्डव और कौरवों का वंश।—ಕ್ಷೇತ್ರ क्षेत्र (सम्) सं.—दिल्ली के पश्चिम का एक तीर्थस्थान, जहाँ पांडव और कौरवों का युद्ध हुआ था।
ಕುರುಜಾಂಗಲ कुरुजांगल (सम्) सं. — देश का नाम और उसके निवासी।
ಕುರುಜಾತು कुरुजातु (सम्) सं.—प्राचीनकाल का एक सिक्का।
ಕುರುಜು कुरुजु (क) सं.—बांस की तीलियों का ढांचा जिसपर काग़ज या कपड़ा या पत्ते लगे रहते हैं और जिसके अंदर विग्रह आदि रखे जाते हैं, बांस का मंडप, वर-वधू को बैठने का कल्याण-मंडप।
ಕುರುಟಿಗ कुरुटिग (क) सं.—दे. ಕುಟಿಜ.
ಕುರುಟಿಗೆ कुरुटिगे, ಕುರುಟಿಕೆ कुरुटिके (क) सं.—दे. ಕುರಟಿಕೆ.
ಕುರುಡ कुरुड (क) सं.— दे. ಕುರಡ.
ಕುರುಡತನ कुरुडतन (क) सं.—दे. ಕುರಡು.
ಕುರುಡಿ कुरुडि (क) सं.— दे. ಕುರಡಿ.
ಕುರುಡು कुरुडु (क) सं. दे. ಕುರಡು.
ಕುರುಂಟೆ कुरुंट (सम्) सं.— ಗೊರಟೆ गोरटे, ಗೋರಟೆ गोरट्टे, ಗೋರಂಟ गोरंट, ಗೋರಂಟೆ गोरंटे (तद्)—लाल रंग का गुलशादाब।
ಕುರುಂಟಕ कुरुंटक (सम्) सं.—दे. ಕುರುಂಟ.
ಕುರುದಂಡ कुरुदंड (सम्) स.—लंबी लाठी, छड़ी या दण्ड।
ಕುರುಪೆ कुरुपे (तद्) सं — कृपा (तत्)।
ಕುರುಬೆ कुरुबे, ಕುರುಂಬೆ कुरुंबे (क) सं.—अपक्व या कच्चा नारियल, नम (या कोमल) नारियल।
ಕುರುವಿಂದ कुरुविंद (सम्) सं —एक सुरभित तृण; लाल, रत्न।
ಕುರುವಿಸ್ತ कुरुविस्त (सम्) सं.—चार तोले की सोने की तौल।
ಕುರುವು कुरुवु (क) सं.—दे. ಕುರ (१).
ಕುರುವೈರಿ कुरुवैरि (सम्) सं. — कौरवों के शत्रु, भीम।
ಕುರುಸಿ कुरुसि(अ. दे.) सं.— ಕುರಚಿ.
ಕುರುಳ್ कुरुळ् (क) सं.—दे. ಕುರಳು; ಕುರುಳು कुरुळु, ಕುರ್ಳು कुर्ळु—घुंघराले बाल, अलंकृत केश।
ಕುರುಳು कुरुळु (क) सं. — दे. ಕುರುಳ್; दे. ಕುರುಡು.
ಕುರುಳೆ कुरुळे (क) सं.— मिट्टी का बड़े मुंह का बर्तन जिसमें दही मथा जाता है।
ಕುರುಳ್ಚು कुरुळ्चु (क) क्रि.—शस्त्र या आयुध हिला, शस्त्र-संचालन कर।
ಕುರೂಪ कुरूप (सम्) सं.—ಕುರೂಪು कुरूपु (तद्)—बुरा रूप, रूप या सौंदर्य हीनता, भद्दापन। ಕುರೂಪಿ कुरूपि (सम्) वि.—बदसूरत, भद्दा।
(१) ಕುರೆ कुरे (क) सं —एक अनुकरणमूलक शब्द।
(२) ಕುರೆ कुरे (?) सं.— शुद्ध सोना, कुंदन।
ಕುರ್ಚಿ कुर्चि, ಕುರ್ಚ कुर्च, ಕುರ್ಚು कुर्चु (क) सं. —छोटा वृक्ष विशेष। — ಕಾಡು काडु (क) सं. — छोटा-छोटे वृक्षों का जंगल।
ಕುರ್ಬ कुर्ब, ಕುರುಬ कुरुब, ಕುರುಂಬ कुरुंब (क) सं.— गड़रिया, चरवाहा; मूर्ख, बेवकूफ़।—ತನ तन (क) सं.— गड़रिये की वृत्ति, मूर्खता।
ಕುರ್ವ कुर्व, ಕುರುವ कुरुव, ಕುರ್ವ कुर्व (क) सं.—द्वीप, अंतरीप।
ಕುರ್ಳ್ कुर्ळ् (क) सं. = ಕುಳ್ಳು कुळ्ळु — नाटापन, छोटापन; छोटी-छोटी पंक्तियों (चरणों) की कविता (उदा. — तमिळ् का 'तिरुक्कुरळ्' ग्रंथ।
ಕುಱಿ कुऱि (क) क्रि. — निशान लगा, चिह्न लगा; लिख, नोट कर; ध्यान दे, विचार कर। सं. – चिह्न, निशान; पहचान; लक्ष्य, उद्देश्य, निशाना; भेड़, मेष, मेढ़ा।
ಕುಱಿಕೆ कुऱिके (म) सं.—ग्राम. गांव।
ಕುಱಿತನ कुऱितन (क) सं.—भेड़ जैसी बुद्धि, मूर्खता।
ಕುಱಿತು कुऱितु (क) अ.—के बारे में, के संबन्ध में।
ಕುಱಿಪು कुऱिपु (क) सं.— दे, ಕುಱಿ (सं)।
ಕುಱು कुऱु (क) वि. —छोटा, लघु। ಕುಱುಗಂಟು कुऱुगंटु (क) सं.—छोटी गठरी या गट्ठा। ಕುಱುಗೆಯ್ कुऱुगेय् (क) सं. — छोटा हाथ। ಕುಱುಪಡೆ कुऱुपड़े (क) सं.—छोटी सेना।
ಕುಱುಕು कुऱुकु, ಕುಱುಂಕು कुऱुंकु (क) क्रि.—दांतों से काट, कुतर, खा।
ಕುಱುಕುಳಿ कुऱुकुळि (क) सं — निंदा करने वाला।
ಕುಱುಗಣಿ कुऱुगणि (क) सं.—न्यूनता. कमी, घटना; वह जो घट गया या कम हो गया हो; कानों की गंदगी (मैल)।
ಕುಱುಚು कुऱुचु (क) सं.—कम होने या घटने की क्रिया, कमी, न्यूनता, घटना; छोटापन, लघुता; नाटापन, ठिगनापन।
ಕುಱುಜೆ कुऱुजे, ಕುಜ್ಜೆ कुज्जे (क) सं.—कच्चा (या अपक्व) कटहल।
ಕುಱುಪು कुऱुपु (क) सं.—दे. ಕುಱಿ (सं)।
ಕುಱುಬ कुऱुब (क) सं.— दे. ಕುಱುಬ; दे. ಕಿರಬ; कुम्हार।
ಕುಱುಬಗಿತ್ತಿ कुऱुबगित्ति (क) सं. — गड़रिया जाति की स्त्री।
ಕುಱುಬತನ कुऱुबतन (क) सं. = ಕಱುಬತನ.
ಕುಱುಬತಿ कुऱुबति; ಕಱುಬಿತ್ತಿ करुबित्ति (क) सं.— ಕುಱುಬಗಿತ್ತಿ.

ಕುರುಂಬ कुरुंब (क) सं.—दे. ಕುರುಬ; एक पहाड़ी जाति के लोग और उनकी बोली (यह कन्नड से संबंधित एक बोली है); किले का आदमी, किले का रक्षक।

ಕುರುಂಬಿ कुरुंबि, ಕುರುಂಬಿತಿ कुरुंबिति (क) सं.—कुरुब जाति की स्त्री।

ಕುರುಂಬು कुरुंबु (क) सं. — दे. ಕುರುಂಬಿ; मूर्खता, बेवकूफ़ी; (दुष्टता)।—ಗಾರ गार (क) सं.—बेवकूफ़ आदमी, मूर्ख पुरुष।

ಕುರುವ कुरुव (क) सं.—दे. ಕುರುಬ.

ಕುರುವು कुरुवु, ಕುರುಹು कुरुहु (क) सं.—चिह्न, निशान, पहचान; कलंक, लांछन, दोष; लक्ष्य, उद्देश्य।

ಕುರೆ कुरे (क) सं.—भेंट, उपहार (विवाह के समय दूल्हा-दुल्हिन को दिये जानेवाले उपहार—वस्त्रादि)।

ಕುರ್ಕುರ कुर्कुर (सम्) सं.—कुत्ता, श्वान।

ಕುರ್ಗು कुर्गु (क) क्रि.—झुक, टेढ़ा हो; सिकुड, संकुचित हो; दब, भार के कारण नीचे जा; कम हो, घट। सं.—झुकने या टेढ़ा होने की स्थिति, टेढ़ापन, सिकुड़न; कुकुद्, कूबड़।

(१) ಕುರ್ಚಿ कुर्चि (क) सं.—वह जिसने कटे जाने के कारण अपने शरीर के किसी अंग को खो दिया है।

(२) ಕುರ್ಚಿ कुर्चि (अ. दे.) सं.—दे. ಕುರಚಿ.

ಕುರ್ಚಿಕೆ कुर्चिके, ಕೂರ್ಚಿಕೆ कूर्चिके, (सम्) सं.—कूंची; कुंजी, ताली; दुग्धविकार; सुई।

ಕುರ್ಚಿಗೆ कुर्चिगे (क) सं.—घास-फूस निकालने का कांटा।

ಕುರ್ವ कुर्व (क) सं.—दे. ಕುರುವ.

ಕುರ್ಳು कुर्ळु (क) सं.—दे. ಕುರುಳ್.

ಕುಲ कुल (सम्) सं. — कुल, वंश, घराना; कुलीन या उच्च वंशीय; समूह, समुदाय, झुण्ड, दल; जाति; घर, स्थान; देश; शरीर। ಕು[illegible]ದ'ನಾದರೂ ವರಹೀನನಾಗಬಾರದು [illegible] कुसुद् (सम् [illegible] वरहीननागवारदु-दुल्हा [illegible] मित्र [illegible] र वह कुदर्शन कदापि न हो (कह.)।—ಗೆಡಕ गेडक (क) सं.—अपनी जाति या वंश को खराब करनेवाला। —ಗೆಡಕಿ गेडकि (क) सं. — स्त्री. लिं.। ಗೆಡು गेडु (क) क्रि.—कुल या जाति खराब हो, बरबाद हो।

ಕುಲಕ कुलक (सम्) सं.—अच्छे कुल का व्यक्ति, सद्वंशज; कोविदार या आबनूस विशेष, एक प्रकार की कविता; तितलौकी; कडुआ चचींड़ा।

ಕುಲಕರಣಿ कुलकरणि, ಕುಲಕರ್ಣಿ कुलकर्णि (सम्) सं.—ग्राम के लेखक, ग्राम के मुंशी; ग्राम की मुंशीगरी करनेवालों की एक जाति।

ಕುಲಕಿಸು कुलकिसु, ಕುಲಿಕಿಸು कुलिकिसु, ಕುಲುಕಿಸು कुलुकिसु (क) क्रि.—हिलवा; झटका, हिला, उत्तेजित कर, व्यग्र कर; पंकिल कर।

ಕುಲಕು कुलकु, ಕುಲಿಕು कुलिकु, ಕುಲುಕು कुलुकु (क) क्रि. — हिला (बोतल को हिलाना), हिला कर ठीक कर; पंकिल कर, गंदा कर; व्यग्र कर उत्तेजित कर। सं.—हिलाने की क्रिया; हिलना, कंपन, डुलना; झटका।

ಕುಲಕ್ಷಯ कुलक्षय (सम्) सं.—कुल या वंश का नाश।

ಕುಲಗಿರಿ कुलगिरि (सम्) सं.—कुलपर्वत, सात प्रधान पर्वतों में एक।

ಕುಲಗುರು कुलगुरु (सम्) सं.— कुल के आचार्य।

ಕುಲಗೃಹ कुलगृह (सम्) सं. — उच्च या श्रेष्ठ घराना।

ಕುಲಗೋತ್ರ कुलगोत्र (सम्) सं.—घराना या वंश और जाति-संप्रदाय।

ಕುಲಜ कुलज (सम्) सं.—सत्कुल में उत्पन्न व्यक्ति। सत्कुल का; पूर्वजों का, परंपरागत।

ಕುಲಜೆ कुलजे (सम्) सं. — अभिजात वंश की स्त्री।

ಕುಲಟೆ कुलटे (सम्) सं.—कुलटा, छिनाल, व्यभिचारिणी स्त्री।

ಕುಲತ್ಥ कुलत्थ (सम्) सं. — कुलथी, अनाज विशेष।

ಕುಲನಗ कुलनग (सम्) सं.—दे. ಕುಲಗಿರಿ.

ಕುಲನಾರಿ कलनारि (सम्) सं.—अच्छे परिवार की स्त्री, सद्गृहिणी, पतिव्रता।

ಕುಲಪರ್ವತ कुलपर्वत (सम्) सं. — दे. ಕುಲಗಿರಿ.

ಕುಲಪಾಲಿಕೆ कुलपालिके, ಕುಲಬಾಲಿಕೆ कुलबालिके (सम्) सं.—अभिजात कुलवधू, आदरणीय स्त्री।

ಕುಲಮದ कुलमद (सम्) सं.—जाति, वंश या जन्म का घमंड या मद।

ಕುಲಮೆ कुलमे, ಕುಲಿಮೆ कुलिमे, ಕುಲುಮೆ कुलुमे, ಕುಲ್ಮೆ कुल्मे, ಕೊಲಿಮೆ कोलिमे, ಕೊಲುಮೆ कोलुमे (क) सं. — चूल्हा, अंगीठी।

ಕುಲವಿವರ कुलविवर (सम्) सं.—कुलभेद।

ಕುಲವಿಹೀನ कुलविहीन (सम्) सं. —जाति भ्रष्ट पुरुष; नीच कुल में उत्पन्न मनुष्य।

ಕುಲಸ್ಥ कुलस्थ (सम्) सं.—अच्छे वंश या परिवार का व्यक्ति। ಕುಲಸ್ಥೆ कुलस्थे — स्त्री. लिं.।

ಕುಲಾಚಲ कुलाचल (सम्) सं.—दे. ಕುಲಗಿರಿ.

(१) ಕುಲಾಯ कुलाय (सम्) सं.—घोंसला।

(२) ಕುಲಾಯ कुलाय, ಕುಲಾಯಿ कुलायि, ಕುಲಾವಿ कुलावि, ಕುಲ್ಲಾಯಿ कुल्लायि, ಕುಲ್ಲಾವಿ कुल्लावि, ಕುಳ್ಳಾವಿ कुळावि (क?) सं.—छोटी टोपी, बच्चों की पहनाने की टोपी।

ಕುಲಾಯಿಸು कुलायिसु (अ. दे.) क्रि - ['खोल' (हिं) से]—खुला हो, फैला हुआ या व्याप्त हो; साफ़-साफ़ हो; अधिक हो, वृद्धि हो।

ಕುಲಾಲ कुलाल (सम्) सं.—कुम्हार।—ಕರಣ करण (सम्) सं.—कुम्हार की वृत्ति। —ಚಕ್ರ चक्र (सम्) सं.—कुम्हार का चाक।

ಕುಲಾಲಿ कुलालि (सम्) सं.—कुम्हार की स्त्री; एक प्रकार का नीला पत्थर; कुलथी का पौधा विशेष।

ಕುಲಿ कुलि (क) सं. — मारनेवाला, हत्यारा। (सम्) सं.—हाथ।

ಕುಲಿಕ कुलिक (सम्) वि.—कुलीन। सं.—एक नाग या सर्प का नाम।

ಕುಲಿಕಿಸು कुलिकिसु (क) क्रि.—दे. ಕುಲಕಿಸು.

ಕುಲಿಕು कुलिकु (क) क्रि.—दे. ಕುಲಕು.

ಕುಲಿಕೆ कुलिके, ಕೊಲಿಕೆ कोलिके, ಕೋಲಿಕೆ क़ोलिके, [ಕುಣಿಕೆ कुणिके] (क) सं.— फंदा दरार, चक्कर, गांठ, अंकुड़ा; मेल, जोड़, कड़ी, संधि।

ಕುಲಿತ कुलित (सम्) वि.—राशि किया हुआ, मिलाया हुआ, एकत्रित।

ಕುಲಿಮೆ कुलिमे (क) सं.—दे. ಕುಲುಮೆ.

ಕುಲಿಶ कुलिश (सम्) सं—इन्द्र का वज्र; एक माप विशेष; एक प्रकार की मछली।— ಧರ धर, ಧಾರಿ धारि; ಹಸ್ತ हस्त (सम्) सं. —इंद्र।

ಕುಲೀನ कुलीन (सम्) वि.—सद्वंश में उत्पन्न, अच्छे परिवार का, अच्छी नस्ल का।— ತ್ವ त्व (सम्) सं.—कुलीनता।

ಕುಲೀನೆ कुलीने (सम्) सं.—दे. ಕುಲಜೆ.

ಕುಲೀರ कुलीर (सम्) सं.— केकड़ा।

ಕುಲುಕಿಸು कुलुकिसु (क) क्रि.—दे. ಕುಲಕಿಸು.

ಕುಲುಕು कुलुकु (क) क्रि.—दे. ಕುಲಕು.

ಕುಲುಕುಗಾತಿ कुलुकुगाति (क) सं.—हाव-भाव दिखलानेवाली स्त्री, विलासवती स्त्री, कामिनी नारी।

ಕುಲುಮೆ कुलुमे (क) सं.—दे. ಕುಲುಮೆ.

ಕುಲೇಂದ್ರ कुलेंद्र, ಕುಲೋದ್ದಾಮ कुलोद्दाम (सम्) सं. —वंश या घराने का प्रधान पुरुष।

ಕುಲ್ಕು कुल्कु (क) क्रि.—दे. ಕುಲಕು.

ಕುಲ್ಲ (अ. दे. ?) सं.—भैंसा।

ಕುಲ್ಮಾಷ कुल्माष (सम्) सं.—माँड़, पीची; आधा पका जौ; घटिया प्रकार का उड़द; रौंगी, बरबटी।

ಕುಲ್ಸೆ कुल्से, (क) सं,—दे. ಕುಲುಮೆ.

ಕುಲ್ಯ कुल्य (सम्) स.—(ಕುಲ್ಯೆ कुल्ये—तद्)— हड्डी, अस्थि; नाला, नहर; खाई; परिखा; किनारा, तट; नदी; वन, जंगल; मोह; फूहड़ आदत, लत। वि.—कुल का, कुलीन, वंश संबंधी।

ಕುಲ್ಯೆ कुल्ये (सम्) सं. — दे. ಕುಲ್ಯ; कुलवधू, कुलनारी; लक्ष्मी।

ಕುಲ್ಯಾ कुल्या (अ. दे.) वि. — खुला; फैला हुआ।

ಕುಲ್ಲಾಯಿ कुलायि, ಕುಲ್ಲಾವಿ कुलावि (क ?) सं.—दे. ಕುಲಾಯಿ.

ಕುಲ್ಲು कुल्लु (अ. दे) वि.— कुल (हिं.); सब; पूरा।

ಕುವಕ कुवक (तद्) सं. — कुहकम् (तत्); छल, प्रवंचना, जालसाज़ी।

(१) ಕುವರ कुवर (क) सं.—कुम्हार; = ಕುಮ್ಬರ कव्वर, ಕೊವ್ವರಿ कोंव्वरि — पर्दा, यवनिका; (घूँघट, नकाब)।

(२) ಕುವರ कुवर (तद्) सं. = ಕೂಬರ कूबर, ಕೊಮರ क़ोमर, ಕೊಮಾರ क़ोमार, ಕೋರ क़ोर (कुमारः - तत्)—दे. ಕುಮಾರ.

ಕುವರಿ कुवरि, ಕೋವರಿ क़ोवरि (तद्) सं.— कुमारी (तत्) — लड़की, पुत्री, जवान लड़की।

ಕುವಲ कुवल (सम्) सं. — फेनिल, उन्नाव (वृक्ष और फल); कमल विशेष।

ಕುವಲಯ कुवलय (सम्) सं. — कमल; नीलकमल विशेष; भूमि, धरा। — ಧಾರಿ धारि (सम्) सं.— सरोवर; राजा, भूपति।

ಕವರಿ कुवरि, ಕೋಲಿ कोलि (क ?) सं.–उन्नाव, फेनिल।

ಕುವಾಕ್ कुवाक्, ಕುವಾಚ್ कुवाच् (सम्) सं.—बुरे वचन, निंदा, गाली।

ಕುವಾದ कुवाद (सम्) सं.—बुरा वाद, बुरी दलील, हठवाद। वि.—बदनाम, तुच्छ; निंदक।

ಕುವಿ कुवि (क) क्रि.—पुकार, चिल्ला।

ಕುವಿಂದ कुविंद, ಕುವಿಂದಕ कुविंदक (सम्) सं.—जुलाहा।

ಕುವೇಣಿ कुवेणि (सम्) सं. —कुवेणी मछलियों को रखने की टोकरी।

ಕುವೇರ कुवेर (सम्) सं.—दे. ಕುಬೇರ.

ಕುವೇರಕ कुवेरक (सम्) सं.—तुन का वृक्ष।

ಕುವೇರಾಕ್ಷಿ कुवेराक्षि (सम्) सं.—एक पौधा-विशेष (The plant Bignonia Suaveolens)।

ಕುವ್ವೆ कुव्वे (क) सं.— एक वृक्ष विशेष जिसके पत्तों से शिरस्त्राण (टोपी जैसी वस्तु) बनाया जाता है और वर्षा के जल से बचने के लिए उसका उपयोग किया जाता है; अरारूट।

ಕುಶ कुश (सम्) सं —दर्भ, पवित्र तृण विशेष; पानी, जल; राम के बेटे का नाम; एक बड़ा द्वीप विशेष। — ಜ ज, ಜಾತ जात (सम्) सं.— कमल, कुवलय।

ಕುಶಬ್ದ कुशब्द (सम्) सं.–बुरा शब्द, अनुचित वचन।

ಕುಶಲ कुशल (सम्) वि.— ठीक, अच्छा, शुभ, प्रसन्न, समृद्धिशाली; योग्य, प्रवीण, पटु, निपुण, दक्ष। — ಗಾರ गार (सम्) सं.— बुद्धिमान पुरुष; ಗಾರ್ತಿ गार्ति— स्त्री. लिं.। — ತನ तन (सम्) सं.— बुद्धिमत्ता, निपुणता, दक्षता।—ತೆ ते (सम्) सं. = ಕುಶಲತನ.—ಪ್ರಶ್ನೆ प्रश्ने (सम्)— कुशल-क्षेम पूछना।

ಕುಶಲಿ कुशलि (सम्) सं.— बुद्धिमती या निपुणा स्त्री।

ಕುಶಸ್ಥಲಿ कुशस्थलि (सम्) सं.— द्वारकापुरी; दक्ष की पुत्री का नाम।

ಕುಶಾಗ್ರಬುದ್ಧಿ कुशाग्रबुद्धि, ಕುಶಾಗ್ರಮತಿ कुशाग्रमति (सम्) सं.— तीक्ष्ण बुद्धिवाला, तेज़ बुद्धिवाला।

ಕುಶಾಲು शालु (अ दे.) सं.— खुशहाल (फ़ारसी); सुख संपन्नता, अच्छी स्थिति, आनंद।

ಕುಶಾಸನ कुशासन (सम्) सं.— कुश या दर्भ का आसन (चटाई)।

(१) ಕುಶಿ कुशि (सम्) सं.— हल की फाल; काम्टी लोहा।

(२) ಕುಶಿ कुशि, ಕುಷಿ कुषि, ಕುಸಿ, कुसि (आ. दे.) सं. — खुशी (फ़ारसी); आनंद संतोष।

ಕುಶಿಕ कुशिक, ಕುಶಿರ कुशिर (सम्) सं.— हल की फाल।

ಕುಶೀಲವ कुशीलव (सम्) सं.— भाट, चारण, गायक, नट, अभिनेता।
ಕುಶೂಲ कुशूल (सम्) सं.— ಕುಸೂಲ कुसूल (तद्)— भंडार, अन्न भरने की कोठरी।
ಕುಶೆ कुशे (सम्) सं.— दे. ಕುಶ. लगाम; लकड़ी की टुकड़ी; किसी को ढँकने का काष्ट फलक या तख्ता।
ಕುಶೇಶಯ कुशेशय (सम्) सं.— पानी में उत्पन्न होनेवाला, कमल, कुवलय; विष्णु (मै. प्र.)।
ಕುಶ್ವಭ್ರ कुश्वभ्र (सम्) सं.— भूमि में एक छोटा छेद।
ಕುಷ್ಕಿ कुष्कि (क?) सं.— वह भूमि जहाँ वर्षा होने से उपज हो सकती है।
ಕುಷ್ಟಿಗ कुष्टिग (क) सं.— एक लता विशेष।
ಕುಷ್ಠ कुष्ठ (सम्) सं.— एक पौधा विशेष, कुष्ठ या कोढ़ रोग।
ಕುಷ್ಮಾಂಡಕ कुष्मांडक (सम्) सं.— कुम्हड़ा।
ಕುಸ कुस (क) सं.— ಕುಸಕುಸ कुसकुस— फुसफुसाहट। ಕುಸಗುಟ್ಟು कुसगुट्टु (क) क्रि.— फुसफुसाहट कर।
ಕುಸಕು कुसकु (क) सं.— कपड़े को धीरे धीरे साफ़ कर या पीट।
ಕುಸಂಗ कुसंग (सम्) सं.— बुरी संगति।
ಕುಸಂಧಿ कुसंधि (सम्) सं.— शब्दों का असाधु मेल; तंगी, तंग जगह; ग्रहों की बुरी गति।
ಕುಸಮಯ कुसमय (सम्) सं.— बुरा समय; बुरा नियम या क़ायदा; नास्तिकता।
ಕುಸಲ್ कुसल् (क) सं.— दे. ಕುದಲ್.
ಕುಸಲ कुसल (तद्) सं.— कुशल (तत्)।
ಕುಸಾಕಳಿ कुसाकळि (क) सं.— कष्ट, संकट; व्यग्रता, विकलता।
ಕುಸಾಲೆ कुसाले (क) सं.—दे. ಕಸಾಲೆ.
(१) ಕುಸಿ कुसि (क) सं.—कवाटशलाका, दरवाज़े का कीला; झुकने या टेढ़ा रहने की स्थिति, झुकाव, टेढ़ापन। क्रि.— ढह जा, नीचे की ओर हो जा, झुक जा, भार (बोझ) के कारण दब जा, नवा; ठोकर खाकर गिर; कंपित हो, कांपकर गिर; डूब; स्थान दे; ठहर।
(२) ಕುಸಿ कुसि (अ. दे.) सं.—दे. ಕುತಿ (२).
ಕುಸಿಕು कुसिकु (क) क्रि.—मार, पीट, आघात कर; कपड़े को धीरे-धीरे साफ़ कर या ज़मीन पर पीट।
ಕುಸಿಬೆ कुसिबे, ಕುಸಿಂಬೆ कुसिंबे (तद्) सं.— कुसुंभः (तत्)।
ಕುಸೀದ कुसीद, ಕುಸೀದಕ कुसीदक (सम्) सं.—व्याज या सूद पर जीवित रहनेवाला।
ಕುಸು कुसु (क) सं. = ಕುಸುಕುಸು कुसुकुसु = ಕುಸುಕುಸ.
ಕುಸುಕ कुसुक (क) सं.—दे ಕುಸಿ (१).
ಕುಸುಕು कुसुकु (क) सं.—भार या बोझ के कारण दबकर गिरने या झुकने की स्थिति। क्रि.—दे. ಕುಸಿಕು.
ಕುಸುಂಕು कुसुंकु (क) क्रि.—दे. ಕುಸಿಕು.
ಕುಸುಬು कुसुबु, ಕುಸುಮು कुसुमु (क) क्रि.— कपड़े को पत्थर पर मार-मार कर साफ़ कर; नीचे गिरा, ठेल दे।
ಕುಸುಬೆ कुसुंबे (तद्) सं. — कुसुंभः (तत्)।
ಕುಸುಮ कुसुम (सम्) सं.—फूल; पुष्प; रजोदर्शन।
ಕುಸುಮಧನ್ವ कुसुमधन्वा, ಕುಸುಮಬಾಣ कुसुमबाण, ಕುಸುಮಶರ कुसुमशर, ಕುಸುಮಸಾಯಕ कुसुमसायक, ಕುಸುಮಾಯುಧ कुसुमायुध (सम्) सं.—मन्मथ, कामदेव।
ಕುಸುಮಮಂಜರಿಗೆ कुसुममंजरिगे (सम्) सं.— फूलों का गुच्छा, फूलों की माला।
ಕುಸುಮರಸ कुसुमरस (सम्) सं. — शहद, मधु।
ಕುಸುಮವಿಚಿತ್ರ कुसुमविचित्र (सम्) सं. — एक छंद का नाम।
ಕುಸುಮ ವಿಶಿಖ कुसुम विशिख (सम्) सं.— कामदेव।
ಕುಸುಮ ಷಟ್ಪದಿ कुसुम षट्पदि (सम्) सं.— एक छंद का नाम।
ಕುಸುಮಾಕರ कुसुमाकर (सम्) सं.—कामदेव।
ಕುಸುಮಾಂಘ್ರಿಪ कुसुमांघ्रिप (सम्) सं.— एक वृत्त का का नाम।
ಕುಸುಮಾಂಜನ कुसुमांजन (सम्) सं.— पीतल धातु का भस्म।
ಕುಸುಮಾರಿ कुसुमारि (सम्) सं.— मुद्गर, मुद्गर।
ಕುಸುಮಾಸ್ತ್ರ कुसुमास्त्र (सम्) सं.— कामदेव।
ಕುಸುಮಿತ कुसुमित (सम्) वि.— फूलों से अलंकृत, फूलों से भरा हुआ, फूला हुआ।
ಕುಸುಮು कुसुमु (क) क्रि.— दे. ಕುಸುಬು.
ಕುಸುಮೆ कुसुमे (सम्) सं.— रजोदर्शन, एक पौधे का नाम।
ಕುಸುಮೇಷು कुसुमेषु (सम्) सं.— दे. ಕುಸುಮಾಸ್ತ್ರ.
ಕುಸುಂಬರಿ कुसुंबरि, ಕೊಸಂಬರಿ कोसंबरि, ಕೋಸಂಬರಿ कोसंबरि, ಕೋಸುಮರಿ कोसुमरि, ಕೋಸುಂಬರಿ कोसुंबरि (सम्?) सं.— तत् तत् ऋतुओं के फलों को रक्षित रखने की क्रिया।
ಕುಸುಂಬೆ कुसुबे (तद्) सं.— कुसुंभः (तत्)।
ಕುಸುಂಭ कुसुंभ (सम्) सं—केसर; गोखरू-जैसा पौधा।
(१) ಕುಸುರಿ कुसुरि, ಕುಸುರು कुसुरु (क) सं.— फल या तरकारी का बिलकुल कच्चा या कोमल अंश।
ಕುಸುರಿ कुसुरि (अ. दे. ?) सं.—एक प्रकार का कपड़ा।
ಕುಸುರು कुसुरु (क) सं. — दे. ಕುಸುರಿ; किंजल्क, पुष्प का रेशा।
ಕುಸುವು कुसुवु (क) सं.—जूट; पटुआ।
ಕುಸೂಲ कुसूल (सम्) सं.—खत्ती, अन्न का भांडार गृह।
ಕುಸೃತಿ कुसृति (सम्) सं. — छल, कपट, धोखा, प्रवंचना, जाल।
ಕುಸ್ತಿ कुस्ति (अ. दे.) सं.—कुश्ती (फ़ारसी); मल्लयुद्ध।— ಆಡು आडु (अ. दे.) क्रि. — कुश्ती लड़।
ಕುಸ್ತುಭ कुस्तुभ (सम्) सं.—विष्णु; समुद्र।
ಕುಸ್ತುಂಬರಿ कुस्तुंबरि (सम् ?) सं. — धनिया, (धनिया की पत्ती)।
ಕುಸ್ತುಂಬರು कुस्तुंबरु (सम् ?) = ಕುಸ್ತುಂಬರಿ

कुस्तुंबरि, ಕೊತಂಬರಿ कोतंबरि, ಕೊತುಂಬರಿ कोतुंबरि, ಕೊತ್ತುಂಬರಿ कोत्तंबरि, ಕೊತ್ತಿರಿ, कोत्तिरि, ಕೊತ್ತುಮರಿ कोत्तुमरि, ಕೊತ್ತುಂಬರಿ कोत्तुंबरि, ಕೋತಂಬರಿ कोतंबरि—धनिया (बीज और पत्ते)।

ಕುಸ್ವರ कुस्वर (सम्) सं· — बुरा या खराब स्वर।

ಕುಹಕ कुहक (सम्) सं· — छलिया, जालसाज़; धोखा, छल, जाल। ಕುಹುಕಿ कुहुकि—छलिया, जालसाज़।

ಕುಹನ कुहन (सम्) सं· — ಕುಹನೆ कुहने—दंभ, पाखंड।

ಕುಹರ कुहर (सम्) सं·—रंध्र, छिद्र; गुफ़ा; कंदरा।

ಕುಹು कुहु (सम्) सं· —अमावास्या, अमावस।—ರವ रव (सम्) सं·—कोकिल।

ಕುಳ್ kुळ् (क) सं·—उपला, गोमयपिंड।

(१) ಕುಳ कुळ (क) सं·—माप विशेष, अनाज मापने का बर्तन (जिसमें चार-पाँच सेर अनाज समा सकता हो); लेन-देन, खरीद-फरोख्त, लेना, खरीदना।

(२) ಕುಳ कुळ (तद्) सं·— कुल (तत्); कुल, वंश, घराना; काश्तकार; कर या लगान देनेवाला।

ಕುಳಮಂದಿರ कुळमंदिर (तद्) सं· = ಕುಲಮಂದಿರ कुलमंदिर—मायका।

ಕುಳಿಕ कुळिक (क) सं·-एक प्रकार का विषैला सांप।

ಕುಳಿಕೆ कुळिके (क) सं·—आँख का कोया (या कोना)।

ಕುಳಿತು कुळितु (क) कृ·—बैठकर।—ಕೊಳ್ಳು कोळ्ळु (क) क्रि·—बैठ।

(१) ಕುಳಿರ್ कुळिर् (क) क्रि·— ಕುಂಡ್ರು कुंड्रु, ಕುಳ್ಳಿರ್ कुळ्ळिर्, ಕುಳ್ಳಿರು कुळ्ळिरु, ಕುಳ್ಳು कुळ्ळु, ಕೂಡ್ರು कूड्रु। ಕೂರ್ कूर्, ಕೂರು कूरु—बैठ, उपविष्ट हो; झुक; वश में हो, अधीन में हो।

(२) ಕುಳಿರ್ कुळिर् (क) क्रि·=ठंडा हो, शीतल हो; ಕುಳಿರ್ದುದು कुळिर्दुदु (वि·)—ठंडा, शीतल। ಕುಳಿರ್ कुळिर् (क) सं·—ठंड, शीतलता, जाड़ा, सर्दी, हिम; कुहरा।—ಗೈಯ್ಯ गैय्य (क) सं·—चंद्रमा।—ವಾಲಿನೀರ್ वालिनीर् (क) सं·—बहुत ठंडा पानी।—ಬೆಟ್ಟ बेट्ट (क) सं·—हिम पर्वत।

ಕುಳಿಲ್ कुळिल् (क) क्रि·—पेड़ (की डालियों) पर कूदकर या लटककर आनंदित हो।

ಕುಳು कुळु (क) सं·—दे· ಕುಳ.

ಕುಳ್ತು कुळ्तु (क) कृ·—दे· ಕುಳಿತು.

ಕುಳ್ಳಾವಿ कुळ्ळावि (क ?) सं· —दे· ಕುಲಾಯಿ.

ಕುಳ್ಳಿತು कुळ्ळितु (क) कृ· = ಕುಳಿತು·

ಕುಳ್ಳಿರ್ कुळ्ळिर् (क) क्रि·—दे· ಕುಳಿರ್.

ಕುಳ್ಳಿರಿಸು कुळ्ळिरिसु (क) क्रि· = ಕುಂಡ್ರಿಸು कुंड्रिसु, ಕೂಡಿರಿಸು कूडिरिसु, ಕೂಡ್ರಿಸು कूड्रिसु, ಕೂರಿಸು कूरिसु, ಕೂರ್ಸು कूर्सु—बैठा, उपविष्ट करा (प्रे·)।

ಕುಳ್ಳಿರು कुळ्ळिरु (क) क्रि·—दे· ಕುಳಿರ್.

ಕುಳ್ಳು कुळ्ळु (क) सं·—उपला, गोमयपिंड; छोटापन, नाटापन। ಕುಳ್ಳ कुळ्ळ=नाटा आदमी, वामन। क्रि·—बैठ, उपविष्ट हो।

ಕುಱ್ कुऱ् (क) सं·—कंकमुख, चिमटा।

ಕುಱ कुऱ (क) सं·—दिग्भ्रम, भ्रम, भ्राँति; अव्यवस्था; चिंता, व्यग्रता; हल की फाल, लोहे की शलाका, दागने की क्रिया में उपयोगी लोहे की शलाका।

ಕುಱಿ कुऱि (क) क्रि· — खनन कर, खोद; छेदकर, रंध्र कर; छेद हो; नीचे हो, अधीन में हो। सं·—छिद्र, रंध्र, गड्ढा, खाई।

ಕುಱು कुऱु (क) सं·—हल की फाल।

ಕುಱಿಗಿಸು कुऱिगिसु (क) क्रि· = ಕುಗ್ಗಿಸು कुग्गिसु—झुका, टेढ़ा कर (या करा), सकुंचित कर (या करा प्रे·)।

ಕುಱ್ಗು कुऱ्गु (क) क्रि·—दे· ಕುಗ್ಗು.

(१) ಕೂ कू (क) सं·—चिल्लाहट, पुकार; मुर्गे की बाँग।

(२) ಕೂ कू (सम्) सं·—चुड़ैल; दुष्टा स्त्री।

ಕೂಕಣಿ कूकणि, ಕೂಗಣಿ कूगणि, [ಕುರುಗಣಿ कुरुगणि, ಕುಱುಗಣಿ कुरुगणि] (क) सं·—कानों की गंदगी या मल।

ಕೂಕಂಬ कूकंब, ಕೂಕುಂಬ कूकुंब, ಕೂವಕುಂಬ कूबकुंब (क) सं· — कर्णधार, नियाम, मल्लाह।

ಕೂಕಂಬಿ कूकंबि (क) सं· — बहुत दूरी या फ़ासला।

ಕೂಕಲು कूकलु (क) सं·—चिल्लाना, चिल्लाहट, शोरगुल।

ಕೂಕು कूकु, ಕೂಗು कूगु (क) क्रि — चिल्ला, पुकार, शोर मचा; चहचहा।

ಕೂಕುದ कूकुद (क ?) सं·—आभरणों से सज्जित कर कन्या को विवाह में देनेवाला।

ಕೂಕುಂಬ कूकुंब, ಕೂಕುಂಬಕಾರ कूकुंबकार (क) सं·—दे· ಕೂಕಂಬ.

ಕೂಗಟೆ कूगटे (क) सं·— रीठा; दे· ಕೂಕಣಿ.—ಹುಣ್ಣು हुण्णु (क) सं·— मल के कारण कान में होनेवाला घाव।

ಕೂಗಣಿ कूगणि (क) सं·— दे· ಕೂಕಣಿ.

ಕೂಗು कूगु (क) क्रि· — पुकार, बुला; चिल्ला; (पक्षियों का कूकना, चहचहाना आदि)। सं·— पुकार, चिल्लाहट, बुलाना, शोर; पक्षियों की ध्वनि।

ಕೂಗುರಿ कूगुरि (क) सं·— अनाज विशेष।

ಕೂಗುವಿಕೆ कूगुविके (क) सं·— बुलाना, पुकारना, चिल्लाना, पुकार, चिल्लाहट।

ಕೂಂಕು कूंकु (क) क्रि·— ऊपर जा, उड़। सं·— उत्सर्पण।

ಕೂಚ कूच, ಕೂಚು कूचु (क) सं·— धरन का आधारभूत स्तंभ (खंभा)।

(१) ಕೂಚು कूचु (क) सं·— दे· ಕೂಚ. छोटापन, लघुता; महीन होना, कृशता।

(२) ಕೂಚು कूचु (अ· दे·) सं·— कूच (फ़ारसी); यात्रा, प्रयाण; सेना का चलना।

(१) ಕೂಜ कूज (अ· दे·) सं·— कूजा (हिं·); सुराही।

(२) ಕೂಜ कूज (सम्) सं·— चिल्लाहट, कूक, गुंजन, कूजन, गड़गड़ाहट, खड़खड़ाहट।

(१) ಕೂಟ कूट (क) सं·— मिलना, मिलन, संयोजन, संधि, अभिषंग, एकीभाव;

संभोग, रति, सुरत ; समूह, समुदाय, भीड़ ; राशि, ढेर ; संघ, सभा, समागम, किला, खूँटी ; डट्टा ।
२) ಕೂಟ कूट (सम्) सं.— राशि, ढेर, समूह ; मिलन, संयोजन ; सींग ; शिखर, चोटी ; निकास, ऊँचाई ; अचलता, स्थिरता छल, कपट, धोखा, चालाकी, जालसाज़ी जहाज़, नाव ; हथौड़ी, मुँगरी ; बैल जिसके सींग टूट गये हों ; इलायची, एला ; वर-वधू के जन्म-पत्रों का एकीभाव ।
ಕೂಟಕ कूटक (सम्) सं· — समूह, राशि; हल की नोंक ; हल की फाल ; छल, धोखा जाल ।
ಕೂಟಣಿ कूटणि (सम्) सं.— कुट्टिनी ।
ಕೂಟಮಾನ कूटमान (सम्) सं.—झूठी तौल ; सभी बाजों का मिलन ।
ಕೂಟಯಂತ್ರ कूटयंत्र (सम्) सं.— फंदा, जाल (जिसमें हिरन या पक्षी फँसाये जाते हैं) ।
ಕೂಟರ कूटर (सम्) सं.— सींग रहित पशु ।
ಕೂಟಶಾಲ್ಮಲಿ कूटशाल्मलि (सम्) सं·— एक प्रकार का रेशमी कपड़ा ।
ಕೂಟಸಾಕ್ಷಿ कूटसाक्षि (सम्) सं·— झूठा गवाह ।
ಕೂಟಸಾಕ್ಷ್ಯ कूटसाक्ष्य (सम्) सं.— झूठी गवाही ।
ಕೂಟಸ್ಥ कूटस्थ (सम्) सं· — परमात्मा ; उच्च स्थान पर रहनेवाला, समूह या बीच में रहनेवाला ; आकाशादित्व ; परिवार का स्वामी । — ತ್ವ त्व (सम्) सं·— अपरिवर्तनशीलता, एकरूपता ।
ಕೂಟಾಕ कूटाक (सम्) सं·— हथौड़ी ।
ಕೂಟಿ कूटि (क) सं.— खूँटी, कीला ।
ಕೂಟು कूटु (क) सं·— दाल के साथ दो-तीन तरकारियों को मिलाकर बनाया जानेवाला व्यंजन विशेष ।
ಕೂಡ कूड (क) अ·— भी ; और ; के साथ ।
ಕೂಡದಲೆ कूडदले, ಕೂಡುದಲೆ कूडुदले (क) सं·— सफलता, वृद्धि, समृद्धि ।
ಕೂಡರು कूडरु (क) क्रि·— दे. ಕುಳ್ಳಿರು (१)।
ಕೂಡಲ್ कूडल् , ಕೂಡಲು कूडलु, ಕೂಡ್ಲು कूड्लु (क) सं·— मिले रहने या संयुक्त रहने की स्थिति ; संधि· संगम, समागम । ಸಂಗಮ संगम — वह स्थान जहाँ कृष्णा और भीमा नदियाँ परस्पर मिलती हैं । —ಸಂಗಮೇಶ संगमेश — उस स्थान में प्रतिष्ठित शिवालिंग (या भगवान शिव) ।
ಕೂಡಸು कूडसु, ಕೂಡಿಸು कूडिसु (क) क्रि.— मिला, जोड़, एक कर, संयुक्त कर ।
ಕೂಡಿಕೆ कूडिके (क) सं·–जोड़ना· जोड़ ; मिलन, संगम ; विधवा से विवाह करना ।
ಕೂಡಿರಿಸು कूडिरिसु (क) क्रि·— मिला, जुड़ा ; किसी के संग में रख ; बैठा (प्रे·) ।
ಕೂಡಿಸು कूडिसु (क)क्रि=दे. ಕೂಡಸು. ಕೂಡಿಸುವಿಕೆ कूडिसुविके (क) सं.— एक साथ रखना, मिलाना या जोड़ना ; संग्रह ।
ಕೂಡು कूडु (क) क्रि — मिल, जुड़, लग, संयुक्त हो, एक हो ; योग्य हो, उपयुक्त हो ; सुरत या संभोग कर ; (अंकों को) जोड़ या मिला । सं·-मिलन, संधि, संगम, सम्मेलन, संघ ।
ಕೂಡುದಲೆ कूडुदले (क) सं·— दे. ಕೂಡದಲೆ
ಕೂಡುವಿಕೆ कूडुविके (क) सं·— जोड़ना, जोड़ ; शब्दों का मिलन, समास ।
ಕೂಡುಹ कूडुह (क) सं·— मिलन, संगम, एकीभाव ।
ಕೂಡೆ कूडे (क) अ·— के साथ, के संग, साथ-साथ ; और, भी ।
ಕೂಡ್ರಿಸು कूड्रिसु (क) क्रि·— दे. ಕುಳ್ಳಿರಿಸು.
ಕೂಡ್ರು कूड्रु (क) क्रि·— दे. ಕುಳಿರ್ (१) ।
ಕೂಡ್ಲು कूड्लु (क) सं·— दे. ಕೂಡಲ್.
ಕೂಂಟು कूंटु (क) क्रि·—लंगड़ा (लंगड़ाना)। सं·- लंगड़ाने की क्रिया ।
ಕೂತು कूतु (क) सं·—नाच, नृत्य, खेल-क्रीडा, तमाशा । कृ· — बैठकर ; ಗಂಡಸು ಕೂತು ಕೆಟ್ಟ, ಹೆಂಗಸು ತಿರುಗಿ ಕೆಟ್ಟಳು गंडसु कूतु केट्ट· हेंगसु तिरुगि केट्टलु— पुरुष बैठकर (बैठे रहने से) खराब हुआ, स्त्री घूमकर खराब हुई अर्थात् पुरुष को यों ही बैठे नहीं रहना चाहिए और स्त्री को घुमक्कड़ नहीं बनना चाहिए (कह·) ।
ಕೂತರು कूतुरु (क) सं·— एक लता विशेष (Bryonia Seabra) ।
ಕೂದಲ್ कूदल्, ಕೂದಲ कूदल, ಕೂದಲು कूदलु (क) सं·— बाल, केश ; रोम ।
(१) ಕೂನ್ कून्, ಕೂನು कूनु (क) क्रि·—झुक, टेढ़ा हो, तिरछा हो ; कूबड़ हो । सं·-कुब्ज, कूबड़ । ಕೂನ कून (क) सं — कुबड़ा ।
(२) ಕೂನ್ कून् (क) सं· = ಕೂನ कून, ಕೂನು कूनु — चिह्न, निशान, पहचान, जान-पहचान, परिचय ।
ಕೂನಿ कूनि (क) सं — कूबरी ; तेली का मिट्टी का बर्तन ।
ಕೂನು कूनु (क) क्रि· सं.— दे. ಕೂನ್ (१) और (२) ।
ಕೂಪ कूप, ಕೂರ್ಪ कूर्प (क) सं· — प्रेम करना, प्रेमी, प्रेमपात्र, पति ।
ಕೂಪ कूप (सम्) सं — ಕುವ್ವೆ कुव्वे, ಕೂವ कूव (तद्) — छिद्र, रंध्र ; कूआँ ।
ಕೂಪಕ कूपक (सम्) सं·— गुफ़ा, बिल; कुआँ, कच्चा कुआँ ; कुप्पा, कुप्पी ; नदी के बीच की चट्टान या वृक्ष ; जहाज़ आदि का मस्तूल ।
ಕೂಪಸ್ತಂಭ कूपस्तंभ (सम्) सं.—जहाज़ आदि का मस्तूल ।
ಕೂಪಾರ कूपार, ಕೂವಾರ कूवार (सम्) सं·— समुद्र ।
ಕೂಪಿ कूपि (सम्) सं·—कुप्पी, बोतल ।
ಕೂಬರ कूबर (तद्) सं·—दे. ಕುವರ (सम्) वि· —सुन्दर, मनोहर ; कुबड़ा ।
ಕೂಬರಿ कूबरि, ಕೂವರಿ कूवरि (तद्) सं·— कपड़े से ढँकी हुई गाड़ी ।
ಕೂರ್ कूर् (क) क्रि·— मन लगा, अनुरक्त रह, स्नेह कर, प्रेम कर ; = ಕೂರು कूरु—बैठ, उपविष्ट हो । सं·—तीक्ष्णता, नुकीलापन ।
ಕೂರ कूर (सम्) सं·—भोजन, भात । (तद्) वि·—क्रूर ।
ಕೂರಹು कूरहु (क) सं· — तलवार, कटार । खड्ग ।
ಕೂರಾಂಬು कूरांबु (सम्) सं· — भात का पानी ; काँजी ।

ಕೂರಿಕೆ कूरिके (क) सं —तीक्ष्णता, नुकीलापन।
ಕೂರಿತು कूरितु, ಕೂರಿತ್ತು कूरित्तु (क) सं — वह जो तीक्ष्ण या नुकीला हो।
ಕೂರಿದ कूरिद (क) सं· — तीक्ष्ण, तेज़ या साहसी पुरुष।
ಕೂರಿಲಿ कूरिलि (क) सं. — वह जो तीक्ष्ण या नुकीला न हो।
ಕೂರಿಸು कूरिसु (क) क्रि· — प्रेम करा (या करवा); बैठा, उपविष्ट करा (या करवा) (प्रे·); मिला, जोड़, पिरो।
ಕೂರು कूरु [ಕೂರ್ कूर्] (क) क्रि· — नीचे गिर, गिर पड़, ढह जा। सं· — खिंचाव, कसाव, तनाव।
ಕೂಱಿಗೆ कूरिगे (क) सं· — बीज बोने का साधन, वापि।
ಕೂಱು कूरॆ (क) सं·—(मैले) कपड़े में उत्पन्न होनेवाली लीख।
ಕೂರ್ಗಣೆ कूर्गणि (क) सं·—तीक्ष्ण या नुकीले बाण।
ಕೂರ್ಚ कूर्च (सम्) सं· - मूठा, गट्ठर; मुट्ठी भर कुश; मोरपंख; दाढ़ी, मूँछ; चुटकी; कूँची; सिर; दोनों भौंहों का मध्यभाग; विभाग; अक्कड़पन, ढोंग, दंभ।
ಕೂರ್ಚಕ कूर्चक (सम्) सं· — कूँची, चित्र लिखने की पेन्सिल, तूलिका।
ಕೂರ್ಚಶೀರ್ಷ कूर्चशीर्ष (सम्) सं·—नारियल का वृक्ष।
ಕೂರ್ಚಿಕೆ कूर्चिके (सम्) सं·—दे· ಕೂರ್ಚಕ; दुग्धविकार।
ಕೂರ್ದನ कूर्दन (सम्) सं·—छलांग; खेल, क्रीडा।
ಕೂರ್ಪ कूर्प (सम्) सं —भौंहों के बीच का स्थान; बाँस का एक प्रकार का ढकन; योनि के रोम।
ಕೂರ್ಪರ कूर्पर (सम्) सं·—कुहनी, घटना।
ಕೂರ್ಪಾಸ कूर्पास, ಕೂರ್ಪಾಸಕ कूर्पासक (सम्) सं,—चोली, जॉकट; कवच।
ಕೂರ್ಪು कूर्पु (क) सं· — तीक्ष्णता, तेज़ी, नुकीलापन; साहस, प्रताप; तीक्ष्ण दृष्टि, प्रेम, प्रीति (ಕೂರ್ಪವನು कूर्पवनु — प्रेमी, प्रियतम, पति); नाश, तबाही।
ಕೂರ್ಮ कूर्म (सम्) सं· — कछुआ; विष्णु के दशावतारों में एक; शरीर की बाह्य हवा।
ಕೂರ್ಮಿ कूर्मि (सम्) सं·—कछुवी।
ಕೂರ್ಮೆ कूर्मे (क) सं·—अनुरक्ति, स्नेह, प्रेम, अनुराग।
ಕೂಲ್ कूल्, ಕೋಲ್ कोल् (क) वि·—बड़ा, लंबा। — ಕೂಲ ಬಲೆ कूल बले (क) सं· — लंबा जाल।
ಕೂಲ कूल (सम्) सं·—किनारा, तट, छोर; ढाल, उतार; सामीप्य।
ಕೂಲಂಕಷ कूलंकष, ಕೂಲಂಕುಷ कूलंकुष (सम्) सं·—नदी। अ·— आमूलाग्र, आदि से अंततक।
ಕೂಲಜ್ಜಿ कूलज्जि (क) सं·—दे· ಅಡಗೂಲಜ್ಜಿ.
ಕೂಲದೇಶ (सम्) सं·—कूल, किनारा, तट।
ಕೂಲಿ कूलि (क) सं·—कूली, मज़दूरी; कूली करनेवाला, मज़दूर। — ಕಾತಿ काति, ಕಾರ್ತಿ कार्ति (क) सं· — मज़दूरिन, कूली करनेवाली स्त्री।—ಕಾರ कार, [ಕಾಱು कारॆ] (क) सं·—कूली, मज़दूर।—ಗಾಱು गारॆ = ಕೂಲಿ ಕಾಱು.
ಕೂಲಿಸು कूलिसु (क) क्रि· — गिरा खिसका, नाश कर।
ಕೂಲು कूलु (क) क्रि.—गिर, गिर पड़, खिसक, ढह, नष्ट हो। सं·—लकड़ी की चूल (जो) छेद में बैठाई जाती है); नदी की (नीचे उतरने की) सीढ़ियाँ।
ಕೂವರ कूवर (सम्) सं·—दे· ಕೂಬರ (तद्)। सं —दे· ಕುವರ.
ಕೂವರಿ कूवरि (सम्) सं—दे· ಕೂಬರಿ.
ಕೂವೆ कूवे (क) सं —अरारूट।
ಕೂಷ್ಮಾಂಡ कूष्मांड (सम्) सं·—कुम्हड़ा।
ಕೂಸು कूसु (क) सं·—शिशु, बच्चा या बच्ची; बालक, बालिका।—ತನ तन (क) सं·—शैशव, बचपन।
ಕೂಳಿ कूळि, ಕೂಳೆ कूळे (क) सं· — मछली पकड़ने की टोकरी, कुवेणी।
ಕೂಳೆ कूळे (क) सं·—दे· ಕೂಳಿ; वृक्ष की कटी हुई डाली, बाजरे के पौधों का कटा हुआ भाग।
ಕೂಳ್ कूळ् (क?) सं· — भात, भोजन। (तद्)। वि·—क्रूर (तत्)।
ಕೂಱ कूळ (क) सं·—नीच, हेय, तुच्छ, बेकार, या क्षुद्र पुरुष। — ತನ तन (क) सं·— नीचता, तुच्छता, क्षुद्रता।
ಕೂಱು कूळु (क) सं·—भात, भोजन, खाना।
ಕೂಱೆ कूळे (क) सं· — दे· ಕೂಳೆ. बुरी या दुष्ट स्त्री।
ಕೃಕ कृक (सम्) सं·— गला, कंठ।
ಕೃಕಣ कृकण, ಕೃಕರ कृकर (सम्)सं·—तीतर।
ಕೃಕಲಾಸ कृकलास (सम्) सं· — छिपकली विशेष, गिरगिट।
ಕೃಕವಾಕು कृकवाकु (सम्) सं· — मुर्गा; मोर· मयूर; छिपकली, गिरगिट।
ಕೃಕಾಟಕ कृकाटका, ಕೃಕಾಟಿಕೆ कृकाटिके (सम्) सं·— गर्दन का पिछला भाग।
ಕೃಚ್ಛ್ರ कृच्छ्र (सम्) सं·— कठिनाई, पीड़ा, संकट, विपत्ति, शारीरिक कष्ट।
ಕೃತ कृत (सम्) वि·— किया हुआ, बनाया हुआ। सं·— काम, कार्य, कर्म; कृत्य।
ಕೃತಕ कृतक (सम्) वि·— अस्वाभाविक, बनावटी, बनाया हुआ, मनुष्य-निर्मित।
ಕೃತಕರ್ಮ कृतकर्म (सम्) वि·— चतुर, निपुण, होशियार।
ಕೃತಕಾರ್ಷ್ಣಿ कृतकार्ष्णि (सम्) सं·— अर्जुन का पुत्र ब्रभ्रुवाहन।
ಕೃತಕಿ कृतकि (सम्) सं·— कपटी या धूर्त स्त्री।
ಕೃತಕೃತ್ಯ कृतकृत्य (सम्) वि·—वह जिसका उद्देश्य सिद्ध हो, संतुष्ट, अघाया हुआ; कर्तव्य पालन किया हुआ।
ಕೃತಘ್ನ कृतघ्न (सम्) सं·— किये गये उपकार का स्मरण न करनेवाला।— ತೆ ते (सम्) सं·— कृतघ्नता।
ಕೃತಜ್ಞ कृतज्ञ (सम्) सं·— उपकृत, उपकार का स्मरण करनेवाला।—ತೆ ते (सम्) सं·—

कृतज्ञता, उपकार का स्मरण । — ತ್ವ त्व (सम्) सं.— कृतज्ञता ।

ಕೃತಪುಂಖ कृतपुंख (सम्) सं.— धनुर्विद्यामें प्रवीण ।

ಕೃತಮಾಲ कृतमाल (सम्) सं.— दलचीनी का वृक्ष ।

ಕೃತಮುಖ कृतमुख (सम्) वि.— शिक्षित, बुद्धिमान ।

ಕೃತಯುಗ कृतयुग (सम्) सं.— चार युगों में एक—सत्ययुग (यह १७२,८,००० वर्षों। का माना जाना है ।

ಕೃತಲಕ್ಷಣ कृतलक्षण (सम्) वि.— अच्छे लक्षण या गुणों से युक्त ।

ಕೃತವರ್ಮ कृतवर्म (सम्) वि.— चतुर, निपुण । सं.— एक राजा का नाम ।

ಕೃತವೀರ್ಯ कृतवीर्य (सम्) सं.— हैहय राजा अर्जुन (कार्तवीर्य) के पिता का नाम ।

ಕೃತವ್ರಣ कृतव्रण (सम्) सं.—एक ब्रह्मा का नाम ।

ಕೃತಸಾಪತ್ನಿಕೆ कृतसापत्निके (सम्) सं.— वह स्त्री जिसकी सौत हो ।

ಕೃತಸ್ವರ कृतस्वर (सम्) वि.— ध्वनि पूर्ण, स्वर से भर हुआ ।

ಕೃತಹಸ್ತ कृतहस्त (सम्) सं.— पटु, निपुण, कुशल ।

ಕೃತಾಕೃತ कृताकृत (सम्) वि.—किया हुआ-न किया हुआ, योग्य-अयोग्य ।

ಕೃತಾಂಜಲಿ कृतांजलि (सम्) सं.— सम्मान प्रदर्शनार्थ दोनों कर जोड़नेवाला ।

ಕೃತಾಂತ कृतांत (सम्) सं.— समाप्त करना, समाप्ति ; सत्य का निरूपण ; किसी क्रिया या कार्य का अंत ; यम ; पाप, बुरा कार्य — ಕ क (सम्) सं.— यमराज । — ಮರ್ದಕ मर्दक (सम्) सं.— शिव ।

ಕೃತಾಭಿಷೇಕ कृताभिषेक (सम्) वि.— अभिषिक्त, राज-तिलक किया हुआ ।

ಕೃತಾರ್ಥ कृतार्थ (सम्) सं.— अपने उद्देश्य की पूर्ति किया हुआ पुरुष, संतुष्ट या तृप्त पुरुष ।—ತೆ ते (सम्) सं.— उद्देश्य की सिद्धि, सफलता ।

ಕೃತಿ कृति (सम्) सं.— बनाना, करना, क्रिया रचना, साहित्यिक रचना, कविता । वि.— चतुर, निपुण, पंडित । — ಪತಿ पति (सम्) सं.— रचनाकार, कवि । — ಮತ मत (सम्) सं.— कविता का शैली-विधान ।

ಕೃತ್ತ कृत्त (सम्) वि.— कटा हुआ, विभक्त, खण्ड किया हुआ ।

ಕೃತ್ತಿ कृत्ति (सम्) सं.— चर्म, चमड़ा ; मृगचर्म भोजपत्र । —ವಾಸ वास, ವಾಸನ್ वासन्. (सम्) सं.— शिव ।

ಕೃತ್ಯ कृत्य (सम्) वि — वह जो किया जाना चाहिए, उपयुक्त, योग्य ; संभव, साध्य । सं.— कर्तव्य, कर्म, उद्देश्य, प्रयोजन ।

ಕೃತ್ಯೆ कृत्ये (सम्) सं. — क्रिया, कर्म, कार्य ; दुष्टशक्ति, विनाशकरिणी देवी ।

ಕೃತ್ರಿಮ कृत्रिम (सम्) वि.— बनावटी, नक़ली, कल्पित ; गोद लिया हुआ ।

ಕೃತ್ರಿಮಿ कृत्रिमि (सम्) सं.— कपटी पुरुष ।

ಕೃತ್ಸ್ನ कृत्स्न (सम्) वि.— संपूर्ण, पूरा, सारा ।

ಕೃದರ कृदर (सम्) सं.— धान्यागार, अनाज रखने का भण्डार ।

ಕೃಂತ कृंत, ಕೃಂತನ कृंतन (सम्) सं. – काटना; काटकर टुकड़े करना ।

ಕೃಪ कृप (सम्) सं.— अश्वत्थामा के मामा का नाम ।

ಕೃಪಣ कृपण (सम्) वि.— ग़रीब, दरिद्र, अभागा, सहानुभूति के योग्य । सं.— लोभी, कंजूस । — ತನ तन (सम्) सं.— लोभ, कंजूसी । — ತ್ವ त्व (सम्) सं. = ಕೃಪಣತನ.

ಕೃಪಾ कृपा (सम्)सं.—दया, रहम, अनुकंपा । — ಕಟಾಕ್ಷ कटाक्ष (सम्) सं.—दया दृष्टि, अनुकंपा भरी दृष्टि । — ಕರ कर (सम्) सं.— दयालु, करुणाकर । — ಸಾಗರ सागर (सम्) सं.— करुणासागर, अत्यंत दयावान ।

ಕೃಪಾಂಗ कृपांग (सम्) सं.— अत्यंत दयालु पुरुष ।

ಕೃಪಾಣ कृपाण (सम्) सं.— तलवार, छुरी ।

ಕೃಪಾಣಿ कृपाणि (सम्) सं.— कैंची ; छुरी, तलवार ; खंजर ।

ಕೃಪಾಳು कृपालु (सम्) वि.— दयालु, रहमदिल ।

ಕೃಪಾವಲೋಕನ कृपावलोकन (सम्) सं.— दे. ಕೃಪಾಕಟಾಕ್ಷ (ಕೃಪಾ) में ।

ಕೃಪೀಟ कृपीट (सम्) सं.— पेट ; पानी, उदक काँसा ; वन, जंगल ; ईंधन । — ಯೋನಿ योनि (सम्) सं.— आग, अग्नि ।

ಕೃಪೆ कृपे (सम्) सं.— दे. ಕೃಪಾ.

ಕೃಮಿ कृमि (सम्) सं.—कीट, कीड़ा ; मकड़ी ; रेशम का कीड़ा ; लाख ।

ಕೃಮಿಘ್ನ कृमिघ्न (सम्) सं.—एक पौधा जो दवाई में काम आता है ; कीड़ों को मारने वाला ।

ಕೃಮಿಜ (सम्) सं.— अगरु ।

ಕೃಮಿರೋಗ कृमिरोग (सम्) सं.— कीड़ों से होनेवाली एक बीमारी ।

ಕೃವಿ कृवि (सम्) सं.— करघा ।

ಕೃಶ कृश (सम्) वि.— पतला, दुबला; निर्बल ; छोटा, थोड़ा, महीन ।

ಕೃಶಶರ कृशशर (सम्) सं.— वह जिसके बाण दुर्बल हो गये हों ।

ಕೃಶಾಂಗ कृशांग (सम्) सं.— दुबला या निर्बल शरीर ।

ಕೃಶಾಂಗಿ कृशांगि (सम्) सं.— पतली स्त्री ; प्रियंगु बेल ।

ಕೃಶಾನು कृशानु (सम्) सं.—आग, अग्नि ; माप विशेष ।—ರೇತಸ್ रेतस् (सम्) सं.— शिव ।

ಕೃಶಾಶ್ವಿ कृशाश्वि (सम्) सं.— कृशाश्व का शिष्य ; नाटक का पात्र, अभिनेता ।

ಕೃಶೋದರಿ कृशोदरि (सम्) सं. — पतली कमरवाली स्त्री ।

ಕೃಷಿ कृषि (सम्) सं. — कृषि, खेती-बाड़ी, किसानी ।—ಕ क (सम्) सं. — कृषक, किसान ।—ವಲ वल (सम्) सं -किसान ।

ಕೃಷ್ಟ कृष्ट (सम्) वि.—खींचा हुआ आकृष्ट ; जोता हुआ ।

ಕೃಷ್ಣ कृष्ण (सम्) सं. — ಕಿಟ್ಟ किट्ट, ಕೃಷ್ಟ कृष्ट, ಕೃಷ್ಟಣ कृष्ट्ण, ಕ್ರಿಷ್ಟಣ क्रिष्ट्ण, ಕ್ರಿಷ್ಣ क्रिष्ण (तद्)—काला रंग, काला मृग; कौआ; कोयल; कृष्णपक्ष; कृष्ण (दशावतारों में एक); इंद्र; अग्नि; व्यास; अर्जुन; जीवन, पानी; नदी; आकाश, गगन; मुकुट, मौली; जाल, फंदा; बड़ी पीपल।—ಕರ್ಮ कर्म (सम्) सं — बुरा कर्म। वि.—अमदाचारी, पापी, दोषी। —ಕಾಕ काक (सम्) सं.—जंगली कौआ। —ಜಯಂತಿ जयंति (सम्) सं — कृष्ण का जन्म-दिन, कृष्णाष्टमी। —ತೆ ते, ತ್ವ त्व (सम्) सं.—कालापन; धोखा, छला।—ದ್ವೈಪಾಯನ द्वैपायन (सम्) सं.—व्यास। —ಪಕ್ಷ पक्ष (सम्) सं. — अंधेरा पक्ष, कृष्णपक्ष।—ಪಾಂಡುರ पांडुर (सम्) सं.—भूरा और सफ़ेद रंग।—ಭೂಮ भूम (सम्) सं.—काली भूमि वाला। — ಭೇದಿ भेदि सं.—दवाई में उपयोगी एक पौधा, कटुरोहिणी। — ಮುನಿ मुनि (सम्) सं. — व्यास।—ಮೃತ್ತಿಕೆ मृत्तिके (सम्) सं.—काली मिट्टी।

ಕೃಷ್ಣಲೆ कृष्णले (सम्) सं.—घुँघची का पौधा।

ಕೃಷ್ಣಲೋಹಿತ कृष्ण लोहित (सम्) सं. — काले और लाल रंग का मिश्रण, बैंगनी रंग।

ಕೃಷ್ಣವಕ್ತ್ರ कृष्णवक्त्र (सम्) सं. — काले मुख का वानर।

ಕೃಷ್ಣವರ್ಣ कृष्णवर्ण (सम्) सं.—काला रंग; राहु; शूद्र।

ಕೃಷ್ಣವರ್ತ್ಮ कृष्णवर्त्म (सम्) सं. — आग; राहुग्रह; ओछा आदमी।

ಕೃಷ್ಣವೃಂತೆ कृष्णवृंते (सम्) सं. — फूल विशेष (Bignonia Suavedens)।

ಕೃಷ್ಣವೇಣಿ कृष्णवेणि (सम्) सं.— एक नदी का नाम।

ಕೃಷ್ಣಸರ್ಪ कृष्णसर्प (सम्) सं —काला नाग।

ಕೃಷ್ಣಸಾರ कृष्णसार (सम्) सं.—काला हिरन।

ಕೃಷ್ಣಹೃದಯ कृष्णहृदय (सम्) वि.-प्रवंचक, धोखेबाज़, कलंकित, दुष्ट।

ಕೃಷ್ಣಾಗರು कृष्णागरु (सम्) सं. — काला अगरु; काला चंदन।

ಕೃಷ್ಣಾಂಕ कृष्णांक (सम्) सं.—काला-चिह्न; (कलंक)।

ಕೃಷ್ಣಾಂಗಿ कृष्णांगि (सम्) सं.-काली देवता।

ಕೃಷ್ಣಾಜಿನ कृष्णाजिन (सम्) सं.—काले हिरन का चर्म।

ಕೃಷ್ಣಿಕೆ कृष्णिके (सम्) सं.—काली सरसों।

ಕೃಷ್ಯ कृष्य (सम्) वि.—जोतने योग्य; जोता हुआ।

ಕೃಸರ कृसर, ಕೃಶರ कृशर (सम्) सं. — खिचड़ी, एक प्रकार का पक्वान्न।

ಕೃಸರಿ कृसरि (सम्) सं.—दे. ಕೃಸರ.

ಕ್ಲೃಪ್ತ क्लप्त (सम्) वि.—व्यवस्थित, तैयार, बनाया हुआ, खोजा हुआ, सजा हुआ; टुकड़े किया हुआ, कटा हुआ। सं.—मूल्य, कीमत, भाव; कतरन, काट।

ಕ್ಲೃಪ್ತಿಕ क्लप्तिक (सम्) सं.—मूल्य, कीमत।

ಕೆ के (क) प्र.— संप्रदान कारक का प्रत्यय; उदा.—ಬನಕೆ बनके—वन को (के लिए), ಪೊಲಕೆ पोलके—खेत (के लिए); संभाव्य भविष्यत में अन्य पुरुष का सूचक प्रत्यय; उदा. ಅವರ್ ಮಾಳ್ಕೆ अवर् माळ्के — वे करें!, ರಕ್ಷಿಕೆ रक्षिके—रक्षा करे!

ಕೆಂ कें (क) वि. — (समस्त-पदों में) लाल, अरुण।—ಗಣ್ गण् (क) सं.—लाल आँख। —ಗಣ್ಣ गण्ण (क) सं.—लाल आँखोंवाला; कोयल। ಗಣ್ಣಲ್ವಕ್ಕಿ गण्णल्वक्कि (क) सं.—कोयल।—ಗಱಿ गऱि (क) सं. — लाल, पंख।—ಗಱಿಗೋಲ್ गऱिगोल् (क) सं.—लाल पंखवाला बाण। — ಗಲ್ गल् (क) सं.—लाल पत्थर।—ಗೆಂಡ गेंड (क) सं. — लाल अंगारा; — शिव। — ಗೊಡೆ गोडे (क) सं.—लाल छतरी।

ಕೆಂಕ केंक (क) सं.—हेम वर्ण, सोने का रंग, ताम्र वर्ण।

ಕೆಂಕಲ್ केंकल् (क) सं.—मछली विशेष।

ಕೆಂಗಲಿಸು केंगलिसु (क) क्रि. — लाल हो, अरुण हो।

ಕೆಂಚಗೆ केंचगे, ಕೆಂಚನೆ केंचने (क) वि.—लाल। सं —लालिमा।

ಕೆಂಚಿ केंचि (क) सं.—लाल या भूरे रंग की स्त्री; स्त्रियों का नाम।

ಕೆಂಚಿಗೆ केंचिगे, ಕೆಂಜಿಗೆ केंजिगे (क) सं. — पौधा विशेष।

ಕೆಂಚು केंचु (क) सं.—लाल रंग।

ಕೆಂಚಿಗ केंचिग [ಕೆಂಜಗ केंजग, ಕೆಂಜುಗ केंजुगे] (क) सं.—लाल चींटी जो काटती है।

ಕೆಂಡ केंड (क) सं.—अंगारा। ಕೆಂಡಕ್ಕೆ ಇರುವೆ ಮುತ್ತೀತೇ? केंडक्के इरुवे मुत्तीते — क्या अंगारे को चींटी लग सकती है? (कह.)।

ಕೆಂಡಲಿಸು केंडलिसु (क) क्रि. — टुकड़े कर विभाग कर।

ಕೆಂಡವಿಸು केंडविसु (क) क्रि. — जला, अँगारा एकत्रित कर।

ಕೆಂದಳ केंदळ (क) सं. —लाल दल; लाल हथेली, किसलय।

ಕೆಂದಾರ केंदार (क) सं —मंदिर, देवालय।

ಕೆಂದಾವರೆ केंदावरे (क) सं.—लाल कमल।

ಕೆಂದು केंदु (क) सं. — लाल रंग। क्रि. — ऊपर गिर या झुक।

ಕೆಂಪು केंपु (क) सं.—लाल रंग, रक्त वर्ण, अरुणिमा।-ಅರಗು अरगु (क) सं.—लाख। — ಕಣಿಗಲೆ कणिगले (तद् ?) सं. — लाल कनेर।—ಕಲ್ಲು कल्लु (क) सं.—शोणरत्न। — ಕೂವೆ कूवे (क) सं. —एक प्रकार का अरारूट।—ತಾವರೆ तावरे (क, सं. — लाल कमल।—ತುಂಬಿ तुंबि (क) सं. — वरट, हड्डा।—ನೆಲ नेल (क) सं.—लाल ज़मीन। —ಬಣ್ಣ बण्ण (क) सं.—रंग, रक्त वर्ण।

ಕೆಂಪೋಲೆ केंपोले (क) सं. –कानों की बाली जिसमें लाल मणि जड़ी गई हो।

ಕೆಂಪತ್ತಿ केंपत्ति (क) सं.—कपास का पौधा जिसके फूल लाल होते हैं।

ಕೆಂಬಲು केंबलु (क) सं.—खाँसी।

ಕೆಂಬಾರ केंबार (क) सं. — सायंकालीन अरुणिमा; अधिक गरमी या उष्णता के कारण बच्चों को होनेवाला फफोला।

ಕೆಂಬಾರೆ केंबारे (क) सं.—दे. ಕೆಂಬಾರ.

ಕೆಕ್ಕರ केक्कर (क) सं — खरबूजे बेल।

ಕೆಕ್ಕರ केक्कर (क) सं.—खरबूजा।

ಕೆಕ್ಕರಿಸು क़ेक्करिसु (क) क्रि·—लाल हो, रक्त वर्ण हो।
ಕೆಕ್ಕಸ क़ेक्कस (क) सं. — गाली, निंदा; अपमान।
ಕೆಕ್ಕಳಿಸು क़ेक्कळिसु (क) क्रि·—भीत हो, डर, घबरा।
ಕೆಕ್ಕು क़ेक्कु (क) सं·—गो-शिक्षा ध्वनि, गायों को बुलाने की आवाज़।
ಕೆಕ್ಕೆ क़ेक्के (क) सं·—गाल, कपोल।
ಕೆಚ್ಚನೆ क़ेच्चने (क) वि·—लाल, लाल रंग का, अरुणिम।
ಕೆಚ್ಚಲ್ क़ेचल्, ಕೆಚ್ಚಲು क़ेचलु (क) सं·—थन।
ಕೆಚ್ಚಲ क़ेचल (क) सं·— थन।
ಕೆಚ್ಚು क़ेच्चु (क) सं.—लाल रंग; तिरछा करने से पड़ी गाँठ, उलझन; तरु-सार, पेड़-पौधों का अंतर्भाग; सार, बल; गर्व, अभिमान, घमंड़। क्रि·— दो धागों को मिला या उनमें गाँठ लगा; लगा, जड़; बंद कर।
ಕೆಟ್ಟತನ क़ेट्टतन (क) सं.— बुराई, बुरा गुण, दुष्टता; शरारत। ಕೆಟ್ಟದು क़ेट्टदु—बुरी चीज़ या बात। ಕೆಟ್ಟವನು क़ेट्टवनु—बुरा आदमी।
ಕೆಟ್ಟೆ केटटे (क) वि·—बुरा, हानिकर, दुष्ट; अभाग्य, दुर्गति (ಕಟ್ಟಣಿಸು कट्टणिसु (क) क्रि·— बुराई कर या अहित सोच।
ಕೆಡಕ क़ेडक, ಕೆಡಿಕ क़ेडिक, ಕೆಡುಕ क़ेडुक (क) सं·—बुरा, दुष्ट या नीच पुरुष।
ಕೆಡಕತನ क़ेडकतन, ಕೆಡಕುತನ क़ेडकुतन, ಕೆಡುಕುತನ क़ेडुकुतन (क) सं·—बुरा गुण या स्वभाव, दुष्टता, नीचता।
ಕೆಡಕಿ क़ेडकि, ಕೆಡಿಕಿ क़ेडिकि, ಕೆಡುಕಿ क़ेडुकि (क) सं·—बुरी, दुष्ट, अहित करनेवाली या नीच स्त्री, विनाशकारिणी स्त्री।
ಕೆಡುಕು क़ेडकु (क) सं.— बुराई, अहित, दुष्टता, बुरा स्वभाव, खराबी, नाश, विनाश।
ಕೆಡಕುತನ क़ेडकुतन (क) सं·—दे· ಕೆಡಕತನ.
ಕೆಡಪಿಸು क़ेडपिसु, ಕೆಡವಿಸು क़ेडविसु (क) क्रि·— गिरवा; पतन करा (प्रे·)।
ಕೆಡಪು क़ेडपु, ಕೆಡವು क़ेडवु, ಕೆಡಹು क़ेडहु, ಕೆಡಿವು क़ेडिवु (क) क्रि.— गिरा, नीचे गिरा, नीचे की ओर खींच, पतन कर।
ಕೆಡವಿಸು क़ेडविसु (क) क्रि.— दे. ಕೆಡಪಿಸು.
ಕೆಡವು क़ेडवु (क) क्रि.—दे· ಕೆಡಪು. छेद या रंध्र में लगा· अंदर घुसा या चुभ।
ಕೆಡಹ क़ेडह (क) सं·— वह मनुष्य जो बिना सोचे-विचारे यों ही कुछ शब्द कह देता है।
ಕೆಡಹಿಸು क़ेडहिसु (क) क्रि·—दे· ಕೆಡಪಿಸು.
ಕೆಡಹು क़ेडहु (क) क्रि·—दे. ಕೆಡಪು.
ಕೆಡಹುವಿಕೆ क़ेडहुविके (क) सं·—गिराने का कार्य, निपातन, नियातन।
ಕೆಡಿಕ क़ेडिक (क) सं·—दे. ಕೆಡಕ.
ಕೆಡಿಕೆ क़ेडिके (क) सं·—दे· ಕೆಡಕಿ.
ಕೆಡವಿಸು क़ेडविसु (क) क्रि·—ಕೆಡಪಿಸು.
ಕೆಡವು क़ेडवु (क) क्रि.—दे· ಕೆಡಪು.
ಕೆಡಿಸು क़ेडिसु (क) क्रि·—खराब कर; नाश कर, बुरा कर, बरबाद कर; गिरा, पतित कर, निकाल, दूर कर; बुझा (दया बुझाना)।
ಕೆಡು क़ेडु (क) क्रि·— खराब हो, नष्ट हो, बरबाद हो, गिर, पतित हो, बुरा हो, नीच हो; निकल, दूर हो; बुझ; सड़।
ಕೆಡುಕ क़ेडुक (क) सं·—दे. ಕೆಡಕ.
ಕೆಡುಕಿ क़ेडुकि (क) सं· – दे· ಕೆಡಕಿ.
ಕೆಡುಕುತನ क़ेडुकुतन (क) सं·—दे· ಕೆಡಕತನ.
ಕೆಡುವಿಕೆ क़ेडुविके (क) सं·—खराब होना, नष्ट होना, सड़ना, खराबी, नाश, पतन; दूर होना, अदृश्यता।
ಕೆಡುಹ क़ेडुह (क) सं.—विनाश, बरबादी, तबाही; निकालना, अदृश्यता।
ಕೆಡೆ क़ेंड़ (क) क्रि.—गिर, गिर पड़, पतित हो नष्ट हो, डूब जा (अक्· क्रि.); गिरा, डाल, सोचे-विचारे बिना शब्द कह, बड़बड़ा। सं. —बड़बड़ाहट।
ಕೆಣಕು क़ेणकु (क) क्रि·—छेड़, चिढ़ा (अपनी बात या क्रिया के द्वारा)।—ಇಸು इसु— प्रेरणार्थक रूप।
ಕೆತ್ತನೆ क़त्तने (क) सं·—रत्न आदि जड़ने की क्रिया; कारीगरी, नकाशी; खोदना।
ಕೆತ್ತವಾರಿ क़ेत्तवारि (क) सं.—खेत में घास-फूस निकालने का एक प्रकार का अंकुड़ा।
ಕೆತ್ತಿಕೆ क़ेत्तिके, ಕೆತ್ತಿಗೆ क़ेत्तिगे (क) सं.—दे. ಕೆತ್ತನೆ.
ಕೆತ್ತಿಸು क़ेत्तिसु (क) क्रि.—खुदा, नकाशी करा, कारीगरी करा (प्रे·)।
ಕೆತ್ತು क़ेत्तु (क) क्रि.—खोद, नकाशी कर, (रत्न आदि जड़· कारीगरी कर; कंपित हो, काँप, थरथरा; काट, कुतर, घास-फूस काटकर निकाल; साफ़ कर, पतला कर, थोड़ा खोद।
ಕೆತ್ತೆ क़ेत्ते (क) सं.— (लकड़ी, पत्थर या फल का टुकड़ा, कतरन।
ಕೆತ್ತೆ क़ेत्ते (क) सं.– दे. ಕೆತ್ತನೆ.
ಕೆದಕು क़ेदकु (क) क्रि·—खुरच, नोच; खोद।
ಕೆದರ್ क़ेदर्, ಕೆದರು क़ेदरु (क) क्रि·— बालों का बिखरना या अव्यवस्थित होना।
ಕೆದರಿ क़ेदरि (क) सं·— वह स्त्री जिसके बाल बिखर गये हों।
ಕೆದರಿಕೆ क़ेदरिके (क) सं·—बालों की अव्यवस्था या उनका बिखरना।
ಕೆದರು क़ेदरु (क) क्रि.— बिखर, अव्यवस्थित हो; विकीर्ण हो; फैल, अलग-अलग हो; खुरच, पंजे से खुरच। सं.—बिखरना, फैलना, फैलाव, विकीर्ण होना।—ಕೂದಲು कूदलु (क) सं.— बिखरे बाल।
ಕೆನ್ क़ेन् (क) सं.— (समस्त-पदों में) 'लाल रंग' का अर्थ सूचक। ಕೆಂದನ क़ेंदन (क) सं.—लाल पशु। ಕೆಂದಲೆ क़ेंदले (क) सं. — लाल सिर। ಕೆಂದಲೆಗ क़ेंदलेग (क) सं. —लवा बटेर। ಕೆಂದಳಿರ್ क़ेंदळिर् (क) सं· —अरुण पल्लव। ಕೆಂದಾವರೆ क़ेंदावरे (क) सं.— लाल कमल। ಕೆಂದುಟಿ क़ेंदुटि (क) सं·— लाल अधर। ಕೆನ್ನಾಲಿಗೆ क़ेन्नालिगे (क) सं.— लाल जिह्वा। ಕೆನ್ನೈದಿಲೆ क़ेन्नैदिले (क) सं. – लाल कुमुद।
ಕೆನೆ क़ेने (क) सं.—सुंदरता, मनोहरता, लावण्य, रमणीयता; मलाई।— ಮೊಸರು मोसरु (क) सं.—मलाईदार दही।— ಹಾಲು हालु (क) सं.— मलाईदार दूध। क्रि.—हेषा ध्वनि कर, हिनहिना।

ಕೆನ್ನ क़ेन्न (क) सं.— अधिकता, वृद्धि । ಕೆನ್ನಂ क़ेन्नं—अधिक, बहुत, और ।

ಕೆನ್ನೆ क़ेन्ने (क) सं.— गाल कपोल ।

ಕೆಪ್ಪು क़ेप्पु (क) सं.— बहरापन । ಕೆಪ್ಪ क़ेप्प —बहरा आदमी, ಕೆಪ್ಪಿ क़ेप्पि—बहरी स्त्री ।

ಕೆಬ್ಬೆ क़ेब्बे (क) सं.—(मिट्टी का) लाल रंग; छिलका ।

ಕೆಮ್ क़ेम् (क) सं.—(समस्त-पदों में) लाल रंग । ಕೆಂಬಣ್ಣ क़ेंबण्ण (क) सं.—लाल रंग । ಕೆಂಬತ್ತಿ क़ेंबत्ति, ಕೆಂಬೂತಿ क़ेंबूति (क) सं.—कपास का पौधा जिसके फूल होते हैं । ಕೆಮ್ಮಣ್ಣು क़ेम्मण्णु (क) सं.—लाल मिट्टी । ಕೆಮ್ಮೀನು क़ेम्मीनु (क) सं.—लाल मछली ।

ಕೆಮ್ಮನೆ क़ेम्मने (क) अ. — चुपचाप, यों ही, अकारण ही ।

ಕೆಮ್ಮಲು क़ेम्मलु (क) सं. = ಕೆಮ್ಮುಲು क़ेम्मुलु, ಕೆಂಬಲು क़ेंबलु, ಕೆಮ್ಮು क़ेम्मु—खाँसी ।

ಕೆಮ್ಮು क़ेम्मु (क) क्रि.—खाँस । सं.=खाँसी ।

ಕೆಮ್ಮುಲು क़ेम्मुलु (क) सं.—दे. ಕೆಮ್ಮಲು.

ಕೆಮ್ಮುಹ क़ेम्मुह (क) सं.—खाँसना, खाँसी ।

ಕೆಯ್ क़ेय् (क) क्रि.—कर, बना, काम कर, हाथ, में ले, संपन्न कर; सेवा कर, सेवा के योग्य हो; उपयुक्त हो । सं. — हाथ, कर, कराग्र (करतल); हाथी की सूँड; डाल, शाखा; स्तंभ, खंबा, छड़ी, डंडा, कुंजी, लकड़ी का हाथ; छोटापन, लघुता; माध्यम, सहारा; सज्जा, साज-सज्जा, वैभव, अलंकरण; खेत, ज़मीन; क्षेत्र ।—ಕಟ್ಟು कट्टु (क) क्रि. — हाथ बांध, हाथ का संचालन न हो, ग़रीब हो; सं.—हाथ का आभरण, कंकण, वलय ।—ಕರಣ करण (क) सं.—सब लोगों को ज्ञात चिकित्सा-विधि, चिकित्सा । — ಕಷ್ಟ कष्ट, ಕೆಲಸ क़ेलस (क) सं. — शारीरिक परिश्रम, मेहनत, श्रम, मज़दूरी । — ಕಳಿ कळि (क) क्रि.—हाथ से निकल, अधीन में न रह ।—ಕಾಗದ कागद (अ. दे.) सं.—हाथ का कागज़, सट्टा । — ಕಾಲು कालु (क) सं.—हाथ पैर ।—ಕಾಲ್ ಕಟ್ಟುಕೊಳ್ಳು कालु कट्टिकोळ्ळु (क) क्रि —गिड़गिड़ा, पैरों में पड़, दीनता से याचना कर ।—ಕಾಲ್ ಕೆಡು काल् क़ेडु (क) क्रि. —विश्रमित हो । — ಕಾಲ್ ಬೀಳು काल् बीळु (क) क्रि.=दीनता से याचना कर, गिड़गिड़ा ।—ಕಾಲು ಹೋಗು कालु होगु (क) क्रि.—हिम्मत हार, निराश हो ।—ಕಾಲು ಪಡೆ कालु पड़े (क) क्रि.—धैर्य पा, काम में लग, कटिबद्ध हो । — ಕಾಳಗ काळग (क) सं. — मल्लयुद्ध । — ಕುಂಚಿಕೆ कुंचिक़े (सम्) सं. — छोटी कूँची । — ಕೂಲಿ कूलि (क) सं.—छोटा-मोटा काम, मज़दूरी ।—ಕೆಲಸದವ क़ेलसदव (क) सं.— कूली, मज़दूर ।—ಕೆಳಗೆ क़ेळगे (क) अ.— हाथ के नीचे; अधीन में (किसी के) अधिकार के नीचे ।—ಕೊಳ್ಳು कोळ्ळु, ಗೊಳ್ಳು ग़ोळ्ळु (क) क्रि. हाथ में ले, कर, प्रारंभ कर; प्राप्त कर, स्वीकार कर, मान, ध्यान दे ।—ಕೊಳಿಸು क़ोळिसु, ಗೊಳಿಸು ग़ोळिसु (क) क्रि. — स्वीकार करा, प्राप्त करा, स्वाधीन करा । — ಕೊಳುಹ क़ोळुह (क) सं.—लेना, स्वीकार करना, पाना ।—ಕೋಲು क़ोलु (क) सं.— लाठी, छड़ी । — ಕೋಳ कोळ (क) सं.—बेड़ी, शृंखला । — ಗಡ गड (क) सं.— ऋण, उधार, कर्ज़ । — ಗಡೆ कडे (क) क्रि.—हाथ से मथ या रगड़ ।— ಗಡಿಗೆ गडिग़े (क) सं.—छोटा घड़ा, गागरी । — ಗಂಟು गंटु (क) सं.—(व्यक्तिगत खर्च के लिए उपयोगी पैसा या धन । —ಗವುಡ ಕೆಲಸ गड क़ेलस (क) सं. — सुस्थगित कार्य ।—ಗಣ್ಮು गण्मु (क) क्रि. — हद से निकल, सीमाहीन हो, अतिक्रमण कर, संक हो । — ಗತ್ತಿ गत्ति (क) सं.— चाकू ।— ಗದಕ गदक, ಗಡಕ गडक (क) सं.— क्रूर, ठग ।—ಗದಕತನ गदकतन (क) सं.—सुस्ती । —ಗದಿಕಿ गदिकि (क) सं.— चोरी करने वाली स्त्री ।—ಗಟಿ गटि (क) क्रि की फी । ಕೆಯ್ ಗಣ್ಮು— ಗಾಣ್ಕೆ गाण्के (क) (क) — उपहार, भेंट । —ಗಾಱ गाऱ (क) आगे— चतुर या बुद्धिमान पुरुष । — ಹಿಡಿ हिलाऱ गारिक़े, [ಗಾರಿಕೆ गारिक़े] (क) सं.—द्वंद्व मिल.

धंधे; कारीगरी । —ಗುಕ್ಕು गुक्कु, ತುತ್ತು तुत्तु (क) सं.—उतना खाना जितना एक एक हाथ में समाता है और मुँह में रखा जाता है । — ಗುಡಿತೆ गुडित़े (क) सं. — अंजलि भर । —ಗುಡು गुडु, ಗೊಡು ग़ोडु (क) सं. — हाथ लगा, सम्मान के साथ हाथ मिला । —ಗೂಡು गूडु (क) क्रि.— मिल, प्राप्त हो; सफल हो ।—ಗೂಲಿ गूलि (क) सं. — मज़दूरी, कूली । — ಗೆ ಬರು ग़े बरु (क) सं.—मिल, प्राप्त हो; उपयोगी हो ।—ಗೆಯ್ ग़ेय् (क) क्रि.—कर, बना ।—ಗೆ ಸಿಕ್ಕು सिक्कु (क) क्रि.- पहुँच में आ, पकड़ में आ, प्राप्त हो । — ಗೊಡತಿ ग़ोडति (क) सं.—छोटा काठ का हथौड़ा । —ಗೊಪ್ಪೆ ग़ोप्पे (क) सं.—हाथ ढकने का वस्त्र; क्रि.—सर्दी के कारण दोनों हथेलियों को मिला ।—ಗೊಳಿಸು ग़ोळिसु (क) क्रि.—करा, बनवा, पूर्ण करा, संपन्न करा, सफल करा ।—ಚಪ್ಪರ चप्पर (क) सं.—एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाने योग्य वितान । —ಚಪ್ಪಳಿ चप्पळि (क)सं. =ಕೆಯ್ ಚಪ್ಪಳೆ क़ेय्चप्पळे — ताली बजाना । — ಚಳಕ चळक (क) सं. — हस्तकौशल, दक्षता; हाथ की सफ़ाई, इंद्रजाल ।—ಚಳಕು चळकु (क) सं. — हाथ या बहू में सिकुड़न या ऐंठन ।—ಚಾಚು चाचु (क) क्रि. — हाथ फैला या पसार ।—ಚೀಲ चीला (क) सं— हस्त-त्राण, हाथ का मोजा । । — ಜೋಡಿಸು जोडिसु (क) क्रि.—हाथ जोड़कर नमस्कार कर, प्रार्थना कर ।—ತಡೆ तड़े, ताळ (क) सं.—ताली बजाना, एक प्रकार की बड़ी झाँझ ।—ತಪ್ಪು तप्पु (क) सं. — हाथ की गलती, हाथ से गिरना । — ತಾವರೆ तावऱे (क) सं.—हाथ जो कमल के समान हो । —ದೀವಿಗೆ दीविग़े (तद्) सं.—हाथ में पकड़ने का दीपक, टार्च ।—ದುಡುಕು दुडुकु (क) क्रि.—हाथ लगा; शीघ्रता या उतावलेपन से पकड़, बलपूर्वक कड़, गड़बड़ पकर; सं. — शीघ्रता या बलपूर्वक पकड़ने की क्रिया ।—ದೊಡಿಗೆ दोडिग़े (क) सं—हाथ का

आभूषण।—ದೊಳಸು दोळसु (क) सं. — मुक्की, मार-पीट।—ನೀರು नीरु (क) सं.— विवाह के समय वर-वधू के हाथ में डाला गया पानी।—ನೂತಿ नूति (क) सं.—हथेली में होनेवाला घाव। —ನೆಗಹು नेगहु (क) सं.— हाथ ऊपर उठाने की क्रिया।— ನೆರವು नेरवु (क) सं.—सहायता, मदद, सहारा। ನೇಯ ने़य (क) सं.— दूसरे के अधीन में रहनेवाला, सेवक।—ಪಱೆ वऱे (क) सं.— डमरू। — ಪಾವಡ पावड (क) सं. — रूमाल। — ಪಿಡಿ पिडि (क) सं.— दस्ता, मुठिया; धनुष टाँगने का स्थान; दर्पण, आईना।—ಬದಲು बदलु (क) सं. — (धन का) उधार, कर्ज़।—ಬಳೆ बळे (क) सं.— वलय, कंकण।—ಬಾಚಿ बाचि (क) सं. — छोटा बसूला।—ಬಾಳು बाळु (क) सं. — घास काटने की तलवार, हँसिया।— ಬಿಡು बिडु (क) क्रि.—हाथ छोड़; सहारा देना छोड़;।—ಮಗ್ಗ मग्ग (क) सं. — हाथ-करघा। —ಮಱೆ मऱे (क) क्रि. — व्यग्र हो; व्याकुल हो; चलित हो। सं. —नाच में एक भंगिमा, अचल-भाव। — ಮಸಕು मसकु (क) सं.—हाथ पर लगी-काली धूली। —ಮಾಟ माट (क) सं.—हाथ का इशारा या चेष्टा।—ಮಾಡು माडु (क) सं. — हाथ से इशारा या संकेत कर, हाथ के द्वारा कुछ समझा; मार या प्रहार कर, आक्रमण कर, विरोध कर; शस्त्रसंचालन कर, हथियार चला; लेन-देन या खरीद-फ़रोख्त म मूल्य-निर्णय कर।—ಮಿಗು मिगु (क) क्रि. अधिक हो, अधिक बली या अधिकार युक्त हो। ಮಿಂಚು मिंचु (क) क्रि. — हाथ से निकल, (किसी के) अधिकार से बाहर हो, वश में न हो,।—ಮೀರು मीरु (क) क्रि. = ಕೆಯ್ ಮಿಂಚು.—ಮುಗಿ मुगि (क) क्रि.— हाथ जोड़, प्रणाम कर, विनय कर।— ಮುಟ್ಟು मुट्टु (क) सं.— छोटे-छोटे उपकरण; क्रि.—हाथ से छू। —ಮುರಿ मुरि (क) क्रि.—हाथ मरोड़; असहाय स्थिति हो।—ಮೂಳಿ मूळि (क) सं.—आभरण-हीन हाथ या बाहू। ಕೆಯ್ಯಕ್ಕರ क्ेय्यक्षर (क) सं.—हाथ की लिखी चीज़; हस्ताक्षर। ಕೆಯ್ಯಲಾಗದು क्ेय्यलागदु (क) क्रि. सं. — (हाथ से) नहीं होता, संभव नहीं। ಕೆಯ್ಯಳವಿ क्ेय्यळवि (क) सं.—संभावना, अधिकार, बल। ಕೆಯ್ಯಾಡಿಸು क्ेय्याडिसु (क) क्रि. — हाथ का संचालन कर, (किसी वस्तु को) इधर-उधर हिला हाथ से धीरे-धीरे दबा या रगड़, हाथ फेर, सहला, थपथपा।— ಕೆಯ್ಯಾರ್ क्ेय्यार् (क) क्रि. — दोनों हाथ जुड़ा, तैयार हो; पूर्ण हो। ಕೆಯ್ಯಾಳು क्ेय्याळु (क) सं.—मज़दूर या सेवक का सहायक। ಕೆಯಿಲ್ಲದವನು क्ेयिल्लदवनु (क) सं.— वह जिसके हाथ न हो। ಕೆಯ್ಯಾಸೆ क्ेय्यासे (क) सं. — रिश्वत, घूँस ಕೆಯ್ಯೆಣ್ಣೆ क्ेय्येण्णे (क) सं.-हाथ का निकाला (अर्थात् मिल का नहीं) तेल; एरंडी का तेल (मै. प्र.)। ಕೆಯ್ಯೊಡ್ಡು क्ेय्योड्डु (क) क्रि.— (किसी वस्तु को लेने के लिए) हाथ पसार। —ರಾಟೆ राटे (क) सं.—छोटी घिरनी।— ರಾಟಣ राटण (क) सं. = ಕೆಯ್ರಾಟೆ — ವರ್ ... (क) क्रि.-हाथ लग, प्राप्त हो, मिल। —ವಱೆ वऱे (क) सं. —छोटा ढोल।— ... ಱೆಗ वऱेग (क) सं.—हाथ से या डंडे से ... बजानेवाला। — ವತ್ತಿಸು वत्तिसु, ... ವರ್ತಿಸು वर्तिसु (क) क्रि —निकाल, मुक्त- ... छोड़, दूर कर; दे।—ವಶವಾಗು वश- ... (क) क्रि.— हाथ में आ, वश में हो, ... र में हो।—ವಾಡ वाड (क) सं.— ... में होना, पास होना; अधिकार।— ... वार (क) सं.—परकाल (Compas- ... ; प्रशंसा, सराहना। — ವಾರಿಸು ... (क) क्रि.—प्रशंसा या सराहना कर। ... विडिते (क) सं. — हाथ की पकड़। ... विल [ಬಿಲ विल] (क) सं. — हाथी ... नथने।—ಬೀಸು वीसु [ಬೀಸು वीसु] ... —चलते समय हाथों को धीरे-धीरे ... हिला; लड़ने के पूर्व हाथ को ... —ವಾಗು वागु (क) क्रि.— प्राप्त हो, ... ವೋಯ್ वोय् (क) सं.—ताली बजाना।—ವೊಲ वोल (क) सं. — अपने हाथ से जुती गई ज़मीन। — ವೋಗ वोग (क) सं.— हस्तकौशल, निपुणता। — ಸನ್ನೆ सन्ने (क) सं.--हाथ का संकेत।— ಸಾಗು सागु (क) क्रि. — संभव हो; सफल हो।—ಸಾರ್ सार्, ಸಾರು सारु (क) क्रि. —हाथ जोड़; प्राप्त हो, मिल। — ಸಾಲೆ साले (क) सं.—(मंदिर का) बरामदा।— ಸದ್ದಿಗೆ सद्दिगे (क) सं.— छोटी बोतल।— ಸುರಿಗಿ सुरिगि, ಸುರಿಗೆ सुरिगे (क) सं.— छोटा कटार, चाकू।—ಸೂಱೆ सूऱे [ಸೂಱೆ सूरे] (क) सं. — लूट; विनाश। — ಸೆರೆ सेरे, ಸೆಱೆ सेऱे (क) सं. — गिरफ़्तारी। —ಸೇರು सेरु (क) क्रि. — हाथ में आ, मिल।—ಸೊಡರ್ सोडर् (क) सं. —छोटा दिया।—ಸೋಲು सोलु (क) सं. — किसी भारी चीज़ को उठाने के कारण बहुओं को होनेवाली थकावट या पीड़ा।— ಹೊಡೆ होडे (क) क्रि.—(किसी बात की प्रतिज्ञा करते समय) जिसको वचन दिया जाता है उसके हाथ में हाथ रख; सौदा निर्णय कर; सं.— गोधा, चमड़े का पट्ठा जो बाईं भुजा पर धनुष की रगड़ से बचने को रखा जाता है। — ಹೊಲ होल (क) सं.—दे. ಕೆಯ್ವೊಲ; छोटा खेत।

ಕೆಯಿ क्ेयि (क) सं.—क्षेत्र, खेत, वप्र। क्रि. दे. ಕೆಯ್.

ಕೆಯ್ಕೆ क्ेय्के (क) सं—क्रिया, करना, संपन्नता; छल, कपट, धोखा।

ಕೆಯ್ತ क्ेय्त (क) सं.—करना, बनाना, संपन्न करना, क्रिया, कर्म; उपाय; कपट, छल, धोखा।

ಕೆಯ್ದಾಳು क्ेय्दाळु (क) सं.—कुटिलता, प्रतारणापूर्ण व्यवहार, छल, कपट।

ಕೆಯ್ದಿದ್ द्ेयिद्द (क) वि. = पिनद्ध, बद्ध, अलंकृत, वस्त्रों से सज्जित।

ಕೆಯ್ದು क्ेय्दु (क) सं. = ಕೈದು कैदु — शस्त्र, आयुध, हथियार।— ಕೆಯ್ क्ेय् (क) क्रि. आयुध का उपयोग कर, हथियार चला,

लड़ । —ಕಾಱ कार् [ಕಾರ कार] (क) सं.— सैनिक, सिपाही ।—ಕಾಱತನ कार् तन (क। सं. शस्त्र-संचालन की निपुणता ।

ಕೆಯ್ಮೆ केय्मे (क) सं.—करना. कार्य, कर्म, भारी करतूत, वीरता का कार्य ; बुद्धिमत्ता, दक्षता, निपुणता ; धूर्तता, छल, वंचना ।

ಕೆಯ್ಯಿ केयि (क) सं.—हाथ ; खेत, क्षेत्र ।

ಕೆಯ್ಸು केय्सु (क) क्रि.—करा, करवा, बना, बनवा, काम, करा (करवा) ।

ಕೆಯ್ವ केय्ह (क) सं.—करना, कर्म ।

ಕೆರ केर (क) सं. = ಕೆರವು केरवु, ಕೆರಹು केरहु, ಕೆರ್ಪು केर्पु—(चमड़े का) चप्पल, जूता ।

ಕೆರಕಲು केरकलु (क) सं.—चावल पकाये गये बर्तन के अंदर, तल में खुरचना. खुरचन ।

ಕೆರಕು केरकु (क) सं.—वह जो रूक्ष या खुरचनेवाला हो ; पपड़ी, एक प्रकार का चर्म-रोग ।

ಕೆರಂಟು केरंटु (क) क्रि. - नख से खोद. नोच, खुरच ।

ಕೆರವು केरवु (क) सं.—दे. ಕೆರ.

ಕೆರಸೆ केरसे (क) सं. — ಗೆರಸೆ गेरसे, ಗೆರಿಸೆ गेरिसे, ಗೆರೆಸೆ गेरेसे—चौकाकार, और सम तल (बाँस की) टोकरी । — ಬಾಯಿಯವ बायियव (क) सं.—बड़े मुँह का मनुष्य ; रहस्य बतला देनेवाला ।

ಕೆರಹು केरहु (क) सं.—दे. ಕೆರ.

ಕೆರಳ್ केरळ्, ಕೆರಳು केरळु (क) क्रि. =पुकार, चिल्ला ; चीख. कराह, रोग अधिक हो ; रुष्ट हो, गुस्से में आ, क्रुद्ध हो ।

ಕೆರಳಿಚು केरळिचु (क) क्रि. — चिढ़ा, क्रुद्ध करा ; क्रुद्ध हो, रूठ ।

ಕೆರಳು केरळु (क) क्रि. — दे. ಕೆರಳ್ ; बढ़, अधिक (दुःख या दर्द), फैल (घाव का फैलना) ।

ಕೆರಳ್ಚು केरळ्चु (क) क्रि.—भुजाएँ थपाकर या ताली बजाकर शोर मचा, आस्फोटन कर ; गर्जन कर ; दे. ಕೆರಳಿಚು.

ಕೆರಸು केरसु (क) क्रि.—हजामत करा, क्षौर करा ; खुरचा (प्रे.) ।

ಕೆರೆ केरे (क) क्रि.—खुरच, खुजला, नोच, नख से खुरच, नख से खोद ; हजामत कर, क्षौर कर । सं.—गो-समूह ; गायों का झुंड , तालाव, तटाक ।

ಕೆಱೆ केऱे (क) सं.—दे. ಕೆರೆ ; छेद बना ।

ಕೆರ್ಪು केर्पु (क) सं.— दे. ಕೆರ.

ಕೆಲ್ केल् (क) सं.—पेड़ की डाली, शाखा ।

ಕೆಲ केल (क) वि.—दायाँ. बायाँ, एक ओर का; एक तरफ़ का ; (ओर, दिशा में, तरफ़); कुछ, थोडा. कई, अल्प । ಕೆಲಕೆಲ केलकेल —दोनों ओर । ಕೆಲದಂ केलदं—वह पुरुष जो दोनों ओर हो या एक ओर हो । ಕೆಲದಟ್ಟೆ केलदट्टे (क) सं.—अन्य वस्तुओं की बगल में रखी गई थाली । ಕೆಲಂದೆಗೆ केलंदेगे—एक ओर ले । ಕೆಲಂದೊಲಗು केलंदोलगु— एक ओर हो । ಕೆಲಬಲ केलबल — बायाँ और दायाँ । ಕೆಲವು केलवु -कुछ ; ಕೆಲವುಗಳು केलवुगळु—कुछ (ब. व.)। ಕೆಲವು ಜನರು केलवु जनरु—कुछ लोग ; ಕೆಲವು ಪಂಡಿತರು केलवु पंडितरु—कुछ पंडित या विद्वान ।

ಕೆಲಚು केलचु (क) सं. — मदद, सहायता, साहाय्य ।

ಕೆಲಸ केलस (क) सं.—काम, कार्य, कर्म ; नौकरी, पेशा ; क्रिया ; उपयोग, महत्व, लाभ । ಕೆಲಸಕೆ ಬಲ್ಲಿದ केलसके बल्लिद (क) सं.—कर्मठ , काम करने में पटु । ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಮೈದೆಗೆಯುವವನು केलसक्के मैदेगेयुववनु (क) सं. — कामचोर पुरुष । ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಮೈಯೊಡ್ಡುವವನು केलसक्के मैयोड्डुववनु (क) सं. चतुर या दक्ष, कर्मशूर । ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಬರು केलसक्के बरु (क) क्रि. — उपयोगी हो । ಕೆಲಸಗಳ್ಳತಿ केलसगळ्ळति (क) सं. —सुस्त या कामचोर स्त्री । ಕೆಲಸಗಳ್ಳತಿಗೆ ಕೂಸು ಹುಟ್ಟಿದ ಹಾಗೆ केलस गळ्ळतिगे कूसु हुट्टिद हागे—(जैसे) कामचोर (या सुस्त) स्त्री को बच्चा हुआ हो (कह.)। ಕೆಲಸ ಹೇಳು केलस हेळु (क) क्रि. — काम करने की आज्ञा दे.

ಕೆಲಸಿ केलसि (क) सं. — काम करनेवाला व्यक्ति ; नाई, हज्जाम ।

ಕೆಲಸಿಗ केलसिग, ಕೆಲಸಿಗರವ केलसिगरव, ಕೆಲಸ್ಯ केलस्य (क) सं.—दे. ಕೆಲಸಿ. (२).

ಕೆಲೆ केले (क) सं.—ज़ोर से चिल्ला, उत्साह से चिल्ला, हल्ला कर, शोर मचा ।

ಕೆಲೆತ केलत (क) सं — निंदात्मक कोलाहल, गाली ।

ಕೆಲ್ಲ केल्ल, ಕೆಲ್ಲೆ केल्ले (क) सं.— रस्सी या धागे का टुकड़ा ।

ಕೆಲ್ಲಯಿಸು केल्लयिसु (क) क्रि.—पतली पट्टी चीर, खमाची बना ; सताया जा कष्ट पा, व्यग्र हो ।

ಕೆಲ್ಲೆ केल्ले (क) सं.—दे. ಕೆಲ್ಲ ; टुकड़ा, चीरने के बाद बचा हुआ अंश ; आयुध, हथियार ; कंपन ।

ಕೆಲ್ಲೆಗೆಡೆ केल्लेगेडे (क) क्रि. — चूर-चूर कर, टुकड़े कर ।

ಕೆವಲ केवल, ಕೇವಲ केवल (क) सं. — एक पौधा जिसके फूल अंगूरी रंग के होते हैं (Ixora coceinea)

ಕೆವ್ವನೆ केव्वने (क) सं.—ढेला मारते समय आनेवाली आवाज़ ।

ಕೆಸ केस, ಕೆಸವು केसवु (क) सं.—कुकुरमुत्ता, छत्रक ।

ಕೆಸರು केसरु (क) सं. — असह्यता । अरुचि, उबाई ; झगड़ा, कलह ; बुरी दृष्टि, दृष्टि-दोष ।

ಕೆಸರ್ केसर् ಕೆಸಱು केसरु (क) सं.— पंक, कीचड, दलदल ।

ಕೆಸರಿಗೆ केसरिगे (क) सं. — स्नानागार की मोरी ।

ಕೆಸವು केसवु (क) सं.—दे. ಕೆಸ ; पौधा विशेष (The cocco) ।

ಕೆಸು केसु (क) सं.— दे. ಕೆಸವು (२).

ಕೆಳ केळ (क) वि.—नीचे का, निम्न, अधो-भाग का । ಕೆಳಗಡೆ केळगड़े —नीचे या नीचे-के भाग में । ಕೆಳತುಟಿ केळतुटि (क) सं.— नीचे का अधर । ಕೆಳದವಡೆ केळदवडे (क) सं—नीचे का जबड़ा । ಕೆಳಭಾಗ केळभाग (क) सं.— नीचे का भाग ।

ಕೆಳಗು केळगु (क) अ.—के नीचे, तले, अधोभाग में, नीचे की ओर या दिशा में, के पहले ।

ಕೆಳಗೆ केळगे (क) अ.—दे. ಕೆಳಗು.

ಕೆಳದಿ केळदि (क) सं.=ಗೆಳತಿ गेळति, ಗೆಳತಿ गेळति, ಗೆಳತೆ गेळते—सखी, आली, सहेली।

ಕೆಳರ್ केळर् (क) क्रि.—जंबाई ले, मुँह खोल, खोल; बढ़ा, अधिक कर; चट कर खिल, सिल, खुल जा, विकसित हो; प्रकट हो, निकल; चिल्ला. ज़ोर से पुकार, चीख; गर्जन कर।

ಕೆಳೆ केळे (क) क्रि.—(किसी की ओर) कर्षित हो, खिंच जा, आकर्षित हो। सं.—आकर्षण, खिंचाव; दोस्ती, मित्रता, सख्य, मिलन; मित्र, दोस्त, सखा या सखी।

ಕೆಳೆತನ केळेतन (क) सं.—ಗೆಳೆತನ गेळेतन—मित्रता, दोस्ती, स्नेह।

ಕೆಳೆಯ केळेय (क) सं.—मित्र; दोस्त, सखा; मित्रता, दोस्त, स्नेह।

ಕೆಳ್ವ केळ्व, ಕೆಳ್ಳಿವ केळिव (क) सं—बूढ़ा आदमी।

ಕೇಚೆ (क) क्रि.—लेट, सो, शयन कर, विश्राम कर; मैथुन कर।

ಕೇಕಟ केकट (क?) सं.—बाँझ; मरुभूमि, रूक्षता।

ಕೇಕಯ केकय (सम्) सं.—देश विशेष और उसके निवासी।

ಕೇಕರ केकर (सम्) सं.—भैंडा, भेंडी आँखवाला; सुंदर पुरुष।—ಅವಲೋಕನ अवलोकन; (सम्) सं.—(प्रेम की) तिरछी दृष्टि।

ಕೇಕರಿಕೆ केकरिके (क) सं.—निष्ठेव; थूक, खाँसकर गला साफ़ करने की क्रिया।

ಕೇಕರಿಸು केकरिसु (क) क्रि.—खाँस कर गला साफ़ कर, थूक।

ಕೇಕಾ केका, ಕೇಕೆ केके (सम्) सं.—मोर की बोली।—ರವ रव (सम्) सं.—मोर की बोली।

ಕೇಕಿ केकि (सम्) सं.—मोर, मयूर।

ಕೇಕು केकु, ಕೇಗು केगु (सम्) क्रि.—मोर की बोली के समान बोल या ध्वनि कर।

ಕೇಕೆ केके (क) सं.—ठठाकर हँसते समय निकलनेवाली ध्वनि। एक अनुकरणमूलक शब्द।

ಕೇಗು केगु (सम्) क्रि.—मोर का बोलना; दे. ಕೇಕು.

ಕೇಡಾಳಿ केडाळि (क) सं.—नटखटी करनेवाला; पीडा देनेवाला. खराब करनेवाला, बुरा व्यवहार करनेवाला।

ಕೇಡಿ केडि, ಕೇಡಿಗ केडिग (क) सं.—दे. ಕೇಡಾಳಿ.

ಕೇಡಿಗತನ केडिगतन; ಕೇಡಿತನ केडितन (क) सं.—खराबी, नटखटपन, बुराई, विनष्टता।

ಕೇಡು केडु (क) सं.—नाश, बरबादी; नटखटी, बुराई, हानि।

ಕೇಡುಗ केडुग (क) सं.—दे. ಕೇಡಿ.

ಕೇಣ केण (क) सं.—मात्सर्य, द्वेष, बदला प्रतिशोध; क्रोध, रोष; लालच, लोभ; विचार, वितर्क, विवेचन; प्रतिरोध, रुकावट; संयम।

ಕೇಣಕಾಱ केणकाऱ [ಕಾರ कार] (क) सं.—प्रतिशोध लेनेवाला या द्वेष करनेवाला।

(१) ಕೇಣಿ केणि (क) सं.—अस्थायी कुआँ या तालाब; नदी के किनारे पर बनाई गई खाई।

(२) ಕೇಳಿ केणि (तद्) सं.—केलिः (तत्); खेल, क्रीडा; आमोद-प्रमोद।—ಗೊಳ್ गोळ् (तद्) क्रि.—क्रीडा कर, अमोद-प्रमोद कर; गतिमान हो।—ಕಾಱ कार, ಗ ग (तद्) सं.—व्यपारी. व्यवसाय करनेवाला।

ಕೇತ केत, ಕೇತಕ केतक (सम्) सं.—घर, मकान; आबादी. बस्ती।

ಕೇತಕಿ केतकि (सम्) सं—केतकी (वृक्ष और फूल)।

ಕೇತನ केतन (सम्) सं.—घर, मकान; आमंत्रण, आह्वान; व्यवहार; पताका, ध्वज।

ಕೇತಾರ केतार (तद्) सं.—केदार (तत्)।

ಕೇತು केतु (सम्) सं.—किरण, प्रकाश, पुच्छलता, धूमकेतु; केतुग्रह, ग्रह; ध्वज; चिह्न, निशान; निमान; प्रधान, मुखिया; रोग; शत्रु।—ದಂಡ दंड (सम्) सं.—पताका का बाँस।—ಪಟ पट (सम्)—झंडा। ಮಾಲ माल (सम्) सं.—विश्व के नौ बड़े भागों में एक; जंबू द्वीप का पश्चिमी भाग।

ಕೇದರ केदर (सम्) सं.—एक पौधा विशेष।

ಕೇದಾರ केदार (सम्) सं.—(पानी से भरा) खेत, चरागाह; उपवन, बगीचा; पर्वत; शिवालय, मंदिर, शरीर देह; शिवजी का रूप विशेष; ಕೇದಾರಗೌಳ केदारगौळ—एक राग का नाम।

ಕೇದಿಗೆ केदिगे, ಕೇದಗೆ केदगे (तद्) सं.—केतकी (तत्)।

ಕೇನಾರ केनार (सम्) सं—कपोल का ऊपरी भाग, कनपटी।

ಕೇನಿಪಾತಕ केनिपातक (सम्) सं—पतवार, ढाँड।

ಕೇಂದ್ರ केंद्र (सम्) सं—वृत्त का मध्यभाग, मध्यस्थल, मुख्यस्थान।

ಕೇಪಲ केपल (क) सं.—दे. ಕೆಪಲ.

ಕೇಪು केपु (अ. दे.) सं.—खेप।

(१) ಕೇಮು केम (क) सं.—(चमड़े का) कड़ापन।

(२) ಕೇಮು केम (तद्) सं—क्षेम (तत्); प्रसन्नता. सुख, चैन।

ಕೇಯಿಸು केयिसु. ಕೇಸು केसु (क) क्रि.—जमा करा, धरा (प्रे.)।

ಕೇಯೂರ केयूर (सम्) सं.—बाजूबंद, तावीज़।

ಕೇರ್ केर्, ಕೇರು केरु (क) सं.—दीवार, भित्ति; भिलावे का वृक्ष, वीरवृक्ष।

ಕೇರ केर. ಕ್ಯಾರ क्यार (क) अ.—पश्चात्, इत्पश्चात्. के बाद, उपरांत।

ಕೇರ केर (अ. दे.?) सं.—कूड़ा-कराकट. तुच्छ पदार्थ।—ಮಾವು मावु—घटिया प्रकार का आम।

ಕೇರಿ केरि (क) सं.—गली, सड़क, रास्ता; पगड़ी की पट्टी (धारी)। ಮಾರುವ ಕೇರಿ मारुव केरि, ಅಂಗಡಿ ಕೇರಿ अंगडि केरि (क) सं.—बाजार, विपणी।

ಕೇರೆ केरे, ಕ್ಯಾರೆ क्यारे (क) सं.—एक साँप विशेष (Rat-snake or whip-snake)।

ಕೆರು केरु (क) क्रि·—पछोर, सूप में पछोर।

ಕೆರಿಸು केरिसु—(प्रेरणार्थक रूप)।

ಕೆಲ್ केल् ಕೆಲು केलु (क) सं·— एक बड़ा मिट्टी का जलपात्र, बड़ी सुराही।

ಕೆಲನ केलन, ಕೆಲಿ केलि, ಕೆಲೀ केली, ಕೆಳಿ केळि (सम्) सं· —खेल, क्रीडा, लीला, मनोविनोद, आमोद-प्रमोद।

ಕೆಲಿಕಿಲ केलिकिल (सम्) सं· — विदूषक, मसखरा।

ಕೆಲಿಕೆ केलिके, ಕೆಲಿಕಾ केलिका, ಕೆಳಿಕೆ केळिके (सम्) सं·—खेल, क्रीडा।

ಕೆಲಿಸು केलिसु, ಕೆಳಿಸು केळिसु (सम्) क्रि·—खेल, क्रीडा कर, लीला कर, विहार कर।

ಕೆವ केव (क) सं·— गर्व, घमंड, अहंभाव।

ಕೆವಣ केवण (तद्) सं·—क्षेपणम् (तत्); फेंकना, डालना; भेजना, बतलाना; व्यतीत करना; छोड़ जाना।

ಕೆವಲ केवल (सम्) अ· — सिर्फ, मात्र, केवल। वि·—विशिष्ट· असाधारण, अकेला, एकमात्र, अद्वितीय; समस्त, समूचा, पूरा; साफ· शुद्ध। सं·— कैवल्य, मोक्ष। —ಜ್ಞಾನ ज्ञान (सम्) — विशुद्ध ज्ञान, मोक्षज्ञान।

ಕೆವಲಿ केवलि (सम्) सं· — जैन-संन्यासी; अर्हत्।

ಕೆವು केवु (क) सं·—रति, मैथुन (मै. प्र·)।

ಕೆಶ केश (सम्) सं·— सिर के बाल; सुगंध द्रव्य विशेष।

ಕೆಶಘ್ನ केशघ्न (सम्)—रोग जिसके कारण सिर गंजा होता है।

ಕೆಶಪಕ್ಷ केशपक्ष, ಕೆಶಪಾಶ केशपाश (सम्) सं· —अधिक बाल, अलकावली।

ಕೆಶಬಂಧನ केशबंधन (सम्) सं·— चुटीला, बालों का जूड़ा।

ಕೆಶಮಾರ್ಜನ केशमार्जन ಕೆಶಮಾರ್ಜನಿ केश-मार्जनि (सम्)—सं·— कंघा कंघी।

ಕೆಶವ केशव (सम्) सं·—बहुत अथवा सुंदर केशोंवाला; कृष्ण, विष्णु।

ಕೆಶವೆಶ केशवेश (सम्) सं· — केशबंधन, जूड़ा।

ಕೆಶಹಸ್ತ केशहस्त (सम्) सं· = ಕೆಶಪಕ್ಷ.

ಕೆಶಾಕೆಶಿ केशाकेशि (सम्) स· — सिर के केश पकड़कर परस्पर लड़ना।

ಕೆಶಿ केशि (सम्) सं·—अधिक बालों वाला; सिंह; एक असुर का नाम जिसको श्रीकृष्णने मारा था; रुद्र, शिव।—ರಾಜ राज (सम्) सं·—कन्नड के प्रसिद्ध व्याकरण ग्रंथ 'शब्द-मणिदर्पण' के रचयिता का नाम।

ಕೆಶಿಕ केशिक (सम्) वि·=सुंदर बालों वाला।

ಕೆಶಿನಿ केशिनि (सम्) सं·—सुंदर वेणीवाली स्त्री; विश्रवस की पत्नी और रावण की माता; एक पौधा विशेष (Chrysopogon aciculatus)।

ಕೆಶಿಹರ केशिहर (सम्) सं·—श्रीकृष्ण।

ಕೆಸ केस, ಕ್ಯಾಸ क्यास (क) अ· — के बाद, पश्चात्, उपरांत।

ಕೆಸರ केसर (सम्) सं·—फूल का रेशा या सूत; पुष्प-रज, पराग; सिंह की गर्दन के बाल; बकुल वृक्ष, बकुल पुष्प; केशर, ज़ाफ़ान।

ಕೆಸರಿ केसरि (सम्) सं· — सिंह; अपनी; श्रेणि का सर्वोत्तम या सर्वोत्कृष्ट; घोड़ा, अश्व; केशर, ज़ाफ़ान; लाल रंग का धान पुन्नाग वृक्ष।—ದ್ವಿಪಾರಾಶಿ द्विपाराशि (सम्) सं· – सिंह और हाथी का शत्रु भेरुण्ड।—ದ್ವಿಷ (द्विष (सम्) सं·—शरभ।

(१) ಕೆಸು केसु (क) सं·—दे· ಕಸವು; लाल रंग; ಕೆಸಕ್ಕಿ केसक्कि—लाल चावल।

(२) ಕೆಸು केसु (क) क्रि·—दे· ಕೆಯಿಸು.

ಕೆಳ್ केळ्, ಕೆಳು केळु (क) सं·—सुन, श्रवण कर, ध्यान दे; पूछ; माँग, याचना कर।

(१) ಕೆಳ केळ (क) सं·— मित्र, दोस्त।

(२) ಕೆಳ केळ (तद्) सं·—कदली (तत्)।

ಕೆಳಿ केळि (तद्) सं·—सुनना, श्रवण, ध्यान देना; पूछना, प्रश्न; माँगना, माँग।

ಕೆಳಿಸು केळिसु (क) क्रि.—सुना, श्रवण करा (या करवा); सुन, श्रवण कर; सुनाई पड़; ध्वनि कर, आवाज़ कर।

ಕೆಳು केळु (क) क्रि·—दे· ಕೆಳ್.

ಕೆಳುವಿಕೆ केळुविके, ಕೆಳುಹ केळुह, ಕೆಳ್ವಿಕೆ केळ्विके (क) सं·—दे· ಕೆಳಿಕೆ.

ಕೆಳು केळि (क) सं·—पंक्ति, कतार; श्रेणी, वर्ग; समूह, राशि, झुण्ड।

ಕೈ कै (क) सं· = ಕಯ್ಯ್ केय् हाथ; अलंकार, सजावट; खेत, क्षेत्र; कडुआपन; मन्थन करना, मन्थन।

ಕೈಕಯೆ कैकये, ಕೈಕೆಯಿ कैकेयि (सम्) सं·—केकय राजा की पुत्री और दशरथ महाराज की छोटी रानी का नाम।

ಕೈಕಸೆ कैकसे (सम्) सं.—रावण की माता का नाम।

ಕೈಕೆ कैके (तद्) सं·– दे ಕೈಕಯೆ.

ಕೈಕೆಯ कैकेय (सम्) सं·—केकय देश का राजा या राज कुमार।

ಕೈಂಕರ್ಯ कैंकर्य (सम्) सं·—सेवा, सेवा-भाव, दास्य।

ಕೈಟಭ कैटभ (सम्) सं· — एक राक्षस का नाम।—ಅರಿ अरि, ರಿಪು रिपु, जित् ಜಿತ್ (सम्) सं·— विष्णु।

ಕೈಟರ್ಯ कैटर्य (सम्) सं·— दवाई में काम आनेवाला एक पौधा, कट्फल।

ಕೈತ कैत (क) सं —दे· ಕಯ್ತ.

ಕೈತವ कैतव (सम्) सं·—जुआ; छल, कपट, झूठ, जाल; जुआ खेलने का स्थान या घर।

ಕೈದವ कैद्व (तद्) सं·—कैतव (तत्)।

ಕೈದಾರಕ कैदारक· ಕೈದಾರಿಕ कैदारिक, ಕೈದಾರ್ಯ कैदार्य (सम्) सं·—खेतों का समुदाय।

ಕೈದಿ कदि (अं· दे) सं·—क़ैदी (अरबी); बन्दी।

(१) ಕೈದು कैदु (क) सं·—दे· ಕಯ್ದು.

(२) ಕೈದು कैदु (अ· दे·) सं·— क़ैद (अरबी); बन्धन, गिरफ़्तारी।— ಖಾನೆ खाने (अ· दे·) सं·—कारागार, जेल।

ಕೈಫಿಯತು कैफ़ियतु (अ· दे·) सं· — कैफ़ियत (अरबी); समाचार, विवरण, रपट, मामला; उन्माद।

ಕೈಮೆ कैमे (क) सं·— दे· ಕಯ್ಮೆ.

ಕೈಯಿ कैयि ಕೈಯ್ಯಿ, कैय्यि (क) सं. — हाथ; कर।

ಕೈರವ कैरव (सम्) सं.—कोकावेली, चंद्रमा की चाँदनी में खिलनेवाली सफ़ेद कमल)— ಬಾಂಧವ बांधव, ಮಿತ್ರ मित्र (सम्) सं — चंद्रमा।— ವಿಣಿ विणि (सम्) सं— सफ़ेद कमलों का समुदाय।

ಕೈಲಾಸ कैलास (सम्) सं — हिमालय पर्वत का शिखर विशेष।— ದುರ್ಗ दुर्ग, ಪುರಿ पुरि (सम्) सं. = ಕೈಲಾಸ.

ಕೈವರ್ತ कैवर्त (सम्) सं.—मछुआ, मल्लाह।

ಕೈವರ್ತಿ ಮುಸ್ತಕ कैवर्तिमुस्तक (सम्) सं. —एक सुगंधित तृणविशेष।

ಕೈವಲ್ಯ कैवल्य (सम्) सं. — एकत्व, एकान्तता; मोक्ष, मुक्ति; निर्मलता, शुद्धता; मुख्य स्थान; वेदों की शाखा।

ಕೈಶಿಕ कैशिक (सम्) सं.— बालों का परिमाण; प्रेम, प्रेमभाव; कामुकता।

ಕೈಶಿಕಿ कैशिकि (सम्) सं.— नाट्यशास्त्र की एक वृत्ति।

ಕೈಶ್ಯ कैश्य (सम्) सं— बालों का परिमाण, संपूर्ण केश।

ಕೊಂಕ कोंक, ಕೊಂಗ कोंग, ಕೊಂಗು कोंगु (क) सं.— क्षुद्रता, तुच्छता; परिहास, हँसी, दिल्लगी; दिल्लगी करनेवाला, विदूषक; क्षुद्र पुरुष।

ಕೊಂಕಣ कोंकण, ಕೊಂಕಣ कोंकण, ಕೊಂಗಣ कोंगण (क) सं. —कोंकण देश। — स्थ (क) सं. कोंकण देश का ब्राह्मण।

ಕೊಂಕಣಿ कोंकणि (क) सं.— कोंकण-ब्राह्मण जाति का पुरुष।

ಕೊಂಕಣಿಗ कोंकणिग (क) सं.— कोंकण देश का ब्राह्मण।

ಕೊಂಕಳ್ कोंकळ्, ಕೊಂಕುಳ್ कोंकुळ् (क) सं.— काँख, बगल।

ಕೊಂಕಳ कोंकळ, ಕೊಂಕಳು कोंकळु (क) सं.— दे. ಕೊಂಕಳ್.

ಕೊಂಕಿ कोंकि (क) सं.— अँकुड़ा, कुलाबा, काँटा, मछली फँसाने की बँसी।

ಕೊಂಕಿಸು कोंकिसु (क) क्रि.— वक्र कर, टेढ़ा कर; रूप बिगाड़।

ಕೊಂಕು कोंकु (क) क्रि.— वक्र हो, टेढ़ा हो, तिरछा हो, रूप बिगड़, रूप परिवर्तन हो, भग्न हो, कुटिल हो; झूठा हो। सं.— वक्रता, टेढ़ापन, तिरछापन, भग्नता, कुटिलता; गुरु, गुरुवर्ण।

ಕೊಂಕುಳ್ कोंकुळ् (क) सं.—दे. ಕೊಂಕಳ್.

ಕೊಂಗ कोंग (क) सं.— दे. ಕೊಂಕ.

ಕೊಂಗರಿ कोंगरि (क) सं. = ಕೊಂಗರಿ ಬಿಂಗರಿ कोंगरि बिंगरि—हक्का-बक्का होना।

ಕೊಂಗು कोंगु (क) सं.— दे. ಕೊಂಕ; देश विशेष का नाम (वर्तमान केरल का एक भाग)।

ಕೊಂಗೆ कोंगे, ಕೊಂಬು कोंबु, ಕೊಂಬೆ कोंबे (क) सं.— पेड़ की शाखा, डाली।

ಕೊಂಚ कोंच, ಕೊಂಚೆ कोंचे (क) वि.— थोड़ा; कुछ, लेशमात्र।

ಕೊಂಚಿಗೆ कोंचिगे (क) सं.—बच्चों को पहनाने की टोपी।

(१) ಕೊಂಚೆ कोंचे (क) वि.—दे. ಕೊಂಚ. सं.— आवरण, प्राचीर, शाल, हाता, घेरा।; उत्तर काल की या बाद की वस्तु।

(२) ಕೊಂಚೆ कोंचे (तद्) सं. = ಕ್ರುಂಚ್ क्रंच्, ಕ್ರುಂಚು क्रंचु-क्रौंच (तत्) — कुरर पक्षी।

ಕೊಂಟು कोंटु (क) सं.— गदा; मुदगर; पेड़ का कटा हुआ भाग, ठूँठ, लकड़ी का कुंदा-लट्ठा।

(१) ಕೊಂಡ कोंड (क) सं.— पहाड़, पर्वत।— ಕುರಿ कुरि; ಗುರಿ गुरि (क) सं.— रौहिष; जंगली भेड़।

(२) ಕೊಂಡ कोंड (तद्) सं.— कुंडः (तत्); कूड़ा, कूड़ी, हौदी।

ಕೊಂಡಲು कोंडलु, ಕೊಂಡ್ಲು कोंडलु (तद्) सं — कुंडलः (तत्); कानों की बाली, कर्णाभरण।

ಕೊಂಡಸು कोंडसु (क) सं.— एक पौधा विशेष (सूप-कारिका नामक पौधा)।

ಕೊಂಡಮಾರು कोंडमारु (क) सं.— निष्फल-क्रिया, मूल रूप।

ಕೊಂಡಾಟ कोंडाट (क) सं.—स्तुति, प्रशंसा, सराहना। ಕೊಂಡಾಡು कोंडाडु (क) क्रि.—गुण-कथन कर।

ಕೊಂಡಿ कोंडि (क) सं.—अँकुड़ा, खूँटी, ताले के अंदर की कड़ी; बिच्छू का पुच्छ।

ಕೊಂಡಿಸು कोंडिसु (क) क्रि.—कलंक लगा, अपयश कर, बदनाम कर।

ಕೊಂಡು कोंडु (क) कृ.—('ಕೊಳ್ कोळ्' से) — लेकर; खरीद कर।

ಕೊಂಡೆ कोंडे (क) सं. – ಕೊಂಡೆಯ कोंडेय— चुगली, शिकायत; अपयश, बदनामी; गाली; सिर पर धारण करने की मोतियों की लड़ी या माला; गुच्छा; जूड़ा; झब्बा।

ಕೊಂಡೆಗ कोंडेग (क) सं.—दे. ಕೊಂಡೆ; १ शिकायत करनेवाला, चुगलखोर, बदनाम करनेवाला, अपयश फैलानेवाला।

ಕೊಂಡೆಗಾರ कोंडेगार [ಗಾರ गार] (क) सं.—चुगलखोर, अपयश फैलानेवाला पुरुष।

ಕೊಂಡೆತನ कोंडेतन (क) सं.—दे. ಕೊಂಡೆ १.

ಕೊಂಡೆಯ कोंडेय (क) सं.—दे. ಕೊಂಡೆಗ.

ಕೊಂತ कोंत (तद्) सं. — कुंत (तत्) प्रास नामक शस्त्र, भाला।

ಕೊಂತಿ कोंति (तद्) सं.—कुंती (तत्)।

ಕೊಂದು कोंदु (क) कृ. — (ಕೊಲ್ कोल् या ಕೊಲ್ಲು कोल्लु=मार)—मारकर।

ಕೊಂದೆ कोंदे (क) सं. — मोटी दालचीनी का पेड़।

ಕೊಂಪೆ कोंपे (क) सं —काँटों की झाड़ी २. छोटा ग्राम; झोंपड़ी।

ಕೊಂಬು कोंबु (क) सं.—पशुओं का सींग, वह जो सींग-जैसा हो, शृंग, ललाम; हाथी का निकला हुआ दाँत; पेड़ की शाखा, डाली; संकेत-स्थान, संकेतस्थल। क्रि. — ले, खरीद।

ಕೊಂಬುವಿಕೆ कोंबुविके (क) सं. — खरीदना, लेना।

ಕೊಂಬೆ कोंबे (क) सं.—डाल, शाखा।

ಕೊಂಯಿ, कोंयि (क) सं.—मारने पर कुत्तों के मुँह से निकलनेवाली आवाज़।

ಕೊಕ್ಕರ क़ोक्कर (क) सं.—असह्यता; चिल्लाहट, गर्जन ; विरोध ।

ಕೊಕ್ಕರಿ क़ोक्करि (क) सं.—हक्कबक्का होना।

ಕೊಕ್ಕರಿಸು क़ोक्करिसु (क) क्रि. –डरा, धमका, डाँट, फटकार बता ; गाली दे, कोस ; तिरछा हो), ठिठुर, काँप (सर्दी के मारे या भय से), सिकुड़, ठिठक ; चिल्ला, पुकार, गर्जन; खिसिया, मुँह बँद करके हँस।

ಕೊಕ್ಕರೆ क़ोकरे (क) सं. —सारस ; बगुला ।

ಕೊಕ್ಕಿ क़ोक्कि (क) सं.—पेड़ का ठूंठ, पेड़ की टेढ़ी शाखा ; वक्रता, टेढ़ापन ; तिरछापन, दुष्टता ।

ಕೊಕ್ಕು क़ोक्कु (क) सं. — दे. ಕೊಕ್ಕರೆ ; चोंच ।

ಕೊಕ್ಕೆ क़ोक्के (क) सं. — टेढ़ापन ; वक्रता ; कुलाबा, काँटा . (अड़चन, बाधा) ।

ಕೊಕ್ರೆ क़ोक्रे (क) सं.—दे. ಕೊಕ್ಕರೆ.

ಕೊಗ್ಗ क़ोग्ग (क) सं.—वक्रता, टेढ़ापन ; वक्र या कर्कश ध्वनिवाला पुरुष ।

ಕೊಗ್ಗಿ क़ोगिग, ಕೊಗ್ಗಿಡಿ क़ोगिगडि, ಕೊಗ್ಗಿಲಿ क़ोगिगलि, ಕೊಗ್ಗೆ क़ोग्गे (क) सं. —एक पौधा विशेष (Tephrosia purpurea) ।

ಕೊಗ್ಗು क़ोग्गु (क) सं.— कानों का मल ।

ಕೊಚ್ಚಿಕೆ क़ोच्चिके (क) सं.— काटने की क्रिया ।

ಕೊಚ್ಚಿಸು क़ोच्चिसु (क) क्रि.— कटा, कटवा (प्रे.) ।

(१) ಕೊಚ್ಚು क़ोच्चु (क) क्रि. — काट, टुकड़े कर; अधिक बोल, बड़बड़ा, डींग हाँक; आटे को साफ़ कर. पछार । सं. — काटना, काटने की क्रिया, काटने का आयुध ; पुडिया, चूर्ण ; धूल मूत्र की दुर्गंध ।

(२) ಕೊಚ್ಚು क़ोच्चु (तद्) सं. — कूर्चम् (तत्) ; गुच्छा ; मूठा ; गट्ठर ।

ಕೊಚ್ಚೆ क़ोच्चे (क) सं. — दलदल, कीचड़, पंक ।

ಕೊಜ್ಜೆ क़ोज्जे, ಖೋಜಾ खोजा (अ. दे.) सं. — खोजा (फ़ारसी) ; नपुंसक, कापुरुष ।

ಕೊಟ कोट, ಕೊಟಗೆ कोटगे, ಕೊಟ್ಟಗೆ क़ोट्टगे, ಕೊಟ್ಟಿಗೆ क़ोट्टिगे, (तद्) सं.— कुटंकः (तत्) ; छोटी झोंपड़ी, गोशाला ।

ಕೊಟಾರ क़ोटार, ಕೊಟ್ಟಾರ क़ोट्टार (तद्) सं.— कोष्ठागार (तत्) ; खलियान ; अनाज (भूसे से अलगाने के लिए) पीटने का स्थान ।

(१) ಕೊಟ್ಟ क़ोट्ट (क) सं. — बाँस की नली ; एक पौधा । वि.— बिलकुल अंत का, अंतिम ।

(२) ಕೊಟ್ಟ क़ोट्ट (तद्) सं.— दे. ಕೊಟ ; कोष्ठ (तत्) ।

(३) ಕೊಟ್ಟ क़ोट्ट (सम्) सं.— कोट, गढ़, किला । — ಗಾರ गार् (सम्) सं.— किलेदार ।

ಕೊಟ್ಟಜ क़ोट्टज (क) सं.— राज कर, भेंट ।

ಕೊಟ್ಟಡಿ क़ोट्टडि (अ. दे.?) सं.— कोठरी, कमरा ।

ಕೊಟ್ಟಣ क़ोट्टण (क) सं.— धान को कूटने की क्रिया । — ಅಕ್ಕಿ अक्कि (क) सं. — कूटा हुआ (अर्थात् मिल का नहीं) चावल । — ಗಿತ್ತಿ गित्ति (क) सं — धान कूटनेवाली स्त्री ।

ಕೊಟ್ಟತನ क़ोट्टतन (अ. दे.) सं.— खोटापन (हिं.) ; वक्रता ; छल, कपट ।

ಕೊಟ್ಟವಳ क़ोट्टवळ (सम्) सं.— किलेदार ।

ಕೊಟ್ಟಸ क़ोट्टस (क) सं.— भूना हुआ माँस ।

ಕೊಟ್ಟಾರ क़ोट्टार (तद्) सं.— दे. ಕೊಟಾರ.

(१) ಕೊಟ್ಟಿ क़ोट्टि (क) सं.— निर्लज्ज, बेशर्म, नीच. तुच्छ या क्षुद्र पुरुष ।

(२) ಕೊಟ್ಟಿ क़ोट्टि (अ. दे.) वि. — खोटा (हिं.) ; झूठा, अविश्वास के योग्य, छलिया, कपटी, बुरा, खराब ; दुराचारी, पापी ।

(३) ಕೊಟ್ಟಿ क़ोट्टि (अ. दे.) सं.— कमरा, कोठी ।

ಕೊಟ್ಟು क़ोट्टु (क) सं.— नोंक, अग्र भाग ; चूचुक ; मुकुट, कलँगी ; सिर पर धारण करने का एक आभूषण विशेष, चूडा । कृ.— (ಕೊಡು क़ोडु = दे.) — देकर ।

ಕೊಟ್ಟುಕ क़ोट्टुक, ಕೊಟ್ಟುಗ क़ोट्टुग (क)सं. — (क) टिटिहरी ।

ಕೊಟ್ಟೆ क़ोट्टे (क) सं.— फलों की गुठली या गुद्दी ।

ಕೊಟ್ಣ क़ोट्ण (क) सं.— दे. ಕೊಟ್ಟಣ.

ಕೊಠಡಿ क़ोठडि (अ. दे.?) सं.— कमरा ; कोठरी ।

(१) ಕೊಡ क़ोड (क) सं.—कोमलता, मृदुता ; कोमल वय, यौवन (ಕೊಡಗೂಸು क़ोडगूसु — सयानी लड़की, युवती ; कन्या) ; शहद, मधु ; तलवार, हँसिया ।

(२) ಕೊಡ क़ोड (तद्) सं. — कुटः (तत्) ; जलपात्र, घड़ा. गागरी ।

ಕೊಡಕು क़ोडकु (क) सं.—वक्रता, टेढ़ापन ।

ಕೊಡಕೆ क़ोडके, ಕೊಡಂಕೆ क़ोडंके (क) सं.— कान ।

ಕೊಡಗ क़ोडग (क) सं. — दरिद्रता, ग़रीबी ; आवश्यकता ।

ಕೊಡಗು क़ोडगु (क) सं.—कूर्ग जो वर्तमान मैसूरु राज्य का एक भाग है ।

ಕೊಡಗೆ क़ोडगे (क) सं.– देन ; भेंट ; उपहार ; अनुदान ।

ಕೊಡಚಿ क़ोडचि (क) सं.—एक पौधा विशेष ।

ಕೊಡಚು क़ोडचु, ಕೊಡಸು क़ोडसु (क) सं. हाथ की उंगली से या कनखोदनी से कानों का मल निकाल ; बर्तन में लगी गंदगी को हाथ से (रगड़कर) निकल ।

ಕೊಡತ क़ोडत (क) सं. — शीतलता ; सर्दी, जाड़ा ; कुत्ते के गर्दन पर बांधा जानेवाला डंडा ; घाव का दर्द (पीडा) । क्रि. — खोखला कर, थोथा कर ; छेद, भेद, रंध्र कर, चुभ ।

ಕೊಡತಿ क़ोडति, ಕೊಡಂತಿ क़ोडंति (क) सं.— लोहे की हथौड़ी ।

ಕೊಡಪು क़ोडपु, ಕೊಡವು क़ोड्वु, ಕೊಡಹು क़ोडहु (क) क्रि.—झाड़, हाथ से पटक या फैला, हिला ।

ಕೊಡಮೆ क़ोडमे, ಕೊಡಂಬೆ क़ोडंबे (क) सं. — मछली पकड़ने की टोकरी, जाल ।

ಕೊಡರಿಸು कोडरिसु (क) सं.—एक आभूषण विशेष ।

ಕೊಡಲಿ क़ोडलि, ಕೊಡ್ಲಿ क़ोड्लि (तद्) सं॰ —कुठारः (तत्) कुल्हाडी, परशु।

ಕೊಡವು क़ोडवु (क) सं॰ —दे॰ ಕೊಡಗು. क्रि॰ — दे, ಕೊಡವು.

ಕೊಡಸಿಗು क़ोड़सिगु (क) सं॰—एक पौधा विशेष (The tree cluystia collina)।

ಕೊಡಸು क़ोडसु, ಕೊಡಹು क़ोडहु (क) सं.— दे॰ ಕೊಡವು.

ಕೊಡಿ क़ोडि (क) सं॰ —बल, शक्ति; सामर्थ्य; मोटापन)

ಕೊಡಿಗೆ क़ोडिगे़ (क) सं॰—ಕೊಡಗೆ.

ಕೊಡಿಸಿಗು क़ोडिसिगु, ಕೊಡಸಿಗೆ क़ोडसिगे़, ಕೊರಿಸಿಗು क़ोरिसिगु (तद्) सं॰—कुटजक (तत्), एक वृक्ष का नाम।

ಕೊಡಿಸು क़ोडिसु (क) क्रि॰ — दिला, दिलवा (प्रे॰)।—ವಿಕೆ विके़=दिलाना।

ಕೊಡು क़ोडु (क) क्रि॰—दे॰ प्रदान कर; दान दे।

ಕೊಡು क़ोडु, ಕೊಡುವಿಕೆ क़ोडुविके़, ಕೊಡುಹ क़ोडुह (क) सं॰—देना, प्रदान करना; देन, दान।

ಕೊಡೆ क़ोडे (क) सं॰—छाता, छतरी। क्रि॰— विकीर्ण कर; छेद कर, उंगली से खोद या नोच, निकाल; कानों का मल उंगली से कनखोदनी से निकाल; दर्द कर, पीडा उत्पन्न हो; बहुत खुजलाहट हो॰ गुदगुदी हो।

ಕೊಡ್ಡ क़ोड्ड (क) सं॰—एक प्रकार का इन्द्र-धनुष; मूर्ख या बेवकूफ़ मनुष्य।

ಕೊಣ क़ोण (क) सं॰ — तालाब, सरोवर; नाक की आवाज़। ಕೊಣ ಕೊಣ ಎನ್ನು क़ोण क़ोण एन्नु—नाक से बोल।

ಕೊಣಕು क़ोणकु (क) क्रि॰—लाँघ, कूद, उछल (पशुओं का लाँघना)। सं॰ —लाँघना उछलना।

ಕೊಣಗು क़ोणगु (क) सं॰— खुर।

ಕೊಣತ क़ोणत (क) सं॰—गदा, मुदगर।

ಕೊಣಪಿ क़ोणपि (क) सं॰ — मूसल, कण्डनी (द॰ क॰)।

ಕೊಣಬಿಗೆ क़ोणबिगे़ (क) सं.—काठ की थाली; काठ का बर्तन (द क॰)।

ಕೊಣವಿಕೆ क़ोणविके़ (क) सं.—दे. ಕೊಣಬಿಗೆ.

ಕೊಣಸು क़ोणसु (क) सं. — दुष्ट मृगों का बच्चा।

ಕೊತ क़ोत (क) सं॰ — एक अनुकरणमूलक शब्द।

ಕೊತಂಬರಿ क़ोतम्बरि, ಕೊತ್ತಂಬರಿ क़ोत्तंबरि (क ?) सं.—धनिया की पत्ती।

ಕೊತ್ತಣಿ क़ोत्तणि (क) सं. — झुण्ड, समूह, समुदाय।

ಕೊತ್ತಲ क़ोत्तल, ಕೊತ್ತಳ क़ोत्तळ (क) सं.— कोट दुर्ग का प्राचीर।

ಕೊತ್ತಳಿ क़ोत्तळि (क) सं.—दे॰ ಕೊತ್ತಣಿ.

ಕೊತ್ತಿ क़ोत्ति (क) सं.—बिल्ली या बिलाव।

ಕೊತ್ತು क़ोत्तु (क) क्रि॰—काट, टुकड़े कर, बोटी-बोटी कर। सं॰—गुच्छा; समूह।

ಕೊತ್ತಮರಿ क़ोत्तमरि, ಕೊತ್ತಮಿರಿ क़ोत्तमिरि, ಕೊತ್ತುಂಬರಿ क़ोत्तुंबरि (क) सं॰ — दे॰ ಕೊತಂಬರಿ.

ಕೊದಲು क़ोदलु, ಕೊದ್ಲು क़ोद्लु (क) क्रि॰— तुतलाकर बोल, रुक-रुक कर बोल। सं.— तुतलाना, तुतली।

ಕೊದಳ್ क़ोदळ् (क) सं॰—दे. ಕೊದಲು.

ಕೊನರ್ क़ोनर्, ಕೊನರು कोनरु (क) क्रि – अंकुरित हो, पल्लव हो; निकल, विकसित हो॰ कुसुमित हो; अधिक हो। सं.—पल्लव, किसलय; मृणाल, कमल, की नाल।

ಕೊನಷ್ಟೆ क़ोनष्टे़ (क) सं॰—वक्रता, टेढ़ापन; दुष्टता।

ಕೊನೆ क़ोने़ (क) क्रि॰—स्वीकृत कार्य में वृद्धि पा; हिल्, हिल्-डुल। सं.—अन्त्य, समाप्ति, छोर, अखिरी भाग; कोना; अग्र भाग; पेड़ की शाखा।

ಕೊಪ್ಪ क़ोप्प (क) सं॰—झोंपडी, छोटा गाँव।

ಕೊಪ್ಪಟ क़ोप्पट (क) सं. — धनुष का अग्र भाग, सींग की नोंक।

ಕೊಪ್ಪರ क़ोप्पर (क) सं॰— भुजा, कन्धा।

ಕೊಪ್ಪರಿಗೆ क़ोप्परिगे़ (तद्) सं॰—कर्पर (तत्); कड़ाह, कडाही।

ಕೊಪ್ಪರಿಸು क़ोप्परिसु, ಖೊಪ್ಪರಿಸು ख़ोप्परिसु (क) क्रि. — मार, पीट; कुचला जा; अधीन में हो।

ಕೊಪ್ಪಲ್ क़ोप्पल् (क) सं — राशि, ढेर; छोटा ग्राम।

ಕೊಪ್ಪು क़ोप्पु (क) सं.—ಕೆ॰ಪ್ಪಟ; कान के ऊपरी भाग में धारण करने का आभूषण; जूडा, केशबंध; वेणी में धारण करने का आभूषण विशेष।

ಕೊಬರಿ क़ोबरि, ಕೊಬ್ಬರಿ क़ोब्बरि (क) सं.— गरी।

ಕೊಬ್ಬಟ್ಟು क़ोब्बट्टु (क) सं.—धान का भूसा।

ಕೊಬ್ಬಿಗ क़ोब्बिग (क) सं.—गर्वीला पुरुष।

ಕೊಬ್ಬಿಲ क़ोब्बिल (क) सं.—असभ्य, अशिष्ट, गँवार या क्षुद्र मनुष्य।

ಕೊಬ್ಬಿಸು क़ोब्बिसु (क) क्रि॰—मोटा हो; मोटा कर।

ಕೊಬ್ಬು क़ोब्बु (क) क्रि.— मोटा हो, तगड़ा हो; अधिक हो, वृद्धि पा; घमंडी हो, गर्व कर, उद्धत हो, ढीठ हो। सं.—चरबी, वसा।

ಕೊಮರ क़ोमर, ಕೊಮಾರ क़ोमार (तद्) सं॰— दे. ಕೊಮಾರ.

ಕೊಮೆ क़ोमे़ (क) क्रि.— जलने लग (जैसे आग का जलना या क्रोध का उभडना)।

ಕೊಮ್ಮೆ क़ोम्मे़ (क) सं.— अनाज की खत्ती एक प्रकार की घास।

ಕೊಯ್ क़ोय् (क) क्रि॰ — काट॰ आरे से काट फ़सल काट; तोड़ (फल, फूल आदि)। सं.— काटना, तोड़ना।

ಕೊಯಕ क़ोयक (तद्) सं.— कुहक (तत्)।

ಕೊಯಿ क़ोयि (क) क्रि॰ दे॰ ಕೊಯ್.

ಕೊಯಿಕ क़ोयिक (क) सं.— काटने वाला पुरुष।

ಕೊಯಿಕತನ क़ोयिकतन (क) सं.— काटना, कटाव।

ಕೊಯಿತ क़ोयित (क) सं.— काटना; काटने का आयुध विशेष।

ಕೊಯಿಲು क़ोयिलु (क) सं॰—काटना, कटाव; तोड़ना।

ಕೊಯಿಸು क़ोयिसु (क) क्रि.— कटा, कटवा ; तुड़ा, तुड़वा ।

ಕೊಯು क़ोयु, ಕೊಯ್ಯು क़ोय्यु (क) क्रि.— दे. ಕೊಯ್.

ಕೊಯ್ಕ क़ोय्क (क) सं.— दे. ಕೊಯಿಕ.

ಕೊಯ್ಕಿ क़ोयि्क (क) सं.— वह स्त्री जिसके कान आदि कट गये हो ।

ಕೊಯ್ಕೆ क़ोय्के (क) सं.— काटनेवाली स्त्री ।

ಕೊಯ್ಗಾರ क़ोय्गार् (क) सं.— काटनेवाला ।

ಕೊಯ್ಯಿ क़ोय्यि (क) क्रि.— दे. ಕೊಯ್.

ಕೊಯ್ಯು क़ोय्यु (क) क्रि.— दे. ಕೊಯ್.

ಕೊಯ್ಯೊ क़ोय्यो (क) अ.— हाय । हाय ।

ಕೊಯ್ಲು क़ोय्लु (क) सं.— दे. ಕೊಯಿಲು.

ಕೊಯ್ಸು क़ोय्सु (क) क्रि.— दे. ಕೊಯಿಸು.

ಕೊರ क़ोर (क) सं.— 'कोर-कोर' ध्वनि, खुर्राटा ; बिल्ली की हर्ष-ध्वनि ; लाभ, फ़ायदा, उपयोग ।

ಕೊರಕಂಚಿ क़ोरकंचि (क) सं.— एक पौधा विशेष ।

ಕೊರಕಂಚೆ क़ोरकंचे (तद्) सं.—क्रौंच (तत्) ; कुरर पक्षी ।

ಕೊರಗಣೆ क़ोरगणे (क) सं. — दुःख, व्यथा, खेद, शोक ।

ಕೊರಗಿಸು क़ोरगिसु (क) क्रि.—रसहीन कर, व्यथित कर, दुःखी कर ।

ಕೊರಗು क़ोरगु (क) क्रि.—व्यथित हो, दुःखी हो ; ग्लानि कर, रसहीन हो । सं. — दुःख, व्यथा, ग्लानि ।

ಕೊರಂಗಿ क़ोरंगि (क) सं.—कपि, बंदर ।

ಕೊರಚು कोरचु (क) क्रि. — उपहास कर, मज़ाक उड़ा ; निंदा कर, तिरस्कार ।

ಕೊರಟಿಗೆ क़ोरटिगे (क) सं.—एक वृक्ष विशेष की गुठली ।

ಕೊರಟು क़ोरटु, ಕೊರಂಟು क़ोरंटु (क) सं.— उत्पन्न न होने देने या बढ़ने न देने की स्थिति, भग्न करना, भंग ।

ಕೊರಡು क़ोरडु (क) सं.— दे. ಕೊಂಟು २.

ಕೊರನಾರಿ क़ोरनारि (क) सं. दलदल का एक पौधा ।

ಕೊರಪ क़ोरप (क) सं.—घोड़े को मलने का खरहरा ।

ಕೊರಲ್ क़ोरल्, ಕೊರಲು क़ोरलु, ಕೊರಳ್ क़ोरळ्, ಕೊರಳು क़ोरळु, ಕೊರ್ಳ್ क़ोर्ळ्, ಕೊಳ್ क़ोळ्, ಕೊಳ್ಳು क़ोळ्ळु (क) सं.— गर्दन, गला, कण्ठ, गला और गर्दन ; स्वर, आवाज़, ध्वनि ।

ಕೊರಲ್ಚು क़ोरल्चु (क) क्रि.— पुकार, चिल्ला, चीख ।

ಕೊರಿಪಿಡಿ क़ोरिपिडि (अ. दे.?) सं.— व्याकुलता, व्यग्रता, चिंता ।

ಕೊರೆ क़ोरे (क) क्रि.— घर्राटा, सोते समय नाक से शब्द निकाल ।

ಕೊಱ क़ोऱ् (क) सं.— काटना, कटाव (ಕೊಱಕಲ್ಲು क़ोऱ्कल्लु— नुकीला, रूक्ष पत्थर) ; कमी, न्यूनता, छोटापन ; शेष, बचत ।

ಕೊಱಕಲ क़ोऱ्कल, ಕೊಱಕಲು क़ोऱ्कलु (क) सं.— नदी के पानी से बननेवाला गड्ढा ; नाला, नहर ।

ಕೊಱಕು क़ोऱ्कु (क) क्रि.— काट ; दाँतों से काट ।

ಕೊಱಚ क़ोऱ्च (क) सं.— एक पहाड़ी जाति लोग जो प्रायः लकड़ी की कंघियाँ बेचा करते हैं ।

ಕೊಱಚು को चु (क) क्रि.— दे. ಕೊರಚು.

ಕೊಱಡಾ कोरडा, ಕೊಱಡೆ क़ोऱ्डे (अ. दे.)सं. —कोड़ा (हिं.) ; चाबुक ।

ಕೊಱಡು क़ोऱ्डु (क) सं — दे ಕೊಂಟು २.

ಕೊಱತ क़ोऱ्त (क) सं.— काटने की क्रिया, काटना, कटाव ; शीतलता बहुत ठंडा होना ।

ಕೊಱತಿ कोरति (क) सं.—छोटी या नाटी स्त्री ।

ಕೊಱತು क़ोऱ्तु, ಕೊಱದು क़ोऱ्दु, ಕೊಱೆದು क़ोऱेदु (क) कृ.— (' ಕೊಱೆ क़ोऱे ' धातु से) — छेदकर, भेदकर ; काटकर ; खोदकर ।

ಕೊಱತೆ क़ोऱ्ते (क) सं. — कमी, न्यूनता, (किसी वस्तु की) आवश्यकता ; हानि, लोप ।

ಕೊಱಂತೆ क़ोऱंते (क) सं.— दे.— ಕೊಱತೆ.

ಕೊಱಮ क़ोऱ्म, ಕೊಱವ क़ोऱ्व (क) सं.— एक जाति के लोग जो कन्नड बोलते और जो टोकरी, चटाई आदि बनाने का काम करते हैं ।

ಕೊಱಲೆ क़ोऱ्ले (क) सं.— एक अनाज विशेष (स्वगति) एक प्रकार की चींटी ।

ಕೊಱವಂಜಿ क़ोऱ्वंजि, ಕೊಱವತಿ क़ोऱ्वति ಕೊಱವಿತಿ क़ोऱ्विति, (क) सं. — 'क़ोऱ्व' जाति की स्त्री ।

ಕೊಱಸಾಟ क़ोऱ्साट (क) सं.— उपहास, परिहास, मज़ाक, किसी की नक़ल करना ।

(१) ಕೊಱು क़ोऱि (क) क्रि.— छेद, भेद, खनन कर, खोद, काट ; चुभ, लग, बहुत शीतल या ठंडा हो । सं.— वह पदार्थ जो काट दिया गया हो ; काँटेदार वृक्ष की कटी हुई बड़ी डाली ।

ಕೊಱು क़ोऱि (क) क्रि.— तेज़ी से चक्कर खा, घूम, चारों ओर घूम ; व्याकुल हो, भ्रमित हो ।

ಕೊಱುಯಿಸು क़ोऱियिसु, ಕೊಱುಸು क़ोऱिसु (क) क्रि.— 'ಕೊಱು' का प्रेरणार्थक रूप ।

ಕೊಱುಕು क़ोऱुकु (क) क्रि — ಕೊಱಕು.

ಕೊಱೆ क़ोऱे (क) क्रि. — दे. ಕೊಱು (१); कम हो, न्यून हो, छोटा हो । सं.— कमी, न्यूनता, छोटापन ; अवशेष, बचत ; काटना, कटा हुआ पदार्थ ; एक प्रकार का अनाज उपहार या भेंट के रूप में (विवाहादि में) दिये जाने वाले वस्त्र ; घुमक्कड़, घूमनेवाला मनुष्य ।

ಕೊಱೆತ क़ोऱेत (क) सं. दे. ಕೊಱತ (मै.प्र.)।

ಕೊಱೆಯುವಿಕೆ क़ोऱेयुविके (क) सं.—भेदना, छेदना ; खोदना ।

ಕೊರ್ಚು क़ोर्चु (क) क्रि.—अधिक बोल, बढ़ा-चढ़ाकर कह, बड़बड़ा, डींग हाँक ; काट डाल, छेद डाल । सं.—मूत्र की दुर्गंध ।

ಕೊರ್ಬು क़ोर्बु (क, क्रि.— दे. ಕೊಬ್ಬು.

ಕೊರ್ಲೆ क़ोर्ले (क) सं.—दे. ಕೊಱಲೆ.

ಕೊರ್ವು क़ोर्वु (क) सं.— वसा, चरबी ।

ಕೊರ್ಳು क़ोर्ळु (क) सं.—ಕೊರಳ್.

(१) ಕೊಲ್ क़ोल्, ಕೊಲು क़ोलु, ಕೊಲ್ಲು क़ोल्लु (क) क्रि.—मार डाल, हत्या कर, वध कर ।

(२) ಕೊಲ್ कोल् (क) सं. — लट्ठों का या पीपे का बेड़ा ; जोड़, मिलाव ; = ಕೊಲ್ಲ್ कोल्—छड़ी, डण्डा, लाठी ।
ಕೊಲಿಕೆ कोलिके, ಕೊಳಿಕೆ कोळिके (क) सं.— अँकुरा, अँकुड़ा ।
ಕೊಲಿಮೆ कोलिमे (क) सं.— चूल्हा, अंगीठी ।
ಕೊಲಿಸು कोलिसु, ಕೊಲ್ಲಿಸು कोल्लिसु (क) क्रि. मरा, मरवा, वध करा ।
ಕೊಲು कोलु (क) सं—क्रि. दे. ಕೊಲ್.
ಕೊಲುಮೆ कोलुमे (क) दे. कोलिमे ।
ಕೊಲೆ कोले (क) सं.—हत्या, वध; कतल, मारना ; हिंसा ।
ಕೊಲೆಗ कोलेग ಕೊಲೆಗಾಱ कोलेगार (क) सं. मारनेवाला, हत्यारा, क़ातिल ।
ಕೊಲ್ಲಟಿಗ कोल्लटिग (क) सं. — रस्सी, लाठी आदि के सहारे खेल करनेवाला या नाचनेवाला । ಕೊಲ್ಲಟಗ कोल्लटिग—(स्त्री. लिं.) ।
ಕೊಲ್ಲಣಿಗೆ कोल्लणिगे (क) सं. - खेलना, खेल, खेद-कूद ।
ಕೊಲ್ಲಾರ कोल्लार, ಕೊಲ್ಲಾರಿ कोल्लारि, ಕೊಲ್ಲಾರು कोल्लारु (क) सं.— बैल गाड़ी ।
ಕೊಲ್ಲಿ कोल्लि, ಕೊಲ್ಲೆ कोल्ले (क) सं.—झुकाव, टेढ़ापन ; कोना ; खाड़ी, आखात ।
ಕೊಲ್ಲಿಸು कोल्लिसु (क) क्रि.— दे. ಕೊಲಿಸು.
ಕೊಲ್ಲು कोल्लु (क) क्रि.— दे. ಕೊಲ್.
ಕೊಲ್ಲುವಿಕೆ कोल्लुविके (क) सं.— मारना, हत्या, वध ।
ಕೊವ್ವರಿ कोव्वरि (क) सं.—पर्दा ; यवनिका ।
ಕೊಸಗು कोसगु (क) सं.— कर्णिकार, वन-चम्पा या कठचम्पा ।
ಕೊಸಂಬರಿ कोसंबरि (क) सं.—दे. ಕೋಸಂಬರಿ.
ಕೊಸರಿಕೆ कोसरिके (क) स.— इच्छा, अभिलाषा, चाह ; कामना ; विस्तार, अधिकता ; वर्णन ; छीना-झपटी ; चिल्लाहट ।
ಕೊಸರು कोसरु (क) क्रि.— अधिक हो ; फैल ; संयमहीन हो ; बलपूर्वक ले, छीन ; उत्कंठा कर, लालसा कर, चाह ; किसी वस्तु की माँग कर या अधिक माँग । सं — उत्कंठा, लालसा, वांछा, अति लोभ ; साधारणतया किसी वस्तु को खरीदते समय उसको और अधिक माँगना ।
ಕೊಸಾಕುಳಿ कोसकुळि (क) सं.— कष्ट, पीड़ा, व्यग्रता ।
ಕೊಸೆ कोसे (क) क्रि.— निधुवन कर, परिरंभण कर । सं.— घोड़े पर चढ़ने की एक रीति ।
ಕೊಳ್ कोळ्, ಕೊಳು कोळु, ಕೊಳ್ಳು कोळ्ळु (क) सं.— पकड़, धर, छीन ले, झपटकर ले, जब्त कर ; ले, स्वीकार कर, अपना, पा, प्राप्त कर, ग्रहण कर, खरीद कर, मोल कर, मूल्य देकर ले । सं.— लेना, खरीद, विक्रय, खरीद-फ़रोख्त ; गला गर्दन, कंठ ।
ಕೊಳ कोळ (क) सं. संकेतस्थान ; सरोवर, सरसी ; मापने का बर्तन विशेष ।
ಕೊಳಕೆ कोळके, ಕೊಳ್ಕೆ कोळ्के (क) सं.— धान की फ़सल जो वर्ष में तीसरी बार होती है ।
ಕೊಳಗ कोळग (क) सं.— मापने का एक बर्तन विशेष (जो प्रायः चार या पाँच सेर का होता है) ; एक बड़ा जलपात्र (धातु का); कानों का आभूषण विशेष ; खुर (पशुओं का खुर) ।
ಕೊಳಗು कोळगु (क) सं.— खुर ।
ಕೊಳಗುಳಿಕೆ कोळगुळिके (क) सं.— जलाशय के आस-पास उत्पन्न होनेवाला पौधा विशेष, इक्षुगंधा ।
ಕೊಳಂಜ कोळंज, ಕೊಳಂಜನ कोळंजन, ಕೊಳಂಜು कोळंजु (क?) सं.—मंजिष्ठा, मधुक ; उत्पल; योजनवल्ली, योजनपर्णी ।
ಕೊಳರ್ कोळर् (क) सं.— एक सुगंधित तृण विशेष ।
ಕೊಳವಂಕೆ कोळवंके, ಕೊಳವಳಿಕೆ कोळवळिके (क) सं.— दे. ಕೊಳಗುಳಿಕೆ.
ಕೊಳವಿ कोळवि (क) सं.— नली, नलिका ।
ಕೊಳಹೆ कोळहे (क) सं.— तालाब, सरोवर ।
ಕೊಳಾಯಿ कोळायि (तेलुगु?) सं.— नल, पाइप का पानी ।
ಕೊಳಿ कोळि (क) सं.— पकड़ना, धरना ।
ಕೊಳಿಕೆ कोळिके (क) सं.— दे. ಕೊಲಿಕೆ.
ಕೊಳಿಸು कोळिसु, ಕೊಳ್ಳಿಸು कोळ्ळिसु (क) क्रि.—धरा, पकड़ा, खरीदवा, विक्रय करा (प्रे.) ।
ಕೊಳಿಸುವಿಕೆ कोळिसुविके (क) सं.—पकड़ाना, धराना, खरीदवाना ।
ಕೊಳು कोळु (क) क्रि.—दे. ಕೊಳ್.
ಕೊಳುಗುಳಿಕೆ कोळुगुळिके (क) सं. — ಕೊಳಗುಳಿಕೆ.
ಕೊಳುಹ कोळुह (क) सं. — पकड़ना, धरना ; क्रय, मोल ।
ಕೊಳ್ಕೆ कोळ्के (क) सं.—दे. ಕೊಳಕೆ.
ಕೊಳ್ಪು कोळ्पु (क) सं.—दे. ಕೊಪ್ಪಟ.
ಕೊಳ್ಳ कोळ्ळ (क) सं.—निकुंज ; गह्वर, गुफ़ा; = ಕುಳ್ಳ कुळ्ळ—नाटा मनुष्य ।
ಕೊಳ್ಳಿ कोळ्ळि (क) सं.—मशाल, उल्का, उल्मुक ।
ಕೊಳ್ಳು कोळ्ळु (क) क्रि. सं. — दे. ಕೊಳ್.
ಕೊಳ್ಳುವಿಕೆ कोळ्ळुविके (क) सं.—लेना, ग्रहण, करना, ग्रहण, स्वीकृति, खरीदना, क्रय-विक्रय ।
ಕೊಳ್ಳೆ कोळ्ळे (क) सं. — दे. ಕೊಳ್ಳಿ ; लूट, लूटमार ।—ಗಾಱ गार [ಗಾರ गार] (क) सं - लुटेरा ।
ಕೊೞ್ कोऴ् (क) वि.—गंदा, पंकिल, कीचड से युक्त ।
ಕೊೞಕು कोऴकु (क) सं.=गन्दगी, सड़ा हुआ (पदार्थ), मैलापन । वि. — गन्दा, मैला, सड़ा हुआ ।
ಕೊೞಕುತನ कोऴकुतन (क) सं. — गन्दगी, मैलापन, अशुद्धता, सड़े रहने की स्थिति ।
ಕೊೞಚೆ कोऴिचे (क) सं.— कीचड़पन, पंकिलता ; गन्दगी ।
ಕೊೞಂಬ कोऴंब (क) सं.—अड़चन, रुकावट, बाधा, विघ्न ।
ಕೊೞಲ್ कोऴल्, ಕೊೞಲು कोऴलु, [ಕೊಳಲ್ कोळल्, ಕೊಳಲು कोळलु] (क) सं.— मुरली, बाँसुरी, वेणु ।
ಕೊೞವಿ कोऴवि, ಕೊೞವೆ कोऴवे (क) सं.— नली, बाँस की नली, नाली ।

ಕೊಳಸು कोळसु, ಕೊಳಿಸು कोळिसु (क) क्रि· — सड़ा मैला कर, गन्दा कर ; नष्ट कर ।

ಕೊಳಾಯಿ कोळायि (क) सं· दे· ಕೊಳವಿ.

ಕೊಳೆ कोळे (क) क्रि.—मैला हो, गन्दा हो, अशुद्ध हो, सड़, जीर्ण हो, नष्ट हो, खराब हो । सं. — मैलापन, गन्दगी, अशुद्धता, मल, पंक, कीचड़, दलदल ; रुकावट, अड़चन, बाधा. अवरोध, देर ।

ಕೋ को (क) क्रि·— ಕೋಯ್ का छोटा रूप ; पिरो. गूँथ ; ताँत लगा, डोरी लगा, तार चढ़ा ; पिरोया जा ; गूँथा जा ।

ಕೋಕ कोक (सम्) सं. — भेड़िया ; चक्रवाक ; कोयल ; मेंढक ; खजूर का पेड़ वृक्ष विशेष ; बड़ी बहन ; एक पंडित का नाम ।

ಕೋಕನದ कोकनद (सम्) सं. —लाल कमल । —ವೈರಿ वैरि (सम्) सं.—चन्द्रमा ; एक छन्द का नाम ।

ಕೋಕಿ कोकि (सम्) सं.—चक्रवाक, रथांग ।

ಕೋಕಿಲ कोकिल (सम्) सं. —कोयल ।

ಕೋಕಿಲಾಕ್ಷ कोकिलाक्ष (सम्) सं· — दे· ಕೊಳಗೊಳಕ.

ಕೋಗಿಲ कोगिल, ಕೋಗಿಲೆ कोगिले (तद्) सं —कोकिल (तत्)

ಕೋಗಿರು कोगिरु (अ. दे.) सं. — खोगीर (फ़ारसी) ; घोड़े की ज़ीन (मसनद) ।

ಕೋಚ್ कोच (अ. दे.) सं. — Coach (अंग्रेज़ी) ; चौपहिया गाड़ी ।

(१) ಕೋಚು कोचु (अ दे.) सं. — दे. ಕೋಚ್.

(२) ಕೋಚು कोचु (क) सं. — अतिक्रम, भूल ; बेवकूफ़ी ।—ಭಟ್ಟ भट्ट (क) सं. — मूर्ख पुरुष ।

ಕೋಚುಮಾನ कोचुमान, ಕೋಚ್ಮನ್ कोचमन् (अ. दे.) सं.— Coachman (अंग्रेज़ी) ; गाड़ीवान ।

(१) ಕೋಟೆ कोट (क) सं.—शीतलता, सर्दी, ठण्ड, ठण्डापन ; एक पक्षी का नाम, व्याकुली या किरीटचाप पक्षी) ; एक ग्वाले का नाम ।

(२) ಕೋಟೆ कोट (अ. दे.) सं.—खोटा (हिं) टेढ़ापन, वक्रता ; झोंपड़ी, कुटी ; किला ।

ಕೋಟಡಿ कोटडि (अ. दे.) सं. —ಕೊಟ್ಟಡಿ.

ಕೋಟರಿ कोटरि (सम्) सं. नंगी स्त्री ; दुर्गा ।

ಕೋಟಲಿಗ कोटलिग (क) सं. — सतानेवाला या पीडा देनेवाला पुरुष ।

ಕೋಟಲೆ कोटले (क) सं. — सताना. कष्ट. पीड़ा दर्द ।

ಕೋಟವಿ कोटवि (सम्) सं.—दे· ಕೋಟರಿ.

ಕೋಟಾನುಕೋಟಿ कोटानुकोटि, ಕೋಟ್ಯಾನುಕೋಟಿ कोट्यानुकोटि (सम्) वि.—करोड़ों, असंख्य, अनगिनत ।

ಕೋಟಿ कोटि (सम्) सं.-नोंक, छोर ; अस्त्र की नोंक या धार ; चरमबिंदु, आधिक्य, सर्वोत्कृष्टता ; चन्द्रकला ; करोड़ की संख्या ; धनुष का अंतिम भाग ; समकोण त्रिभुज की एक भुजा ; श्रेणी. कक्षा, विभाग ; राज्य, सल्तनत, आभरण. भूषण ; सौंदर्य. चारुता ; मन का उत्साह या उमंग ; अनगिनत संख्या ; पेड़ का खोखला ; गुहा ; संग्राम. युद्ध ।

ಕೋಟಿಕ कोटिक (सम्) सं. —अग्र, नोंक, श्रेणी, चोटी ।

ಕೋಟಿಪಾತ್ರ कोटिपात्र (सम्) सं ·—पतवार ।

ಕೋಟಿವರ್ಷ कोटिवर्ष (सम्) सं· — दवाई में उपयोगी एक पौधा ।

ಕೋಟಿಶ कोटिश. ಕೋಟೀಶ कोटीश (सम्) सं.—पाटा, हेंगा ।

ಕೋಟೀರ कोटीर (सम्) सं. — मुकुट. ताज़, किरीट, कलंगी चोटी ।

ಕೋಟೆ कोटे (तद्) सं.-कोट: (तत्); गढ़ किला, दुर्ग ; शाला, झोंपड़ी ; बाँकापन ; दाढ़ी ।

ಕೋಟೇಶ್ವರ कोटेश्वर (सम्) सं.—शिव ; एक ग्राम का नाम ।

ಕೋಟ್ಟ कोट्ट (तद्) सं.—कोट, गढ़, किला ।

ಕೋಟ್ಟಾರ कोट्टार (सम्) सं. — किला या किले के भीतर का ग्राम ; चोर-डाकुओं का स्थान ; सरोवर या तालाब की सीढ़ियाँ ; कूप, तड़ाग ; कामुक, लम्पट या दुराचारी पुरुष ।

ಕೋಟ್ಲೆ कोट्ले (क) सं.—दे· ಕೋಟಲೆ.

ಕೋಠಿ कोठि (अ. दे) सं.—कोठी (हिं) ।

ಕೋಡಗ कोडग (क) सं.—बन्दर, कपि, मर्कट ।

ಕೋಡಂಗಿ कोडंगि (क) सं.—बन्दर जैसा व्यवहार करनेवाला ; विदूषक, टिठोलिया, भाँड ।—ತನ तन (क) सं.—दिल्लगी, परिहास ।

ಕೋಡಬಳೆ कोडबळे (क) सं —चावल के आटे से बनाया जानेवाला एक नमकीन पदार्थ ।

ಕೋಡಿ कोड़ि (क) सं.-जलोच्छ्वास, परिवाह, जलमार्ग ; कमी, न्यूनता. किसी वस्तु की आवश्यकता ; एक राक्षस का नाम ।

(१) ಕೋಡು कोडु (क) क्रि — ठंडा हो, ठंडा लग, शीतल हो ; काँप, थरथरा, भीत हो । सं.— ठंड, शीतलता ; कंपन, भय ; पशुओं का सींग, विषाण ; शृंग, श्रेणी, चोटी ; पेड़ की शाखा, डाल ; देन, उपहार, भेंट ।

(२) ಕೋಡು कोडु (तद्) सं.— कूट (तत्) ; जोड़ा — ಕೆಯ್ केय् (सम्) सं. — जुड़े हाथ, दोनों हाथ ।

ಕೋಡೆ कोड़े (क) सं.— पश्चिमी हवा, ठंडी हवा ।

(१) ಕೋಣ कोण (क) सं.— महिष, भैंसा ।

(२) ಕೋಣ कोण (सम्) सं.— कोना ; छोर नगाड़ा या ढोल बजाने का डंडा ; डंडा, छड़ी ।

ಕೋಣಪ कोणप (सम्) सं.— यमराज ; निऋति ; राक्षस. दैत्य ।

ಕೋಣೆ कोणे (क) सं.—कलश. घड़ा ; कमरा, रसोई घर । (तद्) सं.— परिधि की बिंदु ।

ಕೊಂಟೆ कोंटे (तद्) सं.— क़िला, गढ़ ।

(१) ಕೋತ कोत (क) सं.— एक जाति के लोग जो नीलगिरि में रहते हैं ।

(२) कोत (अ. दे) सं.—कोताह ? (फ़ारसी) ; कमी, न्यूनता ।

ಕೋತಂಬರಿ कोतंबरि (क?) सं.— दे· ಕೊತಂಬರಿ.

ಕೋತಿ कोति (क) सं.— कपि, बंदर, मर्कट ।

ಕೋತು कोतु, ಕೋದು कोदु (क) सं.— हल

चलाना, जोतना, जोताई । कृ· — पिरोकर, गूँथ-कर ।

(१) ಕೋದಂಡ कोदंड (सम्) सं.— धनुष, कमान ।

(२) ಕೋದಂಡ कोदंड (क) सं.— स्कूल में छात्रों को दंड देने के लिए उनके दोनों हाथ ऊपर की ओर बांधने की रस्सी (प्राचीन काल में छात्रों को ऐसी सज़ा दी जाती थी)।

ಕೋದ್ರವ कोद्रव (सम्) सं.—कोंदों अनाज ।

ಕೋನ कोन (तद्) सं.— कोण (तत्) ।

ಕೋಪ कोप (सम्) सं.—क्रोध, रोष, गुस्सा । — ಕ್ರಮ क्रम (सम्) सं.— क्रोधी पुरुष । — ಗಾತಿ गाति (सम्) सं. — क्रोधी स्त्री । — ಗಾಱ गाऱ = ಕೋಪಕ್ರಮ. — ಜ್ಞ ज्ञ सं.— ब्रह्मा की सृष्टि । — ನೆ कोपने = ಕೋಪಗಾತಿ. — ಶಿಖಿ शिखि (सम्) सं. — क्रोध रूप अग्नि । — ಅಗ್ನಿ (सम्) सं. = ಕೋಪಶಿಖಿ- ಷ್ಠ ष्ठ (सम्) सं-क्रोधी पुरुष । ಷ್ಠಳು ष्ठलु (सम्) सं. — क्रोधी स्त्री । — ಇಸು इसु (सम्) क्रि.—क्रोध कर, गुस्से में आ ।

ಕೋಪು कोपु (क) सं.—नाटकीय हाव-भाव या अभिनय ।

ಕೋಮಟಿ कोमटि (क) सं.—वैश्य, बनिया; लोभी, कंजूस ।

ಕೋಮಟಿಗ कोमटिग (क) सं.—दे. ಕೋಮಟಿ.

ಕೋಮಟಿಗಿತ್ತಿ कोमटिगित्ति (क) सं.—वैश्य या बनिया जाति की स्त्री ।

ಕೋಮಟಿತನ कोमटितन (क) सं.—बनिया का पेशा, लालच, लोभ ।

ಕೋಮಲ कोमल (सम्) वि. — ಕೋಮಳ कोमळ, ಕೋವಳ कोवळ (तद्) — मृदुल, मुलायम, नरम; धीमा, मन्द ; प्रिय, मधुर; मनोहर, सुन्दर । सं. — पक्व फल; जल, पानी । — ತೆ ते (सम्) सं.— कोमलता, मृदुलता; मनोहरता ; — ರುಚಿರ रुचिर (सम्) सं.— एक वृत्त का नाम ।— ಅಂಗ अंग (सम्) सं. — सुन्दर —शरीर-वाला ।

ಕೋಮಲಿತ कोमलित (सम्) वि. — दे. ಕೋಮಲ.

ಕೋಮಲೆ कोमले, ಕೋಮಳೆ कोमळे (सम्) सं मृदुल, प्रिय या सुन्दर स्त्री ।

ಕೋಮು कोमु (अ. दे.) सं.—क़ौम (अरबी); जाति, वर्ण, वर्ग ।

ಕೊಯಷ್ಟಿ कोयष्टि. ಕೋಯಷ್ಟಿಕ कोयष्टिक (सम्) सं.—शिखरी, पानी के ऊपर उड़ने-वाला एक पक्षी ।

ಕೋರ कोर (तद्) सं.—दे. ಕುಮಾರ.

ಕೋರಕ कोरक (सम्) सं.—कली, अधखिला फूल ।

ಕೋರಂಗಿ कोरंगि (सम् ?) सं.—छोटा इलायची ।

(१) ಕೋರಡಿ कोरडि, ಕೋರಡಾ कोरडा, ಕೋರಡೆ कोरड़े (अ. दे.)सं.— चाबुक ।

(२) ಕೋರಡಿ कोरडि (क ?) सं.—रिक्तता, खाली होना , रसहीनता ।

ಕೋರದೂಷ कोरदूष (सम्) सं.-दे. ಕೋದ್ರವ.

ಕೋರಂಬ कोरंब (क ?) सं. — देवता-विग्रहों का सोने या चांदी का मुकुट या किरीट ।

ಕೋರಯಿಸು कोरयिसु (क) क्रि.—चौंध, चकाचौंध उत्पन्न कर, चमक, चमचमा ।

ಕೋರ कोर (अ. दे.) वि. — नया, नवीन । सं.—सफ़ेद न किया हुआ खादी का कपड़ा ।

ಕೊರಿಂಡೆ कोरिंड़े (क) सं. — एक प्रकार का सुगंधित तृणविशेष ।

ಕೋರು कोरु (क ?) सं.—ज़री ; प्रांत, प्रदेश ।

ಕೊರೆ कोरे (क) सं.—वक्रता, टेढ़ापन, नीचता, दुष्टता ।

ಕೊಱ कोऱ (क) सं.—दे. ಕೋಱೆ[3].

ಕೋಱಡಿ कोऱडि, ಕೋಱಡೆ कोऱड़े (अ. दे.) सं.—दे. ಕೋರಡಿ (१).

ಕೋಱಿ कोऱि (क) सं.—छोटा कपड़ा (पुराना) चिथड़ा, लत्ता ।

ಕೋಱಿಕೆ कोऱिके (क) सं. —इच्छा, कामना, अभिलाषा ।

ಕೋಱು कोऱु (क) क्रि.—इच्छा कर, कामना कर; माँग; विचार कर । सं. — भाग, अंश, खण्ड, हिस्सा ।

ಕೋಱೆ[3] कोऱे (क) सं.—काटना; नुकिलापन, तीक्ष्णता; दाँत, बाहर निकला हुआ नुकीला दाँत; दाँत की जड़ ।

ಕೋರ್ಟು कोर्टु (अ. दे.) सं. — Court (अंग्रेज़ी) ; अदालत, न्यायालय ।

ಕೋಲ್ कोल्, ಕೋಲು कोलु (क) सं.—लाठी, डंडा, छडी, दण्ड ; (मापने का दण्ड (माप-दण्ड); बाण, तीर; ऊँचाई, उच्चता, दीर्घ होना; लट्ठों का बेड़ा ।

(१) ಕೋಲ कोल (क) सं. —गहना, आभरण, आभूषण ; रूप, रूप-रंग, पोशाक ; उत्सव, जलसा ।

(२) ಕೋಲ कोल (सम्) सं.—बेड़ा, नाव; शूकर, सुअर ; उन्नाव, फेनिल ; एक प्रकार का आयुध ।

ಕೋಲಕ कोलक (सम्) सं. — एक सुगन्ध द्रव्य ; काली मिर्च ।

ಕೋಲದಲ कोलदल (सम्) सं — एक सुगंध द्रव्य ।

ಕೋಲಂಬಕ कोलंबक (सम्) सं.—वीणा का ढाँचा ।

ಕೋಲಾಟ कोलाट (क) सं.—डण्डों का खेल; बाण चलाकर युद्ध करना ।

ಕೋಲಾಱ कोलाऱ (क) वि.—देशीय; नीच, निम्न जाति या नस्ल का । — ತಟ್ಟು तट्टु = निम्न जाति का घोड़ा ।

ಕೋಲಾಹಲ कोलाहल (सम्) सं.—शोरगुल, हल्ला, चिल्लाहट ।

ಕೋಲಿ कोलि (क) सं. — बाजरे का डंडा (फसल काटने के बचा अंश) । (सम्) सं. —बेर, उन्नाव ।

ಕೋಲು कोलु (क) सं.—दे ಕೋಲ್.

ಕೋಲುಕಾಱ कोलुकाऱ (क) सं. — दरबान, द्वारपाल, सेवक ।

ಕೋಲೆ कोले (सम्) सं.—बेर ; पीपल ।

ಕೋವ कोव (क) सं.—एक जाति के लोग; कुम्हार ।

ಕೋವಣ कोवण (तद्) सं.—कौपीन (तत्); लंगोटी ।

ಕೋವರಿ कोवरि (क) सं.—संभ्रम, औत्सुक्य ; गड़बड़ी ।
ಕೋವಿ कोवि (क) सं.—नाली, नली ; बँसी, बाँसुरी ; बन्दूक ।
ಕೋವಿದ कोविद (सम्) वि.—पंडित, चतुर, बुद्धिमान, विद्वान् (ಕೋವಿದೆ कोविदे — स्त्री. लिं.) । ಕೋವಿದತ್ವ कोविदत्व = पांडित्य, विद्वत्ता ।
ಕೋವಿದಾರ कोविदार (सम्) सं.—एक वृक्ष विशेष, लाल कचनार ।
ಕೋವೆ कोवे (क) सं. — अजीर्ण, मंदाग्नि ; बच्चों के सिर पर होनेवाला फोड़ा ; एक वृक्ष विशेष ; धातु गलाने की घरिया, तैजसावर्तिनी ।
ಕೋವೆ कोवे (अ. दे.) सं.—खोवा, दूध-पेड़ ।
ಕೋಶ कोश, ಕೋಷ कोष (सम्) सं. — कठौती, दोहनी, बाल्टी, डोलची, कोई भी पात्र, भांडार घर, भांडार, खज़ाना, धनागार ; धन ; संपत्ति, दौलत ; शब्दार्थ संग्रह ; कली, अधखिला फूल ; कर्णिका, फल की गुठली ; सोना, चाँदी ; छीमी, फली, बौंडी ; जायफल सुपारी ; एक देश का नाम ; रेशम का कोका ; योनि, गर्भाशय ; अंडा ; लिंग, पुरुष-जननेंद्रिय ; गोला, गेंद ; वेदांत में वर्णित अन्नमय कोश आदि ; काव्य में एक प्रकार की अभिव्यक्ति ; मारना, हत्या । — ಗೃಹ गृह (सम्) सं. —वह स्थान जहाँ मूल्यवान वस्तुएँ रखी जाती हैं, खज़ाना, धनागार । —ಫಲ फल (सम्) सं.—एक प्रकार का सुगन्ध द्रव्य ।
ಕೋಶಾತಕಿ कोशातकि (सम्) सं. — एक प्रकार का कीरा या कद्दू ।
ಕೋಶಿ कोशि (सम्) सं.—बीजकोश, बोंड़ी, फली ।
ಕೋಶಿಕೆ कोशिके (सम्) सं.—गिलास, एक प्रकार का जलपात्र ।
ಕೋಷ कोष (सम्) सं.—दे ಕೋಶ.
ಕೋಷ್ಠ कोष्ठ (सम्) सं. शरीर का भीतरी भाग—पेट, फेफड़ा आदि ; मेदा, पेडू ; कमरा ; अन्नभांडार ; एक वृक्ष विशेष ; = ಕುಷ್ಠ कुष्ठ—एक रोग ; हिसाब में सम चतुर्भुज ।
ಕೋಷ್ಠಕ कोष्ठक (सम्) सं. — अनाज का भण्डार, भण्डारी ; हाता, हाते की दीवार ।
ಕೋಷ್ಠಾಗಾರ कोष्ठागार (सम्) सं.—भाण्डार, खज़ाना ।
ಕೋಷ್ಣ कोष्ण (सम्) वि. — गुनगुना, थोड़ा गरम ।
ಕೋಸಕೆ कोसके, ಕೋಸರ कोसर, ಕೋಸ್ಕರ कोस्कर, ಗೋಸ್ಕರ गोस्कर (क) अ. — के लिए, के वास्ते, (को) ।
ಕೋಸಗೆ कोसगे (क) अ.—दे. ಕೋಸಕೆ.
ಕೋಸಲ कोसल, ಕೋಶಲ कोशल (सम्) सं. — देश का नाम और उनके निवासी ।
(१) ಕೋಸು कोसु (क) क्रि.—(सुई में) धागा लगा या पिरो । सं.—वक्रता, टेढ़ापन ।
(२) ಕೋಸು कोसु (?) सं —गोभी । (तद्) सं.—क्रोशः (तत्) ; तीन या चार मील का अंतर, दूरी ।
ಕೋಸುಮರಿ कोसुमरि, ಕೋಸುಂಬರಿ कोसुम्बरि (सम् ?) सं.—दे. ಕುಸುಂಬರಿ.
ಕೋಸುಂಬರಿ कोसुंबरि, ಕೋಸಂಬರಿ कोसंबरि (क) सं.—मूँग की दाल या चने की दाल पानी में भिगोकर उसमें नारियल, हरीमिर्च नमक आदि मिलाकर तैयार किया हुआ एक खाद्यपदार्थ ।
ಕೋಸ್ಕರ कोस्कर (क) अ. दे.—ಕೋಸಕೆ.
ಕೋಹಲ कोहल, ಕೋಹಲೆ कोहले (सम्) सं. काहिली, एक वाद्य विशेष ।
ಕೋಳು कोळु (क) सं. — क्रमिक पंक्ति या कतार ।
ಕೋಳ್ कोळ् (क) सं. — पकड़ना, छीनना, लूटना, लूट, लूट-मार ; शिकार, लूट का माल ; विनाश ; आक्षेप, झूठा अभियोग, निंदा ।
ಕೋಳ कोळ (क) सं.—बेड़ी, धरन- बंधन ।
ಕೋಳಾಹಳಿಕೆ कोळहळिके (तद्) सं — कोलाहल (तत्) ।
ಕೋಳಿ कोळि (क) सं.— एक चढ़नेवाली लता जिसके फूल लाल या पीले होते हैं ।
ಕೋಳು कोळु (क) सं.—दे. ಕೋಳ್.
ಕೋೞ್ कोऴ् (क) सं.—पशुओं का सींग, विषाण ; श्रेणी, चोटी ।
ಕೋೞಿ कोऴि (क) सं.— मुर्गी, मुर्गा, ताम्रचूड ।
ಕೋೞೆ कोऴे (क) सं.—कफ़, सर्दी ।
ಕೌಕ್ಕುಟಿಕ कौकुटिक (सम्) सं.—चिड़ीमार ; वह साधु जो चलते समय ज़मीन की ओर दृष्टि रखता है ता कि कोई जीव उसके पैर से न कुचल जाय ; दम्भी, पाखण्डी ।
ಕೌಕ್ಷೇಯಕ कौक्षेयक (सम्) सं.—तलवार ।
ಕೌಟತಕ್ಷ कौटतक्ष (सम्) सं.—स्वतंत्र रूप से अपने घर में काम करनेवाला बढ़ई ।
ಕೌಟವಿ कौटवि (सम्) सं.— नंगी स्त्री ।
ಕೌಟಿಕ कौटिक (सम्) सं.—चिड़ीमार, जाल में फँसानेवाला, कसाई, बधिक, छलिया, ठग ।
ಕೌಟಿಲ್ಯ कौटिल्य (सम्) सं.—चाणक्य का नाम ; कुटिलता, दुष्टता, बेईमानी, जाल, छल ।
ಕೌಟಿಲ್ಯತೆ कौटिल्यते (सम्) सं.—दे. ಕೌಟಿಲ್ಯ.
ಕೌಂಡಿನ್ಯ कौंडिन्य (सम्) सं.—एक ऋषि का नाम ।
ಕೌತುಕ कौतुक (सम्) सं.— अभिलाषा, इच्छा, चाह ; कौतूहलोत्पादक कोई वस्तु, औत्सुक्य, आश्चर्य, कौतूहल ; हर्ष, आनंद, प्रसन्नता ; विवाह में एक विधि विशेष, महोत्सव, उत्सव, शुभ उत्सव ।
ಕೌತೂಹಲ कौतूहल (सम्) सं —अभिलाषा, जिज्ञासा, औत्सुक्य, आश्चर्य, कौतूहलोत्पादक वस्तु ।
ಕೌಧರ್ಮ कौधर्म (सम्) सं.—बुरा धर्म या आचरण ।
ಕೌಂತಿ कौंति (सम्) सं.— एक प्रकार का सुगंध द्रव्य ।
ಕೌಂತಿಕ कौंतिक (सम्) सं.— भाला धारण किया हुआ योद्धा ।

ಕೌಂತೇಯ कौंतेय (सम्) सं.—कुंती का पुत्र; धर्मराज, भीम और अर्जुन ।

ಕೌಪೀನ कौपीन (सम्) सं.—गुह्य, गुह्यांग; लंगोटी; पाप या अनुचित कर्म ।

ಕೌಬೇರಿ कौबेरि (सम्) सं.—उत्तर दिशा ।

ಕೌಮಾರಿ कौमारि (सम्) सं.—सप्त मातृकाओं में एक ।

ಕೌಮುದಿ कौमुदि (सम्) सं.—चंद्रिका, चाँदनी ।

ಕೌಮೋದಕಿ कौमोदकि (सम्) सं.—विष्णु की गदा का नाम ।

ಕೌರವ कौरव (सम्) सं.—कुरु के वंशज, विशेषतः धृतराष्ट्र के पुत्र ।

ಕೌರವಾರಿ कौरवारि (सम्) सं.—कौरवों का शत्रु, भीम ।

ಕೌಲಕೇಯ कौलकेय (सम्) सं.—छिनाल का बेटा, वर्णसंकर ।

ಕೌಲಟಿನೇಯ कौलटिनेय (सम्) सं.—सती भिक्षुकी का लड़का; वर्णसंकर ।

ಕೌಲಟೇಯ कौलटेय (सम्) सं.—सती या असती भिखारिन का पुत्र ।

ಕೌಲಿಕ कौलिक (सम्) सं.—कोरी, जुलाहा; दंभी, पाखण्डी; वाममार्गी ।

ಕೌಲೀನ कौलीन (सम्) सं.—सत्कुल का पुरुष, सत्कुलीन; लोकापवाद, कांचनवाद; रोगी, बीमार; काला, काजल; युद्ध, लड़ाई, पशुओं की लडाई, मुर्गों की लडाई ।

ಕೌಲು कौलु (अ. दे.) सं.—कौल (अरबी); स्वीकृति, संधि, सुलह ।

ಕೌಲೇಯ कौलेय (सम्) सं.—सत्कुलप्रसूत; कुत्ता ।

ಕೌವೇರಿ कौवेरि (सम्) सं.—उत्तर दिशा ।

ಕೌಶಲ कौशल, ಕೌಶಲ್ಯ कौशल्य (सम्) सं.—प्रसन्नता, समृद्धि, निपुणता, चतुरता ।

ಕೌಶಿಕ कौशिक (सम्) सं.—इंद्र; विश्वामित्र का नाम; सर्पोपजीवी, सपेला; उल्लू; गूगल; न्योला; अद्भुत, आश्चर्य; साँप का मुख ।

ಕೌಶಿಕೆ कौशिके (सम्) सं.—प्याला, कटोरा ।

[illegible]

ಕೌಸಲ್ಯೆ कौसल्ये, ಕೌಸಲೆ कौसले (सम्) सं.—दशरथ की बड़ी रानी और राम की माता ।

ಕೌಸಲೇಯ कौसलेय (सम्) सं.—राम ।

ಕೌಸೀದ್ಯ कौसीद्य (सम्) सं.—सुस्ती, अकर्मण्यता ।

ಕೌಸೃತಿಕ कौसृतिक (सम्) सं.—जादूगार; छलिया ।

ಕೌಸ್ತುಭ कौस्तुभ (सम्) सं.—विष्णु के वक्षस्थल पर धारण करने की मणि ।

ಕೌಳಿಕ कौळिक (तद्) सं.—कौटिक (तत्); कसाई ।

ಕ್ರಕಚ क्रकच (सम्) सं.—आरा ।

ಕ್ರಕಚೆ क्रकचे (सम्) एक पौधा विशेष (The tree pandanus odoratissimus) ।

ಕ್ರಕಣ क्रकण, ಕ್ರಕರ क्रकर (सम्) सं.—तीतर; एक पौधा विशेष ।

ಕ್ರತು क्रतु (सम्) सं.—यज्ञ, याग; एक प्रजापति का नाम; एक विश्वदेव का नाम; विष्णु की उपाधि; एक पौधा ।—ಧ್ವಂಸಿ ध्वंसि (सम्) सं. शिव ।—ಪುರುಷ पुरुष (सम्) सं—विष्णु ।

ಕ್ರಥ क्रथ (सम्) सं.—यादवों का एक वंश ।

ಕ್ರಥನ क्रथन (सम्) सं.—मारना; वध, हत्या ।

ಕ್ರಂದನ क्रंदन (सम्) सं.—रोदन, रोना, विलाप ।

ಕ್ರಮ क्रम (सम्) सं.—गमन, चलना-फिरना, आगे बढ़ना; पग, क़दम, चरण, पद; पैर; अनुष्ठान, आरंभ; सिलसिला; तरीका, ढंग; कर्म, कार्य; वेद पढ़ने की शैली विशेष; तैयारी, तत्परता ।

ಕ್ರಮಣ क्रमण (सम्) सं.—दे. ಕ್ರಮ.

ಕ್ರಮಾಗತ क्रमागत (सम्) वि.—क्रम से आया हुआ ।

ಕ್ರಮಿಸು क्रमिसु (सम्) क्रि.—जा, चल, गमन कर, पग रख ।

ಕ್ರಮುಕ क्रमुक (सम्) सं.—सुपारी का पेड़; शहतूत का पेड़; लाल लोध्र वृक्ष ।

ಕ್ರಮೇಣಕ क्रमेणक, ಕ್ರಮೇಲಕ क्रमेलक (सम्) सं.—ऊँट ।

ಕ್ರಯ क्रय (सम्) सं.—खरीद, मूल्य देकर लेना; कीमत, मूल्य ।—ವಿಕ್ರಯ विक्रय = खरीद-फ़रोख्त ।—ವಿಕ್ರಯಿಕ विक्रयिक (सम्) सं.—व्यापारी ।

ಕ್ರಯಿಕ क्रयिक (सम्) सं.—ग्राहक, खरीदनेवाला ।

ಕ್ರಯ್ಯ क्रय्य (सम्) वि.—बिकने के लिए, बिकाऊ ।

ಕ್ರವ್ಯ क्रव्य (सम्) सं.—मांस, कच्चा मांस ।

ಕ್ರವ್ಯಾದ क्रव्याद (सम्) सं.—मांस खानेवाले जीवजंतु; राक्षस ।

ಕ್ರಾಯಕ क्रायक (सम्) सं.—दे. ಕ್ರಯಿಕ.

ಕ್ರಾಲುಚೆಟ್ಟು क्रालुचेट्टु (क) सं.—एक पौधा विशेष (Vernomia anthelmintica) ।

ಕ್ರಿಮಿ क्रिमि (सम्) सं.—कीड़ा ।—ಜ ज (सम्) सं.—कीड़े से उत्पन्न, रेशम ।

ಕ್ರಿಯಾಕಾರ क्रियाकार (सम्) सं.—आपसी समझौता, स्वीकार पत्र ।

ಕ್ರಿಯಾಖಂಡನ क्रियाखण्डन (सम्) सं.—तोड़ना, टुकड़े करना ।

ಕ್ರಿಯಾಂಗ क्रियांग (सम्) सं.—नाटक में—प्रवेश-निर्गम आदि ।

ಕ್ರಿಯಾಪದ क्रियापद (सम्) सं.—क्रिया (Verb) ।

ಕ್ರಿಯಾಫಲ क्रियाफल (सम्) सं.—किये हुए कार्य का फल ।

ಕ್ರಿಯಾಲೋಪ क्रियालोप (सम्) सं.—धार्मिक कार्यों में कर्तव्य-च्युति; व्याकरण में क्रिया का अध्याहार ।

ಕ್ರಿಯಾವಂತ क्रियावंत (सम्) सं.—कर्मठ व्यक्ति, सच्चा आदमी, चरित्रवान् ।

ಕ್ರಿಯಾವಾಚಕ क्रियावाचक (सम्) सं.—कार्य की अभिव्यक्ति; क्रियार्थक संज्ञा ।

ಕ್ರಿಯಾವಿಶೇಷಣ क्रियाविशेषण (सम्) सं.—व्याकरण में क्रियाविशेषण (Adverb) ।

ಕ್ರಿಯೆ क्रिये (सम्) सं.—कार्य, कृति, कर्म, उद्योग; क्रिया शब्द का कार्य; काल, समय; क्रिया; संपादन, सफलता; परि-

श्रम ; अभ्यास ; साहित्यिक रचना ; चिकित्सा ; धार्मिक कार्य या कर्म (प्रतिज्ञा); प्रायश्चित ; श्राद्धकर्म, मृतसंस्कार ; पूजन ; माध्यम, उपाय, साधन ; शिक्षण गान-विद्यादि की जानकारी; कृतज्ञता , उपकार का स्मरण ।

ಕ್ರಿಷ್ಟ್ಣ क्रिष्ट्ण, ಕ್ರಿಷ್ಣ क्रिष्ण (तद्) सं — कृष्ण (तत्)

ಕ್ರಿಸ್ತ क्रिस्त (अ.दे.) सं.—Christ (अंग्रेज़ी); ईसा ।—ಶಕ शक = ईसवी ।

ಕ್ರಿಸ್ತಿ क्रिस्ति (अ. दे.) सं. ईसाई ।

ಕ್ರೀಂಕಾರ क्रींकार (सम्) सं.—हंस की ध्वनि ।

ಕ್ರೀಡಾಕುಳಿ क्रीडाकुळि (सम्) सं.—जलक्रीडा करने योग्य सरोवर ।

ಕ್ರೀಡಾಗೃಹ क्रीडागृह (सम्) सं. — केली का घर, खेलने का स्थान, खास कमरा ।

ಕ್ರೀಡಿಸು क्रीडिसु (सम्) क्रि. — क्रीडा कर, केली कर, खेल ; रमण कर, शृंगार-क्रीडा कर ।

ಕ್ರೀಡೆ क्रीड़े, ಕ್ರೀಡಾ क्रीडा (सम्) सं — खेल; केली, रमण ।

ಕ್ರೀತ क्रीत (सम्) वि.— खरीदा हुआ । सं.— गोद लिया हुआ या खरीदा हुआ पुत्र ।

ಕ್ರುಂಚ क्रुंच, ಕ್ರುಂಚು क्रुंचु (सम्) सं.— कुरर पक्षी ।

ಕ್ರುದ್ಧ क्रुद्ध (सम्) वि.— क्रोध में आया हुआ, गुस्सैल ।

ಕ್ರುಧ್ क्रुध् (सम्) सं.— क्रोध, कोप, रोष ।

ಕ್ರುಪೆ क्रुपे (तद्) सं.— कृपा (तत्) ।

ಕ್ರುಷ್ಟ क्रुष्ट (सम्) सं.— पुकारना, चिल्लाना, चिल्लाहट, रोदन ; शोरगुल ।

ಕ್ರೂರ क्रूर (सम्) वि.— निष्ठुर, निर्दय, करुणा-रहित, कठोर; भयंकर, भयावह ; उपद्रवी । सं.— बुरा आदमी, दुष्ट, खल, दुर्जन ; चोर ; कठोरता, सख्ती ; एक मृग विशेष ; पकाया गया चावल ।

ಕ್ರೂರಕರ್ಮಿ क्रूरकर्मि (सम्) सं.— नृशंस कार्य करने वाला, भयंकर पुरुष ।

ಕ್ರೂರಾಸ್ತ್ರ क्रूरास्त्र (सम्) सं.—तीक्ष्ण आयुध, चक्र ।

ಕ್ರೆಣಿ क्रेणि (सम्) सं.—खरीदना, खरीद । ಕ್ರೇತವ್ಯ क्रेतव्य = खरीदने योग्य । ಕ್ರೇತೃ क्रेतृ = खरीदनेवाला, ग्राहक । ಕ್ರೇಯ क्रेय = ಕ್ರೇತವ್ಯ.

ಕ್ರೋಡ क्रोड (सम्) सं.—छाती, वक्षस्थल ; शूकर ; शनिग्रह ।—ರೂಪಿ रूपि (सम्) सं. —विष्णु ।—ಕರಣ करण (सम्) सं. — आलिंगन, छाती से लगाना ।— ಕರಿಸು करिसु (सम्) क्रि.—आलिंगन कर; संक्षिप्त कर, संक्षेप में लिख ।

ಕ್ರೋಧ क्रोध (सम्) सं.—कोप, गुस्सा, रोष ।

ಕ್ರೋಧನ क्रोधन (सम्) सं.—एक वर्ष का नाम । वि.—क्रुद्ध, रुष्ट ।

ಕ್ರೋಧಿ क्रोधि (सम्) सं.—एक वर्ष का नाम । वि.—क्रुद्ध, रुष्ट ।

ಕ್ರೋಶ क्रोश (सम्) सं — चीख, चिल्लाहट, चीत्कार, कोलाहल ; कोस ।— ಯುಗ युग (सम्) सं.—दो कोस ।

ಕ್ರೋಷ್ಟು क्रोष्टु (सम्) सं. — सियार ; गीदड़ ।

ಕ್ರೌಂಚ क्रौंच (सम्) सं.—दे. ಕ್ರುಂಚ.

ಕ್ರೌಂಚಾರಾತಿ क्रौंचाराति, ಕ್ರೌಂಚಾರಿ क्रौंचारि (सम्)—स्कंद, कार्तिकेय ।

ಕ್ರೌರ್ಯ क्रौर्य (सम्) सं —क्रूरता, कठोरता, निष्ठुरता, नृशंसता, भयंकरता ।

ಕ್ಲಮ क्लम, ಕ್ಲಮಥ क्लमथ, ಕ್ಲಮಥು क्लमथु (सम्) सं.— थकावट, श्रम ।

ಕ್ಲಿನ್ನ क्लिन्न (सम्) वि.—गीला, भीगा, तर ।

ಕ್ಲಿನ್ನಾಕ್ಷ क्लिन्नाक्ष (सम्) सं.—चुंधा ।

ಕ್ಲಿಶಿತ क्लिशित, ಕ್ಲಿಷ್ಟ क्लिष्ट (सम्) वि.— पीडित, दु:खी, सताया हुआ, संतप्त, मुरझाया हुआ; विरोधी, असंगत; कृत्रिम ; लज्जित ; कठोर, कठिन ।

ಕ್ಲೀತಕ क्लीतक (सम्) सं. — मुलेठी (Liquorice) ।

ಕ್ಲೀತಕಿಕೆ क्लीतकिके (सम्) सं. — नील का पौधा ।

ಕ್ಲೀಬ क्लीब, ಕ್ಲೀವ क्लीव (सम्) सं — नपुंसक, हिजड़ा, कापुरुष, भीरु ।

ಕ್ಲುಪ್ತ क्लुप्त (सम्) वि.—निर्णीत, निश्चित ।

ಕ್ಲೇಶ क्लेश (सम्) सं.—पीड़ा, कष्ट, दु:ख, व्यथा, झंझट ।

ಕ್ಲೋಮ क्लोम (सम्) सं.—फेफड़ा, फुप्फुस ।

ಕ್ವಣ क्वण (सम्) सं.—स्वर, ध्वनि, झंकार ।

ಕ್ವಣತ್ಕಂಕಣ क्वणत्कंकण (सम्) सं.— बजनेवाला कंगन ।

ಕ್ವಣನ क्वणन (सम्) सं. = ಕ್ವಣ.

ಕ್ವಥಿತ क्वथित (सम्) वि. — उबाला हुआ, पकाया हुआ, काढ़ा हुआ ।

ಕ್ವಾಣ क्वाण (सम्) सं.—दे ಕ್ವಣ.

ಕ್ಷಣ क्षण (सम्) सं.—पल, लहमा, ४/५ सेकंड ; अवकाश, फुरसत ; अवसर, मौका ; कर्म, उद्योग ; हर्ष, आनंद, संतोष ; मध्य, बीच का ; पराधीनता ।

ಕ್ಷಣಗಭಸ್ತಿ क्षणगभस्ति, ಕ್ಷಣಪ್ರಭೆ क्षणप्रभे (सम्) सं.-क्षण भर चमकनेवाला, बिजली ।

ಕ್ಷಣದೆ क्षणदे (सम्) सं.— रात, निशा ।

ಕ್ಷಣನ क्षणन (सम्) सं.— घाव करना, चोट करना, मार डालना ।

ಕ್ಷಣಿಕ क्षणिक (सम्) वि.— पल भर का, दम भर का ।

ಕ್ಷಣಿಕೆ क्षणिके (सम्) सं.— बिजली, विद्युल्लता ।

ಕ್ಷತ क्षत (सम्) वि.— घायल, कटा हुआ ; भंग किया हुआ, तोड़ा हुआ । सं.— घाव, चोट ; चीर, चीरफाड़ ।— ಜ ज (सम्) सं.— रक्त, खून ; पीब, मवाद ।— ವ್ರತ व्रत (सम्) सं.— ब्रह्मचारी ।

ಕ್ಷತಿ क्षति (सम्) सं.— घाव, चोट ; विनाश, काट ; हानि ।

ಕ್ಷತ್ರ क्षत्र (सम्) सं.— अधिकार, प्रभुता, प्रधानता, शक्ति ; क्षत्रिय जाति का पुरुष ।— ಧರ್ಮ धर्म (सम्) सं.— क्षत्रिय का धर्म, बहादुरी, वीरता ।

ಕ್ಷತ್ರಿಯ क्षत्रिय (सम्) सं.— क्षत्रिय जाति का पुरुष, राजपूत ।

ಕ್ಷತ್ರಿಯಾಣಿ क्षत्रियाणि (सम्) सं.— क्षत्राणि, क्षत्रिय की पत्नी ।

ಕ್ಷತ್ರಿಯಿ क्षत्रियि, ಕ್ಷತ್ರಿಯೆ क्षत्रिये (सम्) सं.— दे. ಕ್ಷತ್ರಿಯಾಣಿ.

ಕ್ಷಂತೃ क्षंतृ (सम्) सं.— धैर्यवान्, सहनशील; विनयी।

ಕ್ಷಪಣ क्षपण (सम्) सं.—बौद्ध-भिक्षु; सूतक, अशौच ; नाश, निर्वासन।

ಕ್ಷಪಣಕ क्षपणक (सम्) सं.— दे. ಕ್ಷಪಣ.

ಕ್ಷಪಾ क्षपा, ಕ್ಷಪೆ क्षपे (सम्) सं.— रात, रजनी ; हल्दी।

ಕ್ಷಪಾಕರ क्षपाकर, ಕ್ಷಪಾನಾಥ क्षपानाथ (सम्) सं.— चंद्रमा।

ಕ್ಷಮ क्षम (सम्) सं.— धैर्य ; सहनशीलता माफ़ी। वि.— उपयुक्त, योग्य, ठीक, उचित।

ಕ್ಷಮತೆ क्षमते (सम्) सं.—क्षमता, योग्यता, दक्षता; उपयुक्तता।

ಕ್ಷಮಾಪ क्षमाप (सम्) सं. — पृथ्वीनाथ, राजा।

ಕ್ಷಮಾಪಣ क्षमापण (सम्) सं. — क्षमा, माफ़ी।

ಕ್ಷಮಾರುಹ क्षमारुह (सम्) सं.—पेड़, वृक्ष।

ಕ್ಷಮಿಯಿಸು क्षमियिसु, ಕ್ಷಮಿಸು क्षमिसु (सम्) सं.— माफ़ कर, क्षमा प्रदान कर।

ಕ್ಷಮೆ क्षमे, ಕ್ಷಮಾ क्षमा (सम्) सं= ಕ್ಷಮ.

ಕ್ಷಯ क्षय (सम्) सं.—क्षयरोग, क्षयी का रोग ; हानि, ह्रास, कमी, खराबी ; नाश, समाप्ति, अंत।—ಪಕ್ಷ पक्ष (सम्) सं. — अंधियारा पक्ष।

ಕ್ಷಯಿಷ್ಣು क्षयिष्णु (सम्) वि. — ह्रास होनेवाला, खराब होनेवाला, घटनेवाला।

ಕ್ಷರ क्षर (सम्) वि.— पिघला हुआ। सं.— जंगम, चर; पानी ; शरीर ; बादल।

ಕ್ಷವ क्षव (सम्) सं.—खाँसी, छींक ; काली सरसों।

ಕ್ಷವಥು क्षवथु (सम्) सं.—दे. ಕ್ಷವ.

ಕ್ಷಾತ್ರ क्षात्र (सम्) वि.—क्षत्रिय संबंधी या क्षत्रिय का।

ಕ್ಷಾಂತ क्षांत, ಕ್ಷಾಂತಿ क्षांति, (सम्) सं.— सहनशीलता, क्षमागुण।

ಕ್ಷಾಮ क्षाम (सम्) वि.—झुलसा हुआ, जला हुआ, घटा हुआ, नष्ट किया हुआ, दुबला, हल्का, छोटा थोड़ा, निर्बल। सं. — दुर्बलता, क्षीणता, अकाल।

ಕ್ಷಾರ क्षार (सम्) वि.— काट करनेवाला, जलानेवाला, तेज़ खारा, नमकीन। सं.— काला नमक ; रस, सार ; जल, पानी शीरा, चोटा, राब, सोडा (Soda)।

ಕ್ಷಾರಕ क्षारक (सम्) सं.— फूल, कली।

ಕ್ಷಾರಕಿ क्षारकि (सम्) सं.—एक लता विशेष।

ಕ್ಷಾರಮೃತ್ತಿಕೆ क्षारमृत्तिके (सम्) सं.— खारी भूमि या मट्टी।

ಕ್ಷಾರಾಂಬುಧಿ क्षारांबुधि (सम्) सं.— खारा समुद्र।

ಕ್ಷಾಲನ क्षालन (सम्) सं.— धोना, साफ़ करना, प्रक्षालन, सफ़ाई।

ಕ್ಷಿತ क्षित (सम्) वि.— घटा हुआ, नष्ट किया हुआ, विनष्ट, क्षीण।

ಕ್ಷಿತಿ क्षिति (सम्) सं.—घर, आवास ; पृथिवी, भूमि, मिट्टी। —ಕಾಂತ कांत (सम्) सं.— राजा। — ಜೆ ज़े (सम्) सं.— सीता। — ಧರ धर (सम्) सं.— पहाड़। — ನಾಥ नाथ, ಪ प, ಪತಿ पति, ಪಾಲ पाल, ರಮಣ रमण (सम्) सं.— राजा। — ರುಹ रुह (सम्) सं.— पेड़। — ಸುತಾ सुता, ಸುತೆ सुते (सम्) सं.— सीता।

ಕ್ಷಿತ್ಯಧಿಪ क्षित्यधिप, ಕ್ಷಿತೀಶ क्षितीश (सम्) —सं. राजा।

ಕ್ಷಿಪ್ತ क्षिप्त (सम्) वि.—फेंका हुआ, छितराया हुआ, पटका हुआ, त्यागा हुआ, भेजा हुआ, निकाला हुआ।

ಕ್ಷಿಪ್ರ क्षिप्र (सम्) अ.— तेज़ी से, जल्दी, शीघ्रता से।

ಕ್ಷಿಯೆ क्षिये (सम्) सं.— घटना, कमी, क्षय, हानि, नाश।

ಕ್ಷೀಣ क्षीण (सम्) वि.—घटा हुआ, नष्ट किया हुआ, दुबला, पतला, विनष्ट, खोया हुआ ; घायल ; टूटा हुआ ; थोड़ा, कम ; अधीन में आया हुआ ; दरिद्र ; खारव।

ಕ್ಷೀಣತ್ವ क्षीणत्व (सम्) सं. — क्षीणता, विनाश ; व्यय होना, घटना, क्षत होना।

ಕ್ಷೀಬ क्षीब, ಕ್ಷೀವ, क्षीव (सम्) वि.—उत्तेजित, नशे में चूर।

ಕ್ಷೀರ क्षीर (सम्) सं.—दूध ; पानी ; बादल।

ಕ್ಷೀರಕೆ क्षीरके, ಕ್ಷೀರಿಕೆ क्षीरिके (सम्) सं.— दूध से बनायी गई एक मिठाई, खीर ; एक पौधा विशेष (The plant Mimusops káuki)।

ಕ್ಷೀರಜ क्षीरज (सम्) सं.—दही।

ಕ್ಷೀರನೀರ क्षीरनीर (सम्) सं. — दूध और पानी ; दूध और पानी की तरह एकता; आलिंगन।

ಕ್ಷೀರವಿಕೃತಿ क्षीरविकृति (सम्) — जमा हुआ दूध।

ಕ್ಷೀರಸ क्षीरस (सम्) सं. — दूध का सार, दूध से बना कोई पदार्थ।

ಕ್ಷೀರಸಮುದ್ರ क्षीरसमुद्र, ಕ್ಷೀರಾಬ್ಧಿ क्षीराब्धि (सम्) सं.—क्षीरसागर, दूध का समुद्र। —ತನಯೆ तनये (सम्) सं.— लक्ष्मी।

ಕ್ಷೀರಾಂಬುಧಿ क्षीरांबुधि, ಕ್ಷೀರೋದ क्षीरोद (सम्) सं= ಕ್ಷೀರಸಮುದ್ರ.

ಕ್ಷುತಾ क्षुता, ಕ್ಷುತ್ क्षुत् (सम्) सं—छींक।

ಕ್ಷುತಾಭಿಜನನ क्षुताभिजनन (सम्) सं.—काली सरसों।

ಕ್ಷುತ್ರಪತ್ರ क्षुत्रपत्र (सम्) सं.—पर्णास, कामकस्तूरी।

ಕ್ಷುಧಾ क्षुधा (सम्) सं.—भूख।—ಬಾಧೆ बाधे (सम्) सं.—भूख के कारण बेचैनी।

ಕ್ಷುದ್ರ क्षुद्र (सम्) वि.— छोटा, बिकुल छोटा ; दरिद्र, ग़रीब ; कमीना, ओछा, नीच ; लोभी, कंजूस ; क्रूर, निष्ठुर।

ಕ್ಷುದ್ರಿ क्षुद्रि (सम्) सं—कलंकी या मिथ्यानिंदक पुरुष।

ಕ್ಷುದ್ರೆ क्षुद्रे (सम्) सं.— कर्कशा स्त्री, लंजी औरत, रंडी, वेश्या ; नाचनेवाली स्त्री, भ्रमर ; एक प्रकार की लता।

ಕ್ಷುದ್ವತ್ क्षुद्वत् (सम्) वि.— भूखा।

ಕ್ಷುಧ್ क्षुध, ಕ್ಷುಧಾ क्षुधा, ಕ್ಷುತ್ತು क्षुत्तु (सम्) सं.— भूख।

ಕ್ಷುಧಾಭಿಜನನ क्षुधाभिजनन (सम्) सं.— काली सरसों।

ಕ್ಷುಧಾರ್ತ क्षुधार्त, ಕ್ಷುಧಿತ क्षुधित (सम्) सं.— भूखा ।

ಕ್ಷುಧೆ क्षुधे (सम्) सं. = ಕ್ಷುಧಾ.

ಕ್ಷುಭಿತ क्षुभित ಕ್ಷುಬ್ಧ क्षुब्ध (सम्) वि.— व्याकुल, भयभीत, काँपता हुआ ; क्रुद्ध ।

ಕ್ಷುರ क्षुर (सम्) सं — छुरा, अस्तुरा ; गौ का खुर ; घोड़े का सुम ; तीर ; एक पौधा ।

ಕ್ಷುರಮರ್ದಿ क्षुरमर्दि ಕ್ಷುರಿ क्षुरि (सम्) सं. — नाई, हज्जाम ।

ಕ್ಷುರಿಕೆ क्षुरिके (सम्) सं — चाकू, छुरी, कटार ।

ಕ್ಷುಲ್ಲಕ क्षुल्लक (सम्) वि.— छोटा, लघु ; पतला, दुबला, सूक्ष्म ; कृपण, दीन, गरीब, नीच, क्षुद्र ; कंजूस ; लोभी ; मतिहीन, अल्पमति ; मिथ्यावादी ; छोटा शंख ; किरात, शबर ।

ಕ್ಷುಲ್ಲಕಾಮ್ಲೆ क्षुल्लकाम्ले (सम्) सं.— एक प्रकार का अम्लवेत ।

ಕ್ಷೇತ್ರ क्षेत्र (सम्) सं.— खेत ; स्थान, जगह, स्थल ; देश, प्रदेश, ज़िला, तीर्थस्थान पत्नी, भार्या ; शरीर ; रेखागणित की एक शक्ल, अंकित क्षेत्र, चित्र ।

ಕ್ಷೇತ್ರಜ क्षेत्रज (सम्) सं.— क्षेत्रोत्पन्न, शरीरोत्पन्न, बारह प्रकार के पुत्रों में से एक ।

ಕ್ಷೇತ್ರಜ್ಞ क्षेत्रज्ञ (सम्) सं.— चतुर, दक्ष ; आत्मा ; शरीर को जाननेवाला ।

ಕ್ಷೇತ್ರಫಲ क्षेत्रफल (सम्) सं.— खेत की लंबाई-चौड़ाई की माप ।

ಕ್ಷೇಪ क्षेप (सम्) सं. — उछलना, फेंकना, पटकना, फेंक, पटक, भेजना । ಕ क वि.— फेंकनेवाला, पटकने वाला, भेजनेवाला, निर्देश करनेवाला ।

ಕ್ಷೇಮ क्षेम (सम्) सं.— शांति, प्रसन्नता, सुख, चैन, स्वस्थ रहना ; रक्षा ; निर्विघ्नता; रक्षित ; जो वस्तु पास हो उसका रक्षण ; एक प्रकार का सुगंध द्रव्य ; स्नेहपूर्वक आलिंगन करना ।

ಕ್ಷೇಮಕರ क्षेमकर, ಕ್ಷೇಮಂಕರ क्षेमंकर (सम्) वि.— शुभ, मंगलकारी ।

ಕ್ಷೈತ್ರ क्षैत्र (सम्) सं.— खेतों का समूह ।

ಕ್ಷೋಣಿ क्षोणि (सम्) सं.—भूमि, खेत ; माप विशेष ; एक की संख्या । — ಜಾಸುತ जासुत (सम्) सं.— सीता का बेटा । — ಜೆ, ಜಾ जे, जा (सम्) सं. — सीता ।

ಕ್ಷೋಣೀಧ್ರ क्षोणीध्र (सम्) सं.— पहाड़, पर्वत ।

ಕ್ಷೋಣೀಪತಿ क्षोणीपति, ಕ್ಷೋಣೀಶ क्षोणीश (सम्) सं.— राजा, पृथ्वीपति ।

ಕ್ಷೋದ क्षोद (सम्) सं. — पिसाई, घुटाई ; विभ्रम व्यग्रता ।

ಕ್ಷೋದಿಷ್ಟ क्षोदिष्ट (सम्) वि.— छोटा, बुहुत छोटा ।

ಕ್ಷೋಭ क्षोभ, ಕ್ಷೋಭೆ क्षोभे (सम्) सं.— हिलना, चलना ; उछलना, उत्तेजन, घबराहट उत्पात ।

ಕ್ಷೋಮ क्षोम (सम्) सं.— अटारी, अटा ; बुना हुआ रेशम ।

ಕ್ಷೌದ್ರ क्षौद्र (सम्) सं.— शहद, मधु ।

ಕ್ಷೌಮ क्षौम (सम्) सं.— रेशमी वस्त्र, बुना, हुआ रेशम ; हवादार अटा, अटारी ।

ಕ್ಷೌರ क्षौर (सम्) सं. — हजामत । — ಕ क (सम्) सं.— नाई, हज्जाम ।

ಕ್ಷ್ಮ क्ष्म, ಕ್ಷ್ಮೆ क्ष्मे (सम्) सं. — भूमि ।

ಕ್ಷ್ಮಾಧರ क्ष्माधर, ಕ್ಷ್ಮಾಪತಿ क्ष्मापति, ಕ್ಷ್ಮಾಭೃತ್ क्ष्माभृत् (सम्) सं.— राजा ; पहाड़, पर्वत ।

ಕ್ಷ್ವೇಡ क्ष्वेड, ಕ್ಷ್ವೇಳ क्ष्वेळ (सम्) सं.—ज़हर, विष ।

ख

ಖ ख — कवर्ग का दूसरा अक्षर । कन्नड-वर्णमाला का सोलहवाँ अक्षर ।

ಖ ख (सम्) सं.—आकाश, गगन ; इंद्रिय, बुद्धि ; मन; ब्रह्मा ; स्वर्ग, क्षेत्र, खेत; अर्गला, ताला ; यति, संन्यासी ; शून्य ; सूना स्थान ; दो की संख्या ।

ಖಂಕರ खंकर (सम्) सं.—अलक, लट, घुँघराले बाल ।

ಖಂಜ खंज (सम्) वि.— लंगड़ा, रुका हुआ ।

ಖಂಜನ खंजन (सम्) सं.— खंजन पक्षी ।

ಖಂಜರಿ खंजरि (सम्) सं.— खंजड़ी, चंग ।

ಖಂಜರೀಟ खंजरीट (सम्) सं.—खंजन पक्षी ।

ಖಂಡ खंड (सम्) सं.—टुकड़ा, भाग, हिस्सा, अंश ; खाँड, चीनी ; एक प्रकार का गन्ना ; एक प्रकार का नमक ; भूगोल का भाग ; अर्द्धचंद्र ।

ಖಂಡಕ खंडक (सम्) सं.—टुकड़ा भाग, अंश, हिस्सा ।

ಖಂಡಣೆ खण्डणे, ಖಂಡನ खंडन (सम्) सं.— काटना, तोड़ना, टुकड़े करना ; चोट करना, घायल करना ; विरोध, विसर्जन ।—ಪರಶು परशु (सम्) सं.—कुल्हाड़ी से काटना ; शिव, परमेश्वर ; परशुराम ; विनायक, गणेश ।—ಶಶಧರ शशधर (सम्) सं.— अर्धचंद्र ।—ಶಶಿಶೇಖರ शशिशेखर (सम्) सं.—शिव ।

ಖಂಡಕ खंडक (सम्) सं.—मटर ।

(१) ಖಂಡಿತ खंडित (क) सं. दृढ़ता, निश्चितता, स्थिरता । अ.— सचमुच, निश्चित रूप से ।

(२) ಖಂಡಿತ खंडित (सम्) वि.—कटा हुआ, टुकड़े किया हुआ, विभक्त; नष्ट किया हुआ ; हराया हुआ ।

ಖಂಡಿತೆ खंडिते (सम्) स.—खंडिता नायिका; वह स्त्री जिसका पति अन्यत्र रात बिताता हो ।

ಖಂಡಿಸು खंडिसु (सम्) क्रि. — काट, टुकड़े कर ; नष्ट कर; निराश कर ; वाद में हरा ।

ಖಂಡ್ರಿಸು खंड्रिसु (तद्) क्रि. — दे. ಖಂಡಿಸು.

ಖಗತ್ವ खगत्व (सम्) सं.—आकाश में उड़ना, उड़ान, ಖಗಪತಿ खगपति, ಖಗರಾಜ खगराज, ಖಗವಲ್ಲಭ खगवल्लभ, ಖಗೇಶ್ವರ खगेश्वर (सम्) सं. – गरुड ।

ಖಗೋಲ खगोल (सम्) सं.—आकाशमण्डल, खगोल विद्या, ज्योतिष विद्या ।

ಖಚರ खचर (सम्) सं.— चिड़िया, पक्षी सूर्य ; गंधर्व ; एक की सख्या । — ಆಂಗನೆ

अंगने, ಅಬಲೆ अबले (सम्) सं.— गंधर्व-स्त्री।

ಖಚಿತ खचित (सम्) वि.— जड़ा हुआ, भरा हुआ, मिला हुआ ; गढ़ा हुआ ; स्थिर, दृढ़, सच्चा।

ಖಜಕ खजक (सम्) सं.— मथानी ; चँदवा, आच्छादन।

ಖಜವ खजव (सम्?) सं.— चँदवा, वितान।

ಖಜಾಕೆ खजाके (तद्) सं.— बड़ा चमचा, करछुल, चमचा।

ಖಜಾಂಚಿ खजांचि (अ. दे.) सं.— ख़ज़ानची (फ़ारसी) ; कोषाध्यक्ष।

ಖಜಾನೆ खजाने (अ. दे.) सं.— ख़ज़ाना (अरबी) ; कोष, धनागार।

ಖಜಿಕೆ खजिके (तद्) सं.— खजाचिका (तत्) ; चमचा।

ಖಜಿಖ खजिख (तद्) सं.— दे. ಖಜಿಕೆ.

ಖಜೀನೆ खजीने (अ.दे.) सं.— दे. ಖಜಾನೆ.

ಖಜ್ಜಾ खज्जा, ಖಜ್ಯಾ खज्या (अ. दे.) सं.— झगड़ना। — ಖೋರ खोर = झगड़ालू।

ಖಟ खट (सम्) सं. — कफ़, अंधा कूप ; टाँकी ; हल ; घास ; खटखट ध्वनि।

ಖಟಖಟಾಹಕ खटखटाहक (सम्) सं.— पीकदानी।

ಖಟಿಕೆ खटिके (सम्) सं.— ಖಡಿಕೆ खडिके (तद्) — खड़िया, चॉक (Chalk)।

ಖಟ್ಟಿಕ खट्टिक (सम्) सं.—कसाई ; चिड़ीमार, बहेलिया, शिकारी, खटिक।

ಖಟ್ವಾಂಗ खट्वांग (सम्) सं.— लकड़ी या डंडा जिसमें खोपड़ी जड़ी हो —यह शिवजी का हथियार समझा जाता है। — ಧರ धर (सम्) सं.—शिव।

ಖಟ್ವಾ खट्वा, ಖಟ್ವ खट्व, ಖಟ್ವೆ खट्वे (सम्) सं.—चारपाई, खाट, सेंज, पलका ; झूला, हिंडोला।

ಖಡ खड (अ. दे.) सं.—कढ़ी। (सम्) सं. —घास विभिक्त करना, तोड़ना। (तद्) सं —तलवार, खड्ग।

ಖಡ್ಗ खड्ग (सम्) सं.—तलवार। — ಪಿಧಾನ पिधान (सम्) सं.—म्यान। — ಫಲ फल (सम्) सं. —तलवार की नोंक।

ಖಡ್ಗಿ खड्गि (सम्) सं. —तलवार धारण किया हुआ, खड्गधारी ; गेंडा, गण्डक।

ಖಡ್ಗಮೃಗ खड्गमृग (सम्) सं. — गैण्डा, गण्डक।

ಖಣಿ खणि, ಖಣಿಲ್ खणिल् (क) सं. — एक अनुकरणमूलक शब्द ; ज़ोर से, ज़ोर का शब्द।

ಖತಮಾಲ खतमाल (सम्) सं.—बादल, मेघ ; धुआँ।

ಖತಿಲಕ खतिलक (सम् ?) सं.—सूर्य।

ಖದಿರ್ खदिर् (सम्) सं.—कत्था का वृक्ष ; इन्द्र ; चंद्रमा।

ಖದಿರಿ खदिरि (?) सं.—छुई मुई का पौधा।

ಖದ್ಯೋತ खद्योत (सम्) सं.—पतंग ; सूर्य।

ಖನಕ खनक (सम्) सं. —खोदना ; खोदनेवाला ; सेंध फोड़नेवाला ; चूहा, घूस।

ಖನನ खनन (सम्) सं.—खोदना, खुदाई, गाड़ना।

ಖನಿ खनि (सम्) सं.—खान।

ಖನಿಜ खनिज (सम्) सं.—खनिज।

ಖನಿತ್ರ खनित्र (सम्) सं.—फावड़ी, कुदाली।

ಖಪುರ खपुर (सम्) सं.—सुपारी का पेड़।

ಖಪ್ರವಾಹ खप्रवाह (सम्) सं.—गंगा नदी। —ಜೂಟ जूट। (सम्) सं.—शिव।

ಖರ खर (सम्) वि.— कड़ा, रूखा, ठोस, तेज़, तीक्ष्ण, कठोर ; गरम ; खट्टा ; तीखा। सं.—गधा ; एक वर्ष (संवत्) का नाम ; एक राक्षस का नाम। — ಕರ कर (सम्) सं. —सूर्य ; एक माप विशेष। — ಕಿರಣ किरण (सम्) सं —सूर्य। — ವೈರಿ वैरि (सम्) सं. —राम।

ಖರಣಸ್ खरणस्, ಖರಣಸ खरणस (सम्) सं. —नुकीली नाकवाला पुरुष।

ಖರಸಾಣ खरसाण (सम्) सं. — तीक्ष्ण या तेज़ आरा ; चक्की।

ಖರಾರು खरारु (अ. दे.) सं. — खरहरा (हिं.), घोड़े को मलने का खरहरा।

ಖರೀದಿ खरीदि (अ. दे.) सं.—ख़रीद (फ़ारसी). ख़रीदना।

ಖರ್ಚು खर्चु (अ, दे.) सं.—ख़र्च (फ़ारसी); व्यय। —ದಾರ दार (अ. दे.) सं. —अतिव्ययी।

ಖರ್ಜೂರ खर्जूर (सम्) सं. — चाँदी ; हर ; ताल ; कजूर का पेड़।

ಖರ್ಜೂರಿ खर्जूरि (सम्) कृ.—दे. ಖರ್ಜೂರ.

ಖರ್ವ खर्व (सम्) वि. — अपूर्ण ; ठिंगना ; छोटा, नीचा। —ಶಾಖ शाखा (सम्) सं.— ठिंगना; बौना।

ಖರ್ಬೂಜ खर्बूज (अ. दे) सं.— ख़रबूज़ा (फ़ारसी)।

ಖಲ खल (सम्) सं.— नीच, दुर्जन, दुष्ट ; खलिहान ; जगह, स्थान ; धूल का ढेर ; तलछट। — ಕರಣ करण (सम्) सं.— अनाज को पीटकर भूसे अलग करने की क्रिया।

ಖಲತಿ खलति (सम्) वि. — गंजा।

ಖಲಧಾನ್ಯ खलधान्य (सम्) सं.— खलिहान।

ಖಲಪು खलपु (सम्) सं.— झाड़ू, बुहारी।

ಖಲೀನ खलीन (सम्) सं.— लगाम।

ಖಲೂರಿಕೆ खलूरिके (सम्) सं.— खलूरिका, परेड-मैदान जहाँ सेना शस्त्रास्त्र का अभ्यास करती है।

ಖಲ್ಯೆ खल्ये, ಖಲಿನಿ खलिनि (सम्) सं.— खलिहान का समूह।

ಖಲ್ವಾಟ खल्वाट (सम्) वि.— गंजा।

ಖವಖವಿಸು खवखविसु (क) क्रि.— जल, ज्वलित हो, इच्छा कर, आतुर हो।

ಖಸ खस (सम्) सं.— खाज, खुजली।

ಖಳ खळ (तद्) सं.— दे. ಖಲ.

ಖಳ್ಗ खळ्ग (तद्) सं.—खड्ग (तत्); तलवार; मादा गैण्डा।

ಖಟಲೆ खळ्ले, ಖಟಿಲೆ खळिले (क) अ.— ज़ोर से, कर्कशाता से।

ಖಟಿ खळि (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द।

ಖಾಡ खाड (सम्) सं.— खड्ग, तलवार।

ಖಾಡಾಖಾಡಿ खाडाखडि— मल्लयुद्ध ; तलवारों से परस्पर लड़ना।

ಖಾಣ खाण, ಖಾನ खान (अ. दे.) सं.— खाना, भोजन।

ಖಾತ खात (सम्) वि.— खुदा हुआ, टूटा हुआ, फटा हुआ। सं.— पुष्करिणी, बड़ा तालाब।

ಖಾತಕ खातक (सम्) सं.— खोदनेवाला; गड्ढा, गर्त।

ಖಾತಿ खाति, ಖಾತೆ खाते (अ. दे.) सं.— खाता।

ಖಾದ खाद, ಖಾದನ खादन (सम्) सं —खाना, चबाना।

ಖಾದಿ खादि (अ. दे.) सं. — खादी, खद्दर।

ಖಾದಿತ खादित (सम्) वि.— खाया हुआ।

ಖಾದಿರ खादिर (सम्) वि.— खदिर या कत्था के वृक्ष से संबंधित।

ಖಾನ खान (अ. दे.) सं.— खाना; राजा, राज-कुमार; नेता, नायक एक उपाधि।

ಖಾನಗಿ खानगि (अ. दे.) वि. — ख़ानगी (फ़ारसी); घर से संबंधित, खास, विशेष।

ಖಾನೆ खाने (अ. दे.) सं.— स्थान, जगह; घर।

ಖಾರ खार, ಖಾರಿ खारि (सम्) सं.— १२ मन या ३२ सेर की अनाज की तौल।

ಖಾಲಿ खालि (अ. दे.) वि. —ख़ाली (अरबी); रिक्त।

ಖಾಸ खास, ಖಾಸಾ खासा (अ. दे.) वि.— ख़ासा (अरबी)।

ಖಿಂಕೃತ खिंकृत (सम्) सं. — बाण प्रयोग के समय उत्पन्न होनेवली आवाज़।

ಖಿಜಮತ खिजमत (अ. दे.) सं.— ख़िदमत (अरबी); सेवा। — ಗಾರ गार (अ. दे.) सं.— सेवक।

ಖಿನ್ನ खिन्न (सम्) वि.–दुःखी, उदास, संतप्त।

ಖಿಲ खिल (सम्) सं.— बंजर भूमि या मरुभूमि का टुकड़ा; परिशिष्ट भाग, अतिरिक्त भाग; खोखलापन; अविशिष्ट भाग; खाली स्थान।

ಖಿಲಾತು खिलातु, ಖಿಲ್ಲತ್ತು खिलुत्तु (अ. दे.) सं.— ख़िताब, पदवी।

ಖುದ खुद (अ. दे.) सं.— खुदा (फ़ारसी); भगवान।

ಖುದ್ದು खुद्दु (अ. दे.) वि.—खुद (फ़ारसी); स्वयं, आप।

ಖುರಣಸ್ खुरणस्, ಖುರಣಸ खुरणस (सम्) सं.— चपटी नाकवाला।

ಖುರಪುಟ खुरपुट (सम्) सं.— खुर।

ಖುರಾಕು खुराकु (अ. दे.) सं.— खुराक़ (फ़ारसी); भोजन।

ಖುರಾನು खुरानु (अ. दे.) सं.— कुरान (अरबी)।

ಖುರಾಸಾನಿ खुरासानि (अ. दे.) स.— घटिया प्रकार का तिल का तेल।

ಖುರ್ನಾಸ खुर्नास, ಖುರ್ನೀಸು खुर्नीसु (अ. दे.) सं.— नमस्कार, वंदन।

ಖುಲಾಸ खुलास (अ. दे.) सं.— खुलासा (अरबी); स्पष्टता, निर्णय; रिक्तता, स्वतंत्रता।

ಖುಲ್ಲ खुल्ल (सम्) वि. — छोटा, कम, नीचा, ओछा। सं.— असंयमशीलता, क्रोध, रोष। — ತನ तन (सम्) सं.— तुच्छता, नीचता।

ಖುಷಾಮತು खुषामतु (अ. दे.) सं.— खुशामद (फ़ारसी); मिथ्या प्रशंसा, चापलूसी।

ಖೂನಿ खूनि (अ. दे.) सं.— हत्यारा, मार डालनेवाला।

ಖೇಚರ खेचर (सम्) सं.— आकाशगामी, खग, पक्षी; गंधर्व।

ಖೇಟ खेट (सम्) (सम्) सं.— कफ़, गाँव, छोटा शहर; बलराम का मूसल; घोड़ा; ढाल; शिकार, आखेट। वि.— खराब, नीच, तुच्छ।

ಖೇಟಕ खेटक (सम्) सं.—गाँव; ढाल।

ಖೇಟನ खेटन (सम्) सं— शिकार, अखोट।

ಖೇಡ खेड (सम्) सं. — गाँव; भयभीत पुरुष।

ಖೇಡೇಯ खेडेय, ಖೇಡ್ಯ खेड्य (तद्) सं.— ढाल।

ಖೇದ खेद (सम्) सं.— दुःख, पीड़ा, शोक, उदासी, निराशा, शिथिलता, सुस्ती, थकावट; घोड़े का हिनहिनाना; सिंह गर्जन; बाँस; विष, ज़हर। वि.— छोटा, अल्प। — ವಿಡಂಬನ विडंबन (सम्) सं.— दुःख की अभिव्यक्ति। — ಇಸು इसु (सम्) क्रि.— दुःख कर, शोक कर।

ಖೇಪು खेपु (अ. दे.) सं.— एक बार, एक दफ़े।

ಖೇಯ खेय (सम्) सं.— पुल; खाई।

ಖೇಲನ खेलन, ಖೇಲೆ खेले (सम्) सं.—क्रीडा, खेल।

ಖೇಳ खेळ (सम्) सं.— खिलाड़ी; मलबार का आदमी।

ಖೈರು खैरु (अ. दे.) सं.— ख़ैर (फ़ारसी) कुशल-क्षेम, अच्छाई, हित।

ಖೊಪ್ಪರಿಸು ख़ोप्परिसु (क) क्रि.—मार, पीट; कुचला जा, पीटा जा; अधीन में हो।

ಖೋ खो (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द; लड़ते समय किया जानेवाला खो शब्द।

ಖೋಜಾ खोजा (अ. दे.) सं.— ख़ोजा (फ़ारसी); हिजड़ा, नपुंसक।

ಖೋಡ खोड, ಖೋಲ खोल (सम्) सं.— लंगड़ा, लूला।

ಖೋಲಿ खोलि (सम्) सं.— तरकस, तूणीर।

ಖ್ಯಾತ ख्यात (सम्) वि.—जाना हुआ, कीर्तिमान, मशहूर, उक्त, कहा हुआ, प्रसिद्ध।

ಖ್ಯಾತಿ ख्याति (सम्) सं.— प्रसिद्धि, यश, कीर्ति; गौरव, पदवी, उपाधि; वर्णन, प्रशंसा।

ಗ ग

ಗ ग—कन्नड-वर्णमाला का सत्रहवाँ अक्षर। कवर्ग का तीसरा अक्षर।

ಗ ग (सम्) वि.—(समास में पीछे आता है) —जानेवाला, होनेवाला, ठहरनेवाला, रहनेवाला, मैथुन करनेवाला। सं.—संगीत में तीसरा स्वर 'गांधार'; तीन की संख्या।

(१) ಗಂ गं (सम्) सं.—गीत, भजन।

(२) ಗಂ गं (क) अ.—तक, पर्यंत।

(१) ಗಂಗ गंग, ಗಂಗಿ गंगि, ಗಂಗೆ गंगे (क?) सं. = ಗಂಗದೊಗಲು गंगदोगलु, ಗಂಗಿದೊಗಲು गंगिदोगलु, ಗಂಗೆದೊಗಲು गंगेदोगलु —(गाय या) बैल के गले के नीचे का लटकता हुआ झालरदार माँस।

(२) ಗಂಗ (सम्) सं.—कर्नाटक के एक राजवंश का नाम।

ಗಂಗಡಿಕಾರ गंगडिकार [ಕಾರ कार] (क) सं. —शूद्रों की एक शाखा (जाति) का नाम।

ಗಂಗರ गंगर ಗಗ್ಗರ गग्गर, ಗಗ್ಗರಿ गग्गरि, ಗಗ್ರ गग्र (क) सं. —चाँदी या पीतल का बड़ा छल्ला जिसको हिलाने पर 'झन-झन' आवाज़ निकलती है।

ಗಂಗಲ गंगल (तद्) सं.—गंगा (तत्)।

ಗಂಗಳ गंगळ, ಗಂಗಾಳ गंगाळ (अ. दे.?) सं.—गंगाल (हिं), बड़ा जलपात्र, बड़ा बर्तन; थाली।

ಗಂಗಾ गंगा, ಗಂಗೆ गंगे (सम्) सं. — गंगा नदी; शिवजी की पत्नी; सत्यवती का नाम।

ಗಂಗಾಜೂಟ गंगाजूट, ಗಂಗಾಧರ गंगाधर, ಗಂಗಾಧರೇಶ್ವರ गंगाधरेश्वर, ಗಂಗಾಧೀಶ गंगाधीश; ಗಂಗಾಮೌಳಿ गंगामौलि (सम्) सं. —शिवजी।

ಗಂಗಾನಂದನ गंगानन्दन, ಗಂಗಾಪುತ್ರ गंगापुत्र (सम्) सं. — भीष्म; नीच जाति का मनुष्य; मछुआ।

ಗಂಗಾಭವಾನಿ गंगाभवानि, ಗಂಗಾತೋಯ गंगातोय (सम्) सं.—गंगाजल।

ಗಂಗಾವತಂಸ गंगावतंस (सम्) सं. —शिव।

ಗಂಗಾಸುತ गंगासुत (सम्) सं. — गांगेय, भीष्म।

ಗಂಗಾಳ गंगाळ (अ. दे.) सं.—दे. ಗಂಗಳ.

ಗಂಗಿ गंगि (क) सं.—दे. ಗಂಗ.

ಗಂಗೆ गंगे (तद्) सं —दे. ಗಂಗಾ (क) सं. = दे. ಗಂಗ.

ಗಂಗೋತ್ರಿ गंगोत्रि (सम्) सं. — गंगोत्री, गंगाजी के निकलने का स्थान।

ಗಂಗೋದಕ गंगोदक (सम्) सं.—दे. ಗಂಗಾಭವಾನಿ.

ಗಂಚಿ गंचि (तद्) सं.— कांजिकम् (तत्); काँजी।

ಗಂಜ गंज, ಗಂಜೆ गंजे (सम्) सं. — खान; खज़ाना भण्डार; गोशाला; गंज; अनाज की मण्डी; शराबखाना।

ಗಂಜಣಿ गंजणि, ಗಂಜಳಿ गंजळि (क) सं.— झाड़ी, पौधा, लता।

ಗಂಜಣಿಕೆ गंजणिके, ಗಂಜಿಣಿಕೆ गंजिणिके (क) सं.—एक सुगंधित तृण विशेष, सौगंधिका।

ಗಂಜಲ गंजल, ಗಂಜಳ गंजळ (क) सं —गाय, बैल, घोड़े, हाथी, गधे, भेड़ बकरी का मूत्र या पेशाब (मै. प्र.)।

ಗಂಜಳಿ गंजळि (क) सं. –दे. ಗಂಜಣಿ.

ಗಂಜಿ गंजि (तद्) सं—दे. ಗಂಚಿ; पटुआ।

ಗಂಜಿಣಿಕೆ गंजिणिके (क) सं.—दे. ಗಂಜಣಿಕೆ.

ಗಂಜೀಪು गंजीपु (अ. दे.) सं. — गंजीफ़ा (फ़ारसी)।

ಗಂಜೆ गंज़े (तद्) सं. — शराबखाना; खान; भण्डार, खजाना।

ಗಂಟ गंट (क) अ.—तक, तलक (ग्रा.)।

ಗಂಟಡಿ गंटडि (तद्) सं.— छोटी गाँठ, छोटा बंडल।

ಗಂಟಲ್ गंटल्, ಗಂಟಲ गंटल, ಗಂಟಲು गंटलु, ಗಂಟ್ಲು गंट्लु (क) सं.—गला।

ಗಂಟಿ गंटि (क) सं.— छोटा कर्णाभरण।

ಗಂಟಿಕೆ गंटिके (क) सं. – गुच्छा, कुंज।

ಗಂಟಿಗ गंटिग (क) सं.—एक पौधा विशेष।

ಗಂಟು गंटु (तद्) सं. —ग्रंथि (तत्); गाँठ, रस्सी की गाँठ, कपड़े की गाँठ आदि; गुमड़ी, गुमड़ा; बेंत, बाँस या नरकल के पेरुओं की गाँठ या जोड़; जोड़ा, बंधन, बंडल (bundle); धन, संपत्ति, पूंजी। —ಆಸೆ आसे, (तद्) सं.—धनी होने की कामना; —ಇಕ್ಕು इक्कु (तद्) क्रि —गाँठ बांध, बांध। — ಕೊಯ್ಕ कोयक, ಗೊಯ್ಕ गोयक (तद्) सं. — गिरहकट, दूसरे की रुपये-पैसे की थैली चुरानेवाला। —ಕೊಯ್ಕೆ कोय्के, ಗೊಯ್ಕೆ गोय्के=दूसरे की रुपये-पैसे की थैली चुरानेवाली स्त्री। —ಬೀಳು बीळु (क) क्रि. — गाँठ पड़, ग्रंथि लग, जुड़; मित्रता हो, एक दूसरे के साथ संबंध हो, अनुचित रूप से साथ लग; मेल, अनुरूपता।

(१) ಗಂಟೆ गंटे (क) सं.– कन्द-मूल।

(२) ಗಂಟೆ गंटे (तद्) सं. — घण्टा (तत्); घण्टी, घड़ियाल; घंटा, बजे।

ಗಂಟ್ಲು गंट्लु (क) सं.—दे. ಗಂಟಲ್.

(१) ಗಂಡ गंड (क) सं.—दृढकाय, शक्तिमान, समर्थ पुरुष; पति, ; रमण, कांत, प्रियतम; = ಗಂಡು गंडु—मोटापन; शक्ति. सामार्थ्य; महानता। —ಹೆಂಡಿರು हेंडिरु (क) सं.— पति-पत्नी, दंपती। —ಹೆಂಡರು हेंडरु, ಹೆಂಡತಿಯರು हेंडतियरु (क) सं. – दंपती, पति-पत्नी।

(२) ಗಂಡ गंड (सम्) सं. — गाल; हाथी की कनपुटी; बुदबुद, बबूला, बुला; फोड़ा, सूजन; गुमड़ा, गिल्टी; कोई बीमारी, गाँठ, जोड़ा; दाग, धब्बा; वीर, योद्धा, नेता, नायक, सर्वोत्तम; गैंडा; मूत्रस्थाली; योग का एक प्रकार।

ಗಂಡಕ್ गंडक् (क ?) सं.—हिज़ड़ा, नपुंसक।

ಗಂಡಕ गंडक (सम्) सं.—गैंडा।

ಗಂಡಕಾರಿ गंडकारि, ಗಂಡಕಾಳಿ गंडकालि (सम्?) सं —छुई मुई का पौधा।

ಗಂಡಕಿ गंडकि, ಗಂಡಕೀ गण्डकी (सम्) सं.— एक नदी का नाम।

ಗಂಡಗಾಡಿ गंडगाडि (क) सं.—पुरुष की वेशभूषा, पौरुष, वीरता।

ಗಂಡಭೇರುಂಡ गंडभेरुंड (क ?) सं. दो सिरवाला एक पक्षी, मैसूर-राजाओं के ध्वज पर इसका चिह्न देखा जा सकता है।

ಗಂಡವುತ गंडवुत (क) सं. — हरिन की एक जाति।

ಗಂಡಶೈಲ गण्डशैल (सम्) सं. — पहाड़ से गिरी शिला या चट्टान।

ಗಂಡಸ गंडस, ಗಂಡಸು गण्डसु, ಗಂಡುಸ गंडुस, ಗಂಡುಸು गंडुसु (क) सं.—पुरुष, मर्द। —ತನ तन (क) सं.—पुरुषता, पौरुष।

ಗಂಡಸ್ಥಲ गंडस्थल (सम्) सं. — गाल ; हाथी की कनपुटी ।
ಗಂಡಾಗುಂಡಿ गंडागुंडि (क) सं.—अव्यवस्था ; अन्यायपूर्ण कलह, छीना-झपटी ; निर्लज्जता, ढिठाई ।
ಗಂಡಾಡಿ गंडाडि (क) सं.— वीर, बहादुर, योद्धा ।
ಗಂಡಾಂತರ गंडांतर (सम्) सं. - संकट, विपदा, खतरा ; दुर्भाग्य ; रोग ।
ಗಂಡಿ गंडि (क) सं.— चुंगी वसूल करनेवाला ; किले की पगडण्डी ।
ಗಂಡಿಕೆ गंडिके (क) सं.— वीरता, पराक्रम ।
ಗಂಡಿಗ गंडिग (क) सं.— वीर पुरुष, बहादुर, योद्धा ।
ಗಂಡು गंडु (क) सं.— पुरुषता, पौरुष, साहस, वीरता, दृढ़ता ; शक्ति, सामर्थ्य पुरुष, आदमी, नर ।
ಗಂಡುಗತನ गंडुगतन (क) सं.— पराक्रमी होना, पराक्रम, बहादुरी ।
ಗಂಡುಸ गंडुस, ಗಂಡುಸು गंडुसु (क) सं.— दे. ಗಂಡಸ.
ಗಂಡೂಪದ गंडूपद (सम्) सं.— कीट विशेष ।
ಗಂಡೂಷ गंडूष, ಗಂಡೂಷೆ गंडूषे (सम्) सं.— मुँह भर, अंजली भर ।
ಗಂಡೋಲಿ गंडोलि (क) सं.— नर कृष्णमृग, काला हिरन ।
ಗಂತಿ गंति (तद्) सं. — ग्रंथि (तत्) ।
ಗಂತು गंतु (सम्) सं.— रास्ता, मार्ग, पथिक । वि.— हिलनेवाला, लटकनेवाला, नाचनेवाला ।
ಗಂತೃ गंतृ (सम्) वि.— जानेवाला ।
ಗಂತ್ರಿ गंत्रि (सम्) सं. — बैलगाड़ी ।
ಗಂದ गंद (तद्) सं. — गंध (तत्) ।
ಗಂದರ गंदर (तद्) सं.— गंधर्व (तत्) ।
ಗಂದಿ गंदि, ಗಂದೆ गंदे (तद्) सं.— ग्रंथि (तत्) ; फोड़ा, सूजन ।
ಗಂದಿಗ गंदिग (तद्) सं.—सुगंध द्रव्य बेचनेवाला ; कुटना ; नेत्र-चिकित्सा करनेवाला, नेत्र-वैद्य ।
ಗಂದಿಗೆ गंदिगे (तद्) सं.—ग्रंथिका (तद्) ;— ಯಂಗಡಿ यंगडि (ಅಂಗಡಿ अंगडि) = दवाई की दूकान ।
ಗಂಧ गंध (सम्) सं. — बू, वास ; सुगंध द्रव्य, गंधक ; घिसा हुआ चन्दन ; शिला, पत्थर ; संबन्ध, रिश्ता ; पड़ोस ; अहंकार, गर्व ; चन्दन)—ಕಡ್ಡಿ कड्डि (तत्) सं.— ऊदबत्ती, अगरबत्ती ।
ಗಂಧಕ गंधक (सम्) सं.—गंधक (Sulphur) —ಧೃತಿ धृति (सम्) सं. — गन्धक से निकला हुआ अम्ल पदार्थ (Sulphuric acid) ।
ಗಂಧಕಚೋರ गंधकचोर (सम्) सं. — आँबा हल्दी, करकचूर ।
ಗಂಧಕಸ್ತೂರಿ गंधकस्तूरि (सम्) सं. — सुगन्धित कस्तूरी या मुश्क ।
ಗಂಧಕಾರಿಕೆ गंधकारिके (सम्) सं.— वह स्त्री जो सुगंधद्रव्य बनाने के लिए नियुक्त हो ।
ಗಂಧಕುಟಿ गंधकुटि (सम्) सं — एक प्रकार का सुगंध द्रव्य ।
ಗಂಧತೈಲ गंधतैल (सम्) सं.—चंदन का तेल ।
ಗಂಧನ गंधन (सम्) सं. सौरभ, परिमल ; उत्साह ; प्रकाश, प्राकट्य ; किसी बात को बतलाना, समाचार ; संतोष, आनन्द ।
ಗಂಧನಾಕುಲಿ गंधनाकुलि (सम्) सं. — एक पौधा विशेष ।
ಗಂಧಫಲಿ गंधफलि (सम्) सं. — दवाई में उपयोगी एक पौधा ।
ಗಂಧಮಾದನ गंधमादन (सम्) सं. — एक पहाड़ का नाम जो रामेश्वरम में है ।
ಗಂಧಮಾರ್ಜಾರ गंधमार्जार (सम्) सं.— मुश्क बिल्ली, कस्तूरी मृग ।
ಗಂಧಮೂಷಿ गंधमूषि, ಗಂಧಮೂಷಿಕೆ गंधमूषिके (सम्) सं.— छछून्दर ।
ಗಂಧರಸ गंधरस (सम्) सं.—बोल, लोहबान ।
ಗಂಧರ್ವ गंधर्व (सम्) सं— देवताओं के गायक ; गवैया ; घोड़ा ; कस्तूरीमृग मृत्यु के बाद और जन्म के पूर्व की जीव की दशा ; काली कोयल ; एक प्रकार का भ्रमर ; सूर्य ; पत्नी ; सुंदरी स्त्री । —ನಾರಿ नारि (सम्) सं.— गंधर्व स्त्री । —ಹಸ್ತಕ हस्तक (सम्) सं— एरंडी का पौधा ।
ಗಂಧವತಿ गंधवति (सम्) सं.—भूमि, पृथिवी; एक प्रकार की जुही ; व्यास जी की माता का नाम ; एक नगर का नाम ; गंधक ; एक प्रकार का सुगंध द्रव्य ।
ಗಂಧವಹ गंधवह (सम्) सं — पवन, हवा ।
ಗಂಧವಹೆ गंधवहे (सम्) सं.— नाक, नासिका ।
ಗಂಧವಾಹ गंधवाह (सम्) सं. = ಗಂಧವಹ.
ಗಂಧವೀಡ गंधवीड (सम्) सं.— काला नमक ।
ಗಂಧಸಾರ गंधसार (सम्) सं.— चंदन ।
ಗಂಧಾಖು गंधाखु (सम्) सं. — छछूंदर ।
ಗಂಧಾಶ್ಮ गंधाश्म (सम्) सं.— गंधक ।
ಗಂಧಿ गंधि (सम्) वि.— वह जिसमें बू हो, गंध युक्त ; सुगंधित, सुवासित ।
ಗಂಧಿನಿ गंधिनि (सम्) सं. — एक प्रकार का सुगंध द्रव्य ।
ಗಂಧೋಪಲ गंधोपल (सम्) सं.— गंधक ।
ಗಂಧೋಲಿ गंधोलि (सम्) सं. — ಗಂಡೋಲಿ गंडोलि (तद्) — वरट, हड्डा ।
ಗಂಪು गंपु (क) सं. —परिमल, सुगंध, खुशबू ।
ಗಂಪೆ गंपे (क) सं.— टोकरी, टोकरा ।
ಗಂಭಾರಿಕಾ गंभारिका, ಗಂಭಾರಿಕೆ गंभारिके, ಗಂಭಾರಿ गंभारि (सम्) सं.— एक वृक्ष का का नाम ।
ಗಂಭೀರ गंभीर (सम्) वि.— गहरा ; गाढ़ा ; सघन, घना ; प्रगाढ़ ; अगाध ; विलक्षण ; गुप्त, दृढ़तर । — ತೆ ते (सम्) सं.— गहराई आदि ।
ಗಂಭೀರಾ गंभीरा, ಗಂಭೀರಿಕಾ गंभीरिका (सम्) सं.— एक नदी का नाम ।
ಗಂಹರ गंहर (तद्) सं.— गह्वर (तत्) ।
ಗಕ್ಕಂ गक्कं (क) अ.—अत्यधिक अंधकार पूर्ण (या के साथ) ।
ಗಕ್ಕನೆ गक्कने (क) अ.— शीघ्र, तुरंत ; हठात् ।
ಗಕ್ಕು गक्कु (क) सं.— एक प्रकार का सारस पक्षी ।

ಗಗಣ गगण, ಗಗನ गगन (सम्) सं· — आकाश, आसमान, अंतरिक्ष, शून्य ।
ಗಗನಗಂಗೆ गगनगंगे (सम्) सं.— आकाश गंगा ।
ಗಗನಚರ गगनचर (सम्) सं· — पक्षी ; ग्रह ; स्वर्गीय आत्मा ; गंधर्व । ಗಗನಚರಿ गगनचरि = गंधर्व-स्त्री ।
ಗಗನಚಾಪ गगनचाप (सम्) सं·—इंद्रधनुष ।
ಗಗನಮಣಿ गगनमणि (सम्) सं·— सूर्य ।
ಗಗ್ಗರ गग्गर, ಗಗ್ಗರಿ गग्गरि (क) सं·— दे. ಗಂಗರ.
ಗಗ್ಗ गग्ग (क) वि·— मूढ़, मूर्ख, बेवकूफ़ ।
ಗಗ್ಗು गग्गु (क) सं·— अरुचि, असह्यता (जलते हुए तेल की दुर्गंध) ।
ಗಗ್ರ गग्र (क) सं.— दे. ಗಂಗರ.
ಗಚ್ಚಿಯೆಣ್ಣೆ गच्चियेण्णे (क) सं·— वार्निश, चमक ।
ಗಚ್ಚು गच्चु (अ. दे.) सं.—गच (हिं) ; गारा, सिमेंट, चूना ।
ಗಚ್ಛ गच्छ (सम्)—वृक्ष ; अंकगणित का एक पारिभाषिक शब्द ।
(१) ಗಜ गज (क) सं·—एक अनुकरणमूलक शब्द ।—ಗಜ ಗಜ गज गज=कोलाहल । शोरगुल ।
(२) ಗಜ गज (सम्) सं.—हाथी ; दिग्गज ; एक राक्षस का नाम ; आठ की संख्या ।
(३) ಗಜ गज (अ. दे.) सं·—लम्बाई मापने की माप विशेष जो दो हाथ की होती है, तीन फ़ीट (' गज़ '—फ़ारसी) ।
ಗಜಕಬಳ गजकबळ (सम्) सं. — हाथी का आहार ।
ಗಜಕರ್ಣ गजकर्ण (सम्) सं.—दाद ।
ಗಜಕರ್ಣಿಕೆ गजकर्णिके (सम्) सं.—एक पौधे का नाम ।
ಗಜಗ गजग, ಗಜುಗ गजुग, ಗಜಿಗ गजिग, ಗಜಿಗೆ गजिगे, ಗಜೆಗ गज़ेग, ಗಜ್ಜಿಗ गज्जिग, ಗಜ್ಜುಗ गज्जुग (क) सं·—एक वृक्ष विशेष जिसके बीज लड़कों के खेलने की गोली के रूप में उपयोगी होते हैं (The Molucca bean or Guilandia bonducella Lin) ।

ಗಜಗಮನ गजगमन (सम्) सं·—इन्द्र ।
ಗಜಗಮನೆ गजगमने ಗಜಗಾಮಿನಿ गजगामिनि (सम्) सं.—हाथी जैसी चाल से चलनेवाली स्त्री ।
ಗಜಚರ್ಮಧಾರಿ गजचर्मधारि, ಗಜಚರ್ಮಾಂಬರ गजचर्माम्बर (सम्) सं.—शिवजी ।
ಗಜಜೀವ गजजीव, ಗಜಾಜೀವ गजाजीव (सम्) सं.—महावत ।
ಗಜತೆ गजते (सम्) सं·—गजता, हथियों का समूह ।
ಗಜದಂತ गजदंत (सम्) सं· — हाथी का दाँत ; गणेशजी ।
ಗಜದಾನ गजदान (सम्) सं· — हाथी का मद , हाथी का दान ।
ಗಜದಾನವ गजदानव (सम्) सं·—गजासुर ।
ಗಜನಿ गजनि (क) सं·—वह खेत जहाँ धान की बहुत कम उपज होती है ।
ಗಜಪುರ गजपुर; ಗಜನಗರ गजनगर (सम्) सं·—हस्तिनापुर, दिल्ली ।
ಗಜಪ್ರಾಸ गजप्रास (सम्) सं·—अनुप्रास का एक भेद ।
ಗಜಪ್ರಿಯೆ गजप्रिये, ಗಜಪ್ರೇಮಿ गजप्रेमि (सम्) सं. — एक सुगंधित गोंद (Boswellia Serrata) ।
ಗಜಬಂಧನ गजबंधन (सम्) सं·—गजशाला, हाथियों को बांधने का स्थान ।
ಗಜಭಕ್ಷ್ಯೆ गजभक्ष्ये (सम्) सं. — दे. ಗಜಪ್ರಿಯೆ.
ಗಜಮುಖ गजमुख (सम्) सं· — गणेश ।
ಗಜರಗಳೆ गजरगळे (सम्) सं.—गपशप, थोथी बात ।
ಗಜರ್ गजर्, ಗಜರು गजरु (क) सं. — चिल्लाहट, रोषपूर्ण ध्वनि या बात । क्रि·— जोर से बोल, चिल्ला ; गाली दे ।
ಗಜವದನ गजवदन (सम्) सं·—गणेश ।
ಗಜವೈರಿ गजवैरि (सम्) सं.—सिंह, शेर ।
ಗಜವ್ರಜ गजव्रज (सम्) सं. — हाथियों की टोली ; आठ की संख्या ।
ಗಜವ್ರಾತ गजव्रात (सम्) सं· — आठ की संख्या ।

ಗಜಶಾಲೆ गजशाले (सम्) सं —हाथियों को बांधने का स्थान ।
ಗಜಾಖ್ಯೆ गजाख्ये (सम्) सं· — गजाह्य; मोटी दालचीनी या तेजपात का पौधा ।
ಗಜಾನನ गजानन (सम्) सं·— गणेश ।
ಗಜಾರಾತಿ गजाराति (सम्) सं·— सिंह· शेर ।
ಗಜಾರಿ गजारि (सम्) सं·—सिंह ; शिवजी ।
ಗಜಾರೋಹ गजारोह (सम्) सं·— महावत ।
ಗಜಾಲು गजालु (क?) सं·— गपशप, निरर्थक बातचीत । — ಗಾತಿ गाति = गपशप करने वाली स्त्री । — ಗಾರ गार = गपशप करने-वाला पुरुष ।
ಗಜಾಸ್ಯ गजास्य (सम्) सं·— विनायक, गणेश ।
ಗಜಿಬಿಜಿ गजिबिजि (क) सं. — भ्रम, भ्रांति, अव्यवस्था, उलझन ।
ಗಜಿಗ गजिग, ಗಜಿಗೆ गजिगे, ಗಜುಗ गजुग (क) सं —दे. ಗಜಗ.
ಗಜೋತ್ಕರ गजोत्कर (सम्) सं·—हाथियों की टोली ।
ಗಜ್ಜರಿ गज्जरि (अ. दे.) सं.—गाजर (हि·) ।
ಗಜ್ಜಿ गज्जि (क) सं - खुजली, खुजलन ।
ಗಜ್ಜಿಗ गज्जिग (क)—दे. ಗಜಗ.
ಗಜ್ಜು गज्जु (क) सं· — दुर्गंधमय मोरी का पानी ।
ಗಜ್ಜುಗ गज्जुग (क) सं.—दे· ಗಜಗ.
ಗಜ್ಜೆ गज्जे (क) सं.—घुँघरू ।
ಗಟ गट (तद्) सं.—घट (तत्) ; घड़ा ।
ಗಟಕ गटक (तद्) सं·—घटक (तत्) ; शक्तिमान या समर्थ पुरुष ।
ಗಟಿಕೆ गटिके (तद्) सं —घटिका (तत्); गाढ़ा होना, घना होना· जमा होना ; कठोरता ।
ಗಟಿವಾಳಿ गटिवाळि (क) सं·—झगडालू और गाली देनेवाली स्त्री ।
ಗಟ್ಟ गट्ट (तद्) सं. —घट्टः (तत्) ; घाट ।
ಗಟ್ಟಣಿ गट्टणि, ಘಟ್ಟಣಿ घट्टणि (तद्) सं.—घट्टना (तत्) ; हिलाना ; घना या गाढ़ा करना ; मारना, पीटना ।
ಗಟ್ಟಿ गट्टि (क) वि.—बलवान् , दृढ़, स्थिर । सं·—स्थिरता, कड़ापन, गाढ़ा होना, घन

होना. जमा होना ; शक्ति, साहस. सामर्थ्य; ज़ोर की आवाज़; दृढ़ता, अशिथलता, कसाव ।

ಗಟ್ಟಿಗ गट्टिग (क) सं. — बली. समर्थ और हट्टा-कट्टा पुरुष ।

ಗಟ್ಟಿಗೆ गट्टिगे (क) अ.—स्थिर रूप से, ज़ोर से, उच्च ध्वनि से ।

ಗಟ್ಟಿತನ गट्टितन (क) सं. — दृढ़ता स्थिरता शक्ति।

ಗಟ್ಟಿವಳ್ತಿ गट्टिवळ्ति (क सं. — गंधकारिका, सैरंध्री, सुगंध द्रव्य बनानेवाली स्त्री ।

(१) ಗಟ್ಟಿಸು गट्टिसु (क) क्रि —प्रयत्न कर. उद्योग कर ।

(२) ಗಟ್ಟಿಸು गट्टिसु (सम्) क्रि. — मार, पीट ।

ಗಟ್ಟು गट्टु (क) सं.—किनारा. तट ; बांध, पुल ।

(१) ಗಡ गड (क) अ. — सचमुच सच तो, हाँ । सं. —एक अनुकरणमूलक शब्द ।— ಗಡ गड = गड़-गड़ शब्द । — ಗಡನೆ गड़ने = तुरंत, फ़ौरन, शीघ्रता से ।

(२) ಗಡ गड (क) सं. — दे. ಗಡಬ.

(३) ಗಡ गड (अ. दे) सं. — गढ़ (हिं.), दुर्ग, क़िला ।

ಗಡಕ गडक (क) सं.—एक प्रकार की मछली ।

ಗಡಗಂಚಿ गडगंचि, ಗಡಂಚಿ गडंचि (क) सं.— घडा आदि रखने की बैठकी (रुकाव) ।

ಗಡಗೆ गडगे (तद्) सं. — घटिका (तत्); मिट्टी का घड़ा ।

ಗಡಂಗ गडंग, ಗಡಂಗು गडंगु, ಗಿಡ್ಡಂಗಿ गिड्डंगि (अ. दे.) सं. — गडंक (हिं.); गोदाम, सामान रखने का स्थान, शराबखाना ।

ಗಡಚು गडचु, ಗಡಸು गडसु, ಗಡುಸು गडुसु (क) सं.—सख्त होना, कठोरता, कड़ापन ; कठिनता; कुडकीलापन ; भारीपन, अधिक होना ।

ಗಡಣ गडण (क) सं. — राशि, ढेर, समूह निकाय ।

ಗಡಣಿಸು गडणिसु (क) क्रि. — मिला, जोड़, एक साथ लगा. संयुक्त कर, राशि लगा ; बना, तैयार कर ।

ಗಡಣೆ गडणे (तद्) सं.—गणना (तत्) ; सोच, विचार ; अर्थ, अभिप्राय, उद्देश्य ।

ಗಡತರ गडतर, ಗಡುತರ गडुतर, ಗಾತರ गातर (क) सं. —स्थूलता, मोटापन. गाढ़ापन, घनत्व ; शक्ति ।

ಗಡದ गडद, ಗಡದು गडदु (अ. दे.) वि.— गाढ़ा (हिं.); गहरा, घना ।

ಗಡಪು गडपु (अ. दे.) सं. — छिपना अदृश्य होना ।

ಗಡಬ गडब, ಗಡ गड, ಗಡವು गडवु. ಗಡಿ गडि, ಗಡು गडु, ಗಡುವು गडुवु (क) सं.—सीमा, हद, सीमित समय या काल, मीयाद ; किस्त ।

ಗಡವ गडव (क) सं - हट्टा-कट्टा बंदर (नर) ।

ಗಡವು गडवु (क) सं —दे. ಗಡಬ.

ಗಡಸರಿ गडसरि (क) सं. मोटा. पुष्ट मनुष्य ।

ಗಡಸು गडसु (क) सं.—दे. ಗಡಚು.

ಗಡಾಯಿಸು गडायिसु (अ. दे.) सं — गड़ना (हिं.); किसी चीज को ज़मीन (भूमि) में स्थिर रूप से लगा, गाड़ ।

ಗಡಾರಿ गडारि (क) सं.— लोहे का डंडा या छड़ी ।

ಗಡಾವಣೆ गडावणे (क) सं.— उच्च ध्वनि, शोरगुल, हल्ला ।

(१) ಗಡಿ गडि (क) सं.— स्तंभ ; छड़ी ।

(२) गडि (क) सं.— सीमा, हद सरहद ; अंतर, अवधि ; स्थान, जगह, आश्रय ।

(३) ಗಡಿ गडि (अ. दे.) — गढ़, छोटा क़िला ।

(४) ಗಡಿ गडि (तद्) सं.— घटि (तत्); २४ मिनट का काल ।

ಗಡಿಗೆ गडिगे (तद्) सं.— दे. ಗಡಗೆ.

ಗಡಿಯಾರ गडियार, ಗಡಿಯಾಲ गडियाल, ಗಡಿಯಾಳ गडियाळ (अ. दे.) सं.— घड़ी, घड़ियाल ।

ಗಡಿಸು गडिसु (तद्) क्रि.— ('घट्' धातु से) — एक साथ मिला, जोड़ ; प्राप्त कर, कमा ; रोक. प्रतिबंध कर ।

ಗಡು गडु (क) सं.— अवधि, निश्चित समय, मीयाद ।

ಗಡುತರ गडुतर (क) सं.— दे. ಗಡತರ.

ಗಡುದು गडुदु (अ. दे.) वि.— दे. ಗಡದ.

ಗಡುಬ गडुब, ಗಡುವು गडुवु (क) सं. — दे. ಗಡಬ.

ಗಡುಸರಿ गडुसरि (क) सं.— दे. ಗಡಸರಿ.

ಗಡುಸು गडुसु (क) सं.— दे. ಗಡಚು.

ಗಡೆ गड़े (क) सं. — बाँस का स्तंभ, नौका-दण्ड ; समता, समानता, जोड़ा ।

ಗಡೆ गड़े (तद्) सं. — घटी (तत्) ; घटीयंत्र, पानी उलीचने की घिरनी ।

ಗಡೆಕಾರ गड़ेकार [ಕಾರ कार] (क) सं.— हाथी पर पताका का दण्ड धारण करनेवाला पुरुष ; डंडे से नाव को खेनेवाला पुरुष ।

ಗಡ್ಡ गड्ड (क) सं.— दाढ़ी, दाढ़िका ; = ಗದ್ದ गद्द — चिबुक । ಅಭ್ಯಾಸವಿಲ್ಲದ ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಔಪಾಸನೆ ಮಾಡಿ ಗಡ್ಡ ಮೀಸೆ ಸುಟ್ಟುಕೊಂಡ अभ्यासविल्लद ब्राह्मण औपासने माडि गड्ड मीसे सुट्टुकोंड — जिस ब्राह्मण को (औपासन करने की) आदत नहीं थी, उसने औपासन कर अपनी दाढ़ी-मूँछ जलायी (कह.) ।

ಗಡ್ಡೆ गड्डे ಗೆಡ್ಡೆ गेड्डे (क) सं.— कंद, कंद-मूल, ; समूह, ढेर, राशि ; गुच्छा, ठोस पदार्थ ; कर्णमूल, कानों का मूल ; ऊँचा टीला ; नदीतट ; द्वीप, नदी का वह स्थान जहाँ पानी न हो ।

(१) ಗಣ गण (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द । — ಗಣ गण = घटयों की आवाज़, 'झनझन' ध्वनि ।

(२) ಗಣ गण (सम्) सं.— झुण्ड, समूह, गिरोह, टोली. दल ; श्रेणी, कक्षा ; २७ रथ, २७ हाथी, ८१ घोड़े और १३५ पदातियों की सेना ; शिवजी के गण ; व्याकरण में एक श्रेणी की धातुएँ ; छंदः शास्त्र में प्रयुक्त गण ; एक प्रकार का सुगंध द्रव्य ; गणेशजी ।

ಗಣಕ गणक, ಗಣಿಕ गणिक (सम्) सं.—

गणितज्ञ, गणना करनेवाला ; मुंशी ; ज्योतिषी ।
ಗಣಕಿ गणकि (सम्) सं.— ज्योतिषी की पत्नी । (क) सं.— एक पौधा विशेष ।
ಗಣಜಲಿ गणजलि, ಗಣಜಲು गणजिलु, ಗಣಜಿಲೆ गणजिले (क) सं— भोजन की एक जड़ी-बूटी ।
ಗಣಜಿಲು गणजिलु (क) सं.—छोटी चेचक ।
ಗಣಿಜೆ गणिजे (क) सं. — एक जाति का हिरन ।
ಗಣದಿಸು गणदिसु, ಗಣಿತಿಸು गणितिसु, ಗಣಿದಿಸು गणिदिसु, ಗಣುದಿಸು गणुदिसु (सम्)क्रि.— गणना कर, गिनती कर; विचार कर, अंदाज़ कर ।
ಗಣದ್ರವ್ಯ गणद्रव्य (सम्) सं. — जनता की संपत्ति ; विविध पदार्थ ।
ಗಣನ गणन, ಗಣನಾ गणना, ಗಣನೆ गणने (सम्) सं. — गिनती, हिसाब-किताब ; जोड़, कल्पना, विचार ।
ಗಣನಾಥ गणनाथ, ಗಣನಾಯಕ गणनायक, ಗಣಪ गणप, ಗಣಪತಿ गणपति, ಗಣಾಧಿಪ गणाधिप, ಗಣಾಧೀಶ गणाधीश (सम्) सं.— विनायक, गणेश ।
ಗಣಯಿಸು गणयिसु, ಗಣಿಸು, गणिसु (सम्) क्रि. गणना कर ; गिनती कर, हिसाब-किताब कर ।
ಗಣರಾತ್ರ गणरात्र (सम्) सं—कई रात्रियाँ ।
ಗಣರೂಪ गणरूप (सम्) सं.—एक वनस्पति ।
ಗಣಲ್ गणल् (क) सं. - घंटियों की 'झनझन' ध्वनि ।
ಗಣಲು गणलु (क) सं.—अंगुली का जोड़ या गाँठ ।
ಗಣಹಾಸಕ गणहासक (सम्) सं.—एक प्रकार का सुगंध द्रव्य ।
ಗಣಾಕ್ಷರ गणाक्षर (सम्) सं.— छंदःशास्त्र में प्रयुक्त गणों के अक्षर ।
ಗಣಾರ್ಚನೆ गणार्चने (सम्) सं.— वीरशैव या लिंगायत लोगों द्वारा की जानेवाली जंगमों (संन्यासियों) की पूजा ।
ಗಣಿಕಾ गणिका, ಗಣಿಕೆ गणिके (सम्) सं.— रंडी, वेश्या ; हथिनी ; पुष्प विशेष ।
ಗಣಿಗಲು गणिगलु, ಗಣಿಗಿಲು गणिगिलु, ಗಣಿಗಲೆ गणिगले (तद्) सं.— करवीर (तत्) ; कनेर (लाल या पीला) ।
ಗಣಿತಗಾರ गणितगार, ಗಣಿತಜ್ಞ गणितज्ञ (सम्) सं.— दैवज्ञ, ज्योतिषी ।
ಗಣಿತಜ್ಞತೆ गणितज्ञते (सम्) सं.— ज्योतिष विद्या ।
ಗಣಿಲ್ गणिल् (क) सं. – दे.— ಗಣಲ್.
ಗಣೆ गणे (क) सं.— प्याज़ का तना या डंठल ।
ಗಣೆಗಾರ गणेगार (ಗಾರ गार) (क) सं.— मल्लाह, नाविक ।
ಗಣೇಯ गणेय (सम्) वि.— गिनने योग्य ।
ಗಣೇಶ गणेश, ಗಣೇಶ್ವರ गणेश्वर (सम्) सं.— विनायक, गणपति ।
ಗಣ್ಣ गण्ण (क) सं.— धान का खेत या उसका भाग ।
ಗಣ್ಯ गण्य (सम्) वि.— गिनने योग्य, आदरणीय ।
ಗತ गत (सम्) वि.— गया हुआ, बीता हुआ, अतीत, व्यतीत, विगत, गुज़रा हुआ ; मरा हुआ ; आया हुआ, पहुँचा हुआ ; अवस्थित, स्थापित ; अवलंबित ; संबंधी, विषय का ; फैला हुआ ।
ಗತಕ गतक (सम्) सं.— जाना, चलना ; चंचलता ।
ಗತಾಸು गतासु (सम्) वि.—मृत, मरा हुआ ।
ಗತಿ गति (सम्) सं.— गमन, चाल, प्रवेश ; समाई, जगह, विस्तार ; पहुँचना, प्राप्ति ; दशा, हालत, फल, परिणाम ; पहुँच, शरण-स्थान ; कर्म-फल ; भाग्य, प्रारब्ध ; दुष्कर्म, पाप ; नाचने की गति, नृत्य का नियम । — ಕೆಡು केडु, ಗೆಡು गेडु (सम्) क्रि.— अच्छी स्थिति, सुख या प्रसन्नता को खराब कर ; विनष्ट हो, सुख-संतोष खो जा ।
ಗತಿಭಂಗ गतिभंग (सम्) सं. — निवारण, निवृत्ति ; प्रतिबंध ।
ಗತಿಲಂಘನ गतिलंघन (सम्) सं. — कुदान, छलांग ।
ಗತಿಲಾಘವ गतिलाघव (सम्) सं.—चलने में तीव्रता ।
ಗತಿವಿಹೀನ गतिविहीन (सम्) वि. — बेबस, असहाय, अनाथ ।
ಗತಿಸು गतिसु (सम्) क्रि. — जा, गुज़र जा मृत हो, मर जा. (समय) व्यतीत हो ।
ಗತಿಹೀನ गतिहीन (सम्) वि.—दे. ಗತಿವಿಹೀನ.
ಗತ್ಯಂತರ गत्यंतर (सम्) सं.—दूसरा या अन्य उपाय या आधार; बचने का मार्ग; पलायन ।
(१) ಗದ गद् (क) अ.—ಗದಗದ गद्गद — थरथर ; ಗದಗದ ನಡುಗು गद्गद नडुगु= थरथर काँप ।
(२) ಗದ गद (सम्) सं. — बोलना, बोली; वाक्य ; रोग, बीमारी ; एक यादव का नाम ।
ಗದಗದಿಸು गद्गदिसु, ಗದ್ಗದಿಸು गद्गदिसु (सम्) क्रि.— गद्गद हो ।
ಗದಡು गद्डु (क) सं. – पशुओं के मूत्र की दुर्गंध ; लाल मिर्च या तमाखू के जलने पर उत्पन्न असह्य गंध ।
ಗದಮು गदमु (क) क्रि.—ढकेल, दबा, किसी पर बल प्रयोग कर ।
ಗದರು गदरु (क) सं.—दे. ಗದಡು.
ಗದರಿಕೆ गदरिके [ಗದರಿಕೆ गदरिके] (क) सं.— फटकार, डाँट—डपट, गर्जन ; (पशुओं के शरीर पर) घाव का चिह्न पड़ना ।
ಗದರು गदरु (क) क्रि. — गर्जन कर, गरज, उच्च ध्वनि कर, चिल्ला ; फटकार बता ; डाँट । सं. — गर्जन; चिल्लाहट । — ಇಸು इसु (क) क्रि. = ಗದರು (क्रि.) ।
ಗದಾಧರ गदाधर (सम्) सं.—विष्णु ।
ಗದಿತ गदित (सम्) वि.—कहा हुआ, कथित ।
ಗದಿಸು गदिसु (सम्) क्रि.—कह, बोल ।
ಗದು गदु, ಗದುವು गदुवु (क) सं. — सूजन, फुलाव, फोड़ा, गिलटी, सूजन ।
ಗದುಗ गदुग, ಗದುಗು गदुगु (क) सं. — एक पौधे का नाम ; एक नगर का नाम ।
ಗದೆ गदे (सम्) सं.—दे. ಗದ್ಹ गदा.

ಗದೋತ್ಕರ गदोत्कर (सम्) सं. — व्यधि, बीमारी।
ಗದ್ಗದ गद्गद (सम्) सं. — हकलाना, तुतलाना।
ಗದ್ದ गद्द (क) सं.—दे. ಗದ್ದ २.
ಗದ್ದರಿಸು गद्दरिसु, ಗದ್ರಿಸು (क) क्रि. — फोड़ा हो (घाव) फूल, सूज।
ಗದ್ದಲಿಸು गद्दलिसु, ಗದ್ರಿಸು गद्रिसु (क) क्रि. — दे. ಗದಲು.
ಗದ್ದಲ गद्दल (क) सं. हल्ला, शोरगुल।
ಗದ್ದಿಗೆ गद्दिगे, ಗದ್ದುಗೆ गद्दुगे. ಗರ್ದುಗೆ गर्दुगे (क) सं. — सिंहासन, गद्दी; आसन; मूल, आधार; जंगमों (संन्यासियों) का स्मारक।
ಗದ್ದಿಸು गद्दिसु (क) क्रि.—चिल्ला, गर्जन कर; फटकार बता।
ಗದ್ದೆ गद्दे, ಗರ್ದೆ गर्दे (क) सं.—धान का खेत।
ಗದ್ಯ गद्य (सम्) सं.—गद्य, वह रचना जिसमें पद्य न हो (Prose)।
ಗದ್ಯಾಣ गद्याण, ಗದ್ಯಾಣಕ गद्याणक (सम्) सं.—रत्ती भर की तौल।
ಗನಹ गनह (तद्) सं.—शिवजी; ब्राह्मण, विप्र।
ಗನಿ गनि (तद्) सं.— खनिः (तत्); खान।
ಗನೀಮ गनीम (अ.दे.) सं.—ग़नीम (अरबी); शत्रु, लुटेरा डाकू।
ಗನೆ गने (क) क्रि.—गर्जन कर; चिल्ला।
ಗನ್ನ गन्न (क) सं.—चोरी; रहस्य; चातुरी; धोखा।
ಗಪ್‌ಚಿಪ್ गपचिप (अ दे.) अ.—चुपचाप, चुप, मौन रूप से।
ಗಪ್ಪನೆ गप्पने (क) अ. — अकस्मात्, तुरंत, हठात्।
ಗಪ್ಪು गप्पु. ಗಪ್ಪಿ गप्पि (अ. दे.) सं. — गप्प (हि.); झूठ, झूठा समाचार।
ಗಬಗಬ गबगब. [ಗಪಗಪ गपगप] (क) अ. जल्दी जल्दी।
ಗಬಕ್ಕನೆ गबक्कने (क) अ. — जल्दी, शीघ्र,
ಗಬ್ಬ गब्ब (तद्) सं. — गर्व (तत्); गर्भ (तत्): — ಗಬ್ಬಾಗು गब्बागु, ಗಬ್ಬವಾಗು गब्बवागु = गाभिन हो (गाय और भैंस के लिए ही प्रयुक्त होता है)।
ಗಬ್ಬರಿಸು गब्बरिसु (क) क्रि. — खनन कर, खोद, भूमि खोद, सुरंग लगा।
ಗಬ್ಬಿ गब्बि (तद्) वि.—गर्वी (तत्); घमंडी।
ಗಬ್ಬಿಲಾಯಿ गब्बिलायि (क) सं.—चमगादड़।
ಗಬ್ಬು गब्बु, ಗಬ್ರ್ (क) सं.—दुर्गंध, बदबू।
ಗಭಸ್ತಿ गभस्ति (सम्) सं. — सूर्य, सूर्य की किरण।
ಗಭೀರ गभीर (सम्) वि. — गंभीर, गहरा; गुप्त; रहस्यमय, गाढ़ा, सघन घना।
(१) ಗಮ (क) सं.—गंध, सुगंध, फूलों की सुरभि।
(२) ಗಮ (सम्) वि. — जानेवाला, चलनेवाला।
ಗಮಕ गमक (सम्) सं.— सूचक, संकेतकारी, स्मारक. विश्वासोत्पादक; स्पष्ट करना, स्पष्टीकरण, प्रमाण, काव्य-पठन की एक प्रणाली; संगीत में अंतर या स्वर की गहराई।
ಗಮಕಿ गमकि (सम्) सं.— बोलनेवाला, कथन करनेवाला. स्वर-माधुर्य के साथ काव्य-वाचन करनेवाला, वाक् चतुर।
ಗಮಣ गमण, ಗಮನ गमन (क) सं.— गंध, सुगंध।
ಗಮನ गमन (सम्) सं. — जाना, चाल, गति, समीप जाना; प्राप्ति, उपलब्धि; स्त्री-मैथुन।
ಗಮನಿ गमनि (सम्) सं.— एक गाली; दुष्ट पापी, दुर्जन।
ಗಮನಿಸು गमनिसु, ಗವನಿಸು गवनिसु, ಗವಿಸು गविसु (क) क्रि.— ध्यान दे. गौर कर, मन लगा, सावधान हो।
ಗಮನಿಸು गमनिसु (सम्) क्रि — जा, चल।
ಗಮಾರ गमार, ಗವಾರ गवार (अ. दे.) सं.— गँवार (हिं.) मूर्ख, बेवकूफ़।
ಗಮಿಸು गमिसु (सम्) क्रि.—जा, चल, ।— ವಿಕೆ विके = जाना, चलन; गमन।
ಗಮ್ಮ गम्म, ಗಮ್ಮು गम्मु (तद्) सं. — घर्मः (तत्); गरमी, उष्णता।
ಗಮ್ಮತ್ತು गम्मत्तु (अ. दे. ?) सं. — विनोद से समय बिताना, तमाशा।
ಗಮ್ಮನೆ गम्मने (क) अ.— शीघ्र, जल्दी।
ಗಮ್ಮು गम्मु (क) क्रि.— (बंदर जैसे) विचित्र-ध्वनि कर।
ಗಮ್ಯ गम्य (सम्) वि.—समीप जाने योग्य, बोधगम्य, वांछनीय, योग्य, प्राप्त करने योग्य।
ಗಯ गय, ಗಯೆ गये (सम्) सं. — गया (स्थान का नाम)।
ಗಯಾವಳ गयावळ, ಗಯಾವಾಳ गयावाळ (सम्) सं.— गया का पंडा (गयावाला ?)।
ಗಯಾಳ गयाळ (क ?) सं.—निर्बल या निरुपयोगी मनुष्य।
ಗಯ್ಯಾಳಿ गय्याळि (क) सं. — मूर्ख स्त्री, झगड़ालू स्त्री; जिद्दी औरत।— ತನ तन = झगडालू होना।
ಗಯ್ಯು गय्सु (क) क्रि.—करा या करवा।
ಗರ गर (क) सं.—'गरगर' शब्द। (तद्) सं —ग्रह (तत्)।
ಗರಕು गरकु, ಗಱಕು गरकु, ಗರಸು गरसु, ಗರ್ಕು गर्कु (क) सं. — असमता, रूक्षता, कठोरता।
ಗರಗ गरग, ಗರಗು गरगु, ಗರುಗ गरुग, ಗರುಗು गरुगु, ಗರ್ಗ (क) सं. — एक झाड़ी का नाम, भृंगराज (Eclipta abla Hassk)।
ಗರಗತಿಗ गरगतितिग (क) सं.—एक पौधे का नाम।
ಗರಗತ್ತಿ गरगत्ति (क) सं.—वृक्षविशेष (The tree Ficus asperrima)।
ಗರಗರಿಕೆ गरगरिके (क) सं.—सुन्दरता, चारुता, स्वच्छता. शुभ्रता।
ಗರಗಸ गरगस (तद्) सं. — क्रकच (तत्); आरा।
ಗರಗು गरगु (क) सं.—दे. ಗರಗ.
ಗರಜು गरजु (अ. दे.) सं. — ग़रज़ (अरबी); आवश्यकता, ज़रूरत, प्रयोजन।
ಗರಡಿ गरडि, ಗರುಡಿ गरुडि, ಗರುಡಿಮನೆ गरुडि-मने (क) सं.—व्यायामशाला, कसरत करने का स्थान।

ಗರಣೆ गरणे (क) सं. — थक्का, पिंड ; घना पदार्थ (मट्ठे में दही का गाढ़ा अंश)।

ಗರತಿ गरति, ಗರ್ತಿ गर्ति (तद्) सं. — सद् गृहिणी, अभिजात कुल की आदरणीय स्त्री।

ಗರಮ गरम (तद्) वि.—घर्मः (तत्) ; गरम, उष्ण। ಗರಮಿ गरमि=गरमी, उष्णता।

ಗರಲ गरल, ಗರಳ गरळ (सम्) सं. — ज़हर, विष। — ಕಂಧರ कंधर, ಗ್ರೀವ ग्रीव, ಧರ धर (सम्) सं.–शिव। — ಪೂರ पूर (सम्) सं. — साँप। — ಭುಕ್ भुक् (सम्) सं. — शिव। — ವಿಶಿಖ विशिख (सम्) सं.—विषैला बाण। — ಅಶನ अशन (सम्) सं.—शिव।

ಗರವು गरवु (क) क्रि. — सब कुछ छीन ले, सब कुछ ले ले।

ಗರಸು गरसु (क) सं.—दे. ಗರಕು ; कंकड, पथरी।

ಗರಸೆ गरसे, ಗೆರಸೆ गेरसे (क) सं. — एक परिमाण विशेष जो प्रायः ३२० पौंड के बराबर होता है।

ಗರಳ गरळ (सम्) सं.—दे. ಗರಲ

ಗರಳೆ गरळे (सम्) सं.—एक पौधे का नाम।

ಗರಾಣದಾರ गराणदार (अ. दे.) सं. — आदरणीय पुरुष।

ಗರಾಸ गरास (तद्) सं. — ग्रासः (तत्) ; कौर, गस्सा।

ಗರಿ गरि (क) सं.—एक तृणविशेष ; पक्षियों का पुच्छ ; कोमल पत्ता ; नारियल या ईख का पत्ता। घास ; बाण का पिछला भाग। — ಕಟ್ಟು कट्टु (क) क्रि.—पंख निकल ; संभल ; जा ; शक्ति पा। — ಕೆದರು केदरु (क) क्रि.—पंख फैला। — ಪೂ पू (क) सं. —केतकी पुष्प।

ಗರಿಕೆ गरिके (क) सं.— घास, तृण दूर्वा।

ಗರಿಗ गरिग (क) सं.— एक पक्षी ; बाण, तीर।

ಗರಿಮ गरिम, ಗರಿಮಾ गरिमा (सम्) सं.—गुरुता, महत्व, विशेषता, गौरव, उत्तमता ; मुख्यता, योग्यता।

ಗರಿಮುರಿ गरिमुरि (क) सं.— दृढ, पक्का ; कठोर।

ಗರಿಮೆ गरिमे (सम्) सं. = ಗರಿಮ.

ಗರಿಷ್ಠ गरिष्ठ (सम्) वि.— सबसे अधिक भारी, सबसे अधिक महत्वपूर्ण।

ಗರೀಬ गरीब (अ. दे.) सं.— ग़रीब (अरबी); दरिद्र।

ಗರೀಯ गरीय (तद्) वि.— गरीयस् (तत्) ; अपेक्षाकृत भारी या महत्वपूर्ण।

ಗರು गरु (तद्) वि. = गुरु (भारी)।

ಗರುಗ गरुग, ಗರುಗು गरुगु (क) सं.— दे. ಗರಗ.

ಗರುಡ गरुड (सम्) सं.— पक्षिराज गरुड़ के आकार का व्यूह, गरुडाकार भवन ; एक की संख्या। — ಧ್ವಜ ध्वज (सम्) सं.— विष्णु की उपाधि। — ಪಾತಾಳ पाताळ (सम्) सं.— एक जड़ी-बूटी जो साँप के डसने पर विष दूर करने के काम में आती है। — ಪುರಾಣ पुराण (सम्) सं.— एक पुराण का नाम। — ಫಲ फल (सम्) सं.— वृक्ष विशेष (The tree Hydnocarpus Veneata Gaert)। — ವಾಹನ वाहन (सम्) सं.— विष्णु ; मंदिरों में रहनेवाला गरुड का वाहन। — ವಾಹಿನಿ वाहिनि (सम्) सं.— गरुड के आकार का व्यूह।

ಗರುಡಾಗ್ರಜ गरुडाग्रज (सम्) सं.— गरुड का बड़ा भाई, अरुण।

ಗರುಡಾಂಕ गरुडांक (सम्) सं.— गरुडध्वज।

ಗರುಡಿ गरुडि (क) सं.— स्थान, जगह, घर, आश्रय ; व्यायामशाला, कसरत करने का स्थान, अखाड़ा।

ಗರುತ್ गरुत् (सम्) सं.— पंख, पर।

ಗರುತ್ಮತ್ गरुत्मत् (सम्) सं.— पक्षी ; गरुड़।

ಗರುತ್ಮಂತ गरुत्मत, ಗರುಲ गरुल (सम्) सं.— गरुड।

(१) ಗರುವ गरुव (तद्) वि.— गरुः या गरिमा (तत्) ; योग्य आदरणीय, मान्य।

(२) ಗರುವ गरुव (तद्) सं — गर्वः (तत्)।

ಗರುವಲಿ गरुवलि (क) सं.— पवन, हवा, समीर।

ಗರುವಾಯಿ गरुवायि, ಗರುವಿಕೆ गरुविके (तद्) सं.— गंभीरता, गंभीर गमन, (हाथी की चाल-सी) चाल, गौरवपूर्ण विधान, उचित ढंग ; घमंड, गर्व।

ಗರುಸು गरुसु (क) सं.— दे. ಗರಸು.

ಗಱ गऱ (क) अ. —चारों ओर, जल्दी-जल्दी, चक्कर-दार। सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द।

ಗಱಕೆ गऱके (क) सं.— दूर्वा।

ಗಱಗು गऱगु (क) सं.— जल जाना, मुरझाना, सूखना ; (घी या तेल में भुनने के बाद) पापड़ आदि का कुरकुरा होना।

ಗಱಿ गऱि (क) सं.— पंख, पर ; पंख जैसा ताड़ या नरियल का पत्ता।

ಗಱಿಕೆ गऱिके (क) सं.— दे. ಗಱಕೆ.

ಗಱುಗು गऱुगु (क) सं.— दे. ಗಱಗು.

ಗಱ್ಱ गऱ्ऱ (क) सं.— डकार लेते समय की ध्वनि।

ಗರ್ಕು गुर्कु (क) सं.— दे. ಗರಕು.

ಗರ್ಗ गर्ग (क) सं.— दे. ಗರಗ.

ಗರ್ಗರ गर्गर (सम्) सं.— घर्घरः (तत्) ; बरबराहट, कोलाहल।

ಗರ್ಗರಿ गर्गरि (सम्) सं.— मथानी ; गगरी।

ಗರ್ಜನ गर्जन (सम्) सं.— गर्जन, चिल्लाहट, ज़ोर से ध्वनि करना, चीत्कार, गड़गड़ाहट, घुरघुराहट ; रोष, क्रोध ; युद्ध, लड़ाई ; भर्त्सना, फटकार, धिक्कार।

ಗರ್ಜನೆ गर्जने (सम्) सं. = ಗರ್ಜನ.

ಗರ್ಜನ್ಮೇಘ गर्जन्मेघ (सम्) सं.— बादल जिससे गरज तथा बिजली उत्पन्न होती है।

(१) ಗರ್ಜಿ गर्जि (क) सं.— एक पौधे का नाम जिसके छोटे-छोटे कडुवे फल से अचार बनता है।

(२) ಗರ್ಜಿ गर्जि (सम्) सं — बादलों की गरजन।

ಗರ್ಜಿಸು गर्जिसु (सम्) क्रि.— गर्जन कर, भयंकर ध्वनि कर ; डाँट, गाली दे, शिकायत कर।

ಗರ್ಜೆ गर्जे (सम्) सं. = ಗರ್ಜನ.

ಗರ್ತ गर्त (सम्) सं.— ऊँचा आसन, गद्दी,

सिंहासन· युद्ध के रथ का आसन ; रथ ; पासे का खेल खेलने की मेज़ ; पोल, छेद, गुफ़ा ।
ಗರ್ತಿ गर्ति (तद्) सं.— दे. ಗರತಿ.
ಗರ್ದಭ गर्दभ (सम्) सं,— (यह द्राविड शब्द ही है जिसे संस्कृत ने अपनाया है) — गधा ।
ಗರ್ದಭಾಂಡ गर्दभांड (सम्) सं.— वृक्ष विशेष (The tree thespesia populneoides wall) ।
ಗರ್ದುಗು गर्दुगु (क) सं.—एक पौधे का नाम ।
ಗರ್ದುಗೆ गर्दुगे (क) सं.— दे. ಗದ್ದುಗೆ.
ಗರ್ದೆ गर्दे (क) सं. = ಗದ್ದೆ गद्दे-खेत ।
ಗರ್ಧನ गर्धन, ಗರ್ಧಿತ गर्धित (सम्) वि. — लालची, लोभी । ಗರ್ಧನೆ गर्धने = लोभ, लालच ।
ಗರ್ಬ गर्ब (तद्) सं.— गर्व (तत्) ।
ಗರ್ಬು गर्बु (क) सं.— दे. ಗಬ್ಬು.
ಗರ್ಭ (सम्) सं.— गर्भाशय, पेट ; गर्भाशय, पेट ; गर्भाशय की झिल्ली, गर्भाधान ; गर्भ का बच्चा ; भीतरी भाग, मध्य भाग ।
ಗರ್ಭಕ गर्भक (सम्) सं.— फूलों का गुच्छा जो बालों में खोसा जाता है ।
ಗರ್ಭಗೃಹ गर्भगृह (सम्) सं.— भीतरी कमरा ; प्रसूतिका गृह ; मंदिर का गर्भगृह जहाँ मूर्ति स्थपित हो ।
ಗರ್ಭಪಾತ गर्भपात (सम्) सं.— गर्भस्राव, अकाल उत्पत्ति ।
ಗರ್ಭಮೋಚನ गर्भमोचन (सम्) सं.— जन्म, उत्पत्ति ।
ಗರ್ಭಶ್ರೀಮಂತ गर्भश्रीमंत (सम्) सं.—वह पुरुष जो जन्म से ही धनी और मान्य हो ।
ಗರ್ಭಾಗಾರ गर्भागार (सम्) सं.-भीतरी कमरा, मंदिर का गर्भगृह ।
ಗರ್ಭಿಣಿ गर्भिणि (सम्) सं.— गर्भिणी स्त्री ।
ಗರ್ಭಿತ गर्भित (सम्) वि.— गर्भवाली, जिसके पेट में गर्भ हो ; पूर्ण, भरा हुआ, युक्त ।
ಗರ್ಮುತ್ गर्मुत् (सम्) सं.– एक तृण विशेष ।
ಗರ್ವ गर्व (सम्) सं.— घमंड, अभिमान, ऐंठ । — ತಿತ್ತು = घमंडी होना ।
ಗರ್ವಿ गर्वि, ಗರ್ವಿತ गर्वित (सम्) वि.— घमंडी, अभिमानी ।
ಗರ್ವಿಸು गर्विसु (सम्) क्रि.— गर्व कर, घमंड कर, अभिमान कर ।
ಗರ್ವು गर्वु (तद्) सं.— गर्व (तत्) ।
ಗರ್ಹಣ गर्हण (सम्) सं.—भर्त्सना, फटकार ; कलंक, धिक्कार ।
ಗರ್ಶಕ गर्शक (सम्) सं.—ताँबे या पीतल का बर्तन ।
ಗಲ್ गल् (क) सं.—अवधि, समय, मीयाद ।
(१) ಗಲ गल (क) सं.—' झनझन ' शब्द ।
(२) ಗಲ गल (सम्) सं.—गला, गर्दन ।— ಕಂಬಲ कंबल (सम्) स.–बैल या गाय की गर्दन की खाल जो लटकती रहती है ।
ಗಲಕು गलकु (क) सं.— ' झनझन ' ध्वनि ; एक प्रकार की घास ।
ಗಲಗು गलगु (क) सं.—नरकट ; बहुत ज़ोर का शब्द, कड़कड़ शब्द ।
ಗಲನ गलन (सम्) सं. — चूना, टपकना, रिसना ।
ಗಲತಿ गलति, ಗಲ್ತಿ गल्ति, ಗಲ್ಲತ್ತು गल्लत्तु (अ. दे.) सं.—ग़लती (फ़ारसी), अशुद्धि ।
ಗಲಂತಿ गलंति, ಗಲಂತಿಕೆ गलंतिके, ಗಲಂತಿಗೆ गलंतिगे (सम्); सं.—ಗಳಂತಿಗೆ गळन्तिगे, ಗಣತಿಗೆ गणतिगे (तद्)—छोटा कलसा, कलसिया, छोटा घड़ा ; छोटा घड़ा जिसकी पेंदी में छेद करके जल भरकर शिवलिंग के ऊपर टाँग देते हैं ।
ಗಲಿ गलि (क) सं. = ಗಲಿಬಿಲಿ गलिबिलि — अव्यवस्था, अक्रम, भ्रम, भ्रांति ।
ಗಲೀಜು (अ. दे.) वि- — ग़लीज़ (अरबी) ; गंदा, अशुद्ध ।
ಗಲು गलु (क) सं.—दे. ಗಲ್.
ಗಲುಗು गलुगु (क) सं.—दे. ಗಲಗು.
ಗಲುಹು गलुहु (क) सं.—झनक-झनक शब्द ।
ಗಲೇಫು गलेफु (अ. दे.) सं.-गिलाफ़ (अरबी)।
ಗಲ್ಕು गल्कु (क) सं.—पायल की ध्वनि ।
ಗಲ್ತಿ गल्ति (अ. दे.) सं.—दे. ಗಲತಿ.
ಗಲ್ಭ गल्भ (सम्) वि.—साहसी, हिम्मती ।
ಗಲ್ಯೆ गल्ये (सम्) सं. — गल्या, गलों का समूह ।
ಗಲ್ಲ गल्ल (क) सं.—[गंड — तत् ?] — कपोल, गाल ।
ಗಲ್ಲಣೆ गल्लणे (क) सं. — कष्ट, पीड़ा, चिंता, व्यग्रता ; यातना, उत्पात, कंटक ।
ಗಲ್ಲತ್ತು गल्लत्तु (अ. दे.) सं.—दे. ಗಲತಿ.
ಗಲ್ಲಾ गल्ला, ಗಲ್ಲೆ गल्ले (अ. दे.) सं — गल्ला (अरबी) ; दैनिक-व्यापार का धन, धन रखने की पेटी ।
ಗಲ್ಲಿ गल्लि (अ. दे.) सं.—गली (हिं.) ।
ಗಲ್ಲಿಸು गल्लिसु (क) क्रि.—कष्ट दे, पीड़ा दे, यातना दे, व्यग्र कर, चिंतित कर ; चिंतित हो, व्यग्र हो ; पछोर ; मिला ; चंचल कर, हिला ; ढकेल, हटा ।
ಗಲ್ಲು गल्लु (क ?) सं.—फाँसी । ಗಲ್ಲಿಗೆ ಹಾಕು गल्लिगे हाकु (क) क्रि.—फांसी पर लटका, फ़ाँसी की सजा दे ।
ಗಲ್ಲೆ गल्ले (क) सं.— थक्का, पिंडा, ढोंका ; गाल, कपोल ।
ಗಲ್ವರ್ಕ गल्वर्क (सम्) सं,—बिना हत्थे का पानी पीने का प्याला या कटोरा ।
ಗವ್ गव् (क) सं. — कुत्ते के भूँकने की आवाज़ ।
(१) ಗವ गव (क) क्रि.—खुजलन हो, गुदगुदी हो ।
(२) ಗವ गव (सम्) सं.—गाय, पशु ।
ಗವಡ गवड, ಗವುಡ गवुड, ಗೌಡ (क) सं.— ग्रामीण, एक जाति विशेश ; पुरुषों के अंत में यह शब्द लगता है, जैसे ಮಾರೆ ಗವಡ (ಗೌಡ) मारे गवड (गौड) आदि ।
ಗವಕ್ಕನೆ गवक्कने (क) अ.—तुरंत, फ़ौरन ।
ಗವನ गवन (क) सं.—ध्यान, मत, विचार, सावधानी ।— ಇಸು इसु (क) क्रि.—ध्यान दे; गौर कर, मन लगा, सावधन हो ।
ಗವಯ गवय (सम्) सं.— बैल की जाति विशेष ।
ಗವರ್ಗ गवरिग (क)सं —चटाई, टोकरी आदि-बनानेवाले लोगों की जाति का आदमी ।

ಗವಲ गवल (सम्) सं.—जंगली भैंस, भैंस का सींग।
ಗವಲು गवलु, ಗವುಲು गवुलु, (क) सं. — दुर्गंध, बदबू।
ಗವಸಣಿ गवसणि, ಗವಸಣಿಕೆ गवसणिके, ಗವಸಣಿಗೆ गवसणिगे (क) सं. —गिलाफ़, बाहरी ढकना, आच्छादन, लपटने की कोई चीज़; लिफ़ाफ़ा।—ಇಸು इसु (क) क्रि.—आच्छादन कर, बाहर ढक, गिलाफ़ लगा।
ಗವಳಿ गवळि, ಗವುಳಿ गवुळि (क) सं. — छिपकली।
ಗವಳಿಗ गवळिग (तद्) सं.—गोपालक (तत्), ग्वाला। ಗವಳಗಿತ್ತಿ गवळगित्ति— स्त्री. लिं.।
ಗವಾಕ್ಷ गवाक्ष (सम्) सं.—बैल की आँख; छोटी खिड़की।
ಗವಾಕ್ಷಿ (सम्) सं.—एक प्रकार की ककड़ी।
ಗವಿ गवि (क) सं.—आश्रय-स्थान, गुफ़ा। वि. —आच्छादित; फैला हुआ।
ಗವಿಸು गविसु (क) क्रि.—ध्यान दे, गौर कर सावधान हो, मन लगा।
ಗವೀನ गवीन (सम्) वि. — गाय से संबंधित।
ಗವು गवु (क) वि.—गाढ़ा, बहुत, अधिक।
ಗವುಜಲ್ गवुजल्, ಗವುಜಲ गवुजल (तद्) सं.—धूसर वर्ण का तीतर या चकोर। कपिंजल :— (तत्)।
ಗವುಜಲ गवुजल, ಗವುಜು गवुजु (क) सं. — खंजन पक्षी।
ಗವುಜಿ गवुजि, ಗವುಜು गवुजु (क) सं.— शोर, शोरगुल।
ಗವುಡ गवुड (क) सं.— दे. ಗವಡ. ಗವುಡಗಿತ್ತಿ गवुडगित्ति—स्त्री. लिं. ಗವುಡತಿ गवुडति= ಗವುಡಗಿತ್ತಿ.
ಗವುರ್ गवु्, ಗವುರು गवुरु (क) सं.— उच्च ध्वनि, कठोर ध्वनि, भयंकर ध्वनि।
ಗವುಲು गवुलु, ಗವುಳು गवुळु (क) सं.— दे. ಗವಲು.
ಗವುಳಿ गवुळि (क) सं.— ಗವಳಿ.
ಗವೇಡು गवेडु, ಗವೇಧು गवेधु, ಗವೇಧುಕೆ गवेधुके (सम्) सं.— मवेशियों के खाने योग्य घास।
ಗವೇಷಣೆ गवेषणे (सम्) सं.— गवेषणा, शोध, खोज, अनुसंधान।
ಗವೇಷಿತ गवेषित (सम्) वि.— खोजा हुआ, शोध किया हुआ, अनुसंधान किया हुआ।
ಗವ್ಯೂತ गव्यूत (सम्) सं. — एक कोस या दो मील।
ಗವ್ಯೆ गव्ये (सम्) सं.— गायों की हेड़।
ಗವ್ವರ गव्वर (तद्) सं.— गह्वर (तत्)।
ಗಷ್ಟು गष्टु, ಗಸಿ गसि (क) सं — तलछट, तेल या घी के नीचे का मल।
ಗಸಗಸ गसगस (क) सं.— धीरे-धीरे रगड़ने से निकलनेवाली ध्वनि (जैसे दाँत की ध्वनि)।
ಗಸಣ गसण (तद्) सं.— घर्षणम् (तत्); रगड़, रगड़न।
ಗಸಣೆ गसणे (क) सं.— दुःखद या कातर विचार।
ಗಸಾಟ गसाट (तद्) सं.— घर्षण; कष्ट या पीड़ा, चिंताजनक विषय, व्यग्र करनेवाली बात।
ಗಸಿ गसि (क) सं.— दे. ಗಷ್ಟು.
ಗಸ್ತಿ गस्ति, ಗಸ್ತು गस्तु (अ. दे.) सं.— गश्त (फ़ारसी); भ्रमण, घूमना; चारों ओर चक्कर काटना।
ಗಹ गह (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द, हँसते समय निकलनेवाली ध्वनि।
(१) ಗಹನ गहन (क) सं.— कमी या दोष निकालने की बात, नुकताचीनी।
(२) ಗಹನ गहन (सम्) सं.— अगाध गर्त, गहराई; गुफ़ा, वन, जंगल; अगम्य स्थान। वि.— अगाध, गहरा, गाढ़ा, घना, अगम्य, अप्रवेश्य; रहस्यमय, गुप्त, दुर्बोध; गंभीर, प्रखर।
ಗಹ್ವರ गह्वर (सम्) सं.—गुफ़ा, वन, जंगल, बिल, छिपने का स्थान, गहराई, अगम्य स्थान; लतामण्डप, निकुंज; रहस्य, गुप्त बात; कालापन; अंधकार; तमाल वृक्ष। वि.— गहरा, गंभीर, गहन, घना, समीप।
ಗಳ್ गळ्, ಗಳು गळु (क) प्र.— बहुवचन सूचक प्रत्यय। उदा.—ದೇವತೆಗಳ್ देवतेगळ्, ದೇವತೆಗಳು देवतेगळु= देवता। ಗುರುಗಳ್ गुरुगळ्, ಗುರುಗಳು गुरुगळु= गुरु।
ಗಳಕ್ गळक् (क) सं.— किसी चीज़ को निगलते समय आनेवाली ध्वनि।
ಗಳಗ गळग, ಗಳಿಗೆ गळिगे (तद्) सं. — घटिका (तत्?); तह, परत।
ಗಳಗಳನೆ गळगळने (क) अ.— जल्दी-जल्दी, शीघ्रता से।
ಗಳಗಾಳ गळगाळ (क) सं.— कुलाबा, काँटा, मछली फँसाने की बंसी।
ಗಳಗೆ गळगे (क?) सं.— बाँस की बड़ी टोकरी जिसमें अनाज रखा जाता है।
ಗಳಂತಿಗೆ गळंतिगे (सम्?) सं.— ('गृह से?') — कमारा, कोठरी।
ಗಳಿಗೆ गळिगे (तद्) सं.— दे. ಗಳಗ. २४ मिनट की एक घड़ी।
ಗಳಿಸು गळिसु (तद्) क्रि.— दे. ಗಡಿಸು
ಗಳು गळु (क) प्र.— दे. ಗಳ್.
ಗಳೆವು गळेवु, ಗಳೆಯವು गळेयवु, ಗಳೆಯ गळेय (क) सं.— कृषि के काम आनेवाले उपकरण, कृषकों के लिए उपयोगी आयुध।
ಗಳ್ಳನೆ गळ्ळने (क) अ.— हँसते समय उत्पन्न होनेवाली ध्वनि।
ಗಳ್ಳೆ गळ्ळे (क) सं.— थक्का, पिंड।
ಗಟ गळ (क) सं.— 'शीघ्रता' का अर्थबोधक शब्द; नौकादण्ड, नाव खेने की पतवार।
ಗಟಪ गळप (क) सं.— वाचाल, बकवाद करनेवाला या झूठ बोलनेवाला पुरुष।
ಗಟಪತ್ತ गळपत्त (क) सं.— बकवास, मुँहजोरी; झूठ।
ಗಟಪು गळपु, ಗಟಹು गळहु (क) क्रि.— बकवाद कर, बहुत बोल, गपशप कर। सं.— बकवास; गपशप, व्यर्थ की बात।
ಗಟಹ गळह (क) सं.— दे. ಗಟಪ.
ಗಟಹು गळहु (क) क्रि.— दे. ಗಟಪು.
ಗಟಿಕೆ गळिके (क) सं.— प्राप्ति, कमाना, कमाई, अर्जन।
ಗಟಿಂಗೆ गळिंगे (तद्) सं.— घटिका (तत्)।

ಗಳಿಯ गळिय (क) सं.— क्रमिकता, व्यवस्था, प्रबंध, तैयार करना, तैयारी ।

ಗಳಿಸು गळिसु (तद्) क्रि.— दे.— ಗಡಿಸು.

ಗಳು गळु (क) सं.— नौकादण्ड, पतवार ।

ಗಳುವು गळुवु (क) सं.—दे. ಗಳು.

ಗಳೆ[3] गळे (क) सं.—बाँस, बाँस की लकड़ी, डंडा, लाठी, छड़ी, पतवार; मथानी ।—ಕಾಱ कार् (क) सं—दे. ಗಳಗಾಱ.

ಗಾಂಗೇಯ गांगेय (सम्) सं.—गंगा का पुत्र, भीष्म, कार्तिकेय, कर्ण; सुवर्ण, सोना, सफ़ेद रंग ।

ಗಾಂಗೇರುಕಿ गांगेरुकि (सम्) सं.—एक पौधा विशेष The plant uraria lagopodioides) ।

ಗಾಂಜ गांज, ಗಾಂಜಿ गांजि (अ. दे.) सं.— गांजा (हिं.) ।

ಗಾಂಟಡಿ गांटडि (अ. दे.) सं.—छोटी गठरी ।

ಗಾಂಡಿವ गांडिव, ಗಾಂಡೀವ गांडीव (सम्) सं. — अर्जुन के धनुष का नाम ।

ಗಾಂಡಿವಿ गांडिवि, ಗಾಂಡೀವಿ गांडीवि (सम्) सं.—अर्जुन ।

ಗಾಂಡು गांडु (क) सं.—गुदा, अपान; बुद्धि-हीन पुरुष, मूर्ख; बड़ी गदा ।

ಗಾಂತ್ರಿ गांत्रि (सम्) सं.—गांत्री, बैलगाड़ी ।

ಗಾಂಧರ್ವ गांधर्व (सम्) सं—गंधर्व से संबंधित; गंधर्व-विद्या—संगीत, नृत्य ।—ಭವನ भवन (सम्) सं.— सुंदर भवन; संगीत का हॉल (Hall)—ವಿವಾಹ विवाह (सम्) सं. —आठ प्रकार के विवाहों म एक ।

ಗಾಂಧಾರ गांधार (सम्) सं—संगीत के सप्त स्वरों में तीसरा, कांधार और उसके निवासी ।

ಗಾಂಧಾರಿ गांधारि (सम्) सं. — धृतराष्ट्र की पत्नी का नाम; एक पौधा, देवपत्र या माचीपत्र; गंधवती, एक प्रकार की चमेली; एक राग का नाम ।

ಗಾಂಪ गांप (क) सं.—गँवार, मूर्ख या बेवकूफ़ आदमी ।

ಗಾಂಪತನ गांपतन, ಗಾಂಪು गांपु (क) सं.— मूर्खता बेवकूफ़ी ।

ಗಾಂಭೀರ್ಯ गांभीर्य (सम्) सं.— गंभीरता, गहराई, चरित्र की उच्चता; उत्साह; चतुराई ।

ಗಾಗಳ गागळ (क) सं.— शोर, शोरगुल, हल्ला ।

ಗಾಚಾರ गाचार (तद्) सं.— ग्रहचार (तत्); दुर्भाग्य, विधि ।

ಗಾಜು गाजु (तद्) सं.— काचः (तत्); शीशा, काँच ।

(१) ಗಾಟ गाट (क) सं.— लाल मिर्च आदि की तीक्ष्ण गंध ।

(२) ಗಾಟ गाट (तद्) वि.—गाढ (तत्); — बड़ा, बृहत्, गुरु, गाढ़ ।

ಗಾಟಳಿಸು गाटळिसु (क) क्रि.— तंग कर, दिक कर, कष्ट दे, पीड़ा दे ।

ಗಾಡ गाड (तद्) वि.— गाढ (तत्); गहरा, घना, सघन, कसा हुआ, अगम्य ।

(१) ಗಾಡಿ गाडि (क) सं.— सौंदर्य, सुंदरता, चारुता, मनोहरता, शोभा ।

(२) ಗಾಡಿ गाडि (अ. दे.) सं.—गाड़ी (हिं.), बैल गाड़ी, घोड़ा गाड़ी, इक्का, तांगा । — ಕಾಱ कार् = गाड़ीवान ।

ಗಾಡಿಕಾರ್ತಿ गाडिकार्ति, ಗಾಡಿಗಾರ್ತಿ गाडिगार्ति (क) सं.— सुंदर स्त्री, सुंदरी ।

ಗಾಡಿಕೆ गाडिके (सम्) सं.— (ಗಾಢ से) — अधिकता, बहुतायत, घनत्व ।

ಗಾಡಿಗ गाडिग, ಗಾರುಡಿಗ गारुडिग(तद्) सं.— गारुडिकः (तत्); ऐंद्रजालिक, जादूगर ।

ಗಾಡಿನತನ गाडिनतन (क) सं —दे. ಗಾಡಿ (१)

ಗಾಢ गाढ (सम्) वि.— ಗಾಡ. — ಅಂಧಕಾರ अंधकार (सम्) सं.— गहरा अंधेरा । — ಆಲಿಂಗನ आलिंगन (सम्) सं.— बहुत प्रेम के साथ गले मिलना । — ನಿದ್ರೆ निद्रे (सम्) सं.— गाढ-निद्रा; मधुर निद्रा (मैं. प्र.) ।

ಗಾಢೋಕ್ತಿ गाढोक्ति (सम्) सं.— असभ्यता, रूक्षता, भद्दापन ।

(१) ಗಾಣ गाण (क) सं.— कोल्हू, ईख का रस निकालने का यंत्र; काँटा, कुलाबा, मछली फँसाने की वंसी ।

(२) ಗಾಣ गाण (तद्) सं.—ग्रहणम् (तत्) — सूर्य या चंद्र ग्रहण; गानम् (तत्)—गीत ।

ಗಾಣಗಿತ್ತಿ गाणगित्ति, ಗಾಣಿಗಿತ್ತಿ गाणिगित्ति (क) सं.— तेलिन, तेली की पत्नी ।

ಗಾಣಿ गाणि (तद्) सं.— गायिका ।

ಗಾಣಿಕ್ಯ गाणिक्य (सम्) सं.— वेश्याओं का समूह ।

ಗಾಣಿಗ गाणिग (क) सं.— तेली ।

ಗಾಣಿಗಿತ್ತಿ गाणिगित्ति (क) सं.—दे. ಗಾಣಗಿತ್ತಿ.

ಗಾಣ್ಪ गाण्प (क) सं.— दे. ಗಾಂಪ.

ಗಾತ गात (तद्) सं.— घातः (तत्); गहराई; प्रहार, चोट ।

ಗಾತರ गातर, ಗಾತ್ರ गात्र (क) सं.— दे. ಗತ್ತರ.

ಗಾತಿ गाति, ಗಾರ್ತಿ गार्ति (क) प्र.— 'वाली' (स्त्री. लिं.) का अर्थसूचक प्रत्यय ।

ಗಾತೃ गातृ (सम्) सं.— गायक ।

(१) ಗಾತ್ರ गात्र (क) सं.— दे. ಗಾತರ.

(२) ಗಾತ್ರ गात्र (सम्) सं.— शरीर, देह, शरीरावयव; हाथी के आगे के पैर की जाँघ ।

ಗಾತ್ರರಕ್ತಕಿ गात्ररक्तकि (सम्) सं.— चंदन (लाल चंदन) ।

ಗಾತ್ರಸಂಕೋಚಿ गात्रसंकोचि (सम्) सं.— खेखर, ऊद-बिलाव के समान पशु विशेष ।

ಗಾತ್ರಾನುಲೇಪನಿ गात्रानुलेपनि (सम्) सं. — शरीर पर मलने का सुगंध द्रव्य ।

ಗಾಥಿ गाथि (सम्) सं.—गायक; विश्वामित्र के पिता का नाम ।

ಗಾಥೆ गाथे, ಗಾದೆ गादे, ಗಾಹೆ गाहे (सम्) सं. —गाथा; गाना, गति; पद्य; छन्दोबद्ध सूत्र; कथन, कहावत ।

ಗಾದರಿ गादरि (क) सं. कीड़े-मकोड़ों के काटने से शरीर में होनेवाले घाव या घाव का निशान ।

ಗಾದಿ गादि (अ. दे.) सं. गद्दी (हिं.); मृदु आसन, तकिया (,) सं.—दे. ಗದ್ದೆ.

ಗಾದಿಗೆ गादिगे (त (अ. दे.) सं.— घिरनी खंदक, खाई (त ने का चर्खा ।

ಗಾದು गादु (क) सं. — सुन्दर ढंग से उत्पन्न घास या झाड़ी ।

ಗಾದೆ गादे (तद्) सं.-गाथा (तत्) ; कहावत, लोकोक्ति । ಗಾದೆ ವೇದಕ್ಕೆ ತಲೆದಿಂಬು गादे वेदक्के तलेदिंबु — कहावत वेदों के लिए तकिया (की भाँति) है ; ವೇದ ಸುಳ್ಳಾದರೂ ಗಾದೆ ಸುಳ್ಳಾದೀತೆ वेद सुळ्ळादरू गादे सुळ्ळादीते – वेद झूठे हों, पर क्या कहावत झूठी होती है ? ; ಮಾತಿಗೆ ಮೊದಲು ಗಾದೆ ಊಟಕ್ಕೆ ಮೊದಲು ಉಪ್ಪಿನಕಾಯಿ मातिगे मोदलु गादे ऊटक्के मोदलु उप्पिनकायि — बात का आदि कहावत है, भोजन का आदि अचार है, (कह). ।— ಗಾರ गार् (तद्) सं.—अधिक कहावतें जाननेवाला पुरुष ।

ಗಾಧ गाध, (सम्) वि.—उथला, गम्य, पार करने योग्य । सं.—उथली जगह, स्थान, नीचे का स्थल, तल ।

ಗಾಧಿ गाधि (सम्) सं. = ಗಾಥಿ गाथि-विश्वामित्र के पिता का नाम ।

ಗಾಧೇಯ गाधेय (सम्) सं. — विश्वामित्र ।

ಗಾನ (सम्) सं. — गीत, भजन ; गायक, गंधर्व ; कोयल; कलकंठ आदि ; 'कंद' नामक छंद ।

ಗಾಬರ गाबर, ಗಾಬರಿ गाबरि (क?) सं.— घबराहट (हिं.) ; भय, डर, दुःख की स्थिति ।

ಗಾಬು गाबु (क) सं.—भय, डर ; भयध्वनि, भय सूचित करने की पुकार ।

ಗಾಮಿ गामि (सम्) वि. —जानेवाला, चलनेवाला, प्राप्त होनेवाला ।

ಗಾಯ गाय; ಘಾಯ घाय (क) सं. — घाव, व्रण ; चोट ।

ಗಾಯಕ गायक (सम्) सं. — गानेवाला, गवैया । ಗಾಯಕಿ गायकि—स्त्री. लिं. ।

ಗಾಯತ್ರಿ गायत्रि (सम् ... गीत ; एक छंद जिसमें २४ ... गायत्री छन्द ... परम ... [illegible] ಗವುಲು गवुलु (क) स. ...ना

ಗವುಳಿ गवुळि (क) सं.— ಗವಳಿ.

ಗವೇದು गवेदु, ಗವೇಧು गवेधु, ಗವೇಧುಕ

गायक । ಗಾಯನಿ गायनि = गायिका ।

ಗಾಯಿ गायि (तद्) सं.—गाय ।

ಗಾರಡ गारड (तद्) सं.— गारुड (तत्); गरुड से संबंधित, गरुडमन्त्र ; मरकत, पन्ना ; वाक्छल, इन्द्रजाल ।

ಗಾರಡಿ गारडि, ಗಾರುಡಿ गारुडि (सम्) सं.— इन्द्रजाल, वाक्छल, जादू ; जादूगर ; संपेरा ।

ಗಾರಡಿಗ गारडिग, ಗಾರಡಿಗಾರ गारडिगार [ಗಾರ गार], ಗಾರುಡಿಕ गारुडिक, ಗಾರುಡಿಗ गारुडिग, ಗಾರುಡಿಗಾರ गारुडिगार् (तद्) सं.— गारुडिकः (तत्) ; जादूगर, ऐंद्रजालिक ।

ಗಾರಣ गारण (तद्) सं. — क्षारण (तत्); अभिशाप, अभियोग, निंदा, झूठा दूषण ।

ಗಾರಣೆ गारणे (क) सं.—दीवार पर खींची जानेवाली रंगीन रेखा ।

(१) ಗಾರಿಗೆ गारिगे (क) सं.—गेहूँ के आटे या चावल के आटे और गुड़ से (घी या तेल में भूनकर) बनाई जानेवाली मिठाई विशेष, एक प्रकार का अँदरसा।

(२) ಗಾರಿಗೆ गारिगे (तद्) सं.-खातिका (तत्); खाई, खंदक ।

ಗಾರಿಸು गारिसु (क) क्रि. — तेल या घी में भून या पका ।

ಗಾರು गारु (क) सं.—शरीर के अंदर की गरमी या उष्णता के कारण शरीर पर होनेवाला निर्गम या फफोला ।

ಗಾರುಡ गारुड (सम्) सं.—दे. ಗಾರಡ.—ತನ तन = जादूगरी ।

ಗಾರುಡಿ गारुडि (सम्) सं.—दे. ಗಾರಡಿ.

ಗಾರುಡಿಕ गारुडिक ಗಾರುಡಿಗ गारुडिग (तद्) सं. —दे. ಗಾರಡಿಗ.

ಗಾರುಡೌಷಧ गारुडौषध (सम्) सं.—विष को दूर करने के लिए प्रयुक्त औषधि ।

ಗಾರೆ गारे (अ.) दे. सं.—गारा (हिं.) ।

ಗಾಱಣ गाऱण (तद्) सं.— ಗಾರಣ.

ಗಾಱು गाऱु (क) सं. — जंगली, असभ्य ; रूक्षता, असभ्यता, अपराध, दोष ।

ಗಾರ್ಗ್ಯ गार्ग्य (सम्) सं.— गर्ग ऋषि से संबंधित, गर्ग वंश का ; गर्ग ऋषि का पुत्र

ಗಾರ್ಗಿ गार्गि ಗಾರ್ಗ್ಯೆ गार्ग्ये (सम्) सं.— एक विदुषी ; याज्ञवल्क की पत्नी ।

ಗಾರ್ತಿ गार्ति (क) प्र.— दे. ಗಾತಿ.

ಗಾರ್ದಭ गार्दभ (सम्) वि.— गर्दभ से संबंधित । सं.— गधा ।

ಗಾರ್ಭಿಣ್ಯ गार्भिण्य (सम्) सं.— गर्भवती स्त्रियों का समूह ।

ಗಾರ್ಹಪತ್ಯ गार्हपत्य (सम्) सं.— अग्निहोत्र की अग्नि, वह स्थान जहाँ पवित्र अग्नि रखी जाय ।

ಗಾರ್ಹಸ್ಥ್ಯ गार्हस्थ्य (सम्) सं.— गृहस्थ धर्म, गृहस्थी ।

ಗಾಲ गाल (सम्) सं.— घाव ; (किसी पनीली चीज़ को) छानना ; पिघलना ।

ಗಾಲವ गालव (सम्) सं.— एक ऋषि का नाम ; लोध्र वृक्ष ।

ಗಾಲಿ गालि (क) सं.— चक्र, पहिया ।

ಗಾಲು गालु, ಗಾಳು गाळु (अ. दे.) सं.— आक्रमण करना, नष्ट करना, नाश ; अव्यवस्था, हलचल, उपद्रव ; क्षोभ ।

ಗಾವ गाव, ಗಾವೆ गावे (तद्) सं.— ग्रामः ; (तत्) गाँव ।

ಗಾವಟೆ गावटे (क) सं.— एक वृक्ष का नाम ।

ಗಾವಣಿಗ गावणिग (अ. दे.) सं.— ('गँवार' से ?) — नीच या तुच्छ पुरुष ।

ಗಾವದ गावद, ಗಾವುದ गावुद (तद्) सं.— गव्यूतम् (तत्) ; एक कोस या दो मील ।

ಗಾವದಿ गावदि (अ. दे.) सं.— गँवार (हिं.), मूर्ख ।

ಗಾವರ गावर, ಗಾವಳಿ गावळि (क) सं.— ध्वनि, स्वर, आवाज़, आहट, कोलाहल ; पीड़ा का शब्द ।

ಗಾವರಿಸು गावरिसु (क) क्रि.— ध्वनि कर, शब्द कर ; शोर मचा, हल्ला कर ।

ಗಾವಸಿಂಗ गावसिंग (तद्) सं.— ग्रामसिंहः (तत्) ; कुत्ता ।

ಗಾವಳ गावळ (क) सं.— अंधकार, अंधेरा, तिमिर ।

ಗಾವಳಿ गावळि (क) सं.— दे. ಗಾವರ.

ಗಾವಳಿಗ गावलिग (क) सं.— हो-हल्ला करनेवाला, शोर-गुल करनेवाला।

ಗಾವಿಲ गाविल (तद्) सं.— ग्रामीणः (तत्); गँवार; मूर्ख।

ಗಾವುದ गावुद (तद्) सं.— दे. ಗಾವದ.

ಗಾವುಳಿ गावुलि (क) सं.— समूह, समुदाय; राशि।

ಗಾಸ गास (तद्) सं.— काचः (तत्); काँच, शीशा।

ಗಾಸಿ गासि (क) सं.— तकलीफ़, कष्ट, पीड़ा; थकावट; दर्द। — ಕೊಳ್ಳು क़ोळ्ळु (क) क्रि.— थकावट का अनुभव कर।

ಗಾಹ गाह (सम्) सं.— डुबकी, गोता, स्नान; गहराई, अन्तर्देश। —ಕ क (सम्) वि.— गहराई में जानेवाला।

ಗಾಹನ गाहन (सम्) सं.— डुबकी, गोता, स्नान।

ಗಾಡು गाडु (क) सं.— कपट, धोखा, ठगई।

ಗಾಡೆ गाड़े (तद्) सं.— गाथा (तत्)।

ಗಾಳ್ गाळ्, ಗಾಳಿ गाळि, ಗಾಳು गाळु (क) सं.— हवा, पवन, वायु, अनिल; श्वास।

ಗಾಳ गाळ, ಗಾಣ गाण (क) सं.— दे ಗಾಣ (१).

ಗಾಳಕ गाळक (क) सं.— (ग्राहक-तत्?) — अच्छा या योग्य पुरुष।

ಗಾಳಿ गाळि (क) सं.— दे. ಗಾಳ್; शून्यता, सूनापन, खाली होना, विवेकहीनता; भूत, प्रेत, राक्षस।

ಗಾಳಿಗ गाळिग (क) सं.— वह भूत जिसकी 'गाळि-पूजा' की जाती है।

ಗಾಳಿಸು गाळिसु (सम्) क्रि.—('गालनम्' से) — छान, पछोर; पिघला।

(१) ಗಾಳು गाळु (क) सं.— दे. ಗಾಳ್.

(२) ಗಾಳು गाळु (अ. दे.) सं.— दे. ಗಾಲು.

ಗಾಳುಕ गाळुक (अ. दे.?) सं.— चिमटा, सँड़सी।

ಗಿ गि, ಗೀ गी (क) — ध्वन्यात्मक शब्दों में इसका प्रयोग होता है, जैसे— ಕುದರೆ-ಗಿದರೆ कुदरे-गिदरे = घोड़ा-वोड़ा; ನೀರು-ಗೀರು नीरु-गीरु = पानी-वानी आदि।

ಗಿಂಚು गिंचु (क) सं.— एक पक्षी विशेष।

ಗಿಕ್ಕು गिक्कु, ಗೇಕು गेकु (क) सं.— मुस्ता, कैवर्त मुस्तक, एक प्रकार का कंद।

ಗಿಜ गिज (क) सं.— एक अनुकरणमूलक ध्वनि; अस्पष्टता, हो-हल्ला। ಗಿಜಗಿಜ गिजगिज— (दुहराना)।

ಗಿಜಟಿ गिजटि (क) सं.— मज्जा, वसा, गुदा एक झाड़ी या पौधा; लाल रंग के छोटे-छोटे गोलाकार बीज विशेष (घुंघची)।

ಗಿಜಿ गिजि (क) स.— दे. ಗಿಜಟಿ; भ्रम या भ्राँति का सूचक शब्द; ಗಿಜಿ ಗಿಜಿ गिजिगिजि (क) वि.— खचाखच; पक्षियों का चहचहाना; दे. ಗಿಜಟಿ.

ಗಿಜುಗಾರ गिजुगार (क) सं.— खंजन, खंजरीट।

ಗಿಟಿ गिट (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द। — ಗರೆ गरे = खाने या पीने के बाद पेट में गड़गड़ शब्द होना।

ಗಿಟಕ गिटक, ಗಿಟಕು गिटकु, ಗಿಟ್ಟುಕು गिट्टुकु (क) सं.—गरी।

ಗಿಟ್ಟಿಸು गिट्टिसु ಗೀಟಿಸು गीटिसु (क) क्रि.— अपना (हड़प ले); पहुँचा; प्राप्त हो।

ಗಿಟ್ಟು गिट्टु (क) क्रि. — प्राप्त हो, मिल; बराबर हो, ठीक हो; एक दूसरे के पास लगा या दबा।

ಗಿಡ गिड (क) सं.—पौधा, छोटा वृक्ष, झाड़ी। ಗಿಡಗಳು गिडगळु — ब. व.।

ಗಿಡಗ गिडग (क) सं.— बाज़, श्येन पक्षी।

ಗಿಡಗಾರ गिडगार् [ಗಾರ गार] (क) सं.—वह मनुष्य जो कपट रूप ले दूसरे को विष देता हो।

ಗಿಡಿ गिडि (क) क्रि.— एक कौर के बाद दूसरा कौर जल्दी-जल्दी खा, मुँह के अंदर ठूँस। सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द; ಗಿಡಿಬಿಡಿ गिडबिड — डमरू आदि वाद्य बजाने से उत्पन्न ध्वनि।

ಗಿಡಿಗ गिडिग (क) सं.—दे. ಗಿಡಗ.

ಗಿಡು गिडु (क) सं. = गिड.

ಗಿಡ್ಡ गिड्डु (क) सं.—छोटा, नाटा आदमी, वामन, बौना।

ಗಿಡ್ಡನೆ गिड्डने, ಗಿಡ್ಡಾನೆ गिड्डाने (क) वि.— छोटा, नाटा।

ಗಿಡ್ಡಿ गिड्डि (क) सं.—छोटी या नाटी स्त्री।

ಗಿಣಿ गिणि (क) सं. — तोता, कीर; कपड़े आदि टाँगने की खूँटी; एक अनुकरणमूलक ध्वनि, टन्‌टन् ध्वनि।

ಗಿಣಿಕೆ गिणिके, ಗಿಲಕು गिलकु (क) सं.— टन्‌टन् ध्वनि, खड़खड़ाहट।

ಗಿಣ್ಟು गिण्ट (क) सं.—मोटा कपड़ा, दो तागे का कपड़ा।

ಗಿಂಡಿ गिंडी (क) सं.—छोटे मुँह का एक जल-पात्र।

ಗಿಂಡು गिंडु (क) क्रि. —चकोटी काट, नोच।

ಗಿಣ್ಣ गिण्ण, ಗಿಣ್ಣು गिण्णु, ಗೆಣ್ಣು गेण्णु (क) सं.—व्याई हुई गाय या भैंस का दूध।

ಗಿಣ್ಣಿ गिण्णि (क) सं.—एक प्रकार की बीमारी जिसके कारण हाथ-पैर की अंगलियाँ और नाक खराब हो जाती है।

ಗಿಣ್ಣು गिण्णु (क) सं.—दे. ಗಿಣ್ಣ; जोड़, गांठ।

ಗಿತ್ತಿ गित्ति ['ಇತ್ತಿ' का अन्यरूप] — स्त्री. लिं. सूचक प्रत्यय; उदा. — ಕುಂಬಾರಗಿತ್ತಿ कुंबारगित्ति = कुम्हारिन, ಡೊಂಬರಗಿತ್ತಿ डोंबरत्ति = डोम जाति की स्त्री।

ಗಿದ್ದ गिद्द; ಗಿದ್ದನ गिद्दन, ಗಿದ್ನ गिद्न, ಗಿರ गिर ಗಿರ್ದ गिर्द (क) वि. १/४ [एक चौथाई] भाग, एक परिमाण विशेष।

ಗಿರ गिर (सम्) सं.—गिरा, वाणी, बात।

ಗಿರಕಾಲು गिरकालु (क) वि. — १/१६ (एक बटा सोलह)।

ಗಿರಕು गिरकु (क) क्रि. —ठूँस, दबाकर भर; घना हो;

ಗಿರಕೆ गिरके (क) सं.—रूई धुनने का यंत्र।

ಗಿರಗಟ गिरगट, ಗಿರ್ಗಟ गिर्गट, ಗಿರ್ಗಟೆ गिर्गटे (सम्) सं.— एक एक प्रकार का वाद्य विशेष जिसका स्वर उतना आकर्षक नहीं होता।

ಗಿರಗೆ गिरगे (क) सं.—नली (Ankle)।

(१) ಗಿರಣಿ गिरणि (क) सं.—दे. ಗಿಣ್ಣಿ.

(२) ಗಿರಣಿ गिरणि (अ. दे.) सं.— घिरनी (हिं.) सूत कात ने का चर्खा।

ಗಿರಸ್ತ गिरस्त (तद्) सं.—गृहस्थ (तत्)।

ಗಿರಾಕಿ गिराकि (तद्) सं. — ग्राहकः (तत्); खरीदनेवाला।

ಗಿರಾಗತಿ गिरागति (तद्) सं.—गृहगति (तत्) किसी की व्यक्तिगत बातें।

ಗಿರಾಸ್ತ गिरास्त (तद्) सं.—दे. ಗಿರಸ್ತ.

(१) ಗಿರಿ गिरि (सम्) सं. — प्रतिष्ठित, माननीय; पर्वत, सात प्रधान पर्वतों में एक; सात की संख्या; = ಗಿಲಿ ('गिल' धातु) — निगलना।

(२) ಗಿರಿ गिरि (अ.दे.) प्र.— व्यापार-व्यवसाय का सूचक प्रत्यय; उदा.— ಗುಮಾಸ್ತಗಿರಿ गुमास्तगिरि. ಮುನಷೀಗಿರಿ मुनषीगिरि = मुनीम।

ಗಿರಕರ್ಣಿ गिरकर्णि (सम्) सं. — एक पौधा, विष्णुक्रान्ता;

ಗಿರಿಕರ್ಣಿಕೆ गिरिकर्णिके (सम्) दे.— ಗಿರಿಕರ್ಣಿ; पृथिवी।

ಗಿರಿಕೆ गिरिके (सम्) सं.—गिरिका, छोटा चूहा। चुहिया।

ಗಿರಿಗೆ गिरिगे (क) सं.—दे. ಗಿರಗ.

ಗಿರಿಜ गिरिज (सम्) सं. — पार्वती, पहाड़ी केला; मल्लिका लता, गंगाजी; संतखड़ी, खड़िया मिट्टी।

ಗಿರಿಜಾಕಲ್ಯಾಣ गिरिजाकल्याण (सम्) सं.— कन्नड के प्रसिद्ध कवि हरिहर का प्रबंध काव्य।

ಗಿರಿಜಾಕಾಂತ गिरिजाकांत (सम्) सं.—शिव; माप विशेष।

ಗಿರಿಜಾತೆ गिरिजाते, ಗಿರಿಜೆ गिरिज़े (सम्) सं.— पार्वती।

ಗಿರಿಜಾನಾಥ गिरिजानाथ, ಗಿರಿಜೇಂದ್ರ गिरिजेंद्र, ಗಿರಿಜೇಶ गिरिजेश (सम्) सं.— शिवजी।

ಗಿರಿದುರ್ಗ गिरिदुर्ग (सम्) सं.— पहाड़ी किला।

ಗಿರಿಧನ್ವ गिरिधन्व (सम्) सं.— शिव।

ಗಿರಿಧರ गिरिधर (सम्) सं.— श्रीकृष्ण।

ಗಿರಿಮಲ್ಲಿಕೆ गिरिमल्लिके (सम्) सं.— एक प्रकार की चमेली; कुटजवृक्ष।

ಗಿರಿರಾಜ गिरिराज (सम्) सं.— हिमालय।

ಗಿರಿರಿಪು गिरिरिपु (सम्) सं.— इंद्र।

ಗಿರಿವ್ರಾತನಾಥ गिरिव्रातनाथ, ಗಿರಿಶ गिरिश (सम्) सं.— शिव।

ಗಿರಿಶೃಂಗ गिरिशृंग (सम्) सं.— पर्वत की चोटी; गणेश।

ಗಿರಿಸ गिरिस (तद्) सं.— गिरिश (तत्)।

ಗಿರಿಸಾನು गिरिसानु (सम्) सं.— अधित्यका, पहाड़ की तलहटी।

ಗಿರಿಸಾರ गिरिसार (सम्) सं.— लोहा; जस्ता।

ಗಿರಿಸುತೆ गिरिसुते (सम्) सं.= ಗಿರಿಜಾತೆ.

ಗಿರೀಶ गिरीश, ಗಿರೀಶ್ವರ गिरीश्वर (सम्) सं.— शिव; हिमालय।

ಗಿರೆ गिरे (सम्) सं.— गिरा, वाणी।

ಗಿರ್ಯಾಣ गिर्याण (तद्) सं.— ग्रहणम् (तत्)।

ಗಿಱ್ गिर् (क) क्रि. — सोच, विचार कर, कल्पना कर, गौर कर।

ಗಿಱ गिर (क) अ.= ಗಿಱಗಿಱ गिरगिर—चारों ओर घूमते हुए या चक्कर काटते हुए।

ಗಿಱಕಿ गिरकि, ಗಿಱಕೆ गिरके (क) सं. — चारों ओर घूमने या चक्कर काटने की क्रिया; विभ्रम।

ಗಿಱಕು गिरकु (क) सं.—सीधा होना, स्थिर या दृढ़ होना; बहुत कठिनाई के साथ खोलने योग्य होना (जैसा कि दरवाज़ा); खचाखच (भरा) होना। सं. — चरचर शब्द (दरवाज़े का)।

ಗಿಱಕೆ गिरके (क) सं.—दे. ಗಿಱಕಿ.

ಗಿಱ್ರಿ गिरि (क) सं.—चक्कर काटना, चक्कर, किसी पदार्थ के वेग से घूमने से निकलनेवाली ध्वनि।

ಗಿಱ್ರಿಕಿ गिरिकि (क) सं.=दे. ಗಿಱಕಿ.

ಗಿಱ್ರಿಕೆ गिरिके (क) सं —दे. ಗಿಱಕಿ; बच्चों का खिलौना; रस्सी के सहारे चलनेवाला पहिया।

ಗಿಱು गिरु (क) वि.—चराचरहट करनेवाला।

ಗಿಱುಕು गिरुकु (क) सं.—चराचरहट; हवा की ध्वनि।

ಗಿಱುಗಟ್ಟೆ गिरुगट्टे (क) सं. — बच्चों का खिलौना जिसमें से खड़खड़ाहट का शब्द निकले; खड़खड़ शब्द।

ಗಿಱುಗಟ್ಟು गिरुगट्ट् (क) सं. — दे. ಗಿಱುಗಟ್ಟೆ.

ಗಿಱ್ರ गिर्रे, ಗಿಱ್ರನೆ गिर्रने (क) अ.— वेग से चक्कर काटते हुए, शीघ्रता से।

ಗಿರ್ಗಟೆ गिर्गटे, ಗಿರ್ಗಟೆ गिर्गटे (सम्) सं.— दे. ಗಿರಗಟ.

ಗಿರ್ದ गिर्द (क) वि. — दे. ಗಿದ್ದ.

ಗಿಲ್ गिल्, ಗಿಲ गिल (क) सं.— खड़खड़, गड़गड़ आदि शब्द।

ಗಿಲ गिल (क) सं.— खड़खड शब्द।

ಗಿಲಕು गिलकु, ಗಿಲಕೆ गिलके (क) सं.— दे. ಗಿಲಕೆ और ಗಿಲಕೆ.

ಗಿಲಗ್ರಾಹ गिलग्राह (सम्) सं.— मगर, नक्र, घड़ियाल।

ಗಿಲನ गिलन (सम्) सं.— निगलना, खा डालना।

ಗಿಲಾಯು गिलाय, ಗಿಲಾಯಿ गिलायि, ಗಿಲಾವು गिलावु (अ. दे.) सं.— गिलावा (फ़ारसी) गारा, दीवार पर गारा लगाने की क्रिया।

ಗಿಲಿ गिलि (क) सं.— दे. ಗಿಲ.— ಗಿಜಗಿಡ गिजिगिड = ಗಿಜಟಿಗಿಡ गिजटिगिड — औषध की एक जड़ी-बूटी।

ಗಿಲಿಕೆ गिलिके, ಗಿಲಕೆ गिलके, ಗಿಲ್ಕೆ गिल्के (क) सं.— बच्चों का खिलौना जिसमें से खड़खड़ शब्द निकले।

ಗಿಲ್ಲಾ गिल्ला (अ. दे.) सं.— शिकायात, कलंक लगाना, दुर्नाम करना, अपयश फैलाना।

ಗಿಳಿ गिळि (क) सं.— तोता, कीर, शुक।

ಗೀಂಕಾರ गींकार, ಘೀಂಕಾರ घींकार (क) सं.— हाथी का चिंघाड़ना।

ಗೀಕು गीकु, ಗೀಚು गीचु (क) क्रि.— खुरच, रगड़कर चमका; रेखाएँ खींच, अस्पष्ट लिख, घसीट लिखकर कागज़ भर; नोच, छील; किसी पेड़ से रस निकालने लिए नश्तर लगा। सं.— खुरचन; छेनी, कलम आदि से खींची गई रेखा; नोचना; हल की लकीर।

ಗೀಜಗ गीजग, ಗೀಜುಗ गीजुग (क) सं.— एक पक्षी जिसका घोंसला बोतल जैसा होता है (Ploceus baya)।

ಗೀಜು गीजु (क) क्रि.—कलम या लेखनी से लकीरें खींच। सं. — आँख का स्राव (Rheum)।

ಗೀಜುಗ गीजुग (क) सं.—दे. ಗೀಜಗ.

ಗೀಟಿಸು गीटिसु (क) क्रि.—दे. ಗಿಟ್ಟಿಸು.

ಗೀಟು गीटु (क) सं.—रेखा, लकीर। क्रि.— मिल; पा; पहुँच।

ಗೀತ गीत (सम्) सं.—गीत, गाना; कीर्तन; एक छंद का नाम।

ಗೀತಿ गीति (सम्) सं. —भजन, गीत; एक छंद का नाम।

ಗೀತಿಕೆ गीतिके (सम्) सं— छोटा गाना या गीत।

ಗೀತೆ गीते, ಗೀತಾ गीता (सम्) सं. — गीत, भजन, गाना; एक छंन्द का नाम; भगवद्गीता।

ಗೀಬು गीबु (क) सं.—घर, रहने का स्थान; ब्याई गाय का दूध।

ಗೀರ್ गीर्—(सम्) सं—वाणी, भाषा।

ಗೀರು गीरु (क) क्रि.—खुरच, नोच, छील; कलम से लकीर खींच; रगड़। सं.—रेखा, लकीर; निशान, चिह्न; =ಜೀರು जीरु— झींगुर।

ಗೀರ್ಣ गीर्ण (सम्) वि.—निगला हुआ, खाया हुआ; प्रशंसित।

ಗೀರ್ಣಿ गीर्णि (सम्) सं.—निगलना, भक्षण; प्रशंसा, कीर्ति।

ಗೀರ್ವಾಣ गीर्वाण (सम्) सं.— देव, देवता। — ನಾಥ नाथ (सम्) सं.— इंद्र; जैन संन्यासी या अर्हत्। — ಭಾಷೆ भाषे (सम्) सं.— संस्कृत।

ಗೀರ್ವಾಣಿ गीर्वाणि (सम्) सं.—देवी, भगवती; सरस्वती।

ಗೀಷ್ಪತಿ गीष्पति (सम्) सं.— बृहस्पति।

ಗೀಳ್ गीळ् (क) सं.— गर्जन, चिल्लाहट, चीख, चीत्कार।

ಗೀಳು गीळु (क) क्रि.—(कपड़ा) फाड़, टुकड़े-टुकड़े कर। — ಮಾಡು माडु (क) क्रि.— नीचा दिखा, अपमान कर।

(१) ಗು गु (क) प्र.—प्रत्यय जिससे संज्ञा तथा क्रिया-शब्द बनते हैं। उदा. — ಕೆಳಗು केळगु — निचाई, निम्नता; ಮೇಗು मेगु — ऊपरी भाग या उच्चता; ಪೋಗು पोगु या ಹೋಗು होगु — जा, गमन कर।

(२) ಗು गु, ಗುಂ गुं (क) प्र.— दे. ಕು, ಕುಂ.

ಗುಂಗಾಡ गुंगाड, ಗುಂಗಾಡಿ गुंगाडि, ಗುಂಗಾಣಿ गुंगाणि (क) सं.— मच्छर; छोटा पदार्थ, नाचीज़ वस्तु या व्यक्ति।

ಗುಂಗಿ गुंगि (क) सं — काला भ्रमर जो आकार में बड़ा होता है। — ಮಾವು मावु (क) सं.— एक प्रकार का आम।

ಗುಂಗು गुंगु (क) सं.— धान का भूसा, भूसा, छिलका।

ಗುಂಗುರು गुंगुरु (क) वि.—घुंघुराले, (ಗುಂಗುರು ಕೂದಲು गुंगुरु कूदलु= घुंघराले बाल)। सं.— मच्छर, वनमक्खी, कुटकी, पिस्सू।

ಗುಂಛ गुंछ (तद्) सं.— गुच्छः (तत्); गुच्छा, फूलों का गुच्छा, गुलदस्ता।

ಗುಂಜ गुंज, ಗುಂಜಿ गुंजि, ಗುಂಜೆ गुंजे (तद्) सं.— कुंजः (तत्); लतागृह, लतावितान; भाण्डार; घुंघची।

ಗುಂಜತ್ गुंजत् (सम्) सं.—गूँजना, गुंजार करना, गुनगुनाना।

ಗುಂಜಾಭರಣ गुंजाभरण (सम्) सं. — घुंघचियों का बना आभरण या गहना।

ಗುಂಜಾಯಿಷಿ गुंजायिषि (अ. दे.) सं. — (लाभ), अवैध लाभ।

ಗುಂಜಿ गुंजि, ಗುಂಜೆ गुंजे (तद्) सं. — गुंजा, गुंजिका (तत्); घुंघची का दाना।

(१) ಗುಂಜು गुंजु (क) वि.—छोटा, लघु। क्रि. उलझ (धागा उलझना)। सं.—उलझना; कपड़े पर का रोवाँ; नारियल की जटा। — ಗಂಟು गंटु (क) सं. — उलझी हुई गाँठ। —ಬೀಳು बीळु (क) क्रि. — उलझ जा।

(२) ಗುಂಜು गुंजु (क) क्रि. — खींच; सिकुड़, छोटा कर; ऐंठ जा।

(१) ಗುಂಟು गुंटु (क) सं.— रास्ता; घर, मकान, गड्ढा। अ.—पास, समीप, निकट।

(२) ಗುಂಟ गुंट (क) सं.—कीला, खूँटी।

ಗುಂಟೆ गुंटे (क ?) सं. —१/४ एकड़ या १२१ वर्ग गज।

ಗುಂಡ गुंड (क ?) सं. — गोला, गोलाकार; सेवक, नौकर; व्यक्तिवाचक संज्ञा (पुरुष का नाम)। ಎಂಜಲು ಎತ್ತೋ ಗುಂಡ ಅಂದರೆ ಉಂಡವರು ಎಷ್ಟು ಜನ ಅಂದ एंजलु एत्तो गुंड अंदरे उंडवरु एष्टु जन अंद — 'जूठे पत्तल निकालो गुंड!' कहने पर उसने पूछा 'कितने लोगों ने खाना खाया? (कह.)।

ಗುಂಡಗೆ गुंडगे, ಗುಂಡುಗೆ गुंडुगे (क) वि.— गोल, गोलाकार का।

ಗುಂಡಲಿಗೆ गुंडलिगे (क) सं.—गोलाकार बर्तन विशेष (धातु का बना)।

ಗುಂಡಾಗುಂಡಿ गुंडागुंडि, ಗುಂಡಕ್ರಿಯೆ गुंडक्रिये (क ?) सं.— एक राग विशेष।

ಗುಂಡಾಂತರ गुंडांतर (क) सं.—नींव, बुनियाद। — ಮಾಡು माडु (क) सं.— नींव, डाल।

ಗುಂಡಾರ गुंडार (तद्) सं.— डेरा, खेमा।

ಗುಂಡಾಲಿ गुंडालि (क) सं.— दे.—ಗುಂಡಲಿಗೆ.

(१) ಗುಂಡಿ गुंडि (क) सं.— छेद, रंध्र, गड्ढा; बड़ा गोलाकार बर्तन; नाभि; व्यक्तिवाचक संज्ञा (स्त्री का नाम)।

(२) ಗುಂಡಿ गुंडि (अ. दे.) सं.— बटन (Button)।

(१) गुंडिगे (क) सं.— नाभि; वक्षःस्थल, छाती।

(२) ಗುಂಡಿಗೆ गुंडिगे (तद्) सं.— कुंडिका (तत्) कमंडल, जलपात्र।

ಗುಂಡಿತ गुंडित (सम्) वि.— पिसा हुआ, कुटा हुआ, चूर्ण किया हुआ।

ಗುಂಡಿತ गुंडित, ಗುಂಡಿತ್ತು गुंडित्तु (क) वि.— अगाध, गंभीर, गहरा, अतलस्पर्शी।

ಗುಂಡು गुण्डु (क) सं.— राशि, ढेर; समूह, समुदाय; कोई गोलाकार वस्तु; गोलाकार पत्थर जो पीसने के काम में आता है; छोटा गोलाकार पत्थर; कानों की बालियों में जड़ने योग्य छोटी वर्तुल वस्तु; गोली,

बंदूक में चलाने की सीसे की गोली। — ಕಲ್ಲು कल्लु (क) सं.— पीसने का पत्थर, ಉಂಡವರಿಗೆ ಊಟಬೇಡ ಗುಂಡು ಕಲ್ಲಿಗೆ ಎಣ್ಣೆ ಬೇಡ उंडवरिगे ऊट बेड गुंडुकल्लिगे एण्णे बेड — जो खा चुके उनको खाना नहीं चाहिए, पीसने के पत्थर को तेल नहीं चाहिए अर्थात् उस पर तेल नहीं लगाना पड़ता है (कह.)। — ಕೋವಿ कोवि (क) सं.— छोटी कुंडी या भँवर कड़ी। — ಮಲ್ಲಿಗೆ मल्लिगे (क) सं.— एक प्रकार की चमेली। ಮುಳುಗ मुळुग (क) सं.— एक पक्षी जो पानी में पत्थर के समान गोता मारता है। — ವಲೆ वले (क) सं.— एक प्रकार का जाल। — ಹಾರಿಸು हरिसु (क) क्रि.— गोली मार; बंदूक का प्रयोग कर। ಹೊಡೆ होड़े (क) क्रि. = ಗುಂಡು ಹಾರಿಸು.

ಗುಂಡುಗೆ गुंडुगे (क) वि.— दे. ಗುಂಡಗೆ.

ಗುಂಪನ गुंपन (तद्) सं.— गुंफना (तत्)

ಗುಂಪಿಸು गुंपिसु (क) क्रि.— पीछे हट, ठमक, ठिठक, सिकुड़।

ಗುಂಪು गुंपु (क) सं.— भीड़, राशि, समूह, समुदाय गहराई, गंभीरता।

ಗುಂಫ गुंफ (सम्) सं.— बंधन, रचना, गूँथना।

ಗುಂಫನ गुंफन (सम्) सं.— क्रमबद्ध रचना, गूँथना। ಗುಂಫಿತ गुंफित (सम्) वि.— गूँथा गया, पिरोया गया, क्रम से रखा गया।

(१) ಗುಂಬ गुंब, ಗುಂಬು गुंबु (क) सं.— गूढ़ता, गुप्त बात; गंभीरता (Reservedness)।

(२) ಗುಂಬ गुंब (तद्) सं.— कुंभः (तत्); घड़ा; पहिये की नाभि (मध्यभाग)।

ಗುಂಬು गुंबु (क) सं.— दे. ಗುಂಬ.

ಗುಂಯಿ गुंयि, ಗೊಂಯಿ गोंयि (क) सं.— एक अनुकरण — मूलक ध्वनि, भनभनाहट, सनसनाहट।

ಗುಕ್ಕು गुक्कु (क) क्रि.— तुतला, बोलते से अधिक साँस खींच। सं.— तुतलाना, तुतलाहट; हृदय का कंप; कौर, ग्रास।

ಗುಗ್ಗರಿ गुग्गरि, ಗುಗ್ಗುರಿ गुग्गुरि, ಗುಗ್ರಿ गुग्रि (क) सं.— उबाला गया चना या मूँग जिसमें नमक-मिर्च मिलाकर खाया जाता है; सिकुड़न; रोंगटे खडे होना।

ಗುಗ್ಗುರಿ गुग्गुरि (क) सं.— अवदंश। वि.— घुंघराले।

ಗುಗ್ಗುರು गुग्गुरु (क) सं.— रोमांच, रोमहर्ष।

ಗುಗ್ಗುಲ गुग्गुल, ಗುಗ್ಗುಲು गुग्गुलु, ಗುಗ್ಗುಳ गुग्गुळ, ಗುಗ್ಗಿಳ गुग्गिळ, ಗುಗ್ಗುಳ गुग्गुळ (सम्) सं.— गुग्गुल, एक प्रकार का सुगंध पदार्थ (Bdellium)।

ಗುಗ್ಗೆ गुग्गे (क) सं.— कानों का मल।

ಗುಗ್ರಿ गुग्रि (क) सं.— दे. ಗುಗ್ಗರಿ.

ಗುಚ್ಚು गुच्चु, ಗುಜ್ಜು, गुज्जु, (क) सं.— छोटापन, नाटापन।

ಗುಚ್ಛ गुच्छ (सम्) सं.— गुच्छा, फूलों का गुच्छा।

ಗುಚ್ಛಕ गुच्छक (सम्) सं.— गुच्छा।

ಗುಚ್ಛಾರ್ಧ गुच्छार्ध (सम्) सं.— हार जिसमें चौबीस तार हो।

ಗುಜ गुज, ಗುಜು (क) सं.— फुसफुसाहट, कानाफूसी।

ಗುಜರಾತ गुजरात, ಗುಜರಾಥ गुजराथ (तद्) सं.— गूर्जर राष्ट्र, गुजरात।

ಗುಜರಾನು गुजरानु, (अ. दे.) सं.— आजीविका, जीवन-उपाय, वृत्ति।

ಗುಜುರು गुजुरु (क) वि.— घुंघराले, घुघराले, कुटिल।

ಗುಜುಬು गुजुरु (क) वि.— छोटा, लघु। — ಕೊಂಬು कोंबु = छोटी डाल।

ಗುಜ್ಜ गुज्ज (क) वि.— छोटा। सं.— छोटा आदमी, नाटा आदमी, बौना।

ಗುಜ್ಜಗೆ गुज्जगे, ಗುಜ್ಜಿಗೆ गुज्जिगे, ಗುಜ್ಜುಗೆ गुज्जुगे, ಗೊಜ್ಜಗೆ गोज्जिगे. ಗೊಜ್ಜುಗೆ गोज्जुगे (क) सं.— एक प्रकार की चमेली; सेमन्ती।

ಗುಜ್ಜರಾಷ್ಟ್ರ गुज्जराष्ट्र (तद्) सं.— दे. ಗುಜರಾತ.

ಗುಜ್ಜರಿ गुज्जरि (अ. दे.) सं.— एक राग का नाम।

ಗುಜ್ಜಾರ गुज्जार, ಗುಜ್ಜರ गुज्जर (सम्) सं.— गुर्जरः (तत्)।

ಗುಜ್ಜಾರಿ गुज्जारि (क) सं.— नाटा आदमी, बैना।

ಗುಜ್ಜಿ गुज्जि (क) सं.— नाटी स्त्री।

ಗುಜ್ಜಿಗೆ गुज्जिगे (क) सं.— दे. ಗುಜ್ಜಗೆ.

ಗುಜ್ಜು गुज्जु (क) सं.— दे. ಗುಚ್ಚು; मकड़ की चाल।

ಗುಜ್ಜುಗೆ गुज्जुगे (क) सं.— दे. ಗಜ್ಜಗೆ.

ಗುಟ गुट, ಗುಟು गुटु (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द, गुरगुराहट।

ಗುಟಕಿಸು गुटकिसु, ಗುಟುಕಿಸು गुटुकिसु (क) क्रि.— 'गटगट' पी।

ಗುಟುಕು गुटुकु, (क) सं.— घूँट।

ಗುಟಿಕೆ गुटिके, ಗುಣಿಕೆ गुणिके, ಗುಳಿಕೆ गुलिके, ಗುಳಿಕೆ गुळिके (सम्) सं. गोली (Pill) गोल स्फटिक)

ಗುಟು गुटु (क) सं.— दे. ಗುಟ.

ಗುಟುಕಿಸು गुटुक्किसु (क) क्रि.— दे. ಗುಟಕಿಸು.

ಗುಟಕು गुटुकु (क) सं.— दे. ಗುಟಕು.

ಗುಟುಕ್ಕನೆ गुटुक्कने (क) क्रि. — 'गटगट' करके।

ಗುಟ್ಟ गुट्ट (क) सं.— छोटी पहाड़ी।

ಗುಟ್ಟಿ गुट्टि (क) सं.— दवा का उतना परिमाण जिसे बच्चे एक बार निगल सके।

ಗುಟ್ಟು गुट्टु (क) सं.— रहस्य, गुप्त बात, निजी विषय।

ಗುಟ್ಟೆ गुट्टे (क) सं.— छोटी पहाड़ी।

ಗುಟ್ರು गुट्रु (क) सं.— गाय-बैलों का रंभाना; कबूतर की बोली।

ಗುಡ गुड (सम्) सं.— गुड, शीरा; गोला; गेंद; कौर, ग्रास; हाथी का कवच या ज़िरहबख्तर।

ಗುಡಪಾಲ गुडपाल (सम्) सं.— एक पौधा विशेष (The plant Fluggea leucopyrus)।

ಗುಡಪುಷ್ಪ गुडपुष्प (सम्) सं.— वृक्ष विशेष (Bessia latifolia)।

ಗುಡಫಲ गुडफल (सम्) सं. पीलू का पेड़।

ಗುಡಲು गुड्लु (क) सं.— दे. ಗುಡಸಲು.

ಗುಡಸಲು गुडसलु, ಗುಡಲು गुडलु, ಗುಡಸಲ गुडसल, ಗುಡಿಲ್ गुडिल्, ಗುಡಿಸಲು गुडिसलु, ಗುಡಿಸಿಲು गुडिसिलु, ಗುಡುಸಲು गुडुसल, ಗುಡುಸಲು गुडुसलु, ಗುಡಿಸಿಲು गुडुसिलु, गुडुसुलु, ಗುಡುಸುಲು, ಗುಡ್ಲು गुड्लु (क) सं.—झोंपड़ा; झोपड़ी, कुटी, कुटिया।

ಗುಡಸು गुडसु (क) सं.— कोई गोल पदार्थ ; वृत्त ; सूर्य या चंद्र का मंडल ; = ಗುಡಿಸು गडिसु — (२) इकार का चिह्न। क्रि.= ಗುಡಿಸು गुडिसु, ಗುಡಿಯಿಸು गुडियिसु — झाड़ू दे ; एक साथ मिला, राशि लगा।

ಗುಡಾಕೇಶ गुडाकेश (सम्) सं.— नींद को वश में करनेवाला ; अर्जुन ; शिव ; कृष्ण (मै. प्र.)।

ಗುಡಾಣ गुडाण (क) सं.— बड़ा मिट्टी या धातु का बर्तन जिसमें अनाज रखा जाता है ; दही मथने का मिट्टी का घड़ा।

ಗುಡಾರ गुडार, ಗುಡಾರೆ गुडारे (तद्) सं.— गूढागारं (तत्) ; डेरा, खेमा, शिविर, तंबू।

(१) ಗುಡಿ गुडि (क) सं.—वृत्त, गोला, प्रभा-मण्डल : राशि, ढेर, समूह, समुदाय ; नोंक ; पताका, झंडा।

(२) ಗುಡಿ गुडि (अ. दे.?) सं.—नव वर्ष के त्योहार के दिन घर के द्वार के सामने लगाया गया बल्ला (शहतीत)।

(३) ಗುಡಿ गुडि (तद्) सं. — कुटिः (तत्) ; घर ; मंदिर, देवालय ; डेर; शिविर।

ಗುಡಿಗಿ गुडिगि (अ. दे.) सं.—जाँघिया, पायजामा।

ಗುಡಿಗು गुडिगु, ಗುಡುಗು गुडुगु (क) सं. — बादलों का गर्जन।

ಗುಡಿದ गुडिद (क) सं.—दे. ಗುಂಟು.

ಗುಡಿಯಿಸು गुडियिसु. ಗುಡಿಸು गुडिसु, ಗುಡಸು गुडसु, ಗುಡ್ಸು गुड्सु, ಗೂಡಿಸು गूडिसु (क) क्रि.—झाड़ू दे, पुंजीकरण कर, एक साथ मिला, राशि लगा।

ಗುಡಿಲ್ गुडिल् (क) सं.—दे. ಗುಡಸಲು ; राशि, समुदाय।

ಗುಡಿಸಲು गुडिसलु, ಗುಡಿಸಿಲ್ गुडिसिल्, ಗುಡಿಸಿಲು गुडिसिलु (क) सं.—दे. ಗುಡಸಲು.

ಗುಡಿಸು गुडिसु (क) सं.—दे. ಗುಡಸು ; क्रि. —दे. ಗುಡಿಯಿಸು.

(१) ಗುಡು गुडु (क) सं.—एक अनुकरणमूलक शब्द, भराभराहट, गड़गड़ाहट, असंतोष या क्रोध के समय निकलनेवाली ध्वनि।

(२) ಗುಡು गुडु (अ. दे.) सं. = गुड़गुड़ाना।

ಗುಡುಗಿಸು गुडुगिसु (क) क्रि —हाथ से एक पहिये को चला।

ಗುಡುಗು गुडुगु (क) क्रि.—गर्जन कर, मेघ-गर्जन उत्पन्न हो ; साँस रोककर दौड़ (खेलते समय)। सं. — साँस रोककर दौड़ने की क्रिया।

ಗುಡುವನ गुडुवन (क) सं.—दे. ಗುಡಾಣ.

ಗುಡುಸಲ गुडुसल, ಗುಡುಸಲು गुडुसलु ಗುಡುಸಿಲು गुडुसिलु (क) सं.—दे. ಗುಡಸಲು.

ಗುಡುಸು गुडुसु (क) क्रि.—झाड़ू दे। सं.— इकार का चिह्न (ि)।

ಗುಡುಸುಲು गुडुसुलु (क) सं.—दे. ಗುಡಸಲು.

ಗುಡೂಚಿ गुडूचि, ಗುಡಂಚಿ गुडंचि (तद्) सं. —अमरबेल (The plant coculus cordifolius)।

ಗುಡೆ गुडे, ಗುಡಾ गुडा (सम्) सं.—कपास का पौधा ; गोली।

ಗುಡ್ಡ गुड्ड (क) सं.—पहाड़, पहाड़ी ; लड़का, विद्यार्थी, शिष्य ; बौना, नाटा आदमी ; छोटापन, नाटापन।

ಗುಡ್ಡಾ गुड्डा (क) सं.—दुर्गा का नाम।

ಗುಡ್ಡಿ गुड्डि (क) सं.—कनीनिका, आँखों का तारा।

ಗುಡ್ಡು गुड्डु (क) सं.—दे. ಗುಡ್ಡ ; अंडा, मछली या मेंढक का अंडा ; छोटापन, नाटापन।

ಗುಡ್ಡೆ गुड्डे (क) सं.— राशि, ढेर ; कनीनिका ; छोटा कपड़ा।

(१) ಗುಣ गुण (क) सं.—असंतोष के समय मुँह से निकलनेवाली ध्वनि।

(२) ಗುಣ गुण (सम्) सं.— गुण, सिफ़त ; भलाई; उत्तमता, श्रेष्ठता, यश ; तार, धागा, डोर ; धनुष की डोरी ; त्रिगुण— सत्व, रज और तम ; रस, रूप, गंध, शब्द और स्पर्श, बुद्धि, विवेक, पांडित्य ; अच्छा स्वभाव, उदारता, त्याग ; उपयोग, लाभ ; पुनरावृत्ति, गुना ; गौण ; आधिक्य, विपुलता ; राजनीति में उचित कार्य या नय ; स्थान ; परमात्मा ; योगीश्वर ; पाचक, रसोइया, सुगंध, स्वाद, तीन की संख्या ; आनंद ; हर्ष ; रक्षण ; अंश ; लेश ; युद्ध, समर ; ज्ञानेन्द्रिय विशेषण।

ಗುಣಕ गुणक (सम्) सं.—गिननेवाला ; गणित में गुना करने की संख्या।

ಗುಣಕು गुणकु (क) सं.—छोटा डंडा।

ಗುಣಗಣ गुणगण (सम्) सं. — अच्छे गुणों का समूह।

ಗುಣಗ್ರಾಹಿ गुणग्राहि (सम्) वि. — अच्छे गुणों को ग्रहण करनेवाला या उनकी प्रशंसा करनेवाला।

ಗುಣಜ್ಞ गुणज्ञ (सम्) सं.—गुण जाननेवाला, विद्वान।

ಗುಣತ್ರಯ गुणत्रय (सम्) सं.—तीन गुण— सत्व, रज, और तम।

ಗುಣದೋಷ गुणदोष (सम्) सं. — अच्छाई और बुराई।

ಗುಣನ गुणन (सम्) सं. — गुना करना ; गणना।

ಗುಣನಂದಿ गुणनंदि (सम्) सं.—कन्नड के एक प्राचीन लेखक का नाम।

ಗುಣನಿಧಿ गुणनिधि (सम्) सं.— अच्छे गुणों का समुद्र।

ಗುಣನಿಲಯೆ गुणनिलये (सम्) सं. —सद्गुण-संपन्ना स्त्री।

ಗುಣಪೃಷ್ಠ गुणपृष्ठ (सम्) सं.—मकड़ी।

ಗುಣಮೂಲಿ गुणमूलि (सम्) सं.— शकरकंद।

ಗುಣಯಿಸು गुणयिसु, ಗುಣಿಸು गुणिसु, (सम्) क्रि.— गुना कर।

ಗುಣಲಯನಿ गुणलयनि (सम्) सं. — डेरा, शिविर।

ಗುಣವತಿ गुणवति, ಗುಣವಂತೆ गुणवंते (सम्) सं.— वह स्त्री जिसमें अच्छे गुण हो।

ಗುಣವಂತ गुणवंत (सम्) सं.—गुणवान् पुरुष।

ಗುಣವರ್ಮ गुणवर्म (सम्) सं.—कन्नड के एक लेखक का नाम।
ಗುಣವೃಷ गुणवृष (सम्) सं.—मस्तूल या वह खंबा जिससे जहाज़ या नाव बांधी जाती है।
ಗುಣಸೌಂದರ गुणसौंदर (सम्) सं.—एक वृत्त का नाम।
ಗುಣಾಕಾರ गुणाकार (सम्) सं. — गुणन-क्रिया, गुना करना।
ಗುಣಾಢ್ಯ गुणाढ्य (सम्) सं.—दे. ಗುಣಜ್ಞ.
ಗುಣಾರಿ गुणारि (सम्) सं. -- गाँव के अंक-लेखक (शानुभोग) का सहायक।
(१) ಗುಣಿ गुणि (क) वि. — पोला, छूछा। क्रि.—चाबुक की मूठ।
(२) ಗುಣಿ गुणि (सम्) सं.—गुणवान् पुरुष; धनुष; एक पौधा विशेष।
ಗುಣಿಕೆ गुणिके (सम्) सं.—गुमड़ी, गिल्टी।
ಗುಣಿತ गुणित (सम्) वि.—गुना किया हुआ। सं.—गुणन क्रिया।
ಗುಣಿಸು गुणिसु (सम्) क्रि.—दे. ಗುಣಿಸು.
ಗುಣು गुणु (क) क्रि.=ಗುಣುಗುಟ್ಟು गुणुगुट्टु बड़बड़ाहट, कुड़बुड़ाना।
ಗುಣುಕು गुणुकु (क) सं.—दे. ಗುಣಕು.
ಗುಣ್ಪು गुण्पु (क) सं. — राशि, समुदाय; गहराई, अथाह; गंभीरता, गुप्त होना, रहस्य।
(१) ಗುತ್ತ गुत्त (क) वि.— दृढ़, कसा हुआ।
ಗುತ್ತ गुत्त (तद्) वि.—गुप्त (तद्)।
ಗುತ್ತನೆ गुत्तने (क) क्रु.—कसकर, दृढ़ता से।
ಗುತ್ತಾದಾರ गुत्तादार (क ?) सं.—ठेकेदार।
ಗುತ್ತಿ गुत्ति (क) सं. — फली या फूलों का गुच्छा; झाड़ी।
ಗುತ್ತಿಗೆ गुत्तिगे (क) सं. — ठेका, ठेकेदारी; काश्तकारी।
ಗುತ್ತು गुत्तु (क) सं. — चिह्न, निशान, पहचान; स्थान, जगह; तंगी।
ಗುತ್ಸ गुत्स (तद्) सं. — गुत्सक (तत्); गुच्छा।
ಗುತ್ಸಕ गुत्सक (सम्) सं. — गट्ठा, बंडल, गुच्छा।
ಗುತ್ಸಾರ್ಧ गुत्साध (सम्) सं.—दे. ಗುಚ್ಛಾರ್ಧ.
ಗುದ गुद (सम्) सं.—गुदा।—ಕೀಲ कील, ಕೀಲಕ कीलक (सम्) सं.—बवासीर।
(१) ಗುದಗ गुदग, ಗುದಗು गुदगु, ಗುದುಗು गुदुगु (क) सं.—दरवाज़े को अंदर से बंद करने की कुंडी।
(२) ಗುದಗ (क) सं.—मोटा आदमी। ಗುದಗಿ गुदगि—स्त्री. लिं.।
ಗುದಗು गुदगु (क) सं.—दे. ಗುದಗ (१).
ಗುದಗೆ गुदगे, ಗುದಿಗೆ गुदिगे, ಗುದುಗೆ गुदुगे (क) सं.—गदा, गदका; मुद्गर।
ಗುದಜನಿ गुदजनि (सम्) सं.—विष्णु।
ಗುದಿ गुदि (क) क्रि.—कूद, छलांग मार, पैरों से शोर मचा; पाद या पैर बांध। सं.= ಗುದಿಗೆ गुदिगे, ಗುದುಗೆ गुदुगे, ಗುದುಪು गुदुपु—ताड के वृक्ष या नारियल के वृक्ष पर चढ़ते समय पादों में बाँधने की रस्सी; गुच्छा।
ಗುದಿಗೆ गुदिगे (क) सं.—दे. ಗುದಗೆ; दे. ಗುದಿ.
ಗುದು गुदु (क) सं.— सनसनाहट।
ಗುದುಗು गुदुगु (क) सं.— दे. ಗುದಗ (१).
ಗುದುಗೆ गुदुगे, ಗುದುಪು गुदुपु (क) सं.— दे. ಗುದಿ (सं.)।
ಗುದ್ದರಿಸು गुद्दरिसु (क) क्रि.— आगे-आगे चला, खींच; मुक्की मार।
ಗುದ್ದಲಿ गुद्दलि, ಗುದ್ಲಿ गुद्लि (तद्) सं.— कुद्दालः (तत्); कुदाली।
ಗುದ್ದಿ गुद्दि (क) सं.— पशुओं के गले में बांधने की रस्सी।
ಗುದ್ದಿಸು गुद्दिसु (क) क्रि.—आगे-आगे चलवा (ಗುದ್ದರಿಸು का प्रेरणार्थक)।
ಗುದ್ದು गुद्दु (क) क्रि.— मुष्टि प्रहार कर, घूँसा दे, मुक्की मार; कूट, चूर्ण कर। सं.— घूँसा; चूहे, साँप आदि का बिल।
ಗುದ್ದುವಿಕೆ गुद्दुविके (क) सं.— मुष्टि प्रहार करना।
ಗುದ್ಲಿ गुद्लि (तद्) सं — दे. ಗುದ್ದಲಿ.
ಗುನಿ गुनि (क) सं.— बाजरे के ऊपर का छोटा भाग; धान आदि का भूसा।
ಗುನ್ನು गुन्न (क) सं.— ऊपर उठा हुआ स्थान, (पहाड़ी); छोटापन। ಗುನ್ನಾನೆ गुन्नाने-छोटा हाथी।
ಗುನ್ನಾಂ गुन्नां (क) सं.— सुनहले रंग का कागज़ जो अलंकार करने के काम में आता है।
ಗುಪಿತ गुपित (तद्) सं.— गुप्त (तत्)।
ಗುಪ್ತ गुप्त (सम्) सं.— रहस्य, गोपनीय बात।
ಗುಪ್ತಕ गुप्तक (सम्) सं.— रक्षक; गुप्तचर, जासूस।
ಗುಪ್ತಿ गुप्ति (सम्) सं.— रक्षण, संरक्षण; छिपाव; बिल, गुफ़ा; तलवार की मूठ।
ಗುಪ್ತಿವಾದ गुप्तिवाद (सम्) सं.— रहस्यपूर्ण संभाषण।
ಗುಪ್ಪನೆ गुप्पने (क) अ.— चुपचाप, मौन रूप से।
ಗುಪ್ಪು गुप्पु (क) क्रि — कूद, लांघ; छिप; छिपा (पूरे शरीर को या शरीर के किसी भाग को)।
ಗುಪ್ಪೆ गुप्पे (क) सं.— ढेर, राशि।— ಗೊಳ್ गोळ् (क) क्रि — राशि हो।
ಗುಬರು गुबरु (क) सं.— घनत्व, निबिड़ होना, भीड़भाड़ होना। क्रि.—दे. ಗುಪ್ಪು.
ಗುಬಾರು गुबारु (क) सं.—भीड़ का शोरगुल; फुलाव, सूजन, वृद्धि।
ಗುಬು गुबु (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द। वि.— गरम, उष्ण।
ಗುಬುಕು गुबुकु (क) सं.—मेंढक की टरटराहट।
ಗುಬುರು गुबुरु (क) सं.— दे. ಗುಬರು.
ಗುಬ್ಬಚ್ಚಿ गुब्बच्चि, ಗುಬ್ಬಿ गुब्बि (क) सं.— छोटा पक्षी, गौरैया।
ಗುಬ್ಬಿ गुब्बि (क) सं.— दे. ಗುಬ್ಬಚ್ಚಿ; पिण्ड, गाँठ।
ಗುಬ್ಬಿಲ್ गुब्बिल् (क) सं.— दे ಗುಬ್ಬಚ್ಚಿ.
ಗುಬ್ಬಿಸೆ गुब्बिसे (क) सं.—एक प्रकार का तृण।
ಗುಮ गुम (क) सं.= ಗುಮಗುಮ गुमगुम — फूलों की सुगंधि की व्याप्ति।
ಗುಮತಿ गुमति (तद्) सं.= ಗುಮತಿ ವಾದ್ಯ गुमति वाद्य— कुंभ वाद्य।

ಗುಮರಿ गुमरि (अ. दे.) सं.— बच्चों का आपसी झगड़ा।

ಗುಮಸ್ತ गुमस्त, ಗುಮಾಸ್ತ गुमास्त, ಗುಮಾಸ್ತಾ गुमास्ता (अ. दे.) सं.— गुमाश्ता (फ़ारसी); क्लर्क, मुनीम।

ಗುಮಾನಿ गुमानि, ಗುಮಾನೆ गुमाने (अ. दे.) सं.— गुमान (फ़ारसी); संदेह, शक; वि.— घमंडी, अभिमानी।

ಗುಮಾಸ್ತ गुमास्त, ಗುಮಾಸ್ತಾ गुमास्ता (अ. दे.) सं.— दे. ಗುಮಸ್ತ.— ಗಿರಿ गिरि = क्लर्की, मुनीमी।

ಗುಮಿ गुमि (क) सं.— राशि, समुदाय, भीड़।

ಗುಮಿತ गुमित (क) सं.— गुप्त वार्ता, अपवाह।

ಗುಮುಟ गुमुट, ಗುಮಟ गुमट (अ. दे.) सं.— गुंबज़।

ಗುಮುರಿ गुमुरि (अ. दे.) सं.— गुंबज़, गुंबद।

ಗುಮ್ಮ गुम्म (क) सं.— झूठा भय, हौआ।

ಗುಮ್ಮಟ गुम्मट (अ. दे.) सं.— दे. ಗುಮುರಿ.

ಗುಮ್ಮನ गुम्मन (क) सं.= ಗುಮ್ಮನ ಗುಸುಕ गुम्मनगुसक — गंभीरत; गंभीरा स्वभाव का पुरुष। ಗುಮ್ಮನಗುಸುಕಿ गुम्मनगुसुकि— गंभीर स्वभाव की स्त्री।

ಗುಮ್ಮನೆ गुम्मने (क) अ.— तुरंत, जल्दी, फ़ौरन। सं.— खींचते, कूटते या पीसते समय उत्पन्न होनेवाली ध्वनि।

ಗುಮ್ಮಿ गुम्मि (क) सं.—राशि, ढेर, समुदाय।

ಗುಮ್ಮಿಸು गुम्मिसु (क) क्रि.— मुक्की मार।

ಗುಮ್ಮು गुम्मु (क) क्रि.—मुक्की मार, धक्का दे, घूँसा दे; ज़मीन पर पीठ लगाकर उसके बल आगे बढ़ (जैसे बच्चे करते है)। सं.— राशि, ढेर भीड़; तैरते समय आगे बढ़ने की क्रिया; पीछे हट, ठिठक, ठमक।

ಗುಮ್ಮಟ गुम्मट (अ. दे.) सं—गुंबद।

ಗುಮ್ಮೆ गुम्मे (क) सं.—दे. ಗುಮ್ಮಿ.

ಗುಯಿ गुयि (क) सं.—दे. ಗುಂಗು.

ಗುರಕಾಯಿಸು गुरकायिसु, ಗುರುಕಾಯಿಸು गुरुकायिसु (क) क्रि.—गुरगुरा, क्रोध में आ।

ಗುರಣ गुरण (सम्) सं—प्रयत्न, सतत चेष्टा।

ಗುರವ गुरव (क) सं—आश्चर्य; भयंकर दृष्टि, भयानक दृश्य।

ಗುರಾಣಿ गुराणि (क ?) सं.—ढाल।

ಗುರಾಲ್ गुराल् (?) सं. — एक प्रकार की गोलाकार नाव।

(१) ಗುರು गुरु (क) सं.—खड़खड़ाहट।

(२) ಗುರು गुरु (सम्) सं.—पिता; बूढ़ा; शिक्षक; दीक्षा देनेवाला, मंत्रदाता; प्रभु, अध्यक्ष; शासक; बृहस्पति, बृहस्पति ग्रह; द्रोणाचार्य। वि.—भारी, बोझिल; महान्, उत्तम, सर्वोत्कृष्ट, सम्मानित; प्यारा, प्रेम-पात्र; घमंडी, अहंकारी। — ಕುಲವಾಸ कुलवास (सम्) सं.— गुरु के आश्रम या घर में रहना) — ಕುಲವಾಸಿ कुलवासी (सम्) सं.—शिष्य, छात्र।

ಗುರುಗುಲು गुरुगुलु (क) सं. —सूरजमुखी का फूल।

ಗುರುಜಂಗೆ गुरुजंगे (सम्) सं.— बड़ा सोपान या डग।

ಗುರುತ್ವ गुरुत्व (सम्) सं.—गुरुता, भारीपन, गौरव के योग्य।

ಗುರುಬು गुरुबु (क) सं.—दे. ಗುರವ.

ಗುರುಯೋಷಿತೆ गुरुयोषिते (सम्) सं. — गुरु की पत्नी; आदरणीया स्त्री।

ಗುರುರಂಭಾ गुरुरंभा (सम्) सं. — पहाड़ी केला।

ಗುರುಲಿಂಗ ಜಂಗಮ गुरुलिंग जंगम (सम्) सं. —वीरशैव संप्रदाय के अनुसार तीन पवित्र और पूज्य स्थान (गुरु) लिंग और जंगम।

ಗುರುವಾರ गुरुवार (सम्) सं.—गुरुवार, बृहस्पतिवार।

ಗುರುಸಿದ್ಧ गुरुसिद्ध (सम्) सं.—निपुण गुरु।

ಗುರುಹಸ್ತ गुरुहस्त (सम्) सं. = ಗುರಸ್ತ गुरस्त —गुरु के अधीन में रहनेवाला, वीरशैव या लिंगायत।

ಗುರುಳೆ गुरुळे, ಗುಳಿಲ गुळिल, ಗುಳ್ಳೆ गुळ्ळे (क) सं.—बुलबुला; छाला; फफोला; फुन्सी, फोड़ा; छोटा गोलाकार ढाँचा; पैर की अंगुली में पहनने की अंगूठी (Ring worn on the toe)।

ಗುಱಗುಱ गुरगुर (क) सं.— क्रुद्ध घूंस के मुँह से निकलनेवाली ध्वनि।

ಗುಱಕೆ गुरके (क) सं.—घर्राटे का शब्द।

ಗುಱುತು गुरुतु (क) सं.- ಗುತ್ತು, गुत्तु, ಗುಱುತು गुरुतु, ಗುರ್ತು गुर्तु, ಗೊತ್ತು गोत्तु—निशान, चिह्न, पहचान; जानकारी।

ಗುಱಿ गुरि (क) सं.—लक्ष्य, ध्येय। — ಕಾಱ कार (क) सं. —धनुर्विद्या में प्रवीण पुरुष; शस्त्रधारी सेवकों में प्रधान पुरुष।

ಗುಱಿಗೆ गुरिगे (क) सं.—एक पौधे का नाम।

ಗುಱಿಯಾಳು गुरियाळु (क) सं. —लड़कों का एक खेल।

ಗುಱು गुरु (क) सं. क्रोध सूचक ध्वनि; घुर-घुराहट।

ಗುಱುಗುಮ್ಮಗೆ गुरुगुम्मगे (क) अ.—मौन रूप-से, चुपचाप।

ಗುಱುಕು गुरुकु (क) सं.—दे. ಗುಱಕೆ.

ಗುಱುತ गुरुत, ಗುಱುತು गुरुतु (क) सं. —दे. ಗುಱುತು.

ಗುರ್ಱು गुर्रु (क) क्रि = ಗುರ್ಱುಗುಟ್ಟು—गुर्रुगुट्टु — गुरगुरा (जैसे बाघ, भालू, कुत्ते आदि जानवर करते हैं)।

ಗುರ್ಗುಳ गुर्गुळ (तद्) सं.—दे. ಗುಗ್ಗುಲ.

ಗುರ್ಚೆ गुर्चे (क) सं. — वृक्ष विशेष (Camboge tree)।

ಗುರ್ಜರ गुर्जर (सम्) सं.—गुजरात प्रदेश।— ಪಟ್ಟೆ पट्टि (सम्) सं.—गुजरात का रेशमी वस्त्र।

ಗುರ್ತೆ गुर्ते, ಗುರ್ತು गुर्तु (क) सं—दे. ಗುಱುತು.

ಗುರ್ದು गुर्दु (क) क्रि.—दे. ಗುದ್ದು.

ಗುರ್ಬು गुर्बु, ಗುರ್ವು गुर्वु (क) सं.—दे. ಗುರವ.

ಗುರ್ವಿ गुर्वि, ಗುರ್ವಿಣಿ गुर्विणि (सम्) सं.— गर्भवती स्त्री।

ಗುಲಗಂಜಿ गुलगंजि (क) सं.—घुंघची।

ಗುಲಾಬಿ गुलाबि (अ. दे.) सं. — गुलाब (फ़ारसी)।

ಗುಲಾಮ गुलाम (अ. दे.) सं. — गुलाम (अरबी), दास, सेवक।

ಗುಲಾಲು गुलालु (अ. दे.) सं. — गुलाल रंग जिसका प्रयोग होली में होता है।

ಗುಳಿಕೆ गुलिके (सम्) सं.— गोली (A ball), गोल स्फटिक ।

ಗುಳಿಗಂಜಿ गुलिगंजि (क) सं.— ಗುಲಗಂಜಿ,

ಗುಲುಚ್ಛ गुलुच्छ, ಗುಲುಂಚ್ಛ गुलुंच्छ (सम्) सं.— गुच्छा, दस्ता ।

ಗುಲ್ಫ गुल्फ (सम्) सं. — पाँवों की गाँठें, गिट्टा ।

ಗುಲ್ಫಿ गुल्फि (सम्) सं. — एक पक्षी का नाम ।

ಗುಲ್ಮ गुल्म (सम्) सं. — ಗುಲುಮ गुलुम (तद्) - झाड़ी, वृक्षों का झुरमुट, वन, जंगल; प्रधान पुरुषों से युक्त रक्षकदल जिसमें ९ हाथी, ९ रथ, २७ अश्व और ४५ पदाति होते हैं; दुर्ग, किला; प्लीहा; देहाती पुलिस की चौकी; घाट ।

ಗುಲ್ಮಲತಾ गुल्मलता (सम्) सं.—सोमवल्ली ।

ಗುಲ್ಮಿನಿ गुल्मिनि (सम्) सं.— झाड़ बांधकर उगनेवाली लता ।

ಗುಲ್ಲು गुल्लु (क) सं.— शोरगुल, हो हल्ला ।

ಗುವಾಕ गुवाक (सम्) सं.— सुपारी का पेड़ ।

ಗುವಿ गुवि (तद्) सं.— गुहा (तत्); गुफा ।

ಗುಸ गुस (अ. दे.) सं.— घूँसा (हिं.) ।

ಗುಸುಗುಸು गुसुगुसु (क) सं.— फुसफुसाहट, कानाफूसी ।

ಗುಹ गुह (सम्) सं.— कार्तिकेय । — ಜನಕ जनक (सम्) सं.— शिव ।

ಗುಹೆ गुहे (सम्) सं.— गुहा, गुफा, बिल; हृदय ।

ಗುಹ್ಯ गुह्य (सम्) वि.—छिपाने के योग्य, गुप्त । सं.— रहस्य, गुप्तत्व; एकांत; अकार्य, अनुचित कार्य; कूल्हा; भग, योनि; कौपीन, लंगोट ।

ಗುಹ್ಯಕ गुह्यक (सम्) सं.— देवयोनि विशेष — कुबेर के धनागार की रक्षा करनेवाले; कुबेर ।

ಗುಹ್ಯಕೇಶ್ವರ गुह्यकेश्वर (सम्) सं.— कुबेर ।

ಗುಹ್ಯಪಿಧಾನ गुह्यपिधान (सम्) सं.— लंगोट, कौपीन ।

ಗುಳ गुळ (क) सं.— हिंगुलि, इंगुर; पानी या किसी तरल पदार्थ के उबलते समय निकलनेवाली ध्वनि ।

ಗುಳಕ್ गुळक्, ಗುಳಕ್ गुळुक्, ಗುಳುಕು गुळुकु (क) सं.— किसी चीज़ को एक ही बार पूर्णतः निगलते समय उत्पन्न होनेवाली ध्वनि ।

ಗುಳಿಕ गुळिक (तद्) सं.— कुलिकः (तत्); एक नाग का नाम ।

(१) ಗುಳಿಗೆ गुळिगे (तद्) सं.— गुटिका (तत्); गोली (Pill) ।

(२) ಗುಳಿಗೆ गुळिगे (तद्) सं.— घुटिका (तत्); पावों की गाँठें, एड़ी ।

ಗುಳುಕ್ गुळुक्, ಗುಳುಕು गुळुकु (क) सं. — दे. ಗುಳಕ್.

ಗುಳುಗುಳು गुळुगुळु (क) सं. — दे. ಗುಳ.

ಗುಳೆ गुळे, ಗುಳೆಯ गुळेय, ಗುಳ್ಯ गुळ्य (क) सं.— समुदाय; स्थानांतरीकरण (शत्रुओं के आक्रमण के भय या अकाल के भय से एक स्थान को छोड़कर दूसरे स्थान जाना) ।

ಗುಳ್ಳ गुळ्ळ (क) सं.—लता विशेष, निदग्धिका या राष्ट्रिका (Solanum ferox) ।

ಗುಳ್ಳಿ गुळ्ळि (क) सं.— दे. ಗುರುಳಿ. मसिपात्र, दवात ।

ಗುಳ್ಳೆ गुळ्ळे (क) सं.— दे. ಗುರುಳಿ ।

ಗುಱ गुऱ (क) सं.— हाथी-घोड़े का सजावटी साज; हल की फाल; लोहे की छड़ी ।

ಗುಱಿ गुऱि (क) सं.—निम्न भूमि, गड्ढा; बिल ।

ಗುಱು गुऱु (क) सं.— दे. ಗುಱ. (समुद्र के) जल का गर्जन; अग्नि-ज्वाला का शब्द ।

ಗೂಗಿ गूगि, ಗೂಗೆ गूगे, ಗೂಬೆ गूबे (क) सं.— उल्लू ।

ಗೂಗು गूगु (क) सं.— भूसा, भूसी ।

ಗೂಗೆ गूगे (क) सं.— दे. ಗೂಗಿ.

ಗೂಟ गूट (क) सं.— कीला, खूँटा, खूँटी ।

ಗೂಡ गूड, ಗೂಡೆ गूडे (क) सं.— टोकरी ।

ಗೂಡಾರ गूडार (तद्) सं.— दे. ಗುಡಾರ.

ಗೂಡಿಸು गूडिसु (क) क्रि.—एक साथ मिला, राशि लगा, झाड़ू देकर राशि लगा; झाड़ू दे ।

ಗೂಡು गूडु (क) सं.— घोंसला, नीड़; कबूतर का दरबा; मुर्गी-मुर्गे का घर; अस्थायी वासस्थान; दीवार में छोटा ताखा (Niche); क्रूर मृगों को फँसाने का फंदा; पिंजड़ा; नाभि; हड्डी का खोखला; ढाँचा, खाका; शरीर, देह; बाजरे की सूखी भूसी का ढेर ।

ಗೂಡೆ गूडे (क) सं.— टोकरी; एक पौधा विशेष ।

ಗೂಢ गूढ (सम्) वि.— छिपा हुआ, ढका हुआ, गुप्त; गहन, एकांत ।

ಗೂಢಚತುರ್ಥ गूढचतुर्थ (सम्) सं.— एक प्रकार का चित्र ।

ಗೂಢಚರ गूढचर, ಗೂಢಚಾರ गूढचार, ಗೂಢಚಾರಿ गूढचारि (सम्) सं.— गुप्तचर, जासूस ।

ಗೂಢತೆ गूढते (सम्) सं.— गुप्तत्व, रहस्य ।

ಗೂಢಪ गूढप, ಗೂಢಪಾದ್ गूढपाद्, ಗೂಢಪಾದ गूढपाद (सम्) सं.— साँप, सर्प ।

ಗೂಢಪದ गूढपद (सम्) सं.— रहस्य; असाधारण शब्द ।

ಗೂಢಸಾಕ್ಷಿ गूढसाक्षि (सम्) सं.— प्रपंची गवाह ।

ಗೂಢಾಂಗ गूढांग (सम्) सं.—कमठ, कछुवा ।

ಗೂಣು गूणु (क) सं.— छोटा ताखा, छोटा आला ।

ಗೂಂಟ गूंट (क) सं.— दे ಗೂಟ.

ಗೂಥ गूथ (सम्) सं.— विष्ठा, मल ।

ಗೂದೆ गूदे (क) सं.— टमाटर ।

ಗೂನಿ गूनि (क) सं.— कुबडी, कुब्जा ।

ಗೂನು गूनु (क) सं.— कूबड़ ।

ಗೂಬೆ गूबे (क) सं.— दे ...

बाळु (क) सं.— उल्लू का जीवन ।

ಗೂರಲು गूरलु, ಗೂರು गूरु (क) ... श्वास रोग ।

ಗೂಱು गूरु (ಗೂಱು गूरु ...

या (बड़े) दाँतों से ...

उल्टा ।

ಗೂರ್ಣ गूर्ण (सम्) वि.— लिया हुआ, प्रयत्न किया हुआ।

ಗೂರ್ಣಿಸು गूर्णिसु, ಗೂರ್ಮಿಸು गूर्मिसु (क) क्रि.— गर्जन कर, कलकल कर, ध्वनि कर ; गूँज ; जंभाई ले ; खोल ; विस्तृत कर ; प्रकट हो ; उत्पन्न हो, ऊपर उठ।

ಗೂರ್ಮಿಸು गूर्मिसु (क) क्रि.—दे. ಗೂರ್ಣಿಸು.

ಗೂವ गूव (क) सं.— कबूतर, कपोत।

ಗೂವಾಕ गूवाक (सम्) सं.= ಗುವಾಕ गुवाक — सुपारी का पेड़।

ಗೂಳಿ गूळि (क) सं. — साँड ; बड़ा जुआँ, चीलर।

ಗೂಳೆ गूळे, ಗೂಳೆವು गूळेवु, ಗೂಳ್ಯ गूळ्य (क) सं.—दे. ಗುಳೆ.

ಗೃಂಜನ गृंजन (सम्) सं.—लहसुन।

ಗೃಧ್ನು गृध्नु (सम्) वि. — लालची, लोभी ; अभिलाषी।

ಗೃಧ್ರ गृध्र (सम्) वि.—लालची, लोभी। सं. गीध।

ಗೃಷ್ಟಿ गृष्टि (सम्) सं.—एक बछड़ेवाली गाय ; कोई भी जवान मादा जानवर।

ಗೃಷ್ಟಿಕೆ गृष्टिके (सम्) सं. — एक प्रकार का पौधा।

ಗೃಹ गृह (सम्) सं.—घर, भवन ; पत्नी।

ಗೃಹಕೃತ್ಯ गृहकृत्य (सम्) सं.—घरेलू कार्य या बातें ; घर का काम-काज।

ಗೃಹಗೋಧಿಕೆ गृहगोधिके (सम्) सं. — छिपकली।

ಗೃಹಚ್ಛಿದ್ರ गृहच्छिद्र (सम्) सं. — घर-गृहस्थी का दोष या कलंक।

ಗೃಹಪತಿ गृहपति (सम्) सं. — गृहस्थ, घर का स्वामी ; यज्ञ करनेवाला।

ಗೃಹಪಿಕ गृहपिक (सम्) सं.—दे. ಗೃಹಗೋಧಿಕೆ.

ಗೃಹಪ್ರವೇಶ गृहप्रवेश (सम्) सं. — नये बने जाने के पूर्व कतिपय शास्त्रीय कर्मानु- ; नव विवाहिता वधू का पति-गृह में आगमन।

ಗೃಹಬಲಿಭುಜ್ गृहबलिभुज़ (सम्) सं. — गौरैया !

ಗೃಹವಾಟಿ गृहवाटि (सम्) सं.— घर के सामने का बगीचा।

ಗೃಹಶಾಂತಿ गृहशांति (सम्) सं. — घर की शांति के लिए किया जानेवाला कर्मानुष्ठान।

ಗೃಹಸ್ಥ गृहस्थ (सम्) सं. —घर का स्वामी, गृहपति, बाल बच्चोंवाला ; सज्जन, सत्पुरुष।

ಗೃಹಸ್ಥಾನ (सम्) सं. — अस्थायी निवास-स्थान।

ಗೃಹಸ್ಥಾಶ್ರಮ गृहस्थाश्रम (सम्) सं.— चार अश्रमों में दूसरा।

ಗೃಹಸ್ಥಿಕೆ गृहस्थिके (सम्) सं.— घर-गृहस्थी ; सज्जनता, शिष्टता, सभ्यता।

ಗೃಹಸ್ಥೆ गृहस्थे (सम्) सं —गृहिणी, घर की स्वामिनी।

ಗೃಹಾಧಿಪ गृहाधिप (सम्) सं.—गृहस्थ, घर का स्वामी।

ಗೃಹಾವಗ್ರಹಣಿ गृहावग्रहणि (सम्) सं. — देहरी।

ಗೃಹಿ गृहि (सम्) सं.=ಗೃಹಸ್ಥ.

ಗೃಹಿಣಿ गृहिणि (सम्) सं.— घर के स्वामी की पत्नी, पत्नी।

ಗೃಹೀತ गृहीत (सम्) वि.—लिया हुआ, प्राप्त, उपलब्ध, स्वीकृत, ग्रहण किया हुआ, धारण किया हुआ।

ಗೃಹ್ಯ गृह्य (सम्) वि.—घरेलू, घर से संबंधित ; आकर्षणीय ; प्रसन्न करने योग्य। सं.—घर में बसनेवाला, पालतू जानवर।

ಗೃಹ್ಯಕ गृह्यक (सम्) सं.—परतंत्र, पालतू, पालतू जानवर।

ಗೆ गे (क) प्र. — संप्रदान कारक का चिह्न : उदा.—ಅವನಿಗೆ अवनिगे — उसको, ಕವಿಗೆ कविगे—कवि को, ನನಗೆ ननगे—मुझे (मेरे लिए)।

ಗೆಂಟು गेंटु (क) सं.—दूरी, फ़ासला, अधिक दूरी, हटाव।

ಗೆಂಡೆ गेंडे (क) सं.—शिश्न, लिंग, पुरुष की जननेंद्रिय ; कंद, मूल।

ಗೆಂಡೆಮೀನು गेंड़ेमीनु (क) सं. — एक प्रकार की मछली।

ಗೆಗ್ಗೆ गेग्गे (क) वि.—छोटा, लघु।

ಗೆಜ್ಜಲು गेज्जलु (क) सं.—दीमक।

ಗೆಜ್ಜೆ गेज्जे (क) सं.—नूपुर, पायल ; ऊरुसंधि, पेट और जांघ के बीच का भाग।

ಗೆಜ್ಜೆಗಾಱ गेज्जेगार् [ಗಾರ गार] (क) सं. — पायल बनानेवाला ; शूद्रों की एक जाति।

ಗೆಡಪ गेडप (क) सं.—तोते की बोली।

ಗೆಡಹ गेडह, ಗೆಡೆ गेड़े (क) क्रि. — गिरा, नीचे गिरा, पतित कर।

ಗೆಡೆ गेड़े (क) सं.—संपर्क, संगति, स्नेह, ठीक होना ; सामीप्य। क्रि. — दे. ಗೆಡಹ.

ಗೆಡ್ಡೆ गेड्डे (क) सं.—कंद, मूल ; मृणाल।

ಗೆಣತಿ गेणति (क) सं.—सखी, सहेली ; बच्चों की भाषा में शरीर पर हल्का भूरा धब्बा या चित्ती।

ಗೆಣಸಂಗು गेणसंगु (क) सं.—एक बड़ा वृक्ष (Heterophragna roxburghii)।

ಗೆಣಸು गेणसु (क) सं.—शकरकंद। ಗೆಡ್ಡೆಗೆಣಸು गेड्डेगेणसु=कंद-मूल।

ಗೆಣಿ गेणि (क) सं. — मिलन, स्नेह, दोस्ती ; दोस्त, मित्र।

ಗೆಣಿಗಾಱ गेणिगार् [ಗಾರ गार] (क) सं.— दोस्त, मित्र।

ಗೆಣಿತನ गेणितन (क) सं. — दोस्ती, मैत्री, स्नेह।

ಗೆಣಿಯ गेणिय (क) सं.—ಗೆಣಿಗಾಱ.

ಗೆಣಿಸು गेणिसु (क) सं.—दे. ಗೆಣಸು.

ಗೆಣೆಗಾತಿ गेणेगाति (क) सं.—सखी, सहेली, आली।

ಗೆಣೆಗಾಱ गेणेगार् (क) सं.= ಗೆಣಿಗಾಱ.

ಗೆಣೆತನ गेणेतन (क) सं.— ಗೆಣಿತನ.

ಗೆಣೆಯ गेणेय (क) सं.—दोस्त, मित्र, सखा।

ಗೆಣ್ಣು गेण्णु (क) सं.— ब्याई हुई गाय या भैंस का दूध।

ಗೆದಲು गेदलु (क) सं.—दीमक।

ಗೆಂದಿ गेंदि (क) क्रि.—जीत, विजयी हो, विजय प्राप्त कर।

ಗೆದಿಸು गे़दिसु (क) क्रि.—ಗೆದಿ का प्रेरणार्थक रूप—जिता, विजय प्राप्त करा ।

ಗೆದ್ದಲಿ गे़द्दलि, ಗೆದ್ದಲು गे़द्दलु (क) सं.—दीमक ।

ಗೆಪ್ತಿ गे़प्ति (तद्) सं.—ज्ञप्तिः (तत्); समझना, जानना, बुद्धि; स्मरण ।

ಗೆಬರು गे़बरु (क) क्रि.—नख से (ज़मीन) खोद ।

ಗೆಬ್ಬು गे़ब्बु (क) क्रि.—दे. ಗೆಬರು.

ಗೆಯ್ गे़य् (क) क्रि.—कर, काम कर, बना, तैयार कर, जोत, कृषिकर्म कर ।

ಗೆಯಿ गे़यि (क) क्रि.= ಗೆಯ್.

ಗೆಯಿಸು गे़यिसु (क) क्रि.—करा, काम करा, बनवा, तैयार करा (प्रे.) ।

ಗೆಯು गे़यु (क) क्रि.—दे. ಗೆಯ್.

ಗೆಯ್ತ गे़य्त (क) सं.—काम, श्रम ।

ಗೆಯ್ಮೆ गे़य्मे़ (क) सं.—काम, परिश्रम, जोताई, कृषि ।

ಗೆಯ್ಯು गे़य्यु (क) क्रि.—दे. ಗೆಯ್.

ಗೆಯ್ಸು गे़य्सु (क) क्रि.—दे. ಗೆಯಿಸು.

ಗೆರಸೆ गे़रसे़ (क) सं.—सूप, अनाज रखने की चौकाकार टोकरी, सेकपात्र ।

ಗೆರಿಸೆ गे़रिसे़ (क) सं.—दे. ಗೆರಸೆ.

ಗೆರೆ गे़रे़ (क) सं.—नख या छेनी की रेखा, रेखा, लायिन लकीर ।

ಗೆರೆಸೆ गे़रेसे (क) सं.—दे. ಗೆರಸೆ.

ಗೆಱ गे़र (क) सं.—रेखा, लकीर ।

ಗೆರ್ಬು गे़र्बु (क) क्रि.—मैथुन कर, रति-क्रीडा कर ।

ಗೆಲ್ गे़ल् (क) क्रि.—जीत, विजय पा, विजय हो; लेपन कर, मल, संपर्क में ला ।

ಗೆಲ गे़ल, ಗೆಲವು गे़लवु (क) सं.—जीत, विजय, जय; जीतने का आनंद, विजयोत्साह । ಗೆಲುವು ಸೋಲು गे़लुवु सोलु — जीत और हार ।

ಗೆಲಿ गे़लि, ಗೆಲಿತು गे़लितु, ಗೆಲಿದು गे़लिदु (क) कृ.—जीतकर ।

ಗೆಲಿಸು गे़लिसु (क) क्रि.—जिता, विजयी कर (प्रे.) ।

ಗೆಲು गे़लु (क) क्रि.—दे. ಗೆಲ್. सं.—विजय, जीत ।

ಗೆಲುಗೆ गे़लुगे़ (क) सं.—जीतना, जीत, विजय (मै. प्र.) ।

ಗೆಲುವಿಕೆ गे़लुविके, ಗೆಲುವು गे़लुवु, ಗೆಲುಹ गे़लुह (क) सं.—जीत, जय, विजय ।

ಗೆಲ್ಲ गे़ल्ल (क) सं.—जीत, जय, विजय ।

ಗೆಲ್ಲಿಸು गे़ल्लिसु (क) क्रि.—जिता, विजय प्राप्त करा (प्रे) ।

ಗೆಲ್ಲು गे़ल्लु (क) क्रि.—विजय प्राप्त कर, जीत ।

ಗೆಲ್ಲುವಿಕೆ गे़ल्लुविके़ (क) सं.—दे. ಗೆಲುವಿಕೆ.

ಗೆಳತಿ गे़ळति, ಗೆಳತೆ गे़ळते़ (क) सं.—सखी, सहेली, आली ।

ಗೆಳೆಯ गे़ळेय, ಗೆಳಿಯ गे़ळिय (क) सं.—दोस्त, मित्र, सखा ।

ಗೆಳೆ गे़ळे़ (क) सं.—स्नेह, मित्रता, मैत्री, सांगत्य ।

ಗೆಳೆಗಾರ್ತಿ गे़ळे़गार्ति (क) सं.—दे. ಗೆಳತಿ.

ಗೆಳೆಯ गे़ळे़य (क) सं.—दे. ಗೆಳೆಯ.

ಗೆಣಸು गे़लसु (क) सं.—शकरकंद, मूल या कंद ।

ಗೇ गे (क) क्रि.—कर, बना, तैयार कर, कृषि कर ।

ಗೇಂಡ गेंड, ಗೇಂಡಾಮೃಗ गेंडामृग (तद्) सं.—गैंडा, गंडक ।

ಗೇಂಡು गेंडु, ಗೇಂಡುಕ गेंडुक (सम्) सं.—गेंद ।

ಗೇಕು गेकु (क) सं.—दलदल का एक पौधा ।

ಗೇಣ್ गेण् (क) सं.—अंगूठे और कनिष्ठिका के बीच का परिमाण, वितस्ति; बड़ा चाकू, तलवार । — ಹಾಕು हाकु (क) क्रि.—हाथ से नाप (अंगूठे और कनिष्ठिका के बीच का स्थान); दूर की बात सोच ।

ಗೇಣ गेण (क) सं.—दे. ಗೇಣ್.

ಗೇಣಿ गेणि (क) सं.—भाड़ा, किराया; संविदा ।

ಗೇಣು गेणु (क) सं.—दे. ಗೇಣ್.

ಗೇಣೆ गेणे (क?) सं.—एक पौधा विशेष ।

ಗೇನ गेन (तद्) सं.—ज्ञान । — ವಂತ वंत (तद्) सं.—ज्ञानवान्, ज्ञानी (ग्रा.) ।

ಗೇಪಕ गेपक (तद्) सं.—ज्ञापक (तत्), याद ।

ಗೇಬೆ गेबे़ (क) सं.—रोग के कारण (शरीर के किसी अंग का) फूलना ।

ಗೇಮೆ गेमे़ (क) सं.—काम, कार्य ।

ಗೇಯ गेय (सम्) वि.—गाने योग्य, गानेवाला, गवैया । सं.—एक वृत्त का नाम ।

ಗೇಯಿಸು गेयिसु (क) क्रि.—काम करा (प्रे.) ।

ಗೇರ್ गेर् (क) सं.—कफ़ के कारण छाती और कंठ में उत्पन्न होनेवाली ध्वनि ।

ಗೇರು गेरु (क) सं.—दे. ಗೇರ್; काजू का पेड़ ।

ಗೇಱು गेरु (क) क्रि.—सूप से पछोर (मै.प्र.) ।

ಗೇರ್ಕಾಯಿಮರ गेर्कायिमर (क) सं.—काजू का पेड़ ।

ಗೇಲಿ गेलि (क) सं.—हँसी-ठट्ठा, उपहास, मज़ाक, खिल्ली उड़ाना ।

ಗೇಸ್ತ गेस्त (तद्) सं.—गृहस्थ (तत्) ।

ಗೇಹಿನಿ गेहिनि (सम्) सं.—गृहिणी, पत्नी, घर की स्वामिनी ।

ಗೇಹೇನರ್ದಿ गेहेनर्दि, ಗೇಹೇಶೂರ गेहेशूर (सम्) सं.—डरपोक, पर्दे का मुर्गा ।

ಗೇಹೋಪವನ गेहोपवन (सम्) सं.—घर के पास का बग़ीचा ।

ಗೈ गै (क) क्रि.—दे. ಗೆಯ್.

ಗೈರಖರ್ಚ गैरखर्च (अ. दे.) सं.—अतिरिक्त व्यय ।

ಗೈರಾಜರ್ गैराजर्, ಗೈರುಹಾಜರು गैरुहाजरु (अ. दे.) वि.—ग़ैरहाज़िर (अरबी); अनुपस्थित ।

ಗೈರಿಕ गैरिक (सम्) सं.—पहाड़ पर उत्पन्न; सोना; शिलाजीत, राल ।

ಗೈರೇಯ गैरेय (सम्) सं.—राल, शिलाजीत ।

ಗೊಂಕೆ गोंके़ (क) सं.—कंठ, गला ।

ಗೊಂಗಡಿ गोंगडि (अ. दे.) सं.—सिर और मुँह पर लगाने की चादर; चादर; अच्छा और लंबा इमली का फल ।

ಗೊಂಗು गोंगु (क) सं.—दे. ಗುಂಗು.

ಗೊಂಗೆ गोंगे (क) सं.—राशि, ढेर ; बकवादी, गप्पी ।
ಗೊಂಚಲ್ गोंचल्, ಗೊಂಚಲ गोंचल, ಗೊಂಚಲು गोंचलु (क) सं.— गुच्छा, फलों या फूलों का स्तवक ।
ಗೊಂಚಿ गोंचि, ಗೊಂಚೆ गोंचे (क)सं.—राशि, ढेर, समुदाय ।
ಗೊಂಡು गोंडु (क) सं.— कोण, कोना ; परकाल की बिंदु ।
ಗೊಂಡೆ गोंडे (क) सं.— गुच्छा, समूह ; झब्बा, फीता ; दुर्भेद्य या अगम्य स्थिति, घनत्व ; घना जंगल, निबिड अरण्य ।
ಗೊಂಡೆಯ गोंडेय (क) सं.— राशि, ढेर ।
ಗೊಂತು गोंतु (क) सं.—चिह्न, निशान, जान-पहचान ।
ಗೊಂತೆಮಗೊರುಚೆಟ್ಟು गोंतेमगोरुचेट्टु (क) सं.— एक पौधा (The Plant Peaderia felida) ।
ಗೊಂದ गोंद, ಗೂದೆ गूदे (क) सं.— टमाटर ।
ಗೊಂದಣ गोंदण, ಗೊಂದಣಿ गोंदणि, ಗೊಂದಳ गोंदळ (क) सं.— राशि, ढेर, समुदाय ; लोगों की भीड़, गड़बड़ी, भीड़ का शोर-गुल ।
ಗೊಂದಣಿಸು गोंदणिसु (क) क्रि.— एकत्रित हो, भीड़ हो, बहुलता हो ।
ಗೊಂದಲ गोंदल (क) सं.— गड़बड़ी, भ्रम ।
ಗೊಂದಲಿಗ गोंदलिग (क?) सं.— भगवती पार्वती पर गीत रचकर गानेवाला और उनकी कथा का कीर्तन करनेवाला ।
ಗೊಂದಳ गोंदळ (क) सं.— दे. ಗೊಂದಣ.
ಗೊಂದಳಿಸು गोंदळिसु (क) क्रि.— दे. ಗೊಂದಣಿಸು.
ಗೊಂದಿ गोंदि, ಗೊಂದು गोंदु (क) सं.— गली, तंग रास्ता ; आबनाय, जल का तंग रास्ता ।
ಗೊಂಬೆ गोंबे (क) सं. — समूह, समुदाय ; बच्चों का खिलौना, पुतली ।
ಗೊಂಯಿ गोंयि (क) सं.—मच्छर का ' भिन-भिन ' शब्द ।
ಗೊಗ್ಗಯ್ಯ गोग्गय्य (क) सं.—हौआ, हाऊ (बच्चों को डराने के लिए कहा जाता है) ।
ಗೊಚ್ಚೆ गोच्चे, ಗೊಜ್ಜೆ गोज्जे (क) सं.—दल-दल, कीचड़, पंक ।
ಗೊಜುಗು गोजुगु (क) क्रि. —अस्पष्ट रूप से बोल, हड़बड़ा । सं.—बड़बड़ाहट, अस्पष्ट बोली ।
ಗೊಜಿಬಿಜಿ गोजिबिजि (क) सं—दे. ಗಜಿಬಿಜಿ.
ಗೊಜ್ಜಗೆ गोज्जगे (क) सं.—दे. ಗುಜ್ಜಗೆ.
ಗೊಜ್ಜಲು गोज्जलु (क) सं.—पंक, कीचड़ ।
ಗೊಜ್ಜು गोज्जु (क) सं.—अम्लता खट्टापन ; तरकारी के साथ मिर्च-मसाला आदि डालकर बनाया जानेवाला एक व्यंजन विशेष ।
ಗೊಜ್ಜುಗೆ गोज्जुगे (क) सं.—दे. ಗುಜ್ಜಗೆ.
ಗೊಟಕು गोटकु (क) सं. — मरनेवाले व्यक्ति का आखिरी बार हाँफने की स्थिति ।
ಗೊಟರು गोटरु, ಗೊಟ್ರು गोट्रु (क) सं. — बिल, खोखला ।
ಗೊಟ್ಟ गोट्ट (क) सं.—पशुओं को आहार या दवाई देने में काम आनेवाली बाँस की नली ; आम की गुठली ; कोना, कोण ।
ಗೊಟ್ಟಚಿ गोट्टचि (क) सं. — एक पौधा विशेष ।
ಗೊಟ್ಟಿಗೆ गोट्टिगे (तद्) सं.—घोटिका (तत्); घोड़ी ।
ಗೊಟ್ಟು गोट्टु (क) सं. — वक्रता, टेढ़ापन, धूर्तता ; अनुपलब्धि, दुःप्राप्य होना ; नीर-सता, सूखापन, शुष्कता ; अकाल ।
ಗೊಟ್ರು गोट्रु (क) सं.—दे. ಗೊಟರು.
ಗೊಡಗು गोडगु, ಗೊಡುಗು गोडुगु (क) सं.— खोखला, बिल ।
ಗೊಡಚಿ गोडचि (क) सं. —आँख की पुतली का एक रोग ; एक पौधा ।
ಗೊಡರು गोडरु (क) सं. — टरटराहट ; बैल के डकारने की ध्वनि ।
ಗೊಡಲು गोडलु (क) सं. — भूसा, असार पदार्थ, थोथा ; कूड़ा-करकट ।
ಗೊಡವೆ गोडवे (क) सं. — संबंध, विचार, मतलब, प्रयोजन । ಊರಿಗೆ ಹೋಗದವರಿಗೆ ದಾರಿ ಗೊಡವೆ ಯಾಕೆ? ऊरिगे होगदवरिग दारी गोड़वे याके-जो गाँव नहीं जाते उनको मार्ग से क्या मतलब या प्रयोजन (कह.) ।
ಗೊಡುಗು गोडुगु (क) सं.— दे. ಗೊಡಗು.
ಗೊಡ್ಡ गोड्ड (क) सं.— उलझी हुई और व्याकुल करने वाली बात ; भय, संदेह, शंका ; एक पौधे का नाम ।
ಗೊಡ್ಡಿ गोड्डि (क) सं.—बांझ स्त्री ; (नाटक में) स्त्री वेषधारी पुरुष ।
ಗೊಡ್ಡು गोड्डु (क) सं.—असारता, शुष्कता ; बाँझ स्त्री या गाय ।
ಗೊಣಗುಟ್ಟು गोणगुट्टु (क) क्रि. — बड़बड़ा, अस्पष्ट बोल ।
ಗೊಣಗ गोणग(क) सं.—नाक से बोलनेवाला। ಗೊಣಗಿ गोणगि—स्त्री. लिं. ।
ಗೊಣಗು गोणगु (क) क्रि. — नाक से बोल (मै. प्र.) । सं.—एक पौधा ; नाक की बोली ; कुड़कुड़ाहट, बड़बड़ाहट ;
ಗೊಣಸು गोणसु (क) सं. = ಗೊಲಸು गोलसु — शृंखला (जंजीर) की कड़ी ; फंदा, जाल ; पाँच रत्नों का गुच्छा (आभरण) ।
ಗೊಣೆಯ गोणेय (क) सं.—धनुष की डोरी का मध्य भाग ।
ಗೊಣ್ಣೆ गोण्णे (क) सं.—काठ का कीड़ा ; नाक का मल ; स्याही का धब्बा ।
ಗೊತ್ತು गोत्तु (क) सं.—चिह्न, निशान, पह-चान ; परिचय ; नियतता, नियम, विधि, आज्ञा ; निश्चित स्थान ; गुफा ; आश्रय-स्थान ; पशु-शाला ।
ಗೊತ್ತುಗಾರ गोत्तुगार [ಗಾರ गार] (क) सं. -पुरुषपरिचय ; मुख्य पुरुष, प्रधान व्यक्ति ।
ಗೊದ गोद (क) सं.—गाढ़ापन ।
ಗೊದಕು गोदकु, ಗೊದಗು गोदगु (क) सं. — पंक, कीचड़ ।
ಗೊದಮ गोदम (क) सं.—देवता के रथ के चक्र को रोकने के लिए काम में लाया जाने-वाला लकड़ी का मोटा डंडा ।
ಗೊದಳೆ गोदळे (क) सं.— एक मछली का नाम ।
ಗೊದ್ದ गोद्द (क) सं.— एक प्रकार बड़ी काली चींटी जिसके काटने से बहुत पीड़ा होती है ; एक वृक्ष (The Sun-Paper tree) ।

ಗೊದ್ದೆ गोद्दे (क) सं.— सुअर का मल या विष्ठा।

ಗೊನಗಾ गोनगा (क) सं.— एक बकवादी चिड़िया।

ಗೊನೆ गोने (क) सं.— सं.— फलों का गुच्छा (विशेषकर केले, आम, अंगूर और नारियल का)।

ಗೊನೆಗಾಱ गोनेगार (ಗಾರ गार) (क) सं.— केले, आम और नारियल का एकत्रीकरण करनेवाला आदमी।

ಗೊಪ್ಪೆ गोप्पे (क) सं.— ताड़ की तरह का एक वृक्ष (The Papaw tree)।

ಗೊಬಕು गोबकु (क) सं.—मेंढक की टरटराहट।

ಗೊಬ್ಬರ गोब्बर (क) सं. — खाद ; शीतला रोग।

ಗೊಬ್ಬಳಿ गोब्बळि, ಗೊಬ್ಬುಳಿ गोब्बुळि (क) सं.— पानी का बुलबुला।

ಗೊಬ್ಬು गोब्बु (क) सं.— खेल, तमाशा, नाच, नृत्य।

ಗೊಬ್ಬುಳಿ गोब्बुळि (क) सं.— दे. ಗೊಬ್ಬಳಿ.

ಗೊಮ್ गोम् (क) सं.— बड़ी मक्खियों का भिनभिनाना।

ಗೊಯ್ गोय् (क) सं.— दे. ಗೊಂಯು.

ಗೊರ गोर (क) रूक्षता, रूखापन ; बिल्ली की आवाज़।

ಗೊರಗು गोरगु, ಗೊರಬ गोरब, ಗೊರಬು गोरबु (क) सं.— घास या पत्तों से बना ढाँकने का वस्त्र।

ಗೊರಜೆ गोरजे (क) सं.—एक वृक्ष Flacourtia catafracta)।

ಗೊರಟೆ गोरटे (तद्) सं.— कुरंटकः (तत्) ; पीले रंग का सदाबहार, गुलकेस।

ಗೊರಪ गोरप (क) सं.— घोड़े को मलने का खरहरा।

ಗೊರಬ गोरब, ಗೊರಬು गोरबु (क) सं.— दे. ಗೊರಗು.

ಗೊರವ गोरव (क) सं.— शैव-भिक्षुक या संन्यासी ; शिवजी—भिक्षुक के रूप में।

ಗೊರವಂಕ गोरवंक, ಗೊರವಂಕೆ गोरवंके (क) सं.— मैना पक्षी।

ಗೊರವಿ गोरवि, ಗೊರವು गोरवु (क) सं.— सदा हरा रहनेवाला एक वृक्ष (Ixora Parviflora)।

ಗೊರವಿತಿ गोरविति (क) सं.— शैव-भिक्षुणी (संन्यासिनी) ಸೂಳೆ ಮುಪ್ಪಾಗಿ ಗೊರವಿತಿ ಆದಳು सूळे मुप्पागि गोरविति आदळु— वेश्या वृद्धावस्था में संन्यासिनी हुई ! (कह.)

ಗೊರವು गोरवु (क) सं.— दे. ಗೊರವಿ.।

ಗೊರಸು गोरसु ಗೊರಸೆ गोरसे, ಗೊರಿಸೆ गोरिसे, ಗೊರುಸು गोरुसु (क) सं.— खुर।

ಗೊರಸೆ गोरसे (क) सं.— दे.— ಗೊರಸು.

ಗೊರಿಮಿಡಿ गोरिमिडि, ಗೊರಿಮಿಡಿ गोरिमिडि (क) सं.— काकोली, स्वादुरसा।

ಗೊರಿಸೆ गोरिसे, ಗೊರುಸು गोरुसु (क) सं.— दे. ಗೊರಸು.

ಗೊರೆ गोरे (क) सं.— ध्वनि, आवाज़, शब्द।

ಗೊಱ್ गोऱ् (क) सं.— घरोटा।

ಗೊಱಕು गोऱकु (क) सं.— (क) घरोटा लेना।

ಗೊಱಟೆ गोऱटे (क) सं.— गुठली।

ಗೊಱಿಕೆ गोऱिके, ಗೊಱುಕು गोऱुकु (क) सं.— दे. ಗೊಱಕು.

ಗೊಱ್ಱು गोऱ्ऱु (क) सं.— पेट में होनेवाला शब्द।

ಗೊರ್ಕು गोर्कु, ಗೊರ್ಕೆ गोर्के (क) सं.— दे. ಗೊಱಕು.

ಗೊಲಸು गोलसु (क) सं.— शृंखला की कड़ी, जंजीर; सीकड़ी।

ಗೊಲಮಿಡಿ गोलमिडि (क) सं.— इक्षुगंधा या कोकिलाक्ष।

ಗೊಲೆ गोले (क) सं.— गांठ लगी जगह, दाँतदार नोंक, धनुष का अग्र भाग, गुच्छा, फूलों का गुच्छा।

ಗೊಲ್ಲ गोल्ल (तद्) सं.— गोपाल ; ग्वाला, गोप।

ಗೊಲ್ಲತಿ गोल्लति, ಗೊಲ್ಲಿತಿ गोल्लिति, ಗೊಲ್ಲಿತ್ತಿ गोल्लित्ति (तद्) सं.— ग्वालिन।

ಗೊಲ್ಲವಾಳಿಗ गोल्लवाळिग, ಗೊಲ್ಲಳ गोल्लळ गोल्लळ (तद्) सं. = ಗೊಲ್ಲ.

ಗೊಲ್ಲಿ गोल्लि (क) सं.—कोना, कोण ; गली ; गुप्त भाग (योनी, भग)।

ಗೊಳಗೊಳಕೆ गोळगोळके (क) सं. — पीला गोखरू।

ಗೊಳಲಿ गोळलि (क) सं.— भूसा (मुख्य रूप से धान का भूसा ; इमली का छिलका।

ಗೊಳೋ गोळो (क) अ.— ज़ोर ज़ोर से (रोते समय निकलनेवाली आवाज़) ; ಅವನು ಗೊಳೋ ಎಂದು ಅತ್ತನು अवनु गोळो एंदु अत्तनु — वह ज़ोर से रोने लगा।

ಗೊಳ್ಳೆ गोळ्ळे (क) सं.—पुरुषों का गुदा।

ಗೋ गो (सम्); सं.—पशु, गाय ; साँड़, बैल ; किरण, रश्मि ; मरीचिका : स्वर्ग ; वज्र (Thunderbolt) ; बाण, तीर ; भूमि, पृथिवी ; जल, परनी ; आँख ; दिशा ; वाणी, बात, सरस्वती, भारती ; शरीर पर के रोम, केश ; कुक्षि, पेट ; पादप, पेड़ ; लहर, वीची ; चिड़िया, पक्षी, विहंग ; सींग ; सूर्य ; पर्वत, पहाड ; चाँद।

ಗೋಕಂಟಕ गोकंटक (सम्) सं —बैलों से खूँदा हुआ मार्ग ; गाय का खुर ; एक पौधा विशेष (The plant Asteracantha longifolia Nees)।

ಗೋಕರ್ಣ गोकर्ण (सम्) सं. — गाय का कान ; चमरी मृग ; साँप ; खच्चर ; पश्चिमी समुद्र तीर पर स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थान। ಎಲ್ಲರೂ ಗೋಕರ್ಣಕ್ಕೆ ಹೋದರೆ ಗೋಕರ್ಣದವರು ಗಾಳಕ್ಕೆ ಹೋದರು एल्लरू गोकर्णक्के होदरे गोकर्णदवरु गाळक्के होदरु — सब गोकर्ण गये तो गोकर्णवाले मत्स्य-बंधन (मछली पकड़ने) के लिए गये।

ಗೋಕರ್ಣಿ गोकर्णि (सम्) सं — एक (Sanseviera zeylanica)।

ಗೋಕುಲ गोकुल (सम्) सं. — गायों समूह ; गो शाला ; यमुना तट का तट वर्ती गाँव जहाँ श्रीकृष्ण पाले पोसे गये ಅಷ್ಟಮಿ अष्टमि (सम्) सं.—श्रीकृष्ण जन्मदिन जो श्रावण कृष्ण पक्ष के ८ दिन मनाया जाता है।

ಗೋಕ್ಷುರ गोक्षुर, ಗೋಕ್ಷುರಕ गोक्षुरक (सम्) सं.—दे. ಗೋಕಂಟಕ.

ಗೊಗರೆ गोगरे (क) क्रि·—मेंढक के ढकारने की ध्वनि ; गिड़गिड़ा, दैन्य प्रकट कर ।

ಗೊಗರೆತ गोगरेत (क) सं· — गिड़गिड़ाना ; दीनता ।

ಗೋಗಿ गोगि (क) सं·— पट्ठआ ।

ಗೋಗಿಸು गोगिसु (क) क्रि·—वमन कर, कै कर ।

ಗೋಚರ गोचर (सम्) वि. — गौ का चरा हुआ ; पृथिवी पर घूमनेवाला ; लक्ष्य के भीतर । सं· — गोचरभूमि, चरागाह ; इंद्रियों के विषय ।

ಗೋಚರಿಸು गोचरिसु (सम्) क्रि·— गोचर हो, सूझ में आ, प्रकट हो ।

ಗೋಚಿ गोचि (तद्) सं.— कौपीन, लंगोटी ।

ಗೋಚು गोचु (क) क्रि·— झाड़ू देकर एक स्थान में इकट्ठा कर ; डाका डाल, लूट (मै· प्र)।

ಗೋಜಲ गोजल (सम्) सं· — गाय का मूत्र ।

ಗೋಜಾತಿ गोजाति (सम्) सं·— पशु ; पशुओं की सी प्रकृति या स्वभाव, असभ्यता।

ಗೋಜು गोजु (क) सं·— दे. ಗುಂಜು.

ಗೋಟ गोट (क) सं·—पीड़ा कर या क्लेश देनेवाला मनुष्य ।

ಗೋಟಚಿ गोटचि, ಗೊಟ್ಟಚಿ गोट्टचि (क) सं·— एक पौधा ।

ಗೋಟಿ गोटि (क) वि·—पीडाकार, क्लेशदायक ।

(१) ಗೋಟು गोटु, ಗೋಂಟು गोंटु (क) सं·— कोना, कोण, परकाल की बिंदु ; दिशा; किनारा, अंचल, अंतिम भाग या छोर ; किनारी, गोटा ; इमली का फल जिसका बढ़ाव रुका हुआ हो । वि·— कड़ा, रूक्ष । ಗೋಟಡಿಕೆ गोटडिके = कड़ी, निम्न प्रकार की सुपारी ।

(२) ಗೋಟು गोटु (अ. दे) सं·— गोटा (हिं·) ; किनारी, कपड़े का किनारा ।

ಗೋಡಂಬಿ गोडंबि, ಗೋಡಂಬೆ गोडंबे (क) सं.— काजू ।

ಗೋಡು गोडु (क) सं·— कुएँ और तालाबों के तल से निकाली गई मिट्टी या दलदल ।

ಗೋಡುಂಬೆ गोडुंबे (सम्) सं·— कलींदा, हिंगवाना, तरबूजा ।

ಗೋಡೆ गोडे (तद्) सं.— कोटः (तत्) — दीवार, भित्ति ।

ಗೋಣ್ ग़ोण्, ಗೋಣ गोण, ಗೋಣು गोणु, ಗೋಳ್ गोळ् (क) सं.— गर्दन का पिछला भाग, गर्दन, कंठ ।

ಗೋಣಿ गोणि (क) सं.— बोरा, थैला ; दे. ಗೋಗಿ. ; एक छोटा वृक्ष विशेष (A Small Medicinal tree) ; पिप्पल, वट वृक्ष ।

ಗೋಣು गोणु (क) सं.— दे. ಗೋಣ್.

ಗೋಣ್ಮುರಿ गोण्मुरि (क) क्रि·— गला मरोड़ ; हिंसा दे ; मार डाल ।

(१) ಗೋತ गोत (क) सं.— गाय-बैलों का दुर्गंध युक्त पेशाब ।

(२) ಗೋತ गोत (अ. दे·) सं·— गोता (अरबी) ; डुबकी ; हानि, नष्ट । — ಹಾಕು हाकु (क) क्रि·— मर जा, चल बस (मुहा·) ।

ಗೋತಮ गोतम (सम्) सं.— सतानंद के पिता और अहल्या के पति का नाम ।

ಗೋತ್ರ गोत्र (सम्) सं·— पशु, पशुओं का समूह, पशुओं का रक्षक (पशुव्रज) ; वंश, कुल ; संतति, संतान; नाम, वंश का नाम ; पर्वत, अचल ; भूमि, धरा ; देश ; रास्ता, मार्ग ; ज्ञान ; मैदान, खेत । — ಜ ज (सम्) सं·— एक ही वंश में पैदा हुआ व्यक्त, रिश्तेदार । — ಪುತ್ರಿ पुत्रि (सम्) सं.— पार्वती । — ಭಿದ್ भिद् (सम्) सं.— इंद्र । — ಅಗ್ರ अग्र (सम्) सं.— पर्वत का शिखर । — ಅರಿ अरि (सम्) इंद्र । — ಅರಿಪುತ್ರ अरिपुत्र (सम्) सं.— अर्जुन ।

ಗೋತ್ರೆ गोत्रे (सम्) सं.—गायों का समूह; धरा· पृथिवी ।

ಗೋತ್ರೈಕಪಾಲಕ गोत्रैकपालक (सम्) सं·— श्रीकृष्ण ; समुद्र·

ಗೋದ गोद, ಗೋದರ್ಗ गोर्द (सम्) सं.— [गोर्दम् (तत्)] ; मस्तिष्क, दिमाग़ ।

ಗೋದಣ गोदण, ಗೋದಲಿ गोदलि, ಗೋದಲು गोदलु, ಗೋದಲೆ गोदले, ಗೋದ್ಲಿ गोद्लि (क) सं·— गायों के लिए चारा डालने का स्थान (गोशाला में) ।

ಗೋದರುಡು गोदरुडु (क) सं.— अंडकोष ।

ಗೋದಾನ गोदान (सम्) सं.— गोदान, गाय को दान में देना ।

ಗೋದಾರಣ गोदारण (सम्) सं.— हल, फावड़ा ; कुदाली ।

ಗೋದಾವರಿ गोदावरि (सम्) सं·— गोदावरी नदी ।

ಗೋದಿ गोदि, ಗೋದಿವೆ गोदिवे (तद्) सं.— गेहूँ।

ಗೋದುಮೆ गोदुमे, ಗೋದುವೆ गोदुवे (तद्) सं.— गेहूँ ।

ಗೋದುಹ್ गोदुह् (सम्) सं.—दूध दुहनेवाला ; गोपालक ।

( ) ಗೋದೆ गोदे (क) सं.— पौधे की गाँठ ; कुप्पेवाला कंद ।

(२) ಗೋದೆ गोदे (तद्) सं·— गोदावरी, नदी ।

ಗೋದ್ಲಿ गोद्लि (क) सं.—दे. ಗೋದಣ.

ಗೋಧ गोध, ಗೋಧೆ गोधे (सम्) सं·— चमड़े का पट्टा जो बाईं भुजा पर धनुष की रगड़ से बचने के लिए बांधा जाता है ।

ಗೋಧನ गोधन (सम्) सं.— गाय रूपी धन ; गायों का समूह ।

ಗೋಧಿ गोधि (सम्) सं.— माथा ; गंगा का नक्र ; दे. ಗೋಧ.

ಗೋಧಿಕಾ गोधिका, ಗೋಧಿಕೆ गोधिके (सम्) सं.— एक प्रकार की छिपकली ; गोह ।

ಗೋಧೂಮ गोधूम (सम्) सं.— गेहूँ ।

ಗೋಧೆ गोधे (सम्) सं.— दे. ಗೋಧ ; एक प्रकार की छिपकली (Iguna) ।

ಗೋನರ್ದೀಯ गोनर्दीय (सम्) सं.— योग दर्शन के प्रवर्तक तथा महाभाष्य के कर्त्ता पतंजलि ।

ಗೋನಾಸ गोनास, ಗೋನಸ गोनस(सम्) सं.— अजगर ।

ಗೋನ್ गोन्, ಗೋನು गोनु (क) सं.— दे. ಗೋಣ.

ಗೋನಾಳಿ गोनाळि (क) सं.— कंठ, गला ।

ಗೋಂದ गोंद, ಗೋಂದು गोंदु (अ.दे.) सं.— गोंद (Gum)।

ಗೋಪ गोप (सम्) सं.— गो-रक्षक, ग्वाला; छिपाव, दुराव; गाली, कुवाच्य; दीप्ति, चमक, कांति; श्रीकृष्ण; राजा; शिव, शंकर; इंद्र; ब्रह्मा; सूर्य; चंद्रमा; मेरु पर्वत; वृषभ, बैल; गरुड पक्षी; बोल, लोहबान (Myrrh)। — ಕಾಮಿನಿ कामिनि (सम्) सं.— ग्वालिन, ग्वाले की पत्नी।

ಗೋಪಟುತ್ವ गोपटुत्व (सम्) सं.— वक्तृत्व शक्ति।

ಗೋಪತಿ गोपति (सम्) सं.— साँड, बैल; सूर्य; इंद्र।

ಗೋಪಥ गोपथ (सम्) सं.—गायों का मार्ग; गोपथ ब्राह्मण।

ಗೋಪಧ್ವಜ गोपध्वज (सम्) सं.— शिव।

ಗೋಪನ गोपन (सम्) सं.— रक्षा, रक्षण, देख-भाल; छिपाव, दुराव।

ಗೋಪವನಭುಗಿನ गोपवनभुगिन (सम्) सं.— चमकदार आदिशेष सर्प।

ಗೋಪವಾಹನ गोपवाहन (सम्) सं.— इंद्र का वाहन—ऐरावत, ब्रह्मा का वाहन—हंस, विष्णु का वाहन-गरुड, वृषभ-वाहन—शिव।

ಗೋಪಾದಪ गोपादप (सम्) सं.— स्वर्ग का वृक्ष।

ಗೋಪಾಯಿತ गोपायित (सम्) वि.— रक्षित।

ಗೋಪಾಲ गोपाल (सम्) सं.—गोप, ग्वाला, वैष्णव साधुओं की एक जाति; श्रीकृष्ण; शिव; अन्न, भोजन (मै. प्र.)।

ಗೋಪಾಲಕ गोपालक (सम्) सं.— अहीर, ग्वाला।

ಗೋಪಾಳ गोपाळ (तद्) अ.—नाचीज़, निकृष्ट।

ಗೋಪಿ गोपि (से?) सं.— गोपी; अहीर जाति की स्त्री; ग्वालिन; एक पौधा विशेष। — ಚಂದನ चंदन (सम्) सं.— एक प्रकार की सफ़ेद मिट्टी (चंदन) जो ललाट पर तिलक लगाने के काम में आता है। — ನಾಥ नाथ (सम्) सं.— श्रीकृष्ण।

ಗೋಪುರ गोपुर (सम्) सं.— गोपुर, ग्राम या नगर का द्वार, जिसपर गोपुर होता है मंदिर का गोपुर।

ಗೋಪ್ಯ गोप्य (सम्) वि.— रक्षा करने योग्य, छिपाने योग्य, गोपनीय। सं.— दासी का पुत्र।

ಗೋಪ್ಯಕ गोप्यक (सम्) सं.— नौकर, दास।

ಗೋಮತಲ್ಲಿಕೆ गोमतल्लिके (सम्) सं.— अच्छी गाय।

ಗೋಮನಾಳಿ गोमनाळि (क) सं.— गला; कंठ, गर्दन।

ಗೋಮಂತ गोमंत (सम्) सं.— एक पर्वत का नाम।

ಗೋಮಯ गोमय (सम्) सं.— गोबर। — ಪಿಂಡ पिण्ड (सम्) सं.— उपला।

ಗೋಮರಾಳಿ गोमराळि, ಗೋಮಲಾಳಿ गोमलाळि (क) सं.— दे. ಗೋಮನಾಳಿ.

ಗೋಮಾಯು गोमायु (सम्) सं.— पशुओं के जैसे ध्वनि करना; सियार; एक प्रकार का मेंढक।

ಗೋಮಾಳ गोमाळ (सम्) सं.— सार्वजनिक तृणभूमि (चरागाह)।

ಗೋಮಾಳೆ गोमाळे (क) सं.— कंठ का बाहरी उभाड।

ಗೋಮಿನಿ गोमिनि (सम्) सं.— महालक्ष्मी, विष्णु—माया। — ತನುಜ तनुज (सम्) सं.— काम, मदन।

ಗೋಮುಖ गोमुख (सम्) सं.—गाय का मुँह या चेहरा, गाय जैसा मुख; विलेपन, अनुलेपन; एक प्रकार का बाजा; शुद्धता, सफ़ाई; मदमत्तता, नशा; छेद, सुराख; नक्र, मगर, घड़ियाल। — ವ್ಯಾಘ್ರ व्याघ्र (सम्) सं.—मुख गाय का और हृदय बाघ का अर्थात् दुष्ट हृदय (A wolf in sheep's clothing)।

ಗೋಮೇದ गोमेद, ಗೋಮೇದಕ गोमेदक, ಗೋಮೇದಿಕ गोमेदिक सं.— लाल रत्न, मणि विशेष।

ಗೋಮೇಧ गोमेध (सम्)—वह यज्ञ जिसमें गाय की आहुति दी जाती है।

ಗೋಮ್ಯಾಳಿ गोम्याळि (क) सं.— गर्दन का पिछला भाग।

ಗೋರ್ गोर्, ಗೋರು गोरु (क) क्रि.—मछली पकड़; जाल पसार; एकत्रित कर, राशि बना।

ಗೋರ गोर (तद्) वि.—घोर (तत्)।

ಗೋರಟೆ गोरटे (तद्) सं.—दे. ಗೊರಟೆ.

ಗೋರಣ (सम्) सं.— स्फूर्ति, सतत प्रयत्न, लगातार चेष्टा करना।

ಗೋರಂಟ गोरंट, ಗೋರಂಟೆ गोरंटे, ಗೋರಂಟಿ गोरंटि (तद्) सं.—दे. ಗೊರಟೆ.

ಗೋರಥ गोरथ (सम्) सं.—बैल गाड़ी।

ಗೋರಸ गोरस (सम्) सं.—गाय का दूध; मट्ठा।

(१) ಗೋರಿ गोरि (क) सं.— जानवरों को मोहित करने का गान; खिंचाव, आकर्षण, हेंगी, भूमि चिकनाने का औजार।

(२) ಗೋರಿ गोरि (अ. दे.) सं.— गोर (फ़ारसी), स्मशान, समाधि।

ಗೋರಿಕಲ್ಲು गोरिकल्लु (क) सं.—सफ़ेद पत्थर, चकमक पत्थर।

ಗೋರಿಕಾಯಿ गोरिकायि, ಗೋರೀಕಾಯಿ गोरीकायि (क) सं.—एक प्रकार का सेम।

ಗೋರಿಸು गोरिसु (क) क्रि.— इकट्ठा करा, एकत्रित करा।

(१) ಗೋರು गोरु (क) क्रि.— एकत्रित कर, इकट्ठा कर, झाड़ू देकर ढेर लगा, राशि बना, अनाज के ढेर में कूड़ा-करकट निकाल; लूट, छीन, झपट कर ले; जोती गई ज़मीन को समतल कर।

(२) ಗೋರು गोरु (तद्) सं.— तकलीफ़, कष्ट, विकलता।

ಗೋರೆ गोरे (क) सं.— नाव या जहाज़ के भीतर कूड़ा-करकट निकालने का फावड़ा; (गुड़ निकालने के) तख्ते से निकाला गया गुड़।

ಗೋರೋಚ गोरोच, ಗೋರೋಜ गोरोज, ಗೋರೋಚನ गोरोचन (सम्) सं.— गोरचना, गौ के मस्तक से निकाला हुआ पीला पदार्थ।

ಗೊರು गोरु (क) क्रि·— नख से खुरच। —ಅಂಚು अंचु (क) सं·— खुरचने या रेखाएँ खींचने के काम में आनेवाली छेनी।

ಗೊರೆ गोरे (क) सं·— हठी, दुष्ट या चिड़चिड़ा पुरुष।

ಗೊರ್ದ गोर्द (सम्) सं·— दिमाग़, मस्तिष्क।

ಗೊಲ गोल (सम्) सं·— गेंद गोला, ; भूगोल; वृत्त; लोहबान; गाय का खुर।

(१) ಗೋಲಕ गोलक (सम्) सं·— गेंद, वृत्त; विधवा का पुत्र।

(२) ಗೋಲಕ गोलक (अ· दे) सं·— गोलक, धन-संग्रह करने की पेटी या गोलाकार डिब्बा।

ಗೋಲಿ गोलि (सम्) सं·— गोला, गेंद, गोल पदार्थ· बंदूक की गोली, बच्चों के खेलने की काँच की गोली।

ಗೋಲು गोलु (सम्) सं·— गोला, वृत्त; भूगोल।

ಗೋಲೆ गोले (सम्) सं·— लाल संखिया।

ಗೋಲೋಮಿ गोलोमि (सम्) सं·— उग्रगंध नामक पौधा; भूतकेश नामक और एक पौधा।

ಗೋವ गोव (तद्) सं·— गोप (तत्), ग्वाला; अमरूद का पेड़।

ಗೋವತ್ಸ गोवत्स (सम्) सं — बछड़ा।

ಗೋವಂದಿನಿ गोवंदिनि (सम्) सं·— प्रियंगु वृक्ष।

ಗೋವರ್ಧನ गोवर्धन (सम्) सं·— गोवर्धन पर्वत; श्रीकृष्ण।—ಧರ धर (सम्) सं·— श्रीकृष्ण, गिरिधर।

ಗೋವಳ गोवल, ಗೋವಳಿಗ गोवलिग (तद्) सं·— गोपाल; (तत्), ग्वाला।

ಗೋವಾಹಿನಿ गोवाहिनि (सम्) सं·— गंगा नदी।

ಗೋವು गोवु (सम्) सं·— गाय, गायों का समूह।

ಗೋಷ್ಟಿ गोष्टि (अ· दे.?) सं·— शब्द, कथा।

ಗೋಷ್ಠಿ गोष्ठि (सम्) सं· — जमाव, सभा; संस्था; वार्तालाप, संवाद; समूह, समुदाय; नाटक रचना का एक प्रकार; संबंध।

ಗೋಷ್ಠಿಕೆ गोष्ठिके (सम्) सं·— समूह, Party)।

ಗೋಷ್ಪದ गोष्पद (सम् ?) सं·— गाय का पद या खुर; गाय के खुर के समानवाला परिमाण; खुर का चिह्न।

ಗೋಸ गोस (सम्) सं·— बोल, लोहबान।

ಗೋಸಣೆ गोसणे, ಗೋಸನೆ गोसने (तद्) सं· — घोषणा (तत्)।

ಗೋಸಾಯಿ गोसायि, ಗೋಸಾವಿ गोसावि (तद्) सं·— गोस्वामिन् (तत्)।

ಗೋಸಂಬೆ गोसंबे (क) सं— गिरगिट।

ಗೋಸ್ಕರ गोस्कर (क) प्र·— के लिए, के वास्ते

ಗೋಸ್ತನ गोस्तन (सम्) सं·— गाय का थन; फूला हुआ समुदाय; चार तारों का हार (Necklace)।

ಗೋಸ್ತನಿ गोस्तनि (सम्) सं·— दे· ಗೋಸ್ತನ; अंगूर का गुच्छा; अंगूर की लता।

ಗೋಸ್ವಾಮಿ गोस्वामि (सम्) सं·— गाय का धनी; भिक्षुक विशेष; उपाधि विशेष।

ಗೋಹುರ गोहुर (तद्) सं·— गोपुर (तत्)।

ಗೋಳ गोळ (तद्) सं· — गोल, गोला, भूगोल।

ಗೋಳಾಟ गोळाट (क) सं· — रोना-चिल्लाना, विलाप, रुलाई।

ಗೋಳಿ गोळि (क) सं·— एक प्रकार की वनस्पति; बरगद का पेड़; अंजीर या गूलर का पेड़; केसर; बकुल।

ಗೋಳಿಸು गोळिसु (क) क्रि·— रगड़; रगड़कर मिला, हिला (Stir)।

ಗೋಳ್ गोळ्, ಗೋಳು गोळु (क) सं·— रोना, रुलाई; झंझट, गड़बड़ (लाक्ष·)।

ಗೋಳಾಟ गोळाट (क) सं·— दे· ಗೋಳಾಟ.

ಗೌಡ गौड (सम्) सं·— मिठाइयां; एक देश का नाम; काव्य की एक रीति। (क) सं· — एक जाति जो प्रायः कृषि करती है।

ಗೌಡಿ गौडि (सम्) सं·— गुड़ (या ऊख) की मदिरा। (क) सं·— 'गौड' जाति की स्त्री।

ಗೌಣ गौण (सम्) वि·— अप्रधान, अमुख्य; आलंकारिक, गुण बतलानेवाला।

ಗೌತಮ गौतम (सम्) सं·— बुद्ध या सांख्य मुनि का नाम; दे ಗೋತಮ.

ಗೌತಮಿ गौतमि (सम्) सं— गौतमी नदी।

ಗೌಧಾರ गौधार (सम्) सं· — एक प्रकार की छिपकली।)

ಗೌಧೇಯ गौधेय, ಗೌಧೇರ गौधेर(सम्) सं·— एक प्रकार की छिपकली।

ಗೌರ गौर (सम्) वि· — सफ़ेद; पीला; लाल। सं·— चंद्रमा; एक प्रकार का हिरन; सफ़ेद सरसों; कमल का तंतु।

ಗೌರವ गौरव (सम्) सं·— वज़न, भारीपन; मर्यादा, सम्मान, प्रतिष्ठा; प्रधानता, बड़प्पन; कुलीनता, पदमर्यादा।

ಗೌರಿ गौरि, ಗೌರೀ गौरी (सम्) सं· -पार्वती; कन्या; लड़की जिसको रजोधर्म न हुआ हो; गोरी लड़की; पृथिवी, धरा, हल्दी; गोरोचन; तुलसी का पौधा; वरुण की स्त्री; मल्लिका की लता, मंजिष्ठ का पौधा।

ಗೌರಿಜಡೆ गौरिजड़े (सम्) सं·— भूजटा नामक पौधा।

ಗೌರೆ गौरे, ಗೌರಾ गौरा (सम्) सं— दे· ಗೌರಿ.

ಗೌಳ गौळ (तद्) सं· — गौड (तत्); एक राग का नाम।

ಗ್ರಂಥ ग्रंथ (सम्) सं·— बांध, गाँठ लगाना; पुस्तक, रचना, साहित्यिक रचना; धन, संपत्ति; अनुष्टुप छंदवाला पद्य।— ಕರ್ತ, कर्त, ಕಾರ कार, ಲೇಖಕ लेखक (सम्) सं· — लेखक, रचयिता।

ಗ್ರಂಥನ ग्रंथन (सम्) सं· — गूंथना, गाढ़ा करना, लिखना।

ಗ್ರಂಥಿ ग्रंथि (सम्) सं· — गिल्टी· गुमड़ा, गुमड़ी; गाँठ· बंधन, रस्सी की गाँठ.

ಗ್ರಂಥಿಕ ग्रंथिक (सम्) सं·— दैवज्ञ, ज्योतिषी; दवाई का एक पौधा।

ಗ್ರಂಥಿಪರ್ಣ ग्रंथिपर्ण (सम्) सं·— एक सुगंधित पौधा, माचीपत्र।

ಗ್ರಂಥಿತ ग्रंथित, ಗ್ರಥಿತ ग्रथित (सम्) वि·—

गूँथा हुआ, रचा हुआ, बांधा हुआ; जमाया हुआ, गाढ़ा किया हुआ।

ಗ್ರಸ್ತ ग्रस्त (सम्) वि.—खाया हुआ, भक्षण किया हुआ; पकड़ा हुआ; प्रभाव पड़ा हुआ; ग्रहण लगा हुआ।

ಗ್ರಹ ग्रह (सम्) सं.—पकड़ना, लेना, ग्रहण करना; पाना, प्राप्ति, अंगीकार करना, वसूल करना; बंदी करना, गिरफ्तारी; रोक-थाम; ग्रह; (सूर्य-चंद्र का) ग्रहण; भूत, पिशाच; बच्चों को कष्ट देनेवाली दुष्ट योनि विशेष; ब्राह्मण; जीव-समूह; नौ की संख्या।—ಚಾರ चार (सम्) सं.—ग्रहों का चलना; दुर्भाग्य, अशुभ परिणाम।

ಗ್ರಹಣ ग्रहण (सम्) सं.—सूर्य-चंद्र का ग्रहण; पकड़ना, पाना; बुद्धि, समझ; ज्ञान।

ಗ್ರಹಣಿ ग्रहणि (सम्) सं—संग्रहणी रोग, शीतला रोग, दस्तों की बीमारी।

ಗ್ರಹನಿಕರ ग्रहनिकर (सम्) सं.—नवग्रह।

ಗ್ರಹಪತಿ ग्रहपति (सम्) सं.—सूर्य।

ಗ್ರಹಮಾಲೆ ग्रहमाले (सम्) सं.—ग्रह।

ಗ್ರಹಿಕೆ ग्रहिके (सम्) सं.—ग्रहण करना, समझना; ज्ञान।

ಗ್ರಹಿಸು ग्रहिसु (सम्) क्रि.—ले, धर, ग्रहण कर, पकड़; समझ, जान।

ಗ್ರಾಚಾರ ग्राचार (तद्) सं.—दे. ಗ್ರಹಚಾರ.

ಗ್ರಾಮ ग्राम (सम्) सं.—गाँव, पुरवा; जाति, समाज; समूह, समुदाय; स्वर, राग; रति, भोग; इंद्रिय; रेतस्, वीर्य; किरण; शब्द, ध्वनि; भूतग्राम; मागध।

ಗ್ರಾಮಣಿ ग्रामणि (सम्) सं.—ग्राम का आदमी; मुख्य, प्रधान, श्रेष्ठ; ग्रामीण; नाई।

ಗ್ರಾಮತೆ ग्रामते (सम्) सं.—गाँवों का समूह।

ಗ್ರಾಮಧಾನ ग्रामधान, ಗ್ರಾಮಾಧಾನ ग्रामाधान (सम्) सं.—गाँव, छोटा नगर।

ಗ್ರಾಮಶಾರ್ದೂಲ ग्रामशार्दूल (सम्) सं.—कुत्ता।

ಗ್ರಾಮಿಣ ग्रामिण ಗ್ರಾಮೀಣ ग्रामीण (सम्) सं.—गँवार, गाँव का रहनेवाला, मूर्ख, बेवकूफ़।

ಗ್ರಾಮಿಣೆ ग्रामीणे (सम्) सं.—नील का पौधा।

ಗ್ರಾಮ್ಸೆ ग्राम्से (सम्) सं.—अनुप्रास का एक भेद।

ಗ್ರಾಮೇಯಕ ग्रामेयक (सम्) सं.—गँवार, ग्रामीण; असभ्य।

ಗ್ರಾಮ್ಯ ग्राम्य (सम्) वि.—गाँव संबंधी, गाँव का; ग्रामवासी, मूर्ख, अनपढ़, असभ्य, अशिष्ट।—ಧರ್ಮ धर्म (सम्) सं.—मैथुन, स्त्री-प्रसंग। ಪಶು पशु (सम्) सं.—पालतू जानवर।—ಶಬ್ದ शब्द (सम्) सं.—अशिष्ट शब्द।

ಗ್ರಾವ ग्राव (सम्) सं.—पत्थर, पाषाण; पर्वत,; दृढ़ता, धैर्य, निडरता।

ಗ್ರಾವಾಳ ग्रावाळ (सम्) सं.—पत्थर पाषाण।

ಗ್ರಾಸ ग्रास (सम्) सं.—कौर, गस्सा, मुँह भर माप; अन्न, भोजन, पालन-पोषण का उपस्कर।

ಗ್ರಾಹ ग्राह (सम्) वि.—पकड़ा हुआ। सं.—मगर, नक्र; बंदी, कैदी; स्वीकृति; समझ, ज्ञान; दृढ़ता, अटलता, संकल्प, निश्चय।

ಗ್ರಾಹಕ ग्राहक (सम्) सं.—खरीदनेवाला, ग्रहण करनेवाला; पुलिस अफ़सर।

ಗ್ರಾಹ್ಯ ग्राह्य (सम्) वि.—ग्रहण करने योग्य, स्वीकार करने योग्य, लेने योग्य, जानने योग्य, विचार करने योग्य।

ಗ್ರೀವ ग्रीव, ಗ್ರೀವೆ ग्रीवे (सम्) सं.—गर्दन, गर्दन का पिछला भाग।

ಗ್ರೀಷ್ಮ ग्रीष्म (सम्) सं.—गरमी की ऋतु, गरमी, उष्णता।—ಕಾಲ काल (सम्) सं.—गरमी की ऋतु।

ಗ್ರೈವೇಯ ग्रैवेय (सम्) वि.—गर्दन संबंधी। सं.—गले का हार, कंठहार।

ಗ್ಲಾನಿ ग्लानि (सम्) सं.—थकान; निर्बलता, बीमारी; ह्रास; अनिच्छा, अरुचि, घृणा; एक संचारी भाव।

ಗ್ಲಾಸು ग्लासु (अ. दे.) सं.—गिलास, प्याला।

घ ಘ

ಘ घ—कन्नड़ वर्णमाला का अठारहवाँ अक्षर; कवर्ग का चौथा अक्षर।

ಘಂ घं (क) सं.—डमरू या ढक्के की ध्वनि।

ಘಂಟಾ घंटा, ಘಂಟೆ घंटे (सम्) सं.—ಗಂಟೆ गंटे (तद्)—घंटा, घंटी; बजे।

ಘಂಟಾಕರ್ಣ घंटाकर्ण (सम्) सं.—स्कंद और शिव का एक गण।

ಘಂಟಾಗಾರ घंटागार (सम्) सं.—घंटाघर।

ಘಂಟಾನಾದ घंटानाद (सम्) सं.—घंटे की ध्वनि या रव; एक पौधे का नाम।

ಘಂಟಾಪಥ घंटापथ (सम्) सं.—प्रधान मार्ग, मुख्य रास्ता।

ಘಂಟಾಪಾಟಲಿ घंटापाटलि (सम्) सं.—तुरही-पौधा (घंटे के आकार के फूलोंवाला पौधा)- (Bignonia Suaveolens)।

ಘಂಟಾಮಣಿ घंटामणि (सम्) सं.—स्वर्णक्षीरी या हैमवती पौधा।

ಘಂಟಿಕೆ घंटिके (सम्) सं.—घंटी, छोटी घंटी।

ಘಟ घट (सम्) वि.—होनेवाला, मिलनेवाला, जुड़नेवाला, छूनेवाला, स्पर्श करनेवाला। सं.—संग्रह; हाथी का माथा; घड़, कुंभराशि; कुंभक प्राणायाम; द्रोण के समान तौल; स्तंभ का एक भाग; मधु-गोष्ठी, मधुपान गोष्ठी; काया, देह, शरीर; छोर, किनारा, परिधि।

ಘಟಕ घटक (सम्) वि.—प्रयत्नवान, प्रयास करनेवाला; बली, शक्तिमान (मै. प्र.); प्रधान, वास्तविक। सं.—एक वृक्ष जिसमें फूल न लगकर फल ही लगते हैं।

ಘಟನ घटन, ಘಟನೆ घटने (सम्) सं.—घटना, प्रयत्न, उद्योग; होना, संपन्नता, पूर्णता; मेल, ऐक्य, संबंध, संसर्ग; बनाना, तैयार करना, गढ़ना।

ಘಟಯೋನಿ घटयोनि (सम्) सं.—घड़े में पैदा हुआ व्यक्ति, अगस्त्य।

ಘಟಸರ್ಪ घटसर्प (सम्) सं.—बहुत बड़ा साँप।

ಘಟಿ घटि (सम्) सं.—छोटा घड़ा; चौबीस मिनट का अंतर; घंटा, घड़ियाल; समय को मापनेवाला; बर्तन विशेष; (कुएँ से पानी निकालने की) रस्सी और बाल्टी।

ಘಟಿಕೆ घटिके (सम्) सं.—दे. ಘಟಿ; पैर और पाद को मिलानेवाली नली (Ankle)।

ಘಟಿಯಿಸು घटियिसु (सम्) क्रि.—मिल, पा, प्राप्त हो, हो, संभव हो, संयुक्त हो, जुड़।

ಘಟಿಸು घटिसु (सम्) क्रि.—दे. ಘಟಿಯಿಸು.

ಘಟೀಯಂತ್ರ घटीयंत्र (सम्) सं.—ढेंकी, कुएँ से पानी निकालने की रस्सी और बाल्टी; जलघड़ी।

ಘಟೆ घटे (सम्) सं.—प्रयत्न, चेष्टा; समूह, समुदाय; युद्ध के लिए सजाये गये हाथियों की सेना।

ಘಟೋತ್ಕಚ घटोत्कच (सम्) सं.—भीम का पुत्र।—ತನುಜ तनुज (सम्) सं. — घटोत्कच का पुत्र मेघनाद।

ಘಟೋದ್ಭವ घटोद्भव (सम्) सं.—दे. ಘಟಯೋನಿ.

ಘಟ್ಟ घट्ट (सम्) सं.—घाट (Ghaut), पर्वतों की पंक्ति।

ಘಟ್ಟಣ घट्टण, ಘಟ್ಟನ घट्टन, ಘಟ್ಟನೆ घट्टने (सम्) सं.—मिलना, स्पर्श करना, छूना; मारना, पीटना, रगड़ना, हिलाना, गड़बड़ करना, मलना; व्यवसाय, पेशा।

ಘಟ್ಟಾಘಟ್ಟಿ घट्टाघट्टि (सम्) सं. — परस्पर मारना-पीटना।

ಘಟ್ಟಿ घट्टि (क) सं.—गाढ़ापन।

ಘಟ್ಟಿತ घट्टित (सम्) वि. — मिला हुआ; स्पर्श किया हुआ; मारा हुआ, पीटा हुआ; हिलाया हुआ; ।

ಘಟ್ಟಿವಳ್ತಿ घट्टिवळिति (सम्) सं. — सैरंध्री, गंधकारिका (A female perfumer)।

(१) ಘಟ್ಟಿಸು घट्टिसु (क) क्रि. — बल पा, शक्ति-संपन्न हो।

(२) ಘಟ್ಟಿಸು घट्टिसु (सम्) क्रि. — मार, पीट; धीरे से हाथ से रगड़।

ಘಡಾ घडा (तद्) सं.—घटवाद्य।

ಘಣ घण (क) सं. = ಘಣಘಣ घणघण—झनझनाहट, घंटी की आवाज़।

ಘನ घन (सम्)—गदा, मुद्गर; कोई भी घना पदार्थ; देह, शरीर; लोहा; घंटा, घंटी; बादल, मेघ; समूह, समुदाय; एक पौधे का कद; झाँझ, मजीरा, टीन; चर्म, चमड़ा, छाल; जल, पानी; नृत्य का एक प्रकार; युद्ध, समर; ठोस, घन, त्रिघात; अनभिज्ञता, भोलापन, मोह। वि.—घना, गाढ़ा, सघन; सांद्र; कड़ा, कठोर, दृढ़, बड़ा, महान, विस्तृत; पूर्ण, गहरा, स्थायी।

ಘನಜ್ವಲಿತ घनज्वलित (सम्) सं.—बड़ी या भयंकर ज्वाला।

ಘನತರ घनतर (सम्) वि—कड़ा, घना, महान, बड़ा।

ಘನತೆ घनते (सम्) सं. — कसाव, दृढ़ता, घनत्व, कड़ापन; महानता; बड़प्पन।

ಘನತ್ವ घनत्व (सम्) सं.—दे. ಘನತೆ.

ಘನದೀಪ್ತಿ घनदीप्ति (सम्) सं. — विद्युत्, बिजली, सौदामिनी।

ಘನಪಥ घनपथ (सम्) सं. —बादलों का मार्ग, आकाश।

ಘನಪುಷ್ಪ घनपुष्प (सम्) सं. —जल, पानी।

ಘನವಾರಿ घनवारि (सम्) सं. — मेघों का पानी, वर्षा।

ಘನವೀರ घनवीर (सम्) सं.—महान योद्धा, पराक्रमी पुरुष।

ಘನಶ್ಯಾಮ घनश्याम (सम्) सं.—विष्णु, राम, कृष्ण।

ಘನಸಮಯ घनसमय (सम्) सं.—वर्षा ऋतु, बरसात का मौसम।

ಘನಸಾರ घनसार (सम्) सं.—कर्पूर, काफ़ूर; जल; पानी; बर्फ़, कोहरा, ओस।

ಘನಾಘನ घनाघन (सम्) सं. — वर्षा के बादल, वर्षा; समूह, समुदाय; मदमत्त हाथी; इंद्र का हाथी; इंद्र। वि. — दुष्ट, क्रूर, नटखट; समान्य, समान; बहुत।

ಘನೀಭೂತ घनीभूत (सम्) वि. — बहुत गाढ़ा, घना, जमा हुआ।

ಘನೋಪಲ घनोफल (सम्) सं.— ओले।

ಘರಟ್ಟ घरट्ट (सम्) सं.—पीसने का पत्थर।

ಘರಿ घरि (क) सं. = ಘರಿಘರಿ घरिघरि — एक अनुकरणमूलक शब्द, दांतों की खटखटाहट।

ಘರಿಲ್ घरिल् (क) सं.—झनझनाहट।

ಘರ್ಘರ घर्घर (सम्) सं.—घरघराहट, कोलाहल; द्वार, फाटक; आनंदोल्लास, हास्य, हँसी, घुँघरू की आवाज़; उल्लू।

ಘರ್ಘರಿ घर्घरि (सम्) सं.— घुँघरू या घंटे की ध्वनि; गंगा; वीणा विशेष।

ಘರ್ಮ घर्म (सम्) सं.— गरमी, उष्णता, निदाघ, गरमी का मौसम; पसीना, स्वेद; शैत्य, ठंडापन।

ಘರ್ಮೋತ್ತರ घर्मोत्तर (सम्) सं.— अत्यधिक उष्णता या गरमी।

ಘರ್ಷಣ घर्षण (सम्) सं.— रगड़, रगड़न; कूटना, पीसना; पॉलिश करना, चमकाना।

ಘರ್ಷಣೆ घर्षणे (सम्) सं.— दे. ಘರ್ಷಣ.

ಘಲಿಲು घलिलु (क) सं.— डमरू या नगाड़े की ध्वनि।

ಘಸ್ಮರ घस्मर (सम्) वि.— खाऊ, पेटू।

ಘಸ್ರ घस्र (सम्) सं.— एक दिन।

ಘಳ घळ (क) सं.—किसी भारी वस्तु के ज़मीन पर गिरने से उत्पन्न होनेवाली ध्वनि। ಘಳಘಳ घळघळ = कलकल (पानी का)।

ಘಳಿಗೆ घळिगे (तद्) सं.— घटिका (तत्); २४ मिनट का अंतर; लमहा, पल।

ಘಳಿಲು घळिलु (क) सं.— दे. ಘಲಿಲು.

ಘಳಿಯ घळिय (क) सं.— क्रमिकता, क्रम में रखना, नियमितता; बनाने की क्रिया, तैयारी।

ಘಳಿಲ್ घळिल् (क) अ.— तुरंत, फ़ौरन, जल्दी।

ಘಾಟ घाट (सम्) सं.— गर्दन का पिछला भाग।

ಘಾಟಕ घाटक (सम्) वि.— प्रयत्न करनेवाला, काम करनेवाला।

ಘಾಟೆ घाटे (सम्) सं.— दे. ಘಾಟ.

ಘಾಡ घाड (अ. दे.) वि.— गाढ़ा।

ಘಾತ घात (सम्) सं.— प्रहार, चोट ; हत्या ; तीर ; गुणनफल ; गंभीरता, गहराई । — ಕ क (सम्) सं.— हत्यारा, मारनेवाला, नष्ट करनेवाला । — ಕಿ कि — 'घातक' का स्त्री. लिं. ।

ಘಾತನ घातन (सम्) सं.— मारना, पीटना ; हत्या करना ।

ಘಾತಳಿಕೆ घातळिके, ಘಾತಾಳಿಕೆ घाताळिके (सम्) सं.— हत्या का खेल, क्रूरता; बुरा उद्देश्य ।

ಘಾತಿ घाति, ಘಾತುಕ घातुक (सम्) वि.—दे. ಘಾತಕ.

ಘಾರ घार (सम्) सं.— सिंचन, छिड़काव, तर करना ।

ಘಾರಾಘಾರಿ घराघारि (क) सं.— कोड़े से मारने पर उत्पन्न होनेवाली ध्वनि ।

ಘಾಸ घास (सम्) सं.— चारा, चरागाह ।

ಘಾಸಿ घासि (क) सं.— थकान, आयास ; निराशा, दुःख, दर्द, पीड़ा, विकलता ; चोट, नाश । (सम्) सं.— अग्नि, आग ।

ಘಾಳಿಗೆ घाळिगे, ಘಾರಿಗೆ घारिगे, ಗಾರಿಗೆ गारिगे (क) सं.— एक प्रकार की मिठाई जो गेहूँ (या चावल) के आटे और गुड़ से बनायी जाती है ।

ಘುಟಿ घुट, ಘುಟಿ घुटि, ಘುಟಿಕೆ घुटिके (सम्) सं.— एड़ी, टखना ।

ಘುಂಟಿ घुंट, ಘುಂಟಕ घुंटक (सम्) सं.—एड़ी ।

ಘುಡಕ್ घुडक् (क) सं.—बाघ की घुरघुराहट ।

ಘುಣ घुण (सम्) सं.— छोटा कीड़ा, लकड़ी या कागज़ को खानेवाला कीड़ा ।

ಘುಮ್ಮನೆ घुम्मने (क) अ.— जल्दी, शीघ्र, तीव्रता से ।

ಘುಸೃಣ घुसृण (सम्) सं.— केसर, जाफ़रान ।

ಘೂಕ घूक (सम्) सं — उल्लू, घुग्घू ।

ಘೂರ್ಣ घूर्ण (सम्) वि.— हिलनेवाला, लटकनेवाला, काँपनेवाला, थरथरानेवाला, घूमने वाला, चक्कर काटनेवाला ।

ಘೂರ್ಣನ घूर्णन (सम्) सं. — हिलाना ; घूमना ; चक्कर काटना ।

ಘೂರ್ಣಿತ घूर्णित (सम्) वि.—दे. ಘೂರ್ಣ.

ಘೃಣಿ घृणि (सम्) सं.—गरमी, धूप ; किरण, तेजस् ; सूर्य ; लहर ; करुणा ; जुगुप्सा, घृणा ।

ಘೃಣೆ घृणे (सम्) सं.—गरमी, जलन ; करुणा, दया ; अरुचि, तिरस्कार ; भर्त्सना, धिक्कार ।

ಘೃತ घृत (सम्) सं.— घी ; मक्खन ; जल, पानी ; दूध ; अमृत ।

ಘೃತಾಚಿ घृताचि (सम्) सं.— एक अप्सरा का नाम ।

ಘೃಷ್ಟಿ घृष्टि (सम्) सं.— पीसना, कूटना, मलना ; सुअर ; स्पर्धा ; एक पौधा (Dioscorea) ।

ಘೇರು घेरु (अ. दे.) सं.— परिधि, घेरा ।

ಘೋಟಿ घोट, ಘೋಟಕ घोटक (सम्) सं.— अश्व. घोड़ा ।

ಘೋಟಿಕೆ घोटिके (सम्) सं= ಘೋಳಿಗೆ घोळिग् —घोड़ी ।

ಘೋಂಟೆ घोंटे (सम्) सं.— उन्नाव या फेनिल का वृक्ष ; सुपारी का पेड़ ।

ಘೋರ घोर (सम्) वि.— भयंकर· भयावह ; प्रचण्ड, उग्र ।

ಘೋರಾಮ್ಲಿ घोराम्लि (सम्) सं.— एक पौधा विशेष (ಪುಳುಕುಡಿ.)

ಘೋಲ घोल (सम्) सं.—मट्ठा, छाँछ। (अ.दे.) सं.— घोलना, एक साथ मिलाना ।

ಘೋಷ घोष (सम्) सं.—शब्द, रव, ध्वनि ; शोर, गुल ; गर्जन ; घोषणा, ढिंढोरा अफवाह, किंवदंती ; ग्वाला ; गाँव, पुरवा कायस्थ ; एक पौधा जिसके फूल सफ़ेद या पीले होते हैं (Luffa foetida) । — ಕ क (सम्) सं.— घोषण करनेवाला ; २. दे. ಘೋಷ

ಘೋಷಣ घोषण (सम्) सं.— दे. ಘೋಷ ; एक वाद्य विशेष ।

ಘೋಷಣೆ घोषणे (सम्) सं.— दे. ಘೋಷ.

ಘೋಷವತಿ घोषवति (सम्) सं.— सितार, वीणा ।

ಘೋಳಯಿಲ घोळयिल, ಘೋಳಾಯಿಲ घोळायिल, ಘೋಳಾಯ್ತ घोळाय्ता ಘೋಳಾಯ್ಲ घोळायल (तद्) सं.— घुड़सवार ।

ಘ್ನ घ्न (सम्) वि.— मारनेवाला, हत्या करनेवाला, नाशक ।

ಘ್ರಾಣ घ्राण (सम्) वि.— सूँघना ; गंध, बू ; नाक । — ತರ್ಪಣ तर्पण (सम्) सं.— सुगंधि ।

ಘ್ರಾಣಾಂಕುಶ घ्राणांकुश (सम्) सं.— नथनी, नथिया ।

ಘ್ರಾಣಿ घ्राणि (सम्) सं.—एक छोटी चिड़िया ।

ಘ್ರಾಣಿಸು घ्राणिसु (सम्) क्रि.— सूँघ ।

ಘ್ರಾಣೇಂದ್ರಿಯ घ्राणेंद्रिय (सम्) सं.— सूँघने की इंद्रिय ।

ಘ್ರಾತ घ्रात (सम्) वि.— सूँघा हुआ ।

ಙ ङ

ಙ ङ — कन्नड-वर्णमाला का उन्नीसवां अक्षर ; कवर्ग का अंतिम व्यंजन (इससे प्रारंभ होनेवाला कोई शब्द नहीं है) ।

ಚ च

ಚ च — कन्नड-वर्णमाला का बीसवाँ अक्षर ; चवर्ग का पहला व्यंजन ।

ಚ च (सम्) सं.— चंद्रमा ; कछुवा । अ. — और, तथा ।

ಚಂ चं (क) उ. = ಚೆಂ चें ಚೆನ್ चेन् — लाल का अर्थसूचक उपसर्ग, जैसे— ಚಂಗಣಿಗಲ್ चंगणिगल् — लाल कनेर ।

ಚಂಕ್ರಮಣ चंक्रमण (सम्) सं.— घूमना, फिरना, टहलना ।

ಚಂಗ चंग (क) वि.— नटखट, दुष्ट, वक्र स्वभाव का—ಚಂಗ ಮಂಗಾಟ चंगमंगाट, ಚಂಗಮಂಗತನ चंगमंगतन (क) सं.— नटखटी, दुष्टता ।

ಚಂಗನೆ चंगने (क) अ.— चंचलता से, शीघ्रता से. फुरतीलेपन से ; आनंद से ।

(१) ಚಂಗು चंगु (क) क्रि.— उछल, कूद, (आनंद से) उछल । सं.— आनंद ; उछल कूद ; चंचलता । ಚಂಗಾಟ चंगाट=उछलना कूदना ।

(२) ಚಂಗು चंगु (अ. दे.) सं.— सुरंग ।

ಚಂಗೂಲಿ चंगूलि (क) सं.— मज़दूर, श्रमिक (मै. प्र.) ; निर्लज्ज, बेहया ।

ಚಂಗ್ಯ चंग्य (क) वि.— दे. ಚಂಗ.

ಚಂಚ चंच (क) सं.— एक जंगली जाति, शबर जाति ।

ಚಂಚತ್ चंचत् (सम्) वि.— जानेवाला, चलनेवाला, हिलनेवाला, डुलनेवाला, चंचल, चपल ।

ಚಂಚರೀಕ चंचरीक (सम्) सं.— भ्रमर, मधुकर ।

ಚಂಚಲ चंचल (सम्) वि —काँपनेवाला, थरथरानेवाला, कंपकंपी, अस्थिर ।— ತನ तन, ತ್ವ त्व (सम्) सं. —चंचलता, अस्थिरता, कांपना ।— ನೇತ್ರೆ नेत्रे, ಅಕ್ಷಿ अक्षि (सम्) सं. स्त्री ।— ಅಪಾಂಗ अपांग (सम्) सं. — आँख का बाहरी अस्थिर भाग ।

ಚಂಚಲಿ चंचलि (क) सं. — दक्षिणावर्ती या धूमपुष्प वृक्ष(Flacourtia catafracta) ।

ಚಂಚಲಿತ चंचलित (सम्) वि.—दे. ಚಂಚಲ.

ಚಂಚಲೆ चंचले (सम्) सं.—चंचला, बिजली ; भाग्य ; लक्ष्मी ।

ಚಂಚಿ चंचि (क) सं.— [' ಸಂಚಿ संचि ' — तेलुगु] — छोटी थैली — विशेषकर पान-सुपारी रखने की थैली ।

ಚಂಚಿತಿ चंचिति (क) सं. — चंच या शबर जाति की स्त्री ।

(१) ಚಂಚು चंचु (क) सं.— दे. ಚಂಚ.

(२) ಚಂಚು चंचु (सम्) सं.—चोंच ; एरण्डी का पौधा । वि.—प्रसिद्ध, प्रख्यात ; चतुर ।

ಚಂಚುಕ चंचुक (सम्) सं.—एक पक्षी विशेष।

ಚಂಚುಪುಟ चंचुपुट (सम्) सं. — चोंच जो खुला न हो ।

ಚಂಚುರ चंचुर (सम्) वि. —चतुर, पटु ; सुंदर ।

ಚಂಜೆ चंजे (तद्) सं. — [' ಸಂಜೆ संजे ' के बदले]—सायंकाल, शाम (ग्रा.) ।

ಚಂಡ चंड (सम्) वि. — भयानक, उग्र, क्रुद्ध, गरम ; कर्मठ, फुर्तीला ; झालरदार । सं.—गरमी, उष्णता ; क्रोध, रोष ; शिव ; स्कंद ; एक राक्षस का नाम ; शिवजी का एक भक्त ।— ಕರ कर (सम्) सं.—सूर्य । — ಕೀರ್ತಿ कीर्ति (सम्) सं. — शिवजी का एक गण ।— ಮುಂಡ मुंड (सम्) सं.— चामुंडा, दुर्गा का नाम ।— ರುಚಿ रुचि (सम्) सं.—सूर्य ; एक राक्षस ।

ಚಂಡಣಿ चंडणि (सम्) सं —उष्णता, गरम होना ।

ಚಂಡಾಂಶು चंडांशु (सम्) सं.—सूर्य ।

ಚಂಡಾತ चंडात (सम्) सं.—सुगंधित कनेर ।

ಚಂಡಾತಕ चंडातक (सम्) सं. —कुर्ती, छोटा कोट ; छोटा लहँगा ।

ಚಂಡಾಲ चंडाल (सम्) सं.—चांडाल, एक पतित जाति ; ब्राह्मण पिता और शूद्र स्त्री से उत्पन्न एक अत्यंत नीच या घृणित वर्ण-संकर जाति ।— ವಲ್ಲಕಿ वल्लकि (सम्) सं. —चंडाल का सितार, सितार ।

(१) ಚಂಡಿ चंडि (सम्) सं. — कामुका या हिंमालु स्त्री ; स्त्रियों को प्रेम के साथ संबोधित करने का एक शब्द ; दुर्गा ; दुर्दम या स्वेच्छाचारिता (मै. प्र.) ।

(२) ಚಂಡಿ चंडि (अ. दे.) सं.= ತಂಡಿ तंडि— ठंड, ठंडापन ।

ಚಂಡಿಕಾ चंडिका, ಚಂಡಿಕೆ चंडिके (सम्) सं. दुर्गा ; पार्वती । — ರಮಣ रमण (सम्) सं.— शिव ।

ಚಂಡಿಕೆ चंडिके (क) सं. — चोटी, शिखा ; जूड़ा ।

ಚಂಡಿಲ चंडिल (सम्) सं.—रुद्र, शिव ; नाई ।

ಚಂಡಿವಾಳ चंडिवाळ, ಚಂಡವಾಳ चंडवाळ (तद्) सं.—अग्रिम धन, बयाना ।

ಚಂಡಿಸು चंडिसु (सम्) क्रि.—क्रुद्ध हो, गुस्से में आ ; स्वेच्छाचारी हो ।

ಚಂಡೀಶ್ವರ चंडीश्वर (सम्) सं.—शिव ।

ಚಂಡು चंडु (क) सं.— [' कंदुक ' से ?] गेंद ; फूलों का गुच्छा ; पुरुष के लिंग का भाग ; गर्दन, गर्दन का पिछला भाग ।

ಚಂಡೆ चंडे (सम्) सं. — दुर्गा ; एक प्रकार का सुगंध द्रव्य ; एक वृक्ष विशेष (Cerbera odollam Gaert) ।

ಚಂಡೇಶ चंडेश, ಚಂಡೇಶ್ವರ चंडेश्वर (सम्) सं.—शिव ।

ಚಂಡೇಶ್ವರಿ चंडेश्वरि (सम्) सं.—दुर्गा ।

ಚಂಡೋಲ चंडोल (क) सं.—भारद्वाज पक्षी, लवा ।

(१) ಚಂದ चंद (तद्) वि.—छंद् (तत्) — सुंदर, अच्छा, लसित, चमकदार, उचित, प्रसन्न करनेवाला । सं. — विधान, ढंग, आकार, आकृति, प्रकार ।

(२) ಚಂದ चंद (तद्) सं.—चंद्रः (तत्) ; चंद्रमा, चाँद ।

(३) ಚಂದ चंद (तद्) सं.—छंदस् (तत्) ; छंद (इसका बहुत कम प्रयोग होता है) ।

ಚಂದನ चंदन (सम्) सं. — ಚಂದಣ चंदण, ಚಂದಳ चंदळ, ಚಂದಲ चंदल, ಚಂದಾಳ चंदाळ (तद्)—चंदन, चंदन का वृक्ष ।

ಚಂದನಾಚಲ चंदनाचल (सम्) सं.—मलय-पर्वत जहाँ चंदन के वृक्ष अधिक होते हैं ।

ಚಂದನೋಪಲ चंदनोपल (सम्) सं.—चंदन घिसने का पत्थर, सान (का पत्थर) ।

ಚಂದರ चंदर, ಚಂದ್ರ चंद्र (तद्) सं.—सिंदूर (तत्) ; सेंदूर ।

ಚಂದಲ चंदल (तद्) सं. — चंदन (तत्) . चंदन का कटोरा ।

ಚಂದಳ चंदल, ಚಂದಾಳ चंदाळ (तद्) सं. दे. ಚಂದನ.

ಚಂದಿ चंदि (अ. दे.) सं.—गृहशिखर, मकान का पाखा ।

ಚಂದಿರ चंदिर (तद्) सं. — चंद्रः (तत्), चंद्रमा ।

ಚಂದು चंदु (तद्) सं.—चाँद ; तिथि, तारीख ।

(१) ಚಂದ್ರ चंद्र (सम्) चंद्रमा, चाँद ; चंद्र-ग्रह ; कपूर ; मयूरपंख में चंद्रिकाएँ ; आनंद देनेवाली कोई वस्तु ; सोना ; लाल रंग ; धूलि, रज ; सिंहासन, विष्टर, बैठक (यथा कुरसी आदि) ; वन, जंगल ; माप विशेष ; जल, पानी । वि. —चमकनेवाला, चमकदार ; मुख्य, श्रेष्ठ, प्रमुख, अच्छा ।

(२) ಚಂದ್ರ चंद्र (तद्) सं.—सिंदूर (तत्); सेंदुर।

ಚಂದ್ರಕ चंद्रक (सम्) मयूरपंख में चंद्रिकाएँ; चंद्रमा।

ಚಂದ್ರಕಾಂತ चंद्रकांत (सम्) सं. — चंद्रकांत शिला; चाँद।

ಚಂದ್ರಕಾಂತಿ चंद्रकांति (सम्) सं.—चंद्रिका, चाँदनी।

ಚಂದ್ರಕಿ चंद्रकि (सम्) सं.—मोर, मयूर।

ಚಂದ್ರಚೂಡ चंद्रचूड (सम्) सं.—शिव।

ಚಂದ್ರಜ चंद्रज (सम्) सं.—बुध।

ಚಂದ್ರಜ್ಯೋತಿ चंद्रज्योति (सम्) सं. — चाँदनी।

ಚಂದ್ರದಾರ चंद्रदार (सम्) सं.— चाँद की पत्नियाँ, २७ नक्षत्रों में कोई एक।

ಚಂದ್ರಧರ चंद्रधर (सम्) सं.= ಚಂದ್ರಚೂಡ.

ಚಂದ್ರನಖಿ चंद्रनखि (सम्) सं. — रावण की बहन का नाम।

ಚಂದ್ರಪ್ರಭ चंद्रप्रभ (सम्) सं.—आठवें तीर्थंकर का नाम।

ಚಂದ್ರಬಾಳೆ चंद्रबाळे (सम्) सं.—बड़ी इलायची।

ಚಂದ್ರಭಾಗಾ चंद्रभागा [ಭಾಗೆ भागे] (सम्) सं.—एक नदी का नाम।

ಚಂದ್ರಮ चंद्रम, ಚಂದ್ರಮಸ್ चंद्रमस (सम्) सं.—चाँद।

ಚಂದ್ರಮೌಳಿ चंद्रमौलि [ಮೌಳಿ मौळि] (क) सं.—शिव।

ಚಂದ್ರಲೇಖೆ चंद्रलेखे (सम्) सं. — चंद्र की कला।

ಚಂದ್ರವಂಶ चंद्रवंश (सम्) सं. — प्राचीन भारत का एक प्रसिद्ध राजवंश, चंद्रवंश।

ಚಂದ್ರವದನೆ चंद्रवदने (सम्) सं. — चंद्रमा के समान मुखवाली स्त्री।

ಚಂದ್ರಶಾಲೆ चंद्रशाले (सम्) सं = ಚಂದ್ರಸಾಲೆ चंद्रसाले—अटारी, अटा।

ಚಂದ್ರಶಿಲೆ चंद्रशिले (सम्) सं.—चंद्रकांता पत्थर।

ಚಂದ್ರಹಾಸ चंद्रहास (सम्) सं. — चमचमाती तलवार, रावण की तलवार का नाम; केरल के एक राजा का नाम।

ಚಂದ್ರಾಂಗದ चंद्रांगद (सम्) सं. — इंद्रसेन राजा का पुत्र।

ಚಂದ್ರಾಚೂಡ चंद्राचूड (सम्) सं.— शिव।

ಚಂದ್ರಾತಪ चंद्रातप (सम्) सं.—चाँदिनी; बड़ा हॉल।

ಚಂದ್ರಾತ್ಮಜ चंद्रात्मज (सम्) सं.—बुध।

ಚಂದ್ರಾಭರಣ चंद्राभरण (सम्) सं.—शिव।

ಚಂದ್ರಾಶ್ಮ चंद्राश्म (सम्) सं.= ಚಂದ್ರಕಾಂತ.

ಚಂದ್ರಿ चंद्रि (सम्) वि.-चमकदार; स्वर्णिमा सं.—एक वृत्त का नाम; बुध।

ಚಂದ್ರಿಕೆ चंद्रिके (सम्) सं. — चाँदनी; व्याख्या, टीका; चन्द्रभागा नदी; एक वृत्त का नाम; ताड़ के पत्तों की गेंडुरी; रोशनी; बड़ी इलायची; मल्लिका लता।

ಚಂದ್ರೆ चंद्रे (सम्) सं. — अटारी, अटा, मकान के ऊपरी भाग का हॉल।

ಚಂದ್ರೋದಯ चंद्रोदय (सम्) सं. — चांद का निकलना; चँदवा, सभा-भवन में ऊपरी भाग में बिछाया गया कपड़ा)

ಚಂಪ चंप, चंपे (सम्) सं.—पहाड़ी आबनूस; चंपक पुष्प (या वृक्ष)।

ಚಂಪಕ चंपक (सम्) सं. — ಸಂಪಿಗೆ संपिगे (तद्)—चंपा का वृक्ष जिसके पुष्प पीले (या लाल) और सुगन्धित होते हैं; एक सुगंध द्रव्य; एक छंद का नाम जो 'चंपकमाला' कहलाता है।—ಮಾಲಿನಿ मालिनि (सम्) सं.—चंद्रहास की दूसरी पत्नी का नाम।—ಮಾಲೆ माले (सम्) सं.—एक वृत्त का नाम।

ಚಂಪು चंपु, ಚಂಪೂ चंपू(सम्)सं.—चंपू काव्य, गद्य-पद्य मिश्रित रचना।

ಚಂಬಕ चंबक (क) सं. — एक प्रकार का वाजा।

ಚಂಬಾರ चंबार, ಚಮ್ಮಾರ चम्मार (तद्) सं.— चर्मकारः (तत्); मोची, चमार, चमड़े का काम करनेवाला।

ಚಂಬು चंबु (क) सं.— ताँबा; लोटा (तांबे, पीतल आदि का)।

ಚಕಚಕ चकचक (क) अ.— जल्दी, शीघ्र; चमकते हुए, प्रकाशित होते हुए।

ಚಕಡಾ चकडा, ಚಕ್ಕಡಿ चक्कडि (तद्) सं.— शकट (तत्); गाड़ी, छकड़ा।

ಚಕಮುಕಿ चकमुकि, ಚಕಿಮುಕಿ चकिमुकि, ಚಕ್ಕಮುಕಿ चक्कमुकि, ಚಕ್ಕಮುಕ್ಕಿ चक्कमुक्कि (अ. दे.) सं.— चक्‌चक् (फ़ारसी)।

ಚಕರ चकर (तद्) सं.— चक्र (तत्)।

ಚಕಳಗುಳಿ चकळगुळि, ಚಕ್ಕುಲಗುಳಿ चक्कुलगुळि, ಚಕ್ಕಳಗುಳಿ चक्कळगुळि (क) सं.— गुदगुदी, गुदगुदी पैदा करके दूसरे को हँसाना।

ಚಕಿತ चकित (सम्) वि.—थरथर काँपता हुआ, डरा हुआ, भयभीत, चौंका हुआ, शंकित।

ಚಕಿಮುಕಿ चकिमुकि (अ. दे.) सं.— दे. ಚಕಮುಕಿ.

ಚಕೋತ चकोत, ಚಕೋತು चकोतु, ಚಕೋತನಸೊಪ್ಪು चकोतनसोप्पु (क) सं.— एक भाजी का नाम।

ಚಕೋರ चकोर (सम्) सं.— चकोर पक्षी, तीतर की जाति का एक पहाड़ी पक्षी जो चंद्रमा को देखकर बहुत प्रसन्न होता है।

ಚಕೋರಕ चकोरक (सम्) सं.— ಚಕೋರ.

ಚಕೋರಿ चकोरि, ಚಕೋರಿಕೆ चकोरिके (सम्) सं.— माद चकोर।

ಚಕ್ಕಡಾ चक्कडा, ಚಕ್ಕಡಿ चक्कडि (तद्) सं.— दे.— ಚಕಡಾ.

ಚಕ್ಕನೆ चक्कने (क) अ.— शीघ्रता से, जल्दी, सवेग, तुरंत।

ಚಕ್ಕಂದ चक्कंद (क) सं.— गपशप, व्यर्थ की बात; आनंद, मनोरंजन; संतोष, तृप्ति।

ಚಕ್ಕಮುಕ್ಕಿ चक्कमुक्कि (अ. दे.) सं.— दे. ಚಕಮುಕಿ.

ಚಕ್ಕರಿಸು चक्करिसु (क) क्रि.— बकरे की 'बा वा' ध्वनि।

ಚಕ್ಕುಲಗುಳಿ चक्कुलगुळि (क) सं.— दे. ಚಕಳಗುಳಿ.

ಚಕ್ಕುಲಿ चक्कुलि, ಚಕ್ಕುಲಿ चक्कुलि, ಚಕ್ಕುಳಿ चक्कुळि, ಚಕ್ಲಿ चक्लि (तद्) सं.— शष्कुली (तत्); एक खाने की (नमकीन) चीज़।

ಚಕ್ಕಳ चक्कळ (तद्) सं.— ('छागल:' से ?)- चमड़ा।

ಚಕ್ಕಳಗುಳಿ चक्कळगुळि (क) सं.— दे. ಚಕ್ಕಳ ಗುಳಿ.

ಚಕ್ಕಳಿ चक्कळि (क) सं.— वह वस्तु जो दबकर चपटी हो गयी हो।

ಚಕ್ಕು चक्कु (अ. दे.) सं.— एक प्रकार का सूती कपड़ा।

ಚಕ್ಕುಬಂದಿ चक्कुबंदि, ಚಕಬಂದಿ चकबंदि (अ. दे.) सं.— चकबंदी (हिं), भूमि का विभाजन।

ಚಕ್ಕುಮುಕ್ಕಿ चक्कुमुक्कि (अ. दे.) सं.— दे. ಚಕಮಕಿ.

ಚಕ್ಕುಳಿ चक्कुळि (तद्) सं. — दे. ಚಕ್ಕಳಿ.

ಚಕ್ಕೆ चक्के (तद्) सं.— शल्क (तत्); छाला; लकड़ी के छोटे-छोटे टुकड़े।

ಚಕ್ಕೋತ चक्कोत, ಚಕ್ಕೋತು चक्कोतु (तद्) सं.— चकोतरा; एक फल विशेष।

ಚಕ್ರ चक्र (सम्) सं.— पहिया, चक्र; कुम्हार का चाक; चक्रायुध; वृत्त, गोलाकृति; बच्चों के खेलने का पहिया; सेना, फौज़; अधिकार, शासन, सत्ता; गगन, आकाश; नदी का मोड़; दल, समूह; चक्रवाक।

ಚಕ್ರಕಾರಕ चक्रकारक (सम्) सं.— एक प्रकार का सुगंध द्रव्य।

ಚಕ್ರಧರ चक्रधर (सम्) सं.— विष्णु, कृष्ण।

ಚಕ್ರಧಾರೆ चक्रधारे (सम्) सं.— पहिए की परिधि या घेरा।

ಚಕ್ರಪಕ್ಷಿ चक्रपक्षि (सम्) सं.— चक्रवाक।

ಚಕ್ರಪಾಣಿ चक्रपाणि (सम्) सं. = ಚಕ್ರಧರ.

ಚಕ್ರಬಾಲ चक्रबाल (सम्) सं— मण्डल, वृत्त, समुदाय, समूह, क्षितिज।

ಚಕ್ರಮರ್ದ चक्रमर्द, ಚಕ್ರಮರ್ದಕ चक्रमर्दक (सम्) सं.—तेजपात; एक पौधा (Cassia-tora)।

ಚಕ್ರಯುಗ चक्रयुग (सम्) सं.— चक्रवाक।

ಚಕ್ರಲೆ चक्रले (सम्) सं.— एक सुगंधित तृण विशेष।

ಚಕ್ರವರ್ತ चक्रवर्त (सम्) सं.— दे. ಚಕ್ಕೋತ.

ಚಕ್ರವರ್ತಿ चक्रवर्ति (सम्) सं.— सम्राट, आसमुद्रक्षितीश; आदरणीय व्यक्ति; कुम्हार; विष्णु; चकोतरा; चक्रवर्तिनी, एक सुगंधित पौधा।

ಚಕ್ರವರ್ತಿನಿ चक्रवर्तिनि (सम्) सं.— सम्राज्ञी; चकोतरा।

ಚಕ್ರವಾಕ चक्रवाक (सम्) सं.— चक्रवाक पक्षी, रथांग पक्षी।

ಚಕ್ರವಾಡ चक्रवाड, ಚಕ್ರವಾಲ चक्रवाल (सम्) सं.— दे. ಚಕ್ರಬಾಲ.

ಚಕ್ರವೃದ್ಧಿ चक्रवृद्धि (सम्) सं.— ಚಕ್ರಬಡ್ಡಿ चक्रबड्डि (तद्) — सूद दर सूद।

ಚಕ್ರವ್ಯೂಹ चक्रव्यूह (सम्) सं.— वृत्ताकार सैनिक संस्थापना।

ಚಕ್ರಾಂಕಿ चक्रांकि (सम्) सं.— राजहंस।

ಚಕ್ರಾಂಗ चक्रांग (सम्) सं.—(नर) हंस। ಚಕ್ರಾಂಗಿ चक्रांगि; (मादा) हंस; एक पौधा।

ಚಕ್ರಾದಿ चक्रादि (सम्) सं.—नदी का मोड़ या वक्रगति।

ಚಕ್ರಾಯುಧ चक्रायुध (सम्) सं. — विष्णु का चक्र; विष्णु।

ಚಕ್ರಿ चक्रि (सम्) सं.—वह जिसके पास चक्र हो; विष्णु, कृष्ण; राजा, कुम्हार; साँप; खर, गधा। — ಪತಿ पति (सम्) सं. — खच्चर।

ಚಕ್ರಿವತ್ चक्रिवत् (सम्) सं.—गधा।

ಚಕ್ರೇಶ चक्रेश; ಚಕ್ರೇಶ್ವರ चक्रेश्वर (सम्) सं. —राजा।

ಚಕ್ಲಿ चक्लि (सम्) सं. — एकवृक्ष विशेष (The Manilla tamarind)। (तद्) सं. — दे. ಚಕ್ಕಳಿ.

ಚಕ್ಷು चक्षु (सम्) सं.—चक्षु, आँख, नेत्र।

ಚಕ್ಷುಃಶ್ರವಸ್ चक्षुःश्रवस् (सम्) सं.— साँप।

ಚಕ್ಷುಃಶ್ರವಾಶ चक्षुःश्रवाश (सम्) सं.—साँप को खानेवाला, मयूर; मोर।

ಚಕ್ಷುಃಶ್ರೋತ್ರ चक्षुःश्रोत्र (सम्) सं.—साँप।

ಚಕ್ಷುಷ್ಯ चक्षुष्य (सम्) सं.—सुंदरी स्त्री। वि. सुंदर, मनोहर।

ಚಕ್ಷುಷ್ಯೆ चक्षुष्ये (सम्) सं.—नीला पत्थर जो आँखों का अंजन बनाने के लिए उपयोगी होता है।

ಚಗಚೆ चगचे (क) सं. = ಚಗಜೆ चगज़े, ಚೊಗಚೆ चोगचे, ಚೊಗರ್ಚೆ चोगर्चे, ಟಗರಿಸೆ टगरिसे, ತಗಚೆ तगचे, ತಗಜೆ तगज़े, ತಗಿಚೆ, तगिचे, ತಗ್ಗಚ್ಚಿ तग्गच्चि—चक्रमर्दक पौधा (Cassiatora)।

ಚಚ್ಚಕಾರ चच्चकार (क ?) सं.—गाते समय पद से आहट करना।

ಚಚ್ಚರ चच्चर (क) सं.—सावधानी, जागृति, जल्दबाज़ी, उतावलापन।

ಚಚ್ಚರಿಗ चच्चरीग (क) सं. — उत्साही, फुर्तीला मनुष्य, शीघ्र काम करनेवाला।

ಚಚ್ಚು चच्चु (क) क्रि.—रगड़, मार, पीट, चूर्ण कर।

ಚಚ್ಚುಕ चच्चुक (तद्) सं.—दे. ಚಂಚುಕ.

ಚಜ್ಜೆ चज्जे (क) सं. = ಚೆಜ್ಜೆ चेज्जे, ಜೆಜ್ಜೆ ज़ेज्ज़े, ಸಜ್ಜೆ सज्ज़े, ಸೆಜ್ಜೆ सेज्ज़े—बाजरा।

ಚಟ್ चट् (क) सं.—लकड़ी के टूटने पर उत्पन्न होनेवाली ध्वनि, कोड़े की ध्वनि, छड़ी की ध्वनि।

(१) ಚಟ चट (क) सं.—एक अनुकरणमूलक शब्द; चप्पल या जूते से निकलनेवाली ध्वनि।

(२) ಚಟ चट (अ. दे.) सं. — लत, बुरी आदत, लालच।

ಚಟಕ चटक (सम्) सं.—गौरैया।

ಚಟಕಶ್ರಾದ್ಧ चटकश्राद्ध(सम्)सं.-श्राद्ध का एक प्रकार, कूर्चा रखकर किया जानेवाला श्राद्ध।

ಚಟಕಾಯಿಸು चटकायिसु, ಚಟಾಯಿಸು चटायिसु, ಚಟಾಸು चटासु (अ. दे.) क्रि.— ['छाँटना' (हिं.) से ?]- काट डाल, छाँट, काटकर छोटा कर।

ಚಟಕೆ चटके (सम्) सं.—मादा गौरैया।

ಚಟಕ್ಕನೆ चटक्ने (क) अ. — तुरंत, फौरन, तत्क्षण, सहसा।

ಚಟಪಟಿಕೆ चटपटिके, ಚಟವಟಿಕೆ चटवटिके (क) सं —तीव्रता, उत्साह, काम-काज।

ಚಟಲ್ चटल् (क) सं. — कोड़े से निकलने वाली गंभीर ध्वनि।

ಚಟಾಕು चटाकु (अ. दे.) सं.—छटाँक (हिं.)

ಚಟಿಕೆ चटिके (सम्) सं.—मादा गौरैया; पीपल की जड़।

ಚಟಿಗೆ चटिगॆ ಚಟ್ಟಿಗೆ चट्टिगॆ (क) सं.— मिट्टी का भाण्ड जिसका मुँह बड़ा होता है।

ಚಟಿಲ್ चटिल् (क) सं.—दे. ಚಟಲ್.

ಚಟೀರನೆ चटीरने (क) अ. -- ज़ोर-ज़ोर से, 'चट' शब्द के साथ।

ಚಟು चटु (सम्) सं.—चापलूसी भरे शब्द; पेट।

ಚಟುಕನೆ चटुकने (क) सं. — ज़ोर की चोट, थप्पड़।

ಚಟುಕು चटुकु (क) सं. —कोड़े से या छड़ी से (मारते समय) आनेवाली ध्वनि।

ಚಟುಲ चटुल (सम्) वि.—कँपकँपा, काँपनेवाला, अस्थिर; चंचल; मनोहर, सुंदर।

ಚಟುವಟಿಕೆ चटुवटिके (क) सं.—दे. ಚಟಪಟಿಕೆ.

ಚಟ್ಟ चट्ट (क) सं.— पछोरकर या छानकर निकाला गया कूड़ा-करकट; समतलता; गाड़ी, खाट, कुरसी या चित्र का ढाँचा; मुर्दा ले जाने की टिकठी, अरथी; योजना, नियम, क्रम, कानून; सफ़ाई, स्वच्छता; मनोहरता।

ಚಟ್ಟನೆ चट्टने (क) अ.—तुरंत, सहसा, फौरन, अचानक, त्वरित गति से।

ಚಟ್ಟಿ चट्टि (क) सं.— मिट्टी का भाण्ड। (तद्) — (१) श्रेष्ठिन् (तत्) — बनिया, सेठ (२) षष्ठी (तत्)। — ಗರಣ गरण (तद्) सं.— षष्ठीग्रहण (तत्)।

ಚಟ್ಟಿಗೆ चट्टिगॆ (क) सं.— दे. ಚಟಿಗೆ.

ಚಟ್ಟಿಱಿ चट्टिरि (क) क्रि.— शरीर पर सुगंध द्रव्य का लेपन कर।

ಚಟ್ಟು चट्टु (क) सं.— समतलता; गाड़ी का तल या मचान; = ಚತ್ತು चत्तु-पालकी का समतल वस्त्र-परिवेश; बीजकोष, फली; अशुद्धि, गंदगी; नीचता; नाश, विनाश; बीजरहित आँवला जिसे धूप में सुखाकर रखा जाता है।

ಚಟ್ಟೆ चट्टे (क) सं.—अंग्रेज़ी-फैशन का वस्त्र; समतलता; एक प्रकार की बीमारी। — ಕಾರ कार, ಕಾಱ काऱ (क) सं.— अंग्रेज़ी-फैशन का वस्त्र पहना हुआ व्यक्ति। — ಗಾರ गार. ಗಾಱ गाऱ (क) सं.—ಚಟ್ಟಕಾರ.

ಚಟ್ಣಿ चट्णि, ಚಟ್ನಿ चट्नि (अ. दे.) सं.— चटनी (हिं.) पीसा जाना या रगड़ा जाना।

ಚಡತಿ चडति (अ. दे.) सं.— ('चढ़ना' से ?) — ईर्ष्या, डाह।

ಚಡಾಯಿಸು चडायिसु (अ. दे.) क्रि.— चढ़ा, अधिक कर, बढ़ा; लगा, दृढ़ कर, जड़।

ಚಡಾವು चडावु, ಚಡಾಳ चडाळ (अ. दे.) सं.— बढ़ती, अधिकता, वृद्धि।

ಚಡಿ चडि (अ. दे.) सं.— सीढ़ी; कबूतर की खुशी पूँछ के समान (डमरुआ) चूल; छड़ी।

ಚಡುಪುಡನೆ चडुपुडने (क) अ.— जल्दी, शीघ्रता से।

ಚಡೆ चड़े, ಸಡೆ सड़े (अ. दे.) वि.— अलग, पृथक, बिना भार का।

ಚಡ್ಡಿ चड्डि (अ. दे.) सं.— चड्डी (हिं.)।

ಚಣ चण (सम्) वि.— प्रसिद्ध, प्रख्यात; निपुण। (तद्) सं.— क्षणः (तत्)।

ಚಣಕ चणक (क) सं.— चड्डी। (सम्) सं.— चना।

ಚಣಗಿ चणगि (क) सं. = ಚಣಗೆ चणगे. ಚಣಂಗಿ चणंगि, ಚನ್ನಂಗಿ चन्नंगि — मांगल्यक, मसूर।

ಚಣಗೆ चणगे. ಚಣಂಗಿ चणंगि (क) सं.— दे. ಚಣಗಿ.

ಚಣಂಗ चणंग (तद्) सं.— चणक (तत्); चना।

ಚಣ್ಣ चण्ण (क) सं.— छोटा जाँघिया, चड्डी।

ಚತುಃ चतुः (सम्) वि.— चार की संख्या। — ಶಾಲ शाल, ಶಾಲೆ शाले (सम्) सं.— चार मंदिर या भवन जो सम चतुर्भुज आकार में हो।

ಚತುರ चतुर (सम्) वि.— ಚದರ चदर, ಚದರು चदरु, ಚದುರ चदुर, ಚದುರು चदुरु (तद्)—चतुर, होशियार, पटु, निपुण; तेज़, मनोहर, प्रिय। — ತನ तन (सम्) =चातुर्य।

ಚತುರಂಗ चतुरंग (सम्) सं.— ಚದರಂಗ चदरंग, ಚದುರಂಗ चदुरंग (तद्) — चतुरंगिनी सेना; शतरंज।

ಚತುರತೆ चतुरते (सम्) सं.— चातुर्य, होशियारी।

ಚತುರಶ್ರ, चतुरश्र, ಚತುರಸ್ರ चतुरस्र (सम्) वि. —चार कोनोंवाला, चतुष्कोण।

ಚತುರಾನನ चतुरानन, ಚತುರಾಸ್ಯ चतुरास्य (सम्) सं.—ब्रह्मा।

ಚತುರಾಸ್ಯನಿಘಂಟು चतुरास्यनिघंटु (सम्) सं. —बोम्म कवि का एक कोश ग्रंथ।

ಚತುರೋಪಾಯ चतुरोपाय (सम्) सं.— शत्रुओं के साथ व्यवहार के चार उपाय— साम, दान, भेद और दण्ड।

ಚತುರ್ಗತಿ चतुर्गति (सम्) सं. — परमात्मा। कछुवा।

ಚತುರ್ಥಿ चतुर्थि (सम्) सं.— ಚವುತಿ चवुति, ಚೌತಿ चौति (तद्)—चौथ तिथि।

ಚತುರ್ದಂತ चतुर्दंत (सम्) स. — ऐरावत।

ಚತುರ್ಬಲ चतुर्बल (सम्) सं.— चतुरंग; हाथी, घोड़े, रथ और पैदल सिपाहियों से सज्जित सेना।

ಚತುರ್ಭದ್ರ चतुर्भद्र (सम्) सं.—चार पुरुषार्थ— धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष।

ಚತುರ್ಭುಜ चतुर्भुज (सम्) सं.—चतुष्कोण, विष्णु।

ಚತುರ್ಮುಖ चतुर्मुख (सम्) सं.—ब्रह्मा।

ಚತುರ್ಯುಗ चतुर्युग (सम्) सं.—चार युग —कृत, त्रेता, द्वापर और कलियुग।

ಚತುರ್ವಕ್ತ್ರ चतुर्वक्त्र (सम्) सं.—ब्रह्मा।

ಚತುರ್ವರ್ಗ चतुर्वर्ग ಚತುರ್ವಿಧಪುರುಷಾರ್ಥ चतुर्विधपुरुषार्थ। (सम्) सं.—दे. ಚತುರ್ಭದ್ರ.

ಚತುಷ್ಕೋಣ चतुष्कोण (सम्) वि. — चार कोनों वाला, सम चतुर्भुज आकार का।

ಚತುಷ್ಟಯ चतुष्टय (सम्) वि. — चार की संख्या, चार लोगों से युक्त।

ಚತುಷ್ಪಥ चतुष्पथ (सम्) सं.—चौराहा।

ಚತುಷ್ಪದ चतुष्पद, ಚತುಷ್ಪಾದ चतुष्पाद (सम्) वि.—चार पैरोंवाला, चार अवयवोंवाला।

ಚತುಷ್ಪದಿ चतुष्पदि (सम्) सं.—एक वृत्त का नाम।

ಚತ್ತರಿ चत्तरि, ಚತ್ರಿ चत्रि, ಛತ್ರಿ छत्रि (तद्) सं.—छत्रं (तत्); छाता, छतरी।

ಚತ್ತರಿಗೆ चत्तरिगे (तद्) सं.—ಚತ್ತರಿ.

ಚತ್ತಾಣ चत्ताण, ಜತ್ತಾಣ जत्ताण (क) सं.—काव्यरचना का एक प्रकार।

ಚತ್ತಿರಿಗೆ चत्तिरिगे (तद्) सं.—दे. ಚತ್ತರಿ.

ಚತ್ತು चत्तु (अ. दे.) सं.—छत (हिं.); बिस्तर, पालकी, कमरे आदि का आवरण-वस्त्र।

ಚತ್ರ चत्र (तद्) सं. — छत्र (तत्); सत्र (तत्)।

ಚತ್ರಿ चत्रि (तद्) सं. – दे. ಚತ್ತರಿ.

ಚತ್ವರ चत्वर (सम्) सं.—चबूतरा, आँगन; चौराहा; यज्ञ के लिए तैयार की गई समतल भूमि।

ಚತ್ವಾರಿ चत्वारि (सम्) वि. – चार की संख्या।

ಚತ್ವಾರಿಂಶತ್ चत्वारिंशत् (सम्) वि. — चालीस (संख्या)।

ಚದರ चदर, ಚದರು चदरु (तद्) सं.—चतुष्कोण।

ಚದರಂಗ चदरंग (तद्) सं.—दे. ಚತುರಂಗ.

ಚದರಿಸು चदरिसु, ಚದುರಿಸು चदुरिसु (क) क्रि.—विकीर्ण कर, फैला, छितरा, बिखेर।

ಚದರು चदरु, ಚದುರು चदुरु (क) क्रि.—बिखर जा, फैल जा, विकीर्ण हो।

ಚದುರ चदुर (तद्) वि.— दे. ಚತುರ.

ಚದುರಂಗ चदुरंग (तद्) सं.—शतरंज।

ಚದುರೆ चदुरे (तद्) वि.— चतुरा, निपुणा स्त्री। (तद्) सं.—चातुर्य।

ಚದ್ದರ चद्दर (अ.दे.)सं.—चद्दर, चादर(फ़ारसी)।

ಚನ್ चन् (क) वि. — (समस्त पदों में)। लाल, अरुण; उचित, योग्य, ठीक, अच्छा, श्रेष्ठ, उत्तम, नियमित, सम, सीधा।

ಚನ चन (सम्) अ. — [च+न] — और नहीं।

ಚನ್ನ चन्न (क) सं. —सुंदर या मनोहर पुरुष; एक व्यक्ति का नाम।

ಚನ್ನಗೆ चन्नगे, ಚನ್ನಾಗಿ चन्नागि (क) अ. — अच्छी तरह, अच्छे प्रकार से, भली भाँति, सुन्दरता से।

ಚನ್ನಂಗ चन्नंग, ಚನ್ನಂಗಿ चन्नंगि (क) सं— एक बड़ा वृक्ष जिसके छाल सफ़ेद होते हैं (Largerstroemiea Parviflora); = ಚಣಗಿ चणगि—मसूर।

ಚನ್ನಿಗ चन्निग (क) सं.—सुन्दर पुरुष।

ಚನ್ನು चन्नु (क) सं.—सीधापन, अच्छापन, सौंदर्य, उत्तमता, औचित्य।

ಚನ್ನಿ चन्नि, ಚನ್ನೆ चन्ने (क) सं.—सुन्दरी स्त्री।

ಚಪ चप (सम्) सं.—बाँस, बाँस की छड़ी। —ಕಾರಕ कारक (सम्) सं. — बाँस का काम करनेवाला, टोकरी आदि बनानेवाला।

ಚಪಗುಟ್ಟು चपगुट्टु (क) क्रि.—'चप चप' कर, खाना खाते समय चपचप कर।

ಚಪಟೆ चपटे, ಚಪ್ಪಟೆ चप्पटे (क) वि. — समतल। सं.—बड़ा समतल पत्थर।

ಚಪಲ चपल (सम्) वि.—हिलनेवाला, काँपनेवाला, चंचल, अस्थिर, डँवाडोल; निर्बल, नश्वर; फुर्तीला, उतावला। सं.—मछली; पारा, पारद, सुगंध द्रव्य विशेष; चातक पक्षी।—ತನ तन, ತ್ವ त्व (सम्) सं.— चंचलता, अस्थिरता आदि।

ಚಪಲೆ चपले (सम्)सं.—कुलटा स्त्री; मदिरा; बिजली; लक्ष्मी; जिह्वा; पीपल।

ಚಪಾಟಿ चपाटि (क) वि.—दे. ಚಪಟೆ सं.— थप्पड़, तमाचा।

ಚಪಾಡಿಸು चपाडिसु (क) क्रि.—दे. ಚಪಗುಟ್ಟು.

ಚಪಾತಿ चपाति (अ. दे.) सं —चपाती (हिं)।

ಚಪಾಯಿಸು चपायिसु (अ. दे.) क्रि. — ('छिपाना' से) छिपा।—ಚಪಾವಣೆ चपावणे=छिपाव। ಚಪಾವು चपावु=छिपाव।

ಚಪೇಟ चपेट (सम्) सं.—फैले हुए हाथ की हथेली; थप्पड़।

ಚಪ್ಪಗೆ चप्पगे, ಸಪ್ಪಗೆ सप्पगे (क) अ.–नीरस, सारहीन, स्वादहीन।

ಚಪ್ಪಟೆ चप्पटे (क) वि. — दे. ಚಪಟೆ; ताली बजाना।

ಚಪ್ಪಡಿ चप्पडि (क) सं. बड़ा समतल पत्थर।

ಚಪ್ಪನೆ चप्पने (क) क.—'चपचप' करते हुए।

ಚಪ್ಪನ್ನ चप्पन्न, ಛಪ್ಪನ್ನ छप्पन्न(अ.दे.) वि.— छप्पन्न (संख्या)।— ದೇಶ देश=छप्पन्न देश विशेष।

ಚಪ್ಪರ चप्पर, ಚಪ್ರ चप्र (अ. दे.) सं.— छप्पर (हिं.), मंडप, पंडाल; चँदवा, आच्छादन।

ಚಪ್ಪರಣೆ चप्परणे (क) सं.—चिड़ियों का चूँ चूँ शब्द; गाय-बैलों को चलाते समय किसानों के मुँह से निकालनेवाली ध्वनि; मुँह बंद करके हँसना, प्रसन्नता का चिह्न दिखलाना।

ಚಪ್ಪರಿಗ चप्परिग (क) सं.—अनेक तृणों के नाम।

ಚಪ್ಪರಿಸು चप्परिसु (क) क्रि.—गाय-बैलों को चलाते समय एक प्रकार का शब्द कर; चबाते समय आवाज़ कर, एक प्रकार की आवाज़ के साथ चबा; थोड़ा-थोड़ा करके पी (चूस); थपकी दे; थप्पड मार, तमाचा लगा।

ಚಪ್ಪಲ್ चप्पल्, ಚಪ್ಪಲಿ चप्पलि (अ.दे.) सं. —चप्पल, जूता।

ಚಪ್ಪಳಿ चप्पळि (क) सं.—ताली बजाने की क्रिया।

ಚಪ್ಪಳಿಸು चप्पळिसु (क) क्रि. – दे. ಚಪ್ಪರಿಸು

ಚಪ್ಪಳೆ चप्पळे, ಚಪ್ಪಾಳೆ चप्पाळे (क) सं.— दे. ಚಪ್ಪಳಿ.

(१)ಚಪ್ಪೆ चप्पे (क) वि.—दबी हुई, चिपटी हुई। सं.—चूतड की हड्डी; बेस्वाद, रसहीनता।

(२)ಚಪ್ಪೆ चप्पे (अ. दे.) सं.—छाप (हिं), मुहर, मुद्रा।

ಚಪ್ರ चप्र (अ. दे.) सं.— दे. ಚಪ್ಪರ.

ಚಬಕ चबक, ಚಬಕು चबकु, ಚಬುಕು चबुकु (अ. दे.) सं. – चाबुक।

ಚಮಕಾಯಿಸು चमकयिसु, ಚಮಕಿಸು चमकिसु (अ. दे.) क्रि.— चमक, दमक, कँपा; डाँट।

ಚಮಟಿಕೆ चमटिके, ಚಮಟಿಗೆ चमटिगे (तद्) सं.— चर्मपट्टिका (तत्); पाँसे फेंकने का चमड़े का चौरस टुकड़ा।

ಚಮಡ चमड (तद्) सं.—चर्मन् (तत्); (हिन्दी से यह शब्द कन्नड में आया है) चमड़ा।

ಚಮತ್ಕಾರ चमत्कार (सम्) सं.— विस्मय, आश्चर्य, चमत्कार ; तमाशा ; होशियारी, बुद्धिमत्ता ; शीघ्रता । ಚಮತ್ಕಾರಿ चमत्कारि —वि. ಚಮತ್ಕರಿಸು चमत्करिसु —क्रि. ।

ಚಮತ್ಕೃತಿ चमत्कृति (सम्) सं. = ಚಮತ್ಕಾರ.

ಚಮರ चमर (सम्) सं.— एक प्रकार का हिरन ; जन्तु विशेष की पूँछ का बना चँवर, 'याक' नामक मृग ।

ಚಮರಿ चमरि (सम्) सं.— सुरागाय, चमर की मादा ।

ಚಮರಿಕ चमरिक (सम्) सं.— कोविदार वृक्ष (Bauhinia Variegata) ।

ಚಮಸ चमस (सम्) सं.— यज्ञों में सोम रस पीने का एक पात्र विशेष ; चमच ; एक प्रकार की मिठाई, लड्डू ; ऋषभ देव के पुत्र का नाम ।

ಚಮಸಿ चमसि (सम्) सं.—दे. ಚಮಸ.

ಚಮು चमु, ಚಮೂ चमू (सम्) सं.— सेना, फौज़ ; दल जिसमें 729 हाथी, 729 रथ, 2,187 घोड़े और 3,645 पैदल सिपाही होते हैं । ಪತಿ पति (सम्) सं.— सेनापति, सिपहसालार ।

ಚಮೂರ चमूर (सम्?) सं.— बाघ, व्याघ्र ।

ಚಮೂರು चमूरु (सम्) सं.— एक प्रकार का हिरन ।

ಚಮ್ಮ चम्म (तद्) सं.— चमत् (तत्) ; चमड़ा ।

ಚಮ್ಮಟಿಗೆ चम्मटिगे, ಚಮ್ಮಟ್ಟಿಗೆ चम्मट्टिगे (तद्) सं.— दे. ಚಮಟಿಗ ; चर्मयष्टिका (तत्) —चर्मदण्ड ; लुहार का भारी हथौड़ा, घन ।

ಚಮ್ಮಳಿ चम्मळि, ಚಮ್ಮಳಿಕೆ चम्मळिके (तद्) सं.— सैंहिकेयः (तत्) ; केतु ग्रह ; एक प्रकार का साँप ; एक प्रकार की मछली ।

ಚಮ್ಮಾರ चम्मार (तद्) सं.— दे. ಚಂಬಾರ.

ಚಮ್ಮಾಳಿಗೆ चम्माळिगे (तद्) सं.— चर्मपादुका (तत्) एक प्रकार का चमड़े का जूता ; चमरौधा ।

ಚಮ್ಮೆ चम्मे, ಚಮ್ಯ चम्य, ಚಮ್ವೆ चम्वे (क) सं.— कृकवाकु या नेत्री नार— ... ।

ಚಯ चय (सम्) सं.— समूह, समुदाय, ढेर, राशि ; टीला ; धुस्सा ; दुर्गद्वार, परकोटा ; इमारत, भवन ; बैठकी ; लकड़ी का ढेर ।

ಚಯನ चयन (सम्) सं.— इकट्ठा या एकत्र करने की क्रिया, एकत्रीकरण, चयन, चुनना; ढेर । — ಕುಸುಮ कुसुम (सम्) सं.— फूलों का एकत्रीकरण ।

(१) ಚರ चर (क) सं.— एक अनुकरणमूलक शब्द ; 'चर चर' शब्द ।

(२) ಚರ चर (सम्) वि.—चलनेवाला, हिलने वाला, काँपता हुआ, थरथराता हुआ ; जंगम ; जीवधारी । सं.—जासूस, गुप्तचर, भेदिया, दूत ; खंजन पक्षी ; कौड़ी ; मंगलग्रह; मंगलवार ; जुआ, पाँसे का खेल ।

(१) ಚರಕ (सम्) सं.—जासूस, गुप्तचर, दूत; रमता भिक्षुक ; आयुर्वेद विशेष, आयुर्वेद के एक आचार्य का नाम ; पापड़ ; माया, इंद्रजाल (मै. प्र.) ।

(२) ಚರಕ चरक, ಚರಕಿ चरकि. ಚರಖಾ चरखा (अ. दे.) सं — चरखा (हिं.) ।

ಚರಗ चरग, ಚರುಗ चरुग, ಚೆರಗ चेरग (क) सं. — खेत में दी जानेवाली आहुति ।

ಚರಟ चरट (क) सं.—भूसा, भूली ; तलछट ; थोथी वस्तु ।

ಚರಣ चरण (सम्) सं.— पैर, पाद, चरण ; सहारा, खंभा, वृक्षमूल ; वेद की शाखा ; श्लोक का एक पाद या चरण; जाति, नस्ल ; घूमना, फिरना ; संपादन, अभ्यास ; चालचलन, बर्ताव संपन्नता ।—ತಲ तल (सम्) सं.—पदतल, तलवा ।—ಯುಗ युग (सम्) सं.—दोनों पाद ।—ವಾಲ್ಮೀಕ वाल्मीक (सम्) सं.—पैर जो साँप के बिल जैसे हो ; एक प्रकार का पीलपाँव ।— ವಿನ್ಯಾಸ विन्यास (सम्)—पैर या चरण नीचे रखना ।

ಚರಣಾಕ್ಷ चरणाक्ष (सम्) सं. — अक्षपाद, गौतम ।

ಚರಣಾಭರಣ चरणाभरण (सम्) सं. — पैरों का आभूषण ।

ಚರಣಾಯುಧ चरणायुध (सम्) सं.—मुर्गा ।

ಚರಣಿಗೆ चरणिगे (क) सं.—नाँद ।

ಚರಂತ चरंत, ಚರಂತಿ चरंति (सम्) सं.— लिंगायत जंगम, ब्रह्मचारी ।

ಚರಥ चरथ (सम्) सं.—जंगम, चलनेवाला ।

ಚರಪು चरपु, ಚರುಪು चरुपु (तद्) सं.—चरु (सम्); भगवान् के लिए रखा गया नैवेद्य ।

ಚರಬಂಡವಲ चरबंडवल, ಚರಬಂಡವಾಳ चरबंडवाळ (क) सं.—चर पूंजी, व्यापार के लिए लगाई गई पूँजी ।

ಚರಬಿ चरबि, ಚರ್ಬಿ चर्बि, ಚೆರ್ಬಿ चेर्बि (अ. दे.) सं.—चरबी (फ़ारसी); मेद वसा ।

ಚರಮ चरम (सम्) वि.— अंतिम ; आखिरी ; पिछला, पुराना, वृद्ध ; बिलकुल बाहरी; सबसे नीचे या कम ; पश्चिमी ।—ಕ್ಷ್ಮಾಭೃತ್ क्ष्माभृत् (सम्) — अस्ताचल ।—ಗಿರಿ गिरि, ಅದ್ರಿ अद्रि (सम्) सं.—अस्ताचल ।—ಕಾಲ काल (सम्) सं.—मृत्यु की घड़ी ।—ಗೀತೆ गीते (सम्) सं. — शोकगीत, चरमगीत, मर्सिया ।

ಚರಯಿಸು चरयिसु (सम्) क्रि.—घूम, भ्रमण कर ।

ಚರಲಿಂಗ चरलिंग (सम्) सं. — चलनेवाला लिंग ; लिंगायत संप्रदाय का जंगम ।

ಚರವಣ चरवण (तद्) सं.—चर्वणम् (तत्) ।

ಚರವಿಗೆ चरविगे (क) सं. = ಚರಿಗೆ चरिगे, ಚರಿವಿಗೆ चरिविगे, ಚರ್ವಿಗೆ चर्विगे, ಚವರಿಗೆ चवरिगे, ಚವುರಿಗೆ चवुरिगे —बड़ा ताँबे या पीतल का घड़ा, जल रखने का घड़ा ।

ಚರಾಚರ चराचर (सम्) सं.—चर और अचर स्थावर और जंगम, संपूर्ण जगत् आकाश । वि.- चलने और न चलनेवाला, अस्थिर ।

ಚರಾದಾಯ चरादाय (सम्) सं.—ऐसे पशुओं को बेचने से सरकार को मिलनेवाली आय जिनके कोई मालिक न हो ; वेतन के अतिरिक्त रिश्वत आदि से होनेवाली आय ।

ಚರಾಯಿ चरायि (अ.दे.) सं.—चराई (हिं.); चरागाह ।

ಚರಿ चरि (सम्) वि.—जानेवाला, रहनेवाला । सं.—बंदूक की छोटी गोली ।

ಚರಿಕಿ चरिकि; ಚರ್ಕಿ चर्कि (अ.दे.) सं.—चरखी

(हिं); पीसने की चरखी; कुम्हार का चाक।

(१) ಚರಿಗೆ चरिगे (क) सं. — दे. ಚರವಿಗೆ; = ಚಂಬು चंबु—लोटा। ಚಂಬು ಚರಿಗೆಗೆ ದರಿದ್ರವಾದರೂ ಹಂಚು ಹುಡಿಗೆ ದರಿದ್ರವಲ್ಲ चंबु चरिगेगे दरिद्रवादरू हंचुहुडिगे दरिद्रवल्ल—लोटे-बर्तनों के लिए दारिद्रय होने पर भी खपरैल के टुकड़ों के लिए दारिद्रय नहीं है (कह.)।

(२) ಚರಿಗೆ चरिगे (तद्) सं.—चर्या (तत्); गति, चाल, चालचलन; व्यवहार, आचरण; अनुष्ठान; भक्षण; जैनों का भोजन।

ಚರಿಚಲಿ चरिचलि (क) सं.—दे. ಚಂಚಲಿ.

ಚರಿತ चरित (सम्) कृ.—भ्रमण किया हुआ, घूमा हुआ; पूरा किया हुआ, अभ्यास किया हुआ; प्राप्त किया हुआ; जाना हुआ; भेंट किया हुआ। सं. — गमन, मार्ग, अभ्यास, चालचलन, आचरण; जीवनचरित, जीवनी इतिहास।

ಚರಿತಾರ್ಥತ್ವ चरितार्थत्व (सम्) सं. — कृतार्थता, सफलता, फल-सिद्धि।

ಚರಿತೆ चरिते (सम्) सं. = ಚರಿತ.

ಚರಿತ್ರ चरित्र (सम्) सं.— आचरण, आदत, बान, टेव, चालचलन; कर्तव्य, निर्दिष्ट अनुष्ठान; संपादन, निर्वाह; कथा; इतिहास वृत्तांत, स्वहस्त लिखित जीवनी; साहसिक कार्य।— ಗಾರ गार, ಗಾಱ गाऱ (सम्) सं.— इतिहासकार।

ಚರಿತ್ರೆ चरित्रे (सम्) सं. = ಚರಿತ್ರ.

ಚರಿಯಿಸು चरियिसु (सम्) क्रि.- दे. ಚರಯಿಸು.

ಚರಿವಿಗೆ चरिविगे (क) सं.— दे. ಚರವಿಗೆ.

ಚರಿಷ್ಣು चरिष्णु (सम्) वि.—चंचल, भ्रमणकारी, क्रियाशील, डोलनेवाला।

ಚರೀ चरी (सम्) सं.— दूती, स्त्री जासूस; दासी, युवती।

ಚರು चरु (सम्) सं.— हव्यान्न या यज्ञान्न पकाने का बर्तन, कुंभ, घड़ा, भाण्ड, स्थाली हव्य विशेष।

ಚರುಗ चरुग (क) सं.— ಚರಗ.

ಚರುಪು चरुपु (तद्) सं.— दे. ಚರಪು.

ಚರೂಟಿ चरूट (तद्) सं.—भरूटकं (तत्); भुना हुआ मांस।

ಚರ್ಚ चर्च (सम्) सं.— सूर्य। (अ. दे.) सं.— गिरिजघर।

ಚರ್ಚಿಕೆ चर्चिके (सम्) सं.— शरीर में चंदनादि का लेप; ढँकना; पाठ, पुनरावृत्ति बहस; खोज, अनुसंधान।

ಚರ್ಚಿತ चर्चित (सम्) वि.—लगा हुआ; लेप किया हुआ, विचार किया हुआ; अनुसंधान किया हुआ। ಚರ್ಚಿಸು चर्चिसु —क्रि. रू.।

ಚರ್ಚು चर्चु (क) क्रि.— बच्चों का पालन-पोषण कर (अ. दे.)। सं.— Church (अंग्रेज़ी); गिरिजाघर।

ಚರ್ಚೆ चर्चे (सम्) सं.— शरीर पर सुगंध द्रव्य का लेपन, अनुलेपन; पाठ, पुनरावृत्ति, बार-बार पढ़ना, अध्ययन; खोज, अनुसंधान; बहस; उत्सव; मोद; दुर्गा, भैरवी; रति, रतिबंध, सुरत; उक्ति, वचन; व्रत; प्रतिमा; बुद्बुद, बुलबुला; गाली देना, धिक्कारना, निंदा करना; झगड़ा, कलह; उपहास, मज़ाक उड़ाना।

ಚರ್ಪಟಿ चर्पटि (सम्) सं.—चपाती, रोटी।

ಚರ್ಮ चर्म (सम्) सं.—ढाल, चमड़ा, चाम, खाल।

ಚರ್ಮಕಶೆ चर्मकशे (सम्) सं.—लजाधुर, छुईमुई का पौधा।

ಚರ್ಮಕಾರ चर्मकार, ಚರ್ಮಕೃತ್ चर्मकृत् (सम्) सं.—मोची, चमार।

ಚರ್ಮಗರ್ಪಟಿ चर्मगर्पट (सम्) सं. — चमड़े का बोतल जिसमें तेल रखा जाता है।

ಚರ್ಮಚಕ್ಷು चर्मचक्षु (सम्) सं.—स्थूल दृष्टि, बाहरी नेत्र।

ಚರ್ಮಣ चर्मण (सम्) सं.—वह पुरुष जो किसी प्रश्न का शीघ्र और उचित उत्तर दे सकता हो।

ಚರ್ಮದಂಡ चर्मदण्ड (सम्) सं.—चाबुक।

ಚರ್ಮಪಟ್ಟಿಕೆ चर्मपट्टिके (सम्) सं. — दे. ಚಮ್ಮಟಿಗೆ.

ಚರ್ಮಪ್ರಭೇದಿಕೆ चर्मप्रभेदिके (सम्) सं.— चमार की राँपी।

ಚರ್ಮಪ್ರಸೇವಿಕ चर्मप्रसेविक, ಚರ್ಮಪ್ರಸೇವಿಕೆ चर्मप्रसेविके (सम्) सं.—धौंकनी।

ಚರ್ಮಯಷ್ಟಿಕೆ चर्मयष्टिके (सम्) सं.— चाबुक।

ಚರ್ಮರತ್ನ चर्मरत्न (सम्) सं.—बढ़िया ढाल।

ಚರ್ಮರ चर्मर, ಚರ್ಮಾರ चर्मार (सम्) सं. —चमार, मोची।

ಚರ್ಮಿ चर्मि (सम्) सं.—सिपाही जिसके हाथ में ढाल हो; भूर्जवृक्ष।

ಚರ್ಯೆ चर्ये (सम्) सं.—दे. ಚರಿಗೆ. (२)

(१) ಚರ್ವಣ चर्वण (तद्) सं.—दे. ಚರ್ಮಣ.

(२) ಚರ್ವಣ चर्वण (सम्) सं. — चबाना, खाना, चखना।

ಚರ್ವಣೆ चर्वणे (सम्) सं. — नीले रंग की मक्खी; काली मक्खी।

ಚರ್ವಿತಕ चर्वितक (सम्) सं. — चबाने की क्रिया।

ಚರ್ವಿಗೆ चर्विगे (क) सं.— दे. ಚರವಿಗೆ.

ಚಲ್ चल् (सम्) वि.— काँपता हुआ, हिलता हुआ, डोलता हुआ, अस्थिर; शिथिल, ढीला; निर्बल; घबड़ाया हुआ; नाशवान।

(१) ಚಲ चल (सम्) सं.— कंपकंपी, घबराहट, विकलता; पवन, हवा; पारद।

(२) ಚಲ चल (तद्) सं.—छल: (तत्); हठवादिता, अपनी बात पर अडे रहना, ज़िद।— ಗಾರ गार — हठी पुरुष या स्वेच्छाचारी पुरुष।

ಚಲಂಕು चलंकु, ಚಲಂಗು चलंगु, ಚಲಕು चलकु (क) क्रि.— हाथ से जाने दे, मुक्त कर, विमोचन कर, फेंक, उडेल।

ಚಲಚಿತ್ರ चलचित्र (सम्) सं.— सिनेमा, फ़िल्म।

ಚಲಣ चलण, ಚಲ್ಲಣ, चल्लण (क) सं.— दे. ಚಣ್ಣ.

ಚಲತನ चलतन (तद्) सं.— स्वेच्छाचारिता, हठवादिता।

ಚಲತ್ವ चलत्व (सम्) सं.— घूमना, फिरना, गमन, अस्थिरता, कंपकंपी।

ಚಲದಲ चलदल, ಚಲಪತ್ರ चलपत्र (सम्) सं.— अश्वत्थवृक्ष।

ಚಲದಿ चलदि (क) सं.— बासी भात।

ಚಲನ चलन (सम्) वि.— हिलनेवाला, काँपने वाला, जानेवाला, गमन करनेवाला । सं.— चरण, पैर ; हरिण ।

ಚಲನಕ चलनक, ಚಲನಿ चलनि (सम्) सं.— छोटा लहँगा, घाघरा ।

ಚಲನೆ चलने (सम्) सं.— चलन, परिवर्तन ।

ಚಲಮೆ चलमे, ಚಲಿಮೆ चलिमे, ಚಲುಮೆ चलुमे, ಚಲ್ಮೆ चल्मे, ಚೆಲುಮೆ चेलुमे (क) सं.— नली का छिद्र, भूमि का गहरा छिद्र, गड्ढा ; नदी या तालाब, जहाँ पानी न हो वहाँ खोदा गाया गड्ढा; फ़ौव्वारा, सोता ।

ಚಲವಾದಿ चलवादि (तद्) सं.— दे. ಚಲಗಾರ (ಚಲ २.)

ಚಲಾಚಲ चलाचल (सम्) वि.— हिलनेवाला, अस्थिर ।

ಚಲಾಯಿಸು चलायिसु (अ. दे.) क्रि.— चला (हिं.) ; बढ़ा, पूर्ण कर, समाप्त कर ; समाप्त हो ।

ಚಲಾವಣೆ चलावणे (अ. दे.) सं.— चलन, रिवाज़, प्रचलन, रुपये-पैसे का संचार ।

(१) ಚಲಿ चलि, ಚಳಿ चळि (क) सं.— जाड़ा, सर्दी, ठण्डी, तमाशा, उपहास ; मज़ा ।

(२) ಚಲಿ चलि (सम्) सं.— चादर, ओढ़नी मसूर का वृक्ष ।

ಚಲಿತ चलित (सम्) वि.—चला हुआ, हिला आ, आँदोलित ; गया हुआ ; प्राप्त, पाया हुआ ; जाना हुआ, समझा हुआ । ಚಲಿಸು चलिसु (सम्) क्रि.—चल, गतिमान हो, क्रियाशील हो; हिल, काँप, थरथरा ; भ्रमित हो ; प्रस्थान कर, जा ; घूम, चंचल हो ।

ಚಲು चलु, ಚಲುವು चलुवु (क) सं.—सौंदर्य, सुन्दरता, चारुता ।

ಚಲುಕು चलुकु, ಚಲುಂಕು चलुंकु (क) क्रि.— (बर्तन से जल) बाहर आ, उत्सर्जित हो, जल फेंका जा, शिथिल हो ।

ಚಲುಮಿ चलुमि, ಚಲುವಿ चलुवि, ಚಲುವೆ चलुवे, ಚಲ್ವಿ चल्वि, ಚಲ್ವೆ चल्वे, ಚೆಲ್ವೆ चेल्वे (क) सं.—सुन्दरी स्त्री ।

ಚಲುಮೆ चलुमे (क) सं.—दे. ಚಲಮೆ.

ಚಲುವ चलुव, ಚಲುವು चलुवु, ಚಲ್ವ चल्व, ಚೆಲ್ವ चेल्व (क) सं.— सुन्दर पुरुष ; सौंदर्य, चारुता ।—ತನ तन (क) सं.— सुन्दरता, मोहकता ; मनोहर स्वभाव ।

ಚಲುವತಿ चलुवति (क) सं.— सुन्दरी स्त्री ; रतिदेवी ।

ಚಲುವಿ चलुवि (क) सं.— दे. ಚಲುಮಿ.

ಚಲುವಿಕೆ चलुविके, ಚಲ್ವಿಕೆ चल्विके, ಚೆಲುವಿಕೆ चेलुविके ಚೆಲ್ವಿಕೆ चेल्विके (क) सं.— सुन्दरता, मनोहरता ; स्वच्छता, पवित्रता, कोमलता, लालित्य ; सद्व्यवहार ।

ಚಲುವು चलुवु (क) सं.—दे. ಚಲು.

ಚಲುವೆ चलुवे (क) सं.—दे. ಚಲುಮಿ.

ಚಲೊ चलो (क) वि.—अच्छा, सुन्दर, सुहावना खूबसूरत ।

ಚಲ್ಣ चल्ण (क) सं.—दे. ಚಲ್ಲಣ.

ಚಲ್ಮೆ चल्मे (क) सं.—दे. ಚಲಮೆ.

ಚಲ್ಲ चल्ल (क) सं.—हँसी, मज़ाक, तमाशा, सरसता, विनोद । क्रि.— चारों ओर फेंक, (पानी) छिटका । — ಗಾತಿ गाति, ಗಾರ್ತಿ गार्ति (क) सं. –क्रीडा करनेवाला, सरसता करनेवाली या विनोद करनेवाली स्त्री ।

ಚಲ್ಲಣ चल्लण (क) सं.—छोटा जाँघिया, चड्डी, इज़ार ।

ಚಲ್ಲಬಡಿ चल्लबडि (क) क्रि.— ऐसा मार (या पीट) कि चारों और तितर-बितर जाय ।

ಚಲ್ಲವತ್ತ चल्लवत्त, ಚಲ್ಲವರ್ತೆ चल्लवर्ते, ಚಲ್ಲವೊತ್ತ चल्लवोत्त ಚೆಲ್ಲವತ್ತ चेल्लवत्त (क) सं. – मसखरेपन से जीनेवाला, विदूषक ।

ಚಲ್ಲವರಿವ चल्लवरिव (क)सं.—आवारा, स्वेच्छा से घूमनेवाला । ಚಲ್ಲವಾಡು चलवाडु—क्रि. ।

ಚಲ್ಲಾಟ चल्लाट (क) सं. — खेल, तमाशा, विनोद ; बाल्य-चापल्य । ಚಲ್ಲಾಡು चल्लाडु क्रि. ।

ಚಲ್ಲಾಪಲ್ಲಿ चल्लापल्लि, ಚಲ್ಲಾಪಿಲ್ಲಿ चल्लापिल्लि (क) अ.— अव्यवस्थित, क्रमहीन ।

ಚಲ್ಲಿ चल्लि (क) सं.—आईना, दर्पण ।

ಚಲ್ಲು चल्लु (क) क्रि. — तितरा, बाहर फेंक (जैसे बर्तन से पानी या अनाज नीचे फेंकना), फैला, ज़मीन पर तितरा या फेंक ; हवा में उड़ने दे, (दूसरों की आंखों में) रेत डाल, रेत बिखेर, बीज फेंक या बो; रुपये-पैसे बहा या अधिक खर्च कर । सं.— आलसी पुरुष; भ्रमणकारी व्यक्ति । —ತನ तन (क) सं.—आलस्य, सुस्ती भ्रमणशीलता, बाल्य-स्वभाव, गांभीर्य का अभाव,

ಚಲ್ಲುಕ್ಕು चल्लुक्कु, ಚಲ್ಲೊರೆ चल्लोरे (क) क्रि.— लबालब भरकर या उमड़कर बह ।

ಚಲ್ಲೆ चल्ले (क) सं.— लंबाई, दूरी, फैलाव ।

ಚಲ್ವ चल्व ಚಲ್ವು चल्वु (क) सं.— दे. ಚಲುವ.

ಚಲ್ವೆ चल्वे (क) सं.— दे. ಚಲುಮಿ.

ಚವಕಿ चवकि, ಚವುಕಿ चवुकि (अ. दे.) सं.— चौकी (हिं.) ।

ಚವಡಿಕೆ चवडिके (तद्) सं.— चाण्डालिका (तत्) ; एक प्रकार का तंत्रीवाद्य, इकतारा बाजा ।

ಚವರ चवर, ಚವಲ चवल, ಚವುಲ चवुल (तद्) सं.— चौल (तत्) —क्षौर, हजामत ।

ಚವರಿ चवरि, ಚವುರಿ चवुरि, ಚೌರಿ चौरि (तद्) सं.— चमरी (तत्) ; चँवर ।

ಚವರಿಗೆ चवरिगे (क) सं.— दे. ಚೌರಿಗೆ.

ಚವಲಂಬ चवलंब (क) सं.—आँख की पलक ।

ಚವಿ चवि (तद्) सं. — छवि (तत्) ; कांति, सौंदर्य ; चमड़ा, खाल ।

ಚವಿಕೆ चविके (सम्) सं. - एक वृक्ष विशेष, पिप्पली ।

ಚವು चवु (अ. दे.) सं.— साबुन (अरबी) ।

(१) ಚವುಕ चवुक (अ. दे.) सं.—चौक (हिं.) चौकाकार चाँदी या लकड़ी की पेटी ; चौकाकार रुमाल ; चार रुपये (मै. प्र.) ; पौई, प्लुत, घोड़े की चाल विशेष ।

(२) ಚವುಕ चवुक (?) सं.— सस्तापन, कम मूल्य ।

ಚವುಕಸಿ चवुकसि (अ. दे.) सं.— चौकसी ; सावधानी से पूछ-ताछ करना ।

ಚವುಕಳಿ चवुकळि, ಚವುಕುಳಿ चवुकुळि (अ.दे.) सं.— चार मोतियों का समूह ; चार मोतियों का कर्णाभरण ; चौकोर रेखाओं का कपड़ा ।

ಚವುಕಾಸಿ चवुकासि, ಚವುಕಾಶಿ चवुकाशि, ಚೌಕಾಸಿ चौकासि, ಚೌಕಾಶಿ चौकाशि (अ. दे.) सं.—['चौकसी' से ?]—सौदा, मोल-भाव।

ಚವುಗಡೆ चवुगड़े (अ दे.) सं.— (चौवड़ा—मराठी) चार ढोल जिन्हें दो व्यक्ति बजाते हैं।

ಚವುಡಂಗಿ चवुडंगि (क) सं.—अजगंधि नामक पौधा।

ಚವುಡಿ चवुडि (तद्) सं.—चामुण्डी (तत्)।

ಚವುತಿ चवुति, ಚೌತಿ चौति (तद्) सं.—चतुर्थी (तत्), चौथतिथि।

ಚವುರಿ चवुरि (तद्) सं.—दे. ಚವರಿ.

ಚವುರಿಗೆ चवुरिगे (क) सं.—दे. ಚವರಿಗೆ.

ಚವುಲ चवुल (तद्) सं.—दे. ಚವಲ.

ಚವುಳು चवुळु (क) वि.—खारा, तीता।—ಮಣ್ಣು मण्णु (क) सं.—खारी मिट्टी, ऊप, लुनही मिट्टी।

ಚವ್ಯ चव्य (सम्) सं.—दे. ಚವಿಕೆ.

ಚವ್ವೆ चव्वे (क) सं.—दे ಚವ್ವ.

ಚಷಕ चषक (सम्) सं.— मदिरा पीने का बर्तन; प्याला।

ಚಷಾಲ चषाल (सम्) सं.— यज्ञ-स्तंभ के ऊपर लगाने का काठ का छल्ला।

ಚಹಡ चहड, ಚಹಡಿ चहडि, ಚಾಡಿ चाडि (क) सं. — (मराठी से ?) — शिकायत, चुगली।

ಚಹಾ चहा (अ. दे.) सं.—चाय।

ಚಳ चळ (क) सं.—एक अनुकरणमूलक शब्द; चमक, कांति—ಚಳ चळ - चमकते हुए।

ಚಳಕ चळक (क) सं. — कौशल, प्रवीणता, निपुणता, दक्षता, शीघ्रता, वेग; वात के कारण शरीर का जकड़ना; छिटकाना।

ಚಳಕು चळकु (क) सं.—दे. ಚಳಕ; चाबुक की मार, पीड़ा, दर्द, थकावट।

ಚಳಗತಿ चळगति (तद्) सं.—चपलगति (तत्); वेग, शीघ्रता; फुर्तीलापन।

ಚಳಮಾಲೆ चळमाले (सम्) सं.— एक पौधा विशेष (Hibiscus micranthus)।

ಚಳಯ चळय, ಚಳೆಯ चळेय (क) सं.— पानी छिड़काने की क्रिया।

ಚಳಿ चळि (क) सं.— तलवा दुखना, दाँतों की सनसनाहट; जाड़ा, सर्दी, ठण्डापन, शैत्य हिम, कोहरा। क्रि— शक्ति घट या कम हो, प्रभाव कम हो, अपनी स्वाभाविक स्थिति को खो; थक जा, श्रांत हो; थरथरा, काँप।

ಚಳಿಕಿಗೆ चळिकिगे ಚಳಿಕೆ चळिके (क) सं.— पुष्प कंकण; सोने का कंगन।

ಚಳಿತ चळित (क) सं.— शीतलता, ठण्डी।

ಚಳಿಯ चळिय (क) सं.— दे. ಚಳಯ; पंकिलता; सड़ना।

ಚಳಿಸು चळिसु (क) क्रि.— थरथरा, कँपा; सता।

ಚಳುಕು चळुकु (क) सं.— दे. ಚಳುಕು.

ಚಳುಪು चळुपु (क) सं.— दे. ಚಳಕ.

(१) ಚಳೆ चळे (क) क्रि.—छिड़का, फैला, चारों ओर फेंक, उमड़।

(२) ಚಳೆ चळे (तद्) सं.— चलि: (तत्); बच्चों या निर्बल व्यक्तियों को उठाने की चादर या कपड़ा।

ಚಳೆಯ चळेय (क) सं.— दे. ಚಳಯ.

ಚಳ್ಳ चळ्ळ, ಚಳ್ಳೆ चळ्ळे, ಚೆಳ್ಳ चेळ्ळ, ಚೆಳ್ಳು चेळ्ळु, ಚೆಳ್ಳೆ चेळ्ळे, ಸೆಳ್ಳೆ सेळ्ळे (तद्) सं.— शेलु (तत्); एक तरह का बेर जिसका गूदा गोंद-सा होता है; उद्दाल।

ಚಳ್ಳು चळ्ळु (क) सं.— लंबा शलाका या फावड़ा।

ಚಾ चा (अ. दे.) सं. - चाय।

ಚಾಂಗಾಲ चांगाल (क) वि.— प्रसन्न, मनोहर, सुहावना।

ಚಾಂಗು चांगु (क) अ.— शाबाश! अच्छा!

ಚಾಂಗೇರಿ चांगेरि (क?) सं.—चुक या अम्लबेत।

ಚಾಂಚಲ್ಯ चांचल्य (सम्) सं.— चंचलता, चपलता, अस्थिरता।

ಚಾಂಡಾಲ चांडाल (सम्) सं.—दे. ಚಂಡಾಲ.

ಚಾಂಡಾಲಿಕೆ चांडालिके (सम्) सं.—क्षुद्र या टेप सितार, चंडाल का सितार।

ಚಾಂತರಾಶಿ चांतराशि (क) सं.—एक प्रकार की तरकारि।

ಚಾಂದಣಿ चांदणि, ಚಾಂದನಿ चांदनि, ಚಾನ್ನಿ चान्नि (अ. दे.) सं.—चाँदनी (हिं.)।

ಚಾಂದಸ चांदस (तद्) सं—छांदसः (तत्); वेदज्ञ ब्राह्मण।

ಚಾಂದ್ರ चांद्र (सम्) सं.—चांद्रमास; शुक्ल पक्ष; चंद्रकांत मणि; चांद्रायण व्रत।

ಚಾಂದ್ರಕ चांद्रक (सम्) सं.—सोंट।

ಚಾಂದ್ರಮಸ चांद्रमस (सम्) वि.— चंद्रमा से संबंधित। सं.—मृगशिरस् नक्षत्र।

ಚಾಂದ್ರಮಸಾಯನ चांद्रमसायन (सम्) सं. बुधग्रह।

ಚಾಂದ್ರಮಾನ चांद्रमान (सम्) सं. — चंद्र की तिथियों से काल की गणना करना।—ವರ್ಷ वर्ष (सम्) सं.—चांद्रमान संवत्।

ಚಾಂದ್ರಾಯಣ चांद्रायण (सम्) सं. — एक व्रत विशेष।

ಚಾಂಪಿಲ चांपिल (सम्) सं. — चम्पा अथवा चंबल नदी।

ಚಾಂಪೇಯ चांपेय, ಚಾಂಪೇಯಕ चांपेयक (सम्) सं.—केसर, नागकेसर वृक्ष; चंपा वृक्ष; सोना, सुवर्ण; धतूरे का पौधा।

ಚಾಕ चाक (सम्) वि.—सुन्दर, मनोहर।—ಚಕ್ಯ चक्य (सम्) सं. — चमक-दमक; चंचलता; शीघ्रता; होशियारी, कुशलता।

ಚಾಕಟ್ಟು चाकट्टु (क) सं.-सोने की गोलियों का बाजूबंद।

ಚಾಕಣಿ चाकणि (क) सं.—ढक्कन, तश्तरी।

ಚಾಕರ चाकर (अ. दे.) सं.—चाकर (फ़ारसी); दास, नौकर। ಚಾಕರಿ चाकरि (अ. दे.) सं. नौकरी, सेवा।

ಚಾಕು चाकु (अ. दे.) सं.—चाकू (फ़ारसी)।

ಚಾಕ್ರಿಕ चाक्रिक (सम्) सं.— कुम्हार; तेली; गाड़ीवान।

ಚಾಕ್ರಿಣ चाक्रिण (सम्) सं.— कुम्हार या तेली का पुत्र।

ಚಾಕ್ಷುಷ चाक्षुष (सम्) वि.— नेत्र संबंधी, दृष्टिगोचर।

(१) ಚಾಗ चाग (क) सं.— हरा रंग। अ.—शीघ्र, जल्दी।

(२) ಚಾಗ चाग (तद्) सं.— त्यागः (तत्)।
ಚಾಗಿ चागि = त्यागी।

ಚಾಗು चागु (क) अ.— दे. ಚಾಂಗು.

ಚಾಚಿ चाचि, ತಾಚಿ ताचि (क) सं.— स्तन (छोटे बच्चों द्वारा प्रयुक्त शब्द)।

ಚಾಚು चाचु (क) क्रि.— आगे बढ़ा, बढ़ा, पसार, फैला, आगे फैला, सम्मुख रख।

ಚಾಟ चाट (सम्) सं.— ठग, बटमार, बदमाश, वंचक।

ಚಾಟಕ चाटक (सम्) सं.— बाज़ीगरी, जादू।

ಚಾಟಕೈರ चाटकैर (सम्) सं.— नर गौरैया।

ಚಾಟಿ चाटि, ಚಾವಟಿ चावटि, ಚಾವುಟಿ चावुटि (क) सं.—चाबुक, पैनिया;

(१) ಚಾಟು चाटु (क) सं.—आश्रय, आड, पर्दा; कोई भी वस्तु, जो गरमी, हवा और वर्षा से बचानेवाली हो।

(२) ಚಾಟು चाटु (सम्) सं. — चापलूसी, खुशामद।—ತನ तन (सम्) सं. — सुहावना होना, खुशामदी।

ಚಾಡ चाड (क) सं. — अपयश फैलानेवाला पुरुष, चुगलखोर।

ಚಾಡಿ चाडि (क) सं. – दे. ಚಡಿಡ; अपयश फैलानेवाली स्त्री।

ಚಾಡಿಕಾರ चाडिकार, ಚಾಡಿಗ चाडिग, ಚಾಡಿಗಾರ चाडिगार (क) सं.-चुगलखोर, शिकायत करनेवाला।

ಚಾಣ चाण, ಚಾನ चान (क) सं. — छोटी छैनी, रुखानी।

ಚಾಣಕ್ಯ चाणक्य, ಚಾಣಿಕ್ಯ चाणिक्य (सम्) सं. — प्रसिद्ध अर्थशास्त्रज्ञ विष्णुगुप्त या कौटिल्य का नाम।

ಚಾಣೂರ चाणूर (सम्) सं.—कंस का एक सेवक जो मल्लयुद्ध में श्रीकृष्ण से मारा गया।

ಚಾತ चात (क) सं.—राक्षस।

ಚಾತಕ चातक (सम्) सं.—ಚಾದಗೆ चादगॆ (तद्)—चातक पक्षी, पपीहा।

ಚಾತಾಣಿ चाताणि, ಚಾತಾಳಿ चाताळि (क) सं. शूद्रों की एक जाति जो विष्णु की पूजा करते हैं)

ಚಾತುರ चातुर (सम्) वि. — चतुर, योग्य, सयाना; सुचारुभाषी; चापलूस; दृश्य; चार की संख्या संबंधी।—ತನ तन (सम्) सं.—चतुरता आदि।

ಚಾತುರಂಗ चातुरंग (सम्) सं.—दे. ಚತುರಂಗ.

ಚಾತುರಿ चातुरि ಚಾತುರ್ಯ चातुर्य (सम्) सं.—चतुराई, निपुणता, दक्षता, पटुता।

ಚಾತುರಿಯ चातुरिय (तद्) सं.=चातुर्य (तत्)।

ಚಾತುರ್ಥಿಕ चातुर्थिक (सम्) सं.—चौथिया, ज्वर।

ಚಾತುರ್ದಂತ चातुर्दंत (सम्) सं. — हाथी, गज।

ಚಾತುರ್ಬಲ चातुर्बल (सम्) सं. — चतुर्बल, चतुरंगिनी सेना।

ಚಾತುರ್ಮಾಸ್ಯ चातुर्मास्य (सम्) सं. — चार महीनों का व्रत जिसका आचरण संन्यासी करते हैं।

ಚಾತುರ್ಮುಕ್ತಿ चातुर्मुक्ति, ಚಾತುರ್ವರ್ಗ चातुर्वर्ग (सम्) सं.—दे. ಚತುರ್ಭದ್ರ.

ಚಾತುರ್ಯ चातुर्य (सम्) सं.—दे. ಚಾತುರಿ.

ಚಾತುರ್ವರ್ಣ್ಯ चातुर्वर्ण्य (सम्) सं.—हिन्दुओं की चार वर्ण-व्यवस्था— ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र।

ಚಾದಿಗೆ चादिगॆ (तद्) सं.—दे. ಚಾತಕ.

ಚಾದರ चादर (अ. दे) सं.— चादर (फ़ारसी)।

ಚಾನ चान (क) सं.—दे. ಚಾಣ.

ಚಾನ್ನಿ चान्नि (अ. दे.) सं.— दे. ಚಾಂದಣಿ.

(१) ಚಾಪ चाप, ಚಾಪೆ चापॆ (क) सं. — चटाई।

(२) ಚಾಪ चाप (सम्) सं.—धनुष, कमान; वृत्तांश; इन्द्रधनुष; धनुःराशि।

(३) ಚಾಪ चाप (अ. दे) सं.—छाप, (हिं.) मुद्रा, मुहर।—ಖಾನೆ खानॆ (अ. दे) सं. —प्रेस, मुद्रणशाला।

ಚಾಪಟೇಯ चापटेय (सम्) सं. — जार; धोखेबाज़।

ಚಾಪಲ चापल (सम्) सं.—चापल्य, चंचलता, शीघ्रता, वेग; बेचैनी, विकलता। — ತೆ तॆ (सम्) सं.—धनुष की डोरी; चपलता, चंचलता।

ಚಾಪಲ್ಯ चापल्य (सम्) सं.—दे. ಚಾಪಲ.

ಚಾಪವಲ್ಲರಿ चापवल्लरि (सम्) सं.—धनुष.

ಚಾಪಾರ चापार, ಜಾಪಾರ जापार (सम्) सं. घासविशेष।

ಚಾಪಿಸು चापिसु (अ. दे.) क्रि.—छाप, छाप लगा, मुद्रण कर।

(१) ಚಾಪು चापु (क) सं.—विस्तार, लंबाई, व्यापकता।

(२) ಚಾಪು चापु (अ. दे.) सं.—दे. ಚಾಪ (३).

(१) ಚಾಪೆ चापॆ (क) सं.—बंदूक का घोड़ा।

(२) ಚಾಪೆ चापॆ (अ. दे.) सं.—दे. ಚಾಪ(१)
—ಖಾನೆ खानॆ (अ. दे.) सं.—ಚಾಪಖಾನೆ.

ಚಾಮರ चामर (सम्) सं.—चमर, चौरी।—ಗ್ರಾಹಿಣಿ ग्राहिणि (सम्) चमर डुलानेवाली स्त्री।

ಚಾಮರಿಗ चामरिग (सम्) सं.—चमर डुलानेवाला पुरुष। ಚಾಮರಿಗಿತಿ चामरिगिति (सम्) सं.—दे. ಚಾಮರಗ್ರಾಹಿಣಿ.

ಚಾಮೀಕರ चामीकर (सम्) सं. — सोना, स्वर्ण।

ಚಾಮುಂಡಿ चामुंडि (सम्) सं.—दुर्गा, भैरवी।—ಬೆಟ್ಟ बॆट्ट (क) सं. — मैसूर नगर में स्थित एक पर्वत।

ಚಾಯ चाय, ಚಾಯಿ चायि (तद्) सं.—छाया (तत्); रंग।—ಬೇರು बेरु (तद्) सं.—मजीठ, कालमेशी।

(१) ಚಾರ चार (सम्) सं.—गमन, गति, चाल, भ्रमण; जासूस, गुप्तचर; अनुष्ठान, अभ्यास; बेडी, जंजीर; बंदीखाना, कारागार कंबल, ऊन का कपड़ा; कृत्रिम उपाय; एक वृक्ष (Buchanania latifolia)।

ಚಾರ चार (अ. दे.) सं.— चारा, चरागाह।

ಚಾರಕ चारक (सम्) सं.— भेदिया, जासूस; गडरिया, गोपाल; नेता, नायक; सारथी, गाड़ीवान; घुड़सवार, साईस; बंदीगृह; हथकड़ी; भ्रमणकारी ब्रह्मचारी।

ಚಾರಚಕ್ಷು चारचक्षु (सम्) सं.— राजा जो गुप्तचर रूपी नेत्रों से देखता है।

ಚಾರಣ चारण (सम्) सं. — भ्रमणकारी, यात्री, पर्यटन करनेवाला; घूमने फिरनेवाला नट

या गायक ; चारण, भाट, राजपुताने की एक जाति। — ಯೋಗಿ योगि (सम्) सं. — एक गंधर्व योगी।

ಚಾರಭಟ चारभट (सम्) सं.— पराक्रमी योद्धा।

ಚಾರಮ चारम (क) सं.— चेर राजा का नाम।

ಚಾರಮಾನಿ चारमानि (क) सं.— एक देश का नाम।

ಚಾರಲಿಂಗ चारलिंग (सम्) सं.—दे ಚರಲಿಂಗ.

ಚಾರಿ चारि (सम्) वि.— जानेवाला, घूमनेवाला, भ्रमण करनेवाला, रहनेवाला ; करनेवाला। सं.— ढंग, विधान, पद्धति ; करने या क्रिया का विधान ; इच्छा, मन का ध्येय ; सस्तापन ; कुतंत्र ; उपाय।

ಚಾರಿಕೆ चारिके (सम्) सं.— परिचारिका, दासी।

ಚಾರಿತ್ರ चारित्र (सम्) सं.— आचरण, चालचलन ; स्वभाव, निर्वाह।

ಚಾರಿಸು चारिसु (क) क्रि — पीस, चूर्ण कर ; रगड़, मथ, मिला।

ಚಾರು चारु (सम्) वि.— सुंदर, मनोहर, अच्छा, प्रिय। सं.— केसर, जाफ़रान।

ಚಾಱ् चार् (क) सं.— पंक्ति, रेखा, लकीर।

ಚಾರು चारु ಚಾಱು चारु, ಸಾಱು सारु (क) सं.— सार, रस, मिर्च-मसाला मिलायी गई पतली दाल।

ಚಾರ್ಖಾನೆ चार्खाने (अ. दे.) सं.— चौकोर घर। — ಸೀರೆ सीरे (अ. दे.) सं.— चौकोर रेखाओं की साड़ी।

ಚಾರ್ಚಿಕ್ಯ चार्चिक्य (सम्) सं.— शरीर पर सुगंध द्रव्यों का लेपन, शरीर को सुवासित करना ; उबटन।

ಚಾರ್ಜು चार्जु (अ. दे.) सं. — (Charge) (अंग्रेज़ी) ; सुपुर्दगी, सौंपना, कार्यभार ; अभियोग ; दाम, खर्च ; आक्रमण, हमला।

ಚಾರ್ಮಣ चार्मण (सम्) वि.—चर्म या चाम से ढका हुआ।

ಚಾರ್ಮಾಡಿ चार्माडि (सम्) सं.—मैसूर और मंगलूर के बीच का पहाड़ी भाग।

ಚಾರ್ವಾಕ चर्वाक (सम्) सं. — नस्तिकवादी एक दार्शनिक का नाम।

ಚಾಲ चाल, ಚಾಲು चालु (सम्) सं —गतिशीलता, घर, जंगम ; घर की छत, नीलकंठ पक्षी।

ಚಾಲತಿ चालति, ಚಾಲ್ತಿ चाल्ति (अ. दे.) सं. —(मराठी—'चालता') वह जो चालू हो, गतिशीलता।

ಚಾಲನ चालन (सम्) सं. — हिलना डुलना ; चलनी में रखकर छाना, शिथिल करना, इधर उधर हिलना ;

ಚಾಲನಿ चालनि (सम्) सं. – चालनी, चलनी।

ಚಾಲಾಕ चालाक (अ. दे) (तद्) सं—दे. ಚಾಪಟಯ.

ಚಾವಡಿ चावडि (क ?) सं.—मंडप, चट्टी, पड़ाव ; अस्थायी रूप से रहने का स्थान, सराय ; घर के सामने की बैठने की जगह ; ग्राम का सार्वजनिक मंडप।

ಚಾವಣಿ चावणि (अ. दे.) सं—छावनी (हिं.) ; शिविर, डेरा ; घर की छत या छवनई।

ಚಾವರಿ चावरि (क) सं.—नटखट पुरुष।

ಚಾವಳ चावळ (तद्) सं.—चापल (तत्) ; दे. ಚಾಪಲ.

ಚಾವಿ चावि (अ. दे.) सं.—चाभी (हिं.)।

ಚಾವುಟಿ चावुटि (क) सं.— दे. ಚಾವಟಿ.

ಚಾವುಂಡಿ चावुंडि (तद्) सं.—चामुण्डी (तत्) ; दुर्गा।

ಚಾಹ चाह (अ दे.) सं.— चाय।

ಚಾಳಕ चाळक (अ. दे.) सं.— ('चालक से') दे ಚಾಲಾಕ.

ಚಾಳಯಿಸು चाळयिसु, ಚಾಳಯ್ಸು चाळय्सु (तद्) सं.— इधर उधर हिला, डुला।

ಚಾಳಿ चाळि, ಚಾಳೆ चाळे (क) सं.— आदत, चालचलन, गुण, स्वभाव, लत। ಹಿರಿಯಕ್ಕನ ಚಾಳಿ ಮನೆಮಂದಿಗೆಲ್ಲ हिरियक्कन चाळि मने मंदिगेल्ल— बड़ी बहन की आदत घर के सब लोगों की आदत (कह.)।

(१) ಚಾಳಿಸು चाळिसु (क) क्रि — हरा, पराजित कर ; तमाशा कर ; चपल हो ; छान।

(२) ಚಾಳಿಸು चाळिसु (सम्) क्रि.—अस्थिर हो, चपल हो।

(३) ಚಾಳಿಸು चाळिसु, ಚಾಳೀಸು चाळीसु, ಚಾಳೇನ चाळेन, ಚಾಳೇಶ चाळेश (अ. दे.) सं.—चालीस वर्ष ; चालीस वर्ष की आयु में होनेवाली (नेत्र की) दृष्टि की मंदता ; ऐनक।

ಚಾಳೆ चाळे (क) सं — दे. ಚಾಳಿ.

ಚಾಳೆಯ चाळेय (क) सं.— गतिलंघन, कूदने या उड़ने की क्रिया, चाल चलकर हराने की क्रिया।

ಚಾೞ್ चाऴ् (क) सं. — सैंहिकेय का सिर, राहुग्रह।

ಚಿಂಚಿ चिंचि (सम्) सं.— गुंजा, घुघची का पौधा ; इमली का पेड़।

(१) ಚಿಂಚೆ चिंचे (क) सं.—वापी, कूप ; तालाब।

(२) ಚಿಂಚೆ चिंचे (सम्) सं.—इमली, इमली का पेड़।

ಚಿಂತನ चिंतन, ಚಿಂತನೆ चिंतने (सम्) सं.—सोचना, विचारना, चिंतन, सोच-विचार।

ಚಿಂತಾಕ चिंताक (क ?) सं. — एक प्रकार का सोने का हार।

ಚಿಂತಾಕುಲ चिंताकुल (सम्) वि.—चिंता से विकल, बेचैन, उत्सुक।

ಚಿಂತಾಮಣಿ चिंतामणि (सम्) सं. — सभी अभिलाषाओं को पूर्ण करनेवाली एक मणि या रत्न ; एक कल्पित मणि ; भगवान्।

ಚಿಂತಾರತ್ನ चिंतारत्न (सम्) सं.—दे. ಚಿಂತಾಮಣಿ.

ಚಿಂತಾಲು चिंतालु (क) सं. —सोना—चाँदी तोलने का छोटा तराजू।

ಚಿಂತಿಸು चिंतिसु (सम्) क्रि. — चिंता कर, परवाह कर।

ಚಿಂತೆ चिंते, ಚಿಂತಾ चिंता (सम्) सं. — चिंता, व्याकुलता, दुःख, फ़िक्र।

ಚಿಂತ್ಯ चिंत्य (सम्) कृ. — सोचने योग्य, विचारने योग्य, चिंता के योग्य, ढूँढने या पता लगाने योग्य।

ಚಿಂದಿ चिंदि (क ?) सं.—चिथड़ा, गूदड़।

ಚಿಂಪಿ चिंपि, ಚಿಂಪೆ चिंपे, ಸಿಂಪಿ सिंपि, ಸಿಂಪು सिंपु, ಸಿಂಪೆ सिंपे (तद् ?) सं.— शंबु (तत्) घोंघा ; शंख।

ಚಿಂಪಿಗ चिंपिग (तद्) सं·—['चेलिक'?]—दर्जी। ಚಿಂಪಿಗನ ಹುಲ್ಲು चिंपिगन हुल्लु—एक प्रकार की घास।

ಚಿಂಪಿರಿತಲೆ चिंपिरितले (क) सं· — बालोंवाला सिर जिसकी ओर ध्यान न दिया गया हो।

ಚಿಂಪೆಂಜಿ चिंपेंजि (क) सं·—बंदर की एक जाति।

ಚಿಃ चिः, ಚೀ ची, ಛೀ छिः (क) अ·— छिः! लानत। धिक्कार।

ಚಿಕಟ चिकट· ಚಿಕ್ಕಟ चिक्कट, ಚಿಕ್ಕಾಡ चिक्काड, ಚಿಕ್ಕಾಡಿ चिकाडि, ಚಿಕ್ಕಾಡು चिक्काडु, ಚಿಗಟ चिगट (क) सं·—पिस्सू, देहिका।

ಚಿಕಣಿ चिकणि, ಚಿಕಿಣಿ चिकिणि (अ· दे·) वि·—चिकना (हिं·); कड़ा, कठोर; गाढ़ा, मोटा, बड़ा।

ಚಿಕಿತ್ಸಕ चिकित्सक (सम्) सं· — चिकित्सा करने वाला, डाक्टर, वैद्य।

ಚಿಕಿತ್ಸೆ चिकित्से (सम्) सं·— इलाज, औषधोपचार।

ಚಿಕೀರ್ಷೆ चिकीर्षे (सम्) सं·—कामना, अभिलाषा।

ಚಿಕುರ चिकुर (सम्) वि·—चंचल, अस्थिर; अविचारी, दुस्साहसी। सं·—सिर के बाल, केश।

(१) ಚಿಕ್ಕ चिक्क (क) वि·—छोटा, लघु, क्षुद्र, कमीना। सं· — एक पुरुष का नाम। ಚಿಕ್ಕಪ್ಪ चिक्कप्प (क) सं·—पिता का छोटा भाई। ಚಿಕ್ಕತಾಯಿ चिक्कतायि (क) सं·—पिता के छोटे भाई की पत्नी। मौसी· खाला; सौतेली माँ। ಚಿಕ್ಕಮೀನು ಬಂದು ದೊಡ್ಡ ಮೀನನ್ನು ನುಂಗಿತಂತೆ चिक्क मीनु बंदु दोड्ड मीनन्नु नुंगितंते—छोटी मछली आकर बड़ी मछली को निगलने लगी (कह·)। ಚಿಕ್ಕವನು चिक्कवनु—छोटा (लड़का), ಚಿಕ್ಕವಳು चिक्कवळु—छोटी (लड़की), ಚಿಕ್ಕವು चिक्कवु—छोटी (वस्तुएँ)।

(२) ಚಿಕ್ಕ चिक्क (सम्) सं·—छछूंदर।

(१) ಚಿಕ್ಕಣ चिक्कण (सम्) वि· — चिकना; चमकीला, कोमल, स्निग्ध, तिलहा।

(२) ಚಿಕ್ಕಣ चिक्कण (क) सं·—छोटी चोली।

ಚಿಕ್ಕತನ चिक्कतन (क) सं·—बचपन, लड़कपन· छुटपन; क्षुद्रता।

ಚಿಕ್ಕಮ್ಮ चिक्कम्म (क) सं·—दे· ಚಿಕ್ಕತಾಯಿ (ಚಿಕ್ಕ में)।

ಚಿಕ್ಕಾಡ चिक्काड, ಚಿಕ್ಕಾಡಿ चिकाडि, ಚಿಕ್ಕಾಡು चिक्काडु (क) सं —दे· ಚಿಕಟ.

ಚಿಕ್ಕಿ चिक्कि (क) सं·—एक स्त्री का नाम; नक्षत्र· तारा, तिलक, बिंदी।

ಚಿಕ್ಕೆ चिक्के (सम्) सं· — छछूंदर; चपटी नाकवाली स्त्री; सुपारी।

ಚಿಗಟ चिगट (क) सं·—दे· ಚಿಕಟ.

ಚಿಗರಿ चिगरि (क) सं·—हिरन, कृष्णमृग।

ಚಿಗರು चिगरु (क) सं· — पल्लव, किसलय, कोंपल। क्रि·—अंकुरित हो, पल्लवित हो, पल्लव निकल।

ಚಿಗರೆ चिगरे (क) सं·—दे· ಚಿಗರಿ.

ಚಿಗಳಿ चिगळि, ಚಿಗುಳಿ, चिगुळि (क) सं·—तिल और गुड को कूटकर बनाई गई गोली (मिठाई विशेष)।

ಚಿಗಿ चिगि (क) क्रि·—अंकुरित हो, अंकुर फूट, पल्लवित हो; अंगुली या अंगुलियों को ढीला कर, अंगुली से विसर्जित कर या फेंक; कूद, उछल।

ಚಿಗಿರ್ चिगिर् (क) सं·—शीघ्रता· जल्दी।

ಚಿಗಿಲ್ चिगिल् (क) क्रि· — चिपचिपा या लसलसा हो।

ಚಿಗಿಸು चिगिसु (क) क्रि·— कुदा, उछाल, चक्कर काटने दे।

ಚಿಗುರ್ चिगुर्, ಚಿಗುರು चिगुरु (क) क्रि· और सं·— दे· ಚಿಗರು.

ಚಿಗುಳಿ चिगुळि (क) सं·— दे· ಚಿಗಳಿ.

ಚಿಚ್ಚಕ್ಷು चिचक्षु (सम्) सं·— ज्ञान नेत्र, अंतःचक्षु।

ಚಿಚ್ಚೋ चिचो ಚಿಚ್ಚೋಲಲ್ಲಾ चिचोलल्ला (क) सं·— लोरी।

ಚಿಟಕಿ चिटकि, ಚಿಟಕು चिटकु (क) सं·—चुटकी।

ಚಿಟಗುಟ್ಟು चिटगुट्टु (क) क्रि·— 'चिट चिट' शब्द कर (जैसे सरसों को गरम तेल में डालने से निकलनेवाला शब्द); क्रोध दिखा।

ಚಿಟಗುಬ್ಬಿ चिटगुब्बि (क) सं·— छोटी गौरैया चिड़िया।

ಚಿಟಿ चिटि (क) वि·— छोटा; लघु, क्षुद्र, अल्प। सं·— एक अनुकरणमूलक शब्द।

ಚಿಟಿಕೆ चिटिके (क) सं·— चुटकी; ताल का उपकरण वि·— कुछ, थोड़ा; उतना परिमाण जितना अंगूठे और तर्जनी में समाता है।

ಚಿಟಿಗರು चिटिगरु (क) सं·—छोटा दूकानदार।

ಚಿಟಿಗೆ चिटिगे (क) सं·— दे· ಚಿಟಿಕೆ.

ಚಿಟಿಪಾಲ चिटिपाल (क) सं·— एक वृक्ष विशेष (Zizyphus tree)।

ಚಿಟಿಯು चिटियु (क) क्रि·— गरमी के कारण फट· चिटक।

ಚಿಟಿಲ್ चिटिल्, ಚಿಟಿಲು चिटिलु (क) सं·—'चिटचिट' शब्द, आग की ज्वाला से निकलने वाला शब्द।

ಚಿಟಿಳಿಸು चिटिळिसु (क) क्रि·— छिटक, छिड़क।

ಚಿಟುಕು चिटुकु (क) सं·— बिंब, गोलाकार वस्तु, मंडल; चुटकी।

ಚಿಟುಕೆ चिटुके (क) सं·— दे· ಚಿಟಿಕೆ.

ಚಿಟುಂಕಿಸು चिंटुकिसु, ಚಿಟುಂಕು चिटुंकु (क) क्रि·—चुटकी बजा।

ಚಿಟ್ಟನೆ चिट्टने (क) अ·—ज़ोर से चिल्लाते हुए।

ಚಿಟ್ಟಹುಲ್ಲು चिट्टहुल्लु (क) सं· घास विशेष, मालातृण।

ಚಿಟ್ಟಾಮುಟ್ಟಿ चिट्टामुट्टि (क) सं·—बारहमासी पौधा।

ಚಿಟ್ಟಿ चिट्टि (क)सं·—अनाज का एक परिमाण, चार सेर।

ಚಿಟ್ಟು चिट्टु (क) वि·—छोटा· लघु। सं·—जुगुप्सा, उबाई।

ಚಿಟ್ಟೆ चिट्टे (क) सं·—तितली एक कीड़ा; = ಚಿಟ್ಟಿ चिट्टि—अनाज का परिमाण विशेष।

ಚಿಟ್ಟ चिट्टा (अ· दे·) सं·—चिट्टा (हिं·)।

ಚಿಟ್ಲಪಟ್ಟಕಾಯಿ चिट्लपट्टकायि (क) सं·— लड़कों की एक क्रीड़ा ।

ಚಿಟ್ಲಪುಡಿ चिट्लपुडि (क) सं.— किसी भी दाल की पुड़िया या चूर्ण ।

ಚಿಟ್ಲಿ चिट्लि (क) सं.—एक जंगली पेड़ ।

ಚಿಟ್ಲಿಸು चिट्लिसु (क) क्रि·— चुटकी बजा, तोड़, फोड़, जोर की आवाज़ कर ।

ಚಿಡಾಯಿಸು चिडायिसु (अ. दे.) क्रि·—चिढ़ा (हिं·), (किसी को) नाराज़ कर ।

ಚಿಣಿ चिणि, ಚಿಣ್ಣಿ चिण्णि, ಚಿಣ್ಣೆ चिण्णे (क) सं.– गुल्ली, लकड़ी का छोटा टुकडा । वि· — छोटा ।— ಕೋಲು कोलु (क) सं·— गुल्ली डंडा । – ಕೋಲಾಟ कोलाट(क) सं.— गुल्ली-डंडे का खेल ।

ಚಿಣಿಗಿ चिणिगि (क) सं·— एक विषैला साँप ।

ಚಿಣ್ಣ चिण्ण (क) सं.— छोटा लड़का· बालक ।

ಚಿಣ್ಣಿ चिण्णि, ಚಿಣ್ಣೆ चिण्णे (क) सं·— दे. ಚಿಣಿ.

ಚಿತ್ चित् (सम्) सं·— चेतना, ज्ञान, विवेक समझ, बुद्धि ; मन, हृदय, आत्मा ; ब्रह्म ।

ಚಿತ चित (सम्) वि·— एकत्र किया हुआ, संग्रहीत· ढेर लगाया हुआ ; प्राप्त ; अच्छी तरह देखा हुआ, परीक्षित ।

ಚಿತಕು चितकु (क) सं.— फिसलन ।

ಚಿತಾ चिता, ಚಿತೆ चिते (सम्) सं.— चिता, शव जलाने के लिए तर ऊपर रखी गई लकड़ी का ढेर । — ಭಸ್ಮಧಾರಿ भस्मधारि (सम्) सं·— शिवजी ।

ಚಿತಾವಣಿ चितावणि (अ. दे·) सं.-- चेतावनी (हिं·) ; चिढ़ाना ।

ಚಿತಿ चिति (सम्) सं.— एकत्रीकरण ; ढेर राशि· समूह, परिमाण ; तह, पर्त ; चिता; बुद्धि ।

ಚಿತೆ चिते (सम्) सं.— दे. ಚಿತಾ.

ಚಿತ್ಕಲೆ चित्कले (सम्) सं.— चैतन्य अंश· दैविक ज्ञान ।

ಚಿತ್ಕೃತ चित्कृत, ಚಿತ್ಕೃತಿ चित्कृति (सम्) सं.— पत्तियों की खड़खड़ाहट ।

ಚಿತ್ತ चित्त (सम्) वि.— देखा हुआ· पहचाना हुआ, विचार किया हुआ, मनन किया हुआ । सं· — विचार, मनन ; मनोयोग ; इच्छा उद्देश्य ; मन ; हृदय ; प्रतिभा, विचारशक्ति युक्ति, हेतु । — ಜ ज (सम्) सं.— कामदेव । — ಜನ್ಮ जन्म, ಭವ भव (सम्) सं.— कामदेव । — ಜಾರಿ जारि, ಭವರಿಪು भवरिपु, ಭವಹರ भवहर (सम्) सं.— शिवजी । — ಭೇದ भेद (सम्) सं — मत-अनैक्य ; असंगति । ಭ್ರಮೆ भ्रमे, ವಿಭ್ರಮೆ विभ्रमे (सम्) सं.— विक्षिप्तता, पागलपन, सिड़ीपन । — ಮೋಹ मोह (सम्) सं.— चित्त विभ्रम । — ವಿಕಾರ विकार (सम्) सं· —विचार या भावना में परिवर्तन ।

ಚಿತ್ತಯಿಸು चित्तयिसु· ಚಿತ್ತಯ್ಸು चित्तय्सु, ಚಿತ್ತವಿಸು चित्तविसु (सम्) क्रि·— ध्यान दे, चित्त लगा· लक्ष्य कर, विचार कर, मन लगा ।

ಚಿತ್ತರ चित्तर (तद्) सं·— चित्र (तत्) ; तसवीर ।

ಚಿತ್ತರಟೆ चित्तरटे (सम्) सं·— एक पौधे का नाम ।

ಚಿತ್ತವಂತ चित्तवंत (सम्) सं.— गुप्तचर, जासूस ।

ಚಿತ್ತವಿಸು चित्तविसु (सम्) क्रि –दे. ಚಿತ್ತಯಿಸು.

ಚಿತ್ತವೃತ್ತಿ चित्तवृत्ति (सम्) सं·— प्रवृत्ति, स्वभाव· झुकाव ।

ಚಿತ್ತಶುದ್ಧಿ चित्तशुद्धि (सम्) सं.— हृदय की सफ़ाई ।

ಚಿತ್ತಸಮುನ್ನತಿ चित्तसमुन्नति (सम्) सं.— अहंकार घमंड ।

ಚಿತ್ತಾಗಾರ चित्तागार, ಚಿತ್ತಾರ चित्तार (सम्) सं.— चित्रकारः (तत्) ।

ಚಿತ್ತಾಭೋಗ चित्ताभोग (सम्) सं.-- विषय-सुख की ओर मन की आसक्ति ।

ಚಿತ್ತಾರ चित्तार, ಚಿತ್ತಾರಿಗ चित्तारिग (तद्) सं.— चित्रकार· चितेरा ।

ಚಿತ್ತಿ चित्ति (सम्) सं.—चिंतन, प्रज्ञा, चित्ति

ಚಿತ್ತಿನಿ चित्तिनि (सम्) सं.—चित्तिनी, बुद्धि· मती स्त्री ।

ಚಿತ್ತು चित्तु (क) सं.—एक पौधा विशेष ; स्याही का धब्बा, छींट ; लिखित चीज़ में सुधार ; पुरजा (draft) । (तद्) सं.— चित् (तत्) ।

ಚಿತ್ತೆ चित्ते (तद्) सं.—चित्रा (तत्) ; चौदहवाँ नक्षत्र ।

ಚಿತ್ತೋದ್ರೇಕ चित्तोद्रेक (सम्) सं.—गर्व ।

ಚಿತ್ರ चित्र (सम्) सं. — तसवीर ; चित्र ; ढाँचा· खाका ; चमकीला आभूषण· गहना ; विलक्षण दर्शन, आश्चर्य ; स्वर्ग, आकाश ; सांप्रदायिक तिलक ; धब्बा ; कोढ़ रोग ; लोह या कोई धातु ; वायु, समीर ; कविता की पद्धति ; दो वृत्तों के नाम । वि.— चमकीला, स्पष्ट· साफ़ ; रंगबिरंगा ; प्रिय, रुचिकर ; भिन्न भिन्न ; आश्चर्यकर, अद्भुत ।

ಚಿತ್ರಕ चित्रक (सम्) सं.—चितेरा, चित्रकार; चीता ; सांप्रदायिक तिलक, पुंड्र ; चित्रमूल नामक पौधा (Ceylon leadwort); अशोक ; एरंडी का पौधा ; एक वृत्त का नाम ।

ಚಿತ್ರಕಂಠ चित्रकंठ (सम्) सं.—कबूतर ।

ಚಿತ್ರಕಂಬಲ चित्रकंबल, ಚಿತ್ರಕಂಬಳಿ चित्रकंबळि (सम्) सं.—रंगीन चादर या कंबल ।

ಚಿತ್ರಕರ चित्रकर, ಚಿತ್ರಕಾರ चित्रकार (सम्) सं.—चितेरा, चित्रकार ।

ಚಿತ್ರಕಾಯ चित्रकाय (सम्) सं· - बाघ, व्याघ्र; चीता ।

ಚಿತ್ರಕುಟಿ चित्रकुटि (सम्) सं. — शिविर, डेरा ।

ಚಿತ್ರಕೂಟ चित्रकूट (सम्) सं — एक पर्वत का नाम ।

ಚಿತ್ರಕೃತ್ चित्रकृत् (सम्) सं—चितेरा, चित्रकार ; एक वृक्ष विशेष (Delbergia oujeinensis) ।

ಚಿತ್ರಗಾರ चित्रगार [ಗಾರ್ गार्] (तत्) सं. —चित्रकार: (तत्) ।

ಚಿತ್ರಗುಪ್ತ चित्रगुप्त (सम्) सं· —जीवधारियों के पाप-पुण्य का लेख लिखनेवाले यमराज के पेशकार ।

ಚಿತ್ರಪಟ चित्रपट (सम्) सं. — चित्रपट, चित्र ; सिनेमा ।

ಚಿತ್ರಪದ चित्रपद (सम्) सं.—वृत्त विशेष।
ಚಿತ್ರಪುಂಖ चित्रपुंख (सम्) सं.—तीर, बाण।
ಚಿತ್ರಭಾನು चित्रभानु (सम्) सं. — सूर्य; आग; मदार का पौधा; एक संवत्सर का नाम (१६ वाँ)।
ಚಿತ್ರಮೂಲ चित्रमूल (सम्) सं.—एक पौधा, चित्रक।
ಚಿತ್ರರಥ चित्ररथ (सम्) सं.—सूर्य; गंधर्वों के एक नायक का नाम।
ಚಿತ್ರರೂಪು चित्ररूपु (सम्) सं.— चित्रकार।
ಚಿತ್ರಲತೆ चित्रलते (सम्) सं.—वृत्त विशेष।
ಚಿತ್ರಲೇಖೆ चित्रलेखे (सम्) सं. — तसवीर, चित्र; बाणासुर की कन्या उषा की सखी का नाम; एक अप्सरा का नाम (मै. प्र.)।
ಚಿತ್ರವಧೆ चित्रवधे (सम्) सं.—शरीर को बोटी बोटी कर मारना, भयंकर मृत्यु-दण्ड।
ಚಿತ್ರವಿದ್ಯೆ चित्रविद्ये (सम्) सं. – चित्रकला।
ಚಿತ್ರಶಾಲೆ चित्रशाले (सम्) सं.— चित्रों का प्रदर्शन मंदिर; स्टूडियो (Studio)।
ಚಿತ್ರಶಿಖಂಡಿ चित्रशिखंडि (सम्) सं. — सप्त ऋषियों की उपाधि। —ಜ ज (सम्) सं. — बृहस्पति।—ಪ್ರಸೂತ प्रसूत (सम्) सं. — बृहस्पति।
ಚಿತ್ರಸೇನ चित्रसेन (सम्) सं —एक गंधर्व नेता।
ಚಿತ್ರಕಾರ चित्रकार (सम्) सं.—चितेरा।
ಚಿತ್ರಹಿಂಸೆ चित्रहिंसे (सम्) सं.—कई प्रकार से सताना या हिंसा करना।
ಚಿತ್ರಾಂಗ चित्रांग (सम्) सं.—हिरन; चीता; अर्जुन; सिंदूर; एक घोड़े का नाम।
ಚಿತ್ರಾಂಗದೆ चित्रांगदे (सम्) सं.—विचित्र चूड़ियाँ धारण की हुई स्त्री; अर्जुन की पत्नी और बभ्रुवाहन की माता।
ಚಿತ್ರಾನ್ನ चित्रान्न (सम्) सं.— चित्रान्न, एक विशेष प्रकार का भात।
ಚಿತ್ರಾವಹ चित्रावह (सम्) वि. — आश्चर्य उत्पन्न करनेवाला।
ಚಿತ್ರಿ चित्रि, ಚಿತ್ರಿಕ चित्रिक (सम्) सं.— चित्रकार।
ಚಿತ್ರಿಣಿ चित्रिणि (सम्) सं.— चित्रिणी, बनाव-सिंगार में शौकीन नारी।
ಚಿತ್ರಿಸು चित्रिसु (सम्) क्रि. — चित्रित कर, तसवीर खींच, रंग भर, अंकित कर।
ಚಿತ್ರೆ चित्रे (सम्) सं.—चित्रा नक्षत्र; खीरा; ककड़ी; एक अप्सरा का नाम; सुभद्रा का नाम।
ಚಿದಂಬರ चिदंबर (सम्) सं.—निर्लिप्त ज्ञान स्वरूप भगवान; एक पुण्यक्षेत्र का नाम जो तमिलनाडु में है।
ಚಿದಕು चिदकु (क) क्रि. – पानी में अनाज को भिगोकर उसके छिलके निकाल, अनाज के छिलके (उंगलियों से दबाकर) निकाल। सं. —छिलके से मुक्त होने की स्थिति।
ಚಿದಕ್ಷಿ चिदक्षि (सम्) सं.— दे. ಚಿಚ್ಛಕ್ತಿ.
ಚಿದಾನಂದ चिदानंद (सम्) सं.— मन का आनन्द। — ಮೂರ್ತಿ मूर्ति (सम्) सं.— शिव।— ರೂಪ रूप (सम्) सं.— शिव।
ಚಿದುಕು चिदुकु (क) क्रि. और सं.— दे. ಚಿದಕು.
ಚಿದ್ಗಗನರೂಪ चिद्गगनरूप (सम्) सं.— शिव।
ಚಿದ್ರೂಪ चिद्रूप (सम्) वि.— बुद्धिमान, विचारवान; अच्छे हृदय का। सं.— चिन्मय, ज्ञान, परब्रह्म श्रीकृष्ण।
ಚಿನ चिन (क) वि.— छोटा; पतला, महीन। — ಕಡಿ कडि (क) क्रि.— छोटे-छोटे टुकड़े कर।
ಚಿನಾಯಿ चिनायि (अ. दे.) सं.— चीन से आया हुआ पदार्थ।
ಚಿನಾಲಿ चिनालि (अ. दे.) सं.-छिनाल (हिं.), व्यभिचारिणी स्त्री।
ಚಿನಿ चिनि (क) सं.— एक रंग।
ಚಿನಿವಾರ चिनिवार, ಚಿನಿವಾಲ चिनिवाल; ಚೆನ್ನವಾಲ चेन्नवाल, ಚೆನ್ನಿವಾರ चेन्निवार (क) सं. सराफ़, सोने-चाँदी का विक्रेता।
ಚಿನು चिनु (क) सं. = ಚಿನುಕುರಳಿ चिनुकुरळि —कुक्षिका नामक पक्षी।
ಚಿನುಕುರಳಿ चिनुकुरळि (क) सं.—दे. चिनु; [ಚಿನುಕು + ಉರಳಿ (= ಹುರಳಿ)] — कुलथी के भुने दाने।
ಚಿನ್ನ चिन्न (क) सं. —सोना, सुवर्ण, हेम। ಚಿನ್ನದ ಕತ್ತಿಯೆಂದು ಕುತ್ತಿಗೆ ಕುಯಿಸಿಕೊಳ್ಳಬಹುದೇ? चिन्नद कत्तियेंदु कुत्तिगे कुयिसि कोळळबहुदे?—सोने की तलवार है. ऐसा समझकर क्या सिर कटवाया जा सकता है? ಚಿನ್ನದ ಹರಿವಾಣವಾದರೂ ಮಣ್ಣಿನ ಗೋಡೆಗೆ ಒರಗಬೇಕು चिन्नद हरिवाणवादरू मण्णिन गोड़ेगे ओरगबेकु—सोने की थाली को भी मिट्टी की दीवार का सहारा लेना पड़ता है (कह.)। वि —छोटा, लघु।—ಗಿರಿ गिरि (सम्) मेरु पर्वत। — ವರದ वरद (क) सं.—सराफ़।
ಚಿನ್ನವಾಲ चिन्नवाल (क) सं.—दे. ಚಿನಿವಾರ.
ಚಿನ್ನಿ चिन्नि (क) सं.-अरहर की दाल के बारीक टुकड़े जो पशुओं को खिलाये जाते हैं; एक पौधा विशेष (Acalypha betulina)।
ಚಿನ್ನಿಧಾನ चिन्निधान (सम्) सं.—बुद्धिमत्ता, मेधा शक्ति।
ಚಿನ್ನಿವಾರ चिन्निवार (क) सं.—दे ಚಿನಿವಾರ.
ಚಿನ್ನೆ चिन्ने (तद्) सं.— चिह्न (तत्); निशान, दाग, मोहर, लक्षण, संकेत, इशारा, लक्ष्य, दिशा।
ಚಿನ್ಮಯ चिन्मय (सम्) सं. – ज्ञानस्वरूप, परमात्मा।
ಚಿನ್ಹ चिन्ह (सम्) सं.—दे. ಚಿನ್ನೆ.
ಚಿಪ್ चिप् (क) सं. = ಚಿಪ್ ಚಿಪ್ चिपचिप्— छिपकली की आवाज़।
ಚಿಪ್ಪ चिप्प (क) सं. = ಚಿಪ್ಪಕಸು विप्पकसुवु —मालातृण, एक प्रकार की घास।
ಚಿಪ್ಪ चिप्प (तद्) सं.—शिल्प (तत्)। ಚಿಪ್ಪಿಗ चिप्पिग (तद्) सं.— शिल्पिक (तत्); कारीगर; यंत्रसंचालक; दर्ज़ी। ಚಿಪ್ಪಿಗ ಬಿಜ್ಜೆ चिप्पिगविज्जे (तद्) सं.— शिल्प-विद्या। ಚಿಪ್ಪಿಗಿತಿ चिप्पिगिति (तद्) सं.— कारीगर की स्त्री; दर्ज़ी की स्त्री।
ಚಿಪ್ಪು चिप्पु (क) सं—कड़ा छिलका, छिलका, नारियल का कड़ा छिलका (Shell); खोपड़ी सीप, शुक्ति।
ಚಿಪ್ಪೆ चिप्पे (क) सं.—छिलका, कड़ा छिलका, सीद, शुक्ति; खोपड़ी।
ಚಿಬಕಳಿ चिबकळि (क) सं.—टिटिहिरी।

ಚಿಬಟಿಗನ ಹುಲ್ಲು चिबटिगनहुल्लु (क) सं — एक प्रकार का तृण ।

ಚಿಬು चिबु, ಚಿಬುಕ चिबुक, ಚಿವುಕ चिवुक, ಚುಬುಕ चुबुक (सम्) सं - ठुड्डी ।

ಚಿಬ್ಬಲ चिब्बल, ಚಿಬ್ಬಲು चिब्बलु (क) सं. बाँस की टोकरी ।

ಚಿಬ್ಬು चिब्बु, ಚಿಬ್ಬ चिब्ब (तद्) सं. — सिध्म (तत्); एक चर्म रोग, ददोरा, चकत्ता, चट्टा ।

ಚಿಬ್ಬುಲ್ चिब्बुल्, ಚಿಬ್ಬುಲು चिब्बुलु (क) स.—दे. ಚಿಬ್ಬಲ.

ಚಿಮಕಿಸು चिमकिसु, ಚಿಮಿಕಿಸು चिमिकिसु, ಚಿಮುಕಿಸು चिमुकिसु, ಚಿವುಕಿಸು चिवुकिसु (क) सं.—(पानी) छिटक, छिड़क ।

ಚಿಮಟ चिमट, ಚಿಮಿಟಿ चिमिट, ಚಿಮುಟ चिमुट (अ. दे.) सं. — चिमटा, चिमटी (हिं.) ।

ಚಿಮಣಿ चिमणि (अ. दे.) सं. —(Chimney) अंग्रेज़ी ; चिमनी, धुआँकश ।

ಚಿಮಿ चिमि (क) सं.—चिमचिम शब्द ; लुठन क्रिया, लोटपोट होना ।

ಚಿಮಿಕಿಸು चिमिकिसु (क) क्रि.—दे. ಚಿಮುಕಿಸು.

ಚಿಮಿಕು चिमिकु ಚಿಮುಕು [ಚಿಮುಕು चिमकु] (क) क्रि.— छिटक, छिड़क ।

ಚಿಮುಕಿಸು चिमुकिसु, ಚಿಮುಕು चिमुकु (क) क्रि —दे. ಚಿಮುಕಿಸು.

ಚಿಮುಟ चिमुट (अ. दे.) सं — दे. ಚಿಮಟ.

ಚಿಮುಟಿ चिमुटि (अ. दे.) सं.—कतरनी से बाल खींचना ।

(१) ಚಿಮುಟು चिमुटु (क) क्रि.—पलक मार, आँखें मटका ।

(२) ಚಿಮುಟು चिमुटु (अ. दे.) क्रि.— दबा, चिमटा से दबा ।

ಚಿಮ್ಮಂಡಿ चिम्मंडि, ಚಿಮ್ಮಂಡೆ चिम्मंड़े (क) सं.— झींगुर ।

ಚಿಮ್ಮಿಸು चिम्मिसु (क) क्रि.— हाथ की उंगलियों से उछाल या उछलवा ; हिला, हिलवा (प्रे.)।

ಚಿಮ್ಮು चिम्मु (क) क्रि.— हाथ की अंगुलियों से मुक्त होकर ऊपर की ओर उछल ; कूद, दौड़, छिटक, छिड़क ; फट, फट जा ; उड़ जा ; शस्त्र संचालन कर, हिला ; पीस ।

ಚಿಮ್ಮುರಿ चिम्मुरि (क) सं.— हाथ पीछे की ओर बांधने (जकड़ने) की क्रिया ।

ಚಿರ चिर (सम्) वि.— दीर्घ, दीर्घकालव्यापी ; पुराना, बहुत दिनों का । सं.— दीर्घकाल । — ಕ್ರಿಯ क्रिय (सम्) सं.— धीरे-धीरे कार्य करनेवाला, विलंब करनेवाला । — ಜೀವತೆ जीवते (सम्) सं.— दीर्घ-जीवन ।

ಚಿರಂಜೀವ चिरंजीव (सम्) सं.— दीर्घ जीवी; पुत्र बेटा ।

ಚಿರಂಜೀವಿ चिरंजीवि (सम्) सं.–दे. ಚಿರಂಜೀವ ; कौआ ।

ಚಿರಂಟಿ चिरंटि, ಚಿರಿಂಟಿ चिरिंटि (सम्) सं. — विवाहिता या अविवाहिता जवान स्त्री जो दीर्घकाल तक अपने पिता के घर में रहती है ।

ಚಿರಂತನ चिरंतन (सम्) वि.— प्राचीन, पुरातन, बहुत प्राचीन ।

ಚಿರಬಿಲ್ವ चिरबिल्व (सम्) सं.— वृक्ष विशेष (The tree Pongamia glabra) ।

ಚಿರಸೂತೆ चिरसूते ಚಿರಸೂತಿಕಾ चिरसूतिका (सम्) सं.— वह गाय जिसके कई बछड़े उत्पन्न हुए हों ।

ಚಿರಾಕು चिराकु (अ. दे) सं.— चिराग (फ़ारसी) ; दिया, दीपक ।

ಚಿರಾಯ चिराय (सम्) अ.— बहुत समय तक ।

ಚಿರಾಯು चिरायु (सम्) सं. — दे. ಚಿರಂಜೀವಿ.

ಚಿರಿ चिरि (सम्) सं.— तोता ।

ಚಿರಿಚು चिरिचु (क) क्रि.— हँस, ठट्ठा कर ; मुस्करा ।

ಚಿಱಚ चिऱ्च ಚಿಱುತೆ चिऱ्ते, ಚಿರ್ಚ चिर्च. ಚಿರ್ಚು चिर्चु (क) सं.— चीता, तेंदुआ ।

ಚಿಱಾಯಿತ चिरायित, ಚಿರ್ಯಾತ चिर्यात (क) सं.— एक प्रकार का भूनीम या किरात (A kind of a Blue-flowerd plant) ।

ಚಿಱು चिरु (क) वि.—छोटा ।

ಚಿರ್ಚ चिर्च, ಚಿರ್ಚು चिर्चु (क) सं. — दे. ಚಿರಚ.

ಚಿರ್ಭಟಿ चिर्भट, ಚಿರ್ಭಟಿ चिर्भट, (सम्) सं.—चिर्भटी, ककड़ी विशेष ।

ಚಿರ್ಯಾತ चिर्यात (क) सं.—दे ಚಿಱಾಯಿತ.

ಚಿಲಕ चिलक, ಚಿಲುಕ चिलुक (क) सं.— दरवाज़े की कुंडी, अर्गला ।

ಚಿಲಕು चिलकु (क) सं.—एक मूत्ररोग ।

ಚಿಲಖಿತ चिलखित (सम् ?) सं.—कवच ।

ಚಿಲಮೆ चिलमे (क) सं. — पानी का सोता, फौव्वारा ।

ಚಿಲವಾನ್ चिलवान (क) सं.—एक निश्चित धन-राशि के ऊपर का अयुग्म (odd) धन ।

ಚಿಲಿಕೆ चिलिके (क) सं.—लकड़ी के छोटे -छोटे टुकड़े ; हिलमोचिका, वास्तुक, एक पौधा विशेष ।

ಚಿಲಿಚಿಮ चिलिचिम (क ?) सं.—एक प्रकार की छोटी मछली ।

ಚಿಲಿಪಿಲಿ चिलिपिलि (क) सं. — पक्षियों की चहचहाहट ।

ಚಿಲಿಮೆ चिलिमे (अ. दे.) सं. — चिलम (फ़ारसी) ।

ಚಿಲುಕ चिलुक (क) सं.—दे. ಚಿಲಕ.

ಚಿಲುಕೂಲಿ चिलुकूलि (क) सं.—एक पक्षी का नाम ।

ಚಿಲುಮೆ चिलुमे (क) सं.—दे. ಚಿಲಮೆ.

ಚಿಲ್ಕು चिल्कु (क) सं. — दही मथते समय निकलनेवाली ध्वनि ।

ಚಿಲ್ಮಿಷ चिलिमिष (तद्) सं.—द्वेष, ईर्ष्या ।

ಚಿಲ್ರೆ चिल्रे, ಚಿಲ್ಲರೆ चिलरे (क)सं. छुट पैसे, छुट्टे, फुटकर पैसे ; क्षुद्रता ; क्षुद्र पुरुष (लाक्ष.) ।

(१) ಚಿಲ್ಲ चिल्ल (क) सं.—एक वृक्ष विशेष (The clearing nut tree) ।

(२) ಚಿಲ್ಲ चिल्ल (सम्) सं. — चील, एक प्रकार का बाज़ ।

ಚಿಲ್ಲತನ चिल्लतन (क) सं.- कष्ट, संकट, पीड़ा।

ಚಿಲ್ಲಯಿತ चिल्लयित, ಚೀಲಯಿತ चीलयित (क) सं.—एकाक्ष नामक पौधा ।

ಚಿಲ್ಲಱ चिलर्, ಚಿಲ್ಲಱೆ चिलरे (क) सं.— दे. ಚಿಲ್ರೆ.

ಚಿಲ್ಲಾಣ चिल्लाण (क) सं. – कटार, छुरी, छोटी तलवार।

ಚಿಲ್ಲಾಪಿಲ್ಲಿ चिल्लापिल्लि (क) अ.—अस्तव्यस्त, अव्यवस्थित, तितर-बितर।

ಚಿಲ್ಲು चिल्लु (क) वि.—छोटा टुकडा ; तकुआ धरने का साधन या चमड़े का कान ; एक वृक्ष विशेष।

ಚಿಲ್ಲೆ चिल्ले (क) सं. — अयोग्य, नालायक, नटखट या दुष्टा स्त्री।

ಚಿವಟು चिवटु, ಚಿವುಟು चिवुटु (क) क्रि.— चीन, नख से तोड़, कचोंटनी काट ; आँख मार।

ಚಿವರು चिवरु (क) क्रि. — खरोच, नख से नोच।

ಚಿವಿಟು चिविटु (क) क्रि.—दे. ಚಿವಟು.

ಚಿವುಕ चिवुक (सम्) सं.—ठुड्डी।

ಚಿವುಕಿಸು चिवुकिसु, ಚಿವುಕು चिवुकु (क) क्रि. —दे. ಚಿವುಕಿಸು.

ಚಿವುಟು चिवुटु (क) क्रि.– दे. ಚಿವಟು.

ಚಿವುಡು चिवुडु, ಚಿವುಂಟು चिवुंटु (क) क्रि.— खरोच, नोच, नखच्छेदन कर।

ಚಿವುರು चिवुरु (क) क्रि.—दे. ಚಿವರು.

ಚಿವ್ವು चिव्वु, ಚೀವು चीवु (क) क्रि. — पतले रूप में काट, छील, छिलका निकाल, छाँट परिष्कार कर या चमका।

ಚಿಹ್ನ चिह्न (सम्) दे. ಚಿನ್ನ.

ಚಿಳಿ चिळि (क) सं.—एक मछली विशेष ; एक अनुकरणात्मक शब्द।

ಚಿಳ್ಳೆ चिळ्ळे (क) वि. = ಚಿಳ್ಳೆಪಿಳ್ಳೆ चिळ्ळेपिळ्ळे —छोटे-छोटे। सं.— छोटे बाल-बच्चे)

ಚೀ ची (क) अ.—छि: ! छि:, तिरस्कार सूचक अव्यय।

ಚೀಕರಿ चीकरि, ಚೀಕಲು चीकलु, ಚೀಕು चीकु (क) वि.— छोटा।

ಚೀಕು चीकु (?) सं.— बीमारी, रोग (तमिळ ?)।

ಚೀಕುರುವಾಯಿ चीकुरुवायि (क) सं.— झिंगुर, कनखजूरा, चपड़ा ; बड़ा भ्रमर।

ಚೀಟಿ चीटि (अ. दे.) सं.— कागज़ का टुकड़ा, चिट्ठी ; छींट का कपड़ा ; टिकट, स्टांप।

ಚೀಟು चीटु (अ. दे.) सं.— दे. ಚೀಟಿ.

ಚೀಡೆ चीडे (क) सं.— (ಚೀಡೈ चीडै-तमिळ) चावल के आटे से (गोली के आकार में) घी या तेल में तलकर बनाया जानेवाला एक नमकीन खाद्य पदार्थ ; नष्ट भाग। — ಹುಳು हुळु (क) सं.— नीलगु कीड़ा।

ಚೀಣ चीण (अ. दे.) सं.— चीन देश, चीनी लोग। — ಅಂಬರ अंबर (अ. दे.) सं.— चीन का कपड़ा।

ಚೀತ್ಕಾರ चीत्कार (सम्) सं.— चीत्कार, चिल्लाहट ; हाथी की चिंघाड या गधे की रेंक।

ಚೀನ चीन, ಚೀನಾ चीना (अ. दे.) सं — दे. ಚೀಣ.

ಚೀನಿ चीनि (अ. दे.) सं. — चीनी लोग ; शक्कर विशेष ; कपूर।

ಚೀಪರಿ चीपरि (क) सं.— झाड़ू, बुहारी।

(१) ಚೀಪು चीपु (क) क्रि.— चूस, फल आदि का रस चूस।

(२) ಚೀಪು चीपु (अ. दे.) सं.— चीप (हिं.) टुकड़ा, लकड़ी या पत्थर का टुकड़ा।

(१) ಚೀರ चीर, ಚೀಲ चील (क) सं.— थैला, बोरा।

(२) ಚೀರ चीर (सम्) सं.— वस्त्र ; छाल ; चिथड़ा, धज्जी ; चौलड़ी मोती की माला, लकीर, पंक्ति ; नक्काशी, खुदाई ; सीसा।

ಚೀರಣ चीरण, ಚೀರ್ಣ चीर्ण, ಜೀರ್ಣ जीर्ण (क) सं.— छोटी रुखानी या छेनी।

ಚೀರಿ चीरि, ಚೀರಿಕೆ चीरिके (सम्) सं.— गेंद बल्ले का खेल।

ಚೀರಿಲ್ಲಿ चीरिल्लि (क) सं.—एक प्रकार की बड़ी मछली।

ಚೀರು चीरु (क) सं. — टुकड़ा, छोटा भाग, खंड। क्रि.—छितर, टुकड़े-टुकड़े कर, खण्ड कर ; खरोच।

ಚೀರ್ चीर् (क) क्रि.—चिल्ला, चीख उठ, ज़ोर की आवाज़ कर। — ಇಸು इसु, (क) क्रि.—प्रेरणार्थक रूप।

ಚೀಱು चीरु (क) क्रि —दे. ಚೀಱ್. वि.— छितरा हुआ, खरोचा हुआ ; बुरा, दुष्ट।

ಚೀಱುಂಬು चीरुम्बु (क) सं. — चिल्लाहट, चीखना ; व्यर्थ की बात।

(१) ಚೀರ್ಣ चीर्ण (क) सं.—दे. ಚೀರಣ.

(२) ಚೀರ್ಣ चीर्ण (सम्) वि.—चीर्ण, चीरा हुआ, फटा हुआ; विभाजित ; किया हुआ, कृत।

ಚೀರ್ಣೆ चीर्णे (?) सं.—एक वृक्ष, मीठे नीम का पेड़ (The tree Murraya koenigii)।

ಚೀಲ चील, ಚೀಲು चीलु (क) सं. — दे. ಚೀರ (१).

ಚೀಲಮುಂಡೆ चीलमुंडे (क) सं. — पैर और चरण को मिलानेवाली नली ; घुटिका, गुल्फ।

ಚೀಲಯಿತ चीलयित (क) सं. — एकाक्ष नामक पौधा।

ಚೀಲಾಗ್ರ चीलाग्र (क) सं.—चाकू, तलवार या छुरी का फल।

ಚೀಲಿ चीलि (क) सं.— बिल्ली को संबोधित करने का शब्द।

ಚೀಲು चीलु (क) सं.— दे. ಚೀರ (१)

ಚೀಲೆ चीले (तद्) सं. — कील: (तत्) कील ; पिन।

ಚೀವರ चीवर (सम्) सं.—वस्त्र, फटा कपड़ा; चिथड़ा ; बौद्ध भिक्षुक या किसी संन्यासी का कपड़ा।

ಚೀವು चीवु (क) क्रि.— दे. ಚಿವ್ವು.

ಚೀೞ್ चीळ् (क) सं.— चीखना ; चिल्लाहट —ಇಡು इडु—क्रि. रू.।

ಚುಂಗ चुंग (क) सं.— पेशाब की बदबू को प्रकट करनेवाला एक शब्द।

ಚುಂಗಡಿ चुंगडि (क) सं. — क्षुद्रता, अल्पता छुटे, छुट पैसे ; निश्चित धन-राशि के ऊपर के (अतिरिक्त) पैसे ; सूद, ब्याज।

ಚುಂಗರಿಸು चुंगरिसु (क) क्रि.— सर्दी के कारण-रोंगटे खड़े हों (रोमांच होना)।

ಚುಂಗಾಣಿ चुंगाणि (अ. दे.) सं.— छोटा चिलम।

ಚುಂಗಿ चुंगि (क) सं.— हठी या दुष्ट स्त्री ; हठी या दुष्ट पुरुष ।

ಚುಂಗು चुंगु (क) सं.— कपड़े का छोर या किनारा फाड़कर किसी वस्तु के साथ लटकाया गया खण्ड ; कुसुम की नोंक ; अंतम भाग ।

ಚುಂಚ चुंच; ಚುಂಚು चुंचु (क) सं. — चोंच ಚುಂಚಲ चुंचल – एक वृक्ष विशेष (Corchorus trilocularis) ।

ಚುಂಚಿಲ चुंचिल (क, सं. — छोटा चूहा; चुहिया, छछूंदर ।

(१) ಚುಂಚು चुंचु (क) सं.—चोंच ; वीर्यवनी नामक पौधा ; माथे पर लटकनेवाले घुंघराले बाल ; लाल या भूरा रंग ; घर का शिला-फलक । वि.—छोटा ।

(२) ಚುಂಚು चुंचु (सम्) वि. — प्रसिद्ध, प्रख्यात, निपुण ।

ಚುಂಟಿ चुंटि, ಚುಂಟೆ चुंटे, ಚುಂಡಿ चुंडि (सम्) सं.—छोटा कुआ ; छोटा तालाब ।

ಚುಂಡು चुंडु (क) वि. — छोटा । ಚುಂಡಿಲಿ चुंडिलि (क) सं. – चुहिया ; छछूंदर ।

ಚುಂದಿ चुंदि (सम्) सं. – चुंदी, कुटनी ।

ಚುಂಬಕ चुंबक (सम्) सं.—चूमनेवाला ; धूर्त, लंपट, रसिया, वेश्यागामी ; वह जो चूमा गया हो ; चुंबक पत्थर (loadstone) ।

ಚುಂಬಿತ चुंबित (सम्) वि.—चूमा हुआ ; स्पर्श किया हुआ ; स्पष्ट । ಚುಂಬಿಸು चुंबिसु —क्रि. रू. ।

ಚುಂಯಿ चुंयि, ಚೊಂಯಿ चोंयि (क) सं.— 'दोसे' बनाते समय गरम तवा पर पानी की बूँद पड़ने से निकलनेवाली ध्वनि ।

ಚುಕ್ಕಾಣಿ चुकाणि, ಚುಕ್ಕಣ चुकण (अ. दे.) सं.—पतवार ।

ಚುಕಾಯಿಸು चुकायिसु (अ. दे.) क्रि. — चुक (हिं.), पूरा कर ; व्यवस्थित कर, ठीक कर ; मूल्य का निर्णय कर, चुका दे ।

ಚುಕುಲ चुकुल, ಚುಕುಳ चुकुळ (सम्) सं.— हेमदुग्ध नामक पौधा ।

ಚುಕ್ಕಣ चुकण (अ. दे.) सं.—दे. ಚುಕಾಣಿ.

(१) ಚುಕ್ಕಿ चुक्कि ಚುಕ್ಕೆ चुक्के (क) सं. — बिंदी छोटा धब्बा ।

(२) ಚುಕ್ಕಿ चुक्कि (तद्) सं.—शुक्रः (तत्) ; शुक्रग्रह ; शुक्राचार्य ।

ಚುಕ್ರ चुक्र, ಚುಕ್ರಿ चुक्रि, ಚುಕ್ರೆ चुक्रे (सम्) सं. खटाई, खट्टापन, इमली ।

ಚುಚುಕ चुचुक, (सम्) सं.—चूचुक कुच का अग्र भाग ।

ಚುಚುಲು चुचुलु, ಚುಜ್ಜುಲು चुज्जुलु (क) सं. —एक वृक्ष विशेष (Helicteres isora) ।

ಚುಚ್ಚು चुच्चु (क) क्रि.—चुभ, भोंक, गाड़, घुसेड़, बेध, मन को पीड़ा दे ; जल, जलन हो । वि.—चुभनेवाला, बेधनेवाला ; छोटा । —ವಿಕೆ विके (क) सं.—चुभन, बेध, छेदन ; पीड़ा, व्यथा ।

ಚುಚ್ಚುಂದರ चुच्चुंदर, ಚುಚುಂದರಿ चुचुंदरि (अ. दे.) सं.—छछूंदर (हिं.) ।

ಚುಜ್ಜಲು चुज्जलु (क) सं.—दे. ಚುಚ್ಚುಲು.

ಚುಟಕು चुटकु, ಚುಟುಕು चुटुकु (क ?) वि. —छोटा, कम, नाटा, ठिगना, अल्पावधि का । सं.—छोटी कविता ।

ಚುಟಿಕೆ चुटिके (क) सं.—चुटकी ; उतना परिमाण जितना अंगूठे और तर्जनी से पकड़ा जाता है ?

ಚುಟ್ಟ चुट्ट, ಚುಟ್ಟಿ चुट्टि (क) सं. — चुरुट, तमाखू का बड़ा सिगरेट ।

ಚುನಾಯಿಕೆ चुनायिके; ಚುನಾವಣೆ चुनावणे (अ. दे.) सं. — चुनाव । (हिं.) चुनना । ಚುನಾಯಿಸು चुनायिसु—क्रि. रू. ।

ಚುನ್ನ चुन्न (क) सं.—निंदा, गाली ; बदनामी , अपमान, तिरस्कार । —ಆಡು आडु (क) क्रि. — गाली दे, निंदा कर, नीचा दिखा ।

ಚುಬುಕ चुबुक (सम्) सं.—ठुड्डी ।

ಚುಬುಕಿರಿ चुबुकिरि (क) क्रि — चल, गमन कर; प्रस्थान कर ।

ಚುಯ್ चुय् (क) सं.—दे. ಚುಂಯಿ.

(१) ಚುರಿ चुरि (सम्) सं.—छोटा कुआँ ।

(२) ಚುರಿ चुरि, ಚೂರಿ चूरि (अ. दे.) सं.— छुरी ।

ಚುರಕು चुरकु, ಚುರುಕು, चुरुकु (क) वि.— तेज़, तीक्ष्ण, कुशाग्र ।—ಬುದ್ಧಿ बुद्धि—तीक्ष्ण बुद्धि ।

ಚುರುಚಿ चुरुचि (क) सं.—चालाकी, कुशलता ।

ಚುರುಕು चुरुकु (क) सं. — तेज़ी, तीक्ष्णता ; अग्नि की ज्वाला, शरीर की गरमी ; शीघ्रता, वेग ; पीड़ा ; चाकू आदि की तीक्ष्णता, सूक्ष्मता, फुर्तीलापन । —ತನ तन (क) सं.—सूक्ष्मता, तीक्ष्णता, तेज़ी, फुर्तीलापन ।

ಚುರುಚಿ चुरुचि (क) सं.—एक पौधा विशेष जिसको छूने से खुजलाहट होती है ।

ಚುರ್ಕು चुर्कु (क) सं.—दे. ಚುರುಕು.

ಚುರ್ಚು चुर्चु (क) क्रि.—दे ಚುಚ್ಚು.

(१) ಚುಲಕ चुलक, ಚುಲುಕ चुलुक, (सम्) सं.—गहरा कीचड ; मुँह भर जल; अंजलि, चुल्लू ; छोटा बर्तन ।

(२) ಚುಲಕ, चुलक, ಚುಲುಕು, चुलुकु (क) वि.—क्षुद्र, लघु, हलका, चपल ।—ತನ तन (क) सं.-क्षुद्रता, चपलता, अल्पता, हलकापन ; गंभीरता की कमी ।

ಚುಲ್ಲಿ चुल्लि (सम्) सं.—चूल्हा ।

ಚುಳಿ चुळि, ಚುಳ್ಳಿ, चुळ्ळि (क) सं.— चोंच ।

ಚುಳಿಕೆ चुळिके (क) सं. — कपास पीटने का डंडा ।

ಚೂಚುಕ चूचुक (सम्) सं.—चूचुक, स्तन का अग्रभाग ।

ಚೂಟಿ चूटि (क) सं.-उद्देश्य, ध्येय ; योजना, उपाय, साधन, उपकरण ।

ಚೂಟು चूटु (क) सं.—दे. ಚೂಟಿ.

ಚೂಡ चूड (सम्) सं. — चोटी, चुटिया ।

ಚೂಡಾಕರ್ಮ चूडाकर्म (सम्) सं. — चूडाकर्म संस्कार; मुण्डन संस्कार ।

ಚೂಡಾಮಣಿ चूडामणि, ಚೂಡಾರತ್ನ चूडारत्न (सम्) सं.—सीसफूल, सिरमें धारण करने का एक आभूषण विशेष ; कन्नड के एक कवि का नाम ।

ಚೂಡಾಲು चूडालु (सम्) सं.—चूडाल, चूड़ी; कंकण ।

ಚೂಡಾಲೆ चूडाले (सम्) सं.—एक प्रकार का सरो वृक्ष ।

ಚೂಡೆ चूड़ (सम्) सं.–चूड़ा, चुटिया, चोटी ; मोर की कलंगी ; सिर ; शिखर, चोटी ; एक प्रकार की चूड़ी, कंकण ।

ಚೂಣಿ चूणि (क) सं.—आदि, अग्र, सेना का अग्रभाग ।

ಚೂತ चूत (सम्) सं.—आम का पेड़ ; भग, योनि ।

ಚೂತಕ चूतक (सम्) सं.—छोटा कुआ ।

ಚೂತಕುಜ चूतकुज (सम्) सं. — आम का पेड़ ; एक वृत्त का नाम ।

ಚೂಪು चूपु (क) सं.—दृष्टि, दृश्य; झलक ; दर्शन ; आँख, नेत्र ; नुकीलापन, सूक्ष्मता, तीक्ष्णता, पैना भाग ।

ಚೂರಣ चूरण (तद्) सं. — चूर्ण (तत्) ; बुकनी, आटा ; घिसा हुआ चंदन ।

ಚೂರಿ चूरि (अ. दे.) सं. — दे. ಚೂರು (२). ಚೂರಿಸು चूरिसु—टुकड़े-टुकड़े कर ।

ಚೂರು चूरु (क) क्रि.—खरोंच, नोच । सं.—टुकड़ा । खण्ड, अंश, अल्प परिमाण ; बुकनी, पुड़िया : छत का अंतिम भाग ; घर के ऊपर छत बनाने का ढाँचा ।

ಚೂರುಮರಿ चूरुमरि (अ. दे.) सं.—चरमुरा ; भुना हुआ चावल ।

ಚೂರ್ಣ चूर्ण (सम्) सं. — चूर्ण, पुडिया बुकनी, धूल, आटा ; चूना ; चॉक ; सूरन, ज़मींकंद ।

ಚೂರ್ಣಕುಂಡಲ चूर्णकुंडल (सम्) सं.—घुंघराले बाल ।

ಚೂರ್ಣಿ चूर्णि (सम्) सं.—सौ कौड़ियों का योग या जोड़ ; चूर्ण ।

ಚೂರ್ಣಿಕೆ चूर्णिके (सम्) सं.—गद्य रचना की शैली विशेष ; भुना और पिसा हुआ अनाज ।

ಚೂಲ್ चूल् ; ಚೂಲು चूलु (क) सं.—पशुओं-का गर्भ धारण करना ।

ಚೂಲ चूल (सम्) सं.—बाल, चोटी ।

ಚೂಲಿಕೆ चूलिके (सम्) सं.—हाथी की कनपटी ; मुर्गे की कलंगी ; चोटी; शिखर, वृक्ष का ऊपरी भाग ; नाटक में वह कथन जो नेपथ्य की आड़ में कहा जाता है; सेना-मुख, युद्ध का मुख ।

ಚೂಷೆ चूषे (सम्) सं.—हाथी के साज की पेटी ।

ಚೂಳಯ चूळय (क) सं. — (सिर की) माँग जिसमें मोती का आभरण रखा जाता है।

ಚೂಳಿ चूळि (क) सं.—दे. ಚೂಣಿ

ಚೆಂಗು चॆंगु (क) क्रि.—कूद, उचल, छलांग मार ; दौड़, भाग । सं.—उछलन ; कुदान ।

ಚೆಂಡಕನರಿ चॆंडकनरि (क) सं. — (भारतीय) लोमड़ी, सियार ।

ಚೆಂಡಿ चॆंडि (सम्) सं.—चण्डी (तत्) ; दे. ಚಂಡಿ (१).

ಚೆಂಡಿಕೆ चॆंडिके (क) सं.—शिखा, चोटी, जूड़ा

ಚೆಂಡು चॆंडु (क) सं.—गेंद, कंदुक ।

ಚೆಂದ चॆंद (तद् ?) सं. — सुन्दर, मनोहर, मुधुर ।

ಚೆಂದರ चॆंदर, ಚೆಂದಿರ चॆंदिर (तद्) सं.—चंद्रः (तत्) सिंदूरं (तत्) चॆंदिर ।

ಚೆಂಬಿಗೆ चॆंबिगॆ, ಚೆಂಬು चॆंबु (क) सं. — लोटा, जलपात्र ।

ಚೆಕ್ಕನೆ चॆक्कनॆ (क) अ.—जल्दी, शीघ्र, वेग से, तेज़ी से ।

ಚೆಕ್ಕರಿಸು चॆक्करिसु (क) क्रि.—मिमिया, बकरी या भेड़ का शब्द कर ।

ಚೆಕ್ಕಳ चॆक्कळ (तद्) सं.—दे. ಚಕ್ಕಳ.

ಚೆಕ್ಕು चॆक्कु (अ. दे) सं.—दे. ಚಕ್ಕು.

ಚೆಕ್ಕುಸು चॆक्कुसु (क) क्रि.—बंद कर, रोक, निकाल, प्रवाहित कर ।

ಚೆಕ್ಕೆ चॆक्के (तद्) सं.—दे. ಚಕ್ಕೆ.

ಚೆಚ್ಚರ चॆच्चर (क) सं. — शीघ्रता, स्वरित गति ; सावधानी, होशियारी, जागरूकता ; निश्चितता ।

ಚೆಚ್ಚರಿಗ चॆच्चरिग (क) सं. — उत्साही या फुर्तीला पुरुष ।

ಚೆಚ್ಚು चॆच्चु (क) क्रि.—कूट, पीट, मार, कुचल, पीस ; चूर्ण कर, पुडिया बना ।

ಚೆಜ್ಜೆ चॆज्जे (क) सं.—दे. ಚಜ್ಜೆ.

ಚೆಟ್ಟಿ चॆट्टि (क) सं.— टिटिहरी चिड़िया ; मिट्टी का भाण्ड (मै. प्र.) ।

ಚೆಟ್ಟು चॆट्टु (क) सं. — पौधा, छोटा वृक्ष ; दे. ಚಟ್ಟು.

ಚೆಣ್ಣ चॆण्ण (क) सं.—दे. ಚಣ್ಣ.

ಚೆದರು चॆदरु (क) क्रि.—दे. ಚದರು.

ಚೆನ್ चॆन् (क) वि. — लाल (समास में)। उदा.—ಚೆಂದಳಿರ್ (ಚೆನ್+ತಳಿರ್) चॆंदळिर्—लाल किसलय । ಚೆಂದಾವರೆ (ಚೆನ್+ತಾವರೆ) चॆंदावरे—लाल कमल आदि ; अच्छा, सुंदर, ठीक । उदा.– ಚೆಂದಮಿಳ್ चॆंदमिळ् (ಸೆಂದಮಿಳ್ सॆंदमिळ्)—अच्छी तमिळ् ।

ಚೆನ್ನ चॆन्न (क) सं.—सुन्दर पुरुष या वीर ।

ಚೆನ್ನಂಗಿ चॆन्नंगि (क) सं.—दे. ಚನ್ನಂಗ १.

ಚೆನ್ನಿ चॆन्नि (क) सं.—सुन्दरी स्त्री । ಚೆನ್ನಿಗ चॆन्नि (क) सं—सुन्दर पुरुष ।

ಚೆನ್ನು चॆन्नु (क) सं. — अच्छाई ; सौंदर्य, लावण्य ; ठीक होना ।

ಚೆನ್ನೆ चॆन्ने (क) सं.—सुन्दरी स्त्री ; एक वृक्ष विशेष ।

ಚೆಮ್ चॆम् (क) वि.—लाल, अरुण (समास में)। उदा.—ಚೆಂಬೂ चॆंबू—लाल पुष्प, ಚೆಂಬೊನ್ चॆंबोन्—अरुण सुवर्ण ।

ಚೆಯ್ चॆय् (क) वि.—सीधा, सुन्दर, अच्छा । ಚೆಯ್ಯಾಟ चॆय्याट (क) सं. — तमाशा, विनोद ।

ಚೆರಗ चॆरग (क) सं.—दे. ಚರಗ.

ಚೆರಿಗೆ चॆरिगॆ (क) सं.—बड़े मुँह का बर्तन ; लोटा, लुटिया ।

ಚೆರುಕು चॆरुकु (क) सं.—ईख, ऊख ।

ಚೆರ್ಚೆ चॆर्चॆ (तद्) ; सं.—दे. चर्चा (तत्) ; ಚರ್ಚೆ.

ಚೆಲ್ चॆल्, ಚೆಲ್ಲು चॆल्लु (क) क्रि.—(पानी) उड़ेल ; फेंक ।

ಚೆಲಂಕು चॆलंकु, ಚೆಲಂಗು चॆलंगु (क) क्रि.—दे. ಚಲಂಕು. छिड़क, छिटक ।

ಚೆಲ चॆल (क) वि —सुन्दर, मनोहर ।

ಚೆಲುವ चॆलुव (क) सं.—सुन्दर या मनोहर पुरुष ; सौंदर्य ।

ಚೆಲುವಿಕೆ चेलुविके; ಚೆಲುವು चेलुवु (क) सं.—सौंदर्य; शोभा, लावण्य ।

ಚೆಲ್ಲ चेल्ल (क) सं.—विनोद, हास्य, विलास ।—ವೊತ್ತು वोत्त (क) सं.—ಚಲ್ಲವತ್ತು.

ಚೆಲ್ಲಾಟ चेल्लाट (क) सं.-तमाशा, खेल, क्रीडा, विनोद; ओछापन, गंभीरता का अभाव। ಬೆಕ್ಕಿಗೆ ಚೆಲ್ಲಾಟ ಇಲಿಗೆ ಪ್ರಾಣಸಂಕಟ बेक्किगे चेल्लाट इलिगे प्राणसंकट — बिल्ली को तो तमाशा है, (पर) चूहे के प्राण संकट में! (कह.) ।

ಚೆಲ್ಲು चेल्लु (क) क्रि. — उड़ेल, फेंक; तितर-बितर कर, भगा, अधिक खर्च कर ।

ಚೆಲ್ಲೆ चेल्ले (क) वि. – बड़ा, विशाल ।-ಕಣ್ಣ್ कण् = विशाल नेत्र ।

ಚೆಲ್ವ चेल्व (क) सं.—सुन्दर पुरुष; सौंदर्य ।

ಚೆಲ್ವಿ चेल्वि (क) सं.=सुंदरी स्त्री ।

ಚೆಲ್ವಿಕೆ चेल्विके, ಚೆಲ್ವು चेल्वु (क) सं. — सुन्दरता, शोभा, अच्छाई; सुगंध ।

ಚೆಲ್ವೆ चेल्वे (क) सं.—दे. ಚೆಲ್ವಿ.

ಚೆಳ್ಳು चेळ्ळु (क) वि.—लंबा, दीर्घ; सीधा ।

ಚೇಗ चेग, ಚೇಗಿ चेगि (क) अ. — शीघ्रता से, जल्दी ।

ಚೇಗು चेगु, ಚೇಗೆ चेगे (क) सं. — वृक्ष का पिण्ड; सार, निचोड़; बल, शक्ति ।

ಚೇ ಚೇ चे चे (क) अ. छि:! छि:! हाय ।

ಚೇಟ चेट, ಚೇಟಕ चेटक (सम्) सं. — दास, सेवक ।

ಚೇಟಿ चेटि (सम्) सं. — दासी, सेविका, नौकरानी ।

ಚೇಡಿ चेडि (क) सं. — एकाकी रहनेवाला, समाज से दूर रहनेवाला ।

ಚೇಡಿಗ चेडिग (क) सं.—समाजद्रोही, लोक-शत्रु ।

ಚೇಡೆ चेडे (क) सं. — मायाविद्या; इन्द्रजाल ।

ಚೇಣ चेण (क) सं.—दे. ಚಾಣ.

ಚೇತ चेत (तद्) सं.-चेतस् (तत्); मन, चित्त; विवेक; आत्मा; तर्कशक्ति, विचारशक्ति ।

ಚೇತಕಿ चेतकि (सम्) सं. — पीला हर्रा (Yellow myrobalan) ।

ಚೇತನ चेतन, ಚೇತನೆ चेतने (सम्) सं.—विवेक; सूझ, समझना, बुद्धि; चेतना ।

ಚೇತರಿಸು चेतरिसु (सम्) क्रि.—चैतन्य हो; शक्ति पा; संभल जा ।

ಚೇತಸ್ चेतस्, ಚೇತಸ್ಸು चेतस्सु (सम्) सं. —दे. ಚೇತ.

ಚೇತೋಜಾತ चेतोजात (सम्) सं. — कामदेव ।—ವೈರಿ वैरि (सम्) सं. — शिवजी । ಹರ हर (सम्) सं.—शिवजी ।

ಚೇದಿ चेदि (सम्) सं.—एक देश और उसके निवासियों का नाम ।—ರಾಜ राज (सम्) सं.—शिशुपाल का नाम ।

ಚೇದು चेदु (क) सं.—कडुआपन, तिक्तता ।

ಚೇಪು चेपु (क) सं.—थन में दूध का उमड़ना, उमंग ।

ಚೇರ चेर (सम्) सं. — केरल और उसके निवासी ।—ಅಣಿಗ अणिग (सम्) सं.—केरली, मलयाली ।

ಚೇರು चेरु (क) सं.—अंडकोश, अंडकोश की बीमारी ।

ಚೇಲ चेल (सम्) सं. — वस्त्र, कपड़ा ।—ಅಂಚಲ अंचल (सम्) सं.—वस्त्र का छोर, अंचल ।

ಚೇಲಿ चेलि (अ. दे.) सं. —मुसलमानी करने की विधि, चेला बनाना; दुष्ट स्त्री ।

ಚೇಲಿಕ चेलिक (सम्) सं.—दर्जी ।

ಚೇಲಿಕೆ चेलिके (सम्) सं.—चेलिका, चोली, अंगिया ।

ಚೇಷ್ಟಕ चेष्टक (सम्) सं. — रतिबंध, स्त्री प्रसंग का आसन या विधान विशेष ।

ಚೇಷ್ಟತೆ चेष्टते (सम्) सं.—हिलाने या घोलने की क्रिया ।

ಚೇಷ್ಟಿಸು चेष्टिसु (सम्) क्रि.—हिला, घोल ।

ಚೇಷ್ಟೆ चेष्टे (सम्) सं.—उद्योग, चेष्टा, प्रयत्न; नटखटपन; परिहास, भावभंगी ।—ಗಾರ गार = नटखट पुरुष ।

ಚೇಳ್ चेळ्, ಚೇಳು चेळु [ಚೇಳ್ चेळ्, ಚೇಳು चेळु] सं.—बिच्छू, वृश्चिक ।

ಚೈತನ್ಯ चैतन्य (सम्) सं. — चेतन, जीवन, बोध, सजीवता; परमात्मा ।

ಚೈತ್ಯ चैत्य (सम्) सं.—चैत्य, स्मारक, कब्र, पत्थरों का ढेर; जैन या बौद्धों का मंदिर, मंदिर; यज्ञमंडप; गूलर का वृक्ष; आत्मा, मन, चित्त — ಆಗಾರ आगार, ಆಲಯ आलय, ಆಯತನ आयतन, ಗೃಹ गृह, ಭವ भव (सम्) सं.— जैनों का मंदिर ।

ಚೈತ್ರ चैत्र (सम्) सं.—चैत्र मास, वर्ष का पहला महीना ।—ರಥ रथ (सम्) सं. — कुबेर का उद्यान ।—ಸಖ सख (सम्) सं. —कामदेव ।

ಚೈತ್ರಿ चैत्रि, ಚೈತ್ರಿಕ चैत्रिक (सम्) सं.—चैत्र मास ।

ಚೈದ್ಯ चैद्य (सम्) सं —चेदिराज, शिशुपाल ।

ಚೈನಿ चैनि (अ. दे.) सं.—चैन, सुख-शांति ।

ಚೈರಂತನ चैरंतन (सम्) वि. — ['चिरंतन' से] पुराना, प्राचीन ।

ಚೈಲ चैल (सम्) सं. — कपड़े का टुकड़ा, पहनावा ।

ಚೊಂಗ चोंग (क) सं.—दुष्ट पुरुष, बदचलन आदमी । ಚೊಂಗಿ चोंगि—स्त्री. लिं. ।

ಚೊಂಗು चोंगु (क) सं.—दुष्टता, बदचलन ।

ಚೊಂಚ चोंच (क) सं.—दे. ಚೊಂಗ; दुष्टता, वक्रता ।

ಚೊಂಚು चोंचु (क) सं.—दे. ಚೊಂಚ.

ಚೊಂಬು चोंबु (क) सं.—दे. ಚಂಬು.

ಚೊಂಯಿ चोंयि (क) सं.—दे. ಚುಂಯಿ.

ಚೊಕಟ चोकट, ಚೊಕ್ಕಟ चोक्कट, ಚೊಕ್ಕಟು चोक्कटु (क) सं.—सफ़ाई, शुद्धता, अंग-संस्कार, परिकर्म ।

ಚೊಕ್ಕ चोक्क (क) वि.—शुद्ध, साफ़, साफ़-सुथरा, मनोहर, ललित, निर्मल ।

ಚೊಕ್ಕಟ चोक्कट, ಚೊಕ್ಕಟು चोक्कटु, ಚೊಕ್ಕಳ चोक्कळ (क) सं.—दे. ಚೊಕಟ.

ಚೊಕ್ಕಳತನ चोक्कळतन, ಚೊಕ್ಕಳಿಕೆ चोक्कळिके (क) सं.—लालित्य, सुंदरता, मनोहरता ।

ಚೊಕ್ಕೆಯ चोक्केय (क) सं.—मल्लों का कौशल, उपाय ।—ತನ तन (क) सं.—बुद्धि, सूझ, प्रावीण्य, निपुणता ।

ಚೊಗಚಿ चोगचि, ಚೊಗಚೆ चोगचे, ಚೊಗಚೆ

चोगर्चि (क) सं.—एक वृक्ष विशेष (cassia occidentails)

ಚೊಚ್ಚ चोच्च (तद्) वि.—स्वछ (तत्), साफ़, शुद्ध ।

ಚೊಚ್ಚಲು चोच्चलु (क) सं.—पहली प्रसूति, पहली संतान ।

ಚೊಟ್ಟ चोट्ट, ಚೊಟ್ಟೆ चोट्टि, ಚೊಟ್ಟು चोट्ट, ಚೊತ್ತು चोत्तु (क) सं.—लंगड़ापन, टेढ़ापन, वक्रता ।

ಚೊಟ್ಟಗೆ चोट्टगे (क) वि.—टेढ़ा, वक्र ।

ಚೊಟ್ಟೆ चोट्टे (अ. दे.) सं.—छोटा मनुष्य, नीच पुरुष ।

ಚೊತ್ತಿ चोत्ति, ಸೊತ್ತಿ सोत्ति (क) सं.—लंगड़ी स्त्री ।

ಚೊತ್ತಿಗೆ चोत्तिगे (तद्) सं.—योक्त्र (तत्) हल के जुए की रस्सी; गाड़ी का जोत ।

ಚೊತ್ತು चोत्तु (क) सं.—लंगड़ापन, लंगड़ा आदमी ।

ಚೊಪ್ಪಟೆ चोप्पट्टे (क) सं.—देवदारु वृक्ष ।

ಚೊಱ चोर (क) सं.—मकर, मगर ।

ಚೊಲ್ಲಣ चोल्लण (क) सं.—दे. ಚಲ್ಲಣ.

ಚೊಲ್ಲೆಯ चोल्लेय, ಚೊಲ್ಲೆಹ चोल्लेह, ಜೊಲ್ಲೆಹ ज़ोल्लेह (क) सं.—जूड़े या वेणी की नोंक या सिरा ।

ಚೊಳ್ಳ चोळ्ण (क) सं.—दे. ಚೊಲ್ಲಣ.

ಚೋಕ್ಷ चोक्ष (सम्) वि.—शुद्ध, साफ़; सच्चा, ईमानदार; पटु, चतुर, निपुण; प्रिय, मनोहर ।

ಚೋಚ चोच (सम्) सं.—छाल, त्वचा, चमड़ा, खाल, नारियल ।

ಚೋಚಿಗ चोचिग, ಸೋಜಿಗ सोजिग (तद्) सं.—चोद्यम् (तत्); आश्चर्य, विस्मय, अचरज ।

ಚೋಟಾ चोटा (अ. दे.) वि.—छोटा (हिं.) ।

ಚೋಟು चोटु (क) सं.—अंगूठे और तर्जनी के बीच का अंतर ।

ಚೋಡ चोड, ಚೋಡಿ चोडि (सम्) सं.—साड़ी; चोली ।

ಚೋದನ चोदन (सम्) सं—प्रेरणा, उत्साह ।

ಚೋದ್ಯ चोद्य (सम्) सं.—एतराज, आपत्ति, प्रश्न करना; आश्चर्य, अचरज; प्रेषणीयता ।

ಚೋಪದಾರ चोपदार (अ. दे.) सं.—चोपदार, चोबदार ।

ಚೋರ चोर, ಚೋರಕ चोरक (सम्) सं.—चोर, ठग, डाकू ।

ಚೋರಖಂಡಕ चोरखंडक (सम्) सं.—एक पौधा विशेष ।

ಚೋರತ್ವ चोरत्व, ಚೋರಿ चोरि (सम्) सं.—चोरी, डकैती ।

ಚೋಲ चोल (सम्) सं.—चोली, अंगिया ।

ಚೋಲಕ चोलक (सम्) सं.—छाल की बनी पोशाक, वल्कल, वस्त्र, चोली; पेटी, चपरास ।

ಚೋಲಿ चोलि (सम्) सं.—चोली ।

ಚೋಷಣ चोषण (सम्) सं.—चूसना ।

ಚೋಷ್ಯ चोष्य (सम्) वि.—चूसने योग्य ।

ಚೋಸ್ಕ चोस्क (सम्) सं.—बढ़िया घोड़ा ।

ಚೋಹ चोह (तद्) सं.—योगः (तत्); वेष, भेस, मुख का आवरण, स्वांग ।

ಚೋಳ चोळ (क) सं.—एक राजवंश का नाम, एक देश और उसके निनासियों का नाम ।

ಚೋಳಪಾಲಕಚರಿತ್ರ चोळपालकचरित्र (क) सं.—केशव की कृति का नाम जिसमें चोळ राजाओं का चरित है ।

ಚೋಳಿ चोळि (क) सं.—चोळ देश से संबधित या चोळ देश का आदमी ।

ಚೌಕ चौक (अ. दे.) सं.—चौक (हिं.), चौकोर चबूतरा, चार का समूह, चार वस्तुएँ ।

ಚೌಕಟ್ಟು चौकट्टु (अ. दे.) सं.—चौखट (हिं.) ।

ಚೌಕಂಡ चौकंड (तद्) सं.—चतुःखण्ड (तत्), कमरा ।

ಚೌಕಳಿ चौकळि (अ. दे.) सं.—दे. ಚವುಕಳಿ.

ಚೌಕಿ चौकि (अ. दे.) सं.—चौकी (हिं.) ।

ಚೌಕಿಗೆ चौकिगे (अ. दे.) सं.—घर के भीतर का आंगन ।

ಚೌಕೀದಾರ चौकीदार (अ. दे.) सं.—चौकीदार (हिं.), रक्षक, रक्षा करनेवाला ।

ಚೌಕುಳ चौकुळ (तद्) सं.—चार कुल या जातियाँ ।

ಚೌಗಾವೆ चौगावे (तद्) सं.—चतुर्ग्राम (तत्), चार गाँव ।

ಚೌಡ चौड, ಚೌಲ चौल (सम्) सं.—मुंडन, चूडाकर्म संस्कार ।

ಚೌತಿ चौति (तद्) सं.—दे. ಚವುತಿ.

ಚೌಥಾಯಿ चौथायि (अ. दे.) सं.—चौथाई (हिं.), १/४ भाग ।

ಚೌಪದ चौपद (तद्) सं.—चतुःपद (तत्) चतुष्पथ (तत्); चौपाया; छंद विशेष का नाम; 'चौपद' गाकर अपने शिष्यों के साथ भेंट पाने के लिए घर-घर जानेवाला अध्यापक ।

ಚೌಪದಿ चौपदि (तद्) सं.—दो छंदों का नाम, चौरास्ता ।

ಚೌಪಳಿಗೆ चौपळिगे (क) सं.—हॉल (Hall); जैन मन्दिर के सामने का मंडप ।

ಚೌಭುಜ चौभुज (तद्) वि.—चतुर्भुज (तत्) ।

(१) ಚೌರ चौर (सम्) सं.—चोर ।

(२) ಚೌರ चौर (तद्) सं.—क्षौरं (तत्); हजामत ।

ಚೌರಗೆ चौरगे ಚೌರಿಗೆ चौरिगे (तद्) सं.—चतुःशाला ।

ಚೌರಿಕೆ चौरिके (सम्) सं.—चोरी, डकैती ।

ಚೌರ್ಯ चौर्य (सम्) सं.—दे. ಚೌರಿಕೆ.

ಚೌಲ चौल (सम्) सं.—दे. ಚೌಡ.

ಚ್ಯವನ च्यवन (सम्) सं.—गति, गतिशीलता; शून्यता, राहित्य; नाश, मरण; बहाव, टपकाव एक ऋषि का नाम ।

ಚ್ಯುತ च्युत (सम्) वि.—गिरा हुआ, फिसला हुआ, स्थानांतरित ।

ಚ್ಯುತಿ च्युति (सम्) सं.—पतन, टपकना, गिरना, अलगाव; बह निकलना; अदृश्य होना, नष्ट होना; योनि, भग; गुदा ।

ಚ್ಯೂತ च्यूत (सम्) सं.—आम का पेड़ ।

ಛ छ

ಛ छ—कन्नड वर्णमाला का इक्कीसवाँ अक्षर; चवर्ग का दूसरा व्यंजन ।

ಛ छ

ಛ छ (क) वि.—सात की संख्या ।
(१) ಛಂದ छंद (सम्) सं.—इच्छा, कामना, अभिलाषा ; अभिप्राय, इरादा, मंशा ; वश में करना, काबू में करना ; ज़हर, विष ; मधुर होना, आकर्षित करना ।
(२) ಛಂದ छद (तद्) सं.—छंदस् (तत्); पद्य, वृत्त ; छंदःशास्त्र ; छब्बीस की संख्या ।
ಛಂದಕ छंदक (सम्) सं.—दे. ಛಂದ (१).
ಛಂದಸ್ಸು छंदस्सु (तद्) सं.—छंदस् (तत्)—इच्छा, कामना, स्वेच्छा ; पद्य, वृत्त ; छंदःशास्त्र ; वैदिक ऋचाएँ ; वेद ।
ಛಂದೋಂಬುಧಿ छंदोंबुधि (सम्) सं.—कन्नड के प्रसिद्ध प्राचीन कवि नागवर्मा का छंदःशास्त्र विषयक ग्रंथ ।
ಛಂದೋವತಂಸ छंदोवतंस (सम्) सं.—एक वृत्त का नाम ।
ಛಕ್ಕ छक्क (तद्) वि.—षट्क (तत्) ; छःगुना ।
ಛಗ छग, ಛಗಲ छगल, ಛಗಲಕ छगलक (सम्) सं.—बकरा ।
ಛಗಲಾಂತ್ರಿ छगलांत्रि (सम्) सं.—एक पौधा विशेष (The plant Argyreia speciosa or argentea sweet) ।
ಛಟಛಟ छटछट (क) सं.—फड़फड़ाहट, छट-छट शब्द ।
ಛಟಿಸು छटिसु (क) क्रि.—छट-छट शब्द हो, फड़फड़ाहट हो ।
ಛಟಿ छटि ಛಟೆ छटे (सम्) सं.—समूह, समुदाय, जमाव ; चमक, दमक, कांति, प्रकाश की रश्मियों का समूह ; अटूट पंक्ति ।
ಛಡಕಿ छडकि (क) सं.—कुश्ती लड़नेवालों की एक पेंच ।
ಛಡಾಛಡಿ छडाछडि (क) अ.—जल्दी; तुरंत, शीघ्र; फौरन् ।
ಛಡಾಳಿಸು छडाळिसु (क) क्रि.—जोर से झटका 'छट' शब्द उत्पन्न कर : प्रज्वलित हो ; चिढ़, गुस्से में आ, उद्रिक्त हो ।
ಛತ್ತೀಸ छत्तीस (अ. दे.) वि.—छत्तीस (हिं.)।
(१) ಛತ್ರ छत्र (सम्) सं.—छाता, छतरी; कुकुरमुत्ता ।
(२) ಛತ್ರ छत्र (तद्) सं.—सत्र (तत्) ; धर्मशाला, आश्रय स्थान ।
ಛತ್ರಕ छत्रक (सम्) सं.—कुकुरमुत्ता ।
ಛತ್ರಪತಿ छत्रपति (सम्) सं.—राजा की आदर-सूचक उपाधि ।
ಛತ್ರಾಕ छत्राक, ಛತ್ರಾಕಿ छत्राकि (सम्) सं.—कुकरमुत्ता, कठफूल ।
ಛತ್ರಿಕೆ छत्रिके (सम्) सं.-राजछत्र ; कुकरमुत्ता ।
ಛತ್ರೆ छत्रे (सम्) सं.—एक पौधा विशेष ; कुकरमुत्ता ; धनिया ।
ಛತ್ವರ छत्वर (सम्) सं.—घर, निवासस्थान ; कुंज, लतामंडप ।
ಛದ छद, ಛದನ (सम्) सं.—ढकना ; फैलाना, आच्छादन ; डैना, पर ; पत्ता ।
ಛದಿಸ್ छदिस्, ಛದೆ छदे (सम्) सं.—छत या छावनी ।
ಛದ್ಮ छद्म (सम्) सं.—कपटवेश ; बहाना, व्याज ।
ಛದ್ಮನೆ छद्मने (तद्) सं.—दे. छद्म.
ಛನ್ನ छन्न (सम्) वि.—ढका हुआ, छिपा हुआ, रहस्यमय ।
ಛಮಂಡ छमंड (सम्) सं.—अनाथ, मातृ-पितृहीन व्यक्ति ।
ಛಮ್ಮನೆ छम्मने (क) अ.—छम् शब्द के साथ ।
ಛರಾಕು छराकु (क) अ.—क्रोध, गुस्सा ; मद ।
ಛರು छरु (तद्) सं.—त्सरुः (तत्) ; तलवार या किसी आयुध की मूँठ ।
ಛರ್ದಿ छर्दि, ಛರ್ದಿಕೆ छर्दिके (सम्) सं.—वमन, कै, रोग ।
ಛಲ छल (सम्) सं.—कपट, धोखा, दग़ा; चालाकी, धोखेबाज़ी, बदमाशी ; व्याज, बहाना ; दुष्टता ; अभिप्राय, मत ; भुलावा ।
ಛಲಗಿಲ छलगिल (क?) सं.—शूरता, पराक्रम ; वीरता ।
ಛಲವಾದಿ छलवादि (सम्) वि.—हठी, हठीला, ज़िद्दी ; धोखेबाज़ ।
ಛಲಿಕ छलिक (सम्) नाटक या नृत्य विशेष ।
ಛಲ್ಲಿ छल्लि, ಛಲೀ छली (सम्) सं.—छाल, खाल, चमड़ा ; लता विशेष ; संतान, संतति ; एक प्रकार का फूल ।
ಛವಿ छवि (सम्) सं.—चमड़ा, खाल, चमड़े की रंगत ; कांति, शोभा, सौंदर्य, चमक, आब ।
ಛಟಿಲ್ಲನೆ छलिल्लने (क) अ.—'छलिल्' शब्द के साथ ।
ಛಾಂಗು छांगु (क) अ.—शाबाश !, अच्छा !, भला !
ಛಾಂದಾಣಿರೋಗ (क?) सं.—घोड़ों की एक बीमरी ।
ಛಾಂದಸ छांदस (सम्) वि.—छंद से संबंधित, पद्यमय ; वैदिक, वेदाधीत ।
ಛಾಂದಸಿಕ छांदसिक, ಛಾಂದಸಿಗ छांदसिग सं.—वेदज्ञ ब्राह्मण । [छांदसः —तत्] ।
ಛಾಗ छाग (सम्) सं.—बकरा ।
ಛಾಗಿ छागि (सम्) सं.—बकरी ।
ಛಾತ छात (सम्) वि.—कटा हुआ, विभाजित ; निर्बल, दुबला ।
ಛಾದ छाद, ಛಾದನ छादन (सम्) सं.—ढकना, आच्छादन, लुकाव, छिपाव ; छत, छप्पर ।
ಛಾದಿತ छादित (सम्) वि.—ढका हुआ ।
ಛಾನಸ छानस, ಛಾನ್ಸ छान्स (क) सं.—[छांदस्—तत् ?]—देरी, विलम्ब । —ಗಾರ गार = देरी करनेवाला ।
ಛಾಪಖಾನೆ छापखाने (अ. दे.) सं.—मुद्रणालय, प्रेस (Press) ।
ಛಾಯಾ छाया, ಛಾಯೆ छाये (सम्) सं.—छाया, परछाईं ; प्रतिबिंब ; समानता, सादृश्य, भ्रम, माया, धोखा ; रंगों की गड़बड़ी ; चमक, दमक ; रंग ; सौंदर्य ; चेहरे की रंगत ; पंक्ति, कतार ; रक्षा ; अंधकार ; सूर्य की पत्नी ; दुर्गा ; घूँस, रिश्वत । —ಗ್ರಹ ग्रह (सम्) सं. शीशा, दर्पण, आईना । —ಗ್ರಹಣ (सम्) सं.—छाया पकड़ना । —ಗ್ರಾಹಿ ग्राहि (सम्) सं.—एक राक्षसी का नाम । —ತನಯ तनय, ನಂದನ नंदन, ಸುತ सुत (सम्) सं.—शनिग्रह । —ಪತಿ पति (सम्) सं.

सूय । —ಯಂತ್ರ यंत्र (सम्) सं.—धूप-घड़ी ।

ಛಿಃ छिः (सम्) सं.—गाली, धिक्कार ।

ಛಿಕ್ಕಾರ छिक्कार (तद् ?) सं.—एक प्रकार का हिरन ।

ಛಿತ छित (सम्) वि.—कटा हुआ, विभाजित ।

ಛಿದುರ छिदुर (सम्) वि.— ('छिद्' से) — काटने योग्य, जल्दी तोड़ने योग्य, चीरने योग्य, विभाजित करनेवाला, टूटा हुआ, विपरीत । सं.—गुंडा, बदमाश ।

ಛಿದ್ರ छिद्र (सम्) वि.—छिपा हुआ, छेददार । सं.—छेद, सुराख, दरार, संधि; त्रुटि, भूल, दोष, ; निर्बल स्थान, निर्बल पक्ष । —ಅನ್ವೇಷಣ अन्वेषण (सम्) सं. — दोष निकालने की क्रिया । — ಅನ್ವೇಷಿ अन्वेषि (सम्) सं.—दोष ढूंढने में तत्पर व्यक्ति, छिद्रान्वेषी ।

ಛಿದ್ರಿತ छिद्रित (सम्) वि.— छेदोंवाला, सुराख किया हुआ ।

ಛಿನ್ನ छिन्न (सम्) वि. — कटा हुआ, चिरा हुआ, खंडित, टूटा हुआ, पृथक किया हुआ, नष्ट किया हुआ, स्थानांतरित, क्षीण, क्लांत ।

ಛಿನ್ನರುಹೆ छिन्नरुहे (सम्) सं. — एक पौधा विशेष (The plant cocculus cordifolius), तिलक वृक्ष ।

ಛಿನ್ನಪತಿ छिन्नपति (सम्) सं.—पाठा ।

ಛುಚ್ಛುಂದರ छुच्छुंदर (सम्) सं. — छुछुंदर, छुछूंदर ।

ಛುರಿಕೆ छुरिके, ಛೂರಿ छूरि (सम्) सं. — छुरिका, छुरी, चाकू ।

ಛೇಕ छेक (सम्) वि.—पालतू; हिला हुआ; नगर का, नागरिक; धूर्त । सं. — अनुप्रास अलंकार का एक भेद ।

ಛೇದ छेद, ಛೇದನ छेदन (सम्) सं.—काटना, काटकर गिराना, अलगाना; सुराख, खंडन; नाश, बाधा; स्थानांतरीकरण; सिद्धि, सफ़ाई; टुकड़ा ।

ಛೇದಿ छेद, ಛೇದಕ छेदक (सम्) सं.—काटनेवाला, विभाजित करनेवाला । बढ़ई, चाकू, छुरी, कैंची ।

ಛೇದಿಸು छेदिसु (सम्) क्रि.—काट, टुकड़े कर, छेद, चीर, नाश कर । ಛೇದಿಸುವಿಕೆ छेदिसुविके = काटना आदि ।

ಛೇದ್ಯ छेद्य (सम्) सं.—काटने योग्य, छेदने योग्य ।

ಛೇದಮಂಡ छेदमंड (सम्) सं.—दे. ಛಮಂಡ,

ಛೇಲಕ छेलक (सम्) सं.—बकरा ।

ಛೈದಿಕ छैदिक । (सम्) सं.—बेंत ।

ಛೋಟಿಕ छोटिक, ಛೋಟಿಕಾ छोटिका (सम्) सं. = चुटकी ।

ಜ ज

(१) ಜ ज—कन्नड वर्णमाला का बाईसवाँ अक्षर; चवर्ग का तीसरा व्यंजन ।

(२) ಜ ज (समास के अंत में) उत्पन्न, पैदा हुआ; पुत्र; आठ की संख्या ।

ಜಂಕಣೆ जंकणे, ಜಂಕೆ जंके (क) सं.—गाली, कोसना; चिल्लाना, चिल्लाहट; चूँ-चूँ करना; गुरगुराना ।

ಜಂಕರಿಸು जंकरिसु (क) क्रि. — प्रशंसा कर, श्लाघा कर ।

ಜಂಕಿಸು जंकिसु (क) क्रि.—गाली दे; कोस, निंदा कर, डाँट; चिल्ला; चूँ चूँ कर, गुर्रा ।

ಜಂಕುಳಿ जंकुलि (क) सं.—भीड़, जमघट ।

ಜಂಖಾನೆ जंखाने (अ. दे.) सं. — कालीन, दरी, ज़मीन पर बिछाने का कपड़ा ।

ಜಂಗಮ जंगम (सम्) सं.—चलने-फिरनेवाला पदार्थ; लिंगवंत अथवा वीरशैव संप्रदाय का संन्यासी । वि. — चलनेवाला, चर, जीवधारी, फिरनेवाला । ಜಂಗಮನಿಗೆ ಯಾಕೆ ಜನಿವಾರ, ಹಾರುವನಿಗೆ ಯಾಕೆ ವ್ಯಾಪಾರ जंगमनिगे याके जनिवार, हारुवनिगे याके व्यापार —जंगम (संन्यासी) को जनेऊ से क्या, विप्र को व्यापार से क्या ? ಜಂಗಮಕ್ಕೆ ಕುಲವಿಲ್ಲ, ಗಂಗೆಗೆ ಹೊಲೆಯಿಲ್ಲ जंगमक्के कुलविल्ल गंगेगे होलेयिल्ल—जंगम को कुल की चिंता नहीं, गंगा को गंदगी की चिंता नहीं (कह.)। ಜಂಗಮಗಿತ್ತಿ, जंगमगित्ति, ಜಂಗಮತಿ जंगमति—गम की पत्नी । ಜಂಗಮಲತೆ जंगमलते (सम्) सं—चलने-फिरनेवाली लता या पेड़ । ಜಂಗಮಲಿಂಗ जंगमलिंग (सम्) सं. —धारण किया हुआ जंगम, ಜಂಗಮೇತರ जंगमेतर (सम्) क्रि.-अचल, अचर, स्थावर । ಜಂಗಮಕುಟಿ जंगमकुटि (सम्) सं.— छाता ।

ಜಂಗಲ जंगल, ಜಂಗಲು जंगलु (सम्) सं.—वन, अरण्य, जंगल, निर्जन स्थान; परती भूमि; उपवन; एकांत स्थान । ಜಂಗಲಿ जंगलि (सम्) वि.—जंगल या वन से संबंधित ।

ಜಂಗಳ जंगळ (क) सं. — थकावट, श्रांति, शिथिलता; समूह, समुदाय; जमघट, भीड़ टोली ।

ಜಂಗಳಿ जंगळि (क) सं.—दे. जंगळ.

(१) ಜಂಗಾಲ್ जंगाल्; ಜಂಗಾಲ जंगाल (सम्) सं.—खेत का बाँध या मेड़ ।

(२) ಜಂಗಾಲ್ जंगाल् (अ. दे.) सं—जंगार (फ़ारसी); एक रंग ।

(१) ಜಂಗು जंगु (क) सं.—जंगम (वीरशैव-संन्यासी) की पैरों में बांधी जानेवाली घंटी जो बजती रहती है ।

(२) ಜಂಗು जंगु (अ.दे.) सं.—जंग (फ़ारसी); युद्ध, लड़ाई ।

ಜಂಗುಡಿ जंगुडि (क) सं.—भुजाएँ, भुज-देश ।

ಜಂಗುಳಿ जंगुळि, ಜಂಗಳಿ जंगळि, ಜಂಗುಟಿ जंगुळि (क) सं.— दे. ಜಂಗಳ.

ಜಂಗುಳಿಗ (तद् ?) सं. — (जांगुलिक — तत् ?)—एक वर्ग या जाति के लोग ।

(१) ಜಂಗೆ जंगे (क) सं.—लंबा डग, ढकान, छलांग ।

(२) ಜಂಗೆ जंगे (तद्) सं. — जंघा (तद्); जांघ ।

ಜಂಘಾ जंघा, ಜಂಘೆ जंघे (सम्) सं.—जांघ; एड़ी से घुटने तक का भाग; पैर का ऊपरी भाग; पैर; एक पौधे का नाम । — ಕಾರಿಕ कारिक (सम्) सं. — दौड़ैया, चर, डाकिया । —ಅನಿಲ अनिल (सम्) सं. — जल्दी चलनेवाली हवा । —ಅಲ (सम्) सं. — दौड़ैया, चर । —ಬಲ बल (सम्) सं.—पैरों की शक्ति ।

ಜಂಜಡ जंजड (अ. दे.) सं.—झंझट (हिं.), परेशानी, तकलीफ़।

ಜಂಜರ जंजर (सम् ?) वि.—शिथिल, दौड़नेवाला, क्रमहीन।

ಜಂಜಾಟ जंजाट (अ. दे.) सं.—ಜಂಜಡ.

ಜಂಜಾಲು जंजालु (अ. दे.) सं. — जंजाल, बखेड़ा; बंदूक, तोप।

ಜಂಜು जंजु. ಝಂಝು झंझ्रु (क) सं. — हवा या वर्षा की ध्वनि।

ಜಂಝಾರ जंझार (तद्) सं.-[जंज़ = लड़ना] —वीर या पराक्रमी पुरुष, वीर का शरीर।

ಜಂಝಾವಾತ झंझावात, आंधी-वर्षा।

ಜಂಟಿ जंटि (अ. दे.) सं.—Joint (अंग्रेज़ी); जोड़, मिलना, मिलने का स्थान; सहभागी होना, साझा; मिले रहना। — ಗಾರ गार=साझेदार, सहभागी। ಜಂಟಿಸು जंटिसु (अ. दे.) क्रि.—लगा, मिला, जोड़।

ಜಂಡೆ जंडे (अ. दे.) सं. — झण्डा (हिं.); पताका।

ಜಂತ जंत (तद्) सं.—दंत् (तत्); दाँत।

ಜಂತು जंतु (सम्) सं. — जीव, प्राणधारी; मनुष्य, आत्मा; जानवर; कीड़े-मकोड़े। —ಫಲ फल (सम्) सं.—गूलर का वृक्ष। —ನಿಕರ निकर (सम्) सं. — जीवों का समूह।

ಜಂತೆ जंते, ಜಂತಿ जंति (क) सं.—धरन, बल्ला।

ಜಂತ್ರ जंत्र (तद्) सं.—यंत्रम् (तत्); तावीज़; ताला।

ಜಂಪತಿ जंपति (सम्) सं.—पति-पत्नी, दंपती।

ಜಂಪು जंपु (क) सं.—आलस्य, सुस्ती, ऊँघ; समूह, समुदाय (अ. दे.) सं.— छलांग, कुदान. उछलन।—ಹಿಡಿ हिडि (क) क्रि. —ऊँघ, नींद आ।

(१) ಜಂಬ जंब (तद्) सं. —एक प्रकार का घोड़ा।

(२) ಜಂಬ जंब (तद्) सं.—दंभः; दंबः (तत्); अहंकार, घमंड, गर्व, डींग, शेखी। — ಕೊಚ್ಚು कोच्चु = डींग हाँक, शेखी मार। (मुह.)।—ಗಾರ गार (तद्) सं.—घमंडी।

ಜಂಬರ जंबर (क) सं. — काम, उद्योग, मामला; व्यापार।

ಜಂಬಾಲ जंबाल (सम्) सं.—कीचड़, पंक, दलदल; काई।

ಜಂಬಿ जंबि (तद्) सं —शमी (तत्); छेंकुर का पेड़।

ಜಂಬೀರ जंबीर (सम्) सं.—नींबू, नींबू का पेड़।

(१) ಜಂಬು जंबु (क) सं. — लम्बाई; एक प्रकार का नरकट या मुश्तबेंत (Typha angustifolia)।

(२) ಜಂಬು जंबु (सम्) सं. — जामुन का पेड़ और फल।

ಜಂಬುಕ जंबुक, ಜಂಬೂಕ जंबूक (सम्) सं. —सियार, स्यार; गीदड़; नीच मनुष्य; जामुन का फल।

ಜಂಬುಖಾನೆ जंबुखाने (अ. दे.) सं. — दे. ಜಂಖಾನೆ.

ಜಂಬುದ್ವೀಪ जंबुद्वीप (सम्) सं. — सात द्वीपों में एक जो मेरु पर्वत को घेरे हुए है।

ಜಂಬುಮಾಲಿ जंबुमालि (सम्) सं. — रावण की सेना का एक राक्षस।

ಜಂಬೂನದಿ जंबूनदि (सम्) सं.—मेरु पर्वत से निकलनेवाली एक नदी का नाम। कहा जाता है कि वह मेरुपर्वत पर स्थित एक जंबू वृक्ष के (जामुन के) रस से बनती है।

ಜಂಬೂಫಲ जंबूफल (सम्) सं.—जामुन का फल।

ಜಂಭ जंभ (सम्) सं.—नींबू, जभीरी; दाँत; मुँह, जाबड़ा; इंद्र द्वारा हत एक राक्षस का नाम। - ದ್ವೇಷಿ द्वेषि, ಭೇದಿ भेदि, ರಿಪು रिपु, ಶತ್ರು शत्रु (सम्) सं.—इंद्र।

ಜಂಭಲ जंभल (सम्) सं.—नींबू।

ಜಂಭಾಮಿತ್ರ जंभामित्र, ಜಂಭಾರಿ जंभारि (सम्) सं.—इंद्र।

ಜಂಭೀರ जंभीर (सम्) सं. — नींबू; एक प्रकार का तुलसी का पौधा।

ಜಕಣಿ जकणि, ಜಕ್ಕಣಿ जक्कणि (तद्) सं.— यक्षिणी (तत्); यक्ष स्त्री।

ಜಕಾತಿ जकाति (अ. दे.) सं.—ज़कात (अरबी); कर।

ಜಕುಟ जकुट (सम्) सं.—मलयपर्वत; कुत्ता।

ಜಕೇರಿ जकेरे (अ. दे.) सं.—ज़खीरा (अरबी); वस्तुओं को संग्रह कर रखने का स्थान, भांडार।

(१) ಜಕ್ಕ जक्क (तद्) सं.—'चक्र' और चक्रः (तत्); चक्र, पहिया; चक्रवाक। ಜಕ್ಕಂದೊಳಲಿ जक्कंदोळलि (तद्) सं. — भैंस जो यम का वाहन है। ಜಕ್ಕಂದೊಳಲಿದೇರ जक्कंदोळलिदेर (तद्) सं. — यम। ಜಕ್ಕವಕ್ಕಿ जक्कवक्कि (तद्) सं.—चक्रवाक।

(२) ಜಕ್ಕ जक्क (तद्) सं.—यक्षः (तत्)। ಜಕ್ಕ + ಅಣ್ಣ = ಜಕ್ಕಣ್ಣ—ಜಕ್ಕಣಾಚಾರಿ जक्कणाचारि—कर्णाटक के एक प्रसिद्ध शिल्पी का नाम। ಜಕ್ಕಣಾಚಾರ್ಯ जक्कणाचार्य— एक शिवभक्त का नाम।

ಜಕ್ಕಣಿ जक्कणि (तद्) सं.—दे. ಜಕಣಿ.

ಜಕ್ಕಲು जक्कलु (क) सं.—चापलूसी, चाटुकारिता, अति अनुरोध की स्थिति।

ಜಕ್ಕಿ जक्कि (तद्) सं.—यक्षी (तत्) —यक्ष स्त्री; कर्णिका।

ಜಕ್ಕಿಣಿ जक्किणि (तद्) सं.—दे. ಜಕಣಿ. वह स्त्री जो सुहागिन होकर मरती है और सम्मानित होती है (मैं. प्र.)।

ಜಕ್ಕಿಸು जक्किसु, ಜಗ್ಗಿಸು जग्गिसु, (क) क्रि.— झुका; खींच, नीचे दबा, प्रयत्न कर खींच; घमंड से चल, अकड़पन से चल।

ಜಕ್ಕುಲಿ जक्कुलि (क) सं.—गुदगुदी।

ಜಕ್ಕುಲಿಸು जक्कुलिसु (क) क्रि. — गुदगुदी उत्पन्न कर; स्पर्श कर; विनोद कर, मज़ा कर, आनंदित हो; खेल, क्रीड़ा कर; दाँत दिखा।

ಜಕ್ಕುಳಿಸು जक्कुलिसु (क) क्रि.—दे. ಜಕ್ಕುಲಿಸು.

ಜಕ್ಕೆ जक्के (तद्) सं.—ಜಕ್ಕಿ.

(१) ಜಗ जग (तद्) सं.—ಜಗಜಗ जगजग —झगझग, चमक-दमक।

(२) ಜಗ जग (तद्) सं. — जगत् (तत्); दुनिया, संसार।—ದೊಡೆಯ दोड़ेय (तद्)

सं·—जगत का स्वामी।—ಬಂಡ बंड (तद्) सं·—अत्यंत निर्लज्ज मनुष्य। — ಮೊಂಡ मोंड (तद्) सं·—अत्यंत हठी।—ಕರ कर (तद्) सं·—ब्रह्मा।

ಜಗಚ್ಚಕ್ಷು जगच्चक्षु (सम्) सं. — सूर्य, सूरज।

ಜಗತ್ जगत् (सम्) सं·—संसार, दुनिया। वि·—चलनेवाला।

(१) ಜಗತಿ जगति, ಜಗಲಿ जगलि, ಜಗಳಿ जगळि, ಜಗುಲಿ जगुलि (क) सं·—वेदिका, मंच, चबूतरा, बैठकखाना।

(२) ಜಗತಿ जगति (सम्) सं·—पृथिवी, धरा, संसार; मानवजाति, लोग; राजा और प्रजा, राजा का प्रधान अनुचर या मन्त्री, राज सभा के लोग; घर बनाने का स्थान; छंद विशेष जिसके प्रत्येक पाद में १२ अक्षर होते हैं; भारोपजीवी, बोझा ढोकर आजीविका कमानेवाला।

ಜಗತಿಪ जगतिप (सम्) सं.—राजा।

ಜಗತೀತಲ जगतीतल (सम्) सं·—दे. ಜಗತಿ (१).

ಜಗತೀಪಾಲಕ जगतीपालक (सम्) सं·—राजा।

ಜಗತೀಮಾನಿನಿ जगतीमानिनि (सम्) सं.—संसार भर में मान्य स्त्री; जगत् जो स्त्री माना जाय।

ಜಗತ್ಕರ್ತ जगत्कर्त, ಜಗತ್ಕರ್ತೃ जगत्कर्तृ, ಜಗತ್ಕರ್ತೃ जगत्कर्तृ (सम्) सं·—ब्रह्मा।

ಜಗತ್ತು जगत्तु (तद्) सं·—जगत् (तत्)।

ಜಗತ್ತ್ರಯ जगत्त्रय (सम्) सं·—तीन लोक—स्वर्ग, भूमि और पाताल।

ಜಗತ್ಪ್ರಾಣ जगत्प्राण (सम्) सं·— हवा, पवन।

ಜಗತ್ಯ जगत्य (तद्) सं·—जगती (तत्); पृथिवी।

ಜಗದಂಬೆ जगदंबे (सम्) सं·—दुर्गा; गंगा।

ಜಗದಿಟ್ಟಿ जगदिट्टि (तद्) सं·—जगत् की दृष्टि, सूर्य।

ಜಗದೀಶ जगदीश, ಜಗದೀಶ್ವರ जगदीश्वर (सम्) सं·—परमेश्वर।

ಜಗದುದರ जगदुदर (सम्) सं·—विष्णु, कृष्ण।

ಜಗದೃಶ್ जगदृश् (सम्) सं.—दे. ಜಗದಿಟ್ಟಿ.

ಜಗದೇಕಚಕ್ಷು जगदेकचक्षु (सम्) सं·—सूर्य; चंद्रमा; यमराज; कर्ण; कीर्ति, यश।

ಜಗದ್ಗುರು जगद्गुरु (सम्) सं·—विश्व का गुरु, जगद्गुरु; कृष्ण।

ಜಗದ್ರಾಜ जगद्राज (सम्) सं·—सम्राट, चक्रवर्ती।

ಜಗದ್ವಂದಿತ जगद्वंदित (सम्); सं·—सब लोगों से प्रशंसित होनेवाला; एक वृत्त का नाम।

ಜಗನ जगन (तद्) सं·—जघन (तत्); कूल्हा, कमर, नितंब; सेना जो बचत में रखी जाय।

ಜಗನ್ನಾಥ जगन्नाथ, ಜಗನ್ನಾಯಕ जगन्नायक (सम्) सं·—विष्णु, कृष्ण।

ಜಗನ್ಮಾತೆ जगन्माते (सम्) सं·—दुर्गा; लक्ष्मी।

ಜಗನ್ಮೋಹನ जगन्मोहन (सम्) सं·—बहुत ही सुन्दर पुरुष। ಜಗನ್ಮೋಹಿನಿ जगन्मोहिनि—स्त्री· लिं·।

ಜಗಪಾರು जगपारु (सम्) सं· — वेश्या, रांड।

ಜಗರ जगर (सम्) सं·—कवच, बख्तर।

ಜಗಲ जगल (सम्) सं·—गुंडा, बदमाश, कपटी; कवच; मदिरा।

ಜಗಲಿ जगलि, ಜಗಲೀ जगली (क) सं.—दे. ಜಗತಿ (१). ಜಗಲೀ ಹಾರಿದವನು ಗಗನ ಹಾರ್‍ಯಾನೇ ? जगली हारिदवनु गगन हार्‍याने ?—वेदिका लाँघनेवाला क्या गगन भी लाँघ सकता है? (कह·)।

ಜಗವತ್ತಿ जगवत्ति, ಜಗವರ್ತಿ जगवर्ति (सम्) सं.—जगत् को चलानेवाला, परमेश्वर।

ಜಗಳ जगळ (क) सं·—झगड़ा, फूट, लड़ाई, युद्ध। ಊಟಬಲ್ಲವನಿಗೆ ರೋಗವಿಲ್ಲ, ಮಾತು ಬಲ್ಲವನಿಗೆ ಜಗಳವಿಲ್ಲ ऊट बल्लवनिगे रोगविल्ल, मातु बल्लवनिगे जगळविल्ल—जो (ठीक) भोजन करना जानता है, उसको रोग नहीं होता, जो (ठीक) बोलना जानता है, उसको झगड़ा नहीं करना पड़ता (कह·)।—ತೆಗೆ तेगे (क) क्रि·—झगड़ा मोल ले (मुह.)।—ಹಚ್ಚು हच्चु (क) क्रि·—फूट पैदा कर (मुह·)। ಜಗಳವಾಡು जगळवाडु (क) क्रि·—झगड़ा कर।

ಜಗಳಗಂಟ जगळगंट (क) सं·—झगड़ालू पुरुष।

ಜಗಳಗಾತಿ जगळगाति, ಜಗಳಗಂಟಿ जगळगंटि (क) सं.—झगड़ालू स्त्री।

ಜಗಳಿ जगळि (क) सं·—दे. ಜಗತಿ (१).

ಜಗಳೆ जगळे (क) सं·—झांझ।

ಜಗಾತ್ಮ जगात्म (सम्) सं·—ब्रह्मा।

ಜಗಿ जगि (क) क्रि·—चबा, खा (रोटी, सुपारी आदि)।

ಜಗುನೆ जगुने, ಜಮುನೆ जमुने (तद्) सं·—यमुना (तत्)।

ಜಗುಲಿ जगुलि (क) सं·—दे. ಜಗತಿ (१).

ಜಗುಳ್ जगुळ् (क) क्रि·—फिसल, गिर पड़ टूट; छीन, खींच।

ಜಗೆ जगे (तद्) सं·—जगमगाहट, चमक-दमक।

ಜಗ್ಗನೆ जग्गने (क) अ·—हठात्, झट, तुरंत, फौरन।

ಜಗ್ಗಿಸು जग्गिसु (क) क्रि·—झुका, धँसा, नीचे की ओर खींच।

ಜಗ್ಗು जग्गु (क) क्रि·—झुक जा, धँस, नीचे की ओर खिंच जा, दब जा; शक्ति लगाकर खिंच, वि·—झुका हुआ।

ಜಗ್ಧ जग्ध (सम्) वि·—खाया हुआ।

ಜಗ್ಧಿ जग्धि (सम्) सं·—खाना, भोजन।

ಜಘನ जघन (सम्) सं·—दे. ಜಗನ.

ಜಘನ್ಯ जघन्य (सम्) वि·—सबसे पीछे का, पिछला, अंतिम, सब से गया बीता, निकृष्ट, हेय; अकुलीन।—ಜ ज (सम्) सं·-छोटा भाई; शूद्र।

ಜಜ जज (सम्) सं·—['जज्' धातु से] — योद्धा, लड़ाकू।

ಜಜಾವಣೆ जजावणे (?) सं.—संगीत का एक विधान।

ಜಜ್ಝರಿತ जज्झरित (तद्) वि.—जर्जरित (तत्); बूढ़ा, पुराना, जीर्ण, निर्बल, घिसा हुआ, अवश, निकम्मा।

ಜಜ್ಝಾರ जज्झार (तद्) सं.—दे. ಜಂಝಾರ.

ಜಜ್ಜು जज्जु (क) क्रि.—पुड़िया कर, चूर्ण कर कूट ; पीस। सं.— चूर्ण किया जाना।

(१) ಜಟ जट (क) अ.=ಜಟಜಟ जटजट—जल्दी, शीघ्र, फौरन।

(२) ಜಟ जट, ಜಟಾ जटा, ಜಟೆ जटे (सम्) सं.—दे. ಜಟೆ.

ಜಟಕರಿಸು जटकरिसु, ಜಟಕಾಯಿಸು जटकायिसु (अ. दे.) क्रि.— झटका (हिं.) झटक, फटकार।

ಜಟಾಯು जटायु (सम्) वि.—बड़ी आयुवाला। सं.—एक पक्षी, गिद्धों का राजा जो सीताजी के लिए युद्ध कर रावण से मारा गया।

ಜಟಿ जटि (सम्) सं.—शिव ; स्कंद का अनुचर ; गूलर का वृक्ष ; जटाजूट ; जमाव।

ಜಟಿಲ जटिल (सम्) वि.—जटाजूटधारी ; उलझा हुआ, पेचीदा ; अगम्य, सघन, बहुत कठिन।

ಜಟಿಲಿತ जटिलित (सम्) वि.—पेचीदा, उलझा हुआ ; सघन।

ಜಟಿಲೆ जटिले, ಜಟಾಮಾಂಸಿ जटमांसि (सम्) सं.—हिमालय की एक जड़ी-बूटी, जटामांसी।

ಜಟುಲ जटुल (सम् ?) सं.—शरीर पर का धब्बा, चित्ती।

ಜಟೆ जटे (सम्) सं.—जटा, जूड़ा; जटामाँसी; जड़, मूल, शाखा, डाल ; विचित्रता ; वेद का पाठ विशेष ; कौआ।

ಜಟ್ಟಿ जट्टि (क) सं.—कुश्ती लड़नेवाला, पहलवान, मल्ल।—ಕಾಳಗ कालग (क) सं.—मल्लयुद्ध, कुश्ती। ಜಟ್ಟಿ ಬಿಟ್ಟಲ್ಲೀ ಪಟ್ಟಣ जट्टि बिट्टल्ले पट्ण—पहलवान जहाँ भी जावे, डर नहीं (कह.)।

ಜಟ್ಟಿಗ जट्टिग (क) सं.—पहलवान, कुश्ती लड़नेवाला।

ಜಠರ जठर (सम्) सं.—पेट, कुक्षि। वि.—कठोर, दृढ, मज़बूत, घना।—ಅಗ್ನಿ अग्नि (सम्) सं.—जठराग्नि, पेट के भीतर की अग्नि।

ಜಡ जड (सम्) वि.—ठंडा, शीतल ; धीमा, गतिहीन ; मूर्ख, विवेकशून्य, अज्ञानी, अच्छे बुरे ज्ञान से शून्य ; सुन्न, ठिठुरा हुआ, अकड़ा हुआ, वेदाध्ययन करने में असमर्थ। सं.—जड ; जल ; सीसा ; यज्ञ, मख ; वस्तु, द्रविण ; शरीर का भारीपन, सुस्ती, थकावट।

ಜಡಕಾಯಿಸು जडकायिसु (अ. दे.) क्रि.—दे. ಜಟಕರಿಸು.

ಜಡಕ್ರಿಯ जडक्रिय (सम्) वि.—सुस्त, आलसी, मंदगति से काम करनेवाला।

ಜಡಜ जडज (सम्) सं.—कमल।—ಗರ್ಭ (सम्) सं.—ब्रह्मा।—ಜ ज (सम्) सं.—ब्रह्मा।—ಭವ भव, ಜಾತ जात (सम्) सं. ब्रह्मा।—ಜಂತು जंतु, ಜೀವಿ जीवि (सम्) सं.—मूर्ख प्राणी।—ಆಪ್ತ आप्त (सम्) सं.—सूर्य।—ಅರಿ अरि (सम्) सं.—चंद्रमा।

ಜಡತ जडत, ಜಡಿತ जडित (क) सं.—मारना, ठोंकना।

ಜಡತನ जडतन, ಜಡತೆ जडते, ಜಡತ್ವ जडत्व (सम्) सं.—सुस्ती, अज्ञानता, मूर्खता।

ಜಡಧರ जड़धर, ಜಲಧರ जलधर (सम्) सं.—बादल, मेघ।

ಜಡಧಿ जडधि, ಜಲಧಿ जलधि (सम्) सं.—सागर, समुद्र।

ಜಡಪು जडपु (तद्) सं.—कांति, प्रकाश, चमक।

ಜಡಪ್ರಾಸ जडप्रास (सम्) सं.—मूर्खतापूर्ण अनुप्रास अलंकार का प्रयोग।

ಜಡಭರತ जडभरत (सम्) सं.—एक भगवद्भक्त का नाम जिनकी कथा श्रीमद्भागवत में है।

ಜಡಾಯಿಸು जडायिसु (क) क्रि.—बलपूर्वक प्रवेश कर, दबा ; ठोंक ; दृढ कर, बंद कर।

ಜಡಾಶಯ जडाशय, ಜಲಾಶಯ जलाशय (सम्) सं.—सरोवर, तालाब, जलाशय।

(१) ಜಡಿ जडि, ಜಡೆ जड़े, ಜಳಿ जळि (क) क्रि.—फटकार बता, डाँट, डपट, डरा, भयभीत कर ; कोस, गाली दे, झड़की दे, आड़े हाथों ले (ना) ; इधर-उधर चल या हिल ; लहरा, झनझना, चमक (तलवार चमक) ; (हाथ या डंडे से) पीट, मार, चूर्ण कर, पुड़िया कर ; दबा, ठूँस, दृढ़ कर, बाँध। सं.—मारने, पीटने या दबाने की क्रिया ; लगातार अल्प वृष्टि होना, बूँदा-बूँदी।

(१) ಜಡಿ जडि (अ. दे.) क्रि.—मिल, लग, जड़, मिला, लगातार बह (जैसे आँसू) बेकार हो ; जगह दे, डूब, धँस।

(२) ಜಡಿ जडि, ಜಡೆ जड़े (तद्) सं.—जटा (तत्) वेणी, जूड़ा जटा।

ಜಡಿತ जडित (क) सं.—दे. ಜಡತ.

ಜಡಿಪ जडिप (क) सं.—चिड़ियों की चहचहाहट, कोयल की ध्वनि।

ಜಡಿಸು जडिसु (क) क्रि.—'ಜಡಿ' (१) का प्रेरणार्थक रूप।

ಜಡೀಕೃತ जडीकृत (सम्) वि.—स्तंभीभूत, मंद।

ಜಡೀಭಾವ जडीभाव (सम्) सं.—जड़ता, चैतन्यहीनता, मंदता।

ಜಡುಪು जडुपु (अ. दे.) सं.—लटकती हुई वस्तु, पतंग की पूँछ।

ಜಡುಲ जडुल (तद्) वि.—दे. ಜಟುಲ.

(१) ಜಡೆ जड़े (क) क्रि.—दे. ಜಡಿ (१).

(२) ಜಡೆ जड़े (तद्) सं.—दे. ಜಡಿ (२).

ಜಡ್ಜಿ जड्जि (अ. दे.) सं.—Judge (अंग्रेज़ी); जज, न्यायाधीश।

ಜಡ್ಡು जड्डु, ದಡ್ಡು दड्डु (क) सं.—सामीप्य, नैकट्य, मिले रहना।

(१) ಜಡ್ಡು जड्डु (क) सं.—तेल की स्निग्धता, धब्बा, दाग, चित्ती ; बकरी के दूध की अहितकर गंध।

(२) ಜಡ್ಡು जड्डु (तद्) सं.—जड (तत्); सुस्ती, आलस्य, बीमारी, रोग ; थकावट।

ಜತಣ जतण, ಜತನ जतन (तद्) सं.—यत्नः (तत्) ; उद्योग, प्रयत्न।

ಜತಿ जति (तद्) सं.—यतिः (तत्); संन्यासी, ऋषि ; यति या विराम।

ಜತಿಗೆ जतिगे़, ಜೊತಿಗೆ जोतिगे़, ಜೊತ್ತಗೆ जोत्तगे़, ಜೊತ್ತಿಗೆ ज़ोत्तिगे़ (तद्) सं.—योक्त्र (तत्); हल के जुए की रस्सी, आबंध ।

ಜತು जतु (सम्) सं.—लाख ।

ಜತುಕ जतुक (सम्) सं.—लाख; एक प्रकार का गोंद; हींग ।

ಜತುಕೃತ್ जतुकृत् (सम्) सं.—लाख बनाना, एक प्रकार का सुगंधित वृक्ष जिसमें लाख के कीड़े रहते हैं ।

ಜತುಕೆ जतुके़ (सम्) सं.—लाख; चमगादड़; एक प्रकार का सुगंध द्रव्य ।

ಜತುರಸ जतुरस (सम्) सं.—लाख ।

ಜತೂಕೆ जतूके़ (सम्) सं.—चमगादड़; एक सुगंधित वृक्ष ।

ಜತೆ जते़ (क) सं.—संयोग, संभोग, मिलन, संगम, स्नेह; साथी; जोड़ी ।—ಗಾತಿ गाति, ಗಾರ್ತಿ गार्ति (क) सं.—सखी, सहेली, सहचरी ।

ಜತ್ನ जत्न (तद्) सं.—यत्नः (तत्); यत्न, उद्योग; धुन, परिश्रम; कोशिश, प्रयत्न ।

ಜತ್ತಕ जत्तक (क) सं.—धोखा, प्रवंचना, कपट, छल, धोखेबाज़ी; धोखेबाज़, कपटी, वंचक । ಜತ್ತಕಿ जत्तकि (क) सं.—धोखेबाज़ स्त्री, कपटी ।

ಜತ್ತರ जत्तर (क) सं.—कौपीन, लंगोटी ।

ಜತ್ತವ जत्तव (क) सं.—दे. ಜತ್ತಕ.

ಜತ್ತಾಣ जत्ताण (क) सं.—दे. ಜತ್ತಾಣ.

ಜತ್ತಿಗೆ जत्तिगे़, ಜೊತ್ತಗೆ ज़ोत्तगे़, ಜೊತ್ತಿಗೆ ज़ोत्तिगे़, (तद्) सं.—योक्त्र (तत्); हल के जुए की रस्सी ।

ಜತ್ತು जत्तु (क) सं.—दे. ಜತೆ.

ಜತ್ತುಕ जत्तुक (क) सं.—दे. ಜತ್ತಕ.

ಜತ್ತುಳ जत्तुळ (क) सं.—फेन, झाग;

ಜತ್ರು जत्रु (सम्) सं.—हँसली की हड्डी ।

ಜನ जन (सम्) सं.—जीवधारी, प्राणी; व्यक्ति; लोग, संसार ।

ಜನಕ जनक (सम्) वि.—पैदा करनेवाला, उत्पन्न करनेवाला । सं.—पिता, बाप; विदेह राजा जानक ।—ಜಾ जा, ಜೆ ज़े (सम्) सं.—सीता, जानकी ।—ಜಾರಮಣ जारमण (सम्) सं.—राम ।—ತನಯೆ तनये़, ತನುಜೆ तनुजे़, ಆತ್ಮಜೆ आत्मजे़ (सम्) सं.—सीता ।

ಜನಂಗಮ जनंगम (सम्) सं.—चांडाल ।

ಜನತಾ जनता; ಜನತೆ जनते़ (सम्) सं.—लोग, लोगों का समूह, जनता, मानव-जाति; उत्पत्ति ।

ಜನನ जनन (सम्) सं.—उत्पत्ति, जन्म, सृष्टि, प्रादुर्भाव; जीवन, अस्तित्व; वंश, कुल; वर्ण ।

ಜನನಾಥ जननाथ (सम्) सं.—राजा, नरेश ।

ಜನನಿ जननि (सम्) सं.—माता, माँ; एक प्रकार का सुगंधित पौधा ।

ಜನಪ जनप, ಜನಪತಿ जनपति (सम्) सं.—राजा ।

ಜನಪದ जनपद (सम्) सं.—जनपद, देश, राज्य; राष्ट्र, प्रदेश जिसमें लोगों की बस्ती हो; किसी राज्य का प्रजा-समूह ।

ಜನಮೇಜಯ जनमेजय (सम्) सं.—चंद्र-वंशी राजा जो परीक्षित् के पुत्र थे । इन्होंने सर्पयाग किया था ।

ಜನಯಿತೃ जनयितृ (सम्) सं.—पिता, जनक ।

ಜನಯಿತ್ರಿ जनयित्रि (सम्) सं.—माता, जननी ।

ಜನರಮಣ जनरमण, ಜನವರ जनवर (सम्) सं.—राजा, नृपति ।

ಜನವಾದ जनवाद, ಜನವಾರ್ತೆ जनवार्ते़ (सम्) सं.—समाचार, खबर; अपवाद, अफवाह, कलंक ।

ಜನಶ್ರುತಿ जनश्रुति (सम्) सं.—किंवदंती, अफवाह; बुद्धिमत्ता ।

ಜನಸ್ಥಾನ जनस्थान (सम्) सं.—दंडकवन का एक भाग ।

ಜನಾಂಗ जनांग (सम्) सं.—जाति, देश, किसी प्रदेश के निवासी (मै. प्र.) ।

ಜನಾನ जनान, ಜನಾನಿ जनानि (अ. दे.) सं.—ज़नाना (फ़ारसी); स्त्री; स्त्रियों के योग्य, नपुंसक, अन्तःपुर से संबंधित, अंतःपुर ।

ಜನಾಂತ जनांत (सम्) सं.—प्रदेश; ज़िला, देश का भाग ।

ಜನಾರ್ದನ जनार्दन (सम्) सं.—विष्णु, कृष्ण ।

ಜನಾಪವಾದ जनापवाद (सम्) सं.—लोक-निंदा, लोगों द्वारा आरोपित अपराध या दोष या अभियोग ।

ಜನಾಶ್ರಯ जनाश्रय (सम्) सं.—लोगों के ठहरने का स्थान, अस्थायी निवास स्थान या झोंपड़ा ।

(१) ಜನಿ जनि (क) क्रि.—बह, प्रवाहित हो, स्रवित हो, बूँद-बूँद करके गिर, टपक ।

(२) ಜನಿ जनि (सम्) सं.—उत्पत्ति सृष्टि; स्त्री, औरत; माता; बहू; भार्या, पत्नी; एक प्रकार का पौधा (जननी) ।

ಜನಿತ जनित (सम्) वि.—कारणभूत, उत्पन्न, पैदा हुआ; उत्पन्न करनेवाला ।

ಜನಿಯಿಸು जनियिसु (सम्) क्रि.—पैदा हो, उत्पन्न हो, जन्म ले; संभव हो, हो ।

ಜನಿಯುವಿಕೆ जनियुविके़ (क) सं.—बहाव, बहना; टपकाव टपकना ।

ಜನಿವಾರ जनीवार, ಜನ್ನವಾರ जन्नवार, ಜನ್ನಿವಾರ जन्निवार, ಜೆನಿವಾರ ज़ेनिवार (तद्) सं.—यज्ञोपवीत (तत्); जनेऊ ।

ಜನಿಸು जनिसु (सम्) क्रि.—दे. ಜನಿಯಿಸು.

ಜನುಮ जनुम (तद्) सं.—जन्म (तत्); उत्पत्ति ।

ಜನುಸ್ जनुस् (सम्) सं.—उत्पत्ति, जन्म; सृष्टि; जीवन; अस्तित्व ।

ಜನೆ जने़, ತೆನೆ तेने़, ಸೆನೆ सेने़ (क) सं.—गुद्दा, अंडे का गूदा; अंडा ।

ಜನೇಂದ್ರ जनेंद्र, ಜನೇಶ जनेश, ಜನೇಶ್ವರ जनेश्वर (सम्) सं.—राजा ।

ಜನೋದಯ जनोदय (सम्) सं.—एक वृत्त का नाम ।

ಜನೋಲೋಕ जनोलोक, ಜನಲೋಕ जनलोक (सम्) सं.—सात लोकों में एक ।

ಜನ್ನ जन्न (तद्) सं.—यज्ञः (तत्); याग; किसी अश्व का नाम; कन्नड के एक

कवि का नाम जिन्होंने 'यशोधर-चरिते' नामक काव्य लिखा है।

ಜನ್ನಣೆ जन्नणे (तद्) सं.— यागशाला।

ಜನ್ನವಿರ जन्नविर, ಜನ್ನಿವಾರ जन्निवार (तद्) सं—जनेऊ।

ಜನ್ನಿಗೆ जन्निगे (तद्) सं. याज्ञिक (तत्); नैवेद्य।

ಜನ್ಮ जन्म (सम्) सं.—उत्पत्ति, जन्म, पैदा-इश; जीवन, अस्तित्व।—ದೇಶ देश (सम्) सं.– जन्मस्थान, मातृभूमि।— ಪತ್ರ पत्र (सम्) – सं. जन्म कुण्डली।— ಭೂಮಿ भूमि (सम्) सं.— जन्मस्थान।—ಸಾಫಲ್ಯ साफल्य (सम्) सं.— जीवन के उद्देश्यों की सिद्धि।

ಜನ್ಮಾಂತ जन्मांत (सम्) सं.— अस्तित्व का अंत, निर्वाण; ग्राम, ज़िला, प्रदेश।

ಜನ್ಮಾಂತರ जन्मांतर (सम्) सं. — दूसरा जन्म, दूसरा अस्तित्व।

ಜನ್ಮಿ जन्मि (सम्) सं.— जन्मिन्, प्राणी, जीवधारी।

ಜನ್ಮಿಸು जन्मिसु (सम्) क्रि — जन्म ले, पैदा हो, उत्पन्न हो।

ಜನ್ಯ जन्य (सम्) वि.— उत्पन्न हुआ; पैदा हुआ, कुल या वंश संबंधी; (अमुक से) उत्पन्न; गँवार, ग्रामीण; साधारण; राष्ट्रीय। सं.— पिता; मित्र; वर या दूल्हे का नातेदार; उत्पत्ति, जन्म; अफवाह; किंवदन्ती; युद्ध, झगड़ा; भर्त्सना, फटकार; हार; पैंठ, मैला।

ಜನ್ಯು जन्यु (सम्) सं. — उत्पत्ति, प्राणी, जीवधारी।

ಜನ್ಹುತನಯೆ जन्हुतनये, ಜಹ್ನುತನಯೆ जह्नु-तनये (सम्) सं.-जह्नु की बेटी, गंगाजी।

ಜಪ जप (सम्) सं.— जप, धीमे स्वर में बार-बार मंत्र पढ़ना।—ಜಪ जप (सम्) अ.— जल्दी-जल्दी।— ಮಾಲಿಕೆ मालिके, ಮಾಲೆ माले ಸರ सर (सम्) सं. — जपमाला, माला जिस पर जप किया जाय।

ಜಪಸು जपसु, ಜಪಿಸು जपिसु (सम्) क्रि.— जप कर।

ಜಪಾಪುಷ್ಪ जपापुष्प, ಜಪೆ जपे (सम्) सं. — सदागुलाब का फूल (The China Rose)।

ಜಪಾರುದ್ರ जपारुद्र (सम्) सं.— दे. ಜಪಾಪುಷ್ಪ.

ಜಪಿಸು जपिसु (सम्) क्रि.— दे. ಜಪಸು.

ಜಪೆ जपे (तद्) सं. – दे. ಜಪಾಪುಷ್ಪ.

ಜಪ್ತಿ जप्ति (अ. दे.) सं. – ज़ब्ती।

ಜಪ್ಪಳ जप्पळ (क) सं.—बसरूर नामक स्थान में लगानेवाले मेले का नाम; मेला।

ಜಪ್ಪಿಸು जप्पिसु (अ. दे) क्रि.— शांतिपूर्वक प्रतीक्षा कर या देख।

ಜಬರ जबर, ಜಬರು जबरु (अ. दे.) सं.—जब्र (अरबी), अत्याचार, बलात्कार।— ದಸ್ತು दस्तु (अ. दे) सं —जबरदस्ती।

ಜಬಾಬು जबाबु, ಜವಾಬು जवाबु (अ. दे.) सं. जवाब (अरबी) उत्तर।

ಜಬ್ಬರಿಸು जब्बरिसु, ಜಬರಿಸು जबरिसु (क) क्रि. —गाली दे. डाँट, धमकी दे. फटकार।

ಜಬ್ಬಲ जब्बल (क) सं.—(बुढापे के कारण) दुर्बलता, अशक्तता, ढिलाई; सूखापन; कोमलता, मृदुलता; पक्वता।

ಜಬ್ಬಲು जब्बलु (क) सं.-दे. ಜಬ್ಬಲ. (मै. प्र.)।

ಜಬ್ಬಿಸು जब्बिसु (क) क्रि. — चूस. रसपान कर; गाली दिला, धमकी दिला (प्रे.)।

ಜಬ್ಬು जब्बु (क) सं.—दुर्बलता, कोमलता, मृदुलता, मुलायम होना; शिथिलता, ढिलाई। क्रि.— गाली दे. कोस, डाँट वता, फटकार; चूस।

ಜಬ್ಬುಲು जब्बुलु (क) सं.—तृण से भरा स्थान. वह जगह जहाँ अच्छी तरह घास उगी हो।

ಜಮ जम (तद्) सं. – यमः (तत्)।— ದಾಡೆ दाड़े (तद्) सं.—एक प्रकार का आयुध।

ಜಮಖಾನೆ जमखाने (अ.दे.) सं.-दे. ಜಂಖಾನೆ.

ಜಮದಗ್ನಿ जमदग्नि (राम्) सं.—परशुराम के पिता का नाम देदीप्यमान अग्नि। —ತನಯ तनय, ನಂದನ नंदन (सम्) सं.—परशुराम।

ಜಮಳ जमळ (तद्) सं.-यमल (तत्); जोड़ा।

ಜಮಾ जमा, ಜಮೆ जमे (अ. दे.) सं.— जमा, जोड; आमदनी, लगान।—ಖರ್ಚು खर्चु (अ दे.) सं.—आय-व्यय। — ಬಂದಿ बंदि (अ. दे) सं. — जमाबंदी (अरबी, फ़ारसी)।

ಜಮಾದಾರ जमादार (अ. दे.) सं. — जमादार (अरबी)।

ಜಮಾಯಿಸು जमायिसु (अ. दे.) क्रि. — जमा कर, जमा, संग्रह कर, एकत्रित कर।

ಜಮಾವಣೆ जमावणि (अ. दे.) सं.—(संगीत में) मेल, एकरूपता।

ಜಮೀದಾರ जमीदार, ಜಮೀನುದಾರ जमीनु-दार (अ. दे.) सं.—ज़मीनदार (फ़ारसी)।

(१) ಜಮೆ जमे, ಜವಿ जवि, ಜವೆ जवे (क) सं. —घोड़े की पूँछ के बाल।

(२) ಜಮೆ जमे (अ. दे) सं.—दे. ಜಮಾ.— ದಾರ दार = जमादार।

ಜಮ್ಮಡಿಸು जम्मडिसु (क) क्रि.— कंपा, थरथरा, भयभीत कर।

ಜಮ್ಮನೆ जम्मने (क) क्र.—रोमांचित होकर, पुलकित होकर।

ಜಯ जय (सम्) सं –विजय, जीत, सफलता; निग्रह, संयम; सूर्य; युधिष्ठिर; इन्द्र का पुत्र जयन्त; विष्णु के द्वारपालों में एक; अर्जुन की एक उपाधि; पताका विशेष; जय संवत्सर (अट्ठाईसवाँ वर्ष — क्रमानुसार) एक पौधा विशेष (The plant premna Spinosa)।—ಘಂಟೆ घण्टे (सम्) सं.—जय की घोषणा करनेवाली घण्टी; मन्दिरों का घण्टा, पंचमहावाद्य।—ಘೋಷ घोष (सम्) सं.—जयघोष, विजय का ढिंढोरा।—ಜಯ जय (सम्) सं.—जयजयकार।—ಧ್ವಜ ध्वज (सम्) सं.—विजय का सूचक झण्डा।—ಪತ್ರ पत्र, ಪತ್ರಿಕೆ पत्रिके (सम्) सं.— विजय का लेखा। —ಮಂಗಲ मंगल (सम्) सं.— शाही हाथी। — ಮಾನ मान (सम्) — जीतना। — ಶಾಲಿ शालि (सम्) सं.—विजेता।—ಶೀಲ शील (सम्) सं.—विजयी पुरुष जिष्णु।

ಜಯಂತ जयंत (सम्) सं.—इन्द्र के पुत्र का नाम; दशरथ के मन्त्री के नाम।

ಜಯಂತಿ जयंति (सम्) सं.—पताका, ध्वज; जयन्ती, देव या महापुरुषों के अवतार या

जन्म का दिन ; एक लेखक का नाम ; इन्द्र पुत्री ; दुर्गा का नाम ।

ಜಯಿಸು जयिसु, ಜಯ್ಸು जय्सु, ಜೈಸು जैसु (सम्) क्रि.—जीत, विजय पा, सफल हो। (प्रायः ಜಯಿಸು ही लिखा जाता है) ।

ಜರ जर (अ. दे.) अ.—ज़रा (अरबी) ; थोड़ा, कुछ । (तद्) सं.—ज्वर ।

ಜರಂತ जरंत (सम्) सं. — बूढा आदमी ; भैंसा ।

ಜರಗ जरग (तद्) सं.—दे. ಜಲಗಾರ.

ಜರಗಿಸು जरगिसु (क) क्रि. —सरका, चला, थोड़ा दूर कर, जमीन पर रखी किसी वस्तु को थोड़ा हटा ; संपन्न कर ।

ಜರಗು जरगु (क) क्रि.—हो, (हाथ से) निकल; चल, सरक जा, अपने स्थान से थोड़ा हट ; एक तरफ़ या आगे जा ; संपन्न हो । सं.—सोने की पुड़िया ; फिसलन । ಜರಗುಂಡಿ जरगुण्डि (क सं.—फिसलन का एक खेल जो बच्चे खेलते हैं ।

ಜರಝರಿ जरझरि (तद्) सं.—एक बर्तन जिससे पेड़-पौधों को अनेक धाराओं में पानी सींचा जाता है ।

ಜರಠ जरठ (सम्) वि. — जीर्ण ; कठोर ; शिथिल ; झुका हुआ, जर्जरित; बूढ़ा; वृद्ध ।

ಜರಡ जरड (तद्) वि.—क्रूर, कठोर, कड़ा, सख्त, ठोस ।

ಜರಡು जरडु (क) सं. — थोथा, निस्सार या निरुपयोगी चीज़ ।

ಜರಡೆ जरड़े, ಜಲಡೆ जलड़े, ಜಲ್ಲಡಿ जल्लडि, ಜಲ್ಲಡೆ जल्लड़े (क) सं.—छलनी, चालनी।

ಜರಣ जरण (सम्) वि. — बूढ़ा; जर्जरित, निर्बल । सं.—काला जीरा ; हींग ।

ಜರತಾರಿ जरतारि, ಜರತಾರೆ जरतारे (अ. दे.) ಜತ್ತು—ज़रतारी (हिं) ।

ಜತ್ತು जत्तुरदा, ಜರದಿ जरदि, ಜರ್ದಾ जर्दा, ಜನ जन (सं (अ. दे.) सं.—ज़रदा (फ़ारसी)। व्यक्ति ; लोग,(सम्) सं.— बूढा बैल या ಜನಕ जनक (सम्, उत्पन्न करनेवाला। ಜರಬು जरबु, ಜರ್ಬು जर्बु राजा जानक ।—ಜಾ जं (अरबी) ; भयानक होना. विस्मयकारी, चमक-दमक, ठाठ-बाट ।

ಜರಾಯು जरायु (सम्) सं.—केंचुली ; गर्भाशय के ऊपर की झिल्ली, गर्भाशय, भग । —ಜ ज (सम्) सं.—वे प्राणी जो गर्भ से पैदा होते हैं, जैसे—मनुष्य, मृग आदि ।

(१) ಜರಿ जरि (क) क्रि.—फिसल जा, हाथ से ढरक जा या छूट जा. नीचे गिर ; प्रपात हो ; कम हो, घट, क्षीण हो, दुबला हो ; निंदा कर झिड़की दे ; भला-बुरा. कह । सं.—प्रपात, पहाड़ों के बीच का ढलुआ प्रदेश ; झरना ।

(२) ಜರಿ जरि (अ. दे.) सं.—जरी (फ़ारसी) ।

ಜರಿಗಿಸು जरिगिसु (क) क्रि.—दे. ಜರಗಿಸು.

ಜರಿಗು जरिगु (क) क्रि. —दे. ಜರಗು.

ಜರೀಪ जरीप, ಜಿರೀಫೆ जिराफ़े (अ. दे.) सं.—ज़िराफा (अरबी) ।

ಜರೀಬು जरीबु (अ. दे.) सं. — जरीब (अरबी) ।

ಜರುಗಿಸು जरुगिसु (क) क्रि. —दे. ಜರಗಿಸು.

ಜರುಗು जरुगु (क) क्रि.—दे. ಜರಗು.

ಜರೂರು जरूरु (अ. दे.) वि. और सं.—ज़रूर, जरूरी ।

ಜಱಕ್ಕು जऱक्कु (क) सं. — चप्पल या जूते की चरचराहट ।

ಜಱಹ जऱह (क) सं. — परिभव, पराभव, अनादर, तिरस्कार ।

ಜಱು जऱु (क) क्रि.—तिरस्कार कर, अनादर कर, नीचा दिखा, निंदा कर ; सं. —गोजर, कनखजूरा ('ಜರಿ' भी लिखा जाता है) ।

ಜಱುಚು जऱिचु, ಜಱುಚು जरुचु (क) क्रि.— बड़बड़ा, अधिक बोल, बक, बेकार की बात कर, गप्पे लड़ ।

ಜಱೆ ज़रे (क) क्रि.—दे. ಜಱು.

ಜಱ್ಱನೆ जर्रने (क) अ.—जल्दी, शीघ्रता से ।

ಜರ್ಕು जर्कु (क) क्रि. — नख से नोच या खरोंच ।

ಜರ್ಗು जर्गु (क) सं.—किसी वस्तु के गिरने से उत्पन्न होनेवाला शब्द ।

ಜರ್ಜರ जर्जर (सम्) वि. — बूढ़ा, जीर्ण, निर्बल, शिथिल, टूटा हुआ, विभक्त, चीरा हुआ, चोटिल । ಜರ್ಜಡ जर्जड (तद्) ।

ಜರ್ಜರಿಸು जर्जरिसु—क्रि. रू. ।

ಜರ್ತಾರಿ जर्तारि (अ. दे) सं.—दे. ಜರತಾರಿ.

ಜರ್ಬು जर्बु, ಜರ್ಬು जर्बु (क) क्रि. — डरा, धमका ; निंदा कर, गाली दे । सं.—धमकी डाँट ; निंदा, कोसना ।

ಜಲ जल (सम्) वि.—सुस्त शीतल, ठंडा। सं.—पानी ; कपट, धोखा ; एक प्रकार सुगन्ध द्रव्य ; पूर्वाषाढा नक्षत्र । —ಕ क (सम्) सं.—जल से संबंधित, घोंघा, कौड़ी । —ಕ್ರೀಡೆ क्रीडे. ಖೇಲನ खेलन (सम्) सं.—जल में खेल । —ಗಾರ गार (सम्) सं.—सोना पाने की आशा से नाल, नदी, आदि के पानी को साफ़ करके देखनेवाला व्यक्ति ।—ಗ್ರಹ ग्रह (सम्) सं.—मगर; घड़ियाल, जोंक ।—ಚರ चर (सम्) सं.—पानी में रहनेवाले प्राणी ; मछली ।—ಜ ज (सम्) सं.—कमल ; शंख ; सालिग्राम ।—ಜಜ जज (सम्) सं.—ब्रह्मा ।—ಜಜಾಂಡ जजांड (सम्) सं.— ब्रह्मांड ।—ಜಲದನಯನೆ जलदनयने (सम्) सं. — कमल के दल के सदृश नेत्रवाली स्त्री ।—ಜನಾಭ जनाभ (सम्) सं. — विष्णु ।—ಸಂಭವ संभव (सम्) सं. — ब्रह्मा । ಜಾತ जात (सम्) सं. = ಜಲಜ — ತರಂಗ तरंग (सम्) सं.—लहर, एक वाद्य । — ದ द (सम्) सं. —बादल ; सुगंधित तृण ।— ದನಿನದ दनिनद (सम्) सं.— इन्द्र का वज्र । —ದ್ರೋಣಿ द्रोणि (सम्) सं.—बाल्टी ।— ಧರ धर (सम्) सं. — बादल । — ಧರಮಾರ್ಗ धरमार्ग (सम्) सं. — आकाश, गगन । — ಧಿ धि (सम्) सं.—समुद्र ।— ನಿಧಿ निधि (सम्) सं. —समुद्र ; चार की संख्या ।—ಪತಿ पति (सम्) सं. — वरुण ; समुद्र ।—ಪುಷ್ಪ जलपुष्प (सम्) सं —पानी में होनेवाला फूल ; मछली ।—ಪ್ರತಿಬಂಧನ प्रतिबन्धन (सम्) सं. — बांध, सेतु ।— ಪ್ರಲಯ प्रलय (सम्) सं. — जल द्वारा नाश ।—ಪ್ರಾಯ प्राय (सम्) वि.—पानी

से भरा, जलपूर्ण, गीला, भीगा ।— ಪ್ರಾಂತ प्रांत (सम्) सं.—किनारा, तट । — ಫಣಿ फणि (सम्) सं.—जल का साँप । —ಭಂಗ भंग (सम्) सं.—लहर । — ಭ್ರಮ भ्रम (सम्) सं. —आवर्त, भँवर । — ಮುಚ್ मुच् (सम्) सं.—बादल । —ಯಂತ್ರ यन्त्र (सम्) सं.—जल खींचने की कल ।— ರಾಶಿ राशि (सम्) सं.—समुद्र । ರುಹ रुह (सम्) सं.—कमल । — ವಾಯಸ वायस (सम्) सं.—मुर्गाबी ।—ವಾಹ वाह (सम्) सं—बादल । — ವಿಹಂಗ विहंग (सम्) सं. —जलपक्षी। —ಶಯನ शयन (सम्) सं.—विष्णु ।—ಶೂಕ शूक, ನೀಲಿ नीलि (सम्) सं.—सिवार ।

ಜಲಕ್ಕನೆ जलक्कने, ಜಲರ್ಕನೆ जलर्कने, ಜಳಕನೆ जळकने, ಜಳಕ್ಕನೆ जळक्कने ತಳಕ್ಕನೆ तळक्कने (क) अ.—साफ़ साफ़, शुद्ध रूप से, ठीक प्रकार से, निर्मल रूप से, जल्दी ।

ಜಲಡೆ जलड़े (क) सं.—दे. ಜರಡೆ.

ಜಲದಾರಿ जलदारि (सम्) सं.—नाली, नाला ।

ಜಲಮುಲಿ जलमुलि (क) सं.—एक प्रकार का तृण का पौधा (The Indian acalypha)।

ಜಲರ್ಕನೆ जलर्कने (क) अ.—दे. ಜಲಕ್ಕನೆ.

ಜಲಾಕರ जलाकर (सम्) सं.—जल का स्थान, झरना; फव्वार, सरोवर ।

ಜಲಾಧಾರ जलाधार (सम्) सं.—तटाक, सरोवर, तालाब ।

ಜಲಾಯಿಸು जलायिसु (अ. दे.) क्रि. — जला (हिं.) ।

ಜಲಾಲಿ जलालि (अ. दे.) सं. — जलाल (अरबी), मुहरम के समय किया जानेवाला, एक प्रकार का छद्मवेशी नृत्य ।

ಜಲಾವರ್ತ जलावर्त (सम्) सं.—भँवर ।

ಜಲಾಶಯ जलाशय (सम्) सं. — समुद्र, तालाब, सरोवर, झरना ; रबस ; सिंघाड़ा ; मछली ; मूर्खता, बेवक़ूफ़ी । ಜಡಾಶಯ जडाशय (तद्) ।

ಜಲಾಶ್ರಯ जलाश्रय (सम्) सं. —दे. ಜಲಾಶಯ.

ಜಲಾಶ್ರಿತೆ जलाश्रिते (सम्) सं.—यक्षिणी ।

ಜಲಿಕ जलिक (अ. दे. ?) सं. ठग धोखेबाज ।

ಜಲಿಕೆ जलिके, ಜಲುಗೆ जलुके ಜಲೂಕೆ जलूके (सम्) सं. -- जोंक । ಜಿಗುಳಿ जिगुळि, ಜಿಗುಳೆ जिगुळे—तद् ।

ಜಲುಗು जलुगु (क) सं.—वह स्थान जहाँ से पानी टपकता या स्रवित होता है ।

ಜಲುಮ जलुम, ಜಲ್ಮ जल्म (तद्) सं.—जन्म (तत्) ।

ಜಲೋಕೆ जलोके (सम्) सं - जोंक ।

ಜಲೋದರ जलोदर (सम्) सं.—एक रोग ।

ಜಲೋದ್ಧತೆ जलोद्धते (सम्) सं. — एक वृत्त का नाम ।

ಜಲೌಕೆ जलौके (सम्) सं. —जोंक ।

ಜಲ್ದಿ जल्दि, ಜಲ್ದು जल्दु, (अ. दे.) अ.—जल्दी (अरबी) ।

ಜಲ್ಪ जल्प, ಜಲ್ಪನ जल्पन (सम्) सं.—बातचीत, वार्तालाप, संवाद, गपशप; वाद-विवाद ।

ಜಲ್ಪಾಕ जल्पाक (सम्) सं.—व्यर्थ की बात करनेवाला, गप्पे लड़नेवाला ।

ಜಲ್ಲಡಿ जल्लडि, ಜಲ್ಲಡೆ जल्लड़े (क) सं. — दे. ಜರಡೆ.

ಜಲ್ಲನೆ जल्लने (क) अ.—अचानक, सहसा, यकायक ।

ಜಲ್ಲಿ जल्लि (क) सं.—धान रखने का झाबा; कंकड, पत्थर के छोटे-छोटे टुकडे; झूठ, असत्य बात; झब्बा, लटकन ।

ಜಲ್ಲಿಸು जल्लिसु (क) क्रि.—चालनी से झार ।

ಜಲ್ಲು जल्लु (क) सं.—फटे रहने की स्थिति (जैसे कपड़ा या केले का पत्ता होता है); मल्लाह का डंडा, बाँस ।

ಜಲ್ಲೆ जल्ले (क) सं.—दे ಜಲ್ಲಿ; बाँस का हँडा; ईख ।

(१) ಜವ जव (सम्) सं.—तेजी, फुर्ती । वि. —तेज, फुर्तीला । (तद्) सं. =ಜಮ जम, यमः (तत्) ।

ಜವನ जवन (सम्) वि.—तेज; फुर्तीला । सं.—युद्ध की शिक्षा प्राप्त घोड़ा ।

ಜವನಿಕೆ जवनिके (सम्) सं.=पर्दा, कनात, चिक ।

ಜವರಕ್ಕೆ जवरक्के (?) सं.—कवच, बख्तर ।

ಜವಪುರ जवपुर (तद्) सं.— यमपुरं (तत्) ।

ಜವಳ जवळ, ಜವಳಿ जवळि (तद्) सं.—यमलं और यमली (तत्)=जोड़ा, युग्म ।

ಜವಳಿ जवळि (क) सं.— कपड़ा, वस्त्र । —ಕ क, ಕಾರ कार, [ಕಾರ कार] (क) सं.— कपड़ों का व्यापारी ।

ಜವಳಿಸು जवळिसु (तद्) क्रि. — जोड़ा हो, लग, संयुक्त हो ।

ಜವಳು जवळु, ಜವುಗು जवुगु (क) सं —दल-दल, धँसान, धँसाऊ भूमि ।

ಜವಾಜಿ जवाजि, ಜವಾದಿ जवादि, ಜವ್ವಾಜಿ जव्वाजि (सम्) सं.—जवादि, एक सुगंधित द्रव्य, कस्तूरी ।

ಜವಾನ जवान (अ. दे.) सं.—नौकर, सेवक ।

ಜವಾಬು जवाबु (अ. दे.) सं. — जवाब (अरबी) ।—ದಾರ दार=उत्तरदायी पुरुष । —ದಾರಿ दारि=उत्तरदायित्व ।

ಜವಾಹೀರು जवाहीरु (अ. दे.) सं. — जवाहर (अरबी); रत्न ।

ಜವಿ जवि, ಜವೆ जवे (क) सं.—दे. ಜಮ.

ಜವುಗು जवुगु, ಜವುಳು जवुळु (क) सं.—दे. ಜವಳು.

ಜವೆ जवे (क) सं—दे. ಜವಿ (तद्) सं.— यवः (तत्); जवा, जौ ।

ಜವ್ವನ जव्वन (तद्) सं. — यौवनं (तत्); जवानी ।

ಜವ್ವನಿ जव्व , ಜವ್ವನಿಗೆ जव्वनिगे, ಜವ್ವನೆ जव्वने (तद्) सं. — जवान स्त्री, युवती ।

ಜಸ जस (तद्) सं.—यशस् (तत्); कीर्ति । —ವಂತ वंत=कीर्तिमान् ।

ಜಹಗೀರು जहगीरु, ಜಾಗೀರು जागीरु, ಜಾಹಗೀರು जाहगीरु ಜಾಹಾಗಿರಿ जाहागिरि (अ. दे.) सं.—जागीर (अरबी) । —ದಾರ दार= जागीरदार ।

ಜಹಜು जहजु, ಜಾಜು जाजु (अ. दे.) सं— जहाज़ (अरबी) ।

ಜಹ್ನು जह्नु (सम्) सं.—सुहोत्र राजा का पुत्र जिसने गंगाजी को अपना दत्तक बनाया था। ತನಯೆ तनये (सम्) सं.—गंगाजी।

ಜಳ जळ, ಝಳ झळ (तद्) सं.—('ज्वल्' से) —गरमी, गरम भाफ़; चमक दमक।

ಜಳಕ जळक (तद्) सं.—नहाना, स्नान।

ಜಳಕನೆ जळकने (क) अ.—दे. ಜಲಕ್ಕನೆ.

ಜಳಂಬ जळंब, ಝಳಂಬ झळंब (क) सं.—ऊपरी वस्त्र, आच्छादन।

ಜಳಂಬಾಯ್ತ जळंबायत (क) सं. — पंखा, व्यंजन; व्यजनधारी।

ಜಳರುಹ जळरुह (तद्) सं.—दे. ಜಲರುಹ.

ಜಳ್ಳು जळ्ळु (क) सं. = दे. ಜರಡು.

ಜಳ್ಳುಗ जळ्ळुग (क) सं. — निर्बल पुरुष, बेकार मनुष्य।

ಜಳವೆ जळवे (क) सं.—बाँस का डंडा; ईख।

ಜಾಂಗಲ जांगल (सम्) वि. — देहाती; रम्य, सुन्दर, नयनरंजन; जंगली, बहशी, बर्बर; उजाड़; सूना।

ಜಾಂಗಲಿಕ जांगलिक, ಜಾಂಗುಲಿಕ जांगुलिक (सम्) सं.—साँप पकड़नेवाला, विषविद्या जाननेवाला; जादूगर।

ಜಾಂಗುಲ जांगुल (सम्) सं — विषविद्या; जादूगरी।

ಜಾಂಘಿಕ जांघिक (सम्) सं.—धावक, हलकार; ऊँट।

ಜಾಂಡೆ जांड़े (अ. दे.) सं. —झंडा (हिं.); पताका।

ಜಾಂಬ जांब, ಜಾಂಬು जांबु (अ. दे.) सं.— ('जाम'—फ़ारसी से) — प्याला, बिना हत्थे या हतवड का पानी पीने का प्याला।

ಜಾಂಬವ जांबव (सम्) सं. —जंबू वृक्ष से संबंधित, जंबूफल; = ಜಾಂಬವಂತ जांबवंत जांबवान्, रीछों के राजा का नाम जिसने श्रीराम की सहायता की थी।

ಜಾಂಬವತಿ जांबवति (सम्) सं. — जांबवान् की पुत्री।—ರಮಣ रमण (सम्) सं.— श्रीकृष्ण।

ಜಾಂಬೂನದ जांबूनद (सम्) सं. — सोना; सोने का।

(१) ಜಾಗ जाग (क) सं.—हरा रंग।

(२) ಜಾಗ जाग (तद्) सं.—यागः (तत्); यज्ञ

(३) ಜಾಗ जाग (अ. दे) सं.— जगह (फ़ारसी); स्थान।

ಜಾಗಟೆ जागटे, ಜಾಗಂಟೆ जागंटे, ಜೇಗಟೆ जेगटे (क) सं.—घड़ियाल, घंटा, गोलाकार वाद्य विशेष।

ಜಾಗರ जागर (सम् सं.—जागृति, कवच, बख्तर।

ಜಾಗರಣ जागरण, ಜಾಗರಣೆ जागरणे (सम्) सं.—जागे रहना, जागृत रहना, रतजगा, ಏಕಾದಶಿ ಜಾಗರಣೆ ದ್ವಾದಶಿ ಪಾರಣೆ एकादशि जागरणे द्वादशि पारणे—एकादशी के दिन रतजगा और द्वादशी के दिन पारणा (कह.)।

ಜಾಗರೂಕತೆ जागरूकते (सम्) सं. — जागृति, सावधानी, सावधान रहना।

ಜಾಗಿಸು जागिसु (क) क्रि.—(शरीर को पूर्ण रूप से) ऊपर उठा।

ಜಾಗು जागु (क) सं.—मौन, चुप्पी।

ಜಾಗುಡ जागुड (सम्) सं —केसर, जाफ़ान।

ಜಾಗೃತ जागृत (सम्) वि. — जागते हुए, सावधान।

ಜಾಗ್ರತ್ जाग्रत् (सम्) वि.—सजग, सावधान। ಜಾಗ್ರತೆ जाग्रते (सम्) सं.— सावधानी।

ಜಾಜಿ जाजि (तद्) सं.—जातिः (तत्); जायफल।—ಪತ್ರೆ पत्रे = ಜಾಪತ್ರೆ जापत्रे— जायपत्र।

(१) ಜಾಜು जाजु (क) सं. लाल रंग; काषाय वर्ण।

(२) ಜಾಜು जाजु (अ. दे.) सं. — जहाज़। (तद्) सं.—काँच।

ಜಾಡ जाड (क) सं. — लिंगायत जाति का जुलाहा; मकड़ी। ಜಾಡಗಿತ್ತಿ जाडगित्ति— लिंगायत जाति के जुलाहे की स्त्री। ಜಾಡತಿ जाडति = ಜಾಡಗಿತ್ತಿ.

ಜಾಡಣೆ जाडणे ಝಾಡಣೆ झाडणे (अ. दे.) सं. — झाडना (हिं.) फेंकना, कपड़े झाड़ना।

ಜಾಡಮಾಲಿ जाड़मालि (अ. दे.) सं.—(संभवत 'झाड़' से)—मेहतर, भंगी।

ಜಾಡಿ जाडि (क) सं. — बैठने का आसन विशेष; सुराही; समूह; बाढधारा; कंबल। वि.—घना, बहुत, अतिशय।

ಜಾಡಿಕೆ जाडिके (क) सं.—जुलाहे का व्यवसाय; जुलाहों का समूह।

ಜಾಡಿಸು जाडिसु (अ. दे.) कि —झाड़; झाड़ दे झाड कर साफ़ कर, धूल निकाल; फेंक, हटा; फुर्तीला कर, आगे बढ़ा; (आग जलाते समय) पंखा झल।

ಜಾಡು जाडु, ಜಾಡೆ जाड़े (क) सं.—पद-चिह्न या चरण-चिह्न; पहिये आदि का चिह्न; सूक्ष्म-सूचना, सूक्ष्मरूप से पता लगना, संकेत।

ಜಾಡ್ಯ जाड्य (सम्) सं.—ठिठुरन, शीतलता; सुस्ती, अकर्मण्यता; मूर्खता, जड़ता।

ಜಾಣ್ जाण् (तद्) सं.—ज्ञान (तत्)।

ಜಾಣ जाण (तद्) वि.—जाननेवाला, समझदार, बुद्धिमान, प्रवीण, चतुर।—ತನ तन, (तद्) सं. — बुद्धिमानी, समझदारी, चतुराई।

ಜಾಣಾಯಿಲ जाणायिल, ಜಾಣಾಯ್ಲ जाणाय्ल (तद्) सं.—दे. ಜಾಣ.

ಜಾಣಿಮೆ जाणिमे, ಜಾಣುಮೆ जाणुमे, ಜಾಣುವೆ जाणुवे, ಜಾಣ್ಮೆ जाण्मे (तद्) सं.—चतुराई, बुद्धिमानी, निपुणता, समझदारी।

ಜಾಣೆ जाणे (तद्) सं.—समझदार या चतुर स्त्री।

ಜಾತ जात (सम्) कृ.—उत्पन्न, पैदा हुआ, निकला हुआ, कारणभूत; द्रवित, दुःखी।

ಜಾತಕ जातक (सम्) सं.—जातक, जन्म-कुण्डली।

ಜಾತಕರ್ಮ जातकर्म (सम्) सं.—संतान के जन्म के समय किया जानेवाला संस्कार विशेष।

ಜಾತವೇದ जातवेद (सम्) सं.—अग्नि, आग; वृत्तविशेष का नाम।

ಜಾತಸೂತಕ जातसूतक (सम्) सं. — किसी के जन्म के कारण लगनेवाला सूतक, जाताशौच।

ಜಾತಾಬಾಕಿ जाताबाकि (अ. दे.) सं. — शेष भाग, घटाने के बाद बचनेवाला अंश ।
ಜಾತಿ जाति (सम्) सं.—उत्पत्ति, जन्म; जन्म से निश्चित होनेवाली ज़ात; वर्ण, जाति; वंश, कुल; श्रेणी, कक्षा; किसी वस्तु या जीव की पहचान का चिह्न; जायफल; अग्निकुण्ड; सप्त स्वर; छंद विशेष; कुसुम, पुष्प; समूह; अठारह की संख्या; आँवले का पौधा; श्लेष्मातक; चमेली। ಜಾತಿಗೆ ಭೇದವಾದರೂ ನೀತಿಗೆ ಭೇದವಿಲ್ಲ जातिगे भेदवादरू नीतिगे भेदविल्ल जाति के व्यवहार में भले ही भेद हो, पर नीति में नहीं। ಜಾತಿ ತಪ್ಪಿದರೂ ನೀತಿ ತಪ್ಪಬಾರದು जाति तप्पिदरू नीति तप्पबारदु—भले ही जाति-भ्रष्ट हो जायँ पर नीति-भ्रष्ट नहीं होना चाहिए (कह.)।
ಜಾತಿಕೋಶ जातिकोश (सम्) सं.—जायफल, जावित्री।
ಜಾತಿಗಾದೆ जातिगादे (सम्) सं.—एक छंद विशेष।
ಜಾತಿಪತ್ರಿ जातिपत्रि (सम्) सं.—जायफल का छिलका।
ಜಾತಿಫಲ जातिफल (सम्) सं.—जायफल।
ಜಾತೀಯ ज़ातीय (सम्) वि.—जाति संबंधी, जातीय; राष्ट्रीय।
ಜಾತ್ರೆ जात्रे (तद्) सं.—यात्रा (तत्) मेला, उत्सव।
ಜಾದಿ जादि (तद्) सं.—जातिः (तत्)।
ಜಾದು जादु (क) सं.—लाल रंग; कापाय वर्ण।
ಜಾದೂಗಿರಿ जादूगिरि (अ. दे.) सं.—जादूगरी (फ़ारसी)।
ಜಾನಕಿ जानकि, ಜಾನಕೀ जानकी (सम्) सं. सीता, जनक की पुत्री। — ಜಾನಿ जानि (सम्) सं.—राम। —ಪತಿ पति, ರಮಣ रमण (सम्) सं.—राम।
ಜಾನಪದ जानपद (सम्) वि.—लोक का, ग्राम का जनता का। —ಹಾಡುಗಳು हाडुगलु = लोकगीत।
(१) ಜಾನಿ जानि (क) सं.—एक छोटा पौधा।
(२) ಜಾನಿ जानि (सम्) सं.—पत्नी।
ಜಾನು जानु (सम्) सं.—घुटना।
ಜಾಪು जापु (क) सं.—लंबे डग की गणना; एक प्रकार का ताल।
ಜಾಬಾಲ जाबाल (सम्) सं.—बकरा; एक ऋषि का नाम।
ಜಾಬಿತಾ जाबिता (अ. दे.) सं.—ज़ाब्ता (अरबी); नियम, कानून, व्यवस्था; सूची, विवरण-पत्र।
ಜಾಬು जाबु (अ. दे.) सं.—जवाब; उत्तर, लिखा-पढ़ी।
ಜಾಮದಗ್ನಿ जामदग्नि (सम्) सं.—एक ऋषि का नाम।
ಜಾಮದಗ್ನ್ಯ जामदग्न्य (सम्) सं.—परशुराम।
ಜಾಮದಾರ जामदार (अ. दे.) सं.—('जमादार' — (अरबी, फ़ारसी) — खज़ाने का अफ़सर।
ಜಾಮಾ जामा (सम्) सं.—लड़की; बहू, पुत्रवधू। —ತೃ तृ (सम्) सं.—प्रभु, स्वामी: दामाद; सूरज-मुखी।
ಜಾಮೀನ जामीन, ಜಾಮೀನು (अ. दे.) सं.—ज़ामिन (अरबी) — जिम्मा, उत्तरदायित्व। —ದಾರ दार (अ. दे) सं.—जिम्मा लेनेवाला, उत्तरदायी।
ಜಾಮೇಯ जामेय (सम्) सं.—बहन का पुत्र, भानजा।
ಜಾಯಕ जायक (क) सं.—पीला चंदन, एक प्रकार की लकड़ी।
ಜಾಯಮಾನ जायमान (तद्) सं.—स्वभाव प्रकृति, जीवन।
ಜಾಯಾಪತಿ जायापति (सम्) सं.—पति-पत्नी।
ಜಾಯಿಲ जायिल (क) सं.—कुत्ता।
ಜಾಯು जायु (सम्) सं.—दवाई; वैद्य;
ಜಾಯೆ जाये (सम्) सं.—पत्नी, स्त्री।
ಜಾರ जार (सम्) सं.—परस्त्री से प्रेम करनेवाला, जार, उपपति। —ಜ ज (सम्) सं.—उपपति से उत्पन्न बेटा। —ತ್ವ त्व (सम्) सं.—व्यभिचार। —ದೇವ देव (सम्) सं.—कृष्ण। —ಪುರುಷ पुरुष। (सम्) सं.—जार। —ಸ್ತ್ರೀ स्त्री (सम्) सं.—जारिणी।
ಜಾರಿ जारि (अ. दे.) सं.—जारी करना, शासन व्यवस्था, शासन पत्र।
ಜಾರಿಗೆ जारिगे (क) सं. = ಜಾರಿಗೆ ಮರ जारिगे मर—एक वृक्ष जिसके फल खट्टे होते हैं (The Mysore Gamboge tree)।
ಜಾರೆ जारे (सम्) सं.—जारिणी, छिनाल औरत।
ಜಾರ್ಕೆ जार्के (क) सं. फिसलतन।
ಜಾರಿಸು जारिसु (क) क्रि.—फिसला; गिरा, निकलने दे।
ಜಾರು जारु (क) क्रि.—फिसल, सरक; पैर फिसल; दूर हो; संकुचित हो, संकोच कर, वापस ले; अदृश्य हो; जल्दी जा, हट जा, गिर; टपक, स्रवित हो, बह; शिथिल हो, ढीला पड़। सं.—वह स्थान जहाँ फिसलन हो। —ವಿಕೆ विके (क) सं.—फिसलना।
ಜಾಲ जाल (सम्) सं.—जाल, फंदा; मकड़ी का जाल; कवच; खिड़की; गर्व, घमंड; संग्रह, समुदाय, संख्या; जादू; माया, भ्रम; आवरण; अनखिला फूल; अलंकार, सिंगार; इंद्रिय; आकाश, गगन; कदंब वृक्ष। ಜಾಳ जाल (तद्)।
ಜಾಲಕ जालक (सम्) सं.—दे. ಜಾಲ १, २, ४, ८ और ९; घोंसला; चूड़ामणि, आभूषण विशेष।
ಜಾಲಕರಣ जालकरण (सम्) सं.—मछली पकड़ने की क्रिया; संग्रह करने की क्रिया।
ಜಾಲಗಾತಿ जालगाति, ಜಾಲಗಾರ್ತಿ जालगार्ति (सम्) सं.—धोखेबाज़ स्त्री।
ಜಾಲಗಾರ जालगार, ಜಾಲಗಾಱ जालगार (सम्) सं.—धोखेबाज़ पुरुष।
ಜಾಲಂಧರ जालंधर (सम्) सं.—एक देश का नाम।
ಜಾಲರಿ जालरि (सम्) सं.—जाल का काम; झालर।

ಜಾಲಾರಿ जालारि (क) सं· — एक प्रकार का लाख का पेड़।

ಜಾಲಿ जालि (क) सं·—बबूल का वृक्ष ; चचींडे की बेल ; एक प्रकार का कांटेदार पौधा।

ಜಾಲಿಕ जालिक (सम्) सं·—मछुआ ; मकड़ी ; बहेलिया, चिड़ीमार; जादूगर ; सूबेदार ; बदमाश, गुंड ;

ಜಾಲಿಕೆ जालिके (सम्) सं·—जाल ; कवच ; मकड़ी ; जौंक ; विधवा ; घूंघट ; लोहा ; ऊनी वस्त्र।

ಜಾಲಿನಿ जालिनि (सम्) सं·—फलिनी नामक पौधा।

ಜಾಲಿಸು जालिसु (सम्) क्रि.—हिला ; चावल को पानी में डालकर कंकड निकाल, साफ़ कर।

ಜಾಲೆ जाले (क) सं·—दे· ಜಾಲಿ.

ಜಾಲ್ಮ जाल्म (सम्) सं· — बदमाश, गुंडा, नीच ; मूर्ख।

ಜಾವ जाव (तद्) सं·—यामः (तत्) प्रहर, याम।

ಜಾವಕ जावक (अ· दे·) सं·—महावर ; मुंडन के पहले के बच्चे के बाल।

ಜಾವಡಿ जावडि (तद्) सं· — एक प्रकार की फूहड़ कविता।

ಜಾವಳ जावळ (तद्) वि·—सामान्य (तत्); साधारण, मामूली।

ಜಾವು जावु (तद्) सं·—दे· ಜಾವ.

ಜಾಸ್ತಿ जास्ति (अ· दे·) अ·—ज्यादा, अधिक, बहुत। सं·—ज़्यादती, बलात्कार।

ಜಾಹಕ जाहक (सम्) सं·—जोंक ; खाट।

ಜಾಹಾಗಿರಿ जाहागिरि (अ· दे) सं·—दे· ಜಹಗೀರು.

ಜಾಹೀರು जाहीरु (अ· दे·) वि· — ज़ाहिर (अरबी); प्रकट, व्यक्त, प्रकाशित, प्रसिद्ध।

ಜಾಹ್ನವಿ जाह्नवि (सम्) सं· — जान्हवी, गंगा।

ಜಾಳಕ जाळक (तद्) सं·—गवाक्ष, खिड़की ;

ಜಾಳವಣೆ जाळवणे (तद्) सं — धोखा, ठगना।

ಜಾಳಿಸು जाळिसु (तद्) क्रि.—दे ಜಾಲಿಸು.

ಜಾಳು जाळु (क) सं· — थोथा या निस्सार पदार्थ।

ಜಾಳಿಗೆ जाळिगे (क) सं· — कपड़ा, वस्त्र, पोशाक।

ಜಿಂಕೆ जिंके (क) सं· — मृग, कुरंग, हिरन।

ಜಿಂಗಿ जिंगि (क) सं· — उन्मत्तता, मद ; मजीठा कालमेशी।

ಜಿಗಟು जिगटु (क) क्रि· — कचोटनी काट, नोच, नख से आघात कर। सं· — चिपचिपा, गोंद, स्निग्धता।

ಜಿಗಟೆ जिगटे (क) सं दे.—ಜಿಗಟು (सं.)।

ಜಿಗಣಿ जिगणि, ಜಿಗಣೆ जिगणे, ಜಿಗಳಿ जिगळि, ಜಿಗಳೆ जिगळे, ಜಿಗುಳಿ जिगुळि· ಜಿಗುಳೆ जीगुळे (तद्) सं·—जोंक, रक्तप ; जलूका (तद्)।

ಜಿಗಳು जिगळु, ಜಿಗುಳು जिगुळु (क) सं·—छोटा नाला।

ಜಿಗಿ जिगि (क) क्रि·—उछल, कूद, छलाँग मार·; चबा। सं. — चिपचिपा, गोंद ; कपास के पौधे को लगनेवाला रोग विशेष, मुरचा।

ಜಿಗಿಲ್ जिगिल् (क) वि·—जो चिपचिपा हो, गोंददार, स्निग्ध, लगनेवाला। क्रि. — क्लेश हो दुःख हो।

ಜಿಗೀಷು जिगीषु (सम्) वि·—विजय पाने का अभिलाषी।

ಜಿಗೀಷೆ जिगीषे (सम्) सं·— विजय पाने की अभिलाषा।

ಜಿಗುಪ್ಸೆ जिगुप्से सं·—जुगुप्सा (तद्)।

ಜಿಗುಳು जिगुळु (क) सं·—दे· ಜಿಗಳು.

ಜಿಗುಳೆ जिगुळे (तद्) सं·—दे· ಜಿಗಣಿ.

ಜಿಘುತ್ಸು जिघुत्सु (सम्) वि·—भूखा।

ಜಿಘುತ್ಸೆ जिघुत्से (सम्) सं·—भूख।

ಜಿಘಾಂಸು जिघांसु (सम्) सं·—दुश्मन, शत्रु, वैरी।

ಜಿಟ್ಟಿ जिट्टि (क) सं·-टिट्टिभ, टिटिहरी ; झींगुर, शलभ, पतंग ; सुअर-बाड़ा, गंदा स्थान।

ಜಿಡಿ जिडि (क) सं·—अल्पवृष्टि, वर्षा की मंद गति।

ಜಿಡ್ಡು जिड्डु (क) सं·-तलछट ; वह पदार्थ जो स्निग्ध हो, स्निग्धता, चिपचिपा ; धब्बा, चित्ती ; दुर्गंधता।

ಜಿಣಗು, जिणगु, ಜಿಣುಗು जिणुगु (क) सं·—सूक्ष्मता, महीन होना।

ಜಿತಕಾಮ जितकाम (सम्) सं·—यति, मुनि ; बुद्ध, अर्हत्, शिव।

ಜಿತಕಾಮೆ जितकामे (सम्) सं·—पतिव्रता स्त्री।

ಜಿತಶತ್ರು जितशत्रु (सम्) सं· — वह जिसने। शत्रु को जीत लिया हो ; अजितसेन के पुत्र का नाम।

ಜಿತಾಕ್ಷ जिताक्ष, ಜಿತೇಂದ್ರಿಯ जितेंद्रिय (सम्) सं.—वह जिसने इन्द्रियों को जीत लिय हो।

ಜಿತ್ವರ जित्वर (सम्) वि· — जयशील, विजयी।

(१) ಜಿನ जिन (क) वि·—छोटा, लघु।

(२) ಜಿನ जिन (सम्) सं — बौद्ध या जैन साधु ; गुरु ; विष्णु ; जैनी अर्हतों की उपाधि।

ಜಿನಗು जिनगु, ಜಿನುಗು जिनुगु (क) सं· —दे. ಜಿಣಗು.

ಜಿನಪ जिनप, ಜಿನಪತಿ जिनपति (सम्) सं·—अर्हत्।

ಜಿನಪ್ರಬುದ್ಧಿ जिनप्रबुद्धि (सम्) सं· — जैन-दर्शन।

ಜಿನಸಿ जिनसि ದಿನಸಿ दिनसि (क) सं·—अनाज, धान्य।

ಜಿನಿ जिनि (क) क्रि.—दे· ಜಿನ (१).

ಜಿನಿಗಿಸು जिनिगिसु (क) क्रि·—पिघला, द्रवित होने ; निर्बल कर, अधिकार की गति क्षीण कर।

ಜಿನುಗು जिनुगु (क) सं.—दे. ಜಿಣಗು क्रि.— अल्पवृष्टि हो, धीरे-धीरे वर्षा हो, वर्षा की बूँदें पड़, मर्मर ध्वनि हो ; पिघल, द्रवित हो।

ಜಿನುಂಗು जिनुंगु (क) क्रि.—दे· ಜಿನುಗು क्रि.।

ಜಿಪಣ जिपण ಜಿಪುಣ जिपुण (तद्) सं·—कृपणः (तत्) ; जूस, लोभी। ಜಿಪುಣಿ जिपुणि—स्त्री. लिं·।

ಜಿಪ್ಪಟೆ जिप्पटे (क) सं.—एक पक्षी विशेष (The small bird Amadavat)।

ಜಿಪ್ಪೆ जिप्पे (क) सं.—एक पैर या दो पैरों के बल कूदना।—ಆಟ आट=ऐसा एक खेल।

ಜಿಬರಿಗ जिबरिग (क) सं. — एक प्रकार की घास।

ಜಿಬಟು जिबटु (क) क्रि. — नख से आघात कर, नोच, कचोटनी काट, चुटकी काट।

ಜಿಬರು जिबरु (क) सं.—आँख का मल या कीचड़।

ಜಿಬಳ जिबळ (क) सं.—चिकनी सुपारी।

ಜಿಬ್ಬು जिब्बु (क) सं.—लस, चिपचिपाहट।

ಜಿಮ್ಮಂಡೆ जिम्मण्डे (क) सं.—झिल्लिका।

ಜಿಮ್ಮಿ जिम्मि (क) सं. — एक कंटीला वृक्ष (Zanthoxylon rhetsa)।

ಜಿಱಲೆ जिर्‌ले [ಜಿರಲೆ जिरले] (क) सं.—शतपदी; गोजर, कनखजूरा।

ಜಿಱಲಿ जिर्‌लि, [ಜಿರಲಿ जिरलि] ಜಿಱಿಲೆ जिरिले [ಜಿರಿಲೆ जिरिले] ಜಿರ್ಲೆ जिर्ले (क) सं.—गोजर, कनखजूरा।

ಜಿಲಿಬಿಲಿ जिलिबिलि, ಜಿಲೇಬಿ जिलेबि (अ. दे.) सं.—जलेबी (हिं.)।

ಜಿಲೇವು जिलेवु (अ. दे.) सं.—चमक, दमक, प्रकाश।

ಜಿಲ್ಲಾ जिल्ला, ಜಿಲ್ಲೆ जिल्ले (अ. दे.) सं.—ज़िला।—ದಾರ दार=ज़िले का अधिकारी।

ಜಿಲ್ಲು जिल्लु (क) सं. ठण्डे पानी को छूने से होनेवाला भाव।

ಜಿಷ್ಣು जिष्णु (सम्) वि.— विजयी, जीतनेवाला। सं. — सूर्य; विष्णु; इन्द्र; अर्जुन। ಚಾಪ चाप (सम्) सं. —इन्द्र-धनुष।

ಜಿಹಾಸೆ जिहासे (सम्) सं.— त्यागने की इच्छा, अनिच्छा।

ಜಿಹ್ಮ जिह्म (सम्) सं.— तिरछा, टेढ़ा, बाँका, अनियमित; बेईमान, दुष्ट; धुँधला, अधियारा; नैतिक। —ಗ ग (सम्) सं.— सर्प।

ಜಿಹ್ವಾ जिह्वा, ಜಿಹ್ವೆ जिह्वे (सम्) सं.—जीभ; आग की लौ।—ರವ रव (सम्) सं.—पद, शब्द।

ಜೀಕಳಿ जीकळि (क) सं.—पिचकारी।

ಜೀಕು जीकु (क) क्रि.— झूल; झुला।

ಜೀಗ जीग (क) सं.—शीघ्रता, जल्दी।

ಜೀಟು जीटु (क) सं. — आधार, अवलंब, सहारा; आश्रय।

ಜೀತ जीत (तद्) सं.—जीवित् (तत्) जीना, जीवन, मज़दूरी, श्रम, वेतन।

ಜೀತಗಾರ जीतगार [ಗಾಱ गार्] (क) सं. — मज़दूर, श्रमिक, नौकर, कूली।

ಜೀನ जीन (सम्) वि.—बूढ़ा, पुराना, घिसा हुआ। (अ. दे.) सं.—ज़ीन (फ़ारसी)।—ಗಾರ गार (अ. दे.) सं.—चमड़े का काम करनेवाला।

ಜೀನಂಗಿ जीनंगि (क) सं.—एक पौधा विशेष।

ಜೀನತನ जीनतन (सम्) सं. — कृपणता, कंजूसी।

ಜೀನಿ जीनि (सम्) सं.—कंजूस स्त्री, कृपण स्त्री।

ಜೀಮೂತ जीमूत (सम्) सं.—बादल, मेघ; पर्वत, गिरि; हाथी, गज; कालापन, असित; एक प्रकार का तृण। —ಲತೆ लते (सम्) सं.— बिजली। — ವಾಹನ वाहन (सम्) सं.—इन्द्र।

ಜೀಯ जीय, ಜೀಯ್ಯ जीय्य (क) सं. — स्वामी, प्रभु, जी, सरकार, हुज़ूर।

ಜೀರ जीर (सम्) सं.— तलवार; जीरा।

ಜೀರಕ जीरक, ಜೀರಣ जीरण (सम्) सं.— जीरा। ಜೀರಗೆ जीरगे, ಜೀರಿಗೆ जीरिगे (तद्)।

ಜೀಱು जीरु, ಗೀಱು गीरु (क) सं.— चिल्लाहट, चिल्लाना, पुकार, चीख।

ಜೀರ್ಣ जीर्ण (सम्) वि. — पुराना, प्राचीन, घिसा हुआ, शिथिल, नष्ट; पचा हुआ। —ಕೋಶ कोश (सम्) सं.-पेट।—ತನ तन (तद्) सं.—बुढ़ापा, अस्थिरता, नाश।

ಜೀರ್ಣಿ जीर्णि (सम्) सं.—बुढ़ापा; नाश।

ಜೀರ್ಣಿಸು जीर्णिसु (सम्) क्रि. —नष्ट हो, जीर्ण हो, पुराना हो, घिस जा; पच, हज़म हो।

ಜೀರ್ತಿ जीर्ति (सम्) सं.— पाचन शक्ति।

ಜೀವ जीव (सम्) सं. — जीना, अस्तित्व स्थिर रखना; प्राण; अंतरात्मा, जीवात्मा; जीवन; आजीविका, पेशा; मरुतों का नाम; बृहस्पति; कर्ण का नाम; पुष्य; नक्षत्र; वाणी, बान; पानी; घो.।; धनुष की डोरी। —ಉಳ್ಳು उल्लु (क) क्रि. जीवन - रक्षा कर। — ಕೊಡು कोडु (क) क्रि.—जीवन, प्राण दो।— ತೆಗೆ तेगे (क) क्रि. — प्राण ले; मार डाल; हिंसा कर, सता।

ಜೀವಕ जीवक (सम्) सं.—सेवक, नौकर; जैन संन्यासी; एक दवाई का पौधा; संपेरा; सूदखोर।

ಜೀವಕಳೆ जीवकळे (सम्) सं. — जीवन की चमक-दमक या प्रकाश, जीवित का चिह्न।

ಜೀವಗ जीवग (तद्) सं.—जीवकः (तत्); दे. ಜೀವಕ.

ಜೀವತೋಕೆ जीवतोके (सम्) सं.—वह स्त्री जिसके बच्चे जीवित हों।

ಜೀವನ जीवन, (सम्) सं.—जीवन, ज़िंदगी; पानी; पेशा, व्यवसाय। — ವಾಹ वाह (सम्) सं.— बादल।

ಜೀವನಿಧಿ जीवनिधि (सम्) सं.— जलराशि, समुद्र।

ಜೀವನೀಯ जीवनीय (सम्) सं. — पानी, जल।

ಜೀವಂತ जीवंत (तद्) वि.—जीवत् (तत्); जीवित, जीनेवाला, प्राणधारी।

ಜೀವನ್ಮುಕ್ತಿ जीवन्मुक्ति (सम्) सं. — जन्म लेने से मुक्ति।

ಜೀವಮಾನ जीवमान (सम्) सं.—जीवन की अवधि, जीवन का समय, जीवन; जीवन-काल का भरण-पोषण-व्यय।

ಜೀವಿ जीवि (सम्) सं.—प्राणधारी या जीव-धारी।

ಜೀವಿಕೆ जीविके (सम्) सं.—जीवन का आधार, रोज़गारी, व्यवसाय।

ಜೀವಿತ जीवित (सम्) सं.—जीवन, अस्तित्व ; जीने का आधार, पेशा ; मज़दूरी आदि ।

ಜೀವಿತೇಶ जीवितेश, ಜೀವಿತೇಶ್ವರ जीवितेश्वर (सम्) सं -जीवन का स्वामी, प्रेमी, पति ।

ಜೀವಿಸು जीविसु (सम्) क्रि.—जिओ, जीवित रहो, अस्तित्व में रहो ।— ವಿಕೆ विके (सम्) सं.—जीना ।

ಜೀವೆ जीवे (सम्) सं.—जीना ; धनुष की डोर ; पौधा विशेष ।

ಜುಂಗು जुंगु (क) सं.—नारियल की जटा या बाल ; रोम जो शरीर के गुप्तांग में हो ; दे. ಜುಂಗು.

ಜುಂಜು जुंजु (क) सं.—मुर्गे की कलगी, लाल रंग ; सूक्ष्मता, महीन या पतला होना ।

ಜುಂಜುರು जुंजुरु (क) वि. — घुंघराले ।— ಕೂದಲು कूदलु=घुंघराले बाल ।

ಜುಂಜೂರಿ जुंजूरि (अ. दे.) सं.—बड़ा हुक्का ।

ಜುಂಯ್ जुंय् (क) सं.—पैरों में चैतन्यहीनता (Numbness) ।

ಜುಕಾಯಿಸು जुकायिसु (अ. दे.) क्रि. — झुका (हिं.) ।

ಜುಗ जुग (तद्) सं.—युग (तत्), युग ।

ಜುಗುತಿ जुगुति (तद्) सं. — युक्ति (तत्) ; उपाय ।

ಜುಗುಪ್ಸೆ जुगुप्से (सम्) सं.—अरुचि, घृणा, तिरस्कार ।

ಜುಟ್ಟು जुट्टु, ಜುಟ್ಟು जुट्टु (क) सं.—[' चूडा ' —तत् ?]—शिखा, चूडा, चोटि, केश ।

ಜುಟ್ಲಿ जुट्लि (क) सं. — एक प्रकार का कबूतर ।

ಜುಡುಪು जुडुपु (अ. दे.) सं.—झुरमुट ।

ಜುಣುಗಿಸು जुणुगिसु (क) क्रि. — सिकुड़ा, संकुचित कर ।

ಜುಣುಗು जुणुगु (क) क्रि.—सिकुड़, संकुचित हो ; घट, न्यून हो, कम हो, खो । सं— सिकुड़न, संकुचितता ; शरीर की शिथिलता ।

ಜುದ್ಧ जुद्ध (तत्) सं.—युद्ध (तत्) ; लड़ाई ।

ಜುಬರ जुबर, ಜುಬರು जुबरु (क) सं.—आम का रेशापन ।

ಜುಮ್ जुम्. ಜುನು जुनु, ಜುಮ जुम, ಜುಮು जुमु, ಜುಮ್ಮ್ जुमम्, ಜೊಮ್ಮು (क) सं.- दे. ಜುಂಯ್.

ಜುಮಕಿ जुमकि (अ.दे.) सं.— झुमकी (हिं) ।

ಜುಮ್ಮನೆ जुम्मने (क) अ. — जल्दी, झट, फौरन ।

ಜುರಮಾನ जुरमान, ಜುಲಮಾನ जुलमान, ಜುಲ್ಮಾನ जुलमाना, ಜುಲ್ಮಾನೆ जुलमाने (अ. दे.) सं.—जुरमाना (फ़ारसी) ; अर्थदंड ।

ಜುಲಾಬು जुलाबु (अ. दे.) सं.—जुलाब (अरबी); दस्त लानेवाली दवा ।

ಜುಲಾಯಿ जुलायि (अ. दे.) सं.—जुलाहा ।

ಜುವ್ವು जुव्वु (क) सं.—चलने के कारण पैरों में होनेवाले दुःख या पीडा को सूचित करने शब्द ।

ಜೂಗಳಿಸು जूगळिसु (क) क्रि.—ऊँघ ; झूम ।

ಜೂಗು जूगु (क) क्रि.—झूम, धीरे-धीरे हिल ।

ಜೂಜ जूज, ಜೂಜು जूजु, ಜೂದು जूदु (तद्) सं. — द्यूत (तत्) जुआ ।—ಗಾರ गार (तद्) सं.—जुआखोर ।

ಜೂಟ जूट (सम्) सं.—शिवजी की जटा । (अ. दे.) सं.—झूठ ; बच्चों का शारीरिक बल ।

ಜೂತಿ जूति (सम्) सं.—वेग, रफ्तार । (अ. दे.) सं.—जूता, जूती ।

ಜೂದಾಳಿ जूदाळि, ಜೂದುಂಗಾರ जूदुंगार (तद्) सं. – जुआ खेलनेवाला ।

ಜೂಪರ जूपर, ಜೂಪರು जूपरु (क) सं.— अल्पवृष्टि, तुषार वर्षा ।

ಜೂರ್ತಿ जूर्ति (सम्) सं.— ज्वर, बुखार ।

ಜೂಲು जूलु (क) सं. —पशुओं (कुत्ते, घोड़े आदि) की गर्दन पर के लंबे बाल ।

ಜೂಳಯ जूळय, ಜೂಳೆಯ जूळेय (क) सं.— तिलक, पुंड्र ।

ಜೂಳಿ जूळि (क) सं.—बर्तन की सूँड ।

ಜೃಂಭ जृंभ, ಜೃಂಭಣ जृंभण ಜೃಂಭೆ जृंभे (सम्) सं.—जंभाई, जम्हाई ।

ಜೆಂಕಣೆ ज़ेंकणे (क) सं.—दे. ಜಂಕಣ.

ಜೆಂಕಿಸು ज़ेंकिसु (क) क्रि.—दे. ಜಂಕಿಸು.

ಜೆಂಗಿ ज़ेंगि (अ. दे.)—सं.—युद्ध से संबंधित, जंगी ।

ಜೆಟ್ಟಿ ज़ेट्टि (क) सं.—दे. ಜಟ್ಟಿ.

ಜೆಡೆ ज़ेडे (तद्) सं.—जटा (तत्) ; वेणी ।

ಜೆಱಿ ज़ेरि. ಜೆಱಿಯುವಿಕೆ ज़ेरियुविके (क) सं. —निंदा, अनादर, अपमान, गाली देना, तिरस्कार । ಜೆಱೆ ज़ेरे—क्रि. रू. ।

ಜೇಂ ज़ें, ಜೇನ್ जेङ् (क) सं.—शहद, मधु ।

ಜೇಂಕರಿಸು जेंकरिसु (क) क्रि. — झंकार कर, प्रशंसा कर, स्तुति कर ।

ಜೇಂಕಾರ जेंकार (क) सं. — झंकार ; प्रशंसा; ओंकार ।

ಜೇಡ जेड (क) सं.—दे. ಜಾಡ (२).

ಜೇಡಿ जेडि (क) सं.—एक प्रकार की मिट्टी ।

ಜೇನ್ जेन्, ಜೇನು जेनु (क) सं.—मधु, शहद, मधुमक्खी ।—ನೊಣ नोण (क) सं.—मधुमक्खी । —ಪುಟ್ಟಿ पुट्टि, ಹುಟ್ಟಿ हुट्टि, ಹುಟ್ಟ हुट्ट, ಹುಟ್ಟು हुट्टु, ಗೂಡು गूडु (क) सं.—छत्ता ।— ತುಪ್ಪ तुप्प (क) सं. — मधु, शहद ।—ಮೇಣ मेण (क) सं.—लाख ।— ಹುಳು हुळु, ಹುಟು हुळु (क) सं. — मधुमक्खी । ಜೇನುಹುಳ ಕಚ್ಚುವಾಗ ಬೇಡ ಎಂದರೆ ಬಿಟ್ಟೀತೇ? जेनु हुळ कच्चुवाग बेड एंदरे बिट्टीते ?—जब मधुमक्खी काटने लगे तब मत काटो कहने से वह छोड़ देगी क्या ? (कह.) ।

ಜೇನೆ जेने (क) सं.—एक वृक्ष का नाम (The tree Adenanthera aculeta) ।

ಜೇಬು जेबु (अ. दे.) —जेब (अरबी) ।

ಜೇರು जेरु (क) सं.—दीवार ।

ಜೇವಣಿಗೆ जेवणिगे (क) सं.—माधुर्य, मीठापन, मनोहरता ।

ಜೇಷ್ಟೆ जेष्टे (तद्) सं.—जेष्टा (तत्) ।

ಜೈತ್ರ जैत्र (सम्) वि. विजयी, जयशील ।— ರಥ रथ (सम्) सं. — विजयरथ ।— ಯಾತ್ರೆ यात्रे (सम्) सं.—विजययात्रा ।

ಜೈನ जैन (सम्) सं.– जैनी, जैन मतावलंबी । —ಆಗಮ आगम (सम्) सं. — जैनों का आगम ।

ಜೈಮಿನಿ जैमिनि (सम्) सं· —एक ऋषि का नाम। —ಭಾರತ भारत (सम्) सं·— कन्नड जैमिनि भारत के कवि लक्ष्मीश हैं।

ಜೈಸು जैसु (तद्) क्रि·—जीत, विजय पा।

ಜೊಂಗುಳಿ जोंगुळि, ಜೊಂಗುಟು ज़ोंगुळि (क) सं·—मूर्छा, अचेतनता, बेहोशी।

ಜೊಂಜಾಟ जोंजाट (अ· दे·) सं —झंझट।

ಜೊಂಡಿಗ ज़ोंडिग (क) सं· —झींगुर।

ಜೊಂಡು जोंडु (क) सं·—पील-घास, निस्सार पदार्थ, हल्का पदार्थ; सिर का पिछला भाग।

ಜೊಂಪ ज़ोंप (क) सं·—गुच्छा, समूह।

ಜೊಂಪಿಸು ज़ोंपिसु (क) क्रि. — कँपा, थरथरा; काँप; चल पड़, निकल, उठ; मदमत्त हो, नशे में आ; चेतनाहीन हो; मूर्ख बन।

ಜೊಂಪು जोंपु (क) सं·—चैतन्यहीनता, अचेतनता, मूर्छा· जड़ता।

ಜೊಂಪೆ ज़ोंपे (क) सं.—दे· ಜೊಂಪ.

ಜೊತಿಗೆ ज़ोतिगे· ಜೊತ್ತಿಗೆ ज़ोत्तिगे (तद्) सं. दे· ಜತಿಗೆ.

(१) ಜೊತ್ತು ज़ोत्तु (क) सं·—दे· ಜತೆ; समूह; कतार, पंक्ति।

(२) ಜೊತ್ತು ज़ोत्तु (क) सं· —धोखा, प्रवंचना। ಜೊತ್ತಿಸು ज़ोत्तिसु (क) क्रि· — धोखा दे प्रवंचना कर।

ಜೊನ್ನ ज़ोन्न (तद्) सं· —ज्योत्स्ना (तत्)।

ಜೊನ್ನೆ ज़ोन्ने, ದೊನ್ನೆ दोन्ने (क) सं. - दोना।

ಜೊಮ್ಮನೆ ज़ोम्मने (क) अ·—भनभनाता हुआ।

ಜೊಮ್ಮು ज़ोम्मु (क) सं·—दे· ಜೊಂಪು; पैरों में (रक्तप्रवाह रुक जाने से) अचेतनता।

ಜೊಲ್ಲಯ ज़ोल्लय, ಜೊಲ್ಲೆಹ ज़ोल्लेह (क) सं· —कबरी का अग्रभाग, जूड़े की नोक।

ಜೊಲ್ಲು ज़ोल्लु (क) सं·—लार।

ಜೊಳ್ಳು ज़ोळ्ळु (क) सं—दे· ಜಳ್ಳು.

ಜೋ जो (क) सं·—'जो जो' शब्द।

ಜೋಂಗಕ जोंगक (क ?) सं·—बोल, सुसव्वर।

ಜೋಕಾಲೆ जोकाले, ಜೋಕಾಲಿ जोकालि (क) सं·—हिंडोला, झूला।

ಜೋಕು जोकु (अ· दे·) सं·—(शौक़ अरबी) —डील-डौल, वस्त्रादि में ठाट-बाट। —ಗಾರ गार=शौक़ीन आदमी, ठाट-बाट से रहनेवाला। =ಗಾರ್ತಿ गार्ति—स्त्री· लिं.।

ಜೋಕೆ जोके (क) सं·—सावधानी, जागरूकता, होशियारी; सुंदरता, प्रौढिमा, मनोहरता, लालित्य। ಜೋಕೆಯಾಗಿರು=सावधान रहो।

ಜೋಗ जोग (तद्) सं·—योगः (तत्); योगः; एक प्रकार की नाव।

ಜೋಗತಿ जोगति (तद्) सं·—योगिनी (तत्); भिक्षुणी।

ಜೋಗಯಿಸು जोगयिसु, ಜೋಗಿಸು जोगिसु (तद्) सं·—मिल· जुड़ जा; तैयार कर।

ಜೋಗರಿಸು जोगरिसु (क) क्रि·—बेहोश हो, ठिठुर, सन्नरह जा।

ಜೋಗಳ जोगळ, ಜೋಗುಳ जोगुळ (क) सं·—लोरी।

ಜೋಗು जोगु (क) सं —झरना, सोता; जलप्रपात; पैरों की निश्चेष्टता या सुन्न होना।

ಜೋಗುಳ जोगुळ (क) सं·—दे ಜೋಗಳ.

ಜೋಡ जोड़ (अ· दे·) सं· — व्यभिचारी, लंपट।

ಜೋಡಣೆ जोडणि· ಜೋಡಣೆ ज.डणे ಜೋಡಾಣಿಕೆ जोडाणिके (अ· दे·) सं —गणना, गिनती, मिलाना; तैयार करना।

ಜೋಡಿ जोडि (अ· दे·) सं·—जोड़ी, जोड़ा।

ಜೋಡಿಕೆ जोडिके (अ· दे) सं·—दे· ಜೋಡಣೆ, ಜೋಡಿಸು जोडिसु—क्रि· रू·।

ಜೋಡು जोडु (अ· दे·) सं·—मिलन, संगम; साहचर्य, संगति; जोड़ा, जोड़ी, समानता, एकरूपता।

ಜೋಡೆ जोड़े (अ· दे·) सं· — वेश्या, रंडी, व्यभिचारिणी।

ಜೋತಿ जोति (तद्) सं· — ज्योति (तत्); प्रकाश।

ಜೋತ್ರ जोत्र, ದೋತ್ರ दोत्र, ದೋತರ दोतर (अ· दे·) सं·—धोती।

ಜೋನಿ जोनि (क) सं·—लसदार, होना, गलना (जैसे गुड़)।

ಜೋನಿಗ जोनिग (क) सं· — शूद्रों की एक उपजाति।

ಜೋಪಾನ जोपान (क?) सं·—सावधान रहना, रक्षा करने की सावधानी, रक्षा करना।

ಜೋಬ जोब, ಜೋಬದ್ರ, ಸುಂಬ सुंब (क) सं· —सुस्त या आलसी पुरुष।

ಜೋಮಾಲೆ जोमाले (क) सं· — लटकनेवाली माली।

ಜೋಮು जोमु (क) सं·—दे· ಜೋಗು ३.

ಜೋಯಿಸ जोयिस, ಜೋತಿಷ जोतिष, ಜೋಸ್ಯ जोस्य (तद्) सं· —ज्योतिषी (तत्)।

ಜೋರಿಸು जोरिसु (क) क्रि — बहा, स्रवित होने दे।

ಜೋರು जोरु (क) क्रि.—द्रवित हो, चू, टपक, बह। सं· — बहना, टपकना, टपकाव; दीवारों पर अलंकार के लिए खींची जानेवाली लाल रेखा।

ಜೋರು जोरु (अ· दे·) सं· — बल, शक्ति, जल्दबाजी, शीघ्रता, हिंसा, बलात्कार, दबाव, अनिवार्यता, बाध्यता।

ಜೋಲ್ जोल्, ಜೋಲು जोलु (क) क्रि·—लटक, हिल, हिल-डुल, डोलायमान हो, इधर-उधर जा; झूल; शिथिल हो, ढीला हो; लटका; ढीला कर। सं·—लटकना, ढीला करना, ढिलाई।

(१) ಜೋಲಿ जोलि (तमिळ्) सं·—काम, व्यवहार, संबंध।

(२) ಜೋಲಿ जोलि, ಜೋಲೆ जोले (अ· दे·) सं·—लटकना, इधर-उधर हिलना; विलंब, देर।

ಜೋಹರ जोहर, ಜೋಹಾರ जोहार (अ· दे) सं· —जुहार (हिं·); बड़ों द्वारा छोटों का अभिवादन; त्योहार, उत्सव, विनोद।

ಜೋಳ जोळ (तद्) सं· — यवः (तत्); जौ, ज्वार।

ಜೋಳಿಗೆ जोळिगे (अ· दे·) सं·—झोली (हिं·)।

ಜ್ಞ ज्ञ (सम्) सं· — बुद्धिमान; विद्वान; बुधग्रह; मंगलग्रह; ब्रह्मा।

ಜ್ಞಪಿತ ज्ञपित, ಜ್ಞಪ್ತ ज्ञप्त (सम्) वि·— विदित, जाता हुआ।

ಜ್ಞಪ್ತಿ ज्ञप्ति (सम्) सं. — जानना, समझना; ज्ञान, बुद्धि; स्मरण, याद।

ಜ್ಞಾತಿ ज्ञाति (सम्) सं.— संबंधी, रिश्तेदार, पैतृक संबंध—भाई आदि; दूर का रिश्तेदार।

ಜ್ಞಾತೃ ज्ञातृ (सम्) वि.—ज्ञाता, जाननेवाला।

ಜ್ಞಾನ ज्ञान (सम्) सं.—ज्ञान, जानकारी, समझदारी, दक्षता, बुद्धिमत्ता, निपुणता, बोध, विद्वत्ता विवेक, धार्मिक या पवित्र बोध।

ಜ್ಞಾನವಂತ ज्ञानवंत (सम्) सं.—ज्ञानी पुरुष, विद्वान, बुद्धिमान।

ಜ್ಞಾನವಂತೆ ज्ञानवंते (सम्) सं. — विदुषी, बुद्धिमती।

ಜ್ಞಾನಿ ज्ञानि (सम्) सं.—प्रतिभावान्, बुद्धिमान, ज्ञानी, जाननेवाला; ज्योतिषी; ऋषि, मुनि।

ಜ್ಞಾನಿಕೆ ज्ञानिके (सम्) सं. — ज्ञान, समझदारी, बुद्धिमत्ता; खोज, विचारशीलता।

ಜ್ಞಾಪಕ ज्ञापक (सम्) सं. — जतलाना, प्रकटन, सूचना; याद, स्मरण, स्मृति; ಜ್ಞಾಪಿಸು ज्ञापिसु (सम्) क्रि.— याद दिला (प्रे)।

ಜ್ಞೇಯ ज्ञेय (सम्) वि.— जाननेयोग्य।

ಜ್ಯಾನಿ ज्यानि (सम्) सं. - बुढ़ापा, जीर्णता, अस्थिरता।

ಜ್ಯಾಮಂಡಲ ज्यामंडल (सम्) सं.—भूमंडल।

ಜ್ಯೇಷ್ಠ ज्येष्ठ (सम्) वि. – जेठा, सब से बड़ा, प्रधान, सर्वोत्तम। सं.—जेठ का महीना।

ಜ್ಯೇಷ್ಠೆ ज्येष्ठे (सम्) सं.—बड़ी बहन।

ಜ್ಯೋತಿ ज्योति (सम्) सं.—प्रकाश, चमक, स्पष्टता; जलनेवाला दीपक।

ಜ್ಯೋತಿರಿಂಗಣ ज्योतिरिंगण (सम्) सं. — पतंग।

ಜ್ಯೋತಿರ್ಲತೆ ज्योतिर्लते (सम्) सं. — एक लता का नाम।

ಜ್ಯೋತಿಷ ज्योतिष (सम्) सं.—ज्योतिश्शास्त्र।

ಜ್ಯೋತಿಷಿ ज्योतिषि; ಜ್ಯೋತಿಷಿಕ ज्योतिषिक, ಜ್ಯೋತಿಷ್ಕ ज्योतिष्क (सम्) सं.-ज्योतिषी, भविष्य बतलानेवाला।

ಜ್ಯೋತಿಷ್ಟೋಮ ज्योतिष्टोम (सम्) सं.— एक सोमयाग।

ಜ್ಯೋತಿಷ್ಮತಿ ज्योतिष्मति (सम्) सं. — रात; मन की शांति।

ಜ್ಯೋತ್ಸ್ನ ज्योत्स्न, ಜ್ಯೋತ್ಸ್ನೆ ज्योत्स्ने (सम्) सं —जुन्हाई; चाँदनी. प्रकाश। — ಪ್ರಿಯ प्रिय (सम्) सं. – चकोर।

ಜ್ಯೋತ್ಸ್ನಿ ज्योत्स्नि (सम्) सं.—चाँदनी; एक प्रकार का खीरा।

ಜ್ವರ ज्वर (सम्) सं.—बुखार, ताप; मानसिक व्यथा; पीड़ा, क्लेश।

ಜ್ವಲನ ज्वलन (सम्) वि.—दहकनेवाला दहनकारी, जलनेवाला। सं.—दहकन, जलन, भभक।

ಜ್ವಲಿತಾರಿಕೆ ज्वलितारिके (सम्) सं. — दीवार पर लिखे चित्र।

ಜ್ವಲಿತ ज्वलित (सम्) वि.—जलता हुआ, प्रकाशमान।

ಜ್ವಲಿಸು ज्वलित (सम्) क्रि.—जल, दहक, प्रकाशमान हो।

ಜ್ವಾಲಾಮುಖಿ ज्वालामुखी (सम्) सं—ज्वालामुखी पर्वत, आतिशी पहाड़, अग्नि-पर्वत।

ಜ್ವಾಲೆ ज्वाले [ಜ್ವಾಲಾ ज्वाला] (सम्) सं. —शोला, प्रकाश; अग्नि; एक स्त्री का नाम।

ಝ झ

ಝ झ—कन्नड वर्णमाला का तेईसवाँ अक्षर, चवर्ग का चौथा व्यंजन।

ಝ झ (क) वि.—नौ की संख्या।

ಝಂಕಾರ झंकार. ಝಂಕೃತಿ झंकृति (सम्) सं. झंकार, झंकृति, मंद ध्वनि, आभूषणों के बजने का शब्द विशेष, गुंजार।

ಝಂಕೆ झंके (क) सं.—डाँट, धमकी; घबराहट।

ಝಂಝಾನಿಲ झंझानिल, ಝಂಝಾವಾತ झंझावात (सम्) सं.– आंधी पानी, हवा और वर्षा, तूफान।

ಝಂಪಾಳ झंपाळ (अ. दे.) सं.—पर्दा, आच्छादन।

ಝಗಟೆ झगटे, ಝಗಡೆ झगड़े, ಝಗಳೆ झगळे (अ. दे.) सं.—झगड़ा।

ಝಗಿಸು झगिसु (अ. दे.) क्रि —जगमगा।

ಝಟಿ झटि (सम्) सं.—छोटा पौधा।

ಝಟಿತಿ झटिति (सम्) अ.—शीघ्रता से, जल्दी, तुरंत।

ಝಣ झण (सम्) सं.--झन झन शब्द। ಝಣತ್ಕಾರ झणत्कार=नूपुर, कंकण आदि की ध्वनि।

ಝಣು झणु (क) वि. बो.—शाबाश। अच्छा।

ಝರ झर, ಝರಿ झरि (सम्) सं. — झरना, चश्मा. सोता।

ಝರ್ಝರ झर्झर (सम्) सं.—ढोल विशेष।

ಝಲ್ಲಿ झल्लि (क) सं. — लटकन, झब्बा; चौंरी। (सम्) सं.--

ಝಷ झष (सम्) सं.—मछली। — ಕೇತನ केतन (सम्) सं. — कामदेव। — ಕೇತನಧ್ವಂಸಿ केतनध्वंसि (सम्) सं.— शिवजी। — ಧ್ವಜ ध्वज (सम्) सं.—कामदेव।

ಝಳ झळ (क) सं.—उष्णता. गरमी।

ಝಳಕ झळक (तद्) सं. झळिका (तद्); उबटन लगाने से छूटा हुआ शरीर का मैल; चमक, दमक। ಝಳಪಿಸು झळपिसु (तद्) क्रि.—चमक. झलक, प्रकाशित हो। ಝಳಿಪಿಸು झळिपिसु = ಝಳಪಿಸು झळपिसु। ಝಳುಪಿಸು झळुपिसु, ಝಳುಂಪಿಸು झळुंपिसु = ಝಳಪಿಸು झळपिसु।

ಝಾಂಕೃತ झांकृत (सम्) सं.—पायल, पायजेब, झाँझन; हवा या पानी गिरने की ध्वनि।

ಝಾಟ झाट (सम्) सं.—वन, उपवन, कुंज, लताच्छादित स्थान।

ಝಾಡಣೆ झाडणे (अ. दे.) सं.—झाड़ू।

ಝಾಡಿಸು झाडिसु (अ. दे) क्रि. — झाड़ू दे, बुहारी कर; फटकार बता, आड़े हाथों ले (लाक्ष.)।

ಝಿಂಟಿ झिंटि (सम्) सं. -- एक प्रकार की झाड़ी, कटसरैया।

ಝಿಲ್ಲಿಕೆ जिल्लिके, ಝಿಲ್ಲೀಕೆ झिलीके, ಝೀರುಕೆ झीरुके (सम्) सं.—झींगुर।

ಝೇಂಕರಿಸು झेंकरिसु (तद्) क्रि.—('झंकार' से) झंकार कर, गुंजार कर ।

ಝೇಂಕಾರ झेंकार (तद्) सं.—झंकार, झंकृति, भ्रमर का गुंजार ।

ಝೌಳಿಕ झौलिक (तद् ?) सं.—सुपारी रखने की छोटी थैली ।

ಞ ञ

ಞ ञ—कन्नड वर्णमाला का चौबीसवाँ अक्षर; चवर्ग का अंतिम व्यंजन ।

ಞಃ ञः (सम्) सं. — संगीत, गान; घर्घर ध्वनि; शुक्र; बैल; टेढ़ी चाल ।

ಟ ट

ಟ ट—कन्नड वर्णमाला का पच्चीसवाँ अक्षर; टवर्ग का प्रथम व्यंजन ।

ಟಂಕ टंक (सम्) सं. — कुदाली, कुल्हाड़ी छेनी; तलवार; क्रोध; अहंकार, घमंड; टाँग; पहाड़ी का ढाल; सिक्का । —शाले (सम्) सं.—टकसाल ।

ಟಂಕಕ टंकक (सम्) सं.—चाँदी का सिक्का जिस पर ठप्पा लगा हो ।

ಟಂಕಣ टंकण (सम्) सं.—सुहागा ।

ಟಂಕಾರ टंकार (सम्) सं.—टंकारने का शब्द, धनुष की डोरी का शब्द ।

ಟಂಕಾಹತಿ टंकाहति (सम्) सं.—लात, पैर से मारना ।

ಟಂಕೃತ टंकृत, ಟಂಕೃತಿ (सम्) सं. — दे. ಟಂಕಾರ.

(१) ಟಂಕೆ टंके (क) सं.—सोंटा. डंडा ।

(२) ಟಂಕೆ टंके (तद्) सं.—पैर टाँग ।

ಟಂಗು टंगु (क) सं.—ज़ीन, ज़ीन की पेटी ।

ಟಕಾಯಿಸು टकायिसु (अ. दे.) क्रि. — ('ठगना' से) —ठग, धोखा दे; याद दिला, जाता. दृढ़ता से समझा; थक जा, श्रांत हो ।

ಟಕ್ಕ टक्क (अ. दे.) सं.—ठग, धोखेबाज़ । ಟಕ್ಕಿಸು टक्किसु—क्रि. रू. । ಟಕ್ಕುತನ टक्कुतन (अ. दे.) सं.—ठगना ।

ಟಕ್ಕೆ टेक्के, ಠಕ್ಕೆ ठक्के, ಟೆಕ್ಕೆ ट्रेक्के (क) सं.—ध्वज, पताका ।

ಟಗರ टगर, ಟಗರು टगरु (क) सं. — भेड़ा, मेढ़ा ।

ಟಗರಿಸೆ टगरिसे (क) सं.—चक्रमर्द नामक पौधा (The plant cassia tora) ।

ಟಣಕ್ಕನೆ टणक्कने, ಟಣ್ಣನೆ टण्णने (क) अ.—छलांग मारते हुए, 'टण्' ध्वनि के साथ ।

ಟಣಾಯಿಸು टणायिसु (अ. दे.) क्रि. — ठहरा, रोक ।

ಟಪಾಲ टपाल, ಟಪಾಲು टपालु, ಟಪ್ಪಾಲು टप्पालु (अ. दे.) सं.—डाक ।

ಟಪ್ಪಾ टप्पा (अ. दे.) सं. — जगह, ठहरने की जगह; एक प्रकार का गीत ।

ಟಪ್ಪೆ टप्पे (अ. दे.) सं.—दे. ಟಪ್ಪಾ.

ಟರಾಯಿಸು टरायिसु (अ. दे.) क्रि.—ठहरा, स्थिर कर, निश्चय कर, निर्णय कर ।

ಟರಾವಣೆ टरावणे, ಟರಾವು टरावु (अ. दे.) सं. —ठहराव, निश्चय, निर्णय ।

ಟಲಾಯಿಸು टलायिसु (अ. दे.) क्रि.—('टहलना' से.) टहल इधर-उधर चल; ले चल ।

ಟಲಾಸು टलासु, ತಲಾಸು तलासु (अ. दे.) सं. —तलाश (तुर्की); खोज, शोध ।

ಟವಣೆ टवणे (क) सं.—जोड़ना, हिसाब करना ।

ಟವಳಿ टवळि, ಟವುಳಿ टवुळि (अ. दे.) सं.—धोखा झूठ । —ಗಾರ गार = धोखेबाज़ ।

ಟವುಳಿ टवुळि ಟೌಳಿ टौळि (क) सं.—कवच, बख़्तर ।

ಟಾಂಗಾ टांगा (अ. दे.) सं.—तांग (हिं.) ।

ಟಾಕು टाकु (क) सं.—आधार, सहरा, दीवार, मेहराब । (अ. दे.) सं.—लेखनी, लेखनी की नोक ।

ಟಾಣ टाण (?) वि.—मोटा, तगड़ा ।

ಟಾವು टावु (तद्) सं.—स्थान (तत्); जगह; कमरा, घर ।

ಟಿಕಾಣಿ टिकाणि, ಠಿಕಾಣಿ ठिकाणि (अ.दे.) सं. — ('ठिकाना' से)—जगह, स्थान; घर; आसन; ज़मीन, अफ़वाह का आधार ।

ಟಿಕ್ಕಿ टिक्कि (क) सं.—सिगरेट के पॅकिट के आगे और पीछे के भाग—ಆಟ आट (क) सं.—बच्चों का एक खेल जिसमें सिगरेट के पॅकिट के भागों का उपयोग होता है ।

ಟಿಕ್ಕೆ टिक्के, ಟೀಕೆ टीके (अ. दे.) सं.—अँगूठी या मुन्दरी में जड़ा रत्न ।

ಟಿಟ್ಟಿಭ टिट्टिभ (सम्) सं.—टिटहरी ।

ಟಿಪಾಯಿಸು टिपायिसु (अ. दे.) क्रि.—ताश के पत्तों को मिलाकर बाँट ।

ಟಿಪ್ಪಣ टिप्पण, ಟಿಪ್ಪಣಿ टिप्पणि (सम्) सं.—व्याख्या, टीका ।

ಟೀಕಾಕಾರ टिकाकार, (सम्) सं. – टीकाकार, टीका या भाष्य लिखनेवाला ।

ಟೀಕಿಸು टीकिसु (सम्) क्रि.—टीका-टिप्पणी कर; समझा, स्पष्ट कर ।

ಟೀಕು टीकु, ಟೀಕೆ टीके (तद्) सं.—टीका (तत्) । (अ. दे.) सं.—सोने के तारों का हार; अँगूठी में जड़ा रत्न ।

ಟೀವ टीव (क) सं.—एक पक्षी विशेष ।

ಟುಮಿಕಿ टुमिकि, ಟುಮುಕಿ टुमुकि, ಟುಮುಕು टुमुकु (अ. दे.) सं.—नगाड़ा डफला ।

ಟೆಂಕಲು टेंकलु (क) सं. — दक्षिण दिशा, दक्खिन ।

ಟೆಂಗು टेंगु (क) सं. = ತೆಂಗು तेंगु—नारियल ।

ಟೆಕ್ಕೆ टेक्के (क) सं.—दे. ಟಕ್ಕೆ; आलिंगन; उतनी लकड़ी जितनी की हाथों में पकड़ी जा सके; संयुक्तता, झुण्ड ।

ಟೆಕ್ಕೆಯ टेक्केय (क) सं —दे. ಟಕ್ಕೆ.

ಟೆಗರು टेगरु (क) सं.—भेडा, मेढ़ा ।

ಟೆಪ್ಪರ टेप्पर (क) सं.—उछाल, सरपट चाल ಟೆಪ್ಪರಿಸು टेप्परिसु (क) क्रि.—उछल, सरपट चल । ಟೆಪ್ಪರಿಸುಹ टेप्परिसुह = उछलना, सरपट चलना ।

ಟೆಬ್ಬರಿಸು टेब्बरिसु (क) क्रि.—ठिठुर, सन्न हो, कुंठीकृत हो, बेहोश हो, स्तब्ध रह ।

ಟೊಂಕ टोंक (क) सं.—कमर, कटि । —ಕಟ್ಟು कट्टु (क) क्रि.—कमर कस; तैयार हो ।

ಟೊಂಕಾಯಿಸು टोंकायिसु (अ. दे.) क्रि.—ठोक (हिं.). धीरे से मार, थपथपा ।

ಟೊಂಗಿ टोंगि, ಟೊಂಗೆ टोंगे (क) सं.—पेड़ की डाली ।

ಟೊಂಗು टोंगु (क) सं.—मूठ, मुष्टि, घूँसा ।

ಟೊಕಳಿ ट्रोकळि (क) सं.—केकड़े का बाहरी कड़ा हिस्सा (crust of crab); बेकार शब्द, बकबक, बकवास।

ಟೊಣೆ ट्रोणे (क) क्रि.—खोद; धोखा दे।

ಟೊಪ್ಪ ट्रोप्प, ಟೊಪ್ಪೆ ट्रोप्पे (क) सं.—आच्छादन; छिलका।

ಟೊಪ್ಪಿ ट्रोप्पि ಟೊಪ್ಪಿಗೆ ट्रोप्पिगे, ಟೋಪಿ टोपि, ತೊಪ್ಪಿ तोप्पि (अ. दे.) सं.—टोपी। —ಹಾಕು हाकु (क) क्रि.—धोखा दे, ठगाई कर (मुह.)।

ಟೊಳ್ಳು ट्रोळ्ळु (क) सं.—खोखलापन, रिक्तता, सारहीनता।—ಮಾತು मातु=थोथी बात।

ಟೊಳ್ಳೆ ट्रोळ्ळे (क) सं.— खोखला; नाडीव्रण नासूर; आँख की बीमारी जिसके कारण आँख की पुतली नष्ट हो जाय।

ಟೋಪಿ टोपि (अ. दे.) सं.—दे. ಟೊಪ್ಪಿ.

ಠ ठ

ಠ ठ—कन्नड वर्णमाला का छब्बीसवाँ अक्षर, टवर्ग का दूसरा व्यंजन।

ಠ ठ (क) वि.—दो की संख्या।

ಠಕ್ಕ ठक्क (अ.दे.) सं.— ठग, धूर्त, धोखेबाज़ —ತನ तन=ठगई, धोखेबाज़ी।

ಠಕ್ಕಿತಿ ठक्किति (अ. दे.) सं—धोखेबाज़ स्त्री।

ಠಕ್ಕಿಸು ठक्किसु (अ. दे.) क्रि.—धोखा दे, ठग, शठता कर।

ಠಕ್ಕು ठक्कु (अ. दे.) सं.— दे. ಠಕ್ಕತನ.

ಠಕ್ಕುಗಾರ್ತಿ ठक्कुगार्ति (अ. दे.) सं. — दे. ಠಕ್ಕಿತಿ.

ಠಕ್ಕೆ ठक्के (क) सं.—ध्वज, पताका। दे. ಟಕ್ಕೆ.

ಠಣತ್ಕಾರ ठणत्कार (सम्) सं.—ठण् ठण् शब्द, झंकार।

ಠಮಾಳ ठमाळ, ಠಮಾಲಿ ठमाळि (क) वि.—सुस्त, आलसी; नटखट।—ತನ तन (क) सं.—आलस्य, सुस्ती; नटखटपन।

ಠಸ್ಸೆ ठस्से (क) सं.—ठप्पा, मुहर।

ಠಾಕೂರ ठाकूर (तद्) सं.—ठक्कुरः (तत्); देव प्रतिमा।

ಠಾಣ ठाण (तद्) सं.—(संगीत में) विराम। ('स्थान'—तत्)।

ಠಾಣಾ ठाणा, ಠಾಣೆ ठाणे (अ. दे.) सं.— थाना।

ಠಾಣ್ಯ ठाण्य (अ. दे) सं.—डेरा, शिबिर।

ಠಾಯಿ ठायि, ಠಾಯೆ ठाये (तद्) सं.—स्थायी गाने की एक विधि।

ಠಾವು ठावु (तद्) सं. स्थानं (तत्); स्थान, जगह।

ಠಿಕಾಣಿ ठिकाणि, ಠಿಕಾಣೆ ठिकाणे (अ. दे) सं. ठिकाना।

ಠೀವ್ ठीव्, ಠೆಬ್ ठेब् (क) सं.—पिस्तूल या बंदूक का घोषा।

ಠೀವಿ ठीवि (क) सं. — ठाट-बाट, दर्प, ठाठ, शान, आभरण।

ಠೆಕ್ಕೆ ठेक्के (क) सं.—पताका, ध्वज, झंडा।

ಠೆಬ್ ठेब् (क) सं.—दे. ಠೀವ್.

ಠೇವಣಿ ठेवणि ಠೇವು ठेवु (अ. दे.) सं.— गिरवी, निधि।

ಠೌಳಿ ठौळि (अ. दे) सं—धोखा, वंचना। —ಕಾರ कार, ಠೌಳಿಗ ठौळिग = धोखेबाज़, वंचक।

ಡ ड

ಡ ड—कन्नड वर्णमाला का सत्ताईसवाँ अक्षर; टवर्ग का तीसरा व्यञ्जन।

ಡ ड (क) वि.—तीन की संख्या।

ಡಂಕ डंक ಡಂಕೆ डंके (अ. दे.) सं. — डंका (हिं.)।

ಡಂಕೆ डंके (क) सं—सोंटा, डंडा, काठ का दण्ड।

ಡಂಗರ डंगर, ಡಂಗುರ डंगुर (क) सं. — डुगडुगी, मुनादी;

ಡಂಗಿ डंगि (क) सं.—सोंटा, डंडा, काठ का दण्ड।

ಡಂಗುರ डंगुर (क) सं. दे. ಡಂಗರ.

ಡಂಗುರುಚು डंगुरुचु [ಡಂಗುರು डंगुरु] (क) सं.— आंख-मिचौन खेल।

(१) ಡಂಗೆ डंगे (क) सं.=दे. ಡಂಗಿ.

(२) ಡಂಗೆ डंगे (अ. दे.) सं.—दंगा, हलचल, उपद्रव करनेवाला।

(१) ಡಬ್ डब् (क) सं.—भारी वस्तुओं के गिरने से निकलनेवाली ध्वनि।

(२) ಡಬ್ डब्, ಡಬ್ಬು डब्बु (अ. दे) सं.— एक प्रकार का ढोल या डंका।

ಡಬ डब, ಡವ डव (क) सं—'डब् डब्' शब्द, एक अनुकरणमूलक ध्वनि।

ಡಬರಿ डबरि (क) सं. एक प्रकार का छोटा बर्तन।

ಡಬ್ಬನೆ डब्बने (क) अ.—'डब्' शब्द के साथ, तुरंत।

ಡಬ್ಬಳ डब्बळ, ಡಬ್ಬಣ डब्बण (क) सं.—बड़ी सुई।

(१) ಡಬ್ಬು डब्बु (क) सं.—खोखली पेटी की आवाज़, ढोल की ध्वनि। क्रि.—ढकेल, फेंक, आगे डाल, (किसी के ऊपर) डाल।

(२) ಡಬ್ಬು डब्बु (अ. दे.) सं.—दंभ, आडंबर, दिखावा; एक प्रकार का ढोल।—ಗಾರ गार (अ दे.) सं. — आडंबर या दिखावा करनेवाला।

ಡಬ್ಬುಗಳ್ಳಿ डब्बुगळ्ळि (क) सं.—एक कंटीली झाड़ी।

ಡಬ್ಬೆ डब्बे, ಡೆಬ್ಬೆ डेब्बे (क) सं. बाँस की तीली या डंडा।

ಡಮರ डमर ಡಮರು डमरु ಡಮರುಕ डमरुक (सम्) सं.—डमरु, एक प्रकार का बाजा जो शिवजी को प्रिय है। ಡಮರುಗ डमरुग (तद्)।

ಡಂಬ डंब (तद्) सं. — दंभ।—ಗಾರ गार (तद्) सं.—दंभी, अहंकारी।

ಡಂಬರ डंबर (सम्) सं. — जमाव, समूह; दिखावट; दंभ, अहंकार; सादृश्य, ममानता।

ಡಯನ डयन (सम्) सं.—उड़ान, आकाश में उड़ना; पालकी, डोली।

ಡಱಕಿ डऱकि ಡಱಕು डऱकु [ಱ के बदले ರ का भी प्रयोग होता है] (क) सं. — डकार।— ಮಾಡು माडु (क) क्रि.—डकार ले।

ಡವ डव (क) सं.—दे. ಡಬ.

ಡವಕ್ಕೆ डवक्के (क) सं. - पीकदान।

ಡವಡವಿಕೆ डवडविके (क) सं. — औत्सुक्य, लालसा।

ಡವಡೆ डवड़े, ಡವುಡೆ डवुड़े (अ. दे.) सं. — छोटा ढोल।

ಡವರುಗ डवरुग (तद्) सं.-- डमरुक (तत्)।

ಡವಿಗೆ डविगे, ಡವುಗೆ डवुगे (क) सं. — मोटा बाँस; कपाल, खोपड़ी।

ಡವುಡೆ डवुड़े (अ. दे.) सं. - दे. ಡವಡೆ. (तद्) सं.—जबड़ा।

ಡವುಲು डवुलु, ಡೌಲು दौलु (अ. दे) सं.— डील-डौल, आकार, रूप; ढंग, विधान; चिह्न, निशान; अनुमित कर या लगान, अनुमित उत्पादन; आडंबरपूर्ण व्यवहार, थोथा व्यवहार।

ಡಾಂಬಿಕ डांबिक (तत्) सं.—दांभि (तत्)।

ಡಾಕಿಣಿ डाकिणि. ಡಾಕಿನಿ डाकिनि, ಡಾಹಿನಿ डाहिनि, ಡಾಹಿಣಿ डाहिणि (क) सं.=राक्षसी की तलवार. काली की एक अनुचरी।

ಡಾಗಿಲಿ डागिलि (क) सं.—स्थूणा, निहाई।

ಡಾಡಿಮ डाडिम (तद्) सं. — दाडिमः, (तत्), अनार का पेड़

ಡಾಣಿ डाणि ಡಾಣೆ डाणे (क) सं. — लाठी दण्ड, सोंटा।

ಡಾಬು डाबु (तद्) सं.-दामन् (तत्); स्त्रियों की मेखला, कमरबंद।

ಡಾಲು डालु (तद्) सं.— दे. ಡಾಕಣ.

ಡಾಳ डाळ ಡಾಳಿ डाळि (क) सं. — चमक, दमक, प्रकाश. सुंदरता. मनोहरता।

ಡಾಳಯಿಸು डाळयिसु, ಡಾಳಯ್ಸು डाळय्सु, ಡಾಳವಿಸು डाळविसु, ಡಾಳಿಸು डाळिसु (क) क्रि. - अच्छा लग, चमक, प्रकाशित हो, मनोहर हो।

ಡಾಳಿಮ डाळिम, ಡಾಳಿಂಬ डाळिंब, ಡಾಳಿಂಬರ डाळिंबर, ಡಾಳಿಂಬೆ डाळिंबे, ಡಾಳಿಂಬ್ರ डाळिंब्र (तद्) सं.—दे. ಡಾಡಿಮ.

ಡಾಳಿಸು डाळिसु (क) क्रि.—दे. ಡಾಳಯಿಸು; इधर-उधर हिल (पंखे के जैसे)।

ಡಿಂಬ डिंब (सम्) सं. — झगड़ा; बच्चा; अंडा; गेंद, गोला।

ಡಿಂಭ डिंभ (सम्) सं. बच्चा; मूर्ख। ಡಿಂಭೆ डिंभे = बच्ची।

ಡಿಕ್ಕಾ डिक्का. ಡಿಕ್ಕಿ डिक्कि, ಡೀ डी, ಡೀಕು डीकु (क) सं.—टक्कर. सिर की टक्कर।

ಡಿಕ್ಕಿ डिक्कि (क) सं.—टक्कर; एक प्रकार का ढोल। — ಕೊಡು कोडु (क) क्रि. — टक्कर लगा. टक्कर मार।

ಡಿಗರು डिगरु (क) सं.—-योनि।

ಡಿಬಿಕ डिबिक (सम्) सं.—एक क्रूर राजा का नाम जो कृष्ण से मारा गया। — ಮರ್ದನ मर्दन (सम्) सं.—श्रीकृष्ण।

ಡಿಳ್ಳ डिळ्ळ (क) सं.—मन की व्याकुलता, अधैर्य, हिम्मत हारना, भय; खोखलापन, सारहीनता।

ಡಿಳ್ಳಿಸು डिळ्ळिसु (क) क्रि.—व्यग्र हो, व्याकुल हो, हिम्मत हार।

ಡೀ डी, ಡೀಕು डीकु (क) सं.— दे. डिक्का.

ಡುಂಡುಭ डुंडुभ (सम्) सं. — विषहीन एक साँप।

ಡುಬರಿ डुबरि (क) सं. - ऊँट का कूबड़. ऊँट का झिल्ला; गोलाई, वक्रता।

ಡುಬ್ಬ डुब्ब, ಡುಬ್ಬು डुब्बु (क) सं. — दे. ಡುಬರಿ.

ಡುರಕಿ डुरकि ಡುರುಕಿ डुरुकि (क)—सं. साँड और बैल का डकारना।

ಡುರುಕು डुरुकु, ಡುಱುಕು डुरुकु (क) क्रि.— झुक, सिर नवा, नम्रतापूर्वक पाँव पड़।

ಡೆಂಕಣ डेंकण, ಡೆಂಕಣಿ डेंकणि (क) सं — ध्वजस्तंभ, झण्डे का डंडा, किले का बुर्ज।

ಡೆಂಚೆಯ डेंचेय, ಡೆಂಜೆಯ डेंजय (क) सं.— टाँका लगाना, दृढ़ता से लगे रहना. निकट संबंध।

ಡೆಂಡಣಿಸು डेंडणिसु. ಡೆಂಡೆಣಿಸು डेंडेणिसु (क) क्रि.—विकल हो. काँप, छटपटा, थरथरा।

(१) ಡೆಬ್ಬೆ डेब्बे (क) सं.—दे. ಡಬ್ಬೆ.

(२) ಡೆಬ್ಬೆ डेब्बे (अ. दे. ?) सं.-चोट (मुक्का), धक्का।

ಡೇಗು डेगु (क) क्रि.—डकार ले।

ಡೇಗೆ डेगे (क) सं.—एक प्रकार का बाज़।

ಡೇರಾ डेरा, ಡೇರೆ डेरे (अ. दे.) सं.—डेरा (हिं.)

ಡೊಂಕ डोंक, ಡೊಂಕು डोंकु (क) वि. - टेढ़ा। सं.—टेढ़ापन ತನ तन (क) सं.-टेढ़ापन।

ಡೊಂಕಣಿ डोंकणि, ಡೊಂಕಳಿ डोंकलि (क) सं.—भाला, बरछी।

ಡೊಂಕು डोंकु (क) क्रि. — टेढ़ा हो। सं.— टेढ़ापन, वक्रता।

ಡೊಂಗರ डोंगर (अ. दे.) सं.— ढालू चट्टान. टीला. पहाड़ी, ढोंगर (हिं.)।

ಡೊಂಡೊಳೆ डोंडोळे (क) सं.—एक पौधे का नाम।

ಡೊಂಬ डोंब, ಡೊಂಬರ डोंबर, ದೊಂಬ, दोंब, ದೊಂಬರ दोंबर (क) सं. — डोम जाति।

ಡೊಂಬಿ डोंबि, ದೊಂಬಿ दोंबि (क) सं.— भीड़, कोलाहल।

ಡೊಂಬಿತಿ डोंबिति, ಡೊಂಬರಗಿತ್ತಿ डोंबरगित्ति (क) सं.—डोम जाति की स्त्री।

ಡೊಂಬು डोंबु (क) सं.— दे. ಡೊಂಬಿ.

ಡೊಕ್ಕರ डोक्कर (क) सं.— दीवार, जमीन या पेड़ का खोकला।

ಡೊಕ್ಕರಿಸು डोक्करिसु (क) क्रि.—दबाकर पकड़, साँस रोक।

ಡೊಕ್ಕೆ डोक्के (क) सं.— शरीर, देह।

ಡೊಗರು डोगरु (क) सं.—दे. ಡೊಕ್ಕರ.

ಡೊಗೆ डोगे (क) क्रि.—खोखला बना, छेद बना।

ಡೊಗ್ಗೆ डोग्गे (क) सं.—गाढ़ापन, घनत्व।

ಡೊಣೆ डोणे (क) सं.—चट्टान पर का स्वाभाविक सरोवर; खोखला; छेद; तरकस।

ಡೊಣ್ಣೆ डोण्णे (क) सं.—लाठी, दण्ड, सोंटा।

ಡೊಪ್ಪೆ डोप्पे (क) सं.—दोना।

ಡೊಬ್ಬು डोब्बु (क) क्रि.—दे. ಡಬ್ಬು (१)

ಡೊಱೆ डोरे (क) सं.—छेद, बिल, खोखला।

ಡೊಸಕ್ डोसक् (क) सं.—दलदल या पंक चरण रखने से उत्पन्न होनेवाली ध्वनि।

ಡೊಳ್ डोळ्, ಡೊಳ್ಳು डोळ्ळु (क) वि. — खोखला, फूला हुआ, बड़ा। — ಹೊಟ್ಟೆ होट्टे (क) सं.—बड़ी तोंद।

ಡೊಳ್ಳಾಸ ड़ोळ्ळास (क) सं.—धोखा, कपट, छल, माया ।

ಡೋಣಿ डोणि (तद्) सं —नौका, नाव ;

ಡೋರ डोर (अ. दे.) सं. चमड़े पर रंग चढ़ाने-वाला ।

ಡೋರು डोरु, ಡೋಱು डोरु (क) सं. — ಡೊಕ್ಕರ.

ಡೋಲಾಯಮಾನ ड़ोलायमान (सम्) वि.—हिलनेवाला, डुलनेवाला ।

ಡೋಲಿ डोलि, ಡೋಳಿ डोळि (अ. दे.) सं.—डोली ।

ಡೋಲು डोलु, ಡೋಳು डोळु (तद्) सं. — ढौल: (तत्); ढोल ।

ಡೋಹ डोह (तद्) सं.—चाण्डाल, डोम ।

ಢ ढ

ಢ ढ—कन्नड वर्णमाला का अट्ठाईसवाँ अक्षर ; टवर्ग का चौथा व्यंजन ।

ಢ ढ (क) वि.— चार की संख्या ।

ಢಕ್ಕ ढक, ಢಕ್ಕಾ ढका, ಢಕ್ಕೆ ढके (सम्) सं. बड़ा ढोल ।

ಢಕ್ಕಾಮುಕ್ಕಿ ढकामुकि, ಧಕ್ಕಾಮುಕ್ಕಿ धका मुकि (अ. दे.)—धक्काधक्की ।

ಢಾಲ ढाल (सम्) सं.—ढाल.

ಢೆಂಕಣಿ ढेंकणि (क) सं.—दे ಡೆಂಕಣಿ.

ಢುಂಢಿ ढुंढि (सम्) सं. —गणेशजी ।

ಣ ण

ಣ ण—कन्नड वर्णमाला का उनतीसवाँ अक्षर, टवर्ग का अंतिम व्यंजन ।

ಣ ण (क) वि.—पाँच की संख्या ।

ಣತ್ತಡಗಡೈಡಣ णत्तडगडैडण (क) सं.—एक प्रकार का ताल (संगीत में) ।

ತ त

ತ त—कन्नड-वर्णमाला का तीसवाँ अक्षर; तवर्ग का पहला व्यंजन ।

ತ त (क) सं.—मापविशेष ; छे की संख्या ।

ತ त (क) प्र.—शब्दों के अंत में, जैसे— ಅತ आत—वह, ಈತ ईत—यह (पुरुष का बोधक), ಕಡಿತ कडित — काटना ।

ತಂ तं, ತಙ್ तङ् (क) वि. (समास में) ठण्डा, शीतल । ತಂಗದಿರ್ तंगदिर्— शीतल रश्मी या किरण । ತಂಗದಿರ್ ಕಲ್ಲು तंगदिर् कल्लु—चन्द्रकांतशिला ।

ತಂಕ तंक (सम्) सं.—छेनी, टंक ; कष्टमय जीवन ; भय, डर ; प्रियजन-वियोग ।

ತಂಗಳ तंगळ, ತಂಗಳು तंगळु (क) सं.—बासी, बासीखाने का पदार्थ ।

ತಂಗಿ तंगि (क) सं.—छोटी बहन । [ತಂಗೈ तंगै—तमिळ, ತಂಗೆ तंगे— मलयाळम् ; ಚೆಲ್ಲೆ चेल्ले, ಚೆಲ್ಲೆಲು चेल्लेलु—तेलुगु] ।

ತಂಗು तंगु (क) क्रि.—ठहर, अस्थायी रूप से रह ; पडाव डाल । सं.— ठहरना, ठहराव ।

ತಂಗುಡ तंगुड, ತಂಗುಳ तंगुळ (क) सं.—घोडे या हाथी की साज-सज्जा अलंकार, श्रृंगार ।

ತಂಗೇಡಿ तंगेडि (क) सं.—एक पौधा विशेष ।

ತಂಗೊಡಲು तंगोडलु (क) वि. — अच्छी तरह सींचा हुआ उपजाऊ ।

ತಂಟೆ तंटे (अ. दे.) सं. कलह, उपद्रव, झगडा, सम्बन्ध, टण्टा ।

ತಂಟ್ಲ (अ. दे.) वि. — कष्टदायक, पीडा देने वाला, सतानेवाला ।

ತಂಡ तंड (क) सं.—समूह, समुदाय, भीड़, टोली झुण्ड ; पार्टी ; श्रेणी ; वर्ग ।

ತಂಡಕ तंडक (सम्) सं. — खञ्जन पक्षी ; बाज़ीगर, जादूगर ; पेड़ का धड ; दण्डक ।

ತಂಡಕಾರ तंडकार [ಕಾರ कार] (क) सं. — वह जिसके पा. अधिक समुदाय या श्रेणी हो ; समूह में रखनेवाला ।

ತಂಡವಾಳ तंडवाळ, ತಾಂಡವಾಳ ताण्डवाळ (क) सं.— ढला हुआ लोहा, कड़ा लोहा ।

ತಂಡಸ तंडस, ತಾಂಡಸ तांडस, ತಂಡಾಸ तण्डास (अ. दे.) सं. — संडसा (हिं.), सण्डसी; चिमटा ।

ತಂಡಸಿ तंडसि, ತಂಡಸು तण्डसु (क) सं.— एक कण्टीला वृक्ष ।

ತಂಡಾ तंडा, ತಂಡಿ तण्डि (अ. दे.) सं.—ठण्डी ठण्ड शीतलता. सर्दी, जाड़ा ।

(१) ತಂಡು तंडु (क) सं =दण्ड, लाठी, सोंटा, लोहे की छड़ी ; स्तम्भ ।

(२) ತಂಡು तंडु (सम्) सं. — शिवजी के प्रधान अनुचर का नाम, नन्दी, वृषभ ।

ತಂಡುಲ तंडुल (सम्) सं. — चावल ; एक सरसों की तौल ।—ಚೂರ್ಣ चूर्ण (सम्) सं.—चावल के टुकड़े ।

ತಂಡುಲೀಯ तंडुलीय, ತಂಡುಲೀಯಕ तण्डुलीयक (सम्) सं.—एक पौधा विशेष ।

ತಂಡೆ तंड़े (क) सं.—स्त्रियों के चरणों का एक आभूषण ।

ತಂಡೇಲ್ तंडेल्, ತಂಡೇಲ तण्डेल (अ. दे) सं. –मल्लाह, नौका-स्वामी, जहाज़ का मालिक ।

ತಂಡೋಪತಂಡ तंडोपतंड (क) सं.—भीड़ पर भीड़, झुण्ड पर झुण्ड. बहुत संख्या में ।

ತಂತಿ तंति (तद्) सं.—तन्त्रिः (तत्) ; वीणा का तार, तार, लंबी रस्सी, डोर, डोरी ।

(१) ತಂತು तंतु (क) क्रि. रू. — 'ತಂದಿತು तन्दितु' का अन्य रूप जिसका अर्थ है लाया, हुआ (न. लि.) ।

(२) ತಂತು तंतु (सम्) सं.—डोर, सूत. तार, डोरी ; मकड़ी का जाल ; ताँत ; संतान, औलाद ; जलजंतु विशेष ; प्रब्रह्म । (तद्) सं.—तन्त्रम् (तत्) ; कर्मकाण्ड-पद्धति । — ಗಾರ गार (सम्) सं.—चालाक । — ನಾಗ नाग (सम्) सं.— बड़ा घडियाल ; धूर्त । — ನಾಭ नाभ (सम्) सं—मकड़ी । — ಪಟ पट (सम्) सं. सूत का कपड़ा ।— ಭ भ (सम्) सं. — सरसों ।—ಮೇಹ (सम्) सं.—गरमी रोग का एक स्तर ।— ವಾದ್ಯ वाद्य (सम्) सं.—बाजा जिसमें तार लगे हों ।

ತಂತ್ರ तंत्र (सम्)—ತಂತರ तंतर, ತಂತಿರ तंतिर, ತಂತು तंतु, ತಂತುರ तंतुर (तद्) — डोर, डोरी, सूत, तार ; ताँत ; करघा ; वंश ; परिधान, ओढ़नी ; कर्मकांड-पद्धति ; मुख्य

विषय ; सिद्धांत, नियम; कल्पना, विज्ञान ; परतंत्रता, पराधीनता ; चालाकी ; मन्त्र-तन्त्र; अध्याय, पर्व ; तन्त्र शास्त्र ; दवाई ; शपथ ; पोशाक ; किसी कार्य को करने की ठीक ठीक पद्धति ; राजकीय परिवार, राज-सभा जन ; प्रदेश, प्रांत ; राज्य, शासन, अधिकार ; समूह, ढेर ; घर ; सजावट, सज्जा, अलंकार ; संपत्ति, धन ; आह्लाद । —ಗಾರ गार (सम्) सं.—चालाक आदमी; कारीगर ।

ತಂತ್ರಿ तंत्रि (सम्) सं —दे. ತಂತಿ.

ತಂತ್ರಿಕೆ तंत्रिके (सम्) सं.—एकपौधा विशेष (The plant cocculus cordifolius)

ತಂದನತಾನ तंदनतान, ತಂದನಾನ तंदनान, ತಂದಾನ ತಾನ तन्दानतान, ತಂದಾನತಾನಾನ तन्दानतानान (क) सं. — संगीत में एक प्रकार का ताल । —ಪದಗಳು पदगळु (क) सं.—एक प्रकार का लोकगीत ।

ತಂದಲ್ तंदल्, ತಂದಲು तंदलु (क) सं — जल-कण, पानी या वर्षा की बूँद ।

ತಂದೂರಿಸು तंदूरिसु, ತಾಂದುರಿಸು तांदुरिसु, ತಾಂದೂಳಿಸು तांदूळिसु (क) क्रि.—चिंता कर, विकल हो, शोक कर ।

ತಂದೆ तंदे (क) सं.—पिता, बाप, जनक तात । [ತಂದೈ तंदै—तमिळ्, ತಂಡ್ರಿ तण्ड्रि —तेलुगु] ।

ತಂದ್ರ तंद्र ತಂದ್ರತೆ तन्द्रते, ತಂದ್ರಿ तन्द्रि (सम्) वि.—शिथिलता, आलस्य, सुस्ती, क्लान्ति, थकावट ।

ತಂಪಿಸು तंपिसु (क) क्रि.—ठंडा हो । शीतल हो ।

ತಂಪು तंपु (क) सं. — शीतलता, ठण्डापन, ठण्डक ; शांतता, गीलापन ; मृदुता (मिट्टी की); आनन्दिता या मन को तोष देने का गुण ।

ತಂಬಗಿ तंबगि, ತಂಬಿಗೆ तम्बिगे, ತಂಬುಗೆ तम्बुगे (क) सं. — लोटा, गोलाकार जल-पात्र ।

ತಂಬಟೆ तंबट, ತಂಬಟೆ तम्बटे, ತಂಬಟ್ಟೆ तम्बट्ट (क) सं.—एक चर्मवाद्य, खँजड़ी ।

ತಂಬತ್ತಿ तंबत्ति, ತಂಬತ್ತಿಜಾಲಿ तंबत्तिजालि (क) सं —बबूल का पेड़ ।

ತಂಬಲ तंबल (क) सं.—गन्दे पानी या स्नाना-गार में रहनेवाला एक कीड़ा ।

ತಂಬಳ तंबळ (क) सं. – तमिळ् भाषा ।

ತಂಬಾಕ तंबाक, ತಂಬಾಕು तम्बाकु (अ. दे.) सं.—तमाखू ।

ತಂಬಿಗೆ तंबिगे (क) सं.— दे. ತಂಬಗಿ.

ತಂಬಿಸು तंबिसु (क ?) क्रि. — रोक, टोक, ठहरा ।

ತಂಬು तंबु (क) सं. — ತಂಬಿಟ್ಟು तम्बिट्टु—चावल का आटा जिसमें गुड और पानी (या दूध) मिलाया जाता है और खाया जाता है ।

ತಂಬು तंबु (अ. दे.) सं.—तम्बू (हिं.), डेरा ।

ತಂಬುಲ तंबुल (तद्) सं. — तांबूलम् (तत्); तांबूल, पान ।

ತಂಬುಲಿ तंबुलि (तद्) सं. —तांबूली (तत्); पान का पौधा ।

ತಂಬುಲಿಗ तंबुलिग (तद्) सं. — तांबूलिकः (तत्) ; तम्बोली, पान बेचनेवाला ।

ತಂಬೂರ तंबूर, ತಂಬೂರಿ तम्बूरि (अ. दे.) सं. —तम्बूरा (हिं.) ।

ತಕ तक (क) सं.—ತಕತಕ तकतक - एक अनु-करणमूलक शब्द. 'थै थै' शब्द ।

ತಕರಾರು तकरारु, ತಕರೀರು तकरीरु (अ. दे.) सं.—तकरार (अरबी) ।

ತಕಶೀರು तकशीरु, ತಕ್ಸೀರು तक्सीरु (अ. दे.) सं.—तक़्सीर (अरबी); गलती, त्रुटि, दोष, अपराध, न्यूनता ।

ತಕಾವಿ तकावि (अ. दे.) सं. — तक़ावी (अरबी) ।

ತಕ್ಕ तक्क (क) वि.—उचित, योग्य, उपयुक्त, ठीक, अच्छा, अनुरूप । ತಕ್ಕದ್ದು तक्कद्दु—उचित है, अनुरूप है, उपयुक्त है ।

ತಕ್ಕಡಿ तक्कडि (क ?) सं. — तराजू । ತಕ್ಕಡಿ ಬಲ್ಲದೇ ಮನೆ ಬಡತನ तक्कडि बल्लदे मने बड-तन ?—तराजू क्या जाने घर की गरीबी ! (रूढ़.) ।

ತಕ್ಕಳಿಸು तक्कळिसु (क) क्रि —छिटक, छिड़क, जल की बूँदे डाल ।

ತಕ್ಕಾಬಿಕ್ಕಿ तक्काबिक्कि (अ. दे.) सं. — धोखा, छल, कपट, झूठ ।

ತಕ್ಕಾಳಿ तक्काळि (क) सं.—टमाटर ।

ತಕ್ಕಿ तक्कि (अ. दे.) सं.—दगा धोखा ।

ತಕ್ಕು तक्कु (क) सं. — स्नेह, प्यार, प्रीति, ममता ; बड़प्पन, महत्ता, महानता, उच्चता।

ತಕ್ಕುದು तक्कुदु (क) वि. — उचित, योग्य, उपयुक्त ।

ತಕ್ಕುಮೆ तक्कुमे (क) सं.—योग्यता, उपयुक्तता, औचित्य, ठीक हो, अनुरूपता ; क्षमता ।

ತಕ್ಕೆ तक्के (क) सं. — दे. ಟಕ್ಕೆ ; और ; मिलाना, संयोजन, समुदाय, झुण्ड, समूह ; राशि ।

ತಕ್ಕೆಯ್ಸು तक्केय्सु (क) क्रि. रू. — आलिंगन कर, गले मिले ।

ತಕ್ಕೊಳ್ಳು, तक्कोळ्ळु (क) क्रि. रू.—लो, ले लो (ग्रा) ।

ತಕ್ಕೋಲ तक्कोल, ತಕ್ಕೋಲಕ तक्कोलक (सम्) सं.—भस्मगंधिनी नाम का वृक्ष।

ತಕ್ರ तक्र (सम्) सं.—मट्ठा, छाछ ।

ತಕ್ಷ तक्ष, ತಕ್ಷಕ तक्षक (सम्) सं. — बढ़ई, लकड़हारा ; पातालवासी एक सर्प का नाम ।

ತಕ್ಷಣ तक्षण (तद्) सं.—तत्क्षणः (तत्) ; तुरंत, फौरन, तभी, तत्काल ।

ತಗ तग (क) सं. — देर, विलम्ब, रुकावट, रोक ।

ತಗಚಿ तगचि, ತಗಚೆ तगचे, ತಗಜೆ तगजे (क) सं.—चक्रमर्दक नामक पौधा; एक वृक्ष विशेष ; शहतूत का वृक्ष ।

ತಗಡು तगडु (तद्) सं.—टीन, कनस्तर, धातु-ओं के पत्र (जैसे ताम्रपत्र आदि) ।

ತಗಣಿ तगणि, ತಗಣೆ तगणे, ತಗುಣೆ तगुणे, ತಿಗಣೆ तिगणे, ತಿಗುಣೆ तिगुणे (क) सं.—खटमल ।

ತಗದು तगदु (क) क्रि. रू.—उपयुक्त नहीं है, ठीक नहीं है, अनुचित है, सही नहीं है ।

ತಗರ್ तगर्, ತಗರು तगरु (क) सं. — मेढ़ा, भेड़ा।
ತಗರ तगर, ತವರ तवर (तद्) सं. — टीन, जस्ता।
ತಗರ್ಚೆ तगर्चे (क) सं.—दे. ತಗಚಿ (१)
ತಗಲಿಸು तगलिसु, ತಗಿಲಿಸು तगिलिसु, ತಗುಲಿಸು तगुलिसु (क) क्रि.— मिला, लगा, जोड़, छुआ, स्पर्श करा, संयुक्त कर।
ತಗಲು तगलु (क) क्रि.— छू, लग, स्पर्श कर, मिल; रगड; मैथुन कर।
ತಗವೆ तगवे (क) सं.—देर, विलंब, विघ्न।
ತಗಹು तगहु (क) सं.—विघ्न, रुकावट, बाधा, प्रतिबन्ध; संबंध, पंक्ति, श्रेणी।
ತಗಿಚಿ तगिचि (क) सं.—दे. ತಗಚಿ (१).
ತಗಿಲಿಸು तगिलिसु (क) क्रि.—दे. ತಗಲಿಸು.
ತಗಿಲು तगिलु (क) क्रि.—दे. ತಗಲು.
ತಗು तगु (क) वि.— उपयुक्त, उचित, योग्य, ठीक।
ತಗುಣೆ तगुणे (क) सं. - दे. ತಗಚೆ.
ತಗುಲಿಸು तगुलिसु (क) क्रि.—दे. ತಗಲಿಸು.
ತಗುಲು तगुलु (क) क्रि.—दे. ತಗಲು.
ತಗುಲುವಿಕೆ तगुलुविके (क) सं. — लगना, स्पर्श करना, छूना, स्पर्श।
ತಗುಸಿ तगुसि (क) सं. — न्यूनता, कमी, अभाव, त्रुटि, दोष।
ತಗುಳ್ तगुळ्, ತಗುಳು तगुळु (क) क्रि.— मिल; जुड़, लग, छू, स्पर्श कर, पास-पास जा; पीठ लग, पीछे लग, ढकेल, अनुगमन कर; हटा, पीछे छोड़। सं. — पास-पास आना, स्पर्श।
ತಗುಳ್ಚು तगुळ्चु (क) क्रि. — लगा, मिला, संयुक्त कर, स्पर्श करा; लग, मिल, किसी के अधिकार या नीचे हो; संलग्न रह, किसी चीज़ में व्यक्त रह; जला, प्रज्वलित कर, आग लगा।
ತಗುಳ್ಪ तगुळ्प (क) सं.— स्पर्श, संयुक्तता, लगे रहने की स्थिति।
ತಗೆ तगे (क) क्रि.—रोड़ा अटका, रोक, टोक, बाधा उपस्थित कर, विघ्न बन, ठहर। सं. —ठहरना, विघ्न बनना आदि।
ತಗ್ಗಿಚ್ಚಿ तग्गिच्चि (क) सं—दे. ತಗಚಿ १.
ತಗ್ಗಿ तग्गि (क) सं.—जयंती वृक्ष, एक और वृक्ष; एक बड़ी झाड़ी (clorodendron phlomoides)।
ತಗ್ಗಿಸು तग्गिसु (क) क्रि.— कम कर, नीचे कर, न्यून कर, उतार, झुका।
ತಗ್ಗು तग्गु (क) सं.—कम हो, नीचे हो, उतर जा, झुक जा, विनयी हो, गिड़गिड़ा; माँग का गिरना; दुबला हो। सं — निम्नता, नीचे होना, उतरना; गड्ढा, निचला प्रदेश या भूमि; दर्रा, घाट; बिल, छेद; महँगाई, किसी चीज़ का अभाव या कमी।
ತಜ್ಞ तज्ञ (सम्) सं.—जाननेवाला, तत्त्वविद् विद्वान्।
(१) ತಟ तट (क) सं. —एक अनुकरणमूलक शब्द।
(२) ತಟ तट, ತಟಿ तटि, ತಟೆ तटे (सम्) सं— किनारा, कूल, तीर; क्षेत्र, खेत; शरीर के कतिपय अवयवों की संज्ञा, जैसे कटितट आदि; पहाड का ढालू प्रदेश; क्षितिज, आकाश।
ತಟಕಿ तटकि (क) सं.—पेशाब की दुर्गंध।
ತಟಕು तटकु (क) सं.—बूँद, थोड़ा या अल्प परिमाण।
ತಟಕ್ಕನೆ तटक्कने (क) अ.—बूँदों में; तुरंत, फौरन, हठात्।
ತಟವಾಣಿ तटवाणि (सम्) सं.—बछिया, बछड़ा सुंदरी स्त्री।
ತಟಸು तटसु (क) सं.—एक पौधे का नाम।
ತಟಸ್ಥ तटस्थ (सम्) वि.— तट या किनारे पर का; उदासीन।
ತಟಾಕ तटाक (सम्) सं.—तालाब, ताल।
ತಟಾಯ್ तटाय्, (क) क्रि.— से होकर या जरिए जा (जैसे किसी गाँव से होकर नदी जाती है); सीधे पहुँच जा।
ತಟಾಯಿಸು तटायिसु (क) क्रि. — पार, लग, तर जा, पार कर; सीधे पहुँच।
ತಟಾರನೆ तटारने (क) अ. — तुरंत, हठात्, सहसा।
ತಟಿತ್ तटित्, ತಟಿತ್ತು तटित्तु (सम्) सं.— बिजली।
ತಟ್ಟ तट्ट (क) वि.— समतल, सपाट, चौरस।
ತಟ್ಟನೆ तट्टने (क) अ. — हठात्, सहसा, अचानक।
ತಟ್ಟಾಮಾಲೆ तट्टामाले (क) सं —बच्चों का एक खेल जिसमें उनको तब तक जोर से चक्कर काटने दिया जाता है जब तक वे बेहोश नहीं होते।
ತಟ್ಟಿ तट्टि (क) सं.—बाँस की चटाई या आड, टट्टी, पटसन के कपड़े की आड।
ತಟ್ಟಿಯ तट्टिय (क) सं —समतलता; सिकुड़न; सार या जीवन की आवश्यकता।
ತಟ್ಟಿಸು तट्टिसु (क) क्रि.—लड़बडा, हकला, रुक रुक कर बोल; अस्पष्ट बोल; थपथपाने दे, छोटी छोटी वस्तु से मारने दे (प्रे.)।
(१) ತಟ್ಟು तट्टु (क) क्रि.—थपथपा, छोटी वस्तु से मार, ताडन कर, ताली बजा; खटखटा; ढकेल, लगा, चला, मार दे या मार गिरा; निकाल। सं. — खटखटाना; बीमारी का फैलाव, अभाग्य का ताडन; चेचक, शीतला रोग; समतलता; धार; तलवार की धार; तरफ़, दिशा, ओर।
(२) ತಟ್ಟು तट्टु (क) सं.—सन का कपड़ा; जैन या बौद्ध साधु का परिधान। (अ. दे) सं.—छोटा घोड़ा, टट्टू।
ತಟ್ಟುಕ तट्टुक (क) सं.— (ताली) बजानेवाला, मारनेवाला, पीटनेवाला; खटखटानेवाला।
ತಟ್ಟೆ तट्टे (क) सं. — समतलता; लोहे या लकड़ी की तस्तरी, थाली; सूप; बीजकोश, फली; बाँस या सुपरी की लकड़ी जो दो भागों में चीरी गयी हो।
ತಟ್ಲೆ तट्ले (क) सं.—स्त्रियों का जूता या चप्पल।
(१) ತಡ तड (क) सं.—विघ्न, बाध, रोक, रोक-थाम, टोक; देरी, विलम्ब; विभ्रम, व्याकुलता, विकलता, डर, चिंता। ತಡಕಟ್ಟು तडकट्टु = ತಡಗಟ್ಟು, तडगट्टु — रोक (पानी की धारा को रोक)। ತಡಗಲ್ಲು तडगल्लु (क) सं.—रोकने के लिए रखा ...ने..

पत्थर। ತಡಬಡಿಸು तडबडिसु (क) क्रि.—चलने में झिझक। ತಡಮಾಡು तडमाडु (क) क्रि.—बाधा या विघ्न उपस्थित कर। ತಡವಾಗು तडवागु (क) क्रि.—देर हो, विलंब हो। ತಡವರಿಸು तडवरिसु (क) क्रि.—हिचकिचा, झिझक; लड़खड़ा।

(२) ತಡ तड (तद्) सं.-तटः (तत्); किनारा।

ತಡಕಸ तडकस, ತಡಗಸ (क) सं. — बाधा, रोक-थाम; विकलता; चोट, आघात।

ತಡಕಿಸು तडकिसु (क) क्रि.— टटोलने या खोजने दे (प्रे.)।

ತಡಕು तडकु (क) क्रि.—टटोल, खोज, अंधेरे में (किसी चीज़ को) खोज। सं —टट्टी, आड़।

ತಡಗಣಿ; ತಡಗುಣಿ तडगणि; तडगुणि (क) सं.—एक दाल विशेष (The pulse Vigna)।

ತಡತ तडत (क) सं.—('ತಡೆ तड़े' से) — रोकने की क्रिया; प्रतिरोध; (वस्त्र) ठीक प्रकार से धारण करने की क्रिया।

ತಡದು तडदु, ತಡೆದು तड़ेदु (क) कृ. — रोक कर, टोक कर।

ತಡಪ तडप (क) सं.—देरी, विलम्ब।

ತಡಪು तडपु (क) सं. विघ्न, बाधा, रोक-थाम; विरोध; बाँध; शरीर के निचले भाग में जानेवाला कपड़ा।

ತಡವು तडवु (क) सं.—देरी, विलम्ब। क्रि.=ತಳಹು तळहु, ತಳುಗು तळुगु, ತಳುವು तळुवु ತಳ್ವು तळ्वु – रोक; छू, स्पर्श कर, हाथ धीरे-धीरे से रगड़, धीरे से थपकी दे।

ತಡವೆ तडवे (क) सं.—बार, दफ़े।

ತಡಸಲು तडसलु, ತಡಸು तडसु (क) सं.—पारस्परिक रोकथाम।

ತಡಸು तडसु (क) क्रि.—रोक, अटकाव डाल, विघ्न डाल; ठहर, रुक जा; रुकने दे (प्रे.)।

ತಡಹು तडहु (क) क्रि —दे. ತಡವು क्रि.– सं. रोकथाम, अटकाव, विघ्न।

ತಡಾಕ तडाक, ತಡಾಗ तडाग (सम्) सं.—तालाब, पुष्करिणी।

ತಡಿ तडि (क) सं. —डंडा, लाठी, सोटा; ऊनी कपड़े या सूती कपड़े की ज़ीन; गद्दा, बिछावन। क्रि. — देर कर, विलम्ब कर, ठहर।

ತಡಿಕೆ तडिके (क) सं.—टट्टी, बाँस की आड़।

ತಡಿತ್ तडित् (सम्) सं.—बिजली।

ತಡಿತ್ವತ್ तडित्वत् (सम्) सं.—बादल।

ತಡಿಸು तडिसु (क) क्रि.—रोक, बाधा उपस्थित कर, ठहरा।

ತಡೆ तड़े (क) क्रि. — ठहर, प्रतीक्षा कर; विलम्ब कर; रोक, ठहरा; प्रतीक्षा करने दे; बाधा उपस्थित कर; वश में कर (जैसे क्रोध को वशमें करना), सब्र कर सहन कर। सं. —विघ्न, अटकाव, बाधा; लकड़ी आदि का टुकड़ा; देर, विलम्ब, आकर्षण।

ತಡೆ तड़े (तद्) सं —तटः (तत्)।

ತಡ್ಡು तड्डु (क) सं. अण्डकोश।

ತಣ್ तण् (क) वि.—(समास में) — ठण्डा, शीतल। ತಣ್ಣಗೆ ಇದೆ तण्णगे इदे—शीतल है, ठण्डा है।

ತಣಲು तणलु (क) सं. चिनगारी।

ತಣವ तणव, ತಲಾರಿ तलारि, ತಳವರ तळवर, ತಳವಾರ तळवार ತಳಾರ (तद्) सं — स्थलवार (तत्); पहरेदार।

ತಣವು तणवु, ತಣಿವು तणिवु (क) सं.—तृप्ति, संतोष, पर्याप्ति।

ತಣಸು तणसु, ತಣಿಸು तणिसु (क वि.—गीला, भीगा हुआ, ठण्डा, शीतल।

ತಣಿ तणि (क क्रि —ठण्डा हो, शीतल हो; तृप्त हो, संतोष पा; थक जा, श्रांत हो। सं—लज्जा, शर्म।

ತಣಿಗೆ तणिगे, ತಳಿಗೆ तळिगे (क) सं.—थाली।

ತಣಿಪು तणिपु, ತಣಿಸು तणिसु (क) क्रि —तृप्त कर, संतुष्ट कर। सं. तृप्ति, संतुष्टि।

ತಣಿವು तणिवु (क) सं.—तृप्ति, संतुष्टि।

ತಣಿಸು तणिसु (क) वि.—दे. ತಣಸು. क्रि.—ತಣಿಪು.

ತಣುವು तणुवु (क) सं.—दे- ತಣಿವು; शीतलता, ठण्डापन।

ತಣ್ಣಗೆ तण्णगे, ತಣ್ಣನೆ तण्णने (क) वि.—ठंडा, शीतल; अच्छा, मनभाया।

ತಣ್ಣಸ तण्णस (क) वि.—दे. ತಣಸು.

ತಣ್ಣಾನೆ तण्णाने, ತಣ್ಣಿತು तण्णितु, ತಣ್ಣಿತ್ತು तण्णित्तु (क) वि.—दे. ತಣ್ಣನೆ.

ತಣ್ಪು तण्पु (क) सं.—दे. ತಂಪು.

ತಣ್ವಣ तण्वण (क ?) सं.—वीणा-ध्वनि।

ತತ್ तत् (सम्) सं — ब्रह्म; वायु। सर्व.—वह।

ತತ तत (सम्)वि.—फैला हुआ, बढ़ा हुआ।

ತತಗ ततग (सम्) सं.—वायु, हवा।

ತತಂಗ ततंग (क) सं. — कठिनाई, उलझन, समस्या।

ತತಿ तति (सम्) सं.—संख्या, दल, समूह, श्रेणी, स्तोम; यज्ञकर्म।

ತತುವ ततुव (तद्) सं.— तत्वं (तत्); यथार्थ सिद्धान्त।

ತತ್ಕಾಲ तत्काल (सम्) अ.—तत्काल्; तुरंत, उसी समय।

ತತ್ತ तत्त (तद्) सं.—तथ्यं (तत्), सचाई, वास्तविकता।

ತತ್ತರ तत्तर, ತತ್ತುರು तत्तुरु, ತತ್ತಳ तत्तळ (क) सं —कंपन, गड़बड़ी, विकलता, विभ्रम।

ತತ್ತಿ तत्ति, ತೆತ್ತಿ तेत्ति, (क) सं.—अण्डा।

ತತ್ತು तत्तु (क) सं.—ठोकर खाना, ठोकर; आफत, दुर्भाग्य।

ತತ್ತುವ तत्तुव (तद्) सं.—दे. ತತುವ.

ತತ್ಪರ तत्पर (सम्) वि.—तैयार, सन्नद्ध।—ತೆ ते (सम्) सं.—तैयारी, तत्परता।

ತತ್ರಾಣಿ तत्राणि (क) सं.—झंझर, सुराही;

ತತ್ವ तत्व (सम्) सं.—वास्तविक दशा, परिस्थिति; वास्तविक सिद्धांत; वास्तविक-रूप; सचाई, निष्कर्ष, वस्तु; परमात्मा; सांख्य के अनुसार पच्चीस पदार्थ; नृत्य विशेष; मन।

ತತ್ಸಮ तत्सम (सम्) सं. — उसके समान्; संस्कृत के वे शब्द जो कन्नड में ज्यों के त्यों प्रयुक्त होते हैं।

ತಥಾಗತ तथागत (सम्) सं—बुद्ध; जिन।

ತಥ್ಯ तथ्य (सम्) सं.—सचाई, सत्य, वास्तविकता।

ತದಕು तदकु (क) क्रि. — मार, पीट, ताडन कर।

ತದಗಿಣಿ तदगिणि (क) सं.—सफ़ेद चना।

ತದಲು तदलु (क) सं.—काँटों का ढाँचा जो बाग-बगीचों में दरवाज़े के रूपम काम में लाया जाता है।

ತದಿಗಿಣಿ तदिगिणि (क) सं.—संगीत में ताल देने का शब्द।

ತದಿಗೆ तदिगे (तद्) सं.—तृतीया (तत्); तीज तिथि!।

ತದುಕು तदुकु, ತದಿಕು तदिकु (क) सं.—गजप्रिय नामक वृक्ष (The Gum Olibanum Tree।

ತದೆ तदे (क) क्रि.—दे. ತದಕು

ತದ್ದಿನ तद्दिन (सम्) सं.—वह दिन; दिन में; दिन-ब-दिन; मृत तिथि, श्राद्ध दिन।

ತದ್ಬಲ तद्बल (सम्) सं—एक प्रकार का बाण, एक प्रकार का धनुष।

ತದ್ಭವ तद्भव (सम्) सं.—संस्कृत से आये हुए विकृत शब्द।

ತದ್ಲು तद्लु (क) सं.—दे ತದಲು.

ತನ तन (क) प्र.—भाववाचक प्रत्यय; उदा.—ಪೆಣ್ತನ पेण्तन =स्त्रीत्व, ಕಲಿತನ कलितन = वीरता।

ತನಕ तनक, ತನ್ಕ तन्क(क)अ.—तक, तलक।

ತನಕಿ तनकि, ತನಖಿ तनखि, ತನಖೆ तनखे (अ दे.) सं—तनक़ीह (फ़ारसी); परीक्षा, जाँच-पडताल।

ತನತು तनतु, ತನತ್ತು तनत्तु(क)सर्व.—उसका।

ತನಯ तनय (सम्) सं. — बेटा, पुत्र। ತನಯೆ तनये—स्त्री. लिं.।

ತನಿ तनि (क) क्रि.— अधिक हो, बढ़, वृद्ध हो, विकसित हो संपूर्ण हो, सारयुक्त हो। सं. सं.—अधिकता, वृद्धि, विकास, सारयुक्तता, संपूर्णता, समृद्धि; मीठापन। ತನಿಗಂಪು तनिगंपु (क) सं. — सुगंधि की समृद्धि। ತನಿಗೆದರು तनिगेदरु (क) क्रि.—अधिक या पूर्णरूप से फैल। ತನಿವೆಳಗು तनिवेळगु (क) सं.—अधिक प्रकाश।

(१) ತನು तनु (क) वि —ठण्डा, शीतल।

(२) ತನು तनु (सम्) सं— शरीर, देह; चम, चमड़ा। वि.—पतला, दुबला; छोटा; महीन: कोमल, मुलायम; कम, थोड़ा, परिमित। —ಜ ज, ಜಾತ जात (सम्) सं. —बेटा, पुत्र।—ಜೆ जे, ಜಾತೆ जाते (सम्) सं.—बेटी, पुत्री।—ತ್ರ त्र (सम्) सं.—कवच।—ತ್ರಾಣ त्राण (सम्) सं.—कवच। —ತ್ವ त्व (सम्) सं.—पतला होना।—ಭವ भव (सम्) सं.= ತನುಜ. —ಮಧ್ಯೆ मध्ये (सम्) सं.—एक वृत्त का नाम।—ವಿದಾಹ विदाह (सम्)सं.—अत्यधिक शारीरिक ताप।

ತನುವು तनुवु (क) वि.—दे. ತನು (१),

ತನೂಜ तनूज, ತನೂಭವ तनूभव (सम्) — सं—पुत्र, बेटा।

ತನೂಜೆ तनूजे (सम्) सं.—पुत्री, बेटी।

ತನೂನಪಾತ್ तनूनपात्, ತನೂನಪಾತ तनूनपात (सम्) सं.—पुत्र; अग्नि।

ತನೂರುಹ तनूरुह (सम्) सं. — शरीर के रोम; पक्षी का पर।

ತನೆ तने (क) सं.—पशुओं का गर्भ, प्रजन।

ತನ್ನ तन्न (क) सर्व.—अपना।

ತನ್ನಿ तन्नि (क) क्रि. रू.—लाइए. ले आइए।

ತನ್ನು तन्नु (क) सर्व —अपना, आप।

ತನ್ವಿ तन्वि (सम्) सं—कृशांगी, कोमलांगी स्त्री; एक वृत्त का नाम।

(१) ತಪ तप (क) सं.—फल, गोबर आदि के गिरते समय निकलनेवाली ध्वनि।

(२) ತಪ तप (सम्) सं.—तपस्या; उष्णता, गर्मी; पीड़ा, कष्ट; ध्यान, आलोचन; पुण्यकर्म; शास्त्र विहित कर्मानुष्ठान. जनोलोक के ऊपर का लोक; माघमास (कुछ लोगों के अनुसार फाल्गुणमास)।

ತಪಕ್ಕನೆ तपक्कने (क) अ.—तुरंत, अचानक।

ತಪಟೆ तपटे (तद्) सं.—खंजडी, छोटा ढोल।

ತಪನ तपन (सम्) सं.—सूर्य; सूर्यकांत मणि; ग्रीष्म ऋतु; नरक विशेष; आक या मदार का पौधा; शिवजी; ग्रह विशेष; मन का ताप।—ಸುತ सुत (सम्) सं.—कर्ण; यम; शनि; सुग्रीव।—ಸುತನಂದನ सुतनंदन (सम्) सं. – कर्ण का पुत्र वृषकेतु।

ತಪನೀಯ तपनीय (सम्) सं.—सोना, हेम।

ತಪರಾಖು तपराखु (क) सं.—तमाचा, थप्पड़; लात।

ತಪಸಿ तपसि, ತಪಸಿಗ तपसिग (तद्) सं.—तपस्विन् (तत्); तपस्वी।

ತಪಸು तपसु, ತಪಸ್ಯೆ तपस्ये (तद्) सं.—तपस् (तत्); तपस्या।

ತಪಸ್ವಿ तपस्वि (सम्) सं.—तपस्वी,तापस।

ತಪಸ್ವಿನಿ तपस्विनि (सम्) सं. – तपस्या करनेवाली स्त्री।

ತಪಸ್ಸು तपस्सु (तद् सं.—तपस् (तत्)।

ತಪಾತ್ಯಯ तपात्यय (सम्) सं.—वर्षाकाल।

ತಪಾಲು तपालु (अ. दे.) सं.—दे. ಟಪಾಲ.

ತಪಿತ तपित (सम्) वि.—गरम किया हुआ, उष्ण। ತಪಿತೆ तपिते=खराब या भ्रष्ट स्त्री।

ತಗಿಸು तपिसु (सम्) क्रि.—गरम हो; तपस्या कर; पीड़ा सह।

ತಪೇಲಿ तपेलि, ತಪಲೆ तपले, ತಪ್ಪಲೆ तप्पले (क) सं.—एक गोलाकार बर्तन जिसमें चावल पकाया जाता है।

ತಪ್ತ तप्त (सम्) वि.—तपा हुआ, गरम किया हुआ, जलाया हुआ, पिघला हुआ संतप्त पीड़ित; तपस्या करनेवाला।

ತಪ್ಪ तप्प (क) सं.—दे. ತಪ (१).

ತಪ್ಪಡಿ तप्पडि (क) सं.—ग़लत कदम।

ತಪ್ಪನೆ तप्पने (क) अ.— अचानक, सहसा, तुरंत।

ತಪ್ಪಲ್ तप्पल्. ತಪ್ಪಲು तप्पलु(क)सं.—पहाड़ की समतल भूमि, प्रस्थ, अधित्यका।

ತಪ್ಪಲ तप्पल (क) सं.—दे. ತಪ್ಪಲ್.

ತಪ್ಪಲೆ तप्पले (क) सं.—दे. ತಪೇಲಿ.

ತಪ್ಪಸಿ तप्पसि (क) सं.—एक प्रकार का जंगली आम का वृक्ष।

ತಪ್ಪಳಿಸು तप्पळिसु (क) क्रि.—ताली बजा।

ತಪ್ಪಿತ तप्पित (क) सं. ग़लती, अशुद्धि, दोष, त्रुटि।

ತಪ್ಪಿಸು तप्पिसु (क) क्रि.—बचा, रक्षा कर; प्राप्त होने न दे; उपयोगी न हो; पार हो;

चुक। ತಪ್ಪಿಹೋಗು तप्पिहोगु=हाथ से निकल जा। बच जा।

ತಪ್ಪು तप्पु (क) क्रि·—प्राप्त न हो, अप्राप्त हो, न मिल, छूट जा, हाथ से निकल जा; गलत कदम रख, पीछे हट, दोष या अपराध कर, त्रुटि कर, खो जा; स्खलित हो; अदृश्य हो; ठोकर खा; छिप। सं·—अपराध, त्रुटि, दोष, ग़लती, अशुद्धि; अनुचितता; पाप।

ತಪ್ಪುವಿಕೆ तप्पुविके (क) सं·—दोष या त्रुटि करना; बचना।

ತಬಕ तबक, ತಬಕು तबकु (अ· दे·) सं·—तबक़ (अरबी) पान-सुपारी रखने की थाली।

ತಬಟೆ तबटे (तद्) सं·—दे· ತಪಟೆ.

ತಬ್ಬರಿಸು तब्बरिसु, ತಬ್ಬುರಿಸು तब्बुरिसु (क) क्रि·—घबड़ा जा, विकल हो; चकित हो, पैर फिसल जा, ठोकर खा, गिर पड़।

ತಬ್ಬಲಿ तब्बलि (क) सं·—अनाथ बालक या बालिका।

ತಬ್ಬಿಬ್ಬು तब्बिब्बु (क) सं·—विभ्रम, भ्रम; घबराहट, चकित होना।

ತಬ್ಬಿಲ तब्बिल (क) सं·—दे· ತಬ್ಬಲಿ; नीच पुरुष या वस्तु।

ತಬ್ಬು तब्बु (क) क्रि·—आलिंगन कर, छाती से लगा; (लकड़ी के परिमाण को) बाहुओं में समा। सं·—आलिंगन; लकड़ी का उतना परिमाण जितना कि बाहुओं में समा सके।

ತಬ್ಲಿ तब्लि (क) सं·—दे· ತಬ್ಬಲಿ.

ತಮ್ तम्, ತಾವು तावु (क) सर्व—आप, स्वयं।

ತಮ तम (तद्) सं — तमस् (तत्); अंधकार, अंधेरा।

ತಮಟೆ तमटे (तद्) सं·—दे· ತಪಟೆ.

ತಮರ तमर (तद्) सं·—टीन, जस्ता;

ತಮಸ್ तमस् (सम्) सं·—अंधेरा; राहु; कालापन, तमोगुण; क्लेश, दुःख; पाप; नरक का अंधकार; भ्रम।

ತಮಸ್ವಿನಿ तमस्विनि (सम्) सं·—रात।

ತಮಸ್ಸು तमस्सु (तद्) सं·—दे· ತಮಸ್.

ತಮಾಲ तमाल (सम्) सं·—तमाल वृक्ष; तमालपत्र।

ತಮಾಲಿ तमालि (सम्) सं·—कई पौधों के नाम।

ತಮಾಷೆ तमाषे (अ· दे·) सं·—तमाशा (अरबी, फ़ारसी)।

ತಮಿ तमि (सम्) सं·—रात।

ತಮಿಸ್ರ तमिस्र, ತಮಿಸ್ರೆ तमिस्रे (सम्) सं·—अंधेरा; रात।

ತಮೋಗುಣ तमोगुण (सम्) सं·—तमोगुण; त्रिगुणों में तीसरा।

ತಮ್ तम्, ತಮ್ಮ तम्म (क) सर्व·—अपना (कर्ता ब· व· अन्य पुरुष)।

ತಮ್ಮ तम्म (क) सं·—छोटा भाई, अनुज।

ತಮ್ಮಟ तम्मट, ತಮ್ಮಟೆ तम्मटे (तद्) सं·—दे· ತಪಟೆ.

ತಮ್ಮಡ तम्मड (क) सं·—देर, विलंब; दे· ತಮ್ಮಡಿ.

ತಮ್ಮಡಿ तम्मडि (क) सं·—पुजारी, मंदिर का अनुचर या सेवक।

ತಮ್ಮತು तम्मतु, ತಮ್ಮುತು तम्मुतु· ತಮ್ಮದು तम्मदु (क) सर्व·—अपना (कर्ता ब· व· अन्य पुरुष)।

ತಮ್ಮೆ तम्मे (क) सं·—(नाक, कान आदि का कोमल भाग।

ತಯಾರ तयार· ತಯಾರು तयारु (अ·दे·) वि·—तैयार (हिं·)।

ತಯಾರಿ तयारि (अ दे·) सं·—तैयारी (हिं·)।

ತಯಾರಿಸು तयारिसु (अ·दे·) क्रि· तैयार कर, बना।

ತರಂ तरं (क) अ·—सही ठीक, क्रमबद्ध।

ತರಂಗ तरंग (सम्) सं·—लहर, हिलोर।

ತರಂಗವತಿ तरंगवति, ತರಂಗಿಣಿ तरंगिणि (सम्) सं·— नदी।—ನಾಥ नाथ (सम्) सं·— समुद्र।

ತರ तर, ತರಹ तरह (अ· दे·) सं·—तरह· क्रम, रीति, तरीका; मकान का खण्ड।

ತರಕಟ तरकट (क) सं·—कठोरता, निष्ठुरता।

ತರಕಲು तरकलु (क) सं·—सूखा पत्ता, सूखा शरीर, सूखी भूमि; चिकनापन न होना चिपचिपा होना, रवा; कण; रूक्षता, खुरखुरापन।

ತರಕಾರಿ तरकारि (अ·दे·) सं·—तरकारी (हिं·)।

ತರಕು तरकु (क) सं —दे· ತರಕಲು.

ತರಕ್ಷು तरक्षु (सम्) सं—सेंई; बाघ।

ತರಗಡೆ तरगडे (क) सं·—कमी, न्यूनता; नुकसान, हानि, घाटा; बेकार हुई वस्तु (wastage)।

ತರಗಲಿ तरगलि (क) सं·—दे· ತರಗಲು.

ತರಗಾರ तरगार (क) सं·—राज।

ತರಗು तरगु (क) सं·— डूबना, कम होना, घटना; हानि, बेकार होना; दलाली, कमीशन; सूखा पत्ता।

ತರಟ तरट· ತರಟು तरटु (क) वि·—गंजा, मोटा, खुरदरा।

ತರಡು तरडु (क) सं·—अण्डकोश।

ತರಣ तरण (सम्) सं·—पार करना; विजय, जीत; डाँड; नाव, बेड़ा; स्वर्ग।—ಕ क (सम्) सं·—पार करानेवाला।

ತರಣಿ तरणि (सम्) सं· - नाव, नौका; सूर्य, प्रकाश की किरण; एक प्रकार का गुलाब।

ತರಪಣ್ಯ तरपण्य (सम्) सं·—भाड़ा, किराया।

ತರಪು तरपु (क) सं·—घटिया किस्म का रत्न या हीरा।

ತರಫು तरफु (अ·दे·) सं·— तरफ़, ओर, दिशा में।

ತರಬೇತು तरबेतु (अ·दे·) सं·—तरबियत (अरबी); शिक्षण, प्रशिक्षण।

ತರಲ तरल (सम्) वि·— काँपनेवाला, थरथरानेवाला; चंचल, अस्थिर, विनश्वर; उत्तम, चमकीला; पनीला; सं·—तरल पदार्थ, बालक, लड़का; हार की बीच की मणि; एक वृत्त का नाम।

ತರಲೆ तरले (सम्) सं·—माँड, उबले हुए चावल का जल विशेष।

ತರವಾರ್ तरवार्, ತಲವಾರ್ तलवार् (अ·दे·) सं·—कृपाण, खड्ग।

ತರವಾರಿ तरवारि (अ·दे·) सं·—दे· ತರವಾರ್.

ತರಸ तरस (सम्) सं—मांस, गोश्त।

ತರಸು तरसु (क) क्रि· – मँगा, किसी चीज़ को ले आने दे। वि·—सूखा, निरुपयोगी, बेकार।

ತರಹ तरह (अ.दे.) सं.—तरह (अरबी) ; प्रकार, भाँति, ढंग ; स्थिति, बनावट ।

ತರಹರ तरहर, ತರಹರಿಕೆ तरहरिके (क) सं.—सहनशीलता, शांति । ತರಹರಿಸು तरहरिसु (क) क्रि.—शांत हो, शांत रह, सहन कर ।

ತರಹೀನ तरहीन (सम्) वि.—क्रमरहीन, व्यवस्थारहित ।

ತರಳ तरळ (तद्) वि. और सं.—दे. ತರಲ.

ತರಳು तरळु (क) सं.—सूखा फल ; गरी ; मेवा ।

ತರಳೆ तरळे (तद्) सं.—बालिका, लड़की ।

ತರಾ तरा (अ. दे.) सं.—दे. ತರಹ.

ತರಾಸು तरासु, ತ್ರಾಸು त्रासु (अ. दे.) सं.—तराजू (फ़ारसी) ।

ತರಾವಳಿ तरावळि (सम्) सं.—अनेक प्रकार या ढंग ।

ತರಾತುರಿ तुरातुरि (तद्) सं.—शीघ्रता, त्वरा (तत्) ; जल्दी ।

(१)ತರಿ तरि (क) सं.—कण, रवा; रूक्षता, खुरखुरापन ।

(२)ತರಿ तरि (क) क्रि.—काट, टुकडे कर ; खरोंच, फटकार बता ।

ತರಿಗೊಟ್ಟು तरिगोट्ट (क) सं —अग्निशिखा नामक वृक्ष ।

ತರಿಯಿಸು तरियिसु, ತರಿಸು तरिसु (क) क्रि.—दे. ತರಸು ; कटवा ।

ತರು तरु (सम्) सं.—पेड़, वृक्ष ।

ತರುಕುಟಿ तरुकुटि (सम्) सं.—गिलहरी ।

ತರುಟಿಗಿ तरुटिगि (क) सं. — एक झाड़ी (Cassiatora) ।

ತರುಣ तरुण (सम्) वि. — जवान, युवा; छोटा ; कोमल, मुलायम ; नवीन, नया, ताज़ा, ज़िंदादिल । सं.—युवा पुरुष । —ತೆ ते, ತ್ವ त्व (सम्) सं. — यौवन, जवानी ।

ತರುಣಿ तरुणि (सम्) सं.—युव स्त्री, जवान लड़की ।

ತರುಪು तरुपु (क) सं.—दे. ತರಪು.

ತರುವಲಿ तरुवलि (क) सं.—बालक, लड़का ; बालिका, लडकी ।—ತನ तन (क) सं.—लड़कपन, बालपन ।

ತರುವಳಿ तरुवळि (क) सं.—विवाहिता कन्या को घर ले आने की क्रिया ।

ತರುವಿಕೆ तरुविके, ತರುಹ तरुह (क) सं. — ले आना, लाने की क्रिया ।

ತರೂಟಿಗಿ तरूटिगि (क) सं. —दे. ತರುಟಿಗಿ.

ತಱಗು तऱगु (क) सं.—सूखा पदार्थ, सूखा पत्ता, सूखी रोटी या दोसा ।

ತಱಜೆ तऱजे (क) सं.—घोड़े को पहनाने का एक गहना ।

ತರಟ तरट (क) वि.—दे. ತರಟ.

ತಱತಱಿಸು तऱतऱिसु (क) क्रि.—घबड़ा जा, विकल या व्याकुल हो ।

ತಱಬು तऱबु (क) क्रि.—ठहर, रुक ।

ತಱಲೆ तऱले, ತಱಳೆ तऱळे, ತರ್ಲೆ तर्ले (क) सं.—सूखापन, बेकार या व्यर्थ बात । —ಮನುಷ್ಯ मनुष्य = व्यर्थ या निरुपयोगी पुरुष ।

ತಱಿ तऱि (क) क्रि.—काट, टुकड़े कर, रगड़ा जा, खुरचा जा, छिला जा, छोटे छोटे कण हो । सं. — कण, रवा ; खूँटा, शंकु ; जुड़े रहने या स्थिर रहने की स्थिति ; खदिर या कत्था वृक्ष । —ಮಿಂಡಿ मिंडि (क) सं. ऋतुमती ।

ತಱಿಂಬು तऱिंबु (क) सं.—सूखी रेत ।

ತಱಿಯ तऱिय (क) सं. — खदिर या कत्था वृक्ष ।

ತಱಿಸು तऱिसु (क) क्रि.—कटवा (प्रे.) ।

ತಱು तऱु (क) क्रि.—मिल, जुड़ ; पास जा ; प्रवेश कर ; व्यस्त रह । सं.—मिले रहने या जुड़े रहने की स्तिथि ।

ತಱುಣ तऱुण (क) सं. — उचित या योग्य समय ।

ತಱುಬು तऱुबु, ತಱುಂಬು तऱुंबु, (क) क्रि.—दे. ತಱಬು. सं.—पत्थर उठाने की बड़ी लकड़ी या डंडा ।

ತಱೆ तऱे (क) क्रि. और सं.—दे. ತಱಿ.

ತಱೆಯ तऱेय (क) सं.—दे. ತಱಿಯ.

ತರ್ಕ तर्क (सम्) सं.—बहस, वादविवाद, युक्ति ; कल्पना, अनुमान ; संदेह ; न्यायशास्त्र, तर्कशास्त्र, आकांक्षा, कारण, हेतु । ತರ್ಕಮಾಡುವವನು ಮೂರ್ಖನಿಗಿಂತ ಕಡೆ तर्कमाडुववनु मूर्खनिगिंत कड़े—तर्क करनेवाला मूर्ख से गया बीता है (कह.) ।

ತರ್ಕಕ तर्कक (सम्) सं.—तार्किक, प्रश्न करनेवाला ; उम्मेदवार, जिज्ञासु, प्रार्थी ।

ತರ್ಕಯಿಸು तर्कयिसु, ತರ್ಕಯ್ಸು तर्क्य्सु, ತರ್ಕವಿಸು तर्कविसु, ತರ್ಕಿಸು तार्किसु (क) कि —आलिंगन कर । सं. — आलिंगन, मृदंग का एक भेद ।

ತರ್ಕಿಸು तर्किसु (सम्) क्रि.—तर्क कर, वाद-विवाद कर ।

ತರ್ಕೆ तर्के (क) सं.—आलिंगन ।

ತರ್ಗು तर्गु (क) क्रि.—दे. ತಗ್ಗು.

ತರ್ಜನ तर्जन (सम्) सं.—भयभीत करना; डराना, डाँट, भर्त्सना ।

ತರ್ಜನಿ तर्जनि (सम्) सं. - अँगूठे के पास की अंगुली ।

ತರ್ಜಿಸು तर्जिसु (सम्) क्रि.—डरा, धमका, भर्त्सना, कर ; निवारण कर, हटा ।

ತರ್ಜುಮೆ तर्जुमे (अ दे.) सं—अनुवाद, भाषांतर ।

ತರ್ಣಕ तर्णक (सम्) सं.—बछड़ा ।

ತರ್ಪಣ तर्पण (सम्) सं — पितृयज्ञ विशेष ; प्रसन्न करना, संतुष्ट तर्पण, करना ; प्रसन्नता ; समिधा । ತರ್ಪಿಸು तर्पिसु = तर्पण कर ; संतुष्ट हो, प्रसन्न हो ।

ತರ್ಬು तर्बु (क) सं.—आलिंगन ।

ತರ್ಮ तर्म (सम्) सं. —यज्ञस्तम्भ का शिरोभाग ।

ತರ್ಲೆ तर्ले (क) सं — व्यर्थ बात, गपशप, व्यर्थ या निरुपयोगी मनुष्य ।

ತರ್ಷ तर्ष (सम्) सं.— प्यास, तृषा ; कामना, इच्छा ; नाव ; सूर्य ; समुद्र ।

ತರ್ಷಣ तर्षण (सम्) सं.—प्यास, तृषा ।

ತರ್ಳು तर्ळु (क) सं.—दे. ತರಳು.

ತಲ तल (सम्) सं. — सतह ; हथेली ; निचला भाग, पेंदी, गहराई, रंध्र, छेद, गड्ढा ; ताड का वृक्ष ; बाँह ; थप्पड ; नीचता ; चमड़े का खोल ; तरवार की

मूठ; बायें हाथ से वीणा के तार बजाना; काठ, लकड़ी; सरोवर; सात नरकों में एक।

ತಲಪಿಸು तलपिसु (क) क्रि.—पहुँचा (प्रे.)।

ತಲಪು तलपु (क) क्रि.—पहुँच; हाथ लग, मिल, प्राप्त हो।

ತಳಾರಿ तलारि (तद्) सं. — स्थलवारः (तत्); पहरेदार।

ತಲಾವು तलावु (अ. दे.) सं.—तालाब।

ತಲಿನ तलिन (सम्) वि. — पतला, दुबला; कम, थोड़ा; साफ़, स्वच्छ; पृथक, नीचे का।

ತಲುಪು तलुपु (क) क्रि.—दे. ತಲಪು.

ತಲೆ तले (क) सं.— सिर, मस्तक; पीढ़ी; प्रधान या मुख्य पदार्थ। — ಕಟ್ಟು कट्टु (क) सं—शीर्ष वेधन; अक्षर पर आड़ी रेखा; खेत का किनारा। — ಕಾಯಿ कायि (क) सं.—सिर, मस्तक। ಕೂದಲು कूदलु (क) सं.—सिर के बाल।—ಕೆಳಗೆ केळगे (क) सं.—औंधा या उलटा होना; गर्व, घमंड। — ಕೊಟ್ಲುಮಾರಿ कोट्लमारि (क) =शैतान, धूर्त। — ತಲೆಗಡೆ तलेगड़े (क) क्रि. —पीढ़ी बीत जाना। — ಗಾಯ್ गाय् ಗಾಯು गायु (क) क्रि.— रक्षा कर; आधार बन, सहारा दे।— ಗಿಂಬು गिंबु, ದಿಂಬು दिंबु (क) सं. —तकिया। — ಗೊಯಿಕ गोयिक (क) सं. --हत्यारा कसाई; ठग, धोखेबाज़। —ತಿರುಗು तिरुगु (क) सं —सिर में चक्कर। —ತಿರುಕ तिरुक (क) सं. — घमंडी, अहंकारी, उन्मत्त व्यक्ति। —ತೆರಿಗೆ तेरिगे (क) सं —जज़िया।—ದೂಗು दूगु (क) क्रि — सिर हिला; स्वीकार कर; संतुष्ट हो।— ದೋರು दोरु (क) सं.—सिर दिखा; प्रकट हो। —ನೋವು नोवु (क) सं.—सिर दर्द। —ಬಾಗಲು बागलु (क) सं. —प्रवेशद्वार। —ಬಾಗು बागु (क) क्रि.— सिर झुका, मस्तक नवा।— ಬುರುಡೆ बुरुड़े (क) सं.—खोपड़ी। —ಬೇಸರ बेसर (क) सं.— मानसिक अशांति, थकावट।— ಮಾರಿ मारि (क) सं.—कसाई, हत्यारा।— ಬೋಳಿಸಿಕೊಳ್ಳು बोळिसिकोळ्ळु (क) क्रि.— सिर मुँडा; व्यर्थ में अपनी चीज़ गवाँ या हानि पा।— ಮಾರು मारु (क) सं.—परंपरा, पीढ़ी-दर-पीढ़ी। — ಸುತ್ತು सुत्तु (क) सं.— सिर में चक्कर। — ಯಾದವ यादव (क) सं. — प्रधान पुरुष, मुखिया। — ಯೋಡು योडु (क) सं.— खोपड़ी। — ವೀಡು वीडु (क) सं.—प्रधान स्थान। — ಹಿಡಿ हिडि (क) क्रि. — सिर पकड़; सिर को लग।— ಹಿಡಿಕಿ हिडिकि (क) सं.— लंपट स्त्री।—ಹೋಕ होक (क) सं. —दुराचारी पुरुष; दुष्ट; मुँहजोरी करनेवाला।

ತಲೋದರಿ तलोदरि (सम्) सं. — पत्नी, भार्या; कृशांगी, सुंदरी।

ತಲ್ಪ तल्प (सम्) सं. —चारपाई, पलंग, सेज; पत्नी, भार्या; मकान के ऊपर की मंज़िल, अटारी; गाड़ी में बैठने का स्थान।

ತಲ್ಲ तल्ल (सम्?) सरोवर, तालाब।

ತಲ್ಲಜ तल्लज (सम्) सं.—प्रसन्नता; उत्तमता।

ತಲ್ಲಣ तल्लण (क) सं.—भय, भीति; विभ्रम, घबराहट; दुःख।

ತಲ್ಲಣಿಸು तल्लणिसु (क) क्रि. — भ्रमित हो, घबड़ा जा, भयभीत हो, काँप, थरथरा।

ತಲ್ಲಱ तल्लर (क) सं.— दे. ತಲ್ಲಣ.

ತವಕ तवक, ತವಕು तवकु (तद्) सं.—[' तम्' संस्कृत धातु से]— प्रेम; इच्छा; कातरता, उतावलापन; जल्दबाज़ी, शीघ्रता।

ತವಕಿ तवकि, ತವಕಿಗ तवकिग (तद्) सं.— कातर पुरुष, उतावला या जल्दबाज़ी करनेवाला मनुष्य।

ತವಟು तवटु, ತವುಟು तवुटु (क) क्रि.— पछोर।

ತವಡು तवडु, ತವುಡು तवुडु (क) सं.—भूसी, भूसा, चोकर।

ತವನಿಧಿ तवनिधि (तद्) सं. — तपोनिधि (तत्); अनश्वर भंडार, संपत्तिः पुण्य।

ತವರ तवर, ತವರು तवरु (तद्) सं. — टीन, जस्ता (त्रपु—तत्)।

ತವರು तवरु, ತವರ್ तवर् (क) सं.—मायका, पीहर।

ತವಲಾಯ तवलाय, ತವಲಾಯಿ तवलायि (तद्); सं —तांबूलं (तत्); पान।

ತವಸಿ तवसि (तद्) सं.— तपस्विन् (तत्); तपस्वी।

ತವಳಿಸು तवळिसु (क) क्रि.—नाश कर; झाड़; झड़ा।

ತವಿರ್ तविर्, ತವಿರು तविरु (क) सं.—ग़रीबी, दारिद्र्य, आवश्यकता।

ತವಿಲ್ तविल्, ತವಿಲು तविलु (क) सं. — दे. ತವಿರ್.

(१) ತವಿಸು तविसु (क) क्रि. —कम कर, घटा, क्षीण कर, नाश कर।

(२) ತವಿಸು (तद्) क्रि.— दे. ತಪಿಸು.

ತವು तवु (क) क्रि.—कम हो, घट, बेकार हो, अंत हो, क्षीण हो, नष्ट हो; नाश कर, घटा। सं.—नाश, क्षीणता, क्षय, घटना।

ತವುಗೆ तवुगे, ತೌಗೆ तौगे, ತವುಂಕು तवुंकु (क) सं.—नाश, क्षय, अंत।

ತವುಟು तवुटु (क) क्रि.—दे. ತವಟು.

ತವುಟೆ तवुटे (क) सं.—झरबेरी या करौंदा वृक्ष।

ತವುಡಂಗಿ तवुडगि (क) सं.—अजगंधि नामक पौधा।

ತವುಡು तवुडु (क) सं.—दे. ತವಡು.

ತವುರು तवुरु (क) सं.—दे. ತವರು. ತವರು ಮನೆ तवरुमने, ತವರ್ಮನೆ तवर्मने = मायका, माता का घर।

ತವುಳಿತ तवुळित (क) सं. —लड़ाई या एक दाँव-पेंच।

(१) ತವೆ तवे (क) क्रि.— ಸವೆ सवे — घिस जा, घट जा; पर्याप्त न हो; नष्ट हो; असंतुष्ट हो। वि.—अधिक, पूरा, पूर्णतः, अच्छी तरह।

(२) ತವೆ तवे (अ. दे.) सं.—तवा (हिं)।

ತಸಕಲು तसकलु, ತಸಕು तसकु (तद्) सं.— ['तस्कर' से] — ठगई, धोखा, छल, कपट।

ತಸಕ್ಕನೆ तसक्कने (क) अ. — 'तसक्' शब्द के साथ।

ತಸದೀಕು तसदीकु, ತಸ್ತೀಕು तस्तीकु (अ. दे.)

सं· — तसद्दुक् (अरबी) ; त्याग, दान, भक्ति, खैरात ।
ತಸ್ಕರ तस्कर (सम्) सं·—चोर, डाकू ; चोरी।
ತಸ್ಕರೆ तस्करे (सम्) सं·—स्त्री चोर।
ತಹಕೀಕು तहकीकु (अ· दे·) सं· — तहक़ीक़ (अरबी) ; सत्य का अन्वेषण ।
ತಹಸೀಲು तहसीलु, ತಾಸೀಲು तासीलु (अ· दे.) सं·—तहसील (अरबी) ; लगान या कर की आमदनी । ದಾರ दार = तहसीलदार ।
ತಹತಹ तहतह (क) सं —उतावलापन, कौतूहल ; व्याकुलता ।
ತಹಿಕಾಱ तहिकार् [ತಹಿಕಾರ तहिकार] (क) सं·—साथी ।
ತಳ್ तळ् (क) क्रि·—जुड़, लग, संलग्न हो, संयुक्त हो, मिल जा, अत्यधिक पास आ ; प्रकट हो ; विघ्न हो, बाधा उपस्थित कर, रुकावट बन ; विरोध कर, प्रतिहत हो ;
(१) ತಳ तळ (क) सं·—डर, त्रास, घबराहट, चकित होना ; उबलते समय आनेवाली ध्वनि ; विपर्यय, अंतर ; चमक, दमक, कांति ; सूर्योदय ।
(२) ತಳ तळ (तद्) सं·—स्थल (तत्) ; स्थान, जगह ; तलवा ।
ತಳಕು तळकु (क) सं·—कांति, छवि, दमक, चमक ।
ತಳಪ तळप, ತಳಪು तळपु, ತಳುಪು तळुपु (क) सं·—कांति· छवि, चमक ; बाल का रंग, कालापन ।
ತಳಮಳಿಸು तळमळिसु (क) क्रि·—बेचैन हो, घबरा जा ; तिलमिला ।
ತಳರ್ तळर् (क) क्रि· — हिल ; काँप, थरथरा ; चल, निकल । सं·-हिलना, चलना, निकलना ; थरथराना, काँपना ।
ತಳರ್ಚು तळर्चु (क) क्रि· — चल, निकल, प्रस्थान कर ।
ತಳಲ್ तळल् (क) क्रि· — खिल (कली का खिलना), विकसित हो ।
ತಳವರ तळवर (तद्) सं· — दे. ತಳಾರ.
ತಳವು तळवु, ತಳಹು तळहु (क) सं·—रुकावट, विघ्न, बाधा ; देर, विलंब ।
ತಳಹದಿ तळहदि, ತಳಾದಿ तळादि (तद्) सं· — नींव, बुनियाद ।
ತಳಾಮಳ तळामळ (तद्) सं·—हथेली पर का आँवला ।
ತಳಾರ तळार (तद्) सं·—दे· ತಳಾರ.
ತಳಿ तळि (क) क्रि·—जल, सेचन कर, छिड़क; छिटक ; खिल, विकसित हो ; पल्लवित हो; किसलय निकल ; प्रकट हो, व्यक्त हो। सं·—छिड़कना, जलसेचन ; बाड़ ; मेड़ ; आश्रय स्थान, मुसाफ़रखाना; धर्मशाला, ब्राह्मणों को भोजन देने का स्थान; वंश, पीढ़ी ; नस्ल ; कोंपल, पल्लव ; लकड़ी का टुकड़ा । वि — स्वच्छ, साफ़, निर्मल ।
ತಳಿಗೆ तळिगे (क) सं·—थाली ।
(१) ತಳಿರ್ तळिर् (क) क्रि·—खिल, पल्लवित हो ; किसलय निकल ।
(२) ತಳಿರ್ तळिर्, ತಳಿರು तळिरु (क) सं·—पल्लव· किसलय ; कोंपल ।
ತಳಿರ್ಚು तळिर्चु (क) क्रि·—पल्लवित या विकसित होने दे ।
ತಳಿಸು तळिसु (क) क्रि·—चूर्ण कर, पुड़िया कर, कूटकर चावल का चोकर निकाल ; छिड़क, छिड़का ।
ತಳು तळु (क) सं·—दे· ತಳವು.
ತಳುಕು तळुकु (क) सं—स्थिरता, अचलता । क्रि· — आघात कर, प्रहार कर, चोट कर ; रोक ।
ತಳುಗು तळुगु (क) क्रि· — हाथ से रगड़ ; रोक ।
ತಳುಪು तळुपु (क) सं·—दे· ತಳಪ.
ತಳುವು तळुवु (क) सं·— स्थिरता· अचलता ; विघ्न, देर, विलंब । क्रि·—रोक ; देर कर, विलंब कर ; अचल हो ; आकुल हो ।
ತಳೆ तळे (क) क्रि·— आधार हो, सहारा बन, धारण कर, वहन कर ; दूसरे के ऊपर डाल (जैसे कपड़े आदि) ; ढो ; पा; प्राप्त कर ; ले, धर । सं·— बंधन-सूत्र, पगहा ; पागलपन, भ्रांति ।
ತಳ್ಕು तळ्कु (क) क्रि· — शरीर पर । गंधादि का लेपन कर । सं·—लेपन ।
ತಳ್ಪಡಿ तळ्पडि, ತಳ್ಕುಪಡಿ तळ्कुपडि (क) सं· निकालना, हटाना ।
ತಳ್ವು तळ्वु (क) क्रि·—काल-हरण कर, यों ही समय बिता ; देर कर ; प्रतीक्षा कर। सं·—विलंब, देर ; कालहरण ।
ತಳ್ಳಂಕ तळ्ळंक (क) सं·—भय· भीति, घबराहट ।
ತಳ್ಳಿ तळ्ळि (क) सं·—संबंध, सम्मेलन, संघ ; विग्रह, झगड़ा छेड़ना ; निंदा, आक्षेप, अभियोग ।
ತಳ್ಳು तळ्ळु (क) क्रि·—ढकेल, आगे की ओर धक्का दे ; चला ; फेंक ; अस्वीकार कर, अमान्य कर, तज । सं.—ढकेलना ; मेवा ।
ತೞಲ್ तऴल् (क) सं.—मेवा ।
ತೞಿ तऴि (क) सं.—लाठी डंडा, बड़ी लकड़ी का टुकड़ा स्थूलदारु ।
ತೞೆ तऴे (क) सं.—छाता, छतरी ।
ತೞ್ಕಿಸು तऴ्किसु, ತೞ್ಕೈಸು तऴ्कैसु (क) क्रि.—आलिंगन कर ।
ತೞ್ಕೆ तऴ्के (क) सं.—आलिंगन ।
ತೞ್ಗು तऴ्गु (क) क्रि.—दे. ತಗ್ಗು.
ತೞ್ಪಲ್ तऴ्पल् [ತಳ್ಪಲ್ तळ्पल्] (क) सं. —ತಪ್ಪಲ್.
ತೞ್ಪು तऴ्पु, ತೞ್ಬು तऴ्बु (क) सं· — दे. ತೞ್ಕೆ.
ತಾ ता (क) सर्व·—मैं, अहं का भाव । क्रि· ले, आ, ला ।
ತಾಂ तां (क) सर्व· —आप, स्वयं, खुद ।
ತಾಂಕು तांकु (क) सं.=स्पर्श, छूना, जुड़ना ; मिलन स्थान ; खेत, मैदान ; संगीत में मेल ।
ತಾಂಗು तांगु (क) क्रि·—मिल, जुड़, लग ; टकरा ; छू ; ले, धर, धारण कर, वहन कर, आधार बन ।
ತಾಂಟು तांटु (क) क्रि·—लाँघ, पार कर ; उछल नाच ।
ತಾಂಡವ तांडव (सम्) सं·—नृत्य, नाच, विशेष कर शिवजी का नृत्य ।

ತಾಂಡವಾಳ तांडवाळ (क) सं.—दे. ತಂಡವಾಳ.
ತಾಂಡಸ तांडस (अ. दे.) सं.—ತಂಡಸ.
ತಾಂತ तांत (सम्) वि.—श्रांत, थका हुआ, शिथिल, संतप्त ; मुरझाया हुआ ।
ತಾಂತ್ರಿಕ तांत्रिक (सम्) वि.—तंत्र संबंधी, कला या सिद्धांत में निपुण ।
ತಾಂಬರ तांबर, ತಾಂಬ್ರ तांब्र (तद्) सं. ताम्र (तत्) ; तांबा ।
ತಾಂಬಸಿ तांबसि (क) सं.—एक वृक्ष The tree Dolichan drone falcate seem) ।
ತಾಂಬಾಣ तांबाण, ತಾಂಬಾಳ तांबाळ (क) सं. —थाली ।
ತಾಂಬೂಲ तांबूल (सम्)सं.—तांबूल. पान ; सुपारी ।
ತಾಂಬೂಲಿ तांबूलि (सम्)—नागलता, पान का पौधा ; पान बेचनेवाला ।
ತಾಂಬೂಲಿಕ तांबूलिक (सम्) सं.—तंबोली, पान बेचनेवाला ।
ತಾಂಬೂಲಿಗ तांबूलिग (तद्) सं.—ತಾಂಬೂಲಿಕ.
ತಾಂಬೇಲು तांबेलु (क) सं.—कछुवा ।
ತಾಕಿಸು ताकिसु (क) क्रि.—छुआ, स्पर्श करा ।
ತಾಕೀತಿ ताकीति, ತಾಕೀದಿ ताकीदि, ತಾಕೀದು ताकीदु (अ. दे.) सं.—ताकीद (अरबी) ; जागृति की आज्ञा ।
ತಾಕು ताकु (क) क्रि.—स्पर्श कर, छू, जुड़, मिल, लग ; टकरा । सं.—स्पर्श, छूना, मिलन स्थान ; खेत, मैदान ; संगीत में मेल ।
ತಾಕುಳ ताकुळ ತಾಗುಳ तागुळ (क) सं.—क्रोध, रोष, रौद्र, भयंकरता ।
ತಾಕುಳಿ ताकुळि (क) सं. -- मिलन स्थान, खेत, मदान ; संगीत में मेल ।
ತಾಗಿಸು (क) क्रि. = ತಾಕಿಸು ताकिसु ।
ತಾಗು तागु (क) क्रि. = ತಾಕು ताकु—ठहर ; लाँघ, पार कर, कूद । सं. — झुकना ; टेढ़ा होना ।
ತಾಗುಡಿ तागुडि (क) सं.—छिपने का स्थान ।
ತಾಚಿ ताचि (क) सं.—(बच्चों की बोली में) स्नान ।

ತಾಜಾ ताजा (अ. दे.) सं. — ताज़ा, नया, नवीन ।
ತಾಟಕಾಂತಕ ताटकांतक (सम्)—राम ।
ತಾಟಕಿ ताटकि, ತಾಟಕೆ ताटके (सम्) सं.—ताडका नामक राक्षसी जिसको राम ने मारा था । —ತನ तन (सम्) सं. -- झग ल्ल स्वभाव ।
ತಾಟಗಿತ್ತಿ ताटगित्ति (तद्) सं. —झगडालू स्त्री ।
ತಾಟಂಕ ताटंक (सम्) सं.- कानों की बाली ।
ತಾಡಂಕ ताडंक (तद्) ।
ತಾಟಿಸು ताटिसु (क) क्रि.—लगा ; पीट ।
ತಾಟು ताटु (क) क्रि.—लग, रगड़ खा, छू ; पीट । सं.—लगना, संघटन, रगड़ ।
ತಾಡ ताड (सम्) सं —एक तृण विशेष ; धक्का ; मारना, पीटना ; शब्द, शोर, धड़कन ; तालवृक्ष ।
ತಾಡಣೆ ताड़णे, ತಾಡನೆ ताडने, ತಾಡನ ताडन (सम्) सं.—ताडन, मारना, कोड़ा लगाना ।
ತಾಡಪತ್ರ ताडपत्र, ತಾಡವಾಲೆ ताडवाले (तद्) सं.-- व्यजन. ताड़ के पत्ते का पंखा ।
ತಾಡಿ ताडि (तद्) सं.— ताड़ी, तालवृक्ष क रस, शराब ।
ತಾಡಿಗ್ಯ ताडिग्य (क) सं.—एक प्रकार का बतख ।
ತಾಡಿಸು ताडिसु (सम्) क्रि. — मार, कोड़े लगा, पीट ।
ತಾಣ ताण (तद्) सं.—स्थनं (तत्) ; तालः (तत्) ।
ತಾತ तात (सम्) सं. — पिता ; पितामह, दादा ।
ತಾತಾತೂತು तातातूतु (क) सं.—बहुत छेद या रंध्र, पूरे के पूरे छेद ।
ತಾತಿ ताति, ತಾಯತಿ तायति. ತಾಯಿತಿ तायिति, ತಾಯಿತು तायितु, ತಾಯಿತ್ತು तायित्तु (क?) सं.—तावीज़ (अरबी) ।
ತಾತ್ಪರ್ಯ तात्पर्य (सम्) सं. — अभिप्राय, आशय, उद्देश्य, सारांश ; अर्थ, भवार्थ, विवरण ।

ತಾತ್ಸಾರ तात्सार (सम्) सं.—उपेक्षा, तिरस्कार, घृणा, निंदा ।
ತಾನ್ तान्, ತಾನು तानु (क) सर्व. — आप, खुद, स्वयं ।
ತಾನ तान (सम्) सं. — सूत, रेशा ; संगीत में तान, आलाप ।
ತಾನು तानु. ಥಾನು थानु (अ. दे.) सं.— कपड़े का बंडल या टुकड़ा ।
ತಾಪ ताप (सम्) सं.—गरमी, भभक ; दुःख, पीड़ा, संकट ।
ತಾಪತ್ರಯ तापत्रय (सम्) सं.—तीन ताप—दैहिक, दैविक और भौतिक ; झंझट ।
ತಾಪಸ तापस (सम्) सं.—साधु, धर्मनिष्ठ ; तपस्या संबंधी ।
ತಾಪಾಳ್ तापाळ् (क) सं.—[ತಪ್ಪಾಳ್ तप्पाळ् —तमिळ] कुंडी, अर्गला ।
ತಾಪಿಸು तापिसु (सम्) क्रि. — गरम हो ; जल; पीड़ा सह ; सावधान करना ।
ತಾಪು तापु (क) सं.—नाच घर, विट-गृह ।
ತಾಪ್ತಾ ताप्ता (अ- दे. सं.—एक प्रकार का रेशमी कपड़ा ।
ತಾಬೇಲು ताबेलु (क) सं —कछुवा ।
ತಾಮ್ तामू (क) सर्व.—आप, स्वयं (अन्य पुरुष व. व.)
ತಾಮರ तामर (क) सं.— गर्व, अहंभाव, घमंड ।
ತಾಮರಸ तामरस (सम्) सं.—सोना; स्वर्ण; ताँवा ; कमल ।
ತಾಮರೆ तामरे, ತಾವರೆ तावरे (क) सं.—कमल ; एक प्रकार का कुष्ठ रोग ।
ತಾಮಲಕಿ तामलकि (सम्) सं.—भूम्यामलकी वृक्ष ।
ತಾಮಸ तमास (सम्) सं.—अंधकार; दुष्टजन; अधमजन ; साँप ; घुग्घू ; उल्लू ; एक मनु का नाम ; शिवजी का एक अनुचर ।
ತಾಮಸಿ तामसि (सम्) सं.— रात, निशा ।
ತಾಮ್ರ ताम्र (सम्) सं.—ताँबा ; ताँबे के सदृश लाल रंग ; एक प्रकार का कुष्ठ रोग ।

ತಾಮ್ರಕ ताम्रक (सम्) सं.—ताँबा ; ताँबे का लोटा ।

ತಾಮ್ರಕರ್ಣಿ ताम्रकर्णि (सम्) सं.—पश्चिम दिशा के हाथी अंजन की हथिनी का नाम ।

ತಾಮ್ರಚೂಡ ताम्रचूड (सम्) सं.—मुर्गा, कुक्कुट ।

ತಾಮ್ರತುಂಡ ताम्रतुंड (सम्) सं.—तोता ।

ತಾಮ್ರಧ್ವಜ ताम्रध्वज, ತಾಮ್ರಕೇತು ताम्रकेतु (सम्) सं.—एक राजा का नाम जिसकी कथा जैमिनि-भारत में वर्णित है ।

ತಾಮ್ರಪರ್ಣಿ ताम्रपर्णि (सम्) सं.—दक्षिण भारत की एक नदी ; लंका के एक नगर का नाम ।

ತಾಮ್ರಮುಖಿ ताम्रमुखि (सम्) सं.—ताँबे के सदृश्य मुखवाला, गोरा आदमी (European) ।

ತಾಮ್ರಾಕ್ಷ ताम्राक्ष (सम्) सं.—कौआ ; कोयल ।

ತಾಮ್ರಾಧರೆ ताम्राधरे (सम्) सं.—लाल होंठवाली स्त्री ।

ತಾಯ್ ताय्, ತಾಯಿ तायि, ತಾಯೆ तायॆ (क) सं.—माता, माँ । ತಾಯ್ತಂದೆ तायतंदे ತಾಯಿತಂದೆ तायितंदे = माँ बाप ।

ತಾಯತ तायत, ತಾಯತಿ तायति (क) सं.—दे. ತಾತಿ.

ತಾರ್ तार्, ತಾರೊ तारो (क) क्रि. रू.—ला, लाओ । स्त्री. लिं. में ತಾರೆ तारे का प्रयोग होता है जिसका अर्थ है—आओ री ।

(१) ತಾರ तार (सम्) वि.—ऊँचा, उच्च ; चमकदार ; उत्तम, श्रेष्ठ, स्वादिष्ट । सं.—नदीतट ; मोती की चमक ; उच्चस्वर ; ग्रह, नक्षत्र ; नदी ; पर्वत; पहाड़; सफ़ेद रंग ; चाँदी ; आँख की पुतली ; एक राक्षस का नाम ; मोती ।

(२) ತಾರ तार (अ. दे.) सं.—धोखा, छल ।

ತಾರಕ तारक (सम्) वि.—ले जानेवाला, रक्षक, उद्धारक । सं.—एक राक्षस का नाम जिसे कार्तिकेय ने मारा था ।—ಜಿತ್ जित् (सम्) सं.—कार्तिकेय ।—ಮಥನ मथन (सम्) सं.—कार्तिकेय ।—ಅರಿ अरि, ರಿಪು रिपु = कार्तिकेय ।

ತಾರಕರಾಜ तारकराज (सम्) सं.—चंद्रमा ।

ತಾರಕಿ तारकि (सम्) सं.—नक्षत्र, तारा ; चित्रा नक्षत्र ; विशाख नक्षत्र ।

ತಾರಕೆ तारके (सम्) सं.—नक्षत्र; तारा ; आँख की पुतली ।

ತಾರಗೆ तारगे (तद्) सं.—तारक (तद्); नक्षत्र।

ತಾರಣ तारण (सम्) सं.—पार होना, बचना; नौका, बेड़ा ; अठारहवें वर्ष का नाम, तारण संवत् ।

ತಾರಣಿ तारणि (सम्) सं.—नाव, नौका, बेड़ा ।

ತಾರತಮ್ಯ तारतम्य (सम्) सं.—न्यूनाधिक्य, थोड़ा-बहुत, अंतर ।

ತಾರಲ್ तारल् (क) सं.—झाड़ी ।

ತಾರಾಬಲ तरावल (सम्) सं.—नक्षत्रों का प्रभाव ।

ತಾರಿಣಿ तारिणि (सम्) सं.—दुर्गा ; बौद्धों की एक देवी ।

ತಾರೀಕು तारीकु, ತಾರೀಖು तारीखु (अ दे.) सं.—तरीख (अरबी) ; तिथि, दिनांक ।

ತಾರು तारु (क) सं.—अपशकुन ।

ತಾರುಣ್ಯ तारुण्य (सम्) सं. यौवन, युवावस्था, जवानी ।—ವತಿ वति (सम्) सं.—युवती, जवान लड़की ।

ತಾರೆ तारे (सम्) सं.—तारा, नक्षत्र ; आँख की पुतली ; सुंदर या स्वच्छ मोती ; चांदी ; हवा, वायु ; बृहस्पति की पत्नी का नाम ; वाली की पत्नी का नाम ।

ತಾಱ್ तार्, ತಾಱು तारु (क) क्रि.—सूख, रूखा हो, झड़ जा, शोषित हो । सं.—अशुभ ।

ತಾಱಡಿ तारडि (क) सं.—रुखापन सूखापन ।

ತಾಱಿ तारि (क) सं.—एक बड़ा वृक्ष, कलिद्रुम (Terminalia belerica) ।

ತಾಱಿಗ तारिग (क) सं.—सूखी वस्तुओं का ढेर ।

ತಾಱು तारु (क) वि.—सूखा, रूखा । क्रि.—थोड़ा रह, ठहर, व्यस्त होकर हिल ; दौड़ । सं.—सुपारी का गुच्छ ।

ತಾಱು तारु, ತಾರು तारु (अ. दे.) सं.—Tar (अंग्रेज़ी), तारकोल ।

ತಾಱೆ तारे (क) सं.—दे. ತಾಱು.

ತಾರ್ಕಣೆ तार्कणे ತಾರ್ಕಾಣೆ तार्काणे (क?) सं.—प्रत्यक्ष निरीक्षण ।

ತಾರ್ಕಿಕ तार्किक (सम्) सं.—न्यायदर्शनवेत्ता, तर्कशास्त्रज्ञ ।

ತಾರ್ಕ್ಷ್ಯ तार्क्ष्य (सम्) सं.—गरुड ; घोड़ा; अरुण ; गाड़ी ; सर्प ; पक्षी ।—ಧ್ವಜ ध्वज (सम्) सं.—विष्णु ।—ನಾಯಕ नायक (सम्) सं.—गरुड ।—ಶೈಲ शैल (सम्) सं.—एक प्रकार का काजल या अंजन ।

ತಾರ್ಣ तार्ण (सम्) सं.—एक प्रकार की घास ।

ತಾರ್ಯ तार्य (सम्) वि.—पार करने योग्य ; जीतने योग्य । सं.—नाव का किराया, भाड़ा ।

ತಾಲ ताल (सम्) सं.—तालवृक्ष, ताड़ का पेड़ ; ताली बजाना ; संगीत में ताल ; फड़फड़ाहट, हाथी के कानों की फड़फड़ाहट ; तलवार की मूँठ ; चटखनी, ताला ।

ತಾಲಕ तालक (सम्) सं.—हड़ताल ; चटखनी, ताला ।

ತಾಲಜಂಘ तालजंघ (सम्) वि.—ताड़ के वृक्ष के समान जाँघवाला ।

ತಾಲಧ್ವಜ तालध्वज (सम्) सं.—बलराम ।

ತಾಲನಂದನ तालनंदन (सम्) सं.—ताड़ के वृक्षों का कुंज ।

ತಾಲಪತ್ರ तालपत्र, ತಾಲಪತ್ರಿಕೆ तालपत्रिके (सम्) सं.—ताड़ का पत्ता ; ताड़ के पत्ते से बनाया गया कर्णाभरण ।

ತಾಲಪರ್ಣಿ तालपर्णि (सम्) सं.—एक प्रकार सुगंध द्रव्य, वनसौंफ ।

ತಾಲಮಧು तालमधु (सम्) सं.—ताड़ी, शराब ।

ತಾಲವೃಂತ तालवृंत (सम्) सं.—पंखा, व्यजन ।

ತಾಲವ್ಯ तालव्य (सम्) वि० — तालू से संबंधित ।

ತಾಲಾಂಕ तालांक (सम्) सं०—बलराम ।

(१) ತಾಲಿ तालि (क) सं०— मांगल्य, मंगल-सूत्र का आभरण ।

(२) ತಾಲಿ तालि (तद्) सं०— स्थाली (तत्); कटोरा, बटलोई ।

ತಾಲೀಮು तालीमु (अ० दे०) सं० — तालिम (अरबी); शिक्षण; कुस्ती।

ತಾಲು तालु (सम्) सं०—तालू।

ತಾಲೂಕ तालूक, ತಾಲೂಕು तालूकु (अ० दे०) सं०— ताल्लुक, तहसील, ज़िले का एक भाग ।

ತಾವಡ तावड (क) सं०—पद्महार, पद्म-मणियों का हार।

ತಾವರೆ तावरे (क) सं०—कमल, पद्म ।

ತಾವಿ तावि (क) सं०—घोड़े के पैरों में पहनाने का चाँदी या सोने का वलय ।

(१) ತಾವು तावु (तद्) सं० =स्थानं (तत्); जगह, स्थान ।

(२) ತಾವು तावु (क) सर्व० — आप (आदर-सूचक); स्वयं, आप, खुद (अन्यपुरुष ब० व० में) ।

(३) ತಾವು तावु, ತಾವ ताव (अ० दे०) सं० —ताव, कागज़ का पन्ना ।

ತಾಸೀಲು तासीलु (अ० दे०) सं०—दे० ತಹಸೀಲು.

ತಾಸು तासु (क?) सं०—एक घंटा ।

ತಾಹಿ ताहि, ತಾಹೆ ताहे (क) सं०—दे० ತಾವು.

ತಾಳ್ ताळ्, ತಾಳು ताळु (क) क्रि० — सहन कर, सब्र कर, थोड़ा रह, थोड़ा ठहर, प्रतीक्षा कर, शांत रह; धारण कर, धर, वहन; पा ले, प्राप्त कर; क्षमा कर, मार्जन कर; डूब, झड़ ।

ತಾಳ ताळ (तद्) सं०—संगीत में ताल ।

ತಾಳದ ताळद, ತಾಳಿದ ताळिद, ತಾಳ್ದ ताळ्द, ತಾಳ್ಗು ताळ्गु (क) सं०— साग, उबालकर मिर्च-मसाला मिलाई हुई तरकारी ।

ತಾಳಿ ताळि (क) सं—दे० ತಾಲಿ (१)

ತಾಳಿಕೆ ताळिके ತಾಳಿಮೆ ताळिमे ತಾಳ್ಮೆ, ताळ्मे (क) सं० — सहनशीलता, सब्र करना, शांति, सहना ।

ತಾಳಿಸು ताळिसु (क) क्रि०—१. खाना परिपक्व कर या बना; तीक्ष्ण या नुकीला बना (जैसे आयुध) ।

ತಾಳು ताळु (क) क्रि०—दे० ತಾಳ್.

ತಾಳುಮೆ ताळुमे, ತಾಳುವಿಕೆ ताळुविके (क) सं० —दे० ತಾಳಿಕೆ.

ತಾಳೆ ताळे (तद्) सं०—तालः (तत्); ताड़ का पेड़ ।

ತಾಳ್ದು ताळ्दु (क) क्रि०—धर, धारण कर ।

(१) ತಾೞ್ ताळ् (तद्) सं० — तालः (तत्); ताड़ का पेड़ ।

(२) ತಾೞ್ ताळ् ತಾೞು ताळु (क) सं०—कुण्डी, अर्गला; धान, फूल आदि का तना; तल, निचला भाग, निम्नता ।

ತಾೞ ताळ (क) सं०—रथ्य, गाड़ी का निचला भाग ।

ತಾೞು ताळु (क) सं०— तना, डंटल, निचला भाग, तल ।

ತಾೞೆ ताळे (क) सं०—एक प्रकार का सुगंधित पुष्प (Pandanus flower) ।

ತಿಂಗಳ್ तिंगळ्, ತಿಂಗಳ तिंगळ, ತಿಂಗಳು तिंगळु (क) सं०—महीना, मास; चंद्र ।

ತಿಂಗಳಿಗೆ तिंगळिगे (क) सं०—तिलक, टीका ।

ತಿಂಗೊಡೆ तिंगोडे (क) सं०—संक्रांति का अगला दिन ।

ತಿಂಡಿ तिंडि (क) सं० — खाना, मिठाई, नाश्ता, अल्पाहार, भक्ष; खुजली ।

ತಿಂತಿಡಿ तिंतिडि, ತಿಂತ್ರಿಣಿ तिंत्रिणि (सम्) सं० —इमली, इमली का पेड़ ।

ತಿಂತಿಣಿ तिंतिणि (क) सं०—समूह, समुदाय, भीड़, श्रेणी, गिरोह, भीड़भाड़ । —ಇಸು इसु=भीड़ हो ।

ತಿಂತು तिंतु, ತಿಂದಿತು तिंदितु (क) क्रि० रू०—(उसने) खाया—नपुंसक लिंग—अन्यपुरुष एक वचन ।

ತಿಂದುಕ तिंदुक, ತಿಂದುಕಿ तिंदुकि (सम्) सं० —तेंदू का पेड़ ।

ತಿಂದೋಡಿ तिंदोडि (क) सं०—अपव्ययी, धन उड़ानेवाला ।

ತಿಂಬ तिंब (क) क्रि०—खाना खा, रोटी आदि खा । सं०—पूर्णता, अधिकता ।

ತಿಂಬು तिंबु (क) क्रि —भर, पूरा कर; खाना खा । ಹಸು ಹುಲ್ಲು ತಿಂಬುತ್ತದೆ हसु हुल्लु तिंबुत्तदे (या ತಿನ್ನುತ್ತದೆ तिन्नुत्तदे)—गाय घास खाती है ।

ತಿಂಬುವಿಕೆ तिंबुविके (क) सं०—खाना (Eating) ।

ತಿಕ್ಕಲು तिक्कलु (क) सं० — सनकी स्वभाव, पागलपन; तुतलाहट ।

ತಿಕ್ಕಿಸು तिक्किसु (क) क्रि० — रगड़वा, मर्दन करा ।

ತಿಕ್ಕು तिक्कु (क) क्रि०—मर्दन कर, रगड़; कठोर व्यवहार कर, दुःखा ।

ತಿಕ್ತ तिक्त (सम्) वि०—तीता, कड़ुआ ।

ತಿಗಟು तिगटु, ತಿಗಟೆ तिगटे, ತಿಗಡು तिगडु, ತಿಗಡೆ तिगडे, ತಿಗುಡು तिगुडु, ತಿಗುಡೆ तिगुडे, ತೊಗಟು तोगटु (क) सं०—छिलका, छाल, वल्कल ।

ತಿಗಡಿ तिगडि (क) सं०—कपट, छल, वंचना ।

ತಿಗಡುಗ तिगडुग (क) सं०— मण्डूकपर्ण नामक वृक्ष ।

(१) ತಿಗಡು तिगडु, ತಿಗಡೆ तिगडे (क) सं०— दे० ತಿಗಟು.

(२) ತಿಗಡು तिगडु (क) क्रि०—दे० ತಿಕ್ಕು.

ತಿಗಣೆ तिगणे (क) सं०—खटमल ।

ತಿಗರಿ तिगरि, ತಿಗುರಿ तिगुरि (क) सं०—चक्र, कुम्हार का चक्र ।

ತಿಗಳ तिगळ, ತಿಗುಳ तिगुळ (क) सं०—तमिळ-वाला, द्रविड ।

ತಿಗಳಗಿತ್ತಿ तिगळगित्ति, ತಿಗಳತಿ तिगळति (क) सं०—ತಿಗಳ तिगळ का स्त्री० लिं०, तमिळ-वाली, द्रविड स्त्री ।

ತಿಗುಡು तिगुडु, ತಿಗುಡೆ तिगुडे (क) सं०—दे० ತಿಗಟು.

ತಿಗುಣೆ तिगुणे (क) सं०—दे० ತಿಗಣೆ.

ತಿಗುರಿ तिगुरि (क) सं०—दे० ತಿಗರಿ.

(१) ತಿಗುರು तिगुरु (क) क्रि०— मल, माँज,

मर्दन कर, रगड़, लेपन कर । सं.—सुगंधि. उत्सादन ।
(२) ತಿಗುರು तिगुरु (क) सं.—दे. ತಿಗರಿ.
ತಿಗುಳ तिगुळ (क) सं.—दे. ತಿಗಳ.
ತಿಗುಳಿತಿ तिगुळिति (क) सं.— ತಿಗಳಗಿತ್ತಿ.
ತಿಗ್ಮ तिग्म (सम्) सं.—गरमी. तीतापन ।— ಅಂಶು अंशु, ಕರ कर (सम्) सं.—सूर्य ।
ತಿಟ್ಟ तिट्ट (क) सं.—राशि, ढेर; परिमाण, संख्या ।
ತಿಟ್ಟನೆ तिट्टने, ತಿರ್‍ರನೆ तिर्‍रने (क) अ.—चक्कर काटते हुए, विभ्रम से ।
ತಿಟ್ಟು तिट्टु (क) सं.—उन्नत भूमि, टीला, पहाड़ी । क्रि.—गाली दे, कोस, भर्त्सना कर ।
ತಿಟ್ಟೆ तिट्टे (क) सं.—टीला, पहाड़ी ।
ತಿಣಕು तिणकु, ತಿಣಿಕು तिणिकु, ತಿಣುಕು तिणुकु (क) क्रि.—साँस रोककर दबा, दबा, कष्ट-पूर्ण प्रयत्न कर, कष्ट सह; अपानवायु छोड़ ।
ತಿಣಿ तिणि (क) क्रि.— मिल, हिल-मिल, भीड़ हो, संकीर्ण हो ।
ತಿಣ್ಣ तिण्ण, ತಿಣ್ಪು तिण्पु (क) वि.— मोटा, बड़ा, भारी, वजनदार; अधिक, ज्यादा, बहुत ।
ತಿತವು तितवु (सम्) सं.—छाता; चलनी ।
ತಿತಿಕ್ಷು तितिक्षु (सम्) वि.— सहनशील, धैर्यवान् ।
ತಿತ್ತಣ तित्तण, ತಿತ್ತಿಣ तित्तिण (क) सं.—वीणा की ध्वनि ।
(१) ತಿತ್ತಿರಿ तित्तिरि (सम्) सं.—तीतर ।
(२) ತಿತ್ತಿರಿ तित्तिरि, ತುತೂರಿ तुतूरि, ತುತ್ತಾರಿ तुत्तारि, ತುತ್ತೂರಿ तुत्तूरि (क) सं.—सींगी, तुरही ।
ತಿಥಿ तिथि (सम्) सं.— [ತಿತಿ तिति—तद्] —दिन, मिति, तारीख, चाँद्रदिवस, पंद्रह की संख्या ।
ತಿದ್ದಿಕೆ तिद्दिके (क) सं.—शुद्धि, सही करना, सुधारना ।
ತಿದ್ದಿಸು तिद्दिसु (क) क्रि.—सही करा; ठीक करा, शुद्ध करा, जाँच करा, सुधार करा ।
ತಿದ್ದು तिद्दु (क) क्रि.—सीधा कर, सही कर, ठीक कर, शुद्ध कर, जाँच, सुधार कर, परीक्षा कर । सं.—सुधार, शुद्धि, जाँच, ठीक करना ।
ತಿದ್ದುವಿಕೆ तिद्दुविके (क) सं.—दे. ತಿದ್ದಿಕೆ.
ತಿನ್ तिन्, ತಿನ್ನು तिन्नु (क) क्रि.— खा, चबा, भोजन कर ।
ತಿನಸ तिनस, ತಿನಸು तिनसु (क) सं.—खाद्य पदार्थ, अन्न, आहार; खुजली । क्रि.—खिला, खाने दे (प्रे.) ।
ತಿನಾಳಿ तिनाळि, ತೀನಾಳಿ तीनाळि (क) सं.—पेटू, खाऊ ।
ತಿನಿ तिनि, ತಿನ್ನಿ तिन्नि (क) वि.—खानेवाला ।
ತಿನಿಸು तिनिसु (क) सं. और क्रि. — दे. ತಿನಸು.
ತಿನ್ನ तिन्न (क) सं.—जूठन, उच्छिष्ट ।
ತಿನ್ನಾಳಿ तिन्नाळि (क) सं.—दे. ತಿನಾಳಿ.
ತಿನ್ನಿಸು तिन्निसु (क) क्रि.—खिला (प्रे.) ।
ತಿನ್ನು तिन्नु (क) क्रि. — खा, चबा, भोजन कर ।
ತಿಪ್ಪಲಿ तिप्पलि (क) सं.— पिप्पली, बड़ी पीपल ।
ತಿಪ್ಪುಳ್ तिप्पुळ् (क) सं.—पक्षी का पर, पंखा, डैना ।
ತಿಪ್ಪೆ तिप्पे (क) सं—कूड़ा-करकट की राशि, गोबर की राशि, कूड़ा-करकट का गड्ढा ।
ತಿಬ್ಬಳಿ तिब्बळि (क) सं— समझदारी, बुद्धि-मत्ता, ज्ञान ।
ತಿಬ್ಬು तिब्बु, ತಿರು तिरु, ತಿರುವು तिरुवु, ತಿರ್ಪು तिर्पु, ತಿರ್ಬು तिर्बु (क) सं.— धनुष की प्रत्यंचा या डोरी ।
ತಿಮರ तिमर, ತಿಮರು तिमरु, ತಿಮಿರ तिमिर, ತಿಮಿರು तिमिरु, ತೀಟ तीट, ತೀಟೆ तीटे, ತೆವಲು तेवलु, ತೆವುಲು तेवुलु (क) सं.—खुजली. खुजलाहट ।
ತಿಮಿ तिमि (क) क्रि. — चुभ, भोंक, मुष्टि प्रहार कर, मुष्टि से मार ।
ತಿಮಿರ್ तिमिर्, ತಿಮಿರು तिमिरु (क) क्रि.—त्वचा को मलकर साफ़ कर; सुरसुरा ।
(१) ತಿರಕ तिरक, ತಿರುಕ तिरुक (क) सं.—भिक्षुक, भिखारी. भिखमँगा ।
(२) ತಿರಕ तिरक (तद्) सं.—तिलक ।
ತಿರಕಿ तिरकि, ತಿರುಕಿ तिरुकि (क) सं.—भिक्षुणी, भिखारिन ।
ತಿರಗಣಿ तिरगणि, ತಿರಗಣೆ तिरगणे. ತಿರುಗಣಿ तिरुगणि, ತಿರುಗಣೆ तिरुगणे, ತಿರುಗುಣಿ तिरुगुणि (क) सं.—नेमी, चरखी; चक्कर, भ्रमण; भँवर ।
ತಿರಗಿಸು तिरगिसु (क) क्रि.—घुमा, मोड़ ले ।
ತಿರಗು तिरगु (क) क्रि.—मुड़, घूम, चक्कर काट, घूम फिर ।
ತಿರಪ तिरप, ತಿರಪೆ तिरपे (क) सं. — भीख माँगना, भीख ।
ತಿರವು तिरवु (क) क्रि.—घुमा, पीस, भ्रमण करा । सं.—सड़क की मोड़ या घुमाव ।
ತಿರಸ್ಕರಣ तिरस्करण, ತಿರಸ್ಕಾರ तिरस्कार, (सम्) सं.—अपमान, अनादर, निंदा ।
ತಿರಸ್ಕ್ರಿಯೆ तिरस्क्रिये (सम्) सं.—अपमान, अनादर, निंदा, उपेक्षा ।
ತಿರಳು तिरळु (क) सं.—सार. पिण्ड, गूदा; मूल्य, महत्व ।
ತಿರಿ तिरि (क) क्रि. — घूम, फिर. भटक; भीख माँगते फिर । सं. — मोड़, तिरछा स्थान ।
ತಿರಿಕೆ तिरिके (क) सं.—भीख माँगते फिरना ।
ತಿರಿಗಿಸು तिरिगिसु (क) क्रि.—दे. ತಿರಗಿಸು.
ತಿರಿಗು तिरिगु (क) क्रि.—दे. ತಿರಗು.
ತಿರಿಚು तिरिचु (क) क्रि.—तिरछा कर, घुमा, मरोड़, ऐंठ ।
ತಿರಿಪು तिरिपु (क) क्रि.—घुमा, फेर ।
ತಿರಿವು तिरिवु (क) क्रि.—चारों ओर चक्कर कटवा, घुमा; पीस ।
ತಿರಿಹು तिरिहु (क) क्रि.—दे. ತಿರಿಪು.
ತಿರು तिरु (क) सं.—ऐंठ, धनुष की डोर; माँगना, याचना करना, भीख ।
ತಿರು तिरु (तद्) सं. — श्री (तत्)— मण्णु=पवित्र मिट्टी ।
ತಿರುಕ तिरुक (क) सं.—दे. ತಿರಕ.
ತಿರುಕಿ तिरुकि (क) सं.—दे. ತಿರಕಿ.

ತಿರುಗಣಿ तिरुगणि, ತಿರುಗಣೆ तिरुगणे (क) सं. —दे. ತಿರಗಣಿ.
ತಿರುಗಿಸು तिरुगिसु (क) क्रि.—दे. ತಿರಗಿಸು.
ತಿರುಗು तिरुगु (क) क्रि.—दे. ತಿರಗು.
ತಿರುಗುಣಿ तिरुगुणि (क) सं.—दे. ತಿರಗಣಿ.
ತಿರುಗುವಿಕೆ तिरुगुविके (क) सं. — घुमक्कड़ी, घूमना-फिरना, भ्रमण।
ತಿರುಗುಹ तिरुगुह (क) सं.—निष्कृति, ऋण से छुटकारा।
ತಿರುಪ तिरुप (क) सं.—दे. ತಿರಪ.
ತಿರುಪು तिरुपु (क) सं.—घूमनेवाला, सोने या चाँदी के आभरण (कर्णाभरण, नथ आदि) की स्क्रू। क्रि.—चक्कर काटने दे, घुमा।
ತಿರುಪೆ तिरुपे (क) सं.—दे. ತಿರಪ. — ಗಾರ गार=भिखारिणी।
(१) ತಿರುವು तिरुवु (क) क्रि. — घुमा, फेर, चक्कर काटने दे। —ಕಲ್ಲು कल्लु (क) सं.— (ओखली में) पीसने का पत्थर।
(२) ತಿರುವು तिरुवु (क) सं.—घूमना, फिरना; धनुष की डोर।
ತಿರುಹು तिरुहु (क) क्रि.—फिरा, घुमा, चक्कर काटने दे। सं.—फेर, चक्कर।
ತಿರುಳ್ तिरुळ्, ತಿರುಳು तिरुळु (क) सं. ತಿರಳು.
ತಿರೋಧಾನ तिरोधान (सम्) सं.—अंतर्धान, लोप, अदृश्य होना। —ಇಸು इसु (सम्) क्रि.—अंतर्धान हो, दिखाई न पड़, छिप जा।
ತಿರ್ तिर्, ತಿರು तिरु (क) क्रि. — विनिमय कर; प्रदान कर, दे दे।
ತಿರ್ तिर्, ತಿರಿ तिरि (क) सं. — शीघ्रता से किसी चीज़ को फेंकने की क्रिया। ತಿರಿ तिरि (क) क्रि.—काट, काट डाल; जुदा।
ತಿರ್ಚು तिर्चु, ತೀರ್ಚು तीर्चु (क) क्रि. — चुका, पूरा कर; परिहार कर; नाश कर।
ತಿರ್ದು तिर्दु (क) क्रि.—सीधा कर। सं.—सीधापन।
ತಿರ್ಪು तिर्पु, ತಿರ್ವು तिर्वु (क) सं. — धनुष की डोरी।
ತಿರ್ಯಕ್ तिर्यक्, ತಿರ್ಯಂಚ್ तिर्यंच् (सम्) वि. — टेढ़ा, तिरछा, बाँका, झुका हुआ, चक्र, मुड़ा हुआ। सं.—टेढ़ी चाल चलनेवाला पशु या पक्षी।
ತಿಲ तिल (सम्) सं. - तिल; तिल का पौधा।
ತಿಲಕ तिलक (सम्) सं. — वृक्ष विशेष (क्षुरक); शरीर पर का छोटा-सा काला चिह्न विशेष; तिलक; टीका; अलंकरण; दो वृत्तों का नाम; एक प्रकार का घोड़ा; फुफ्फुस; फूली हुई कोई वस्तु। — ತರು तरु (सम्) सं.—क्षुरक वृक्ष।
ತಿಲಜ तिलज (सम्) सं.—तिल का तेल।
ತಿಲ್ಯ तिल्य (सम्) सं.—तिल का खेत।
ತಿಲ್ಲಾನ तिल्लान (क) सं.—एक तरह का गीत।
ತಿವಿ तिवि (क) क्रि. — चुभ, भोंक; मुष्टि प्रहार कर, मुष्टि से मार; कुत्ते के गले के बंधन को खोल। वि.—चुभनेवाला।
ತಿವಿತ तिवित (क) सं.—चुभना, चुभन, भोंकन।
ತಿಷ್ಯ तिष्य (सम्) सं. — पुष्य नक्षत्र; पौष मास।
ತಿಸುಳ तिसुळ (तद्) सं. — त्रिशूल (तत्), त्रिशूल।
ತಿಳಲಿಯಾಟ तिळलियाट (क) सं.—एक प्रकार का खेल जमीन पर लकीरें खींचकर आमने-सामने के दल पार करने का प्रयत्न करते हैं।
ತಿಳಲು तिळलु (क) सं.—दे. ತಿರಳು.
ತಿಳವಳಿಕೆ तिळवळिके, ತಿಳುವಳಿಕೆ तिळुवळिके, (क) सं.—समझ, बुद्धि, ज्ञान, जानकारी।
ತಿಳಿ तिळि (क) क्रि. — समझ, जान, ज्ञान प्राप्त कर, जानकारी प्राप्त कर; समझ में आ, साफ़ हो, निर्मल हो; मालूम हो। सं.— निर्मलता, स्वच्छता, समझ, समझदारी, सूझ, मालूम होना, स्पष्टता; चषक, पीने का बर्तन।
ತಿಳಿಪು तिळिपु (क) क्रि.—समझा, मालूम करा, जता; शांत कर, क्रोध का उपशमन कर; शांत रह; तृप्ति पा; स्पष्ट कर, बता।
ತಿಳಿಯುವಿಕೆ तिळियुविके (क) सं. — जानना, ज्ञान, अनुभव।
ತಿಳಿವಳಿಕೆ तिळिवळिके (क) सं. —दे. ತಿಳವಳಿಕೆ
ತಿಳಿಕೆ तिळिके (क) सं.—दे. ತಿಳಿಯುವಿಕೆ.
ತಿಳಿವು तिळिवु (क) सं.—शांति, स्नेह, सौहार्द, प्रणय; ज्ञान, जानकारी, बुद्धि।
ತಿಳಿಸು तिळिसु, ತಿಳಿಹು तिळिहु (क) क्रि.—दे. ತಿಳಿಪು.
ತಿಳು तिळु, ತಿಳುಕೊಳ್ಳು तिळुकोळ्ळु (क) क्रि. —जान ले, समझ ले; मालूम कर।
ತಿಳುಪು तिळुपु (क) क्रि.— ತಿಳಿಪು.
ತಿಳುವಳಿಕೆ तिळुवळिके, ತಿಳುವಿಕೆ तिळुविके (क) सं.—दे. ತಿಳವಳಿಕೆ.
ತಿಳುವು तिळुवु (क) सं. = ತೆಳುವು तेळुवु — कृशता, महीन या पतला होना।
ತಿಳುಹಿಸು तिळुहिसु (क) क्रि.—समझा, जता, ज्ञान करा, मालूम करा।
ತಿಳುಹು तिळुहु (क) सं. — ज्ञान, जानकारी, बुद्धि, मति।
ತೀ ती (क) क्रि.—जल, दग्ध हो, झुलस। सं.—आग।
ತೀಂಟೆ तींटे (क) सं.—दे. ತೀಟೆ.
ತೀಕ್ಷ್ಣ तीक्ष्ण (सम्) वि.—पैना, तीव्र; गरम; उग्र, प्रचंड; कड़ा, जोरदार, दृढ़; कर्कश, कठोर, टेढ़ा; हानिकर, अशुभ; कुशाग्र; चतुर, बुद्धिमान; डाही; त्यागी, भक्त। सं. —विष; कोई आयुध; तीव्रता, तीक्ष्णता, लोहा; युद्ध, समर।
ತೀಗೆ तीगे (क) सं. — लता, लतिका; तार, वीणा का तार।
ತೀಟ तीट (क) सं.—रगड़ना, फूंकना।
ತೀಟೆ तीटे (क) सं.—खुजली, खुजलाहट, सुरसुरी; अत्यधिक कामना; तीव्रेच्छा, लालसा; व्यर्थ झगड़ा; सरोकार।
ತೀಡು तीडु (क) क्रि.—मल, रगड़, दबा, तेज़ कर, तीक्ष्ण कर; सुधार; हवा बह, झल, छू, स्पर्श कर; रो, रोदन कर; ऐंठन डाल।
ತೀನಾಳಿ तीनाळि (क) सं.— खाऊ, पेटू।
ತೀನಿ तीनि (क) सं.—खाना, आहार, भोजन।
ತೀನಿಹಾಳಿ तीनिहाळि (क) सं.—दे. ತೀನಾಳಿ.
ತೀನು तीनु (क) सं.—मेड़ का खूँटा।
ತೀಬು तीबु (क) सं.—लौंग, लौंग का वृक्ष।

ತೀರ್ तीर्, ತೀರು तीरु (क) क्रि.— अंत हो, समाप्त हो, पूरा हो, चुक; मर जा, चल बस; (क़र्ज़ आदि) चुक जा।

(१) ತೀರ तीर (क) सं.-समाप्ति, अंत; निर्णय, व्यवस्था, प्रबंध, फैसला; सौंदर्य; ढंग, विधान, विशेष प्रकार का स्वभाव या आदत।

(२) ತೀರ तीर (सम्) सं —किनारा, तट, कूल, छोर।

ತೀರಮೆ तीरमे (क) सं.—समाप्ति, अंत, उपसंहार; पूर्णता।

ತೀರಿ तीरि (सम्?) सं.—एक प्रकार का बाण; एक प्रकार का धनुष।

ತೀರಿಕೆ तीरिके (क) सं. — समाप्ति, अंत, निर्णय, फैसला; अवकाश, फुरसत।

ತೀರಿಸು तीरिसु (क) क्रि.— पूरा कर, समाप्त कर, चुका; निर्णय कर, फैसला कर।

ತೀರು तीरु (क) क्रि.-दे. ತೀರ್ सं.—समाप्ति, अंत, अवसान; निर्णय, फैसला; सौंदर्य; विधान, ढंग, विशेष प्रकार की प्रवृत्ति या आदत।

ತೀರು तीरु, ತೀರ್ तीर् (तद्) सं. — तीर, बाण।

ತೀರುಕಣಿ तीरुकणि (क) सं.—समाप्ति, अंत; व्यय, खर्च।

ತೀರುವಿಕೆ तीरुविके (क) सं.—अंत, समाप्ति; निर्णय, फैसला।

ತೀರುವೆ तीरुवे (क) सं.—बाकी; लगान, कर; शुल्क।

ತೀಱ್ तीऱ्, ತೀಱು तीऱु (क) क्रि. — खा, भक्षण कर।

ತೀಱೆ तीऱे (क) सं.—कीड़े मकोडे; एक रोग।

ತೀರ್ಥ तीर्थ (सम्) सं. — ತೀರತ तीरत—(तद्)—रास्ता, मार्ग, घाट, सोपान; पुण्यक्षेत्र, जलस्थान; नदी, तटाक; हाथ के कई भाग जो देवकार्य और पितृकार्य के लिए पवित्र माने जाते हैं; पवित्र व्यक्ति, आदि दर्शन, षड्दर्शन; सद्वंशज, ब्राह्मण; अष्टादश; मंत्री जो राजा के सहायक होते हैं; यति, मुनि; विद्वान; जिन; पतिव्रता स्त्री; गुरु, आचार्य; भग, योनि; पताका, ध्वज; पवित्र जल। ತೀರ್ಥಕ್ಕಿಂತ ಶ್ರೇಷ್ಠವಿಲ್ಲ ಪಾರ್ಥಗಿಂತ ದೊರೆಯಿಲ್ಲ तीर्थक्किंत श्रेष्टविल्ल पार्थगिंत दोरेयिल्ल—तीर्थ से बढ़कर कोई वस्तु नहीं, पार्थ से बढ़कर कोई राजा नहीं, (कह.)।

ತೀರ್ಥಪಾದ तीर्थपाद, ತೀರ್ಥರೂಪ तीर्थरूप (सम्) सं.—आदरणीय व्यक्ति; पिता।

ತೀರ್ಥಯಾತ್ರೆ तीर्थयात्रे, ತೀರ್ಥಯಾನ तीर्थयान (सम्) सं.— तीर्थाटन।

ತೀರ್ಥಶ್ರಾದ್ಧ तीर्थश्राद्ध (सम्) सं. — तीर्थस्थानों में किया जानेवाला श्राद्धकर्म।

ತೀರ್ಥಸ್ವರೂಪ तीर्थस्वरूप (सम्) सं. — दे. ತೀರ್ಥಪಾದ.

ತೀರ್ಪು तीर्पु (क) सं.—निर्णय, फैसला, न्याय।

ತೀವು तीवु (क) क्रि.—भर, पूर्ण हो, छलक, अधिक हो।

ತೀವ್ರ तीव्र (सम्) वि.—गरम, उष्ण; उग्र, प्रचंड; व्यापक; चमकीला; अनंत; असीम; भयानक, डरावना; तीक्ष्ण।

ತು तु (सम्) अ.—किंतु, लेकिन; प्रत्युत; और; सचमुच।

(१) ತುಂಗ तुंग (सम्) सं.—ऊंचाई, उठान; पर्वत; शिखर, चोटी; गेंडा; बुधग्रह; नारियल का वृक्ष। वि. — ऊँचा, उन्नत, लंबा, प्रधान, दृढ़।

(२) ತುಂಗ तुंग, ತುಂಗೆ तुंगे (क) सं. — एक प्रकार का कंद; पीठर या कुरुविंद नामक कंद।

ತುಂಗಭದ್ರ तुंगभद्र, ತುಂಗಭದ್ರೆ तुंगभद्रे (सम्) सं.—तुंगभद्रा नदी।

ತುಂಟ तुंट (क) सं.—नटखट, उपद्रव करनेवाला, दुष्ट, नीच पुरुष। — ಕತನ कतन, ತನ तन (क) सं. — नटखटी, नटखटपन; दुष्टता; नीचता।

ತುಂಟಿ तुंटि (क) सं.—नटखट लड़की या स्त्री।

ತುಂಟು तुंटु (क) सं. — नटखटी, दुष्टता, नीचता।

ತುಂಡ तुंड (सम्) सं.—मुख, चेहरा, चोंच, थूथन (सुअर का); हाथी की सूँड; औज़ार की नोंक।

ತುಂಡಂಗಿ तुंडंगि (क) सं.—झींगुर, कनखजूरा, चपड़ा।

ತುಂಡಿ तुंडि (सम्) सं.—चेहरा, मुख; चोंच।

ತುಂಡಿಕೇರಿ तुंडिकेरि (सम्) सं.—कपास का पौधा; कुंदरु की बेल।

ತುಂಡಕೇಶಿ तुंडकेशि (सम्) सं. — कुंदरु की बेल।

ತುಂಡಿಲ तुंडिल (सम्) वि.—बातूनि, गप्पी, कटुभाषी)

ತುಂಡಿಸು तुंडिसु (क) क्रि.—काट, टुकड़े कर; टुकड़े हो।

ತುಂಡು तुंडु (क) सं.—टुकड़ा, अंश, भाग, छोटा अंश; नटखटी, दुष्टता।

ತುಂಡುತನ तुंडुतन (क) सं.—दे. ತುಂಟು.

ತುಂತುರು तुंतुरु, ತುಂತುಱು तुंतुऱु (क) सं.—छोटी बूँद, वर्षा की बूँद, फुहार, फुहारा, जलकण।

ತುಂತುರಿ तुंतुरि ತುಂತುಱಿ तुंतुऱि (क) सं.—दे. ತುಂತುರು.

ತುಂದ तुंद (सम्) सं. — पेट, तोंद। ಪರಿಮಾರ್ಜ परिमार्ज, ಪರಿಮೃಜ परिमृज (सम्) सं.—सुस्त या आलसी पुरुष।

ತುಂದಿಕ तुंदिक, ತುಂದಿಲ तुंदिल, ತುಂದಿಭ तुंदिभ (सम्) वि.—बड़े पेटवाला।

ತುಂಬ तुंब, ತುಂಬಾ तुंबा (क) अ.—पूरा, पूर्णरूपेण, बहुत।

ತುಂಬರ तुंबर, ತುಂಬುರು तुंबुरु (क) सं.—तितिसारक नामक पेड़ (The wild mangosteen tree)।

ತುಂಬರಿ तिंबरि (क) सं.—दे. ತುಂಬರ.

(१) ತುಂಬಿ तुंबि, ತುಂಬೆ तुंबे (क) सं.—भ्रमर, बड़ा भौंरा, मधकर।

(२) ತುಂಬಿ तुंबि, ತುಂಬು तुंबु (सम्) सं.—तूंबी, तोमड़ी।

ತುಂಬಿಕೆ तुंबिके (क) सं.—पूर्णता, भराव।

ತುಂಬಿಸು तुंबिसु (क) क्रि.—भरा, पूर्ण करा; भरवा (प्रे.)।

ತುಂಬು तुंबु (क) क्रि.—भर, पूर्ण हो, संपूर्ण हो; सशक्त हो; भर, पूर्ण कर; आ (उदा.

–ದೇವರು ಅವನ ಮೈ ತುಂಬಿ ಬಂದ देवरु अवन मै तुंबि बंद—भगवान् उसके शरीर पर आये) सं.—भराव, पूर्णता ; वृंत, डंठल, नाभि, पिंडिका।

(१) ತುಂಬುರ तुंबुर, ತುಂಬುರು तुंबुरु (सम्) सं.—एक गंधर्व का नाम।

(२) ತುಂಬುರು तुंबुरु (क) सं.—दे. ತುಂಬರ.

ತುಂಬೆ तुंबे (क) सं.—दे. ತುಂಬಿ ; द्रोण, सफ़ेद (छोटे-छोटे) फूलों का पौधा।

ತುಕಡ तुकड, ತುಕಡಿ तुकडि (अ. दे.) सं.—सेना का एक भाग, टुकड़ी, रोटी का टुकड़ा।

ತುಕ್ಕ तुक्क, ತುಕ್ಕು, तुक्कु (क) सं. — ज़ंग, मुरचा, धातु का मैल।

ತುಕ್ಕಡ तुक्कड, ತುಕ್ಕಡಿ तुक्कडि (क) सं.—दे. ತುಕಡ.—ದಾರ दार (अ. दे.) सं. — ज़िले का अधिकारी।

ತುಕ್ಕು तुक्कु (क) सं.—दे. तुक्क क्रि. — भीड़ हो, घेर, झपट।

ತುಚ್ಛ तुच्छ (सम्) वि. — हलका, खाली, रहित, व्यर्थ ; नीच, कमीना ; छोटा, तिरस्करणीय ; गरीब, अभागा।

ತುಟಾರ तुटार (क?) सं.—उपेक्षा, तिरस्कार, घृणा, निंदा।

ತುಟಿ तुटि (क) सं.—अधर, होंठ, ओष्ट।

ತುಟ್ಟತುದಿ तुट्टतुदि (क) सं.—बिलकुल अंतिम (वस्तु)।

ತುಟ್ಟಿ तुट्टि (तद् ?) सं त्रुटि (तत् ?) — मँहगाई, अधिक दाम, बहुत दाम।

ತುಟ್ಟಿಸು तुट्टिसु (क) क्रि.—शक्ति कम हो या घट, निर्बल हो।

ತುಡಗ तुडग (क) सं.—चोर, तस्कर, दग़ाबाज, ठग।

ತುಡಗಿ तुडगि (क) सं.—स्त्री चोर, ठगिनी, धोखेबाज़ स्त्री।

ತುಡಗು तुडगु (क) सं.—चोरी, डकैती, लूटमार, धोखा, दग़ा, चोरी गई वस्तु।

ತುಡಗೆ तुडगे (क) सं.—दे. ತುಡಿಗೆ.

ತುಡಿ तुडि (क) सं.—चोरी का माल।

ತುಡಿಕೆ तुडिके (क) सं.—फल का भंडार।

ತುಡಿಗೆ तुडिगे (क) सं.—पहनने के वस्त्र, पहनावा, गहना।

ತುಡಿಯಿಸು तुडियिसु, ತುಡಿಸು तुडिसु, ತೊಡಿಸು तोडिसु (क) क्रि.—पहना, पहनवा, धारण करा या करवा।

ತುಡು तुडु (क) क्रि.—पहन, धर, धारण कर ; धनुष पर (बाण) चढ़ा। सं. — पहनना, धारण।

ತುಡುಕಿಸು तुडुकिसु (क) क्रि.—ग्रहण कर, पकड़वा, झट पकड़वा।

ತುಡುಕು तुडुकु (क) क्रि.—सत्वर, ग्रहण कर, झट पकड़, छीन।

ತುಡುಗ तुडुग (क) सं.—दे. ತುಡಗ — ತನ तन=चोरी ; धोखा ; नटखटी।

ತುಡುಗಿ तुडुगि (क) सं.—दे. ತುಡಗಿ.

ತುಡುಗು तुडुगु (क) स.—दे. ತುಡಗು.

ತುಡುಗೆ तुडुगे (क) सं.—दे. ತುಡಿಗೆ.

ತುಡುಂಕು तुडुंकु (क) क्रि.—दे. ತುಡುಕು.

ತುಡುಪು तुडुपु (क) सं.—नौकादण्ड, नाव का डंडा।

ತುಡುಬು तुडुबु (क) सं.—एक प्रकार का ढोल।

ತುಣಕ तुणक (क) सं. — टुकड़ा, भाग, हिस्सा।

ತುಣಕು तुणकु (क) सं. — टुकड़ा, हिस्सा। क्रि.— हिला।

ತುಣಿ तुणि (क) क्रि.—चल, पग रख ; पैर से कुचल।

ತುಣುಕಿಸು तुणुकिसु (क) क्रि.—हिलवा (प्रे)।

ತುಣುಕು तुणुकु (क) क्रि. — हिल, हिलकर नीचे गिर (जैसे बर्तन से पानी गिरता है)।

ತುತೂರಿ तुतूरि, ತುತ್ತಾರಿ तुत्तारि, ತುತ್ತೂರಿ तुत्तूरि (क) सं.—दे. ತಿತ್ತಿರಿ (२).

ತುತ್ತಿದ तुत्तिद (क) सं.—निपुण, चतुर पुरुष।

ತುತ್ತು तुत्तु (क) सं.—कौर, मुँहभर, ग्रास।

ತುದಿ तुदि, ತುತ್ತ तुत्त (क) सं.—अंतिम भाग, नोंक, अग्र भाग, सिरा।

ತುಪಟ तुपट, ತುಪ್ಪಟ तुप्पट (क) सं.—ऊन, कोमल रोम, पश्मीना।

ತುಪಾಕ तुपाक, ತುಪಾಕಿ तुपाकि (अ. दे.) सं.—तोप (तुर्की) ; बंदूक।

ತುಪಾನು तुपानु, ತುಫಾನು तुफानु (अ. दे.) सं.—तूफ़ान (अरबी) ; आँधी।

ತುಪ್ಪ तुप्प (क) सं.—घी, घृत।

ತುಪ್ಪಟ तुप्पट, ತುಪ್ಪಟೆ तुप्पटे (क) सं.—दे. ತುಪಟ.

ತುಪ್ಪಳ तुप्पळ, ತುಪ್ಪಳು तुप्पळु (क) सं.—कोमल रोम ; ऊन ; पशुओं के कोमल रोम।

ತುಪ್ಪುಳ್ तुप्पुळ् (क) सं.— पंख, फर ; कोमल रोम ; खरगोश आदि के कोमल रोम।

ತುಬಟ तुबट (क) सं.—दे. ತುಪಟ.

ತುಬಾಕಿ तुबाकि (अ. दे.) सं.—दे ತುಪಾಕ.

ತುಬ್ಬು तुब्बु (क) क्रि.—चोर को पहचान, अमुक चोर है—यह सूचित कर। सं.—खोजा जाना।

ತುಮಕಿ तुमकि ತುಮರಿ तुमरि (क) सं. — दे. ತುಂಬರ.

ತುಮುಲ तुमुल, ತುಮುಲು तुमुलु (सम्) वि. शोरगुल मचानेवाला, कोलाहल, शोरगुल।

ತುಮುಳ್ तुमुळ् (क) क्रि.—चेत, होश में आ, जाग ; प्रसन्न हो, प्रबोधित हो।

ತುಯ್ तुय् (क) क्रि.—भीग, गीला हो।

ತುಯಿ तुयि (क) क्रि.—खींच, घसीट ; पसार।

ತುಯ್ಯಲ್ तुय्यल्, ತುಯ್ಯಲು तुय्यलु (क) सं. पायस, खीर।

ತುರಕ तुरक, ತುರುಕು तुरुकु (अ. दे.) सं. — तुर्क, मुसलमान।

ತುರಕಿ तुरकि (अ. दे.) सं. — तुर्क देश का घोड़ा।

ತುರಗ तुरग (सम्) सं.—घोड़ा ; सात की संख्या।—ಮೇಧ मेध=अश्वमेध।

ತುರಂಗ तुरंग (सम्) सं. — घोड़ा ; जेल ; अनुप्रास का एक भेद।— ವದನ वदन=किन्नर ; हयग्रीव।

ತುರಂಗಮ तुरंगम (सम्) सं.—घोड़ा ; एक वृत्त।

ತುರಾಯ तुराय, ತುರಾಯಿ तुरायि (अ. दे.) सं.—तुर्रा (अरबी) ; पगड़ी के ऊपर रखने का एक आभरण ; फूलों का बंधा गुच्छा

जो आदरार्थ आदरणीय व्यक्ति के हाथ में दिया जाता है ।

ತುರಾಷಾಟ್ तुराषाट्, ತುರಾಷಾಹ್ तुराषाह् (सम्) सं.—इन्द्र ।

ತುರಿ तुरि, ತುರುವು तुरुवु (क) क्रि.—खराश, तराश । सं.—खुजली, खुजलाहट ।

ತುರೀಯ तुरीय (सम्) वि. — चौथा । —वर्ण=शूद्र ।

ತುರುಕ तुरुक(अ. दे.) सं. दे. —ತುರುಕ.

ತುರುಕಿತಿ तुरुकिति (अ. दे.) सं. = मुस्लिम स्त्री ।

ತುರುವು तुरुवु (क) क्रि. और सं.—दे. ತುರಿ.

ತುರುಷ್ಕ तुरुष्क (सम्) सं.—दे. ತುರಕ.

ತುಱುಕು तुरुकु (क) क्रि.—दे. ತುಱುಕು.

ತುಱುಗು तुरुगु (क) क्रि.—दे. ತುಱುಗು.

ತುಱುಚಿ तुरुच्चि (क) सं.—एक पौधा विशेष ।

ತುಱುಸು तुरसु, ತುಱಿಸು तुरिसु (क) क्रि.—खुरच, नोच ।

ತುಱಿಕೆ तुरिके (क) सं.—खुजली, खुजलाहट ।

ತುಱಿಚು तुरिचु (क) क्रि.—दे. ತುಱುಸು.

ತುಱು तुरु, [ತುರು तुरु] (क) सं.—गाय, गौ ; मीठा नीम ।—ಕಾರ कार, ಕಾಱ कार् (क) सं.—चरवाहा, ग्वाला ।

ತುಱುಕು तुरुकु, [ತುರುಕು तुरुकु] (क) क्रि.—ठूँस, घुसेड़, दबाकर भर।

ತುಱುಗ तुरुग, ತುಱುಗು तुरुगु (क) सं. — भीड़, जमाव ।

ತುಱುಗಲ್ तुरुगल् (क) सं. – भीड़, जमाव ।

ತುಱುಗಾಱ तुरुगार, [ತುರುಗಾರ तुरुगार] (क) सं.—गोपालक, ग्वाला ।

ತುರುಗಾರ್ತಿ तुरुगार्ति (क) सं. — गोपकान्ता, ग्वालिन ।

ತುಱುಗು तुरुगु (क) क्रि.—भीड़ हो, जमाव हो, घिर आ, एकत्रित हो, इकट्ठा हो, आकीर्ण हो, संकीर्ण हो ।

ತುಱುಂಗಲ್ तुरुंगल् (क) सं.—दे. ತುಱುಗಲ್.

ತುಱುಬಿ तुरुबि, ತುಱುವೆ तुरुवे (क) सं.—एक लंबा पौधा (Sida Indica) ।

ತುಲ तुल, ತುಲೆ तुले, ತುಳ तुळ (सम्) सं.—तराजू ; माप, तौल ; समानता, सादृश्य ; लगभग पाँच सेर का एक प्राचीन परिमाण ; एक रुपये का एक तौला ; एक प्रकार का बर्तन ; एक प्रकार की दिव्य परीक्षा (तौलकर की जाती है) ।

ತುಲನ तुलन (सम्) सं.—तोल ; तुलना ।

ತುಲಸಿ तुलसी, ತುಳಸಿ तुळसि (सम्) सं.—तुलसी का पौधा ।

ತುಲಾಭಾರ तुलाभार (सम्) सं. — किसी व्यक्ति के समतोल का सोना, चाँदी आदि जो दूसरों को दान में दिया जाता है ।

ತುಲ್ಯ तुल्य (सम्) वि.—एक ही प्रकार का, बराबर, समान, सदृश्य ; उपयुक्त ; अभिन्न ।

ತುವರ तुवर (सम्) वि.—कसैले स्वाद का ; दाढी रहित ।

ತುವಾಲು तुवालु, ತುವಾಲ್ तुवाल् (अ. दे.) सं.—तौलिया ।

ತುಷ तुष (सम्) सं.—भूसा, भूसी ; कुटकी, पिस्सू ।

ತುಷಾರ तुषार (सम्) सं. -- कोहरा, सर्दी, ओस, पाला । वि.—ठण्ड़ा, कुहरे का ।—ಅದ್ರಿ अद्रि (सम्) सं.—हिमालय ।

ತುಷ್ಟ तुष्ट (सम्) वि.—प्रसन्न, संतुष्ट तृप्त ।

ತುಷ್ಟಿ तुष्टि (सम्) सं. — संतोष, प्रसन्नता, आनन्द ।

ತುಸು तुसु, ತುಸ तुस, ತುಸುಕು तुसुकु (क) वि.—थोड़ा, कुछ ।

ತುಹಿನ तुहिन (सम्) सं.—शीत, हिम, ओस, कोहरा ; चाँदनी ; कर्पूर, कपूर । — ಕರ कर (सम्) सं. —चाँद । —ಗಿರಿ गिरि = हिमालय ।

ತುಳ तुळ, ತುಳವ तुळव, ತುಳುವು तुळुवु (क) सं.—तुळु बोली बोलनेवाला ; तुळु बोली ।

ತುಳಕಾಯಿಸು तुळकायिसु, ತುಳುಕು तुळुकु (क) क्रि. दे. ತುಳುಕು.

ತುಳಸಿ तुळसि (तद्) सं.—दे. ತುಲಸಿ.

ತುಳಿಕು तुळिकु (क) क्रि.—दे. ತುಳುಕು.

ತುಳುಕು तुळुकु (क) क्रि.— दे. ತುಳುಕು ; छिड़का, जलसेचन कर ; मिला, जोड़ ; फेंक—ವಿಕೆ विके (क) सं. — हिलना, टपकना, प्राघार ।

ತುಳುಂಕು तुळुंकु (क) क्रि.—हिल, (बर्तन से) बाहर टपक ।

ತುಳ್ಳು तुळ्ळु (क) क्रि.— लुढ़क, जोर से उछल, कूद ।

ತುೞತ तुऴत (क) सं.—पैर से कुचलना ।

ತುೞಿ तुऴि (क) क्रि.—पैर से कुचल, पैर से मर्दन, पदाघात कर ; सता, आघात कर, पीड़ा दे ; झड़ जा, निर्बल हो ; पैर से कुचला जा, दबा जा ; बहिष्कृत हो ; चारों ओर घुमा । सं.—पैर से कुचलना, मर्दन करना, पदाघात ; कुचली गई वस्तु ।

ತುೞಿಕಲ್ तुऴिकल् (क) सं.—सूखे पत्ते, मुरझाये या झड़े पत्ते ।

ತುೞಿತ तुऴित (क) सं.—दे. ತುೞತ.

ತುೞಿಲ್ तुऴिल्, ತುೞಿಲು तुऴिलु (क) सं. नमस्कार, नमस्ते, सिर झुकाना, हाथ जोड़कर प्रणाम करने की क्रिया ; वीरता, शूरता बहादुरी ; काम, नौकरी, सेवा, गुलामी ।

ತುೞಿಸು तुऴिसु, (क) क्रि.—कुचलवा, पैर मर्दन करवा ।

ತುೞಿಹ तुऴिह, ತುೞ್ತ तुऴ्त (क) सं. — ತುೞತ.

ತೂ तू (क) सं.—घृणा सूचक शब्द ; समय आनेवाली ध्वनि ; शहनाई की ध्वनि

ತೂಂಕು तूंकु (क) क्रि.—तोल (तौलना), झूल ; झुला । सं. —तौलने, हिलने झूलने की क्रिया ;

ತೂಂತು तूंतु (क) क्रि. — प्रवेश करा करवा । सं. — छेद, रंध्र ; थूकते की ध्वनि ।

ತೂಕ तूक (क) सं. — भार, वजन, [illegible] तौल ; योग्यता, गौरव ।

ತೂಕಡಿಕೆ तूकडिके (क) सं.—ऊँघ, तंद्रा ।

ತೂಕಿಕೆ तूकिके (क) सं.—तोलना; तोलने क्रिया ।

ತೂಕಿರಿ तूकिरि, ತೂಕಿಱಿ तूकिरि (क) सं. नाच, नृत्य ।

ತೂಕು तूकु (क) सं.—भार, वजन; हिलना, झूमना।

ತೂಗಲಾಟ तूगलाट (क) सं. — हिलना, आंदोलन।

ತೂಗಿಕೆ तूगिके (क) सं.—दे. ತೂಕಿಕೆ.

ತೂಗಿಸು तूगिसु (क) क्रि—तोलवा, झूलवा. इधर-उधर हिलने दे।

ತೂಗು तूगु (क) क्रि. — तोल; झूल, झूम, लटक, हिल, लहरा। सं.—तोलना; झूलना, लटकना आदि।

(१) ತೂಣ तूण (क) सं.—आवेश, खलबली।

(२) ತೂಣ तूण,, ತೂಣಿ तूणि, ತೂಣೀರ तूणीर (सम्) सं.—तरकस।

ತೂತು तूतु (क) सं छेद, रंध्र; बिल।

ತೂನ तून (तद्) सं.—स्थूणा (तत्); खंभा।

ತೂಪರೆ तूपरे, ತೂಬರೆ तूबरे (क) सं.— दे. ತುಂಬರ.

ತೂಪರು तूपरु, ತೂಪಲು तूपरु (क) सं.— छोटी, बूंदे, जलकण, फुहार, फुहारा।

ತೂಬು तूबु (क) सं.—नाभि, पिंडिका; चक्र की नाभि; तालाब का जलमार्ग; आयुधों को पकड़ने की मूठ का रंध्र; कर्णाभरण की नली।

ತೂರಿಕೆ तूरिके (क) सं.—फटकन, ओसाना।

ತೂಱಲ್ तूरल् (क) सं.—दूर जाना, दूर गया हुआ।

ತೂಱಲು तूरलु (क) सं.—दे. ತೂಪರು.

ತೂಱಿಸು तूरिसु, ತೂರಿಸು तूरिसु (क) क्रि. फटका, पछोरने का कार्य करा; उड़वा, हिलवा; प्रवेश करा, ठूंस।

ತೂಱು तूरु, ತೂಱ್ तूर् ತೂರು तूरु (क) क्रि.—चला, फटक, पछोर, ओसा; उड़ा, हिल, गिर पड़; उड़, दूर जा; एकाएक छलाँग मार; प्रवेश कर, किसी रंध्र में प्रवेश कर, घुस; टपक, फुहार हो। सं. —छोटा कण या बूँद; घुसना।

ತೂಱುವಿಕೆ तूरुविके (क) सं. — पछोरना, फटकना।

ತೂರ್ಣ तूर्ण (सम्) वि. — तेज़, वेगवान, शीघ्रगामी, फुर्तीला।

ತೂರ್ಯ तूर्य (सम्) सं.—वाद्ययन्त्र विशेष औज़ारों का समूह।

ತೂಲ तूल (सम्) सं.—रुई; आकाश, वायु-मण्डल; शहतूत।

ತೂಲಿಕಾ तूलिका, ತೂಲಿಕೆ तूलिके (सम्) सं. — चितेरे की कूची, पेंसिल; सूती बत्ती; रूई भरा गद्दा; छेद करने का औज़ार।

ತೂಲಿನಿ तूलिनि (सम्) सं. — शाल्मली, सेमल।

ತೂಲೆ तूले (क) सं.—कपास का वृक्ष; बत्ती।

ತೂಷ್ಣೀಂ तूष्णीं (सम्) अ.—मौन रूप से, चुपचाप।

ತೂಳ್ तूळ्, ತೂಳು तूळु (क) क्रि. — दूर, आगे या नीचे जा; पीछा कर, अनुगमन कर; हमला कर; प्रारंभ कर।

ತೂಳಗ तूळग (क) सं. — आवेग, आवेश; उत्साह।

ತೂಳು तूळु (क) क्रि.—दे. ತೂಳ್. सं. — आवेश, आवेग; हमला, आक्रमण।

ತೂಳ್ದು तूळ्दु (क) क्रि. — चला, हटा, दूर कर; फैला।

ತೃಣ तृण (सम्) सं.—घास; नरकुल, सरपत।

ತೃಣಧ್ವಜ तृणध्वज (सम्) सं.—बाँस।

ತೃಣೀಕೃತ तृणीकृत (सम्) वि.—तृण के बराबर देखी गई (वस्तु), तुच्छ।

ತೃತೀಯ तृतीय (सम्) वि.—तीसरा।

ತೃತೀಯಾ तृतीया, ತೃತೀಯೆ तृतीये (सम्) सं.—तिथि, तीज; करण कारण।

ತೃಪ್ತ तृप्त (सम्) वि.—संतुष्ट, अघाया हुआ, प्रसन्न।

ತೃಪ್ತಿ तृप्ति (सम्) सं.—संतोष, अघाई, प्रसन्नता।

ತೃಷಿತ तृषित (सम्) वि.—प्यासा, पिपासु; लोलुप, लोभी।

ತೃಷೆ तृषे (सम्) सं.—प्यास, पिपासा।

ತೃಷಕ तृषक (सम्) वि.—दे. ತೃಷಿತ.

ತೃಷ್ಣೆ तृष्णे (सम्) सं. — प्यास; लालच, लोलुपता; अभिलाषा।

(१) ತೆಂ तें, ತೆಂಗ तेंग (क) सं. — दक्षिण दिशा।

(२) ತೆಂ तें, ತೆಂಗು तेंगु (क) सं. — नारियल का पेड़।

ತೆಂಕಲ್ तेंकल्, ತೆಂಕಲು तेंकलु (क) सं.— दक्षिण दिशा।

ತೆಂಕು तेंकु (क) क्रि.—तैर। सं.—दक्षिण।

ತೆಂಗಲೆ तेंगले (क) सं.—अय्यंगार ब्राह्मणों की एक शाखा।

(१) ತೆಂಗು तेंगु (क) सं. — नारियल। — ಮರ मर = नारियल का पेड़।

(२) ತೆಂಗು तेंगु (क) क्रि. — छिड़क, फेंक, ठहर।

ತೆಂಗುಹ तेंगुह (क) सं.—चिड़ियों का उतरना।

ತೆಂಟಿಸು तेंटिसु (क) क्रि.—पछोरने का काम करा (प्रे.)।

ತೆಂಟು तेंटु (क) क्रि.—पछोर, फटक, ओसा।

ತೆಂಡೆ तेंडे (क) सं.—गट्ठा, गठरी, पोटली, बंडल।

ತೆಂಬಲು तेंबलु (क) सं.—चरागाह।

ತೆಂಬೆರಲು तेंबेरलु (क) सं.—दक्षिण की हवा।

ತೆಕ್ಕನೆ तेक्कने (क) अ.—अधिक, बहुत, अनगिनत।

ತೆಕ್ಕಿ तेक्कि, ತೆಕ್ಕೆ तेक्के (क) सं. — आलिंगन करना, आलिंगन; चक्कर; गेंडुरी (मैं. प्र.); समूह, समुदाय।

ತೆಕ್ಕು तेक्कु (क) क्रि.—तैरा, तैरवा; अचेत हो, होश उड़; खुजली को चाट; डर, घबरा जा।

ತೆಕ್ಕೆನೆ तेक्केने (क) अ.—दे. ತೆಕ್ಕನೆ.

ತೆಕ್ಕೈಸು तेक्कैसु (क) क्रि. — आलिंगन कर, अंक भर, गले मिल।

ತೆಗಡು तेगडु (क) सं.—निंदा कर, गाली दे। सं.—निंदा।

ತೆಗೆದು ಹಾಕು तेगेदु हाकु (क) क्रि. —निकाल दे, हटा, दूर कर।

ತೆಗಲ್ तेगल्, ತೆಗಲು तेगलु (क) सं.—कंधा।

ತೆಗಸು तॆगसु (क) क्रि.—उठना निकालने दे, हटवा, दूर करा, स्वीकार करा या करवा।

ತೆಗಹು तॆगहु (क) सं.—लेना; मानी हुई, कल्पना।

ತೆಗಲ್ तॆगल् (क) सं.—दे ತೆಗಲ್.

ತೆಗಳಿ तॆगळि, ತೆಗಳಿಗೆ तॆगळिगॆ (क) सं.—इन्द्रलुप्तक, सिर के बाल झड़ने का रोग।

ತೆಗಟ್ तॆगळ, ತೆಗಟು तेगळु, [ಳ ळ का भी प्रयोग होता है] (क) क्रि.—निंदा कर, गाली दे, अनादर कर। सं.—निंदा, गाली।

ತೆಗಿ तॆगि, ತೆಗೆ तॆगॆ (क) क्रि.—उठा, उठा ले, ले; चुरा; खरीद ले; हटा, दूर कर, निकाल; आकर्षित हो, खिंच जा; रगड़, घिस, मर्दन कर, पीस; खींच, बाहर निकाल (जैसे बाण निकालना); आरंभ कर, शुरु कर, खोल (जैसे दरवाजा); (लकीर, चित्र आदि) खींच, कसीदे का काम कर; उपाय सोच, योजना निकाल; ले, वहन कर, भार सह; कम हो, घट; अदृश्य हो; तज, छोड़। ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗು तॆगॆदुकोंडु होगु—ले जा। ತೆಗೆದು ಹಾಕು तॆगॆदु हाकु—निकाल, फेंक, हटा।

ತೆಗು तॆगु (क) क्रि.—दे. ತೆಗಿ.

ತೆಗೆ तॆगॆ (क) क्रि.—दे. ತೆಗಿ; भाग, चले जा।

ತೆಗೆಯುವಿಕೆ तॆगॆयुविकॆ (क) सं.—लेना, उठाना, हटाना, निकालना, अपवारण, अदृश्य होना।

ತೆಗೆಸು तॆगॆसु, ತೆಗೆಯಿಸು तॆगॆयिसु, ತೆಗಿಸು तॆगिसु (क) क्रि.—ತೆಗೆ तॆगॆ का प्रेरणार्थक रूप।

ತೆಗ್ಗು तॆग्गु (क) सं.—गड्ढा, खड्डा।

ತೆಜಿಸು तॆजिसु (तद्) क्रि.—['त्यज्' से]—त्याग, छोड़।

ತೆಟ್ಟು तॆट्टु (क) क्रि.—खुले रूप से।

ತೆಣರು तॆणरु, ತೆಣಱು तॆणऱु (क) क्रि.—पीडा से कराह।

ತೆತ್ತಿ तॆत्ति (क) सं.—अण्डा।

ತೆತ್ತಿಗೆ तॆत्तिगॆ (क) सं.—नौकर, सेवक, चाकर, चपरासी; संबंध; साथी, मित्र।

ತೆತ್ತಿಸು तॆत्तिसु (क) क्रि.—दिलवा, चुकवा; निकट संबंध में ला, घुसेड़, प्रवेश करा, लगा, रोप, पिरो, उँडेल; प्रवेश कर, घुस, गुँथा जा।

ತೆತ್ತೀಸು तॆत्तीसु (अ. दे.) वि.—तैंतीस;

ತೆತ್ತು तॆत्तु (क) कृ. देकर, चुकाकर। क्रि.—ऐंठ, मरोड़, तिरछा कर; ऐंठ जा, मरोड़ा जा, तिरछा हो।

ತೆನಸು तॆनसु (क) सं.—खुजली, खुजलाहट, सुरसुरी।

ತೆನೆ तॆनॆ (क) सं.—बाल, अनाज की बाल; मुंडेरा, किले की दीवार का उन्नत भाग।

ತೆಪ್ಪ तॆप्प (क) सं.—लट्ठों का बेड़ा।

ತೆಪ್ಪಗೆ तॆप्पगॆ, ತೆಪ್ಪನೆ तॆप्पनॆ (क) अ.—चुपचाप, मौन रूप से, बिना बोले, आराम से।

ತೆಪ್ಪರ್ तॆप्पर्, ತೆಪ್ಪಱು तॆप्पऱु (क) क्रि.—होश में आ, चेतना पा, सचेत हो, मूर्छा से उठ; चैतन्य दे।

ತೆಪ್ಪಱಿಸು तॆप्पऱिसु (क) क्रि.—चैतन्य पा, होश में आ, सचेत हो, सावधान हो।

ತೆಬ್ಬು तॆब्बु (क) क्रि.—उछल, कूद।

ತೆಮರ್ तॆमर्, ತೆಮರು तॆमरु (क) क्रि.—रगडे, घिस; माँज, मल, लेपन कर; नाश कर, मिटा; लूट; भगा।

ತೆಮಳ್ದು तॆमळ्दु (क) क्रि.—चयन कर, जमा कर, राशि कर, ढेर कर।

ತೆಮಲ್ तॆमल् (क) सं.—समूह, समुदाय, ढेर, राशि।

ತೆಯ್ಯ तॆय्य (क) क्रि.—रोक, विलंब कर।

ತೆಯ್ಯು तॆय्यु (क) क्रि.—रगड़ घिस।

ತೆರ तॆर, ತೆರವು तॆरवु (क) सं.—राशि, राशि पर राशि होना, ढेर का ढेर।

ತೆರಂಟು तॆरंट्टु (क) सं.—विवाह के समय वर-वधू को दी जानेवाली भेंट, उपहार। क्रि.—भेंट दे, उपहार दे।

ತೆರಟು तॆरट्टु (क) क्रि.—लपेट खा, चक्कर काट; मिल, जुड, संयुक्त हो।

ತೆರಯಿಸು तॆरयिसु, ತೆರೈಸು तॆरैसु (क) क्रि.—खुला, खुलवा।

ತೆರಳ್ तॆरळ्, ತೆರಳು तॆरळु (क) क्रि.—चल, जा; काँप हिल, झूल; चला जा, प्रस्थान कर।

ತೆರಳಿಕೆ तॆरळिकॆ, ತೆರಳ್ಕೆ तॆरळ्कॆ (क) सं.—जाना, चलना, प्रस्थान।

ತೆರಳಿಚು तॆरळिचु, ತೆರಳ್ಚು, तॆरळ्चु (क) क्रि.—चला, प्रस्थान करा, जाने दे, हिलवा, कँपा।

ತೆರಳು तॆरळु (क) क्रि.—दे. ತೆರಳ್; गोल हो; अधिक हो, असंख्य हो, अनगिनत हो; राशि हो।

ತೆರಳೆ तॆरळॆ (क) सं.—पिण्ड; सार, रस; कोमल अंश।

ತೆರಳ್ಕೆ तॆरळ्कॆ (क) सं.—हिलना, काँपना, संचालन, जाना; राशि, ढेर, समूह, श्रेणी।

ತೆರಿಮೆದ್ದು तॆरिमॆद्दु (क) सं.—एक छोटा पौधा (Linum mysorense Heyne)।

ತೆರೆ तॆरॆ (क) सं.—तरंग, वीचि, ऊर्मि, लहर; सिकुड़न, झुर्री, पशुओं के शरीर के सिकुड़न; पर्दा, यवनिका, कांडपट।—ತೆಗೆ तॆगॆ = पर्दा उठा।—ಬಟ್ಟೆ बट्टॆ (क) सं.—पर्दे का कपड़ा।—ಸುತ್ತು सुत्तु (क) सं.—पर्दे का आवरण।

ತೆಱ तॆऱ (क) सं.—खुले रहना, स्वच्छता, प्रकाश; तरह, ढंग, विधान, रीति, प्रकार; कन्याशुल्क।

ತೆಱಗೆ तॆऱगॆ, ತೆಱಿಗೆ तॆऱिगॆ, (क) सं.—लगान, कर, चुंगी, मालगुज़ारी।

ತೆಱಪು तॆऱपु (क) सं.—अवकाश, रिक्तता, रिक्त स्थान, अंतर, स्थान, जगह, विश्रांति, छुट्टी, गुंजाइश।

ತೆಱವಿ तॆऱवि, ತೆಱವೆ तॆऱवॆ (क) सं.—खुलना, प्रकट, होना।

ತೆಱವು तॆऱवु (क) सं.—खुलना, ढंग, विधान, रीति; रिक्तता।

ತೆಱಹು तॆऱहु (क) सं.—दे. ತೆಱಪು.

ತೆಱಿಗೆ तॆऱिगॆ (क) सं.—दे. ತೆಱಗೆ.

ತೆಱಿಸು तॆऱिसु (क) क्रि.—खुला, खुलवा; लगान या कर चुकवा।

ತೆಱು तॆऱु (क) क्रि.—दे. (कर या लगान) दे।—ವಿಕೆ विकॆ = देना।

ತೆಱೆ ते़रे़ (क) क्रि·—खुल जा, अनावरण हो; खोल। सं·—कर, लगान, भूमिकर।

ತೆಱೆಗೆ ते़रे़गे़ (क) सं·—कर, लगान।

ತೆಱೆಯಿಸು ते़रे़यिसु (क) क्रि·—खुलवा।

ತೆಲಗ ते़लग (क) सं·—तेलुगु भाषी पुरुष।

ತೆಲಗಿತಿ तेलगिति· ತೆಲಿಗಿತಿ ते़लिगिति (क) सं· तेलुगु भाषी स्त्री।

ತೆಲುಗ ते़लुग (क) सं·—दे· ತೆಲಗ.

ತೆಲುಗಿತಿ तेलुगिति (क) सं·—दे· ತೆಲಗಿತಿ.

ತೆಲ್ಲಟೆ ते़ल्लटि· ತೆಲ್ಲಟು ते़ल्लट्टु, ತೆಲ್ಲಟ್ಟು ते़ल्लट्टु, ತೆಲ್ಲಂಟಿ तेल्लंटि (क) सं·—उपहार, भेंट, सौगात।

ತೆಲ್ಲಿಗ ते़ल्लिग (तद्) सं· — तेली। ತೆಲ್ಲಿಗಿತಿ ते़ल्लिगिति—तेलिन।

ತೆಲ್ಲೈಸು ते़ल्लैसु, ತೆಲ್ಲಯ್ಸು ते़ल्लय्सु, ತೆಲ್ಲಯಿಸು ते़ल्लयिसु (क) क्रि· — मन्द हो; धीमा हो; अधिक हो, बढ़।

ತೆವಟು ते़वट्टु (क) क्रि·—ओसा, पछोर।

ತೆವಡೆ ते़वड़े (क) सं·—खेत का बांध, खेत का छोटा मेड़।

ತೆವರ್ ते़वर् (क) क्रि·—दे· ತೆಮರ್.

ತೆವರ್ ते़वर्, ತೆವರು ते़वरु (क) क्रि·—रगड़, घिस; सता, तंग कर। सं·—टीला, चढ़ाव, पहाड़ी।

ತೆವರು ते़वरु (क) क्रि· — डकैती कर, लूट, चोरी कर।

ತೆವಲು ते़वलु (क) सं·—खुजली की बीमारी।

ತೆವಳ್ ते़वळ्, ತೆವಳು ते़वळु (क) क्रि· — रेंग, घुटनों के बल चल।

ತೆವುಲು ते़वुलु (क) सं·—दे· ತೆವಲು.

ತೆಳ್ ते़ळ् (क) वि· — पतला, महीन, सूक्ष्म, सुंदर, चारु। ತೆಳ್ಳಗೆ ಇದೆ ते़ळगे़ इदे़—पतला है।

ತೆಳುಪು ते़ळुपु, ತೆಳುವು ते़ळुवु, ತೆಳ್ಪು ते़ळ्पु (क) सं·—पतलापन, महीन होना; सूक्ष्मता, तरलता।

ತೆಳುಲು ते़ळुलु (क) सं·—सुंदरता, चारुता।

ತೆಳ್ಳನ್ನ ते़ळ्ळन्न (क) वि·—पतला, महीन।

ತೆಳ್ಳಿತು ते़ळ्ळितु, ತೆಳ್ಳಿತ್ತು ते़ळ्ळित्तु (क) सं·—वह जो पतला हो।

ತೆಳ್ಳು ते़ळ्ळु (क) क्रि·—ढकेल; फेंक।

ತೇಂಕಿ तें़कि (क) सं·—समूह, राशि, ढेर।

ತೇಂಕು तें़कु (क) सं·—डकार। क्रि·—डकार ले।

ತೇಂಗು तें़गु (क) सं·—सागौन वृक्ष; सादृश्य, समानता।

ತೇ ते, ತೇಯ್ तेय्, ತೇಯು तेयु (क) क्रि· —घिस, रगड़; घिस घिस कर घट, घिस जा।

ತೇಕು तेकु (क) क्रि· —तैर; हाँप; डकार ले। सं·—दमा, हाँपना; डकार।

ತೇಗ तेग, ತ್ಯಾಗ त्याग (क) सं· — सागौन का पेड़।

ತೇಗು तेगु (क) क्रि· — डकार ले। सं·—डकार; सागौन का पेड़।

ತೇಜ तेज, ತೇಜಸ್ तेजस्, ತೇಜಸ್ಸು तेजस्सु (सम्) सं·—तेजी, तेजदार; आग की शिखा, भभक; चमक; सूक्ष्मता; सौंदर्य; सूर्य; किरण; बल, पराक्रम, पौरुष; अनिल, वायु; तन, देह, शरीर; भवन, घर; स्फूर्ति; चरित्रबल; वीर्य; सार; अग्नि; गूँदा; पित्त; ताज़ा मक्खन; घोड़े का वेग; सुवर्ण; ब्रह्म; सत्वगुण (सांख्य के अनुसार)।

ತೇಜಸ್ವಿ तेजस्वि (सम्) वि·—चमकीला, प्रचण्ड, प्रसिद्ध। सं·—एक पौधे का नाम।

ತೇಜಿ तेजि (सम्) सं· — घोड़ा, अरब का घोड़ा।

ತೇಟ तेट, ತೇಟೆ तेटे (क) सं· — निर्मलता, शुद्धता (पानी की)।

ತೇನ तेन (क) अ·—और भी, उस प्रकार।

ತೇನು तेनु (क) सं·—शहद, मधु।

ತೇಪೆ तेपे़; ತ್ಯಾಪೆ त्यापे़ (क) सं· — पैबंद, चिप्पड़।

ತೇಮಾನ तेमान (क) सं·—घिसाई, धातुओं की परीक्षा में होनेवाली हानि; बेकार होना; कामचोरी।

ತೇಯ್ तेय्· ತೇಯು तेयु (क) क्रि·—रगड़, घिस।

ತೇರ್ तेर्, ತೇರು तेरु (क) सं·—रथ।

ತೇರಣ तेरण (क) सं·—मेहन्दी का पौधा।

ತೇರಯಿಸು तेरयिसु, ತೇರಯ್ಸು तेरय्सु (क) क्रि· — पीछे जा, पीछे हट; किसी प्रयत्न से पीछे हट; पीछे हटा।

ತೇರಿಸು तेरिसु (क) क्रि·—पहुँचा।

ತೇರು तेरु (क) सं·—दे· ತೇರ್. क्रि· — (अंत तक) पहुँच; सफल हो, गम्न स्थान पहुँच।

ತೇರ್ಗಡೆ तेर्गड़े (क) सं—सफलता, उत्तीर्णता।

ತೇಲ್ तेल्, ತೇಲು तेलु (क) क्रि·—तैर, पानी के ऊपरी भाग में रह; फिसल; पीछे जा; शिथिल हो, ढीला हो, अचेत हो, बेहोश हो।

ತೇಲಿಸು तेलिसु (क) क्रि·—तैरा; (मृत्यु के समय) आँखें फाड़ कर गौर से देख; (वचन से) पीछे हट।

ತೇಲು तेलु (क) क्रि·—तैर; ढीला या शिथिल हो। वि·—तैरनेवाला।

ತೇವ तेव (तद्) सं·—तेमः (तत्); आर्द्रता, गीला होना।

ತೇವುಳಿ तेवुळि, ತೇವುಳು तेवुळु (क) सं·—बाल झड़ने का रोग।

ತೇಳಿದ तेळिद (क) सं·—सच्चा मित्र।

ತೇಳ್ तेळ्, ತೇಳ್ तेळ् (क) सं·— बिच्छू।

ತೈ तै (क) सं·—नाच में 'थै थै'।

ತೈಲ तैल (सम्) सं·—तेल।

ತೈಲಪ तैलप (सम्) सं·—चालुक्य वंश का एक राजा।

ತೈಲಿ तैलि (अ. दे.) सं·—थैली (हिं.)

ತೈಲೀನ तैलीन (सम्) सं·—तिल का खेत।

ತೊಂಕು तों़कु (क) क्रि· — शरीर के आगे झुका, नत हो।

ತೊಂಗಲ್ तों़गल् (क) सं·—गुच्छा, मञ्जरी, ढेर।

ತೊಂಗಲೆ तों़गले़ (क) सं·—धागा; कटिसूत्र।

ತೊಂಗು तों़गु (क) क्रि·—लटक, झूल; झुक, नत हो।

ತೋಚು तोचु (क) क्रि॰—मन में आ, सूझ; दिख; प्रकट हो।

ತೋಜೆ तोज़े (क) सं॰—रीति, पद्धति, विधान, ढंग, रीति-नीति।

ತೋಟ तोट (क) सं॰— बाग, बगीचा। —ಗಾರ गार, ಗಾಱ गार, ವಳ वळ, ವಾಳ वाळे, (क) सं॰—माली।

ತೋಟಿ तोटि (क) सं॰ — हाथ का हाथ से भिड़ना, झगड़ा, लड़ाई, फूट; निम्न श्रेणी का सेवक, मेहतर। —ಕಾರ कार, ಕಾಱ काऱ=लड़नेवाला, झगड़ालू।

ತೋಟಿಗ तोटिग (क) सं॰—माली, बाग़वान।

ತೋಟೆ तोटे़ (क) सं॰—दे॰ ತೊಗಟು.

ತೋಡ तोड़ (क) सं॰—दे॰ ತೊಡ; एक प्रकार का सफ़ेद चूहा; नीलगिरि की एक जाति के लोग।

ತೋಡಿ तोडि (क) सं॰—एक राग का नाम।

ತೋಡು तोडु (क) क्रि॰—निकल, निकाल; बड़े बर्तन से छोटे बर्तन में पानी निकाल; तागा लपेट; कान का मल निकाल; खोद, गड्ढा बना, बिल बना। सं॰—जोड़ना, लगाना, चढ़ाना (धनुष पर बाण); जोड़ा, समता, सादृश्य; नहर।

ತೋಡೆ तोड़े (अ॰ दे॰) सं॰—सोने का वलय।

ತೋದನ तोदन (सम्) सं॰—पीड़ा, कष्ट; अंकुश, (गाय बैल को चलाने में उपयोगी) उसकाव।

ತೋದು तोदु (क) सं—उपाय, युक्ति।—ಗಾರ गार, ಗಾಱ गाऱ=समय पर युक्ति निकालनेवाला।

ತೋಪ तोप, ತೋಫ तोफ (अ॰ दे॰) सं॰—तोप (तुर्की); बंदूक।

ತೋಪು तोपु (क) सं॰—पेड़ों का समूह, वन।

ತೋಮರ तोमर (सम्) सं॰—लोहे का डंडा; बर्छी, साँग।

ತೋಯ तोय (सम्) सं॰—पानी, जल।—ಜ ज =कमल।—ನಿಧಿ निधि=समुद्र।

ತೋಯಿಸು तोयिसु (क) क्रि॰—गीला कर, भिगो।

ತೋರ तोर (क) वि॰—बड़ा, मोटा, तगड़ा, स्थूल।

ತೋರಣ तोरण (सम्) सं॰—तोरण, शुभ सूचक अलंकार की वस्तुएँ—केले के पौधे और आम के पत्ते जो द्वार, मण्डप आदि में बाँधे जाते हैं।

ತೋರದ तोरिद (क) सं॰—बड़ा या मोटा आदमी।

ತೋಱ್ तोऱ्, ತೋಱು तोरु [ತೋರ್ तोर्, ತೋರು तोरु] (क) क्रि॰—दिख, दिखाई पड़, दिखाई दे, प्रकट हो, व्यक्त हो, लग, सूझ, संभूत हो, गोचर हो; दिखा, प्रकट कर।

ತೋಱಡ तोऱड, ತೋಱು तोरु (क) सं॰—प्रकट होना दिखाना।

ತೋಱಿಕೆ तोरिके़, ತೋರ್ಕೆ तोर्के़ (क) सं॰—प्रकट होना, दिखाई पड़ना; दिखाना, प्रकट करना; देखना, अभिमत।

ತೋಱಿಸು तोरिसु [ತೋರಿಸು तोरिसु] (क) क्रि॰—दिखा, दिखला, प्रकट कर, प्रकट करा।

ತೋಱುವಿಕೆ तोरुविके़ (क) सं॰—प्रकट होना, दिखाई पड़ना।

ತೋರ್ಪು तोर्पु ತೋರ್ಪೆ तोर्पे़ (क) सं॰—दे॰ ತೋಱಿಕೆ.

ತೋಲ್ तोल्, ತೋಲು तोलु (क) सं॰—खाल, चर्म, चमड़ा; रास्ता, मार्ग।

ತೋಲ तोल (सम्) सं॰—भार, वज़न; २१२ माशे का तोल; एक तोला।

ತೋಲೆ तोले़ (क) सं॰— मोतियाबिन्द नामक आँख का रोग।

ತೋವೆ तोवे़ (क) सं॰—दाल, सूपः।

ತೋಷಣ तोषण (सम्) सं॰— संतोष, तृप्ति, प्रसन्नता।

ತೋಷೆಖಾನೆ तोषेखाने़ (अ॰दे॰) सं॰—तोशखाना (तुर्की, फ़ारसी); खज़ाना, धनागार।

ತೋಸು तोसु (क) क्रि॰—दे॰ ತೋಯಿಸು.

ತೋಹು तोहु (क) सं॰— झुरमुट, झाड़ी, समूह, घेरा, धोखा, कपट; छिपने का स्थान, मेड़; फँसाना।

ತೋಳ್ तोळ्, ತೋಳು तोळु (क) सं॰—बाहु, बाँह, भुजा; शाखा, डाल।

ತೋಳ तोळ (क) सं॰—भेड़िया।

ತೋಳೆ तोळे़ (क) सं॰—बड़ा चमगादड़।

ತೌಡು तौडु (क) सं॰—चावल की भूसी।

ತೌಳವ तौळव (क) वि॰—तुळु देश से संबंधित।

ತ್ಯಕ್ತ त्यक्त (सम्) वि॰—छोड़ा हुआ, फेंका हुआ, दिया हुआ।

ತ್ಯಜನ त्यजन (सम्) सं॰—त्यागना, छोड़ना, देना, अस्वीकार करना।

ತ್ಯಜಯಿಸು त्यजयिसु; ತ್ಯಜಿಸು त्यजिसु (सम्) क्रि॰—त्याग दे, छोड़, अस्वीकार कर, जा, जाने दे, विसर्जन कर।

(१) ತ್ಯಾಗ त्याग, (क) सं—सागौन का पेड़।

(२) ತ್ಯಾಗ त्याग (सम्) सं॰—[ಚಾಗ चाग—(तद्)]—त्याग, छोड़ना; वियोग, विराग; भेंट, दान, उदारता।

ತ್ಯಾಜ್ಯ त्याज्य (सम्) वि॰ — त्यागने योग्य, छोड़ने योग्य। सं॰—अशुभ समय।

ತ್ಯಾಪೆ त्यापे़ (क) सं॰—पैबंद।

ತ್ಯಾವ त्याव, ತ್ಯಾವು त्यावु, ತ್ಯಾವೆ त्यावे़ (तद्) सं॰—तेम: (तत्); गीला होना, आर्द्रता।

ತ್ರಪಿಷ್ಠ त्रपिष्ठ (सम्) वि॰—अत्यंत संतुष्ट।

ತ್ರಪು त्रपु (सम्) सं॰—टीन, जस्ता।

ತ್ರಪೆ त्रपे़ (सम्)—व्याकुलता; शर्म, लाज।

ತ್ರಯ त्रय (सम्) सं॰ - तीन; तिगुना।

ತ್ರಯಿ त्रयि (सम्) सं॰ — तीनों वेदों का समूह; त्रिगङ्गा, त्रिमूर्ति, त्रिपट्टा; सौभाग्यवती स्त्री जिसके पति और बच्चे हों; प्रतिभा, बुद्धि।

ತ್ರಯೋದಶಿ त्रयोदशि (सम्) सं॰—त्रयोदशी तिथि।

ತ್ರಸ್ತ त्रस्त (सम्) वि॰—भयभीत, डरा हुआ, डरपोक, भीरु।

ತ್ರಾಣ त्राण, ತ್ರಾಣೆ त्राणे़ (सम्) सं॰—रक्षा, बचाव; सहायता, आश्रय।

ತ್ರಾಸ त्रास (सम्) वि॰—गतिशील। सं॰—भय, डर, शंका; व्याकुलता, पीड़ा, तक-

लीफ़; मारना, हनन करना; रत्न का ऐब; तंत्र।

ತ್ರಾಸಾ त्रासा (सम्)सं. —वाद्ययन्त्र विशेष।

ತ್ರಾಸು त्रासु (अ. दे.) सं.—तराजू, तुला।

ತ್ರಿ त्रि (सम्) वि.—तीन। — ಕರಣ करण (सम्) सं.—मन, वचन और कर्म।— ಕೋಣ कोण (सम्) सं.-तिकोना, त्रिकोण। —ಗುಣ गुण (सम्) सं.—सत्त्व, रज और तमोगुण। —ಣೇತ್ರ णेत्र, ನೇತ್ರ नेत्र (सम्) सं.—शिवजी। —ದಶದೀರ್ಘಿಕೆ दशदीर्घिके, ದಶಧುನಿ दशधुनि (सम्) सं.—गंगा।— ಪಾಲ पाल (सम्) सं.—इन्द्र।—ದಶಾಲಯ दशालय (सम्) सं. — मेरुपर्वत; स्वर्ग। —ದಶಾವಾಸ दशावास (सम्) सं.—स्वर्ग। — ದಶಾಹಾರ दशाहार (सम्) सं. — अमृत। —ದಿವೇಶ दिवेश (सम्) सं.— इन्द्र; देवता।— ಪಥಗಾಮಿನಿ पथगामिनि, ಪಥಗೆ पथगे (सम्) सं.—गंगा। — ಪದಿ पदि (सम्) सं.—तीन पद; एक छंद का नाम। —ಪುಟ पुट (सम्) सं.— संगीत में एक ताल का नाम।—ಪುಂಡ್ರ पुंड्र (सम्) सं.—माथे पर तीन आड़ी रेखाओं का टीका।—ಪುರುಷ पुरुष (सम्) सं.—ब्रह्मा, विष्णु और शिव।—ಭಂಗಿ भंगि (सम्) सं. नाटक या नाच में एक भंगिमा। — ಭುವನ भुवन (सम्) सं. — स्वर्ग, भूमि और पाताल। —ಮೂರ್ತಿ मूर्ति (सम्) सं.— ब्रह्मा, विष्णु और शिवजी। — ಲೋಚನ लोचन (सम्) सं. — शिव। — ವಿಕ್ರಮ विक्रम (सम्) सं—विष्णु। — ವೇಣಿ वेणि (सम्) सं.—त्रिवेणी, प्रयाग का वह स्थान जहाँ गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम होता है। —ಶೂಲಿ शूलि (सम्) सं. — शिव। —ಶೂಲೆ शूले (सम्) सं. — शबर स्त्री।— ಸಂಧಿ संधि (सम्) सं.— देवकुसुम, एक पौधा विशेष।— ಸಂಧ್ಯ संध्य (सम्) प्रातः, मध्याह्न और सायंकाल।

ತ್ರುಟಿ त्रुटि (सम्) सं — काटना, तोडना, फाड़ना; छोटा भाग, अणु; संदेह, संशय; हानि, नाश; एक पौधा विशेष; क्षण; कमी।

ತ್ರೇತಾಯುಗ त्रेतायुग (सम्) सं.—चार युगों में से दूसरा।

ತ್ರೈಗುಣ್ಯ त्रैगुण्य (सम्) सं.—तीन गुणों का।

ತ್ರೈಜಗ त्रैजग (सम्) सं.—तीन लोक।

ತ್ರೈತನು त्रैतनु (सम्) सं.—सूर्य।

ತ್ರೈಭುವನ त्रैभुवन (सम्) सं.—तीन लोक; स्वर्ग, भूमि और पाताल।

ತ್ರ್ಯಂಬಕ त्र्यंबक (सम्) सं.—शिव। —ಸಖ सख=कुबेर।

ತ್ವಚ त्वच (सम्) सं.—खाल, चमड़ा; दालचीनी, दालचीनी का पौधा।

ತ್ವಚಿಸಾರ त्वचिसार (सम्) सं.—बाँस।

ತ್ವದೀಯ त्वदीय (सम्) वि.—तुम्हारा, तेरा।

ತ್ವರ त्वर, ತ್ವರೆ त्वरे (सम्) सं. — शीघ्रता, जल्दी, वेग।

ತ್ವರಿತ त्वरित (सम्) वि. — तेज, वेगवान, फुर्तीला, जल्दी, शीघ्रता से।

ತ್ವರೆಗಾರ त्वरेगार (तद्) सं.—उतावला मनुष्य, जल्दी करनेवाला।

ತ್ವಷ್ಟ್ರು त्वष्टृ (सम्) सं.—विश्वकर्मा; बढ़ई, कारीगर।

ತ್ವಿಷ್ त्विष्, ತ್ವಿಷಾ त्विषा, ತ್ವಿಷೆ त्विषे (सम्) सं.—कांति, चमक, प्रकाश।

ಥ थ

ಥ थ—कन्नड वर्णमाला का इकतीसवाँ अक्षर; तवर्ग का दूसरा व्यंजन।

ಥಟ್ಟು थट्टु (क) सं.—समूह, समुदाय, राशि, भीड़, गिरोह; टोली, सेना; अधिक संख्या।

ಥಾಪನೆ थापने (तद्) सं.—स्थापन, स्थापना।

ದ द

ದ द—कन्नड-वर्णमाला का बत्तीसवाँ अक्षर; तवर्ग का तीसरा व्यंजन।

ದ द (क) वि.—आठ की संख्या।

ದ द (क) प्र.—क्रियाओं के अंत में (केवल बोलचाल में), जैसे— ಹಾಡಿದ हाडिद (ಹಾಡಿದನು हाडिदनु' के बदले) — [उसने (पु. लिं.)] गाया। ನೋಡಿದ नोडिद (ನೋಡಿದನು नोडिदनु के बदले) — [उसने (पु. लिं.)] देखा।

ದ द (सम्) वि. (समास के पीछे आता है)— देना, उत्पन्न करना, नष्ट करना, अलग करना।

ದಂಗು दंगु (अ. दे.) वि.—दंग (फ़ारसी); चकित, हक्का-बक्का। — ಬಡಿ बडि=दंग रह जा।

ದಂಗೆ दंगे (अ. दे) सं.—दंगा (हिं.)।

ದಂಚಿ दंचि (क) सं. — हाथी का तनुत्राण; घोड़े का अधोबंधन, ज़ेरबंद।

ದಂಟಿ दंटि (क) सं.—रंडी, वेश्या।

ದಂಟು दंटु (क) सं.—नाल, डंठल।

ದಂಡ दंड (सम्) सं.—लकड़ी, डंडा, सोंटा, लाठी, एक प्रकार का आयुध; मथानी-राजदंड; डंठल, नाल; ढोल आदि बजाने का डंडा; संन्यासी द्वारा ग्रहण किया जाने-वाला दंड; हाथी का दांत; नाव के डाँड; अर्थदंड, जुर्माना; शारीरिक दंड, सज़ा, कैद, कारागृह-वास; आक्रमण, ज्यादती; सेना, व्यूह; संयम; वशवर्तीकरण; चार हाथ का नाप; लिंग; अलंकार, अभिमान; शरीर; यम; शिव; विष्णु; अयोग्य कार्य, अनुपयुक्त काम; सूर्य का एक अनुचर; गुड़ (डाँड के रूप में)।

ದಂಡಕ दंडक (सम्) सं.—एक वृत्त का नाम; दक्षिण का एक अरण्य; पंक्ति, डंडा, छड़ी।

ದಂಡಣೆ दंडणे, ದಂಡನೆ दंडने (तद्) सं.—दंडनम् (तत्); सज़ा जुर्माना, अर्थदंड।

ದಂಡಧರ दंडधर (सम्) सं.—राजा; न्यायाधीश; —संन्यासी; यम; कुम्हार।

ದಂಡನಾಯಕ दंडनायक (सम्) सं.—सेनापति।

ದಂಡಪ್ರಣಮ दंडप्रणम, ದಂಡಪ್ರಣಾಮ दंडप्रणाम (सम्) सं.—साष्टांग नमस्कार।

ದಂಡಯಾತ್ರೆ दंडयात्रे (सम्) सं॰—विजय-यात्रा ; आक्रमण, हमला ।

ದಂಡಹಸ್ತ दंडहस्त, ದಂಡಪಾಣಿ दंडपाणि (सम्) सं॰—यम, द्वारपाल, दंड धारण किया हुआ ; कार्तिकेय का नाम ।

ದಂಡಾಧಿಪ दंडाधिप, ದಂಡಾಧೀಶ್ವರ दंडाधीश्वर, ದಂಡನಾಥ दंडनाथ (सम्) सं॰ — सेनापति, सेनानायक ; न्यायाधीश, दारोग़ा ।

ದಂಡಾಸನ दंडासन (सम्) सं॰—एक प्रकार का बाण या धनुष ।

ದಂಡಾಹತ दंडाहत (सम्) सं॰—डंडे से पीटा हुआ मट्ठा, छाछ ।

(१) ದಂಡಿ दंडि (क) सं॰—कोप, क्रोध, रोष, क्रूरता ; बड़प्पन, महानता, बल, शक्ति, साहस ; अधिकता, बहुलता ।

(२) ದಂಡಿ (सम्) सं॰—दंडधारी ; द्वारपाल द्वाररक्षक ; कुम्हार ; यम ; राजदूत ; संस्कृत के एक प्रसिद्ध कवि का नाम ; किनारा, तट; तराजू का काँटा ; बसूला, कुल्हाड़ी ।

ದಂಡಿಕೆ दंडिके, ದಂಡಿಗೆ दंडिगे (सम्) सं॰—लाठी, डंडा ; श्रेणी, पंक्ति ; रस्सी ; मोतियों की लड़ी ।

ದಂಡಿಗ दंडिग, ದಂಡಿಗೆ दंडिगे (तद्) सं॰—दंडिका (तत्) ; तराजू का काँटा । रीढ़ की हड्डी ; वीणा का दंड ; वीणा ; पालकी का दण्ड ; जड़ी ; मोतियों की लड़ी ; रस्सा ; पंक्ति, अवलि ।

ದಂಡಿತ दंडित (सम्) वि॰—दंड दिया हुआ, सज़ायफ्ता, वह जिसपर जुर्माना लगाया गया हो ।

ದಂಡಿಪಾದ दंडिपाद (सम्) सं॰—एक साँप का नाम ।

ದಂಡಿಸು दंडिसु (सम्) क्रि॰—सजा दे, दंड दे, जुर्माना लगा ; वश में कर ।

ದಂಡು दंडु (तद्) सं॰—सेना । ದಂಡಿನಲ್ಲಿ ಸೋದರಮಾವನೇ ? दंडिनल्लि सोदरमावने ? —सेना में कोई मामा है ? अर्थात् कौन किसका है ? (कह॰) ।

(१) ದಂಡೆ दंडे (क) अ॰—पास, समीप ।

(२) ದಂಡೆ दंडे (तद्) सं॰—तार ; माला, हार, पुष्पमाला ; व्यायाम का एक प्रकार ; घुटने की टेक ; धनुष पकड़कर चलाने का हाथ ; सेना की पंक्ति ; गहरी पकड़, चंगुल ; किनारा, तट ।

ದಂಡೋರ दंडोर, ದಂಡೋರೆ दंडोरे (अ. दे.) सं॰—ढिंढोरा (हिं॰)]

ದಂತ दंत (सम्) सं॰ — दाँत ; हाथी का दाँत ; हाथी ; पर्वतशृंग, चोटी ; पर्वत का प्रकार या भेद ; बत्तीस की संख्या ; कंटक, काँटा ; वृक्ष विशेष ; — ಚರ್ವಣ चर्वण (सम्) सं॰—दाँतों से चबाना ।— ಚ್ಛದ च्छद (सम्) सं॰—ओष्ठ, होंठ । — ಧಾವನ धावन (सम्) सं॰ — दाँत साफ़ करना, कुल्ला ; दातौन ।— ಭಾಗ भाग (सम्) —हाथी का माथा । — ವಾಸಸ್ वासस् (सम्) सं॰—होंठ ।

ದಂತಾವಲ दंतावल (सम्) सं॰— गज, हाथी ; गजासुर ।-ಅರಿ अरि (सम्) सं॰— शिवजी ।

ದಂತಿ दंति (सम्) सं — हाथी ; क्रोटन (Croton) का पौधा, आठ की संख्या ; काला धतूरा । — ಕಪೋಲ कपोल (सम्) सं —हाथी का गंडस्थल ।

ದಂತಿಕೆ दंतिके (सम्) सं॰—क्रोटन का पौधा ।

ದಂತಿಪುರ दंतिपुर (सम्) सं॰—हस्तिनापुर ।

ದಂತಿಮುಖ दंतिमुख (सम्) सं॰ —गणेश ।

ದಂತುರ दन्तुर (सम्) वि॰—बड़े दाँतवाला, खाबड़, बदनुमा, भद्दा ।

ದಂತೆ दंते (सम्) सं॰—हाथीदांत ।

ದಂತ್ಯ दंत्य (सम्) सं॰ — दाँतों के सहारे उच्चरित होनेवाले वर्ण ।

ದಂದಶೂಕ दंदशूक (सम्) सं॰ — साँप ।

ದಂದುಗ दंदुग (क) सं॰—व्याकुलता, उपद्रव, कष्ट, तकलीफ़ ; उलझन, क्लेश ।

ದಂಪತಿ दंपति (सम्) सं॰—दंपती, पति-पत्नी ; घर का स्वामी ।

ದಂಭ दंभ (सम्) सं॰—[ದಂಬ दंव — (तद्)] पाखंड, छल, वंचना ; अभिमान, अहंकार ; पाप, दुष्टता ; ईर्ष्या ।

ದಂಭಕ दंभक (सम्) सं॰—पाखंडी ; पखंड ।

ದಂಭೋಲಿ दंभोलि (सम्) सं॰ — इन्द्र का वज्र ।

ದಂಶ दंश (सम्) सं॰—डसना, काटना, डंक; मारना ; सर्प का विषदन्त ; काटना, चीरना दाँत ।

ದಂಶಕ दंशक (सम्) सं॰—गोमक्खी, मक्खी, डाँस ।

ದಂಶನ दंशन (सम्) सं॰—कवच ; काटने की क्रिया ।

ದಂಷ್ಟ್ರ दंष्ट्र (सम्) सं॰—बड़ा दाँत, हाथी का दाँत ।

ದಂಷ್ಟ್ರಿ दंष्ट्रि (सम्) सं॰—वनैला शूकर ; सेई ; साँप ।

ದಕ್ಕಡತನ दक्कडतन, ದಕ್ಕಡೆಯತನ दक्कडेयतन, ದಕ್ಕಳ दक्कळ (क) सं॰ — बहदुरी, पराक्रम ।

ದಕ್ಕಿಸು दक्किसु (क) क्रि॰ — हथिया॰ स्वाधीन कर, हड़प ले ।

ದಕ್ಕು दक्कु (क) क्रि॰—मिल, प्राप्त हो, हाथ लग, अधिकार में आ ; सुधर, अच्छा हो॰ बच । सं॰—मिलना, प्राप्ति, स्वाधीनता ; संपत्ति ; लकड़ी का डंडा, शंकु, कीला ।

ದಕ್ಷ दक्ष (सम्) वि॰—निपुण, चतुर, निष्णात, योग्य, बुद्धिमान । सं॰ — दक्षप्रजापति ; तपस्वी, संन्यासी ; मुर्गा ; योग्यता, निपुणता ।— ಕನ್ಯೆ कन्ये (सम्) सं॰ — सती॰ दुर्गा । —ತೆ ते (सम्) सं॰ — निपुणता॰ चतुराई, योग्यता, सामर्थ्य ।

ದಕ್ಷಾರಿ दक्षारि (सम्) सं॰—वीरभद्र ।

ದಕ್ಷಿಣ दक्षिण (सम्) सं॰ — दायाँ हाथ या बाँह ; दक्षिण दिशा । वि॰ — योग्य, निपुण ; सीधा, सच्चा, ईमानदार ।

ದಕ್ಷಿಣಾಗತಿ दक्षिणागति, ದಕ್ಷಿಣಾಯನ दक्षिणायन (सम्) — सूर्य की गति विशेष॰ दक्षिणायन ।

ದಕ್ಷಿಣೆ दक्षिणे (सम्) सं॰— दक्षिणा, ब्राह्मणों को दान में दिया जानेवाला द्रव्य ; दक्षिण दिशा ; दान, भेंट ; शुल्क या दान की संपत्ति ।

ದಗಡಿ दगडि (अ. दे.) सं.—कामुक या दुराचारिणी स्त्री ।

ದಗದ दगद (क) सं.—काम, कार्य ।

ದಗಾ दगा, ದಗೆ दगे (अ. दे.) सं.—दग़ा (अरबी) ; धोखा ।—ಖೋರತನ खोरतन = धोखेबाज़ी ।

ದಗ್ಗನೆ दग्गने (क) अ—'धग धग' करते हुए (आग का जलना) ।

ದಗ್ಧ दग्ध (सम्) वि.—जला हुआ, जलनेवाला, अशुभ ; पीड़ित, सताया हुआ ।—ಹಸ್ತ हस्त (सम्) सं.—अभागा मनुष्य ।

ದಗ್ಧಿಕೆ दग्धिके (सम्) सं.—भुने हुए चावल ।

ದಚ್ಚಿ (क) सं.—इमली के बीजों की दाल ।—ಆಟ (क) सं.—एक खेल ।

ದಟ್ಟ दट्ट (क) सं.— वि.—घना, निबिड, बहुल, सांद्र, घोर । सं.— रजाई, गद्दा, तोशक ।

ದಟ್ಟಣಿಸು दट्टणिसु (क) क्रि.—घना हो, निबिड हो, सांद्र हो ।

ದಟ್ಟಣೆ दट्टणे (क) सं.—घनत्व, निबिडता, सांद्रता ; भीड़, कोलाहल, बड़ा जनसमूह ।

ದಟ್ಟಯಿಸು दट्टयिसु, ದಟ್ಟಯ್ಸು दट्टय्सु (क) क्रि.—घना हो, निबिड हो, सांद्र हो ।

ದಟ್ಟಿ दट्टि (क) सं.—कमरबंद, मेखला ; लुंगी ।

ದಟ್ಟಿಸು दट्टिसु (क) क्रि.—दे. ದಟ್ಟಯ್ಸು ; रगड़, मिटा ; निंदा कर, गाली दे ।

ದಟ್ಟು दट्टु (क) सं.—राशि, ढेर, दल ; ठोकर खा, भीड़, समूह, सेना ।

(१) ದಡ दड (क) सं.—एक अनुकरणात्मक शब्द ।

(२) ದಡ दड (तद्) सं.—तटः (तत्), किनारा, तट ।

ದಡಕು दडकु (क) सं.—बर्तनों के टकराने की ध्वनि ।

ದಡಂಬಿಕೆ दडंबिके (क) सं.— तीव्रता, प्रचंडता ।

ದಡಾಣಿ दडाणि, ದಡಾಲಿ दडालि (क) सं.—मोटी स्त्री ।

ದಡಿ दडि (क) सं.—लाठी, डंडा, दण्ड ; शिश्न, लिंग ।

ದಡಿಗ दडिग (क) सं.—दंडधारी ।

ದಡಿಸು दडिसु (क) क्रि.—दे. ದಟ್ಟಿಸು.

ದಡುಮ दडुम (क) सं.—मोटा आदमी ।

ದಡೆ दड़े, ದಡೆಯ दड़ेय (अ. दे.) सं.—एक चौथाई मन ।

ದಡ್ಡ दड्ड (क) वि.—मूर्ख, बेवकूफ़, मूढ़ । सं.—समीपता, मिलन ; द्वित्वाक्षर ।—ತನ—(क) सं.— मूर्खता, बेवकूफ़ी ।

ದಡ್ಡಸ दड्डस (क) सं.— डोम का ढोल ।

ದಡ್ಡಿ दड्डि (क) सं.—मूर्ख स्त्री ; पर्दा, टट्टी, यवनिका ; पिंजड़ा ; पशुशाला ; बकरों का समूह ; घर के ऊपर का समतल भाग ।

ದಡ್ಡು दड्डु (क) सं.—धब्बा, काला निशान, चित्ती ; कलंक ।

ದಡ್ಡೆ दड्डे (क) सं.—मूर्ख या बेवकूफ़ स्त्री ।

ದಡ್ರುಂಚೆ दड्रूंचे, ದಡುಂಚೆ दडुंचे ದುಡ್ರುಂಚೆ दुड्रूंचे (क) सं.—व्यभिचारिणि स्त्री ।

ದಣವು दणवु, ದಣಿವು दणिवु (क) सं.—थकावट, श्रांति ।

(१) ದಣಿ दणि (क) क्रि.—थक जा, श्रांत हो, संतुष्ट हो, अघा ।

(२) ದಣಿ दणि (तद्) सं.—धनिन् (तत्) ; मालिक, स्वामी ।—ತನ तन (तद्) सं.—स्वामित्व ।

ದಣಿಬ दणिब, ದಣಿಂಬ दणिंब, ದಳಿಂಬ दळिंब (क) सं.—वस्त्र ; साड़ी ।

ದಣಿವು दणिवु (क) सं.—दे. ದಣವು.

ದಣಿಸು दणिसु (क) क्रि.—थकावट उत्पन्न कर, श्रांत कर ; तृप्त हो, संतुष्ट हो ।

ದಣು दणु (क) सं.—दे. ದಣವು.

ದತ್ತ दत्त (सम्) वि.—दिया हुआ, भेंट किया हुआ, प्रदान किया हुआ ; सौंपा हुआ ; रखा हुआ ।—ಕ क, ಪುತ್ರ पुत्र (सम्) सं.—गोद लिया हुआ पुत्र ।

ದತ್ತೂರ दत्तूर, ದತ್ತೂರಿ दत्तूरि (तद्) सं.—धत्तूरः (तत्) ; धतूरा ।

ದದ್ದರಿಸು दद्दरिसु (क) क्रि.—अंदर की गरमी के कारण शरीर पर फोड़ा हो, छाला पड़, फफोला हो, दाद हो ।

ದದ್ದಾಲ दद्दाल (क) सं.—एक वृक्ष (careya arboreya) ।

ದದ್ದು दद्दु (क) वि.—टूटा फूटा (तद्) सं.—दाद ।

ದದ್ರು दद्रु (सम्) सं.—एक प्रकार का कुष्ठ ।

ದಧಿ दधि (सम्) सं.—दही । ಫಲ फल (सम्) सं.—कैथा ।—ಮಂಡ मंड (सम्) सं.—मट्ठा, छाछ ।—ಮುಖ मुख (सम्) सं.—एक सर्प का नाम ; एक बंदर का नाम ।—ವಿಘಾತ विघात (सम्) सं.—मथानी ।—ಸಾರ सार (सम्) सं.—ताज़ा मक्खन ।

ದಧೀಚಿ दधीचि (सम्) सं.—एक ऋषि का नाम ।

ದಧ್ಯನ್ನ दध्यन्न ದಧ್ಯೋದನ दध्योदन (सम्) सं.—दही भात ।

ದನ दन, ದನವು दनवु (तद्) सं.—धनम् (तत्) ; गाय ; गाय-बैल ।

ದನಿ दनि (तद्) सं.—ध्वनिः (तत्) ; नाद, स्वर, आवाज़ ।

ದನು दनु (सम्) सं.—दक्ष की एक पुत्री का नाम जो कश्यप की पत्नी और दानवों की माता थी ।—ಜ ज (सम्) सं.—राक्षस ।

(१) ದಪ್ಪ दप्प (क) वि.—बड़ा, मोटा, तगड़ा, गाढ़ा, घना, स्थूल ।

(२) ದಪ್ಪ दप्प (तद्) सं.—दर्पः (तत्), अभिमान, पराक्रम ।

ದಪ್ಪನೆ दप्पने, ದಪ್ಪಾನೆ दप्पाने (क) वि.—मोटा ; गाढ़ा ।

ದಫೇದಾರ दफ़ेदार (अ. दे.) सं. — दफ़ादार (अरबी, फ़ारसी) ; पुलिस की टोली का नायक ।

ದಫ್ತರ दफ्तर (अ. दे.) सं.—दफ़्तर (फ़ारसी); बही, हिसाब, कागज़ात ।

ದಬಡೆ दबड़े (क) सं.— रंग पोतने की कूंची ।

ದಬದಬ दबदब (क) सं.—धड़कन ।

ದಬಾಯಿಸು दबायिसु (अ. दे.) क्रि. —('दबाना' से)—दबा, धमका, आड़े हाथों ले (मुह.) ।

ದಬ್ಬಣ दब्बण, ದಬ್ಬಳ दब्बळ, ಡಬ್ಬಳ डब्बळ, (क ?) सं.—मोटी और बड़ी सुई ।
ದಬ್ಬು दब्बु (क) क्रि.—दबा, ढकेल ।
ದಬ್ಬೆ दब्बे (क) सं.—बाँस की शलाका या तीली । (अ. दे.) सं. — चपत, थप्पड़, मार ।
ದಭ್ರ दभ्र (सम्) वि.—थोड़ा, छोटा, हल्का । सं.—समुद्र ।
ದಮ दम, ದಮೆ दमे (सम्)—पालना, वशवर्ती करना ; संयम, बाह्य वृत्तियोंको रोकना; सज़ा; दंड़, जुर्माना ; घर ; मन की दृढ़ता ; कीचड़ ।
ದಮಡಿ दमडि (अ. दे.) सं.—दमड़ी (हिं.), पैसे का १/४ भाग ।
ದಮನ दमन (सम्) सं.—पालना, वश में लाना, संयम में रखना ; दबाना ; सजा देना, दण्ड देना ; आत्म संयम ।
ದಮ್ಮ दम्म (तद्) सं.—धर्मः (तत्) ; धर्म ।
ದಮ್ಮಡಿ दम्मडि (अ. दे.) सं.—ದಮಡಿ.
ದಮ್ಮಯ್ಯ दम्मय्य (क) सं.—दुहाई, दोहाई ।
ದಮ್ಮಸ್ दम्मस्, ದಮ್ಮಸ दम्मस (अ. दे. ?) सं.—रास्ते की मरम्मत करने का एक उपकरण ।
ದಮ್ಯ दम्य (सम्) वि.—दबाने योग्य, वश में करने योग्य ।
ದಯ दय, ದಯಾ दया, ದಯೆ दये (सम्) सं.—करुणा, रहम, सहानभूति ।
ದಯಾಲು दयालु, ದಯಾಳು दयाळु (सम्) सं.—दयावान् , कृपालु ।
(१) ದರ दर (सम्) वि.—फटा हुआ, चिरा हुआ । सं.—गुफ़ा, रंध्र, बिल ; भय, डर ; शंख ; झरना ।
(२) ದರ दर (अ. दे.) सं.—दर (फ़ारसी) ; द्वार, दरवाज़ा कीमत, मूल्य ।
ದರಕು दरकु (क) वि.-रूक्ष, मोटा, जो चिकना न हो, सूखा, खुरदरा ।
ದರಖಾಸ್ತು दरखास्तु (अ. दे.) सं.—दरखास्त (फ़ारसी) ; प्रार्थना-पत्र, अर्ज़ी ।
ದರಜಿ दरजि, ದರ್ಜಿ दर्जि (अ. दे.) सं.—दर्ज़ी (फ़ारसी) ;

ದರಬಾರ दरबार, ದರಬಾರು दरबारु, ದರ್ಬಾರ दर्बार, ದರ್ಬಾರು दर्बारु (अ. दे.) सं.—दरबार (फ़ारसी) ; राजसभा ।
ದರಹಾಸ दरहास (सम्) सं.—मन्द मुस्कान ।
ದರಿ दरि, ದರು दरु (सम्) सं.—गुहा, गुफ़ा ; घटी ;
ದರಿತ दरित (सम्) वि.—फटा हुआ, विभक्त ; डरा हुआ ; भीत ।
ದರಿದ್ರ दरिद्र (सम्) वि. — निर्धन, ग़रीब । सं.—निर्धनता, ग़रीबी ।—ತನ तन,—ತೆ ते, ತ್ವ त्व (सम्) सं.—दरिद्रता, निर्धनता ।
ದರಿಸಣ दरिसण, ದರಿಸನ दरिसन, ದರುಸನ दरुसन (तद्) सं.—दर्शनम् (तत्) ; दर्शन ।
ದರೆ दरे (तद्) सं.—दे. ದರಿ.
ದರ್ಕು दर्कु (क) सं.—प्राप्ति, पाना ; संपत्ति ।
ದರ್ಜಾ दर्जा, ದರ್ಜೆ दर्जे (अ. दे.) सं.—दर्जा (अरबी) ; वर्ग, श्रेणी ; पद ।
ದರ್ಜಿ दर्जि (अ. दे.) सं. दे. ದರಜಿ.
ದರ್ದುರ दर्दुर (सम्) सं. — मेंढक ; बादल ; शहनाई ; पर्वत, एक पर्वत का नाम ।
ದರ್ದ್ರು दर्द्रु (सम्) सं.—दाद ।
ದರ್ಪ दर्प (सम्) सं. —अहंकार, अहंभाव ; गर्व, घमण्ड ; गर्मी ।
ದರ್ಭ दर्भ ದರ್ಭೆ दर्भे (सम्) सं. — कुशा, एक प्रकार की पवित्र घास ।
ದರ್ವಿ दर्वि (सम्) सं.—कलछी, चमचा; साप का फन ।
ದರ್ಶ दर्श (सम्) सं.—दर्शन ; दृश्य, तमाशा ; अमावास्या ; यज्ञ विशेष ।
ದರ್ಶನ दर्शन (सम्) सं.—देखना, अवलोकन; जाना, समझना, पहचानना ; दृश्य ; आँख ; पर्यवेक्षण ; रूप, वर्ण, आकार ; उपस्थित होना ; भेंट करना ; स्वप्न ; बुद्धि, समझ, परख ; निर्णय ; धारणा ; धर्म संबंधी ज्ञान ; दार्शनिक सिद्धांत, दर्शन, दर्पण ; आईना ; गुण, नीति ; यज्ञ विशेष ।
ದರ್ಶಿಸು दर्शिसु (सम्) क्रि.—देख, अवलोकन कर ।
ದಲ್ dल् (क) अ.—सचमुच, अवश्य, निश्चितरूप से ।

ದಲ दल (सम्) सं.—दल, टुकड़ा, भाग अंश ; आधा ; स्थान ; छोटा ; अंकुर किसलय, कोंपल ; किसी हथियार की नोंक सेना की टुकडी ; ढेर, राशि, परिमाण समूह ; शरीर का अंग ; मिलावट, मिश्रण
ದಲಾಲಿ दलालि, ದಲ್ಲಾಳಿ दल्लाळि (अ. दे. दलाल (अरबी) ।
ದಲಿತ दलित (सम्) वि.—रौंदा हुआ; ... हुआ, दबाया हुआ, पदाक्रांत ।
ದವ दव (सम्) सं. — अग्नि ; दावाग्नि जंगल, वन , चित्रमूल नामक पौधा ।
ದವಡು दवडु, ದವಡೆ दवडे, ದಾಡೆ दाडे (तद् सं.—जबड़ा ।
ದವನ दवन (तद्) सं. —दमनकः (तत्) अजजटी या तपस्वी नामक पौधा (Th Plant Artemisia Indica) ।
ದವಸ दवस (तद्) सं. — यवसं (तत्) अनाज ।
ದವಾಗ್ನಿ दवाग्नि, ದವಾನಲ दवानल (सम् सं.—दावाग्नि ।
ದವ್ವಾರಿಕ दव्वारिक (तद्) सं.— ... (तत्) ; द्वारपाल, पहरेदार ।
ದಶ दश (सम्) सं.—दस ।—ಕ क (सम् सं.—दस का समूह ।
ದಶಗ್ರೀವ दशग्रीव, ದಶಕಂಧರ दशकंधर (सम् सं. = ದಶಕಂಠ दशकंठ—रावण ।
ದಶನ दशन (सम्) सं.—काटना ; दाँत । ವಾಸಸ್ वासस् (सम्) सं.—ओष्ठ, होंठ ।
ದಶಭುಜ दशभुज (सम्) सं.—शिवजी ।
ದಶಮಾಂಶ दशमांश (सम्) सं.— दशमिक, दशमलव, दसवाँ भाग ।
ದಶರಥ दशरथ (सम्) सं.—राम के पिता ।
ದಶವಕ್ತ್ರ दशवक्त्र, ದಶವದನ दशवदन, ದಶ ಶಿರ दशशिर, ದಶಾನನ दशानन (सम्) सं. —रावण ; ದಸಸಿರ दससिर (तद्) ।
ದಶಾವಂತ दशावंत (सम्) सं. — भाग्यवान् पुरुष ।
ದಶಾವತಾರ दशावतार (सम्) सं.—विष्णु के दस अवतार ।

ದಶೆ दशे, ದಶಾ दशा (सम्) सं —(ದಸೆ दसे —तद्) — कपड़े की झालर; बत्ती; जीवन की दशा; अवस्था; काल; अवधि; परिस्थिति; मन की दशा; कर्मों का फल; ग्रहों की स्थिति; भाग्य; भूत आदि; वाण; धनुष की प्रत्यंचा; खरगोश।

ದಸಕು दसकु (क) सं.—भूसी, एक प्रकार की भूसी।

ದಸರ दसर, ದಸರೆ दसरे (तद्) सं.- दशहरा, नवरात्रि।

ದಸಿ दसि (क) सं. — शूल, काँटा, नोंकदार खूँट।

ದಸ್ಕು दस्कु (क) सं.—दे. ದಸಕು.

ದಹನ दहन (सम्) सं.—जलाना, आग में भस्म करना; आग, अग्नि।

ದಹಿಸು दहिसु (सम्) क्रि.—दहन कर, जल, भस्म कर।

ದಹ್ಯ दह्य (सम्) वि.—जलाने योग्य, दग्ध।

ದಳ दळ (तद्) सं.—दल, पता।

ದಳಗೆ दळगे, ದಳಿಕೆ दळिके, ದಳಿಗೆ दळिगे (क) सं.—संधि, गियन; फाँक।

ದಳಸರ दळसर (क) वि.—मोटा, घना, स्थूल, घनत्व।

ದಳಸು दळसु (क) सं.—मोटाई, स्थूलता, घनत्व।

ದಳಾಳಿ दळालि (अ. दे.) सं.—दे. ದಲಾಲಿ.

ದಳಿ दळि, ದಳೆ दळे (क) क्रि.—सीकर मिला, जोड़; पास-पास या मिले रहकर विकसित हो, फैल; दीख।

ದಳಿಕೆ दळिके, ದಳಿಗೆ दळिगे (क) सं.—दे. ದಳಗೆ.

ದಳಿಂಬ दळिंब (क) सं. — स्त्रियों का वस्त्र, साड़ी।

ದಳೆ दळे (क) क्रि.—दे. ದಳಿ.

ದಳ್ಳಿಸು दळ्ळिसु (क) क्रि.—आवृत्त हो, घेर, फैल, अधिक व्याप्त हो, वृद्धि हो।

ದೞ दळ (क) सं.—चतुरंग बल, सेना।

ದೞದುೞ दळदुळ (क) सं.—सेना का हलचल, बड़ी लूट, लूट-मार। —ಇಸು (क) क्रि. — हल-चल या क्षोभ में पड़।

ದೞವಾಯಿ दळवायि, [ದಳವಾಯಿ दळवायि] (क) सं.—सेनानायक।

ದೞ್ದುೞಿ दळ्दळि (क) सं.—शृंखला, जंज़ीर।

ದಾಂಗಡಿ दांगडि, ದಾಂಗುಡಿ दांगुदि (क) सं. —लौ; छोर; बढ़नेवाली नुकीली लता।

ದಾಂಟು दांटु (क) क्रि. — पार कर, तर, लाँघ। सं.—वह दूरी जो पैदल पार की जा सके।

ದಾಂಡಿಗ दांडिग (क) सं. — मोटा आदमी, तगड़ा आदमी; मूर्ख।

ದಾಂತ दांत (सम्) वि.—पालतू, वशवर्ती; आत्म-संयम।

ದಾಂತಿ दांति (सम्) सं.—आत्म-संयम, वश में करना।

ದಾಂಧಲೆ दांधले (अ. दे.) सं. — धाँधली (हिं.); भीड़, शोरगुल, कोलाहल, गड़-बड़ी।

ದಾಂಪತ್ಯ दांपत्य (सम्) सं.— पति-पत्नी का संवन्ध, विवाह, वैवाहिक संबन्ध।

ದಾಂಭಿಕ दांभिक (सम्) सं. — अभिमानी, कपटी, छलिया, ढोंगी।

ದಾಕ್ಷಾಯಣಿ दाक्षायणि (सम्) सं.– दक्ष प्रजापति की कन्या का नाम; दुर्गा; दक्ष की पुत्रियाँ और चन्द्र की पत्नियाँ — २७ नक्षत्र। —ನಾಥ नाथ (सम्) सं. — शिव; चन्द्र।

ದಾಕ್ಷಿಣಾತ್ಯ दाक्षिणात्य (सम्) वि. — दक्षिण का निवासी।

ದಾಕ್ಷಿಣ್ಯ दाक्षिण्य (सम्) सं.-नम्रता, शिष्टता; कृपालुता, दया; शिष्टाचार; ईमानदारी;

ದಾಖಲು दाखलु (अ. दे.) सं. — दखला (अरबी); प्रस्तुत करना; दर्ज करना; प्रमाण।

ದಾಖಲೆ दाखले (अ दे.) सं.—प्रमाण, प्रमाण संबन्धी कागज़ात।

ದಾಗಡಿ दागडि, ದಾಗುಡಿ दागुडि (क) सं.— एक पौधा (Cocculus Villosus)।

ದಾಟಿ दाटि, ಧಾಟಿ धाटि (क) सं.—पढ़ने-लिखने में गति या शीघ्रता, कला-निपुणता; उतावलापन।

ದಾಟಿಸು दाटिसु (क) क्रि.—पार करवा या करा, तार, लघन कर या करा।

ದಾಟು दाटु (क) क्रि.—पार कर, लंघन कर, (वचन को) भंगकर, पीछे हट; मृत हो, मर जा, चल बस, (समय) व्यतीत हो, गुज़र जा। सं.— पार करना, लंघन।

ದಾಡಿ दाडि (अ. दे.) सं.—दाढ़ी (हिं.)।

ದಾಡಿಮ दाडिम (सम्) सं.—दाडिम, अनार।

ದಾಡಿಮಿ दाडिमि, ದಾಡಿಂಬ दाडिंब, ದಾಡಿಂಬೆ दाडिंबे (सम्) सं.—अनार।

ದಾಡೆ दाडे (तद्) सं.—दंष्ट्रा (तत्); बड़ा दाँत, हाथी का दाँत, साँप का दाँत, हाथी के दाँत का अन्तिम भाग; दाढ़।

ದಾಣ दाण, ದಾಣಾ दाणा, ದಾಣಿ दाणि (अ. दे) सं.— दाना (हिं.) अनाज।

ದಾತ दात (सम्) वि.—विभाजित, कटा हुआ। (तद्)। सं. — दातृ (तत्); देनेवाला, दाता।

ದಾತಾರ दातार (तद्) सं.—दातृ (तत्)।

ದಾತೃ दातृ (सम्) सं. — दाता, देनेवाला, दानी उदार पुरुष।

ದಾತ್ರ दात्र (सम्) सं.—हसिया, लवित्र।

ದಾನ दान (सम्) सं.—देना, सौंपना, दान, भेंट; रिश्वत; चार उपायों में से एक।

ದಾನವ दानव (सम्) सं. — राक्षस। —ಅರಿ अरि (सम्) सं.—देवता।

ದಾಪನ दापन (सम्) सं.— जुर्माना, बलात्कार-पूर्वक दिलाना।

ದಾಪಿತ दापित (सम्) वि. —दिलाया हुआ, जुर्माना किया हुआ, दिया हुआ; निबटाया हुआ, फैसला किया हुआ।

ದಾಪು दापु (क) सं.— फैलाव, विस्तार, वृद्धि; कदम के फासले की नाप।

ದಾಮ दाम, ದಾಮು दामु, ದಾವೆ दावे (सम्) सं.—डोरा, सूत, तार, रस्सी; कमरबंद, पटुका; बड़ी पट्टी या बन्धन; किरण; विद्युत् रेखा।

ದಾಮನಿ दामनि (सम्) सं.—गाय-बैल बांधने की रस्सी।

ದಾಮೋದರ दामोदर (सम्) सं.—कृष्ण का नाम।

ದಾಯ दाय (सम्) सं. —भेंट, दान ; दहेज़ ; भाग, हिस्सा। बाँटना, तकसीम करना ; हानि, नाश ; दुर्भाग्य ; जगह ; संपत्ति ; पाना, प्राप्त करना ; क्रीडा विशेष , उपयुक्त समय या अवसर।—ಭಾಗ भाग, ವಿಭಾಗ विभाग (सम्) सं. —उत्तराधिकारियों में संपत्ति का बँटवारा।

ದಾಯಾದ दायाद (सम्) सं. — उत्तराधिकारी ; पुत्र; रिश्तेदार, भाईबन्धु ; दूर का नातेदार।

ದಾಯಾದಿ दायादि (तद्) सं.—दायाद्यं (तत्); उत्तराधिकारी होने की अवस्था ; पैतृक ; चाचा के बेटे, सौत या सौतेली माँ के बेटे आदि।

ದಾಯಿ दायि (तद्) सं.—धात्री (तत्) ; दाई।

ದಾಯಿತ दायित (सम्) वि. — मिला हुआ, जुड़ा हुआ।

ದಾರ दार (सम्) सं.—दरार, संधि, छेद, सुराख ; पत्नी, भार्या ; काटना, चीरना ; जुता हुआ खेत। (तद्) सं.—द्वारं (तत्) ; दरवाज़ा ; धारः (तत्)—धागा, सूत्र, तार।

ದಾರಣೆ दारणे, ಧಾರಣೆ धारणे (क ?) सं.—दर, भाव, दाम।

ದಾರವ दारव (सम्) वि.—लकड़ी का, लकड़ी बना।

ದಾರಿ दारि (क) सं —रास्ता, मार्ग, पथ। ದಾರಿ ತಪ್ಪಿದ ಮೇಲೆ ಹಾರಿ ಏನು ಫಲ? दारि तप्पिद मेले हारि एनु फल ?— रास्ता भूल जाने के बाद कूदने से क्या प्रयोजन? (कह.)।—ಕಾರ कार, ಕಾಱ कार, ಗ ग, ಗಾರ गार, ಗಾಱ गार (क) सं. — पथिक, मुसाफ़िर।

ದಾರಿದ್ರ, दारिद्र, ದಾರಿದ್ರ್ಯ दारिद्र्य (सम्) सं. —दरिद्रता, ग़रीबी।

ದಾರು दारु (सम्) सं.—काठ, काठ का टुकड़ा ; चटकनी ; देवदारु वृक्ष।

ದಾರುಣ दारुण (सम्) वि. — कड़ा, रूखा, कठोर, निष्ठुर ; भारी, भयानक, डरावना, क्रूर, सख्त।

ದಾರುಹಸ್ತಕ दारुहस्तक (सम्) सं.—काठ का चमचा।

(१) ದಾರೆ दारे (क) सं.—एक वृक्ष (Averrhoa Carambola)।

(२) ದಾರೆ दारे (तद्) सं —धारा (तत्) ; धार, प्रवाह। (तद्) सं.—दारा (तत्) ; पत्नी।

ದಾರ್ಢ್ಯ दार्ढ्य (सम्) सं.—सख्ती, दृढ़ता ; विश्वासजनक प्रमाण, समर्थन।

ದಾಲ दाल (सम्) सं.—एक प्रकार का मधु, शहद।

ದಾಲ್ಮಿ दाल्मि (सम्) सं—इन्द्र का नाम।

ದಾಲಚಿನ್ನಿ दालचिन्नि, ದಾಲ್ಚಿನಿ दाल्चिनि, ದಾಲ್ಚಿನ್ನಿ दाल्चिन्नि (अ. दे.) सं. — दालचीनी।

ದಾಲಿಮ दालिम (सम्) सं.— दाडिम, अनार।

ದಾವ दाव (क) सर्व.—क्या, कौन-सा।

ದಾವ दाव (सम्) सं.—दावाग्नि ; अग्नि ; आग ; वन, जंगल।—ದ್ರಾವ द्राव. ದಾಹ दाह (सम्)सं. — गरमी, उष्णता ; तप, तपस्या।

ದಾವಣಿ दावणि (क ?) सं. — लड़कियों के पहनने का वस्त्र ; समूह, समुदाय। (तद्) सं.—दामनी (तत्) ; पशुरज्जु।

ದಾವಳಿ दावळि, ಧಾವಳಿ धावळि (क) सं. — सफ़ेद ऊनी कपड़ा।

(१) ದಾವೆ दावे (तद्) सं. —दामम् (तत्) ; रज्जु, रस्सी।

(२) ದಾವೆ दावे, ದಾವಾ दावा (अ. दे.) सं. —दावा (अरबी) ; विवाद, कलह।

ದಾಶರಥಿ दाशरथि (सम्) सं. – राम।

ದಾಶಾರ್ಹ दाशार्ह (सम्) सं.—विष्णु, कृष्ण।

ದಾಷ್ಟಿಕ दाष्टिक, ದಾಷ್ಟೀಕ दाष्टीक (क ?) सं.—साहसी मनुष्य ; साहस ,ढिठाई।

ದಾಸ दास (सम्) सं.—दास, सेवक, गुलाम ; भक्त ; वैष्णव भक्त। ಎರಡು ದಾಸರಿಗೆ ನಂಬಿ ಕುರುಡ ದಾಸ ಕೆಟ್ಟ एरडु दासरिगे नंबि कुरुडदास केट्ट—दो दासों पर भरोसा रखकर अन्धा दास विनष्ट हुआ (कह.)। — ಗಿತ್ತಿ गित्ति (सम्) सं.—वैष्णव भक्त (दास) की पत्नी।

ದಾಸವಣ दासवण, ದಾಸವಾಣ दासवाण ದಾಸವಾಳ दासवाळ (क) सं.—जपा पुष्प, सदा-गुलाब, अड़हुल।

ದಾಸಿ दासि (सम्) ; सं.—दासी, चाकरनी, स्त्री गुलाम ; रंडी, वेश्या। ದಾಸಿಗೆ ಭಯವಿಲ್ಲ, ವೇಶಿಗೆ ದಯವಿಲ್ಲ दासिगे भयविल्ल, वेशिगे दयविल्ल — दासी को भय नहीं, वेश्या को दया नहीं (कह.)।

ದಾಸೇಯ दासेय, ದಾಸೇರ दासेर (सम्) सं. —नौकर, सेवक, दास।

ದಾಹ दाह (सम्) सं.—जलन, आग, बहुत जलन, ताप ; प्यास, तृष्णा ; पीड़ा, दर्द, चाह।

ದಾಹಿಸು दाहिसु (सम्) क्रि.—जल, जला।

ದಾಳ दाळ (क) सं.—पाँसा।

ದಾಳಿಂಬ दाळिंब, ದಾಳಿಂಬರ दाळिंबर, ದಾಳಿಂಬರಿ दाळिंबरि, ದಾಳಿಂಬೆ दाळिंबे, ದಾಳಿಂಬೈ दाळिंबै (तद्) सं.—दाडिमः (तत्) ; अनार।

ದಾಳಿ दाळि, ದಾಱಿ दाऱि (तद्) सं. — धाटी (तत्) ; आक्रमण, हमला।

ದಿಂಕ दिंक (सम्)सं.—जूँ का अण्डा, लीख।

ದಿಂಕು दिंकु (क) क्रि.— कूद, उछल ; फुदक।

ದಿಂಡ दिंड, ದಿಂಡಿಗ दिंडिग (क) सं — एक वृक्ष का नाम ; गिरिकर्णिका।

ದಿಂಡಲ दिंडल (क) सं. — दीर्घवृन्त, श्योनाक।

ದಿಂಡಾಲ दिंडाल, ದಿಂಡಿಗ दिंडिग, ದಿಂಡುಗ दिंडुग (क) सं.—दे. ದಿಂಡಲ.

ದಿಂಡಿಗತನ दिंडिगतन (क) सं.—रूखा स्वभाव; नटखटपन।

ದಿಂಡು दिंडु (क) सं.— राशि; ढेर, गोलाकार ढेर, या टुकड़ा, काठ या घास का बंडल (गट्ठा) ; मोटा तना ; मूठ या हल केलिए उपयोगी काठ ; काठ, लकड़ी का टुकड़ा छिलके के अन्दर का सार भाग (फलों के अन्दर का) ; केले के पौधे का भीतरी

कोमल भाग ; मोटापन, तगड़ापन ; बल; गर्व ; नटखटपन ।

ದಿಂಡುಕ दिंडुक (क) सं. — मोटा या तगड़ा आदमी ।

ದಿಂಡುಗ दिंडुग (क) सं. दे. ದಿಂಡಾಲ.

ದಿಂಡೆ दिंड़े, ದಿಂಡು दिंडु (क) सं. —गोलाकार बड़ा पत्थर ।

ದಿಂಡೆಗಿತ್ತಿ दिंडेगित्ति (क) सं.— नटखट स्त्री ।

ದಿಂಡ್ಲು दिंड्लु (क) सं.—दे. ದಿಂಡಾಲ.

ದಿಂಬು दिंबु (क) सं.—तकिया ।

ದಿಕ್ಕನೆ दिक्कने, ದಿಗ್ಗನೆ दिग्गने (क) अ.—हठात्, सहसा, तुरंत ; फौरन ।

ದಿಕ್ಕರಿ दिक्करि, ದಿಗ್ಗಜ दिग्गज (सम्) सं.—दिशाओं में रहनेवाली हाथी, वे हैं—ऐरावत, पुंडरीक, वामन, कुमुद, अञ्जन पुष्पदंत, सार्वभौम और सुप्रतीक ; आठ की संख्या ।

ದಿಕ್ಕು दिक्कु (तद्) सं.—दिक् (तत्) ; दिशा, निर्देश, संकेत ; रक्षण, रक्षा, मदद ।—ಗೆಡು गेडु (तद्) क्रि — असहाय हो, अनाथ हो (मुह.) ।—ತೋರು तोरु (तद्) क्रि. —मार्ग दिखा ; पार कर, मदद कर (मुह) ।

ದಿಕ್ಕುಂಭಿ दिक्कुंभि (सम्) सं.—दे. ದಿಕ್ಕರಿ.

ದಿಕ್ಪಾಲ दिक्पाल, ದಿಕ್ಪಾಲಕ दिक्पालक, ದಿಕ್ಪತಿ दिक्पति, ದಿಗಧಿಪ दिगधिप (सम्) सं.—दिशाओं के अधिपति ।

ದಿಗಂತ दिगंत (सम्) सं.- क्षितिज ; दूरवर्ती स्थान ।

ದಿಗಂಬರ दिगंबर (सम्) वि.—निरंग ; नंगा । सं.—एक जैन-संप्रदाय ; भैरव ।

ದಿಗಲು दिगलु, ದಿಗಿಲ್ दिगिल्, ದಿಗಿಲು दिगिलु (क) सं.— भय, डर, भीति, घबराहट ।

ದಿಗಿಸು दिगिसु (क) क्रि.—उतार, नीचे उतार (ದಿಂಚು दिंचु—तेलुगु) ।

ದಿಗೀಶ दिगीश, ದಿಗೀಶ್ವರ दिगीश्वर (सम्) सं.—दे. ದಿಕ್ಪಾಲ.

ದಿಗು दिगु (क) क्रि.—नीचे आ, उतर ।

ದಿಗುಮಂಡಲ दिगुमंडल (तद्) सं. — दिङ्मण्डल (तत्) ।

ದಿಗುಲು दिगुलु (क) सं.—दे. ದಿಗಲು.

ದಿಗ್ಗಜ दिग्गज. ದಿಗ್ದಂತಿ दिग्दन्ति (सम्) सं.—दे. ದಿಕ್ಕರಿ.

ದಿಗ್ಧ दिग्ध (सम्) वि.—लिसा हुआ, लिपा हुआ, विष में बुझा हुआ । सं. — विषैला बाण ।

ದಿಗ್ವಿಜಯ दिग्विजय (सम्) सं. — सभी दिशाओं के देशों को जीतना ।

ದಿಟ दिट (तद्) सं.-दिष्ट (तत्) ; सत्य, सच, सचमुच ।

ದಿಟ್ಟ दिट्ट, ದಿಟ್ಟು दिट्टु (तद्) वि. - धृष्ट (तत्) : ढीठ, साहसी, हिम्मतवाला, दिलेर, वीर । — ತನ तन (तद्) सं. — वीरता, साहस ।

ದಿಟ್ಟಿ दिट्टि (तद्) सं.—दृष्टिः (तत्) ; नज़र, निगाह ।—ಸು सु (तद्) क्रि. —देख, अवलोकन कर, विचार कर ।

ದಿಠ दिठ (तद्) सं.—दे. ದಿಟ.

ದಿಡ दिड, ದುಡ दुड (तद्) सं. दृढ (तत्) ; स्थिर, बली; दृढ़ता, बल ; सचाई (मै प्र.)।

ದಿಡ್ಡ दिड्ड, ದಿಡ್ಡು दिड्डु (क) सं — टीला, पहाड़ी ।

ದಿಡ್ಡಿ दिड्डि (क) सं. —बड़े दरवाज़े में छोटा दरवाज़ा, दीवार में बना हुआ छेद ।

ದಿಣ್ಣೆ दिण्णे (क) सं.—टीला ; पुलिन ; दीप ; राशि, ढेर ।

ದಿತಿ दिति (सम्) सं.—दक्ष प्रजापति की पुत्री और कश्यप की पत्नी । यही दैत्यों की माता है ।—ಸುತ सुत—दैत्य, राक्षस ।

ದಿಧಿಷು दिधिषु (सम्) सं —वर ; पति ; दो बार विवाहिता स्त्री ।

ದಿನ दिन (सम्) स. — दिन, रोज़, दिवस ; तीस की संख्या ।—ಗಟ್ಲೆ गट्ले (तद्) वि.—रोज़ाना ; प्रतिदिन ।—ಕರ कर (सम्)सं.—सूर्य ; बारह की संख्या ।—ಚರಿ चरि, ಚರ್ಯೆ चर्ये (सम्) — दैनिक कार्य । —ಮಣಿ मणि (सम्) सं.—सूर्य । — ವಾರು वारु (तद्) रोज़, प्रतिदिन ।

ದಿನಸಿ दिनसि (क) सं.—अनाज ।

ದಿನಾ दिना (तद्) सं —रोज, प्रतिदिन ।

ದಿನ್ನೆ दिन्ने (क) सं.—दे. ದಿಣ್ಣೆ.

ದಿಬ್ಬ दिब्ब, ದಿಬ್ಬು दिब्बु (क) सं. — टीला, छोटी पहाड़ी । (तद्) वि.—दिव्य (तत्) ।

ದಿಬ್ಬಣ दिब्बण (क) सं.—बरात ; बोतल का डट्टा ।

ದಿಮಿ दिमि (क) क्रि.—चक्कर काट । सं.—नाचते समय चरणों की तीव्र गति से उत्पन्न ध्वनि ।

ದಿಮ್ಮಗೆ दिम्मगे, ದಿಮ್ಮನೆ दिम्मने (क) अ. —बलपूर्बक, दृढ़ता से, जोर से ।

ದಿಮ್ಮಿ दिम्मि (क) सं. — टीला, पहाडी ; काठ, लकड़ी का बड़ा टुकड़ा ; डण्ठल ; घना सबल घेरा ; कुप्पेवाला पदार्थ ।

ದಿಮ್ಮಿತು दिम्मितु (क) वि. —बड़ा, बलवान्, महान् ।

ದಿಮ್ಮಿದ दिम्मिद (क) सं. — बड़ा आदमी ; महान् पुरुष, ब्राह्मण ।

ದಿಮ್ಮಿದುದು दिम्मिदुदु (क) सं. — बड़प्पन, महानता, मुख्यता, प्रधानता, गौरव ।

ದಿಮ್ಮು दिम्मु (क) सं.—विभ्रम, सिर में चक्कर । क्रि.—दबा, ढकेल ।

ದಿರ್ಜನೆ दिर्जने (क) अ.— चकराते हुए ।

ದಿವ दिव (सम्) सं. दिन, दिवस ; स्वर्ग ; आकाश ; जंगल ।

ದಿವಸ दिवस (सम्) सं.— दिन, रोज़ ।

ದಿವಾಣ दिवाण, ದಿವಾನ दिवान (अ. दे.) सं.-दिवान-प्रधान मन्त्री ; ज़िले का शासनाधिकारी ; दरबार, राजसभा ; सरकार ।

ದಿವಾಳಿ दिवाळि (तद्) सं.—दीपावलिः (तत्); दिवाली । (अ. दे.) सं—दिवाला (हिं.) ।

ದಿವಿ दिवि (सम्) सं.—स्वर्ग ; गगन, आकाश । —ಜ ज = देवता । — ಜಧೇನು जधनु = कामधेनु । —ನಾಯಕ नायक = ಇಂದ್ರ इन्द्र। —ಭಾಗ भाग = आकाश ।

ದಿವ್ಯ दिव्य (सम्) वि.—दैवी, स्वर्गीय, अलौकिक, अद्भुत, चमकीला, बहुत बढ़िया, श्रेष्ठ, मनोहर, सुन्दर । — ಗಾಯನ गायन (सम्) सं.—स्वर्गीय संगीत ; गन्धर्व ।

ದಿಶ दिश (सम्) सं.—दे. ದಿಕ್ಕು.

ದಿಶಿ दिशि (तद्) सं.—दिशा (तत्) ।

ದಿಷ್ಟ दिष्ट (सम्) वि॰ — दिखलाया हुआ, निर्दिष्ट निश्चित; वर्णित; सौंपा हुआ। सं॰—भाग्य, प्रारब्ध; निर्देश; आदेश, उद्देश्य, समय।— ಅಂತ अन्त (सम्) सं॰ —मृत्यु।

ದಿಷ್ಟಿ दिष्टि (सम्) सं॰—अंश, भाग; निर्देश, आदेश, नियम, आज्ञा; सौभाग्य, शुभ-कार्य; भाग्य।

ದಿಳ್ಳು दिळ (क) सं॰—भीति, भय, डर।

ದೀಕ್ಷಾ दीक्षा ದೀಕ್ಷೆ दीक्षे (सम्) सं॰ — दीक्षा, संस्कार; उपनयन संस्कार; यज्ञारंभ के पूर्व का कर्म विशेष; किसी उद्देश्य की सिद्धि के लिए किया जानेवाला आत्म-समर्पण।

ದೀಟು दीटु (क) सं॰ — प्राप्त करना, प्राप्ति; सादृश्य, तुलना; कीमत या दाम का अनु-मान।

ದೀಧಿತಿ दीधिति (सम्) सं॰ —चमक, प्रकाश की किरण; कांति, शारीरिक स्फूर्ति।

ದೀನ್ दीन (क) सं॰—दे॰ ದಿಮು.

ದೀನ दीन (सम्) वि॰—ग़रीब, निर्धन, आकिंचन, पीड़ित; दुःखी संतप्त, उदास; भीरु, डरपोक, कमीना।

ದೀಪ दीप (सम्) सं॰—दिया, दीपक। (तद्) — द्वीपः (तत्); टापू। ದೀಪ ದೀಪಾಂತರಕ್ಕೆ ಹೋಯಿತು ಬತ್ತಿ ಪರ್ವತಕ್ಕೆ ಹೋಯಿತು दीप दीपांतरक्के होयितु बत्ति पर्वतक्के होयितु— —दिया द्वीपांतर गया और बत्ती पर्वत पर। (कह॰)।

ದೀಪಾವಲಿ दीपावलि, ದೀಪಾವಳಿ दीपावळि, ದೀಪಾವಳಿಕೆ दीपावळिके, ದೀಪಾಳಿಗೆ दीपा-ळिगे, ದೀವಳಿಗೆ दीवळिगे (सम्) सं॰— दिवाली; दीपों की पंक्ति या श्रेणी।

ದೀಪ್ತ दीप्त (सम्) वि॰—दीपित, प्रकाशमान, जलता हुआ, चमकदार, सुन्दर, मनोहर।

ದೀಪ್ತಿ दीप्ति (सम्) सं॰ — चमक, दमक; प्रकाश) सौंदर्य।

ದೀರ್ಘ दीर्घ (सम्) वि॰—लम्बा, बहुत दूर पहुँचनेवाला, दीर्घकालीन।

ದೀರ್ಘಿಕೆ दीर्घिके (सम्) सं॰ — लंबी झील; झील या कूप।

ದೀವ दीव (क) सं॰—आखेट का प्राणी या मृग।

ದೀವಟಿ दीवटि, ದೀವಟಿಗೆ दीवटिगे (तद्) सं॰ — दीवट (हि॰)।

ದೀವಳಿಗೆ दीवळिगे (तद्) सं॰—दीपावलि का (तत्)।

ದೀವಿ दीवि (तद्) सं॰—द्वीप (तत्); टापू।

ದೀವಿಗೆ दीविगे (तद्) सं॰ — दीपिका (तत्); दिया, दीपक।

ದೀಹ दीह (क) सं॰—दे॰ ದೀವ.

ದುಂಟಾಡು दुंटाडु (क) क्रि॰ — डोल, हिल, झूल।

ದುಂಟು दुंटु (क) सं॰—असमता, असम पग; चढ़ाव-उतार।

ದುಂಡ दुंड (क) वि॰—गोल।

ದುಂಡಗೆ दुंडगे, ದುಂಡನೆ दुंडने (क) सं॰ — गोलाई, गोल होना; गोल।

ದುಂಡನ್ನ दुंडन्न (क) वि॰—गोल।

ದುಂಡರಿಸು दुंडरिसु (क) क्रि॰—तोंद पर उठा; गोल कर।

ದುಂಡಾನೆ दुंडाने (क) वि॰—दे॰ ದುಂಡನ್ನ.

ದುಂಡಿ दुंडि (क) सं॰—गोल पत्थर।

ದುಂಡಿಗು दुंडिगु (क) सं॰—एक झाड़ी (Jatropha curcas)।

ದುಂಡಿಗೆ दुंडिगे (क) वि॰—गोल।

ದುಂಡಿಚೆ दुंडिचे, ದುಂಡಿಜೆ दुंडिजे (क) सं॰— शतरंज या चौपड़ का मोहरा।

ದುಂಡಿಸು दुंडिसु (क) क्रि॰ — गोल राशि हो; गोलकार घूम।

ದುಂಡು दुंडु (क) सं॰—गोलाई, वर्तुलाकार; कंगन। वि॰ — गोल, वर्तुल। — ಮಲ್ಲಿಗೆ मल्लिगे (क) स॰—मोगरा, गोल चमेली।

ದುಂಡುಗೆ दुंडुगे (क) वि॰—गोल, वर्तुल।

(१) ದುಂದು दुंदु (क) सं —अपव्यय, वेकार या निस्सार वस्तु।

(२) ದುಂದು दुंदु (सम्) सं॰—एक प्रकार का ढोल; वसुदेव।

ದುಂದುಗಾರ दुंदुगार (क) सं॰—अपव्यय करने-वाला पुरुष। ದುಂದುಗಾರಿಕೆ दुंदुगारिके— अपव्यय करना। ದುಂದುಗಾರ್ತಿ दुंदुगार्ति— अपव्यय करनेवाली स्त्री।

ದುಂದುಭಿ दुंदुभि (सम्) सं॰—दुंदुभी, भेरी; मोहरा; एक संवत्सर का नाम।

ದುಂಪ दुंप, ದುಂಬ दुंब (क) सं॰—कन्द।

ದುಂಬಿ दुंबि, ದುಂಬೆ दुम्बे (क) सं॰ — भ्रमर, भौंरा, मधुकर, मधुप।

ದುಂಬು दुंबु (क) सं॰—धूल, रज।

ದುಃಖ दुःख (सम्) सं —दुःख, रंज, पीड़ा, कष्ट; कठिनाई।

ದುಃಪ್ರತೀತಿ दुःप्रतीति (सम्) सं॰—बुरा भाव या विचार।

ದುಃಶೀಲ दुःशील (सम्) सं॰ —बुरा स्वभाव।

ದುಃಸ್ಥಿತಿ दुःस्थिति (सम्) सं॰ — बुरी दशा, दुर्भाग्य, अप्रसन्नता।

ದುಃಸ್ವಪ್ನ दुःस्वप्न (सम्) सं॰—बुरा सपना, कुस्वप्न।

ದುಕೂಲ दुकूल (सम्)—रेशमी महीन वस्त्र, दुपट्टा।

ದುಕ್ಕ दुक्क (तद्) सं॰—दुःखम् (तत्)।

ದುಗ್ಧಕ दुग्धक (सम्) सं॰—(दूध से संब-न्धित), पापड़।

ದುಗ್ಧತರು दुग्धतरु (सम्) सं॰ — औदुम्बर वृक्ष।

ದುಗ್ಧಪಯೋಧಿ दुग्धपयोधि, ದುಗ್ಧಸಾಗರ दुग्ध-सागर, ದುಗ್ಧಾಬ್ಧಿ दुग्धाब्धि (सम्) सं॰— क्षीरसागर।

ದುಜ್ಜೋದನ दुज्जोदन (तद्) सं॰—दुर्योधन; (तत्)।

ದುಟ್ಟತನ दुट्टतन (तद्) सं॰—दुष्टता।

ದುಡಕ दुडक, ದುಡುಕ दुडुक (क) सं॰—उता-वला मनुष्य।

ದುಡಕು दुडकु, ದುಡುಕು दुडुकु (क) सं॰—उता-वलापन। ದುಡಕಿ दुडकि, ದುಡುಕಿ दुडुकि, —उतावली स्त्री।

ದುಡಕಿ दुडकि (क) सं॰—घोड़े को कदम की चाला से चलाना, धीरे चलाना।

ದುಡಿ दुडि (क) क्रि·—श्रम कर, मेहनत कर, परिश्रम कर, काम कर।

ದುಡಿತ दुडित, ದುಡಿಮೆ दुडिमॆ (क) सं·—लाभ, कमाई; श्रम; परिश्रम कर।

ದುಡಿಸು दुडिसु (क) क्रि· — काम करा या करवा, श्रम करा या करवा।

ದುಡುಕು दुडुकु (क) सं· – उतावलापन। क्रि· उतावला हो, बिना सोचे विचारे काम कर; दुष्ट व्यवहार कर।—ತನ तन (क) सं·—उतावलापन।

ದುಡುಮೆ दुडुमॆ (क) सं·—दे ದುಡಿತ.

ದುಡ್ಡು दुड्डु (क) सं·—एक पैसा; पैसे, द्रव्य।

ದುಡುಂ दुडुं (क) सं·—किसी वस्तु के गिरने की ध्वनि।

ದುತ್ತೂರ दुत्तूर, ದುತ್ತೂರಿ दुत्तूरि (तद्) सं·—धुस्तूरः (तत्); धतूरे का पौधा।

ದುದ್ದು दुद्दु (क) सं·—फलों का गूदा, कद्दू, कुम्हड़ा, खीरा आदि का भीतरी कोमल भाग जिसमें बीज होते हैं।

ದುದ್ರುಮ दुद्रुम (सम्) सं·—हरी प्याज़।

ದುಪಟಿ दुपटि, ದುಪ್ಪಟಿ दुप्पटि, ದುಪ್ಪಟೆ दुप्पटॆ, ದುಪ್ಪಟ್ಟ दुप्पट्ट, ದುಪ್ಪಟ್ಟೆ दुप्पट्टॆ (अ. दे·) सं·—दुपटा (हिं)।

ದುಪ್ಪಿ दुप्पि (क) सं·— चित्रांग, हरिणी।

ದುಬಾರಿ दुबारि (अ. दे) अ· — ['दुबारा' (हिं·) से]—महँगा, अधिक दाम का।

ದುಬ್ಬ दुब्ब (क) सं· — मोटा आदमी, तोंद वाला।

ದುಬ್ಬಿ दुब्बि (क) सं· — मोटी स्त्री; लम्बी गर्दनवाली सुराही।

ದುಬ್ಬಿಳಿ दुब्बिळि, ದುಬ್ಬುಳಿ दुब्बुळि (क) सं·—मकान की सुन्दर मंज़िल।

ದುಮಿಕು दुमिकु, ದುಮುಕು दुमुकु (क) क्रि.—कूद, छलांग मार; ऊपर से नीचे कूद।

ದುರ दुर (क) सं·—समर, युद्ध, लड़ाई;

ದುರದೃಷ್ಟ दुरदृष्ट (सम्) सं·—दुर्भाग्य, बद किस्मत।

ದುರಬಿಣಿ दुरबिणि, ದುರಬೀನ दुरबीन, ದುರಬೀನು दुरबीनु ದುರ್ಬಿಣೆ दुर्बिणि, ದುರ್ಬಿನಿ दुर्बिनि, ದುರ್ಬೀನು दुर्बीनु (अ. दे·) सं·—दूरबीन (फ़ारसी); दूरवीक्षण।

ದುರಭಿಪ್ರಾಯ दुरभिप्राय (सम्) सं·—बुरा उद्देश्य या विचार।

ದುರಭ್ಯಾಸ दुरभ्यास (सम्) सं·—बुरी आदत।

ದುರಹಂಕಾರಿ दुरहंकारि (सम्) सं· — बड़ा गर्वीला पुरुष।

ದುರಳ दुरळ, ದುರುಳ दुरुळ (तद्) सं·—धूर्तः (तत्); धोखेबाज़; चालाक; दुष्ट मनुष्य। ತನ=दुष्टता, धूर्तता।

ದುರಾಚಾರ दुराचार (सम्) सं·—बुरा आचरण, निंद्य कार्य। ಮಾಡೋದು ದುರಾಚಾರ ಮನೆ ಮುಂದೆ ಬೃಂದಾವನ माडोदु दुराचार मनॆ मुंदॆ बृन्दावन=करना तो निंद्य कार्य, पर घर के सामने है वृन्दावन (कह·)।

ದುರಾತ್ಮ दुरात्म (सम्) सं·—बुरे विचारवाला, दुष्ट।

ದುರಾಲೋಚನೆ दुरालोचनॆ (सम्) सं·—बुरा भाव या विचार।

ದುರಾಶೆ दुराशॆ (सम्) सं· — लालच; बुरी अभिलाषा।

ದುರಿತ दुरित (सम्) सं·—पाप।

ದುರುಕ್ತಿ दुरुक्ति (सम्) सं· — कठोर वाणी गाली, निन्दा; बुरी बात।

ದುರ್ಗ दुर्ग (सम्) सं·—किला, दुर्ग; जंगल, वन; वह स्थान जहाँ जाना कठिन हो।

ದುರ್ಗತಿ दुर्गति (सम्) सं· — दुर्दशा; बुरी हालत, दुस्थिति, दुर्भाग्य; दरिद्रता, ग़रीबी; नरक।

ದುರ್ಗಮ दुर्गम (सम्) वि.—अगम, न जाने योग्य, वह जिसे पार करना कठिन हो।

ದುರ್ಗಾ दुर्गा, ದುರ್ಗಿ दुर्गि, ದುರ್ಗೆ दुर्गॆ (सम्) सं·—दुर्गा; काली।

ದುರ್ಗುಣ दुर्गुण (सम्) सं·—बुरा गुण, बुरी चाल, दोष।

ದುರ್ಜನ दुर्जन (सम्) सं, — बुरा आदमी, नीच पुरुष, दुष्ट मनुष्य, खल। —ತೆ तॆ= दुष्टता, नीचता।

ದುರ್ಜಯ दुर्जय (सम्) वि.—अजेय।

ದುರ್ದಶೆ दुर्दशॆ (सम्) सं·—बुरी स्थिति या हालत, कठिन स्थिति; दुर्भाग्य; संकट।

ದುರ್ದಿನ दुर्दिन (सम्) सं. — बुरा दिन, मेघाच्छादित दिन; बादल।

ದುರ್ದೈವ दुर्दैव (सम्) सं·—दुर्भाग्य, बदकिस्मती; बुरे देवता।

ದುರ್ಧರ दुर्धर (सम्) सं·—पारा, पारद।

ದುರ್ಧರ್ಷ दुर्धर्ष (सम्) सं·—धृतराष्ट्र का एक पुत्र, रावण की सेना का एक सेनापति। वि·—उग्र, अगम्य, भयावह, असह्य, क्रोधी स्वभाव का।

ದುರ್ನಡತೆ दुर्नडतॆ (क) सं·—बुरा व्यवहार या चाल-चलन।

ದುರ್ನಿಮಿತ್ತ दुर्निमित्त (सम्) सं· — बुरा बहाना; अपशकुन।

ದುರ್ಬಲ दुर्बल (सम्) वि.—अशक्त, कमज़ोर।

ದುರ್ಬುದ್ಧಿ दुर्बुद्धि, ದುರ್ಮತಿ दुर्मति (सम्) सं. —कुबुद्धि, विवेकहीनता; मूर्खता।

ದುರ್ಮರಣ दुर्मरण (सम्) सं.—अपमृत्यु, बुरी मौत, दुर्घटना के कारण मौत।

ದುರ್ವಾಸ दुर्वास (तद्) सं·—दुर्वासस् (तत्); एक ऋषि का नाम।

ದುರ್ವಾಸನೆ दुर्वासनॆ (सम्) सं·—बुरी गन्ध, दुर्गंध, बदबू; चित्त की बुरी प्रवृत्ति।

ದುರ್ವಿನೀತ दुर्विनीत (सम्) सं·—कन्नड के एक प्राचीन लेखक का नाम। वि.—मूर्ख, खल दुष्ट; दरिद्र ग़रीब।

ದುರ್ವ್ಯವಹಾರ दुर्व्यवहार (सम्) सं·—कानून का बुरा निर्णय; (कानून का) बुरा मुकद्दमा।

ದುರ್ವ್ಯಸನ दुर्व्यसन, ದುವ್ಯಾಸಂಗ दुव्यासंग (सम्) सं.—बुरी आदत, बुरी लत।

ದುಲಿ दुलि (सम्) सं·—कछवी।

ದುಲ್ಲಕ್ಷಣ दुलक्षण (तद्) सं·—दुलक्षण (तत्); कविता का एक दोष।

ದುವ್ವಾಳಿ दुव्वाळि (क) सं·—शीघ्रता से आगे बढ़, कुदान, उछाल, उड़ान।

ದುಶ್ಚರಿತ್ರ दुश्चरित्र (सम्) सं·—चरित्रहीनता, बुरा चाल-चलन।

ದುಶ್ಚೇಷ್ಟೆ दुश्चेष्टॆ (सम्) सं·—नटखटी।

ದುಶ್ಶಕುನ दुश्शकुन (सम्) सं.—अपशकुन ।
ದುಷ್ಕರ दुष्कर (सम्) वि.—कष्टसाध्य, वह काम जो कठिन हो; बुरे रूप से व्यवहार करनेवाला, दुष्ट; बुरा, कठिन ।
ದುಷ್ಕರ್ಮ दुष्कर्म (सम्) सं.—बुरा काम, पाप; दोष; कोई कठिन या पीड़ाजनक कार्य; बुरा व्यवहार, चाण्डाल ।
ದುಷ್ಕಾಲ दुष्काल (सम्) सं.—बुरा समय, अकाल; रोग, बीमारी ।
ದುಷ್ಟ दुष्ट (सम्) सं. — बुरा आदमी, दुर्जन, खल; निकम्मा, दूषित व्यक्ति; कोढ़; पाप, अपराध; साँप; घोड़ा; हाथी का मद । ದುಷ್ಟೆ दुष्टे—स्त्री. लिं. ।
ದುಸ್ತರ दुस्तर (सम्) वि.—कठिनाई से पार किये जानेवाला, कठिनाई से वश में किये जानेवाला, अजेय ।
ದುಸ್ಸಂಗ दुस्संग (सम्) सं. — बुरी संगति, बुरा साथ ।
ದುಸ್ಸಂತತಿ दुस्संतति (सम्) सं.—बुरे बच्चे; बुरा परिवार ।
ದುಸ್ವಪ್ನ दुस्वप्न (सम्) सं.—बुरा सपना ।
ದೂಂಟು दूंटु (क) क्रि.—एक पैर के बल चल, लंगड़ा, फुदक ।
ದೂಕರಿಸು दूकरिसु (क) क्रि.—थूक ।
ದೂಟಿಸು दूटिसु (क) क्रि.—कुदा, एक पैर के बल चलने दे ।
ದೂಟು दूटु (क) क्रि.—दे. ದಂಟು.
ದೂಡಿಸು दूडिसु (क) क्रि. — ढकेल, दबा; झुका, हिला, तौल; फेंक; बाहर कर, बहिष्कार कर ।
ದೂತ दूत (सम्) सं.— दूत, संदेह ले जानेवाला; राजदूत । ದೂತಿ दूति—स्त्री. लिं. ।
ದೂದ दूद, ದೂದವ दूदव (तद्) सं,—दूतः (तत्) । ದೂದಿ दूदि, ದೂದವಿ दूदवि—स्त्री. लिं. ।
ದೂನಿಸು दूनिसु (सम्) क्रि.—[ದೂನ दून—पीड़ित, दुःखी]—मानसिक संताप सह, चिंतित हो, चिंता कर, पीड़ित हो, व्याकुल हो ।
ದೂಪ दूप (तद्) सं.—धूपः (तत्); ದೂಪ ಹಾಕಿದರೆ ಪಾಪ ಹೋದೀತೇ? दूपहाकिद्रे पाप होदीते—धूप डालने से क्या पाप जाता है? (कह.) ।
ದೂಪಿಸು दूपिसु (तद्) क्रि.—दे. ದೂಷಿಸು.
ದೂರ दूर (सम्) सं.—दूर, फासला; लम्बा मार्ग । ದೂರವಿದ್ದ ಮಗನಿಗೂ ಹತ್ತಿರವಿದ್ದ ಹೆಂಡತಿಗೂ ಸರಿಬಾರದು दूरविद्द मगनिगू हत्तिरविद्द हेंडतिगू सरिबारदु—पुत्र दूर हो और पत्नी पास हो तो पटता नहीं (कह.) ।
ದೂರಿಸು दूरिसु (क) क्रि. — घुसेड़, लगा । (तद्) क्रि.—दे. ದೂಷಿಸು.
ದೂಱಿಸು दूरिसु, [ದೂರಿಸು दूरिसु] (क) क्रि. —निंदा करा, शिकायत करा (प्रे) ।
ದೂಱು दूरु, [ದೂರು दूरु] (क) क्रि.—निंदा कर, शिकायत कर, गाली दे । सं.—निंदा, गाली; शिकायत ।
ದೂರ್ತ दूर्त (तद्) सं.—धूर्तः (तत्) ।
ದೂರ್ವಾ दूर्वा, ದೂರ್ವೆ दूर्वे (सम्) सं.—देव-पूजन में उपयोगी एक प्रकार की घास ।
ದೂಲ दूल (य) सं.—धरन, बल्ला, बँड़ेर ।
ದೂಲಿ दूलि, ದೂಲಿಕೆ दूलिके (सम्) सं.—नील का पौधा ।
ದೂಲೆ दूले (क) सं—खुजलाहट, सुरसुरी; मन्मथ-पीड़ा ।
ದೂವಾಳಿಸು दूवाळिसु (क) क्रि.—शीघ्रता से आगे बढ़, कूद, उछल, उड़ ।
ದೂಷಣ दूषण, ದೂಷಣೆ दूषणे (सम्) सं.—निंदा, गाली, कुवाच्य; अपवाद, अपकीर्ति; दोष ।
ದೂಷಿಸು दूषिसु (सम्) क्रि. —दूषण कर, निंदा कर, गाली दे ।
ದೂಷ್ಯ दूष्य (सम्) वि.—कलंक लगाने योग्य, भ्रष्ट होने योग्य, निंद्य । सं.—वस्त्र, एक प्रकार का वस्त्र; डेरा, खेमा ।
ದೂಸಱ दूसर, ದೂಸಱು दूसरु (क) सं.—कारण, हेतु, निमित्त, स्वमत; स्वलाभ, स्वरुचि ।
ದೂಸಿಗ दूसिग (तद्) सं.—कपड़े का व्यापारी।
ದದೂಸು दूसु (तद्) सं. — दूष्य (तत्) कपड़ा ।
ದೂಳ್ दूळ्, ದೂಳು दूळु (तद्) सं.—ದೂಳಿ दूळि—धूलिः (तत्) धूल, गर्द ।
ದೂಳಿಸು दूळिसु (क) क्रि. — लीप, पोत; लीपा जा, पोता जा ।
ದೃಕ್ दृक् (सम्) सं.— ದೃಕ್ಕು दृक्कु (तद्) —आँख । ದೃಗು दृगु (तद्) ।
ದೃಢ दृढ (सम्) वि.—मज़बूत, अचल, स्थिर; ठोस; स्थापित; कसा हुआ; घना; बड़ा, शक्तिशाली; कठोर ताकतवाला; चलाऊ, ठहरनेवाला; विश्वस्त, निश्चित, अवश्य ।
ದೃತ दृत (सम्) वि.—सम्मानित; विदीर्ण; डरा हुआ, भीत ।
ದೃತಿ दृति (सम्) सं. — चर्म, खाल, पानी भरने का चमड़े का थैला ।
ದೃಪ್ತ दृप्त (सम्) वि.—डरा हुआ, भीत ।
ದೃಶ್ಯ दृश्य (सम्) सं.— दिखाई पड़नेवाली वस्तु, नज़ारा । वि.—देखने को, दिखाई पड़नेवाला; सुंदर, मनोहर ।
ದೃಷ್ಟ दृष्ट (सम्) वि. —देखा हुआ, जाना हुआ, समझा हुआ, दिखाई पड़नेवाला, अनुभव किया हुआ, निर्णीत, निश्चित ।
ದೃಷ್ಟಾಂತ दृष्टांत (सम्) सं. — उदाहरण; एक अलंकार; मृत्यु, अंत ।
ದೃಷ್ಟಿ दृष्टि (सम्) सं, — निगाह, नज़र; ज्ञान, जानकारी; आंख; विचार; देखने की शक्ति; चितवन; बुद्धि; तारों का रूप; एक मन्त्री का नाम । — ಗೋಚರ गोचर (सम्) वि.—समझ में आनेवाला, दृष्टिगोचर, दिखाई पडनेवाला । — ದೋಷ दोष (सम्) सं.—देखने में त्रुटि, आँख का दोष ।
ದೃಷ್ಟಿಸು दृष्टिसु (सम्) क्रि.—देख, अवलोकन कर ।
ದೆಬ್ಬೆ देब्बे, ದೆಬ್ಬಲು देब्बलु (क) सं.—चपत, थप्पड़, मार ।
ದೆವ್ವ देव्व, ದೆವ್ವು देव्वु (तद्) सं. — दैवं (तत्); भूत, पिशाच ।

ದೆಸಿ देसि, ದೇಸಿ देसि (क) सं.— सुंदरता, लालित्य, मनोहरता ।

ದೆಸೆ देसे (क) सं.— दे. ದಿಕ್ಕು.

ದೇಗಲ देगल, ದೇಗುಲ देगुल (तद्) सं. — देवकुलं (तत्); मंदिर, देवालय । ದೇಗುಲಿಗ देगुलिग = पूजारी ।

ದೇಟು देटु, ದೇಂಟು देंटु (क) सं. — डंठल, वृंत ।

ದೇವ देव (सम्) सं.—[ದ್ಯಾವ द्याव — तद्] —देव, देवता; राजा; आदर सूचक शब्द; इंद्र: शिव; दीर्घ वर्ण का संकेत; मूर्ख, मूढ़ ।

ದೇವಕಿ देवकि (सम्) सं.—वसुदेव की पत्नी और श्रीकृष्ण की माता ।—ನಂದನ नंदन= श्रीकृष्ण ।

ದೇವಕುಸುಮ देवकुसुम (सम्) सं· — लौंग, लवंग ।

ದೇವಖಾತಕ देवखातक (सम्) सं.—नैसर्गिक, सरोवर ।

ದೇವಗೇಹ देवगेह (सम्) सं·—मंदिर, शिवालय ।

ದೇವತರು देवतरु (सम्) सं· — कल्पवृक्ष । मंदार वृक्ष; अश्वत्थ वृक्ष, संतान वृक्ष; पारिजात वृक्ष ।

ದೇವತಾಯನ देवतायन (सम्) सं·—मंदिर ।

ದೇವತಾರ್ಚನೆ देवतार्चने (सम्) सं.—देव-पूजा, अर्चन ।

ದೇವತೆ देवते, ದೇವತಾ देवता (सम्) सं.— देवी; देवता ।

ದೇವದತ್ತ देवदत्त (सम्) सं.—अर्जुन के शंख का नाम: ऊपर-नीचे देखना; जंभाते समय निकलनेवाली हवा; एक व्यक्ति का नाम ।

ದೇವದಾಸಿ देवदासि (सम्) सं.—मंदिर में नाचने के लिए नियुक्त स्त्री ।

ದೇವನ देवन (सम्) सं. — सौंदर्य, चमक, प्रकाश; पाँसे का खेल, जुआ; क्रीडा, आमद-प्रमोद; बाग, वाटिका; कमल; स्पर्धा; व्यापार, धंधा; प्रशंसा ।

ದೇವನದಿ देवनदि (सम्) सं.—गंगा ।

ದೇವನಾಗರಿ देवनागरि (सम्) सं· — देवनागरी लिपि ।

ದೇವಭೂಮಿ देवभूमि (सम्) सं· — आकाश-गंगा; स्वर्ग, पवित्र भूमि । — ಜ ज (सम्) सं.—आर्य ।

ದೇವಯಜ್ಞ देवयज्ञ (सम्) सं.—होम, हवन ।

ದೇವಯೋನಿ देवयोनि (सम्) सं. — किन्नर, गंधर्व, अप्सरा आदि ।

ದೇವರ देवर, ದೇವೃ देवृ (सम्) सं.—पति का बड़ा या छोटा भाई; देवर या जेठ ।

ದೇವರಮ್ಯ देवरम्य (सम्) सं.—एक वृत्त का का नाम ।

ದೇವರಾಜ देवराज, ದೇವರಾಜೇಂದ್ರ देवराजेंद्र (सम्) सं.—इन्द्र; एक नाम ।

ದೇವರ್ಷಿ देवर्षि (सम्) सं. — नारद, अत्रि आदि ऋषि ।

ದೇವಲ देवल, ದೇವಲಕ देवलक (सम्) सं.—ब्राह्मण जो देवता की चढ़त पर अपना निर्वाह करता है; एक नाम ।

ದೇವವರ್ಧಕಿ देववर्धकि (सम्) सं. — विश्वकर्मा, देवताओं का बढ़ई ।

ದೇವಸ್ತ್ರೀ देवस्त्री (सम्) सं—देवी, देवता की पत्नी; अप्सरा ।

ದೇವಸ್ಥಾನ देवस्थान (सम्) सं. — मंदिर, देवालय ।

ದೇವಸ್ವ देवस्व (सम्) सं.—मंदिर की संपत्ति ।

ದೇವಾಂಗ देवांग (सम्) सं. — जुलाहा, एक प्रकार का वस्त्र; रेशमी वस्त्र; पुरुष की जननेंद्रिय; एक व्यापारी का नाम ।

ದೇವಾಂಗನೆ देवांगने (सम्) सं — दे. ದೇವಸ್ತ್ರೀ.

ದೇವಾದ್ರಿ देवाद्रि (सम्) सं.—मेरु पर्वत ।

ದೇವಾನಾಂಪ್ರಿಯ देवानांप्रिय (सम्) सं.— देवताओं का प्रिय; मूर्ख, मूढ़; मूर्खता; बकरा; अशोक की उपाधि ।

ದೇವಾರ देवार (तद्) सं.—देवागारं (तत्); स्वर्ग; मंदिर ।

ದೇವಿ देवि (सम्) सं.—देवी; दुर्गा; स्त्रियों लिए आदरसूचक शब्द; रानी; राजकुमारी; चेचक; सरस्वती; एक दवाई का पौधा ।

ದೇವಿಕೆ देविके (सम्) सं. — एक नदी का नाम ।

ದೇಶ देश (सम्) सं.—स्थान, भाग, कोई स्थान; प्रांत; विभाग; नियम, क़ायदा । —ಭಾಷೆ भाषे (सम्) सं —प्रांतीय भाषा ।

ದೇಶಸ್ಥ देशस्थ (सम्) सं. —ब्राह्मणों की एक शाखा जो उत्तर से दक्षिण में आकर बस गयी है ।

ದೇಶಾಂತರ देशांतर (सम्) सं —अन्य देश, दूसरा देश, विदेश । ದೇಶಾಂತ್ರ देशांत्र (तद्) ।

ದೇಶಾಯಿ देशायि, ದೇಸಾಯಿ देसायि (सम्) सं —ज़िले या गाँव का मुख्य अधिकारी; ब्राह्मणों के एक वंश का नाम ।

ದೇಶಾವಾರ देशावार, ದೇಶಾವರ देशावर (सम्) सं.—एक देश से दूसरे देश जाकर भीख माँगना; भिक्षा; विदेश; निर्यात ।

ದೇಶಿ देशि, ದೇಸಿ देसि (सम्) सं. — किसी देश से संबंधित; प्रान्त की बोली या भाषा; एक राग का नाम ।

ದೇಶಿಕ देशिक (सम्) सं.—मार्गदर्शक; गुरु, आचार्य; यात्री· मुसाफ़िर; शिव ।

ದೇಶೀಯ देशीय, ದೇಶ್ಯ देश्य (सम्) वि.—देश या प्रान्त से संबंधित (पत्र, शब्द आदि) ।

ದೇಸ देस (तद्) सं.—देशः (तत्); देश ।

ದೇಸಿ देसि (क) वि.—उपयुक्त, योग्य ।

ದೇಸಿಕಾರ್ತಿ देसिकार्ति (क) सं· — रूपवती, सुंदरी स्त्री ।

ದೇಸಿಗಾಱ देसिगार, [ಗಾರ गार] (क) सं. — कारिगर, कलाकार ।

ದೇಸಿಂಗ देसिंग (तद्) सं.—देवसिंह: (तत्); देवताओं का सिंह; शिव ।

ದೇಸಿಮಾರ್ಗ देसिमार्ग (सम्) सं.—देश या प्रांत की भाषा-शैली ।

ದೇಹ देह (सम्) सं.—शरीर, देह ।—ಧಾರಣ धारण (सम्) सं.—जीवन, अस्तित्व ।

ದೇಹಲಿ देहलि (सम्) सं.—देहरी, ड्योढ़ी ।

ದೇಹಾಂತ देहांत (सम्) सं.—मृत्यु, मौत ।

ದೈಹಿಕ दैहिक (सम्) वि.—देह से संबंधित, शारीरक।

ದೈತೇಯ दैतेय, ದೈತ್ಯ दैत्य (सम्) सं.—राक्षस, दैत्य। —ಗುರು गुरु = शुक्राचार्य! —ಧ್ವಂಸಿ ध्वंसि = विष्णु।

ದೈನ್ಯ दैन्य (सम्) सं. — दीनता, ग़रीबी, निर्धनता; उदासी, शोक; निर्बलता; कमीनापन।

ದೈಯ दैय (तद्) सं.—दे. ದವ್ವ.

ದೈವತ दैवत (सम्) सं.—देवता, देव, देवता से संबंधित;

ದೈವಯೋಗ दैवयोग (सम्) सं. — संयोग सौभाग्य, मौका।

ದೈವಾಧೀನ दैवाधीन (सम्) सं. — मृत्यु, मौत।

ದೊಂಗ दोंग (क) सं.—बैल, नंदी;

ದೊಂಗರು दोंगरु (क) सं.—सुराख, खोखला।

ದೊಂಡಲೆ दोंडले (क) सं. — एक पौधे का नाम।

ದೊಂಡೆ दोंडे (क) सं.—मोटा बना हुआ या ठोस पदार्थ, गुच्छा।

ದೊಂದಡಿ दोंदडि, ದೊಂದಣ दोंदण, ದೊಂದಣಿ दोंदणि, ದೊಂದುಳಿ दोंदुळि (क) सं. — भीड़, समूह, जन-समूह।

ದೊಂದಿ दोंदि, ದೊಂದೆ दोंदे (क) सं.—दीवट, मशाल।

ದೊಂಬ दोंब, ದೊಂಬರ दोंबर (तद्) सं. — डेमः (तत्); अत्यंत नीच जाति का आदमी, डोम। ದೊಂಬರಗಿತ್ತಿ दोंबरगित्ति— स्त्री. लिं.।

ದೊಂಬಿ दोंबि (क) सं.—भीड़, समूह, जन-समूह, कोलाहल; शोरगुल, मारपीट।

ದೊಂಬಿಗ दोंबिग (तद्) सं.—दे. ದೊಂಬ.

ದೊಂಬೆ दोंबे (क) सं.—दे. ದೊಂಬಿ.

ದೊಗರು दोगरु, ದೊಗಟು दोगटु (क) सं.— खोखला।

ದೊಗೆ दोगे (क) क्रि.—नख से खोद, खोद, निकाल (जैसे कान से मल निकालना)।

ದೊಡ್ಡ दोड्ड (क) वि.—बड़ा, महान्, श्रेष्ठ, उन्नत, विशाल, विस्तृत, स्थूल, मजबूत, सशक्त। ದೊಡ್ಡಪ್ಪ दोड्डप्प = ताऊ, ದೊಡ್ಡಮ್ಮ दोड्डम्म— ताई।

ದೊಡ್ಡತನ दोड्डतन, ದೊಡ್ಡವ್ವ दोड्डव्व (क) सं. – बड़प्पन, बड़ाई, महानता, श्रेष्ठता; गौरव।

ದೊಡ್ಡಸ್ತನ दोड्डस्तन, ದೊಡ್ಡಸ್ತಿಕೆ दोड्डस्तिके (क) सं.– दे. ದೊಡ್ಡತನ.

ದೊಡ್ಡಿ दोड्डि (क) सं, = कांजी हाउस; पशुओं को फँसाकर बांधने की शाला।

ದೊಡ್ಡಿತು दोड्डितु. ದೊಡ್ಡಿತ್ತು दोड्डित्तु (क) क्रि.—दे. ದೊಡ್ಡ.

ದೊಡ್ಡೆಸ दोड्डेस (क) सं.—नाच, नृत्य।

ದೊಡ್ಲಿ दोड्लि (क) सं.—एक पौधा (Atlantia manophylla)।

ದೊಣೆ दोणे (क) सं.—तरकस, निषंग; नैसर्गिक सरोवर, चट्टान पर का जलाश्रय।

ದೊಣ್ಣೆ दोण्णे (क) सं. — लाठी, दंड, डंडा, सोंटा।

ದೊದ್ದೆ दोद्दे (क) सं.—राशि, समूह, समुदाय; भीड़, समूह; कोलाहल, अस्पष्ट बात।

ದೊದ್ದೆಗ दोद्देग (क) सं.—भीड़ या समूह का व्यक्ति।

ದೊನ್ನೆ दोन्ने (क) सं.—दोना।

ದೊಪ್ಪ दोप्प, ದೊಪ್ಪಾನೆ दोप्पाने (क) वि.— स्थूल, मोटा; बड़ा, तगड़ा। सं. — स्थूलता; मोटा होना।

ದೊಪ್ಪೆ दोप्पे (क) सं.—दोना।

ದೊಬ್ಬಿಸು दोब्बिसु (क) क्रि.—दबवा, ढकेलने दे (प्रे.)।

ದೊಬ್ಬು दोब्बु (क) क्रि.—दबा, ढकेल, आगे या पीछे दबा।

ದೊಮ್ಮಳಿಸು दोम्मळिसु (क) क्रि. — चक्कर काट; संभ्रमित हो, घबड़ा जा।

ದೊರಕಿಸು दोरकिसु (क) क्रि.—प्राप्त करा या करवा; प्राप्त कर।

ದೊರಕು दोरकु (क) क्रि.—प्राप्त हो; मिल, उपलब्ध हो, हाथ लग।

(१) ದೊರೆ दोरे (क) क्रि.—प्राप्त हो; मिल उपलब्ध हो; प्रकट हो; सदृश्य या समान हो. योग्य हो; पास-पास हो। सं. — समता, सादृश्य; समीपता, उपयुक्तता या योग्यता।

(२) ದೊರೆ दोरे (तद्) सं. —धुर्यः (तत्) — राजा, नृपति; प्रधान, मुखिया; स्वामी, प्रभु!—ತನ तन = राजा होना, प्रभुत्व।

ದೊರೆಯಿಸು दोरेयिसु (क) क्रि — दे. ದೊರಕಿಸು.

ದೊರೆಸಾನಿ दोरेसानि (क) सं — स्वामिनी, मालकिन, रानी।

ದೊರ್ಮೆ दोर्मे (क) सं —वेश्या; कुटिनी।

ದೊಳೆ दोळे (क) सं.—एक प्रकार की दवा या बीज जिसका उपयोग मद्य बनाने में होता है।

ದೊಳ್ಳಾಸ दोळ्ळास (क) सं,—धोखा, फरेब, कपट।

ದೊಳ್ಳು दोळ्ळु (क) वि.—बड़ा, विस्तृत।— ಹೊಟ್ಟೆ होट्टे = बड़ी तोंद।

ದೋಕರಿ दोकरि (क) सं.—घास खोदने का एक उपकरण।

ದೋಚು दोचु (क) क्रि.—लूट, झपट कर बटोर।

ದೋಟಿ दोटि (क) सं —लग्गा।

ದೋಣ दोण (तद्) सं. = द्रोणः (तत्?)— नंगा, नग्न।

ದೋಣಿ दोणि (तद्) सं.—द्रोणी (तत्)—नाव, नौका!

ದೋಣುಹೊಟ್ಟೆ दोणुहोट्टे (क) सं. —ದೊಳ್ಳು ಹೊಟ್ಟೆ. ದೋಣ ोण = बड़ी तोंदवाला. ದೋಣಿ दोणि = बड़ी तोंदवाली स्त्री।

ದೋತರ दोतर, ದೋತ್ರ दोत्र (तद्) सं.— ('धौत' से ?)—धोती।

ದೋಬಿ दोबि (अ. दे.) सं.—धोबी (हिं)।

ದೋಮಿ दोमि, ದೋಮೆ दोमे (क) सं. — मच्छर, पिस्सू।

ದೋರಗಾಯಿ दोरगायि (क) सं.—पकनेवाला फल।

(१) ದೋರೆ दोरे (क) सं.—पकना, पक्व होना

(२) ದೋರೆ दोरे॒, ದೋರ दोर (सम्) सं.— धागा।
ದೋರ್ಬಲ दोर्बल (सम्), ದೋರ್ವಲ दोर्वल (तद्) सं —भुजबल।
ದೋವತಿ दोवति, ದೋವರ್ತಿ दोवर्ति (तद्) सं. —धोती।
ದೋಷ दोष (सम्) सं.—दोस (तद्)—त्रुटि, अपराध, कसूर, ऐब; कलंक, भर्त्सना; बुराई, खराबी; हानि; दुष्परिणाम; रोग।
ದೋಷಿ दोषि (सम्) वि. — अपराधी, त्रुटि करनेवाला; अपवित्र, भ्रष्ट; बुरा।
ದೋಷೆ दोषे, ದೋಷಾ दोषा (सम्) सं.— सायंकाल; कालिमा, रात्रि।
ದೋಸೆ दोसे॒ (क) सं. —दोसा; उड़द की दाल और चावल को पीसकर बनाया जानेवाला खाद्य पदार्थ।
ದೋಸ್ತಿ दोस्ति (अ. दे.) सं. — दोस्ती (फ़ारसी); मित्रता।
ದೋಹ दोह (सम्) सं.—दुहना; दूध।
ದೋಹದ दोहद (सम्) सं. — गर्भवती स्त्री की रुचि; गर्भ, अभिलाषा, प्रबल अभिलाषा, कामना; वृक्षों की अभिलाषा।
ದೋಹನ दोहन (सम्) सं. – दुहना; दुधैड़ी।
ದೋಹಿತ್ರ दोहित्र (तद्) सं. — दौहित्र; (तत्); पुत्री का पुत्र; नाती।
ದೋಹಿಲ್ दोहिल् (क) सं.—प्रकटन, प्रकाशन, किसी बात को फैलाना; शिकायत करना।
ದೋಳ दोळ (तद्) सं.—ದೋಲಾ दोला (तत्); झूला, हिंडोला; पालकी।
ದೋಲು दोलु (तद्) सं. — ढोल; (तत्); बड़ा ढोल।
ದೌರ್ಜನ್ಯ दौर्जन्य (सम्) सं. — दुर्जनता; दुष्टता, नीचता; बुराई।
ದೌರ್ಭಾಗ್ಯ दौर्भाग्य (सम्) सं. — दुर्भाग्य; बुरी दशा।
ದೌಹಿತ್ರ दौहित्र (सम्) सं.—दे. ದೋಹಿತ್ರ.
ದ್ಯಾವಾಭೂಮಿ द्यावाभूमि (सम्) सं.—स्वर्ग और पृथ्वी।
ದ್ಯುತಿ द्युति (सम्) सं.—प्रकाश, कांति, छवि, चमक; सौंदर्य; प्रकाश की किरण।
ದ್ಯುನದಿ द्युनदि (सम्) सं.—गंगा।
ದ್ಯುಮ್ನ द्युम्न (सम्) सं. —प्रकाश, कांति, आभा; संपत्ति; बल, शक्ति, विक्रम।
ದ್ಯೂತ द्यूत (सम्) सं. —जुआ, क्रीडा, खेल; जुआ खेलनेवाला।
ದ್ಯೋತ द्योत (सम्) सं. — चमक, प्रकाश, आभा; सूर्य की धूप; गरमी।
ದ್ಯೋತನ द्योतन (सम्) सं.—चमकना, प्रकाशित होना; देखना, दृष्टि।
ದ್ಯೋತಿಸು द्योतिसु (सम्) क्रि. — प्रकाशित हो, चमक; प्रकट हो।
ದ್ರವ द्रव (सम्) सं.—गमन, भ्रमण, गति; टपकना, चूना; खेल, आमोद, विहार; पनीलापन, तरलता, तरल पदार्थ; वेग। वि.—टपकनेवाला, तर, तरल, पनीला।
ದ್ರವಂತಿ द्रवंति (सम्) सं.—नदी।
ದ್ರವಿಡ द्रविड, ದ್ರವಿಳ द्रविळ (तमिळ) सं. — तमिळनाड और उसके निवासी।
ದ್ರವಿಣ द्रविण (सम्) सं.—संपत्ति, ऐश्वर्य, पैसा, धन; वस्तु; शक्ति, बल; सुवर्ण; चाँदी।
ದ್ರವಿಸು द्रविसु (सम्) क्रि.—द्रवित हो, गल, तरल हो; पसीज जा।
ದ್ರವ್ಯ द्रव्य (सम्) सं.—वस्तु, चीज़; धन, पैसा, संपत्ति; जीवद्रव्य; काठ की मूर्ति; उपयुक्त पदार्थ; औषध, दवा।
ದ್ರಾಕ್ಷಾ द्राक्षा. ದ್ರಾಕ್ಷೆ द्राक्षे (सम्) सं.— अंगूर, अगूर की लता।—ಪಾಕ पाक (सम्) .—संद्राक्षापाक; कविता का प्रसाद गुण।
ದ್ರಾಬೆ द्राबे॒ (तत्) सं.—द्राप: (तत्) मूर्ख, बेवकूफ़।
ದ್ರಾವಕ द्रावक (सम्) सं.—द्रव रूप में होनेवाला पदार्थ; पिघलानेवाला; चोर; चतुर आदमी; लंपट; मोम।
ದ್ರಾವಿಕೆ द्राविके॒ (सम्) सं.—लार।
ದ್ರಾವಿಡ द्राविड (तत्) सं. — तमिळवाला; पंच द्राविडों में एक।
ದ್ರುಣ द्रुण (सम्)—बिच्छू।
ದ್ರುಣೆ द्रुणे॒ (सम्) सं.—धनुष की डोर।
ದ್ರುತ द्रुत (सम्) वि.—तेज़; फुर्तीला, वेगवान्; शीघ्र, जल्दी, तुरंत। सं.—बिच्छू; वृक्ष; परिहास करनेवाला अभिनेता, विदूषक।—ಪದ पद (सम्) सं.—एक वृत्त का नाम।
ದ್ರುಪದ द्रुपद (सम्) सं. —द्रौपदी के पिता का नाम।
ದ್ರುಮ द्रुम (सम्) सं.—पेड़, वृक्ष।
ದ್ರೋಣ द्रोण (सम्) सं. — चार सौ बाँस लंबी झील; जलपूर्ण मेघ; वनकाक; बिच्छू; वृक्ष; सफ़ेद फूलों का पेड़; द्रोणाचार्य।
ದ್ರೋಣಿ द्रोणि (सम्) सं. — काठ की बाल्टी; जलाधार नाँद; घाटी; १२८ सेर की तौल।
ದ್ರೋಹ द्रोह (सम्) सं.—उत्पात, उपद्रव; वैर, द्वेष; विद्रोह; विश्वासघात; अपराध।
ದ್ರೋಹಿ द्रोहि (सम्) वि. — अपराधी, विद्रोही, अपकारी।
ದ್ವ द्व (सम्) वि.—दो।
ದ್ವಂದ್ವ द्वंद्व (सम्) सं. — जोड़ा, युग्म; लड़ाई, युद्ध, झगड़ा; संदेह, शक; गुप्त-भेद; रहस्य; द्वंद्व समास।—ಪ್ರಾಸ प्रास (सम्) सं.—अनुप्रास अलंकार का एक भेद।
ದ್ವಯ द्वय, ದ್ವಯಿ द्वयि (सम्) सं. — जोड़ा, जुट्टा; दो प्रकार का स्वभाव।
ದ್ವಾದಶ द्वादश (सम्) वि.—बारह, बारहवाँ।
ದ್ವಾಪರ द्वापर (सम्) सं. — पाँसे का वह पहल जिसपर दो खुदे हो; संदेह; अनिश्चय; तीसरे युग का नाम।
ದ್ವಾರ द्वार (सम्) सं. — द्वार, दरवाज़ा; माध्यम, रास्ता, मार्ग, साधन।
ದ್ವಾರಪಾಲಕ द्वारपालक (सम्) सं.—द्वारपाल, पहरेदार, दरबान।
ದ್ವಿ द्वि (सम्) वि.—दो, दोनों।
ದ್ವಿತೀಯ द्वितीय (सम्) वि.—दुगुना; दूसरा; दो; जोड़ा।

ದ್ವಿತೀಯೆ द्वितीये (सम्) सं.—जोड़ा, युग्म; पत्नी; विभक्ति विशेष; चाँद्रमास की दूसरी तिथि।

ದ್ವಿತ್ವ द्वित्व (सम्) सं. — द्वित्व; जोड़ा, जुट्टा; शब्द को दुहराना।

ದ್ವಿಧಾ द्विधा (सम्) अ.—दो भागों में, दो प्रकार से।

ದ್ವಿಪ द्विप (सम्) सं.—हाथी।

ದ್ವಿರೇಫ द्विरेफ (सम्) सं. — भ्रमर, काला मधुकर।

ದ್ವೇಷ द्वेष (सम्) सं. — घृणा, तिरस्कार; शत्रुता; बदला लेने की प्रवृत्ति।

ದ್ವೇಷಿ द्वेषि (सम्) सं.—शत्रु।

ದ್ವೈತ द्वैत (सम्)—दो का भाव, दुई; द्वैत-वाद।

ದ್ವೈಧ द्वैध (सम्) वि.—दोहरा, दूना।

ದ್ವೈಪ द्वैप (सम्) वि.—द्वीप संबंधी; चीते का; व्याघ्रचर्म से ढका हुआ।

ದ್ವೈಪಾಯನ द्वैपायन (सम्) सं. — व्यासजी का नाम।

ದ್ವೈಮಾತುರ द्वैमातुर (सम्) सं.—गणेश।

ದ್ವ್ಯಷ್ಟ द्व्यष्ट (सम्) सं.—ताँबा।

ದ್ವ್ಯಹ द्व्यह (सम्) सं. — दो दिनों की अवधि।

ಧ ध

ಧ ध—कन्नड-वर्णमाला का तैंतीसवाँ अक्षर; तवर्ग का चौथा व्यञ्जन।

ಧಕ್ಕಾಮುಕ್ಕಿ धक्कामुक्कि (अ. दे.) सं. — धक्का-मुक्की (हिं.) लड़ाई, झगड़ा।

ಧಕ್ಕು धक्कु (क) सं.—स्थूण, निहाई।

ಧಗ धग (सम्) सं,—जलन, ज्वाला, आग; लौ, चमक, गरमी, ताप।

ಧಟ धट (सम्) सं.—तराजू, तुला; तराज़ू द्वारा परीक्षा।

ಧಣ धण (क) सं.—धनुष इत्यादि की ध्वनि।

ಧಣು धणु (क) अ.—धन्य! धन्य!, अच्छा।

ಧತ್ತೂರ धत्तूर (सम्) सं.—धतूरा।

ಧನ धन (सम्) सं. — संपत्ति, दौलत, कोई मूल्यवान् वस्तु; पशुधन।

ಧನಂಜಯ धनंजय (सम्) सं.—संपत्ति या धन पर विजय पाना; अग्नि; आग; अर्जुन; एक लेखक का नाम; सिर की वायु।

ಧನದ धनद, ಧನದವ धनदव, (सम्) सं.—कुबेर।—ಸಖ सख=शिवजी।

ಧನಪ धनप, ಧನಪತಿ धनपति, ಧನಾಧಿಪ धनाधिप (सम्) सं.—कुबेर।

ಧನಾಢ್ಯ धनाढ्य, ಧನಿ धनि, ಧನಿಕ धनिक (सम्) वि.—धनी, अमीर, संपन्न।

ಧನುಃ धनुः, ಧನುಸ್ धनुस्; ಧನುಸ್ಸು धनुस्सु (सम्) सं.—धनुष, कमान।

ಧನುರ್ಧರ धनुर्धर, ಧನುರ್ಧಾರಿ धनुर्धारि (सम्) सं.—धनुष धारण करनेवाला, तीरंदाज़।

ಧನುರ್ಲತೆ धनुर्लते (सम्) सं.—चंद्रलता।

ಧನುಷ್ಕೋಟಿ धनुष्कोटि (सम्) सं. — धनुष का अग्र भाग; एक स्थान का नाम जो रामेश्वरम के पास है।

ಧನ್ಯ धन्य (सम्) वि.—धन देनेवाला; धनवान्; भाग्यवान् सुकृती, सुखी; सर्वोत्कृष्ट, सर्वोत्तम। सं.—धन, संपत्ति।

ಧನ್ಯತೆ धन्यते (सम्) सं. — सुकृत, सौभाग्य, धन्य होना।

ಧನ್ಯವಾದ धन्यवाद (सम्) सं. — शुक्रिया, धन्यवाद।

ಧನ್ವ धन्व (सम्) सं.—धनुष; मरुभूमि।

ಧನ್ವಂತರಿ धन्वंतरि (सम्) सं.—सूर्य; देव-वैद्य।

ಧನ್ವಿ धन्वि (सम्) सं—धनुर्धारी, तीरंदाज़; कई पौधों के नाम!

ಧಮನ धमन (सम्) सं. — एक प्रकार का नरकुल।

ಧಮ್ಮಿಲ್ಲೆ धम्मिल्ले (सम्) सं. — अनुसाल्व की पत्नी का नाम।

ಧರಣಿ धरणि, ಧರಣೀ धरणी (सम्) सं. — भूमि, पृथिवी; ज़मीन, एक की संख्या।

ಧರಣಿಚಕ್ರೇಶ धरणिचक्रेश, ಧರಣೀಂದ್ರ धरणींद्र, ಧರಣೀಪತಿ धरणीपति (सम्)—सं. राजा।

ಧರಣೀಧರ धरणीधर (सम्) — पर्वत; शेष; कच्छप; विष्णु; शिव; राजा; दिग्गज।

ಧರಧುರ धरधुर (क) अ.—अच्छा; बहुत।

ಧರಾಧರ धराधर (सम्) सं.—पर्वत; विष्णु।

ಧರಾಧಾರೆ धराधारे (सम्) सं.—भूमि।

ಧರಿತ್ರಿ धरित्रि, ಧರಿತ್ರೀ धरित्री (सम्) सं.—भूमि, पृथिवी।

ಧರಿಯಿಸು धरियिसु, ಧರಿಸು धरिसु, ಧರಯಿಸು धरयिसु (सम्) क्रि.—धारण कर, धर।

ಧರ್ಮ धर्म (सम्) वह कर्म जिसके करने से इह में अभ्युदय और पर में मोक्ष की प्राप्ति होती है; दर्पण; प्रचलन, पद्धति; कर्तव्य; न्याय, समानता; सादृश्य; पक्षपात; व्यक्ति की वृत्ति, चरित्र; नेम; ईश्वर-भक्ति; कर्तव्याकर्तव्य अवधारणाशास्त्र; यज्ञ; सत्संग, धर्मात्मा पुरुषों का सांगत्य; भक्ति; विधान; उपनिषद्; उत्पात; चाप, धनुष; शिव; राजा; धर्मदेवता; यम; युधिष्ठिर का नाम।

ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರ धर्मशास्त्र (सम्) सं. — कर्तव्या-कर्तव्य अवधारण शास्त्र।

ಧರ್ಮಸಂಹಿತೆ धर्मसंहिते (सम्) सं. — मनु आदि की स्मृतियाँ।

ಧರ್ಮಸಂಕಟ धर्मसंकट (सम्) सं.—दुविधा, धर्मसंकट।

ಧರ್ಮಸ್ಥಲ धर्मस्थल, ಧರ್ಮಸ್ಥಳ, धर्मस्थळ (सम्) सं.—कर्नाटक का एक प्रसिद्ध तीर्थ-स्थान।

ಧರ್ಷಣ धर्षण (सम्) सं.—अवज्ञा, अपमान; आक्रमण, सतीत्वहरण; रति, संभोग; कुवाच्य, गाली।

ಧರ್ಷಣಿ धर्षणि (सम्) सं.—वेश्या, व्यभिचारिणी स्त्री।

ಧವ धव (सम्) सं.—मनुष्य; पति, स्वामी, प्रभु, एक पौधा।

ಧವಲ धवल ಧವಳ धवळ (सम्) सं. — सफ़ेद रंग; सफ़ेद काग़ज़; एक प्रकार का कपूर; श्रेष्ठ बैल; बूढ़ा बैल। वि. — सुन्दर, मनोहर।

ಧವಲಿಮ धवलिम, ಧವಳಿಮ धवळिम, (सम्) सं.—सफ़ेदी।

ಧವಲೆ धवले (सम्) सं.—सफ़ेद गाय।

ಧಾಟಿ धाटि (सम्) सं.—आक्रमण, हमला।

ಧಾತ धात, ಧಾತಾರ धातार (तद्) सं. —धातृ (तत्)।

ಧಾತು धातु (सम्) सं. — प्रधान या मूल उपादान, पञ्चतत्व; निसृतरस; (पसीना आदि); वात, पित्त और कफ; खनिज पदार्थ; क्रिया संबंधी धातु; जीवात्मा; परमात्मा; इंद्रिय; इंद्रिय-कर्म; हड्डी।

ಧಾತೃ धातृ (सम्) सं. — सृष्टिकर्ता, ब्रह्मा; वाहक, समर्थक, रक्षक; विष्णु; जीव; सप्तर्षियों का नाम; विवाहिता स्त्री का प्रेमी, व्यभिचारी।

ಧಾತ್ರಿ धात्रि, ಧಾತ್ರೀ धात्री (सम्) सं. — दाई, धाय; पृथिवी; आँवले का वृक्ष।

ಧಾತ್ರಿಕೆ धात्रिके (सम्) सं.—दे. ಧಾತ್ರಿ.

ಧಾತ್ರಿಧರ धात्रिधर (सम्) सं.—पर्वत।

ಧಾತ್ರೀಜಾತ धात्रीजात (सम्) सं. — वृक्ष, पेड़।

ಧಾತ್ರೀಧವ धात्रीधव (सम्) सं.– राजा।

ಧಾತ್ರೀಫಲ धात्रीफल (सम्)—आँवला।

ಧಾನುಷ್ಕ धानुष्क (सम्) सं.—धनुर्धारी, तीरंदाज़।

ಧಾನ್ಯಕ धान्यक (सम्) सं.—धनिया।

ಧಾಮ धाम (सम्) सं.—घर, मकान, रहने का स्थान; खाली स्थान, जगह; शरीर; कुल, वंश, कुटुंब; प्रकाश, चमक; महिमा; गौरव; बल, पराक्रम; प्रकाश की किरण।

ಧಾರ धार (सम्) सं. — धरना; धरनेवाला, समर्थक; बहनेवाला, टपकनेवाला; तुषार, हिम; तरंग, लहर।

ಧಾರಕ धारक (सम्) सं.—धरनेवाला; पेटी, ट्रंक (Trunk); स्तंभ, खंभा।

ಧಾರಣ धारण (सम्)—धारण करने की क्रिया या भाव; धारणा, बुद्धि, समझ; दृढ़ निश्चय; मर्यादा; विश्वास।

ಧಾರಣೆ धारणे (क ?) सं.—ಧಾರಣ.

ಧಾರಾಳ धाराळ (क) सं. —उदारता; पूर्ण स्वातंत्र्य, छुटकारा। ಧಾರಾಳಿ धाराळि—उदार पुरुष।

ಧಾರಿಣಿ धारिणि, ಧಾರಿಣೀ धारिणी, ಧಾರುಣಿ धारुणि (सम्) सं.—पृथिवी।

ಧಾರೆ धारे, ಧಾರಾ धारा (सम्) सं. — दे. ಧಾರೆ; सिरा, नोंक, धार।

ಧಾರ್ತರಾಷ್ಟ್ರ धार्तराष्ट्र (सम्) सं—धृतराष्ट्र का पुत्र; एक प्रकार का हंस।

ಧಾರ್ಮಿಕ धार्मिक (सम्) वि. — धर्मात्मा, पुण्यात्मा; सच्चा, सत्यप्रिय; धर्मनिष्ठ।

ಧಾರ್ಷ್ಟ್ಯ धार्ष्ट्य (सम्) सं.—दे. ಧಾಷ್ಟ್ಯ.

ಧಾವನ धावन (सम्) सं.—धोना, साफ़ करना, सफ़ाई।

ಧಿಕ್ಕರಿಸು धिक्करिसु (सम्) क्रि.—धिक्कार कर, फटकार।

ಧಿಕ್ಕಾರ धिक्कार (सम्) सं.—धिक्कार, फटकार।

ಧಿಗಿಲ್ धिगिल् (क) सं.—भय, भीति, डर।

ಧಿಷಣ धिषण (सम्) सं.—बृहस्पति का नाम।

ಧಿಷಣಾ धिषणा, ಧಿಷಣೆ धिषणे (सम्) सं.—वाणी, वक्तृता; बुद्धि; प्रशंसा; कमण्डलु, प्याला।

ಧೀ धी (सम्) सं.—बुद्धि, समझ।

ಧೀಮತಿ धीमति (सम्) सं.—बुद्धिमति स्त्री।

ಧೀರ धीर (सम्) वि. — वीर, साहसी; दृढ़, दृढ़ मन का; शांत, गंभीर; आत्मसंयमी; बुद्धिमान। सं.—जैन संन्यासी; समुद्र; केसर, कुंकुम। — ತನ तन—धीरता।

ಧುರ धुर (क) सं.—लड़ाई, युद्ध।

ಧುರಂಧರ धुरंधर (सम्) वि. — जुआं ढोनेवाला; जीतने योग्य; प्रधान, नेता, मुखिया; सद्गुणों से संपन्न; आवश्यक कर्तव्य-भार से दबा हुआ;

ಧುರೀಣ धुरीण (सम्) वि. — भार ढोने योग्य; धुरीण, काम-धंधे में लिप्त पुरुष; प्रधान, मुखिया, नेता; अग्रणी।

ಧುರೆ धुरे, ಧುರಾ धुरा (सम्) सं. — बोझ, भार।

ಧುವಿತ್ರ धुवित्र (तद्) सं. — ಧವಿತ್ರ धवित्र (तत्); पंखा।

ಧೂಪ (सम्) सं.—एक सुगंध द्रव्य जिसको आग में डालने से धुआँ निकलता है।

ಧೂಮ धूम (सम्) सं.—धुआँ; बादल।— ಕೇತು केतु (सम्) सं. — अग्नि, आग; उल्का; धूमकेतु, पुच्छलतारा। — ಶಕಟ शकट (सम्) सं.—रेल।

ಧೂಮ್ಯೆ धूम्ये (सम्) सं.—धुएँ की घटा।

ಧೂಮ್ರ धूम्र (सम्) वि.—धुमैले रंग का, भूरा; लाल और काले का मिश्रण; बैंगनी; अंधकार। —ಕ क (सम्) सं. —ऊंट। — ಪಾನ पान (सम्) सं. — बीड़ी, सिगरेट आदि पीना।

ಧೂರ್ಜಟಿ धूर्जटि (सम्) सं.—शिव।

ಧೂರ್ತ धूर्त (सम्) वि. — दग़ाबाज़, धोखा देनेवाला; उपद्रवी; चालाक।

ಧೂಲಿ धूलि ಧೂಲೀ धूली, ಧೂಳಿ धूळि (क) (सम्) सं.—धूल, गर्द।

ಧೂಸರ धूसर (सम्) वि.—भूरे रंग का। सं. —भूरा रंग।

ಧೂಳಿಕೋಟೆ धूळिकोटे (तद्) सं.—धूल का किला अर्थात् मिट्टी का किला।

ಧೂಳಿಪಟ धूळिपट, ಧೂಳಿಪಟ್ಟ धूळिपट्ट (तद्) सं.—धूल ही धूल, संपूर्ण नाश।

ಧೂಳಿಪಟಲ धूळिपटल (तद्) सं.—धुएँ की घटा।

ಧೂಳೆ धूळे (तद्) सं.—धूल।

ಧೃತ धृत (सम्) वि.—पकड़ा हुआ, धरा हुआ वहन किया हुआ, आया हुआ, समर्थित, रखा हुआ, बजाया हुआ, रक्षित; घिसा हुआ, उपयोग किया हुआ, अभ्यास किया हुआ; तौला हुआ।

ಧೃತರಾಷ್ಟ್ರ धृतराष्ट्र (सम्) सं.—दुर्योधन के पिता का नाम; एक नाग का नाम; एक पक्षी; अंधा मनुष्य।

ಧೃತಿ धृति (सम्) सं.—पकड़ना, धरना आदि; दृढ़ता, स्फूर्ति, दृढ़ संकल्प; सन्तोष, आनंद, प्रसन्नता।

ಧೃಷ್ಟ धृष्ट (सम्) सं. — ढीठ, साहसी या अशिष्ट व्यवहार करनेवाला पुरुष; अभिमानी; लंपट, कुकर्मी।

ಧೇನು धेनु (सम्) सं.—गाय; भूमि; भेंट, पुरस्कार।

ಧೇನುಕ धेनुके (सम्) सं. — दुधार-गाय; हथिनी; एक अस्त्र विशेष।

ಧೈನುಕ धैनुक (सम्) सं.—गायों का समूह।

ಧೈರ್ಯ धैर्य (सम्) सं. — धीरज, धीरता; चित्त की स्थिरता; साहस; गांभीर्य; शांति।—ವಂತ वंत = धैर्यवान्। — ಶಾಲಿ शालि = धैर्यवान्।

ಧೋರಣ धोरण (सम्) सं.—वाहन, सवारी; तेज़ी या सुंदरता से चलनेवाला; घोड़े की चाल; ध्यान, ढंग, विधान, शैली; उद्देश्य।

ಧೋರಣೆ धोरणे (सम्) सं. — अच्छी शैली; उपेक्षा, लापरवाही, ध्यानहीनता।

ಧೌತ धौत (सम्) वि. = साफ़ किया हुआ; चमकाया हुआ। सं.—चाँदी।

ಧೌಮ್ಯ धौम्य (सम्) सं.—श्रेष्ठ बैल; एक ऋषि का नाम।

ಧ್ಯಾನ ध्यान (सम्) सं.—ध्यान, प्रगाढ़ चिंता, मानसिक प्रत्यक्ष।

ಧ್ರುವ ध्रुव (सम्) वि.—ध्रुव, अचल, स्थिर, नित्य, निश्चित, दृढ़; पक्का, ठीक। सं.—ध्रुवतारा; पृथिवी का अक्ष देश; वटवृक्ष; वृक्ष का तना; खंभा; (संगीत में) टेक; समय, काल, युग; ब्रह्मा; विष्णु; शिव; उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव जो भगवद्भक्त थे।

ಧ್ರುವೆ ध्रुवे (सम्) सं.—यज्ञ का करछुल या चमचा; वृक्ष विशेष।

ಧ್ವಂಸ ध्वंस (सम्) सं. — विनाश, नाश, नष्ट होना; पतन।

ಧ್ವಂಸನ ध्वंसन (सम्) सं. — नाश करना; पतनशील, ग.।

ಧ್ವಜ ध्वज (त) सं.नं.—पताका, झंडा; चिह्न, संकेत [illegible]।

ಧ್ವಜಿನಿ ध्वजिनि (सम्) [illegible]—सेना।

ಧ್ವನಿ ध्वनि (सम्) सं.—[illegible] ध्वनि, नाद, स्वर; शब्द; साहित्य में प्रयुक्त [illegible]।

ಧ್ವಸ್ತ ध्वस्त (सम्) वि.—पतित, गिरा हुआ; विनष्ट; अदृश्य।

ಧ್ವಾನ ध्वान (सम्) सं. — आवाज़, नाद, स्वर; लय।

ಧ್ವಾಂತ ध्वांत (सम्) सं.—अंधकार।

ನ न

ನ न—कन्नड-वर्णमाला का चौंतीसवाँ अक्षर, तवर्ग का अंतिम व्यंजन।

ನ न (सम्) अ.—नहीं, न।

ನಂಕು नंकु, ನ್ಯಂಕು न्यंकु (क) सं. — हरिण, हिरन।

ನಂಚು नंचु, ನಂಜು नंजु (क) क्रि.—थोड़ा चाट, थोड़ा खा (जैसे अचार)। ನಂಜು नंजु (क) सं.—विष, ज़हर।

ನಂಟ नंट, ನೆಂಟ नेंट (क) सं. — रिश्तेदार, नातेदार; बंधु, मित्र।—ತನ तन = रिश्तेदारी।—ತೆನ तेन = रिश्तेदारी। — ಸ್ತಿಕೆ स्तिके = रिश्तेदारी।

ನಂಟಿಕೆ नंटिके (क) सं.—रिश्तेदारी, संबंध।

ನಂಟಿತಿ नंटिति (क) सं.—स्त्री रिश्तेदार।

ನಂಟು नंटु, ನೆಂಟು नेंटु (क) सं.—रिश्तेदारी, संबंध; मित्रता।

ನಂದ नंद (सम्) सं.—प्रसन्नता, हर्ष; कृष्ण के पिता नंद; एक वृत्त।

ನಂದಕ नंदक (सम्) सं.—एक वृत्त का नाम; मेंढक; कृष्ण की तलवार का नाम; कोई भी तलवार; प्रसन्नता।

ನಂದನ नंदन (सम्) सं. — प्रसन्नता; पुत्र; इन्द्र की फुलवारी; एक संवत्सर का नाम।

ನಂದನಂದನ नंदनंदन (सम्) सं.—श्रीकृष्ण।

ನಂದನೆ नंदने (सम्) सं.—पुत्री, बेटी।

ನಂದಾ नंदा (क) वि. — अमिट, सदा रहनेवाला।—ದೀಪ दीप = सदा जलनेवाला दीपक।

ನಂದಿ नंदि (सम्) सं — प्रसन्नता, हर्ष; पुत्र; शिव के एक अनुचर का नाम —नंदीश्वर; वृक्ष विशेष (The tree of cedrala toona)।

ನಂದಿತ नंदित (सम्) वि.—प्रसन्न, हर्षित, संतुष्ट।

ನಂದಿದುರ್ಗ नंदिदुर्ग (सम्) सं.—मैसूर राज्य का एक बड़ा पर्वत।

ನಂದಿನಿ नंदिनि (सम्) सं. — प्रसन्न करने वाली; प्रसन्न स्त्री; पुत्री; नंदिनी धेनु।

ನಂದಿವಟ್ಟ नंदिवट्ट (तद्) सं. — नंद्यावर्तः (तत्)।

ನಂದಿವರ್ಧನ नंदिवर्धन (सम्) सं. — शिव; मित्र; पुत्र; नंदिवृक्ष।

ನಂದಿವಾಹ नंदिवाह, ನಂದಿವಾಹನ नंदिवाहन (सम्) सं.—शिव।

ನಂದಿಸು नंदिसु (क) क्रि.—बुझा, मिटा।

ನಂದು नंदु (क) क्रि. —बुझ, तेजहीन हो, प्रकाशहीन हो; मुरझा जा; नष्ट हो, बरबाद हो, मिट जा।

ನಂದೆ नंदे (सम्) सं.—प्रसन्नता, हर्ष; संपत्ति, धन; शक्ति, गौरी; प्रथमा, षष्ठी और एकादशी तिथियाँ।

ನಂದ್ಯಾವರ್ತ नंद्यावर्त (सम्) सं. — सफ़ेद फूलों का एक पौधा; विचित्र प्रकार का चित्र; पश्चिमी द्वार के बिना चतुःशाला एक बड़ी मछली विशेष।

ನಂಬಿಕೆ नंबिके (क) सं.—विश्वास, भरोसा, यक़ीन।

ನಂಬಿಗಸ್ತ नंबिगस्त (क) सं.— विश्वास पात्र मनुष्य।

ನಂಬಿಗಸ್ತಿಕೆ नंबिगस्तिके (क) सं. —विश्वास, सचाई, ईमानदारी।

ನಂಬಿಗೆ नंबिगे (क) सं.—दे. ನಂಬಿಕೆ.

ನಂಬಿಸು नंबिसु (क) क्रि.—विश्वास उत्पन्न कर।

ನಂಬಿಸುಹ नंबिसुह (क) सं.—विश्वास उत्पन्न करना।

ನಂಬು नंबु (क) क्रि.—विश्वास कर, भरोसा कर।

ನಂಬುಗೆ नंबुगे (क) सं.—दे. ನಂಬಿಕೆ.

ನಂಬೂರಿ नंबूरि, ನಂಬೂದರಿ नंबूदरि (मलयालम) सं.—ब्राह्मणों की एक जाति।

ನಕಲಿ नकलि (अ. दे.) सं.—नक़ल (अरबी);

विनोद, अपहास, मज़ाक । — ಅವ अव, ಕಾರ कार = मसखरा, विदूषक ।
ನಕಾರಿಸು नकारिसु (सम्) क्रि· — न कह, अस्वीकार कर, इनकार कर ।
ನಕಾಸಿ नकासि, ನಕಾಸು नकासु (अ· दे·) सं· —नक़ाशी ।
ನಕುಲ नकुल (सम्) सं· —नेवला ; धर्मराज के एक छोटे भाई का नाम । — ಕೇತು केतु, ಧ್ವಜ ध्वज (सम्) सं· — एक मंत्री का नाम ।— ಅರಿ अरि (सम्) सं·—साँप ।
ನಕ್ಕಿ नक्कि (क) सं·— मिज़राव ।
ನಕ್ಕು नक्कु, ನೆಕ್ಕು नेक्कु (क) क्रि· — चाट, चख । ನಕ್ಕು नक्कु (क) कृ·—हँसकर ।
ನಕ್ಕೆ नक्के (क) सं·—सियार, लोमड़ी ।
(१) ನಕ್ತ नक्त (क) सं·—कहावत, लोकोक्ति ।
(२) ನಕ್ತ नक्त (सम्) सं· — रात्रि, रात ; उपवास जो रात में किया जाता है ।—ಚರ चर (सम्) सं·—राक्षस ; उल्लू ; चोर, बिल्ली । —ಮುಖೆ मुखे (सम्) सं·—सायं-काल ।
ನಕ್ರ नक्र (सम्) सं·—मगर, मकर ।
ನಕ್ಷೆ नक्ष (अ· दे·) सं·—नक्शा (अरबी) ।
ನಕ್ಷತ್ರ नक्षत्र (सम्) सं·—तारा ; ग्रह ; मोती ; २७ की संख्या ।
ನಕ್ಷತ್ರೇಶ नक्षत्रेश (सम्) सं·—चाँद, चंद्रमा ।
ನಕ್ಷೆ नक्षे (अ· दे·) सं·—दे· ನಕ್ಷ.
ನಖ नख (सम्) सं· — नख, हाथ-पैर के नाखून ।
ನಖಪಂಜರ नखपंजर (सम्) सं·—पंजा ।
ನಖರ नखर (सम्) सं·—हाथ का नख, पंजा ।
ನಖರಾಯುಧ नखरायुध, ನಖಾಯುಧ नखायुध (सम्) सं·—सिंह, बाघ, मुर्गा । — ವೈರಿ वैरि = हाथी ।
(१) ನಗ नग (क) सं· — गहना, आभूषण ; वस्तु ; टुकड़ा ; वस्तुओं का बोझा ; बैल का बोझा ।
(२) ನಗ नग (सम्) सं·—पर्वत ; सात की संख्या ; एक वृक्ष ।
ನಗಕುಲಿಶ नगकुलिश (सम्) सं·—इन्द्र ।
ನಗಚಾಪ नगचाप (सम्) सं·—शिव ।
ನಗಜ नगज (सम्) सं· — पर्वत में उत्पन्न, हाथी ।
ನಗಜೆ नगजे, ನಗಜಾತೆ नगजाते (सम्) सं· —पार्वती ।
ನಗಡಿ नगडि, ನೆಗಡಿ नेगडि (क) सं·—जुकाम, सर्दी ।
ನಗದಿ नगदि, ನಗದು नगदु (अ· दे·) सं· — नक़द (अरबी) ।
ನಗಧರೆ नगधरे (सम्) सं·—पृथिवी, भूमि ।
ನಗಪ नगप, ನಗಪತಿ नगपति (सम्) सं·— हिमालय ।
ನಗನಂದನ नगनंदन (सम्) सं· — पर्वत के पास की फुलावरी ।
ನಗರ नगर, ನಗರಿ नगरि (सम्) — शहर, नगर ।
ನಗವೈರಿ नगवैरि (सम्) सं·— इन्द्र ।
ನಗಾತ್ಮಜೆ नगात्मजे (सम्) सं·—पार्वती ।
ನಗಾರಿ नगारि (अ· दे·) सं·—नगाड़ा, नगारा ।
ನಗಿಸು नगिसु (क) क्रि·—हँसा ।
ನಗು नगु (क) क्रि·—हँस, मुस्करा । सं·— हँसी, मुस्कराहट, प्रसन्नता, हर्ष ; विकास ।
ನಗೆ नगे (क) क्रि·—हँस, मुस्करा । सं·—हँसी, मुस्कराहट ।
ನಗೆಗಾರ नगेगार, ನಗೆವಡಿಕಾರ नगेवडिकार (सम्) सं·— विनोद करनेवाला, हँसाने-वाला, विदूषक ।
ನಗೆವಡಿ नगेवडि, ನಗೆವಳಿ नगेवळि (सम्) सं· —हँसने की स्थिति ।
ನಗ್ಗಿಲು नग्गिलु (क) सं·— गोक्षुर या त्रिकंटक पौधा ।
ನಗ್ಗು नग्गु (क) क्रि· —(बर्तन को) चोट लग, आघात लग ; कुचला जा । सं· — चोट लगना ।
ನಗ್ನ नग्न (सम्) वि·—नंगा, विवस्त्र ; असभ्य । सं·—नंगा भिक्षुक ; शिव ; नग्नता, नंगा होना ।
ನಗ್ನಾಟ नग्नाट (सम्) सं·—बौद्ध या जैन नंगा संन्यासी ।
ನಗ್ನೆ नग्ने, ನಗ್ನಿಕೆ नग्निके (सम्) सं· — नंगी स्त्री ; निर्लज्ज स्त्री ।
ನಚ್ಚಣ नच्चण (सम्) सं· — नर्तन (तत्) ; नाच ।
ನಚ್ಚಿಕೆ नच्चिके, ನಚ್ಚಿಗೆ नच्चिगे (क) सं·— प्रियता ; विश्वास, भरोसा ।
ನಚ್ಚಿಸು नच्चिसु (क) क्रि·—प्रिय लग, अभि-राम लग ; विश्वासपात्र बन ।
ನಚ್ಚು नच्चु (क) क्रि·—अच्छा लग ; विश्वास कर, भरोसा कर । सं· —प्रियता, प्रीति, चाह, आशा ; विश्वास; भरोसा ; संदेह, शंका ।
ನಜುಗು नजुगु (क) क्रि·—कुचल, मार, आघात कर ; चूर्ण कर ; कुचला जाना या चूर्ण किया जाना ।
ನಜ್ಜು नज्जु (क) सं· —कुचला जाने या चूर्ण होने की स्थिति ।
ನಟ नट (सम्) सं·—अभिनेता ; निम्न श्रेणी के क्षत्रिय का पुत्र ; अशोक वृक्ष ; एक प्रकार का नरकुल ।
ನಟಕ नटक (सम्) सं·—नट, अभिनेता ।
ನಟಕು नटकु, ನಟಿಕೆ नटिके, ನಟಿಗೆ नटिगे, ನಟುಕು नटुकु, ನಟ್ಟು नट्टु, ನೆಟಿಕೆ नेटिके, ನೆಟಿಗೆ नेटिगे, ನೆಟ್ಟು नेट्टु (क) सं·— अंगु-लियों को मरोड़ने से निकलनेवाली ध्वनि; अंगुली चटकाना ।
ನಟನೆ नटने (सम्) सं·—अभिनय, नाच, स्वाँग, बहाना, दिखावा ।
ನಟಿ नटि, ನಟೀ नटी (सम्) सं·—नाचनेवाली, नटी, अभिनेत्री ।
ನಟಿಯಿಸು नटियिसु, ನಟಿಸು नटिसु (सम्) क्रि·—नाच, नृत्य कर, अभिनय कर ; स्वाँग कर ।
ನಟುವ नटुव, ನಟ್ಟುವ नट्टुव (सम्) सं·— नट, नाचनेवाला ।
ನಟ್ಟ नट्ट (क) वि·—बीच का, केंद्र का ।
ನಟ್ಟವಿಗ नट्टविग, ನಟ್ಟುವಿಗ नट्टुविग (सम्) सं·—दे· ನಟಕ.
ನಟ್ಟವಿಗಿತ್ತಿ नट्टविगित्ति, ನಟ್ಟುವಗಿತ್ತಿ नट्टुव गित्ति (सम्) सं·—दे· ನಟಿ.
ನಟ್ಟಿ नट्टि (क) वि·—मनोहर ; सुन्दर । सं·— रोपना, रोपाई ।

ನಟ್ಟು नट्टु (क) सं.—फैलनेवाली घास की जड़ ।

ನಟ್ಟೆ नट्टे (क) वि.—बीच का मध्य का ।—ಗೊಂಬು गोंबु (क) सं.— बीच की डाली ।

ನಡ नड, ನಡು नडु (क) सं.— कमर, कटि । —ಕಟ್ಟು कट्टु (क) क्रि.— कमर कस ।

ನಡಕ नडक (क) सं. — कंपन, थरथराहट, वेपथु ।

ನಡಗು नडगु (क) क्रि.—काँप, थरथरा, कंपित हो ।

ನಡತೆ नडते (क) सं.— चाल, गति ; चाल-चलन, व्यवहार, शील, चरित्र ।— ವಂತ वंत=चरित्रवान् ।

ನಡಪು नडपु (क) सं.—चलन, चाल, गति । क्रि.—चला ; पोषण कर, पाल ।

ನಡಯಿಸು नडयिसु, ನಡಸು नडसु, ನಡಿಸು नडिसु, ನಡೆಯಿಸು नडेयिसु (क) क्रि.— चला, गमन करा. चलवा, गमन करने दे, निभा, पूरा कर ।

ನಡವಡಿಕೆ नडवडिके, ನಡವಳಿ नडवळि, ನಡವಳಿಕೆ नडवळिके, ನಡವಳಿತ नडवळित (क) सं. —चरित्र, शील, चाल-चलन ; रूढ़ि, पद्धति ।

ನಡವು नडवु, ನಡುವು नडुवु (क) सं.—बीच. मध्य ; कटि, कमर ।—ಅಂತರ अंतर=मध्यांतर ।

(१) ನಡವೆ नडवे (क) सं. —घर के प्रवेश द्वार के सामने का स्थान ; पगडंडी, छोटी राह ।

ನಡವೆ नडवे, ನಡುವೆ नडुवे (क) अ.—बीच में, के मध्य ।

ನಡಸುವಿಕೆ नडसुविके (क) सं.— चलाना, गमन कराना ।

ನಡಹ नडह (क) सं.— चलना, चाल ; चाल-चलन ।

ನಡಾವಳಿ नडावळि — (क) सं. — ನಡವಳಿ नडवळि दे. ನಡವಡಿಕೆ.

ನಡಿ नडि (क) क्रि.—चल, जा, गमन कर, हट । वि.—बीच का ।

ನಡಿಕೆ नडिके, ನಡಿಗೆ नडिगे (क) सं. = ನಡಗೆ नडगे—चलना, चाल, गति ।

ನಡಿವೆ नडिवे (क) अ—बीच में ।

ನಡಿಸು नडिसु (क) क्रि.—दे. ನಡಯಿಸು.

(१) ನಡು नडु (क) सं.—कमर, कटि ; केंद्र, मध्य भाग. घोड़े की पीठ ।—ಕಟ್ಟು कट्टु (क) क्रि.—कमर कस, तैयार हो । सं.— मौंजी, कमरबंद, मेखला ।

(२) ನಡು नडु, ನೆಡು नेडु (क) क्रि. — रोप, डाल, लगा, स्थिर कर, स्थापित कर, गाड़, क़ायम कर ।

ನಡುಕ नडुक (क) सं. — कंपन, थरथराहट, कंपकंपी ; हिलना ; भय ; वेपथु ।

ನಡುಗಿಸು नडुगिसु (क) क्रि. — कँपा, डरा ; हिला ।

ನಡುಗು नडुगु (क) सं.— काँप, थरथरा ; हिल ; डर. घबड़ा । सं.—कंपन, कंपकंपी ।

ನಡುವಣ್ नडुवण् (क) वि.—बीच का, मध्य का, केंद्र का ।

ನಡುವು नडुवु (क) सं.—दे. ನಡು (१)-

ನಡುವೆ नडुवे (क) अ.—दे. ನಡವೆ.

(१) ನಡೆ नड़े (क) क्रि. — दे. ನಡಿ. सं.— जाना, चलना, चाल, गमन ; व्यवहार, चरित्र, चाल-चलन ।—ನುಡಿ नुडि (क) सं. —आचार-विचार ।

(२) ನಡೆ नड़े (क) अ.— दृढता से, स्थिरता से ।

ನಡೆಯಿಸು नड़ेयिसु (क) क्रि —दे ನಡಯಿಸು.

ನಡೆವಳಿ नड़ेवळि (क) सं.—दे. ನಡವಡಿಕೆ.

ನಡೆಸು नड़ेसु (क) क्रि.—दे. ನಡಯಿಸು.

ನಡ್ಡಿ नड्डि (क) सं.—कमर का पिछला भाग, जाँघ का जोड़ ; नत होना, झुकना ; वक्रता ।—ಮೂಗು मूगु=चपटी नाक ।

ನಣ್ಪು नण्पु (क) सं.—मित्रता, स्नेह, प्रेम, प्रीति, प्रणय ; सन्निकटता. संबंध ; सुंदरता, मनोहरता. लालित्य, शोभा; अच्छाई ।

ನತ नत (सम्) वि.—नत, झुका हुआ. टेढ़ा वक्र, कुटिल ।

ನತಿ नति (सम्) सं.—झुकाव, प्रणाम ; विनम्रता ; धनुष ।

ನತ್ತು नत्तु (क) सं. — तुतलाहट, तुतलाना, तोतली या अस्पष्ट बात ।

ನತ್ತು नत्तु (अ. दे.) सं.—नथ ।

ನದ नद (सम्) सं. — शब्द करना, शोर ; बड़ी नदी ।

ನದಿ नदि, ನದೀ नदी (सम्) सं. — नदी ।— ತೀರ तीर=नदी का तट ।

ನದಿಪು नदिपु (क) क्रि.—बुझा ; शांत कर ।

ನನಂದೃ ननंदृ (सम्) सं. — ननद, पति की बहन ।

(१) ನನಸು ननसु (क) सं.—सचाई, सत्य । अ.—सचमुच । ಕನಸು ನನಸಾಯಿತು कनसु ननसायितु ।—स्वप्न सच हुआ ।

(२) ನನಸು ननसु (क) क्रि. = ನೆನೆಸು नेनेसु—गीला कर, भिगो, आर्द्र कर ।

ನನೆ नने (क) क्रि.—गीला हो, भीग । सं.— अंकुर, कली ।

ನನೆಸು ननेसु (क) क्रि.—दे. ನನಸು.

ನನೆಹ ननेह (क) सं.—गीला होना, भीगना ।

ನನ್ನ नन्न (क) सर्व. — मेरा, मेरी, अपना, अपनी ।

ನನ್ನಿ नन्नि (क) सं.—सचाई, सत्य ; ईमानदारी, प्रेम, प्रीति, संबंध ।

ನಪುಂಸಕ नपुंसक (सम्) सं.—हिजड़ा, क्लीब; नपुंसक लिंग ।

ನಪ್ತಾರ नप्तार, ನಪ್ತೃ नप्तृ (सम्) सं.— पोता । ನಪ್ತ್ರಿ नप्त्रि=पोती ।

ನಪ್ಪೆ नप्पे (क) सं.—फल या वृक्ष को लगी चोट ।

ನಫೆ नफ़े (अ. दे.) सं.—नफ़ा (अरबी) ; लाभ ।

ನಭ नभ, ನಭಸ್ नभस् (सम्) सं.—आकाश, गगन, आसमान ।—ಚರ चर, ಸಂಗಮ संगम (सम्) सं.—देवता, किन्नर आदि ; पक्षी ।

ನಭಿ नभि (सम्) सं.—चक्र, पहिया ।

ನಭೋವೀಧಿ नभोवीथि (सम्) सं.—आकाश-मार्ग ।

ನಮ್ नम्, ನಾವು नावु (क) सर्व.—हम ।

ನಮಲು नमलु (क) क्रि.—चबा ; जुगाली कर, पागुर कर । सं.—जुगाली, पागुर ।

ನಮಸ್ಕರಿಸು नमस्करिसु (सम्) क्रि.—नमस्कार कर ; प्रणाम कर ।

ನಮಸ್ಕಾರ नमस्कार (सम्) सं. — प्रणाम, नमस्कार, सिर झुकाना ।

ನಮಸ್ಯೆ नमस्ये (सम्) सं.—पूजन, सम्मान, प्रणाम।

ನಮಾಜು नमाजु (अ. दे.) सं. — नमाज़ (फ़ारसी)।

ನಮಿಸು नमिसु (सम्) क्रि.— नमन कर, नमस्कार कर, प्रणाम कर।

ನಮೂದಿಸು नमूदिसु (अ. दे.) क्रि. — ('नमूद' से)—दिखा, प्रकट कर, ध्यान में ला, कह, लिख।

ನಮೂನೆ नमूने (अ. दे.) सं.-नमूना (फ़ारसी); उदाहरण।

ನವೆ नमे (क) क्रि.—घिस, कृश हो, पतला या दुबला हो, कम हो; दुःखी हो, दरिद्र हो।

ನಮ್ರ नम्र (सम्) वि. — नत, झुका हुआ, विनीत; टेढ़ा; पूजा करनेवाला, भक्त। —ತೆ ते—विनय।

(१) ನಯ नय (क) वि. — सुंदर, साफ़, अच्छ, चिकना, ललित।

(२) ನಯ नय (सम्) सं. — पथ प्रदर्शक; बर्ताव, व्यवहार; विवेक, दूरदर्शिता; नीति, न्याय; समता, आर्जव, सत्यशीलता; कल्पना; व्यवस्था; सिद्धांत, मूलवाक्य; विधि; मार्ग, विधान; मत, अभिप्राय; उपयुक्तता, औचित्य; नाटकीय भावाभिव्यक्ति।

ನಯನ नयन (सम्) सं.—ले जाना; व्यवस्था करना पास, लाना, खींचना; आंख, नेत्र; शासन करना, अधिकार करना; प्राप्त करना।—ಚ್ಛದ च्छद (सम्) सं.—पलक। ಜಲ जल (सम्) सं.—आँसू।—ತ್ರಯ त्रय (सम्) सं.—शिव।

(१) ನರ नर, ನರವು नरवु (क) सं. — नाड़ी, स्नायु।

(२) ನರ नर (सम्) सं. — अर्जुन; मनुष्य, आदमी।

ನರಕ नरक (सम्) सं.—नरक; एक असुर का नाम; बहुत गंदी जगह।

ನರಕು नरकु (क) क्रि. — कुचल, रौंद, कूट, चूर्ण कर। सं.—रौंदना, कूटना।

ನರಜೀವಿ नरजीवि (सम्) सं.—मनुष्य।

ನರಟು नरटु (क) क्रि —बढ़ाव रुक। सं.—बढ़ाव रुकना; विषाद, असंतोष।—ಗಾರ गार (क) सं.—असंतुष्ट पुरुष।

ನರಡು नरडु (क) सं.—रूक्षता, खुरदरापन।

ನರತಿ नरति (क) सं.—सफ़ेद बाल वाली स्त्री।

ನರದೇವ नरदेव, ನರಪತಿ नरपति, ನರಪಾಲ नरपाल (सम्) सं.—राजा।

ನರಲ್ नरल्, ನರಳ್ नरळ्, ನರಳು नरळु (क) क्रि.—कराह, पीड़ा से रो, वेदना से चिल्ला, दुःखी हो।

ನರಲಿಸು नरलिसु, ನರಳಿಸು नरळिसु (क) क्रि. —दुःख दे, पीड़ा दे।

ನರಾಧಿಪ नराधिप, ನರಾಮರ नरामर (सम्) सं.—राजा।

ನರಿ नरि (सम्) सं.—सियार, जंबुक, लोमड़ी।

ನರುಕು नरुकु (क) क्रि.—दे. ನರಕು.

ನರುಗು नरुगु (क) सं.—सफ़ेद रंग।

ನರೆ नरे (क) क्रि. — सफ़ेद हो (बालों का सफ़ेद होना)।

ನರೇಂದ್ರ नरेंद्र, ನರೇಶ್ವರ नरेश्वर (सम्) सं.—राजा।

ನಱನೆ नऱने (क) अ. — शीघ्रता से, जल्दबाज़ी में।

ನಱಗೆ नऱिगे, ನಿಱಗೆ निऱिगे (क) सं.— कोंछ।

ನಱು नऱु (क) सं.—महँक, सुगंध, खुशबू।

ನಱುಜು नऱुजु (क) सं.—कण, गर्द।

ನಱುವಲ್ नऱुवल् (क) सं.—त्रिपर्ण या किंशुक वृक्ष।

ನರ್ಕುಟಕ नर्कुटक (सम्) सं.— एक वृत्त का नाम।

ನರ್ತಕ नर्तक (सम्) सं.—नाचनेवाला, नट।

ನರ್ತಕಿ नर्तकि (सम्) सं. — नाचनेवाली, नटी।

ನರ್ತನ नर्तन (सम्) सं.—नाचना।

ನರ್ತಿಸು नर्तिसु (सम्) क्रि. — नाच, नर्तन कर।

ನರ್ಮದೆ नर्मदे, ನರ್ಮದಾ नर्मदा (सम्) सं. —विनोद करने या मन बहलानेवाली स्त्री; नर्मदा नदी।

ನರ್ವಲ್ नर्वल् (क) सं.—दे. ನಱುವಲ್.

(१) ನಲ್ नल् (क) वि. — (समास में) अच्छा, सुन्दर, मनोहर। उदा. — ನಲ್ಕುದುರೆ नल्कुदुरे = अच्छा घोड़ा, ನಲ್ಲಳ್ नल्लळ्=अच्छी स्त्री, प्रियतमा।

(२) ನಲ್ नल्, (क) वि — (समास में) चार संख्या का सूचक; जैसे-ನಲ್ವತ್ತು नलवत्तु या ನಲವತ್ತು नलवत्तु=चालीस।

(१) ನಲ नल, ನಲವು नलवु, ನಲುವು नलुवु (क) सं. – प्रसन्नता, हर्ष।

(२) ನಲ नल, ನಳ नळ (सम्) सं. – एक राजा का नाम; एक संवत्सर का नाम।

ನಲಕ नलक (सम्) सं.—ನಳಿಗೆ नळिगे (तद्) —नली; हड्डी।

ನಲಕುವರ नलकुवर, ನಲಕೂಬರ नलकूबर (सम्) सं.—कुबेर के पुत्र का नाम।

ನಲಗಿಸು नलगिसु (क) क्रि. — मुरझने या कुम्हलाने दे; कपड़े के तह को खराब कर।

ನಲಗು नलगु (क) क्रि.—कपड़े का तह खराब हो, मुरझा जा, कुम्हाला जा, कांतिहीन हो।

ನಲವು नलवु (क) सं.—प्रसन्नता; दुर्बलता, अशक्तता।

ನಲಿ नलि (क) क्रि.—प्रसन्न हो, आनंदित हो, संतोष से नाच। सं.—संतोष; प्रसन्नता, आनंद।

ನಲಿನ नलिन, ನಳಿನ नळिन (सम्) सं.-कमल, सरसिज; कुमुद।

ನಲಿನಿ नलिनि, ನಲಿನೀ नलिनी (सम्) सं.—कमल, कमलिनी; कमल-समूह; कमलों का सरोवर।

ನಲಿವು नलिवु (क) सं.—दे ನಲ (१).

ನಲ್ಮೆ नल्मे (क) सं.—प्रेम, प्रीति, स्नेह, मैत्री; अच्छाई, हित, शुभ, प्रगति।— ಗಾತಿ गार्ति=सुंदर या प्रिय स्त्री।

ನಲ್ಲ नल्ल (क) सं. — अच्छा मनुष्य; प्रेमी, पति, प्रिय। सं.—अच्छाई, सुंदरता।

ನಲ್ಲಿ नल्लि (तद्) सं.—पानी का नल।

ನವ नव (सम्) वि· — नौ ; नया, ताज़ा ; आधुनिक ।

ನವಕೋಟಿನಾರಾಯಣ नवकोटिनारायण (सम्) सं·—श्रीकृष्ण जिनके नौ करोड़ बच्चे थे ; वह व्यक्ति जिसके कई बच्चे हो ; एक बड़े व्यापारी का नाम (लोक कथा में वर्णित) ।

ನವಗ್ರಹ नवग्रह (सम्) सं·—सूर्य आदि नौ ग्रह ।

ನವಣಿ नवणि, ನವಣೆ नवणे (क) सं· —प्रियंगु, छोटा अनाज विशेष (The Italian millet) ।

ನವನೀತ नवनीत (सम्) सं·—मक्खन, नवनीत ।—ಚೋರ चोर (सम्) सं·—कृष्ण ।

ನವಪಲ್ಲವ नवपल्लव (सम्) सं· — प्रवाल, विद्रुम, मूँगा ।

ನವಮಿ नवमि (सम्) सं·—नवमी तिथि ।

ನವರಸ नवरस (सम्)—शृंगार आदि नवरस ।

ನವರಾತ್ರಿ नवरात्रि, ನವರಾತ್ರೆ नवरात्रे (सम्) सं·—दशहरा, नवरात्रि ।

ನವರು नवरु, ನವುರು नवुरु (क) वि·— मुलायम, कोमल, मृदु, मोहक ।

ನವಲ್ नवल्, ನವಲು नवलु, ನವಿಲು नविलु (क) सं·—मोर, मयूर ।

ನವಸಿಗ नवसिग (क) सं·—दूसरों को सतानेवाला पुरुष ।

ನವಿರ್ नविर्, ನವಿರು नविरु (क) सं· — दे· ನವಲ್.

ನವೀನ नवीन ; (सम्) वि·—नया, नवीन ; आधुनिक ; अर्वाचीन ।

ನವುಲು नवुलु (क) सं·—मयूर, मोर ; नीलकंठ पक्षी ।

ನವೆ नवे (क) सं·—खुजलाहट, सुरसुरी ; गुदगुदी ।

ನವ್ಯ नव्य (क) वि·—नया, नव ।

ನಶ್ವರ नश्वर (सम्) वि· — नष्ट होनेवाला, मिटनेवाला ।

ನಷ್ಟ नष्ट (सम्) वि·—खोया हुआ जो अदृश्य हो, मिटा हुआ ; विनष्ट । सं· — नुकसान, हानि, नाश ।

ನಸರಿ नसरि (क) सं·—श्रेष्ठ मधु या शहद ।

ನಸಿ नसि, ನಸಿಕು नसिकु, ನಸುಕು नसुकु (क) घिस जा, जीर्ण हो, क्षीण हो ; दुर्बल हो, मिट· बरबाद हो ; अचेत हो, होश उड़ । सं·—घिसना, जीर्णता, क्षीणता ; मिटना ; दुर्बलता ; चैतन्यहीनता !

ನಸು नसु (क) वि·—छोटा । अ· — थोड़ा, तनिक, कुछ, ज़रा, अणु ।

ನಸೆ नसे (क) सं·—दे· ನವೆ ; कामातुरता, विषयासक्ति ।

ನಸೆನಸೆ नसेनसे (क) वि·—झिझिक करनेवाला; मीन-मेख देखनेवाला ।

ನಸೆ नसे (सम्) सं· — नसा, नाक । ನಸಿ नसि = नस्य, सुंघनी ।

ನಸೆಗಾರ नसेगार, ನಸೆಗಾಱ नसेगार (क) सं· — मन्मथ ।

ನಸ್ತ ನಸ್ತ नस्त (सम्) सं·—नाक ।

ನಸ್ಯ नस्य (सम्) सं·—ನಶ್ಯ नश्य (तद्)—सुंघनी ।

ನಳ नल (क) वि·—दे· ನಯ (१) (तद्) सं· —एक राजा का नाम ।

ನಳಪಾಕ नळपाक (क) सं· — बढ़िया खाना, नल-पाक ।

ನಳಿ नळि (क) क्रि·— झुक, नत हो, नवा । सं·—कोमलता, नरमी ।

ನಳಿನ नळिन (तद्) सं· — नळिनं (तत्) ; कमल ।

ನಳ್ಳಿ नळ्ळि (क) सं·—केकड़ा ।

ನಾ ना (क) वि·—चार का अर्थ सूचक (समास-में) । सर्व·—मैं ।

ನಾಂಚಿಕೆ नांचिके (क) सं·—लज्जा, लाज, शर्म ।

ನಾಂಚು नांचु (क) क्रि·—शरमा, लज्जित हो।

ನಾಂಟು नांटु (क) क्रि·—रोप, लगा ; गाड़, स्थिर कर ।

ನಾಂತ नांत (क) सं·—गंध बू, महँक ।

ನಾಂದಿ नांदि (सम्) सं·—नांदी, नाटक के पूर्व आशीर्वादात्मक स्तुति ; प्रारंभ ।

ನಾಂದು नांदु (क) क्रि·—भिगो, शीतल कर ; गल ; द्रव हो ।

ನಾಂಬ नांब (क) सं·—आर्द्र करनेवाली सुस्त या अलसी ।

ನಾಂಬು नांबु (क) सं· — सस्ती, उदासीनता ।

ನಾಕ नाक (सम्) सं·— स्वर्ग,

ನಾಕು नाकु, ನಾಲ್ಕು नाल्कु (क) वि·—चार

ನಾಗ नाग (सम्) सं·—अहि, सर्प, आठ की संख्या ; हाथी ; जल कोई भी प्रसिद्ध पुरुष ; शरीर की वायुओं में से एक, जिससे डकारें आती अग्नि ; बादल ; अंधकार ; पेड़ ; दुष्ट मनुष्य ; एक पौधा, नागकेसर ; नागधातु ; एक प्रकार की समुद्री मछली

ನಾಗಭೂಷಣ नागभूषण (सम्) सं·—शिव ।

ನಾಗಚಂದ್ರ नागचन्द्र (सम्) सं· —कन्नड एक प्रसिद्ध कवि (१२ वीं शति) का जिन्होंने 'पंप-रामायण' लिखी है ।

ನಾಗರ नागर (सम्) सं·—नाग, साँप ; गहना । वि·—नगर में उत्पन्न, नगर संबंशिष्ट, चतुर, चालाक ; बुरा ।

ನಾಗರಿಕ नागरिक, ನಾಗರೀಕ नागरीक (सं·—नागरिक ।

ನಾಗವಲಿ नागवलि, ನಾಗವಲ್ಲಿ नागवलि (सं·—पान, पान की लता ।

ನಾಗಶಯನ नागशयन, ನಾಗಶಾಯಿ ना (सम्) सं·—विष्णु ।

ನಾಗಸ್ವರ नागस्वर (सम्) सं· — शहनाई बजनेवाला संगीत स्वर विशेष ।

ನಾಗಾರ್ಜುನ नागार्जुन (सम्) सं·—एक आचार्य ; एक वैद्य का नाम ।

ನಾಗಾಶನ नागाशन (सम्) सं·—मोर, गरुड ।

ನಾಗೇಂದ್ರ नागेंद्र (सम्) सं· — बड़ा हाथी ; इन्द्र ।

ನಾಚಿಕೆ नाचिके, ನಾಚಿಗೆ नाचिगे (क) सं· शरम, लाज, लज्जा ।

ನಾಚಿಕೆಗೇಡು नाचिकेगेडु (क) सं· — होना, निर्लज्जता ।

ನಾಚಿಸು नाचिसु (क) क्रि· —लज्जित शरमा ।

ನಾಚು नाचु (क) क्रि·—लज्जित हो, शर्मिन्द हो।

ನಾಜೂಕು नाजूकु, ನಾಜೋಕು नाजोकु (अ· दे.) सं· — नाजुक (फ़ारसी); कोमलता, मृदुता, सुन्दरता, अच्छाई ।

ನಾಟಕ नाटक (सम्) सं·— नाटक, ड्रामा; नाचना, अभिनय करना।

ನಾಟಿ नाटि (क) सं·—छोटे-छोटे पौधे जिनकी रोपाई होती है; रोपाना, रोपाई; एक राग का नाम।

ನಾಟಿಕೆ नाटिके (क) सं·—रोपना, रोपाई।

ನಾಟು नाटु (क) क्रि· — दे· ನಾಂಟು. सं·— रोपना, रोपाई; अंदर घुसना, गंभीरता, गहराई।

ನಾಟ್ಯ नाट्य (सम्) सं· — नाच, नृत्य।— ಗಾತಿ गाति (सम्) सं· — नाचनेवाली, नर्तकी।— ಗಾರ गार (सम्) सं· — नट। ರಂಗ रंग (सम्) सं·— नाचने का स्थान, रंगमंच।

ನಾಡದು नाडदु, ನಾಡಿದ್ದು नाडिद्दु, ನಾಳಿದ್ದು, नाळिद्दु, ನಾಳಿದ್ದು नाळिद्दु (क) सं·— परसों (आनेवाला दिन)।

ನಾಡಾಡಿ नाडाडि, ನಾಡಾಡಿಗ नाडाडिग (क) सं·—साधारण मनुष्य, ग्रामीण।

ನಾಡಿ नाडि (सम्) सं·— किसी पौधे की नली, नाल, डंठल; रक्तनाल, धमनी, नस, नाड़ी; नाल, नली (Pipe); वीणा, वंशी, भगंदर; २४ मिनिट के बराबर का काल, अर्ध मुहूर्त।

ನಾಡಿಕೇರ नाडिकेर, ನಾರಿಕೇರ नारिकेर, ನಾಳಿಕೇರ नाळिकेर (सम्) सं·—नारियल।

ನಾಡಿಗ नाडिग (क) सं·—ग्राम का अधीक्षक, मठ का धर्माधिकारी।

ನಾಡಿದ್ದು नाडिद्दु (क) सं·—दे· ನಾಡದು.

ನಾಡು नाडु (क) सं·—देश, प्रदेश, प्रान्त; ज़िला।

ನಾಡೆ नाड़े (क) अ· — और, फिर, अधिक, बहुत, खूब, अतिशय रूप से।

ನಾಣ್ नाण् (क) सं·—लज्जा, लाज, शरम।

ನಾಣಿ नाणि (तद्) सं·—नारायणः (तत्)।

ನಾಣಿಯ नाणिय (तद्) सं·—सिक्का।

ನಾಣ್ಚಿಸು नाण्चिसु (क) क्रि· — लज्जित कर, शरमा।

ನಾಣ್ಚು नाण्चु (क) क्रि·—लज्जित हो, शर्मिन्दा हो। सं·—लज्जा।

ನಾಣ್ಣುಡಿ नाण्णुडि (क) सं· — लोकवार्ता; कहावत।

(१) ನಾಣ್ಯ नाण्य (क) सं·—अच्छाई, श्रेष्ठता, उत्तमता।

(२) ನಾಣ್ಯ नाण्य, ನಾಣ್ಯೆ नाण्ये (क) सं·— सिक्का; नाण्यक (तत्)।

ನಾಣ್ಯಗಾರ नाण्यगार (क) सं·—अच्छा, योग्य, ईमानदार आदमी।

ನಾತ नात (क) सं·—गंध, दुर्गंध।

ನಾಥ नाथ (सम्) सं·—मालिक, स्वामी, प्रभु, रक्षक, नेता; पति।

ನಾದ नाद (सम्) सं· —नाद, स्वर, ध्वनि, शब्द; , गर्जन।

ನಾದನಿ नादनि, ನಾದಿನಿ नादिनि (तद्) सं·— ननांद (तत्); ननद।

ನಾದಿಸು नादिसु (क) क्रि· —आटा गूँध, सान। (सम्) क्रि·—नाद कर।

ನಾದು नादु (क) क्रि·—गूँध, सान।

ನಾದುನಿ नादुनि (तद्) सं·—ननद।

ನಾದೇಯಿ नादेयि (सम्) सं· — जलबेंत; नारंगी; वैजयन्ती; भुई जामुन।

ನಾನ್ नान्, ನಾನು नानु (क) क्रि· — गीला हो, आर्द्र हो, भीग। सर्व·— मैं।

ನಾನಲ್ नानल् (क) सं· —एक प्रकार का नरकुल या मुश्कबेंत।

ನಾನಾ नाना (सम्) अ·—भिन्न-भिन्न स्थानों में, भिन्न भिन्न रूपों में; अनेक, बहुत; विविध; अतिरिक्त, सिवा। सं·— अहंकार; धृष्टता।

ನಾನು नानु (क) सर्व·—मैं।

ನಾಪಿತ नापित (सम्) सं·—नाई, हज्जाम।

ನಾಪಿತಿ नापिति, ನಾಪಿತೆ नापिते (सम्) सं·— नाई की स्त्री।

ನಾಭಿ नाभि (सम्) सं·—नाह, टुंड़ी; चक्र-मध्य; प्रधान, नेता, मुखिया, समीप की रिश्तेदारी; क्षत्रिय, राजा।

ನಾಮ नाम (सम्) सं· — नाम; संज्ञा; वैष्णव लोग ललाट पर जो (तीन या एक) आड़ी लकीरें लगाते हैं वह, त्रिपुण्ड्; धाक, प्रभाव; इज्जत; यादगार।

ನಾಮಕರಣ नामकरण (सम्) सं·—बच्चे के पैदा होने के बाद नाम रखने का संस्कार विशेष।

ನಾಮಿ नामि (सम्) सं·—विष्णु।

ನಾಮಿತ नामित (सम्) वि·—झुकाया हुआ।

ನಾಯ್ नाय्, ನಾಯಿ नायि (क) सं· — कुत्ता।

ನಾಯ नाय (सम्) सं· — नेता, मुखिया; नेतृत्व; नीति; साधन।

ನಾಯಕ नायक (सम्) सं·—नेता; प्रधान; प्रसिद्ध या मुख्य पुरुष; सेनानायक; काव्य का नायक; मुख्य दृष्टांत; हार का मध्य-रत्न।

ನಾಯಕಿ नायकि, ನಾಯಿಕೆ नायिके (सम्) सं· —नायिका; स्वामिनी; पत्नी।

ನಾಯಿಂದ नायिंदा (तद्) सं· — नापितः (तत्); नाई।

ನಾಯಿ नायि (क) सं· — कुत्ता। — ತನ तन=कुत्ते-सी प्रवृत्ति, क्षुद्रता, नीचता।

ನಾರ नार (सम्) सं·—जल; बछड़ा; नर-समुदाय।

ನಾರಾಚ नाराच (सम्) सं·—लोह का तीर, बाण।

ನಾರಾಚಿ नाराचि (सम्) सं· — सुनार का काँटा।

(१) ನಾರಿ नारि (क) सं·—प्रत्यंचा, धनुष की डोरी; ताड़ के पेड़ की डाली पर की झिल्ली; रेशा।

(२) ನಾರಿ नारि (सम्) सं· — नारी, स्त्री, वनिता।

ನಾರಿಕೇರ नारिकेर, ನಾರಿಕೇಲ नारिकेल, ನಾರಿಕೇಳ नारिकेळ (सम्) सं·—नारियल।

ನಾರು नारु (क) सं.—रेशा, छिलके के अंदर का रेशा, वल्क ।

(१) ನಾರು नारु (क) क्रि.—गंध आ, महँक । सं.—गंध, बू ।

(२) ನಾರು नारु (क) क्रि.—गीला कर, भिगो, आर्द्र कर ।

ನಾಲ್ नाल् (क) वि.—(समास में)—चार ।

ನಾಲಿಕೆ नालिके, ನಾಲಿಕಾ नालिका (सम्) सं.—कमलनाल; नली ।

ನಾಲಗೆ नालगे (क) सं.—जिह्वा, जीभ ।

ನಾಲಿಗೆ नालिगे (क) सं.—दे. ನಾಲಗೆ.

ನಾಲೀಕ नालीक (सम्) सं.—दे ನಾರಾಚ.

ನಾಲುಕು नालुकु, ನಾಲ್ಕು नाल्कु (क) वि.—चार की संख्या ।

ನಾಲ್ವರು नाल्वरु (क) सं.—चार लोग ।

ನಾವಿಕ नाविक (सम्) सं.—नाविक., मल्लाह ।

ನಾವಿಂದ नाविंद, ನಾವಿದ नाविद (तद्) सं.—दे. ನಾಯಿಂದ.

ನಾವು नावु (क) सर्व.—हम ।

ನಾವೆ नावे, ನಾವ नाव (तद्) सं—नौ: (तत्); नाव, नौका ।

ನಾಶ नाश (सम्) सं.—बरबादी, नाश, मिटाना; अदृश्यता; हानि; मृत्यु ।

ನಾಷ್ಟ नाष्ट, ನಾಸ್ತ नास्त (अ. दे.) सं.—नाश्ता (फ़ारसी); कलेवा ।

ನಾಸಿ नासि (सम्) सं.—सुंघनी ।

ನಾಸಿಕಾ नासिका, ನಾಸಿಕೆ नासिके (सम्) सं.—नाक ।

ನಾಸ್ತಿ नास्ति (सम्) अ.—नहीं ।

ನಾಸ್ತಿಕ नास्तिक (सम्) सं.—वेद और ईश्वर को न माननेवाला ।

ನಾಳ್ नाळ्, ನಾಳು नाळु (क) सं.—दिन, समय, काल ।

ನಾಳ नाळ (तद्) सं.—नली ।

ನಾಳಿಕೇರ नाळिकेर (तद्) सं.—नारियल ।

ನಾಳಿದ್ದು नाळिद्दु, ನಾಳಿರ್ದು नाळिर्दु (क) सं.—दे. ನಾಡದು.

ನಾಳೆ नाळे (क) सं.—कल (आनेवाला दिन) ।

ನಾೞ್ नाळ् (क) सं.—देश, प्रदेश, प्रान्त ।

ನಾೞ नाळ (क) सं.—घंटे का लटकन ।

ನಾೞಿ नाळि, ನಾೞಿಗೆ नळिगे (तद्) सं.—२४ मिनट का समय, घटिका ।

ನಿಂತುಕೊ निंतुको (क) क्रि. रू.—खड़ा रह ।

ನಿಂದಕ निंदक (सम्) सं.—निंदा करनेवाला, गाली देनेवाला ।

ನಿಂದನೆ निंदने. ನಿಂದೆ निंदे (सम्) सं.—निंदा, कुवाच्य, गाली ।

ನಿಂದನು निंदनु, ನಿಂದಿದನು निंदिदनु (क) क्रि. रू.—वह (पु. लिं.) खड़ा हुआ ।

ನಿಂಬ निंब (सम्) सं.—नीम का पेड़ ।

ನಿಂಬಿ निंबि, ನಿಂಬೆ निंबे, ಲಿಂಬೆ लिंबे (क) सं.—नींबू, नींबू का पेड़ ।

ನಿಃ निः (सम्) उ.—यह उपसर्ग है जिसका अर्थ 'नीचापन, नीचे की ओर और नहीं' है ।

ನಿಕಟ निकट (सम्) अ.—पास, समीप ।

ನಿಕರ निकर (तद्) सं.—निकारः (तत्) ढेर, समूह, झुंड, गट्ठा; सार; उचित पुरस्कार या भेंट; द्रव्यकोश ।

ನಿಕರ್ಷ निकर्ष (सम्) सं.—अधिकता, आधिक्य; नीचता ।

ನಿಕರ್ಷಣ निकर्षण (सम्) सं.—मैदान, खुली जगह; पडोस ।

ನಿಕಷೆ निकषे (सम्) सं.—राक्षसों की माता; रावण की माता ।

ನಿಕಾಮ निकाम (सम्) सं.—अभिलाषा ।

ನಿಕಾಯ (सम्) सं.—दे. ನಿಕರ; घर; आवासस्थान ।

ನಿಕಾರಣ निकारण (सम्) सं.—मारना, वध, हत्या ।

ನಿಕುಂಜ निकुंज (सम्) सं.—लतागृह: लता-मंडप; गुफ़ा ।

ನಿಕೇತನ निकेतन (सम्) सं.—घर, मकान ।

ನಿಕ್ಕುವ निक्कुव (क) सं.—सत्य, सचाई । अ.—सचमुच, निश्चय ही ।

ನಿಕ್ಕುಳಿಸು निक्कुलिसु (क) क्रि.—पाँव की उंगली के बल खडा हो और झुक ।

ನಿಕ್ವಣ निक्वण, ನಿಕ್ವಾಣ निक्वाण (सम्) सं.—स्वर, ध्वनि, झनकार ।

ನಿಕ್ಷೇಪ निक्षेप (सम्) सं.—फेंकने या डालने की क्रिया; गिरवी, धरोहर, बंधक; गुप्त या गड़ा हुआ धन ।

ನಿಖಿಲ निखिल (सम्) वि.—समस्त, संपूर्ण, सब ।

ನಿಗ निग, ನಿಗಿ निगि (क) वि.—लाल, तपतपाता हुआ, चमकदार ।

ನಿಗಡ निगड (सम्) सं.—जंज़ीर, बेड़ी ।

ನಿಗಡಿ निगडि (क) सं.—सर्दी, ज़ुकाम ।

ನಿಗದಿ निगदि (अ. दे.) सं.—निर्णय, निश्चित करना ।

ನಿಗಮ निगम (सम्) सं.—वेद, वेदसंहिता; वेद का कोई अंश; वेदभाष्य, आप्त वचन; धातु; निश्चय, विश्वास; न्याय; हाट, मंडी, बाज़ार; बनजार, फेरीवाला सौदागर; रास्ता, मार्ग; नगर, शहर; साँप, भुजंग ।

ನಿಗರಿಸು निगरिसु (क) क्रि.—सीधा कर, उठा; तन कर खड़ा होने दे ।

ನಿಗರು निगरु (क) क्रि.—सीधा हो, तनकर खड़ा हो ।

ನಿಗರುವಿಕೆ निगरुविके, ನಿಗರಿಕೆ निगरिके (क) सं.—सीधापन, तनाव ।

ನಿಗುಂಬಿಸು निगुंबिसु, ನಿಗುಂಬು निगुंबु (क) क्रि.—जुटा, समूह कर, जमा ।

ನಿಗುರಿಸು निगुरिसु (क) क्रि.—दे. ನಿಗರಿಸು.

ನಿಗುರು निगुरु (क) क्रि.—दे. ನಿಗರು. सं.—सीधापन, तनाव ।

ನಿಗೆ निगे, ನಿಗಾ निगा (अ. दे.) सं.—निगाह (फ़ारसी); ध्यान ।

ನಿಗ್ಗಮ निग्गम, ನಿಗ್ಗವ निग्गव (क) सं.—हाथी का दांत ।

ನಿಗ್ಗೊಡಿ निग्गोडि (क) सं.—निर्लज्ज या मूर्ख-पुरुष ।

ನಿಗ್ರಹ निग्रह (सम्) सं.—रोक, अवरोध; दमन; संयम; पराभव, पराजय; नाश, विनाश; चिकित्सा; सज़ा, दण्ड; गाली, कुवाच्य, फटकार; पीडन; पकड़ना, ग्रहण;

सीमा, हद, दस्ता; घृणा, अरुचि ।

ನಿಘಂಟು निघंटु (सम्) सं.—शब्दकोश ।

ನಿಘರ್ಷಣ निघर्षण (सम्) सं. — रगड़ना, रगड़, मथन ।

ನಿಚಯ निचय (सम्) सं. — राशि करना, जुटाना, राशि, ढेर, समूह ।

ನಿಜ निज (सम्) वि. —स्वाभाविक, प्राकृतिक, जन्म से; अपना, विलक्षण; सदैव बना रहनेवाला । सं.—सत्य, सचाई, वास्तविकता ।

ನಿಟಲ निटल, ನಿಟಿಲ निटिल (सम्) सं.—माथा, ललाट ।

ನಿಟ್ಟಿಯಿಸು निट्टिय्सु, ನಿಟ್ಟಿಸು निट्टिसु (क) क्रि. — देख, निहार, टकटकी लगाकर देख, निरीक्षण कर ।

ನಿಟ್ಟ निट्ट, ನಿಟ್ಟುಟ್ಟ निट्टुट्ट (क) वि. — ऊँचा, लंबा, सीधा ।

(१) ನಿಡಿ निडि, ನಿಡು निडु (क) वि. —लंबा —ತೋಳ್ तोळ्=लंबी बाहू ।

(२) ನಿಡಿ निडि (क) सं.—कटु गंध (जैसे तमाखू आदि की); फेन, झाग, निःस्राव ।

ನಿಡಿದು निडिदु (क) वि.—लंबा, फैला हुआ, पसारा हुआ ।

ನಿಡುಕ निडुक (क) सं.—लंबी क़द्वाला मनुष्य।

ನಿತಂಬ नितंब (सम्) सं. — नितंब, चूतन; सानु ।

ನಿತಂಬಿನಿ नितंबिनि (सम्) सं.—स्त्री ।

ನಿತ್ರಾಣ नित्राण (तद्) सं.—निर्बलता; कमज़ोरी ।

ನಿತ್ಯ नित्य (सम्) वि.—जो प्रतिदिन रहे, रोज़ का; शाश्वत, अविनाशी, सदा, हमेशा ।

ನಿತ್ರಾಣ नित्राण (तद्) सं.—दे. ನಿತ್ರಾಣ.

ನಿದಾನ निदान (सम्) सं. —बांधना, रस्सी, बागडोर; मूलकारण; रोगलक्षण, रोग-निर्णय; अंत, छोर; पवित्रता, शुद्धि । (तत्) अ.— निधानम् (तत्)— धीरे-धीरे, उतावलेपन के विना । सं.—शांति ।

ನಿದೇಶ निदेश (सम्) सं. — शासन, आज्ञा, हुक्म; निर्देश ।

ನಿದ್ದೆ निद्दे (तद्) सं.—निद्रा (तत्) नींद ।

ನಿದ್ರಾಣ निद्राण (सम्) सं.— सोना; सोनेवाला, उँघासा ।

ನಿದ್ರೆ निद्रे (सम्) सं.—नींद, सोना; उँघाई ।

ನಿಧನ निधन (सम्) सं. — अंत, समाप्ति; मृत्यु, नाश, अवसान ।

ನಿಧಾನ निधान (सम्) सं.—नीचे रखना, जमा करना; वह स्थान जहाँ कोई चीज़ रखी जाय; स्थापन, आधार, आश्रय; खजाना; संपत्ति, धन, निधि, सफल या पूर्ण हुआ कार्य; प्रयत्न, कार्य; इच्छा; शांति, स्थिरता ।

ನಿಧಿ निधि (सम्) सं.—घर, आधार; भंडार, खज़ाना; संपत्ति; समुद्र; अनेक सद्गुणों से भूषित पुरुष ।

ನಿಧುವನ निधुवन (सम्) सं. — आंदोलन; कंप; मैथुन ।

ನಿನ್ निन्, ನಿನ್ನ निन्न (क) सर्व. — तुम्हारा, तुम्हारी, तेरा; तेरी ।

ನಿನಾದ निनाद (सम्) सं.—घोष, ध्वनि ।

ನಿನ್ನೆ निन्ने (क) सं.—कल (बीता दिन) ।

ನಿಪತನ निपतन (सम्) सं—नीचे गिरने की क्रिया, नीचे उतरना ।

ನಿಪಾತ निपात (सम्) सं. — पतन, गिराव; अधःपतन, विनाश; मृत्यु, नाश; (व्याकरण में) वह शब्द जिसके नियम का पता न हो ।

ನಿಪುಣ निपुण (सम्) वि.—चतुर; पटु, योग्य, अनुभवी, कुशल । —ತೆ ते, ತ್ವ त्व= नपुण्य, चतुरता ।

ನಿಬದ್ಧ निबद्ध (सम्) वि. — बंधन में पड़ा हुआ, रोका हुआ, जड़ा हुआ, न हिलनेवाला, स्थिर या अचल नियम या सत्य ।

ನಿಬಂಧನೆ निबंधने (तद्) सं. — बांधने की क्रिया, रोकना; नियम; शर्त ।

ನಿಬ್ಬಣ निब्बण (क) सं. — बरात, दूल्हे की सवारी का जुलूस ।

ನಿಬ್ಬಣಿಗ निब्बणिग (क) सं.—बराती, दूल्हे का साथी ।

ನಿಭಾಯಿಸು निभायिसु (अ. दे.) क्रि.— निभा (हिं.), नीर्वाह कर ।

ನಿಮಗ್ನ निमग्न (सम्) वि. — डूबा हुआ, सना हुआ, छिपा हुआ, दबा हुआ, अप्रधान।

ನಿಮಜ್ಜನ निमज्जन (सम्) सं. — डूबना, स्नान ।

ನಿಮಂತ್ರಣ निमंत्रण (सम्) सं. — बुलाना, आह्वान ।

ನಿಮಿತ್ತ निमित्त (सम्) सं. — हेतु, कारण; चिह्न, लक्षण; शकुन; उद्देश्य, लक्ष्य ।

ನಿಮಿರ್ निमिर्, ನಿಮಿರು निमिरु (क) क्रि.— सीधा हो, उठ खड़ा हो, तन, ऐंठ, फैल ।

ನಿಮಿರ್ಕೆ निमिर्के (क) सं.—सीधापन, तनाव, ऐंठ ।

ನಿಮಿರ್ಚು निमिर्चु (क) क्रि. —सीधा बना, तन जाने दे, उठा, फैला, पसार ।

ನಿಮಿಷ निमिष (सम्) सं.—पलक मारने भर का समय, क्षण, पल; मिनट ।

ನಿಮೀಲನ निमीलन (सम्) सं.—पलक झपकाना; बंद करना ।

ನಿಮೇಷ निमेष (सम्) सं.—क्षण, पल ।

ನಿಮ್ನ निम्न (सम्) वि.—नीचा; गहरा, दबा हुआ ।

ನಿಮ್ಮ निम्म (क) सर्व.—तुम्हारा आपका ।

ನಿಯತ नियत (सम्) वि. — निश्चित, बद्ध, स्थिर, परिमित, संयत ।

ನಿಯತಿ नियति (सम्) सं.—ठहराव, स्थिरता; नियम; भाग्य, दैव, अदृष्ट; नियत बात; आत्म-संयम ।

ನಿಯಮ नियम (सम्) सं.—परिमिति, रोक, नियंत्रण; दबाव, शासन; प्रचलित परंपरा, विधान, विधि; शर्त, ठहराव; प्रतिज्ञा ।

ನಿಯಾಮಕ नियामक (सम्) सं.— शासन करनेवाला, शासक; रथ का सारथी, मल्लाह आदि; नियम ।

ನಿಯುಕ್ತಿ नियुक्ति (सम्) सं.—आज्ञा, आदेश; लगाना, नियुक्ति, मुक़र्रर करना ।

ನಿಯೋಗಿಸು नियोगिसु (सम्) क्रि. — किसी

काम में लगा, प्रेरित कर, प्रवृत्त कर, आज्ञा दे, लगा।

ನಿರಕ್ಷರ निरक्षर (सम्) वि.—मूर्ख, गँवार, अपढ़।

ನಿರಂತರ निरंतर (सम्) अ.—लगातार, अविच्छिन्न।

ನಿರಪೇಕ್ಷೆ निरपेक्षे (सम्) सं. — अनिच्छा, विरक्ति, उदासी।

ನಿರಭಿಮಾನ निरभिमान, ನಿರಹಂಕಾರ निरहंकार (सम्) सं.—गर्वहीनता, घमंड न होना।

ನಿರಾಕಾಂಕ್ಷೆ निराकांक्षे (सम्) सं. — आकांक्षा या इच्छा न होना।

ನಿರಾಕಾರ निराकार (सम्) सं. — आकार न होना; विष्णु; शिव, परमात्मा।

ನಿರಾಹಾರಿ निराहारि (सम्) सं.—वह जो कुछ नहीं खाता, वह जिसके पास खाने के लिए कुछ न हो।

ನಿರಾಳ निराळ (तद्) सं. —निराविल (तत्); मानसिक शांति, आकाश।

ನಿರಲೆ निरले, ನಿರಿಲೆ निरिले (क) सं.— एक पक्षी विशेष।

ನಿರೀಕ್ಷಿಸು निरीक्षिसु (क) क्रि.—देख, निरख; प्रतीक्षा कर।

ನಿರೀಹ निरीह (सम्) वि.—प्रयत्नहीन, इच्छाहीन।

ನಿರುಕ್ತ निरुक्त (सम्) वि.—प्रकट हुआ, कहा, हुआ, व्याख्या किया हुआ। सं. — एक प्रसिद्ध व्याख्या का नाम जो यास्क द्वारा की गई है; वेद के छे अंगों में से एक।

ನಿರುತ निरुत (क) अ.—सदा, हमेशा, सचमुच, ज़रूर।

ನಿರುದ್ಯೋಗಿ निरुद्योगि (सम्) सं. — वेकार मनुष्य, वह मनुष्य जिसको कोई नौकरी न हो। ನಿರುದ್ಯೋಗ निरुद्योग=बेकारी।

ನಿರುಪಮ निरुपम (सम्) वि. — उपमारहित, बेजोड़, अद्वितीय।

ನಿರೂಪಿಸು निरूपिसु (सम्) क्रि. — निरूपण कर; कह, व्यक्त कर, प्रकट कर, शासन कर, आदेश दे।

ನಿರೆ निरे (क) क्रि.—मार, हत्या कर, वध कर।

ನಿರೋಧಿಸು निरोधिसु (सम्) क्रि. — निरोध कर, रोक, संयमित कर, निग्रह कर।

ನಿರುಡವು निर डवु (क) सं. — वारिपर्णी (Pistitia Stratiotes)।

ನಿರುತೆ निरुते (क) सं. — सौंदर्य, मनोहरता, लावण्य।

ನಿರಿ निरि (क) क्रि.—व्यवस्थित कर, तैयार कर, ठीक प्रकार से रख। सं.—कोंछ; सौंदर्य, लावण्य; व्यवस्था, उपयुक्तता।

ನಿರಿಗ निरिग (क) सं.—मीठा आम।

ನಿರಿಗೆ निरिगे (क) सं. — कोंछ; प्रदर्शन; विन्यास।

ನಿರಿಸು निरिसु (क) क्रि. —रख, धर, नीचे रख, व्यवस्थित कर, तैयार कर, ठीक प्रकार से रख। सं.—प्रबंध, विन्यास।

ನಿರುಗ निरुग (क) सं.—दे. ನಿರಿಗ.

ನಿರುಗೆ निरुगे (क) सं.— प्रबंध, ठीक प्रबंध, विन्यास।

ನಿರ್ಋತಿ निऋति (सम्) सं.—नाश, विनाश, मृत्यु देवता।

ನಿರ್ಜನ निर्जन (सम्) वि.—एकांत, सुनसान; जनरहित।

ನಿರ್ಝರ निर्झर, ನಿರ್ಝರಿಣಿ निर्झरिणि (सम्) सं.—झरना।

ನಿರ್ಣಯಿಸು निर्णयिसु (सम्) क्रि. — निर्णय कर, फैसला कर।

ನಿರ್ಣಾಯಕ निर्णायक (सम्) सं. — निर्णय करनेवाला।

ನಿರ್ಣೇಜಕ निर्णेजक (सम्) सं.—रजक, धोबी।

ನಿರ್ದಯ निर्दय, ನಿರ್ದಯೆ निर्दये (सम्) सं. —क्रूरता; करुणा न होना।

ನಿರ್ದಿಷ್ಟ निर्दिष्ट (सम्) वि.— निर्देश किया हुआ, निश्चित।

ನಿರ್ದೇಶಿಸು निर्देशिसु (सम्) क्रि.—निर्देश कर, दिखा; बता, आज्ञा दे।

ನಿರ್ದೋಷ निर्दोष (सम्) वि. —दोष रहित, अपराध न किया हुआ, भोला। —ತೆ ते (सम्) सं.— दोषराहित्य, भोलापन।

ನಿರ್ಧರಿಸು निर्धरिसु (सम्) क्रि.—निश्चय कर, निर्णय कर, किसी वस्तु के मूल्य का निर्णय कर।

ನಿರ್ಧೂತ निर्धूत (सम्) वि.—हिलाया हुआ, हटाया हुआ, त्याग हुआ, अस्वीकृत।

ನಿರ್ನಾಮ निर्नाम (सम्) सं.—नाश, विनाश, नामोनिशान मिटाना।

ನಿರ್ನಿರ್ निर्निर्, ನಿರ್ನಿರ निर्निर (क) अ.—निमित्त या कारण के बिना, अकारण।

ನಿರ್ನೆರ್ निर्नेर्, ನಿರ್ನೆರ निर्नेर (क) अ. — दे. ನಿರ್ನಿರ್.

ನಿರ್ಮಲ निर्मल (सम्) वि.—शुद्ध, साफ़।

ನಿರ್ಮಲೆ निर्मले (सम्) सं.—पतिव्रता स्त्री; सोन नदी।

ನಿರ್ಮಾಣ निर्माण (सम्) सं.—रचना, बनाना सृष्टि, बनावट, रूप।

ನಿರ್ಮಾಲ್ಯ निर्माल्य (सम्) सं. — निर्माल्य, देवता पर से उतारे हुए फूल।

ನಿರ್ಮಿಸು निर्मिसु (सम्) क्रि.—निर्माण कर, बना।

ನಿರ್ಯಾಣ निर्याण (सम्) सं.—बाहर निकलना; यात्रा, प्रस्थान; नगर के बाहर की ओर जानेवाली सड़क; अदृश्य होना; मृत्यु; मोक्ष, मुक्ति; हाथी की आंख का बाहरी कोना; पशुओं के पैरों में बांधने की रस्सी।

ನಿರ್ಯಾತನ निर्यातन (सम्) सं. — बदला चुकाना; ऋण चुकाना; भेंट, उपाहार; प्रतीकार, बदला।

ನಿರ್ಯಾಮ निर्याम, ನಿರ್ಯಾಮಕ निर्यामक (सम्) सं.—मल्लाह, कर्णधार।

ನಿರ್ಲಕ್ಷ್ಯ निर्लक्ष्य (सम्) सं. — लापरवाही, उपेक्षाभाव।

ನಿರ್ವರ್ತಿಸು निर्वर्तिसु (सम्) क्रि.—पूरा कर, पूर्ण कर, समाप्त कर।

ನಿರ್ವಾಣ निर्वाण (सम्) सं. —बुझने की क्रिया; अंतर्धान; मृत्यु, मौत; मोक्ष;

कैवल्य; मज्जन, डूबना; एक प्रकार का तप; उत्तरक्रिया, क्रिया-कर्म; काम, कार्य; जीव, आज्ञा; हाथी; शरीर, देह; वस्त्र-हीनता, नग्नता।

ನಿರ್ವಾಪ निर्वाप, ನಿರ್ವಾಪಣ निर्वापण (सम्) सं.—डालना; देना।

ನಿರ್ವಾಹ निर्वाह (सम्) सं.—लाचारी, विवशता; प्राप्ति, सिद्धि; करना, चलाना; सहारा देना, समर्थन करना; पर्याप्ति, काफ़ी होना;

ನಿರ್ವಹಿಸು निर्वाहिसु (सम्) सं. —पूरा कर, निभा, कर।

ನಿರ್ವೀರ್ಯೆ निर्वीर्ये (सम्) सं.—वह स्त्री जिसके पति और संतान मर गये हों।

ನಿಲ್ निल्, ನಿಲು निलु, ನಿಲ್ಲು निल्लु (क) क्रि.—खड़ा हो, ठहर, रुक, टिक।

ನಿಲ निल (क) वि. — स्थित, बचा हुआ। सं—बचत; शेष; ताक़।

ನಿಲಕು निलकु, ನಿಲುಕು निलुकु, ನಿಲ್ಕು निल्कु (क) मिल, लग, मिलने क्रि. — अवस्था तक आ, हाथ लग, पहुँच में आ; प्रारंभ कर, मन लगा।

ನಿಲಯ निलय (सम्) सं.—छिपने का स्थान, जानवरों का बिल, चिड़ियों का घोंसला; घर, आवासस्थान।

ನಿಲವು निलवु, ನಿಲುವು निलुवु (क) सं.—खड़े रहना; स्थान, स्थिति, हाल; ऊँचाई; दरवाज़े की चौखट; सीधा खड़ा रहनेवाला; शेष; बचत; फ़ुरसत; रुकावट; ठहराव।

ನಿಲಿಕಿಸು निलिकिसु, ನಿಲುಕಿಸು निलुकिसु, (क) क्रि.—पहुँचा, हाथ लगने दे, मिलने दे (प्रे.)।

ನಿಲಿಕು निलिकु (क) क्रि.—दे. ನಿಲಕು.

ನಿಲಿಂಪ निलिंप, ನಿಳಿಂಪ निळिंप (सम्) सं.—देवता।

ನಿಲಿಸು निलिसु, ನಿಲ್ಲಿಸು निल्लिसु (क) क्रि.—खड़ा कर, रोक, अटका, ठहरा, गति का अवरोध कर, छोड़, त्याग कर।

ನಿಲು निलु, ನಿಲ್ಲು निल्लु (क) क्रि.—खड़ा रह, रुक जा, ठहर, टिक।

ನಿಲುಂಬು निलुंबु (क) क्रि.—पुंजीकरण कर, जुटा, राशि कर; भीड़ लग, असंख्य हो; लिपट (जैसे साँप करता); उछल, कूद।

ನಿಲುಕುವಿಕೆ निलुकुविके (क) सं.—खड़े रहना, ऊँचाई, कूद।

ನಿಲ್ಲಿಸುವಿಕೆ निल्लिसुविके (क) सं.—खड़ा करना, रोकना, ठहराना, टिकाना, अटकाना।

ನಿಲ್ಲುವಿಕೆ निल्लुविके (क) सं.—खड़े रहना, ठहरना, स्थिति, ठहराव।

ನಿವರಿಸು निवरिसु (क) क्रि. —थपथपी लगवा (प्रे.)।

ನಿವರು निवरु (क) क्रि.—थपथपी लगा, हाथ से कोमलापूर्वक थपकी दे।

ನಿವರ್ತಿಸು निवर्तिसु (सम्) क्रि. — लौटा, वापस जाने दे, हटा, छोड़, निकाल।

ನಿವಸನ निवसन (सम्) सं.—कपड़े पहनना; पहनावा; भीतर पहनने का वस्त्र।

ನಿವಳಿಸು निवळिसु, ನಿವಾಳಿಸು निवाळिसु (क.?) क्रि. —(किसी चीज़ को) धीरे से हिला, निछावर कर, राई — नोन आदि लगा (दृष्टि-दोष दूर करने के बाद)।

ನಿವೃತ್ತಿ निवृत्ति (सम्) सं.—वापसी, अंतर्धान, अवसान, समाप्ति,; कर्मत्याग, विरक्ति, वैराग्य; त्याग; शांति; आराम, विश्राम; परमानंद; संन्यास।

ನಿವೇದಿಸು निवेदिसु (सम्) क्रि.—कह, बतला, जता; दे, अर्पण कर।

ನಿವೇಶ निवेश (सम्) सं. — प्रवेश, द्वार; डेरा, पड़ाव; घर, गृह।

ನಿಶ निश, ನಿಶೆ निशे, ನಿಶೀಥಿನಿ निशीथिनि (सम्) सं.—रात, रात्रि।

ನಿಶಠ निशठ, ನಿಶಠೆ निशठे (सम्) — सत्य, सचाई, ईमानदारी।

ನಿಶರಣ निशरण (सम्) सं.—मारना, वध।

ನಿಶಾಕರ निशाकर (सम्) सं.—चंद्रमा।

ನಿಶಾಚರ निशाचर (सम्) सं.—रात में चलनेवाला; राक्षस; चोर; चंद्रमा; उल्लू; एक पक्षी विशेष; पाठीन, मछली; क्रूर सर्प;

ನಿಶಾಟನ निशाटन, ನಿಶಾದರ್ಶಿ निशादर्शि (सम्) सं.—उल्लू।

ನಿಶಾನಾಥ निशानाथ, ನಿಶಾಪತಿ निशापति, ನಿಶಾಮಣಿ निशामणि, ನಿಶಿಕರ निशिकर, ನಿಶೀಥಿನೀನಾಥ निशीथिनीनाथ (सम्) सं.—चंद्रमा।

ನಿಶಿ निशि (सम्) सं.—रात, रात्रि।

ನಿಶ್ಚಯಿಸು निश्चयिसु (सम्) क्रि.—निश्चय कर, निर्णय कर।

ನಿಷೇಕ निषेक (सम्) सं. — छिटकना, ऊपर डालना; गर्भाधान-संस्कार।

ನಿಷೇಧಿಸು निषेधिसु (सम्) क्रि.—निषेध कर, रोक, मना कर, अस्वीकार कर।

ನಿಷ್ಕ निष्क (सम्) सं.—ನಿಕ್ಕ निक्क (तद्)—कंठ या छाती का स्वर्ण-हार; सोने का सिक्का; सोना।

ನಿಷ್ಕರ್ಷಿಸು निष्कर्षिसु (सम्) क्रि.—निष्कर्ष कर, निश्चय कर।

ನಿಷ್ಕ್ರಮಣ निष्क्रमण (सम्) सं. — बाहर जाना, बाहन निकलना; एक संस्कार जिसके अनुसार चार मास के बच्चे को बाहर लाकर सूर्य का दर्शन कराते हैं।

ನಿಷ್ಠಾನ निष्ठान (सम्) सं.—मसाला, चटनी; काँजी।

ನಿಷ್ಠುರ निष्ठुर, ನಿಷ್ಠೂರ निष्ठूर (सम्) वि.—कड़ा, कठोर, रूक्ष, क्रूर, दयारहित; तीक्ष्ण; हेय। सं.—निष्ठुरता।

ನಿಷ್ಠೆ निष्ठे (सम्) सं.— निष्ठा; स्थिति, प्रतिष्ठा,-ठहराव; भक्ति, श्रद्धा, पूज्य बुद्धि, विश्वास; उत्कृष्टता, निपुणता, योग्यता; समाप्ति; नाटक का दुःखांत; नाश, मृत्यु; निश्चय, निश्चयात्मक ज्ञान; चिंता, संताप!

ನಿಷ್ಫಲ निष्फल (सम्) वि.—व्यर्थ, बेकार, वृथा, फलरहित।

ನಿಸದ निसद (तत्) सं.—निश्चय (तत् ?); निश्चितता, सत्य।

ನಿಸರ್ಗ निसर्ग (सम्) सं.—प्रकृति, स्वभाव; सृष्टि, स्वरूप; देना, दान।

ನಿಸಿ निसि (क) क्रि.—अंगूठे और तर्जनी से रगड़ या निचोड़।

ನಿಸ್ಪೃಹೆ निस्पृहे, ನಿಸ್ಪೃಹತೆ निस्पृहते (सम्) सं.—इच्छा-राहित्य, कामनाहीनता।

ನಿಳಿಂಪ निळिंप (तद्) सं. — दे. ನಿಲಿಂಪ. — ಕಾಂತೆ कांते=देव स्त्री।

ನಿಳ್ಕು निळ्कु (क) सं.—पहुँच, ऊपर तक जा, फैल, व्याप्त हो, हाथ को लग; संचार कर; फैला।

ನೀ नी, ನೀಂ नीं (क) सर्व.—तू; तुम।

ನೀಂಟು नींटु (क) क्रि.—फेंक; चूस।

ನೀಗಿಸು नीगिसु (क) क्रि.—निकलवा, जाने दे, अदृश्य कर, मिटा, खो।

ನೀಗು नीगु (क) क्रि.—खो, मिटा, तज, छोड़, हानि पा, निकाल, हटा, समाप्त कर, अदृश्य कर, चुका।

ನೀಚ नीच (सम्) वि.—नीच, अधम, तुच्छ; दुष्ट, खल, खोटा। ನೀಚರ ಸಂಗ ಅಭಿಮಾನ ಭಂಗ नीचर संग अभिमान भंग——नीच व्यक्ति का सांगत्य गौरव को नष्ट करता है (कह)।

ನೀಟ नीट, ನೀಳ नीळ (क) वि.—सीधा, लंबा।

ನೀಟು नीटु (क) सं.—सीधापन; सरलता, सौंदर्य, नाज़, शुद्धता, सुघर होना।

ನೀಡ नीड (सम्) सं.—घोंसला।

ನೀಡರ್ नीडर् (क) सं.—सिर में चक्कर, अचेतनता।

ನೀಡು नीडु (क) क्रि.—फैला, पसार, आगे कर, दे, डाल। सं.—दीर्घता, पसारना, फैलाना; विलंब; आधिक्य।

ನೀತಿ नीति (सम्) सं.—पथप्रदर्शन; चालचलन, शील; भव्यता, औचित्य, समीचीनता; सन्मार्ग; राजनीति; पद्धति, धारा, युक्ति, उपाय; आचार-पद्धति, समाज-कल्याण के लिए निर्दिष्ट किया हुआ आचार या व्यवहार; प्राप्ति, उपलब्धि; दान, भेंट, चढ़ावा; संबंध, सहारा।

ನೀಮ್ नीम्, ನೀನು नीनु (क) सर्व.—तू; तुम।

ನೀವ್ नीम्; ನೀವು नीवु (क) सर्व.—तुम (आदरसूचक); आप।

ನೀರ್ नीर्, ನೀರು नीरु (क) सं.—पानी, जल। —ಆಟ आट (क) सं.—जलक्रीडा।

ನೀರಂ नीरम् (सम्) सं.—जल, पानी। —ಜ ज=कमल; मोती।

ನೀರದ नीरद (सम्) सं.—बादल, मेघ।—ಮಾರ್ಗ मार्ग (सम्) सं.—आकाश।

ನೀರಾಜನ नीराजन, ನೀರಾಜನೆ नीराजने (सम्) सं.—नीराजन, किसी देवता की आरती उतारना; अस्त्रों का मार्जन।

ನೀರು नीरु (क) सं.—जल, पानी।

ನೀಱ नीऱ (क) सं.—सुंदर पुरुष, प्राणप्रिय, प्रियतम, प्रेमी।

ನೀಱತೆ नीऱते (क) सं.—शोभा, सौंदर्य, कांति, लावण्य।

ನೀಱಿಗೆ नीऱिगे (क) सं.—कोंछ (साड़ी का कोंछ)।

ನೀಱು नीऱु (क) सं.—राख, पुड़िया, पौडर (Powder)।

ನೀಱೆ नीऱे (क) सं.—सुन्दर या मनोहर स्त्री, प्रिया।

ನೀಲ नील (सम्) सं.—नीलवर्ण; नीला रत्न, नीला पहाड़; एक वानर का नाम; पाप, पातक; कुबेर का एक धनागार; मंद-बुद्धिवाला; घर का एक भेद; नीलका पौधा।

ನೀಲಿ नीलि (सम्) सं.—नील का पौधा; एक रोग; नीले रंग की मक्खी।

ನೀವಿ नीवि (सम्) सं.—नीवी, नारा, इज़ारबंद; पण, दांव, होड़; पूँजी; योग, संगम; युग्म, जोड़ा; करुणा; मैथुन; घोड़े की जीन या काठी।

ನೀವಿಸು नीविसु (क) क्रि.—धीरे से मलने दे। (प्रे.)

ನೀವು नीवु (क) क्रि.—धीरे से रगड़; मल, मालिश कर। सर्व.—तुम; आप।

ನೀಳ್ नीळ्, ನೀಳು नीळु (क) क्रि.—दे. ನೀಡು.

ನೀಳ नीळ (क) सं.—लंबा, सीधा, ऊँचा; फैला हुआ।

ನೀಳ್ಪು नीळ्पु (क) सं.—लंबाई, दीर्घ होना।

ನುಂಗು नुंगु (क) क्रि—निगल। —ವಿಕೆ विके ಹ ह=निगलना।

ನುಂದಿಸು नुंदिसु (क) क्रि.—बुझा, बुझवा।

ನುಂದು नुंदु (क) क्रि.—बुझ (दीपक या आग)।

ನುಂಪು नुंपु (क) सं.—चिकना होना, चिकनाहट, मृदुता, स्निग्धता।

ನುಗಿ नुगि (क) क्रि.—पुड़िया हो, चूर्ण हो,

ನುಗಿಚು नुगिचु (क) क्रि.—खिसक, पार हो।

ನುಗುಳ್ नुगुळ्, ನುಸುಳ್ नुसुळ्, ನುಗ್ಗು नुग्गु,

ನುಗುರ್ नुगुर् (क) क्रि.—घुस, प्रवेश, कर; आगे बढ़, बढ़े चल।

ನುಗುಳ್ಚು नुगुळ्चु (क) क्रि.—घुसा, प्रवेश कर।

ನುಗ್ಗಿ नुग्गि, ನುಗ್ಗೆ नुग्गे (क) सं.—सहजन का वृक्ष।

ನುಗ್ಗಿಸು नुग्गिसु (क) क्रि.—आगे बढ़वा; चूर्ण करा (प्रे.)।

ನುಗ್ಗು नुग्गु (क) क्रि.—आगे बढ़, बढ़े चल; कुचला जा।

ನುಚ್ಚು नुच्चु (क) सं.—छोटे-छोटे कण, रवा, चूर्ण।

ನುಡಿ नुडि (क) क्रि.—बोल, कह, बता। सं.—बोल, बोली; भाषा; ध्वनि; शब्द; वाक्य, चरण।

ನುಡಿತ नुडित (क) सं.—बात, भाषा, वाणी।

ನುಡಿವಳಿ नुडिवळि (क) सं.—बोलना, बोलने की रीति या विधान।

ನುಡಿಸು नुडिसु (क) क्रि.—बोलने दे, बुला; बजा, ध्वनि उत्पन्न कर।

ನುಡಿಸುಹ नुडिसुह, ನುಡಿಹ नुडिह (क) सं.—बोलना, भाषण।

ನುಣ್ नुण्, ನುಣು नुणु (क) वि.—चिकना, मुलायम, कोमल, प्रिय।

ನುಣುಚು नुणुचु (क) क्रि.—खिसक, फिसल, चूक।

ನುಣುಪು नुणुपु, ನುಣ್ಪು नुण्पु (क) सं.—चिकनापन, स्निग्धता, कोमलता, प्रियता।

ನುಣ್ಣಗೆ नुणगे, ನುಣ್ಣನೆ नुण्णने (क) वि.—चिकना, स्निग्ध, मुलायम; चूर्ण, पुड़िया, गोल, गंजा।

ನುತಿಸು नुतिसु (तद्) क्रि॰—स्तुति कर, प्रशंसा कर।
ನುಱುತ नुर्‌त (क) सं॰—घुसना; कुचला जाना।
ನುಱು नुऱ्‌ (क) क्रि॰—चूर्ण हो, पुड़िया हो, कण-कण हो, पिसा जा; कुचला जा; प्रवीण हो, अनुभवी हो।
ನುಱುಕು नुरुकु (क) क्रि॰—चूर्ण या पुड़िया हो; वृद्धिहीन हो, मुरझा जा, सूख जा।
ನುಱುಗು नुरुगु, ನುರುಗು नुरुगु (क) सं॰—फेन, झाग।
ನುರ್ಗು नुर्गु (क) क्रि॰—दे॰ ನುಗ್ಗು।
ನುರ್ಚು नुर्चु (क) सं॰—दे॰ ನುಚ್ಚು.
ನುಲಿ नुलि (क) क्रि.—हाथ से मरोड़ या ऐंठ (रस्सी, डोर आदि); तह लगा। सं॰—मरोडना, ऐंठना।
ನುಸಿ नुसि (क) सं॰—बुकनी, चूर्ण; एक कीड़ा जो कपड़े और काग़ज़ खा जाता है; छोटी मक्खी, पिस्सू। क्रि॰—घुस, प्रवेश कर।
ನುಸುಳ್ नुसुळ् (क) क्रि॰—घुस, प्रवेश कर; खिसक, पार हो, कदम चूक, चूक। सं॰—झूठ; धोखा; छिपाव।
ನುಗ್ಗು नुग्गु (क) क्रि.—बुकनी या चूर्ण हो, छोटे-छोटे टुकड़े हो।
ನೂಂಕು नूंकु, ನೂಕು नूकु (क) क्रि॰—ढकेल, दबा; आगे बढ़। सं॰—ढकेलना।—ನುಗ್ಗಲು नुग्गलु=बहुत भीड़ या जनसमूह।
ನೂಗು नूगु (क) क्रि॰—दे॰ ನೂಂಕು. सं॰—चूर्ण, बुकनी; अनाज की बाल, अनाज की आंख; एक गहना।
ನೂತನ नूतन, ನೂತ್ನ नूत्न (तद्) वि.—नया, नवीन, नूतन, ताज़ा।
ನೂಪುರ नूपुर, (सम्) सं.—पायल, नेवर।
ನೂಱು नूरु, ನೂರು नूरु (क) वि.—सौ की संख्या।
ನೂಲ್ नूल्, ನೂಲು नूलु (क) क्रि॰—सूत कात, कात। सं॰—सूत्र, सूत।
ನೂಲಿಗ नूलिग (क) सं॰—हरा साँप।
ನೂಳ್ नूळ् (क) सं॰—झूठ, मिथ्य, असत्य।
ನೂಳದು (क) अ.—अधिक, बहुत, श्रेष्ठ, बढ़िया।
ನೃತ್ಯ नृत्य (सम्) सं॰—नाच, अभिनय।
ನೃಪ नृप, ನೃಪತಿ नृपति (सम्) सं॰—राजा।
ನೃಪತುಂಗ नृपतुंग (सम्) सं॰—राष्ट्रकूट राजा नृपतुंग।
ನೆಂಟ नेंट (क) सं॰—रिश्तेदार, नातेदार।
ನೆಂಟು नेंटु, ನೆಂಟತನ नेंटतन, ನೆಂಟಸ್ತನ नेंटस्तन, ನೆಂಟಸ್ತಿಕೆ नेंटस्तिके (क) सं.—रिश्ता, संबंध।
ನೆಂಬುಗೆ नेंबुगे (क) सं॰—भरोसा, विश्वास।
ನೆಕ್ಕು नेक्कु (क) क्रि॰—चाट; चख; धँस, डूब।
ನೆಗಡಿ नेगडि (क) सं॰—जुकाम, सर्दी।
ನೆಗತ नेगत (क) सं॰—कूदना, उछलना, उछाल, उछल-कूद।
ನೆಗಪು नेगपु, ನೆಗವು नेगवु, ನೆಗಹು नेगहु, ನೆಗೆಪು नेगेपु (क) क्रि॰—उठा, ऊपर उठा, उछाल; उड़ेल।
ನೆಗಳ್ नेगळ्, ನೆಗೞ್ नेगऴ् (क) क्रि.—हाथ में ले, लग, बना, रचना कर, काम कर; प्रख्यात हो, प्रसिद्ध हो; प्रकट हो, समाप्त हो। सं.—नक्र, मगर।
ನೆಗಳು नेगळु, ನೆಗೞು नेगऴु (क) सं.—नक्र, मगर। क्रि.—दे. ನೆಗಳ್.
ನೆಗಳೆ नेगळे, ನೆಗೞೆ नेगऴे (क) सं.—मगर, नक्र।
ನೆಗಳ್ಚು नेगळ्चु, ನೆಗೞ್ಚು नेगऴ्चु (क) क्रि.—कर, करा, काम कर, प्रारंभ कर, रचना कर, उत्पन्न कर; प्रसिद्ध हो; प्रसिद्ध कर; प्रकट हो, प्रकाशित हो, चमक।
ನೆಗಳ್ತೆ नेगळ्ते, ನೆಗೞ್ತೆ नेगऴ्ते (क) सं.—काम, कार्य, रचना, कृति, अभ्यास, आचार, चलन; प्रसिद्धि, ख्याति, नाम।
ನೆಗೆ नेगे (क) क्रि.—उछल, कूद; साफ़ हो, शुद्ध हो, स्वच्छ हो, प्रकाशित हो। सं.—कूदना, उछल-कूद।
ನೆಗೆತ नेगेत, ನೆಗೆಹ नेगेह (क) सं.—उछलना, उछल-कूद, उडान।
ನೆಗ್ಗಿಲ್ नेग्गिल्, ನೆಗ್ಗಿಲು नेग्गिलु (क) सं.—त्रिकंटक या गोक्षुर पौधा।
ನೆಗ್ಗು नेग्गु (क) क्रि.—पिचक, कुचल, धँस, छूट, चूर-चूर कर; नाश कर।
ನೆಚ್ಚಿಕೆ नेच्चिके, ನೆಚ್ಚುಗೆ नेच्चुगे (क) सं.—के भरोसा, विश्वास।
ನೆಚ್ಚು नेच्चु (क) क्रि.—भरोसा कर, विश्वास कर।
ನೆಟಿಕೆ नेटिके, ನೆಟಿಗೆ नेटिगे, ನೆಟ್ಟನೆ नेट्टने (क) अ.—सीधा, लंबा, क्रमबद्ध, तना हुआ, ठीक प्रकार से, खूब, स्पष्ट, साफ़।
ನೆಟ್ಟನ नेट्टन, ನೆಟ್ಟನ್ನ नेट्टन्न, ನೆಟ್ಟಾನ नेट्टान, ನೆಟ್ಟಾನೆ नेट्टाने (क) अ.—दे. ನೆಟ್ಟಗೆ.
ನೆಟ್ಟಿ नेट्टि (क) वि.—मनोहर, सुंदर, चारु।
ನೆಟ್ಟು नेट्टु (क) सं.—दे. ನಟಕು.
ನೆಡಿಸು नेडिसु (क) क्रि—लगवा, रोपाई करा, स्थिर करा, गड़वा।
ನೆಡು नेडु (क) क्रि.—लगा, रोप, लगाने योग्य।
ನೆಣ नेण (क) सं.—चरबी, मज्जा।
ನೆಣ್ಪು नेण्पु (क) सं.—प्रेम, प्रणय, प्रीति, मैत्री, निकट संबंध।
ನೆತ್ತ नेत्त (तद्) सं.—नेत्र (तत्)—आँख; शतरंज आदि का मोहरा; जुआ।
ನೆತ್ತರ್ नेत्तर्, ನೆತ್ತರ नेत्तर, ನೆತ್ತರು नेत्तरु, ನೆತ್ತ್ರ नेत्त्र (क) सं.—खून, रक्त।
ನೆತ್ತಿ नेत्ति (क) सं.—ललाट, माथा; सिर, मस्तक।
ನೆತ್ತು नेत्तु (क) सं.—तुतलाहट, तुतलाना।
ನೆನಪು नेनपु, ನೆನವಿ नेनवि, ನೆನವು नेनवु, ನೆನಹ नेनह, ನೆನಹು नेनहु, ನೆನೆಪು नेनेपु, ನೆನ್ಪು नेन्पु, ನೆಪ್ಪು नेप्पु (क) सं.—याद, स्मरण, स्मृति, ध्यान।
ನೆನಸು नेनसु, ನೆನೆಯಿಸು नेनेयिसु (क) क्रि.—स्मरण कर, याद कर; ध्यान लगा; गील कर, भिगो।
ನೆನೆ नेने (क) क्रि.—याद कर, स्मरण कर, मन में रख, सोच; संकल्प कर; गीला हो, भीग जा।
ನೆಪ नेप (क) सं.—बहाना, झूठा कारण; मिस।
ನೆಪ್ಪು नेप्पु (क) सं.—स्मरण, याद; परिचय, परिचित होना।

ನೆಮರು नेमरु (क) क्रि.—दे. ನಮಲು.

ನೆಮಲಿ नेमलि (क) सं.—मयूर, मोर, केकी।

ನೆಮ್ಮು नेम्मु (क) क्रि.—टेक, सहारा ले, अवलंबित हो, किसी वस्तु पर अपना भार छोड़कर सहारा ले। सं. — सहारा, आधार, अवलंबन, टेक।

ನೆಮ್ಮುಗೆ नेम्मुगे (क) सं. — सहारा, भरोसा, विश्वास।

ನೆಯ್ नेय्, ನೆಯಿ नेयि; ನೆಯ್ಯು नेय्यु, ನೇ ने, ನೇಯ್ नेय्, ನೇಯಿ नेयि. ನೇಯು नेयु (क) क्रि.—(कपड़ा) बुन।

ನೆಯ್ नेय् (क) सं.—घी, घृत।

ನೆಯಿಕಾರ नेयिकार, ನೆಯ್ಗೆಕಾರ नेय्गेकार, ನೆಯ್ಗೆಯವ नेय्गेयव (क) सं.—जुलाहा।

ನೆಯ್ಗೆ नेय्गे (क) सं.—बुनना; बुनाई।

ನೆಯ್ದಲ್ नेय्दल्, ನೆಯ್ದಲು नेय्दलु, ನೆಯ್ದಿಲೆ नेय्दिले (क) सं. — कुवलय, इन्दीवर, उत्पल।

ನೆರ नेर, ನೆರವು नेरवु, ನೆರೆ नेरे, ನೆರೆವು नेरेवु (क) वि.—बग़ल का, पास का, निकट का, पार्श्व का।

ನೆರಕೆ नेरके (क) सं.—मेंड, आड़, टट्टी, चहारदीवारी (बाँस की), बाड़।

ನೆರಪು नेरपु, ನೆರಯಿಸು नेरयिसु, ನೆರಸು नेरसु, ನೆರಹು नेरहु, ನೆರೆಪು नेरेपु, ನೆರೆವು नेरेवु (क) क्रि.—इकट्ठा कर, एकत्रित कर, जमा कर; बुला; फैला, व्याप्त कर।

ನೆರವಿ नेरवि (क) सं.—समूह, जमाव, भीड़, गिरोह।

ನೆರವು नेरवु (क) सं.—समूह, पूर्णता; सहायता, मदद; अनुमोदन।

ನೆರಳು नेरळु (क) क्रि.—इकट्ठा हो, जमा हो। सं.—छाया, साया।

ನೆರಿಕೆ नेरिके (क) सं.—दे. ನೆರಕೆ.

ನೆರೆ नेरे (क) क्रि.—जमा हो, इकट्ठा हो, एकत्रित हो, सम्मिलित; रजस्वला हो, सयानी हो, संभोग कर; चक्कर काट; विभ्रम में पड़; सफ़ेद हो या पक जा (बालों का पकना) सं. —सफ़ेदी। वि.—दे. ನೆರ.

ನೆಱ नेऱ (क) सं.—मर्म; रहस्य।

ನೆಱತೆ नेऱते (क) सं.—पूर्णता, परिपूर्ण होना।

ನೆಱಪು नेऱपु (क) क्रि.—परिपूर्ण कर।

ನೆಱಯಿಸು नेऱयिसु (क) क्रि.—परिपूर्ण करा; पूर्ति कर।

ನೆಱಲ್ नेऱल् (क) क्रि.—लटक, झूल; संज्ञाहीन हो।

ನೆಱವಣಿಗೆ नेऱवणिगे (क) सं. — परिपूर्णता, पूर्णता, अच्छाई, अच्छा या सुंदर होना।

ನೆಱವು नेऱवु (क) सं.—दे. ನೆಱತೆ.

ನೆಱಿ नेऱि, ನೆಱಿಗೆ नेऱिगे (क) सं. — (साड़ी का) कोंछ।

ನೆಱು नेऱु (क) सं.—मर्मस्थान।

(१) ನೆಱೆ नेऱे ನೆಱಿ नेऱि (क) क्रि. — झूल, लटक; परिपूर्ण हो, भर, संपूर्ण हो, तैयार हो; बढ़, अधिक हो।

(२) ನೆಱೆ नेऱे (क) सं.—पूर्णता, परिपूर्णता। अ.— पूर्णतः, खूब।

ನೆಱೆಯುವಿಕೆ नेऱेयुविके (क) सं. — रजस्वला होना, सयानी होना।

ನೆಱೆವಣಿಗೆ नेऱेवणिगे (क) सं.—दे. ನೆಱವಣಿಗೆ.

ನೆಲ್ नेल्, ನೆಲ್ಲು नेल्लु (क) सं.—धान।

ನೆಲ नेल (क) सं. = ನೆಲಂ नेलं—भूमि, ज़मीन, धरती।

ನೆಲಕಲ नेलकल (क) सं. — लोभी, कंजूस आदमी।

ನೆಲಸು नेलसु (क) क्रि.— स्थिर रह; कायम रह; निवास कर; खड़ा रह, ठहर।

ನೆಲಹು नेलहु, ನೆಲು नेलु, ನೆಲುವು नेलुवु, ನೆಲುಹು नेलुहु (क) सं.—ताक।

ನೆಲೆ नेले (क) सं.—जगह, स्थान, खड़े रहने का स्थान, घर, घर का भाग, मंज़िल; भूमि, ज़मीन; नींव, बुनियाद; दृढ़ता, स्थिरता, स्थिर ज्ञान; तल; गुप्त बात, रहस्य; आश्रय।

ನೆಲ್ಲಿ नेल्लि (क) सं.—आमलक, आँवला।

ನೆಲ್ಲು नेल्लु (क) सं.—धान, व्रीहि।

ನೆವ नेव, ನೆವನ नेवन (क) सं. — बहाना, झूठा कारण, मिस।

ನೆವರು नेवरु (क) सं. — पागुर, जुगाली निशाना, लक्ष्य।

ನೆಸೆ नेसे (क) क्रि.—उछल, कूद; उड़; उठ।

ನೆಳ್ಳು नेळ्ळु (क) सं.—छाया, साया (ग्रा.)।

ನೆೞಲ್ नेळल्, [ನೆೞಲ್ नेळल्] (क) सं. छाया, साया, परछाई, आश्रय; एक विशेष।

ನೆೞಲು नेळलु, [ನೆೞಲು नेळलु] (क) सं. छाया, परछाई, आश्रय।

ನೆೞ್ಗು नेळ्गु (क) क्रि.—डूब, निमग्न हो।

ನೇಕಾರ नेकार (क) सं.—जुलाहा।

ನೇಗಲ್ नेगल्. ನೇಗಲ नेगल; ನೇಗಲಿ नेग[ि] ನೇಗಿಲ್ नेगिल्, ನೇಗಿಲ नेगिल, ನೇಗಿ[ಲು] नेगिलु (तद्) सं.—लांगलम् (तत्); हल।

ನೇಗೆ नेगे (क) सं.—बुनना, बुनाई।

ನೇಜಿ नेजि (क) सं —धान्य का सस्य।

ನೇಟು नेटु (क) सं.—सीधापन; सत्य, [...]

ನೇಣ್ नेण्, ನೇಣು नेणु (क) सं.— रस्सी फंदा। — ಹಾಕು हाकु (क) क्रि. — [...] लगा।

ನೇಣುಗ नेणुग (क) सं.—रस्सी बनाने व बेचनेवाला।

ನೇತೃತ್ವ नेतृत्व (सम्) सं.— नेतृत्व, [...] आपन, प्रभुता।

ನೇತ್ರ नेत्र (सम्) सं. — आँख; अगुआपन, संचालन; दो की संख्या; सद्गुण; वृक्षमूल, जड़; एक पेड़ की जड़; एक पर्वत का नाम; वस्त्र; एक प्रकार का वस्त्र; मथानी को बाँधनेवाली रस्सी।—ಚ್ಛದ च्छद = पलक।

ನೇಪಥ್ಯ नेपथ्य (सम्) सं.—शृंगार, भूषण; पोशाक; पर्दे के पीछे का स्थान; पर्दा।

ನೇಮ नेम (तद्) सं. — नियमः (तत्)।

ನೇಮಕ नेमक (तद्) सं. — नियामकः (तत्); हुक्म, आज्ञा, लगाना; शासक।

ನೇಮಿಸು नेमिसु (तद्) क्रि. — लगा, नियुक्त कर।

ನೇಯ್ नेय् (क) क्रि.—(कपड़ा) बुन। सं. — घी, घृत।

ನೇಯಿಗೆ नेयिगे ನೇಯ್ಗೆ नेय्गे (क) सं.— बुनाई ।

ನೇರ್ नेर् (क) क्रि. — काट, काट डाल; लटक, झूल; अधीन हो, स्वीकार कर; सं.—सीधापन, क्रमिकता, क्रम, उपयुक्तता, ठीक होना; मेल ।

ನೇರ नेर, ನೇರು नेरु (क) सं. — सीधापन, क्रमिकता, क्रम, उपयुक्तता ।

ನೇರಳೆ नेरळे, ನೇಱಲ್ नेऱल्, ನೇಱಲು नेऱलु, ನೇಱಲೆ नेऱले, ನೇಱಳು नेऱळु ನೇಱಳೆ नेऱळे, ನೇಱಿಲ್ नेऱिल्, ನೇಱಿಲು नेऱिलु, ನೇಱಿಳೆ नेऱिळे ನೇರ್ಲು नेर्लु, ನೇರ್ಲೆ नेर्ले (क) सं. —जामुन, जामुन का पेड़ ।

ನೇಲಿಸು नेलिसु (क) क्रि.—लटका; झुला ।

ನೇಲು नेलु (क) क्रि.—लटक; झूल ।

ನೇವಣ नेवण, ನೇವಳ नेवळ (क) सं. — सोने या चाँदी का कंठहार; करधनी ।

ನೇಸರ್ नेसर्, ನೇಸಱು नेसऱु, [ನೇಸರು नेसरु] (क) सं.—सूर्य ।

ನೇಸ್ತು नेस्तु; ನೇಹ नेह (तद्) सं.—स्नेह, प्रेम, मैत्री ।

ನೆಟಲ್ नेळल् (क) अ.—प्रियंगु ।

ನೈಋತ್ಯ नैऋत्य, ನೈರ್ಋತ್ಯ नैर्ऋत्य (तद्) सं. —नैर्ऋती (तत्); दक्षिण-पश्चिम कोना ।

ನೈಜ नैज (सम्) वि. — निज का, अपना; सत्यपूर्ण, सच्चा ।

ನೈಪುಣ್ಯ नैपुण्य (सम्) सं. — निपुणता, पटुता, चातुर्य ।

ನೈಮಿತ್ತಿಕ नैमित्तिक (सम्) वि.—अकस्मात् आया हुआ, आकस्मिक, असाधारण ।

ನೈಯಾಯಿಕ नैयायिक (सम्)—न्यायवेत्ता ।

ನೈವೇದ್ಯ नैवेद्य (सम्) सं.—देवता को अर्पित भोज्य पदार्थ ।

ನೊಗ नोग (तद्) सं. — युग (तत्) जुआ, युग, जोड़ा ।

ನೊಚ್ಚಗೆ नोच्चगे (अ) सं.—मानसिक संतोष या तृप्ति ।

ನೊಣ नोण, ನೊಣವು नोणवु (क) सं.—मक्खी ।

ನೊಣಬ नोणब (क) सं.—गड़रियों की जाति विशेष ।

ನೊಣೆ नोणे (क) क्रि. — निगल; जीभ से दांत माँज ।

ನೋಯಿಸು नोयिसु (क) क्रि.—दर्द या पीड़ा दे ।

ನೊರಜು नोरजु, ನೊರಂಜು नोरंजु (क) सं.— पिस्सू, कुटकी ।

ನೊರೆ नोरे (क) सं.—फेन; झाग ।

ನೊಸಲ್ नोसल्, ನೊಸಲು नोसलु (क) सं.— ललाट, माथा ।

ನೊಳ नोळ, ನೊಳವು नोळवु (क) सं. — मक्खी ।

ನೊಳಲೆ नोळले (क) सं.—नलिका, सीप ।

ನೊಳೆ नोळे, ನೊೞೆ नोऴे (क) क्रि.—घुस, प्रवेश कर ।

ನೋ नो (क) क्रि.— दर्द हो, पीड़ा हो, व्यथा हो ।

ನೊಂಪಿ नोंपि, ನೊಂಪು नोंपु (क) सं.—व्रत ।

ನೋಚ್ಚು नोच्चु (क) क्रि. — पीडा दे, दर्द कर;

ನೋಟ नोट (क) सं.—देखना; दृश्य; लक्ष्य; ध्येय ।

ನೋಡಿಸು नोडिसु (क) क्रि. — दिखला, अवलोकन करा, जँचवा ।

ನೋಡು नोडु (क) क्रि. — देख, अवलोकन कर; परीक्षा कर ।

ನೋತ नोत (क) सं.—दर्द, पीड़ा; व्यथा ।

ನೋನ್ नोन् (क) क्रि.—व्रताचरण कर ।

ನೋನಿಸು नोनिसु (क) क्रि. — व्रताचरण करा (प्रे.) ।

ನೋಯಿಸು नोयिसु (क) क्रि.—दर्द या पीड़ा उत्पन्न कर ।

ನೋಯು नोयु (क) क्रि. — दर्द हो, पीड़ा उत्पन्न हो ।

ನೋವು नोवु (क) सं.—दे. ನೋತ.

ನೋಳ್ नोळ् (क) क्रि. — आगे चल, आगे बढ़ ।

ನೋೞ್ नोऴ् (क) क्रि. — देख, अवलोकन कर; परीक्षा कर ।

ನೌಕಾ नौका, ನೌಕೆ नौके (सम्) सं.—नौका, नाव ।

ನ್ಯಗ್ರೋಧ न्यग्रोध (सम्) सं. — वट वृक्ष; पलाश; चंद्रमा; मार्ग, पथ; दिशा; छल, धोखा; वन, जंगल; फैली बाहुएँ ।

ನ್ಯಸ್ತ न्यस्त (सम्) वि.—फेंका हुआ, छोड़ा हुआ, त्यागा हुआ ।

ನ್ಯಾಸ न्यास (सम्) सं. —दे देना, रखना, दूर रखना, त्यागना, छोड़ना ।

ನ್ಯೂನತೆ न्यूनते (सम्) सं.—न्यूनता, कमी; हीनता, नीचता ।

प ಪ

ಪ प—कन्नड-वर्णमाला का पैंतीसवाँ अक्षर, पवर्ग का प्रथम व्यंजन ।

ಪಂ पं (क) (सम्) सं.—हरापन ।

(१) ಪಂಕ पंक (सम्) सं.—कीचड़, दलदल; पाप; मलहम ।

(२) ಪಂಕ पंक, ಪಂಖೆ पंखे (अ. दे.) सं — पंख; (हि.) ।

ಪಂಕಜ पंकज (सम्) सं.—कमल ।

ಪಂಕಿ पंकि (क) सं.—एक बारहमासी पौधा (Tephrosia purpurea pers) ।

ಪಂಕ್ತಿ पंक्ति (सम्) सं.— कतार, रेखा, श्रेणी, समूह, समुदाय, दल, गिरोह; पांच का समूह या पांच की संख्या; चार चरणों का छंद जिसके प्रत्येक चरण में दस मात्रा एँ होती हैं; भोजने के लिए बैठे हुए आदमी की पंक्ति; प्रसिद्धि, कीर्ति ।

ಪಂಕ್ತಿಕೆ पंक्तिके (सम्) सं.—पंक्ति, श्रेणी ।

ಪಂಕ್ತಿಭೇದ पंक्तिभेद (सम्) सं.—एक ही पंक्ति में बैठे हुए व्यक्तियों को (खाना) परोसते समय भेद करना (मैं. प्र.) ।

ಪಂಗ पंग (क) सं. — काँटा (चमच); दो नोंकावाला (V); नोंकवाली डाली ।

ಪಂಗಡ पंगड (क) सं.—दल, पक्ष, पार्टी, गिरोह ।

ಪಂಗನಾಮ पंगनाम (क) सं.—माथे पर बड़ी आड़ी रेखा । — ಹಾಕು हाकु=धोखा दे, छल कर (मुह.) ।

(१) ಪಂಗು पंगु (क) सं· — नैतिक बंधन, अनुग्रह, उपकार ।

(२) ಪಂಗು पंगु (क) वि.—लंगड़ा, लूला, अपाहिज ।

ಪಂಚ पंच (सम्) वि· — पांच; अपूर्व, अनुपम ।

ಪಂಚಕ पंचक (सम्) वि.—पांच का बना, वह जिसमें पाँच हो । सं.-पांच का समूह; पांच की संख्या ।

ಪಂಚಕಜ್ಜಾಯ पंचकज्जाय (क) सं· — चूड़ा, गुड़, गरी, तिल और चना—इनको मिलाकर बनाई गई एक मिठाई ।

ಪಂಚಕಲ್ಯಾಣ पंचकल्याण (सम्) सं· — जैन साधुओं की पांच अवस्थाएं — गर्भावतरण, जन्माभिषेक, परिनिष्क्रमण, केवलज्ञान और निर्वाण ।

ಪಂಚಗವ್ಯ पंचगव्य (सम्) — गाय के पांच पदार्थ (दूध, दही, घी, मूत्र और गोबर) ।

ಪಂಚಗೌಡ पंचगौड, ಪಂಡಗೌಳ पंडगौळ (सम्) सं·— बंगाल और उत्तरीभाग, उसके निवासी ब्राह्मण ।

ಪಂಚಚಾಮರ पंचचामर (सम्) सं· — एक वृत्त का नाम ।

ಪಂಚತಂತ್ರ पंचतंत्र (सम्)—नीति विषयक पांच अध्यायों का एक संस्कृत-ग्रंथ जो बहुत प्रसिद्ध है ।

ಪಂಚತೆ पंचेत, ಪಂಚತ್ವ पंचत्व (सम्) सं·— पांच होना; मृत्यु ।

ಪಂಚದಾರ पंचदार (तेलुगु) सं· — शक्कर ।

ಪಂಚಪರಮೇಷ್ಠಿ पंचपरमेष्ठि (सम्) सं·—पांच प्रधान जैन गुरु — स[illegible]जवास, अर्हन्, आचार्य, उपाध्याय, सर्वक[illegible] ।

ಪಂಚಪಲ್ಲವ पंचपल्लव (सम्) सं· — पांच कोंपल—आम्र, जंबु, कपित्थ, बीजपूरक और बिल्व ।

ಪಂಚಪಾತ್ರೆ पंचपात्रे (सम्) सं· — तांबे का जलपात्र जिसे रखकर संध्यावन्दन किया जाता है; पांच बर्तनों का समूह ।

ಪಂಚಪ್ರಾಣ पंचप्राण (सम्) सं· — प्राण, अपान, व्यान, उदान और समान ।

ಪಂಚಮ पंचम (सम्) वि·—पांचवां भाग । सं·—शूद्र, संगीत के सप्तस्वरों में पांचवां; कोयल का स्वर, राग विशेष; मैथुन ।

ಪಂಚಲೋಭಿ पंचलोभि (सम्) सं.—कदर्य, दीन पुरुष ।

ಪಂಚಲೋಹ पंचलोह (सम्) सं.—सोना, चांदी, तांबा, लोह और सीसा ।

ಪಂಚವಾದ್ಯ पंचवाद्य (सम्) सं.—भेरि, शंख, शृंग (सींगा), घंटा और वीणा ।

ಪಂಚಶರ पंचशर ಪಂಚಬಾಣ पञ्चबाण (सम्) सं.—कामदेव । पञ्चशर (तद्) ।

ಪಂಚಾಂಗ पंचांग (सम्) सं. — तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण का विवरण देनेवाली पुस्तक, तिथिपत्र ।

ಪಂಚೀಕರಿಸು पंचीकरिसु (सम्) क्रि· — पांच गुना कर ।

ಪಂಚು पंचु (क) क्रि· — भाग कर, बांट, हिस्सा कर (सम्) सं. — भाग, हिस्सा, बांटना ।

ಪಂಜರ पंजर (सम्) सं· — पिंजड़ा; ठठरी, कंकण ।

ಪಂಜಾರ पंजार (क) सं.—मीठी खाद्य वस्तु ।

ಪಂಜಿ पंजि, ಪಂಜಿಕೆ पंजिके (सम्) सं.—पूनी; बही, लेखा; पत्ता; तिथिपत्र ।

ಪಂಜು पंजु (क) सं.—दीवट, मशाल ।

ಪಂಜೆ पंजे (क) सं.—दरिद्र, ग़रीब, असहाय पुरुष ।—ತನ तन (क) सं. — दारिद्र्य, ग़रीबी, असहायता ।

ಪಂಟಿ पंटि (क) सं· — कुदान; भोजन ।

ಪಂಟಿಸು पंटिसु (क) क्रि.—सिर नीचे हो, लुढ़क; भीत हो ।

ಪಂಡ पंड, ಪಂಡಕ पंडक (तद्) सं.— षंड: (तत्); नपुंसक ।

ಪಂಡಿತ पंडित (सम्) सं. — पंडित, विद्वान्, विद्वान् ब्राह्मण; वैद्य (मै· प्र.) ।

ಪಂತ पंत (तद्) सं.—पणितं (तत्); दाँव, होड़; चुनौती ।

ಪಂತಿ पंति (तद्) सं.—पंक्ति (तत्) ।

ಪಂತುವರಾಳಿ पंतुवराळि (क) सं.—एक राग का नाम ।

ಪಂಥ पंथ (सम्) सं.—रास्ता, मार्ग ।

ಪಂದರ್ पंदर्, ಪಂದರು पंदरु (क) सं. — पण्डाल, मण्डप ।

ಪಂದರ पंदर (क) सं.—पण्डाल, मण्डप ।

ಪಂದಿ पंदि (क) सं.—सूकर, सुअर ।

ಪಂದೆ पंदे (क) सं.—डरपोक, भीरु ।

ಪಂದ್ಯ पंद्य (तद्) सं.—दे. ಪಂತ.

ಪಂಪ पंप (क) सं· — समभाग या हिस्सा; कन्नड के एक सुविख्यात कवि का नाम जिन्होंने 'पंप-भारत' और 'आदि पुराण' की रचना की है ।

ಪಂಪಾಕ್ಷೇತ್ರ पंपाक्षेत्र (सम्) सं.—पंपा सरोवर के पास का स्थान, हंपि ।

ಪಂಪೆ पंपे (सम्) सं —पंपासरोवर ।

ಪಂಬಲ್ पंबल् (क) सं.—प्रबल इच्छा, ललचाना, तरसना ।—ಇಸು इसु (क) क्रि.—तरस, प्रबल इच्छा कर ।

ಪಕಪಕ पकपक (क) अ· — जल्दी, शीघ्र; 'हा हा' करके ।

ಪಕೀರ पकीर, ಫಕೀರ फकीर (अ. दे.) सं.—फ़कीर (अरबी); साधु ।

ಪಕ್ಕ पक्क (तद्) सं.—पक्षः (तत्)—पर, पंख; कंधा; बाजू; समीपता, पड़ोस; पोषण, सहारा; पक्ष (शुक्ल या कृष्ण पक्ष) ।

ಪಕ್ಕನೆ पक्कने, ಫಕ್ಕನೆ फक्कने (क) अ.—हठात्, तुरंत, एकदम ।

ಪಕ್ಕರೆ पक्करे, ಪಕ್ಕಳೆ पक्कळे (क) सं.—एक प्रकार का बर्तन ।

ಪಕ್ಕಾ पक्का (अ· दे.) सं.— चतुर या चालाक पुरुष ।

ಪಕ್ಕಿ पक्कि (तद्) सं.—पक्षिन् (तत्); पक्षी, चिड़िया । (अ. दे.) सं.—ढंग, विधान ।

ಪಕ್ಕು पक्कु (तद्) सं·—रक्षः (तत्); सहारा, समर्थन, अनुकूल होना ।

ಪಕ್ಕೆ पक्के (क) सं.—जगह, घर, शयनागार; बगल, करवट; बिछावन, खाट, पलंग; समीपता, सामीप्य; झाऊ का पेड़ ।

ಪಕ್ವ पक्व (सम्) वि·—पका हुआ, पक्का; भुना हुआ, उबला हुआ; जीर्ण, किया हुआ ।

ಪಕ್ಷ पक्ष (सम्) सं. — दे. ಪಕ್ಕ; पक्षी; भित्ति, दीवार; समूह, आधिक्य।—ಜ ज (सम्) सं.— चंद्रमा।—ಪಾತ पात (सम्) सं.—तरफ़दारी, पक्षपात।

ಪಕ್ಷಿ पक्षि (सम्) सं. — पक्षी, चिड़िया; तरफ़दार।—ರಾಜ राज (सम्) सं. — गरुड़।

ಪಗಡಿ पगडि (अ. दे.) सं.— पगडी (हि.)।

ಪಗಡೆ पगड़े (क) सं. — एक छोटा वृक्ष; एक बड़ा वृक्ष (Mimsops elengi); चौसरा का खेल; चौसर की गोटी, अक्ष।

ಪಗದಿ पगदि (क) सं.—राजकर, कर, नज़राना।

ಪಗಲ್ पगल्, ಪಗಲು पगलु (क) सं. — दिन का समय, दिन।

ಪಗಿನ पगिन, ಪಗಿನು पगिनु (क) सं. — पेड़ों का रस, गोंद।

ಪಗಿಲ್ पगिल् (क) क्रि. — चिपक, मिल, लग; फैल, व्याप्त हो, निराश हो, क्लेश पा।

ಪಗೆ पगे (क) सं.—द्वेष, विरोध, वैर; बदला।—ಕಾರ कार (क) सं. —शत्रु, वैरी।—ತನ तन (क) सं. —शत्रुता।

ಪಚಡಿ पचडि, ಪಚ್ಚಡಿ पच्चडि (क) सं.—रायता, व्यंजन विशेष।

ಪಚನ पचन (सम्) सं. — पकाना, रसोई; आग; रसोई बनाने के साधन, बर्तन, ईंधन।

ಪಚಾರಿಸು पचारिसु (क) क्रि.—निंदा कर, झिड़की दे, चुभनेवाली बात कह।

ಪಚೆ पचे, ಪಚ್ಚೆ पच्चे (क) वि.—हरा, तज़ा। सं.—मरकत, पन्ना।

ಪಚ್ಚ पच्च (तत्) सं. — प्रसाधन (तत्); सजावट, शृंगार, भूषा।—ಡಿಸು डिसु (तद्) क्रि.—सजा, शृंगार कर।

ಪಚ್ಚನೆ पच्चने (क) वि. — हरा।— ಬಣ್ಣ बण्ण=हरा रंग।

ಪಚ್ಚಾರಿ पच्चारि (क) सं.—वृक्ष विशेष।

ಪಚ್ಚಿ पच्चि (क) सं.—भाग, हिस्सा।

ಪಚ್ಚು पच्चु (क) वि.—हरा। क्रि.—अव्यक्त ध्वनि कर, फुसफुस कर।

ಪಚ್ಚುಗೆ पच्चुगे (क) सं.—एकांत स्थान, एकांत मंत्रणा।

ಪಚ್ಚೆ पच्चे (क) वि. — हरा। सं — हरापन, हरा रंग; पीत वर्ण; किसलय, पल्लव; बढ़नेवाले अनाज का रंग; मरकत, पन्ना; घनसार, कपूर; देवकणिश नामक पौधा; बेंत, नरकुल।

ಪಜ್ಜ पज्ज (तद्) सं.—(पदज+ज) — शूद्र।

ಪಜ್ಜಳಿಸು पज्जळिसु (तद्) क्रि.—प्रज्वलित हो, चमक।

ಪಜ್ಜೆ पज्जे (तद्) सं.—पद्धतिः (तत्) पदचिह्न; चिह्न, निशान।

(१) ಪಟ पट (क) सं.—'पट पट' ध्वनि।

(२) ಪಟ पट (सम्) सं. — वस्त्र, कपड़ा; महीन कपड़ा; रेशमी कपड़ा; घूँघट; पर्दा; चित्र; लिखने का कपड़ा; छत, छप्पर; चित्र; झण्डा; पाल; पतंग; शतरंज का पट या बोर्ड; पौधों को पानी देने के लिए बनाया गया स्रोत (सै. प्र.); एक वृक्ष (The tree Buchanania latifolia); पटरी या कपड़े का टुकड़ा; कोई भी चीज़ जो अच्छी बनी हो।—ಕ क (सम्) सं.— सूत का कपड़ा; तंबू।—ಕಾರ कार (सम्) सं.—चितेरा; जुलाहा।

ಪಟಕಾರು पटकारु (क) सं.—कंकमुख, चिमटा।

ಪಟಕುಟಿ पटकुटि (सम्) सं.—डेरा, तंबू।

ಪಟಲ पटल (सम्) सं.—छज्जा, छत; पर्दा; घूँघट; समूह, ढेर; आख ढँकने का घूँघट; टोकरी।

ಪಟಹ पटह (सम्) सं. — ढोल; मृदंग, तबला।

ಪಟಾಕಿ पटाकि— ಪಟಾಕೆ पटाके (अ. दे.) सं. —पटाका, पटाखा।

ಪಟಾರನೆ पटारने (क) अ.—'पट' शब्द के साथ।

ಪಟಿಕ पटिक (तद्) सं. — स्फटिकः (तत्); फटिक।

ಪಟಿಂಗ पटिंग (क) सं.—बदमाश, गुंडा, नीच, लफंगा, कामुक।— ತನ तन=बदमाशी, नीचता।

ಪಟೀರ पटीर (सम्) सं.—चन्दन; कामदेव; पेट; खेत; चलनी; बादल; खेलनी की गोली; ऊँचाई; मूली; गठिया; मोतिया बिंदु।

ಪಟು पटु (सम्) वि.—पटु, चतुर, निपुण, योग्य।

ಪಟೋಲಿಕೆ पटोलिके (सम्) सं — चचींडा; परवल।

ಪಟ್ಟ पट्ट (तद्) सं.—वस्त्र, कपड़ा; राजाज्ञा की पट्टी; चौराहा; पर्दा, आवरण; नगर; ग्राम; सिंहासन, अधिकार।—ದ ಆನೆ द आने=शाही हाथी।—ಕ್ಕೆ ಬಾ क्के बा= राजा बन, सिंहासनारूढ हो।

ಪಟ್ಟಗೆ पट्टगे (क) सं.—प्राप्त करना, प्राप्ति, उपलब्धि; पकड़ना, पकड़; धैर्य।

ಪಟ್ಟಡಿ पट्टडि, ಪಟ್ಟಡೆ पट्टडे (क) सं.—स्थूणा, निहाई।

ಪಟ್ಟಣ पट्टण (तद्) सं.—पत्तनम् (तत्); नगर, शहर।

ಪಟ್ಟಮಹಿಷಿ पट्टमहिषि (तद्) सं.—पटरानी।

ಪಟ್ಟಶಾಲೆ पट्टशाले, ಪಟ್ಟಸಾಲೆ पट्टसाले, (तद्) सं.—बैठक, वाचन-भवन।

ಪಟ್ಟಾಭಿಷೇಕ पट्टाभिषेक (सम्) सं. — राज तिलक, मुकुटधारण की क्रिया।

(१) ಪಟ್ಟಿ पट्टि (क) सं. — नीचे रखने का स्थान; घर; गोष्ठ; अहीरों का अड्डा।

(२) ಪಟ್ಟಿ पट्टि (क) सं.—पट्टी, लंबी पट्टी; माथे पर रखने का एक आभूषण; रेखा, धारी; सूत।

ಪಟ್ಟು पट्टु (क) क्रि.—पकड़, धर, पकड़ ले; लगे रह। सं.—पकड; कतार; निर्णय, हठ; स्वभाव; लेप, मलहम; संयोग, संदर्भ; कड़ा स्थान।

ಪಟ್ಟೆ पट्टे (क) सं.—रेशा, छिलका, पेड़ का छाल, वलकल। (तद्) सं. — रेशम; गंजा सिर।

ಪಟ್ರೆ पट्रे, ಪಟ್ರೆ पट्रे, ಪೊಟ್ಟರೆ पोट्टरे (क) सं.—खोखला।

ಪಟ್ಣ पट्ण (तद्) सं.—पत्तनम् (तत्); नगर, शहर।

ಪಠಯಿಸು पठयिसु, ಪಠಿಸು पठिसु (सम्) क्रि·—पठन कर, पढ़।
ಪಠ್ಯ पठ्य (सम्) वि·—पढ़ने योग्य, पाठ्य।
ಪಡಗ पडग (क) सं· — पानेवाला, इच्छा करनेवाला।
ಪಡಗು पडगु, ಪಡಂಗು पडंगु (क) सं· — जहाज़; बड़ी नाव।
ಪಡತಿ पडति (क) सं·—स्त्री, औरत।
ಪಡಪಾಳಿ पडपालि, ಪಡಪುಗಾರ್ತಿ पडपुगार्ति (क) सं·—वेश्या, रंडी, पैसा कमानेवाली स्त्री।
ಪಡಪು पडपु (क) सं·—पाना, कमाई, श्रम।
ಪಡಲ್ पडल् (क) सं· — नीचे रखना या गिराना; सतानेवाला।
ಪಡವಲ್ पडवल्, ಪಡವಲು पडवलु (क) सं· —पश्चिम दिशा।
ಪಡವಲಕಾಯಿ पडवलकायि (तद्) सं· — चचींडा, परवर।
ಪಡಸಾಲೆ पडसाले, ಪಡುಸಾಲೆ पडुसाले (क) सं·—बरामदा।
(१) ಪಡಿ पडि (क) सं·—पाना; ढंग, रीति, विधान, पद्धति; एक माप; द्वारबंध, अर्गल; रिकाब, पादधारिणी; रतन का एक तौल; अनाज के रूप में दी जानेवाली मज़दूरी।
(२) ಪಡಿ पडि (तद्) सं· —प्रति (तत्) समानता, समता, तुलना।
ಪಡಿಕಲ್ಲು पडिकल्लु (क) सं·—पासंग।
ಪಡಿಕೆ पडिके (क) सं·—छोटा कपड़ा; चीथड़।
ಪಡಿತಳಿಸು पडितलिसु (क) क्रि·—प्रयत्न कर, कोशिश कर, प्रयास कर।
ಪಡಿಯರತಿ पडियरति (तद्) सं·—द्वाररक्षिका, नौकरानी।
ಪಡಿಸು पडिसु (क) क्रि·—प्राप्त करा, हासिल करा।
ಪಡಿಸುವಿಕೆ पडिसुविके, ಪಡಿಸುಹ पडिसुह (क) सं·—प्राप्त कराना।
ಪಡಿಹಾರ पडिहार, ಪಡಿಹಾರಿ पडिहारि, ಪಡಿಹರಿ पडिहरि (तद्) सं· — प्रतिहारः (तत्); द्वाररक्षक, प्रतिहारी।

ಪಡು पडु (क) क्रि·—पड़, लग, हो; (क्रिया जा); मर; डूब; सो; भोग; चोद; कमा। सं·—पड़ना; डूबना; पश्चिम; गुफ़ा या पत्थरों के बीच की जगह जहाँ मृग रहते हैं।
ಪಡುಗ पडुग (क) सं·—मिट्टी का बड़ा हण्डा।
ಪಡುವ पडुव, ಪಡುವಣ पडुवण, ಪಡುವಲ್ पडुवल्, ಪಡುವಲು पडुवलु (क) सं·—पश्चिम दिशा, प्रतीची।
ಪಡುವು पडुवु (क) सं·—पश्चिम दिशा।
ಪಡೆ पड़े (क) क्रि·—पा, प्राप्त कर, कमा; सह, वहन कर। सं·—समूह, बल, सेना; छेद; बड़ा पत्थर।
ಪಡೆಪು पड़ेपु (क) सं·—दे. ಪಡಪು.
ಪಡೆಯಿಲ पड़ेयिल (क) सं·—सैनिक, सिपाही।
ಪಡೆವಳ पड़ेवळ, ಪಡೆವಳ್ಳ पड़ेवळ्ळ (क) सं·—सेनापति।
ಪಡ್ಡೆ पड्ड़े (क) सं·—सयानापन, यौवन प्राप्त होना, यौवन।
ಪಣ್ पण्, ಪಣ್ಣು पण्णु (क) सं·—फल, पका हुआ फल।
ಪಣ पण (सम्) सं· — पाँसे से खेलना या दाँव लगाकर खेलना; दाँव पर रखी हुई वस्तु; मज़दूरी, भाड़ा; शर्त, ठहराव; पुरस्कार, इनाम; भिक्षा; मूल्य, दाम; तौल; दो तोले; पैसे, रुपया; धंधा, व्यापार; दूकान; निश्चित परिमाण।—ಕಾಂತೆ कांते (सम्) सं·—वेश्या, रंडी।
ಪಣತೆ पणते (तद्) सं·—प्रणीतं (तत्); दीपपात्र, मिट्टी का दीपपात्र।
ಪಣಿ पणि (क) सं·—लाठी, बड़ा डंडा।
ಪಣಿತ पणित (सम्) वि·—स्तुत, सम्मानित; मोल किया हुआ; दाँव पर लगाया हुआ।
ಪಣೆ पणे (क) सं·—माथा, ललाट; तना; वह खान जहाँ पत्थर चीरते हैं, खोह, गुफ़ा; पहाड़ की बगल; क्रूर मृगों के वाल।
ಪಣ್ಣನೆ पण्णने (क) अ·—कुछ हद तक।
ಪಣ್ಣಿಕ पण्णिक, ಪಣ್ಣಿಗೆ पण्णिगे, ಪಣ್ಣುಗೆ पण्णुगे (क) सं·—सँवारना, बनाना, तैयार करना, ठीक करना; क्रम; माथे पर धारण करने का एक गहना।

ಪಣ್ಣಿಸು पण्णिसु (क) क्रि·— करा, करवा, बनवा।
ಪಣ್ಣು पण्णु (क) क्रि·—कर, बना, तैयार कर, सज्जा कर; सं·—फल।
ಪಣ್ಯ पण्य (सम्) वि·—बिक्री के लिए, मोल-भाव के लिए; प्रशंसा के योग्य, सम्मान के योग्य। सं·—मोल की वस्तु; दूकान।
ಪತ पत (सम्) सं· — उड़ना, उड़ान।—ಗ ग, ಗಂಗ गंग (सम्) सं·—पक्षी; पतंग; सूर्य; बाण।
ಪತತ್ರಿ पतत्रि (सम्) सं·—पक्षी।
ಪತನ पतन (सम्) सं·—गिरना, अस्त होना; डूबना; उड़ने की क्रिया; नीचे आने की क्रिया; पात, नाश, ह्रास; मृत्यु।
ಪತಿ पति (सम्) सं·—पति, शौहर; स्वामी, प्रभु, शासक, रक्षक।
ಪತಿಕರಿಸು पतिकरिसु (क) क्रि·—लौटा, वापस दे; सहायता कर, मदद कर; पसंद कर, प्रियता प्रकट कर, दया से देख।
ಪತಿವತ್ನಿ पतिवत्नि (सम्) सं· — वह स्त्री जिसके पति जीवित हो।
ಪತಿವ್ರತೆ पतिव्रते (सम्) सं·—पतिव्रता स्त्री।
ಪತ್ತನ पत्तन (सम्) सं· — नगर, शहर; बस्ती।
ಪತ್ತಳಿಕೆ पत्तलिके, ಬತ್ತಳಿಕೆ बत्तलिके (क) सं· —तरकस, तूणीर।
ಪತ್ತಾರಿ पत्तारि (अ· दे·) सं· — राजकर का परीक्षक।
ಪತ್ತಿ पत्ति, ಹತ್ತಿ हत्ति (क) सं· — कपास; रूई।
ಪತ್ತಿಗೆ पत्तिगे (क) सं·—जोड़, पकड़; दीवार पर लटकाने की अलमारी।
ಪತ್ತಿಸು पत्तिसु (क) क्रि· — लगा, जोड़ संयुक्त कर, मिला; चिपका, चढ़वा।
ಪತ್ತು पत्तु (क) क्रि· — लग, संयुक्त हो, चिपक जा; चढ़। सं· — लगना, पकड़ चिपकना; झगड़ा, कलह; मित्रता। वि· —दस की संख्या।

ಪತ್ತುಗೆ पत्तुगे, ಪತ್ತಿಗೆ पत्तिगे (क) सं.— जोड़, संबन्ध।

ಪತ್ತುವಳಿ पत्तुवळि (क) सं. — द्रव्य-वंचना, फरेबी, सरकार को देने योग्य द्रव्य में धोखा देना।

ಪತ್ತೆ पत्ते (अ. दे.) सं—पता।—ಹಚ್ಚು हच्चु =पता लगा।

ಪತ್ನಿ पत्नि (सम्) सं.—पत्नी।

ಪತ್ರ पत्र (सम्) सं.—पर, पंख, डैना; पत्ता; पत्र, चिट्ठी; काग़ज़; तलवार की धार, छुरी, चाकू; कमल की पँखुरी।

ಪತ್ರಿಕೆ पत्रिके (सम्) सं.— पत्रिका, लिखा हुआ पत्र; चिट्ठी।

ಪತ್ರೀಂದ್ರ पत्रींद्र (सम्) सं.—गरुड।

ಪಥ पथ (सम्) सं.—मार्ग, रास्ता पथ।

ಪಥಿಕ पथिक (सम्) सं. — यात्री, पथिक, राहगीर।

ಪಥ್ಯ पथ्य (सम्) सं.—पथ्य, रोगी के लिए हितकर वस्तु या आहार।

(१) ಪದ पद (क) सं.—उपयुक्त स्थिति या दशा, उपयुक्तता, समीचीनता; धार, तीक्ष्णता।

(२) ಪದ पद (सम्) सं.—पद, चरण, कदम, पैर; दो की संख्या; घर; ओहदा, पद; वस्तु, पदार्थ; समय; हेतु; बहाना; व्यवहार; आश्रय, सहारा; शब्द; पद्य का चरण; गेयपद।

ಪದಕ पदक (सम्) सं. — पदक, गले का आभूषण।

ಪದಪು पदपु, ಪದಪ್ಪು पदप्पु (क) सं. — शीघ्रता, उतावलापन; सौंदर्य, शौक, विलास।

ಪದರ पदर, ಪದರು पदरु (क) सं.—तह; स्तर; केंचुल।

ಪದಱು पदऱु (क) क्रि.—उतावला हो, घबड़ा; बड़बड़ा।

ಪದವಿ पदवि (सम्) सं. — रास्ता, मार्ग; स्थान, जगह, संस्थान; पद, ओहदा।

ಪದಾಜಿ पदाजि, ಪದಾತಿ पदाति, ಪದಾತಿಕ पदातिक (सम्) सं.—पैदल सिपाही।

ಪದಾರ್ಥ पदार्थ (सम्) सं. — पदार्थ, वस्तु, चीज़; शब्द का अर्थ।

ಪದಿಕ पदिक (सम्) सं. — पदाति, पैदल सिपाही।

ಪದಿರ್ पदिर् (क) सं.—दो अर्थवाली बात; स्वरों के प्रकार।

ಪದುಗು पदुगु (क) क्रि.—झुक, नत हो।

ಪದುಳ पदुळ (क) सं.—सुख, संतोष, समाधान, कुशल-क्षेम (ह. क.)।

ಪದುಳಿಗ पदुळिग (क) सं.—सुखी मनुष्य।

ಪದುಳಿರ್ पदुळिर्, ಪದುಳಿರು पदुळिरु (क) क्रि.—आनंदित हो, संतुष्ट हो, उत्साहित हो।

ಪದುಳಿಸು पदुळिसु (क) क्रि.—आनंदित कर, प्रसन्न कर, तुष्ट कर।

ಪದೆ पदे (क) क्रि.—इच्छा कर, अभिलाषा कर, स्पंदित हो, चाह, उत्साहित हो। सं. —इच्छा, चाह। — ಪೊಯ್ पोय् (क) क्रि.—हर्ष से मार या मार डाल।

ಪದ್ದಂಚಿ पद्दंचि (क) सं.— अबाबील चिड़िया।

ಪದ್ದು पद्दु (क) सं —बाज़, गिद्ध (ह. क.)।

ಪದ್ಧತಿ पद्धति (सम्) सं. — पदचिह्न; ढंग, विधान, तरह, तरीका; रास्ता, मार्ग; श्रेणी, पंक्ति।

ಪದ್ಮ पद्म (सम्) ಪದುಮ पदुम (तद्) — कमल; कुमुद; गजबिंदु; जल, पानी; कमलव्यूह; एक सुगंधित पौधा जो दवाई में काम आता है; वक्रता, टेढ़ापन; एक साँप; चंद्रमा; सरोवर; आसन, बैठना; मुनि, एक मुनि का नाम; दस खरब की संख्या।

ಪದ್ಮರಾಗ पद्मराग (सम्) सं.—मानिक या लाल रत्न।

ಪದ್ಮಿ पद्मि (सम्) सं.—हाथी; विष्णु। वि. —कमल रखनेवाला, धब्बेदार।

ಪದ್ಮಿನಿ पद्मिनि (सम्) सं.—कमल; कमलों का समूह, सरोवर; पद्मिनी जाति की स्त्री।

ಪದ್ಮೆ पद्मे (सम्) सं.—पद्मा, लक्ष्मी।

ಪನವು पनवु (क) सं. — संकेतस्थल, निर्दिष्ट स्थान।

ಪನಸ पनस (सम्) सं.—कटहल, कटहल का वृक्ष।

ಪನಿ पनि, ಹನಿ हनि (क) सं— बूँद, जलकण (ह. क.)। क्रि.—बूँद गिर या टपक।

ಪನಿಯಾಣ पनियाण, ಪನಿಯಾರ पनियार (क) सं.—प्रसाद, मिठाई।

ಪನೆ पने (क) सं.—दाँत, नुकीला दाँत; ताड का पेड़।

ಪನ್ನ पन्न (क) सं.—गर्व, घमंड; मद, मस्ती।

ಪನ್ನಗ पन्नग (सम्) सं.—साँप।

ಪನ್ನಾಡೆ पन्नाडे (क) सं.—रेशे का जाल, ताड के पत्तों के नीचे का जालदार रेशा।

ಪನ್ನಿ पन्नि (क) सं.—डींग, गर्व घमंड।

ಪನ್ನೆ पन्ने (क) सं.—कर्पूर, कपूर।

ಪಪ್ಪ पप्प (क) सं —दर्प, गर्व।

ಪಪ್ಪಕ पप्पक, ಪಪ್ಪುಕ पप्पुक, ಪೊಪ್ಪುಕ पोप्पुक (क) सं.—(शिकार खेलते समय) झुरमुट मारना।

ಪಪ್ಪರಿಕೆ पप्परिके, ಪರ್ಪರಿಕೆ पर्परिके (क) सं. —रूक्षता, अकोमलता, कर्कशता, क्रूरता।

ಪಪ್ಪಳ पप्पळ, ಪಪ್ಪಡಿ पप्पडि (तद्) सं.–पर्पट (तत्)—पापड।

ಪಪ್ಪಾಯ पप्पाय, ಪಪ್ಪಾಯಿ पप्पायि (क) सं. पपीता।

ಪಪ್ಪು पप्पु (क) सं.—कोई भी दाल, दायाँ हुआ अनाज।

ಪಯ पय, ಪಯಸ್ पयस् (सम्) सं.—दूध, अमृत; जल।

ಪಯಣ पयण (तद्) सं.—प्रयाणम् (तत्); प्रस्थान, यात्रा।

ಪಯಸ್ವಿನಿ पयस्विनि (सम्) सं.—दुधार गाय; नदी; एक नदी का नाम; रात।

ಪಯಿನ್ पयिन् (क) वि.—(समास में) दस की संख्या।

ಪಯಿರ್ पयिर्, ಪಯಿರು पयिरु, ಪಯ್ರು पय्रु (क) सं. — छोटा हरा पौधा; पैदावार, फसल।

ಪಯೋಜ पयोज (सम्) सं.—बादल; कमल।

ಪಯೋದ पयोद, ಪಯೋಧರ पयोधर (सम्) सं.—बादल; कुच; समुद्र; आँख।

ಪಯ್ಸರಿಸು पय्सरिसु (क) क्रि· — फिसल, खिसक ।
ಪರ पर (सम्) वि·–दूसरा, भिन्न, और ; दूर, अलग ; परे ; पीछे का, बाद का ; उच्चतर, सर्वोच्च, प्रधान, प्रख्यात, अपरिचित ; ग़ैर ; बढ़ती, बचत ; छूटा हुआ, बचा हुआ ; अंतिम ; लीन, तत्पर ।
ಪರಕೀಯ परकीय (सम्) वि· — दूसरे का, दूसरा ; अपरिचित ।
(१) ಪರಕೆ परके, (क) सं·—आशीर्वाद, दुआ; प्रार्थना (ह. क.) ।
(२) ಪರಕೆ परके ಪರಿಕೆ परिके, ಪರಿಗೆ परिगे (क) सं·—झाड़ू, बुहारी ।
(१) ಪರಂಗಿ परंगि (अ. दे.) सं· — फिरंगी, यूरोपियन ।
(२) ಪರಂಗಿ ಹಣ್ಣು परंगि हण्णु (क) सं·—पपीता ।
ಪರಚು परचु (क) क्रि·—नोच, खरोच ।
ಪರಜು परजु, ಪರಂಜು परंजु (तद्) सं·—तलवार या चाकू की धार ।
ಪರಂಜ್ಯೋತಿ परंज्योति (सम्) सं· — परम प्रकाश, परमात्मा ।
ಪರಡು परडु (क) क्रि·—प्रसारण कर, व्याप्त कर, फैला ; हाथ या पैर से खोदकर निकाल। सं.—अंगुलीखनन ; गुल्फ (ह· क.) ।
ಪರಣ परण (तद्) सं·—प्राणः (तत्) ; प्राण।
ಪರತಂತ್ರ परतंत्र (सम्) सं· — दूसरों की अधीनता, परावलंबन ।
(१) ಪರದ परद (क) सं·—व्यापरी, वणिक् ।
(२) ಪರದ परद, ಪರದೆ परदे, ಪರ್ದೆ पर्दे (अ. दे.) सं·—परदा (फ़ारसी) ।
ಪರಪು परपु (क) सं.—फैल जा ; फैला । सं.—फैलना ।
ಪರಮ परम (सम्) वि. — अति दूरवर्ती, अंतिम ; सर्वोच्च ; मुख्य, प्रधान । सं.—परमात्मा ।
ಪರಮಾತ್ಮ परमात्मा (सम्) सं.—भगवान्, सृष्टिकर्ता ; जिनेश्वर ; सूर्य ; योद्धा ; सिद्ध ।
ಪರಂಪರೆ परंपरे (सम्) सं· — परंपरा, क्रम, विधि ; मारना, हत्या ।
ಪರಯಿಸು परयिसु (क) क्रि· — फेला, व्याप्त कर ; हटा ।
ಪರಲ್ परल्, ಪರಳ್ परळ्, ಪರಳು परळु (क) सं·—मणि, पत्थर ।
ಪರಲೋಕ परलोक (सम्) सं. — (दूसरा लोक ; स्वर्ग ।
ಪರವಿ परवि (क) सं·—मिट्टी का हंडा या बड़ा घड़ा ।
ಪರಶು परशु (सम्) सं.—परशु, कुल्हाड़ी ।— ರಾಮ राम = परशुराम जो जमदग्नि के पुत्र थे ।
(१) ಪರಸು परसु (क) क्रि· — आशिर्वाद दे, आशिष दे (ह· क.) ।
(२) ಪರಸು परसु (तद्) सं.—परशुः (तत्) ; कुल्हाड़ी ।
ಪರಸ್ಪರ परस्पर (सम्) वि·—आपस में ।
ಪರಸ್ವ परस्व (सम्) सं· — दूसरे की संपत्ति ।
ಪರಳಿಗ परळिग (क) सं·— जार, व्यभिचारी ।
ಪರಾಕು पराकु (क) सं· — स्तुति, प्रशंसा ; सावधानी ।
ಪರಾಕ್ರಮ पराक्रम (सम्) सं·—वीरता, पराक्रम, बल, शक्ति ।
ಪರಾಕ್ರಮಿ पराक्रमि (सम्) सं. —वीर पुरुष, बहादुर ।
ಪರಾಗ पराग (सम्) सं·—पराग, पुष्पराज ; धूल, रेणु ; पुष्परस, मधु ; अरुण वर्ण ; स्नान के समय काम में लाया जानेवाला सुगंध द्रव्य ।
ಪರಾಙ್ಮುಖತೆ पराङ्मुखते (सम्) सं· —दूसरी ओर मुंह मोड़ना, अरुचि ।
ಪರಾಜಯ पराजय (सम्) सं· — हार, पराजय ।
ಪರಾಧೀನತೆ पराधीनते (सम्) सं· — पराधीनता, गुलामी ।
ಪರಾಭವ पराभव (सम्) सं—पराजय, हार ; तिरस्कार, अपमान ; नाश, अंतर्धान, एक संवत्सर का नाम ।
ಪರಾಮರ್ಶಿಸು परामर्शिसु (सम्) सं· = ಪರಾಂಬರಿಸು परांबरिसु —परामर्श कर ; जाँच कर, परीक्षण कर ।
ಪರಾಯಣ परायण (सम्) वि. — गत ; गया हुआ ; निरत, प्रवृत्त, लीन, लगा हुआ, तत्पर ।
ಪರಾರ್ಧ परार्ध (सम्) सं· — दूसरा भाग, उत्तरार्द्ध ; सर्वोच्च संख्या विशेष ; ब्रह्मा के जीवन का आधा भाग ।
ಪರಾಶರ पराशर (सम्) सं· — व्यासजी के पिता का नाम ; एक स्मृतिकार का नाम ।
(१) ಪರಿ परि (क) क्रि· बह, प्रवहित हो, चल, रेंग, सरक, जा ; अदृश्य हो, दूर हो (जैसे संकट, दुःख आदि) । वि.—बहनेवाला । चलनेवाला सं·—प्रकार, ढंग, विधान, रीति ; मकड़े का जाल ।
(२) ಪರಿ परि (क) क्रि· = ಪರೆ परे—फैल, व्याप्त हो, प्रसारित हो ।
ಪರಿಕರ परिकर (सम्) सं·—अनुगत ; सहचर ; समूह, संग्रह, भीड़, जनसमूह ; कमरबंद, पट्टका ; प्रारंभ, आरंभ ; तैयारी ; उपकरण (पूजा के) ।
ಪರಿಕರ್ಮ परिकर्म (सम्) सं·—नौकर ; देह में चंदन आदि लगाना, उबटन ; पूजा, अर्चन ।
ಪರಿಕಲಿಸು परिकलिसु (सम्) क्रि· — अधिक हो, समृद्ध हो ; फैल जा ।
ಪರಿಕಾಂಕ್ಷೆ परिकांक्षे (सम्) सं.—बड़ी अभिलाषा ।
ಪರಿಕಾರ परिकार (तद्) सं·—अनुगत सहचर ; तैयारी, भोजन का उपस्कर ।
ಪರಿಕಿಸು परिकिसु (तद्) क्रि·— परीक्षा कर, परख ।
ಪರಿಕ್ರಮ परिक्रम (सम्) सं.—प्रदक्षिणा, फेरी देना ।
ಪರಿಗಣಿಸು परिगणिसु (सम्) क्रि·—पूरा गिन, ठीक-ठीक कथन कर या वर्णन कर ।
ಪರಿಗಲಿತ परिगलित (सम्) वि.—गिरा हुआ, डूबा हुआ, बहता हुआ, गलित, पिघला हुआ ।

ಪರಿಗ್ರಹಿಸು परिग्रहिसु (सम्) क्रि· — परिग्रह कर, ले; पकड़; छिपा।

ಪರಿಚಯ परिचय, (सम्) सं·—परिचय जान-पहचान, जानकारी।

ಪರಿಚರ್ಯೆ परिचर्ये (सम्) सं· — परिचर्या, सेवा, उपस्थिति।

ಪರಿಚಾರ परिचार, (सम्) सं· — सेवा, उपस्थिति,—क (सम्) सं—सेवक, नौकर; सहायक। ಪರಿಚಾರಿಕೆ परिचारिके=सेविका, नौकरानी।

ಪರಿಚ್ಛಾದನೆ परिच्छादने (सम्) सं·—कपड़ा, पट, आच्छादन, पोशाक।

ಪರಿಚ್ಛೇದ परिच्छेद (सम्) सं· — काटना, दोनों ओर काटना, काट कर टुकड़े करना; सीमा, हद; अध्याय, सर्ग, पुस्तक का भाग; ठीक निर्देश, निश्चय।

ಪರಿಜು परिजु (क) सं·—रूप, आकार, विधान, ढंग।

ಪರಿಣತಿ परिणति (सम्) सं·—नवन, झुकाव; पूर्णता; परिणाम; परिपाक, पाचन।

ಪರಿಣಮಿಸು परिणमिसु (सम्) क्रि· — नीचे झुक. नत हो; बदल, परिवर्तित हो; परिपक्व हो; वृद्धावस्था पा।

ಪರಿಣೀತ परिणीत (सम्) वि·—विवाहित।

ಪರಿತಾಪ परिताप (सम्) सं·—बड़ी गरमी, उत्कट उष्णता, ताप; पीड़ा, कष्ट, ज्वर; भय, कम्प।

ಪರಿತ್ಯಾಗ परित्याग (सम्) सं· — त्याग, त्यागने का भाव, छोड़ना; विराग, वैराग्य।

ಪರಿತ್ರಾಣ परित्राण (सम्) सं·—रक्षा, रक्षण, बचाव; छुटकारा, मुक्ति।

ಪರಿಧಾನ परिधान (सम्) सं·—धारण करना; वस्त्र, पोशाक; ओढनी।

ಪರಿಧಿ परिधि (सम्) सं·—दीवार, हात, मेंड, घेरा; पहिये का घेरा, सूर्यमण्डल या आकाश मंडल का घेरा; अग्निकुण्ड का घेरा; वृत्त।

ಪರಿಪಕ್ವ परिपक्व (सम्) वि· — पूर्णरूप से पका या पकाया हुआ; बिलकुल पका हुआ, ठीक प्रकार से सेंका हुआ; भली भांति पढ़ा हुआ, सुसभ्य, अच्छा ज्ञानी।

ಪರಿಪಾಕ परिपाक (सम्) सं·—भली भाँति पका हुआ; पाचन शक्ति; पका, पूर्णवृद्धि, परिपूर्णता; फल, परिणाम; चातुर्य, निपुणता, चालाकी।

ಪರಿಪಾಟಿ परिपाटि (सम्) सं·—रूढि, पद्धति, ढंग, परिपाटी।

ಪರಿಪಾಲಿಸು परिपालिसु (सम्) क्रि· — पालन कर, रक्षा कर, पोषण कर।

ಪರಿಪೂರಿಸು परिपूरिसु (सम्) क्रि·—पूरा पूरा भर, परिपूर्ण कर।

ಪರಿಪ್ಲವ परिप्लव (सम्) वि·—हिलता हुआ, काँपता हुआ; चंचल सं·—प्लावन; अत्याचार, जुल्म।

ಪರಿಬೋಧಿಸು परिबोधिसु (सम्) क्रि·—चेतावनी दे, सावधान कर।

ಪರಿಭವಿಸು परिभविसु (सम्) क्रि· — तिरस्कार कर, अनादृत कर।

ಪರಿಭಾವಿಸು परिभाविसु (सम्) क्रि· — तिरस्कार कर, अनादर कर ; विचार कर, सोच, ध्यान दे, परिशीलन कर, परीक्षण कर।

ಪರಿಮಾಣ್ परिमाण्, ಪರಿಮಾಣ परिमाण (सम्) सं·—नाप, नापना; तौल; संख्या; मूल्य।

ಪರಿಮಿತಿ परिमिति (सम्) सं· — परिमाण, नपा-तुला, परिमिति।

ಪರಿಯ परिय (क) सं·—दौड़नेवाला।

ಪರಿಯಂಕಾರ परियंकार (क?) सं· — अच्छा योद्धा।

ಪರಿಯಣ परियण, ಪರಿಯಾಣ परियाण, ಪರಿವಾಣ परिवाण (क) सं· — थाल, बड़ी थाली।

ಪರಿಯಿಸು परियिसु (क) क्रि·— दौड़ा, बहा, प्रवाहित कर।

ಪರಿಯುತ परियुत (सम्) वि·— पूर्ण रूप से बद्ध।

ಪರಿರಂಭ परिरंभ, ಪರಿರಂಭಣ परिरंभण (सम्) सं· — आलिंगन, आलिंगन करने की क्रिया।

ಪರಿವರ್ತಿಸು परिवर्तिसु (सम्) क्रि· — परिवर्तन कर, बदल, हेर-फेर कर।

ಪರಿವಾದ परिवाद (सम्) सं·—निंदा, कुवाच्य; अपवाद, बुराई· कलंक।

ಪರಿವಾದಿನಿ परिवादिनि (सम्) सं· — सात तारों की वीणा।

ಪರಿವಾರ परिवार (सम्) सं· — अनुचर वर्ग, अनुगमन करनेवाले; सेना।

ಪರಿವು परिवु (क) सं·—बहना, बहाव : छलांग, कुदान।

ಪರಿವೃಢ परिवृढ (सम्) सं· — अधिपति, प्रधान, स्वामी, प्रभु।

ಪರಿವ್ರಜ್ಯೆ परिव्रज्ये (सम्) सं· — परिव्रज्या, संन्यास।

ಪರಿವ್ರಾಜಕ परिव्राजक (सम्) सं·—संन्यासी

ಪರಿಶೋಧನ परिशोधन, ಪರಿಶೋಧನೆ परिशोधने (सम्) सं· — सफ़ाई, स्वच्छता; त्यागना; अनुसंधान, शोध; शुद्धता, ठीक करना (जै. प्र.)।

ಪರಿಷೇಚನ परिषेचन (सम्) सं· — छिड़कना, नम करना, चारों ओर छिड़कना।

ಪರಿಷ್ಕಾರ परिष्कार (सम्) सं· — परिष्क्रिया, सजावट, शृंगार, शोधन।

ಪರಿಸರ परिसर (सम्) सं·—किनारा, सीमा, सामीप्य; मृत्यु, अंत; नियम, आज्ञा।

ಪರಿಸು परिसु (क) क्रि·—बहा, बहने दे (इ· क)। बोल; बकबक कर।

ಪರಿಹರಿಸು परिहरिसु (सम्) क्रि· — परिहार कर, तज, त्याग, छोड़; अस्वीकार कर; नाश कर; ले ले, निकाल ले, दूर हटा; छिपा।

ಪರಿಹಾಸ परिहास (सम्) सं·—हँसी, मज़ाक, दिल्लगी; क्रीड़ा, खेल; हँसानेवाला।

ಪರೀಕ್ಷಿಸು परीक्षिसु (सम्) क्रि· — परीक्षण कर, जांच कर। सं·—कसौटी;

ಪರೀಕ್ಷೆ परीक्षे (सम्) सं· — परीक्षा, जांच, पड़ताल।

ಪರುಟವ परुटव (तद्) सं·— प्रथिमन् (तद्), चौड़ाई· महानता, विस्तार।

ಪರುಟವಣೆ परुटवणे (तद्) सं·—दे· ಪರುಟವ.

ಪರುವ परुव (तद्) सं·—पर्वन् (तद्); पुण्य· काल या दिन।

ಪರುಷ परुष (सम्) वि. — कठोर, कड़ा, सख्त, अत्यंत रूखा; निष्ठुर, निर्दय; तीक्ष्ण, उग्र, प्रचण्ड, तीव्र; सुस्त, आलसी।

ಪರುಸ परुस (तद्) सं.—हर्ष। (तद्) सं.—स्पर्शः (तत्); छूना।

ಪರೆ परे (क) क्रि.—फैल, व्याप्त हो, विस्तृत हो; पौ फट। सं. — विस्तार, फैलाव; झीना आवरण; प्याज़ का छिलका; केंचुली; मकड़े का जाल; झिल्ली; खजड़ी; निषेध।

ಪರೆಪು परेपु (क) क्रि.— फैला, व्याप्त कर; प्रसारित कर। सं.—फैलाव, विस्तार।

ಪರೇತ परेत (सम्) सं.—प्रेत, भूत, —ರಾಜ राज (सम्) सं.—यम।

ಪಱಕಲು परकलु (क) सं.—कृशता, दुबला या पतला होना।

ಪಱಕು परकु, ಪಱುಕು परुकु; ಪಱುಂಕು परुंकु (क) सं. — चिथड़ा, फटा-पुराना कपड़ा (ह. क.)।

ಪಱಟೆ परटे (क) सं. — रूक्षता, खुरखुरापन, कठोरता, उलझे हुए बाल (बाल जो संवारे न गये हो)।

ಪಱಮೆ परमे (क) सं.—भृंग, भ्रमर।

(१) ಪಱಿ परि (क) क्रि.—फाड़, तोड़, काट, विच्छिन्न कर। सं.—फाड़ना, तोड़ना आदि; उड़ान, कुदान, छलांग।

(२) ಪಱಿ परि (क) क्रि. — अलंकार, कर, सज्जित हो। सं.—सजावट, शृंगार।

ಪಱಿವು परिवु (क) सं.—फाड़ना, तोड़ना।

ಪಱೆ परे (क) सं.—खंजड़ी, ढोल; निंदा, कुवाच्य, गाली; कृशता; पतला होना; दुर्बलता; पलक।

ಪರ್ಚು पर्चु (क) क्रि.—फुसफुसाहट कर।

ಪರ್ಜನ್ಯ पर्जन्य (सम्) सं. — जलद, मेघ, बादल, बादल जो पानी बरसावे, वृष्टि; इंद्र।

ಪರ್ಣ पर्ण (सम्) सं. — पर, पंख, पत्ता; पलाश वृक्ष।—ಶಾಲೆ शाले (सम्) सं. — उटज, पर्णशाला।

ಪರ್ಣೆ पर्णे (सम्) सं.—पत्ता।

ಪರ್ದು पर्दु (क) सं.—गिद्ध, चील (ह. क.)।

ಪರ್ಬು पर्बु (क) क्रि.—फैल, व्याप्त हो, विस्तृत हो।

ಪರ್ಬು पर्बु, ಪರ್ಬುಗೆ पर्बुगे (क) सं.—फैलाव, विस्तार।

ಪರ್ಯಂಕ पर्यंक, ಪಲ್ಯಂಕ पल्यंक (सम्) सं. —पलंग; पल्का, खाट: पालकी; योगासन विशेष; कमर, पीठ और घुटने में लपेटने का वस्त्र।

ಪರ್ಯಟನ पर्यटन (सम्) सं. — घूमना-फिरना, भ्रमण।

ಪರ್ಯಣ पर्यण, ಪರ್ಯಾಣ पर्याण (क) सं.—दे. ಪರಿಯಣ.

ಪರ್ಯಂತ पर्यंत (सम्) सं.—परिधि, व्यास, सीमा, किनारा, छोर; समाप्ति, अवसान।

ಪರ್ಯಾಯ पर्याय (सम्) सं.—समानार्थवाची शब्द; क्रम, सिलसिला, परंपरा; प्रकार, ढंग; निर्माण, बनाने का काम; मौका, अवसर।

ಪರ್ಯಾಪ್ತಿ पर्याप्ति (सम्) सं.—काफ़ी होनी; पूर्णता; उपलब्धि।

ಪರ್ವ पर्व (सम्) सं.—गाँठ, ग्रंथि, जोड़; शरीर का अंग; भाग, अध्याय, सर्ग; अवधि, निर्दिष्ट काल; यज्ञ विशेष; पुण्य-काल, उत्सव; चंद्र या सूर्यग्रहण; पूर्णिमा, अमावास्या, संक्रांति; मौका, अवसर।

ಪರ್ವತ पर्वत (सम्) सं. — पहाड़; सात की संख्या सूचक शब्द।

ಪರ್ವು पर्वु (क) क्रि.—फैल, व्याप्त हो; बह।

ಪರ್ಶುಕೆ पर्शुके (सम्) सं.—पर्शुका, पसली।

ಪಲ್ पल् (क) सं.—दाँत (ह. क.)।

(१) ಪಲ पल, ಪಲವು पलवु (क) अ. — कुछ, अनेक, कई।

(२) ಪಲ पल (सम्) सं.—चार कर्ष के बराबर की तोल।

ಪಲಗೆ पलगे (तद्) सं.—तख्ता; ढाल; छोटा ढोल। [फलकं (तत्)]।

ಪಲಂಬರ್ पलंबर्, ಪಲರ್ पलर् (क) सर्व.—कई (पु. लिं.)।

ಪಲಹಾರ पलहार, ಪಲಾರ पलार, ಫಳಾರ (तद्) सं.—फलाहारः (तत्); थोड़ा खाना।

ಪಲಾಂಡು पलांडु (सम्) सं.—प्याज़।

ಪಲಾಯನ पलायन (सम्) सं. — पलायन।

ಪಲಾಲ पलाल (सम्) सं.—पुआल, भूसी।

ಪಲಾಶ पलाश (सम्) सं. — पत्ता; पलाश या किंशुक वृक्ष; टेसू। वि. — तिक्त, कड़ुआ।

ಪಲಿಗೆ पलिगे (तद्) सं.—दे ಪಲಗೆ.

ಪಲುಂಬಿ पलुंबि (क) सं.—चिल्लानेवाला, अ मोर; मयूर।

ಪಲುಂಬು पलुंबु (क) क्रि.—आर्त ध्वनि कर, अकुला, व्याकुल हो।

ಪಲ್ಯ पल्य, ಪಲ್ಯೆ पल्ये, ಪಲ್ಲ್ಯೆ पल्ल्ये (क) सं.—साग। ಕಾಯಿಪಲ್ಯ कायिपल्य = तरकारी।

ಪಲ್ಲ पल्ल (क) सं. — हाथी; भृंग, भ्रमर।

ಪಲ್ಲಕಿ पल्लकि, ಪಲ್ಲಕ್ಕಿ पल्लक्कि (तद्) सं. पल्यंकः (तत्): पालकी।

ಪಲ್ಲಟ पल्लट (तद्) सं.—अदल बदल, परिवर्तन, विभ्रम, स्थान का बदलना, अन्य वस्था। (पर्ययः—तत्)।

ಪಲ್ಲಣ पल्लण (तद्) सं.—पल्ययनम् (तत्); जीन, काठी; रास, लगाम।

ಪಲ್ಲವ पल्लव (सम्) सं.—पल्लव, किसलय; अंकुर; वीणा; कली, फूल; विस्तार, फैलाव; रत्न; पूँछ; केश; विट; दूर-चारी; हाथी का बच्चा; बालक; शब्द-समूह; कंकण, बाजूबंद।

ಪಲ್ಲವಿಸು पल्लविसु (सम्) क्रि.—पल्लवित हो; विकसित हो, फैल।

ಪಲ್ಲಾ पल्ला, ಪಲ್ಲ पल्ल (क) सं.—एक सौ सेर या एक सौ बीस सेर अनाज का परिमाण।

ಪಲ್ಲಿ पल्लि (क) सं.—छिपकली; गाँव,

ಪಲ್ಲುಳಿ पल्लुलि (क) सं.—दंतहीन; सूर्य।

ಪಲ್ಲೆ पल्ले, ಪಲ್ಲೆಯ पल्लेय (क) सं—दे. ಪಲ್ಯ.

ಪಲ್ಲೇರು पल्लेरु (क) सं.—इक्षुगंधा (The plant Ruellia longifolia))

ಪಲ್ವಲ पल्वल (सम्) सं.—छोटा सरोवर।

ಪವಡಿಸು पवडिसु. ಪವಳಿಸು पवळिसु (क) क्रि. — सो, निद्रित हो।

ಪವಣ್ पवण् ಪವಣ पवण (तद्) सं.—प्रमाणं (तत्); नाप; माप; प्रमाण।

ಪವಣಿಸು पवणिसु, ಪೋಣಿಸು पोणिसु (क) क्रि. —पिरो (धागा पिरोना)।

ಪವನ पवन (सम्) सं.—पछोरना, फटकना; हवा, वायु।

ಪವಮಾನ पवमान (सम्) सं.—हवा, वायु।

ಪವಳ पवळ (तद्) सं. — प्रवालः (तत्); विद्रुम, मूँगा।

ಪವಾಡ पवाड (क ?) सं. — विचित्र कृत्य, अलौकिक कार्य, करामत. चमत्कृति। प्रवादः (तत् ?)।

ಪವಿ पवि (सम्) सं.—वज्र, इंद्र का वज्र।

ಪವುಡ पवुड (तद्) सं.—प्रौढ (तत्)। — ವತಿ वति (तद्) सं. — प्रौढा (तत्), प्रौढ-वती।

ಪವುಸೆ पवुसे (क) सं.—एक वृक्ष का नाम।

ಪವ್ವನೆ पव्वने (क) अ. —तुरंत, अकस्मात्। (सम्) सं.—ಪಶು पशु, जानवर, मवेशी।

ಪಶುಪತಿ पशुपति (सम्) सं.—शिव; बैल।

ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪ पश्चात्ताप (सम्) सं.—पछतावा।

ಪಶ್ಚಿಮ पश्चिम (सम्) सं.—पश्चिम दिशा।

ಪಸ पस (क) सं. — चाह, तीव्र इच्छा, उतावलापन।

ಪಸರಿಸು पसरिसु (तद्) क्रि. —प्रसरित कर, फैला।

ಪಸಲೆ पसले (क) सं. — छोटी हरी घास, हरियाली।

ಪಸಿ पसि, ಹಸಿ हसि (क) क्रि. — भूख लग। सं.—भूख [ह. क.]।

ಪಸಿಯ ಬಣ್ಣ पसिय बण्ण (क) सं.—हरा रंग।

ಪಸಿಮೆ पसिमे (क) सं.—हरापन, ताज़गी।

ಪಸಿಯಿಸು पसियिसु (क) क्रि. —हिला, रगड़, मथ।

ಪಸಿರ್ पसिर् (क) वि.— हरा (ह. क.)।

ಪಸಿವು पसिवु (क) सं.— भूख (ह. क.)।

ಪಸು पसु (क) सं.—हरापन, ताज़गी। क्रि. —बाँट, विभाग कर, हिस्सा कर, पृथक कर। (तद्) सं.—पशुः (तत्)।

ಪಸುಗೆ पसुगे (क) सं. —बाँटना, विभाजन; विभाग, हिस्सा; प्रबंध, नियुक्ति।

ಪಸುಬ पसुब, ಪಸುಂಬ पसुंब (क) सं.— हरे पंखोंवाली एक चिड़िया।

ಪಸುಬೆ पसुबे, ಪಸುಂಬೆ पसुंबे (क) सं.— झोला; वह थैली जिसका मुँह बीच में हो।

ಪಸುಬೆವಳ पसुबेवळ (क) सं.–वैश्य, व्यापारी।

ಪಸುರ್ पसुर्, ಪಸುರು पसुरु (क) क्रि.—हरा हो। सं —हरा रंग; ताज़गी, ताज़ा होना, नवीनता; हरी घास।

ಪಸುರ್ಪು पसुर्पु (क) सं.—हरापन, मरकत या पन्ने का रंग।

ಪಸುಳ पसुळ ಪಸುಳೆ पसुळे (क) सं.—बच्चा, बालक, शिशु।

ಪಸುಳೆತನ पसुळेतन (क) सं. — बचपन, शैशव।

ಪಸೆ पसे, ಹಸೆ हसे (क) सं.—बिछौना. आसन, सुंदर आसन: निरर्थक शब्द।

ಪಳ पळ (क) सं.— बड़ी बूँद, फल आदि के गिरते समय निकलनेवाली ध्वनि।

ಪಳಕನೆ पळकने (क) अ.—चमकते हुए, आभा के साथ।

ಪಳಂಕು पळंकु, ಪಳುಂಕು पळुंकु (क) क्रि — ज़ोर से दबा, ढकेल।

ಪಳಚು पळचु, ಪಳಂಚು पळंचु (क) क्रि. — पटक, झटका, झपट, ढकेल, संघटन कर। सं.—विरोध, बाधा।

ಪಳಯ पळय (तद्) सं.—प्रलयः (तत्)।

ಪಳಾಳ पळाळ (क) सं. —खोखला, निष्फल; ठगाई, धोखा।

ಪಳ್ಳ पळ्ळ (क) सं. —गर्त, गड्ढा; झरना, छोटी नदी।

ಪಳ್ಳಿ पळ्ळि (क) सं.—बच्चों का एक खेल।

ಪೞ पळ (क) वि.—पुराना, प्राचीन; अतीत का; पका हुआ।

ಪೞಕ पळक (क) सं. — उपयोग, अभ्यास; आदत; पद्धति।

ಪೞಕಿಸು पळकिसु (क) क्रि. — अभ्यास कर, आदत में डाल, अपने वश में कर, काम में ला।

ಪೞಗ पळग (क) सं. — झड़ा हुआ या सूखा पत्ता।

ಪೞಗಿಸು पळगिसु (क) क्रि.—दे. ಪೞಕಿಸು.

ಪೞದು पळदु (क) वि.—पुराना, प्राचीन।

ಪೞಪು पळपु (क) सं.—सफ़ेद बालों पर लगाने का काला रंग।

ಪೞಸು पळसु (क) क्रि. —पुराना वा प्राचीन हो; बासी हो, नष्ट हो।

(१) ಪೞಿ पळि (क) क्रि.— गाली दे, निंदा कर, दूषण कर। सं. — दूषण, निंदा, गाली।

(२) ಪೞಿ पळि (क) क्रि. — कुत्ते को भगा या मार। सं.—लोहे की छड़ी या शलाका; कूड़ा-करकट।

ಪೞಿವು पळिवु (क) सं. — निंदा, दूषण, गाली।

ಪೞು पळु (क) सं.—जंगल; कूड़ा-करकट।

ಪೞುವ पळुव (क) सं. — जंगल, वन। — ಗಿಚ್ಚು गिच्चु=दावाग्नि।

ಪೞೆ पळे (क) वि.—पुराना, प्राचीन।

ಪೞಕ್ಕೆ पळक्के (क) सं.—सोना, शयन; शयन स्थान।

ಪೞ್ತಿ पळ्ति (क) सं.—कपास, रूई।

ಪಾಂಗು पांगु (क) सं.—रूप, आकार, रंग-ढंग: सौंदर्य, साम्य, समानता. सादृश्य।

ಪಾಂಚಜನ್ಯ पांचजन्य (सम्) सं.—श्रीकृष्ण के शंख का नाम; अग्नि, आग; चंद्रमा; पांच के समूह से संबंधित।

ಪಾಂಚಾಲಿ पांचालि, ಪಾಂಚಾಲೆ पांचाले (सम्) सं.—द्रौपदी।

ಪಾಂಟಿ पांटि (क) सं.—दे. ಪಾಟಿ.

ಪಾಂಡರ पांडर, ಪಾಂಡುರ पांडुर (सम्) सं. —धान का रंग, सफ़ेद रंग, पीला रंग; सफ़ेद कोढ़।

ಪಾಂಡಿತ್ಯ पांडित्य (सम्) सं. — पण्डिताई, विज्ञता, निपुणता।

ಪಾಂಡುರಂಗ पांडुरंग (सम्) सं. — श्रीकृष्ण, एक व्यक्ति का नाम।

ಪಾಂಡ್ಯ पांड्य (सम्) सं. — दक्षिण के एक राजवश का नाम, उस राज्य के निवासी।

ಪಾಂಥ पांथ, ಪಾಂಥಸ್ಥ पांथस्थ (सम्) सं.— घूमनेवाला, यात्री।

ಪಾಂಬ पांब (क) सं. — वीर, पराक्रमी या साहसी पुरुष।

ಪಾಂಸುಲ पांसुल, ಪಾಂಶುಲ पांशुल (सम्) सं. —लंपट, नास्तिक मनुष्य; शिवजी।

(१) ಪಾಕ पाक (सम्) सं. — पशुओं का बच्चा; एक दैत्य का नाम।

(२) ಪಾಕ पाक (सम्) सं.—भोजन बनाने की क्रिया; पचन-क्रिया; हज़म करने की क्रिया; अलंकार। —ಶಾಲೆ शाले (सम्) सं.—रसोई घर।

ಪಾಕೀಟು पाकीटु (अ. दे.) सं. — Pocket (अंग्रेज़ी), जेब, पाकेट।

ಪಾಚಿ पाचि (क) सं.—काई; दांतों पर का मल; बच्चों की भाषा में—स्तन।

ಪಾಟ पाट (क) सं.—गाना। क्रि. — गीत गाना।

ಪಾಟಲ पाटल, ಪಾಟಲಿ पाटलि—(सम्) सं. —पाड़र वृक्ष का फूल, पाड़र वृक्ष।

ಪಾಟಿ पाटि (क) सं. — ढंग, विधान; रूप, आकार, सादृश्य, साम्य, समता, समानता; हार, पराजय; पतन, नाश।

ಪಾಟು पाटु (क) सं.—गिरना, गिराव, पतन; विनाश; बहाव की धारा; अनुभव; पाना; ढंग, रीति; सादृश्य, ठीक होना; समय का परिमाण; वश में करना; नाश करना; गिरफ्तार करना।

ಪಾಠ पाठ (सम्) सं.—पाठ, सबक; पढ़ना, अध्ययन; पुस्तक का पाठ—ಕ क=पढ़नेवाला; विद्यार्थी।

ಪಾಠೀನ पाठीन (सम्) सं.—पुराणों की कथा-सुनानेवाला; मछली।

ಪಾಡ್ पाड्, ಪಾಡು पाडु (क) क्रि. — गा, गीत गा, गान कर। (ह. क.)।

ಪಾಡ पाड (क) सं.—जगह, स्थान।

ಪಾಡಗ पाडग (क) सं.—सागौन का वृक्ष।

ಪಾಡಿ पाडि (क) सं.—ग्राम, गाँव; छोटे पौधों का जंगल।

ಪಾಡಿಸು पाडिसु (क) क्रि.—गवा, गान करा या करवा (ह. क.)।

ಪಾಡು पाडु (क) क्रि.—गा, गान कर। सं.—गाना, गीत; विधान, ढंग, उपयुक्तता; सहना; कष्ट; सादृश्य, समता।

ಪಾಡ್ಯ पाड्य, ಪಾಡ್ಯಮಿ पाड्यमि (तद्) सं.—प्रथमा तिथि।

ಪಾಣಿ पाणि (सम्) सं.-हाथ।—ಗ್ರಹಣ ग्रहण (सम्) सं.—विवाह।

ಪಾಣಿನಿ पाणिनि (सम्) सं.—संस्कृत के प्रसिद्ध व्याकरणी विद्वान्।

ಪಾಣ್ಬ पाण्ब (क) सं.—जार, लंपट, व्यभिचारी पुरुष।

ಪಾಣ್ಬೆ पाण्बे (क) सं.—जारिणी या कामुक स्त्री, वेश्या।

ಪಾತಕ पातक (सम्) सं.-पाप। ಪಾತಕಿ पातकि =पापी।

ಪಾತರದವಳು पातरदवळु, ಪಾತರಗಿತ್ತಿ पातरगित्ति (तद्) सं —('पात्र' से)—वेश्या, कुलटा।

ಪಾತಾಲ पाताल, ಪಾತಾಳ पाताळ (सम्) सं.—पाताळ लोक।

ಪಾತಿ पाति (क) सं.—आलवाल, खोडुआ, थाला; क्यारी।

ಪಾತಿವ್ರತ್ಯ पातिव्रत्य (सम्) सं.—पतिव्रता धर्म।

ಪಾತ್ರ पात्र (सम्) सं.—बर्तन; प्याला; कोई भी पवित्र जलपात्र; जलाशय; दान देने योग्य व्यक्ति: अभिनेता, नट; अमात्य; नदी के दोनों तटों के बीच का स्थान; योग्य या उपयुक्त व्यक्ति; योग्यता, औचित्य; अभिनय करना; नाचना।

ಪಾತ್ರತೆ पात्रते (सम्) सं.— योग्यता, उपयुक्तता, सामर्थ्य।

ಪಾಥೇಯ पाथेय (सम्) सं.—पाथेय, में रास्ते के लिए भोजन।

ಪಾದ पाद (सम्) सं.—पैर, शरण, प्रकाश किरण, तेजस्; एक चौथाई पद्य का चरण; वृक्ष की जड़: पहाड़ तलहटी; अंश, भाग; अध्याय।

ಪಾದಪ पादप (सम्) सं.—वृक्ष, पेड़।

ಪಾದರ पादर, ಹಾದರ हादर (क) सं.—जार व्यभिचार। ('पारदार्य' से')

ಪಾದರಕ್ಷೆ पादरक्षे (सम्) सं.—चप्पल, पादुका।

ಪಾದರಸ पादरस (सम्) सं.—पारा।

(१) ಪಾದರಿ पादरि (क) सं.—रंडी, व्यभिचारिणी।

(२) ಪಾದರಿ पादरि (तद्) सं.—पाटल (तत् पाड़र वृक्ष का फूल।

ಪಾದರಿಗ पादरिग (क) सं.—व्यभिचारी लंपट।

ಪಾದಾತಿ पादाति, ಪಾದಾತಿಕ पादातिक (सम् सं.—पैदल सिपाही।

ಪಾದಿ पादि, ಹಾದಿ हादि (क) सं. मार्ग।

ಪಾದುಕ पादुक, ಪಾದುಕೆ पादुके (सम्) सं पादुका, खड़ाऊ।

ಪಾದ್ಯ पाद्य (सम्) सं.—पैर धोने के लि जल; पैर धोना।

ಪಾನ पान (सम्) सं.— पीना, पान करना पीने का बर्तन; पीने की चीज़; शरबत शराब।

ಪಾನಕ पानक (सम्) सं.– पानक, शरबत

ಪಾನೀಯ पानीय (सम्) वि.—पीने योग्य सं.—पानक, शरबत; पानी।

(१) ಪಾಪ पाप (क) सं.— छोटा बच्चा शिशु।

(२) ಪಾಪ पाप (सम्) सं.—पाप, गुनाह; बुरा आदमी, दुष्ट, नीच; बुरी दशा, बुरा हाल, दुर्भाग्य।

ಪಾಪಿ पापि (सम्) सं.—पापी मनुष्य, दुष्ट, नीच।

ಪಾಪೆ पापे (क) सं.—आँख की पुतली, कनीनिका ; चित्र ।

ಪಾಪ್ಮ पाप्म (सम्) सं.—बुराई, अपराध, पाप ।

ಪಾಮರ पामर (सम्) सं.—कमीना, पाजी, दुष्ट ; मूर्ख, मूढ ; निर्धन, असहाय ; अनपढ़ ।

ಪಾಯ್ पाय्, ಪಾಯಿ पायि (क) क्रि.—लाँघ, लंघन कर, पार कर, छलांग मार, आगे बढ़, किसी के जरिए जा; बह । सं.—जाना, लंघन ; ढंग, विधान ; उपयुक्तता, समीचीनता ।

ಪಾಯ पाय, ಪಾಯಾ पाया (क) सं.—नींव, बुनियाद ।

ಪಾಯಿಕ पायिक (सम्) सं.—पदाति, पैदल सिपाही ।

ಪಾಯಿಸು पायिसु (क) क्रि.—लाँघने दे ; लंघन करा या करवा, पार करा या करवा, बहा या बहवा ।

ಪಾಯು पायु (क) सं.—दे. ಪಾಯ್.

ಪಾರ್ पार् (क) क्रि.—समय की प्रतीक्षा कर, ताक में रह, प्रतीक्षा कर ; चाह, अभिलाषा कर ।

ಪಾರಂಗತ पारंगत (सम्) सं.-पारंगत, निपुण, पार गया हुआ ।

ಪಾರಣ पारण, ಪಾರಣೆ पारणे (सम्) सं.—पारण, उपवास के दूसरे दिन भोजन करना; समाप्ति ।

ಪಾರಯ್ಸು पारय्सु (क) क्रि.—इच्छा कर, चाह कर ।

ಪಾರಲೌಕಿಕ परलौकिक (सम्) वि.—परलोक संबंधी ।

ಪಾರಶಿಕ पारशिक, ಪಾರಸೀಕ पारसीक (अ.दे.) सं.—फ़ारस का निवासी ; फारस का घोड़ा ।

ಪಾರಾಯಣ पारायण (सम्) सं.—आद्यंत पढ़ना, पढ़ना, पारायण ।

ಪಾರಾವತ पारावत (सम्) सं.—कबूतर । ಪಾರಿವಾಣ पारिवाण, ಪಾರಿವಾಳ पारिवाळ — (तद्) ।

ಪಾರಾವಾರ पारावार (सम्) सं.—समुद्र ।

ಪಾರಾಶರ್ಯ पाराशर्य (सम्) सं.—व्यासजी ।

ಪಾರಿ पारि (सम् ?) सं.—प्याला, जलपात्र ।

ಪಾರಿಜಾತ पारिजात, ಪಾರಿಜಾತಕ पारिजातक (सम्) सं.—पारिजात वृक्ष, देवतरु ।

ಪಾರಿತೋಷಿಕ पारितोषिक (सम्) सं.—पुरस्कार ।

ಪಾರಿಪಾರ್ಶ್ವಿಕ पारिपार्श्विक (सम्) सं.—नौकर, अनुचर ।

ಪಾರಿಭಾಷಿಕ पारिभाषिक (सम्) सं.—सब लोगों से अंगीकृत, मामूली, सामान्य ; पारिभाषिक शब्द ।

ಪಾರಿರಕ್ಷಕ पारिरक्षक (सम्) सं.—संन्यासी, परिव्राजक ।

ಪಾರಿವ पारिव (तद्) सं.—पारावत: (तत्); कबूतर ।

ಪಾರಿಷದ पारिषद (सम्) सं.—परिषद् में उपस्थित पुरुष, देवता के अनुयायी वर्ग ।

ಪಾರಿಹಾರ್ಯ पारिहार्य (सम्) सं.—कड़ा, कंगन ।

ಪಾರೀಣ पारीण (सम्) वि.—पूर्ण परिचित ।

ಪಾರು पारु (क) क्रि.—देख, निरख ; बढ़, हो ; कूद, उछल ।

ಪಾರುಷ್ಯ पारुष्य (सम्) सं.—परुषता, कठोरता, भाषा में अकोमलता, कुवाच्य ; हिंसा ।

ಪಾಱಿಸು पारिसु (क) क्रि.—कुदा या कुदवा (ह. क.) ।

ಪಾಱು पारु (क) क्रि.—कूद, उछल, लंघन कर, उड़ [गिर] । सं.—कुदान, उछलना, उड़ान ; एक प्रकार की नाव या जहाज़ ; व्यभिचार ; व्यभिचारिणी स्त्री ।

ಪಾರ್ಥಿ पार्थि (सम्) सं.—अर्जुन का बेटा, बभ्रुवाहन ।

ಪಾರ್ಥಿವ पार्थिव (सम्) सं.—राजा ; शिव ; पेड़ ; गगन, नभ ; एक संवत्सर का नाम ।

ಪಾರ್ಥಿವಾಕ पार्थिवाक (सम्) सं.—जज, न्यायाधीश ।

ಪಾರ್ಬಿಕೆ पार्बिके, ಪಾರ್ವಿಕೆ पार्विके (क) सं.—ब्राह्मणत्व ।

ಪಾರ್ವಿತಿ पार्विति (क) सं.—ब्राह्मण स्त्री ।

ಪಾರ್ಶ್ವ पार्श्व (सम्) सं.—पार्श्व, बगल, सामीप्य ।—ನಾಥ नाथ (सम्) सं.—जैन अर्हत् का नाम ।

ಪಾಲ್ पाल्, ಪಾಲು पालु (क) सं.-दूध, क्षीर ; पेड़-पौधों का रस ; भाग, अंश, हिस्सा ।

ಪಾಲಕ पालक (सम्) सं.—पालन करनेवाला, शासक, राजा ; राजकुमार ।

ಪಾಲಿ पालि (सम्) सं.—ಪಾೞಿ पाळि (तद्)—श्रेणी, पंक्ति ; समूह ; किनारा, कोर ; दीवार : दोनों ओर या पूरा बांधना ; कोई स्थान या क्षेत्र ; भाग, हिस्सा ; किसी अस्त्र की धार, नोंक ; आदि, पूर्व ; शरीर, देह ; कान का छोर ; धब्बा, दाग़ ; पुल ; अंक, गोदी ; सूत्र, धागा ; लता ; बाण, तीर, आग ; लज्जा, शर्म ; आर्द्रता ।

ಪಾಲಿಸು पालिसु (सम्) क्रि.—पालन कर, रक्षा कर ; शासन कर ।

ಪಾಲುಕಾರ पालुकार, ಪಾಲುಗಾರ पालुगार (क) सं.—भागी, हिस्सेदार, साझेदार ।

ಪಾಲುಗಾರಿಕೆ पालुगारिके, ಪಾಲುವಂತಿಗೆ पालुवंतिगे (क) सं.—साझेदारी ।

ಪಾಲೆ पाले (क) सं.—नीलकंठ पक्षी ; कान का लटकता हुआ भाग ; एक बड़ा वृक्ष (Mimusops Kauki) सदा हरा रहनेवाला एक वृक्ष (Alstonia Scholaris)

ಪಾಲ್ದಾರ पाल्दार (क) सं.—दे. ಪಾಲುಕಾರ.

ಪಾಲ್ದಾರಿಕೆ पाल्दारिके (क) सं.—दे. ಪಾಲುಗಾರಿಕೆ.

ಪಾವಕ पावक (सम्) सं.—पावक, अग्नि, आग ; आचार ।

ಪಾವಡ पावड, ಪಾವಡೆ पावडे (तद्) सं.—प्रावृत (तत्); वस्त्र ; लहँगा, घाघरा ।

ಪಾವಡಿಗ पावडिग (क) सं.—सँपेरा (ह. क.) ।

ಪಾವನ पावन (सम्) वि.—पवित्र, शुद्ध, पाप से छुड़ानेवाला । सं.—पवित्रता ; तप ; जल ; आग ; एक वृत्त का नाम ।

ಪಾವಸೆ पावसे (क) सं.—काई ।

(१) ಪಾವು पावु (क) सं.—साँप (ह. क.)

(२) ಪಾವು पावु (तद्) सं.—पादः (तत्) एक चौथाई भाग ।

ಪಾಶ पाश (सम्) सं.—रस्सी, जंज़ीर, बंधन, फंदा ।—ಪತಿ पति (सम्) सं.—शिव ।

ಪಾಷಂಡ पाषंड, ಪಾಖಂಡ पाखंड (सम्) सं.-पाखंड ; पाखंडी ।

ಪಾಷಾಣ पाषाण (सम्) सं.—पत्थर, शिला ; संखिया, विष ।

ಪಾಷಾಂಡಿ पाषांडि, ಪಾಸಾಂಡಿ पासांडि (तद्) सं.—पाखंडी ।

ಪಾಸಗೆ पासगे (क) सं.—बिस्तर, सेज ; कुश्ती का दाँव-पेंच ।

ಪಾಸಟಿ पासटि (क) सं.—सादृश्य, समानता ।

ಪಾಸಾಳೆ पासाळे (क) सं.—मिट्टी का बर्तन विशेष ।

ಪಾಸಿ पासि (क) सं.—काई ।

ಪಾಸಿಕೆ पासिके (क) सं.—दे. ಪಾಸಗೆ.

ಪಾಸು पासु (क) क्रि.—बिछा । (बिस्तर चटाई आदि बिछा) सं.—शय्या, बिस्तर, बिछावन ।

ಪಾಳ पाळ (क) सं.—तप्त सोने या चाँदी की छड़ी ।

ಪಾಳೆಗಾರ पाळेगार, ಪಾಳೆಯಗಾರ पाळेयगार (क) सं.—छोटे प्रदेश या राज्य का नायक ; सेनापति ।

ಪಾಳ್ಯ पाळय, ಪಾಳೆಯ पाळेय, ಪಾಳ್ಯೆ पाळ्ये (क) सं.—डेरा, छावनी, पड़ाव ; छोटा ग्राम ।

ಪಾಳ್ पाळ् (क) सं.—शून्यस्थान, खंडहर, नाश ।

ಪಾಳಿ पाळि (क) सं.—श्रेणी, पंक्ति, क्रम, सिलसिला ।—ಕಾರ कार (क) सं.—क्रम में रखनेवाला, प्रबंधक ।

ಪಿಂ पिं (क) वि.—(समास में) पीछे, पीछे का ।

ಪಿಂಗ पिंग (सम्) सं.—पीला या भूरा रंग ; भैंसा ; चूहा ।

ಪಿಂಗಲ पिंगल (सम्) सं.—पीला या भूरा रंग; सूर्य का एक गण ; छंदःशास्त्र के अनुसार संस्कृत के एक विद्वान का नाम; छोटा उल्लू; सर्प विशेष ; एक संवत्सर (५५ वाँ) का नाम ।

ಪಿಂಗಿಸು पिंगिसु (क) क्रि.—सूखने दे,, सुखा, जाने दे, निकाल ।

ಪಿಂಗು पिंगु (क) क्रि.—सूख, वापस जा, निकल जा ; दूर हट, पृथक हो ।

ಪಿಂಚು पिंचु (क) क्रि.—पीछे रह, बाद में आ, देर से आ ।

ಪಿಂಚೆ पिंचे (तद्) सं.—वीचिः (तत्); लहर ।

ಪಿಂಛ पिंछ (तद्) सं.—पिच्छं (तत्) ; मयूर की पूँछ, मयूर की पूँछ के पर ।

ಪಿಂಜರಿ पिंजरि (क) सं.—चाँदी ।

ಪಿಂಜಲ पिंजल (सम्) वि.—बहुत परेशान, घबड़ाया हुआ, भयभीत ।

ಪಿಂಜು पिंजु (क) क्रि.—पींज, धुन, ओट, कचरा निकालकर साफ़ कर । सं.—नया निकला फल ।

ಪಿಂಜೂಷ पिंजूष (सम्) सं.-कान का मल या ठेठ ।

ಪಿಂಡ पिंड (सम्) सं.—पिंड ; समूह, राशि, ढेर ; पिंड जो पितरों का दिया जाता है ; शरीर ; लोहा ; भोजन ; कौर ; टाँग की पिंडुरी ।

ಪಿಂಡಕ पिंडक (सम्) सं.—गोला ; गूमड़ा ; भोज्य पदार्थों का गोलाकार कौर ; टाँग की पिंडुरी ।

ಪಿಂಡಿ पिंडि (तद्) सं.—बंडल, गट्ठा ।

ಪಿಂಡು पिंडु (क) क्रि.—निचोड़ ; दुह । (तद्) सं.—झुंड, गिरोह ।

ಪಿಂತು पिंतु, ಪಿಂತೆ पिंते (अ) सं.—वह जो पीछे हो । अ.—पीछे, बाद में ; पहले ।

ಪಿಂದನೆ पिंदने (क) अ.—पीछे ।

ಪಿಂದು पिंदु, ಪಿಂದೆ पिंदे (क) अ. और सं.—दे. ಪಿಂತು.

ಪಿಂಪು पिंपु (क) सं. — अधिकता, महानता, उन्नति ।

ಪಿಕಲಕ್ಕಿ पिकलकि, ಪಿಕಲಾರಿ पिकलारि (क) सं.—एक पक्षी (Madras Bulbul) ।

ಪಿಕ್ಕು पिक्कु (क) क्रि.—अलग कर, वितरण कर ; संवार, कंघी कर ।

ಪಿಚಂಡಿ पिचंडि, ಪಿಚಿಂಡಿ पिचिंडि (सम्) सं.—पेट, उदर ।

ಪಿಚ್ಚು पिच्चु (क) सं.—आंख का मैल ।

ಪಿಚ್ಚೆ पिच्चे (क) सं.—माप या तोल में न्यूनता ।

ಪಿಚ್ಛ पिच्छ (सम्) सं.—मोर का पंख, मोर की पूंछ ।

ಪಿಟ पिट, ಪಿಟಕ पिटक (सम्) सं.—टोकरी ; पेटी ।

ಪಿಟಕ पिटक (क) सं.—बया पक्षी ।

ಪಿಠರ पिठर (सम्) सं.—घड़ा, बटलोई, मथानी ।

ಪಿಡಿ पिडि (क) क्रि.—पकड़, ग्रहण कर, मुट्ठी में भर, मज़दूरी आदि देने में न्यूनता कर । सं.—पकड़ ; मुट्ठी ; हथिनी ।

ಪಿಡುಗು पिडुगु (क) सं.—इंद्र का वज्र ।

ಪಿಣ पिण (क) सं.—धातु ।

ಪಿಣಿಲ್ पिणिल् (क) सं.—वेणी, चोटी, जूड़ा ककुद ।

ಪಿಣ್ಯಾಕ पिण्याक (सम्) सं.—तिल या सरस की खली ।

ಪಿತ पित, ಪಿತೃ पितृ (सम्) सं.—पिता ।

ಪಿತಾಮಹ पितामह (सम्) सं.—दादा ; ब्रह्मा, आत्मज्ञानी ।

ಪಿತೂರಿ पितूरि (अ. दे.) सं.—फ़ितूर (अरबी) विद्रोह ; षड्यन्त्र ।

ಪಿತ್ತ पित्त (सम्) सं.—पित्त प्रकोप ; पन ; मूर्खता ।

ಪಿತ್ತ ಕಾಮಾಲೆ पित्त कामाले (सम्) सं. एक रोग, पित्त पांडु ।

ಪಿತ್ತಲ್ पित्तल्, ಪಿತ್ತಿಲ್, पित्तिल्, (क) —घर के पीछे का खुला स्थान ।

ಪಿನಾಕ पिनाक (सम्) सं.—त्रिशूल ; शिव का धनुष ।

ಪಿನಾಕಪಾಣಿ पिनाकपाणि, ಪಿನಾಕಿ (सम्) सं.—शिवजी ।

ಪಿನಾಕಿನಿ पिनाकिनी (सम्) सं. — एक का नाम ।

ಪಿಪಾಸ पिपास, ಪಿಪಾಸೆ पिपासे (सम्) —पिपासा, प्यास ।

ಪಿಪ್ಪಲ पिप्पल (सम्) सं.—वट वृक्ष, बरगद का पेड़।

ಪಿಮ್ पिम् (क) अ. — (समास में) पीछे, बाद में।

ಪಿರಂಗಿ पिरंगि (अ. दे.) सं.—तोप, बंदूक।

ಪಿರಿ पिरि (क) वि.—बड़ा, गुरु, भारी, महान, श्रेष्ठ।

ಪಿಱಿ पिऱि (क) सं.—मांस, गोश्त।

ಪಿಱಿಕಿ पिऱिकि (क) सं.—डरपोक, भीरु।

ಪಿಱೆ पिऱे, ಪಿರೆ पिरे (क) सं.—पृष्ठ, नितंब।

ಪಿಲ್ಲ पिल्ल (क) वि.—छोटा।

ಪಿಲ್ಲಣಿಗೆ पिल्लणिगे (क) सं.—गदा।

ಪಿಲ್ಲಿ पिल्लि (क) सं.—पादांगुली की अंगूठी।

ಪಿಶಾಚ पिशाच (सम्) सं.—पिशाच शैतान ; ಪಿಶಾಚಿ पिशाचि—स्त्री. लिं.।

ಪಿಶುನ पिशुन (सम्) सं — ಪಿಸುಣ पिसुण, ಪಿಸುಣು पिसुणु, ಹಿಸುಣ हिसुण (तद्) — बतलानेवाला, निर्देश करनेवाला; चुगलखोर, दुर्जन, खल; कमीना, नीच, तुच्छ, क्षुद्र, तिरस्करणीय; मूर्ख।

ಪಿಷ್ಟ पिष्ट (सम्) सं.—ಹಿಟ್ಟು हिट्टु (तद्)—आटा; सीसा।

ಪಿಸರು पिसरु, ಪಿಸುರು पिसुरु (क) सं.—आंख का मैल।

ಪಿಸುಕು पिसुकु, ಪಿಸುಂಕು पिसुंकु (क) क्रि.—दबा, हाथ से कुचल या मिला; तिरस्कार की दृष्टि से देख।

ಪಿಸುಗುಟ್ಟು पिसुगुट्टु (क) क्रि.—फुसफुसा।

ಪಿಸ್ತೂಲು पिस्तूलु (अ. दे.) सं. — Pistol (अंग्रेज़ी)।

ಪಿಳುಗು पिळुगु (क क्रि.—फट जा, टूट जा।

ಪಿಳಿಲ್ पिळिल् (क) क्रि. खोल, फेंक, मुक्त, कर।

ಪಿಳುಕು पिळुकु, ಪಿಳ್ಕು पिळ्कु (क) सं. — बाण का वह भाग जहाँ पंख हो; धनुष का टेढ़ा भाग।

ಪಿಳ್ಳೆ पिळ्ळे (क) सं.—वह जो छोटा हो; बच्चा; शावक; एक जाति विशेष।

ಪಿೞಿ पिऴि (क) क्रि.—निचोड़, हाथ से दबाकर रस निकाल; सूख जा; नीरस हो।

ಪಿಳ್ಕೆ पिळ्के (क) सं—बकरी, हिरन आदि का मल।

ಪೀಕು पीकु (क) क्रि.—निकाल; पकड़कर खींच, हटा; मोड़ दे।

ಪೀಚು पीचु (क) क्रि.—छिड़क; फूट; मार। सं.—अपक्व फल।

ಪೀಠ पीठ (सम्) सं.—पीढ़ा, आसन, गद्दी।

ಪೀಠಿಕೆ पीठिके (सम्) सं.—पीठिका; पीठ, पीढ़ा; मूल आधार।

ಪೀಡಿಸು पीडिसु (सम्) क्रि.—सता, तंग कर, कष्ट दे, व्यथा दे।

ಪೀತ पीत (सम्) सं. — पीला, पीला रंग; हलदी; हरताल; सोना; लाल मेहंदी।

ಪೀನ पीन (सम्) वि. — मोटा, मांसल; स्थूल; बड़ा, गाढ़ा; गोल।

ಪೀಪಾಯಿ पीपायि (अ. दे.) सं.—पीपा (Tub)।

ಪೀಪಿ पीपि (क) सं.—बच्चों का एक वाद्य, सीटी, फुंकनी।

ಪೀಯೂಷ पीयूष (सम्) सं.—दूध; अमृत।

ಪೀರ್ पीर्, ಪೀರು पीरु (क) क्रि.—चूस (जैसे दूध, पानी आदि)।

ಪೀಱ್ पीऱ्, ಪೀಱು पीऱु (क) क्रि. — फेंक, विकीर्ण कर। सं.=फेंकना, विकीर्ण करना।

ಪೀಲಿ पीलि (क) सं.—मोरपंख, मोर की पूँछ, मोरपंख की आंख।

ಪೀಳಿಗೆ पीळिगे (तद्) सं.—पीठिका (तत्); पीढ़ी।

ಪುಂಖ पुंख (सम्) सं.—बाण की वह जगह जहाँ पर लगे होते हैं।

ಪುಂಗವ पुंगव (सम्) सं.—बैल; श्रेष्ठ व्यक्ति; एक पौधा।

(१) ಪುಂಜ पुंज, ಹುಂಜ हुंज (क) सं. — मुर्गा।

(२) ಪುಂಜ पुंज (सम्) सं. — समूह, ढेर, राशि, संग्रह।

ಪುಂಜು पुंजु (क) सं.—मुर्गा।

ಪುಂಡ पुंड (क) सं. — आवारा, धूर्त, दुष्ट; नटखट।

ಪುಂಡರೀಕ पुंडरीक (सम्) सं.—सफ़ेद कमल; सफ़ेद रंग; सफ़ेद छत्र; बाघ; चीता; मेंढक; दक्षिण पूर्व दिशा का हाथी, दिग्गज; कल्पवृक्ष; ध्वज, पताका ब्रह्मा; यति, मुनि; घोड़े की ध्वनि; एक पौधा; आम्र-वृक्ष।

ಪುಂಡಾಯಿ पुंडायि (क) सं.—धूर्तता, दुष्टता, नटखटी।

ಪುಂಡ್ರ पुंड्र (सम्) सं.—लाल जाति की ईख; माथे का तिलक; कमल; एक प्रान्त और उसके निवासी।

ಪುಂಶ್ಚಲಿ पुंश्चलि (सम्) सं.—कुलटा, वेश्या।

ಪುಕ್ಕ पुक्क (तद्) सं.—पुच्छ, पक्षी की पूंछ।

ಪುಕ್ಕತನ पुक्कतन, ಪುಕ್ಕುತನ पुक्कुतन (क) सं. —भीरुता, भय।

ಪುಕ್ಕಲು पुक्कलु (क) वि.—डरपोक, भीरु।

ಪುಕ್ಕು पुक्कु (क) सं.—भय, डर, भीरुता।

ಪುಕ್ಸಟ್ಟೆ पुक्सट्टे, ಪುಕ್ಕಟೆ पुक्कटे (क ?) अ.—मुफ़्त, निःशुल्क।

ಪುಗಲ್ पुगल्, ಪುಗಿಲ್ पुगिल् (क) सं.—कोकिलध्वनि।

ಪುಗಿಲ್ पुगिल् (क) सं.—दे. ಪುಗಲ್; प्रवेश करना, प्रवेशद्वार।

ಪುಗಿಸು पुगिसु (क) क्रि. — प्रवेश करा या करवा।

ಪುಗು पुगु (क) क्रि.—प्रवेश कर, अंदर आ। सं.—प्रवेश करना।

ಪುಗುಳ್ पुगुळ् (क) सं.—बुदबुदा, फुंसी, मुँह में होनेवाली फुंसी।

ಪುಗ್ಗು पुग्गु (क) सं.—अहंकार, घमण्ड।

ಪುಚ್ಚುೞಿ पुच्छऴि (क) सं.—नाश, हानि; बुराई।

ಪುಚ್ಛ पुच्छ (सम्) सं.—मोरपंख; घोड़े की पूंछ; पूंछ।

(१) ಪುಟ पुट (क) सं.— कुदान, उछलना।

ಪುಟವಿಟ್ಟ ಚಿನ್ನ पुटविट्ट चिन्न (क) सं.—त गया सोना। वि.—छोटा।

(२) ಪುಟ पुट (तद्) सं.—पृष्ठ, सफ़ा।

(३) ಪುಟ पुट (सम्) सं. — तह, परत; अंजुली; पत्तों का बना दोना; फली,

ಪಾವು पावु (तद्) सं.—पादः (तत्) एक चौथाई भाग ।

ಶ पाश (सम्) सं.—रस्सी, जंज़ीर, बंधन, फ़ंदा ।—ಪತಿ पति (सम्) सं.—शिव ।

ಷಂಡ पाषंड, ಪಾಖಂಡ पाखंड (सम्) सं.–पाखंड ; पाखंडी ।

ಪಾಣ पाषाण (सम्) सं.—पत्थर, शिला ; संखिया, विष ।

ಷಾಂಡಿ पाषांडि, ಪಾಸಾಂಡಿ पासांडि (तद्) सं.—पाखंडी ।

ಸಗೆ पासगे (क) सं.—बिस्तर, सेज ; कुश्ती का दाँव-पेंच ।

ಸಟಿ पासटि (क) सं.—सादृश्य, समानता ।

ಸಾಳೆ पासाळे (क) सं.—मिट्टी का बर्तन विशेष ।

ಸಿ पासि (क) सं.—काई ।

ಸಿಕೆ पासिके (क) सं.—दे. ಪಾಸಗೆ.

ಸು पासु (क) क्रि.—बिछा । (बिस्तर चटाई आदि बिछा) सं.—शय्या, बिस्तर, बिछावन ।

ಳ पाळ (क) सं.—तप्त सोने या चाँदी की छड़ी ।

ಳೆಗಾರ पाळेगार, ಪಾಳೆಯಗಾರ पाळेयगार (क) सं.—छोटे प्रदेश या राज्य का नायक ; सेनापति ।

ಳ್ಯ पाळय, ಪಾಳೆಯ पाळेय, ಪಾಳ್ಯೆ पाळ्ये (क) सं.—डेरा, छावनी, पड़ाव ; छोटा ग्राम ।

ಳ್ पाळ् (क) सं.—शून्यस्थान, खंडहर, नाश ।

ಳಿ पाळि (क) सं.—श्रेणी, पंक्ति, क्रम, सिलसिला ।—ಕಾರ कार (क) सं.—क्रम में रखनेवाला, प्रबंधक ।

ಪಿಂ पिं (क) वि.—(समास में) पीछे, पोछे का ।

ಪಿಂಗ पिंग (सम्) सं.—पीला या भूरा रंग ; भैंसा ; चूहा ।

ಪಿಂಗಳ पिंगल (सम्) सं.—पीला या भूरा रंग; सूर्य का एक गण ; छंदःशास्त्र के अनुसार संस्कृत के एक विद्वान का नाम; छोटा उल्लू ; सर्प विशेष ; एक संवत्सर (५५ वाँ) का नाम ।

ಪಿಂಗಿಸು पिंगिसु (क) क्रि.—सूखने दे,, सुखा, जाने दे, निकाल ।

ಪಿಂಗು पिंगु (क) क्रि.—सूख, वापस जा, निकल जा ; दूर हट, पृथक हो ।

ಪಿಂಚು पिंचु (क) क्रि.—पीछे रह, बाद में आ, देर से आ ।

ಪಿಂಚೆ पिंचे (तद्) सं.—वीचिः (तत्); लहर ।

ಪಿಂಛ पिंछ (तद्) सं.—पिच्छं (तत्) ; मयूर की पूँछ, मयूर की पूँछ के पर ।

ಪಿಂಜರಿ पिंजरि (क) सं.—चाँदी ।

ಪಿಂಜಲ पिंजल (सम्) वि.—बहुत परेशान, घबड़ाया हुआ, भयभीत ।

ಪಿಂಜು पिंजु (क) क्रि.—पींज, धुन, ओट, कचरा निकालकर साफ़ कर । सं.—नया निकला फल ।

ಪಿಂಜೂಷ पिंजूष (सम्) सं.–कान का मल या ठेठ ।

ಪಿಂಡ पिंड (सम्) सं.—पिंड ; समूह, राशि, ढेर ; पिंड जो पितरों का दिया जाता है ; शरीर ; लोहा ; भोजन ; कौर ; टाँगा की पिंडुरी ।

ಪಿಂಡಕ पिंडक (सम्) सं.—गोला ; गूमड़ा ; भोज्य पदार्थों का गोलाकार कौर ; टाँग की पिंडुरी ।

ಪಿಂಡಿ पिंडि (तद्) सं.—बंडल, गट्ठा ।

ಪಿಂಡು पिंडु (क) क्रि.—निचोड़ ; दुह । (तद्) सं.—झुंड, गिरोह ।

ಪಿಂತು पिंतु, ಪಿಂತೆ पिंते (अ) सं.—वह जो पीछे हो । अ.—पीछे, बाद में ; पहले ।

ಪಿಂದಣೆ पिंदणे (क) अ.—पीछे ।

ಪಿಂದು पिंदु, ಪಿಂದೆ पिंदे (क) अ. और सं.—दे. ಪಿಂತು.

ಪಿಂಪು पिंपु (क) सं. — अधिकता, महानता, उन्नति ।

ಪಿಕಲಕ್ಕಿ पिकलक्कि, ಪಿಕಲಾರಿ पिकलारि (क) सं. —एक पक्षी (Madras Bulbul) ।

ಪಿಕ್ಕು पिक्कु (क) क्रि.—अलग कर, वितरण कर ; संवार, कंघी कर ।

ಪಿಚಂಡಿ पिचंडि, ಪಿಚಿಂಡಿ पिचिंडि (सम्) सं. —पेट, उदर ।

ಪಿಚ್ಚು पिच्चु (क) सं.—आंख का मैल ।

ಪಿಚ್ಚೆ पिच्चे (क) सं.—माप या तोल में न्यूनता ।

ಪಿಚ್ಛ पिच्छ (सम्) सं.—मोर का पंख, मोर की पूंछ ।

ಪಿಟ पिट, ಪಿಟಕ पिटक (सम्) सं.—टोकरी ; पेटी ।

ಪಿಟಕ पिटक (क) सं.—बया पक्षी ।

ಪಿಠರ पिठर (सम्) सं.—घड़ा, बटलोई, मथानी ।

ಪಿಡಿ पिडि (क) क्रि.—पकड़, ग्रहण कर, मुट्ठी में भर, मज़दूरी आदि देने में न्यूनता कर । सं.—पकड़ ; मुट्ठी ; हथिनी ।

ಪಿಡುಗು पिडुगु (क) सं.—इंद्र का वज्र ।

ಪಿಣ पिण (क) सं.—धातु ।

ಪಿಣಿಲ್ पिणिल् (क) सं.—वेणी, चोटी, जूड़ा ; ककुद् ।

ಪಿಣ್ಯಾಕ पिण्याक (सम्) सं.—तिल या सरसों की खली ।

ಪಿತ पित, ಪಿತೃ पितृ (सम्) सं.—पिता ।

ಪಿತಾಮಹ पितामह (सम्) सं. — पितामह, दादा ; ब्रह्मा, आत्मज्ञानी ।

ಪಿತೂರಿ पितूरि (अ. दे.) सं.—फ़ितूर (अरबी); विद्रोह ; षड्यन्त्र ।

ಪಿತ್ತ पित्त (सम्) सं.—पित्त प्रकोप ; पागलपन ; मूर्खता ।

ಪಿತ್ತ ಕಾಮಾಲೆ पित्त कामाले (सम्) सं.—एक रोग, पित्त पांडु ।

ಪಿತ್ತಲ್ पित्तल्, ಪಿತ್ತಿಲ್, पित्तिल्, (क) सं. —घर के पीछे का खुला स्थान ।

ಪಿನಾಕ पिनाक (सम्) सं.—त्रिशूल ; शिवजी का धनुष ।

ಪಿನಾಕಪಾಣಿ पिनाकपाणि, ಪಿನಾಕಿ पिनाकि (सम्) सं.—शिवजी ।

ಪಿನಾಕಿನಿ पिनाकिनी (सम्) सं. — एक नदी का नाम ।

ಪಿಪಾಸ पिपास, ಪಿಪಾಸೆ पिपासे (सम्) सं. —पिपासा, प्यास ।

ಪಿಪ್ಪಲ पिप्पल (सम्) सं·—वट वृक्ष, बरगद का पेड़।

ಪಿಮ್ पिम् (क) अ· — (समास में) पीछे, बाद में।

ಪಿರಂಗಿ पिरंगि (अ· दे·) सं.—तोप, बंदूक।

ಪಿರಿ पिरि (क) वि·—बड़ा, गुरु, भारी, महान, श्रेष्ठ।

ಪಿಱಿ पिरि (क) सं· —मांस, गोश्त।

ಪಿಱಿಕಿ पिरिकि (क) सं·—डरपोक, भीरु।

ಪಿಱೆ पिरे, ಪಿರೆ पिरे (क) सं·—पृष्ठ, नितंब।

ಪಿಲ್ಲ पिल्ल (क) वि·—छोटा।

ಪಿಲ್ಲಣಿಗೆ पिल्लणिगे (क) सं·—गदा।

ಪಿಲ್ಲಿ पिल्लि (क) सं.—पादांगुली की अंगूठी।

ಪಿಶಾಚ पिशाच (सम्) सं·—पिशाच शैतान; ಪಿಶಾಚಿ पिशाचि—स्त्री· लिं·।

ಪಿಶುನ पिशुन (सम्) सं — ಪಿಸುಣ पिसुण, ಪಿಸುಣು पिसुणु, ಹಿಸುಣ हिसुण (तद्) — बतलानेवाला, निर्देश करनेवाला; चुगलखोर, दुर्जन, खल; कमीना, नीच, तुच्छ, क्षुद्र, तिरस्करणीय; मूर्ख।

ಪಿಷ್ಟ पिष्ट (सम्) सं·—ಹಿಟ್ಟು हिट्टु (तद्)—आटा; सीसा।

ಪಿಸರು पिसरु, ಪಿಸುರು पिसुरु (क) सं·—आंख का मैल।

ಪಿಸುಕು पिसुकु, ಪಿಸುಂಕು पिसुंकु (क) क्रि·—दबा, हाथ से कुचल या मिला; तिरस्कार की दृष्टि से देख।

ಪಿಸುಗುಟ್ಟು पिसुगुट्टु (क) क्रि.—फुसफुसा।

ಪಿಸ್ತೂಲು पिस्तूलु (अ· दे·) सं. — Pistol (अंग्रेज़ी)।

ಪಿಳುಗು पिळुगु (क क्रि.—फट जा, टूट जा।

ಪಿಳಿಲ್ पिळिल् (क) क्रि· खोल, फेंक, मुक्त, कर।

ಪಿಳುಕು पिळुकु, ಪಿಳ್ಕು पिळ्कु (क) सं· — बाण का वह भाग जहाँ पंख हो; धनुष का टेढ़ा भाग।

ಪಿಳ್ಳೆ पिळ्ळे (क) सं·—वह जो छोटा हो; बच्चा; शावक; एक जाति विशेष।

ಪಿೞಿ पिळि (क) क्रि.—निचोड़, हाथ से दबाकर रस निकाल; सूख जा; नीरस हो।

ಪಿೞ್ಕೆ पिळ्के (क) सं—बकरी, हिरन आदि का मल।

ಪೀಕು पीकु (क) क्रि·—निकाल; पकड़कर खींच, हटा; मोड़ दे।

ಪೀಚು पीचु (क) क्रि· — छिड़क; फूट; मार। सं·—अपक्व फल।

ಪೀಠ पीठ (सम्) सं·—पीढ़ा, आसन, गद्दी।

ಪೀಠಿಕೆ पीठिके (सम्) सं·—पीठिका; पीठ, पीढ़ा; मूल आधार।

ಪೀಡಿಸು पीडिसु (सम्) क्रि·—सता, तंग कर, कष्ट दे, व्यथा दे।

ಪೀತ पीत (सम्) सं· — पीला, पीला रंग; हलदी; हरताल; सोना; लाल मेहंदी।

ಪೀನ पीन (सम्) वि· — मोटा, मांसल; स्थूल; बड़ा, गाढ़ा; गोल।

ಪೀಪಾಯಿ पीपायि (अ· दे·) सं·—पीपा (Tub)।

ಪೀಪಿ पीपि (क) सं·—बच्चों का एक वाद्य, सीटी, फुंकनी।

ಪೀಯೂಷ पीयूष (सम्) सं·—दूध; अमृत।

ಪೀರ್ पीर्, ಪೀರು पीरु (क) क्रि·—चूस (जैसे दूध, पानी आदि)।

ಪೀಱ್ पीर्, ಪೀಱು पीरु (क) क्रि· — फेंक, विकीर्ण कर। सं. = फेंकना· विकीर्ण करना।

ಪೀಲಿ पीलि (क) सं·—मोरपंख, मोर की पूँछ, मोरपंख की आंख।

ಪೀಳಿಗೆ पीळिगे (तद्) सं·—पीठिका (तत्); पीढ़ी।

ಪುಂಖ पुंख (सम्) सं·—बाण की वह जगह जहाँ पर लगे होते हैं।

ಪುಂಗವ पुंगव (सम्) सं·—बैल; श्रेष्ठ व्यक्ति; एक पौधा।

(१) ಪುಂಜ पुंज, ಹುಂಜ हुंज, (क) सं· — मुर्गा।

(२) ಪುಂಜ पुंज (सम्) सं· — समूह, ढेर, राशि, संग्रह।

ಪುಂಜು पुंजु (क) सं·—मुर्गा।

ಪುಂಡ पुंड (क) सं· — आवारा, धूर्त, दुष्ट; नटखट।

ಪುಂಡರೀಕ पुंडरीक (सम्) सं·—सफ़ेद कमल; सफ़ेद रंग; सफ़ेद छत्र; बाघ; चीता; मेंढक; दक्षिण पूर्व दिशा का हाथी, दिग्गज; कल्पवृक्ष; ध्वज, पताका ब्रह्मा; यति, मुनि; घोड़े की ध्वनि; एक पौधा; आम्र-वृक्ष।

ಪುಂಡಾಯಿ पुंडायि (क) सं· —धूर्तता, दुष्टता, नटखटी।

ಪುಂಡ್ರ पुंड्र (सम्) सं·—लाल जाति की ईख; माथे का तिलक; कमल; एक प्रान्त और उसके निवासी।

ಪುಂಶ್ಚಲಿ पुंश्चलि (सम्) सं.—कुलटा, वेश्या।

ಪುಕ್ಕ पुक्क (तद्) सं·—पुच्छ, पक्षी की पूंछ।

ಪುಕ್ಕತನ पुक्कतन, ಪುಕ್ಕುತನ पुक्कुतन (क) सं. —भीरुता, भय।

ಪುಕ್ಕಲು पुक्कलु (क) वि.—डरपोक, भीरु।

ಪುಕ್ಕು पुक्कु (क) सं·—भय, डर, भीरुता।

ಪುಕ್ಸಟ್ಟೆ पुक्सट्टे, ಪುಕ್ಕಟೆ पुक्कटे (क ?) अ.—मुफ़्त, निःशुल्क।

ಪುಗಲ್ पुगल्, ಪುಗಿಲ್ पुगिल् (क) सं.—कोकिलध्वनि।

ಪುಗಿಲ್ पुगिल् (क) सं·—दे· ಪುಗಲ್; प्रवेश करना, प्रवेशद्वार।

ಪುಗಿಸು पुगिसु (क) क्रि· — प्रवेश करा या करवा।

ಪುಗು पुगु (क) क्रि·—प्रवेश कर, अंदर आ। सं·—प्रवेश करना।

ಪುಗುಳ್ पुगुळ् (क) सं·—बुदबुदा, फुंसी, मुँह में होनेवाली फुंसी।

ಪುಗ್ಗು पुग्गु (क) सं·—अहंकार, घमण्ड।

ಪುಚ್ಚಳಿ पुच्छळि (क) सं·—नाश, हानि; बुराई।

ಪುಚ್ಛ पुच्छ (सम्) सं·—मोरपंख; घोड़े की पूंछ; पूंछ।

(१) ಪುಟ पुट (क) सं·— कुदान, उछलना।
ಪುಟವಿಟ್ಟ ಚಿನ್ನ पुटविट्ट चिन्न (क) सं.—तपाया गया सोना। वि·—छोटा।

(२) ಪುಟ पुट (तद्) सं·—पृष्ठ, सफ़ा।

(३) ಪುಟ पुट (सम्) सं· — तह, परत; अंजुली; पत्तों का बना दोना; फली,

...ी ; आच्छादन ; पलक ; घोड़े का सुम ; ...फल ।

... पुटाणि (क) वि.—छोटा ।

... पुटाणे (क) सं.—मटर, भुना हुआ ... ।

...टि (क) क्रि.—फूट, निकल, छिटक ।

...पुट्ट (क) वि.—छोटा, लघु ।

...पुट्टि (क) सं.—छोटी टोकरी, टोकरी : उदर ।

... पुट्टिसु (क) क्रि.—पैदा कर, उत्पन्न- जन्म दे ।

... पुट्टु (क) क्रि.—जन्म ले, पैदा हो । ...—जन्म, उत्पत्ति ; काठ का चमचा ; खेने का डंडा ।

...डि (क) सं.—चूर्ण, पुड़िया, धूल ; ... ।

... पुडुकु, ಪುಡುಂಕು पुडुंकु (क) क्रि.— ...न, ढूँढ, तलाश कर ।

... पुण् (क) सं.—घाव, फोड़ा, व्रण ।

... पुणगु, ಪುಣುಗು पुणुगु, ಪುನುಗು पुनुगु ...) सं.—ऊदबिलाव ।

... पुणजि (क) सं.—धूल सी एक प्रकार ... मिट्टी ।

... पुणंबु, ಪುಣುಂಬು पुणुंबु (क) सं.— ..., तीर ।

... पुणिज (क) सं. — एक प्रकार का ...ड़ा ।

... पुणिसे, ಹುಣಿಸೆ हुणिसे (क) सं. — ...ली का पेड़ ।

... पुण्बु (क) सं.—दे. ಪುಣುಬು.

... पुण्य (सम्) सं.—पुण्य, सुकृत, नेकी, ...ाई, धार्मिक श्रेष्ठता । वि. — अच्छा, ...द्, पवित्र, शुभ, मंगलप्रद ।

... पुण्यक (सम्) सं.—धार्मिक कार्य ।

...ವಂತ पुण्यवंत (सम्) सं. — पुण्यात्मा ...ष, भाग्यवान् । ಪುಣ್ಯವಂತಳು पुण्य- ...ळु = स्त्री. लिं. ।

...ಕೆ पुत्तलिके, ಪುತ್ತಳಿಗೆ पुत्तळिगे (सम्) ...—गुड़िया, गुड्डा ।

...ಳಿ पुत्तळि (तद्) सं.—पुतली, गुड़िया ।

ಪುತ್ತ पुत्त, ಪುತ್ತು पुत्तु (क) सं. — वल्मीक, बाँबी, बिल ।

ಪುತ್ರ पुत्र (सम्) सं.—बेटा; बच्चा । ಪುತ್ರಿ पुत्रि—स्त्री. लिं. ।

ಪುತ್ರಕೆ पुत्रके ಪುತ್ರಿಕೆ पुत्रिके (सम्) सं.—पुत्री, बेटी, गुड़िया ।

ಪುದಿ पुदि (क) क्रि.—प्रवेश कर, घुस, अंदर जा, स्पर्श कर, मिल, एकाकार हो, लग ; मिलाया जा, लगाया जा ; आच्छादित हो, ढँक ; आच्छादन कर । सं.—द्वारपार्श्व ।

ಪುದಿವಟ್ಟು पुदिवट्टु (क) सं.—धार्मिक कार्य के लिए संग्रह किया जानेवाला धन ।

ಪುದು पुदु, ಪುದುವು पुदुवु (क) सं.—मिलना, मेल, साझेदारी ।

ಪುದುಗು पुदुगु (क) क्रि.—घुस, प्रवेश कर ; संकोच कर, सिकुड़ जा, छिप जा ; छिपा, ढँक ।

ಪುದೆ पुदे (क) सं. — झुरमुट ; आच्छादन ; ढक्कन ; छत ; तरकस. तूणीर ; आला ।

ಪುದ್ಗಲ पुद्गल (सम्) वि.—सुंदर, मनोहर । सं.—आत्मा, जीव शरीर, परमाणु ; वह जो टुकड़े हुआ हो ।

ಪುನಃ पुनः (सम्) अ.—पुनः, फिर ।

ಪುನಗು पुनगु, ಪುನುಗು पुनुगु (क) सं. — कस्तूरी मृग ।

ಪುನ್ನಾಗ पुन्नाग (सम्) सं.—नरश्रेष्ठ ; सफ़ेद हाथी ; साँड ; सांप ; सदाबहार पेड़ ।

ಪುಯ್ पुय् (क) क्रि.—मार, ताडन कर ; वध कर ; फेंक ।

ಪುಯಲ್ಚು पुयल्चु (क) क्रि. — चिल्ला, चीख, कराह, रोदन कर ।

ಪುಯ್ಯಲ್ पुय्यल् (क) सं. — मारना, मार, ताडन , रोदन, कोलाहल ।

(१) ಪುರ पुर (क) सं. – झरना, नाला, छोटी नदी ।

(२) ಪುರ पुर (सम्) सं.—नगर, शहर ; घर ; गृह ; देह, शरीर ; गणना करना ; तीन की संख्या का बोधक ; एक राक्षस का नाम ।

ಪುರಲೆ पुरले ಪುರ್ಲೆ पुर्ले, ಪುಳ್ಳೆ पुळ्ळे (क) सं. —छोटे-छोटे सूखे तृण या लकड़ी के टुकड़ ।

ಪುರಸತ್ತು पुरसत्तु (अ. दे.) सं. — फ़ुरसत (अरबी) ; अवकाश ।

ಪುರಸ್ಕಾರ पुरस्कार (सम्) सं.—सामने रखना, सम्मान ; पुरस्कार ।

ಪುರಾಣ पुराण (सम्) सं. —पुराना, प्राचीन, दीर्घकालीन, जीर्ण, सं. —प्राचीन काली घटना, पुराण ।

ಪುರಾತನ पुरातन (सम्)वि.—प्राचीन, पुराना, आदिकालीन, जीर्ण, घिसा हुआ ।

ಪುರಾರಿ पुरारि (सम्) सं.—शिव ; विष्णु ।

ಪುರಿ पुरि (क) क्रि.—भून । सं. — मुरमुरा ; रस्सी को दी जानेवाली मरोड़ ; बल, शक्ति, हिम्मत, गर्व, साहस ; घमंड :

ಪುರಿಡಿಸು पुरिडिसु, ಪುರುಡಿಸು पुरुडिसु (क) क्रि.—द्वेष कर ; स्पर्धा कर, होड़ ले ।

ಪುರುಡಿ पुरुडि, ಪುರುಳಿ पुरुळि (क) सं.—मादा तोता ।

ಪುರುಡಿಗ पुरुडिग (क) सं.—स्पर्धालु ; द्वेष-करनेवाला ।

ಪುರುಡು पुरुडु (क) सं.—स्पर्धा, होड़ ; द्वेष ; जाताशौच ।

ಪುರುಷ पुरुष (सम्) सं.—पुरुष, मनुष्य, नर ; पति ; आत्मा ; विश्वात्मा, विष्णु, ब्रह्मा, शिव ; पुल्लिंग ; प्रथम मध्यम, उत्तम, पुरुष ; आंख की पुतली ; एक वृक्ष ।

ಪುರುಷಾರ್ಥ पुरुषार्थ (सम्) सं.—चार पुरुषार्थ—धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष ।

ಪುರುಳ್ पुरुळ् ಪುರುಳು पुरुळु (क) सं.—सत्व, योग्यता, ज्ञान, अर्थ. सार ; शक्ति, शारीरिक सामर्थ्य ।

ಪುರುಳಿ पुरुळि (क) सं.—उन्नत या श्रेष्ठ पद या स्थान ; मादा तोता ।

ಪುರೆ पुरे (क) सं.—फोड़ा, फफोला ।

ಪುರೋಗಮನ पुरोगमन (सम्) सं.—आगे जाना, प्रगति ।

ಪುರ್ಗು पुर्गु (क)—सं. दे. ಪುಗ್ಗು.

ಪುರ್ಚ್ಛೆ पुर्चु (क) सं.—नाश, विनाश; बुराई, हानि।
ಪುಲಕ पुलक (सम्) सं.—रोमांच, शरीर के रोंगटों का खड़ा होना।
ಪುಲಿ पुलि, ಹುಲಿ हुलि (क) सं. — बाघ, व्याघ्र।
ಪುಲಿಂದ पुलिंद (सम्) सं.— प्राचीन असभ्य जाति विशेष।
ಪುಲೋಮ पुलोम (सम्) सं.—एक राक्षस का नाम; एक ऋतु।
ಪುಲ್ಲಿಂಗ पुल्लिंग (सम्) सं.—पुल्लिंग।
ಪುಲ್ಲೆ पुल्ले, ಹುಲ್ಲೆ हुल्ले (क) सं. — हरिण, हिरन।
ಪುಲ್ಲೆಗ पुल्लेग (क) सं.—बातूनी मनुष्य।
ಪುವ್ವು पुव्व, ಹುವ್ವು हुव्व, ಹುವ್ವು हुव्वु, ಹೂವು हूवु (क) सं.—फूल, पुष्प; आँख की एक बीमारी।
ಪುಷ್ಕರ पुष्कर (सम्) सं.—कमल, नीलकमल, हाथी की जिह्वा की नोंक; ढोल का चाम; तलवार की धार; आकाश; वायुमंडल; पिंजड़ा; मद, नशा; जल; युद्ध; मेल, सम्मेलन; नल महाराज के भाई का नाम; भेषज, औषध; गुण।
ಪುಷ್ಕರಿಣಿ पुष्करिणि (सम्) सं.—कमलों का तालाब।
ಪುಷ್ಕಲ पुष्कल (सम्) वि. — बहुत अधिक, विपुल, पूर्ण, संपन्न।
ಪುಷ್ಪ पुष्प (सम्) सं.—दे. ಪುವ್ವು।
ಪುಷ್ಪೇಷು पुष्पेषु (सम्) सं.—कामदेव।
ಪುಷ್ಯರಾಗ पुष्यराग (सम्) सं.—पुखराज।
ಪುಸಕ್ಕನೆ पुसक्कने (क) अ.—तुरंत, चुपचाप, फौरन।
ಪುಸಲಾಯಿಸು पुसलायिसु (अ. दे.) क्रि.—फुसला।
ಪುಸಿ पुसि (क) क्रि.—झूठ या मिथ्या कह या बोल; फलित न हो। सं.—झूठ, मिथ्या।
ಪುಸಿಗ पुसिग (क) सं.—झूठ बोलनेवाला।
ಪುಸ್ತಕ पुस्तक, ಪುಸ್ತಗ पुस्तक, ಪುಸ್ತುಕ पुस्तुक, ಪೊಸ್ತಕ पोस्तक, ಪೊಸ್ತಗ पोस्तग ಪೊಸ್ತುಗ पोस्तुग, ಪೊತ್ತಗೆ पोत्तगे, ಪೊತ್ತಿಗೆ पोत्तिगे, ಹೊತ್ತಗೆ होत्तगे, ಹೊತ್ತಿಗೆ होत्तिगे (सम् —तद्) सं —पुस्तक, किताब, ग्रंथ।
ಪುಳಕ पुळक, ಪುಳಕೆ पुळके (तद्) सं.—पुलक, रोमांच।
ಪುಳಿ पुळि (क) सं.—खटाई।
ಪುಳು पुळु, ಹುಳ हुळ (क) सं.—कीड़ा, कीट; साँप।
ಪುಳು पुळि (क) क्रि.-कीड़ों से खाया जाना।
ಪುಳುಕು पुळुकु (क) सं.—कीड़ों से खाये जाने की स्थिति; सड़ना; थोथा, बेकार, निस्सार।
ಪುಳ್ಗಿ पुळ्गि, ಹುಗ್ಗಿ हुग्गि (क) सं.—खिचड़ी।
ಪುಳ್ಗು पुळगु (क) क्रि.—जला, दहन कर; सेंक।
ಪೂ पू (क) क्रि.—पुष्पित हो, विकसित हो, कुसुमित हो। सं.—पुष्प, फूल।
ಪೂಗ पूग (सम्) सं.=राशि, ढेर, समूह; सुपारी का पेड़, सुपारी।
ಪೂಜಾರಿ पूजारि (सम्) सं.—अर्चक, पूजारी।
ಪೂಜಿಸು पूजिसु (सम्) क्रि. — पूजा कर, अर्चना कर; सम्मान कर।
ಪೂಜೆ पूजे (सम्) सं.—पूजा।
ಪೂಜ್ಯ पूज्य (सम्) सं.—पूजने योग्य, पूज्य, आदरणीय।
ಪೂಜ್ಯೆ पूज्ये (सम्) सं.—आदरणीय स्त्री।
ಪೂಡು पूडु, ಹೂಡು हूडु (क) क्रि. — लगा, डाल, बांध; गाड़; मिला, जोड़; तैयार कर।
ಪೂಣ್ पूण् (क) क्रि. — तीर चढ़ा; प्रारंभ कर; स्वीकार कर, मान; वादा कर, वचन दे, प्रतिज्ञा कर; दावा कर, चुनौती दे। सं.—वादा, प्रतिज्ञा, वचन।
ಪೂಣಿಗ पूणिग (क) सं.— धनुर्धारी, तीरंदाज़।
ಪೂತ पूत (सम्) वि.—पवित्र, शुद्ध।
ಪೂತನೆ पूतने (सम्) सं.—राक्षसी पूतना।
ಪೂತು पूतु (क) अ.—अच्छा!, भला!
ಪೂನ್ पून् (क) क्रि.—लग, प्रयत्न कर।
ಪೂರಣ पूरण (सम्) सं.—पूर्ति, समाप्ति, भरना; सूजन, फुलाव।
ಪೂರಯಿಸು पूरयिसु, ಪೂರಯ್ಸು पूरय्सु, ಪೂರವಿಸು पूरविसु, ಪೂರಿಸು पूरिसु (सम्) क्रि. —पूर्ण कर, समाप्त कर; भर; पूर्ण हो, भरा जा।
ಪೂರ್ಣ पूर्ण (सम्) वि.—पूर्ण, भरा हुआ, पूरा, समूचा, कुल; दृढ़। सं.— हूर्ण (तद्) सं—गुडापूप में रखने का पकायी गई अरहर की दाल और गुड का मिश्रण।
ಪೂರ್ಣಮೆ पूर्णमे, ಪೂರ್ಣಿಮೆ पूर्णिमे, (सम्) सं.—पूर्णिमा।
ಪೂರ್ತ पूर्त, ಪೂರ್ತೆ पूर्ते (सम्) वि. — पूरा, भरा हुआ, पूर्ण।
ಪೂರ್ವ पूर्व (सम्) वि.—पुराना, प्राचीन, पहले का, पूर्वीय। सं. पूर्वदिशा; पूर्वज; पुरानी परंपरा।
ಪೂರ್ವಿ पूर्वि (सम्) सं.—एक राग विशेष।
ಪೂರ್ವಿಕ पूर्विक, ಪೂರ್ವೀಕ पूर्वीक (सम्) सं. —पूर्वज।
ಪೂವಡಿಗ पूवडिग, ಹೂವಡಿಗ हूवडिग (क) सं.—फूल बेचनेवाला।
ಪೂವಳ पूवळ (क) सं.—फूल बेचनेवाला।
ಪೂವು पूवु (क) सं.—फूल, पुष्प।
ಪೂಸು पूसु (क) क्रि.—लेपन कर, विलेपन कर, लगा। सं.—लेपन कार्य।
ಪೂಳ್ पूळ् (क) क्रि.—लगा, गाड़; ढक, आच्छादन कर।
ಪೃಚ್ಛೆ पृच्छे (सम्) सं.—पूछना: प्रश्न, पूछ-ताछ।
ಪೃಥಕ್ पृथक् (सम्) अ. — अलग अलग, भिन्न, एकाकी, अकेला।
ಪೃಥಿವಿ पृथिवि, ಪೃಥಿವೀ पृथिवी (सम्) सं.—भूमि।
ಪೃಥು पृथु (सम्) सं. — कई व्यक्तियों का नाम; एक प्रकार का छोटा बीज; एक दवाई। वि.—चौड़ा, विस्तृत। अधिक, बड़ा।
ಪೃಥುವಿ पृथुवि (तद्) सं.—पृथिवी (तत्); भूमि।

ಪೃಥುಸ್ಥಾನ पृथुस्थान (सम्) सं. — नगर, शहर ।
ಪೃಥ್ವಿ पृथ्वि (सम्) सं.—धरा, भूमि; पृथ्वी तत्त्व; बड़ी इलायची; एक छंद का नाम । —ಪಾಲ पाल (सम्) सं.—राजा ।
ಪೃಷ್ಟ पृष्ट (सम्) वि.—पूछा हुआ ।
ಪೃಷ್ಠ पृष्ठ (सम्) सं.—पृष्ट, पीठ, पिछला भाग, पुस्तक का पन्ना ।
ಪೆಂಗ पेंग (क) सं.—मूर्ख या बेवकूफ़ मनुष्य ।
ಪೆಂಗೂಸು पेंगूसु (क) सं.—बच्ची ।
ಪೆಂಚೆ पेंचे (क) सं.—मयूर, मोर ।
ಪೆಂಟೆ पेंटे (क) सं.—(मिट्टी का) ढेला ।
ಪೆಂಡ पेंड (क) सं.—स्त्री; औरत ।
ಪೆಂಡತಿ पेंडति, ಪೆಂಡಿತಿ पेंडिति (क) सं.—पत्नी ।
ಪೆಂಡಿ पेंडि, ಪಿಂಡಿ पिंडि (क) सं.—गट्ठा, वंडल ।
ಪೆಂಪು पपुं (क) सं.—महानता, विशालता, अधिकता, उन्नति ।
ಪೆಕ್ಕಳಿಸು पेक्कळिसु (क) क्रि.—अधिक हो, सम्मृद्ध हो; गर्वित हो, घमंड कर ।
ಪೆಗಲ್ पेगल् (क) सं.—कंधा ।
ಪೆಚ್ಚರ पेच्चर, ಪೆಚ್ಚಱ पेच्चऱ् (क) सं.—सावधानी ।
(१) ಪೆಚ್ಚು पेच्चु (क) क्रि.—अधिक हो । सं.—अधिकता ।
(२) ಪೆಚ್ಚು पेच्चु (तद्) सं.—पित्त (तत्); मूर्खता; पागलपन ।
ಪೆಟಾರಿ पेटारि, ಪೆಟಾರಿಗೆ पेटारिगे (तद्) सं.—बड़ी पेटी ।
ಪೆಟ್ಟ पेट्ट (क) सं.—(मिट्टी का) ढेला ।
ಪೆಟ್ಟಲ್ पेट्टल्, ಪೆಟ್ಟಲು पेट्टलु (क) सं.—बच्चों की खेलने की बंदूक ।
ಪೆಟ್ಟಿಗೆ पेट्टिगे (तद्) सं.—पेटी ।
ಪೆಟ್ಟು पेट्टु (क) सं.—मार, प्रहार, चोट; गर्व; दर्प; साहस ।
ಪೆಟ್ಟೆ पेट्टे (क) सं.—मिट्टी का ढेला ।
ಪೆಡ पेड (क) वि.—पीछे का, पिछला, पूर्व का ।
ಪೆಡಸು पेडसु (क) सं.—कठोरता, कड़ापन, सख्ती, चिकना न होना; कडुआपन; (वाणी की) की कठोरता; कष्ट, तकलीफ़ ।
ಪೆಡೆಯ पेड़ेय (क) सं.—अन्य मनुष्य, नया आदमी ।
ಪೆಣ್ पेण् (क) सं.—स्त्री, औरत (ह. क.) ।
ಪೆಣ पेण (क) सं.—शव, मुर्दा ।
ಪೆಣಗು पेणगु, ಪೆಣಸು पेणसु (क) क्रि.—जूझ, लड़, झगड़ा कर । ಪೆಣಸು पेणसु (क) सं.—मिलन, आलिंगन ।
ಪೆಣೆ पेणे (क) क्रि.—रस्सी आदि को मिलाकर मरोड़, पिरो । सं.—मरोड़; मिलन ।
ಪೆಣ್ಣು पेण्णु (क) सं—स्त्री । ಪೆಣ್ತನ पेण्तन= स्त्रीत्व ।
ಪೆತ್ತು पेत्तु, ಹೆತ್ತು हेत्तु (क) कृ.—जन्म देकर ।
ಪೆದೆ पेदे, ಹೆದೆ हेदे (क) सं.—धनुष की डोरी ।
ಪೆದ್ದ पेद्द (क) वि.—बड़ा, महान । सं.—मूर्ख, बेवकूफ़ ।
ಪೆದ್ದಿ पेद्दि (क) सं.—बड़ी या अधिक आयु-वाली स्त्री; मूर्ख स्त्री ।
ಪೆನ್ನೆ पेन्ने (क) सं.—एक नदी का नाम ।
ಪೆರೆ पेरे, ಹೆರೆ हेरे (क) सं.—केंचुली ।
ಪೆಱ್ पेऱ्, ಪೆಱು पेऱु (क) क्रि.—प्राप्त कर, उपलब्ध कर, पा; जन्म दे, उत्पन्न कर; गाढ़ा हो, जम जा (जैसे दही, घी आदि) (ह. क.) ।
ಪೆಱ पेऱ (क) वि.—बाहर का, पराया, पीछे का, बाह्य, अन्य ।
ಪೆಱಗು पेऱगु, ಪೆಱಗೆ पेऱगे (क) सं.—वह जो पीछे हो ।
ಪೆಱೆ पेऱे (क) सं.—अर्धचंद्र, चंद्र ।
ಪೆರ್ಚಿಸು पेर्चिसु (क) क्रि.—बढ़ा, अधिक, वृद्धि कर ।
ಪೆರ್ಚು पेर्चु (क) क्रि.—बढ जा, अधिक हो, असंख्य हो, विस्तार हो; फूल जा । सं.—वृद्धि; बढ़ना, आधिक्य, विस्तार ।
ಪೆರ್ಚುಗೆ पेर्चुगे (क) सं.—आधिक्य, अधिकता । वृद्धि ।
ಪೆರ್ಮೆ पेर्मे (क) सं.—अधिकता, महानता, बड़प्पन, गौरव, सम्मान; गर्व, नाज ।
ಪೆಸರ್ पेसर्, ಪೆಸರು पेसरु, ಹೆಸರು हेसरु (क) सं.—नाम; किसी का भी नाम; यश, कीर्ति ।
ಪೆಸಱ पेसऱ; ಪೆಸಱು पेसऱु (क) सं.—मूँग (Green gram) (ह. क.) ।
ಪೆಳಗು पेळगु (क) सं.—भय, डर, भीति ।
ಪೆಳಱ್ पेळऱ्, ಪೆಳಱು पेळऱु (क) क्रि.—काँप, भयभीत हो ।
ಪೆಳಱಿಸು पेळऱिसु (क) (क्रि)—डरा; कंपा ।
ಪೆಱಕು पेऱकु (क) सं.—झगड़ा, कलह ।
ಪೆಳುವ पेळुव (क) सं.—ಹೆಳವ हेळव—लंगड़ा, लूला, अपाहिज । ಪೆಳುವಿ पेळवि — स्त्री. लिं. ।
ಪೇ पे (क) सं.= ಹೇ हे—पागलपन; विभ्रम, भ्रांति ।
ಪೇಂಕುಣಿ पेंकुणि, ಪೇಂಕುಳಿ पेंकुळि (क) सं.—राक्षस; पागलपन; विभ्रम ।
ಪೇಚಕ पेचक (सम्) सं.—उल्लू; हाथी की पूंछ की जड; लीख ।
ಪೇಚಾಟ पेचाट (अ. दे.) सं.—['पेच'—(फ़ारसी) से] कष्ट, तकलीफ़, उलझन ।
ಪೇಚಕಿ पेचकि (सम्) सं.—हाथी ।
ಪೇಟ पेट (क) सं.—पगड़ी ।
ಪೇಟೆ पेटे (क) सं.—बाज़ार, मंडी । (तद्) सं.—पेठी; टोकरी ।
ಪೇತು पेतु (क) सं.—राक्षस; भ्रांति, विभ्रम ।
ಪೇನ್ पेन् (क) सं.—लीख ।
ಪೇಯ पेय (सम्) वि.—पीने योग्य; स्वादिष्ट, रुचिकर । सं.—पेय पदार्थ, शरबत ।
ಪೇರ್ पेर् (क) वि.—बडा (समास में) ।
ಪೇರಣಿ पेरणि, ಪೇರಣೆ पेरणे (क) सं.—नाच, नृत्य ।
ಪೇರು पेरु, ಪೇಱು पेऱु (क) क्रि.—फैला, विकीर्ण कर, मुक्त कर; लाद, एक वस्तु पर दूसरी वस्तु रख । सं.—लादना, बोझ, भार ।
ಪೇಲ್ पेल् (क) क्रि.—काँप; थरथरा । सं.—कंपन ।

ಪೇಲವ पेलव (सम्) वि.—सुकुमार, सुकोमल ; पतला, दुबला ।

ಪೇಶಲ पेशल, ಪೇಷಲ पेषल (सम्) वि. — कोमल, मुलायम, महीन, पतला ।

ಪೇಸಿಕೆ पेसिके (क) सं.—गंदगी, मैल, जुगुप्सा (ह. क.) ।

ಪೇಳಿ पेळि, ಪೇಟಿ पेळि (क) सं.—पिटारी ।

ಪೇಳ್ पेळ्, ಪೇಳು पेळ, [ಪೇಳು पेळु] (क) क्रि.—कह, बोल, बतला ; आज्ञा दे ।

ಪೇಳ್ಕೆ पेळिके ಪೇಳಿಗೆ पेळिगे (क) सं. — बोलना, बोल ; नाम, यश ।

ಪೇಳುವಿಕೆ पेळुविके (क) सं.—कहना, बोलना, बतलाना ।

ಪೈ पै (क) वि.—ऊपर का; बाह्य, दूसरा ।

ಪೈಂಗಲ पैंगल (सम्) सं.—इक्कावनवें संवत्सर का नाम ।

ಪೈಜಣ पैजण (अ. दे.) सं.—पैरों में बांधने की छोटी-छोटी घण्टियां, पायल ।

ಪೈಜಾಮ पैजाम (अ. दे.) सं.—पायजामा ।

ಪೈತೃಕ पैतृक (सम्) वि. — पिता संबंधी, परंपरा से प्राप्त ।

ಪೈತ್ಯ पैत्य (सम्) वि.—पित्त संबंधी । सं.—पित्त ; पागलपन; मूर्खता ।

ಪೈಲವಾನ್ पैलवान्, ಪೈಲವಾನ पैलवान (अ. दे.) सं.—पहलवान ।

ಪೊಂ पॊं, ಪೊನ್ पॊन् (क) सं. — सोना, सुवर्ण, हेम ।

ಪೊಂಗ पॊंग (क) सं.—आवारा, ढीठ ।

ಪೊಂಗರ पॊंगर (क) सं —मूँगा ।

ಪೊಂಗಲು पॊंगलु, ಪೊಂಗಿಲು पॊंगिलु (क) सं. —खिचड़ी (मूंग की दाल और चावल से बनाई जाती है) ।

ಪೊಂಗಿಸು पॊंगिसु (क) क्रि.—उबाल, उफान आने दे ।

ಪೊಂಗು पॊंगु (क) क्रि.—उफान आ, उबल ; फूल जा । सं.—उफान ।

ಪೊಂಚು पॊंचु (क) क्रि.—ताक में रह । सं.—ताक ।

ಪೊಂಜು पॊंजु (क) सं.—दे. ಪಂಜು.

ಪೊಂಜೆಳೆ पॊंज़ेळे (क) सं.–सोने की कांति, सोने की बेंत ।

ಪೊಂದು पॊंदु (क) क्रि. — पा, प्राप्त कर ; मिला, जोड़ । सं.—मिलन, मेल, समूह ; मरण ।

ಪೊಕ್ಕು पॊक्कु (क) कृ.—प्रवेश करके, घुसकर, अंदर पहुँच कर ।

ಪೊಕ್ಕುಳವಕ್ಕಿ पॊक्कुळवक्कि, ಪೊಕ್ಕುಳಿವಕ್ಕಿ पॊक्कुळिवक्कि (क) सं.—कोयल, कोकिल ।

ಪೊಗದಿ पॊगदि (क) सं.—कर, राजकर ।

ಪೊಗರ್ पॊगर्, ಪೊಗರು पॊगरु (क) सं.—चमक, दमक, कांति, छवि ।

ಪೊಗಸು पॊगसु (क) सं.—विस्तार ।

ಪೊಗಳ್ पॊगळ्, ಪೊಗಟ್ पॊगळ्, ಪೊಗಟು पॊगळु (क) सं.—प्रशंसा, कीर्ति । क्रि.—प्रशंसा कर, स्तुति कर ।

ಪೊಗಟ್ಕೆ पॊगळ्के, ಪೊಗಟ್ತೆ पॊगळ्ते (क) सं. प्रशंसा करना, प्रशंसा, स्तुति ।

ಪೊಗಿಸು पॊगिसु (क) क्रि —प्रवेश करा, घुसा ।

ಪೊಗು पॊगु (क) क्रि.—प्रवेश कर, जा, घुस ।

ಪೊಗೆ पॊगे (क) क्रि. – धुआँ निकल या आ । धूम्रपान कर । सं.—धुआँ, धूम्र ।

ಪೊಚ್ಚ पॊच्च (क) वि.—साफ़, शुद्ध ; सफ़ेद ।

ಪೊಚ್ಚಱು पॊच्चरु (क) क्रि.—प्रकट हो, स्फुरित हो ।

ಪೊಚ್ಚಳಿ पॊच्चळि (क) सं.—चमक, कांति ; नदी ।

ಪೊಟ್ಟ पॊट्ट (क) सं —मूक, गूँगा ।

ಪೊಟ್ಟಣ पॊट्टण, ಪೊಟ್ಣ पॊट्ण, ಪೊಟ್ಲ पॊट्ल (तद्) सं.—पुटः (तत्) पॊटली ।

ಪೊಟ್ಟರೆ पॊट्टरे, ಪೊಟ್ರೆ पॊट्रे (क) सं. खोखला, कोटर ।

ಪೊಟ್ಟು पॊट्टु, ಹೊಟ್ಟು हॊट्टु (क) सं.—भूसा, भूसी ।

ಪೊಟ್ಟೆ पॊट्टे (क) सं.—खोखला, कोटर ; पेट, उदर ।

ಪೊಡಪು पॊडपु, ಪೊಡರ್ಪು पॊडर्पु (क) सं.—चमक, कांति, आभा, सौंदर्य ; दर्प, वैभव, शक्ति ।

ಪೊಡರ್ पॊडर् (क) क्रि. — काँप, थरथरा ; निकल जा, स्फुरित हो, प्रकट हो ।

(१) ಪೊಡವಿ पॊंडवि (क) सं.—एक प्रकार की पालकी ।

(२) ಪೊಡವಿ पॊडवि (तद्) सं. — पृथ्वी (तद्) ; भूमि ।

ಪೊಡಸು पॊडसु, ಪೊಡಯಿಸು पॊडयिसु (क) क्रि.—पिटा, मार (प्रे.) ।

ಪೊಡೆ पॊड़े (क) क्रि.—मार, पीट ; निकल आ ; काँप, लग । सं.—उदर, पेट ; विस्तार ; लंबाई ; बाण का भाग जो निकाला गया हो ; कोंछ ।

ಪೊಣರ್ पॊणर्, ಪೊಣರು पॊणरु (क) क्रि.—लग, जुड़, मिल । सं.—लगना, मिलना ; झगड़ा, कलह ।

ಪೊಣರ್ಕೆ पॊणर्के (क) सं.—लड़ना ; झगड़ा, लड़ाई ।

ಪೊಣರ್ಚು पॊणर्चु (क) क्रि.—जोड़, जुड़, लग, मिल ।

ಪೊಣ್ಮು पॊण्मु (क) क्रि. — उमड़, निकल, फूल, फट जा, उत्पन्न हो ।

ಪೊತ್ತಱ್ पॊत्तर्, ಪೊತ್ತಱೆ पॊत्तरे (क) सं. —दिन (Day-time) सबेरा, प्रातःकाल ।

ಪೊತ್ತಿಸು पॊत्तिसु, ಹೊತ್ತಿಸು हॊत्तिसु (क) क्रि. —(दिया) जला :

ಪೊತ್ತು पॊत्तु (क) क्रि.—(दिया) जल, जल उठ ; अधिक जल जा । सं. — ज्वाला, जलना ; सूर्य, समय ।

ಪೊದಕುಳಿ पॊदकुळि (क) सं. — पीड़ा, संकट, दुःख, दर्द ।

ಪೊದಕೆ पॊदके (क) सं. — ओढनी ; ढक्कन ; छत, छज्जा ।

ಪೊದಱ್ पॊदर्, ಪೊದಱು पॊदरु (क) सं.—झाड़ी, पौधों का समूह ।

ಪೊದಟ್ पॊदळ् (क) क्रि.—उठ, निकल आ, फूटकर आ, बाहर आ ; प्रसिद्ध हो ।

ಪೊದಟ್ಕೆ पॊदळ्के (क) सं. — फूटकर आना, निकलना ; प्रसिद्धि ।

ಪೊದಟ್ಟು पॊदळ् (क) क्रि.—कर, संपन्न कर ।

ಪೊದಿಸು पॊदिसु (क) क्रि·— ढक, ओढ़ा ।
ಪೊದುಂಕು पॊदुंकु (क) क्रि.—छिपा ।
ಪೊದೆ पॊदॆ (क) क्रि·— ढँक, ओढ़ा । सं·— तरकस, तूणीर ; झुरमट, पौधों का समूह ; गट्ठा, बंडल ; छप्पर ।
ಪೊದ್ದು पॊद्दु (क) क्रि·—प्राप्त कर, पा, उपलब्ध कर ।
ಪೊನ್ पॊन् (क) सं·—सोना, सुवर्ण, हेम ।
ಪೊನಲ್ पॊनल् (क) सं·—झरना ; नदी ।
ಪೊನ್ನ पॊन्न (क) सं·—कन्नड के एक प्राचीन कवि का नाम जो 'रत्नत्रय' में एक हैं ।
ಪೊಯ್ पॊय्, ಪೊಯಿ पॊयि (क) क्रि·—डाल, ऊपर से डाल; मार, पीट, ताडन कर। सं. —मारना, पीटना ; डालना ।
ಪೊಯ್ಲು पॊय्लु (क) सं. — मारना, पीटना ; ताडन, प्रहार ।
ಪೊರಳ್ पॊरळ्, ಪೊರಳು पोरळु (क) क्रि· — लुढक, लुंठित हो ।
ಪೊರಳಿ पॊरळि (क) सं·—राशि, ढेर ।
ಪೊರಳ್ಚು पॊरळ्चु (क) क्रि·—लुढका ।
ಪೊರಿಕೆ पॊरिकॆ, ಪೊರಿಗೆ पॊरिगॆ (क) सं. — झाडू, बुहारी ।
(१) ಪೊರೆ पॊरॆ (क) क्रि·—पालन कर, पोषण कर, रक्षा कर, पालित हो । सं. — पालनपोषण ।
(२) ಪೊರೆ पॊरॆ (क) क्रि.—जुड़, मिल, संयुक्त हो । सं. — मिलना, पास-पास होना ; सामीप्य, पड़ोस ; बाड़ा, परत ।
ಪೊರೆಯಿಸು पॊरॆयिसु (क) क्रि·—पालन-पोषण करा या करवा ।
ಪೊಱ್ पॊऱ्, ಪೊಱು पॊऱु (क) क्रि· — सिर पर वहन कर या धारण कर, उठा ।
ಪೊಱ पॊऱ, ಪೊಱಗೆ पॊऱगॆ, ಪೊಱಗು पॊऱगु (क) अ·—बाहर ।
ಪೊಱಿಗೆ पॊऱिगॆ (क) सं·—सिर पर का बोझा; धंधा, काम ।
ಪೊಱಿಸು पॊऱिसु (क) क्रि·—सिर पर वहन कर, लाद ।
ಪೊಱೆ पॊऱॆ (क) सं· — बोझा, भार (गट्ठा आदि) ।
ಪೊರ್ಕುಳಿ पॊर्कुळि (क) सं·—लहर, तरंग ।
ಪೊರ್ದುಗೆ पॊर्दुगॆ (क) सं· — मिलन, स्पर्श, साहचर्य, सामीप्य ।
ಪೊರ್ದುಗೆಕಾಱ पॊर्दुगॆकाऱ (क) सं·—सहचर, मित्र ।
ಪೊಲ್ पॊल् (क) क्रि· — लग, सादृश्य या समान हो ; सी । सं·—नीचता, तुच्छता, कमीनापन ।
ಪೊಲ पॊल, ಹೊಲ हॊल (क) सं· — क्षेत्र, खेत ।
ಪೊಲತಿ पॊलति (क) सं·— अछूत स्त्री, चमारिन, हरिजन स्त्री ।
ಪೊಲದಿ पॊलदि (क) सं·—लंपट, व्यभिचारी ।
ಪೊಲಬು पॊलबु, ಪೊಲಂಬು पॊलंबु (क) सं·— ढंग, विधान, रीति ; परिस्थिति ।
ಪೊಲಸು पॊलसु (क) सं·—गंदगी, मैल ।
ಪೊಲೆ पॊलॆ (क) सं·—अशुचि, बच्चे के जन्म के कारण होनेवाली अशुद्धि; स्त्रियों का रजस्वला होना ।
ಪೊಲ್ಲ पॊल्ल (क) सं·—नीचता, कमीनापन ।
ಪೊಲ್ಲಣ पॊल्लण, ಪೊಲ್ಲೆಯ पॊल्लॆय (क) सं·— निष्ठुरता ; बुराई ।
ಪೊಲ್ಲಮೆ पॊल्लमॆ (क) सं·—नीच काम, बुराई ।
ಪೊಸ पॊस, ಪೊಸತು पॊसतु, ಪೊಸದು पॊसदु वि· —नया, नवीन, नव ।
ಪೊಸಂತಿಲ್ पॊसंतिल् (क) सं·—देहरी ।
ಪೊಸಯಿಸು पॊसयिसु (क) क्रि· — ಪೊಸವಿಸು पॊसविसु — लगा, मिला, जोड़ा ; मथ, हिला ।
ಪೊಸೆ पॊसॆ (क) क्रि· —हिल, आंदोलित हो, मथा जा, रगड़, भोंक ; रस्सी की मरोड़ । सं.—मथानी ।
ಪೊಳಕು पॊळकु, ಪೊಳಂಕು पॊळंकु ((क) क्रि· —चबा, चर्वित कर ।
ಪೊಳಪು पॊळपु (क) सं·—चमक, दमक, कांति, प्रकाश, झूलना, प्रेंख ।
ಪೊಳೆ पॊळॆ (क) क्रि·—प्रकाशित हो, चमक, दमक; लुंठित हो ; इधर-उधर हिल, झूल ।
ಪೊಳ್ಳು पॊळ्ळु (क) सं· — निस्सार पदार्थ, थोथा, बेकार ।
ಪೊೞಕು पॊऴकु (क) सं·—आकार, रूप ।
ಪೊೞಲ್ पॊऴल् ಪೊೞಲು पॊऴलु (क) सं·— रहने का स्थान, शहर, नगर, बस्ती ।
ಪೊೞೆ पोऴॆ (क) सं· नदी ; मार्ग, रास्ता ।
ಪೊೞ್ತು पॊऴ्तु (क) सं·—सूर्य, प्रातःकाल ; समय ।
ಪೋ पो (क) क्रि·—जा, गमन कर : प्रस्थान कर, चल ।
ಪೋಕ पोक (क) सं·—जानेवाला ; आवारा, दुष्ट, बेकार आदमी ।
ಪೋಕರಿ पोकरि (क) सं· — आवारा, दुष्ट, लफंगा ।
ಪೋಗಿಸು पोगिसु (क) क्रि· — चला, गमन करा ।
ಪೋಗು पोगु (क) क्रि·— जा, गमन कर, चल ; निकल जा ।
ಪೋಟ पोट (क) सं·-भीरु ; कापुर ; आवारा, गुण्डा, दुष्ट ।
ಪೋಟಿ पोटि (क) सं. — मिलाना ; सादृश्य, समानता ; स्पर्धा, होड ; खोखला, कोटर ; कदरा ।
ಪೋಡು पोडु (क) सं·—जोड़, मिलाप ; विभाग, टुकड़े करना ।
ಪೋಣಿಸು पोणिसु (क) क्रि·— गूँथ ; पिरो ।
ಪೋತ पोत (सम्) सं·—किसी जानवर का बच्चा ; नाव ; जहाज़ ; वस्त्र, पहनावा ।
ಪೋತ್ರ पोत्र (सम्) सं·—सुअर या थूथन ।
ಪೋರ್ पोर् (क) क्रि —लड़, मल्लयुद्ध कर। सं.—मल्लयुद्ध, झगड़ा, लड़ाई ; विल ।
ಪೋರಿಸು पोरिसु (क) क्रि·—लड़ा, युद्ध करा या करवा ।
ಪೋರ್ಕುಳಿ पोर्कुळि (क) सं·—मल्ल, पहलवान ; मल्लयुद्ध, लड़ाई, संघर्ष ; विरोध ।
ಪೋರ್ಕೆ पोर्कॆ (क) सं·—लड़ना ; युद्ध, संघर्ष ।
ಪೋಲ್ पोल् (क) क्रि·—समान हो, सादृश्य हो । सं·—सादृश्य ।
ಪೋಲಿ पोलि (क) वि·—नीच, लफंगा ।

ಪೋಲಿಸು पोलिसु (क) क्रि·—समानता दिखा, तुलना कर ।

ಪೋಲು पोलु (क) क्रि·—दे. ಪೋಲ್.

ಪೋಲ್ಕೆ पोल्के, ಪೋಲ್ಕೆ पोल्के (क) सं·—समानता, सादृश्य ; तुलना ।

ಪೋಷಿಸು पोषिसु (सम्) क्रि·—पोषण कर ; रक्षण कर ।

ಪೋೞ್ पोऴ्, ಪೋೞು पोऴु (क) क्रि· —चीर, विदीर्ण कर, टुकड़े कर । सं·—टुकड़ा, भाग, खंड, विभक्त पदार्थ ; रचना, कला की रचना ।

ಪೋೞಲ್ पोऴल् (क) सं·—खोखला ।

ಪೌಜು पौजु (अ· दे·) सं·—फ़ौज़ (अरबी) ; सेना, टुकड़ी ।

ಪೌತ್ರ पौत्र (सम्) सं·—पुत्र का पुत्र, पोता । ಪೌತ್ರಿ पौत्रि=पोती ।

ಪೌರುಷ पौरुष (सम्) सं· —पौरुष, विक्रम, बहादुरी । वि·—पुरुष संबन्धी ।

ಪ್ರಕಟನೆ प्रकटने (सम्) सं·—प्रकटन, सूचना; घोषणा ।

ಪ್ರಕಟಿಸು प्रकटिसु (सम्) क्रि·—प्रकटन कर प्रकाशित कर ; घोषणा कर, बता ।

ಪ್ರಕರಣ प्रकरण (सम्) सं·— ಪಗರಣ पगरण (तद्)—विषय, प्रसंग ; अध्याय, परिच्छेद; अव र, मौका ; मुखबंध, भूमिका ; रूपक का एक भेद ।

ಪ್ರಕಾಶಿಸು प्रकाशिसु (सम्) क्रि· — प्रकाशित कर, प्रकट कर, चमका ; प्रसिद्ध कर ।

ಪ್ರಕೀರ್ಣ प्रकीर्ण (सम्) वि· — फुटकर, फुटकल ।

ಪ್ರಕೃತಿ प्रकृति (सम्) सं·—स्वभाव ; बनावट, आकार ; परंपरा ; उद्गम स्थल ; सांख्य दर्शन में उक्त प्रकृति ; नमूना ; आदर्श ; स्त्री ; निसर्ग, कुदरत ; अमात्य, मन्त्री ; गुणत्रय ; तत्व ; राजतंत्र के अंग ; करने योग्य कार्य ; कारण, हेतु विशेष प्रकार का अभ्यास, शील ; बलि ; आदि और अंत ; त्यागना, त्याग ; समूह ; रज, धूल ; प्रधान, श्रेष्ठ ; जननेन्द्रिय ।

ಪ್ರಕ್ರಿಯೆ प्रक्रिये (सम्) सं·—प्रक्रिया, ढंग, तरीका ; संस्कार, कर्म ।

ಪ್ರಕ್ಷಾಲನ प्रक्षालन (सम्) सं·—धोना, साफ़ करना ; माँजना ।

ಪ್ರಗಾಢ प्रगाढ (सम्) वि· — गाढा, कठोर, दृढ, अधिक, बहुत ।

ಪ್ರಚಂಡ प्रचंड (सम्) वि· — अत्यन्त तीव्र, तेज़, उग्र, प्रखर, बलवान, भयानक ; क्रोधी; साहसी ।

ಪ್ರಚಾರಗೊಳಿಸು प्रचारगोळिसु (सम्) क्रि·—प्रचार कर ।

ಪ್ರಚುರ प्रचुर (सम्) वि· — बहुत, अधिक, विपुल ; बड़ा, विस्तृत ; प्रसिद्ध ।

ಪ್ರಚ್ಛನ್ನ प्रच्छन्न (सम्) वि·—ढका हुआ, परिवेष्टित, गोप्य ।

ಪ್ರಜಾಗರ प्रजागर (सम्) सं·—रात को जागनेवाला ; रक्षक, अभिभावक ; कृष्ण का एक नाम ।

ಪ್ರಜಾಪತಿ प्रजापति (सम्) सं·—ब्रह्मा ; ब्रह्मा के दस पुत्र ; राजा ; लिंग ।

ಪ್ರಜಾವತಿ प्रजावति (सम्) सं·—वह स्त्री जिसके बच्चे हो ; माता ; गर्भवती स्त्री ; भाई की पत्नी ।

ಪ್ರಜೆ प्रजे (सम्) सं·—प्रजा, लोग ; संतान, औलाद ।

ಪ್ರಜ್ಞೆ प्रज्ञे (सम्) सं·—प्रज्ञा, बुद्धि, ज्ञान, प्रतिभा, विवेक, समझ ; बुद्धिमती स्त्री ।

ಪ್ರಜ್ವಲಿಸು प्रज्वलिसु (सम्) क्रि· —प्रज्वलित कर, जला ; चमका ।

ಪ್ರಣತಿ प्रणति (सम्) सं·—प्रणाम, नमस्कार ।

ಪ್ರಣಯ प्रणय (सम्) सं· — प्रेम, प्रीति ; मैत्री, स्नेह ; अनुग्रह, दया ; विनय, याचना; विवाह ।

ಪ್ರಣವ प्रणव (सम्) सं·—ओंकार ; एक छोटा ढोल, मृदंग ।

ಪ್ರಣಾಮ प्रणाम, ಪ್ರಣಿಪಾತ प्रणिपात (सम्) सं·—नमस्कार ।

ಪ್ರತಾಪಿ प्रतापि (सम्) वि·—गरम, उष्ण, जलनेवाला, पीड़ाकर, संतप्त करनेवाला ; साहसी, वीर, पराक्रमी ।

ಪ್ರತಿಕಾರ प्रतिकार, ಪ್ರತೀಕಾರ, प्रतीकार (सम्) सं·—प्रतिशोध, बदला ; विरोध, विपक्षता, सामना, चिकित्सा ।

ಪ್ರತಿಕೂಲತೆ प्रतिकूलते (सम्) सं— विरोध, विपरीत होना ;

ಪ್ರತಿಕ್ರಿಯೆ प्रतिक्रिये (सम्) सं· — प्रतिशोध, बदला ।

ಪ್ರತಿಗ್ರಾಹ प्रतिग्राह (सम्) सं·—पीकदान ।

ಪ್ರತಿಘಾತ प्रतिघात (सम्) सं· — विरोध ; घात, चोट ।

ಪ್ರತಿಜ್ಞೆ प्रतिज्ञे (सम्) सं·—प्रतिज्ञा, वादा, वचन ।

ಪ್ರತಿದಿನ प्रतिदिन, ಪ್ರತಿನಿತ್ಯ प्रतिनित्य (सम्) सं·—रोज़, हर दिन ।

ಪ್ರತಿಪದಿ प्रतिपदि (सम्) सं· —प्रथमा तिथि ; गौरव, सम्मान, निम्नता ।

ಪ್ರತಿಪಾದಿಸು प्रतिपादिसु (सम्) क्रि· — उत्पादन कर, उपयोग कर, समझा ; निरूपित कर, किसी बात को स्थिर कर, निंदा कर, निंदारोपण कर ।

ಪ್ರತಿಬಂಧಕ प्रतिबंधक (सम्) सं· — विघ्न उत्पन्न करनेवाला, विघ्नभूत ; प्रेत ।

ಪ್ರತಿಭಟಿಸು प्रतिभटिसु (सम्) क्रि· — विरोध कर, सामना कर, मुकाबला कर ।

ಪ್ರತಿಭೆ प्रतिभे (सम्) सं·—प्रतिभा ; बुद्धि, उज्वलता, चमक ।

ಪ್ರತಿಮಾನ प्रतिमान (सम्) सं· — दृष्टांत, उदाहरण ; प्रतिमा, मूर्ति ; अनुकृति, सादृश्य; हाथी के दोनों दाँतों के बीच का स्थान ।

ಪ್ರತಿಮೆ प्रतिमे (सम्) सं·—प्रतिमा, मूर्ति ; सादृश्य, अनुकृति ।

ಪ್ರತಿರೋಧಕ प्रतिरोधक, ಪ್ರತಿರೋಧಿ प्रतिरोधि (सम्) सं·—चोर, डाकू ।

ಪ್ರತಿಷೇಧ प्रतिषेध (सम्) सं·—निषेध, मनाई; अस्वीकृति, असमान्यता ; खंडन ; नकारात्मक शब्द ।

ಪ್ರತಿಷ್ಠಿಸು प्रतिष्ठिसु (सम्) क्रि·—स्थापना कर

क़ायम कर; किसी प्रतिमा को प्रतिष्ठित कर; सिद्ध कर।

ಪ್ರತಿಹಾರ प्रतिहार, ಪ್ರತೀಹಾರ प्रतीहार, (सम्) सं· — द्वार; द्वारपाल; जादूगर; इन्द्रजाल।

ಪ್ರತೀಕ್ಷೆ प्रतीक्षे (सम्) सं·—प्रतीक्षा; आशा।

ಪ್ರತೀತಿ प्रतीति (सम्) सं· — निश्चित ज्ञान, विश्वास, भरोसा, धारणा, कीर्ति; सम्मान, प्रतिष्ठा।

ಪ್ರತೀಪದರ್ಶಿನಿ प्रतीपदर्शिनी (सम्) सं·—स्त्री, रमणी।

ಪ್ರತೀರ प्रतीर (सम्) सं·—किनारा, तट।

ಪ್ರತೂರ್ಣ प्रतूर्ण (सम्) वि.—तेज़, वेगवान।

ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ प्रत्यक्ष (सम्) सं.—नयनगोचर होना, दर्शन देना, साक्षात्कार; जो सच्चा, साफ़ या स्पष्ट हो, स्पष्टता; दिशा; तल्प; सभी वस्तुएँ।

ಪ್ರತ್ಯನೀಕ प्रत्यनीक (सम्) सं. — शत्रु, शत्रु-सेना।

ಪ್ರತ್ಯಯ प्रत्यय (सम्) सं.-विश्वास, भरोसा; ज्ञान, बुद्धि, धारणा, निश्चयत्व; अनुभव, बोध; कारण, हेतु; प्रसिद्धि, ख्याति; शपथ; धातु या मूल शब्द के साथ जोड़ा जानेवाला अक्षर या शब्द, प्रत्यय; चाल, प्रचलन, रीति; परमुखापेक्षी; प्रजा; बिल।

ಪ್ರತ್ಯಾಖ್ಯಾನ प्रत्याख्यान (सम्) सं·—अस्वीकृति; तिरस्कार; खंडन।

ಪ್ರತ್ಯಾಗತ प्रत्यागत (सम्) वि.—लौटा हुआ, वापस आया हुआ।

ಪ್ರತ್ಯಾದೇಶ प्रत्यादेश (सम्) सं· — प्रतिवाद, तिरस्कार, अस्वीकृति।

ಪ್ರತ್ಯುಕ್ತಿ प्रत्युक्ति (सम्) सं· — प्रत्युत्तर, उत्तर।

ಪ್ರತ್ಯೇಕಿಸು प्रत्येकिसु (सम्) क्रि·—पृथक कर, अलग कर।

ಪ್ರಥನ प्रथन (सम्) सं· — फैलाना; यश, कीर्ति।

ಪ್ರಥಮ प्रथम (सम्) वि· — पहला, प्रथम; श्रेष्ठ, प्रधान।

ಪ್ರದಕ್ಷಿಣ प्रदक्षिण, ಪ್ರದಕ್ಷಿಣೆ प्रदक्षिणे (सम्) सं·—प्रदक्षिणा, किसी पूज्य को दायीं ओर कर भक्तिपूर्वक उसके चारों ओर घूमना।

ಪ್ರದ್ಯುತಿ प्रद्युति (सम्) सं· — जगमगाहट, प्रकाश, आभा।

ಪ್ರಧಾನ प्रधान (सम्) सं· — मुख्य वस्तु; मुखिया, प्रधान; बुद्धि; परब्रह्म; प्रधान सचिव। वि.-मुख्य, खास, प्रसिद्ध, उत्तम।

ಪ್ರಧ್ವಂಸ प्रध्वंस (सम्) सं· — पूर्ण रूप से नाश; विकीर्ण होना, छिड़कना; बंधन; रिपु, शत्रु; दावाग्नि; कुच; आकाश।

ಪ್ರಧ್ವಾನ प्रध्वान (सम्) सं·—बहुत शोरगुल।

ಪ್ರಪಂಚ प्रपंच (सम्) सं·—संसार, दुनिया; प्रदर्शन; विस्तार, बाहुल्य; भ्रम; धोखा।

ಪ್ರಪಾತ प्रपात (सम्) सं.—जलप्रपात; ढलुआ चट्टान; पहाड़ का उतार या ढाल; उड़ान; बहाव के ऊपर से अपने को नीचे गिरा देना।

ಪ್ರಬಂಧ प्रबंध (सम्) सं. — बंधन, अविच्छिन्नता; संबद्ध चर्चा या वर्णन; कोई भी रचना; योजना।

ಪ್ರಬೋಧಿಸು प्रबोधिसु (सम्) क्रि·—समझा-बुझा, ज्ञान करा।

ಪ್ರಭಂಜನ प्रभंजन (सम्) सं· — पवन, वायु; आँधी।

ಪ್ರಭವಿಸು प्रभविसु (सम्) क्रि·— उत्पन्न हो, जन्म ले, निकल।

ಪ್ರಭುತೆ प्रभुते· ಪ್ರಭುತ್ವ प्रभुत्व (सम्) सं·—स्वामित्व, साहिबी; महत्व, बड़ाई।

ಪ್ರಮತ್ತ प्रमत्त (सम्) वि·—मदमत्त, उन्मत्त, पागल; लापरवाह, असावधान।

ಪ್ರಮಥ प्रमथ (सम्) सं· — शिव के गण; घोड़ा। — ನಾಥ नाथ, ನಾಯಕ नायक= शिव।

ಪ್ರಮದವನ प्रमदवन (सम्) सं·— राजा का उपवन जो अंतःपुर से संबद्ध रहता है।

ಪ್ರಮದಾ प्रमदा, ಪ್ರಮದೆ प्रमदे (सम्) सं·—सुंदरी स्त्री, रमणी।

ಪ್ರಮಾಣ प्रमाण (सम्) सं· — नाप, माप; आकार; पैमाना, श्रेणी; सीमा, मात्रा; साक्षी, गवाही; न्यायाधीश; यथार्थ ज्ञान का साधन; धर्म; कारण; मिलन; सींग; शास्त्र; सामीप्य।

ಪ್ರಮಾದ प्रमाद (सम्) सं·—ग़लती, अशुद्धि; नशा, मद, पागलपन; उपेक्षा, असावधानी।

ಪ್ರಮುಖ प्रमुख (सम्) वि·—मुख्य, प्रधान; सम्मुख, सामने। सं·—प्रतिष्ठित पुरुष; ढेर, समुदाय।

ಪ್ರಮೋದಿಸು प्रमोदिसु (सम्) क्रि· — प्रमोद कर, खुशी मना, प्रसन्न रह, आनंदित रह।

ಪ್ರಯತ್ನ प्रयत्न (सम्) सं·—प्रयत्न; कोशिश, प्रयास; कष्ट, कठिनाई।

ಪ್ರಯಾಣ प्रयाण (सम्) सं.-यात्रा; प्रस्थान; आगे जाना; आक्रमण; मृत्यु।—ಮಾಡು माडु—प्रस्थान कर।

ಪ್ರಯಾಣಿಕ प्रयाणिक (सम्) सं.-यात्रा करनेवाला; यात्री; मुसाफ़िर।

ಪ್ರಯುಕ್ತಿ प्रयुक्ति (सम्) सं. — उपयोग, इस्तेमाल, उपयोग; प्रयोजन, उद्देश्य; उकसाना, उत्तेजना; परिणाम।

ಪ್ರಯೋಗಿಸು प्रयोगिसु (सम्) क्रि. — प्रयोग कर, व्यवहार कर, अनुष्ठान कर।

ಪ್ರಯೋಜಕ प्रयोजक (सम्) सं· — उपयोगी या किसी काम में आनेवाला मनुष्य।

ಪ್ರಲಪನ प्रलपन (सम्) सं·—वार्तालाप, संभाषण; व्यर्थ की बात, बकवाद, प्रलाप; विलाप।

ಪ್ರಲಯ प्रलय (सम्) सं.—नाश, लय होना; जल·प्लावन; मृत्यु, मौत; मूर्छा, बेहोशी; आतप, धूप।

ಪ್ರವರ್ತನೆ प्रवर्तने (सम्) सं· — कार्यारंभ, कार्यसंचालन; प्रेरणा, उत्तेजना; प्रवृत्ति, चालचलन; आचरण, पद्धति, ढंग।

ಪ್ರವಹಿಸು प्रवहिसु (सम्) क्रि·—बह, प्रवाहित, हो।

ಪ್ರವಾದ प्रवाद (सम्) सं·— वार्तालाप, संवाद; किंवदन्ती, जनश्रुति, अफवाह, जन-उक्ति।

ಪ್ರವಾಲ प्रवाल (सम्) सं· — मूँगा, विद्रुम; कोंपल, किसलय; हरापन, हरियाली;

केश, चिकुर ; छ ; लाल रंग ; वीणा का भाग विशेष ।

ಪ್ರವೃತ್ತಿ प्रवृत्ति (सम्) सं.—झुकाव ; चाल-चलन ; स्वभाव ; बढ़ती, उन्नति ।

ಪ್ರಶ್ನೆ प्रश्ने (सम्) सं.—प्रश्न ; सवाल । —ಎತ್ತು एत्तु=प्रश्न उठा ।

ಪ್ರಶ್ರಯ प्रश्रय (सम्) सं. — विनय, विनम्रता ; प्रेम, स्नेह ; सम्मान ।

ಪ್ರಸಕ್ತಿ प्रसक्ति (सम्) सं. — वार्तालाप का विषय; विवादग्रस्त विषय ; संबंध, संसर्ग ; व्याप्ति ; प्रयत्न ।—ತೆಗೆ तेगे (सम्) क्रि. किसी बात को उठा ।

ಪ್ರಸಾಧನ प्रसाधन (सम्) सं. — सजावट; शृंगार, वेश-भूषा करना ; सुव्यवस्था करना ।

ಪ್ರಸಿದ್ಧ प्रसिद्ध (सम्) वि.—विश्रुत, विख्यात, मशहूर ।

ಪ್ರಸೂತಿಕೆ प्रसूतिक़, ಪ್ರಸೂತೆ प्रसूते (सम्) सं. —प्रसूतिका, जच्चा स्त्री ।

ಪ್ರಸ್ತರಿಸು प्रस्तरिसु, ಪ್ರಸ್ತಾರಿಸು प्रस्तारिसु (सम्) क्रि.—फैला, विस्तार कर ; ज़मीन को चौरस कर ।

ಪ್ರಸ್ತಾವನೆ प्रस्तावने (सम्) सं. — प्रशंसा, सराहना ; आरंभ ; भूमिका, उपोद्घात ।

ಪ್ರಹಸನ प्रहसन (सम्) सं.—हँसी, मज़ाक, दिल्लगी, अट्टहास ; हँसानेवाला नाटक ।

ಪ್ರಹರಿ प्रहरि (सम्) सं.—चौकीदार, पहरेदार ; घंटा बजानेवाला ।

ಪ್ರಾಂಶು प्रांशु (सम्) वि. — ऊँचा, उन्नत, उत्तुंग ; लंबा, दीर्घ, विस्तृत, बड़ा ;

ಪ್ರಾಚೀನ प्राचीन (सम्) वि.—पुराना ; पूर्व का, पूर्वी ।

ಪ್ರಾಜಾಪತ್ಯ प्राजापत्य (सम्) सं. — विवाह का एक प्रकार ; तपस्या का एक ढंग ; यज्ञ विशेष ; अनधिकार साहस ।

ಪ್ರಾಣ प्राण (सम्) सं.—जान, प्राण ; जीवन; साँस, प्राणवायु ; आत्मा, जीव ; इन्द्रिय ; परब्रह्म ; प्राण के समान कोई वस्तु या व्यक्ति ।

ಪ್ರಾಪಿಸು प्रापिसु, ಪ್ರಾಪ್ತಿಸು प्राप्तिसु (सम्) क्रि.—मिल, प्राप्त हो, उपलब्ध हो ; अधीन में आ, वश में आ ।

ಪ್ರಾಯ प्राय (सम्) सं.—तारुण्य, यौवन ; जीवन की अवस्था ; जीवन से प्रस्थान, प्रस्थान, आधिक्य, विपुलता, प्राचुर्य ; बहुमत, सबसे बड़ा अंश ; निर्मलता ; प्रधान, मुख्य ; सादृश्य ।

ಪ್ರಾರಬ್ಧ प्रारब्ध (सम्) सं. — बुरी चीज़, दुर्भाग्य, बदकिस्मत, प्रारब्ध कर्म ।

ಪ್ರಾರ್ಥಿಸು प्रार्थिसु (सम्) क्रि —प्रार्थना कर, *विनय कर, स्तुति कर ; किसी वस्तु की* अभिलाषा कर ।

ಪ್ರಾಸ प्रास, ಪ್ರಾಸು प्रासु (सम्) सं.— अनुप्रास अलंकार ।

ಪ್ರಿಯ प्रिये (सम्) वि. — प्यारा, मनोहर ; प्रेमी, स्वामी, पति ।

ಪ್ರಿಯೆ प्रिये (सम्) सं. — प्रेमिका, प्रेयसी, पत्नी ।

ಪ್ರೀತಿ प्रीति (सम्) सं.—हर्ष, आनंद ; सुख ; प्रेम, स्नेह ; अनुराग ; अनुकंपा, अनुग्रह ; मैत्री ।

ಪ್ರೇಂಕಣ प्रेंकण (तद्) सं.—प्रियंगु ।

ಪ್ರೇಂಖ प्रेंख, ಪ್ರೇಂಖೆ प्रेंखे (सम्) सं. — झूलना, हिंडोला ।

ಪ್ರೇತ प्रेत (सम्) सं.—प्रेत ; भूत ।

ಪ್ರೇಮ प्रेम (सम्) सं.—प्रेम ; स्नेह, प्रीति ; अनुकंपा ; प्रसन्नता ; एक छंद का नाम ।

ಪ್ರೇರಿಸು प्रेरिसु, ಪ್ರೇರೇಪಿಸು प्रेरेपिसु (सम्) क्रि.—प्रेरणा दे, उकसा ।

ಪ್ರೋಕ್ಷಿಸು प्रोक्षिसु (सम्) क्रि.— प्रोक्षण कर, छिटका, छिड़का ।

ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಿಸು प्रोत्साहिसु (सम्) क्रि.—प्रोत्साहित कर, उकसा ।

ಪ್ರೌಢ प्रौढ (सम्) वि.— पूर्ण वय को प्राप्त, वयस्क ; विवाहित ; बूढ़ा ; पका हुआ ; गाढ़ा, घना, सतेज ; बलवान्, साहसी ।

ಪ್ರೌಢಿಮೆ प्रौढिमे (सम्) सं.—सुन्दरता, उत्कृष्टता, प्रौढत्व ।

ಪ್ಲವಂಗ प्लवंग (सम्) सं.—मेंढक ; बंदर ; ?डा ; एक संवत्सर का नाम ।

ಪ್ಲವಂಗಮ प्लवंगम (सम्) सं. —मेंढक ; बंदर ।

ಫ फ

ಫ फ—कन्नड वर्णमाला का छत्तीसवाँ अक्षर, पवर्ग का दूसरा व्यंजन ।

ಫಕ್ಕನೆ फक्कने (क) अ.—तुरंत, फ़ौरन, 'फक् फक्' करके ।

ಫಜೀತು फजीतु, ಫಜೀತಿ फजीति (अ. दे.) सं. —फ़ज़ीहत (अरबी) ; गड़बड़ी, व्याकुलता, बुरा हाल ।

ಫಡ फड (क) अ.—भला ! शाबाश !

ಫಣಿ फणि (सम्) सं.—साँप, नाग । — ಪತಿ पति (सम्) सं.—नागेंद्र, सर्पराज ।

ಫಲ फल (सम्) सं.— फल ; फ़सल, पैदावार ; नतीजा, परिणाम ; फ़ायदा, लाभ, व्याज ; मुक्ति, मोक्ष ; ढाल ; तलवार की धार ; तीर की नोंक ; जायफल ; तख़्ता ।

ಫಸಲಿ फसलि, ಫಸಲು फसलु (अ. दे.) सं.— फ़सल (अरबी); उपज, पैदावार ।

ಫಾಲ फाल (सम्) सं.—हल की नोंक ; माथा, फाल, सीमांत भाग ; सूती कपड़ा ; गट्ठा ।

ಫಾಲಾಕ್ಷ फालाक्ष (सम्) सं.—शिवजी ।

ಫಿರ್ಯಾದು फिर्यादु (अ. दे.) सं. — फ़रियाद (फ़ारसी) ; शिकायत ; अभियोग ।

ಫೇರಿಸ್ತು फ़ेरिस्तु (अ. दे.) सं. — फ़ेहरिश्त (फ़ारसी) ; सूची ।

ಫೌಜು फ़ौजु (अ. दे.) सं.— फ़ौज़ (अरबी) ; सेना ।

ಬ ब

ಬ ब—कन्नड-वर्णमाला का सैंतीसवां अक्षर ; पवर्ग का तीसरा व्यंजन ।

ಬಂಕ बंक (क) वि.—टेढ़ा, झुका हुआ, वक्र ('वंक:'—तत् ?) ।

ಬಂಕು बंकु (क) क्रि.—टेढ़ा हो, वक्र हो, झुक, तिरछा हो ।

ಬಂಕೆ बंके (क) सं.—गोंद।

ಬಂಗ बंग (तद्) सं.—भंगः (तत्); टूटने का भाव।

ಬಂಗಡೆ बंगडे (क) सं.—मछली विशेष।

ಬಂಗಡ್ಡ बंगड्ड (क) सं.—एक प्रकार की सूखी घास।

ಬಂಗರಳಿ बंगरळि (क) सं.—एक पौधे का नाम।

ಬಂಗಲ बंगल, ಬಂಗಲೆ बंगले (अ. दे.) सं.—Bungalow (अंग्रेज़ी); इमारत, भवन, मकान।

ಬಂಗಾರ बंगार (तद्) सं.— भृंगारः (तत्); सोना, हेम।

ಬಂಗು बंगु (क?) सं. — एक प्रकार का चर्मरोग।

ಬಂಜರ बंजर, ಬಂಜರು बंजरु (तद्?) सं.—ऊसर भूमि।

ಬಂಜೆ बंजे (तद्) सं.—वंध्या (तत्); बाँझ।

ಬಂಟ बंट (तद्) सं.—बंठः (तत्); नौकर, चाकर। (तद्) सं.—भटः (तत्)—योद्धा, सिपाही।

ಬಂಟುಗೆ बंटुगे, ಬಂಟುತನ बंटुतन (तद्) सं.—नौकरी, वीरता, पराक्रम।

(१) ಬಂಡ बंड (क) सं.—ऊन।

(२) ಬಂಡ बंड (तद्) सं.–भाँड, वस्तु; द्रव्य, मूल्य, भाव; निर्लज्ज पुरुष, नीच, दुष्ट। —ತನ= निर्लज्जता।

ಬಂಡಣ बंडण (तद्) सं.—भंडनम् (तत्); युद्ध, लड़ाई।

ಬಂಡಲು बंडलु (क) सं.—दलदल, पंक, कीचड़।

ಬಂಡವಲ बंडवल, ಬಂಡವಲು बंडवलु, ಬಂಡವಾಲ बंडवाल, ಬಂಡವಾಳ बंडवाळ, ಬಂಡವಾಳು बंडवाळु, ಬಣವಾಲು बणवालु (तद्?) सं.—मूलधन, पूँजी।

ಬಂಡಾಯ बंडाय, ಬಂಡಾಯಿ बंडायि (म) सं.—कलह, झगड़ा।

ಬಂಡಿ बंडि (क) सं.—चक्र, पहिया; गाड़ी, बैलगाड़ी।—ಕಾರ कार=गाड़ीवान।

(१) ಬಂಡು बंडु (क) सं.—मधु; मकरंद, पुष्परस।

(२) ಬಂಡು बंडु (क) सं.—निर्लज्ज या बेशर्म मनुष्य, नीच।

ಬಂಡೆ बंडे (क) सं.—ऊन; चट्टान, शिला।

ಬಂತು बंतु (क) क्रि. रू.—आया (न लिं., ए. व.—व्या. भा. में.)। उदा.—ಆನೆ ಬಂತು आने बंतु—हाथी आया, ಗಾಡಿ ಬಂತು गाडि बंतु—गाड़ी आयी।

ಬಂದಣಿಕೆ बंदणिके, ಬಂದುರಿಕೆ बंदुरिके (तद्) सं.—एक पौधा विशेष।

ಬಂದು बंदु (क) कृ.—आकर, पहुँचकर।

ಬಂದುಮಾಡು बंदुमाडु (अ. दे.) क्रि.—बंद कर।

ಬಂದೂಕ बंदूक, ಬಂದೂಕು बंदूकु (अ. दे.) —बंदूक (हिं.)।

ಬಂದೋಬಸ್ತು बंदोबस्तु (अ.दे.) सं.—बंदोबस्त फ़ारसी); भूमि-कर की व्यवस्था; व्यवस्था, प्रबंध।

ಬಂಧ बंध (सम्) सं.—बंधन, बांधने का फीता, डोरी, पकड़, गिरफ्तारी; संबंध, मेल।

ಬಂಧನ बंधन (सम्) सं.—बांधने की क्रिया; रस्सी, जंज़ीर, बेड़ी; कारागार; वध, हिंसा पट्टी।

ಬಂಧು बंधु (सम्) सं.—नातेदार, रिश्तेदार, संबंधी।

ಬಂಧುಕ बंधुक, ಬಂಧುಲ बंधुल, (सम्) सं.—रंडी का पुत्र।

ಬಂಧುರ बंधुर, ಬಂಧೂರ बंधूर (सम्) वि.—तरंगित, लहराता हुआ, असमान, झुका हुआ, टेढ़ा; सुंदर, मनोहर।

ಬಂಪು बंपु (क) सं.—पत्ते या छिलके का रस या गोंद।

ಬಂಬಲ್ बंबल (क) सं.—समूह, राशि, ढेर, झुंड, गुच्छा।

ಬಂಬಳ बंबळ, ಬಂಬಳನೆ बंबळने (क) अ.—बहुत थकावट से।

ಬಂಬು बंबु (क) सं.—खोखला, बाँस।

ಬಕ बक (सम्) सं.—बगुला; ढोंगी; एक राक्षस का नाम; एक वृक्ष का नाम (The tree sesbana grandiflora)।

ಬಕರೆ बकरे, ಬಕ್ರೆ बक्रे (क) सं.—बर्तन का टूटा हुआ टुकड़ा।

ಬಕ್ಕಟ बक्कट (क) वि.—खाली, रिक्त, शून्य।

ಬಕ್ಕರೆ बक्करे (क) सं.—दे. ಬಕರೆ; भूनने का तवा।

ಬಕ್ಕುಡಿ बकुडि (क) क्रि.—चकित हो, गड़बड़ में पड़। सं.—चकित होना, घबराहट; भय, डर, दुःख।

ಬಕ್ಕೆ बक्के (क) सं.—मिठास, मीठा होना, अच्छाई।

ಬಗಟು बगटु (क) क्रि.—पैर फैला, ऊरु विस्तार।

ಬಗರಗೆ बगरगे, ಬಗರಿಗೆ बगरिगे, ಬಗೆರಗೆ बगेरगे (क) सं.—सूखी नदी में पानी के लिए खोद गया गड्ढा।

ಬಗರು बगरु (क) क्रि.—खरोंच, नख से खनन कर।

ಬಗಸಿಗೆ बगसिगे, ಬಗಸು बगसु, ಬಗಸೆ बगसे, ಬೊಗಸೆ बोगसे, ಬೊಗಸಿ बोगसि, ಬೊಗಸೆ बोगसे (क) सं.—अंजलि, चुल्लू।

ಬಗಳು बगळु, ಬಗುಳು बगुळु, (क) क्रि.—भूँक; बक।

ಬಗಿ बगि (क) क्रि.—चीर, बाँट पृथक कर, अलगा, छितरा, खरोंच, खोद।

ಬಗುಡ बगुड (क) सं.—उन्नत नाभिवाला।

ಬಗುಳ್ बगुळ, ಬಗುಳು बगुळु (क) क्रि.—भूँक, बक। सं.—भूँकना।

ಬಗೆ बगे (क) क्रि.—विचार कर, परिशीलन कर, मन में ला, ध्यान दे, जान। सं.—विचार परिशीलन, उद्देश्य, लक्ष्य, ध्येय, मन का भाव; भाग, हिस्सा, अंश; ढंग, श्रेणी, वर्ग, प्रकार।

ಬಗೆರಗೆ बगेरगे (क) सं.—कच्चा या अस्थायी कुँआ।

ಬಗ್ಗಡ बग्गड (क) सं.—तलछट; दलदल; पानी जिसमें गोबर मिला हो।

ಬಗ್ಗಡಿಯ बग्गडिय (क) सं.—बड़बड़ानेवाला, मूर्ख।

ಬಗ್ಗಣೆ बग्गणे (क) सं.—कूकना, पुकार।

ಬಗ್ಗನೆ बग्गने (क) अ.—तुरंत, जल्दी।

ಬಗ್ಗರಿ बग्गरि (क) सं.—छाती, वक्ष, छाती का गढ़ा।

ಬಗ್ಗಿಸು बग्गिसु (क) क्रि.—झुका, टेढ़ा कर; कूक; पुकार।

ಬಗ್ಗು बग्गु (क) क्रि.—झुक जा, टेढ़ा हो, वश में हो।

ಬಗ್ಗೆ बग्गे, ಬಗ್ಯೆ बग्ये (क) अ.—के बारे में, के संबंध में।

ಬಚ್ಚ बच्च (क) वि.—बुग; हरा; छोटा।

ಬಚ್ಚರ बच्चर (क) सं.—स्वर्ग, अमरलोक।

ಬಚ್ಚಲ್ बच्चल्, ಬಚ್ಚಲು बच्चलु (क) सं.—गंदे पानी का नल, मोरी।

ಬಚ್ಚಲೆ बच्चले (क) सं.—पोई नाम की लता।

ಬಚ್ಚು बच्चु, ಬಯ್ಚು बय्चु (क) क्रि.—रख, एक तरफ़ रख — छिपा, ढक; पतला हो, दुर्बल हो।

ಬಜಾರ बजार, ಬಜಾರು बजारु (अ. दे.) सं. बाज़ार (फ़ारसी)।

ಬಜ್ಜರಕ್ಕೆ बज्जरक्के (क) सं.—दे. ಬಗರಹ.

ಬಜ್ಜಿ बज्जि (क) सं.—('भृज्' धातु से?) तरकारी या अनाज पीसकर बनाई गई चटनी; चने के आटे से बनाया जानेवाला एक नमकीन।

ಬಟಾಣಿ बटाणि (अ. दे. ?) सं.—मटर।

ಬಟು बटु, ಬಟುವು बटुवु, ಬಟುಹು बटुहु (क) सं.—मण्डलाकार, गोल, वृत्त।

ಬಟ್ಟ बट्ट (क) वि.—खाली, शून्य।

ಬಟ್ಟನೆ बट्टने (क) अ.—चक्कर काटते हुए, घूमते हुए।

ಬಟ್ಟಿ बट्टि (क) सं.—पेट, उदर; भेद, संबंध विच्छेद।

ಬಟ್ಟು बट्टु (क) वि.—दे. ಬಟ್ಟ.

(१) ಬಟ್ಟೆ बट्टे (क) सं.—रूक्षता, खुरखुरापन, कठोरता।

(२) ಬಟ್ಟೆ बट्टे (तद्) सं. — कपड़ा, वस्त्र; मार्ग, रास्ता। ಬಟ್ಲ बट्ल, ಬಟ್ಲು बट्लु, ಬಟ್ಟಲ್ बट्टल्, ಬಟ್ಟಲು बट्टलु (क) सं.—प्याला, कटोरी, छोटा जलपात्र।

ಬಡ बड (क) वि.—दुर्बल, अशक्त; पतला, दुबला, कृश। सं.—उत्तर दिशा।

ಬಡಕ बडक (क) सं. — दुबला, पतला या दुर्बल पुरुष।

ಬಡಕಲು बडकलु (क) सं. — दुबला होना, दुर्बलता।

ಬಡಗ बडग, ಬಡಗಲ್ बडगल्, ಬಡ बड (क) सं.—उत्तर दिशा।

ಬಡಗಲೆ बडगले (क) सं.—अय्यंगार ब्राह्मणों की एक शाखा।

ಬಡಗಿ बडगि, ಬಡಿಗಿ बडिगि, ಬಡಿಗೆ बडिगे, ಬಡ್ಡಗಿ बड्डगि (तद्) सं.—वर्धकिः (तत्); बढ़ई।

ಬಡತ बडत, ಬಡಿತ बडित (क) सं.— मारना, पीटना, ताडन, पिटाई।

ಬಡತನ बडतन (क) सं. — पतला होना; गरीबी, निर्धनता।

ಬಡಲುವಿಕೆ बडलुविके (क) सं. — थकावट, श्रांति।

ಬಡವು बडवु, ಬಡಹ बडह (क) सं. — पतला, दुबला या दुर्बल होना, कृशता।

ಬಡಾಯಿ बडायि (अ. दे.) सं. — बड़प्पन, बड़ाई।

ಬಡಿ बडि (क) क्रि.—पीट, मार, ताडन कर; चूर्ण कर; बढ़ा, चला।

ಬಡಿಕೆ बडिके (क) सं.—मारना, पीटना; धड़कना; तकलीफ, वृद्धावस्था के कारण तकलीफ।

ಬಡಿಗೆ बडिगे (क) सं.—लाठी, डंडा, हथौड़ी।

ಬಡಿಸು बडिसु (क) क्रि.—पिटा, ताडन करा; परोस।

ಬಡುಕತನ बडुकतन (क) सं.—मारना, पीटना, पिटाई।

ಬಡ್ಡ बड्ड (क) सं.—सुस्त, मूर्ख पुरुष।

ಬಡ್ಡಿ बड्डि (तद्) सं.—वृद्धिः (तत्) धन की बढ़ती, सूद।

ಬಡ್ಡು बड्डु (क) वि.—रिक्त, खाली; मूर्ख, सुस्त।

ಬಣಗು बणगु (क) सं.—निरुपयोगी या बेकार मनुष्य।

ಬಣಬೆ बणबे, ಬಣಂಬೆ बणंबे (क) सं. — ढेर, राशि, मोटा होना।

ಬಣವೆ बणवे, ಬಣಿವೆ बणिवे (क) सं.— दे. —ಬಣಬೆ.

ಬಣ್ಣ बण्ण (तद्) सं.—वर्णः (तत्); रंग।

ಬಣ್ಣನೆ बण्णने (तद्) सं.—वर्णन। ಬಣ್ಣವಿಸು बण्णविसु = वर्णन कर। ಬಣ್ಣಿಸು बण्णिसु = ಬಣ್ಣವಿಸು.

ಬತ್ತ बत्त, ಭತ್ತ भत्त (क) सं.—धान।

ಬತ್ತಲು बत्तलु (क) सं. — सूखी तरकारी; मेवा।

ಬತ್ತಲೆ बत्तले (क) वि.—नंगा, नग्न।

ಬತ್ತಳಿಕೆ बत्तळिके (क) सं.—तरकस, तूणीर।

ಬತ್ತಾಸು बत्तासु (अ. दे) सं.—बतासा (हिं.)।

ಬತ್ತಿ बत्ति, (तद्) सं.—वर्तिः (तत्); बत्ती; दीपक की बत्ती।

ಬತ್ತು बत्तु (क) क्रि.—सूख जा पानी आदि सूखना)।

ಬತ್ತುಗೆ बत्तुगे (क) सं.—सूखना, शुष्कता।

ಬದಕು बदकु, ಬದುಕು बदुकु (क) क्रि. — जीवित रह, जीवन निर्वाह कर, जी। सं.— जीवन, जिंदगी।

ಬದಗ बदग, ಬದಿಗ बदिग, ಬದೆಗ बदेग (क) सं.—निम्न पुरुष, सेवक।

ಬದಗು बदगु (क) सं.—कठिन श्रम।

ಬದನೆ बदने (तद्) सं.—वार्ता (तत्) बैंगन का पौधा।

ಬದಲ್ बदल्, ಬದಲು बदलु (अ. दे.) क्रि.— बदल जा, परिवर्तित हो, फेरफार हो। अ. —के बदले, बदले में; दूसरा।

ಬದಲಾವಣೆ बदलावणे (अ. दे.) सं. — परिवर्तन।

ಬದಿ बदि (क) सं.—पंक, दलदल, बगल, पार्श्व; सामीप्य।

ಬದಿಕಿಸು बदिकिसु, ಬದುಕಿಸು बदुकिसु (क) क्रि.—जिला, जीवित कर।

ಬದಿಕು बदिकु, ಬದುಕು बदुकु (क) क्रि.— जी, जीवित रह।

ಬದುಂಕು बदुंकु (क) सं.—जीवन। क्रि.— जी, जीवित रह।

ಬದ್ದು बद्दु (क) सं.—कला-निपुणता, कौशल।

ಬದ್ಧ बद्ध (सम्) वि॰ —बंधा हुआ ; गिरफ़्तार किया हुआ ; पकड़ा हुआ ।

ಬನಪು बनपु (क) सं॰—एक बड़ा वृक्ष (Terminalia tomentosa) ।

ಬನ್ನಿ बन्नि (क) क्रि.—आइए, पधारिए । सं॰—शमी वृक्ष ।

ಬಪ್ಪ बप्प, ಬರುವ बरुव, ಬಹ बह (क) कृ.—आनेवाला ।

ಬಯ್ बय् (क) क्रि॰—छिपा, निक्षेप कर; गाली दे, निंदा कर । सं॰—खुला स्थान । ತಲೆ तले = (सिर की) माँग ।

ಬಯಕೆ बयके (क) सं॰—अभिलाषा, कामना, इच्छा, लालसा ; आशा, निधि, निक्षेप ।

ಬಯಲ್ बयल्, ಬಯಲು बयलु (क) सं॰—मैदान, खुला स्थान, क्षेत्र ; आकाश ।

ಬಯಸಿ बयसि (क) सं॰—पीपल ।

ಬಯಸು बयसु (क) क्रि॰—इच्छा कर, अभिलाषा कर, कामना कर ;—ವಿಕೆ विके (क) सं॰—इच्छा, अभिलाषा ।

ಬಯಿಗಳ್ बयिगळ्, ಬಯಿಗುಳ್ बयिगुळ्, ಬಯ್ಗಳ್ बय्गळ्, ಬಯ್ಗುಳ್ बय्गुळ् (क) सं॰—गालियाँ, निंदा ।

ಬಯ್ಕೆ बय्के (क) सं.—दे॰ ಬಯಕೆ.

ಬಯ್ಗು बय्गु (क) सं॰—सायंकाल, शामको ।

ಬಯ್ನೆ बय्ने (क) सं॰—एक वृक्ष, ताड़ का वृक्ष ।

ಬಯ್ಯು बय्यु (क) क्रि॰—गाली दे, निंदा कर ।

ಬಯ್ಲು बय्लु (क) सं॰—दे॰ ಬಯಲ್.

ಬಯ್ಸು बय्सु (क) क्रि॰—निंदा करा या करवा ।

ಬರ್ बर् (क) क्रि॰—आ ; हो, उत्पन्न हो ; पहुंच ; मिल, संभव हो ।

ಬರಖಾಸ್ತು बरखास्तु (अ॰ दे॰) वि॰—बरख़ास्त (फ़ारसी) ।

ಬರಗ बरग, ಬರಗು बरगु (क) सं॰—प्रियंगु ; ज्वार ; बाजरा ।

ಬರಡು बरडु (क) सं॰—खोखला, सारहीनता ; बांझ ।

ಬರಣಿ बरणि (क) सं॰—सिंदूरी ।

ಬರಪ बरप, ಬರಹ बरह (क) सं॰ — लिखना, लिखावट, लेख ।

ಬರವಣಿಗೆ बरवणिगे (क) सं.—लिखना, लिखावट ; लिपि ।

ಬರವು बरवु (क) सं.—आना, आगमन ।

ಬರಸು बरसु (क) क्रि॰ — बुला, आने दे ; लिखा, लिखवा ।

ಬರಾ बरा, ಬರಾವು बरावु (क) सं.—दे॰ ಬರವ (ग्रा॰) ।

ಬರಿಸು बरिसु (क) क्रि.—दे. ಬರಸು.

ಬರು बरु (क) क्रि.—दे. ಬರ್.

ಬರೆ बरे (क) क्रि॰—लिख, लेखन-कार्य कर ;

ಬಱ बऱ, ಬರ बर (क) सं॰—सूखापन, शुष्कता ; अकाल ; सूखी लकड़ी ।

ಬಱಟಿ बऱटि (क) सं.—उपला ।

ಬಱಡು बऱडु, ಬರಡು बरडु (क) सं॰ — दे॰ ಬರಡು ; आलस्य, सुस्ती ।

ಬಱಿ बऱि (क) वि॰—नंगा, नग्न ; मामूली, साधारण ; बेकार, निरर्थक, व्यर्थ का ।

ಬಱೆ बऱे (क) क्रि॰—सूख, सूख जा, नीरस हो ; पतला ; कृश हो ; अदृश्य हो । सं॰—सूखी भूमि ।

ಬರ್ಚಣೆ बर्चणे (क) सं॰—रंग, वर्ण ।—ಇಸು इसु (क) क्रि॰—रंग लगा ; चित्र बना ।

ಬರ್ದು ब (क) क्रि॰—मर जा, मृत हो । सं॰—मृत्यु, मरण ; बढ़ती, वृद्धि, महानता, उन्नति ।

ಬರ್ದುಗೆ बर्दुगे (क) सं॰—मृत्यु, मरण ।

ಬರ್ಬರ बर्बर (सम्) सं॰—अनार्य, जंगली, पामर, मूर्ख ; एक प्रकार का चंदन वृक्ष ।

ಬರ್ಹಿ बर्हि (सम्) सं॰—कुश, दर्भ ; मोर ।

ಬಲ್ बल् (क) क्रि॰—दृढ़ हो, बलवान हो, सशक्त हो । सं॰—बल, शक्ति ; दृढता ; आधिक्य ।

(१) ಬಲ बल (क) वि॰—दायाँ, दक्षिण भाग का ।

(२) ಬಲ बल (सम्) सं॰—बल, शक्ति, ज़ोर प्रचंडता, उग्रता ; सेना ; सहायता ; साधन; स्थूलता ; रूप, आकार ; इंद्रिय, वायस, कौआ ; बलराम ; एक राक्षस का नाम, आकाश ; जल, पानी ; काला रंग ; आहुति ।

ಬಲವಂತ बलवंत (सम्) सं॰—बलवान पुरुष ।

ಬಲವಂತಿಕೆ बलवंतिके (सम्) सं॰—बलात्कार, अनुरोध, ज़ोर देना ।

ಬಲಹು बलहु (क) सं॰—वृद्धि ; बल, साहस ; दृढता ; मुख्यत्व ।

(१) ಬಲಿ बलि (क) क्रि॰—बढ़, वृद्धि पा, दृढ़ हो, मोटा हो, कड़ा हो, अकोमल हो ; दृढ़ बना; ठीक तरह से गाड़, लगा ।

(२) ಬಲಿ बलि (सम्) सं॰—कर, राज कर ; किसी देवता को अर्पित पदार्थ ; भूतयज्ञ ; पूजन, अर्चना ; एक राक्षस का नाम; सेनापति; सुजन, सज्जन ; बल, शक्ति ; कीर्ति, यश ; उत्सव ; रजक, धोबी ; कौआ ; गंधक ।

ಬಲಿಸು बलिसु, ಬಲಿಯಿಸು बलियिसु (क) क्रि॰—दृढ कर या बना ; लगा, बांध ; समर्थन कर ; वृद्धि कर ।

ಬಲು बलु (क) सं॰—शक्ति; दृढ़ता ; आधिक्य ।

ಬಲುಮೆ बलुमे (क) सं॰—शक्ति ; साहस, बलात्कार ।

ಬಲುಹು बलुहु (क) सं॰—बल, शक्ति ; क्षमता दक्षता, दृढ़ता, जोर, मुख्यत्व ।

ಬಲೆ बले (क) सं॰—जाल, फंदा ।—ಗಾರ गार (क) सं॰—मछुआ ।

ಬಲ್ಪು बल्पु (क) सं॰—दे॰ ಬಲುಹು

ಬಲ್ಮು बल्मु, ಬಲ್ಮೆ बल्मे (क) सं॰— ಬಲುಹು.

ಬಲ್ಮೆವಂತ बल्मेवंत (क) सं॰— शक्तिमान पुरुष ।

ಬಲ್ಲ बल्ल (क) वि॰—जाननेवाला, ज्ञानी ; विद्वान ।—ತನ तन (क) सं॰—जानकारी ज्ञान, बुद्धिमत्ता ।—ವಿಕೆ विके= ಬಲ್ಲತನ.

ಬಲ್ಲಿತು बल्लितु, ಬಲ್ಲಿತ್ತು बल्लित्तु (क) वि॰—बलवान्, दृढ़, जाननेवाला ।

ಬಲ್ಲೆ बल्ले (क) अ॰—और, फिर ।

(१) ಬವರ बवर (क) सं॰—युद्ध, लड़ाई, संग्राम ।

(२) ಬವರ बवर (तद्) सं॰—भ्रमर (तत्) भौंरा, मधुकर ।

ಬಸದಾಗಿಸು बसदागिसु (क) क्रि॰—तीक्ष्ण करा, तलवार की धार आदि को ठीक करा ।

ಬಸರಿ बसरि (क) सं॰—पकरी वृक्ष (The waved-leaved fig-tree) ; कपीतन या

सुपार्श्वक वृक्ष (The tree Hibiscus-populneoides।

ಬಸರ್ बसर्, ಬಸರು बसरु, [ಬಸರು बसरु] (क) सं.—गर्भ।

ಬಸರಿ बसरि, ಬಸುರಿ बसुरि (क) सं.—गर्भवती स्त्री। (ಬಸರಿ बसरि या ಬಸುರಿ बसुरि भी लिखा जाता है)।

ಬಸವ बसव (तद्) सं.-वृषभः (तत्) ; सांड।

ಬಸವಿ बसवि (तद्) सं.—देवदासी।

ಬಸಿ बसि (क) क्रि. — रस, रसकर बह, टपक ; चावल को उबालने के बाद उसमें पानी को निकाल ; धार ठीक कर या तीक्ष्ण कर। सं.—नोंक।

ಬಸಿದು बसिदु (क) अ.—वह जो पैना हो।

ಬಹಳ बहळ (तद्) सं.—बहल (तत्) ; बहुत, अधिक, विपुल, बड़ा।

ಬಹಾದರ್ बहादर्, ಬಹಾದರಿ बहादरि (अ.दे.) सं. — बहादुर(फ़ारसी) ; वीर पुरुष।

ಬಹಿಸ್ बहिस् (सम्) अ.—बाहर, बाहर की ओर, बाहरी।

ಬಹಿಷ್ಕರಿಸು बहिष्करिसु (सम्) क्रि.—बहिष्कार कर, दूर रख।

ಬಹಿಷ್ಠೆ बहिष्ठे (सम्) सं.—रजस्वला स्त्री।

ಬಹುದು बहुदु (क) क्रि. रू.—हो सकता है, हो सकेगा, संभव है, संभव होगा।

ಬಹುಲ बहुल (सम्) वि.—बहुत, अधिक, प्रचुर, ज्यादा। ಬಹುಳ बहुळ—(तद्)।

ಬಳಕಿಸು बळकिसु, ಬಳುಕಿಸು बळुकिसु (क) क्रि.—हिला, डगमगा, घुमा, चमका (तलवार चमकाना)।

ಬಳಕು बळकु. ಬಳುಕು बळुकु (क) क्रि.—हिल, डुल, लचक, चमक।

ಬಳಗ बळग (क) सं.—परिवार के जन, रिश्तेदार ; भीड़, समूह ; टोली, सेना, टुकड़ी।

ಬಳಂಕು बळंकु (क) क्रि.—झुक जा, नत हो।

ಬಳಪ बळप (क) सं.—पाटी का पत्थर, एक प्रकार का पत्थर जो लिखने में काम आता है।

ಬಳವೆ बळवे (क) सं.—टाल, सूखी घास भूसे का ढेर।

ಬಳಯಿಸು बळयिसु, ಬಳೆಯಿಸು बळेयिसु ಬೆಳಸು बेळसु (क) क्रि.—बढ़ा, अभिवृद्ध या उन्नत कर, बढ़ने दे।

ಬಳವಿ बळवि, ಬಳವಿಗೆ बळविगे (क) सं. — वृद्धि, बढ़ना, बढ़ती, उन्नति।

ಬಳಸು बळसु (क) क्रि.—मँडरा, चक्कर काट, घेर, चारों ओर घूम, भ्रमण कर ; घिरा जा। सं.—भ्रमण, चक्कर ; एक प्रकार का कवच ; एक वृत्त या तह ; बारी।

ಬಳಿ बळि (क) क्रि.—लीप, पोत, गोबर से लीप।

ಬಳಿಕ बळिक (क) अ.—बाद में, के बाद, के पश्चात् या उपरांत।

ಬಳುಕು बळुकु, ಬಳುಂಕು बळुंकु (क) क्रि.—दे. ಬಳಕು और ಬಳಂಕು.

ಬಳುವೆ बळुवे (क) सं.—बड़ा ढेर।

ಬಳುವಳಿಕೆ बळुवळिके (क) सं.—वृद्धि, बढ़ती। ಬಳುವಳಿ बळुवळि=विवाह के समय कन्या को दी जानेवाली संपत्ति।

ಬಳುವು बळुवु (क) सं.—भार, बोझा, वज़न।

ಬಳೆ बळे (क) क्रि.— ಬೆಳೆ बेळे—बढ़, वृद्धि पा। (तद्) सं.—वलयः (तत्) चूड़ी। —ಗಾರ गार (तद्) सं.—चूड़ियाँ बेचनेवाला।

ಬಳ್ಕಿಸು बळ्किसु (क) क्रि.—झुका या झुकवा।

ಬಳ್ಕು बळ्कु (क) क्रि.—झुक, टेढ़ा हो।

ಬಳ್ಕುಡಿ बळ्कुडि (क) सं.—डर, भीति।

ಬಳ್ಪಳ बळ्पळ, ಬಳ್ಪಳಿಕೆ बळ्पळिके (क) सं.—बढ़ती, बढ़ना, वृद्धि ; बड़ी आभा।

ಬಳ್ಳ बळ्ळ (क) सं.—मापने का साधन, प्रस्थ।

ಬಳ್ಳಿ बळ्ळि (तद्) सं.—वल्लिः (तत्) ; बेल, लता।

ಬಳ್ಳು बळ्ळु (क) सं.—सियार, लोमड़ी।

ಬೞ್ ब़ऴ् (क) क्रि.—जी, जीवित रह, जीवन चला।

ಬೞಕೆ बऴके [ಬಳಕೆ बळके] (क) सं.—रूढ़ि, प्रयोग, उपयोग।

ಬೞಚು बऴचु (क) क्रि.— दे. ಬಳಿ.

ಬೞಲ್ बऴल्, ಬೞಲು बऴलु, [ಬಳಲು बळलु]; (क) क्रि.—थक जा, थकावट का अनुभव कर, श्रांत हो।

ಬೞಲಿಕೆ बऴलिके, ಬಳಲಿಕೆ बळलिके (क) सं.—थकावट, श्रांति।

ಬೞಲ್ಕೆ बऴल्के. ಬಳಲ್ಕೆ बळल्के (क) सं.—थकावट।

ಬೞಲ್ಚು बऴल्चु, ಬೞಲಿಸು बऴलिसु (क) क्रि.—थकावट उत्पन्न कर, निश्चेष्ट कर।

ಬೞಸು बऴसु, ಬಳಸು बळसु (क) क्रि.—बिता, व्यतीत कर उपयोग में ला।

(१) ಬೞಿ बऴि (क) सं.—मार्ग, रास्ता ; जगह, स्थान; सामीप्य; पास होना ; साहचर्य ; ढंग, विधान ; क्रम; वंश, जाति। अ.—पाश्चात् , बाद को ; और।

(२) ಬೞಿ बऴि (क) सं.—उपहार, भेंट ; स्वागत करनेवाला, निमंत्रण देनेवाला ; क्रि.-दे. ಬಳಿ.

ಬೞಿಕ बऴिक, ಬೞಿಕಂ बऴिकं (क) अ.—दे. ಬಳಿಕ (ह. क.)।

ಬೞಿಕೆ बऴिके (क) सं.—दे. ಬೞಿ.

ಬೞಿಲ್ಚು बऴिल्चु (क) क्रि.—नीचे गिरा या टपका।

ಬೞ್ದುಂಕು बऴ्दुंकु (क) क्रि.—जी, जीवित रह।

ಬಾಂಗಿ बांगि (अ. दे.) सं —बहँगी (हिं.)।

ಬಾಂಗಡಲ್ बांगडल् (क) सं.—आकाश-समुद्र, आकाशगंगा।

ಬಾಂಡು बांडु, ಬ್ಯಾಂಡು ब्यांडु (अ.दे.) सं.—Bond (अंग्रेजी)—संबंध, सट्टा ; एक वाद्य विशेष।

ಬಾಂದು बांदु (अ.दे.) सं.—बांध (हिं.): बड़ा पुल ; मेंड।

ಬಾಂಬ बांब (क) सं.—कुम्हार ; गड़रिया।

ಬಾ बा, ಬಾಯು बायु (क) क्रि.—फूल, सूज (सूजना)।

ಬಾಕು बाकु (अ. दे.) सं.—छुरी, छुरा।

ಬಾಗಲ್ बागल्, ಬಾಕಲು बाकलु, ಬಾಕಲ बाकल, ಬಾಗಲ बागल, ಬಾಗಲು बागलु (क) सं.—द्वार, दरवाज़ा।

ಬಾಗಿ बागि, ಬಾಗೆ बागे (क) सं. — शिवांगी नामक वृक्ष, शिरीष वृक्ष।

ಬಾಗಿಸು बागिसु (क) क्रि —झुका, नवा, टेढ़ा कर।

ಬಾಗು बागु (क) क्रि.—झुक, टेढ़ा हो, नत हो। सं.—झुकना, टेढ़ापन।

ಬಾಚಣಿಗೆ बाचणिगे (क) सं.—कंघा, कंघी।

ಬಾಚಿ बाचि (क) सं.—चोली ; कवच।

ಬಾಚು बाचु (क) क्रि.—कंघी कर, बाल सँवार, उंगली से सँवार, उँगलियों से किसी चीज़ की राशि बना ; छील।

ಬಾಡಗೆ बाडगे, ಬಾಡಿಗೆ बाड़िगे (क?) सं.—भाड़ा, किराया।

ಬಾಡಬ बाडब, ಬಾಡವ बाडव (सम्) सं.—बडवानल ; ब्राह्मण।

ಬಾಡಿಸು बाडिसु (क) क्रि.—चख, चाट ; सेंक ; झुलसा, तल ; मुरझा जा, सूख जा ; दुबल हो। सं.—मांस।

(१) ಬಾಣ बाण, ಬಾನ್ बान् (क) सं.—गोबर का उपला ; मिट्टी के बर्तनों का ढेर।

(२) ಬಾಣ बाण (सम्) सं.—बाण, तीर।

ಬಾಣತಿ बाणति, ಬಾಣತ್ತಿ बाणत्ति, ಬಾಣಂತಿ बाणंति (क) सं.—जच्चा, प्रसूता।

ಬಾಣಲಿ बाणलि, ಬಾಣಲೆ बाणले, ಬಾಳಲಿ बाळलि, ಬಾಳ್ಳೆ बाळ्ळे, ಬಾಂಡ್ಲಿ बांड्लि, ಬಾಂಡ್ಲೆ बांड्ले, (तद्) सं.—भ्राष्ट्र (तत्) ; कड़ाही, कढ़ाई।

ಬಾಣಸ बाणस, ಬಾಣಸು बाणसु (तद्) सं.—रसोई घर।

ಬಾತ बात (अ. दे.) सं.—गपशप।

ಬಾತು बातु, ಬಾತೆ बाते (क) सं.—बतख।

ಬಾದರಾಯಣ बादरायण (सम्) सं.—व्यास, एक ऋषि का नाम।

ಬಾದಾಮಿ बादामि (अ. दे.) सं.—बादाम। (क) सं.—एक स्थान का नाम।

ಬಾದ್ಯ बाद्य (तद्) सं.—नातेदार, रिश्तेदार, संबंधी।

ಬಾಧ್ಯಸ್ತ बाध्यस्त (तत्) सं.—वह मनुष्य जिसका अधिकार हो।

ಬಾಧ बाध, ಬಾಧೆ बाधे (सम्) सं.—तकलीफ़, कष्ट, पीड़ा, विकलता, दर्द ; बाधा, विघ्न।

ಬಾನ್ बान् (क) क्रि.—घड़े बना, मिट्टी के बर्तन बना। सं.—दे. ಬಾಣ ; आकाश, गगन।

ಬಾನಲ್ बानल् (क) अ.—मंद प्रकाश या विवर्ण।

ಬಾನಿ बानि, ಬಾನೆ बाने (क) सं.—मिट्टी का बर्तन जिसका मुँह बड़ा होता है।

ಬಾಪು बापु (क) सं.—भात, खाना (बच्चों की भाषा में)।

ಬಾಯ್ बाय्, ಬಾಯಿ बायि (क) सं.—मुँह, वदन ; बर्तन आदि का मुँह।

ಬಾಯು बायु (क) क्रि.—दे. ಬಾ.

ಬಾರ್ बार् (क) क्रि.—आ ; डाल ; बरस ; चमड़े का काम कर। सं.—चमड़े का टुकड़ा चमड़े की रस्सी ; लंबाई ; श्रेणी ; पंक्ति।

ಬಾರ बार (क) सं.—चमड़े की रस्सी, तस्मा।

ಬಾರವಣೆ बारवणे (तद्) सं.—भार, वज़न।

ಬಾರಿ बारि (तद्) सं.—बार, बारी ; मौसम, वर्ष।

ಬಾರಿಸು बारिसु (क) क्रि.—हिला, डुला ; बजा।

ಬಾರು बारु (क) सं.—दे. ಬಾರ क्रि.—हिल, काँप।

ಬಾರ್ಚು बार्चु (क) क्रि.—इकट्ठा कर, एकत्रित कर।

ಬಾರ್ಪು बार्पु (क) सं.—मंदता, तेज़ न होना।

ಬಾರ್ಲಿ बार्लि (अ दे.) सं.—जव (Barley)।

ಬಾಲ बाल (सम्) वि.—छोटा, जो जवान न हो, जो हाल का उगा हो ; मूर्ख। सं.—बच्चा ; लड़का ; जानवर का बच्चा ; पूँछ ; मूर्ख ; केश ; घास, एक प्रकार की सुगंधित घास ; मुद्रिका, अंगूठी ; एक प्रकार की मछली; अग्नि ; सूर्य ; चंद्रमा ; कृष्ण।

ಬಾಲಕ बालक (सम्) सं.—बालक, लड़का ; बच्चा ; पूँछ ; लंबे केश ; मुद्रिका ; सुंदर ; सूर्य ; आग ; कृष्ण ; एक सुगंधित घास।

ಬಾಲಕಿ बालकि (सम्) सं.—बालिका, लड़की।

ಬಾವ बाव, ಭಾವ भाव (तद्) सं.—भाम (तत्) ; भगिनीपति; बहनोई।

ಬಾವನ್ನ बावन्न (क) सं.—चंदन।

ಬಾವಲ್ बावल्, ಬಾವಲಿ बावलि, ಬಾವುಲ್ बावुल्, ಬಾವುಲಿ बावुलि (क) सं.—चमगीदड़। (तद्) सं.—एक आभूषण विशेष।

ಬಾವಿ बावि (तद्) सं.—वाविः (तत्) ; कुआँ।

ಬಾವು बावु (क) सं.—सूजन, फूलना।

ಬಾವುಗ बावुग (क) सं.—बिलाव।

ಬಾವುಟ बावुट, ಬಾವುಟೆ बावुटे, ಬಾವಟ बावट (क) सं.—झंडा, ध्वज, पताका।

ಬಾಷ್ಪ बाष्प (सम्) सं.—भाफ़।

ಬಾಸಳಿಕೆ बासळिके, ಬಾಸುಳ್ बासुळ्, ಬಾಸುಂಡೆ बासुंडे, ಬಾಸುಳಿ बसुळि, ಬಾಸುಳೆ बासुळे (क) सं.—साट, कोड़ों के आघात से शरीर पर लगे चिह्न।

ಬಾಸಿಗ बासिग, ಬಾಸಿಂಗ बासिंग (क) सं.—वर-वधू का सिरताज या सिरमौर।

ಬಾಸೆ बासे (क) सं.—नाभि के पास के रोम। (तद्) सं.—भाषा।

ಬಾಹು बाहु (क) सं.—सूजन।

ಬಾಹುಲೇಯ बाहुलेय (सम्) सं.—कार्तिकेय।

ಬಾಹ್ಯ बाह्य (सम्) वि.—बाहर का, बाहरी ; अपरिचित, विदेशी।

ಬಾಹ್ಲೀಕ बाह्लीक (सम्) सं.—ज़ाफ़रान ; हींग।

ಬಾಳ್ बाळ्, ಬಾಳು बाळु (क) सं.—खड्ग, तलवार।

ಬಾಳೆ बाळे (क) सं.—केले का पौधा ; समुद्र की मछली।

ಬಾಳ್ बाळ, ಬಾಳ್ बाळ् (क) क्रि.—जीवन व्यतीत कर, जी, साथ-साथ रह। सं.—जीवन, ज़िंदगी।

ಬಾಳಿಕೆ बाळिके, ಬಾಳ್ಕೆ बाळ्के (क) सं. जीना, जीवन ; टिकाऊ होना।

ಬಾಳಿವೆ बाळिवे, ಬಾಳ್ವೆ बाळ्वे, ಬಾಳ್ಬೆ बाळ्बे (क) सं.—जीवन।

ಬಾಲು बालु, ಬಾಳು बाळु (क) क्रि· — दे· ಬಾರ್।

ಬಾಲಕ बालक, ಬಾಳಕ बाळक (क) सं·— तरकारी जो सुखायी गई हो और जिसमें मिर्च- मसाला डाला गया हो।

ಬಾಲೆ बाले (क) सं· — दे· ಬಾಳೆ; कृषि, जोताई।

ಬಿಂಕ बिंक (क) सं·—गर्व, घमंड, नाज।

ಬಿಂಕಣ बिंकण, ಬಿಂಕಣಿ बिंकणि (तद्) सं.— व्यजन (तत्); पंखा।

ಬಿಂಗ बिंग (तद्) सं.—भ्रमर; भृङ्ग, भौंरा।

ಬಿಂಡಿಗ बिंडिग (क) सं.—एक पौधा विशेष।

ಬಿಂದಿಗೆ बिंदिगे (क) सं.—गगरी, छोटा घड़ा।

ಬಿಂದು बिंदु (सम्) सं. — जलकण, बूंद; बिंदी; निशान।

ಬಿಂಬ बिंब (सम्) सं.—मण्डल; चन्द्रमा या सूर्य का मण्डल; मूर्ति; छाया, परछाई; दर्पण; घड़ा; कुंदरू; इन्द्रचाप; आकाश; वृष्टि, वर्षा; वस्त्र।

ಬಿಂಹ बिंह, ಬಿಹ್ಹ बिह्न (तद्) सं.—व्यूह।

ಬಿಕಾರಿ बिकारि (अ. दे.) सं.— ('भिखारी' से) —भिक्षुक।

ಬಿಕ್ಕು बिक्कु; ಬಿಕ್ಕಲು बिक्कलु (क) सं. — हिचकी; तुतलाना; तुतलाहट।

ಬಿಕ್ಕುಳು बिक्कुळु (क) सं.— हिचकी; वमन।

ಬಿಕ್ಕೆ बिक्के (तद्) सं.—भिक्षा।

ಬಿಗಿ बिगि (क) क्रि· —बांध, वश में कर; पकड़कर रख, कस; दृढ़ हो, बद्ध हो; घमण्डी हो। सं. — बन्धन, कसाव; लगाम। कमर की पट्टी; गर्व, घमण्ड।

ಬಿಗುಹು बिगुहु, ಬಿಗಿಹು बिगिहु, ಬಿಗಿಪು बिगिपु (क) सं.—दृढ़ता, बन्धन, कसाव।

ಬಿಚ್ಚಣಿಸು बिच्चणिसु, ಬಿಚ್ಚಳಿಸು बिच्चळिसु (क) क्रि· —फैला, विस्तार कर, व्याप्त कर; वर्णन कर।

ಬಿಚ್ಚತ बिच्चत (क) सं.— विस्तार, फैलाव। वि.—विस्तृत, बड़ा।

ಬಿಚ್ಚರಿಕೆ बिच्चरिके (क) सं.-विस्तार, फैलाना, फैलाव।

ಬಿಚ್ಚು बिच्चु (क) क्रि·—फैला, (गट्ठा आदि) खोल, मुक्त कर; शिथिल कर; खुल जा। सं.—फैलाव, खोलना, खुलना।

ಬಿಜಯಂಗೆಯ್ विजयंगेय् (तद्) सं.—पधार, आगमन कर।

ಬಿಜ್ಜಣಿಗೆ बिज्जणिगे (तद्) सं. — व्यजन, पङ्खा।

ಬಿಜ್ಜು बिज्जु (क) सं.—खाऊ चिड़िया; नाश, विनाश।

(१) ಬಿಜ್ಜೆ बिज्जे (क) सं. — बड़प्पन, महानता।

(२) ಬಿಜ್ಜೆ बिज्जे (तद्) सं.—विद्या।

ಬಿಟ್ಟಳ बिट्टळ (क) वि·—बड़ा।

ಬಿಟ್ಟಿ बिट्टि (क) अ. —मुफ्त, निश्शुल्क।

ಬಿಟ್ಟೆ बिट्टे (क) सं.—दे ಬಿಟ್ಟಿ.

ಬಿಟ್ಟೇರು बिट्टेरु (क) सं.—भाला, बरछी।

ಬಿಡತೆ बिडते, ಬಿಡಿತೆ बिडिते (क) सं.—अन्तर, अवकाश, स्थान, मध्यान्तर; फुरसत; फुटकर।

ಬಿಡದಿ बिडदि (क) सं.—यात्रियों के ठहरने का अस्थायी स्थान।

ಬಿಡಯ बिडय (क) सं.—राशि, ढेर, भीड़; क्रोध, रोष; दया, दाक्षिण्य।

ಬಿಡಾರ बिडार (क) सं.—दे. ಬಿಡದಿ.

ಬಿಡಿ बिडि (क) क्रि. रू. — छोडिए, त्यागिए, जाने दीजिए।

ಬಿಡಕು बिडकु, ಬಿಡುಕು बिडुकु (क) सं·— अलग हुआ या टूटा हुआ।

ಬಿಡಿಕೆ बिडिके, ಬಿಡಿತೆ बिडिते (क) सं.—फुटकर, फुटकल; अंतर।

ಬಿಡಿಸು बिडिसु (क) क्रि· — शिथिल कर, मुक्त कर, , निकाल, छुड़ा, (समस्या आदि को) सुलझा।

ಬಿಡು बिडु (क) क्रि.— छोड़, तज, त्याग, खोल, मुक्त कर, शिथिल कर, अलग कर, दूर हो; कम कर। शिथिलता, ढिलाई, खुलना; अलगाव।

ಬಿಡ್ಡು बिड्डु (क) सं. — बहुत श्रमसाध्य कार्य।

ಬಿಣಿಕೆ बिणिके (क) सं.—एक पौधे का नाम।

ಬಿಣಿತೆ बिणिते (क) सं. — शक्ति, पराक्रम, ज़ोर।

ಬಿಣ್ಣಿತು बिण्णितु, ಬಿಣ್ಣಿತ್ತು बिण्णित्तु (क) सं. —बोझिल, भारी या बड़ा पदार्थ।

ಬಿಣ್ಪು बिण्पु (क) वि.—मोटा, बड़ा, भारी।

ಬಿತ್ತರ बित्तर (तद्) सं. — विस्तारः (तत्), फैलाव।

ಬಿತ್ತರಿಸು बित्तरिसु (तद्) क्रि·— विस्तार कर, फैला, वर्णन कर।

ಬಿತ್ತ बित्त (क) सं.—बीज।

ಬಿತ್ತಿ बित्ति (तद्) सं. — पुस्तक; दीवार; आधार।

ಬಿತ್ತು बित्तु (क) क्रि — बीज बो। सं.— बीज।

ಬಿದಿರ್ बिदिर्, ಬಿದಿಱ್ बिदिऱ् (क) सं.—बाँस, वंश।

ಬಿದಿಗೆ बिदिगे (तद्) सं.—द्वितीया तिथि।

ಬಿದಿರ್ बिदिर्, ಬಿದಿರು बिदिरु (क) क्रि.— तितर-बितर हो, चारों ओर फैल, विकीर्ण हो, फेंका जा; ढीला कर, ढीला हो। सं. —बाँस।

ಬಿದುರ್ बिदुर्, ಬಿದುರು बिदुरु (क) क्रि. और सं.—दे. ಬಿದಿರ್.

ಬಿದ್ದಣ बिद्दण, ಬಿದ್ದನ बिद्दन, ಬಿದ್ದಿನ बिद्दिन, ಬಿರ್ದಣ बिर्दण, ಬಿರ್ದು बिर्दु (क) सं.— न्योता, भोजन के लिए निमन्त्रण; त्योहार; भोज।

ಬಿನುಗು बिनुगु (क) सं.-नीच, कमीना, पामर या तुच्छ पुरुष।

ಬಿನ್ನಗೆ बिन्नगे (क) अ.—अचानक।

ಬಿನ್ನಣ बिन्नण, ಬಿನ್ನಾಣ बिन्नाण (तद्) सं.— विज्ञानं (तत्); ज्ञान, जानकारी; कौशल, निपुणता, चातुर्य।

ಬಿನ್ನನೆ बिन्नने (क) अ.—अचानक।

ಬಿನ್ನವಿಸು बिन्नविसु (तद्) क्रि.—('विज्ञापनं' से)—विनय कर, प्रार्थना कर, निवेदन कर।

ಬಿನ್ನಹ बिन्नह, ಬಿನ್ನಪ बिन्नप (तद्) सं.— विनय, प्रार्थना, निवेदन।

ಬಿಪ್ಪಂಡ बिप्पंड, ಬಿರ್ಪಂಡ बिर्पंड (क) सं.— चिड़ियों की चहचहाहट।

ಬಿಮ್ಮಗೆ बिम्मगे, ಬಿಮ್ಮನೆ बिम्मने(क) अ.—दृढ़तापूर्वक, कसकर, ज़ोर से, बलपूर्वक।

ಬಿಮ್ಮನಿಸಿ बिम्मनिसि (क) सं.—गर्भवती स्त्री।

ಬಿಮ್ಮು बिम्मु (क) वि.—बड़ा। सं.—बड़प्पन; गर्व।

ಬಿಯ್ಯಗ बिय्यग, ಬೀಗ बीग (क) सं.—ताला।

ಬಿರಕು बिरकु, ಬಿರಿಕು बिरिकु (क) सं.—टूटा हुआ भाग, संधि, जोड़, दरार।

ಬಿರವು बिरवु, ಬಿರುವು बिरुवु (क) सं.—दरार, फटन।

ಬಿರಿ बिरि (क) क्रि.—फट जा, टूट जा; चटक। खिल, प्रस्फुटित हो, खुल; चीर; दरार पड़; गाड़ी का वेग रुक। सं — प्रस्फुटन, फटन, दरार।

ಬಿಱಡೆ बिऱडे, ಬಿರಡೆ बिरडे (क) सं.—काग, बोतल का डट्टा; खुंडी, वीणा के तार कसने की कील।

ಬಿಱುಸು बिऱुसु, ಬಿರಸು बिरसु (क) सं.—कठोरता, दृढ़ता, रूक्षता; अकोमलता, मुलायम न होना, कड़ा होना।

ಬಿಱಿ बिऱि ಬಿಱು बिऱु (क) सं.—दृढता; कसाव; रूक्षता, रूखापन; निष्ठुरता।

ಬಿಱುಬು बिऱुबु (क) सं.— दृढ़ता, कठोरता, रूक्षता।

ಬಿಱುಸು बिऱुसु (क) सं.— दे. ಬಿಱಸು.

ಬಿಱ್ಱನೆ बिऱ्ऱने, ಬಿಱನೆ बिऱने (क) अ.—शीघ्र, तुरंत, तेज़ी से।

१) ಬಿಲ್ बिल् (क) क्रि.—बेच, विक्रय कर; खरीद।

२) ಬಿಲ್ बिल्, ಬಿಲು बिलु, ಬಿಲ್ಲು बिल्लु (क) सं.—धनुष, कमान।

ಬಿಲ बिल (सम्) सं. — बिल, सूराख, छेद।

ಬಿಲಾರ बिलार (क) सं.—बिल्व वृक्ष।

ಬಿಲಿ बिलि (क) क्रि.—दे. ಬಿಲ್ सं. — एक छोटा वृक्ष जिसके फूल लाल होते हैं।

ಬಿಲುಗಾರ बिलुगार, ಬಿಲ್ಲುಗಾರ बिल्लुगार [ಗಾಱ गाऱ] (क) सं.—तीरंदाज़, धन्विन्।

ಬಿಲ್ಲಿ बिल्लि (क) सं.—भ्रू, भौंहे।

ಬಿಲ್ಲೆ बिल्ले (अ. दे.) सं.—बिल्ला।

ಬಿಲ್ವ बिल्व (सम्) सं.—बिल्व वृक्ष।

ಬಿಸಜ बिसज (तद्) सं.—कमल।

ಬಿಸಲ್ बिसल्, ಬಿಸಲು बिसलु, ಬಿಸಿಲ್ बिसिल्, ಬಿಸಿಲು बिसिलु (क) सं. — धूप, आतप।

ಬಿಸಾಟು बिसाटु, ಬಿಸಾಡು बिसाडु (क) क्रि.—फेंक; दूर हटा। —ಬಿಕೆ बिके=फेंकना।

ಬಿಸಿ बिसि, ಬಿಸು बिसु (क) वि. — गरम, उष्ण।

ಬಿಸುಗೆ बिसुगे (क) सं. — सामीप्य संबन्ध, जुड़ना, दृढ़ता से मिलना; टाँका।

ಬಿಸುಡಿಸು बिसुडिसु (क) क्रि.—फिंकवा।

ಬಿಸುಡು बिसुडु (क) क्रि.—दे. ಬಿಸಾಟು.

ಬಿಸುಪು बिसुपु (क) सं.—उष्णता, गरमी।

ಬಿಸುಲ್ बिसुल्, ಬಿಸುಲು बिसुलु (क) सं.—धूप।

ಬಿಳದು बिळदु, ಬಿಳಿ बिळि, ಬಿಳಿದು बिळिदु (क) वि. और अ.—सफेद।

ಬಿಳಪು बिळपु, ಬಿಳುಪು बिळुपु, ಬಿಳ್ಪು बिळ्पु, ಬೆಳುಪು बेळुपु, ಬೆಳ್ಪು बेळ्पु (क) सं.—सफ़ेदी, सफ़ेद रंग;

ಬಿೞ್ बिऴ्, ಬೀಳ್ बीळ्, ಬೀಳು बीळु, ಬೀೞ್ बीऴ्, ಬೀೞು बीऴु, (क) क्रि. — गिर पड़, गिर; हाथ से छूट; पतित हो।

ಬಿೞಲ್ बिऴल्, ಬಿೞಲು बिऴलु (क) सं.—पेड़ों की जटाएँ।

ಬಿೞಿಚು बिऴिचु (क) क्रि.—गिरा, गिरवा।

ಬಿೞ್ಚು बिळचु (क) क्रि.—गिर पड़; गिरा।

ಬೀ बी (क) क्रि.—समाप्त हो, अंत हो, पतित हो, विनष्ट हो, मर।

ಬೀಗ बीग (क) सं.—ताला; समधी।

ಬೀಗತಿ बीगति, ಬೀಗಿತಿ बीगिति (क) सं.—समधिन।

ಬೀಗು बीगु (क) क्रि.—पीछे हट; झिझक; मोटा हो, स्थूल हो; फूल जा।

ಬೀಜ बीज (सम्) सं.—बीच; मूल।

ಬೀಟಿ बीटि, ಬೀಟೆ बीटे (क) सं — काली लकड़ीवाला एक पेड़; दरार, फटन।

ಬೀಡಾರ बीडार (क) सं. — पड़ाव, शिबिर; घर।

ಬೀಡು बीडु (क) सं. — ठहरना, शिबिर, पड़ाव; स्थान, घर; ढेर, राशि; भीड़; बेकार भूमि, व्यर्थता।

ಬೀದಿ बीदि (तद्) सं.—वीथिः (तत्); मार्ग, रास्ता, सड़क।

ಬೀಭತ್ಸ बीभत्स (सम्) वि.—घृणित; निष्ठुर, भयानक; बर्बर।

ಬೀಭತ್ಸು बीभत्सु (सम्) वि. —दे. बीभत्स, सं.—अर्जुन का नाम।

ಬೀರ बीर (तद्) सं.—वीर पुरुष, योद्धा; वीरभद्र।

ಬೀರಿ बीरि (तद्) सं.—गड़रिये की स्त्री।

ಬೀರು बीरु (अ. दे.) सं.—अलमारी।

ಬೀಱ್ बीऱ् (अ. दे.) ಬೀಱು बीऱु (क) क्रि.—स्वेच्छा से प्रदान कर; सानंद वितरण कर; फेंक (जैसे ढेला, बाण आदि)।

ಬೀವು बीवु (क) सं.—रसोई का बर्तन, उपकरण विशेष।

ಬೀಸಣಿಕೆ बीसणिके, ಬೀಸಣಿಗೆ बीसणिगे (क) सं.—व्यजन, पंखा।

ಬೀಸರ बीसर (क) सं.—अंत, विनाश।

ಬೀಸಿಸು बीसिसु (क) क्रि.—पिसवा; चूर्ण करा या करवा, चक्की चलवा।

ಬೀಸು बीसु (क) क्रि.—पीस, चूर्ण कर, चक्की चला; (जाल) फेंक।

ಬೀಸೇಕಲ್ಲು बीसेकल्लु (क) सं. — (पीसने की) चक्की।

ಬೀೞ್ बीऴ्, ಬೀೞು बीऴु, ಬೀಳ್ बीळ्, ಬೀಳು बीळु (क) क्रि.—गिर, गिर पड़, पतित हो; छूट, खिसक जा। सं — गिरना, गिराव; वह जो नीच या बुरा हो; व्यर्थ, बेकार; (लिखने में) ग़लती; बीमारी के कारण गिर पड़ना; छोड़ना।

ಬೀೞಲ್ बीऴल्, ಬೀೞಲು बीऴलु (क) सं.—दे. ಬಿೞಲ್.

ಬೀೞಿಸು बीऴिसु, ಬೀಳಿಸು बीळिसु (क) क्रि.—गिरा; पतित कर।

ಬೀಲುಲ್ बीळल्, ಬೀಲುಲು बीळलु (क) सं.—दे. ಬಿಲ್ಲು.

ಬುಕ್ಕ बुक्क, ಬುಕ್ಕೆ बुक्के (क ?) सं.—हृदय, कलेजा।

ಬುಗರಿ बुगरि, ಬುಗುರಿ बुगुरि (क) सं.—बेर का पेड़; लट्टू।

ಬುಗುಟಿ बुगुटि, ಬುಗುಡು बुगुडु (क) सं.—सूजन, फूलना।

ಬುಗ್ಗಿ बुग्गि (क) सं.—गाल, कपोल।

ಬುಗ್ಗೆ बुग्गे (क) सं.—सोता, स्रोत; फौव्वारा।

ಬುಟ್ಟಿ बुट्टि, ಬುಟ್ಟೆ बुट्टे (क) सं.—टोकरी, टोकरा।

ಬುಡ बुड (तद्) सं.—बुध्नः (तत्), बर्तन की तली, तल।

ಬುಡಕಟ್ಟು बुडकट्टु (तद्) सं.—वंश, कुल, कुटुंब, परिवार।

ಬುಡಮೆ बुडमे, ಬುಡುಮೆ बुडुमे (क) सं.—एक प्रकार का खीरा।

ಬುಡುಬುಡಿಕೆ बुडुबुडिके (क) सं.—छोटा डमरु।

ಬುಡ್ಡಿ बुड्डि (क) सं.—(शीशे का) बोतल; कुप्पी।

ಬುಡ್ಡೆ बुड्डे (क) सं.—सूजन।

ಬುತ್ತಿ बुत्ति (तत्) सं.—भुक्तिः (तत्); आहार, भोजन।

ಬುದುಬುದ बुदुबुद (तत्) सं.—बुद्बुदः (तत्); बबूला।

ಬುದ್ಧ बुद्ध (सम्) वि.—जाना हुआ, समझा हुआ; बुद्धिमान, पंडित। सं.—गौतम बुद्ध; जैन या बौद्ध धर्म का संन्यासी।

ಬುದ್ಧಿ बुद्धि (सम्) सं.—मति, धीशक्ति, समझ, विवेक, ज्ञान। —ವಂತ वन्त (सम्) सं—बुद्धिमान ವಂತಳು वन्तळु = बुद्धिमती स्त्री।

ಬುಧ್ನ बुध्न (सम्) सं.—तल, नीचे का भाग, बर्तन की तली, तलुवा, औन्नत्य

ಬುಭುಕ್ಷೆ बुभुक्षे (सम्) सं.—भूख।

ಬುರಕಿ बुरकि, ಬುರಿಕಿ बुरिकि (अ. दे.) सं.—बुरक़ा (अरबी)।

ಬುರಗಲು बुरगलु, ಬುರುಗಲು बुरुगलु (क) सं.—भुना हुआ चावल।

ಬುರುಗು बुरुगु (क) सं.—फेन; एक अनुकरणमूलक शब्द।

ಬುರುಡೆ बुरुडे, ಬುರುಡೆ बुरुडे, [ಬುರಡೆ, बुरडे, ಬುಱುಡೆ बुरुडे] (क) सं.—खोपड़ी, गोल बर्तन, शीशा, चिमनी (Chimney), खोखला।

ಬುರುದೆ बुरुदे (क) सं.—पंक, कीचड़, दलदल।

ಬುರುಲಿ बुरुलि, ಬುರಲಿ बुरलि, ಬುರ್ಲಿ बुर्लि (क) सं.—लवा, बटेर।

ಬುಱುಡಿ बुरुडि (क) सं.—दे. ಬುರುಡೆ.

ಬುವ್ವ बुव्व (क) सं.—भात, चावल, खाना (बच्चों की भाषा में)।

ಬುಸುಗುಟ್ಟು बुसुगुट्टु (क) क्रि.—फुफकार।

ಬೂಂದಿ बूंदि (अ. दे.) सं.—बूंदी, एक मिठाई।

ಬೂಚಿ बूचि (क) सं.—कीड़ा, कीट; मूत्र (बच्चों की भाषा में)।

ಬೂಜು बूजु, ಬೂಜೆ बूजे, ಬೂಷ್ಟೆ बूष्टे, ಬೂಸಿ बूसि, ಬೂಸು बूसु (क) सं.—सड़ाव, सड़ना, किसी चीज़ के सड़ने पर ऊपर दीखनेवाला सफ़ेद अंश।

ಬೂಟಕ बूटक, ಬೂಟಾಟ बूटाट (क) सं.—दिखावट, फरेब, कपट, बाह्याडंबर।

ಬೂಟಾಟಿಕೆ बूटाटिके (क) सं.—दे. ಬೂಟಕ.

ಬೂತು तु (क) सं.—अश्लील बात; निर्लज्जता। —ಗ ग (क) सं.—निर्लज्ज पुरुष।

ಬೂದಿ बूदि, [ಬೂದ बूद] (तद्) सं.—भूतिः (तत्); भस्म, राख।

ಬೂದು बूदु (तत्) वि.—सफ़ेद। —ಕುಂಬಳ कुंबळ = सद रंग का कुम्हड़ा।

ಬೂರ बूर, ಬೂರಗ बूरग, ಬೂರುಗ बूरुग, ಬೂರುಗೆ बूरुगे (क) सं.—शाल्मली वृक्ष (The silk.collon tree)।

ಬೂವ बूव (क) सं.—दे. ಬುವ್ವ.

ಬೃಂದ बृंद (सम्) सं.—बृंद, समूह।

ಬೃಂಹಿತ बृंहित (सम्) वि.—उगा हुआ, बढ़ा हुआ; गर्जता हुआ।

ಬೃಹತ್ बृहत्, ಬೃಹತ್ತು बृहत्तु (सम्) वि.—बड़ा, बड़ा भारी, विशाल, चौड़ा।

ಬೆಂ बें (क) वि.—गरम, उष्ण (समास में) सं.—पीठ।

ಬೆಂಕಿ बेंकि, ಬೆಂಕೆ बेंके (क) सं.—आग, अग्नि; उष्णता।

ಬೆಂಗಾಡು बेंगाडु (क) सं.—मरुभूमि, रेगिस्तान।

ಬೆಂಚೆ बेंचे (क) सं.—छोटा सरोवर।

ಬೆಂಟು बेंटु, ಬೆರಂಟು बेरंटु, ಬೆರಟು बेरटु (क) सं.—शिकार, आखेट।

ಬೆಂಡು बेंडु (क) सं.—निस्सार वस्तु, हलकी लकड़ी, हलकी चीज़।

ಬೆಂಡೆ बेंडे (क) सं.—भिंडी।

ಬೆಂಡೇಕು बेंडेकु (क) सं.—एक प्रकार का सागौन वृक्ष।

ಬೆಕ್ಕಸ बेक्कस (क) सं.—विस्मय, आश्चर्य।

ಬೆಕ್ಕು बेक्कु (क) सं—बिल्ली, मार्जाल।

ಬೆಗಡು बेगडु (क) क्रि.—चकित हो, घबड़ा। सं.—आश्चर्य, भीति, घबराहट।

ಬೆಗರ್ बेगर्, ಬೆಗಳ್ बेगळ् (क) सं.—भीति, घबराहट; आश्चर्य।

ಬೆಚ್ಚಗೆ बेच्चगे, ಬೆಚ್ಚನೆ बेच्चने (क) अ.—गरम, उष्ण।

ಬೆಚ್ಚರ बेच्चर (क) सं.—वेग, तेज़ी, भ्रमण, विस्मय, भीति।

ಬೆಚ್ಚಳಿಸು बच्चळिसु (क) क्रि.—भ्रमित हो, चकित हो; घबड़ा जा।

ಬೆಚ್ಚಿಗೆ बेच्चिगे (क) वि.—दे. ಬೆಚ್ಚಗೆ.

ಬೆಚ್ಚು बेचुच (क) क्रि.—घबड़ा जा, चकित हो। सं.—चकित होना, घबराहट; दृढ़ संबन्ध या संयोग।

ಬೆಜ್ಜರ बेज्जर (क) सं.—दे. ಬೆಚ್ಚು.

ಬೆಜ್ಜೆ बेज्जे (क) सं.—चहचहाहट।

ಬೆಟ್ಟ बेट्ट (क) वि.—मजबूत, दृढ़, कठोर, कड़ा। सं.—पहाड़, पर्वत।

ಬೆಟ್ಟು बेट्टु (क) वि.—कठिन, कर्कश, कठोर, दृढ़। सं.—पहाड़, पर्वत; चोट; मुहर लगाने का उपकरण। क्रि.—घुसेड़, बलपूर्वक प्रवेश करा; मुहर लगा; धाक जमा।

ಬೆಣ್ಣೆ बॆण्णे [ಬೆಣ್ಣಿ बॆण्णि] (क) सं.—मक्खन, माखन।

ಬೆತ್ತಲೆ बॆत्तलॆ (क) वि.—नंगा, नग्न।

ಬೆದ बॆद, ಬೆದೆ बॆदॆ (क) सं.–उष्णता, गरमी।

ಬೆದಕು बॆदकु (क) क्रि.—खरोंच, नख से घात कर, चकोटनी काट; खोज, ढूंढ, अन्वेषण कर।

ಬೆದರ್ बॆदर्, ಬೆದರು बॆदरु, ಬೆದಱ್ बॆदऱ् (क) क्रि.—दे. ಬೆದಱು.

ಬೆಡಗಿ बॆडगि (क) सं.—छबीली, सुंदरी स्त्री।

ಬೆಡಗು बॆडगु, ಬೆಡಂಗು बॆडंगु (क) सं.—छवि, सौंदर्य, मनोहरता, शोभा; डींग; दिखावट।

ಬೆಣಚಿ बॆणचि (क) सं.—ಬೆಣಚಿಕಲ್ಲು बॆणचिकल्लु—चकमक पत्थर।

ಬೆಣೆ बॆणॆ (क) सं.—काग, बोतल का डट्टा, खूंटी।

ಬೆದಱು बॆदऱु (क) क्रि.—डर, भीत हो, घबरा। सं.—भीति,; घबराहट।

ಬೆದಱಿಣೆ बॆदऱॆणॆ, ಬೆದಱಿಕೆ बॆदऱिकॆ, [ಬೆದರಿಕೆ बॆदरिकॆ] (क) सं.—डर, भीति, भय।

ಬೆದಱಿಸು बॆदऱिसु, [ಬೆದರಿಸು बॆदरिसु] (क) क्रि.—डरा, भीत करा।

ಬೆದೆ बॆदॆ (क) सं.—गरमी, मस्ती; कामुकता; होना, बीज होना।—ಗಾರ गार (क) सं.—कामदेव लंपट, कामुक पुरुष।—ಗಾತಿ (क) सं.—(स्त्री. लिं.)।

ಬೆಪ್ಪಳ बॆप्पळ, ಬೆಬ್ಬಳ बॆब्बळ, ಬೆಬ್ಬಳೆ बॆब्बळॆ (क) सं.—भय, डर, घबराहट।

ಬೆಪ್ಪು बॆप्पु (क) सं.—मूर्ख, बेवकूफ़; पागल, भ्रम में पड़ा हुआ व्यक्ति।

ಬೆಬ್ಬನೆ बॆब्बनॆ (क) अ.—गर्व से; मस्ती से।

ಬೆಬ್ಬರಿಸು बॆब्बरिसु (क) क्रि.—भीत हो, घबड़ा जा, बहुत डर जा।

ಬೆಬ್ಬಳ बॆब्बळ (क) सं.—भय, डर, विभ्रम, विकलता।

ಬೆಮರ್ बॆमर्, ಬೆಮರು बॆमरु (क) क्रि.—डर जा, घबरा जा; पसीना निकल। सं.—पसीना।

ಬೆಯಿಸು बॆयिसु, ಬೇಯಿಸು बेयिसु (क) क्रि.—पका, रसोई बना।

ಬೆರಕೆ बॆरकॆ (क) सं.—मिश्रण, मिलावट; मिलन, संधि।

ಬೆರಗು बॆरगु (क) सं.—विस्मय, आश्चर्य, चकित होना।

ಬೆರಂಜು बॆरंजु (क) क्रि.—इकट्ठा कर, एकत्रित कर, चयन कर।

ಬೆರಟು बॆरटु (क) सं.—दे. ಬಂಟು.

ಬೆರಲ್ बॆरल्, ಬೆರಳ್ बॆरळ् ಬೆರಳು बॆरळु (क) सं.—अंगुली; छोर।

ಬೆರಸು बॆरसु, ಬೆರಿಸು बॆरिसु (क) क्रि.—मिला, मिश्रण कर, सम्मिश्रित कर।—ಇ इ = मिश्रण करना।

ಬೆರೆ बॆरॆ (क) क्रि.—मिल, मिश्रित हो।

ಬೆಱಗು बॆऱगु (क) सं.—दे. ಬೆರಗು.

ಬೆಱಣಿ बॆऱणि, [ಬೆರಣಿ] (क) सं.—उपला।

ಬೆಱೆ बॆऱॆ (क) क्रि.—अहंकार-भाव व्यक्त कर, अहंकारपूर्ण व्यवहार कर; दृढ़ या कड़ा हो (सर्दी, हवा आदि के कारण), सिकुड़।

ಬೆರ್ಕು बॆर्कु (क) सं.—बिल्ली।

ಬೆಲಗು बॆलगु (क) सं.—धरन, बल्ला।

ಬೆಲೆ बॆलॆ (क) सं.—मूल्य, कीमत, दाम।

ಬೆಲೆಗು बॆलॆगु (क) सं.—चन्द्रकला।

ಬೆಲ್ಲ बॆल्ल (क) सं.—गुड।

ಬೆವರು बॆवरु (क) क्रि.—पसीना निकल आ; झाड़ू दे, बुहारी कर, लीप। सं.—पसीना।

ಬೆವಿ बॆवि (क) क्रि.—पसीना निकल।

ಬೆಸ बॆस (तद्) सं.—विषम संख्या।

ಬೆಸಕಿಲ್ बॆसकिल् (क) सं.—झाड़ू, बुहारी।

ಬೆಸಗೆ बॆसगॆ (क) सं.—जोड़ना, मिलाना, टाँका देना।

ಬೆಸದ बॆसद, ಬೆಸ್ತ बॆस्त (क) सं.—मछुआ।

ಬೆಸನ बॆसन, ಬೆಸಲ್ बॆसल् (क) सं.—जन्म, उत्पत्ति।

ಬೆಸವು बॆसवु (क) सं.—दे. ಬೆಸಗೆ.

ಬೆಸಳಿಗೆ बॆसळिगॆ (क) सं.—अंगीठी।

ಬೆಸಿಕೆ बॆसिकॆ, ಬೆಸಿಗೆ बॆसिगॆ (क) सं.—दे. ಬೆಸಗೆ.

ಬೆಸೆ बॆसॆ (क) क्रि.—जोड, मिला, टाँका दे; घमंडी हो। सं.—कोडे की मार; चोट; कपास धुनने का उपकरण, धुनकी।

ಬೆಸ್ತ बॆस्त (क) सं.—मछुआ।

ಬೆಳ್ बॆळ् (क) वि.—सफ़ेद, शुभ्र।

ಬೆಳ बॆळ, ಬೆಳಕು बॆळकु (क) सं.—प्रकाश, रोशनी; दीपक।

ಬೆಳಗಿಸು बॆळगिसु (क) क्रि.—प्रकाशित कर, चमका; प्रकाशित करवा।

ಬೆಳಗು बॆळगु (क) क्रि.—चमक, झलक, प्रकाशित हो; प्रकाशित कर, चमका; (दिया) जला; पालिश कर, माँज, माँजकर जगमगा। सं.—प्रकाश; चमक, झलक।

ಬೆಳತಿಗೆ बॆळतिगॆ, ಬೆಳಂತಿಗೆ बॆळंतिगॆ (क) वि.—सफ़ेद, श्वेत, प्रकाशमान।

ಬೆಳಯಿಸು, बॆळयिसु, ಬೆಳಸು बॆळसु, ಬೆಳೆಸು बॆळॆसु, (क) क्रि.—बढ़ा, बढ़वा, उन्नत कर या करवा, फ़सल उपजा।

ಬೆಳರ್ बॆळर्, ಬೆಳರ್ಪು बॆळर्पु (क) सं.—जगमगाहट, चमकनेवाला सफ़ेद रंग।

ಬೆಳವ बॆळव (क) सं.—जंगली कबूतर।

ಬೆಳವಣಿಗೆ बॆळवणिगॆ, ಬೆಳವಳಿಗೆ बॆळवळिगॆ (क) सं.—बढ़ती, उन्नति, विकास, तरक्की, समृद्धि।

ಬೆಳವಾರ बॆळवार (क) सं—जाति से बहिष्कृत या नीच आदमी।

ಬೆಳವಿಗೆ बॆळविगॆ (क) सं.—बढ़ती, उन्नति,, वृद्धि।

ಬೆಳಸು बॆळसु (क) क्रि.—दे. ಬೆಳಯಿಸು. सं.—वृद्धि, उन्नति, फ़सल या उपज की वृद्धि।

ಬೆಳಸೆ बॆळसॆ (क) सं.—रस भरा दाना।

ಬೆಳಗ್ಗೆ बॆळग्गॆ, ಬೆಳಗ್ಯೆ बॆळग्यॆ (क) सं.—प्रातःकाल, सबेरा, प्रभात।

ಬೆಳವಣಿಗೆ बॆळवणिगॆ (क) सं.—दे. ಬೆಳವಣಿಗೆ.

ಬೆಳಿಸು बॆळिसु (क) क्रि.—दे. ಬೆಳಯಿಸು.

ಬೆಳು बॆळु (क) वि.—प्रकाशमान, जगमगाता हुआ।

ಬೆಳುಪು बॆळुपु (क) सं.—सफ़ेद रंग।

ಬೆಳುವ बॆळुव (क) सं.—दे. ಬೆಳವ.

ಬೆಳುವಣಿಗೆ बेळुवणिगे (क) सं. — दे. ಬೆಳ ವಣಿಗೆ.

ಬೆಳೆ बेळे (क) क्रि.— बढ़, उपज हो, फ़सल हो। सं.—बढ़ना ; फ़सल, उपज।

ಬೆಳಸು बेळसु (क) क्रि.—दे. ಬೆಳಸು.

ಬೆಳ್ಕರ್ बेळकर् (क) क्रि. — डर जा; भीत हो।

ಬೆಳ್ಪಱ बेळपऱ (क) सं. — हिलना, काँपना, कंपन, चंचलता।

ಬೆಳ್ಪಳಿ बेळपळि (क) सं.—प्रकाश, चमक, जगमगाहट।

ಬೆಳ್ಪು बेळपु (क) सं.—सफ़ेद रंग।

ಬೆಳ್ಳ बेळळ (क) सं.—गोरा आदमी ; भोला मनुष्य, साधु मनुष्य।

ಬೆಳ್ಳನ್ನ बेळळन्न (क) वि.—सफ़ेद।

ಬೆಳ್ಳವಾರ बेळळवार, ಬೆಳ್ಳಾರ बेळ्ळार (क) सं. —जाल, फंदा।

ಬೆಳ್ಳಿ बेळ्ळि (क) सं.—चाँदी।

(२) ಬೇ बे, ಬೇಯ್ಯು बेय्यु (क) क्रि.— पक जा, बन, तैयार हो।

(२) ಬೇ बे (क) सं.—याचना की ध्वनि। क्रि.—याचना कर, माँग।

ಬೇಂಟ बेंट (क) सं.—कामातुरता, इन्द्रिय-सुख ; चाह, अनुराग।

ಬೇಂಟಿಗ बेंटिग (क) सं.— शिकारी।

ಬೇಂಟೆ बेंटे (क) सं.—शिकार, आखेट, मृगया।

ಬೇಂಟೆಕಾರ बेंटेकार (क) सं.—शिकार।

ಬೇಕರೆ बेकरे (क) सं.—दीन व्यक्ति, याचक।

ಬೇಕು बेकु (क) अ.—चाहिए।

ಬೇಕುಪ್ಪ बेकुप्प, ಬೇಕೂಬ बेकूब (अ. दे.) सं.—मूर्ख, बेवकूफ़।

ಬೇಗ बेग (तद्) अ.— वेग से, शीघ्र, जल्दी।

ಬೇಗಡೆ बेगड़े (क) सं. — छेद, रंध्र, बिल ; अभ्रक।

ಬೇಗು बेगु, ಬೇಹು बेहु (क) सं.—जासूसी। —ಕಾರ कार=गुप्तचर, जासूस।

ಬೇಗುದಿ बेगुदि (क) सं.—संताप, मनस्ताप, दुःख।

ಬೇಗೆ बेगे (क) सं.—आग, गरमी, दावाग्नि।

ಬೇಟ बेट (क) सं. — विरह ; कामातुरता, इन्द्रिय-सुख।

ಬೇಟೆ बेटे (क) सं.—शिकार, आखेट ; आखेट-का प्राणी।

ಬೇಟೆಕಾಱ बेटेकाऱ, ಬೇಟೆಗಾಱ बेटेगाऱ, [ಬೇಟೆಗಾರ बेटेगार] (क) सं —शिकारी, शिकार खेलनेवाला।

ಬೇಡ बेड (क) सं.—शिकारी, किरात या शबर जाति का व्यक्ति। अ.—नहीं, मत।

ಬೇಡತಿ बेडति (क) सं.—व्याधिन, शबर स्त्री।

ಬೇಡಿ बेडि (क) सं.— बेड़ी (हिं.)।

ಬೇಡು बेडु (क) क्रि.—माँग, याचना कर। सं.— किरातों का समूह।

ಬೇಡುವಿಕೆ बेडुविके, ಬೇಡುಹ बेडुह (क) सं. —याचना, माँग, प्रार्थना।

ಬೇತಾಳ बेताळ (तद्) सं. — वेतालः (तत्)।

ಬೇನೆ बेने (क) सं.— रोग, बीमारी, दर्द।

ಬೇಪಾರ बेपार (तद्) सं.—व्यापारी।

ಬೇಯಿಸು बेयिसु, ಬೇಸು बेसु (क) क्रि.— पका, खाना बना, रसोई कर।

ಬೇರ್ बेर्, ಬೇರು बेरु (क) सं.—पेड़-पौधों की जड़ या मूल।

ಬೇರುಗ बेरुग (क) सं.—कंद-मूल बेचनेवाला।

ಬೇರೆ बेरे (क) अ.—पृथक, अलग।

ಬೇಱ್ बेऱ्, ಬೇಱು बेऱु (क) सं. — पृथकता, अलगाव।

ಬೇಱೆ बेऱे (क) अ.—दे. ಬೇರೆ.

ಬೇಲ बेल, ಬೇಳ बेळ (क) सं. — कपित्थ, कैथा।

ಬೇಲಿ बेलि (क) सं. — बाड़, झाड़ियों की आड़।

ಬೇವಸ बेवस (क) सं. — चिंता, विकलता, व्याकुलता।

ಬೇವು बेवु (क) सं.—नीम का पेड़।

ಬೇಸಗಿ बेसगि, ಬೇಸಗೆ बेसगे, ಬೇಸಿಗೆ बेसिगे (क) सं.—ग्रीष्म ऋतु, गरमी का मौसम।

ಬೇಸರ್ बेसर्, ಬೇಸರು बेसरु, ಬೇಸಱ್ बेसऱ्, ಬೇಸಱು बेसऱु (क) क्रि. — उदास हो, थक जा, ऊब जा, मन में आलस्य हो।

ಬೇಸರ बेसर, ಬೇಸಱ बेसऱ, ಬೇಸರಿಕೆ बेसरिके, ಬೇಸಱಿಕೆ बेसऱिके (क) सं.—उबाई, उदासी, बेज़ार होना।

ಬೇಹು बेहु (क) अ.—चाहिए। सं.—जासूसी। —ಕಾರ कार, ಕಾಱ काऱ (क) सं.—जासूस, गुप्तचर।

ಬೇಳ್ बेळ् (क) क्रि.—हवि (अग्नि में) डाल। सं.—गड़बड़ी, भ्रम, घबराहट ; पागलपन।

ಬೇಳಂಬ बेळंब (क) सं.—इच्छा, अभिलाषा ; असंगत वार्ता ; आग में मनुष्य का नाश, नरयज्ञ।

ಬೇಳು बेळु (क) क्रि.—दे. ಬೇಳ್.

ಬೇಳುವೆ बेळुवे (क) सं. — आहुति ; भ्रांति, भ्रम, गड़बड़ी।

ಬೇಳೆ बेळे (क) सं —दाल ; द्विदल।

ಬೇೞ್ बेऴ् (क) क्रि.—दे. ಬೇಳು.

ಬೈರಾಗಿ बैरागि (तद्) सं.—बैरागी, वीतरागी।

ಬೈಸ್ಕೋಪು बैस्कोपु (अ. दे.) सं. —सिनेमा, फिल्म।

ಬೊಂಕು बोंकु (क) क्रि.— झूठ बोल।

ಬೊಂಕೆ बोंके (क) सं. — गोंद ; वृक्षों का रस।

ಬೊಂದಿ बोंदि (क) सं.—शरीर, देह ; रस्सी का गट्ठा।

ಬೊಂಬಾಳ बोंबाळ (क) सं.—दिये का पात्र, पुतली जिसके जुड़े हाथों पर दीपक रखा जाता है।

ಬೊಂಬು बोंबु (क) सं.— बाँस, वंश।

ಬೊಂಬುಳಿ बोंबुळि, ಬೊಂಬುಳಿಕೆ बोंबुळिके, ಬೊಂಬುೞಿ बोंबुऴि (क) सं. — छोटा ढोल।

ಬೊಂಬೆ बोंबे (क) सं.—गुड़िया, पुतली।

ಬೊಕ್ಕಣ बोक्कण (क) सं.—जेब ; भिखारी की झोली, थैली।

ಬೊಕ್ಕೆ बोक्के (क) सं. —फुंसी, छोटा फोड़ा, बुदबुदा ; छोटा बिल जो चूहे द्वारा बनाया गया हो।

ಬೊಗಸೆ बोगसे, ಬೊಗಸಿ बोगसि, ಬೊಗಿಸೆ बोगिसे (क) सं.—अंजलि।

ಬೊಗಳು ब़ोगळु, ಬೊಗಳು ब़ोगलु (क) क्रि· भूँक ; बक बक कर ।

ಬೊಗ್ಗಿಸು ब़ोग्गिसु (क) क्रि· — झुका, टेढ़ा कर ।

ಬೊಗ್ಗು ब़ोग्गु (क) क्रि·—टेढ़ा हो, झुक । सं·—टेढ़ापन, झुकाव ।

ಬೊಚ್ಚು ब़ोच्चु (क) सं·—ऊन, कोमल रोम । वि.—पोपला, दंतहीन ।

ಬೊಜ್ಜು ब़ोज्जु, ಬೊಜ್ಜೆ ब़ोज्ज़े (क) सं·— तोंद ।

ಬೊಟ್ಟು ब़ोट्टु (अ. दे.) सं. — अंगुली, पैर की अंगुली ; अंगुली का परिमाण, छोटा परिमाण ; बूंद । (तद्) सं.—वृत्त ; तिलक ।

ಬೊಡಿ ब़ोडि, ಬೊಡೆ ब़ोड़े (क) क्रि· — मार, पीट ।

ಬೊಬ್ಬಡೆ ब़ोब्बड़े (क) सं·—छिलका, पेड़ों का छाल ।

ಬೊಬ್ಬುಳಿ ब़ोब्बुळि, ಬೊಬ್ಬುಳಿಕೆ ब़ोब्बुळिके़ (क) सं·—बुलबुला ।

ಬೊಬ್ಬೆ बोब्बे़ (क) सं· — फफोला, छाला; कोलाहल, कलकल, चीख पुकार ।

ಬೊಮ್ಮ ब़ोम्म (तद्) सं·—ब्रह्मा (तत्) ।

ಬೊಯಿ ब़ोयि (क) क्रि· — गाली दे, निंदा कर । सं· — गाली, निंदा । ಬೊಯಿಲು बोयिलु (क) सं·—गाली, निंदा । ಬೊಯ್ಯು ब़ोय्यु (क) क्रि·—गाली दे, निंदा कर ।— ನಿಕೆ=निंदा ।

ಬೊರಲು ब़ोरलु (क) सं —झाडू, बुहारी । अ· —उल्टा ।

ಬೊಸಕ್ಕನೆ ब़ोसक्क़ने (क) अ· — 'ब़ोसक़्, आवाज़' के साथ ।

ಬೊಳ್ಳು ब़ोळ्ळु (क) वि·—हल्का, जो भारी न हो ।

ಬೊಱಿಯುವಿಕೆ ब़ोऱियुविके़, ಬೊಳಿಯುವಿಕೆ ब़ोळियुविके़ (क)सं·-लेपन-कार्य, लगाना ।

ಬೋಂಡ बोंड, ಬೋಂಡಾ बोंडा (क) सं. — साधारणतया चने के आट से बनायी जानेवाली एक नमकीन खाने की चीज़ ।

ಬೋಕಿ बोकि (क) सं·—बर्तन का टूटा हुआ भाग ।

ಬೋಗಳ बोगळ (क) सं. — निंदा, गाली (ग्रा·) ।

ಬೋಡ बोड (क) सं.—दन्तहीन पुरुष, पोपले मुँह का आदमी ।

ಬೋಡಿ बोडि (क) सं.—दन्तहीन स्त्री ; वह स्त्री जिसके सिर के बाल मुँडाये गये हो ।

ಬೋದಿಗೆ बोदिगे़, ಬೋದುಗೆ बोदुगे़ (क) सं. —कारनीस, खम्भे के ऊपर रखने का पत्थर या लकड़ी ।

ಬೋದು बोदु (क) सं. — फूलना, पर अंदर या सार न होना, (जैसे फूला बगन, खीर आदि) ।

ಬೋಧನ बोधन, ಬೋಧನೆ बोधने़ (क) सं·— जताना, समझाना, ज्ञापन ।

ಬೋನ बोन (क) सं·—भात, पकाया गया चावल ।

ಬೋನಗಾರೆ बोनगारे़ (क) सं·—एक कण्टीला पौधा ।

ಬೋನ್ बोन्, ಬೋನು बोनु (क) सं·— चूहे आदि को फंसाने का फन्दा ।

ಬೋರ बोर (क) सं·—दे· ಬೋನ್.

ಬೋರಲ बोरल, ಬೋರಲು बोरलु, ಬೋರ್ಲ बोर्ल, ಬೋರ್ಲು बोर्लु (क) अ·—उल्टा ।

(१) ಬೋರೆ बोरे़ (क) सं·—टीला, पहाड़ी ।

(२) ಬೋರೆ बोरे़ (तद्) सं·—बदारी (तत्); बेर का पेड़ ।

ಬೋವ बोव, ಬೋಯ बोय (क) सं·—एक जाति, कहार ।

ಬೋೞ್ बोऴ् (क) सं· — एक प्रकार का धनुष ; मृत्यु, मरण ।

ಬೋೞ बोऴ, ಬೋಳ बोळ (क) सं·—मुण्डित सिरवाला ।

ಬೋೞಿ बोऴि, ಬೋಳಿ बोळि (क) सं·— मुंडित सिरवाली ।

ಬೋೞಿಸು बोऴिसु (क) क्रि·—सिर मूँड ।

ಬೋೞು बोऴु, ಬೋಳು बोळु (क) वि. — मुण्डा हुआ ।

ಬೋೞೆ बोऴे़ (क) सं·—एक प्रकार का बाण; मुण्डित होने की स्थिति ।

ಬೌದ್ಧ बौद्ध (सम्) वि·—बुद्धि से संबन्धित ; बुद्ध से संबन्धित । सं·—बौद्ध धर्म की अनुयायी ; विष्णु का एक अवतार ।

ಬ್ರಹ್ಮ ब्रह्म (सम्) सं·—परमात्मा, परब्रह्म ; वेद ; स्तुति की एक ऋचा ; आगम ; ज्ञान, सुज्ञान , . ब्रह्मविद्या ; शुद्धचरित्र ; मुक्ति, मोक्ष ; तप, तपस्या ; ओदन· अन्न ; वस्तु ; धन, संपत्ति ; विप्र, ब्राह्मण ; परमार्थ जानने वाला ; सृष्टिकर्ता, ब्रह्मा ; विष्णु ; शिव; सूर्य ; प्रतिभा ; प्रधान, मुख्य ।

ಬ್ರಹ್ಮಚರ್ಯ ब्रह्मचर्य (सम्) सं.—ब्रह्मचारी का व्रत, चार आश्रमों में प्रथम ।

ಬ್ರಹ್ಮಪುತ್ರ ब्रह्मपुत्र (सम्) सं·—एक नदी का नाम ; एक प्रकार का विष ।

ಬ್ರಹ್ಮಪುರಿ ब्रह्मपुरि (सम्) सं· — ब्राह्मणों के रहने का नगर ; प्राचीन विद्या-केंद्र ।

ಬ್ರಹ್ಮರಂಧ್ರ ब्रह्मरंध्र (सम्) सं·—ब्रह्मांड द्वार, मस्तक के मध्य में माना हुआ गुप्त छेद ।

ಬ್ರಹ್ಮವಿದ್ಯೆ ब्रह्मविद्ये (सम्) सं·—वेद और वेदांत ।

ಬ್ರಹ್ಮವೀಣೆ ब्रह्मवीणे़ (सम्) सं·—वीणाविशेष ।

ಬ್ರಹ್ಮಾಣಿ ब्रह्माणि (सम्) सं·—ब्रह्मा की शक्ति; सरस्वती ।

ಬ್ರಹ್ಮಾಂಡ ब्रह्मांड (सम्)—सं·—ब्रह्माण्ड ।

ಬ್ರಹ್ಮೇತಿ ब्रह्मेति (तद्) सं·—ब्रह्महत्या (तत्) —वह जिसने ब्राह्मण को मार दिया हो ; पापी, हत्यारा ।

ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ब्राह्मण (सम्) सं·—ब्राह्मण ; करनेवाला, ब्रह्मवादि ; अग्नि ।

ಬ್ರಾಹ್ಮಣ್ಯ ब्राह्मण्य (सम्) सं·—ब्राह्मणत्व ।

ಬ್ರಾಹ್ಮಿ ब्राह्मि (सम्) सं· —ब्रह्मा की मूर्तिमती शक्ति ; सरस्वती ; वाणी ; कहानी, कथा ; धर्मानुष्ठान ; दुर्गा ; रोहिणी नक्षत्र ; ब्राह्मण की पत्नी , एक पौधा विशेष ।

ಭ भ

ಭ भ—कन्नड-वर्णमाला का अड़तीसवाँ अक्षर ; पवर्ग का चौथा व्यञ्जन ।

ಭಂ भं, ಭುಂ भुं (क) सं·—शङ्ख की ध्वनि ।

ಭಂಗ भङ्ग, (सम्) सं.–टूटने का भाव ; दरार ; पृथकता ; टूक, अंश, हिस्सा, पतन, नाश ; भगदड़ ; पराजय ; असफलता, अस्वीकृति ; रुकावट ; गड़बड़ी ; प्रतिबन्ध, स्थगित करना ; फेर, मोड ; सिकुड़न झुकाव ; गमन ; लकवा रोग ; छल, धोखा ; नहर जलमार्ग ।

ಭಂಗಾರ भगार (तद्) सं –दे. ಬಂಗಾರ.

ಭಂಗಿ भंगि (सम्) सं.—भंग करना ; छल, धोखा ; रूप, आकार ; ढंग, प्रकार ।

ಭಂಗಿಸು भंगिसु (सम्) क्रि. –तोड़, भंग कर ; विनष्ट कर ।

ಭಂಡ भंड (सम्) सं.–भाँड, हँसोड़ा, विदूषक ; वर्णसंकर जाति विशेष ।

ಭಂಡನ भंडन (सम्) सं.—कवच ; लड़ाई, युद्ध ; दुष्टता, उपद्रव ।

ಭಂಡಾರ भंडार (सम्) सं.—भण्डार, भांडागार ।

ಭಂಡಾರಿ भंडारि (सम्) सं. — भांडागार की देखरेख करनेवाला, कोशाध्यक्ष ।

ಭಂಡಿಲ भंडिल, ಭಂಡೀರ भंडीर (सम्) वि. —अच्छा, समृद्ध, शुभ, मंगलकारी, भाग्यशाली । सं. —सौभाग्य, आनंद ; दूत ; कलाकार, कारीगर ।

ಭಕುತಿ भकुति (तद्) सं.—भक्तिः (तत्) ।

ಭಕ್ತ भक्त (सम्) वि. — विभक्त, विभाजित, बाँटा, हुआ, खंड किया हुआ । सं.—भक्त, पूजक, उपासक । ಭಕ್ತೆ भक्ते—स्त्री. लिं. ।

ಭಕ್ತಿ भक्ति (सम्) सं.—पृथकता, भिन्नता ; सेवा, पूजन ; ईश्वरानुराग ।

ಭಕ್ಷ್ಯ भक्ष (सम्) सं.—घी या तेल में तला हुआ खाद्य पदार्थ, भोज्य पदार्थ ।

ಭಕ್ಷಣೆ भक्षणे (सम्) सं.— ಭಕ್ಷಣ भक्षण— खाना ।

ಭಕ್ಷಿಸು भक्षिसु (सम्) क्रि. — खा, भक्षण कर ।

ಭಕ್ಷ್ಯ भक्ष्य (सम्) सं. — दे. ಭಕ್ಷ ; जल, पानी ।

ಭಗಂದರ भगंदर (सम्) सं.—एक रोग ; एक ऋषि का नाम ।

ಭಗವತಿ भगवति (सम्) सं.—दुर्गा, पार्वती ; लक्ष्मी ।

ಭಗಿನೀಪತಿ भगिनीपति (सम्) सं.—बहनोई ।

ಭಗ್ನ भग्न (सम्) वि.— टूटा हुआ ; विनष्ट ; निराश किया हुआ ।

ಭಜನ भजन, ಭಜನೆ भजने (सम्) सं. — भजन, सेवा, पूजा ; खण्ड ।

ಭಜಿಸು भजिसु (सम्) क्रि.—भजन कर, उपासना कर ।

ಭಟ भट (सम्) सं.—योद्धा, सिपाही, वीर ।

ಭಟ್ಟ भट्ट (सम्) सं.—विद्वान, पंडित, दार्शनिक ; उपाधि विशेष ; परंपरागत नाम ।

ಭಟ್ಟಿನಿ भट्टिनि, (सम्) सं—ऊँचे पद की स्त्री ; सम्राज्ञी, महारानी ।

ಭದ್ರ भद्र (सम्) वि. — शुभ, मंगलकारी, अच्छा, सुन्दर ; आनन्दकारी ; श्रेष्ठ, श्लाघ्य । सं. —प्रसन्नता, सौभाग्य ; साँड, बैल ; सोना ; छेदन ; एक वाद्य विशेष ; जागरूकता, सावधानी । ಭದ್ರವಾಗಿರು भद्रवागिरु =सावधान रहो ।

ಭದ್ರಕಾಲಿ भद्रकालि, ಭದ್ರಕಾಳಿ भद्रकाळि (सम्) सं. — शिव की शक्ति, काली, पार्वती, दुर्गा ।

ಭದ್ರಾಸನ भद्रासन (सम्) सं.–सुन्दर आसन, सिंहासन ।

ಭಪ್ಪರೆ भप्परे (अ. दे. ?) सं. — बाप रे ! अच्छा ! शाबाश !

ಭಯ भय (सम्) सं.—भय, डर, भीति ।

ಭಯಾನಕ भयानक (सम्) वि. — डरावना भयावह । सं.—भय, डर ; भयानक रस ।

ಭರಕ್ भरक् (क) सं. —घास काटते समय आनेवाली ध्वनि ।

ಭರಣಿ भरणि (सम्) सं. —एक नक्षत्र का नाम ।

ಭರತ भरत (सम्) सं. — नट, अभिनेता ; भरतमुनि ; नाट्यशास्त्र ; राम के भाई भरत ; शकुन्तला और दुष्यन्त के पुत्र का नाम ; अग्नि ; पहाड़ी ; मनुष्य ; ज्वार, समुद्र-प्रवाह ।

ಭರತಖಂಡ भरतखंड, ಭರತವರ್ಷ भरतवर्ष (सम्) सं.—भारत, हिन्दुस्तान ।

ಭರದ್ವಾಜ भरद्वाज (सम्) सं.—एक ऋषि का नाम ; भरतपक्षी ।

ಭರವಸ भरवस, ಭರವಸೆ भरवसे (अ. दे.) सं. —भरोसा, विश्वास ।

ಭರಿತ भरित (सम्) वि.—भरा हुआ, पूरा, पूर्ण, परिपूर्ण ।

ಭರುಟಕ भरुटक (सम्) वि. — भुना हुआ मांस ।

ಭರ್ತ भर्त, ಭರ್ತಾರ भर्तार, ಭರ್ತು भर्तु, ಭರ್ತೃ भर्तृ (सम्) सं.— पति, प्रभु, स्वामी, रक्षक ।

ಭರ್ತ್ಸನ भर्त्सन (सम्) सं. — भर्त्सना, फटकार, धमकी, डाँटडपट ।

ಭರ್ಮ್ಯ भर्म्य (तद्) सं.—भर्मम् (तत्); सोना, सुवर्ण ।

ಭಲರೆ भलरे, ಭಲರೇ भलरे, ಭಳರೆ भळरे, ಭಳಿರೆ भळिरे (क) अ.—अच्छा ! खूब ! शाबाश !

ಭಲ್ಲಾತಕ भल्लातक, ಭಲ್ಲಾತಕಿ भल्लातकि (सम्) सं.—भिलावे का पेड़ ।

ಭಲ್ಲೂಕ भल्लूक (सम्) सं.—रीछ, भालू ।

ಭವ भव (सम्) वि.—पैदा हुआ, उत्पन्न । सं.—जन्म, उत्पत्ति ; पुनर्जन्म ; जीवन ; सांसारिक अस्तित्व, संसार ; शिव ; स्वास्थ्य; श्रेष्ठता, उत्कृष्टता ।

ಭವದೀಯ भवदीय (सम्) वि.—आपका ।

ಭವಾರಿ भवारि (सम्) सं.—कामदेव ।

ಭವಿತವ್ಯ भवितव्य (सम्) सं. — होनहार, भाग्य, भावी ।

ಭವಿಸು भविसु (सम्) क्रि.—हो, संभव हो, कारण हो ।

ಭವ್ಯ भव्य (सम्) वि. — उचित, योग्य, अच्छा, उत्कृष्ट, सुन्दर, शुभ, भाग्यवान, प्रसन्न । सं.—शुभपरिणाम ; मुक्तजीव ।

ಭಸಿತ भसित (सम्) सं.—राख, भस्म ।

ಭಾಂಡ भांड (सम्) सं.— बर्तन ; पेटी ; कोई भी औज़ार या यंत्र ; बाजा ; माल, सामान ; माल की गाँठ ; बहुमूल्य सामान ; नदीगर्भ ; भाड़पन, मसखरापन ।

ಭಾಂಡಾಗಾರ भांडागार (सम्) सं.—भांडार; धनागार।

ಭಾಗ भाग (सम्) सं.—भाग, अंश, हिस्सा; बँटवारा; भाग्य; चतुर्थांश; स्थान, जगह।

ಭಾಗಧೇಯ भागधेय (सम्) सं. — हिस्सा, भाग; भाग्य, सौभाग्य, संपत्ति, आनन्द; कर; अर्थागम।

ಭಾಗಿ भागि (सम्) वि.—भागोंवाला; भाग-लेनेवाला, संबंधी; अधिकारी, मालिक; भाग्यवान्।

ಭಾಗೀದಾರ भागीदार (सम्) सं.—हिस्सेदार; साझेदार।

ಭಾಗೀರಥಿ भागीरथि (सम्) सं.-गंगा, भागीरथी।

ಭಾಗ್ಯ भाग्य (सम्) सं.—प्रारब्ध, किस्मत; सौभाग्य, समृद्धि; हर्ष, कुशलता।—ವಂತ वंत=भाग्यवान् पुरुष।

ಭಾಗ್ಯೆ भाग्ये (सम्) सं—भाग्यवती स्त्री।

ಭಾಟ भाट, ಭಾಟಕ भाटक (सम्) सं. — ಬಾಡಗೆ बाड़गे ಬಾಡಿಗೆ बाडिगे,— किराया, भाड़ा, मज़दूरी।

ಭಾದ್ರಪದ भाद्रपद (सम्) सं — भादों का महीना।

ಭಾನು भानु (सम्) सं.—प्रकाश की किरण; सूर्य; प्रभु, राजा; बारह की संख्या का द्योतक; एक छन्द।

ಭಾಮ भाम (सम्) सं.—क्रोध, रोष; आभा, चमक; सूर्य; बहनोई।

ಭಾಮಾ भामा, ಭಾಮೆ भामे (सम्) सं.= ಭಾಮಿನಿ भामिनी, क्रोधना स्त्री; सुन्दरी स्त्री; राधा का नाम (मैं. प्र.)।

ಭಾರ भार (सम्) सं. — बोझ: भारीपन, अतिशयता; बड़ी मात्रा; तौल विशेष।

ಭಾರತ भारत (सम्) सं.—भरतवंशज; भारतवर्ष, हिन्दुस्तान; महाभारत (ग्रंथ)।

ಭಾರತಿ भारति (सम्) सं.—सरस्वती; विद्वान पुरुष।

ಭಾರ್ಗವ भार्गव (सम्) सं.—शुक्राचार्य; परशुराम।

ಭಾರ್ಯಾ भार्या, ಭಾರ್ಯೆ भार्ये (सम्) सं. —पत्नी।

ಭಾಲ್ಲೂಕ भाल्लूक (सम्) सं.—रीछ, भालू।

ಭಾವ भाव (सम्) सं.—अस्तित्व; घटना, होना; दशा, अवस्था; पद, ओहदा; वास्तविकता; स्वभाव, हावभाव, आचरण; भावना; मन, आत्मा, हृदय, परमात्मा; बहनोई ('भामः' का तद्)।

ಭಾವಕಿ भावकि (सम्) सं.—सौंदर्यप्रिय स्त्री।

ಭಾವಜ भावज (सम्) सं.—कामदेव, प्रेम।

ಭಾವನೆ भावने (सम्) सं.—भावना, विचार, कल्पना।

ಭಾವಿ भावि (सम्) सं.—भावी, भविष्य, होनहार, भाग्य।

ಭಾಷಾಂತರ भाषांतर (सम्) सं.—अनुवाद, तर्जुमा।

ಭಾಷೆ भाषे (सम्) सं.—भाषा; वाणी; वचन, वादा।

ಭಾಸ್ಕರ भास्कर (सम्) सं.—सूर्य; बारह की संख्या; एक छंद का नाम; कई व्यक्तियों का नाम।

ಭಾಳಲೋಚನ भाळलोचन, ಭಾಳವಿಲೋಚನ भाळविलोचन (सम्) सं. —शिवजी।

ಭಿಕ್ಷಾನ್ನ भिक्षान्न (सम्) सं. —भिक्षा से प्राप्त खाना, भीख।

ಭಿಕ್ಷುಕ भिक्षुक (सम्) सं.—भिक्षुक, भिखारी।

ಭಿಕ್ಷುಕಿ भिक्षुकि (सम्) सं.—भिखारिन।

ಭಿತ್ತಿ भित्ति (सम्) सं.— दीवार; टुकड़ा; टूटी हुई वस्तु, तोड़ना, चीरना, विभाजित करना।

ಭಿನ್ನ भिन्न (सम्) वि. — टूटा हुआ, चीरा हुआ; पृथक, अलग, भिन्न।

ಭೀಕರ भीकर (सम्) वि.—भयंकर, डरावना।

ಭೀತಿ भीति (सम्) सं.—भय, डर; खतरा।

ಭೀಮ भीम (सम्) वि.—भयंकर, भयावह। सं.—शिव, रुद्र; यम; भीमसेन; वीरपुरुष, भट; कन्नड-बसवपुराण के कर्ता का नाम।

ಭೀರು भीरु, ಭೀರುಕ भीरुक (सम्) वि.—भयभीत, डरपोक।

ಭೀಷಣ भीषण (सम्) वि.—भयंकर, भयानक रस।

ಭೀಷ್ಮ भीष्म (सम्) वि.—भयंकर। सं. —गांगेय, भीष्म पितामह।

ಭೀಷ್ಮಸು भीष्मसु (सम्) सं.—गंगाजी।

ಭುಂಜಿಸು भुंजिसु (सम्) क्रि. —खा, भोजन कर।

ಭುಕ್ತ भुक्त (सम्) वि.—खाया हुआ। सं. —खाना, भोजन।

ಭುಕ್ತಿ भुक्ति (सम्) सं.— भोजन, खाना, आहार; उपभोग।

ಭುಜ भुज (सम्) सं.—भुजा, बाहु; मोड़; घुमाव।

ಭುಜಗ भुजग, ಭುಜಂಗ भुजंग (सम्)—सं.—साँप; जार।

ಭುಜಮಧ್ಯ भुजमध्य (सम्) सं.—छाती।

ಭುವನ भुवन (सम्) सं. — जगत, लोक; चौदह की संख्या।

ಭೂ भू (सम्) सं.—भूमि, पृथ्वी, ज़मीन, ज़िला, देश।—ಜಾತ जात (सम्) सं. — पेड़।—ಜಾತೆ जाते (सम्) सं.—सीता।

ಭೂತ भूत (सम्) वि.— विगत, बीता हुआ, भूत; प्राप्त, उपलब्ध, उचित, योग्य, सदृश, समान। सं.—भूत; प्रेत, राक्षस; तत्व; वास्तविक घटना; भूतकाल; संसार, जगत; आर्य, देवभूमिज; नवग्रह; अठारह; जाति-समूह।

ಭೂತಿ भूति (सम्) सं.—संपत्ति, ऐश्वर्य; वैभव, राज्यश्री, गौरव; राख; भुना हुआ मांस।

ಭೂದಾರ भूदार (सम्) सं.—सुअर।

ಭೂದೇವ भूदेव (सम्) सं.—ब्राह्मण।

ಭೂಪಾಲ भूपाल (सम्) सं.—नरेश, राजा।

ಭೂಮಿ भूमि (सम्) सं. — भूमि, ज़मीन; जगह, स्थान।

ಭೂಮಿಕೆ भूमिके (सम्) सं. — भूमिका, पीठिका; मंज़िल, खण्ड; नाटक में किसी का चरित्र या अभिनय।

ಭೂಮಿಜ भूमिज (सम्) सं.—वृक्ष ; नरकासुर ; मंगलग्रह ; मानव ; एक प्रकार का घोड़ा ।

ಭೂಯಿಷ್ಠ भूयिष्ठ (सम्) वि.—बहुत ही, प्रायः, बहुत करके ।

ಭೂಷಣ भूषण, ಭೂಷೆ भूषे (सम्) सं.—गहना, आभूषण ; श्रृंगार, सजावट ।

ಭೃಂಗ भृंग (सम्) सं.—भ्रमर, भौंरा ; चातक, सारंग ; बिलनी ; अभ्रक ; मेघ ; कालापन ; एक वृक्ष ।

ಭೃಂಗಾರ भृंगार (सम्) सं.—सुवर्ण घट या पात्र ।

ಭೃಂಗಿ भृंगि (सम्) सं.—वटवृक्ष ; झिल्ली ; एक शिवगण का नाम ।

ಭೃಕುಟಿ भृकुटि, (सम्) सं.—भ्रू, भौंह ।

ಭೃಗುವಾರ भृगुवार (सम्) सं.—शुक्रवार ।

ಭೃತ್ಯ भृत्य (सम्) सं.—नौकर, सेवक ; राजा का अनुचर ।

ಭೃತ್ಯೆ भृत्ये (सम्) सं.—मज़दूरी ।

ಭೆಟ್ಟಿ भट्टि, ಭೇಟಿ भेटि (क) सं.—मुलाकात, भेंट, संदर्शन ।

ಭೇಕ भेक (सम्) सं.—मेंढक ।

ಭೇಧಿಸು भेदिसु (क) क्रि.—भेद कर, छेद, वेध, चीर, विदीर्ण कर ।

ಭೇರುಂಡ भेरुण्ड (सम् ?) सं.—दो सिरवाला पक्षी ।

ಭೇಷಜ भेषज (सम्) सं.—दवाई, औषध, चिकित्सा ; धोखा, छल ।

ಭೈರವಿ भैरवि (सम्) सं.—दुर्गा देवी ।

ಭೋಗ भोग (सम्) सं.—भक्षण, खाना ; उपयोग ; लाभ ; संभोग ; व्यवहार ; उपभोग, उपभोग के पदार्थ ; धन, द्रव्य ; परिपूर्णता ; कामिनी स्त्री, वेश्या ; मुनाफ़ा, आय ; देवविग्रह के लिए नैवेद्य ।

ಭೋಗ್ಯ भोग्य (सम्) सं.—भूमिबन्धक ।

ಭೋಜನ भोजन (सम्) सं.—भोजन ; भोजन करना, खाना खाना ।

ಭೋರನೆ भोरने (क) अ.—शीघ्रता से, जल्दी ।

ಭೌತಿಕ भौतिक (सम्) वि.—जीवधारी संबन्धी ; जड़पदार्थ संबन्धी ; भूत-प्रेत संबन्धी ।

ಭ್ರಂಶ भ्रंश (सम्) सं.—पतन, फिसलन ।

ಭ್ರಮ भ्रम, ಭ್ರಮೆ भ्रमे (क) सं.—भ्रम, भ्रांति ; भ्रमण, भटकना, चक्कर ; भँवर ; कुम्हार का चाक ; चक्की का पाट ।

ಭ್ರಮರ भ्रमर (सम्) क्रि.—भ्रमण कर, घूम, चक्कर काट ; भ्रांति में पड़, भ्रमित हो ; बेवकूफ़ी कर ।

ಭ್ರಾಂತಿ भ्रांति (सम्) सं.—भ्रम ; भूल ; चक्कर, भ्रमण ।

ಭ್ರಾತೃ भ्रातृ (सम्) सं.—भाई ; सगा भाई ।

ಭ್ರುಕುಟಿ भ्रुकुटि (सम्) सं.—भ्रू, भौंह ।

ಭ್ರೂಣ भ्रूण (सम्) सं.—स्त्री का गर्भ ; शिशु, बच्चा ; गर्भिणी स्त्री ; अग्नि, ज्वाला ।

ಮ म

ಮ म—कन्नड-वर्णमाला का उनचालीसवाँ अक्षर ; पवर्ग का अन्तिम व्यञ्जन ।

ಮಂಕಡ मंकड़ (तद्) सं.—मर्कटः (तत्) ; वानर, बन्दर ।

ಮಂಕಣಿ मंकणि (म ?) सं.—दो मुँहवाला बड़ा थैला जिसमें सामान रखकर जानवरों की पीठ पर लादा जाता है ।

ಮಂಕರಿ मंकरि (क) सं.—टोकरी (ग्रा.) ।

ಮಂಕು मंकु (क) सं.—भ्रम, भ्रांति ; कांतिहीनता ; मूर्खता । ಮಂಕ मंक = मूर्ख पुरुष ।

ಮಂಕುತನ मकुतन (क) सं.—मूर्खता, बेवकूफ़ी ।

ಮಂಕ್ರಿ मंक्रि (क) सं.—दे.—ಮಂಕರಿ.

ಮಂಗ मंग (तद्) सं.—दे. ಮಂಕಡ.—ತನ तन, ಆಟ आट (तद्) सं.—बन्दर का-सा व्यवहार, नटखटी ।

ಮಂಗರಬಳ್ಳಿ मंगरबळ्ळि, ಮಂಗರೋಳಿ मंगरोळि (क) सं.—एक ज़ड़ी-बूटी (Cissus quadrangularis) ।

ಮಂಗಲ मगंल—(सम्) सं.—शुभ, शुभद वस्तु, आनंद, सौभाग्य, शुभ शकुन ।

ಮಂಗಲ್ಯೆ मंगल्ये (सम्) सं.—एक प्रकार का अगरु ।

ಮಂಗಳ मंगळ (तद्) सं.—दे. ಮಂಗಲ ; एक छंद का नाम ।

ಮಂಗಳಾರತಿ मंगळारति (तद्) सं.—देवता-विग्रह के सामने की जानेवाली आरती ।

ಮಂಗಾರೆ मंगारे (क) सं.—एक कंटीला पौधा (Vangueria spinosa) ।

ಮಂಗುರ मंगुर (क) सं.—दे. ಮಂಗರಬಳ್ಳಿ.

ಮಂಚ मंच (क) सं.—खाट, मचान, मचिया, सिंहासन ।

ಮಂಚಿಕೆ मंचिके, ಮಂಚಿಗೆ मचिगे (क) सं.—मचान, मचिया ; एक प्रकार का गहना ।

ಮಂಜರ मंजर (सम्) सं.—मोती ; फूलों का झब्बा । (तद्) सं.—बिल्ली ।

ಮಂಜರಿ मंजरि, ಮಂಜರಿಕೆ मंजरिके (सम्) सं.—मंजरी, फूलों का गुच्छा, कोंपल ; मोति ; लता ।

ಮಂಜಳ मंजळ (क) सं.—हल्दी, हरिद्रा ।

ಮಂಜಾಡಿ मंजाडि (क) सं.—एक वृक्ष विशेष (The red-wood tree) ।

ಮಂಜಿ मंजि (क) सं.—पोत, बड़ी नौका, जहाज़ ; सन, पटसन ।

ಮಂಜಿಷ್ಠೆ मंजिष्ठे (सम्) सं.—मजीठ ।

ಮಂಜೀರ मंजीर (सम्) सं.—नूपुर, बिछिया ।

(१) ಮಂಜು मंजु (क) सं.—हिम, तुहिन, कोहरा ; धुँधलापन ।

(२) ಮಂಜು मंजु, ಮಂಜುಲ मंजुल (सम्) वि.—सुंदर, चारु, मनोहर ।

ಮಂಜೂರು मंजूरु (अ. दे.) अ.—मंजूर (अरबी) ; स्वीकृत ।

ಮಂಜೂಷೆ मंजूषे (सम्) सं.—पेटी, बक्स ; टोकरी, पिटारी ।

ಮಂಜಿಟ್ಟಿ मंजिट्टि (क) सं.—दे. ಮಂಜಾಡಿ.

ಮಂಟಪ मंटप (सम्) सं.—मंडप, वितान ।

ಮಂಟಬೆಕ್ಕು मंटबेक्कु (क) सं.—वह बिल्ली जो खण्डहरों में रहती है ।

ಮಂಟೆ मटि (क) सं.—टीला, पहाड़ी ।

ಮಂಡ मंड (सम्) सं.—वह गाढा चिकना पदार्थ जो तरल पदार्थ के ऊपर छा जाता है ; माँड ; दूध की मलाई ; फेन, झाग ;

खमीरा ; पीच ; महेरी ; गूदा, सार, सिर ; आभूषण विशेष ।

ಂಡಕ मंडक, ಮಂಡಗೆ मण्डगे, ಮಂಡಿಗೆ मण्डिगे, (क) सं.— मैदा से बनाया जाने-वाला एक खाद्य (भोज्य) पदार्थ ।

ಂಡಪ मंडप (सम्) सं.—दे. ಮಂಟಪ.

ಂಡಲ मंडल (सम्) सं.—गोला, वृत्ताकार विस्तार, व्यास ; सूर्य या चन्द्र का वृत्त ; ग्रह के घूमने की कक्षा ; समूह, समुदाय, दल ; समीप का ज़िला या प्रांत ; शिकार खेलने का पैंतरा विशेष ; तांत्रिक मन्त्र विशेष : ऋग्वेद का खण्ड विशेष : अड़ता-लीस दिनों की अवधि ।— ಅಧಿಕಾರಿ अधि-कारि (सम्) सं.—प्रांत या ज़िले का मुख्य अफ़सर ।

ಂಡಲಿ मंडलि (सम्) सं.— मण्डली, 'समूह, समुदाय ।

ಂಡಲಿಕ मण्डलिक (सम्) सं.—मण्डलाधि-कारी ।

ಂಡಿ मंडि (क) सं.—घुटना ।— ಸು सु (क) क्रि.—बैठ ।

ಂಡೂಕ मंडूक (सम्) सं.—मेंढक ।

ಂಡೂರ मंडूर (सम्) सं.—लोह कीट ।

ಂಡೆ मंडे (तद्) सं.—सिर ।

ಂತಣ मंतण (तद्) सं.—मन्त्रणा (तत्) ।

ಂತನ मंतन (क) सं.—कुल, वंश (ग्या. भा.) ।

ಂತು मंतु (तद्) सं. — मथानी ; दोष, ग़लती ।

ಂತ್ರ मंत्र (सम्) सं.—मन्त्र, वैदिक वाक्य ।

ಂತ್ರಿ मंत्रि (सम्) सं. — सचिव, राजा का अमात्य ; मन्त्र जागनेवाला ।

ಂತ್ರಿಕ मंत्रिक (तद्) सं.—मांत्रिक: (तत्) ; ऐंद्रजालिक, जादूगर ।

ಂತ್ರಿಸು मंत्रिसु (सम्) क्रि.— मन्त्र कर ; सलाह कर ।

ಂಥ मंथ (सम्) सं.—मन्थन, हिलाना ; मथानी ; शराबत जिसमें कई वस्तुएँ मिली हों ; आँख की बीमारी, मोतियाबिंद ।

ಂಥನ मंथन (सम्) सं.—मथना ।

ಮಂಥನಿ मंथनि (सम्) सं.—वह घड़ा जिसमें दही रखकर मथा जाता है ।

ಮಂಥಿ मंथि (सम्) सं.—मथानी ।

ಮಂದ मंद (सम्) वि.—धीमा, सुस्त, दीर्घ-सूत्री ; उदासीन, तटस्थ ; मूर्ख, मन्दबुद्धि वाला, अज्ञानी ; नीच, खोखला, पोला ; कोमल, मुलायम ; छोटा, हल्का ; अभागा, दुःखी , मुरझाया हुआ ; दुष्ट, बदमाश, पापी । सं. — यम ; शनिग्रह ; हाथी विशेष ; प्रलय ।

ಮಂದಬುದ್ಧಿ मंद्बुद्धि, ಮಂದಮತಿ मंदमति (सम्) सं —मूर्ख, बेवकूफ़ ।

ಮಂದಯಿಸು मंदयिसु, ಮಂದೈಸು मंदैसु (सम्) क्रि.—गाढ़ा हो, जम जा ।

ಮಂದರ मंदर (सम्) सं.—मन्दरपर्वत ; मंदार का वृक्ष ; स्वर्ग । वि.—गाढ़ा, घना ।

ಮಂದಲಿಗೆ मंद्लिगे (क) सं.—चटाई ।

ಮಂದಾಕಿನಿ मंदाकिनि (सम्) सं.—गंगा ।

ಮಂದಾಕ್ರಾಂತ मंदाक्रांत (सम्) सं. — एक वृत्त का नाम ।

ಮಂದಾರ मंदार (सम्) सं.—मूँगे के वृक्ष का फूल ।

ಮಂದಿ मंदि, ಮಂದೆ मंदे (क) सं. — लोग, जन ।

ಮಂದಿರ मंदिर (सम्) सं.—मंदिर, घर, भवन।

ಮಂದಿವಾಳ मंदिवाळ, ಮಂದೆವಾಳ मंदेवाळ (क) सं.—अत्यधिक परिचय या प्रेम जो अशांति, क्रोध आदि का कारण बनता है ।

ಮಂದು मंदु (क) सं.—नीलगिरि में तोड जाति के लोगों का ग्राम ।

ಮಂದುರ मंदुर, ಮಂದುರೆ मन्दुरे (सम्) सं. —अश्वसाला, घुड़साल ।

ಮಂದೆ मंदे (क) सं.—दे. ಮಂದಿ ; पशुओं का समूह ; गोशाला ।

ಮಂದೋದರಿ मंदोदरि (सम्) सं. = ಮಂಡೋದರಿ मण्डोदरि (तद्)—रावण की पटरानी का नाम ।

ಮಂದ್ರ मंद्र (सम्) वि. — नीचा, गहरा, गम्भीर, पोला । सं.—मन्द्रस्वर ।

ಮಕರ मकर (सम्) सं.—मकर, मगर ; कुबेर की नवनिधियों में से एक ।

ಮಕುಟ मकुट, ಮಗುಟ मगुट (सम्) सं. — किरीट, ताज़ ।

ಮಕ್ಕರಿ मक्करि, ಮಕ್ರಿ मंक्रि (क) सं.—टोकरी ।

ಮಕ್ಕಳ್ मक्कळ्, ಮಕ್ಕಳು मक्कळु (क) सं — बच्चे ; संतान ।

ಮಖಮಲ್ಲು मखमल्लु (अ. दे.) सं.—मखमल (अरबी) ; मुलायम वस्त्र ।

ಮಖೆ मखे, ಮಘೆ मघे (सम्) सं. — मघा नक्षत्र ।

ಮಗ मग (क) सं. — पुत्र, बेटा, आत्मज ; गन्ध, सुगन्ध ।

ಮಗಚು मगचु (क) क्रि.—उल्टा, उलटा दे, औंधा रख ; पलट (जैसे पुस्तक का पन्न पलटना) ; औंधा गिर ; रगड़, घिसकर चोखा कर ।

ಮಗಟ मगट, ಮಗುಟ मगुट, ಮೊಗಟ मोगट, ಮೊಗುಟ मोगुट (क) सं. — रेशमी वस्त्र ; पीतांबर ।

ಮಗವು मगवु, ಮಗು मगु, ಮಗುವು मगुवु (क) सं.— बच्चा, शिशु ।

ಮಗಳ್ मगळ्, ಮಗಳು मगळु (क) सं.— बेटी, पुत्र ।

ಮಗಳ್ಮಾ मगळ्मा (क) सं.— पति की विश्वा-सपात्र स्त्री, पतिव्रता ।

ಮಗಿ मगि, ಮಗೆ मगे (क) सं.—छोटा घड़ा ।

ಮಗಿಲ್ मगिल्, ಮೊಗಳು मोगळु (क) सं.— छत का जोड़ ।

ಮಗುಚು मगुचु (क) क्रि.—दे. ಮಗಚು.

ಮಗುಳ್ मगुळ्, ಮಗುಳು मगुळु (क) क्रि.— घूम जा, उलट जा, वापस जा, पीछे जा ; पुनः होने दे या कर ।

ಮಗುಳ್ಚು मगुळ्चु (क) क्रि.—दे. ಮಗಚು.

ಮಗ್ಗ मग्ग (क) सं.—करघा ।

ಮಗ್ಗಲ್ मग्गल्, ಮಗ್ಗಲು मग्गलु (क) सं.— पार्श्व, बगल । अ.—के पास, बगल में, की ओर ।

ಮಗ್ಗಿಲ್ मग्गिल्, ಮಗ್ಗಿಲು मग्गिलु (क) सं. —दे. ಮಗ್ಗಲ್.

ಮಗ್ಗು मग्गु (क) क्रि·—गर्जन कर। सं.—वशीकरण, वशीकृत होना।

ಮಗ್ಗುಲ್ मग्गुल्, ಮಗ್ಗುಲು मग्गुलु (क) सं.—दे, ಮಗ್ಗಲ್.

ಮಗ್ನ मग्न (सम्) वि·—निमज्जित, डूबा हुआ।

ಮಘವ मघव (सम्) सं—इन्द्र।

ಮಚರ್ಚಿಕೆ मचर्चिके (सम्) सं.—मचर्चिका, सर्वोत्तमता।

ಮಚ್ಚ मच्च, ಮಚ್ಚು मच्चु, ಮಚ್ಚೆ मच्चे, ಮತ್ತಿ मत्ति (क) सं.—शरीर पर का काला निशान, पहचान।

ಮಚ್ಚರ मच्चर (तद्) सं.—मात्सर्य (तत्); डाह, ईर्ष्या।

ಮಚ್ಚಿಕೆ मच्चिके (क) सं.—प्रियता, पसंद, मान्यता।

ಮಚ್ಚು मच्चु (क) क्रि·—पसंद कर; प्रसन्न हो, बहुत चाह। सं.—पसंदगी, प्रियता; प्रसन्नता, तृप्ति; मोहित करने की दवा, मोहित करने की राख; घर की मंज़िल; हँसिया; कुल्हाड़ी; चित्ती।

ಮಚ್ಚೆ मच्चे (क) सं.—दे· ಮಚ್ಚ.

ಮಜಾ मजा (अ· दे.) सं.—मज़ा (फ़ारसी); आनंद।

ಮಜ್ಜನ मज्जन (सम्) सं.—स्नान, नहाना।

ಮಜ್ಜಾಸಾರ मज्जासार (सम्) सं.—मज्जा, मांस का गूदा।

ಮಜ್ಜಿಗೆ मज्जिगे (क) सं.—छाछ, मट्ठा।

ಮಟ मट (क) सं.—भ्रम, भ्रांति; धोखा; मूर्खता,; भोलापन।

ಮಟಮಟ मटमट (क) अ.—नितांत, केवल; ठीक-ठीक।

ಮಟ್ಟ मट्ट (क) सं.—समतलता; माप; विस्तार, ऊँचाई, हद, सीमा, उचित सीमा; छोटा घोड़ा। वि—छोटा; मंद।

ಮಟ್ಟಣೆ मट्टणे (क) सं.—समतल करना।

ಮಟ್ಟು मट्टु (क) सं.—संकेत, भाव, राय।

ಮಟ್ಟೆ मट्टे (क) सं.—नारियल या खजूर के वृक्ष की डाली; नारियल का रेशेदार जाल; दीवार पर चूना लगाने के लिए उपयोग में लाया जानेवाला नारियल का रेशा।

ಮಠ मठ (सम्) सं.—मठ; महन्त के रहने का स्थान; स्कूल, विद्यालय।—ಪತಿ पति = महंत।

(१) ಮಡ मड (क) सं.—एड़ी, गाड़ी का पिछला भाग; छोटा बांध, छोटी नहर।

(२) ಮಡ मड, ಮಡವು मडवु, ಮಡು मडु, ಮಡುವು मडुवु, ಮಡುಹು मडुहु (क) सं.—जल की गहराई।

ಮಡಕೆ मडके, ಮಡಿಕೆ मडिके (क) सं—घड़ा; तह। ಮಡಿಸು (क) क्रि.—तह कर।

ಮಡಗು मडगु, ಮಡಂಗು मडंगु (क) क्रि.—रख; छिपा रख।

ಮಡಚು मडचु, ಮಡಸು मडसु, ಮಡಿಸು मडिसु (क) क्रि.—टेढ़ा कर; तह करा।

ಮಡತೆ मडते (क) सं.—तह, परत।

ಮಡದಿ मडदि (क) सं.—स्त्री; पत्नी।

ಮಡಲ್ मडल्, ಮಡಲು मडलु (क) क्रि·—फैल, व्याप्त हो, बढ़। सं.—फलाव, व्याप्ति, बढ़ना, बढ़ती।

ಮಡಲು मडलु (क) सं.—आंचल, गोद।

ಮಡಿ मडि (क) सं.—शुद्धि, निर्मलता, शुद्ध वस्त्र; एड़ी। क्रि.—तह कर; मर जा, मृत हो, चल बस।

ಮಡಿವು मडिवु, ಮಡಿಹು मडिहु, ಮಡುಹು मडुहु (क) क्रि.—मार डाल।

ಮಡಿವಳ मडिवळ, ಮಡಿವಾಳ मडिवाळ (क) सं.—धोबी, रजक।

ಮಡಿವಳ್ಳ मडिवळ्ळ (क) सं.—धोबी।

ಮಡಿವಾಳಗಿತ್ತಿ मडिवाळगित्ति, ಮಡಿವಾಳಿ मडिवाळि (क) सं.—धोबिन।

ಮಡು मडु (क) क्रि.—लगा, दृढता से बांध या जोड़। सं.—पानी की गहराई।

ಮಡುಹು मडुहु (क) सं.—तह, परत; पानी की गहराई, अगाध जल।

ಮಡೆ मड़े (क) सं.—छोटा बांध।

ಮಡ್ಡ मड्ड (क) सं.—मूर्ख मनुष्य। —ತನ तन = मूर्खता।

ಮಡ್ಡಿ मड्डि (क) सं.-तलछट, कीचड़; गुग्गुल, अगरु; काँजी; मूर्ख मनुष्य।

(१) ಮಡ್ಡು मड्डु (क) सं.—तलछट, चिपचिपा होना।

(२) ಮಡ್ಡು मड्डु (सम्) सं.—ढोल।

ಮಣ್ मण्, ಮಣ್ಣು मण्णु (क) सं.—मिट्टी, मृत्तिका; ज़मीन, फ़र्श।

ಮಣ मण (अ. दे.) सं.—मन, तौल विशेष।

ಮಣಕ मणक, ಮಣಿಕ मणिक ಮಳಕ मळक (क) सं.—छोटी गाय या भैंस।

ಮಣಕನೆ मणकने (क) अ.—तुरंत, शीघ्रता से।

ಮಣಗು मणगु (क) क्रि.—टेढ़ा हो, झुक, वशीभूत हो।

ಮಣಲ್ मणल्, ಮಣಲು मणलु (क) सं.—रेता, बालू, सैकत।

ಮಣಿ मणि (क) क्रि.—झुक, नत हो, नमस्कार कर। सं.—झुकना, नमन; छोटा आसन, स्टूल (Stool); मणि, रत्न; गहना, आभूषण; अज-स्तन; अपानवायु; वैराग्य; लिंग या योनि का अग्रभाग; कलाई, मणिबंध; नौ की संख्या; एक प्रकार का बीज (The seeds of crotolaria)

ಮಣಿಯ मणिय, ಮಣಿಹ मणिह, ಮಣೆಯ मणेय, ಮಣೆ मणे (क) सं.—देवालय, मठ आदि की देखरेख का कार्य।

ಮಣಿರಂಗ मणिरंग (सम्) सं.—एक वृत्त का नाम।

ಮಣಿಸು मणिसु (क) क्रि.—झुका या झुकवा।

ಮಣುಕು मणुकु (क) सं. = ಮಣುಕು ಕೂದಲು मणुक कूदलु—जटा।

ಮಣೆ मणे (क) सं.—सतह, बैठने का आसन।

ಮಣ್ಣು मण्णु (क) सं.—दे. ಮಣ್.

ಮಣ್ಮಳಿ मण्मळि, ಮಣ್ಮಳಿ मण्मळि (क) सं.—रूपनष्ट मृत्यु।

ಮತ मत (सम्) सं.—अभिप्राय, राय, अभिमत; विचार, धारणा; धर्म, सिद्धांत।

ಮತಂಗ मतंग (सम्) सं.—हाथी; बादल; एक मुनि का नाम; एक राक्षस का नाम।

ಮತತ್ರಯ मतत्रय (सम्) सं· अद्वैत, द्वैत और विशिष्टाद्वैत मत ।
ಮತಲ್ಲಿಕೆ मतल्लिके (सम्) सं.—अपनी जाति की सर्वश्रेष्ठ वस्तु ।
ಮತಿ मति (सम्) सं· — बुद्धि, समझदारी, ज्ञान ; मत, हृदय, विचार ; विश्वास, राय ; संकल्प ।
(१) ಮತ್ತು मत्त, ಮತ್ತಂ मत्तं (क) अ.—फिर, पुनः ; और, अतिरिक्त ।
(२) ಮತ್ತ मत्त (सम्) वि·—मस्त, मतवाला, उन्मत्त· पागल ; अहंकारी ।
ಮತ್ತರ್ मत्तर् (क) सं·—भूमि का एक परिमाण या नाप ।
ಮತ್ತಿ मत्ति (क) सं.—शरीर पर का छोटा धब्बा, चित्ती ; अर्जुन वृक्ष ; सालवृक्ष ।
ಮತ್ತಿನ मत्तिन (क) वि.—दूसरा, दूसरे का, अन्य, इतर ।
(१) ಮತ್ತು मत्तु (तद्) सं·—मदः (तत्) ; नशा ।
(२) ಮತ್ತು मत्तु (क) अ· — और, एवं, तथा ; फिर, पुनः ; अतिरिक्त ।
ಮತ್ತೆ मत्ते (क) अ.—फिर, पुनः, तत्पश्चात् ; उपरांत ।
ಮತ್ತೇಭ मत्तेभ (सम्) सं·—मदमत्त हाथी ; एक वृत्त ।
ಮತ್ಸರ मत्सर (सम्) सं. — डाह, ईर्ष्या, जलन ।
ಮತ್ಸ್ಯ मत्स्य (सम्) सं·—मछली ; विष्णु का एक अवतार ; एक देश और उसके राजा का नाम ।
ಮಥನ मथन (सम्) सं· — मथने की क्रिया ।
ಮಥಿ मथि (सम्) सं·—मथानी ।
(१) ಮದ मद (क) सं·— मिलना ; विवाह· शादी ।
(२) ಮದ मद (सम्) सं·—नशा, मस्ती, मद ; अहंकार ; लंपटता, कामुकता ; अनुराग, प्रेम ; हर्षातिरेक ; शराब, मदिरा ; शहद ; मुश्क, कस्तूरी ; वीर्य ; कपास ; मधुकर, भ्रमर ; लहर ।
ಮದಗ मदग, ಮದಗು मदगु (क) सं·—पानी के बहाव का द्वार ।
ಮದಡು मदडु (क) सं.—मूर्ख, मूढ, बेवकूफ़ ।
ಮದನ मदन (सम्) सं. — नशीली ; कामदेव ; प्रेम, अनुराग ; धतूरे का पौधा, मोम· बकुलवृक्ष ; मधुमक्खी ; अच्छा, तपस्वी ; वसंतकाल ।
ಮದರ मदर (तद्) सं.—मर्द्द (तत्) ; हर्ष, आनन्द ।
ಮದರಂಗ मदरंग· ಮದರಂಗಿ मदरंगि (क) सं. —मेहंदी ।
ಮದಲ್ मदल् (क) सं.—विवाह, शादी ।
ಮದಲಿಗ मदलिग (क) सं.—वर । ಮದಲಿಗಿತ್ತಿ मदलिगित्ति = वधू ।
ಮದವಣಗಿತ್ತಿ मदवणगित्ति, ಮದವಣಿಗಿತ್ತಿ मदवणिगित्ति (क) सं·—वधू ।
ಮದವಣಿಗ मदवणिग, ಮದವನಿಗ मदवनिग, ಮದವಳಿಗ मदवळिग (क) सं· — वर, दूल्हा ।
ಮದವನ मदवन (क) सं·—पति ।
ಮದವಳಿಗೆ मदवळिगे (क) सं·—वर, दूल्हा ।
ಮದಿರಾ मदिरा, ಮದಿರೆ मदिरे (सम्) सं·—मदिरा, शराब ।
ಮದಿಲ್ मदिल् (क) सं·—दीवार ।
ಮದಿವೆ मदिवे, ಮದುವೆ मदुवे (क) सं· — शादी, विवाह ।
ಮದ್ದಲೆ मद्दले, ಮದ್ದಳೆ मद्दळे, ಮದ್ಲೆ मद्ले (तद्) सं·—मर्द्दलः (तत्)—मृदंग ।
ಮದ್ದು मद्दु (क) सं· — औषध ; विषैली पुड़िया· बारूद आदि ।
ಮದ್ಯ मद्य (सम्) सं·—नशीला पेय पदार्थ, शराब, मदिरा ।
ಮದ್ಯಪ मद्यप (सम्) शराबी ।
ಮಧು मधु (सम्) सं· — शहद, पुष्परस ; मदिरा ; जल ; चीनी ; मधुरता ; वसंत ऋतु ; मधु दैत्य ; अशोक वृक्ष ; चैत्रमास ; अमृत ।
ಮಧುರ मधुर (सम्) वि·—मीठा ; सुन्दर, मनोज्ञ । सं·—मिठास ; शरबत ; लालगन्ना ; शक्कर, गुड ; विष ; जस्ता ; एक प्रकार का आम ।
ಮಧುವ್ರತ मधुव्रत (सम्) सं· — भ्रमर, भौंरा ।
ಮಧ್ಯ मध्य (सम्) सं·—बीच, मध्य, मध्य का भाग ; कमर, कटि ।
ಮಧ್ಯಮ मध्यम (सम्) वि·—बीच का, मध्य का, मध्यवर्ती ; निरपेक्ष । सं.—मध्य भाग ; कटि, कमर ; व्याकरण में मध्यम पुरुष ।
ಮಧ್ಯಸ್ತ मध्यस्त, ಮಧ್ಯಸ್ಥ मध्यस्थ (सम्) सं·—मध्यवर्ती ; उदासीन, तटस्थ ।
ಮಧ್ಯಾಹ್ನ मध्याह्न (सम्) सं· — दोपहर, मध्याह्न ।
ಮನವರಿಕೆ मनवरिके (क) सं·—ज्ञान, समझ, जानकारी ।
ಮನವಾರ್ತೆ मनवार्ते (क) सं.—घरेलू काम ।
ಮನ मन (सम्) सं·—मन, चित्त ।
ಮನಶ್ಶಾಸ್ತ್ರ मनश्शास्त्र (सम्) सं· — मनोविज्ञान ।
ಮನನ मनन (सम्) सं· — चिंतन ; बुद्धि, समझदारी ; तर्क द्वारा निकाला हुआ परिणाम ।
ಮನವೆ मनवे, ಮನವಿ मनवि, ಮನುವೆ मनुवे (क) सं·—प्रार्थना, विनय ।
ಮನಸು मनसु, ಮನಸ್ಸು मनस्सु (सम्) सं· — मन· हृदय, चित्त ।
ಮನಸ್ತಾಪ मनस्ताप (सम्) सं.—मन का ताप ; द्वेष, अनबन ।
ಮನೀಷಿ मनीषि (सम्) वि· — पंडित· बुद्धिमान ।
ಮನೀಷೆ मनीषे, ಮನೀಷಾ मनीषा (सम्) सं·—बुद्धि, समझ ; प्रतिभा ।
ಮನುಜ मनुज, ಮನುಷ್ಯ मनुष्य (सम्) सं·—मनुष्य, आदमी ।
ಮನುಸ मनुस (तद्) सं·—मनुष्य ।
ಮನುಸಿ मनुसि (तद्) सं·—स्त्री ।
ಮನೆ मने (क) सं· — घर, मकान, गृह ; कमरा ।
ಮನೆತನ मनेतन (क) सं.—कुल, वंश· घराना ।
ಮನೋಜ मनोज (सम्) सं.— कामदेव, प्रेम ।

ಮನೋಜ್ಞೆ मनोज्ञे (सम्) सं.—सुन्दरी स्त्री, राजकुमारी; पंडिता ;

ಮನೋಹರ मनोहर, ಮನೋಹಾರಿ मनोहारि (सम्) वि.—मन हरनेवाला, चित्ताकर्षक, सुन्दर, मनभाया ।

ಮನ್ನಣೆ मन्नणे (तद्) सं.— मानना (तत्); प्रतिष्ठा, सम्मान ।

ಮನ್ನಿಸು मन्निसु (तद्) क्रि.—रोक, अवरोध कर; सह, सहन कर, क्षमा कर, मार्जन कर; सम्मान कर, गौरव दे ।

ಮನ್ಮಥ मन्मथ (सम्) सं.—कामदेव ।

ಮನ್ಯು मन्यु (सम्) सं.—क्रोध, रोष; दुःख, संकट, पीड़ा; विकलता; त्याग-भाव, त्याग ।

ಮನ್ಯೆ मन्ये (सम्) सं.—गर्दन का पिछला भाग।

ಮನ್ವಂತರ मन्वंतर (सम्) सं.—इकहत्तर चतुर्युगों की अवधि, ४,३२,००० मानव-वर्ष ।

ಮಬ್ಬಿಗ मब्बिग (क) सं.—असुर, राक्षस ।

ಮಬ್ಬು मब्बु (क) सं.—अन्धकार, अन्धेरा, धुँधलापन, धुँधला प्रकाश, बुद्धिहीनता, मूर्खता ।

ಮಮಕಾರ ममकार, ಮಮತೆ ममते (सम्) सं.—ममत्व, प्रेम; स्वार्थ ।

ಮಮ್ಮಲ मम्मल (क) सं.—मानसिक शांति का अभाव ।

ಮಮ್ಮು मम्मु, ಮೊಮ್ಮು मोम्मु (क) सं.—खाना, भोजन (बच्चों की भाषा में)।

ಮಯ್ मय्, ಮಯಿ मयि, ಮೆಯಿ मेयि (क) सं.—शरीर, देह ।

(१) ಮಯ मय (क) सं.—एक पक्षी, नृपखग ।

(२) ಮಯ मय (सम्) प्र.—यह तद्धित प्रत्यय है जिसका अर्थ है—युक्त, भरा हुआ ।

(३) ಮಯ मय (सम्) सं.—दैत्य जाति के एक शिल्पी का नाम, घोड़ा; खच्चर; ऊँट ।

ಮಯಣ मयण, ಮೇಣ मेण (तद्) सं.—मदन (तत्); मोम ।

ಮಯಮು मयमु, ಮಯ್ಮು मय्मु (क) सं.—व्याकुलता, बेचैनी ।

ಮಯಿದ मयिद, ಮಯ್ದ मय्द (क) सं.—देवर ।

ಮಯೂಖ मयूख (सम्) सं.—किरण; अंगारा; सौंदर्य; कील ।

ಮಯೂರ मयूर, ಮಯೂರಕ मयूरक (सम्) सं.—मयूर, मोर ।

ಮಯ್ದುನ मय्दुन (क) सं.—बहन का पति, बहनोई; पत्नी का भाई, साला; पति, का भाई, देवर ।

ಮಯ್ಸೆ मय्से (क) सं.—दे. ಮಯಮು.

ಮಯ್ಲ मय्ल, ಮಯ್ಲು मय्लु (तद्) सं.—मोर, मयूर ।

ಮಯ್ಲಿಗೆ मय्लिगे (क) सं.—अशुचिता, अशुद्धता ।

ಮರ मर (क) सं.—पेड़, वृक्ष ।

ಮರಕತ मरकत (सम्) सं.—पन्ना ।

ಮರಗಿ मरगि, ಮರಗೆ मरगे (क) सं.—काठ की वर्तन, मुलायम पत्थर का वर्तन ।

ಮರಣ मरण (सम्) सं.—मृत्यु, मौत ।

ಮರಲ್ मरल्, ಮರಲು मरलु (क) क्रि.—मुँह मोड़, पराङ्मुख हो, लौट, फिर जा, मुड़ जा; फिर संभव हो; फिर कर । सं.—पुष्प ।

ಮರಲ್ಚು मरल्चु (क) क्रि.—फिरा, मुड़वा, लौटा ।

ಮರವಳಿ मरवळि (क) सं. — पेड़ों की वस्तुएँ (फल); फूल आदि ।

ಮರವೆ मरवे, ಮರು मरु, ಮರುವು मरुवु (क) सं.—भूलना; पागलपन, मत्तता; बेहोशी; विकलता ।

ಮರಸು मरसु (क) क्रि.—भुला, छिपा ।

ಮರಳ್ मरळ्, ಮರಳು मरळु (क) सं.—सैकत, रेत, बालू ।

ಮರಳಿ मरळि (क) सं.—बुद्धू, बेवकूफ़ ।

ಮರಳಿಸು मरळिसु (क) क्रि.—दे. ಮರಲ್ಚು; उबाल ।

ಮರಳು मरळु (क) सं.—दे. ಮರಳ್, क्रि.—फिर, घूम, मुड़, लौट; उबल :

ಮರಾಮತ್ मरामत् (अ. दे.) सं.— मरम्मत (अरबी) ।

ಮರಾಲ मराल, ಮರಾಳ मराळ (सम्) सं.—हंस; सारस; घोड़ा; काजल, सुर्मा; बादल; बदमाश, कपटी ।

ಮರಾಲಕ मरालक (सम्) सं.—हंस ।

ಮರಿಗೆ मरिगे (क) सं.—मुलायम पत्थर का बर्तन ।

ಮರೀಚಿ मरीचि (सम्) सं.— प्रकाश की किरण, किरण; मृगतृष्णा; एक प्रजापति का नाम; कश्यप के पिता का नाम ।

ಮರೀಚಿಕ मरीचिक, ಮರೀಚಿಕೆ मरीचिके (सम्) सं.—मृगतृष्णा ।

ಮರುಕುಳಿ मरुकुळि (क) सं.—वेदना, घबराहट; भूलना ।

ಮರುತ मरुत, ಮರುತ್ತು मरुत्तु (सम्) सं.—हवा, वायु; देवता, सुर; पर्वत; पवन का अधिष्ठाता देवता; एक पौधा; ग्रन्थःपर्णि नामक वृक्ष ।

ಮರುಭೂಮಿ मरुभूमि (सम्) सं.—रेगिस्तान, मरुप्रदेश ।

ಮರುಳ್ मरुळ्, ಮರುಳು मरुळु (क) क्रि.—बुद्धि भ्रमित हो, पागल सा हो; विकल हो । सं.—विकलता, विभ्रम, पागलपन; मूर्खता, बेवकूफ़ी ।

ಮರುಳ मरुळ (क) सं.—मूर्ख, पागल मनुष्य ।

ಮರೆ मरे (क) क्रि.—भूल जा, विस्मृत हो । सं.—एक प्रकार का हिरन ।

ಮಱ मऱ, [ಮರ मर] (क) सं.—सूप, पछोरने का सूप । अ.—दुःख से ।

(१) ಮಱಗು मऱगु, ಮಱುಗು मऱुगु (क) क्रि.—जल, गरम हो; ताप तप्त हो, संतप्त हो, निराश हो ।

(२) ಮಱಗು मऱगु (क) सं.—रहस्य ।

ಮಱಪು मऱपु (क) क्रि. — छिपा; भूल, विस्मृत कर । सं.—भूलना, विस्मृति ।

ಮಱಂವೆ मऱंवे, ಮಱವೆ मऱवे, ಮಱುವೆ मऱिवे (क) सं.—भूलना, विस्मृति; अचेतनता, बेहोशी ।

ಮಱಸು मऱसु (क) क्रि.—भुला; छिपा, गोपनीय रख; धोखा दे ।

ಮಱಹು मरहु (क) सं· — रहस्य; प्रमाद, गलती, त्रुटि; विस्मृति; अचेतनता, मूर्छा; भ्रांति।

ಮಱಿ मरि (क) सं. = ಮರಿ मरि — जानवरों का बच्चा, शावक।

ಮಱು मरु, ಮರು मरु (क) वि·—दूसरा, द्वितीय, और एक।

ಮಱುಕ मरुक, ಮರುಕ मरुक (क) सं·—दया, अनुकंपा; दुःख।

ಮಱೆ मरॆ (क) क्रि·—दे· ಮರೆ सं·-विस्मृति; रहस्य, पर्दा, छिपाना, छिपाव।

ಮರ್ಚಿಸು मर्चिसु (क) क्रि· = ಮಚ್ಚಿಸು मच्चिसु प्रसन्न कर, रिझा।

ಮರ್ಚು मर्चु (क) क्रि· — रीझ जा, पसंद कर, प्रसन्न हो। सं·—प्रियता, पसंदगी।

ಮರ್ಡಿ मर्डि (क) सं·—पहाड़ी, पहाड़।

ಮರ್ತ್ಯ मर्त्य (सम्) सं·—भूमि; मनुष्य।

ಮರ್ದನ मर्दन (सम्) सं·—कुचलता, पीसना; रगड़ना, दबाना, पालिश करना।

ಮರ್ದು मर्दु (क) सं·—दे· ಮದ್ದು.

ಮರ್ಮ मर्म (सम्) सं·—शरीर का मर्मस्थान; रहस्य, तत्वभेद।

ಮರ್ಯಾದೆ मर्यादॆ (सम्) सं· — मर्यादा, सीमा; गौरव, इज़्ज़त।

ಮರ್ವು मर्वु, ಮರ್ಬು मर्बु (क) सं. —दे· ಮಬ್ಬು.

(१) ಮಲ मल (क) अ·—दुःख से। —वि· अन्य, दूसरा।—ತಾಯಿ तायि (क) सं·—सौतेली माँ।

(२) ಮಲ मल (सम्) सं·—मैल, कटि, धूल; तलछट; धातुओं का मैल; पाप; शरीर का मल; मांस; नैतिक मलिनता; मज्जा; मूत्र; कान का मल; आँसू; कपूर; समुद्रफेन; अरण्य, वन।

ಮಲಕು मलकु (क) सं·—एक प्रकार का हार; एक गहना; मोड़, तह, परत; फिर ले आना।

ಮಲಗಿಸು मलगिसु (क) क्रि·—सुला; ज़मीन पर गिरा।

ಮಲಗು मलगु, ಮಲಂಗು मलंगु (क) क्रि·—सो, शयन कर; झुक जा (जैसे पके धान के पौधे झुक जाते हैं)। सं·—उपधान, तकिया।

ಮಲಯಾಚಲ मलयाचल, ಮಲಯಾದ್ರಿ मलयाद्रि (सम्) सं·—मलयपर्वत।

ಮಲರ್ मलर् (क) क्रि·—मुँह मोड़, पराङ्मुख हो। सं·—रेत, बालू; फूल।

ಮಲಲ್ मलल् (क) सं·—पुष्प, फूल।

ಮಲವ मलव, ಮಲಹ मलह (क) सं·—एक जाति का नाम।

ಮಲಾಮು मलामु, ಮುಲಾಮು मुलामु (अ· दे·) सं·—मलहम; लेप।

ಮಲೆ मलॆ (क) क्रि —सामना कर, लड़, गर्व कर, मस्ती में आ, औद्धत्य प्रकट कर। सं· —पर्वत; स्तन;

ಮಲ್ನಾಡು मल्नाडु, ಮಲನಾಡು मलनाडु, ಮಲೆನಾಡು मलेनाडु (क) सं· — पर्वतीय प्रदेश।

ಮಲ್ಯ मल्य (क) वि·—बड़ा, मुख्य, प्रधान, महान्।

ಮಲ್ಲ मल्ल (क) सं·—कुश्ती लड़नेवाला, मल्ल; कई व्यक्तियों का नाम। वि·—दे· ಮಲ್ಯ.

ಮಲ್ಲಳಿ मल्लळि (क) सं.—भीड, समूह।

ಮಲ್ಲಟಿ मल्लऴि (क) सं·—भ्रमण, घूमना; व्याकुलता, विकलता, घबराहट, विस्मय; भ्रमर, भौंरा।

ಮಲ್ಲಾಡು मल्लाडु (क) क्रि·—वस्तु की प्राप्त के लिए जूझ।

ಮಲ್ಲಾಮಲ್ಲಿ मल्लामल्लि (क) सं· — संघर्ष, युद्ध।

ಮಲ್ಲಿಕೆ मल्लिकॆ, ಮಲ್ಲಿಗೆ मल्लिगॆ (सम्) सं —मल्लिका, चमेली।

ಮಸಕ मसक (क) सं·—उद्रेक, रोष, क्रोध; धुंधला प्रकाश, गंदगी, धूसर वर्ण, अशुद्धि; मिट्टी (मै· प्र.)।

ಮಸಗು मसगु (क) क्रि·—फैल जा, फैलाया जा, विस्तार हो; प्रकट हो, ऊपर उठ; उत्साहित हो; रगड़, कुचल। सं·— धूसर वर्ण, धुँधला होना।

ಮಸಣ मसण, ಮಸಾಣ मसाण (तद्) सं·—श्मशान (तत्)।

ಮಸರು मसरु, ಮೊಸರು मोसरु (क) सं·—दही।

ಮಸಿ मसि (क) सं·—मसि; कालापन, गंदगी, मैल।

ಮಸುಕು मसुकु (क) अ·—धुँधला धूमिल।

ಮಸುಳ್ मसुळ्, ಮಸುಳು मसुळु (क) क्रि·—प्रकाश क्षीण हो, प्रभाहीन हो; अदृश्य, ओझल हो।

ಮಸೃಣ मसृण (सम्) वि·—मलायम, कोमल, नरम, स्निग्ध, चिकना।

ಮಸೆ मसॆ (क) क्रि·—रगड़, घिस, पालिश कर, तीक्ष्ण कर, रगड़ कर, चमका।

ಮಸ್ತಕ मस्तक (सम्) सं·—मस्तक, सिर।

ಮಹಜರು महजरु (अ· दे·) सं· — महज़र (अरबी) घोषणा-पत्र।

ಮಹತ್ತು महत्तु (तद्) अ·—महत्, अधिक।

ಮಹಸೂಲು महसूलु (अ· दे·) सं· — महसूल अरबी); कर, भू-कर।

ಮಹಾ महा (सम्) वि· — अत्यंत, बहुत, अधिक, महान्।

ಮಹಾತ್ಮೆ महात्मॆ (सम्) सं·—माहात्म्य; महिमामयी स्त्री।

ಮಹಿ महि, ಮಹೀ मही (सम्) वि· — बड़ा, महान। सं·— महानता; भूमि।

ಮಹಿತ महित (सम्) वि· — प्रतिष्ठाप्राप्त, सम्मानित।

ಮಹಿಮೆ महिमॆ (सम्) सं·—महिमा।

ಮಹಿಶಾಸನ महिशासन (सम्) सं·—एक पौधा विशेष।

ಮಹಿಷಿ महिषि (सम्) सं·—भैंस; पटरानी।

ಮಹೀಧ್ರ महीध्र (सम्) सं·— पहाड़, पर्वत।

ಮಹೇಂದ್ರ महेन्द्र (सम्) सं· — इन्द्र; एक गन्धर्व नायक का नाम; एक स्थान का नाम; एक पर्वत का नाम।

ಮಹೇಶ महेश, ಮಹೇಶ್ವರ महेश्वर (सम्) सं·— शिवजी।

ಮಹೋದಯ महोदय (सम्) सं·—बड़ी प्रसन्नता, बड़ा सौभाग्य।

ಮಹೋದರ महोदर (सम्) सं.—बड़ी तोंद ; एक रोग ; एक राक्षस का नाम ।

ಮಳಲ್ मळल्, ಮಳಲು मळलु (क) सं.—बालू, रेत, सैकत ।

ಮಳಿಗೆ मळिगे (क) सं.—दूकान, कोठी ।

ಮಳ್ಳು मळ्ळु (क) सं.— बुद्धूपन, मूर्खता ; बालू, रेत ।

ಮಬ್ಬು मळल् (क) सं.—आंखों का प्रकाश मंद होना ।

ಮಳೆ मळे, ಮಳೆ मळे (क) सं.— वर्षा, वृष्टि, बरसात ।

ಮಳ್ಗಿಸು मळिगसु (क) क्रि.—अदृश्य करा, ओझल करा ; नाश कर ।

ಮಳ್ಗು मळ्गु (क) क्रि.—ओझल हो, अदृश्य हो ; नष्ट हो ।

ಮಾ मा (क) सं.—आम, आम का पेड़ ।

ಮಾ ಮಾ मा मा (क) अ.—शाबाश !

ಮಾಂ मां (क) सं. — आम (समास में) ।

ಮಾಂಕರಿಸು मांकरिसु (क) क्रि.—अवज्ञा कर, उपहास कर, उलाहना दे, लज्जित कर ।

ಮಾಂಗಲ್ಯ मांगल्य (सम्) सं.—मुङ्गल सूत्र ।

ಮಾಂಜಿಸು मांजिसु (क) क्रि.—मन्द प्रकाश करा या ओझल करा ।

ಮಾಂಜು मांजु (क) क्रि.—छिप, ओझल हो, वंचित कर ।

ಮಾಂದಡೆ मांदड़े (क) वि. — न रुकनेवाला, न ठहरनेवाला ।

ಮಾಂದಿಸು मांदिसु (क) क्रि.—रुकवा ।

ಮಾಂದು मांदु (क) क्रि.—ठहरा, रोक, प्रतिषेध कर ।

ಮಾಂಸ मांस (सम्) सं.—मांस, गोश्त ।

ಮಾಂಸಿಕ मांसिक (सम्) सं.—कसाई, मांस बेचनेवाला ।

ಮಾಕರಿಸು माकरिसु (क) क्रि. — दे. ಮಾಂಕರಿಸು ; रहस्य का उद्घाटन ।

ಮಾಗಣಿ मागणि (अ. दे.) सं. — ज़िले या ताल्लुका का भाग ।

ಮಾಗಿಸು मागिसु (क) क्रि.—फलों को पकने दे ।

ಮಾಗು मागु (क) क्रि.-पक (फलों का पकना) ।

ಮಾಘ माघ (सम्) सं.—माघ मास ।

ಮಾಜು माजु (क) क्रि.—मन्द करा ; धूमिल करा, ओझल करा ; छिपा । सं.—छिपाना. छिपाव ।

ಮಾಟ माट (क) सं.—करना, बनाना, काम, धन्धा ; ढंग, प्रकार ; सौंदर्य, चारुता, मनोहरता ; जादू ।—ಗಾರ गार=जादूगार ।

(१) ಮಾಡ माड (क) सं. — आला, छज्जा; लाश ले जाने की टिखटी ।

(२) ಮಾಡ माड (?) सं.—मंज़िल, अट्टालिका; हर्म्य ।

ಮಾಡಿ माडि (क) सं. — मकान की ऊपरी मंजिल ।

ಮಾಡಿಸು माडिसु (क) क्रि.—करा या करवा, तैयार करा ।

(१) ಮಾಡು माडु (क) क्रि.—कर, बना, तैयार कर, कोई कार्य कर ।—ವಿಕೆ विके (क) सं.—करना, क्रिया ।

(२) ಮಾಡು माडु (क) सं.—आला, छज्जा ।

ಮಾಣ್ माण्, ಮಾಣು माणु (क) क्रि.—रोक, निवारित कर, निवारण कर ; मुक्त हो, अलग; पहले ही अच्छा हो ।

ಮಾಣಿ माणि (तद्) सं.—लड़का, छोकरा ।

ಮಾಣಿಕ್ಯ माणिक्य (सम्) सं.—लाल पद्मराग ।

ಮಾಣಿಸು माणिसु (क) क्रि.—रुकवा, निषेध करा ।

ಮಾತ मात, ಮಾತು मातु (क) सं.—बात, वचन, शब्द, उक्ति ।

ಮಾತಂಗ मातंग (सम्) सं.-हाथी ; श्वपच ।

ಮಾತಾಳಿ माताळि, ಮಾತುಗ मातुग, ಮಾತುಗಾರ मातुगार (क) सं.—वाचाल, बातूनी ।

ಮಾತುಗಾರ್ತಿ मातुगार्ति (क) सं. — बातूनी स्त्री ।

ಮಾತುಲ मातुल (सम्) सं.—मामा ; धतूरे का पौधा ।

ಮಾತುಲಿ मातुलि (सम्)—सं. — मामा की पत्नी, मामी ।

ಮಾತುಶ್ರೀ मातुश्री, ಮಾತೃ मातृ, ಮಾತೃಕೆ मातृके (सम्) सं.—माता ; जगज्जननी ।

ಮಾತ್ರ मात्र (सम्) अ. — केवल, मात्र, भर । सं.—नाप, परिमाण ।

ಮಾತ್ರೆ मात्रे (सम्) सं. — परिमाण ; ठीक-ठीक, नाप, अणु ; क्षण, पल ; छोटा माप, अंश ।

ಮಾತ್ಸರ್ಯ मात्सर्य (सम्) सं.—दे ಮತ್ಸರ.

ಮಾದಿಗ मादिग, ಮಾದೆಗ मादेग (तद्) सं.—मातंगः (तत्) ; मोची ।

ಮಾಧವ माधव (सम्) वि.—मीठा, शहद से तैयार किया हुआ, वसंतकालीन, मधु दैत्य के वंश का । सं.—श्रीकृष्ण ; वसंतऋतु, वशाखमास ; कुबेर ; राजा ; कामिनी, स्त्री ; पुरुषों का नाम ।

ಮಾಧುರ್ಯ माधुर्य (सम्) सं. — मधुरता, मिठास ; दयाशीलता ; सात्विक नायक का एक गुण ।

ಮಾನ मान (सम्) सं.—नाप, तौल, परिमाण ; समानता, सादृश्य ; प्रमाण ; सम्मान, प्रतिष्ठा, गौरव, गर्व, घमण्ड, मद ।—ಕಾಯು कायु (तद्) क्रि.—इज़्ज़त की रक्षा कर ।

ಮಾನಸ मानस (सम्) वि.—मन सम्बन्धी, मानसिक, मानसरोवर पर रहनेवाला । सं.—मानसरोवर ।

ಮಾನಿನಿ मानिनि (सम्) सं.—मानिनी स्त्री ; मान्य स्त्री ।

ಮಾನುವೆ मानुवे (क) सं.—एक प्रकार की घास ।

ಮಾನುಷ್ಯ मानुष्य (सम्) सं.— मानव-प्रकृति, मनुष्यत्व ; मानव-जाति, मानवसमुदाय ।

ಮಾನ್ಯ मान्य (सम्) वि. — मानने योग्य, आदरणीय, पूज्य । सं.—माननीय व्यक्ति ; राजा ; मान्यता ; वह भूमि या खेत जिसके लिए भूमि-कर की छूट मिली हो ।

ಮಾಪತ್ಯ मापत्य (सम्) सं.—कामदेव ।

ಮಾಪಿಳ್ಳ मापिळ, ಮಾಪಿಳ್ಳೆ मापिळ्ळे (तमिऴ्?) सं.—मलबार का निवासी मुसलमान या ईसाई ।

ಮಾಯ್ माय्, ಮಾಯು मायु (क) क्रि.—मन्द प्रकाश हो, मन्द पड़; ओझल हो, छिप जा, चल जा ।

ಮಾಯ माय, ಮಾಯೆ माये (सम्) सं.—माया, छल, प्रवंचना, अदृश्य होना ।

ಮಾಯಾವಿ मायावि (सम्) सं.—धोखेबाज़, छलिया; बाज़ीगर, ऐंद्रजालिक ।

ಮಾರ್ मार्, ಮಾರು मारु (क) सं.—छः फुट की नाप ।

ಮಾರಣ मारण (सम्) सं.—मारना, हत्या करना, नष्ट करना ।

ಮಾರಿ मारि (सम्) सं.—मारी, महामारी, सांक्रामिक रोग; दुर्गा ।

ಮಾರುತ मारुत (सम्) सं.—मारुत, पवन, हवा ।

ಮಾರುಳಿ मारुळि (क) सं.—एक प्रकार की घास ।

ಮಾಱ್ मार्, ಮಾಱು मारु (क) क्रि.—सामने हो, सामना कर, विरोध कर ।

ಮಾಱಣ मारण (क) सं.— ಮಾರನೆಯ ದಿವಸ मारनेय दिवस—दूसरा दिन, बाद का दिन ।

ಮಾಱಣೆ मारणे (क) वि.—बाद का, दूसरा ।

ಮಾಱಾಳಿ माराळि (क) सं.—बनिया, वैश्य ।

ಮಾಱಿಸು मारिसु, [ಮಾರಿಸು मारिसु] (क) क्रि.—बेचवा, बेचने दे; अदल-बदल करवा ।

ಮಾಱು मारु (क) क्रि.—बेच, विक्रय कर । सं.—दो गज़ की लंबाई, फैले हुए दोनों हाथों का परिमाण; अदल-बदल ।

ಮಾಱುಳಿ मारुळि (क) सं.—दूसरा धन्धा या काम ।

ಮಾರ್ಗ मार्ग (सम्) सं. — मार्ग, रास्ता, सड़क; पगडंडी; चिह्न, निशान; खोज, अनुसंधान; ढंग, विधान, पद्धति; मार्गशीर्ष मास ।

ಮಾರ್ಗಣ मार्गण (सम्) सं.—खोज, अनुसंधान; माँगना; पूछना; माँगनेवाला, भिखारी; बाण; वैरी, शत्रु; नरकजीवी; एक वृक्ष ।

ಮಾರ್ಜಾರ मार्जार, ಮಾರ್ಜಾಲ मार्जाल (सम्) सं.—बिल्ली ।

ಮಾರ್ದವ मार्दव (सम्) सं.—मृदुता, कोमलता, नरमी ।

ಮಾರ್ಪು मार्पु (क) सं.—परिवर्तन, बदलना ।

ಮಾರ್ಮ मार्म (क) सं.—रिपु, शत्रु ।

ಮಾಲತಿ मालति (सम्) सं. — मालती की लता और फूल ।

ಮಾಲಿಕೆ मालिके (सम्) सं.—माला, हार ।

ಮಾಲಿನ್ಯ मालिन्य (सम्) सं. — मलिनता, अशुद्धि, मैलापन ।

ಮಾಲಿಸು मालिसु (क) क्रि.—तिरछी दृष्टि से देख, कटाक्ष कर, घूर ।

ಮಾಲೀಕ मालीक (सम्) सं. — मालिक (अरबी); स्वामी, प्रभु ।

(१) ಮಾಲು मालु (क) क्रि. — झुक जा । क्रि.—झुकाव, टेढ़ापन ।

(२) ಮಾಲು मालु (अ. दे.) सं. — माल (अरबी), सामान ।

ಮಾಲೆ माले, ಮಾಲ್ಯ माल्य (सम्) सं.—दे. ಮಾಲಿಕೆ.

ಮಾವ माव (तत्) सं.—माम (तत्) सं.—मामा; ससुर ।

ಮಾವತ मावत, ಮಾವತಿಗ मावतिग (अ. दे.) सं. = ಮಾವಟಿಗ मावटिग—महावत ।

ಮಾವಿ मावि (क) सं.—गर्भाशय ।

ಮಾವು मावु (क) सं.—आम, आम्र ।

ಮಾವುಲಿಗ मावुलिग (क) सं.—लुब्धक, व्याध, शिकारी ।

ಮಾಷ माष (सम्) सं.—उर्द, उड़द; तौल विशेष ।

ಮಾಸ मास (सम्) सं. — मास, महीना; बारह की संख्या ।

ಮಾಸರ मासर (क) सं.— सौंदर्य, चारुता; धूसर वर्ण ।

ಮಾಸಲು मासलु (क) वि.—गंदा, मैला ।

ಮಾಸು मासु (क) क्रि.—गंदा हो, मैला, मलिन हो । सं. — मलिनता, मैलापन, गंदगी; गर्भाशय, जरायु ।

ಮಾಹಾತ್ಮ್ಯ माहात्म्य (सम्) सं.— महिमा, महत्व, गौरव ।

ಮಾಹಿಷಿ माहिषि (सम्) सं.—भैंस ।

ಮಾಳ್ माळ् (क) क्रि.—बंद हो, समाप्त हो, छूट ।

ಮಾಳ್ಮುಕಿ माळ्मुकि (क) सं. — पति का संग न छोड़नेवाली स्त्री ।

ಮಾೞ್ माळ् (क) क्रि.—कर, कोई काम कर ।

ಮಾೞ್ಕೆ माळ्के (क) सं.—करना, क्रिया; ढंग, रीति ।

ಮಿಂಗು मिंगु (क) क्रि)—निगल ।

ಮಿಂಚಿಸು मिंचिसु (क) क्रि.—चमका, प्रकाशित कर ।

ಮಿಂಚು मिंचु (क) क्रि. — चमक, दमक, प्रकाशित हो, दीप्तिमान हो । सं.—चमक, दमक, आभा ।

ಮಿಂಟೆ मिंटे (क) सं.—एक प्रकार का अस्त्र, समूह, राशि ।

ಮಿಂಡ मिंड (क) सं.—उपपति, जार; वीर; उपद्रव मचानेवाला ।

ಮಿಂಡಗಾರ मिंडगार (क) सं.—उपपति, जार ।

ಮಿಂಡಗಾತಿ मिंडगाति, ಮಿಂಡಿ मिंडि (क) सं.—जारिणी, व्यभिचारिणी, वेश्या ।

ಮಿಂಡು मिंडु (क) सं.—कामातुरता, लंपटता; उठा होना, उभार ।

ಮಿಕ್ಕು मिक्कु (क) अ.—शेष, अधिक; बचत ।

ಮಿಗತೆ मिगते (क) सं.—बचत ।

ಮಿಗಿಲ್ मिगिल्, ಮಿಗಿಲು मिगिलु (क) सं.—अधिकता, श्रेष्ठता, समृद्धि, बढ़ती ।

ಮಿಗಿಸು मिगिसु (क) क्रि.—बचा, किसी चीज़ को कम होने न दे ।

ಮಿಗು मिगु (क) क्रि.—बच जा; अधिक हो, समृद्ध हो ।

ಮಿಗೆ मिगे (क) सं. — समृद्धि, आधिक्य; पूरक ।

ಮಿಟಕಿಸು मिटकिसु, ಮಿಟಕು मिटकु, ಮಿಟಗರಿಸು मिटगरिसु (क) क्रि.— पलक मार, आँखें चमका ।

ಮಿಟಲ मिटल, ಮಿಟಲಿ मिटलि, ಮಿಟಲೆ मिटले, ಮಿಟ್ಲೆ मिट्ले (क) सं.—एक वृक्षविशेष ।

ಮಿಟಿಮಿಟಿ ನೋಡು मिटिमिटि नोडु (क) क्रि.—टुकुर-टुकुर देख; घूर ।

ಮಿಟ್ಟ मिट्ट, ಮಿಟ್ಟನೆ मिट्टने (क) अ.—दुःखी होकर।

ಮಿಟ್ಟು मिट्टु, ಮಿಟ್ಟೆ मिट्टे (क) सं.— टीला पहाड़ी; समूह।

ಮಿಡ मिड (क) अ.—दुःख से।

ಮಿಡತೆ मिडेते (क) सं.—टिड्डी; पतंग, शलभ।

(१) ಮಿಡಿ मिडि (क) सं. — झाड़ियों का समूह; छोटी झाड़ी।

(२) ಮಿಡಿ मिडि (क) क्रि.—अंगुली से उछाल, अंगुली से टपटपा, अंगुली से बजा; टंकार कर; लाघ; पार करने दे; (आँसू) बहा।

ಮಿಡಿಚೆ मिडिचे, ಮಿಡಿತೆ मिडिते, ಮಿಡುಚು मिडुचु (क) सं.—पतंग, शलभ।

ಮಿಡುಕು मिडुकु, ಮಿಡುಗು मिडुगु (क) क्रि.—दुःख दे, शोक दे, पीड़ा दे; चिंतित हो, व्याकुल हो; क्रियाशीलता दिखा; काँप। सं. —दुःख, शोक; हिलना, आंदोलन; पराक्रम।

ಮಿಡುಂಕು मिंडुकु (क) क्रि.—दे. ಮಿಡುಕು.

ಮಿಣಕು मिणकु, ಮಿಣುಕು मिणुकु, ಮಿನುಕು मिनुकु (क) क्रि.—चमक, आभा प्रकट कर, टिमटिमा, झिलमिला।

ಮಿಣಕ್ मिणक्, ಮಿಣಕು मिणकु, ಮಿಣ मिण (क) सं.—चमक, आभा।

ಮಿಣಿ मिणि (क) सं.—चर्मपाश, चमड़े की रस्सी।

ಮಿಣಿಕೆ मिणिके, ಮಿಣಕೆ मिणके (क) सं.—तरबूजा।

ಮಿಣ್ಣಿ मिण्णि, ಮಿಳ್ಳಿ मिळ्ळि (क) सं. — चमचा, काठ का चमचा।

ಮಿಣ್ಣು मिण्णु (क) वि.—छोटा, लघु।

ಮಿತ मित (सम्) वि.—परिमित; नपा हुआ, जँचा हुआ।

ಮಿತಿ मिति (सम्) सं. — मान, परिमाण; यथार्थज्ञान; सीमा, हद।

ಮಿತ್ರ मित्र (सम्) सं.—मित्र, दोस्त; सूर्य।

ಮಿಥುನ मिथुन (सम्) सं. — जोड़ा, जुट्टा; जुड़वे बच्चे; संगम, संभोग; मिथुन राशि।

ಮಿಥ್ಯಾ मिथ्या, ಮಿಥ್ಯೆ मिथ्ये (सम्) सं.— झूठ, असत्य।

ಮಿದಿ मिदि (क) क्रि.—कूट, मर्दन कर; रगड़, कुचल; वध कर, मार, घात कर, नाश कर।

ಮಿದಿಸು मिदिसु, ಮಿದ್ದಿಸು मिद्दिसु (क) क्रि. —कुटा, मर्दन करा या करवा।

ಮಿನಿಕೆ मिनिके (क) सं.—तरबूजे की बेल।

ಮಿನುಕು मिनुकु, ಮಿನುಗು मिनुगु (क) क्रि.—दे. ಮಿಣಕು; निम्न ध्वनि में बोल, बड़बड़ा। सं.—चमक, आभा, कांति।

ಮಿರು मिरु (क) वि.—चमकनेवाला, प्रकाशमान।

ಮಿರುಗು मिरुगु (क) क्रि.—चमक, चकाचौंध उत्पन्न कर। सं.—बिजली, चौंध, कांति।

ಮಿರುಪು मिरुपु (क) सं. — बिजली, कांति, चौंध।

ಮಿರ್ಲೆ मिर्ले (क) सं.—जल में रहनेवाला एक पक्षी।

ಮಿಲನ मिलन (सम्) सं.—मिलन, मिलाप, भेंट, समागम।

ಮಿಶ್ರಣ मिश्रण (सम्) सं.—मिलावट, सम्मिश्रण।

ಮಿಸಕು मिसकु ಮಿಸಕಾಡು मिसकाडु (क) क्रि. —हिल, डुल, झूम।

ಮಿಸುಕು मिसुकु (क) क्रि. — दे. ಮಿಸಕು; हिला, स्पंदित कर। सं.—हिलना, स्पंदन।

ಮಿಸುಗು मिसुगु (क) क्रि.—चमक, कांतिमान हो, लसित हो। सं.—कांति, चमक।

ಮಿಳಿ मिळि (क) सं. — चमड़े की रस्सी।

ಮಿಳಿರ್ मिळिर् (क) क्रि. — लुण्ठित हो, लुढ़क; इधर-उधर हिल; समृद्ध हो, बढ़, समुन्नत हो।

ಮಿಳ್ಳಿ मिळ्ळि, ಮಿಳ್ಳೆ मिळ्ळे (क) सं.— चमचा।

ಮಿಳ್ಳಿಱಿ मिळ्ळिऱि (क) क्रि. — इधर-उधर हिल; चकरा।

ಮೀ मी (क) क्रि.—स्नान कर, नहा; नहला; ढाल। सं.—स्नान।

ಮೀಂಚುಳ್ಳಿ मींचुळ्ळि (क) सं.—जलकौआ, मछरंग।

ಮೀಂಟು मींटु (क) क्रि. —उछल; कूद, छलांग मार; जड से निकाल फेंक, निकाल बाहर कर, उत्पाटन कर, उखाड; दबा, पटक, उंगली से दबा।

ಮೀನ್ मीन्, ಮೀನು मीनु (क) सं.—मछली; तारा, नक्षत्र।—ಗಾರ गार (क) सं.—मछुआ।

ಮೀಮ್ मीम् (क) सं.—दे. ಮೀನ್.

ಮೀಯಿಸು मीयिसु (क) क्रि.—नहला।

ಮೀಯು मीयु (क) क्रि.—स्नान कर, नहा।

ಮೀಱ್ मीऱ्, ಮೀಱು मीऱु (क) क्रि. = ಮೀರು मीरु —सीमा से बाहर हो, अतिक्रमण कर, पार कर, अधिक हो।

ಮೀಸಲ್ मीसल् ಮೀಸಲು मीसलु (क) सं. —किसी उद्देश्य से अलग रूप में रखी हुई वस्तु; मनौती की वस्तु।

ಮೀಸು मीसु (क) क्रि.—दे. ಮೀಯಿಸು.

ಮು मु (क) उ.—(समास में) पहले, पूर्व।

ಮುಂಕಣಿಸು मुंकणिसु (क) क्रि.—आगे बढ़, बढ़े चल।

ಮುಂಗಲಿ मुंगलि, ಮುಂಗಿ मुंगि, ಮುಂಗಿಲಿ मुंगिलि, ಮುಂಗಿಸಿ मुंगिसि, ಮುಂಗುರಿ मुंगुरि, ಮುಂಗುಲಿ मुंगुलि (क) सं. — नेवला, नकुल।

(१) ಮುಂಡ मुंड (सम्) सं.— मुँड़ा हुआ या गँजा सिर; सिर, माथा; नाई; भृंग वृक्ष।

(२) ಮುಂಡ मुंड (क) सं.— चूमना, चुम्बन; छोटा कपड़ा।—ಆಡು आडु (क) क्रि.— चूस, चुंबन कर।

ಮುಂಡೆ मुंडे (तद्) सं.— विधवा स्त्री जिसका सिर मुंडा हुआ हो; विधवा; व्यभिचारिणी स्त्री, वेश्या।

ಮುಂತು मुंतु (क) अ.—आगे, सामने, पहले।

ಮುಂದಣ मुंदण (क) वि.—आगे का, सामने का, भावी; विरुद्ध।

ಮುಂದು मुंदु (क) अ. — आगे, सामने; पहले, अग्र; पश्चात्।

ಮುಂದುರು मुंदुरु (क) वि.—आगे या पहले दौड़नेवाला।

ಮುಂದೆ मुंदे (क) अ.—दे. ಮುಂದು. सं. — सुरही जैसा वर्तन ।

ಮುಂಬಯಿ मुंबयि (म ?) सं.—बंबई ।

ಮುಂಬರಿ मुंबरि (क) क्रि.—आगे बढ़, सामने आ ।

ಮುಂಬು मुंबु (क) अ.—अग्र भाग, सामने का भाग ।

ಮುಕರ मुकर (सम्) सं. — नथ ; दर्पण; आईना ।

ಮುಕರು मुकरु, ಮುಕ್ಕುರು मुक्कुरु, ಮುಕ್ಕುರಿಕು मुक्कुरिकु, ಮುಸುರ್ मुसुर् (क) क्रि.—मुँह के सामने आ या गिर पड़; मँडरा, भिनभिना ।

ಮುಕುಟ मुकुट (सम्) सं. — ताज़, किरीट; कलँगी ।

ಮುಕುರ मुकुर (सम्) सं.—दर्पण. आईना ।

ಮುಕುಲ मुकुल (सम्) सं. — कली, खिलनेवाली, कली ; कली जैसी वस्तु ; एक वृत्त का नाम ।

ಮುಕಳಿಸು मुकलिसु, ಮುಕ್ಕಳಿಸು मुक्कलिसु, ಮುಕ್ಕುಳಿಸು मुक्कुलिसु, ಮುಗಳಿಸು मुगलिसु (क) क्रि. — कुल्ला कर ।— ವಿಕ್ಕೆ विक्के = कुल्ला करना !

ಮುಕ್ಕಿರಿ मुकिरि, ಮುಕ್ಕಿರು मुकिरि (क) क्रि. व्यर्थ प्रयास कर और निराश हो (किसी भारी चीज़ को उठाने का श्रम व्यर्थ होना)।

ಮುಕ್ಕು मुक्कु (क) क्रि.—मुट्ठी में ले लेकर खा, जल्दी-जल्दी खा ; मुँह में ूस। सं.—गर्व, अहंकार ; भाण्ड, बर्तन ; खण्ड, टुकडा, अंश ।

ಮುಕ್ಕುಳ್ मुक्कुळ्, ಮುಕ್ಕುಳು मुक्कुळु, ಮುಕ್ಕುಳೆ मुक्कुळे (क) सं.—कुले का पानी, गंडूप जल ।

ಮುಕ್ತಾಯ मुक्ताय (सम्) सं. — समाप्ति, पूर्णता, अंत, मंगल ।

ಮುಕ್ತಾಹಾರ मुक्ताहार (सम्) सं.—मोतियों का हार ।

ಮುಕ್ತಿ मुक्ति (सम्) सं.—मोक्ष, निःश्रेयस् ।

ಮುಕ್ತೆ मुक्ते (सम्) सं.—मुक्ता, मोती ।

ಮುಖ मुख (सम्) सं.—मुख, चेहरा ; अगला भाग, धार, आयुधों का अग्र भाग ; दिशा ; प्रधान, मुख्य ; चोंच ; भूमिका ।

ಮುಖ್ಯ मुख्य (सम्) वि. — प्रधान, मुख्य, विशिष्ट ।

ಮುಗಸು मुगसु, ಮುಗಿಸು मुगिसु (क) क्रि. — समाप्त कर, पूरा कर ।

ಮುಗಿ मुगि (क) क्रि.—समाप्त हो, अंत हो । संकुचित हो ; हाथ जोड़ ; बन्द कर, मूँद ।

ಮುಗಿಲ್ मुगिल्, ಮುಗಿಲು मुगिलु (क) सं. —मेघ, बादल ; गगन, नभ ।

ಮುಗು मुगु (क) सं.—नाक ।

ಮುಗುಲು मुगुलु (क) सं.—दे. ಮುಗಿಲ್.

ಮುಗುವಳಿ मुगुवळि (क) सं.—वेतन, मज़दूरी आदि का निर्णय ।

ಮುಗುಳ್ मुगुळ् ಮುಗುಳು मुगुळु (क) क्रि. मूँद, निमीलित कर । (तद्) सं. — कली, खिलनेवाला फूल ।

ಮುಗುಳಿ मगुलि (क) सं. — कँटेदार वृक्ष (Acacia Suma)

ಮುಗುಳ್ಚು मुगुळचु (क) क्रि.— संकुचित कर, बन्द कर ।

ಮುಗ್ಗರಿಸು मुग्गरिसु (क) क्रि.—ठोकर खाकर गिर ; लड़खड़ा ।

(१) ಮುಗ್ಗು मुग्गु (क) क्रि.—ठोखर खा, गिर पड़ । सं.—गड्ढा ।

(२) ಮುಗ್ಗು मुग्गु (क) क्रि.—जीर्णावस्था के कारण बदबू निकल । सं. — बदबू (किसी चीज़ खराब हो जाने से निकलनेवाली बदबू)।

ಮುಗ್ಧೆ मुग्धे (सम्) सं.—सुन्दरी स्त्री, तरुणी, चतुर स्त्री , मूर्ख स्त्री ; अनजान स्त्री ।

ಮುಚ್ಚಂಜೆ मुच्चंजे, ಮುಸ್ಸಂಜೆ मुसंजे (क) सं. —सन्ध्या, सायंकाल, अन्धेरे का समय ।

ಮುಚ್ಚರ मुच्चर् (क) सं. — शून्य या खाली होना , नाश, बरबादी ।

ಮುಚ್ಚಳ್ मुच्चळ्, ಮುಚ್ಚಳ मुच्चळ (क) सं. —ढक्कन ।

ಮುಚ್ಚು मुच्चु (क) क्रि.—ढंक, ढाँक ; बन्द कर ।

ಮುಚ್ಚುರು मुच्चुरु (क) क्रि. — मूर्छित हो, बेहोश हो ।

ಮುಚ್ಚೆ मुच्चे (क) सं.—ढक्कन ।

ಮುಟ್ಟ मुट्ट (क) सं.—बढ़ती, वृद्धि, उन्नति ।

ಮುಟ್ಟಯಿಸು मुट्टयिसु (क) क्रि.—पहुँच, स्पर्श कर ।

ಮುಟ್ಟಲ್ मुट्टल्, ಮುಟ್ಟಲು मुट्टलु (क) सं.— स्पर्श, छूना, संबन्ध, स्त्रियों का मासिक धर्म ।

ಮುಟ್ಟಲೆ मुट्टले, ಮುಟ್ಟವೆ मुट्टवे, ಮುಟ್ಟು मुट्टु (क) सं.—दे. ಮುಟ್ಟಲ್.

ಮುಟ್ಟಾಳ मुट्टाळ (क) सं.—मूर्ख, बेवकूफ ।

ಮುಟ್ಟಿಸು ट्टिसु (क) क्रि. — छुआ, लगा, पहुँचा ।

ಮುಟ್ಟು मुट्टु (क) क्रि. — पहुँच, लग, छू, स्पर्श कर । सं. — स्त्री-रज, स्त्रियों का मासिक धर्म ; विघ्न, बाधा, रोक ; ठहराव ; न्यूनता, कमी ।

ಮುಟ್ಟುವಳಿ मुट्टुवळि (क) सं.—खर्च, व्यय, खर्च करने की रकम या अनाज ।

ಮುಡಹ मुडह (क) सं. —उपाय या साधन विहीन व्यक्ति ।

ಮುಡಿ मुडि (क) क्रि.—जूड़ा बांध, केश शृंगार कर । सं. — जूड़ा ; मुकुट (देव-मुकुट); अनाज का एक परिमाण (४२ शेर); अनाज का गट्ठा ; समाप्ति, अंत, नाश ।

ಮುಡಿಪು मुडिपु (क) क्रि.—समाप्त कर, अंत कर । सं.—मनौती का पैसा या आभरण जो देवता को समर्पित किया जाता है ।

ಮುಡಿಸು मुडिसु (क) क्रि.—किसी दूसरे के केश या जूड़े में फूलों का शृंगार कर ।

ಮುಡುಕು मुडुकु, ಮುಡುಗು मुडुगु, ಮುಡುಬು मुडुबु, ಮುದುಕು मुदुकु (क) क्रि. — झुक जा, सिकुड़ जा, वक्र हो , झुका, तिरछा कर ।

ಮುಡುಪು मुडुपु (क) सं.—दे. ಮುಡಿಪು ; कंधा, कन्धे का ऊपरी भाग ।

ಮುಡುಹು मुडुहु (क) सं.—कन्धा, कन्धे का ऊपरी भाग ।
ಮುಣಿಗಿಸು मुणिगिसु (क) क्रि.—डुबा, निमज्जित कर या करा; बरबाद कर ।
ಮುಣಗು मुणगु (क) क्रि. — डूब, निमज्जित हो.; स्नान कर; नष्ट हो । सं.—डुबकी ।
ಮುತ್ತ मुत्त, ಮುತ್ತಗ मुत्तग, ಮುತ್ತಲ मुत्तल, ಮುತ್ತುಕ मुत्तुक, ಮುತ್ತುಗ मुत्तुग, ಮುತ್ತುಲ मुत्तुल, ಮುಳ್ತುಗ मुळ्तग, ಮುಳ್ತುಗ मळ्तुग (क) सं.-पलाश, किंशुक, पलाश वृक्ष ।
ಮುತ್ತಿಗೆ मुत्तिगे (क) सं.—घेरना, आक्रमण ।
ಮುತ್ತು मुत्तु (क) क्रि.—घेर. आक्रमण, घेर डाल । सं.—बुढ़ापा, वृद्धावस्था; चुंबन । (तद्) सं.—मुक्ता, मोती ।
ಮುತ್ತೈದೆ मुत्तैदे (क) सं. — सुमङ्गली, सुहागिनी स्त्री ।
ಮುತ್ಯ मुत्य (क) सं.—दादा । (तद्) सं.—मुक्ता, मोती ।
ಮುದ मुद (सम्) सं.—आनन्द, हर्ष ।
ಮುದಕ मुदक, ಮುದುಕ मुदुक (क) सं.—बूढ़ा आदमी ।
ಮುದಕಿ मुदकि, ಮುದುಕಿ मुदुकि (क) सं.—बूढ़ी स्त्री, बुढ़िया ।
ಮುದುರು मुदुरु (क) क्रि.—तह कर, मोड़; सिकुड़ जा ।
ಮುದಿ मुदि (क) सं.— बुढ़ापा, वृद्धावस्था ।— ತನ तन = बुढ़ापा ।
ಮುದು मुदु (क) क्रि.—बढ़, वृद्ध हो, उन्नत हो । वि.—बूढ़ा ।
ಮುದುಡು मुदुडु (क) क्रि.—सिकुड़ जा, संकुचित हो; संकुचित कर, आकुंचित कर; लपेट (चटाई लपेटना) ।
ಮುದ್ಗರ मुद्गर (सम्) सं.—मुद्गर ।
ಮುದ್ದಿಸು मुद्दिसु (क) क्रि.—प्यार दिखा; बोसा दे, चूम ।
ಮುದ್ದು मुद्दु (क) सं. — चुम्बन; प्यार, प्रेम ।
ಮುದ್ದೆ मुद्दे (क) सं. — पिंड, गोलाकार; राशि, रागी का पिंड ।
ಮುದ್ರಾಕ್ಷರಶಾಲೆ मुद्राक्षरशाले (सम्) सं. — प्रेस (Press) ।
ಮುದ್ರಿಕೆ मुद्रिके (सम्) सं.—मुद्रिका; अंगूठी, मुहर ।
ಮುದ್ರೆ मुद्रे (सम्) सं.—मुहर. छाप ।
ಮುನ್ मुन् (क) उ.—पहले, पूर्व (समास में) ।
ಮುನಸಪು मुनसपु, ಮುನಸೀಪು मुनसीपु (अ. दे.) सं.—मुनसिफ़ (अरबी) ।
(१) ಮುನಿ मुनि (क) क्रि.—गुस्से में आ, क्रुद्ध हो, रुष्ट हो । सं.—क्रोध ।
(२) ಮುನಿ मुनि, (सम्) सं.—यति, तपस्वी: संन्यासी ।
ಮುನಿಪು मुनिपु, ಮುನಿಸು मुनिसु (क) सं. — क्रोध, रोष, गुस्सा ।
ಮುನ್ನ मुन्न, ಮುನ್ನಂ मुन्नं (क) अ. —सामने, आगे: पहले, पूर्व ।
ಮುನ್ನಲ್ मुन्नल् (क) अ.—दे. ಮುನ್ನ.
ಮುಪ್ಪು मुप्पु (क) सं.—बुढ़ापा वृद्धावस्था ।
ಮುಮ್ಮರಿ मुम्मरि, ಮುಮ್ಮುರಿ (क) सं.—गरम रेत ।
ಮುಮ್ಮಳಿ मुम्मळि, ಮುಮ್ಮುಳಿ मुम्मुळि (क) सं.—रूपहीन मृत्यु ।
ಮುಯ್ मुय् (क) सं. — कन्धा, कन्धे का ऊपरी भाग; प्रतीकार, बदला: वर-वधू को दिया जानेवाला-उपहार ।
ಮುಯಿ मुयि (क) सं.— प्रतिकृति; बदला ।
ಮುಯಿಬು मुयिबु, ಮುಯಿವು मुयिवु, ಮುಯ್ವು मुय्वु (क) सं.—भुजाग्र, कंधा ।
ಮುರ मुर (क) सं.—कान और नाक का आभूषण विशेष ।
ಮುರಟು मुरटु, ಮುರುಟು मुरुटु (क) क्रि.—तिरछा हो, सिकुड़ जा, संकुचित हो ।
ಮುರಲಿ मुरलि, ಮುರಳಿ मुरळि (सम्) सं.—मुरली, बाँसुरी ।
ಮುರಿ मुरि (क) क्रि. —तोड़, फोड़, मरोड़, घुमाव, पेंच; हाथ में पहनने का एक आभरण, पहुँची; चक्राकार पदार्थ; तैयारी; साँड, बैल ।
ಮುರಿಕೆ मुरिके, ಮುರಿಗೆ मुरिगे (क) सं.—तिरछापन, टेढ़ापन ।
ಮುರುಚು मुरुचु (क) क्रि .— मरोड़, तिरछा कर ।
ಮುರುಡಸೆ मुरुडसे (क) सं. — एक पौधा, वर्तकी नामक पौधा ।
ಮುರುಡಿ मुरुडि (क) सं.—एक छोटी झाड़ी ।
ಮುರುಡು मुरुडु (क) सं.—रूक्षता; खुरखुरापन ।
ಮುರುಂಟು मुरुंटु (क) क्रि. — जला, ज्वलित कर ।
ಮುರುವು मुरुवु (क) सं.—दे. ಮುರ.
ಮುರುಹು मुरुहु (क) सं. —मोड़, ऐंठ, तिरछापन ।
ಮುರ್ಱೆ मुर्ऱे (क) क्रि. — झंकार कर, झंकार उत्पन्न हो ।
ಮುಱಿ मुऱि (क) क्रि. —दे. ಮುರಿ. सं.—टुकड़ा, अंश, खण्ड ।
ಮುಱಿಕಿಲ್ मुऱिकिल् (क) सं.—एक पौधे का नाम; अशुद्धता, अशुचि, गंदगी, मैलापन ।
ಮುಱಿವು मुऱिवु (क) सं.—नाश, बरबादी; चूर्ण करना ।
ಮುಱುಕು मुऱुकु (क) सं.—खण्ड, टुकड़ा । क्रि.—तिरछा कर; मुखविकार कर ।
ಮುಱುವ मुऱुव (क) सं.—अल्पमति या मूर्ख मनुष्य, नीच पुरुष ।
ಮುರ್ಚು मुर्चु (क) क्रि.—दे. ಮುರುಚು.
ಮುಲುಕು मुलुकु (क) क्रि. — असह्य हो; कराह, हिचकी बाँध ।
ಮುಲ್ಲೆಗ मुल्लेग (क) सं.—दरिद्र या गरीब आदमी ।
ಮುಷ್ಕರ मुष्कर (क) सं. — हठ, हड़ताल, बहिष्कार; छल ।
ಮುಷ್ಟಿ मुष्टि (सम्) सं.—मूठ । (क) सं. —एक वृक्ष (The Vomit Nut) ।
ಮುಸುಕು मुसुकु, ಮುಸುಗು मुसुगु (क) सं.—पर्दा, आवरण, घूँघट ।
ಮುಸುಂಕು मुसुंकु (क) सं.—दे. ಮುಸಕು.
ಮುಸುಡು मुसुडु, ಮುಸುಡಿ मुसुडि, ಮುಸಡಿ मुसडि, ಮುಸುಳಿ मुसुळि, ಮೂತಿ मूति (क

सं॰—मुख, चेहरा, सूरत (प्रायः व्यंग्य करते समय इसका प्रयोग होता है)।

ಮುಸುಂಡಿ मुसुंडि (क) सं.—मनहूस आदमी; कर्कश स्वभाव का मनुष्य; कापुरुष, भीरु।

ಮುಸುಂಬು मुसुंबु, ಮುಸುಂಬೆ मुसुंबे (क) सं. —दे. ಮುಸುಕು.

ಮುಸುರ್ मुसुर्, ಮುಸುರು मुसुरु (क) क्रि. —मुख के चारों ओर आ या फैल, घेर, आवृत्त हो। सं.—पर्दा, घूंघट; समूह, झुंड।

ಮುಸ್ತೈದು मुस्तैदु (अ. दे.) अ. —तैयार सन्नद्ध।

ಮುಹುರ್ मुहुर्; ಮುಹುಸ್ मुहुस् (सम्) अ. —पुनः, फिर।

ಮುಹೂರ್ತ मुहूर्त (सम्) सं.—मुहूर्त, उपयुक्त समय, ४८ मिनट का समय।

ಮುಳ್ मुळ्. ಮುಳ मुळ, ಮುಳು मुळु, ಮುಳ್ಳ मुळळ, ಮುಳ್ಳು मुळ्ळु (क) सं.—काँटा, कंटक।

ಮುಳಿ मुळि (क) क्रि.—रुष्ट हो, गुस्से में आ, क्रुद्ध हो, रूठ जा। सं.—क्रीड़ा; कारण।

ಮುಳಿಸು मुळिसु (क) सं. — क्रोध, रोष, गुस्सा।

ಮುಳುಕ मुळक, ಮುಳುಕ मुळुक (क) सं.— गोताखोर।

ಮುಳುಗಿಸು मुळगिसु, [ಮುಳುಗಿಸು मुळुगिसु] (क) क्रि.—डुबा, निमज्जित कर।

ಮುಳುಗು मुळगु. ಮುಳುಗು मुळुगु [ಮುಳಂಗು मुळुगु] (क) क्रि.—डूब, निमज्जित हो।

ಮುಳುಂಕು, मुळुंकु, ಮುಳುಂಗು मुळुंगु (क) क्रि.—डूब निमजित हो।

ಮುಳುವು मुळुवु (क) सं.—हानि, नुक्सान।

ಮುಳ್ಗು मुळ्गु (क) क्रि. =ಮುಳ್ಗು मुळगु— डूब जा, निमज्जित हो।

ಮೂ मू (क) वि.—तीन (समास में); पहला, पूर्व का।

ಮೂಕ मूक (सम्) सं.—मूक, गूंगा आदमी।

ಮೂಕಿ मूकि (क) सं.—गाड़ी का मुँह, गाड़ी के जुए का छोर। (सम्) सं.—मूक स्त्री।

ಮೂಕುತಿ मूकुति, ಮೂಗುತಿ मूगुति (क) सं. —नथ।

ಮೂಗ मूग (तद्) सं.—दे. ಮೂಕ.

ಮೂಗಿ मूगि (तद्) सं.—दे. ಮೂಕಿ (सम्)।

ಮೂಗು मूगु (क) सं.—नाक, नासिका।

ಮೂಟೆ मूटे (क) सं.—गट्ठा, गठरीः बंडल, बोरा।

ಮೂಡಲ್ मूडल्, ಮೂಡಲು मूडलु (क) सं. —पूर्व दिशा, सूखा हुआ गोबर का पिण्ड;

ಮೂಡಾವೆ मूडावे (क) सं—तकिया, टेकनी।

ಮೂಡಿ मूडि (क) सं.—सूर्योदय।

ಮೂಡಿಗೆ मूडिगे (क) सं.—तूणीर; तरकस।

ಮೂಡು मूडु (क) क्रि. — उदय हो, उग, उत्पन्न हो।

ಮೂಢ मूढ (सम्) वि.—मूर्ख, बेवकूफ।

ಮೂತಿ मूति (क) सं.—मुँह, चेहरा।

ಮೂದಲಿಸು मूदलिसु (क) क्रि. — सामना कर, ललकार।

ಮೂದಲೆ मूदले (क) सं.—ललकार।

ಮೂಮೆ मूमे, ಮೂಮ್ಮೆ मूमे (क) वि. — तिगुना।

ಮೂಱು मूरु, [ಮೂರು मूरु] (क) वि. — तीन संख्या।

ಮೂರ್ಖ मूर्ख (सम्)सं. —बेवकूफ़ मनुष्य।

ಮೂರ್ಛನೆ मूर्छने (सम्) सं. — बेहोशी संगीत में मूर्छना।

ಮೂರ್ಛೆ मूर्छे (सम्) सं.—बेहोशी।

ಮೂರ್ತಿ मूर्ति (सम्) सं. —प्रतिमा, रूप, आकार; शरीर, देह।

ಮೂರ್ಧ मूर्ध (सम्) सं.—माथा, सिर। —ಜ ज=सिर के केश।

ಮೂಲ मूल (सम्) सं.—मूल, जड़; किसी वस्तु का निचला भाग, स्रोत; एक नक्षत्र का नाम, अंत; नाश।

ಮೂಲಕ मूलक (तद्) अ. — के द्वार, के जरिए।

ಮೂಲಂಗಿ मूलंगि (तद्) सं.—मूली।

ಮೂಲಿಕೆ मूलिके (सम्) सं,—मूलिका, जड़ी-बूटी।

ಮೂಲುಗು मूलुगु (क) क्रि.—कराह, दुःख या पीड़ा के कारण चिल्ला।

ಮೂಲೆ मूले (क) सं.—कोना, कोण।

ಮೂಲ್ಯ मूल्य, (सम्) सं. — मूल्य, कीमत, दाम; मज़दूरी; मूलधन।

ಮೂಷಕ मूषक, ಮೂಷಿಕ मूषिक (सम्) सं. —चूहा; चोर।

ಮೂಸಂಡಿ मूसंडि (क) सं.—दे.—ಮುಸುಂಡಿ.

ಮೂಸು मूसु (क) सं.—सूँघ, आघ्राण कर।

ಮೂಳೆ मूळे (क) सं.—हड्डी, अस्थि।

ಮೂಳ मूळ (क) सं —छोटा, नाटा या नगा होना; वह मनुष्य जिसके कान कट गये हो; मूर्ख, बेवकूफ़; एक गाली।

ಮೂಳಿ मूळि (क) सं. =कर्णहीन स्त्री, वह स्त्री जिसके कान न हों; वह स्त्री जिसके कान म कोई आभूषण न हो; विधवा; सुराही की टोंटी।

ಮೃಗ मृग (सम्) सं.—चौपाया; हिरन; बारहसिंगा, शिकार; चन्द्रलांछन; कस्तूरी; खोज़, तलाश; याचना, माँग; पशु; सियार; मृगशिरस; नरक; मार्गशीर्ष मास।

ಮೃಡ मृड (सम्) सं. — शिवाजी। ಮೃಡಾನಿ मृडानि (सम्) सं —पार्वती।

ಮೃಣಾಲ मृणाल (सम्) सं.—कमलनाल की जड़।

ಮೃತ್ಯು मृत्यु (सम्) सं. — मृत्यु, मरण, मौत।

ಮೃದಂಗ मृदंग (सम्) सं, — एक बाजा, मृदंग।

ಮೃಷ್ಟಾನ್ನ मृष्टान्न (सम्) सं.—मिष्टान्न।

ಮೆಂತೆ मेंते, ಮೆಂತೆಯ मेंतेय, ಮೆಂತ್ಯ मेंत्य, ಮೆಂಥೆ मेंथे (क) सं.—मेथी।

ಮೆಕ್ಕೆ मेक्के (क) सं.—एक बेल।

ಮೆಚ್ಚಿಕೆ मेच्चिके, ಮೆಚ್ಚಿಗೆ मेच्चिगे (क) सं.— प्रसन्नता, पसदंगी।

ಮೆಚ್ಚು मे़च्चु (क) क्रि.—पसंद कर, प्रसन्न हो, मान। सं.—प्रसन्नता, प्रियता, पसंदगी, संतोष, तुष्टि।

ಮೆಟ್ಟಿಗೆ मे़ट्टिगे़ (क) सं.—कदम, पग, पद; सोपान, सीढ़ी।

ಮೆಟ್ಟಿಸು मे़ट्टिसु (क) क्रि.—चला, जाने, दो।

ಮೆಟ್ಟು मे़ट्टु (क) क्रि.—पग रख, चरणों से दबा, कुचल। सं.—खड़ाऊँ, चप्पल, जूता; सीढ़ी, सोपान; पैरों की अंगुली में पहनने की अंगूठी।

ಮೆಟ್ರೆ मे़ट्रे (क) सं.—गला।

ಮೆಟ್ಲ मे़ट्ल, ಮೆಟ್ಲು मे़ट्लु (क) सं.—सोपान, सीढ़ी।

ಮೆಣಸು मेणसु (क) सं.—काली मिर्च। ಮೆಣಸಿನಕಾಯಿ मे़णसिनकायि (क) सं.—लाल मिर्च। ಹಸೀಮೆಣಸಿನಕಾಯಿ हसीमे़णसिन कायि (क) सं.—हरी मिर्च।

ಮೆತ್ತಗೆ मे़त्तगे़, ಮೆತ್ತಿಗೆ मे़त्तिगे़ (क) अ.—मृदुता से, मृदु, कोमल।

ಮೆತ್ತನೆ मे़त्तने़ (क) सं.—पलिस्तर।

ಮೆತ್ತನ್ನ मे़त्तन्न (क) वि.—मृदु, कोमल।

ಮೆತ್ತು मे़त्तु (क) क्रि.—लगा, मिट्टी लगा, चूना लगा।

ಮೆತ್ತೆ मे़त्ते़ (क) सं.—गद्दा, बिस्तर।

ಮೆದಗ मे़दग (क) सं.—मूर्ख मनुष्य।

ಮೆದಡು मे़दडु, ಮೆದಳು मे़दळु (क) सं—दिमाग, मस्तिष्क।

ಮೆದೆ मे़दे़ (क) सं.—तृण राशि, राशि, ढेर, पुआल का ढेर; मूर्खता।

ಮೆಯ್ मे़य्, ಮೆಯಿ मे़यि, ಮೆಯ್ಯಿ मे़य्यि (क) सं.—देह, शरीर, शरीर का भाग।

ಮೆರಗು मे़रगु, ಮೆರುಗು मे़रुगु (क) सं.—आभा, चमक, पालिश।

ಮೆರೆ मे़रे़ (क) क्रि.—घूम, इठला, अकड़ से घूम; दीख, प्रकाशित हो।

ಮೆಱವಣಿ मे़ऱवणि; ಮೆಱವಣಿಗೆ मे़ऱवणिगे़ [ಮೆರವಣಿಗೆ मे़रवणिगे़] (क) सं.—उत्सव, जुलूस।

ಮೆಱಸು मे़ऱसु (क) क्रि.—दे. ಮೆರಸು.

ಮೆಱೆ मे़ऱे (क) क्रि.—दे. ಮೆರೆ. सं.—चमक, आभा, दीप्ति।

(१) ಮೆಲ್ मे़ल्, ಮೆಲಿ मे़लि, ಮೆಲು मे़लु, ಮೆಲ್ಲು मे़ल्लु (क) क्रि.—चबा।

(२) ಮೆಲ್ मे़ल् (क) सं.—पका हुआ फल।

ಮೆಲಕು मे़लकु, ಮೆಲುಕು मे़लुकु, ಮೆಲ್ಕು मे़ल्कु (क) सं.—पागुर, जुगाली।— ಆಡು (क) क्रि.—पागुर कर, किसी चीज़ को चबा।

ಮೆಲ್ಲಗೆ मे़ल्लगे़ (क) अ.—धीरे, शनैः, आहिता।

ಮೆಳೆ मे़ळे (क) सं.—झाड़ियों का समूह, कुंज।

ಮೆಳ್ಳ मे़ळ्ळ, ಮೆಳ್ಳೆ मे़ळ्ळे़ (क) सं.—काना। ಮೆಳ್ಳಿ मे़ळ्ळि—स्त्री. लिं.।

ಮೆಳಸು मे़ळसु (क) सं.—काली मिर्च।

ಮೇಂ में (क) वि.=ಮೇಗು मेगु, ಮೇಲ್ मेल्—ऊपरी।

ಮೇ मे (क) क्रि.—चर, घास खा (पशुओं का चरना)। सं.—बकरी की 'मे-मे' ध्वनि।

ಮೇಕು मेकु (क) सं.—स्पर्धा, होड़।

ಮೇಕೆ मेके़ (क) सं.—बकरी।

ಮೇಖಲೆ मेखले़ (सम्) सं.—मेखला, करधनी, कमरबन्द, किंकणी।

ಮೇಗು मेगु, ಮೇಗೆ मेगे़ (क) सं.—ऊपरी भाग

ಮೇಘ मेघ (सम्) सं.—बादल, वारिद।—ವಾಹನ वाहन (सम्) सं.—इन्द्र; शिव।

ಮೇಚಕ मेचक (सम्) वि.—काला, श्यामल। सं.—अंधकार, कालापन।

ಮೇಜು मेजु (अ. दे.) सं.=मेज़ (फ़ारसी)।

ಮೇಜೋಡು मेजोडु (क) सं.—मोजा।

ಮೇಟಿ मेटि (क) सं.—महानता, बड़प्पन; प्रधान या मुख्य सेवक: खलिहान का खूँटा।

ಮೇಡಿ मेडि (क) सं.—औदुम्बर वृक्ष; गूलर का पेड़।

ಮೇಡು मेडु (क) सं.—टीला, ऊपर उठी हुई भूमि।

ಮೇಣ್ मेण् (क) अ.—और फिर, तथा, अतिरिक्त; या, अथवा।

ಮೇಣ मेण (तद्) सं.—मोम।

ಮೇಣು मेणु (क) अ.—दे. ಮೇಣ್.

ಮೇದ मेद, ಮೇದರ मेदर. ಮೇದಾರ मेदार (क) सं.—टोकरी, चटाई आदि बनानेवाला।

ಮೇದಿನಿ मेदिनि (सम्) सं.—पृथ्वी, भूमि।

ಮೇದುರ मेदुर (सम्) वि.—स्निग्ध, कोमल, चिकना। सं.—चर्बी।

ಮೇಧ मेध (सम्) सं.—यज्ञ; यज्ञीय पशु।

ಮೇನ मेन, ಮೇನಾ मेना, ಮೇನೆ मेने़ (क) सं.—पालकी। (सम्) सं.—हिमालय की पत्नी का नाम।

ಮೇವು मेवु, ಮೇಹು मेहु (क) सं.—चारा।—ಗಾಡು गाडु—चरागाह।

ಮೇಯಿಸು मेयिसु (क) क्रि.—चरवा, चरने दे।

ಮೇಯು मेयु (क) क्रि.—चर, घास खा।

ಮೇರು मेरु (सम्) सं.—मेरुपर्यंत, सुरगिरि।

ಮೇರುವೆ मेरुवे़ (क) सं.—राशि; टीला, उन्नत स्थान।

ಮೇರೆ मेरे़ (तद्) सं.—मर्या (तत्); सीमा, हद, सरहद।

ಮೇಲ್ मेल्, ಮೇಲೆ मेले़ (क) अ.—ऊपर; पर।

ಮೇಲು मेलु (क) वि. और अ.—ऊपर का, उन्नत, श्रेष्ठ, अच्छा।

ಮೇಲುದು मेलुदु (क) सं.—ऊपरी वस्त्र, उत्तरीय।

ಮೇಲುಪಂಕ್ತಿ मेलुपंक्ति (क) सं.—ऊपर की पंक्ति।

ಮೇಲು ಹೊದಿಕೆ मेलुहोदिके़ (क) सं.—ओढनी; उत्तरीय, ऊपर का वस्त्र।

ಮೇಲೆ मेले़ (क) अ.—दे. ಮೇಲ್.

ಮೇವು मेवु (क) सं.—चारा।

ಮೇಷ मेष (सम्) सं.—भेड़; मेषराशि।

ಮೇಸ್ತ್ರಿ मेस्त्रि (अ. दे.) सं.—मिस्तरी, कारीगर, राज।

ಮೇಹ मेह, ಮೇಹರೋಗ मेहरोग (सम्) सं.—पेशाब: पेशाब करने की क्रिया; पेशाब की बीमारी।

ಮೇಳ मेळ (तद्) सं.—समागम, संयोग, जमाव; मेला; विनोद, तमाशा; शहनाई; वाद्य विशेष।

ಮೆಳವಿಸು मेळविसु (तद्) क्रि.—मिला, जमा कर, संयुक्त कर ।

ಮೈತ್ರಿ मैत्रि (सम्) सं.—मित्रता; दोस्ती ।

ಮೈನಾಕ मैनाक (सम्) सं.—एक पर्वत का नाम जो हिमालय का पुत्र माना जाता है ।

ಮೈಲಿ मैलि (अ. दे.) सं.—मील ।

ಮೈಲಿಗೆ मैलिगे (क) सं.—अशुद्धि, अशुचि ।

ಮೊಂಡ मोंड (तद्) वि.—'(सुण्ड' से)-कटा हुआ, छोटा । सं.—हठी पुरुष ।

ಮೊಂಡು मोंडु ಮೊಂಡುತನ मोंडुतन (क) सं. हठवादिता, ज़िद्दी स्वाभाव ।

ಮೊಕ್ಕಳ मोक्कळ, ಮೊಗ್ಗರ मोग्गर (क) सं.—राशि, ढेर, श्रणी ; भीड़ ; अधिकता, विपुलता ।

ಮೊಕ್ತಾ मोक्ता (तद्) अ.—मुखतः, सामने ।

ಮೊಗ मोग (तद्) सं.—मुख, चेहरा ।

ಮೊಗಚು मोगचु (क) क्रि;—दे. ಮಗಚು.

ಮೊಗಸು मोगसु (क) क्रि.–कटिबद्ध हो, तैयार हो; काम में लग ; टूट पड़, घेर, आक्रमण कर । सं.—इच्छा, अभिलाषा ।

ಮೊಗಳು मोगळु (क) सं.—छत का जोड़ ।

ಮೊಗುವು मोगुवु, ಮೊಗು मोगु (क) सं. — शिशु, बच्चा ।

ಮೊಗೆ मोगे (क) क्रि.—भर ले, बड़े बर्तन में से छोटे बर्तन में पानी निकाल ; घेर, आक्रमण कर ; अधिक हो । सं. — मिट्टी का बर्तन विशेष । वि.— उपजाऊ ।

ಮೊಗ್ಗು मोग्गु, ಮೊಗ್ಗೆ मोग्गे (क) सं. — कलिका, कली ।

ಮೊಟಕು मोटकु (क) वि.—छोटा, कटा हुआ ।

ಮೊಟ್ಟು मोट्टु (क) क्रि.—किसी के सिर पर मुष्टि-प्रहार कर, घूँस्सा दे । सं. — मुष्टि-प्रहार ।

ಮೊಟ್ಟೆ मोट्टे (क) सं.—अण्डा ; नारियल का रेशा ।

ಮೊಡವಿ मोडवि (क) सं.—चेहरे पर छोटा मुहासा ।

ಮೊಣಕಾಲು मोणकालु (क) सं.—घुटना ।

ಮೊಣಕೈ मोणकै (क) सं.—कोहनी ।

ಮೊತ್ತ मोत्त (क) सं.—राशि; ढेर, गिरोह, समूह, निकर ।

ಮೊದ मोद, ಮೊದಲ್ मोदल्, ಮೊದಲು मोदलु (क) वि. — पहला, प्रथम, पूर्व, आदि ; पहले ।

ಮೊದ್ದು मोद्दु (क) सं. — पिण्ड, राशि ; बुद्धूपन, बुद्धू ।

ಮೊನೆ मोने (क) सं. —नोंक, निशित पदार्थ ; युद्ध, लड़ाई ।

ಮೊನ್ನೆ मोन्ने (क) सं. —परसों (गया हुआ दिन ।)

ಮೊಬ್ಬು मोब्बु (क) सं. —धुँधलापन, अंधेरा, मन्द प्रकाश ।

ಮೊಮ್ಮ मोम्म, ಮೊಮ್ಮಗ मोम्मग (क) सं.— पोता, पुत्र या पुत्री का पुत्र ।

ಮೊರಕು मोरकु (क) क्रि.—चक्कर काट, घूम ; गर्व कर ।

ಮೊರಡಿ मोरडि (क) सं.—एक पौधा ; टीला, पहाड़ी ।

ಮೊರಡು मोरडु (क) सं.—रूक्षता, खुरखुरापना

ಮೊರಡೆ मोरडे (क) सं.—दे. ಮೊರಡಿ.

ಮೊರಹು मोरहु (क) सं. — कलकल ध्वनि ; गर्जन ।

ಮೊರೆ मोरे (क) क्रि. —कलकल कर, गर्जन कर, मरमर ध्वनि कर ; फ़रियाद कर, शिकायत कर ।

ಮೊಱ मोऱ [ಮೊರ मोर] (क) सं.— पछोरने का सूप ।

ಮೊಱಟೆ मोऱटे, ಮೊಱಲೆ मोऱले (क) सं. — प्रियाल नामक वृक्ष (Buchanamiya latifolia);

ಮೊಱೆ मोऱे (क) क्रि.—गर्जन कर, गरज । सं.—गर्जन ; कराहने की ध्वनि, शिकायत, फ़रियाद ; आश्रय ; बारी ।

ಮೊಲ मोल (क) सं.—खरगोश ।

ಮೊಲೆ मोले (क) सं.—स्तन, कुच, पयोधर ।

ಮೊಲ್ಲೆ मोल्ले (क) सं.—जुही, कुंद ।

ಮೊಲ್ಲಗ मोल्लग (क) सं.—गरीब, कंगाल ।

ಮೊಸರ್ मोसर्, ಮೊಸರು मोसरु (क) सं.— दही, दधि ।

ಮೊಸಳೆ मोसळे (क) सं.—मगर, नक्र ।

ಮೊಹರಂ मोहरं (अ. दे.) सं.—मुहर्रम ।

ಮೊಳಕೆ मोळके, ಮೊಳಿಕೆ मोळिके (क) सं.—अंकुर ।

ಮೊಳೆ मोळे (क) क्रि.—अंकुर फूट या निकल । सं.— अंकुर ; कीला, लोहे की कील ; सुरसुरी ।

ಮೊಳ್ದು मोळ्दु (क) क्रि.—अतिक्रमण कर ।

ಮೊೞ मोऴ, ಮೊಳ मोळ (क) सं.—एक हाथ (A cubit) की नाप ।

ಮೊೞಗು मोऴगु (क) क्रि.—बज उठ ; गरज, गर्जन कर ; बाजा बजा । सं.—वाद्य-ध्वनि ; अशनपर्णी नामक पौधा ।

ಮೊೞ್ಗು मोऴ्गु (क) क्रि. — सिर झुका, नमन कर । सं.—नमस्कार ।

ಮೋಕು मोकु (क) सं. — ऊपर का भाग, शिखर, चोटी ; तना ;

ಮೋಕ್ಷ मोक्ष (सम्) सं. — मोक्ष, मुक्ति ; मरण ; एक वृक्ष ।

ಮೋಚ मोच (सम्) सं. — मुक्ति, मोक्ष ; केले का वृक्ष ; शोभांजन वृक्ष ।

ಮೋಚಕ मोचक (सम्) सं. - वैराग्य ; मोक्ष ; मुक्ति ; भक्ति ; सेमल या शाल्मली वृक्ष ; केले का पेड़ ।

ಮೋಚು मोचु (क) सं.—वैधव्य ।

ಮೋಟ मोट (क) वि.— छोटा कटा हुआ ; मूर्ख ।

ಮೋಟು मोटु (क) सं.— ठूँठ ।

ಮೋಡ मोड (क) सं.—मेघ, बादल, वारिद ।

ಮೋಡಿ मोडि (क) सं.—अस्पष्ट या टेढ़ी-मेढ़ी लिखावट ।

ಮೋತೆ मोते (क) सं.—केले के फूल के ऊपर का आवरण ; बाहरी छिलका ।

ಮೋದಕ मोदक (सम्) सं.—मोदक, मिठाई विशेष । वि.—प्रसन्नकारक ।

ಮೋದಿಸು मोदिसु (सम्) क्रि. — प्रसन्न हो; आनंदित हो ।

ಮೋದು मोदु (क) क्रि.—मार, पीट, ताडन कर । सं.—बड़ी फुंसी ।

ಮೋಪು मोपु (क) सं·—गट्ठा, बोझ ; लकड़ी का बड़ा टुकड़ा ; उपयुक्त समय (पुरस्कृत करने या दंड देने का समय)।

ಮೋರ್ मोर्, ಮೋರು मोरु (क) क्रि·—सिर पर धारण कर या उठा।

ಮೋರೆ मोरे (क) सं·—चेहरा, वदन, मुख। (' ಮೋರೆ मोरे ' भी लिखा जाता है)।

ಮೋಸ मोस (क) सं·—धोखा, छल, कपट ; ग़लती ; खतरा ; हानि।

ಮೋಹ मोह (सम्) सं·—मोह, व्यामोह, ममत्व, भ्रम, भ्रांति।

ಮೋಹರ मोहर (क) सं·—समूह, समुदाय ; टुकड़ी, सेना।

ಮೋಹಳ मोहळ (क) सं·—तलवार या किसी आयुध की मूँठ।

ಮೋಹಿಸು मोहिसु (क) क्रि·—लगवा, टकराने दे। (सम्) क्रि.—मोहित कर, लुभा।

ಮೋಹು मोहु (क) क्रि.—मार, पीट; बाँध ; लगा।

ಮೋಳೆ मोळे (क) सं·—(धान के खेत या तालाब के पास का) छोटा बिल ; राशि, ढेर।

ಮೌಂಜಿ मौंजि (सम्) सं·—मूँज का बना ब्राह्मण का कटिसूत्र।

ಮೌಕ್ತಿಕ मौक्तिक (सम्) सं·—मोती।

ಮೌಢ್ಯ मौढ्य (सम्) सं·—बेवक़ूफ़ी, मूर्खता।

ಮೌನ मौन (सम्) सं· — मौन, चुप्पी, खामोशी।

ಮೌಲಿ मौलि (सम्) सं·—सिर ; वस्तु का सर्वोच्च भाग ; मुकुट, किरीट ; अशोक वृक्ष। ಮೌಳಿ मौळि—तद्।

ಮೌಲ್ಯ मौल्य (सम्) सं·—मूल्य, दाम, भाव, कीमत।

ಮ್ಲಾನ म्लान (सम्) वि·— मुरझाया हुआ, उदास, थका हुआ, दुःखी।

ಯ य

ಯ य—कन्नड-वर्णमाला का चालीसवाँ अक्षर।

ಯಂತ್ರ यंत्र (सम्) सं.—स्तंभ, थूनी, बेड़ी, बंधन, रस्सी, चमड़े का तस्मा ; कल; औज़ार, यन्त्र ; दमन, संयम, कवच : तावीज़।

ಯಂತ್ರಣ यंत्रण (सम्) सं· — नियन्त्रण, दमन, बन्धन, नियम।

ಯಕ್ಕು यक्कु (क) क्रि.—धीरे से मार।

ಯಕ್ಷ यक्ष (सम्) सं. — देवयोनि विशेष, कुबेर के अनुचर ; प्रेत, पिशाच ; कुबेर। —ರಾಜ राज=कुबेर।

ಯಕ್ಷಗಾನ यक्षगान (सम्) सं.—कर्नाटक का एक प्रसिद्ध लोक-गीत-नाट्य।

ಯಕ್ಷಿ यक्षि, ಯಕ್ಷಿಣಿ यक्षिणि (सम्) सं. — यक्ष स्त्री, यक्षिणी ; कुबेर की पत्नी।

ಯಕ್ಷಿಣೀಗಾರ यक्षिणीगार (सम्) सं·—मायावी, जादूगर।

ಯಜನ यजन (सम्) सं·—यज्ञ, यज्ञक्रिया।

ಯಜಮಾನ यजमान (सम्) सं — यज्ञ का कर्त्ता ; स्वामी, मालिक।

ಯಜ್ಞ यज्ञ (सम्) सं.—यज्ञ, यजन, याग।

ಯಜ್ಞೋಪವೀತ यज्ञोपवीत (सम्) सं ·— जनेऊ।

ಯತನ यतन (तद्) सं·—यत्न।

ಯತಿ यति (सम्) सं· — मुनि, संन्यासी ; विराम, छंद में यति, नियन्त्रण, संयम, रोक-थाम।

ಯತ್ನ यत्न (सम्) सं. — प्रयत्न, प्रयास, उद्योग, कोशिश।

ಯಥಾ यथा (सम्) अ·—जिस प्रकार, जैसे।

ಯಥಾರ್ಥ यथार्थ (सम्) सं.—सचाई, सत्य।

ಯದು यदु (सम्) सं. — ययाति का पुत्र, यादवों का मूलपुरुष ; एक देश और उसके निवासी।

ಯದ್ವಾತದ್ವಾ यद्वातद्वा (सम्) अ· — अक्रम रूप से, क्रमरहित।

ಯಭನ यभन (सम्) सं·—संभोग, रतिक्रीड़ा।

ಯಮ यम (सम्) सं·—दमन, निग्रह ; यम-राज।

ಯವ यव (सम्) सं·—जवा, जौ।

ಯವನ यवन (सम्) सं· — यूनानी ; कोई विदेशी ; मुसलमान।

ಯವನಿಕೆ यवनिके (सम्) सं. — यवनिका, पर्दा।

ಯವೆ यवे (सम्) सं·—दे. ಯವ.

ಯಶ यश, ಯಶಸ್ यशस्, ಯಶಸ್ಸು यशस्सु (क) सं·—कीर्ति, प्रसिद्धि, बड़ाई।

ಯಷ್ಟಿ यष्टि (सम्) सं·—लाठी, छड़ी, डंडा ; गदा ; स्तम्भ, तार: मोतियों को पिरोने का तार।

ಯಾಂತ್ರಿಕ यांत्रिक (सम्) वि· — यंत्र से संबन्धित, यंत्र जैसा।

ಯಾಕೆ याके (क) अ·—क्यों; किसलिए।

ಯಾಗ याग (सम्) सं·—यज्ञ।

ಯಾಚಕ याचक (सम्) सं·— माँगनेवाला, भिक्षुक, भिकारी ; प्रार्थी।

ಯಾತ यात (क) सं·—कुएँ से पानी निकालने का साधन। (सम्) सं.—अंकुश से हाथी को चलाना ; पदाति, पैदल, सिपाही।

ಯಾತಕೆ यातके, ಯಾತಕ್ಕೆ यातक्के (क) अ.—क्यों, किसलिए, क्योंकर।

ಯಾತನೆ यातने (सम्) सं.—यातना, पीड़ा ; यम द्वारा पापियों को दिया जानेवाला दंड।

ಯಾತರದು यातरदु (क) क्रि. रू. — कौन-सा है ?, किसका है ?

ಯಾತ್ರೆ यात्रे (सम्) सं· — यात्रा, सफ़र ; जाना, प्रस्थान, तीर्थाटन ; महोत्सव ; जीविका ; उपाय, साधन।

ಯಾನ यान (सम्) सं· — गमन, पादचारण, सवारी ; यात्रा, समुद्रयात्रा ; आक्रमण, हमला ; वाहन, रथ, गाड़ी।

ಯಾನು यानु (क) सर्व·—मैं (ह· क.)।

ಯಾಪನ यापन (सम्) सं·—चलाना, हांकना, निकाल देना, दूर करना।

ಯಾಮ याम (सम्) सं·—प्रहर, तीन घंटे का समय ; दमन, संयम, सहनशीलता।

ಯಾರ್ यार्, ಯಾರು यारु (क) सर्व·— कौन (ब. व.)।

ಯಾವ याव (क) वि· और सर्व·—कौन-सा, किस प्रकार का ; किसका, जो, जिसका।

ಯಾವತ್ತು यावत्तु (सम्) वि·—सब, समस्त।

ಯುಕ್ತ युक्त (सम्) वि·—जुड़ा हुआ, मिला

हुआ; बंधा हुआ; जुए में जुता हुआ, सहित, संयुक्त; निपुण, चतुर।

ಯುಕ್ತಿ युक्ति (सम्) सं — मेल, मिलाप, संगम; प्रयोग, उपयोग, व्यवहार; उपाय, ढंग; चलन, रस्म; उपयुक्तता; हेतु; परिणाम; आधार; रचना, संभावना; धातु की मिलावट; अलंकार विशेष।

ಯುಗ युग (सम्) सं.—जुआ, जुआठ; जोड़ा, जुट्ट; पति-पत्नी; युग, समय या काल विशेष; चार की संख्या; चार हाथ की नाप; एक दवाई; पुरुष, पुश्त, पीढ़ी; एक वर्ष का समय।—ಆದಿ आदि (सम्) सं.—वर्षारंभ, युगादि त्योहार।

ಯುಗ್ಮ युग्म (सम्) सं.—जोड़ा, जुट्ट, संयम, समागम।

ಯುದ್ಧ युद्ध (सम्) सं — संग्राम, लड़ाई, रण।—ರಂಗ रंग (सम्) सं.—युद्धभूमि।

ಯುಧಿಷ್ಠಿರ युधिष्ठिर (सम्)—सं.—धर्मराज।

ಯುವ युव, ಯುವಕ युवक (सम्) सं.— जवान, वयस्क, तरुण।

ಯುವತಿ युवति (सम्) सं. — जवान स्त्री, युवती।

ಯೂಕ यूक, ಯೂಕೆ यूके (सम्) सं.—जुआँ, चीलर।

ಯೂಥ यूथ (सम्) सं. — गिरोह, गल्ला, समूह, दल, टोली।

ಯೂಪ यूप (सम्) सं. — यज्ञस्तंभ, कीर्ति-स्तंभ, जयस्तंभ।

ಯೆಂಗಿ ಹಾಕು येंगि हाकु (तद्) क्रि.— धोखा दे।

ಯೋಕ್ತ್ರ योक्त्र (सम्) सं.—हल के जुए की रस्सी, चमड़े का तस्मा।

ಯೋಗ योग (सम्) सं. — मिलान, मेल, मिलाप; संसर्ग, स्पर्श, संबध; प्रयोग; ढंग, रीति, तरीका; परिणाम; नतीजा; जुआ; उपयुक्तता; पेशा, धंधा; दग़ाबाजी, धोखा; उपाय; उत्साह, उद्योग; चिकित्सा; जादू, टोना; प्राप्ति, उपलब्धि; धन-संपत्ति; नियम, आदेश; निर्भरता; शब्द-विन्यास, शब्दव्युत्पत्ति, पतंजलि का योग दर्शन; ज्योतिष संबन्धी योग विशेष; भक्ति; जासूस, भेदिया, गणित में जोड़; सद्गुण; काया, देह; एक प्रकार की नाव।

ಯೋಗಕ್ಷೇಮ योगक्षेम (सम्) सं. — कुशल-क्षेम, खैरियत।

ಯೋಗಿ योगि (सम्) सं.—योगी।

ಯೋಗ್ಯ योग्य (सम्) वि.—उपयुक्त, योग्य, ठीक, उपयोगी।

ಯೋಗ್ಯತೆ योग्यते (सम्) सं.-क्षमता, योग्यता लियाकत।

ಯೋಚಿಸು योचिसु (सम्) क्रि. — सोच, विचार कर, चिंतन कर।

ಯೋಜನೆ योजने (सम्) सं.-योजना, संयोग; मेल, मिलाप, उपाय।

ಯೋಧ योध (सम्) सं.—योद्धा, सिपाही; युद्ध, लड़ाई।

ಯೋಷೆ योषे (सम्) सं.—स्त्री; पत्नी।

ಯೌವನ यौवन (सम्) सं.-तारुण्य, जवानी।

ಯೌವರಾಜ್ಯ यौवराज्य (सम्) सं.—युवराज का पद।

ರ र

ರ र—कन्नड-वर्णमाला का इकतालीसवाँ अक्षर।

ರಂಕೆ रंके (क) सं.—बैल का डकारना।

ರಂಗನಾಥ रंगनाथ (सम्) सं.—नाम; विष्णु।

ರಂಗಭೂಮಿ रंगभूमि (सम्) सं.—(नाटक का नेपथ्य) रंगमंच।

ರಂಗವಲಿ रंगवलि, ರಂಗವಲ್ಲಿ रंगवल्लि (सम्) सं.—रंग भरने का काम, रंगपूर, ज़मीन पर सफ़ेद पत्थर के चूर्ण से चित्र बनाना।

ರಂಗಾಜೀವ रंगाजीव (सम्) सं.—चित्रकार।

ರಂಗೋಲಿ रंगोलि (सम्) सं.—दे. ರಂಗವಲಿ.

ರಂಜಕ रंजक (सम्) सं.—उत्तेजक; चितेरा; लाल चन्दन; ईंगुर।

ರಂಜಿಸು रंजिसु (सम्) क्रि. — रंजन कर, प्रसन्न कर; प्रकट हो, शोभित हो, लसित हो।

ರಂಟೆ रंटे (क) सं.—छोटा हल; मार-पीट, झगड़ा।

ರಂಡೆ रंडे (सम्) सं.—विधवा स्त्री; वेश्या, स्त्री के लिए एक गाली।—ತನ तन= वैधव्य।

ರಂಧ್ರ रंध्र (सम्) सं.—छेद, सूराख, बिल; न्यूनता, कमी, दुर्बल अंग।

ರಂಪ रंप (क) सं.—कोलाहल; गड़बड़ी।

ರಂಪಿಗೆ रंपिगे (क) सं.—मोचीका छुरा।

ರಂಬೆ रंबे (क) सं.—डाली; छोटी शाखा।

ರಂಭೆ रंभे (सम्) सं.—केले का पौधा; एक अप्सरा का नाम—रंभा; वेश्या; उदक, पानी।

ರಂಹಸ್ रंहस् ರಂಹಸ रंहस (सम्) सं. — रफ़्तार, वेग, शीघ्रता।

ರಕುತ रकुत (तद्) सं.—रक्त, खून।

ರಕ್ಕಸ रक्कस (तद्) सं.—राक्षस।

ರಕ್ಕಸಿ रक्कसि (तद्) सं.—राक्षसी।

ರಕ್ಕೆ रक्के (तद्) सं.—रक्षा, रक्षण।

ರಕ್ತ रक्त (सम्) सं.—खून, लहू; लाल रंग; जाफ़ान; राग, अनुराग, प्रेम; ताम्र। वि.—प्यारा, प्रेमी, प्रिय; सुन्दर, मनोहर।

ರಕ್ತಪ रक्तप (सम्) सं. — रक्त पीनेवाला, राक्षस।

ರಕ್ತಫಲೆ रक्तफले (सम्) सं. — कुन्दरू की बेल।

ರಕ್ತಭೇದಿ रक्तभेदि (सम्) सं. — अतिसार का रोग।

ರಕ್ತಾಕ್ಷಿ रक्ताक्षि (सम्) सं. — भैंसा; एक संवत्सर का नाम।

ರಕ್ಷ रक्ष (सम्) सं.—रक्षक, देखभाल करने-वाला।

ರಕ್ಷಣೆ रक्षणे (सम्) सं. —रखवाली, रक्षा; बचाव, चौकसी।

ರಕ್ಷಿಸು रक्षिसु (सम्) क्रि.—रक्षा कर, रख-वाली कर, बचा।

ರಕ್ಷೆ रक्षे (सम्) सं.—रक्षा, बचाव, रक्षण; विभूति, भस्म; होम करने के बाद अग्नि से निकाली जानेवाली काली राख।

ರಗಳೆ रगळे (क) सं.—कन्नड के एक छन्द का नाम; व्यर्थ की बात, गप्पे; बखेड़ा।

ರಚನೆ रचने (सम्) सं.—रचना, निर्माण, बनावट, बनाने का ढंग; ग्रन्थ; व्यूह-रचना; मानसिक कल्पना।

ರಚಯಿಸು रचयिसु, ರಚಿಸು रचिसु (सम्) क्रि.—रचना कर, ग्रन्थ की रचना कर, निर्माण कर।

ರಚ್ಚೆ रच्चे (क) सं. — बच्चों की चिल्लाहट; हो-हल्ला; किसी रहस्य को सब लोगों के सामने प्रकट करना।

ರಜ रज, ರಜಸ್ रजस् (सम्) सं. — रज, धूल, मैल; पुष्परज।

ರಜಕ रजक (सम्) सं.—धोबी।

ರಜತ रजत (सम्) सं.—चाँदी, चाँदी जसा धवल; सोना; निर्मलता, स्वच्छता; मोती का हार या आभूषण; पर्वत विशेष।

ರಜನಿ रजनि, ರಜನೀ रजनी (सम्) सं.—रात; दुर्गा; एक पौधा; हरिद्रा, हल्दी।—ಕರ कर (सम्) सं.—चंद्रमा।—ಚರ चर (सम्) सं.—चंद्रमा; राक्षस।

ರಜಪುತ್ರ रजपुत्र (सम्) सं.—राजपूत।

ರಜಸ್ रजस्, ರಜಸ್ಸು रजस्सु (सम्) सं.—धूल, रज; पुष्परज; त्रिगुणों में दूसरा; स्त्रियों का मासिक धम।

ರಜಸ್ವಲೆ रजस्वले (सम्) सं. —रजस्वला या मासिक धर्मवती स्त्री, सयानी लड़की।

ರಜಾಯಿ रजायि (अ. दे.) सं.—रज़ाई।

ರಜ್ಜು रज्जु (सम्) सं.—रस्सी, डोर; स्त्रियों के सिर की चोटी; शरीरस्थ रंग विशेष।

ರಟನ रटन (सम्) सं.—प्रसन्नता सूचक चिल्लाहट; रटना, चिल्लाने की क्रिया।

ರಟ್ಟಡಿತನ रट्टडितन (क) सं.—शोरगुल, गाली देने की ध्वनि।

ರಟ್ಟು रट्टु (क) सं.—दे. रच्चे; दफ्ती, गत्ता, पुस्तक का आवरण।

ರಡ್ಡಿ रड्डि (तद्) सं. —राट् (तत्) — राजा, शालम; रेड्डी (एक जाति के लोग)।

ರಣ रण (सम्) सं. — शोरगुल, कोलाहल; संग्राम, युद्ध; आनन्द।

ರಣಾಜಿರ रणाजिर (सम्) सं.—युद्धभूमि।

ರಣೆ रणे (क) सं.—डोर; रस्सी।

ರತ रत (सम्) वि. — अनुरक्त, लगाहुआ; प्रसन्न, हर्षित। सं.—हर्ष, आनन्द; मैथुन।

ರತಿ रति (सम्) सं.—आनन्द, हर्ष, संतुष्टि; अनुराग, प्रेम, प्रीति; कामक्रीडा, सम्भोग; कामदेव की पत्नी का नाम।

ರತ್ನ रत्न (सम्) सं.—रत्न, जवाहर, बहुमूल्य पत्थर या कोई पदार्थ।

ರತ್ನಾಕರ रत्नाकर (सम्) सं. — कन्नड के प्रसिद्ध कवि का नाम; समुद्र।

ರಥ रथ (सम्) सं.—रथ, एक सवारी; योद्धा; शरीर; चरण, पैर; अवयव, अंग; आनन्द, हर्ष; अभिलाषा; नरकुल, सरपत।

ರಥಿಕ रथिक (सम्) सं.—सूत, सारथी; गाड़ी पर सवार, रथ का मालिक।

ರದಿ रदि (सम्) सं.—हाथी।

ರನ್ನ रन्न (तद्) सं. —रत्न (तत्); कन्नड के एक प्रसिद्ध कवि का नाम जिन्होंने 'गदा-युद्ध' काव्य की रचना की है।

ರನ್ನೆ रन्ने (तद्) सं.—बहुत सुन्दरी या रूपवती स्त्री।

ರಫ್ತು रफ्तु (अ. दे.) सं.—रफ्त (फ़ारसी)—भेजना।

ರಬ್ಬು रब्बु (क) क्रि.—धंस जा, घट जा।

ರಭಸ रभस (सम्) सं. — उत्साह, धुन; ताकत, ज़ोर; क्रोध; उग्रता, ज़बरदस्ती; आनंद, हर्ष; ज़ोर की ध्वनि।

ರಮಣ रमण (सम्) सं. — आनन्दकारक; प्रिय, पति, आनन्द।

ರಮಣಿ रमणि (सम्) सं. — रमणी, सुन्दरी युवती; पत्नी।

ರಮೆ रमे (सम्) सं.—पत्नी, गृहिणी; स्त्री; लक्ष्मी; सौभाग्य, किस्मत; संभोग।

ರಮ್ಯ रम्य (सम्) वि. — सुन्दर, रमणीय, मनोहर।

ರಯ್ಯ रय्य (तद्) सं. — संपत्ति; रमणीयता, सौंदर्य।

ರಲ್ಲಕ रल्लक (सम्) सं— कंबल, ऊनी वस्त्र; पलक।

ರವ रव (सम्) सं. — शब्द, नाद, ध्वनि, शोर।

ರವದಿ रवदि (क) सं.—ज्वार का पत्ता।

ರವಳಿ रवळि (क) सं. — चीख-पुकार, कोलाहल।

ರವಳಿಗೆ रवळिगे (क) सं. — बाँस की छोटी टोकरी।

ರವಳಿಸು रवळिसु (क) क्रि. — चिल्ला, चीख, पुकार।

ರವಾನಿಸು रवानिसु (अ. दे.) क्रि.—रवाना कर; भेज।

ರವಿ रवि (सम्) सं.—सूर्य; बारह की संख्या; पर्वत; धन, संपत्ति; एक वृत्त का नाम।

ರವೆ रवे (तद्) सं. —लवः (तत्); रवा, सूजी, अनाज का छोटा टुकड़ा।

ರಶ್ಮಿ रश्मि (सम्) सं.—प्रकाश की किरण; पलक; रस्सी, डोरी; रास, लगाम; अंकुश।

ರಸ रस (सम्) सं. — फल आदि का रस, वृक्षों का रस, सत्व; तरल पदार्थ; जल; शृंगारादि रस; मदिरा, आसव; स्वादिष्ट पदार्थ; चटनी, मसाला; विष; पारा; गोंद; मनोज्ञता, सौंदर्य; शरीरस्थ पदार्थ विशेष; वीर्य; कोई भी खनिज पदार्थ; षड्रस; रुचि; उत्साह।

ರಸವತಿ रसवति (सम्) सं.—रसोई घर।

ರಸಾಯಣ रसायण (सम्) सं.—रसायन।

ರಸಾರುಹ रसारुह (सम्) सं.—पेड़, वृक्ष।

ರಸಾಲ रसाल (सम्) सं. —आम का वृक्ष। ईख, ईख विशेष।

ರಸಿಕ रसिक (सम्) सं. — रसिया मनुष्य, सहृदय मनुष्य, भावुक नर।

ರಸಿಕೆ रसिके (सम्) सं.—गन्ने का रस, शीरा; जिह्वा; कमरबन्द; घाव से निकलनेवाला तरल पदार्थ; पीब।

ರಸುಮೆ रसुमे (तद्) सं.—दे. ರಶ್ಮಿ।

ರಸ್ತೆ रस्ते (अ. दे.) सं.—रास्त, सड़क।

ರಹಸ್ಯ रहस्य (सम्) सं. — गुप्तबात, मर्म, रहस्य, राज़।

ರಾಕಾ राका, ರಾಕೆ राके (सम्) सं.—पूर्णिमा, पूर्णिमा की रात।

ರಾಕ್ಷಸ राक्षस (सम्) सं.—निशाचर ; कुबेर के एक अनुचर का नाम ; एक संवत्सर का नाम ।

ರಾಕ್ಷಸಿ राक्षसि (सम्) सं.—राक्षसी, राक्षस की स्त्री ।

ರಾಗ राग (सम्) सं.—रंग ; लाल रंग ; अनुराग, प्रीति ; भाव, भावना ; हर्ष, आनन्द ; क्रोध, रोष ; संगीत में राग, सौंदर्य ; मनोज्ञता ।

ರಾಗಿ रागि (क) सं.—एक अनाज, रागी ।

ರಾಚ राच (तद्) सं.—राजन् (तत्) ; क्षत्रियों की एक उपजाति ।

ರಾಜ राज (सम्) सं.—राजा, नरेश ; प्रधान, नेता , क्षत्रिय ; चन्द्रमा ; मंन्यासी, घर, मकान ; सफ़ेद रंग ; काला रंग ।

ರಾಜಧಾನಿ राजधानि (सम्) सं. — राजधानी, राज्य या देश का मुख्य नगर ।

ರಾಜಸಭೆ राजसभे (सम्) सं. — राजसभा, दरबार, आस्थान ।

ರಾಜಿಸು राजिसु (सम्) क्रि.— प्रकाशित हो, चमक, लसित हो, विराजमान हो ।

ರಾಜೀನಾಮೆ राजीनामे (अ. दे.) सं. — राजीनामा (फ़ारसी)—इस्तीफ़ा, त्यागपत्र ।

ರಾಜೀವ राजीव (सम्) सं.—एक प्रकार की मछली ; हिरन विशेष ; नील कमल ; सिर के केश ; पानी, जल; समूह, समुदाय ।

ರಾಜ್ಯ राज्य (सम्) सं.—राज्य (सम्) सं.—शासन, राज्याधिकार ।

ರಾಜ್ಯಭಾರ राज्यभार (सम्) सं. — शासन, राज्य करना ।

ರಾಟಣ राटण, ರಾಟಣೆ राटणे, ರಾಟ್ಣೆ राट्णे, ರಾಟ್ನೆ राट्ने (क) सं.—चर्खी, रहँट; रहँटा ।

ರಾಣಿ राणि (तद्) सं.—रानी ।

ರಾತ್ರ रात्र, ರಾತ್ರಿ रात्रि (सम्) सं. — रात, निशा ।

ರಾದ್ಧಾಂತ राद्धांत (सम्) सं. — सिद्धांत, उसूल ; तर्क में भ्राँति, विभ्रम ।

ರಾಮ राम (सम्) वि. —प्रसन्नकार ;, सुन्दर, मनोहर, मनोज्ञ ; कृष्णवर्ण ; सफ़द । सं. —रामचंद्र, दाशरथी ; परशुराम ; बलराम; प्रेमी ; हिरन विशेष ; घोड़ा ।

ರಾಯ राय (तद्) सं.—राजन् (तत्)—राजा ; राव (आदर-सूचक शब्द) ।

ರಾಯಿ रायि (क) सं.—पत्थर, कंकड़ ; इजेहर Rubber) ।

ರಾವಿ रावि (क) सं.—बोधि वृक्ष, अश्वत्थवृक्ष, पीपल का पेड़ ।

ರಾವುತ रावुत, ರಾಹುತ राहुत, ರಾವ್ತ राव्त (क ?) सं.—घुडसवार; सिपाही ।

ರಾಶಿ राशि (सम्) सं.—ढेर, समूह; ज्योतिष-में राशि जिनकी संख्या बारह है ।

ರಾಷ್ಟ್ರ राष्ट्र (सम्) सं.—राज्य, साम्राज्य ; देश, मुल्क ; प्रजा, जाति ।

ರಾಸ रास (सम्) सं.—गोपों की प्राचीनकाल की एक क्रीड़ा ; कोलाहल, शोरगुल ।

ರಿಂಖಣ रिंखण, ರಿಂಗಣ रिंगण (सम्) सं.—रेंगना, घुटनों चलना ; विचलित होना ।

ರಿಕ್ಕಟೆ रिक्कट (क) सं. — मौन, चुप्पी, खामोशी ।

ರಿಕ್ತ रिक्त (सम्) वि.—खाली, रीता ; दुर्बल, कंगाल ।

ರಿಕ್ಥ रिक्थ (सम्) सं. — उत्तराधिकार या विरासत में मिली हुई संपत्ति ।

ರಿಪು रिपु (सम्) सं—शत्रु, अरि ।

ರಿಸಾಲು रिसालु, ರಿಸಾಲೆ रिसाले (अ. दे.) सं.—रिसाला (अरबी), घोड़े की सेना ।

ರೀಢೆ रीढ़े (सम्) सं.—अपमान, तिरस्कार ।

ರೀತಿ रीति (सम्) सं.—रीति, पद्धति, ढंग, तरह ।

ರುಂಜೆ रुंज़े (क) सं.—पीतल का ढोल ।

ರುಂಡ रुंड (सम्) सं.—सिर रहित शरीर ; सिर जो शरीर से अलग हुआ हो ।

ರುಂಡಿಕೆ रुंडिके (सम्) सं.—युद्धभूमि ; देहली; अलौकिक शक्ति ।

ರುಂದ್ರ रुंद्र (क) वि.—विशाल, मनोहर ।

ರುಕ್ಮ रुक्म (सम्) वि.—चमकीला, प्रकाशमान । सं.—सोना ।

ರುಕ್ಷ रुक्ष (तद्) वि.—रूक्ष (तत्) ।

ರುಚಾಳಿಸು रुचाळिसु (क ?) क्रि. — तुलन कर, समता दिखा ।

ರುಚಿ रुचि (सम्) सं.—स्वाद, ज़ायका ; अभिलाषा, इच्छा, आनन्द ; भूख ; आभा, दीप्ति, प्रकाश, चमक ; किरण ; सौंदर्य ।

ರುಜು रुजु (अ. दे.) सं—हस्ताक्षर, दस्तख़त ; प्रमाण, दलील ।

ರುದ್ದು रुद्दु, ರುಬ್ಬು रुब्बु (क) क्रि. — पीस ओखली में डाक कर पीसना ।

ರುದ್ರ रुद्र (सम्) वि.—भयानक, भयंकर । सं.— शिवजी ; ग्यारह की संख्या ।

ರುದ್ರಾಕ್ಷಿ रुद्राक्षि, ರುದ್ರಾಕ್ಷೆ रुद्राक्षे (सम्) सं.—रुद्राक्ष का पेड़ ।

ರುಧಿರ रुधिर (सम्) सं.—रक्त, खून ।

ರುಪಾಯಿ रुपायि (अ. दे.) सं—रुपया ।

ರುಮಾಲು रुमालु (क) सं—पगड़ी ।

ರೂಕ್ಷ रूक्ष (सम्) सं.—रूक्ष, खुरखुरा, कड़ा, कठोर ।

ರೂಢಿ रूढि (सम्) सं.—प्रचलन, पद्धति, परिपाटी ; जन्म, उत्पत्ति ; बढ़ती, फैलाव, वृद्धि, प्रथा ; प्रसिद्धि, ख्याति ।

ರೂಪ रूप (सम्) सं.—आकार, सूरत, शक्ल ; स्वभाव, प्रकृति ; रीति, ढंग ; पहचान ; लक्षण ; मूर्त, प्रतिमा ।

ರೂಪಕ रूपक (सम्) सं.—अलंकार विशेष ; आकार, सूरत, रूप ; मूर्ति, प्रतिकृति ; लक्षण ; किस्म, जाति ; मान या तौल विशेष ।

ರೂಪವತಿ रूपवति (सम्) सं.—सुन्दरी स्त्री ।

ರೂಪಾಯಿ रूपायि (अ. दे.) सं.—रुपया ।

ರೂಪು रूपु (तद्) सं.—रूप, आकार ; सौंदर्य, चारुता ।

ರೂಹಿಸು रूहिसु (तद्) क्रि.—रूपित हो, प्रकट हो ।

ರೆಂಕೆ रेंके (क) सं.—दे. ರೆಕ್ಕೆ.

ರೆಂಜೆ रेंज़े (क) सं. — एक वृक्ष (The tree Mimusops elengi) ।

ರೆಂಬೆ रेंबे, ರೆಬ್ಬೆ रेब्बे (क) सं. —डाली, छोटी शाखा ।

ರೆಳ್ಳು रेळ्ळु (क) सं.—लिखने के लिए उपयोगी सरकण्डा ।

ರೇಕು रेकु (क) सं.—पतला पतरा ; सोना, सुवर्ण ; फूल या दल या पँखुड़ी ।
ರೇಖೆ रेखे (सम्) सं.—रेखा, पंक्ति, लाइन ।
ರೇಗಿಸು रेगिसु (क) क्रि.— चिढ़ा, क्रुद्ध करा या करवा।
ರೇಗು रेगु (क) क्रि.—रुष्ट हो, क्रुद्ध हो, बिगड़ पड़।
ರೇಣು रेणु (सम्) सं.—धूल, रज ; पुष्परज ; हथिनी ।
ರೇಣುಕಾ रेणुका, ರೇಣುಕೆ रेणुके (सम्) सं. जमदग्नि की पत्नी और परशुराम की माता ; एक दवाई ।
ರೇವತಿ रेवति (सम्) सं. — बलराम की पत्नी का नाम ; एक नक्षत्र का नाम ।
ರೇವು रेवु (क) सं.—स्थान, ठहरने का स्थान बन्दरगाह ;
ರೇಶ್ಮಿ रेश्मि, ರೇಶ್ಮೆ रेश्मे (अ. दे.) सं.— रेशम, रेशमी वस्त्र ।
ರೇಷ್ಮೆ रेष्मे (अ. दे.) सं. दे.—ರೇಶ್ಮೆ.
ರೈವತ रैवत (सम्) सं.—धनी पुरुष ; पाँचवें मनु का नाम ; एक पर्वत का नाम ; एक राजा का नाम ।
ರೊಂಕೆ रोंके (सम्) सं.—दे. ರಂಕೆ.
ರೊಂಡೆ रोंडे (क) सं.—दलदल, पंक ।
ರೊಕ್ಕ रोक्क (अ. दे.) सं. — नक़द रुपया, रोकड़ ।
ರೊಚ್ಚು रोच्चु, ರೊಚ್ಚೆ रोच्चे, रोज्जु रोज्जु, ರೊಜ್ಜೆ रोज्जे (क) सं.—दे. ರೊಂಡೆ.
ರೊಟ್ಟಿ रोट्टि (अ. दे.) सं.—रोटी ।
ರೊಣಕು रोणकु (क) सं. — छलांग, कुदान, छलांग मारना ।
ರೋಕ रोक (सम्) सं. — कम्प, प्रकम्प ; छिद्र ; नाव, जहाज़ ।
ರೋಗ रोग (सम्) सं.—रोग, बीमारी ।
ರೋಗಿ रोगि (सम्) वि.—रोगी, बीमार ।
ರೋಚಕ रोचक (सम्) सं.—भूख ; वह दवा जिससे भूख बढ़े । वि. — रुचिकारक, स्वादिष्ट ; अनान्ददायक ।
ರೋಜಾ रोजा (अ. दे.) सं.—गुलाब ।
ರೋತೆ रोते (क) सं.—गन्दगी, कोई भी गंदा पदार्थ ।
ರೋದನ रोदन (सम्) सं. — रोना, रुदन, विलाप ।
ರೋಧ रोध (सम्) सं.—रोक, प्रतिबन्ध ।
ರೋಮ रोम (सम्) सं.—रोंगटा, रोम ।
ರೋಮಾಂಚನ रोमांचन (सम्) सं.—पुलकित होना ।
ರೋಷ रोष (सम्) सं.— ರೋಸ रोस (तद्) —रोष, क्रोध ।
ರೋಸು रोसु (क) क्रि.—जुगुप्सा प्रकट कर, नाक सिकोड़ । सं.—दलदल, पंक ।
ರೋಹಿಣಿ रोहिणि (सम्) सं.—चौथे नक्षत्र का नाम ।
ರೌದ್ರ रौद्र (सम्) वि.—भयंकर, उग्र, प्रचण्ड, क्रोधाविष्ट । सं. — क्रोध ; भयंकरता ; उत्ताप, गरमी ।
ರೌಪ್ಯ रौप्य (सम्) वि.—चाँदी का । सं.— चाँदी ।
ರೌರವ रौरव (सम्) सं.—इक्कीस नरकों में एक ।

ಱ र

ಱ र—कन्नड-वर्णमाला का बयालीसवां अक्षर ।
ಱಂಚಿ रंचि, ಱಂಚೆ रंचे (क) सं.—हाथी और घोड़े का झूल ।
ಱಂಚಿಕೆ रंचिके, ಱಂಜಿಕೆ रंजिके, (क) सं.— हौदा ।
ಱಕ್ಕೆ रक्के, ಱೆಕ್ಕೆ रेक्के (क) सं.—पर, पंख, डैना ।
ಱಟ್ಟೆ रट्टे, ಱೆಟ್ಟೆ रेट्टे (क) सं. — पर, बाहु, भुजा ।
ಱಪ್ಪೆ रप्पे, ಱೆಪ್ಪೆ रेप्पे (क) सं.—पलक ।
ಱವಕೆ रवके, ಱವಿಕೆ रविके (क) सं. —चोली, कुर्ती ।
ಱಿಕ್ಕಟೆ रिकट (क) सं.—दे. ಠಕ್ಕಟ.
ಱೊಪ್ಪ रोप्प (क) सं.—मेषशाला, बकरों को बांधने की जगह ।
ಱೊಪ್ಪು रोप्पु (क) क्रि.—गर्जन कर, गुर्रा ।

ಲ ल

ಲ ल—कन्नड-वर्णमाला का तैंतालीसवां अक्षर ।
ಲಂಕಾ लंका, ಲಂಕೆ लंके (सम्) सं.—श्रीलंका, राक्षसराज रावण की राजधानी का नाम ।
ಲಂಗ लंग (अ. दे.) सं.—लहँगा, घाघरा ।
ಲಂಗೋಟಿ लंगोटि (अ. दे.) सं. — कौपीन लंगोटी ।
ಲಂಘಿಸು लंघिसु (सम्) क्रि .— लाँघ, लंघन कर, पार कर, उल्लंघन कर ।
ಲಂಚ लंच (क) सं.—घूस, रिश्वत ।
ಲಂಪಟತನ लंपटतन, ಲಂಪಟತೆ लंपटते (सम्) सं.—लंपटता, काम-वासना; व्यभिचार ।
(१) ಲಂಪಟೆ लंपटे (क) सं.-थकावट, श्रांति ।
(२) ಲಂಪಟೆ लंपटे (सम्) सं.— लंपट स्त्री, व्यभिचारिणी ।
ಲಂಪು लंपु (क) सं.—सौंदर्य, चारुता ; सुख, शक्ति, ऊँचाई ।
ಲಂಬ लंब (सम्) वि.—लम्बा, प्रशस्त, बड़ा ।
ಲಂಬಳ लंबळ, ಲಂಬಟ लम्बळ (तद्) सं.— लम्बनम् (तत्)—बड़ा हार, गले का हार जो नाभि तक लटकता हो ।
ಲಂಬಾಡಿ लंबाडि, ಲಂಬಾಣಿ लम्बाणि, ಲಮಾಣಿ लमाणि (अ. दे.) सं.—एक बनजारा जाति।
ಲಂಬೋದರ लंबोदर (सम्) सं. — विनायक गणेश ।
ಲಕುಟ लकुट, ಲಗುಡ लगुड (सम्) सं.— लाठी, डंडा ।
ಲಕುಮಣ लकुमण (तद्) सं. — लक्ष्मण : (तत्) ।
ಲಕೋಟು लकोटु, ಲಕೋಟೆ लकोटे, ಲಕ್ಕೋಟೆ लक्कोटे (अ. दे.) सं.—लिफ़ाफ़ा ।
ಲಕ್ಕಣ लक्कण (तद्) सं.—लक्षणम् (तत्) ।
ಲಕ್ಕಿ लक्कि, ಲಕ್ಕಿಲಿ लक्किलि (क) सं.— इन्द्राणि या शेफालिका वृक्ष ।
ಲಕ್ತುಕ लक्तक (सम्) सं.—चिथड़ा, फटा हुआ कपड़ा ; लाख ।

ಲಕ್ಷ लक्ष (सम्) सं.-चिह्न, पहचान, निशाना; दिखावट, बहाना; एक लाख (संख्या)।

ಲಕ್ಷಣ लक्षण (सम्) सं.—चिह्न, पहचान; किसी वस्तु की वह विशेषता जिससे वह पहचानी जाय; परिभाषा; शुभ या अशुभ चिह्न, विशिष्टता, उत्तमता।

ಲಕ್ಷ್ಮಿ लक्ष्मि (सम्) सं.—सौभाग्य, समृद्धि; संपत्ति; लक्ष्मी; धनी या सुन्दरी स्त्री; स्त्रियों का नाम; एक पौधे का नाम; आम्रवृक्ष; हल्दी।

ಲಕ್ಷ್ಯ लक्ष्य (सम्) सं. — निशाना, चिह्न; लक्ष्य, उद्देश्य; ध्यान, विचार; बहाना, बनावट, कपट।—ಕೊಡು कोडु (सम्) क्रि. ध्यान दे (मुह.)।

ಲಗಾಂ लगां, ಲಗಾಮು लगाम, ಲಗಾಮು लगामु (अ. दे.) सं.—लगाम (फ़ारसी), रास।

ಲಗ್ಗೆ लग्गे (तद्) सं.—संगीत के स्वरों का मेल।

ಲಗ್ನ लग्न (सम्) सं.—लग्न, शुभ कार्य करने का शुभ मुहूर्त; विवाह, शादी: वह समय जब सूर्य किसी राशि में जाता है; भाट, प्रातःकाल राजा को उठानेवाला; मदगज, मस्त हाथी; दिन या रात का १/१२ भाग। वि.—लगा हुआ; चिपटा हुआ।

ಲಗ್ನಪತ್ರಿಕೆ लग्नपत्रिके (सम्) सं.—विवाह (या उपनयन) का निमंत्रण-पत्र।

ಲಘು लघु (सम्) वि. — हलका; छोटा; संक्षिप्त; शीघ्र, जल्दी; निर्बल; नीच, निस्सार; कोमल, मृदुल; मनोज्ञ, अच्छा; अभागी; चंचल। सं.—काला अगर।

ಲಜ್ಜಾ लज्जा, ಲಜ್ಜೆ लज्जे (सम्) सं.—लज्जा, शर्म, लाज।

ಲಜ್ಯೆ लज्ये (तद्) सं.—लज्जा, लाज।

ಲಟಕಟಿಸು लटकटिसु (अ. दे.) क्रि.—[' लड़-खड़ा ' से ?]—आतुर हो, घबरा. अवि-श्रांत हो।

ಲಟ್ಟಣಿಗೆ लट्टणिगे (क) सं.—बेलन।

ಲಡಾಯಿ लडायि (अ. दे.) सं. — लड़ाई; झगड़ा, कलह।

(१) ಲಡ್ಡು लड्डु (क) वि.—निस्सार, निर्बल, कमज़ोर।

(२) ಲಡ್ಡು लड्डु (अ. दे.) सं. — लड्डू, मिठाई विशेष।

ಲತಿಕೆ लतिके, ಲತೆ लते (सम्) सं. — लता, बेल।

ಲಬ लब, ಲಬಾ लबा; ಲಬೋ लबो (क) अ. —चोम मारने की ध्वनि।

ಲಬ್ಧ लब्ध (सम्) वि.—प्राप्त हो, उपलब्ध, पाया हुआ, लिया हुआ।

ಲಭಿಸು लभिसु (सम्) क्रि.— प्राप्त हो, उपलब्ध हो।

ಲಯ लय (सम्) सं.—लीनता, मग्नता, लीन होना; एकाग्रता; नाश; संगीत का ताल; विश्राम स्थान; आलय; मानसिक अकर्मण्यता; आलिंगन।

ಲಲನ ललन (सम्) सं.-क्रीड़ा, खेल, आमोद

ಲಲನೆ ललने (सम्) सं. — स्त्री, रमणी; कामिनी स्त्री।

ಲಲಾಟ ललाट (सम्) सं.—माथा, भाल।

ಲಲಾಮ ललाम (सम्) सं.—तिलक, बिंदी; चिह्न, निशान; अच्छा लक्षण; ध्वज, पताका; प्राधान्य, गौरव, महानता; आभू-षण; सींग, श्रृंग; सॉड, बैल; घोड़ा; सूर्य; चंद्रमा; अग्र, नोंक; अंश, किरण; लाल रंग; धवल वर्ण; लाख; क्रीडा-केली; नाद, स्वर।

ಲಲಿತ ललित (सम्) वि.—मनोहर, सुन्दर; क्रीडासक्त; प्रिय, उत्तम; कोमल; सीधा सं.—क्रीडा, खेल; आमोद-प्रमोद।

ಲಲಿತೆ ललिते (सम्) सं. — स्त्री; स्वेच्छाचा-रिणी स्त्री।

ಲಲ್ಲೆ लल्ले (तद्) सं.—प्रेम, स्नेह, प्रीति; चुंबन।

ಲವ लव (सम्) अ.—थोड़ा, अत्यल्प परि-माण। सं.—लौंग; जायफल।

ಲವಂಗ लवंग (सम्) सं.—लवग का पौधा, लौंग।

ಲವಣ लवण (सम्) सं. — नमक, समुद्री नमक।

ಲವಣಿ लवणि; ಲವಣೆ लवणे (तद्) सं.— चमक, सौंदर्य, दीप्ति; अंगविन्यास, आगे-पीछे झुकना।

ಲವಲವಿಕೆ लवलविके (क) सं. — औत्सुक्य, तत्परता; लालसा।

ಲಶುನ लशुन (सम्) सं.—लहसुन;

ಲಸಿತ लसित (सम्) वि. —मनोहर, सुन्दर; प्रादुर्भूत, प्रकट हुआ।

ಲಸ್ತಕ लस्तक (सम्) सं.—धनुष का मध्य-भाग।

ಲಹರಿ लहरि (सम्) सं.—लहर, तरंग।

ಲಳಿ ळळि (क) सं.—केकड़ा।

ಲಾಂಗಲ लांगल (सम्) सं.—हल: ताड़ का वृक्ष।

ಲಾಂಗೂಲ लांगूल (सम्) सं.—पूँछ।

ಲಾಂಛನ लांछन (सम्) सं.—चिह्न, निशान; नाम, संज्ञा; धब्बा, दाग़, लांछन; भूसीमा।

ಲಾಂತ್ರ लांत्र, ಲಾಂದ್ರ लांद्र (अ. दे.) सं.— —(Lantern) (अंग्रेज़ी); लालटेन!

ಲಾಂಬಿ लांबि (तद्) सं.—लकड़ी का बड़ा टुकड़ा।

ಲಾಕ್ಷಣಿಕ लाक्षणिक (सम्) सं.— लाक्षणिक. वह जो लक्षणों को जानता हो।

ಲಾಕ್ಷಾ लाक्षा, ಲಾಕ್ಷೆ लाक्षे (सम्) सं. — लाख; लाख का कीड़ा।

ಲಾಗಾಯಿತು लागायितु. ಲಾಗಾಯ್ತು लागाय्तु (अ. दे.) अ.—से, लेकर, प्रारम्भ से।

ಲಾಗಾ ಹಾಕು लागा हाकु, ಲಾಗಾ ಹೊಡೆ लागा होड़े (क) क्रि.—कलैया मार, कलैया खा, हार जा।

ಲಾಘವ लाघव (सम्) सं.—लघुता; अल्पता, हलकापन; असम्मान, तिरस्कार; तत्परता फुर्ती।

ಲಾಜ लाज, ಲಾಜೆ लाज (सम्) सं. — लावा, खील।

ಲಾಟಿಸು लाटिसु (क) क्रि.—मार, ताड़न कर।

(१) ಲಾಡಿ लाडि, ಲಾಳಿ लाळि (क) सं.— चिमटा।

(२) ಲಾಡಿ लाडि (अ. दे.) सं.—नाड़ा।

ಲಾಡು लाडु (अ. दे.) सं.—लड्डू।

ಲಾಭನಷ್ಟ लाभनष्ट (सम्) सं.—लाभ और हानि ।

ಲಾಮಚ लामच, ಲಾಮಂಚ लामञ्च, ಲಾವಂಚ लावञ्च (तद्) सं. — लामज्जः (तत्); एक सुगन्धित तृण विशेष जिससे पंखा बनाया जाता है, वीरणमूल ।

ಲಾಯ लाय (तद्) सं.—अश्वशाला ।

ಲಾಲನ लालन, ಲಾಲನೆ लालने (सम्) सं.—लालन, लाड़, प्यार ।

ಲಾಲಸ लालस, ಲಾಲಸೆ लालसे (सम्) सं.—तीव्र अभिलाषा ।

ಲಾಲಿ लालि (क) सं.—लोरी ।

ಲಾಲಿತ್ಯ लालित्य (सम्) सं. — मनोहरता, सौंदर्य ।

ಲಾವಣ್ಯ लावण्य (सम्) सं.—नमकीनपन; सलोनापन; सौंदर्य ।

ಲಾಸ್ಯ लास्य (सम्) सं. — नृत्य, नाच; नचैया, नट ।

ಲಾಳ लाळ (तद्) स.—नाल, नली, डंठल; सलाई ।

ಲಿಂಗ लिंग (सम्) सं—निशान, चिह्न; शिव-लिंग; लिंग, शिश्न; प्रतिमा, मूर्ति; व्याकरण में लिंग ।

ಲಿಂಗವಂತ लिंगवन्त, ಲಿಂಗಾಯತ लिंगायत, ಲಿಂಗಾಯಿತ लिंगायित, ಲಿಂಗಾಯ್ತ लिंगायत (सम्) सं.—लिंगायत, वीरशैव-संप्रदाय का अनुयायी ।

ಲಿಖಿಸು लिखिसु (सम्) क्रि.—लिख, लेखन-कार्य कर ।

ಲಿಪಿ लिपि (सम्) सं.—लिपि, अक्षर; लेख, हस्तलेख ।

ಲಿಪಿಕಾರ लिपिकार (तद्) स — लिपिकर: (तत्); लिखनेवाला, लेखक ।

ಲಿಪ್ತ लिप्त (सम्) वि.—लिपा हुआ; ढका हुआ; संयुक्त, जुड़ा हुआ ।

ಲಿಪ್ಸೆ लिप्से (सम्) सं.— लिप्सा, इच्छा; अभिलाषा ।

ಲೀನತೆ लीनते (सम्) सं. — लीन होना; लिप्तता ।

ಲೀಲೆ लीले (सम्) सं. — लीला; क्रीड़ा, खेल ।

ಲುಕ್ಸಾನು लुक्सानु (अ. दे.) सं.— नुकसान, हानि ।

ಲುಚ್ಚಾ लुच्चा (अ. दे.) वि.—लुच्चा ।

ಲುಪ್ತ लुप्त (सम्) वि.—खोया हुआ, भङ्ग, नष्ट; वञ्चित ।

ಲುಬ್ಧಕ लुब्धक (सम्) सं.—शिकारी, बहेलिया; आर्द्रा नक्षत्र; लोभी या लालची आदमी ।

ಲುಲಾಯ लुलाय (सम्) सं.—भैंसा ।

ಲೂಟಿ लूटि (अ. दे.) सं.—लूट-मार; लूटना; दुष्टता ।

ಲೆಂಕ लेंक (क?) सं.—नौकर, दास । ಲೆಂಕಿತಿ लेंकिति—स्त्री. लिं. ।

ಲೆಕ್ಕ लेक्क (तद्) सं. — हिसाब, गिनती, गणना; संख्या, अंक ।

ಲೆತ್ತ लेत्त (क) सं.—अक्ष, जुआ ।

ಲೇಖ लेख (सम्) सं.—लेख, लिपि, लिखावट, दस्तावेज़ ।

ಲೇಖಕ लेखक (सम्) सं.—लेखक, रचयिता ।

ಲೇಖನ लेखन (सम्) सं.—लेखन, लेख ।

ಲೇಖನಿ लेखनि (सम्) सं.—लेखनी, कलम ।

ಲೇಪನ लेपन (सम्) सं. — लेपन, लेपना, पोतना; लेप ।

ಲೇವಡಿ लेवडि (क) सं.—परिहास, मज़ाक ।

ಲೇಶ लेश (सम्) सं.—अणु, रंच, अत्यल्प परिमाण ।

ಲೇಸಿಗ लेसिग (क) सं.—अच्छा पुरुष, वीर पुरुष ।

ಲೇಸು लेसु (क) सं. — अच्छाई, उत्तमता, श्रेष्ठता, महानता; भलाई ।

ಲೇಹ लेह, ಲೇಹ್ಯ लेह्य (सम्) सं. — लेह्य, चाटने योग्य पदार्थ ।

ಲೊಚ ल़ोच (क) सं.—छिपकली की आवाज़ ।

ಲೊಟ ल़ोट (क) सं. — एक अनुकरणात्मक शब्द । —ಗುಟ್ಟು, गुटट्ट (क) क्रि.—बड़बड़ा ।

ಲೊಟಕು ल़ोटकु (क) क्रि.—कोस, गाली दे ।

ಲೊಟ್ಟೆ ल़ोट्टे (क) सं.—किसी चीज़ का स्वाद लेते समय जीभ से ध्वनि उत्पन्न करना; खोखलापन, निस्सारता ।

ಲೊತ್ತು ल़ोत्तु (क) सं.—दरार, बड़ी सूराख ।

ಲೊದಡಿ ल़ोदडि, ಲೊಗಡಿ ल़ोगडि, ಲೊದಳಿ ल़ोगळि, ಲೊದ್ಲೆ ल़ोद्ले, ಲೋಯಿ लोयि, ಲೋಳ लोळ, ಲೋಳಿ लोळि, ಲೋಳು लोळु, ಲೋಳೆ लोळे (क) सं.—लार, श्लेष्मा, लार जैसी वस्तु ।

ಲೋಕ लोक (सम्) सं.—लोक, संसार ।

ಲೋಕೇಶ लोकेश (सम्) सं.—ब्रह्मा ।

ಲೋಕೋಕ್ತಿ लोकोक्ति (सम्) सं.—लोकोक्ति कहावत ।

ಲೋಗ लोग, ಲೋಗರ लोगर (तद्) सं.—लोग, मानव-जाति, मानव; पराया ।

ಲೋಚನ लोचन (सम्) सं.—आँख, नेत्र ।

ಲೋಟಾ लोटा (अ. दे.) सं. — प्याला, गिलास; कबूतर विशेष ।

ಲೋಧ್ರ लोध्र (सम्) सं.—लोध्र वृक्ष जिसके फूल लाल और सफ़ेद होते हैं ।

ಲೋಪ लोप (सम्) सं. — अभाव; नाश, क्षय; भंग, अतिक्रमण, लंघन; अनुपस्थिति, छूट ।

ಲೋಬೆ लोबे, ಲೋವೆ लोवे (क) सं.—छप्पर की थुनकिया, गोपानसी ।

ಲೋಭ लोभ (सम्) सं. — लालच, तृष्णा, लिप्सा ।

ಲೋಭಿ लोभि (सम्) सं.— लोभी मनुष्य, कंजूस आदमी ।

ಲೋಮ लोम (सम्) सं. — रोम; आदमी और जानवरों के शरीर पर के बाल; पूँछ ।

ಲೋಲ लोल (सम्) सं.—कम्पकम्पी, हिलने-वाला; चञ्चल, बैचैन ।

ಲೋಷ್ಟ लोष्ट (सम्) सं.—मिट्टी का ढेला ।

ಲೋಹ लोह (सम्) सं.—ताँबा; लोहा; इस्पात; सोना; कोई भी धातु; रक्त; हथियार; मछली फंसाने की बंसी । वि.—लाल, तांबे का बना हुआ ।

ಲೋಹಿತ लोहित (सम्) सं. — लाल रंग; रक्त; तांबा; क्रोध, रोष; संतोष, प्रसन्नता; परशु ।

ಲೌಕಿಕ लौकिक (सम्) वि· — सांसारिक, साधारण, मामूली।

ವ व

ವ व—कन्नड-वर्णमाला का ४४ वां अक्षर।
ವ व (क) प्र.—'वाला' अर्थसूचक (क्रिया के साथ) उदा.—ಬಿಡುವ बिडुव—छोड़नेवाला (या छूटनेवाला), ಬರುವ बरुव—आनेवाला, ಹೋಗುವ होगुव—जानेवाला।
ವಂಕ वंक (तद्) वि—वक्र, टेढ़ा; तिरछा।
ವಂಕಿ वंकि (क) सं· — एक आभरण; एक प्रकार का चाकू या तलवार; एक प्रकार का अंकुड़ा।
ವಂಕುಡಿ वंकुडि (क) सं· — एक प्रकार का आयुध; छुरा।
ವಂಗ वंग (सम्) सं·—बंगाल; सीसा; टीन।
ವಂಗಡ वंगड (क) सं· — समूह, समुदाय, भीड़।
ವಂಗಾರ वंगार (क) सं·—सोना, सुवर्ण।
ವಂಚಕ वंचक (सम्) सं·—धोखा देनेवाला, धोखेबाज़, छलिया। ವಂಚಕಿ वंचकि—स्त्री· लिं·।
ವಂಚನ वंचन, ವಂಚನೆ वंचने (सम्) सं·—छल, कपट, धोखा, प्रवञ्चना।
ವಂಜುಲ वंजुल (सम्) सं·—नरकुल या बेंत।
ವಂಟಕ वंटक (सम्) सं·—बँटवारा; बांटनेवाला; हिस्सा; अंश।
ವಂಠ वंठ (सम्) सं·—नौकर, चाकर; अविवाहित पुरुष; बर्छा, शूल।
ವಂತ वंत (सम्) प्र·—'वान्' के अर्थ में·, जैसे—ಗುಣವಂತ गुणवन्त—गुणवान्, ಬುದ್ಧಿವಂತ बुद्धिवन्त—बुद्धिमान्।
ವಂದನ वंदन, ವಂದನೆ वंदने (सम्) सं·—अभिवादन, नमस्कार; पूजा, अर्चना; सम्मान; प्रशंसा।
ವಂದರಿ वंदरि, ವಂದರೆ वंदरे (क) सं· — छलनी।
ವಂದಿ वंदि (सम्) सं·—मागध, सूत, भाट।
ವಂದ್ಯ वंद्य (सम्) वि·—वन्दन करने योग्य, वन्दनीय, पूज्य, प्रणम्य।
ವಂದ್ರಿ वंद्रि (क) सं·—दे· ವಂದರಿ.
ವಂಧ್ಯಾ वंध्या, ವಂಧ್ಯೆ वन्ध्ये (सम्) सं·—बाँझ।
ವಂಶ वंश (सम्) सं·—वंश, कुल, घराना; बांस; रीढ़ की हड्डी; समूह; तपस्या; शहतीर, बल्ली, लट्ठा; गन्ना, ईख; जल, पानी; साल वृक्ष।
ವಂಶಿ वंशि (सम्) सं·—मुरली, बांसुरी।
ವಕಾಲತ್ತು वकालत्तु (अ· दे·) सं·—वकालत।
ವಕೀಲ वकील (सम्) सं·—वकील, प्लीडर।
ವಕ್ತವ್ಯ वक्तव्य (सम्) सं·—कथन, वक्तृता; विषय; नियम।
ವಕ್ತ್ರ वक्त्र (सम्) सं·—मुख, चेहरा।
ವಕ್ರ वक्र (सम्) वि·—वक्र, टेढ़ा, बांका; घुंघुराला; निष्ठुर, कठोर; अकरुण; धोखेबाज़।
ವಕ್ರೋಕ್ತಿ वक्रोक्ति (सम्) सं·—एक अलंकार का नाम।
ವಕ್ಷ वक्ष, ವಕ್ಷಸ್ वक्षस् (सम्) सं·—छाती; कुच, चूची।
ವಚನ वचन (सम्) सं·—बोलने की क्रि वाणी, बात, कथन, पाठ, पुनरावृत्ति; उक्ति, बानी; परामर्श, सलाह; वर्णन, बयान; शब्दार्थ; व्याकरण में वचन (एकवचन, बहुवचन)।
ವಜನು वजनु (अ· दे·) सं·—वज़न (अरबी); भार, बोझा।
ವಜಾ वजा (अ· दे·) सं· — निकालना, रद्द करना, हटाना।—ಮಾಡು माडु=रद्द कर, हटा।
ವಜ್ರ वज्र (सम्) सं·—हीरा; इन्द्र का वज्र; इस्पात, अबरक; एक पौधा विशेष। वि·—कड़ा, कठोर।
ವಟ वट (सम्) सं·—बरगद का पेड़; रस्सी, डोरी, बन्धन; गोली, छोटी गोलाकार वस्तु; चपाती; कौड़ी; कामदेव; हाथी का मद; जूड़न; वृत्त, गोल आकार।
ವಟಾರ वटार; ವಠಾರ वठार (क ?) सं·—जगह, स्थान; घरों का समूह, वह स्थान जहाँ चार-पांच घर एक अहाते में हों।
ವಟ್ರಗುಟ್ಟು वट्रगुट्टु (क) क्रि· — मेंढक का 'टर टर' आवाज़ करना।
ವಡವಾಗ್ನಿ वडवाग्नि (सम्) सं· — बडवानल, दावाग्नि।
ವಡಿ वड़ि (क) सं·—गरमी, उष्णता।
ವಡೆ वड़े (तद्) सं·—बडा, उडद की दाल से बना बडा।
ವಣಿಜ್ಯ वणिज्य, ವಣಿಜ್ಯೆ वणिज्ये (सम्) सं·—व्यापार, सौदागरी।
ವತ್ಸ वत्स (सम्) सं·—बछड़ा; बेटा, संतान; संवत्सर; छाती; कुच; निर्मलता; निशान; वरुण।
ವತ್ಸಕ वत्सक (सम्) सं· — छोटा बछड़ा; दवाई का एक पौधा।
ವತ್ಸರ वत्सर (सम्) सं·—वर्ष, संवत्सर।
ವದ वद (सम्) क्रि·—कह, बोल। वि·—बोलनेवाला।
ವದನ वदन (सम्) सं·—मुख, मुँह; बोलने की क्रिया।
ವದಾನ್ಯ वदान्य (सम्) वि· — तेज़ बोलनेवाला, सुभाषी; उदार।
ವಧ वध, ವಧೆ, वधे (सम्) सं· — मारना, हत्या।
ವಧು वधु, ವಧೂ वधू (सम्) सं· — पुत्रवधू, पत्नी स्त्री, औरत; दुलहिन।
ವನ वन (सम्) सं·—वन, जंगल, अरण्य; बगीचा; घर, आवास; सोता, जल; चमक, कांति।
ವನಧಿ वनधि (सम्) सं·—समुद्र।
ವನಮಾಲಿ वनमालि (सम्) सं· — विष्णु; श्रीकृष्ण।
ವನರುಹ वनरुह (सम्) सं·—कमल।
ವನಿತೆ वनिते (सम्) सं· — वनिता, स्त्री; पत्नी, प्रेमपात्री]
ವನೇಜಮಿತ್ರ वनेजमित्र (सम्) सं·—सूर्य।
ವನ್ಯ वन्य (सम्) वि·—वनसंबन्धी, जंगली। सं·—वन की पैदावार।

ವಪು वपु (सम्) सं.—शरीर, देह; व्यक्ति, पुरुष, रूप, आकार।
ವಪೆ वपे (सम्) सं.— वपा, चर्बी, बसा; रन्ध्र, गुफ़ा, चींटियों द्वारा बनाया गया मिट्टी का टीला।
ವಮಥು वमथु (सम्) सं.—कै; वह जल जिसे हाथी अपनी सूंड में भरकर फेंकता है।
ವಮನ वमन (सम्) सं.—कै, उल्टी, थूक; अग्नि में आहुति देना।
ವಮ್ರಿ वम्रि (सम्) सं.—चींटी।
ವಯ್ वय्, ವಯ್ಯು वय्यु (क) क्रि. — ले जा, उठा ले जा, ढो।
ವಯಸು वयसु, ವಯಸ್ಸು वयस्सु (सम्) सं.—वय, उम्र, आयु।
ವಯಸ್ಯ वयस्य (सम्) सं.—समवयस्क, सहयोगी, मित्र।
ವಯ್ಯಾರ वय्यार (तद्) सं.-ಒಯ್ಯಾರ ओयार—नाज़, नखरा, सुंदर चाल या वेश-भूषा।
ವರ वर (सम्) सं.— चुनाव, पसंदगी; व दान, आशीर्वाद, भेंट; पुरस्कार; याचना, विनय; दूल्हा, वर; दामाद; गौरया पक्षी; लंपट आदमी, केसर। वि.— श्रेष्ठ, उत्तम, सर्वोत्तम, बेहतर।
ವರಕು वरकु (अ. दे.) सं.—वरक़।
ವರದಕ್ಷಿಣೆ वरदक्षिणे (सम्) सं.—दहेज़।
ವರದಿ वरदि (तद्) सं.—वार्ता (तत्); समाचार, रिपोर्ट।
ವರಯಿತ वरयित, ವರಯಿತೃ वरयितृ (सम्) सं.—वर, दूल्हा; प्रेमी, पति।
ವರಸಾಮ್ಯ वरसाम्य (सम्) सं. — वर और वधू का ठीक जोड़ा।
(१) ವರಸೆ वरसे, ವರಿಸೆ वरिसे (क) सं.—पंक्ति, कतार, श्रेणी, जाति; नस्ल।
(२) ವರಸೆ वरसे (तद्) सं.—बारी, दफ़ा।
ವರಾಟಕ वराटक (सम्) सं.—कौड़ी; रस्सी, डोरी; कमलगट्टा।
ವರಾಹ वराह (सम्) सं. — सुअर, शूकर; विष्णु का वराह अवतार।
ವರಾಳಿ वराळि (क ?) सं.—एक राग का नाम।

ವರಿ वरि, ವರಿವು वरिवु (क) सं.—सीमा, हद।
ವರಿಷ್ಠ वरिष्ठ (सम्) वि.—सर्वोत्तम, सब से बड़ा, सब से विस्तृत, सब से भारी।
ವರುಣ वरुण (सम्) सं.—जलदेवता वरुण।
ವರುಷ वरुष, ವರುಸ वरुस (तद्) सं—वर्ष, साल।
ವರೂಥ वरूथ (सम्) सं. —लोहे की चद्दर या आवरण; बख़्तर, कवच: ढाल; समूह, समुदाय।
ವರೂಥಿನಿ वरूथिनि (सम्) सं. — समूह; सेना।
ವರೇಣ್ಯ वरेण्य (सम्) वि.—सर्वोत्तम, श्रेष्ठ, मुख्य।
ವರ್ಕರ वर्कर (सम्) सं.—मेंमना; पालतू जानवरों का बच्चा।
ವರ್ಗ वर्ग (सम्) सं.—श्रेणी, विभाग, कक्षा, जमात, जाति, समुदाय; दल, टोली, पक्ष; ग्रन्थविभाग, प्रकरण, अध्याय, परिच्छेद; दो समान अंकों या राशियों का गुणनफल; शक्ति, ताकत।
ವರ್ಚಸ್ वर्चस्, ವರ್ಚಸು वर्चसु (सम्) सं.—तेज, कांति, दीप्ति, प्रभाव।
ವರ್ಜನ वर्जन (सम्) सं.—त्याग, मनाई; वैराग्य; हिंसा, मारण।
ವರ್ಣ वर्ण (सम्) सं.—रंग; रूपरंग; सौंदर्य; श्रेणी, जाति, किस्म; अक्षर, स्वर; कीर्ति, महिमा; प्रशंसा, स्तुति। चार वर्ण—ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र; सोना; केसर; तप, तपस्या; पुष्पहार; इन्द्रिय; मोक्ष, कैवल्य; कलिका, कली।
ವರ್ಣನೆ वर्णने (सम्) सं. — वर्णना, वर्णन, बखान।
ವರ್ತಕ वर्तक (सम्) सं. — व्यापारी, सौदागर; घोड़े का खुर; फूल, काँसा।
ವರ್ತನೆ वर्तने (सम्) सं.—प्रवृत्ति, वृत्ति, प्रवर्तन, स्वभाव, रंग-ढंग।
ವರ್ತಮಾನ वर्तमान (सम्) सं. — वर्तमान काल। वि.—विद्यमान, मौजूद।
ವರ್ತಿ वर्ति (सम्) सं. — दीपक की बत्ती; जादू का दीपक; बर्तन के चारों ओर बाहर निकला हुआ किनारा; धारी, रेख; एक लेपन।

ವರ್ತಿಕೆ वर्तिके (सम्) सं.—बत्ती; चितेरे की कूँची; रंग, रोगन; तीतर, बटेर।
ವರ್ತಿಸು वर्तिसु (सम्) क्रि.—लग, लागू हो; हो, संभव हो, घूम, आचरण कर; चिपक, लिपट।
ವರ್ತುಲ वर्तुल (सम्) सं.—गोलाकार, गोल।
ವರ್ಧಂತಿ वर्धंति (सम्) सं — जन्म-दिनोत्सव, सालगिरह, वर्षगांठ।
ವರ್ಧಿಷ್ಣು वर्धिष्णु (सम्) वि. — बढ़नेवाला, अभिवृद्ध होनेवाला।
ವರ್ಮ वर्म (सम्) सं. — कवच, बख़्तर; छाल; गूदा; मर्म।
ವರ್ಷ वर्ष (सम्) सं. — वर्ष, साल; वर्षा, वृष्टि; दिन; सात द्वीपों का एक विभाग।
ವರ್ಷಾ ಋತು वर्षा ऋतु, ವರ್ಷಾಕಾಲ वर्षाकाल (सम्) सं. — बरसात का मौसम, पावस।
ವಲ वल, ವಲಂ वलं (सम्) अ. — सचमुच, अवश्य, ज़रूर।
ವಲಕ್ಷ वलक्ष (सम्) सं.—सफ़ेद रंग।
ವಲಭಿ वलभि (सम्) सं.—ढलुवा छत, छत।
ವಲಯ वलय, ವಳಯ वळय (सम्) सं.—चूड़ी, कंगन, कंकण, छल्ला; घेरा।
ವಲಸೆ वलसे (क) सं.—स्तानांतरीकरण।
ವಲಿಯ वलिय (क) सं.—भरतपक्षी, भरद्वाज पक्षी।
ವಲಿಸೆ वलिसे (क) सं.—दे. ವಲಸೆ.
ವಲ್ಕ वल्क (सम्) सं. — पेड़ की छाल; मछली के शरीर का आवरण या पपड़ी।
ವಲ್ಕಲ वल्कल (सम्) सं.—पेड़ की छाल का वस्त्र।
ವಲ್ಗು वल्गु (सम्) वि. — प्यारा, मनोहर, सुंदर।
ವಲ್ಗುಲ वल्गुल (सम्) सं.—सियार, गीदड़।
ವಲ್ಗೆ वल्गे (सम्) सं.—लगाम, रास।
ವಲ್ಮೀಕ वल्मीक (सम्) सं.—विमौट, दीमकों का बनाया हुआ मिट्टी का ढेर।

ವಲ್ಲಕಿ वल्लकि (सम्) सं.—वीणा।
ವಲ್ಲಭ वल्लभ (सम्) सं.—प्रेमी, पति, प्रेम-पात्र; अध्यक्ष, पर्यवेक्षक; प्रधान ग्वाला या गोप।
ವಲ್ಲಭೆ वल्लभे (सम्) सं.—प्रेमिका, प्यारी, पत्नी।
ವಲ್ಲಯಿಸು वल्लयिसु (क) क्रि.—पीछे हट, चले जा।
ವಲ್ಲರಿ वल्लरि (सम्) सं.—लता, बेल; मंजरी।
ವಲ್ಲವ वल्लव (सम्) सं.—रसोइया।
ವಲ್ಲಿ वल्लि (सम्) सं.—लता, बेल।
ವಲ್ಲೂರ वल्लूर (सम्) सं.—सूखी मछली: लतामंडप; मंजरी; रेगिस्तान, वीरान; जंगल।
ವಶ वश (सम्) वि.—अधीन, काबू में किया हुआ। सं.—शक्ति, प्रभाव, नियन्त्रण, प्रभुत्व; इच्छा, कामना, अभिलाषा।
ವಶೆ वशे (सम्) सं.—स्त्री; पत्नी; गाय; बाँझ गाय; ननद; हथिनी।
ವಸಡಿ वसडि, ವಸಡು वसडु (क) सं.—जबड़ा।
ವಸತಿ वसति (सम्) सं.—निवास स्थान, ठहरने का स्थान, घर; रात; सुविधा, आराम।
ವಸನ वसन (सम्) सं.—वास, रहना; घर; वस्त्र, परिधान।
ವಸಂತ वसंत (सम्) सं.—वसंत ऋतु, चैत्र-वैशाख मास।
ವಸಲೆ वसले (क) सं.—वरुण या तिक्तशाक वृक्ष (The tree crataeva roxburghii)।
ವಸಾರೆ वसारे (क) सं.—बरामदा, बैठकखाना।
ವಸು वसु (सम्) सं.—धन-दौलत; रत्न, जवाहर सवर्ण: जल; पदार्थ, वस्तु; लवण विशेष; एक जड़ी विशेष; अग्नि; एक श्रेणी के देवता; अष्ट वसु (ऐश्वर्य); आठ की संख्या; वस्त्र; कानन; अरण्य; सामीप्य; लगाम, रास; बागडोर; किरण; सूर्य; एक वृक्ष (The tree Sesbana gandiflora)।
ವಸೂಲು वसूलु (अ. दे.) सं.—वसूल (अरबी; प्राप्ति, उपलब्धि; लगान, भूमि-कर।
ವಸ್ತಿ वस्ति (क) सं.—गीलापन, आर्द्रता (वर्षा के बाद)।
ವಸ್ತು वस्तु (सम्) सं.—पदार्थ, चीज़ सारवान; वस्तु वास्तविक संपत्ति, धन-दौलत; किसी नाटक या उपन्यास का कथानक; खाका, ढाँचा।
ವಸ್ತ್ರ वस्त्र (सम्) सं.—कपड़ा; रूमाल।
ವಸ್ನ वस्न (सम्) सं.—भाड़ा, मज़दूरी। (तद्) सं—वसन, कपड़ा।
ವಹನ वहन (सम्) सं.—ले जाना, पहुँचना; बहाव; सवारी; नाव, बेड़ा।
ವಹನೆ वहने (सम्) सं.—नदी, झरना।
ವಹಿಸು वहिसु (सम्) क्रि.—उठा, वहन कर, ढो, ले जा, स्वीकार कर; ज़िम्मेदारी ले; उपयोग कर।
ವಹ್ನಿ वह्नि (सम्) सं.—आग, अग्नि।
ವಳಯ वळय, ವಳೆಯ वळेय (तद्) सं.—दे. ವಲಯ.
ವಾಂಛಲ್ಯ वांछल्य (तद्) सं.—वात्सल्य (तत्); स्नेह, प्रीति।
ವಾಂಛಿತ वांछित (सम्) वि.—चाहा हुआ, अभिलषित, इच्छित।
ವಾಂಛೆ वांछे (सम्) सं.—वांछा, अभिलाषा, चाह।
ವಾಂತಿ वांति (क) सं—वमन, कै।
ವಾಂಶಿಕ वांशिक सम्) सं.—बांस काटनेवाला; बंसी बजानेवाला।
ವಾಂಶ್ಯ वांश्य (सम्) वि.—बाँस का बना हुआ।
ವಾಕರಿಕೆ वाकरिके (क) सं.—कै, वमन
ವಾಕ್ಕು वाक्कु (तद्) सं.—वाक्, वाणी, बात।
ವಾಕ್ಯ वाक्य (सम्) सं.—भाषण, शब्द, वाक्य, कथन; आदेश, आज्ञा।
ವಾಗೀಶ वागीश (सम्) सं.—बृहस्पति; ब्रह्मा; एक व्यक्ति का नाम; वह जिसका भाषा पर अधिकार हो।
ವಾಗ್ದೇವಿ वाग्देवि, ವಾಗ್ದೇವತೆ वाग्देवते (सम्) सं.—सरस्वती।
ವಾಗ್ಮಿ वाग्मि (सम्) सं.—वाक्पटुता, वागमिता, वक्ता, वाग्मी।
ವಾಙ್ಮಯ वाङ्मय (सम्) सं.—भाषा, वाणी, वाक्पटुता; अलंकार शास्त्र।
ವಾಚಂಯಮ वाचंयम (सम्) सं.—मौन रहनेवाला, मुनि।
ವಾಚಕ वाचक (सम्) सं.—बतानेवाला, कहनेवाला, व्याख्याता।
ವಾಚನೆ वाचने (सम्) सं.—वाचन, पढ़ना, पाठ; कथन, घोषणा।
ವಾಚಸ್ಪತಿ वाचस्पति (सम्) सं.—बृहस्पति।
ವಾಚಿಸು वाचिसु (सम्) क्रि.—पढ़, वाचन कर; बोल, कह।
ವಾಚ್ಯ वाच्य (सम्) वि.—कहने योग्य; अभिधेय; तिरस्करणीय। सं.—व्याकरण में वाच्य।
ವಾಜಿ वाजि (सम्) सं.—घोड़ा, अश्व; बाण, तीर; पक्षी।
ವಾಟ वाट (क) सं.—भूमि, छत्त आदि का ढलुवा होना।
ವಾಟೆ वाटे (क) सं.—गुठली, आम की गुठली।
ವಾಡವ वाडव (सम्) सं.—बड़वानल।
ವಾಡಿಕೆ वाडिके (क) सं.—रूढ़ि, पद्धति, रिवाज़।
ವಾಣಿ वाणि (सम्) सं.—बात, वचन, भाषा; सरस्वती।
ವಾಣಿಗ वाणिग (क) सं.—धूर्त, शठ, दुष्ट।
ವಾಣಿಜ वाणिज (सम्) सं.—व्यापारी, बनिया।
ವಾಣಿಜ್ಯ वाणिज्य (सम्) सं—व्यापार, सौदागरी।
ವಾತ वात (सम्) सं.—पवन, हवा, वायु देवता; शरीरस्थ वात; गठिया।
ವಾತ್ಸಲ್ಯ वात्सल्य (सम्) सं.—वात्सल्य, छोटों के प्रति प्रेम-भाव।
(१) ವಾದ वाद (क) सं.—गड्ढा, हाथी को पकड़ने के लिए बनाया गया गड्ढा।
(२) ವಾದ वाद (सम्) सं.—बातचीत, कथन; वादन, बजाना; शास्त्रार्थ, वादविवाद, बहस; टीका, व्याख्या भाष्य।
ವಾದಿ वादि (सम्) सं.—बोलनेवाला, झगड़ने-

वाला : वक्ता ; वादी, मुद्दई ; भाष्यकार, शिक्षक ।

ವಾದ್ಯ वाद्य (सम्) सं.—बजाने की ध्वनि ।

ವಾನಪ್ರಸ್ಥ वानप्रस्थ (सम्) सं. — चार आश्रमों में तीसरा ; महुए का पेड़ ; पलाश वृक्ष ।

ವಾನರ वानर (सम्) सं.—बंदर ।

ವಾನೇಯ वानेय (सम्) सं.—कैवर्त मुस्तक ।

ವಾಪನ वापन (सम्) सं.—बुवाई ; मुडन ।

ವಾಮ वाम (सम्) वि.—बायाँ ; उलटा ; बुरा, दुष्ट ; सुन्दर, मनोहर ।

ವಾಮನ वामन (सम्) सं.—बौना या नाटा आदमी ; विष्णु का एक अवतार ; दक्षिण दिग्गज का नाम ; अंकोट वृक्ष ; एक आचार्य का नाम ।

ವಾಮೆ वामे (क) सं.—तृणसंहति, घास का ढेर ।

ವಾಯನ वायन (सम्) सं.—देवता के लिए मिष्टान्न का नैवेद्य ; ब्राह्मण को व्रतादि के समय दिया जानेवाला उपहार (नारियल, चांवल आदि) । ಬಾಗಿನ बागिन—तद् ।

ವಾಯಿದೆ वायिदे (अ. दे) सं.—प्रतिज्ञा, प्रण ; निश्चित समय, अवधि ; किश्त ।

ವಾಯು वायु (सम्) सं.—हवा, पवन ; पवन-देव ; शरीरस्थ पांच प्रकार की वायु (प्राण, अपान, समान, व्यान और उदान); आकाश, अंतरिक्ष ।

(१) ವಾರ वार (क) वि. — ढलुवा; ढालू । सं.—हिस्सा, भाग, किसानों से भू स्वामी को मिलनेवाला अनाज का हिस्सा ।

(२) ವಾರ वार (सम्) सं.—दिन ; ढकना ; बड़ी संख्या ; समुदाय, ढेर ; बारी, दफ़ा ; अवसर ; नदी के सामने का तट ; द्वार, फाटक ; पूँछ ।

ವಾರಗಿತ್ತಿ वारगित्ति (क) सं. = ಓರಗಿತ್ತಿ ओरगित्ति—जेठानी या देवरानी ।

ವಾರಣ वारण (सम्) सं. — हाथी ; कवच ; रोक, रुकावट, संयम ; अड़चन ; बचाव, रक्षा ।

ವಾರಸುದಾರ वारसुदार (अ. दे.) सं.—वारिस (अरबी) ; उत्तराधिकारी ।

ವಾರಾಂಗನೆ वारांगने, ವಾರಸ್ತ್ರೀ वारस्त्री (सम्) सं.—वेश्या ।

ವಾರಿ वारि (सम्) सं.—जल, पानी ; हाथी को बांधने की रस्सी या जंज़ीर ; हाथी को पकड़ने के लिए बनाया जानेवाला गड्ढा ; कैदी, बन्दी, एक औषध ।

ವಾರಿಸು वारिस (सम्) क्रि.—दूर कर, हटा; रोक, अवरोध कर ।

ವಾರುಣಿ वारुणि (सम्) सं.—पश्चिम दिशा ; मदिरा, शराब ; दूर्वा ।

ವಾರೆ वारे (क) सं.—दे. ವಾರ (१) ।

ವಾರ್ತಾ वार्ता, ವಾರ್ತೆ वार्ते (सम्) सं.—समाचार, खबर, संवाद ; बैंगन का पौधा ; आजीविका, धंधा ।

ವಾರ್ಧಕ್ಯ वार्धक्य, ವಾರ್ಧಿಕ್ಯ वार्धिक्य (सम्) सं.—बुढ़ापा ।

ವಾಲಗ वालग (क) सं.—राजसभा, दरबार ।

ವಾಲಧಿ वालधि (सम्) सं.—लांगूल ।

ವಾಲು वालु (क) क्रि.—ढालू हो, झुक ।

ವಾವಿಲಿ वाविलि (क) सं.—सिंधुवार वृक्ष ।

ವಾಸ वास (सम्) सं.—निवास, रहना, घर, जगह, स्थान ; परिधान, पोशाक ।

ವಾಸನೆ वासने (सम्) सं.—वास; गंध, बू ; सुगंध ।

ವಾಸವ वासव (सम्) सं.—इन्द्र ।

ವಾಸಿ वासि (तद्) सं.—('वाचा' से) प्रण, प्रतिज्ञा, शपथ, वचन ; अच्छी स्थिति ; श्रेष्ठता, उत्तमता ।

ವಾಸಿಸು वासिसु (सम्) क्रि. — रह, निवास कर ; सूँघ, गन्ध ले ।

ವಾಸ್ತವ वास्तव (सम्) वि.—सच, निश्चित, निर्दिष्ट ।

ವಾಹನ वाहन (सम्) सं.—वाहन, सवारी ; रथ, गाड़ी ।

ವಾಹಿನಿ वाहिनि, ವಾಹಿನೀ वाहिनी (सम्) सं. —नदी ; सेना ; सेना का भाग — ८१ हाथी, ८१ रथ, २४३ घोड़े और, ४०५ पदाति ।

ವಿಂಗಡ विंगड (तद्) सं.—('विघटनं' से) भाग, विभाग, टुकड़ा, खड़ा ।

ವಿಂಜು विंजु (क) सं.—खंजन पक्षी ।

ವಿಂಧ್ಯಾಚಲ विंध्याचल (सम्) सं. —विंध्य पर्वत ।

ವಿಕಚ विकच (सम्) वि.—केशहीन ; बिखरा हुआ ; गंजा ।

ವಿಕಟ विकट (सम्) वि. — बड़ा, भयंकर ; कुरूप, उग्र, जंगली ।

ವಿಕಲತೆ विकलते, ವಿಕಲತ್ವ विकलत्व (सम्) सं.—विकलता, व्याकुलता, चिंता ; दुःख ।

ವಿಕಲಾಂಗ विकलांग (सम्) सं. — खण्डित अंगवाला, न्यूनांग, अंगहीन ।

ವಿಕಲ್ಪ विकल्प (सम्) सं.—वैकल्पिक विषय या बात ; संदेह, संकोच, अनिश्चय ; हिचकिचाहट ; ग़लती ; भ्रम ; भोलापन ; अविश्वास ; बुरा विचार ।

ವಿಕಾರ विकार (सम्) सं.—विकृति, कुरूप, भद्दा रूप ; परिवर्तन ; बीमारी, रोग ; मनपरिवर्तन ।

ವಿಕೀರ್ಣ विकीर्ण (सम्) वि. —फैला हुआ, व्याप्त ।

ವಿಕೃತ विकृत (सम्) वि.—परिवर्तित, बदला हुआ ; बीमार ; भग्न, कुरूप, खंडित ।

ವಿಕ್ರಮ विक्रम (सम्) सं.—वीरता, पराक्रम ; पग ; चलना ; एक संवत्सर का नाम ।

ವಿಕ್ರಮಾರ್ಜುನವಿಜಯ विक्रमार्जुनविजय (सम्) सं.—महाकवि पंप के महाकाव्य का नाम । इसको 'पंप भारत' भी कहते हैं ।

ವಿಕ್ಷೇಪ विक्षेप (सम्) सं.—घबराहट, बेचैनी, विकलता ; भय, डर ; इधर-उधर हिलना-डुलना ; कटाक्ष ।

ವಿಖ್ಯಾತ विख्यात (सम्) वि. — प्रसिद्ध, ख्यातिप्राप्त ; मान्य ।

ವಿಗರ್ಹಣ विगर्हण (सम्) सं. — धिक्कार ; भर्त्सना, फटकार ।

ವಿಗುರ್ಬಣೆ विगुर्बणे (क) सं· — भयंकर या आश्चर्यजनक वस्तु ।

ವಿಗ್ರಹ विग्रह (सम्) सं.—फैलाव ; आकार, मूर्ति ; देह, शरीर ; शब्द को अलग करना ; झगड़ा, कलह ; समर ; अंश, भाग ।

ವಿಘಾತ विघात (सम्) सं.—मारना ; वध ; नाश· रोक, बचाव ; अड़चन, अटकाव ; प्रहार, चोट ।

ವಿಘ್ನ विघ्न (सम्) सं· — अड़चन, बाधा, व्याघात ; विरोध ; संकट ।—ರಾಜ राज = विनायक, गणेशजी ।

ವಿಚಾರ विचार (सम्) सं.—विचार, भावना, ख्याल ; संदेह, शक· हिचकिचाहट ; जाँच, परीक्षा, अनुसंधान ; निर्णय, फैसला ; निश्चय, संकल्प ; सतर्कता, सावधानी ।

ವಿಚಿತ್ರ विचित्र (सम्) वि.—सुंदर, मनोहर ; आश्चर्यकर । सं.—कन्नड के एक छंद का नाम ।

ವಿಜಯ विजय (सम्) सं. — जय, जीत ; अर्जुन का नाम ; विष्णु के द्वारपाल का नाम ; एक संवत्सर का नाम ।

ವಿಜಾತಿ विजाति (सम्) सं.—भिन्न या दूसरी जाति ; जातिहीन ; नीच जाति का आदमी ।

ವಿಜಾತೆ विजाते (सम्) सं·—संतानवती स्त्री, माता ।

ವಿಜಗೀಷು विजगीषु (सम्) वि·—विजयाभिलाषी ।

ವಿಜೃಂಭಿಸು विजृंभिसु (सम्) क्रि.—जंभाई ले ; प्रस्फुटित हो, खिल ; फैल ; आमोद-प्रमोद कर ।

ವಿಜ್ಞಪ್ತಿ विज्ञप्ति, ವಿಜ್ಞಾಪನ विज्ञापन, ವಿಜ್ಞಾಪನೆ विज्ञापने (सम्) सं·—विनय, प्रार्थना, विनती ।

ವಿಟ विट (सम्) सं—जार ; कामुक, लंपट ; विट पुरुष ; धूर्त ।

ವಿಟಪ विटप (सम्) सं·—वृक्ष या लता की शाखा, डाल ; झाड़ी ; छतनार वृक्ष ; अंकुर, कोंपल ; सघन वृक्षों का झुरमुट ।

ವಿಟಪಿ विटपि (सम्) सं.—पेड़, वृक्ष ; वट-वृक्ष ।

ವಿಡಕ विडक (तद्) सं.—टोकरी ।

ವಿಡಂಬ विडंब, ವಿಡಂಬನ विडंबन, ವಿಡಂಬರ विडंबर (सम्) सं· — नक़ल, अनुकरण, अनुकरण करके चिढ़ाना या अपमान करना ; कपट, वंचना ; चिढ़ाना ; मज़ाक, उपाहास ; पीड़न ।

ವಿಡಾಯ विडाय, ವಿಡಾಯಿ विडायि (अ· दे·) सं·—बड़प्पन, महानता ।

ವಿಡೂರ विडूर, ವಿಡ್ಡೂರ विड्डूर (क) सं.—विकलता, उपद्रव, कष्ट ।

ವಿತಂಡವಾದ वितंडवाद (सम्) सं.—व्यर्थ का वाद या चर्चा ।

ವಿತಂತು वितंतु (सम्) सं.—विधवा ; अच्छा घोड़ा ।

ವಿತರಣ वितरण (सम्) सं·—वितरण, बाँटना; अर्पण ; उदारता ।

ವಿತರ್ಕ वितर्क (सम्) सं.—अनुमान, कल्पना ; विचार, विवाद ; संदेह ।

ವಿತಾನ वितान (सम्) सं·—फैलाव· आधिक्य, वृद्धि ; राशि, ढेर ; मख, यज्ञ ; चँदोवा, शामियाना ; यज्ञीय कुंड या वेदी ; अवसर, मौका ; फ़ुरसत ; शीघ्रता । वि· — शून्य, खाली ; मूर्ख, मूढ ।

ವಿತ್ತ वित्त (सम्) सं.—धन, पैसा, संपत्ति ; वस्तु ।

ವಿದಗ್ಧ विदग्ध (सम्) वि· — जला हुआ ; पकाया हुआ ; हजम किया हुआ, जीर्ण ; नष्ट किया हुआ, सड़ा हुआ; चतुर, चालाक ।

ವಿದ್ಯಾ विद्या, ವಿದ್ಯೆ विद्ये (सम्) सं.—विद्या, शिक्षा, ज्ञान, विद्वत्ता ।

ವಿದ್ಯುಲ್ಲತೆ विद्युल्लते (सम्) सं.—बिजली ।

ವಿದ್ರವ विद्रव (सम्) सं·—पलायन, झगड़ा ; भय, डर ; बहाव ; पिघलन ।

ವಿದ್ವತ್ತು विद्वत्तु (सम्) सं· — विद्वत्ता, पाण्डित्य ।

ವಿದ್ವಾಂಸ विद्वांस (सम्) सं.-विद्वान्, पंडित ।

ವಿಧವೆ विधवे ವೈಧವೆ वैधवे (तद्) सं. — विधवा स्त्री ।

ವಿಧಾತ विधात, ವಿಧಾತೃ विधातृ (सम्) सं.—सृष्टिकर्ता ; ब्रह्मा ।

ವಿಧಾನ विधान (सम्) सं· — ढंग, तरीक़ा, पद्धति ; विन्यास ; अनुष्ठान ; तंत्र, उपाय ।

ವಿಧಿ विधि (सम्) सं·-विधि, भाग्य, किस्मत ; प्रणाली, ढंग नियम ; आज्ञा ; विष्णु ; श्रेष्ठ व्यक्ति, विद्वान् ; वैद्य ; समय, काल ; विध्यर्थ (Imperative) ; कवि ; ब्रह्मा, सृष्टिकर्ता ।

ವಿಧಿಸು विधिसु (सम्) क्रि· — आज्ञा दे ; निश्चय कर, निर्णय कर, लगा ।

ವಿಧೇಯತೆ विधेयते, ವಿಧೇಯತ್ವ विधेयत्व (सम्) सं·—आज्ञाकारिता, विनयशीलता, विनम्रता । ವಿಧೇಯ विधेय = विनम्र ।

ವಿಧ್ವಂಸ विध्वंस (सम्) सं.—नाश, बरबादी ; मरण ; वैर, शत्रुता ; तिरस्कार, अनादर ।

ವಿನತ विनत ವಿನಮ್ರ विनम्र (सम्) वि· — झुका हुआ, नवा हुआ ; टेढ़ा ।

ವಿನಯ विनय (सम्) सं· — नम्रता, भद्रता, भद्र आचरण ; आज्ञाकारिता ।

ವಿನಹಾ विनहा (तद्)—ವಿನಾ विना (सम्) अ·— अतिरिक्त, सिवा, बगैर, अभाव में ।

ವಿನಾಶ विनाश (सम्) सं.—नाश, बरबादी ।

ವಿನಿಂದಿತ विनिंदित (सम्) सं.—निंदित, ग़ाली पाया हुआ ; निंदारहित ।

ವಿನಿಮಯ विनिमय (सम्) सं·—अदलबदल ; गिरवी, बंधक ।

ವಿನಿಯೋಗಿಸು विनियोगिसु (सम्) क्रि·— लगा; किसी कार्य के लिए नियुक्त कर, त्याग कर ।

ವಿನೀತ विनीत (सम्) वि.— विनम्र, भद्र, सदाचारी ।

ವಿನೋದ विनोद (सम्) सं· — मनोरंजन, आमोद-प्रमोद, खेल· क्रीड़ा ; हटाना· दूर करना ; उत्सुकता, उत्कंठा ।

ವಿನ್ಯಾಸ विन्यास (सम्) सं·—स्थापन ; सजावट, धरोहर ; संग्रह, समूह ।

ವಿಪಕ್ಷಿ विपक्षि (सम्) सं·—प्रतिपक्षी ; शत्रु ।

ವಿಪಣಿ विपणि (सम्) सं· — बाजार, हाट, दूकान ।

ವಿಪನ್ನ विपन्न (सम्) वि.—मृत, नष्ट, खोया हुआ ; अभागा, बदकिस्मत ।

ವಿಪರೀತ विपरीत (सम्) वि.—बहुत, अधिक, असंख्य, असामान्य ।

ವಿಪಾಕ विपाक (सम्) सं.—परिपक्व होना ; पचन ; फल, परिणाम ; कर्म का फल ।

ವಿಪತ್ತು विपत्तु ((तद्) सं.—विपदा, विपत्ति, संकट, कष्ट, दुःख ।

ವಿಪ್ರ विप्र (सम्) सं.—ब्राह्मण ; कवि ; ऋषि; किरण ; कुश, दर्भा ।

ವಿಪ್ರಲಂಭ विप्रलंभ (सम्) सं. — वियोग, बिछोह ; प्रेमियों का वियोग ; शृंगार रस का भेद ; झगड़ा, विवाद ।

ವಿಪ್ಲವ विप्लव (सम्) सं.—उपद्रव, हंगामा, नाश, बरबादी ; विपत्ति ।

ವಿಭಕ್ತಿ विभक्ति (सम्) सं.— खण्ड, अंश ; व्याकरण में विभक्ति प्रत्यय ।

ವಿಭಜಿಸು विभजिसु (सम्) क्रि.—खण्ड कर, टुकड़े कर, विभाग कर ।

ವಿಭಾಕರ विभाकर (सम्) सं.—सूर्य ।

ವಿಭಾಗ विभाग (सम्) सं.— विभाग, अंश, हिस्सा, खण्ड ।

ವಿಭಾಷೆ विभाषे (सम्) सं.—दूसरी भाषा ; विकल्प ।

ವಿಭು विभु (सम्) सं.—स्वामी, प्रभु, ब्रह्मा, विष्णु, शिव ।

ವಿಭೂತಿ विभूति (सम्) सं.—धन; संपत्ति, ऐश्वर्य ; राख, भस्म ।

ವಿಮರ್ಶಕ विमर्शक (सम्) सं. — आलोचक, समीक्षक ।

ವಿಮಲತ್ವ विमलत्व (सम्) सं. — निर्मलता, शुद्धता ।

ವಿಮುಕ್ತ विमुक्त (सम्) वि. — मुक्त, छुटा हुआ, त्याग हुआ, त्यक्त ।

ವಿಮುಖ विमुख (सम्) वि.—जिसने अपना मुख फेर लिया हो, अमनस्क ; विरुद्ध ।

ವಿಮೋಚಿಸು विमोचिसु (सम्) सं.—विमोचन, कर, बंधन से मुक्त कर, छुटकारा दे ।

ವಿಯಚ್ಚರ वियच्चर (सम्) सं. — पक्षी ; बंदर ; गंधर्व ।

ವಿಯುಕ್ತ वियुक्त, ವಿಯುತ वियुत (सम्) वि. —अलग, पृथक, छोड़ा हुआ, रहित, हीना ।

ವಿಯೋಗ वियोग (सम्) सं.—वियोग, बिछोह, विरह ।

ವಿರಕ್ತಿ विरक्ति (सम्) सं. — वैराग्य, उदासीनता, विमुखता ; अप्रसन्नता ।

ವಿರಲ विरल, ವಿರಳ विरळ (सम्) वि.—विरल, दुर्लभ ; थोड़ा, कम ।

ವಿರಹಿ विरहि (सम्) सं.—वियोग सहनेवाला पुरुष । ವಿರಹಿಣಿ विरहिणि—स्त्री. लिं. ।

ವಿರಾಗ विराग (सम्) सं.—वैराग्य, उदासीनता, आकांक्षाहीनता ।

ವಿರಾಮ विराम (सम्) सं.—रोकना, थामना; अंत, समाप्ति; ठहराव ; छंद में यति ; फुरसत; अवकाश ।

ವಿರೋಚನ विरोचन (सम्) सं. — सूर्य ; चंद्रमा ; अनल, अग्नि ; बलि के पिता का नाम, एक राक्षस ; बालक ।

ವಿರೋಧ विरोध (सम्) सं. — विपरीतभाव, शत्रुता, वैर, झगड़ा, विवाद ।

ವಿಲಕ್ಷಣ विलक्षण (सम्) वि. — अद्भुत, अनोखा ; लक्षणहीन ; भिन्न ।

ವಿಲಂಬಿ विलंबि (सम्) सं.—एक संवत्सर का नाम ।

ವಿಲಸಿತ विलसित (सम्) वि.—चमकदार, प्रकाशमान, सुन्दर, मनोज्ञ; प्रकट, प्रादुर्भूत ।

ವಿಲಾಪ विलाप (सम्) सं. — विलाप, रुदन, क्रंदन ।

ವಿಲಾಯತಿ विलायति (अ. दे.) वि.-विलायती, विलयत से संबंधित ; विलायत ।

ವಿಲಾಸ विलास (सम्) सं. — क्रीड़ा ; खेल, अमोद-प्रमोद, आह्लाद, सुखभोग ; मनोरंजन ; हाव-भाव, नाज़-नखरा ; सौंदर्य ।

ವಿಲೀನ विलीन (सम्) वि.—लगा हुआ, सटा हुआ, बैठा हुआ, डूबा हुआ; छिपा हुआ ।

ವಿಲೇಪನ विलेपन (सम्) सं.—अंगराग, लेप, शरीर पर लगाने का सुगंध द्रव्य ।

ವಿಲೋಕನ विलोकन (सम्) सं. —देखना, अवलोकन, चितवन ।

ವಿಲೋಚನ विलोचन (सम्) सं. — आँख, नयन, नेत्र ; सूर्य ।

ವಿಲೋಮ विलोम (सम्) सं.—विपरीत क्रम, उल्टी रीति ।

ವಿಲೋಲ विलोल (सम्) वि.— हिलने-डुलनेवाला, काँपनेवाला, चंचल ।

ವಿವಕ್ಷಿಸು विवक्षिसु (सम्) क्रि. — कहने या बोलने की इच्छा रख ; इच्छा कर ।

ವಿವಧ विवध (सम्) सं.—जुआठा ।

ವಿವರಣೆ विवरणे (सम्) सं.—विवरण, ब्यौरा, प्रकटन, प्रकाशन ।

ವಿವರ್ಣಿಸು विवर्णिसु (सम्) क्रि.—वर्णन कर, बखान कर ।

ವಿವಾಕ विवाक (सम्) सं.-जज, न्यायाधीश ।

ವಿವಾದ विवाद (सम्) सं. —झगड़ा, कलह, प्रतिवाद ; मुकद्दमा ।

ವಿವಾಹ विवाह (सम्) सं.—शादी, परिणय ।

ವಿವಿಕ್ತ विविक्त (सम्) वि. — पृथक किया हुआ ; निर्जन, एकांत ; विवेकी ; पापरहित; विशुद्ध ।

ವಿವೇಕ विवेक (सम्) सं. —सत् असत् का ज्ञान, समझ, बुद्धि, सत्यज्ञान ।

ವಿವೇಚನೆ विवेचने (सम्) सं. — विवेक ; निर्णय, फैसला ।

ವಿಶದೀಕರಿಸು विशदीकरिसु (सम्) क्रि. —स्पष्ट कर, वर्णन कर, विस्तार कर ।

ವಿಶಾಖೆ विशाखे (सम्) सं.—विशाख नक्षत्र ।

ವಿಶಾರದ विशारद (सम्) वि. — बुद्धिमान, चतुर; कुशल, निपुण, पंडित ।

ವಿಶಾಲ विशाल (सम्) वि.—बड़ा, महान्, लंबा-चौड़ा ; प्रशस्त ।

ವಿಶೀರ್ಣ विशीर्ण (सम्) वि. — टूटा-फूटा ; सड़ा हुआ ; मुरझाया हुआ ; गिरा हुआ, पतित ; झुर्रियाँ पड़ा हुआ ।

ವಿಶುದ್ಧ विशुद्ध (सम्) वि.—साफ़, शुद्ध, पवित्र, पापरहित, ईमानदार ।

ವಿಶೇಷ विशेष (सम्) सं.—विशिष्टता, विलक्षणता ; वैचित्र्य ;

ವಿಶೇಷಣ विशेषण (सम्) सं. — व्याकरण में प्रयुक्त विशेषण ; अंतर, भेद ; किस्म, जाति।

ವಿಶೇಷತೆ विशेषते, ವಿಶೇಷತ್ವ विशेषत्व (सम्) सं.—दे. ವಿಶೇಷ.

ವಿಶ್ರಮಿಸು विश्रमिसु (सम्) क्रि — आराम कर, विश्राम ले ।

ವಿಶ್ರುತ विश्रुत (सम्) वि॰—प्रसिद्ध, प्रख्यात ।

ವಿಶ್ಲೇಷ विश्लेष (सम्) सं॰ — अनैक्य, पार्थक्य ; वियोग. शोक ।

ವಿಶ್ವ विश्व (सम्) सं॰ — संसार, समस्त ब्रह्मांड ; विष्णु, शिव, परमात्मा ; गोपुर ; सोंठ ; तेरह की संख्या ; संस्कृत के एक कोश का नाम ।

ವಿಶ್ವಕರ್ಮ विश्वकर्म (सम्) सं॰ — विश्वकर्मा, देवताओं का शिल्प ; सूर्य ; ब्रह्मा ; शिव ; मंत्री ; नक्षत्र ; वायुत्रय ।

ವಿಶ್ವಸನೀಯ विश्वसनीय (सम्) वि॰—विश्वासपात्र ।

ವಿಶ್ವಸ್ತೆ विश्वस्ते (सम्) सं.—विधवा स्त्री ।

ವಿಶ್ವಾಸ विश्वास (सम्) सं॰— प्रेम, प्रीति, स्नेह; विश्वास, उम्मीद ।

ವಿಷ विष (सम्) सं.—ज़हर, विष ; कड़ुवा पदार्थ ; जल, पानी ; मद, पागलपन ।

ವಿಷಮ विषम (सम्) वि.—असम, असमान, अनियमित, अव्यवस्थित ; बहुत कठिन ; रहस्यमय ; अप्रवेश्य ; उग्र, प्रचंड, भीषण ; बुरा, प्रतिकूल ; अजीब ; चालाक ।

ವಿಷಯ विषय (सम्) सं.—विषय ; वस्तु, पदार्थ ; लौकिक आनन्द, भोग ; इंद्रियगोचर वस्तु ; प्रियतम, पति ; वीर्य ; धार्मिक कृत्य ; स्थान, जगह ; देश, राज्य ।

ವಿಷಾಣ विषाण (सम्) सं.—शृंग, सींग ; जानवरों का नोंकदार दाँत ।

ವಿಷ್ಟರ विष्टर (सम्) सं. — आसन ; बैठक ; सिंहासन ; कुश ; वृक्ष ।

ವಿಷ್ಣು विष्णु (सम्) सं॰—परब्रह्म, भगवान्, नारायण ।—ಕ್ರಾಂತಿ क्रांति (सम्) सं.—एक लता जिसके फूल नीले होते हैं ।

ವಿಷ್ವಕ್ಸೇನ विष्वक्सेन (सम्) सं.— विष्णु, कृष्ण ; एक राजा का नाम ।

ವಿಸಂವಾದ विसंवाद (सम्) सं॰—प्रतिज्ञाभङ्ग ; धोखा ; छल ।

ವಿಸರ್ಜನ विसर्जन, ವಿಸರ್ಜನೆ विसर्जने (सम्) सं॰—परित्याग, त्याग, छोड़ना ; दान, भेंट ।

ವಿಸ್ತರ विस्तर. ವಿಸ್ತಾರ विस्तार (सम्) सं.— ಬಿತ್ತರ वित्तर (तद्) — विस्तार, फैलाव, व्याप्ति; बढ़ावा, वृद्धि ; विवरण, ब्यौरा ।

ವಿಸ್ತರಿಸು विस्तरिसु, ವಿಸ್ತಾರಿಸು विस्तारिसु (सम्) क्रि.—विस्तार कर, बढ़ा, विवरण दे. व्याख्या कर ।

ವಿಸ್ಫುರಿಸು विस्फुरिसु (सम्) क्रि. — चमक, प्रकाशित हो, कंपित हो ।

ವಿಸ್ಮಯ विस्मय (सम्) सं.—आश्चर्य ।

ವಿಸ್ಮೃತಿ विस्मृति (सम्) सं. — भूलना, विस्मरण ।

ವಿಹಂಗ विहंग, ವಿಹಗ विहग (सम्) सं.— पक्षी, चिड़िया ।

ವಿಹತಿ विहति (सम्) सं. — प्रहार, चोट ; मारना ।

ವಿಹರಿಸು विहरिसु (सम्) क्रि.—विहार कर, घूम । हटा, ले जा ; चहलकदमी कर ।

ವಿಹಿತ विहित (सम्) वि.—उचित, उपयुक्त, योग्य ; किया हुआ, बनाया हुआ ; अनुष्ठित ।

ವಿಹೀನ विहीन (सम्) वि. — रहित, हीन, बग़ैर, त्यक्त. त्यागा हुआ ।

ವಿಹ್ವಲತೆ विह्वलते (सम्) सं. — विह्वलता, चिंता ।

ವಿಳ್ಳೆ विळ्ळे, ವಿಳ್ಳೆಯ विळ्ळेय (तद्) सं.— वीटि: (तत्) ; पान की बेल, पान ।

ವೀಂಟು वींटु (क) क्रि.—फेंक, दूर हटा ।

ವೀಕ್ಷಿಸು वीक्षिसु (सम्) क्रि.—देख, अवलोकन कर, निहार ।

ವೀಟಿ वीटि, ವೀಟಿಕೆ वीटिके (सम्) सं. — दे. ವಿಳ್ಳೆ.

ವೀಣೆ वीणे (सम्) सं.—वीणा ।

ವೀತರಾಗ वीतराग (सम्) सं. — जितेन्द्रिय साधु ।

ವೀತಿಹೋತ್ರ वीतिहोत्र (सम्) सं. — अग्नि, आग ।

ವೀಥಿ वीथि, ವೀಥಿಕೆ वीथिके (सम्) सं.— श्रेणी, पंक्ति ; रास्ता, मार्ग ।

ವೀರ वीर (सम्) सं.—वीर, बहादुर, पराक्रमी पुरुष ।—ಗಲ್ಲು गल्लु=वीरों की यादगार में स्थापित शिला ।—ತೆ ते, ತ್ವ त्व (सम्) सं.—वीरता, पराक्रम ।

ವೀರಣ वीरण (क) सं.—एक प्रकार का ढोल ।

ವೀರಶೈವ वीरशैव (सम्) सं. — लिंगायत, लिंगायत संप्रदाय ।

ವೀರ್ಯ वीर्य (सम्) सं.—वीरता; पराक्रम ; शक्ति, सामर्थ्य ; साहस, स्फूर्ति ; पुंसत्व, जनन विशेष ।

ವೀಸ वीस (क) वि.-१/८ मन, १/१६ भाग, परिमाण विशेष ।

ವೀಳಯ वीळय, ವೀಳೆ वीळे, ವೀಳೆಯ वीळेय, ವೀಳ್ಯ वीळय, ವೀಳ್ಯಯ वीळयय, ವೀಳ್ಯೆ वीळ्ये (तद्) सं.—पान ।

ವೃಂತ वृंत (सम्) सं.—फल या पत्र का डंठल, वृंत ।

ವೃಂದ वृंद (सम्) सं—गण, समूह, समुदाय, ढेर ।

ವೃಂದಾವನ वृंदावन (सम्) सं. — वृंदावन ; भूमि पर बनाया गया वह चौकोर स्थान जहाँ तुलसी का पौधा लगाया जाता है और रोज़ उसकी पूजा की जाती है ।

ವೃಂದೆ वृंदे. ವೃಂದಾ वृंदा (सम्) सं.—तुलसी का पौधा ।

ವೃಕ वृक (सम्) सं. — भेड़िया ; सियार ; काक, कौआ ।

ವೃಕ್ಷ वृक्ष (सम्) सं. —पेड़, पादप ।

ವೃತ್ತ वृत्त (सम्) सं.—वृत्त, वृत्त का व्यास, गोलाकार ; छंद ; चलन, पद्धति ; कर्तव्य ; अमृत ; शत्रु ; एक राक्षस का नाम ; अंधकार, तिमिर । वि.—घिरा हुआ, ढका हुआ; गया हुआ, विगत ; दृढ़ ।

ವೃತ್ತಾಂತ वृत्तांत (सम्) सं. — समाचार, खबर , रिपोर्ट ; किस्सा, कहानी, आख्यान ; ढंग, विधान, स्थिति ।

ವೃತ್ತಿ वृत्ति (सम्) सं.—वृत्त या पहिये का घेरा ; धन्धा, पेशा, व्यवसाय ; जीविका,

रोज़ी, मज़दूरी ; चालचलन, आचरण ; वाक्य-रचना की शैली ।

ವೃತ್ರಹ वृत्रह ವೃತ್ರಾರಿ वृत्रारि (सम्) सं. —इन्द्र ।

ವೃದ್ಧ वृद्ध (सम्) वि.—बूढ़ा ; बढ़ा हुआ; बड़ा, लंबा ।

ವೃದ್ಧಿ वृद्धि (सम्) सं. — बढ़ती, उन्नति ; समृद्धि, आधिक्य ; जाताशौच ।

ವೃಶ್ಚಿಕ वृश्चिक (सम्) सं. —बिच्छू ; वृश्चिक राशि ; मकर ; केकड़ा ।

ವೃಷ वृष (सम्) सं. — बैल, साँड ; वृष राशि ; किसी जाति या समुदाय में सर्वश्रेष्ठ ; सत्कर्म, पुण्यकर्म ; इन्द्र ; जिन ; मूसा ; एक औषध विशेष ।

ವೃಷಾಂಕ वृषांक (सम्) सं.—शिव ।

ವೃಷ್ಟಿ वृष्टि (सम्) सं.—वर्षा, बरसात ।

ವೆಂಟಣಿಸು वेंटणिसु (म ?) क्रि. — घिर जा ; व्याप्त हो, ढक जा ।

ವೆಕ್ಕಸ वेक्कस (क) सं.—रूक्षता, खुरखुरापन ; कर्कशता, कठोरता, करुणाराहित्य, अप्रसन्न कारक ।

ವೆಗ್ಗಳ वेग्गळ (क) अ.—अधिक, बहुत ।

ವೆಗ್ಗಳಿಕೆ वेग्गळिके (क) सं. — आधिक्य, समृद्धि ।

ವೆಚ್ಚ वेच्च (तद्) सं.—व्यय, खर्च ।

ವೆಟ್ಟೆ वेट्टे (क) अ.—गरम, उष्ण ।

ವೇಗ वेग (सम्) सं.—गति, तेज़ी, रफ़्तार ; प्रवाह, बहाव ; जल्दबाज़ी, शीघ्रता ; प्रेम, अनुराग ; शरीर में से मल, मूत्रादि के निकालने की प्रवृत्ति ।

ವೇಣಿ वेणि, ವೇಣೀ वेणी (सम्) सं. —वेणी, गुथी हुई चोटी ; जलप्रवाह ; एक नदी का नाम ।

ವೇಣು वेणु (सम्) सं. — बाँस ; नरकुल ; मुरली, बाँसुरी ।

ವೇದ वेद (सम्) सं.—वेद, चारों वेद ; ज्ञान; वेदांग ; ब्रह्मा ; सूर्य ।

ವೇದನೆ वेदने (सम्) सं. — वेदना, पीड़ा, दुःख ।

ವೇದಿಕೆ वेदिके (सम्) सं. —वेदिका, चबूतरा, बैठकी ।

ವೇಮ वेम (सम्) सं.—करघा ।

ವೇಶ वेश (सम्) सं. —घर, निवास ; वेश, पोशाक ; वेश्यालय ।

ವೇಶ್ಮ वेश्म (सम्) सं.—घर, भवन ।

ವೇಶ್ಯಾ ಸ್ತ್ರೀ वेश्या स्त्री, ವೇಶ್ಯೆ वेश्ये (सम्) सं. —रंडी, वारांगना ।

ವೇಷ वेष (सम्) सं.—वेश, पोशाक ; अलंकार, सजावट ; कपट, छल, धोखा ।

ವೇಷ್ಟಿತ वेष्टित (सम्) वि. — चारों ओर से घिरा हुआ, अवरुद्ध ।

ವೇಳೆ वेळे (तद्) सं.—वेला, समय ।

ವೈಕಲ್ಯ वैकल्य (सम्) सं.—विकलता, घबड़ाहट ; त्रुटि, न्यूनता, दोष ।

ವೈಕುಂಠ वैकुंठ (सम्) सं.—विष्णु का नाम ; विष्णलोक ; इन्द्र ।—ಯಾತ್ರೆ यात्रे (सम्) सं.—मृत्यु, मरण ।

ವೈಖರಿ वैखरि (सम्) सं.—वाक्शक्ति, ढंग, विधान, शैली ।

ವೈಚಿತ್ರ್ಯ वैचित्र्य (सम्) सं. — विचित्रता, विलक्षणता, अनोखापन ।

ವೈಜಯಂತಿ वैजयंति (सम्) सं. — झंडा, पताका ; मोतियों का हार ।

ವೈಜ್ಞಾನಿಕ वैज्ञानिक (सम्) वि. — चतुर, निपुण ।

ವೈಡೂರ್ಯ वैडूर्य (सम्) सं. — एक रत्न विशेष ।

ವೈತರಣಿ वैतरणि (सम्) सं.—नरक की एक नदी का नाम ।

ವೈದರ್ಭಿ वैदर्भि (सम्) सं. — दमयंती ; रुक्मिणी ; काव्य की एक शैली ।

ವೈದಿಕ वैदिक (सम्) वि.—वेद संबंधी, वेद से निकला हुआ, वेदोक्त ।

ವೈದೀಕ वैदीक (सम्) सं.—श्राद्ध, श्राद्ध दिन ।

ವೈದ್ಯ वैद्य (सम्) सं. — वैद्य, चिकित्सक, डाक्टर ।

ವೈನತೇಯ वैनतेय (सम्) सं.—गरुड ।

ವೈಭವ वैभव (सम्) सं. — संपत्ति, विभव, ऐश्वर्य ; महिमा, महत्व, बड़प्पन ।

ವೈಮನಸ್ಯ वैमनस्य (सम्) सं. — अनबन ; उदासीनता ; शोक, व्याकुलता ।

ವೈರ वैर (सम्) सं.—वीरता ; शत्रुता, वैर ; वैरी, शत्रु ।

ವೈರಾಗಿ वैरागि (सम्) सं.—वैरागी, वीतरागी ।

ವೈರಿ वैरि (सम्) सं.—अरि, शत्रु ।

ವೈವರ್ಣ್ಯ वैवर्ण्य (सम्) सं.—विवर्णता, एक सात्विक अनुभाव, पीलापन ।

ವೈಶಾಖ वैशाख (सम्) सं.—वैशाख मास ।

ವೈಶ್ಯ वैश्य (सम्) सं. — तृतीय वर्ण का मनुष्य ।

ವೈಷ್ಣವ वैष्णव (सम्) वि.— विष्णु से संबंधित । सं.— विष्णुभक्त ।

ವೊಲ್ वोल्, ವೊಲು वोलु (क) अ. — की तरह, की भाँति, के समान, के जैसे ।

ವೋಲ್ वोल् (क) अ.—दे. ವೊಲ್.

ವ್ಯಂಗ್ಯ व्यंग्य (सम्) सं.—परिहास, मज़ाक, ताना, उलाहना, चुटकी ।

ವ್ಯಂಜಕ व्यंजक (सम्) वि. —प्रकट करनेवाला ।

ವ್ಯಂಜನ व्यंजन (सम्) सं. — व्यंजन वर्ण ; हाव-भाव ; संकेत, चिह्न, निशान ; पायस ; मूँछ, दाढ़ी ; मासाला; चटनी आदि ।

ವ್ಯಕ್ತ व्यक्त (सम्) वि. — प्रकटित, स्पष्ट, प्रादुर्भूत, साफ़, वर्णित ।

ವ್ಯಕ್ತಿ व्यक्ति (सम्) सं. —मनुष्य, आदमी ; व्यष्टि ।

ವ್ಯಗ್ರತೆ व्यग्रते (सम्) सं. — व्यग्रता, व्याकुलता, परेशानी ।

ವ್ಯತಿಕ್ರಮ व्यतिक्रम (सम्) सं. — क्रमानुसार उलट-फेर या विपर्यय ; दुर्भाग्य, बदकिस्मत ।

ವ್ಯತಿರೇಕ व्यतिरेक (सम्) सं.—भेद, भिन्नता, अंतर ; एक अलंकार विशेष ।

ವ್ಯತೀತ व्यतीत (सम्) वि.— गया हुआ, विगत, बीता हुआ ।

ವ್ಯತ್ಯಾಸ व्यत्यास (सम्) सं.—अंतर, भेद, फ़रक ; विरोध, वैपरीत्य ।

ವ್ಯಥೆ व्यथे (सम्) सं.—व्यथा, दुःख; चिंता, विकलता।

ವ್ಯಭಿಚಾರ व्यभिचार (सम्) सं.—व्यभिचार, बदचलनी।

ವ್ಯಯ व्यय (सम्) सं.—व्यय, खर्च; एक संवत्सर का नाम।

ವ್ಯರ್ಥ व्यर्थ (सम्) वि.—निरर्थक, बेकार, अर्थरहित।

ವ್ಯವಕಲನ व्यवकलन (सम्) सं.—विच्छेद, अंकगणित में घटने की क्रिया।

ವ್ಯವಧಾನ व्यवधान (सम्) सं.—बीच में पड़नेवाली वस्तु, पर्दा, आवरण; दीवाल; रुकावट; अवकाश, स्थान।

ವ್ಯವಸಾಯ व्यवसाय (सम्) सं.—कृषि, किसानी; उद्योग, धंधा, उद्यम।—ಗಾರ गार=किसान, कृषक।

ವ್ಯವಸ್ಥೆ व्यवस्थे (सम्) सं.—व्यवस्था, प्रबंध इंतज़ाम।

ವ್ಯವಹರಿಸು व्यवहरिसु (सम्) क्रि.—व्यवहार कर; उपयोग कर।

ವ್ಯವಹಾರ व्यवहार (सम्) सं.—व्यवहार, व्योहार; आचरण, चालचलन।

ವ್ಯಸನ व्यसन (सम्) सं.—दुःख, पीड़ा; प्रक्षेप; वियोग, विच्छेद।

ವ್ಯಸ್ತ व्यस्त (सम्) वि.—पृथक किया हुआ, विकीर्ण, बिखरा हुआ; विकल, गड़बड़, अस्तव्यस्त, विपरीत, उलटा-पल्टा।

ವ್ಯಾಕರಣ व्याकरण (सम्) सं.—व्याकरण।

ವ್ಯಾಕುಲತೆ व्याकुलते (सम्) सं.—व्याकुलता, विकलता, दुःख, चिंता।

ವ್ಯಾಖ್ಯಾನ व्याख्यान (सम्) सं.—निरूपण, भाषण, व्याख्या।

ವ್ಯಾಖ್ಯೆ व्याख्ये (सम्) सं.—निरूपण, व्याख्या, टीका।

ವ್ಯಾಘ್ರ व्याघ्र (सम) सं.—बाघ; एक असुर का नाम।

ವ್ಯಾಜ व्याज (सम्) सं.—कपट, छल, फरेब; बहाना, मिस; कारण।

ವ್ಯಾಜ್ಯ व्याज्य (सम्) सं.—कलह, झगड़ा, मुकदमा।

ವ್ಯಾಧಿ व्याधि (सम्) सं.—रोग, बीमारी।

ವ್ಯಾಪಕ व्यापक (सम्) वि.—व्याप्त, फैला हुआ।

ವ್ಯಾಪಾರ व्यापार (सम्) सं.—व्यापार, सौदागरी।—ಗಾರ गार=व्यापारी, सौदागर।

ವ್ಯಾಪ್ತ व्याप्त (सम्) वि.—फैला हुआ, भरा हुआ, परिपूर्ण।

ವ್ಯಾಯಾಮ व्यायाम (सम्) सं.—कसरत; थकावट, श्रांति।

ವ್ಯಾಲ व्याल (सम्) सं.—सर्प, साँप; हिंस्र जन्तु; क्रूर, कपटी, धोखेबाज़।

ವ್ಯಾಲೋಲ व्यालोल (सम्) वि.—काँपनेवाला, थरथरानेवाला; अस्तव्यस्त)

ವ್ಯಾಸ व्यास (सम्) सं.—बाँट, वितरण, विभाग, विश्लेषण; विस्तार; अंतर, भेद; चौड़ाई; वृत्त का व्यास या घेरा; महर्षि व्यास।

ವ್ಯುತ್ಪತ್ತಿ व्युत्पत्ति (सम्) सं.—निकास, उत्पत्ति, शब्दसाधन विधा।

ವ್ಯೂಹ व्यूह (सम्) सं.—समुदाय, समूह, भीड़, सेना।

ವ್ಯೋಮ व्योम (सम्) सं.—आकाश, गगन; वातावरण; शून्य।

ವ್ರಜ व्रज (सम्) सं.—समूह, समुदाय; पशुशाला।

ವ್ರಣ व्रण (सम्) सं.—घाव, क्षत, चोट।

ವ್ರತ व्रत (सम्) सं.—व्रत, उपवासादि नियम; आराधना, भक्ति; प्रतिज्ञा; कर्म, अनुष्ठान, कार्य।

ವ್ರೀಡೆ व्रीड़े (सम्) सं.—व्रीड़ा, लज्जा, शर्म।

ಶ श

ಶ श—कन्नड-वर्णमाला का पैंतालिसवाँ अक्षर।

ಶಂಕರ शंकर (सम्) सं.—शिवजी।—ಆಚಾರ್ಯ आचार्य (सम्) सं.—प्रसिद्ध दार्शनिक शंकराचार्य।

ಶಂಕಿಸು शंकिसु (सम्) क्रि.—सन्देह कर, शंका कर; अविश्वास कर; भय-भीत हो।

ಶಂಕು शंकु (सम्) सं.—तीर, बाण; भाला; बरछा; मेख, कील; खूटा; खंभा; कटे हुए वृक्ष का तना; घड़ी की सुई; बारह अंगुल का माप; छिद्र, छेद; नाश, लय; संकीर्णता; एक प्रकार की मछली; साल वृक्ष; पत्तों की नसें; बाँबी।

ಶಂಕುಸ್ಥಾಪನೆ शंकुस्थापने (सम्) सं.—शिलान्यास, नींव डालना।

ಶಂಕೆ शंके (सम्) सं.—शंका, संदेह, आशंका, डर।

ಶಂಖ शंख (सम्) सं.—शंख; कनपुटी की हड्डी; माथे की हड्डी, दस खर्व की संख्या; कुबेर की नवनिधियों में एक; व्यूह, सेना; सफ़ेदी।

ಶಂಡ शंड, ಶಂಢ शंढ (सम्) सं.—नपुंसक पुरुष, हिजड़ा; कापुर; भीरु।

ಶಂಸೆ शंसे (सम्) सं.—प्रशंसा; इच्छा, अभिलाषा; पुनरावृत्ति, वर्णन।

ಶಕ शक (सम्) सं.—एक प्राचीन राजा का नाम; एक देश और उसके निवासी, शालीवाहन का चलाया शक।

ಶಕಟ शकट (सम्) सं.—गाड़ी, छकड़ी।

ಶಕುನ शकुन (सम्) सं.—सगुन, शकुन; एक पक्षी।

ಶಕ್ತಿ शक्ति (सम्) सं.—बल, पराक्रम, ताकत, सामर्थ्य।

ಶಕ್ರ शक्र (सम्) सं.—इन्द्र; विष्णु; यम; कुटजवृक्ष; अर्जुन वृक्ष; पर्णशाला; एक प्रकार की जुही।

ಶಚಿ शचि (सम्) सं.—इन्द्र की पत्नी का नाम।

ಶಠ शठ (सम्) सं.—दुष्ट, गुंडा, बदमाश, धूर्त; मूर्खता, बेवकूफ़ी।

ಶತ शत (सम्) सं.—एक सौ;—ಪತ್ರ पत्र (सम्) सं.—कमल; सेवंतिका पुष्प; कठफोडवा पक्षी; सारस; मोर; तोता; मैना।

ಶತಮಾನ शतमान (सम्) सं.—एक सौ वर्ष की परिमिति, शताब्दी।

ಶತಾನಂದ शतानंद (सम्) सं.—ब्रह्मा, गौतम के पुत्र और जनक के पुरोहित का नाम।

ಶತ್ರು शत्रु (सम्) सं.— शत्रु और दुश्मन ।

ಶನಿ शनि (सम्) सं.—शनिग्रह ; दुष्ट मनुष्य ।

ಶಪಥ शपथ (सम्) सं.—शपथ, क़सम ।

ಶಬರ शबर (सम्) सं.—एक पहाड़ी जाति, किरात, लुब्धक ; एक प्रकार का हिरन, शिवजी ; जीव ; एक राक्षस ; जल, पानी ; हिम ; मेघ ।

ಶಬ್ದ शब्द (सम्) सं.—शब्द, पद ; ध्वनि, आवाज़ ।

ಶಮ शम, ಶಮೆ शमे (सम्) सं. — शम, शांति, मानसिक शांति, इंद्रिय शमन ।

ಶಯ शय (सम्) सं.—निद्रा, नींद ; सेज ; खाट ; हाथ ।

ಶಯನ शयन (सम्) सं. — निद्रा, नींद ; सेज, शय्या ; खाट ; स्त्री-संभोग ।

ಶಯು शयु (सम्) सं.—अजगर, बड़ा सर्प ।

ಶಯ್ಯೆ शय्ये (सम्) सं.—शय्या, सेज ।

ಶರ शर (सम्) सं.—बाण, तीर ; एक प्रकार का नरकुल या सरपत ; मलाई ; पाँच की संख्या ; सरोवर, तालाब ; जल, पानी ; ध्वनि, आवाज़ ।

ಶರಣ शरण (सम्) सं.—रक्षा, आश्रयस्थान ; आश्रयदाता, शरण देनेवाला ; घर ; कमरा, कोठरी ; शिव-भक्त ; लिंगायत ।

ಶರಣು शरणु (तद्) सं.—दे. ಶರಣ.

ಶರತ್ಕಾಲ शरत्काल, ಶರದೃತು शरदृतु (सम्) सं.—आश्विन और कार्तिक मास, शरद ऋतु ।

ಶರಧರ शरधर (सम्) सं.—मेघ, बादल ।

ಶರಧಿ शरधि (सम्) सं.—समुद्र ; चार की संख्या ; नदी ; कानन, अरण्य ; तरकस ।

ಶರಭ शरभ (सम्) सं.—शरभ, आठ पैरोंवाला एक जंतु विशेष ; हाथी का बच्चा ; शिवजी का एक अवतार ; वीरभद्र ।

ಶರೀರ शरीर (सम्) सं.—देह, काया, गात्र, तनु ।

ಶರೆ शरे (क) सं.—पुंज, समूह, राशि ।

ಶರ್ಕರೆ शर्करे (सम्) सं. — मिश्री ; चीनी, शक्कर ; बालू का कण, बालू, रेत ; खण्ड, टुकड़ा ; पथरी का रोग ।

ಶರ್ಮ शर्म (सम्) सं.—यह शब्द ब्रह्मणों के नामों के साथ लगाता है, शर्मा ; आनंद, हर्ष ; आशीर्वाद ; घर ; आधार ।

ಶರ್ವರಿ शर्वरि (सम्) सं.—रात, रात्रि, निशा ।

ಶರ್ವಾಣಿ शर्वाणि (सम्) सं.—पार्वती ।

ಶಲಾಕೆ शलाके (सम्) सं.—शलाका, लोहे की सलाई ; तीर ; बर्छी ।

ಶಲ್ಯ शल्य (सम्) सं. — शलाका ; कंटीली झाड़ी ; नोंकदार अस्त्र, बाण ; टुकड़ा, खण्ड; कृशांग ; बाड़, सीमा ; पानी, जल ; मद्र-देश के राजा का नाम ; कष्ट ; तकलीफ़ ; कठिनाई ।

ಶವ शव (सम्) सं.—मुर्दा, लाश ।

ಶಶ शश, ಶಶಕ शशक (सम्) सं.—खरगोश ।

ಶಶಿ शशि (सम्) सं. — चंद्रमा ; एक की संख्या ; कपूर ।—ಶೇಖರ शेखर, (सम्)—सं.—चन्द्रशेखर, शिवजी ।

ಶಸ್ತ್ರ शस्त्र (सम्) सं. —हथियार, औजार, तलवार, चाकू आदि ।

ಶಸ್ಯ शस्य, ಸಸ್ಯ सस्य (सम्) सं.—अनाज़ ; किसी वृक्ष की उपज या फल ।

ಶಾಂಡಿಲ್ಯ शांडिल्य (सम्) सं.—एक मुनि का नाम ; विल्व वृक्ष ।

ಶಾಂತ शांत, (सम्) वि.— शमयुक्त, शांत, शांतिवाला ; शिथिल, ढीला ।

ಶಾಂತಿ शांति (सम्) सं. — शांति, स्थिरता, वेगादि का अभाव, नीरवता ; चैन, आराम ; समाप्ति, अवसान ; विरक्ति ; शांत करना ; सौभाग्य, शुभत्व ; बचाव ।

ಶಾಂಭವಿ शांभवि (सम्) सं.—पार्वती ।

ಶಾಕ शाक (सम्) सं. — तरकारी, भाजी, पत्ती, फूल आदि, शाकाहार ।

ಶಾಕ್ತ शाक्त, ಶಾಕ್ತೇಯ शाक्तेय (सम्) सं.—शक्तिपूजक, वामाचारी ।

ಶಾಖಾಮೃಗ शाखामृग (सम्) सं.—बंदर ।

ಶಾಖೆ शाखे (सम्) सं. — शाखा, डाली ; विभाग ; किसी पुस्तक, संप्रदाय आदि का भेद ; बाजू ; बाहँ ; वेद की संहिताओं के पाठ तथा क्रमभेद ।

ಶಾಣ शाण (सम्) सं.—कसौटी का पत्थर, सान रखनेवाला पत्थर ; आरा ।

ಶಾದ್ವಲ शाद्वल (सम्) सं.—नव तृण संकुल, हरियाली ।

ಶಾನಭೋಗ शानभोग, ಶಾನುಭೋಗ शानुभोग (सम्) सं.—गाँव का पटवारी ।

ಶಾನೆ शाने (क) अ.—बहुत, अधिक ।

ಶಾಪ शाप (सम्) सं.—श्राप, शाप ; अकोसा; शपथ ; गाली, भर्त्सना ।

ಶಾಭಾಸ್ शबास्, ಶಾಬಾಸು शाबासु (अ. दे.) अ.—शाभाश ।

ಶಾಬ್ದಿಕ शाब्दिक (सम्) सं. — वैयाकरण ; शब्दशास्त्रज्ञ ।

ಶಾಯಿ शायि (अ. दे.) सं. — स्याही, मसी (Ink) ।

ಶಾರದೆ शारदे (सम्) सं.— सरस्वती ; बुद्धि, सुबुद्धि ; सार, निचोड़ ; ऋतु ; मौसम ।

ಶಾರ್ದೂಲ शार्दूल (सम्) सं.—बाघ, व्याघ्र ; (समास के अंत में) उत्तम, सर्वश्रेष्ठ ; एक छंद का नाम ; एक राक्षस का नाम ।

ಶಾರ್ವರಿ शार्वरि (सम्) सं.—निशा, रात ।

ಶಾಲ शाल (सम्) सं.—साल वृक्ष ; कोई भी वृक्ष ; घेरा, हाता, प्राकार ; शक्ति, सामर्थ्य ; मछली विशेष । वि. — बड़ा, विशाल ।

ಶಾಲಗ್ರಾಮ शालग्राम (सम्) सं. — गंडकी नदी में मिलनेवाला गोलाकार पत्थर जिसकी विष्णु के रूप में पूजा की जाती है ।

ಶಾಲಭಂಜಿಕೆ शालभंजिके (सम्) सं.—गुड़िया, पुतली ; रंडी वेश्या ; एक खेल ।

ಶಾಲು शालु (अ. दे.) सं. — शाल ; ऊनी शाल ।

ಶಾಲೆ शाले (सम्) सं.—शाला ; कमरा, बड़ा कमरा ; पाठशाला, स्कूल ; वृक्ष की ऊपर की डाली या वृक्ष का तना (तद्) सं.—साड़ी ।

ಶಾವಿಗೆ शाविगे (तद्) सं.—सेंवई ।

ಶಾಸನ शासन (सम्) सं.—आज्ञा; आदेश; पट्टा, टीप; शास्त्र; शिलालेख; राजा की दान की हुई भूमि ।

ಶಾಸ್ತ್ರ शास्त्र (सम्) सं. — आदेश, आज्ञा, धर्माज्ञा, धर्मशास्त्र, धर्मग्रंथ; पुस्तक; किसी विशिष्टविषय का समस्त, क्रमिक ज्ञान ।

ಶಿಂಜಿನಿ शिंजिनि (सम्) सं.—पायजेब; धनुष का रोदा ।

ಶಿಂಶಪೆ शिंशपे, ಶಿಂಶುಪೆ शिंशुपे (सम्) सं.—शीशम का पेड़; अशोकवृक्ष ।

ಶಿಕ್ಷಿಸು शिक्षिसु (सम्) क्रि.—दंड दे, सज़ा दे; नियन्त्रण में रख ।

ಶಿಕ್ಷೆ शिक्षे (सम्) सं.—शिक्षा, ज्ञान, विद्या; शिक्षण; वेदांगों में से एक; सज़ा, दंड ।

ಶಿಖಂಡಿ शिखंडि (सम्) सं. – मोर, मयूर; एक प्रकार का सर्प; द्रुपद के एक पुत्र का नाम; क्लीब, नपुंसक ।

ಶಿಖಿ शिखि (सम्) सं.—मोर, मयूर; अग्नि; तीन की संख्या; केतु उपग्रह; वृक्ष का अग्र भाग; सिर; चोटी; विप्र, ब्राह्मण; कृष्णसर्प; वृक्ष; ताम्र, ताँबा; चित्रक का वृक्ष ।

ಶಿಖೆ शिखे (सम्) सं.—शिखा, सिर की चोटी; शिखर, शृंग; लौ, किरण; कामज्वर; शाखा, टहनी, डाली ।

ಶಿಥಿಲ शिथिल (सम्) वि.—शिथिल, ढीला; निर्बल, कमज़ोर ।

ಶಿರ शिर (सम्) सं.—सिर; वृक्ष की फुनगी; सर्वोच्च स्थान; बड़ा सर्प ।

ಶಿರಸ್ತೇದಾರ शिरस्तेदार, ಶಿರಸ್ದಾರ शिरस्दार (अ. दे.) सं.—ज़िलाधिकारी या न्यायाधीश के नीचे रहनेवाला एक अफ़सर ।

ಶಿರಸ್ತ್ರ शिरस्त्र, ಶಿರಸ್ತ್ರಾಣ शिरस्त्राण (सम्) सं.—कूँड़ा, लोहे की टोपी ।

ಶಿಲಾಶಾಸನ शिलाशासन (सम्) सं.—शिलालेख ।

ಶಿಲಾಸಾರ शिलासार (सम्) सं.—लोहा ।

ಶಿಲೀಂಧ್ರ शिलींध्र (सम्) सं. — कुकरमुत्ता; एक वृक्ष; बाण ।

ಶಿಲೀಮುಖ शिलीमुख (सम्) सं. — बाण, तीर ।

ಶಿಲೆ शिले (सम्) सं.—शिला, पत्थर, चट्टान ।

ಶಿಲ್ಪ शिल्प (सम्) सं.—शिल्प, कला, दस्तकारी, कारीगरी ।

ಶಿವಶರಣ शिवशरण (सम्) सं.—शिवभक्त—जंगम या लिंगायत ।

ಶಿವಾಚಾರ शिवाचार (सम्) सं.—शैवों का आचार (वीरशैवों का आचार । — ದವ दव = लिंगायत ।

ಶಿವೆ शिवे (सम्) सं.—दुर्गा, पार्वती; गीदड़ी; शमीवृक्ष; हल्दी; दूर्वा; गौरोचन ।

ಶಿಶಿರ शिशिर (सम्) वि.—ठंडा, शीतल । सं.—शिशिर ऋतु ।

ಶಿಶು शिशु (सम्) सं.—बच्चा, बालक । — ವಿಹಾರ विहार (सम्) सं.—छोटे बच्चों का स्कूल (Nursery School) ।

ಶಿಶ್ರೂಷೆ शिश्रूषे (तद्) सं.—सेवा-शुश्रूषा ।

ಶಿಷ್ಟ शिष्ट (सम्) वि.— शिक्षित, शालीन; बुद्धिमान, विद्यार्थी ।

ಶಿಷ್ಯ शिष्य (सम्) सं.—शिष्य, अन्तेवासी, विद्यार्थी ।

ಶಿಸ್ತು शिस्तु (अ. दे. ?) सं.—कर, लगान; क्रमिकता, सजावट; अनुशासन ।

ಶೀಘ್ರ शीघ्र (सम्) अ.— जल्दी, वेग से, तुरंत ।

ಶೀತ शीत (सम्) सं.—ठण्डक, सर्दी । वि.—ठण्डा, (शीतल)) ।

ಶೀತಲ शीतल (सम्) वि.—ठंडा, सर्द ।

ಶೀತಲೆ शीतले (सम्) सं. — शीतला रोग; चेचक ।

ಶೀರ್ಷ शीर्ष (सम्) सं.—सिर ।

ಶೀಲ शील (सम्) सं.—चालचलन, आचरण, अच्छा स्वभाव; सदाचार । — ವಂತ वन्त (सम्) सं.—चरित्रवान् पुरुष ।

ಶುಂಠ शुंठ, ಶುಂಠಕಾಯ शुंठकाय (सम्) सं.—मूर्ख, बेवकूफ़ ।

ಶುಂಠಿ शुंठि (सम्) सं.—सोंठ ।

ಶುಂಡ शुंड (सम्) सं.—हाथी की सूँड; मेंढक ।

ಶುಂಭ शुंभ (सम्) सं.—एक राक्षस का नाम, मूर्ख मनुष्य ।

ಶುಕ शुक (सम्) सं.—तोता; आम का पेड़; शाल्मली वृक्ष; सिरिस का पेड़; एक प्रकार सुगंध द्रव्य; वस्त्र; आंचल; शुक देव; शिवजी ।

ಶುಕ್ತ शुक्त (सम्) सं.—मांस; काँजी; एक प्रकार का खट्टा पेय ।

ಶುಕ್ತಿ शुक्ति (सम्) सं.—सीप; शंख; घोंघा; सुगन्ध द्रव्य विशेष; घोड़े की गर्दन या छाती की भौरी ।

ಶುಕ್ರ शुक्र (सम्) सं.—शुक्रग्रह; शुक्राचार्य; ज्येष्ठ मास; वीर्य ।

ಶುಕ್ಲ शुक्ल (सम्) वि.—सफ़ेद, स्वच्छ । सं. शुक्लपक्ष; एक संवत्सर का नाम; रेतस्; आँख; नेत्ररोग विशेष ।

ಶುಚಿ शुचि (सम्) वि.—साफ़, शुद्ध, स्वच्छ, पवित्र; निष्कपट, सच्चा; ठीक । सं.—विशुद्धता, निर्दोषता; ईमानदार मन्त्री या मित्र; ब्राह्मण; योगी, यति; अग्नि; अमृत; काष्ठ; आषाढमास; प्रमुख, प्रधान ।

ಶುದ್ಧತೆ शुद्धते (सम्) सं.—शुद्धता, सफ़ाई; निर्मलता, पवित्रता ।

ಶುನಕ शुनक (सम्) सं.—कुत्ता ।

ಶುನಾಸೀರ शुनासीर (सम्) सं.—इन्द्र ।

ಶುಭ शुभ (सम्) वि.—शुभ, मंगलकर; चमकीला, सुंदर; सुखी, भाग्यवान् । सं.—कल्याण, मंगल, सौभाग्य, प्रसन्नता; समृद्धि; पराक्रम; राजतिलक; काँटेदार वृक्ष; आभूषण ।

ಶುಭ್ರತೆ शुभ्रते (सम्) सं.—सफ़ेदी, स्वच्छता ।

ಶುಲ್ಕ शुल्क (सम्) सं.—कर; चुंगी; मूल्य; कन्याशुल्क; विवाह के समय की भेंट; लाभ, मुनाफ़ा ।

ಶುಲ್ವೆ शुल्वे (सम्) सं.—रस्सी ।

ಶುಶ್ರೂಷೆ शुश्रूषे (सम्) सं.— शुश्रूषा, सेवा, कर्तव्य-परायणता ।

ಶುಷ್ಕ शुष्क (सम्) वि.—रूखा, सूखा; कटु; बुरा; निकम्मा कृश, दुबला।

ಶೂಕ शूक (सम्) सं.—जवा की बाल, भुट्टा।

ಶೂಕರ शूकर (सम्) सं.—सुअर।

ಶೂದ್ರ शूद्र (सम्) सं.—चतुर्थ वर्णवाला।

ಶೂನ್ಯ शून्य (सम्) वि.—रीता, खाली; नग्न, सूना। सं.—खाली स्थान; शून्य; आकाश; बिंदी; अभाव।

ಶೂರ शूर (सम्) सं.—वीर, योद्धा, बहादुर पुरुष।

ಶೂರ್ಪ शूर्प (सम्) सं.—सूप; दो द्रोण की एक तौल।—ಕರ್ಣ कर्ण (सम्) सं.—हाथी; गणेश।—ಕಾರಿ कारि (सम्) सं.—मन्मथ।

ಶೂಲ शूल; (सम्) सं.—शूल; सूली; मरण, मृत्यु।

ಶೃಂಖಲೆ शृंखले (सम्) सं—शृंखला, बेड़ी, जंजीर।

ಶೃಂಗ शृंग (सम्) सं.—सींग; शिखर, चोटी; सींग बाजा; ऊँचाई, महानता; प्रभु, प्रधान; वृक्ष; एक ऋषि का नाम।

ಶೃಂಗಾಟ शृंगाट, ಶೃಂಗಾಟಕ शृंगाटक (सम्) सं.—चतुष्पथ, चौराहा।

ಶೃಂಗಾರ शृंगार (सम्) शृंगार रस, प्रेम, रसिकता; स्त्रीसंभोग; सजावट, अलंकार।

ಶೃಗಾಲ शृगाल (सम्) सं.—सियार, लोमड़ी।

ಶೇಕದಾರ शेकदार (अ. दे.) सं.—कर वसूल करनेवाला एक अफ़सर।

ಶೇಮುಷಿ शेमुषि (सम्) सं.—बुद्धि, समझदारी।

ಶೇಷ शेष (सम्) सं.—शेष, बचा हुआ अंश या पदार्थ।

ಶೈತ್ಯ शैत्य (सम्) सं.—ठंडक, सर्दी, शीतलता।

ಶೈಲ शैल (सम्) सं.—पर्वत, पहाड़।

ಶೈವಲ शैवल, ಶೈವಾಲ शैवाल (सम्) सं.—सिवार,, काई।

ಶೋಂಬೇರಿ शोंबेरि (क) सं.—सुस्त या आलसी मनुष्य।

ಶೋಕ शोक (सम्) सं.—शोक, सन्ताप; दुःख।

ಶೋಣ शोण (सम्) सं.—लाल रंग; लाल गन्ना; आग; एक नदी।

ಶೋಣಿತ शोणित (सम्) सं.— रक्त, खून; केसर।

ಶೋಧನೆ शोधने (सम्) सं.—शोध, खोज, ढूंढना; छान-बीन, जाँच; शुद्ध करना, ठीक करना; सुधार।

ಶೋಭನ शोभन (सम्) सं.—मंगलकार्य; विवाह के बाद प्रथम समागम; सौंदर्य, आभा; चमक।

ಶೋಭೆ शोभे (सम्) सं.—शोभा, कांति; सौंदर्य, मनोज्ञता।

ಶೋಷಣ शोषण (सम्) सं.—सोखना; चूसना; निचोड़ना; मुरझाना, कुम्हलाना।

ಶೌಂಡ शौंड (सम्) वि.—शराबी, मद्यप, नशे में चूर।

ಶೌಂಡಿ शौंडि (सम्) सं.—पीपल।

ಶೌಚ शौच (सम्) सं. शुचिता, सफ़ाई; मलत्याग।

ಶೌರ್ಯ शौर्य (सम्) सं.—शूरता, पराक्रम, बल, ताकत।

ಶ್ಮಶಾನ श्मशान, (सम्) सं.—मसान, स्मशान।

ಶ್ಯಾನುಭೋಗ श्यानुभोग (सम्) सं.—दे. ಶಾನಭೋಗ.

ಶ್ಯಾಮಲ श्यामल (सम्) वि.—काला, साँवला।

ಶ್ಯಾಮೆ श्यामे (सम्) सं.—रात, रात्रि।

ಶ್ಯೇನ श्येन (सम्) सं.—बाजपक्षी; सफ़ेद रंग।

ಶ್ರದ್ಧೆ श्रद्धे (सम्) सं.—श्रद्धा, पूज्यभाव; विश्वास।

ಶ್ರಮ श्रम (सम्) सं.—तकलीफ़, कष्ट; संताप; श्रांति, थकावट। मेहनत, उद्योग; कसरत, अभ्यास।

ಶ್ರಮಣ श्रमण (सम्) सं.—बौद्ध या जैन संन्यासी।

ಶ್ರವಣ श्रवण (सम्) सं.—सुनना; कान, कर्ण; नक्षत्र विशेष।

ಶ್ರಾಂತ श्रांत (सम्) वि.—थका-माँदा; शांत।

ಶ್ರಾಂತಿ श्रांति (सम्) सं.—थकावट।

ಶ್ರಾದ್ಧ श्राद्ध (सम्) सं.—श्रद्धा से किया जानेवाला कार्य, श्राद्धकर्म।

ಶ್ರಾವಕ श्रावक (सम्) सं.—सुननेवाला, श्रोता; शिष्य; जैनियों का एक वर्ग विशेष।

ಶ್ರಿತಲೇಖೆ श्रितलेखे (सम्) सं.—पुस्तक।

ಶ್ರೀ श्री (सम्) सं.—धन, सम्पत्ति, समृद्धि; राजसी सम्पत्ति; गौरव; सौंदर्य; लक्ष्मी, धनलक्ष्मी; कोई गुण या सत्कर्म; अलौकिक शक्ति; अलंकार, भूषण; बुद्धि, प्रतिभा; बेल का पेड; सरल वृक्ष; लवंग; एक प्रकार की चींटी; एक राग का नाम; छन्दविशेष का नाम।

ಶ್ರೀಗಂಧ श्रीगंध (सम्) सं.—चन्दन वृक्ष।

ಶ್ರೀಗಿರಿ श्रीगिरि, ಶ್ರೀಪರ್ವತ श्रीपर्वत (सम्) सं.—तिरुपति के पहाड़।

ಶ್ರೀಮಂತ श्रीमंत (सम्) सं.—धनी, धनवान।

ಶ್ರೀವತ್ಸ श्रीवत्स (सम्) सं.—विष्णु के वक्षस्थल का चिह्न विशेष।—ಲಾಂಛನ लांछन = विष्णु।

ಶ್ರೀವೈಷ್ಣವ श्रीवैष्णव (सम्) सं.—श्रीरामानुज-सम्प्रदाय के अनुयायी लोग।

ಶ್ರುತಕೀರ್ತಿ श्रुतकीर्ति (सम्) सं.—एक जैन मुनि का नाम। वि.—प्रसिद्ध।

ಶ್ರುತಿ श्रुति (सम्) सं.—सुनने की क्रिया; कान; अफ़वाह; वेद; ध्वनि, आवाज़। चार की संख्या; संगीत में श्रुति।

ಶ್ರೇಣಿ श्रेणि (सम्) सं.—पंक्ति, रेखा, श्रेणी; समूह, समुदाय।

ಶ್ರೇಯಸ್ಸು श्रेयस्सु (तद्) सं.—श्रेय, सौभाग्य, वृद्धि, भलाई।

ಶ್ರೇಷ್ಠತೆ श्रेष्ठते, ಶ್ರೇಷ್ಠತ್ವ श्रेष्ठत्व (सम्) सं.—श्रेष्ठता, उत्कृष्टता, उत्तमता।

ಶ್ರೋಣಿ श्रोणि (सम्) सं.—कटि, कमर; जघन, नितम्ब।

ಶ್ರೋತ್ರ श्रोत्र (सम्) सं.—कान ; हाथी की सूँड का अग्रभाग ।
ಶ್ಲಥ श्लथ (सम्) वि.—शिथिल, ढीला ।
ಶ್ಲಾಘೆ श्लाघे (सम्) सं. — श्लाघा, प्रशंसा, सराहना ।
ಶ್ಲೇಷ್ಮ श्लेष्म (सम्) सं.—कफ, बलगम् ।
ಶ್ಲೋಕ श्लोक (सम्) सं.—प्रशंसा, सराहना, स्तुति ; कीर्ति, यश, श्लोक, पद्य, कोई छंद ।
ಶ್ವಪಚ श्वपच (सम्) सं. — चाण्डाल, निम्न जाति का आदमी ।
ಶ್ವಶ್ರು श्वश्रु (सम्) सं.—सास ।
ಶ್ವಾನ श्वान (सम्) सं.—कुत्ता ।
ಶ್ವಾಸ श्वास (सम्) सं—साँस ; आह ; हवा, दमा ।
ಶ್ವೇತ श्वेत (सम्) वि—सफ़ेद। सं—सफेद रंग; चाँदी ; शंख ; कौड़ी ; शुक्रग्रह ; सफ़ेद जीरा सफ़ेद बादल ; एक पर्वतमाला का नाम ; ब्रह्माण्ड का एक भाग ।

ಷ ष

ಷ ष—कन्नड-वर्णमाला का छियालीसवाँ अक्षर ।
ಷಂಡ षंड (सम्) सं.—समूह, समुदाय; ढेर ; नपुंसक ; हिंजडा ।
ಷಂಢ षंढ (सम्) सं. — हिंजडा, नपुंसक, कापुरुष ।
ಷಟ್ षट् (सम्) वि.—छः की संख्या ।
ಷಟ್ಪದಿ षट्पदि (सम्) सं.—भौंरी, भ्रमरी ; कन्नड का एक छन्द ।
ಷಟ್ಸ್ಥಲ षट्स्थल (सम्) सं.—वीरशैव संप्रदाय के अनुसार छे स्थल ; वे हैं—भक्ति, महेश्वर, प्रसाद, प्राणलिंग, शरण और ऐक्य ।
ಷಡ್ರಸ षड्रस (सम्) सं.—छे प्रकार के रस या स्वाद (मीठा, नमकीन कडुआ, तीता, कसैला और खट्टा) ।
ಷಣ್ಮುಖ षण्मुख (सम्) सं.—कार्तिकेय ।
ಷರಬತ್ षरबत् (अ. दे.) सं.—शरबत ।
ಷರಾಯಿ षरायि (अ. दे.) सं.—पायजामा ।
ಷಷ್ಠಿ षष्ठी (सम्) सं.—षष्ठी तिथि ।
ಷೋಕಿ षोकि (अ. दे.) सं.—(शौक—अरबी) विलासिता ।

ಸ स

ಸ स—कन्नड-वर्णमाला का सैंतालिसवाँ अक्षर ।
ಸ स (सम्) अ.—सम, तुल्य, सदृश्य, सह, साथ ।
ಸಂಕ संक (क) सं.—सेतु, पुल ।
ಸಂಕಟ संकट (सम्) सं—तकलीफ, कष्ट, आपदा, संकट ।
ಸಂಕರ संकर (सम्) सं.—वर्णों की गड़बड़ी, वर्णों की असमानता ; मिश्रण, मिलावट ; संयोग ।
ಸಂಕಲನ संकलन (सम्) सं.—संकलन, एकत्रीकरण ।
ಸಂಕಲೆ संकले (सम्) सं.—श्रृंखला (तत्) ; जंज़ीर, बेड़ी ।
ಸಂಕಲ್ಪ संकल्प (सम्) सं.—संकल्प, कार्य करने की इच्छा, इरादा, विचार ।
ಸಂಕೀರ್ಣ संकीर्ण (सम्) वि.—तंग, सँकरा, संकुचित ; मिला हुआ, मिश्रित ; बिखरा हुआ, अस्पष्ट ; मदमस्त ।
ಸಂಕೀರ್ತನೆ संकीर्तने (सम्) सं.—प्रशंसा, स्तव, स्तुति ।
ಸಂಕುಲ संकुल (सम्) सं.— भीड़भाड़, जन-समुदाय, झुंड ।
ಸಂಕೇತ संकेत (सम्) सं.—संकेत, चिह्न, निशान; निर्देश, इशारा ।
ಸಂಕೋಚ संकोच (सम्) सं. — संकोच, सिकुड़ना ; डर, भय, मछली विशेष ।
ಸಂಕೋಲೆ संकोले (तद्) सं.—दे. ಸಂಕಲೆ.
ಸಂಕ್ಷಿಪ್ತ संक्षिप्त (सम्) वि.—संक्षिप्त; संक्षेप किया हुआ ।
ಸಂಕ್ಷೇಪ संक्षेप (सम्) सं.—संकोचन, घटाना; सार, संग्रह ; निक्षेप, प्रक्षेप ।
ಸಂಖ್ಯೆ संख्ये (सम्) सं.—संख्या, अंक ; गणना, गिनती ।
ಸಂಗ संग (सम्) सं.—संसर्ग, साथ ; मेल, ऐक्य, संगम ; संयोग ।
ಸಂಗಡ संगड (तद्) अ.—के साथ, के संग । सं.—साथ, संसर्ग ; संयोग ; संगम ।
ಸಂಗಡಿಗ संगडिग (तद्) सं.—साथी, दोस्त, मित्र, प्रेमी ।
ಸಂಗತಿ संगति (सम्) सं.—मेल ; संग, साथ संगत ; संबंध ; विषय, बात, समाचार ।
ಸಂಗಮ संगम (सम्) सं.—मेल, मिलन, ऐक्य ।
ಸಂಗರ संगर (सम्) सं.—प्रतिज्ञा, वादा; युद्ध, लड़ाई ; मांस ; दुःख, व्यथा, दुर्भाग्य ; मूर्ख पुरुष ; शमीफल ।
ಸಂಗಾತಿ संगाति (तद्) सं.—साथिन, सखी ।
ಸಂಗೀತ संगीत (सम्) सं.— संगीत, नाच-गान ।
ಸಂಗೋಷ್ಠಿ संगोष्ठि (सम्) सं. — गोष्ठी, संघ ।
ಸಂಗ್ರಹಿಸು संग्रहिसु (सम्) क्रि.—संग्रह कर, एकत्रित कर, संक्षिप्त कर ।
ಸಂಗ್ರಾಮ संग्राम (सम्) सं.—युद्ध, लड़ाई ।
ಸಂಘಟನೆ संघटने (सम्) सं.—रगड़, रगड़न ; मेल, मिलाप, ऐक्य ; भिड़ंत, लड़ाई मुठभेड़ ।
ಸಂಘರ್ಷ संघर्ष (सम्) सं.— संघर्ष; रगड़न, रगड़ ; भिड़ंत, स्पर्धा ।
ಸಂಚ संच, ಸಂಚು संचु (क) सं.—युक्ति, तंत्र, उपाय ; षडयंत्र, मन्त्रणा, बुद्धिमत्ता, चतुराई ; चिह्न, पहचान ।
ಸಂಚಯ संचय (सम्) सं.—एकत्रीकरण, पुंजीकरण, ढेर, राशि ।
ಸಂಚರಿಸು संचरिसु (सम्) क्रि.—गमन कर, चल, यात्रा कर ; उपयोग में आ, संभव हो ।
ಸಂಚಲತೆ संचलते (सम्) सं.—कंपन, काँपना, थरथराना ।
ಸಂಚಾರ संचार (सम्) सं.—गमन, चलन,

चलना-फिरना, यात्रा ; कठिन मार्ग, कठिन यात्रा ।

ಸಂಚಿಸು संचिसु (सम्) क्रि.—संचय कर, जमा कर ; संग्रह कर, व्यवस्थित रख ।

ಸಂಚು संचु (क) सं.—दे. ಸಂಚ.

ಸಂಜೀವಿನಿ संजीविनि (सम्) सं.—एक औषध जो जीवित करता है ।

ಸಂಜೆ संजे (तद्) सं.—संध्या, सायंकाल ।

ಸಂಜ್ಞೆ संज्ञे (तद्) सं—संज्ञा, निशान; चिह्न, संकेत, इशारा ; चेतन, होश ; नाम, आख्य ।

ಸಂಡಿಗೆ संडिगे (क) सं.—बरी, बड़ी ; मसाला ।

ಸಂತ संत (तद्) सं.—संत, साधु ।

ಸಂತತಿ संतति (सम्) सं.—औलाद, संतान, वंश, कुल ।

ಸಂತಯಿಸು संतयिसु, ಸಂತಯ್ಸು संन्तय्सु, ಸಂತವಿಸು संतविसु (अ. दे.) क्रि.—सांत्वना दे; तृप्त कर ।

ಸಂತರ್ಪಣೆ संतर्पणे (सम्) सं.—भोज, दावत ।

ಸಂತಸ संतस (तद्) सं.—हर्ष, प्रसन्नता ।

ಸಂತಾನ संतान (सम्) सं.—औलाद, संतति।

ಸಂತಾಪ संताप (सम्) सं.—अधिक ताप, उष्णता ; दुःख, व्यथा, कष्ट ; मनोव्यथा, पश्चात्ताप ।

ಸಂತಾಳ संताळ (क) सं.—संताल जाति के लोग ।

ಸಂತುಷ್ಟ संतुष्ट (सम्) वि.—तृप्त, प्रसन्न, खुश ।

ಸಂತೆ संते (क) सं.—भीड़, जमाव ।

ಸಂತೋಷ संतोष (सम्) सं.—आह्लाद, आनंद, प्रसन्नता ।

ಸಂದಣಿ संदणि (तद्) सं.—संधान (तत्) ; प्रपूर्णता, व्याप्ति, संकीर्णता, भीड़ जन-समूह ।

ಸಂದರ್ಭ संदर्भ (सम्) सं.—संदर्भ, प्रसंग ।

ಸಂದಾನ संदान (सम्) सं.—रस्सा, रस्सी ।

ಸಂದಾಯ संदाय (क) सं.—कर्ज़ा चुकाना, अदा करना ।

ಸಂದಿಗ್ಧ संदिग्ध (सम्) वि.—संदेहयुक्त, ; अस्पष्ट, गड़बड़ ।

ಸಂದಿಸು संदिसु (तद्) क्रि.—मिल, मुलाकात कर, भेंट कर ; लग ।

ಸಂದು संदु (तद्) सं.—मेल, मिलाप ; जोड़ ; अवकाश, थोड़ा स्थान, गली ।

ಸಂದೇಗ संदेग, ಸಂದೆಯ संदेय; (तद्), ಸಂದೇಹ संदेह (सम्) सं.—संदेह, शक ।

ಸಂದೋಹ संदोह (सम्) सं.—दोहन, दुहना ; समूह, ढेर, राशि ।

ಸಂಧಾನ संधान (सम्) सं.—जोड़ना, मिलाना सम्मिश्रण, संयोग ; धनुष पर तीर चढ़ाना ।

ಸಂಧಿ संधि (सम्) सं.—संधि, मेल, संयोग ; सुलह, मैत्री ; जोड़, गाँठ ।

ಸಂಧ್ಯೆ संध्ये (सम्) सं.—प्रातः या सायंकाल, भोर ; मेल, संधि ; संध्यावंदन ।

ಸಂಪಗೆ संपगे (तद्) सं.—चंपक पुष्प, चंपक वृक्ष ।

ಸಂಪತ್ತಿ संपत्ति, ಸಂಪತ್ತು संपत्तु (सम्) सं.—संपदा, ऐश्वर्य, धन-दौलत ।

ಸಂಪಾದನೆ संपादने (सम्) सं.—कमाई, प्राप्ति, उपलब्धि ।

ಸಂಪಿಗೆ संपिगे (तद्) सं.—दे. ಸಂಪಗೆ.

ಸಂಪು संपु, ಸೊಂಪು सोंपु (क) सं.—चारुता, सौंदर्य ।

ಸಂಪುಟ संपुट (सम्) सं.—डिबिया ।

ಸಂಪೂರ್ಣ संपूर्ण (सम्) वि.—पूरा, सब, समूचा ।

ಸಂಪೆ संपे (क) सं.—दे. ಸಂಪು.

ಸಂಪ್ರದಾಯ संप्रदाय (सम्) सं.—पद्धति, परंपरा, रीति-नीति, संप्रदाय ।

ಸಂಪ್ರದೆ संप्रदे (सम्) सं.—दान, भेंट, पुरस्कार ; शीघ्रता ।

ಸಂಪ್ರಾಪ್ತಿ संप्राप्ति (सम्) सं.—प्राप्ति, उपलब्धि ।

ಸಂಬಂಧಿ संबंधि (सम्) सं.—रिश्तेदार, नातेदार ।

ಸಂಬರಿಸು संबरिसु (तद्) क्रि.—संहार कर, वध कर ।

ಸಂಬಳ संबळ (तद्) सं.—संबलं (तत्); वेतन, तनख्वाह ।

ಸಂಬಾರ संबार, ಸಂಬರ संबर (तद्) सं.—(संभारः—तत्), मसाले की वस्तुएँ ।

ಸಂಬೆ संबे (क) सं.—एक बेल (Canavalia-ensiformis) ।

ಸಂಬೋಧನೆ संबोधने (सम्) सं.—संबोधन कारक ।

ಸಂಭವಿಸು संभविसु (सम्) क्रि.—संभव हो, हो, उत्पन्न हो, कारण हो ।

ಸಂಭಾವನೆ संभावने (सम्) सं.—प्रतिष्ठा, सम्मान, आदर ; भेंट, उपहार, पुरस्कार, पारिश्रमिक ।

ಸಂಭಾವಿಸು संभाविसु (सम्) क्रि.—आदर कर, सम्मान कर ।

ಸಂಭಾಷಣೆ संभाषणे (सम्) सं.—संभाषण, वार्तालाप ।

ಸಂಭೋಗ संभोग (सम्) सं.—भुक्ति, उपभोग, अच्छी क्रीडा ; मैथुन ।

ಸಂಭ್ರಮ संभ्रम (सम्) सं.—उत्साह, उमंग, वैभव, शान ; समारोह ; अत्यानंद, अधिक प्रसन्नता ; होंठ ; घूमना, चक्कर खाना ; हर्रे का पेड़ ।

ಸಂಯಮ संयम (सम्) सं.—संयम, नियंत्रण निग्रह, रोक ।

ಸಂಯುಕ್ತ संयुक्त (सम्) वि.—लगा हुआ, मिला हुआ ।

ಸಂಯೋಗ संयोग (सम्) सं.—समागम, मेल, मिलाप, संबंध ।

ಸಂರಕ್ಷಣೆ संरक्षणे (सम्) सं.—रक्षण, बचाव देखरेख, निगरानी ।

ಸಂವತ್ಸರ संवत्सर, ಸಂವತ್ संवत् (सम्) सं.—साल, वर्ष ।

ಸಂವರಿಸು संवरिसु (सम्) क्रि.—जोड़, लगा ; ठीक कर, सँवार, तैयार कर, योग्य बना ; पोषण कर ।

ಸಂವರ್ತನ संवर्तन (सम्) सं.—कल्पांत, प्रलय, जलप्लावन ।

ಸಬ್ಬಿಗೆ सब्बिगे सब्बे सब्बे (क) सं.—पेड़ की सीधी डाल ।

ಸಭಾಸದ सभासद (सम्) सं.—सदस्य ।

ಸಭೆ सभे (सम्) सं.—सभा ; परिषद, गोष्ठी, समिति ।

ಸಭ್ಯ सभ्य (सम्) वि.—सभ्य, कुलीन, विनम्र; सभासद ।

ಸಮ सम (सम्) वि.—एक-सा, समान, बराबर ; तुल्य ; सदृश्य ।

ಸಮಂಜಸ समंजस (सम्) सं.—उपयुक्तता, ठीक होना ; यश, कीर्ति ।

ಸಮತೆ समते (सम्) सं.—समता ।

ಸಮನಿಸು समनिसु (क) क्रि—प्राप्त हो, उपलब्ध हो, मिल, बन, तैयार हो, उत्पन्न हो ।

ಸಮಂತು समंतु (क) सं.—सौंदर्य, मनोहरता, शोभा ।

ಸಮನ್ವಯ समन्वय (सम्) सं.—समन्वय, मिलन ; कुल, वंश ।

ಸಮಯ समय (सम्) सं.—वक्त, काल ; अवसर, उचित समय ; पद्धति, रीति ; क़ानून, क़ायदा, नियम ; आदेश, निर्देश, आज्ञा ; सिद्धांत, सूत्र ; समाप्ति, अंत ; साफल्य ; समृद्धि ; संकेत : कवि-समय, कवियों द्वारा निश्चित सिद्धांत ।

ಸಮಯಿಸು समयिसु, ಸಮಸು समसु (क) क्रि.—घिसा ; मार, वध कर ।

ಸಮರ समर (सम्) सं.—युद्ध, लड़ाई ।

ಸಮಱು समरु (क) क्रि.—ठीक या उपयुक्त कर, सुंदर बना, सजा ।

ಸಮರ್ಥತೆ समर्थते, ಸಮರ್ಥತ್ವ समर्थत्व (सम्) सं.—सामर्थ्य ।

ಸಮರ್ಪಿಸು समर्पिसु (सम्) क्रि.—समर्पण कर, अर्पण कर ।

ಸಮವಾಯ समवाय (सम्) सं.—समुदाय, समूह ; ढेर, राशि ; घनिष्ठ संबंध, अटूट संबंध ।

ಸಮಷ್ಟಿ समष्टि (सम्) सं.—सब का समूह, कुल, एक साथ, समष्टि ।

ಸಮಸ್ಯೆ समस्ये (सम्) सं. — समस्या ; उलझन ।

ಸಮಾಗಮ समागम (सम्) सं.—मेल, मिलन, भेंट ; हेल-मेल ।

ಸಮಾಚಾರ समाचार (सम्) सं.—समाचार, ख़बर, सूचना ; आचरण, चालचलन, उचित व्यवहार ।

ಸಮಾಧಾನ समाधान (सम्) सं.—चित्त की शांति, संतोष, संतुष्टि ; समाधि, ध्यान ; एकाग्रता ।

ಸಮಾಧಿ समाधि (सम्) सं.—एकाग्रता, ध्यान विशेष, तप ।

ಸಮಾನತೆ समानते (सम्) सं.—समानता, तुल्यता ।

ಸಮಾಪ್ತಿ समाप्ति (सम्) सं.—पूर्णता ; अंत, अवसान ।

ಸಮಾಮ್ನಾಯ समाम्नाय (सम्) सं.—परंपरागत पाठ ; परंपरा ; पाठ, गणना ; योग, जोड़, जमा ; समूह ।

ಸಮಾರಂಭ समारंभ (सम्) सं.—समारोह, सभा, उत्सव ।

ಸಮಾರಾಧನೆ समाराधने (सम्) सं.—संतुष्ट करने का साधन, परिचर्या, सेवा ; ब्राह्मणों को भोज देना, दावत ।

ಸಮಾವೇಶ समावेश (सम्) सं.—समावेश, मिलन ; प्रवेश, घुसाव ।

ಸಮಾಸ समास (सम्) सं.—समाहार, एकत्रीकरण ; समास ।

ಸಮಾಳಿಸು समालिसु (अ. दे.) क्रि.—संभाल, सम्हाल ।

ಸಮಿತಿ समिति (सम्) सं.—सभा, समाज, संघ ; समूह, झुंड ; लड़ाई, समर, युद्ध, समता, समानता ।

ಸಮಿತ್ತು समित्तु (तद्) सं.—समिधा ।

ಸಮಿಸು समिसु (क) क्रि.—दे. ಸಮಯಿಸು.

ಸಮೀಕರಣ समीकरण (सम्) सं.—असम को सम करना ; बीजगणित की प्रक्रिया-विशेष ; सांख्य दर्शन ।

ಸಮೀಪ समीप (सम्) अ.—पास, निकट ।

ಸಮೀರ समीर, ಸಮೀರಣ समीरण (सम्) सं.—हवा, वायु, पवन ।

ಸಮುಚ್ಚಯ समुच्चय (सम्) सं.—समूह, समुच्चय, एक अलंकार विशेष ।

ಸಮುದಾಯ समुदाय (सम्) सं.—संग्रह, समुदाय ; कलह, युद्ध ।

ಸಮುದ್ಘೋಷ समुद्घोष (सम्) सं.—बहुत बड़ी ध्वनि या घोष ।

ಸಮುದ್ಧರಣ समुद्धरण (सम्) सं.—ऊपर उठाना, ऊपर खींचना; मूलोच्छेदन ; मुक्ति, छुटकारा ; वमन, कै ।

ಸಮುದ್ರ समुद्र (सम्) सं.—समुद्र, जलनिधि, सागर ।

ಸಮುದ್ರವಹ್ನಿ समुद्रवह्नि (सम्) स.—बडवानल ।

ಸಮುನ್ನತಿ समुन्नति (सम्) सं. —उठान, ऊँचाई ; उच्च पद ; समृद्धि, अभ्युदय ; अहंकार, अभिमान ।

ಸಮೂಹ समूह (सम्) सं.—समुदाय, संग्रह, गिरोह ; झुंड ।

ಸಮೆ समे (क) क्रि.—घिस, घट, नष्ट हो ; तैयार हो, बन ; बना ।

ಸಮೇತ समेत (सम्) अ.—साथ, सहित, युक्त ।

ಸಮ್ಮತ सम्मत (सम्) सं.—स्वीकृति, मान्यता; मत, विचार, अभिप्राय, राय ।

ಸಮ್ಮತಿ सम्मति (सम्) सं.—स्वीकृति; अभिलाषा, इच्छा ; मान, प्रतिष्ठा ; प्यार, स्नेह ; आज्ञा, आदेश (मै. प्र.) ।

ಸಮ್ಮದ सम्मद (सम्) सं.— आनंद, आह्लाद, बहुत प्रसन्नता ।

ಸಮ್ಮಾನ सम्मान (सम्) सं.—सम्मान, आदर, गौरव ।

ಸಮ್ಮಾರ್ಜನೆ सम्मार्जने (सम्) सं.—झाड़ना, बुहराना, सफ़ाई ।

ಸಮ್ಮೇಲನ सम्मेलन, ಸಮ್ಮೇಳನ सम्मेळन (सम्) सं.—मेल, मिलावट, ऐक्य, जमा होना ।

ಸಯ್ ಸಯ್, ಸೆಯ್ सेय्, ಸೈ सै (क) अ.—

सीधे, ठीक, सही· जोर से, वेग से। क्रि·—शांत कर, रोक; शांत हो· रुक।

ಸಯ್ತು सय्त (क) सं·—ईमानदार आदमी।

ಸಯ್ತು सय्तु, ಸೈತು सैतु (क) सं·—सीधापन, सही होना; समाधान, लघु (मात्रा), लघु सूचक छोटी रेखा· विश्राम, आराम।

ಸಯ್ದ सय्द (क) सं·—सीधा-सादा आदमी, ईमानदार आदमी।

ಸಯ್ಪು सय्पु (क) सं·—नीति, न्याय, पुण्य, सुकृत; नैपुण्य।

(१) ಸರ सर (सम्) सं·—हार, माला; सरोवर, तालाब; तीर, बाण; लड़ी; नमक, लवण; मलाई।

(२) ಸರ सर (क) सं·—एक अनुकरणमूलक शब्द; =ಸರವು सरवु—शिकार, आखेट।

ಸರಕ सरक (सम्) सं·—शराब, मदिरा; पानपात्र: लोटा; स्वर्ग, गगन; वह सड़क जिसका सिलसिला बराबर जाय।

ಸರಕಾರ सरकार, ಸರ್ಕಾರ सर्कार (अ. दे·) सं·—(Government)।

ಸರಕು सरकु (क) सं·—माल, सामान; सावधानी· ध्यान देना।

ಸರಕ್ಕನೆ सरक्कने (क) अ·—तुरंत· फ़ौरन।

ಸರಘೆ सरघे (सम्) सं·—भौंरा, मधुकर।

ಸರಡು सरडु (क) सं·—शिकार, आखेट।

ಸರಣಿ सरणि (सम्) सं·—मार्ग· रास्ता, सड़क; पद्धति, ढंग; सरल या सीधी रेखा।

ಸರದಾರ सरदार (अ. दे·) सं. — सरदार (फ़ारसी); नायक, प्रधान।

ಸರಪಣಿ सरपणि, ಸರಪಳಿ सरपळि, ಸರ್ಪಳಿ सर्पळि (क) सं·—शृंखला, ज़ंजीर।

ಸರಫರಾಜು सरफराजु (अ,दे·) सं·—पदवृद्धि, अफ़सर की कृपा दृष्टि।

ಸರಬರಾಯಿ सरबरायि (अ·दे·) सं·—सरबराही (फ़ारसी); व्यवस्था।

ಸರಲ सरल, ಸರಳ सरळ (सम्) वि·—सरल, सुगम, आसान।

ಸರವಿ सरवि (क) सं·—दे. ಸರಡು.

ಸರಸ सरस (सम्) सं·—विनोद, तमाशा, हास-परिहास। वि·—स्वादिष्ट, रसीला, रसदार; मनोहर, सुंदर; नया।

ಸರಸಿ सरसि (सम्) सं·—सरोवर, तालाब।

ಸರಸಿಜ सरसिज (सम्) सं·—कमल।

ಸರಸ್ವತಿ सरस्वति (सम्) सं·— सरस्वती नदी; वाणी, सरस्वती।

ಸರಹದ್ದು सरहद्दु (अ.दे·) सं·—हद, सीमा।

ಸರಳ್ सरळ्, ಸರಲ್ सरल् (क) सं·—बाण, तीर।

ಸರಳಿಸು सरळिसु (क) क्रि.—उछल, लाँघ।

ಸರಳು सरळु (क) सं·—बाण, तीर; लोहे की छड़ी या शलाका।

ಸರಾಫ सराफ़ (अ· दे·) सं·—सर्राफ़ (अरबी)।

ಸರಾಸರಿ सरासरि (क) सं·—औसत।

ಸರಿ सरि (क) क्रि·—जा, चल, सरक, एक ओर हट; फिसल जा· गिर, (वृष्टि हो); घट जा, कम हो, पलायन कर, दौड़ जा; एक तरफ़ ले। सं·—सरकना, एक ओर हटना, पलायन। अ·— ठीक, सही।

ಸರಿಕತನ सरिकतन, ಸರೀಕತನ सरीकतन (क) सं·—समानता· बराबरी।

ಸರಿಗ सरिग (क) सं·—समान श्रेणी या पद का व्यक्ति।

ಸರಿಗೆ सरिगे (क) सं·—स्त्रियों के पहनने का गले का हार।

ಸರಿತ್ಪತಿ सरित्पति (सम्) सं·—समुद्र, सागर।

ಸರಿಸ सरिस (क) सं·—समता, समानता, बराबरी; सीधापन।

ಸರಿಸು सरिसु (क) क्रि·—एक ओर रख या हटा, सरका।

ಸರೀಕ सरीक (क) सं·—बराबरवाला, समान श्रेणी का व्यक्ति।

ಸರು सरु (क) सं·—जंगली जानवरों का मार्ग।

ಸರೋಜ सरोज (सम्) सं·—कमल।

ಸರೋಧಿ सरोधि (सम्) सं·—समुद्र।

ಸರೋರುಹ सरोरुह, ಸರೋರುಹಿಣಿ सरोरुहिणि (सम्) सं·— कमल।

ಸೆರಗು सेरगु (क) सं·—आँचल।—ಒಡ್ಡು ओड्डु—आँचल पसार; याचना कर।

ಸೆರೆ सरि (क) सं·—गोद; करारा, पर्वत या चट्टान की खड़ी दीवार।

ಸೆರೆ सरे। ಸೆರೆ सेरे (क) सं·—गिरफ़्तारी, बंधन।

ಸರ್ಗ सर्ग (सम्) सं·—त्याग, विराग; सृष्टि; प्रकृति, स्वभाव; स्वीकृति; परिच्छेद, अध्याय; प्रयत्न, दृढ निश्चय।

ಸರ್ಜಿಕೆ सर्जिके (सम्) सं·—सज्जी; खार या क्षार विशेष।

ಸರ್ಪ सर्प (सम्) सं·—साँप; घुमाव; बहाव

ಸರ್ಬ सर्ब (तद्) वि·—सब, सर्व।

ಸರ್ಲೆ सर्ले (क) सं·—जल कुक्कुट।

ಸರ್ವ सर्व (सम्) वि·—सब, समस्त, पूर्ण, पूरा।

ಸರ್ವಥಾ सर्वथा (सम्) अ·—हर प्रकार से, सब प्रकार से, सर्वथा।

ಸರ್ವದಾ सर्वदा (सम्) सं·—हमेशा, सदैव।

ಸರ್ವಮಂಗಳೆ सर्वमंगळे (सम्) सं·—दुर्गा, पार्वती।

ಸರ್ವಲೆ सर्वले (सम्) सं·—तोमर, एक अस्त्र।

ಸಲ್ सल्, ಸಲು सलु, ಸಲ್ಲು सल्लु (क) क्रि·—प्रवेश कर, घुस; हो, संभव हो; अधीन में हो, वशीभूत हो; चला जा, गुज़र जा; चुक जा; ठीक हो; प्रसिद्ध हो, ख्यात हो।

ಸಲ सल (क) सं·—प्रवेश; घुसना; दफ़ा, बार।

ಸಲಗ सलग (क) सं·—हाथी; साँड; झुंड में आगे जाने वाला जानवर।

ಸಲಪು सलपु, ಸಲವು सलवु, ಸಲಹು सलहु (क) क्रि·—पालन कर, पोषण कर, रक्षा कर।

ಸಲವು सलवु (क) क्रि·—दे· ಸಲಪು सं·—प्रवेश; बल, बलात्कार; हेतु, उपयुक्त कारण।

ಸಲವೆ सलवे (क) सं·—नये सूती कपड़े की धुलाई।

ಸಲಹೆ सलहे (अ·दे·) सं·—सलाह; सुझाव।

ಸಲಾಮು सलामु (अ. दे.) सं. — सलाम (अरबी) नमस्कार ।

ಸಲಿಕೆ सलिके, ಸಲ್ಲಿಕೆ सल्लिके (क) सं.— चुकाना, चुकता ।

ಸಲಿಗೆ सलिगे (क) सं.—अति परिचय ; स्वातंत्र्य ।

ಸಲಿಲ सलिल (सम्) सं.—जल, पानी ।

ಸಲು सलु (क) क्रि.—दे. ಸಲ್.

ಸಲುಗೆ सलुगे (क) सं.—दे. ಸಲಿಗೆ.

ಸಲುವಳಿ सलुवळि (क) सं.—रूढि, व्यावहार; उपयुक्तता, योग्यता ।

ಸಲುವಾಗಿ सलुवागि (क) अ.—के कारण, की वजह से ।

ಸಲೆ सले (क) अ.—ठीक, अच्छी तरह ; पूर्णतः सं.—पैसा चुकाना ; गुना, गुणन ।

ಸಲ್ಲಲಿತ सल्ललित (सम्) वि.—बहुत सुंदर या मनोहर ।

ಸಲ್ಲಿಸು सल्लिसु (क) क्रि.—दे, प्रदान कर, समर्पित कर ; निवेदन कर ; पूरा कर, चुका ।

ಸಲ್ಲು सल्लु (क) क्रि.—योग्य हो, पसंद हो ; लगा, पहुँच ; समर्पित हो ।

ಸಲ್ಲೆ सल्ले (क) सं.—दे. ಸಲಿಗೆ.

ಸವ सव (तद्) अ.—सम, बराबर, ठीक ।

ಸವಗ सवग (तद् ?) सं.—कवच ।

ಸವಟು सवटु (क) सं.—कलछुल, बड़ा चमचा । क्रि.—गंदा हो, मैला हो ।

ಸವಡಿ सवडि (क) सं.—जोड़ा, जोड़ी; जुड़वा ।

ಸವಣ सवण (तद्) सं.—श्रमण; जैन साधु ।

ಸವತಿ सवति (तद्) सं.—सौत, सपत्नी ।

ಸವತೀಕಾಯಿ सवतीकायि, ಸವತೇಕಾಯಿ सवतेकायि (क) सं.—ककड़ी ; खीरा ।

ಸವನಿಸು सवनिसु (क) क्रि.—हो, संभव हो, उत्पन्न हो, तैयार हो ; प्राप्त हो ।

ಸವಯಿಸು सवयिसु (क) क्रि.—घिसने दे ; नाश कर ।

ಸವರಿಸು सवरिसु (क) क्रि.—कटवा, पेड़ की शाखाएँ कटवा ; लगवा ।

ಸವರು सवरु (क) क्रि.—पेड़ की शाखाएँ काट, पेड़ काट, काटकर गिरा ; लगा, लेपन कर ; चिकना बना ; घिस ; सिरपर हाथ फेर ; पीठ ठोंक ; तैयार कर ।

ಸವಸು सवसु (क) क्रि.—घिसा, नाश कर ; तैयार कर, बना ।

ಸವಳದೆ सवळदे (क) सं.— उदय, प्रातःकाल।

ಸವಕ್ತುದೆ सवक्तुदे (क) सं.—प्रातःकाल, सवेरा; दूसरा दिन ।

ಸವಾರ सवार (अ दे.) सं.—सवार, घुड़सवार ।

ಸವಾರಿ सवारि (अ. दे.) सं.—सवारी करना, वाहन पर बैठना ।

ಸವಿ सवि (क) क्रि.—स्वाद ले, चख ; बीत जा, व्यतीत हो । सं.—वह जो मधुर हो ; अमृत ।

ಸವುಟು सवुटु, ಸೌಟು सौटु (क) सं.—कलछुल, बडा चमचा ।

ಸವುತೆ सवुते, ಸೌತೆ सौते (क) सं.—दे. ಸವತೀಕಾಯಿ.

ಸವುಸವ सवुसव, ಸೌಸವ सौसव (क) सं.—सुगंध, परिमल, मकरंद ।

ಸವಳು सवुळु, ಸೌಳು सौळु (क) सं.—क्षार, खारा, फीका ।

ಸವೆ सवे (क) क्रि.—चख, खा ; घिस जा ; बन, तैयार हो ; बना ।

ಸಸನೆ ससने (क) अ.—चुप चाप, अब भी, फिर भी ।

(१)ಸಸಿ ससि (क) क्रि.—कपास धुन ; उखाड़, निकाल ।

(२)ಸಸಿ ससि (तद्) सं.—सस्य, छोटा पौधा ।

ಸಸಿನ ससिन (क) सं.—सीधापन ।

ಸಸಿಲ್ ससिल् (क) सं.—एक प्रकार की मछली ।

ಸಸ್ಯ सस्य (सम्) सं.—शस्य, छोटा पौधा ।

ಸಹಕಾರ सहकार (सम्) सं.—सहकार, सहयोग ।

ಸಹಗಮನ सहगमन (सम्) सं.—सती होना, पति के शव के साथ भस्म होना ।

ಸಹಚರಿ सहचरि (सम्) सं.—सहेली, सखी ।

ಸಹಜ सहज (सम्) सं.—स्वाभाविक, सहज, प्राकृतिक ।

ಸಹನೆ सहने (सम्) सं. — सहनशीलता, शांति ।

ಸಹಭಾವೆ सहभावे (सम्) सं.—भगिनी, बहन ।

ಸಹಯೋಗ सहयोग (सम्) सं.—सहयोग ।

ಸಹವಾಸ सहवास (सम्) सं.—संगत, संगति मित्रता ; संभोग ।

ಸಹಸ್ರ सहस्र (सम्) वि.—हजार की संख्या ।

ಸಹಾಧ್ಯಾಯಿ सहाध्यायि (सम्) सं.— सहपाठी, गुरुभाई ।

ಸಹಾಯ सहाय (सम्) सं.—मदद, सहायता ।

ಸಹಾಯಿ सहायि (सम्) सं.—मित्र, सहायक ।

ಸಹಿತ सहित (सम्) अ.—साथ ; समेत ।

ಸಹಿಸು सहिसु (सम्) क्रि.— सहन कर, सह ; सब्र कर ।

ಸಹೋದರ सहोदर (सम्) सं.—सहोदर, भाई ।

ಸಹೋದರಿ सहोदरि, ಸಹೋದರೆ सहोदरे (सम्) सं.—भगिनी, बहन ।

ಸಹ್ಯ सह्य (सम्) वि.—सहन करने योग्य; दृढ़, मजबूत, ताकतवर । सं.—सह्याद्रि नामक पर्वत ।

ಸಳಿ सळि (क) सं.—ठंडक, सर्दी ।

ಸಳೆ सळे (क) क्रि.—खींच ; आकर्षित कर ।

ಸಾಂಕ್ರಾಮಿಕ सांक्रामिक (सम्) वि.—सांक्रामिक रोग ।

ಸಾಂಖ್ಯ सांख्य (सम्) सं.—सांख्य ; दर्शन सांख्य दर्शन का अनुगामी ; एक व्यक्ति का नाम ।

ಸಾಂಗ सांग (सम्) वि.—सब प्रकार से परिपूर्ण, सब अंगों वाला ।

ಸಾಂಗತ್ಯ सांगत्य (सम्) सं.—सहवास ; संगति ; एक छंद का नाम ।

ಸಾಂತ सांत (तद्) सं.—शिवजी ।

ಸಾಂತಪನ सांतपन (सम्) सं.—एक प्रकार की कठोर तपस्या ।

ಸಾಂತ್ವನ सांत्वन (सम्) सं. — ढाँढस, आश्वासन. सांत्वना।
ಸಾಂದ್ರ सांद्र (सम्) वि.—घना, गहरा, घोर, मज़बूत; विपुल, अधिक; उग्र; प्रचण्ड; स्निग्ध, चिकना; कोमल, नरम; सुंदर, मनोहर।
ಸಾಂಪರಾಯ सांपराय (सम्) सं.—लड़ाई, मुठभेड़; भविष्य, भविष्य जीवन; अनुसंधान, जिज्ञासा।
ಸಾಂಪ್ರತ सांप्रत (सम्) वि.—योग्य, उचित, ठीक, वर्तमान समय संबंधी।
ಸಾಂಪ್ರದಾಯ सांप्रदाय (सम्) सं.—संप्रदाय, परंपरा।
ಸಾಂಬ सांब (सम्) सं.—शिवजी।
ಸಾಂಬ್ರಾಣಿ सांब्राणि (तद्) सं.—साम्राणि; लोहबान।
ಸಾಂಯಾತ್ರಿಕ सांयात्रिक (सम्) सं.—पोत-वणिक।
ಸಾಂವತ್ಸರ सांवत्सर (सम्) वि.—वार्षिक, सालाना। सं.—ज्योतिषी, दैवज्ञ, गणितज्ञ।
ಸಾಕಿಸು साकिसु (क) क्रि.—पालन-पोषण करा या करवा।
(१) ಸಾಕು साकु (क) क्रि.—पालन कर, पोषण कर, रक्षा कर। सं.—पोषण, पालन-पोषण। अ.— पर्याप्त, काफ़ी।
(२) ಸಾಕು साकु (क) क्रि.—फेंक। सं.—बहाना, स्वांग।
ಸಾಕ್ಷಾತ್ साक्षात् (सम्) अ.— खुलमखुल्ला, प्रत्यक्ष। सं.—रूप, आकार रोग, बीमारी; शास्त्र, आयुध; वार्ता विशेष।
ಸಾಕ್ಷಿ साक्षि (सम्) सं.—गवाह साक्षी।
ಸಾಗಡೆ सागड़े (क) सं.—एक वृक्ष (Sleichera Trijuga)।
ಸಾಗರ सागर (सम्) सं.—समुद्र, जलनिधि।
ಸಾಗವಳಿ सागवळि, ಸಾಗುವಳಿ सागुवळि (क) सं.—खेती, कृषि।
ಸಾಗಿಸು सागिसु (क) क्रि.—ले जाने दे, भिजवा; चलवा; कृषि करा या करवा।
ಸಾಗು सागु (क) क्रि.—बढ़, आगे जा, चल; फ़ैल। सं.—आगे बढ़ना, उन्नति; कृषि।
ಸಾಚಾ साचा (अ.दे.) वि.—सच्चा।
ಸಾಟಿ साटि (क) सं.—समानता, बराबरी, सानी।
ಸಾಣೆ साणे (तद्) सं.—सान, कसौटी।
ಸಾತಾನಿ सातानि (क) सं.—ब्राह्मणेतर वैष्णव जाति के लोग।
ಸಾತ್ವಿಕ सात्विक (सम्) वि. — असली, यथार्थ; सच्चा, सत्य; स्वाभाविक; ईमानदार; गुणवान, साहसी; सात्विक गुणयुक्त।
ಸಾದಾ सादा (अ. दे.) वि.—सादा, साधारण, मामूली।
ಸಾದು सादु (क) सं.—एक सुगंध द्रव्य; काला तिलक।
ಸಾದೃಶ್ಯ सादृश्य (सम्) सं.—समानता, एक रूपता; प्रतिकृति।
ಸಾಧಕ साधक (सम्) सं.—साधना करनेवाला, निपुण, पटु; अभ्यास, साधना।
ಸಾಧನೆ साधने (सम्) सं.—साधन, सामग्री, उपकरण; उपाय, मुक्ति; अनुसरण; प्रणाम सबूत; शोधन।
ಸಾಧಾರಣ साधारण (सम्) वि.—मामूली, सामान्य।
ಸಾಧು साधु (सम्) सं.—पुण्यात्मा जन; महात्मा, ऋषि, संत। वि. — योग्य, उचित; उत्तम; पुण्यात्मा, प्रतिष्ठित; शुद्ध, मनोहर।
ಸಾಧ್ಯ साध्य; (सम्) वि.—साध्य, साधनीय, होने योग्य।
ಸಾನಿ सानि (क) सं.—संगिनी; वेश्या।
ಸಾನುಮತ್ सानुमत्, ಸಾನುಮಂತ सानुमंत (सम्) सं.—पर्वत, पहाड़।
ಸಾನ್ನಿಧ್ಯ सान्निध्य (सम्) सं.—समीपता, नैकट्य; उपस्थिति, विद्यमानता।
ಸಾಪೆ सापे (क) सं.—चटाई (ग्रा.)
ಸಾಪೇಕ್ಷ सापेक्ष (सम्) वि.—अपेक्षा सहित, अपेक्षित।
ಸಾಮಗ್ರಿ सामग्रि (सम्) सं. — सामग्री, उपकरण।
ಸಾಮಂತ सामंत (सम्) सं.—सामंत राजा, पडोसी राजा।
ಸಾಮರ್ಥ್ಯ सामर्थ्य (सम्) सं. — सामर्थ्य, शक्ति, योग्यता, पराक्रम।
ಸಾಮಾನ್ಯ सामान्य (सम्) वि.—साधारण, मामूली।
ಸಾಮೀಪ್ಯ सामीप्य (सम्) सं.—निकटता, सामीपता।
ಸಾಮುದ್ರಿಕೆ सामुद्रिके (सम्) सं.—सामुद्रिक शास्त्र, हस्त-रेखाओं से शुभाशुभ कहने की विद्या।
ಸಾಮ್ಯತೆ साम्यते (सम्) सं.—समता, समानता, साम्य, सादृश्य।
ಸಾಮ್ರಾಜ್ಯ साम्राज्य (सम्) सं.—साम्राज्य।
ಸಾಮ್ರಾಟ साम्राट (सम्) सं. — सम्राट, चक्रवर्ती।
ಸಾಯ್ साय्, ಸಾಯು सायु (क) क्रि.—मर जा, मृत हो।
ಸಾಯಕ सायक (सम्) सं.—बाण, तीर; तलवार।
ಸಾಯಂಕಾಲ सायंकाल (सम्) सं.—शाम, संध्या।
ಸಾರ್ सार्, ಸಾರು सारु, (क) क्रि.—समीप जा, पास जा; घोषणा कर, ढिंढोरा पीट। सं.—निचोड, रस, शोरबा, रसम।
ಸಾರ सार (सम्) सं.—रस, निचोड; तत्व; गूदा; असली पदार्थ।
ಸಾರಗ सारग, ಸಾರಂಗ सारंग (सम्) सं.—चितल हिरन, बारहसिंगा।
ಸಾರಣ್ सारण् (क) सं.—समीपता, निकटता।
ಸಾರಣಿಗೆ सारणिगे (क) सं.—चलनी, चालनी।
ಸಾರಣೆ सारणे (क) सं.—लीपना, लिपाई, पुताई।
ಸಾರಥ್ಯ सारथ्य (सम्) सं.—रथवानी, कोचवानी।

ಸಾರಮೇಯ सारमेय (सम्) सं॰—कुत्ता।

ಸಾರವಣೆ सारवणे (क) सं॰—दे. ಸಾರಣೆ.

ಸಾರಸ सारस (सम्) सं॰—सारस पक्षी; कमल; स्त्री की कमर की करधनी, मेखला; मृत्यु। यम; पर्वत, पहाड़; समीपता, निकटता; धूर्त, चतुर।

ಸಾರಾಯ साराय, ಸಾರಾಯಿ सारायि (सम्) सं॰—मदिरा, शराब।

ಸಾರಿ सारि, ಸಾರೆ सारे (क) सं॰—बार, दफ़ा।

ಸಾರಿಗಿ सारिगि (क) सं॰—दे. ಸಾರಿ.

ಸಾರಿಸು सारिसु (क) क्रि॰—लीप, गोबर से ज़मीन को लीप।

ಸಾರು सारु (क) क्रि॰—दे. ಸಾಱು.

ಸಾರೆ सारे (क) सं॰—दे. ಸಾರಿ.=समीपता; मेल अ.—बड़ा, विशाल।

ಸಾಱಿಸು साऱिसु (क) क्रि॰—घोषणा कर, ढिंढोरा पिटवा।

ಸಾಱು साऱु (क) क्रि॰—ढिंढोरा पीट, घोषणा कर। सं॰—दाल का 'रसम्'।

ಸಾರ್ಥಕ सार्थक (सम्) वि॰—अर्थवाला, उपयोगी, काम का।

ಸಾರ್ವ सार्व (सम्) वि॰—सब का, सब से संबंधित।

ಸಾಲ್ साल्, ಸಾಲು सालु (क) सं॰—पंक्ति, लाइन, श्रेणी। क्रि.—पर्याप्त हो, काफ़ी हो बस हो; चुक; योग्य हो।

ಸಾಲ साल (क) सं॰—ऋण, कर्ज़ा, उधार।

ಸಾಲಗಾರ सालगार (क) सं॰—ऋणदाता, कर्ज़दार।

ಸಾಲಭಂಜಿಕೆ सालभंजिके (सम्) सं॰—पुतली, गुड़िया।

ಸಾಲಾವಳಿ सालावळि (क) सं॰ — मिलान, उपयुक्तता।

ಸಾಲಿಗ सालिग (क) सं॰—कर्ज़दार।

ಸಾಲಿಗ್ರಾಮ सालिग्राम (सम्) सं॰ —दे. ಶಾಲಿಗ್ರಾಮ.

ಸಾಲು सालु (क) सं. और क्रि.—दे. ಸಾಲ್.

ಸಾಲೋಕ್ಯ सालोक्य (सम्) सं॰—पाँच प्रकार की मुक्तियों में एक; दूसरे के साथ एक ही लोक में निवास।

ಸಾವಕಾಶ सावकाश (सम्) सं॰—अवकाश, फ़ुरसत।

ಸಾವಗಿಸು सावगिसु (क) क्रि॰—साफ़-सुथरा कर॰ ठीक कर; चुप हो।

ಸಾವಧಾನ सावधान (सम्) सं॰—ध्यान, अवधान, सावधानी।

ಸಾವಾಸ सावास (तद्) सं॰—संगत, संगति।

ಸಾವಿತ್ರಿ सावित्रि (सम्) सं॰—गायत्री मंत्र; उमा का नामांतर, पार्वती; ब्रह्माणी; सत्यवान् की पत्नी का नाम।

ಸಾವಿರ साविर (तद्) वि॰—हजार की संख्या।

ಸಾವು सावु (क) सं॰—मौत, मृत्यु।

ಸಾವುಕಾರ सावुकार (अ॰दे) सं॰—साहुकार; धनवान, अमीर।

ಸಾಷ್ಟಾಂಗ साष्टांग (सम्) सं॰ — अष्टांग प्रणाम।

ಸಾಸಿರ್ सासिर्, ಸಾಸಿರ सासिर (तद्) वि.—सहस्र, हज़ार।

ಸಾಸಿವೆ सासिवे, ಸಾಸುವೆ सासुवे (क) सं॰—सरसों ('ಸಾಸವೆ सासवे' भी लिखा जाता है)।

ಸಾಹಸ साहस (सम्) सं॰—ಸಾಸ सास (तद्) —साहस, पराक्रम।

ಸಾಹಿತ್ಯ साहित्य (सम्) सं॰ — साहित्य, वाङ्मय; एकत्र होना, मिलन, समुदाय।

ಸಾಹುಕಾರ साहुकार (अ॰दे॰) सं॰—दे. ಸಾವುಕಾರ.

ಸಾಹೇಬ साहेब (अ॰दे॰) सं॰—साहब; प्रभु, स्वामी।

ಸಾಳುವ साळुव, ಸಾಳ್ವ साळ्व (क) सं॰—पक्षी विशेष, बाज़।

ಸಿಂಗ सिंग (तद्) सं॰—सिंह, शेर।

ಸಿಂಗರ सिंगर (तद्) सं॰—श्रृंगार, अलंकरण।

ಸಿಂಗರಿಸು सिंगरिसु (तद्) क्रि॰—अलंकार कर, सजा, सिंगार कर।

ಸಿಂಗಳೀಕ सिंगळीक (क) सं॰—काला बंदर।

ಸಿಂಗಾರ सिंगार (तद्) सं॰—दे. ಸಿಂಗರ.

ಸಿಂಘಿಣಿ सिंघिनि (सम्) सं॰—नाक।

ಸಿಂಜಿನಿ सिंजिनि (तद्) सं॰-शिंजिनी, प्रत्यंचा।

ಸಿಂಡ್ರಿಸು सिंड्रिसु (क) क्रि॰ — नाक-भौंह सिकोड़, मुँह फुला; नाराज़ हो।

ಸಿಂದು सिंदु (क) क्रि॰—घिस, रगड़।

ಸಿಂದುರ सिंदुर, ಸಿಂದೂರ सिंदूर (सम्) सं॰—सेंदुर, ईंगुर।

ಸಿಂಧು सिंधु (सम्) सं॰—समुद्र, सागर; नदी; सिंध प्रान्त।

ಸಿಂಧುರ सिंधुर, ಸಿಂಧೂರ सिंधूर (सम्) सं॰—हाथी, गज।

ಸಿಂಪಡಿಸು सिंपडिसु (क) क्रि॰—छिड़क, छिड़का सींच।

ಸಿಂಪಿ सिंपि (क) सं॰—दर्ज़ी।

ಸಿಂಪಿಸು सिंपिसु (क) क्रि॰—छिड़क; छिड़का।

ಸಿಂಪು सिंपु (क) सं॰—सीप।

ಸಿಂಬಳ सिंबळ (तद्) सं॰—सिंघण (तत्), नाक का मैल, रेंट।

ಸಿಂಬಿ सिंबि, ಸಿಂಬೆ सिंबे (क) सं॰—गेंडुरी, विड़ई।

ಸಿಂಹ सिंह (सम्) सं॰—शेर; वीर पुरुष।

ಸಿಂಹಾಸನ सिंहासन (सम्) सं॰—सिंहासन, राजगद्दी।

ಸಿಂಹಾಸಂದಿ सिंहासंदि (तद्) सं॰—दे. ಸಿಂಹಾಸನ.

ಸಿಂಹಕೆ सिंहके (सम्) सं॰—राहु की माता का नाम।

ಸಿಕತ सिकत, ಸಿಕತೆ सिकते (सम्) सं॰—रेत, बालू।

ಸಿಕೆ सिके (अ॰ दे॰) सं॰ — सिका, मुहर; मुद्रिका, मोहर।

ಸಿಕ್ಕುಟಿ सिकटि, ಸಿಕ್ಕುಟಿಗೆ सिकटिगे, ಸಿಕ್ಕುಣಿಗೆ सिकणिगे (क) सं॰—कंघी।

ಸಿಕ್ಕಿಸು सिकिसु (क) क्रि.—उलझन में डाल; पकड़वा; ठूँस; लगा।

ಸಿಕ್ಕು सिकु (क) क्रि॰—मिल, पकड़ा जा, हाथ लग। सं॰—उलझन, गुत्थी।

ಸಿಕ್ತ सिक्त (सम्) वि॰—तर, नम, पानी से सींचा हुआ।

ಸಿಕ್ಥಕ सिक्थक (सम्) सं.—भात, भात का पिंड।

ಸಿಗಿ सिगि (क) क्रि.—(लकड़ी को) चीर या चूर चूर कर।

ಸಿಗು सिगु (क) क्रि—प्राप्त हो, मिल, उपलब्ध हो, पाया जा।

ಸಿಗುರ್ सिगुर्, ಸಿಗುರು सिगुरु, (ಸಿಗುರು सिगुरु) (क) सं.—लकड़ी का टुकड़ा, चीरा हुआ टुकड़ा।

ಸಿಗ್ಗಾಳಿ सिग्गाळि, (क) सं.—लजीला या शर्मानेवाला पुरुष।

ಸಿಗ್ಗಿಗ सिग्गिग (क) सं.—दैत्य, राक्षस।

ಸಿಗ್ಗು सिग्गु (क) सं.—लज्जा, शर्म, लाज।

ಸಿಟ್ಟು सिट्टु (क) सं.—क्रोध, गुस्सा।

ಸಿಡತ सिडत (क) सं.—फटना (सिर में दर्द); गर्व से उछलना।

ಸಿಡಿ सिडि (क) क्रि.—तितर-बितर हो, फैल, फट (दर्द हो)। सं.—सूक्ष्म होना, पतला होना; लोहे का बाँस या अंकुड़ा : विकीर्णता, फैलाव; दाह या प्यास बुझाना, नापसंदगी; व्याकुलता, भय; गजमद।

ಸಿಡಿಲ್ सिडिल्, ಸಿಡಿಲು सिडिलु (क) क्रि.—विकीर्ण हो, चारों ओर फैल। सं.—वज्र, बिजली।

ಸಿಡುಕು सिडुकु (क) क्रि.—चिढ़, क्रुद्ध हो। सं.—चिड़चिड़ा स्वभाव।

ಸಿಡುಬು सिडुबु (क) सं.—चेचक।

ಸಿಡುಂಬು सिडुंबु, ಸಿಡುಂಬೆ सिडुंबे (क) सं.—एक कंटीली झाड़ी।

ಸಿಡ್ಲು सिड्लु (क) सं.—दे. ಸಿಡಿಲ್; आँख का मल।

ಸಿತ सित (सम्) वि.—सफ़ेद। सं.—सफ़ेद रंग; चाँदी।

ಸಿತಗ सितग (सम् ?) सं.—व्यभिचारी, लंपट। ಸಿತಗೆ सितगे—स्त्री. लिं.।

ಸಿದಿಗೆ सिदिगे (तद्) सं.—अरथी, टिकठी।

ಸಿದುಗು सिदुगु (क) क्रि.—(हाथ से) ढूँढ।

ಸಿದ್ಧ सिध्द (सम्) वि.—जिसका सधन सिद्ध हो चुका हो, सिद्ध; सफल; प्राप्त, उपलब्ध; निपुण, पटु; प्रसिद्ध; चमकीला, प्रकाशमान। सं.—सिद्ध पुरुष मुक्ति, मोक्ष; तैयारी।—ಮಾಡು माडु= तैयार कर।

ಸಿದ್ಧಾಂತ सिद्धांत (सम्) सं.—उसूल, सिध्दांत, मत।

ಸಿದ್ಧಾರ್ಥ सिध्दार्थ (सम्) सं.—गौतम बुद्ध; सफ़ेद सरसों; शिवजी।

ಸಿದ್ಧಿ सिद्धि (सम्) सं.—सफलता, कृतकार्यता संस्थापना, प्रतिष्ठा, निश्चय, निर्णय, फैसला; पूर्णज्ञान; तैयारी; अणिमा आदि सिद्धियाँ; मोक्ष।

ಸಿಧ್ಮಲೆ सिध्मले (सम्) सं—छींटा रोग, कोढ।

ಸಿಪಾಯ सिपाय, ಸಿಪಾಯಿ सिपायि (अ.दे.) सं.—सिपाही (फ़ारसी)।

ಸಿಪಿಲೆ सिपिले (क) सं.—खंजन पक्षी।

ಸಿಪ್ಪು सिप्पु (क) सं.—सीप।

ಸಿಪ್ಪೆ सिप्पे (क) सं.—छिलका, फल आदि का बाहरी ढाँचा।

ಸಿಬ್ಬಂದಿ सिब्बंदि (क) सं.—नौकर या चाकरों का समूह।

ಸಿಯ್ಯನೆ सिय्यने (क) अ.—मधुरता से।

ಸಿರಿ सिरि, ಸಿರಿಯ सिरिय (तद्) सं.—श्री, लक्ष्मी, ऐश्वर्य।

(१) ಸಿರಿಸ सिरिस (क) सं.—साहस, वीरता, पराक्रम; गर्व।

(२) ಸಿರಿಸ सिरिस (तद्) सं.—शिरीष।

ಸಿಲುಕು सिलुकु, ಸಿಲಿಕು सिलिकु (क) क्रि.—फँस, (उलझन में) पड़े।

ಸಿಲುವು सिलुवु (क) वि.—पतला, महीन।

(१) ಸಿಲ್ಕು सिल्कु (क) क्रि.—दे. ಸಿಲುಕು सं.—उलझन।

(२) ಸಿಲ್ಕು सिल्कु (अ. दे.) सं.—रेशमी कपड़ा, Silk.

ಸಿವಂಗಿ सिवंगि (क) सं.—लकड़बग्गा।

ಸಿವಡಿ सिवडि, ಸಿವಡು सिवडु (क) सं.—गेंडुरी, पूला; घास का गट्ठा।

ಸಿವುಡಿ सिवुडि, (क) सं.—दे. ಸಿವಡಿ.

ಸಿಸಿಲ್ सिसिल् (क) सं.—एक मछली विशेष।

ಸಿಹಿ सिहि (क) सं.—मधुरता, मीठापन; मीठा पदार्थ, मिठाई।

ಸಿಳ್ಳೆ सिळ्ळे (क) सं.—सीटी; शाखा, डाली; रेंट, आँख का मैल।

ಸೀ सी (क) क्रि.—जल जा, जलकर काला हो। वि.—मधुर, मीठा। सं.—माधुर्य, मिठास।

ಸೀಕರಿ सीकरि (क) सं.—जल जाने की स्थिति।

ಸೀಗಡಿ सीगडि, ಸೀಗುಡಿ सीगुडि (क) सं.—छोटी सूखी मछली।

ಸೀಗುರಿ सीगुरि (क) सं.—एक तरह का चामर।

ಸೀಗೆ सीगे (क) सं.—शीकाई पौधा (Acacia concinna)।

ಸೀತರ್ सीतर् (क) सं.—क्रोध, गुस्सा, रोष।

ಸೀತಾಫಲ सीताफल (सम्) सं.—सीताफल, फल विशेष।

ಸೀತೆ सीते (सम्) सं.—हल के फाल से बनी रेखा; सीता, जानकी; एक प्रकार की घास।

ಸೀನ್ सीन्, ಸೀನು सीनु (क) क्रि.—छींक। सं.—छींक, छींकना।

ಸೀಪು सीपु (क) क्रि.—चूस (जैसे आम के फल को चूसना)।

ಸೀಬು सीबु (क) सं.—बाँस की तीली।

ಸೀಮಂತ सीमंत (सम्) सं.—एक संस्कार जो प्रथम गर्भस्थिति के चौथे, छटे या आठवें मास में किया जाता है; सिर के केशों की माँग; सीमा की चिह्न या रेखा।

ಸೀಮೆ सीमे (सम्) सं.—सीमा, हद; समुद्र-तट, तट; विदेश।

ಸೀಯಾಳ सीयाळ (क) सं.—नरम नारियल का पानी।

ಸೀಯಿ सीयि (क) सं.—मिठास; मिठाई।

ಸೀರ್ सीर्, ಸೀರು सीरु (क) सं.—लीख, जूँ का अंडा। क्रि.—लीख निकाल।

ಸೀರೆ सीरे तद्) सं.—साड़ी।
ಸೀಱು सीऱ् (क) सं.—पंक्ति, श्रेणी, रेखा; रेखाएँ।
ಸೀಱು सीऱु (क) क्रि.—छिड़क, फैल; क्रुद्ध हो झगड़ने को तैयार हो; चीख, कराह।
ಸೀಱುಡು सीऱुडु (क) सं.—चीरिका, झींगुर।
ಸೀವರಿಸು सीवरिसु (क) क्रि.—नफ़रत कर, जुगुप्सा प्रकट कर; फूँक।
ಸೀವು सीवु (क) क्रि.—सजा, सिंगार कर।
(१) ಸೀಸ सीस (क) सं—एक छंद का नाम।
(२) ಸೀಸ सीस ಸೀಸಕ सीसक (सम्) सं.—सीसा नामक धातु (Lead)।
ಸೀಳ್ सीळ्, ಸೀಳು सीळु (क) क्रि.—चीर, फाड़; टुकड़े कर।
ಸುಂಕ सुंक (तद्) सं.—शुल्क (तत्); कर, महसूल; चुंगी।
ಸುಂಕು सुंकु (क) सं.—झुर्री; तह।
ಸುಂಟರಗಾಳಿ सुंटरगाळि (क) सं.—आंधी; बवंडर।
ಸುಂಡ सुंड (तद्) सं.—चुड़िया, छोटा चूहा।
ಸುಂಡಿಸು सुंडिसु (क) क्रि.—भाफ बना, भाफ बनकर घटा।
ಸುಂಡು सुंडु (क) क्रि.—भाफ हो।
ಸುಂದರ सुंदर (सम्) वि.—चारु, मनोहर, प्रिय, खूबसूरत।
ಸುಂದರಿ सुंदरि (सम्) सं.—सुंदरी स्त्री।
ಸುಂದು सुंदु (क) सं.—रति, संभोग।
ಸು सु (सम्) उ.—अच्छा, भला, सुंदर, मनोहर, सर्वोत्तम।
ಸುಕರ सुकर (सम्) वि.—जो सहज में किया जा सके।
ಸುಕುಮಾರ सुकुमार (सम्) वि.—बहुत कोमल, मुलायम या नाजुक।
ಸುಕ್ಕು सुकु (सम्) सं.—सिकुड़न; झुर्री।
ಸುಖ सुख (सम्) सं.—सुख, आनंद, हर्ष, प्रसन्नता; समृद्धि।
ಸುಗತಿ सुगति (सम्) सं.—खुशबू, सुवास, सुरभि।
ಸುಗಂಧ सुगंध (सम्) सं.—सुंदर दशा; मुक्ति।
ಸುಗಮ सुगम (सम्) वि.—आसान।
ಸುಗಿ सुगि (क) क्रि.—लूट, लूट-मार कर; डर जा, भीत हो।
ಸುಗುಡುತನ सुगुडुतन (क) सं.— लालसा, तीव्र इच्छा।
ಸುಗ್ಗಿ सुग्गि (क) सं.—वसंत, चैत्रमास, फ़सल का काल; बहार, आनंद।
ಸುಜನ सुजन (सम्) सं.—सज्जन।
ಸುಟಿ सुटि (क)वि.—फुर्तीला, उत्साही, चतुर, होशियार।
ಸುಟ್ಟು सुट्टु (क) क्रि.—अंगुली से संकेत कर।
ಸುಡು सुडु (क) क्रि —जल, दाह उत्पन्न हो, आँच लग। वि.—जलनेवाला।
ಸುಣ್ಣ सुण्ण (तद्) सं.—चूना।
ಸುತರಾಂ सुतरां (सम्) अ.—बिलकुल, सुतरां।
ಸುತಿ सुति (तद्) सं. –श्रुति, वेद।
ಸುತ್ತಮುತ್ತಲು सुत्तमुत्तलु, ಸುತ್ತಲು सुत्तलु (क) अ.—चारों ओर; आसपास।
ಸುತ್ತಾಲೆ सुत्ताले (क) सं.—मन्दिर का हाता या प्राकार।
ಸುತ್ತಿಗೆ सुत्तिगे (क) सं.—हथौड़ा।
ಸುತ್ತಿಸು सुत्तिसु (क) क्रि.—घुमा, मँडराने दे।
ಸುತ್ತು सुत्तु (क) क्रि.—घूम, चारों ओर घूम; मँडरा। सं.—घुमाव; मंडल; विशालता; परिणाम।
ಸುತ್ತಲ್ಲು सुत्त्लु (क) अ.—चारों ओर।
ಸುದಾಮ सुदाम (सम्) सं.—एक ग़रीब ब्राह्मण जो श्रीकृष्ण के मित्र थे। मेघ, बादल; समुद्र; पर्वत।
ಸುದ್ದಿ सुद्दि (तद्) सं.—खबर, समाचार; वार्ता।
ಸುಧಾಂಶು सुधांशु (सम्) सं. — चन्द्रमा। कपूर; अग्नि की एक जिह्वा।
ಸುಧಾಕರ सुधाकर (सम्) सं.—चंद्रमा, इंदु।
ಸುಧಾರಣೆ सुधारणे (सम्) सं.—सुधार, ठीक करना।
ಸುಧಿ सुधि, ಸುಧೀ सुधी (सम्) सं.—बुद्धिमान या विद्वान पुरुष।
ಸುಧೆ सुधे (सम्) सं.—सुधा, अमृत; पुष्पों का रस, शहद, रस; ग.रा।
ಸುನಾಸೀರ सुनासीर (सम्) सं.—इंद्र।
ಸುಪರ್ಣ सुपर्ण (सम्) सं.—गरुड।—ಕೇತು केतु = विष्णु।
ಸುಪರ್ಣಿ सुपर्णि (सम्) सं. — गरुड की माता।
ಸುಪ್ತ सुप्त (सम्) वि.—सोया हुआ।
ಸುಪ್ತಿ सुप्ति (सम्) सं.—नींद, निद्रा, सुस्ती।
ಸುಪ್ಪತಿಗೆ सुप्पतिगे, ಸುಪ್ಪತ್ತಿಗೆ सुप्पत्तिगे (तद्) सं.—शय्या, सेज, बिस्तर।
ಸುಪ್ರತೀಕ सुप्रतीक (सम्) वि.—सुंदर, सुंदर आकार का। सं.—पूर्वोत्तर दिशा का हाथी।
ಸುಪ್ರಾಸ सुप्रास (सम्) सं.—अनुप्रास अलंकार का एक भेद।
ಸುಬೇದಾರ सुबेदार (अ.दे.) सं. — सूबेदार (अरबी, फ़ारसी)।
ಸುಬ್ಬಲು सुब्बलु (क) सं.—खुरखुरापन (कपड़े पर या जानवरों के शरीर पर के रोम में)।
ಸುಭಗ सुभग (सम्) वि.—सुंदर, मनोहर, प्रिय; मान्य। सं.—सुंदरता।
ಸುಭದ್ರೆ सुभद्रे (सम्) सं.—कृष्ण की बहन और अर्जुन की पत्नी सुभद्रा।
ಸುಭಾಷಿತ सुभाषित (सम्) सं.—उत्तम वाणी, अच्छी तरह की बोली।
ಸುಮನೆ सुमने (सम्) सं.—चमेली; जाती पुष्प।
ಸುಮಾನ सुमान, ಸುಮ್ಮಾನ सुम्मान (सम्) सं.—बड़ी प्रसन्नता या आह्लाद।
ಸುಮಾರ सुमार, ಸುಮಾರು सुमारु (क ?) अ.—लगभग, करीब।
ಸುಮುಖ सुमुख (सम्) सं.—सुंदर मुख; पंडितजन; गरुड; गणेश; स्मिति; राजमार्ग।
ಸುಮ್ಮ सुम्म, ಸುಮ್ಮಗೆ सुम्मगे, ಸುಮ್ಮನೆ सुम्मने (क) अ.—चुपचाप, यों ही, अकारण।

ಸುಯ್ सुय्, ಸುಯಿ सुयि (क) क्रि·—उच्छवास छोड़ । सं·—उच्छ्वास, उसाँस ।

ಸುಯಿಲ್ सुयिल्, ಸುಯಿಲು सुयिलु, ಸುಯ್ಲು सुय्लु (क) सं·—उच्छ्वास ;

ಸುರ सुर (सम्) सं·—देवता ; तैंतीस की संख्या ; सूर्य ; एक की संख्या ।

ಸುರಗಿ सुरगि, ಸುರಯಿ सुरयि (क) सं·—एक पेड़ जिसके फूल सुगंधित होते हैं ।

ಸುರಗಿರಿ सुरगिरि (सम्) सं.—मेरु पर्वत ।

(१) ಸುರಂಗ सुरंग (अ·दे·) सं —सुरंग ; छेद ।

(२) ಸುರಂಗ सुरंग (सम्) सं·— अच्छा रंग या वर्ण ; अधिक प्रेम ।

ಸುರತ सुरत (सम्) सं·—अत्यंत हर्ष, बड़ी प्रसन्नता ; संभोग, रति ।

ಸುರಧನು सुरधनु (सम्) सं·—इंद्रधनुष ।

ಸುರಪಾದಪ सुरपादप (सम्) सं·—कल्पवृक्ष ।

ಸುರಪುರಿ सुरपुरि (सम्) सं.—देवलोक, अमरावती ।

ಸುರಭಿ सुरभि (सम्) सं·—सुगंध, महक ; कामधेनु ; सरस्वती, भारती ; गाय, कामदेव ; वन, अरण्य ; चंपक वृक्ष ; कदंब वृक्ष ; शमी वृक्ष ; एक प्रकार की सुगधित घास ; वसंत ऋतु ।

ಸುರರಾಜ सुरराज (सम्) सं·—इंद्र, देवराज ।

ಸುರವರ್ತ್ಮ सुरवर्त्म (सम्) सं.—आकाश ; वातावरण ।

ಸುರಸೆ सुरसे (सम्) सं·—तुलसी का पौधा ; और एक पौधा ।

ಸುರಳಿ सुरळि (क) सं·—लपेटी हुई वस्तु, गोल किया हुआ (काग़ज़ आदि)।

(१) ಸುರಿ सुरि (क) क्रि·—(पानी आदि) डाल; बरस ; चू ; पिरो ।

(२) ಸುರಿ सुरि ಸುರಿಗೆ सुरिगे (तद्) सं·—छुरी ।

ಸುರಿವು सुरिवु, ಸುರುವು सुरुवु (क) क्रि·—(पानी आदि) डाल ।

ಸುರಿಸು सुरिसु (क) क्रि·—बहा, बरसा ।

ಸುರುಗು सुरुगु (क) सं·—केले के सूखे पत्ते ।

ಸುರಂಗೆ सुरंगे (अ· दे) सं·—सुरंग ; दीवार आदि बना छेद ।

ಸುರುಟು सुरुटु, ಸುರುಂಟು सुरुंटु (क) क्रि·—लपेट, गोल कर ; कुम्हाला सिकुड़ जा ।

ಸುರುಳ್ सुरुळ् (क) क्रि·—सिकुड़ जा ; लपेट जा ; कुम्हला ।

ಸುರುಳಿ सुरुळि, ಸುರುಳೆ सुरुळे (क) सं·—लपेटी हुई वस्तु ।

ಸುರೆ सुरे (सम्) सं.—सुरा, मदिरा, शराब ।

ಸುಱಿ सुऱि (क) क्रि.—'सुर' शब्द के साथ पी ।

ಸುರ್ಕು सुर्कु (क) क्रि·—सिकुड़ जा, संकुचित हो । सं.—सिकुड़न ; झुर्री ।

ಸುರ್ವು सुर्वु (क) सं·—प्रचुरता, आधिक्य, समृद्धि ।

ಸುಲದು सुलदु, ಸುಲಿದು सुलिदु (क) कु—छिलका । निकाल कर ।

ಸುಲಿ सुलि (क) क्रि —छिलका निकाल (जैसे केले का छिलका निकालना) ; लूट, दबोच । सं·—गाय, गौ ।

ಸುಲಿಗೆ सुलिगे (क) सं·—लूट, डाका ।

ಸುಲೋಚನ सुलोचन (सम्) सं.—ऐनक, चश्मा ।

ಸುವರ್ಣ सुवर्ण (सम्) सं·—अच्छा रंग ; सोना, हेम ; सोने का सिक्का, अशर्फ़ी, मोहर ।

ಸುವ್ವಲೆ सुव्वले, ಸುವ್ವಾಲೆ सुव्वाले, ಸುವ್ವಿ सुव्वि (क) सं·—सुहागिन के गीत ।

ಸುಶೀಲತೆ सुशीलते (सम्) सं·—अच्छा स्वभाव या आचरण ।

ಸುಶ್ರಾವ್ಯ सुश्राव्य (सम्) वि·—कानों को सुनने के लिए अच्छा लगनेवाला ।

ಸುಷುಪ್ತಿ सुषुप्ति (सम्) सं·—गहरी नींद ; अज्ञान ।

ಸುಷ್ಠು सुष्ठु (सम्) वि·—अच्छा; उत्तम, सुंदर । अ·—अधिक, ठीक, सचमुच ।

ಸುಷ್ಮ सुष्म (सम्) सं·—रस्सा, रस्सी ।

ಸುಸಿರ सुसिर (तद्) सं·—सुषिरं (तत्) ; छेद, सूराख ।

ಸುಸಿಲ್ सुसिल् (क) सं.—प्रातःकाल, उदय, प्रभात ; रति, संभोग ।

ಸುಸ್ತಿ सुस्ति (अ· दे.) सं·—सुस्ती ; विलंब देर, आलस्य ।

ಸುಸ್ತು सुस्तु (अ·दे.) सं.—आलस्य, शैथिल्य, ढिलाई, कमज़ोरी ।

ಸುಹೃದ್ सुहृद्, ಸುಹೃದ सुहृद (सम्) सं.—मित्र, दोस्त ।

ಸುಳುವು सुळुवु (क) सं·—शब्द, ध्वनि, आहट; पता, निशाना ।

ಸುಳ್ಳು सुळ्ळु (क) सं·—झूठ, असत्य, मिथ्या ।

ಸುೞಿ सुऴि (क) क्रि.—चारों ओर घूम, मँडरा, भ्रमण कर, चकरा । सं·—भ्रमण ; भँवर, जलावर्त ; केले, नारियल आदि का कोमल पत्ता ; कामचोर मनुष्य ; कपट, धोखा ।

ಸೂಕರ सूकर (सम्) सं·—सुअर ।

ಸೂಕಳ सूकळ (तद्) सं·—अड़ियल घोड़ा, नटखट, पाजी ।

ಸೂಕ್ತ सूक्त (क) वि·—उचित, योग्य ; सुंदर ढंग से कहा हुआ ।

ಸೂಕ್ಷ್ಮ सूक्ष्म (सम्) वि·—बहुत छोटा, बारीक, अल्प, पतला, सुकुमार ; विलक्षण ; उत्तम ; तीक्ष्ण ; चालक । सं·—अणु, परमाणु ; परमात्मा ; महीन डोरा ; फरेब, धोखा ।

ಸೂಗರಿಸು सूगरिसु, ಸೂಗುರಿಸು सूगुरिसु (क) क्रि·—अकुला, घबड़ा जा, व्याकुल हो ; भ्रमित हो ।

ಸೂಚಕ सूचक (सम्) वि·—सूचित करनेवाला सं·—सुई ; भेदिया, जासूस ; अध्यापक, शिक्षक ; तोरण ; वन, जंगल ; वित्त, धन ; कुत्ता, बिल्ली ; वानर, बंदर ; शिवजी ।

ಸೂಚನೆ सूचने (सम्) सं·—सूचना, बतलाना ।

ಸೂಚಿ सूचि (सम्) सं.—सुई छेदन; तालिका, सूची ; सैन्यव्यूह ; सूच्यग्र वनक्षेत्र ; नृत्यविशेष ; नाटकीय हावभाव ।

ಸೂಚಿಸು सूचिसु (सम्) क्रि·—सूचित कर, बतला ।

ಸೂಜಿ सूजि (तद्) सं.—सुई ; सूच्यग्र ।
ಸೂಟಿ सूटि (क) सं.—फुर्ती, तेज़ी, चपलता ।
ಸೂಡಗ सूडग, ಸೂಡಿಗ सूडिग, ಸೂಡಾಯ सूडाय (क) सं.—कंगन, कड़ा।
ಸೂಡು सूडु (क) क्रि.—जूड़े में खोंस ले । सं. – (घास आदि का) गट्ठा, बोझ ।
ಸೂತ सूत (सम्) सं.—सारथी, रथ हाँकनेवाला; बंदी, मागध, भाट ; सूर्य ; बढ़ई ; पौराणिक ; पारा, पारद।
ಸೂತಕ सूतक (सम्) सं.—जनन-मरण का आशौच, सूतक ।
ಸೂತಿಕೆ सूतिके (सम्) सं.—जच्चा स्त्री ।
ಸೂತ್ರ सूत्र (सम्) सं.—धागा, डोरी, सूत ; तार ; कठपुतली का तार या डोरी ; संक्षिप्त सारगर्भित पद या वचन ।
ಸೂತ್ರಧಾರ सूत्रधार (सम्) सं.—सूत्रधार, नाट्यशाला का व्यवस्थापक, प्रधान नट ; धागा, डोरी ।
ಸೂದಕರ್ಮ सूदकर्म (सम्) सं.—रसोइये का काम ।
ಸೂನು सूनु (सम्) सं.—बच्चा ; बेटी या बेटा ; छोटा भाई ; सूर्य ।
ಸೂಪ सूप (सम्) सं.—सूप, शोरबा, पकी हुई दाल ।
ಸೂರ್ सूर्, ಸೂರು सूरु (क) सं.—ओरी, ओलती ।
ಸೂರಿ सूरि (सम्) सं.—विद्वान् , पंडित ।
ಸೂರುಳ್ सूरुळ्, ಸೂರುಳು सूरुळु (क) क्रि.—शपथ कर । सं.—शपथ ।
ಸೂರೆ सूरे, ಸೂಱೆ सूऱे (क) सं.—लूट, डाका ।
ಸೂರ್ಯ सूर्य (सम्) सं.—सूर्य, सूरज ; अर्क का पौधा ; बारह की संख्या ।—ಕಾಂತಿ कांति (सम्) सं.—एक पुष्प ।
ಸೂಲ್ सूल्, ಸೂಲು सूलु (क) सं.—गर्भ-स्थिति (विशेषतः जानवरों की)
ಸೂಲಗಾತಿ सूलगाति, ಸೂಲಗಿತ್ತಿ सूलगित्ति (तद्) सं.—प्रसवकारिणी दाई ।
ಸೂಲು सूलु (क) सं.—दे. ಸೂಲ್. साँस, श्वास।
ಸೂಸಕ सूसक (क) सं.—रत्नगुच्छा, झालर, एक मस्तकाभरण ।
ಸೂಸಿಕೆ सूसिके (क) सं.—प्रदर्शन, दिखाना ।
ಸೂಸು सूसु (क) क्रि.—टपक, बूँद बूँद गिर ; चू ; छलक, उछल पड़, दीख, दिखाई, पड़ ; छलका ; छिड़का ।
ಸೂಳ್ सूळ्, ಸೂಳು सूळु (क) सं.—ज़ोर की आवाज़, शोर-गुल ।
ಸೂಳಯಿಸು सूळयिसु, ಸೂಳಯ್ಸು सूळय्सु (क) क्रि. = ಸೂಳವಿಸು सूळविसु— शोर-गुल कर ।
ಸೂಳೆ सूळे (तद्) सं.—रंडी, वेश्या ।
ಸೂೞ್ सूऴ्, ಸೂೞು सूऴु (क) सं.—बार, दफ़ा ; बारी ।
ಸೂೞಾಯತ सूऴायत, ಸೂೞಾಯ್ತ सूऴायत (क) सं.—दूत का काम, राजदूत, संदेशवाहक ।
ಸೃಗ सृग (सम्) सं.—भिंदिपाल, एक प्रकार की गदा ।
ಸೃಮರ सृमर (सम्) सं.—मृग विशेष, चमरी मृग ।
ಸೃಷ್ಟಿ सृष्टि (सम्) सं.– संसार की रचना ; रचना ; प्रकृति ।—ಕರ್ತೃ कर्त (सम्) सं.—सृष्टिकर्ता, ब्रह्मा ।
ಸೆಂಡು सेंडु (क) सं.—कंदुक, गेंद ।
ಸೆಂದು सेंदु (क) क्रि.—घिस, रौंद, मल ; नाश कर । सं.—रौंदना आदि ।
ಸೆಕೆ सेके (तद्) सं.—ताप, उष्णता, उमस ।
ಸೆಕ್ಕು सेक्कु (क) क्रि.—घुसेड़, धँसा ।
ಸೆಕ್ಕೆ सेक्के (क) सं. = ಚಕ್ಕೆ चक्के—लकड़ी के छोटे-छोटे टुकड़े ।
ಸೆಖೆ सेखे ಸೆಗೆ सेगे (तद्) सं.—दे. ಸೆಕೆ.
(१) ಸೆಜ್ಜೆ सेज़े (क) सं.—बाजरा ।
(२) ಸೆಜ್ಜೆ सेज्ज़े (तद्) सं.—सेज, शय्या ; विस्तर ।
ಸೆಟೆ सेटे (क) क्रि.—झुक, ऐंठ ।
ಸೆಟ್ಟಿ सेट्टि (तद्) सं.—श्रेष्ठिन (तत्); बनिया ।
ಸೆಡಕು सेडकु (क) सं.—अकड़पन, ऐंठ, घमंड ; गर्व ।
ಸೆಡವು सेडवु (क) सं.—गर्व, घमंड ; वक्रता ।
ಸೆಡು सेडु (क) क्रि.—सी (सीना) ।
ಸೆಡೆ सेडे (क) क्रि.—मोटा हो, फूल जा ; घमंडी बन ; (रोंगटे) खड़े हो (सर्दी के कारण) ; झुक ; सिकुड़ ; डर जा । सं.—वक्रता ; डर, भय, घबराहट ; एक पौधा ; बर्तन विशेष ।
ಸೆಣಸು सेणसु (क) क्रि.—ईर्ष्या कर, डह कर । सं.—क्रोध, रोष ; बदला ।
ಸೆಣೆ सेणे (क) क्रि.—क्रुद्ध हो ; धो, साफ़ कर ।
ಸೆದಗೆ सेदगे (क) सं.—कूड़ा-करकट । (तद्) सं.—अरथी, टिकठी ।
ಸೆರಗು सेरगु (क) सं.—बुराई, हानि ; पाप, अपराध ; आँचल ।
ಸೆರೆ सेरे (क) सं.—अंजलि, चुल्लू ; मुट्ठी भर, कारागार, जेल ।
ಸೆಱಗು सेऱगु, ಸೆಱಂಗು सेऱंगु (क) सं.—आँचल, अंचल ।
ಸೆಱೆ सेऱे (क) क्रि.—पीडा दे, दिक कर ; सिकोड़ । सं.—बंधन, कारागार ।
ಸೆಲದಿ सेलदि, ಸೆಲಂದಿ सेलंदि (क) सं.—मकड़ी ।
ಸೆಲವು सेलवु (क) सं.—छुट्टी ; अनुमति ।
ಸೆಲೆ सेले (क) सं.—शोर-गुल ; प्रतिध्वनि, गूँज ; सोता, चश्मा ।
ಸೆಳತ सेळत, ಸೆಳವು सेळवु (क) सं.—खिंचाव ; पानी का धार में खिंचाव ।
ಸೆಳಸು सेळसु (क) क्रि.—द्वेष कर, ईर्ष्या कर ; पिटवा ।
ಸೆಳೆ सेळे (क) सं.—खींचना, खिंचाव ; छड़ी, दंड, बेंत । क्रि.—खींच, कर्षित कर ; उठा ले ; चढ़ा ; उखाड़ ; जल्दी बह ।
ಸೆೞ್ಳೆ सेऴ्ळे (क) सं.—खरोंचने से बना घाव ।
ಸೇಕಡಾ सेकडा (तद्) सं.—प्रतिशत ।
ಸೇಗುಡಸಿ सेगुडसि, ಸೇಗುಡಿ सेगुडि, ಸೇಗುಡಿತೆ सेगुडिते, ಸೇಗುರ್ಚಿ सेगुर्चि (क) सं.—मधुरक नामक पौधा ।
ಸೇಚನ सेचन (सम्) सं.—सिंचन, छिड़काव, सींचना, छिड़कना ; बाल्टी, डोलची ।

ಸೇಡು सेडु (क) सं.—मात्सर्य, बदला ; क्रोध, रोष।

ಸೇತು सेतु (सम्) सं.—बांध, पुल ; टीला ; भूसीमा ; घाटी।

ಸೇದು सेदु, ಸೇಂದು सेंदु (क) क्रि.—पी (बीड़ी, सिगरेट आदि पीना) ; (कुएँ से पानी) खींच ; सिकुड़ जा।

ಸೇದೆ सेदे (क) सं.—थकावट, श्रांति, आयास।

ಸೇದ್ಯ सेद्य (क) सं.—कृषि, खेती।

ಸೇನಾ सेना, ಸೇನೆ सेने (सम्) सं.—सेना, फ़ौज।

ಸೇಬು सेबु (अ. दे.) सं.—सेब।

ಸೇರ್ सेर्, ಸೇರು सेरु (क) क्रि.—पहुँच, मिल, पास जा ; पसंद आ, रुचि कर लग। सं.—मिलना, मिलाप।

ಸೇರುವಿಕೆ सेरुविके (क) सं.—मिलना मिलाप।

ಸೇರುವೆ सेरुवे (क) सं.—संबंध, मेल, सांगत्य; पशुओं का झुंड।

ಸೇರೆ सेरे (क) सं.—अंजलि, चुल्लू।

ಸೇಱು सेऱु (क) क्रि.—आक्षेप कर, तिरस्कार कर ; निंदा कर।

ಸೇಲೆ सेले (तद्) सं.—साड़ी।

ಸೇವಕ सेवक (सम्) सं.—सेवक, दास, नौकर।

ಸೇವನೆ सेवने (सम्) सं.—सेवा, सेवा करना।

ಸೇವಂತಿ सेवंति, ಸೇವಂತಿಗೆ सेवंतिगे (तद्) सं.—सेवती, एक प्रकार की जुही।

ಸೇವಗೆ सेवगे, ಸೇವಿಗೆ सेविगे (क) सं.—सेंवई।

ಸೇವೆ सेवे (सम्) सं.—सेवा ; पूजा, अर्चन।

ಸೈಂಧವ सैंधव (सम्) सं.—जयद्रथ का नाम ; सिंधु देश ; सिंधु देश का घोड़ा, घोड़ा ; लवण ; चंद्रमा ; तोता, शुक।

ಸೈನಿಕ सैनिक (सम्) सं.—सिपाही, योद्धा।

ಸೊಂಕು सोंकु (क) क्रि.—लग, छू ; स्पर्श कर, पास आ। सं.—छूना।

ಸೊಂಟ सोंट (क) सं.—कमर, कटि।

ಸೊಂಟರಗಾಳಿ सोंटरगालि (क) सं.—बवंडर ; आँधी।

ಸೊಂಡೆ सोंडे, ಸೊಂಡಿಲು सोंडिलु, ಸೊಂಡ್ಲು सोंड्लु (तद्) सं.—हाथी की सूँड।

ಸೊಂದಿ सोंदि (क) सं.—चरित्रहीन स्त्री या पुरुष ; गली।

ಸೊಂಪಗೆ सोंपगे (क) अ.—सुंदर, मनोहर, अच्छी तरह।

ಸೊಂಪು सोंपु (क) सं. — सौंदर्य, सुंदरता, लावण्य, शोभा।

ಸೊಕ್ಕು सोक्कु (क) सं.—सिकुड़न, झुर्री ; मद, अहंकार, घमंड। क्रि.—घमंड से चूर हो, मदमत्त हो ; छू, स्पर्श कर।

ಸೊಗಡು सोगडु (क) सं.—स्पर्श, छूना ; गंध, तीक्ष्ण गंध।

ಸೊಗಯಿಸು सोगयिसु, ಸೊಗಸು सोगसु (क) क्रि.—चमक, सुंदर लगा या दीख।

ಸೊಗಸು सोगसु (क) सं.—चमक, शोभा, कांति, सौंदर्य।

ಸೊಟ್ಟ सोट्ट (क) वि.—टेढ़ा, वक्र ; रूपहीन, विकृत।

ಸೊಟ್ಟೆ सोट्टे (क) वि.—दे. ಸೊಟ್ಟ.

ಸೊಡರ್ सोडर् ಸೊಡರು सोडरु, ಸೊಡಲು सोडलु (क) सं.—दीपक, दिया।

ಸೊಣೆ सोणे (क) क्रि.—अंगुली मार या चुभ, खुट खुट कर ; चोंच से मार।

ಸೊತ್ತು सोत्तु (तद्) सं.—स्वत्व, संपत्ति, अपनी वस्तु।

ಸೊನೆ सोने (क) सं.—फल या पत्तों के वृंत भाग से निकलनेवाला रस।

ಸೊನ್ನೆ सोन्ने (तद्) सं—शून्य (A Cypher)।

ಸೊಪ್ಪು सोप्पु (क) सं.—पत्ता, कोई हरा पत्ता, भाजी ; निर्बलता, कमज़ोरी। क्रि.—मुरझा, सूख, कमज़ोर हो।

ಸೊಪ್ಪುಳ್ सोप्पळ्, ಸೊಪ್ಪುಳ सोप्पळ (क) सं.—आहट, शब्द।

ಸೊಬಗು सोबगु, (तद्) सं.—सौंदर्य, शोभा, लावण्य।

ಸೊರಗು सोरगु (क) क्रि.—सूख, कुम्हला, मुरझा, कृश हो।

ಸೊರಟು सोरटु, ಸೊರಂಟು सोरंटु (क) सं.—मुरझा जाना या सूख जाना।

ಸೊರೆ सोरे, ಸೊರೆಕಾಯಿ सोरेकायि (क) सं.—लौकी।

ಸೊರ್ಕು सोर्कु (क) सं.—घमंड, गर्व, मद, अहंकार।

ಸೊಲ್ सोल्, ಸೊಲ್ಲು सोल्लु (क) सं.—शब्द। क्रि.—कह, बोल।

ಸೊವಡು सोवडु (क) सं.—गंध, तीक्ष्ण गंध।

ಸೊಸೆ सोसे (तद्) सं.—बहू, पुत्रवधू, पतोहू ; बहन की बेटी।

ಸೊಳ್ಳೆ सोळ्ळे (क) सं.—नथुना ; मच्छर, मशक।

ಸೋ सो (क) क्रि.—भगा, मार भगा, खदेड़।

ಸೋಕು सोकु (क) क्रि.—छू, स्पर्श कर ; पा जा।

ಸೋಗಿಲ್ सोगिल्, ಸೋಗಿಲು सोगिलु (क) सं.—अंचल, आँचल गोद।

ಸೋಗೆ सोगे (क) सं.—आँख की कोर ; नारियल का पत्ता ; ताड़ का पत्ता ; मोरपंख ; पतवार ; मोर, मयूर।

ಸೋಚ್ಛ್ರಯ सोच्छ्रय (सम्) वि.—ऊँचा, उन्नत।

ಸೋಜಿಗ सोजिग (क) सं.—अचरज, आश्चर्य, विस्मय।

ಸೋಟು सोटु (क) सं.—कलछुल (ग्रा. भा.)।

ಸೋಟೆ सोटे (क) सं.—गाल का निचला भाग।

ಸೋಡಿ सोडि (क) सं.—छोड़ा हुआ या त्यक्त धन।

ಸೋದರ सोदर (तद्) सं.—सहोदर, भाई।—ಮಾವ माव (तद्) सं.—मामा।—ಅತ್ತೆ अत्ते (तद्) सं.—मामी, फूफी।

ಸೋದಿಸು सोदिसु (तद्) क्रि.—छान ; साफ़ कर।

ಸೋನೆ सोने (क) सं.—फुहार, बूँदाबूँदी (वर्षा)।

ಸೋಬಾನೆ सोबाने (तद्) सं.—सुहाग-गीत।

ಸೋಮ सोम (सम्) सं.— एक लता, सोमवल्ली ; अमृत ; चंद्रमा ; किरण ; कपूर ; कुबेर ; शिव ; यम ; मुनि, यति ; जल ; पवन, वायु ; मन ।

ಸೋಮವಲ್ಲಿ सोमवल्लि (सम्) सं.—सोम लता ।

ಸೋಮಾರಿ सोमारि (क) सं.—आलसी या सुस्त मनुष्य ।

ಸೋರ್ सोर्, ಸೋರು सोरु (क) क्रि.—चू, टपक, स्रवित हो ; गिर ; ढीला हो ; गर्वहीन हो ।

ಸೋರೆ सोरे (क) सं.—लौकी ; एक पक्षी ।

ಸೋಲ್ सोल्, ಸೋಲು सोलु (क) क्रि.—हार जा । सं.—हार, पराजय ।

ಸೋಲ सोल (क) सं.—हार, पराजय ; हानि ।

ಸೋಲಿಸು सोलिसु (क) क्रि.—हरा, पराजित कर ।

ಸೋಲುವೆ सोलुवे, ಸೋಲ್ಮೆ सोल्मे (क) सं.—हार, पराजय ।

ಸೋಲೆ सोले (क) सं.—केंचुली ; प्याज़ का छिलका ।

ಸೋವು सोवु (क) क्रि.—भगा, खदेड़ । सं.—निशाना, चिह्न, पता ।

ಸೋಸು सोसु (तद्) सं.—छान (ग्रा.) ।

ಸೋಹೆ सोहे (क) सं.—निशाना, चिह्न, पता ।

ಸೌಂದರ್ಯ सौंदर्य (सम्) सं.—सुंदरता, मनोहरता ।

ಸೌಕರ್ಯ सौकर्य (सम्) सं. —सुविधा ; आसानी ।

ಸೌಗಂಧಿ सौगंधि (सम्) सं.—चंदन वृक्ष ।

ಸೌಜನ್ಯ सौजन्य (सम्) सं.—भलाई, भद्रता, नेकी ; उदारता ; दया ।

ಸೌಟು सौटु (क) सं.—कलछुल, बड़ा चमचा ।

ಸೌದಾಮಿನಿ सौदामिनि (सम्) सं.—बिजली ; एक अप्सरा का नाम ।

ಸೌಧ सौध (सम्) सं.—प्रासाद, महल, सफ़ेदी से पुता हुआ भवन ; चाँदी ; अमृत, पीयूष सत्य ; तृण, घास ।

ಸೌಭಾಗ್ಯ सौभग्य (सम्) सं.—अच्छा भाग्य ; शुभत्व, कल्याणत्व; सुहागिन होना, सुहागा; मनोहरता, सौंदर्य ।—ವತಿ वति (सम्) सं.—सुहागिन स्त्री ।

ಸೌಮ್ಯ सौम्य (सम्) वि.—चंद्रमा संबंधी, सोम संबंधी , सुंदर, मनोहर ; मुलायम, कोमल ; शुभ । सं.—सौंदर्य ; बुधग्रह ; एक संवत्सर का नाम ।

ಸೌರಭ್ಯ सौरभ्य, ಸೌರಭ್ಯ सौरभ्य (सम्) सं.—सुगंध, महक, खूशबू ।

ಸೌಶೀಲ್ಯ सौशील्य (सम्) सं.—सुशीलता, अच्छा स्वभाव ।

ಸ್ಕಂದ स्कंद (सम्) सं.—कार्तिकेय ; शिव ; शरीर ; राजा ; नदीतट ।

ಸ್ಕಂಧ स्कंध (सम्) सं.—कंधा ; पेड़ की डाली या गुदा ।

ಸ್ಕನ್ನ स्कन्न (सम्) वि.—नीचे गिरा हुआ, बाहर निकला हुआ ; टपका हुआ ; छिड़का हुआ, सूखा हुआ ।

ಸ್ಖಲಿತ स्खलित (सम्) सं.—फिसला हुआ, गिरा हुआ, ठोकर खाया हुआ ।

ಸ್ತಂಭ स्तंभ (सम्) सं.—खंभा ; पेड़ का तना, धड़ ; दृढता, कठोरता ; शील, प्रकृति ; पर्वत ; मनुष्य ; एक सात्विक भाव ।

ಸ್ತಂಭನೆ स्तंभने (सम्) सं.—स्तंभन, रोक-थाम, मुग्ध होना, स्तब्ध रहना ।

ಸ್ತನ स्तन (सम्) सं.—स्तन, कुच, स्त्री की छाती ।

ಸ್ತಬಕ स्तबक (सम्) सं.—गुच्छा, गलदस्ता ।

ಸ್ತಬ್ಧ स्तब्ध (सम्) वि.—रोका हुआ, सुन्न, गतिहीन, अचल ; दृढ, कठोर, सख्त ।

ಸ್ತವ स्तव (सम्) सं.—स्तोत्र, स्तुति, प्रशंसा ।

ಸ್ತಿಮಿತ स्तिमित (सम्) वि.—शांत, निश्चल, स्तब्ध ; कोमल, नरम ; गीला, तर, नम । —ಭಾವ (सम्) सं.—शांति, मानसिक स्थिरता ।

ಸ್ತುತಿ स्तुति (सम्) सं.—स्तव, प्रशंसा ।

ಸ್ತೂಪ स्तूप (सम्) सं.—राशि, ढेर ; टीला बौद्धों के स्तूप या स्तंभ ।

ಸ್ತೇನ स्तेन (सम्) सं.—चोर, डाकू ।

ಸ್ತೋಕ स्तोक (सम्) अ.—स्वल्प, थोड़ा-सा, कुछ ।

ಸ್ತೋತ್ರ स्तोत्र (सम्) सं—प्रशंसा, स्तव ।

ಸ್ತೋಮ स्तोम (सम्) सं. – प्रशंसा ; संग्रह, समुदाय, राशि, समूह ।

ಸ್ತ್ರೀ स्त्री (सम्) सं.—स्त्री, औरत, नारी ; जानवर की मादा ।

ಸ್ತ್ರೈಣ स्त्रैण (सम्) सं.—स्त्री स्वभाव, स्त्रीत्व ; स्त्रीलिंग ।

ಸ್ಥಗಿತ स्थगित (सम्) सं.—वि.—ढका हुआ, छिपा हुआ ।

ಸ್ಥಲ स्थल, ಸ್ಥಳ स्थल (सम्) सं.—जगह, स्थान ; सूखी भूमि ; खेत, भूभाग ; समुद्र या नदी का तट ; विषय, विवादग्रस्त विषय ; भाग ।

ಸ್ಥಾಣು स्थाणु (सम्) सं.—शिवजी ; खंभा, खूँटा, खूँटी ; धूपघड़ी का काँटा ; पेड़ का धड़ ; भाला, बरछा ।

ಸ್ಥಾನ स्थान (सम्) सं.—खड़े होने की क्रिया । अचलता, अटलता ; स्थल, जगह ; दशा, स्थिति ; संबंध ; गाँव, कस्बा, जिला ; पद, ओहदा ; पदार्थ, वस्तु ; वेदी ; तीर्थस्थान ; अंतर ; विराम ; सादृश्य, समानता ; रहने का स्थान, घर ; उचित स्थान ।

ಸ್ಥಾಪನೆ स्थापने (सम्) सं.—स्थापना, क़ायम करना, प्रतिष्ठा ।

ಸ್ಥಾಯಿ स्थायि (सम्) वि.—खड़ा रहनेवाला, स्थायी, टिकाऊ, दृढ । सं.—स्थायी भाव ।

ಸ್ಥಾಲಿ स्थालि (सम्) सं.—बटलोई, बर्तन विशेष ।

ಸ್ಥಾವರ स्थावर (सम्) वि.—अटल, अचल, स्थिर ; स्थापित ।

ಸ್ಥಿತಿ स्थिति (सम्) सं.—हालत, दशा, परिस्थिति ; स्थिरता ।

ಸ್ಥಿರ स्थिर (सम्) वि.—अटल, अचल, दृढ, मज़बूत; स्थायी· अनादि।

ಸ್ಥೂಲ स्थूल (सम्) वि.—मोटा; बड़ा; मज़बूत दृढ; गाढ़ा; मूर्ख।

ಸ್ಥೈರ್ಯ स्थैर्य (सम्) सं.—स्थिरता, अचलता, दृढता, धैर्य।

ಸ್ನಾನ स्नान (सम्) सं.—स्नान, नहाना।

ಸ್ನಿಗ್ಧ स्निग्ध (सम्) वि.—चिकना, तेल से तर; चिपचिपा; प्यारा, प्रिय, मनोहर; कोमल, मुलायम; चमकीला।

ಸ್ನೇಹ स्नेह (सम्) सं.—स्नेह, प्रेम, प्रीति; तेल; नमी; तरी; चिकनाहट।

ಸ್ನೇಹಿತ स्नेहित (सम्) सं.—मित्र, दोस्त।

ಸ್ಪಂದನ स्पंदन (सम्) सं.—सिसकन, धड़कन; कंपन आंदोलन।

ಸ್ಪರ್ಧೆ स्पर्धे (सम्) सं.—स्पर्धा, होड़· प्रतियोगिता।

ಸ್ಪರ್ಶ स्पर्श (सम्) सं.—छूना, स्पर्श, लगाव; त्वचा का विषय; रोग, बीमारी; मुठभेड़; भेंट, दान; पवन, हवा; आकाश; संभोग, रति।

ಸ್ಪಷ್ಟ स्पष्ट (सम्) वि.—स्पष्ट, साफ़।

ಸ್ಪೃಹೆ स्पृहे (सम्) सं.—कामना, अभिलाषा, उत्सुकता।

ಸ್ಫಟಿಕ स्फटिक, (सम्) सं.—फटिक, बिल्लौर।

ಸ್ಫುರಣ स्फुरण (सम्) सं.—अंगों में फड़कन; कंपकपी· थरथराहट; चमक, दमक; मन में आना।

ಸ್ಫುರಿಸು स्फुरिसु (सम्) क्रि.—मन को गोचर हो, मन में आ; प्रकाशित हो।

ಸ್ಫೂರ್ತಿ स्फूर्ति (सम्) सं.—स्फूर्ति, स्फुरण; प्रकटन; प्राकट्य; धड़कन, थरथराहट।

ಸ್ಫೋಟನ स्फोटन (सम्) सं.—फटना, तड़कन, अनाज फटकना; अंगुली फोडना या चटकाना।

ಸ್ಮರ स्मर (सम्) सं.—कामदेव।

ಸ್ಮರಣೆ स्मरणे (सम्) सं.—याद, स्मरण।,

ಸ್ಮರಿಸು स्मरिसु (सम्) क्रि.—स्मरण कर।

ಸ್ಮಾರ್ತ स्मार्त (सम्) सं.—स्मृति शास्त्र में दक्ष ब्राह्मण; एक संप्रदाय।

ಸ್ಮೃತಿ स्मृति (सम्) सं.—याददाश्त, स्मरण करना, स्मरण; स्मृतिशास्त्र।

ಸ್ಮೇರ स्मेर (सम्) सं.—मुस्कराहट। वि.—मुस्कानेवाला।

ಸ್ಯಂದನ स्यंदन (सम्) सं.—रथ; जल· पानी; पवन, हवा; नदी; तिनिश का पेड़।

ಸ್ಯಮೀಕ स्यमीक (सम्) सं.—मेघ· बादल; दीमक का मिट्टी का टीला; वृक्ष विशेष; समय, काल।

ಸ್ಯೂತ स्यूत (सम्) वि.—सिला हुआ, छिदा हुआ। सं.—बोरा।

ಸ್ರಗ್ಧರೆ स्रग्धरे (सम्) सं.—एक वृत्त का नाम।

ಸ್ರವಿಸು स्रविसु (सम्) क्रि.—स्रवित हो, बह; टपक।

ಸ್ರಸ್ತ स्रस्त (सम्) वि.—गिरा हुआ, टपका हुआ।

ಸ್ರೋತ स्रोत, ಸ್ರೋತಸ್ स्रोतस् (सम्) सं.—जल प्रवाह, धार।

ಸ್ವಚ್ಛ स्वच्छ (सम्) सं.—साफ़, विशुद्ध; सफ़ेद; सुंदर; स्वस्थ।

ಸ್ವತಂತ್ರತೆ स्वतंत्रते (सम्) सं.—स्वतंत्रता, स्वातंत्र्य, आज़ादी।

ಸ್ವಧೆ स्वधे (सम्) सं.—स्वधा, स्वतः प्रवृत्ति, स्वयंसिद्धता, स्वाभाविक चंचलता।

ಸ್ವಪ್ನ स्वप्न (सम्) सं.—स्वप्न, सपना।

ಸ್ವಭಾವ स्वभाव (सम्) सं.—स्वभाव, प्रवृत्ति, प्रकृति।

ಸ್ವರ स्वर (सम्) सं.—ध्वनि, आवाज, सरगम।

ಸ್ವರೂಪ स्वरूप (सम्) सं.—रूप, आकार प्रकृति। वि.—समान, सदृश; सुंदर।

ಸ್ವರ್ಗ स्वर्ग (सम्) सं.—स्वर्ग, नाक, देवलोक।

ಸ್ವರ್ಣ स्वर्ण (सम्) सं.—सोना, हेम, अशर्फ़ी। —ಗಿರಿ गिरि = मेरु पर्वत।

ಸ್ವರ್ಣದಿ स्वर्णदि, ಸ್ವರ್ಧುನಿ स्वर्धुनि, ಸ್ವರ್ನದಿ स्वर्नदि (सम्) सं.—देवगंगा, आकाशगंगा।

ಸ್ವಲ್ಪ स्वल्प (सम्) वि.—थोड़ा, कम; तुच्छ।

ಸ್ವಸೃ स्वसृ (सम्) सं.—बहन।

ಸ್ವಸ್ತಿ स्वस्ति (सम्) अ.—कुशल-क्षेम, भलाई, कल्याण आदि का सूचक अव्यय।

ಸ್ವಸ್ರೀಯ स्वस्रीय (सम्) सं.—बहन का पुत्र, भाँजा; साला, बहनोई।

ಸ್ವಾಗತ स्वागत (सम्) सं.—सुखागमन, अगवानी, स्वागत।

ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ स्वातंत्र्य (सम्) सं.—स्वतंत्रता, आज़ादी।

ಸ್ವಾದ स्वाद (सम्) सं.—ज़ायका, स्वाद, रुचि, चखना।

ಸ್ವಾದು स्वादु (सम्) वि.—मीठा, मधुर; प्रिय, मनोहर।

ಸ್ವಾಧೀನತೆ स्वाधीनते (सम्) सं.—स्वाधीन रहना, स्वतंत्रता।

ಸ್ವಾಭಾವಿಕ स्वाभाविक (सम्) वि.—सहज, स्वभाव संबंधी।

ಸ್ವಾಮಿ स्वामि (सम्) सं.—प्रभु, मालिक; पति।

ಸ್ವಾರ್ಥ स्वार्थ (सम्) सं.—स्वार्थ, खुदग़र्ज़ी।

ಸ್ವೀಕರಿಸು स्वीकरिसु (क) क्रि.—स्वीकार कर, अंगीकार कर।

ಸ್ವೇಚ್ಛೆ स्वेच्छे (सम्) सं.—स्वेच्छा, अपनी इच्छा; स्वतंत्रता।

ಸ್ವೇದ स्वेद (सम्) सं.—पसीना।

ಸ್ವೈರ स्वैर (सम्) वि.—स्वेच्छाचारी, मनमौजी; मंद, धीमा; सुस्त।

ಸ್ವೈರತೆ स्वैरते, ಸ್ವೈರಿತೆ स्वैरिते (सम्) सं.—स्वेच्छाचारिता।

ಹ ह

ಹ ह—कन्नड-वर्णमाला का अडतालीसवाँ अक्षर।

ಹ ह (क) प्र.—क्रियार्थक संज्ञा के अंत में, जैसे — ಬರಿಸುಹ इरिसुह—रखना, ನೆಗೆಹ नेगेह—कूदना, उछलना, ಪರೀಕ್ಷಿಸುಹ परीक्षिसुह—परीक्षा करना आदि।

ಹಂಕಾರ हंकार (तद्) सं.—अहंकार।
ಹಂಗ हंग (क) सं.—नीलकंठ पक्षी; भृंग (The fork-tailed strike)।
ಹಂಗಣೆ हंगणे, ಹಂಗಿಣೆ हंगिणे, ಹಂಗು हंगु (क) सं.—उपकार, कृतज्ञता, एहसान, दाक्षिण्य।
ಹಂಗರಲು हंगरलु, ಹಂಗರು हंगरु (क) सं.—एक सदा हरा रहनेवाला वृक्ष।
ಹಂಗಾಮಿ हंगामि (अ. दे.) सं.—हंगाम (फ़ारसी); कर्कों की अस्थायी नियुक्ति।
ಹಂಗಾಮು हंगामु (अ.दे.) सं.—हंगामा (फ़ारसी)।
ಹಂಗಿಸು हंगिसु (क) क्रि.—उलाहना दे।
ಹಂಗು हंगु (क) सं.—दे. ಹಂಗಣೆ।
ಹಂಗುಳಿಗೆ हंगुळिगे (क) सं.—स्टूल, तिपाई।
ಹಂಗೆ हंगे (क) अ.—जैसे, तरह, भाँति।
ಹಂಚಿಕೆ हंचिके (क) स.—बाँटना, बँटवारा साधन, उपाय युक्ति।
ಹಂಚಿಗ हंचिग (क) सं.—महावत।
ಹಂಚು हंचु (क) क्रि.—बाँट, विभक्त कर। सं.—खपरैल।
(१) ಹಂಜರ हंजर (क) सं.—छाजन, पंडाल, मंडप।
(२) ಹಂಜರ हंजर (तद्) सं.—पिंजड़ा।
ಹಂಜಱ हंजर् (क) सं.—बाँस की तीली।
ಹಂಜಿ हंजि (तद्) सं.—पूनी, वर्तिका।
ಹಂಟಿಗೆ हंटिगे (क) सं.—घर।
ಹಂಡೆ हंडे (अ. दे.) सं.—हंडा।
(१) ಹಂತ हंत (सम्) अ.—हर्ष, आश्चर्य, दुःख, शोक आदि का सूचक अव्यय।
(२) ಹಂತ हंत (तद्) सं.—सोपान, सीढ़ी; बारी।
ಹಂತವ್ಯ हंतव्य (सम्) वि.—मारने योग्य, वध करने योग्य।
ಹಂತಿ हंति (तद्) सं.—पंक्ति, कतार, श्रेणी।
ಹಂತೃ हंतृ (सम्) वि.—मारनेवाला, हत्यारा।
ಹಂದರ್ हंदर्, ಹಂದರ हंदर (क) सं.—दे. ಹಂಜರ.

ಹಂದಿ हंदि (क) सं.—सुअर, शूकर, वराह।
ಹಂದು हंदु (क) सं.—चल, हिल, डुल।
ಹಂದೆ हंदे (क) सं.—भीरु, डरपोक।
ಹಂಪು हंपु (क) सं.—गर्व, जादू।
ಹಂಪೆ हंपे, ಹಂಪಿ हंपि (क) सं.—एक स्थान का नाम।
ಹಂಬಲ हंबल (क) सं.—आतुरता, उत्कट इच्छा; चिंता; तरसना।
ಹಂಬಲಿಸು हंबलिसु (क) क्रि.—व्याकुल हो, चिंतित हो, तरस; आशा कर, ध्यान दे।
ಹಂಬಲು हंबलु (क) सं.—दे. ಹಂಬಲ.
ಹಂಬು हंबु (क) सं.—बेल, लता; रज्जु, रस्सी।
ಹಂಸ हंस (सम्) सं.—हंस पक्षी; आत्मा, जीवात्मा; परमात्मा; शिव; विष्णु; कामदेव; चंद्रमा; एक राक्षस का नाम; मुनि; महान् व्यक्ति; कल्मष रहित पुरुष; प्रकाश की किरण; नेत्र, आँख; घोड़ा; अमलता, निर्मलता; कमल।
ಹಂಸತೂಲ हंसतूल (सम्) सं.—हंस के कोमल पर।
ಹಂಸಮಾಲೆ हंसमाले (सम्) सं.—हंसों की उडान विशेष; एक वृत्त का नाम।
ಹಂಸಿ हंसि (सम्) सं.—हंसी, मादा हंस; एक वृत्त का नाम।
(१) ಹಂಸೆ हंसे (क) सं.—काई; दांत का मैल।
(२) ಹಂಸೆ हंसे (सम्) सं.—हंस, मराल।
ಹಕೀಮ हकीम (अ.दे.) सं.—हकीम (अरबी); वैद्य।
ಹಕ್ಕರಿಕೆ हक्करिके, ಹಕ್ಕಱಿಕೆ हक्करिके (क) सं.—केशिनी नामक पौधा। (The plant Chrysopogon)।
ಹಕ್ಕಲ್ हक्कल्, ಹಕ್ಕಲ हक्कल, ಹಕ್ಕಲು हक्कलु (क) सं.—(धान्य) बटोरना, उंछ।
ಹಕ್ಕಳು हक्कळु, ಹಯ್ಕಳು हय्कळु (क) सं.—बच्चे, लड़के।
ಹಕ್ಕಳೆ हक्कळे (क) सं.—परत का जमाव, बाहरी कड़ा हिस्सा, छिलका या परत।
ಹಕ್ಕಿ हक्कि (तद्) सं.—पक्षी, पंछी, चिड़िया।

(१) ಹಕ್ಕು हक्कु (अ.दे.) सं.—हक (अरबी); अधिकार।
(२) ಹಕ್ಕು हक्कु (क) सं.—पपड़ी, खुंटी।
ಹಕ್ಕೆ हक्के (क) सं.—गोशाला, गोठ; आश्रय, सेज।
ಹಗ हग (क) सं.—(धान्य रखने के लिए) ज़मीन में बनाया गया गड्ढा, धान्यागार।
ಹಗರ हगर (क) अ. और वि.—हलका; आसान।
ಹಗರಣ हगरण (क) सं.—गपशप, बकबास।
ಹಗರಣಿಸು हगरणिसु (क) क्रि.—गपशप कर, बकवास कर।
ಹಗರಣೆ हगरणे (क) सं.—दे. ಹಗರಣ.
ಹಗರು हगरु (क) सं.—हलकापन, लाघवत्व बालों में की रूसी।
ಹಗಱ್ हगर्, ಹಗಱು हगरु (क) सं.—बाँस की तीली।
ಹಗಱೆ हगरे (क) सं.—ಹಕ್ಕರಿಕೆ.
ಹಗಲ್ हगल्, ಹಗಲು हगलु (क) सं.—दिन, दिवस-काल, अहन्।
ಹಗಿನು हगिनु (क) सं.—गोंद, निर्यास, वृक्षों का चिपचिपा रस।
ಹಗುರ हगुर (क) सं.—दे. ಹಗರು.
ಹಗೆ हगे (क) सं.—शत्रु, दुश्मन; शत्रुता, बैर। अ.—भाँति, तरह, जैसे।
ಹಗೆತನ हगेतन (क) सं.—शत्रुता, बैर।
ಹಗೆಯ हगेय, ಹಗೇವು हगेवु (क) सं.—गड्ढा, गर्त, ज़मीन में छेद।
ಹಗ್ಗ हग्ग (तद्) सं.—प्रग्रहः (तत्); रस्सी, रस्सा।
ಹಗ್ಗು हग्गु (क) सं.—नीची ज़मीन।
ಹಚ್ಚಗೆ हचगे, ಹಚ್ಚನೆ हचने (क) वि. और अ.—हरा, हरा-भरा, सरसब्ज।
ಹಚ್ಚಡ हचड (क) सं.—ओढ़नी, चादर; आवरण।
ಹಚ್ಚಿಸು हच्चिसु (क) क्रि.—(बत्ती) जला; लगवा; कटवा।
ಹಚ್ಚು हच्चु (क) क्रि.—लगा, चिपका; नियुक्त कर, उपयोग में ला; सुलगा, जला; रोप; लेपन कर; छोटे-छोटे टुकड़े कर।

ಹಚ್ಚೆ हच्चे (क) सं.—बेंत, चीरा हुआ बाँस।

ಹಜಾಮ हजाम (अ.दे.) सं.—हज्जाम, नाई।

ಹಜಾರ हजार (क) सं.—बैठकखाना, बड़ा हॉल।

ಹಟ हट (तद्), ಹಠ हठ (सम्) सं.—हठ, ज़िद्द; ज़बरदस्ती।

ಹಟಿಕೆ हटिके, ಹಟಿಗೆ हटिगे, ಹಟ್ಟಿಗೆ हट्टिगे (क) सं.—घर।

ಹಟ್ಟಿ हट्टि (क) सं.—गोशाला; घर।—ಕಾಱ कार (क) सं.—ग्वाला, गोपालक।

ಹಡಗ हडग, ಹಡಗು हडगु (क) सं.—जहाज़, पोत।

ಹಡತ हडत (क) सं.—सामने लाने की क्रिया।

ಹಡದೆ हडदे (क) सं.—धोबी, नाई आदि को वर्ष में एक बार दिया जानेवाला अनाज।

ಹಡಪ हडप (क) सं.—तांबूल रखने की छोटी थैली; नाई की थैली।—ಗಾರ=नाई, हज्जाम।

ಹಡಪಾಳಿ हडपाळि ಹಡಪಿಗ हडपिग (क) सं.—तंबोली; नाई।

ಹಡಿ हडि (क) क्रि.—पा, प्राप्त कर. जन, जन्म दे; सं.—दरवाजा।

ಹಡಿಕೆ हडिके, ಹಡುಕು हडुकु (क) सं.—दुर्गंध, बदबू।

ಹಡೆ हडे (क) क्रि.—जन, जन्म दे; पा, प्राप्त कर।

ಹಡೆಯುವಿಕೆ हडेयुविके (क) सं.—जन्म दे, प्रसूति।

ಹಡ್ಲು हड्लु (क) सं.—दलदल, पंक।

(१) ಹಣ हण (क) सं.—पेड़ क स्कंध।

(२) हण (तद्) सं.—पणः (तत्); पैसा, धन।

ಹಣಜಿ हणजि. ಹಣಜೆ हणजे (क) सं.—पौधा, नागमल्लिका।

ಹಣವಂತ हणवंत (तद्) सं.—धनवान।

(१) ಹಣಿ हणि (क) सं.—पेड़ का स्कंध। क्रि.—बुन; (वेणी का) शृंगार कर।

(२) ಹಣಿ हणि (क) सं.—ललाट, माथा। क्रि.—पीट; मार; काट दे, पीटा जा।

ಹಣಿಕು हणिकु, ಹಣಿಗು हणिगु (क) क्रि.—घात में रह, छिप रह, ताक में रह।

ಹಣಿಗೆ हणिगे (क) सं.—कंघी; घौद, हत्था।

ಹಣುಗು हणुगु, ಹಣುಂಗು हणुंगु (क) क्रि.—दे ಹಣಿಕು

ಹಣೆ हणे (क) सं.—पेड़ का स्कंध या तना; ललाट, माथा; मौंद, बाड़ा।

ಹಣ್ಣಿ हण्णि (क) सं.—सूर्यकान्त पुष्प।

ಹಣ್ಣು हण्णु (क) सं.—फल, पका फल। क्रि.—तैयार कर, साध।

ಹಣ್ಣೆ हण्णे (क) सं.—दे. ಹಣ್ಣಿ.

ಹತ हत (सम्) वि.—चोटिल किया हुआ, ताडित; नष्ट हुआ, हताश।

(१) ಹತ್ತು हत्त (क) अ.—पूरा-पूरा, सब।

(२) ಹತ್ತು हत्त (तद्) सं.—हस्तः (तत्); हाथ, कर।

ಹತ್ತುಡಿ हत्तडि, ಹತ್ತುರಿ हत्तरि, ಹತ್ರಿ हत्रि (क) सं.—बढ़ाई का रंदा।

ಹತ್ತುಂಡಿ हत्तंडि (क) सं.—दे. ಹತ್ತುಡಿ.

ಹತ್ತುರ हत्तर, ಹತ್ತಿರ हत्तिर, ಹತ್ತಿರು हत्तिरु, ಹತ್ತಿರೆ हत्तिरे, ಹತ್ತಿಲೆ हत्तिले, ಹತ್ರ हत्र (क) अ.—पास, समीप, निकट।

ಹತ್ತಿ हत्ति (क) सं.—कपास, रूई।

ಹತ್ತಿಸು हत्तिसु (क) क्रि.—लगा, जोड़, चिपका चढ़वा; बत्ती जला।

ಹತ್ತು हत्तु (क) क्रि.—चढ़, ऊपर जा; लग, चिपक जा; जल उठ, जलकर काला हो; ऊपर उठ; लागू हो। वि.—दस की संख्या।

ಹತ್ತೆಹ हत्तेह (क) सं.—सामीप्य; प्रियता; स्नेह, मैत्री।

ಹತ್ಯೆ हत्ये (सम्) सं.—हत्या, वध।

ಹದ हद (क) सं.—उचित या योग्य स्थिति, हथियार आदि की धार ठीक होने की स्थिति।

ಹದಡು हदडु (क) सं.—कलाई, मणिबंध।

ಹದನ हदन, ಹದನು हदनु (क) सं. उचित या योग्य स्थिति, उचित ढंग या पद्धति, सच्ची स्थिति; तीक्ष्णता, धार।

ಹದಿ हदि (क) क्रि.—खोद, बिछा; खोदकर बिल बना। सं.—नींव, बुनियाद।

ಹದಿಗಿಸು हदिगिसु, ಹುದುಗಿಸು हुदुगिसु (क) क्रि.—पुड़िया या चूर्ण करा; दबाकर मुलायम कर।

ಹದಿರ್ हदिर्, ಹದಿರು हदिरु (क) सं.—कच्चा ताज़ा फल; ढंग, रीति; कलाई।

ಹದುಳ हदुळ (क) सं.—कुशल-क्षेम, मंगल, शुभ।

ಹದುಳಿಗ हदुळिग (क) सं.—सुखी मनुष्य।

ಹದ್ದು हद्दु (क) सं.—बाज़; गिद्ध; चील। (अ. दे.) सं.—सीमा, हद।

ಹನಸು हनसु (क) सं.—वेद का भाग या छंद।

ಹನಿ हनि (क) क्रि.—टपक, बूँद-बूँद गिर; पक, परिणत हो, तैयार हो। सं.—बूँद, जलकण।

ಹನಿಕು हनिकु (क) क्रि.—बूँद बूँद गिर; टपक।

ಹನುಮಂತ हनुमंत (तद्) सं.—हनुमान जी।

ಹಪ್ಪಳ हप्पळ, ಹಪ್ಪಳಿಗೆ हप्पळिगे (क) सं.—पापड़।

ಹಪ್ಪು हप्पु (क) सं.—मांस का टुकड़ा।

ಹಬೆ हबे (तद्) सं.—प्रभा (तत्); कांति।

ಹಬ್ಬ हब्ब (तद्) सं.—त्योहार; उत्सव, पर्व।

ಹಬ್ಬಿಸು हब्बिसु (क) क्रि.—फैला, विस्तार कर, (चढ़वा)।

ಹಬ್ಬು हब्बु (क) क्रि.—फैल, ऊपर चढ़ (जैसे फैलती या चढ़ती हैं)

ಹಬ್ಬುಗೆ हब्बुगे (क) सं.—फैलाव, विस्तार।

ಹಬ್ಬುವಿಕೆ हब्बुविके (क) सं.—दे. ಹಬ್ಬುಗೆ.

ಹಬ್ಬೆ हब्बे (क) सं.—बेंत।

ಹಮ್ಮದ हम्मद (क) सं.—मूर्छा, बेहोशी।

ಹಮ್ಮು हम्मु (क) क्रि.—रस्सी बट। सं.—गर्व, घमंड।

ಹಮ್ಮುಗೆ हम्मुगे (क) सं· — रस्सी, डोरा, बंधन।

ಹಯ हय (सम्) सं·—घोड़ा; सात की संख्या का द्योतक।

ಹಯನು हयनु, ಹೈನು हैनु (क?) सं·—दूध से बने पदार्थ; दुधार गाय; जल, पानी।

ಹಯಿಲು हयिलु, ಹಯ್ಲು हय्लु (क) सं·—विभ्रम, गड़बड़ी, घबराहट।

ಹಯ್ಕಳು हय्कळु (क) सं. — बच्चे, लड़के और लड़कियाँ।

ಹಯ್ದ हय्द (क) सं·—लड़का।

(१) ಹರ हर (क) वि·—चौड़ा, विस्तृत; दौड़नेवाला, बहनेवाला।

(२) ಹರ हर (सम्) सं·—शिव; ग्यारह की संख्या। वि.—हरनेवाला, दूर करनेवाला; हरानेवाला।

ಹರಕೆ हरके (क) सं·—मनौती, विनती; आशीर्वाद, स्वस्ति।

ಹರಗು हरगु (क) क्रि·—जोतकर बोने योग्य बना।

ಹರಟು हरटु (क) क्रि·—गप्पे लड़; बकवाद कर, बकबक कर।

ಹರಟೆ हरटे (क) सं·—बकवाद, गप; व्यंग्य लेख।

ಹರಡಿ हरडि (क) सं·—कलाई, नली; सोने और रत्नों से बना कलाई का कंगन।

ಹರಡು हरडु (क) क्रि·—फैला, प्रसार कर, व्याप्त कर, बिछा; खरोच। सं·—दे· ಹರಡಿ.

ಹರಣ हरण (तद्) सं·—प्राण, जान।

ಹರದ हरद (क) सं·—बनिया, व्यापारी, वणिक।

ಹರದಿಕೆ हरदिके, ಹರದು हरदु (क) सं·—व्यापार, वाणिज्य।

ಹರವಡಿ हरवडि (क) सं·—प्रकटन, प्रकाशन, दिखावा।

ಹರವಿ हरवि, ಹರಿಬಿ हरवि, ಹರಿವಿ हरवि, ಹರುಬಿ हरुवि, ಹರುವಿ हरुवि (क) सं·—मिट्टी का हंडा।

ಹರವು हरवु (क) क्रि·—फैल; फैला।

ಹರಸು हरसु (क) क्रि·—आशिष दे, दुआ दे; संकल्प कर।

ಹರಹು हरहु, (क) क्रि·—फैला, व्याप्त कर, बिछा। सं·—फैलाव-बिछाना।

ಹರಳಿಗ हरलिग (क) सं·—जार, व्यभिचारी।

ಹರಳು हरळु (क) सं·—कंकड, रत्न, बिलौर; एरंडी का पौधा।

(१) ಹರಿ हरि (क) क्रि·—बह, प्रवाहित हो; फाड़; दौड़, भाग, हट; अंत तक पहुँच; फैल।

(२) ಹರಿ हरि (सम्) सं·—विष्णु, कृष्ण; सूर्य; चंद्रमा; जल, पानी; वानर; घोड़ा; सिंह; शुक, तोता; मोर, मयूर; मेंढक; समुद्र; दिशा; साँप; तीर, बाण; कोश, भंडार; गाड़ी, शकट; इंद्र; ब्रह्मा; यम; वायु; आठ की संख्या।

ಹರಿಕಾಱ हरिकाऱ (क) सं·—संदेशवाहक; जासूस, भेदिया।

ಹರಿಕೆ हरिके (क) सं·—व्रत, मनौती; एक प्रकार का हँग।

ಹರಿಗು हरिगु (क) सं·—किनारा; उपान्त।

ಹರಿಣ हरिण (सम्) सं·—हिरन, बारहसिंगा।

ಹರಿತ हरित (सम्) वि·—हरा; पीला। सं·—हरा रंग; तलवार आदि की धार।

ಹರಿದಾಸ हरिदास (सम्) सं.—विष्णु भक्त।

ಹರಿದ್ರೆ हरिद्रे (सम्) सं·—हरिद्रा; हल्दी।

ಹರಿಪೀಠ हरिपीठ (सम्) सं·—सिंहासन।

ಹರಿಪ್ರಿಯೆ हरिप्रिये (सम्) सं·—लक्ष्मी।

ಹರಿಬ हरिब (क) सं·—समूह, समुदाय; कार्य, व्यवहार।

ಹರಿಬಿ हरिबि, ಹರಿವಿ हरिवि (क) सं·—दे· ಹರವಿ.

ಹರಿಯಣ हरियण, ಹರಿಯಾಣ हरियाण (क) सं·—थाली (मिट्टी या लकड़ी की)।

ಹರಿವಾಣ हरिवाण (क) सं·—दे· ಹರಿಯಣ.

ಹರಿಸು हरिसु (क) क्रि·—दे· ಹರಸು. बहवा, बहने दे; हटा, दूर कर, नाश कर।

ಹರಿಹ हरिह, ಹರಿಹು हरिहु (क) सं·—धार, धारा, प्रवाह।

ಹರುಬಿ हरुबि, ಹರುವಿ हरुवि (क) सं·—दे· ಹರವಿ.

ಹರುವು हरुवु (क) सं·—प्रकार, ढंग, साधन।

ಹರುಷ हरुष, ಹರುಸ हरुस (तद्) सं·—हर्ष, आनंद।

ಹರೆ हरे (क) क्रि·—फैल, व्याप्त हो, बिछ; चमक, प्रकाशित हो, प्रातःकाल हो। सं·—प्रातःकाल।

ಹಱಕು हऱ्कु ಹರಕು हरकु, ಹರ್ಕು हर्कु (क) वि·—फटा हुआ।

ಹಱಿ हऱि (क) क्रि—फाड़; फट जा; फाड़ा जा।

ಹಱಿತ हऱित ಹರಿತ हरित (क) सं·—आयुधों की धार या तीक्ष्णता।

ಹಱೆ हऱे (क) सं·—ढोल।

ಹರ್ಮ್ಯ हर्म्य (सम्) सं·—सौध, प्रासाद, महल, भवन।

ಹರ್ಷ हर्ष (सम्) सं·—आनंद, खुशी।

ಹಲ್ हल्, ಹಲ್ಲು हल्लु (क) सं·—दाँत, दशन, दंत।

(१) ಹಲ हल (क) अ·—कई, अनेक; कुछ।

(२) ಹಲ हल (सम्) सं·—हल, लांगल।

ಹಲಕು हलकु (क) क्रि·—वृक्ष पर चढ़ना। सं·—शरीर का अंग, गाल का निचला भाग।

ಹಲಕು हलकु, ಹಲಿಕೆ हलिके (क) सं·—एक प्रकार का हेंगा।

ಹಲಗೆ हलगे (तद्) सं·—फलक (तत्); तख्ता।

ಹಲಹು हलहु (क) क्रि· — निंदा कर, नाश कर।

ಹಲಿವೆ हलिवे (क) सं·—दे· ಹಲಕು.

ಹಲು हलु (क) सं·—दे· ಹಲ್. अ·—कई।

ಹಲುಬು हलुबु (क) क्रि·—बिलख, रो; कराह।

ಹಲ್ಕಾ हल्का (अ. दे.) सं.—नीचता, नीच पुरुष ।

ಹಲ್ಲಣ हल्लण (क?) सं.—ज़ीन ।

ಹಲ್ಲರು हल्लरु (क) सं.—कुछ लोग ; कई लोग ।

ಹಲ್ಲಿ हल्लि (क) सं.—छिपकली ।

ಹಲ್ಲು हल्लु (क) सं.—दे. ಹಲ್.

ಹಲ್ಲೆ हल्ले (क) सं.—कान का कोमल भाग ; दोसे आदि उलटाने के लिए उपयोगी कलछुल का एक उपकरण ।

ಹವಣಿಸು हवणिसु (क) क्रि.—तैयारी कर, प्रबंध कर, व्यवस्था कर ।

ಹವನ हवन (सम्) सं.—हवन, होम ।

ಹವಳ हवळ (तद्) सं.—प्रवाल, विद्रुम, मूँगा ।

ಹವಾ हवा (अ. दे.) सं.—हवा, पवन । समीर ।

ಹವಲುದಾರ हवलुदार, ಹವಾಲ್ದಾರ हवाल्दार (अ. दे.) सं.—हवालदार ।

ಹವಿಸ್ಸು हविस्सु (तद्) सं.—हवन करते समय अग्नि में डाली जानेवाली वस्तु ; घी ।

ಹವುದು हवुदु, ಹೌದು हौदु (क) अ.—हाँ ।

ಹವ್ಯ हव्य (सम्) वि.—होम करने योग्य । सं.—घी, देवताओं के लिए चढ़ावा ।

ಹವ್ವನೆ हव्वने (क) अ.—अकस्मात्, हठात् ।

ಹಸ हस, ಹಸನ हसन; ಹಸನು हसनु (क) वि.—अच्छा, शुद्ध, निर्मल, स्वच्छ ; सुंदर ।

ಹಸರ್ हसर ಹಸರು हसरु (क) सं.—हरा, हरा रंग ।

ಹಸವು हसवु, ಹಸಿವು हसिवु (क) सं.—भूख, क्षुधा ।

ಹಸಿ हसि (क) वि.—हरा, ताज़ा, कच्चा, गीला, नम । क्रि.—भूख लग ।

ಹಸಿಕೆ हसिके (क) सं.—संन्यासी का वस्त्र विशेष ।

ಹಸಿಗೆ हसिगे (क) सं.—किसान और भूस्वामी का हिस्सा या भाग ।

ಹಸಿತ हसित (सम्) वि.—हँसता हुआ, हँसा हुआ ।

ಹಸಿರು हसिरु (क) सं.—दे. ಹಸರ್.

ಹಸಿವಿ हसिवि, ಹಸಿವು हसिवु, ಹಸಿವೆ हसिवे (क) सं.—भूख, क्षुधा ।

ಹಸುಕು हसुकु (क) सं.—गंध, दुर्गंध ।

ಹಸುಬ हसुब, ಹಸುಂಬ हसुंब (क) सं—हारीत पक्षी ।

ಹಸುಬೆ हसुबे, ಹಸುಂಬೆ हसुंबे (क) सं.—झोली ।

ಹಸುವು हसुवु, ಹಸು हसु, ಹಸ हस (तद्) सं.—गाय ।

ಹಸುಳ हसुळ, ಹಸುಳೆ हसुळे (क) सं.—बच्चा, शिशु, बालक ।

ಹಸೆ हसे (क) सं.—मंगल आसन ; बिछौना ।

ಹಸ್ತ हस्त (सम्) सं.—हाथ ; सूँड ; एक हाथ का माप ; परिमाण ।

ಹಸ್ತಿ हस्ति (सम्) सं.—हाथी ; एक राजा का नाम ।

ಹಸ್ತಿನಾವತಿ हस्तिनावति (सम्) सं.—हस्तिनापुर ।

ಹಸ್ತಿನಿ हस्तिनि (सम्) सं.—हस्तिनी, चार प्रकार की स्त्रियों में से एक ; हथिनी ।

ಹಳ हळ (क) वि—पुराना, प्राचीन ।

ಹಳಚಿಕೆ हळचिके (क) सं.—चमक, दमक, कांति ।

ಹಳಚು हळचु (क) क्रि.—पीट, मार ; निरोध कर ।

ಹಳದಿ हळदि (तद्) सं.—पीला रंग ।

ಹಳುಕು हळुकु (क) सं.— छोटा टुकड़ा, चूर ।

ಹಳ್ಳ हळ्ळ (क) सं.—गड्ढा, गर्त ।

ಹಳ್ಳಿ हळ्ळि (क) सं.—गाँव, ग्राम ।

ಹಱ हऱ (क) वि.—पुराना, प्राचीन । सं.—बेकार पौधे ।

ಹಱಕು हऱकु (क) सं.—नाश ; वह जो नष्ट हो गया हो ।

ಹಱಚು हऱचु ಹಱಸು हऱसु (क) क्रि.—बासी हो ।

ಹಱದು हऱदु (क) वि.—पुराना, प्राचीन, जीर्ण (ಹಳದು भी लिखा जाता है) ।

ಹಱಮೆ हऱमे (क) सं.—प्राचीनता ; प्राचीन परंपरा, रूढ़ि या उक्ति ।

ಹೞಿ हऴि (क) क्रि.—निंदा कर, गाली दे । सं.—गाली, निंदा ।

ಹೞಿವು हऴिवु (क) सं.—गाली निंदा ।

ಹೞುವು हऴुवु (क) सं.—वन, जंगल ।

ಹೞೆ हऴे, ಹಳೆ हळे (क) वि. — पुराना, प्राचीन ।

ಹೞಿಗ हऴिग (क) सं.—फलों का धुएँ में रखने की क्रिया ।

ಹಾಂಗೆ हांगे (क) अ.—जैसे, वैसे, उस भाँति ।

ಹಾಂವು हांवु (क) सं.—सर्प, साँप ।

ಹಾಂಸೆ हांसे (क) सं.—दे. ಹಂಸೆ.

ಹಾಕು हाकु (क) क्रि.—डाल, रख ; लगा, रोप ; बो, उँडेल ; भर ; फेंक ; दे, छोड़ ; गिरा ; परोस, मत्थे मढ़ ।

ಹಾಗಲ್ हागल्, ಹಾಗಲ हागल, ಹಾಗಲು हागलु (क) सं.—करेला, करैला ।

ಹಾಗೆ हागे (क) अ.—दे. ಹಾಂಗೆ.

ಹಾಚಿ हाचि ಹಾಂಚೆ हांचे (क) सं.—काई, शैवल ।

ಹಾಟಕ हाटक (सम्) सं.—सोना ।

ಹಾಡ हाड, ಹಾಡು हाडु (क) सं.—गीत, गाना ।

ಹಾಡಿಸು हाडिसु (क) क्रि.—गीत गवा ।

ಹಾಡು हाडु (क) क्रि.—गीत गा । सं.—गाना, गीत ; ढंग, रीति ; कष्ट, तकलीफ़ ।

ಹಾದರ हादर (क) सं.—व्यभिचार ।—ಗಿತ್ತಿ गित्ति (क) सं.—व्यभिचारिणी स्त्री ।

ಹಾದಿ हादि (क) सं.—मार्ग, रास्ता, पथ ।

ಹಾದು हादु (क) कृ.—पार कर, से होते हुए ।

ಹಾಯ್ हाय् (क) क्रि.—जा, पार कर जा, कूद, उड़, फाँद, से होकर जा ; बहा ; ढकेल ; सींग से मार (जैसे-गाय करती है) । वि. — सुंदर, अच्छा । सं.—पाल ।

ಹಾಯಿಸು हायिसु (क) क्रि·—लगा, बहा, फैला।
ಹಾಯು हायु (क) क्रि·— दे· ಹಾಯ್.
ಹಾರ್ हार्, ಹಾರು हारु (क) क्रि·—उछल, कूद, फुदक ; उड़ ; चाह, अभिलाषा कर।
ಹಾರ हार (सम्) सं·—हार, मोतियों का हार।
ಹಾರಕ हारक, ಹಾರಕು हारकु (क) सं·—कोद्रव, कोदों अनाज।
ಹಾರಯ್ಕೆ हारय्के, ಹಾರೈಕೆ हारैके (क) सं·—कामना, शुभकामना।
ಹಾರಯ್ಸು हारय्सु (क) क्रि·—शुभ कामना प्रकट कर ; अभिलाषा कर।
ಹಾರವ हारव, ಹಾರುವ हारुव (क) सं·—ब्राह्मण।—ಗಿತ್ತಿ गित्ति—स्त्री· लिं·।
ಹಾರವಿಸು हारविसु (क) क्रि·—दे· ಹಾರಯ್ಸು.
ಹಾರಿದ್ರ हारिद्र (सम्) सं·—पीला रंग ; कदंब वृक्ष।
ಹಾರೀತ हारीत (सम्) सं·—कबूतर विशेष।
ಹಾರು हारु (क) क्रि·—दे· ಹಾರ್.
ಹಾರೆ हारे (तद्) सं·—सब्बल।
ಹಾಱಿಸು हारिसु, ಹಾರಿಸು हारिसु (क) क्रि·—उड़ा ; कुदा ; दूर कर, हटा ; निकाल।
ಹಾಱು हारु (क) क्रि·—दे· ಹಾರ್.
ಹಾಲ್ हाल्, ಹಾಲು हालु (क) सं·—दूध, क्षीर ; वृक्षों का सफ़ेद रस।
ಹಾಲುವಕ್ಕಿ हालुवक्कि, ಹಾಲೆಹಕ್ಕಿ हालेहक्कि (क) सं·— सगुन की चिड़िया।
ಹಾಲೆ हाले (क) सं.—कान का कोमल भाग ; सप्तपर्णी वृक्ष ; एक लता।
ಹಾವಡಿಗ हावडिग ಹಾವಾಡಿಗ हावाडिग (क) सं.—संपेरा।
ಹಾವಳಿ हावलि (क) सं·—उपद्रव, पीडा, संकट।
ಹಾವಿಗೆ हाविगे, ಹಾವುಗೆ हावुगे (तद्) सं·—पादुका।
ಹಾವು हावु (क) सं·—साँप।
ಹಾಸಿಕೆ हासिके, ಹಾಸಿಗೆ हासिगे (क) सं·—बिस्तर, बिछौना, शय्या।
ಹಾಸು हासु (क) क्रि·—फैला, बिछा, व्याप्त कर, रख। सं·—वह जो बिछा हुआ हो, तल्प, शय्या ; ताना ; रंग-बिरंगा कपड़ा।
ಹಾಸುಗಲ್ಲು हासुगल्लु (क) सं·—(ज़मीन पर फैलाने का) पत्थर।
ಹಾಸೆ हासे (क) सं·—सुंदर आसन।
ಹಾಸ್ಯ हास्य (सम्) सं·—हँसी ; हर्ष, उल्लास, आमोद, प्रमोद।
ಹಾಹಾಕಾರ हाहाकार, ಹಾಹಾರವ हाहारव (सम्) सं·—चीत्कार।
ಹಾಳೆ हाळे (क) सं·—पुतली ; आँख की पुतली ; पाल, पट।
ಹಾಳಿ हालि, ಹಾಳೆ हाले (क) सं·—पत्तर, कागज़ का तख्ता।
ಹಾಳ್ हाळ [ಹಾಳ್ हाळ्] (क) वि·—विनष्ट, बरबाद, भग्न।
ಹಾಳತ हाळत, ಹಾಳಿತ हाळित [ಹಾಳತ हाळत] (क) वि. — योग्य, उचित, प्रामाणिक।
ಹಾಳಿ हाळि (क) सं·—क्रम, रीति, बारी।
ಹಾಳು हाळु (क) वि·—दे· ಹಾಳ್.
ಹಿಂ हिं (क) वि·—पीछे, पीछे का।
ಹಿಂಗಡಿಸು हिंगडिसु (तद्) क्रि·—विभक्त कर, बाँट।
ಹಿಂಗಿಸು हिंगिसु (क) क्रि·—बुझा, शांत कर, दूर कर, सोचने दे।
ಹಿಂಗು हिंगु (क) क्रि·—बुझ, शांत, पीछे हट, दूर हो, सूख।
ಹಿಂಗು हिंगु (सम्) सं·—हींग, हींग का पौधा।
ಹಿಂಚೆ हिंचे (क) अ·—उसके बाद।
ಹಿಂಜರಿ हिंजरि (क) सं·—चाँदी।
ಹಿಂಜು हिंजु (क) क्रि·—पींज, धुन।
ಹಿಂಟೆ हिंटे (क) सं. — मिट्टी का ढोंका, लोंदा।
ಹಿಂಡಿ हिंडि (क) सं·—खली, पिण्याक।
ಹಿಂಡು हिंडु (क) क्रि·—निचोड़, हाथ से दबा ; चकोटी काट। सं·—समूह, झुंड, गल्ला।
ಹಿಂದಲ हिंदल, ಹಿಂದಳ हिंदळ, ಹಿಂದಣ हिंदण
ಹಿಂದು हिंदु, ಹಿಂದಿನ हिंदिन (क) वि·—पीछे का, पिछला ; पुराना ; बाद का।
ಹಿಂದೆ हिंदे (क) अ·—पीछे ; पश्चात्, बाद में।
ಹಿಂಪು हिंपु (क) सं·—बड़प्पन, महानता, बड़पाई, उन्नति।
ಹಿಕ್ಕಲು हिक्कलु (क) सं·—खेत का छोटा नाला।
ಹಿಕ್ಕು हिकु (क) क्रि·—छाँट, कंघी कर।
ಹಿಕ್ಕೆ हिक्के (क) सं·—बीट।
ಹಿಗ್ಗಲಿಸು हिग्गलिसु (क) क्रि· — अलगा, छाँट, अनाज में कंकड निकाल ; थैली का मुँह खोल।
ಹಿಗ್ಗಿಸು हिग्गिसु (क) क्रि·—अलगा, छाँट ; मंद कर, कम कर ; विस्तृत कर।
ಹಿಗ್ಗು हिग्गु (क) क्रि·—फैल, विस्तृत हो ; फूल, फूले न समा ; अलग हो, छँट जा।
ಹಿಚಿಕು हिचिकु, ಹಿಚುಕು हिचुकु, (क, क्रि·-दबा, घोंट।
ಹಿಟ್ಟು हिट्टु (क) सं·—आटा।
ಹಿಡಕ हिडक (क) सं·—पकड़नेवाला।
ಹಿಡತ हिडत (क) सं·—पकड़ना, पकड़ ; मितव्यय।
ಹಿಡಲು हिडलु, ಹಿಡ್ಲು हिड्लु (क) सं·—बुहारी, झाड़ी।
ಹಿಡಿ हिडि (क) क्रि·—पकड़ ; धर ; घेर, हाथ में ले ; छीन, रोक ; लग। सं·—मूठ ; मुष्टि।
ಹಿಡಿಕೆ हिडिके (क) सं·— मुट्ठी, मुठिया ; पकड़।
ಹಿಡಿಕು हिडिकु (क) सं·—अंडकोश।
ಹಿಡಿಕೆ हिडिके (क) सं·—मुट्ठी ; मूठ।
ಹಿಡಿಗಲು हिडिगलु (क) सं·—बुहारी, झाड़ू।
ಹಿಡಿತ हिडित (क) सं·—दे· ಹಿಡತ.
ಹಿಡಿಸು हिडिसु (क) क्रि·—पकड़ा, पकड़वा ; समा, धरा।
ಹಿಡುವಳಿದಾರ हिडुवळिदार (क) सं·—प्रभु, मालिक।
ಹಿಣಿ हिणि (क) सं.—ककुद, बैल का कब्ब।
ಹಿಣಿಲ್ हिणिल्, ಹಿಣಿಲು हिणिलु (क) सं·—प्रत्यंचा, धनुष की डोरी ; चोटी, जूड़ा, कबरी ; मोरपंख।

ಹಿತ हित (सम्) वि·—उपयुक्त, उचित, ठीक, अच्छा, उपयोगी। सं·—हित; लाभ, फ़ायदा।

ಹಿತ್ತಲ್ हित्तल्, ಹಿತ್ತಲ हित्तल, ಹಿತ್ತಲು हित्तलु, ಹಿತ್ತಿಲ್ हित्तिल् (क) सं·—घर का पिछवाड़ा।

ಹಿತ್ತಳಿ हित्तळि, ಹಿತ್ತಳೆ हित्तळे, ಹಿತ್ತಾಳಿ हित्ताळि, ಹಿತ್ತಾಳೆ हित्ताळे (क) सं·—पीतल।

ಹಿದುಕು हिदुकु (क) क्रि·—भिगोये दाने का छिलका दबाकर निकाल।

ಹಿನ್ನಿ हिन्नि (क) सं·—पुंख।

ಹಿಪ್ಪಲಿ हिप्पलि ಹಿಪ್ಪಿಲಿ हिप्पिलि (तद्) सं·—पिप्पली, बड़ा पीपल।

ಹಿಪ್ಪೆ हिप्पे (क) सं·—खली; निस्सार वस्तु, छिलका, चूसने के बाद बचा हुआ अंश।

ಹಿಮ हिम (सम्) वि·—ठंडा, शीतल। सं·—कोहरा, हिम, तुषार; चंद्रमा; नृप, राजा; अमृत; जल, पानी; घनसार, कपूर; कीर्ति; सफ़ेद; लाल; प्रधान।

ಹಿಯ್ಯಾಳಿಸು हिय्यालिसु, ಹೀಯಾಳಿಸು हीयालिसु (क) क्रि·—नीचा दिखा, घृणित कर; निंदा कर।

ಹಿರಣ್ಯ हिरण्य (सम्) सं·—सोना, संपत्ति, धन।—ಗರ್ಭ गर्भ (सम्) सं·—ब्रह्मा।

ಹಿರಳೆ हिरळे, ಹೆರಳೆ हेरळे, ಹೇರಳೆ हेरळे, ಹೇರುಳೆ हेरुळे (क) सं·—नारंगी।

ಹಿರಿ हिरि (क) वि·—बड़ा। क्रि·—तोड़, टुकड़े कर; नाश कर; बाहर खींच, म्यान से निकाल।

ಹಿರಿಯತನ हिरियतन (क) सं·—बड़प्पन, महानता।

ಹಿರೆ हिरे (क) वि·—बड़ा।

ಹಿಸಕು हिसकु, ಹಿಸುಕು हिसुकु (क) क्रि·—हाथ से (फल आदि) दबा।

ಹಿಸಿಕು हिसिकु (क) क्रि·—दे. ಹಿಸಕು.

ಹಿಳ हिळ (क) सं·—दरार।

ಹಿಳಲು हिळलु, ಹಿಳಿಲ್ हिळिल्, ಹಿಳಿಲು हिळिलु (क) सं·—ककुद्, बैल का कुब्ब।

ಹಿಳ್ಳಿ हिळ्ळि, ಹಿಳ್ಳೆ हिळ्ळे (क) सं·—जड़, अंकुर।

ಹಿಱಿ हिऱि (क) क्रि·—रस निकाल, दबाकर रस निकाल।

ಹೀಂಗೆ हींगे (क) अ·—दे. ಹೀಗೆ.

ಹೀಗೆ हीगे (क) अ·—इस प्रकार, इस ढंग से, इस तरह।

ಹೀಚು हीचु (क) सं·—बतिया।

ಹೀಜು हीजु (क) क्रि·—तैर; बह; घसीट; तान।

ಹೀನ हीन (सम्) वि·—त्यक्त, छोड़ा हुआ, वर्जित; अल्पतर; नीच।

ಹೀರ್ हीर्, ಹೀರು हीरु (क) क्रि·—चूस, रस पी। सं·—एक आभूषण।

ಹೀರೆ हीरे, ಹೀರೆಕಾಯಿ हीरेकायि (क) सं·—तुरई।

ಹೀಲಿ हीलि (क) सं·—मोरपंख, मोरपंख की आँख।

ಹುಂಜ हुंज, ಹುಂಜು हुंजु (क) सं·—मुर्गा।

(१) ಹುಂಡಿ हुंडि (अ· दे·) सं·—हुंडी।

(२) ಹುಂಡಿ हुंडि (क) सं·—छोटा गाँव।

ಹುಗಳು हुगलु, ಹುಗುಳು हुगुलु (क) सं·—मुँह में फफोला या फुंसी।

ಹುಗಿ हुगि (क) क्रि·—गाड़; दफ़न कर।

ಹುಗಿಸು हुगिसु (क) क्रि·—गड़वा।

ಹುಗು हुगु (क) क्रि·—घुस, प्रवेश कर।

ಹುಗ್ಗಿ हुग्गि (क) सं·—खिचड़ी।

ಹುಗ್ಗಿಗ हुग्गिग (क) सं·—गर्वीला या घमंडी मनुष्य।

ಹುಚ್ಚ हुच्च (क) सं·—पागल आदमी। ಹುಚ್ಚಿ हुच्चि—पागल स्त्री।

ಹುಚ್ಚು हुच्चु (क) सं·—पागलपन।— ತನ तन=पागलपन।

ಹುಟ್ಟಿ हुट्टि (क) सं·—छत्ता।

ಹುಟ್ಟಿಗೆ हुट्टिगे, ಹುಟ್ಟುಗೆ हुट्टुगे (क) सं·—पहनावा, वस्त्र; नाड़ी।

ಹುಟ್ಟಿಸು हुट्टिसु (क) क्रि·—उत्पन्न कर, जन्म दे, जन, पैदा कर।

ಹುಟ್ಟು हुट्टु (क) क्रि·—पैदा हो, जन्म ले, उत्पन्न हो; निकल। सं·—जन्म, उत्पत्ति; दर्वी, काठ का चमचा।

ಹುಟ್ಟುವಳಿ हुट्टुवळि (क) सं·—उत्पत्ति, उपलब्धि, बगीचे या खेत से प्राप्त होनेवाली वस्तु।

ಹುಡಕು हुडकु, ಹುಡುಕು हुडुकु (क) क्रि·—ढूँढ, तलाश कर, खोज, जाँच-पड़ताल कर।

ಹುಡಗ हुडग, ಹುಡುಗ हुडुग (क) सं·—लड़का, बालक— ತನ तन (क) सं·—लड़कपन, (बचपन); लड़के का-सा स्वभाव।

ಹುಡಗಿ हुडगि, ಹುಡುಗಿ हुडुगि (क) सं·—लड़की, बालिका।

ಹುಡಿ हुडि (क) सं·—पुड़ीया, चूर्ण, बुकनी, धूल।

ಹುಡಿಕು हुडिकु (क) क्रि·—दे. ಹುಡಕು.

ಹುಡುಗು हुडुगु (क) सं·—लड़कपन। क्रि·—झाड़ू दे।

ಹುಣಸೆ हुणसे, ಹುಣಿಸೆ हुणिसे, ಹುಣಿಚೆ हुणिचे (क) सं·—इमली।

ಹುಣ್ಣ हुण्ण, ಹುಣ್ಣು हुण्णु (क) सं·—घाव, फुंसी, फोड़ा।

ಹುಣ್ಣಮೆ हुण्णमे, ಹುಣ್ಣುಮೆ हुण्णुमे (तद्) सं·—पूर्णिमा, पूनम।

ಹುತ हुत (सम्) वि·—हवन किया हुआ, होम किया हुआ।

ಹುತ್ತ हुत्त, ಹುತ್ತು हुत्तु (क) सं·—वल्मीक, बाँबी।

ಹುದಿ हुदि (क) क्रि·—घुस, गड़ जा, समा।

ಹುದಿಗಿಸು हुदिगिसु, ಹುದುಗಿಸು हुदुगिसु (क) क्रि·—धँसा, भरा।

ಹುದುಗ हुदुग (क) सं·—जरायु।

ಹುದುಗು हुदुगु (क) क्रि·—समा; छिप, गुप्त रह; छिपाया जा। सं·—साझा; रक्षण, रक्षा।

ಹುದುವು हुदुवु, ಹುದು हुदु (क) सं·—स्नेह, रिश्ता, नाता।

ದ್ದೆ हुद्दे (अ.दे.) सं.—ओहदा (अरबी); स्थान, पद।

ಬ್ हुब् (क) सं.—फूल, पुष्प।

ಬ್ಬು हुब्बु (तद्) सं.—भ्रू, भौंह, भृकुटी।

ಮ್ಮಸ್ हुम्मस् (अ. दे.) सं.—उत्साह; जोश, गर्व; उत्तेजना।

ಯ್ हुय्, ಹುಯಿ हुयि (क) क्रि.—बरस, डाल; मार, पीट। ಹುಯ್ हुय् (क) सं.—भूसा, भूसी।

ಯಿಲು हुयिलु (क) सं.—शोर-गुल; चीत्कार, चिल्लाहट।

ಯಿಸು हुयिसु (क) क्रि.—डलवा, पिटवा।

ಯ್ಯಲ್ हुय्यल्, ಹುಯ್ಯಲು हुय्यलु (क) सं.—दे. ಹುಯಿಲು.

ರ हुर, ಹುರು हुरु (क) वि.—रूक्ष, कड़ा, खुरखुरा।

ರಕಲು हुरकलु (क) सं.—चबेना, भूँजा चटपटा।

ರಳಿ हुरळि (क) सं.—कुलित्थ, कुलथी।

ರಿ हुरि (क) क्रि.—भून, भूँज। सं.—तिरछा किया हुआ, डोरी, रस्सी, धागा; रीढ की हड्डी।

ರಿಡಿಗ हुरिडिग (क) सं.—ईर्ष्यालु व्यक्ति।

ರುಕು हुरुकु, ಹುರಕು हुरकु (क) सं.—एक चर्म रोग, खुजली, चर्म की रूक्षता; जुलपित्ती नामक रोग।

ರಪು हुरपु (क) सं.—दे. ಹುರುಕು.

ರುಳ್ हुरुळ्, ಹುರುಳು हुरुळु (क) सं.—सार, सत्त्व।

ರುಳಿ हुरुळि (क) सं.—दे. ಹುರುಳಿ.

ಲ್ हुल्, ಹುಲ್ಲು हुल्लु (क) सं.—तृण, घास, पुआल।

ಲಬು हुलबु (क) क्रि.—पता लग, प्रकाश में आ।

ಲಸು हुलसु, ಹುಲುಸು हुलुसु (क) सं.—समृद्धि; ऐश्वर्य।

ಹುಲಿ हुलि (क) सं.—बाघ, व्याघ्र।

ಹುಲಿಗಲಿ हुलिगलि, ಹುಲಿಗಿಲಿ हुलिगिलि, ಹುಲಿಗಿಲು हुलिगिलु, ಹುಲಿವಿಲಿ हुलिविलि (क) सं.—स्यंदग या तिनिष का पेड़।

ಹುಲಿಸು हुलिसु (क) क्रि.—समृद्ध हो, समुन्नत हो।

ಹುಲು हुलु (क) सं.—दे. ಹುಲ್.

ಹುಲುವರ हुलुवर (क) सं.—दे. ಹುರಳಿ.

ಹುಲ್ಲು हुल्लु (क) सं.—ಹುಲ್.

ಹುಲ್ಲೆ हुल्ले (क) सं.—हिरन, हरिणी।

ಹುವ್ವಾಡಿಗ हुव्वाडिग (क) सं.—फूल बेचने वाला।

ಹುವ್ವು हुव्वु (क) सं.—फूल, पुष्प, कुसुम।

ಹುಷಾರ हुषार, ಹುಷಾರು हुषारु (अ. दे.) सं.—होशियार, बुद्धिमान, उत्साही, सजग।

ಹುಸಿ हुसि (क) सं.—झूठ, असत्य। क्रि.—झूठ बोल या कह।

ಹುಸಿಗ हुसिग (क) सं.—झूठ बोलनेवाला।

ಹುಳಿ हुळि (क) सं.—खटाई, खटास। क्रि.—खट्टा हो। वि.—खट्टा।

ಹುಳ್ಳಿ हुळ्ळि (क) सं.—दे. ಹುರಳಿ (ग्रा.)।

ಹುಳ हुळ, ಹುಳು हुळु (क) सं.—कीड़ा, कीट।

ಹುಳಕಲು हुळकलु, ಹುಳುಕಲು हुळुकलु (क) सं.—('ಳ' का भी प्रयोग होता है)—घुन लगी हुई स्थिति, नष्ट होने की स्थिति; खोखलापन।

ಹುಳಿ° हुळि (क) सं.—कीड़ों से खाया जा, घुन लग, नष्ट हो।

ಹೂ हू (क) सं.—पुष्प, फूल। क्रि.—फूल कुसुमित हो, विकसित हो। अ.—हाँ, ठीक स्वीकृत-सूचक शब्द।

ಹೂಂಕರಿಸು हूंकरिसु (तद्) सं.—हुंकार कर, गर्जन कर।

ಹೂಜಿ हूजि, ಹೂಜೆ हूजे (क) सं.—सुराही।

ಹೂಜೆ हूज़े (क) सं.—ईर्ष्या, डाह, द्वेष।

ಹೂಟ हूट (क) सं.—हल जोतना; प्रबंध; उपाय, साधन।

ಹೂಡಿಸು हूडिसु (क) क्रि.—जुतवा; लगवा, जुड़वा।

ಹೂಡು हूडु (क) क्रि.—जोत, हल चला; लगा, प्रारंभ कर; प्रबंध कर, ठीक कर, व्यवस्था कर।

ಹೂಡೆ हूडे, ಹೂಡೇವು हूडेवु (क) सं.—बुरुज़, बुर्ज़।

ಹೂಣ್ हूण्, ಹೂಣು हूणु (क) क्रि.—धनुष पर बाण चढ़ा, प्रतिज्ञा कर; जबरदस्ती से प्रवेश कर।

ಹೂಣಿ हूणि (क) सं.—प्रतिज्ञा, शपथ।

ಹೂಣಿಕೆ हूणिके (क) सं.—पराक्रम, साहस।

ಹೂಣಿಸು हूणिसु (क) क्रि.—लगवा, गड़वा, धनुष पर बाण चढ़वा; बलात् प्रवेश करा। सं.—प्रतिज्ञा, शपथ।

ಹೂರಣ हूरण, ಹೂರ್ಣ हूर्ण (तद्) सं.—पूरण (तत्); भरी हुई वस्तु, सार, दाल (अथवा नारियल) और गुड़ से बनाया पदार्थ।

ಹೂವಾಡಿಗ हूवाडिग (क) सं.—फूल बेचनेवाला। ಹೂವಾಡಿಗಿತ್ತಿ—स्त्री. लिं.।

(१) ಹೂಸು हूसु (क) क्रि.—अपान वायु छोड़। सं.—अपान वायु।

(२) ಹೂಸು हूसु (क) क्रि.—लेपन कर, लगा।

ಹೂಹೆ हूहे (क) सं.—बच्चा, शिशु; गुड़िया।

ಹೂಳ್ हूळ्, ಹೂಳು हूळु (क) क्रि.—गाड़; ज़मीन में लगा।

ಹೃದಯ हृदय (सम्) सं.—हृदय, दिल, मन; छाती।

ಹೃಷ್ಟಿ हृष्टि (सम्) सं.—प्रसन्नता, आनंद।

ಹೆಂಗಳ್ हेंगळ्, ಹೆಂಗಳು हेंगळु (क) सं.—स्त्रियाँ (ब. व.)।

ಹೆಂಗಸು हेंगसु, ಹೆಂಗುಸು हेंगुसु (क) सं.—स्त्री। ಹೆಂಗಸರು हेंगसरु—ब. व.।

ಹೆಂಗೆ हेंगे (क) अ.—कैसे, किस प्रकार (व्या. भा.)।

ಹೆಂಚು हेंचु (क) सं.—खपरैल।

ಹೆಂಟೆ हेंटे (क) सं.—लोंदा, मिट्टी का ढेला; झुरमुट; लट्ठों का बेड़ा; कच्ची ईंट।

ಹೆಂಡ हेंड (क) सं.—शराब, मद्य, ताड़ी।

ಹೆಂಡತಿ हेंडति (क) सं.—पत्नी, भार्या।

ಹೆಂಡೆ हेंडे (क) सं.—गोबर।

ಹೆಂದ ह़ेंद (क) वि.—बड़ा, घना, गुरु।

ಹೆಂದು ह़ेंदु (क) क्रि.—चला, हिला, पीछे हटा।

ಹೆಂಪು ह़ेंपु (क) सं.—बड़प्पन, महानता; वैभव, विलास; उमंग।

ಹೆಕ್ಕಳ ह़ेक्कळ (क) सं.—अतिशय, आधिक्य, वृद्धि, समृद्धि; उन्नति; गर्व, घमंड।

ಹೆಕ್ಕು ह़ेक्कु (क) क्रि.—चुन, बीन; कंघी कर।

ಹೆಗ್ ह़ेग् (क) वि.—बड़ा (समास में)।

ಹೆಗಲ್ ह़ेगल्, ಹೆಗಲು ह़ेगलु (क) सं.—कंधा, स्कंध।

ಹೆಗ್ಗಣ ह़ेग्गण (क) सं.—घूस।

ಹೆಗ್ಗಳ ह़ेग्गळ (क) सं.—आधिक्य, समृद्धि।

ಹೆಚ್ಚರಿಕೆ ह़ेच्चरिके़, ಹೆಚ್ಚರ್ಕೆ ह़ेचर्कि़े (क) सं.—सावधानी, जागृति।

ಹೆಚ್ಚಳ ह़ेच्चळ (क) सं.—बढ़ती, समृद्धि, गर्व, घमंड।

ಹೆಚ್ಚಳಿಸು ह़ेच्चळिसु (क) क्रि.—घमंड कर; फूले न समा।

ಹೆಚ್ಚಿಕೆ ह़ेच्चिके़, ಹೆಚ್ಚಿಗೆ ह़ेच्चिगे़ (क) सं.—बड़प्पन, बड़ाई, महानता, महत्व। अ.—अधिक, बहुत।

ಹೆಚ್ಚು ह़ेच्चु (क) क्रि.—अधिक हो, प्रवृद्ध हो; (तरकारी) काट, छोटे-छोटे टुकड़े कर। अ.—अधिक।

ಹೆಚ್ಚುಗೆ ह़ेच्चुगे़ (क) सं.—दे. ಹೆಚ್ಚಿಕೆ.

ಹೆಚ್ಚೆ ह़ेच्चे़ (क) सं.—बाँस की तीली; गोदना, सैनिकों को डेरे पर बुलाने के लिए नगाड़ा बजाना।

ಹೆಜ್ಜೆ ह़ेज्जे़ (क) सं.—पद, पग, कदम, चरण।

ಹೆಟ್ಟ ह़ेट्ट (क) सं.—मिट्टी का ढेला, लोंदा, कच्ची ईंट; झुरमुट।

ಹೆಟ್ಟು ह़ेट्टु (क) सं.—आघात, चोट।

ಹೆಟ್ಟುಗೆ ह़ेट्टुगे़ (क) सं.—साथिन, प्रेमिका, पत्नी।

ಹೆಟ್ಟೆ ह़ेट्टे़ (क) सं.—लोंदा, मिट्टी का ढे़ला।

ಹೆಡಕು ह़ेडकु (क) सं.—गर्दन का पिछला भाग।

ಹೆಡಗೆ ह़ेडगे़ (क) सं.—टोकरी।

ಹೆಡಸು ह़ेडसु (क) सं.—बालों के झड़ने का रोग।

ಹೆಡೆ ह़ेडे़ (क) सं.—फन।

ಹೆಡ್ಡ ह़ेड्ड (क) सं.—मूर्ख मनुष्य। ಹೆಡ್ಡತಿ ह़ेड्डति—स्त्री. लिं.।

ಹೆಡ್ಡು ह़ेड्डु (क) सं. = ಹೆಡ್ಡತನ ह़ेड्डतन—मूर्खता।

ಹೆಡ್ಡೆ ह़ेड्डे़ (क) सं.—मूर्ख स्त्री।

ಹೆಣ್ ह़ेण्, ಹೆಣ್ಣು ह़ेण्णु (क) सं.—स्त्री, लड़की, औरत; मादा।

ಹೆಣ ह़ेण (क) सं.—लाश, शव।

ಹೆಣಗು ह़ेणगु (क) क्रि.—उलझ पड़, जूझ, झगड़, संघर्ष कर।

ಹೆಣಿಕೆ ह़ेणिके़, ಹೆಣಿಗೆ ह़ेणिगे़ (क) सं.—बटाई, बुनाई।

ಹೆಣಿಲು ह़ेणिलु (क) सं.—वेणी, चोटी।

ಹೆಣೆ ह़ेणे़ (क) क्रि.—वेणी बांध या केश-शृंगार कर। गूँथ; बट।

ಹೆದರಿಕೆ ह़ेदरिके़, ಹೆದರ್ಕೆ ह़ेदर्कि़े (क) सं.—डर, भय, भीति।

ಹೆದರು ह़ेदरु, ಹೆದಱು ह़ेदऱु (क) क्रि.—डर जा, भीत हो; घबरा।

ಹೆದೆ ह़ेदे़ (क) सं.—प्रत्यंचा, धनुष की डोरी।

ಹೆದ್ದ ह़ेद्द, ಹೆದ್ದನ ह़ेद्दन (क) सं.—रथ के पहिये की गति को रोकने के लिए उपयोग में लायी जानेवाली बड़ी रंभा या टेक।

ಹೆಪ್ಪು ह़ेप्पु (क) क्रि.—जम जा (दही का जमना)। सं.—जमना; तृणमयी भूमि, तृण-संकुल।

ಹೆಬ್ಬೆಟ್ಟು ह़ेब्बे़ट्टु (क) सं.—अंगूठा।

ಹೆಬ್ಬೆರಲ್ ह़ेब्बे़रल्, ಹೆಬ್ಬೆರಳು ह़ेबे़रळु (क) सं.—अंगूठा।

ಹೆಮ್ ह़ेम् (क) वि.—बड़ा (समास में); जैसे—ಹೆಮ್ಮರ ह़ेम्मर—बड़ा वृक्ष।

ಹೆಮ್ಮೆ ह़ेम्मे़ (क) सं.—गर्व, अभिमान, गौरव, बड़प्पन।

ಹೆರಲ್ ह़ेरल्, ಹೆರಲು ह़ेरलु, ಹೆರಳ್ ह़ेरळ्, ಹೆರಳು ह़ेरळु (क) सं.—जूड़ा; वेणी।

ಹೆರಳೆ ह़ेरळे़ (क) सं.—नारंगी।

ಹೆರೆ ह़ेरे़ (क) क्रि.—खरोंच, खुरच, छील। सं.—साँप की केंचुली; तेल पोतना, तेल देना।

ಹೆಱ್ ह़ेऱ्, ಹೆಱು ह़ेऱु (क) क्रि.—जन, जन्म दे; पा; दही का जमना।

ಹೆಱ ह़ेऱ [ಹೆರ ह़ेर] (क) वि.—दूसरा, अन्य।

ಹೆಱಿಗೆ ह़ेऱिगे़, ಹೆರಿಗೆ ह़ेरिगे़ (क) सं.—प्रसव, प्रसूति।

ಹೆಱೆ ह़ेऱे़ (क) सं.—पीछे होना; अर्धचंद्र।

ಹೆಲ್ಲಣೆ ह़ेल्लणे़ (क) सं.—बुराई, हानि: निष्ठुरता।

ಹೆಸರ್ ह़ेसर्, ಹೆಸರು ह़ेसरु (क) सं.—नाम; मूँग। —ಬೇಳೆ बेळे़ (क) सं.—मूँग की दाल।

ಹೆಳಲು ह़ेळलु (क) सं.—बालों का जूड़ा।

ಹೆಳವ ह़ेळव, ಹೆೞವ ह़ेऴव (क) सं.—लूला, विकलांग।

ಹೇ हे (सम्) अ.—संबोधनात्मक अव्यय।

ಹೆಂಗೆ ह़ेंगे़ (क) अ.—कैसे।

ಹೇಕುಳಿ हेकुळि (क) सं.—पागलपन।

ಹೇಗ हेग (क) सं.—पागल आदमी।

ಹೇಗೆ हेगे़ (क) अ.—कैसे।

ಹೇಡಿ हेडि (क) सं.—भीरु, डरपोक। —ತನ तन = भीरुता।

ಹೇತು हेतु (सम्) सं.—कारण; उद्देश्य; ज़रिया, साधन।

ಹೇದೆ हेदे़ (क) सं.—भूत, प्रेत।

ಹೇನ್ हेन्, ಹೇನು हेनु (क) सं.—जूँ।

ಹೇಮ हेम (सम्) सं.—सोना, सुवर्ण; काले या भूरे रंग का घोड़ा।

ಹೇಮಂತ हेमंत (सम्) सं.—हेमंत ऋतु, अगहन और पूस मास।

ಹೇಯ हेय (सम्) वि.—त्यागने योग्य, छोड़ने योग्य, तुच्छ। सं.—संकल्प; क्रोध; बहुत दूरी; दुःख; दुःख का विषय; जुगुप्सा।

ಹೇರ್ हेऱ (क) वि.—बड़ा, महान् (समास में)।
ಹೇರಳ हेरळ (क) अ.—अधिक, बहुत।
ಹೇರಳೆ हेरळे (क) सं.—नारंगी।
ಹೇರಾಳ हेराळ (क) अ.—दे, ಹೇರಳ.
ಹೇರುಳೆ हेरुळे (क) सं.—नारंगी।
ಹೇಱ್ हेऱ्, ಹೇಱು हेऱु, [ಹೇರು हेरु] (क) क्रि.—लाद, बोझा, डाल ; फैला, व्यक्त कर। सं.—बोझा, भार।
ಹೇಲು हेलु (क) सं.—मल, विष्ठा, पाखाना।
ಹೇವ हेव (क) सं.—लज्जा, शर्म।
ಹೇವರಿಸು हेवरिसु (क) क्रि.—जुगुप्सा व्यक्त कर ; संकोच कर।
ಹೇಸಿಕೆ हेसिके, ಹೇಸಿಗೆ हेसिगे (क) सं.—गंदगी, जुगुप्सा, घिनौनी वस्तु ; घृणा।
ಹೇಳಿಕೆ हेळिके, ಹೇೞಿಕೆ हेऴिके (क) सं.—कथन, कहना ; बात ; आज्ञा, आदेश।
ಹೇಳಿವು हेळिवु, ಹೇೞಿವು हेऴिवु (क) सं.—उड़ती खबर।
ಹೇಳಿಸು हेळिसु, ಹೇೞಿಸು हेऴिसु (क) क्रि.—कहला, कथन करा या करवा।
ಹೇಳು हेळु, ಹೇೞು हेऴु (क) क्रि.—कह, बोल, बतला ; आज्ञा दे।
ಹೈಗ हैग (सम्) सं.—सातें ब्राह्मणों की एक शाखा।
ಹೈಮಂತ हैमंत (सम्) सं.—हिमंत ऋतु से संबंधित ; जाड़े का मौसम।
ಹೊಂ होँ (क) सं.—सोना, सुवण (समास में)।
ಹೊಂಗರ होँगर, ಹೊಂಗರಕ होँगरक (क) सं.—एक वृक्ष (The Indian Coral tree)।
ಹೊಂಗಿಯ होँगिय (क) सं.—सुवर्ण मृग ; तेंन्दुए-सा एक मृग।
ಹೊಂಗು होँगु (क) क्रि.—फूल, फूल जा, सूजन हो ; फूले न समा, अधिक आनंदित हो।
ಹೊಂಗೆ होँगे (क) सं.—स्यंदन या तिनिश वृक्ष, तमाल वृक्ष (The Indian beech tree)।
ಹೊಂಚು होँचु (क) सं.—ताक में रह, घात में रह ; प्रतीक्षा कर।
ಹೊಂಡ होँड (क) सं.—गड्ढा, गर्त ; कृत्रिम तालाब।
ಹೊಂತ होँत (तद्) सं.—पंथ, पथ, रास्ता।
ಹೊಂದಸು होँदसु, ಹೊಂದಿಸು होँदिसु (क) क्रि.—मिला, ठीक कर, जोड़।
ಹೊಂದು होँदु (क) क्रि.—ठीक लग, मिल, जुड़, उपयुक्त हो, योग्य हो ; मिल, प्राप्त हो, पा ; मर जा, मृत हो।
ಹೊಕ್ಕರಿ होक्करि (क) सं.—कै, थूक।
ಹೊಕ್ಕಳು होक्कलु, ಹೊಕ್ಕುೞು होक्कुऴु (क) सं.—नाभि।
ಹೊಕ್ಕು होक्कु (क) सं.—बाना।
ಹೊಕ್ಕುಳು होक्कुळु, ಹೊಕ್ಕುೞು होक्कुऴु (क) सं.—नाभि।
ಹೊಗರು होगरु (क) सं.—कांति, चमक।
ಹೊಗಳತೆ होगळते, ಹೊಗಳಿಕೆ होगळिके, ಹೊಗೞತೆ होगऴते, ಹೊಗೞಿಕೆ होगऴिके, ಹೊಗಳ್ತೆ होगळ्ते, ಹೊಗೞ್ತೆ होगऴ्ते (क) सं.—प्रशंसा, स्तुति, सराहना।
ಹೊಗಳು होगळु, ಹೊಗೞು होगऴु (क) क्रि.—प्रशंसा कर, सराहना कर।
ಹೊಗು होगु (क) क्रि.—जा, गमन कर, घुस, प्रवेश कर।
ಹೊಗೆ होगे (क) सं.—धुँआ, धूम। क्रि.—धुँआ उठ ; धुँआ उत्पन्न कर ; क्रोध उत्पन्न कर।
ಹೊಚ್ಚು होच्चु (क) क्रि.—ढाँक, ओढ़ा, डाल, रख ; छिपकर रह।
ಹೊಟ್ಟ होट्ट (क) सं.—बहरा आदमी।
ಹೊಟ್ಟು होट्टु (क) भूसा, छिलका।
ಹೊಟ್ಟೆ होट्टे (क) सं.—ढक्कन, आवरण ; पेड़ का खोखला ; पेट ; तोंद।
ಹೊಟ್ರೆ होट्रे (क) सं.—पेड़ का खोखला।
ಹೊಡಕೆ होडके (क) सं.—तृण विशेष जिसे हाथी खाता है।
ಹೊಡಗು होडगु (क) सं.—बिल, छेद, सूराख।
ಹೊಡತ होडत (क) सं.—मारना, थपेड़ा।
ಹೊಡಿ होडि, ಹೊಡೆ होडे (क) क्रि.—मार, पीट, चोट कर।
ಹೊಡೆ होडे (क) सं.—अनाज की बाल ; छत का मुख्य धरन या बल्ला।
ಹೊಣಕೆ होणके (क) सं.—संघर्ष, युद्ध ; कलह।
ಹೊಣೆ होणे (क) सं.—उत्तरदायित्व, जिम्मेदारी, जिम्मा ; जामिन।
ಹೊತ್ತರು होत्तरु, ಹೊತ್ತಾರೆ होत्तारे, ಹೊತ್ತಱು होत्तऱु, ಹೊತ್ತಾಱೆ होत्ताऱे, (क) सं.—प्रातःकाल, सवेरा।
ಹೊತ್ತಿಸು होत्तिसु (क) क्रि.—(दिया) जला, सुलगा ; ओढ़ा ; बर्तन के निचले भाग में (अंदर) खाने की चीज़ को जलने दे।
ಹೊತ್ತು होत्तु (क) क्रि.—(दिया) जल, सुलग; बर्तन के निचले भाग में (अंदर) खाने की चीज़ जल जा। सं.—समय, काल; दग्धिका, जला हुआ भात या खाने की चीज़।
ಹೊತ್ಥಱು होत्थऱु (क) सं.—प्रातःकाल, सवेरा।
ಹೊದಕುಳಿ होदकुळि (क) सं.—संताप, दुःख, परेशानी।
ಹೊದಕೆ होदके, ಹೊದಿಕೆ होदिके (क) सं.—ओढ़नी, अच्छादन, आवरण।
ಹೊದರು होदरु (क) सं.—बिल ; पेड़ का खोखला।
ಹೊದಱ್ होदऱ्, ಹೊದಱು होदऱु (क) सं.—झुरमुट, झाड़ी।
ಹೊದಸು होदसु (क) क्रि.—ढाँक, ओढ़ा, अच्छादित कर।
ಹೊದಿ होदि (क) क्रि.—ओढ़, पहन।
ಹೊದಿಕೆ होदिके (क) सं.—ओढ़नी, आच्छादन ; छत।
ಹೊದಿಸು होदिसु (क) क्रि.—दे. ಹೊದಸು.
ಹೊದೆ होदे (क) क्रि.—दे. ಹೊದಿ. सं.—तरकस, तूणीर ; झुरमुट, कुंज।

ಹೊದ್ದಿಕೆ ह़ोद्दिके (क) सं.—ओढ़नी, आवरण, स्नेह, मिलाप।

ಹೊದ್ದು ह़ोद्दु (क) क्रि.—जुड़, लग, मिल, पास जा।

ಹೊದ್ದುಗೆ ह़ोद्दुगे, ಹೊದ್ದಿಗೆ ह़ोद्दिगे (क) सं.—सामीप्य, संयोग मिलाप।

ಹೊನ್ ह़ोन् (क) सं.—सोना, सुवर्ण, हेम।

ಹೊನಲ್ ह़ोनल्, ಹೊನಲು ह़ोनलु (क) सं.-झरना; धारा, प्रवाह।

ಹೊನಹು ह़ोनहु (क) सं—शोभा, कांति, सुंदरता।

ಹೊನ್ನು ह़ोन्नु (क) सं.—दे. ಹೊನ್.

ಹೊನ್ನೆ ह़ोन्ने (क) सं.—पीतसाल नामक वृक्ष (The tree Terminalia tomentosa)।

ಹೊಪ್ಪಳ ह़ोप्पळ, ಹೊಪ್ಪಳೆ ह़ोप्पळे (क) सं.—फफोला, सूजन।

ಹೊಮ್ ह़ोम् (क) सं.—सोना, सुवर्ण (समास, में)।

ಹೊಮ್ಮು ह़ोम्मु (क) क्रि.—उठ, निकल, हो, उत्पन्न हो।

ಹೊಯ್ ह़ोय्, ಹೊಯ್ಯು ह़ोय्यु (क) क्रि.—डाल; उडेल; मार, पीट।

ಹೊಯಿ ह़ोयि (क) क्रि.—दे. ಹೊಯ್.

ಹೊಯಿಗೆ ह़ोयिगे (क) सं.—बालू, रेत।

ಹೊಯಿಲು ह़ोयिलु, ಹೊಯ್ಲು ह़ोय्लु (क) सं.—मारना, मार, चोट, प्रहार।

ಹೊರಗೆ ह़ोरगे (क) अ.—बाहर।

ಹೊರಜಿ ह़ोरजि, ಹೊರಜೆ ह़ोरजे (क) सं.—मोटी रस्सी, रस्सा।

ಹೊರಟು ह़ोरटु (क) कृ.—निकलकर, जाकर। सं.—काकुद्, कूबड़।

ಹೊರಡು ह़ोरडु (क) क्रि.— जा, निकल, गमन कर, चल; लोट। सं.— कूबड़।

ಹೊರಸು ह़ोरसु (क) सं.—खाट, पलंग।

ಹೊರಳಿ ह़ोरळि (क) सं.— ढेर, राशि, समूह, समुदाय।

ಹೊರಳು ह़ोरळु (क) क्रि.— लोट-पोट हो।

ಹೊರಳೆ ह़ोरळे (क) सं.— नथुना; धन या पैसे का परिवर्तन।

ಹೊರಿಕೆ ह़ोरिके, ಹೊರಗೆ ह़ोरिगे (क) सं.— महीन आवरण या छिलका।

ಹೊರಿಸು ह़ोरिसु (क) क्रि —लाद, आरोप कर, लगा; पोषण करा या करवा।

ಹೊರೆ ह़ोरे (क) क्रि.— मिल, जुड़, लग, लद जा; पोषण कर। सं.—बोझा, गट्ठा; जुड़ना, सामीप्य, पड़ोस; केंचुली; पेड़ का छाल।

ಹೊಱ ह़ोर (क) वि.—बाहर का, बाहरी; पराया।

ಹೊಱಗು ह़ोरगु, ಹೊಱಗೆ ह़ोरगे (क) अ.—बाहर।

ಹೊಱಡು ह़ोरडु (क) क्रि — दे. ಹೊರಡು,

ಹೊಱತು ह़ोरतु, ಹೊರತು ह़ोरतु (क) अ.—अतिरिक्त, अलावा, सिवाय।

ಹೊಱಸು ह़ोरसु (क) सं—हारीत पक्षी, एक प्रकार का कबूतर।

ಹೊಱಗೆ ह़ोरिगे (क) सं.—धंधा, काम। — ವಾಳ वाळ (क) सं.—नौकर, सेवक।

ಹೊಱಸು ह़ोरिसु (क) क्रि.— लाद, लगा, आरोपण कर।

ಹೊಱು ह़ोरु (क) क्रि.—बोझा उठा, ढो; पहन, ओढ़; जिम्मेदारी ले।

ಹೊಱೆ ह़ोरे (क) सं.—बोझा, भारी पदार्थ, गट्ठा।

ಹೊರ್ತು ह़ोर्तु (क) अ.—दे. ಹೊಱತು.

ಹೊಲ ह़ोल (क) सं.— खेत, क्षेत्र।

ಹೊಲಗೆ ह़ोलगे, ಹೊಲಿಗೆ ह़ोलिगे (क) सं.—सिलाई।

ಹೊಲತಿ ह़ोलति (क) सं.—नीच जाति की स्त्री, हरिजन स्त्री।

ಹೊಲಬಿಗ ह़ोलबिग (क) सं.—चतुर मनुष्य।

ಹೊಲಬು ह़ोलबु (क) सं.—ढंग, रीति; परिस्थिति; उचित रीति।

ಹೊಲಸ ह़ोलस, ಹೊಲಸು ह़ोलसु (क) सं.—गंदगी, घिनौनी वस्तु।

ಹೊಲಿ ह़ोलि (क) क्रि.— सी, सिलाई (का काम) कर।

ಹೊಲಿಗೆ ह़ोलिगे (क) सं.—दे. ಹೊಲಗೆ.

ಹೊಲೆ ह़ोले (क) सं.—रज—; अशुद्धि, सूतक।

ಹೊಲೆಯ ह़ोलेय (क) सं.— चाण्डाल; हरिजन।

ಹೊಲ್ಲ ह़ोल्ल, (क) वि.— बुरा, अनुपयुक्त।

ಹೊಲ್ಲಮೆ ह़ोल्लमे, ಹೊಲ್ಲವೆ ह़ोल्लवे, ಹೊಲ್ಲಹ ह़ोल्लह, ಹೊಲ್ಲೆಹ ह़ोल्लेह, ಹೊಲ್ಲೆಹು ह़ोल्लेहु; (क) सं.—बुराई, अनुपयुक्तता, निंदा, गाली, मिथ्या अभियोग।

ಹೊಸ ह़ोस (क) वि.—नया, नवीन, ताज़ा।

ಹೊಸಬ ह़ोसब (क) सं.— नया आदमी; आगंतुक।

ಹೊಸಬಿಗ ह़ोसबिग (क) सं.— विचित्र मनुष्य।

ಹೊಸಿಗೆ ह़ोसिगे, ಹೊಸಗೆ, ह़ोसगे (क) सं.—सुहागरात।

ಹೊಸಿಲು ह़ोसिलु (क) सं.—ಹೊಸಲು ह़ोसलु — देहली, देहरी।

ಹೊಸೆ ह़ोसे (क) क्रि.— मथ, मल, रगड़ ऐंठ, मरोड़।

ಹೊಸ್ತಲ್ ह़ोस्तल्, ಹೊಸ್ತಲು ह़ोस्तलु, ಹೊಸ್ತಿಲ್ ह़ोस्तिल्, ಹೊಸ್ತಿಲು [illegible] (क) सं.—देहरी, देहली।

ಹೊಳಕು ह़ोळकु (क) क्रि.—प्रकट हो, [illegible] हो। सं.—कांति, चमक।

ಹೊಳಚು ह़ोळचु (क) क्रि.—कतर, छाँट।

ಹೊಳತ ह़ोळत, ಹೊಳವು ह़ोळवु (क) सं. चमक, कांति प्रकाश, शोभा, सुषमा।

ಹೊಳಸು ह़ोळसु (क) क्रि.— चमका, [illegible] कर; इधर-उधर हिला।

ಹೊಳಹು ह़ोळहु (क) सं.—चमक, सुषमा झूलन-खटिया, प्रेंख; वीणा का भाग

ಹೊಳೆ ह़ोळे (क) क्रि.—चमक, प्रकाशित हो

ಹೊಳ್ಳು ह़ोळ्ळु (क) वि.—व्यर्थ, थोथा। — लोट (ग्रा.)।

ಹೊಳ್ಳುಗ [illegible]ळ्ळुग, ಹೊಳ್ಳಗ ह़ोळ्ळगे (क) सं.—दुर्बल या कामजोर आदमी।

ಹೊಳ್ಳೆ ह़ोळ्ळे (क) सं.—नथुना।

ಹೊಳಲ್ ह़ोळल्, ಹೊಳಲು ह़ोळलु (क) सं.—नगर, शहर।

ಹೊಳೆ ह़ोळे, ಹೊಳೆ होळे (क) सं.— नदी।

ಹೋ हो (क) अ.— आश्चर्यसूचक अव्यय।

ಹೋಕ್ होक् (क) सं.—साधन, मार्ग, रास्ता।

ಹೋಗು होगु (क) क्रि.— जा, गमन कर ... ल, पाल जा; संभोग कर।

ಹೋಟಿ होटि (क) सं.—सादृश्य, समानता।

ಹೋಟೆ होटे (क) सं.—पेड़ का खोखला; खोखलापन।

ಹೋತ होत, ಹೋತು होतु (क) सं.—बकरा।

ಹೋತ್ರ होत्र (सम्) सं.— यज्ञ; भस्म; ...ाकल्य।

ಹೋಬಳಿ होबळि (क) सं.— ताल्लुका का एक भाग।

ಹೋಮ होम (सम्) सं – होम, हवन।

ಹೋರಿ होरि (क) सं.—बैल; भैंसा; बधिया किया हुआ बैल।

ಹೋರ್ होर, ಹೋರು होरु (क) क्रि.— युद्ध कर, संघर्ष कर, लड़। सं.—छेद, रंध्र, बिल।

ಹೋಱೆ होऱे, ಹೋಱೆವು होऱेवु, (क) सं.— काम, धंधा।

ಹೋಱೆಗ होऱेग (क) सं.—सेवक, नौकर।

ಹೋಲ್ होल्, ಹೋಲು होलु (क) क्रि.— समान हो, सदृश्य हो, तुल्य हो।

ಹೋಲಿಕೆ होलिके (क) सं.—साम्य, समानता।

ಹೋಲಿಸು होलिसु (क) क्रि.—तुलना कर, सादृश्य दिखा।

ಹೋಲು होलु (क) क्रि —दे. ಹೋಲ್.

ಹೋಲುವೆ होलुवे, ಹೋಲ್ವಿಕೆ होल्विके (क) सं.— दे. ಹೋಲಿಕೆ.

ಹೋಹು होहु (क) क्रि.—जाने की चाह कर, जाने में उत्साह दिखा।

ಹೋಳಿಕೆ होळिके, ಹೋಳಿಗೆ होळिगे (तद्) सं.—पोलिका (तत्); गेहूँ के आटे या सूजी से बनायी जानेवाली मिठाई विशेष।

ಹೋೞ್ होऴ्, [ಹೋೞು होऴु] (क) सं.— फाँक, टुकड़ा।

ಹೋೞಲ್ होऴल्, ಹೋೞಲು होऴलु (क) सं.—कोटर, पेड़ का खोखला; बिल।

ಹೋೞು होऴु (क) सं.—दे. ಹೋೞ್.

ಹೌದಾ हौदा (अ. दे.) सं.—हौदा।

ಹೌದು हौदु (क) अ. —हाँ, ठीक, सही।

ಹ್ಯಾಗೆ ह्यागे, ಹ್ಯಾಂಗೆ ह्यांगे; (क) अ.— कैसे, किस प्रकार (व्या. भा.)।

ಹ್ರದ ह्रद (सम्) सं.—गहरी झील; बड़ा सरोवर।

ಹ್ರದಿನೀ ह्रदिनी (सम्) सं. —बिजली; नदी, सरिता।

ಹ್ರಸ್ವ ह्रस्व (सम्) वि —छोटा, कम, थोड़ा। सं.—ह्रस्व स्वर।

ಹ್ರಾಸ ह्रास (सम्) सं.— शब्द, शोर-गुल, क्षीणता, नाश, छोटापन।

ಹ್ಲಾದ ह्लाद (सम्) सं.— आह्लाद, प्रसन्नता, हर्ष, आनंद।

ಹ್ಲಾದನಿ ह्लादिनि (सम्) सं.—इंद्र का वज्र; बिजली; शल्लकी वृक्ष।

ಳ ळ

ಳ ळ—कन्नड = वर्णमाला का ४९ वाँ अक्षर।

ಳೊಳ ळोळ (क) सं.—नारियल को हिलाने से उसके अंदर के पानी से निकलनेवाली ध्वनि।

ೞ ऴ

ೞ ऴ—कन्नड = वर्णमाला का ५० वाँ अक्षर।

समाप्त

कतिपय मुहावरे

ಅಚ್ಚರಿಪಡುವುದು अचरिपड्डुवुदु, ಅಚ್ಚರಿಬಡುವುದು अचचरिबड्डुवुदु, ಅಚ್ಚರಿವಡುವುದು अच्चरिवड्डुवुदु—आश्चर्य चकित होना, ताज्जुब करना।

ಅಚ್ಚಳಿಸುವುದು अच्चळिसुवुदु, ಅಚ್ಚುಳಿಸುವುದು अच्चळिसुवुदु—नाश करना, बरबाद करना।

ಅಚ್ಚಿಗೊಳಿಸುವುದು अच्चिगोळिसुवुदु—प्रकाशित होना, चमकना, सुंदर लगना।

ಅಡವಿಪಾಲಾಗುವುದು अडविपालागुवुदु—अनाथ होना, असहाय होना, दिशाभ्रष्ट होना; विनष्ट होना।

ಅಡವಿ ಬೀಳುವುದು अडवि बीळुवुदु—बरबाद होना, बेकार होना, व्यर्थ होना।

ಅಡ್ಡ ಬೀಳುವುದು अड्डबीळुवुदु—बीच में पड़ना, विघ्न होना, रुकावट बनना; नमस्कार करना, प्रणाम करना।

ಅಡ್ಡಮೋರೆ ಹಾಕುವುದು अड्डमोरे हाकुवुदु—असंतोष प्रकट करना, मुँह मोड़ना।

ಅಡ್ಡವಿಡುವುದು अड्डविड्डुवुदु—बाधा उपस्थित करना; विरोध करना।

ಅಡ್ಡಹಾಕುವುದು अड्डहाकुवुदु — सामने रखना; क्षमा माँगना, माफ़ी माँगना।

ಅಡ್ಡಹಾಯುವುದು अड्डहायुवुदु — पार करना, दूसरी ओर चले जाना।

ಅಡ್ಡಾಡುವುದು अड्डाडुवुदु—टहलना, इधर-उधर चलना।

ಅಡ್ಡೆಸಗುವುದು अड्डेसगुवुदु — विरुद्ध प्रयत्न करना, शत्रुता करना।

ಅಡ್ಡೋಡುವುದು अड्डोडुवुदु — टेढ़ी चाल या वक्रगति से भागना।

ಅಡ್ಡಿತಕ್ಕೊಳ್ಳುವುದು अड्डितकोळ्ळुवुदु—हिचकिचाना।

ಅಡ್ಡಿಮಾಡುವುದು अड्डिमाडुवुदु — विघ्न उत्पन्न करना, बाधा डालना।

ಅಡ್ಡಿಯಾಗುವುದು अड्डियागुवुदु—बाधा बनना, विघ्न उत्पन्न होना।

ಅಣಗಿಸುವುದು अणगिसुवुदु — परिहास करना, मज़ाक उड़ाना, उपहास करना, ताना मारना।

ಅಣಿಗೊಳಿಸುವುದು अणिगोळिसुवुदु — तैयार करना, उत्साहित करना, भड़काना।

ಅಣಿಮಾಡುವುದು अणिमाडुवुदु—तैयारी करना, व्यवस्था या प्रबंध करना।

ಅಣಿಯಾಗುವುದು अणियागुवुदु—तैयार होना, कटिबद्ध होना।

ಅನುಕರಿಸುವುದು अनुकरिसुवुदु — अनुकरण करना, नकल करना; मानना, स्वीकार करना।

ಅನುವಾಗುವುದು अनुवागुवुदु — तैयार होना, कटिबद्ध होना।

ಅವುಡುಕಚ್ಚುವುದು अवुडुकच्चुवुदु — नाराज़ होना, क्रुद्ध होना, होंठ काटना।

ಅಸುಕುಡಿಯುವುದು असुकुडियुवुदु, ಅಸುಂಗೊಳ್ಳುವುದು असुंगोळ्ळुवुदु ಅಸುಗೊಳ್ಳುವುದು असुगोळ्ळुवुदु — प्राण लेना, वध करना, जान लेना; तंग करना।

ಅಸುಲಭವಾಗುವುದು असुलभवागुवुदु — बाल-बाल बचना।

ಅಳ್ಳೆವಿಳ್ಳೆಯಾಗುವುದು अळ्ळेविळ्ळेयागुवुदु — थक जाना, श्रांत होना।

ಇಂಗು ಹಚ್ಚುವುದು इंगु हच्चुवुदु—धोखा देना, आँखों में धूल झोंकना।

ಇದಿರಯ್ಯುವುದು इदिरय्युवुदु — स्वागत करना, मिलने के लिए सामने जाना।

ಇದಿರಾಗುವುದು इदिरागुवुदु — सामना करना; सामने जाना (मैत्री भाव से, शत्रुता से)।

ಇದಿರಿಕ್ಕುವುದು इदिरिक्कुवुदु, ಇದಿರಿಡುವುದು इदिरिडुवुदु — विरोध करना, अस्वीकार करना।

ಇದಿರು ನೋಡುವುದು इदिरु नोडुवुदु—प्रतीक्षा करना, इंतज़ार करना।

ಇದಿರು ವಾದಿಸುವುದು इदिरु वादिसुवुदु — मुँहज़ोरी करना, अविनय प्रकट करना।

ಉತ್ತರ ಕೊಡುವುದು उत्तर कोडुवुदु —जवाब देना, उत्तर देना, बड़ों के सामने मुँहजोरी कर अविनय प्रकट करना।

ಉಪ್ಪಿಡುವುದು उप्पिडिवुदु — (नमक देना), खाना खिलाना; पोषण करना।

ಉಪ್ಪುಕಾರ ಹಚ್ಚುವುದು उप्पुकार हच्चुवुदु — नमक-मिर्च मिलाना (किसी बात का नमक-मिर्च मिलाकर वर्णन करना)।

ಉಪ್ಪುಣ್ಣುವುದು उप्पुण्णुवुदु—किसी के अधीन में रहकर काम करना या सेवा करना।

ಉಪ್ಪುತಿಂದವರ ಮನೆಗೆ ಎರಡು ಬಗೆಯುವುದು उप्पुतिंदवर मनेगे एरडु बगेयुवुदु — उपकार का विस्मरण करना, कृतघ्न होना।

ಉರ್ಕುಡುಗುವುದು उर्कुडुगुवुदु—हिम्मत हारना, साहस खोना।

ಊಟ ಹೊಡೆಯುವುದು ऊट होडेयुवुदु—खूब खाना खाना।

ಎಣ್ಣೆ ಹಾಕುವುದು एण्णे हाकुवुदु— (तेल डालना), किसी के काम को खराब करना, हानि पहुँचाना।

ಎದುರಿಸುವುದು एदुरिसुवुदु—सामना करना।

ಎದರುಬೀಳುವುದು एदुरुबीळुवुदु—विद्रोह करना, विरोध में काम करना।

ಎದರು ನೋಡುವುದು एदुरु नोडुवुदु = ಇದಿರು ನೋಡುವುದು, ಎದರುವಾದಿಸುವುದು एदुरुवादिसुवुदु. ಎದುರುತ್ತರ ಕೊಡುವುದು एदुरुत्तर कोडुवुदु = ಉತ್ತರ ಕೊಡುವುದು

ಎದೆ ಅದರುವುದು एदे अदुरुवुदु — दिल में धड़कन होना।

ಎದೆ ಈವುದು एदे ईवुदु—हिम्मत दिखाना, साहस करना।

ಎದೆ ಒಡೆವುದು एदे ओडेवुदु —दिल टूटना, हृदय टुकड़े-टुकड़े हो जाना, हिम्मत हारना, अनुत्साहित होना।

ಎದೆ ಕವಡುವುದು एदेकदडुवुदु--दिल में धड़कन होना।

ಎದೆ ಕಂದುವುದು एदे कंदुवुदु—हिम्मत हारना।

ಎದೆ ಕರಗುವುದು एदे करगुवुदु — दिल पसीज जाना, हृदय पिघल जाना।

ಎದೆ ಕೊಡುವುದು एदे कोडुवुदु = ಎದೆ ಈವುದು.

ಎದೆಗೆಡಿಸುವುದು एदे गेडिसुवुदु—दिल दुखाना, तंग करना।

ಎದೆ ಮುರಿವುದು एदे मुरिवुदु—अत्यधिक परिश्रम करना।

ಎದೆ ಹಣ್ಣಾಗುವುದು एदे हण्णागुवुदु—हृदय में भावशून्य होना।

ಎದೆ ಹಾರುವುದು एदे हारुवुदु— (डर के कारण) दिल का धड़कना।

ಎರಿ ಹೋಗುವುದು एरि होगुवुदु—टूट पड़ना।

ಏರಿಕಟ್ಟುವುದು एरकट्टुवदु, ಏರಿಗಟ್ಟುವುದು एरगट्टुवुदु — ऊपर बांधकर लटका देना; दंड देना।

ಏರಿದೆಗೆವುದು एरेदेगुवुदु—फूल जाना।

ಒಳಕೆಯ್ಯುವುದು ओळकैय्युवुदु, ಒಳಗೆಯ್ಯುವುದು ओळगैय्युवुदु—करना; रखना; अंदर लेना।

ಒಳಸಂಚು ಮಾಡುವುದು ओळसंचु माडुवुदु — षड्यंत्र करना।

ಕಂತೆ ಬಿಸಾಡುವುದು कंते बिसाडुवुदु—चल बसना मर जाना।

ಕಂಬಿ ಕೀಳುವುದು कंबि कीळुवुदु—भाग जाना, चंपत होना।

ಕಂಬಿಡುವುದು कंबिडुवुदु—नमस्कार करना, नत होना।

ಕಡೆಗಾಲ ಬರುವುದು कड़ेगाल बरुवुदु —अंतिम समय आना, मृत्यु का समय समीप होना।

ಕಡೆಗೆ ಬೀಳುವುದು कड़ेगे बीळुवुदु — (आखिरी होना), बेकार होना।

ಕಡೆಹಾಯಿಸುವುದು कड़ेहायिसुवुदु--पार करना, बचाना, रक्षा करना।

ಕಡ್ಡಮಾಡುವುದು कड्डमाड्डुवुदु — (किसी को) खराब करना या हानि पहुँचाना।

ಕಲ್ಲು ಹಾಕುವುದು कल्लु हाकुवुदु –दूसरे के काम को खराव करना या उसमें अड़चन डालना।

ಕಾಲಾಡುವುದು कालाडुवुदु—घूमना; सैर करना।

ಕಾಲಿಗೆ ಬೀಳುವುದು कालिगे बीळुवुदु, ಕಾಲು ಬೀಳುವುದು कालु बीळुवुदु—पैरों में पड़ना; गिड़गिड़ाना, याचना करना।

ಕಾಲು ಕಟ್ಟುವುದು कालु कट्टुवुदु—दूसरे के पैरों में पड़ना; शादी या विवाह करना।

ಕಾಲು ಮೂಡುವುದು कालु मूडुवुदु — आरंभ करना, श्रीगणेश करना।

ಕಾಲುಮೆಟ್ಟುವುದು कालुमेट्टुवुदु—झगड़ने केलिए तयार होना, कलह करना।

ಕಾಲ್ತೆಗೆವುದು काल्तेगेवुदु, ಕಾಲು ತೆಗೆವುದು कालु तेगेवुदु—भाग जाना; चंपत होना, नौ-दो ग्यारह होना।

ಕಿಸುಗಣ್ಣುವುದು किसुगण्णुवुदु — आँखें लाल करना, क्रुद्ध होना।

ಕೀಳ್ಪಡಿಸುವುದು कीळ्पडिसुवुदु—नीचा दिखाना।

ಕೀರುವುದು कीरुवुदु — (जोर से गरजना), लाल पीला होना।

ಕೆಯ್ ಕಟ್ಟುವುದು केय् कट्टुवुदु — ग़रीब होना। विनीत होना।

ಕೆಯ್ ಕಾಲ್ ಕಟ್ಟಿಕೊಳ್ಳುವುದು कैय् काल् कट्टिकोळ्ळुवुदु—दीनता से याचना करना, गिड़गिड़ाना।

ಕೆಯ್ ಕಾಲು ಕೆಡುವುದು क़ेय् कालु क़ेडुवुदु—किंकर्तव्यविमूढ होना।

ಕೆಯ್ ಕಾಲ್ ಬೀಳುವುದು क़ेय् काल् बीळुवुदु—पैरों में पड़ना, दीनता से याचना करना।

ಕೆಯ್ ಕಾಲು ಪಡೆಯುವುದು क़ेयकालु पड़ेयुवुदु जान में जान आना; धीरज होना।

ಕೆಯ್ ಕೊಳ್ಳುವುದು कैक़ोळ्ळुवुदु–प्रारंभ करना, हाथ में लेना।

ಕೆಯ್ಗೆಡುವುದು क़ेय् गेडुवुदु — अपने अधिकार को खोना; हार जाना।

ಕೆಯ್ ಜೋಡಿಸುವುದು क़ैय् जोडिसुवुदु—हाथ जोड़, प्रार्थना कर।

ಕೆಯ್ ಬಿಡುವುದು क़ेय् बिडुवुदु — (बीच में) सहायता न देना, मदद न करना।

ಕೆಯ್ಯೊಡ್ಡುವುದು क़ेय्योड्डुवुदु — हाथ फैलाना, मांगना।

ಕೆಯ್ ಹಾಕುವುದು क़ेय् हाकुवुदु—किसी काम, में हाथ लगाना।

ಗಂಟುಬೀಳುವುದು गंटुबीळुवुदु—उलझन होना, उलझ जाना; पीछे पड़ना।

ಗಂಟುಮೂಟೆ ಕಟ್ಟುವುದು गंटुमूटे कट्टुवुदु—बिस्तर गोल करना, जाने के लिए तैयार होना।

ಗೀಳುಮಾಡುವುದು गीळुमाडुवुदु = ಕೀಳು ಮಾಡುವುದು कीळुमडुवुदु—नीचा दिखाना, अपमान करना।

ಗುಂಡಾಂತರ ಮಾಡುವುದು गुंडांतर माडुवु-— नींव डालना।

ಗುಂಡು ಹಾರಿಸುವುದು गुंडु हारिसुवुदु—गोली मारना।

ಗೋತಾ ಹಾಕುವುದು गोता हाकुवुदु — चल बसना, मर जाना।

ಚಲ (ಛಲ) ಸಾಧಿಸುವುದು चल (छल) साधिसुवुदु— बदला लेना।

ಛಲ ಹಿಡಿಯುವುದು छल हिडियुवुदु—छलपूर्वक बात करना, धोखा देना।

ಜಂಬ ಕೊಚ್ಚುಕೊಳ್ಳುವುದು जंब क़ोच्चुकोळ्ळुवुदु डींग हांकना, घमंड करना।

ಜಗಳ ತೆಗೆಯುವುದು जगळ तेगेयुवुदु—झगड़ा, मोल लेना।

ಜಗಳ ಹಚ್ಚುವುದು जगळ हच्चुवुदु—फूट पैदा करना।

ಜೀವ ಈವುದು जीव ईवुदु—जान देना।

ಜೀವ ಎತ್ತುವುದು जीव एत्तुवुदु—जान की रक्षा करना।

ಜೀವ ಕೊಡುವುದು जीव क़ोडुवुदु—जान देना।

ಜೀವ ಹಿಡಿಯುವುದು जीव हिडियुवुदु—जीवत रहना, किसी के जीवन की रक्षा करना।

ಟೊಂಕ ಕಟ್ಟುವುದು टोंक कट्टुवुदु—कमर कसना।

ಟೋಪಿ ಹಾಕುವುದು टोपि हाकुवुदु —धोखा देना; आँखों में धूल झोंकना।

ಡೌಲು ಕೊಚ್ಚುವುದು डौलु क़ोच्चुवुदु—डींग हांकना।

ತಲೆ ಕೊಡುವುದು तल़े क़ोडुवुदु—सिर देना, प्राणों को त्यागना।

ತಲೆ ತೂಗಿಸುವುದು तल़े तूगिसुवुदु — सिर हिलाना, स्वीकार करना।

ತಲೆ ಮಾಡುವುದು तल़े माडुवुदु — युद्ध में सहायता देना; सिर मुड़ाना; हज़ामत करना।

ತಲೆ ಬಾಗಿಸುವುದು तल़े बागिसुवुदु — सिर नवाना, नमस्कार करना।

ತಲೆ ಹೊಡುಕೊಳ್ಳುವುದು तल़े ह़ोडुकोळ्ळुवुदु— सिर धुनना।

ದಂಗೆ ಏಳುವುದು दंगे एळुवुदु - दंगा करना, विद्रोह करना।

ದಬಾಯಿಸುವುದು दबायिसुवुदु — आड़े हा[illegible] लेना।

ದಾರಿ ಕಟ್ಟುವುದು दारि कट्टुवुदु — रा[illegible] अटकाना।

ದಿಕ್ಕುಗೆಡುವುದು दिक्कुगेडुवुदु— कर्तव्यविमू[illegible] होना।

ದ್ರವಿಸುವುದು द्रविसुवुदु—हृदय पिघल जाना।

ನಡುಕಟ್ಟುವುದು नडुकट्टुवुदु — कमर कसना।

ನಂಗನಾಮ ಹಾಕುವುದು पंगनाम हाकुवुदु धोखा देना।

ಪತ್ತೆ ಹಚ್ಚುವುದು पत्ते हच्चुवुदु—पता लगाना

ಬೇನೆ ತಗಲುವುದು बेऩे तगलुवुदु—बीमार [illegible]

ಮೂಲೆಗೆ ಬೀಳುವುದು मूल़ेगे बीळुवुदु — [illegible] योगी होना।

ಮೂಲೆಗೆ ಹಾಕುವುದು मूल़ेगे हाकुवुदु—नि[illegible] योगी होने के कारण फेंकना।

ಮೇಲೆ ಬೀಳುವುದು मेले बीळुवुदु—टूट पड़ना

ಸೊಪ್ಪು ಹಾಕುವುದು सोप्पु हाकुवुदु — [illegible] करना, ध्यान देना।

ಹುಡುಗಾಟ ಆಡುವುದು हुडुगाट आडुवुदु खिलावाड करना, लड़कों की-सी रखना।

ಹೊಟ್ಟೆ ಹೊಡೆಯುವುದು ह़ोट्टे ह़ोड़ेयुवुदु दूसरों की आजीविका या कमाई में डालना।